
Printed & Published by the Hon. Secretary, at
Shri Sukhadeo Sahai Jain Printing Press
Krisnapura, Pirgalli, Indore.

London Agents

PROBSTHAIN & CO.

Oriental Booksellers

41 Great Russell Street, London, W C I.

॥ श्रीः ॥

नमोऽस्तु महावीराय =

सचित्र

अर्द्ध-मागधी कोष.

सम्पादक

पूज्यपाद श्री गुलाबचन्द्रजी स्वामी के शिष्य

शतावधानी जैन मुनि श्री रत्नचन्द्रजी महाराज

(लीम्बडी सम्प्रदाय)

भाग २.

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फरन्स की तरफ से

प्रकाशक

सरदारमल भंडारी.

राजावाड़ा चौक, इन्दौर.

सर्व अधिकार स्वाधीन

श्री सुखदेहसहाय जैन प्रिन्टिङ्ग प्रेस, किसनपुरा, पीरगली, इन्दौर
में
श्री० प्रकाशक व सेक्रेटरी द्वारा मुद्रित.



Kesarichand Bhandari,

The late Publisher of the Illustrated Ardha-Magadhi Dictionary

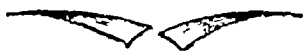
Birth.- Dt 24-8-1871

Death.- Dt. 27-2-1926

जन्म:-अ. भाद्रपद शु. ९ सं १९२८.

मृत्यु:-फाल्गुन शु. ५ सं. १९८१

Publisher's Note.



A number of unforeseen circumstances having arisen since the publication of the first volume of the *Ardha-Māgadhi Dictionary* the work of carrying the volume that is now offered to the subscribers, through the press was seriously hampered. Not the least among these unexpected obstacles was the sad death of my father who though disabled from actively working long ago, continued to encourage and advise me in my efforts to render the *Dictionary* as complete and useful as possible.

Another serious difficulty that arose was in connection with the translation work. Mr. P. N. Kachhi, B. A., who had finished more than half of the words, was unable to carry on the remaining work of translation from Gujarati into English, on account of his sudden deputation from the M. S. High School to the Holkar College as Assistant Professor of English. Another competent hand it was very difficult to find and indeed it took a long time to find out one. I am glad, however to be able to see that Mr. C. P. Brahmo, M. A., L. L. B., on whom the choice at last fell has thoroughly satisfied me both by the quality of his work and the dispatch with which he has done it.

I have now every hope that I shall be able to offer to the public the remaining volumes in the course of not more than two years.

I shall be glad to receive opinions of subscribers and the scholars in connection with the second volume and if there are practical suggestions I shall do my best to utilise them in making the *Ardha-Māgadhi Dictionary* still more useful & practical.

Rajwada Chowk,
Indore,
Dt. 1st April 1927

Yours truly,
S. K. Bhandari,
(Hon. Publisher)

चित्र सूचि.

— ०: —

नाम	पृष्ठ संख्या.
१ आचलिकाबंध विमान	६६
२ आसन	१०४
३ उर्ध्वलोक	२०१
४ उपशमश्रेणी	२६५
५ कनकावली	३०५
६ कृष्णराज्जी	३६६
७ कालचक्र	४६१
८ क्षपकश्रेणी	५५८
९ घनरज्जु	६६०
१० घनोदधि	६६२
११ चउदह रत्न	६७८
१२ चंद्रमण्डल	६८५
१३ चंद्रसूर्यमालिका	६९०
१४ जंबुद्वीप	७७३
१५ नक्षत्र	८०५
१६ नक्षत्रमण्डल	८०५



ॐ नमोऽस्तु महावीराय. ॐ

* सचित्र *

॥ अर्द्धमागधी-कोष ॥

आ.

[आइ

१ अ० (आ) भर्था, ७६, सीमा सीमा, मर्यादा Limit "आमरखत" परह० २, २, क० गं० २, २०, क० प० १, ६४, पन्न० ३६, (२) वाक्यालंकार वाक्यालंकार an expletive नाया० २, (३) सन्मुख. सन्मुख, सामने in front of राय० (४) थोड़ा, छिन्ना, लडाक योड़ा, ईषत्, कम a little पन्न० २३,

आअ पु० (आय) लाभ, प्राप्ति लाभ, प्राप्ति Gain, acquisition (२) जेनाथी ज्ञान आदिनी प्राप्ति थाय ते, अध्ययन, प्रकरण जिससे ज्ञान आदि की प्राप्ति हो वह, अध्ययन, प्रकरण means of gaining knowledge etc, chapter, section विशेष० ६६१, १२२८, क० ग० १, २३,.

१ अ० धा० I (आनइरण) आवतु To come

एइ-नि विशेष० ४३१, दसा० ७, १, पि० नि० २०८, प्रव० ६०६,

एति विशेष० १६८६,

एउ आ० विशेष० १३६,

एहि आ० विवा० १, नाया० २, ६, भग० १५, १, दस० ७, ४७,

एह. सु० च० २, १६४, उवा० १, ८१,

एही भ० सु० च० १, २८३,

एस्सति स्य० १, १, १, २७,

एउ स० कृ० उत्त० ४, १०,

एत्तए हे० कृ० वेय० १, ४६, दसा० ७, १;

वव० ६, १,

एज्जंन व० कृ० उत्त० १२, ४, उवा० ७, २१५,

एज्जमाण व० कृ० भग० ५, ८, १२, १, १५,

१, नाया० १, २, ३, ८, ५, ८,

१४, १६, अत० ६, ३, विवा० १,

आइ पु० (आदि) आदि, प्रथम, शरूआत

आदि, प्रथम, प्रारंभ Beginning क०

ग० १, १५ २१, २८, ओव० २७, अणुजो०

१२८, नाया० १, ५, ७, १०, १८, भग० २,

१, ४, १, ४०, १, पन्न० ११, ज० प० २,

१६, (२) नाभीनी नीचेनी भाग नाभी के

नीचे का भाग-हिस्सा the part below

the navel ठा० ६, (३) छत्यादि, वगेरे;

वगैरा वगैरह, इत्यादि et cetera भग०

६, ७, नाया० १४, १५, १६, दस० ७, ७;

(४) ससार ससार the world;

worldly existence स्य० १, ७, २२,

—अए पु० (अए) (आदि पन्नासत मुत

आइअंनियमरण न० (आत्यन्तिकमरण)
 हेह अने एव अत्यंत जुफा पडे ते, मृत्यु
 जांच और शरीर का सर्वथा पृथक होना, मृत्यु.
 Death, total separation of soul
 from body भग० १२, ६, प्रव० १०२३
 आइं अ० (आइ) वाड्यालकार वाक्यालकार.
 An expletive भग० १५, १,
 आइंग्निणी खी० (आ चक्षणा) उर्ध्व पिशा-

a solar month, i.e. 30½ days सम० ३१ प्र० व० ६०४, —मास पुं० (—मास) सूर्य मास, ३०॥ दिवसने मास. सौरमास, ३०॥ दिन का माह. a solar month, a month of 30½ days प्रव० ६०४, —संवत्सर. पुं० (संवत्सर) सूर्य पहुँचेथी छेवे भाउले ७४ धरी पहुँचे भाउले आवे त्या सुधीने समय, तलुसो छसह दिवस प्रमाण सौर वर्ष सूर्य के पहिले मंडल से अन्तिम मण्डल में जाने और वहा से लौट कर फिर पहिले मंडल में आने तक जितना समय लगे उतना समय, तीनसा छसठ दिने प्रमाण वर्ष the solar year, an year consisting of 366 days, the time taken by the apparent revolution of the sun round the earth जं० प० सू० प० २,

आइच्चजस. पुं० (आदित्ययशम्) भरत चक्रवर्तीने आदित्ययशा नामे पुत्र, डे ले राज्य भोगरी अने दीक्षा लभ सहेल कर्म क्षय धरी भोक्ष गया भरत चक्रवर्ती का आदित्ययशा नामक पुत्र, जिमने राज्य भोगकर अंत में दीक्षा ली और कर्म क्षयकर मोक्ष में गया Adityayaśa, the son of the emperor Bharata, he ruled for some time but at last took Diksā and after having destroyed all Karmas attained to salvation ठा० ८, १,

आइच्चा स्त्री० (आदित्या) सूर्यनी श्रीश अथ मछिणी सूर्य का दूसरी पट्टरानी The second principal queen of the sun भग० १० ५,

आइज त्रि० (आदेय) ग्रहणु द्वारा योग्य

ग्रहण करने योग्य. Worth being accepted or taken. नाया० १२; जं० प० काप० ३, ३६, क० गं० १, २६, ५१; २, २३, ६, ७१, (२) जेतुं वयन ग्राह्य—ग्रहणु द्वारा योग्य होय ते वह व्याक्ति, जिस का वचन ग्राह्य हो. (one) whose words are worthy of acceptance. गच्छा० ६४,

आइट्ट न० (आदिष्ट) प्रेरणा द्वारा, आदेश द्वारा ते प्रेरणा करना, आदेश करना Instruction, suggestion सू० १, ४, १, १६, विशेष० ४८६;

आइट्ट त्रि० (आविष्ट) आवेशवाले आवेश वाला. Possessed by, inspired by. 'जक्खा एसेणी आइट्टे समारणी' भग० १८, ७, ठा० ५, दसा० ६, १५, ओघ० नि० ४६७;

आइट्टि स्त्री० (आदिष्टि) धारणा. धारणा; विचार Intention, idea; fixed thought ठा० ७,

आइइडि स्त्री० (आत्मर्द्धि) आत्मशक्ति, आत्मशक्ति आत्मा की शक्ति Soul-force; soul-growth, soul-power. भग० १, ३, ३, ५; २०, १०,

आइइडिय त्रि० (आत्मर्द्धिक—आत्मन एव ऋद्धिर्यस्य) आत्मशक्ति वाली, आत्मशक्ति—शक्ति वाली, आत्मशक्ति वाला; आत्मशक्तिवाला. Possessed of soul-power or soul-wealth. "आइइडि एण भते ! देवे जाव चतारी पच देवावासं तराई" भग० १०, १;

आइण. न० (आजिन) चर्म, आभूष. चमड़ा. Skin, leather राय० ६७, निमो० १७, १२, क० ग० १, २६ —पाचार. न० (—पाचार) चर्मवस्त्र. आभूषणा ५५५

चमड़े का वस्त्र a skin or leather garment निसी० ७, ११,

आइरण त्रि० (आर्चार्ण) आता इरेक्ष आज्ञा पाया हुआ Advised, commanded “आइरण ज पुण अणुरणाय” आया० नि० १, १, १, ७,

आइरण त्रि० (आर्कीर्ण) व्याप्त, सडीर्ण, ओओ ओीय अरेक्ष खचाखच भरा हुआ Perwaded by, thickly scattered over with ओव० ओघ० नि० ८३, नाया० ६, भग० १, १ २, ५, ३, १, ५, (२) त्रि० गति आर्त्थी शुद्ध शुल्वान धोडे जाति आदि से शुद्ध गुणवान घोडा a horse of good breed “कसवट्टठु माइरणे पावग पडिवजण” उक्त० १, १२, पण्ह० १, ४, जीवा० ३, ४, “आइरण वरतुरय सुसपउत्ते” भग० ७, ८, नाया० १७, (३) विनयवान पु३य विनयवान पुरुष a reverent, respectful person ठा० ४, १, (४) आर्त्तर्ण गति ना धे डानी इष्टतवानु जातामृत्रनु १७ मुं अध्ययन आकार्ण जाति के घोडे का जिसमे वर्णन है वह ज्ञाता मृत्र का १७ वा अध्याय the 17th chapter of Jñātā Sūtra dealing with a horse of Ākīrna breed नाया० १, सम० १६,—साय उक्तयण न० (ज्ञाताध्ययन) ज्ञातामृत्रनु १७ मुं अध्ययन ज्ञाता सूत्र का १७ वा अध्याय the 17th chapter of Jñātā Sūtra सम० नाया० १७, —हय पु० (—हय) अतवान धोडे जातिवान घोडा a horse of noble breed जीवा० ३,

आइरणतर त्रि० (आर्कीर्णतर) वधारे व्याप्त, अति ओओ ओीय बहुत उपादह

व्याप्त Densely or thickly pervaded by; dense, thick भग० १३, ४,

आइतव्व त्रि० (आइतव्व) अणु उरेक्ष ओओ ग्रहण करने योग्य, Worthy of acceptance, worth being taken वेय० ४, २५,

आइत्त त्रि० (आदीप्त) ओओ प्रकाशित, कुञ्ज प्रकाशित Faintly gleaming. नाया० १,

आइत्तार त्रि० (आइत्तार) लेता लेने वाला. Acceptor, one who takes ठा० ७,

आइद्ध त्रि० (आदिग्ध) व्याप्त व्याप्त, भरा हुआ Perwaded by, filled with. नाया० १,

आइन् त्रि (आर्कीर्ण) ओओ “आइरण” शब्द देखा “आइरण” शब्द Vide “आइरण” उक्त० १, १२, २१ १ पण्ह० १, ४, जीवा० १, नदी० ठा० ४ ३

आइन् त्रि० (आर्कीर्ण) आत्यरेक्ष व्यवहार मे लाया हुआ Practised performed पि० नि० ३०६, ५७१, प्रव० १०१६,

आइम त्रि० (आदिम) प्रथमनु; पहिले पहिले का, पहिला First, foremost आघ० नि० ६६०, क० ग० ३, १६, प्रव० ४, ६५६,—गणधर पु० (—गणधर) प्रथम गणधर प्रथम गणधर. the first Ganadhara प्रव० ६५६;

आइमय त्रि० (आदिमय) पहिले, प्रथमनु, पहिला, प्रथम First, foremost दिग० १०४०,

आइय त्रि० (आदिक) आदि अदि, शुरू. Beginning, first of a series नाया० १, कप० ४, ६१—८६,

आइय त्रि० (आदृत) आदर, प मेक्ष आदर
पाया हुआ Honoured, respected
पञ्च० १७

आइय त्रि० (आधित) व्याप्त व्याप्त
Filled with नाया० ८,

आइयण न० (आवात) ग्रहण करने
ग्रहण करना Taking, acceptance
परह० १, ३

आइयञ्च त्रि० (आदातव्य) स्वीकृत्य योग्य
स्वीकार करन योग्य Worthy of accep-
tance वच० ६ ४१;

आइल्ल त्रि० (आदिम) पहले, आदि, प्रथम
भन पहिना शुरुका First, foremost
पञ्च० ५, १७, राय० २३६, नंदी० ५६,
प्रव० २२२, अणुजो १ —चंद्र पु०
(-चन्द्र) उत्तरे उत्तर द्वीपनी अपेक्षाये
पूर्व पूर्व द्वीपनी चन्द्र उत्तरात्तर द्वीप की
अगला पूर्वा पूर्वा द्वीप का चंद्र the moon
of the preceding continent in a
series of continents ' आइल्लचंद्र
सहिता अणतराणनर मेत्ते ' म० प० १०,
—सूर. पु० (-सूर) उत्तरे उत्तर द्वीपनी
अपेक्षाये पूर्व पूर्व द्वीपनी सूर्य उत्तरात्तर
द्वीप का अपेक्षा ये पूर्व पूर्व दिशा के सूर्य
the sun of each preceding
continent in a series of
continents म० प० १६,

आईण न० (आजीन) अत्यन्त गरीब
बहुत गरीब (one) who is very
poor मय० १, १०, ६, — भोइ
त्रि० (-भोजिन्) इंडी दीधेसो भोजन
भानार फेका हुआ भोजन खाने वाला.
(One) who eats food thrown
away (by others) “ आदीण-
भोइ वि करेति पाव मनाउ एगत समा-

हिमाहु ' सय० १, १०, ६; —वित्ति
पु० (-वृत्ति आ रामन्तादीना करुणास्पदा
वृत्तिरनुष्ठान यस्य) अत्यन्त दीन भिक्षु
भागलु वगेरे अत्यन्त दीन भिखारी (one)
who is indigent. e g a beggar.
“ आदाण वित्तिवि करेति पाव ' सय० १,
१०, ६,

आईणग न० (आजिनक) यर्मभय-आमजानु
वस्त्र विशेष देवे इभावीने अति सुढावु
इरेक्ष डेय छे चमडं का वस्त्र विशेष जो कि
कमाकर बहुत नरम किया हुआ हो
A garment of cured or tanned
leather “आईणग सूर्य वृणवरीयतूल
फासे ” सू० प० २०, काप० ३, ३०, ओव०
आया० २, ५, १, १४५, नाया० १, जावा०
३; भग० ११, ११, (०) पु० अनामने अडे
द्वीप तथा अडे समुद्र एक द्वीप और एक
समुद्र का नाम an ocean of that
name, also a continent of the
name जावा० ३,

आईणमद्. पु० (आजिनमद्र) आग्नि
द्वीपनी अधिपति देवता आजिन द्वीप का
अधिपति देव The presiding deity
of the Ājina-Dvīpa जावा० ३;

आईणमदामद् पु० (आजिनमहामद्र)
आग्नि द्वीपनी अधिपति देवता आजिन
द्वीप का अधिपति देव. The presid-
ing deity of the Ājina Dvīpa.
जावा० ३,

आईणमहावर पु० (आजिनमहावर)
आग्नि समुद्र तथा आग्निवर समुद्रनी
अधिपति देवता आजिन और अजिनवर समुद्र
का अधिपति देव The presiding
deity of the Ājina and Ājina-
vara oceans. जावा० ३;

आर्हणवर. पु० (आजिनवर) ओ नामने
ओ३ द्वीप तथा ओ३ समुद्र इस नाम का एक
द्वीप तथा समुद्र An ocean as well as
a continent of that name (२)
आजिन समुद्रने तथा आञ्जनवर समुद्रने
अधिपति देवता आजिन और आजिनवर
समुद्र का अधिपति देव. The presiding
deity of the oceans named
Ājina and Ājinavara जीवा० ३.

आर्हणवरभद्र पु० (आजिनवरभद्र) आ-
जिनवर द्वीपने अधिपति देवता. आजिनवर
द्वीप का अधिपति देव The presiding
deity of Ājinavara Dvīpa
जीवा० ३,

आर्हणवरमहाभद्र पु० (आजिनवरमहाभद्र)
आजिनवर द्वीपने अधिपति देवता
आजिनवर द्वीप का अधिपति देव. The
presiding deity of Ājinavara
Dvīpa. जीवा० ३,

आर्हणवरोभास पु० (आजिनवरावभास)
ओ नामने ओ३ द्वीप तथा समुद्र इस नाम
का एक द्वीप और एक समुद्र. Name of a
continent, also, that of an
ocean जीवा० ३,

आर्हणवरोभासभद्र पु० (आजिनवरावभास-
भद्र) आजिनवरोभास द्वीपने देवता आजि-
नवरोभास नामक द्वीपका देव The deity
of Ājinavarobhāsa Dvīpa जीवा ३,

आर्हणवरोभास महाभद्र. पु (आजिनवराव-
भास महाभद्र) आजिनवरोभास द्वीपने
अधिपति देवता आजिनवरोभास द्वीप का
अधिपति देवता The presiding
deity of Ājinavarobhāsa
Dvīpa जीवा ३,

आर्हणवरोभासमहावर पु० (आजिनवराव-

भासमहावर) आजिनवरोभास समुद्रने
अधिपति देवता ' आजिनवरोभास समुद्र का
अधिपति देव The presiding deity
of the Ājinavarobhāsa ocean
जीवा ३,

आर्हणवरोभासवर पु० (आजिनवरावभास
वर) आजिनवरोभास समुद्रने अधिपति
देवता आजिनवरोभास समुद्र का अधिपति देव
The presiding deity of Ājina-
varobhāsa ocean जीवा ३,

आर्हणिय त्रि० (आर्हणिक-आममन्ताहीन-
सादीन तद्विद्यते यस्मिन्सः) अत्यन्त हीनता
वाण् अत्यन्त दीनता वाला Indigent,
penurious "आर्हणिय दुक्कडिय पुरत्था"
सूय० १, ५, १, २,

आर्हयदुट्ट त्रि० (आतीतार्थ-आममन्तावतीव
इता ज्ञाताः परिच्छिन्ना जीवादयोऽर्थार्थेनस.
यद्वाऽऽसामस्त्येनातीतानि प्रयोजनानि यस्य स
तथा) हर कर्था छे समस्त प्रयोजन
नैले, शात व्यवहार वाले समस्त प्रयोजनो
से रहित, शात व्यवहार वाला (One)
who has risen above all worldly
purposes, calm and tranquil
आया० १, ५, ६, २२२,

आहरण त्रि० (आजीरण-आजि सग्रामस्तमी
रयति प्रेरयति क्षिपति जयतीति यावत्)
लडाए छतनार युद्ध जीतने वाला (One)
who conquers in a battle;
victorious in battle सथा०

आर्हसाण न० (आर्हसान) ईशान देवलोक
पर्यन्त ईशान देवलोक पर्यन्त Up to, as
far as Īśāna heavenly world.
प्रव० ११६२,

आउ अ० (अथवा) अथवा अथवा, या.
Or सूय० २, ७, ६,

आउ न० (आयुष्-प्रतिसमयभोग्यत्वं नायातीत्यायुः एति गच्छत्यनेनगत्यन्तरमित्यायुः) ऐना उदयथी एव एन्दगी भोगवे छे ते, आयुष्य इर्म, अह इर्म भानु पायभु इर्म वह कर्म जिम के उदय से आयु प्राप्त करता है, आयुष्य-कर्म, आठ कर्मों-में से पाचवा कर्म The Karma by the rise of which a soul has to finish a life period, the fifth of the eight kinds of Karma दसा० ६, २, पञ० ३६, भग० ३, १, ५, १; ७, १, ६, १५, १, नाया० २, ज० प० उक्त० ३, १७, १०, ३, ३४, २, क० प० २, ५४, पि० नि० भा० २६, क० गं० १, ३, ५, ४, —अउभवसाण पु० (—अध्य-वसान) अ युष्यइर्म निष्पाद अय्यवसाय विशेष आयुष्य कर्म उपादान करने वाला अध्यवसाय विशेष a certain sort of thought-activity giving rise to Ayusya Karma भग० २४, १ —उवक्रम पु० (—उपक्रम) ऐताना एथथीज आडिपु पुरं इरु ते ऐम श्रेण्ड गन्धे शष्ट पि ७२भा हीशे युस्ती आडिपु पुरं इरु तेम अपने हाथ से ही अपनी आयु का पूरा करना, जैसे कि राजा श्रेणिक ने काष्ठके पीजरे में हीरा चूसकर अपनी आयु पूर्ण की भग० २०, १०; putting a period to one's own existence; e g. in the case of Sienika the king, who sucked a diamond in a wooden cage and died, suicide. —कम्म न० (—कर्मन् एति याति चेत्या युस्तन्नि-वन्वन कर्मायुक्कर्म) आह इर्मभानु पाय भु आयुष्य इर्म, आठ कर्मों में से पाचवा

आयु कर्म Ayusya Karma, the fifth of the 8 Karmas उक्त० ३३, २, ४, —काल पु० (—काल) मृत्युशाल; भरणुतो अवसर मृत्यु समय, मरणकाल. time of death. आया० १, ८, ८, ११, —कखय पु० (—क्षय) आयुष्य इर्मतो क्षय, आयुष्य इर्मनी निर्गम आयुर्कर्म का क्षय, आयुर्कर्म की निर्गम. “संणे जह वद्धय हरे एवमायुक्खयम्मि तुट्ठा” the destruction of Ayusya Karma सय० १, २, १, १, सु० च० ४, ११६, नाया० १; ८, १४, १६, भग० २, १, १, ६, ६, ३३ २५, ८, परह १, १; कप्प० १, २, निर० ३, १, —कखेम. न. (—क्षेम) आयुष्य-एन्दगीनु स्वास्थ्य-आयाती आयुष्य-जीवन का स्वास्थ्य the peace and safety of life “ जं दिचि व कम्म, जाणे आउक्खेमस्समप्पणो तस्सव अंतरद्वाए खिप्पं सिक्खेज पडिए ” आया० १ ८, ८, ६, सय० १, ८, १५, —निवत्ति खी० (—निर्वृत्ति) आयुष्यनी निष्पत्ति आयुष्य की निष्पत्ति acquisition of life भग ६, ४, —पज्जव पु० (—पर्यव) आयुष्यना पर्याय आयुष्य की पर्याय-मर्यादा variation of life. ज० प० २, २६, —परिणाम पु० (—परिणाम) आयुष्य इर्मतो स्वभाव आयुष्य परिणाम- स्वभाव, आयुष्य कर्म का स्वभाव nature of Ayusya Karma. “ नव विहे आउ परिणामे पण्णते तंजहा गइ परिणामे ” गइ वधण प० ठिइप० ठिइवधण प० भग ६, ५, ज० प० ७, १७६, —पहीण पु० (—प्रहीन) क्षीण थयेस आडिपु जाण आयु worn out life, worn out life-period भग० ११, १०,

—भेय पु० (-भेद-आयुष्यस्य जीवितस्य भेद उपक्रम आयुर्भेद) आयुष्यनी उपनात, आयुष्यर्तु भेदपु-उत्पु ते आयुर्कर्म का दृष्टना, आयु मे भेद हाजाना breaking down of Ayusya, the destruction of Ayusya-Kalma
“ सत्तविह् आउभेदे प० तजहा अउभरमाण निमित्ते आहारे वेयण पराघाए फामे आणा पाए सत्तविह भिजए आउ ” ठ० ७,
आउ स्त्री० (अय्) पाणी जल Water भग० ५, ६, ६, ४, पि० नि० भा० ६ सय० १, १, १, ७ प्रव० ४८८ (२) स्त्री० अप० ३१-पाणीतो शु०, अप० ३१ अपकाय-जल के जीव an aquatic sentient being. ज० प० ७ सू० प० १०, उत्त० २६, ३० क० ग० १, २६, ५७, २, ६, ४, ३, भग० ६, ५, ८, (३) पृथ्वी का नक्षत्रतो देवता पूर्वाषाढा नक्षत्र का देव the deity of the Pūr-vāsādhā constellation “ पु० वागाढा आउ देवयाए ” सू० प० १०, अणुजो० १३१, ठ० २, ३, —काअ-य पु० (-काय आप कायो वसेयति) अप० ३१, पाणीतो शु० अपकाय के जीव aquatic lives सम० ६, उत्त० १०, ६, दस० ६, ३०, भग० २, ६, ७, १०, १६, ३, आया० १, ६, १, १२, —काइय पु० (-कायिक-आपो द्रवास्ताएव काय. शरीर यस्यति) अप०-पाणी क्षय-शरीर छे जे ते, पाणीतो शु० एमे जीव जिनका शरीर जल है aquatic lives भग० १, ५, १७, ८, १८, ८, ३३, १, जीवा० १, पञ्च० १, दस० ४, —काअ-य पु० (-काय) अप० ३१, पाणी अपकाय, ज० water, water considered as a sentient mass

उत्त० १०, ६, पि० नि० भा० १६; आया० नि० १ १ ३, ११२, पञ्च० १, पचा० ५, २६, १०, २४, १६, ७ —काइय पु० (-कायिक) लुओ “ आउकाइय ” श० ६. देखो “ आउकाइय शब्द ” vide ‘ आउकाइय ’ ‘ सेकिने आउकाइया ? आउकाइया दुविहा पञ्चता ” पञ्च० १; भग० २६, १ —कायविहिंसग त्रि० (-कायविहिंसक) पाणीतो शु० नी हि आ क्षरता नलकाय-जीव की हिसा करन वाला (one) who kills aquatic sentient beings गच्छा १०; —जीव पु० (जीव) लुओ पाणीतो शु० जलजीव, पानी के जीव aquatic lives ‘ दुविहा आउजीवतो सुदुमा वायरा तहो ” उत्त० ३६, ३६, ३६, ८४ ८५, सय० १, ११ ७, भग० ५, २, —बहुल त्रि० (-बहुल) लुओ पाणी वायु होय त जिस में पानी बहुत हो ऐस that which is full of water ज० प० २, ३६, —बहुलकड न० (बहुलकाण्ड) धृ० लुओ रत्नप्रभा पृथ्वी तीन्ना काण्ड बहुत जन वाला रत्नप्रभा पृथ्वी का तीन्ना काण्ड-भाग the third section of the Rātnaprabhā-world abounding in water “ आउबहुले कडे असोइ जोखसहस्साइ वाहलेण ” सम० —याय पु० (-काय) पाणीतो शु०, अप० ३१ पानी के जाव. aquatic creatures, water considered as a living mass भग० १६, ३, —सोअ न० (-शोध) लुओ शोध-पवित्रता जलद्वारा शुद्ध. purification, cleaning by means of water ठ० ५, ३,

आउंचण. न० (आकुञ्चन) अवयव संकोचयते
ते अवयवों को संकुचित करना. Con-
traction of limbs. सम०

✓आउंट धा० I (*आकुंच-आ+कृ)
इशायु कराना To cause to do (२)
संकोचयु संकुचित करना. to contract
आउंटण ओघ० नि० २२६,
आउटेज्जा वि० भग० १४, १;
आउटेहि. आ० नाया० ५;
आउटेह. आ० नाया० ५;
आउंटावेति. प्रे० भग० १६, ८;
आउंटावेमि नाया० ५;
आउंटावेत्तण प्रे० हे० कृ० भग० १६, ३; ५,
आउंटावेसाण प्रे० व० कृ० भग० १६, ८,

आउंटण न० (आकुञ्चन) संकोचन
Contract on. पचा० १७, १६;
—पसारण न० (—प्रसारण) संकोचयुं अने
विस्तारयु ते; संकोचयु अने पसारयु ते
संकोचना और विस्तार करना contrac-
tion and expansion. भग० १६, ८,
आउंटिय त्रि० (आकुञ्चित) संकोचयेदु
संकुचित किया हुआ Contracted,
folded. भग० १४, १;

आउग पुं० (आयुष्क) आठिभुं, शुवन,
आयुष्य. आयुष्य, जीवन. Life. भग० ६,
१, —तिग. न० (—त्रिग) नरकायु,
तिर्ययायु अने मनुष्यायु, ये आयुष्यनी
त्रय प्रकृति नरकायु, तिर्ययायु और मनु-
ष्यायु यह आयुष्य की तीन प्रकृतिया
the three Prakritis (Karmic
natures) of Āyusya i e
life-period viz of hellish beings
subhuman beings and human
beings क० ग० ५, ४३, —वज्ज न०
(—वर्ज) आयुष्य सिवाय आयुष्यके विना

excepting, with the exception
of, Āyusya, (i e life). क० प०
१, ५५;

आउच्छणा स्त्री० (आपृच्छना) लुभो
“ आपृच्छणा ” शब्द देखो “ आपृच्छणा ”
शब्द Vide ‘ आपृच्छणा ’ पचा० १२, २६;
आउज्ज. पुं० (आवर्ज-आवर्जनमावर्ज. आव-
र्जतेऽभिमुखीक्रियते मोक्षोऽनेनेत्यावर्ज.)
भन वचन अने कियानो शुभ व्यापार; शुभ
प्रवृत्ति, मोक्षने अनुकूल कर्तव्य मन, वचन,
और काया की शुभ प्रवृत्ति, मोक्ष के अनुकूल
कर्तव्य. The good activities of
mind, speech and body (२)
त्रि० भन वचन अने कियानो शुभ व्यापार
इशानर. भन, वचन और काया का शुभ
व्यापार करने वाला. (one) who has
good activities of mind, speech
and body, पचा० ३५;

आउज्ज त्रि० (आयोज्य) अने भीम साथे
जोड़े एक दूसरे के साथ जोड़ा हुआ.
Interlinked विशेष० १४,

आउज्ज. पुं० (आतोद्य) वीणा आदि
वाद्य वीणा आदि वाद्य A musical
instrument like a lute etc.
“ एवमाइयाणं एगोपवणं आउज्ज विहाणाह
विउज्जवति ’ राय० ठा० २, ३, पणह० २, ४,
—सद् पुं० (—शब्द) वीणा आदि
वाद्य वीणा आदि वाजों की
आवाज the sound of a musical
instrument such as a lute etc.
“ आउज्जसदे दुविहे पणत्ते तंजहा तत्तेचव
वितत्तेचव ” ठा० २,

आउज्जण न० (आवर्जन) भन वचन
अने कियानो शुभ व्यापार मन, वचन
और काया का शुभ व्यापार Salutary

activity of mind, speech and body पण० ४३६;

आउज्जिय पु० (आयोगिक) उपयोग पूर्वक वर्तनार्थ ज्ञानी उपयोग पूर्वक—सावधान पूर्वक व्यवहार करनेवाला, ज्ञानी One acting attentively, one possessed of knowledge. भग० २, ५,

आउज्जियकरण न० (आयोजिकाकरण-आवर्जितस्थकरणमावर्जितकरणम्) केवल-समुद्धातनी पूर्वे करातो शुभ व्यापार-योग, केवल-समुद्धात के पहिले किये जानेवाला शुभ-व्यापार-योग Salutary thought-activity at the time of Kevala-Samudghāta पञ० ३६,

आउज्जियाकरण न० (आयोजिका-करण-आइमर्यादया केवलितदृष्टया योजनं शुभानां योगानां व्यापारणम्-भावे बुद्ध तस्य करणमिति) केवल समुद्धातनी पड़ेला करामा अ वतो शुभ मन, वचन, कायाने व्यापार-किया, ओक अंतर्मुहूर्तसुधी कर्म-पुद्गलने उन्ध्याविक्रमा नाभ्याश्च उन्नीरथु विशेष केवलिसमुद्धात के पहिले की जाने वाली मन वचन और काया की शुभ क्रिया, एक अन्तर्मुहूर्त तक कर्म पुद्गल को उद्घावलिका में डालने रूप उदीरण विशेष Salutary activity of mind, body and speech at the time of Kevala-Samudghāta; causing an out-flow of Karmic atoms for one Antara-Muhūrta पञ० ३६;

आउज्जीकरण न (आयोजिकाकरण) मन, वचन ने कायाने शुभ व्यापार मन वचन और काया का शुभ व्यापार Salutary activity of thought, speech and body पञ० ३६;

आउड्ड धा. I-II (आ+कुट्) हिंसा करवी हिंसाकरना To kill; to injure. (२) करवा करना to do (३) भुलावतु भुलाना. to make one forget. (४) भ्रमवु भ्रमना, भटकना to wander. (५) सङ्कल्प करवे, धरदो करवे. सकल्प करना, इरादा करना to resolve, to intend

आउड्ड भग० ७, १;

आउड्डे " "

आउड्डामो आया० १, १, ३, १५;

आउड्डिया आया० १, २, २, ७२,

आउड्डे आया० २, १३, १७३;

आउड्डेजा.

आउड्डित्ठ कण्ठ० ६, ४६;

आउड्ड त्रि० (आवृत्त) वरुध पणेल उस ओर मुका हुआ Turned to that side पचा १६, २१, पि० नि० २६७. (२) व्यवस्थित यथेव व्यवस्थित arranged, settled आया० १, ७, ४, २१५;

आउड्ड पु० (आकुट्ट आकुट्टनमाकुट्ट) अणीना अवयवो छेदना ते, हिंसा करवी, मारवु ते प्राणी के अवयव छेदना, हिंसा करना. Cutting off limbs of animals, killing, injuring. सूय० १ १; २, २५,

आउड्डण न० (आवर्तन) पारुं देस्ववु ते करवट पलटना Turning from one side to the other आव० ४, ४,

आउड्डणया. क्री (अवर्तनता-आवर्तनेऽभिमुखीभूय वर्तते येन स तथा तद्भावस्तत्त) भतिज्ञानेने भेद ने 'अवाय' तेनु अपर नाम मतिज्ञानके अवाय नामक भेद का दूसरा नाम Another name for Avāya which is a variety of Matijñāna नदी० ३२,

आउट्टि त्रीं (आकुट्टि) हिंसा दिना
Killing, injuring, beating समः
—कथं त्रि० (-कृत) हिंसा पूर्वां करवाभा
व्यापेक्ष हिंसा पूर्वक क्रिया हुआ done
after having first performed
an act of killing or injury
आया० १, ५, ४-१५८

आउट्टि. त्रीं (आउत्ति) स-भुष्य थ-ते रहेयुं
ते मन्मुख होकर रहना Stand off
with the face turned towards
नदी० (२) इरी इरी अभ्यास इवेते
वारवर स्याव्याप-आवृत्ति इरी ते वार-
वार अभ्यास करना-पाठ करना. repeat-
ed study. e. g. of Sūtras (३)
सूर्य तथा चन्द्र अन्तरता माउत्थेयी अथवा
वृषु अने अथवा माउत्थेयी अन्तर आवृत्ति
ते; ओ३ युगमा-पथ वर्गमा सूर्यनी १०
अने अदनी १३४ आवृत्ति आरुते तेमांनी
गमे ते ओ३ सूर्य तथा चन्द्र का मीतर के
मंडल में से बाहिर और बाहिर के मंडल में
से मीतर आने की क्रिया— एक सु० (पाच
वर्ष) में सूर्य की १० और चन्द्र की १३४
आवृत्तियां होती हैं उन में से कोई भी एक
recurrence of the sun and the
moon to the same point or
place In five years the sun
has got ten and the moon 134
recurrences सू० प० १२;

आउट्टि त्रि० (आकुट्टि) जालीशुनी हिंसा
इरना२, भ्रांश प्रीं प्राणिनु छेदन भेदन
इरना२. जानबूझकर हिंसा करनेवाला सकल
पूर्वक प्राणिको छेदनभेदन करनेवाला (One)
who kills or injures animals
purposely. सू० १, १, २, २५

आउट्टिया त्रीं (आकुटी) जालीशुनीने
भ्रांश पूर्वक इरनुं ते जानबूझकर करना

Doing anything intentionally
सम० २१, पत्रा० १५, १८ —दंड पु-
(-दण्ड) जालीशुनीने दंडु ते समस्त
वृत्तकर पापये अपने का दण्डना-पापजन
करना दण्ड देना incurring sin,
consciously and intentionally
“ आउट्टिय दंड खंडियव ओना ” भक्त० २७;

✓ आउट्ट. वा० II (आउत्तुड) धणु वडे
हुटपु डीपपु, म२पु घन सं कूटना, मारना
To hammer to beat to pound.
आउट्टेह. भग० ३. २;

आउट्टेति जं० प० ३. ५३,

आउट्टेत्ता भग० ३. २,

आउट्टमाण भग० ६, १, १६, ४,

आउट्टावड विवा० ६.

आउट्टअ त्रि० (आउत्ति) अक्षर डोतरी
नाम पाडेअ अक्षर खोदकर लिखा हुआ नाम
(Name) carved in letters
अणुजो० १४८,

आउट्टिजमाण त्रि० (आजोड्यमान)
सम्बन्धयुक्त थपु. जोडपु जुडता हुआ
Being linked or united. ‘ छुड-
मत्थेण भते मण्णमे आउट्टिजमाणाइ सहइ
सुणइ ” भग० ५, ४;

आउत्त त्रि० (आयुक्त) उपयोग पूर्वक उप-
योग सहित सावधेन उपयोग पूर्वक;
सावधानी से Carefully; attentive-
ly “ आउत्त गमणं आउत्त ठाणं आउत्त
णिसीयण ” भग० ३, २, ६, ५, ७, ७,
२५ ७ मत्था० ६४, सूय० २, २, २३;
पत्र० ११ ओव० नि० ५२५, (२) २५४ ते
तैयार थपेअ रथाकर तैयार ready after
being cooked, cooked and
ready for use कथ० ६ ३३,

आउत्त त्रि० (आयुक्त) युधिषी आपवेअ;
-दणु उवेअ मङ्गल विवा हुआ Protect-

ed carefully (०) न० अगत सधुनी
गति येष्टा वगेरे मयत साधु का गति—चेष्टा
वगेरेह the movements, actions
etc of a Sādhu भग० २५, ७,

आउत्तया स्त्री० (आयुक्त) उपयोग, साव-
धनी उपयोग, सावधाना Attentive-
ness, carefulness ' आउत्तया जस्म
य नतिथि काह्—' उक्त० २०, ६०,

आउधागार पु० (आयुधागार) आयुध-
शाला, हथियारों की रखवाली गृह्या आयुध
शाला, शस्त्रालय रखने की जगह An
armoury श्रौव०

आउय—अ. न० (आयुष्क) आयुष्य,
अ उषु; अयन, अयणी अयु'यकर्म
आयुष्य, जीवन, जिदगी आयुर्कर्म Life,
Āyusya-Karma सम० १, नाया०
१, ८, श्रौव० २०, ३८, ४१, अणुत्रो० १२७,
क० ग० २, ५, सूय० २, ७ ११, आया०
१, २, १, ६२; उक्त० ५, ३७, २६, २२,
भग० १, १. ७, ६, ५, ३ ६, ६, ३, ७, १,
८, ६, ११, १, १८, ५, २४, १, २५
३ ६, पञ्च० २२, दसा० ५, ४०, क० प०
१, २६,—कर्म न० (-कर्मन्) ऋग्यो
“ आउकर्म ” शब्द० देखो “ आउकर्म ”
शब्द० vide “ आउकर्म ” भग० २६ १,
३५, २, —परिहाणि स्त्री० (परिहानि)
आयुष्य की प्रतिक्षण होत हुआ क्षय,
आयुष्य की हीनता debilitation of
life going on every moment
पचा० १, ४८,—बध पु० (-बध) आयुष्य-
कर्मों के अन्ध आयुर्कर्म का बध the bond-
age of Āyusya-Karma “ कइवि-
हेण भते? आउय ववेमरणे? गोवमा ।
इविदे आउय ववेमरणे ” भग० ६ ८,
आउर त्रि० (आतुर) आतुर, आकुल-

आतुर, तन्पी रहत विह्वल आतुर,
व्याकुल, तडफनाहुआ विह्वल Elated,
distracted, longing “ तत्थ तत्थ
पुढो पास आतुरा परित्तावति ” आया० १,
६, २, १८१, उक्त० २ ५, ३०, ४,
वेय० ४, २६, नाया० १, जावा० ३, १, भग०
२५, ७, (०) ३ गी, पीडित, दुःखी, भोगों
रोगी, बीमार diseased, afflicted,
troubled भग० २५, ७, दस० ३, ६,
नाया० १४, ठा० ४, ४, विशेष० ८६१,
विवा० ७,—स्मरण न० (-स्मरण) क्षुधा
आस्थि आतुर थकने पड़ेला अथवा
भोराकनु भोग्यु कस्यु ते, आतुरपणु भोग्यु
कस्यु ते क्षुधादि में आतुर होकर पहिले किये
हुए भोजन का स्मरण करना wistful re-
collection of food formerly
taken (by one oppressed with
hunger) “ तत्ता विव्वुड भोइत्त आउर
सरणाखिय ” दस० ३ ६;

आउरपच्चक्खणा न० (आतुरप्रत्याख्यान)
२८ उत्कलिक सूत्रमनु २८ सु सूत्र, आउर-
पच्चक्खणा नामे येद पच्चमे २६ उत्कलिक
सूत्रों में से २८ वीं सूत्र, आउर-पच्चक्खणा
नामक एक पइचा The 28th of the
29 Utkalika Sūtras, a Pannā
of the name of Āura-pachcha-
khan. नदी ४३,

आउरिअ त्रि (आहुरित) मर्यादीया;
आतुर थकने बीमार, आतुरतावाला Di-
sensed, sick, eager राय० २५८,

आउल त्रि० (आकुल) आकुल व्याकुल
आकुल व्याकुल Distracted नाया०
१, ६, भग० १, १०, नदी० १६, विशेष०
६००, श्रौव० ४, ४, श्रौव० नि० ५११, १२)
व्याप्त, भरेल, भराहुआ full of; filled
with नदी० १६, श्रौव० ३१ (३)

समूह समूह a collection a group
अणुजो० ५७,—घर पुं० (-गृह) श्रु-
थी लरेथ धर a house full of sen-
tient beings. जीवों से भराहुआ घर.
नाया० ६;

आउलतर. त्रि० (आकुलतर) अतिशय
आकुल बहुत ज्यादा आकुल Highly
distracted, greatly troubled in
mind “ गो आउलतराचव ” भग०
१३, ४;

आउलत्त न० (आकुलत्व) आकुलत्व-
व्याप्तपणु व्याप्तपना State of being
filled with or pervaded by.
प्रव० १८६;

आउलिय त्रि० (आकुलित) व्याकुल श्रयेथ.
व्याकुल. Perturbed; distracted
सु० च० २, ३२८,

आउलीकरण न० (आकुलीकरण) प्रयुरी
करण—धणु करण—वधारणु ते, स सारने
वधारणे ते, बहुत कुछ बढ़ाना, ससार
भ्रमण की वृद्धि करना. Extending,
increasing; increasing worldly
existence. भग० १, ६;

आउवेय. पु० (आयुर्वेद—आयुर्जीवित तद्वि-
दन्ति रक्षितुमनुभवन्ति चापक्रमरक्षणेन
विदन्ति वा लभते यथा काल येन यस्माद्य
स्मिन् वेत्यायुर्वेद) चिकित्सा शास्त्र, वैदिक-
शास्त्र चिकित्सा शास्त्र; आयुर्वेद शास्त्र, वैद्यक
Science of medicine “अटठविहे
आउवेय परणते, त जहा—कुमारभिच्चे
—कायतिगिच्छा सालाइसल्लहत्ता जगोली
भूयविजा खारतंते रसायणे” ठा० ८;

✓आउस धा० I-II (आ+कुग्) आक्रोश
करवे, उपक्रो आपवे आक्रोश करना, उला-
हना देना. To cry out, to reproach,
to rebuke.

आउसइ भग० १५, १; नाया० १८;
आउसिहिति. भ० भग० १५, १, नाया० १८;
आउमित्तए हे० कृ० राय० २६६,
आउसइत्ता. सं० कृ० भग० १५, १,

आउस. न० (आयुष्य) आयुष्य; आवरदा.
आयुष्य; आयुष्य-काल. Life; life-
period सू० प० ८;

आउस पुं० (आक्रोश) आक्रोश लरेथ
वयन, उपक्राना वयन उलाहना भरा वचन.
Words of reproach or rebuke.
राय० २६६,

आउस त्रि० (आयुष्यमत) दीर्घायु. चिरं-
श्रुती. दीर्घायु, चिरजीवा, लंबी आयु वाला
Long-lived आया० १, १, १, १, सम०
१, नाया० १४, पन्न० २;

आउसो. म ए० व० जीवा १; भग० ८, १६;
१५, १; १७, ३; २०, ८, आव० ३४;

आउसंत त्रि० (आयुष्यत्) दीर्घायु; चिरं-
श्रुती दीर्घायु, लंबी उम्र वाला. Long-
lived “ सुयं मे आउसतेण ” सूय०
२, ३, ४३; २, ७, ५, ठा० १, आदा० १,
१, ३, १५, १, ७, २, २०२; २, ३, ३,
१२६; निसी० ६, ४;

आउसणा क्रि० (आक्रोशना) आक्रोश करवे
ते चिल्लाना, बुरा भला कहना, शोर करना
Crying out; reproaching. भग०
१५, १;

आउसल. पु० (आक्रोश) आक्रोश—उर्ध्व
वयन कठोर वचन Harsh words of
rebuke. सूय० १, ३, ३, १८;

आउह न० (आयुध) आयुध, शस्त्र, हथी-
यार शस्त्र, हथियार A weapon नाया०
२; १६, १८, भग० २, १०, ७, ६; ६, ३३,
सु० च० १०, ४४; ज० प० ३, ४३,
—घर. न० (-गृह) आयुध धर, आयुध-

शाला, हथियार राखवानु स्थान शस्त्रागार, हथियार रखने की जगह an armoury. जं० प० ३, ४३; —घरसाला. ली (—गृहशाला) जुओ डिप्लो शब्द देखो ऊपरका शब्द vide, “आउहघर” जं० प० ३, ४३, —घरिअ. पु० (—गृहिक) अयुधशाला तो डिपरि—अध्यक्ष आयुधशाला का अध्यक्ष a superintendent of an armoury. “तएण से आउहघरिण” जं० प० ३, ४३,

आऊण्य त्रि० (* आऊनक—ईपदूनक) थुथ ओछु; डिथु कुछ कम Somewhat less. भग० २५, ७;

आऊसिय त्रि० (*) प्रवेश करै प्रविष्ट Entered. “आउसियवयणगडदेस” नाया० ८, (२) सङ्गृहित. सकुचिन् contracted. “आऊसिय अक्सचम्म उहङ्गडदेस” नाया ८,

आएज्ज त्रि० (आदेय) ग्रहण करना योग्य, मन्तीय ग्रहण करने योग्य, गानने योग्य Worth being accepted or taken जं० प० क० प० ७, ८, —वयण न० (—वचन) मानतीय पथन मानने योग्य वचन words worth accepting उत्त० ३६, ६,

आएस. त्रि० (*आ+इण्यत्—एण्यत्) आवतु, आववानु आताहुआ Coming “आएसो विभवति सुव्वया” सूय० १, २, ३, १६;

आएस पु० (आदेश—आदिश्यते आज्ञाप्यते सम्भ्रमेण परिजनो यस्मिन्नागते तदातिथे यायतदाशनदानादिव्यापारे स आदेशः)

पाहुणो; परोणो, भिण्भान अतिथि, पाहुना A guest. “आएसो समीहिण” उत्त० ७, १, ४, ओघ० नि० १४८, ६६१, ओघ० नि० भा० १४७ निसी० १०, १२, वव० ६, १, (२) प्रशङ्, भेद, प्रकार, भेद mode; kind भग० ८, २, नदी० ३६, परण० १; प्रव० ५१६, विश० ४०३, (३) विशेष, व्यक्ति रूप विशेष, व्यक्ति रूप particular, individual उत्त० ३६, ६, (४) सूत्र, आगम, शास्त्र सूत्र, आगम, शास्त्र a Sūtra or scripture विशेष० ४०५; (५) उत्पाद व्यय अने ध्रौव्य ये त्रिपटी के गणधरने प्रथम सलज्जा-वामा आवेछे उत्पाद, व्यय और ध्रौव्य ये त्रिपदा जो कि गणधर को पहले कही जाती है the three conditions that are first taught to a Gāṇadhara, viz birth, decay and steady existence विशेष० ५५०, (६) व्यपदेश, व्यवहार व्यपदेश, व्यवहार denomination; nomenclature. सूय० १, ८, ३, (७) हुक्म, आज्ञा command सु० च० २, ४१६, पि० नि० १८४, पचा० ५, ४५, जीवा० १, (८) मत मत an opinion “वीओविण्य आएसो” प्रव० ८५५, —सव्वय पु० (—सर्व—आदेशनमादेश उपचारोव्यवहारस्तेन सर्वमादेशसर्वम्) डिप्यारथी सर्व, प्रत्युर अथवा प्रधान वस्तुमा सर्वतो डिप्यार उरवो ते गेम भोजनमा धी वधाने होय तो आण तो ओछु वीण आधु,

* कोष्ठ जग्याओ भूय शब्दने लगतो संस्कृत पर्याय संस्कृत-कोषमा न होय तेवे म्यहे संस्कृतनी जग्या आदी शब्दवामा अवी छे जहा मूलशब्द का पर्यायवाच संस्कृतशब्द नहीं मिला वहा संस्कृत शब्द की जगह खाला रखन से आई है Blank space left in brackets indicates that no satisfactory तद्भव or नत्सम Sanskrit equivalent is available

आमा धीनी प्रथम नाने दीधे श्री शिवायनी
वस्तुमा पणु धीनो उपयुक्त द्यो. एक को
अधिकता में उसका सब में उच्चार करना,
जैसे कि भोजन में धी अधिक होने पर यह
कहना कि आज तो धी ही धी आया इस में
धी की प्रधानता से भोजन की अन्यवस्तुओं में
भी धी का उच्चार किया denominating
a thing by giving the whole
of it the name of a part which
is prominently found there

आरसण न० (आदेशन) लुहार वगेरे ॥
दे ३—शुभानु लुहार वगेरे का कारखाना,
A workshop of a blacksmith
etc दमा १०, १, आया० २, २, ८०
आगसिय न० (आदेशिक) सधुने देव भटे
इत्यादि शक्ति अद्वय, आह्वानों अदि देव
सधु को देने की इच्छा से रखा हुआ आहार
वगेरे, आहार का एक दाय Food etc
pre-determined to be given to
a Sādhu, a kind of sin relating
to food नि० २२६,

आओग पु० (आयोग) द्रव्य संपादन करने
वाले उपाय, धर्म-व्यापार वगेरे द्रव्य उपा-
जन करने का उपाय, वदा व्यापार आदि
Business, trade, means of
earning मग० २, ५, मय० २, ७, २,
(२) पैसानी अ.व.३, अगलो वलुगलो
वटाव वन की आमदनी, दुगना तिगना
बटाव income, double or treble
profit of exchange ओव० ज० प०
३, ५६,—**पओग पु०** (-प्रयोग आयोग-
संयोजन प्रयोगा उपाय.) द्रव्य
संपादन करने को उपाय, द्रव्यव्यभिभाटे

धो-धः ३-वी ने द्रव्य संपादन करने का
उपाय वृद्धि के लिये देन लेन करना.
earning wealth, business of
lending etc ज० प० ३, ५६,—**पओग-
संपुत्त त्रि०** (-प्रयोगसंप्रयुक्त) द्रव्य
उपार्जन करने का उपायमा प्रयुक्त थपेक्ष
द्रव्योपजन के उपाय में प्रवृत्त-तत्पर
(one) engaged in money-
making concerns ज० प० ३, ५६,
आओजिया स्त्री० (आयोजिका) तीव्र
परिश्रामशील स्त्रीमा अवती क्रिया के लिये
संसार सथेने संयुक्त वधे छे तीव्र परिणाम
में की जाने वाली क्रिया, जिससे कि ससार
सम्बन्ध बढ़ता है An action done
with keen thought-activity
increasing one's worldly attach-
ment पञ्च० २०

आओज्ज न० (आतोद्य) वाद्य; वाजि व.
वाज, वाद्य A kind of musical
instrument ओव० ३०,

आओज्ज त्रि० (आयोज्य) मर्यादा पूर्वक
जोडवा योग्य मर्यादा पूर्वक जोडने योग्य
Worth being united within
limits विशेष० २३,

✓ **आओस वा० I, II** (आनकृष्ट) निर-
स्कार इरे, उपेक्षा देवे निरस्कार करना,
उलाहना देना To upbraid, to
reproach

आओसार्न उवा० ७, २००,

आओमेजसि उवा० ७, २००;

आओमेजा विवि० उवा० ७, २००;

आओस पु० (५) पगेदिशि, सुखोदय
पहुँचानी में धी सवेरा, प्रातःकाल

Dawn. "आआसे संगारो अमुई वेलाए निगए ठाण" पि० नि० भा० ६१,

आंताइ. त्रि० (आन्तादिन्-आन्तेभवमान्तं मुह्रावशेषं तदान्तमत्तायेवशील आन्तादी) आता पीता आडी रहेल आहार लेनार, (साधु) ओरों के खाते बचे हुए अहार को खाने वाला, (साधु) (An ascetic) who eats the remnants of food taken by others पन्ना० १८, ३६,

आंदोलिर. (* आन्दोलिन्) डम्पनशील कंनशील, कानेवाला. Trembling, of a quaking nature. सु० च० २. ६५४,

✓ आकख. धा० I (आ+काच्) छञ्चु, आकाक्षा रखनी इच्छाकरना, आकाक्षा रखना To wish; to desire आकंखी. वि० "निन्दुडे कालमाकखी" सूय० १, ११ ३८,

आकंखिर त्रि० (* आकञ्चिन्) आकांक्षा करने वाला, आकांक्षुशील आकांक्षा करने वाला One who wishes or desires सु० च० २, ३०८

✓ आकंप धा० I (आ+कम्प्) आराधना करनी आराधना करना. To adore; to worship (२) सन्मुख रहेवु. सन्मुख रहना to remain face to face, to remain in one's presence. आकंपइत्ता. सं० कृ० भग० २५, ७;

आकट्ट त्रि० (आकृष्ट) सामे भेयेल सामने की ओर खींचा हुआ Drawn towards पण० १, १,

आकड्ड. त्रि० (आकर्ष) सामे भेयवु ते सन्मुख खींचना. Drawn towards. भग० ३, १, —विकट्टि छा० (-विकृष्टि) आभतेम भेयवुं ते, भेयाभेय करवी ते इधर उवर खींचना pulling in different directions. भग० ३, १; १५, १,

आकरिणत्ता सं० कृ० अ० (आकर्ण्य)

साभणीने सुनकर. Having heard. नाया० १६;

✓ आकन्न. धा० I. (आ+कर्ण्) साभलवुं. सुनना. To hear.

आयग्रह सु० च० १४, ४६.

आयग्रत. व० कृ० सु० च० २, ११७;

आयन्निअ. सं० कृ० सु० न० २. ७१;

आयन्निऊण सं० कृ० सु० च० ७, १६७;

आकहिय. त्रि० (आकस्मिक—अकस्मात्-भवति तदाकस्मिकम्) आश्चर्य; अहेतु, कारण वगरनु आकस्मिक; अचानक, बिना कारण के Accidental, without any assignable cause. "वज्र निमित्ताभावा जंभवनाकहिय" विशेष० ३४५१;

आकार पुं० (आकार) आकृति; यहेरे, आकार आकार, चेहरा, डील डौल. Form; shape, figure, face सू० प० २०; ओव० निसी० ७, ३८ उवा० २, ६०, ६६;

आकासफलोवमा. स्त्री० (आकाशफलोपमा) आध-आवानो अेक पदार्थ खानेका एक पदार्थ An eatable substance, a substance used as food ज० पं० १, ११,

आकासिआ स्त्री० (आकाशिका) आध विशेष, आवानो अेक पदार्थ खानेका एक पदार्थ A kind of food, a substance used as food ज० पं० १, ११, आकिइ स्त्री० (आकृति) आकार, आकृति देखाव आकृति, स्वरग, दृश्य. Form, shape; appearance. सम०

आर्किकण. न० (आर्किकण्य—आर्किकनस्यभाव आर्किकण्यम्) परिग्रह रहित पणुं, सुवर्ग आदि परिग्रहने अल ५. परिग्रह रहित, परिग्रह का अभाव. Absence of worldly possessions

like gold etc. पंचा० ११; १६; सु० च० ३, ४७;

आकिति. स्त्री० (आकृति) आकाश; देभाव. आकृति; स्वरंग. Form; appearance; shape. जीवा० ३, ४;

आकीलवास. पुं० (आक्रीडावास) गौतम-दीपनां रहता लवण-समुद्रता अधिपति सुस्थिक देवतानो क्रीडावास. गौतम द्वाप में रहने वाले, लवण-समुद्र अधिपति सुस्थिक देवका क्रीडा क्षेत्र. The pleasure-abode of the god Susthika, the presiding deity of the Lavana ocean, residing in the Gautama Dvipa जीवा० ३, ४,

आकुंचण. न० (आकुञ्चन) संकोचयुं ते संकोचना. Contraction. विशेष० २४६२ —पट्टग. न० (-पट्टक) पक्षादी के कभर आधनानुं पत्र. कमर बान्धने वा वस्त्र. a cloth used to tie the waist. धेय० ५, ३१;

आकुंचिय. त्रि० (आकुञ्चित) संकोचयेत् संकुचित, सिकोडा हुआ. Contracted. नाया० १;

आकुट. त्रि० (आकुट) जेने आदेश लरेल वयन संलक्षायव मां आवे ते. जिसे कर्कश वचन सुनाये जावें वह. (One) who is upbraided, reproached आया० १, ६, २, १८३;

आकुल त्रि० (आकुल) लुप्ता “आडल” शब्द देखो “आडल” शब्द. Vide “आडल” सू० १, १, १, २६;

आकृत. न० (आकृत) अलिप्त वस्तु चाही हुई वस्तु; इच्छित वस्तु. Desired object. विशेष० २१५५;

आकृत्य. पुं० (आकृत) अलिप्त; आशय. अभिप्राय; सूझा. Opinion, intended

meaning. (२) न० अलिप्त-वस्तु १२१. चाही हुई वस्तु: इच्छित वस्तु. a desired thing. विशेष० १२५;

✓आ-कृता. धा० I, II. (आ+कृ) कहेतुं; कथन कथुं कहना, कथन करना To tell; to narrate.

आघवेइ भग० ८, २; १६, ६;

आघवेज्ज. वि० भग० ६, ३१;

आघवित्तए नाया० १;

आघवेत्तए. नाया० ८; भग० ९, ३३;

आघवेत्ता. ठा० ३, १;

आघवमाण. नाया० ५; ८; ओव० ३८;

आहिज्जइ. क० वा० सू० २, १, २०;

आहिज्जंति. क० वा० भग० १६, ३; कप्प० ५, १०३;

आघविज्जन्ति. क० वा० नंदी० ४५; सम० ५० १७०;

आक्खेवण. न० (आक्खेपण) आरोप करवे ते. आरोप करना Blaming for a fault; charging with a fault नाया० ७;

✓आखोड धा० I (आ+खुड) खोडुं; हंत पडे कटका कटका करवा. दातों से टुकड़ करवा To tear into pieces by means of teeth.

आखोडंति. नाया० ४;

आगइ. स्त्री० (आगति) आगमन, परलवमां थी आ लवमा आवयुं ते आगमन; परभवसे इस भव में आना Coming; coming to this birth from the previous birth भग० ६, ३, आया० १, ३, ३, ११६; ज० प० २, ३१, वव० ६, २०; राय० २६३; कप्प० ५, १२०; प्रव० ४४; पंचा० २, २५; (२) उत्पत्ति जन्म; उत्पत्ति. birth; creation. “ एगा आगइ ” ठा० १;

—गइ स्त्री० (—गति) अ वयुं लवुं ते; गमनागमन; गत्यागति. आना जाना, गमनागमन.

coming and going, passing and re-passing. पंचा० २, २५, —गइवि-
रण्ण सु० न० (गतिविज्ञान) अथ श्री आये ने
कालं जुं तो निरुप करवे ते भूत भविष्य के
जन्म का निर्णय करना knowledge of
the past and the future births
etc; knowledge of whence
and whither. “आगइगइविण्ण
इमस्स तह पुप्फ पाण्ण ” पंचा० २, २५,
—गइविजाय त्रि० (-गतिविज्ञात)
आवतां नयथी, दासता अथवाथी एवरूपे
नयथी. तस्य भःथी ज्ञायमां अने ज्ञायमां-
थी तस्य भः ज्ञाय आव करवा थी एव
इये नयथी नयथी—ये इदं आदि
एव. आवगमन रूप क्रिया से जावत्व का वाच्य
होना; जेय कि किमो के हनन चलन या आन
जान स यह जानना कि इम में जाव है
known to be living by to and
from motion, e. g. a tiny insect
etc. दस० ४;

आगइमिन्त्त न० (अकृतिमात्र) आकार
मत्र आकार मात्र Only the shape
विवा० १;

आगमगार न० (* अगन्तगार—आगन्तुग
गृह) भुवङ्ग क्षपडि गेरेने उतरवानु स्थान
अगमगार आदि क उतरने का स्थान, सराय,
धमशाला आनेविशाला Caravansary;
a house for travellers. “आगमगारे
अगमगारे सनेण उभातेण उवेतिवासं ”
सू० २, ६ १५.

आगमन्त्त न० (आगन्तव्य) आवतुं आना
Coming सु० च० १, १५३,

आगमन्त्त त्रि० (आगन्तु) आवतार आने
वाला. (One) who comes, a comer.
“अगमगारो महम्मयं ” सू० १, २, १, १६;
१, २, १, १, ११, ३१;

आगमन्तार. पुं० न० (आगन्तगार) आग-तुङ्ग-
हसद्रे ने उतरवानी धमशाला. धमशाला;
saray A house for travellers; a
caravansary. आया० २, १, ८, ४४;
निसी० ३, १;

आगन्तु त्रि० (आगन्तु) अतिथि, भुसङ्ग-
आनेवाला, मुसाफिर A traveller;
a guest. सू० १, १, ३, १; २,
२, ८१, कण० २, ८७; —छेय. पुं०
(-छेद) लविष्यभा प्राप्त यवानु होय
तेनु तलवार वगेरेथी छेदन करवु ते.
भविष्य में प्राप्त होने वाले का तलवार आदि
से छेदन करना destruction of
that which is to come; e. g.
with a sword etc सू० २, २, ८१;
—येय. पुं० (-भेद) लविष्यभा प्र मथवानु
होय तेनु लाखा वगेरेथी भेदन करवु ते.
भविष्यमें आनेवाले का भाला वगैरह
से भेदन करना piercing e. g. with
a lance etc. of that which is
to come or to be encountered
in the future सू० २, २, ८१;

आगन्तुग. त्रि० (आगन्तुक) अतिथि, भुसाङ्ग-
क्षपडि वगेरे अतिथि, मुसाफिर (One)
who arrives, e. g. a traveller
etc ओध० नि० २१६; (२) आववानो
उपसर्ग भावा उपसर्ग-भय the future
trouble “आगन्तुगोय पीलाकरो य जो-
मो उवसगो ” पंचा० १६, ८; सू० नि०
१, ३, १, ४५;

आगन्तुय. त्रि० (आगन्तुक) लुओ उपदेो
शब्द देखा “आगन्तुग ” शब्द. Vide,
“आगन्तुग ” ओध० नि० २१६;

✓आगच्छ धा० I (आगम्) अ गच्छुः
आवी पोयवु. आना, आ पहुचना. To
come; to arrive.

आगच्छइ. नाया० २; १५; १६; भग० १,
६, ७; २, १, जं० प० ७, १३३;

आगच्छंति. नाया० ८; भग० १, ८,
आगच्छंजा. वि० अखुजो० १३४; भग० ६,
५, १३, ६; वेय० ५, १०; ज० प०
२, १६, ओव० १२;

आगच्छे. वि० दसा० ७, १; क० ग० २, ८,
आगच्छह. आ० सु० च० २, ४६६;
आगच्छिस्सइ. भ० उवा० ७, १८८;
आगच्छित्तए. हे० सं० कृ० राय० २४८; भग०
१८, ७; ठा० ३, ३;

आगच्छमाण. व० कृ० भग० १२, ६;

आगति. स्त्री० (आकृति) अ कृति. आकृति;
आकार; प्रकार Form; appearance.
विवा० १;

आगति. स्त्री० (आगति) लुप्ते " आगइ "
शब्द. देखो " आगइ " शब्द. Vide
" अगइ ". ठा० १, १,

✓ आगच्छ. धा० II. (आ + गम्) भेदवतुं,
अभुं प्राप्त करना, पाना. To gain.
(२) लघुवुं-जानना. to know. (३)
आवतुं. आना. to arrive at.

आगमइ विवा० ६;

आगन्तु. सं० कृ० राय० २४५;

आगम्म सं० कृ० आया० १, ६; १, ३;
भग० १, ८; जं० प० ५, १२०;
नाया० १४;

आगमिन्ना. सं० कृ० ओव० २२; उत्त० १,
२२; १४, ३; दसा० ७, १; सूय०
२, ७, ३६; आया० १, ५, १, १४४;

आगन्तुं हे० कृ० सूय० १, १, २, ३१;

आगमित्तए. हे० कृ० भग० १६, ५;

आगमिय. सं० कृ० क० प० ७, १३;

आगमयाय व० कृ० आया० १, ६, ३,
१८५: १, ७, ४, २१३;

आगम. पुं० (आगम) आगम, सिद्धांत; सूत्र.
शास्त्र; सिद्धान्त; सूत्र; आगम. Scrip-
ture; principle, motto. भग० ५,
४; अणुजो० ४२; परह० २, २; ठा० ४,
३; दस० ६, १; (२) आगम प्रमाण;
आप्त वक्ष्यधी थतुं ज्ञान आगम प्रमाण;
आप्तवाक्य से होने वाला ज्ञान, authority
of Sūtra अणुजो० १४७; विशेष० ४७०;
१५५२; (३) आगम व्यवहार आगम
व्यवहार. terms of scripture. ठा०
५, २; (४) आकाश आकाश. the
sky. भग० २०, २, (५) आगमन; आवृत्ति
ते आना arrival; coming दस० ७,
११; (६) (आ-अभिविधिना मर्यादया वा
गम्यन्ते परिच्छिद्यन्तेऽर्थाः येन स आगमः)
केवल मनपर्यव अने अवधि ज्ञान केवल
मनपर्यव और अवधि ज्ञान. the three
kinds of knowledge viz Kevala
Manaparyava & Avadhijñāna
भग० ८, ८, वव० १० ३, पंचा० ६, १;
(७) नवमां पूर्वधी याद-पूर्व भुधी नैवे
पूर्वसे चौदहवे पूर्व तक. the Pūrvas
from the 9th to the 14th Pūr-
va. क० प० ७, १८; —पह. पु० (-पथ)
लाभ मार्ग. लाभका मार्ग. a benefi-
cial or profitable path. ठा० ५;
—बलिय पु० (-बलिक) आगम
ज्ञानभा बलवान; बेली प्रवृत्ति आगम ज्ञान
मे बलवान; बेली प्रवृत्ति. (one)
strong in the knowledge of
the Sāstras, e. g. Kevali etc.
" आगम बलिया समणा शिखंधा " भग०
८, ८; वव० १०, ३; —बहुमाण पुं०
(-बहुमान) शास्त्रनु लुभान करुं ते.
शास्त्र का अधिक मान paying high
reverence to scriptures. प्रव०

३२१; —व्यवहार पु० (—व्यवहार) नव-
पूर्वधी योऽपूर्वसुधी ज्ञानार तथा केवली-
नो व्यवहार—प्रायश्चित्त दानादि विधि
नौ पूर्व से चौदह पूर्व तक जाननेवाला तथा
केवली का व्यवहार—प्रायश्चित्त दानादि विधि.
the Vyavahāra i e. the work
of a Kevali as also of one who
knows the Pūrvas from the 9th
to the 14th Pūrvas g admini-
stering expiation etc प्रव० ८६१,
—व्यवहारि. पु० (—व्यवहारिन्) प्रत्यक्ष
ज्ञानी, नवपूर्वी उपरान्त केवली सुधी प्रत्यक्ष
ज्ञाना, नवपूर्व के ज्ञाना से लगाकर केवल
ज्ञानी तक (one) having direct
visual knowledge; any one from
one knowing nine Pūrvas to a
Kevali जीवा० ३, —सत्य. न०
(—शास्त्र) आगम शास्त्र, श्रुतज्ञान. आगम
शास्त्र, श्रुतज्ञान scripture, Sūtras
“आगमसत्यगगहणं जं बुद्धिगुरोर्हि अद्वेहि
विदिष्ट” नदी० —सुद्ध त्रि० (—शुद्ध)
आगम सूत्र अनुसार निर्दोष—शुद्ध आगम के
अनुसार शुद्ध. faultless, sinless as
judged by the code of Sūtras
“थंविहिमागमसुद्ध सपरेसिमणुगह द्वाप”
पंचा० ६, १;

आगमश्रो अ० (आगमत) आगम शास्त्रने
आश्रीने, सूत्रने अवलंबीने शास्त्र का आश्रय
लेकर. Abiding by the principles
of scriptures, with the autho-
rity of scriptures. अणुजो० १२;
विशे० २६;

आगमण न० (आगमन) आगमन. आवतुं
ते. आगमन, आना. Arrival; coming
भग० ६; ३३, ११, ११; १३, ४, नाया०
३, १६, ओव० २६; राय० ६, पि० नि०

८१, वेय० १, ३६, उवा० १, ४८, पचा० १,
१६. —गहिय विणिच्छय त्रि० (—गृहीत
विनिश्चय) आगमने निश्चय दरेल अने
का निश्चय कि-1 हुआ one determin-
ed to come भग० ६, ३३, —गिह
न० (—गृह पथिकादीनामागमनेनोपेत तदर्थ
वा गृहमागमनगृहम्) धर्मशास्त्रा, भुसाक्षर-
प्यानु धर्मशास्त्रा, सराय. a house for
travellers to lodge “आगमणगहं-
सिवा” वेय० २, १०; —पह न० (—पथ)
आगमने भाग आने का मार्ग, रास्ता.
a way to come in निसी० ४, ३०,
—प्यओयण. न० (—प्रयोजन) आगमने
प्रयोजन. आने का प्रयोजन cause of
arrival विवा० १, ६,

आगमण, गमण, विभक्ति. न (आगमना-
गमनविभक्ति) जेमा अद्र आदिनु आगमन
गमन दर्शाव. भा अ वे तेनु पत्रांश प्रकारना
नाटकमानु सातभु नाटक चद्र आदिका आवा-
गमन प्रकट करने वाला पत्रांश प्रकार के नाटकों
मसे सातवों नाटक the seventh of the
32 kinds of drama exhibiting
the appearance and disappear-
ance of the moon “आगमणागण-
पविभक्तिं णामं दिव्वं णट्टं विहि उवदसेति.”
राय० ६२;

आगमिस्स त्रि० (आगमिष्यत्) भविष्यमा
थनार, आवतु. भविष्य म होने वाला
Future सूय० १, ८, २१, २, २, २३;
आउ० २८, दसा० ६, १, १०, ३, नाया०
१६, आया० १, ४, १, १२६. ज० प० २,
३६, —णिमित्त न० (—निमित्त) भविष्य-
नु निमित्त भविष्य का निमित्त. a sign
or omen of the future. निसी०
१३, १४, ज० प० २, ३६,

आगमोसि. (आगमिष्यत्) भविष्यमा थवानु;

भविष्य में होनेवाला; आनेवाला. Coming in future; future. जं० प० २, ३१; ओव० ३४; —भद्. त्रि० (—भद्) ओ३ लव इरी नेने मोक्ष ज्वनुं छे ते. एक भव कर जिस मात्त जाना है वह. (one) destined to obtain salvation after one birth. सम० ८००; (२) लविष्यनुं इत्यंशु भविष्य का कल्याण future welfare जं० प० २, ३१; “ समणस्व यं भगवओ महावीरस्स अट्ट खयाणुत्तरोवेवाइय य गइ कल्लाणायं जाव आगमसि भहाख उदो सिया ” कण्ठ० ६.

आगमेस्त. त्रि० (आ०.मिष्यत्) आवतो ३३; लविष्यनुं. भविष्य काल; भविष्यका. The future (time); future; belonging to the future. अत० ५, १; भग० २०, ८;

आगत. त्रि० (अगत) आवेत्त; प्राप्त थयेत्त आया हुआ; प्राप्त Come; obtained. उवा० १, ६६; ८६; २, ११३; ११४; ११८; नाया० १; ८; १६; १८; पि० नि० १६८; सम० ११, ३०; सूय० १, १, १, १६; उत्त० ५, ६; १०, ३४, भग० १, ७; २, १; ३, १, २; ५, ४; ६, ३३, १६, ५; १८, २; दसा० ६, १५; दस० ५, १, ८८; राय० २३२; आया० १, १, १, २. —गंध. त्रि० (—गंध) नेभा सुगन्ध उत्पन्न थयेत्त छे ते जिसमे सुगन्ध उत्पन्न हुई है वह. (that) in which fragrance is born. नाया० ७; —पराण त्रि० (—प्रज्ञ-आगता उत्तमा प्रज्ञा यस्या तावत्त प्रज्ञ) गने प्रज्ञा उत्पन्न थय छे ते; अगत बुद्धिवाले. जिसमे प्रज्ञा उत्पन्न हुई है वह; बुद्धिवाला. wise; cautious “ अग्रिम समितीसु गुत्तिसुय आगत्य परणे ” सूय० १, १४, ५; —पराहया. जी० (—प्रभवा-आगतः प्रभवो यस्याः सा).

नेने पुत्र रेहथी पानो यउयो छे ते. पुत्रके स्नेह से जिस स्त्री के स्तन में दूध बढ़जाता है वह. (a woman) in whose breasts there is a flow of milk through maternal affection. “ तएणं सा देवाणंदा माहणी अ गय परहया ” भय० ९, ३३; —समय. त्रि० (—समय) नजि३भां नेने अवत्तर आवेत्त छे ते जिसका समय पास आया हो वह. (that) for which the time is ripe. नाया० ६; आगर. पुं० (आकर) से नु रुपुं यगेरेनी आणु. सोने, चांदी की खदान. A mine (of gold, silver etc) जं० प० ३, ५२; जं० प० ठा० २, ४, भग० १, १; ७, ६; नाया० १; ८; १४; १६; राय० २७३; जीवा० ३, १, ओष० नि० भा० ८, ओव० ३२; उत्त० ३०, १६; सम० ३. वेय० १, ७; १६० ४७; आया० १, ७, ६, २२०; २, १, २, १२; उवा० १, २०; १०८; (२) भीतना अगर. नमक का खदान, a salt-pit, a field from which salt is obtained. आया० १, ७, ६, २२२; २, १, २, १२; उत्त० ३०, १६; ओव० ४, ३२;

आगरिअ-य. त्रि० (आकर्षिक) अल्लोने यण्णी खदान का मालिक An owner of a mine. ओष० नि० भा० ६;

आगरिस् पु० (आकर्ष) अ.कर्षण, जे अतुं ते. आकर्षण; खीचना. Attraction प्रव० २८, पञ्च० ६; (२) इरीथी अइलु इरुं ते. फिर से अइलु करना 10-acceptance. प्रव० ८४३, विशेष १४८४; (३) तेरी रीति (अयवान) प्रयत्नथी इरीइलेनु अइलु इरुं ते कर्म-पुढालों का आकर्षण करना. attracting Karmic atoms. सम० पञ्च० ६; (४) प्राप्ति, यारिन्नी प्राप्ति प्राप्ति, चारिन्

की प्रप्ति gain;—gaining of right conduct. “ पुजागस्सयं भंते एग भय-
ग्गहयिमा-केवइया आगरिसा परणता ”
भग० २५, ६;

आगाढ. त्रि० (आगाढ) कर्कश; कठिण; आकई.
काठन, कठोर Harsh, hard. निसी०
१०, १, २, ३, १३, ११, (२) गाढु
कठिण; प्रयत्न कर्तु बलवान कारण
powerful cause; cogent reason.
गच्छा० ११६, (३) अति अशक्त. अत्यत
असक्त. very weak. ओघ० नि० ७८,
आगाढ जोग. पुं० (आगाढ योग) गणित्ये ग
आचार्ये ये ग गहन कर्तु ते. गणित्यान, जिसे
आचार्य बहन करता है. Head precep-
torship ओघ० नि० ५४८;

आगामि. त्रि० (आगामिन्) अविष्यमां भव-
नार; प्रभयवानुं भविष्य में प्राप्त होने वाला
Coming; future. ठा० २, ४,
—पह पु० (-पथ) अविष्यमां भवयानी
पश्तुने. मार्ग भविष्य में मिलनेवाला वस्तु
का मार्ग. the way leading to a
thing which is to be got in the
future. ठा २, ४;

आगामिय. त्रि० (आगामिक) गाभ-शहर
वगन्तुं ग्राम रहित. Devoid of a city
or a village अन्धेगहया शिगंथा य
शिगथीओय एगमहं आग.भियं छिआवायं
दीहमइ मणुपविह्वा. ” नाया० १८;

आगार. पुं० (आकार) आकृति; संहाण.
आकृति, सस्थान. Configuration;
form. “ सिंगारागार चारुषेसाए ” राय०
भग० ५, ४, पञ्च० १७, नाया० १, २, विशेष
२६, गच्छा० १२१, प्रव० १४६६, पञ्चा० ५,
४; उवा० १, १२, (२) आकार, सिद्ध;
देहेरे आकार, रुपरंग. face, appear-
ance form. पञ्च० ३०, (३) भेद, प्रकार;

तरेह भेद; प्रकार kind; variety. पञ्च०
१३, २१; (४) स्वरूप; विशेष लक्षण.
स्वरूप; विशेष लक्षण. specific shape
or form; special quality. “ आ-
गारो उ विसेसो ” जीवा० (५) (अ क्रियते
आकलयतेऽभिप्रेत मनोविकहित वस्त्वने-
त्याकार) आण येष्ट; आन्तरिक अभिप्राय
सूचक आण, भुग, हान वगेरेनी येष्टा.
आतरिक अभिप्रायसूचक बाण चेष्टा, move-
ments of eye etc, indicative o
inward mind. उत्त० १, २; विशेष
२३२५, (६) कठिसंगता अपवाद-छु,
कायोत्सर्ग का अपवाद exceptions
the rules of Kausagga “
माइएहि आगारेहि अभग्गो अविराहिअं
आव० १, ५; (७) पञ्चआणुना अ-
छुट, पञ्चआणुमा भुकेल आगार. पञ्चक
का अपवाद. exception to
rules of Pachekukhāpa.
६५; —अभावओ. अ० (-अभाव
आकारना अभायथी. आकार के
से. due to the absence
shape. विशेष ६५; —दरिस
(-दर्शन) आकारनुं देणानुं ते
का दृश्य. sight of a fo
shape विशेष ६६; —
(-भाव-आकारस्या कृतेर्भावाः पय
भावाः) आकृतिरूप पर्याय, पर
विशेष. आकृतिरूप पर्याय;
स्वरूप विशेष. a particula
fication of the shape o
भग० ७, ६; —भावपडे
(-भावप्रतावतार आकारस्य
पर्यायास्तेषां प्रत्यवतारोऽत्र
आकारभाव प्रत्यावतार.
पर्यायनो आविर्भाव कर्तव्य

पर्यायतुं अवतन्त्य देयुं ते; वस्तुतुं स्वरूप
विशेष. आकार की पर्यायका आविर्भाव करना;
वस्तु का स्वरूप विशेष. manifesting
or showing the particular
modification of the shape of
a thing. “ किमागार भाव पडोयाराण
भते दीवासमुदापण्यता ” जीम० नाग० ८,
मम० ६, ७; ७, ६; —विगार, पुं० (-वि-
कार) अ कृति-येदुरा उपर थयेन विहार-
कोधाधिगन्त्य ईरक्षर. सुखर होनेवाला
विकार, क्रोधादिजन्य फेरफार a change
on the countenance (produced
by anger etc) “ गहविभममाहृष्टि
आगार विगार तह परासंति ” गच्छा० १२१.
—आगार. पुं० (-आगार) घर, स्थान
घर; जगह a house; an abode
राय० ११३, स्य० १, १, १, १६; नाया०
१; पल० २०; भग० २, १; ६, ३१; दसा०
८, १; आव० १, ५; जं० प० २, ३०;
—आवास पुं० (-आवास) गृह-
स्थावास; घरसंसारमा लपटाई रहने
ते गृहस्थ वास, घर आदी में आसक्त होना
absorption in worldly or
household matters. नाया० ८,
—चरित्तव्रम पुं० (-चरित्रवर्ण-
अगार गृहं तयेग दागारा गृहेणस्तेवां
चारित्रवर्णस्तथा) चारित्र धर्मेने ओक ले-
प्रकार; अभक्ति पूरे आरधनरूप गृहस्थने
चरित्र धर्म चारित्र धर्म का एक भेद,
सम्पत्त्व पूर्वक बारह व्रत रूप गृहस्थ का
चारित्र धर्म. a variety of the
rules of right conduct; a house-
holder's duties in connection
with right-conduct consisting
in twelve vows accompanied
with right faith. ज० ४;

—धम्म. पुं० (-धर्म) गृहस्थधर्म.
गृहस्थ धर्म. the duty of a house-
holder. भग० १६, ६; —वास. पुं०
(-वास) गृहवास, गृहस्थाश्रम. गृहस्थाश्रम.
the stage or condition of life
of a householder. “ सेओ आगारवा.
सोत्ति ” उत्त० २, २६; जं० प० ३, ७०;
नाया० ध० —विणय. पुं० (-विनय)
गृहस्थने विनयरूप धर्म; गृहस्थधर्म.
गृहस्थ का विनयरूप धर्म the duty of
reverence on the part of a
householder. नाया० ५,

आगारमय त्रि० (आकारमय) आकृतिमय;
आकृतिरूप आकृतिलय Having a
form or shape विशेष ६४;

आगारि. पुं० (आगारिन्) गृहस्थ. गृहस्थ.
A householder; a layman. पिं०
नि० २००;

आगाल. पुं० (आगाल) धर्मनी पीछे
स्थितिमाथी धर्मन दक्षिणने उद्दीरण प्रयोगे
येथाने उद्यम न भवते उद्दीरणानु अपर-
न भ. धर्म की दूसरी स्थिति मेंसे कर्म के बाँजों
को उद्दीरण के द्वारा खींचकर उदय में लाना;
उद्दीरण का नामान्तर Forcing up into
maturity Karma which is yet
in the 2nd stage; this is also
called Uddirana क० प० ५, १०,

आगास पु० न० (आकाश-सर्वभावावकाश-
नादाकाशम्) आकाश, लोकासेक व्यापी
अनंत प्रदेशत्मक ७ द्रव्यमानुं ओक अभूत
द्रव्य; धर्मस्तिताय अदि पाच द्रव्यना
आचारभूत द्रव्य. आकाश. लोकालोक व्याप्त
अनंत प्रदेशात्मक छ. द्रव्यों में का एक अनूत
द्रव्य; धर्मास्तिकाय आदि पाच द्रव्योंका आचा-
रभूत द्रव्य. The sky; one of the
six substances pervading the

Loka and Aloka (all the worlds and non-worlds) पञ्च० १, अणुजो० १४३, ठा० २, १, ओव० १० सू० प० १; नाया० १, ८, भग० १, १, ६, २, १०; ५, ६, २०, २, सूय० १, १, १, ७, उत्त० ६, ४८, २६, ७, ३६, २, ६, उवा० २, १३८; १४०, १५१; भक्त० ६१, ज० प० ३, ५६, —अतिवाह पु० (—अतिवातिन्-आकाशं व्योमातिपतन्त्य-तिक्रामन्ति ते तथा) आकाशमा उड्डी आकाश-माथी सुवर्णं वृष्टिं आदि कृत्वा दिव्यं प्रला-दयामासीत् आकाश में उडकर, आकाश से सुवर्णं वृष्टिं आदि के द्वारा प्रभाव प्रगट करने वाला (one) soaring in the sky (one) showing heavenly power by showering gold etc from the sky “अप्पेगइया चारणा विजाहरा आगासाति वाइणो” ओव० १६, —गय त्रि० (—गत) आकाशवर्ति, आकाशमा अवर रહેलु आकाशवर्ति, आकाश में अवर रहा हुआ hanging in the sky “आगासगय चहं आगासगय छत्त” सम० ३४, (२) अतिउत्थु, आकाशतल स्पर्शी बहुत ऊँचा, गगनस्पर्शी sky-kiss- ing; very lofty भग० ६, ३३, १६, ५, —गामि त्रि० (—गामिन) आकाशमा इरनार प्राणु, पक्षी वगैरे आकाश में उडने-वाला प्राणी a bird etc “आगास-गामिणो पाणापाणे किलेसति” आया० १, ६, १, १७७, —तल न० (—तल) आकाशतु तलीयु, आकाश का तल the bottom of the sky. नाया० १४, (२) गगनतल स्पर्शी—ऊँचा भूतल गगन-स्पर्शी—बहुत उच्चा नहल. palaces touching the sky i. e. very lofty जीवा० ३, ३, नाया० १४,

—तल न० (—तलक) अगानी; अग्ने। भोखा a terrace नाया० १६, विवा० ६, —थिगल न (*-थिगल) शरदःशतुनु स्वच्छ आकाश, वाफलथी छुटुं थुं आकाशयस के ले अति स्पष्ट होआय छे, थिगलरूप आकाश शरदःशतुनु का स्वच्छ आकाश the clear blue sky of the autumn as it goes on being cloudless “आगास थिगलेण भते! किरणा फुडे कइहिवा काएहिं फुडे” पञ्च० १५, —पइट्टिय त्रि० (—प्रतिष्ठित) आकाशने अवस्थानीने रहेल आकाश का अवलंबन कर रहने वाला, आकाशावलंबी supported by the sky, hanging by the sky, “आगास पइट्टिय वाए” भग० १, १, —पंचम पु० (—पञ्चम) आकाश जेमा पायमु छे ते—पाय मद्धा भूत पृथ्वी, पाणी, अग्नि, वायु अने आकाश जिसमें आकाश पंचम है नह पंच महामुत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) the five elements of which ether is the fifth (e. g. the earth water, fire, wind and ether, “पुढवी आऊवाऊ तेऊवा, आगारपचका” सूय० १, १, १, ७, —पय म० (—पद) दृष्टिवादान्तगत सिद्धश्रेणि परिकर्मेना येथे भेद दृष्टिवाड के अन्तर्गत सिद्धश्रेणि परि-कर्म का चौथा भेद the fourth part of Siddha Sīoni Parikarma in Distivāda सम० १२, —पपस पु० (—प्रवेज) आकाशने अविशाल्य अश आकाश का अविभाज्य अश an indivisible part of the sky भग० २५, ४; विशेष० ४८६, —कलियसरिस त्रि० (—स्फटिकसदृश) अत्यन्त स्वच्छ, स्फटिक तुल्य अत्यन्त स्वच्छ; स्फटिक तुल्य clean and trans-

parent like crystal ओव०
—फलिया मथ त्रि० (-स्फटिकमय) अति-
स्वच्छ, स्फटिकमय अतिस्वच्छ, स्फटिक मय
very clear, crystal-like “आगाम
फलियामयं सपायपाद सीहासण” सम० राय०
—फलिह पु० (-स्फटिक-आकाशमिष
यश्चयंतमच्छु स्फटिकसकाशस्फटिकम्) अति
स्वच्छ स्फटिक, निर्मल स्फटिक अत्यंत
स्वच्छ स्फटिक very clear crystal
“आगाम फलिहामणु सपायपादेण सीहा-
सणेण” ज० प०

आगासग त्रि० (आकाशक) प्रकाशक
प्रकाश करनेवाला (That) which gives
light सम०

आगासस्थिकाय. पु० (आकाशास्तिकाय-
अस्तयः प्रदेशा तेषां काय समूह अस्ति-
काय) ६२० वस्तुने अवकाश आपनार
द्रव्य, ७ द्रव्यमानु त्रीजुं द्रव्य प्रत्येक वस्तु
का अवकाश देनेवाला द्रव्य, छ द्रव्यों मे का
तासरा द्रव्य A substance in which
all things exist or reside; the
third of the six substances
“आगानस्थिकायस्य ण पुच्छं सोयमा अणेगा
अभिचयणा” उत० २, २०, अणुजो० ६६,
१३१, सम० ६, राय० २७०; भग० २,
१०, ७, १०, २०, २,

आगास फलि ओवमा स्त्री० (आकाश
स्फटिकोपमा) आकाश अने स्फटिकना जैसी
निर्मल ओक वस्तुनी भीक्ष रस वाली आकाश
वस्तु आकाश और स्फटिकके समान निर्मल
ऐसा माटे रस वाला एक प्रकारकी खाद्य वस्तु
A substance as pure and trans-
parent as crystal used as food-
stuff पक्ष० १७, ज० प० २, २०

आगासिउं हे० कृ० अ० (आकृष्टम्) आक-
र्षण करने समीप लायीने आकर्षण करके,

पाम लाकर Having drawn near;
having attracted विशेष० २२२;

आगासिय त्रि० (आकर्षित) आकर्षण करने,
उठाये आकर्षित, आकर्षण किया ओव०
Attracted drawn, lifted up ओव०

आगासिय त्रि० (आकाशित — आकाश-
मय मित प्रात) आकाशवर्ति, आकाशभा-
रहे आकाशवर्ति. Situated in the
sky “आगासियाहि नेय चामराहि” ओव०

आगाहइत्ता स० कृ० अ० (आगाह)
अवगाहीने अवगाहन करके. Having
entered having resorted to.

“आगाहइत्ता चलइत्ता” दस० ५, १, ३१,

आगिइ पु० (आकृति) आकृति, आकार;
संज्ञा आकार; मस्थान Form, con-
figuration, shape. विशेष० २०६२;
७०७, नाया० १, क० गं० ५, ६१; —तिग
न० (-त्रिक) आकृति संज्ञा ६ सधयण
७ अने वृत्ति पाय, ओ नामनी १७ प्रकृतिने
समुदाय आकृति-मस्थान ६ सहनन ६ और
पाच जाति इस प्रकार नामकी १७ प्रकृतियों
का समुदाय the collection of the
17 Prakritis made up of six
Samsthānas. six Saṅghayanās
and five Jātis क० ग० ५, ८,

आगिति स्त्री० (आकृति) ओओ “आगिइ”
१०६ देखो ‘आगिइ’ शब्द Vide
“आगिइ” जीवा० ३, ४, राय० १८८;

✓ आगिल. वा० I (आ + कल् = जि)
जितु जयपामयु जीतना; जय प्राप्त करना.
To conquer, to get victory.
आगिलति भग० ३, २;

✓ आ-ग्धा वा० I (आ + घ्रा) सुगंध लेनी,
सुगंध, वास लेनी सुनव लेना सूघना;
To smell, to scent

आग्वायइ वा० २, २,

आग्वायह नाया० १,

आग्वायमाण व० कृ० नाया० ८,

आघं त्रि० (आख्यातवत्) कहेनार, कथन
करनार, आभ्यान करनार कहनेवाला;
आख्यान करने वाला (One) who
tells or lectures or preaches
सूय० १, १०, १; —अज्झयण न०
(आख्यातवदध्ययन) सूयगाग भूतना पड़ेला
श्रुतस्कंधना १० भा समाधि अध्ययननुं
अपर नाम सूत्रकृताग के पहिले श्रुतस्कंध के
१० वें समाधि अध्ययन का दुसरा नाम
another name of the 10th
Samādhi chapter of the first
Śruta-skandha of the Sūyaga-
dānga Sūtra सूय० नि० १, १०, १०३,
आघस त्रि० (आघर्ष) पाणी साथे घसीने
पीया योग्य औषधि वगैरे पानी के साथ
घिसकर पीने योग्य औषधि वगैरेह Medi-
cine which can be taken after
it has been rubbed with water
on a hard substance पि० नि० ५०२,
आघंसित्ता सं० कृ० अ (आघृष्य) घसीने
घिसकर Having rubbed. आया०
२, ५, १, १४६,

आघवइत्तार त्रि० (+ आख्यातृ)
आभ्यान करनार, कथा करनार. आख्यान
करने वाला, कथा वाचक (One) who
relates or describes, narrator,
ठा० ४ ४,

आघवण न० (आख्यान) आभ्यान,
सामान्य कथन व्याख्यान, सामान्य कथन
Telling, lecturing नाया० १, १८,

आघवणा जी० (+ आख्यान) आभ्यान,
सामान्य कथन. आख्यान, व्याख्यान Telling,
lecturing, “ बहुहि आववणा
हिंय ” उवा० २, १११, भा० ६, २२,

आघविय त्रि० (आख्यात) कहेलु कहाहुआ
Told, related “ भगवया महावीरेण
आघवियु ” उक्त० २६, ७८, परह० २, १,
(२), स्वीकारेन स्वीकृत accepted
अणुजो० १५,

✓आघस धा० II (आ + घृष) थोड़ु
धसनु थोडा घसना To rub slightly
आघमेज वि० निसी० ३, ५;

आघाअ—य. पु० (आघात—आहन्यन्ते
अपनयन्ति विनाश्यते प्राणिना दश प्रकार
अपि प्राणायस्मिन् स आघात) भग्लु,
मृत्यु मरण मृत्यु Death निसी० १२,
२५, दस० ६, ३५, सूय० १, ६, ४;
—मंडल न० (—मण्डल) वधस्थान—
भाडलो वधस्थान हत्यागृह, वूचड़ खाना
a slaughter-house, a place of
killing नाया० ८,

आघात त्रि० (आख्यात) कहेलु कहाहुआ.
Told; related सूय० १, ४, १, ११, १,
१३, २,

आघाय त्रि० (आख्यात) जोगो “ आघात ”
शब्द देखो “ आघात ” शब्द Vide
“ आघात ” सूय० १, १, २, १,

आघायण न० (आघातन) वधस्थान, डामी
देवानी जगल ववस्थान, फाँसी देने की जगह
A place of killing, a place where
men are hanged निसी० १२, २५,

आघायाय व० कृ० त्रि० (आघातयत्)
विनाश करते, धात करतो विनाश करताहुआ,
घात करताहुआ Killing, destroying
“ आघायाय समुनय ” उक्त० ५, ३२,

✓आचर धा० I (आ + चर्) आचरनु,
अनुगत करनु आचरण करना, अनुष्ठान
करना. To practise, to perform.
आचरति दम० ६, १६,

आचरिड हे० कृ० सु० च० १, २७५

आयस्त्रिंशद् हे० कृ० नाया० १४,
आयस्त व० कृ० उत्त० १, ४२, प्र० १२१;
आयस्माण व० कृ० दसा० ६, १, त्रिंश०
३१६०,

आचरण न० (आचरण) आचार, अनुष्ठान
आचार. Practice; performance,
conduct प्रव० ५७७,

आचारमाओ अ० (आचरमाव) छेदा
पर्यन्त छोर तक Up to the end,
till the end क० प० ५, ११,

आचिण्ण त्रि० (आचिण्ण) आचरेत्,
आचरेत् इति. आचरण किया हुआ
Practised; observed राय० ३७,

आचेलक त्रि० (आचेलक्य-न विद्यते चेल
वस्त्र यस्य सअचेलकस्तस्य भाव आचेल-
क्यम्) परिमाण उपरात वस्त्र न रक्ष्यता ते,
पडेता अने छेदा तीर्थकरना साधुयोगे
भट् आचेली ओक मर्यादा परिमाण मे अविक
वस्त्र न रखना, पहेने ओर आत्म तीर्थकर के
साधुओं के लिये नियत की हुई एक मर्यादा
Having no garments beyond
the prescribed limit, a fixed
limit in the matter of garments
of the Sādhus of the 1st and
last Tirthankaras “ आचेलको
धम्मो पुरिमस्सय पच्छिमस्सय जिणस्सं ”
पचा० १७, ६,

आचेलुक्क न० (आचेलक्य) पडेता अने
छेदा तीर्थकरना साधुयोगे उदय, मान-
परिणाम सहित संदेह दहन अथवा मू-य-
पक्षा पर्य धारण करवा ते पहिले ओर
अन्तिम तीर्थकर के साधुओं का कल्प अल्प
मूल्य वान परिमित सुकेद वस्त्रा कांष्ट वारण
करना. The religious practice (in
the matter of wearing clothes)

of the Sādhus of the first and
last Tirthankaras; viz putting
on white, scanty and cheap
garments. प्रव० ६५८;

आच्छादण न० (आच्छादन) ओला
आच्छादन, चादरा A bed-cover, a
covering आया० १, २, १, ६२ कप्प०
४, ६५,

✓ आच्छिद्द वा० I. (आ+च्छिद्) छेद
करतुः थोड़ा छेद छेदन करना, कुछ छेदना
To cut, to cut a little.

आच्छिद्देज्ज वि० निमी० ३, ३४;

आच्छिदिहिति भग० १५, १, ठा० ५;

आच्छिदिता निमी० ३, ३६,

आच्छिदिय स० कृ० प्रव० १८६,

आच्छिदमाण व० कृ० भग० ८, ३,

आच्छिदित्तर त्रि० (आच्छेत्) लगाए
पाडणार. भग करनेवाला (One) who
breaks up or disperses by creat-
ing again सम० ३३;

✓ आ-छट वा० I, II (आ+छट) गणी
आट्ट. जल छिटकना To sprinkle
water

अच्छोडेइ नाया० १८,

आजम्म अ० (आजन्मन्) अंगी पर्यंत
आजन्म, जीवन पर्यंत Life-long
‘ वसिज नत्थ आजम्मगायमा संजय सुणी ’
गच्छा० ७, पचा० १७, २८,

आजाइ स्त्री० (आयानि) आयतु ते, पूर्वा
लयमंथी आयतु ते आना, पूर्वभव से आना
Coming, arrival, coming from
the previous birth ठा० १०,

आजाइ स्त्री० (आजाति-आजायन्ते तस्या
मित्याजाति,) जन्मयुं ते, जन्म, उत्पत्ति.
जन्म, उत्पत्ति Birth, creation. भग०
४, ३, ठा० १०, — द्वाण न० (-स्थान)

जन्म-उत्पत्तिनुं स्थान-संसार. जन्म-उत्पत्ति का स्थान-संसार the place of birth ठा १०, (२) आन-द्विष्टानुमे दशाश्रुत-स्कंधनु दशभुं अध्ययन दशाश्रुतस्कंध का आजाद्विष्टाण नाम का दसवाँ अध्ययन. the 10th chapter named Ājāitthāṇ of Daśāśrutaskandha ठा १०, —द्वाराज्जयण न० (—स्थानाध्ययन) दशाश्रुतस्कंधनु अपर नाम, आचारदशा सत्रनु १० भु अध्ययन दशाश्रुतस्कंध का दूसरा नाम, आचारदशा सूत्र का १० वाँ अध्ययन another name of Daśāśruta-Skandha, 10th chapter of Āchāradaśā Sūtra ठा १०, **आजीव पु०** (आजीव — आजीवनमाजीव) आशुविडा, वृत्ति, रेख आजीविका, वृत्ति, धन्दा Livelihood प्रब० ११४, (२) आशुविडा पुरतो द्वय सयय आजीविका के याग्य ऋष्य का सयय wealth sufficient for livelihood सूय० १, १३, १४, (३) उपययुना १५ मोपमानो येथे होप, नति वगेरे नलापीने आहारदि लेव ते उपायण क १६ दापो म का च्छेथा दाष अर्थात् जाते वंगरह बनाकर आहारादि लेना the 4th out of 16 Upāyana faults, accepting food after making one's caste etc known, the fourth of the 16 faults known as Upāyana पि० नि० ४०८, (४) गोशालाना मतनु नाम गोशाला के मत का नाम name of the creed of Gosālā भग० ८, १, (५) गोशालाना मतनो साधु गोशाला के मत का साधु an ascetic of the creed of Gosālā भग० ८, ४; पि० नि० ४५५, प्रब० ७३८;

—भय पु० (—भय) आशुविडानु भय आजीविका का भय fear of maintenance सम० १, प्रब० १३३४, —वित्तिया स्त्री० (—वृत्तिता-ज्जति कुल गुण कर्म शिल्पा-नामा-विनमाजीवनमाजीवस्तेन वृत्तिस्तद भाव आजीव वृत्तिता) नति, कुल, आदि दर्शापीने आहार लेवो ते, उपायणा नो येथे होप जाति, कुल, आदि प्रकट कर के आहारादि लेना, उपायणा का चोथा दोष acceptance of food after making known one's caste, family etc, the fourth fault of Upāyana दस० ३, ६,

आजीवग पु० (आजीवक) गोशालानो साधु गोशाला का साधु An ascetic of Gosālā creed प्रब० ७३८,

आजीवग पु० (आजीवग-आसमन्ताज्जीव-त्यनेनत्याजीवोऽर्थनिचयस्तगच्छम्याश्रयत्य-सावा जावग) पैसानो भद वन का मद. Pride of wealth “आजीवग चेव चउत्थमाहु से पडिए उत्तम पोगाले से” सूय० १, १३, १५,

आजीवणा. स्त्री० (आजीवना) आशुविडा आजीविका, रजगार Livelihood पि० नि० ४३७,

आजीवि. (आजीविन्) गोशालानो शिष्य, गोशालाना मतनो अनुयायी गोशाला का शिष्य, गोशाला के मत का अनुयायी A follower of the tenets of Gosālā, a disciple of Gosālā दवा० ७, ३, (२) जे साधु पोतानी नति, कुल, शिल्प, तप वगेरेनी प्रशन्ना डरी आहार लेव ते, पेटलरो साधु, अपर्ना जाति कुल, शिल्प तप आदि का प्रशन्ना कर आहार मांगनेवाला, पेटभग साधु an ascetic who in order to get food practices

his own community, family, conduct, austerity etc प्रव० ११४

आजीविक पुं (आजीविक) लु०ओ०
उपलो० शब्द० देखो "आजीवि" शब्द
Vide above ओव० ४१,

आजीविय. पु० (आजीविक-अविदेकिबोक्तो
बन्धिपूजाख्यात्यादिभिस्तपश्चरणा दीन्या-
जीवतीत्याऽजीविक) गोशालानो साधु,
गोशालाना भननो अनुयायी. गोशाला का
साधु, गोशालाका अनुयायी. An ascetic
of the creed of Gośālā सम० २२;
निसी० १३, ६३, पञ्च० २०, भग० १, २,
१५, १, उवा० ७, १८१, २१४;—उवासग
पु (-उपासक) गोशालाना भननो
आप०. गोशाला के मत का आवक.
a Śrāvaka of the faith of
Gośālā "तस्य खलु इमेदुवालस आ-
जीवियोवासगा भवति" भग ८, ५, —उवा-
सय अ० त्रि० (-उपासक) गोशालाना
भननो आप० गोशाला के मत का आवक
a Śrāvaka of the faith of
Gośālā. उवा० ७, १८१, १८५,
—समय पु० (-समय) गोशालानो
सिद्धान्त, गोशालाना भननु शास्त्र
गोशाला का प्ररूपित किया हुआ सिद्धान्त,
गोशाला के मत का शास्त्र. a scripture
of the creed of Gośālā "आ-
जीविय" समयसय अयमद्वे परणते "
भग० ८२, १५, १, —सुत्त पु० (-सूत्र)
गोशालानु परूपेय सूत्र गोशाला का प्ररूपित
सूत्र. a Sūtra of Gośālā's creed
सम०

आडवर पु० (आडम्बर) भोटुं नगाड बडा
नगाडा A big kettledrum अणुजो०
१२८,

✓आडह धा० I. (आ + दह) आलतुं.
जलाना To burn 'आडहति.' सूय० १,
५, २, ३, "थूल वियासं मुहे आडहति"
आडा क्री० (आटा) पाणीमा तरनार ओड
भतनु पक्षी, पक्षी विशेष पानी में तैरने-
वाला पक्षी, पक्षी विशेष A kind of
bird that can swim in water.
पञ्च० १; पराह० १, १,

आडोलिया. क्री० (*आडोलिया) नाना
आलडाने रमयानु ओड रमडुं. छोटे बालकों
के खेलनेका एक खिलौना. A toy for
young children. "एव वट्टए आडोले-
याओ तेंदुसए पोत्तुहए साडोहए ... अ-
हरति." नाया० १८;

✓आडोव. धा० II. (आ + टोप्) विस्तारीने
भरतु. विस्तार करके भरना. To fill by
expanding.
आडोवेत्ता भग० १, ६,

आडोव पुं (आटोप) विस्तार विस्तार
Expansion नाया० १, उवा० २, १०७,
कण्ठ० ३, ३५,

आडअ—य पु० (आढक) यार प्रस्थ
प्रमाणे धान्य माप विशेष दान्य नापने का
माप विशेष A kind of measure
of corn ओव० ३८; राय० २७२, प्रव०
१३६५,

आडई क्री० (आडकी) तुवरतुं आड. तूर का
फाड A kind of plant bearing
corn called Tuvar पञ्च० १;

आडग पु० (आढक) यार आडक प्रमाणे
धान्य माप विशेष दान्य का माप विशेष.
A certain kind of measure of
corn तडु० प० १४, अणुजो० १३२,

आडत्त त्रि० (*आरम्भ) आरम्भेतुं.
आरम्भ किया हुआ Begun; com-

menced पि० नि० ४६०, क० प० ७,
४७, भग० ६, ८, सु० च० २, ५, ७

आढसं स० कृ० अ० (आरभ्य) आरंभीने
आरभ करके Having begun
परण० १७,

✓ आढा धा० I. (आ+ढ) आढर करवे।
आदरकरना To honour, to respect
आढाह-ति भग० ३, १, ६, ३३, विवा०
६, नाया० १, ४, ६, १६, १६,
राय० ७८, २२७; सूय० २७३७,
उवा० ७, २१५, निर० १, १,

आढति नाया० २, १६, भग० ३, १,

आढायति नाया० १, १६, भग० ३, २,

आढाएजा वेय० १, ३३,

आढाहि नाया० १६,

आढाह नाया० ६, भग० ३, १,

आढायमाण व० कृ० आया० १, ७, १,
१६७, भग० ३, १,

आण पु० (आण) श्व.सोच्छ्वास श्वासो-
च्छ्वास Respiration भग० ५, १,
स० प० ८, (२) स०प्यात आवलिका
प्रमाणे कालने अेक विलाग, तन्दुरस्त
माणसना अेक उच्छ्वास प्रमाणेना काल
सख्यात-संख्यायुक्त आवलिका प्रमाण काल
का एक विभाग, निरोग मनुष्य के एक श्वास-
प्रमाण काल a division of time
equal to one breath of a healthy
man अणुजो० ११५, —गहण न०
(—ग्रहण) प्राणवायु (उच्छ्वास नि श्वास)
ने योग्य मुद्गलनु ग्रहण करवु ते प्राणवायु
(श्वासोच्छ्वास) के योग्य पुत्रल का ग्रहण
करना taking in matter fit for
respiration “ समय आणगहण ”
पक्ष० १,

आणअ पु० (आनत) नवमा देवलोकतु

नाम नौवें देवलोक का नाम Name of
the 9th Devaloka अणुजो० १०४,
आणत्तर त्रि० (आनन्तर-अनन्तरे भव
आनन्तर) अन्तर नहि ते-निरतर अन्तर
न होना, अनन्तर-इतरेतर Without
interval, coming after imme-
diately आया० नि० १, १, १, २१,
आणद पु० (आनन्द) आनन्द, हर्ष आनन्द,
हर्ष, प्रमोद Delight, joy आया० १,
३, १, ११७, नाया० १, २, भग० ११, ११,
उवा० २, ६१, (२) अेक अहोरात्रिना त्रीश
मुहूर्तमाना १६मा मुहूर्तनु नाम, समवायग
नी गणुत्री प्रमाणे ११ मु मुहूर्त एक अहो-
रात्रिके तीस मुहूर्तमें से १६ वे मुहूर्त का
नाम, समवायग की गिन्ती के अनुसार
११वा मुहूर्त the name of the
16th out of 30 Muhūrtas of
one day and night, the 11th
Muhūrta according to the calcu-
lation of Samavāyanga सू० प०
१०; ज० प० ७, १५२, सम० ३०, (३)
आवनी चोवीसीना छट्ठे बलदेवका नाम
आगामी चोवीसी के छट्ठे बलदेवका नाम the
name of the 6th Baladeva of
the coming Chovīsī सम० प० २४२,
(४) शीतलनाथ स्वामीना पहिला गणधर.
शीतलनाथ स्वामी के पहिले गणधर.
the first Ganadhara of Śītala-
nātha Svāmī सम० प० २३३,
(५) भगवान् महावीर स्वामीना अन्ते-
वासी अेक शिष्य महावीर स्वामीका समीपवर्ति
एक शिष्य. a disciple of Mahāvīra
Svāmī “समणस्स भगवओ महावीरस्स
अतेवासी आणद नाम थेरे” भग० १४, १,
(६) आणुद नामे गृहपति के जेने धेर
भगवान् महावीर स्वामीजे पीन भास-

अभिलुप्तं पारणं धर्तुं. आनन्द नामक एक गृहस्थ जिसके यहाँ महीवार स्वामी ने दूसरे मासखमण का पारना किया था a householder named Ānanda: at whose house Mahāvīra had broken his fast of second month भग० १५, १, (७) गन्धमादन नामना वज्जरापर्वतने वसन्तर देव गन्धमादन नामक वज्जरा पर्वत पर रहने वाला देव a deity residing on the Gandhamādana Vakhāā mountain. ज० प० (८) भरतक्षेत्रना आलु येवीसीना छट्ठा अक्षदेवना नाम भरत क्षेत्रकी वर्तमान चौबीसाके छट्टे बलदेवका नाम name of the 6th Baladeva of Bharata Ksetra in the present Chovīsī (1 e cycle) प्रव० १२२५, (८) वाल्मीकि नगरने निवासी आणंदश्च श्रावक; उपासक सूत्रना दश श्रावक पैडी प्रथम श्रावक, ३ जेणे महावीर स्वामी पासे व्रत आदर्या, श्रावकनी ११ पडिमा अगीकार करी श्रावकपणामाज अवधिज्ञान प्राप्त धर्तु, ओइ भायने संथारे धर्तु-विस्तार उवा० ना प्रथम अध्ययनमा छे त्याथी जेठ लेवे। वाणिज नगर का एक आनन्दजी नामक श्रावक उपासक सूत्र में वर्णित दस श्रावकों में का पहिला श्रावक जिसने महावीर स्वामी से व्रत ग्रहण किया था, श्रावक की ११ प्रतिमा अगीकार करके श्रावक अवस्थामें ही अवधिज्ञान प्राप्त करके एक मास का संथारा किया, इसका विस्तृत वर्णन उवा० के प्रथम अध्याय में है name of a Śiāvaka of Vāṇij city, who practised vows by the preaching of Mahāvīra and accepted the

vows of a householder; he obtained Avadhijñāna while still a Śiāvaka and practised Santhāro for a month. उवा० १, १०, सत्या० (१०) उपासकदशा सूत्रना पहिला अध्ययननु नाम उपासकदशा सूत्र के पहिले अध्ययनका नाम the name of the 1st chapter of Upāsakadaśa Sūtra उवा० १, २ (११) अणुत्तरो-ववाध सूत्रना ७ मा अध्ययननु नाम अणुत्तरोववाध सूत्र के ७ वे अध्यायका नाम the name of the 7th chapter of the Anuttarovavāi Sūtra अणुत्त० ७, (१२) धरणेन्द्रना रथनी सेनाने अधिपति धरणेन्द्रकी रथसेना का अधिपति -नायक. commander of Dharaneन्द्रa's army consisting of chariots ठा० ५, १, —अजम्भयण न. (-अध्ययन) उवासगदसा सूत्रना पहिला अध्ययननु नाम उवासगदसा सूत्रके पहिले अध्याय का नाम. the name of the first chapter of Uvāsagadasā Sūtra उवा० १, (२) अणुत्तरोववाध सूत्रना ७ मा अध्ययननु नाम अणुत्तरोववाध सूत्रके ७ वे अध्याय का नाम the name of the 7th chapter of Anuttarovavāi Sūtra अणुत्त० ७, (३) निर्यावलिका सूत्रना २०१ वर्गना नवमा अध्ययननु नाम निर्यावलिका सूत्र के दूसरे वर्ग के नौवे अध्याय का नाम. the name of the 9th chapter of the second section of Nīr- yāvalikā Sūtra निर० २ ६; —कूट न० (-कूट-आनन्द नाम्ने देवस्य कूटमानन्द कुटम्) गन्धमादन नामे वज्जरा पर्वतनु सावधु जिअर गन्धमादन नामक

वसारा पर्वत का सातवाँ शिखर the 7th summit named Gandhamādana of Vakhārā mountain जं० प० —रूप त्रि० (-रूप) आनन्दरूप, आनन्दमय आनन्दरूप, आनन्दमय. full of delight. नाया ६;

आणंदजीव पु० (आनन्दजीव) आवती उत्सर्पिणीमा धनार पेदाव नामना ८ भा तीर्थक्षेत्रं पूर्णवर्णं नाम, आनन्दनो आत्मा आगामी उत्सर्पिणीके वरें तीर्थकर का पूर्वजन्म का नाम, आनन्द की आत्मा The name of the previous birth of the would-be 8th Tīrthan-kāra named Pedhāl of the coming Utsarpmī, the soul of Ānanda प्र० १६७,

आणंदरक्षिण पु० (आनन्दरक्षिण) ओ नमना पार्श्वनाथना ओष्ठ धियर सधु (स्थविः) पार्श्वनाथ स्वामीके एक (स्थविर) साधु का नाम Name of an ascetic of Pārśvanātha, “तथैव आणंदरक्षिण नाम धरे” भग० २, ५,

आणंदा स्त्री० (आनन्दा) पूर्ण दिशाना रूपक पर्वत उपर वसनारी आह्वानी त्रींश दिशा-कुमारिका पूर्वादिशा के रुचक पर्वतपर वसनेवाली आठ दिशाकुमारियों में से तीसरी दिशाकुमारी The third of the 8 Disākumārīkās residing on the Rūchaka mountain of the East जं० प० ५, ११४, (२) लक्ष्मीपना पूर्णना अजनक पर्वत उपरनी ओष्ठ लाभ स्नेहन प्रमाण लागी पड़ोसी अने १० स्नेहन उड़ी ओष्ठ पावनु नाम लवण-द्वीप की पूर्व दिशा के अजनक नामक पर्वत पर श्री एक बावड़ी का नाम जो एक लाख योजन लंबी चौड़ी और १० योजन उड़ी है

१. II/5.

the name of a well one lac Yojanas long and broad and ten Yojanas deep on the Anjanaka mountain to the east of the Lavana-Dvīpa. प्र० १४६३; ठा० ४, २, जावा ३, ४;

आणंदिअ—य त्रि० (आनन्दित) आनंद पामेद, आनन्द युक्त आनन्द पाया हुआ; आनन्दयुक्त Joyous, delighted. “हृष्टं तृष्टं चित्तमाणादि” श्रौ० ११, नाया० ध० भग० २, १, सु० च० ३, १२४; कप्प० १, ५,

आणदखेउं. स० कृ० अ० (परीक्ष्य) प० १६१ इ० १६१, तथास उरीने परीक्षा करके, जाच करके Having examined ओष्ठ० नि० ३६,

आणद्वकिह. त्रि० (आज्ञार्थकृति—आज्ञाऽऽगमाऽर्थे शब्दस्य हेतु वचनस्यापि दर्शनादर्थो हेतुरस्याः सा तथा विवाकृतिरर्थान्मुनि वेषात्मिका यस्य स आज्ञार्थकृति) मुनि वेषना देखाव वाला मुनि वेषना दिखाव वाला. (One) appearing like, looking like an ascetic “आणद्वकिह पव्यए” उक्त० १८, ५०;

आणण न० (आनन) मुँह, मोँह, मुख A face, a mouth. ‘कुडल उज्जाद्वयाणणे’ नं० प० जीवा० ३, ४ पञ्च० २, नाया० १; कप्प० २, ८४, ३, ३६,

आणयणडु. न० (आनयनार्थ) लावानेभाटे. लाने को In order to bring पचा० ७, ३६;

आणत पु० (आनत) नयमा देवलोऽनु नाम नौव देवलोक का नाम Name of the 9th Devaloka जीवा० २,

आणत्त त्रि० (आज्ञत्त) आज्ञा आपेद; आदेश करे, हुकूम करे आशापित;

‘आदेशित; हुक्म किया हुआ. Ordered; commanded. पण्ड० १, ३; सु० च० २, ६, १३, विशेष० १०६४, नाया० ८, १६; भग० ७, ६;

आशुत्त. न० (अन्-त्व) परस्पर भेद-भिन-पाशु, शुद्ध परस्पर भेद; भिन्नता, जुदाई. Mutual separation, separation राय० २६०, पञ्च० १५, भग० १८, ३;

आशुत्ति. स्त्री० (आज्ञप्ति) आज्ञा, हुक्म, आदेश. आज्ञा, हुक्म, आदेश. Order, command. “आशुत्ति पञ्चपिण्ड” ज० प० ३, ४८. नाया० ३; —किङ्कर पुं० (-किङ्कर) आज्ञापाक्ष नोक्षर. आज्ञापालक नोकर an obedient servant ज० प० ३, ४५;

आशुत्तिआया स्त्री० (आज्ञप्ति) आज्ञा; हुक्म आदेश आज्ञा, हुक्म. Order, command. विवा० १, भग० ७, ६; ६, ३३. नाया० १, ८, १५; १६, नाया० ध० ओव० २६, राय० २८, उवा० २, १०६, ज० प० ३, ४४,

आशुपाण पु० (आनपाण) ओ३ श्व सो-रुवाय प्रमथु शत्रु एक आनाच्छवास मे जितना समय लगे उतना समय. Time required for a single breath. जीवा० ३, ४; —भासा. स्त्री० (-भाषा) श्वसोच्छ्वास स अने भाषा ओ३ ओ३ पर्याप्ति श्वसो-च्छ्वास और भाषा ये दो पर्याप्ति. the de-velopment of the two faculties viz that of respiration and that of speech क० प० ४, १५,

आशुप. त्रि० (आज्ञाप्य) देने आज्ञा-हुक्म करी शत्राय ते, आज्ञा दियन २. जिसे आज्ञा दी जासके, आज्ञानुसार चलनेवाला (One) carrying out an order. (one) who can be ordered

“आशुप्ता इवन्ति दासावा” सूय० १, ४, २, १५;

✓आशुम धा० I. (आ+अन्) आशु धारण करवा, श्रवण; जीना; प्राण धारण करना To live, to breathe.

आशुमंति. सम० १, भग० १, १, २, १; ६, ३३-३४; पञ्च० ७;

आशुममाण. भग० ६, ३३;

✓आशुय धा० I (आ+ना) लावण, लभ-अवणुं. लाना. To bring, to fetch. अशुयइ. क० गं० ३, १२;

आशुय पु० (आनय) नवमे देवलोक. नौवें देवलोक The ninth Devaloka () नवमा देवलोक विमान. नौवें देवलोक वा विमान. a heavenly abode of the ninth Devaloka ओव० २६, सम० १६, पञ्च० १, ठा० २, ३, उत्त० ३६, २०६; नाया० १; भग० ३, १, ८, १, १८, ७; विशेष० ६६६, —देव पुं० (-देव) नवमा देवलोकना देवता के जेना १९ सागर पमनी स्थित छे—ओगलीस हजार वर्षे आहारनी भ्रष्टा अने १९ पण्डित्ये जे श्वसोच्छ्वास स ह्ये छे. नौवें देवलोक के देव जिनकी आयु १९ सागरपम है और उर्जाम हजार वर्षवाद जिहें आहार वा इच्छा हेता है तथा १९ पञ्च (६११ माह) बाद श्वसोच्छ्वास जत है the duties of the ninth Deva-loka who live for 19 Sāgaro-pamas, take food once in 19 thousand years and breathe once in 19 fortnights. भग० २४, २१;

आशुयण न० (आनयन) अशुयणी लावणुं ते. बाहर से लाना Bringing from out-side. प्रव० २८५; पञ्चा० १, २०;

— पणयोग. पु० (—प्रयोग) आधेदी ६६नी
७६रथी ३६ परतु भगवथी ते, आवकन
६शभा प्रतनी प्रथम अतिचार. नियत की
हुई मयादा के बाहिर से वस्तु मगाना, आवक
के दशवें व्रत का प्रथम अतिचार the
first of the partial violations
of the 10th vow of a Śiāvak
पचा० १, २०, प्रव० २८५,

आणवण न० (आज्ञापन) आदेश; प्रति-
बोधन, प्रवर्तन आदेश, प्रवर्तन Order,
command उवा० १, ५४,

आणवणिया खा० (आज्ञापनिका) पापने
आदेश-हुकम कर्माथी कर्मवध आय ते, २५
क्रियामानी ओइ पाप के आदेश से कर्मवध
होना, २५ क्रिया में से एक Incuring
Karma by ordering some evil
action ठा० २, १;

आणवणी. खा० (आज्ञापनी) आज्ञा आप
वानी आपा, व्यवहार आपानो ओइ प्रक २
आज्ञा करने की भाषा, व्यवहार भाषा का
एक भेद A sort of language viz
that of command पञ्च० ११, भग०
१०, ३ प्रव० ६०१,

आण खा० (आज्ञा) आज्ञा; आदेश,
हुकम, तीर्थकर, गणधर, गुरु, वडील, वगेरे
नु करमान आज्ञा, हुकम, आदेश, तर्थाकर,
गणधर, गुरु, माता पिता आदि की आज्ञा.
Order, command भग० १, ३, २,
१, ५, ३, १, ७, ७, ६, ८, ८, १८, २,
नाया० १, ८, ६, १६, १८, आया० १, १,
३, २१, १, ६, २, १८४; ओव० २०, ३०,
३२, ३४; उत्त० २, २, २६, १, अणुजा०
२१; ४२; राय० ३१, दस० १०, १, १, पि०
नि० ८०, १८३, पि० नि० भा० २६, प्रव०
१०८, कण्ठ० २, १३, गच्छा० ३६, ज० पं०
५, ११५; वव० ४, १८, ६, ३७, १०, ३,

सूय० २, ६, ५५, (२) आज्ञातो उपदेश.
छात्रका उपदेश. the teaching or
advice of an authoritative per-
son पचा० २, ३२, (३) ओ॥ध. सम्यक्त्व
सम्यक्त्व right knowledge पञ्च० १,
(४) आज्ञा व्यवहार आज्ञा व्यवहार
Ājñāvyaṁhāra ठा. ५, २, प्रव०
८६', —अणुग त्रि० (—अनुग) आज्ञाने
अनुसरनर आज्ञा के अनुसार चलनेवाला.
(one) who obeys, carries out,
an order. अणुजो० ४२; (२)
अगमनुसरी आगमके अनुसार चलनेवाला
(one) who acts according to
the orders (of scriptures)
पचा० १६, २६, —अणुगामि त्रि० (अनु-
गामिन्) आज्ञा ने अनुसरनर आज्ञा क
अनुसार चलनेवाला (one) obeying,
carrying out, an order. अणुजो०
३१, —इस्सरिय न० (—इस्सर्य) आज्ञा
करनामा ईश्वर्य-महता आज्ञा करने में
ऐश्वर्य महता power of ordering,
power of command “अणा इस्स-
रियच मे” उत्त० २०, १४, —ईस्सर.
पु० (—ईश्वर-आज्ञाया इश्वर आज्ञेश्वर)
हुकम करनेवाले, आज्ञा करनेवाले आज्ञा करने-
वाला one having the power to
command सम० १८, ज० पं० ३, ६६,
—कांख त्रि० (—कांखिन् आज्ञामां-
कांखितु शीलमस्येत्याज्ञावात्) सर्वजना
उपदेश प्रमाणे अनुष्ठान करनेवाले सर्वज्ञ क उप-
देश का अनुष्ठान करनेवाला (one)
abiding by the teachings of the
omniscient “इह आणा वखी पडिण्”
आया० १, ४, ३, १३५, —कारि. त्रि०
(कारिन्) सर्वजनी आज्ञा प्रमाणे वर्तना
सर्वज्ञ की आज्ञादुसार चलनेवाला (one)

acting according to the orders of the omniscient. “ एयस्म फलं भणियं इय आणाकाणिणो उसङ्गस्स ” पंचा० ७, ४६, —गारि त्रि० (-कारिन्) शुची-दिक्कनी आत्ता प्रभाणु वरनार. आणाकारा. गुरु की आज्ञा को मानने वाला (one) who acts according to the order of a preceptor etc पंचा० ८, १२, —सिद्धेस्स पु० (-निर्देश) विधिनिषेधजुं प्रतिपादन करु ते विधिनिषेध का प्रतिपादन करना. explanation of things commanded and things prohibited (२) आत्ताने. स्वीकार आज्ञा का स्वीकार acceptance of an order “ आणा सिद्धेस्स कर ” उक्त० १, २, —सिद्धेस्सयस्स पु० (-निर्देश-कर) आत्ताने आराधक, आत्ता स्वीकारनार आज्ञा मानने वाला. one who obeys, pays homage to, an order “ आणा सिद्धेस्स करे ” उक्त० १, २, —परतत्त. त्रि० (-परतत्र) तीर्थंकरनी आत्ता ने आधीन. तीर्थंकर का आज्ञा के आधीन obedient to the order of a Tirthankara. पंचा० १४, १६, —पवित्ति धी० (-प्रवृत्ति) सर्वज्ञनी आत्ताने आधीन थुअ प्रवर्तन करवुं आज्ञा के अनुसार चलना. acting according to the order of a Tirthankara “ आणा पवित्तिओच्चिय सुद्धो एमोण अण्णहाणियमा ” पंचा० ८, १२, —वक्क. त्रि० (-वाह्य) सर्वज्ञनी आत्तानी गहारे; आत्ता रहित सर्वज्ञ की आज्ञा के बाहिर. not commanded by the omniscient, outside the pale of things ordered by the omniscient. “ समिति पवित्ति सव्वा आणा वक्कत्ति भवक्कत्ता चेव ” पंचा० ८, १३;

—बलाभियोग. पु० (-बलाभियोग-आज्ञा-पनमाज्ञा भवनेदं कार्यमेव तदकुर्वतो बला-त्कारण बलाभियोगस्ततश्चाज्ञया सह बलाभि-योगा आज्ञावनाभियोग.) दुक्कम अने गला-त्त रनेो कूपये. ग दुवे ते, हुक्म कर बलात्कार का उपयोग करना. command accom-panied with physical force. “ आणावलाभियोगो सिग्गथाण स कप्पने काउं ” पंचा० १२, ८, —भंग पु० (-भङ्ग) सर्वज्ञनी अज्ञानो लग सर्वज्ञ की आज्ञा का भंग. breach of an order of the omniscient पंचा० ५, ४५; —लुइ द्वा० (-लुचि) सर्वज्ञना वयन-द्वरम नथी उत्पन्न थयेली रुचि; समझितनेो ओइ प्रकार सर्वज्ञ के वचन से उत्पन्न रुचि; सम्यक्त्व का एक भेद liking produced by the order, teaching, of the omniscient, a variety of right faith based on liking ओव० उक्त० १८, १४, ता० ४ १, पंचा० ११, १२; प्रव० ६६७, (२) त्रि० नेवी रुचियालो, सम-झितना दश प्रकार में से एक वैसा रुचिवाला; सम्यक्त्व के दश प्रकार में से एक (one) possessed of the above kind of liking. भग० २५, ७, उक्त० १८, १४; —लोअ. पु० (लोप) अज्ञानो लग लोप. आज्ञा का भंग violation of an order पि० नि० भा० २५, —ववहार. पु० (-व्यवहार) गीतार्थ ओ आय यो लुहे लुहे स्थले लोप होय, अवस्थ ने लोपे ओइ जीज्जनी पासे लोप शके ओही स्थितिमा नथी त्य रे अगीतार्थ पणु मनि धारणुमा दुश्चल ओवा द्वाअ शिष्य ने गुप्त अर्थमा अतियारो दुही जीज्जनी पासे भोइले, जीज्ज आचार्य ते शिष्यनी माइत प्रथम आचार्यनी गुप्त शब्दोमा इरमावेअ आत्ता प्रभाणु प्रायश्चित्त

परेरे एते ते आराः व्यवहार शास्त्रवेत्ता दो
आचार्यभिन्न २ स्थानापर रहत हा, पर अवस्था
के कारण एक दूसरे के पास न जा सकत हा
और इसलिये एक आचार्य अगीतार्थी (शास्त्र
को न जाननेवाला) परन्तु मति धारण में
कुशल शिष्य ने गुप्त अर्थ में अतिचार मतल-
कर दूसरे के पास भज तब वह दूसरा आचार्य
शिष्य द्वारा भजा हुई प्रथम आचार्य की गुप्त
आज्ञा के अनुसार जो प्राशस्तित ल वह आज्ञा
व्यवहार when two Āchāryas
well-versed in Śāstras, resid-
ing in different places cannot
see each other on account of
old age and one of them in-
forms the other of his (other's)
violations of right conduct in
rather abstruse terms, through
a disciple, faithful though
not well-versed in Śāstras, and
the other after receiving the
message from the disciple per-
forms the expiations ordered
by the first the whole affair is
called Ājñā Vṛnavahāra प्र० ८६१
—विजय. पु० (विचय) लगाने की
आज्ञा को निर्णय करने के, धर्म ध्यान को
प्रथम भेद भगवान की आज्ञा का निर्णय
करना; धर्म ध्यान का प्रथम भेद con-
templation of the authority of
the teachings of scriptures,
the first variety of religious
meditation भ० २५, ७, —विराहणा.
छा० (—विशधना) सर्वज्ञ आराणी विरा-
धना करने के सर्वज्ञ की आज्ञा का भंग
करना offending against the
order of the omniscient पचा०

१६, २८, —विराहणाशुग. त्रि० (—विरा-
धनानुग) आराणी विराधना करने के आज्ञा
भंग करनेवाला (one) who violates,
offends against, an order.
“ आराविहणाशुगमेव पिय हांति
दृढव ’ पचा० १६, २८, —विचरयि.
त्रि० (—विपरीति) २६५ की आराणी
विपरीत रदज्ञ की आज्ञा से विपरीत.
against the order of the omni-
scient “ आरा विवरदमेव च किंचि ”
पचा० ६, ६ —सार त्रि० (—सार)
अस व्यन्तने प्रधान मानने के आज्ञा दत्तन
को प्रधान माननेवाला (one) believ-
ing the words of an autho-
ritative person to be above all
things else “ आरासार मुख्यवच ”
पचा० ११, ८,

आराआओ अ० (आज्ञात) आराणी आज्ञा
से By order, by the command
of पचा० ५, १२,

आराद्धिअ न० (अनाधिक) निरयावलिद्धि
सूत्रना त्रीम भागरूप पुष्पिका सूत्रनु नाम
निरयावलिद्धि सूत्र के तीसरे भाग स्वरूप
पुष्पिका सूत्र का नाम. Name of the
Puṣpikā Sūtra forming the
third part of the Nūyāvahikā
Sūtra निर० ३, १,

आरापाण पु (आनपाण) श्व सोच्छ्वास.
श्वसोच्छ्वास Respiration (२)
श्वसोच्छ्वास परिमित काल श्वसोच्छ्वास
परिमित काल. time required for
one breath विशे० ३६०, —पञ्जति.
छी० (—पर्याप्ति) श्व सोच्छ्वास काल
शक्य ऐवी शक्ति. श्वसोच्छ्वास पर्याप्त.
जिससे श्वसोच्छ्वास लिया जासके वह
शक्ति, श्वसोच्छ्वास पर्याप्ति respira-

tory power; power of breathing भग० ३, १, ६, ४;

आणापाणु. पुं० (आनप्राण) लुओ
“आणापाण” शब्द. देखो “अणापाण”
शब्द. Vide “आणापाण” भग० २५,
५; ठा० २, ४; जीवा० १; —योगल
परियट्ट. पुं० (-पुद्गल परिवर्त) थे डनी
अहरना यथा पुद्गल लुना लुना लयभा
श्वासोच्छ्वास पक्षे जेटला वभतमां लध
अने भुके तेले वभत समस्त लौकिक
पुद्गलों-भरमाणुओं को पृथक् २ भव जन्म में
श्वास निश्वास रूप से जितने समय में ग्रहण
कर छोड़ा जाय उतना समय the time
taken for inhaling and ex-
haling in different births all
the Pudgalas in the world
भग० १२, ४,

आणापाणु-त्त. न० (आनप्राणत्व) श्वासो-
च्छ्वास पक्षे श्वासोच्छ्वासपन state.
condition of, respiration. भग०
२५, २;

आणापाणुत्ता. स्त्री० (आनप्राणता) लुओ
उपले. शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide
above भग० १२, ४, २५, २;

आणुन. (आणाम) उच्छ्वास उच्छ्वास
Breath; breathing in. “एणमिण
आणामं पाणामं वा उस्सासवा निस्सासंवा”
भग० २, १;

आणामिय. त्रि० (आनामिस्त्र) थेडुं नभा-
वेडुं वंङ्क डरेडुं कुछ नमायाहुआ. Some-
what bent or inclined. आंव १०;
उवा० २, १०१;

आणामेत्त न० (आज्ञामात्र) अजा मात्र
आज्ञा मात्र. Mere order. “आणमत्तामि
सन्वहाउतो.” पचा० १४, २८;

आणाय. सं० क० अ० (आज्ञाय) ज्ञाने;
समज्जने. जानकर; समझकर Having
known, having understood उत्त०
२, १७;

आणुअ—य. त्रि० (आनीत) आणुं;
ल वेड लाया हुआ. Brought भग० ६,
३३, सु० च० ५, ८२, नाया० १,

आणील त्रि० (आनीत) आणुं लायाहुआ
Carried, brought प्रव० २७७, ८२०;

आणीअ. पुं० (आनीत-आ इषाणील आ-
नीतः) थे डे नीदीर ग डंङ नीत-श्याम
कुछ नाला रंग Blue tinge, faint
blue colour “आणीलच वत्थयं रया-
वेहि” सूय० २, ४, २, ६,

आणुकंपिय त्रि० (आनुकम्पिक अनुकम्पया
चरतात्यानुकम्पिकः) अनुडंपा डन्नार, दयालु
दयावान्; दयालु Compassionate
भग० ३, १, १५, १;

आणुगामिय. त्रि० (आनुगामिक—गच्छन्तं
पुरुषमासमन्तादनुगच्छत्येव शील अनुगामी-
अनुगाम्येवाऽनुगामिकं) आपनी पेडे
स्वामिनी साथे साथे जनार अवधिज्ञान,
उत्पन्न थयुं होय त्यांन न अट्टी रहेता साथे
साथे जट ये ध डरवना अवविज्ञानने अेक
प्रक २. आख क समान साथ २ रहने वाला अव-
धिज्ञान; जहा उत्पन्न हुवा हा वर्हान रहकर साथ
जाने और ज्ञान करान वाला अर्वाविज्ञान का
एक भेद A sort of Avadhiyāna
i e visual knowledge so-call-
ed because it accompanies the
possessor like his eyes ‘आणु-
गामिओणुगच्छइ गच्छत’ नदा० ६, “से
कित आणुगामिय आहिनाण दुविह प० त०
अंतगय मक्कयच” नदा० ६; विशेष ५७७;
(२) उपाणिता पपुण्यतुं ज्वनी साथे
आपवुंते उपाणिता पापपुण्य का जीव के

साथ आना the soul's being accompanied with its good and bad Karma आया० १, ७, ४, २१५, —भाव. पुं० (-भाव) पछवाडे आवन रेने लाव-अनुकूलता अनुगामी का भाव, अनुयायी का भाव the attitude of (reverence) of a man who is a follower सूय० २, २, २६,

आयुगामीअ-य-ता. स्त्री० (अनुगामिकता) एवे एवमां साधे अ वे ते तु सुअ भवोभव-प्रत्येक भव- मे साथ रहने वाला सुख Happiness which accompanies a man in all his births भग० ६; ३३ ओव० २७, राव० ७१, दसा० ४, ८०, आयुगामित्त. स्त्री० (आयुगामित्त) लुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरवा शब्द Vide above नाया० १ भग० २, १, आयुतस न० (आनत्व) श्व सोच्छ्वास-पथु आलोच्छ्वासपता Respiration, breathing in and out क० प० १, १५,

आयुपुव्व न० (आयुपूर्व) अनुक्रम, परिपाटी अनुक्रम, परिपाटी, क्रम Serial order, succession सूय० १, २, ३, १३, नाया० १, ६, ७, ओय० —सृजाय. त्रि० (-सृजात) अनुक्रमे-सारीगिने उभन्न थयेअ अर्च्छा तरहस-अनुक्रमसे उत्पन्न wel^lborn born in proper order ' आयुपुव्वसृजायस्स लावट भाव ' परिणया' नाय० १, ४, ओव०

आयुपुव्विग त्रि० (आयुपूर्वीग-अनुपूर्वी क्रमस्तंगच्छतीत्यानुपूर्वीगि) क्रमसर क्रमवार क्रमश क्रमानुसार. In proper order " आयुपुव्विग मायसो पव्वजासुत्त अत्थ करणच " आया० १, ६, १, १७२, आयुपुव्वी स्त्री० (आयुपूर्वी पूर्वस्थ पश्चादनु-

पूर्व तस्य भाव आयुपूर्वी) अनुक्रम. परिपाटी, पैर्यापय भाव अनुक्रम, क्रमशः Proper order; proper succession of one thing to another. (२) विविष्ट रचना विशेषप्रकारकी रचना a particular kind of arrangement. " आयुपुव्विग सखाए " आया० नि० १, १, १, ८, १, ८, ८, भग० १, ६; २, १, ६, ३, ७, १, १५, १, २५, २; दस० ८, १, दत्त० ३, ७, पि० नि० ७८; नंदी० ३६, आयुजो ७०, राय० ज० ५० सूय० १, ४, १, ६; प्रव० ६६६, ८८४; नामकर्मनी ओक प्रकृति (वधु विवेचन भाटे लुओ " आयुपुव्विगाम " शब्द) नामकर्म की एक प्रकृति (विशेष वर्णन देखने के लिये देखो 'आयुपुव्विगाम' शब्द) (vide also 'आयुपुव्विगाम') a division of Nāma Karma क० गं० ६, ६, पन्न० २३; —गंठिय त्रि० (-अधित) अनुक्रमे गुथेअ अनुक्रम पूर्वक गुथा हुआ knit in proper order " आयुपुव्विग गंठिया " भग० ५, २, —णाम न० (-नामन्) नामकर्मनी ओक प्रकृति, ३ जे अलदने नाथनी पेडे लुअने जे गतिनु आयुष्य उदयमा आयु होय तेज गतिमा लभय, जीअ गतिमा जया न आपे तेवी न भकर्मनी ओक प्रकृति नामकर्म की एक प्रकृति जो कि बल के नाथ के समान जिव का जिसगति का उदय हाव उसी गति में ले जाय. a variety of Nāma karma which perforce carries a man to that condition of existence to which his matured Āyusya has entitled him. सम० प्रव० २८३; —विहारि. पुं० (-विहारिन्) अत्रजया कलने अनुसरी संभनी ते ते रिया करनार. प्रजया-दीक्षा

काल के अनुसार संयम की क्रियाएँ करने वाला. one performing the necessary ascetic practices enjoined after taking Dikṣā. आया० नि० १, ७, १, ७३,

आणुलोमिअ. न० (आणुलोमिक) मधुर वचन, अनुकूल वचन मीठे वचन, मनाहर वचन, अनुकूल वचन Pleasing and charming speech “वदन् ब्रह्मेहियमाणुलोमिय” दस० ७, ५६,

आण्यव्य त्रि० (आनेतव्य) लावधाने ये अ. लाने के योग्य Worthy of being brought सु० च० ८, ३०७ ज० प० २, ३३;]

आणोह पुं० (आज्ञौव-आज्ञाया अ होपदेश-स्थोव. सामान्यम्) सम्यग् दर्शन रहित अज्ञा मात्र. सम्यग्दर्श रहित आज्ञा मात्र Words of the omniscient not accompanied with right faith “आणोहे णाणता सुक्का मेवज्जगसु-उ सरीरा” पचा० १४, ४८;

आत. पुं० (आत्मन्) आत्मा. आत्मा Soul “कह विहाण भंते आता प० त० गोदमा अट्टविहा...दविद्याता कसायाता जोगा-याता उवअयोगाता” भग० १२, १६; १५. १; २०, ३; दस० ४, टा० १,

आतंक. पुं० (आतङ्क-आ-सामस्येन तङ्क-यन्ति कृच्छ्रजीवितमात्मान कुवन्तात्यातङ्काः) अत्यन्त रोग, शत्रु जेरीताय वगेरे प्राण हारि रोग A fatal disease भग० ६, ३३, ओव० ३९, (२) रोगो परीपडु रोगका परीपह. trouble given or caused by disease. उत्त० १०, २७; —दंस्ति. पुं० (-दर्शिन) शारीरिक या मानसिक दुःख जेनार (जलुनार) शारीरिक या मानसिक दुःख जाननेवाला. (one) hav-

ing knowledge of physical or mental pain. आया० १, ३, २, ४, —संप्रयोग. पु० (-रं.प्रयोग) रोगो संयन्ध रोग का सम्बन्ध connection of disease. —संप्रयोगसंप्रयुक्त. पुं० (-संप्रयोग संप्रयुक्त) रोगो संयन्धरी जेजानु ते, आर्तध्यानो उ जे के रोग के सम्बन्ध से स्तुत होना, आर्तध्यान का तासग भेद meditating upon disease ओव० ✓ आनंच धा० I (अनतञ्च्) आणु, मसलनु चिपडना, मसलना To rub to apply.

आचच्च उवा० ३, १३२,

आयचामि उवा० ३, १२८.

आतंत्र त्रि० (आतात्र) थे डो लाव, जरी गनु. बुछ ललास वाला Reddish ओव०

आतवउभयण न० (आताम्राध्ययन) ज्ञाता धर्मज्ञाना जीज श्रुतस्त्व १७ मा वर्णना जीज अध्ययननु नाम के जेमा सरीनी अत्र-महिपीनो विस्तर पूर्वक हेवाव छे ज्ञाता धर्म कथा के दूसरे श्रुतस्कंध के ७ वे वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम, जिसमें कि सूर्य की पट्टगणी का विस्तृत वर्णन है The name of the 2nd chapter of the 7th part of the 2nd Sūtra-Skandha of Jñātā—Dharm—Kathā in which is related the account of the principal queen of the sun नाया० ध० २; ७, २;

आतत. न० (आतत) लंथाव लवाई. Length ज० प०

आतप पुं० (आतप) नाम धर्मनी ओक प्रकृति के जेना उन्मथी जवने स्वरूपथी गरम नहि होना जता उष्णता अने प्रकाश आप-नार शरीर भले जेम सूर्यमंडलगत पृथ्व-क्षयिक जव. नाम कर्म का एक प्रकृति जिसके

उदय से प्रकाश देनेवाला शरीर मिलता है जैसे की सूर्यमण्डलगत पृथ्वीकाय के जीव
A kind of Nāma Kāma by the
rise of which the soul which is
not hot by nature gets a body
which gives light and heat;
e g a soul having earth-body
in the sun पञ्ज० २३,

आतपत्त न० (आतपत्र) छत्र, छत्री छतरी
An umbrella जं० प०

✓ आतव. धा० II (आ+तप्) आतापना
देवी आतापना लेना. To practise
austerity by enduring cold,
heat etc

आयावर्षति. दसा० ३, १२,

आयाविजा वि० दस० ४;

आयावहि. आ० दस० २, ५;

आयावितप् हे० कृ० आया० १, ७, ३,
२१०; वेय० ५, २२;

आतावितप् हे० कृ० कप्प ८,

आयावेत्तप् हे० कृ० नाया० १६, कप्प०
६, ५२,

आयावेमाण व० कृ० नाया० १, १६; भग०
२, १, ३, १; ६, ३१; १५, १; १६, ३;

आतावेमाण; व० कृ० ओव० ४०,

आतव पु० (आतप) प्रकाश, तज्ज्वा प्रकाश,
उज्ज्वा. Light, sunshine ठा० २, ४,
विशे० २२४२, (२) ओ नामनु ओ३ अहोरा-
त्रिनु २४ मु मुहूर्त. अहोरात्रि के २४वें मुहूर्तका
नाम. name of the 24th Muhūrta
of the period of a day and
a night. सम० ३०; —णाम. न०
(—नामन्) लुओ “आतप” शब्द० देखो
“आतप” शब्द vide “आतप”. प्रव०
१२७८, क० गं० ५, ६६; —णियाय पु०
(—निपात—आतपस्य—घर्मस्य नितरापातो

N. II/6

निपातः) गरभी थवी, अक्षरे थवे। गर्मी
होना. coming of heat, “आयवस्स
निवाण्णं अउल्लो हवइ वेयणा ” उक्त०
२, ३५,

आतववंत पुं० (आतपवत्) ओ नामनु
अहोरात्रिनु २४ मु मुहूर्त. अहोरात्रि के
२४वें मुहूर्त का नाम Name of the
24th Muhūrta of the period
making up a day and a night.
जं० प०

आतवा. स्त्री० (आतपा) सूर्यनी अग्र महिषी-
नु नाम. सूर्य की अग्र पट्टरानी का नाम.
The name of the principal
queen of the sun सू० प० १५;

आतवाभा स्त्री० (आतपाभा) लुओ
“आतवा” शब्द० देखो “आतवा” शब्द.
Vide “आतवा.” जीवा० २,

आतावग पु० (आतापक—आतापयस्याताप-
नां शीतातपादिसहनरूपं करोतीत्यातापक)
आतापना सहन करना; सूर्यनी आतापना
लेना आतापना सहन करनेवाला. One
who practises the austerity of
bearing the intense heat
of the sun. ठा० ४,

आतावण न० (आतापन) आतापना ले-
ना, उष्णता आदि से शरीर को कष्ट
Practice of austerity by end-
uring intense heat, cold etc
३, दस० ४, —भूमि. स्त्री० (—भूमि
आतापना लेवानी ज्यथा. आतापना लेने
स्थान. a place for practising
austerity by enduring heat
cold etc. निर० ३, ३,

आतावण्या स्त्री० (आतापनता) लुओ
“आतावण” शब्द० देखो “आतावण”
शब्द Vide “आतावण” ठा० ३,

आतावि. पुं० (आतापिन्-आतपयति आता-
पनां शीतात्पादिसहनरूपां करोतीत्यात्तापी)
ताप, शीतादि सहन करना. ताप शीत, आदि
को सहन करनेवाला (One) who
endures heat and cold ठ० ४;
कप्प० ८,

आत्तिरण. त्रि० (आत्तीर्ण) पाथरेलु, पि०-
वेलु; विछाया हुआ. Spread भग० १, १;

आतीय. त्रि० (आतीत-आसमन्तादतीवह-
तो ज्ञात आतीत.) सर्वत्र अत्यन्त व्याप्त
सर्वत्र अत्यन्त-अतीवरूप प्रतीत होता हुआ
Felt excessive everywhere.
(२) (आसामस्त्येनातीतोऽतिक्रान्त
आतीत) समस्त पक्षे उत्सर्ग गये
सम्पूर्णतया उत्साधा हुआ. wholly,
completely, crossed आया० १, ८,
७, २२६; —ट्ट त्रि० (-अर्थ) जेहे ७
अश्व आदि सर्व पदार्थों ज्ञेय छे ते
जीव अजीव आदि सर्व पदार्थों को जाननेवाला
(one) who has known fully
sentient as well as insentient
things (२) तमाम व्यापारथी निवृत्त
गये समस्त व्यापारसे निवृत्त. (one)
retired from all activities.
आया० १, ८, ७, २२६;

आतुर त्रि० (आतुर) व्याकुल; तीव्रालिखी.
व्याकुल, तड़फडाता हुआ. Afflicted;
intensely longing आया० १, १,
६, ५१, भग० १६, ४, नाया० ५, (२)
विषय इषाय आदि दोषयुक्त विषय,
कषाय आदि दोषो सहित full of
faults such as passions etc.
आया० १, १, २, १६,

आतोडिजमाण त्रि० (आतोद्यमान) आ-
वाभा आगतु बजाना जानेवाला Being
played upon मय० २, ४ ११,

आतोद्. पुं० (आतोद्य) वाद्य वाजा.
A musical instrument. जीवा०
३, ३;

आत्त पु० (आत्मन्) आत्मा; ७५. आत्मा;
जीव. Soul सूय० १, २, २, ३०;
(२) शरीर, देह शरीर, देह body.
जीवा० ३, (३) स्वयं, पोते. खुद, स्वयं.
oneself. सूय० १, १३, ३; —उव-
क्रम पुं० (-उपक्रम-अप्राप्तकालस्यायुषो
निर्जरणं, आत्मनास्वयमेवायुष उपक्रम
आत्मोपक्रम, आत्मन उपक्रमोवा) पोतानुं
उपक्रम-अप्राप्तकाल आत्मानुं निर्जरण.
आत्माका उपक्रम-असायिक आयुष्य का
निर्जरण Nirjara of one's own
unfinished life period भग०
२०, १०, —भाव पु० (-भाव)
स्वाभिप्राय, स्वच्छंदपणुं स्वेच्छाचार, स्व-
च्छदता wilfulness, self-will. “जे
आत्ताभावेण वियागरेजा” सूय० १, १३,
३, —रक्षक पुं० (-रक्षक) पोताना
स्थाभिना शरीरानुं रक्षण करना देवतानी ओड
जत; आत्म-रक्षक देवता. अपने स्वामी की
रक्षा करने वाले देवों की एक जाति; आत्म-
रक्षक देव a kind of deities who
protect the body of their lord
जीवा० ३, ४; —हित न० (-हित)
आत्मश्रेय, आत्म कल्याण आत्मकल्याण.
welfare of the soul “आत्तहितं खु
दुहेण लब्धम्” सूय० १, २, २, ३०;

आर्त्तिकय त्रि० (आर्त्माकृत) भीरनीनी
पेडे आत्मानि साथे ओडमेड करेले आत्म-
सातकिया हुआ, दूध और पानी के समान
आत्मा के साथ एकना की हुई. Made
one with the soul like milk
and water विशेष १;

आदंस पुं० त्रि० (आदर्श) ओड जतनी

लिपी एक प्रकारकी लिपि A particular kind of script; (२) अरिसे। दर्पण, शीशा, a mirror पञ्च० १, —घर न० (—गृह) अरीसाने। घर. शीश-महल a house of mirrors or looking-glasses ज० प० ३, ७०,

आदंसग. पु० (आदर्शक —आसमन्तात् दृश्यते आत्मा यस्मिन् स आदर्शः सएव आदर्शकः) अरीसे। दर्पण, A mirror “आदंसगंच पयच्छाहि” सूय० १, ४, २, ११, आदंसिआ. स्त्री० (आदर्शिका) आद्य विशेष, ओ३ ज्ञातने। आयातोपदार्थ खाने का एक पदार्थ विशेष An eatable substance, a kind of food. ज० प० पञ्च० १७,

✓ आदद. धा० I. (आ+दद्) अॢलु ३२वुं, लेवु, आदान ३२वुं ग्रहण करना; लेना To take, to accept आययइ उक्त० ३२, २६, आययति आया० १, ७, १, १६६, विशेषे १२२८, उक्त० ३, ७;

आययमाण पि० नि० १०७, आदर पु० (आदर) आदर सत्कार. आदर-सत्कार Hospitality ठा० ६,

आदरण न० (आदरण) स्वीकार स्वीकार. Acceptance भग० १२, ५;

आदरिस्स पुं० (आदर्श) लुओ। “आदंस” श०६ देखो “आदस” शब्द. Vide “आदंस” ओव० १७, ज० प० २, ३१, आदस्स लिचि स्त्री० (आदर्शलिपि) अॢलर लिपिभानी ओ३ अठारह लिपीओं में से एक One of the 18 scripts सम० १८,

✓ आदह धा० I (आ+धा) धारलु ३२वु, पॢडवु धारण करना, पकड़ना To put on, to hold. to catch,

आदहइ ओव० ३०;

आडहिता. ओव० ३०,

✓ आदा. धा० I (आ+दा) अॢलु ३२वुं ग्रहण करना. To accept, to take.

आदियइ उवा० २, १२१; सूय० २, २, २३,

आइयइ वेय० ४, २५, निसी० १६, २४; २६;

आइयति. सूय० २, १, १६,

आदिण वि० उक्त० २४, १४;

आदियन्त व० कृ० सूय० २, २, २३;

आइसु सं० कृ० आया० १, ४, १, १२६;

आदियावेन्ति. पु० सूय० २, २, २३,

आइयावेन्ति. प्रे० सूय० २, १, १६,

आदाण. न० (अदहण) आॢलु आधन Boiling water. “आदाण भरियसि कडाहयंसि” उवा० ३, १२६, —भरिय-त्रि० (—भृत) आॢलरु थी भरल गरम जल से भरा हुआ filled with boiling water. “आदाण भरियंसि कडाह-यसि अइहेमि” उवा० ३, १२६,

आदाण न० (आदान) लेवु, अॢलु ३२वु लेना; ग्रहण करना To take, to accept. सूय० १, १६, ३, उवा० १, ५१, ओव० १०, १७; भग० २०, २, उक्त० २४, २, प्रव० १०७६, (२) कर्मजुं उपादान ३२लु कर्म का उपादान कारण. the efficient cause of Karma “धूणादाणाहं लोगसित्तंविज्ज परिजाणिया” सूय० १, ६, १०, —फलिह पु० (—परिघ आदी-यते द्वारस्थगनार्थं गृह्यत इत्यादानः स चासौ परिघश्चादानपरिघः) पारलुं पॢड ३२वानी लोगल द्वार बंद करने का आडा, चटकन a bolt of a door जीवा० ४, पण० १, ४, —भंडमच्चनिकये-वणा समिइ स्त्री० (—भाण्डमात्रं नहे-पणासमिति) उॢपगजु आदि थ०१६-

पूर्वक लेवा मुक्त्वा ते, साधुनी पांच समिति-
मानी चौथी समिति. यत्नाचार पूर्वक
उपकरण आदि का उठाना रखना, साधु की
पांच समिति में से चौथी समिति care-
fulness in taking up and
laying down implements or
articles of use; the 4th out of
5 Samitis of ascetics. ठ० ७;
सम० ४; —भंडमत्तनिकखेवणा समिय
त्रि० (—भाण्डमात्रनिक्षेपणासमित) भंड
उपकरण वस्त्रपात्रादि जतनाथी लेना
मुक्त्वा; पांचमानी चौथी समिति पालना
साधु. उपकरण आदि को यत्नाचार पूर्वक
उठाने रखनेवाला साधु; पांचमें से चौथी
समिति पालने वाला साधु. (one) who
is careful in handling clothes
vessels etc; a Sādhū who
observes the 4th of the 5
Samitis (carefulness) ठ० ७;
सम० ४, भग० २, १,

आदाण्या. स्त्री० (आदान-स्वार्थेताप्रत्यय)
ग्रहण करने में, ग्रहण करना. Accept-
ance. ठ० २;

आदाणिज्जम्भयण. न० (आदानीयाध्ययन)
सूयगङ्गा सूत्र ना प्रथम श्रुत स्कंधना १५
भा अध्ययनं नाम. सूयगङ्गा सूत्र के
पहिले स्कंध के १५ वें अध्याय का नाम
Name of the 15th chapter
of the first Śrutaskandha of
the Sūyagadāṅga Sūtra. सू०
१, १६;

आदाणीय त्रि० (आदानीय) आदेयवचन;
जो वचन सर्वमान्य थाय ते. आदेय वचन;
सर्वमान्य वचन. Speech which is
acceptable to all. सम० १६; कप्प०
६, ११,

आदाय सं० कृ० अ० (आदाय) ग्रहणे;
ग्रहण करने. लेकर, ग्रहण करके. Having
taken दसा० ५, ४१; भग० १५, १;
सू० १, ४, १, १०;

आदाया पुं० (आदाय) ग्रहण करनेवाला,
स्वीकारनेवाला. ग्रहण करनेवाला (One)
who accepts. विशेष० १५६८;

आदि. स्त्री० (आदि) लु० "आइ" शब्द.
देखो "आइ" शब्द. Vide "आइ".
दसा० ७; १, सू० प० १;

आदिकर. पुं० (आदिकर) लु० "आइगर"
शब्द. देखो "आइगर" शब्द. Vide
"आइगर" सू० २, २, ४१;

आदिगर. पुं० (आदिकर) लु० "आइगर"
शब्द. देखो "आइगर" शब्द. Vide
"आइगर". नाया० १६; भग० १, १; ७,
६; १८; २, राय० २२;

आदिज्ज त्रि० (आदेय) लु० "आइज्ज"
शब्द. देखो "आइज्ज" शब्द. Vide
"आइज्ज" परा० १, ४;

आदिट्ठ पुं० (आदिष्ट) लु० "आइट्ठ" शब्द.
देखो "आइट्ठ" शब्द. Vide "आइट्ठ"
भग० १२, १०;

आदिय. पुं० (आदिक) लु० "आइ" शब्द.
देखो "आइ" शब्द. Vide "आइ" भग०
१३, ४; १८, १०; २८, १; उवा० १, २६;

आदिल्ल त्रि० (आदिम) लु० "आइल्ल"
शब्द. देखो "आइल्ल" शब्द. Vide.
"आइल्ल" भग० ७, २, १०, १, १३, ४;
१५, ८; २४, १; १२; २६, ११,

आदिल्लअ. त्रि० (आदिमिक) लु०
"आइल्ल" शब्द. देखो "आइल्ल" शब्द.
Vide "आइल्ल". भग० ५, १;

आदिल्लग. त्रि० (आदिमिक) लु० "आइल्ल"
शब्द. देखो "आइल्ल" शब्द. Vide
"आइल्ल" भग० २४, १;

आदी स्त्री० (आदी) गंगाभा भलती येक नदी. गंगामें मिलती हुई एक नदी Name of a river which flows into the Ganges ठ० ५, ३,

आर्हण त्रि० (आदीज) लुओ "आर्हण" शब्द देखो "आर्हण" शब्द. Vide "आर्हण". —वित्ति त्रि० (-वृत्ति) लुओ "आर्हण वित्ति" शब्द देखो "आर्हण वित्ति" शब्द Vide "आर्हण वित्ति" "आदीण वित्ति वक्रेति पाव" सूय० १, १०, ६,

आदेज. पु० (आदेय) लुओ "आएज्जणाम" शब्द देखो "आएज्जणाम" शब्द Vide "आएज्जणाम" पञ्च० २३, जीवा० ३, ३, ज० प० —वक्क. पुं० (-वाक्य) जेना वयन ग्रह्य छे ते जिसका वचन ग्रह्य हो वह. one whose words are worth accepting सूय० १. १४, २७,

आदेयवयण न० (आदेयवचन) ग्रह्य कर्वा योग्य वयन ग्रहण करने के योग्य वचन. Words worthy of acceptance दसा० ४, २७,

आदेस पुं० (आदेश) लुओ "आएस" शब्द देखो "आएस" शब्द Vide "आएस" पिं० नि० भा० १८, पञ्च० १८, भग० १४, ४;

आधा स्त्री० (आधा) भास साधुनेमाटे अहारादि अनाववा ते खास साधु के लिये अहारादि का बनाना Preparing food etc specially for Sādhus. ठ० ३, —कम्म न० (-कर्मन-आधानसाधा साधुनिमित्तं चेतसःप्रणिधानं तस्या कर्म पाकादिक्रिया आधाकर्म तद्योगाज्ज्ञाद्यप्याधाकर्म) साधुनेमाटे आहार आदि कर्वां ते,

भास साधुनेमाटे अनाववा आहारादि देवाथी साधुने-लागते येक दोष साधु के लिये आहारादि बनाना, साधु के लिये बनाये हुए आहार आदि लेनेसे साधु को लगनेवाला एक दोष a sin incurred by a Sādhu by taking food specially prepared for him ठ० ३;

आधार पुं० (आधार) आधार-आश्रय, टेका आश्रय, आधार, टेका Means of supporting, support भग० २०, २, पिं० नि० ५७, उवा० १, ६६;

आधारणिज्ज. त्रि० (आधारणीय) धारण कर्वाते योग्य धारण करने के योग्य Worthy of being put on or accepted नाया० १६,

✓आधाव. धा० I (आ+धाव्) होउव. दौड़ना To run

आधावन्ति भग० ३, १,

आधावमाण. नाया० १,

आधि. पुं० (आधि) मानसिक पीडा, मानसिक पीडा Mental pain, agony of mind भग० १, १,

आधुणिय पुं० (आधुनिक) अठ्यासी अठ्-भाने पायमे भहाग्रह. ८८ में से पांचवां महोग्रह The fifth great constellation of the ८८ constellations. सू० प० २०,

आधोधिअ पुं० (आधोवधिक) अभुक्त अभा. ओर रहे ओवुं अधिज्ञान, अधिज्ञानेना येक प्रकार. किसी नियत स्थानपरही रहनेवाला अधिज्ञान; अधिज्ञान का एक भेद A variety of Avadhijñāna remaining confined to a certain place. भग० ७, ७, १४, ७, १०; सम० ३६,

आनन्द पुं० (आनन्द) आनन्द-अ शुद्धीपना

भरतक्षेत्रमांथार आठमां तीर्थंकरना पूर्व
लवनुं नाम. जबू द्वीपके भरतक्षेत्र मे होने वाले
आठवें तीर्थंकर के पूर्व भव का नाम Name
of the previous birth of the
would-be eighth Tirthankara in
the Bharataksetra of Jambu-
dvīpa सम० पं० २४१,

✓ आनम धा० I (आ+नम्) नभुं,
भर्यादार्थी पगे पडु; ताभे यनुं, नमना,
नम्रीभूत होना, मर्यादापूर्वक पैरों पडना,
आधीन होना To bow before, to
submit to

आनमंति उत्त० ६, ३२,

✓ आने. धा० II. (आ+नी) आणुं
लाना. To bring.

आणेमि पिं० नि० ४६६;

आणेह आ. भग० ६, ३३;

आणेहि. आ० ओष० नि० भा० ४१, नाया०
१७,

आणाहि. आ० सूय० १, ४, २, ११;

आणिज्जए क० वा० व० प्र० ए० पि० नि०
५०७, विशेष० २, ३६,

आणिज्जंत. क० वा० व० कृ० सु० च० १४,
५; प्रव० ८१६,

✓ आन्नव. धा० I, II. (आ+ज्ञा-णिच्)
प्रवृत्ति करायनी; हुकूम करवे प्रवृत्ति करना,
आदेश करना. To order, to
command.

आणवइ सु० च० २, २०६;

आणवेइ विवा० ५, ६; राय० ४७, सु०
च० २, १६०, दसा० १०, १, नाया०

८, १६; जं० प० ४, ११५;

आणवयंति सूय० १, ४, १, ७;

आणवेह. आ० नाया० ८;

आणवेत्ता. सं० कृ० नाया० १६;

आणवेमाण व० कृ० सूय० २, २, ३२;

५६, दसा० १०, ३,

आणाविज्जइ. क० वा० राय० २६५,

✓ आपज्ज धा० I (आ+पद्) पामुं;
भेणवु पाना, प्राप्तकरना To get, to
obtain; to acquire

आपज्जइ उत्त० ३२, १०३,

आपण पुं० (आपण) दुकान, दुकान;
हाट A shop भग० ५, ७, नाया० १;
(२) शेरी गली street. जीवा० ३,

✓ आपा धा० II (आ+पा) पीवुं. पीना.
To drink

आविअइ दस० १, २;

आविण्. आ० उत्त० १०, २६;

✓ आपील. वा. I (आपीड्) मसलवुं, पीडुं;
रगडु; मसलना, दुःखदेना, रगडना To
press, to oppress, to rub.

आवीलेइ भग० १५, १,

आवीलेण आया० १, ४, १, १३७,

आवीलिज्जा दस० ४,

आवीलियाण सं० कृ० आया० २, १,
८, ४३;

✓ आपुच्छ धा० I (आ+पृच्छ्) पुअुं,
प्रश्न करवे पूछना; प्रश्न करना To ask;
to question.

आपुच्छइ नाया० ५; ८, १५, १६; भग०
११, ६, १२, १, उवा० १, ६६,

आपुच्छामि नाया० १; २, ५; १२; १६;
भग० ६, ३३, १८, २; नाया० ध०

आपुच्छामां नाया० १६,

आपुच्छउ उवा० १, ६८,

आपुच्छेह. भग० १८, २;

आपुच्छित्ता नाया० १; ५, ८, १३, १६;

उवा० १, ६६, दसा० १, २२;

भग० ३, १, विवा० ७,

आपुच्छेत्ता नाया० ८, भग० १८; २;

आपुच्छेत्ता नाया० २; ८; भग० १८. २,
आपुच्छेत्ता भग० ११, ६, १२, १; १५,
१, नाया० ५, १५, १६, १८,
आपुच्छिऊण ओघ० नि० भा० १३, ८;
सु० च० ४, ३६,
आपुच्छिउं. कप्प० ६, ४६,

आपुच्छण न० (आप्रच्छन) पु०यु ते, प्रश्न
करवे ते पूछना, प्रश्नकरना Question-
ing नाया० ६,

आपुच्छणा स्त्री० (आप्रच्छना) पु०यु ते,
प्रश्नकरवे ते पूछना, प्रश्नकरना. Ques-
tioning भग० २५, ७, नाया० १२,
अणुत्त० १, १, पचा० १२, २; (२)
विनयपूर्वक गुरुपासे आज्ञा मागरी ते,
इस सामाचार्यमानो उ जे प्रकार. विनय-
पूर्वक गुरु से आज्ञा मागना, दस सामाचार्य
में का ३रा भेद Respectfully ask-
ing the command of a precep-
tor, the 3rd of the ten Sāmā-
chāris “आपुच्छणाय तद्वया चउत्थी पडि
पुच्छणा ” प्रव० ७७३, उक्त० २६, २,

आपुच्छणिज्ज त्रि० (आप्रच्छनीय) पु०यु
योग्य. पूछने योग्य Worthy of being
asked or questioned नाया० १,
७, उवा० १, ५;

आपुण त्रि० (आपूर्ण) पु० भरेल पूर्ण
भरा हुआ Full to the brim, filled
completely पन्न० ३६

आपूरमाण व० कृ० त्रि० (आपूर्यमाण)
पाणी वगेरैथी पृथु भरातु पानी वगेरह से
पूर्ण भरा हुआ Being completely
filled with water etc. भग० १, ६,
३, ३,

आपूरिय त्रि० (आपूरित) भर्यादा पूर्वक
पृथु भरायेखु मर्यादा पूर्वक पूर्ण भरा हुआ

Filled to the brim. “ जाहेतं
वज्जणमापूरियं होइ ” विशेष० २५०,
आपूरेमाण व० कृ० त्रि० (आपूरयत्) पूर्ण
करते पूरा करता हुआ. Filling, com-
pleting “ सदेण तप्पएसे सव्वओ समता
आपूरेमाणे ” राय० जीवा० ३, भग० ३, ३;
ज० प० ५, ११६,

आपूविय त्रि० (आपूविक) पूरी के भाव
पैआ बनावनार. पूढी या मालपुआ
वनाने वाला (One) who prepares
buns नदी०

आफालित्तार त्रि० (आस्फालयितृ) वगाड-
नार बजानेवाला (One) who plays
upon a musical instrument सुय०
२, २, ५४,

आवाहा स्त्री० (आवाधा) पीडा पीडा.
Affliction, pain, trouble भग०
५, ४, १५, १, जीवा० ३, ३, वव० ५,
१५, विवा० ६, ज० प० २, २४, नाया०
४, ५,

आभंकर. पुं० (आभङ्कर) ओनामानो ८८ ग्रह
मानो ६८ मो ग्रह. ८८ ग्रहों में से ६८ वें
ग्रह का नाम Name of the 68th
constellation out of 88 सू० प० २०;
ठा० २, ३, (२) त्रीज देवलोका ओइ
विमाननु नाम तीसरे देव लोक के विमान
का नाम. name of the heavenly
abode of the 3rd Devaloka.
सम० ३;

आभक्खारा. न० (अभ्याख्यान) ओटो
आलेप भुकेवो, कलक मगवतु भूठा आरोप
करना, कलंक लगाना. False accusa-
tion, falsely charging a person
with guilt उवा० १, ४६;

आभट्ट त्रि० (आभापित) ओलावेख

बुलाया हुआ. Called, spoken to.
विशे० १६०६; सु० च० ६, ५४,

आभरण. न० (आभरण) धरेणु, अलंकार,
आभूषण. गहना; अलंकार; आभूषण. An
ornament, an embellishment
परह० १, ३; आया० २, ५, १, १४५;
अणुजो० १०३, निरी० ७, ११, सम० १,
२३१, सू० प० १; उत्त० १३, १६; ओव० ११,
जीवा० ३३; नाया० १; २; ५, १८, भग०
३, २; ३, ७, १६, ५; पन्न० २, उवा०
१, ३१; कप्प० ४, ६२, (२) पु० अ
नामनो अेक द्वीप अने अेक समुद्र एक द्वीप
और एक समुद्र का नाम name of an
island; also that of an ocean.
जं० प० ३, ४५; पन्न० १५, जीवा० ३, ४,
अणुजो० १०३; —अलंकार. पुं० (—अल-
कार) धरेणुगाढा पहरेवा ते गहनों का
पहिनना putting on ornaments
ठा ४, ४; भग० ६, ३३; —अलंकृत.
त्रि० (—अलंकृत) आभूषणो पहरेल,
आभूषणोथी अलंकृत. आभूषणों से अलंकृत,
सुशोभित. adorned; ornamented
नाया० १२; भग० २, ५; नाया० ध० (२)
आभूषणोथी शणुगारेल देह. आभूषणों से
सिनगारा हुआ शरीर body adorned
with ornaments. भग० ६, ३३,
—चित्त. त्रि० (चित्र) लुदी २ जतना
आभरण, विचित्र प्रकारना आभरण,
भिन्न भिन्न प्रकार के आभूषण. various
kinds of ornaments जीवा० ३,
—धारि त्रि० (—धारिन्) आभरण
धारण करणार, धरेणु पहरेनार. आभूषण
पहिरनेवाला (one) who puts on
ornaments. नाया० ८, —वास. स्त्री०
(—वर्षा) मुद्रिडादि आभूषणोनी वृष्टि.
आभूषणों की वर्षा a shower of

ornaments. कप्प० ५, ६७, —विचित्त.
त्रि० (—विचित्र) लुदी लुदी प्रकारना
धरेणु. भिन्न २ प्रकार के गहने. vari-
ous kinds of ornaments. “आभ-
रणायिवा आभरणविचित्तायिवा” आया०
२, ५, १, १४५; निरी० १, ७, ११;
१७, १२, —विहि. पु० (विधि) धरेणु
अनाववानी तथा पहरेवानी विधि गहने
बनाने और पहिनने की विधि art of
making and putting on orna-
ments “आभरणविहि परिमाणं
करेइ” वा० १, ३१; नाया० १, ओव० ४०;
आभवं-अ. (आभवम्) लव पर्यंत,
लुदी पर्यंत जीवन पर्यंत Life-long.
पचा० ४, ३४;

आभा स्त्री० (आभा) कान्ति, तेज, प्रभा.
कान्ति, तेज Lustre; light. जीवा०
३; ४, राय० ७८, भग० १२, ५, (२)
आकार; छप्पी. आकार, छवि. form;
picture. पन्न० २; जीवा० ४;

आभाकर पुं० (आभाकर) अे नामतुं त्रीज
देव लोकतु अेक विमान. तिसरे देवसोक के
विमान का नाम. Name of a heavenly
abode of the third Devaloka.
सम० ३,

आभाग पु (आभाग) पडिलेहणुं अपर
नाम पडिलेहन का दूसरा नाम. A
synonym of Padilehana i. e.
proper examination of clothes
etc. ओव० नि० ६३,

आभागि त्रि० (आभागिन्) भागीदार,
हिस्सेदार. हिस्सेदार A sharer, a part-
ner पि० नि० २, १; नाया० १८;

आभासिय. पु० (आभाषिक) अे नामनो
पद अंतर्द्विप भांते अेक इस नाम का पद
अन्तरद्विप मे से एक. Name of one

of the 56 Antaradvīpas (२) त्रि० ते अन्तर द्वीपमा रहेनार मनुष्य आभाषिक नामक अन्तरद्वीप में रहने वाला मनुष्य (a person) residing in the Antaradvīpa called Ābhāsika, ठा० ४, जीवा० १, ३, ३, (३) पु० ओ नामनो ओइ देश इस नाम का एक देश a country of this name (४) त्रि० ते देशमा रहेनार मनुष्य; भेदनी ओइ जल आभाषिक देश में रहने वाला मनुष्य, एक म्लेच्छ जाति (a person) residing in the country called Ābhāsika, a kind of Mlechchhas. पञ्च० १, पण्ह० १, १, —दीव पु० (-द्वीप) लवणसमुद्रमा यूद्धिमवन्त पर्वतनी उदा उपरनो ओ नामनो ओइ द्वीप लवणसमुद्र में के चूचहिमवन्त पर्वत के अन्तराय पर बसा हुआ द्वीप name of an island on the Chūla Himavanta mountain in the Lavaṇa ocean. “ कहिण भंते दाहिणिह्वाणं आभासिय मणुयाण आभासिय दीवे नाम दीवे ” जीवा० ३, ठा० ४, २, पञ्च० १,

आभासी स्त्री० (आभाषी) आभाषिक द्वीप नी रहेवासी स्त्री आभाषिक द्वीप में रहने वाली स्त्री A female inhabitant of the Ābhāsika island जीवा० ३, आभिओग पु० (आभियोग्य-आसमन्ताद् युज्यन्ते प्रेष्यकर्माणि व्यापाय्यन्ते इत्याभियोग्याः) नोइर देवता; आभियोगिक जलना देवता नोकर देव, आभियोगिक जाति के देव A kind of subordinate gods acting as servants, gods of the Ābhiyogika kind. पण्ह० १, २, भग० १६, २; १८, २, जं० प० १,

१२; नाया० ८, (२) (अभियोग आज्ञा प्रदानलक्षणोऽस्यास्तीत्याभियोगी तन्नाव आभियोग्यम्) नोइर पण्य, सेवकत्व, सेवक पना, सेवकत्व servitude दस० ६, २, ४; जं० प० ५, ११२, ११४, —पण्यत्ति. स्त्री० (-प्रज्ञप्ति) विद्याधरनी ओइ विद्या विद्यावर की एक विद्या an art or a branch of learning possessed by Vidyādharaś “ संकामाणि अभियोगा पण्यत्ति गमणिधमयिमुय वज्जुसु विजाहरीसु विजासु विस्तुयजसे ” नाया० १६, —सैडि. स्त्री० (-श्रेणि) वैताह्य पर्वत उपर विद्याधरनी श्रेणिथी १० जोवन उंचे अलिथेगी देवता ने रहेवासी जग्या वैताह्य पर्वत के ऊपर विद्यावर श्रेणी ने १० योजन ऊंचा अभियोगी देवों का रहने का स्थान an abode of Abhiyogi deities on the Vaitādhya mount ten Yojanas in height from the Vidyādhara Śreni जं० प० १, १२;

आभिओगा स्त्री० (आभियोगा) विद्याधरनी ओइ विद्या विद्यावर की एक विद्या A branch of knowledge or an art possessed by Vidyādharaś. नाया० १६,

आभिओगिअ—य पु० (आभियोगिक—अभियोगःप्रयोजननस्येति) नोइर देवतानी ओइ जल, उतरता देवता. नोकर देवों की एक जाति, निम्न श्रेणी के देव. A kind of subordinate deities “ आभिओगिण देवे सहावेइ ” जीवा० ३, श्रव० ४१, नाया० ८, १३, राय० २८, ३४; भग० १४, २, (२) विद्या, भय, वशीकरण, आदि आभियोगिक उरनार साधु विद्या, मंत्र, वशीकरण आदि अभियोग कर्म करने वाला साधु a Sādhu who practises

charms, incantations etc विवा० २, जीवा० ३; भग० १, २, पन्न० २०; जं० प० ५, ११२; —कखय पुं० (-क्षय— अभियोगः प्रयोजनमस्येत्याभियोगिकम् परतंत्रता फलं तस्य क्षयो विनाश आभियोगिकक्षयः) अलियोग-परतंत्रता आपनार उर्भेतो नाश. परतंत्रता देनेवाले कर्मों का नाश. destruction of Karmas which bring on dependence as their fruit जं० प० ५, ११२, ११५, पंचा० १२, ७; —देव पुं० (-देव) अलियोगज्जतिना नीत्या देवता. अभियोग जाति के हलके देव. a subordinate kind of deities styled Abhiyogika. नाया० ध०

आभिगगहिय. त्रि० (आभिग्राहिक-अभिगृह्यत इत्यभिग्रहस्तेन निर्वृत्त आभिग्राहिकः) अलिग्रहणी कथोत्सर्गादि करनेवाले, अलिग्रहधारण करीने कडिसग्ग वगेरे करनेवाले अभिग्रह धारण करके कायोत्सर्गादि करनेवाला. (One) who practises Kāusagga after taking certain vows पंचा० ४, ८, आभिणिबोहिय न० (आभिनिबोधिक-अर्थाभिमुखो बोध आभिनिबोध सण्वाभिनिबोधिकम्) भतिज्ञान, मन अने ध्रियधी थतुं ज्ञान, ज्ञानना पाय प्रकारमाने पहुँचे। प्रकार भतिज्ञान, मन और इन्द्रियसे होनवाला ज्ञान, ज्ञान के ५ भेदों में से पहिला भेद Matijñāna, knowledge derived through the five senses and the mind, the first of the 5 varieties of knowledge. “सेकितं आभिणिबोहियणां आभि० दुविहं प० तं सुय निस्सियं अमुयानिस्सियं च” नंदी० ओव० १६, आणुजो० १२७, उत्त० २८, ४, ३३, ४, टा० २, १; विसे० ८० पन्न० १, —लद्धि

स्त्री० (-लद्धि) भतिज्ञाननी लद्धि-प्राप्ति. भतिज्ञानकी प्राप्ति. attainment of Matijñāna भग० ८, २;

आभिणिबोहियणा पुं० (आभिनिबोधिक-ज्ञानं) लुओ “आभिणिबोहिय” शब्द. देखो “आभिणिबोहिय” शब्द. Vide “आभिणिबोहिय” टा० २, १, आणुजो० १; भग० १, ५, २, १०; , ६ ४; ८, २; नंदी० १, विशेष० ७६, ओव० सम० २८, —पज्जव. पुं० (-पर्यव) भतिज्ञानना पर्याय भतिज्ञानका पर्याय modifications of Matijñāna. भग० ८, २, २५, ४; —लद्धिया. स्त्री० (-लद्धिका) भतिज्ञाननी लद्धि भतिज्ञान की प्राप्ति-acquirement of Matijñāna. भग० ८, २; —आवरण न० (-आवरण) भतिज्ञानावरणीय, भतिज्ञानने द्वावनार उर्भ. भतिज्ञानावरणीय; भतिज्ञान को ढंकेवाला कर्म. Karma which obscures Matijñāna. सम० १७. —आवरणज्ज. न० (-आवरणीय) भतिज्ञानावरणीय उर्भ; भतिज्ञानने अटकावनार ज्ञानावरणीय उर्भनी ओक प्रकृति भतिज्ञानावरणीय कर्म, भतिज्ञान को न होने देनेवाला ज्ञानावरणी कर्म का एक प्रकृति a variety of knowledge-obscuring Karma, preventing Matijñāna. भग० ६, ३१; —विणय. पुं० (-विनय) भतिज्ञाननी विनय भतिज्ञान का विनय. Vinaya or austerity of Matijñāna भग० २५, ७; —सागारोवओग. पुं० (-साकारोपयोग—अर्थाभिमुखो नियतः प्रतिस्वरूप को बोधो बोधविशेषोऽभिनिबोधोऽभिनि. बोध एवाभिनिबोधिकं तच्च तज्ज्ञानञ्च तदेव साकारोपयोगः तथा) भतिज्ञानरूप साधारोपयोग-विशेष उपयोग भतिज्ञानरूप विशेष

उपयोग definite, particular knowledge in the form of or through Matijñāna. पञ्च० २८,
आभिलिगोहियणाणि पुं० (आभिलिबोधिक
ज्ञानिन्) आभिलिबोधिक मतिज्ञानवाला
आभिलिबोधिक मतिज्ञान वाला. (One)
possessed of Abhinibodhika
Matijñāna. भग० ६, ३, ८, २, १८,
१, २५, १,

आभिप्पाइअ. त्रि० (आभिप्रायिक)
अभिप्रायवाला, अभिप्राय युक्त अभिप्राय
वाला Having a definite aim or
purpose अणुजो० १३१;

आभियोग पुं० (आभियोग) लु० "आभि-
ओग" शब्द देखो "आभिओग" शब्द
Vide "आभिओग" ठा० ४, ४,
भग० ३, ५,

आभियोगत्ता. स्त्री० (आभियोग्यता)
नोकरयाकरपाल, सेवा लाव, नोकर देवता-
पाल, नोकरचाकर पन, सेवकत्व, नोकर
देवपन. State of being a servant
or a servile deity "चउहिं ठाणेहिं
जीवा अभियोगत्ताए कम्म पगरेति" ठा० ४,

आभिलेक त्रि० (आभिलेक्य) राज्याभिषेक
करवा योग्य, जेतो अलिषेक करवाभा
आवेछे ते राज्याभिषेक करने योग्य,
जिसका अभिलेक किया जाता है वह (One)
to be crowned king, (one)
to be made king with proper
ceremony "आभिलेक हत्थिरयण पडि
कप्पह" ज० प० ओव० २६, राय० १५८,

अभीरी स्त्री० (अभीरी) आहिरिणी
अहीरनी; अहीर जाति की स्त्री. An
Abhira female नदी० ४४,

✓ आभोअ धा० II (आभोग=आभुज्)

जेवु देखवुं देखना To see. (२)
जानवुं जानना. to know.

आभोइए कप्प० ५, १०६,

आभोइए राय० २६४, दसा० १०, ११;
उवा० ८, २५५, नाया० ८, ६,
भग० ५, १, १६, ५, ज० प० ५,
११५,

आभोएति ज० प० ५, ११२;

आहोयंति भग० ३, १;

आभोएमि भग० ३, २; नाया० ८;

आभोएहिंति भग० १५, १,

आभोएत्ता सं० कृ० नाया० ९;

आभोइत्ता सं० कृ० नाया० ८, भग० ३, २;
१५, १, दस० ५, १, ८६;

आभोएमाण व० कृ० नाया० २; ८, १३,
भग० १६, १, नाया० ८०

आभोअ-य पु० (आभोग) ज्ञान, समज, लु.
ज्ञान, समज. Knowledge, under-
standing. दस० ५, १, ८६, विवा० १,

आभोग. पु० (आभोग-आभोजनमाभोग.)

उपयोग विशेष उपयोग विशेष A parti-
cular kind of attentiveness or
carefulness. प्रव० ११९८, (२) ज्ञान,
समज, अणु० ज्ञान, समज know-
ledge; information. भग० ७, ६,
पञ्च० १४, पि० नि० ५७७, ठा० ४, १,
१०, (३) लु० लु० करेल प्रवृत्ति.

जानवूमकर की हुई प्रवृत्ति activity
consciously performed प्रव०
११६८, (४) विस्तार विस्तार extent

नाया० १, —उभाण न० (—ध्यान

आभोगो ज्ञानपूर्वको व्यापारस्तस्य ध्यानम्)
ज्ञानपूर्वक व्यापारतु ध्यान ज्ञान पूर्वक

व्यापार का ध्यान. contemplation of
conscious activity आउ० —सिद्ध-

त्तिय. त्रि० (निर्वर्तित) लु० लु०

इरेयुं जानवृम्भकर कियो हुआ performed consciously or purposely भग० १, १, (२) पैमानिइ देवतानो कोध विशेष, कोधनु पण्डितम नालुवा छता पण्डित इरेय कोध वैमानिक देवों का क्रोध विशेष, क्रोधको परिणाम जानते हुए भी किया हुआ क्रोध anger of heavenly deities i.e. anger inspite of a knowledge of its results. ठा० ४, —वइस्स पुं० (—वकुश) आभोग-नालीने देय लगाउल्लार साधु जान वृम्भकर दोष लगाने वाला साधु an ascetic consciously incurring sin. ठा० ५, ३, भग० २५, ६;

आभोगण न० (= आभोग) विचारणा. विचारणा, विचार Thought, reflection. नदी० ३१;

आभोगणया. स्त्री० (आभोगन) धंदा, विचारणा. ईहा; विचारणा Thought, reflection नदी० ३१;

आम त्रि० (आम) अपक्षय; आयुं; अपक्व; कच्चा Raw, unripe. वेय० १, १, सु० च० ७, १८३; पिं० नि० १७; परह० १, २, (२) सद्येय आहार. दोष सहित आहार. food involving sin. आया० १. २, ५, ८७, —अभिभूय त्रि० (—अभिभूत) अपरिपक्षय रसथी पराभव प्रामेय त्रिना पके हुए रससे पराभव पाया हुआ. overpowered by raw essence विवा० ७, —गंध. पुं० (—गन्ध) आधाधर्म आदि दोष a fault such as Adhā Karma etc “सव्दाम-गद परिणाय गिरामगंधो परिव्वणु” आया० १, २, ५, ८७; —डाग. न० (—डाग) आयुं पाळु; अर्धु पाळु

अर्धु आयुं नांजलन वगेरेनुं पाळु कच्चा पत्ता a raw, unripe leaf “सेजं पुण जाणेजा आमडागं वा” आया० २, १, ८, ४६, —मल्लग पु० (—मल्लक) अपक्षय-आयो शरावसे कच्चा मिट्टिका प्याला a raw earthen bowl नाया० ६; —मल्लगरूच त्रि० (—मल्लकरूप) अपक्षय शरावसा जेवु, आयु शरावधानी पेठे तरत पुटी नय तेवु. कच्चे प्याले के समान जल्दी फूट जानेवाला fragile like a raw earthen bowl नाया० ६, तडु० —मधुर त्रि० (—मधुर) आयु छता स्वादभा मधुर. कच्चा होनेपर भी स्वाद में मिष्ट raw yet sweet (e. g. fruit) “आमे खासं पुगे आममसुरे” ठा० ४, १,

आमअ. पु० (आमय) रोग, बीमारी. Disease पिं० नि० ४५६,

आमअ त्रि० (आमक) सथित वस्तु; आयु-उपवाली वस्तु सचित्तवस्तु सर्जाव-वस्तु Raw; (a thing) having life in it दस० ३, ७,

✓आ-मत. व० II (आ+संभृ+णि) संभो-धन इरी जेलावतु, आभरण इरेयुं; नेतरुं आपयुं सबोवनपूर्वक बुलाना, आमत्रण करना, नोता देना To call out to; to invite.

आमतेइ. ओव० २६, विवा० ३, नाया० १; ७, १८, भग० ११, ८, १५, १;

आमतेमि नाया० १२,

आमतित्ता. नाया० ७, भग० ३, १, १४ ७; १५, १, निर० ३, ३; दमा० ५,

६; उवा० २, ११६; दसा० १, १,

ठा० ३, २, उवा० ६, १, ७४;

आमतेत्ता. नाया० १४, १५, भग० ११, ६, १५, १;

आमतेऊण नाया० १५,

आमतिथ स० कु० सूय० १, ४, १, ६,

आमतेमाण व० कु० आया० २, ४, १,

१३४,

आमंत्रण. न० (आमन्त्रण) संबोधन
संबोधन Vocative address, calling
out to ठा० ८, १, (२) आमंत्रण,
नोतर् निमंत्रण, नोता invitation
सु० च० ३, ११३,

आमंत्रणी स्त्री० (आमन्त्रणी) हे देवदत्त !
धत्यादि संबोधनरूप लापा; व्यवहार लापाने
ऐक प्रकार संबोधनरूप भाषा Language
of address in the vocative
case, a variety of conventional
speech प्रव० ६०१, भग० १० ३, पत्र०
११, अणुजो० १२६, (२) संबोधन
अर्थमा पपराती (प्रथमा) विलक्षित संबो-
धन के अर्थ में काम आने वाली (प्रथमा)
(विभक्ति) the nominative used
in the sense of the vocative
“ आमंत्रणे भवे शठ्ठमीय जह हे जुवाणसि ”
ठा० ८,

आमंत्तिअ-य त्रि० (आमन्त्रित) पुछेन,
आमंत्रण पुछेन पूछा हुआ, आमंत्रण किया
हुआ Asked, addressed, invited
“ गच्छामिराण आमतिओसि ” उक्त० १३,
३३, “ सेभिक्व वा २ इत्थिआमतेमाणे
आमंतिण् ” आया० २, ४, १, १३४,
आमग त्रि० (आमक) क्षयुं, अपरिपक्व
कच्चा. Raw (२) सञ्चित सञ्चित
सजीव having life or lives in.
दम० ५, २, १६, ८, १०, भग० १५,
१, तंडु०

✓ आमज्ज. धा० I, II (आ+मृज्) वाधयु,
साक्ष करयु, लुप्त्युं साफ करना, पोंछना
To cleanse, to wipe, to sweep.

आमज्जिज्ज विधि० आया० २ १३, १७२,

आमज्जेज्ज विधि० निर्मा० ४, ७१, ३,
१६; २२,

आमज्जमाण वहु० आया० २, १, ६,
३६,

आमयकरणी स्त्री० (आमयकरणी) विद्या
विशेष, रोग उत्पन्न करनेवाली रोग
उत्पन्न करनेवाली एक विद्या An art of
producing or causing diseases
सूय० २, २, ३०,

आमरणं. अ० (आमरणम्) मरणपर्यन्त
मरने तक Up to death, till
death पंचा० ७, ४६,

आमरणंत अ० (आमरणान्त) मरण
पर्यन्त मरण पर्यन्त Till death.
ठा० ४, १; — दोस पुं (-दोष) मण्डू
पर्यन्त पणु कालसूरिया इंसाननी पेठे
पापनुं पश्चात्ताप न थाय ओवा प्रकारनो दोष,
रौद्रध्याननुं ऐक लक्षण मृत्यु तक किन्तु
कालसूरिया कपाई के समान पाप का
पश्चात्ताप न हो ऐसा दोष, रौद्रध्यान का
एक लक्षण sin without repen-
tance till death as in the
case of the butcher Kālasūriā,
a mark of Raudia Dhyāna.
ठा० ४, भग० २५, ७, ओव० २०,

आमरिस पु (आमर्श) सम्पर्क, स्पर्श.
सम्बन्ध, स्पर्श, Connection, con-
tact विशेष० ११०६,

आमल पु (आमल) अणु बीजवायु वृक्ष,
आमलानुं वृक्ष बहु बीजवाला वृक्ष;
आमले का वृक्ष. A hog-plum tree,
a kind of tree with many
seeds जीवा० १, आया० टी० १, १,
५, १२६, — कप्पास. न० (-कार्पास)
आमलानो क्षयम्. कपास की एक जाति.

a variety or species of cotton.

“ आमलकप्पासाओवा वमीकरण करेइ ”

निमी० ३, ७२,

आमलक. न० (आमलक) आमलानुं इक्ष
आवला A fruit of the hog-plum
tree. “ आमलपाणग वा ” सूय० १, २,
१, १६;

आमलकप्पा. त्री० (आमलकप्पा) ओ
नामनी ओइ नगरी एक नगरी का नाम
Name of a city “ इहेव जंबूदीवे भा
रहेवासे आमलकप्पा नामं नगरी होन्था ”
राय० २, नाया० ४०

आमलग. पुं० (आमरक) भारी; भरडी.
चारों तरफ फेली हुई बीमारी. Plague
infecting all quarters ठा० १०,
(२) न० भरडीसंयंधी अधिकारवाहु विपाक-
सूत्रनु ६ मुं अध्ययन विपाक सूत्रका सरी
(बीमारी) के सम्बन्ध का ६ वा अध्ययन.
The 9th chapter of Vipāka
Sūtra dealing with the subject
of plague. ठा० १०,

आमलग. पुं० (आमलक) आमलानु अड
आवलेका वृक्ष A hog-plum tree
पत्र० १, सू० पं० १०, सूय० १, ४, २, १०,
अणुजो० १४३, १५०, भग० २२, ३,
जीवा० १, ठा० ४, ३; —मधुर त्रि०
(-मधुर) आगलाना इक्ष जेयुं स्वादिष्ट
आवले के फल के समान स्वादिष्ट as
tasteful as the fruit of a hog-
plum tree ठा० ४, ३, —रस पुं०
(-रस) आमलानो रस. आवले का रस
juice of hog-plums सूय० त्रि० टी०
१, ८, ६१, —रसिय. त्रि० (-रसित)
आगलाना रसथी मिश्र करेइ. आवलेके रस
से मिश्रित mixed with the juice
of hog-plum fruits विद्वा० ७,

आमलय पुं० (आमलक) ओओ ‘आमलग’
शब्द देखो ‘आमलग’ शब्द Vide.

‘आमलग’ राय० २६८, उवा० १, २४;

आमित्रा. त्री० (आमिका) डायी इली वगेरा.
कच्ची फली वगैरह. A raw seed-pod
etc. “ आमित्रं भजिषं सहं ” दस० ५,
१, २०;

आमिस. न० (आमिष) भांस. मांस.
Flesh सूय० १, १, ३, ३, उत्त० ३२,
६३, नाया० ४, ठा० ४, पंचा० ५, २६,
(२) धन धान्यादि भोग्य पदार्थ धनधान्यादि
भोग्य पदार्थ any thing which can
be eaten or enjoyed “ आकि-
चणा उज्जुकडा निरामिसा ” उत्त० १४,
४१, ‘आमिसं कुललं दिस्स वज्जमाण
निरामिसं आमिसं सव्य मुक्किता विहरिस्सा-
मो निरामिसा’ उत्त० १४, ४५, —आवत्त.
पुं० (-आवर्त) भासार्थी समझी वगेरे जे
आडाशमा आवर्तन करे ते, आवर्तनो ओइ
प्रकार. मांस की इच्छा से आकाश में उड़ने
की क्रिया, आवर्तनका एक प्रकार act of
wheeling in the sky done by
kites etc for flesh ठा० ४, ४;
—आहार पुं० (-आहार) भासाहार.
भासाहार flesh food (२) त्रि०
भासाहारी मास खानेवाला carnivorous;
flesh-eating, नाया० ४, —तल्लिच्छ.
त्रि० (-तल्लिष) भासनेो गृद्धि-लोअपी
मास का लोलुपी. greedy of flesh.
नाया० २, —प्रिय त्रि० (-प्रिय) भास
आवाभां प्रीति वालेो मास खाने में प्रीति
रखने वाला fond of flesh-eating.
नाया० ४; —भक्षिख. त्रि० (-भक्षिन्)
भांसाहारी; भांस लक्षणु करनार मासाहारी.
carnivorous, flesh-eating नाया०
२; —लोल त्रि० (-लोअ) भांसनेो

लोक्षपी, मांस लम्पट. मांस का लोलुपी.
greedy of flesh. नाया० ४,
आमिसत्थि त्रि० (आमिपार्थिन्) मांस नी
धृच्छा-प्रार्थना करनेवाला आमिष-मांस की
इच्छा-प्रार्थना करनेवाला. (One)
desiring flesh नाया० ४;

✓आ-मुस धा० I (आ+मुश्) धसवुं;
मर्दन करवु, मरोड़ते नियोववु घिसना,
मर्दन करना, मरोड़कर निचोना. To rub,
to expel water from a wet
cloth by twisting it.

आमुसिजा वि० दस० ४,

आमुसत ठा० १, दस० ४;

आमुसमाण व० कृ० भग० ८, ३;

आ-मुहुत्तंतो अ० (आमुहूर्तान्तस्) अंत-
मुहूर्त पर्यंत अन्तर्मुहूर्त तक. Up to the
limit of an Antaramuhūrta.
क० प० २, ५२;

आमेल पुं० (~) मस्तक भूषण, मुगट उपरनी
झूलनी माला. मस्तक भूषण, मुगट उपरकी
पुष्प की माला A flower garland
of a clown. “ वणभाला मेल मडल
कुंडल सच्छद विडविया भरण ” पञ्च०
२, ओव० २४, राय० ८६, नाया० १६,
जीवा० ३;

*आमेलअ-य पुं० (*) लुओ उपलो शब्द.
देखो ऊपरका शब्द Vide above भग०
६, ३३, ओव० ३०;

*आमेलग पुं० (~) लुओ “आमेल” शब्द
देखो “आमेल” शब्द Vide “आमेल”
“आमेलग जमल जुगल वट्टिय” भग०
६, ३३, नाया० १, २, राय० १११;

आमेलग न० (आमोलक) स्तनतो अग्र-

भाग;-डीडी-डीटुं स्तनका अग्रभाग The
nipple of the breast; a teat.
जं० प० जीवा० ३, ३, (२) परस्पर थोड़ा
सम्बंध वाला परस्पर थोड़े संबंध वाला,
having limited inter-relation.
नाया० १, १४,

आमोक्ख पुं० (आमोक्ख-आमुच्यतेऽस्मिन्नित्या
मोक्षण वाऽऽमोच) आ-संभत्तात-आरे
तरक्ष्णी भोक्ष-छुटकारो, कर्मथी सर्वथा
छुटकारो. संपूर्णतया मोक्ष, कर्मसे सर्वथा
छुटकारा. Perfect salvation,
perfect emancipation from
Karma “आइएणाऽऽजाइ आमोक्खा”
आया० नि० १, १, १, ७, सूय० १, १, ४,
१३, २, ५, ३३,

आमोडण न० (आमोटन) आ-थोडुं मर-
उवुं-भांगवु ते कुछ मरोड़ना A little
twisting परह १, १,

आमोडिज्जन्त व० कृ० त्रि० (आमोदयमान)
थोडु मरोड़वाभा आवतु जो थोड़ा मरोड़ा
जाता है वह. Being twisted a
little. राय० ८८,

आमोय. न० (आमोक) क्यरातो ढगलो;
उकरडो कचरेका ढेर. A heap of re-
fuse “आमोयाणिवा” आया० २, १०,
१६६,

आमोयमाण व० कृ० त्रि० (आमोदमान)
पुशी थतो, आह्लाद पाभतो, प्रसन्न होता
हुआ, खुश Rejoicing “आमोयमाण
गच्छति” उक्त० १४, ४४;

आमोस पुं० (आमर्श) स्पर्श करवो ते.
स्पर्श करना. Touching, touch ओष०

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

नि० मा० १६४, परह० २, १; प्रव० १५०६
आव० ४, ४;

आमोस. पुं० (आमोष) चोरी करने वाला
One who steals from all quart-
ers "आमोसे लोमहारेय" उक्त० ६, २८,

आमोसग. पुं० (आमोषक) चोर, तस्कर.
चोर. A thief. आया० २, ३, ३, १३०,
ठा० ५, २;

आमोसहि. स्त्री० (आमशौषधि-आमशौहि-
हस्तादिना स्पर्श. सण्वौषधिरामशौषधिः)
हाथना स्पर्शमात्रથી सर्व रूई मटी लय
येवी लननी भेलवेली शक्ति, २८ लब्धि-
भानी ऐश हाथ के स्पर्श मात्र से सर्व व्याधि
मिट जावे ऐसी प्राप्त की हुई शक्ति, २८ लब्धि-
योंमें की एक लब्धि Power to cure
diseases by mere touch of the
hand etc, one of the 24 Labdhis.
आव० १६, (२) ऐवि लब्धि वालो साधु.
उक्त लब्धिवाला साधु an ascetic pos-
sessed of the above mentioned
power विशेष० ७७६, —पत्त त्रि० (—प्राप्त)
हाथ मात्र लगाववाली यधी पीडा मटी लय
तेवी लब्धि ने पामेल हाथ के स्पर्श मात्र से
संपूर्ण पीडा मिट जाय ऐसी लब्धि पाया हुआ.
possessed of the power of cur-
ing maladies by merely touch-
ing with the hand. परह० २, १;

आय. न० (आज) अक्षरीना आलनुं अनेक
पत्र. बकरी के बाल का बना हुआ वस्त्र
Cloth made of the hair of a
she-goat. आया० २, ५, १, १४५;

आय. पुं० (आय) लाभ, धनादिद्विनी प्राप्ति,
आवक, कमाणी लाभ, आय आमदनी.
Gain; earning, income. "आय न
कुञ्जा इह जगत्त्रियर्था" सूय० १, १०, ३,

१, ११, २१; २, ६, १६; नाया० १; पिं०
नि० ३१६, अणुजो० १३; (२) धर्मनी
आवक, आश्रय. कर्म का आश्रय-आवक.
inflow of Karma. सूय० १, १०, ३;
(२) अध्ययन तथा उद्देशादि. अंग सूत्र के
अध्याय वगैरह chapters, sections
etc "नायस्स दंसस्सवि चरस्सय जेणे
आगमो होइ भाव आओ आयो लाहोत्ति
एगद्धा" दस० टी० १; (४) डालानी ऐश
लन; वनस्पति विशेष कोलाकी एक जाति;
वनस्पति विशेष a kind of vegeta-
tion of the gourd kind "सेकितं
कुहणा कुहणा अयोगविहा प० तं० आय
काणकुहणे" पत्र० १;

आय पु० (आत्मन्) आत्मा, ज्ञान आत्मा;
जीव Soul, life "आयगुत्तेजिइदिण्"
नाया० ८, सम० १, पत्र० १८, २८,
आया० १, १, १, ३, सूय० १, ११,
१६, उक्त० २, १५; ८, १६, १४, १०,
भग० १, ४, ६, २, १, ३, ४; ६, १०;
२०, २, ४१, १, राय० ७८, नंदी० ४५, ठा०
७, १; विशेष० ३०, ६२, ३५३६; —अंगुल.
पु० (—अंगुल) आत्मागुल; शास्त्रोक्त प्रमा-
लोपेन व्यापिताला उत्तम पुष्पना शरीरती
व्यापिता १०८ मो लाग, आत्मागुल डहे-
वाय छे आ अंगुलथी कुवा, नदी, घर, क्षेत्र
आदी वगैरे पदार्थोंनुं माप थाय छे. आत्मा-
गुल, शास्त्रानुसार उत्तम पुरुष के शरीर की
उंचाई का १०८ वा हिस्सा, आत्मागुल
कहलाता हैं, इस से कुआ, नदी, घर, बाड़ी
आदि का माप होता है a measure of
height or length, 108th part
of the full height of a man as
settled by the authority of
scriptures, it is used to mea-
sure the depth of wells etc.

विशे० ३४०; अणुजो० १३४, प्रव० ५६, ८, १४०३, —अन्तकर पु (—अन्तकर-आत्मनो अन्तमवसानं भवस्य करोतीत्यात्मान्तकर.) आत्मनो श्रवणतो अतः करनार, आत्मनो वध करनार आत्मा-जावन का अत करनेवाला one who destroys life; one who destroys the soul, ठा० ४, २; —अजस्र न० (—अयशस्) आत्मनो अयश-अशुभ नामधर्मनी ओक प्रकृति आत्मा का अपयश-अशुभ नामकर्म की एक प्रकृति infamy, disrepute of the soul, a variety of evil Nāma Karma भग० ४१, १; —अणुकंपय त्रि० (—अणुकम्पक—आत्मानभेदानर्थपरिहारद्वारेणानुकम्पते शुभानुष्ठानेन सद्गतिगामिन विधत्त इत्यात्मानुकम्पक) आत्महित करवाभा प्रवृत्त, प्रत्येक-शुद्ध अथवा जिनकल्पी आत्महित करने में प्रवृत्त, प्रत्येकबुद्ध अथवा जिनकल्पी. one devoted to the welfare of the soul. “आयाखुक्कपण्णामयेगे णो पराणु कपण्ण” ठा० ४, ४, सूय० २, २, ८५, —अभिणिवेश पु० (—अभिनिवेश) पोता-पण्णतो आग्रह, भक्त्य भाव. अहंभाव, ममत्व भाव. self-love, attachment to one's selfish interests. नंदी० —अहिगणवत्तिय त्रि० (—अधिकरण प्रत्यय—आत्मनोऽधिकरणानि आत्माधिकरणानि तान्येव प्रत्ययः कारण यत्र क्रिया करणे तदात्माधिकरणप्रत्ययम्) जेभा आत्मनो अधिकरण करणरूप छे ते. जिसमें आत्मा का अधिकरण कारण रूप है वह (that) in which relation with the soul is the active cause. “आयाहिगणवत्तियं चण तस्स नो इगियावहिया किरिया कज्जह लप-

राइया किरिया कज्जह” भग० ७, १. —अहिगणवत्तिय पु० (—अधिकरणवत्-अभि-करणानि हज्जशकटादीनि कपायाश्रयभूतानि यस्य सन्तिसोऽधिकरणी आत्मनोऽधिकरणी आत्माधिकरणी) आरंभादिदना साधन, हथ वगरे जेनी पासे छे ते आत्म; पोतानी जते आरंभ समारंभना अधि करणु भेदयनार आरंभादिक के साधन, हथ आदि जिसके पास है वह आत्मा, स्वयं आरंभ समारंभ के साधनों को एक-त्रित करने वाला a soul possess ed of implements of killing etc., such as a plough etc b. his own efforts “आयाहिगणवत्तिय भवइ” भग० ७, १, १६, १, —आरंभ त्रि० (—आरंभ) पोताने हाथे श्रवणी श्रव करनार अपने हाथ से जीव की घात करने वाला (one) who kills a life with his own hands भग० १, ०; —उवक्कम पु० (—उपक्रम) पोतानी जते आत्मनो उपक्रम करे, आत्मुं हं हं करु ते अपने हाथसे आयुष्य को कम करना shortening one's own life भग० २०, २, १०, —कम्म न० (कर्मन्) आत्मनो करेले कर्म आत्मा का किया हुआ कर्म Karmas done by one's self or soul भग० ३, ५, २०, १०, २५, ८, —गय त्रि० (—गत-आत्मनो गतमात्मगतम्) आत्मनो गते, आत्म-सम्बन्धी. आत्मा सम्बन्धी. relating to the soul. पचा० ३, ३७, —गदे लय त्रि० (—गवेषक) आत्मानं का सत्तापहारेण शुद्ध गवेषयतीत्यात्मगवेषक आत्मनो परा स्वरूपने शोधनार. आत् के सबे स्वरूप को खोजनेवाला. (one who investigates into the

real nature of the soul
 “ साहिष्णु आयगवेसगु स भिक्खू ”
 उत्त० १५, ५, —गुत्त. त्रि०
 (—गुत्त—असयमस्थानेभ्यो मनोवाक्कायिरा-
 त्मा गुप्तो यस्य स आत्मगुप्तः) मन
 पयन अने ध्याये डरी आत्माने पाप.
 थी गोपयनार; आत्मरक्षक मन, वचन
 और काया से आत्मा की रक्षा करने वाला
 (one) who guards the soul
 against sins of thought, word
 and deed. “ सच्चनं याणु जाणंति
 आयगुत्ता जिहंदिआ ” सूय० २, २, ६५,
 आया० १, २, ७, २०४, १, ३, १, १०६;
 उत्त० १५ ३; सूय० १, ११, १६,
 —छट्ट पुं० (—षट्) आत्मा जेभा
 छडे छे अेवा पायभूत आत्मा जिसमें छटा
 है ऐसे पंचभूत the soul along with
 the five elements. “ आयछट्टो
 पुणो आहु ” सूय० १ १, १, १५,
 —छट्टवाइ. पुं० (—षट्वादिन्) पाय-
 भूत उपरान ठा आत्माने माननार सांध्य
 गेरे पंचभूत के सिवाय आत्मा को छटा मानने
 वाले साख्य वगैरह one who admits
 the existence of the soul in
 addition to the five elements,
 e. g a Sankhya etc सूय०
 टी० १, १, १, १५, —जस न०
 (—यजन्) आत्माना यशरूप सयम
 आत्मा का यशरूप सयम the glory of
 the soul viz self-restraint
 “ जीवा कि आयजसेण उववज्जति ” भग०
 ४१, १ —जोग त्रि० (—योग) आत्मा
 नरक्षणी प्रवृत्ति वाले, दुगल मननी प्रवृत्ति
 आत्मा नेवही प्रवृत्ति वाला, दुशान मन क
 प्रवृत्ति (one) busy with what
 concerns the soul salutary

activity of the mind सूय० २, २,
 ८५; —जोगि पुं० (—योगिन्—आत्मनो
 योग कुशलमनः प्रवृत्तिरूप आत्मयोगः
 स यस्यास्ति) सदा धर्म ध्यानभा निभग्न.
 सदा धर्म ध्यानमें निमग्न. always en-
 gaged in religious medita-
 tion. दसा० ५, २१, —ट्ट. पुं०
 (—अर्थ) आत्मानु अर्थ—प्रयोजन,
 मोक्ष. आत्मा का प्रयोजन; मोक्ष the
 aim of the soul, salvation.
 आया० टी० १, २, १, ६२; —ट्टि.
 पुं० (—अर्थिन्—आत्मनो अर्थ आ-
 त्मार्थः स विद्यते यस्य स तथा)
 आत्मानु हित डरनार, मोक्षार्थी आत्मा का
 हित करने वाला, मोक्षार्थी one who
 accomplishes the well-being
 of the soul, one aiming at
 salvation. सूय० २, २, ८५,
 —ट्टि पुं० (—अट्टि) आत्माना अट्टि-शक्ति
 वाले आत्मा की अट्टि-शक्तिवाला one
 possessed of soul-power. भग०
 ३, ४, ६, १, २०, २, २५, ८;
 —तिगिच्छिआ. त्रि० (—चिकित्सक)
 पेते पेतानी दवा डरनार. अपनी आप
 औपयि करने वाला (one) who is
 his own doctor ठा० ४, ४,
 —तुला त्री० (—तुला) आत्माना तुला-
 समानता-उपमा. आत्मा की उपमा self-
 comparison; e. g compari-
 son of the lives of others
 with one's own life “ आयतुलं
 पाणेहि संजण ” सूय० २, २, ३, १२;
 —दंड. पुं० (—दंड—आत्मानं दंडयतीत्या
 त्मदंडः) आत्माने दंडनार, आत्माने
 हानि-पहोयानार. आत्मा को दंडनेवाला,
 आत्मा को हानि पहुचाने वाला one who

destroys or ruins his own soul “ एतेण काण्ण य आयदडे ” सूय० १, ७, २, —दंडसमाचार पु० (-दण्डसमाचार) आत्माना अहितनु अनुष्ठान करनार; आत्मा एउय तेनु आयरणु करनार आत्मा के अहित का कार्य करनेवाला one acting in a way to injure his own soul सूय० १, २, ३, ९, —निष्फेडय पु० (-निस्फोटक) सम्यग्दर्शन आदि अनुष्ठान वडे आत्माने ससाररूप डेहणानामथी अहार डाढनार. सम्यग्दर्शनादि के अनुष्ठान के द्वारा आत्मा को समाररूपी जेल से निकालने वाला one who releases the soul from the cage of worldly existence by right faith etc सूय० २, २, ८५, —पह-द्विअ-य त्रि० (-प्रतिष्ठित) पोताने आश्री उत्पन्न थयेअ, अहार निमित्तविना अरना निमित्तथीअ थयेअ स्वभावतः उत्पन्न, बाहिर के निमित्त बिना अदरके निमित्त सेही उत्पन्न spontaneously produced without the operation of any outside agency ठा० २, ४, ४, १, —पञ्चकख न० (-प्रत्यक्ष) आत्मसाक्षी आत्म साक्षी with one's self or soul as witness, in one's own presence भक्त० ५५, —परक्रम त्रि० (-पराक्रम) आत्मसाधक-सयम अनुष्ठानवाला आत्म-साधक-सयम अनुष्ठान वाला (one) accomplishing the interest of the soul, practising asceticism सूय० २, २, ८५, दसा० ५, २४, —प्पओग पु० (-प्रयोग) आत्मनो व्यापार आत्मा का व्यापार activity of the soul

भग० ३, ४, ५, २०, १०, २३, ८, ३२, १, —प्पओग निव्वत्तिय त्रि० (-प्रयोग निर्वर्तित-आत्मन प्रयोगेण मनः प्रभृति व्यापारेण निर्वर्तित निष्पादितम्) आत्माना व्यापारथी निपण्णेअ आत्मा के व्यापार से उत्पन्न produced by the activity of the soul भग० १६, १, —प्पमाण त्रि० (-प्रमाण) आत्मा डेडुनु साडात्रणु हाथ प्रमाणे प्रमाण आत्मा-देह का साडेतीन हाथ का प्रमाण measure of the body equal to three and a half times the length of the arm प्रव० १२६; —प्पचाय न० (-प्रवाद-आत्मान जीवमनेकधा नयम-तभेदेन यत्प्रवदति तदात्मप्रवादम्) ओ नामनो ओक पूर्व-श्रुत विशेष, ओदपूर्व मानो ओक चौदह प्रकार के पूर्वों में से एक पूर्व name of a scripture, one of the 14 Pūrvas नदी० ५६, सम० १४; प्रव० ७२०, —वल पु० (-बल-आत्मनो बल शक्त्युपचय आत्मबलम्) आत्मनी शक्ति आत्माकी शक्ति power of the soul आया० १, २, २, ७५; —भाअ पु० (-भाव) मिथ्यत्व विषय गृद्धिपाणु वगेरे मिथ्यात्व विषय में लोलुपता greediness after sensual pleasures, heretical belief etc “ विण्हज्जओ सव्वह आय-भाअ ” सूय० १, १३, २१, (२) २५-पोतानो अलिआय-भत. अपना मत one's own view or opinion “ सच्चैण एव ण्हं नो चेवण आय भाअ वत्तववाए ” भग० २, ५, १०, विशेष० ६८, सूय० १, १३ ३, —भाअवकणया स्त्री० (-भाववकनता) पोतानी अरना अपरास्त आव जोटा विद्याने सरी भा देआडा ते. अपने

अप्रशस्तभाव-सराय विचार को अच्छे रूप में प्रगट करना white-washing, varnishing one's own wicked internal thoughts or motives. ठा० २, १; —रक्षक. पुं० (-रक्ष) अंग-रक्षक, आत्मरक्षक. अंगरक्षक, आत्मरक्षक a body-guard; one who guards the soul. ' तयो आयरक्ता पद्मता तंजरा धम्मिआए पडिचोयणाए ' ठा० ३, १; पञ्च० २; जं० प० ५, ११२; राय० ७१, सूय० २, २, २६, भग० ३, १, १६, ६ १७, ५; कप० २, १३, ज० प० ४, ७३, ५, ११६; —रक्षदेव पुं० (-रक्षदेव) आत्म-रक्षक देवता आत्मरक्षक देव. a deity protecting the body or guarding the soul नाया० ८; नाया० ध० भग० ३, ६, १०, ६; १४, ६; जं० प० ४, ७३, —रक्षिण्य त्रि० (-रक्षित) जेणे दुगतिथी आत्मानु रक्षण करे छे ते, दुग-तिसे आत्मा को बचानेवाला (one) who has guarded the soul against an evil condition of existence " आयपरद्धव आयरकखिए " सूय० २, २, ८५ अतई पिट्ठो किञ्चा विरेण आयर-कखिए " उक्त० २, १५, —विसेहि. त्रि० (-विष्टुद्धि) पापनु प्रायश्चित्त करीने आत्मा-नी विशुद्धि करी ते पापका प्रायश्चित्त करके आत्माकी विशुद्धि करना. purification of the soul by expiation for sin नदी० ४३, —वेयावच्चरर त्रि० (वेयावृत्त्यकर) आलस्य आलसी. idle, lazy (२) विसंयोगि-संघुसमुदायथी दित विममोगिक-साधुसमुदाय मे सिद्ध apart from the assemblage of monks "आचवेवावच्चरे नामजग यो पर-रेया वच्चकरे" ठा० ४, —संचेयणिज्ज पुं०

(-संचेतनीय-आत्मना संचेत्यन्ते क्रियंतव्या-त्मसंचेतनीया) अनु० " आयसंचेयणिज्ज " शब्द. देखो " आयसंचेयणिज्ज " शब्द. Vide. " आयसंचेयणिज्ज " " आयसंचेय णिज्जा उवसग्गा चउव्विहा प० तं घट्टणया षवड्ढया धमण्यया लेसखया " ठा० ४, ४; —संचेयणीय. पुं० (-संचेयनीय) द्रव्य उपसर्ग को एक भेद; अपनेही कारण से अपने शरीर अथवा संगम का उप-घात होना disturbance to the body or to self-restraint by causes connected with one's self; a variety of material disturbance. " चउव्विहा उवसग्गा प० तं दिव्वा माणुस्सा तिरिक्ख जोखिया आयस वेयणिज्जा " ठा० ४, ४; —सरणद्व. न० (-स्मरणार्थ) पैताना आत्माने संसारवाभाटे अपनी आत्माका स्मरण करने के लिये. in order to remember or keep in remembrance one's own soul क० ग० ५, १००; —सररि अणवकंखवत्तिया. स्त्री० (-शरीरानवकांक्षाप्रत्यया) अणुव-अणवत्तिया क्रियातो ओक भेद, पैताना शरीरतो नाश थाय तेवा कर्म करवाथी लागती क्रिया. अणवकंखवत्तिया क्रियावा एक भेद, अपने शरीर का नाश हो ऐसे कर्म करने से लगनेवाला क्रिया. Karma incurred by doing acts which destroy one's own body. ठा० २, १; —सात न० (-सात) आत्मसुख आत्मसुख one's own happiness; self-happiness " भूताइ जे हिंसति आयसाते " सूय० १, ७, ५; —सायाणु-

गामि पुं० (सातलुगामिन्) आत्म सुख
 भेदवत्ता ६२७नार. आत्म सुख प्राप्त करने-
 की इच्छावाला one desirous of
 getting one's own happiness
 " हता ह्येता पगविभन्ता आय सायासायु-
 गामिणो " सूय० १, १३, ५, —सुह
 न० (-सुख) शरीर सुख शरीर सुख
 physical happiness " जे छिदती
 आयसुह पउच " सूय० १, ७, ८,
 —सोहि स्त्री० (-शोधि) आत्मशुद्धि,
 कर्मतो क्षये पशम के क्षय आत्मशुद्धि, कर्म
 का क्षयोपशम अथवा क्षय soul purifica-
 tion, destruction or attenua-
 tion of Karma ' आय पजोगमाय-
 सोहीपु " आया० १, ६, ४, १६, वसा० ५,
 ४२, —हम्म त्रि० (-घात्य) आत्मानि
 धान ३२नार आत्माकी घात करने वाला
 soul-destroying, self-destroying
 पि० नि० ६५, —हित न० (-हित)
 स्वहित, पेटानु भन्तु स्वहित, अपना भला
 self-good, selfbenefit " आयहिने
 आयपुत्ते आयजोगे " सूय० २, २, ८५,
 वसा० ५, २१, —हेउ. पु० (-हेतु)
 आत्मानिभिरने, पेटानामाटे आत्मा के लिये,
 अपने लिये for one's own sake,
 for one's own self " केइ पुरिमे
 आयहेउं वा णाहेउं वा " सूय० २, २, २०,
 आयथ्र त्रि० (आयत्त) लायु लवा Long
 राय० १०२, विशेष ७०४,
 आयइ स्त्री० (आयत्ति) भविष्य ३३.
 भविष्य काल The future पचा०
 १६, २८, प्रव० १५६१, —जणग त्रि०
 (-जनक) भविष्यमा ४४ ३६ आपना

भविष्य मे इष्ट फल देनेवाला. giving
 the desired fruit in the
 future "आयइ जणगोसो " पचा० १६,
 २८; प्रव० १५६१, —फल न० (-फल)
 परभव का इष्ट फल.
 desired fruit of the next or
 future birth. " आयत्तिफलमद्धु
 साहण च निउणं सुणेयव्व " पचा० १२,
 ४०, —संपगासल न० (-सम्प्रकाशन-
 आयत्त्या सम्प्रकाशनमायत्तिसम्प्रकाशनम्)
 भविष्यती सारी आशा यतावनार; सामने
 ओके भेद भविष्य के सम्बन्ध में अच्छी
 आशा बतानेवाला, साम का एक भेद
 showing good hopes for the
 future, promising well for the
 future ठा० ३,

आयं अ० (आयस्) वाक्याल ३२ वाक्या-
 लकार. An expletive नाया० २,
 आयंक पुं० (आतक) ७७ओ "आतक" १७६
 देखो 'आतक' शब्द Vide, "आतक"
 "आयकदंसी न करेइ पावं" आया० १,
 ३, २, ४, "अरइ गड विसूइया आयंका
 विविहा फुसतिते" उत्त० १०, २७, ३,
 १८, आया० १, १, १, ५३; १, ५, २,
 १४७, १, ३, २, १११, पि० नि० ६६६,
 जावा० ३, १, महा० प० ३५; राय० ३२,
 सु० च० १०, १३१; नाया० १, ५, भग०
 २, १, १६, २, १८, १०, २५. ७, उवा०
 ४, १५१, गच्छा० ७६, सत्या० ३२;

आयंचणियाउदय न० (*) दुभ रना वास-
 लुभा रहेहुं माटीवायु पाणी कुम्हार के
 बर्तन में रहा हुआ मिठावाला पानी Water
 in a potter's vessel i e earthen

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
 foot-note (*) p 15th.

vessel and so muddy. भग०
१५, १,

आयंत त्रि० (आचान्त) यधु करेन, पाणी-
धी हाथ मोटु साधु करेन चुल्लू किया
हुआ; पानी से हाथ मुंह साफ किया हुआ
With the hands and face
washed with water नाया० १, १६;
भग० ३, १; ६, ३३, ११, ६, जीवा०
३, ४, ओव० १२, राय० १७३, कप्प०
५; १०३,

आयंतम त्रि० (आत्मतम-आत्मानं तमयति
खेदयतीत्यात्मतमः) सयम वगेरेथी आत्मा-
ने दमनार संयमादि के द्वारा आत्मदमन
करनेवाला One who subdues the
self by self-restraint etc ठा० ४,
२; (२) (आत्मैव तमोऽज्ञान क्रोधोवा यस्य
स आत्मतमा) अज्ञानी; क्रोधी अज्ञानी,
(one) who is ignorant,
(one) given to anger “आतं-
तमेखाममेने नो परतमे ” ठा० ४, २,

आयंता छी० () आचारंग सूत्रना
पाथमा अध्ययननु नाम. आचारंग सूत्र के
पाचवें अव्ययन का नाम Name of
the 5th chapter of Achārāṅga
सम० ६;

आयंतिय मरण (आत्यंतिकमरण) ओड
वार मरीगया पछी दूरी भीछवार ते
गतिनुं मरणु न थाय ते एकवार मरजाने
के बाद फिर दूसरी बार उस गति का मरण
न होना Final death in a par-
ticular condition of existence
i e. there will be no birth

again in that condition of
existence सम० १७;

आयंदम त्रि० (आत्मदम-आत्मानं दमयति
शमवन्तं करोति शिष्यतीत्यात्मदमः)
आत्माने दमनार आत्मदमन करनेवाला
One who subdues the self ठा०
४, २;

आयव त्रि० (आताम्र) आ-धुषित्—थोड़ी
रताशवाधु. कुछ ललासीवाला Reddish.
ओव० १०, प्रव० १४६५,

आयविर त्रि० (आताम्र) लालर गुनु
लाल रंग का Red, of red colour.
सु० च० १, ७५; ६, १२४,

आयंदिल न० (आचाम्ल) जेमां लात
वगेरे धुवधु अनाज ओड वषत अवाय
तेनुं आय पिल नामनुं ओड तप ‘आय-
विल’ नामक एक तप विशेष जिस में लूखा
भात या अन्य कोई धान्य केवल एकही बार
खाया जाता है. A kind of austerity
in which a person takes rice,
pulse etc. only once without
adding Ghee to it अत० ८, १,
नाया० ८, १६; भग० ३, १, ४२, १;
ओव० १६, प्रव० २०३, आव० ६, ६;
—पञ्चव्रत्ताण न० (—प्रत्याख्यान) आभेध
करवाना प्रत्याख्यान-पञ्चभाषु लेवा ते
आयविल करने का प्रत्याख्यान लेना a vow
to perform the austerity of
Āyambila (g v.) नाया० १६;
—पाउग्ग त्रि० (—प्रायोग्य) आभेध-
आयपिलमा वापरवा येग्य आवेल-
आयविल में काम लाने योग्य fit to be
used in Āyambila आव० ६, ६,

—चङ्गमाण न० (-चङ्गमान) चौद वरस त्रयु भास अने २० दिवसे थतु ओक तप के जेभां ओक आयगिलने पारणे, ओक उपवास करी, ओ आयंगिल करवाभा आवेछे; वली ओक उपवास करी त्रयु आयगिल, ओम ओकेक आयंगिल ववा-रता १०० आयंगिल शुधी यढाय छे चौदह वर्ष, तीन मास और २० दिनतक होनेवाला तप जिसमें कि एक आयविल के पारणा के बाद एक उपवास करके उसके बाद दो आयविल किये जाते हैं. फिर एक उपवास तीन आयविल, इस प्रकार बढ़ाते बढ़ाते १०० आयविल तक किये जाते हैं. पारणा के बाद एक उपवास होता है इस रीति से चौदह वर्ष ३ मास २० दिन में यह तप पूर्ण होता है an austerity extending over 14 years three months and 20 days, here one performs one Āyambila followed by a fast, then two, followed by a fast, then three, followed by a fast and so on up to 100 Āyambilas अत० ८, १०, ओव० १६;

आयविल-य पु० (आचाम्लिक) आभेल-नु तप करना. आवेल-आयविल का तप करनेवाला. 'One who performs the austerity known as Āyambila. पण० २, १; ठा० ५, १,

अ.यंभर त्रि० (आत्मम्भर-आत्मान बिभर्ति पुष्पातीत्यात्मम्भर) स्वार्थी, पोतानुं पोषणुं करना स्वार्थी, अपनाही पोषण करनेवाला Selfish. " आयभरेणाम-मेगे यो परभरे " ठा० ४, ३;

आयंस पु० (आदर्श-आसमन्ताद्दृश्यते यस्मिन् स आदर्श) अरीसो, दर्पण

दर्पण, आयना, कांच A mirror; a looking-glass ज० प० ५, १२०; राय० ४८, ११८, —घर न० (-गृह) अरिसा भुवन, कायनु घर काचका घर, शीश महल. a house made of glass or mirrors ज० प० ३, ७०० —घरश. पुं० (-गृहक) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above राय० १३६, —तल न० (-तल) अरिसानु तलीई दर्पण का पेंदा the surface of a mirror ओव० —तलउवम त्रि० (-तलउपम—आदर्शों दर्पणस्तस्य तल तेन समतयोपमा यस्य आदर्शतलोपस) अरीसाना तलीआ जेनुं सिधु-सपाट. दर्पण के पेंदे के समान समतल level like the surface of a mirror राय० —मंडल न० (-मण्डल—आदर्श इव मण्डलमस्य तदादर्शमण्डलम्) अरीसाने आकारे मंडल-गुणलो वासनार सर्पनी ओक जत दर्पण के आकार का मंडल करनेवाला एक जात का सर्प. a kind of serpent forming itself into the shape of a mirror circular in form (२) (आदर्शों मण्डलभिवाददर्शमण्डलम्) मंडला-कारे गोठवेअ अरीसा मंडलाकार सजाये हुए दर्पण a circle formed of mirrors. " आयंसमडले हवा " ज० प० पण्ड० १, ५, —लिपि स्त्री० (-लिपि) १८ जतनी लिपिभांनी ओक लिपि १८ प्रकार की लिपियों में से एक लिपि one of the 18 kinds of script पण० १,

आयंसग पुं० (आदर्शक) अलदनी डेडनुं ओक आलरणु बैल के गर्दन का एक गहना. A neck-ornament of an ox. अणुजो० ६६,

आयंसमुह पुं० (आदर्शमुख) लवण समु-
मा अग्निमुखा तरङ्ग रहेल आय समुअ
नामने। अङ्क अन्तरद्वीप. लवण समुद्र के
अग्नि-कोण में रहा हुआ आयंसमुख नाम
का अन्तरद्वीप. An island of the
name of Āyamsamukha in the
Lavana ocean (२) ते द्वीपमा
रहेनार. उसमें रहनेवाले an inhabi-
tant of the same. ठा० ४, २, पञ्च०
१, जीवा० ३, ३;

आयंसय पुं० (आदर्शक) अरीसे; आयने।
दर्पण. A mirror, a looking-glass.
श्रोत्र०

आयकाय पुं० (*आयकाय) वनस्पति विशेष.
वनस्पति विशेष A kind of vegeta-
tion भग० २३, ३,

आयग. न० (आजक) पकरीनां पालतु
पनावेल पत्र बकरी के बाल से बनाया
हुआ वस्त्र. A cloth made of the
hair of a she-goat. आया० २, ५,
१, १४५;

आयचरित्त्रि० (आयचरित्र-आय भूतं
चरित्चरित्तया चरित्रं यस्य स आय
चरित्र) दृढ चरित्र. दृढ चरित्र (One)
having a firm character or
right-conduct संस्था०

आयच्छत्त. न० (आतपत्र) छत्री, छत्र
छत्री, छत्र. An umbrella “एणे
पुरिसे पिट्टयो आयच्छत्त धरेइ” नाया० १६

आयह्मिदय. सं० कृ० अ० (आकृष्य) भेयने;
आकर्षिते. खींचकर; आकर्षण करके
Having drawn; having at-
tracted. सु० च० ७, १५१, ११, ५६,

आयण पुं० (आजीण) धमवेन आभुं,
आभयानु पत्र कसाया हुआ चमड़ा,

चमड़े का वस्त्र. Tanned leather;
a garment of leather “जे
भिवसू माउगासस्स मेहुणवडियाए आय-
णाणिवा आइणपावाराणि वा” निसी०
७, ११;

आयत त्रि० (आयत) दीर्घ, दीर्घ लंबा,
दीर्घ. Long, protracted जं० प० पञ्च०
१, भग० १८, ३; जीवा० ३, ३; सूय०
१, २, ३, १५, (२) मोक्ष; मुक्ति. मोक्ष;
मुक्ति. absolution, salvation.
“आचपरे परमायतद्विते”. सूय० १, २, ३,
१५, (३) भेयने, खींचाहुआ. drawn.
भग० १, ८, (४) पुं० दीर्घाकार सस्थान.
दीर्घाकार सस्थान configuration in
its length. भग० २५, ३; —करणाय-
यय त्रि० (-करणायत) अतिशय प्रयत्नधी
ज्ञान सुधी भेयने. बड़े प्रयत्न से कान
तक खींचा हुआ drawn with great
effort as far as the ear. “आयय
करणायय उमु आयामेता चिट्ठइ” भग०
१, ८, ६, जं० प० ३, ६२; —चक्षु.
त्रि० (-चक्षु-आयत दीर्घमैहिका मुष्मिका-
पायदर्शचक्षुर्ज्ञानं यस्य स आयत-
चक्षु.) दीर्घ दर्शी. दीर्घ दर्शी. (one)
able to take a comprehensive
view of things temporal and
spiritual. आया० १, २, ५,
६२, —चरित्त न० (-चरित्र) मोक्ष
मार्ग साधक चरित्र मोक्ष मार्ग साधक
चरित्र right conduct leading to
salvation. “आदाणि यमि आयत
चरित” आया० टी० १, १, ७, ६१;
—दृ पु० (-अर्थ) मोक्ष, मुक्ति मोक्ष,
मुक्ति absolution, final emancipa-
tion सूय० १, ८, १८; —द्विअ पु०
(-अर्थिक) आया वस्तु थी मोक्षनी

असिलापावालो. बहुत समय से मोक्ष की अभिलाषा वाला. one desirous of salvation from a long time, one longing after salvation from a long time “आयपरे परमाय-तट्टिण” मूय० १, २, ३, १५, —फल त्रि० (-फल) भोक्षरूप इल आपनार भोक्षरूप फल देनेवाला giving salvation as fruit or result पंचा० १२, ४०, —संठाण न० (-सस्थान) दीर्घाकार; लाइकीनी पेड़े लयाधवालो आकार-संठाण, पाय संठाणु भानु ओइ दीर्घाकार, लकड़ी के समान लवाईवाला आकार-सस्थान, पाँच सस्थानो मे से एक long configuration like that of a stick, one of the five configurations भग० ८, १, १६, ६, ठा० १, पन्न० १, —संठाण परिणय त्रि० (-सस्थानपरिणत) आयत संठाणु रूपे परिणत पायेइ आयत सस्थान रूप से परिणाम पाया हुआ (one) who has been developed into, changed into, a long configuration पन्न० १,

आयतण न० (आयतन) स्थान, न आश्रय, निवास स्थान स्थान, आश्रय, निवास स्थान Place, abode; residence ओष० नि० ७६२, परह० २, १; आया० १, ७, ४, २१५, पंचा० ८, १६, निसी० १६, २६, (२) देउर; देवालय देवालय, मंदिर & temple परह० १, १, (३) देरानी आलुनो ओरडे। मंदिर की बाजू का कोठा a side-room in a temple दसा० १०, १, आया० २, २, २, ८०, (४) उर्भनु उपादान कारणु कर्म का उपादान कारण the efficient cause of Karma निसी० ६, १, आया० २, १, ११/७.

३, १४, (५) प्रगट करवु, प्रश्नो भुत्तासो करवो ते प्रगट करना, प्रश्न का स्पष्टीकरण करना solution of a question; manifestation. मूय० १, ६, १६, (६) वधस्थान वधस्थान a place of execution, a place for killing नाया० ६,

आयति स्त्री० (आयति) लुओ “आयइ” शब्द देखो “आयइ” शब्द vide “आयइ” पंचा० १२, ४०, —फल त्रि० (-फल—आयतौ फलमस्य इति) आवतालवमा इल आपनार आगामी भव में फल देनेवाला giving or ripening into fruit in the next or coming birth पंचा० १२, ४०;

आयत्त त्रि० (आयत्त) मिश्रित करेवु, ओइहुं करेवुं मिश्रित किया हुआ, इकट्ठा किया हुआ Got together, collected together; mixed together पि० नि० २३८,

आयत्ता स्त्री० (आयत्ता) आय-वनस्पति विशेष तो लाव, आय वनस्पति पाणुं आय-वनस्पति विशेष का भाव; आय-वनस्पति पन. State of being an Āya (a kind of vegetation) मूय० २, ३, १५,

आयत्तण न० (आकर्णन) श्रवण करवु ते श्रवण करना, सुनना Hearing सू० च० १५, ३७,

✓ आयम धा० I (आ+चम्) यधु करवु; अशुचिसेप टालवो, आयमन लेवु आचमन करना, चुल्लू करना To remove impurity with water after answering a call of nature.

आयमण निसी० ४, १५; दसा० ३, २१;

आयमाण. ठा० ५;

आयमण न० (आचमन) भक्ष त्याग कथा
पानी जलथी शुद्धि करवी ते, लेप रहित पणु
मल त्याग करने के बाद जल से शुद्धि करना,
लेपरहितता Removal of impurity
with water after answering a
call of nature प्रव० १३३, पि० नि०
भा० २३;

आयमिणी. स्त्री० (*आयमिनी) विद्या
विशेष. विद्या विशेष A particular
branch of knowledge “ आय-
मिणी एवमाइआओ विजाओ अन्नस्स
हेउ पउ जंति ” सूय० २, २, ३०;

आयय त्रि० (आयत) लुओ “ आयत ”
शब्द. देखो “ आयत ” शब्द Vide
“ आयत ” नाया० ५, सूय० १, ६, १५,
उत्त० ३६, २१, अणुजो० १४१, जीवा०
३१, दस० ६, ४, २, ३, पि० नि० ३६५,
ओघ० नि० १२३; भग० ५, ६, ७, ६,
१४, ७; पंचा० ११, ४२; प्रव० ५२१,
—करणायय. त्रि० (-कर्णायत) लुओ
“ आयत करणायय ” शब्द. देखो “ आयत
करणायय ” शब्द. vide “ आयत
करणायय ” भग० १, ८, —गंतु पच्चा-
गया स्त्री० (-गत्वा पश्चाद्गता) डोर्ध
साधु ओड लत्ता-शेरीमा सिद्धा आगत
जर्ध पाछा वधता गोयरी डरे ते; शिक्ष.ने
ओड प्रक्षर तो अलिग्रह गली में सीधे आगे
जाकर पीछे लोटते हुए भिक्षा करना, साधुओं
की भिक्षा का एक प्रकार का अभिग्रह
a particular mode of begging
food practised by Jaina monks
viz going straight to the
opposite end of a street and
begging food while returning

उत्त० ३०, १६;—चक्खु. त्रि० (-चक्षुष)

लुओ “ आयत चक्खु ” शब्द देखो “ आयत

चक्खु ” शब्द vide “ आयत चक्खु ”

आया० १, २, ५, ६३,—टि पुं० (-अर्थिन्)

लुओ “ आयतट्ठिअ ” शब्द. देखो “ आय-

तट्ठिअ ” शब्द vide “ आयतट्ठिअ ”

दस० ५, २, ३४, —ट्ठिअ. पुं०

(-अर्थिक) लुओ “ आयतट्ठिय ” शब्द.

देखो “ आयतट्ठिय ” शब्द vide “ आय-

तट्ठिय ” दस० ६, ४, २, ३, —मग्ग. पुं०

(-मार्ग) भोक्ष मार्ग मोक्ष मार्ग the

path of salvation. पचा० ११, ४२,

—संठारण न० (-संस्थान) लाडीना

वेवे। लाओ आधार-संठाण लकड़ी के

समान लंबा आकार-संस्थान long

shape, configuration, like that

of a stick भग० ८, १०, —संठारण

परिणाम न० (-संस्थान परिणाम)

दीर्घाक्षर परिणाम, आयत संठाणरुपे

परिणाम दीर्घाकारपरिणाम, आयत संस्थान-

रूप परिणाम modification into a

long shape or configuration.

भग० ८, १०;

आययण न० (आयतन) लुओ “ आय-

तण ” शब्द देखो “ आयतण ” शब्द vide

“ आयतण ” नाया० ६; ओघ० नि० २;

उत्त० ३३, ६, आया० १, ५, २, १४८;

कप्प० ६, ४३; प्रव० ६४६, —सेवणा.

स्त्री० (-सेवन) साधु प्रभृतिनी सेवना

करवी ते; समहिततु त्रीलुं भूषण सम्यक्त्व

का तीसरा भूषण, साधु प्रभृति की सेवा

करना act of rendering service

to monks etc; the third com-

mendable quality or merit of

Samakita (i e. right faith).

प्रव० ६४६;

आयर पुं० (आइर) लुओ 'आदर' शब्द.
देखो 'आदर' शब्द Vide "आदर"
पिं० निं० १२८, २०३, परह० १, ५,
जीवा० ३, ४, भक्त० ९०,

आयरण, न० (आचरण) अनुष्ठान करने के.
अनुष्ठान करना. Practice, perform-
ance. ठा० ८,

आयरण न० (आदरण) वस्तु को स्वीकार
वस्तु का स्वीकार Acceptance of a
thing भग० १२, ५,

आयरण्या स्त्री० (* आदरण्या) भाषा-
कृपट विशेषणी कोषपिण्ड वस्तु को स्वीकार
करने। ते छल कपट से किसी वस्तु का ग्रहण
करना Acceptance of anything
with some deceitful intention
भग० १२, ५;

आयरिय त्रि० (आचार्य) आयरना योग्य
आदरने योग्य Worthy of being
performed or practised सूय० १,
६, ३२;

आयरिय पुं० (आचारिक) आचार संबंधी
तत्त्व आचार सबधी तत्त्व Principles
of right-conduct, truth about
right-conduct "आयरिय विदित्ताणं
सब्व दुक्खा विमुच्चह" उत्त० ६, ६,

आयरिय त्रि० (आचरित) आयरेल्लु
आचरण किया हुआ Performed,
practised "धम्मज्जियं च ववहारं कुद्धे-
हायरियं सया" उत्त० १, ४२, राय० २६,
उवा० १, ४३, भक्त० २२; प्रव० ७७०,
पंचा० १, २३,

आयरिअ-य पुं० (आचार्य) आचार्य
समुदायना नायक आचार्य, समुदायके नायक
The head of an assemblage of
monks (२) तीर्थकर तीर्थकर Tir-
thankara (३) गुरु; साधु गुरु, साधु

preceptor कप्प० १, १, आव० १, २,
भक्त० ४३; ७०; पंचा० ५, ४०, १४, १६,
पञ्च० १६, नाया० १, २, ३, १०, १६,
उत्त० १, २०, ४०, सम० ३० वेय० १,
३७, ४, १४ आया० १, ७, १, २००, २,
१, १०, ५६, पिं० निं० भा० २७, सु० च०
१०, २०६, ओव० २०, वव० १, २६, २७,
३५, ३, १०, ११, १०, १२, उवा० १,
७३, विशेष० ५, भग० १, १, ५, ६, १, ६,
२५, ७, दस० ५, २, ४०, ८, ३३, दसा०
१, १, ४, ६१, ६२, —उवज्झाय-अ
पुं० (-उपाध्याय) आचार्य उपाध्याय;
आचार्य सहित उपाध्याय आचार्य उपाध्याय-
आचार्य सहित उपाध्याय an Āchārya
who is also an Upādhyāya,
a head of an order of monks
who is also a preceptor, निर्स०
१६, २४, वेय० ४, २६, वव० ३, ५, १०,
११, १२, ४, २, ६७, ७, ४, २, ६, ७,
७, ५, दसा० ६, २०, दस० ६, २, १२;
—पडिणीय पुं० (-प्रत्यनीक) आचार्य-
ना शत्रु प्रतिपक्षी आचार्य का शत्रु प्रतिपक्षी
an opponent of an Āchārya
भग० ६, ३३, १५, —पाय पुं० (-पाद)
आचार्यना चरण कभक्त आचार्य के चरण-
कमल the feet of an Āchārya
दस० ८, १, ५, —वेयावच्च न० (-वेया
वृत्त्य) आचार्यनी वेयावच्च-लडि-सेवा
करनी ते आचार्य की सेवा-भक्ति करना ser-
vice to an Āchārya ओव० ठा० ५,
१, वा० १०, ३६, भग० २५, ७, —सम्मअ
न० (-सम्मत) आचार्यने मान्य सम्मत
आचार्य को सम्मत liked by, accept-
able to, an Āchārya दस० ८, ५१३
आयरिय, त्रि० (आर्य) पूज्य पवित्र
पूज्य, पवित्र, श्रेष्ठ He is, revered

आया० १, ८, १, २०० देय० १, ४६,
(२) न० तत्त्व तत्त्व truth, essence
उत्त० ६, ६, (३) आर्य्य ज्ञानि पाप नहीं
इतना भनुष्य. आर्य्यजाति, पाप न करनेवाली
जाति the Ārya race; a person
who does not commit sin जीवा०
३, ४; पन्न० १; भग० १, ७, ३, १:
—खेत्त न० (-क्षेत्र) आर्य्य क्षेत्र आर्य्य-
क्षेत्र the country of the Āryas.
सूय० वि० टी० १, ५, १, ६६;

आयरियत्त न० (आचार्यत्व) आचार्यपण्य,
आचार्य पन Preceptorhood, sta-
tus of a preceptor वव० ७, १६,
ग्रव० ८०३,

आयरियत्ता स्त्री० (आचार्यता) आचार्यपण्य
आचार्य पदवी. आचार्यत्व, आचार्य पद
State of being an Āchārya,
Āchāryahood वव० ३, ७, टी० ३,
३, निर्सा० ७, ३१,

आयरियमासिय न० (आचार्यभाषित)
प्रश्न व्याकरण सूत्र का चौथा अध्याय प्रश्न
व्याकरण सूत्र का चौथा अध्याय The
fourth chapter of Pīśnavyā-
karaṇa Sūtra टी० १०,

आयरिय विष्णुद्विद्वत्ति स्त्री० (आचार्य
द्विप्रनिपत्ति) बंधदशासूत्र का पाचवाँ अध्याय
The fifth chapter of Bandha Daśā
Sūtra “ बंधदशासूत्र दस अध्यायों का पंच-
तम० दशे मुञ्जेय देवद्वी दसममंडले इय
आयरिय विष्णुद्विद्वत्ति ’ टी० १०,

आयरियद्वय त्रि० (आचरित्य) आचरवा
योग्य आचरण करने योग्य Worthy of
being performed or practised.
मम० २८;

आयरिस पुं० (आदर्श) अरीसो, दर्पण;
आर्चनो. दर्पण आयना. A mirror, a
looking glass सू० च० २, ११२,

आयव. पुं० (आनप) लुओ “ आतव ”
शब्द. देखो “ आतव ” शब्द vide
“ आतव ” ओव० ३८, उत्त० २, ३५,
जीवा० ३, ३; पिं० निं० भा० ३४, भग० १,
६, उवा० ७, १६५; ज० प० ५, १५२,

आयवालोय. पुं० (आतपालोक) अग्निना
तापनुं दर्शन अग्नि के ताप का दर्शन
Sight of the flames of fire.
“ आतवालोय महंतनुवद्वय पण्य कण्णो ”
नाया० १, —दुग न० (-द्विक) आतप
अने उद्योत नाम आतप और उद्योत नाम
the group of the two viz. Ātapa
and Udyota (i. e. heat and
light) क० ग० २, २६,

आयवंत त्रि० (आत्मवत्-आत्मज्ञानादिकम
स्यास्तीत्यात्मवान्) आत्मज्ञानवाले आत्म-
ज्ञानवाला (One) Possessed of
self-knowledge or knowledge
of the soul ‘ से आयव नाणवं वयवं
धम्मवं वमव पन्नाणोहं परिखाण्ह लोय ’
आया० १: २, १, १०१,

आयवत्त. न० (आतपत्र) छत्र, छत्री छत्र,
छत्रा Umbrella ओव० ३१, नाया०
१, जीवा० ३, ४, सु० च० २, ५६८, भग०
६, ३३, ज० प० ५, ११७,

आयवचंत न० (आतपचत) अहोरात्रना
२४वां मुहूर्तना नाम अहोरात्रिके २४वें मुहूर्त
का नाम Name of the 24th
Muhūrta of a period consist-
ing of a day and a night सू०
प० १०, ज० प०

आयवा. स्त्री० (आतपा) आतपा नामनी
सूर्यनी ओ३ अथ भट्टिरी सूर्य की आतपा

नामक एक पद्मरानी One of the principal queens of the sun, so named नाया० घ० ७,

आयवि. त्रि० (आत्मविद्) आत्मज्ञानी. आत्माको जाननेवाला, आत्मज्ञानी (One) having the knowledge of the soul आया० १, ३, १, १०७,

आयस त्रि० (आयस) लोहमय, लोहा-संघी. लोहमय, लोहे संबंधि Pertaining to iron, made of iron भग० ७, ६, —भंड. पु० (—भाण्ड)

आत्मारूपी भांड, भाजन विशेष आत्मारूपी पात्र the soul considered as a vessel or a receptacle. नाय० १, —वादि. त्रि० (—वादिन् आत्मानं वदितुं शीलमस्येत्यात्मवादी) आत्माना यथार्थ स्वरूपने स्वीकारनार; आस्तिक, आत्माके यथार्थ स्वरूपको माननेवाला, आस्तिक (one) who accepts the real nature of the soul, orthodox " से आयावादी लोयावादी कप्पावादी किरियावादी " आया० १, १, १, ५, —वाय पु० (—वाद) आत्मवाद, पोताना सिद्धांतको वाद, स्वसिद्धांत स्थापन आत्मवाद, निज सिद्धान्त स्थापन Ātma-vāda, establishing one's own tenets or doctrines. ओव० १५, —सुप्पाणिहिअ त्रि० (—सुप्रणिहित) नेष्टे आत्माने शुभयोगमा प्रवर्तान्ये छे ते आत्माको शुभ योग में प्रवर्ताने वाला (one) who contemplates upon things beneficial to the soul, (one) who has directed his soul into salutary activities दसा० ४, ८६,

आयाअ त्रि० (आयान) आवेष्टु आयाहुवा Come, arrived उत्त० ६, ११,

आयाण न० (आदान) लेवु, ग्रहण करवु; स्वीकारवुं ते लेना; ग्रहण करना, स्वीकार करना Taking, acceptance. प्रव० ५२२, ओव० १०, ११, भग० २, १, २, २, जीवा० ३, ३, उत्त० १२, २, पि० नि० २५५, ३८६, ओ० नि० ७७, विशेष० १८४; ४८३; (२) भोगक्ष राखवानु स्थान. आडा (किवाड अटकानेका डंडा) रखनेकी जगह the place where a door-bolt is kept ओव० १०, (३) वाक्य sentence सूय० १, १६, ३, (४) परिग्रह परिग्रह worldly possessions " आयाणं नरय दिस्स नायइज्ज तरत्ता तरतामपि " सूय० १, १५, २, ठा० उत्त० ६, ८, (५) उपयोगपूर्वक वस्तुनु लेवु भुक्वु, आयाणुत्तमत्तनिभेवाणुसमिनि, पाय समितिभानी येथी समित उपयोग-पूर्वक वस्तु का ग्रहण करना, पांच समितियों में से चौथी समिति the 4th of the five Samitis viz carefully taking up and laying down things उत्त० २४, २, (६) कर्मनु उपादान कारण कर्म का उपादान कारण the efficient cause of Karma सूय० १, १, २, २६, २, १, ५३, दसा० ७, १, (७) (आदीयते सावधानुष्ठाने स्वीक्रियते इत्यादानम्) आ० प्रक्षरना कर्म, ज्ञानावरणीयादि कर्म ज्ञानावरणीयादि आठ प्रकार के कर्म the eight varieties of Karma e g knowledge-obscuring Karma etc सूय० १, १३, ४, (८) (आदीयते आत्मप्रदेशैः सह श्लिष्यतेऽण्डप्रकारं कर्म येन तदादानम्) अठार पापरस्थान, हिंसादि आश्रवस्थान पाप के अठारह स्थान; हिंसादि आश्रवस्थान eighteen sour-

ces of sin; a source of inflow of Karma e. g. killing etc “ आयाणं सगडिजे ” आया० १, ३, ४; १२१, (६) (आदीयते स्वीक्रियते प्राप्यते मोक्षो येन तदादानम्) सम्यग्ज्ञान, दर्शन अने आरित्र सम्यग् ज्ञान, दर्शन, और चारित्र right knowledge, faith and conduct “ बुद्धिं य विगयगेही आयाणं सरक्खण्ण ” सूय० १, १, ४, ११, १, ८, २०, (१०) (आदीयत इत्यादानम्) मोक्ष. मोक्ष absolution; salvation “ आयाणमहं खलु वंचइत्ता ” सूय० १, १३, ४; (११) (श्रमणोपासकेनादीयत इत्यादानं प्रथमव्रतग्रहणं) श्रावणं प्रथम व्रत ग्रहण करतुं ते श्रावक के प्रथम व्रत का ग्रहण करना. adoption of the first vow of a layman “ जावजीवाण् जेहिं समणोवासगस्स आयाणं सो आमरणं ताण् दंडे निक्खित्ते ” सूय० २, ७; (१२) (आदीयन्ते गृह्यन्ते शब्दादयोऽर्था एभिरित्यादानात्तान्द्रियाणि) इंद्रिय; श्रोत्र आदि पांच इंद्रियां. an organ of sense e. g. an ear etc. 5 in number. “ केवलीणं आयाणेहिं न जाणइ न पासइ ” भग० ५, ४, ६, १०; सूय० २, २, ४४; (१३) २भ श्रुति; २भ. रमणीय; मनोहर. charming; pleasant परह० १, ४; (१४) संयम. संयम. asceticism आया० १, २, ४, ८५; —अट्ठि पुं० (—अर्थिन) सम्यग्ज्ञान आदिना प्रयोजन वाला, मोक्षार्थी one desirous of Moksa, one desirous of right knowledge etc. ‘ आयाण-अहं दोदणमोणं ’ सूय० १, १४, १७,

—पय. न० (—पद-आदीयते गृह्यते प्रथममादौ यत्तदादानं आदानञ्च तत्पदं च सुबन्तं तिङन्त वा तदादानपदम्) अध्ययन के श्रुतश्रद्धां आदि ५६—शरु आतनुं वाक्य-लेख ‘ धम्मो मंगलं. ’ अध्याय अथवा श्रुतस्कंध का प्रथम वाक्य, जैसे ‘ धम्मो मंगलं ’ the commencing words of a scriptural chapter etc; e. g. “ धम्मो मंगलं ” (religion is a blessing) “ सेकिंते आयाणपदेण “ धम्मो मंगलं ” चूलिआ चाउरणि जं असखयं आवती ” अणुजो० १३१; —भय-य पुं० (—भय) आदान-द्रव्य संबंधी भय; सात भयमानुं येक द्रव्य संबन्धी भय, सात में से एक भय. fear connected with wealth; one of the seven kinds of fear. सम० ७, ठा० ७, १, प्रव० १३३४; —भंडमत्तणिखेवणासमिह. त्री० (—भण्डमात्रनिक्षेपणासमिति) लुओ। “ आदाणभंडमत्तणिखेवणासमिह ” श०६. देखो “ आदाणभंडमत्तणिखेवणासमिह ” शब्द. निदे “ आदाणभंडमत्तणिखेवणासमिह ” सम० ५; —भंडमत्तनिखेवणासमिय. त्रि० (—भण्डमात्रनिक्षेपणासमित) लुओ। “ आदानभंडमत्तनिखेवणासमिय ” श०६. देखो “ आदानभंडमत्तनिखेवणासमिय ” शब्द. निदे. “ आदानभंडमत्तनिखेवणासमिय ” सूय० २, २, २६; नाया० ५, दसा० ५, ११; —सोय न० (—स्रोतस्-आदीयते कर्मा-नेनेत्यादानं दुष्प्रणिहितमिन्द्रिय तच्चतत्-स्रोतश्चादानस्रोत) दुष्ट इंद्रियरूप स्रोत-धर्म आवधानुं ६१२, इंद्रियतो दुष्ट उपयोग-रूप आश्रय दुष्ट इन्द्रियरूप स्रोत-कर्म आनेका द्वार; इन्द्रियोंका दुष्ट उपयोगरूप

आश्रव the door for the inflow of Karma, sources of sin due to the ill activities of sense-organs. “आर्यणसोय-मह्वायसोय जोगंख सम्बसो यञ्जा” आया० १, ६, १, १६,

आयाण्या. स्त्री० (आदान) लुभ्यो “आदाण्या” श०६ देखो “आदाण्या” शब्द. Vide “आदाण्या” ठा० २१,

आयाणवत. त्रि० (आदानवत्) आदान-ज्ञान दर्शन अने चरित्र्य वाले धर्म, साधु वगेरे ज्ञान, दर्शन और चरित्र वाला धर्म साधु वगैरह (A religion, an ascetic etc) possessed of right-knowledge, faith, and conduct “आयाणवतं समुदाहरेज्जा” सूय० २, ६, ५५,

आयाणसो अ० (आदानशस्) अहुण्ड कर्तुं होय त्पारथी भाडी. ग्रहण किया होवे तबसे लेकर From the time of acceptance सूय० २, ७, १६;

आयाणिज्ज. त्रि० (आदानीय-आदीयत उपादीयत इत्यादानीय) अहुण्ड करवा योग्य ग्रहण करने योग्य. Worthy of being taken or accepted, acceptable आयाणिजे वियाहिण्” आया० १, ४, ३, १३७, ठा० ६, सम० ७०, (२) (आदीयंते गृह्यन्ते सर्वभावा अनेनेत्यादानीयम्) श्रुत, शास्त्र श्रुत, शास्त्र scripture आया० १, २, ३, ८०; (३) (आदीयन इत्यादानीयम्) कर्म कर्म Karma “आयाणिज्जं आदाय तमिठाणेण चिट्ठह” आया० १, ६, २, १८४, (४) संयम, संयमानुष्ठान. संयम, सयमानुष्ठान. asceticism. (५) मोक्ष मोक्ष. salvation आयाणिय त्रि० (आदानीय) अहुण्ड करवा योग्य, आह. ग्रहण करने योग्य आह

Worthy of being accepted; acceptable. आया० १, १, २, १६, ✓आ-याम धा० II (आ+यम्) लभ्यते; जिमाना To feed (२) लायु करवुं. लंबा करना. to stretch, to make long.

आयामेह “माहणे आयामेह आयामेहत्ता आयामेहत्ता. सउत्तरोट्ट मुड करेह” भग० १५, १;

आयाम. पु० (आचाम्ल) आयंयिष्य तप. आयविल नाम का तप. The austerity called Āyambila उत्त० ३६, २५१; पंचा० १६, ३०, प्रव० ६१३, (२) क्षाण्ड. काञ्जी Konjee. निसी० १७, ३०; विशेष० ११७४,

आयाम. न० (आचाम) ओसामण मांड. Water removed after boiling rice, pulse etc and after being flavoured served as a separate article of food ठा० ३, आया० २, १, ७, ४१, पि० नि० ३७, ३६४; ओव० १६, पि० नि० भा० ३६ —सित्थभोइ. त्रि० (-सिक्थभोजिन्) ओसामणुमा ने कंठ अनाजनी सिक्थ आवे तेदुं मात्र आनार माडमें जो थोडा बहुत अन्न का अश आवे उतनेही को खानेवाला. one taking just as much solid food as escapes with Āyāma (g v) ओव०

आयाम न० (आयाम) लंबाई; लायुपायु. लंबाई, लंबापन Length. विशेष० ५८६, ओव० नि० ७०७, सू० प० १, सम० १; ओव० जं० प० १, ११, ठा० २, ३, नाया० ५, १६, भग० २, १, २, ३, ७; ६, ३, १०, ६, १३, ४, १५, १, जीवा० ३१, प्रव० ५४५, —विक्खंभ. पु० न० (-विक्कंभ) लंबाई पडोडाड लंबाई चोडाई.

length and breadth. नाया० ६,
ज० प० १, ३, ७, १४७,

आयामत्र न० (आचामक) ओसामणु
माङ Water removed after boi-
ling rice, pulse etc ठा० ३, ३,
आयामग न० (आचामक) ओसामणु.
माङ, दाल का पानी Vide “ आसामत्र ”
“ आयामगचेव जवोदगच ” उत्त० १५,
१३

आयामेत्ता. सं० कृ० अ० (आयम्य) लायी
करीने लंबा करके Having lengthen-
ed, elongated भग० १, ८,

आदाय सं० कृ० अ० (आदाय) लुओ
“ आदाय ” शब्द देखो “ आदाय ” शब्द
Vide “ आदाय ” भग० ५, ४; ६, १०,
१३, ६, १५, १, नाया० ५, ८, ६, १५,
उत्त० २, ४३, ५, ३०; आया० १, २, ३,
८०, १, ६, २, १८३, २, १, १, १,

आचार पुं० (आचार) ज्ञानादि आचार.
ज्ञानादिक आचार Knowledge etc
सम० प० १६८, सम० २८, नाया० १, भग०
२, १, २५, ३; विशेष० ३१६०, ओष० नि०
१८३, पंचा० ५, ४, (२) व्यवहार, विधि-
मार्ग. व्यवहार, विधिमार्ग. practice,
prescribed rules दसा० ६, ५३; ६, ४,
२३; (३) वर्तन, चरित्र. चरित्र, वृत्ति
conduct; character. पिं० नि० २०६,
दस० ६, २, (४) आचारांग सूत्र, १२
अंगमांनु पहेलुं अंग सूत्र आचारांग सूत्र,
१२ अंगोंमें से पहिला अंगसूत्र the first
of the twelve Angasūtras, the
Āchārāṅga Sūtra. सम० १, १८,
अणुजो० ४२, ओष० २१; भग० १६, ६;
२०, ८, २५, ३, नंदी० ४६, —अंग. न०
(-अङ्ग) १२ अंगसूत्रमांनु प्रथम अंग-
मय बारह अंगसूत्रोंमें से पहिला अंगसूत्र

the first of the 12 Angasūtras.
सम० —अंगचूला. स्त्री० (-अङ्गचूला)
आचारांग सूत्रना गीज्ज श्रुतस्कंधतो पाळले
भाग आचारांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध का
पिछला हिस्सा the latter part of
the 2nd Śrūta Skandha of
Āchārāṅga Sūtra. आया० २, १,
१, १, —उचगय. त्रि० (-उपगत) १४
भो योग संग्रह, आधार विशिष्ट पालवो ते.
१४ वों योग संग्रह, आचार विशेष का पालन
करना the 14th Yogasangraha,
observance of a particular kind
of conduct सम० ३२, —कुशल.
त्रि० (-कुशल) आधारमां कुशल आचार
में कुशल (one) proficient in
ascetic conduct. वव० ३, ३;
—कखेवणी. स्त्री० (-आक्षेपणी) साध-
नानरने आधार-अनुष्ठान तरङ्ग भेयनारी
कथा; कथानो ओङ प्रकार सुनने वाले को
आचार की ओर आकर्षित करने वाली कथा;
कथा का एक भेद. a story inclining
the hearer to practise or per-
form what he hears. ठा० ४, २;
—गुत्त त्रि० (-गुप्त) गुप्ताचारी, जेने
गुप्त आधार छे ते गुप्ताचारी, गुप्त आचार
वाला (one) whose religious
performances are well protect-
ed or carried on in privacy.
दसा० ६, ३१-३२, —गोयर पुं०
(-गोचर) आधार विषयक, आधार संबंधी.
आचार संबंधी. pertaining to
Āchāra. भग० २, १; दस० ६, २; ठा०
८; दसा० ४, १०४; आया० १, ६, ४,
१६०, —चूला. स्त्री० (-चूला)
आचारांग सूत्रना गीज्ज श्रुतस्कंधतो
श्रुतिङ्ग. आचारांग सूत्र के दूसरे श्रुतस्कंध

की चूल्का the latter part (the Chūlkā) of the 2nd Śānta-
skandha of Āchāṅga Sūtra
आया० २, १, १, १, —चूल्किया स्त्री०
(—चूल्का) अचारग सूत्र की चूल्का, the latter
part (the Chūlkā) of Āchā-
ṅga Sūtra “ आचारस्तयं भगवश्रो
सचूल्कियागस्त पचासीह उदेसण काळा ”
सम० ८६ “ माणिकिडगाण आचार चूल्किया
चट्टायं सत्तावत्तं अस्सकयणा ” सम० ५७,
—णिज्जुत्ति स्त्री० (निर्जुक्ति) आचारग
सूत्र की निर्जुक्ति आचारग सूत्र की निर्जुक्ति
the commentary on the Āchā-
ṅga Sūtra सम० १, आया० नि०
१, १, १, १, —स्तेण त्रि० (—स्तेन)
आचारनेो योः अलुयारी छता पानाने
आयारी उडेवउवनार आचार चोर
अनाचारी होते हुए भी अपने को सदाचारी
कहलाने वाला. (one) who pretends
to be of right conduct etc
though in reality he is not दम०
५, १, २; —पणत्ति स्त्री० (—प्रज्ञप्ति)
आय राग अने पणत्ति-अपूरीप पन्नति य-ह-
पन्नति सूरी पन्नति वगेरे सूत्रे आचारग
और पणत्ति-प्रज्ञप्ति जवूरीप प्रज्ञप्ति चद्र
प्रज्ञप्ति, मूर्ख प्रज्ञप्ति आदि सूत्र the Āchā-
ṅga and Pannati Sūtra e g
Jambūdvīpa Pannati, Uhan-
dia Pannati, Sūlya Pannati
etc दम० ८, ५०, —पणत्तिधर. पु०
(—प्रज्ञप्तिधर) आचारग सूत्र अने प्रज्ञप्ति
सूत्र-अपूरीप पन्नति य-ह-पन्नति मर्य पन्नति
वगेरेना धनार-अणुनार आचारग सूत्र
और प्रज्ञप्ति सूत्र का जाननेवाला one who
knows the Āchāṅga and

Pannati Sūtras like Jambū-
dvīpa Pannati etc “ आचारप-
णत्तिधर दिट्ठिवायमहिज्जग ” दस० ८, ५०;
—पत्त त्रि० (—प्राप्त) अर्थवर्धन
आदि आचारवाले ब्रह्मचर्य व्रत आदि का
आचरण करनेवाला (one) who prac-
tises continence. “ दूमण आचार
पत्ताय ” तडु० —भंडग पु० (—भांडक)
पात्रा पाट रणेउरए आदि उपकरण पात्र,
रजोहरण आदि उंनकरण an ascetic's
implements such as alms-bowl,
soft brush etc नाया० १, १६,
—भंडसेवि. पु० (—भाण्डसनिन् आचार-
शास्त्रविहितो व्यवहारस्तेन भाण्डमुपक-
रणमाचारभाण्डम् तत्तेवितु शील यस्य स
आचारभाण्ड सेवी) शास्त्र विधिने अनुसरी
उपकरण सेवनार शास्त्रविधि के अनुसार
उपकरण का सेवन करनेवाला an asce-
tic who uses his implements
as prescribed by scriptures.
आउ० —भाव. पु० (—भाव) आचार
भाव-आचारनु २५२५ आचार स्वरूप
the true nature of Āchāra i e.
knowledge, faith conduct etc
दम० ७, १३, —भावत्तेण पु० (—भाव
स्तेन) उत्तम आचार वगरेने, उत्तम-
आचारनेो योः उत्तम आचार रहित, सदा-
चारचोर devoid of a high quality
of Āchāra i e knowledge
faith, conduct etc दम० १, २,
४६ —भावदोसणु त्रि० (—भावदोषज
—आचारभावदोष दाष जानातीत्यचारभाव
दोषज) अथ भाव-भाव अभावभाव
दोषने दोषुनार अचार भाव अर्थात् साधु
समाचारी के दोष को जाननेवाला (one)
who knows the faults connect-

ed with knowledge, faith, conduct etc. of Sādhus or ascetics
 आचार भाव दोसजू न तं भासिज्ज पन्नज ”
 दस० ७, १३; —मह्व त्रि० (—अर्थ)
 ज्ञानादि आचारने अर्थ-निमित्ते ज्ञानादि
 आचार के लिये for the sake of
 Āchāra i e knowledge, faith,
 conduct etc. “ आचारमट्टाविण्य
 षड्जे ” दस० ६, ३, २; —विण्य. पुं०
 (—विनय-आचारोन्नतिना समाचार स एव
 विनीयते अनीयते कर्म्मोऽनेनेति विनय
 आचारविनय) विनय पूर्वक आचार
 पात्रयो ते, विनयनो ओक प्रक्षर. विनय
 पूर्वक आचार का पालन करना, विनय का
 एक भेद practice of ascetic right
 conduct with reverence and
 austerity, a mode of Vinaya
 “ सेकिं ते आचार विण्ण २ चडविहे पन्नते-
 तंजहा नजमममाचारी यावि भवति ” प्रव०
 ५५४, दस० ४, ६७; —सपया. स्त्री०
 (—संपत्—आचरणमाचारोऽनुष्ठान तद्विषया
 स एव वा संपाद्विभूतिस्तस्य वा सम्पत्
 सम्पत्तिः प्राप्तिराचारसम्पत्) आचारनी
 संपत्ति, ७थो आचार आचार की संपत्ति,
 उच्च आचार high kind of Āchāra
 i e religious practices enjoined
 by right knowledge, faith
 etc “ आचार सपदा चडविहा पन्नता
 तजहा सजम धुवजोग जुते ” ठा० ८, १,
 दस० ४, १०६ —समाहि पुं०
 (—समाधि) आचाररूप समाधि, समाधि।
 ओक प्रक्षर आचाररूप समाधि समाधि का
 एक भेद meditation in the form
 of Āchāra i e ascetic life
 with knowledge, faith etc “चड-
 विहा जल्ल आचार ममाहा भवइ नजहा ”

दस० ६, ४, ५; —समाहिसंबुड त्रि०
 (—समाधिसंबुत) आचाररूप समाधिवाला;
 आश्रवने रोकनार. आचाररूप समाधिवाला,
 आश्रव को रोकन वाला (one) having
 meditation in the form of
 Āchāra, (one) who stops the
 inflow of Kamma दस० ६, ४, २, ३;
 आचार पुं० (आकार) आकृति; आक्षर.
 आकृति, आकार. Form, configura-
 tion जं० प० नाया० १, —भावपडोयार
 पुं० (—भावप्रत्यवतार) लुथो “ आगार-
 भावपडोयार ” शब्द. देखो “ आगार-
 भावपडोयार ” शब्द. vide “ आगार-
 भावपडोयार ” ज० प० १, ११,

आचार कण्ठ. न० (आचारकण्ठ) निसीथ
 सूत्रनु अपर नाम निसीथ सूत्र का दूसरा
 नाम Another name of Nisītha
 Sūtra. वव० ३, १०, प्रव० ८६४. —घर.
 त्रि० (—घर) निसीथ सूत्रना अर्थनो धर-
 नार निसीथ सूत्र के अर्थ का ज्ञाता
 (one) who knows the mean-
 ing of Nisītha Sūtra वव० ३, ४,
 आचारकख पुं० (आचारक) लुथो
 “ आचारकख ” शब्द. देखो “ आचारकख ”
 शब्द. Vide. “ आचारकख ” ज० प० ४,
 ८८;

आचारदसा स्त्री० (आचारदशा-आचारप्रति-
 पादनपरा दशा आचारदशा) आचारदशा
 नामनु सूत्र आचारदशा नामक सूत्र The
 Sūtra named Āchāra Daśā.
 “ आचारदमाण दम अउक्कयणा परणता
 तजहा ” ठा० १०,

आचारपकण्य पुं० (आचारप्रकल्प) निसी-
 थना त्रयु अध्ययन सदित आचारग
 सूत्रना २५ अध्ययन निसीथ सूत्र के तीन
 अध्यायमहित आचाराग सूत्र के २५ अध्याग.

The 25 chapters of Āchāraṅga plus three chapters of Nisitha “अष्टावीसविंशो आचारपकप नामोय” परह० २, ५, वव० १०, २०,

आचारपरिधि पु० (आचारपरिधि) आचार प्रतिपादन करनेवाले दशवैकालिक सूत्र का आठवाँ अध्याय The eighth chapter of Daśa-vaikālīka explaining Āchāra i e right knowledge, faith etc “आचारपरिधि लहुँ जहा कायव्व भिक्खुणा” दस० ८, १, ६४

आचारमंत. त्रि० (आचारवत्) शुद्ध आचारवाले. शुद्ध आचरण वाला Pure in knowledge, conduct, faith etc दस० ६, १, ३,

आचारवंत त्रि० (आचारवत्) ज्ञान, दर्शन, आरित्र, तप अने वीर्य ओ पाय आचारवाले ज्ञान, दर्शन, चारित्र, तप और वीर्य इन पांच आचारवाला (One) possessed of the five Āchāras viz knowledge, faith, conduct, austerity and heroism ठा० ८, १, भग० २५, ७; दसा० १, ३१, ३२,

आचारवत्थु न० (आचारवस्तु) तृतीया पूर्व नाम त्रीज प्रकरणुं नाम तौत्रे पूर्व के तीसर प्रकरण का नाम Name of the third chapter of the 9th Pūva भग० २५, ७;

आयाच पुं० (आताप) लुओ “आताव” शब्द देखो “आताव” शब्द Vide. “आताव” भग० १, ५, कप्प० २, ५८, ४, ३३,

आयाचअ त्रि० (आतापक) आतापना

लेना, सूर्यनी सामे दृष्टि राखी सूर्यने ताप सहेना आतापना लेनेवाला, सूर्य के सामने दृष्टि लगाकर सूर्य क ताप को सहने वाला (One) who practises austerity by steadily looking at the sun. ओव० १६, परह० २, १, ठा० ५, १;

आयाचग त्रि० (आतापक) लुओ “आताचग” शब्द देखो “आताचग” शब्द. Vide “आताचग” पि० नि० ३१५,

आयाचण न० (आतापन) आतापना शीतादिनु सहन करवु ते आतापना शीतादिक का सहना Practice of enduring heat, cold, etc नाया० १६, —ठाण० न० (-स्थान) शीतादि सहन करवानु स्थान शीतादिक सहन करने का स्थान. a place where cold etc are to be endured पंचा० १८, ४८, —भूमि. स्त्री० (-भूमि) आतापना लेनी जगह a place for practising the austerity of enduring cold, heat etc भग० २, १, ३, १, ६, ३१, ११, ६, १५, १, नाया० १६;

आयाचणभूमिय न० (आतापनभूमिक) लुओ उपलो शब्द देखो ऊपरका शब्द. Vide above नाया० १;

आयाचणया स्त्री० (आतापनता) लुओ “आताचणया” शब्द देखो “आताचणया” शब्द Vide “आताचणया” ठा० ३, ३,

आयाचण स्त्री० (आतापना) आतापना लेना आतापना लेना Endurance of heat, cold, etc as austerities. ओव० ३८, वव० ५, २२, निर० ३, ३३ भग० ११, ६,

आयास. पुं० (आयास) यित्तने ऐद चित्त का खेद Mental grief; sorrow of the mind परह० १, ६; (-२) १८ लिपिभानी १५मी लिपि १८ लिपियों में से १५ वीं लिपि. the 15th of the 18 scripts. पञ्च० १, —लिपि स्त्री० (-लिपि) १८ लिपिभानी १५ वां लिपि. १८ लिपियों में से १५ वीं लिपि the 15th of the 18 scripts पञ्च० १, आयाहिणं. अ० (आदक्षिणम्) दक्षिण तरङ्ग मंथी; नमणी तरङ्ग मंथी शरुं धरीने दक्षिण बाजूसे, दाहिनी ओर से प्रारंभ करके Commencing with, starting from, the right side (as opposed to the left) ओव० २२; नाया० १, १३, १६; भग० १, १; २, १, ३, १, ४१, २, राय० २६, उवा० १, १०, जं० प० ५, ११२;

आयाहिणपयाहिणा. स्त्री० (आदक्षिणप्रदक्षिणा—आदक्षिणात् - दक्षिणार्धद्वारम्य प्रदक्षिणं परितो आस्यतो दक्षिण एवा-दक्षिणप्रदक्षिणं.) नमणी तरङ्ग मंथी शरुं धरीने धरी नमणी तरङ्ग मंथी आवर्तन धरुं ते दाहिनी ओर से आवर्तन कर फिर दाहिनी ओर तरुं—(प्रदक्षिणा) Starting from the right and coming round again to the right (as opposed to the left) “ समण भगव महावीरं तिखुत्तो आयाहिणपयाहिण करेइ ” भग० १, १, ६, ३३; विवा० १, राय० ओव० नाया० १६,

आयु न० (आयुष) आयुष्य आयुष्य, उमर. Life क० प० ५, ६३, —कखय. पु० (-क्षय) आयुष्यतो क्षय—अंत आयुष्य का क्षय—अन्त, decay or end of life; क० प० ५, ६३;

आयोग. पुं० (आयोग) धननी आवड. धन की आमदनी. Income of wealth. राय० २८६;

आर न० (आर-इहभवसारम्) आलोड. यह लोक This world. “ याहिंसि आर कओपरं ” सूय० १, २, १, ८, १, ६, २८, (२) ससार, अवलोक ससार, मर्त्य-लोक world, worldly existence. सूय० १, २, १, ८, (३) गृहस्थपणु. गृहस्थपण, गार्हस्थ्य householder-ship. सूय० १, २, १, ८, (४) येथी नरुडने ऐड नरुडावासे चौथी नरुड भूमिका एक-नरुकावासाः a certain division of the 4th hell-region. सूय० ठ० ६, १;

आरओ अ० (आरतम्) आलोड. यह लोक. (From) this world. “ आरओ परओ वावि ” सूय० १, ८, ६, (२) पहुडा, अर्वांग; आपार. पहिले, अर्वांग, इस पार. before (in time or place) being on this side. पि० नि० २३४; २४१;

✓ आरंभ. I धा० (आरम्भ) आरंभ समारंभ धरुवा, हिंसा—पापने व्यापार धरुवा हिंसा का व्यापार—हिंसक कार्य करना; आरंभ समारंभ करना. To do a sinful action like killing etc.

आरंभइ भग० ३, ३;

आरंभे वि० दस० ६, ३५;

आरंभमाण भग० ३, ३;

आरंभः पुं० (आरम्भ) हिंसा; कृषि आदि पापकारी व्यापार, आरंभ समारंभ हिंसा; कृषि आदि पापपूर्ण व्यापार, आरंभ समारंभ. Destructive operation, e. g. killing, in agriculture etc दसा० ६, २, भग० ३, ३, ८, १, ओव० ३६;

उच्चा० ६, १७७, सूत्र० १, १, १, १०; १, १, २, ११, उत्त० २४, २१, ३४, २४, विशेष० ३, पचा० १, न, प्रव० १०७४, (२) त्रि० जेणे आरंभ थाय तेवा श्रव जिसका आरंभ-वग हो ऐसा जाव a victim of killing प्रव० १०७४, —उचरय त्रि० (-उपरत) आरंभली निवृत्त थयेव आरंभ से निवृत्ति पायाहुआ free from sinful operations of killing etc “ जेय पयणासमतो पवुद्धा आरंभोवरया सम्ममेयति पासह ” आया० १, ५, ५, १६०; —करण न० (-करण) ७ क्षयना श्रवने श्रवणा ते छ वाय के जावों की हिंसा करना destruction of lives of any of the six elements viz earth, water, fire etc ठा० ३, १, परह० १, ३, —कहा छी० (-कथा) लोकादिकमा थता आरंभ समारंभना वयाणु करवा ते भोजनादि मे होते हुए आरंभ समारंभ को सराहना praise of sinful operations taking place in the preparation of food etc ठा० ४, २, —ज्जावि त्रि० (-जीविन्) आरंभ-सावध द्वि० थी आश्रयदा यवावनार (गृहस्थ) आरंभ-सावध-क्रिया से आर्जाविका करने-वाला (गृहस्थ) (a householder) earning livelihood by operations involving killing etc आया० १, ३, २, १११, —उक्ताण न० (-ध्यान) हिंसा ध्यान, आर्तध्यान हिंसक ध्यान, आर्तध्यान, meditation of destruction of sentient beings आउ० —ट्टाण न० (-स्थान) आरंभ समारंभ करवाना ठेक श्रा-भेतर-वाडी वजेरे आरंभ समारंभ करने का स्थान

जैसे सेती बाड़ी आदि. a place of sinful operations, e g a field, a garden etc “ आरंभ द्वाये पयणा एवा मे व महा पउनेवे ” ठा० ६ —ट्टि. त्रि (-अर्थिन्) आरंभले अर्थी; पापना व्यापारने भव्यनार आरंभ का अर्थी, पाप व्यापार को चाहनेवाला desirous of sinful operations. “ आरंभद्वी अणुवय-माणे हयमाणे घायमाणे ” आया० १, ६, ४, १६२, —णिस्सिय त्रि० (-निश्चित-आरंभे हिसादिके सावधानुष्ठानरूपे निश्च-चेनश्चिता सम्बद्धा अधुपपत्ता आरंभ-निश्चिता) आरंभमा तत्पर थयेव आरंभ में तत्पर plunged in sinful operations “ सदा आरंभ निरिमया ” सूत्र० १, १, १, १०-१४, १, ६, २, —परिणाय. त्रि० (-परिज्ञात) श्रावकनी आठमी पडिमा आठरनार श्रावक के जे आठ महीना सुधी पोते आरंभ समारंभ करे नहि श्रावक की आठवीं प्रतिमा के अनुसार चलनेवाला, श्रावक जो कि आठ मास तक स्वय कोई आरंभ समारंभ नहीं करता. a householder practising the eighth vow i e. not doing sinful operations for eight months. सम० ११, —वज्जय त्रि० (-वर्जक) आरंभ-पापना व्यापारना त्याग करनार; श्रावकनी आठमी पडिमा भेवतार आरंभ-पाप व्यापारका त्याग करने वाला, श्रावक की आठवीं प्रतिमा का पालन करनेवाला. (one) observing the householder's 8th vow viz avoidance of killing etc for eight months परह० २, ५, —संभिय. त्रि० (-सम्भृत) आरंभली भरेलु-आरंभली पुष्ट आरंभ से भराहुआ; आरंभ से युक्त.

full of sinful operations. “आरंभ-
सभियाकामा ” सूत्र० १, ६, ३, —सञ्च
द्रि० (—सत्य—आरंभो जीवोपवानरतद्विषय-
सत्यमारंभसत्यम्) आरम्भ विषयः सत्य
आरम्भ सम्बन्धी सत्य, truthfulness
in the matter of sinful opera-
tions of killing etc भग० ८, १,
—सञ्चमण्यप्रयोग. पुं० (—सत्यमन.
प्रयोग) आरम्भविषयः सत्य मनो
प्रयोग—व्यापार आरम्भ सम्बन्धी सत्य मन
का प्रयोग right thought-process
in the matter of sinful opera-
tions of killing etc भग० ८, १;
—सत्त. त्रि० (—सक्त) आरम्भमा लागेल,
आरम्भथी लोडायेल. आरम्भ सकृन्;
आरम्भसयुक्त engaged in sinful
operations of killing etc. “आरं-
भसत्तापकरत्तिसग ” आया० १, १, ७, ६०,
—समारंभ पुं० (—समारंभ—आरम्भः
कृप्यादिव्यापारस्तेन समारम्भो जीवोपसर्दः-
आरम्भसमारम्भः) आरम्भ समारम्भ,
पापना व्यापारथी शुवनी घात करनी ते
आरम्भ समारम्भ, पापरूप व्यापार-कृत्य से
जीव की घात करना performance of
operations involving destruc-
tion of life etc दसा० ३, ४, परह०
१, १,

आरंभग त्रि० (आरम्भक) अरु करनार
आरंभ करनेवाला. (One) who per-
forms actions involving killing
etc. आया० नि० १, २, १, २३६;

आरंभज त्रि० (आरम्भज) सावध क्रियाना
अनुष्ठानथी उत्पन्न थयेव सावध क्रिया के
अनुष्ठान से उत्पन्न Born of sinful
operations आया० १, ३, १, १०८,

आरंभय त्रि० (आरम्भज) लुब्धो विपदो

शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above.
आया० १, ३, १, १०८,

आरंभि त्रि० (आरम्भिन्) पापना आरंभ
करनार पाप का आरंभ करनेवाला (One)
performing sinful operations.
सूत्र० १, ६, ६;

आरंभिया त्रि० (आरम्भिकी) पापना व्या-
पारथी लागती क्रिया पाप व्यापार से होने
वाला कर्मवव Karma arising from
sinful operations of killing etc

“ आरभिया किरिया दुविहा परणत्ता त-
जहा जीव आ.भिया चेव ” ठा० २, १,
४, ४, भग० १, २, ५, ६, पञ्च० १७, २२,

आरक्ष पु० (आरक्ष) राजना आत्मरक्षक.
राजा के आत्मरक्षक. A body-guard
of a king. ठा० ३, (२) उग्रवश अने
ते पंशमा उत्पन्न थयेव उग्रवश और उस
वश में उपज उग्रवशी. the Ugra
family, a person born it ठा० ६;

आरक्षक पु० (आरक्षक) रक्षक करनार
देववाव रक्षा करनेवाला कोतवाल (One)
who guards or protects, e g.
a police constable कण्ठ० ५, ६६;

आरक्षिण पु० (आरक्षिण) देववाव
कोतवाल नगर रक्षक. A constable;
one who guards a city दस० ५,
१, १६, ओव० नि० २२२,

आरग पु० (आरक) अक्षुण्ण आरो, पैड-
ना आरो चक्र का आरा, पईये का आरा.
A spoke of a wheel परह० २, ४;

आरगथ त्रि० (आरगत) इंद्रियोनी समीप
आवेव, इंद्रियगोचर थयेव इन्द्रियगोचर,
इन्द्रियो के समीप आया हुआ Within
the reach of senses, near the
senses “ आरगथाई सदाह सुखेइ यो
पारगवार ” भग० ५, ४;

आरटियसह पुं० (आरटित्तजब्द) आक-
न्दन शब्द चिह्नाने का शब्द Bawling
sound, loud sound विवा० ६,

आरण पुं० (आरण) ११मो देवलोड ग्यार-
हवो देवलोक The 11th heavenly
world (२) ते देवलोडना निवासी देवता
उस देवलोक के निवासो देव. a deity
of that world विशेष० ६६३, पञ्च० १,
भग० १८, ७, जीवा० २, नाया० १, सम०
१५०, ठा० २, ३, ओव० उत्त० ३६, २०६,
(३) भुम पाडवी ते, आ०उ० ते
चिह्नाना, गेम मारना. shouting ओष०
नि० १६४,

आरणग पुं० (आरणक) ११मो देवलोड
ग्यारहवो देवलोक The 11th heav-
enly world भग० २४, २१,

आरणिय त्रि० (आरण्यक) अ०उ०-वन-
भां ग० ते, वानप्रस्थ वन में जाना, वान-
प्रस्थ (One) resorting to a
forest, abandoning the world
“ से जे इमे आरणिया आवसिवाण नाम-
शियति वा ” दसा० १०, ७,

आरण्यग त्रि० (आरण्यक) अ०उ०-वनभां
ग० वसना, वानप्रस्थ वन में जाकर रहने
वाला, वानप्रस्थ (One) renounc-
ing the world and resorting
to a forest “ आरण्यगा होह सुणी
पसत्या ” उत्त० १४, ६

आरण्यय त्रि० (आरण्यक) लु०ओ० उपदे-
श० देखो ऊपरका शब्द Vide above
निसी० १६, ७,

आरणिय त्रि० (आरण्यक) वनभां वसी
इधुन उटना आहार करनार तापस वगेरे
वनमें रहकर फल, फूल, कड़ का आहार
करनेवाले नाग्यी वगैरह An ascetic

etc. who stays in the forest
and lives upon roots, fruit etc.
सूय० २, २, २१, २७,

आरत त्रि० (आरत) निवृत्ति पाभेन, उपरत-
विशम पाभेन. निवृत्ति प्राप्त, विराम पाया-
हुआ (One) who has ceased.
सूय० १, ४, १, १,

आरत्त त्रि० (आरक्त) थोडु रंगेसु, रंगीन
पश्चादि कुछ रंगहुआ, रंगीन वस्त्रादि.
Lightly coloured, e g a cloth
etc आया० १, २, ३, १६;

आरद्ध त्रि० (आरब्ध) अ०उ० शुरू
आरम्भ कियाहुआ. Begun; commen-
ced सु० च० १, ८०, भग० ३, १, ४२,
१, विशेष० ४२२, ६५५, ओष० नि० भा०
२४८; क० प० ५, ६५,

आरक्षिय त्रि० (आरक्षक) लु०ओ० “ आर-
क्षिय ” शब्द देखो “ आरक्षिय ”
शब्द Vide “ आरक्षिय ” सूय० २,
२, २१, २७,

आरव पुं० (*आरव=अरब) उत्तर भरतमाने
अ०उ० नामे देश, अ०उ०स्थान उत्तर भरत
क्षेत्र से का आरव नामक देश; अरबस्थान.
Arabia, name of a country in
Uttara Bharata (२) अ०उ०स्थानना
रहेवासी मनुष्य, आरव अरबस्थान दासी
मनुष्य an Arab परह० १, १, ज० प०
आरवग पुं० (आरवक) आरव, आरवदेश-
ने रहेवासी अरबस्थान का रहनेवाला An
Arab, a resident of Arabia.
ज० प०

आरवी. स्त्री० (*आरवी=आरवी) अ०उ०स्थान-
भां ग० भेन दासी अरबस्थान में जन्मीहुई
दासी An Arab servant maid:
भग० ६, ३३, ओष० ३३, ज० प० परह०
१, १, नाया० १;

आरम्भ सं० कृ० अ० (आरम्भ) आरम्भली-
ने; आरम्भ करीने आरम्भ काक
Having begun. पत्र० १७, पि० नि०
२३३. भग० ८, ७;

✓ आरम्भ धा० I. (आ-रम्भ) आरम्भलुं.
शर्यात करु. आरम्भ करना To begin
to commence.

आरम्भ प्रव० १४६, ८२८;

आरम्भ व० कृ० पि० नि० ५७५, अणुजो०
१२८,

आरम्भ न० (आरम्भ) ३२ नाटकों में
२८ भु नाटक. ३२ नाटकों में से २८ वा
नाटक 28th of the 32 dramas.
जीवा० ३, ४, राय० ६४, ठा० ४, ४, ज०
प० ५, १०१,

आरम्भजलोत्तल न० (आरम्भजलोत्तल)
३२ नाटक में ३० भु नाटक ३२ प्रकार क
नाटकों में से ३० वा नाटक. 30th of the
32 dramas जीवा० ३, ४, राय० ६४,
आरम्भ छा० (आरम्भ) पडिलेहु
करती पथते पथ उनावले लेतां मुकता-डे
लेता लागतो ओड होय, पडिलेहु तो ओड
होय पडिलेहु करते नमय शीघ्रता से वस्त्र
उठाने रखने या देखने में जो दोष लगता है
वह; पडिलेहु का एक दोष A fault
connected with the examina-
tion of clothes viz hastily
handling them or hastily in-
specting them उत्त० २६, २६,
ओघ० नि० भा० १६०; ठा० ६, १;

आरम्भ न० (आरम्भ) नाटकीय विधिने
ओड प्रशर नाट्यविधि का एक भेद A
mode of dramatic acting राय०
आरम्भ त्रि० (आरम्भ) निवृत्ति पाये
निवृत्ति पायाहुआ (One) who has
ceased, freed from मृ० १ ४

(२) गयेन, दूर थयेन. गयाहुआ, दूर
होचुआ हुआ departed, gone away.
सूत्र० १, १५, ११, —मेहुण. त्रि०
(—मैथुन आरम्भपरत मैथुनकामभिलाषो
यस्यासावारतेभ्युनः) कामनी अभिलाषा पाथी
निवृत्त थयेन. काम की अभिलाषा से निवृत्त
होचुआ हुआ. free from sexual
desire सूत्र० १, १५, ११,

आरम्भ पु० (आरम्भ) शब्द; अवाज शब्द;
आवाज, ध्वनि Sound, noise. ज० प०

✓ आरम्भ धा० I, II. (आ + रम्भ) रम्भुं;
विलाप करवे रोना. विलाप करना To
weep, to lament.

आरम्भ नाया० १६,

आरम्भ नाया० ६, उत्त० १६, ६६;

आरम्भ-अ त्रि० (आरम्भ) आरम्भ
पाडेन, आरम्भ चिलाया हुआ Bawling
out. (any thing) bawled out
or piteously cried out “ विष्टुटे
विसरे आरम्भ तण्ण एयस्स दारगस्स ”
विवा० २; —सद् पु० (—शब्द) २३-
वानो अवाज-शब्द. रोने की आवाज.
wailing sound नाया० १६,

आरम्भ छा० (आरम्भ) आरम्भ-गाडी वगेरेना
पैडाना मध्य लागमा जे लाडला जे हवेना
होय छे ते आरम्भ-गाडी वगरह क चाकों के
बीच में जो लकड़ी के डंडे लंगहु होते है वे.
A spoke of a wheel. सु० च० १२,
५६, पि० नि० ३३१, (२) आरम्भ, अवाज
मारवानी लोडानी अश्वी वाली लाडली;
हथीआर विशेष आरम्भ, बैल के शरीर में
टोचने की लकड़ी जिसमें लोहे की रील
लगी रहती है a stick with an iron
point to drive oxen etc, a goad.
सु० च० १२, ५१ मृ० १, १, २, १६,

आरा अ० (आरात्) पास, नज्द पास;
समीप Near, in the vicinity
पंचा० ४ ३५;

आराभाग पु० (आराभाग) पूर्वतो भाग,
पासेतो भाग. पूर्व का भाग, समीपवर्ती भाग
The adjoining part. विशेष १७३६,

आराम पु० (आराम) उपनि, आग, श्री-
पुत्रेते आराम लेनातो मंडप उपवन, बाग,
श्री पुत्रों के विश्राम करनेका मंडप. A
garden, a pleasure garden.

श्रव० नाया० १, २, ५, पणह० १, १,
ठा० २, ४; राय० २०१; २३४, अगुजो०
१६, १३४, उत्त० २, १५, १६, १५; भग०
५, ७, १८, १०, २५, ७, जीवा० ३, कप्प०
४, ८८, (२) त्रि० (आरामयति सुख-
यतीत्यारामः) आराम करनेवाला-आपनार.

आराम देनेवाला. refreshing; con-
ducive to rest आया० १, ५, ४,
१५६, राय० ३३, —आरामार. न० (—आ-
मार) लुओ “आराममार” शब्द देखो
“आराममार” शब्द vide “आराम-
मार” निती० ३, १, —गय त्रि० (—गत)
आराम आगमा आयी पहुँच्ये बागीचे में
आया हुआ arrived at a pleasure-
garden. ठा० ५; —मार न० (—गृह)
उद्यानगृह. उद्यानगृह. a house in a
garden. “आगतागारे आरामगारे”
सूय० २, ६, १५, —गिहः न० (—गृह)
लुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द
vide above दमा० ७, १,

आरामिय त्रि० (आरामिक) आराम-आग-
नु रक्षण करनेवाला; भागी बागीचे की देख
रेख करनेवाला, माली. A gardener
ठा० ४;

आराह. धा० I, II (आराह्) आराधना
करनी, सेवना करनी. आराधना करना, सेवा
प. II/11,

करना. To worship, to resort to.

आराहइ दस० ५, १, ३६; भग० १, ६;
२, १;

आराहइ उवा० १, ७०, ७१;

आराहइ दस० ६, ३, १;

आराहण वि० भग० २, ५; दस० ७, ५७;
६, १, १६, उत्त० १२, १२;

आराहइस्सामि भ० भत्त० १५८,

आराहिऊण सं० कृ० सु० च० ११, १८;

आराहइत्ता सं० कृ० उत्त० २६, १; दस०
६, १, १७;

आराहेत्ता सं० कृ० नाया० ८, १६, भग०
१, ९; २, १, ८, १०, ६, ३३,

आराहिता सं० कृ० कप्प० ६, ६३; नाया०
८, श्रव० ४०,

आराहिउं हे० कृ० सूय० १, १५, १६,

आराहअ. पु० (आराधक—आराधयति
सम्यक् पाक्षयति बाधिमित्याराधकः) आरा-
धक, सयम आदिनो पालनार पालन करने
वाला, सेवन करनेवाला, संयम आदि की
आराधना करनेवाला (One) who
worships or devotes himself
to asceticism श्रव० ३४; भग० १,
३; ३, १, ८, ६, ८, राय० ७६, भत्त० ११;
पञ्च० ११; नाया० १, ३, ५, ११,

आराहग. पु० (आराधक) ज्ञानादिकनो आ-
राधक ज्ञानादिक का आराधक One who
devotes himself to right know-
ledge etc. “आराहगो य जीवो सव्वहं
भवेहि पावती णियमा” पंचा० ७, ३१;
नाया० १०; भग० ३, १, सूय० १, १;
२, २०;

आराहण न० (आराधन) आराधन, सेवन
आराधना, सेवा. Worship; service;
devotion to. संथा० आव० ४, ५;
भत्त० ६;

आराहण्य. पुं० (आराधनक) संधारे.
संधारा; मृत्यु आनेतक अन्नजल का त्याग
करना. Giving up food and water
till death comes. संस्था०

आराहण्या. स्त्री० (आराधना) संधारे.
संधारा. Giving up food and
water till death comes. (२)
श्रुत-शास्त्रनुं सम्यक् प्रदारे आराधन-आसे-
वन. श्रुत शास्त्र का सम्यक् रीति से आरा-
धन-आसेवन devoted observance
of scriptural injunctions. सत्था०
उत्त० २६, २;

आराहण्या स्त्री० (आराधना) मोक्ष मार्गरूप
ज्ञान आदिनी सेव, वीतरागना पयननुं
पावन. मोक्ष मार्ग रूप ज्ञान आदि की सेवा,
वीतराग के वचनों का पालन. Devoted
adherence to the precepts of
the omniscient, leading to final
bliss. " दुविहा आराहण्या प० तं० अस्मि
याराहण्याचेव " ओव० ३४, उवा० १, ५७,
ठा० २; ४; ३, ४; पंचा० ६, ५; सम० ३२,
अणुजो० २८; प्रव० १००; वेय० १, ३३,
आड० १५; नाया० ११; भग० ३, ४, ५,
६; ८, १; १०, २४, ६; कप्प० ६, ५६;
—उवउत्त. त्रि० (-उपयुक्त) आराधना
सहित. आराधना सहित. full of
worship or devotion. आड० १५,

आराहणी स्त्री० (आराधनी) जेनाथी
मोक्ष मार्गनी आराधना कराय जेवी भाष,
व्य भाषानो जेड प्रदारे. जिस भाषा से
मोक्ष मार्ग की आराधना की जासके ऐसी
भाषा, द्रव्य भाषा का एक भेद. Speech
fitted to secure final bliss; a
variety of ordinary speech,
पञ्च० ११;

आराहिय त्रि० (आराधित) आराधना

करेक. आराधना कियाहुआ. Worship-
ped, adored; resorted to. परह०
२, १, उत्त० ८, १६; नाया० ८, भग० ८,
६, १०, २, प्रव० २१३, —संज्ञम त्रि०
(-संयम) परापर रीते जेणे संजमनी
आराधना-सेवना करी छे ते पूर्णतया जिहो
संयम-साधुत्व की आराधना की है वह.
(one) who has fully observed
asceticism. सम०

आरिह. पुं० (आरिह) मंडप गोत्रनी शाखा.
मंडप गोत्र की एक शाखा. A branch
of the Mandapa family (२) ते
शाखामांनो पुश्य उस शाखा का पुरुष. a
person belonging to the above
branch ठा० ७, १;

आरिय. पुं० (आर्य) जानी-तीर्थकर. जानी-
तीर्थकर. An omniscient, a Tir-
thankara. आया० १, २, २, १६; १,
२, ५, ८७, (२) पवित्र, विशुद्ध; श्रेष्ठ;
निष्पाप. पवित्र; विशुद्ध; श्रेष्ठ, पापरहित;
निष्पाप sinless, holy; pure. उत्त०
२, ३७, ठा० ३, १, पञ्च० १; भग० ६,
३३; ओव० २७, (३) आर्य देशमां उत्पन्न
थयेक, श्रेष्ठ मनुष्य. आर्य देशोत्पन्न, श्रेष्ठ
मनुष्य. born in an Arya country;
high in civilisation सूय० २, १,
१३, सम० ३४, ओव० ३४; भग० १५, १;
(४) पुं० मोक्ष मार्ग. मोक्ष मार्ग path
of salvation सूय० १, ८, १३, (५)
आर्य देश आर्य देश. the Arya (10.
civilised) country प्रव० ६४;
—दंस्ति पुं० (-दर्शन—आर्य प्रगुण
न्यायोपपन्नं पश्यति तच्छीलश्चेत्त्यार्यदर्शी)
न्यायदृष्टि वालो; न्याय दृष्टिजे जेनार.
न्याय दृष्टि वाला, न्याय दृष्टि से देखने
जाना (one) who is just and

impartial “आरिए आरियपण्णे आरिय दंसि” आया० १, २, ५, ८७, —धम्म पु० न० (—धर्म) आर्य धर्म, अहिंसा धर्म; सदाचार धर्म, आर्य धर्म, अहिंसामय धर्म, सदाचाररूप धर्म *Ārya religion is one high in morals and mercy* “वेइज्ज शिज्जरायेही आरिय धम्मसमुत्तर” उक्त० २, ३७, —पन्न. त्रि० (—प्रज्ञ) प्रशसनीय बुद्धिवालो; शास्त्रीय ज्ञानवान्. प्रशसनीय बुद्धिवाला, शास्त्रीय ज्ञान सहित. *highly talented, well-versed in Sāstras* आया० १, २, ५, ८७, **आरियत्तण** न० (आर्यत्व) आर्य देशमां उत्पन्न थवु ते, आर्यपण्णु. आर्य देश में उत्पन्न होना, आर्यत्व *State of being born in an Ārya country, state of being an Ārya* उक्त० १०, १६, **आरुग्ग**. न० (आरोग्य) निरोगी पण्णु, स्वस्थ निरोगीपन, स्वास्थ्य *Health, freedom from disease* गण्णु० ६, दस० ८, ३५, आव० २, ६, भत्त० ६५, —बोधिलाम्. पुं० (—बोधिलाम्-आरोग्याय बोधिलाम् आरोग्यबोधिलाम्) स्वस्थानेभाटे अरिहंत प्रणीत धर्मेनी प्राप्ति, मोक्ष मार्गना धर्मेनी प्राप्ति स्वास्थ्य के हेतु अरिहंत प्रणीत धर्म की प्राप्ति, मोक्ष मार्ग रूप धर्म की प्राप्ति. *acquisition of the religion taught by Tīthan-karas is one leading to final bliss* आव० २, ६, **आरुसिय** त्रि० (आरुष्ट) क्रोधी थयेद क्रोधित, क्रुद्ध. *Angry, enraged* नाया० २, **आरुस्स** स० कृ० (आरुष्य) गेय करीने क्रोध करके *Being angry, having become angry*. सूय० १, १, २, ३,

✓ **आरुह**. धा० I, II (आरुह्) यी भेसवु, आरोहणु करुणु चढना, चढ बैठना, आरोहण करना *To mount on or upon to ascend* नाया० १, १४, भग० १५, १, १७, १; क० प० ५, ६३, आरुहइ. उक्त० १७, ७; आरोहइ दसा० १०, १; आरोहइ भग० १५, १, नाया० १३, आरोहइ भग० २, १, आरुभइ भग० १७, १, आरोहन्ति जं० प० २, ३३; आरोमे वि० वव० ६, ४१; आरोहत्ता. भग० १५, १; १७, १; नाया० १४; आरोमेत्ता भग० १७, १, आरोहिता सूय० २, ६, २८; आरोहेत्ता भग० १५, १, नाया० १, १३; आरोहिय भत्त० १८; आरोविता भग० २, १; आरोवंत सु० च० ४, २८६; आरोहिज्जइ उवा० ७, १६७, आरोविज्जन्ति. भत्त० २६; **आरुहण**. न० (आरोहण) स्वार थवु, चढुं. सवार होना, चढना. *Mounting; ascending, riding*. ज० प० सु० च० १, ३४१, जीवा० ३, ३, राय० १८६; नाया० ६, प्रव० १०१७, **आरुहियच्च** त्रि० (आरोहितव्य) यथा लायड, आरोहणु करुणु चढने योग्य. आरोहण करने योग्य. *Worthy to be mounted upon, fit for riding*. वव० १, १६, २०, निमी० २०, १०, **आरुढ** त्रि० (आरुढ) उपाय योय, आश्रिते रहैद चढा हुआ, ऊपर चढा हुआ, आश्रय से रहा हुआ *Mounted; climbed; resting upon* पि० नि० ३३४; ५७२.

(२) प्राप्त थयेन; उत्पन्न थयेन; उगेन. उत्पन्न; उगाहुआ. got, grown, produced. पि० नि० ८३; —अस्वारोह. पुं० (-अश्वारोह) स्वार यथाछे जेना उपर अवा - (घोडा); स्वार सहित घोडा. जिसके ऊपर सवार चढा हो ऐसा घोडा; सवार सहित घोडा a horse-man; a horse with its rider. विवा० २; —हस्त्यारोह. पुं० (-हस्त्यारोह-आरुढा हस्त्यारोहा महामात्रा येषु ते सथा) जेना उपर भावत स्वार थयेन छे अवा. जिसके ऊपर महावत सवार हो ऐसा हाथी. an elephant with its driver riding it. विवा० २;

आरोहण अ० (आरोहण) नञ्; पास. नज. दीक, समीप, पास Before (in time or place); near. ओघ० नि० १६३, पि० नि० ३४४, (२) आतरु. आडाढे इस ओर; इस किनारे पर. on this side. सूय० २, ७, २७;

आरोग्य. न० (आरोग्य) निरोगियणुं, तंदुरस्ति. नीरोगता, तन्दुरस्ती. Health; freedom from disease. ओघ० नि० ६८७, कप्प० ७, २०६, ज० प० ३, ५४; (२) त्रि० रोग रहित, निरोगी रोग रहित, निरोगी healthy. नाया० १, भग० ११, ११, १५, १, कप्प० १, ८; ६, १७, —आरोग्य. त्रि० (-आरोग्य) आधा पीडा रहित बाधा-पीडा से रहित free from pain or affliction. नाया० ८; —फल न० (-फल) जेतुं इह आरोग्य छे ते जिसका फल आरोग्यता है ऐसा कोई भी पदार्थ. anything conducive to health. पचा० १५, ४४, —बोधिलाभ पुं० (-बोधिलाभ) आरोह्य अने भे.वि-स-मार्ग तेने लाभ आदाय्य

और बोधि (सन्मार्ग) का लाभ. acquisition of health and right path of knowledge. पंचा० १६, ४३;

आरोहण. पुं० (आरोहण) बुद्ध शास्त्रमां उहेल ओक देवतानी जत. बौद्ध शास्त्रों में कही हुई देवों की एक जाति. A species of gods mentioned in Buddhist scriptures. सूय० २, ६, २६;

आरोपण. स्त्री० (आरोपण) आरोपणा-ओक अपराधनुं प्रायश्चित्त करता पुन तेज अपराध प्लीछ वार कर्यो तेनुं प्रायश्चित्त प्रथम प्रायश्चित्तमां उमेरवु-आरेपयुं ते एक अपराध का प्रायश्चित्त करते हुए फिर वहीं अपराध दूसरी बार करनेपर उसका प्रायश्चित्त पहिले प्रायश्चित्त में शामिल करना अथवा, पहिले प्रायश्चित्त में उसका आरोपण करना. When a person performs expiation for a sin and in the act of that expiation commits the same kind of sin again, he adds another course of expiation to the former one. This is known as *Āropanā* or adding expiation to expiation. ठा० ५; निसी० २०, ११, कप्प० ६, ५७; सम० २८; —पायच्छित्त न० (-प्रायश्चित्त) जुओ उपदेो शब्द देखो ऊपरका शब्द. vide above ठा० ४, १;

आरोपयच्च त्रि० (आरोपितव्य) आरोपया येज्य. आरोपण करने योग्य. Worthy of being added to; worthy of being charged with. निसी० २०, ३७,

आरोस पुं० (आरोष) ओ नामनेो ओक देश. इस नाम का एक देश. Name of a country (२) ते देशवासी भेच्छन्ती

येक जलत आरोह देशवासी म्लेच्छ की एक जाति a race of barbarians inhabiting the country of Aloṣa परह० १, १,

आरोह पु० (आरोह) शरीर की उचित दीर्घता शरीर की यथार्थ उचाई Proper length of a body. दसा० ४, २०, —**परिणाह**. पु० (-परिणाह) शरीर की उचाई जेटली में लुम्बनी पहुँचाई होय ते —आरोहपरिणाह. अतनी शरीर की उचाई हो उतनीही यदि दोनों भुजाओं की चौड़ाई हो तो उसे आरोहपरिणाह कहते हैं aggregate breadth of outstretched arms equal to the height of the body. ठा० ४, —**परिणाहजुत्तना** स्त्री० (-परिणाह-जुत्तना) शरीर की उचाई जेटली लुम्बनी पहुँचाई सहित शरीर की उचाई के समान भुजाका चौड़ाई सहित. having the aggregate length of outstretched arms equal to the height of the body ठा० ४, —**परिणाह संपरण**. त्रि० (-परिणाहसंपरण) आरोहपरिणाह, शरीर की उचाई जेटली में लुम्बनी पहुँचाई वसो शरीर की उचाई के समान दो भुजाओं की चौड़ाई वाला (one) whose extended arms are equal to the measure of his bodily height दसा० ४, २०;

आरोहण. पु० (आरोहण) हाथी की सवारी करनेवाला, महावत One who mounts upon an elephant, an elephant-driver. श्रव० ३१,

आलोक-य. त्रि० (आलोक) रहेवानुं स्थान, घर, स्थान. A house, a place

विश० १८७१; ठा० ३, २; ज० ५० २, ३१, पंचा० ११, ४६, प्रव० ४४२; पञ० २; —**सामि** पु० (-स्वामिन्) उपाश्रयने धरु उपाश्रय का स्वामी-मालिक. the lord of a Jaina monastery. पञ्चा० १७, १८;

आलोकय. त्रि० (आलोकित) यथा योऽय स्थाने पहुँचेय यथा योग्य स्थान पर पहिना हुआ Put on properly जीवा० ४; कप्प० २, १३, पञ० २, —**मालउमड**. त्रि० (-मालमुकुट) जेले भाषा ने भुगत पहुँचा छे ते जिसने माला और मुकुट पहिना हैं वह garlanded and diademed जीवा० ४, भग० ३, २;

आलंकारिय त्रि० (आलंकारिक) ज्यो अलंकार धरेला पहुँचेय उतारवामा आवे ते स्थान वह स्थान जहा अलंकार-आभरण पहिरे और उतारे जाते हो A toilette chamber in which ornaments are put on and put off ठा० ५; —**सभा** स्त्री० (-सभा) यमरयंया राजधनीनी अलंकार पहुँचेयानी येक सभा. चमरचचा नामक राजधानी की अलंकार पहिने की एक सभा a council-hall of a capital city named Chamara-chañchā; it was used as a toilette chamber for putting on ornaments ठा० ५;

आलंद पु० (-आलन्द-कालभेद) पाणीथी लीने-लीयो हाथ सुधाय तेदला वषट्थी भाडी ५ रात मियस सुरीने काल काल का एक भेद; पानी से भीगा हुआ हाथ जितने समय में सूखे उतने समय से लेकर ५ दिन रात्रि तकका समय A period of time ranging between that taken by a wet hand to get dry and

that making up five days and nights. प्रव० ६२१;

आलंब. पुं० (आलम्ब) आधार; आलम्बन आधार; आलम्बन; सहारा. Support, basis. नाया० ५, १६; भग० १८, २;

आलंबण. न० (आलम्बन) आधार, आश्रय टेडा आधार, आश्रय; सहारा Support. अणुजो० २४, राय० ४५; २१०; नाया० ७, ८, भग० २५, ७, उत्त० २४, ४; उवा० १, ५, क० प० १, ४; गच्छा० ८; ज० प० ४, ७४; (२) धर्मासमितिनुं आलम्बन-ज्ञान दर्शन अने चारित्र ईर्या समिति का आलम्बन-ज्ञान दर्शन और चारित्र. basis of Iryā Samiti viz knowledge, faith, and conduct अणुजो० २४;

आलंबणभूय. त्रि० (आलम्बनभूत) आधार भूत, आधार देनेवां आधार भूत, आधार जैसा. Supporting; forming a support. नाया० १;

आलंबणा. स्त्री० (आलम्बना) लुओ "आलंबण" शब्द देखो "आलंबण" शब्द Vide "आलंबण" ओव० २०; प्रव० ७८४;

आलम्बिया. स्त्री० (आलम्बिका) आलम्बिका नामकी ओड नगरी एक नगरी का नाम Name of a town. "तेण कालेण तेण समणं आलम्बिया ग्रामं खयरी होत्था" भग० ११, ११; ११, १२, कप० ५, १२१; उवा० ५, १५५;

आलक. पुं० (अलक) लुओओ कुतरे. दावला कुत्ता, A mad dog भत० १२५;

✓आलव धा० I, II. (आलप्) आलाप करेवा; ओलपुं आलाप करना, बोलना To speak; to talk.

आलवड. नाया० १; सम० ३३;

आलवडि. नाया० १;

आलविज. दस० ७, १७;

आलवे. दस० ७, १६; २१; ४०; ३; १२; १३; उत्त० १, १०;

आलवित प्रव० १३५;

आलवत. उत्त० १, २१; अणुजो० १३१; राय० ८८, दस० ६, २; २०;

आलवमाण. ठा० ४, २, नाया० १४;

आलवित्तण. उवा० १, ५८;

आलवण न० (आलपन) ओलपुं; वात-यित करी वार्तालाप करना. Speaking; conversation. प्रव० १२६;

आलसिय-त. न० (आलस्यत्व) आलस-पाणु. आलस्य; आलसीपन. Idleness. भग० १२, २;

आलस्स न० (आलस्य) आलस, प्रमाद. आलस्य Laziness; carelessness. उत्त० ११, ३, गच्छा० ३६;

आलस्समाण. व० क० त्रि० (आलस्यत्) आलस करतो. आलस्य करता हुआ Remaining lazy भग० १२, २;

आलाव. पुं० (आलाप) थोडुं ओलपु ते, आलाप करेवे ते. थोडा बोलना, आलाप करना Talking; whispering. भग० ३, १, ६, ४, पिं० नि० ३७८, विशेष० ६६४; ठा० ७, १; —गणण. न० (—गणन) आलावा-सरणे सरणा वाक्यसमूहने गणुवा ते समान २ वाक्यसमूह की गिनती करना, counting of groups of uniformly constructed sentences. प्रव० २६०;

आलावअ पुं० (आलापक) लुओओ "आलावग" शब्द देखो "आलावग" शब्द. Vide. "आलावग" जीवा० ३;

आलावग. पुं० (आलापक) आलावो, ओड संगन्धवाला वाक्येनो समूह एक सम्बन्ध-वाले वाक्योंका समूह A group of

connected sentences. भग० ३, १; ३, ४, ५, ४, ६, ३२; आया० २, १, १, ६, २, १, ६, १५२, ठा० २, ३, उवा० २, ११८; सू० प० ८;

आलावण. न० (आलापन) परस्पर ये वस्तु भन्नावाधी थतो अन्ध दो वस्तुओं के परस्पर मिलाने से जो बंध होता है वह Connection of two things joined together. भग० ८, ६, —बंध पु० (—बन्ध—आलाप्यते आलीन क्रियते एभिरिति आलापनानि रज्जादीनि तैर्वन्धस्तृणादीनामिति) परस्पर ये वस्तु भेगाथवाधी थतो अन्ध-भेग अन्धी लारीं अने दोरुं ये भेने अन्ध परस्पर दो वस्तुओं के एकचित्त होने से जो बंध हो वह जैसे घास और रस्सी connection of two things joined together e g a rope and a bundle of grass “ से किते आलावण बंधे २ जण तण भाराणवा ” भग० ८, ६;

आलि पु० (आलि) अेक जतनी वनस्पति. एक जातिकी वनस्पति. A kind of vegetation जीवा० ३, ४, नाया ३, —घर न० (—गृह) आलि नामनी वनस्पति विशेषतुं अनावेन धर-भउप. आलि नामक वनस्पति विशेष के द्वारा बनाया हुआ घर-मडप. a bower made up of a kind of vegetation named **Ali** जीवा० ३, ४, नाया० ३, —घरग न० (—गृहक) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द. vide above रां० १३,

✓ **आलिग** धा० I (आ+लिगि) आलिगन करवु. आलिगन करना To embrace.

आलिगण सु० च० ८, १८७,

अ लिगेजा वि० निसी ७, ३१;

आलिग पुं० (*आलिग) वाञ्छित विशेष

भुरण-भाहल नामनु वाञ्छित. वाद्य विशेष; एक विशेष तरह का बाजा, मुज-मृदंग नाम का बाजा A kind of drum or tabor. जं० प० १, ११; जीवा० ३, १, ३; राय० ४८; (२) आलिग-साधुनो वेप साधु का वेप. dress of an ascetic नाया० ७; —**पुक्खर.** न० (—पुक्कर—मुरजमुखम्) भुरण-भाहल वाञ्छित भौदुं मृदंग नामक बाजे का मुख the face of a drum or tabor. भग० २, ८; ६; ७; जीवा० ३, ३, जं० प० १, ११; राय०

आलिगण न० (आलिगण) आलिगन, थोड़ा स्पर्श करवा ले आलिगन, थोड़ा स्पर्श करना. Embrace; slight touch. प्रव० १०७७, सू० प० २०, भक्त० १२०,

आलिगणवहि न० (आलिगणवर्तिन्) शरीर प्रमाणे लांछु ओसीकु. शरीर के अनुसार लंबा तकिया A pillow measuring the length of the body “ तारी समसि सयणिज्जसिसालिगन वट्टिए ” सू० प० २०; जीवा० ३, भग० ११, ११, नाया० १; राग०

आलिगणिया स्त्री० (आलिगणिका) शरीर प्रमाणे लांछु ओसीकु. शरीर के प्रमाण लंबा तकिया. A pillow measuring the length of the body जीवा० १;

आलिगिणी स्त्री० (आलिगिनी) गुडा अने टांणीनीये राखवाने आइलो घुटनों और कुहनों के नीचे रखने का तकिया A pillow to rest knees & elbows upon. प्रव० ६८४;

✓ **आलिप** धा० I (आ+लिप्) शरीर विदेपन करवु शरीर पर लेप करना. To smear the body.

आलिपइ नाया० ५, ६;

आलिपिज्ज वि० आया० २, १३, ११२;

- आलिपेज वि० निसी० ३, ३७; १३, ३८;
 आलिपित्तु हे० कृ० वेय० ५, ३६;
 आलिप्त. त्रि० (*आलिप्त) नावाने यथा-
 वानां हलेशां. नाव को चलाने का चार.
 An oar आया० २, ३, १, ११६;
 आलिप्त. त्रि० (आदीप्त) सर्व तरङ्गी
 अक्षित-पक्षी रहित सब तरफ से जलता
 हुआ. Burning, on fire, from all
 sides. नाया० १, ८; १८; १६, भग०
 २, १; ६, ३३, १८, २, नाया० ४०
 आलिप्त त्रि० (आदिप्त) लागेला; जेडेला
 लगा हुआ; मिला हुआ. Attached,
 joined “ अत्येगइया पुठवीकाइया आ-
 लिप्ता ” भग० १६, ३, प्रव० १५३,
 आलिसिंदगा पुं० (*आलिमन्दक) धान्य
 विशेष, योधा धान्य विशेष, चोला नामक
 धान्य. A kind of corn ठा० ५, ३,
 जं० प० भग० ६, ७, (२) अलसि
 अलसी linseed सूय० २, २, ६३;
 आलिसिंदगा पुं० (*आलिसिंदक) जुगो
 उपरो शब्द. देखो ऊपर की शब्द Vide
 above. भग० २१, २, दमा० ६, ४;
 ✓ आलिह. धा० I (आलिह) आलेख्यु,
 यीतरुं. आलेखन करना; चित्रना. To
 draw a picture.
 आलिह जीवा० ३४, राय० १८६, जं० प०
 ५, १२२;
 आलिहति. ज० प० ३, ४३;
 आलिहति भग० १५, १;
 आलिहति जं० प० ३, ४३;
 आलिहिजा वि० दम० ४;
 आलिहह. आ० नाया० ८;
 आलिहिता स० कृ० भग० १, २; ३, १;
 २; १५, १,
 आलिहमाण. भग० ८, ३; जं० प० ३, ५४,
 आलिहिमाण. क० वा० स० कृ० ज० प०

- आलीण. त्रि० (आलीन) इन्द्रिय निग्रहरूप-
 भयादाभां तलादीन. इन्द्रिय निग्रहरूप भयादा
 में बललीन. (One) restrained in
 senses. आया० १, ३, ३, ११७; (२)
 आश्रित. आश्रित. resting on. नाया० १;
 (३) थोड़ुं लागेला-वलगेला थोड़ा लगा
 हुआ-लिपटा हुआ. attached a little;
 clinging a little. जं० प० —गुप्त.
 त्रि० (-गुप्त-आलीनश्चासौगुप्तश्चालीनगुप्तः)
 जेणे इन्द्रियेनो निग्रह करी गोपनीरूपी
 छे ते. जिमने इन्द्रियों का निग्रह कर उन्हें
 आलीन कर लिया है, वह. (one)
 having restraint over senses.
 “ आलीणगुप्ता परिवर्ण्य ” आया० १, ३;
 ३, ११७;
 आलीयग त्रि० (आदीपक) आग लगाउना;
 अग्नि सलगाना आग लगानेवाला, अग्नि
 सिलगाने वाला. (One) who kind-
 les fire “ आलीयगतिथमेयलहुइरथ-
 संपउत्ते ” नाया० २;
 आलीवकं त्रि० (आदीपक) आग लगाउ-
 ना; लाय सलगाना. आग लगानेवाला.
 (One) who sets fire to. परह०
 १, ३, नाया० २;
 आलीवण न० (आदीपन) रोशनी करनी ते.
 रोपनी का करना Illumination on a
 festive occasion. विवा० १;
 आलीवित त्रि० (आदीप्त) अग्निभां आलेल.
 अग्नि में जलाया हुआ. Fire-burnt.
 विवा० ६;
 आलु पुं० (आलु) अलाटा. आलू: कन्द
 विशय. A potato प्रव० २४२;
 आलुई स्त्री० (आलुकी) ओड गतनी वेध.
 एक जाति की वल A kind of creeper.
 आया० नि० १, १, २, १२६;

✓ आलुप धा० I (आ+लुप्) लोप डरेवो, योरयुं, गाड छोडी डोछनी वस्तु उपाडी लेवी लोप करना, चोरना, गाठ खेलकर किसीका वस्तु निकाल लना To deprive of, to steal to remove.

आलुपति नाया० ४,

आलुपण आ० आया० १, २, ७, २०४,

आलुपह आ० सूय० २, १, १७;

आलुप त्रि० (आलुम्प) आरे आलुथी अथुअ छियानो डरेनार, हिंसा, योरी दारी वगेरे अदृश्य सेवनार चारों ओर से अशुभ क्रिया करनेवाला, हिंसा, चोरी, व्यभिचार आदि अकृत्य करनेवाला (One) given to evil deeds like killing, theft, and all sorts of wicked practices. आया० १, २, १, ६२,

आलुग पु० (आलुक) आलु-३६ विशेष, अटाटा आलू, कद विशेष A kind of bulbous root, a potato “ साहारणसरीरा अयोगहा ते पकितिया आलुए मूलए चव ” उक्त० ३६ भग० ७, २, पञ्च० १०, जीवा० १, अणुत्त० ३, १,

आलुय पु० (आलुक) साधारण वनस्पति विशेष. साधारण वनस्पति विशेष A kind of bulbous root जीवा० १, उक्त० ३६, ६६, भग० ७, ३, ८, ३, २३, ६, —वर्ग पु० (—वर्ग) आलु-अटाटा सअधो लगवती सूत्रना २३ भा शतकनो श्रीने धर्ग भगवती सूत्र के तेवीसवे शतक का आलू-सम्बन्धी दूसरा वर्ग the second section of the 23rd Sataka of Bhagavatī Sūtra dealing with the subject of potatoes भग० २३, २,

आलेवण. न० (आलेपन) थोडुं लेपन थाडा लेप A slight smearing

निमी० १२, ४५. —जाय न० (—जात) लेपना प्रकाश लेपका भेद varieties of ointments निमी० ३, ३६, ६, १३; १२, ४५,

आलोइअ-य त्रि० (आलोचित) निरीक्षण डरेव देखाहुआ, निरीक्षण किया हुआ. Observed “ आलोइय इगियमेवनच्चा ” दम० ६, ३, १,

आलोइअ-य. त्रि० (आलोचित) आलोचन डरेव, निवेदन डरेव. आलाचन किया हुआ, निवेदन किया हुआ Confessed; informed पि० नि० ११६; नाया० १; १४, १६; सु० च० १, ३९३, भग० २, १, ३, १, ४, ५, ६ ७, ६, १५, १, २०, ६, वव० १, ६ विशेष० ३३६८, —पडिक्कंत. त्रि० (—प्रतिक्रान्त) आलोचनीने प्रतिक्रमण डरेव, पेताना दोष प्रकाशाने तेनाथी पाछा हटेव आलोचना पूर्वक प्रतिक्रमण किया हुआ, अपने दोष प्रकाशित कर उन दोषों से हटा हुआ (one) who has confessed his faults and vowed to refrain from them भग० २, १, १०, २, विवा० १, —भोइ त्रि० (—भोजिन्) गुडनी पासे आलोचन डरेव पछा आहार डरेनार—(भुनि). गुरु के समाप आलोचन करके फिर आहार करनेवाला, (मुन) (an ascetic) taking food after confessing his sins to a Guru (preceptor) ओव० नि० ५५१,

आलोइत्तार त्रि० (आलोचितृ) जनाड, आलोचन डरेनार देखनवाला, अवलोकन करनेवाला (One) who sees or observes सम० ६, उक्त० १६, ८

आलोपयञ्च त्रि० (आलोचितव्य) प्रकाशना लायड निवेदन डरेव याग प्रकाश करन याग, प्रगट करन याग निवेदन करन याग

Fit to be laid bare; deserving to be communicated. पंचा० १५, २२;

आलोक पुं० (आलोक) रूपी पदार्थ रूपवाला-दृश्य पदार्थ A visible object. (२) प्रकाश उजआला, प्रकाश light. आया० १, ३, ३, १२०;

आलाग पु० (आलोक) ओथो उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above. ओव० नि० १३, ज० प० ३, ५४,

आलोडिऊण स० कृ० अ० (आलोड्य) चलोटीने, मथीने मथ करके. Having churned सु० च० २, ४०७,

✓ आलोच धा० I, II. (आ+लोच्) आलोचन करवु, पोताना दोष तपासी शुष्पासे छेना, पोतानी सूत्र जलुवणी आलोचन करना, अपने दोष हंडकर गुरु से कहना; मूल प्रगट करना To observe one's own faults and confess them to a Guru (preceptor)

आलोण्ड सम ३३, भग० २, ५, सूय० २, २, २०; उवा० १, ८०;

आलोअइ गच्छा० ११८;

आलोण्मि भग० ८, ६.

आलोण्जा वव० १०, १, वेय० ४, २५; निर्मा० ५, १, २०, १०; ११, आया० १, ७, ५, २१६, २, १, २ १२,

आलोइजा वि० आया० २, ६, १, १५२,

आलोण् वि० प्रव० १२६, दस० ५, १, ६०,

आलोण्ह उवा० १, ५८,

आलोण्हि नाया० १६, उवा० १, ८४, नाया० ध०

आलोइत्ता. म० कृ० आया० २, १५, १७८ नाया० १६;

आलोण्ऊण पचा० १४, ५०;

आलोइऊण सु० च० २, ४३२;

आलोइऊ पचा० ३, ४६,

आलोइत्तण हे० कृ० वव० १, ३७, ५, १९;

निमी० ५, ३६ टा० २, २,

आलोण्ड हे० कृ० पि० नि० ५१८,

आलोण्माण व० कृ० वव० १, १, निर्मा० २०, १०;

आलोइजइ क० वा० उवा० १, ८५; नाया० १७,

आलोअंत व० कृ० जं० प० ३, ६७,

✓ आलोच धा० I. (आ+लोच्) देखु; अवलोचन करवु देखना. To see; to observe

आलोण्ड हे० कृ० पि० नि० ५१८;

आलोचमण व० कृ० भग० १०, १

आलोच-अ पुं० (आलोक) अवलोचन; निरीक्षण, दर्शन; देखु ते अवलोकन; देखना, निरीक्षण. Seeing, observation. जं० प० ५, ११७, ओव० ३१, दस० दस० ५, १, १५, कप० २, २७, ओव० नि० ६२, २८७, राय० ६८; विशेष २०६, नाया० १, २, ८, १६, आया० २, १, ६, ३२, (२) दीयाने प्रकाश. दीपक का प्रकाश. light of a lamp उक्त० ३२, २४, —दरिसणिज्ज त्रि० (—दर्शनीय—आलोक दृष्टिगोचर यावद् दृश्यतेऽन्युच्चत्वेन य स आलोकदर्शनीय) ते दृष्टिगोचर अती उथिमा उथुं देमाय ते. जो दृष्टगत होतेही ऊचे से ऊंचा दिखे वह the tallest (object) appearing within one's landscape “दसणरश्य आलोच-अ दरिसणिज्ज” ओव० नाया० १, भग० ६, ३३, —भायण. न० (—भाजन) जेभां प्रकाश पडे ओवु लाज्जन प्रकाश पात्र, जिनमे प्रकाश पडे वह (anything) receiving light. पण्ह० २, १, दस० ५, १, ९६;

आलोचन न० (आलोचन) दर्शन. दर्शन
Sight, seeing दस० ४, भग० ६, ३३,
आलोचन न० (आलोचन) शिष्ये गुरु पासे
पोताना दोषनु आलोचन करु-निवेदन
करु ते शिष्य का गुरु के समीप अपने दोष
का आलोचना करना-दोष प्रकट करना.
Confession of a fault by a
disciple to his preceptor सम०
३२, परह० २, १, प्रव० २६, पंचा० १, ३६,
आलोचनया स्त्री० (आलोचना)-गुरु पास
पोताना दोषनु निवेदन करुं ते गुरु के
सन्मुख अपने दोष निवेदन करना Con-
fession of one's own sins to a
Guru भग० १७, ३, उत्त० २६, २,
आलोचनया स्त्री० (आलोचना) लागेला दोषनु
गुरु आगत निवेदन करु, गुरु समीप दोषनु
प्रकटयु लगे हुए दोष का गुरु के आगे निवे-
दन करना, दोष प्रकट करना Confession
of sins to a Guru भग० २५, ७,
सत्या० ३३, ओव० २०, प्रव० ७५७;
उत्त० ३०, ३० वच० १, ३५,
विशे० ३३६६, —अरिह न० (-अर्ह)
गुरु पासे निवेदन करवाथी जे पापनी शुद्धि-
निवारण थाय ते, आलोचनायोग्य पाप गुरु
के सामने निवेदन करने से पाप का जोशुद्धि
हो वह, आलोचना के योग्य पाप freedom
from sin, caused by confession
to a Guru, a sin deserving con-
fession भग० २५, ७; (२) आलोचना
योग्य प्रायश्चित आलोचना के योग्य प्रायश्चित,
expiation deserving confession
ठा० ६, —एण पु० (-नय) गुरुपासे
आलोचना करवानी रीति गुरु के समीप
आलोचना करने की रीति mode of
confession of sins to a Guru
विशे० ३३६६,

आलोचन त्रि० (आलोचन) आलोचन-
करेला दौकाहुआ Covered, conceal-
ed under नाया० १,
आवह. स्त्री० (आपत्) आपत्ति-दुःख,
विपत्ति आपत्ति, दुःख, विपत्ति Adver-
sity, misery “आवह आवहसु य”
ठा० १०, “आवहसु ददधम्मया” सम०
३२; “दुहसो गइ वालस्स आवह वहु
मूलिया” उत्त० ७, १७; नाया० ६, ओव०
३६, भग० २५, ७,
आवहय न० (आपत्ति) दुःख, दुःख कष्ट,
दुःख Misery, adversity नाया० ९,
आवति अवभयण न० (आवन्त्यध्ययन)
आचाराना प्रथम श्रुत-अध्यायना पायसा
अध्ययननु नाम आचाराग के प्रथम श्रुत-
स्त्व के पाचवे अध्ययन का नाम Name
of the fifth chapter of the first
Sūta-skandha of Āchāṅga
Sūtra अणुजो० १३३, आया० नि० १,
५, १, १३६, ठा० ६, सम०
आवती पुं० (यावत) जेतना As
many as “आवती के यावती लोयमि”
आया० १, ४, २, १३३,
आवकह अ० (यावत्कथम्) जेतनायुधवी,
जन्मगी पर्यन्त यावज्जीवन, जिन्दगा पर्यन्त
As long as life endures, till
death “आवकह भगव लमित्तसि”
आया० १, ६, ४, १५;
आवकहा स्त्री० (यावत्कथा) जेतना सुधी
नामकथन रहे त्या सुधी, जन्मगी पर्यन्त.
जब तक नाम धारण करके रहे वहानक,
जावनपर्यन्त (Period of time)
till life endures till death
“आवकहा गुरु कुल वास ए मुचति”
पंचा० ११, १६, सूय० १, २, २, ४, आया०
१, ६, १, २, ठा० ५.

आवकहिय. त्रि० (यावत्कधिक) यावत्कधिक
मुधीनुं; उभेशनुं, धणावपतनु यावज्जावन
नक्का, हमेशहका; बहुत समय का Last-
ing till death, permanent; old.
अणुजो० ११; १४६, पञ्च० १; भग० २५,
७ आव० १६; विशे० १२६३, पंचा० १,
३६, ५, १७, १२, ४३;

आवगा छा० (आपगा) तदी नदी A
river. "वज्झममाणि तित्थाणि आवगाण
वियागरे" दस० ७, ३६,

आवज्जग नि० (आवर्जक) प्रसन्न उत्तार
प्रसन्न करने वाला Causing chain,
delightful पि० नि० ४३८;

आवज्जण न० (आवर्जन) डेवलीने उपा-
योग-भानसिद्ध व्यापार, शेष गृहेषा उर्ध्वतो
उदयावलिङ्गमा प्रक्षेप उत्थानो व्यापार-
क्रिया केवली का उपयोग-सन्तो व्यापार,
वाकी वचै हूप कर्म का उदयावलिङ्गमा प्रक्षेपण
करने की क्रिया The thought-acti-
vity of a Kevali that he is to
perform Kevala Samudghāta;
the process on the part of
a Kevali to force up into ma-
turity the remnants of his
Kāmas विशे० ३०५१,

आवज्जीकरण न० (आवर्जीकरण) लुओ।
"आवज्जण" शब्द देखो "आवज्जण"
शब्द Vide "आवज्जण" आव० ८३,

आवट्ट पु० (आवर्त-आवर्तयति प्राणिन
आमयतीत्यावर्त) समुद्रादिभ्यां यद्वा-
दारे धुमरी अतु पाणी देवाय ते समुद्रादि
में चक्र के आकार से घूमता हुआ जो पानी
दिखे वह An eddy in an ocean
etc राय० ६६, जे० प० आया० १,
२, ३, ८३, नाया० १, ठा० ४, उत्त० ३, ५,
(३) (आवर्तनमावर्त) २०५३, ५३

मणु उत्तुं ते. भटकना, परिभ्रमण करना.
wandering, going round and
round नाया० १, (३) मोहपाश, लज्ज-
वशी मोह पाश भुलौना, भूल भुलैया an
infatuation; a maze. ठा० ४ सूय०
१, ३, २, १४; (४) (आवर्तन्ते परि-
भ्रमन्ति प्राणिनो यत्र स आवर्त) मुसार
ससार the worldly existence.
"आवट्टेणोण सगमभिजाणति" आया०
१, १, ५, ४०, (५) ससारना शब्दार्थ
विषयना शब्दार्थि गुण, संसार के कारण
रूप-विषय के शब्दादि गुण objects of
senses e. g sound etc which
lead to worldly existence
"जे गुणे से आवट्टे जे आवट्टे से गुणे"
आया० १, १, ५, ४०, (६) उत्तुं
मोहना उदयशी विषयनी प्रथना उत्तुं ते
उत्कट मांह के उदय से विषय का प्रार्थना
करना yearning after sensual
pleasures through strong in-
fatuation "अह मे सति आवट्टा कास-
वेण पवेइया बुद्धा जत्थ वसप्पति सियति
अबुहा जहि" सूय० १, ३, २, १४; १,
१०, ५, (७) इरी इरीने उत्पन्न थनु ते.
बार बार उत्पन्न होना rising or
being born again and again
"दुक्खाणमेव . आवट्ट अणुपरियट्टइ"
आया० १, २, ३, ८१, (८)
महाघोष नामे थणित कुमारना छन्ना
लोहपातनु नाम महाघोष नामक थणित
कुमार के इन्द्र के लोकपाल का नाम name
of the Lokapāla of the India
of Thanitakumāras, styled
Mahāghosa ठा० ८, भग० ३, ८;
(९) जयदीपमना ओड दीर्घ वैताड्य पर्वत
जयदीपमे का एक बड़ा वैताड्य पर्वत ११११७

of a long Vaitādhyā mountain in Jambū Dvīpa ठा० ६, (१०) ओड अरीवाला स्थलयर निर्यय पयेद्रियनी ओड जलत एक खुरवाले निर्यय पचेन्द्रिय की एक जाति a kind of five-sensed, one-hoofed animals living on land पन्न० (११) अडोरानना २५ भा मुहूर्तनु नाम अहोरात्रि के २५ वें मुहूर्त का नाम name of the 25th Muhūrta of the period of a day and a night सम० ३४, (१२) आवर्त नामनु ओड रिमान आवर्त नामक एक विमान name of a heavenly abode. सम० १६, (१३) जंयूदीपना मेरुनी पये सीता महानदीनी उत्तरे आवर्त नामनी ओड विजय जवूदीप के मेरु के पूर्व की ओर सीता महानदी की उत्तर दिशा का आवर्त नामक एक विजय name of a Vijaya in the north of the river Sita in the east of the Meru of Jambū Dvīpa “ दो आवत्ता ” ठा० २, ८, ज० प० (१४) आवर्त नामे ३२ नाटकमानु ओड नाटक ३२ प्रकार के नाटकों में से आवर्त नामक एक नाटक one of the 32 kinds of drama राय० —कूड. न० (-कूट) महाविदेहमाना नलिनकूट नामे वज्जारा पर्वतनु ओ नामनु ओड शिखर महाविदेहके नलिन कूट नामक वज्जारा पर्वत के एक शिखर का नाम name of a summit of a Vakhā-īā mountain, named Nalīnākūta, in Mahāvideha ज० प० आवड पु० (आपत्त) क्षिप्र देशना लिखनी ओड जलत क्षिप्र देश के भील की एक जाति A race of Bhils in the

country of Khatā ज० प० ५, ११, ६, जांवा० ३, ४,

आवडण. न० (आपत्तन) लागनु, डडडा डरवा तोडना, फोडना, टुकड़े करना. Breaking to pieces ओष० नि० २२४; ३१२,

आवडिय त्रि० (आपत्ति) आरे तग्थी आनी पडेसु, लागेसु चारों ओर से आया हुआ Come from all sides “ दोवि आवडिया कुड्डे ” उक्त० १५, ४०, ज० प० ५, ११५;

आवण. पु० (आपण) हाट, दुकान हाट, दुकान A shop ओष० १५, २६, ज० प० वेय० १, १२, विश० २०६५, दम० ५, १, ७१, भग० ५, ७, ८, ६, अणुजो० १३४, पि० नि० १६६, उवा० ७, १८४, जीवा० ३, ३, (२) अन्नर बाजार a market. पि० नि० ३७७, जीवा० ३, ४; काप० ४, ८८, —गिह न० (-गृह) अन्नर पड्येनु धर बाजार के बीच का घर a house in a market वेय० १, १२; —वीहि. खी० (-वीधि) अन्नरनी शैरी, अन्नरनी भागी बाजार का रास्ता a market-load जीवा० ३, राय०

आवण त्रि० (आपन्न) प्राप्त थयेस, आश्रिते गेहेस प्राप्त, आश्रय करके रहा हुआ Got to, come to “ आवणणा दीह-मन्हाण मसारम्मि अणत्तण ” उक्त० ६, १३. (२) उत्पन्न थयेस उत्पन्न produced; born नाया० ५, —सत्ता खी० (-सत्त्वा) गर्भवती, सगर्भा स्त्री गर्भवती खी, गर्भवती a pregnant woman. नाया० २, १६, विवा० ४,

✓ आवत्त वा० I, II (आपत्त) अन्नर-सा रण्यनु अगनु मसार मे भटकना To

wander in worldly existence.
(२) इरने आवत्तु फिरसे आना: to re-
turn, to come back.

श्रावट्टति सूय० १, १०, ५;

श्रावट्टमाण दसा० ७, १,

श्रावत्तयन्त. भग० ११, ११,

श्रावत्त पुं० (श्रावर्त) लुओ 'श्रावट्ट' श० ६.
देखा " श्रावट्ट " शब्द Vide " श्रावट्ट "
सम० १६; ३०, जीवा० ३, ३, ४, राय०
२८, ८१, पण्ह० १, १, उत्त० २५, ३८,
ठा० ४, १; ओव० १०, २१, सु० च० ६,
२६; ज० प० ४, ६१, पन्न० १, नाया० १;
६, भग० ३, ८, कप्प० २, १४, —कूड
पुं० (—कूट) नलिनकूट नामे वप्पारा पर्वत-
ना या० इटमानु वीथु इट-शिखर वप्पारा
पर्वत के चार कूटों में में नलिनकूट नामक
तीसरा कूट-शिखर the third of the
four summits of the Vakhārā
mountain named Nalinakūta.
ज० प० ४, ६५,

श्रावत्तण न० (श्रावर्तन) उवाडुं वासुं
खोलना व बंद करना Opening and
shutting a door पि० नि० ३५५,
—पेठिया. स्त्री० (—पीठिका) जेभा भोगत
रहे ते स्थान जिम में किवाड़ो का आडा या
चटकनी रहे वह स्थान the receptacle
of the bolt of a door जीवा० ३,
राय० १०६, ज० प०

श्रावत्ता स्त्री० (श्रावर्ता) आवर्ता नामनी
ओड विजय श्रावर्ता नामक एक विजय
Name of a Vijaya ठा० २, २,

श्रावत्तायंन त्रि० (श्रावर्तायमान) प्रक्षि-
ल्ला देतु, भमत्तुं प्रदक्षिणा करना हुआ
Revolving, circumambulating
कप्प० ३, ३५;

श्रावत्ति स्त्री० (श्रापत्ति) प्राप्ति. प्राप्त.
Acquisition; getting प्रव० ७६,
(२) उत्पत्ति. उत्पत्ति birth, issue,
creation विशेष० ६६,

श्रावन्न त्रि० (श्रापन्न) प्राप्त थपेक्ष प्राप्त.
Got; got to. विशेष० १६७ सु० च० १,
१२६. उत्त० ४, ४; प्रव० १३३३,

श्रावयमाण त्रि० (श्रापयत्त) पडतो गिरता
हुआ Falling, falling down.
नाया० ८,

श्रावयमाण त्रि० (श्रावयत्त) आवतो.
आता हुआ Coming; arriving.
भग० ३, २;

श्रावया. स्त्री० (श्रावद्) आहत-आपत्ति;
संकट आपत्ति, आफत, सकट Calamity,
adversity राय०

✓श्रावर, वा० II (श्रा+वृ) आवरवु,
ढाडवु ढाकना To cover, to hide.
श्रावरित्ता स० क० राय० २३६,
श्रावरिय स० क० दसा० ६, १, २,
श्रावरेत्ता स० क० भग० ६, ५, १२, ६,
१५, १,

श्रावरेमाण भग० १२, ६;

श्रावरयंत. प्रव० १४१४,

श्रावरिज्ज क० वा० भग० ६, ३३;

श्रावरिज्जति क० वा० प्रव० १२६८,

श्रावरिज्जमाण भग० १५, १,

श्रावर. त्रि० (श्रापर) थीलुं दूसरा-
Another सम० १२;

श्रावरण न० (श्रावरण-श्रा-मर्यादया वृणो-
तीत्यावरणम्) ढवय, थपन कवच,
वखतर An armour जीवा० ३, ४ ज०
प० राय० १३०, नाया० ८ ओव० ३०,
सूय० नि० १, ८, ६२, ६३, (२) दाक्ष
दाक्ष a shield ओव० आया० नि० १,
१, ५, २०० (३) पडने, दाडवु दाडना,

ढक्कन covering, a cover पत्र० २३, राय० ६२, विशेष० १०४, सम० ६, क० प० १, २५, (४) भण्डि आदि द्रव्य मर्जाठ आदि द्रव्य. a substance such as Indian madder etc ज० प० (५) सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप पञ्चभूत अऽकावतार कथय, मोहनीय कर्मनी प्रकृति सर्वविरति अथवा देशविरतिरूप प्रत्याख्यान को रोकनेवाला कपाय, मोहनाय कर्म की एक प्रकृति a variety of deluding Karma obstructing the vow of partial or complete abstention from sense-pleasures विशेष० १२३५, (६) ज्ञान आदि शक्तिने आवरतार ढाकतार ज्ञानावरणीयादि कर्म. ज्ञान आदि शक्ति को ढकने वाला ज्ञानावरणीयादि कर्म Karma obscuring knowledge and other powers of the soul अणुजो० १२७, विशेष० ११५, क० ग० १ ३-६, ६, ८६, —अवगम पु० (-अपगम) ज्ञानावरणीयान्तिने अपगम—हरे थवु ते ज्ञानावरणादिक कर्मों का दूर होना exit, passing away, of knowledge—obscuring Karma etc पचा० २, ४०, —दुग न० (-द्विक) ज्ञानावरण अने दर्शनावरण, ओं ओ प्रकृति ज्ञानावरण और दर्शनावरण ये दो प्रकृतियाँ the two Prakritis (Karmic natures) viz knowledge-obscuring and faith-obscuring Karma. क० ग० १, ५६, —आवरणावरणपविभक्ति न० (-आवरणावरणपविभक्ति) ३२ प्रकारना नाटकमानु ओं वत्तीस प्रकार के नाटकों में से एक one of the 32 kinds of drama “ चद्रावरणपविभक्तिच सुरावरण

पविभक्तिच आवरणा वरणपविभक्ति एव दिव्व णट्टविह उवदसेहि ” राय० ६२, आवरणिज्ज न० (आवरणीय) आत्मानां रानाशक्तिने आवरतार, ज्ञानावरणीयादि कर्म आत्मा की ज्ञानादि शक्ति को ढकनेवाला ज्ञानावरणीयादि कर्म Karma [obscuring the qualities of the soul such as knowledge etc, नदी० ८, ओव० ४०, उत्त० ३३, २०, अणुजो० १२७, उवत्त० १, ७४,

आवरणी छी० (आवरणी) आवरणकारी विद्या आवरणकारा ढकनेवाली विद्या Art of veiling or eclipsing things. नाया० १६,

✓ आवरस (आ+वृष) वरसवु पाली शटटु. वरसना, पानी छिड़कना To shower water, to sprinkle water, to rain.

आवरसेजा राय० ३५,

आवरिय त्रि० (आवृत) ढाकेल, आवृतान्त डरेल, ढाकाहुआ Covered, hidden. भग० १५, १,

आवरिसण न० (आवर्षण—सुगन्धितवारिसिञ्जनम्) सुगन्धि पालीने छटटाव डरेवे सुगन्धित जलका छिटकाव करना Sprinkling of cold water अणुजो० २०; राय०

आलवण न० (आवलन) अग मरोडवु ते. अग मरोडना Twisting of the body पण० १, १,

आवलि छी० (आवलि) ढार, पक्ति, लाइन श्रृंखला, पक्ति A line, a series. सू० प० १०, राय० ४४, ४८, ६१, ओव० नि० २०२, नाया० १, क० प० १, ३८;

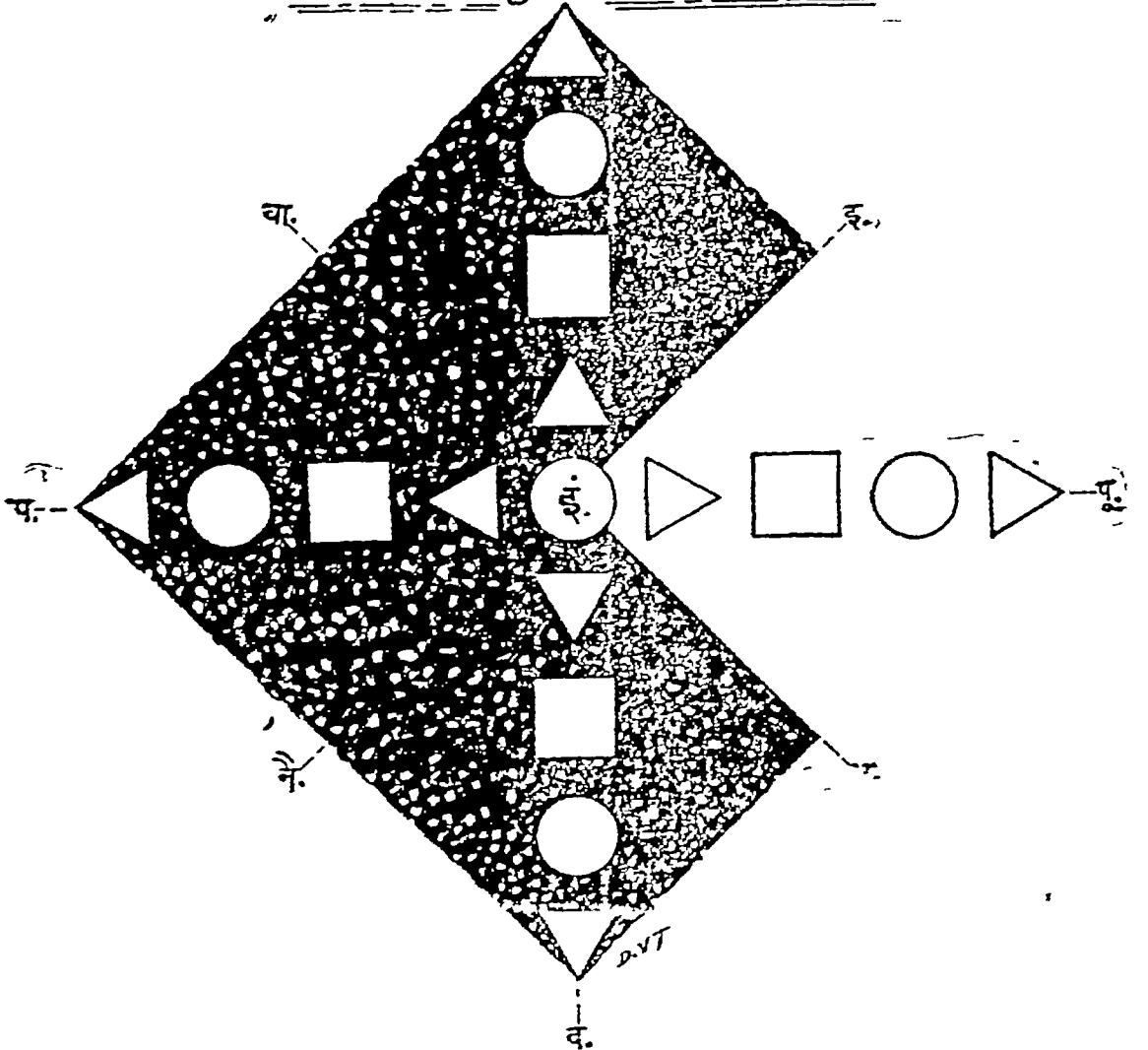
आवलिय पविभक्ति न० (आवलिका अविभक्ति) नाट्य विधि विशेष नाटक का

વિવિ વિશેષ A mode of dramatic performance “ આયલિયપવિભતિ ણામં દિલ્લં ણદ્ર વિહ ઉવદમેહ ” રાયં

આવલિઆ-યા. ત્રાં (આવલિકા) અસંખ્યાત સમય પ્રમાણે એક કાલ વિભાગ; એક શ્વાસોચ્છવાસનો સખ્યાતમો ભાગ એક શ્વાસોચ્છવાસ કા સંખ્યાતવો ભાગ. A period of time consisting of innumerable Samayas or instants વિશે. ૫૩૧; ૬૦૮; અણુજોં ૧૧૫, ૧૩૮; જં ૫૦ ૨, ૧૮, નદીં ૧૨, અગં ૫, ૧,

પાક્તિ line; row જાવાં ૩, ૧; સૂં ૫૦ ૧૦; તદું —ણિવાય. પું (-નિપાત) ક્રમથી મળવું તે ક્રમશઃ મિલના. coming or getting of anything one after another in order. “ તા જોગેતિ વત્થુસ્સ આવલિયા ણિવાતે આહિતેતિ વદેજ્જા તાદ્દિતિ ” સૂં ૫૦ ૧૦; —પવિટ્ટ. ત્રિં (-પ્રવિષ્ટ) શ્રેણીમા રહેલ; શ્રેણીમા પ્રવેશ કરેલ; પક્તિઅન્ધ; નરકાવાસના સહાણ જે પંક્તિઅન્ધ એટલે અધી દિશાઓમા શ્રેણીમા-એક લાંઠનમા ગોલ,

— આવલિયા-પવિટ્ટ — આવલિયાગવંદ પિનાજ. —



૫, ૭; ૬, ૧, ૨૫, ૪ પક્તં ૧૦ કાં ૨, ૪, આવં ૧૭, (૦) શ્રેણિ, પંક્તિ શ્રેણી,

ત્રિકોણ અને ચોરસ આકારના છે શ્રેણી મે રહે હુણ. શ્રેણી મે પ્રવેશ કિયે હુણ. પાક્તિઅન્ધ,

नैरकावासके सस्थानं (आकार) जो पंक्तिबंध याने चारों दिशाओं में एक लाइन से गोल, त्रिकोण और चौरस आकार के हैं. in a line or row, in a graded order; e. g. the hellish abodes arranged in a line as differentiated from others situated promiscuously. The shapes of the former are either round, triangular or square, (see diagram) "आवालिय पविट्ठाय आवलिय बाहिराय" जीवा० ३. ४, —वाहिरं त्रि० (—बाह्य) ६१२ ५६२, लाभनअध न६१, जेभतेम श्रेणी बद्ध न होना, अव्यवस्थित not in a line, disordered जीवा० ४, —समय परिमाणं त्रि० (—समयपरिमाण) अेक आवलिना समय जेटला एक आवलि (आख मिचकना) के समय के समान of the measure of time equal to one Āvali (twinkling of an eye) क० ग० ४, ८१,

✓ आवस धा० I (आ + वस्) वसवु रहेवुं रहना, बसना. To dwell, to stay.

आवसे विधि० आया० १, १, ६, ४४;

आवसित्तु हे० कृ० नाया० १, —

आवसत सूय० १, १, १, १६, आया० १,

५, ६, १५५, ठा० १, उवा० १, ८३,

आवसह न० (आवसथ) भंडान, धर, रहे-
हायु रहने का मकान A residence,
a house ज० प० ३, ४६, विवा० ३, ६,
उत्त० १३, १३, सूय० १, ४, २, १४.
(२) तापसनी आश्रम, भठ तपस्वी का
आश्रम, साधु का मठ a monastery
आया० १, ७, २, २०२, परह० २, ३,
v. 11/13.

भग० २, १, —भवण न० (—भवन)
निवासभुवन निवासभवन a place of
residence, a house ज० प० ३, ४७;

आवसहिय त्रि० (आवसथिक) आश्रम-
जुपडीमा रहेनार पत्तोकी गोपडी में रहने
वाला (One) living a monas-
tery or in hut of leaves etc.
सूय० २, २, २१, दसा० १०, ७;

आवस्सअ-य. न० (आवश्यक) साधु अने
आवडने जे वणत अवश्य करवानी किया,
प्रतिक्रमण साधु और भ्रावक को प्रतिदिन
दो बार अवश्य करने योग्य किया, प्रतिक्रमण.
Patickriamana; a religious
practice to be performed twice
every day, without fail, by
both ascetics and laymen.
नाया० ८, ठा० २, १, विशेष० १, (२)
ते किया प्रतिपादक आवश्यक नामनु सूत्र.
उक्त किया-प्रतिक्रमण-प्रतिपादक अवश्यक
नामका सूत्र name of a Sūtra ex-
plaining the above religious
practice. ठा० २, १, १०, नदी० ४३,
प्रव० २३७, —अणुयोग पु० (—अनुयोग)
आवश्यक सूत्रनु व्याख्यान आवश्यक सूत्र
का व्याख्यान, exposition of Āva-
śyaka Sūtra प्रव० २३७, —करण
न० (—करण.) केवल समुद्धात उर्या
पहेला केवलीने अवश्य करवा थोकर व्यापार.
केवलसमुद्धात करने के पहले केवली को
अवश्य करने योग्य व्यापार a kind of
thought-activity necessary to
be performed by a Kevali be-
fore Kevala Samudghāta पचा०
१६, ३१, —वहरित्त न० (—व्यतिरिक्त)
आवश्यक सिवायता डालिक अने उदाहिक
सूत्र. आवश्यक सूत्र के सिवाय कालिक

और उत्कालिक सूत्र the Kālīka and Utkālīka Sūtras excepting Āvaśyaka Sūtra ठा० २; नदी० ४३; —सुयखंध न० (—श्रुतस्कंध) ये नामनुं ओ३ ध्रुव एक सूत्र का नाम. name of a Sūtra विशेष० १;

आवस्सग न० (आवश्यक) लुओ “ आव-स्सग ” शब्द देखो “ आवस्सग ” शब्द Wide. “ आवस्सग ” पि० नि० ६००, अणुजो० ५; भग० १८, १०, गच्छा० ५३, प्रव० १०७;

आवस्सया स्त्री० (आवश्यकी) साधुओ अ-वश्य काम पउये पडार जाती वणते ‘ आ-वस्सहि ’ शब्द ओलवो ते, सामाचारीनो ओथो प्रधार. साधुको आवश्यक कार्य के लिये बाहिर जाते समय ‘ आवस्सहि ’ शब्द बोलना, सामाचारी का चौथा प्रकार. The fourth variety of Sāmāchārī (ascetic right conduct), viz uttering the word “ Āvassahi ” at the time of moving out on some unavoidable business प्रव० ७६७, आवस्सिया स्त्री० (आवश्यकी — अप्रमत्तत्वे-नावश्यककर्तव्यव्यापारे भवाऽऽवश्यकी) साधुने जरूरतुं काम पउये, उपाश्रय पडार जणु पडे, तारे ते प्रसंग आवश्यक छे तेनु रभरए डरवाने भोइथी ‘ आवस्सिया ’ शब्द डलेवो ते सामाचारीनो प्रथम प्रधार साधु को किसी जरूरी काम के लिये उपाश्रय के बाहिर जाना पडे तब उस आवश्यक प्रसंग की आवश्यकता स्मरण करने के लिये मुँह से “ आवस्सिया ” शब्द का कहना; सामाचारी का प्रथम भेद The first variety of Sāmāchārī, viz utterance of the word “ Āvassiyā ” in a loud tone by a monk at the time

of leaving monastery for some pressing work. “ पढमा आवस्सिया णाम ” उत्त० २६, २; ठा० १०, प्रव० ७७२, पचा० १२, २;

आवाग पु० (आपाक) निभाडे कुम्हार का भट्टा; आवा. A potter's kiln नदी० ३५;

आवाड पु० (आपात) उत्तर भरतमाना किरात नामे बिद्वनी ओ३ जात उत्तर-भरत के भाँलोंकी किरात नामक एक जाति A race of Bhils called Kirāta in Uttara Bharata. “ उत्तरडुभरहे वासे वहवे आवाडा णाम चिलाता परिव-संति ” जं० प० ३, ५८,

आवाय. पु० (आपात) आवगमन; भाणुसोनु गमनागमन. आना जाना; मनुष्यों का आवा-गमन. Coming and going of men; coming and going ‘ तस्स भोगणस्स आवाए भद्दए भवइ ’ भग० ७, १०; उत्त० ४, २; २४, १६, ओव० ३६; ओघ० नि० २६६, —भद्दय. पु० (—भद्रक) प्रथम भेदापमा ओलवा आलवा विगेरमा सुअ आपनार पहली भेंट में बातचीत वगे-रह में सुख देनेवाला (one) pleasing at first sight or meeting “ आ-वायभद्दए णाममेगे णो सवासभद्दए ” ठा० ६;

आवाअ-य पु० (आपाक—समन्तात्परिवेष्टा-पच्यतेऽत्र) निभाडे भट्टा, आवा. A kiln; a potter's kiln. “ कुभकारावाए इवा कवेल्लुयावाए इवा रट्टावाए इ वा ” ठा० ८, आवावकहा स्त्री० (आवापकथा) लोअन संजधी कथा डरवी ते. भोजन सम्बन्ध की कथा करना. Talk about food ठा० ४, २,

आवास पु० (आवास—आवसन्ति येषु ते आवासा) आवास, भँडल, डुवेडी, निया-

संस्थान, रहनेकी जगह, हवेली, घर, महल. A palace; a mansion, a residence राय० २२७, नाया० ८, १६, जं० ५० ५, ११४, ११५; जीवा० ३; ४, सक्त० ६, २६, भग० ६, ५, १३, ६, १८, ५, १६, ७, आ० सम० ८, (२) शरीर the body सम० (३) आवास नामने ओक-द्वीप अने ओक समुद्र आवास नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island; also that of an ocean जीवा० ३; ४, पञ्च० १५, (४) नरकावास, नरकावास abode of hell प्र० ४१, —पव्वय पु० (-पर्वत) नाम रागने आवास पर्वत. नागराजा का आवास पर्वत name of a mountain-residence of Nāgarājā “ गोशुभस्स ण आवासपव्वयस्स ” सम० भग० २, ८;

आवासग पु० (आवासक) निवासस्थान; रहनेवाले स्थान निवास स्थान, रहने का स्थान Habitation, place of residence सूय० १, १४, २;

आवासय-अ पु० (आवासक) पक्षिनु धर-भायो पक्षी का घर, घोंसला A bird's nest सूय० १, १४, २;

आवासय न० (आवश्यक) आवश्यक कर्तव्य A thing which must be done. ओष० नि० २२०,

✓ आवाह. पा० II. (आवाह) देवान्दिनु आवाहन करेवुं, पासे ओलाववु आवाहन करना, नजदार्क बुलाना To call, to invite, to invoke.

आवाहेइ “ तालुग्वाडिगिजि आवाहेइ ” नाया० १८,

आवाह पु० (आवाह) विवाह पहिले पान देनेका देवाने उत्स। विवाह के पहले पान देनेका

उत्सव The festivity of giving betel-leaves before the celebration of marriage. जीवा० ३३, जं० ५० २, २४, (२) नव परलेत पडुवरने प्रथम घेर लाववा ते नव विवाहित वधूवर को पहिले पहिल घर लाना. bringing home a newly married couple for the first time. परह० २, ४;

आवाहण. न० (आवाहन) आमंत्रण देवु; ओलाववुं आमंत्रण देना, बुलाना Invitation, calling. त्रिशे० १८८३,

आवि. अ० (अपि) संभावना, समुच्चयपण. संभावना, समुच्चय, परंतु (An indeclinable meaning), possibly, also. आया० १, १, ५, ४१, क० १० १, २६;

आवि अ० (आविर्) प्रगट, लहेर प्रगट, जाहिरं Publicly, openly “ आवी वा जइवा रहस्से ” उक्त० १, १७, —कर्म न० (कर्मन्) पुद्गल-प्रगट काम प्रगट कार्य, जाहिर काम an action openly or publicly done. आया० २, १५, १७६, राय० २१३, ठा० ६, कप० ५, १२०,

आविई स्त्री० (आविची-अविचदेशोद्भवा) अवीय देशमें उत्पन्न थयेस्त्री अवीच देश में उत्पन्न स्त्री. A woman born in the country of Avicha. राय० आविद्ध त्रि० (आविष्ट) युक्त थयेस्त्री, जोड-थेस्त्री मिला हुआ; संयुक्त Joined with, united with सम० ३०, (२) अधिष्ठित आविष्टित. presided over by; possessed by. ठा० ५,

आविद्ध त्रि० (आविद्ध) -पडेरेंडु, धारण करेवु पहिना हुआ, धारण किया हुआ Put on. नाया० १, ५, जं० ५० ३, ५५२

परद० १, ३, जीवा० ३, ४; ओव० २७, राय० ६१, (२) वीट्टुं, यथोचित आधेसु लपेटाहुआ, यथोचित रीति से बांधा हुआ. wrapped; properly tied ज० प० ५, १२१, काप० ४, ६२; —गुडिअ. न० (—गुडित) आविद्ध-पड़ेरावेन छे गुडिय-पाण्य-सोना रूपाणा पृथ्वी अनावेन जुध. पहिनाई हुई सोने चादी के फूलों की बनी झूल. an ornamental cloth of gold and silver flowers placed on the back, (e. g. of an elephant etc) विवा० २; —मणिसुवर्ण त्रि० (—मणिसुवर्ण) पड़ेयां छे मणि अने सुवर्णनां धरेयां जेले ते जिमने रत्न जडित सुवर्ण के आभूषण पहिरे हों वह. (one) who has put on ornaments studded with jewels. दसा० १०, १, —मणिकसुत्तग. त्रि० (—माणिक्यसूत्रक) जेले माणिक्य जडित सूत्रक-दोरे पड़ेरे छे ते जिमने माणिक्य से जडा हुआ सूत्रक-दोरा पहिना हो वह (one) who has put on a necklace studded with jewels. ज० प० ३, ५७, —वीरवल्लय त्रि० (—वीरवल्लय-आविद्धानि वीरवल्लयानिवीरत्व गर्वसूचकानि वल्लयानि येन) वीर पुरुषोने पड़ेरवानु आभूषण जेले पड़ेरुं छे ते वीर पुरुषों के पहिरने का आभूषण जिमने पहिना है वह (one) who has put on an ornament worn by heroes. नाया० १;

आविर्भाव पुं० (आविर्भाव) प्रगट् थवुं, प्रादुर्भाव थवे प्रगट् होना, प्रादुर्भाव होना Manifestation. विशेष० ६५;

✓ आविरभव वा० II (आविर+भू)

आविर्भाव थवे, प्रगट् थवुं आविर्भाव होना; प्रगट् करना. To be or become manifest.

आविर्भावेमि प्रे० सूय० २, १, ११;

आविल त्रि० (आविल) आधुन आकुल. Distracted सम० ३०, (२) धुपित; डोल कलुषित; गंदला. turbid “अतुट्टिदो-सेण दुही परस्म लोभाविले आयवई अदत्तं” उत्त० ३२, २६, जीवा० ३, —प्पा. पु० (—आत्मन्) आधुन आत्मा आकुल आत्मा a troubled soul “अभयं-करेभिवलू अणाविलप्पा” सूय० १, ७, २१; ✓ आविस वा० I (आ+विशु) सेवयु; भोगवुं सेवन करना; भोगना. To endure, to experience; to resort to.

आविसामि. विशेष० ३२५६;

आवीइमरण न० (आवीचिमरण) समये समये आयुष्यना ददनो अपत्य-थाय ते; आयुष्य समये समये ओष्ठु थाय ते समय समय पर-आयुष्य के दल का अत्यय होना, समय समय पर आयुष्य का क्षय होना. Diminution of life every instant सम० १७;

आवीइसरिणय. न० (आवीचिसंज्ञित) आवीचि नामनु भरणु आवीचि नाम का मरण. A variety of death named Avichi प्रव० १०२०;

आवीकम्म. न० (आविष्कर्म) जुओ “आविष्कम्म” १५६ देखो “आविष्कम्म” शब्द. Vide “आविष्कम्म” ज० प० २, ३१,

आवीचिय मरण. न० (आवीचिकमरण) जुओ “आवीइमरण” १५६, देखो “आवीइमरण” शब्द Vide “आवीइमरण” मग० १३, ७;

आवुत्त त्रि० (अव्युक्त) न हि क्षीयेत्, वगर
क्षीयेत् विना कहा हुआ Not said,
not spoken सू० २, २, ५६, -

✓ आवेढ धा० I (आ + वेष्ट्) वीटुं
लपेटना To wrap round, to
encircle.

आवेढइ दसा० ६, ६,

आवेढिय त्रि० (आवेष्टित) विटेल लपेटा-
हुआ Wrapped round, encircled
ठा० १०, भग० ८, १०, १६, ६, निसी०
१६, ४०-४१, नाया० १६,

आवेदिय सं० कृ० (आवेद्य) श्रुति कहकर
Having said or told पंचा० १५,
४५,

✓ आस धा० I, II. (आस्) भेसुं
बैठना To sit.

आसइ व० प्र० ए० नाया० घ०

आसे वि० दस० ४, ८,

आस आ० दस० ७, ४७, ८, १३,

आसइस्सामो भवि० भग० १०, ३;

आसइत्तण भग० ७, १०, १३, ४, १७, २,
१८, ३;

आसइत्तु दस० ६, ५४;

आसमाण. " अजय आसमाणोय " दस०
४, ३, राय० ३, ६,

आस. न० (आश-अशनमाशो भोजनम्)
भोजन. भोजन Food. " सामासाण
पायसाण " सू० २, १, १५, नाया० ५,

आस न० (आस्थ) मुख, मुँह
Mouth, face. पि० नि० ३४०, नाया०
८, ९, दस० ५, १, ८५, दसा० ७, १,

आस पुं० (अश्व-अश्वनुते व्याप्नोति मार्ग-
मित्यश्व) घोडा, अश्व अश्व, घोडा A
horse सम० १४; उत्त० ४, ८, ६, ५,
११, १६ अणुजो० ६३, १३१, ठा० २, ३
विशे० १६१६, नाया० १७, भग० ३, ४

७, ६; ६, ३४; ११, ११, ओव० ३१; ३८,
दसा० ६, ४, १०, ३, विवा० ६ जीवा० ३,
१, आया० २, १, ५, २७, ज० प० ७,
१५७, (२) अश्विनी नक्षत्रनो अधिष्ठाता
देवता अश्विनी नक्षत्र का अधिष्ठाता देव.
the presiding deity of the
constellation Āśvinī ज० प०
७, १५७, सू० प० २०, (३)
अश्वदेवताथी उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र.
अश्व देवता से उपलक्षित अश्विनी नक्षत्र.
the constellation Āśvinī pre-
sided over by the deity Āśva
च० प० २०; —करण. न० (-करण)
घोडाने द्वारा सीपववानी जगह घोडे को
कला सिखाने की जगह a place for
training horses निसी० १२, २८;
—किसोर पुं० (-किशोर) नववान
घोडानु प० २५, ५२७३. जातिवान घोडे का
बच्चा. a young one of a noble
horse, a colt नाया० १३, —किसोरी.
स्त्री० (-किशोरी) नववान घोडी, ५२७२.
जातिवान घोडी, बछेरी a male of
noble breed, a filly नाया० ६;
—कलंध पुं० (-स्कंध) घोडानी डेढ़-
भांध घोडे का कवा the neck or
shoulder of a horse ठा० २;
नाया० १२, १६, ज० प० ७, १५६;
—कलंध वरगय त्रि० (-स्कंधवरगत)
घोडा पर बटेल घोट पर चढा हुआ.
mounted on a horse नाया० १२;
१६, —जुद्ध न० (-युद्ध) घोडानु युद्ध.
घोडों का युद्ध horse-fight निसी०
१२, ३०, —धर त्रि० (-धर) घोडा
वाला, सेनाग घोडावाला घोडे का मोदा-
गर (one) who has a horse or
horses. a horse-merchant.

ठा० २; जं० प० ३, ६७, —पोसय त्रि० (-पोषक) धोडाना पोपनार, सोपनार घोडे को पालने वाला (one) who breeds up horses, a horse-merchant. निसी० ६, २३, —प्पमहय. (-प्रमर्दक) धोडाने डला शीपनार. घोडे को कला सिखाने वाला (one) who trains horses नाया० १७, —मच्छिया. स्त्री० (-मक्षिका) धोडानी भाष; अगा. घोडों के शरीर में लगने वाली मक्खी; बग a horse-fly. पि० नि० भा० ४६; —महु. पु० (-मृष्ट) धोडाना समारनार. घोडे को सुवारने वाला चावुक असवार a horse-breaker. निसी० ६, २३; —महश्र. त्रि० (-मर्दक) धोडाने भर्दन डरनार. घोडों की मालिश करने वाला. (one) who rubs the body of a horse. निसी० ६, ३३; नाया० १७, —महग. त्रि० (-मर्दक) धोडाने भर्दन डरनार. घोडा की मालिश करने वाला (one) who rubs the body of a horse. नाया० १७; —रयण. न० (-रत्न) अश्वरत्न, अक्षय-तिना ओदरत्नमानुं ओड रत्न. अश्वरत्न चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में का एक रत्न. an excellent horse; one of the 14 gems of a Chakravarti “ भरतस्य कमलामेल णामेणं आसरयणंसे-णावर्द्धमेणं समभिरुद्धे ” जं० प० ठा० ७; पञ्च० १६, २०, —रह पु० (-रथ) धोडा गाडी जेमा धोडा ओडाय ओवे रथ घोडा गाडी; जिममे घोडे जुते ऐसा रथ a horse carriage. नाया० १, ८, १६ १६ भग० ७, ६, ६, ३३, राय० २५६, जं० प० —राय पु० (-राजन्) अश्वराज-प्रधान-उत्तम धोडा अश्वराज,

प्रधान घोडा-उत्तम घोडा. an excellent horse ठा० ५, —रुव. पु० (-रूप) धोडानुं रूप. घोडे का रूप. the shape, beauty, of a horse. नाया० ६; भग० ३, ५, —रोह पु० (-रोह) धोडे स्वार. घोड सवार a horseman. निसी० ६, २३, —वर पु० (-वर) उत्तम जातिने धोडे उत्तम जाति का घोडा a horse of noble breed दमा० १०, ३, भग० ६, ३३; ओव०. —वाहणिया स्त्री० (-वाहनिका) धोडानी स्वारी, अश्व क्रीडा घोडे की सवारी, अश्व क्रीडा horse-riding; play on horse-back विवा० ६, नाया० १२, १४; —सहस्र. न० (-सहस्र) डुअर धोडा हजार घोडे a thousand horses निर० १, १, आसंदिया स्त्री० (आसन्दिक्का) भांथी; आटवी खाट. a small wooden frame (seat or cot) strung up with cotton or hemp strings. सूय० १, ४, २, १५; आसंदी स्त्री० (आस्यन्दी) ओड जातनु आसन; भांथी. एक प्रकार का आमन, खाट. a kind of seat a wooden frame strung up with thread and used as a seat “ आसंदी पलियकेय ” पि० नि० ३६१, सूय० १, ६, २१, दस० ३, ५; ६, ५४; (२) हाटडीनु भायडु. बास की अरथी a bamboo frame to carry a corpe. सूय० २ १, १५, आसंसइय त्रि० (आमशयित) नि सयथ; संशय रहित, जेमा भदेनथी नेयु नि सदह; मदह रहित Doubtless, indubitable सूय० २, २, १६, आसंसंज्ञाश्रोग पु० (आशंसाप्रयोग—आशंसनमाशंसाञ्जिज्ञाप; तस्या. प्रयोगो-

व्यापारणम् करणमाशंसाप्रयोग) आशसा
अभिलाषा इत्थी ते. अभिलाषा करना
Hoping, desiring; wishing
प्रव० २६६, ठा० १०;

आसंसा. स्त्री० (आशंसा) काम भोग भेद-
वयानी इच्छा, अभिलाषा. काम भोग प्राप्त
करने की इच्छा Desire or wish for
sensual pleasures सूय० २, १, ५०,
उवा० १, ५७, प्रव० २६६; ८२३,

आसंसारं अ० (आससारम्) ससार छे
त्यासुधी ससार है तवतक So long as
or as far as the world exists
or worldly life exists प्रव० ६३७,

आसकरण. पुं० (अश्वकर्ण) लवण समुद्रमा-
ना ५६ अंतर द्वीपमानो अश्वकर्ण नामतो
अश्व अंतर द्वीप लवण समुद्र के ५६ अंतर
द्वीप में का अश्वकर्ण नामक एक अंतर द्वीप.
Name of one of the 56 Antara
Dvipas (islands) in Lavana
Samudra (२) त्रि० ते द्वीपना रहे-
वासी उक्त अंतर द्वीप के निवासी मनुष्य.
a native of the above island.
ठा० ४, २, जीवा० ३, ३, पत्र० १,

आसग न० (आस्यक) मोटु, मुण. मुख;
मुह Mouth, face भग० १५, १;
नाया० १२, १४, सूय० २, २, ५६, दसा०
१, ३,

आसग पुं० (आस्यग) क्षीण फेन. Foam,
froth पत्र० २,

आसग्वीव. पुं० (अश्वग्वीव) लतक्षेत्रना
आलु अवसर्पिणीना पडेवा प्रतिवासुदेवना
नाम भरत क्षेत्र की वर्तमान अवसर्पिणी के
प्रथम प्रतिवासुदेव का नाम. The first
Prativāsudeva of the current
Avasarpinī (descending cycle)
of Bhadrataketia. प्रव० १२२७,

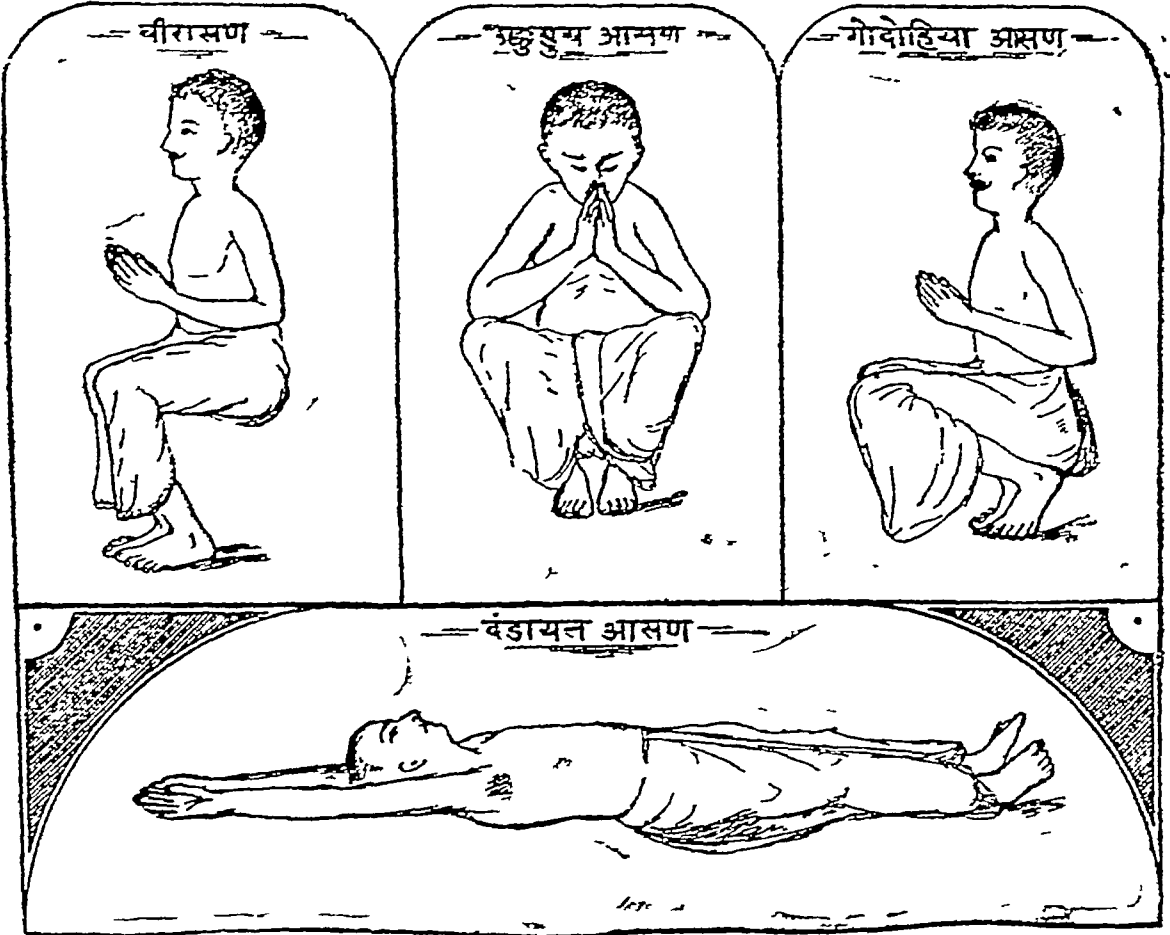
आसज्ज. न० (आसज्ज) क्रिया विशेष क्रिया
विशेष. A particular kind of
action. ओष० नि० २२६,

आसज्ज. सं० कृ० (आसाद्य) प्राप्त करीने;
भेदवीने प्राप्त करके; पाकर Having
got to, having acquired. विशे०
५२७; आया० १, ३, २, १११, पिं० नि०
१५८, प्रव० ८६६,

आसण न० (आसन) आसन, बैठक;
सिंहासन, लघासन, मयूरासन वगैरे, तप
भाटे आसन लगाकर ते गेभ वीरासण,
उच्छ्रियासण, दंडायत आसण इत्यादि
आसन, बैठक, सिंहासन, तपश्चर्या में साधुको
लगाने के आसन जैसे वीरामन, दंडायत
आसन इत्यादि (देखो चित्र) A
seat, an unnatural bodily
posture, e g Mayūrāsana
etc. adopted by a Sādhu
while practising penance (see
diagram). उत्त० १, २१; ३०, ७, ८;
उवा० २, ११३, राय० २३३, २८६, दस०
५, २, २८, ८, ५, १७, सू० प० २०, ओव०
नाया० १, २; ५, ८, १३, १४, १६; सम०
६, भग० २, ५, ५, ७, १७, ३, २५, ७;
सु० च० ३, ५५, ज० प० २, ३३, मूय०
१, १, ४, ११, १, ४, १, ४, आया० १,
६, ३, १२; २, ४, २, १३८, (२) आस-
न वाली भेसवु ते आसन लगाकर बैठना.
sitting in a particular bodily
posture प्रव० १५८१, —अणुपदाण.
न० (-अनुप्रदान) सत्कार करवाने आस-
ननु आमत्रण करवुं ते सत्कार करने के लिये
आसन का आमत्रण करना honouring
any one by inviting him to
a seat भग० १४, ३, ठा० ७, —अभि-
गह पु० (-अभिग्रह) आसन सयवी

अभिग्रह धारणु इवे। ते. आसन संबंधी
अभिग्रह धारण करना. taking a vow
in connection with seat. भग०

neighbouring; near. भग० १, ८;
ओव० नि० १०; दसा० २, ३, ४, ५;
—सिद्धिय. त्रि० (—सिद्धिक) तत्तमं



१४, ३, सम० ६१, ओव० २०; —स्थ.
त्रि० (—स्थ) उल्लङ्घ गोमोह वगेरे आसन
वाधीने रहेनार. उत्कट गोमोह आदि आसन
लगाकर बैठहुआ. (one) sitting or
remaining in a particular bodily
posture; e. g like that of
one milking a cow. आया० १, ८;
४, १८, प्रव० १२५;

आसणय पुं० (आसनक—आसनमेव आसनकः)
आसन. आसन. A seat; a bodily
posture. वेय० ५, ३२;

आसणय त्रि० (आसन्न) नजदीक; पासैनुं.
नजदीक का समीपका Adjacent,

सिद्ध थाय ओवे।; थोडा वषतमां सिद्धि
पामनार तुरंत सिद्ध होनेवाला, थोडे समय
में सिद्ध प्राप्त करने वाला. (one) who
is to acquire perfection imme-
diately. पंचा० ११, १५;

आसत्त पुं० (आसक्त) भूमिमां लागेव;
उपरथी नीचेना लाग साथे लागेव भूमि
में जुडा हुआ, ऊपर से नीचे के भाग के साथ
संयुक्त. Clung to the earth. atta-
ched to the upper as well as
the lower part राय० ५६; पञ्च० २;
ओव० काय० ३, ४१;

आसत्तमं अ० (आसत्तमम्) सात पेदी

पर्यंत सात पीढ़ी तक Up to the 7th generation नाया० १, १६; भग० ११, २०,

आसक्ति स्त्री० (आसक्ति) परिग्रह आदिमा गृद्धि परिग्रह आदि में आसक्ति Attachment to worldly possessions etc परह० १, ५,

आसक्तोत्सक्त त्रि० (आसक्तोत्सक्त) उपरना लागथी नीचेना लागने लागेला ऊपर के भाग से नीचे के भाग तक लगा हुआ Attached from the upper part to the lower part कर्ण० ३, ४१,

आसत्थ त्रि० (आसत्थ) आराम लीधेला आराम पाया हुआ, विश्रान्त Soothed, comforted, refreshed ओघ० नि० भा० ५५, नाया० १, २, ३, ८, ६, १६, १८, भग० ११, ११, १५, १, कर्ण० १, ५, विवा० ३, ६,

आसत्थ पु० न० (आसत्थ) पीपलो पीपल The holy fig-tree सम० प० २३३, —पत्त० न० (-पत्र) पीपलाना पान पीपल का पत्ता a leaf of the holy fig-tree निसी० १८, १६, —वच्च पु० (-वर्चस्) पीपलाना पादल, झलना क्याराने ढगलो। पीपल के पत्ते और फल के कचरे का ढेर a heap of the refuse of the leaves and fruits of the holy fig-tree निसी० ३, ७८,

✓ **आसद्** वा० I (आ+शद्) आधा डरवी, पीडा डरवी बाधा करना, पीडा करना To give pain, to afflict, to trouble.

आसादण दस० १, ६, १, ४, निसी० १३, १२,

आसाइजा आया० १, ५, ६, १६५, ठा० ४, उवा० ८, १४०, १४६,

१ 11/14.

आसन न० (आसन) जुओ " आसण " शब्द देखो " आसण " शब्द Vide " आसण " पञ्च० ११, दस० ७, २६;

आसन्न त्रि० (आसन्न) जुओ " आसण " शब्द देखो " आसण " शब्द. Vide " आसण " विशेष० ६२६, ओघ० नि० २६, पि० नि० २०६, १४६, प्रव० १३२, पचा० ३, ४७, सम० ३३, —भन्व पु० (-भन्व) तेज लवे अथवा भीगे वीगे लवे मोक्ष जनार जव, नजुड वपनमा मोक्ष जवा योग्य लव्यजव उर्मा ही भव म था दूसरे तसरे भव में मोक्ष जानेवाला जावेँ a soul which is to attain final bliss in very near future 1 e. in the same birth or the 2nd or 3rd प्रव० १२६०,

आसपुरा स्त्री० (आसपुरा) पद्मा विजयनी मुख्य नगरी पद्मा विजय की मुख्य नगरी The capital-city of Padma Vijaya ठा० २, ३, ५,

आसम पु० (आश्रम) आश्रम, तापस लोकेने रहेवानी जग्या. आश्रम, तपस्वी लोगो के रहने की जगह A hermitage (०) आ० आश्रम पैदा ओड आश्रम. चार आश्रमों में से एक आश्रम one of the four stages of life सु० च० ७, १८०, ठा० २, ४, उत्त० ६, ४२, ३०, १७, आया० १, ७, ६, २२२, मूय० २, २, १३, भग० ७, ७, ३, ७, ७, ६, परह० २, १, वेद्य० १, ६, पचा० ७, १५, —पय० न० (-पद) तापस लोकेना आश्रमने नामे ओडभातु भ्यान तापसी लोगो क आश्रम के नाम में प्रसिद्ध स्थान. a hermitage, a place of abode of a hermit कर्ण० ६, ११६ —भेद्य पु० (-भेद) अहा र्य, गृहस्थ जेरे आश्रमना

प्रश्न प्रवचन, गृहस्थ आदि आश्रमके भेद
the four different stages of
life distinguished as student's
life, householder's life etc
पंचा० १०, ५०;

आसमपय न० (आसमपद) ओ नामतु
ओड आग एक बान का नाम Name of
a garden. कान० ६, १५६;

आसमित्त पु० (अश्वमित्त) अश्वमित्राचार्य
नामना ओथा निन्हव डे नेणे दरेड पदार्थ
क्षणे क्षणे नाश पामे छे ओम स्थापन डरु-
अश्वमित्राचार्य नामक ओथा निन्हव जिसने
कि प्रत्येक पदार्थ प्रतिकूल नाश पाता है, ऐसा
मिद्धान्त स्थापन किया Name of the
fourth Nihava who establish-
ed the doctrine that every
thing perishes every moment.
श० ७, १.

आसमुह. पु० (अश्वमुख) लवण समुद्रमां
जल उपर जला विदिशामा रहेव अश्वमुख
नामने ओड अतर-द्वीप लवण समुद्र में
विदिशा में स्थित अश्वमुख नामक अंतर द्वीप
Name of an Antara Dvipa
(island) in a cardinal direc-
tion of Lavana Samudra श० ४,
२ (२) त्रि० ते द्वीपमा रहेनार मनुष्य
उक्त द्वीप में रहनेवाला मनुष्य a person
living in the above island
जीवा० ३, ३; पत्र० १;

आसय. न० (आस्यक) ओडुं; मुख, मुंह.
Mouth; face. वच० ६, ४१,
आया० २, २, १, १०६, जीवा० ३, १,

आसय पु० (आश्रय) आश्रय; स्थान,
भवन आलय, स्थान, मकान A house,
an abode, a place श० ३; (२)
अथवा योग्य जेवन करने योग्य a pro-

per resort, (anything) fit to
be resorted to. नाया० १०, (३)
आश्रय, आधार आश्रय, आवार sup-
port उत्त० २८, ६, परह० १, १, विशेष
१७५४;

आसय पु० (आशय) चित्तवृत्ति; परिणाम.
चित्तवृत्ति. आशय. A state of mind;
inclination of mind पचा० ७, २५;
१६, २५; —विचित्तया स्त्री० (—विचि-
त्रता) परिणामतुं विचित्रपणु, अलिप्राय
तुं विविधपणुं परिणाम की विचित्रता, अभि-
प्राय की विविधता varieties of
thought-activities; varieties
of thoughts. पंचा० १६, २५; —बुद्धि.
स्त्री० (—बुद्धि) परिणाम वृद्धि परिणाम
वृद्धि. increase in thought-activi-
ty, increase in sense-percep-
tions and their objects. पचा०
७, २५;

आसयमाण व० कृ० त्रि० (—आशयमान-
आशयत्) आशा डरतो. आशा करता हुआ.
(One) entertaining a hope.
निवा० १,

✓ आसर वा० II. (आ+सृ) सरड्युं;
असतु लावतुं सरकना, हलना To
move.

आसरेड प्रे० नाया० ३,

आसरुड पु० (अश्वरुड) घोड़ेदार घोडा
सवार A horseman ज० प० ३, ४८,

आसल. त्रि० (आशल) स्वाद लेना योग्य,
आवा योग्य स्वाद लेने योग्य. Worth
being relished or tasted जीवा०
३, ४; पत्र० १७;

आसव. पु० (आमव) दारु, मदीरा. मद्य;
शराब दारु, मदीरा, शराब. Wine;

intoxicating liquor पि० नि० ५४, ५३६, राय० १३३, २२४, पत्र० १७, उत्त० ७, ३८, १४, ओव० जीवा० ३, ३०८, —(वो) उदगा ली० (-उदका—आस-व इव चद्रहासादिपर उदकम् यासा ता आसवेदका) भीक्षु पण्डिता वाचः मीठे पानी की वावड़ी a well of fresh water जीवा० ३, राय०

आसव पु० (आश्रव) श्रुतिरूप तलावभा धर्मरूप पाण्डुने आवधानं गतानुं, धर्म आवधानं ६१२, मिथ्यात्व अविरति प्रमाद कषाय अने अशुभयोग ओ पापमानुं गमे ते ओ६. जीव-रूप तलाव मे कर्म-रूप पानी आने का रास्ता—द्वार, कर्म आने का द्वार, मिथ्यात्व, अविरति प्रमाद, कषाय और अशुभयोग इन पाचो मे का कोईभी एक A door, a sluice for the inflow of Karma, any of the five viz. Mithyātva, Avirati, Pramāda, Kāṣāya and Aśubhayoga ओव० १०, ३४, उत्त० १८, ५, २८, १८, ३८, २१, सम० १, नाया० ६, भग० २, ५, ५, ६, आया० १, ४, २, १३०; १, ८, ७, १०, ठा० १, २, २, १, पि० नि० ६३, पचा० ५, ४७, क० ग० १, १५, सूय० २, ५, १२. —निरोधभाव पु० (-निरोधभाव) आश्रवने निरोध करने के; धर्मना ६१२ने अशुभभाव ते आश्रव का निरोध करना, कर्म के द्वार को रोकना stopping the inflow of Karma, stopping the door of the inflow of Karma पचा० ५, ४७, —द्वार न० (-द्वार) आश्रव-पाप आवधाना ६१२, दरवाजा आश्रव-पाप आनेका—द्वार a gate through which Karma enters.

“ पंच आसव दारा प० त० मिच्छन्त अनि-रइ पमाया कसाया जोगा ” ठा० ५, २, सम्म० ५, भग० १, ६, ३, ३, —सत्ति त्रि० (-सक्तिन्-आश्रवा हिंसादयस्तेषु सक्तसंग आश्रवमक्त तद्विद्यते यत्स्य स आश्रवमक्ती) आश्रवने सग करने वाला (one) attached to practices like killing etc which cause an inflow of Karma आया० १, ५, ११८५,

आसवतर पु० (आश्रवतर) अतिशय आश्रव, धर्मनी धरु आवध. अतिशय आश्रव, कर्मों का बहुत आना Excessive inflow of Karma भग० १३, ८,

*आसवर पु० (अश्ववार) अस्वार, घोड़ेस्वार सवार. A horseman “ मह आसा आसवरा उमओपासि खाणा ” भग० ६, ३३,

आसवार पु० (अश्ववार-अश्व वारयतीति) अस्वार, अश्वारोही, घोड़े को रोकने वाला, घुडसवार A horseman सु० च० १०, ४३;

आससा ली० (आशमा) इच्छा-आकांक्षा, अशा आकांक्षा, आशा, चाह Desire, hope, wish “ तहेव णिनेसुय आस साण ” उत्त० १२, १२, विशेष० १५१६,

आससेण पु० (अश्वनेन) क्षत्रीना गजानु नाम काशी के राजा का नाम Name of a king of Benāres कण्ठ० ६, १५०, (२) यत्तु अवसर्पिणीना येथा यत्तु तेना पिता वर्तमान अवसर्पिणी काल क चोये चक्रवर्ती का पिता name of the father of the fourth Chakravarti of the present Avasarpini. सम० प० २३८, (३) २३ भा तीर्थ-कर पार्थनाथना पितापु नाम. २३ हे

तीर्थकर पार्श्वनाथ के पिता का नाम. name of the father of Pārśvanātha the 23rd Tirthankara. सम० प० २३०;

आसा स्त्री० (आशा) आशा; ४२७, अभिलाषा, आडाक्षा आशा, अभिलाषा. आकांक्षा Hope: desire, wish. निर्मा० ११, २८ जं० प० २, २२, लडु० ओव० २१, उत्त० १२, ७, ३२, २७. सम० ६. दम० ६, ३, ६, (२) भोगनी आडाक्षा भोग की आकांक्षा. desire of enjoyments. आया० १, २, ४, ८४;

आसाअ-यै पु० (अस्वाद) स्वाद, रस. स्वाद, रस. Taste; relish जीवा० ३, ३. जं० प० २, २२; आया० १, ५, ३, १५५, नाया० ७, १७, पत्र० १७, दस० ५, १, ७८,

आसाइय त्रि० (आसादित) प्राप्त थयेन प्राप्त Got, acquired. नाया० १२, उवा० ३, १४०;

आसाढ पु० (आषाढ) अषाढ महिने आषाढ मास The month of Āsādhā, “ आषाढ पुर्णिमाएण उक्कोसपण ” भग० ११, ११, १८, १०, ओष० नि० २८३, उत्त० २६, १३, सम० १८, २६; जं० प० २, ३०; ७, १५१; पचा० ६, ३४, (२) तृण विशेष. तृण विशेष. a kind of grass भग० २१, ६; (३) आपाटाचार्य नामना त्रिज्ज निन्दव डे नेले दरेड वरुणु अव्यक्त संदिग्ध छे, डोनामा साधुना छे अने डोनामा नहि तेना निश्चय आपण्णे डी शङ्कीअे नहि भाडे डोछने पगे लागवु नहि ओम स्थापन डरु आपाटाचार्य नामक एक निन्हव जिन्होने यह मत्र स्थापित किया कि प्रत्येक वस्तु अव्यक्त-मदिरव है, जैसे किममे साधुता है और किममें नहीं इसका

निश्चय मनुष्य नहो कर सकता अत किमीको साधु समझकर प्रणामादि नहीं करना, name of a religious preceptor who was the 3rd Nīnhava and who established the uncertainty of our knowledge and the consequent futility of saluting an ascetic. ठा० ७, १, विशेष० ३३०१;

(ढा)—**आयरिय** पुं० (-आचार्य) आपाढ नामना त्रिज्ज निन्दव आचार्य आपाढ नामक तीसरे निन्हव आचार्य. the third Nīnhava preceptor so named ओव० —**पाडिवया** स्त्री० (-प्रतिपदा) शास्त्रीय श्रावण वद १ पडेवा शास्त्रीय श्रावण कृष्ण प्रतिपदा. the first day of the dark half of the month of Śrāvan according to scriptures अ० ४; —**पुरिणमा** स्त्री० (-पूर्णिमा) अषाढ सुदि पुनम, असाड महिनानी पूर्णिमा आषाढ मास की पूर्णिमा. the full-moon-day of the bright half of the month of Āsādhā.

भग० ११, ११; —**बहुल** पु० न० (-बहुल) आपाढ मासने कृष्णपक्ष आषाढ मास का कृष्ण पक्ष the dark-half of the month of Āsādhā कप्प० ७, २०६; —**सुद्ध** पु० (-शुक्ल) आपाढ मासने शुक्ल पक्ष आषाढ मास का शुक्ल पक्ष the bright-half of the month of Āsādhā. कप्प० १, २,

आसाढभूइ पु० (आषाढभूति) ओओ “ असाडभूइ ” शब्द. देखो “ असाडभूइ ” शब्द. Vide “ असाडभूइ ” पि० नि० ४१४,

आसाढा स्त्री० (आषाढ) ओ नामनु नक्षत्र; धृतिपाटा अने उत्तराषाढा इस नाम क

नक्षत्र, पूर्वाषाढा और उत्तराषाढा Name of the constellations Pūrvāśādhā and Uttaraśādhā. “ दो आमादा ” ठा० २, ज० प० ७, १५१,

आसादी स्त्री० (आषाढी) आषाढ मासनी पूर्णिमा आषाढ मास की पूर्णिमा The full-moon-day of the month of Āsādhā ज० प० ७, १६१, — पाडिचअ पु० (-प्रतिपत्) शास्त्रीय श्रावण वद ऐकम अने लौकिक आषाढ वद ऐकम शास्त्रीय श्रावण कृष्ण प्रतिपदा और लौकिक आषाढ कृष्ण प्रतिपदा the first day of the dark half of Śrāvaṇa according to scriptures and the first day of the dark half of Āsādhā according to mere calculation निसी० १६, १३;

आसादण न० (आसादन) भेजवतु, ग्रहण करतु प्राप्त करना, ग्रहण करना Getting, obtaining, taking नाया० ६,

आसादणता स्त्री० (आशातना) अविनय, आशातना अविनय; अपमान Inevidence; immodesty. भग० १८, ७,

आसादिय त्रि० (आसादित) प्राप्त करेला प्राप्त किया हुआ Got or acquired “ इमे वणखडे आसादिण ” भग० १५, १,

आसायण न० (आस्वादन) आस्वादन, रस लेवेला ते आस्वादन, रस लेना, चखना Tasting, relishing “ थोवमासायण-ट्ठाण हत्थगमि-दळाहिमे ” दस० ५, १, ७८,

आसायण न० (आसादन) ग्रहण करतु, भेजवतु ग्रहण करना, प्राप्त करना Getting, acquiring नाया० ६,

आसायणा स्त्री० (आशातना) आशातना, विनय भर्थादानु उद्वेगवन आशातना, विनय सूर्यादा का उल्लंघन, गुरु के प्रति किया जाने

योग्य विनय मे न्यूनता करना Inevidence to a preceptor etc आउ० २६, दसा० २, २, ३ ३४, निसी० १३, १०, दस० ६, १, २, ६, उत्त० ३१, २०, सम० ३३, आव० ३, १, पचा० ६, ४८, प्रव० ८, — परिहार पु० (-परिहार) आशातनातो परिहार त्याग आशातना का परिहार-त्याग. giving up or abandonment of Āśātanaṇa प्रव० ६८५,

आसायणिज्ज त्रि० (आस्वादनीय) स्वाद लेवा योग्य, आभवा योग्य स्वाद लेने योग्य, चखने योग्य Worth being tasted or relished ज० प० पञ्च० १७, नाया० १२,

आसालय न० (आशालक) जेना उपर मुद्रशक्य डे भेसीने आराम लक्ष शक्य तेतु अेद आसन ऐसा आमन जिसपर मो सके या बैठकर आराम किया जासके A seat on which one can sleep or sit comfortably. “ आमदी पलियंकेसु ” “ मचमासालणसु वा ” दस० ६, ५४;

आसातिया स्त्री० (आशातिका) अे जतने अेक सर्प डे जे पदर कर्मभूमिमा चक्रवर्तिनी सेना नीचे पृथ्वीमा समुच्छिन्नपणे अत-मुहूर्तने आदिभे उत्पन्न थाय छे, तेना शरीरनी उत्कृष्टी १२ जेजतनी अयगाहना होय छे ० चक्रवर्तिनी सेनातो विनाश थयानो होय छे ० त्याज्ज तेनी उत्पत्ति थाय छे अने आभा सेनातो तेथी अतर्मुहूर्तमा नाश थाय छे अेउले ते सर्प माटी आभ जय छे तेथी १२ जेजतने आडे पडता तेमा सेना फटणु पडणु थय नाश फामे छे. इय जाति का एक सर्प जोकि पद्म कर्मभूमि मे चक्रवर्ति की सेना के नीचे पृथ्वी में समुच्छिन्न रूप में (अ गट् रीति मे) अन्तर्मुहूर्त की आयुष्य

धारण कर उत्पन्न होता है. इसके शरीर की उत्कृष्ट अवगाहना १२ योजन की होती है. जब चक्रवर्ती की सेना का विनाश होने वाला होता है तभी इसकी उत्पत्ति होती है और इसके कारण सम्पूर्ण सेना का अन्तमुहूर्त में नाश हो जाता है. क्योंकि वह १२ योजन मिश्र खा जाता है जिससे उतनी भूमि में बहुत बड़ा खड्डा पड़ जाता है जिसमें सेना गिरपड़कर नाश को प्राप्त होजाती है A kind of serpent born in the 15 Karma Bhūmis It is born underground and has a life of one Antarmuhūrta Its bulk extends over 12 Yojanas or 96 miles It is born under the ground occupied by the army of a Chakravartī of the above Karma Bhūmis, when that army is fated to perish. It devours the earth filling the area of 96 miles and the army is swallowed up by the pit thus caused and is destroyed " मेकितं आसालिया ? कहिणं भंते ! आसालिया समुट्ठंति " जौवा० १, पन्न० १;

आसाविणी. स्त्री० (आआविणी) छिद्रवाली नावा, जेभा पाणि आवे ऐवी नाव छिद्रवाली नावा, जिसमें पानी आवे ऐसी नाव. A boat or a ship with a leak in it. " जहा आसाविणि नाव जाड अधो दुरुहिवा " मू० १, ११, ३०:

आनास पुं० (आनास) आश्वसन आश्वसन Taking rest removal of fatigue. आंघ० नि० ७३, पन्न० २, १, (२) विश्रामन स्थान; आ३ वेवानी

०८५१ विश्राम का स्थान. a resting-place ठा० ४, ३,

आसासण पु० (अश्वसन) अश्वसन नाम तो अ६ अश्वसन नामक ग्रह. A planet so named ठा० २, ३;

आसासण्या. स्त्री० (आश्वमना) आशीर्वाद. Blessing, words of blessings भग० १२, ५,

आसासिय. त्रि० (आश्वसित) आश्वसन आपेक्ष. विश्राम दीधेक्ष. आश्वसन दिया हुआ विश्राम लिया हुआ (One) who has rested himself, (one) who has removed his fatigue नाया० १, भग० ६, ३३;

आसि स्त्री० (आशिम्) दाढ़. दाढ़ A jaw. पन्न० १; प्रव० १५१६,

आसि-सी स्त्री० (आसीत्) अस धातुना भूत धातुं रूप लतो-ती-तु. अस धातु के भूतकाल का रूप, था-था-थे. He-she-it was सु० च० १, १२५-३, ११५; विशेष० १२६१, पि० नि० १६१ नाया० ६; ११, १४; भग० २, १, ३, १; सूय० १, ६, २, २, ६ १. उवा० ६, १६७; पंचा० १६, १०,

आसित्त त्रि० (आसित्त) थोड़ा थोड़ा छिड़काव थोड़ा थोड़ा थोड़ा नाचा हुआ छिड़काव किया हुआ Sprinkled slightly. पन्न० २, ३, नाया० १ जौवा० ३, ४, आंघ० २६

आसिन्निआ स्त्री० (आसिन्निआ) अक्ष आघ पदार्थ एक खाद्य पदार्थ. Name of an article of food " विमादादि आसि-नियाआं भोज्जा कज माधेनि " मू० प० १०;

आसिद्धि अ० (आसिद्धि) सिद्धिपदार्थ सिद्धि पदेन्त. Up to, as far as Sid

dhahood, up to the attainment of final goal भक्त० ७१,

आसिय - त्रि० (आश्रित) आश्रय पामेक्ष
आश्रय प्राप्त Resorted to, resting
on, dependent on ठा० ६,

आसिय त्रि० (आसिक्त) लुओ "आसित्त"
शब्द देखो 'आसित्त' शब्द Vide
"आसित्त" दसा० १०, १, राय० १८०,
नैया० ३, ८; १६, भग० ६, ३३,

आसियावाय पु० (आशीर्वाद) आशीर्वाद,
आशीर्ष वचन आशीर्वाद, आशीर्वचन.
Blessings, words of blessings.
सूय० १, १४, १६;

आसिल, पुं० (आसील) ओ नामना ओके
अन्य तीर्थी प्राचीन ऋषि इस नाम के एक
अन्य वर्मानुगायी ऋषि Name of a
non-Jaina ascetic. सूय० १, ३, ४, ३.

आसी. स्त्री० (आशी-आशिस्) सर्पनी
दाढ सर्प की दाढ A jaw of a ser-
pent, a serpent's fang ठा० ४,
—विस पु० (-विष) नेनी दाढमा ओर
रहेछु छे तेवो सर्प जिसकी दाढ मे विष है
वह सर्प a serpent (with venom
in the fangs) विशेष० ७८०; भग० ८,
१, दस० ६, १, ५, परह० २, १, उत्त० ६,
६३, तडु० दसा० ६, ३२ जीवा० १, (२)
सीतोदा नदीने पश्चिम किनारे शंख विजय-
नी पश्चिम सरहद परतो वज्जरा पर्वत
सीतोदा नदी के पश्चिम किनारे शंख विजय
की पश्चिम सीमा प्रान्त पर का बखारा पर्वत
name of a Vakhārā mountain
on the western boundary of
Śankha Vijaya on the western
bank of the river Sītodā ठा०
८, १, ज० ५०

आसीण त्रि० (आसीन) ओइल, आश्रय
करेख वेठा हुआ. आश्रय किया हुआ Sat;
seated, resorted to. आया० १, ८,
७, १७, परह० २, १,

आसीविसत्त. न० (आशीविषत्व) धृष्ट
अनिष्ट करवानु सामर्थ्य. इष्ट अनिष्ट करने
का सामर्थ्य Power of bringing
about good or evil भग० १५, १;
ठा० ५,

आसीविसत्ता. स्त्री० (आशीर्विषता)
आशीर्विषपत्तु, अति डेरी सर्पने लाव
आशीर्विषता, अति जहरीले सर्प का भाव.
State of being a highly veno-
mous serpent भग० १६, १;

आसीविसभावणा. स्त्री० (आशीविष
भावना) आसी विषत्व धृष्टानिष्ट करवाना
सामर्थ्य संधी हुईजत नेमा अतावेख छे
तेनु अगयाख ओके कालिक सूत्र-के ने चौद-
वर्ष उपराती दीक्षा-प्रवर्णयावादाने वाच-
वा देवानो अत्रिद्वार छे. ते सूत्र उभला
विद्यमान नथी, विच्छेद थछ गयेख छे.
जिस में आशी विषत्व-इष्टानिष्ट करने के
सामर्थ्य का वर्णन है, ऐसा एक अंगो सं
पृथक कालिक सूत्र, जिसे कि चौदह वर्ष
से अधिक समय के दीक्षित सावु को पढ़ने
का अधिकार है यह सूत्र वर्तमान में विद्य-
मान नहीं है इसका विच्छेद हो गया है.
Name of an Anga Bāhya
Kālīka Sūtra dealing with
the power of bringing about
good or evil (by austerities)
It is permitted to be read
after 14 years of asceticism
The Sūtra is lost and not
extant in these days वव० १०,
३३, ३६,

आसीविसा. स्त्री० (आशीविषा) सीतोदा महानदीने जमले डांडे आवेदी आशीविषा नामनी नगरी. सीतोदा महानदी के दाहिने किनारे पर की आशीविषा नाम की नगरी. Name of a town on the right bank of the great river Sitodā ठ० २, ३;

आसु अ० (आशु) जल्दी; शीघ्र; अेडदम शांघ्र; तुरत, जल्दी. Quickly, at once सू० १, ४, १, २७, दस० ८, ४८;

आसुकार त्रि० (आशुकार-करण-कार - अचित्तोकरण, आशु-शीघ्रं कार आशु कार) जेथी तत्काल मरलु निपले ते, मरलुनो अवसर लावनार सर्पदंश विसूयिडा जगेरे शीघ्र-तत्काल-मार डालने वाला, सर्पदंश, विशाचिका आदि Producing, causing death quickly or instantaneously, e g serpent-bite आउ० ६,

आसुचर. त्रि० (आशुचर) शीघ्र आलनार जल्दी जल्दी चलने वाला. Walking fast; moving fast. विशेष० २४२८;

आसुपन्न. त्रि० (आशुप्रज्ञ-आशु शीघ्र कार्या-कार्येषु प्रवृत्तिनिवृत्तिरूपा प्रज्ञा मतिर्यस्य स आशुप्रज्ञ) तीव्र बुद्धिवाला; उत्पातकी बुद्धिमान् तीव्र बुद्धिवाला, उत्पातकी बुद्धिमान् Quick-witted, sharp-witted आया० १, ७, १, २००; सू० १, १४, ४,

आसुर न० (आसुर) आसुरी लावना; जेथी असुरयोनिमा थवा योग्य दुर्म अधाय तेवी लावना आसुरी भावना, ऐसी भावना जिनमे आसुर योनि मे उत्पन्न होना पड़े ऐसे कर्मों का बबन हो Meditation which causes, birth among demons or as a demon ठ० ४, ४; (२) असुर संबंधी लावनपति अने व्यतर सगंधा असुरसंबंधी, भवनपति और

व्यन्तर संबंधी pertaining to gods of the infernal world, like Bhavanapatis and Vyantara gods. सू० १, १, ३, १६; उक्त० ३, ३, ८, १४; प्रब० ८५६;

आसुरता. स्त्री० (आसुरता) आसुर पक्ष. आसुरी भाव, असुराई. State of being a demon; devilry ठ० ४;

आसुरत्त त्रि० (आशुरक्त) कोधथी लाल-येल थयेल जो क्रोध से लाल हो गया हो वह Red-hot with anger. निर० १, १, नाया० १, ७, ८, ६; १६, दस० ८, २५, उवा० २, ६५;

आसुरत्त न० (आसुरत्व) आसुरी लावना; असुरदेवतामा उत्पन्न थपुं पडे तेवी लावना आसुरी भावना, असुरदेवों मे जिस भावना से उत्पन्न होना पड़े वह भावना. A meditation which causes birth among infernal gods; devilish meditation. उक्त० ३६, २५४;

आसुरा स्त्री० (आसुरी-असुरा भवनपति-देवविशेषास्तेषामियमासुरी) जेनाथी असुर योनिमा उत्पन्न थवाथ जेवी लावना जिससे असुर योनि मे उत्पन्न होना पड़े ऐसी भावना A meditation which causes birth among infernal beings. “ चउहिं ठाणेहिं आसुरताए कम्म पकरेती ” ठ० ४;

आसुरिय. त्रि० (आसुरिक) असुरसम्बन्धी. असुरसंबन्धी Pertaining to infernal beings. “ आसुरिय दिसं बाला गच्छति अवसातमं ” उक्त० ७, १०, दसा० १०, ७, (२) (असुराणां चरदकोपेन चरतीति आसुरिक) पूर्वभवमा तीव्र कोध दुःखाथी असुरभावे उत्पन्न थना. पूर्वभव मे तात्र काध करने से असुर रूपसे

उत्पन्न होनेवाला born as an infernal being on account of habit of sharp anger in previous birth आउ०

आसुरिय न० (आसुर्य) असुरपण्डु असुर पन, असुराई State of being a denizen of the infernal world, devilish दसा० १०, ७;

आसुरी स्त्री० (आसुरी) असुरपण्डु उपज्ज्वा येग्य लावना, साधु धर्मे दुष्ट आदरे, सकाम तप करे, निमित्त प्रकाशे, निर्दयपण्डु करे ते जियमे असुर योनी में उत्पन्न होना पडे एसी भावना, साधु हांकर झगडा करना, सकाम तप करना, निमित्त प्रकाशित करना, और निर्दयता रखना आदि Meditation or activity which causes birth as a devil; e g. quarrelling, practising austerity with desire of fruit, acting cruelly, interpreting omens etc प्रव० ६४८,

आसुरहृत् त्रि० (आशुहृत्—आशु ग्रीष्म रुष्टः क्रोधन विमोहिता य स) जल्दी क्रोधायमान थनार शांतिसे कोविट हानवाला. (One) getting quickly exasperated विवा० २, ६, भग० ३, १, २, ७ ६; १५, १, नाया० २, १६, ज० प० ३, ४५, .

आसुहर्म न० (आसौधर्म) साधर्म देवलोड सुधी सोधर्म देवलोक तक. Up to, as far as, the heavenly world called Sudharma क० ग० ५, ७२,

आसुद्धम न० (आसूद्धम) आसूद्धम सपराय—मिथ्यात्व-गुणुद्धाणुथी भाडीने दशमा सूद्धम सपराय गुणुद्धाणु सुधी आसूद्धमसप-

राय-मिथ्यात्व गुणस्थान से लेकर दसवे सूद्धमसपराय गुणस्थानतक State beginning with the Gnanasthāna named Mithyātva (i. e. first) and ending with that named Sūksmasamparāya (i. e. 10th). क० ग० ४, ६३,

आसूणि न० (आसूनि) धृतपानादिके अक्षिष्ट औषध-के जेथी भाणुस अलवान् थाय घृत पानादिक बलकारी औषधि जिससे कि मनुष्य बलवान् हो A tonic remedy e g taking ghee etc by which one becomes strong सूय० १, ६, १५,

आसूय न० (*) डोष्ट देवने मानता माननामा अ वेछे ते किमा देव की मानता मानना Vowing to propitiate a god in case a certain desired thing comes to pass पि० नि० ४०५,

✓ **आसेव वा० I** (आ+सेव) सेवन करु सेवन करना To practise, to adopt, to take to

आसेविउ हे० क० नाया० १७,

आसेवित्ता म० क० आया० १, ३, २, ११४,

आसेवमाण व० क० नाया० १७,

आसेवण न० (आसेवन) सेवतु ते सेवन करना Resorting to, taking to, waiting upon पचा० ७, ३१,

आसेवणा स्त्री० (आसेवना) मयममा-अतिथार-दोष लगावना ते मयम म अनि-चार-दोष लगाना Partial violation of ascetic vows प्रव० ७३२, (२)

• लुओ पृ १२५२ १५ नी पृ १२५० () देखो पृष्ठ नंबर १५ का फुटनोट () Vide footnote () page 15th

स्वतन्त्र अनुष्ठान करने के लिये सूत्र का अनुष्ठान करना. studying, following the precepts of, Sūtras [सूय० नि० १, १४, १३१; (३) आरोपण करने—आरोपण करने, आरोप करना adding to, charging with. सम० २८, —कुशील. पुं० (-कुशील) संयमभा-अतिचार लगाववाली कुशील यथेष्ट संयम में अतिचार लगाने से जो कुशील हुआ हो वह. one who has become lacking in right conduct on account of partial violation of ascetic restraint प्रव० ७३२,

आसेवालोय-अ. पु० (आसेवालोचक) पुन, पुन पापकारी प्रायश्चित्त लेनेवाला (साधु). बारंबार पाप कर के प्रायश्चित्त लेनेवाला साधु (An ascetic) frequently incurring sin and frequently performing expiation. विशेष० ८६८, आसेविय त्रि० (आसेवित) आ-थोडुं सेवित-सेवेत्, थोडा स्वाद लीधेव-यापेव. कुछ स्वाद लिया हुआ-चखा हुआ, कुछ सेवन किया हुआ. Slightly resorted to, slightly tasted. आया० १, १, १६ नाया० ८,

आसोअ पु० (अश्वयुज) आसोभास आश्विन मास The month of Āśvina सम० ३६, ज० प० ओष० नि० २८३, भग० ११, ११, १८, १०; कल्प० २, ३०, ६, १८४,

आसोई. त्री० (आश्वयुजी—अश्वयुगशिवनी-तम्या भवाऽश्वयुजी) आगे सुदि पुनम आश्विन सुदी १५ पूर्णिमा The full-moon-day of the month of Āśvina ज० प० ७, १६१,

आसोण पुं० न० (आशोक—अशोकस्येदमा-

शोकम्) अशोक वृक्ष पुष्प अशोक वृक्ष का फूल. A flower of the Āśoka tree नाया० ८,

आसोइठ. पुं० (अश्वत्थ) पीपलो, पीपलानु ३३. पीपल का फल. The holy fig-tree आया० २, १, ८, ४५,

आसोत्थ. पुं० (अश्वत्थ) लुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above. पत्र० १;

✓ आ-स्सय. धा० I (आ+श्रि) आश्रय करने आश्रय करना To rest upon, to resort to.

आसयइ दसा० ६, २७;

आसयति भग० १३, ६;

आसयन्ति. नाया० १७, जं० प० १, ६, १२;

आसय्यहि नाया० ध०

आसयह. राय० २५७;

आसयंत विशेष० ३२२;

✓ आ-स्सय. धा० I (आ+स्वद्) स्वाद लेना. स्वाद लेना. To taste, to relish (२) अलिङ्गना करने. अभिलाषा करना to desire.

आसयइ सम० ३०,

✓ आ-स्सस. धा० II (आ+श्चप्) थक उतारवाने विश्रानि लेनी यकावट उतारने के लिये विश्रानि लेना To take rest in order to remove fatigue

आसासेइ- नाया० १६,

आसासंति नाया० ६,

आसासि भू० “ एवमात्मासि अप्पाणं ” उत्त० २, ४१;

✓ आ-स्साद धा० I, II (आ+स्वद्) आस्वाद करने स्वाद लेना, चखना To taste, to relish (२) इच्छा करने चाहना, इच्छा करना to wish;

to desire (३) प्राप्त करवुं प्राप्त करना to acquire: to gain

आसाएति. उक्त० २६, ३३; ठा० २, २;

नाया० ६, १२, १६, १८, विवा० ७,

अस्ताएति पञ्च० १५;

आसादेइ नाया० १२,

आसादेन्ति भग० १५, १;

आसायन्ति पञ्च० २८,

आसाएमि नाया० ६;

आसाएमो नाया० १८;

आसाएहि आया० १, ५, ३, १५५;

आसादेस्सामो. भग० १५, १,

अस्तादेस्सामो भग० १५, १,

आसादेत्ता सं० कृ० ठा० ७,

आसाहत्ता सं० कृ० नाया० ६,

आसित्ता आया० २, १, ३, १४;

आसाएमाण. नाया० १,

आस्तादिय त्रि० (आसादित) लुओ

“ आसादिय ” शब्द देखो “ आस्तादिय ”

शब्द. Vide “ आसादिय ” भग० १५, १,

आस्तायणिज्ज. त्रि० (आस्तादनीय) स्वाद

लेना. योग्य स्वाद लेने योग्य Worth

being tasted: दसा० १०, ५;

आस्ताविणी. स्त्री० (आस्ताविणी) जलने

संग्रह करनेवाली, जेमा पाणी यादुआ आवे ते

(नावा) जिस में पानी आता हो वह नाव,

जल का संग्रह करनेवाली. (A ship)

having a leak in it. उक्त० २३, ७०,

आहच्च. अ० (आहत्य) कदाचित्, कदाचित्

कदाचित्. Perhaps उक्त० १, ११,

“ आहच्च सवणं लद्धं ” ३, ६, वेय० ४,

११, आया० १, १, ४, ३७, २, १, १, १,

भग० १, २; ७, ६, १०, ७, ६, १८, ७,

वव० २, २३, ४, १०, ११,

आहच्च. अ० (आहत्य) लावीने, आणीने

लाकर Having brought. आया० १;

७, २, २०४; २, १, १, १,

आहद्ध सं० कृ० अ० (आहत्य) स्वीकार

करने. स्वीकार करके Having accept-

ed आया० १, २, ४, ८४, (२) लावीने,

आणीने. लाकर having brought.

आया० ६, ७, २, २०२, सम० २१, निर्मी०

३, ५, ११, ८, १४, १५, ४१, १७, २८;

१८, २, १६, १, दसा० २, ७;

आहड. अ० (आहत) आणेतु, लावेतुं

लाया हुआ Brought, carried. दस०

५, १, ५५, ६, ४६, ओघ० नि० भा० २३६,

राय० २७४, पणह० २, ५, पचा० १, ५४,

आहडिया स्त्री० (*आहृतिका) पहाडथी

आवेनी लाणी बाहिरसे आई हुई लाहिन,

परोसना Food received from out-

side as a present वेय० १, ४४,

२, १६,

आहत- त्रि० (आहत)-ओठ ठेकाणुथी भीने

ठेकाणे आणेतुं एक स्थान से दूसरे स्थान में

लाया हुआ Brought or carried

from one place to another.

प्रव० ८५६,-

आहत्तहिअ न० (यथातथ्य) यथातथ्य,

जैसा तेनु जैसे का तैसा, जैसा चाहिये

वैसा Real, actual condition.

सम० २३, (२) यथार्थ उपदेशनु स्वरूप;

सत्य, वास्तविक स्वरूप यथार्थ उपदेश का

स्वरूप; सत्य; वास्तविक स्वरूप truth,

real nature, e g of religious

teaching सूय० १, १३, १, (३)

सूयगणगता १३ भा अध्यायनु नाम के

जेमा यथार्थ उपदेशनु स्वरूप यथातथ्य

छे सूयगण के १३ वें अध्याय का नाम

जिस में कि यथार्थ उपदेश के स्वरूप का

वर्णन है the 13th chapter of

Sūyagadāṅga in which the real nature of religious teaching is shown. सूय० १, १३, २३, आहमन्त व० कृ० त्रि० (आधमन्) धमते, धमायु धमते धौकता हुआ, धम्मन धौकता हुआ. Blowing. blowing a furnace with bellows राय० ८, ८ आहम्मिअयय न० (अवार्मिकपद) अधा- मि३ प८ धर्म वि३६ प८. अवार्मिक पद धर्म विरुद्ध पद. An unreligious step दय० ८, ३१.

आहय त्रि० (आहता) दुष्टेष्टु मारा हुआ Killed (२) वगाड्यु वन्दवेयु पाटा हुआ, बजाया हुआ. played upon beaten e. g. a musical instrument ओव० ३२, पञ्च० २. पगह० १, ३; उवा० ७, २००, विवा० १, कप्य० ३, ४०० ४३ (३) दोल दोल. a drum. आया० २, ११, १७ (३) प्रेरणा डरेल प्रेरित inspired, hinted at, moved राय०

आहया स्त्री० (आहता) दुदुलि दुंदुभी. A kind of large kettle-drum, a drum भग० १५, १;

✓ आहार. वा० I, II (आ+ह) आकुं- न्वात्. To eat (२) अड्यु डर्यु, स्वीक- र्यु ग्रहण करना to take. to accept (३) आल्यु, आव्यु. लाना to bring आहारिङ-ति प्रे० निर्मा० ४, १७. ठा० २, २; नाया० २ ८; ६ १४ १६; १८, भग० १, १, ३, २, ७, १. अत० ३, ८, राय० २४०;

आहरेट् ओव० ४०,

आहार-रे-ति भग० ६, १०; ७ ३, ८, ५ १८ ६ १६, ६; १८. ३ १६ ३; नाया० ८ पञ्च० १५

आहारेसि नाया० १६;

आहारेमि पञ्च० ११;

आहारेमो नाया० १८,

आहारिज्जा वि० उत्त० २, ३१,

आहारेज्ज-ज्जा मूय० १, १, २, २८; भग० ६, ५ २० ६,

आहारे दस० ५, १, २७,

✓ आ-हर वा० I, II (आ+ह) ओड्यु डर्यु डकठा करना To collect आहुणिय म० कृ० नाया० ६, ज० प० ३, ५५; राय० २६,

आहार आजा० निर्मा० ९, ५

आहारेहि आजा० नाया० १६;

आहारहि उत्त० २. ३१, भग० १५, १; मूय० १, ४, २, ४,

आहारेह आजा० नाया० १५, १६, १८,

आहारेत्तए हे० कृ० नाया० १६,

आहारित्तए ओव० ३८, वेय० १, १६, कप्य० ६, ४३, भग० १, ७, ३, १; नाया० १६,

आहारेत्तए नाया० १८;

आहारेत्ता स्- कृ० नाया० ४, ६, १६,

आहारिता भग० २०, ६,

आहारेमाण् व० कृ० नाया० १; भग० ११, ११, २५, ७, वेय० ५, ६, दसा० ३, १६, १६;

आहारमाण् क० वा० व० कृ० ओव० १६; भग० ७, १,

आहारंत दस० ५, १. २८,

आहारिज्जमाण्. क० वा० व० कृ० भग० १, १. ठा० १०,

आहारिज्जमाण् ठा० १,

आहारण न० (आभरण) वगेयु, दागीनो, आभरण. गहना. आभूषण An orna- ment ओव० २८ मु० च० १, ३१८. प्रव० १०३१, —विद्धि पु० (-विधि)

धरेषु अनावया तथा ष्ठेरवानो विधि-रीति
आभरण वनाने तथा पहनने का विधि
the art or process of making or
fashioning ornaments and also
of putting them on प्रव० १२३४

आहरण न० (उदाहरण—उदाहियते प्रात्र
ल्येन गृह्यतेऽनेन दार्ढ्यान्तिकोऽर्थ इत्युदाहर-
णम्) दृष्टात्, उदाहरण दृष्टात्, उदाहरण
An illustration. पि० नि० ६२६,
ठा० ४, ३, —तद्देस. पुं० (-तद्देश)
अेकदेशी दृष्टात् एकदेशी दृष्टान्त--एक अण
मे घटित होनेवाला दृष्टान्त a one-
sided illustration i e one not
fully applicable ठा० ४, ३,
—तद्दोस पु० (-तद्दोष) सद्दोष दृष्टात्
सदोष दृष्टान्त faulty illustration
“ आहरणत्तदोसे चउविहे परण्णते तज्जहा
अधम्म जुते ” ठा० ४, ३.

आहवण पु० (आह्वान) ओलावणु बुलाना
Calling, inviting सु० च० ३, ११६
पंचा० २, १२,

आहव्य त्रि० (आभाव्य) क्षेत्र, शिष्य, भ्रात,
पाणी, वस्त्र, पात्र वगैरे क्षेत्र, शिष्य, भ्रात,
पानी, वस्त्र, पात्र आदि Such things
as, a field, food, water, clothes,
vessels etc, also a disciple etc
पंचा० ११, २६,

आहव्यशी सी० (आथर्वशी) तात्कालिक
अनर्थ डरनाथ अेक विद्या तात्कालिक अनर्थ
करनेवाली एक विद्या An art (enab-
ling a person) to work instan-
taneous disaster or mischief
सुय० २, २, २७;

आहव्याय. न० (यथावाद) विच्छेद गयेस
आरमा दृष्टिवाद अगता भीम विभाग सूत्र-
ना १० भेद विच्छेद हो चुके हुए बार-
हवे दृष्टिवाद अग के दूसरे विभाग-सूत्र का
१० वॉ भेद The 10th section of
the 2nd part of the lost 12th
Dristivāda Anga नदी० ५६,

आहाकड त्रि० (आधाकृत) आस साधुने
माटे निपण्तवेस आहारि खास साधुके
लिये बनाया हुआ आहारादि (Food
etc) prepared specially for a
Sādhu सुय० १ १०, ६; परह० २, ३,
आहाकम्म न० (आधाकर्मन्) आधाकर्म-
आहार वगैरे आधाकर्म आहार वगैरे
Food etc specially prepared
for an ascetic उत्त० ३, ३, पि० नि०
६२, १०७, सम० २१ भग० १, ६, ५, ६;
७, ८, पचा० १३, ५, प्रव० २७१, दमा०
२, ४, ५, ६, निसी० १०, ६,

आहाकम्म न० () पोताना जेवा कर्म
लेय ते प्रमाणे. स्वकृत कर्मातुसार अपने
क्रिये हुए कर्म के अनुसार In accord-
ance with one's own Karma.
उत्त० ५, १३,

आहाकम्मिय त्रि० (आधाकर्मिक) साधुना
माटे अनावेस आहार साधु के लिये तैयार
किया हुआ आहार Food prepared
specially for an ascetic नाया०
१, संग० ६, ३३, ओव०

आहाच्छन्द त्रि० (यथाच्छन्द) पोतानी मच्छ
मुज्ज्य वर्तनर, अवेच्छायागी अपनी इच्छा
अनुसार बनाव करनेवाला, स्वच्छन्दी Self-
willed तिर० ३, ४,

आहातच न० (याथातथ्य) ने वस्तु नेवी
 डेय तेरीज डडेवी ते, यथार्थ, सत्य जों
 वस्तु जैसी चाहिये वैसी ही होना, उचित-
 ठाँक ठीकपना. Reality, truth. दसा०
 ५, २०,

आहातहिअ न० (याथातथ्य) याथातथ्य-
 सत्य बात नेमां प्रतिपादन करी छे ते सूय-
 गडाग सूत्रना १३ भा अभ्ययननु नाम
 सूयगडाग सूत्र के १३वे अव्ययन का नाम
 जिसमें यथार्थ बात का प्रतिपादन किया है
 Name of the 13th chapter of
 Sūyagadānga in which abso-
 lute truth is explained सम०
 १६०;

आहाय. सं० कृ० अ० (आघाय) भुझीने,
 डरीने. छोड़कर, करके Having done,
 having placed. पि० नि० १७४, १८०,

आहार पु० (आघार) आधार; आश्रय,
 अवलम्बन, टेढ़ा. आधार, आश्रय; अवल-
 म्बन; सहारा. Support, anything
 which supports. “ दोषहं गढभत्थाणं
 आहारे पं० तं० मणुस्साणं चैव ” ठा० २,
 विशेष० ७१६, १४०६, राय० २१०; नाया०
 १, ५, ७; १२, १४, भग० १८, २, अणुजो०
 १२६; उवा० १, ५,

आहार. पु० (आहार) आधार-भोराड, भो-
 जन, आनपान आहार; भोजन. Food,
 eating, eating and drinking
 पञ्च० १, ३, २८, ३६, ओव० १६; ३८,
 विशेष० ४, नाया० १, ४, ५, ७, १६, १८,
 दस० ६, ४७, निमी० १०, ५, ५१, जीवा०
 १, उत्त० ३०, १३, भग० १, १, ७, २, १,
 ७, १; १६, ३, २५, ७, सम० १, उवा० १,
 ५१, जं० प० २, २२, प्रव० ६३८, पंचा०
 १, २६, कप्प० ४, ६५; क० गं० २, १३,
 ३, ७, —अपज्जति. त्रि० (—अपयांसि.)

आहारनी अपयांसि, आहार लेवानी शक्ति
 पुरी न थाय ते आहारकी अपयांसि, आहार
 लेनेकी पूरी शक्ति का अभाव imper-
 fectly developed power of assu-
 milating food भग० ६, ४; —अव-
 क्कंति स्त्री० (—अपक्कंति) आहारनो त्याग.
 आहार का त्याग giving up, aban-
 donment, of food कप्प० १, २,
 —उवच्चिय. त्रि० (—उपचित) आहारथी
 उपयित-पुष्ट. आहार से पुष्ट. plump
 with food. भग० १६, २, ८, —कं-
 खिय त्रि० (—कांक्षिक) आहारनी भूखा
 डाक्षा वाला आहार की इच्छा वाला. (one)
 desirous of food. वव० १, १,
 —गम पु० (—गम) आहारनो गमे-
 आहार संजधी डडीकत अतावनार सूत्र-पाठ
 आहार सबन्धी वर्णन करनेवाला सूत्र-पाठ.
 a Sūtra-text dealing with in-
 structions about food. भग० २, १;
 —गुत्त. त्रि० (—गुत्त) थोडा आहार डर-
 नार, आहार परतवे भन वयन अने डायते
 पापथी गोपवी राखनार किंचित् आहार
 करनेवाला, आहार के सम्बन्ध में मन, वचन
 और कायको पाप से पृथक रखनेवाला.
 (one) taking limited amount
 of food, self-restrained in the
 matter of food. प्रव० ६४६,
 —गोयर पु० (—गोचर) आहारनो विषय
 वस्तु आहारकी वस्तु an article of
 food पचा० ५, ३, —छग न० (—पट्क)
 आहारक शरीर, आहारक अ गोपांग, देव-
 तानु आयुष्य, नरकनी गति, नरकनु आयुष्य
 अने नरकनुपूवी ओ छ प्रकृति आहारक
 शरीर, आहारक अंगोपांग, देवताका आयुष्य,
 नरक की गति, नरक का आयुष्य और नरका-
 नुपूर्वी ये छ. प्रकृतिया. the six Pra-

kr̥tis, (Karmic natures) viz *Āhāraka Śārīra*, *Āhāraka Angopāṅga*, *Devatāyus*, *Narakaḡati*, *Narakāyus*, and *Narakaṇupūrvī*. क० ग० ३, १५, —जाइ. स्त्री० (-जाति) आहारना प्रकार, जुदी जुदी जतना पोरि-कनो ज्यो- आहार के भेद, भिन्न भिन्न प्रकार के भोजन का समूह varieties of food, collection of foods of various kinds पचा० ५, २६, —जाय न० (-जात) जुओ उपयो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above पचा० १, २६, —जुगल न० (-युगल) आहारक शरीर अने आहारक अंगोपाग ओ ओ प्रकृति आहारक शरीर और आहारक अंगोपाग ये दो प्रकृतिया the two Prakritis viz *Āhāraka Śārīra* and *Āhāraka Angopāṅga* क० ग० ३, १७, —(s)ट्टि त्रि० (-अर्थिन्) भोजनने अर्थी भोजन का अर्थी (one) desirous of, asking for, food भग० १, १, —तिथ्यर पु० (-तीर्थकर) आहारक शरीर अने तीर्थकरनाम ओ ओ प्रकृति आहारक शरीर और तीर्थकरनाम ये दो प्रकृतिया the two Prakritis viz *Āhāraka Śārīra* and *Tīthan karanāma* “ उक्कोसा सखेजा-गुणहीण आहारतित्यरे ” क० प० १, ७८, —(s)त्थि त्रि० (-अर्थिन्) अहारने अर्थी-आहारना आहारका अर्थी, आहार चाहने वाला (one) who desires, wants, food. नाया० ४, —द्ववर्गणा स्त्री० (-द्वयवर्गणा) आहारक शरीरमा उपयोगी थाय तेवा पुद्गलनो समुह. आहारक शरीरमें उपयोगी होमके ऐसे पुद्गलो का समुह the

material molecules which go to build up the *Āhāraka* body भग० १, १, —दु. न० (-द्वि) जुओ “ आहार-जुगल ” शब्द देखो “ आहार-जुगल ” शब्द vide “ आहार-जुगल ” क० ग० ३, ३, —दुग न० (-द्विक) जुओ “ आहार-जुगल ” शब्द देखो “ आहार-जुगल ” शब्द vide “ आहार-जुगल ” क० प० १, ७३, क० ग० २, ३, ३, १६, —पञ्चक्खाण न० (-प्रत्याख्यान) आहार-पान पाननो त्याग, उपवास सथारे वगेरे. आहार-खान पान का त्याग, उपवास, सथारा आदि. giving up food, drink etc ; a fast “ आहारपञ्चक्खाणेण भते जीवे किं जणयइ ” उक्त० २६, ३५, —पज्जत्ति. स्त्री० (-पर्याप्ति) जे शक्तिथी आहार लभने शरीर रूपे परिणाम पमाशी शक्य ते शक्तिनी पूर्णता जिस शक्ति से आहार ग्रहण कर उसका शरीर रूप परिणाम उत्पन्न किया जा सके उस शक्तिकी पूर्णता. the perfect development of the power of assimilating food into the physical body. भग० ३, १, ६, ४, प्रव० १३३१, —पोसह. पु० (-पोषण) अेक अहारान सुधी यारे आहारनो त्याग करेवो ते एक अहोरात्र तक चारो प्रकार के आहार का त्याग करना. giving up food of every kind for the space of a day and a night पचा० १०, १४, —(s)भवहार पु० (-अभ्यवहार) आहार (भोजन) करेवो, आवु ते आहार (भोजन) करना; खाना taking food, eating विशेष० २२१, —भाव पु० (-भाव) आहारने लाव आहार का भाव state of being food. भग० १८, १, —माइय त्रि०

(-आदिक) आर जतना आहार, आहार
 आदि. चार प्रकार का आहार. food etc,
 food of four kinds viz solid,
 liquid etc. दस० ८, २८. —वक्त्रंति.
 स्त्री० (-व्युत्क्रांति) आहारने छोड़ी देवे-
 लगेवा ते आहार का त्याग करना. giving
 up food नाया० ८; —संपज्जण. न०
 (-संपत्ति) आहारनी संपत्-रसने उत्पन्न
 डरनार, भीडु; लवण आहार के रस को
 उत्पन्न करनेवाला; नमक salt, (so
 called because it imparts taste
 to food) “आहार सपज्जण वज्जणेण”
 सूय० १, ७, १२, —सण्णा स्त्री० (-सज्ञा).
 आहार लेनी सज्ञा-छिन्ना आहार लेनेकी
 सज्ञा-इच्छा desire of taking food.
 “चउहिं ढाणेहिं आहारसण्णा समुपपज्जइ”
 ठा० ४, ४; पन्न० ८, भग० ७, ८, १२, ५;
 २०, ७, २४, १; —सण्णोवउत्त त्रि०
 (-संजोपयुक्त) आहारनी सज्ञावाला
 आहारकी सज्ञावाला (one) having
 a desire of taking food
 भग० ११ १, १३, १; २६, १, —सज्ञा
 स्त्री० (-सज्ञा) चार सज्ञामानी ओड,
 भावानी वासना चार सज्ञाओ मे से
 एक: खाने की वासना. one of the four
 Sañjñās or animate feelings,
 viz desire for food आव० ४, ७,
 —समुद्घाय पुं० (-समुद्घात) आहार
 शरीर अनावधानी व भते अवप्रदेशनु उद्गारि
 शरीरथी आहार नीडावयुं अने, प्रकृत प्रकृतिनु
 भागवटो डरी निर्जरा ते. आहारक शरीर
 बनांत समय जांव प्रदेशो का औदारिक शरीर
 से बाहिर निकालना और प्रकृत कर्म प्रकृतियों
 का उपभोग करके फिर उनकी निर्जरा करना
 emanation of soul particles
 from the physical body at the

time of the creation of the
 Āhārika body, and the decay
 of Karmic matter after its
 results have been endured by
 the soul सम० ६;

आहारइत्तार त्रि० (आहर्तृ) आहार डर-
 नार भानार आहार करनेवाला, खानेवाला.

(One) who eats सम० ६;

आहारओ अ० (आहारतस्) भोराड आ-
 श्रीने भोजन का आश्रय करके From
 food on account of food “आहा-
 रओ पचकवज्जणेण” सूय० १, ७, १२;

आहारग न० (आहारक-चतुर्दशपूर्वविदाऽऽ-
 ण्हियते गृह्यते इत्याहारकम्) आहारक शरीर
 पाच शरीरमानु त्रीलुं शरीर. आहारक
 शरीर: पाच शरीर मे का तोमरा शरीर
 The 3rd of the 5 kinds of body,
 प्रव० ६४, ७००, क० गं० १, ३३, भग०
 ८, ६, (२) त्रि० आहार डरनार, आन
 पान वगेरे डरनार. आहार करनेवाला, खान-
 पान करनेवाला. (one) who eats
 आया० १, १, ५, ४६, भग० ६, ४, ८, २,
 (३) आहारक शरीरनी लब्धिवाला साधु
 आहारक शरीर की लब्धिवाला साधु an
 ascetic who has got the power
 of evolving the Āhārika Śa-
 rīra प्रव० ८१७, (४) आहारक समु-
 द्घात, आहारक शरीरमा आत्माना प्रदेश
 विस्तारवा ते आहारक समुद्घात-अर्थात्
 आहारक शरीर मे आत्मा के प्रदेशो का
 विस्तार करना Āhārika Samud-
 ghāta i. e. emanation of soul-
 particles into the tiny body
 known as Āhārika Śarīra
 प्रव० १३२६; —अंगोपांगणाम न०
 (-अंगोपाङ्गनाम) नामडर्मेनी ओड प्रकृति

के जेना उत्पत्ती आधारक शरीरना अंगोपांग प्राप्त थाय नाम कर्म का एक प्रकृति कि जिमके उदय में आहारक शरीर के अंगोपांग प्राप्त हो a variety of Nāmakaṁma by the maturing of which the Āhārika body develops limbs and sub-limbs क० ग० १, ३४, — जुगल न० (-युगल) आधारक शरीर अने आधारक अंगोपांग ओ ओ नामकर्मनी प्रकृतिनी जेस आहारक शरीर और आहारक अंगोपांग, ये नाम कर्म की दो प्रकृतियों का जोड़ा the pair of the two varieties of Nāmakaṁma by the use of which one gets Āhārika Śarīra and Āhārika Angopāṅga. क० ग० १, ३५, — नाम न० (-नामन्) जेना उत्पत्ती आधारक शरीर भजे जेवी नाम कर्मनी ओस प्रकृति जिमके उदय से आहारक शरीर प्राप्त हो वेसी नाम कर्म की एक प्रकृति a variety of Nāmakaṁma by the use of which one gets the Āhārika Śarīra क० ग० ४, ५८, — दुग न० (-द्विक) जुओ 'आहारग जुगल' शब्द देखो 'आहारग जुगल' शब्द vide 'आहारग जुगल' क० ग० ४ ५८, — मीसग पु० (-मिश्रक) जुओ 'आहारगमीसा' शब्द देखो 'आहारगमीसा' शब्द vide 'आहारगमीसा' भग० २१, १० — मीसा स्त्री० (-मिश्रा = मिश्र) आधारक मिश्रयोग, आधारक शरीर अनावनी वषते के छोटती वषते उदारिक आदि शरीरनी साथे मिश्रण थाय ते वयतनो योग-शास्त्रिक व्यापार आहारक मिश्र योग, आहारक शरीर बनाते या छाँडते समय औदारिक आदि शरीर के साथ मिश्रण हो

इस समय का योग-शारीरिक व्यापार the process of the Āhārika body being mixed with the physical body at the time of the formation of the former body or its dispersion भग० ८, १, २५, १, — लद्धि स्त्री० (-लब्धि) आधारक शरीर अनावनी लब्धि-शक्ति आहारक शरीर बनाने की लब्धि-शक्ति the power of making an Āhārika body प्रव० ८१७, — वर्गणा स्त्री० (-वर्गणा) आधारक शरीरनी रचनामा उपयोगी थाय तेवा पुद्गल नो जेथे आहारक शरीर की रचना में उपयोगी हो ऐसे पुद्गलों का समूह the molecules of matter which go to build up the Āhārika body क० ग० १, १६, — वज्जिय त्रि० (-वर्जित) आधारक समुदात शिवायनु-आहारक समुदात के अतिरिक्त excepting or excluding Āhārika Samudghāta प्रव० १३२६, — समुदाय पु० (-समुदात) आधारक शरीर अनावना भाटे आत्माना प्रदेश शरीरथी अहार डाढवा ते आहारक शरीर बनाने के लिये आत्मा के प्रदेश शरीर से बाहिर निकालना emanation of the soul-particles from the body in order to create the Āhārika body अ० ७, भग० १३, ६

आहारगसरीर न० (आहारकशरीर) आधारक शरीर आहारक शरीर Āhārika body भग० ६, ४ ८, — १, — कायणयोग पु० (-कायप्रयोग) आधारक शरीर रचीते ते शरीरथी प्रवृत्ति करी ते आधारक शरीरनी व्यापार आहा-

रक शरीर की रचना करके उसी शरीर से प्रवृत्ति करना, आहारक शरीर का व्यापार creating an *Āhāraka* body and acting with it भग० ८, १,
—सरीरि त्रि० (-शरीरिन्) आहारक शरीरवाला (७५) आहारक शरीरवाला जीव (a soul) with an *Āhāraka* body. ठा० ६, १, जीवा० १०;
—एषओगबंध पु० (-प्रयोगबन्ध) आहारक शरीरनी रचना करवी ते आहारक शरीर की रचना करना. creating an *Āhāraka* body भग० ८, ६,

आहारगसरीरत्ता स्त्री० (आहारकशरीरत्ता) आहारक शरीरपालु आहारक शरीर पन. State of being an *Āhāraka* body भग० २५, २,

आहारण न० (उदाहरण) दृष्टात दृष्टात An illustration. विशेष० २३५; १०७७.

आहारत्ता स्त्री० (आहारता) आहारने लाय आहार का भाव State of being food भग० १८, ७,

आहारपरिणामा. स्त्री० (आहारपरिज्ञा) मृगयडाग सूत्रना श्रील श्रुतस्त्वना श्रील अध्ययननु नाम के जेभा सर्व श्रुतीनी उत्पत्ति देवी गीते थाय अने आहार देवी गीते ल्येछे तेनु वर्णन छे मृगयडाग सूत्र के दूसरे-श्रुतस्कंध के नामरे अत्र्याय का नाम जिसमें कि सर्व जीवा की उत्पत्ति किस प्रकार होती है और वे किस प्रकार आहार ग्रहण करते हैं उसका वर्णन है Name of the third chapter of the second Śāntaskandha of Sūyagadāṅga Sūtra dealing with the creation of sentient beings and then modes of taking food मृग० २ ३ ३८ मम० २३ ठा० ७

आहारभूय. त्रि० (आधारभूत) आधार भूत आधार भूत. Forming a support नाया० १;

आहारय. न० (आहारक) ५ शरीरमानु ओड शरीर के जे १४ पूर्वधारी लब्धि-वाला साधु अनावी शडे डोछ पातना संदेहुनु निवारण करवाने ते साधु ओड आहारक शरीरनु पुतलु अनावी महाविदेहमा डेवली पाये मोडले छे ते पाछु आवता तेने सकेली लेछे ते पाच शरीरो में का एक शरीर जिसे कि चौदह पर्व धारी लब्धिवाला साधु, बना सकता है उक्त शक्ति संपन्न साधु को जब कोई संदेह उत्पन्न होता है तब उस मदेह का निवारण करने के लिये इस शरीर की वह रचना करता है और उसे महाविदेह में केवली के पास भेजता है और उसके पीछे आजाने पर फिर अपने शरीर में मिला लेता है. One of the five bodies which can be created by a saint read in 14 Pūrvas With this body which is tiny he can go to Mahāvīdeha and get his doubts solved by Keralis It can afterwards be dispersed. पञ्च० १२; भग० १, ७ ६, ३, ७, १, १८, १ २१, १, ६, विशेष० ३७४ मम० १० २१६ क० ग० १ ३७,

आहारवंत पु० (अवधारणावत) जे धावे ते छे तेवे जा धावे वंही कहे ऐसा One who says what he has retained in mind or remembered ठा० ८ १० भग० २४ ७,

आहारगित्त त्रि० (आहारित) आहार अटल श्रेष्ठ आहार ग्रहण किया हुआ (One) who has taken food तदु०

आहारगित्तार त्रि० (आहारगित्त) आहार

इतना२ आहार ग्रहण करनेवाला (One)
who takes food (२) अर्द्ध
इतना२ ग्रहण करनेवाला (one) who
takes दमा० ३ १६.

आहारिम त्रि० (आहार्य) पाणी साथे
उतारवा योग्य आद्य-आप-यू-युगे
पानी के साथ खाने योग्य, औषधि, चूर्ण
वगैरह (anything e g food,
medicine, powder etc) to be
swallowed with water पि० नि०
५०२;

आहारिय त्रि० (आहारित) लुओ
“ आहारित ” शब्द देखो “ आहारिन ”
शब्द. Vide “ आहारित ” नाया० २,
५ १६, १८, १६, भग० १५, १ सूय० ०
६, ३५

आहारिय अ० (यथाऽऽर्यम्) आर्यने वदे
तेवी रीते, जेथी आर्य पणु प्राप्ता थाय तेवी
रीते जिससे आर्यत्व प्राप्त हो, इस प्रकार
In a manner worthy of a civi-
lised person आया० २ ३ १, ११६,

आहारिस्समाण त्रि० (आहारिष्यमाण-
आहारिष्यत्) भविष्य कालमें आहार करने
वाला (One) who is to take food in
future going to take food in
future भग० १ १,

आहारुहेसअ पु० (आहारोद्देशक)
“ पन्नवणा ” मन्त्रना प्रथम उद्देशानु नाम
“ पन्नवणा ” सूत्र के प्रथम उद्देश का नाम
Name of the first chapter of
Pannavannā Sūtra भग० १ १.

आहारित्तार त्रि० (आहर्तृ) आहार करनेवाला (One) who takes
food मम० ३०

आहारेयव्व त्रि० (आहर्तव्य) आहार
करने लायक
Worthy of being eaten डा० ३.

आहालंदिअ पु० (यथालन्दिक) उत्कृष्ट
आचार पालनेवाला एक प्रकार का जैन माव
A class of Jaina saints with
excellent ascetic conduct चउ०
३३

आहावणा स्त्री० (आभावना) धारणा,
सङ्कल्प, उद्देश. धारणा, सकल्प, उद्देश्य
Thought, keeping, retention,
of things in the mind पि० नि०
३६१,

आहासिय पु० (आभासिक) ओ नामने
ओइ अन्तर्द्वीप इस नाम का एक अन्तर्द्वीप
Name of an Antara Dvīpa
(island) (२) त्रि० तेमा वसना
मनुष्य उक्त द्वीप में बसनेवाला मनुष्य
an inhabitant of the above
island पञ्च० १.

आहिअ त्रि० (आहृत) आदरणी अर्द्ध
इतना२ आदर से ग्रहण किया हुआ Res-
pectfully accepted ज० प० २,
१८, विशेष० ३६३

आहिअग्नि पु० (आहिताग्नि) अग्निने
स्थापन इतना२ आर्द्ध अग्निहोत्री
अग्नि की स्थापना करनेवाला ब्राह्मण, अग्नि-
होत्री A Brāhmana consecrat-
ing or preserving the sacred
domestic fire दम० ६, ३, १, ११

✓ **आहिंड** वा० I (आ+हिण्ड्) इतना२
भमवु मुसाइगी इतनी लटकवु फिरना,
भटकना, यात्रा करना To walk, to
roam, to travel
आहिंड, नाया० १

आहिङ्गसि. नाया० ८;

आहिङ्गह. नाया० ८, १७;

आहिङ्गेहि. आ० नाया० ८;

आहिङ्गेह. नाया० १४;

आहिङ्गिङ्ग सथा० ७६;

आहिङ्गमाण. नाया० १, विवा० ३

आहिङ्ग पु० (आहिङ्गक) भ्रमणशील, मुसाफिर भ्रमणशील, मुसाफिर. (One) who wanders; a traveller. ओघ० नि० ११५,

आहिङ्ग पुं० (आहिङ्गक) लुओ उपलो शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above. " उवाएस अणुवएसा दुविहा आहिङ्गा समासेण " ओव० वव०

आहिङ्गिङ्ग त्रि० (आहिङ्गित) भेजा हुआ Sent, despatched. पि० नि० ४२७,

आहिङ्ग. न० (आधिक्य) अधिकपणु; विशेष पणु अधिकता विशेषता. Excess, state of being more विशेष ००८७

आहिङ्गराणिया. स्त्री० (आधिकरणिकी) हथ, औजार, यंत्र, वगैरे अधिकतर भेदव्यापी लागती क्रिया हल, ऊखल, खड्ग आदि से होती हुई क्रिया, ऐसा अधिकरण जिसमें आत्मा दुर्गति में जाय Operations of agricultural tools which lead a soul to spiritual degradation ठा० २, १

आहिङ्गा म० क० अ० (आधाय) ध्यान देने लक्ष में लेकर Having paid attention to having taken into consideration पि० नि० ६७

आहिङ्ग त्रि० (आख्यात) उल्लेख; प्रतिपादन उल्लेख कहा हुआ प्रतिपादन किया हुआ Told and, described ठा० २४

१: २८, ४; ३३; ३०, १३; २४, सूय० १, १, १; ७, ८, जे० प० २, १८,

आहिङ्ग त्रि० (आहूत) धरेल; आगल भुकेल रखा हुआ; आगे रखा हुआ. Kept; placed before सूय० नि० १, १०, १०६.

आहिङ्ग विसेसत्त. न० (आहितविशेषत्व) सत्य वचनको ओझ अतीशय-अद्भुत शक्ति मत्त वचन का एक अतिशय-अद्भुत शक्ति A super-natural manifestation of truthfulness in speech सम०

आहुअ-य. त्रि० (आहूत) ओलावेला बुलाया हुआ. Called, invoked सु० च० १, २८०;

आहुङ्ग. स्त्री० (आहुति) अग्निभा घी, तल, लव वगैरे होमना ते अग्नि में घी, तिल, जव वगैरह का होम करना Offering oblation consisting of ghee, barley etc to fire पि० नि० ४४०,

✓आ-हुण धा० I (आ+धू) धपु हिलना. कपना To shake

आहुणिज्जमाण. क० वा० व० क० नाया० ६.

आहुणिज्ज. त्रि० (आह्वानीय) आह्वान इत्या योय. होमना योय हवन करने योग्य Worthy of being invoked or offered as oblation. ओव० नाया० १

आहुणिय पु० (आधुनिक) ८८ ग्रहमानी ५ मो ग्रह ८८ ग्रहों में का ५ वा ग्रह The 5th of the 88 planets " दो आहुणिया " ठा० २, ३ ज० प० ३, ५१ म० प० २०;

आहेड हे० क० अ० (आवातुम) धारण इत्याने धारण करने के लिये In order to place or retain सूय० १, ६, ४

आहेण न० (आह्वान) विवाह थाय पथी वगैरे न्या इत्याने तेहु इती नभाउ ते. विवाह

होजाने के पश्चात् वर के यहाँ कन्या को बुलाकर जिमाना-भोजन कराना An invitation to the bride to dine at the bridegroom's house after marriage आया० २, १, ४, २२,
आहेय त्रि० (आधेय) आधारभा रहेवा योग्य वस्तु आधार में रहने योग्य वस्तु (Anything) contained or fit to be contained in another thing. विशेष० ६२४, १४००
आहेरी स्त्री० (आभीरी) आहिरी; अरवा-जु, गोवाजु अहीरनी, ग्वालिनी An Ahīra or shepherd's woman विशेष० १४५४
आहेवच्च न० (आधिपत्य) अधिपतिपणु, नायकपणु, स्वाभीपणु अधिपतित्व, नायकपन, स्वामित्व Ownership, lordship, leadership ओव० ३२ सम० ७८

निर० ५, १ विवा० ७, नाया० १ ३; ५, १८ नाया० ४० पन्न० २, जीवा० ३, ४ भग० ३, ८ १३, ६, १८, २, १०, ज० ५० ५, ११५० ठा० ६, काप० २, १३
आहेवण न० (आक्षेपण) शहरेने घेरे धालवे-थापो भारवे ते नगर पर आक्रमण कर घेरा डालना Besieging a town, invading a town पण० १, २
आहोइअ त्रि० (आभोगिक) जानने ओइ प्रकार जान का प्रकार A variety of knowledge “आहोइएण साण-दम-णेण अप्पणोणिस्समण कालंआभोएइ, आभोइत्ता” काप० ५, १०६,
आहोहिय-अ पु० (आधोऽवधिक) नियमित क्षेत्रभा रहेना अवधिज्ञान नियमित क्षेत्र में रहनेवाला अवविज्ञान Avadhiyāna limited to a particular area भग० १, ४, ७, ७ १८, १८,

इ.

√इ वा० I (इण्) गतु, गति इप्पी जाना, गति करना. To go, to move इति सु० च० ३, १२,
 इतु पि० नि० ४४७
 इत्तण् हे० कृ० कप्प० ९, २८,
 इत व० कृ० भग० १४, ३, पि० नि० २६२
 इज्जत. व० कृ० दम० ६, २, ४
इ अ० (इ) पाठपूरण वाक्यालंकार An expletive, a word marking the close of a remark or sentence (२)
 सभासि इति के अर्थ में, समाप्ति में thus

in this way पन्न० १७, नाया० १, ८ १४ वव० १, ५,
इअ त्रि० (इत) प्राप्त थयेल, स्थित रहेल प्राप्त स्थित Acquired, got, remaining steady विशेष० ३५१, दमा० ६, ३१, (२) गयेल गया हुआ gone, departed “ममिय उदाहु” सय० १, ६, ४,
इअर त्रि० (इतर) भीणु, अपर दूसरा, अन्य Another, else क० ग० १, ३७ ४, ३, —**तुल्ल** त्रि० (तुल्य) भीणु जेणु, अन्य सणु औरोकासा like

another; resembling another.

क० प० ५, ६४;

इअरहा न० (इतरथा) अन्यथा. अन्यथा.

In another way; otherwise. क०

ग० १, ६०;

इइ. अ० (इति) ऐम; ऐवी रीते इस प्रकार;

इस तरह. In that way or manner.

उत्त० २, २६; सम० ३३. दस० ८, २:

(२) रूप प्रदर्शनः इति निर्देश इरी अता-

वतु. कुछ निर्देश करके बनाना रूप प्रदर्शन.

a word used to point out any-

thing. भग० १, १ १. ७, ओव० नाया०

१; क० प० ५, ११ पंचा० ६, ८:

इइहास. पु० (इतिहास—इतिह पारम्पर्यो-

पदेश आस्तेऽस्मिन्) पुराण. इतिहास.

पुराण. इतिहास History; narration

of past events. ओव० (२) पुरपनी

७२ इक्षामानी ओइ इक्ष पुरुष की ७२ कला-

ओमे की एक कला. one of the 72

accomplishments of a man

वप० १, ६; ओव०

इओ. अ० (इतः) अदिथी, आनन्मथी

यहा से. इस जन्म से From this

place; from this birth or state

of existence ' इओ चनेपु दुहमदु

दुगं ' मय० १, १० आया० १, १ १,

३. ओव० ३८. विवा० १० पगह० १ १,

पि० नि० २२३ नाया० १ ७ ८ १३.

भग० १५, १. २०, ६.

इंग्विगिया खा० (-) निन्दा निन्दा

Censure or slander " अदुडखि-

गिया उपाविया ' मय० १ २ ३ २

इंग्विगि खा० (इंग्विगि) निन्दा निन्दा

Censure; slander " अह मेयकरी

अनेसि इंग्विगि " मय० १, २, २, १.

इंगाल. पु० (अङ्गार) अंगारे इक्षसे

धुवाडा रहित अग्नि अगारा; धुआ रहित

अग्नि A burning charcoal fire

free from smoke. ओव० ३८. उत्त०

३६. १०६; ठा० ५ ३. मय० १ ५, १

७. जं० प० ७, १७०; दम० ५ १, ९; ८,

८; अणुत्त० ३, १; पि० नि० ५४६; जावा०

१; ३. पञ्च० १: नाया० १, भग० ३, २

५. २. १०, ५ १५, १ आया० २, १०.

१६६. उवा० १, ८१. पचा० १३, ४८

(२) इक्षामानी भाइइ सयभने इक्षो इ-

ना-ओइ प्रक्षरने आहारने दोष. कोयले

के समान संयम को काला करनेवाला एक

प्रकार का आहार का दोष. a fault

connected with food, tarnishing

self-restraint or asceticism like

coal पि० नि० १; (३) अंगार नामने ओ-

अदु अगार नाम का एक ग्रह a planet

of this name भग० १० ५

—उवय त्रि० (-उपम) अगार के दो

देवता के दो अगारे के समान ज्वलंत; अगार

के सदृश ईर्ष्यामान होने से देव समान

(anything) like burning

charcoal; red-hot ठा० ४ ४

—कडिणी. खा० (-कर्षणी) इक्षामानी

बडिमाथी इक्षामानी दोहाने मदीओ कोयले

का भट्टा स से निकालने का लोहे का सरिण

an iron rod to take out coal

from an oven or kiln भग० १६ १.

—कम्म न० (-कर्मन्) इक्षामानी अतावता

अने वेयकने व्यापार कायला बनाने आंग

बेचने का व्यापार. business of pie
paining and trading in coal
भग० ८, ५, उवा० १, ५१, —कारिया.
स्त्री० (कारिका-अगारान् करोतीत्यङ्कार-
कारिका) अगड़ी सिगड़ी. a portable
grate or fire-basket “इंगालका-
रिण्ण भंते अगणिकाण् केवडय काल संचि-
ट्ठइ” भग० १६, १, —दाह पु०
(-दाह-अङ्गारान् दहतीत्यङ्कार दाहः)
अगारा पाडवानी जग्या अगारा करने की
जगह a place where fuel is
converted into coal निसी० ३, ७५,
—सगडिया स्त्री० (-शकटिका) अंगार
पाडवानी सगड़ी अगारा दहकाने की
सिगड़ी. a portable grate in which
fuel is converted into burning
charcoal भग० २, १, —सोलिलय
त्रि० (-शूल्य) अगारा डिप पडावेले
अगारों पर पकाया हुआ cooked,
baked upon burning charcoal
“इंगालसोलिलय मिव कंदुसोलिलयमिव”
भग० ११, ६,

इंगालत्र पु० (अङ्गारक) ओ नामने ओइ
अड भगल इस नाम का एक ग्रह, मङ्गल
The planet Mars भग० २०,
भग० ३, ७,

इंगालग पु० (अङ्गारक) भगल अड मंगल
नाम का ग्रह The planet Mars
ठा० २, ३,

इंगालभूय त्रि० (अङ्गारभूत) डायला-अगा-
गनी सभान अगारे के मामान (Any-
thing) like a burning charcoal
भग० ३, १ ४ ६, ७, ६, ज० प० २,
३६

इंगालवर्डिसय पु० (अङ्गारावतसक)
अगाउड नामे अडना विमाननु नाम अंग-

रक नाम के ग्रहका विमान Name of
the heavenly abode of a planet
named Angārika भग० १०, ५;
इंगिय-य न० (इङ्गित) मनोभाव. जग्या-
ववानी निशानी, धसारे, आभ प्रगेरेनी
साक्षिप्राय येषा मनो भाव, सकेत, इषारा
Internal thought, significant
gesture of the eye etc. “इगिया
गार सपणे” उक्त० १, २, ३२, १४, आंव०
३३, दस० ६, ३, १ पि० नि० ४७८,
विशे० ६, ३३, भग० ६, ३३, नाया० १-
ज० प० ३, ५३, —आगार पु०
(-आकार) मनोभाव जग्याववानी
निशानी मनोभाव प्रगट करने का चिन्ह.
इषारा internal thought a signi-
ficant gesture उक्त० १, २
—आगारसंपरण त्रि० (आकारसपन्न)
धगित अने आकार जग्याववानी सपत्तिवाले
इगित और आकार जानने की सपत्तिवाला
one who has the power of
knowing internal thoughts
and out-ward gestures indicat-
ing them “इगियागारसपरणो से वि-
णीएत्ति बुच्चइ” उक्त० १, २, —मरण
पु० न० (-मरण) लुओ “इगिणी
मरण” श०१. देखो “इगिणी मरण”
शब्द vide “इगिणी मरण” सम०
इंगिणी स्त्री० (*इगिनी-श्रुतविहितक्रिया-
विशेष इंग्यते प्रतिनियतदेश एव चेष्ट्यते-
इस्यामनशनक्रियायामितीङ्गिनी) शास्त्रभा-
इलेल इन्भा रडी वेयावन्त्य इग्या विना
मथारे इरेवे ते शास्त्र मे कही हुई हदमे
रहकर वेयावन्त्य कराये विना सथारा करना
Performing Santhāro confin-
ing oneself within the limits
of space prescribed by Śāstras

and not receiving any service from others. भक्त० ६; प्रव० १०३१; सम० १७: —मरण. न० (—मरण) संथारे डरी पैयावव्य डराव्या विना धगित-नियमित प्रदेशनी हृदमां रही समाधि भरणु डरवुं ते. संथारा करके पैयावव्य विना कराये नियमित प्रदेश की हृद में रहकर समाधि मरण करना. death in a state of meditation by the practice of Santhāro in a defined area of space fixed by Śāstras and without receiving any service सम० १७, प्रव० १०३१, ठा० २. संथा० इन्द्र पुं० (इन्द्र—इन्द्रतीति इन्द्र) श्रेष्ठ श्रेष्ठ. One who is excellent म० प० २०; (२) धृ; देवतानो राजन्. पुर०-६० इन्द्र; देवो का राजा the god Indra: the king of gods पिं० नि० १३३, ज० प० ३, ४५. मग० ३, १, ७, ६ विशे० ३२५; नाया० ८; नाया० घ० ३. नंदी० २२; आ० सम० १९, पञ्च० २ अणुजो० २०. ठा० ४, दम० ६, १, १४: पचा० ४, १८, (३) ज्येष्ठा नक्षत्रतो अधिपति देवता ज्येष्ठा नक्षत्र का अधिपति देव the presiding deity of the Jyesthā constellation अणुजो० १३१, म० प० १ ठा० २, ३ (४) ज्ये नामतो ज्येष्ठ द्वीप अने ज्येष्ठ समुद्र इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र an island of that name also an ocean of that name. जीवा० ३ ४. पञ्च० १५: —अभिमेय पु० (—अभिपेक) मर्याद देवतो गन्त्याभिपेक मर्याद देव का राज्याभिपेक the coronation ceremony of the Sinvā-lha god गय० १५६. —अहिद्वि

त्रि० (—अधिष्ठित) धरने अधिष्ठित इन्द्राधिष्ठित; इन्द्र के अधिष्ठित. presided over by Indra. “ इदाहिद्विषा ” मग० ३, १, ठा० १०. —अहीण त्रि० (—अधीन) धरने पश; धरने आधीन. इन्द्र के आधीन dependent upon Indra: under the power of Indra. मग० ३, १; —अहीणकज्ज. न० (—अधीनकार्य) धरने आधीन कार्य-कर्म इन्द्र के आधीन कार्य a work under the control of Indra मग० ३, १ —आउह पु० (—आयुध) धरने आयुध, १००. इन्द्र का शस्त्र-वज्र the weapon of Indra; Indra's thunderbolt नाया० १, —केउ. पुं० (—केतु) धरने यष्टि, धरने महोत्सवमा अनावेष्ट स्थल इन्द्र यष्टि इन्द्रमहोत्सव में बनाया हुआ स्तम्भ a post erected in the celebration of Indra's festival पण्ड० १, ४, —गगह पु० (—ग्रह) व्यन्तर देवता उपद्रवशी यतो रोग, पण्ड० व्यन्तर देव के उपद्रव से होता हुआ रोग. a disease caused by the evil influence of hell-gods being possessed by hell-gods मग० ३, ७, जीवा० ३, ३ (०) ग्रह विशेष ग्रह विशेष. name of a planet जीवा० ३, ३, —उभय. पुं० (—ध्वज—जेषध्वजापे-जयासितमहन्वादिन्द्रश्चासौ ध्वजश्चेन्द्रध्वज) इन्द्र ध्वज श्रीगुरु ध्वजनी अपेक्षाओं मोटी ध्वज इन्द्र ध्वज. दूसरी ध्वजा की अपेक्षा में बड़ा ध्वज a banner taller than all the other banners इन्द्रध्वज पुराण गच्छुड ” सम० ३४ प्रव० ८१९, —द्वार न० (—स्थान) इन्द्रध्वज. धरने ध्वज इन्द्र स्तम्भ इन्द्र-वज्र a post

erected in honour of India, a flag greater than all the rest
अतः ६, १५, (०) धनु निवास
स्थान इन्द्र का निवास स्थान the
residence of India “ इन्द्राणे-
ण भते केवतिय कालं चिरहिते ” ठा०
६, भग० ८, ८, जीवा० ३, सू० प० १६,
—धनु न० (—धनुप्) धनु धनुष,
धनुषी इन्द्र धनुष a rainbow. ज०
प० अणुजो० १६७, भग० ३, ७,
—पाडिवया स्त्री० (—प्रतिपत्) बादरवा
सुदी १५ पडिते पडवे। भाद्रपद सुदि पूर्णिमा
के बाद की विदि एकम् the first day of
the dark half of the month of
Bhādrapada ठा० ४, —मह पु०
(—मह) बादरवा मासनी पुनमे थतो
धनुमभोत्सव भाद्रपद मास की पूर्णिमा को
होने वाला इन्द्र का उत्सव महोत्सव a
festival in honour of India on
the full-moon day of Bhādra-
pad राय० २१७, विवा० १, निसी०
१६, १२, आया० २, १, २, १२, भग० ६,
३३, नाया० १ —लट्टि स्त्री० (—यष्टि)
धनु मलोत्सव। जे स्तल रोपवामा आवे
ते इन्द्र महोत्सव मे जो स्तम्भ गाडा
जाता है वह a post fixed at the
time of the celebration of
India's festival “ निव्वत्तमहेव
इन्द्राणी विमुक्क सधि बधणा ” नाया० १,
भग० ६, ३३,

इंद्रकंठ. पु० (इन्द्रकान्त) धनुकान्त नामे
ऐक विमान के जेना देवताओंनी स्थिति
१६ सागरोपमनी छे ऐ देवता साडा
नव महिते आसोछवास ले छे, अने १६
हजार वर्षे क्षुधा लागे छे इन्द्रकान्त नामक
एक विमान जिसके निवासी देवों की स्थिति
v 11/17

१६ सागरोपम की है ये देव साडे नौ मास
बाद आसोछवास लेते हैं और १६ हजार
वर्षोंबाद इन्हें लुवा गलती है Name of
a heavenly abode, the gods
here live for 19 Sāgaropamas
and they breathe once in 9½
months and feel hungry once
in 19 thousand years सम० १६,
इंद्रकाश्य पु० (इन्द्रकायिक) त्रय ध्रिय
वाले ऐक छव, धनुगोप तीन इन्द्रियोंवाला
एक जीव इन्द्रगोप A kind of in-
sect of red colour, a kind
of three-sensed living being
पञ्च० १,

इंद्रकील पु० (इन्द्रकील—गोपुरावयव
विशेष.) नगरना दरवाजाने ऐक अवयव,
जेने आधारे दरवाजाना जे डमाड अद रडी
शके ते नगर के दरवाजे का एक अवयव,
जिसके आवार से दरवाजे के दो किवाड बन्द
रहसके वह. A portion of a city
-gate, a door-bolt fastening
the two doors of a gate “ गोमे-
ज्जमया इन्द्रकीला ” राय० १०६ भग० ३,
२, ओव० ठा० २

इंद्रकुंभ पु० (इन्द्रकुम्भ—कुम्भानामिन्द्र
इन्द्रकुम्भ) डलश, भलोटे धडो, बादिओ
कलश बडा घडा A big pot राय०
१०६, ज० प० १, (२) वीतशोका नग-
रीना ध्यान भुषानु ऐक उद्यान वीतशोका
नगरी का ईशान कोन का एक उद्यान
name of a garden in the
north-east of the town of
Vitasokā “ तीसेण विवासोगाए राय
हाणीए उत्तरपुरच्छिम दिसिभाए इन्द्रकुंभ
णाम उज्जाणे ” नाया० ८, (३) नेमनाथ-
ना प्रथम शिष्य नेमनाथ का प्रथम शिष्य

name of the first disciple of Nemanātha सम० २४ (४) २०
भा मुनिमुव्रत तीर्थंकरना प्रथम गणधरनु
नाम २० वें तीर्थंकर मुनिमुव्रत के प्रथम
गणधर का नाम name of the first
Ganadhara of the 20th Tirthan-
kara, Muni Suvrata सम० प०
२३३,

इंदुखील पु० (इन्द्रकील) लुओ ' इंदुकील '
शब्द देखो ' इंदुकील ' शब्द Vide
' इंदुकील ' जीवा० ३, ४

इंदुग पु० (इन्द्रक) त्रिद्विध छत्र विशेष
तान इन्द्रियोवला जीव विशेष A three-
sensed living being, a kind of
insect उत्त० ३६, १३७;

इंदुगोव पु० (इद्रगोप) छद्रगोप भेभभोलो,
वरसाथ तथा पछी देआतो ओइ लाव छत्रडो,
त्रलु इन्द्रिय वालो ओइ छत्र इन्द्रगोप,
इन्द्रवहूटा वर्षा ऋतु में उत्पन्न होनेवाला
एक लाल रंग का जन्तु A kind of
insect of red colour springing
up in monsoon a three-sensed
living being उत्त० ३६ १३८,
अणुजो० १२१ पक्ष० १,

इंदुगोवग्र-य पु० (इन्द्रगोपक) लुओ
छत्रडो शब्द देखो ' इद्र' उतर का शब्द
Vide above जीवा० ३, ४ राय० ६३
नाया० १,

इंदुगोवग पु० (इन्द्रगोपक) लुओ
इद्रगोव' शब्द देखो ' इद्रगोव' शब्द
Vide ' इद्रगोव' नाया० १

इंदुगिग पु० (इन्द्रागिन) विशाखा नक्षत्रने
अविश्राना देवता. विशाखा नक्षत्र का
अविश्राना देव The presiding deity
of the constellation Visākha
अणुजो० १३१ म० प० १० ठा० २, ३

(२) ३७ भा अहनुं नाम ३७वे ग्रहका
नाम name of the 37th con-
stellation ज० प० ७; ठा० २, ३
मू० प० २०,

इंदुजसा. स्त्री० (इन्द्रयशस्) पायाव देशना
थभरान्जनी राणी पांचाल देश के ब्रह्म
राजा की राणी Name of the
queen of Brahmarāja of the
country of Pāñchāla " इंदुवसु १
इंदुजसा २ इंदुजिरि ३ चुल्लणी देवीय " उत्त०
ठा० १३,

इंदुजालि त्रि० (इन्द्रजालिन्) विविध रचना
करे विस्मय पमाउनाः इन्द्रजालीयो
विविध रचना करके विस्मित करनेवाला
इन्द्रजालिया, जादूगर A magician
ठा० ४

इंदुजालिअ-य त्रि० (इन्द्रजालिक) इन्द्र-
जाल करनेवाले जोडविद्या अतापना इन्द्र-
जाल करनेवाला गोंड विद्या बतानेवाला
(One) who displays magical
tricks विशेष १६०७

इंदुनील पु० (इन्द्रनील) इन्द्रनील मणी,
नीलम इन्द्रनील मणि नीलम A gem
so named; a sapphire ओव० राय०

इंदुत्त न० (इन्द्रत्व) इन्द्रनुं स्वभाव, इन्द्र-
पाण्डु. इन्द्र का स्वरूप, इन्द्रपन Power
and dignity of Indra; state
of being Indra; kingship
उत्त० ६, ५५; भग० ३ २;

इंदुत्ता स्त्री० (इन्द्रता) इन्द्रपाण्डु इन्द्रपन
State of being Indra, power
and dignity of Indra. king-
ship भग० २५, ६.

इंदुदत्त पु० (इन्द्रदत्त) इन्द्रदत्त, ओथा
तीर्थंकरने प्रथम भिक्षा आपनार- इन्द्रदत्त
चोथे तीर्थंकर को पहिले पहिल भिक्षा देन

वाला Name of the man who first gave alms to the fourth Tinthankara सम० २४, (२) १२ मा वासुपुज्यनी त्रीन पूर्व भवन नाम वासुपुज्य १२ वे तीर्थंकर के तीसरे पूर्वभव का नाम name of the 3rd previous birth of the 12th Vāsupujya Swāmi सम० २४,

इंदिराणा पु० (इन्द्रदत्त) ओ नामना डेटिक-गच्छना ओड आचार्य कोटिकगच्छ के एक आचार्य का नाम Name of a preceptor of the Kotika order of saints कप० ८,

इंदनील पु० (इन्द्रनील) ओओ ' इन्द्रनील ' शब्द देखो ' इन्द्रनील ' शब्द Vide ' इन्द्रनील ' उक्त० ३६, १५ पत्र० १,

इंदपुर न० (इन्द्रपुर) ओ नामना ओड नगर एक नगर का नाम Name of a city " इहेव जंबूदीवे भारहेवासे इंदपुर ग्राम नगर " विवा० १०, (२) ओ नामना ओड साधु के ओते मण्डीपुर नामना ग्रामना नागदत्त गाथापतिओ आधार पाण्डी पंडितरायना इता इन्द्रपुर नामक एक साधु जिन्हें मण्डीपुर नामक ग्राम के नागदत्त गाथा पतिने आहार पानी दिया था Name of a monk who was given food and water in a village named Manipura by the Gāthapati named Nāgadatta ' इंदपुरे अण-गारे पडिलाभिते जावमिद्धे " विवा० २, ७,

इंदपुरग पु० (इन्द्रपुरग) वेसवाडियगण्ठी नीडसेन ओ नामना इड वेसवाडियगण से निकले हुण कुल का नाम Name of a family which was an offshoot of Vesarādiya Gana कप० ८,

इंदभूड पु० (इन्द्रभूति) महावीर स्वामीना

प्रथम गणधर, गौतम स्वामी महावीर स्वामी के प्रथम गणधर, गौतम स्वामी The first Ganadhara of Mahāvīra Swāmi भग० १, १, २, ५, ओव० ३८, नाया० ६, ज० प० नदी० २०, सम० ११, २६, उवा० १, ७६, प्रव० ३०८, कप० ५, १३३,

इंदभूति पु० (इन्द्रभूति) ओओ उपरो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above. सम० ६२, सू० प० १,

इंदमुद्धाभिसित्त पु० (इन्द्रमूर्धाभिषिक्त) पञ्चवाडीआना सातमा द्विपसनु (सात-भनु) नाम पखवाडे के सातवे दिन (सप्तमा) का नाम The 7th day of a fortnight " इंदमुद्धाभिसित्तेय " सू० प० १०, ज० प०

इंदय पु० (इन्द्रक) ओओ ' इंदग ' शब्द देखो ' इंदग ' शब्द Vide ' इंदग ' ठा० ६,

इंदयणिरय पु० (इन्द्रकनिरय) सौथी मोठा नरकावाया सबसे बड़ा नरकावाया The greatest hell ठा० ६,

इंदयाल न० (इन्द्रजाल) ओ नामनी ओड विद्या इन्द्रजाल विद्या Juggling, a kind of lore, magic सु० च० ४, १६६,

इंदयालि पु० (इन्द्रजालिन्) मन्दमन्त्र विद्याने मण्डीनार इन्द्रजाल विद्या को जानने वाला A magician, a juggler सु० च० १३, ५०,

इंदसिरि स्त्री० (इन्द्रश्री) पायाल देशनी डापिण्य नगरना अम्भुदत्त राजनी ओड गण्डी पाचाल देश के कापिल्य नगर के ब्रह्मदत्त राजा की रानी Name of a queen of Brahmadatta, the king of the city of Kāmpulva

in the country of Pāñchāla.

उत्त० टी० १३;

इंद्रसेना. स्त्री० (इन्द्रसेना) इन्द्रसेना नामनी
ऐक नदी डे ले भेइने उत्तरे रक्तवती
नदीमां भले छे. इन्द्रसेना नामक एक नदी
जो कि मेरु के उत्तर दिशा मे रक्तवती नदी
मे मिलती है Name of a river
which flows into the river
Raktavatī in the north of
Meru ठा० ५, ३; १०.

इंद्रा स्त्री० (इन्द्रा) इन्द्रा नामनी नदी डे ले
भेइनी उत्तरे रक्तवतीने भले छे. इन्द्रा
नामक नदी जो कि मेरु की उत्तर दिशा मे
रक्तवती नदी में मिलती है Name
of a river which flows into
the river Raktavatī in the
north of Meru ठा० ५, ३, (२)
इन्द्रा नामनी ऐक देवी. एक देवी का नाम
Name of a goddess नाया० घ० ३,
(३) धरणेन्द्रनी पाचमी अग्रमहिषीनु
नाम धरणेन्द्र की पाचवीं अग्र महिषी का
नाम name of the 5th principal
queen of Dharanendra
भग० १०, ५,

इंद्रा स्त्री० (ऐन्द्री) पूर्व दिशा पूर्व दिशा
The eastern direction भग० ६,
१, ठा० १०, ज० प० ५, ११८,

इंद्राणी. स्त्री० (इन्द्राणी) इन्द्राणी, इन्द्रनी
अग्रमहिषी. इन्द्राणी, इन्द्र की पट्टरानी
The crowned queen of India
ठा० ४;

इन्द्रिय न० (इन्द्रिय) आँख, श्रवण, नास, शूल,
अने त्वचा ये पाँच इन्द्रिय आँख, कान,
नाक, जिह्वा और त्वचा ये पाँच इन्द्रियाँ.
The five senses viz eye, ear,
nose, tongue and skin. विशेष०

६१; पञ्च० १५, नाया० १, ४; उत्त०
६, ३६; श्रौव० १६; दस० ५, १, १३;
भग० २, १; ४, ८, १; २४ १२, नंदी० ३,
सम० ६; क० गं० १, १०, पचा० १४, ३,
(२) पञ्चवणा सूत्रना १५मां पदनु नाम
पञ्चवणा के पंद्रहवें पद का नाम. name of
the 15th Pada of Pannavanā
पञ्च० १५, (३) पञ्चवणाना त्रीज पदना
त्रीज ६।२नुं नाम पञ्चवणा के तीसरे पद के
तीसरे द्वार का नाम name of the
3rd Dwāra of the 3rd Pada of
Pannavanā पञ्च० ३; —अर्थ पु०
(-अर्थ) शब्द, रूप, रस, गंध अने
स्पर्श ये पाँच इन्द्रियना अर्थ-विषय
शब्द, रूप, रस, गंध और स्पर्श ये पाँच
इन्द्रियों के अर्थ-विषय any of the
five objects of the senses
viz sound, form, taste, smell,
and touch “ पञ्च इन्द्रियत्वा परणत्ता
तजहा ” ठा० ५; उत्त० २४, ८, ३१, ७
—अर्थकोचण न० (-अर्थकोपन) काम-
विहार, इन्द्रियना विषयना होय थोते.
कामविकार, इन्द्रिय के विषय का कोपित होना
desire for the enjoyment of
the objects of the senses ठा० ६,
—अपज्जति. स्त्री० (-अपर्याप्ति) इन्द्रि-
यनी अपूर्णता, इन्द्रिय पर्याप्ति जाधीने पुरी
न करी होय ते इन्द्रियकी अमम्पूर्णता; इन्द्रिय
पर्याप्ति को बाधकर उसे पूर्ण न करना.
imperfect development of the
senses. भग० ६, ४ —उवउत्त त्रि०
(-उपयुक्त) इन्द्रियना उपयोगसहित.
इन्द्रियों के उपयोग सहित (one) 'care-
fully controlling the senses.
पञ्च० ३, —उवचय पु० (-उपचय)
इन्द्रियना उपचय-वृद्धि इन्द्रियों की वृद्धि.

the growth of the senses
 “कइविहेण भते इंदियउवचय” पन्न० १५,
 भग० २०, ४, —गाम पु० (—ग्राम)
 इन्द्रियोने समुदाय. इन्द्रियो का समुदाय the
 group of the senses आया० टी०
 १, ५, ४, १५६- —चउक्क न० (—च-
 तुक्क) मन अने यक्षु शिवायनी आर
 इन्द्रियो, डान, नाड, घ्राण अने स्पर्श इन्द्रिय
 चार इन्द्रिया, कान, नाक घ्राण और स्पर्श
 the group of the four senses,
 viz the senses of hearing
 smell, taste, and touch क० ग०
 १, ४, —चलणा स्त्री० (—चलना)
 इन्द्रियनु आलनु इन्द्रियो का चलना. the
 motion of the senses भग० १७, ३.
 —जवणिज्ज त्रि० (—यापनीय) पाये
 इन्द्रियोने वश करवी ते पाचों इन्द्रियो को
 वश करना controlling all the
 five senses भग० १८, १०, नाया० ५;
 —जाय न० (—जात) इन्द्रियनी जत
 —प्रकार इन्द्रियो की जाति-भेद the
 variety of the senses वेग० ५,
 १३, —ट्ठाण न० (—स्थान) इन्द्रियनी
 स्थान-उपादान कारण-आकाशादि. इन्द्रियो के
 स्थान उपादान कारण-आकाशादि the effi-
 cient causes of the senses such
 as space etc सूय० नि० १, १, १,
 ३३; —खिचत्तणा स्त्री० (—निर्वर्त्तना)
 इन्द्रियोने निपज्जववी ते इन्द्रियो को उत्पन्न
 करना the creating of the senses
 “कतिविहेण भंते इंदिय खिचत्तणा”
 पन्न० १५, —निरोहि त्रि० (निरोधिन्)
 इन्द्रियनी लावसानो निरोध करनार
 इन्द्रिय की लालसा का निरोध करनेवाला
 (one) who checks the clav-
 ings of the senses प्रव० ५७०,

—पज्जन्ति स्त्री० (—पर्याप्ति) इन्द्रियनी
 संपूर्णता, इन्द्रिय पर्यायाधीने पूरी करवी
 ते इन्द्रियो की संपूर्णता, full de-
 velopment of the senses भग०
 ६, ४, —पडिसंलीणता स्त्री० (—प्रातिस-
 लीनता) इन्द्रियोने वश करवी ते इन्द्रियोको
 वश करना conquest, control over
 the senses भग० २५, ७, —परि-
 णाम न० (—परिणाम) इन्द्रिय रूपे
 अनु परिणाम इन्द्रिय रूप में जीव का
 परिणाम the modification of
 the soul into the form of the
 senses पन्न० १५, —वल्ल न० (—वल्ल)
 इन्द्रियनी शक्ति इन्द्रियो का शक्ति the
 power of the senses जीवा० ३
 —मणोणिमित्त न० (—मनोनिमित्त)
 यक्षु वगेरे पाय इन्द्रिय अने मन छे निमित्त
 जेमा जेवु ज्ञान, मतिश्रुत ज्ञान. चक्षु
 वगेरह पाच इन्द्रियो और मन के निमित्त में
 होनेवाला ज्ञान मतिश्रुत ज्ञान Mati-
 śruta Jñāna, sensitive know-
 ledge, acquired by the five
 senses and the mind विशेष० ६३
 —मणोभव न० (—मनोभव) इन्द्रिय
 अने मनथी उत्पन्न थु ज्ञान इन्द्रिय
 और मन में उत्पन्न होनेवाला ज्ञान
 knowledge born of the
 senses and the mind विशेष० ६५,
 —लद्धि स्त्री० (—लब्धि) पाय इन्द्रियनी
 प्राप्ति पाच इन्द्रियो की प्राप्ति the
 attainment of the five senses
 भग० ८, २, पन्न० १५ —लद्धिया स्त्री०
 (—लब्धिका) जुओ उपलो शब्द. देगो
 ऊपर का शब्द vide above भग०
 ८, २, —वसट्ठ त्रि० (—वशात्त) इन्द्रियने
 वश थावाथी थयेत दुभी इन्द्रिय के वश

होने के कारण से दुःखित. (one) miserable on account of lack of control over the senses भग० १२, २, —विजय पु० (-विजय) छद्रियने क्षाशुभां राभवी ते; छन्द्रियोपर न्य भेक्षववो ते; तप विशेष इन्द्रियों को वश करना, इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करना; तप विशेष. control over the senses, a kind of austerity पंचा० १६, ३८; —विभक्ति. त्री० (-विभक्ति) छन्द्रियना विभाग; ओडेन्द्रिय, भेछद्रिय वगेरे इन्द्रियों के विभाग, एकेन्द्रिय वेइन्द्रिय आदि. the classification of the senses; e. g. one sense, two senses etc. सूय० नि० १, ५, १, ६६; —विषय. पु० (-विषय) छद्रियोनी विषय शक्ति इन्द्रियों की विषय शक्ति. the power of enjoyment of the senses. भग० ३, ८, —वीरिय न० (-वीर्य) श्रोत्र आदि छद्रियोनु पोत पोताना विषयने ग्रहण करवानु सामर्थ्य श्रोत्र आदि इन्द्रियों का स्व स्व विषय ग्रहण करने का सामर्थ्य. the power of the senses e. g. ear etc. to comprehend their objects. सूय० नि० १, ८; ६६;

इन्द्रियउद्देश पु० (इन्द्रियोद्देश) पन्नवणा सूत्रना पंदरमा पदना प्रथम छदेशनु नाम पन्नवणा सूत्र के पंदरहवे पद के प्रथम उद्देश का नाम Name of the first Uddeśa of the 15th Pada of Pannavanā Sūtra भग० २, ३.

इन्द्रियउद्देशय. पु० (इन्द्रियोद्देशक) लुओ छपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द.

Vide above. भग० १८, ३: २, ४,

इन्द्रिय पय. न० (इन्द्रियपद) पन्नवणा सूत्र-
नु १५ मु पद पन्नवणा का १५वां पद

The 15th Pada of Pannavanā Sūtra. भग० २, ४, पन्न० १५;

इंदु. पु० (इन्दु) यन्, यन्मा. चन्द्र, चन्द्रमा. The moon. नाया६ १; १६; भग० ६, ३३;

इंदुत्तरचडिसग पु० (इन्द्रोत्तरावतंसक) ओ नामनु ओछ विमान, ओनी स्थिति ओगणीस सागरोपमनी छे. ओ देवता साञा नय भदिने आसोआस ले छे, ओगणीस छन्दर वर्षे लुधा लागे छे इस नाम का विमान, जिसमें रहनेवाले देवों को १९ सागरोपम आयु है ये देव साढे नौ महीने बाद आस लेते हैं और इन्हें १६००० वर्ष बाद भुख लगती है. Name of a heavenly abode: the gods here live for 19 Sāgaropamas and they breathe once in 9½ months and feel hungry once in 19 thousand years. सम० १६,

इंदुरय. न० (इन्दुरक) मोटे मुडो वडा टोपला A large basket गय० २७०;

इंधण. न० (इन्धन) ध्वानु, अन्नतनु, छालु लाइछा वगेरे इन्धन, जनाने की लकड़ी, कडा वगैरह. Fuel consisting of cowdung cakes, wood etc उत्त० १४, १०; ३२, ११, पि० नि० मा० १२, भग० ७, १;

इक त्रि० (एक) ओछ-स ज्यावायछ, एक-संख्यावाचक. The numeral, one (२) ओछलो. ओछली अद्वितीय अकेला, एकाकी, अद्वितीय one; alone, matchless. अणुजो० १३१; नंदी० ३४. आया० १, ५, २, १४८, भग० २, ५; नाया० १५, सु० च० ४, १२४; जं० प० १, १२,

इकअ त्रि० (एकक) ओछलो: , ओछली

अकेला, एकाकी Alone, solitary.
उत्त० १, १०, ३५, ६.

इकड न० (- इकड) छक्कड-यटाछ-सादडी
अनाववानुं डोमल घास; छदणु सद्दश तृण
विशेष. चटाई बनाने का कोमल घास, तृण
विशेष A kind of soft grass of
which a mattress is made
आया० २, २, ३, १००, २, ७, २, १६१,
सूय० २, २, ७, भग० २१, ५, पण्ह० २,
३, छक्कडनी अनावेदी यटाछ उक्त घास का
बनाई हुई चटाई a mattress made
of the above grass आया० २, २,
३, १००, (३) अनामनु पर्वग अतनु
अड इस नाम का पर्वग जाति का झाड
a kind of tree पञ्च० १,

इककमिक्कक त्रि० (एकैक) ओकेक परस्पर.
Taken singly, (२) परस्पर, ओके-
अणु, अन्योन्य. अन्योन्य, एक दूसरा
mutual उत्त० १३, ३, सु० च० २, ८१,

इकवीस स्त्री० (एकविंशति) २१. ओकेवस,
वीस अने ओके इकवीस, २१ Twenty-
one 21 उत्त० ३१, १५, काप०
१, २,

इकसीई स्त्री० (एकाशीति) ओकेसी, ८१.
इक्यासी Eighty-one, 81 उत्त०
३४, २०,

इक्कार त्रि० (एकादशन्) अगीयार, ११.
ग्यारह, ११ Eleven; 11 क० ग० ६,
२०

इक्कारस. त्रि० (एकादशन्) अगीयार,
एसने ओके ग्यारह, ११ Eleven, 11
सम० ११, दसा० ६, १, २, उत्त० २८,
२३, उवा० १०, ३७७, क० ग० ६, २०,
ज० प० २, ३१ —अंग पु० (-अंग)
आयारगादि ११ अंगसूत्र आचारागादि
ग्यारह अंगान् the 11 Aṅga

Sūtras e g Āchāṅga etc
नाया० १४, १८;

इक्कारसग त्रि० (एकादशक) अगीयार
ग्यारह Elven, 11 क० ग० १, ८२

इक्कारसम त्रि० (एकादशम) ११ भो,
अगीयारभो ग्यारहवा, Eleventh,
11th नदी० ५५,

इक्कारसी स्त्री० (एकादशी) अगीयारस
पणवाडीआने ११ भो दीवस ग्यारस,
पञ्च का ग्यारहवा दिन The 11th day
of a fortnight विशेष० २०८३, प्रव०
१५५७, ज० प० २, ३१;

इक्किक्क. त्रि० (एकैक) ओके ओके एक
एक Taken singly उत्त० २८, ८,
क० ग० ४, ७७, —उदय पु० (-उदय)
ओकेक प्रकृतिने उदय. एकेक प्रकृति का
उदय the rise or maturity of
each Prakṛti (Karmic nature)
singly क० ग० ६, १६.

इक्खाग न० (इक्खाकु) ऋषभदेव राभीने
वश, भद्रवाकु कुल ऋषभदेव स्वावी का
वश, इक्खाकु कुल The Ikṣvāku
family, the line of descent of
Rishabhadeva Swāmī. आया० २,
१, २, ११, पञ्च० १, भग० ६, ३३, २०, ८,
अणुजो० १३१ ठा० ७, १, ६०, उत्त० १८,
३६, ओव० राय० २१८, —कुल पु०
(-कुल) ओओ 'इक्खाग शब्द देखो
'इक्खाग' शब्द vide 'इक्खाग' ओव०
—भूमि स्त्री० (-भूमि) भद्रवाकु वंश
अथा उत्पन्न थयो ते भूमि, अथोअथा
इक्खाकु वश जहाँ उत्पन्न हुआ वह भूमि,
अथोअथा the land of the birth
of the Ikṣvāku family, Oudh
काप० ७, २०६ —राय पु० (-राजन)
भद्रवाकु वंश अने राय इक्खाकु कुल

मे जन्मा हुआ राजा. a king of the Iksvākuline. “पडिबुद्धि इक्ष्वागराया” ठा० ७; नाया० ८: —वंस. पु० (-वंश) ऋषभ देव स्वामीने वंश. ऋषभ देव स्वामी का वंश. the line of descent of Rīṣabhadeva Swāmī. पि० नि० ४७६:

इक्ष्वागुकुल. न० (इक्ष्वागुकुल) इक्ष्वाकु नामनुं दुल. इक्ष्वाकु नामक वंश. A family by name Iksvāku. काय० १, २:

इक्षु. पु० (इक्षु) छडधु, शेरडी माटा Sugar-cane भग० २१, ५; औव० पन्न० १. पंचा० ८, २३: —रस. पु० (-रस) शेरडीने रस माटे का रस sugar-cane juice प्रव० २३३, पंचा० १६, १०; —वण न० (-वन) शेरडीनुं वन गन्ने का खेत. a forest of sugar-canes निसी० ३, १६; —वाड पु० (-वाट) शेरडीने थाड; ज्या शेरडी पीलाय ते स्थान गन्ने की वाड, गन्ने पेनने की जगह a place where sugar-canes are crushed to get out juice; a field where sugar-canes are grown. राय० २७६: —वाडिया स्त्री० (-वाटिका) छडधु-शेरडी ने वाडवाडी गन्ने की वाडी-खेत a field where sugar-canes are grown पन्न० १: भग० २१ ५;

इक्षुवर. पु० (इक्षुवर) ओ नामने ओ-द्वीप अने ओड समुद्र इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र Name of an island, also the name of an ocean. जीवा० ३, ४,

इग त्रि० (एक) ओडनी संख्या, १ एक की संख्या १ The number one 1

क० ग० १, ८, ३३. २, १४ ४, १३; —चतुमय न० (-चतुःशत) ओडसे ते ओडतासीस. १४१ एकसौ एकताली ; १४१. one hundred forty-one; 141.

क० ग० २, २७. —नवड. स्त्री० (-नवति) ओडतासी; ८१. एकानवे, ८१. ninety-one; 91. क० ग० ३, ७, —याल स्त्री०

(-चत्वारिंशन्) ओडतासीस, ४१. एकतालीस; ४१ forty-one; 41 प्रव० ५१६;

क० ग० ६, ६६; —पञ्च. स्त्री० (-पञ्चाशन्) ओडतावन, ५१. एकावन्; ५१

fifty-one, 51. प्रव० ३६०, —वीस स्त्री० (-विंशति) २१ नी संख्या, ओड-

वीस इक्ष्वागुनी संख्या twenty-one; 21. उवा० १०, २७७; —सत्र न०

(-शत) ओडसे ते ओड, १०१ एक सौ एक; १०१ one hundred and one,

101. क० ग० ३, ४. —सट्टि स्त्री० (-षष्टि) ओडसठ; ६१ इक्ष्मठ. ६१ sixty-one 61. सम० ६१; —सी. स्त्री०

(-अशीति) ओडतासी, ८१ इकासी; ८०. eighty-one; 81 क० ग० २, १७,

इगाहिय-अ-सय. न० (एकाधिकशत) ओडे अधिक से. ओडसेतेओड, १०१ एक सौ

एक, १०१ One hundred and one; 101 क० ग० २, ४;

इगार प्रि० (एकादशन) अगीया२. ११. ग्यार; ११ Eleven. 11 क० ग० ६, ६२,

इगारसम. त्रि० (एकादशम) ११मे; अगीया२मे ग्यारवा, ११ वाँ Eleventh;

11th विवा० १, क० ग० २ १४.

इगिदिय त्रि० (एकेन्द्रिय) जेने ओड छदिय छेय ते; पृथ्वी आदि स्थावर ७१ एकेन्द्रिय

वाला, पृथ्वी आदि स्थावर जीव. One-sensed: e g earth etc क० ग० ३, ११; ४, १८

इर्गिन्दियत्ता स्त्री० (एकेन्द्रियता) ऐकेन्द्रिय-
पालुं एकेन्द्रियपन. State of being
one-sensed भग० ३४, १,

इगुण त्रि० (एकोन) ऐठ ओ० एक कम
Less by one क० प० २, १२
—असि. स्त्री० (-असीति) ओगणुअसी
७६ उनयामी, ७६ seventy-nine,
79 प्रव० ३६७; —नउइ स्त्री० (-नवति)
नव्याशी, ८६ नेवासी, ८६ eighty-
nine, 89 क० प० २, २३, —वीस स्त्री०
(-विंशति) ओगणुश, १६ उमीस,
१६ nineteen, 19 क० प० २, १२
—सष्टि स्त्री० (-षष्टि) ओगणुआठ ५६.
उनसाठ ५६ fifty-nine, 59 क० ग०
६, ७४

इगग त्रि० (एक) ऐकनी सभ्या एक की
सख्या The number, one क० ग०
५, ४०,

इच्चत्थ पु० (इत्यर्थ) आ प्रक्षरने अर्थ
इस प्रकार का अर्थ This sort of
meaning आया० १, १, २, १६,

इच्चा स० कृ० अ० (इत्वा) ज्ञप्तिने
जानकर Having known आया० १,
१, ३, २१

इच्चाइ त्रि० (इत्यादि) ऐ, आदि, इत्यादि
इत्यादि Et cetera. क० ग० १, २६,
प्रव० ६६३,

इच्चाइय त्रि० (इत्यादिक) वगेरे वगैरह वगे
रह Et cetera क० प० ६, २०१,

इच्चेवं अ० (इत्येव) आ प्रक्षरे. ऐवी शीते
इस प्रकार से, इस तरह In this way.
in that way दस० २, ४ पत्र० ११,

✓इच्छ धा० I (इप्) छच्छु, छच्छा
छश्यी इच्छा करना To wish, to
desire

इच्छइ स्य० १, १, २, ३१, अणुजो० १४;
नाया० १ ४, १३ १६, भग० १५,
५

इच्छति दस० ६, ११, नाया० ८, १३,
भग० ८, ४

इच्छाम विशेष० २०१,

इच्छामि नाया० १, २, ४, ८ १०, भग०
१, ६, २, १, ५, ३, २ ४, ८,
७ १०,

इच्छामो नाया० १, ३, ६, भग० ११, ११,

इच्छे वि० उत्त० १, १२, ३२, ४, दसा०
३, १६, १६ वव० १, २०, २६,
३०,

इच्छिजा वि० क० प० ६, ४८ दस० ५, ९,
६६, ६, ४८,

इच्छेजा वि० उत्त० ९, २६ दस० ५,
१, ६५,

इच्छेज वि० वेय० ४, १४:

इच्छह० पि० नि० ३०१ ४६५ उत्त०
१२, २८,

इच्छय विशेष० व० कृ० ३०५४,

इच्छत नाया० १६, विशेष० १६०, दस०
८, ३७, उत्त० १, ६,

इच्छमाण पचा० ५, ४०

इच्छिजइ गच्छा० ७८,

इच्छावेइ प्रे० व० प्र० ए० विशेष० १०८५,

इच्छंजमाण न० (इच्छाध्यान) लासनी
ध्यान ध्यान लाभ की इच्छा का ध्यान.
Meditation upon some desire
of profit or gain आउ०

इच्छाकार. त्रि० (इच्छाकार-एषणमिच्छा स्वा-
भिप्रायस्तया करण तत्कार्यनिर्वर्तनमिच्छा-
कार) छच्छापूर्वक शुद्धी आजा उद्योगी
अनुष्ठान करु ते दश साभायारीभानी ऐठ
इच्छा पूर्वक गुरु की आज्ञा मानना, दश
सामाचारियों में की एक सामाचारी Will-

इच्छामित्त न० (इच्छामात्र) धृष्ट भाव;
युक्ति विना कल्पना भाव इच्छा मात्र,
युक्ति विना कल्पना मात्र Mere desire

(without a plan to carry it out) सूय० १, ७, १६,

इच्छिय. त्रि० (इष्ट) धृष्टेष्टु, धृष्ट; वाञ्छित
इच्छित, इष्ट Desired, wished
for पि० नि० ३४२, ओव० १८, ३२,
उत्त० ३०, १०, ज० प० सु० च० १२, १९,
विशे० २६५३, नाया० १, ५, १२, नाया०
ध० भग० १, १, २, १, ६, ३३, ११, ११,
४१, १, उवा० १, १२, कप्प० १, १२.
—काम कामि त्रि० (-कामकामिन्)
भनगभता भोग भोगवन्त मन चाहे
भोग भोगनेवाला. (one) enjoying
all the pleasures that one
desires ज० प० २,

इच्छियन्व त्रि० (इष्टव्य) धृष्टवु इच्छा
करना Desiring ज० प० ३, ५२,
इच्छुरस पुं० (इक्षुरस) शेरडीने रस
साठे का रस. Sugar-cane juice
क० ग० ५, ६५,

इज्जमाण त्रि० (एज्यमान) डंपायमान
कंपायमान Trembling राय० ६४,
इज्जा स्त्री० (इज्या) याग, देव पूजा याग,
देव पूजा Worship of gods, a
sacrifice अणुजो० २६, उत्त० १२, २,
इज्जिस त्रि० (इज्यैष—इज्या पूजा इच्छति
एषयति वा य स इज्यैष) पूजनी अलि-
लापावाले पूजा की अभिलाषा वाला
(One) desirous of worship-
ping gods भग० ९, ३३,

इज्जमाण. त्रि० (इध्यमान) दीप्यमान
दीप्यमान Being kindled or light-
ed “ मदाय मदा इमे इज्जमाणा ” राय०
इट्टगा स्त्री० (इष्टका) धट ईट A brick

अत० ३, ८; विशे० १०८२, (२) सेव,
आद्य विशेष सेव, खाद्य विशेष. a parti-
cular variety of food, macaroni.
पि० नि० ४६६;

इट्टया स्त्री० (इष्टका) धट ईट A brick
जीवा० ३, १,

इट्टा स्त्री० (इष्टा) धट ईट A brick
ठा० ८, —वाय. पु० (-पाक) धट पका-
ववानुं स्थान ईट पकाने का स्थान a
place where bricks are heated,
a kiln “ इट्टा वाण्डवा ” ठा० ८,

इट्टाल पु० (*) धट ईट A brick
“ होजकट्ट सिल वावि इहालं वावि एगया ”
दस० ५, १, ६२, पि० नि० भा० ४६.

इष्ट त्रि० (इष्ट) प्रिय, ०छालं, मन
गमतु प्यारा, प्रिय, मनचाहा Beloved
dear, desired ज० प० २, ३०, पञ्च०
१७, २३, ठा० २, ३, ओव० ३२ ३६,
नाया० १ ८, ६, १४, १५, १६ विशे०
२३ ६८, १६१, राय० ५१, उत्त० २२, २,
जीवा० १, सूय० २०, भग० १, १, २, १;
१४, ५, ९, १५, १, १६, ३, पंचा० १२,
उवा० १, ६, कप्प० ३, ४८, ६, १५५.
निर० ३, ४, क० ग० १, ५०, —अणिट्ट
त्रि० (-अनिष्ट) धष्ट अने अनिष्ट. इष्ट
और अनिष्ट. good and evil, desir-
able and undesirable. प्रव० ६३४,
—(ट्टा)अनिट्ट (-अनिष्ट) धष्ट धष्ट अने
धष्ट अनिष्ट, सा३ नगसुं भला बुरा,
कुछ इष्ट और कुछ अनिष्ट good and
evil mixed up together विशे०
५१५, —खगइ स्त्री० (-खगति) शुभवि-
शयोगति; आलवानी गति इष्ट गति. de-

sirable capacity of moving in space क० प० ४, १४; —गंध. त्रि० (-गंध) सुगंध; सुगंधि - पदार्थ. सुगंध, सुगंधित पदार्थ a fragrant substance. ओव० —त्थ. पुं० (-अर्थ) धृष्टेयो अर्थ; धर्म. इच्छित कर्म. desired object or end, desired Karma. पंचा० १६, ४७; —फल न० (-फल) धृष्टित इक्ष. इच्छित फल desired fruit पंचा० ४, ३१, —फलज. एग. न० (-फलजनक) अलिभनार्थ-इक्ष साधक इच्छित फल देनेवाला (anything) yielding desired fruit, accomplishing desired object. पंचा० ३, ४७; —फलसाहग. त्रि० (-फल-साधक) धृष्टिते इक्षते साधनार. इच्छित फल की साधना करने वाला (anything) accomplishing a desired object or result, पंचा० ४, ३३, —फलसिद्धि स्त्री० (-फल सिद्धि) धृष्टित इक्षनी सिद्धि इच्छित फल की. सिद्धि. accomplishment of a desired result. पंचा० ४, ३३, —रूप त्रि० (-रूप) धृष्टि छे रूप जेतुं ते इष्ट रूप वाला. of a beloved, charming' appearance. “ सुबाहु कुमारे दृष्टे इष्टरूपे ” विवा० २, १, —सह पु० (-शब्द) प्रिय शब्द; वीणा वगेरेते शब्द प्रिय शब्द. वीणा वगेरह का शब्द sweet sound, e g. that of a musical instrument पञ्च० २३, —स्वर पु० (-स्वर) मधुरो-प्यारे स्वर - मधुर स्वर sweet, pleasing, sound क० प०

४, १४; —सिद्धि. स्त्री० (-सिद्धि) धृष्टि-धृष्टित वस्तुनी सिद्धि. इच्छित वस्तु की सिद्धि. accomplishment of a desired object. पंचा० ४, ३१; —सूय. पुं० (-सुत) प्रिय पुत्र प्रिय पुत्र a beloved son पंचा० ७, ३६, —स्वर पु० (-स्वर) प्रिय स्वर. प्रिय स्वर a pleasant sound पञ्च० २३; इष्टतर त्रि० (इष्टतर) वधारे प्रिय, अति-शय धृष्ट. बहुत प्रिय, बहुत इष्ट. Extremely beloved; more pleasant राय० जं० प० २, २२; इष्टतरेआ स्त्री० (इष्टतारिका) अतिशय धृष्ट बहुत इष्ट. Most desirable ज० प० २, २२; इष्टयर त्रि० (इष्टयर) वधारे प्रिय बहुत प्रिय Highly beloved, very pleasant जीवा० ३, ३; ✓ इडुर. न० (-) गाडी के गाडी. गाडी या गाडी A small or big cart ओघ० नि० ४७६; इडिह स्त्री० (इडिह) समृद्धि, वैभव समृद्धि, वैभव. Prosperity, wealth (२) आभर्ष-औपधि आदि लब्धि आभर्ष-औपधि आदि लब्धि spiritual power उत्त० २, ४४; २७, ६; दस० ६, २, ६ १०, १, १७; ओव० ३८, सम० ६, ३०; विशेष० ५६६. निर० १, १; ओघ० नि० ४६८ नंदी० ५०. राय० ४१, नाया० १, २, ८, १६, पञ्च० २; सु० च० १५, ६७, भग० १, २; ३, ६; ८, १, ६, पंचा० ६, १८, दया० ६, २८, —गारव पु० (-गौरव) नरेन्द्रादिनी तथा आचार्यनी

ऋद्धिपडे अलिमान इरी आत्माने लारे
 इरी ते नरेन्द्रादिक की तथा आचार्य की
 ऋद्धि के कारण अभिमान करके कर्म बध
 करना burdening the soul with
 the pride of the spiritual power
 of a preceptor or of the tempo-
 ral power of a king etc ठ० ३,
 सम० ३, आच० ४, ७, —गारवज्झाण
 न० (-गौरवध्यान) ऋद्धिना भदनु ध्यान,
 दुर्ध्यानने ओइ प्रकार ऋद्धि के मद का
 ध्यान दुर्ध्यान का एक भेद meditation
 upon the power of prosperity,
 a bad kind of meditation आउ०
 —पत्त पु० (-प्राप्त) ऋद्धि-आमर्ष
 आदि औपधिनी प्राप्ति थयेस ऋद्धि, आमर्ष
 आदि औपधियों को प्राप्त one who has
 attained to spiritual or tempo-
 ral prosperity पन्न० १, भग० १४, ६,
 —पत्ताणुओग पु० (-प्राप्त्यनुयोग)
 आमर्ष औपधि आदिनी लप्धि प्राप्तिनु
 व्याख्यान. आमर्ष आदि औपधियों की
 प्राप्ति का व्याख्यान a discourse on
 the attainment of such spiri-
 tual prosperity or power as
 Āmosah etc विशेष० ५६९, —पत्ता-
 रिय पु० (-प्राप्तार्य) ऋद्धिने प्राप्त थयेस
 आर्य-अरिहन्त, चक्रवर्ती, अश्वमेध, वासुदेव,
 चारण मुनि अने विद्याधर ऋद्धि प्राप्त
 आर्य अर्थात् अरिहन्त, चक्रवर्ती, बलदेव,
 वासुदेव, चारण मुनि, विद्याधर आदि an
 Ārya who has attained to
 spiritual prosperity, Arihanta,
 Chakravartī etc “ से कित इष्टि-
 पत्तारिया छविहा परणत्ता तजहा ” पन्न० १,
 —सत्कारसमुद्व पु० (-सत्कारसमुद्व
 —ऋद्धया-वन्न सुवर्णादिमपदा सत्कार

पूजाविशेषस्तस्य समुदायस्तथा) ऋद्धि
 इरीने सत्कारने समुदाय ऋद्धि से वस्त्रा-
 भरणादि द्वारा सत्कार का समुदाय. pre-
 sents of clothes ornaments etc.
 as a mark of honour विवा० ३,

इष्टिमत् त्रि० (ऋद्धिमत्) ऋद्धिवाले, समृ-
 द्धिवान ऋद्धिवाला, समृद्धिवान Pros-
 perous wealthy ठ० ५, २,

इणमेव अ० (इदमेव) ओइसे वही The
 same भग० २, १; ६, ५; १४, ७,
 २०, ६,

इणमेव अ० (इदमेव) ओइसे उपेक्षा शब्द.
 देखो ऊपरका शब्द Vide above पन्न०
 ३६

इरिंह अ० (इदानी) इमशुं, अडुल्लु
 अभी, अब Now सय० २, ६, १,
 उत्त० १२, ३२, पि० नि० ६३४, सुं० च०
 ३, ११३, विशेष० १६८, नाया० ८,

इत्तल पु० (इतल) तृण विशेष तृण
 विशेष A kind of grass भग०
 २१, ६,

इति अ० (इति) ओइसे “ इह ” शब्द.
 देखो ‘ इह ’ शब्द Vide “ इह ”
 दस० १, ५, नाया० ३, १६, भग० १, ४,
 ७, २, १५, १, १६, ६, १६, ३, २५, ७,
 वव० १, ३७, ७, १७, दसा० ३, २२, २६,
 निमी० ५, ६६, १४, १२, क० गं० १,
 २५,

इतिहास पु० (इतिहास) प्राचीन शासनी
 इकीगत दर्शावनाइ इतिहास शास्त्र प्राचीन
 काल का वर्णन करनेवाला इतिहास शास्त्र
 History, narration of past
 events भग० २, १, ओव० ३८,

इतो अ० (इतः) अहीथी यहां से Hence-
 from this place मय० १ १, १,

१२, उत्त० ५, १७; ३४, १५, ओव० ३६;
 सय० ५, २; सु० च० १, १०४, भग० १,
 १; १४, ७; १५, १; विशे० ८७; पञ्च० १७,
 क० प० १, १२, क० ग० ४, २१,
 इत्तर त्रि० (इत्तर) अल्प क्षण; अल्प
 क्षण, अल्प समय का, किंचित् काल Of a
 short duration सूय० १, २, ३,
 ८; विशे० २६, ठा० ६, पचा० १, ६,
 —परिग्रहा स्त्री० (-परिग्रहा—इत्तर-
 मल्पमल्पकालं वा परिग्रहो यस्याः सा
 इत्तरपरिग्रहा) थोड़ा वधूतने भाटे प्रदत्त
 धरेण, वेश्यादि थोड़े समय के लिये ग्रहण
 की हुई, वेश्यादि a woman accepted
 for a short time, a harlot etc
 प्र० २७, ८, —परिग्रहियागमण न०
 (-परिगृहीतागमन) नानी उमरनी
 पण्डित स्त्री साथे गमन करने, मैथुन सेवन
 ते, श्रावणना योथा व्रतने प्रथम अतिथार
 छोटी उमर की विवाहित स्त्री के साथ गमन
 करना—मैथुन सेवन करना, श्रावक के
 साथे व्रत का प्रथम अनिचार sexual
 intercourse with a girl-wife, the
 first Atichāra of the 4th vow
 of a Jaina layman पचा० १, १६,
 —परिग्रहिया, स्त्री० (-परिगृहीता)
 नानी उमरनी पण्डित स्त्री छोटा उमरकी
 विवाहित स्त्री a girl wife प्र० २७८
 —वास पु० (-वास) थोड़ा निवास.
 थोड़ा निवास, short stay or resid-
 ence सूय० १, २, ३, ८,
 इत्तरिय त्रि० (इत्तरिक) थोड़ा वधूतनु
 थोड़ा समयनु: अल्प क्षणीत अल्प कालीन
 थोड़े समय का Lasting for a short
 time short-lived पंचा० १०, ११
 ओव० १९, अणुजो० ११; पञ्च० १ १७,
 उत्त० ३०, ८, भग० २५, ७ वव० २८,

६, २०; निमी० २, ५६; १०, ५०, उवा० १,
 ४८; (२) पादोपगमन मरणुनी अपेक्षाये
 थोड़ा वधूतनुं धीगित मरणु इत्यु ते पादोप-
 गमन मरण की अपेक्षा से थोड़े समय का
 इगित मरण करना accepting the
 Ingita kind of death which is
 speedier than the Pādopa-
 gamana kind of death. आया०
 १, ७, ६, २२२; जला वायु, गमनशील
 गमनशील having the nature to
 go or move or pass away उ०
 १०, ३,

इत्तरी स्त्री० (इत्तरी) थोड़ा वधूतना भाटे
 शोभित-वेश्या आदि. थोड़े समय के लिये
 रखी हुई वेश्या आदि A woman
 temporarily kept e g a harlot
 etc पचा० १, १६

इत्ति अ० (इति) ऐव, ऐवीरीते आ प्रक्षे
 इस प्रकार का, इस तरह Thus, in
 this way; in that way आया०
 १ १, १, १३, अणुजो० १०

इत्तिअ-य त्रि० (पुतावन्) ऐतु ऐतला
 प्रमाणुनु, अमुक-नियमित प्रमाणुनु इतना.
 इतने प्रमाण का, अमुक नियमित प्रमाण
 का That much this much,
 उ० ३०, १८

इत्थ अ० (अत्र) अति आ आदि, आ
 इतले यहाँ, इस स्थानपर. Here, in
 this place दस० ६, ४, १ आया० १,
 २, ६, १८३ वेय० ३, २५ पि० नि० मा०
 २१, भग० १५, १, नाया० ६, १७ ज० प०
 वव० ८, १०,

इत्थं अ० (इत्थम्) ऐवीरीते, आ प्रक्षे
 इस प्रकार से. In this way thus.
 नाया० १ ७, ६, १४ पञ्च० २०

इत्थंथ त्रि० (इत्थंथ) लोडप्रसिद्ध आकारे
गुहेल, लौकिक सस्थानवानु लोकप्रसिद्ध
आकार से रहा हुआ, लौकिक सस्थानवाना.
Remaining in a common shape,
possessed of ordinary con-
figuration of body “इत्थंथ च
चयइ सव्वसो सिद्धे वा हवइ सामणु”
दस० ६, ४, २, ३,

इत्थि स्त्री० (स्त्री) श्री नारी स्त्री नारी
A woman उत्त० १, १६ नाया० ८,
८ भग० ३, ४, १५, १, क० ग० १,
२०, २, ३० —आणमणी स्त्री०
(-आजापनी) स्त्राते आदेश इत्यानी
ओलाववानी भाषा स्त्रीको आदेश करने की
बुलान की भाषा a form of address
to a woman to call her पञ्च० २,
—कम्म न० (-कर्मन्) श्रीते पश इ-
वानु काम स्त्री को वश करने का काम
the work of bringing a
woman under control. सय० १,
६, १३ (२) इत्थंथर्म पगेरे आवध
अनुष्ठान हस्तकर्म आदि पाप पूर्ण कार्य
a sinful action like self-abuse
etc सय० १, ६ १३ —कला स्त्री०
(-कला) श्रीनी येसइ कला स्त्री की,
कला, ६४ प्रकार का स्त्री-कला any of
the 64 accomplishments of a
woman ज० प० २ —कलेवर न०
(-कलेवर) श्रीनु शरीर स्त्री का शरीर
the body of a woman “इत्थि
कलेवराण नखिरणसु च बहुमाणो ” पचा०
१, ६६ —कहा स्त्री० (-कथा) श्री
सम्बन्धी कथा, या० विद्वत्प्रामाणी येइ स्त्री
सम्बन्धी कथा, चार विद्वत्प्रामाणी से का एक
कथा talk about women, one
of the four unreligious kinds of

talk ‘ इत्थि कहा चउविहा पण्णना
तजहा ’ ठा० १, २ नम० १ —काम
पु० (-काम) श्रीनी कामना श्रीमयी
काम भोग स्त्री की कामना स्त्री सम्बन्धी
काम भोग enjoyment of women,
desire for sexual pleasures
“एवमेव ते इत्थिकामेहि मुच्छिया” सय० २,
२ ३१ दस० १०, ७. —कामभोग पु०
(-कामभोग) श्री सम्बन्धी कामभोग
स्त्री सम्बन्धी कामभोग sexual enjoy-
ment, enjoyment of women
“एवमेव ते इत्थिकामभोगोह मुच्छिया
गिद्धा सय० ठा० २ १, १०, दसा०
६, १ —कुलंथ न० (-कुलंथ)
कुलमा गुहेल इत्यानी श्री मातादि कुलान
स्त्री मातादि a noble woman a
mother etc नार्या० ५ भग० १५,
१०, —गण न० (-गण) श्रीओतो
सम्बन्धी स्त्रियों का समूह a group
of women, a crowd of women.
“नो इत्थिगणण मेवित्ता भवइ” ठा० ६,
—गर्भ पु० (-गर्भ) श्री सम्बन्धी गर्भ-
संश्लेष पुद्गल पिण्ड स्त्रीसम्बन्धी गर्भ सजाव
पुद्गल पिण्ड foetus embryo भग०
८, ४ —गुम्म न० (-गुल्म) श्रीओतो
अमूर्त स्त्रियों का समूह a bevy of
ladies “इत्थिगुम्मपरिवुड” दसा० १०,
—चोर पु० (-चोर) श्रीना रूपतो
येर परस्त्री अपट स्त्री के रूप का चोर
परस्त्री लपट one enamoured of
the beauty of the wives of
others पन्थ० १, ३ —ट्टाण न०
(-स्थान) श्री न्या येमे, डेडे ते
स्थान स्त्री जहां उठे बैठे वह स्थान a
place frequented by women
“नो इत्थिट्टाण मेवित्ता भवइ” ठा०

६, —**णाम**. न० (-नामन्) जेथी स्त्री रूपे जन्म लेवे। पडे तेवी नामधर्मनी ओइ प्रकृति. नामकर्म की एक प्रकृति जिसके कारण स्त्री रूप जन्म लेना पडे a variety of Nāmakarma causing birth as a woman. नाया० ८; —**णाम गोय कम्म** न० (-नामगोत्रकर्मन्) स्त्रीना गोत्रमां-जतिमां जन्म लेवे। पडे तेवुं धर्म. ऐसा कर्म जिससे स्त्री जाति में जन्म हो. a Karma by which one has to take birth as a female नाया० ८, —**तित्थ** न० (-तीर्थ) स्त्रीरूपे जन्मेले भट्टीनाथ तीर्थकरनुं तीर्थ-शासन स्त्रीरूप से जन्मे हुए मल्लीनाथ तीर्थकर का शासन the canon of Mallinātha Tirthankara who was born as a female ठा० १०, —**दोस** पु० (-दोष) स्त्रीना दोष-अवगुण स्त्री के दोष अवगुण the faults of a woman, the defects of a woman. “ इत्थि-दोस सकिणो होति ’ सूय० १, ४, १, १५, —**पच्छाकत्** वि० (-पश्चात्कृत) जेणे स्त्रीपणु पाछल करयु छे-टाह्यु छे ते जिसने स्त्री रूप जन्म दूर कर दिया है वह (one) who has banished female birth भग० ८, ८, —**पराणवणी** स्त्री० (-प्रज्ञापनी) स्त्रीना ललणुनु प्रतिपादन करनार मोहजनक भाषा स्त्रीके लक्षण का प्रतिपादन करनेवाली मोहजनक भाषा fascinating, captivating language describing characteristics of women पत्र० ११, —**परिसह** पु० (-परिषह) स्त्री-सम्बन्धी परिषह, डाँठ स्त्री सम्बन्धी व्यवहार लाव लाव करे तो पणु अक्षित न थयु ते. २२ परिषहमानो ओइ स्त्री सबवी परीषह, कोई स्त्री, समय मे विचलित करने

के लिये हाव भाव करे तो भी विचलित न होना, २२ परीषहो मे का एक परीषह. resisting erotic enticements offered by a woman, one of the 22 Parisahas. भग० ८, ८, उत्त० २, १, —**परिसह विजय** पु० (-परिषहविजय) ओइ-तवासमा अभुङ्ग धणी इषादी स्त्री आवी, अनेक प्रकारना हावभाव इटाक्ष वगेरेथी परिषह आपे छतां पणु मन न उगावीने परिषहपर विजय भेदववे। ते. एकान्त-वास में कोई बहुत रूपवान् स्त्री के आने और हाव, भाव, कटाक्ष करनेपर भी मन को चलित न होने देना और परिषह विजय प्राप्त करना maintaining one's control over the mind in spite of the amorous glances etc of a fair woman in a private place भग० ८, ८; —**पोसय** पु० (-पोषक—स्त्रिय पोषयन्तीति स्त्रीपोषकाः) स्त्रीनुं भरण पोषण इग्लार पुत्र्य स्त्री का भरण पोषण करनेवाला पुरुष a person who maintains a woman सूय० ३. ४, १, २०, —**भाव** पु० न० (-भाव) इटाक्ष सदृश वगेरे स्त्रीना हाव लाव. कटाक्ष, सदृशन आदि स्त्री के हाव, भाव amorous movements, glances etc of a woman “ मोहुम्मायजणणाइं सिगारियाइ इत्थिभावाइ उवदसेमणी ” उवा० ८ २४६, —**रज्ज** न० (-राज्य) स्त्रीनुं राज्य, स्त्री जया रत्तत्रपणु वने छे ते स्त्री क राज्य जहा स्त्री स्वतंत्रता मे व्यवहार करत है वह petticoat government “ अज्जा अवारियाओ इत्थिरज्ज न न गच्छ ” गच्छा० १. ६६, —**रयल** न० (-रत्न) अकवर्तिनीं मुज्ज पट्टराणी, अकवर्तिना १० रत्नमानु ओइ रत्न चक्रवर्ति की मुद्र

पट्टराणी, चक्रवर्ति के १४ रत्नों में से एक रत्न the principal queen of a Chakravarti, one of the 14 gems of a Chakravarti ज० प० ३, ६८, पञ्च० २०, भग० ५, ५, ठा० ७, —रूप न० (-रूप) स्त्री स्वरूप, स्त्री का आकार the form of a woman, the shape of a woman. तडु० —लक्षणा. न० (-लक्षण) सामुद्रिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्रीना लक्षण, ७२ कलाभानी ऐक कला सामुद्रिक शास्त्र प्रसिद्ध स्त्री के लक्षण, ७२ कलाओं में से एक कला the marks of a woman as related in the science of palmistry, one of the 72 arts or accomplishments. नाया० १, ओव० ४०, (२) ऐतुं प्रतिपादन करने का पाप इस का प्रतिपादन करने से लगने वाला पाप the sin arising from explaining the above, (३) श्रुतु ऐक अध्ययन श्रुत का एक अध्ययन name of a chapter of scriptures सूय० २, २, ३०, —लिंग न० (-लिङ्ग-स्त्रियो लिङ्ग स्त्रीलिङ्ग) स्त्रीलिंग, स्त्रीनुं शरीर स्त्रीत्व, स्त्री जाति womanhood पञ्च० १, —लिंगसिद्ध पु० (-लिङ्गसिद्ध) स्त्रीपणु सिद्ध थवुं ते, स्त्री लवमा भोक्ष नुं ते. स्त्रीरूप में सिद्ध होना, स्त्री पर्याय से मोक्ष जाना attainment of salvation in the condition of womanhood पञ्च० १, —वउ स्त्री० (-वाच्) स्त्रीलिंग प्रतिपादक वचन, माला शाला धत्यादि नारी जतिना शब्द स्त्रीलिंगी वचन—शब्द, माला, शाला आदि स्त्रीलिंगी शब्द a word in the feminine

gender, feminine gender. पञ्च० ११; —वयण न० (-वचन) स्त्रीलिंग वचन—नारी जतिना शब्द, वीणा, इत्या आदि स्त्रीलिंगी शब्द feminine gender, a word in the feminine gender आया० २, ४, १, १३२, पञ्च० —वस पुं० (-वश) स्त्रीने वश, स्त्रीना इत्यन्तमा गयेत्. स्त्री के वश, स्त्री के अधीन a hen-pecked man, one who is under the control of a woman ' इत्थि वसंगया बाला ' सूय० १, ३, ४, ६. —विग्रह. पु० (-विग्रह) स्त्रीनु शरीर स्त्री का शरीर the body of a woman आया० २, १, ३, १२, दस० ८, २४, —विणवणा स्त्री० (-विज्ञापना) युवतिने भोगभाटे प्रार्थना अरन् करवी ते युवति से भोग के लिये प्रार्थना करना courting the affection of a young woman for enjoyment सूय० १, ३, ४, १०, ११, १२, —विपजह पु० (-विप्रजह) स्त्रीना त्यागी, स्त्रीने त्याग करनेवाला स्त्री का त्यागी, स्त्री का त्याग करनेवाला one who abandons the company of a woman "नारीसु नोवगिज्जिक्का इत्थि विपजहे अणगारे ' उत्त० ८, १६, —विपरियासिय न० (-विपर्यासित) स्वप्नमा स्त्री साथे भोग भोगया डोय ते स्वप्न में स्त्री के साथ भोग भोगा हो वह enjoyment of a woman in a dream आवा० ४, ४ —विसह मेहिअ त्रि० (-विषय गृह) स्त्रीना विषय सुभमा गृह थयेत् स्त्री के विषय-सुख में गृह (one) greedy of sensual enjoyments with women दसा० ६, ११, १२,

—वेद. पुं० (-वेद) स्त्रीवेद; मोहनीयकर्म-
नी ऐक प्रकृति, स्त्रीने विकार थाय ते. स्त्रीवेद;
मोहनीयकर्म की एक प्रकृति स्त्री को जो
विकार होता है वह. desire or
feeling particular to a woman;
a variety of Mohaniya-karma.
सम० २१, जीवा० १, उत्त० ३२, १०२,
—वेदग. पुं० (-वेदक) स्त्रीवेदना
उदयवाले श्रुत स्त्री वेद का उदयवाला जीव.
a soul with feminine feeling
or inclination. भग० २, २, २६, १;
—वेदय पुं० (-वेदक) श्रुतो उपलो
शब्द. देखो उपर का शब्द. vide
above. भग० ६, ३१, —वेय पुं०
(-वेद) स्त्री वेद, स्त्रीने पुरुष साथे भोग
भोगवानी छुआ थाय ते स्त्री वेद, स्त्री
को पुरुष के साथ भोग भोगने की इच्छा
होना desire on the part of a
woman for sexual pleasure क०
प० ७, २६, जीवा० १, भग० २, ५; उत्त०
३२, १०२, (२) जेना उदयथी स्त्रीवेद
प्राप्त थाय ऐवी नोक्षाय मोहनीयनी ऐक
प्रकृति. नोक्षाय मोहनीय की एक प्रकृति
जिसके उदय से स्त्रीवेद प्राप्त हो a variety
of the 9 minor deluding faults
entailing feminine inclination.
भग० २३; (३) स्त्री भोग सत्यधी
विषयनु प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र, काम
शास्त्र स्त्री भोग संबन्धी विषय का प्रति-
पादन करनेवाला शास्त्र; काम शास्त्र
sexual science. सूय० १, ४, १, २३,
—वेयग. पुं० (-वेदक) श्रुतो 'इत्थि-
वेदग' शब्द. देखो 'इत्थि वेदग' शब्द. vide
'इत्थिवेदग' भग० ६, ३; ४, ठा० ४,
५, —वेयण पुं० (-वेदज्ञ) स्त्री वेद-
स्त्री चरित्रमा निपुण; स्त्रीवेद-कामशास्त्रने

नपुनार स्त्रीवेद-स्त्रीचरित्र में निपुण, काम
शास्त्र जाननेवाला. one expert in
sexual science; one who knows
the characteristics of women.
सूय० १, ४, १, २०, —संकलितृ त्रि०
(-संकलित) स्त्रीने लीथे इलेश पामेद स्त्री के
कारण कष्ट पाया हुआ (one) troubled
on account of a woman. प्रब० १२०,
—संग. पुं० (-सङ्ग) स्त्रीने संग, स्त्रीनी
सोयत. स्त्री की संगति company of
a woman सूय० टी० २, २, २६,
संपक्क पुं० (-सम्पर्क) स्त्री साथे संसर्ग
करवे। ते, स्त्रीसंगध स्त्री के साथ ससर्ग
करना सो; स्त्रीसमागम companionship,
contact, with a woman सूय० टी०
२, ४, १, १३; —संवास पुं० (-सवास)
स्त्री साथे भोग भोगवणे ते. स्त्रीक साथ भोग
भोगना enjoyment of pleasures
with a woman सूय० टी० १, ४, १,
१०, —संसर्ग पुं० (-संसर्ग) स्त्रीने
संसर्ग स्त्रीका संसर्ग contact with
a woman. दस० ८, ५७, —संसक्त
त्रि० (-संसक्त) स्त्री साथे सगत करे।
स्त्री का सग किया हुआ (one)
attached to or in love with a
woman ठा० १०, —सद्वा स्त्री०
(-श्रद्धा) स्त्रीमा श्रद्धा-विश्वास रखवे ते
स्त्री में श्रद्धा-विश्वास-रखना confidence
or trust in a woman सूय० टी०
१, ४, १; २४; —सहाव पुं०
(-स्वभाव) स्त्रीने स्वभाव स्त्रीका स्वभाव
woman-nature सू० च० ४, १६७,
सूय० टी० १, ४, १, २०, —सागा
रिय. त्रि० (-सागारिक) जेभा स्त्री
रहेती होय ते स्थान. जिसमें स्त्री रहती होवह
स्थान. an apartment for women.

“ नो कप्पइ निग्गथाणं इत्थिमागरिण उव-
स्सए वत्थए ” वेय० १, २५, २६, २७, २८,
इत्थिका स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री स्त्री A
woman दसा० १०, ४

इत्थित्त न० (स्त्रीत्व) स्त्री पणु स्त्री पना,
स्त्रीत्व Womanhood दसा० १०, ४,
इत्थिपरिणणा स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) ओ नामनु
सुयगडाग सूत्रनु येथु अध्ययन इस नाम
का नूयगडाग सूत्र का चौथा अध्याय The
4th chapter of Sūyagadānga
सम० २३,

इत्थियलक्खण न० (स्त्रीकलक्षण) ६।१
लाव आदि स्त्रीना लक्षण स्त्री के हाव, भाव
आदि लक्षण A characteristic
mark of a woman, e g glances,
sportive gestures etc नाया० १
इत्थिया स्त्री० (स्त्रीका) स्त्री, मैरी स्त्री,
पत्नी. A woman a wife ठा० ४, २,
प्रव० ८६० भग० १५, १, दसा० १०, ३
इत्थी स्त्री० (स्त्री) स्त्री नारी स्त्री पत्नी,
ओरत A woman, a wife क० ग०
४, २६ क० प० २, ८४ ८५, ५, ४५, “से
कित इत्थीओ २ तिविहाओ पणुत्त ओ ”
नाया० ८, सम० ६, जंवा० १, अणुजा०
१२८, ओव १६, ठा० ३ १, दसा० ७, १
आया० १, ६, २, ८, उत्त० ३०, २२,
३६, ४६, ४२, निमी० ७, २१ ६, ६, पन्न०
१, सु० च० ४, १५४, दस० ५, २, २६
६, ५६ पिं० नि० १६२, भग० २, ५, ५,
४, ६, ३, १६, ६ १८ ४ —कलेवर
न० (-कलेवर) स्त्रीनु शरीर स्त्री का
शरीर female body पचा० १, ४६,
—कहा स्त्री० (-कथा) आर विड्ढाभानी
ओड स्त्रीकथा चार विकथा में की एक
one of the four Vikathās, talk
about women आव० ४, ७. —काम

पुं० (-काम) स्त्री संबंधी काम भोग स्त्री
सम्बन्धी काम भोग sexual enjoy-
ment प्रव० ८४०, —गुत्त न०
(-गोत्र) स्त्री गोत्र, स्त्री जति स्त्री गोत्र,
स्त्री जाति womankind दस० ७, १७;
—पच्छाकड त्रि० (-पश्चात्कृत) लुओ
“ इत्थि पच्छाकड ” शब्द देखो “ इत्थि
पच्छाकड ” शब्द vide “ इत्थि पच्छा-
कड ” भग० ८, ८, —परिवुड त्रि०
(-परिवृत) स्त्रीधी विटायेल स्त्री से घिरा
हुआ surrounded by women
निसी० ८, १०, —मज्झगय त्रि०
(मध्यगत) लुओ “ इत्थि मज्झगय ”
शब्द देखा “ इत्थि मज्झगय ” शब्द
vide “ इत्थि मज्झगय ” निसी० ८, १०
—रयण न० (-रत्न) लुओ “ इत्थि
रयण ” शब्द देखो “ इत्थि रयण ” शब्द
vide “ इत्थि रयण ” ज० प० पन्न० १
—रूव पु० (-रूप) लुओ “ इत्थि
रूव ” शब्द देखो “ इत्थि रूव ” शब्द
vide “ इत्थि रूव ” वेय० ५, १, भग०
३, ४, —वड स्त्री० (-वाक) लुओ
“ इत्थि वड ” शब्द देखो “ इत्थि वड ”
शब्द vide “ इत्थि वड ” पन्न० ११,
—वेअ-य पु० (-वेद) स्त्रीने थनी
पुत्र समलगमनी अभिलाषा स्त्री का होता
हुइ पुरुष समागम की अभिलाषा the
desire of sexual intercourse
on the part of a woman ठा० ६,
१ पन्न० २३, उत्त० २६, ५, —वेद पु०
(-वेद) लुओ उपदेो शब्द देखा
ऊपर का शब्द vide above भग०
२०, ७ —वेदग पु० (-वेदक) लुओ
“ इत्थि वेदग ” शब्द देखो “ इत्थि
वेदग ” शब्द vide “ इत्थि वेदग ”
भग० ६, ३१ ११, १ २४, १ २५, ६

३५, १; —संसक्त त्रि० (—संसक्त)
स्त्रीमां आसक्त स्त्रीसे आसक्त attached
to a woman; in love with a
woman निसी० ८, १०; —सहाव. पु०
(—स्वभाव) लु० “इत्थि सहाव” शब्द.
देखो “इत्थि सहाव” शब्द vide ‘इत्थि
सहाव’ मु० च० ४, १६७,

इत्थीतित्थ न० (स्त्रीतीर्थ) १६ भा मल्ली-
नाथ स्त्री रूपे छतां छता तीर्थ प्रवर्तव्युं ते;
दश अछेरामानु त्रीलुं अछेस् स्त्री तीर्थ-
कर, १६वें तीर्थकर मल्लीनाथ, १० अछेर
(आश्चर्यजनक बात) मे से एक the 3rd
of the 10 Achheerās (i. e.
wonderful events), viz the
founding of a Tītha (religi-
ous community) by the 19th
Tīthankara Mallinātha who
was a woman प्रव० ८६२,

इत्थीपरिज्ञा स्त्री० (स्त्रीपरिज्ञा) सूयगडांग
सूत्रना योथा अध्ययननु नाम के नेमा स्त्री-
यो साधुओने केरी रीते इसावी दुःखी डरे
छे तथा साधुये तेनाथी केम अयवु ते
विपेने उपदेश तथा समज आपनामां
आवी छे सूयगडांग सूत्र के चौथे अध्ययन
का नाम जिसमे यह वर्णन है कि स्त्रिया साधु-
ओं को किस प्रकार फंसाकर दुःखी करती है
और साधुओं को उनसे किस प्रकार बचना
चाहिये Name of the 4th chapter
of Sūyagadānga dealing with
the ways in which women
entice and entrap Sādhus and
also pointing out the ways in
which a Sādhu can avoid and
escape them. सूय० १, ४; २, २२
सम० १६;

इडार्णि अ० (इडानी) डमला. अडुला.

अभी. Now at this time भग० ३,
१, ११, ११; १४, ६, नाया० २, मू० प०
१६; उवा० १, ६६,

इडुर. न० (इडुर) मुडो बड़ी टोपली
A large basket अणुजो० १३२
(२) मोटी पाट. बडा पाट-लकड़ी का
बैठने का पाट a large wooden seat
राय०

इन्हि. अ० (इडानीम्) अधुना, हुवे अब
इस समय Now; at this time
प्रव० ३५६,

इडम्. पु० (इडम्) नेटला द्रव्यथी अयाडी
सहित हाथी डकाय तेडला द्रव्यवाला गृहस्थ
इतने द्रव्यवाला गृहस्थ कि जिसके द्रव्य से
अंवाडी महित हाथी ढक जाय. A man
possessed of wealth, enough
to drown an elephant bearing
an ornamental seat upon its
back पन्न० १ १६, ओव० १४, २७,
ठा० ६, भग० ६, ३३; अणुजो० १६, ३१,
राय० २५३; जीवा० ३, ३, ज० प०
नाया० ५, —कुल न० (—कुल) साधु-
डारनु कुल साहूकार का कुल a wealthy
family. नाया० ५, —जाइ स्त्री०
(—जाति) आर्य जाति आर्य जाति the
Ārya or civilised race. “हरिया
चंचुणा चैव छव्मेया इडमजाडओ” ठा० ६
—सेट्टि पु० (—श्रेष्ठिन्) नगर सेठ
नगर सेठ, नगरभर का मुखिया सेठ the
chief merchant-prince of
town नाया० ५, १६,

इड पु० (इडम्) हाथी हस्ती; हाथी An
elephant ज० प० २, कप्प० ३, ३३,

इड त्रि० (—इडम्) आ ओ, प्रत्यक्ष यह
प्रत्यक्ष This, that ओव० ३१, व०
२, २२; २३ २६ ७, ४; १८ दमा० १,

३, ५, १, २, ३, १६, निमी० ६, ४, विशेष०
२६८, सू० प० १, ६४, ३, १३८ भग०
५, १ ८, ६, पञ्च० १५.

इमंचण अ० (इमञ्चन) ओटलाभा, ते
दरम्यान, ओ वખतभा, इतनेमें, इतने समय
में During that time, mean-
while अत० ३, ८, नाया० १, ५, १३,
१४, १६.

इमेयारूव त्रि० (एतद्रूप) आप्रधारतुं,
आप्रभाणु इस प्रकार, इस तरह In this
way thus नाया० ३, ७, ८, १२, १३,
१४, १६, विवा० ७, दसा० १०, ३, वव०
२, २३, उवा० १, ६६, ३, १३८, ४,
१५१, कप्प० ५, १०३, भग० २, १;

इमेरिस त्रि० (ईदश) आगेवु, आप्रधारतु
इस प्रकार का, इसके समान Of this
sort, of this nature “ इमेरिस
मण्णायार आवज्जह् अबोहिय ” दस०
६, ५७,

इय अ० (इति) आ प्रक्षरे, ओ प्रभाणु
इस प्रकार से, इस तरह से Thus in
that way नाया० १, दस० ६, २१,
पि० नि० २०१, सु० च० १, ६४, विशेष०
७४ ३६०२, आया० १, २, ३, ७७, १,
६, २, १८३, उवा० ७, २१६ पच० २,
पचा० ४, ३२, क० ग० १. ५, २६, ३०
६१, (२) समाप्ति समाप्ति a word
marking conclusion दस० ६, ४६
नाया० ६ पि० नि० ३७६ क० ग० १,
२५, ३, ४,

इयसिंह अ० (इदानी) एमण्ण अभी
Now, at this time ठा० ३, ३,

इयग. त्रि० (इतर) भीणु, अन्य, भिन्न
दूसरा, अन्य, भिन्न Another, differ-
ent, other पञ्च० २१ विशेष० २६,
७५, आया० १, ६ २ १८४ नाया० ५,

११, सू० प० ११, पि० नि० भा० ७, सु०
च० १, १, कप्प० १, ३, क० ग० १, ८,
पचा० १, ६, —कुल न० (-कुल) अन्त
प्रान्त कुल अन्य कुल another
family different family “ इयरे-
हिं कुलोहिं ” आया० १, ६, २, १८४,
—भेअ पु० (-भेद) अन्य भेद अन्य
भेद, दूसरा भेद another difference,
another variety विशेष० ६७;

इयरत्थ अ० (इतरत्त) भीणे स्थले दूसरे
स्थान पर In another place, else-
where विशेष० १२८,

इयरविह त्रि० (इतरनिध) धतर-भीण
प्रधारतुं अन्य प्रकार का Of another
sort, different क० ग० १, ८,

इयरहा अ० (इतरथा) अन्यथा, नहिं तो
अन्यथा In another way, other-
wise भक्त० ३६, प्रव० १४८१,

इयारिण. अ० (इदानीम्) एमण्ण, अधुना अभी
Now, at this time ओव० ३६.
नाया० १, ५, १३, १४, १६, १६, भग०
१, ४, ६, ७, ६. १४, २, राय० २५२,
आया० १, १, ४, ३५, ज० प० ७, १४१
कप्प० ४, ६३,

इयाल स्त्री० (एकचत्वारिंशत्) ओकतालीस
४१नीसण्ण डकतालीसवी सख्या Forty-
one, 41 “ चउक्क पचग मजोणेणं
इयाल भगसय भवति ” भग० २०, ५,

✓ **इर** वा० II (इर्) प्रेरणु डरेवी
प्रेरणा करना To impel, to incite
(२) गमन करतुं गमन करना to go
डरेड विशेष० १०६०,

इरिय त्रि० (इरित) प्रेरणु डरेड प्रेरित
गति कराया हुआ Made to go
prompted विशेष० ३१४४,

इरियज्भवन न० (ईर्याध्ययन) आचारंग सूत्रनी प्रथम चूलिका का तीसरा अध्याय. The third chapter of the first Chūlikā of Ācharāṅga Sūtra. आया० २, ३, १, ३०५;

इरियट्ट. त्रि० (ईर्यार्थ) धर्या-विशुद्धि अर्थे ईर्या अर्थात् विशुद्धि के लिये. Aiming at purity or carefulness in walking ठा० ६,

इरिआ-या स्त्री० (ईर्या) गमन क्रिया, उपयोगपूर्वक आलस्य ते; समितिना ओक प्रकार. गमन क्रिया, उपयोगपूर्वक चलना, समिति का एक भेद. Carefulness in walking, a variety of Samiti or carefulness ओव० १७, भग० २, १, ३, ३, पि० नि० ६६२; उत्त० २४, २, ४ उवा० १, ७८, —असमिति. स्त्री० (—असमिति) धर्यासमितिना अलस्य ईर्यासमिति का अभाव lack of carefulness in walking भग० २०, २; —वह. पुं० (—पथ) गमन मार्ग जाने का मार्ग a way or road to go by. भग० ३, ३, ११, १०, ठा० —वह किरिया स्त्री० (—पथ क्रिया) गमन क्रिया विशेष गमन की क्रिया विशेष a kind of Karma arising from walking ठा० ५, —वहिअ त्रि० (—पथिक) तेरमु क्रिया स्थानक, समिति गुप्ति युक्त यत्नावत साधुने छालता आसता आभती पापणु हलवाता योग निमित्ते क्रिया लागे ते तेरहवा क्रिया स्थानक, समिति, गुप्ति युक्त यत्नावान् साधु को हलन चलन करने या आख के पलकों को हलाने पर योग के अर्थात् मन वचन, काय के कर्म के निमित्त से जो कर्म बंध हो वह the 13th source

of Karma (Kriyā-sthānaka), a Karma incurred by a careful and well-restrained Sādhu by the thought and action of movement, by twinkling the eye etc सम० १३, सूय० २, २, १६. २३; —वहिय बंध. न० (—पथिकबन्ध) गमनक्रिया थी लागतो कर्म बंध गमन की क्रिया से होता हुआ कर्म बंध Karma bondage incurred by walking भग० ८, ८, —समिद्ध. स्त्री० (—समिति) आसतामा यत्ना नभती ते, पाय समिति भानी पेत्री समिति. चलने में यत्नाचार रखना, इस प्रकार ध्यान पूर्वक चलना जिसमें जीवों को बाधा न हो, पाच समिति में की पहिली समिति carefulness in walking; the first of the 5 Samitis ठा० ५, ३; ८, काप० ५, ११६, —समिय त्रि० (—समित) यत्ना पूर्वक आसता, धर्या समिति युक्त यत्नाचार पूर्वक चलने वाला ईर्या समिति का पालन करनेवाला (one) walking with care and attention. नाया० १; ५, १४, १६, भग० २, १. १२, १, १८, २, २०, २, दया० ५, ६,

इरियावहित्रा स्त्री० (ईर्यापथिकी) धर्या वाली क्रिया ११-१२-अने १३ में गुणुछाले उपशानमोह के क्षीणमोहवाला साधुने उपय योग निमित्ते सातावेदनाय कर्म रूपे कर्म बंध थाय ते इरियावही क्रिया, ११, १२ और १३ वें गुणस्थान में उपशांत मोह या जीण मोहवाले साधु को केवल योग के निमित्त से साता वेदनाय कर्म रूप जो बंध हो वह Iriyāvahī Kriyā, i. e. Karma bondage incurred by an ascetic in the 11th, 12th and 13th

spiritual stages (Guna Sthāna) arising from Kevāla yoga (thought-activity) in the shape of feeling as a knower, (such an ascetic is free from delusion which has either subsided or perished)
ठा० २, १, आव० ४, ३ प्रव० ७८, भग० १, ६०, ३, ३, ६, ३, ८, ८, १८, ८, नाया० १६, वेय० ३, १६, दम० ५, १, ८८, — किरिया स्त्री० (-क्रिया , लुओ) उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द vide above भग० ७, १, ७,

इला. स्त्री० (इला) जम्बूद्वीपमानु ओड क्षेत्र जम्बूद्वीप मे का एक क्षेत्र Name of a region in Jambū Dvīpa. ज० प० ठा० ४, (२) धलावर्धन नगरनी ओड देवी इलावर्धन नगर की एक देवी name of a goddess of the town of Ilāvārdhana. ज० प० (३) पश्चिम ३५३ पर्वत उपर रहेनारी ओड दिशा दुमारी पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली एक दिशाकुमारी name of a Disākumārī residing on the western Ruchaka mountain ज० प० — कूड न० (-कूट) यूद्ध हिमवत पर्वत उपर धला-देवीना वासवाणु योयुं शिपर चूल हिम-वत पर्वत का चौथा शिखर जहा इलादेवी का निवास है the fourth summit of Chūla Himavanta mountain where the goddess Ilā resides ठा० ४, ज० प० (२) शिपरि पर्वतना ११ इटमानु नवभू इट-शिपर शिखरी पर्वत के ११ शिखरों में से नौवा शिखर the ninth of the 11 summits

of the Śikhari mountain ठा० ४ ज० प०

इला देवी स्त्री० (इला देवी) पश्चिम ३५३ पर्वत पर रहेनारी आठ दिशा दुमारिकाभानी पहेली पश्चिम दिशा के रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशा कुमारिकाओं मे से पहिली दिशाकुमारी The first of the eight Disākumārīs residing on the western Ruchaka mountain निर० ४, १; ज० प० ५, ११४, — कूड न० (-कूट) लुओ “ इलाकूड ” शब्द देखो ‘ इलाकूड ’ शब्द vide ‘ इलाकूड ’ ज० प० ५, ११४,

इलापुत्र पु० (इलापुत्र) धलावर्धन नगरना रहेवाशी ओड शेहनो पुत्र-ओलायी कुमार के ओ ओड नटनीमा लुब्ध धर्ष दुल नतिथी भ्रष्ट थयो हुतो पणु पाछलथी ओध पाभी दीक्षा लीधी हती इलावर्धन नगर के रहनेवाले एक सेठ का पुत्र, एलाची कुमार जो कि एक नटनी पर लुब्ध होकर कुल जाति से भ्रष्ट हो गया था और पीछे से बोध को पाकर दीक्षित हुआ Elāchī Kumāla a son of a merchant of Ilāvārdhana town, he was enamoured of an actress and had become degraded but later on he got right knowledge and became a monk ज० प०

इलापति पु० (इलापति) ओलापत्य गोत्रनो प्रकाशक आदि पुत्र एलापत्य नामक गोत्र का आदि पुरुष The progenitor of the family called Elāpatya नदी०

इलावर्द्धन न० (इलावर्द्धन) धलायी पुत्रनु निवास स्थान, धलावर्धन नगर इलाची पुत्र का निवास स्थान इलावर्धन नगर

The residence of Ilāchīpatra
viz the town called Ilāvā-
dhana ज० प०

इलिया-आ खी० (इलिका) भुयक्ष, ओष;
योआ वगेरे धान्यमा पडतो ओष डीडा
इल्ली, चामल वगेरह धान्यो मे हानेवाला एक
कीटा A worm found in rice and
other grains. विशेष० १३०,

इली. खी० (इली) डरगाव, जे धान्याची
तक्षवार दो धारवाली तरवार A double-
edged sword पण० १, ३:

इव. अ० (इव) येडे परे जेडुं भाड्ड.
तुल्य, सदृश्य. Like. अस सम० ३०.
दमा० ६, १. नया० १, ३, ८ १५, १६,
१८ दम० ६, ६६, ६, २, १२, भग० ८,
३३, १५, १, २०, ७; आया० १, ५, १,
१४२; ओव० १७, उवा० २, १०२; क०
ग० १, ३६, ५२,

इसणा. खी० (इसणा) अन्वेपशा, इष्ट वस्तु-
मा प्रवृत्ति अने अनिष्ट वस्तुमा त्यागशुद्धि
इष्ट वस्तु में प्रेम और अनिष्ट वस्तु में त्याग
बुद्धि Search after what is right
and good accompanied with
the desire of leaving off what
is evil and false. आया० १ ४, १,
१२५:

इसि. पुं० (ऋषि) ऋषि- ज्ञानवान् साधु
मुनि ऋषि. ज्ञानवान् साधु, मुनि A
sage, a saint- an ascetic
‘ इसीए मेहे तह बढमाणे ’ मूय० १
६, २२; २, १. ६०. जं० प० ३,
५७. पत्र० २. ओव० ३६: दम० ६, ४७,
भग० ६, ३४; १६, ३; अणुजो० १२८
डा० २, ३, उत० १२, १६, २८, ३६;
राग० २६६- जं० प० ३ ५७ —परिमा

खी० (परिपन्) अनिशय ज्ञानवाला
ऋषियोनी परीपद्सभ अनिशय महान्
ज्ञानवाले साधुओं को सभा an assembly
of highly enlightened saints
भग० ६ ३३. दमा० १०, १ —वंस
पु० (-वंश) गणुधर विगतता तीर्थरता
शिष्योनी वंश गणवर के शिष्य तीर्थरता
के शिष्यों का वंश the lineage
of the disciples of Tirtha-
kandas excepting the Gana-
dharas () ते वधनु प्रतिपदा इत०
१२ यम तायग वगेरे उक्त वंश का प्रतिपादन
करनेवाला शास्त्र समवायग वगेरह the
scripture e g Samavāyanga
etc dealing with the above
सम० २.

इसिगणिआ. खी० (ऋषिगणिका) जे
नामना अनार्य देशमा जन्मेले दासी उस
नाम के अनार्य दश में जन्मी हुई दासी
A female servant born in a
non Ārya country of the
name. ज० प० भग० ६, ३३ ओव० ३३

इसिगुत्त पु० (ऋषिगुप्त) वशिष्ठ गेता
सुहस्तिन् अचार्यना ओष धिवर नाम
वशिष्ठ गोत्र के सुहस्तिन् आचार्य के एक
धिवर शिष्य. Name of a Thivara
disciple of the preceptor
Suhastin, of the Vāṛiṣṭha
family (२) जे नामनु भाष्यगणु प्रथम
इत इम नाम का साणवगण का प्रथम कुल
नाम of the first family of
Mānavagana “ धरेहिताण इमि
गुत्तेहिता वासिष्ठमगोत्ते हि ’ कप० ८,
इसिगुत्ति. न० (ऋषिगुप्ति) जे नाम
भाष्यगणुथी तीर्थरता इत साणवगण
निकले हुए कुल का नाम Name of

family-offshoot derived from
Mānava Gana. कण० ८,

इसिण पु० (इसिन) ओ नामनो ओऽ
अनार्य देश एक अनार्य देश का नाम
A non-Ārya (uncivilised)
country of this name नाया० १,
इसिणिया स्त्री० (इसिनिका) इसिण नामक
अनार्य देशनी स्त्री इमिण नामक अनार्य
देश की स्त्री A woman of a non-
Ārya country (uncivilised
country) named Isina पञ्च० १
नाया० १

इसिदत्तिय पु० (ऋषिदत्तक) रिसिगुप्त
शिवरथी भाग्यगणु नीडल्ल पीलु कुल
ऋषिगुप्त स्वविर से निकला हुआ मानवगण
का दूसरा कुल. The 2nd Mānava-
gana lineage starting with
the saint Rasi Gupta कण० ८,

इसिदास पु० (ऋषिदास) अणुत्तरोपपाठ
सूत्रना त्रिज्ज वर्गना त्रिज्ज अध्ययननु नाम
अणुत्तरोपपाठ सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे
अध्याय का नाम Name of the
third chapter of the third
section of Anuttaropapāṭi
Sūtra (२) डाइदी नगरी निरासी
भद्रामार्थवादीना पुत्र के जे दीक्षा लक्ष ११
अग लक्षी छट् छट्ना पाण्डुनी प्रतिजा
लक्ष वज्रा परसनी प्रमन्या पादी ओऽ
भाजनो संथारो डरी सर्वार्थसिद्ध विमानभा
उत्पन्न थया, त्याथी ओऽ आतार डरी
भोद पाभरो काकदी नगरी निवासी भद्रामार्थ-
वादी का पुत्र, जिसने कि दीक्षा लेकर ११
अग पडे, और प्रत्येक छट् २ (दो २ अनशन)
का पारणा करनेकी प्रतिज्ञा ली और बहुत वर्षों
तक प्रव्रजा का पालन कर अन्त में एक मास
का सधारा किया । मृत्यु होनेपर सर्वार्थसिद्धि

विमान मे उत्पन्न हुआ और अब वहा मे
एक भव और वारण कर मोक्ष जावेगा
name of a son of the mer-
chant Bhadrāsāthavāhī of the
city of Kākandī He took
Dīksā, studied 11 Angas, took
a vow to take food after every
two fasts, practised asceti-
cism for many years and after
a Santhāra (giving up food
and water) for one month
was born in the heavenly
abode called Sarvārtha Siddha
whence after one birth he
will get salvation अणुत्तो०
३, ३ — उभययण न० (-अध्ययन)
अणुत्तरोपपाठि सूत्रना त्रिज्ज वर्गना
त्रिज्ज अध्यानु नाम अणुत्तरोपपाठिक
सूत्र के तीसरे वर्ग के तीसरे अध्याय का
नाम name of the third chap-
ter of the third section of
the Anuttaropapāṭika Sūtra.
ठा० १०,

इसिदिगण पु० (ऋषिदत्त) न्यूदीपना
ओऽवतलेत्रना आधु अवसर्पिणीना पायमा
तीर्थेऽ सुमतिनाथ प्रभुना समझादीना
जव्दीप के ऐरावत क्षेत्र के वर्तमान अव-
सर्पिणी काल मम्बन्धी पाचवे तीर्थकर
सुमतिनाथ स्वर्मा के समकालीन The
5th Tirthankara (contempo-
rary of Lord Sumatinātha) of
the present Avasarpinī in the
Avavataksetra of Jambū-
dvīpa सम० प० २४०, (२) डाइदी-
डाइन्डाथार्थना थयि शिष्य कोटिक काक-
न्दकाचार्य का स्वविर शिष्य name of a

Sthavira disciple of the preceptor Kākandaka of the Kotika descent कण० ८,

इसिपाल. पुं० (ऋषिपाल) पांचमा वासुदेवना त्रीज्ज पूर्वजवनं नाम पाचवे वासुदेव के तीसरे पूर्वभव का नाम Name of the third preceding birth of the 5th Vāsudeva सस० प० २३६, (२) ऋषिवाय जतिना व्यतर देवतो षं. इसिवाय जाति के व्यतर देवों का इन्द्र Indra of the Vyantara gods of the class known as Isivāya ठा० २, इसिभद्रपुत्त पु० (ऋषिभद्रपुत्र) आलंबिका नगरीना मुज्ज्य श्रावक आलंबिका नगरी का मुख्य श्रावक The principal Jaina layman of the town of Ālambhikā. भग० ११, १२,

इसिभासिय न० (ऋषिभाषित) ऋषि-भाषित नामनुं ओइ धासिइ श्रुत दे जेभा नार्थइर आदिनी स्तुति इरेव छे हाइ तेनो विच्छेइ थछ गयो छे ऋषिभाषित नाम का कालिक श्रुत विशेष, जिस में कि तीर्थंकर आदि की स्तुति की गई है. वर्तमानमें इस श्रुत का विच्छेद हो गया है Name of a Kālika Śūta (not extant) scripture containing the praises of Tirthankaras etc सम० ४४, विशेष० १०७५, नदी० ४३, (२) त्रि० ऋषिमुनिओ इहेव उत्तराध्ययन वगेरेना अध्ययनो ऋषि-मुनि-द्वारा कहा हुआ उत्तराध्ययन वंगरह का अध्याय chapters of Uttarādhyaṇa etc narrated by ascetics विशेष० २२६१,

इसिभासियउक्तयण न० (ऋषिभाषिता-ध्ययन) प्रश्नव्याकरणदशात् उक्तं अध्ययन

प्रश्नव्याकरणदशा का तीसरा अध्याय The third chapter of Prāśnavyākaraṇa Daśā ठा० १०;

इसिया. स्त्री० (ईषिका) धासनी सत्री घांसकी सलाई A blade of grass. “ केइ पुरिसे मुंजाओ इसिय अभिणि-वट्टित्ता ” सूय० २, १, १६,

इसिवाइ. पुं० (ऋषिवादिन्) वाणव्यंतरनी १६ जतभानी ११ भी जत वाणव्यतर की मोलह जातियों में की ११वां जाति The 11th of the 16 classes of Vāṇavyantara hell-gods. पन्न० २, ओव०

इसिवाइय. पुं० (ऋषिवादिक) लुओ उपलो १७६. देखो ऊपर का शब्द Vide above. ओव० २४ परह० १, ४ इसिवाल पु० (ऋषिपाल) लुओ ‘इसिपाल’ शब्द. देखो ‘इसिपाल’ शब्द Vide ‘इसिपाल’ पन्न० २, ठा० २, ३;

इसिवालिय पुं० (ऋषिपालिन) ऋषिवाय जतिना व्यन्तरनो षं इसिवाय जाति के व्यन्तर देवों का इन्द्र The India of the Isivāya Vyantara kind of hell-gods ओव० (२) माठय गोत्री आर्षशान्तिमैनिडना स्थविर जिय माठरस गोत्र के आर्षशान्तिमैनि के स्थविर जिय the Sthavira disciple of Ārya Śantisainika of the Mātharasi family (३) तेना उपरथी नीइवेव शाखा उक्त गोत्र पर में निकली हुई शाखा a lineal branch from the above “ थेरेहितो अज्जु इमिवालिया माहा गिरगया ” कण० ८,

इसीपद्मभारा स्त्री० (ईषिपद्मभारा) लुओ ‘इमिपद्मभारा’ शब्द देखो ‘इमिपद्मभारा’

शब्द Vide “इसिपच्चारा” पन्न० २,
ओव० ४३,

इस्स पु० (ऐय्यत्) लविध्य डाल भविष्य
काल, आगामी काल. The future time
विशे ५०८

इस्सर पु० (ईश्वर) दक्षिणना भूतवादी
जगतना व्यन्तरदेवतातो छे दक्षिण के
भूतवादी जाति के व्यतर देवों का इन्द्र
India of the Bhūtavādī kind
of Vyantara gods of the south
पन्न २. (२) भाविद सरदार, सामान्य
राज्य मालिक, सरदार सामान्य राजा an
owner a lord, a king जीवा० ३
३, निर० १, १ दसा० ६, १३, १४,
—वाइ पु० (वादिन्) ईश्वर जगत्कर्ता
छे ओवे। वाइ इरनार ईश्वर जगत्कर्ता है,
इस प्रकार वाद करने वाला one who
holds that God is the creator
of the universe. सूय० टी० १, १,
२, ५

इस्सरिय न० (ऐश्वर्य) भूलाभा
ऐश्वर्य समृद्धि, बढपन Power
wealth, greatness पन्न० २३,
अणुजो० १३१, उत्त० १८, ३६, प्रव०
१०७०, विशे० १०४८, —मअ-य पु०
(-मद) ऐश्वर्यतो-भोली सपत्ति यगेरेतो
मद ऐश्वर्य-समृद्धि वगैरह का मद pride,
intoxication, of power, wealth
etc सम० ८, ठा० ८, —मद पु० (-मद)
जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द
vide above भग० ८, ६, —सिद्धि
पु० (-मिद्धि) ऐश्वर्यनी सिद्धि-प्राप्ति
ऐश्वर्य की प्राप्ति acquisition of
power and wealth सूय० १, १,
३, १५

इस्सरीकय त्रि० (ईश्वरीकृत) धनादय

नथी तेने धनादय जनावेस जो धनादय न
हो उसे बनादय बनाया हुआ (One)
raised to power and wealth
सम० २६, दसा० ६, १३,

इस्सा खी० (ईर्ष्या) अदेखाई, अदेखाई,
ईर्ष्या, दूसरे का वैभव, मान आदि सहन न
होना Envy, jealousy उत्त० ३४, २३

इह अ० (इह) अहिआ, आ लोडभा,
यहा, इस लोक में Here, in this
world राय० २३, नंदी० ४५, नाया० १,
३, ६, ७, ८, ६, १५, १६, भग० १, ६
२, १, ३, २, ५, ३, ५, ४, ७, ६, ५, ८, ८,
१८, ५, सूय० १, १, १, ७, आया० १, १,
१, ३, दस० ४, ६, ३, १५, दसा० १, ३,
विशे० ५१, निर्मा० ६, १२, क० ग० १,
३-२१ २ १७, जं० प० ७, १३३ —गय
त्रि० (-गत) अहिआ रहेले यहारहा हुआ
standing here, remaining here
नाया० ध० भग० २, १, ६, ६, ७, ६, ६,
ज० प० ७, १३३,

इहइ अ० (इह) आही यहा Here सु०
च० १४, ३०,

इह अ० (इह) आहि, छेला यहा. Here
आया० १, १, १, १, नाया० १, २, ५, ६
१६, १६, १७, पि० नि० २१६,

इहत्थ त्रि० (इहार्थ-इहैव जन्मन्यर्थः प्रयोजन
यस्य) आलोडना अर्थ सुअतो अबिलापी
इस लोक सम्बन्धी सुख का चाहनेवाला
(One) desirous of the happi-
ness of this world ठा० ४, ३-

इहभव पु० (इहभव) आ लय आ जन्म
मनुष्य जन्म यह भव, यह जन्म, मनुष्य
जन्म This life, this world,
human birth नाया० ४, ७, ६, १३,
१५, १८ भग० २, ५,

इहभविष्य. त्रि० (इहभाविक) आलव संबंधी, आ लवभा रहे तेयुं इस भव संबंधी. Pertaining to, belonging to, this birth भग० १, १; ६, ५, ३, —आयुष्य न० (-आयुष्य) आ लवनुं आयुष्य. इस भव संबंधी आयु duration of life in this birth. भग० १, ६, ५, ३; —चरित. न० (-चारित्र) आलव-गन्मनु आरित्र इस जन्म का चारित्र the right-conduct of this birth भग० १, १, —ज्ञान. न० (-ज्ञान) आ लवभा रहे येयुं ज्ञान इस भव-वर्तमान भव का ज्ञान knowledge remaining with the possessor in this birth. भग० १, १,

इहरहा. अ० (इतरथा) अन्यथा अन्यथा Otherwise, in another way. पचा० १०, २२;

इहरा अ० (इतरथा) अन्यथा; भी० रीते. अन्यथा, दूसरी तरह से. Otherwise; in a different way विशे० १-६; सु० च० ७, २८४, पि० नि० ४६१; पचा० २, ३०;

इहलोइय. त्रि० (ऐहलौकिक) आ लोड संधी इस लोक सम्बन्धी Pertaining to this world सम० ६ आया० १, ६, २, ६, २, ११, १७०, —परलोइय त्रि० (-पारलौकिक) आ लोड अने परलोडनु इस लोक और परलोक का pertaining to this world and the next world ठा० ३;

इहलोग पु० (इहलोक) आ लोड, आ गन्म, मनुष्यलव यह लोक; मनुष्यभव, वर्तमान जन्म This world; this birth human birth पि० नि० २६५, दस० ६, २, १३, उवा० १. ५७, —आसंस्मरणयोग

पुं० (-आशंसाप्रयोग) आ लोडभा लुं राजा थाउ धत्यादि धत्या डरवी ते, संथारा-नो प्रथम अतिया० इस लोकमें मैं राजा वनूं, इत्यादि इच्छा करना संथारा का प्रथम अतिचार desire of being a king in this world and such other desires, the first step of violation of Santhārā उवा० १, ५७, —पडिणीय त्रि० (-ग्रन्थनीक) मनुष्य-लोड संधी कामभोगथी विशुद्ध वर्तनार पयाग्नि तापस वगेरे, अथवा मानुषिक काम भोगभां उपद्रव डरनार, अथवा मनुष्य लव-संधी विपरीत परूपणा डरनार मनुष्य लोक सम्बन्धी काम भोग से विरुद्ध चलने वाला पचासि तापस वगेरह अथवा मानुषिक कामभोग में उपद्रव करने वाला; अथवा मनुष्य-सम्बन्धी विपरीत प्ररूपणा—विरुद्ध वर्णन करने वाला (an ascetic) practising rigorous austerities as opposed to the enjoyment of worldly pleasures, or, (one) who causes obstructions in the enjoyment of worldly pleasures, or, (one) who propounds an adverse theory in relation to human life ठा० ३ —पडिवद्ध त्रि० (-प्रतिबद्ध) आ लोडभा मयेस आ लवना भोगभां लपटाग गयेस इस लोक में-समार में लुप्त इस भव के भोगों में तह्नों plunged or steeped in the pleasures of this world ठा० ४, ४, —पारत्तहिअ त्रि० (-परत्र-हित) आ लोड अने परलोडनु हित इस लोक और परलोक का हित benefit or welfare of this world and the next world दस० ८, ४४; —भअ

पु० (-भय) भनुष्य तिर्ययादिदृथी उत्पन्न
थतुं लय, सात लयभानु ओष्ठ प्राणीयो-
मनुष्य तिर्यचादिकों से उत्पन्न भय-डर
fear arising from the beings
(men, animals, etc.,) of this
world सम० ७, ठा० ७, १, —वैयण
पु० (-वेदन) आ लोडना सुअनो अनु-
लय इस लोक के सुख का अनुभव ex-
perience of the happiness of
this world आया० १, ५, ४, १५८
—वैयणवेज्जा त्रि० (-वेदनवेद्य) आ लय-
भाण वेदवाथी वेदध लय तेवु कर्म, प्रभत्त
सयतिओ धच्छविना मात्र डाय योगथी
आधेल कर्म इस भव में ही वेदने से—
भोगने से भोगा जाय—ऐसा कर्म, प्रभत्त
सयति का भी विना इच्छा के केवल काया
के योग से बाधा हुआ कर्म (Karma)
the result of which can be ex-
hausted (borne) in this world.
(Karma) incurred by an en-
ing ascetic without special
desire, merely by the weak-
ness of the flesh आया० १, ५,
४, १५८. —वैयण वेज्जा वडिय त्रि०
(-वेदन वेद्यापतित-इहास्मिन् लोके जन्मानि
वेदनमनुभवनामिहलोकवेदन तेन वेद्यमनु-
भवनीयमिहलोकवेदन वेद्य तत्रापतितमिह-
लोकवेदन वेद्यापतितम्) आ लयभाण

भोगवाध लय ओवु कर्म, धच्छा विना मात्र
डाययोगथी कर्म अंधाय ते. इस भव में
ही भुगता जाय, ऐसा कर्म, विना इच्छा के
'केवल काया के योग से जिस कर्म का बधन
हो वह (Karma) the result of
which is exhausted (borne)
in this very birth incurred
without volition, through
weakness of the flesh आया० १,
५, ४, १५८, —सवेगिणी छा० (-सवेगिनी)
आ ससारनु स्वइय लक्ष्मीने वैगय्य पमाय
तेवी कथा ऐसी कथा जिससे ससार स्वरूप
जन कर वैराग्य प्राप्त हो a story creat-
ing disgust towards this world
by showing its worthlessness
ठा० ४,

इहलोग पु० (इहलोक) लुओ 'इहलोग'
शब्द देखो 'इहलोग' शब्द Vide
"इहलोग" निमी० १०, ३५ नाया० २
५, १७ १८, सु० च० ४, ६७, —भय
न० (-भय) आ लोडनु-तिर्यय भनुष्य
वगेरेथी थतु लय इस लोक का भय
fright caused by beings in this
world e g by men, brutes, etc
प्रव० १३३४

इहेव. अ० (इहेव) अलिण यहा ही
Here in this very place नाया०
१, ८, ६ १४ १६, भग० ३ २ १५, १

इइ

ईश्र श्री० (ईति) उपद्रव विघ्न
Disturbance, obstruction ओव०
ईइ श्री० (ईति) अनितृष्टि अनातृष्टि आदि

उपद्रव अतिवृष्टि अनावृष्टि आदि उपद्रव
A calamity such as excess of
rain, drought etc प्रव० १५०,

ईति पुं० (ईति) १ स्वयङ्कल्य, २ परयङ्कल्य, ३ अतिवृष्टि, ४ अनावृष्टि, ५ छिंदर, ६ तीड अने ७ शुक्र ये सात भूति डहेवाय छे सात प्रकार की ईति (भय). १ स्वचक्र भय, २ परचक्र भय, ३ अतिवृष्टि, ४ अनावृष्टि, ५ छिंदरा, ६ टिड्डी, और ७ शुक्र यह सात प्रकार के भय हैं. A calamity a disturbance. it is sevenfold, (1) from friends (2) from enemies (3) from excessive rain (4) from drought (5) from locusts (6) from parrots and (7) from rats जं० पं० १, १०; सम० ३४, —बहुल त्रि० (-बहुल) नेमा स्वयङ्कल्य आदि भूति धरुण होय ते जिसमें स्वचक्र भय आदि भय बहुत हो that which is full of calamity, disturbance, from friends etc जं० पं० १, १०, ✓ ईर. धा० I, II (ईर्) प्रेरणा करनी प्रेरणा करना To prompt, to direct “ईरन्ति” दस० ६, ३६,

ईरिय त्रि० (ईरिन) प्रेरणा करेव, लाकेव, हलावेव प्रेरणा किया हुआ; हलाया हुआ, हांका हुआ. Prompted; directed “समीरिया कोट्वालि करिति” मृ० १, ५, २, १६; (२) डहेव, प्रतिपादन करेव, कहा हुआ, प्रतिपादन किया हुआ told explained. आया० १, ६, ४, १६२; ईरिया स्त्री० (ईरिया) लुओ “इरिया” शब्द देखो “इरिया” शब्द Vide “इरिया” ओव० नि० ७४८; ओव० ४१ —समिड स्त्री० (-समिति) लुओ “इरियासमिड” शब्द देखो “इरियासमिड” शब्द vide “इरियासमिड” सम० ५; ठा० ८, १, ईस पु० (ईज) ईश्वर God lord पञ्च० २

ईसक्ख त्रि० (ईशाख्य-ईश ईश्वर इत्याख्या प्रसिद्धिर्येषा) ईश्वर-नायक तरीके नेनी प्रसिद्धि होय ते ईश्वर-नायक-स्वामी के तौर पर जिसकी प्रसिद्धि हो वह (One) famous as a leader, or commander. जीवा० ३,

ईसरिया स्त्री (ईशानिका) ईशान देशमा उत्पन्न थयेव दासी ईशान देश मे उत्पन्न दासी. A maid-servant born in the country of Īśāna नाया० १, ईसत्थ न० (इप्पत्थ) धनुर्विद्या, थोडानुं धरुण अने धरुण थोडुं लश्कर अतावतानी ७२ इलाहानी ओड इला धनुर्विद्या, युद्ध सबधी शास्त्र, थोडी सेना को बहुत और बहुत सेना को थोडी बनलानेवाली ७२ कलाओं में की एक कला Science of archery, one of the 72 arts viz that of causing a large army to appear small and vice versa नाया० १, पण० १, ५ जं० पं० २ सम० ओव० ४०

ईसर पु० (ईश्वर) ईश्वर परमेश्वर ईश्वरः परमेश्वर God आया० २, २, ३, ८६, पचा० १७, २१, (२) मालिक धरुण नायक मालिक सरदार, स्वामी, नायक lord, master commander कप० २, ८३ निर० ३, ४ जं० पं० ३, ४३. नाया० ५. ७, १८, आया० २, ७, १, १५५ (३) युवराज युवराज an heir-apparent नाया० १, अणुजो० १६ (४) सामान्य मालिक राजा सामान्य मालिक राजा a king; a chief अणुजो० १६, (५) अमात्य प्रधान मंत्री, प्रधान, कारभारी. a minister, chief minister अणुजो० १६; (६) श्रीमत् शेड, श्रीमान, धनी; मेठ a wealthy person,

lord of wealth विशेष १४४१; सम० ३०; (७) लवण समुद्रनी भूमिमां उत्तर दिशाये धृश्वर नामनो महापाताल डलशे। लवण समुद्र के बीच में का उत्तर दिशा का ईश्वर नामक महापाताल कलश an infernal pot-like structure, so named, in the centre of Lavana ocean in the north जीवा० ३, ४, ठा० ४, २, सम० ५२, (२) भूतवादि व्यंतना व्यंतर देवतो धन्द्र भूतवादी जाति के व्यंतर देव का इन्द्र Indra of the Vyantara gods of the class known as Bhūtavādī ठा० २, ३; (६) अणिमादि ऋद्धिवालो, समर्थ श्रणिमादि ऋद्धिवाला, समर्थ powerful, possessed of Yogic powers like Anima etc पन्न० १६, (१०) योथा तीर्थकरना यक्ष देवतानु नाम चोय तीर्थकर के यज्ञ का नाम name of the Yaksha deity of the fourth Tirthankara प्रव० ३७५. —कार-णिअ त्रि० (-कारणिक) धृश्वरने जगतनुं डारणु माननार वर्ग, जगतकर्तृत्व-वादी. ईश्वर को जगत का कारण मानने वाला वर्ग, जगत्कर्तृत्व वादी (one) who holds that God is the creator of the universe सूय० २, १, २५, —पभिइ त्रि० (-प्रभृति) धृश्वर प्रभृति आदि ईश्वर प्रभृति-आदि God etc ज० प० ३, ४२,

ईसरिअ-य. न० (ऐश्वर्य) ऐश्वर्य, मोटाछ; संपत्ति ऐश्वर्य, बड़प्पन, संपत्ति Greatness, wealth, power अणुजो० १३१, —मद पुं० (-मद) श्रुओ 'इस्सरियमअ' शब्द देखो 'इस्सरियमअ' शब्द, vide "इस्सरियमअ" ठा० ८, १,

ईसरी कअ त्रि० (ईश्वरीकृत) धृश्वर-धनाढ्य नहि तेने धनाढ्य करवामां आवेल जो धनाढ्य नहीं हो उसे धनाढ्य बनाया हो ऐश्वर्य युक्त किया गया हो वह (One) raised to greatness and wealth सम० ३०,

ईसा स्त्री० (ईर्ष्या) अदेआछ अदेखाई, ईर्षा, दूसरे का वैभव आदि सहन न होना Jealousy, envy. सु० च० १५, ६७, ईसा स्त्री० (ईशा) धन्द्राणीनी अन्तरनी सभा इन्द्रानी की भीतरी सभा The private or inner council of Indriānī ठा० ३, २, (२) वाणु-व्यतर धन्द्रनी अव्यन्तर सभा वाणव्यतर इन्द्र की अन्तरग सभा the inner council of the India of Vānavyantara gods जीवा० ३, ४,

ईसाण पुं० (ईशान) धृशान नामे श्रीओ देव-लो३ ईशान नामक दूसरा देवलोक. The 2nd heavenly world so named जीवा० १, ओव० २६, ठा० २, ३, सम० १, नाया० ध० १८, अणुजो० १०४ भग० २, १, १८, ७, नाया० ९, विशेष ६६५, ज० प० ५, ११८, ७, १५२, (२) ओ देवलो३ना निवासी देवता ईशान देव लोकवासी देव a god residing in the above world कप्प० २, ८४ पन्न० १, क० ग० ५, ४३, (३) धृशान देवलो३नो धृ ईशान देवलोक का इन्द्र India of the Devaloka called Īśāna नाया० ध० ६, पन्न० २, सम० ३२, ठा० २, ३, भग० ३, १, १७, ५, (४) धृशान नामे १६ मु मुहूर्त ईशान नामक १६ वा मुहूर्त name of the 16th Muhūrta (a period of time) सम० ३०, (५) ओ३ अओ-

रात्रिना २४ मुहूर्तमानुं ११ मुं मुहूर्त.
एक अहोरात्रि के २४ मुहूर्तों में से ११ वां
मुहूर्त. the 11th of the 24 Mu-
hūrtas of a day and a night
सू० प० १० ज० प० २, ३; ३७, १५२;
(६) ईशान डोणु-भुण्डो. ईशान कोण
the north-east. ओघ० नि० भा०
२७६; —इंद्र पुं० (-इन्द्र) ईशान देव-
लोकने। इन्द्र ईशान नामक स्वर्ग का इन्द्र
Indra of the heaven named
Īsāna. भग० ३, १; —देव पुं० (-देव)
भील ईशान देवलोकना देवता. दूसरे
स्वर्ग के देव. a god of the 2nd
heavenly world, named Īsāna
भग० २४ १२,

ईसाण कप्प. पुं० (ईशानकल्प) भीजे
देवलोक दूसरा स्वर्ग-देवलोक The 2nd
heavenly world नाया० १६; नाया०
घ० १०; जीवा० १; निर० २, २;

ईसाणग पुं० (ईशानक) भील ईशान
देवलोक वासी देवता ईशान नामक दूसरे
देवलोकवासी देव. A god residing in
the 2nd Devaloka styled Īsāna.
उत्त० ३६, २०८, ज० प० ५, ११८,

ईसाणवडिसय पुं० (ईशानावतंसक) ईशान
देवलोकमानुं सौथी भोटुं विमान, भशाने-
न्द्रनुं मध्यनुं विमान ईशान स्वर्ग का सब से
बड़ा विमान; ईशानेन्द्र का मध्यवर्ती विमान
The largest abode of the
heavenly world called Īsāna,
the middle or central abode of
Īsānendia भग० ३, १, ४, १, १७, ५,

ईसाणिया-या स्त्री० (ईशानिका) ईशान
डोणु, ईशान भुण्डो. ईशान कोण, ईशान
नामक विदिशा The north-east
quarter भग० १०, १,

ईसादोष पुं० (ईर्ष्यादोष) धर्ष्या रूप दोष
ईर्ष्या रूपी दोष. The fault of jea-
lousy or malice. दसा० ६, १५;

ईसालु. त्रि० (ईर्ष्यालु) धर्ष्या वालो. ईर्ष्यालु;
ईर्षी वाला. Jealous; malicious.
प्रव० ८००;

ईसि अ० (ईषत्) थोडुं, अल्प, लरि. थोडा.
कुछ, जरा; किंचित् A little नाया० २;
११, सु० च० १३, ४०; ठा० ८, १. पन्न०
२; ३६,

ईसि अ० (ईषत्) लुगो। उपलो शब्द. देखो
ऊपर का शब्द Vide above जीवा० ३,
४, विशेष १२४६, ओघ० नि० ७२७;
भग० ३, १, ५, २; पन्न० २; १७, सम०
३४, ओव० नाया० ६ ८, १६; ठा० ३, १,
राय० ६३; दसा० ७ १, पंचा० १२,
६, कप्प० २, १४, ज० प० ५, ११२, ११५,
—ओठवलंवि त्रि० (-ओष्ठावलम्बिन्)
थोडुं डोड़ने अवलम्बन करनेवाला ओठ को
थोड़ासा अवलम्बन करने वाला touching,
resting on, the lips a little पन्न०
१७, —तंबच्छिकरणी. स्त्री० (-ताम्राक्षि-
करणी) थोड़ी लाल आख करनेवाली (स्त्री) (a
woman) making the eyes a
little red. पन्न० १७, —तुग त्रि०
(-तुङ्ग) डंढरुं थोडा ऊचा a little
high; somewhat high ज० प० ६;
—दंत. पुं० (-दन्त) थोडा दांत वालो
थोड़े दांतो वाला (one) having a
few teeth or having scanty
teeth ओव० —दंत त्रि० (दान्त)
थोडा शिक्षा पाभेला हाथी. थोडा शिक्षा पाया
हुआ हाथी (an elephant) scantily
trained ज० प० ३, —पम्मार पुं०
(-प्राग्भार) थोडा दुम्भर थु-नमथु ते

कुछ नमना, कुछ नम्रीभूत होना. bending a little पंचा० १८, १९, —पञ्चमार-
गय. त्रि० (प्राग्भारगत) थोडुं कुछ-
नमेल कुछ नमा हुआ bent a little,
somewhat bent पंचा० १८, १९,
—पुरेवात. पुं० (-पुरेवात) ७२१३ पूर्वनी
वायु. जरासा पूर्व का वायु wind
which is a little in front नाया०
११,—पुरेवाय पु० (-पुरेवात) थोडा पूर्व
दिशानी वायु कुछ पूर्व दिशा की हवा a
little eastern wind नाया० ११,
भग० ५, १; —मत्त त्रि० (-मत्त)
यौवननी शर्यातवाला थोडा उन्मत्त-हाथी
पगेरे. यौवन की प्रारम्भिक अवस्था वाले
थोडे उन्मत्त हाथी वगैरह (an elephant
etc.) somewhat intoxicated on
account of the budding of
youth. ज० प० ३, ओव० —रहस्स
(-हस्व) थोडा रहस्य अक्षर-अ-उ-अ-इ-
ए कुछ रहस्व अक्षर अ-इ-उ ऋ ल वगैरह
any of the five short vowels-
अ-इ-उ-ऋ-ल “ईसिरहस्सपचक्खरु उच्चारण
द्वारा ” ओव० --चोछेदकडुइ स्त्री०
(-व्यवच्छेदकडुका) पीछा पीछी थोडे
पपते-तःतः ३१वांश आपनारी पीने
के थोड़ी ही देर बाद-तुरत ही कटु लगने
वाली anything that tastes bit-
ter immediately after it is
drunk पञ्च० १७,

ईसिपञ्चमारा स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा ईषत्प्रा-
ग्भारो महस्व रत्नप्रभाद्यपेक्षया यस्याः सा)
सिद्ध शिला मुक्ति शिला, सिद्ध शिला,
मोक्ष शिला The place of abode
of perfected souls or Siddhas,
Siddha-Silā अणुजो० १०४, ठा०
४, ८, १, ओव० ४३, पञ्च० २, भग०

६, ७, ८, ३, १२, ५, १४, १०; १६, ८;
२०, ५,

ईसिण्णमा स्त्री० (ईषत्प्रभा) सिद्ध शिला,
मुक्ति शिला सिद्ध शिला, मोक्ष शिला,
मोक्ष स्थान. The place of abode
of perfected or liberated souls,
Siddha-Silā भग० ३, १,

ईसिय त्रि० (ईषत्क) थोडु, अल्प. थोडा,
अल्प, कुछ. A little, scanty
नाया० ११,

ईसी स्त्री० (ईषत्) सिद्ध शिलानुं ओक नाम
सिद्ध शिला का एक नाम One of the
names of Siddha-Silā or the
abode of perfected souls ओव०
४३,

ईसीपञ्चमारा स्त्री० (ईषत्प्राग्भारा) ओओ
'ईसिपञ्चमारा' शब्द देखो 'ईसिपञ्चमारा'
शब्द Vide “ईसिपञ्चमारा” सम०
१२, उत्त० ३६, ५७, प्रव० ६०६,

✓ ईह धा० I. (ईह्) छञ्चु, २५पुं
इच्छा करना; चाहना To wish, to
desire.

ईहइ-ति उत्त० ७, ४, सु० च० ८, ४५,

ईहिउण सं० कृ० विशेष० २५७,

ईहिअ. सं० कृ० विशेष० २५८,

ईहमाण व० कृ० उत्त० २६, ३३,

ईहिज्जइ क० वा० विशेष० २६६,

ईहा. स्त्री० (ईहा) विचारणा, आलोचना,
अवग्रह तथा पत्नी ते आस छे तेम
ओनी विशेष विचारणा करवी ते, मतिज्ञान-
नी नीजे भेद. विचारणा, आलोचना,
अवग्रह होने के बाद जिसका अवग्रह हुआ
हो उस वस्तु विशेष की विचारणा करना ईहा
कहलाता है, मतिज्ञान का दूसरा भेद.
Dealing with perception to
arrive at judgment, the 2nd

variety of Matijñāna; reflection upon what one has perceived दसा० ४, ४५; ओव० ४०; विशेष० १७८; ३६६; पञ्च० १५, ओघ० नि० ६२; नाया० १; ८, भग० ८, २, ६, ३१; ११, ११; १२, ५; १७, २, राय० १०६, नंदी० २६; सम० ५; २८, काप० १, ७, क० गं० १५, (२) मृग विशेष एक प्रकार का मृग. a kind of deer नाया० १, ८,

ईहापोह. पु० (ईहाव्यूह) उद्गपोह, तर्क वितर्क जहापोह, तर्क वितर्क, शका समाधान. Full consideration of the pros and cons (२) सग्राम-युद्ध-नीति, ओष्ठ गतनी व्युह रचना. युद्ध नीति, एक तरह की व्युह रचना science of war, a kind of military array नाया० १; जं० प० ३, ७०,

ईहामि. स्त्री० (ईहामति) प्रद्वारूप मति-विचारणा, मतिज्ञानने ओष्ठ भेद ईहारूप मतिज्ञान मतिज्ञान का एक भेद One of the varieties of Matijñāna, stage next to perception 1 e

reflection to arrive at judgment ठा० ४, ४, ६, १; —संपत्ती स्त्री० (-सम्पत्) अवग्रह पक्षी विचारणा इरवी ते रूप मतिज्ञाननी संपत्ति. अवग्रह के बाद जिस वस्तु का अवग्रह हुआ हो उस वस्तु के सबध में विचारणा करना वह रूप मतिज्ञान की संपत्ति the power of Matijñāna consisting in reflection upon what is perceived, to form a judgment दसा० ४, ३५;

ईहामिग. पु० (ईहामृग) वस्तु. भेडिया A wolf ज० प० २, ३३, कप्य० ३, ४४,

ईहामिय. पु० (ईहामृग) वस्तु; नाहर एक प्रकार का पशु, भेडिया, नहार. A wolf, a tiger ओव० राय० ४२, ११, ११, जीवा० ३, ४ जं० प० ५, ११५,

ईहिय. त्रि० (ईहित) येष्टा इरेक्ष, विचारेश जिसकी चेष्टा की गई वह, विचारा हुआ Acted, thought of, reflected upon “सङ्कीर्णमागतुमीहियं” मय० १, १, ३, १,

उ.

उ अ० (तु) तर्ही, निश्चय निश्चय. निस्संदेह. Positively; surely, दस० ६, २८, ९, १; १; पञ्च० १५, सूय० १, १, १, ५; (२) वितर्क वितर्क. an indeclinable showing doubt or uncertainty. दस० ६, १३, नाया० ९, १६; विशेष० ११०,

उअर पु० (उअर) पेट-उदर पेट Belly, stomach दस० ८, २६; —मल न० (-मल) पेटने भेय पेट का मल

dirt or filth in the stomach भक्त० ४०;

उअर. पु० (उअर) उअर इरेक्ष ते ओष्ठते ते उचारण, बोलना Act of speaking or uttering words ओव० २७,

उद्गण त्रि० (अवतीर्थ) भूमिपर पड़ी गयेक्ष भूमिपर रिपटा हुआ Fallen on the ground निर० १, १

उद्गण त्रि० (उदीर्ण) उदीर्ण पाभेक्ष-इर्भना

उडयथी प्राप्त थयेउ उडय पाया हुआ, कर्म के उडय से प्राप्त Got by the maturing of Karma उत्त० १८, १ विशेष ५३० ठा० ५, पञ्च० १६, (२) उदीरणा इरी उडयभा आवेउ उदीरणा करके उडय मे लाया हुआ caused to be matured भग० १, १ —कम्म त्रि० (—कर्मन्—उदीरणांमुदयप्राप्त कटुविपाक कर्म येषां ते तथा) उडय आवेउ उदीरणा. उडय मे आये हुए कर्मवाला (one) whose Karma has matured ' उडयणकम्माणउडयणकम्मा पुणो पुणो ते सरह दुहेति " सूय० १, ५, १, १८ —वलवाहण त्रि० (—वलवाहन—उदीरणां मुदयप्राप्त बल चतुरङ्ग शरीरमामर्थ वा वाहन शिबिकादि यस्य न तथा) नेने शुभता उडयथी गल वाहन वगेरे प्राप्त थया छे ते जिसे शुभ के उडय से बल, वाहन आदि प्राप्त हुए हो वह (one) who gets strength, vehicles etc by the use of good Karma " कंपिते नयरे राया उडयणवलवाहणे " उत्त० १८, १,

उडय त्रि० (उदित) उडेउ कहा हुआ Said, told विशेष २३३, (२) उडय आवेउ उडयागत, उडय में आया हुआ risen, matured नाया० १ सु० च० १, ३६३, पञ्च० १६, १२, —गुण त्रि० (—गुण) नेना गुण उडेवाभा आव्या छे ते जिसका गुण कहने में आया हो वह (that) of which the attributes or properties have been described पञ्च० ३, ३८, —गुणयुक्त त्रि० (—गुणयुक्त) उडय पाभेना गुणयुक्त उडय पाये हुए गुण से युक्त. possessed of qualities which have come

to rise or maturity पञ्च० १०, २०

उडैण पु० (उदीचीन) उत्तर प्रदेश उत्तर प्रदेश; उत्तर दिशा का क्षेत्र Northern region ठा० ५, भग० ५, १, —पाईण पु० (—प्राचीन) पूर्वोत्तरदिशा, भूशाणुभुणो पूर्व उत्तर दिशाओं के बीच का कोना, ईशान दिशा the north east quarter भग० ५, १ —वाय पु० (—वात) उत्तर दिशाने वायु उत्तर दिशा की हवा the northern wind पञ्च० १, ✓ उडैर ना० I (उत्त+ईर्) उदीरणा इरी उदीरणा करना To utter, to cause to rise or move उडैरति क० ग० ४, ६४, उडैरइत्ता सूय० १, ६, १६ उडैरैत ठा० ७,

उडैरण न० (उदीरण) प्रेरणा इरी प्रेरणा करना Act of prompting ठा० ४, उडैरणा छी० (उदीरणा) भुणो " उदीरणा " शब्द देखो " उदीरणा " शब्द Vide " उदीरणा " ठा० २, ओव०

उडैरिय त्रि० (उदीरित) उदीरणा इरेउ, प्रेरणा इरेउ उदीरणा किया हुआ, प्रेरित, कहा हुआ Told, said, caused to rise or move पञ्च० २३, भग० १, १,

उउ पु० (ऋतु) ऋतु. जे भास प्रमाणने जेउ डाव विभाग हेमत, शिशिर आदि छ ऋतु ऋतु, दो भास प्रमाण एक काल, हेमत, शिशिर, वर्षा आदि ऋतु Any of the six seasons of the year e g Hemanta, Śisira etc " दो भासा उऊ " भग० ३, ७, ५, १ ६, ७, ६, ३३, २५, ५, ज० प० २, ३१ ७, १५१; सू० प० ८, नाया० १, ३, ६, मम० ३४, ५६ दम० ६, ६६, अणुजो०

११५, १३८ ठा० २, ४, आया० २, १, २, १०, कण्ठ० ५, १०८, —परियट्ट पु० (-परिवर्तन) ऋतुनुं अन्वयु ते. ऋतु का बदलना change of season आया० २, १, २, १. —पर्वत पु० (-पर्वत) ऋतुरूपी पर्वत ऋतु रूपी पर्वत-पहाड, a mountain of a season, season regarded as a mountain नाया० ९, —पुष्पसन्न पु० (-प्रसन्न-प्रसन्न स्वच्छ ऋतुः ऋतुप्रसन्न) स्वच्छ-निर्मल ऋतु, शरत्काल वगैरे स्वच्छ-साफ-निर्मल ऋतु शरत्काल वगैरह clear, cloudless season, e g autumn etc “ उडप्पसन्ने विमलेव चदिमा ” दस० ६, ६६, —वद्ध पु० (-वद्ध) ऋतु अद्धकाल शीयालो अने ठण्डालो; योमासा सिवायतो ढाल ऋतु वद्धकाल, ठंड और गर्मी का समय चौमाना वर्षा के समय का काल winter and summer season, any time of the year except monsoon-time. “ उड वद्ध पीढक लगे ” प्रव० १०६ पचा० ११, २६ आघ० नि० २६५, पि० नि० भा० २३ नाया० ५, —मास पु० (-मास) ऋतुमास, परिपूर्ण त्रीस दिवस प्रमाणतो ढाल विभाग, धर्ममास ऋतु मास परे तीस दिन प्रमाण काल विभाग कर्म मास a period of time consisting of full thirty days a month of full 30 days ‘ एवो चेव उडमासो कम्ममासो भणण्ड ’ वव० १, १ प्रव० ६०६, —लच्छी खा० (-लक्ष्मी) ऋतु लक्ष्मी, ऋतुनी गोसा संपत्ति ऋतु लक्ष्मी, ऋतु की गोसा संपत्ति beauties of the seasons नाया० ६ —वाम पु० (-वर्ष) ऋतु

अधकाद, योमासा सिवायना आठ मास चोमासेको छोडकर आठ मास the whole year excepting the 4 months of the rainy season “ उड वामे पण्ण चउमासे ” प्रव० ६१३, —संधि पु० (-सन्धि) ओड ऋतुतो अत-छेडे अने भीछ ऋतुनी शर्यात ऋतु सन्धि, एक ऋतु का अन्त और दूसरी ऋतु का प्रारंभ काल का समय. passing of one season into another आया० २, १, २, १०; —संवच्छर पु० (-संवत्सर) ऋतु सवत्सर, छ ऋतु प्रमाणतो ढाल छट ऋतु प्रमाण काल, एक वर्ष a year comprising the six seasons. “ ता एण्णिण पचगह सवच्छराण तव उड सवच्छरस्स ” च० प० १, १२, ठा० ५ —सुह न० (-सुख) ऋतुते उचित-मुष्मप्रद नेम ग्रीष्म ऋतुमा छव ऋतु के अनुसार उचित सुख जैम ग्रीष्म ऋतु मे छत्रा (anything) appropriate to the season e g umbrella in summer “ उड मुहसिवच्छाय समणु वट्ठेण ” ओव०

उडंवर पु० (उडुम्बर) उडुम्बरु ढाल अने तेना ढाल, गुल्मर उडुम्बर का झाड और उनके फल. गुल्मर Name of a tree Ficus Glomerata and its fruit भग० ८, ५, —पण्ण न० (-पञ्चक) १ वड २ पीपल ३ उडुम्बर ४ प्लक्ष ५ डाडाडुम्बरी ये पाच वृक्षतो समूह १ वड २ पीपल, ३ उडुम्बर, ४ प्लक्ष, और पाचवा काकोडुम्बरी ये पाच वृक्षोका समूह a collection of five kinds of trees viz (1) Vata (2) Pippala (3) Udumbara (4) Plaksa & (5) Kakodumbara. भग० ६. ३३

—पुष्प न० (—पुष्प) उडंबर आडना पुष्प, गुडंबरना पुष्प—डे ले लाग्येन कथाडे जेवामा आवे, दुप्राप्य वस्तुने आनी उपमा अपवामा आनी छे उडंबर के माडका फूल, गुल्लर का फूल जो भाग्य से ही कहीं दिखलाइ पडता हे इसकी उपमा दुप्राप्य वस्तुओं के सम्बन्ध में दा जाती है a flower of the Udumbara tree, (it is rarely seen and so is used to express a rarity) मग० ६, ३३,

उडंबर दत्त पु० (उडुम्बरदत्त) पाटलीभट्ट नगरना रहेवासी सागरदत्त सार्थवाहने पुत्र पाटलीखड नगर के रहनेवाले सागरदत्त सार्थवाह का पुत्र Name of a son of the merchant Sigardatta, a resident of the city named Pātālikhanda ठा० १०, (२) पाटलीभट्ट नगरना उद्यानमानो ऐक यक्ष पाटलीखड नगर के उद्यानका एक यक्ष name of a Yakṣa (a ghost or a spirit) living in a garden of the city of Pātālikhanda विवा० ७

उडदेवी स्त्री० (ऋतुदेवा) वसंत, श्रौष्म, वर्षा, शरद वगेरे ऋतुना नामवाली देवी वसन्त श्रौष्म, वर्षा, शरद, आदि ऋतु के नाम वाली देवा The goddess of a season, e g spring-goddess etc पचा० २, १४,

उडय त्रि० (ऋतुज) ऋतु सम्बन्धी. मोसमन्, क्षयने उचित ऋतु मवन्वी, मोसमका, काल के योग्य Boin in the season appropriate to the season पञ्च० २, ओव० २४, मग० ११, ६, १३, ६,

उड्ड न० (उड्ड-उड्डयते अल्पाल्पतया गृह्यते भिक्षादिकमित्युड्डम्) भिक्षा

थोडुं थोडु थोडु करतु ते भीख भिक्षा, बहुत थोडा २ ग्रहण करना Getting a little food at a time begging of alms, स्य० १, २, ३, १४, ओघ० नि० भा० ६६, ओघ० नि० ४२४, उत्त० ३५, १६, दम० ८, २३, १०, १, १७, पणह० २, १, ठा० ४, २, —जीविया स्त्री० (—जीविका) ओपला, थोडा थोडा आहार लव उपिडा यक्षायी ते एषणा थोडा २ आहार लेकर जीविका का चलाना supporting life by begging a little food at a time, alms-begging ठा० ४, —जीविया संपरण त्रि० (—जीविकामपन्न) ओपला उरना, ओपला गवेपला उरी शुद्ध आहार लेनार एषणा करनेवाला गवेपणापूर्वक—खुद देखभाल कर—शुद्ध आहार लेनेवाला (one) living by begging alms, (one) taking food begged from others after examining its purity ठा० ४

✓ उडं वा० II (अज्ज) अग्नि सद्रुक्वे, अग्नीमा तरला वगेरे तापया अग्नि बोकना, अग्निमे तिनके वगैरह डालना To throw fuel (e g grass etc), into fire to kindle it

उडेज्जा दस० ४, ८, ८

उजावेज्जा दस० ४,

उजत व० कृ० दस० ४,

उंजायण पु० (उजायन) वशिष्ठ गोत्रनी ऐक शाखा वशिष्ठ गोत्र का एक शाखा A branch of the Vāśiṣṭha family (२) त्रि० ते शाखातो पुत्र्य उक्त शाखा का पुत्र्य a scion of the above branch ठा० ७, १,

उड्ड पु० (उड्ड) उड्ड आगीतो ऐक पशु

उंट A camel निसी० ७, ११,
—लेस्स. न० (-लेश्य) उंटनु आभडु.
ऊंटका चमड़ा. leather of a camel.
निसी० १, ११,

उंडग. पुं० (उन्दक) मूत्र पात्र, भातुं डर-
वानु क्षम. मूत्र करनेका वरतन A vessel
for making water into दस० ४:
(२) पीपडो, दोन्धो पिंड. a lump,
a mass “ बालाइमसउंडग मज्जाराइ
विराहेज्जा ” ओष० नि० भा० २४६;

उंडी. स्त्री० (उण्डी) पिपडी; पेशी छोटा पिंड.

A small lump नाया० ३;

उंडुय न० (उन्दुक) भोजन डरवानु स्थान
भोजन करनेका स्थान. A dining-room.
“ सपिंड पायमागम्म उंडुअ पडिलेहिआ ”
दस० ५, १, ८७,

उंडेरीय न० (=) रेवडी, आवाती ओष्ठ
स्वादिम वस्तु रेवडी; खाने की एक स्वादिष्ट
वस्तु A kind of sweet-meat
ठा० ४;

उंडुपाणिअ न० (=) उडु पाणी. उडा
पानी. Deep water निसी० १२, ३४,
उंदर. पुं० (उन्दर) उंदर चूहा. उन्दरा. A
rat, a mouse. परद० १, १:

उंदिर पुं० (उन्दुर) उंदर चूहा. A mouse.
a rat नाया० ८:

उंदुर. पुं० (उन्दुर) जुओ उपरो शब्द
देखा उपर का शब्द Vide above
उवा० २, ६५, —माला. स्त्री० (-माला)
उन्दरनी भावा चूहों की श्रेणी, चूहों की
पंक्ति a line, a series, of rats
“ उदुरमाला परिण्ह सुकय चिग्ह ”
उवा० २, ६५:

उंदुरुक्क. न० (=) उन्दु = मुष्ण रुक्क =
वृषभादि शब्द; देवतापूजन वषते भोदेथी
अथवना जेवो शब्द डरवो ते दंतता के
पूजन के समय मुख से वैल आदि के समान
शब्द करना, उदु अर्थात् मुख और रुक्क अर्थात्
वृषभ—वैल आदि के समान शब्द Imi-
tating the sound of a bullock
at the time of worshipping a
deity. अणुजो० २६, गच्छा० २.

उंवर पुं० (उदुम्बर) उंमरानु आड,
गुल्हरनु आड गुल्हर का झाड़. उदुम्बर
का वृक्ष A kind of tree, ficus
glomerata जीवा० १ विवा० १, भग०
६, ३३. आया० २, १ ८, ४५, पत्र० १
(२) वीज्जुकुमार देवतानु चैत्य वृक्ष
विज्जुतकुमार देव का चैत्य वृक्ष a tree
growing in the garden of the
deity, Vijjukumāra. ठा० १०, १;
—पुष्प. न० (-पुष्प) गुल्हरनु फूल, आ
फूल गुल्हरना वृक्षमा उपयित् देवातु हथे
जे वस्तु अनि मुझेदीथी प्राप्त थय होय छे
तेने फाटना दीडरने आनी उपमा अपाय
छे गुल्हर का फूल यह फूल गुल्हर के वृक्ष
पर कचिन् ही लगा हुआ दिखता है, जो
वस्तु अति कठिनता से प्राप्त होता है उसे इस
पुष्पकी उपमा दीजार्ता है a flower of
the Udumbara tree (It is rare-
ly seen on the tree and so is
metaphorically used to express
a rarity) “ उंवर पुष्पनिव दुल्लभे ” राय०
२४५: नाया० १ २ —वच्च पुं० (-वर्चम्)
गुल्हरना इवथी लरेल गुल्हर के फल
से भरा हुआ filled with the

• जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (=). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (=) Vide
foot note (=) p 15th.

fruit of Udumbara tree. निसी०
३, ७८;

उंबर दत्त पुं० (उदुम्बरदत्त) ओ नामने
यक्ष इस नाम का यक्ष. Name of a
Yaksa (a kind of demi-god)
विवा० ७,

उबरि. स्त्री० (*) वनस्पति विशेष वन-
स्पति विशेष A kind of vegetation
भग० २२, २, पचा० १, २१,

उयिगा स्त्री० (उविका) धउ, जव,
योया वगेरेनी उम्भडी-मंजरी. गेहूं, जव,
चावल आदि की मञ्जरी. Blossoms
growing on the plants of
wheat, barley, rice etc पंचा०
१०, २३,

उवेभरिया स्त्री० (*) ओ नामनु ओड
जतनु जड इस नाम का एक प्रकारका वृक्ष
A kind of tree पञ्च० १,

उमिसावेत्तए हे० कृ० अ० (उन्मेषयितुम्)
आप भीयवाने, आपने पलझारे मार-
वाने आख मींचने के लिये In order
to twinkle the eye भग० १६, २,

उमुय पु० (उल्मुक) ओ नामना ओड जव
कुमार इस नाम का एक यादव कुमार
Name of a Jādava (Yādava)
Kumāra पणह० १, ४,

उकसमाण व० कृ० त्रि० (अवकसमाण)
तणुतो तनाता हुआ Being tight-
ened वेय० ६, ८,

उकुजिय सं० कृ० अ० (उकुञ्ज्य) उयेथी
कुञ्ज थधने-शरीर नभावीने कुवडा होकर-
शरीर नमा कर Bending the body

“ उकुडियाणिउ उकुजिय गिकुजिय दिज-
माण पाडिगहेति ” निसी० १७, २२;

उकुडिया स्त्री (*) उडरडी; उडरडी
घूरा. A dung-hill निर० १, १,

उक्कंचण न० (उत्कञ्चन-उत् ऊर्ध्व शूला
धारोपणार्थं कञ्चनंतत्तथा) शूलीओ यदाववाने
उये उयडपु ते किसी को शूली पर चढाने
के लिये ऊचा उचकना Lifting up
a person in order to impale
him सूय० २, २, ६२, (२) गुण
वगरना भाणुसना भोटा वभाणु डरवा ते.
भुशामत. गुणरहित मनुष्य की प्रशंसा
करना, खुशामत praising an un-
worthy person to flatter him.
नाया० २, (३) गरीबनो वधारे डड डरवे
ते गरीब को बहुत दड देना. mulcting
the poor more heavily. भग०
११, ११, (२) डोधने छेतरवामा पासे
उमेदो डालो भाणुस जणुी जशे ओम जणुी
वातयित अध राभवी ते किसी को ठगने
के समय-वोका देते समय पास में खडे हुए
समझदार मनुष्य को देख कर इस लिये बात
चीत बद करना कि वह समझ जावेगा
stopping deceitful conversation
lest a wise by-stander might
hear it ओव० ३४, राय० (५)
दाय, इश्वत रिश्वत, घूस bribe;
bribery नाया० २, दसा० ६, ४, राय०
२०७, —दीव. पु० (-दीप) मशाल.
मशाल a torch भग० ११, ११,

उक्कंचण्या स्त्री० (* उत्कञ्चन) मुअ जतने
छेतरवा डोग डरवे-छल डरवे ते कम
समझ मनुष्य को ठगने के लिये ढोंग बनाना-

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

छल करना. Putting on false appearances to deceive a simpleton. ओव० ३४;

उक्कंडिय. त्रि० (उक्कण्डित) उत्कंडा वायो, उत्सुध थपेक्ष. उत्करागयुक्त; उत्सुक. Anxious, eagerly longing नाया० १४; सु० च० २; ४४०;

✓उक्कंत. वा० II. (उक्+कृत्) मास अने आमडीनुं उपोषयुं-उतारवु ते मास और चमडी का निकालना To flay, to cut out skin and flesh.

उक्कते. सूय० १, ४, १, २१,

उक्कंतत सु० च० १०, ७७;

✓उत्-कप-प्रे० वा० II. (उक्+कम्प+णि) य पावयुं, दयावयुं. दवाना; To cause to be massaged or shampooed उक्कवावेइ विवा० ६;

उक्कविश्र. त्रि० (उक्कम्बित) वासनी शमडी थी आवेक्ष. वास की किमडी से बाधा हुआ. Fastened with strips of bamboo. आवा० २, २, १, ६४

उक्कच्छिया. स्त्री० (औपकक्षिका-कक्षायाः समीपमुक्कक्षा तदाच्छादिकोपकक्षिकालेव तथा) साध्वीना २५ उपश्रयुमानु ओड उपश्रयु, नमणी आनुनी छातीथी शाय सुथी सीआ वगर धारण करवानुं वस्त्र के ले अटी हाथनो चोरस डडो होय छे. नाध्वी के २५ उपकरणो मे से एक उपकरण, दाहिनी तरफ की छाती से काख तक बिना सिला हुआ वस्त्र जोकि अर्धार्ध हाथ का एक चौरस टुकड़ा होता है. One of the 25 articles of use permitted to a nun; a kind of bodice (unsewn) covering the breast, being 2½ arms in length and breadth ओव० नि० ६७७

उक्कट्टि अ० (उक्कट्टि) उत्कर्ष उत्कर्षना. Rise, intensity. सू० प० १६;

उक्कड. त्रि० (उक्कडुक) पृथ्वी उपर शरीर राभीने पवित्रता वडे भेडेल. पृथ्वी पर शरीर रख कर पवित्रता मे बैठा हुआ. Seated on the ground with pure mind and body पंचा० १८, १९; (२) त्रिडु आसन उक्कडुक आसन a seat in a particular bodily posture. प्रव० ५६२;

उक्कड त्रि० (उक्कट) प्रदृष्ट; उत्तम. शिथु. प्रकृष्ट; ऊंचा; उन्नत High, raised, intense उवा० २, १०७; पराह० १, १; नाया० १; (२) पसरेश. फैला हुआ spread; extened कप्प० ३, ४३, (३) अधिः वधारे ज्यादा. बहुत more; additional भग० १५, १, पि० नि० ४१६; (४) क्षुपित; डोल कलुपित; गदला. turbid, muddy. वव० २, २, (५) अवयान्. सबल strong; powerful. नाया० ६ — गंधविलित्त. त्रि० (-गन्धविलित्त) अनि दुर्गन्धवा आस. बहुत दुर्गन्ध से व्याप्त highly stinking. नंदी० — जांगि त्रि० (-योगिन्) उत्कृष्टभोगे वनतो. उत्कृष्ट योगी (one) practising the highest kind of contemplation. क० ग० ५, ८६,

उक्कडुय न० (उक्कडुक) त्रिडु आसन उभयउ पगे भेसयुं ते उक्कड आसन, घूटो के बल बैठना A kind of bodily posture; squatting दसा० ७, ६. नाया० १, पंचा० ५, ११६,

✓उत्-कड वा० I (उत्+कृत्) आशु ययु आवाद होना To flourish; to prosper

उक्कङ्ग क० प० ३, १०;

उक्कङ्ग पु० (अपकर्षक) चोरने भोलावी
चोरी करना चोर को बुला कर चोरी करने
वाला. One who calls a thief
and steals परह० १, ३,

उक्कत्तिऊण. स० क० अ० (उत्कृत्य)
-झापीने काट कर Having cut off
स० च० १०, ८४,

उक्कत्थण. न० (उत्कथन) आध उतारवी,
आमडी उतारवी ते चमड़ा उतारना निका-
लना Flaying, cutting off the
skin परह० १, १,

उक्कम. पु० (उत्क्रम) पहुँचेथी न गलुता
छेदेथी गलुवु ते, पश्चात्पूर्वी, उलटो क्रम.
शुरू से न गिन कर अखिर में गिनना, उलटा
क्रम Counting from the end
instead of the beginning, re-
versed order विशेष० २७१ प्रव०
१०६१,

उक्कमित त्रि० (उपक्रान्त) प्रारब्धयोगे
प्राप्त थयेल प्रारब्धयोग से प्राप्त Got
through fate “ अहवा उक्कमिते
भवतिण्” सूय० १, २, ३, १७,

उक्कर पु० (उत्कर) समूह, सधात
समूह, जमघट A collection, a
group कप्प० ३, ४२, (२) डर रहित
कर रहित (one) having no aim
नाया० १, मग० ११, ११' ज० प०
कप्प० ५, १०१,

उक्करियाभेय पु० (उत्करिका भेद)
ओरउडणीज के मुकेल मगडली वगेरेने
तड तड डरतो थतो भेद-भेदन, अरडी के
बीज अथवा सूखी हुई मृगफला वगैरह का

तड़तड़ करता हुआ जो आवाज हो वह.
Breaking of dry ground-nuts
and other seeds with a crack-
ing sound ‘ अणंताइ दन्वाइ उक्करि-
या भेण्णभिज्जमाणाइ” मग० ५, ४,
पन्न० ११,

उक्करिस पु० (उत्कर्ष) उत्कर्ष, अतिशय,
उत्कर्ष, बहुत ज्यादाह, उच्च दशा Inten-
sity, abundance, excess ‘ अत-
समुक्करिसत्थ” सूय० नि० १, २, २, ४३,
विशे० १५८३,

उक्करुडिया स्त्री० (+) उडरडी,
मलीन वस्तुने समग्र कचरा, मलीन वस्तु
का समग्र A dung hill नाया० २,

उक्कल त्रि० (उक्कल) यत्ती धलावाला,
वृद्धि पाभनार चढता कला वाला, वृद्धि
पाने वाला Rising, increasing
“ पच उक्कला परणता तजहा दडुक्कले
रज्जुकले” ठा० ५, ३ (२) तेषद्विय
एव विशेष तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष
a kind of three sensed living
being उक्त० ३६, १३६,

उक्कलिआ-या स्त्री० (उक्कालिका) वधारे
नाने समुदाय बहुत छोटा समुदाय A
smaller group ओव० २७; (२)
तेषद्विय एवविशेष, इरोडियो तीन इन्द्रियों
वाला जीव विशेष a kind of three-
sensed living being कप्प० ६, ४५,
(२) लहेर तरंग लहर a wave ठा० ४,
(३) वायुनी भाइड यड डरवु ते वायु के
समान चक्र काटना whirling like
wind जीवा० ३, ४, —अड पु०
(-अरड) डरोलीयानु धडाडु सकडी का

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (+). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (+) Vide
foot-note (*) p 15th .

अण्डा. a spider's eggs. कप्प० ९, ४५;
—वाय. पुं० (-वात) थोड़ी थोड़ी बारने
अन्तरे वातो अेक प्रकारने वायु एक प्रकार
की हवा जो थोड़े २ समय के बाद चलती है
a kind of wind blowing at small
intervals of time. पञ्च० १, आया०
नि० १, १, ७, १६६; उत्त० ३६, ११८;
जीवा० १,

उक्कलिका स्त्री० (उक्कलिका) उपरा उपरी
जुं आउं ते बार बार जाना आना.
Coming and going in quick
succession. राय० १८३;

उक्कलिय त्रि० (उक्कलिक) अेक प्रकारने
अव्यक्त शब्द. एक तरह का अव्यक्त शब्द.
A sort of indistinct sound. भग०
२, १;

उक्कस पुं० (उत्कर्ष-उत्कृष्यते आत्मा दर्पा
ध्मातो विधीयतेऽनेनेत्युत्कर्ष) मान; अह-
कार मान; घमड. Pride, conceit.
“ उक्कसं जलणं णमं मज्झत्थं चवि गिचय ”
सूय० १, १, ४, १२. (२) वधारेमा
वधारे अधिकाधिक maximum,
highest limit क०गं० ४, ७४,

उक्कस्स पुं० (उत्कर्ष) मान; अहकार मान;
घमड Pride; conceit. सूय १ १, ४,
१२,

उक्कस्स त्रि० (उत्कर्षवत्) भद्वानुं, अभि-
मानी घमन्डी, मदोन्मत्त; आर्षमानी
Proud; conceited सूय० १, १, ४, १२,

उक्कस्समान. त्रि० (अपकर्षवत्) टुटुं धरेतो
छोटा करता हुआ Cutting short
(२) पीछे खेचता हुआ
Pulling backward. “ पणगसि वा
उदगसि वा उक्कस्समाणे ” ठा० ५,

उक्का स्त्री० (उक्का) मूल अग्निथी छुटा
पडेअ आगना तनया मूल अग्नि से अलग

हो चुका हुआ अग्नि का तिनगा Sparks
of fire ओघ० नि० भा० ३१०, नंदी. १०,
दस. ४; उत्त. ३६, ११०; जीवा ३, १,
ठा० ८; दिग् दह दिग्दाह; दिशा की ललास
preternatural redness of the
horizon. उत्त० ३६, ११०, आकाशमा
व्यंतरादिकृत अग्नि देखाय ते. आकाश में
व्यंतरादिकृत अग्नि का दृश्य. a fiery ap-
pearance in the sky--the work
of Vyantara etc. दस० ४, पञ्च० १,
(४) तेजनी व्याप्रा. तेज की ज्वाला.
fire, flame of light. ओघ० नि०
२१०; उल्कापात; तारातु अ पु उल्कापात,
तारे का दूटना falling of a meteor.
भग० ३, २, —पाय पु० (-पात)
उल्कापात, आकाशमाथी ताराओतु पडतु.
उल्कापात, आकाश में तारों का दूटना fall-
ing of meteors from the sky.
भग० ३, ७; —वाय पुं० (-पात-उल्का
आकाशजातस्याः पात) लुओ “ उक्कापाय ”
शब्द. देखो “ उक्कापाय ” शब्द. vide
“ उक्कापाय ” अणुजो० १२७, ठा० १०,
१; भग० ३, ६, —सहस्स न० (-सहस्र)
अग्नीना हुजरो पिण्ड तनया अग्नि की
हजारों चिनगारिया thousands of
sparks of fire ठा० ८,

उक्कापाया स्त्री० (उल्कापाता) उल्कापात-
तारा अरे तेनुं शुभाशुभ अनुवानी विद्या
उल्कापात के भले बुरे फल जानने की विद्या.
Science of interpreting the
good or evil effects of the fall
of meteors सूय० २, २, २७,

उक्कामुह. पु० (उल्कामुख) लवण समुद्रमा
आहो योजन उपर आवेल उल्कामुख
नामने अेक अतर द्वीप. लवण समुद्र में
आठसौ योजन की दूरी पर स्थित उल्कामुख

नामक एक अंतर द्वीप Name of an Antara Dvīpa (island) in Lavana Samudra at a distance of 800 Yojanas ठा० ४, २, (२) तेभा रहेनार भनुष्य उक्त द्वीप क अदर रहने वाला भनुष्य a native of the above island जीवा० ३, ३, पञ्च० १, (३) गंगा नदीनी अधिष्ठात्री देवीने निवास स्थित गंगा नदी की अधिष्ठात्री देवी के रहने का पर्वत the mountain-abode of the presiding goddess of the river Gāṅgā ठा० ८, १,

उत्कालिअ-य न० (उत्कालिक—उत्-ऊर्ध्व कालात्परमतेतत्तथा) यार अष्टादश सिवाय यारे पड़ेर लक्ष्म्य तेनु सत्र, उववाध आदि उत्कालिक सूत्र चार अकालों के सिवाय दूसरे तीसरे प्रहरों में पड़े जाने योग्य—चारों प्रहरों में पड़े जाने योग्य सूत्र, उववाइ आदि उत्कालिक सूत्र Utkālīka Sūtras viz Uvavāi etc which can be studied during all the four Prāhars, excepting the 4 Akālas “वेर्कित उत्कालिअ उत्कालिअ अश्रेण विहा पराणता” नदा० ४३ अणुजो ४, ठा० २, १,

उत्कास पु० (उत्कर्ष) अभिमानथी पोतानी समृद्धिना वणाणु इरवा ते, मोहनीय उर्ध्वनी ओइ प्रकृति अभिमान में अपनी समृद्धि का वर्णन करना, मोहिनीय कर्म की एक प्रकृति A variety of deluding Karma praising one's own prosperity through pride भग० १२, ५,

उक्किट्ट त्रि० (उत्कृष्ट) उत्कृष्ट, सर्वोत्तम, श्रेष्ठ उत्कृष्ट, उत्तम, सब से श्रेष्ठ Excellent, surpassing best

नाया० १, ८, ६, १७, निसी० १७, ३२, राय० २६, पि० नि० ५३०; दस० १, १, ४, १६, जीवा० ३, १, भग० ३, १, २, ६, ५, कप्प० २, २७, (२) इलिगडा तुयडा लीडा वगेरेने भोरीने इरेल जीला इडडा तरवूज, सूबडी, मिर्ची आदि को काट कर किय हुए छोटे टुकड़े slices of vegetables, like water-melons, gourds etc “उक्किट्टमसंसङ्गे” दस० ५, १, ३४, (३) इरेल वगेरे अमुक वणत माटे भागवु नही ते कर्ज वगैरह का अमुक समय के लिये नहीं मांगना not asking for money lent etc for a specified time “उस्सुक्क उक्कर उक्किट्ट अदिज्ज अमिज्ज” भग० ११, ११, कप्प० ५, १०१, —वराणगा. पु० (-वर्णक) प्रधान-उत्तम-यत्तम उत्तम-सर्व श्रेष्ठ-चदन excellent sandal-wood ‘उक्किट्ट कण्णगोपरि’ पचा० २, १७. —सकिलेस पु० (-संक्लेश) उत्कृष्ट स्थिति अथ जनक अध्यवसाय स्थान, ललडामा ललडु अध्यवसाय स्थान के अशुभ उत्कृष्ट स्थिति अथवा उत्कृष्ट स्थिति बध करने वाला अध्यवसाय स्थान, नीच से नीच अध्यवसाय-कृत्य जिस से कि अशुभ कार्यों की उत्कृष्ट स्थिति बंधे impure thought-activity causing increased duration of evil Karma क० ग० —सरीर त्रि० (-शरीर) उत्कृष्ट-भोटा शरीरवाला बड़े शरीर वाला having a big, bulky body. “उक्किट्टे उक्किट्टसरीरे भविस्सह” विवा० ४, ७, नाया० ८, १४, १६, —सिहणाय पु० (-सिहनाद) भोटे आवाज, उत्कृष्ट सिहनाद बड़ा आवाज, जोर का आवाज, उत्कृष्ट सिहनाद thundering sound

roaring sound of a lion जं० प०
३, ४५, नाया० १८,

उक्किहा. स्त्री० (उक्कुष्टा) ओष्ठ प्रक्षरनी देवता-
नी वेगवाली गति, मनोहर गति एक
प्रकार की देवता की शीघ्र गति- मनोहर
गति. A kind of quick gait of
gods; charming gait “उक्किहाए
तुरियाए चडाए” राय० जीवा० ३, आया०
२, १५, १७६, नाया० ४, ८;

उक्किह्ति. स्त्री० (उक्कुष्टि) अ नंदजनक ध्वनि;
हर्षना अवाज. आनंदजनक शब्द, हर्षयुक्त
शब्द A voice of joy ओव० २७;

उक्किरण. त्रि० (उक्कीर्ण) उभेडेडुं; भेदी
डाडेडुं खुदा हुआ Dug out ओघ०
नि० २६१. (२) अत्यन्त प्रगट; भुल्लु
अच्छी तरह से जाहिर, खुला हुआ open;
quite manifest पन्न० २; (३)
झोतरेख खोदा हुआ. carved. सम० प०
२०६; (४) मिश्रित मिश्रित, मिला हुआ
mixed. परह० १, १; —अंतर त्रि०
(-अन्तर) अति व्यक्त अन्तर अच्छी तरह से
प्रगट अंतर having the inner side
quite manifest or laid open.
also, having the difference
quite manifest सम०

उक्किक्त. त्रि० (उक्कुक्त) उभेडेडुं उखाडा
हुआ Scratched out, dug out
उत्त० १६, ६३;

उक्किक्तण. न० (उक्कीर्तन) अठिसत्थे;
चोवीस तीर्थंकरनी स्तुति. संस्तवन, गुण
कीर्तन; चोवीस तीर्थंकरों का स्तुति.
Praise; praise of the glory of
the 24 Tirthankaras अणुजो०
५८; चउ० १; विशेष० ६०० प्रव० ६५;
—अणुपुच्ची स्त्री० (-अनुपूर्वी) उत्तीर्तन
शुश्रूषा; स्तुत्य पुष्पोनी अनुभवे स्तुति

इरवी ते. गुणवान्-प्रशंसनीय पुष्पों की
अनुक्रम से स्तुति करना praising in
due order the merits of wor-
thy persons अणुजो० ७१;

उक्किक्तित. त्रि० (उक्कीर्तित) धीर्तन इरेख
कीर्तन किया हुआ. Praised; describ-
ed सू० प० २०;

उक्कुजिय. स० क० अ० (उक्कुज्य , जिये-
थी शरीर नभावीने, दुग्गज थडने. ऊबे से
शरीर को नमाकर. Having bent
down the body. आया० २, १, ७,
३७;

उक्कुट्ट. न० (उक्कुष्ट) लीला पानेनो भुड्डो.
हरे पत्तों का ओखली में किया हुआ चूरा
Powdered green leaves आया०
२, १, ६ ३३;

उक्कुट्ट त्रि० (उक्कुष्ट) उत्कृष्ट नाद आनंद
ध्वनि उत्कृष्ट नाद, श्रेष्ठ शब्द, आनंद ध्वनि
Excellent, pleasant (sound)
परह० १, ३,

उक्कुडुअ न० (उक्कुडुक) डिड्डु आमन,
उलभाणीये भेसतानु आसन, उलडड आसन
उकडु आसन; घूंटों के बल बैठने रूप आमन.
A squatting bodily posture
sitting on heels etc आया० १, ६,
४, ४, २, ७, २, १६१, उत्त० १, २२;
ओघ० नि० भा० १५६; ओव० १६, भग०
७, ६; —आसण न० (-आसन)
डिड्डु आसन; उलडड पगे भेसतु ते
आमन विशेष, घूंटों के बल बैठने के रूप
आमन squatting bodily posture,
sitting on heels etc भग० २५, ७,
—आसणिय त्रि० (-आमनिक)
उलडड पगे भेसनार, डिड्डु आसने भेस-
नर उकड आसन से बैठने वाला, घूंटों के
बल बैठने वाला (one) in a squat-

ting bodily posture. ठा० ५, १,
भग० २५, ७,

उक्कुडुग. न० (उत्कुडुक) लुओ "उक्कुडुअ"
शब्द देखो "उक्कुडुअ" शब्द Vide
"उक्कुडुअ" ज० प० नाया० १, आया०
२, २, ३, १०१,

उक्कुडुया स्त्री० (उत्कुडुका) उलडड भेसवु
ते; पाय प्रक्षरनी निपद्या-भेडडमानी भेड
घूटे के बल बैठना, पाच प्रकार की बैठकों-
में से एक प्रकार की बैठक One of the
five sitting postures viz squat-
ting on heels etc "पच निसिजाओ
प० तं० उक्कुडुया गोदोहिया समपायपुया"
ठा० ५, १,

उक्कुडु पु० () उडरडे घूरा A
dung-hill ओष० नि० ४६६,

उक्कुडुअ पु० () उडरडे घूरा
A dung-hill (२) ओ नामने डोड
भाणुस इस नाम का कोई मनुष्य name
of a person. अणुजो० १३०,

उक्कुडुडिआ-या स्त्री० () उडरडे
घूरा A dung-hill विवा० १,

उक्कुडुय त्रि० (उत्कुजिन) भडान् अत्यक्त
ध्वनि बड़ी भारी अप्रगट ध्वनि Loud
indistinct sound परह० १, १,

उक्कुल त्रि० (उत्कुल) सन्मार्ग अथवा न्या-
यना दूत-तटथो दूर करनेवाले सन्मार्ग अथवा
न्याय की सीमा से तट से दूर करनेवाला
Leading away from the path
of justice परह० १, २

उक्कर पु० (उत्कर) रागि, समूह, ढगलो
ढेर A heap ओष० नि० २६०, (२)
वृद्धि, उत्कर्ष, कर्मनी स्थिति वगैरेमा वनारे

इरेवे ते वृद्धि; बढ़ती, कर्मकी स्थिति वगैरेह
में बढ़ती करना. increase, increase
in the duration of Karma
विशे० २५१४,

उक्कोडा. स्त्री० (उत्कोटा) लाय, इश्वत.
रिश्वत, घूस Bribe, bribery
"उक्कोडाहिय पराभवेहिय दिजेहिय" विवा०
१, परह० १, ३,

उक्कोडिय. त्रि० (औत्कोटिक-उत्कोटा लज्चा
तया ये व्यवहरन्ति ते तथा) इश्वत आनार,
लाय लेनार, लायीओ. रिश्वत खोर, घूस
लेनेवाला (One) who takes
bribes ओव० भग० १, १;

उक्कोया स्त्री० (उत्कोचा) लाय रिश्वत
Bribe, bribery नाया० १८

उक्कोस पु० (उत्कोश) उयु भोडु इरी शब्द
इरनार पक्षी, आनड, अपैयो ऊँचा मुँह करके
शब्द करनेवाला पक्षी, चातक, पपैया A
bird that screams with its
mouth raised up e g Chātaka
etc. परह० १, १

उक्कोस. पु (उत्कर्ष) उत्कृष्ट, पधारेमा पधारे,
धणुमा धणु उत्कृष्ट, श्रेष्ठ ज्यादाह से
ज्यादाह Highest, longest पच० १,
२, १६, ४४, क० प० १, १२, ६७,
"उक्कोस जीवो उसंक्रमे" उत्त० १०, ५,
ओव० ३८, नदी० १४, अणुजो० ८६, ठा०
१, १, सम० १, विशे० ३४५, पि० नि०
३०, नाया० १६, दसा० ६ २, भग० १,
१, १०, २, ५, ३, ३, ५, १, ८; ६, ३, ८,
८, १०, ६, ३२, १५, १, १८, ७, २४,
२०, २५, ४, ३६, १, ज० प० २, २५;
(२) मान, आदकार अहकार, घमड

लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (१) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (२) Vidh
foot-note () p. 15th

pride. सूय० १, २, २, २६; सम० ५२, (३) उत्तम श्रेष्ठ; अच्छा excellent; best पि० नि० मा० १२, भग० १२, ५; —काल पु० (-काल) उत्कृष्ट-धर्माभां धर्मा डाख. ज्यादाह से ज्यादा समय; उत्कृष्ट समय the longest time. भग० २४, १; —कालद्विष्टिं छी० (-कालस्थिति) उत्कृष्ट डाखनी स्थिति उत्कृष्ट काल की स्थिति duration of the longest time. भग० १५, १, -द्विष्टि. छा० (-स्थिति) धर्माभा धर्मा स्थिति ज्यादाह से ज्यादाह—अधिकस्थिति longest duration निर० २, २; —द्विष्टि पु० (-स्थितिक) उत्कृष्ट-धर्माभा धर्मा स्थिति वालो उत्कृष्ट-ज्यादह से ज्यादाह स्थितिवाला one that has the longest duration ठा० १, १. —परसिय त्रि० (-प्रदेशिक) धर्माभा धर्मा प्रदेश वालो ज्यादाह से ज्यादाह प्रदेश वाला (one) having the greatest number of molecules ठा० १, —पद न० (-पद) उत्कृष्ट ५६; उत्कृष्टपणुं उत्कृष्ट पद, श्रेष्ठ पद उत्कृष्टता. excellent status, highest state “ उक्कोसपदे अट्ट अरिहता ” ठा० ८, —पय. न० (-पद) लुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above भग० ११, १०; —मयपत्त त्रि० (-मद प्राप्त—उत्कर्षेण मदं प्राप्त उत्कर्षमदप्राप्तः) उत्कृष्ट मदवालो उत्कृष्ट मदवाला highly intoxicated with pride. जीवा ३, पत्र १७; —सुयन्नाणि त्रि० (-सूत्र जानिन्) उत्कृष्ट श्रुतज्ञानवालो उत्कृष्ट श्रुत जानवाना (one) highly learned in the scriptures विशे० ४५२; उक्कोसअ पु० (उत्कर्षक) भेलाभा भेलाये

वडे से बड़ा One that is highest or biggest अणुजो १३२, उक्कोसओ अ० (उत्कर्षतस्) धारेभां धारे; उत्कृष्टपणु उत्कृष्टतासे At the maximum limit, at the highest प्रव० ७६४;

उक्कोसंत. त्रि० (उत्क्रोशन्) आक्रन्दन करतो आक्रन्दन करता हुआ; चिल्लाता हुआ Screaming; crying aloud परह० १ १;

उक्कोसग पु० (उत्कर्षक) उत्कृष्ट, भेलाभा भेलाभा उत्कृष्ट, श्रेष्ठ, वडे से बड़ा One that is highest, biggest or best “ तताण च उत्तम कट्ट पत्ते उक्कोसए अट्टारस्स मुहुत्ते ” च० प० १, भग० २५, ६,

उक्कोसेअय त्रि० (उत्कृष्ट) उत्कृष्ट, धारेभा धारे उत्कृष्ट; ज्यादाह से ज्यादाह. Highest, highest in amount ज० प० ७, १३४; उत्त० ३३, १६, भग० ५, १. ८, १०, ११, ११, १८, ७, १६, ३, वव० १, १७ नाया० ८, भत्त० ३७, पंचा० ८, २६,

उक्कोसिय. पु० (उत्क्रौशिक) ओ नामना गोत्रना प्रवर्तक ऋषि इस नाम के गोत्र के चलानेवाले ऋषि. (A saint) the progenitor of a family of that name “ थेरस्सए अज्जवड्ढरसेणस्स उक्कोसिय गोत्तस्स ” कप्प० ८,

उक्कव पु० (उक्क) संधि सम्बन्ध Connection, relation नदी०

उक्कवभ पु० (उत्तम्भ) लेरथी रोकथु ते. जोर से रोकना Stopping checking forcibly मत्था०

उक्कवमिय त्रि० (उत्तम्भिक) लेरथी रोकना. अट्टकायनाए वल पूर्वक रोकने वाला

(One) who stops or checks forcibly. संत्था०

उक्खणण. न० (उत्खनन) उभेडुं ते. उखाडना Digging out, scratching out परह० १, १,

उक्खणिय त्रि० (उत्खनित) उभेडी नाभेडुं उखाडा हुआ Dug out, rooted out पि० नि० २४६,

उक्खय त्रि० (उत्खात) उभेडेव ओदेव उखाडा हुआ, खोदा हुआ. Rooted out सु० च० ४, ५६; नाया० ७,

उक्खल पुं० (उदूखल) उभल, भाडुली ओखली A mortar परह० १, १,

उक्खलग पु० (उदूखलक) भाडुवानी भाडुली कुटने की ओखली A mortar used for pounding “ को समयमा चमेहाए सुप्पुक्खलगं च खारगालण च ” सूय० १, ४, २, १२,

उक्खलुंदिय स० कृ० अ० (-) अभेदीने खुजाकर Having scratched or rubbed with the nails of the hand to remove itching sensation, having tickled आया० २, १, ६ ३२,

उक्खा स्त्री० (उखा) थाली, तोवडी, हावडी थाली, हडी, भरतिया A metal or earthen pot or pan “ एगाआ उक्खातो परिण सिज्जमाणे पहाए ” आया० २, १, २, १०;

उक्खणण त्रि० (+) अरडायेव खरडाया हुआ, लिप्त Bespattered, smeared परह० १, ३,

उक्खित त्रि० (उद्धित) सिंयेव, विवेपन

डरेव सींचा हुआ. लेप किया हुआ Smeared; bespattered “ चदयो-क्खितगाय सरीरे ” सूय० २, २, ५५,

उक्खित्त. त्रि० (उत्तिष्ठ) उयु डरेव, उपाडेव. उहावेव. ऊचा किया हुआ, उखाडा हुआ उठाया हुआ Raised up, lifted up पि० नि० २८४, नाया० १, ३, ८, भग० ८, ६, १६, ५, वेय० २, १, आव० ८, ६; (२) ज्ञाताधर्म इथा सूत्रना पहेला अध्यायननु नाम ज्ञाता धर्म कथा सूत्र के पहले अध्यायका नाम. name of the 1st chapter of the Sūtra named Jñātādharma makathā. नाया० २, (३) गानना यार प्रक्षरमानो येइ प्रक्षर. गाने के चार भेदों में का एक भेद one of the four kinds of music राय० ६५, ज० प० ५, १२१, (४) आडर्पणु डरेव, भेयेव आकर्षित, खींचा हुआ attracted, drawn नाया० १६, — करणनास त्रि० (- कर्णनास) जेना डान अने नाड उभेडी नाभ्या छे ते जिसके कान और नाक उखाड डाले हो वह (one) whose nose and ears have been rooted out (cut out) विवा० २, ६, — चरअ त्रि० (- चरक) राधवाना वासणुमाथी भावाना वासणुमा गृहस्थे पोताने भावा डाटेकु होय तेज वयु अवेओ अलिग्रह धारी गोथरी इरनार सिम्माने के वर्तनमे से खाने के वर्तन मे अपने खाने के लिये ग्रहस्थद्वारा निकालकर रखा हुआ भोजनही लेने की प्रतिज्ञा करके भिक्षा मागने वाला (one) who begs alms with a determination to take

only that food which has been served out into the dining vessel of a householder, from a cooking vessel. ओव० १९, ठ० ५, १, पण्ह० ३, १; — २ पुं० (-चरक) जुओ ७५ओ १७६. देखो ऊपरका शब्द. vide above ठ० ५; ओव० —णिक्खित्तचरअ पुं० (-निक्षिप्तचरक-पाकभाजनादुत्क्षिप्तं निक्षिप्तं तत्रवा अन्यत्र च स्थाने यत्तच्चरतीति तथा) राधवाना वासलुमाथी भावाना वासलुमा इदं हेतु तेने जीअ वासलुमा नापे ते ले-नार, अक्षिप्रधारी भुनि सिमाने के वरतन में से खाने के वरतनमें निकाले हुए भोजनको दूसरे वरतन में डाले फिर उस भोजनको लेना ऐसी प्रतिज्ञावाला साधु an ascetic with a vow to take that food only which is first served out into the dining vessel from the cooking vessel and which is then again put into another vessel. ओव० —पसिणवागरण न० (-प्रश्नव्याकरण—उत्क्षिप्तानि संक्षिप्तानि प्रश्नोत्तराण्युत्क्षिप्तप्रश्नव्याकरणानि) संक्षिप्त प्रश्नव्याकरण-सवाल जवाब संक्षिप्त प्रश्न-व्याकरण; संक्षेप में सवाल-जवाब a brief catechism. भग० १६, ५, —पुव्ववसहि पुं० (-पूर्ववसति) आव-सति-भक्षनमा रहे ओम इही साधुने पड़ेव वड़ेओ अतावेव उतारे. साधुको, इस वसति घरमें हो यह कहकर पहले पहल बतलाया हुआ उतरने का स्थान a lodge first pointed out to an ascetic with the words "live in this house " आया० २, २, ३; ८७, —वलि न० (-वलि) ७५२ इंडेक्स अक्षिदान, अक्षिदान

तरीके ७५२ इंडेक्स. ऊपर फेंका हुआ बलि-दान, वलिदानरूप से ऊपर फेंका हुआ an oblation thrown upwards " अंगमंगानि सरुहिराई चउद्दिंसि करोति " नाया० ६. —विवेग पुं० (-विवेक-उत्क्षिप्तस्य शुष्कौदनादिभक्ते निक्षिप्तस्य त्रि-नामयोग्यद्रव्यस्य विवेकः पृथक्करणमुत्क्षिप्तविवेक) भात पगेरेमा पडेव अणुअणु ५७५ने जुहु डाली नाअपुं ते भात वगैरह में पडे हुए त्रितयोंके अयोग्य द्रव्य को पृथक् कर देना. removal of impure substances mixed up with rice etc. आव० ६, ६,

उक्खित्तअ-य. त्रि० (उत्क्षिप्तक) गीतने ओइ प्रक्षर, शब्दातथी अदते स्वर गानुं ते गीतका एक भेद प्रारंभ में उच्च स्वर से गाना A pitch of music, singing with a high pitch ठ० ४, ४, जीवा० ३, ४, राय० १३१,

उक्खित्तणाअ न० (उत्क्षिप्तज्ञात) जेणे ससधाने उगारवा पग उंयो राओ ते उत्क्षिप्त-मेघकुमार; तेनुं दृष्टान् जेमा आपवाभा आव्यं छे ते अध्ययन, ज्ञाता-सूत्रनु प्रथम अध्ययन खरगोश को बचाने के लिये पैर उचा रखनेवाले उत्क्षिप्त-मेघ कुमार का दृष्टान्त जिममें दिया गया है वह अध्याय, ज्ञातासूत्र का प्रथम अध्ययन The first chapter of Jñātā Sūtra in which is illustrated the story of Meghakumāra who kept his leg lifted up to save a hare नाया० सम० १६,

उक्खित्तय न० (उत्क्षिप्तक) गीतने प्रथम प्रक्षर गीत का प्रथम प्रकार The first of the varieties of music जं० प० राय० १२१

उक्खुलपिय स० क० अ० (*) अन्ते-
लीने खुजाकर Scratching, rubbing
with the nails of the hand,
to remove an itching sensation
' नो गाहावइ अगुलियाए उक्खुलपिय
(उक्खुलुदिय) जाइजा' आया० २, १,
६, ३२,

उक्खेव पु० (उत्तेप) उये उपाडयु, उये
इँडयु ऊचा उठाना, ऊचा फेंकना Lift-
ing up, tossing up जीवा० ३, ४,
पि० नि० २२७, (२) प्रारम्भ वाक्य
प्रारम्भ का वाक्य, शुरु का वाक्य com-
mencing sentence or words
उवा० ३, १२६, ४, १४५, निर० ३, ३,
(३) अविशार, अविधेय अधिकार,
अविधेय subject-matter विवा० ३,
(४) पु० उपोद्घात उपोद्घात, प्रारम्भिक
वक्तव्य. introduction, preface
उवा० ३, १२६, ४, १४५,

उक्खेवअ-य पु० (उत्तेपक) प्रस्तावना,
उपोद्घात प्रस्तावना, प्रारम्भिक वक्तव्य,
उपोद्घात Introduction, preface
भग० २४, १, (२) त्रि० आलापो, अध्याय
अध्याय, विभाग, परिच्छेद. a chapter
नाया० ध० ५, ६, (३) पवन नाभवाते
वासते पणे हवा करने का वास का पखा
a fan भग० ६, ३३, नात्रा० १, (४)
त्रि० इँडनार फेंकनेवाला one who
throws or flings भग० ६, ३३.

उक्खेवण. न० (उत्तेपण) उये इँडयुं
न्यायदर्शन समत पाय धर्म पैडी प्रथम
धर्म-क्रिया ऊचा फेंकना, न्यायदर्शन सम्मत
पाच कर्मों में से प्रथम कर्म Throwing

up, one of the five actions
recognized in the Nyāya
philosophy विशे० ३४६२, ओव०
नि० २०३,

उगग पु० (उग्र) ऋषभदेव प्रभुओं के एक
तरीके नीमेशुं दुल, उग्रवश ऋषभदेव
भगवन्को रक्षक के रूपमें नियत किया हुआ
कुल, उग्रवश The family ap-
pointed as a guardian family
by lord Risabhadeva, the
Ugra family ओव० १३, सम०
२३२, नाया० १, ५, भग० ६, ३३, पन्न०
१, उवा० २, १०७, ज० प० २, ३०,
(२) त्रि० उग्रकुलमा उत्पन्न श्रेष्ठ उग्रकुल
में उत्पन्न one, born in the Ugra
family प्रव० ३८६, अणुजा० १३१,
उत्त० १६. ६, ओव० १३, २७, ठा०
३, १, (३) त्रि० उग्र, प्रधान, अङ्ग-
भारे उग्र, तीव्र, प्रधान, बहुत भारी
austere, chief, severe पन्न०
१, भग० १०, ४, २०, ८, नाया० ८,
(४) त्रि० उत्कट, आडर, दुष्णे आचरी
अन्य तेवु उत्कट, कठिण strong,
austere, severe उत्त० ३०, २७,
सु० च० १, ३८४, नदी० ५६, (५) त्रि०
उद्यम सहित उद्यम सहित, उद्योग सहित
industrious, active नाया० १९,
—कुल पु० (-कुल) उग्रकुल, जे दुल-
ने ऋषभदेवे रक्षक तरीके स्थाप्यु ते दुल
उग्रकुल, जिस कुल को ऋषभदेव स्वामीने
रक्षक रूप से स्थापित किया वह कुल
the Ugra family appointed
by Risabhadeva as a gu-

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note () p 15th.

dian family. आया० २, १, २, ११, कप्प० २, १७; —तव. न० (—तपस्) उग्रतपः; अहमादिश्च तपः; धृष्टी इतिष्ठ तपश्चर्या उग्रतप, अहमादिक तप. बहुत कठोर तपस्या. austere penance. डा० ४, २; भग० १, १; उवा० १, ७६, (२) त्रि० उग्रतप इत्येतत्. उग्रतप करने-वाला, कठोर तप करनेवाला (one) performing austere penance. उत्त० १२, ३२; —तेज. त्रि० (—तेजस्) उग्र प्रभाववालो उग्र-तेज-प्रभाववाला powerful, (one) of powerful lastre. (१) न० तीव्र अत्र. तीव्र जहर. deadly poison. 'आसीद्विसा उग्र-तेजकप्पा' परह० २, १; —पव्वङ्ग पुं० (—प्रव्रजित) उग्रवंशमा उत्पन्न थयने दिक्षा शीघ्रेण. उग्रवंश में उत्पन्न होकर दिक्षा लिया हुआ. one born in the Ugra family, who has taken Diksā श्रव० —पुत्त पुं० (—पुत्र) उग्रवंशमा उत्पन्न थयेत्त पुत्र-कुमार. उग्र-वंश में उत्पन्न पुत्र-कुमार a male member (a son) of the Ugra family. श्रव० २७. दसा० १०, ३. राय० २१८, —विस्स. न० (—विष) उत्त० विष प्रयान विष; तीव्र विष. deadly poison. भग० १५, १; नाया० ६, (२) आहसा विषवालो सर्प बहुत तीव्र विषवाला सर्प a serpent with deadly poison. उवा० २, १०७, —विहार. पुं० (—विहार) उग्र विहार उग्र विहार; कठिण विहार. साधु का एक ग्राम से अन्य ग्राम जाना. austere wandering from place to place e. g. on the part of a monk. भग० १०, ४ —विहारि. त्रि० (विहारिन्)

अंधीरीने संयम पावनार उच्च रीति मे संयम पालन करनेवाला साधु. (one) who strictly observes ascetic rules भग० १०, ४;

उगम. पुं० (उद्गम) साधुने अर्थे आहारादि निषज्यता गृहस्थधी आधाडर्मादि लागता १६ दोष, १ आहाडम्म, २ उद्देसीय, ३ पूडकम्म, ४ मीसज्जायमे, ५ ठवणा, ६ पाहुडिया, ७ पाउयर, ८ कीय, ९ पामिच्च, १० परीयट्ठि, ११ उग्भिन्ने, १२ अभिहडे, १३ मालोहेडे, १४ अच्चिज्जे, १५ अज्झोयरे, १६ अणिसिद्धे, ये सोलहो दोष ते ये उगम साधु के लिये आहारादि बनाने में गृहस्थ को लगनेवाले आशकर्मोदि १६ दोष, १ आहाकम्म. २ उद्देसिय ३ पूडकम्म ४ मीसज्जायए ५ ठवणा ६ पाहुडिया ७ पाउयर ८ कीय ९ पामिच्च. १० परीयट्ठि, ११ उग्भिन्ने १२ अभिहडे १३ मालोहेडे १४ अच्चिज्जे १५ अज्झोयरे १६ अणिसिद्धे, इन सोलह दोषोमे से कोई भी एक. Any of the 16 faults connected with the preparation of food by a house-holder for an ascetic; they are—(1) Āhākamma (2) Uddesiya (3) Pūikamma (4) Mīsajāyae (5) Thavanā etc. (vide Guj explanation) परह० २, १, दस० ५, १, ५६, डा० ३, ४; उत्त० २४, १२, मम० ५० १६८ पि० नि० १, ३०, सू० ५० २; भग० ७, १, प्रव० ५७१, —उचवाय पुं० (—उपवात) आधाडर्मा आदि उद्गमन दोषधी आग्रिनी विराधना इत्येते आधा कर्मन् आदि उद्गमन दोष से चारित्र की विराधना करना damaging one's right conduct by an Udgamana fault e. g. by tak-

ing [Ādhākarma food etc. ठा० ३, १०, —कोटि स्त्री० (-कोटि) उद्गम पक्ष, आधाकर्म अने उद्देशिका त्रय त्रय भेद-अंदर ७ भेद उद्गम डाली तरीके गणित छे. उद्गम पक्ष, आधाकर्म और उद्देशिक के तार्ज तीन भेद जुमला छः भेद उद्गम कोटि के रूप में गिने गये हैं a group containing six varieties of faults viz three of Ādhākarma and three of Uddesika पिं० नि० ४०१, —दोस पुं० (-दोष) १६ उद्गमन दे०, लुगो “उग्गम” शब्द १६ उद्गम दोष, देखो “उग्गम” शब्द any of the 16 Udgamana faults, vide “उग्गम” “सोलस उग्गम दोसे गिहियो सुमुद्धिदे” पिं० नि० ४०१, पचा० १३, २, —विसोहि स्त्री० (-विशोधि) १६ उद्गमनना दोषनो अभाव १६ प्रकार के दोषों का अभाव absence of, freedom, from the 16 Udgamana faults ठा० ५, २;

उग्गमण न० (उद्गमन) उगवु ते, सूर्यनो उदय उगना, उदय होना, सूर्य का उदय Rising up, rising, e g of the sun जं० प० ७, १३६, —मुहुत्त न० (-मुहूर्त) सूर्योदय थवानु मुहूर्त सूर्योदय होने का मुहूर्त time of sunrise भग० ८, ८,

उग्गय-अ त्रि० (उद्गत) अहार नीकणतो भाग बाहिर निकलता हुआ भाग. (A portion) jutting out नया० १, राय० (२) उत्पन्न थयेस उत्पन्न, पैदा हो चुका हुआ born, produced अणुजो० १२८, पराह० १, ४, विशेष० १०६६, आव० ६१, प्रव० ५६६, कप्प० ४, ६३, (३) उजेल, उदय पामेल उगा हुआ, उदय प्राप्त

risen, come out भग० ७, १, नाया० १, ओघ० नि० १७५, जीवा० ३, ३, —वित्तिअ त्रि० (-वृत्तिक-उद्गते आदित्ये वृत्तिर्जीवनोपायो यस्यासौ) दिवस उग्या पछी जेने वृत्ति भेराड भेलववानु छे ते दिन उदय होने के पीछे जिसे आहार लाना हो वह (one) who has to acquire his food after sunrise “भिक्षूय उग्गय वित्तिअ अणत्थमिय” वेय० ५, ५,

उग्गवई-ती स्त्री० (उग्रवती) पडवे, ७४ अने अग्यारस ओ रात्रिनी त्रय निधिनु नाम प्रतिपदा, छठ और ग्यारस की रात्रि. The nights of the 1st, 6th and 11th days of a fortnight. ज० प० ७, १५२, सू० प० १०, उग्गसेण पुं० (उग्रसेन) इसना पिता उग्रसेन राजा, कृष्ण वासुदेवना ताथाना सोण उग्रर राजाओभा अग्रेसर उग्रसेन राजा, कृष्ण के अग्रिनस्थ सोलह हजार राजाओं में मुख्य राजा, कस का पिता King Ugrasena, father of Kamsa and the foremost of the 16000 kings under the suzerainty of Krishna Vāsudeva अत० १, १, नाया० ५, १६ निर० ५, १,

उग्गह पुं० (अवग्रह) मन अने इन्द्रियोनी साथे वस्तुनो सम्बन्ध थता प्रथम सामान्य बोध थाय ते, मतिज्ञानना चार प्रकारमानो पड़ेले प्रचार मन और इन्द्रियों के साथ वस्तु का सम्बन्ध होने पर पहिले पहल जो सामान्य ज्ञान हो वह, मतिज्ञान के चार भेदों में का एक भेद General knowledge derived from the first perception of an object, the first of the 4 varieties of Matijñāna

or sensitive perception. विशेष १७८; भग० ८, २, १२, ५; १७, २०, नदी० २६; कप्प० ६, ६; (२) उपकार, आश्रय. उपकार, आश्रय favour, support. भग० १७, १, (३) आज्ञा; रज्ज, संमति हुक्म, आज्ञा, राय, सम्मति. order, permission, assent. वव० ४, २२; २३, ७, १७, दसा० १०, १, ओव० १२; वेय० १, ३७, राय० २७, २१६; परह० २, ३, नाया० १; २, १६; दस० ५, १, १९; भग० २, ५, ६, ३३; १५, १, १६, १, आया० २, १, ५, २८; २, ७, २, १६२, कप्प० १, ५, (४) अलिग्रह, नियम अभिग्रह; नियम, प्रतिज्ञा a vow, a rule of conduct अंत० ६, ३. (५) परिग्रह. परिग्रह. worldly possessions सूय० १, ६, १०, दस० ६, १४, उत्त० ३१, ६; (६) आवास; निवास स्थान आवास, निवासस्थान. an adode; a residence निर० १, १, (७) अन्तर, आतर अन्तर. interval, anything that intervenes or forms an interval “उक्किट्टं सद्विहत्थुगदे” प्रव० ७७, —अणुणवणा. स्त्री० (-अनु-ज्ञापना) अग्रह-उपाश्रयनी रज्ज अवग्रह-उपाश्रय की आज्ञा, अथवा मजूरी. permission to have an abode in monastery. सम० २५, —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा अवग्रहत् इत्यवग्रहोवसति स्तत्प्रतिमा अभिग्रह अवग्रहप्रतिमा) निवास करनेवाला नियम अलिग्रह धारणे ते उपाश्रयनी प्रतिम-अलिग्रह निवास करने में नियम का धारण करना, उपाश्रय की प्रतिमा-अभिग्रह a vow in connection with abode in a particular

place, e g in a monastery. “जावोग्गहपडिमा पडमा” आया० नि० २, १, १, १६, ठा० ७, १; पि० नि० ६१; —पवेस. पुं० (-प्रवेश) मकानमें प्रवेश करनेवाले ते मकान में प्रवेश. entering a house etc, पंचा० १२, २२; —मइ स्त्री० (-मति) छद्मि अने अर्थ-नो सम्बन्ध थाय ते, मतिज्ञाननो ओक भेद इन्द्रिय और अर्थ का संबंध होना, मतिज्ञान का एक भेद contact of an object with a sense of perception, a variety of Matijñāna ठा० ४, ४, ६, १; —मइसंपया स्त्री० (-मतिसम्पद्) मतिसंपदानो ओक प्रकार, सामान्यपक्षे वस्तुनु ग्रहण करनेवाले ते मतिज्ञान रूप संपदा का एक भेद, सामान्य रूप से वस्तु का ग्रहण करना a variety of the power of perception. general knowledge of a thing through perception दसा० ४, ३५,

उगहण न० (अवग्रहण) सामान्य अशनु ग्रहण करने-विचारनु सामान्य अश का ग्रहण करना विचारना General perception; perception of broad outlines विशेष १७६, (२) स्थाननी आज्ञा स्थान की आज्ञा permission to lodge आया० १, २, ५, ८६,

उगहणंग न० (अवग्रहानन्तक) नावाने आकारे साध्वीनु ओक वस्त्र के लिये शुद्ध प्रदेश दाढ़वाला उपयोग थायले, साध्वीना २५ उपकरणमानु ओक साध्वी के गुताङ्ग ढकने का एक वस्त्र, २५ उपकरणों में का एक उपकरण One of the 25 articles of use for a nun, viz a boat shaped lower garment put on to protect the private parts

प्रव० ५३६, ओघ० नि० भा० ३१३, वेय० ३, ११, —पट्टग न० (-पट्टक) साध्वीनु ओक उपगरेणु साध्वी का एक उपकरण one of the articles used by a nun वेय० ३, ११,

उग्गाहिय न० (अवग्रहिक) पाटीआरा उपगरेणु, अभुक्त वपनत सुत्री वापनीने पाछा धुली ने सोंपरा येय उपगरेणु अमुक समय तक काम मे लेकर-पीछे उसके मालिक को सोंप देने योग्य उपकरण An article of use (for a monk) to be used for a time and then to be returned to its owner ठा० १०,

उग्गाहिय त्रि० (अवग्रहीत) पीरसनामाटे उपाडेकु परोसने के लिये उठाया हुआ Taken up to be served as food ठा० १०,

उग्गाहिया स्त्री० (अवग्रहीता) गृहस्थने थाली गेरेमा पीरसेकु भोजन साधुओ यत्नापूर्वक लेवुं ते, पिन्डेपणाने पायमे प्रक्षार गृहस्थ द्वारा थाली वगैरह मे परोमा हुआ भोजन साधुको यत्नाचारपूर्वक ग्रहण करना, पिन्डेपणा का पाचवो भेद Cautel taking up (by a Sādhu) of food served to a householder in a utensil, the 5th mode of begging food ठा० ७, प्रव० ७४६,

उग्गाह्य स० कृ० (उद्गाय) गान करीने गाता हुआ Singing, having sung ओघ० नि० ६६,

उग्गाल पु० (उद्गार) ओड्डारनी साथे अनाज के पाएली पेटमथी मोदामा आवे ते डकार के साथ अन्न या पानी का पेट मे से मुह में आना Coming up of water

or food into the mouth along with eructation वेय० ५, १०;

उग्गाहणा स्त्री० (अवगाहना) शरीरनी उँचाई शरीरका ऊँचाई The height of the body. भग० १६, ३, २२, ६; उग्गाहिम त्रि० (अवगाह्य) घी आदिमा तलेली वस्तु घी वगैरह मे तली हुई वस्तु Food fried in ghee etc. पण० २, ५.

उग्गाहिय-अ त्रि० (उद्ग्राहित) हाथमा लीधेव, उपाडेव हाव में लिया हुआ, उठाया हुआ Taken up, lifted up ओघ० नि० १६७,

उग्गाहियञ्च त्रि० (उद्ग्राहितञ्च) तपास करी तपास करना, जाच करना Examining, inquiring वव० २, २२,

उगिरण त्रि० (उद्गीर्ण) ओड्डेव, वमेव वमन किया हुआ Vomited नाया० १, उगिलित्ता स कृ० अ० (उद्गीर्य) ओगा-लीने उगाल कर Having brought (food already eaten) again from stomach into the mouth, e g like cows etc वेय० ५, १०,

उग्गोवणा स्त्री० (उद्गोपना) शोधवुं, ओपणा करी शोवना, खोजना, एषणा करना To search, being in search of पि० नि० ७३,

उग्गोविय त्रि० (उद्गोपित) मुंआव गयेव सूत्रने उडेवेव, गुय डाडेव. अस्पष्ट या काठेन सूत्र का सशोवन किया हुआ Deciphered, e g a difficult Sūtra भग० १६, ६,

उग्गाह्य-य त्रि० (उद्घातित) लघु प्राय-श्चित छोटा प्रायश्चित्त Minor expiation ठा० ५, नि० १०, १५, वेय० ४,

११; १२; (२) नाश पाये। नाश पाया हुआ, नष्ट. destroyed; ruined
ठा० १०; —संकल्प. पुं० (—संकल्प)
लघु प्रायश्चित्तो विचार. लघुप्रायश्चित्त का
विचार. thought about minor
expiation. निसी० १०, २६;

उगघाइम. न० (उद्घातिम-उद्घातोभाग पात-
स्तेन निर्वृत्तमुगघातिमम्) लघु प्रायश्चित्त
लघु प्रायश्चित्त Minor expiation
ठा० ३,

उगघाइ. त्रि० (उद्घाट) थोड़ा ढाकेहुं-वासेहुं,
थोड़ा खुलुं; भोगल न दीये। कुछ ढका हुआ
और कुछ खुला हुआ Partially
closed, not bolted. आव० ४, ५,
—कवाड त्रि० (—कपाट) अर्धुं दीये।
धमाऽ आधा बन्द किवाड़ a partially
closed door, a door not bolted
आव० आव० ४, ५; —कवाडउगघाइणा.
स्त्री० (—कपाटोद्घाटना) अर्धे उवाहुं धमाऽ
पुं० उवाहुं ते; साधुनो गोचरीनो ओऽ
अनियार आधा खुला हुआ किवाड़ पूरा
उघाइना; साधु का गोचरी का एक अतिचार
opening a partially closed
door. a fault in alms-begging
by a Sādhu “ पडिक्कमामि गोचरग
अरियाए उगघाइकवाडउगघाइणाए ” आव०
४, ५,

उगघाइण न० (उद्घाटन) उवाहुं, भोगलुं
उघाइना, खोलना Opening; opening
a door पि० नि० ६०५, ओघ० नि०
४७६, आव० ४, ५,

उगघाइपोरिसी स्त्री० (उद्घाटपौरिणी)
पड़ेरनो पाऽये लाग, पोऽो पड़ेर प्रहर
का पिछला हिस्सा The latter part
of a Piabara (a period of
time equal to about three

hours;) three-fourth of a
Piabara प्रव० ५६८;

उगघाइय त्रि० (उद्घाटित) उवाडे,
भुलुं डरेल उघाडा हुआ. खोला हुआ
Opened. नंदी० ४२, पि० नि० ३५२-
क० प० ५, ६४,

उगघाइयण त्रि० (उद्घाटितज्ञ-उद्घाटित
प्रकाशितं जानतीति) डहेल भाव ज्ञा-
नार. केवल कहे हुए को ही जानने वाला
(One) who knows anything
exactly as it is explained or
said to him. नदी०

उगघाय. पुं० (उद्घात) लघु प्रायश्चित्त.
लघु प्रायश्चित्त Minor expiation
ठा० ३;

उगघायण न० (उद्घातन) लथ-नाश करे।
क्षय करना, नाश करना; Destruction.
आया० १, २, ६, १०२.

उगघुट त्रि० (उद्घुष्ट) थोपणा डरेल घोषित;
घोषणा की गई हो वह. Proclaimed.
सु० च० २, ५०१,

उगघोसणा स्त्री० (उद्घोषणा) उद्घोषणा-
दरे। उद्घोषणा, प्रमिद्धि Proclam-
ation; declaration. नाया० ५ १५

उगघोसिय. त्रि० (उद्घुष्ट) धसेन भाऽेल
धिना हुआ; माजा हुआ Rubbed;
cleansed “ उगघोसियसुणिम्मलव
आयंममंडलतलं ” पण्ह० ० ४;

उचित्र-य त्रि० (उचित) योग्य, लायक.
योग्य, उचित, लायक Fit; proper;
suitable. नाया० १ राय० ६४, पि०
नि० ६४१, कण० ४, ६२, (२) जेडेल;
भवेन जोड़ा हुआ, मिला हुआ united;
joined पंचा० १, ४३. —अगुट्टाण.
न० (—अनुष्ठान) उचित-योग्य अनुष्ठान.
उचित अनुष्ठान योग्य कार्य proper

performance “उचित अणुद्वाराओ विचित जइ जोगतुल्ला मोएस” पचा० ६, १६, —करणीज्ज. त्रि० (-करणीय) योग्य इतर्व्यवादेो योग्य कर्तव्य वाला acting properly. पचा० १, ४३, —जाग पु० (-योग—उचित स्वभूमिकायोग्यो योगो व्यापारः) पोतानी भूमिधाने योग्य व्यापार अपनी भूमिका के योग्य व्यापार action proper or appropriate to the status one occupies पंचा० ५, ४४. --द्विइ. स्त्री० (-स्थिति) उचित-योग्य स्थिति योग्य स्थिति proper condition पचा० ३, ४,

उचिञ्च(य)त्त न० (उचितत्व) योग्यता, शायकता योग्यता, ल्याकत Propriety, fitness पचा० ६, ५०,

उच्च त्रि० (उच्च) उच्च, उत्तम, पूज्य उच्च, उत्तम, श्रेष्ठ, पूजनोय. High, excellent, noble “ उच्चावयाहिं सिज्जाहिं उत्त० २, २२, भग० २, ५, ३, १, (२) उच्चा शरीर तथा उच्चा कुल वालो उच्च शरीर तथा उच्च कुल वाला possessed of a noble body and born in a noble family. नाया० १६, ठा० ४, ३, (३) नाम इर्मनी ओके प्रकृति के जेथी उच्च गोत्र प्राप्त थाय उच्च गोत्र प्राप्त कराने वाली नामकर्म की एक प्रकृति name of a variety of Nāmakarma by the rise of which a man is born in a high family क० ग० १, ३०—५२, ५, ३०, —आसण. न० (-आसन) उच्च आसन उच्च आसन a high seat सम० ३३, दसा० ३, ३४,

” —गोय न० (-गोत्र) उच्च गोत्र नामे गोत्रइर्मनी शुभ प्रकृति के जेना उदयथो थय उच्च गोत्र नामे उच्च गोत्र नामक गोत्र कर्म का एक प्रकृति कि जिसके उदय से जीव उच्च गोत्र पाता है a variety of Gotra-karma by which a soul is born in a noble family उत्त० ३३, १४, —द्वारा न० (-स्थान) उच्च स्थान उच्च स्थान high place, high position. “ उच्चद्वारागएसुगह ” नाया० ८, —फल. त्रि० (-फल) दाया वपन सुधि जेनु इल गहे छे ते, चिरदायने उपहारि लेवे समय तक जिसका फल रहता है वह, चिरकाल का उपकारी having or bearing lasting good fruit “ उच्च फलो ग्रह खुडो सउणित्यो ” वच० १, ३, —सह पु० (-शब्द) भोटे शब्द बडा शब्द, उच्च शब्द loud sound वच० २, ७,

उच्चत पु० (*) दातने रंग, दंतराग दात का रंग Colour of the teeth, tooth colour राय० ५०,

उच्चंतग पु० (*) दंतने रंग, दन्तराग दात का रंग Colour of the teeth, tooth-colour जीवा० ३, ४,

उच्चंतय पु० (उच्चन्तक) लुओ उपदेो शब्द. देखा ऊपर का शब्द Vide above राय० पत्र० १७,

उच्चंपिय त्रि० () जेरथी दुद्वेो इरेअ जोर से किया हुआ दह्ला Violently attacked “ सीस उच्चंपिय कव धम्मिय ” तहु०

उच्चत्त न० (उच्चत्व) उच्चता, उच्चता,

वडप्पन. Nobility. सम० ७; नाया० ८,
जीवा० ३, ४, भग० २, ८, ६, ७, ८, ८;
११, ६; १४, ६, ३५, १, ४०, १५,
(२) गीया०, ३६; जमीनना तल्लिणी
गीया० ऊंचाई, कद, जमीन के तल से
ऊंचाई height प्रव० ४१२, ठा० १, १,
२, ३, जं० प० १, ४, २, २६, सम० ७,
सू० प० १, (३) उयडे, अदलानी अमुड
वस्तु. बदलेकी वस्तु, a certain thing
as reward ठा० ४, १, —भयत्र
पु० (—भूतक) उयडे आपी काम करवी
ये ते सेवक मजदूरी देकर जिसमे काम कराया
जाय वह सेवक a servant made to
work by paying some reward
ठा० ४, १,

उच्चतरिया स्त्री० (उच्चतरिका) अठार
लिपिमांकी ओड. अठारह लिपियों में की एक
लिपि One of the 18 scripts
सम० १८,

उच्चता स्त्री० (*) मद्ध, डध अदले
खेवानी धच्छा न करवी ते सुफ्त, कुछ भी
इच्छा रखे बिना Gartis, without
desire of any reward or gain
“ तच्चताए दाण दुल्लभ ” पि० नि० ३२२,

उच्चतथचरणत्र. पु० (उच्चस्थापनक) गीया
भोडानु लाज्जनि विशेष, यथु ऊंचे मुह
का वरतन A vessel (e. g. a
pot) with a long neck; a
pitcher with a long neck
अणुत्त० ३, १,

उच्चय पुं० (उच्चय) गीयो ढगले ऊंचा
ढेर A large heap, a high
pile. अंत० ६, ३; कप० १, ४, —वंध

पुं० (—वन्ध—ऊर्ध्व चयन रीशकिरण तद्-
रूपोवन्ध उच्चयवन्धः) उपरी उपरी भुडी
ढगले करवे ते, रूप अथ. एक के ऊपर एक
रखकर ढेर करना heaping together
one upon another भग० ८, ६,
उच्चयर त्रि० (उच्चतर) वधारे गीयुं बहुत
ऊंचा Higher, more high. भग०
३, १;

उच्चरण न० (उच्चरण) अक्षरान्तिने उच्चार
करवे। अक्षरादि का उच्चारण करना Pro-
nunciation, act of pronouncing
words etc. गच्छा० ८२,

उच्चाश्र त्रि० (*) थडी गयेल यका
हुआ Tired, fatigued ओघ० नि०
५१८,

उच्चाकुया. स्त्री० (उच्चाकुचा—उच्चा चासा
वकुचा-परिस्पन्द रहिताचोच्चाकुचा) जमीन-
थी उथी अने ढाढे आले नडी तेवी शय्या
जमीन से ऊंची और न हिलने वाली शय्या
A raised, high, bed which
does not shake कप० ६, ५४,

उच्चाकूइया स्त्री० (उच्चाकुजिका) जमीनथी
उथी अने उगभगती शब्द न करे तेवी
शय्या वगेरे. जमीनसे ऊंची किन्तु न हिल
सके ऐसी शय्या A raised bed
which does not shake कप०
६, ५४,

उच्चागय त्रि० (उच्चागज—उच्चो योडा
पर्वतो हिमवान् तत्र जात उच्चागजम्)
हिमायलमा उद्भवेल—उत्पन्न थयेथ
हिमालय मे उत्पन्न Born, produced
on the Himalaya mountain
कप० ३, ३६,

उच्चागोश्र-य न० (उच्चगोत्र) उच्यु गोत्र, गोत्र कर्मनी उच्य प्रकृति उच्च गोत्र, गोत्र-कर्म की उच्च प्रकृति Noble family, a kind of Gotra Karma which causes birth in a noble family " मे असह उच्चागोषु अमह नीत्रागोषु " आया० १, २, ३, ७७, ठा० २, ४, अणुजो० १२७, सम० १७; क० प० ७, ४३, प्रव० १२६७; —कर्म न० (—कर्मन्) उच्य गोत्र कर्म, गोत्र कर्मनी अेक प्रकृति. उच्च गोत्र कर्म, गोत्र कर्म की एक प्रकृति. a variety of Gotra Karma giving birth in a high family. भग० ८, ६, —शिवंध्रे पु० (—निबन्ध) उच्य गोत्र कर्म आधुनुं ते उच्च गोत्रकर्म बांधना performing the nobler kinds of Karma which determine birth in a high or noble family " उच्चागोयणिवध्रे सासण वमणो य लोग्गमि " पंचा० १२, ७, उच्चागोत्त. न० (उच्चगोत्र) णुओ " उच्चागोश्र " शब्द देखो " उच्चागोश्र " शब्द Vide 'उच्चागोश्र' उत्त० ३, १, ८, उच्चानागरी स्त्री० (उच्चानागरी) अे नामनी कडियगणुथी नीकलेली, शाखा, आर्य सतिसे श्रुिनी शाखा. कोडिय गणसे निकला हुई शाखा का नाम. Name of a family off-shoot derived from Kodiyā Gana, the offshoot of Ārya Santisenika कप्प० ८,

उच्चार पु० (उच्चार) वडी नीत, अडे, विष्टा विष्टा-मल, दृष्टी, Excrements पि० नि० भा० १५, पि० नि० १६७, ५३६, वेय० १, ६८, ओव० उत्त० २४, १५, सूय० १, ६, १६, सम० ५, आया० २, १, ५, २, ६, नाया० १, २, ५, पन्न० १,

दस० ८, १८, भग० १, ७, २, २, ६, ३३, १२, ७, २०, २, प्रव० ४३८, (२) वडी नीत करी, मलत्याग करेवा शौच जाना, मल त्याग करना answering the call of nature, getting rid of faeces " सेमि० उच्चार पासवण किरियाणु " आया० २, १०, १६५, (३) उपयोग अने यत्ना-पूर्वक परहवतुं, पोचभी परिठावणिया समिति उपयोग और यत्नापूर्वक वस्तुओं का निक्षेप-त्याग करना, पांचवीं परिठावणिया समिति getting rid of, laying down, excreta etc carefully उत्त० २४, २, —करण न० (—करण) दिशाअे णु मलमूत्रका त्याग करना easing one-self, answering a call of nature प्रव० २४, —शिरोह पु० (—निरोध) डाडानो निरोध अटकाव करेवा ते मल निरोध, दस्त रोकना stopping, checking, of stools " उच्चारणि-राहेण पासवणणिरोहेण " ठा. ६, १; —पडिकमण न० (—प्रतिक्रमण) उच्यार-विष्टा परहवीने धरिया वडिया पडि-कमवी ते मल त्याग करके इरिया बहिआ रूप प्रतिक्रमण करना performing Iiyā Vahiya Pratikramana (thinking over sins committed in walking) after answering a call of nature ठा० ६, —पासवण न० (—प्रसवण) अडे अने पेशाअ मल मूत्र. faeces or solid excrements and urine दसा० ७, १, निसी० ४, ६६, (२) आचारंगना थीन श्रुतस्कंधना थीन अध्ययननु नाम आचाराग के दूसरे श्रुत-स्कंधके तीसरे अध्यायका नाम name of the third chapter of the second Sūtaskandha of

Āchāṅgā आया० २, २, ३, १०६,
—पासवण भूमि स्त्री० (—प्रसवणभूमि)
आंडा अने पेशाब परहयवानी जग्या. मल
मूत्र त्यागने की जगह. a place for
getting rid of solid excrements
and urine नाया० १, भग० २, १,
—भूमि स्त्री० (—भूमि) जगह जग्या
जग्या शौच जाने का स्थान a place for
answering a call of nature
दस० ८, १७, —मत्तश्च पु० (—अमत्तक)
स्थिति जग्याने भाटे लाज्जन पेशाब
करनेका पात्र a vessel in which
urine, solid excrements etc
are got rid of कप्प० ६, ४६,

उच्चारण पु० (उच्चारण) ओक्षयु ते.
बोलना Utterance, speaking पत्र०
३६, पंचा० ६, ३८,

उच्चारत्त न० (उच्चारत्व) विष्टापणु
विष्टापन, मलत्व State of solid
excrements भग० ३०, ४,

उच्चार पासवण खेलजटल सिंघाण
पारिहावणिया समिय त्रि० (उच्चार
प्रसवणखेलमलसिंघानपरिस्थापनिका समित)
आंडा, पेशाब, अन्नभोज, मूत्र, नाडने मूत्र,
ओखली वस्तुओ परहयवामा समिति-यत्ना-
वालो मल, मूत्र कफ, मैल; नाक का
मैल, इन को यत्नाचार पूर्वक डालने वाला
(One) careful in laying down
or throwing out solid excre-
ments, urine, spittle, bodily
dirt & snot नाया० ५, दसा० २ ०१,

उच्चारिय त्रि० (उच्चारित) उच्चारेल;
उच्चार कहल हुआ, उच्चार किया
हुआ Said; uttered पत्र० १७, सु०
च० १, ३६३, पि० नि० ६७,

उच्चारियव त्रि० (उच्चारितव्य) उच्चार

करवा योग्य उच्चार करने योग्य Worth
saying or uttering. भग० ६, ३,
१६, ४,

उच्चारियव त्रि० (उच्चारितव्य) ओयो
उपरो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide
above भग० १, ४, ५, १६, २, ६,
जं० प० ७, १६२,

उच्चालइय त्रि० (उच्चालयिक) दूर दूर-
नार, असेदनार दूर करने वाला घसीटने
वाला. (One) who removes or
causes to move “ जचाणिजा उच्चा-
लइयंत जाणिजा दूरालइय ” आया० १,
३, ३, ११८;

उच्चालिय त्रि० (उच्चालित) उठ्यु धरेयु,
उपाडेयु ऊचा किया हुआ, उठाया हुआ
Lifted up, raised up “ उच्चालिय
स्मिपाए इरिया समियस्स सकमट्ठाए ”
ओष० नि० ७४८,

उच्चावअ-य त्रि० (उच्चावच-उदक्चावाक्
उच्चावच) उच्च-नीच, उत्तमाधम, अनेक
प्रकारनु ऊच नीच, उत्तम अधम, अनेक
प्रकार वा Of various kinds,
high and low सय० १, १, १,
२७ उत्त० २, २२, नाया० १, १६,
१८, भग० ७, ६, १५, १, ओष० ४०,
पत्र० ३४, राय० २६६, दसा० १, ३,
(२) अनुदूत-प्रतिदूत अनुकूल प्रतिकूल
favourable as well as adverse
भग० १, ६,

उच्चावय त्रि० (उच्चव्रत-उच्चानि महान्ति
व्रतानि तेषां ते) महाव्रत धारी, उच्च व्रत
वाले महा व्रत वारन करने वाला, ऊंचे
व्रतवाला (One) observing high
or full vows “ उच्चावयाइ मुणियो
चरंति ” उत्त० १२, १५

उच्चावहता सं० कृ० अ० (उच्चैः कृत्वा)
 उ० धरीने ऊचा करके Having lifted
 up पञ्च० १७,

उच्चविय सं० कृ० अ० (उच्चैः कृत्वा) उ०
 धरीने ऊचा करके Having lifted or
 raised up पञ्च० १७,

उच्चिद् अ० त्रि० (उच्चैः) उ० ऊचा
 High, elevated जीवा० ३, ३,

उच्चूल न० (उच्चूल = ऊर्ध्वं चूला यथा स्या
 तथा उच्चूलम्) उ० यी योऽती थाय तेरी
 रीते उ० धरेण भायुं जिस तरह से नेटी
 ऊची हो उस तरह से ओंवा-नीचा किया
 हुआ माथा (Head) topsy-turvierd
 so that the tuft of hair becomes
 erect विवा० ६,

उच्चूल पु० (अवचूल) दाथीना गझनी मे
 आनुये उभय ओव लटकुतु पुमकु हाथी
 के गले के दोनों ओर भूमके के समान
 लटकता हुआ भूमका An ornamental
 pendant (of the shape of a
 flower) on both the sides of
 the neck of an elephant ओव०
 ३०,

उच्चूलग पु० (अवचूलक) जुओ। उपे
 शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide
 above ओव० ३१,

उच्चोद अ० पु० (उच्चोदक) अक्षरत
 अक्षरतिना ओक भुडेवनु नाम ब्रह्मदत्त
 चक्रवर्ती के एक मूल का नाम Name
 of a palace of the Chakravartī
 Brahmadatta उत्त० १३, १३,

उच्छ्रम पु० (उत्सम) गो० ओले। गोदी
 A lap अंत० ३, ८, ओव० ३१, सु० च०
 २, २४४, नाया० २, १६, विवा० ७,
 प्रव० १६०,

उच्छ्रण त्रि० (उच्छ्रज) दाकेल टाका

हुआ Covered, hidden ओव० पञ्च०
 २३, ज० प० २, १६,

उच्छ्रज न० (अपच्छ्रज-अपशब्द विरूप छत्र
 स्वदोषाणा परगुणानाचावरणमपच्छ्रजम्)
 पैताना दोष अने भीमना गुणाने छुपाया
 ते, असत्यने ओक प्रशर अपने दोष और
 दूसरे के गुण को छुपाना Hiding one's
 own demerits as well as an-
 other's merits परह० १, २,

उच्छ्रज त्रि० (उत्तच्छ्रज) अ० ६२ उ० उ० उत्तरे
 अदर उतग हुआ, उडे में उतरा हुआ
 Gone deep into the interior
 अणुत्त० ३, १,

उच्छ्रज त्रि० (उच्छ्रज) जुओ। ' उच्छ्रण '
 शब्द देखो ' उच्छ्रण ' शब्द Vide
 ' उच्छ्रण ' ज० प०

उच्छ्रज त्रि० (उत्तच्छ्रज) आ० ७१ दन
 द०, दाकेल आच्छादन करता हुआ, ढकता
 हुआ Covering " चवखुपहमुच्छ्रजन्त-
 कच्छइ गर्भार .. " परह० १, ३,

उच्छ्रजला स्त्री० (उच्छ्रजला) उ० ७१ दन
 उच्छ्रजला Leaping up, throwing
 up परह० १, ३,

उच्छ्रजलिय त्रि० (उच्छ्रजलित) उ० ७१ दन
 उच्छ्रजला हुआ (One) that has
 leapt up परह० १, ३

उच्छ्रव पु० (उत्सव) उ० ७१ दन, म० ६
 उत्सव इन्द्रोत्सवादि, महोत्सव, बडा जल्मा
 A festival, e g one in honour
 of India नाया० १, भग० ६, ३३,

उच्छ्रहत त्रि० (उत्सहत) उ० ७१ दन, रा० ७
 उत्साहवाला Ardent, zealous, en-
 thusiastic " अओमया उच्छ्रहया
 नरेण " दम० १, ३, ६

उच्छ्राय त्रि० (अवच्छादित) आ० ७१ दन

धरेल; छिपेला ढाका हुवा. Covered, hidden नाया० १;

उच्छादणया. स्त्री० (उच्छादन) छिछोरेल
धरेलुं ते उच्छेदन करना, उखाडना. Root-
ing out; cutting out. “ अगाण
सभुतराणं घाताण वाहाण उच्छदणयाण ”
भग० १५, १.

उच्छाय पुं० (उच्छाय) उयाल ऊंचाई.
Height ठा० ७.

उच्छायणा स्त्री० (उच्छादना) व्ययच्छेद-
व्याघ्रनि धरेली जातिका विच्छेदन करना-
नाश करना Cutting off, debai-
ring नाया० ८,

उच्छाह पु० (उत्साह) उत्साह, उत्कंठा
उत्साह, उत्कंठा Zeal, enthusiasm
eager longing सू० प० २०; सम० ६;
उच्छिद्य न० (उच्छेदन) छिछोरेल-छिछोरेल
लेलु ते उधार लेना. Borrowing, tak-
ing on credit पि० नि० ११६,

उच्छिद्यपग. पुं० (उत्तेपक) योर विशेष;
भीला, भील वगेरे योरनी वत चोर विशेष.
मीणा, भील वगेरह चोरकी जाति. A par-
ticular class or tribe of thiev-
es, e g Mīnā, Bhīla etc परह०
१, ३;

उच्छिद्य त्रि० (उच्छिद्य) आता आता वधेयुं;
ओहुं, ओहुं उच्छिद्य. भूत (Food)
remaining after one has eaten
a portion of it प्रव० ११६;

उच्छिद्य त्रि० (उच्छिद्य) छिछोरेल धरेल;
नाश पाभेस. नाश पाया हुआ, नष्ट
Destroyed, ruined ठा० ५ भग०

३, ७ कप्प० ४, ८८, — सामि
पुं० (-स्वामिक—उच्छिद्यो निःसर्त्तभून
स्वामी यस्य तत्तथा) जेनो स्वामी-भ वेस
नाश पाभेस होय ते जिमका स्वामी नष्ट
हो गया हो वह (one) whose master
has been ruined. “उच्छिद्य सामि
याइ वा उच्छिद्य सेउ पाइ ” भग० ३ ७,

उच्छिद्य. त्रि० (उच्छिद्य) उयु धरेल
ऊंचा किया हुआ. Raised up,
elevated ओव० २६, ३१, नंदी० ६,

उच्छु पुं० (इलु) शेरडी साटा, गन्ना
Sugai-cane भग० १, १, आया० २,
७, ३; १६०; ओव० पि० नि० २८०, सु०
च० २, २४; —खड पु० (-खण्ड)
शेरडीनो छट्टा -डातडी गन्नेका टुकड़ा
a piece of sugai-cane दस० ३, ७,
५, २, ३८, दसा० १०, ५, —गंडिया
स्त्री० (-गण्डिका) शेरडीना गाठ
सहित छट्टा गन्नेका गाठ सहित टुकड़ा
a piece of sugai-cane with
joints आया० २, १, १०, ४८

—मेरग न० (-मेरक) शेरडीनी गडरी
छोटा उतारेल शेरडीना छट्टा गडरी; गन्नेक
विना छिलके के छोटे टुकड़े. small pieces
of sugai-cane with the peel
chopped off आया० २, १, ८, ४७,
—वण न० (-वन) शेरडीनु वन गन्नेका
वन a forest of sugai-canes
अणुजो० १३१, —वाड पु० (-वाट) शेर-
डीनी वाट गन्नेकी वाड a field of sugai-
cane where they are pressed
to extract juice ओव० नि० ७७१,

* उच्छु त्रि० (*) उपर आवेस ऊपर

आया हुआ Come up, come to the surface. विशेष ११४७,

उच्छुद्ध त्रि० (विक्षिप्त) वेशभेष, विभेष विखरा हुआ Scattered, dispersed ओष० नि० भा० २२१.

उच्छुद्ध त्रि० (.) त्याग्येन चुराया हुआ Stolen जीवा० ३, ३ / २) त्याग्येन त्यागाह्वया abandoned ओव० ३८, मत्था० (३) पोताना स्थायी दूर धरेन, गह्वर धरेन अपने स्थानसे दूर किया हुआ, बाहिर किया हुआ removed expelled from one's place "आयाण फलिय उच्छुद्ध दीह वाहू" तहु० ओव० १०, —सरीर. पु० (-शरीर) जेजे शरीर सस्कारने तथ दीधा छे ओया मुनी ऐसे मुनि जिन्होंने शरीर संस्कार का त्याग कर दिया है an ascetic who has given up all physical needs or ceased to attend to them "घोरतयसी घोर वभयारी उच्छुद्ध सरीरे" विवा० १, भग० १, १, नाया० १,

उच्छेद पु० (उच्छेद) नाश नाश Destruction, annihilation नदी० ३६

उच्छेय पु० (उच्छेद) ज्योतिषयोः शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above नदी० ३६, —कर त्रि० (-कर) नाश करने वाला (one) who destroys नदी० ३६,

उच्छेयण न० (उच्छेदन) निर्मूल करने, उच्छेदन करने निर्मूल करना, उच्छेद करना Uprooting; annihilating, eradicating राय० २०८,

उच्छोभ त्रि० (उत्तोभ) दोल रहित

क्षोभ रहित Free from agitation ओष० नि० ४३३,

उच्छोल्लण न० (उच्छोल्लन) अतृप्तताये लाय पग धोवा ते बिना यत्नाचार के हाथ पैर बोना Careless washing of hands and feet सूय० १, ६, १८, —(णा)पहोअ-य त्रि० (-प्रधावित -उच्छोल्लनेन प्रभूतजलचालनक्रियया धोता धोतगात्रा ये ते तथा) अण् पाणीथी जतना वगर शरीर वगेरे धोना बिना यत्नाचार के बहुत से पानी से शरीर वगैरह धोनेवाला (one) who carelessly washes his body (needlessly) with too much water ओव० दस० ४, २६, —(णा)पहोइ त्रि० (-प्रधाविन्—उच्छोल्लनगोदक यत्नया प्रकर्षेण धावतिपदादिशुद्धिं करोति यः स तथा) जतना वगर पाद प्रक्षालन करनेवाले बिना यत्नाचार के पैर धोनेवाला (one) who washes feet without proper care दस० ४,

उच्छोल्लित्तर त्रि० (उत्त्थालित्) उच्छालनाए छीटनेवाला (One) who washes or sprinkles सूय० २, २, १८

उज्जम पु० (उद्यम) उद्यम, धन्य, प्रवृत्ति उद्यम, उद्यम, व्यापार, प्रवृत्ति, कर्तव्य तत्परता Industry, activity, business ओव० २१, सु० च० १, २२, नाया० ५, गच्छा० ६,

उज्जय त्रि० (उद्यत) तत्पर, तैयार तत्पर, उद्यम तैयार Ready, ready to do, prepared पण्ड० १, ३, ओष० नि० भा० ४६, सु० च० १, ३०३ पचा०

८, ५; —विहार त्रि० (-विहार)
विहारमा उद्यत-उद्यमान विहार में उद्यत.
enthusiastic or zealous about
peregrination (Vihāra) पंचा०
१, ४६,

उज्जयंत. पुं० (उज्जयत्) गिरनार पर्वत
गिरनार पर्वत. The Giranāra
mountain. प्रव० ३६४, —शैल. पुं०
(-शैल) गिरनार पर्वत गिरनार पर्वत the
Guanāra mountain नाया० १६,
उज्जल त्रि० (उज्जल) निर्मल, २१२७,
शेकपुं; शुद्ध, डलड रहित. निर्मल, स्वच्छ,
साफ, निष्कलक Clear, pure, stain-
less. कण्ठ० ३, ४१, ४६; नाया० १,
जीवा० ३, १; राय० ओव० भग० ६,
३३, १५, १, गच्छा० १०२, (२) उत्कट,
तीव्र उत्कट, तीव्र sharp; severe
नाया० १, ५; १६; १९, सूय० २, २,
६७, राय० २८३; विवा० १; जं० प० ७,
१६६, दसा० ६, १, —लेश्वरथ. पुं०
(-नेपथ्य) निर्मल वेष. निर्मल वेष;
स्वच्छ पोशाक clean, spotless,
dress भग० ७, ८,

उज्जलिय. त्रि० (उज्ज्वलित-उद्गता ज्वाला
यस्य सः) प्रकाशित; दैदीप्यमान प्रका-
शित, प्रकाशवान्, दैदीप्यमान् Shining,
sparkling नाया० १, जीवा० ३;

उज्जल त्रि० (उज्जल - उद्गतो जलः शुष्क-
स्वेदो यस्य सः) भुक्ष पसिनाना जमेन
भेद्युक्त, भक्षीन सूखे पसीने के जमे हुए
मेल सहित Dirty with a sedi-
ment of dried up perspiration
“मुडा कट्टविण्णं उज्जल अस्माहिता”
सूय० १, ३, १, १०,

उज्जहिता सं० क० (उज्जय) तथने,
थोरीने तजकर, छोटकर Having

abandoned, having left “उज्ज-
हिता पलायइ” उक्त० २७, ७,

उज्जण न० (उद्यान-वस्त्राभरणादिसमलं-
कृतविग्रहा. सज्जितासनाद्याहारा मदनो-
त्सवादिषु क्रीडार्थं लोका उद्यन्ति यत्र तच्च
स्पकादितरुखण्डमादिङ्गतमुद्यानम्) पु०
इल पावा आडोथी व्याप्त आग, साधारण
जनेने ओरुखण्ड उज्जणी डरवानु स्थान,
वगीचे फूल फल वाले झाड़ों में व्याप्त
वागीचा, साधारण जनों का उत्सव करने का
स्थान; वागीचा. A garden with fruit-
trees and flowering plants, a
place where common people go
for celebrating a festivity. कण्ठ०
४, ५, ८८; ११३, ७, २११, अणुजो० १६,
१३४, ठा० २, ४, सम० ६; दस० ६, १,
७, २६, राय० २०, ३३, २३४; नदी० ५०;
पि० नि० २१२; सु० च० १, ६६, दसा० ६,
३, विवा० ५, ओव० १६; नाया० १, २,
३, ५; ८, १४; १६ भग० ३, २, ५, ७,
१५, १, १८, १, २५, ७, जं० प० २,
३०; ३१; निसी० ८, २, (२) उथी
जमीन, टेकरी ऊची जमीन, टेवडी
a high ground; a hill “उज्जणं
सिव दुवला” सूय० १, ३, २, २०,
—गिह. न० (-गृह) उद्यानमा आधेय
भक्षान उद्यान गृह, वगीचे वाला घर a
house in a garden ठा० २, ४,
निसी० ८, २, —जत्ता स्त्री० (-यात्रा)
उद्यानमा जतु ते, उद्यान-नी यात्रा. वागीचे
में जाना. going to a garden नाया०
१; —पाल त्रि० (-पाल) उद्यानने
रक्षक-भावी उद्यान का रखवाला, माली a
gardener, (one) in charge of
a garden पि० नि० २१४, —पालत्र
त्रि० (-पालक) ज़ुओ उपलो शब्द

देखो ऊपर का शब्द vide above राय० २३०, —संदिग्ध त्रि० (—संस्थित) उद्यान-नी आकृति वाला, उद्यानने आकारे रहैल उद्यान की आकृति वाला, उद्यान के आकार वाला having the form of a garden, of the appearance of a garden “उज्जाण नठिताण ताव वखेते” च० प० २, —साला स्त्री० (—शाला) उद्यान शाला उद्यान शाला, बागीचा a park, a garden निषी० ८, २, —सिरि स्त्री० (—श्री) उद्यान-वन की लक्ष्मी-शोभा उद्यान की लक्ष्मी, वन की शोभा beauty of a garden or of a wood नाया० १६,

उज्जाणियलेण न० (औद्यानिकलयन)

उद्यान गंगीयानी अद्वैतु विरामगृह उद्यान-बागीचा के भीतर का विरामगृह-ठहरने का स्थान A rest house in a garden, a house of recreation in a garden भग० १३, ६, १४, १,

उज्जायण पुं० (उद्यायन) पुण्य नक्षत्र

गोत्र पुण्य नक्षत्र का गोत्र The family-line of the constellation Pusya सु० प० १०,

उज्जालत्र त्रि० (उज्ज्वालक) अग्नि सध-गावेनर अग्नि जलाने वाला-सिलगाने वाला (One) who kindles fire सूय १, ७ ६,

उज्जालण न० (उज्ज्वालन) सधगावतु ते जलाना, सिलगाना Kindling, setting fire to, causing to burn गच्छा० ७६,

उज्जालिय त्रि० (उज्ज्वालित) सधगावेन सिलगाया हुआ Kindled जोत्रा० ३, ३,

उज्जित पुं० (उज्जयत्) सौरह देवता जुना गढ़ पामे आवेन गिरनार पर्वत गिरनार

पर्वत The mountain Ginnāra in Junāgadha पचा० १६, १७, कण्ठ० ६, १७४,

उज्जु त्रि० (ऋजु-अर्जयति गुणानिति)

सरल अथवा, अक्षुटिल सरल, सीधा, टेढ़ाई रहित, बिना कुटिलता का Straight, straight-forward ओव० १०, ठा० ४,

१, आया० १, ३, १, १०७, पिं० नि० २८६, ३६५, ज० प० २, जीवा० ३, ३, (२)

माया-क्षुपट रहित, सयमधारी माया रहित,

छल कपट रहित, सयम वाला free from deceit, self-restrained

ठा० ३, —आयता स्त्री० (—आयता)

सरल अथवा लांभी श्रेणी सरल और लंबी श्रेणी a long and straight line

भग० २५, ३, ३६, १, —आयया स्त्री०

(—आयता) जुगो उपलो शब्द देखो

ऊपर का शब्द vide above भग०

२५, ३, —कड त्रि० (—कृत) सरल,

मायारहित इरेल सरल-माया रहित

क्रिया हुआ made straight-forward

or free from deceit “अकिचणा

उज्जुकडा निरामिसा ! परिगाहारभ नियत्त

दोसा” उत्त० १४, ४१, आया० १, ०,

३, १८, —जड त्रि० (—जड) सरल

अथवा जड, सीधापणु जडता वाला

सरल और जड़, सीधा किन्तु मन्द बुद्धि

straight-forward but dull and

and stupid “पुरिमा उज्जुजाडाणो वक्क

जड्ढाय पच्छिमा” उत्त० २३, २६, पचा०

१७, ४३, —दसि त्रि० (—दर्शिन-ऋजु

मोक्ष प्रति ऋजुत्वात् सयमस्त पश्यन्त्यु-

पादेयनयेति ऋजुदर्शिन) ऋजु लाय-

भोक्ष साधक सयमने जेना, सयमालिनापी

ऋजु मव-मोक्ष का सिद्धि करने वाले सयम

का अभिलाषी (one) desirous of

asceticism which leads to salvation दस० ३, ११, —पन्न. त्रि० (—प्रज्ञ) सरल अने समजु सरल और समझदार straight-forward and intelligent दस० ५, १, ६०; उत० ६; २३, २६; पंचा० १७, ८३, —भाव पुं० (—भाव) ऋजु भाव, सरलता सरल स्वभाव; सरलता. straight-forwardness, self-restraint. “उज्जुभाव च जणयइ” उत० २६, ५; —मइ, छां० (—मति—मननं मतिः ऋज्वी सामान्यग्राहिणी मतिः ऋजु मति) मन पर्यवे ज्ञानने ओइ भेद, सामान्यथी मनना पर्यवे ने जणुवनार ज्ञान. मन पर्यवे ज्ञान का एक भेद, सामान्य से मन के पर्यवों को जानने वाला ज्ञान a variety of Manapariyava Jñāna; simple mental knowledge. ओव० १६; दस० ४, २७, ठा० २, १ नंदी० १८, भग० ८, २, विश० ७७६, (२) पुं० ६४६ न्यून (अदी अगुन न्यून), अदीदीपना संजी प्राणि-ओना मनोभावने जणुवनार साधु. अट्टाई द्वीप के संजी प्राणियों के मनो भावों को जानने वाला साधु (an ascetic) able to know the thoughts of conscious living beings of 2½ Dvīpas i. e. continents; a little less (by the breadth of 2½ fingers) ओव० १५; —यार. त्रि० (—कार) ऋजु-संयम-सरलताना धार-उरनार, संयमधारी; संयम पालनार संयम का पालन करने वाला. (one) who observes rules of asceticism. सूय० १, १३, ७, —सुत्त पुं० (—सूत्र) वर्तमान वस्तुनेज माननार नय, सात नयमाने ओइ नय वर्तमान वस्तु को

ही मानने वाला नय, सात नय मे से एक नय the theory which admits the present condition of things only, one of the 7 logical stand-points ठा० ७, —सुय पुं० (—श्रुत) अतीत अनगत धार रूप वकता विना मात्र वर्तमान धारवाने वस्तुनेज जे देखाडे, पारशी वस्तु निष्प्रयो-जनहोइने असत् समान माने, डिग वयन लिख छना ओइज पदार्थ माने, निक्षेपा-यार स्वीकारे ते, सात नयमाने ओइ नय सात नय मे का चौथा नय, जो अतीत अना-गत काल रूपी वकता को छोड़ कर केवल वर्तमान काल रूपी वस्तु को ही दिखलाता है, पर वस्तु को अमत् के समान मानता है, लिख वचनों को भिन्न होने पर भी एकही पदार्थ बतलाता है और चार निक्षेप स्वीकार करता है. the fourth of the seven logical standpoints, viz the actual point of view referring to the present condition of things, regarding as non-existent or false all other things because they serve no purpose, and regarding substance as one although it may differ in gender and number. अणुजो० १४, १४८, सम० ८८, पन्न० १६; विशेष० ४०; २२२२; प्रव० ८५४, (२) विच्छेद गयेल पारभा दृष्टिवाद अगना पीज विभाग सूत्र-ने प्रथम भेद जिसका विच्छेद होगया है ऐसे बारहवे दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग सूत्र का प्रथम भेद. the first division of the 2nd Vibhāga Sūtra of the 12th non-existent Dristivāda Aṅga —सट्ठि. छां० (—ब्रह्मी) सभ

श्रेणी-आकाश प्रदेशपक्ति सरल श्रेणी-
आकाश प्रदेशों की सरल पक्ति. a straight
line of spatial units " विष्पजहिता
उज्जुसेटिपत्ते " उक्त० २६, ७३,

उज्जुअ. पुं० (ऋजुक) उदर सर्प वगेरेना
दर-राक्षस ऊदरे और सापों की बावी A
hole of a snake, a rat etc
कप्प० ६, ४५,

उज्जुग पुं० (ऋजुक) दृष्टिवाद्ना ८ सूत्रभातुं
पड़ेसु सूत्र दृष्टिवाद के ८ सूत्रों में का
पहला सूत्र The first of the 8
Sūtras of Dristivāda. सम० (२)
निष्कपटी, सरल कपटरहित, सरल one
free from fraud जीवा० ३,

उज्जुगइ स्त्री० (ऋजुगति) साधु पोताना
स्थानथी निष्कली सिधेसिधु गृहपक्तिअये
ज्ज ओहारे, वज्रता न ओहारे ते, जौयरीना
आठ प्रकारमानो पड़ेसो प्रकार गोचरके आठ
प्रकार में का एक प्रकार, जिस में साधु अपने
स्थान से निकल सीधा गृहममूहों में जाकर
बहोरता-भिक्षा लेता है और लोटत हुए नहीं
बहोरता The first of the eight
modes of begging alms, viz
proceeding to beg from one's
own abode in a straight line
(of houses) and not begging
while returning प्रव० ७५३,

उज्जुगभूय त्रि० (ऋजुकभूत) सरल भूत-
थयेल सरलीभूत, सरल हो चुका हुआ
(One) that has become
straight or straight-forward
"सोहि उज्जुगभूयस्स धम्मो सुद्धस्स चिट्ठइ"
उक्त० ३, १२,

उज्जुगया स्त्री० (ऋजुकता) सरलता सर-
लता, सीधा साधा पन Straightness,
straight-forwardness छ० ३,

उज्जुत्त त्रि० (उद्युक्त) उद्यम वालो, उद्यमी
उद्यमी. उद्यम करने में तत्पर. Industri-
ous, busy. पचा० १७, ५२, नंदी० २६,
(२) सावधान सावधान सचेत atten-
tive, careful आउ०

उज्जुभूय. त्रि० (ऋजुभूत) सरल थयेल,
सिद्धा-सधल हृदयनो सरलीभूत, सरल
हृदयवाला, (One) who has be-
come straight-forward in mind,
straight-forward उक्त० ३, १२,

उज्जुय त्रि० (ऋजुक) सरल, सीधा, निष्क-
पटी सीधा साधा, कपट प्रपचराहित Free
from deceit, guileless आया० २,
३, १, ११४, भग० १८, ५ दसा० ६, २;
ओघ० नि० ८००, कप्प० ३, ३६, (२) पुं०
ज्जमणे हाथ सीधा हाथ, दाहिना हाथ the
right hand ओघ० नि० ५१०,

उज्जुयया स्त्री० (ऋजुकता) सरलता. सर-
लता, सीधा सादापन Freedom from
guile, straightforwardness उक्त०
२६, ४८,

उज्जुवालिया स्त्री० (ऋजुवालुका) जलिया
ग्रामनी गहारे पड़ेती ओझ नदी, के जेने
डांडे महावीरस्वामीने जेवज्जनान उत्पन्न थयुं
जभिया ग्राम के बाहिर बहतो हुई एक
नदी, जिसके तीर पर महावीरस्वामी को
केवलज्ञान उत्पन्न हुआ Name of a
river outside the village called
Jambhīyā on the bank of
which Mahāvīra Swāmī got
omniscience "जभिय गामस्स नगरस्स
बहिया नईए उज्जुवालियाए उत्तरकूले"
आया० २, १५, १७६, कप्प० ५, ११६,

उज्जेणी स्त्री० (उज्जेणी) मालव देशनी
ओझ नगरीनु नाम मालव देशका एक

नगरी का नाम, उज्जयिनी, उज्जैन Ujjain; name of a city in Mālava “उज्जैणी अद्दुणे खलु” आव० ४, संत्या० ६५; सु० च० ११८ विशेष० १०८२, ओध० नि० मा० २६;

उज्जोअ—य पुं० (उद्योत) तेज-प्रकाश
उद्योत, अज्जवाधु प्रकाश, उज्जैला, उद्योत.
Light, brightness “देवुज्जोय करेति”
राय० उत्त० २३, ७५, २८, १०.
पत्र० २, आया० २, १५, १७६, मग० २,
८, ५, ६, प्रव० १२७८, भत्त० १६८,
(२) नामधर्मनी ओड प्रकृति ३ जेना
उद्ययथी उज्जु-गरम नही छता प्रकाश कर-
ना शरीर प्राप्त थाय-जेम चंद्र नक्षत्र रत्न
पगेरेना शरीर नामकर्मकी एक प्रकृति, जिसके
उदयसे गर्म न होते हुए भी प्रकाशवान
शरीर प्राप्त हो जैस कि चंद्र, नक्षत्र,
रत्न आदि का शरीर a variety of
Nāmakarma by which one
gets a body which is bright
and shining without being
hot, e.g. that of the moon etc
पत्र० २३, क० ग० १, २५-४६, २, ५
—आयव पुं० (-आतप) उद्योत अने
आतप नाम धर्म. उद्योत और आतप
नामकर्म the two Nāmakarmas
viz Udyota and Ātapa क० ग०
५, ३, ज० प० ३, ५४, —गर त्रि०
(-कर) उद्योत-प्रकाश-ज्ञानदर्शनरूपी
प्रकाशना करनेवाला उद्योत-प्रकाश करनेवाला,
ज्ञानदर्शनरूपी प्रकाशका करनेवाला (one)
who enlightens in light know-
ledge and faith पणह० २, २, मम०
आव० २, १, —चउ (-चतुष्क) उद्यो-
तादि चार प्रकृति, उद्योतनाम, निर्यय गति,
निर्ययनु आयुष्य अने निर्यय अनुपूर्वी,

ओ था० प्रकृति उद्योतादि चार प्रकृति,
उद्योतनाम, तिर्यचगति, तिर्यचका आयुष्य, और
तिर्यच अनुपूर्वी ये चार प्रकृति The four
Prakritis (Karmic natures)
viz Udyota Nāma, Tiryañcha
Gati, Tiryañcha Āyusya, and
Tiryañcha Anupūrvī क० ग० ३,
१२, २३. —णाम न० (-नामन्) नाम
धर्मनी ओड प्रकृति नामकर्मकी एक प्रकृति
A variety of Nāmakarma क०
ग० १, २५;

उज्जोइय. त्रि० (उद्योतित) प्रकाशित, अज्ज-
अगुं प्रकाशित, प्रकाशवान् चिलकता दृष्टा-
Shining, sparkling सम० प० २३७,
नाया० १; ओव० १०; गच्छा० १, सु० च०
२, २६७, कप्प० ४, ६२, प्रव० ८०,

उज्जोय पुं० (उद्योग) प्रयत्न, परिश्रम
प्रयत्न, परिश्रम, महिनत Effort, work,
labour सु० च० १, ६६,

उज्जोयग त्रि० (उद्योतक) उद्योत करनेवाला
उद्योत करने वाला (One) that
gives light “सव्व जगुज्जोयगस्स”
नदी० ३,

उज्जोयण. न० (उद्योजन) जेसु, तैयारी
करनी जोड़ना, तैयारी करना. Uniting,
joining, preparing ओव० नि० मा०
६०,

उज्जोविय त्रि० (उद्योनित) रत्न आदिथी
प्रकाशित रत्न आदिमे प्रकाशित Shining
with jewels etc “सउज्जो विण्हि”
राय० ४६; नाया० १,

✓उज्ज धा० I (उज्ज्) तछ देवु त्याग-
देना, छोड़ देना To abandon, to
leave off

उज्जइ भत्त० १०३

उज्जमि विवा० १

उज्झाहि आ० विवा० १,

उज्झसु आ० भत्त० ५६,

उज्झिउं स० कृ० सूय० २, २, ६; नाया० ६,

उज्झिउण परह० १, ५,

उज्झित्तण नाया० ८, उवा० २, १५,

उज्झंत. व० कृ० अणुजो० १२८,

उज्झावेह प्रे० विवा० २,

उज्झात्र त्रि० (उज्झक) सत्त्विवेक वगरने।
सद्विवेक से रहित Devoid of a sense
of decorum or decency “ तित्ता
तिधा भितावेणं उज्झात्रा-असमाहित्रा ”
सूय० १, ३, ३, १३,

उज्झण न० (उज्झन) थडार लथ जवु
बाहिर लेजाना Taking or carrying
out विशेष० २५७७, (२) त्याग त्याग,
abandoning, giving up श्रव०
उज्झर पु० (अज्झर) पर्वतमाथी पडतो पाणीने
अरे, गिरिनिर्जर पर्वत में से गिरता हुआ
पानीका करना, गिरिनिर्झर A mountain
torrent, a mountain stream नदी०
१५, जं० प० १, १०, —रव पु० (-रव)
अराने थडथड आवाज करने की ध्वनि.
babbling sound of a stream
नाया० ६,

उज्झिअ-य पु० (उज्झित) उज्झित नामे
विजयमित्र सार्थवाहने पुत्र के जेने। अधिहार
विपाक सूत्रना भीम अध्ययनमा छे उज्झित
नामक विजयमित्र सार्थवाह का पुत्र, जिसका
वर्णन विपाक सूत्र के दूसरे अध्याय में है
Name of a son of the merchant
Vijayamitra whose account is
given in the 2nd chapter of
Vipāka Sūtra विवा० १, २, अणुजो०
१३१, (२) विपाकसूत्रना प्रथम श्रुतस्कन्धना
भीम अध्ययननु नाम विपाक सूत्र के प्रथम
श्रुतस्कन्ध के दूसरे अध्याय का नाम name

of the 2nd chapter of the first
Śrutaskandha of Vipāka Sūtra
विवा० १, (३) त्रि० तनेल, त्याग
करेन त्यागा हुआ abandoned,
given up विवा० १, पि० नि० ११६,
—नियणसत्त त्रि० (—निदानशक्य) निपा-
णरूप शक्यने त्याग करेन छे जेने ते नियणा
रूपी शक्य को त्याग देने वाला (one)
who has got himself rid of the
thorn in the shape of Niyānā
(the desire for future sense-
pleasure) भत्त० १४०, —धम्मिय
त्रि० (—धार्मिक) नाभी देवा योग्य,
निरुपयोगी फेंक देने योग्य, निरुपयोगी.
worth being thrown away,
useless अणुजो० ३, १,

उज्झियग पु० (उज्झितक) विजयमित्र
सार्थवाहनी लार्था सुभद्राथी उत्पन्न थयेन
पुत्र विजयमित्र सार्थी की स्त्री सुभद्रा से
पत्पन्न पुत्र का नाम A son of the
merchant Vijayamitra born of
his wife Subhadrā विवा० २,

उज्झियधम्मा. स्त्री० (उज्झितधर्मा) जे वस्तु
नाभी देवा योग्य होय, जेने डोछ लेवा न
छुछे तेवी वस्तु छोडनी ते, अपेक्षाना
सात प्रकारमाने। ओछ जो वस्तु लेने योग्य
न हो, उस का बहोरना-लेना, एषणा के
सात प्रकारों में का एक प्रकार Receiving
as alms a thing which is worth
being thrown away and which
nobody would care to take,
one of the seven varieties of
receiving alms प्रव० ७५०,

उज्झिया स्त्री० (उज्झिका) धन्ना सार्थ-
वाहना पुत्र धन्नास सार्थवाह तेनी स्त्री धन्ना
नामक सार्थवाह के पुत्र धन्नाल की स्त्री

Wife of the merchant Dhana-pāla, the son of the merchant Dhannā. नाया० ७,

उद्द पुं० स्त्री० (उष्ट्र) सादीओ, गिट. ऊंट;
A camel “अहमंते उष्ट्रे गोणे खरे
घोडपु” पत्र० १; “भारवहावहतिउद्गावा”
सूय० १, ४, २, १६, २, २, ४५; ओव०
३८, जीवा० ३, ३, जं० प० उवा० २, ६४,
क० गं० ६, ४३,

उद्दिय. त्रि० (औष्ट्रिक-उष्ट्राणामिदमौष्ट्रिकम्)
गिटना वासतुं अनेतुं सूत्र ढागली पगेरे
ऊंट के बालों से बना हुआ वस्त्र, धावल
वगैरह. A blanket etc. made
of the hair of a camel ओघ०
नि० ७०६, वेय० २, २३, अणुजो० ३७,
उद्दिया. स्त्री० (उष्ट्रिका उष्ट्रस्याकारः पृष्ठाव-
यव इवाकारोऽस्याः) गिटना आकारतुं-
लाप्ता आकारवातुं वासतु, शिरोध ऊंट के
आकार का लम्बी गर्दन वाला वर्तन A
pot with a long neck like that
of a camel. उवा० १, २७; २, ६४, ७,
१८४, विवा० ७,

उद्दियासमण पुं० (उष्ट्रिकाश्रमण-उष्ट्रिका
महान्मृन्मयोभाजन विशेषस्तत्र प्रविष्टायेश्रा-
म्यन्ति तपस्यन्तीत्युष्ट्रिकाश्रमणाः) भोट।
भाटीना वासतुमा भेरी तपश्चर्या करना; २;
गोशालाना साधुनी ओक जन. मिट्टी के बड़े
बरतन में बैठ कर तपश्चर्या करने वाला,
गोशाला के साधु की एक जाति One who
sits in a large earthen vessel
and practises penance, one of
the sects of the followers of
Gosālā ओव० ४१;

उद्दी. स्त्री० (उष्ट्री) गिटडी, सांढली ऊंटनी,
साढनी A she-camel अणुजो० १३१;
प्रव० २१८;

उद्दीवाल. पुं० (उष्ट्रपाल) गिट राभनार.
ऊंट को पालने वाला A keeper of
camels. अणुजो० १३१,

उद्द पुं० (उष्ट्र) ओक जलतुं जलचर प्राणी.
एक प्रकार का जलचर प्राणी. A kind
of aquatic animal “मग्न्य उद्गा-
दगरक्खसाय” सूय० १, १, १५;

उद्द. पुं० (ओष्ठ) ओष्ठ, ढोठ ओष्ठ A lip.
कप्प० ३, ३५; नाया० २, ओव० ३८, भग०
११, ११; सम० ११; सु० च० १०, ४१,
ओघ० नि० भा० २६६, उवा० २, ६४,
विशे० ८५७; निसी० ३, ५३; ५, ३८,
दसा० ६, ४, (२) वासतुने काठे
बरतन की कोर the brim or border
of a vessel. ओघ० नि० ६६०,
—च्छिन्न त्रि० (-च्छिन्न) ढोठ छेद, ढोठ
छापेस. जिस का ओठ कटा हो वह; ओठ
कटा. (one) whose lip is cut
आया० २, ४, २, १३६, —पुड. पुं०
(-पुट) ढोठ पुट ओष्ठ पुट. the cavity
formed by hollowing the lips.
प्रव० २६३;

उद्दंभिया स० कृ० अ० (अवष्टभ्य) रोकीने,
स्तम्भन करीने रोक कर, स्तम्भन करके;
थाम कर Having stopped, hav-
ing checked आया० १, ६, ३, ११,
उद्गा स्त्री० (उत्था) शरीरने गिथुं करतुं; उभा
थु. शरीर को ऊचा करना; खड़े होना
To raise the body; to stand.
ओव० ३५; उवा० ७, १६३,

उद्गाण न० (उत्थान) उभा थु-उठु ते,
ओक प्रकारनी थेष्ट। खड़े होना, उठना,
Standing up; getting up. जं० प०
२, ३४, उवा० १, ७३, ठा० १, १, भग०
१, ३; ८, ७, ७, १२, ५, १७, २, नाया०
१, सू० प० १६; पत्र० २३, (२) सांभलवाने

गुरु पास से ज्युं ते. सुनने के लिये गुरु के पास जाना going up to a preceptor to hear चं० प० २० (३) उद्यम-यत्न उद्यम, प्रयत्न effort, industry भग० २, १; (४) उत्पत्ति उत्पत्ति, पैदाइश rise, birth, production नाया० १४, —कर्म न० (-कर्मन्) उठवु-शरीर येष्ट रूप कर्म. उठनेरूप शारीरिक कर्म. the act of standing up नाया० १. ज० प० २, ३४; —परियाणिय न० (-परियानिक-परियानं विविधव्यातिकरपरिगमन नदेव परियानिकञ्जरितमुत्थानाजन्मत आरभ्य परियानिकमुत्थानपरियानिक) जन्मथी भाडी छुंणीना छेडा मुधीभा थनेल हरेड थनवेनो अडेयाल, छवन अरित्र जीवनी, जीवन चरित्र, जन्म से मरण तक की प्रत्येक घटना का वर्णन a biography from birth to death “गोसालम्स मंखलिपुत्तस्स डढाणपरियाणियं पारिकहिय” भग० १५, १, नाया० १४, २७,

उद्वाणसुय पु० (उत्थानश्रुत) ७२ कालिका सूत्रभांनु ओड ७२ कालिक सूत्रा मे का एक One of the 72 Kālīka Sūtras वव० १०, २६, नदी० ४३,

उद्वावण न० (उत्स्थापन) उठावु ते, उत्थापना करी उठना, उत्थापना करना Cursing to stand up, rise, or get up वेय० ४, २६,

उद्वावण न० (उपस्थापन) सामायिक आरित्र-भाथी छेदोपस्थापनीय आरित्रनु आगेपु ते सामायिक चारित्र से छेदोपस्थापनीय चारित्रका आरोपण करना Re-establishment of equanimity after a temporary lapse भक्त० २५; ठा० ४, ३; —अन्तेवासि त्रि० (-अन्तेवासिन) पाथ भद्रावतनी

उपस्थापना करी करेड शिष्य. पचमहाव्रत की उपास्थापना करके बनाया हुआ शिष्य a disciple accepted after the establishment (in him) of the five ascetic vows ठा० ४, ३, उद्विग्र-य त्रि० (उत्थित) उठेड; उभो थयेड, तैयार थयेड उठा हुआ, तत्पर. उद्यत Got up, ready “उद्विग्रपि सूरै” अणुजो० १६, कप्प० ४, ६०, दस० ५, १, ४, वव० ३, १३, ठा० ३, ३, ओव० १३, नाया० १, भग० २, २, पं० नि० ४१७, (२) उदय पामेड; उगेड उदय पाया हुआ; ऊगा हुआ. risen (३) धर्मथिरणु भाटे तैयार थयेड, प्रयत्नया लेहने तैयार थयेड बर्माचरणके लिये तैयार, दीक्षा लेने को उद्यत. ready, prepared to take Dikṣā “अहवास विवेगमुद्विग्र अवित्तिजेइह भासइ” सूय० १, २, १८, आया० १, ४, १, १२८, (२) उन्नयड, वरित पगरनु ऊजड; वस्तिरहित स्थान desolate, untenanted ओष० नि० ८६, उड पुं० (पुट) डडीओ. देना A cup made of leaves आव० २२: उवा० २, ११३, उडअ पुं० (पुटक) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide above विवा० ५, उडय पुं० (उटज) तापसनी आश्रम-शुपु तापसी का आश्रम-मोपडा A hermitage, a cottage of a hermit भग० ११, ९, उडव पुं० (उटज) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above जीवा० ३, १, उडु पुं० (उडु) नक्षत्र नक्षत्र A constellation ज० प० ३, ६७, सू० प० ५,

—वडु पुं० (—पति) नक्षत्रतो स्वामी,
यंद्र. नक्षत्रका स्वामी, चंद्र the lord of
the constellations, the moon.
“ जहासे उडुवडु चंदे नखत्तयपरिवारिए ”
उत्त० ११, २५, ओव० १०, जीवा० ३, ३,
—वर पु० (—वर) सूर्य the
sun “ तिणिण सहस्से सगले छच्च सए
उडुवरो हरइ ” तंडु०

उडु पु० (ऋतु) वसन्त ग्रीष्म आदि ः
ऋतु वसन्त, ग्रीष्म आदि छह ऋतु
Any of the six seasons viz
spring, summer etc ओघ० नि०
भा० ३११, ओघ० नि० २६, —पज्जो-
सविअ न० (—पर्युपित) ऋतु अक्ष-
योमासा सिवायना वप्पतमा रहेल-निवास
करेले ऋतु वद्धकाल में निवास किया हुआ,
चोमासे सिवाय दूसरे समय में रहा हुआ
one that has stayed or re-
mained during the Ritu-
baddha time i.e. time of the
year excepting the rainy
season वव० ८, १, —वद्ध. पु०
(—वद्ध) जुओ ‘उडवद्ध’ शब्द देखा
‘उडवद्ध’ शब्द. vide “उडवद्ध”
ओघ० नि० २५, निसी० १४, ३२; ३३,
३४, —वद्धिय त्रि० (—वद्ध) शीत
अने उष्ण ऋतुमा साधुओतो भास ३८५
विहार शीत और उष्ण काल में साधुओ
का मास कल्प विहार the monthly
peregrinations of an ascetic
during the winter and summer
seasons आया० २, २ २, ७८;

उडु कल्लाणिआ स्त्री० (ऋतुकल्याणिका)
चक्रवर्तीनी ३२००० राज्ञी चक्रवर्ती की
३२००० राज्ञी The 32000 queens
of a Chakravartī ज० प०

उडुप. न० (उडुप) छोटी. नांव, डोंगी.
A boat पिं० नि० ३३०,

उडुव पु० न० (उडुप) नांव, छोटी, छोटीने
आकारे बनावेले नापो नाव, डोंगी,
डोंगी के आकार का बनाया हुआ वेडा. A
boat; a raft विशेष० १०२७,

उडुवाडियगण पुं० (ऋतुपाटकगण)
भद्रयशस्थविरेथी निकलेले ओक गण. भद्रयश
स्थविर से निकला हुआ एक गण. Name
of a Gana (i. e. order of
monks) derived from the
Sthavira Bhadrayaśa कप्प० ८,

उडुविमाण पुं० (उडुविमान) मैथर्म
देवलोडना पड़ेला पायडामानुं ओक विमान
३ जेनी लयाध पड़ेलाध ४५ लाख
जेनानी छे सौवर्म नामक स्वर्ग के पहले
पायड में का एक विमान जिसकी लंबाई
चौडाई ४५ लाख योजन की है Name
of an abode in the first
stratum of the Saudharma
heaven, having an area of
45 square lacs of Yojanas
“ उडुविमाणे ण विमाणे पणयालीस
जोयण ” ठा० ४, ३; सम० ४५,

उडुखल. पु० (उडुखल) उभय; आउणी
ओखली A mortar used for
pounding पिं० नि० ३६१;

उडु पुं० (उडु) उडु नामतो ओक अनार्य देश
जेने लाउ उडीसा इहे छे उडु नामक एक
अनार्य देश, उडोसा Name of an
Anārya (uncivilized) country;
Orissa प्रव० १५६७, (२) त्रि० ते देशना
रहेवासी उडु नामक अनार्य देश के रहने-
वाले a native of the above
country परह० २, १,

उडुंचग पुं० (*) डलडलट कलकलाहट
Bustle, noise ओष० नि० २२१,
उडुवाण. न० (उडुवाण) आकर्षण
आकर्षण Attraction, drawing
towards oneself “ हिय उडुवाणो
का उडुवाणहेउ ” नाया० १४,

उडुह पु० (उडुह) उपधात नाश
नाश Destruction “ गेलण दद्वे
उडुहो ” ओव० (२) डलडलट डरवी
ते होलना करना disregard of
scriptures पिं० नि० ४६; वेय० १,
३ (३) हेक्षना, भीसणा अवहेलना,
निंदा disrespect पिं० नि० ३६१,
(४) डानि, न्यूनता हानि, नुकसानी, कमी,
न्यूनता loss, diminution पिं० नि०
३०८, —कर त्रि० (—कर) डानि डर-
ना हानि करनेवाला productive of,
generating, loss गच्छा० ५५,

उडुण त्रि० (उडुण) आकाशमा उडेल
उडु हुआ Flying, flowing in the
sky. नाया० १,

उडुभडग पु० (उडुभडक) डलडलट देश
उडुभडक देश The country so
named (२) त्रि० तेना रहेवासी
उनके रहनेवाले the inhabitants of
the above. पञ० १,

उडुवुय न० (*) ओडुडार डकार
Fluctuation “ जभाइएण उडुवुएण
वायणिसगोण ” आव० १, ५,

उडुत त्रि० (उडुयमान) आकाशमा उडेल
आकाश में उडुता हुआ Flying,
soaring in the sky राय०

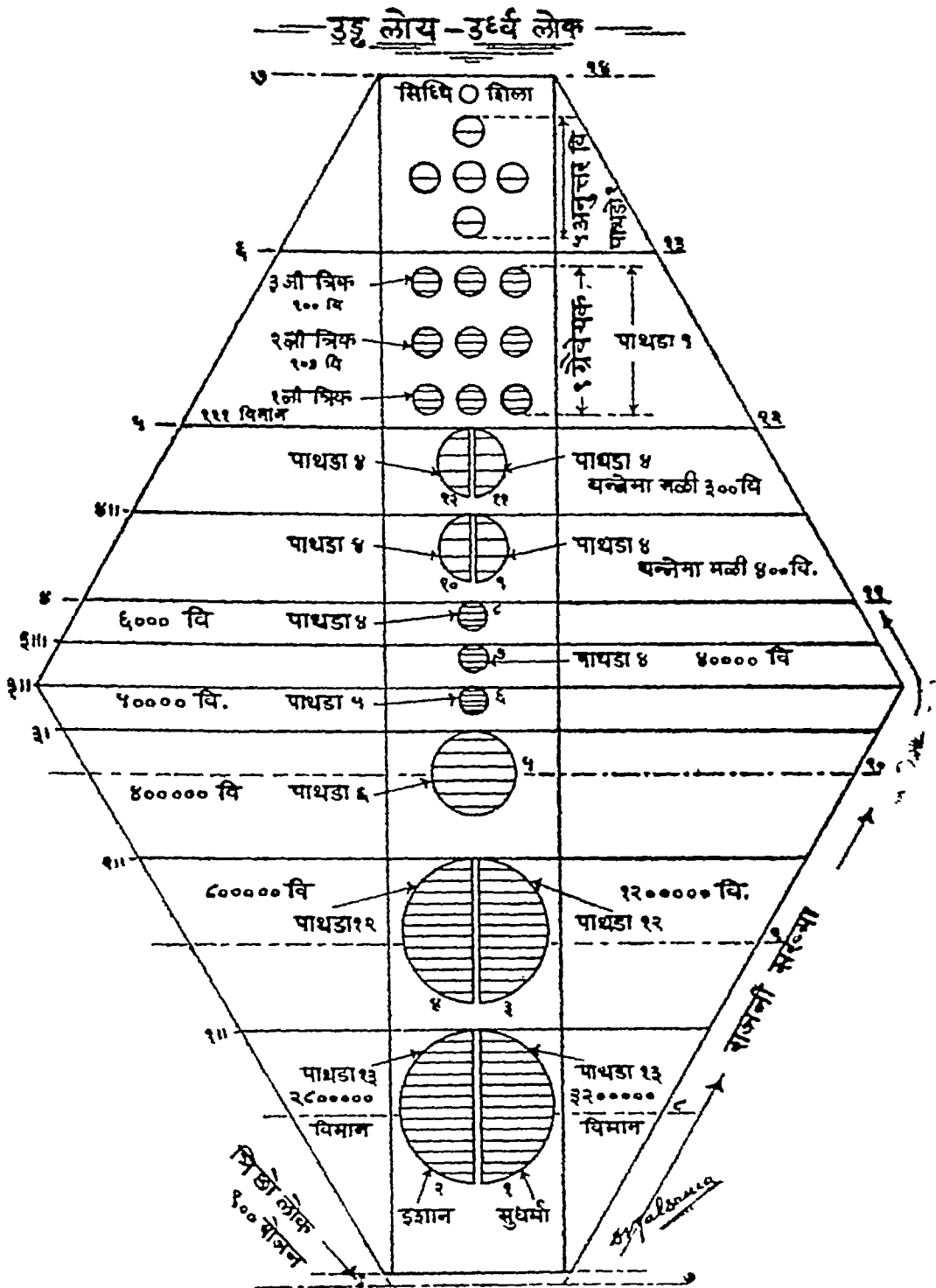
उडु त्रि० (ऊर्ध्व) उये, उपर, उये-यी यु

ऊचा, उपर High, upwards जीवा०
१, राय० १०३, नाया० १, ८, ६, १६;
भग० १, १, ६, २, ८, ३, १, २, ५, ४,
६, २०, ६, २५, ३, पञ० २, २८, निर०
२, १, उत्त० ३, १३, २६, २३, ओव०
२१, ३८, आया० १, १, ५, ४१, ठा० १,
१, सूय० १, ३, ४, २०; सम० ७,
अणुजो० १०३, ज० प० १, ४, पिं० नि०
३६३, (२) ऊर्ध्वलोड, स्वर्गलोड स्वर्गलोक,
ऊर्ध्वलोक heavenly world सूय० १,
३, ४, २०, उत्त० ३६, ५०, (३) ऊर्ध्व-
दिशा, उये दिशा ऊर्ध्व दिशा, ऊची दिशा.
the topmost direction दस० ६,
३४, आया० १, १, १, २, —अभिमुह-
त्रि० (—अभिमुख) उये दिशाभा मुअ
डरेल ऊपर की ओर जिसने मुख किया
हो वह (one) with the face
turned up भग० ११, १०, —उवव-
रणग त्रि० (—उपपन्नक) ऊर्ध्व लोडभा
आर देवलोक नवग्रीवेकादिभा उत्पन्न थनार-
देव देवी ऊर्ध्व लोक के बारह देवलोक
और नवग्रीवेकादि में उत्पन्न होनेवाले-देव
देवी (a god or a goddess)
born in the twelve Devalokas,
Nava Graiveyakas etc of the
upper region “जे देवा उडुवो ववरणगा
ते हुविहा पन्नता ” ठा० २, भग० ८, ८,
—कंडूयग. त्रि० (—कण्डूयक) नासिनी
उपर अजेलनार, तासने ओड प्रकार
नाभि के ऊपर के भाग में खुजानेवाला,
तापसी का एक भेद (a class of
hermits) who scratch (to
remove itching sensation)

only the part above the navel. भग० ११, ६, —गइ. स्त्री० (-गति)
 उ३यी गति ऊर्ध्व गति, ऊंची गति
 upward motion; birth in a
 higher state of existence भग०
 ३, १, —गारव परिणाम पु० (-गौरव
 परिणाम—येन आयुः स्वभावेन जीवस्य
 ऊर्ध्व . दिशि गमनशक्तिलक्षणपरिणामो
 भवति स ऊर्ध्वगौरवपरिणामः), आयुष्य परि-
 णामनो अ३ प्रकार के अ३नार्थी अ३य उ३र्ध्व-
 उ३यी गतिमां अ३य आयुष्य परिणाम का
 एक भेद जिससे कि जीव ऊर्ध्व गति में जाता
 है a nature of Āyusya Pari-
 nāma by which the soul has
 an upward motion. ठा० १०;
 —चर त्रि० (-चर) उ३ये उ३नार-ग३धि
 आदि ऊचे उडनेवाले-ग३धि आदि
 flying, soaring high, e g a
 vulture etc आया० १, ८, ७, ६,
 —जाणु त्रि० (-जानु—ऊर्ध्व जानुनी
 यस्यासावूर्ध्वजानु) अ३था उ३यी रहे तेवे
 आसने अ३सनार ऐसे आसन से बैठने
 वाला जिस में जघा ऊची रहे (one) in
 a posture in which the thighs
 are raised up “ उड्ड जाणु अ३हो
 सिरे स्नाण कोट्टो वगण ” नाया० १; भग०
 १, १; ज० ५० अ३व० —दिसि पमाणा-
 इक्कम पु० (-दिक्प्रमाणातिक्रम) अ३हा
 दिशिचरने प्रथम अ३तियार छठे दिग्घृत
 का प्रथम अ३तिचार the first Ati-
 chāra of (the 6th) Disivāta
 (limitation of movement to a
 fixed area) उ३वा० १, ५०, —पाअ.
 पु० (-पाद) उ३या रा३भ्याछे ५ग अ३ना
 ते जिसके पैर ऊंचे रखे हो वह one
 with his legs thrown up, lifted

up “ कदंतां कटु कुभीसु उड्डपाओ
 अ३होसिरो ” उत्त० १६. ५० —बद्ध
 त्रि० (-बद्ध) उ३ये-५क्षनी अ३ली आदिअ३
 आ३धेअ ऊचा-वृत्त की डाली आदिसे-बांधा
 हुआ fastened upwards, e. g. to
 the branch of a tree. “ रसतो
 कंदुकुभीसु उड्डंबद्धो अ३बंधवो ” उत्त०
 १६; ५२; —वाहा त्रि० (-बाहु) उ३या
 हाथ अ३ले रा३भ्या छे ते ऊचे हाथवाला;
 जिसने हाथ ऊचा रखा हो वह (one)
 with arms raised up निर० ३, ३
 भग० १५, १; —भागि. त्रि० (-भागिन्)
 आ३शशभा रहेअ. आकाशमें रहा हुआ.
 remaining in the sky “ उड्डवा
 एसु उड्डभागी-भवति ” सूय० २, ३, ३०,
 —मुइंग पु० (-मृदग) उ३या मोटा-
 व३लो ढोल ऊचे मुंहवाला ढोल. a tabor
 or drum with its mouth up-
 wards भग० ११, १०, —मुइंगाकार
 त्रि० (-मृदंगाकार) उ३या मृदगना आ३दरे
 ऊचे मृदग के आकारका of the shape
 of a tabor with its mouth up-
 wards भग० ११, १०, —मुइंगाकार
 संठिय त्रि० (-मृदंगाकारमस्थित-ऊर्ध्व-
 मूर्ध्व मुखो यो मृदङ्गस्तदाकारेण सस्थितो य.
 स तथा) उ३या मोटावाला ढोलना आ३दरे
 रहेअ ऊचे मुह वाले ढोल के आकार
 से स्थित in the shape of a
 tabor with upward mouth
 भग० ११, १०, —मुह त्रि० (-मुख)
 उ३या मोटावाला. ऊंचे मुह वाला (one)
 with face turned up ज० ५०
 —रेणु. पु० स्त्री० (-रेणु—जालप्रभाभि
 व्यङ्ग्य स्वतः परतो वा ऊर्ध्वाधास्तिर्यक्चलन
 धर्म्मारेणुरुर्ध्वरेणु) आ३ सन्ध सन्धिआ-
 र० अ३णु अ३गाथवाथी अ३नेअ मोटा र० अ३णु

सवित्र अर्ध मागधी कोष



६ ७ आकाशमा पोतानी मेले अथवा परना आश्रयथी उये नीये छे छे ते, २०६७ आठ सन्ह सन्हिआ-रजकण एक-त्रित होकर बना हुआ बड़ा रजकण जो कि आकाशमें स्वत अथवा दूसरे के आश्रय से ऊपर नीचे उड़ता है a particle of dust made up of eight smaller particles which can move up and down in the air of its own accord or when moved by another agency अणुजो० १३४ ज० प० भग० ६, ७, —लोअ-य पुं० (-लोक) उर्ध्वलो६, स्वर्गलो६, लाडनो परनो भाग, त्रिच्छा लो६ना उपरना छेडीथी ते लो६ना अग्रभाग सुधीनो प्रदेश उर्ध्व लोक, स्वर्गलोक, लोक के ऊपर का हिस्सा; त्रिच्छालोक के ऊपर के छोर में उम लोक के अग्र भाग तक का प्रदेश. the upper world, the heaven-world अणुजो० १०३, १४८, पञ्च० २, भग० २, १०, ११, १०, —लोअ-य-खेत्तणाली स्त्री० (-लोक क्षेत्रनाडी) उर्ध्व लो६-स्वर्ग लो६नी नाडी-अमु६ विभाग उर्ध्व लोक-स्वर्ग लोक की नाडी-विभाग a particular portion of the upper world or heaven-world भग० ३४, १, —लोग पुं० (-लोक) लुओ "उड्डलाअ" शब्द देखो "उड्डलाअ" शब्द. vide "उड्डलाअ" ठा० ३, २, —लोगवत्थव्व त्रि० (-लोक वास्तव्य) उर्ध्व लो६-स्वर्गलो६ना वासी-वसना२ उर्ध्वलोक में वसने वाले (one) residing in the upper world or heaven-world "उड्डलोगवत्थ-व्वाओ अट्ट दिसा कुमारी ओ" नाया० ८, —वाय-अ पुं० (-गत-उर्ध्वमुद्-

गच्छन् यो वाति वात स ऊर्ध्ववातः) उर्ध्व दिशानो वायु ऊर्ध्व दिशा में बहने वाली हवा wind moving in the upward direction जीवा० १, ठा० ७, १, पञ्च० १,

उड्डकाय पुं० न० (ऊर्ध्वकाय) डागडो कौआ A crow. "ते उड्डकाएहि पजक्खमाणा अवरेहि" सूय० १, ५, २, ७,

उड्डत्ता स्त्री० (ऊर्ध्वता) उँयापणु ऊचापन State of being high or upwards, height "अहत्ताए नोउड्डत्ताए" भग० ६, ३,

उड्डवाइय पुं० (ऊर्ध्ववातिक) उर्ध्ववातिक नामनो महावीर स्वामीना नव गणुमानो पायभो गणु ऊर्ध्ववातिक नामक महावीर स्वामी के नौ गणों में का पाचवा गण. The 5th of the 9 Ganas (groups of saints) of Mahāvīra Swāmī, so named "उड्डवाइयगणे विस्सवाइ गणे" ठा० ६, १,

उड्डवाइयगण पुं० (ऊर्ध्ववातिकगण) लुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above ठा० ६, १,

उण अ० (पुनर्) इरीथी, इरी फिर से, पुन Again, once more विशेष० १४४, परह० २, २ सु० च० १, २२७, पचा० २, ३४,

उण न० (ऊन) वन्दनाना पाठना अक्षरो, प८ वगेरे ओछा डहेवा ते, वन्दनानो २८ भो दोप वन्दना के पाठ के अक्षर, पद वगैरह को कम कहना, वन्दना का २८ वा दोष The 28th fault connected with salutation, viz omitting some of the words which must be recited at the time of salutation प्रव० १४३,

उरण. त्रि० (अवतत) नीयुं नभेक्ष. नीचे की ओर नमा हुआ Bent down; bent low विशेष १४५१;

उरण त्रि० (ऊनक) न्यून; ओछुं कम; न्यून Less; diminished, falling short by जीवा० १; वव० ८, १५;

उरणद्वभाग. पुं० (ऊनार्द्धभाग) अर्द्ध भागे छोटा-ओछे जिस का आधा हिस्सा कम हो Less by a half. निसी० २, ३६;

उरण्यालीस स्त्री० (एकोनचत्वारिंशत्) ३८; ओगणुयालीस ३६, उन्वालीस ३९; Thuty-nine. भग० ३, ७;

उरणहिय. त्रि० (ऊनाधिक) ओछुं वतुं, न्युनाधिक कमज्यादह, न्यूनाधिक. More or less विशेष १८३,

उरण न० (ऊनोन) ओछुं ओछुं, गिन-गिनतर-धत्यादि शीते ओछुं. ऊन-ऊनतर इत्यादिक रीति से न्यून. Progressively decreasing. क० प० २, ६२,

उरणोरिआ स्त्री० (ऊनोरिका) न्यून-ओछे आहार इरेवे ते; ओराइ उपधि वगेरे नेमने ने इरेतां ओछा लेवा ते कम आहार करना; आवश्यकता में कम भोजन करना या उपधि आदि कम लेना Eating less than one's fill भग० ६;

उरणइ. स्त्री० (उन्नति) धननि उन्नति, अभ्युदय Rise; prosperity. पचा० ६, ४७, —णिमित्त न० (-निमित्त) प्रभावने हेतु प्रभाव का हेतु. cause of power or prosperity पंचा० ६, ४७,

उरणइय. त्रि० (उन्नत) उन्नत; उन्नत ऊचा, उन्नत. Raised, elevated भग० १३, ६;

उरणकप्पास. पु० (ऊर्णकर्पास) धैराना वाक्ष; गिन ऊन, भेड़ के बाल. Wool. निसी० ३, ७२;

उरणतासण न० (उन्नतासन) उन्नत आसन. ऊचा आसन A raised seat; an elevated seat भग० ११, ११;

उरणय त्रि० (उन्नत) उन्नत; उन्नत, आयाइ ऊंचा, उन्नत, अच्छी दशमें High; elevated; prosperous कण० ३;

३६; ओव० १०, दस० ७, ५२; नाया० १, स० प० २०, भग० ११, ११; १२, ५;

(२) नीक्षतु, यस्तु निकलता हुआ, बढ़िया prominent, superior

ओव० १०, (३) शुश्रूषा गुणवान. virtuous; meritorious, "उन्नत लय-

चरियदारगोपुर तोरणउरणय सुविमलराय मग्गा" नाया० १, ठा० ओव० (४)

अभिमानरूप मोहनीय कर्म अभिमानरूप मोहनी कर्म. deluding Karma in the form of conceit. भग० १२, ५;

सम० —आवट्ट पुं० (-आवर्त—उन्नत उच्छ्रित स चासावावर्तश्चेति उन्नतावर्त)

उन्नत आवर्तन इरेतुं ते, आवर्तनने ओछ प्रक्षर ऊपर आवर्तन करना, आवर्तन का एक भेद moving round in the upward direction ठा० ४;

—आसन न० (-आसन) उन्नत-उन्नत आसन. ऊंचा आसन, उन्नत आसन high, elevated, seat राय० १३६, जं०

प० —मण त्रि० (-मनम्) उन्नत-उन्नत मन वाला उदार मन वाला, ऊंचे मन वाला high-minded ठा० ४, ४;

—माण त्रि० (-मान—उन्नतो मानो यस्येत्युन्नतमान) उन्नत ओछे ओछे माननेवाला, गर्विष्ठ अपने आपको उन्नत माननेवाला;

गर्विष्ठ अभिमानी proud, conceited.

“उरणायमाणेय नरे महया मोहेण मुज्झसि”

आया० १, ५, ४, १५७,

उरणाययर त्रि० (उन्नततर) वधारे उया
बहुत उचा More elevated
higher भग० ३, १,

उरणाय. श्री० (ऊर्णा) णिन ऊन Wool
भग० ८, ६, १५, १, —लोम पु०
(-रोमन्) णिनना रोम-रेसा. ऊन के
बाल hair in the form of
wool. भग० ८, ६, १५, १,

उरणाय पु० (उन्नाम) गर्व, अहङ्कार,
मद गर्व, अहङ्कार, घमड, मद Pride,
intoxication (२) भदना परिणाम-
थी अन्नातु मोहनीय कर्म मद रूप परि-
णामसे बधनेवाला मोहनीय कर्म delud-
ing Karma incurred by pride
भग० १२, ५,

उरणाय-य त्रि० (और्णिक) णिन ऊन
का, ऊनका बना हुआ Made of wool,
woollen वेय० २, २३, अणुजो०
३७, ओघ० नि० भा० ८६, ओघ० नि०
७०६, (२) णिनना अनेल रन्नेहरणुदि
ऊन के बने हुए रजोहरणादि a kind
of brush etc made of wool
ठा० ५

उरणह त्रि० (उष्ण—उपति दडति जन्तु
नित्युष्ण) गरम, णिन, उष्ण गर्म उष्ण
Hot पत्ता० १७, ४६, क० ग० १, ४१,
सू० प० १०, उक्त० ३६, २०, आया० १,
५, ६, १७०, दसा० ७ १, पि० नि० भा०
१३, नाया० १, ५, ६, भग० २, १, ४,
१०, ७, १, (२) पु० गरमी, उष्णता,
ताप, तड्डे गर्मी; उष्णता, घाम, धूप
heat, sun shine राय० ७३६,
नाया० १, ओव० ३६, उक्त० २, ६, पि०

नि० २००, —अभितत्त त्रि० (-अभि-
तत्त) गरमीथी अत्यन्त पीडित-दुःखी
थयेल गर्मी से अत्यन्त दुःखी troubled
by excessive heat “उरणहमित्तो
मेहावी” उक्त० २, ६, —अभिहय
त्रि० (-अभिहत) सूर्यनी गरमीथी
अभिभूत थयेल-पीडित सूर्य की गर्मी से
पीडित overpowered, oppressed,
by excessive heat “उरणहभिहय
तरणहभिहय” जीवा० ३, भग० १६, ४,

—उदअ न० (-उदक) णिन पाणी गरम
जल hot water कप्प० ४, ६२,
—ग्गहिय त्रि० (-ग्राहित) गरमी आपेल
उष्णता दिया हुआ, जिसे गर्मी दा गई हो
वह heated, made hot नाया० ५,
—दिन्न त्रि० (-दत्त) गरमी दीधेल, तड्डे
नापेल. धूप मे डाला हुआ, जिसे गर्मी दी
हो वह heated, put in the sun-
shine भग० २, १, —परियाव पु०
(-परिताप) अतिशय गरमीने परिपड बहुत
गर्मी का परिपह great affliction
caused by heat उक्त० २, १०,
—वाय पु० (-वात) णिनो वायु, गरम
पवन गर्म हवा hot wind नाया० १,
—सह न० (-सह) गरमीनु सहन करवु
ते गर्मी का सहन करना endurance
of heat भग० १५, १,

उरणवण न० (उष्णापन) णिन करवु ते
गर्म करना Heating पि० नि० २४०,
उक्त त्रि० (उक्त) दडेल कहा हुआ Said,
expressed दम० ६, ४६, विशेष० १०५
उक्त० १, ६, क० ग० ४, ८३,

उक्त त्रि० (उक्त) पावेस बोया हुआ
Sown (२) अनावेस बनाया हुआ
made “देवउत्ते अयलोण” सूय० १,
१ ३, ५, पि० नि० १७०

उत्तरण. न० (उत्तरण-उद्गूतानि प्रादुर्भूतानि
वृणानि यत्रेति) जेभां घास उगेधुं छे ते;
उत्पन्न थयेल तृणवाहुं. जिसमें घास जगा
हुआ हो वह Grassy अणुजो० १४७,
उत्तम त्रि० (उत्तम) त्रासयुक्त त्रास
पाया हुआ; त्रासयुक्त. Terrified परह०
१. ३; भग० ३, १;

उत्तम. त्रि० (उत्तम) उत्तम, सर्वोत्कृष्ट;
प्रधान सर्वोत्कृष्ट, श्रेष्ठ; प्रधानः अचक्षा.
Best, excellent नाया० १; उत्त०
१०, १६, ओव० १०; राय० २३; दस० ८,
६९; ६, २, २४, भग० २, १; ३, १;
७, ६, ६, ३३, १५, १, कण्ठ० ३, ५६;
—कटपत्त त्रि० (-काष्ठाप्राप्त) उत्तम
अवस्थामे पहुँचैल; जेथी स्थितिमे प्राप्त
थयेल उत्तम अवस्था को पहुँचा हुआ, उच्च
स्थिति को प्राप्त (one) in an ex-
cellent condition “ दुसमदुसम-
ममाए उत्तमकटपत्ताए ” सू० प० १;
“ उत्तमकटपत्ताए भरहस्मवामस्स ” भग०
७, ६; जं० प० २, २६. ७, १३४;
—कट्टा स्त्री० (-काष्ठा) प्रकृष्ट अवस्था;
उत्तम स्थिति प्रकृष्ट अवस्था, उत्तम स्थिति.
best condition जं० प० —गुण.
पु० (-गुण) प्रधान श्रेष्ठ गुण प्रधान-श्रेष्ठ
गुण excellent, highest qua-
lity. पंचा० ४, ४८; —गुणवहुमाण
पुं० (-गुणवहुमान) उत्तम गुणनो पक्ष-
पात उत्तम गुण का पक्षपात honour
paid to excellent or highest
quality. “ उत्तम गुणवहुमाणो ” पंचा०
४, ४८, —चरिय न० (-चरित)
सत्पुरुष चैष्टित-चरित्र सत्पुरुष चैष्टित-
चरित्र high or noble conduct
पंचा० २, ३१; —जत्ता स्त्री० (-यात्रा)
श्रेष्ठयात्रा (यात्रा) श्रेष्ठ यात्रा highest,

best, pilgrimage. पंचा० ६, ४५;
—जोगित्त. न० (-योगित्व) अयोगी
अवस्थारूप संवर द्वार अवस्थास्य
संवर द्वार stoppage of Karma
(Samvara) by cessation of
all vibratory activity of the
soul ठा० ५; —ट्टाल न० (-स्थान)
भोक्ष स्थान मोक्ष स्थान salvation,
absolution “ धीरो अमूटसण्णीमो
गच्छइ उत्तमट्टाल ” आउ० —णिदसण.
न० (-निदर्शन) प्रधान दृष्टांत-उदाहरण.
श्रेष्ठ उदाहरण, मुख्य दृष्टांत an ex-
cellent illustration, पंचा० ६, ४४,
—धम्मपसिद्धि. स्त्री० (-धर्मप्रसिद्धि)
उत्तम धर्म (जैन धर्म) की प्रसिद्धि.
उत्तम-श्रेष्ठ-धर्म (जैन धर्म) की प्रसिद्धि.
the celebrity of the best
religion (Jaina religion). “ उत्तम
धम्म पसिद्धि पूयाए जिण वरिंदाण ”
पंचा० ४, ४८; —पुरिस पुं० (-पुरुष)
तीर्थंकर अक्षवर्ति, बलदेव, वासुदेव आदि
उत्तम पुरुष तीर्थंकर, चक्रवर्ति, वनदेवादि
उत्तम पुरुष. an excellent person;
e. g. Tirthankara, Chakra-
vartī, Baladeva, Vāsudeva etc
सम० प० २३६, सम० ५४, पञ्च० ६, ठा०
३, नाया० १६, —पोगल. पु० (-पुद्गल)
आत्मा, उत्तम पुद्गल आत्मा, उत्तम पुद्गल.
the best substance, the soul.
“ से पंडिण उत्तम पोआले से ” सू० १,
१३, १५; —वल विरियसत्तजुत्त त्रि०
(-बलवीर्यसत्त्वयुक्त) उत्तम बल वीर्य
सत्त्ववान्, उत्तम बल वीर्यवाला. (one)
possessed of the highest
strength and might भग० ६,
३३; —रिद्धि पु० (-ऋद्धि) प्रधान

वैभव. श्रेष्ठ संपत्ति; प्रवान वैभव. highest glory or prosperity “सेया य उत्तमाखलु उत्तमरिद्धिण् कायन्वा’ पचा० ६, ४४, —विउव्वि त्रि० (—विकुर्विन्) उत्तम विकुर्वन्तीत्येव शीला) उत्तम प्रका-
रनुं वैद्विय करनार उत्तम प्रकार की विक्रिया-रूपान्तर करनेवाला (one) able to effect the best transformation e. g. of body जीवा० ४, —सधयणि. पुं० (—सहननिन्) उया सधयणु वायो उच्च संहननवाला one possessed of a high order of physical or bony constitution. क० प० ४, १०, —सुयवरिण्य त्रि० (—श्रुतवर्णित) प्रधान आगममा डहेल प्रधान आगम मे कहा हुआ mentioned in the highest scripture पंचा० ६, ४४,
उत्तमंग न० (उत्तमाङ्ग) मस्तक, माथुं मस्तक, शिर The head “लोय विरलु उत्तमंग” पिं० नि० २६२; ज० प० ओव० १०; जीवा० ३, ३, सूय० १, ५, १, १५, दसा० ६, ६, नाया० १८, प्रव० २५४, पचा० ३, १८,

उत्तमद्व. पुं० (उत्तमार्थ—उत्तमआसावर्थ-
श्रोतमार्थ.) उत्तम पदार्थ, मोक्ष उत्तम पदार्थ, श्रेष्ठ अर्थ, मोक्ष The highest or best category viz salvation उत्त० २५, ६; आउ० ११, (२) उपवासी रहेवु ते उपासे रहना fasting ओष० नि० ७, —गवेसय त्रि० (—गवे-
चक) मोक्षने अलिनापी मोक्ष का अभि-
लाषी desirous of salvation “नविरुद्धो नवि तुद्धो, उत्तमद्व गवेसओ” उत्त० २५, ६; —पत्त त्रि० (—प्राप्त) उत्तम अवरथाने प्राप्त थयेल उत्तम

अवस्था को पहुंचा हुआ (one) who has reached the highest condition or salvation. “सुसुमाप् समाप् उत्तमद्वपत्ताप् भरहस्त” भग० ६, ७,
उत्तमा स्त्री० (उत्तमा) यक्षिना धृष्टि पूरुषभद्रनी श्री ७ पट्टराणी यक्ष के इन्द्र पूरुषभद्र की तीसरी पट्टरानी The third crowned queen of Pūṇabhadra the Indra of Yaksas ठा० ४, १, नाया० ध० ५; भग० १, ५, (२) पञ्च-
वाडीयानी प-६२ रात्रिमान्नी पहेली रात्रि पखवादे की पदह रात्रियों में की पहली रात्रि the 1st of the 15 nights of a fortnight. जं० प० सू० प० १०,
उत्तर त्रि० (उत्तर) श्रेष्ठ, प्रधान, उत्तम प्रधान, मुख्य, श्रेष्ठ, अच्छा. Best, high-
est; prominent भग० ३, १, ७, २; उत्त० ५, २०, २६, नाया० १, ८, उवा० १, ६६, ओष० नि० २३२, (२) श्रीजुं, धतर, अन्य दूसरा, अन्य. another; next. क० ग० १, २, सम० ८, पञ्च० ३४, ज० प० ५, ११२, दस० २, ३, (३) वृद्धिगत वृद्धि को प्राप्त increas-
ed “कइपसुत्तरा” भग० १३, ४, (४) अंतरवत्क्षेत्रमा आयती उत्तरिणीमा थनार २२ भा तीर्थकर ऐगवत्क्षेत्र में आगामी उत्तरिणी में होने वाले २२ वें तीर्थकर. the future 22nd Tithankara of Anavata-kṣetia in the coming Utsarpiṇī सम० प० २४३, (५) उतरणु. उतरवुते उतरना, descending (६) अधिक. अधिक, ज्यादाह more, additional पञ्च० २, सूय० १, २, २, २४, (७) मुख्य नहि, पेडासाग, मूलनी शाखा गौण, उ. विभाग, मूल की शाखा a branch of the main stock, a

sub-division. उत्त० ३३, १६, (८)
 उत्तर दिशा; उत्तर प्रदेश उत्तर दिशा,
 उत्तर प्रदेश the north, the north
 region राय० ४; ६३, जं० प० १,
 ११; जीवा० ३, १, नाया० ३, ८, भग०
 ३, ७, ५, ४, सम० ६; वेय० १, ४९,
 दस० ६, ३४; (८) उपर ऊपर.
 above, upwards भग० २४, १२,
 —अंग. न० (-अंग) दरवाजा उपर
 आहुं लाहुं स्थापवामा आवे छे ते. द्वार
 पर जो आड़ी लकड़ी लगाई जाती है वह
 a horizontal piece of wood
 placed on a gate जीवा० ३, ४,
 राय० १०६, प्रव० ६६०, —अभिमुख
 त्रि० (-अभिमुख) उत्तर दिशानी सन्मुख
 उत्तर दिशा के सन्मुख turned to-
 wards the north. दसा० ७, १,
 भग० ११, १०, सम० ४७, —अवक्रमण न०
 (-अपक्रमण) उत्तर दिशा में जाना
 going towards the north भग० ६,
 ३३, १३, ६, नाया० १, ८, —(रिं) इन्द्र. पुं० (-इन्द्र)
 उत्तर दिशानी ईश उत्तर दिशा का इन्द्र
 the Indra of the north भग० १,
 ५, —(रु)उट्ट. पुं० (-ओष्ठ) उपलो
 होठ ऊपर का ओठ the upper lip “भमुहा
 अहहृहा अह पुण एवं जाणिज्जा” कप्प० ६,
 ४३, ज० प० २, २०; निसी० ३, ५६,
 —उत्तर पु० (-उत्तर) उत्तरोत्तर;
 ओष्ठ भीन्धी ओष्ठ उत्तरोत्तर, क्रमशः एक
 दूसरे में ओष्ठ, in ascending order;
 superior “जक्खाउत्तरउत्तरा” उत्त० ३,
 १४, —उल्ल त्रि० (-कुल) उपरने छोटे
 वसनार; तापस ऊपर के तट पर वसनेवाले
 तापस (an ascetic) residing on
 the upper part of the bank निर०

३, ३, —(रो)ओट्ट. पुं० (-ओष्ठ) उपलो
 होठ ऊपर का ओठ the upper lip.
 निसी० ३, ५४; —कुंचुइज्ज. त्रि०
 (-कञ्चुयिक) उपर वपुष्य पहेरनार
 ऊपर वस्त्र पहनने वाला (one) putt-
 ing on armour appearing out
 side, armoured विवा० २, —कंचु-
 य पु० (-कञ्चुक) उपलो वपुष्य ऊपर
 का वस्त्र. the outer armour विवा०
 २, —कट्टोवगय त्रि० (-काष्ठोपगत)
 उत्तर दिशा में प्राप्त थयेव उत्तर दिशा तक
 पहुँचा हुआ (one) that has reach-
 ed the northern direction सम०
 —करण न० (-करण) शस्त्रादिने
 पत्थर साथे धसी धारवाणु तथा साक्ष करतु
 ते पत्थर पर शस्त्रादि को घिस कर धार करना
 या उन्हें साफ करना sharpening of
 weapons etc on a stone, “जे
 भिक्खू सूचीए उत्तरकरणं अण उत्थिएण
 वा गारत्थएण वा करेइकरंतं वा साज्जइ’
 निसी० १, १५, १६, —किरिया न० (-क्रिया)
 वैक्रिय शरीरद्वारा गमन करतुं ते वैक्रिय विचिन
 शरीर से गमन करना act of going in
 the Vaikriya body (physical
 body of a fluid nature) भग०
 ५, १, —कुलग. पु० (-कुलग) ओष्ठ
 वतना वानप्रस्थ तापस के ओष्ठ गंगा
 नदीना उत्तर छोटे रहता होता. एक प्रकार
 के वानप्रस्थ तापसी जोकि गंगा नदी के
 उत्तर किनारे पर रहते थे one of a
 kind of forest ascetics residing
 on the northern bank of the
 Ganges भग० ११, ६; ओव० —गमि प्र.
 त्रि० (-गामिक) उत्तर दिशा में गमन कर-
 नार. उत्तर दिशा में गमन करने वाला go-
 ing towards the north दसा० ६,

२, —गिह न० (-गृह) 'उपरि श्रीलु
धर दूसरा घर; भिन्न घर a sepa-
rate upper house, another
upper house निर्मा० ६, १६,
—उक्ताय पु० (-अव्याय-उत्तरा प्रधाना
अध्याया अध्ययनानि । उत्तराश्वते अध्यायाश्च
वा उत्तराध्यायाः) उत्तराध्ययन सूत्रना विन-
यादि छत्तीस अध्ययन. उत्तराध्ययन सूत्र के
विनयादि छत्तीस अध्याय the 36 chap-
ters viz Vinaya etc of Uttarā-
dhyayana Sūtra “छत्तीस उत्तर-
उक्ताय भवसिद्धि” उत्त० ३६, २७२,
—दारियणकखत्त न० (-द्वारिकनक्षत्र)
उत्तर दिशा तरङ्ग भुज्य राश्वना नक्षत्र,
स्वाति आदि सात नक्षत्र. उत्तर दिशा की
ओर मुख रखने वाला नक्षत्र, स्वाति आदि
सात नक्षत्र a constellation facing
the north, any of the seven
constellations viz Swāti etc
“साङ्ग्याण सत्त णकखत्ता उत्तरदारिया
परणत्ता ” ठा० ७, —दाहिण पु०
(-दक्षिण) उत्तर अने दक्षिण दिशा
उत्तर और दक्षिण दिशा the north
and the south भग० ५, १, - दा-
हिणायय त्रि० (-दक्षिणायत्त) उत्तर
दक्षिण आधु उत्तरदक्षिण लंबा extend-
ed lengthwise in the north
and the south “उत्तरदाहिणायय
पाईण पडीण विट्थिण्ये ” ज० प०
—दिस्ता स्त्री० (-दिशा) उत्तर दिशा
उत्तर दिशा the north ओघ० नि०
६६२, —पगडि स्त्री० (-प्रकृति) जाना-
वरणीय आदि भूत आदि दुर्भेदा अवा-
न्तर भेद दुर्भेदी प्रकृति ज्ञानावरणीय आदि मूल
आठ कर्मों के अवान्तर भेद, कर्म की उत्तर
प्रकृति any of the subdivisions

of the eight main divisions of
Karma viz knowledge-obscu-
ring etc आया० नि० १ २, १, क० प०
२, ४४, क० गं० १, २, —पगडि स्त्री०
(-प्रकृति) दुर्भेदी उत्तर प्रकृति-पेटा भाग
नी प्रकृति कर्म की उत्तर प्रकृति a sub-
variety of Karma प्रव० १२८६,
—पगडिवंध पु० (-प्रकृतिवन्ध) दुर्भे-
दी उत्तर प्रकृतिनी बन्ध कर्म की उत्तर
प्रकृतियों का बंध bondage caused
by any of the subdivisions of
the main eight divisions of
Karma भग० १८, २, —पच्चच्छिम
पु० (-पश्चिम) वायव्यभुज्या, उत्तर अने
पश्चिम वस्येते प्रदेश वायव्य कोन, उत्तर
और पश्चिम के बीच का प्रदेश the
north-west भग० ५, १, —पच्चच्छि-
मिल्ल पु० (-पश्चिम) वायव्य भुज्या, उत्तर
अने पश्चिम वस्येते प्रदेश वायव्य कोन, उत्तर
और पश्चिम के बीच का प्रदेश the north-
west quarter ज० प० ४, १०४,
—पच्चत्थिम पु० (-पश्चिम) भुज्या
“उत्तर पच्चच्छिम” शब्द देखो “उत्तर
पच्चच्छिम” शब्द vide ‘उत्तर पच्चच्छिम’
ज० प० ४, १०४, —पच्चत्थिमिल्ल पु०
(-पश्चिमक) भुज्या “उत्तरपच्चच्छिमिल्ल”
शब्द देखो “उत्तरपच्चच्छिमिल्ल” शब्द
vide “उत्तरपच्चच्छिमिल्ल” ज० प० ४,
१०४, —पट्ट पु० (-पट्ट) आलडाडे डाम-
लानी पथारी उपर पाथरवानु वस्त्र घास
या कम्बल के बिछोने के ऊपर बिछाने का
वस्त्र a covering for a bed of
straw or of a blanket ओघ०
नि० १०३, प्रव० ५२१, —पाडिउत्तर.
न० (-प्रत्युत्तर) उत्तर प्रत्युत्तर सवान
जवान उत्तर प्रत्युत्तर, सवान जवान

sub-division. उत्त० ३३, १६, (८)
 उत्तर दिशा, उत्तर प्रदेश उत्तर दिशा,
 उत्तर प्रदेश the north; the north
 region राय० ४, ६३, जं० प० १,
 ११, जीवा० ३, १, नाया० ३, ८, भग०
 ३, ७, ५, ४, सम० ६; वेय० १, ४९,
 दस० ६, ३४, (६) उपर ऊपर.
 above, upwards भग० २४, १२,
 —अंग. न० (—अंग) दशवाज्ज उपर
 आहुं लाहुं स्थापवामां आवे छे ते. द्वार
 पर जो आड़ी लकड़ी लगाई जाती है वह
 a horizontal piece of wood
 placed on a gate जीवा० ३, ४,
 राय० १०६, प्रव० ६६०, —अभिमुख
 त्रि० (—अभिमुख) उत्तर दिशानी सन्मुख
 उत्तर दिशा के सन्मुख. turned to-
 wards the north. दसा० ७, १,
 भग० ११, १०, सम० ४७, —अवक्रमण न०
 (—अपक्रमण) उत्तर दिशाभा ग्युं ते
 उत्तर दिशा में जाना going towards
 the north भग० ६, ३३, १३, ६,
 नाया० १, ८, —(रिं) इन्द्र. पुं० (—इन्द्र)
 उत्तर दिशानी इन्द्र उत्तर दिशा का इन्द्र
 the Indra of the north भग० १,
 ५, —(रु)उट्ट पुं० (—ओष्ठ) उपलो ढोढ
 ऊपर का ओठ the upper lip “भमुहा
 अहहृदा अह पुण एव जाणिजा” कप्प० ६,
 ४३, ज० प० २, २०, निसी० ३, ५६,
 —उत्तर पुं० (—उत्तर) उत्तरोत्तर;
 ओष्ठ थीलथी श्रेष्ठ उत्तरोत्तर, क्रमशः एक
 दूसरे से श्रेष्ठ, in ascending order;
 superior “जक्खाउत्तरउत्तरा” उत्त० ३,
 १४; —उल्ल त्रि० (—कुल) उपरने छोटे
 पसना; तापस ऊपर के तट पर बसनेवाले
 तापस. (an ascetic) residing on
 the upper part of the bank निर०

३, ३, —(रो)ओष्ठ. पुं० (—ओष्ठ) उपलो
 ढोढ ऊपर का ओठ the upper lip.
 निसी० ३, ५४; —कुंचुइज्ज. त्रि०
 (—कञ्चुयिक) उपर अथवा पहेरनार
 ऊपर वस्त्र पहनने वाला (one) putt-
 ing on armour appearing out-
 side, armoured विवा० २, —कंचु-
 य पुं० (—कञ्चुक) उपलो अथवा ऊपर
 का वस्त्र the outer armour विवा०
 २, —कटोवगय त्रि० (—काष्ठोपगत)
 उत्तर दिशाभा प्राप्त थयेल उत्तर दिशा तक
 पहुंचा हुआ (one) that has reach-
 ed the northern direction सम०
 —करण. न० (—करण) शस्त्रादिने
 पत्थर साथे धसी धारवाहुं तथा साधु करवुं
 ते पत्थर पर शस्त्रादि को घिस कर धार करना
 या उन्हें साफ करना. sharpening of
 weapons etc on a stone, “जे
 भिक्खू सूचीए उत्तरकरणं अण उत्थिएण
 वा गारत्थएण वा करेइकरंतं वा साज्जइ”
 निसी० १, १५, १६, —किरिया न० (—क्रिया)
 वैदिक शरीरद्वारा गमन करवुं ते वैदिक विचित्र
 शरीर से गमन करना act of going in
 the Vaikūṭya body (physical
 body of a fluid nature) भग०
 ५, १, —कूलग. पुं० (—कूलग) ओष्ठ
 जलतना वानप्रस्थ तापस के जे गंगा
 नदीना उत्तर छोटे रहेता हुता एक प्रकार
 के वानप्रस्थ तापसी जोकि गंगा नदी के
 उत्तर किनारे पर रहते थे one of a
 kind of forest ascetics residing
 on the northern bank of the
 Ganges भग० ११, ६, ओव० —गमि त्रि०
 (—गामिक) उत्तर दिशाभा गमन कर-
 नार उत्तर दिशा में गमन करने वाला go-
 ing towards the north दसा० ६,

२, —गिह न० (-गृह) 'उपरन श्रीं
 धर दूसरा घर, भिन्न घर a sepa-
 rate upper house, another
 upper house निमी० ६, १६,
 —उक्ताय पुं० (-अध्याय-उत्तरा प्रधाना
 अध्याया अध्ययनानि । उत्तराश्चते अध्यायाश्च
 वा उत्तराध्यायाः) उत्तराध्ययन सूत्रना विन-
 यादि छत्तीस अध्ययन उत्तराध्ययन सूत्र के
 विनयादि छत्तीस अध्याय the 36 chap-
 ters viz Vinaya etc of Uttarā-
 dhyayana Sūtra “छत्तीस उत्तर-
 उक्ताए भवसिद्धि ” उत्त० ३६, २७२,
 —दारियणक्खत्त न० (-द्वारिकनक्षत्र)
 उत्तर दिशा तरङ्ग मुण्य राशना नक्षत्र
 स्वाति आदि सात नक्षत्र. उत्तर दिशा की
 ओर मुख रखने वाला नक्षत्र, स्वाति आदि
 सात नक्षत्र a constellation facing
 the north, any of the seven
 constellations viz Swāti etc
 “साङ्ग्राण सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया
 परणत्ता ” ठा० ७, —दाहिण पु०
 (-दक्षिण) उत्तर अने दक्षिण दिशा
 उत्तर और दक्षिण दिशा the north
 and the south भग० ५, १, —दा-
 हिणायय त्रि० (-दक्षिणायत्त) उत्तर
 दक्षिण ढाणु उत्तरदक्षिण लंबा extend-
 ed lengthwise in the north
 and the south “ उत्तरदाहिणायए
 पाईण पडीण वित्थिणणे ” ज० प०
 —दिस्सा स्त्री० (-दिशा) उत्तर दिशा
 उत्तर दिशा the north ओघ० नि०
 ६६२, —पगड् स्त्री० (-प्रकृति) जान-
 वरणीय आदि भूत आदि दुर्भेदा अवा-
 न्तर भेद दुर्भेदी प्रकृति ज्ञानावरणीय आदि मूल
 आठ कर्मों के अवान्तर भेद, कर्म की उत्तर
 प्रकृति any of the subdivisions

of the eight main divisions of
 Karma viz knowledge-obscu-
 ring etc आया० नि० १ २, १, क० प०
 २, ४४, क० ग० १, २, —पगडि स्त्री०
 (-प्रकृति) दुर्भेदी उत्तर प्रकृति-पेटा लाग
 नी प्रकृति कर्म की उत्तर प्रकृति a sub-
 variety of Karma प्रव० १२८६,
 —पगडिवंज पु० (-प्रकृतिवन्ध) दुर्भे-
 दी उत्तर प्रकृतिने अन्ध कर्म की उत्तर
 प्रकृतियों का बंध bondage caused
 by any of the subdivisions of
 the main eight divisions of
 Karma, भग० १८, २, —पच्चच्छिम
 पु० (-पश्चिम) वायव्य ढाणु, उत्तर अने
 पश्चिम वय्येने प्रदेश वायव्य कोन, उत्तर
 और पश्चिम के बीच का प्रदेश. the
 north-west भग० ५, १, —पच्चच्छि-
 मिस्स पु० (-पश्चिम) वायव्य ढाणु, उत्तर
 अने पश्चिम वय्येने प्रदेश वायव्य कोन, उत्तर
 और पश्चिम के बीच का प्रदेश the north-
 west quarter ज० प० ४, १०४,
 —पच्चत्थिम पु० (-पश्चिम) ढुओ
 “उत्तर पच्चच्छिम” शब्द देखो “ उत्तर
 पच्चच्छिम ” शब्द vide ‘ उत्तर पच्चच्छिम ’
 ज० प० ४, १०४, —पच्चत्थिमिस्स पु०
 (-पश्चिमक) ढुओ “उत्तरपच्चच्छिमिस्स”
 शब्द देखो “ उत्तरपच्चच्छिमिस्स ” शब्द
 vide “ उत्तरपच्चच्छिमिस्स ” ज० प० ४,
 १०४, —पट्ट पु० (-पट्ट) ढालाडे ढाल-
 दानी पथारी उपर पाथरवानु वस्त्र घाग
 या कम्बल के बिछोने के ऊपर बिछाने का
 वस्त्र a covering for a bed of
 straw or of a blanket ओघ०
 नि० १०३, प्रव० ५२१, —पडिउत्तर.
 न० (-प्रत्युत्तर) उत्तर प्रत्युत्तर सवाल
 जवाब उत्तर प्रत्युत्तर, सवाल जवाब

question and answer गच्छा० १२६;
 —पयडि. स्त्री० (—प्रकृति) लुओ। “उत्तर-
 पगडि ” शब्द देखो “उत्तरपगडि ” शब्द
 vide “ उत्तरपगडि ” प्रव० ४६;
 —पुरच्छिम पु० स्त्री० (—पौरस्त्य)
 ध्यान भुओ। ईशान कोन. the north-
 east “ तोसेणं मिहिलाए उत्तरपुरच्छिमे
 दिशि भाए ” सू० प० १, दसा० ५, १,
 विवा० १. निर० ५, १; नाया० १; २, ४;
 ५; ८, १२. १३. १४, १६, भग० ५, १;
 ६, ५, ६, ३, १०; १, १५, १, सु० च०
 २, २२१; —पुरच्छिमिष्ठ पु० (—पौरस्त्य)
 लुओ। उपलो शब्द देखो ऊपरका शब्द.
 vide above भग० ६, ३, —पुरत्थिम.
 पु० (—पौरस्त्य) उत्तर अने पूर्व दिशांनी
 वस्येना प्रदेश; ध्यान डोण उत्तर और
 पूर्व दिशाके बीचका प्रदेश, ईशान कोन.
 the north-east ओव० भग० १, १;
 २, ७, ३, १, राय० ६४, १५०; सूय०
 २, १, ४, जं० प० ५, ११७; कप्प० २, २६;
 —पोढवया. स्त्री० (—प्रौष्ठपदा) उत्तर-
 भाद्रपद नक्षत्र उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र. the
 constellation Uttarā-Bhādrā-
 pada. सू० प० ४, —फल्गुणी स्त्री०
 (—फाल्गुनी) उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, १८ भुं
 नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र; १६वा नक्षत्र.
 the 19th constellation viz
 Uttarā-fālgunī “ उत्तर फल्गुणी-
 णक्खते दुतारंपणता ” ठा० २, —वाहिर.
 त्रि० (—वहिर) उत्तर तरङ्गना अहारं
 उत्तर दिशाके बाहिर outside the
 northern quarter. भग० ५, ६;
 —(५) वमंतर. न० (—अभ्यन्तर)

उत्तर तरङ्गना अन्दरं उत्तर दिशाके भीतर
 within the northern quarter.
 भग० ६, ५, —भेय पु० (—भेद) मूदनी
 अपेक्षायें उत्तर प्रकार मूलकी अपेक्षा से
 उत्तर भेद further development
 or stage as compared with the
 original stage. क० ग० १, ३०,
 —वाअ-य पु० (—वाद) उत्कृष्ट वाद.
 उत्कृष्ट वाद the highest tenet
 or doctrine “ आणाए मायग धम्म
 ए स उत्तर वाए ” आया० १, ६, २,
 १८४, —वेउव्वि त्रि० (*)
 जन्मपथी गमे ते वप्पते वैक्खिय शक्तिथी
 वैक्खिय शरीर अनावनार जन्म के बाद चाहे
 जब वैक्खिय शक्तिसे वैक्खिय शरीर बनानेवाला
 (one) who is able to evolve
 Vāṅkriya body by Vāṅkriya
 power at any time after birth
 ज० प० ५, ११७, —वेउव्विय-अ त्रि०
 (*) जन्मपथी काष्ठपण वप्पते
 धारणाप्रमाणे न्दानु मोटु शरीर अनापी
 शक्य तेवी-वैक्खिय शक्ति अने ते शक्तिथी
 शरीर रचना करपी ते जन्म के पश्चात्
 किसी भी समय धारणाके अनुसार-इच्छा-
 नुसार छोटा बड़ा शरीर बना सकने योग्य
 वैक्खिय शक्ति और उस शक्ति से शरीर
 रचना करना the Vāṅkriya power
 i. e. the power of contracting
 or expanding the body at any
 time after birth to any size
 one wishes; making the body
 large or small by the use of
 this power ‘ उत्तरवेउव्विय रूपं विउ-

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
 foot-note (*) p 15th

व्वइ" राय० २६; प्रव० १०६४, कप्प० २, २, अणुजो० १३४, नाया० ८, ज० प० ५, १३७, भग० १, ५, ३, १, २४, १२, पन्न० १५, —वेउव्विया स्त्री० (-) भूय शरीरथी न्हाणु या भोहणु रूप अनाववाथी प्राप्त थयेव शरीरनी अव-गाहना मूल शरीरसे छोटा या बडा रूप बनाने से प्राप्त हुई शरीरकी अवगाहना-शरीरका कद occupation of space by a body contracted or expanded by the Vaukanyaka power जीवा० १, —साला न० (-शाला) ओइ जतनुं ध२, भेसवानु स्थान-मडप वगेरे एक प्रकार का घर, बैठनेका मडप आदि स्थान a kind of house, a room used for sitting " उत्तर साला गिहा वत्तव्वा " निसी० ८, १६,

उत्तरओ अ० (उत्तरत.) उत्तरोत्तरथी उत्तरोत्तरसे From one bath or generation etc to another क० प० ७, ४७, ज० प० १४४,

उत्तरकुरा पु० स्त्री० (उत्तरकुरु) मेरूथी उत्तरे महाविदेहान्तर्गत जुगलियां ओइ क्षेत्र मेरूके उत्तरकी ओर महाविदेहान्तर्गत जुगलिया का एक क्षेत्र A region of Jugahyās (a Kaima Bhūmī) in Mahāvīdeha to the north of Meru कहिण भत्ते ! महाविदेहे वासे उत्तरकुराणामकुरा पण्यता गोयमा? " ज० प० ४, (२) २२ भा तीर्थंकरनी प्रव०या पाक्षणीनु नाम. २२ वे तीर्थंकरकी दीक्षा पालकीका नाम name of the

palankeen of the 22nd Tirthan-kara at the time of Diksā सम० प० २३१, कप्प० ६, १७३,

उत्तरकुरु पु० (उत्तरकुरु) जुओ उपदे। शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above ज० प० जीवा० १, सम० ४६, पन्न० १, १६, भग० २, ८, नाया० ४, १२, १३, १७, (२) ते क्षेत्रना भनुष्य उत्तर कुरु क्षेत्रके मनुष्य a native of the above said region अणुजो० १३१, (३) ते क्षेत्रना अधिष्ठाता देवतु नाम उक्त क्षेत्रके अधिष्ठाता देवका नाम name of the presiding deity of the above said region ज० प० ५, १२०, (४) उत्तरकुइ नामने ओइ द्रव उत्तरकुरु नामक एक द्रव name of a lake जीवा० ३४, ज० प० —उज्जाण न (-उद्यान) ओ नामनु साकेतपुर नगरनी आहारनु ओइ उद्यान साकेतपुर नगर के बाहिर के एक उद्यानका नाम name of a garden outside the city of Sāketa-pura नाया० व० ६, विवा० १०, —कूड. पु० (-कूट) माध्यवन्त नामे वज्जारा पर्वतनु उद्यु शिखर माध्यवन्त नामक वज्जारा पर्वतका ऊचा शिखर the high summit Mālyavanta of the Vakhārā mount ठा० ६, (२) महाविदेहना गन्धमादन पर्वतना ओथा शिखरनु नाम महाविदेह क गन्धमादन पर्वत के चौथे शिखरका नाम name of the 4th summit of the Gandha mādana mount in Mahāvīdeha ठा० १०, ज० प० —दह पु० (-द्रह)

• जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (३) . देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (१) Vide foot-note (१) p 15th

उत्तर कु३ नामने ३ नो ६६-६७. उत्तर-
कुरु नामक तीसरा ब्रह्म the 3rd lake
bearing the name of Uttara-
kuru ठा. ६, —वत्तव्वया स्त्री० (-वक्त-
व्यता) उत्तर कु३ने अधिकार उत्तर कुरु
का वर्णन the subject-matter
or topic dealing with Uttara-
kuru भग० ६, ७,

उत्तरकुरुष्व त्रि० (उत्तरकुरुक) उत्तरकु३
क्षेत्रमा जन्मेत्त, उत्तरकु३क्षेत्रवासी. उत्तर-
कुरु क्षेत्र में पैदा हुआ, उत्तरकुरु क्षेत्र में
निवास करनेवाला Born in Uttara-
Kuru Ksetia अणुजो० १३१,

उत्तर कुरुग. पु० (उत्तरकुरुक) लुओ
“ उत्तर कुरुष्व ” शब्द देखो “ उत्तर
कुरुष्व ” शब्द Vide “ उत्तर कुरुष्व ”
भग० ६, ७,

उत्तर कोडि. स्त्री० (उत्तरकोटि) गान्धर्व
ग्रामनी ७वीं मूर्च्छना. गान्धर्व ग्राम की
७वीं मूर्च्छना The 7th note of
the musical scale ठा० ७,

उत्तर गंधारा स्त्री० (उत्तरगान्धारा)
गंधार ग्रामनी पाचवीं मूर्च्छना गान्धार
ग्राम की पाचवीं मूर्च्छना The 5th
note of the musical scale. ठा०
७, १, अणुजो० १२८,

उत्तर गुण पु० (उत्तरगुण) भूय गुणनी
अपेक्षाये उत्तर गुण, स्वाध्याय पिण्ड
विशुद्धि आदि, दश प्रकारना पच्यखाण.
मूल गुण की अपेक्षा से उत्तर गुण स्वाध्याय,
पिण्ड विशुद्धि आदि, दश प्रकार के पच-
क्खाण. A secondary quality;
study of scriptures, purity of
food etc., 10 kinds of Pachcha-
khānas (vows) पंचा० १, ७, प्रव०

७३६, उत्त० २६, १७, भग० २५, ६. —पच-
क्खाण पुं० (-प्रत्याख्यान) उत्तरगुण.
रूप पच्यखाण, पच्यखाणने ओके प्रकार
उत्तर गुण रूप पचक्खाण; पचक्खाण का
एक भेद. a kind of Pachcha-
khāna in the form of the
practice or observance of
Uttaragunas “ उत्तरगुण पचक्खाणेण
कइ विहे पण्णते ” भग० ७, २, —लद्धि.
स्त्री० (-लब्धि) उत्तर गुण-पिण्ड वि-
शुद्धि आदि तपनी लब्धि उत्तर गुण अर्थात्
पिण्ड विशुद्धि आदि तप की प्राप्ति
attainment of Uttara Gunas
e g purity of food, study of
scriptures etc regarded as
austerities. “ उत्तरगुण लद्धि खय-
माणस्स ” भग० २०, ६, पञ्च० ११;
—सद्धा स्त्री० (-श्रद्धा) प्रधानतर-लिया
गुणनी अभिलाषा प्रधानतर-उच्च गुणों
की श्रद्धा-अभिलाषा-चाह. desire to
acquire higher qualities. पंचा०
१, ३७,

उत्तर चूल. पुं० (उत्तरचूड) वदना डरीने
पछी ‘ मत्थयेण वदामि ’ डहेवु ते वद-
नानो १९ भो होय वदना करने के
पश्चात् ‘ मत्थएण वदामि ’ कहना, वदना
का १९वा दोष The 19th fault of
salutation, viz uttering the
words “ I bow with my head ”
after salutation (instead of
before it) प्रव० १५३.

उत्तर चूलिया. स्त्री० (उत्तरचूलिका)
वदना डरीने पछी ‘ मस्तके डरी नमु छु ’
ओम डहेवु ते वदना करके पीछे ‘ मस्तक
से नमन करता हूँ ’ इस प्रकार कहना
uttering the words “ I bow

with my head " after salutation (instead of before it)

प्रव० १५३,

उत्तरद्व न० (उत्तरार्द्ध) उत्तरार्ध, वैताढ्यथी के मेरुथी उत्तर आनुने प्रदेश उत्तरार्द्ध, वैताढ्य या मेरुपर्वत से उत्तर की ओर का प्रदेश. The northern half, viz the region north of Vaitādhya or Meru सम० ३६, अणुजो० १४८, जं० प० भग० ३, १, ५, १, —भरत पु० (—भरत) वैताढ्य पर्वतथी उत्तरने भरत प्रदेश वैताढ्य पर्वत से उत्तर की ओर का भरत प्रदेश the Bharata region to the north of Vaitādhya mountain ज० प० —भरह कूड पु० (—भरतकूट) जम्बूद्वीपना वैताढ्य पर्वतनुं ८ भु शिखर जम्बूद्वीप के वैताढ्य पर्वत का ८ वा शिखर the 8th summit of the Vaitādhya mountain of Jambūdvīpa (२) तेने 'अधिष्ठाता देवता उक्त शिखर का अधिष्ठाता देव the presiding deity of the above जं० प० १, १२,

उत्तरद्व भरहा क्षी० (उत्तरार्द्धभरता) उत्तरार्ध भरतकूटनी पासे उत्तरार्ध—भरता नामनी राजधानी उत्तरार्द्ध भरतकूट के समीप उत्तरार्द्धभरता नाम की राजधानी Name of a capital city near the Uttaraādhya Bharata-kūta ज० प० ३, ५३, —माणुस्स-क्खेस न० (—माणुप्यक्षेत्र—मनुष्य क्षेत्रस्याद्धर्मद्व मनुष्य क्षेत्र उत्तरवेतसेति) मनुष्य क्षेत्रने उत्तरार्ध प्रदेश मनुष्य क्षेत्र का उत्तरार्द्ध प्रदेश the northern half of the region of Manu-

sya Ksetra. " उत्तरद्वमाणुस्सखेत्ताणं छावद्धि चंदा पभासिसु " सम०

उत्तरण न० (उत्तरण) तरी जं०, पार उत्तरपुं तिरजाना, पार उतरना Crossing, going to the opposite shore or end " उत्तरण चंदसूराण " नाया० ६, सम० ७, ठा० ५, १०,

उत्तरणप्पात्र त्रि० (उत्तरणप्राय) पार उत्तरवा जेयु पार उतरने योग्य Worthy of, capable of being crossed " असुहतरहुत्तरणप्पात्रा " पचा० ६, २१,

उत्तरपुव्वा पु० (उत्तरपूर्वा) धिशन भुल्लो उत्तर अने पूर्व दग्ध्येनी विदिशा उत्तर और पूर्व के बीच की विदिशा ईशान कोन The north-east प्रव० ७६०,

उत्तर बलिय पु० (उत्तरबलिय) उत्तर बलिय नामे ओक्ष गण उत्तर बलिय नामक एक गण Name of a Gana " गोदासगणे उत्तरबलियस्सयगणे उद्देहगणे " ठा० ६, १,

उत्तरबलिस्सह पु० (उत्तरबलिस्सह) उत्तर अस्तिस्सह स्थविरथी निक्षेप ओ नतने ओक्ष गण उत्तरबलिस्सह स्थविर से निकला हुआ इस जाति का एक गण. Name of an order of monks (Gana) derived from the Sthvira named Uttara-balissaha कण० ८,

उत्तरबलिस्सह पु० (उत्तरबलिस्सह) महागिरि स्थितना प्रथम शिष्य अने तेना थी निक्षेप गण महागिरि नामक स्थविर का प्रथम शिष्य और उससे निकला हुआ गण The first disciple of the saint Mahāgiri and the order established by him " थेरेहिंतोण "

उत्तरवलिस्सहेहितो तत्थण उत्तर वलिस्सहे”
ठा० ६, १;

उत्तरभद्रव्या स्त्री० (उत्तराभाद्रपदा)
अभिहित वगेरे नक्षत्रमांतुं १६ नक्षत्र,
उत्तराभाद्रपदा नक्षत्र अभिहित वगेरह
नक्षत्रों में का छठवा नक्षत्र; उत्तरा भाद्रपद
The constellation Uttarā
Bhādrapadā i e. the 6th of
the constellations viz Abhijita
etc “उत्तर भद्रव्या एवमेते दुत्तरे
पराणता” ठा० ६, १,

उत्तरमंदा स्त्री० (उत्तरमन्दा) गन्धार
स्वर अन्तर्गत ओ३ मूर्छना, मध्यम ग्रामनी
पहेली मूर्छना, गवार स्वर के अन्तर्गत
एक मूर्छना, मध्यम ग्राम की पहिली मूर्छना
कोट One of the 7 notes of the
Indian gamut, the 1st note of
the Madhyama scale. राय० १३०
ठा० ७, १; जीवा० ३, ४,

उत्तर वडिसग. न० (उत्तरावनंसक) ओ
नामनु ओ३ विमान इस नाम का एक
विमान. Name of a celestial
abode. जीवा० ३, ६,

उत्तर, समा स्त्री० (उत्तरसमा) मध्यम
ग्रामनी चौथी मूर्छना. मध्यम ग्राम की
चौथी मूर्छना; चौथा कोट The 4th
note of the Madhyama musical
scale ठा० ७, १;

उत्तरा स्त्री० (उत्तरा) उत्तराषाढा आदि नक्षत्र
उत्तराषाढा आदि नक्षत्र. The constel-
lation Uttarāsādhā अणुजो० १३१,
(२) मध्यम ग्रामनी पहेली अने त्रीं
मूर्छना मध्यम ग्रामकी पहिली और तीसरी
मूर्छना. the third note of the
Madhyama musical scale. ज०
७, १; अणुजो० १०८. १३८. (३)

उत्तर दिशा. उत्तर दिशा the north
‘ उत्तरा ओ वा दिसाओ आगओ अदमसि’
प्रव० ७६०, क० प० ४, २, भग० १०, १;
२५, ३; आया० १, १, १, २; —आसाढा
स्त्री० (—आषाढा) उत्तराषाढा नक्षत्र उत्तरा-
षाढा नक्षत्र. the constellation
called Uttarāsādhā ज० प० २, ३१;
७, १५५; सम० ४; ठा० २, ३,

उत्तरा कोडि. स्त्री० (उत्तराकोटि) ओ
नामनी गंधार ग्रामनी सातवी मूर्छना
इस नामकी गंधार ग्रामकी सातवी मूर्छना.
Name of a certain musical
note in the Indian gamut
ठा० ७, १;

उत्तराज्जयण न० (उत्तराध्ययन) ओ
नामनु ओ३ मूल सूत्र, उत्तरीश अध्ययन
समूह रूप उत्तराध्ययन नामे सूत्र. इस
नामका एक मूल सूत्र छत्तीस अध्ययनों
का समूह रूप उत्तराध्ययन नामक सूत्र
Name of a Mūla Sūtra; name
of a scripture containing 36
chapters नदी० ४३, —फगुणी
स्त्री० (—फाल्गुनी) ओ नामनु नक्षत्र इस
नामका एक नक्षत्र name of a constel-
lation. ज० प० ७, १५६; ५, ११५,
सू० प० १०; सम० ० —भद्रव्या
स्त्री० (—भाद्रपदा) ओ नामनु ओ३ नक्षत्र
इस नामका नक्षत्र. name of a constel-
lation सम० २,

उत्तरायण पुं० (उत्तरायण) सूर्य दक्षिण दिशा-
भाथी उत्तर दिशाभा गत ने सूर्य का दक्षिण
दिशासे उत्तर दिशामें जाना The north-
ward apparent motion of the
sun सम० २४, ठा० ३; —गय पुं०
(—गत) उ३ सकृत्तिने द्विस, उत्तरायणभा
प्रवेश होने पर सूर्य कर्क सक्रातिका दिन,

उत्तरायण में प्रवेश करता हुआ सूर्य the day of the progress of the sun to the north, the sun commencing its northward progress सम० —णियट्ट पु० (-निवृत्त) सूर्य उत्तरने भाडलेथी दक्षिणने भाडले जय ते सूर्यका उत्तरायणसे दक्षिणायन होना the returning of the sun towards the south from the north “उत्तरायणणियट्टे सूरिए” ठा० ३, सम० २४,

उत्तरायया स्त्री० (उत्तरायता) गंधार ग्रामकी सातवीं भूर्छना गंधार ग्राम की सातवीं मूर्छना Name of a certain musical note in the Indian gamut अणुजो० १२८,

उत्तरापथ पु० (उत्तरापथक) उत्तरापथ देशने ३५५ने ओड सिक्के उत्तरापथ देश का चादीका एक सिक्का Name of a silver coin current in the country of Uttarāpath प्रव० ८०५,

उत्तरावह पु० (उत्तरापथ) उत्तर तटने ओड देश उत्तरकी ओरका एक देश Name of a country in the north प्रव० ८०५,

उत्तरासंग. पु० (उत्तरासङ्ग) भुज उपर दुपट्टानु आवर्तन करवु ते उत्तरासङ्ग करवु ते उत्तरासन करना Wrapping of scarf round the face कप्प० २ १४, ज० प० ५, ११५, भग० २, ४, ६, ३३, १५, १, ओव० १०; नाया० १ १६, विवा० १, राय० २३, —करण न० (-करण) लुओ उपले शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above “एग साडिएण उत्तरासङ्ग करणेण” नाया० १,

उत्तरासमा स्त्री० (उत्तरसमा) मध्य

ग्रामकी चौथी भूर्छना मध्य ग्राम की चौथी मूर्छना The fourth note in one of the seven primary notes of Indian music अणुजो० १२८,

उत्तराहुत्त त्रि० (उत्तराभिमुख) उत्तर तट, उत्तरने सन्मुख उत्तरकी ओर, उत्तर दिशा के सन्मुख Towards the north, facing the north “थोवावसेसियाए सजभाए ठाड उत्तराहुत्तो” ओव० नि० ६५०, उत्तरिज्ज न० (उत्तरीय) भला उपर राखवानु पस्त्र-दुपट्टे कवेपर रखने का वस्त्र-दुपट्टा A scarf, an upper garment “उत्तरिज्ज विकड्डुमाणी” उवा० ६, १६६, ओव० ३१, दसो० १०, १, नाया० १ ८, ६, १२, १४, भग० ६, ३३, ज० प० कप्प० ४, ६२,

उत्तरिज्जग न० (उत्तरीयक) लुओ उपले शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above, उवा० ६, १६४,

उत्तरिज्जय न० (उत्तरीयक) लुओ उपले शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above उवा० ६, १६४,

उत्तरिय पु० (उत्तरिक) उत्तर गुण-समिति वगेरे उत्तर गुण-समिति वगैरह Samiti etc (i e care in walking, eating etc) विशेष १०४५, (२) त्रि० प्रधान, श्रेष्ठ प्रधान, मुख्य, श्रेष्ठ, उत्तम principal, highest, best नाया० ८, वेग० ४, १८, ठा० १०, (३) दुपट्टे, भले राखवानु पस्त्र दुपट्टा, कवेपर रखनेका वस्त्र a scarf, an upper garment नाया० २,

उत्तरिह्न त्रि० (औत्तर) उत्तर दिशाभानु, उत्तर दिशासय धी उत्तर दिशा में का, उत्तर दिशा सम्बन्धी Northern, pertaining to the north नाया० व० ४

पञ्च० २; नाया० ६, १३; १६, जं० प० २,
३३; ५, ११४, विवा० ३; भग० ३, १, १०,
७, १६ २, ८; ३४, १; प्रव० ११५२;

उत्तरिह्न त्रि० (उत्तार्य) उतरवा योग्य.
उतरने योग्य Worth descending;
worth crossing, fit to be crossed
etc राय० ७१, जं० प० ५, ११४,

उत्तरीकरण न० (उत्तराकरण) नेनी
आलोचना करीछे तेनी वधारे विशुद्धि
इत्या-इयोत्सर्ग " इतिस्सग " इरेवे ते
जिसकी आलोचना की है उसकी अधिक
विशुद्धिके लिये कायोत्सर्ग करना. Medi-
tation upon the soul in a par-
ticular posture after confession
of a sin in order to wash off
that sin the more आव० १, ५,

उत्ताडण न० (उत्ताडन) ओड प्रक्षरतुं
वाद्य एक प्रकारका बाजा A kind of
musical instrument राय०

उत्ताण त्रि० (उत्तान) यत्तुपाट; सभु,
सिधुं सीधा सच्चा Flat, straight
भग० १, ७, " उत्ताण छत्तसद्विया " उत्त०
३६, ६१, वष० ५, १८, पञ्च० २; (२)
छीछर, छु नही ते जो गहरा-ऊडा
न हो वह shallow ठा० ४, ४,
(३) न० पक्षधरो भार्या विना आंख
भुझी राखी ते. पलक मारे विना आंखको
खुली रखना. keeping the eye
open without twinkling. आव०
(४) त्रि० यत्ता सुवानो अलिग्रह धरनार.
चित् सोने का अभिग्रह-प्रतिज्ञा वाला
(one) who has taken a vow
to sleep flat on the back
पचा० १८, १५, —(णो) उदहि पु०
(-उदधि) छीछरा पाण्डुवालो दरीओ,
उथले पानी वाला समुद्र a sea with

shallow waters. ठा० ४, ४,
—ओभासि. त्रि० (-अवभासिन्)
तुच्छ जगुय ओपु जो तुच्छ मालूम हो
ऐसा appearing trivial. ठा० ४, ४,
—णयणपेच्छणिज्ज त्रि० (-नयनप्रे-
क्षीय) अति सुंदर होवाने कीधे उधाडी-
अनिमिष-आंभे नेवा योग्य बहुत सुंदर
होनेके कारण अनिमिष (विना पलक मारे)
नेत्रोंसे देखने योग्य deserving to be
gazed at with twinkle-less
eyes on account of fascinating
beauty " उत्ताणणयणपेच्छणिज्जा पासा-
दिया दरिणिज्जा " ओव० —हृत्थ. पु०
(-हस्त) वस्तु लेवाने उयो इरेवे हाथ
वस्तु ग्रहण करने के लिये ऊचा किया हुआ
हाथ a hand raised to grasp at
a thing. " किवणो विव उत्ताणहत्था
ओ, ' तडु०

उत्ताणअ त्रि० (उत्तानक) यत्ता सुनार-
चित् सोनेवाला One who lies or
sleeps flat on the back.
" जीवेण भते गढम गएसमाणे उत्ताणएवा
पासल्लएवा " भग० १, ७, विवा० ६, प्रव०
४, ६०; (२) लायु इरेवे, पसारेलु
लंबा किया हुआ, पसारा हुआ, फैलाया
हुआ projected, expanded, ex-
tended आया० २, १, १०, ५७,

उत्ताणग त्रि० (उत्तानक) यत्ता थपने-सुप्त
जगुय चित् होकर सोजाने वाला (One)
who lies on the back and goes
to sleep (२) न० सभु, सिधुं सीधा,
सन्मुख straight, even पचा०
१८, १५,

उत्ताणिश्च त्रि० (उत्ताणिक) यत्ता सुवानो
अलिग्रह धरनार चित् सोनेका अभिग्रह
धारण करने वाला (One) who has

taken a vow to lie flat & sleep on the back दसा० ७, ६; वेय० ५, ३०,

उत्तार पुं० (उत्तार) नदीनो उतार; पाणीनो आरो नदीका उत्तार A place where water may be crossed on foot, a ford. जं० प०

उत्तारण न० (उत्तारण) उतरवु-पार जयु ते. पार जाना, उतरना. Crossing, going to the opposite end विशेष० १०४०, जीवा० ३, ३,

उत्ताल न० (उत्ताल) नाथ जहार गानु ते, गायननो ओड दोष तालके खिलाफ गाना, गायनका एक दोष Singing out of tune “ गाय तो मायगाहि उत्ताल ” रा० ७, जं० प० अणुजो० १०८,

उत्तासइत्तार त्रि० (उत्तासयितृ) अतिशय त्रास आपनार बहुत त्रास देनेवाला Highly annoying, excessively troublesome “ भेत्तविलुपिता उद-सित्ता उत्तासइत्ता ” आया० १, २, १, ६६,

उत्तासणग त्रि० (उत्तासनक) त्रास उप-जवनार लय उत्पन्न करने त्रास देनेवाला, भय उत्पन्न करने वाला Terrifying, annoying, frightful नाया० ८,

उत्तासणय त्रि० (उत्तासनक) लओ उपदो शब्द देखो ऊपरका शब्द V de above नाया० ८, पत्र० २, भग० ३, २, ६, ५,

उत्तासणज्ज त्रि० (उत्तासनीय) भडा लयड महा भयकर बहुत डरावना Very terrible, frightful. “ नरोविव उत्ता साणज्जाओ ” तहु०

उत्तासिय त्रि० (उत्तासित) त्रास आपेक्ष त्रस्त Troubled, frightened, terrified भग० ३, ५, (२) ५२२५२ भवेव परस्पर मिला हुआ mixed together, joined together भग० ३, १, ५, ६,

उत्ति स्त्री० (उक्ति) वाणी, वचन वाणी, वचन Speech, words “ गभी राहरणेहि उत्तीहि य भावसाराहि ” पचा० ६, १६, विशेष० ३३५६,

उत्तिग पु० (उत्तिङ्ग) झीझाड़, झीझु दर चीटियों का बिल. An ant-hill “ सपाणे सबीए सहारेण सउत्तिगे ” सम० २१, दस० ५, १, ५६, ८, ११, आया० १, ७, ६, २२२, आव० ४, ३, (२) छिद्र. छेद, छिद्र. a hole, an aperture आया० २, ३ १, ११६, निसी० १८, १८; —लेण पु० (-लयन) झीझाड़ चिउटी का बिल an ant-hill काप० ६, ४५;

उत्तिरण त्रि० (उत्तीर्ण) पार उतरेव पार उतरा हुआ Crossed, passed over ज० प० नाया० १, १६,

उत्तेट त्रि० () वासणु उपज्ज लभेव ओसना मिन्दु वर्तनके ऊपर जमे हुए ओस बिंदु A dew-drop clinging to a vessel or utensil “उत्तेडा वत्थायायन समिति ” पि० नि० भा० १६,

उत्थय पु० (उच्छ्रय) ओलार, उभडओ तीव्रता Rising, increasing, intensity ओव० ३१,

उत्थय त्रि० (अवस्तृत) ढाकेलु, आच्छादन ढरेलु, ढाका हुआ, आच्छादित Covered, concealed ओव० ३१, ज० प०

उत्थरंत व० कृ० त्रि० (उत्तस्तृणवत्)
आच्छादन करतो आच्छादन करता हुआ,
ढाकता हुआ Covering, hiding.
“ अणि एहि उत्थरता अभिभूय हरति पर-
धणाइ ” परह० १, ३,

उत्थल न० (उत्स्थल—उन्नतानि धूल्युच्छ्रय
रूपाणि स्थलानि=उत्स्थलानि) धूलना टेकरा
धूल के टेकड़े A sand-hill, a
sandy down भग० ७, ६,

उत्थाण० न० (उत्थान) उठ्यु उठा थ्यु
उठना, खड़े होना. Rising up; getting
up विशेष० २८२६,

उत्थिय त्रि० (अवस्तृत) आच्छादन करेले.
ढाँकेले ढाका हुआ, आच्छादित. Covered,
concealed from view उवा० १, ५८,
उदअ-य. पु० न० (उदक) जल, पाणी
जल, Water आया० १, ६, १, १७७,
उत्त० ७, २३, २८, २२, नाया० १; ५, ८,
१४, १८, भग० ३. ३, राय० २७, ओव०
३९, दसा० ६, १, ६, २, सू० प० १०, विशेष०
१४५८, पि० नि० ८३, (२) पाणीमानी
ऐक वनस्पति जल म की एक वनस्पति
a kind of aquatic plant पन्न० १,
(३) पर्वग जलतनी वनस्पति, ऐक
जलतनु पृक्ष पर्वग जाति की वनस्पति एक
प्रकारका वृक्ष a kind of tree पन्न० १,
(४) पु० ऐ नामना ऐक अन्यतीर्थी विद्वान्
इस नामके एक अन्य धर्मी विद्वान् name
of a learned non-Jaina भग० ७,
६; (५) गोशालाना ऐक मुख्य श्रावकनु
नाम गोशाला के एक मुख्य श्रावक का नाम
name of one of the principal
lay-followers of Goshālā भग०

८, ५, (६) उदक नामे (अपर नाम
पेटाल पुत्र) ऐक पार्श्वनाथना सतानीया
निग्रन्थ के जेतो गौतमस्वामी साथे सवाद
थ्यो एतो उदक (अपरनाम पेटाल पुत्र)
नामका एक पार्श्वनाथका अनुयायी साधु कि
जिसका गौतम स्वामी के साथ सवाद हुआ
था name of an ascetic follower
of Pārsvanātha, who had held
discussion with Gautama
Swāmī, he is also named
Pedhālputra सूय० २, ७, ५,
—उप्पीला. स्त्री० (६) पाणी वगेरेतो
जथ्यो—समुद्र जल वगैरह का समूह. a
volume of water etc भग० ३, ७,
—तल न० (-तल) पाणीनु नदीयु जल
का तल the bottom of water.
दसा० ६, १; —परिफोसिया स्त्री०
(-परिपृषत्) पाणीनाझीला छटा, धुवाड
पाणी के छोटें छोटें छंटे, फुंवारे spray
of water नाया० ८,

उदइ त्रि० (उदयिन्) उदय पाभनार उदय
पाने वाला Rising, coming to 1190
“ उदइणो अणुदई ठराह ” भग० ११, १;
३५, १,

उदइअ पु० (औदयिक) कर्मतो उदय कर्म
का उदय Maturity of Karma;
state of maturity (२) कर्मता
उदयथी निष्पन्न थ्येव लाव, ७ लाव-
मानो ऐक उदय से निष्पन्न—उत्पन्न any-
thing resulting from matu-
rity of Karma अणुजो० ८८, भग०
१७, १: २५, ६, क० ग० ४, ७२, —आइ-
त्रि० (-आदि) उदय लाव जेमा आदि

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vico
Foot-note (*) p 15th.

प्रथम छे तेवा औपशमिक क्षायोपशमिक क्षायिक અને પારિણમિક ભાવ ત્રિન भावों में औदयिक भाव प्रथम है ऐसे औपशमिक, क्षायोपशमिक क्षायक और परिणामिक भाव (those Bhāvas or states viz Aupśamika, Ksāyopśamika, Ksāyaka and Parināmika) which are headed by Udayabhāva i.e. state of coming to rise, lit Udayabhāva etc विशेष ४०४, —भाव पु० (—भाव) लुप्त्यो “उदह्य” शब्द. देखो “उदह्य” शब्द vide “उदह्य” भग० १४, ७,

उदउल्ल त्रि० (उदकाद्र) पाणीथी भीनु થયેલ પાણી સે મીંજા હુઆ Wet with water, “उदउल्ल वीयससत्त” दस० ६, २५, ४, ५, १, २३, ८, ७, आया० २, १, ६, ३३, निसी० ४, ४०, कप्प० ६, ४३, प्रव० ६१६, —काय पु० (—काय) पाणीथी भीनु शरीर पानी से गीला शरीर body wet with water दस० ४, —वत्थ न० (—वत्थ) पाणीथी भीनु વસ્ત્ર પાણી સે મીંજા વસ્ત્ર cloth wet with water દસ० ૬,

उदएचर त्रि० (उदकचर) જલચર જલ-ચર, जल में रहने वाले प्राणी Aquatic “उदएचरा आगास गामिणो” आया० १, ६, १, १७७,

उदओदर पु० (उदकोदर) જલોદર રોગ जलोदर रोग Dropsy ज० प० २,

उदक न० (उदक) પાણી જલ, પાણી Water जीवा० ३, ३, —भायण पु० (—भाजन) पाणीनु वासणુ પાણી કા વર્તન A vessel for keeping water in નિસી० ૧૮, ૧૭

उदग न० (उदक) પાણી, જલ જલ પાણી

Water પંચા० ૨, ૧૧, પ્રવ० ૧૫૬૨, કપ્પ० ૪, ૫૬, જ०પ० ૫, ૧૨૦, નિસી० ૧૮, ૧૮, નાયા० ૬, ૮, ૧૮, મગ० ૧, ૬, ૮, ૫, ૪, ૭, ૧, ૧૫, ૧, પન્ન० ૧, નદી० ૩૫, દમ० ૪, ૫ ૧, ૭૫, ઉવા० ૧, ૨૭, ૪૧, —(ગા) આવત્ત પુ० (—આવત્ત) પાણીનું ચક્કર —ભમરી —વમલ પાણી કા મૌર an eddy, a whulpool of water અણુજો० ૧૩૪, મગ० ૫, ૭, —ગઘ્મ પુ० (—ગર્મ) પાણીનો ગર્ભ—પાણી રૂપે થનાર પુદ્ગલ પશિણાય પાનીકા ગર્ભ; પાની રૂપ હોને વાલે પુદ્ગલ પરિનાય particles of matter transforming themselves into the element of water. “ચત્તારિ ઉદગ ગઘ્મા પચણત્તા ત જહા” મગ० ૨, ૫, —જોણિય પુ० (—યોનિક—ઉદક યોનિરૂપત્તિસ્થાન યેપાં તે) પાણીમા ઉત્પન્ન થનાર જીવ પાણી મેં ઉત્પન્ન હોને વાલા જાવ an aquatic sentient being ‘इहे गत्तिया सत्ता उदग जोणिआ उदग सभवा’ सूय० २, ३, १७, —દોણી સ્ત્રી० (—ટોણી) પાણી ખેંચવાની ડોલ પાણી भरनेका डोल a bucket for drawing out water ‘अल उदगदोणीण’ दस० ७, २७, (२) નહાની હોડી, મજબે હોટોમી હોંગી, હોંગા a small boat આયા० ૨, ૪, ૨, ૧૩૮, (૩) લોહારની પાણીની કુડી કે જેમા તપેનુ લોટુ ઠારવામા આવે છે लुहार की पानी की कुडी जिसमें कि तपाया हुआ लोहा बुझाया जाता है a bucket of water in which heated iron is dipped and cooled “उदग दोणी णिवत्तिण” भग० १६, १, —ધારા સ્ત્રી० (—ધારા) પાણીની ધારા जलधारा. a stream of water, a down pour of rain નાયા० ૬, જ० પ० ૩, ૪૩

—परिणय. त्रि० (-परिणत) पाणी रूपे परिणाम पाभेज जल रूप में परिणाम पाया हुआ transformed into water
 ठा० ३, ३, —पोग्गल पु० (-पुद्गल) पाणीना पुद्गल तो समूह, वास्तु जल रूप पुद्गल का समूह वादल, सेष a collection of watery particles, a cloud
 “तत्थ समुद्विय उदग पोग्गल परिणयंवा”
 ठा० ३, ३, —प्पसूय. त्रि० (-प्रसूत) जलभा उत्पन्न थयेज उन्ह आदि जल में उत्पन्न हुए कन्द आदि (a bulbous root etc) produced in water
 “उदग पसूयाणि कदाणि वा मूलाणि वा पत्ताणि वा” आया० २, २, १, ६५,
 —फोसिया स्त्री० (-पृषद्) पाणीना पिं दु जल बिन्दु Spray of water, small drops of water नाया० ८, —विन्दु पु० (-बिन्दु) पाणीनु दीपु पानी की बिन्दु, जल का छीटा a drop of water
 भग० ५, ७, ६, १, पचा० ४, ४७, —मच्छु पु० (-मत्स्य) छट धनुष्यना डटडा इन्द्र वनुष्य के टुकडे bits of rainbow
 भग० ३, ७, अणुजो० १२७, जीवा० ३, ३
 —माल. पु० स्त्री० (-माला) उपरा उपर रहेज पाणीनी शिखा, दगभाये एक पर एक स्थित पानी की शिखा crests of water piled one upon another
 “लवणस्मण समुदस्स के महालण उदगमाले पण्णत्ते” जीवा० ३, ४, ठा० १०, —रयण पुं० (-रत्न) शुद्ध पाणी, रत्न समान पाणी शुद्ध पानी pure water, crystal water.
 “उल्ले उदगरयणं अस्सदिण्” भग० १५, १, नाया० १२, —रस. (-रस) पु० पाणीने रस पानी का रस water in the fluid form “तत्रो समुदा पण्णैण उदगरसेण पण्णत्ता” ज० प० १ —राई

स्त्री० (-राजि) पाणीनी दीप्ती. पानी की रेखा a line of water क० प० ५, ४५,
 —लेव पु० (-लेप) नावा आये तेडका पाणिमा आलपु-नदी उतरपी ते. जितने पानी में नाव चले उतने पानी में से नदी पार होना fording a river etc at a place where a boat can pass “अतो मामस्स तत्रो दग्गलेवे करे माणे सब्बला” सम० २१, दसा० २, १०, १६, (२)
 पाणीने लेप; पाणीथी बिज्जु ते जलका लेप, पानी से भिजाना getting wet with water अया० २, १, ११, १२.
 —वत्थि पु० स्त्री० (-वस्ति) पाणीनी मसड. पाना की मशक a leather bag for holding water in “उदगवत्थि परामुमड” नाया० १८ —संभाराणज्ज त्रि० (-सम्भारणाय) पाणीने शुद्ध करनेवाली वस्तु पानी को शुद्ध करने का वस्तु. any substance used to purify water.
 “हट्ट तुट्ठे षट्ठुहि उदगसंभारणिजेहि” नाया० १२, —सत्थ पु० (-गन्ध-उदकमेवशस्त्रतत्तथा) पाणीना छुवने नाश करनेवाले शस्त्र, अग्नि आर वगेरे जल के जीवों का नाश करने वाला शस्त्र; अग्नि, चार वगैरह a weapon which destroys sentient beings living in water or of fire, poisonous salts etc
 आया० १, १, ३, २३. —साला स्त्री० (-शाला) पाणीनु पर्व (परव) पानी की पो a place where water is supplied to travellers etc (out of charity) सूय० २, ७, ४, —सिहा स्त्री० (-शिखा) धरीमानी वेज, पाणीनी लरती ओट पानी की बढती और घटती ebb and tide of the sea
 ठा० १०

उदगणाय पु० (उदकज्ञात) आठना पाण्डि-
ना दृष्टातवाहु शातासूत्रनु १२ मु अध्ययन
खाइ के जल के दृष्टान्त वाला ज्ञातासूत्र का
१२ वा अध्ययन Name of the 12th
chapter of Jñātā Sūtra con-
taining an illustration of ditch
water सम० १६, नाया० १

उदगत्त न० (उदकत्व) पाण्डिपाण्डु जलपना,
जलत्व State of being water
“ य ब्रह्मे उदगजोण्या जीवा य पोगला
य उदगत्ताय वक्रमति ” ठा० ३, भग० २, ५,

उदगसीमय पु० (उदकसीमिक) ये नामने
येक वेलधर नागराजने आवास परित
वेलधर नागराज के निवास करने के एक
पर्वत का नाम Name of a moun-
tain-abode of Velandhara
Nāgarāja जीवा० ३,

उदग्ग त्रि० (उदग्ग) उत्कट, तीव्र, उन्नत, उत्तरोत्तर
वृद्धि वाला Fierce, intense, tall,
lofty, mighty, increasing
“ उदग्गो दुप्पहसण् ” उक्त० ११, २०, भग०
२, १, नाया० १, ५, — चारित्ततव पु०
छी० (-चारित्रतपस्-उदग्ग प्रधान चारित्र
तपश्च यस्य स तथा) प्रवान चारित्र तप
वाला प्रवान चारित्र तप वाला one of
austere tight conduct and
penance उक्त० १३, ३५,

उदत्त त्रि० (उदात्त) उन्नत, प्रधान, श्रेष्ठ
उदात्त, प्रधान, मुख्य, श्रेष्ठ, उदार High,
lofty, prominent उक्त० १३, ३५,
भग० २, १, ३, १ ६, ३३, (२) अक्ष-
राणि स्वरान्ते येक प्रकार अकारादि स्वर का
एक प्रकार a particular variety
(accent) of vowel-sound प्रव०
५५०,

उदत्ताभ पु० (उदात्ताभ) गौतम गोत्रनी
येक शाखा अने तेनो पुत्र गोत्र
का एक शाखा और उस शाखा का पुरुष
Name of a branch of Gautama
family-stock, a person belong-
ing to this branch “ ते उदत्ताभा ”
ठा० ७, १,

उदधि पु० (उदधि) समुद्र समुद्र, दर्या
The ocean, the sea सू० प० १६
जीवा० ३, १,

उदय पु० (उदय) उगनु, प्रगट थनु, उदय
थनु ते उगना, प्रगट हाना, उदय होना
Rising, coming to view; ap-
pearance ठा० २, १ परहं० २, ४;
सू० प० १, नाया० ३, ओव० १६, (२)
अभ्युदय, अउती अभ्युदय बढती, चढती
rise, prosperity सूय० २, ६, १६,
पि० नि० ४१४, (३) उपजनु, उत्पत्ति पैदा
होना, उत्पत्ति birth, creation, pro-
duction सम० ३०, (४) जमुद्वीपना
भरतखंडा यतार सातमा तीर्थकरनु नाम
जमुद्वीपके भरतखंड मे होने वाले सातवे तीर्थ-
कर का नाम the name of the 7th
would-be Tirthankara of Bha-
ratakhandā in Jambudvīpa
सम० प० २४१, (५) जमुद्वीपमा भरत-
क्षेत्रमा यतार तीन तीर्थकरना पूर्वभवनु
नाम जमुद्वीप के भरतखंड मे होने वाले तीसरे
तीर्थकर का पूर्व भव का नाम the name
in the past birth of the third
would-be Tirthankara of Bha-
ratakhandā in Jambudvīpa
सम० प० २४१, (६) कर्मनु विपाकलि-
मुज थनु ते, जानावरणीयादि कर्मने उदय
कर्म का विपाक (फल देने) के सम्मुख होना,
जानावरणीयादि कर्मों का उदय maturing

ty of Karma, e g. of knowledge-obstructing Karma etc भग० १, १; २, ५; ५, ४; ८, ६. १४, २, २०, ३, ४०, १५, वि० नि० १०२, (७) उदय लाव, ७ लावमानो प्रथम लाव उदय भाव, छह भावों मे का प्रथम भाव. state of rising or coming to both the first of the 6 Bhāvas भग० १७, १, —अन्त. पु० (-अन्त) नदी आदिना पाण्डुनी सीमा, ज्या नदी पुरी थाय ते प्रदेश नदी आदि के जल की सीमा, वः प्रदेश जहा नदी पूरी हा the place where the water of a river ends or terminates भग० ३, ६, —अन्त पु० (-अश) उदयना स्थानऽ उदयके स्थानक any of the portions that have come to rise or maturity क० ग० ६, १८, —गय त्रि० (-गत) उदयना स्थानने प्राप्त थयेन. उदयस्थान को प्राप्त come to rise, risen क० ग० ६, ४०, —निष्फरण. त्रि० (-निष्पन्न) उदयनी उदयथी निष्पन्न थयेन कर्म के उदय स निष्पन्न-उत्पन्न produced on account of the maturity of Karma, resulting from the maturity of Karma भग० १७, १, २५, ५, —त्यमण. त्रि० (-अस्तमान) सूर्यना उदय अथवानो समय सूर्यके उदय अस्त का समय the time of sunrise and sunset कण्ठ ३, ३६, —पत्त त्रि० (-प्राप्त) उदय पाभेन. उदय पाया हुआ matured; come to rise भग० २५, ७, परह० २, ५; --विहि. पु० (-विधि) उदयने प्रकार उदयका प्रकार mode or method of coming to rise क० ग० ६, ३०, —सटिड

व्री० (-सस्थिति) सूर्यना उदयनी स्थिति सूर्य के उदय की स्थिति the condition of the sun at the time of rising सू० प० ८; --संत व्री० (-सत्ता) उदय अने सत्ता स्वरूप उदय और सत्ता स्वरूप the existence and rise i. e. maturity (of Karma) क० प० ७, ५३, ५५,

उदयजिण पु० (उदयजिन)आवती योनीसीना सातमा तीर्थंकर के जे ओके गणत महावीर स्वामीना आवड गणत उता आगामी चौवीसी के सातवे तीर्थंकर जो एक समय महावीर स्वामीके शखजा नामक भावक थे The 7th 'ithankara of the coming Chovīnī i. e. cycle who was once a Śāvaka (by name Śankhajī) of Mahāvīra Swāmī प्रव० ४६७,

उदयणसत्त त्रि० (उदयनसत्त्व) उदय पाभेनो छे सत्त्व जेनो ते. जिसका सत्त्व उदय को प्राप्त हो रहा है वह (One) whose spirit or might is on the rise ठा० ५, ३.

उदयसीम पु० (उदकसीमन्) लवण समुद्रभा उत्तर दिशाओ आवेनो ओके आवास पर्वत लवण समुद्रके उत्तर दिशामे स्थित एक आवास पर्वत Name of a mountain abode in Lavana Samudra in the north सम० ४३;

उदयसेण पु० (उदयसेन) भीरसेन ने शूरसेनने पिता वीरसेन और शूरसेन के पिता का नाम Name of the father of Vīrasena and Śūrasena आर्य० नि० १, ४, १, १,

उदयायल पु० (उदयाचल) उदयायल पर्वत उदयाचल पर्वत The eastern moun-

tain named Udayāchala behind which the sun rises सु० च० ३, ७६,

उदर न० (उदर) ७४२, पेट जठर, पेट The belly, the stomach सू० १, ५, २, २, २, १, ४२, दस० ४, जीवा० ३, ३, ओव० १०, निसी० ७, १४, अणुजो० १३१, नाया० १३, आया० १, १, २, १६, उवा० २, १०१,

उदरवली स्त्री० (उदरावलि) डालजु; डलेजु कलेजा The heart निर० १ १ —मंस न० (-मास) डालजनु मास कलेजेका मास. the flesh of the heart निर० १, १

उदरि त्रि० (उदरिन्) पेटना रोगी, जलोदर रोगवाला (One) suffering from a dominal affections like dropsy etc आया० १, ६, १, १७२

उदरिक त्रि० (औदरिक) जलोदरना रोगवाला जलोदर रोगवाला (One) suffering from dropsy परह० २, ५,

उदरिय न० (औदरिक) जुओ “उदरिक” शब्द देखो “उदरिक” शब्द Vide “उदरिक” विवा १, ७,

उदवाह पु० (उदवाह) जलना नानो प्रवाह जलका छोटासा प्रवाह A small current of water “उदवाहाह वा प्रवाहाह वा” भग० ३, ७,

उदहि पु० (उदधि) समुद्र, दरीयो समुद्र, उदधि, दर्या The ocean, the sea ठा० २ ४, उत्त० ११, ३०, भग० १, ६, ६, विशेष १३३२, पि० नि० भा० १७, प्रव० १४६३, क० प० १, ७०, ज० प० २, ३३, ५, ११६, (२) उदधिकुमार नामे भवनपति देवतानी ओड भत उदधिकुमार नामक भवनपति

देवों की एक जाति a class of Bhavanapati gods named Udadhi-kumāra उत्त० ३६, २०४, परह० १, ४, सम० ७६, ओव० (३) धनोदधि. धनोदधि the ocean named Ghanodadhi भग० १, ७, (४) समुद्र-सागरोपम, डालविभाग विशेष सागरोपम, कालविभाग विशेष a Sagalopama, a particular division of time क० ग० ५, २६, —पडद्विय त्रि० (-प्रतिष्ठित) धनोदधि समुद्रने आधारे रहेल धनोदधि समुद्र के आधार से रहा हुआ supported on, resting on Ghanodadhi ocean. “उदहि पडद्विया पुढवी” भग० १, ७ —पुहुत्त न० (-पृथक्त्व) भेथी भाडीने नवसागरोपम सुत्री दो स नोसागरोपम तक ranging from two to nine Sāgalopamas of time क० प० १, ६०, मंगल पु० (-मङ्गल) समुद्र ना विधने दूर करनेवाला भगल समुद्र के वघ्नको दूर करनेवाला मंगल anything that averts or destroys the obstacles or misfortunes connected with the sea पचा० ८, ३७, —सरिस त्रि० (-सदृश) समुद्र सागर सरभु, सागरोपम, दस डोडा डोडी पल्योपम प्रमाण डाल विभाग समुद्र के समान, सागरोपम, दस कोडा कोडी पल्योपम के प्रमाण काल विभाग similar to an ocean, a division of time equal to 10 crore x 10 crore Palyopama उत्त० ३३ १६,

उदधिकुमार पु० (उदधिकुमार) उदधि कुमारनामे भवनपति देवतानी ओड भत भवनपतिदेवों की उदधि कुमार नामक जाति

Name of a class of Bhavanapati deities ' उदहि कुमाराण सव्वे समाहारा ' भग० १६, १२, पञ्च० १, —आवास पु० (-आवास) उदधि-कुमार देवताना रहैवाना स्थान-भवन. the abode of Udadhikumāra class of gods " उदहि कुमारावास सयसहस्सा पणत्ता " सम०

उदहिकुमारी स्त्री० (उदधिकुमारी) उदधि-कुमार जाति के भवनपति देवों की देवी A female deity of the Udadhikumāra Bhavanapati class of gods भग० ३, ७,

उदाइ पु० (उदायिन्) कुण्डिकायन गोत्रभा-जन्मेव उदायी नामने अेड माणस डे जे गोशाला ने छठो प्रौढपरिहार हुतो कुण्डिकायन गोत्र मे जन्मा हुआ उदायी नामक एक मनुष्य जो कि गोशाला का छठवाँ प्रौढ परिहार था Name of a person born in the Kundikāyana family who was the sixth Praudha Parihāra of Gośālā भग० १५, १, (२) डेण्डिक राजने उदायि नामे अेड हाथी कौणिक राजा का उदायि नामक हाथी name of an elephant of a king named Konika भग० ७, ६, १६, १. (३) डेण्डिकने अेड पुत्र डे जेजे डेण्डिकना अवसान पछी पाटलिपुत्र नगर वसावी त्या पोतानी राजधानी स्थापी; जेने उदायी नामना असव्वे पोषामा मारी नाभ्यो हुतो, जे तीर्थंकर नामकर्म उपाज्जन करी आवती येवीसीमा सुपार्श्वनामे त्रीज तीर्थंकर थसे कौणिक का एक पुत्र जिसने कि कौणिक की मृत्यु के

वाद पाटलिपुत्र नगर वसाया और वहां अपनी राजधानी स्थापित की. जिसे उदायी नामक अभव्यने पोषध—उपवास की अवस्था में मारडाला, जिसने तीर्थंकर—नामकर्म का उपार्जन किया और आगामा चौवीसी में सुपार्श्व नामक तीसरा तीर्थंकर होगा name of a son of Konika After Konika's death he founded the city of Pātali-putra and made it his capital He was killed by an Abhavya (one not capable of being liberated) during the continuance of Pausadha (fasting-etc) He will earn Tithankara Nāmkama and be the third Tithankara named Supārśva in the coming Chovīsī (cycle) अ० ९,

उदायजीव पु० (उदयिजीव) डेण्डिकना पुत्र उदयिगजने अ० १ डे जे आवती येवी सीमा त्रीज सुपार्श्व नामना तीर्थंकर थसे कौणिक का पुत्र उदायि राजाका जीव जो भाव चौवीसो में सुपार्श्व नामके तीर्थंकर होंगे The soul of king Udāyi (the son of Konika) who will be the 3rd Tithankara by name Supārśva in the coming Chovīsī (1 e cycle) प्र० ४६५,

उदायण पु० (उदायन) सिंधुसौध्वीर देशना वीनिलय नगरना राजा डे जेजे दीडगने राज्य न आपता देशी नामना लाखेजने राज्य आपी मडावीर स्वामि यासे दीडा दीधी सिंधुसौध्वीर देश के वीतिभय नगर का राजा जिसने कि पुत्र को राज्य न देकर अपने केशी नामक भानजे को राज्य

दिया और महावीर स्वामोसे दाँजा ली
Name of a king of the city
of Vitibhaya of the country
of Sindhusauvīa He, instead
of giving his kingdom to his
son, gave it to his nephew
named Keśī and took Dikṣā
from Mahāvīra Swāmī उत्त०
१८, ४८, भग० १३, ६, (२) कैशाभी
नगरीना राजा सतानीकने पुत्र कौशांबी
नगरी के राजा सतानीक का पुत्र name
of the son of Śatānīka, king
of the city of Kośambī
“ तस्सए शयाणीस्स पुत्ते मियादेवीए
अत्तए उदायणे णाम कुमारे होत्था ”
भग० १०, २, विवा० १, ५,

उदायि पु० (उदायिन्) कैशिक महा-
राजना हाथीनु नाम कोणिक महाराजा
के हाथी का नाम Name of the
elephant of king Kōṇika भग०
१७, १,

उदार त्रि० (उदार) उदार, प्रधान, श्रेष्ठ
उदार प्रदान, मुख्य, श्रेष्ठ Generous,
high, excellent, prominent
भग० २, १, ५, —मण त्रि० (-मणस्)
उदार चित्तवालो उदार चित्त वाला
magnanimous, generous भक्त०
३०,

उदारत्त न० (उदारत्त) उदारपणु, सत्य-
वचनने २२ मे अतिशय उदारता, सत्य-
वचन का २२ वा अतिशय Genero-
sity, nobility, the 22nd super-
natural manifestation of truth-
fulness of speech सम० दा० ३५,

उदारक त्रि० (उदारक) उदारता पावु
(नपुं०) उदारता पूर्ण (नपुं०)

High, noble (ascetic Karma)
नाया० १,

उदासीण त्रि० (उदासीन) राग द्वेषरहित,
शान्त, मध्यस्थ राग द्वेष रहित, शान्त,
मध्यस्थ, तटस्थ Free from passion
and hatred, dispassionate
neutral आया० १, ६, ३, १६१ सूय०
१, ४, १, १५,

उदाहड त्रि० (उदाहृत) उहेल, दर्शावैल
कथित कहा हुआ, दिखाया हुआ Said,
pointed out, explained. सूय०
२, ६, ६१,

उदाहरण न० (उदाहरण=उदाहयते गृह्यते
दार्ष्टान्तिकोऽर्थोऽनेनेति) उदाहरण, दाखला
उदाहरण दृष्टान्त An illustration,
an example पि० नि० ११३, नाया०
३, पचा० ७, १४

उदाहरिय त्रि० (उदाहृत) दाखला साथे
उहेल उदाहरण सहित कहा हुआ Ex-
plained, narrated with illus-
tration नाया० ८,

उदाहिय त्रि० (उदाहृत) इथन इरेल,
व्याख्यान उरेल कथन किया हुआ, कथित,
व्याख्यान किया हुआ Told, narrated
illustrated “जामा तिणिण उदाहिया”
आया० १, ७, १, २००,

उदाहु अ० (उदाहो) वि३६५, अथवा
विकल्प, अथवा, या Or, an alterna-
tive conjunction भग० १, १, २,
५, ५, ७, ८, ८, १०, १५, १, १८, ८,
नाया० ३, ७ १६, पञ्च० १०, विवा० ३

उदिओदिअ त्रि० (उदितोदित) आलोड
अने परलोडने आशी उदय पावेला जेम
सन्त महागण इहलोक और परलोक
दोनों के लिये उदय पाना हुआ —

जैसे कि भरत महाराज Prosperous;
rising both in this world and
the next, e g king Bharata
ठा० ४, ३, विदा० ३;

उदिरण त्रि० (उदीरण) उदय पामेल
उदय पाया हुआ Come to rise,
risen, matured पन्न० २०, २३,
नाया० १; भग० १, २, ३, ४, ७, २, ५,
५, ४, १०, १, नदी० ८, —कर्म त्रि०
(-कर्मन्) उदयमा आवेल छे कर्म जेना
ते जिसके कर्म उदयमें आये हुए हैं वह
(one) whose Karma has
matured ठा० ५, १, —कामजात्र
त्रि० (-कामजात) जेने कामने डोछपल
प्रकार-विचार उदयमा आवेल छे ते
जिसके उदय में काम का कोई भी प्रकार-
विकार-उदय आया है वह (one)
whose passion has risen
दसा० १०, ३, —मोह त्रि० (-मोह)
उदकट मोहना उदयवाले तांत्र मोह का
उदय वाला (one) whose in-
fatuation or delusion has
acutely risen “ अणुत्तराववाइयाण
भते देवा कि उदिरणमोहा ” भग० ५, ४.

उदित त्रि० (उदित) उदय थयेल, उदर
आवेल उदित, उदय प्राप्त Risen,
come to view नाया० १,

उदिन्न न० त्रि० (उदीर्ण) लुओ “उदिरण”
शब्द देखो “उदिरण” शब्द Vide
“उदिरण” क० प० १, ३२,

उदिय. पु० (उदित) उदय पामेल, उगेल
ऊगा हुआ सूर्य The sun in its rise,
the sun risen above the hori-
zon नाया० १,

उदीची स्त्री० (उदीची) उत्तर दिशा उत्तर
दिशा. The north भग० ५, १

उदीरण. पुं० न० (उदीचीन) उत्तर दिशा,
उत्तर विभाग. उत्तर दिशा; उत्तर विभाग
The north; the northern
region सू० प० १, जं० प० ४, ७२;
४, १५०, ७, १५०, राय० १०२, नाया०
५ —अभिमुख त्रि० (-अभिमुख)
उत्तर दिशाने सम्मुख उत्तर दिशाके सम्मुख
facing the north वव० १, ३७,
—वाय-य पुं० (-वात) उत्तर दिशाने
वायु. उत्तर दिशा का वायु. the north-
wind ठा० ५, ३, ७, १, पन्न० १,

उदीणा स्त्री० (उदीचीना) उत्तर दिशा
उत्तर दिशा The north. ‘ दो दिसाओ
कप्पइ पाइण चैव उदीण चैव ’ ठा० २,
राय० आया० १, ६, ५, १६४, जं० प०

उदीरग. त्रि० (उदीरक) उदीरणा करनेवाला
उदीरणा करनेवाला (One) who
forces up (Karma) into matu-
rity भग० १, १, ३५, १, क० प० ४, ४,
उदीरण न० (उदीरण) उदीरणा करनेवाले
उदीरणा करना, गत बात को प्रगट करना.
Telling or exposing the past
ओव० १६, क० ग० २, १३,

उदीरणया स्त्री० (उदीरणा) लुओ
“उदीरण” शब्द देखा “उदीरण”
शब्द Vide “उदीरण” क० ग० २, १,
उदीरणा स्त्री० (उदीरणा) लुओ ‘उदीरणा’
शब्द देखो “उदीरणा” शब्द Vide
“उदीरणा” ज० प० भग० ३, १, ७, ६, क०
ग० २, २४, ४, ४, क० प० ४, १, ५,
४०; प्रव० ४६,

उदीरय त्रि० (उदीरक) लुओ “उदीरग”
शब्द देखो “उदीरग” शब्द Vide ‘उदी-
रग’ भग० २५, ६,

उदीरिय. त्रि० (उदीरित) लुओ “उदीरिय”
शब्द देखो “उदीरिय” शब्द Vide

“उद्दीरयि” आया० १, ६, ३, १६२, पञ्च०
२३; राय० १२८, भग० १, १, ३, ३,
उत्त० २६, ७१;

उदीरि(रे)त्तार त्रि० (उदीरयितृ)
उद्देरना२, प्रेरणा ३२ना२. प्रेरणा करनेवाला.
One who prompts or forces
up (e g Karma) into matu-
rity सम० २०; दसा० १, १४,

उदु पुं० (ऋतु) ऋतु, मोसम. ऋतु, मोसम
A season नाया० १,

उदुंवर न० (उदुम्बर) ओ नामतुं रिपाके
सूत्रतु आहंभु अध्ययन इस नामका विपाक
सूत्रका आठवाँ अध्ययन Name of the
8th chapter of Vipāka Sūtra
ठा० १०, १,

उदुंवरिज्जिया. स्त्री० (औदुम्बरिका) उद्देह
गण्थी निक्षेप ओके शाखा उद्देह गणसे
निकली हुई एक शाखा An offshoot
of Uddehagana कप्प० ८,

उदुब्भेय. पुं० (उदकोद्भेद) गीरी-पर्वत तट
आदिभाथी पाणी निक्षेप पर्वत, तट
आदिसे जलका निकलना A spring of
water from a mountain etc.
भग० ३, ७,

उदुहल पुं० (उदुखल) आडली, उभय
ओखली A mortar आया० २, १, ७,
३७, विशेष० १०३०,

✓ उद्-अय धा० I (उत्+अय्) उद्ध्य
थवे, उग्यु उदय होना, ऊगना. To
rise, to come to rise.

उदयति नाया० ५,

उदयत व० कृ० भग० १, ५, ६,

✓ उद्-आ-हर धा० I (उत्+आ+ह)
उद्देवु, प्रतिपादन करवु, दाखला सहित
वर्णन करवु कहना, प्रतिपादन करना,

v II/29

उदाहरण सहित वर्णन करना To tell,
to explain, to illustrate.

उदाहरे. वि० उत्त० ११, ४,

उदाहरे. वि० उत्त० ६, १, सूय० १, २,
२, १३,

उदाहरिस्सामि भवि० उत्त० २, १, दस०
८, १,

उदाहु उत्त० ६, १८, नाया० ८,

✓ उद्-इ. धा० II (उत्+इ) उद्ध्यथवे,
उग्यु उदय होना, ऊगना To rise,
to come to rise.

उदेइ जीवा० ३, २;

✓ उद्-ईर. धा० I, II (उत्+ईर्)
उद्दीरणा करवी, परिपाकना समय पहले
कर्मने आकर्षी उद्ध्यमां लाववां ते. उदीरणा
करना, परिपाक के समय के पहिले कर्म को
आकर्षित करके उद्ध्यमे लाना To cause
to mature (e g Karma) be-
fore the ripe time, to force up
Karma into maturity.

उदीरइ राय० २६७, भग० ३, ३, क० प०
५, ५४,

उदीरेइ उत्त० १७, १२, भग० ७, १, २५,
१, ६, ७, ठा० २, ४, निसी० ४,
२३,

उदीरति भग० ५, २, पञ्च० १४, गच्छा०
६८,

उदीरेति भग० १८, १०, नाया० ५,

उदीरिस्सति पञ्च० १६,

उदीरेंसु भू० का० पञ्च० १४,

उदीरिज्जा. वि० भत्त० १५६,

उदीरित्तए हे० कृ० वेय० ६, १,

उद्दीरेमाण भग० २५, ६; अत० ३, ८,

उदीरिज्जमाण क० वा० व० कृ० भग० १,
१, ६, ३३,

✓ उद्-कस. धा० I (उत् + कृप्) उद्ये
 भेद्युं ऊंचा खेंचना. To draw up
 (२) उत्कर्षं करेवे. उत्कर्ष करना to
 flourish, to prosper
 उक्कोसइ सू० प० १;
 उक्कसिस्सामि. आया० १, ६; ३, १८५;
 उक्कसावेइ प्रे० निसी० १८, ६; ७, ८;

✓ उद्-कीर धा० I (उत् + कृ) कौतरुं,
 छेद्युं. कुतरना, छीलना To carve, to
 scratch off.

उक्कीरइ. क० प० २, ६२;
 उक्कीरसि अणुजो० १४६;
 उक्कीरमाण. “नच केइ उक्कीरमाणं पासित्ता”
 अणुजो० १४८.

उक्कीरिजमाण क० वा० व० कृ० ज० प०
 राय० ५६, जीवा० ३, ४,

✓ उद्-कुह धा० I (उत् + कृद्) कुह्युं.
 कूदना. To leap; to jump.
 उक्कुहइ उत्त० २७, ४,

✓ उद्-खण धा० I (उत् + खन्) ओह्युं,
 ओह्यु. खोदना उखाडना To dig; to
 dig out, to excavate
 उक्खणइ सु० च० १२, ५८,

✓ उद्-क्खिच धा० I, II. (उत् + क्षिप्)
 ओह्युं ऊंचा फेंकना To throw
 high, to toss
 उक्खिप्प. स० कृ० आया० २, २, ३.
 उक्खिवित्तु स० कृ० “ उक्खिवित्तु न
 निक्खिवे ” दस० ५, १, ८५,

उक्खिवमाण. व० कृ० भग० १६, १,
 उक्खिप्पमाण. क० वा० व० कृ० भग० ८, ६,

✓ उद्-गच्छ धा० I. (उद् + गम्) ओह्युं

पाम्युं, ओह्यु ऊगना, उदय होना. To
 rise.

उग्गच्छंति सू० प० ८,
 उग्गच्छ. सं० कृ० भग० ५, १;

✓ उद्-गम धा० I० (उत् + गम्) ओह्युं,
 भूयन्ते ओह्युं थवे। ऊगना, सूर्य का उदय
 होना To rise.

उग्गमंत व० कृ० सु० च० २, १०५;
 उग्गममाण. व० कृ० पञ्च० १;

✓ उद्-गलच्छ धा० II (*) ओह्युं
 ओह्युं वुं ढक्कन खुलवाना To get a
 lid or cover opened

उग्गलच्छावेमि प्रे० राय० २५४

✓ उद्-गाह धा० I, II (अव + गाह्)
 अवगाह्युं, प्रवेश करेवे। अहरं नु
 अवगाहन करना, प्रवेश करना, भीतर जाना,
 अदर जाना To enter; to penetrate,
 to pervade.

उग्गाहेइ. भग० २, ५, ११, ६; १६, ६.
 नाया० ६, विवा० ७,

उग्गाहइ. सू० प० १,

उग्गाहिति नाया० २,

उग्गाहेज्जा वि० भग० ३, ३; ५, ७;

उग्गाहेह आ० नाया० ८ ६;

उग्गाहित्ता स० कृ० भग० २, ८; ५, ४,
 ६, ५, ६, ३, १३, ४, १६, ६.

१८, ३; २०, २

उग्गाहेत्ता स० कृ० भग० ११, ६,

उग्गाहित्तए हे० कृ० नाया० ६:

उग्गाहेमाण व० कृ० भग० १६, ६,

✓ उद्-गिरह धा० I, II (अव + ग्रह्)
 आजा लेवी. २०१ मागवी आजा लेना;
 छुट्टी मागना To ask permission.

(०) ग्रहणु कर्तुः; धारी राप्पु ग्रहण करना; धार रखना To take in, to retain.

उग्गिणहइ नाया० १, दसा० ४, ४१,

उग्गिणहामि भग० १५, १;

उग्गिणहिता नाया० १, २, ५, १३, १४,

भग० २, ५, ओव० २७,

उग्गिणहिता दसा० ७, १, ८, वव० ८,

१०, नाया० ध० दसा० ४,

६०, वेय० ३, ३१,

✓ उद्-गीर धा० I (उद्+गृ) ओगाधुं, वागेधु उगल जाना, जुगली करना. To chew and mix with saliva as cows etc. do

उग्गीरसि सु० च० १४, ३६,

✓ उद्-गोच धा० I, II (उद्+गृ) उडे-
लपु गुय उडडपी सुलकानां, उकेलना
To decipher

उग्गोवेई भग० १६, ६,

उग्गोवेमाण भग० १६, ६,

✓ उद्-घात धा० I, II. (उद्+हन्+णि)
डुधु, क्षय करवे, नाश करवे, अपावपु,
डुडु करपु मारना, हनन करना, नाश करना,
क्षय करना To kill, to destroy
उग्घाअइ उत्त० २६, ६

✓ उद्-घोस धा० II (उद्+घुष्) उद्घो-
षणु करपी उद्घोषणा करना, प्रगट करना
To proclaim (२) माजपु साध
करपु माजना, साफ करना. to rub,
to cleanse.

उग्घेसेह नाया० १६,

उग्घोसेत्ता विवा० १,

उग्घोसेमाण नाया० १, ५, १३, १५, १६,

१८, विवा० १, ज० प० ५, १२३,

राय० ३७, भग० ३, १, १५, १,

उग्घोसमाण भग० ३, १, १५, १.

उग्घोसावेइ प्रे० सु० च० २, ३०८,

उग्घोसिज्जत. क० वा० व० क० विवा० ८,

उग्घोसिज्जमाण विवा० २,

✓ उद्-चर. धा० I (उत्+चर्) उच्चार
करवे, ओलपु उच्चारण करना, बोलना.
To pronounce, to utter

उच्चारैइ प्रे० नाया० १,

उच्चारमाण. नाया० १, भग० ११, ११.

✓ उद्-चल वा० I, II. (उत्+चल्-णिच्)
आलना करपी, पाणीने उच्छालपु. चालना
करना, पानी को उछालना To cause
to move, to throw up water

उच्चालेति प्रे० नाया० ४,

उद्-चिण वा० I. (उत्+चि) विधुपु,
भेगा करपु वीनना, एकत्रित करना. To
pick up, to collect

उच्चिणइ ओघ० नि० भा० २६६

उच्चिणिउ सं० क० सु० च० ७, ११,

उच्चिता. वव० ६, ४४,

✓ उद्-च्छल वा० II (उत्+छल्) उच्छ-
लपु उछलना To leap, to jump.

उच्छलेति जीवा० ३, ४.

उच्छलिउ सं० क० सु० च० ६, २६;

उच्छलत व० क० ओव० २१, क० प०
३, ४३,

✓ उद्-च्छिद धा० I, II (उत्+छिन्द्)
नाश करवे नाश करना To destroy

उच्छिदसु आ० सु० च० २, ६०७,

उच्छिदिउ पना० १३, १२,

✓ उद्-छुभ धा० I. (उत्+छुम्) क्षोभ
पमाडवे क्षोभ पाना To become dis-
tracted or agitated

उच्छुभइ राय० २७६,

उच्छुभित्ता नाया० १,

✓ उद्-च्छील धा० II (उत्+छल्) पाणी-
थी धेपु पाणी उच्छालपु पानी से बौना,

पानी उछालना To wash with water;
to throw up water

उच्छोलति. वि० राय० १८३, भग० ३, २;
उच्छोलैज्ज. आया० २, १, ६, ३३; निसी०
१, ७; २, २१;

उच्छोलित्ता. सं० कृ० अ० आया० २, ५,
१, १४६; भग० ३, २;

उच्छोलित्तए हे० कृ० दसा० ७, १;

उच्छोलत व० कृ० निसी० १, ७,

उच्छोलित. गच्छा० १२२;

✓ उद्-जम. धा० I, II (उत्+यम्) उद्यम
करना; प्रयत्न करवे। उद्यम करना;
प्रयत्न करना To work; to be industri-
ous; to make an effort

उज्जमंति. नाया० ५,

उज्जमेउ आ० सु० च० १, २८०;

उज्जमतु. सु० च० १, ६८;

उज्जमिस्स प्रव० ७८६,

उज्जमंत व० कृ० परह० १, ३;

उज्जममाण व० कृ० सूय० नि० १, १३,
१२६;

✓ उद्-जा धा० I. (उत्+या) उपर जा
ऊपर जाना. To go up, to mount
उदाइ भग० ३, ३;

उदाइंत. नाया० १;

✓ उद्-जोय धा० I, II. (उत्+द्युत्)
प्रकाश करवे। उद्योत करवे। प्रकाश करना;
उद्योत करना. To light up, to
brighten

उज्जोएइ प्रे० भग० १, ६;

उज्जोवेइ प्रे० राय० १२०;

उज्जोवैति. भग० ७, १०; ८, ८; जं०
प० ७, १४१; ७, १३७,

उज्जोवेमाण. भग० २, ५; ३, १; २;

ओव० २२, उवा० २, ११२,

उज्जोएमाण जीवा० ३. ठा० ८ ओव०

उज्जोयंत सु० च० २, २; ३, १८६,
नाया० १;

✓ उद्-ज्जल. धा० I. (उत्+ज्वल्)
झलझल; झलझल करवे। झलकना;
चिलकना To shine; to sparkle.

उज्जलइ. भग० १६, १,

उज्जलंत राय० ८०;

उज्जलेइ. प्रे० भग० ७, १०; ११, ६;

उज्जलैति जं० प० २, ३३;

उज्जलेज्जा. दस० ४;

उज्जलेह आ० जं० प० २, ३३,

उज्जालावेज्जा. शि० दस० ४;

उज्जालेत्ता. सं० कृ० भग० ११, ६,

उज्जालिया. सं० कृ० दस० ५, १, ६३;

उज्जालित्तए हे० कृ० आया० १, ७,
३, २१०;

✓ उद्-झा धा० I, II. (उत्+घा) उभा
थपुं, उठपुं खड़े होना, उठना. To get
up; to stand

उट्टेइ-ति नाया० १; ५, ६, १६, भग०
१, १, ३, १; १५; १, राय० ७५;
उवा० ७, १६३;

उट्टेति. भग० ८, १;

उट्टमां सूय० २. ७, १५;

उट्टिहिति. भ० सू० च० ६, ५७;

उट्टिहिसि भ० पि० नि० भा० ३६;

उट्टित्ता. सं० कृ० उत्त० २, २१, भग० १,
१, नाया० १, ठा० ३, ३,

उट्टेत्ता नाया० १, १६, भग० ३, १, ६,
३३, १०, ४, १५, १,

उट्टिऊण. सं० कृ० सु० च० २, ५३,

उट्टाए सं० कृ० वव० ३, २, नाया०
१; ६; १६; १६; भग० १,

१, २, १, ३, १; ६, ३३, १५,

१, आया० १, ८, ६, २२१;

मय० १, १०, ७;

- उट्टंत व० कृ० पि० नि० १८६;
 उट्टित. व० कृ० प्रव० १५८,
 उट्टियमाण भक्त० ८५,
 उट्टावित्तण प्रे० हे० कृ० वव० ७, ६,
 ✓ उद्-दुह. धा० I (उत्+ष्टि) थुंङ्कुं
 युङ्गनी पियकारी नाभवी थूकना, थूक की
 पिचकारी डालना. To spit, to eject
 saliva from the mouth
 उट्टुहंति. भग० ३, १,
 उट्टुहिता भग० १५, १,
 ✓ उद्-डा धा० I (उत्+द्रा) पाश
 रथपु पाष-जाल-रचना. To make a
 net or a snare, to prepare a
 snare
 उड्डाह. १, ८,
 ✓ उद्-तर धा० I, II. (उत्+तृ) पार
 उतरपु, पार उतरीने साभे ङांठे जथु
 पार उतरना, पार होकर पहली पार
 जाना. To cross, to go to the
 opposite shore
 उत्तरइ नाया० १३,
 उत्तरेइ नाया० ६,
 उत्तरिंति. नाया० ४, १६, १७,
 उत्तरेह आ० नाया० १६,
 उत्तरह आ० नाया० १६,
 उत्तरित्ता. उत्त० ३२, १८, नाया० १३;
 उत्तरित्तण हे० कृ० ठा० ५, २; ओव० ४०,
 वेय० ४, २८, नाया० १६;
 उत्तरिउ-त्तु सु० च० १, १७३, ज० प०
 नाया० १६;
 उत्तरंत. व० कृ० सत्था० ५६,
 उत्तारेत्ता. प्रे० नाया० १७,
 उत्तारेमाण प्रे० व० कृ० ठा० ५,
 उत्तारेइ प्रे० नाया० २, १७,
 ✓ उद्-दाल. धा० II (उत्+दाल्)
 प्रहार भारवा प्रहार मारना To strike

blows (२) याभडी उतारवी. चमडी उता-
 रना to flay. (३) नीये पाडपु
 नीचे गिराना to throw down.

- उद्दालित्ता सं० कृ० सूय० २, २, १८,
 दसा० ६, ४;
 उद्दालेउं सं० कृ० मु० च० १४, ४५;
 ✓ उद्-दिस धा० I (उत्+दिश्)
 अभुङ्क अध्ययनपु पाठ कर ओवी रीते
 शिष्यने शुङ्गेना आदेश थेवे। गुरुका
 'अमुक अध्ययन का पाठ कर' इस
 प्रकार शिष्यको आदेश होना To order
 a disciple to study a parti-
 cular scriptural chapter
 उद्दिसइ निसी० ५, ६,
 उद्दिसामि विशेष० ३४१२, .
 उद्दिसित्तण वव० २, १४, ३, ३४, ७,
 ८, ठा० २, १,
 उद्दिसस सं० कृ० निसी० १४, ५, पन्न०
 १६, आया० २, २, २, ८५,
 उद्दिसिय सं० कृ० निसी० १४, ५,
 उद्देहु सं० कृ० विशेष० १४८६
 उद्दिसिजाति क० वा० भग० ४२, १,
 अणुजो० २,
 उद्दिसावित्ता प्रे० सं० कृ० वव० ३, १०,
 ११, वेय० ४ २१,
 ✓ उद्-हव धा० I, II (उत्+ह्व) उपद्रव
 करवे। भारपु उपद्रव करना, मारना. To
 attack, to beat, to trouble
 उद्दवण आया० १, १, २, १६,
 उद्दवति पन्न० ३६;
 उद्दवेह. १८, ८,
 उद्दवेहिति भग० १५, १;
 उद्दवेत्ता सूय० २, २, ६, भग० ८, ५;
 उद्दवित्तण ज० प०
 उद्दवेमाण भग० १८, ८,

उद्दविजमाण क० वा० व० कृ० सूय०
२, १, ४८; २, ४, ११;

✓ उद्-हा. धा० I. (उत्+द्रा) भरतु
मरना. To die.

उद्दाइ. भग० १, १० २, १, विवा० १;

उद्दायंति आया० १, १, ४, ३७,

उद्दाइत्ता सं० कृ० भग० २, १, १५, १,
ज० प० ६, १२४, ठा० १०,

उद्दाय. सं० कृ० भग० ५, २, जीवा० ३,

उद्दावेत्ता. प्रे० सं० कृ० राय० २८२,

✓ उद्-द्धंस धा० II (उत्+ध्वंस्)
वधेदी वधेदी निरस्कार करे। किसीकी
तुच्छता बतला बतला कर तिरस्कार
करना. To dispraise a person
and show contempt towards
him.

उद्धंसेइ भग० १५, १, नाया० १८;

उद्धंसेति नाया० १६;

उद्धंसेत्ता भग० १५, १,

उद्धंसित्तए हे० कृ० राय० २६६

✓ उद्-नम. धा० I (उत्+नम्) उभा थयं;
मस्तकं उभयुं उरुं खडे होना, मस्तक
ऊंचा करना To stand up; to
raise the head

उरणमंति राय० ८६;

उरणमिय सं० कृ० आया० २, १, ५, ३२;

✓ उद्-नि-क्खिव धा० I, II. (उत्+नि+
क्षिप्) उये भेय्नी लेवुं, उभेयुं उखाडना,
ऊपर खेच लेना. To root out, to
draw up, to pull out.

उन्निकिक्खस्तामि. सूय० २, १, ६;

✓ उद्-पज्ज धा० I. (उत्+पद्) उत्पन्न
थयु; पेदा थयुं उत्पन्न होना, पैदा होना.
To be born, to be produced

उप्पज्जइ उत्त० १७, २, विशेष० ७०, ४१४,

प्रव० १११५;

उप्पज्जए. सूय० १, १, १, १६;

उवज्जन्ति सूय० १, १, ३, १६;

उप्पज्जति नाया० १६, भग० ५, ६,

उप्पज्जन्तु पराह० १, २;

उप्पज्जिस्सति. भ० भग० ५, ६, नाया० १६;

उप्पज्जिस्सं. भ० सु० च० १, २२३०;

उप्पज्जिसु भू० नाया० १६, भग० ५, ६,

उप्पज्जित्ता सं० कृ० भग० ५, ६;

उप्पज्जमाण भग० ३४, १,

✓ उद्-ज्ज. धा० I (उत्+पद्+णिच्) उत्पन्न
करे, पेदा करे, उत्पन्न करना, पैदा करना.
To create, to produce.

उप्पायइ. भग० ८, ३;

उप्पाए-इ-ति. प्रे० नाया० ५; भग० १४,
८, निसी० ४, २२; ६, १०;

उप्पायेति ज० प० २, २४, भग० ११, १०;

उप्पाएज्जा विधि० भग० ५, ४,

उप्पाएत्ता. जीवा० १,

उप्पाएत्तए नाया० ४; भग० १५, १;

उप्पाइत्ता. ठा० ४, ७;

उप्पाइय क० प० २, २६,

उप्पायत्त व० कृ० निसी० ४, २२;

✓ उद्-पड धा० I. (उत्+पद्) उये उरुं
ऊंचा कूटना To jump (२) उये उरुं
ऊंचा उडना to jump high

उप्पयइ भग० ३, २, १५, १, नाया० ६,

उप्पयइ भग० ३, २, १५, १, नाया० ६;

उप्पयन्ति जीवा० ३, भग० ३, १, राय०

१८३, ज० प० ५, १२१,

उप्पयज्जा वि० भग० ३, ५; १३, ६;

उप्पयाहि आ० सूय० २, १, १०;

उप्पइत्ता सं० कृ० पन्न० २; नाया० १; ६;

६; भग० ३, २; ६, ५, ज० प०

१, १२,

उप्पइउ म० कृ० सु० च० २, ३११,

उप्पयन्त व० कृ० आया० २, १५, १७६;

कप्प० ५, ६६,

उप्पयमाण व० कृ० नाया० १, ६, कप्प० २, २६,

उप्पाडन्ति प्रे० ओव० ११, सु० च० २, ५६६,

उप्पाडे (डिं) ति प्रे० कप्प० ५, ११५,

उप्पाडेज्जा वि० ठा० २, १, भग० ६, ३१; पन्न० २०,

उप्पाडेत्ता स० कृ० पन्न० २८,

✓ उद्-पिल धा० I. (उत्+प्लु+णि) उप
अवु उठवाना. To cause to lift
up

उप्पिलावेइ प्रे० निसी० १८, ६;

उप्पिलावण " वियडेणुप्पिलावण " दस० ६, ६२,

✓ उद्-पाड वा० II (उत्+पट्+णि)
उपाडुं उठाना उठालेना To take up,
to lift up

उप्पाडेइ नाया० ५, भग० १५, १, १६, ३,

उप्पाडे आ० पण्ह० १, १,

उप्पाडेत्ता स० कृ० नाया० ५, भग० १५, १,

उप्पाडिउ हे० कृ० सु० च० २, ६६५,

उप्पाडेमाण भग० १६, ६,

✓ उद्-फण वा० I (उत्+फण्) उँ-
णु उफनना To whisk

उप्फणिसु आया० २, १, ६, ३४

✓ उद्-फिड वा० I (उत्+स्फुट्) फे-
डानी आले आणु, दुँडा मारवा मँडक
की चालसे चलना, उछल कर चलना To
bound or leap, to move bound-
ing like a flog.

उप्फिडइ उन्न० २७, ५,

उप्फिडित्ता नाया० ८, पन्न० १६,

उप्फिडिउ स० कृ० सु० च० ५, १०६,

✓ उद्-वाह धा० I. (उत्+वाह्) प्रथल
पीडा डरपी प्रबल पीडा करना To
give great trouble, to cause
intense affliction

उव्वाहति आया० १, ७, ३, २१०,

उव्वाहिज्जा विवि० दसा० ७, १,

उव्वोहे वि० दस० ७, १०

उव्वाहित्था भू० नाया० २,

उव्वाहिज्जमाण क० वा० व० कृ० नाया० २ आया० १, ६, ४, १५६,

✓ उद्-भम वा० II (उत्+भ्रम्) भट्ठवुं,
भमवु. भटकना To wander, to
loam

उव्वमति नाया० १७,

उव्वमे विधि० आया० १, ८, ७, १०,

✓ उद्-भिन्द वा० I (उत्+भिद्)
उधाडु, तोडु खोलना, तोडना To
open, to break open, to break
उडिभदइ. नाया० ७,

उडिभदित्ता स० कृ० नाया० ७,

उडिभदिय स० कृ० निसी० १७, २३,
दस० ५, १, ४६,

उडिभदमाण. आया० २, १, ७, ३८,

✓ उद्-मा वा० I (उत्+मा) उभात
डरवु, तोडवु तोलना, मापना To
weigh, to measure

उम्मिणिज्जइ क० वा० अणुजो० १३३,

✓ उद्-मिस वा० I (उत्+मिप्) आप
उधाडपी आख खोलना To open the
eyes

उम्मिसेज्जा वि० भग० १४, १, १०,

✓ उद्-मुंच धा० I, II (उत्+मुच्)
छेडु, तणु मुडु छोडना, त्यागना
To abandon, to release, to
give up

उम्मयइ भग० ६, ३३ ११, १, १६, ५

उम्मुच. आ० आया० १, ३, २, १११;

उम्मुइत्ता नाया० ध० क० भग० ६, ३३;
१५, १, १६, ५;

✓उद्-मूल धा० II. (उत्+मूल्) जड-
मलमाथी उभडेयुं. जड मूल से उखाड़ना.
To root out, to eradicate.

उम्मूलेइ. भग० १६, ६,

उम्मूलेमाण भग० १६, ६;

✓उद्-लंघ धा० I (उत्+लघ्) ओलंघयुं;
इंघुं उल्लंघना, कूदना To cross; to
leap across

उल्लघिज्ज. वि० पञ्च० ३६,

उल्लघिआ स० कृ० दम० ५, १, २२;

उल्लंघित्तए. हे० कृ० भग० ३, ४, १४, ५;

✓उद्-लंछ्छ धा० I (उत्+लञ्छ्) ओलघु,
उघाड़ना, शीघ्र तोड़ना खोलना,
उघाड़ना; मोहर तोड़ना To open; to
uncover, to break the seal.

उल्लंछइ नाया० २,

उल्लंछित्ता. नाया० २;

✓उद्-लल धा० I. (उत्+लल्) उल-
लघु, उल्ललना To toss, to throw
up.

उल्लालेइ प्रे० जं० प० ५, ११५;

उल्लालेमाण प्रे० जं० प० ५, ११५;

अंत० ६, ३; राय० ३७,

✓उद्-लव धा० I, II (उत्+लव्) प्रलाप
करना; गमेतेम ओलघुं, असंयध्य ओलघु;
प्रलाप करना, असंबद्ध बोलना; मर्यादा
रहित बोलना To prattle, to
speak irrelevantly.

उल्लवइ. उत्त० ११, २,

उल्लवन्ति. गच्छा० ६२;

उल्लवह. आ० सु० च० २, ४४४;

✓उद्-लिंच धा० I () उलेयुं.
उलीचना To empty a vessel etc.
of the water contained in it, to
take out water in small quan-
tities until a vessel is empty

उल्लिंचइ पि० नि० ३६६;

✓उद्-लोल धा० II. (उत्+लोल्) लुंलुयु,
उ-मर्दन करुं पोछना, मलना
To wipe; to rub, to knead

उल्लोलेइ आया० २, १५, १७६,

उल्लोलेज्ज वि० निसी० ३, १६,

उल्लोलेज्जं. आया० २, १, ३, १७२,

✓उद्-वत्त धा० I, II (उत्+वृत्) उ-
र्तन करुं, अवली रूपाडीये मर्दन
करुं उलटे रुए की ओरसे मर्दन करना To
rub the body against the grain
(२) अध्यवसाय विशेषथी कर्मनी दुष्टी
स्थितीने लांभी करुं अध्यवसाय विशेषसे
कर्मकी अल्प स्थिति को लंबी करना to
lengthen the duration of
Karma by means of sinful
meditation. (३) नरकादि गतिमाथी
निकली भीष्म गतिमा जनु नरकादि गति
से निकलकर अन्य गति में जाना to take
birth in another life after finish-
ing the life-period in hell

उव्वत्तेइ. नाया० २; प्रव० १५८,

उव्वट्टेइ निसी० १, ६, नाया० ४;

उव्वट्टेति.

उव्वट्टंति भग० १, १; १३, १; २०,

१०; ३२, १;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

- उद्वत्तन्ति प्रव० ६३८;
 उद्वट्टेज्. निसी० ३, १६;
 उद्वट्टिस्सन्ति भग० १, १,
 उद्वट्टिसु भू० भग० १, १;
 उद्वट्टित्ता स० कृ० ठा० ३, १, नाया०
 २; १६, १६, उत्त० ८, १५,
 भग० ७, ९; ११, १; १२, ६, १५,
 १, १६, ३, ३२, १, नाया०
 ध० विवा० १, ७,
 उद्वट्टेत्ता. स० कृ० जीवा० १;
 उद्वत्तत्ते. व० कृ० पि० नि० ५७६,
 उद्वट्टन्त व० कृ० निसी० १, १६, प्रव०
 ११८७,
 उद्वट्टमाण व० कृ० भग० १, ७,
 उद्वत्तमाण व० कृ० आया० २, १, ६, ३५,
 उद्वट्टावेइ प्रे० विवा० ६,
 उद्वत्तिज्जमाण क० वा० व० कृ० नाया० ३,
 ✓ उद्-वम धा० I. (उत्+वम्) उद्वटी
 डरपी उलटी करना, कै करना To vomit.
 उद्वमइ सु० च० २, ५३६,
 ✓ उद्-वल धा० I. (उत्+वल्) उद्वटी
 रूवाडीये पीडी योणयी ते. उलटे हँकी
 ओरसे पीठी मसलना To rub a per-
 fumed ointment on the body
 against the grain
 उद्वलिज्जा विवि० आया० २, ११३, १७२,
 उद्वलमाण क० प० ७, ४०,
 ✓ उद्-वह धा० I, II (उत्+वह्)
 निर्वाह डरवे, आयाह थयु निर्वाह करना,
 खुश हाल होना, आवाद हं ना To sus-
 tain, to support, to prosper
 उद्वहइ सम० ३०, दसा० ६, १३, सु०
 च० १, ३०,
 उद्वहँति जं० प० ५, ११४,
 उद्वहत सु० च० १, १८३,
 ✓ उद्-वेढ धा० II (उत्+वेप्) वीटा-

णयु. लपेटना The act of enclosing
 or enwrapping.

उद्वेढिज्ज. आया० २, ३, २, १२१;

✓ उद्-विवह धा० I. (उत्+विध्) लक्ष-
 ण्ये उये डेडुं ध्यान पूर्वक ऊंचा फेकना.
 To throw up or toss up care-
 fully.

उद्विवहइ-ति नाया० ६, भग० ५, ६
 १८, ३, उवा० २, १०५,

उद्विवहति भग० १६, १,

उद्विवहामि नाया० ८, उवा० २, १०१,

उद्विवहित्ता स० कृ० भग० १८, ३,

उद्विवहिय स० कृ० पन्न० १६; भग०
 १३, ६,

उद्विवहमाण भग० १५, १,

✓ उद्-सक्क धा० I, II (उत्+प्वक्)
 आगल वधयुं आगे बढना To proceed,
 (२) उयु डरयु. ऊचा करना to
 elevate

उस्सक्कइ पन्न० १७,

उस्सक्कित्ता स० कृ० ठा० ६, १,

उस्सक्किया स० कृ० दस० ५, १, ६३;

✓ उद्-सप्प धा० I (उत्+सृप्) वृद्धि
 पाभयी वृद्धि पाना, बढना To grow,
 to prosper.

उस्सप्पन्ति वेय० १, ४६;

✓ उद्-सव. वा० I, II (उत्+सु) उयुं
 डेडु, उयडु, उये डरयु; ऊचा फेकना
 उचकना, ऊचा करना. To lift up,
 to toss up

ऊसवेइ भग० ३, २;

ऊस्सवेइ कप्प० ६,

ऊमवेह. भग० ११, ११,

ऊसवेत्ता. स० कृ० भग० ३, २, ११, ११,

ऊसविय स० कृ० सूय० २, २, ८,

उस्सवित्ता दस० ५, १, ६७,

✓ उद्-सिच. धा० II (उत् + सिच्)
 उलेययुं, पाणी अहाउं उलेचना,
 पानी बाहर निकालना To draw out
 water, to take out water.

उस्सिचइ निसी० १८, ८;

उस्सिचजा. भग० ३, ३;

उस्सिचिया. दस० ५, १, ६७,

उस्सिचमाण आया० २, १, ६, ३६,

✓ उद्-हसस धा० I (उत् + हस्) श्वास
 लेवे। श्वास लेना. To breathe, to
 take breath.

उससति पन्न० ७, भग० ६, ३४;

उससमाण. भग० ६, ३४,

✓ उद्-हर. धा० I, II. (उत् + हृ) छोड़युं,
 छोड़युं निकालना, उखाड़ना. To abandon;
 to take out, to uproot.

उद्धरोसि. नाया० १,

उद्धरिमो गच्छा० १,

उद्धरे विवि० सूय० १, ८, १३;

उद्धरितं पचा० १६,

उद्धरित्ता उत्त० २३, ४६,

उद्धरत चउ० १६,

उद्. पु० (उद्) सिंध देशभाथनी उद्वा जल-
 नी भाउदीना यामडीनी अनावटनु, वस्त्र
 सिंध देश में होने वाली उद्वा जाति की
 मछली के चमड़े की वनावट का वस्त्र A
 cloth made of the skin of a
 kind of fish produced in Sindh
 आया० २, ५, १, १४५,

उद्दंडक पुं० (उद्दण्डक) अंग्रेजी दण्ड डरी
 य ले ते, तापसनी अंग्रेजी जल दंड को ऊंचा
 करके चलने वाला, तापसियों की एक जाति.
 One of a class of ascetics
 walking with a stick raised up
 आ० ३८:

उद्दंडग. पु० (उद्दण्डक) अंग्रेजी “ उद्दंडक ”
 शब्द देखो “ उद्दंडक ” शब्द Vide

“ उद्दंडक ” निर० ३, ३; भग० ११, ६;

उद्दंडपुर पुं० (उद्दण्डपुर) उद्दंडपुर नामक
 अंग्रेजी नगर. उद्दंडपुर नामक एक नगर.

Name of a city. भग० १५, १;

उद्दंस पु० (उद्दंस) उद्दंस, अंग्रेजी जलने
 तेलेदार छत्र दीमक, एक प्रकार का तेलेदार
 जीव. A kind of three-sensed
 living being, a moth (२) भाउ
 खटमल a bug. “ कथुपिपिलि उद्दमा ”

उत्त० ३६, १३६; कप्प० ६, ४६, — अंड

पुं० (— अण्ड) भधभाथ अथवा भाउनु
 छत्र. मधुमक्खी या खटमल का अंडा an
 egg of a bee or a bug कप्प० ६,
 ४५,

उद्दंसगा स्त्री० (उद्दंसका) अंग्रेजी “ उद्दंस ”
 शब्द देखो “ उद्दंस ” शब्द. Vide
 “ उद्दंस. ” पन्न० १,

उद्दह. पु० (उद्दह) रत्नप्रभा पृथ्वीना
 सीमन्तकप्रभ नामे पूर्व तरङ्गा आवलीका-
 अंध नरकावासार्थी २० भा नरकावासार्थी
 नाम रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ नामक
 पूर्व की ओर के आवलिकावन्ध नरकावास से
 २० वें नरकावास का नाम Name of
 the 20th hell-abode in a
 series of such in the east
 (styled Sīmantaka Prabha)
 belonging to the Ratna-Pi-
 bhā earth ग० ५; ६, १;

उद्द्वमज्झिम पुं० (उद्द्वमज्झिम) रत्न-
 प्रभा पृथ्वीना सीमन्तकप्रभ नामे उत्तर
 आवलीकाअंध नरकावासार्थी २० भा नरका-
 वासानु नाम रत्नप्रभा पृथ्वी के सीमन्तकप्रभ
 नामक आवलिकावन्ध नरकावास से २० वें
 नरकावास का नाम Name of the

20th hell-abode in the northern series of such (styled Simantaka Piabha) belonging to the Ratna-Piabhā earth
ठा० ६, १,

उद्वावत्त पु० (उद्गधावत्त) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तक आवर्त नामे पश्चिम आवलिङ्गान्ध नरकावासाथी २० भो नरकावासे। रत्नप्रभा पृथ्वीके सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम की ओर के आवलिकावन्ध नरकावास से २० वे नरकावास का नाम The 20th hell-abode in a series of such (styled Simantaka Āvarta) in the west belonging to Ratna-Piabhā earth
ठा० ६, १,

उद्वावासट्ट पु० (उद्गधावशिष्ट) रत्नप्रभा पृथ्वीना सीमन्तकावर्त नामे पश्चिम आवलिङ्गान्ध नरकावासाथी २० भो नरकावासे। रत्नप्रभा पृथ्वीके सीमन्तकावर्त नामक पश्चिम की ओर के आवलिकावन्ध नरकावास से २० व नरकावास का नाम The 20th hell-abode in a series of such in the west (styled Simantaka Āvarta) belonging to Ratna-Piabhā earth. ठा० ६, १,

उद्गरिय त्रि० (उद्गस) कर्मरूपी शत्रुने शतवाने भगरु थयेन कर्मरूपी शत्रु को जग्तने के लिये आभमान करने वाला (One) proud to conquer the enemy in the form of Karma नदी० १४,

उद्दवण न० (उपद्रवण) मारवु, घात डःवी, उपद्रव, मरणात् कष्ट मारना, घात करना, उपद्रव, मरणात् कष्ट. Beating, killing, trouble, life-long misery

“ उद्दवणं पुण जाणसु अद्दवाय विवज्जिय पीड ” पि० नि० ६७, ओव० २०, जं० प० परह० १, १,

उद्दवणा स्त्री० (उपद्रवणा=उपद्रवण) उपद्रव डरेवे ते उपद्रव करना Giving trouble or annoyance to परह० १, १,

उद्दवित्ता त्रि० (उपद्रावित्) उपद्रव डरेनार, दुःख आपनार उपद्रव करने वाला, दुःख देने वाला (One) who troubles or annoys, (one) who beats or kills आया० १, २, १, ६६,

उद्दविय त्रि० (उपद्रुत) डरावेला, डरेग पाभेड उद्देग पाया हुआ, डराया हुआ. Frightened, troubled, distracted आव० ४, ३,

उद्दविया स्त्री० (उपद्रविका) भरडी रोग, बीमारी Plague भग० १६, ३,

उद्दवेयव्व त्रि० (उपद्रावयितव्य) उपद्रव डरेवा योग्य, घात डरेवा योग्य उपद्रव करने योग्य, घात करने योग्य (One) deserving to be troubled, beaten or destroyed. “ अद्दण उद्दवेयव्वा अणे उद्दवेयव्वा ” सूय० २, १, ४८, आया० १, ४, १, १२६,

उद्दहक पु० (उद्दाहक) अटपी वगेरेने। दह डरेनार बन वगैरह को जलाने वाला One setting fire to, one causing forest conflagration etc परह० १, ३,

उद्दाइ. अ० (उद्ताहो) अथवा अथवा, या Or, an alternative conjunction. नाया० १,

उद्दाम त्रि० (उद्दाम) उद्धत. २१२७-दी, उद्धत, स्वच्छद Insolent, self-willed म्ह० १, ३ अणुजो० २१

उद्दामियघंट. त्रि० (उद्दामितघंट) घंटायी
युक्त घटासै युक्त Furnished with,
united with a bell विचा० २,
उद्दाल. पु० (अवदाल) ओ नामनुं ओड
जलनुं आड. इस नाम का एक जाति का
काष्ठ Name of a kind of tree.
ज० प० भग० ६, ७, (२) रेती वगैरेने।
पौयो-दिले थर डे जेना उपर पग मुकतां
पग नीये जय ते रेती वगैरह का ढाला
थर जिसपर कि पैर रखने से पैर घुस जाय
a soft heap or layer of sand
etc which gives way as soon
as it is trodden by foot राय०
१६२, नाया० १, भग० ११, ११,
जीवा० ३, ४, काप० ३, ३२;

उद्दालक पु० (उद्दालक) ओड जलनुं वृक्ष
एक जाति का वृक्ष A kind of tree
जीवा० ३, ३,

उद्दावण्या. स्त्री० (उद्दावण्या) उद्दाव डरेवे,
त्रास आपवे उपद्रव करना, त्रास देना
Harassing troubling; terrify-
ing भग० ३, ३, ६,

उद्दाह पु० (उद्दाह) भोटे दाड वडा भारी
दाह Great conflagration ठा० १०,

उद्दिष्ट त्रि० (उद्दिष्ट) सामान्यपणु उद्देश
डरेव-डडेव, प्रतिपादन डरेव सामान्य
रीति से कहा हुआ प्रतिपादन किया हुआ
Generally pointed out; ex-
plained. वेय० ४, २८, विशेष० १७६,
निसी० ६, २०; पचा० १०, ३, प्रव०
१५६६, (२) साधुने उद्देशी जनावेव
आहारदि, साधु के उद्देश से बनाया हुआ
आहार वगैरह (food etc.) spe-
cially prepared for an ascetic
पण० २, ५; पि० नि० २०८, (३)
अभावस्था अभाव, अभावस्था. the

15th day of the dark-half of
a month दसा० ६, २; भग० २, ५;
३, ३, नाया० २; —कड त्रि० न०
(-कृत) साधु आदिने उद्देशीने डरेव.
साधु आदि के उद्देश से किया हुआ.
(food etc) specially prepared
for a monk. “ उद्दिष्टकडभक्त विवज्जति
किमुपसे समारंभे ” पंचा० १०, ३१
—कय. त्रि० (-कृत) उद्देशीने डरेव.
उद्देशकर किया हुआ prepared spe-
cially for. प्रव० १००५ —भक्त पु०
(-भक्त) साधुने उद्देशीने जनावेव भोजन
साधु के उद्देश से बनाया हुआ भोजन
food prepared specially for
an ascetic सूय० २, ६, ३७; दसा०
६, २; —भक्तपरिणामय त्रि०
(-भक्तपरिणामय) दशमी पडिमा आदर
नार आवड डे जे दस मास सुधी उद्दिष्ट
भक्त पान ओटले भोताने उद्देशी डरेव
भात पाणीने त्याग डरे दसवीं
प्रतिमा ग्रहण करनेवाला श्रावक जो कि दस
मास तक अपने लिये बनाये हुए भोजन
वगैरह ग्रहण न करने का प्रतिज्ञा करता
है (a Jaina layman) practis-
ing the 10th vow of a Śrāvaka
i.e. not taking food and water
specially meant for him सम० ११,
उद्दिष्टा स्त्री० (उद्दिष्टा) अभावस्था, अभाव
अभावस, अभावस्था The 15th day
of the dark-half of a month.
राय० २१५, जीवा० ३, ४; नाया० ६,
उद्देश पु० (उद्देश) सामान्य आदेश;
सामान्य इथन सामान्य आदेश, सामान्य
कथन General mention, (२)
भोच, शिष्याभणु शिक्षा, उपदेश advice;
expostulation अणुजो० २; आया०

१, २, ३, ८१, भग० २, २, ५, पंचा०
५, ३१, (३) क्षेत्र काल विभाग क्षेत्र
काल का एक विभाग a division
of space or time वेय० ३, १५,
(४) अभ्ययन के शतकनो ओके पेदा
विभाग अध्याय अथवा शतक का एक उप
विभाग a sub-division of a
chapter or of a Sataka उत्त०
३१, १७, विशेष० ६७५,

उद्देश-य पु० (उद्देशक) अभ्ययन के
शतकनो ओके विभाग अध्याय अथवा शतक
का एक विभाग A sub-division of
or a portion of a chapter or
of a Sataka भग० ३, ८, ७, ८; ६,
३, निसी० ६, १२,

उद्देशग पु० (उद्देशक) जुओ उपलो शब्द
देखो ऊपर का शब्द Vide above
अणुजो० १४६, भग० २१, ४, २३, ५,
३१, ६,

उद्देशण न० (उद्देशन) अंगसूत्र आदिनु
पढ़न करतु ते अंगसूत्र आदिका पठन करना
The study of Anga Sūtra, etc
ठा० ३, आव० ४, ७, —अन्तेवासि त्रि०
(-अन्तेवासिन्) जेने सूत्र भूषपाडे लख-
वनामा आव्या होय ते शिष्य जिसे मूल
सूत्र पढाये गये हों वह शिष्य a dis-
ciple who is instructed in the
original texts of the Sūtras
ठा० ४, ३, वव० १०, १५, —आचार्य पु०
(-आचार्य) आचार्यादि सूत्र, भूष पाडे
लखवनार आचाराग आदि सूत्रों का मूल
पाठ पढाने वाला one who teaches
Anga and other Sūtras in the
original वव० १०, १३, १४, ठा०
४, ३, —काल पु० (-काल) वर्ग
अभ्ययन के शतकनो ओके विभाग, उद्देशे

वर्ग, अध्याय अथवा शतक का एक विभाग,
उद्देश a sub-division or a por-
tion of a section, a chapter or
a Sataka. नंदी० ४५; सम० ३७,
परह० २, ५, सम० प० १६६;

उद्देशिय न० (उद्देशिक) ओके साधुने
उद्देशी बनावेन आहारादि पीज्योने पणु
न पपे ओवे पढेला अने छेला तीर्थकरना
साधुओने ३८५ एक साधु को उद्देश कर
बनाया हुआ आहारादि दूसरे साधु को नहीं
खपता-चलता ऐसा प्रथम और अन्तिम
तीर्थकर के साधुओं का व्यवहार-आचार
The tenet of the Sādhus
of the first and the last
Tirthankaras that the food
specially prepared for one
Sādhu is not acceptable even
to other Sādhus प्रव० ६५६, (२)
अमुक साधुने उद्देशीने निपज्येनु आहार
पाणी, उद्देश होय वाहुं व्यक्तिगत साधु
के लिये किया हुआ अन्न जल, उद्देश दोष
युक्त (food, water etc) spe-
cially prepared for a parti-
cular Sādhu सम० २१, वेय० २,
१९, दस० ३, २, ६, ४६, पि० नि० ६२,
२२६, भग० ६, २३, निसी० ५, ६३,
ओव० ४०, प्रव० ५७१, नाया० १, उत्त०
२०, ४७,

उद्देहगण पु० (उद्देहगण) ओ नामने
महावीर स्वामीने ओके गण, नव गणुमाने
ओके महावीर स्वामी के एक गण का नाम,
नौ गणों में का एक गण. Name of an
order of saints instituted by
Mahāvīra Svāmī, one of the
nine such orders “उद्देहगण चारण
गण” ठा० ६, १, रूप० =

उद्देहिआ-या स्त्री० (उद्देहिका) उद्देहि, त्रय
इन्द्रियों वाला एक जीव विशेष A moth,
a kind of three-sensed living
being पञ्च० १, उत्त० ३६, १३६; ओष०
नि० ३२६,

उद्देहिगा स्त्री० (उद्देहिका) उद्देहि दीमक
A moth पि० नि० भा० ४८;

उद्ध त्रि० (ऊर्ध्व) उच्च ऊचा High,
lofty, tall भग० १, १, ६; २, ६, ७,
१ सू० प० ४, जं० प० ५, ११३, २,
३१, ७, १३६; —घणभवण न०
(-घनभवन) उंचा अने आतरा वगरना
जोड़जोड़ रहेवा घर अंतर रहित-परस्पर
में मिले हुए ऊचे घर lofty houses
close to each other with-
out any interval of space.
भग० ६, ३३; —चलणवंध पु० (-चरण
बन्ध) उंचे पग आधवा रूप शरीर ६५३.
पैरों का ऊपर करके बांध देने रूप शरीर
दण्ड a bodily austerity con-
sisting in remaining with the
head downwards and with the
feet tied to something above
परह० १, ३; —द्विअ त्रि० (-स्थित)
ऊपर ओरें ऊपर बैठा हुआ. remain-
ing, sitting above सु० च० ३, ३०;
—पूरित-य त्रि० (-पूरित) उर्ध्व भाग,
नाभिनी ऊपरतो आसयी लड़ेला भाग
ऊर्ध्व भाग; नाभि से ऊपर का श्वाभ से भरा
हुआ भाग the part above the
navel which is filled with air
in respiration परह० १, ३; —मुह
न० (-मुख) उंचु मोटु. ऊचा मुंह
face turned upwards- नाया० ८;
जं० प० ७, १६२, —रेणु. स्त्री० (-रेणु)

लुओ “उद्ध-रेणु” शब्द देखो “उद्ध-रेणु”
शब्द vide “उद्ध-रेणु” जं० प० २, १६,
उद्धंसणा स्त्री० (-उद्धंसना) तिरस्कारी
वचन तिरस्कार युक्त वचन Contemp-
tuous words. “ उच्चानयार्हि उद्धं-
सणार्हि उद्धमेइ ” नाया० १६; भग० १५,
१, राय० २६६, (२) निन्दा. निन्दा;
बुराई blame; censure ओष० नि०
भा० ३८,

उद्धट्टु स० कृ० अ० (उद्धृत्य) उंचुं डरीने.
उचा करके. Having raised aloft
“ पादुद्धट्टु मुद्धि पहाण ति ” सूय० १, ४;
२, २; दसा० ६, २; वव० २, २७,

उद्धडा स्त्री० (उद्धृता) गृहस्थे पोताना
भाटे राधवाना वासलुभाथी भीम वासलु-
भां डाड्यु होय ते शिक्षा लेवी ते त्रीश
पिण्डैपणा. गृहस्थने अपने लिये, स्मोई
वनाने के वर्तनम से दूसरे वर्तन में निकाल
कर जो अन्न रखा हो उसकी भिक्षा लेना;
तीसरी पिण्डैपणा Begging of that
food only which a householder
has saved for himself, in a
dish from the cooking vessel;
the third way of receiving or
begging food viz Pindaisanā
प्रव० ७४६,

उद्धत त्रि० (उद्धत) उंचु; उल्लट. ऊचा,
उल्लट, तीव्र High. lofty, strong
नाया० १, जं० प० २, ३०; (२) उद्धत.
स्वेच्छाचारी उद्धतः स्वेच्छाचारी inso-
lent; wanton; self-willed कण०
७, ३६; —तमघकार पु० (-तमोन्धकार)
अतिशय गाढ़ अन्धार् अतिशय अन्धकार-
dense darkness परह० १, ३,

उद्धत्त न० कृ० अ० (उद्धृत्य) उंची डरीने.

ऊँचा करके Having raised aloft.
सूय० १, ४, १, ३,

उद्धर्तुं अ० (उद्धर्तुम्) तारवाने, उध्वार
उठवाने उद्धार करने के लिये; तारने के
लिये In order to save, in
order to raise up. उक्त० २५, ३३,
उद्धमत त्रि० (उद्धमायमान) धमते,
शष्पादि पुं० शखादि फूकता हुआ, धौंकता
हुआ Blowing, e g a conch
etc “ उद्धमताण सखाण सिंगाण ”
राय० ८८,

उद्धमाण न० (उद्धमान) शष्प आदि
वशात् शखादि को मुँह से बजाता हुआ
Sounding or blowing of a
conch etc by the mouth
राय० ८८,

उद्धम्ममाण त्रि० (उद्धन्ममान-उत्पाद्य-
मान) उत्पाद्यमान, उत्पन्न भूतो उत्पन्न
होता हुआ Being produced,
being created “ वाउवेग उद्धम्म-
माणआसा पिवास पाया ’ परह० १, ३,

उद्धया स्त्री० (उद्धता) देवतानी गति विशेष
दवों की गति विशेष A particular
kind of gait possessed by
gods राय० २६, भग० ५, ४, ११,
१०,

उद्धरण न० (उद्धरण) भेंथी डालेनु, थलार
डालेनु खेंचकर निकालना, बाहिर निकालना
To draw out, to uproot ओष०
नि० ७६२, प्रव० ७६८,

उद्धरिय त्रि० (उद्धृत) उभेडेन, भूथी
डाढी नाभेन उखाडा हुआ, जडसे निकाल
डाला हुआ Rooted out, eradica-
ted “ फलेड त्रिसभक्खिणं साओ उद्ध-
रिया कह ” उक्त० २३, ४५, प्रव० २०७,
७४८, (२) धारण उठेन वारण किया

हुआ. put on दसा० १०, ३, क०
गं० ४, ७८, —सल्ल त्रि० (-शल्य)
नेले शल्य डाढी नाभेन छे ते जिसने
शल्य निकाल डाला है वह (one) who
has rooted out the feeling of
enmity. नाया० १, —सेय-छत्त न०
(-श्वेतछत्र) धर्यु छे नेना उपर धोनु
छत्र ते जिस के ऊपर श्वेतछत्र लगा हुआ है
वह one with a white umbrellia
held upon दसा० १०, ३,

उद्धाडय त्रि० (उद्धावित) दोडी आवेन
उतावथी आवेन दौड़कर आया हुआ,
शीघ्रतासे आया हुआ. (One) that
has come in haste, come
running उक्त० १२, १६,

उद्धायमाण त्रि० (उद्धावत्) दोडु, दुंनु
दौडता हुआ, कूदता हुआ Running,
leaping ओव० २१, नाया० १,

उद्धायमाणग त्रि० (उद्धावत्+क) जुओ
उपथो शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide
above परह० १, २,

उद्धार पु० (उद्धार) गोशालाना मतने
अनुसार दलप्रमाणविशेष गोशाला के
मत के अनुसार कालप्रमाण विशेष A
particular measure of time
according to the tenet of
Gosālāṭṭh भग० १५, १, क० ग० २, २७,
—पल्लिओवम पु० (-पल्लयोपम) दल
प्रमाण विशेष ओड सागरोपमते दल
दोडोडोडो लाग कालप्रमाण विशेष, एक
सागरोपमका दस कोटाकोडिवाँ हिस्सा
a particular measure of time;

1
10xci0xci0xci0e of one Sā-
gga0pama “ मे किंत उद्धार पल्लिओवमे
’ दुविहे पन्नते ” अणुजो० १३६. —पल्ल.

न० (-पल्य) ओ३ ओ३नना दुयामां हांसीने
 लरेव आलाग्रमाथी समये समये ओ३३
 आलाग्र अपहरतां नेटला वपतमा दुवो
 आदी थाय तेटलो वपत एक योजन के
 कुएमे ठांस ठास कर भरे हुए वालग्र मे से
 समय समयमें एक एक वालग्र निकालनेपर
 जितने काल मे कुआ खाली हो उतना काल
 a well one 'Yojana' i e 8
 miles square is to be filled with
 thin points of hau and at every
 Samaya (1 e. unit of time) one
 hair-point is to be taken out;
 the time taken to empty the
 the well is Uddhārapalya प्रव०
 १०३५; —पल्लग. न० (पल्यक) ओ३ओ
 “ उद्धारपल्ल ” श०६ देखो “उद्धारपल्ल”
 शब्द. vide “ उद्धारपल्ल ” प्रव० १०३८,
 —समय पुं० (-समय) अही सागरो-
 पमना समयतो समुद्र; अही सागरोपममां
 नेटला समय थाय तेटला समयना
 नथ्यानी उद्धार सत्ता छे, उद्धार समय
 नेटला त्रि० लोडना द्वीप अने समुद्र
 छे अडाई सागरोपम काल प्रमाण में
 जितने समय है उन समयों के समूह का
 नाम ‘ उद्धार ’ है, उद्धार मे जितने समय
 हैं उतने ही त्रिच्छालोक के द्वीप और समुद्र
 हैं. the number of Samayas
 (time units) contained in
 2½ Sāgaropamas; the number
 of continents and oceans of
 Trichhā Loka is equal to the
 number of Samayas in 2½
 Sāgaropamas (Samaya = an
 instant) भग० ६, ६, अणुजो० १३६,
 —सागरोचय पुं० (-सागरोपम-उद्धार
 विषयंतत्त्वधान म सागरोपम उद्धारसागरो-

पमः) दश द्रोडाद्रोडि पल्योपम प्रमाण दश
 विशेष. दश कोडाकोडी पल्योपम प्रमाण
 काल विशेष. a division of time
 equal to 10xerorexerore Palyo-
 pama ठा० १; अणुजो० १३६;
 उद्धि. स्त्री० (उद्धि) गाडानी उध गाडी
 की जुडी A particular part of a
 carriage (the part which rests
 on the axles). सू० प० १०;-
 उद्धिय त्रि० (उद्धृत) उभेडी नाभेव, देश
 अहार डरेव उखाडा हुआ; देश बाहिर
 किया हुआ Rooted out; banished
 from the country ओव० महा० प०
 ३५, जं० प० ३, ६६, —कंटय त्रि०
 (-कण्टक—उत्तधृता स्वदेशत्यागेन जीवित-
 त्याजेनेन वा कण्टका यत्र तदुद्धृत कण्टकम्)
 देश ओहर डरेव छे प्रतिस्पर्धी नेणे
 ते जिसने प्रतिस्पर्धी को देश बाहिर
 किया है वह (one) who has
 banished or deported his
 enemies राय० ओव० —पय न०
 (-पद) उद्धार डरेव पद-श०६ उद्धार किया
 हुआ पद-शब्द an extracted or
 quoted-word. प्रव० ८६५; —मुह
 त्रि० (-मुख) उयुं डरेव छे मोहु नेणे
 जिसने ऊचा मुख किया है वह. (one)
 who has raised his face up-
 wards च० प० ४; —सत्तु पुं०
 (-शत्रु—उद्धृता शत्रवस्तदुद्धृतशत्रु)
 देश निशत्र डरेव गोत्रज वैरी. देशमे निकाला
 हुआ गोत्रज शत्रु an enemy who
 has been banished or deport-
 ed ओव० राय०

उद्धी. स्त्री. (उद्धी) ओ पगना आगवा
 दृष्टा प.से पासे राप्पी पेनीने विस्तारी
 पडोवरी राप्पी डाउयज्ज डरेवो ते डाउ-

सङ्गना १८ दोशमानो ओड. कायोत्सर्गके १६ दोषोंमें का १ दोष जिसमें दोनों पैर के पंजों को पाम पास रख और एङीयों को विस्तृत रख कायोत्सर्ग किया जावे Practising Kāusagga by keeping the two toes nearer together and keeping the heels far apart, one of the 19 faults connected with Kāusagga प्रव० २५७.

उद्धीमुह त्रि० (ऊर्ध्वमुख) ॐयु भोटु छे ननु ते, ॐया भोटवाधु. ऊचे मुह वाला (One) with the face turned upwards “ उद्धीमुहकलधु ता पुष्फग सठाण सठिया ” च० प० ४, ज० प० ७, १३५.

उद्धुमाय त्रि० (*) परिपूर्य, भरैल परिपूर्ण, भरा हुआ Full, filled to the brim नदीस्य० गा० १३,

उद्धुय त्रि० (उद्धृत) ॐये डेलापैव, ॐये डरेडैव ऊचा फेलाया हुआ ‘Tossed up, flung up ‘वाउद्धुय विनय वेजयती’ ओव० जीवा० ३, १, पन्न० २, (२) उड्डट, अकृष्ट उत्कट, प्रकृष्ट strong, powerful सम० प० २१०, नाया० ६, (३) उत्पन्न थपेन, उडैव, उत्पन्न, उठा हुआ produced, risen up, got up ओव० सू० प० २०, कप० ३, ३२,

उद्धुया स्त्री० (उद्धृता) आकाशमा उडती धूजनना जेवी त्वरित गति आकाश में उडती हुई बूल के समान शीघ्र गति Speedy gait like the motion of dust-clouds in the sky राय०

उद्धुवमाण त्रि० (उद्धूयमान) विजतु पखा किया हुआ Being fanned ज० प० नाया० १६; सग० ७ ६; ६, ३३ ओव० २१,

उद्धुस्सित त्रि० (ऊर्ध्वोच्छ्रित) ॐये विस्तृत ऊचाई में विस्तृत Having a great expanse above or upwards “ से जोयणे णवणवतिसहस्से उद्धुस्सितो हेठसहस्समेग ” सूय० १, ३, १०, उद्धूय त्रि० (उद्धृत) डालेधु. डपेधु हला हुआ, कपा हुआ Shaken, trembled ओव० ३१, ज० प० राय० ६६, पन्न० २, कप० २, २७,

उन्नत्र त्रि० (उन्नत) उन्नत, मानडपायने पर्याय उन्नत, मानकपाय की पर्याय Lofty, high, a synonym for the moral filth called conceit सम० ५२, ओघ० नि० ४८६, आया० १, ५, ४, १५७, कप० ३, ३२,

उन्नइय त्रि० (उन्नतिक) उन्नतियाधु उन्नति वाला Lofty, high जीवा० ३, १,

उन्नमंत त्रि० (उन्नमत्) तण्णा डे लाड-डना भारा उपाडतो घास या लकड़ी का भारा उठाता हुआ (One) who carries bundles of sticks or grass सूय० २, २, ५४,

उन्नयावत्त पु० (उन्नतावर्त) ॐये अणु आवर्त-वटोदीओ ऊचाई में चटा हुआ धूल का चक्कर A whirlwind, a winding (२) पर्वत उपर जेतो डरतो मार्ग पर्वत पर जाने का चक्करदार मार्ग a circuitous road on a mountain ठा० ४, ४,

* बुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (+) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

उन्नाम पु० (उन्नाम) मान कपायने।
पर्याय मान कपाय की पर्याय A
synonym for the moral impu-
nity called conceit सम० ५२,

उन्नामित्र त्रि० (उन्नामित) अभुङ् नामथी
प्रसिद्धि पाभेद अमुक नामसे प्रसिद्धि
पाया हुआ Famed by a certain
name, known by a particular
name. अणुजो० १३१,

उन्निक्खमश्च त्रि० (उन्निष्कामत्) दीक्षाने।
त्याग इरेतो दीक्षा का त्याग करता हुआ
(One) abandoning Dīkṣā i e
asceticism विशेष० १२६१,

उन्निय त्रि० (और्णिक) गिननु अनेलु,
टायलो वगेरे. गिनी वस्तु इत्येव आदि
Woollen, made of wool. प्रव०
५१४

उन्नुपित त्रि० (*) लीजुं थयेव,
लीजुं, मीजा हुआ Wet, damp
परह० १, ३,

उपपस पुं० (उपदेश) उपदेश उपदेश
Advice, exhortation पचा० ५,
३६,

उपयोग पु० (उपयोग) उपयोग, ध्यान
उपयोग, ध्यान Carefulness, atten-
tiveness. नाया० १६,

उपट्ट पु० (उत्पट्ट) शलुना पस्त्र वणुनार;
पटोलीयो मन के वस्त्र बनाने वाला A
weaver of jute cloth अणुजो०
१३१,

उपणय पुं० (उपनय) उदाहरण आपी
साध्य अने साधनने संयंत्र मेलवये ते
उदाहरण देकर साध्य और साधनका सबव

मिलाना Establishing a logical
conclusion by giving an apt
illustration नाया० ६,

उपणेइत्ता सं० कृ० अ० (उपनीय) पाभे
लघु जगने समीप में लेजाकर. Having
taken or carried in the vicinity
of. नाया० ५,

उपदंसइत्ता सं० कृ० अ० (उपदर्श्य) देखा-
दीने दिखलाकर. Having shown or
pointed out भग० १६, ५,

उपप्पुअ त्रि० (उपाप्लुत) लीजुं थयेव,
पक्षली गयेव मीजा हुआ. Wet, damp,
soaked अणुजो० १३०, जीवा० ३, १,

उपयुत्त त्रि० (उपयुक्त) उपयुक्त, उपयोग
सहित उपयुक्त, उपयोग सहित. Care-
ful, attentive (one) possessed
of carefulness नाया० १६,

✓उप-लभ धा० I (उप+लभ्) ओदधो
देवो. उलाहना देना To taunt, to
blame

उपलभमि भग० १५, १,

उपलब्ध सं० कृ० आया० १, ६, ३, १८८,

✓उप-लिप धा० I, II (उप+लिप्)
मोहं अध इरी उपर लेप मारवो मुह बंद
करके ऊपर लेप लगान To close the
mouth and smear it up with
a semi-liquid substance

उपलिपति नाया० ७,

उपविट्ट त्रि० (उपविष्ट) भेठेव बैठा हुआ
Sat, seated क० ग० १, ११,

✓उप-विस धा० I. (उप+विश) भेसवु
बैठना To sit.

उपविसद् सु० न० ३, २२२,

उपविसिय स० कृ० सु० च० १, २४७,

उपसंकमिच्छु स० कृ० अ० (उपसकम्य)
पासे ग०ने समीप जाकर Having
approached “ उपसकमिच्छु वृत्ता-आउ-
सम समणा ” आया० २, १, ३, १५,

उपसंत पु० (उपशान्त) धरवत क्षेत्रना
वर्तमान चोवीसीना १५ भां तीर्थक्षेत्रनु नाम
इरवत क्षेत्र के वर्तमान चोवीसी के १५वे तीर्थ-
कर का नाम Name of the 15th
Tirthankara of Navataksetra
in the present Chovīsī (1 e
cycle) प्रव० २६६

उपसंपया स्त्री० (उपसपत्) ज्ञानादिकने भाटे
भीम गुप्तो आश्रय लेवे ते ज्ञानादिक
के लिये दुसरे गुरु का आश्रय लेना Re-
sorting to, going to another
preceptor in order to acquire
knowledge etc पचा० १२, ३,

✓उपहस घा० I (उप+हस्) उपहास
करवु, इसवु उपहास करना, हसना To
laugh at, to mock at, to ridic-
cule

उपमेज्ज विवि० दसा० ६, ७,

उपहाण न० (उपधान) तप विशेष एक
प्रकार का तप A particular kind of
austerity ठा० २, ३, —पडिमा
स्त्री० (प्रतिमा) उपधान तपनी पडिमा-
प्रतिमा, आर निक्षुन्ती अने अगीयार
आव०नी पडिमा उपधान तपकी प्रतिमा,
माधु की वारह और श्रावक की ग्यारह
प्रतिमा the vow of the austerity
known as Upadhāna o g 12
vows of an ascetic and 11 of a
layman ठा० २, ३,

उपाय पु० (उपाय) उपाय शब्द उपाय,

कारण Cause, means, remedy
नाया० १६,

उपायश्रो अ० (उपायतस्) युक्तिशी, उपाय-
शी युक्ति से, उपाय से Skilfully, by
some means उत्त० २३, ४१,

उपालब्ध त्रि० (उपालब्ध) उपदे अपायेक्ष.
उपालभ दिया हुआ. Blamed, rebuk-
ed, reproached पि० नि० १२५,

✓उ-पील. घा० II (अव+पीड्) पाडा
करवी, पीडवु, दुःख देना, पीडा करना. To
give pain to, to afflict
उवीलेति जी० ३, ४

उवीलेमाण. नाया० १८,

उपेहा स्त्री० (उपेक्षा) शुभ योगनी प्रवृत्ति
अने अशुभ योगनी निवृत्तिमा भेदकर
रहेवु ते शुभ योगकी प्रवृत्ति और
अशुभ योग की निवृत्ति में बेपरवाह रहना
Negligence in doing what
is good and in omitting to
do what is bad, negligence
सम० १७

उपपद्म-य त्रि० (उत्पत्ति) सयम
लेती वभते सिद्धनी परे उठेक्ष, सयमने
उठे स्थानके उठेक्ष-कुठेक्ष भारेक्ष सयम
लेते समय सिंह के समान उठा हुआ,
सयम के ऊंचे स्थान पर चढा हुआ.
(One) who has ascended like
a lion to the high pedestal
of asceticism आया० १, ६, ३,
१९३, (२) उपर आवेक्ष उपनेक्ष
उत्पन्न born, produced उत्त० २,
३२, (३) उठे उठेक्ष, उठेक्ष उचा
उछलता हुआ, उडा हुआ. leapt up
flown up नाया० १६, भग० ३, २,
उवा० ३, १३८

उत्पत्त्या. त्री० (औत्पात्तिकी) तेथी अणु-
हीतु अणुसांभल्यु तर्कधी सुशु आवे
तेथी बुद्धि, तर्क बुद्धि; राजरज्याणी-
उत्पातही बुद्धि; चार बुद्धिमानी ओड.
ऐसी बुद्धि जिससे बिना देखा सुना केवल
तर्क-से ही समझ में आजाय, तर्क बुद्धि. चार
बुद्धियों में से एक प्रकार की बुद्धि. One of
the four kinds of intellect;
ready-wittedness, quickness of
perception अ० ४, ४,

उत्पकडा. त्री० (उत्पकटा = उत्प्रावत्येन
प्रकटा प्रस्तुतावेति) यातु कथा. चालू कथा
The narrative which forms
the actual, present subject-
matter. भग० १८, ७;

उत्पड पुं० (उत्पट) तेथीय शुच-
विशेष तेथीय जीव विशेष A kind
of three-sensed living being
पञ० १;

उत्पराण त्रि० (उत्पन्न) उत्पन्न थयेथ;
उपनेथु उत्पन्न Born; produced
अणुजो० ४२, ओव० ३८, पञ० ११;
दस० ५, १, ६६, भग० १, ४, १३,
६; नाया० १; दसा० ७, १, जं० प०
३, ४५; ५, ११२, ३, ६७, ५, ११५,
—कोउहल त्रि० (-कुहल) तेथी
उत्पुडपणु उत्पन्न थयेथ छे ते जिस में
उत्पुक्ता उत्पन्न हुई है वह (one)
in whom curiosity is engen-
dered न० प० १, —णाणदंसणधर
त्रि० (-ज्ञानदर्शनधर) उत्पन्न थयेथ
ज्ञान दर्शनयादा जिस में ज्ञानदर्शन उत्पन्न
हुए है वह (one) in whom
right knowledge and right
faith have been engendered.
समने भ-वं महावीरे उत्पराणाणाणदंसण-

धरे ” भग० १, १; ८, २, —पक्स पु०
(-पक्ष) उत्पन्न पक्ष, उत्पाद-उत्पत्ति पक्ष
उत्पन्न पक्ष coming into existence
भग० १, १; —संसय त्रि० (-संशय)
उत्पन्न थयेथ छे संशय जेने ते. जिमें
संशय उत्पन्न हुआ है वह. (one)
in whom doubt is engendered
सू० प० गय०

उत्पत्तिअ त्रि० (उत्पत्तिन) उये थयेथ,
आडाश तरङ्ग गति इरेथ जंचा चढा
हुआ, आकाशकी ओर गमन किया हुआ
Risen up; flown up, gone
upwards. उत्त० ६, ६०,

उत्पत्ति त्री० (उत्पत्ति) उत्पत्ति आवि-
र्भाव; प्रगटीकरण. उत्पत्ति, प्रगट होना,
आविर्भाव Creation, production,
manifestation ओव० ४३, नाया०
१, विशेष ११८५; पि० नि० ६०६,
अणुजो० १३०, भक्त० १५; प्रव० ४१,

उत्पत्तिया-आ. त्री० (औत्पात्तिकी) तर्क
बुद्धि तर्क; बुद्धि Power of imagi-
nation; intellect capable of
high imagination. “ उत्पत्तिया
वेणइया कम्मिया परिणामिया ” राय०
२०६ नदी० २६, नाया० १, ८, भग० १३,
५: १७ २; निर० १, १, विवा० १०,

उत्पत्तिता मं० कृ० अ० (उत्पत्त्य) उप-
डीने; उथे यडीने जंचा चढ कर
Having mounted up, having
flown up, ज० प०

उत्पन्न त्रि० (उत्पन्न) लुओ “उत्पराण ”
शब्द देखो “ उत्पराण ” शब्द Vide
“ उत्पराण ” भग० २, १, ५, ६ सु०
च० २, २६८, उवा० ६, १८७, प्रव०
१११५; —कोउहल त्रि० (-कुहल)
लुओ “ उत्पराण कोउहल ” शब्द

देखो “उत्पयण कोउहल” शब्द. vide “उत्पयण कोउहल” नाया० १, —संसय पुं० (-संशय) लुओ। “उत्पयण संसय” शब्द देखो “उत्पयण संसय” शब्द vide “उत्पयण संसय” नाया० १, —सङ्ग त्रि० (-श्रद्ध) उत्पन्न थछ छे श्रद्धा जेने जिसे श्रद्धा उत्पन्न हुई है वह (one) in whom faith is engendered or begotten नाया० १; भग० १, १,

उत्पय पु० (उत्पात) उये कुदपुं ते, नीयेथी उपर कुदके भारवे ते नीचेसे उपर कूदना उछाल मारना. Leaping up, jumping ज० प० राय० ६५, विशेष० ८६४, —णिवय पु० (-निपात) यऽ उत्तर करवी, ओक जगतनु नाटक. चहना उत्तरना, एक प्रकार का नाटक ascending and descending, a kind of drama “उत्पयणिवय पसत्त सकुचिय” राय०

उत्पयण न० (उत्पतन) उये जपुं ते ऊँचाईपर जाना. Going up, flying up, mounting high ठा० १०, भग० ३, २, —काल पु० (-काल) उये यऽयाने डाँड वषत ऊँचा चढने का समय the time for going up, flying up भग० ३, २,

उत्पयणिया स्त्री० (उत्पातिनिका) उये यऽयानी विद्या ऊँचाईपर चढनेकी विद्या The art of flying up or mounting up नाया० १६

उत्पयणी स्त्री० (उत्पतनी) नीयेथी उये यऽयानी विद्या. नीचेसे ऊपर चढनेकी विद्या The art of flying up in the air सूय० २, २, २७, —विज्ञा स्त्री० (-विद्या) लुओ। उपदे। शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above. नाया० १६,

उत्पल न० (उत्पल) सूर्य विकशी कमल, नीलकमल सूर्य को देखकर विकसित होने वाला कमल; नील कमल. A blue lotus; a sun lotus ओव० १०; १३; अणुजो० १८, सूय० २, ३, १०; निसी० १२, २१; नाया० १; २; ४; १३, दस० ५, २, १८, भग० ११, १; २५, ५, जं० प० १, १७, जीवा० ३ १, पन्न० १; विशेष० २६३, आघ० नि० ६८६, उवा० २, ११८, कण्ठ० ३, ३७; (२) गंधद्रव्य विशेष सुगन्धित द्रव्य विशेष. a particular scented thing “पउमुत्पल गंधिण” सम० तड्ड० ज० प० ५, १२०; (३) दशमा कल्पनु उत्पल नामनुं ओक विमान के जेनी स्थिति वीस सागरोपमनी छे, ओ देवता दशमे महिने आसोछ्वास ले छे अने वीस हजार वर्षे क्षुधा उपजे छे दसवें कल्पका उत्पल नामका एक विमान जिसकी स्थिति वीस सागरोपम की है, इसके देवता दसवें मास आसोछ्वास लेते हैं और इन्हें वीस हजार वर्षमें जुवा लगती है name of a heavenly abode of the 10th Kalpa. In there lasts for 20 Sāgaropamas The gods living there breathe once in ten months and feel hungry once in 20 thousand years सम० २०, (४) ८४ लाख उत्पलागप्रमाण डाँड विभाग; ८४ लाख उत्पलागप्रमाण काल विभाग a division of time measuring 84 lacs of Utpalāngas भग० ५, १, ६, ७, ठा० २, ४, अणुजो० ११५; जीवा० ३, ४, ज० प० ५, १२०, (५) ओ नामने ओक द्वीप तथा ओक समुद्र इस नाम का एक द्वीप और एक

समुद्र. name of a continent; also that of an ocean. पत्र० १५, जीवा० ३, ४, —अंग. पुं० (—अङ्ग) ८४ लाख हुहुप्रमाण ओ३ डाल विभाग ८४ लाख हुहुप्रमाण एक काल विभाग. a division of time measuring 84 lacs of Huhus. अणुजो० ११५, ठा० २, ४; भग० ५, १, २५, ५, ज० प० जीवा० ३, ४, —उद्देश्य पुं० (—उद्देशक) डमलना अधिधारवाले भगवतीना २१ भा शत-डनो ओ३ उद्देशो भगवती सूत्र के २१वें शतक का कमल के आविकार वाला एक उद्देश name of a subdivision of the 21st Śataka of Bhagavati Sūtra with the subject-matter of a lotus. भग० २१, २, —कन्द पु० (—कन्द) उत्पल-डमलनो ३६ कमल का कन्द, कमलकी जड़ the bulbous root of a lotus, भग० ११, १, —कदत्ता स्त्री० (—कन्दता) डमलनु डन्दपणु कमल का कन्दपन, state of being the bulbous root of a lotus भग० ११, १, —करिण्यत्ता. स्त्री० (—करिण्यता) डमलनो श्रीजडोप-पणु. कमल का बीजकोषपना state of being a seed-vessel of a lotus भग० ११, १, —केसरत्ता स्त्री० (—केशरता) डमलनु पुंकेसर डे स्त्रीकेसरपणु कमल की पुंकेसर अथवा स्त्रीकेसरता state of being a filament of a lotus भग० ११, १; —णाल. न० (—नाल) डमलनी नाक्षी-डाडी, जेना उपर डमल रहे छे ते कमल की दाडी जिस पर कि कमल का फूल रहता है a lotus stalk भग०

११, १, —णालत्ता स्त्री० (—नालता) डमलनी नाक्षीपणु. कमलका नाली पना state of being a lotus-stalk. भग० ११, १, —थिभुगत्ता. स्त्री० (—थिभुगता) जेमांथी पादडा फुटे जेवा डमलना ओ३ भागनो लाव जिस मे से पत्ते फूटे ऐसे कमल क एक भागका भाव. state of being a part of a lotus, from which leaves sprout forth भग० ११, १, —नालिआ. स्त्री० (—नालिका) लीला डमलनी नाक्षी-डाडी नील कमलकी दाडी stalk of a blue lotus दस० ५, २, १८, —पत्त न० (—पत्र) डमलना पादडा कमल का पत्ता a leaf of a lotus भग० ११, १, —मूलत्ता स्त्री० (—मूलता) उत्पल-डमलनु मूल-पणु. कमलका मूलपना state of being a root of a lotus भग० ११, १, उत्पलगुम्मा स्त्री० (उत्पलगुल्मा) ज० प० वृक्षना अग्निप्रुणाना वनप्रुडमा पयास जेजोन उपर आवेड ओ३ पावडी जबू वृक्षके अमिकोन के वनखण्ड मे पचार योजन दूरीपर स्थित एक वावडी Name of a well in the forest situated to the south east of Jambū Vrikṣa The well is at a distance of 50 Yojanas i e 400 miles in the forest ज० प० जीवा० ३, ४, उत्पलवैटिय पुं० (उत्पलवृन्तिक) डमलना विटजानी निक्षा लेनार गोशालाना मतनो अनुयायी कमल के गद्य-पुलंदा की भिन्ना लेने वाला गोशाला का एक अनुयायी A follower of Gosālā's tenet, accepting a lotus-stalk as alms ओव० ४१

उत्पलहृत्थग पु० (उत्पलहृत्थक) डमल दूध विशेष. कमल फूल विशेष A particular kind of lotus-flower रात्र०

उत्पला स्त्री० (उत्पला) सावर्धी नगरीना रहेनाशी शय नामना आवडनी श्री सावर्धी नगरीका निवासी शंख नामक आवक की स्त्री का नाम Name of the wife of a Jaina layman named Śankha residing in the town Sāvathī “तस्सण सखस्स समणो वासगस्स व उत्पलाणमं भारिया होत्था” भग० १२, १, (२) पिशाचना छंद, डाधनी त्रींश अग्रमहिषी पिशाच के इन्द्र, काल की तीसरी अग्रमहिषी the third of the principal queens of Kāla, the India of Pisāchas ठा० ४, १, नाया० ध० क० ५, भग० १०, ५, (३) ज्युष्टना अग्नि प्रशुमाना वनभंडनी ओड आवडीनु नाम जवूवृत्त के अग्निकोन के वनखड की एक वावडी का नाम name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vriksa ज० प० जीवा० ३, ४, (४) हस्तिनपुर निवासी भीम नाम ॥ इसाधनी श्री हस्तिनापुर निवासी भीम नामक कसाई की स्त्री name of the wife of a butcher named Bhīma of Hastināpura विवा० २,

उत्पलिणीकद न० (उत्पलिनीकन्द) ओड अतनी पाण्णीनी वनस्पति एक प्रकार की जल में होने वाली वनस्पति A kind of aquatic plant “पउमुत्पलिणीकदे अतरकदे तहेवज्झलिय” पन्न० १,

उत्पलुज्जला स्त्री० (उत्पलोज्जला) ज्युष्टना अग्निप्रशुमाना वनभण्डनी ओड आवडी जवूवृत्त के अग्नि कोन के वनखड

की एक वावडी का नाम Name of a well in a forest situated to the south-east of Jambū Vriksa ज० प० जीवा० ३, ४;

उत्पह पु० (उत्पथ) उ-मार्ग, उधटे मार्ग उन्मार्ग, विरुद्ध मार्ग Wrong path, perverse path “आवज्जे उत्पह जंतु” सूय० १, १, २, १६, उत्त० २४, ५, २७, ४,—जाइ पुं० न० (—यायिन्) उधटे मार्गे जनार विरुद्ध मार्ग से जाने वाला one who takes to a wrong path ठा० ३,

उत्पिलण न० (उत्पलावन) शरीर उपर पाणी रेड्नु शरीर पर पानी डोलना Pouring of water on the body पि० नि० ४२२,

उत्पाइत्तार त्रि० (उत्पादयितृ) उत्पादक, उत्पन्न करनेवाला उत्पन्न करने वाला (One) who produces or creates ठा० ४, ४, दसा० १, १३, ४, ६१,

उत्पाइय त्रि० (औत्पातिक) सहज, स्वाभाविक Natural औव० ३०, (२) उत्पात करनेवाला अनिष्ट सूय० अनाय, उदकापातादि उपद्रव अनिष्ट सूचक चिन्ह; उल्कापातादि उपद्रव a portentous event, e g the fall of a meteor etc ज० प० ३, ५६ नाया० ८, ६, १७, सम० ३४,—पव्वय पु० (—पर्वत) अन्वाभाविङ्-कृत्रिम पर्वत कृत्रिम-वनावटी पर्वत an artificial mountain “उत्पाइयपव्वयं च चकमत्तं सख मत्तं गुलुगुलुत्त” ओव०

उष्पाडण न० (उत्पाटन) उधेडी नाभयु, भूतथी उधेडुं उखाड डालना, जड से उखाडना Uprooting, eradicating, tearing out ओव० ३८,

उत्पादित. त्रि० (उत्पादित) उपाडेड.
उठया हुआ, उखाड़ा हुआ Lifted up,
rooted out भग० १६, ६,

उत्पाडिय त्रि० (उत्पादित) उमेडेड
उखाड़ा हुआ Elicited; rooted
out दसा० ६, ४,

उत्पाडियग त्रि० (उत्पादितक) उपाडेडुं,
भास डोट्टे उठया हुआ, मास निकाला
हुआ Lifted, (that) from
which flesh is torn out ओव० ३८;

उत्पातिया स्त्री० (उत्पातिका) ओओ
“उत्पाइया” शब्द. देखो “उत्पाइया”
शब्द Vide ‘उत्पाइया’ नाया० १,

उत्पाय-अ पु० (उत्पात) उडुं ओये
डुडु उड़ना Flying up. भग० २०,
६; प्रव० ६०६, (२) प्रकृतिने विदार-
इधिर वृष्ट्यादि. प्रकृति का विकार, सधिर
वृष्टि आदि. any unusual phenome-
non in nature, e g a shower of
blood etc प्रव० १४२१, परह० २, १;
ठा० ८, १, अणुजो० १४७, (३) आडा-
शमाथा लोडी वगेरेनी वृष्टि थाय छे तेरा
लक्षण सूयड-शास्त्र २६ पापसूत्रमानु ओड
आकाश से जो रक्त वगैरह की वृष्टि होता है
उमके लक्षण बतलाने वाला शास्त्र, २६
प्रकार के पाप सूत्रों में से एक. a scrip-
ture dealing with explaining
unusual phenomena in nature
which portend evil, one of the
29 Pāpa Sūtras सूय० ८, २, २६,
सम० २६,

उत्पाय-अ पुं० (उत्पाद) वृद्धि, वधारे थवे
वृद्धि, बढ़ती Increase, increasing
विशे० ७५०, (२) उत्पत्ति उत्पत्ति
creation, production, both
विशे० ६६, ४२४ ठा० १, १, (३)

उत्पाद दोष; साधुने पोताथी लागता
आहारना धात्री आदि १६ दोष. साधु को
अपने द्वारा लगते हुए आहार के धात्री आदि
१६ दोष any of the 16 sins such
as Dhātrī etc incurred by a
Sadhu himself in connection
with his food सम० (४) याद-
पूर्वमानु प्रथम उत्पाद नामे पूर्व-शास्त्र.
चौदहपूर्व में का पहिला उत्पाद नाम का पूर्व-
शास्त्र name of the 1st of the 14
Pāpas (1 e. scriptures) प्रव०
७१८. —च्छेयण न० (—च्छेदन—उत्पादो
देवत्वादियपर्यायान्तरस्यच्छेदस्तेन जीवादि
विभाग उत्पादच्छेदनम्) ओड पर्यायनी
उत्पत्तिथी जीव पर्यायनो छेद-विभाग थाय
ते-जेम देवता पर्यायना उत्पादथी श्रवादि
द्रव्यनो विभाग थाय छे. एक पर्याय की
उत्पत्ति से दूसरी पर्याय का विभाग होना
जैसे कि देवत्व पर्याय के उत्पन्न होने से जीवा
दि द्रव्य का विभाग होना the clas-
sifications of a substance or
rather its subdivisions caused
by the modifications of that
substance, sub division caused
by modal transformation, e g
the substance soul is sub-divi-
ded into gods etc. on account
of its modification ठा० ५, ३,
—पर्वय पुं० (—पर्वत) सूर्याभिविमान-
ना वनखण्डमानो ओड पर्वत छे जहां
सूर्याभिविमानवासी देवता झंडा निमिते
वैश्वीय शरीर बनावे छे सूर्याभिविमान के
वनखण्डों में का एक पर्वत जहा कि सूर्याभ-
विमानवासी देव क्रीडा के अर्थ वैश्वीयक
शरीर बनाते हैं name of a mountain
in a forest region of the Sūrya-

bha heavenly abode. Here the gods of this abode create for themselves a Vaikunṭhika body for pleasure or sport राय० १३५, जीवा० ३ ४, (२) यमरेन्द्रने उपर आववानो पर्यंत चमरेन्द्र के ऊपर आने का पर्वत name of a mountain for Chamaendia to come up or ascend भग० १३, ६, १६, ६, —पुञ्च पु० (-पूर्व) द्रव्य पर्यायना उत्पादनो जेभा वर्णन छे ते उत्पाद नामे १४ पूर्वाभातो प्रथम पूर्व-शास्त्र द्रव्य पर्याय के उत्पाद का जिसमें वर्णन है वह उत्पाद नामक १४ पूर्वों में का प्रथम पूर्व-शास्त्र the first of the 14 Pūrvas dealing with the rise of modifications of substances “उप्पायपुञ्चस्सण दसवत्थु परणत्तो” ठा० १०, सम० १४, नदी० ५६, —व्वयधुवधम्म पु० (-व्ययधुवधम्मन्) उत्पात्ति व्यय (नाश) ध्रुव-स्थिति वालो उत्पात्ति, व्यय (नाश) और ध्रुव-स्थिति वाला one possessed of or subject to the three predicaments of birth, permanence or stay and death विशेष० ५४३.

उप्पायक त्रि० (उत्पादक) उत्पादन करतार उत्पन्न करने वाला (One) who creates or produces परह० १, ५,

उप्पायग. त्रि० (उत्पादक) ज्योओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above उक्त० ३६, २६०.

उप्पायण न० (उत्पादन) उत्पादन करतुं पैदा करतु उत्पन्न करना Producing creating परह० १, २, ३, उक्त० ३२, २८, (२) उप्पायणुना १६ दोष उप्पायण के १६ दोष any of the 16 sins

known as Uppāyana sins पि० नि० १, ७६; परह० २, १; —(णो) उवघाय पु० (-उपघात) उत्पादनादि दोषनो उपघात-नाश करवो ते उत्पादनादि दोष का नाश करना destruction of the faults or sins known as Utpādana sins. ठा० १०, —चिसो-हि स्त्री० (-विशोधि) उत्पादनना १६ दोषनो अभाव उत्पादन के १६ दाषों का अभाव. absence of the 16 Utpādana faults or sins ठा० ५, २, उप्पायणा स्त्री० (उत्पादना) उत्पादन करतुं, पैदा करतु उत्पन्न करना, पैदा करना Creating, producing पि० नि० ३०९, पंचा १३, ३, (२) आहारना दोषनो ओइ प्रकार, धात्री आदि आहारना १६ दोष के जे साधुने पोता आशि लागे छे आहार की भवेपणा के दाष का एक भेद, धात्री आदि आहार के १६ दोष जो कि साधु को अपने ही कारण से लगते हैं a variety of sin connected with the taking of food, the 16 faults connected with food-taking committed by an ascetic in his own person These are Dhātū etc प्रव० ५७१, भक्त० २४, १२, भग० ७, १,

उप्पाया स्त्री० (उत्पाता) त्रयु भद्रिय वाला जवनो ओइ जत तीन इन्द्रियों वाला जीव विशेष A three-sensed living being पञ्च० १,

उर्णिप अ० (उपरि) उपर गिये ऊपर, ऊचाई पर Above, upon on “तेसि भोमाण उप्पिउज्जीया” जीवा० ३, ठा० ३, ४, राय० ४७, १०३, वेय० ४, २६, त्रिवा० ३, ६ पञ्च० २ ज०

प० १, ४; ३, ५८, नाया० १, ६, ८;
१४, १६; भग० १, ६; २, ८, ३, १,
२: ५, ६, ६, ५, ६, ३३; १३, ४,
—पासाय. पु० (-प्रासाद) उत्प्रे
भदेव. ऊचा महल a high or lofty
palace निर० २, १; —सलिलपद्-
द्वारा त्रि० (-सलिलप्रतिष्ठान) पाणी
उपर नेनुं प्रतिष्ठान-रहेहाथु छे ते जल
पर जिस का निवास स्थान है वह
(one) whose residence or
abode is on water भग० ७, ६,
उत्पिजल त्रि० (उत्पिजल) क्षोभ जनक
आकुलता जनक (Anything) which
causes agitation to the mind
“ उत्पिजलभूष कह कह भूष ” राय० ८६;
उत्पिजलगभूष त्रि० (उत्पिजलकभूष)
आकुल व्याकुल थयेव. आकुल व्याकुल
Troubled, distracted in mind
कप्प० ५, १२६;
उत्पिच्छ न० (-उपिच्छ) अधर आसे
नवदीथी गाउ ते; गायननो ओड दोष.
अवरश्वास से गाना, गायनका एक दोष
Singing far too rapidly, a
fault in singing. अणुजो० १२८;
भक्त० ११६;
उत्पियमाण त्रि० (उत्प्लव्यमान , पाणी
उपर उछुधतो. जलके ऊपर उछलता
हुआ. Leaping on water, rising
and falling on water “ बुडुमाणे
णिबुडुमाणे उत्पियमाणे ” उवा० ७, २१८,
उत्पीलिय त्रि० (उत्पीडित) दृढ दरेव,
भेच्योने आधेनुं, तंग दरेव दृढ किया
हुआ; खंचकर बाबा हुआ Tightly

fastened; bound fast उत्पीलिय
चिधपट्ट गहिया उहपहरणा ” भग० ७,
६. नाया० २; ओव० ३०; विवा० २;
राय० ८१; जीवा० ३, ४, परह० १, ३,
ज० प० ३, ५२: ३, ५६, —कच्छ पु०
(-कच्छ) आधोछे; कुच्छोटे नेछे
जिसने कछोटा मारा है वह. one who
has tightly tacked up the
hem of his loin-cloth after
carrying it to the back part
of his waist. विवा० २;

उत्पुय. न० (उत्प्लुत) गायननो ओड दोष
गायन का एक दोष A kind of fault
in singing नाया० १५ (२) त्रि०
लथभीत भयभीत डरा हुआ terrified;
alarmed नाया० ६.

उत्पूर. पु० (उत्पूर) पाणीनो प्रय
प्रवाह प्रचंड प्रवाह A big current
or flood of water. परह० १, ४,
(२) धसु; ननु बहुत; ज्यादा-
much; excessive परह० १ ३,

उत्फालग त्रि० (*) नदरं ओवनार;
निन्दा उन्तार दुग बोलने वाला, निन्दक-
(One) who censures or slan-
ders उक्त० ३४, २६,

उत्फिडंत पु० (*) तीड. टिड्डी A
locust, a grass-hopper. प्रव० १५७:

उत्फुल्ल त्रि० (उत्फुल्ल) विकसित विक-
सित प्रफुल्लित. Full-blown, bloom-
ing. “ उत्फुल्ल नवि निम्माए ” उम०
५, १, २३;

उत्फेणउत्फेणिय त्रि० (उत्फेनोत्फेनित)
धूना उफाशुनी पेडे उडवेव-होधाप-

मान थयेस दूधके उफान के समान
कोवायमान Boiling with anger;
with anger rising like boil-
ing milk “ उप्फेणउप्फेणिय सीहसेण
राय एव वयासी ” विवा० ६,

उप्फेस पु० न० (*) मुगुट; ताज
मुकुट, ताज A crown; a diadem
श्रव० ०२, ठा० ५, १, आया० २, ३, २,
१२१, पञ्च० २,

उच्चंधण. न० (उच्चन्धन) ठिये साभादि-
कभा धट्टी भरपु ते ऊंचाई पर शाखादिक
से लटक कर मरना Committing
suicide or dying by hanging
on the branch of a tree etc
प्रव० १०३०,

उच्चद्धय पु० (उच्चद्धक) विद्या, मन्त्र, यन्त्र
वगेरेमा उहेमायलो के लेते दिक्षा आप
वानी मना करेस छे विद्या मन्त्र तत्र आदि
मे शक्युक्त कि जिसे दीक्षा देने की मनाई
की गई है A person full of super-
stition in the matter of
charms, incantations etc Such
a person is thought unfit to
be given Dikṣā to ठा० ३,

उच्चट्ट त्रि० (-) भागेसु, यायेसु मागा
हुआ Prayed for, solicited,
begged पि० नि० २८१,

उच्चड त्रि० (उच्चट्ट) खुल्लु, उवाडु खुला
हुआ. उघाडा Open, manifest
“ उच्चडडमुहा ” भग० ७, ६, अणुत्त०
३, १, (२) विडराव, लयडर भयकर,
डरावना terrible, fierce मत्त०

१०६; जं० ५० अणुत्त० ३, १; सु० च०
२, २१२

उच्चव पु० (उच्चव) उत्पत्ति पैदाइश;
उत्पत्ति Birth, production, rise
नाया० २,

उच्चसुक्क त्रि० (*) आडमाने आडमा उला
उला सुडाड गयेस वृक्ष में ही खडे खडे सूख
गया हुआ. Dried up in the very
tree, in an erect posture
श्रौघ० नि० ७३५,

उच्चाम पु० (उच्चाम) लिक्षायरी, लिक्षाने
वास्ते भ्रमणु करपु ते भिक्षा के लिये
भ्रमण करना One who wanders
to beg alms, wandering in
order to beg alms. ठा० ४,

उच्चामअ पु० (उच्चामक) नर, व्यभिचारी
जार, व्यभिचारी A person who
commits illicit sexual inter-
course पि० नि० ४२०

उच्चामग पु० (उच्चामक) लुओ उपले
शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide
above. “ अद्धाण णिग्गगाई उच्चामग
खमग अक्खरे रिक्खा ” श्रौघ० नि० भा०
६०, (२) ओड मतने वायु एक प्रकार
का वायु a kind of wind पञ्च० १,

उच्चावणा स्त्री० (उच्चावणा) प्रगट करपु,
नहेर करपु, उत्पन्न करपु प्रगट करना,
जाहिर करना उत्पन्न करना Mani-
festing, declaring producing
श्रौघ० ४१, नदी० ४०, (२) प्रभावना
प्रभावना explaining, explana-
tion “ पवयणउच्चावणया ” ठा० १०,

उब्भिज्ज. त्रि० (उब्भिज्ज) जमीन भेदी क्षुण्णा-
रूपे अहार आवनार मेथी वगेरे लाञ्छपालो
जमीन फोड़कर बाहिर निकलनेवाली मेथी
वगैरह की भाँजी. Vegetation which
pierces the soil and sprouts
forth पि० नि० ६२४; (२) अंजनड
आदि श्रव खंजनक आदि जीव. a
species of living beings, such
as a wag-tail etc. परह० १, ४, १

उब्भिज्जमाण. त्रि० (उब्भिज्जमान) उधाडवा
भां आवतु; खुलता हुआ
Being opened; becoming
manifest “ केतइपुडाणवा अणुवायंसि
उब्भिज्जमाणवा ” भग० १६, ६; जं०
प० १, राय० जीवा० ३, ४;

उब्भिन्न न० (उब्भिन्न-यत्कुतुपादे स्थगितं
मुख साधूनां तैलघृतादिदानार्थमुद्भिद्य तैलादि
साधुभ्यो दीयते तद्विद्यमानं तैलादि पिहि-
तोद्भिन्नम्) साधुने धी आदि वहोराववा
भाटे डमाड उधाडीने डे डाटे उभेडी आपवा
थो लागतो दोष; १६ उद्भनमानो १२ भो
दोष साधु को धी आदि वहोराने के लिये
किर्वाड उधाडकर अथवा वर्तन का डाट
निकाल कर भिक्षा देने से लगने वाला
दोष, उद्भन के १६ दोषों में से १२ वां
दोष The 12th of the 16 Ud-
gamana faults viz. opening a
jar or a door in order to give
ghee etc to an ascetic for
eating पि० नि० ६३, ३४७, पंचा०
१३, ६, (२) भेदीने अहार नीडलेव-
फोड़कर बाहिर निकला हुआ. sprouted
forth or shot out after pierc-
ing something. “ तेण समणं
उब्भिन्ने मऊरी पोयण् ” नाया० ३; सु०
न० २, ३६५,

उब्भिय त्रि० (उब्भिद) भेदीने नीडलेव-
जन्मेव; अजरीट डेडडा वगेरे. फोड़कर
निकले हुए जन्मे हुए, खंजरीट, मेढक आदि.
Come out, shot out after
piercing something; a wag
tail, a frog etc सूय० १, ६, ८,
दस० ४; प्रव० १२५०, —लोण न०
(-लवण) दरिया पास आरा पाणीथी
उत्पन्न थतुं लवलु, दरियाभ भीडु. समुद्र के
पास खारे जल से उत्पन्न होनेवाला निमक,
दर्याई निमक. sea-salt. आया० २, १,
६, ३५; निसी० ११, ४०;

उब्भियय त्रि० (उब्भिज्जक) पृथ्वीने भेदीने
नीडलेव प्राणी-तीड-पतंग वगेरे. पृथ्वी को
फोड़कर निकले हुए प्राणी-पतंग आदि.
(An insect) coming out by
piercing the land, e. g. a
locust etc. आया० १, १, ६, ४८;

उब्भूइया. स्त्री० (ओद्भूतिकी) ओ
नामनी कृष्ण वासुदेवनी भेरी; डंछ पण
आश्चर्य प्रसंगे लोडाने जलाववा भाटे के
अमुक वज्रते अमुक थवानुं छे तेडला भाटे
वगाडवानी भेरी कृष्ण वासुदेव की भेरी का
नाम, किसी आश्चर्यजनक प्रसंग पर लोगों को
जाग्रत करने के लिये अथवा अमुक समय में
अमुक होगा यह प्रगट करने के लिये बजाई
जाने वाली भेरी Name of the ket-
tle-drum of Krishna Vāsudeva,
a kettle-drum sounded to pro-
claim some unusual event to
people विशेष० १४७६;

उब्भेइम न० (उब्भेइम) समुद्र आदिमा
उत्पन्न थतुं लवलु, भीडुं समुद्र आदि में
उत्पन्न होता हुआ निमक Salt pro-
duced in the sea etc.; common
salt दम० ६, १८;

उभयो अ० (उभयतस्) ये आन्तुये, ये तरक्ष
दो तर्फ से, दोनों ओर On both sides.
(२) ये, २ दो; २ two, 2 जं० प० ५,
११७, नाया० १, भग० २४, २२, उत्त० ११,
१७, ओव० ३१; क० ग० १, ३६, कप०
३, ३२, क० प० १, १३, —काल पु०
(-काल) अन्ते वपत दोनों समय.
both times दसा० १०, ३, वव० ६,
२०, —पार्सि. अ (पार्श्व) ये प३ये,
ये आन्तु दोनों तर्फ on both sides
सम० ३४,

उभय त्रि० (उभय) ये दो Two,
both भग० ६, ३३, १२, १०, विशेष०
११८, ४७०, ओव० १६, ३६, अणुजो०
८, २१, दसा० १०, ३, दम० ४, ११,
५, २, १२, नाया० ११, १, पि० नि०
जा० ३, पि० नि० २१५, ५८०, उत्त०
१, २३, क० ग० १, २२, —(या)-
अनुपस्सि त्रि० (-अनुदर्शिन) आलोक्ष
अने परलोक्ष अन्तेना मुपने आढनार.
इस लोक और परलोक-दोनों लोकोंके सुख
को चाहने वाला (one) who
wishes the happiness of both
this world and the next world
आया० १, ३, २, १११, —(या)अभाव
पु० (-अभाव) उल्लयने अन्तेना
अभाव दोनोंका अभाव absence of
both विशेष० १३३, —अरिह न०
(-अर्ह) उल्लय-आलोचन अने प्रतिक्रमण
ये अन्तेने योग्य आलोचना और प्रतिक्रमण
इन दोनोंके योग्य, deserving both
Alochanā (confession) and
Pratikramana (repentance
for faults), (२) दश प्रकार के प्राय-
श्चित्तों में का एक one of the ten

kinds of expiation जीवा० ३,
—पइद्विअ त्रि० (-प्रतिष्ठित) पोते
अने पर अन्ते आश्री रहेल अपने और
दूसरे के आश्रय से प्रतिष्ठा पाया हुआ
in relation to oneself and
for others, i e applicable to
both ठा० ४, १, —भाग पु०
(-भाग) अन्ते ये प३ये गही भोग
भोगनार नक्षत्र. चंद्रकी दोनों ओर रह कर
योग जोड़ने वाला नक्षत्र a constel-
lation on both sides of the
moon's path चदस्स जोइसिदस्स
जोइसरज्जो छ एक्खत्ता उभयभागा उत्तरा
तिणिण विसाहा पुणव्वसू रोहिणी ” ठा०
६, —लोगहिय न० (-लोकहित)
अन्ते लोकनु हित-कल्याण दोनों लोकों
का कल्याण beneficial both
for this world and the next
world “ कल्लणभायणत्तेण उभय
लोगहिय ” पचा० ११, ३६, —वाय
पु० (-वात) अन्ते तरक्षने वायु
दोनों ओर का वायु wind blowing
from both sides नाया० ११,
—वायजोग पु० (-वातयोग) अन्ते
तरक्षना वायुने भोग. दोनों तर्फ की
वायुका योग coming together of
winds from both sides i e
opposite sides नाया० ११,
—विसुद्ध त्रि० (-विशुद्ध) ये प्रक्षरे
शुद्ध. दोनों तरह शुद्ध pure or puri-
fied both ways पचा० १, २०,
—विह्वण त्रि० (-विहीन) उल्लय
भ्रष्ट, अनेथी रहित उभय भ्रष्ट, दोनों से
रहित devoid of both desti-
tute of both पचा० ३, ४०,
—सुय पु० (-श्रुत) द्रव्य अने भाव

श्रुत द्रव्य और भाव श्रुत scripture of both kinds viz Diavya and Bhāva. विशेष १२६,

उभयतो अ० (उभयतस्) लुओ
“ उभयो ” शब्द देखो “ उभयो ”
शब्द Vide “ उभयो ” भग० २४, २०,
उभयहा अ० (उभयथा) ये प्रक्षरे,
अन्ते शीते दो प्रकार से, दोनों रीतियोंमें.
Both ways, in both ways
विशे० १५०,

उमा. स्त्री० (उमा) श्रीमत् वासुदेवनी
मातातुं नाम दूसरे वासुदेवकी माताका
नाम Name of the mother of
the 2nd Vāsudeva सम० प०
२३५;

उमाण न० (अपमान) अपमान; अना-
दर; निश्शुद्ध. अपमान, अनादर Insult,
disrespect आया० १ ६, १, १९,

उम्मगा त्रि० (उम्मग्न) पाल्मीमाथी
उपर आवेक्ष जल में से ऊपर आया
हुआ Emerged out of water
परह० १; ३ जं० प० ३, ५५,

उम्मगा. पु० (उन्मार्ग) उये आवधाने
मार्ग; दुगुप्ती भारीने गहर निकल-
वाने मार्ग ऊपर आने का मार्ग. डुब
की मारकर बाहिर निकलने का मार्ग
The way to come up, the emer-
gence out of water after dip-
ping oneself into it. “ पच्छन्न
पलासे उम्मगा नालहड् भुजगाड्व ”
आया० १, ६, १, १७२, पंचा० ११, ३६;
क० गं० १, ५६; (२) उधटे मार्ग
उलटा मार्ग, विरुद्ध मार्ग wrong path,
contrary path (३) उन्मार्गदर्शक
विरुद्ध मार्ग-शस्त्र, विरुद्ध मार्ग-दिखानेवाला
one who leads astray अणुजो०

१५१, (४) अक्षय्यं कर्तुं ते अकार्य करना
taking to a wrong path, doing
a wrong deed. “ उम्मगावज्जणं राग
दोसविरण ” आया० नि० १, ५, १,
२४६, —द्वि० त्रि० (—स्थित) उन्मा-
गर्भा रहेल उन्मार्ग गासी (one)
who has taken to a wrong or
prohibited path. “ उम्मगाद्वि०
सूरी तिष्ठिण विमग्गं पणासेति ” गच्छा०
१, २८. —देसणया स्त्री० (—देशना-
उन्मार्गस्य भवहेतोर्मोक्षहेतुत्वेन देशना कथ
नमुन्मार्गदेशना) उन्मार्ग-अवधान मार्ग-
नी देशना-उपदेश उन्मार्ग-खराब-मार्ग का
उपदेश unwholesome, pernicious
advice, a e one leading
astray ठा० ४, ४ —देसणा स्त्री०
(—देशना) उन्मार्गनी देशना-उपदेश
देवे ते उन्मार्ग का देशना-खोटा उपदेश
देना giving a false advice, giv-
ing advice leading to a wrong
path प्रव० ६६३, —पइद्वि० स्त्री०
(—प्रतिष्ठित) अवधाने मार्ग गयेल, उन्मार्ग
प्रतिष्ठा पायेल उन्मार्ग से प्रतिष्ठा पाया
हुआ (one) gone astray, mis-
guided. “ भयव काहिं लिगेहि उम्मगा
पइद्वियं वियाणिजा ” गच्छा० २, —पइद्वि०
त्रि० (—प्रस्थित) लुओ “ उम्मगा पइ-
द्वि० ” शब्द देखो ‘ उम्मगा पइद्वि० ’ शब्द
vide “ उम्मगा पइद्वि० ” गच्छा० ६,
—पइवण त्रि० (—प्रतिपन्न) उन्मार्गने
अगिद्धार करेल उन्मार्ग को स्वीकार किया
हुआ (one) who has accepted
a wrong or pernicious path
or course of action उवा० ७, २१८,
—पयट् त्रि० (—प्रवृत्त) उन्मार्ग प्रवृत्त
थयेल उन्मार्ग से प्रवृत्त gone astray

started on a wrong path सु०
च० ४, ११५,

उम्मगजला स्त्री० (उम्मगजला-उम्मज्जति
शिलादिकमस्मादिति, उम्मग्न उम्मग्न जल
यस्यां सा) तिमिस्र गुफाते मध्यभागे ऐ
नामनी ऐक नदी के जेभा डोछ वस्तु पडे तेने
उछाडीने प्छार डेकी हे तिमिस्र गुफा
के मध्य भाग में स्थित एक नदीका नाम
जो कि किसी वस्तु के पडनेपर उछालकर
बाहिर फेंक देती है Name of a river
in the centre of a cave named
Timisia Its water violently
throws out anything that falls
into it “ जएण उम्मग जलाए महा-
णईए ” ज० प० ३,

✓ उम्मज्ज धा० I (उत् + मृज्) मत्र
वगेरेयी सर्प आदिनु अेर उतागु मत्रादिसे
सर्पादि का जहर उतारना To remove
the effects of serpent-bite etc
by incantations etc
उम्मजेज्जा ‘ तं इत्थी पुरिमस्म उम्मजेज्जा ’
वव० ५, २१,

उम्मज्ज पु० (उम्मज्ज) पाणीनी अफरथी
सपाटी उपर आयु ते जल के भीतर मेऊरी
भाग पर आना Emerging on the
surface of water from below
it (२) संसारनी सपाटी-मेऊरि उपर
लव जनार-श्रद्धा, संयम, वीर्य वगेरे मोक्ष
लेजाने वाले श्रद्धा, संयम, वीर्य आदि
faith, asceticism, heroism etc,
by which a person emerges
to the surface of the worldly
ocean and gets salvation
“ उम्मज्जलद्ध इह माणवोहि ” आया०
१, ३, २, ११५, —णिम्मज्जिया
स्त्री० (-निमाज्जिका) पाणीभाथी उपर

आयु अने नीये जवु ते, दुयडी भाथी
ते जल में डुबकी मारना alternately
to emerge out of water and
to submerge under it “ अहेउम्मज्ज
णिम्मज्जिय करेमाणे देसं पुढवीए चलेज्जा ”
ठा० ३,

उम्मज्जक पु० (उम्मार्जक) न्नान डरवाने
ऐकवार पाणीभा पेसी तरत प्छार निकले
तेवे तापस, तापयनी ऐक जल स्नान
करने के लिये एक बार जल में प्रवेश कर
तुरंत बाहिर निकल ने वाला तापस्, तापसी
की एक जात A class of ascetics,
an ascetic who dips himself
once in water for his bath and
immediately comes out ओव०
३८,

उम्मज्जग पु० (उम्मार्जक) लुओ उपलो
शब्द देखो उपरका शब्द Vide above
भग० ११, ६, ओव० निर० ३, ३,

उम्मज्जा स्त्री० (उम्मज्जा) पाणीभा नीयेयी
उपर आयु ते पानी में नीचे स ऊपर आना
Emerging out from the bottom
उत्त० ७, १७,

उम्मज्जिय स० कृ० अ० (उम्मज्ज्य) डायाने
डुयाडीने शरीरको डुबाकर Having
dipped or submerged the body
भग० १३, ६,

उम्मत्त त्रि० (उम्मत्त) गाडो, उद्धत पागल,
उद्ध, उद्धत Mad, insolent प्रव०
७६७, विशेष० ३२६०, (२) गर्विष्ट, लूत
वगेरेना वलगाउ वालु गर्विष्ट, घमडी, जिमे
भूत वगैरह लगे हो वह proud, con-
ceited, possessed by a ghost
etc प्रव० ७६७, पि० नि० ५७०,

उम्मत्तगभूय त्रि० (उम्मत्तकभूत)
उम्मत्त-गाडो यथेस मद्रिपानयी जेनु

चित्त ठेकाणु नथी ओवे। उन्मत्त, पागल;
मदिरा पान से जिसका चित्त मुकामपर न
हो वह Maddened, intoxicated
with drink ठा० ५, १;

उन्मत्तजला स्त्री० (उन्मत्तजला) २५५
विजयनी पश्चिम सह्यद्वीप की नदी;
महाविदेहनी आर अन्तर नदीमानी ओड
रम्पक विजय की पश्चिम तट पर की नदी
Name of a river on the west-
ern border of Rampaka Vijaya,
one of the 12 Antara Nadis
(rivers) of Mahāvideha
“ रम्पक विजय उन्मत्तजला महाण्ड ”
जं० प० ठा० २, ३;

उन्मद्गण न० (उन्मर्दन) उद्विग्न श्वादीओ
मर्दन करने से उलटे रुँ की ओर से
मर्दन करना Rubbing (i e oil)
on the body against the grain.
मू० २, २, ६२; नाया० १३,

उन्मद्द्विया. स्त्री० (उन्मर्दिका) उद्विग्न
श्वादीओ मर्दन करनेवाली दासी। उलटे रुँकी
तरफ से मर्दन करनेवाली दासी A maid-
servant who rubs oil etc on
the body against the grain.
भग० ११, ११,

उन्माण न० (उन्मान-उन्मीयते तदित्यु-
न्मानम्) तोलथी परिमाण थाय ते, शेर,
भण्ड, धर्म, भासा वगेरे तोल, वजन का
परिमाण, सेर, मण, तोला, मासा आदि
A measure of weight e g a
seer, a mound etc सम० प० २३६;
जं० प० ठा० २, ४; नाया० १; (२) जेने
तोलना अर्धभार प्रमाण थाय तेवे। पुरुष
उन्मानोपेत इहेवाय जो तोलने पर अर्धभार
प्रमाण हो वह पुरुष उन्मानोपेत कहलाता है
a person who is Ardhabhāra

in weight is styled as Unmāno-
peta. “ सेकित उन्माणे २ जण
उन्मणिज्जइ ” आ० २०, कण० १, ६,
(३) सामा तालासामा जेण नाभी
वस्तुने जेअपी तोलपी ते तराजु के एक
पलडेमें बोट डालकर दुसरे पलडे मे वस्तुका
तोलना weighing a thing
against a measure of weight
in the scales of a balance. ठा०
१, अणुजो० १३२;

उन्माद. पु० (उन्माद) आँसपणु, चित्त
विभ्रम. पागल पन, चित्तविभ्रम Mad-
ness, intoxication, mental
aberration भग० १४, २ दसा० ७,
१० विशेष० १४१५: (२) अत्यन्त काम-
थी उन्मत्त अत्यन्त काम से उन्मत्त
maddened with love or lust
“ कह विहेण भते उन्मादे परणते गोयमा
दुविहं उन्माद परणते ” भग० १४, २.
(३) यक्षादिना आवेश यक्षादि का आवेश
being possessed by a Yaksha
etc ठा० २, १, —प्रमाय. पु०
(-प्रमाद—उन्माद सग्रहत्व स एव प्रमाद
प्रमत्तत्वमाभोग शून्यतोन्मादप्रमादः) यक्षा-
दिना आवेशथी उपयोग शून्यपणु यक्षादि
के शरीरमें प्रवेश होने से उपयोगशून्य होना
listlessness or inattentiveness
due to one's being possessed
by a Yaksha etc. ठा० ६,

उन्मादण न० (उन्मादन) कामपु उदी-
पन थाय ते प्रबल काम का उदीपन होना
Rise of strong passion or lust
अणुजो० १३०,

उन्माय. पु० (उन्माद) ज्ञुओ “ उन्माद ”
शब्द. देखो “ उन्माद ” शब्द Vide
“ उन्माद ” भग० १४, २, दसा० ७,

२१, विशेष १४१५, उवा० ६, २५८, प्रव० १०७७, —पक्ष त्रि० (-प्राप्त = उन्माद-मुन्मत्तता प्राप्त उन्मादप्राप्त) मोहनीय उन्मत्तः उत्पत्ति ग्राह्यत्वे तथैव मोहनाय कर्म के उदय से जो पागलपन हुआ हो वह mental aberration caused by the maturity of Mohaniya Karma (i e Karma which deludes as regards right belief etc) वव० २, १०, १६,

उम्भि. पु० (उम्भि) तरंग, मोल, धड़े तरंग लहर A wave कप्प० ३, ४३, नाया० ८, परह० १, ३, (२) मोलने आधारे जनसमुदाय लहरों के आकार के समान जन समुदाय a crowd of people resembling a series of waves भग० २, १, —वीचि पु० (-वीचि) समुद्रना भेड़ता तरंग अने नहाना तरंग समुद्र की बड़ी २ और छोटी छोटी लहरें waves and ripples of the ocean भग० १६, ६,

उम्भिमालिणी स्त्री० (उम्भिमालिनी) भेड़ पर्वतनी पश्चिमे अने शीतो । महा नदीनी उत्तरे सुवप्र विजयनी पूर्व सरहद उपरनी अन्तर नदी मेरु पर्वत के पश्चिमकी ओर, सीतोदा नदी के उत्तर की ओर और सुवप्र विजय की पूर्वसीमापर की एक अन्तर नदी Name of a river on the eastern border of Suvapra Vyaya to the North of the great river Sitodā and in the west of Meru mountain “सुवप्ने विजय जयति राय-हाणी उम्भिमालिणी राई” भा० २ ३, ज० प० ४

उम्भिलित. त्रि० (उन्मीलित) लुओ उपले शब्द देखो उपरका शब्द Vide above

ओव० १३,

उम्भिलिय-अ त्रि० (उन्मीलित) विक्षिप्त, भीक्षेव, उधेव फूला हुआ, खिला हुआ, विकसित Full-blown, opened, blooming राय० २३८, अणुजो० १६, सम० प० २१३, नाया० १, जीवा० ४, उम्भिलिर त्रि० (उन्मीलनशील) भीक्षुः खिलने वाला. Having the nature or characteristic to bloom or open सु० च० ३, ४४

उम्भिसिय त्रि० (उन्मिषित) प्रकाशित प्रकाशित Bright, shining, opened भग० ११४, १, (२) पु० आष दिआ-धने उधे तेहलो डाल आख मीचकर खेलनेमें लगनेवाला समय, समय परिमाण a measure of time required for the twinkling of an eye “उम्भिसियाणमिसियतरणे” जीवा० ३, १,

उम्भिरस न० (उन्मिश्र) भेदभेदवाले, अष्टदु तथेव, अपेक्षानो ७ भेदोप मिश्रित, एकत्रित, एषणा समिति का ७ वा दोष Food etc of different kinds mixed up together the 7th fault in connection with food-begging आया० २, १, १, १, प्रव० ५७६, भा० ४,

उम्मीलिय त्रि० (उन्मीलित) भीक्षेव खिला हुआ Full blown, opened पक्ष० २, विवा० १, ७,

उम्मीस न० (उन्मिश्र) अपेक्षाना दश दोषभानो ७ भेदोप एषणा के दश दोषों में का ७ वा दोष The 7th of the ten faults connected with food-begging दस० ५, १, ५७, पि० नि० ५२०, पचा० १३, २८,

उम्मुक त्रि० (उम्मुक) उगिये ड़ेड़ेड़े ऊंचाई पर फेंका हुआ Thrown up, tossed up ओव० (२) सर्वथा त्याग करेड़े; छोडेड़े सर्वथा छोडा हुआ, त्यागा हुआ abandon-
ed, renounced for ever कण० ५, १०३, विशेष० २७५०, उत्त० ३६, ६२; नाया० १, ३, १५, पि० नि० ६३२, भग० ११, ११, १२, १, —**कम्मकवच** पुं० (-कर्मकवच) सड़ेड़े ड़र्मरूप ड़वयने त्याग करेड़े छे नेछे ओवा सिद्ध भगवान् सकल कर्मरूप कवच का जिन्होने त्याग किया है ऐसे सिद्ध भगवान् a liberated soul i e a Siddha who has removed the fetters in the form of Karma. ओव० —**बालभाव** पुं० स्त्री० (-बालभाव) आड़े आड़े छोडी दीधेड़े बालभाव को जिसने त्याग दिया है वह adolescent, one who has passed from childhood to boyhood or manhood भग० १५, १, विवा० ५, नाया० १, ८, १३, १४, दसा० १०, ३, कण० १, ६,

उम्मूलणा स्त्री० (उम्मूलना) मूलथी उभेड़ेड़े, मुंटी गड़ार ड़ाड़ेड़े जड़से उखाड़ना Uprooting; eradication “उम्मु-
लणा सर्रीरा ओ” परह० १, १,

उम्मूलिय त्रि० (उम्मूलित) नड़मूलथी उभेड़ेड़े जड़ मूल से उखाडा हुआ Up-
rooted, eradicated भग० १६, ६,

उम्मेस पुं० (उम्मेस) आभ वीथवी उगड़वी ते, आंभने पड़ड़रे. आँख खोलना, मीचना, आँखकी पलक A glance, twinkling of eyes भग० १३, ४,

उम्ह पुं० (उम्हन्) उभुता, गरभी उष्णता, गर्मी Heat ओघ० नि० ४८४,

उय पुं० (ऋतु) वसंत आदि ऋतु वसत आदि ऋतु A season, e g. spring etc नाया० १, ५, भग० ६, ३३,

उय अ० (उत) अथवा अथवा, या. Or, an alternative conjunction. विशेष० १६१०,

उयंसि त्रि० (ओजस्विन्) ओजस्वी, अधिक भनोयड़े वाले ओजस्वी, ओज गुण वाला, अविक मनोबल वाले Powerful, possessed of strong will-power राय० २१५, सम० ५० २३५,

उयट्ट त्रि० (अपवर्त्त) ड़र्मनी ड़ापी स्थिति ड़ुंडी ड़रवी ते. कर्म की दीर्घ स्थिति को अल करना (One) who has weakened the power of Karma भग० १, १, **उयट्टण** न० (अपवर्त्तन) लुओ “उयट्ट” शब्द देखो “उयट्ट” शब्द Vide “उयट्ट” भग० १, १,

उयर पुं० (उदर) पेड़; नड़र उदर, पेट The belly, the stomach उत्त० ७, २ पि० नि० भा० ४५, दसा० १०, ४, सु० च० १, ३०४, क० ग० १, ३४,

उयरिय त्रि० (उदरिक) नड़े ड़र रोगवाले जलोदर रोग वाला (One) suffering from dropsy विवा० ७

उर पुं० (उरस्) वक्षस्थल, छाती छाता; वक्षस्थल The breast पत्र० १, अणुजो० १२८, आया० १, १, २, १६, राय० ३२० ८६, परह० १, ३, ठा० ७, उवा० २, १०८, क० ग० १, ३४ **उरसि** म० ए० व० प्रव० ६७, (२) सुंदर सुंदर, खूबसूरत beautiful, charming ठा० ४, —**खय** पुं० (-क्षत) हृदयने धा हृदय का घाव. a wound in the heart, a heart-
sore विशेष० २१६, —**तव** पुं०

(-तपस) गोशाखाना उपासकनु ओक
गतनुं तप गोशालाके उपासक का एक प्रकार
का तप a kind of austerity
practised by the followers of
Gosālā ठा० ४, —परिसर्प. पु०
(-परिसर्प) छातीथी आलनार प्राणी-सर्प
पगेरे छातीके बल चलनेवाले-सर्पादि प्राणी
a reptile moving or creeping
upon the belly, e g a serpent
etc उत्त० ३६, १८०, भग० ८, १,
—परिसर्प विहाण न० (परिसर्प-
विधान) सर्पनी गति सर्प की जाति
the serpent kind भग० १५, १;
—परिसर्पिणी स्त्री० (-परिसर्पिणी)
नागणु, सर्पनी श्री नागिन a female
serpent a female snake. “ मे
किंत उरगपरिसर्पिणी २ ” जीवा० २,
—सुत्तिया स्त्री० (-सूत्रिका) छातीमा
पढेरवानु आलुपणु छातीका एक आभूषण
an ornament of breast ज० प०

उरंउरेणं अ० (*) छातीसाथे ग्रहणु
कणुं ते, छाती सरसे छाती से लगाना,
छाती से छाती मिलाना Embracingly,
closing in embrace “ च उर गिण
पि उरउरे गिरिहत्तए ” विवा० ३,

उरग पु० स्त्री० (उरग) पेरे आलना-सर्प
पेटके बल चलने वाला सर्प A snake, a
serpent उत्त० १४, ४७, नाया० १६ १७,
भग० ८, १, प्रव० ११०६, —परिसर्प
समुच्छिम पु० (-परिसर्पसमुच्छिम)
छाती द्वाग आलनार समुच्छिम सर्प छाता
के बल चलने वाला समुच्छिम जीव-सर्प a
reptile moving on the belly, e

g a serpent जीवा० १, —परिसर्पिणी
स्त्री० (-परिसर्पिणी) नागणु, छातीये
आलना सर्पनी श्री नागिन, छातीके बल
चलने वाली साँपिन a female ser-
pent, a female snake जीवा०
१, —वर पु० (-वर) उत्तम नाग, उग्री
गतिनो सर्प. उत्तम नाग, ऊची जाति का
सर्प a serpent of a high breed,
a noble serpent नाया० १६, ज०
प० ३, ४५, —वीहि स्त्री० (-वीधि)
शुक्रनी उरग नामनी वीधि गति विशेष शुक्र
की उरगनामक गति विशेष name of a
particular kind of motion of
the planet Venus ठा० ६, १,

उरस्थ न० (उर स्थ) छातीमा पढेरवानु
आलनणु छाती मे पहरने का गहना An
ornament to be worn on the
breast जीवा० ३, ३, भग० ६, ३३;
काप० ३, ३६,

उरव्व पु० स्त्री० (उरव्व) भेटु, धेटु मेढा,
मेढ, बकरा A sheep, a lamb
पञ० १७, सूय० २, ६, ३७, जीवा० ३,
४, राय० ४६, पणह० १, ९, नाया० ९, उवा०
२, ६४, उत्त० ७, ४ —पुडसरिणम त्रि०
(-पुटसन्निभ) धेटाना नाक जेवु बकरेकी नाक
के समान resembling the nose of
a sheep “उरव्वपुडसरिणभा से नासा”
उवा० २, ६४, —रुहिर पु० (-रुधिर)
धेटानु ढोही बकरेका रक्त blood of a
sheep जीवा० ३,

उरविमश्र-य पु० (औरविक्र) धेटा-अक-
राने पालनार-अग्याउ, रयारी बकरे को
पालकर फिर कगई को बेचनेवाला A

shepherd who herds sheep, goats etc and sells them to a butcher. सूय० २, २, २८;

उरविमय न० (उरभीमय) उत्तराध्ययन सूत्रनुं सातभु अध्ययन उत्तराध्ययन सूत्रका ७ वा अध्याय. The 7th chapter of Uttarādhyayana Sūtra उत्त० ७, उरय-अ. पुं० (उरज) ओ३ नतनो गुच्छो.

एक प्रकार का गुच्छा A kind of bunch or cluster पञ्च० १, २,

उरल पु० (उदारिक) उदारिक शरीर औदारिक शरीर The Udārika i e physical body क० गं० १, ३५, २, ६; २१, प्रव० १११३, ज० प० २, ३०,

उरल न० (औदारिक) औदारिक योग औदारिक योग Activity or vibrations of the Udārika i e physical body क० गं० ४, ८, —अग पुं० (-अङ्ग) उदारिक शरीर औदारिक देह the Udārika i e physical body क० ग० १, ३६, प्रव० १३२६; —दुग. न० (-द्विक) उदारिक अने उदारिक मिश्र ये ये प्रकृति औदारिक और औदारिक मिश्र ये दो प्रकृतिया. the two Prakritis (Karmic natures) viz Udārika and Udārikamīśra. क० गं० २, ६, ३, ३,

उरस त्रि० (औरस) पोतानो पुत्र निजका पुत्र, औरस पुत्र One's own son ठा० १०;

उरसण्ण. पुं० (उरः सर्प) छातीये यावनार तिर्यच सर्प पगेरे छातीके वल चलने वाले तिर्यच. A reptile walking or moving on its belly, e g. a serpent etc प्रव० ६७६,

उरसी. स्त्री० (उरसी) ओ३ नतनो

गच्छो, एक प्रकार का गुच्छा A kind of bunch or cluster पञ्च० १;

उरस्स न० (उरस्य-उरमि भवमरस्य) छातीनु छाती का Being in the breast; anything pertaining to the breast. राय० ३२, —वल. न० (-वल) दुष्टयत्न. हृदयवल power of the heart, will-power, strength of the heart “उरस्सवल-समणा जण्” राय० ३२;

उराल त्रि० (उदार) समर्थ; शक्तियुक्त. प्रवल शक्तियुक्त. Powerful (२) उन्नत स्वभाव वालो उन्नत स्वभाववाला aspiring. जीवा० ५, राय० जं० प० (३) उदार उदार magnanimous (४) प्रधान; श्रेष्ठ उदार, श्रेष्ठ. chief, prominent ओव० ३८; सम० ६, नाया० १, ५, ८, १२; १८, १६, भग० १, १, ३, १, ६, २ ११, ११, १५, १, निर० १, १, पञ्च० ३४, जीवा० ३, ४, राय० ५६; ८१, सू० प० २०; कर्ण० १, ५; (५) अति अद्भूत बहुत आश्चर्यजनक very wonderful सू० प० १, चं० प० २०. भग० २, १, ज० प० ओव० (६) विशाल विस्तारवाला विस्तृत extensive आया० १, ६, १, १०, ठा० ५, (७) न० ओ३ नतनुं शरीर; उदारिक शरीर एक प्रकार का शरीर, औदारिक शरीर a kind of body, Udārika Sāra, external physical body क० ग० १, ३७, पंचा० १, १५, (८) त्रि० उदारिक शरीर संबंधी औदारिक शरीर सबकी pertaining to the Udārika body राय० २५२, (९) स्थूल; प्रसिद्ध स्थूल, मोटा, प्रसिद्ध. gross, not fine, manifest सूय० १, १, ४, ६, (१०) प्रधान तप प्रवान तप, मुख्य तप principal or prominent austerity नाया० १;

भग० २, १, (११) ओ नामनी लीली वन-
स्पति एक प्रकार की हरि वनरपाते का नाम.
name of a green plant पञ्च० १,
—तस पुं० (-तस) स्थूल तसश्च.
औदारिक तसजीव a many sensed
living being possessed of an
external physical body, a
mobile sentient being with
physical body जीवा० १, —मिस्स
पु० (-मिश्र) उदारिक मिश्र योग.
उदारिक मिश्रयोग vibratory activity
of Udaikamīśra i e physical
mixed with Karmic body. प्रव०
१३२६,

उरालिअ-य. त्रि० (औदारिक) हाड-
मांस ने रुधिरवाले शरीर, मनुष्य अने
तिर्य्यगु स्थूल शरीर हाड मांस और रुधिर
वाला शरीर, मनुष्य और तिर्य्यचका प्राकृतिक
शरीर External physical body
having flesh, blood and bone
ठा० २, १, सम० १३, जीवा० १, नाया०
८, भग० २, १, ६, १, दसा० ५, ४०,
सम० ५० २५६, —सरीर न० (-शरीर)
जुओ। उपरो शब्द देखो ऊपर का शब्द
vide above नाया० १८, —सरीरि
पु० (-शरीरिन्) उदारिक शरीर वाले अथ
औदारिक शरीर वाला जीव a sentient
being with Udaika or external
physical body ठा० ६, १, जीवा० १०,
उरु न० (उरु = विस्तीर्ण) विस्तीर्ण,
विशाल विस्तृत, फैला हुआ. Extensive
vast भग० ११, ११, --घंटा स्त्री०
(-घण्टा) विशाल घट, भेटी घंटा

बड़ा भारी घटा a large bell विवा० ३,
—गायग पुं० (-नायक) भेटी नायक
मोटा नायक a great leader, a
great guide कण० ३, ३६, —पीवर.
पु० (-पीवर) धोला पुष्ट. बड़ा स्थूल
very fat, corpulent, कण० ३, ३६,
उरुणग. पु० (*) वनस्पतिनी वृक्ष,
ओक सुवाले पदार्थ वनस्पति का एक कोमल
पदार्थ A kind of soft substance
जीवा० ३, ३,

उरुतुंगगा स्त्री० (उरुतुम्बका) त्रय ध्रिय
वाले अथ तीन इन्द्रियों वाला जीव A
three-sensed living being.
पञ्च० १,

उरुरुह पु० (उरुरुह) स्तन स्तन. The
female breast ओघ० नि० भा० ३१७;
प्रव० ४४३,

उरोविसुद्ध न० (उरोविशुद्ध—उरसि भूमिका-
नुसारेण स्वरो विशुद्धो भवति इति) गायन-
नी शुद्धिनी ओक प्रकार गायन की शुद्धि का
एक भेद A particular variety of
clearness of voice in singing
राय०

उलिजभमाण. त्रि० (अवलिप्यमान) चटाव,
भवाव चटने में आता हुआ, खाने में
आता हुआ Being licked or sip-
ped, being eaten कण० ३, ४०,

उलुग त्रि० (अवरुण) उदास थकेल
उदास Faded, withered, fati-
gued, wearied नाया० १, —सरीर
न० (-शरीर) दुर्बल शरीर निर्बल
शरीर an enfeebled body, a weak
and emaciated body. नाया० १,

* जुओ। पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

— हृत्थ पुं० (-हस्त) भीनुं हाथ गीला
हाथ a wet hand भग० १५, १;
उल्लण न० (५) ओसामण पसामण
Water in which pulse, rice
etc are boiled and which is
afterwards spiced and served
as a separate article of food
पिं० नि० ६२४, (२) भीनुं शरीर धुनु ते
गीले शरीर का पोंछना to wipe off a
wet body with a towel etc
उवा० १०, २७७,

उल्लणिया स्त्री० (५) जलधुपण वस्त्र,
भीना शरीरने धुखानु वस्त्र गीले शरीर
को पोंछने का वस्त्र, अगोछा A piece of
cloth to wipe off a wet body
उवा० १, २२, —विहि पुं० (-विवि)
पाणीथी भीना शरीरने धुखाना वस्त्रनी
विधि गीले शरीर को पोंछने के वस्त्र की
विधि a process to be followed
in connection with a cloth
used to wipe off a wet body
“तयागंतर चण माणे उल्लणियाविहि
परिमाण करेइ” उवा० १, २२

उल्लय त्रि० (आर्द्रक) क्षीय भीनु गीला,
आर्द्र Wet, damp सु० च० २, ४९३
भग० १५, १,

उल्लविय न० (उल्लपित) श्रमदेव
सम्य धी वातचीत करी ते, श्रमदेव
कामकथा, काम सवची वात चीत Amo-
rous talk, love talk “अग पच्चग-
सट्ठाण चारुल्लविय पेहिय” उक्त० १६, ४०,
उल्लसिय त्रि० (उल्लासित) उल्लास-
आनन्द पामेथ उल्लासित, प्रफुल्लित, आनन्द

प्राप्त. Delighted, joyful सु० च० १,
३६८, प्रव० १४१३, कप्प० ३, ४०,

उल्लाइय त्रि० (५) भाटी छाणुहिथी
क्षीपेथ गोबर मिट्टी आदि से लिपा हुआ.
(Wall etc) smeared or be-
daubed with cowdung, earth
etc राय० ५६,

उल्लाया पु० (उल्लात) प्रहार, धात प्रहार,
लात A kick, a violent stroke
तंडु०

उल्लालिय त्रि० (उल्लालित) ताडन करेथ,
छिद्येथ उछाला हुआ, ताडित Struck,
beaten, tossed or flung up
ज० प० ५, ११५, राय०

उल्लाव पु० (उल्लाव) वातयित, शत्रु वयन
भोवतु ते वात चीत Indirect talk,
conversation पिं० नि० ४२५, ४६५,
अणुजो० १४६, ठा० ७, १, नाया० १, सु०
च० २, ५७७, ओष० नि० भा० ५६, विशेष०
१४११, (२) प्रत्युत्तर, जवाब जवाव
a reply, a response “तत्थगगो
सुणइ देइ उल्लाव” प्रव० १४३,

उल्लास पु० (उल्लास) प्रगट करेते ते. प्रकट
करना Act of manifesting or
bringing to light प्रव० १३३५,
—संजणण त्रि० (-सजनन) प्रगट
करने वाला (one) who
manifests or brings to light
प्रव० १३३५,

उल्लिपमाण त्रि० (उल्लिपत्) उपर लेप
करेता ऊपर लेप करता हुआ Smear-
ing or be-daubing the surface
of anything आया० २, १, ७, ३८

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

उल्लिहण न० (उल्लेखन) उल्लेखन करवे ते;
नपुंस्ते उल्लेख करना; लिखना Writ-
ing सु० च० २, २३७,

उल्लिहिय त्रि० (उल्लिखित) धसायेन, उल्लिखित
पाडेन अकित, घिसा हुआ, रगटाया हुआ.
Scared; worn out, bearing
marks of being worn out नाया०
२. ओव० उत्त० १६, ६५,

उल्लिण त्रि० (उल्लिण) गुप्त रहेन; ओझंतभा
रहेन गुप्त रहा हुआ, अप्रगट रहा हुआ,
एकान्त में रहा हुआ Hidden, soli-
tary. आया० २, २, ३, ६७,

उल्लुचिय. त्रि० (उल्लुचित) उल्लुचित,
थुंटेन उखाड़ा हुआ, चूटा हुआ Root-
ed out, plucked out सु० च० २,
६७६,

उल्लुगा. स्त्री० (उल्लुका) ओ नामनी ओड
नदी एक नदी का नाम Name of a
river विशेष० २४२६

उल्लुगातीर न० (उल्लुकातीर) उल्लुगा
नामनी नदीना ओडे अवेनु ओड नगर डे
जेभा अगाथार्य नामनी निन्दव था.
उल्लुगा नामक नदी के तट पर स्थित एक
नगर जियमे कि गंगाचार्य नामक निन्दव
हुणु थे Name of a town on a
bank of the river Ullugā It
was the native place of the
Ninhava Gangāchārya अ० ७, १,

उल्लुयातीर न० (उल्लुकातीर) लुओ
उपदे शब्द. देखो ऊपर का शब्द Vide
above “तेणं कालेण तेणं समणं उल्लु-
यातीरेणाम णयरे होत्था” भग० १६, ३,
उल्लेऊण स० कृ० अ० (आर्द्रकृत्य) लीनुं डरी
ने गिला-आर्द्र करके Having made
wet विशेष० १४५५

उल्लोइय-अ. न० (उल्लोचित) अरी भारी
वगेरेथी लीन वगेरेनु देपन डरनु ते मिष्ट
वंगरह ने दावाल वंगरह का पोतना Bes-
meaning or bedaubing a wall
etc with earth cowdung etc
“लाइ उल्लोइय महिय” नाया० १, अ०
प० पञ्च० २, भग० १२, ८, सम० ओव०
(२) अन्दवे आधेन उल्लेख्यथी शलुगा-
रेन जहा चन्दरवा बाबा है वह स्थान
having a cloth-ceiling fastened
above ओव० २६, जीवा० ३, ४,

उल्लोच पु० (उल्लोच) उत उल्लेख छत
A cloth-ceiling मू० प० २०;

उल्लोय. पुं० (उल्लोच) उत, अन्दवे उल्लेख
छत, चदरवा A cloth-ceiling. राय०
६, १०७, जीवा० ३; भग० ११, ११, १४,
६; कप० ३, ३२ जीवा० १. राय० जं०
प० ४, ८८, भग० ११, ११, (२) त्रि०
लेवा योग्य, दर्शनी देखने लायक (a
sight) worth being seen
नाया० १, ८, भग० ११, ११, १४, ६,

—तल पु० (-तल) धरनी उपरनी
भाग घर का ऊपरी भाग the upper
part of a house नाया० १, —भूमि
स्त्री० (-भूमि) प्रासाद-महलन उपरनी
भूमि महल के ऊपर की भूमि The
upper part or upper floor of
a palace भग० २, ८, —वरण पु०
(-वरण) महलना उपरनी लगने
वर्णन महल के ऊपरी भाग का वर्णन
a description of the upper
part of a palace भग० २, ८,

उल्लोयमेत्त न० (उल्लोकमात्र) लेतावेन
निमेषमात्र निमेष मात्र At a mere
glance, a mere glance भग०
१५, १,

उव. अ० (उप) समीप-पासेना अर्थभा
नजदीक के अर्थ मे. Near, in the
vicinity “ उवदंसिया भगवया पयण
वणा ” पञ्च० १, २, (३) समस्तपाण्डु,
समग्रपाण्डु समस्तपन; संपूर्णता an indec
used to show “ entirety ” राय०

✓ उव-अति-ने. धा० II (उप+अति+
नी) ग्रहण करवु, स्वीकारवे। ग्रहण करना
मंजूर करना To accept, to take.
(२) प्रवेश करवे। प्रवेश करना to
enter (३) व्यतीत थवु व्यतीत होना
to elapse, to be spent

उवाइणित्तए हे० कृ० ठा० ३, ४, विवा०
६, दसा० ७, १,

उवाइणित्ता आया० २, २, २ ७८,

उवाइणावेइ निसा० २, ५०, १२, ३६,

उवायणावेति निसा० १०, ४६, वेय० ३,
३०,

उवाय-इ-णावित्तए. हे० कृ० वेय० ३,
३०, ४, ११, १२, दसा० ७, १.

नाया० १२, कप्प० ६, ५७, ६५,

उवायणावित्ता स० कृ० भग० ७ १,

उवाइणावत्त व० कृ० वेय० ३, ३०,

✓ उव-अय धा० I (उप+अय) यायवु,
मान्यना करवी प्रार्थना करना, मागना To
beg, to pray for, to solicit
उवाइत्तए हे० कृ० नाया० २,

✓ उव-आगच्छ वा० I (उप+आ+
गम्) पासे आववु, सन्मुख जवु समीप
आना, सन्मुख जाना To go near,
to approach

उवागच्छइ ओव० ११, राय० ३६, ६७,

भग० १, १, ६, २, १. नाया० १

१२, १६, उवा० १, ५८, ७८, ८६,

उवागच्छति भग० २, ५, ५, ४, ७, ६,

जं० प० २, ३३, ४, ११२, ५, ११३,

उवागच्छामि भग० ३, २, १५, १, नाया० ८,
उवागच्छामो नाया० १६,

उवागच्छेज्जा दसा० ७, १,

उवागच्छित्ता स० कृ० भग० १, १, ८,
७, ओव० २७, जं० प० ४, ११४;
५, ११७. नाया० १, २, ५, ८, ६,
१२, १४, १६; भग० २, १, ५,
३, १, ७, ६, ६, ४,

✓ उव-आ-लभ वा० I (उप+आ+लभ्)
हपेक्षा देवे। ठपका देना, उपालंभ देना,
उलाहना देना To rebuke, to re
proach

उवालंभति नाया० १६,

उवालभित्ता स० कृ० राय० १६७

✓ उव-आस वा० I, II (उप+आस्)
उपासना करवी, भेवा करवी उपायना
करना, सेवा करना To worship, to
serve, to wait upon

उवासेज्जा सूय० १, ६, ३३,

✓ उव-इ वा० I (उप+इण्) प्राप्त करवु,
भेदववु प्राप्त करना. To get, to ob-
tain, to acquire

उवेइ उत्त० ३२, ११. ओव० ४०, अणुजो०

१०६, भग० ६, ३३, १३, ६,

नाया० १६, सूय० २, ६. १६,

दस० १०, १, २१, विशेष० १५६,

उवेति नाया० २, भग० १३, ६ १४, ८.

विशे० १५६,

उविति ओव० ३४, सूय० १, २, २, १६,

उवति दस० ६, ६६, विशेष० १२७६,

उवेहि नाया० १६,

उवेह उत्त० १२, २८

उवेत्ता स० कृ० भग० ६, ३३,

उवित्त व० कृ० सूय० १, ५, १, ६

✓ उव-इक्ख धा० I, II (उप+ईक्)

उपेक्षा करवी, भेदकारी राखवी उपेक्षा

करना; परवाह न करना, To neglect, to be indifferent to.

उवेहइ. दसा० ५, ४२, सूय० १, ३, ३, २;

आया० १, ६, ३, १६३,

उवेहे वि० उत्त० १, ११,

उवेहमाण आया० १, ३, १, १०६. १, ४,

४, १४०, भग० ३, १,

उवइहृ त्रि० (उपदेष्ट) उपदेशेत्तुं, ओधेत्तुं.

उपदेशित, बोध दिया हुआ. Preached,

taught, advised उत्त० २८, १८,

विशे० ३२१७, ओघ० नि० ५८३. क० प०

५, २४, प्रव० ६६६,

उवइय त्रि० (उपचित) युक्त सहित

Possessed of, united with

राय० ४६, (२) उन्नत उन्नत raised,

exalted ओव० (३) मासय,

पुष्ट मासयुक्त, पुष्ट fleshy परह० १, ४,

(४) पु० ओ३ नतनो तेधद्रिय ७५ ३

जे नमीनमा नर करी रहे छे. एक प्रकार का

तेजद्रिय जीव जो कि जमीन में घर करके रहता

है a kind of three-sensed living

being nestling in burrows

जीवा० १ पञ्च० १,

✓ उवउंज धा० I (उप+युज्) उपयोग

करने. उपयोग करना. To make use

of, to be attentive.

उवउज्जइ विशे० ४८१,

उवउज्जिऊण स० कृ० भग० ८, १, २४,

१, १२; २०,

उवउत्त त्रि० (उपयुक्त) उपयोग सहित

उपयोग सहित Attentive (२)

सावधान, सावधेत सचेत, ध्यानपूर्वक.

careful, cautious कण्प० ८, प्रव०

७७६; पचा० १, २, १६, ४, भक्त० ६०,

राय० ४०, उत्त० २४, ७, पञ्च० २; नदी०

५७, अणुजो० २३, पि० नि० २२२; ओघ०

नि० ५१५; भग० ५१४, ८, २; १८, ३;

उवउत्तया स्त्री० (उपयुक्ता) उपयोग, सा-

वधेती उपयोग, सावधानी Cautious-

ness, attentiveness. उत्त० २४, ६,

उवएस. पु० (उपदेश) उपदेश, ओध,

शिष्याभण उपदेश; ज्ञान, हित की शिक्षा

Advice; teaching; ओव० २०, ३०;

४०, अणुजो० ४२, पि० नि० भा० ५१,

सु० च० ४, १०, नाया० १; ७; भग० २,

१, ७, ६६, उवा० ७, २१६; पंचा० १, २३,

भक्त० ५६, प्रव० १, गच्छा० १३३;

—रुइ पु० (-रुचि) शु३नो उपदेश

सावली नगृत्त थयेन तत्तइयि, उयि-सम-

दितनो ओ३ प्रकार गुरु का उपदेश सुनकर

जो तत्त्वचि जागृत हुई हो वह, रुचि सम्य-

कृत्व का एक भेद liking for right

knowledge etc excited by

hearing the sermon of a Guru,

a variety of liking for Sama-

kita “ छउमत्थेण जिणेण च उवएस

रुइति नायन्वा ” प्रव० ६६४, उत्त० २८,

१६, ठा० १०, (२) त्रि० तेवी इयि-

वालो वामे रुचि वाला a person pos-

sessed of the above kind of

liking उत्त० २८, १६ —लद्ध. त्रि०

(-लब्ध) उपदेश पाभेन उपदेश पाया

हुआ (one) who has received

and accepted religious instruc-

tions “ इय उवएसलद्धा इयविसणाण

पत्ता ” उवा० ७, २१९,

उवएसग त्रि० (उपदेशक) उपदेश-ओव-

इरनार उपदेश करने वाला A religious

instructor, a religious preach-

er, an adviser. सूय० १, १, ४, १,

उवएसण न० (उपदेशन) उपदेश ओध

उपदेश, ज्ञान, बोध Advice, teaching “ तद्वियाण तु भावाण संभावे उवएसण ” उत० २८, १६, (२) उपदेश आपवे ते, भीज्जते कोष्ठं धार्यमा प्रवर्तयन्ते ते उपदेश देना, दूसरे को किसी कार्य में प्रवृत्त करना teaching, advising, exhorting “ विइया उवएसणे ” ठ० ७, अणुजो० १२६,

उवएसय पु० (उपदेशक) उपदेश करने वाला An adviser, a preacher पंचा० १, १२,

उवओग पुं० (उपयोग=उपयोजनमुपयोग, उपयुज्यते वस्तुपरिच्छेदं प्रतिव्यापार्यते जीवोऽनेनेत्युपयोगः) वस्तु परिच्छेद करने वाला ज्ञान दर्शन मय व्यापार, चैतन्य शक्ति वस्तु परिच्छेद करने वाला जीवका ज्ञान दर्शन मय व्यापार, चैतन्य शक्ति The power of consciousness used by the soul in dealing with an object भग० १, ५, २, १, ६, ३, ७, ५, १३, ४, १६, ६, २४, १, पञ्च० २८, जीवा० १, विशेष० ५४७, ८८०, पि० नि० ११५, प्रव० ५१, क० ग० ४, २, पचा० ४, १६, (२) सावधानपणु, सावधेता सावधानी attentiveness, cautiousness, carefulness ओव० २१, (३) पन्नवणा सूत्रना १६ भा पदनु नाम पन्नवणा सूत्र के १६ वे पदका नाम name of the 19th Pada of Pannavanā Sūtra पञ्च० १, (४) पन्नवणा सूत्रना तीज्ज पदना १३ भा द्वारनु नाम पन्नवणा सूत्र के तीसरे पद के १३ वें द्वार का नाम name of the 13th Dvāra of the 3rd Pada of Pannavanā Sūtra पञ्च० ३; (५) धायदु, लाभ कायदा, लाभ gain, advantage सु०

च० ४, १६३, —आत पु० (-आत्मन्) उपयोगरूप आत्मा उपयोगरूप आत्मा soul in its aspect of consciousness भग० १२, १०, —गुण पु० (-गुण—उपयोग साकारानाकार चैतन्य गुणो धर्मो यस्य स तथा) चैतन्यधर्मवाले श्रव चैतन्य धर्मवाला जीव soul possessed of the power of consciousness “जीवे सासए गुणओ उवओग गुणे” ठ०५, —जुय त्रि० (-युत) उपयोगवाले उपयोग वाला possessed of attentiveness or carefulness “ त पुणं सविगोण उवओग जुएण तिव्व सद्धाए ” पचा० १६, —हुया छी० (-अर्घता) उपयोगनी अपेक्षा उपयोग की अपेक्षा desire or wish for attentiveness or carefulness नाया० ५, —णिव्वत्ति छी० (-निर्वृत्ति) उपयोगनी उत्पत्ति उपयोगकी उत्पत्ति birth or rise of attentiveness or power of consciousness भग० १६, ८ —पद न० (-पद) पन्नवणा—पञ्चापना सूत्रना २८ भा पदनु नाम पन्नवणा सूत्र के २८वें पदका नाम name of the 29th Pada of Pannavanā Sūtra भग० १६, ७, —परिणाम पु० (-परिणाम—उपयोग एव परिणाम उपयोगपरिणामः) श्रवपरिणामतो ओइ प्रडर जीवके परिणाम का एक भेद a variety or mode of the development of a soul पञ्च० १२, ठ० १०, —लक्खण न० (-लक्षण) श्रवग्नि धायनु उपयोग लक्षण जीवास्तिकाय का लक्षण (उपयोग) the characteristic mark of consciousness or rather power of consciousness possessed by a soul भग० १३, ४

उत्तम न० (उपाङ्ग) शरीरना अवयवना
अवयव, मुख्य अवयवना अवयव,; उपाङ्ग
शरीर के अवयव का अवयव (उपाङ्ग).
A sub-limb of a body जं० प०
अणुजो० १२७, पञ्च० २३, क० गं० १,
३४, २, ६, ५, ६०, क० प० ४, ४१, १,
५६, (२) अङ्ग सूत्रनी पासेना उपाङ्ग मृत्,
उववा० आदि गार उपाङ्ग अगसूत्र के उव-
वा० आदि बारह उपाङ्ग any of the 12
Upānga Sūtras viz Uvavāi
etc जं० प० १, राय० निर० १, १, ३,
क० प० १, ६, —तिग न० (—त्रिक)
उदारिक शरीरना अङ्गोपाङ्ग, वेदिक शरीरना
अङ्गोपाङ्ग अने आहारिक शरीरना अङ्गो-
पाङ्ग अने त्रयुतो समष्टि औदारिक, वैक्रियक
और आहारिक इन तीनों शरीरों के अङ्गोपाङ्ग
the limbs and sub-limbs of the
three kinds of bodies, viz
Udārika Vaukreyā and Āhā-
rika क० गं० २, २३,

उत्तम न० पु० (उपाञ्जन) गाडीना चैऽने
उगणु देवु—यिकणु पदार्थ लगावो ते गाडी
के चाक मे तैल देना Lubricating a
wheel of a carriage etc “ अक्खो-
वज्जणं वण्णाणु लेवण ” सूय० २, १, ५६,
पञ्च० २, १,

✓उत्तम-कप्प. धा० I (उप+कल्प्) निप-
णवपु, तथार डरु उत्पन्न करना, तैयार
करना To produce, to prepare
उत्तमकप्पति सूय० १, ११, १६,

✓उत्तम-कस वा० I (उप+कप्) पामपु,
भेदपु प्राप्त करना पाना To get, to
obtain

उत्तमकसति सूय० १, ४, १, २०,

उत्तमसंत. व० कृ० दसा० ६, ११,

✓उत्तम-कर धा० II (उप+कृ) उपकार

डरवो उपकार करना To do a good
turn, to do an act of benevol-
ence

उत्तमकरेउ उवा० १, ६८,

✓उत्तम-कर धा० II (उप+कृ) राधपु,
रसे० डरवी सिम्माना, रसे० करना To
cook, to cook food

उत्तमक्खडेइ नाया० २, १३, १६,

उत्तमक्खडिउति नाया० ८

उत्तमक्खडिज्ज वि० आया० २, १, ६, ५०,

उत्तमक्खडेह आ० नाया० ३,

उत्तमक्खडेउ. उवा० १, ६८,

उत्तमक्खडिय सं० कृ० नाया० १६,

उत्तमक्खडित्ता नाया० १६,

उत्तमक्खडेत्ता सूय० २, ६, ३७,

उत्तमक्खडेइ प्रे० नाया० २, १६, भग०
१६, ५,

उत्तमक्खडावेउ—ति प्रे० वाया० १, ७, ८, १६,

भग० ३, १, विवा० ३,

उत्तमक्खडावेति. प्रे० नाया० १४,

उत्तमक्खडावेति प्रे० भग० ११, ६ १२, १,

उत्तमक्खडावेहि आ० प्रे० नाया० १४,

उत्तमक्खडावेह आ० प्रे० भग० १२, १, १८,
२,

उत्तमक्खडावेयि म० कृ० भग० १२, १,

उत्तमक्खडावेत्ता सं० कृ० नाया० १, १६,

भग० ३, १, १६, ५,

उत्तमक्खडावेत्ता सं० कृ० नाया० २ ३, ७,

भग० ३, १,

उत्तमकरण. न० (उपकरण) उपकरण, वस्त्र
आदि परिश्रु उपकरण, वस्त्र वगैरह परि-
ग्रह An article of possession,
such as a cloth, a vessel etc
परह० १, ५, भग० १५, १, —ओमो-
यरिया स्त्री० (—अवमोदरिका) उप-
करणनी उलोदरी उपकरण की उलोदरी.

limitation, narrowing down, of articles to be possessed
ठा० ३, ३,

उवकासिय न० (१) शरीरना अवयव,
आत्र शरीर के अवयव Any of the
limbs of the body परह० २, ४,
✓ उव-की वा० III (उप+कृ) तीभी
नाभु विखेरना To scatter, to dis-
perse

उवकीरेइ निसी० ७, २७,

उवकुल पु० (उपकुल) कुलनक्षत्रनी पासैना
नक्षत्रो, जेमडे अश्विनी कुल तो लगली
उपकुल, कृतिडा कुल तो रोहिणी उपकुल
कुलनक्षत्र के समीपवर्ती नक्षत्र जैसे कि अश्विनी
नक्षत्र कुल नक्षत्र है और इस के समीप भरणी
नक्षत्र उपकुल है, कृत्तिका कुल नक्षत्र का
रोहिणी उपकुल है The asterisms
in the vicinity of a constella-
tion, e g Bharanī in the vic-
inity of Aśvinī, Rohinī in the
vicinity of Kṛttikā ज० प०
७, १६१,

✓ उव-क्कम वा० I, II (उप+क्रम्) डेल-
ववु भेडुवु, वावसाने येय डरवुं जमीन
हलना To cultivate, to till
उवक्कमिज्जइ क० वा० विशेष० २०३६;
उवक्कमिज्जति क० वा० अणुजो० ६७,

उवक्कम पु० (उपक्रम) इर रल्लेव वस्तुने
प्रतिपादनशैलीथी नज्जिड लावीने निक्षेप
योग्य इरवी, अनुयोग शब्दविवेचननु प्रथम
द्वार. दूरवर्ती वस्तु को प्रतिपादनशैली के
द्वारा समीप लाकर निक्षेप करना, अनुयोग
शब्द विवेचन का प्रथम द्वार An intro-

duction, introductory remarks
अणुजो० ५६ ६११, (२) जेथी छुट्ठी-
नी अंत आवे-आयुष्य तुटी नय ते
जिससे जीवन का अंत हो जाय, आयुष्य टूट
जाय-वह that which puts an
end to life सूच० १, ८, १५, आउ०
८, प्रव० १०१७, (३) अनुत्ति डभने
उदयभा लाववा ते अनुदित कर्म को उदय में
लाना causing unmaturned Kar-
ma to mature ठा० ४, २, (४)
अन्धेना आरम्भ-शर्यात वव का प्रारभ
commencement of bondage,
commencement ठा० ३, ३, ४, २,
(५) उपाय, धलाज उपाय means
to accomplish an object, an
expedient, a remedy “निविहे
उवक्कमपणत्ते तंजहा धम्मिण्णउवक्कमे अह-
म्मिण्ण उवक्कमे” ठा० ३, सूच० १, २, ३,
१४, आया० १, ८, ७, ६, भग० १, ४,
—काल पु० (-काल) इर रल्लेव वस्तुने
प्रतिपादनशैलीथी नज्जिड लाववाते वस्तु
दूरवर्ती वस्तु को प्रतिपादनशैली के द्वारा
समीप लाने का समय time for mak-
ing introductory remarks or
preliminary observations “स-
किलावक्कमकालो किरियापरिणाम भूरटो”
विशे० ६१७,

उपक्कमण न० (उपक्रमण) उपक्रम इरवी
विशेषता इरवी उपक्रम करना, विशेषता
करना Commencement, parti-
cularisation, making prelimi-
nary observations अणुजो० ६८,
उवक्कमिया स्त्री० (ओपक्कमिकी) शेषादि

धारण्युत्थी यत्नी पीडा रोगादिक मे जो पाठा हो वह. Involuntary pain caused by disease etc “अहं उक्कमिय वेय-
णं णोसम्मं सहामि” ठा० ४० २, ४, पञ्च०
३५, भग० १, ४;

उक्कर पु० (उक्कर) संस्कार शुश्रूषा.
संस्कार शुश्रूषा Attendance of a
ceremony परह० १ १;

उक्कखड त्रि० (उपस्कृत) राधवाने
आरम्भ करेले पकाने के लिये प्रारम्भ
किया हुआ. (Food) begun to be
cooked पि० नि० १७०, जीवा० ३, ३, ओघ०
नि० भा० ५८, नाया० २, उत्त० १२, ११,

उक्कखड. पु० (उपस्कर) राधवानी सामग्री
पकाने का सामान The articles for
cooking ओव० —संपरण त्रि०
(—संपन्न) राधवानी सम्पूर्णा सामग्री थी नीप-
नेय भात वगेरे आहार का एक भेद, निष्काने
मे उत्पन्न भात बगरह a kind of food,
food prepared by cooking ओव०
उक्कखडिय. त्रि० (उपस्कृत) संस्कार पमाडेय
संस्कार किया हुआ Seasoned भग०
१५, १, नाया० १६,

उक्कखर. पु० (उपस्कर) धरना उपकरण,
घरेलुपरी, घर के उपकरण; घर सम्बन्धी
सामान Household furniture
(२) टींग आदि हांगादि asafœtida
etc ठा० ४; —संपरण त्रि० (संपन्न)
टींग आदि की वगैरे हांग आदि से
बघारा हुआ. seasoned, spiced
with asafœtida etc ठा० ४, २;

उक्कखा घा० I, II (उप+ख्या) नामनि-
देश करेवा नामनिर्देश करना To make
mention of a name

उक्कखाइजंति क० वा० भग १६, ३,
२०, १, सूय० २, ४, १०,

उक्कखाइया घा० (उपाख्यायिका) उप-
ध्या, प्रासंगिक ध्या. उपकथा, प्रसंग सम्बन्धी
कथा An episode, a story sub-
ordinate to the main story:
an episodic story. नंदी० ५०,
सम० ६०

उक्कखाइत्तार त्रि० (उपाख्यातृ) आधि-
प्रसिद्धि भेदवना प्रसिद्धि प्राप्त करने वाला
(One) who has won renown
सूय० २, २, २६;

✓उक्क-गम घा० I (उप+गम्) पास
आवतु, नज्दक आवतु पास आना, नज्दक
आना To come near
उक्कगम सं० कृ० विशेष० ३१६६;
उक्कगंत व० कृ० सम० ३०;

उक्कगय-अ त्रि० (उपगत) पाभेय; प्राप्त
थेयेय पया हुआ, प्राप्त Acquired,
got, (one) who has got राय०
३३, ३५; कण्व० ४, ६२, ओव० ३१,
विवा० २, सूय० २, १, ५६, अणुजो० १३.
नाया० १, ८, ६; १७. भग० ३, २, १६, ३;
उवा० १, ६६ २, ६६; (२) युक्त, युक्त
possessed of, united with
राय० कण्व० १, २, —सलाहत्त न०
(—श्लाघन्व) २४ मे सत्य वचनता अति-
शय सत्य वचन का २४ वा अतिशय
the 24th supernatural mani-
festation of truthfulness of
speech सम० राय०

उक्कगरण न० (उपकरण) वस्त्र पात्र वगेरे
निर्वाहना साधन निर्वाह की सामग्री, वस्त्र,
पात्र आदि Articles of use, such
as clothes, utensils etc, आव० ४,
६, प्रव० १५, १५८, ५०४, राय० २५७,
ओव० १६, उत्त० १२, ४, ज० प० २, ३१;
आवा० १, २, १, ६२ २, ३, ३, १४,

दसा० ४, ६१, विशेष० १६४२, अणुजो० १३४, पि० नि० २४६, भग० १, ८; ३, १, ५, ४, दस० ४, —इन्द्रिय० न० (—इन्द्रिय) शब्दादिने ज्ञानवाभा हेतुरूप शक्ति विशेष a faculty of sense causing perception or knowledge of sound etc विशेष० १६४, —उत्पादणया- स्त्री० (—उत्पादनता) उपकरणे ऐक्य करवा ते —आण्णी आपवा ते उपकरणों को इकट्ठे करना, collecting & bringing together articles of use, such as clothes, vessels etc “ सेकित उवगरण उप्पा दणया चउविहा पणता ” दसा० ४, ८६, —जात्र न० (—जात) उपकरणेनी ज्ञात, उपकरणेनी प्रकार उपकरण के भेद, उपकरण की जाति varieties of articles of use, such as clothes, utensils, etc वय० २, २०, ४, २४, दस० ४, वव० ७, १७, ८, ११, निसी० ४, ३०, १५, ३५. —द्व्योमोयरिया स्त्री० (—द्व्योमोदरिका) साधुने राखवानेधये तेना करवा पणु ओठा उपकरणे राखवा ते, द्रव्य उल्लाहरीने ऐक्य प्रकार साधू के रखने योग्य उपकरणों से भा कम उपकरण रखना, द्रव्य उनोदरी का एक भेद limitation of implements of use such as clothes etc, beyond that prescribed for even a monk भग० २५, ७, —पणिहाण न० (—प्रणिधान) दोष्टिक उपकरणे-गृहादि, अने दोष्टोत्तर उपकरणे—वस्त्रपात्रादि, तेनु प्रणिधान—उपभोग-प्रवर्तन लौकिक उपकरणे-गृहादि—और लाकोत्तर उपकरणे-वस्त्रपात्रादि का उपभोग use of such worldly possessions as a house etc also that

of such implements as clothes utensils etc, by monks ठा० ४, १, —संजम पु० (—सयम) महाभुज्यवाला वस्त्रने त्याग करी साधा धोला वस्त्र पहरेवा ते, सयमने ऐक्य प्रकार मूल्यवान् वस्त्रों का त्याग कर सादे सफेद वस्त्रोंको पहिनना, सयम का एक भेद a variety of ascetic conduct, giving up costly and gaudy clothes and putting on white and simple garments ठा० ४, —सवर पु० (—सवर) सवरने ऐक्य प्रकार साधुये प्रमाण उपरात तथा अक्षयनीय उपकरणे न लेवा ते सवर का एक भेद, साधुका प्रमाण में अधिक तथा अकल्पनाय उपकरणे न लेना a mode of the stoppage of Kamma, non-acceptance by a monk of materials or articles of use beyond permitted limit ठा० १०,

उवगसित्ता स० कृ० अ० (उपकस्य) सभीपे आवीने समीप आकर having approached, “ मण वध माण्हिं गेगेहिं कलुण विणीयमुवगमित्ताण ” सूय० १, ४, १, ७,

उवगाइजमाण त्रि० (उपगीयमान) गवातु गाया जाता हुआ Being sung ‘उवण चिज्झ-णो उवगाइजमाणो उवलालिज्झ माणे’ राय० २८६,

उवगार पु (उपकार) उपकार उपकार A good turn, a benevolent deed, benevolence, kindness नदी० —(रा) अभाव पु० (—अभाव) उपकरणेनी अभाव, अपकारी पणु उपकार का अभाव, अपकार absence of benevolence or kindness, un-

kindness. “ उवगाराभावस्मिवि पृथ्वाणं
पूजगस्स उवगारो ” पंचा० ४, ४८,

उवगारण. न० (उपकारण) उपकार कराना Showing kindness or causing others to show it to those in distress
“ उवगारणपारणासु विण्णो पडिजियच्चो ”
परह० १, ३,

उवगारि. त्रि० (उपकारिन्) उपकार करनेवाला, उपकारी Benevo-
lent, kind, helpful पचा० ४, ४१;

उवगारियलेण न० (उपकारिकालयन)
प्रासादभा दाभक्ष थवाने उपकारक थाय तेवे
योतरे वजेरे, प्रासादपीठ प्रासाद मे जानेके
समय चढ़ने का ओटला, प्रासादर्पाठ A
small platform to ascend the
palace. भग० ३, ७, १३, ६,

उवगाहित्तण सं० कृ० अ० (अवगाहितु)
अवगाहन करने के लिये
In order to enter or pervade.
नाया० ८,

उवगिज्जमाण त्रि० (उपगीयमान) गातु
गाता हुआ Singing, being sung
नाया० १, १६, भग० ६, ३३, राय०
२७५, ज० प० ३, ५२, ३, ६७,

✓ उवगिरह धा० I, II (उप + ग्रह्)
ग्रहण करना To take, to
accept

उवगिरहह भग० ५, ४,

उवगिरहमाण भग० ५, ६,

उवगीयमाण. त्रि० (उपगीयमान) गातो.
गाता हुआ Singing विवा० ६

उवगूढ त्रि० (उपगूढ) सस्पृष्ट, अङ्गुष्ठ
छुआ हुआ, स्पर्श किया हुआ Touched
by, in contact with सूय० १, ४,
१, २७, नाया० १८, (२) युक्त युक्त,

साहित. joined with; possessed of
“ गुजावक्क कुहरीवगूढं ” राय० (३) छुपाई
रहेहुं, लराई रहेल छुप कर रहा हुआ.
remaining hidden or concealed,
hiding; lurking राय० ८६,

उवगूहण न० (उपगूहन) आदिगन
आलिंगन, भेट, मिलाप Embrace;
pressing to the bosom with
affection “ आरुहणदण्णेहि बालय-
उवगूहणेहि ” तदु०

उवगूहिअ. त्रि० (उपगूहित) आदिगन
करेले आलिंगन किया हुआ. Embraced
तदु० राय० नाया० ६;

उवगूहिज्जमाण त्रि० (उपगुह्यमान) आदि-
गन करतु मिलाप कराता हुआ Embrac-
ing “ उवलालिज्जमाणे उवगूहिज्जमाण ”
नाया० १, राय० २८६;

उवग्ग अ० (उवाग्र) समीपभा, नजिक
नजदीक; समीप Near, in the vic-
inity. विशेष० ३०१५,

उवग्गह. पुं० (उपग्रह) उपाधि, जेथी लव
वधे ते उपाधि, कर्मवव का कारण. Any
possession which prolongs
one's stay in the cycle of births
and deaths ओव० पञ्च० ३६, (२)
अवष्टम्भ, टेका टेका, आधार. a
support गच्छा० १५, ओव० पि० नि०
६६, भग० ५, ६, (३) आज्ञा आज्ञा,
हुक्म order, command नाया० १३,
१४, नाया० ४० — कम्म न० (-कर्मन्)
लवोपग्राही कर्म, वेदनीय, आयुष्य, नाम,
अने गोत्र ओ आरमानु गमे ते ओके
भवोपग्राही कर्म, वेदनीय, आयुष्य, नाम और
गोत्र इन चार कर्मों मे से कोई भी एक
कर्म Kamma which is helpful in
prolonging worldly existence,

any of the four kinds of Karma viz Āyusya, Nāma, Gotra and Vedanīya पञ्च० ३६, —कुशल त्रि० (—कुशल) अनुग्रह करवाना कुशल अनुग्रह-उपकार-करने में कुशल (one) proficient in showing favour, kindness etc वच० ३, ३, —द्वया स्त्री० (—अर्थना) अवग्रहणी अपेक्षा अवग्रह की अपेक्षा, a desire or wish for Avagraha i.e. favour, help etc ठा० ५, ३,

उवग्गहिय. त्रि० (औपग्रहिक) पाडीया३, साधुओं थोड़ा वपत राभी पाछु धुलीने सौपी देवायेअ वस्तु-उपाधि ऐसी वस्तु जो कि साधु थोड़े समय के वास्ते लेकर उसे वापस मालिक को दे देता है, वापिस देने योग्य वस्तु (Anything) borrowed from the owner for temporary use भग० ६, ३१, ओघ० नि० ७२६,

उवग्गहिय. त्रि० (उपगृहीत) उपस्थापन करेअ. उपस्थापित Freshly admitted after expulsion from the order पञ्च० २३,

उवग्गघाय पु० (उपोद्घात) प्रस्ताव, उपोद्घात उपोद्घात. प्रस्ताव An introduction, a preface अणुजो० १५५, विशेष० ६७२,

उवघाअ-य. पु० (उपघात) विनाश, भरण, संहार विनाश, मरण. संहार Death, destruction, annihilation क० ग० १, २५-४८ ५, ७-७०, क० प० १, ५८, प्रव० १२७७, १३८८; पि० नि० भा० २४, ओव० पञ्च० ११ २३, परह० १, १, (२) आघात-ओघाति धुदियोने वाञ्छत वगेरेना शब्दथी धक्का लागे ते ओघादि इन्द्रियों को वाय आदि के शब्दादिके श्रवण

वगैरह से जो धक्का लगे वह an impact given by sound etc to the sense-organs e.g. ears etc विशेष० २०४, (३) पि३१ शय्या वगेरेनु अकल्पनिष्पाद्य जेथी साधुने आहार, शय्या वगेरे कल्पे नहि तेवो दोष पिसड शय्या आदिकी अकल्पनीकता food, bed etc used by an ascetic against the rules of scriptures ठा० ३, ४, —कम्म न० (—कर्मन्) भीजनी धात धाय तेवी किया दूसरे का घात जिस से हो ऐसी क्रिया an act which involves destruction of other living beings “आसूणि मक्खिराग च गिद्धुमुवघायं कम्मग” सूय० १, ६, १५, —कम्मग न० (—कर्मक) लुओ उपलो शब्द देखो उपरका शब्द vide above सूय० १, ६, १५, —णाम न० (—नामन्) नामकर्मनी ओक प्रकृति नाम-कर्मकी एक प्रकृति a variety of Nāmakarma सम० २२, —णिसिय न० (—निश्चित) दशमु मृपा-अुठ दशवीं मूठ, असत्य का दशवा भेद the 10th variety of falsehood or lie प्रव० ८६६, ठा० १०, —उज्ज त्रि० (—वज्र) उपघात नामकर्मनी प्रकृति शिवा यनु उपघात नामकर्म की प्रकृति के अतिरिक्त with the exception of the variety of Nāma Karma known as Upaghāta क० प० ४, ३,

उवघाइ त्रि० (उपघातिन्) घात करने वाला, मारने वाला A destroyer, a slaughterer उक्त० १, ४०,

उवघाइअ त्रि० (उपघातिक) उपघात-नाश करने वाला दूसरेको घात करने वाला

(One) that kills or destroys another दस० ८ २१,

उवघाइया स्त्री० (उपघातिकी) प्रायश्चित्त-
नो ओं प्रकार, भारे प्रायश्चित्तमांथी थोडे
वधत आद डरी लघु प्रायश्चित्त आपनुं ते.
प्रायश्चित्त का एक प्रकार, भारी प्रायश्चित्त में
मे थोडा समय कम करके लघु प्रायश्चित्त
देना A mode of expiation,
making an expiation lighter
by curtailing the time requir-
ed for its due performance
and then prescribing it to a
sinner (२) २८ आचारप्रकल्पमानु
ओं २८ आचारप्रकल्प में से एक one
of the 28 Āchāra Prakalpa
“ उवघाइया आरोवणा अणुघाइया आरो-
वणा ” सम० २८,

✓ उवचिय धा० I. (उप+च्यु) अयवुं,
नाश थवे। च्युत होना, नाश पाना To
destroy, to ruin.

उवचयति भग० २, ५,

उवचय पु० (उपचय) पुष्टि, वधारो, वृद्धि
वृद्धि, वदती; पुष्टि Increase, growth
भग० २०, ४, पि० नि० २; १०१, सु० च०
१, ३१५, राय० २५०; (२) छिद्रिय योग्य
पुद्गलतो संग्रह डरी छिद्रिय पर्याप्ति आंधवी
ते इन्द्रिय योग्य पुद्गल का संग्रह करके
इन्द्रिय पर्याप्ति को बाधना. develop-
ment or growth of organs of
the body by sufficient storage
of proper molecules पञ्च० १५,
परह० १, ४,

✓ उव-चर धा० I (उप+चर्) पासे आवी
उपसर्ग आपवो-कष्ट आपनुं सर्पाप आकर
उपसर्ग करना-कष्ट देना To trouble
or annoy by approaching.

उवचरंति. आया० १, ६, २, ७;

उवचरअ-य. पुं० (उपचरक) सेवाने भिषे
भीमने उतारी पाडवानी तड जेनार. सेवा
के वहाने दूसरे के पतन का मौका ताकने
वाला One who watches for an
opportunity to bring another
into disgrace while pretending
to serve him सूय० २, २, २८,

उवचरिअ त्रि० (उपचरित) उभयार डरेव.
उपचार किया हुआ. Worshipped.
पंचा० ६, १०;

उवचार पुं० (उपचार) पूज सामग्री.
पूजा सामग्री Materials of wor-
ship परह० १, ३,

उवचिअ-य त्रि० (उपचित) पुष्ट थयेनुं;
वृद्धि पायेनुं, उवना प्रदेशथी व्याप्त थयेनुं
पुष्ट, वृद्धि प्राप्त, जीव के प्रदेश से व्याप्त.
Grown; developed; increased
“ उवचियतयपत्तरवाल कुर पुष्क फल
समुद्गए ” जं० प० २, ३८, विशेष० ८६४,
दस० ७, २२, नाया० १, ४, पञ्च० २;
श्रोव० १०; भग० १, १, ६, २, १, दमा०
१०, १, उवा० २, ६५, कप्प० २, १४, ३,
३२-३४, (२) सहित- सहित, युक्त
accompanied with. अणुजो० ५३;
जीवा० ३, १; (३) स्थापेन, गोटवेन-
स्थापित, जमाया हुआ. established,
settled, arranged (४) संलारेनुं,
डमावेनुं सम्हाला हुआ, कमाया हुआ
mended, tanned, cured (lea-
ther) राय० १६२,

✓ उव-चिह्न धा० I, II. (उप+छा)
समीप जुनु, पासे स्थिति डरवी समीप में
स्थिति करना To stand in front
of; to go to
उवचिह्न नाया० १, सु० च० ३, २४१;

उचचिष्टति भग० ७, २,

उचचिष्टे वि० उत्त० १, २०,

उचचिष्टिजा वि० उत्त० १, २,

उचचिष्टिजा वि० दम० ६ ११,

✓ उच-चिण धा० II (उप+चि) उपयय
उरवे, वृद्धि उरवे उपचय करना, वृद्धि
करना To increase, to grow, to
develop

उचचिणइ भग० १, १; १, ७, ६, उत्त०
२६, २२,

उचचिणिति ठा० ४, १,

उचचिणिस्मति ठा० ४, १,

उचचिणिंसु भू० ठा० ४, १,

उचचिजइ क० वा० भग० १, १०

उचचिजन्ति भग० ६, ३, २५, २,

✓ उच-जा वा० I (उप+या) पास जु,
मधु पास जाना, मिलना To go to
or near, to meet

उचयाइ भक्त० ७२;

✓ उच-जीव वा० I. (उप+जीव्) उपयुः
निर्वाह उरवे जीना, निर्वाह करना To
live, to maintain livelihood

उचजीवइ भग० २, १, वव० ६, ६, सूय०
२, ५, ३१;

उचजीवन्ति भग० ४१, १,

उचजीवि त्रि० (उपजीविन्) आश्रयिन् यदा-
यदा आजीविका चलाने वाला (One)
who maintains livelihood, (one)
who supports life पि० नि० २६६,

उचजुंजिऊण म० कृ० अ० (उपयुज्य) उपयोग
इति उपयोग करके Having used,
having made use of भग० ८, १

उचजुत्त त्रि० (उपयुक्त) उपयोग सहित
उपयोग सहित Full of carefulness
or attentiveness प्रव० ६८,

उचजोइय पु० (उपज्योतिष्क = ज्योतिषः

समीपे तिष्ठन्तीति उपज्योतिपस्तप्त्वोपज्यो-
तिष्का) अग्नि पास रहने वाला, रखे ड्या One
who remains near fire, a cook
(२) अग्निहोत्री अग्निहोत्री one who
consecrates and maintains the
sacred fire उत्त० १२, १८,

✓ उच-पञ्ज धा० I (उप+पद्+य)
उत्पन्न थयु उत्पन्न होना To be born,
to be produced

उचवज्जति दमा० ७, ७,

उचवज्जित्तए ह० कृ० भग० ७, ६, ३४, १

✓ उच-पञ्ज वा० II (उप+पद्) उप
जु, उत्पन्न थयु पैदा होना, उत्पन्न होना
To be born or produced

उचवज्जइ भग० १, ७, ३, ४, ५, ४, ६,
८, १०, नाया० १६,

उचवज्जति ओव० ३८, उत्त० ८, १४, म०

प० १६ भग० २, ५, ७, ३, १०, ४,

११, १, १२, ६, १३, १, १६, ३ २०,

१, २३, ५, २४, १, १२, २५, ८,

३२, १, ३५, ४, ४०, १, ४१, १

उचवज्जेज्जा भग० १, ७ १२, ८, १७,

६ २०, ६, २४, १, ३४, १

उचवज्जिहिति भग० २, १, ७, ६ ११,

११ १३, ६ १४ ८, १५, १,

नाया० व० उवा० १, ६२ ६०

० १०५, ओव०

उचवज्जिहिति नाया० १, १४, भग० ३ १,

७, ६, विवा० १, ज० प० २, ३६,

उचवज्जिहिसि उवा० ८, २५२, २५६,

उचवज्जिस्सह भग० ३, १,

उचवज्जित्तए हे० कृ० भग० ३, ४, ५, ३

६, ५, ७, ६, ७, १२, ६, १७, ६,

७ १८, ५, ८, २०, ६ २४, १,

२१ ३४, १ पञ्ज० १६,

उवज्जित्ता स० कृ० भग० ११, ६, २०, ६,
उवज्जेत्ता सं० कृ० भग० ६, ५,
उवज्जिऊण सं० कृ० पन्न० १६,
उवज्जमाण भग० १, २; ६; ७; १२, ८,
२४, १; २, २०; २५, ६, ३४, १,
४१, १;

उववायए. प्रे० वि० उत्त० १, ४३, दम०
८, ३३;

उवज्जोइ त्रि० (उपज्योतिप्) ल्योति-
अग्नि समीपवर्ती. ज्योति-अग्नि समीपस्थ.
(One) who remains near the
fire, remaining near the fire
सूय० १, ४, १, २६,

उवज्झाय. पु० (उपाध्याय-उपगमपमागत्य
अधीयते सूत्रतो जिनप्रवचन येभ्यस्त उपा-
ध्यायाः / उपाध्या , शास्त्रेण अध्ययनं करि-
यन्तः, उपाध्याय, शास्त्र का अध्ययन करने
वाला An Upādhyāya or precep-
tor, a teacher of scriptures
दमा० १, १, वेय० ४, १५, नाया० २,
००, भग० १, १ ५, ६, ८, ८, २५ ७,
ओव० २०, ४१, उत्त० १७, ४; मम० ४०,
आया० २, १, १०, ५६, राय० १, पन्न०
१६, वव० १, २६, २६; आव० १, २,
भत्त० ४८, काप० १, १, —पडिणीय पु०
(-प्रत्यनीक) उपाध्यायनो शत्रु उपाध्याय
का शत्रु. an enemy of an Upā-
dhyāya or preceptor भग० ६,
३३; १५, १, —वेयावच्च न० (-वैया-
वृत्य) उपाध्यायनी सेवा करी ते उपाध्याय
की सेवा rendering of service to
an Upādhyāya or teacher of
scriptures भग० २५, ७, ठा० ५, १,
वव० १०, २७,

उवज्झायत्त न० (उपाध्यायत्व) उपाध्याय
पाण्डु उपाध्याय पना State of being

an Upādhyāya or teacher of
scriptures; preceptorhood. वेय०
४, १६, १७, वव० ७, १६,

उवज्झाय-ता स्त्री० (उपाध्यायता) उपाध्याय
नी पदवी उपाध्यायकी पदवी. Degree or
title of an Upādhyāya or pre-
ceptor ठा० ३, ४, वव० ३, ४, ७,
उवट्ठम पु० (उपट्ठम) टेडा टेका A
support प्रव० १३८१;

✓ उव-ट्ठव धा० I, II (उप + स्था)
गेहवपु, तैयारी करी, महाव्रतनुं आरोपण
करुं तैयारी करना, मेल मिलाना; जमाना,
सजाना, महाव्रतका आरोपण करना. To
make preparations or arrange-
ments, to administer the great
vow

उवट्ठवेड नाया० १; ५. ८, १२, १३,
दसा० १०, १,

उवट्ठवेति नाया० ८, भग० ७, ६,

उवट्ठवेसि. नाया० १२;

उवट्ठवे दसा० १०, १;

उवट्ठवेह आ० नाया० १. ५, ८, १२;

१६, भग० ७, ६, ६, ३३, ओव०

२६, ३०; राय० २२६ उवा० ७,

२०६, ज० प० ५, १२०,

उवट्ठवेत्ता भग० ६, ३३, निमी० १४, ४८;

नाया० १, १३,

उवट्ठवणा स्त्री० (उपस्थापना) महाव्रतनुं
आरोपण करुं ते महाव्रत का आरोपण
करना Investing with full vows
(i. e. ascetic vows) पचा० १७, ३१;

✓ उव-ट्ठा धा० I, II (उप + स्था + णि)
उपस्थित रहेणु, तैयार रहेणु. तैयार रहना;
उपस्थित रहना, हाजिर रहना, To keep
(oneself) ready or prepared
उवट्ठाइ ज० प०

उवद्वंति अणुजो० २१,

उवद्वाइंसु भग० १५, १,

✓ उवद्वाव वा० I, II. (उप+स्था+णि)

आरित्रमा स्थापयु, महाव्रतनुं अरोपयु करवुं
महाव्रत का आरोपण करना To establish (a fresh disciple) in
right conduct, to administer the great vows to a disciple

उवद्वावेइ नाया० ८, निसी० ११, ३४

उवद्वाविंती नाया० ८

उवद्वावणुज्जा भग० १, ४, वव० १, २६, २७,

उवद्वावेह आ० भग० ७, ६,

उवद्वावित्तण हे० क० ठा० २, १, मूय० २, ७,

१५ वव० २, १६, ६, २०, १०, १८

उवद्वावेत्तण ठा० ३, ४,

उवद्वाण न० (उपस्थान) भेदः सभा,
मंडप बैठक, मभा मंडप A seat, a
meeting-place, a hall of assembly कप्प० ४, ८८, भग० १, ३ ३, ७,
नाया० २, (२) अयम अनुष्ठान मयम का
अनुष्ठान observance of asceti-
cism सूय० १, १, ३, १४, —साला
स्त्री० (-शाला) राजसभा, भेदः राज-
सभा; बैठक. a seat, a hall of au-
dience, a royal council hall
नाया० १ ५, १६ ज० प० ३, ४३, भग०
७, ६; ६, ३३, ११, ११, निर० १, १
नाया० ४० दसा० १०, १, “ बाहिरियाण
उवद्वाणसालाण पडिण्ण पडिण्णज्जा जत्ताभि
मुहाइ जत्ताइ जाणाइ उवद्वावेह ” ओव०
११ २६ कप्प० ४, ५८,

उवद्वाणिअ न० (उपस्थानिक) भेट,
भक्षीस, नजराना भेट, इनाम पारितोषक,
नजराना A gift, a present ज० प०
३, ६४, ३, ४५

उवद्वाणिआ स्त्री० (उपस्थानिका) पामे

भेसनारी दासी समीपमें-पास में बैठनेवाली
दासी An attendant female ser-
vant, a waiting maid-servant.
भग० ११, ११,

उवद्वावण न० (उपस्थापन) दीक्षा दीधा
पढी सात दिवसे आर भट्टिने के छ महिने
महाव्रतनुं आरोपयु करवु-भंडाटी दीक्षा
आपनी ते, छंदोपस्थापनीय आरित्र आरो-
पयु ते दीक्षा देने के बाद सात दिन, चार
मास या छे मास के नंतर महाव्रत का आरो-
पण करना, बडी दीक्षा देना छंदोपस्थापनीय
चारित्र का आरोपण Fresh admission
after expulsion from the order
of monks वव० १०, १२, १३, ठा०
४, २, — अन्तेवासी पु० (अन्तेवामिन्)
जेटे छंदोपस्थापनीय आरित्र आपु होय तेवे
शिष्य. जिसे छंदोपस्थापनीय चारित्र दिया
हो वर शिष्य a disciple freshly
admitted in the order of monks
after a temporary expulsion
वव० १०, १३, १४, (शा) — आरित्र पु०
(-आचार्य) भेटी दीक्षा आपनार आचार्य,
गुरु बडी दीक्षा देनेवाले आचार्य a pre-
ceptor entitled to re-admit a
disciple into the order of
monks after a temporary ex-
pulsion ठा० ४, ३. — आरित्र पु०
(-आचार्य) उपस्थापना छंदोपस्थाप-
नीय आरित्र आपनार गुरु छंदोपस्थापनीय
चारित्र देनेवाले गुरु a preceptor re-
admitting a disciple into the
order of monks after a tempo-
rary expulsion वव० १०, १२

उवद्विअ-य त्रि० (उपस्थित = उप सामीप्योन
स्थित उपस्थित) पामे आवेद, दाज्जर
थगेद समीप में आया हुआ दाजिर रहा

हुआ. Come near, approached, present “ उवडियामे आयरिया विजामंत तिगिच्छमा ” उक्त० २०, २२; नाया० ८; दस० ४; ६, २, ५. सम० ३०; प्रव० १२५, आया० १, ४, १, १२६ भग० १, ६. ७, ६, सूय० १, १, २, ५, उक्त० २५, ५, ओघ० नि० ५१५.

उवडहिता-र त्रि० (उपद्रवृ) आगनार जलाने वाला (One) who burns or sets fire to सूय० २, २, १८,

✓ उव-ढोय धा० II (उप+ढोक्) भानता यज्ञवपी, धरवु मानता करना मानता चढाना To offer for acceptance e g before a deity; to present as an offering

उवढोइति सु० च० २, ३३६,

उवणच्चिउजमाण पु० (उपनृत्यमान) नाचता हुआ, नृत्य करता हुआ One who is dancing भग० ६, ३३. ज० प० ३, ६७, ३ ५२,

उवणत्थ. त्रि० (उपन्यस्त) तैयार इरेक्ष तैयार किया हुआ Made ready, prepared दस० ५, १, ३९;

उवणद्ध स्त्री० (उपनद्ध) धातु बहुत Much, more, in a great quantity. भग० ६, ३३,

उवणय पु० (उपनय) प्रकृत वस्तुनी साथे उदाहरणनी घटना इरेवी ते प्रकृत वस्तु के साथ उदाहरणकी घटना करना The fourth member of the five membered Indian syllogism (in logic), the application of the Udāharana or illustration to the special case in question ओघ० नि० भा० ४४, विशेष० ३१५२, (२) भेटलु, अक्षीस. डालो इनाम, पारितोषक

a gift, a present राय० २३७; (३) शुशुनी तारीक्ष, प्रशसा प्रशसा praise or appreciation of merits or virtues प्रव० ६०३; —वयण न० (-वचन) प्रशसा वचन जेम अभुड भवस्वरूपान् अने सुशील छे ते प्रशंसाके वचन words of praise or adulation प्रव० ६०३,

उवणयण न० (उपनयन) इलायार्थ पाभे आलइने इला शिष्यवपी ते कला के आचार्य से बालक को कला सिखवाना Getting a child instructed in arts by a preceptor. भग० ११, ११ पणह० १, २, राय० २८८,

उवणिविखत्त त्रि० (उपनिक्षिप्त) भुकेल रखा हुआ Placed, deposited वेय० २, ४,

उवणिविखयव्व त्रि० (उपनिक्षिप्तव्य) पाछु भुकेलु फिरसे रखना Placing or depositing again वेय० ४, २४,

उवणिग्गय त्रि० (उपनिर्गत) नीडनेल; अलार आवेक्ष निकला हुआ, बाहिर निकला हुआ Come out, got out; emerged ओव०

✓ उवणिमंत धा० II (उप+नि+मत्त्र) निमत्रणु इरेवु, नेतइ देवु. निमत्रण करना, न्योता करना To invite, to give an invitation.

उवणिमतेइ नाया० १, ८, १४, १८; भग० १२, १, सम० ३३,

उवणिमतेज्जा भग० ८, ६, वेय० १, ३७,

उवणिमतेहि नाया० १४,

उवणिमतेह नाया० १,

उवणिमतेहिति ओव० ४०.

उवणिविद्व त्रि० (उपनिविष्ट) समीपे रहेल. समीप से रहा हुआ Placed near; remaining near, situated near.

राय० ४६, ज० प० ४, ७४,

उवाणोहित्रा. स्त्री० (औपनिधिकी) लुब्धी
लुब्धी अनेक वस्तुओंना पौर्वापर्यभाव-अनु-
क्रमनी योजना, आनुपूर्वी-अनुक्रमनी अनेक
प्रकार भिन्न २ अनेक वस्तुओंका पूर्वापर भाव
-अनुक्रम की योजना, अनुक्रमका एक भेद
Arrangement of different
things in order or succession
अणुजो० ७२,

उवणीअ-य त्रि० (उपनीत) पासे
आवेष्ट, प्राप्त थयेष्ट. समीपगत, प्राप्त
Come near, brought near,
obtained उत्त० ४, ९, सु० च० १, ३१६,
आया० १, ३, १, १०८, १, ७, १, ६०,
पि० नि० ११३, नाया० १४, १६, राय०
२३७, विवा० ६, पचा० ७, १७, (२)
अक्षीस आपेक्ष, सम्पर्पणु क्षेत्र समर्पित,
अर्पित, पारितोषक में दिया हुआ-दो हुई
(one) who has been pre-
sented with. ओव० १६, भग० ५,
६, पण्ड० २, १, (३) प्रशंसा, तारीफ,
महिमा प्रशंसा; स्तुति praise, glori-
fication आया० २, ४, १, १३२,
पञ्च० ११, (४) संयुक्त सयुक्त, मिला
हुआ joined with, accompanied
with. भग० ११, ११, (५) प्रस्तावना
उपसहार वगेरैकी युक्त प्रस्तावना, उप-
सहार आदि सहित accompanied
with a preface, a conclusion
etc अणुजो० १२८, (६) येजना क्षेत्र
योजित, योजना किया हुआ-की हुई
planned, arranged विशेष० १५४,
—चरअ त्रि० (-चरक) क्याइथी
आलुप्त होय के अक्षीस आवी होय तेनी
गवेपणा क्षेत्रार कहीं से लाई हुई या पारि-
तोषक में प्राप्त वस्तु की गवेपणा करनेवाला

(one) who seeks only that
which is brought from out side
or got as a present. ओव० १६,
—वयण न० (-वचन , प्रशंसा रूप
वचन जेमे के आ स्त्री रूपवाणी छे प्रशंसायुक्त
वचन जैसे अमुक स्त्री रूपवान है words
of praise, commendation, e
g. of the beauty of a woman
आया० २, ४, १, १३२,

उवणीय त्रि० (उपनीततर) ज्ञानादिभ
अतिशय भग्न थयेष्ट ज्ञानादिक में जो
अतिशय मग्न हो वह. (One) deeply
absorbed in right knowledge
etc सूय० १, २, २, १७,

उवणीयतराग. त्रि० (उपनीततर) अति
तत्त्वनु अतिशय समीपस्थ, बहुत पास
का Very close to, very near
to सूय० २, १, ३६,

उवणुप्पयणी स्त्री० (अवपातोत्पत्तनी)
आकाशमा अथवा उत्तरवानी विद्या आकाश में
चढ़ने उतरने की विद्या Art of ascend-
ing and descending in the sky
नाया० १६,

उवणुसिउं स० कृ० अ० (उपन्यस्य) उप-
न्यास करीते स्थापन करीते उपन्यास करके
स्थापन की हुई Having placed,
having deposited, having esta-
blished विशेष० १३५५,

उवथड त्रि० (उपस्तृत) आसपास ढंका-
येतु आसपास ढंका हुआ Covered on
all sides “आतिगणा वितिगणा उवथडा
सथडा” भग० १, १, राय० २७३,

उवत्थाणिअ न० (उपस्थानिक) लुब्धो
‘उवत्थाणिअ’ शब्द देखो उवत्थाणिअ’
शब्द Vide ‘उवत्थाणिअ’ ज० प०
उवत्थाणिश्रिया स्त्री० (उपस्थानिका) लुब्धो

‘उवट्ठाणिया’ शब्द. देखो ‘उट्ठाणिया’ शब्द Vide उवट्ठाणिया’ भग० ११; ११, उवत्थिअ-य त्रि० (उपस्थित) पास २६६, तैयार २६६ समीप में रहा हुआ-हुई, तैयार. Situated near, in a state of readiness, standing near “दस-विहारुक्खा उवभोगेत्ताए उवत्थिया” मम० १०, नाया० १६; दसा० ६, १७, २३, २४,

✓उव-दंस धा० I, II (उप-दृश्) देखाउं. दिखाना To show, to manifest

उवदसेइ ति० भग० २, १०; ३, २; १२, ६, १६, ५; ६, विवा० १; कण्ठ० ६, ६४,

उवदसंति भग० ३, १,

उवदसंति जं० प० ५, १२१,

उवदसेमि. सु० च० १५, ११३; सूय० २, १, ११,

उवदसिज्जा वि० भग० ११, १०; दसा० ३, १४, १२,

उवदसेज्जा वि० भग० १४, ८,

उवदसित्ता. वि० भग० ३, २;

उवदसेत्ता सं० कृ० भग० ३, १,

उवदसित्ता हे० कृ० भग० ६, १०; ५, ६, राय० ७, ८, २६८,

उवदसेत्ता हे० कृ० भग० ५, ४, १४, ८;

उवदसेमाण. राय० ७१, भग० १२, ६ नाया० ८, जं० प० ५, ११७, उवा० ८, २४६;

उवदसिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० १३,

उवदंसण पुं० (उपदर्शन) नीलवन्त पर्वत उपरंतु नवमं शिखर नीलवन्त पर्वत पर का नवमा शिखर Name of the 9th summit of Nilavanta mount ठा० २, ३, जं० प० (२) देखाउं, गताउं दिखाना,

वताना Act of showing or pointing out. प्रव० १३६; —कूड. पु० (-कूट) जुओ ‘उवदंसण’ शब्द देखो “उवदंसण” शब्द Vide “उवदंसण” ज० प०

उवदंसणया. स्त्री० (उपदर्शन) नामनी अर्थ साथे योजना करी वस्तुनु निदर्शन करूं ते नामकी अर्थ के साथ योजना करके वस्तु का निदर्शन करना Pointing out a thing by naming it and explaining the connection between the name and its meaning अणुजो० ७२;

उवदंसिय त्रि० (उपदर्शित) दर्शविषु, गतावेणुं प्रदर्शित, वताया हुआ Shown; pointed out अणुजो० १६, उक्त० २५, ३५.

उवदिट्ठ त्रि० (उपादिष्ट) उपदेशेणुं, दर्शविषु उपदेशित वतलाया हुआ Taught, instructed; pointed out. भग० ६, ३३, अणुजो० १७, ओव० २१, पन्न० १६,

✓उवदिस. धा० I (उप+दिश्) उपदेश करूं. उपदेश करना To teach, to advise, to preach

उवदिसइ कण्ठ० ७, २१०; जं० प० २, ३०,

उवदिसंति नाया० ५, पणह० १, २

उवदिसित्ता हे० कृ० नाया० १४,

उवदेस. पुं० (उपदेश) उपदेश, धर्मनोपदेश उपदेश, धर्म का बोध-ज्ञान Religious teaching, instruction, sermon भग० ६, ३१, ३३; १८, २, नाया० १६, पन्न० १,

उवदेसण न० (उपदेशन) जुओ ‘उवदेस’ शब्द देखो ‘उवदेस’ शब्द. Vide “उवदेस” ठा० ८, १,

✓उव-हव धा० I, II (उप+हव) उपहव

इरवे; दुःख देवुं, भारवुं. उपद्रव करना. दुःख देना, मारना To harass, to give pain or trouble, to kill.

उवद्वेमो. भग० ८, ७,

उवद्वेह ८, ७,

उवद्वेमाण भग० ८, ७,

उवद्व पु० (उपद्रव) महाकष्ट, आहत महान् कष्ट, आफत, सकष्ट Great trouble, calamity. भग० ६, ३३, नाया० १, ज० प० २, २४, जीवा० ३, ३, —रक्षिष्य त्रि० (—रक्षिक) उपद्रवभाषी रक्षायु इरवार उपद्रवसे रक्षा करनेवाला (one) who saves from, protects against troubles, dangers etc. प्रव० ६४१,

उवधारेमाण त्रि० (उपधारयत्) धारयु इरते धारण करता हुआ. Retaining things (perceived) in the mind; putting on भग० ६, ३३,

उवधारण्या स्त्री० (*उपधारण) अर्थविग्रहणु ओड नाम. अर्थविग्रह का एक नाम Apprehension of an object, a synonym for Arthāvagraha नदी० ३०,

उवधारिय. त्रि० (उपधारित) धारयु इरत धारण किया हुआ—की हुई Retained in the mind, put on भग० १, ६,

उवनम धा० I (उप+नम्) नमस्कार इरवे, नमस्कार करना, प्रणाम करना To salate, to bow to

उवणमति तदु० सूत्र० १, २, १, १,

उवणमतु भग० ३, २,

उवनंदणभद पु० (उपनन्दनभद्र) आर्य संभूतविजयना ओ नामना ओड शिष्य आर्यसंभूत विजय के एक शिष्य का नाम Name of a disciple of Ārya Sambhūta Vyaya कप्प० ८,

उवनच्चिमाण त्रि० (उपनृत्यमान) नाच इरते नृत्य करता हुआ Dancing राय० २०५, २८६,

✓उव-निमंत धा० II (उप+नि+मन्त्र्) पासे आवी निमंत्रण इरत समीप में आकर निमंत्रण देना. To invite by approaching, to invite

उवनिमतेमि उवा० ७, २२०,

उवनिमतिस्मति राय० २२६,

उवनिमतिस्सामि उवा० ७, १८८

उवनिमतेत्ता भग० १२, ,

उवनिमतिच्छ हे० कृ० उवा० ७, १६३,

उवनिहिञ्च. त्रि० (औपनिधिक) गृहस्थ भेदा होय तेनी नञ्कमा ने अहारादि होय तेनी गवेपणु इरवाना अभिग्रह धरनार गृहस्थ वेठा हो और उसके समीप आहारादि हो उसकी गवेपणा करने का अभिग्रह धारण करनेवाला (One) who has taken a vow to seek only that food which is actually lying by the side of householders डा० ५, १, परह० २, १,

✓उव-ने वा० I (उप+नी) लभयु, दैरयु लेजाना To lead, to carry, (२) नेट अ पवी भेट देना to give as a gift, to give a present (३) सौपयु सौपना to hand over, to give under the charge of

उवणेह-ति. नाया० १, २ ३, ५, ८, ६,

१२, १४, १६, १७. १८, ज० प०

राय० २६०, सु० च० २, ३०८,

पि० नि० ४२३,

उवणिति सु० च० २, ३५३,

उवणेति नाया० १, ३ ५, ८, ६, उवा० ८, २४३,

उवणेमो नाया० ८, दसा० १०, ३,

उवणेहि नाया० २, १२, १६.

उवणेइ नाया० १३; ८; १६,

उवणेहिंति ओव० ४०;

उवणेत्ता म० क० सूय० २; ६. १,

उवणित्तण हे० क० वव० १, २३,

उवणित्तर्ह, क० वा० उत्त० १३, २६;

उवन्नासोवणञ्ज पु० (उपन्यासोपनय)

वादिने जितवाने प्रत्युत्तर आपवे। ते. वादी को जीतने के लिये प्रत्युत्तर देना replying an adversary with a view to refute his argument. ठा० ४, ३,

उवप्पयाण न० (उपप्रदान) राजनीतिने

जीने प्रकार, पहले प्रक्षरथी दुस्मन वश न थाय तो पक्षी उभ्रक आपी बलयावी तेने वश करवान्नी नीति राजनीति के चार भेदों में से दूसरा भेद, पहले प्रकार से शत्रु के वश न होनेपर उसे कुछ लालच देकर वश करने की नीति (In politics) the 2nd mode of bringing an enemy under subjection viz enticing him to submit by offering some gift. विवा० ३; नाया० १, राय० २०६,

उववूह पु० (उपवृंह) समानधर्मिणीना सद्-

गुणनी प्रशंसा करी तेमना मनने उत्साहित करवा ते. समधर्मियोंके सद्गुणकी प्रशंसा करके उनके मनको उत्साहित करना Encouraging, cheering up; cheering up comrades in a common profession by praising their virtues पत्र० १; पंचा० १५, २४, प्रव० २६६,

उववूहण न० (उपवृंहण) निभाव, रक्षण,

वृद्धि, पोषण निभाव, रक्षा, वृद्धि Encouraging, nourishing protecting पचा० २, २८, पण्ह० २, १, ५,

उववूहणिय त्रि० (उपवृहणिक) वृद्धि-पुष्टि

कारक. पुष्टि करने वाला Nourisher of the body निसी० ६ ११;

उववूहा. स्त्री० (उपवृहा) गुणिनोना गुणनी प्रशंसा करवी, समकितना आह आचारमांते पांथमे आचार. गुणीजनों के गुणकी प्रशंसा करना, सम्यक्त्व के आठ आचारोंमेंसे पांचवा आचार Praising, glorifying the merits of the meritorious; the 6th of the eight Āchāras of right belief or Samakita उत्त० २८, ३१;

उववूहिउणं अ० (उपवृह) उल्लु उल्लु आवाज करीने कुह कुह शब्द करके. Having made a noise resembling "Kuha, Kuha," cooing. मु० च० १, १६३,

उववूहित त्रि० (उपवृहत्) प्रशंसा करतो प्रशंसा करता हुआ Praising, applauding, गच्छा० ३४,

✓उव-भुंज धा० I. (उप+भुज्) भाग खाना To eat, to dine.

उवभुजइ नाया० ७,

उवभुजसि सु० च० १, २१३

उवभुत्त त्रि० (उपभुक्त) भोगवेद भोगा हुआ Enjoyed भत्त० ३६,

उवभोग पु० (उपभोग) उपभोगनी वस्तु, जेना बारबार उपभोग थछ शके तेवा स्त्री वस्त्र लूपण वगेरे उपभोगकी वस्तु, जिस का बारबार उपभोग हो सके ऐसी वस्तु-स्त्री वस्त्र, भूषण आदि. An object of enjoyment, an object of enjoyment which is not consumed by being used once, e g clothes, ornaments etc कप्प० ३, ४४, प्रव० २८२, क० ग० १, ५२, पत्र० २३, उवा० १, २२, ५२, पंचा० १, २४

—अन्तराय न० (-अन्तराय) अन्तराय
 दुर्भनी ओष्ठ प्रकृति के जेना उदयथी वस्त्र
 आभूषण वगैरेना उपभोग थछ शके नहीं
 अन्तराय कर्म की एक प्रकृति जिस के उदय
 मे वस्त्र, आभूषण आदि का उपभोग नहीं
 हो सकता A variety of Antarāya
 (i. e. obstructing) Karma by
 the use of which a person can
 not enjoy clothes, ornaments
 etc उत्त० ३३, १५, सम० १७, भग०
 ८, ६, —ट्ट न० (-अर्थ) वस्त्र आदिना
 उपभोग भाटे. वस्त्र आदि के उपभोग के
 लिये for the sake of the enjoy-
 ment of clothes etc दम० ६,
 २, १३, —परिभोगपरिमाण न० (-परि
 भोगपरिमाण) गृहस्थाना सातमा व्रतनुं
 नाम के जेमा ओन्वार के वारवार भोगवाय
 तेवी वस्तुओनुं परिमाण आधवामा आवे
 छे गृहस्थके सात वें व्रतका नाम जिसमे
 कि उपभोग्य-वारवार भोग में आनेवाली-वस्तु
 ओ के परिमाण की प्रतिज्ञा की जाती है.
 the 7th vow of a householder
 in which a limit is fixed as to
 the possession of objects of
 enjoyment of both kinds, viz
 those consumed by one use
 and those not so consumed
 भग० ७, २, —लब्धि स्त्री० (लब्धि)
 उपभोग-वस्त्रादिनी प्राप्ति उपभोग वस्त्र
 आदिकी प्राप्ति acquisition of objects
 of enjoyment such as clothes
 etc भग० ८, २,

उपभोगत्त न० (उपभोगत्व) वस्तुते उप
 भोग, उपयोग उपभोग, उपयोग Use,
 enjoyment सम० १०,

उपमा स्त्री० (उपमा) मुद्रापदे, अरणा-

भली; उपमा तुलना, उपमा Compa-
 rison “अन्नहा परिन्ने सन्ने उवमा न
 विज्जस्” उत्त० ७, १५: ३६, ६५, पञ्च०
 २, ३०, ओव० विशेष० ४७०, राय० २४६;
 आया० १, ५, ६, १७०, उवा० १, ६२,
 ३, १४४, क० ग० १, १६, पचा० १६, १०;
 (२) भाषणा मान्यता धारणा, मान्यता
 belief, supposition उत्त० ४ ६.

उपमिअ-य. त्रि० (उपमित) उपमायुक्त
 उपमा सहित (That which is)
 compared ० ज प० भग० १६, १,
 विशेष० ६८५,

उपमिय त्रि० (औपमिक—उपमयानिवृत्त
 मापमिक उपमामन्तरेण यत्कालप्रमाणम-
 नतिशाश्विना ग्रहीतु न शक्यते तदौपमि-
 कम्) जेनु कालप्रमाण उपमा यिना भीज्यथी
 नाली न शक्य मात्र उपमाथीन नाली
 शक्य ते, पद्योपम, सागरोपम वगैरे
 जिसका काल प्रमाण बिना उपमाके नहीं जाना
 जा सके वह, पल्योपम, सागरोपम आदि
 (Anything) the measure of
 which can be understood or
 grasped only by a simile and
 not otherwise, e g Palyopa-
 ma Sāgaropama etc भग० ६, ७

उपययिय त्रि० (उपचरित) उपचार करे
 उपचार किया हुआ Worshipped.
 विशेष० २८३,

उपचार पु० (उपचार) पूज्यसामग्री, पूजा-
 सामग्री Articles of worship ओव०
 पञ्च० २ सू० प० १०, राय० ६० जीवा०
 ३, ३, नाया० १, ३, अणुजो० १३०,
 भग० ६, ३३, ११, ११ कप्प० ३,
 ३२, ४, ५८, पचा० २, ३६, ज० प० ४,
 ६२, सु० च० १, ३७ (२) शालुभा
 शर्यते अने कार्यमा शालुभा आरोप

आरोप-जैसे कि कारण में कार्य का और कार्य में कारण का आरोप. attributing the nature or properties of one thing to another, e. g. identification of cause with effect and vice versa विशेष १६०, (३) समूह; दगले समूह, ढेर a group, a collection सम० ३४, (४) ओक विषयकी भीम विषयनुं ग्रहण करतु एक विषय में दूसरे विषय का ग्रहण करना figurative or metaphorical use, secondary application, विशेष १२; (५) लोकव्यवहार लोक व्यवहार conventional practice ओव० २०, राय० २६१, ओघ० १० ७४०,

उचयार पु० (उपकार) उपकार, भेट, भेट. उपकार, भेट; सहायता. Obligation, help, a gift; a present सु० च० १, १५, ओघ० नि० ५८३ पि० नि० २५१, भक्त० ११८,

उचयारि. त्रि० (उपकारिन्) उपकार करने वाला Obliging, helpful, kind विशेष २३४४, सु० च० १०, ५५,

उचयारिअ पु० (औपचारिक-उपचारो लोक व्यवहारः पूजा वा प्रयोजनमस्येति) औपचारिक विनय, विनयनी ओक प्रकार औपचारिक विनय, विनय का एक प्रकार A way of showing respect, observing proper forms of respect पचा० ६, ३७,

उचयारियलयण. पुं० (उपकारिकलयन) सूर्याभना वनस्पदमोना मध्य भागनु ओक धर-लयन के ले ओक लाभ लेवननुं लाभ पड़ोणु छे सूर्याभ के वनखड के मध्य भाग स्थित एक भवन जो कि एक लाख योजन

लंबा चौड़ा है. Name of a mansion in the centre of the Vanakhanda (forest-region) of Sūryābha, which is one lac of Yojanas in length and breadth. ज० प० ४, ८८, उचयालि पु० (उपजालि) अंतगड सूत्रना योथा वर्गना त्रीम अध्ययननु नाम अंतगड सूत्र के चौथे वर्ग के तीमरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the fourth section of Antagada Sūtra (२) वसुदेवराजनी धारणी राणीना पुत्र के ले नेमनाथ प्रभु पारसे दीक्षा दध गार अगनी अभ्यास करी सोण वरसनी प्रवर्ग्या पाणी शत्रुंजय उपर ओक भासनी सथारो करी परम पद पाभ्या वसुदेव राजा की धारणी नामक रानी का पुत्र जमने कि नेमनाथ प्रभु से दीक्षा ली थी और बारह अंग वा अभ्यास किया था तथा सोलह वर्ष तक तप कर अत में शत्रुजय पर एक मास का मथरा किया और मोक्ष पाग name of a son of Dhārānī the queen of king Vasudeva He took Dīksā from Lord Neminātha, studied 12 Angas, practised asceticism for 16 years and after a month's Santhārā (giving up food and water) on Śatruñjaya got final emancipation अत० ४, ३, (३) अणुत्तरोववाधना प्रथम वर्गना त्रीम अध्ययननु नाम अणुत्तरोववाध के प्रथम वर्ग के तीमरे अध्याय का नाम name of the third chapter of the first section of Anuttarovavā (४) श्रेष्ठि राजनी धारणी राणीना पुत्र के ले दीक्षा दध शुशुरयलु तप करी सोण वरसनी

प्रव्रज्या पाणी विपुल पर्वत उपर ओष्ठ भासने
संथारो करी जयंत नामना अनुत्तर विमान-
मा ३२ सागर ते आठिमे उत्पन्न थया, त्यांथी
ओष्ठ अवतार करी मोक्षे जरी श्रेणिक राजा
की धारणी रानी के पुत्र का नाम जिस ने
कि दीक्षा ग्रहण कर गुणरयण नामक तप किया
और सोलह वर्ष तक प्रव्रज्या का पालन कर
विपुल पर्वत पर अत में एक माम का सधारा
करके जयंत नामक अनुत्तर विमान में ३२
सागर का आयुष्य प्राप्त कर उत्पन्न हुआ, वहां
एक अवतार करके मोक्ष जायगे. name
of a son of Dhārāṇī queen of
king Śreṅka He took
Diksā, practised the Gunara-
yana austerity, observed asce-
ticism for 16 years and after
a month's Santhārā (giving
up food and water) on Vipula
mount, was born in the cele-
stial abode named Jayanta
with a life of 32 Sāgaras After
one more birth he will get
salvation अणुत्त० १, ३,

उचयोग पुं० (उपयोग) पोताना विषयने
जालुवाने ते तरङ्ग लक्ष आपवु ते, शब्दादि
विषय तरङ्ग धृष्टियनी प्रवृत्ति-व्यापार अपने
विषयको समझनेके लिये उस तरफ लक्ष देना,
शब्दादि विषयो की ओर इन्द्रियो का झुकाव-
व्यापार Operation of the senses
in cognising their objects, e. g.
of the ear in relation to
sound; straining of the senses
towards their objects विशेष
२०६८, (२) पाय ज्ञान त्रुषु अज्ञान
अने बार दर्शन ओ बारमानु गमे ते ओष्ठ
पाच ज्ञान, तीन अज्ञान तथा चार दर्शन इन

में से कोई भी एक any one of the
group of the twelve, viz 5
kinds of knowledge (Jñāna),
3 kinds of ignorance (Ajñāna)
and 4 kinds of belief (Darsana)
उत्त० २८, १०, विशेष ३१०६, - द्रव्या
स्त्री० (- अर्थता) उपयोगपण्यु, उपयोगनी
अपेक्षा उपयोग लगान की अपेक्षा, उपयोग
पन, उपयोगिता state of being
Upayoga, desire for Upayoga
(१५) भग० ८, ५

✓ **उचरम वा० I (उप+रम्)** निवर्तयु,
अटक्यु दूर होना, रुकना To cease, to
stop, to desist from

उचरमइ भग० १, ८, नाया० १८,

उचरम पु० (उपरम—उपरमणमुपरमः) अ-
लव, निवृत्ति अभाव, निवृत्ति Absence,
cessation desisting from विशेष
६२,

उचरय त्रि० (उपरत) पापथी निवृत्ति
पापेक्ष पाप से हटा हुआ, छुटकारा पाया
हुआ (One) who has desisted
from sin. आया० १, ३, ४, १२१, १,
४, १, १२६, दस० ८, १२, उत्त० ६, ७,
नाया० १, ६, भग० ८, १०, सूय० २, १, ५६,
वव० ३, १३, काप० ४, ६२, क० ग० ६, १०,
(२) वैरभाव विनातो वैरभाव रहित free
from feelings of hostility “न
हयेपाणिणोपाणे, भयवेराउउचरय” उत्त०
६, ७, आया० १, ३, १, १०८,

उचराग पु० (उपराग) ग्रहण,
खग्रास An eclipse जीवा० ३, ३,
उचरि अ० (उपरि) ऊपर, ऊँचे ऊपर
ऊंचा ऊर्ध्व भाग में Above; upon
upwards “मदरचूलियाण उचरि
चत्तारि जोयणाइ” ठा० ४, उत्त० ३६, ५७,

विशे० ४३०, नाया० १, २, ५, ८; ६ जं०
प० १, ३, भग० २, ८, ९, ७, १४, ६; १६,
६, पि० नि० भा० ३०; क० ग० १, ५०;
क० प० ५, ५४;

उवरिं. अ० (उपरि) उपर ऊपर Upon,
above; over क० प० १, ६७ जं०
प० ५, ११६.

उवरिचर. त्रि० (उपरिचर) आकाशमा
अधर रहेतार ऊपर आकाश में-अंतराल में
रहने वाला Remaining, situated
up in the sky, high in the
sky. जीवा० ३, १,

उवरितल त्रि० (उपरितल) उपर तलीयुं
ऊपर का सपाट भाग The above
plat surface भग० १, ६, ज० ४, ८६,

उवरिपुच्छुली. स्त्री० (उपरिपुच्छुली) आकाश-
नी शून्य उपर ओला तरलानुं मज्जुत
आच्छादन चटाई की छत पर बारीक घास
का पक्का आच्छादन A strong cover-
ing (made of straws) upon a
mattress ceiling रात्र० १०८,

उवरिम. त्रि० (उपरिम) उपरतु, उपर
ऊपर का, ऊचा Situated, remaining
above or upwards निसी० १६, १७,
भग० १, ५, ८, १०, ९, ३२, १२, १०;
नदी० १८, पक्ष० १ उत्त० ३६, ६१, डा०
१, १, पि० नि० १५०, प्रव० ६, ६. —
गेवेज्जग पु० (-ग्रैवेयक) ग्रैवेयकना नव
विमानमाना उपरना त्रिण विमान ग्रैवेयक
के नौ विमानों में से ऊपर के तीन विमान
the three topmost of the nine
Graiveyaka heavenly abodes.
(२) उपरनी त्रिडना देवता ऊपर की
त्रिक के देवता a deity of any of
the three above mentioned
heavenly abodes भग० १८, ७,

—गेवेज्जगकल्पातीय न० (-ग्रैवेयक
कल्पातीति) उपरना ग्रैवेयकना कल्पातीति
देवता ऊपर के ग्रैवेयक के कल्पातीति देवता
a Kalpātita deity of the
upper Graiveyaka heavenly
abode भग० ८, १,

—गेवेज्जय पु० (ग्रैवेयक) लुओ “उव-
रियगेवेज्जग” शब्द देखो “उवरियगेवे-
ज्जग” शब्द vide “उवरियगेवेज्जग”
भग० १, २, —तल पु० (-तल) उप-
रतु भाय-तलीयुं ऊपर की छत; ऊपरकी
फर्श the upper floor. “जंबूद्वीप-
माणा उवरियत्तलेण” भग० २, ८.

उवरिमग त्रि० (उपरिमक-उपरिमा गुणोपरि-
मकाः) उपर उपर रहेतार ऊपरही ऊपर
रहनेवाला Situated one upon ano-
ther, remaining one above ano-
ther विशे० ६६८,

उवरिमय त्रि० (उपरिमक) लुओ “उप-
रिमग” शब्द देखो “उपरिमग” शब्द
Vide “उपरिमग” विशे० ७७

उवरिमा स्त्री० (उपरिमा) नवग्रैवेयकनी त्रिण
त्रिडमानी उपरनी त्रिड-त्रि विमान नवग्रैव-
यक की तीन त्रिकों में से सबसे ऊपरकी त्रिक-
तान विमान The topmost three of
the 9 Graiveyaka heavenly
abodes उत्त० ३६, २१२, —उवरिम.
पु० (-उपरिम) उपरि त्रिडमा उपर-नवमा
ग्रैवेयकमा रहेतार देवता ऊपर की त्रिक में
ऊपरके देवता-नव ग्रैवेयक के (the dei-
ties) of the ninth and topmost
Graiveyaka heavenly abode.
उत्त० ३६, २१३:—मज्झिम पु० (-मध्यम)
उपरी त्रिडमा मध्यम-आदिमा ग्रैवेयकना
देवता ऊपर की त्रिक में मध्यम - आठवें
ग्रैवेयक के देवता (the deities) of

the eighth (middle of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode उत्त० ३६, २१२; —हिडिम पु० (*) उपली त्रिडभा अधस्तन-सातभा त्रैवेयकना देवता ऊपर की त्रिक मे नीचे के देव-सातवें त्रैवेयक के देवता. (the deities) of the 7th (the lowest of the topmost three) Graiveyaka heavenly abode. उत्त० ३६, २१२,

उवारिल्ल त्रि० (उपरितन) उपरनु, उपलु ऊपरका Situated above, upward, upper “उवरिल्ले ताराखूवे चारं चरति” ठा० ६, विंशे० ६६७, पञ्च० २, १६; अणुजो० १३५, सम० ६, नाया० ८, जीवा० ३, १, पि० नि० १५०, भग० १, ६; २, ८, १०, ३, १ ६, ३, ५, ६; १५, १, १६, ८, २२, १, २५, ७, ३०, १, ज०प० २, ३३; ७, १६४,

उवरिसिज्जमाण त्रि० (उद्वृष्यमान) वरसाथी बिज्जतु वरसात से भीगता हुआ Getting wet with rain निसी० २, ५२,

उवरुह न० (उपरौद्र) नारकीना अगोपाग तोड़ी दुःख दे ते उपरौद्र, परमाधामीनी छड़ी जल नारकीयो के अगोपाग छेदकर दुःख देने वाले उपरौद्र देव, परमाधामी देवताओ की छड़ा जात. The 6th class of Paramā-dhāmīs (deities) who tear off the limbs and sub-limbs of hell-beings and torture them भग० ३, ७,

उवरुवरि अ० (उपर्युपरि) ओड थीजनी उपर एक दूसरे के ऊपर One upon another, one above another “उवरुवरिनरगदरिय अतिवेगचरुखु पर-

मोच्छरंत” परह० १, ३, निसी० १८, १८, उवरोह पु० (उपरोध) दुःख, पाधा दुःख, तकलीफ Pain, trouble (२) आग्रह restraint. सु० च० २, ५८२, (३) अडकाव, रोकालु अटकाव, रोक. obstruction, impediment परह० २, २,—कारक त्रि० (—कारक) उपरोध डरना, अडकाना, रोकनेवाला, बाधा पहुचानेवाला. impeding obstructing, troubling परह० २, २.

उवल. पु० (उपल) पत्थर, पालो. पत्थर. A stone सु० च० १२, ५६, पि० नि० भा० ७, उत्त० ३६, ७३, भग० ५, २, विशेष ५६४, पञ्च० १,

उवलंभ. पु० (उपलम्भ) ध्रियजान. साक्षात्कार इन्द्रिय ज्ञान, साक्षत्कार Direct perception (by the senses) पचा० ३, २३, ६, १०, १३, ३८ विश्व० ३५, १८६३, (२) समूह समूह a group; a collection सु० च० २, ८१,

उवलंभणा स्त्री० (उपलम्भना) छपडा देतो, बयन, उल्लो उपालभ, ओलम्भा Words of rebuke or reproach नाया० १८,

उवलंभमाण पु० (उपलभमाण) छपडा देतो उपालभ देता हुआ Rebuking, reproaching नाया० १८,

उवलकखण न० (उपलक्ष) परिज्ञान-धृष्टाणु, मुख्य वस्तुनु ज्ञान थायाही गैलुवस्तुनु ज्ञान नैथी थाय ते वह ज्ञान जिससे मुख्य वस्तु का ज्ञान होने से गोण वस्तु का ज्ञान होजाय A mark a characteristic or distinctive feature, implying something that has not been

actually expressed. सु० च० ३,
१८६ विशेष० ६३२,

उवलद्ध त्रि० (उपलब्ध) ज्ञानाभा
आवेष्ट, प्राप्त थयेष्ट समझा हुआ, प्राप्त
Known, understood; gained,
obtained 'अहणं सहोड उवलद्धो,
तोपेयति तहाभूणहि अन्ना उच्छेदं पेहेहि'
सूय० १, ४, २, ४, प्रव० ६७०, नाया०
१२; १६, भग० २, ५, ६, ३३ विशेष० ६२,
—पुच्च. न० (-पूर्व) पहुँचेथीन प्राप्त
थयेष्ट पहिले से ही मिला हुआ gained;
obtained before-hand नाया० १४:

उवलद्धार स्त्री० (उपलब्ध) वस्तुने सा-
क्षात्कार इग्नार, वस्तुने ज्ञानार वस्तु
को देखने वाला, वस्तु को जानने वाला
One who knows or perceives
an object, direct perceiver of
an object "उपलब्धा वस्तूना बोध्या"
विशे० १२, १८६३,

उवलद्धि स्त्री० (उपलब्धि) ज्ञान. साक्षात्कार,
ज्ञान, साक्षात्कार. Knowledge, per-
ception, observation विशेष० ६१,
—सम त्रि० (-सम) साक्षात्कार जेवु
साक्षात्कार मरीखा similar to or
equal to direct perception
विशे० १२८,

✓उव-लभ धा० I (उप + लभ्) प्राप्त इर-
वु; भेणवुं प्राप्त करना, मिलाना To get,
to obtain, to acquire

उवलब्भइ क० वा० अणुजो० १२८,

उवलब्भे वि० दसा० ६, १,

उवलब्भते नाया० १२,

उवललिय न० (उपललित) ऐष्ट ज्ञानी
शम येष्टा एक तरह की काम-चेष्टा. A
kind of amorous gesture in a
woman; a kind of voluptuous

gesture नाया० ६,

उवललित्तमाण. त्रि० (उपललित्तमान)
शमईडा इग्नो, छेष्टानुसार लीला इग्नो
कामचेष्टा करता हुआ; इच्छानुसार क्रीडा
करता हुआ Sporting at will, do-
ing amorous sport "उवमाइजमा-
णे उवललित्तमाणे" राय० २८८, जं० ५०

३, ६७ नाया० १, भग० ६, ३३; राय० २७५,
✓उव-लिप धा० I. (उप + लिप्) हाथ
इरेववे, आटवु, दाडलडाववे हाथ फेरना;
चाटना; लाइ लड़ाना. To pat with
the hand, to lick, to fondle
and endear

उवल्लिपणु. गच्छा० १६;

उवल्लिपणु क० वा० उत्त० २५, २६;
ओव० ४०,

उवलित्त त्रि० (उपलित्त) छाणवडे लिपेष्ट
गोबर मे लिपा हुआ. Bedaubed or
smeared with cowdung; cow-
dunged दसा० १०, १, नाया० १; ३;
१६, जीवा० ३, ४ कण० ४, ५८, ५, ६६.
(२) इर्मथी लिप्त थयेष्ट. कर्मो मे लिपटा
हुआ smeared with Karma. सय०
२, ५, ६

उवलेव पु० (उपलेप) इर्मनो लेप कर्मकालेप.
Assemblage, gathering toge-
ther of Karma उत्त० २१, २२, २५, ३६

उवलेवण न० (उपलेपन) छाणु वगेरेथी
लिपवु ते गोबर आदि मे पोतना; विलेपन.
Besmealing or anointing with
cowdung etc "उपलेवण सम्मजण
करेइ" भग० ११, ६, अणुजो० २०, निर०
३, ३; राय० २७७,

उव-लिय. धा० I (उप + ली) निवास इरेवे
ठहरना To reside: to have an
abode.

(२) वर्षा ऋतु पसार करेगी. चातुर्मास व्यतीत करना. to spend the rainy season, to stay till the expiry of the rainy season

उववहज्जा. आया० २. ३, १, १११,

उववज्झ त्रि० (औपवाह्य—उपवाह्याना राजा दिवल्लभानामेते कर्मकरा इत्यौपवाह्याः) सेनापति, प्रधान, राजा, वगेरेने भेसवायेअ्य सेनाभ्यक्ष, प्रधान, राजा इत्यादि के बैठने योग्य Worthy of being mounted by (e g a seat etc) by a king, a minister, a general etc दस० ६, २, ५,

उववण न० (उपवन) नानु वन, वननी पासेनुं वन लघु वन, जंगलके पासका जंगल A small forest, a garden, a park. नाया० १, पंचा० ७, १७,

उववण त्रि० (उपपन्न—उत्पन्न) उत्पन्न थयेल, पैदा थयेल उत्पन्न हुआ, पैदा हुआ Born, produced “उववणो माणुस्सम्मि लोगम्मि” उत्त० ६, १, “ दोच्च पुढवीण नारगा उववन्ना ” निसी० च० ११, नाया० १, २, ८, ६, १४, १६, भग० २, १; ३, ३, २, ७, ६, ७, ६, ६, ३३, ११, १, १२, ७, १८, ५, २४, १, २०, जीवा० ३, १, उत्त० ६, १, १३, १, पंचा० ४, ४६, —पुव्व पु० (—पूर्व) अगाडि जन्मेस पहिले पैदा हुआ one born before or previously भग० ६, ५, २१, १, ३४, १,

उववणग. पु० (उपपन्नक) उत्पन्न थनार, पैदा थयेस उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला One who is born, one that takes birth भग० ५, ४, ८, १ २५, १,

✓उववत्त. धा० I (उप+वृत्) निकलवु. नरकादि भव पुरोक्षरी ज्हार आववु निकलना, नरकादि भव पूर्ण कर बाहर आना To come out, to emerge, to come out after finishing one's life in hell etc

उववहइ पन्न० १७,

उववत्तार त्रि० (*उपपत्तृ) उत्पन्न थनार उत्पन्न होनेवाला (One) who is to born, (one) who takes birth. “ देवलोपसु देवत्ताण उववत्तारो भवति ” ओव० ३४, दसा० १०. ३, भग० १, १, २, ५. ७, ६, ८, ५, ६, ३३, २०, ८,

उववत्ति स्त्री० (उपपत्ति) उत्पत्ति, उत्पन्नवु ते पैदायश, उत्पत्ति Birth, creation, production, being produced उत्त० २६, १४, ३४, ५८, नदी० ५३, भग० ४०, १,

उववत्तिमेत्त. न० (उपपत्तिमात्र) कारणकार्य-नी धटनामात्र. कारण कार्य की घटना मात्र. A mere fitting association established between cause and effect विशेष १०७७,

उववण त्रि० (उपपन्न) लुओ “उववण” शब्द देखो “उववण” शब्द Vide “उववण” प्रव० ११०७,

उववाअ-य पुं० (उपपात) उत्पन्न थवु, उत्पत्ति उत्पन्न होना, उत्पत्ति Birth, creation, production, being born or produced “आणोववाय वयणणिद्धे सेचिद्धति” भग० ३, ३, “एगे उववाण” ठा० १०, भग० १, १०, २, ७, ७, ५, ८, ८, ११, १, १२, ८, १४, १,

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नवर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

१६, ३, ६; २४, १२, २०; २५, ४; ३४, १, ४१, १; राय० २१३, ओव० ३८; नाया० ध० ३, ४, पञ्च० २; जं० प० ४, ६०; जीवा० १, उवा० ६, २७१, प्रव० ४२, पंचा० १४, ४८; (२) उत्पत्ति-देवता अने नारकीने जन्म थाय ते उत्पत्ति-देवता और नारकी का जन्म-पैदा होना birth of heavenly and infernal beings. प्रव० ११०६; आया० १, ३, २, ११४, १, ७, ३; २०७; सू० प० १, ठा० १, १, (३) विजय देवता की सभा नाम. विजय देवता की सभा का नाम name of the council of the Vijaya gods. जीवा० १. (४) भगवती सूत्रना ओडत्रिशभा शतकुनु नाम भगवती सूत्र के एकतीसवे शतक का नाम name of the 31st Sataka of Bhagavatī Sūtra. भग० ३२, २, (५) उपाय; झरलु. उपाय-कारण a means; an expedient. भग० ३, ७; वव० ४, १८, (६) सेवा, भक्ति सेवा, भक्ति service, reverent attendance upon. नाया० ६, भग० ३, १, (७) समीपे-नजदीकी स्थिति करनी, पास से पास-नजदीकी में स्थित होना, पास बैठना sitting near, remaining in the vicinity of क० प० १, ७८, उत्त० १, २; —कारि. त्रि० (—कारिन्) आचार्यादिनी पास निवास करी तेभने आदेश दिखनार आचार्यादि के पास रहकर उनकी आज्ञा सिरोधार्य करने वाला (one) who remains or stays with a preceptor and carries out his orders “उववाय कारीय हरीमणेय” सूय० १, १३. ६, —कारिया स्त्री० (—कारिका) यरलु सेवनारी दासी चरण नेत्रिका-दासी an attendant female

servant. नाया० ६, —गड. स्त्री० (—गति) लुव अथवा पुदलने ओड लव छोडीने भीजे लव अलुलु कुवेा डे ओड स्थानेथी भीजे स्थाने लुवुं ते. जीव या पुदल का भव त्याग कर दूसरे भव में जाना या एक स्थान में दूसरे स्थान पर जाना passing from one birth or place to another on the part of a soul or a molecule of matter भग० ८, ७, पञ्च० १६, —सभा. स्त्री० (—सभा) देवताने उपलवानी सभा. देवताओं के उत्पन्न होनेकी सभा A place of birth for heavenly beings भग० ३, १, १६, ५, ६, राय० १६७, नाया० ध० निर० ३, ४; नाया० १३; ठा० ५, ३.

उववाइअ-य त्रि० (औपपातिक) ओड लव भांथी भीजे लवभां जनार, ओड शरीर छोडी भीजे शरीर अलुलु करनार एक भव से दूसरे भव में जानेवाला; एक शरीर त्याग दुसरा शरीर प्राप्त करने वाला Passing from one birth into another; passing from one body into another दस० ४, उत्त० ५, १३ भग० १७, ६, ७, आया० १, १, १, ३ सूय० १, १, १, ११, प्रव० १२५०, (२) देवता अने नारकी ने सेज्ज अने कुंभीमा उपले छे देवता और नारकी जो कि शेज्या व कुभी में उत्पन्न होते हैं (heavenly and hell-beings) who are born in Sejjā and Kumbhī आया० १, १, ६, ४८, (३) ओगलुत्रीश विद्वालिक सूत्रमानु पायमु; उववाध (औपपातिक) नामे प्रथम उपांग सूत्र उन्तीस उत्कालिक सूत्रों में से पांचवाँ सूत्र; उववाइ (औपपातिक) नामका प्रथम उपांग सूत्र the 5th of the 29 Utkālīka

Sūtras, the first Upānga Sūtra so named नदी० ४३, भग० ७, ६; १५, १, २४, ७ —गम न० (-गम) औपपातिक सूत्रमा दशविलु छे ते प्रमाणे उववाइ सूत्र में दिखाये अनुसार in accordance with what is pointed out or explained in Aupapātika Sūtra दमा० १०, १,

उववातेयव पु० (उत्पादयितव्य) उत्पन्न थवाने योग्य उत्पन्न होने लायक One fit to take birth, one fit to be born or produced भग० १२, ६, १८, ५, २०, ६, २४, २०, ३१, १, ३४, १,

उववायव पु० (उपपादयितव्य) उत्पन्न थवा योग्य उत्पन्न होने योग्य One fit to be born or produced भग० १७, ६,

उववास पु० (उपवास=उपेति सह उपावृत्त दोषस्य सतो गुणैराहारपरिहारादिरूपैर्वा वास उपवास) आपो ओक्ष द्विस अन्न पाण्डूनि विधिपूर्वक त्याग करेवा पूरा एक दिन अन्नजल का विधिपूर्वक त्याग करना A fast, giving up food and water according to prescribed rules for 24 hours between one sunrise and the next राय० २२६ नदी० ५१, ठा० ३, १, पञ्च० २०, उवा० १, ५५, २, ६५,

✓ उव-विस वा० I (उप+विश्) भेसवु बैठना To sit

उवविसामि राय० २४

उववीयमाण, अ० (उपवीजमान) यमगीथी पवन नाथतो चवरी से पवन उडात्ता हुआ Fanning with a chowri नाया० १६;

उववेश-य त्रि० (उनेत) युक्त सहित युक्त, सहित Accompanied with, possessed of ओव० पञ्च० १७, नाया०

१, ५, ८, १० नदी० ४३, भग० २, १, ६, ३३; उवा० ७, २०६, काव० १, ८, जं० प० २, २२,

उव-सं-क्रम वा० II (उप+सम् + क्रम्) पासे जवु, समीप जवु समीप जाना, पास जाना To go to, to approach उवसकमति ठा० ३, २,

उवसकमेजा सूय० २, ७, १५,

उवसकमित्तु स० कृ० आया० १, ७, २, २०२, २, ३, ३, १३१,

उवसकमिता नाया० २, ठा० ३, २, जं० प० ७, १३४, ७, १३१,

उवसंकमत म० कृ० दस० ५, २, १०,

उवसकममाण, जं० प० ७, १३२,

उवसंघिअ त्रि० (उपसहृत) स्वीकार करेवा स्वीकृत Accepted, adopted विशेष० १०११,

उवसत पु० (उपशान्त) शांत वृत्तिवाला, उपशम भाव वाला, जेना कषायादिक उपशम्या होय ते शांत प्रकृति वाला, उपशांत भाव वाला, जिस के कषायादिक शांत हो वह One whose passions (e g anger etc) have subsided, calm, peaceful पञ्च० १, १४, वव० ३, १३, भग० १, ४, ६, ८, ७, ४, १५, १, १८, १० २७, ७, दस० ६, ६५, १०, १, १० जं० प० सु० च० २, २०३, राय० २७, नाया० १, ५, उत्त० ६, १, २, १५ ठा० २, १, अणुजो० १२७, ओव० ३८, आया० १, ३, २, १२१, १, ६, ३, १८६, सम० १४ प्रव० १२५, १३१३, क० प० ४, ७०, ४, ५७, (२) आकृष्टता रहित घवराहट रहित one free from distraction of mind ओघ० नि० ५१५; (३) क्षमावान जमावत one possessed of forgiveness जीवा० ३, ३,

(४) सौंदर्य निरीक्षण वगेरे पिडारथी नि-
वृत्ति पाभेस सौंदर्य देखने आदि विकार से
निवृत्ति पाया हुआ, सौंदर्यादि देखने में मन का
भाव हटाया हुआ one not excited
by seeing beautiful objects
etc अणुजो० १३०, (५) उन्मत्ता आ
वेस नहि, दयायेल उदय न आये हो, दबे.
not come to rise, dormant (६)
जम्बुद्वीपमा औरवत क्षेत्रमा यावु अवस-
पिण्णुना पन्दरमा तीर्थंकर जम्बुद्वीप के ऐर-
वत क्षेत्र की वर्तमान अवमर्षिणी के पन्द्रहवें
तीर्थंकर name of the 15th Tir-
thankara of the current Ava-
sarpinī of the Airavata region
of Jambūdīpa सम० प० २४०,
—अहिगरण न० (—अधिकरण) उपशात
उपशमी गयेस उदेश शान्त हुआ क्लेश
trouble that has subsided प्रव०
—कसाइ पु० (कपायिन्) जेना क्लेश
उपाय वगेरे नाश पाभ्या छे ते जिस के
क्रोधादि कषाय शांत हो one whose
moral impurities (e g an-
ger, greed etc) have subsided
or have been destroyed भग०
६, ३१, २५, ६; —कसायवीयराग पु०
(-कपायवीतराग) जेना उपाय शान्त थया
छे ते, ११मा गुणस्थानवर्ति जिन के
राग द्वेष शांत हो गण्ड हो वे ११ वें गुणस्था
नवर्ति one whose passion and
hatred have been complete-
ly assuaged, one in the 11th
spiritual stage भग० २५, ६, —
गुण न० (—गुण) उपशात मोहगुण नामे
११मुस्थानक उपशात मोहगुण नामक ११वा
स्थानक the 11th Sthānaka named
Upasāntamohaguna. क० ग० २,

१६, —जीवि पुं० (—जाविन्) उपायादि
दयावनार कपायादि को दवाने वाला one
who subdues his evil passions
like anger, greed etc परह० २,
१. भग० ६, ३३, —द्धा स्त्री० (—अद्धा)
उपशात मोह नामना ११ मा गुणस्थानक
नाम उपशात मोह नामके ११ वें गुणस्थानक
का समय the time of the 11th
Gunasthānaka named Up-
sāntamohaguna क० प० ५, ५६, —वे-
दय पुं० (—वेदक) जेना वेद-क्षमविदार
शान्त पाभ्या छे ते जिस का वेद-काम वि-
कार शांत हो गया हो one whose
lust i. e. sexual passion has
been subdued or calmed भग०
६, ३१, २५, ६,

उव-सं-पज्ज. धा० II (उप+सम्+पठ्)
आश्रय करवो, स्वीकार करवो स्वीकार
करना, ग्रहण करना To resort to,
to accept, to get.

उवसपज्जइ भग० २५, ६, ७.

उवसपज्जामि ठा० ४, २,

उवसपज्जे वि० सूय० १ ८, १३,

उवसपज्जिता. स० कृ० भग० १, ६, २, १, ३,

२, ५, ६, ६, ३३, १०; २, ११, ६;

१३, ६, १५, १, १८, १०, २५, ७, ८;

नाया० १, ५, ८, १२, १३, १४;

१६, १८; ज० प० ७, १४१, वव० १,

२६ ४, ११ १२, नाया० ध० वेय०

४, १५; राय० २२३, ओव० १६,

उवा० १, ६६, ६६,

उवसपज्जमाण पज्ज० १६,

उवसंपज्जण न० (उपसपादन) पदवीतो
स्वीकार. पदवी का स्वीकार Accep-
tance of a degree or title वव०
५ ११,—(रा)अरिह त्रि० (—अर्ह) पदवी

आपवा योग्य पदवी देने योग्य deserving to be invested with a degree or title वव० ४, ११, १२.५, ११.

उपसंपन्नतावत्त न० (उपसंपदावत्ते) उपसंपन्नतावत्ते परिकर्मो यद्विभो भेद उपसम्पादन श्रेणि परिकर्म का चौदहवा भेद The 14th division of Upasampannasena Parikarma नदी० ५६,

उपसंपन्नश्रेण्या स्त्री० (उपसंपादनश्रेण्या) उपसंपादन श्रेणी गणना दृष्टिवादतर्गत परिकर्मो योऽ विभाग उपसम्पादक श्रेणीगण के दृष्टिवादतर्गत परिकर्म का एक विभाग Name of a section of the Parikarma forming a portion of Distivāda सम० १२,—**परिकर्म** पु० (परिकर्मन्) दृष्टिवादना परिकर्मो यथो भेद दृष्टिवाद के परिकर्म का चौथा भेद the fourth division of the Parikarma of Distivāda नदी० ५६,

उपसंपन्नियच्च पु० (उपसंपादयितव्य) पदवी देवी पदवी देना Investing with a degree or a title वव० ४, ११, १२,
उपसंपन्न त्रि० (उपसंपन्न) उद्यत यथेष्ट प्रस्तुत, तैयार Ready, prepared (to do some action) “ उपसंपन्नो जकारणतु त कारणं अपूरितो ” व० स० ३, सूय० २, ७, ६,

उपसंपन्ना स्त्री० (उपसम्पन्न) जानादि संपत्ति भाटे आचार्यादिद्विनी निश्चा स्वीकारणी ते ए तमारोण छु ओरीरीते स्वीकार करेते ते. समाचारोतो दशभो या छेह्लो प्रचार. जानादि सम्पत्ति में आचार्यादि की नेत्राय स्वीकार करना, मैं आपका ही हु ऐसा स्वीकार करना, समाचारी का दशवा या अतिम भेद The 10th and last mode of Samā-

chāri, submitting oneself wholly to a preceptor etc in order to acquire knowledge etc “ अथये उपसंपन्ना ” उक्त० २६, ४, ठा० ३ ३, भग० २५, ७, प्रव० ७७.

उपसंहार (उपसंहार) समेटीयेव. एकत्रित करना Summing up (२) रेड्यु निरोध करेवो निरोध करना, लौटा लेना winding up, withdrawing, withholding सम० ३२,

उपसंग पु० (उपसर्ग- उपसृज्यन्ते धातु समीपे युज्यन्ते इति उपसर्गा) प्र, परि, प्रति, नि, आ, सम्, इत्यादि धातुनी आदिभा रहनार शब्द समूह प्र, परि, उप, प्रति, नि, आ, सम्, इत्यादि धातु के आदि में रहनेवाला शब्द समूह a preposition prefixed to roots e g प्र, परि, उप, etc परह० २, २, (२) उपद्रव, दृष्ट, परिपक्ष उपद्रव, कष्ट परिषह trouble; affliction annoyance ओच० नि० भा० २६३, राय० २२८, नाया० १, ८, ६ ज० प० उक्त० २, २१, ३१, २, नदी० ५, अत० ६, ३, दमा० ७, १ वव० १०, १, भक्त० ८, ४४, प्रव० ५८४ (३) देवताओं द्वारा उपद्रव देवताओं का किया हुआ उपद्रव disturbance or trouble caused by gods भग० १, ६, २, १, पि० नि० ६६६, राय० २६५, मम० ७, ओच० ३६ आया० १, ८, ७, २२ उवा० २, ११८, ३, १४१, ४, १५३ (४) तीर्थंकर विचरे त्या सवामो जेवनभा भार मग्नी न होय छता मद्वावी न्याभिना समवसरणुभा गोशाखाये जे साधुओना उप० तेलुलेभ्या भुत्री उपसर्ग आभ्यो ते. दश अछेगमानु पाहेव अछे तीर्थंकर विच-

रते है वहा सवा सौ योजन में रोग चाला नही होता और महावीर स्वामी के समवरण में गोशाला ने दो साधुओं पर तेजोलेस्या डाल कर उपसर्ग किया सो दस आश्चर्य जनक वनाग्रो मे से पहिला बनाव the first of the 10 Achheerās (wonderful events), viz the trouble given by Gośālā to two of the monks of Mahāvīraswāmī in the Samavasāraṇa by inflicting Tejoleśyā upon them although it is an undeniable fact that within 125 Yojanas of the place where a Tīrhaṅkara abides, there can be no fear of any violence, plague etc प्रव० ८६२; —पत्त त्रि० (—प्राप्त) उप० ५५५ पाभेक्ष. उपद्रव प्राप्त annoyed, afflicted, harassed. टा० ५, २, वव० २, २०, १०, १८, —सहण न० (—सहन) देवादिङ्गना उपसर्ग सहन करना endurance of the troubles, disturbance etc caused by heavenly beings etc प्रव० १३६६, उवसग्गपरिणहा खी० (उपसर्गपरिज्ञा) सूयगडग सूत्रना त्रीज्ज अध्ययननुं नाम डे जेमा उपसर्ग—परिपहो डेम सहन इरवा तेनी सभज्ज आपवाभा आवी छे सूत्र सूयगडग के तीसरे अव्ययन का नाम, कि जिम मे उपसर्ग—परिपह कैसे सहन करना चाहिये जिस की शिक्षा दी है Name of the 31d chapter of Sūyagadāṅga dealing with the way in which afflictions are to be endured. नम० १६; २३, सूय० १, ३, ४, २२; उवसज्जण न० (उपमर्जन) उपसर्ग

उप० ५५५ उपसर्ग, उपद्रव Disturbance, trouble, annoyance विशेष० ३००५, (२) अप्रधानभूत—गौणरूप. गौणरूप, अप्रधान secondary, subsidiary, subordinate. विशेष० २२६०, उवस-त्त-त्ति (उपसक्त) गाट आसक्तिवालो नाह आर्मीकवाला Deeply attached grossly attached. उत्त० ३२, २६, ✓उवसम. धा० I, II (उप + शम्) शात श्रुतं, प्रकृतिने उपशमावधी शातहोना, प्रकृतिको उपशात करना To become calm, to calm down passions उवसमइ वेय० १, ३३, नाया० १६, कप्प० ६, ५६, उवसामेइ प्रे० भग० १, ३, उवसममिंत्त मम० ३४, उवसमेति राय० ३४, उवसमेज्जा वेय० १, ३३, उवसमित्तए. हे० कृ० नाया० १३, उवसामित्तए प्रे० हे० कृ० नाया० १३, विवा० १, उवसम पु० (उपशम) क्षमा शानि क्षमा, शाति Forgiveness; calmness, peace. दम० ८, ३६ वेय० १, ३३, (२) पणवाडीयाना पंदरमा द्वियसनु नाम पञ्च के पन्द्रहवे दिन का नाम name of the 15th day of a fortnight ज० प० सू० प० १० (३) अहोरात्रना त्रीश मुहुर्तमाना पंदरमा अथवा वीशमा मुहुर्तनु नाम अहो रात्रि के तीस मुहुर्तों में से पन्द्रहवे, अथवा बीसवे मुहुर्त का नाम. name of the 15th as also of the 20th Muhūrta of a day and night (containing 30 such). ज० प० सू० प० १०, सम० ३०, (४) मोहनीयनी उदयमा आवेक्षी

प्रकृतिनो क्षय इवेो अने उदयमा आवचानी
 होय तेने दयावी देवी-उदयमा आवचा न
 देवी ते मोहनीय कर्म का उदयमे आई हुई
 प्रकृति का क्षय करना और उदय मे आने
 वाली प्रकृति का दवा देना-उदयमे न आने-
 देना. destruction of that
 Mohaniya Karma which has
 matured and the assuaging of
 that which is dormant क० ग०
 २, २, ४, १६, ६७, प्रव० ३५, ६५०,
 ६५९, उत्त० ३२, ११, आया० १, ६, ५,
 १६४, भक्त० ८८, ओव० ३५, अणुजो० १२७,
 —निष्फरणा. पु० (—निष्पन्न) जे प्रकृतिनो
 उपशम इरवाभा आये छे-उपशमनी
 निष्पत्ति थछ युद्ध छे ते जिस प्रकृति को
 उपशात कर दिया है-उपशम का निष्पत्ति
 होगई है वह calmness which has
 been born as a result of
 assuaging the passions. अणुजा०
 १२७, —सार त्रि० (—सार) उपशम-
 प्रकृतिओनो तिरोभाव छे सार-सत्त जेनु
 बे उपशम-प्रकृतियों का तिरोभाव है
 सार-सत्त्व जिसका ऐसा (anything)
 having for its essence the
 subsidence of Karmic Pra-
 kaitis. “उवसमसारं खुसामन्न” काप०
 ६, ५६, —सेणि. स्त्री० (—श्रेणि) अनन्ता-
 नुबन्धि आदि प्रकृतिओने शस्त्रमा डलेल कम
 [प्रमाणे उपशमावता गुणश्रेणिथी उपर यउनु
 ते, आ श्रेणिथी अगीयारमा गुणहाणुपर्यंत
 जाय छे शास्त्रमें कहे हुए क्रमानुसार
 अनन्तानुबन्धि आदि प्रकृतियों का शमन
 करते करते गुणश्रेणिपर चढ़ना इस
 उपशम श्रेणि से ग्यारहवे गुणस्थान पर्यन्त
 पहुचा जा सकता है. the ladder of
 spiritual advancement leading

up to the 11th Gunasthānaka
 by a gradual subsidence of de-
 luding passions etc प्रव० ७७६,



अनुत्तरं विमान

—उवसम-सेणि.

सं. लोम

अप्र. लो., प्र. लो.

सं. माया

अप्र. माया, प्र. माया

सं. मान

अप्र. मान, प्र. मान

संज्वलन क्रोध

अप्र. क्रोध, प्र. क्रोध

पुरुष वेद

हास्य, रति, अरति, भय, शोक, दुर्गच्छा

रत्नी वेद

नपुंसक वेद

सम. मो., मिश्र मो., मिथ्या. मो.

अनन्तानुबन्धी क्रो. मा. मा. लो.

D.V. TALSANIA.

उपसमञ्ज. पुं० (उपशमक) उपशमभाव
वाणा मुनि; उपशम श्रेष्ठिये यऽनार उपशम
भाव वाले मुनि; उपशम श्रेष्ठिपर चढेनवाले.

An ascetic with passions calm-
ed down, one trying to curb and
assuage his passions भग० २५, ७;

उपसमग पुं० (उपशमक) लुप्तो “उप-
समञ्ज” शब्द. देखो “उपसमञ्ज” शब्द.
Vide. “उपसमञ्ज” भग० २५, ६;

उपसमण्या स्त्री० (उपशमना) लुप्तो “उपसम-
ण्या” शब्द. देखो “उपसमण्या” शब्द.
Vide. “उपसमण्या” क० प० ५, १;

उपसमि. त्रि० (उपशमिन्) औपशमिः
उपशम समष्टितयालो उपशम सम्यक्त्ववाला
One possessed of Upasama
Samyaktva (i e. subsidential
right belief) क० ग० ४, २५;

उपसमिय पु० (औपशमिक) मोहनीय-
धर्मेनी प्रकृतिने उपशम. मोहनीय कर्म की
प्रकृति का उपशम Subsidence of
Mohaniya Karma. (२) उपशम
निष्पन्न-औपशमिः भाव उपशम निष्पन्न
भाव calmness of mind born
of that subsidence. अणुजो० ८८,
१२७; भग० १४, ७, १७, १; २५, ६;
(३) त्रि० शांत शांत. free from pas-
sions; calm मू० न० १, ३४४;

उपसमियव्व. त्रि० (उपशमितव्य) उपशमा-
वत्तुं ते. उपशम करना. Assuaging,
causing to subside. वेय० १, ३३;
कण्ठ० ६, ५६;

उपसामञ्ज. पुं० (उपशमक) मोहनीयनी
२८ प्रकृतिने उपशमानी ११मे शुश्रूष्याने
वर्तमान छव. मोहनीय कर्म की २८ प्रकृ-
तियों को शमन कर न्यारहवे गुणस्थान में
विचरता हुआ जीव. A soul in the

11th Gunasthāna with all the
28 varieties of Mohaniya
Karma subsided. सम० १४;

उपसामग पुं० (उपशमक) मोहनीयनी
प्रकृतिओने सर्वथा उपशमावना. मोहनीय
की प्रकृतियों का सर्वथा उपशम करने वाला.
One who causes light-conduct-
deluding Karma to subside
completely. क० ग० ४, ७३; प्रव० ७३३;

उपसामणा. स्त्री० (उपशमना) लुप्तो
“उपशम” शब्द देखो “उपशम” शब्द.
Vide. “उपशम” क० प० ५, ६५;

उपसामण्या. स्त्री० (उपशमन) शान्ति उप-
शमवृत्ति. शान्ति, उपशम भाव. Ascetic
renunciation; calmness; free
dom from passions भग० ३, १;

उपसामणोवक्रम पु० (उपशमनोपक्रम)
धर्मेने उपशमाववानो उपक्रम-आरंभ.
कर्म को उपशम करने का उपक्रम-आरंभ
Commencement of effort to
assuage Karma ठा० ४, २,

उपसामियव्व. त्रि० (उपशमयितव्य) उपशम
इराववे उपशम कराना. Causing
subsidence of Karma कण्ठ० ६, ५६;
उपसेवण. न० (उपसेवन) सेवा इरवी
सेवा करना. Attending upon;
rendering service to. प्रव० २७४;

उपसोभमाण पुं० (उपशोभमान) शोभाय-
मान शोभायमान. Beautiful, charm-
ing नाया० १३; भग० २, १; ७, ३,

उपसोभिञ्ज-य त्रि० (उपशोभिन्) शोभितु
थयेतु शोभनीय बना हुआ. शोभित
Beautified, adorned, made beau-
tiful “ कविसीसण्हि उपसोभिण् ” राय०
“ हारदहार उपसोभिण् ” राय० जं० प०
१, ११; नाया० १;

उवसोभेमाण पु० (उपशोभमान) शोभतो.
सुदर; सुशोभित, शोभायमान; खूबसूरत
Beautiful, appearing beautiful
नाया० १, ११, १५, भग० २, १, १५, १,
ज० प० २, १६,

उवसोहिय त्रि० (उपशोभित) शोभावालुं
सुदर, शोभामान् Beautiful, lustrous,
handsome. नाया० १, ६, सु० च० १,
५१, ज० प० ७, १६६,

उवसोहिय त्रि० (उपशोधित) निर्मल करेले,
शोधित शोवाहुआ Purified नाया० १,

✓ **उव-स्सय** धा० I (उप + आ + श्रि) पेशवुं
घुसना To enter, to resort to
उवस्सए निर० ३, ४,

उवस्सअ-य पु० (उपाश्रय = उपाश्रीयते-
सेव्यते संयमपालनाय शितादित्राणार्थं वा य
स तथा) साधु साध्वीने रहनेवातुं स्थान,
उपाश्रय साधु साध्वीके रहनेका स्थान,
उपाश्रय A Jaina monastery
आया० १, १, ३, १५, २, १, १, १, २, ४,
२, १३८, नाया० १४, १६, नाया० ध० राय०
२३५, निर० ३, ४, उत्त० २, २३, ३५,
५, परह० २, ३, ओघ० नि० भा० १७,
दम० ७, २६, वेय० १, १४, वव० ६, ७
८, ६, दसा० ७, १, निसो० ८, १२
कप्प० ६, २४, प्रव० ५४४, गच्छा० १४

उवहअ-य. त्रि० (उपहत) क्षोड्डामा
पराभव पाभेय-नाशपाभेल लोगों में
पराभव पायाहुआ, नाश प्राप्त-विनष्ट De-
stroyed, disgraced amongst
people सु० च० १, २७, भग० ३, २,
विशे० ११६, आया० १, २, ३, ७६,

उवहड पुं० (उपहत) वासणुमा डाढेल
होय तेज ंहोरवु ओवो अनीग्रह विशेष
वर्तन मे निकाल कर रखे हुए कोही भोजन

रूपस ग्रहण करनेका अभिग्रह-निश्चय विशेष.
A kind of vow to eat only
that food which is placed in a
dish वव० ६, ४४, ४५. (२)
वासणुमा डाढेलुं-पीरमेधु वरतन मे निकाला
हुआ-परोसाहुआ. served in a dish.
ठा० ३, ३;

✓ **उवहण** धा० I. (उप + हन् क० वा०)
नाश पाभेय नाश पाना To perish,
to be destroyed
उवहम्मड क० वा० पि० नि० ६२२, दश०
७, १३,

उवहम्मति भत्त० १३५,

उवहति स्त्री० (उपहति) व्याधात-अतरे
अन्तर, फर्क, Destruction, break
of continuity विशे० २०१५.

✓ **उवहस** धा० II (उप + हम्) हसवु,
भस्डरी करवी हसना. दिक्कगी करना; मजाक
करना To laugh at. to joke.
उवहसे दस० ८, ५०,

उवहसति उत्त० १२, ४.

उवहसिहिति भग० १५, १,

उवहसिअ. त्रि० (उपहसित) हसी हहाडेले
हसा हुआ Laughed at, ridiculed
तडु०

उवहाण न० (उपधान = उप समीपे धीयते
क्रियते सूत्रादिक येन तपसा तदुपधानम्)
अनशन आदि आर प्रशान्ता तप वारह
प्रकार के तप Austerity of 12
kinds ओघ० नि० भा० १६८,
नदी० ५०, उत्त० २, ६३, ठा० २, ३.
सम० ३२, पचा० ६, ७, १५, २३, (२)
करवु ते, विधान करना, विधान perform-
ance, doing ओव० १८, (३) ओसिद्ध.
तकिया a small pillow for the
head. सु० च० १, ४४ ओघ० नि०

२०५ (४) सूत्रनी वायना उपर तप
 डरुं ते मूत्र वाचने का तप करना.
 austerity performed after read-
 ing Sūtras. प्रव० २६८; —पडिमा
 स्त्री० (—प्रतिमा) उपधान-तप विशेषतो
 अभिग्रह डरवे। उपधान-तप-विशेष का
 अभिग्रह करना, नियम करना a vow to
 perform the austerity known
 as Upadhāna. ठा० २; ४, १; ओव०
 —सुय. न० (—श्रुत=महावीरमेवितस्योपधा-
 नस्य तपसः प्रतिपादक श्रुतं गन्ध उपधान-
 श्रुतम्) उपधान श्रुत नामनु आचारंगनु ८मु
 अध्ययन उपधान सूत्र नाम का आचारंग का
 आठवां अध्याय the 8th chapter of
 the Āchārāṅga Sūtra, styled
 Upadhāna Sūtra ठा० ५; सम० ५;
 उवहाणग न० (उपधानक) ओसीङ्ग तक्रिया
 A pillow. प्रव० ६८४,

उवहाणवन्त. पुं० (उपधानवन्त = उपधीयते-
 उपष्टभ्यते श्रुतमनेनेति उपधानतपस्तद्वि-
 द्यते यस्यास्सौ उपधानवान्) उपधान-शास्त्र-
 वायन निमित्ते तपविशेष तेनु डरनार.
 शास्त्रवाचन के लिये किये जानेवाले तप विशेष-
 को करने वाला. One who practises
 the austerity known as Upadh-
 āna with a view to study the
 scriptures “वमे गुरु कुंलाणिच्च जोगव
 उवहाणव” उत्त० ११, १४; ३४, २७,
 मूय० १, २, १, १५;

उवहार. पु० (उपहार) भेट; ॥क्षीस. भेंट,
 पारितोषक; इनाम A gift; a present
 “ पहाग्रमुदश्रोवहारेहिं मव्वश्रो ज्ञेया ”
 कप्प० ३, ३४, परह० १, २;

उवहि पु० (उपधि = उपधीयते संगृह्यते
 इत्युपधि) वस्त्र-धरेणुं धरधार वगेरे उपधि;
 उपधरेणु, साभग्री वस्त्र, आभूषण, धरवार

आदि उपाधि; परिग्रह; उपकरण. World-
 ly possessions, such as clothes,
 ornaments, house etc, material
 possessions, implements मग०
 १२, ५; १७, ३; १८, ७, निसी० २. ५६,
 १२, ४७, १६, २५; पिं० नि० भा० २६;
 २६; पिं० नि० ६८, दम० ६, २, १८, १०,
 १, १६, आया० २, ३, २, १२१; सम०
 १२; उत्त० १२, ४; १६, ८६, २४, ११;
 ओव० २०, प्रव० ४६८, (२) माया;
 डपट. माया; कपट. fraud, deceit
 परह० १, २; —धोअण. न० (—धावन)
 उपधि-वस्त्रादि धोवा ते वस्त्रादिकका धोना
 washing, cleansing of clothes
 etc प्रव० ३०; —पच्चक्खाण न०
 (प्रत्याख्यान = उपधिरूपकरणं तस्य रजो-
 हरणमुखवस्त्रिकाव्यातिरिक्तस्य प्रत्याख्यान
 न मयाऽसौ गृहीतव्य इत्येव रूपा निवृत्ति-
 रूपधिरप्रत्याख्यानम्) उपधि-वस्त्रपात्र आदि
 उपधरेणु-तेने त्याग-परिहार वस्त्र, पात्र
 आदि उपकरणों का त्याग-परिहार. aban-
 donment of material posses-
 sions such as clothes, vessels
 etc उत्त० २६, २ —विउस्सग्ग पु०
 (—व्युत्सर्ग) वस्त्र पात्र आदि उपधितो
 पगित्याग वस्त्र, पात्र आदि उपाधि का परि-
 त्याग. abandonment of such
 material possessions as clothes,
 vessels etc मग० २५, ७. ओव०

उवहिय त्रि० (उपहित) अर्पणु डरेल, पास
 भुंकेल अर्पित, अर्पण किया हुआ पासमें
 रखा हुआ. Offered for acceptance:
 placed near विशेष ६३७, मग० १ ६,
 उवहिय पुं० (औपधिक) मायावडे पापने
 ठाडनार माया-दल कपट-के द्वारा पापको
 ठांकने वाला One who deceitfully

hides his sin. नाया० २,

उवाङ्कत त्रि० (उपातिक्रान्त) व्यतीत
थयेव, पसार थपु गयेव गया हुआ. व्यतीत

Past, gone आया० १, ७, ४, २१२,

उवाङ्कम स० कृ० अ० (उपातिक्रम्य)

उल्लेखन करीने, ओण धीने उल्लाघ करके
Having crossed or transgress-

ed आया० १, ७, १, २००, २, ८, १६३;

(२) परिहार करीने, त्याग करीने त्याग करके
छोड़ करके. having abandoned,

having given up आया० २, २, ३, १००.

उवाङ्ग्य त्रि० (उपायित) यायेव, धर्येव

मागा हुआ, इच्छित Begged, soli-

cited, desired “उवाङ्ग्य उवाङ्ग्य”

नाया० २, विवा० ७; (२) देवनी आरा-

धनाथी प्राप्त थयेव देवकी आराधना करने

मे प्राप्त got by propitiating

a deity ठा० १०, १ —सेस. त्रि०

(-शेष) भाता वधेव, भाता भाता शेष

रहेव खाते खाते बचा हुआ (the portion

of food) which has remained in

the dish after one has taken

his fill आया० १, २, १, ६७,

उवाङ्ग्य पु० () त्रि० ध्रियवाणे ज्व

तीन इन्द्रिया वाला जाव A three-

sensed living being पञ्च० १,

उवाङ्ग्य-य त्रि० (उवाङ्ग्य) प्राप्त थयेव

भोगवेव नाया हुआ, प्राप्त Got, acqui-

ed, obtained ज० प० ओव० १०,

नाया० १, ६, १४, १६, भग० १५, १,

उवाङ्ग्य त्रि० (उपाचित) भरेव, व्याप्त.

भरा हुआ, व्याप्त filled, full, perva-

ded by नाया० १२,

उवाङ्ग्य पु० (उपाङ्ग्य) पञ्च० १, ओङ्ग

जूती का जोड़ा. A shoe; a pair of

shoes “ तिगिच्छुमाणहावाण, समारभ

च जोङ्गो ” दस० ३, ४; पण्ह० २, ५,

सूय० १, ४, २, ६, प्रव० ४३८,

उवाङ्ग्य न० (उपाङ्ग्य) मुख्य कारण.

पहला कारण मूल कारण Primary or

material cause विशेष० १२२६,

उवाङ्ग्य त्रि० (उपाङ्ग्य) उपाङ्ग्य-आङ्ग्य-

योग्य वस्तु उपाङ्ग्य-ग्रहण करने योग्य

Acceptable, worthy of being

accepted पचा० ५, २०,

उवाय-अ पु० (उपाय) उपाय, साधन,

प्रतीकार उपाय, साधन, तरीका A means,

a remedy, an expedient “विण्य

पिजो उवाङ्ग्य चोङ्गो कुप्पइनरो ” दस०

६, २, ४, “ एगं च दोस चतेहेव मोह,

उद्धत्तुकामेण समूल जाल । जे जे उवाया

पडिवज्जियन्वा, ते कित्तइस्सामि अहाणु

पुत्ति ” उक्त० ३२, ६, विशेष० ५५७, ओव०

ठा० ४, ३, नाया० १, ६, ८, ६, १२, सूय० १,

४, १, २, दस० ८, २१, पञ्च० ३६, (२)

युक्ति युक्ति a scheme a plan

सू० प० १, —उभाय पु० (-अध्यायक)

प्रेताना अने पारका दितने उपाय अितव-

नार अपने और दूसरे के हितका उपाय

सोचने वाला one who reflects

upon the means of securing

his own well-being as well as

that of others विशेष० ३१६६,

—पव्वज्जा स्त्री० (-प्रव्रज्या) गुरुनी सेवा

करी दीक्षा लेवी ते गुरुकी सेवा कर दीक्षा

लेना taking of Diksā after

* लुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (२)
foot-note (*) p 15th

देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (२) Vido

rendering service to a preceptor अ० ३, २,

उवाय-अ. पु० (अवपात) आचार्यने निर्देश-आता आचार्यकी आज्ञा. The order of a preceptor. सू० १, १४, १, (२) आडे खड्डा; गड्डा. a pit, a ditch आया० २, १, ५, २७, जीवा० ३, ३, पण० १, १;

उवायण न० (उपायन) भेट भेंट; पारितोषक A gift; a present सु० च० ८, ४६; (२) याचना करनी, मागणी करनी मागना, याचना करना. praying for, asking for; solicitation विशेष० १८७८,

उवायमाण. त्रि० (उपायमान) पुत्र आदिनी याचना करतो-ती-तु पुत्र या पुत्रीकी याचना करता हुआ वा करती हुई Praying for, begging for a son or a daughter नाया० २, १७,

उवालंभ पु० (उपालम्भ = उपालम्भनमुपालम्भ) उपदेश आपने ते ओझ भो ठपका देना, उलाहना. A rebuke; a reproach, a reprimand पि० नि० भा० ४५, विशेष० २४८, ठा० ४, ३,

उवास पु० (अवकाश) अवकाश, आकाश अवकाश; आकाश, खाली जगह Vacant space; sky. भग० १, ६; वव० ७, १८, (२) उपाश्रय, निवास स्थान उपाश्रय; जैन साधुओंका ठहरनेका स्थान a Jain monastery निसी० १७, २०, —अंतर न० (-अन्तर) धनवा तनवा वगैरेनी वच्येनु आकाश, आतरारूप आकाश. घन वात विलय और तनवात विलयके बीच का आकाश. intervening void space एणसुण सत्तसु उवासतरेसु सत्ततणुवाया पइट्ठिया ” ठा० ७, २, ४, निसी० ६, १२; वव० ८, १, पण० १५, जीवा० ३, १० भग०

१, ६, ६, २, १०, ६, ५, १२, ५; १३, ४, २०, २;

उवासअ-य त्रि० (उपासक = उपासते सेवन्ते साधूनिऋपासका) उपासना करनेवाला, सेवा करने वाला, सेवक. (One) who worships or serves or waits upon निसी० ८, १२. पि० नि० १५८, ४६४.

उवासग पु० (उपासक = उपासते सेवन्ते साधूनिऋपासका) साधुनी उपासना करनेवाला, श्रावक One who renders service to an ascetic, a Jaina-layman उवा० १, ७०, २, १२३, उत्त० ३१, ११, सम० ११; (२) धर्म आसक्त्यानी अभिलाषावाणा. धर्मोपदेश सुननेकी इच्छा वाला. one, desirous of learning religious truths from a Guru भग० ५, ४; —पडिमा. स्त्री० (-प्रतिमा = उपासका-श्रावकास्तृपां प्रतिमा प्रतिज्ञा अभिप्रहविशेषा-उपासक प्रतिमा) उपासकनी-श्रावकनी ११ पडिमा श्रावककी ग्यारह प्रतिमाएँ. the 11 vows of a Jaina-layman उवा० १०, १, आव० ४, ७. नाया० ५, दसा० ६, १, २.

उवासगदसा स्त्री० (उपासकदशा = उपासका श्रावकास्तृपां प्रतिज्ञा अभिप्रहविशेषा-उपासक प्रतिमा) उपासकनी-श्रावकनी ११ पडिमा श्रावककी ग्यारह प्रतिमाएँ. the 11 vows of a Jaina-layman उवा० १०, १, आव० ४, ७. नाया० ५, दसा० ६, १, २.

उवासिया स्त्री० (उपासिका) सिद्धांत साध-
नवाणी धर्मशास्त्री स्त्री, श्राविका सिद्धान्त
सुनने की इच्छा रखने वाली स्त्री, श्राविका
A woman desirous of learning
religious truths from a precep-
tor, a Jaina-laywoman भग० १,
४; १५, १,

उवाहण पु० (उपानह) पगरभु; आसहुं
जूता A shoe, a pair of shoes
“छत्तो वाहण सजुत्ते, धाउरत्तवत्थ परिहिण्”
भग० २, १, अणुत्त० ३, १,

उवाहि पु० (उपाधि) उपाधि, विशेषण
उपाधि, खिताब, विशेषण, पदवी World-
ly fetters attachment to world-
ly objects, a title, an epithet
आया० १, ३, १, १०६,

उविक्खअ त्रि० (उपेक्षक) उपेक्षा करनेवाला;
भेदरक्षक उपेक्षा करने वाला Neglect-
ful, indifferent गच्छा० २८,

उविक्खा स्त्री० (उपेक्षा) उपेक्षा उपेक्षा
Neglect, indifference, contempt
पञ्चा० १८, ३४,

उविच्च अ० (उपत्य) प्राप्त करने, भेजने
प्राप्त करके, पा करके Having got or
obtained उक्त० १३, ३१,

उवीला स्त्री० (अवपीडा = अवपीडन परेशा
मित्यवपीडा) परने पीडा उपजाने वाली ते दूसरे
का दुःख देना Giving pain or trou-
ble to others विद्या० ६, पराह० १, ३,

उवेअ त्रि० (उपेत) युक्त, संयुक्त, सहित
संयुक्त, सहित, साथ Accompanied
with, joined with, possessed of
“ पत्त पुप्फ फलावेण ” उक्त० ६, ६,

उवेहलिय पुं० () अनंत क्षय
विशेष, उंद मूलनी ओष्ठ जल कद मूल की
एक जाति, अनंत कायरूप वनस्पति विशेष
A kind of bulbous root भग० २३, ३,

उवेहिअ त्रि० (उपेक्षित) उपेक्षा करनेवाला
उपेक्षा किया हुआ, जिसकी परवाह नहीं की
वह Neglected सु० च० ५, १००,

उव्वक्किउं अ० (उद्गार्य) ओगादीने उगार
करके Having reduced to a
semifluid condition by masti-
cating etc सु० च० ६, ५५,

उव्वट्ट पु० (उद्धर्त) नारकी अने देवताने
भव पुरे करी थीं गतिमा जयुं ते नारकी
और देव भव को पूरा करके दूसरी गति में
जाना Passing into another state
of existence after completing
one's term of existence as a
celestial or hell being विशेष
२७४८, (२) पीडीवडे थीकाश द्वार
करवी ते, उवट्टण कुवु ते पिठी के द्वारा
चिकनाहट दूर करना, उवट्टन करना rub-
bing the body with perfumes
removing oiliness by knead-
ing with a fragrant substance
विशे० २६६४

✓ उवट्टण न० (उद्धर्तन) कर्मनी दुष्टी-
स्थितिने अभ्यवसायविशेषणी लापी करवी
ते कर्म की अल्प स्थिति को अभ्यवसायविशेष
से दीर्घ काल की करना Lengthening
the duration of Kamas by
meditation विशेष २५१४, (२) उवट्टी
रूपाडिअे मर्दन करवु ते उवट्टे हएँ की और

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (५). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (५) Vide
foot-note (*) p 15th

से मर्दन करना act of massaging or rubbing (anything) against the grain. दस० ३, ५; उवा० १, २६, १०, २७७, गच्छा० ११३, (३) पशुं द्वेष्टुं ते करवट वदलना. turning from one side to another (in a lying posture). आव० ४, ४;

उच्चट्टणा. स्त्री० (उद्धर्तना) देवता अने नारकी नेो भव पुरे डरी ज्वाल नीडलवुं ते देव और नारकी के भवको पुरा कर बाहर निकलना Coming out, emerging after completing one's term of existence as a heavenly or hellish being प्रव० ११३६, (२) उगटणा. भर्त्तन विशेष उवटना, मलना, मालिश करना anointing, smearing, rubbing नाया० १३, विवा० १, भग० ११, १, १६, ३; २१, १, ३५, २, —आलिगा स्त्री० (—आवलिका) धर्मेनी दुष्ट स्थितिनी लागी स्थिति डरवी ते उद्धर्तना तेनी आवलिङ्ग-समयविशेष कर्म की छोटी प्रकृति की लवी स्थिति करना, उद्धर्तना-उसकी आवलिङ्ग-समय विशेष the particular moment of prolonging the duration of Karma क० प० २, ३,

उच्चट्टणावय त्रि० (उद्धर्तनाकारक) पीड डरावनार उवटना उवटन कराने वाला (One) who gets smeared or rubbed the body with a kind of fragrant unguent निसी० ६, २४, उच्चट्टावेयव त्रि० (उद्धर्तितव्य) नरक्षिन्नेो भवपुरे डरी नीडलवुं नरकादिक का भवपूर्ण करके निकलना Finishing one's term of life in hell etc

and taking another birth भग० १३, १;

उच्चट्टिता स० क० अ० (उद्धर्त्य) नरक्षिन्नेो भवपुरे डरी नीडलवुं, नरक्षिन्नेो भव पुरे डरीने नरकादि में से बाहर निकल कर, नरकादि भव पुरा करके. Having finished one's term of life in hell etc. i. e. having come out of it भग० १५, १,

उच्चट्टिग त्रि० (उद्धर्तित) नरक्षिन्नेो भव पुरे डरी नीडलवुं नरकादि गति-सम्बन्धी भव पूरा करके बाहर निकला हुआ (One) who has come out of hell etc. after finishing the term of life there. “आउक्खण्ण उच्चट्टिया समाणा” प्रव० ११०३, परह० १, १, ३, क० प० २, २६, (२) उगटणुं डरेल, पीडी येलेल उवटन किया हुआ पीठी चिपटा हुआ rubbed with a perfumed substance, kneaded with a perfumed substance (३) पदभ्रष्ट थयेल पदच्युत; पदभ्रष्ट deposed, dethroned, degraded पि० नि० ४२०,

उच्चण भोग पु० (उल्लवण भोग) उत्कट भोग उल्लवण Keen enjoyment पचा० २, ६,

उच्चत्त पु० (उद्धर्त्त) रोगी गिलान डे सथारो डरनार साधुनी वेयावच्च डरनार निर्यामक साधुनेो ओडवर्ग डे ने रोगीनी उद्धर्तना-पासु द्वेष्टवुं वगेरे रूपे शुश्रूषा डरे रोगी, ग्लान या सथारा करने वाले साधु की वेयावच्च करने वाला निर्यामक साधु का एक वर्ग, जो रोगी को उद्धर्तना-करवट लिवाना मालिश करना आदि शुश्रूषा करता है A class of ascetics who

attend upon and render services to other Sādhus who are sick, troubled etc or who are performing Santhānā, e g by helping a sick Sādhu to turn over from one side to another प्रव० ६३६;

उच्चरिय. त्रि० (उर्वरित) आहारात् ओष्ठ
दोष, आहार का एक दोष A fault
connected with food. पि० नि०
२२७, पचा० १३, ८, (२) शुद्ध द्रव्य जुदा
किया हुआ set apart, separated
पचा० १३, ८,

उच्चलण न० (उद्धलन) उलटी झाड़ी-
ये मर्दन करवु, मर्दन करी मल उतारवु,
उलटे रुई की ओर से मर्दन करना Rub-
bing a perfumed unguent
on the body against the grain,
rubbing and cleaning the
body with perfumes etc ओव०
३१, नाया० १३, क० प० २, ४८,
कप० ४, ६१,

उच्चलणा स्त्री० (— उद्धलना=उद्धर्त्तन) उभे-
लवु खोलना Act of unfolding
or unwinding क० प० २, ६१,

उच्चिग्ग त्रि० (उद्धिग्न) उद्देग पायेव,
अशांत थयेव अशांत, उद्देगयुक्त Vexed,
troubled agitated “जम्म मच्चु
गउच्चिग्गः दुक्खस्संतगवेमिणो” ज०
प० ३ ५८, ओव० २१, नाया० १, ३, ४,
६, १६, १७, परह० १, १, जीवा० ३, १,
भग० ३, १, ६, ३३, १२, १, १८, २,
पन्न० २, नाया० ध० सु० च० १, २२६,
उवा० ८, २५६, ज० प० ३, ५८, उत्त०
१४, ५२, —मण त्रि० (मनस्) उद्देग-
युक्त मनवाले उद्देगयुक्त मन वाला, चितित

मन वाला troubled or agitated
in mind नाया० १७,

उच्चिद्ध त्रि० (उद्धिध्व) उडुं उंडा, गहरा.
Deep. ओव० नाया० १; जं० प० ५,
११५, (२) उच्चिद्ध, उच्च ऊचा. lofty,
raised, high सम० प० २३६, भग०
६, ३३, परह० १, ४,

उच्चिह पु० (उद्धिध) गोशालाना मुख्य
श्रावधनुं नाम गोशाला के मुख्य श्रवक का
नाम Name of the principal
layman of Gosālā. भग० ८, ५;
उच्चिहिय त्रि० (उद्धिद्ध) उच्ये डेंडेल. ऊचा
फेंका हुआ Thrown up, tossed up
भग० ५, ६,

उच्चिह त्रि० (उद्धिद्ध) उच्च आलु डेंडेल
ऊचा फेंका हुआ Thrown up tossed
up, shot up भग० १८, ३

उच्चिल्लय पु० (अपचीडक=लज्जया
अतिचाराम् गोपायन्तमुपदेशविशेषैरप
चीडयति-विगतलज्जकरोतीति अपचीडकः)
आलोचयलुना लेनारने लज्जा थली होय ते
समझली हूर करनेवाले आलोचना करनेवाले
को यदि लज्जा लगता हो तो समझाकर उसे
दूर करनेवाला One who reasons
with and removes the sense
of shame felt by a person
confessing his sins भग० २५, ७,
ठा० ८, १,

उच्चिल्लेमाण त्रि० (अवपीडयत्) पीडित
पीडादेता हुआ Troubling, afflict-
ing “पथ कोट्टेहिय उच्चिल्लेमाणे २ विहिसे
माणे २ विहरह” ठा० ८, विवा० १,

उच्चुष्ममाण त्रि० (उपोह्यमान) पाटीया
उपर भेरी तगते पटिये पर बैठकर तिरता
हुआ Swimming upon a wooden
board “तत्तेण अह उच्चुष्ममाणे रयण

दीव तेणे सवुढे" नाया० ६,
उच्चेन्नग्रह पुं० (उद्देगग्रह) उद्देग उत्पन्न
थाय ओवे। रोग. जिससे उद्देग उत्पन्न हो
ऐसा रोग A disease or an ail-
ment giving rise to anxiety
and alarm. जीवा० ३, ३;

उच्चेग पुं० (उद्देग) उद्देग, भेद उद्देग,
खेद, चिंता Mental affliction;
mental agitation भग० ३, ७, ठा० ३;
उच्चेय पुं० (उद्देग) व्याकुलता; उद्देग
व्याकुलता, चिन्ता, घबडाहट, उद्देग Agi-
tation, perturbation, mental
distress नाया० १;

उच्चेयणश्च त्रि० (उद्देजनक) उद्देग करने
वाला. Causing distress
or misery, giving rise to pain
and sorrow परह० १, १,

उच्चेयणकरि त्रि० (उद्देजनकरिन्) उद्देग
करने वाला (One) be-
coming angry, (one) causing
distress or pain of mind. भग०
६, ३३;

उच्चेयणग त्रि० (उद्देजनक) लुओ 'उच्चे-
यणश्च' शब्द देखो " उच्चेयणश्च " शब्द
Vide " उच्चेयणश्च " भग० ६, ३३,
परह० १, १;

उच्चेयणिय त्रि० (उद्देजक) उद्देगकारी
उद्देग करने वाला Distressing,
painful; full of misery "असुईए
उच्चेयणियाए भीमाए गवभव सहीए वसि
यव्वं भविस्सइ" ठा० ३, ३;

उच्चेह. पुं० (उद्देघ) जमीनमा उद्देघ. उद्दे-
पल्लु. गहराई, उडाई Depth भग० २,

८, १५, १, राय० १५५, जवा० ३, ४;
जं० प० १, १२; ७, १७४; अणुजो०
१३४; ठा० २, ३;

उच्चेहलिया स्त्री० (-) ओ३ जलनी
वनस्पति उच्चेहणिया नामक एक वनस्पति.
A kind of vegetable growth
सूय० २, ३, १६;

उत्सरण. पु० (अचसन्न) सयमथी थोडेस संय-
मसे थका हुआ Fatigued, exhaust-
ed on account of ascetic prac-
tices; tired of ascetic penance.
निसी० ४, ३२, ३६.

उत्सरण अ० (-) भोटे भागे, प्राये
बहुधा, प्राय, Mostly, to a great
extent पञ्च० ८, भग० ७, ६, ओव०
२०, वव० १, ३४;

उत्सहसारेणश्चा. स्त्री० (उच्छृङ्खलक्षणा)
अनन्त व्यवहारि परमाणु भोगाथवाथी
अनेवा न्दानाभा न्दाना रन्धनी संज्ञा, उध्व-
रेणुने ६४ भा भाग. अनन्त व्यवहारिक पर-
माणुओंके एकत्रित होनेसे बने हुए छोट्टेमे
छोट्टे स्क्ंधकी संज्ञा. A name given
to the smallest molecule made
up of innumerable atoms;
1/64th part of an Uidhwa
Renu भग० ६, ७,

उत्सहसारेणश्चा स्त्री० (उच्छृङ्खलक्षणा)
लुओ उपे। शब्द. देखो उपरका शब्द
Vide above अणुजो० १३४;

उत्सत्त. त्रि० (उत्सक्त) उपर आधेस उपर
बांधा हुआ Bound or attached to
the top ओव० पञ्च० २; राय० ५६;

उत्सन्न अ० (-) व्यकुलता, प्राये

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (-) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (-) Vide
foot-note (*) p. 15th

बहुलता, अधिकता, प्रचुरता Mostly, to a great extent ठा० ४, १, —नस्सपाणघाति त्रि० (-नस्सपाण-घातिन्) ध्रुवे लागे नस्स प्राणीन्ही घातनेो धरनार अधिकतर नम प्राणीकी घात करने वाला mostly destroying or killing mobile living beings दसा० ६, १, —संभारकड त्रि० (-सम्भारकृत) प्राये धर्मना लारथी प्रेरयेल, लारे धर्मपणुथी प्रेरयेल प्राय. कर्मके भार से दसा हुआ, कर्म के भार से प्रेरित mostly urged by a heavy load of Karma दसा० ६, १, उत्सभ पु० (वृषभ) शाश्वती ओइ जिन प्रतिमानु नाम शाश्वत-निरतर रहने वाली एक जिन प्रतिमा का नाम A permanent idol of a Tūthankara जीवा० ३, ४, कप्प० ३, ४४, उत्सभ पु० (ऋषभ—ऋषति गच्छति परमपद-मिति ऋषभ) प्रथम तीर्थंकर, ऋषभदेव स्वामी The first Tūthankara, Rishabhadeva Swāmī आब० २, ४, भग० २०, ८, सम० २३, २४, ज० प० ५, ११५, अणुजो० ११६ पैचा० १६, ८, सम० प० २३४ (२) त्रि० उत्तम, १४ उत्तम, गर्व श्रेष्ठ highest, excellent ठा० ४, २, (३) पु० पन्दरमा दुइय-नु नाम पद्रहवें कुलकर-नताका नाम name of the 15th Kulagara i e a great leader of men ज० प० (४) अगद, ओइ बैल an ox भग० ११, ११, १६, ६, अणुजो० ४७, ओव० ज० प० राय० ४३, नाया० १, (५) अगीयारमा आरमा देवलोडना धरनु यिन्द. ग्यारहवे, बारहवे देवलाक के इन्द्र का चिन्ह the emblem of the In-

dia of the 11th and 12th Deva lokas ओव० २६, (६) अगदना यित्र बाहु वस्त्र अथवा आभरण ऐसा वस्त्र या आभरण जिस पर बैल का चित्र हो a cloth or an ornament bearing a picture of an ox जीवा० ३, ३, (७) आभडाने पाटे चमडे का पट्टा a leathern belt ज० प० सम० प० २२६, पन्न० २३, —आसण न० पु० (-आसन) अगदना आडारनु आसन बैल के आकार का आसन an ox-shaped seat जीवा० ३, —कंठ पु० (-कण्ठ) ओइ गतनु रत्न एक प्रकार का रत्न a kind of gem राय० १२१, —कठग पु० (-कण्ठक) ओइ गतनु रत्न एक जात का रत्न a kind of gem “उत्सभकठगणश्रद्धम” जीवा० ३, ४, —कूड पु० (-कूट) ओइ पर्वतनु नाम एक पर्वत का नाम name of a mountain ज० प० १, १७, ६, १२५, (२) सिन्धु-दुण्डनी पूर्व गंगादुण्डनी पश्चिमे नीलवन्त पर्वतना दक्षिण डाई उत्तरार्द्ध इन्द्रविजयमाने आर योजन्तनेो ओयो ओइ इन्द्र-शिखर सिन्धुकुड के पूर्व की ओर गंगा कुड की पश्चिम दिशा में नीलवन्त पर्वत के दक्षिण कि नरे पर उत्तरार्द्ध कच्छविजय में का आठ योजन ऊंचा एक शिखर name of a lofty peak eight Yojanas in height in the northern half of Kachchha Vijaya, to the south of Nilavanta mountain, to the west of Gangā Kunda and to the east of Sindhu Kunda ज० प० १, १७, —नाराय पु० (-नाराच) ओयो “उत्सभनारायमघयण” शब्द देखो “उत्सभनारायमघयण” शब्द vide “उ-

सभनारायसंघयण " भग० २४, १. ठा० ६, १, —नारायसंघयण न० (-नाराचसंहनन) जेभा हाडकाना साधा पाटा जेवा पदाधेयी विटायेल अने मर्कट अधेयी अधेयेल होय ते संघयण, ७ संघयणमानुं भीजु संघयण. जिस में शरीर की हड्डियों के जोड़ पट्टेके समान वस्तु से लिपटे हुए और मर्कट वंश में बंधे हुए हो वह सहनन, वह सहननो में से दूसरा संहनन a physical constitution in which the bones are wrapped round by sinews as hard as stone and fastened together tightly by Marakata Bandha, the 2nd of the six kinds of Sanghayana (physical structure) जीवा० १, —पंक्ति छी० (-पंक्ति) अगदोनी पंक्ति बैलकी पंक्ति a series or line of oxen भग० १६, ६, —ललियविक्रन्त. त्रि० (-ललितविक्रान्त) अगदना जेवी सारी गति बाणो. बैल के समान मुदर गति वाला possessed of a gait beautiful like that of an ox राय० ६२, —सठिय त्रि० (-संस्थित) अगदना आधारनु बैल के आकारका ox-shaped भग० ८, २, उसभदत्त पु० (ऋषभदत्त) ऋषभदत्तनामे ओइ आत्मणु डे जेना धरमा भदावी० स्वामी प्रथम आग्या हुता ऋषभदत्त नामक एक ब्राह्मण कि जिसके घर महावीर स्वामी प्रथम गये थे Name of a Brāhmaṇa to whose Mahāvīra Swāmī had visited first भग० ६, ३३, कण्व० १, २, (२) उमुयार नगर निवासी ओइ गाथापति उमुयार नगर निवासी एक गाथापति a merchant-prince of

Usuyārnagata " उसुयारखयरे उसभदत्ते गाहावड् " विवा० ४;

उसभपुर न० (ऋषभपुर) ओ नामनुं नगर डे जेभ तिष्यगुप्त नामे ओइ निन्दव थया एक नगरका नाम जिससे तिष्यगुप्त नामक एक निन्दव हुए थे. Name of a town which was the native place of a Nimbava named Tisyagupta ठा० ७, १; विवा० २;

उसभसेण पृ० (ऋषभसेन) ऋषभसेन स्वामीना योरासी हुजर साधुओमाना भुष्य साधु ऋषभदेवस्वामोके चोरासी हजार साधुओ मे के मुख्य साधु The chief of the 84 thousand Sādhus of Rīṣabhadeva Swāmī सम० प० २३३, जं० प० कण्व० ७, २१३, (२) २०मा तीर्थंकरने प्रथम शिक्षा आपनार गुरुस्थ वास वें तीर्थंकर को प्रथम भिक्षा देनेवाला गृहस्थ name of a householder who first of all gave alms to the 20th Tirthankara सम० प० २३३;

उसभा छा० (ऋषभा) शाश्वती या० प्रतिभाओ पैडी पहेली प्रतिभानु नाम शाश्वती चार प्रतिमाओ मे की पहली प्रतिमा का नाम Name of the first of the four permanent Pratimās राय० १५४. —लद्धि छी० (-लद्धि) उश्वासनी प्राप्ति उश्वासनी प्राप्ति the attainment of (the power of) inhaling air क० ग० १, ४४,

उसह पुं० (ऋषभ = ऋषति गच्छति परमपदमिति ऋषभः) आदि तीर्थंकर, पहेला तीर्थंकरनु नाम पहले तीर्थंकरका नाम Name of the first Tirthankara ज० प० नंदी० ४३, प्रव० ४,

उसह-पुं० (वृषभ) अलद बैल An ox,

a bull नाया० ८.

उसहकूट. पु० (वृषभकूट) ओ नामने ओके पर्वत गंगाकूट अने सिन्धुकूटनी वચ्चे युवद्विभवत पर्वतने दक्षिण तटे छे इम नाम का एक पर्वत गंगाकूट और सिंधु कूटके बीच में और चूल हिमवत पर्वतके दक्षिण की ओर है Name of a mountain between Gaṅgākūta and Sindhukūta, to the south of Chula Himavanta mountain ज० प०

उसहसेण. पु० (ऋषभसेन) जुओ “ उसभ सेण ” शब्द, देखो “ उमभ-सेण ” शब्द Vide “ उसभसेण ” प्रव० ३०६, **उसा** स्त्री० (उपा-अवस्थाय) ३२, अक्षर ओस Fog, dew (२) प्रभात प्रातःकाल dawn “ तेजः परिहामिरुषा, भानोरच्छेदयं यावत् ” जीवा० १,

उसिण. पु० न० (उष्ण-उपति दहति जस्तुनित्युष्णम्) उष्ण स्पर्श, उष्णता गर्मी, उष्ण स्पर्श Heat, hot touch (२) त्रि० त्रि०, गरम गर्म hot आया० १, १६, ३३ पञ्च० १, ३४; भग० २, २, ५, ६, ६, ७, ८, १०, १ १८, ६ २०, ६; दम० ६, ६३, पि० नि० ६५२, जीवा० ३, १, उत्त० २, ८, ठा० ४, ४, नाया० १६ प्रव० ३१, (३) पु० उष्णकाल, उनायो गरमी की मौसम summer, hot season प्रव० ८७५

—**उ.ग** न० (—उदक) उनु पाणी गरम पाणी गर्म पाना उष्ण जल hot water “उसिणोदगत-तफासुय पाडिगाहेज सजए” दश० ८, ६ प्रव० ८८८, पञ्च० १, वेय० २, ५ पि० नि० भा० १८, नाया० १६

—**उदगवियड** अ० (—उदकविकृत) विदृत-अयेत थयेत उनु पाणी अचित पानी, जीवजतु रहित उष्ण जल hot water rendered lifeless निसी०

१, ७; दसा० ६, ४, —**उसिण** त्रि० (—उष्ण) उनु उनु गर्म, उष्ण, ताजा hot निसी० १७, २९;—**जोणिय** पु० (—योनिक-उष्णमेव योनियेषान्ते उष्णयोनिका) उष्ण योनिवाला श्रव उष्ण योनिवाला जीव a living being (female) with hot generative organ or womb. भग० ७, ३, —**तेयलेस्सा** स्त्री० (—नेजो-लेस्या) उष्ण तेजे लेश्या, गरम अग्निरूप लेश्या-तपना प्रभावथी उत्पन्न थयेत ओके लक्ष्मि के जेथी पीजने वाली शके उष्ण-तेजो लेश्या, अग्नि के समान लेश्या; तप के प्रभाव से उत्पन्न होनेवाली एक लक्ष्मि जो दूसरे को जला सके hot and bright Leśyā, a spiritual attainment (by which a person can burn another to ashes) got by austerity. भग० १५, १. —**परिसह.** पु० (—परिषह) ताप-गरमीना परिसह गर्मी का परिषह उष्णता सहन करने रूप तप heating affliction caused by heat सम० २२, उत्त० २, ८, भग० ८, ८, —**फास** पु० (—स्पर्श) उष्ण स्पर्श गरमी, आह स्पर्शमानो ओके गर्मी, आठ प्रकार के स्पर्शों में स एक स्पर्श heat hot touch, one of the 8 kinds of touch क० ग० १ ४१; —**भोयण-जाअ** न० (—भोजनजात) उना भोजनानी जल-प्रक्षालन गर्म भोजन उष्ण भोजन का एक जाति a variety of food served hot वेय० ५, १२, —**विकट** न० (—विकट) उद्रायेतु उनु पाणी, उनु अचित पाणी उकाला हुआ गरम जल, गरम अचित जल boiled water, lifeless, sterilised water कण्व० ६, २६, **उसिणभूय** त्रि० (उष्णभूत) गरमभूत

गर्म; उष्ण. Become hot; made hot. "उसिये उसियभूय यावि होत्था" भग० ३, २,

उसिय त्रि० (उषित) निवास इरेल, रहिल. निवासित, रहा हुआ, निवास किया हुआ Dwelt, inhabited आया० १, ६, ३, १८७,

उसीर पु० (उशीर) वाणो, ओष्ठ भुगधि द्रव्य, वीरशुना भूख. खस, एक सुगन्धित द्रव्य, खस की जड़ The fragrant root of the plant Andropogon Muricatus. राय० ५६, जावा० ३, ४ परह० २, ५, सूय० १, ४, २८; — पुड पुं० (—पुट) वाधानो पडे। खस का पुडा a bundle of roots of a fragrant plant named Andropogon Muricatus नाया० १७,

उसु पुं० (इपु) आणु. तीर, डामरुं वाण, तीर An arrow "अहेण से उसू" भग० १, ८, ५, ६, ७, ६, १८, १, १८, ३; ज० ५० ४, ४५, अत० ५, १, राय० २५७, विशेष० ३१४१; सूय० १, ५, १, ८

उसुकारिज्ज न० (इपुकारीय) उत्तराध्ययन ना यादमा अध्ययननु नाम, जेमा धपुकार राज्ञ डमलावती राज्ञी भगु पुरोहित अने तेनी स्त्री तथा पुत्रोने अविशर छे उत्तराध्ययन के चौदहवें अध्याय का नाम जिसे में इपुकार राजा, कमलावती रानी, भगु पुरोहित और उसकी स्त्री तथा पुत्रों का वर्णन है Name of the 14th chapter of Uttarādhyayana dealing with the king Isukāra, the queen Kamalāvatī, the preceptor

Bhagu etc अणुजो० १३१.

उसुगार. पु० (इपुकार) धातडी अंभा दक्षिण अने उत्तर दिशानो विभाग इरनार ओष्ठ पर्वत धातकी खंडमें दक्षिण और उत्तर दिशा का विभाग करनेवाला एक पर्वत Nama of a mountain in Dhātakī Khanda, situated between and separating the north and the south ठ० २, ३, उसुअ पु० (इपु) आणुने आधारे आलक्षतु ओष्ठ आभरण वाण के आकार का बालक का एक गहना A kind of ornament for a child "उसुपाइएहि मडोहि नावण अहवणं विभूसेभि" पिं० नि० ४२३,

उसुयार पु० (इपुकार) ओ नामनु धपुकार गणनु नगर इपुकार राजा के नगर का नाम Name of a town belonging to king Isukāra. विवा० ३; उत्त० १४, १; (२) धपुकार नगरीनो राज्ञ. इपुकार नगरी के राजा का नाम. the name of the king of Isukāra town. "उसुगारेण णयरेउसमदत्ते गाहावई" विवा० १, १, उत्त० १४, ३,

उसुयाल न० (५) उभल ऊखल. A wooden mortar used for cleansing grain from chaff etc निसी० १३, ५, आया० २, ५, १ १४८.

उसोवणी स्त्री० (अवस्वापिनी) सामा भाणसने गाढ निद्रा आवी जय तेनी विद्या. ऐसी विद्या जिसके कारण सामनेवाले मनुष्य को गाढ निद्रा आजाय Art of hypnotising. सूय० २, २, २७,

उत्स पु० (अवश्याय) ओस; धार, आडण.

ओम Dew, fog, hoar-frost
 “अप्पहरिणसु अप्पुस्सेसु” वेय० ४, १, भग०
 १५, १, उक्त० ३६, ८५, विशेष० २५७६; ठा० ४, ४,
 उत्ससत्र पुं० (उच्छ्रय) लावनी उन्नति. भाव
 की उन्नति, विचार की उन्नति Subli-
 mity of thought पर६० २, १,

उत्ससक्कण न० (उत्प्वक्कण स्वयोगप्रवृत्त
 कालावधेरुध्वं पुरतः प्वक्कणमारम्भकरण-
 मुत्प्वक्कणम्) नेने माटे ने डाल निर्माणि
 डरेल छे तेने उलवीने ते कार्य डरपु ते
 जिस कार्य के लिये जो समय नियत है उस
 समय के निकल जाने पर वह कार्य करना
 Doing an action after the time
 fixed for it has elapsed पिं०
 नि० २८५, (०) उये डुवु. ऊचे कूदना
 leaping up, high jump प्रव०
 १५७, पंचा० १३, १०,

उत्ससग्ग पु० (उत्सर्ग) डाडिसग्ग डायाना
 व्यापारनेो त्याग कायोत्सर्ग, शरीर के
 व्यापार का त्याग Kāusagga, con-
 templatation upon the soul giv-
 ing up all thoughts about the
 body सम० ६, ओघ० नि० ५५, प्रव०
 ७५, (२) भजभूत निनेो त्याग मलमूत्रादि
 का त्याग getting rid of urine,
 solid excrements & feces etc.
 पचा० ३, २० पिं० नि० भा० १५, ओघ०
 नि० भा० ३१, भक्त० ४४,

उत्ससग्गि त्रि० (उत्सर्गिनि) उत्सर्गमार्ग
 तथा अपवाद्मार्गने जलुनार शास्त्रीय
 पारीड नियमने समञ्जनार उत्सर्ग और
 अपवाद मार्ग को जाननेवाला, शास्त्रीय सूक्ष्म
 नियमों का समझने वाला (One) who

has knowledge of general
 rules and exceptions, (one)
 who knows the minute rules
 of Śāstras प्रव० ५५०,

उत्ससरण न० (*) अहुवता, धल्लेभागे, प्राये.
 बहुलता, बहुत आविक, प्राय mostly,
 to a great extent. “उत्ससरणं-
 माहारा” भग० ७, ७, “उत्ससरण लक्खण
 सजुया” निसी० ३, जीवा० १; भग० ७, ६,
 १५, १, —दोस पुं० (-दोप-उत्सन्नमनु
 परत बाहुल्येन प्रवर्तत इत्युत्सन्नदोप)
 हि सादिमा धली प्रवृत्तिवालेो हिसादि मे
 बहुत प्रवृत्ति रखनेवाला one who is too
 much given to the sin of kill-
 ing etc भग० २५, ७,

उत्ससहससिहस्रा स्त्री० (उच्छ्लक्ष्णश्लक्षिण-
 का) अनत व्यवहारि परमाणु भेगा था
 थी अनेक अधनी सजा अनत व्यवहारी
 परमाणुओं के एकत्र होनेसे बने हुए स्कध
 की सजा Name given to a mole-
 cule made up of innumerable
 atoms ज० प० २, १६,

उत्ससन्नं () लुओ “उत्समरण” शब्द
 देखो ‘उत्ससरण’ शब्द Vide “उत्ससरण”
 पर६० १, १, सूय० २, २, ६५,

उत्ससर्पिणी स्त्री० (उत्सर्पिणी-उत्सर्पन्ति
 शुभाभावा अस्यामित्युत्सर्पिणी) यत्ता ७
 आरा पुग थाय तेडले डाल दश डोडा डोडी
 सागरोपम प्रमाणनेो यत्ता डाल उत्सर्पिणी
 काल, प्रगतिशाल छह कालों के समूह का
 नाम, दश कंडा कोडी सागरोपम वह काल
 जिसमें मदा उन्नति होती रहती है The
 aeon of increase, the up-

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide
 foot-note (*) p 15th

ward revolution of the wheel of time consisting of six periods (Āiās), the era of increase equal to 10 x crore x crore of Sāgaropamas. भग० ३, १; ५, १ ५, ६; १५, १, २०, ८. उत्त० ३४, ३३; अणुजो० ११५, १४५; सम० २०; टा० १, १, २, ४, सू० प० ८; पञ्च० १२, ज० प० ७, १५०; नंदी० १६; कण्ठ० २, १८, —काल पुं० (-काल) दश डोडा डोडी सागरोपम भ्रमाण्य अतो डाल उत्सर्पिणी काल; दश कोटा कोटी सागरोपम प्रगतिशील काल the era of increase or of upward revolution of the wheel of time equal to 10 x crore x crore of Sāgaropamas जं० प० २, १८; भग० २५, ६, —हृया. स्त्री० (-अर्थता) उत्सर्पिणीनी अपेक्षाये. उत्सर्पिणी की अपेक्षा से. भग० १९ ११,

उत्सयंगुल न० (उच्छ्रयांगुल) त्रण प्रकार ना अंगुल पैडी आंगुल उत्सेधांगुल जेताथी अशाश्वती वस्तुनी अथाध पंडोलाध वगेरेने भाप थाय अथवा शरीरनी अवगाहना भापय ते अंगुल तीन प्रकार के अंगुलों में से दूसरा उत्मेव अंगुल जिसमें अनित्यवस्तुओं की लंबाई चौड़ाई वगैरह की नाप होती है अथवा शरीर की अवगाहना नापी जाती है वह अंगुल. The 2nd of the three kinds of fingers called Utse-dha Āṅgula; small finger in its breadth used to measure the length and breadth of

distinctible objects विशेष० ३४१
उत्सयण पुं० (उच्छ्राय) भान; अहंकार. मान, घमंड; अहंकार. Pride; conceit. “ थंडिलुस्मयणाणिय ” मूय० १, ६, ११,
उत्सव पुं० (उत्सव) इंद्र आदिना भोक्तव्य. इंद्र आदि का महोत्सव A festival, e. g. of Indra etc नाया० १; २; पण्ह० १, ३; २, ५;

उत्सवण्या. पु० (*उत्सवण) उँयुं डरुव ते ऊचा करना. Lifting up, raising up. भग० १, ८,

उत्सविय सं० कृ० अ० (विश्वास्य) विश्वासमा पाडीने विश्वास में डालकर Having inspired with trust or confidence सूय० १, ४, १, ६,

उत्ससण न० (उच्छ्वास) उश्वास उमास Inhaling of air, breathing in of air क० गं० १, ४४;

उत्ससिअ. न० (उच्छ्वसित) उँयो श्वास. ऊचा श्वास Inhalation of breath नदी० ३८, आव० १, ५.

उत्सा स्त्री० (अवश्याय) आडल आँस. Frost, dew, mist कण्ठ० ६, ४५,

उत्सास पुं० (उच्छ्वाम—ऊर्द्ध प्रबल.श्वाम उच्छ्वाम) प्रजापताना सातमा पदनु नाम जेमा नारडी छव डेटले वअते श्वास ले छे तेना डाणनु परिमाणु आपेय छे प्रजापना के ७ वें पद का नाम, जिमें “ नारकी जीव कितने समय के बाद श्वास लेते हैं ” इसका वर्णन है Name of the 7th Pada of Prajñāpanā in which is given the period of time during which a hell-being takes one

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th

breath पञ्च० १ (२) उयो श्वास लेवे
ते ऊचा श्वास लेना. inhalation of
breath पञ्च० २३, दसा० १०, ७, भग०
१, ६, २, १, सम० ३४, ज० प० २, १८,
(३) नामधर्मेनी ओष्ठ प्रकृति के जेना
उत्पत्ती ७१ श्वासोच्छ्वास लक्ष शब्दे छे.
नामकर्म की एक प्रकृति का नाम जिसके कि
उदय से जीव श्वासोच्छ्वास लेते हैं. a
variety of Nāmākarma by the
rise of which a soul can inhale
and exhale breath क० ग० १,
२६, ५. ६०, पञ्च० २३, —नीसास पु०
(-नि.श्वास) श्वासोश्वास लेवे ते, उयेथी
नीये ते नीयेथी उये श्वास लेवे ते श्वासो-
च्छ्वास लेना, ऊपर से नीचे और नीचे से
ऊपर श्वास लेना respiration पञ्च० १,
—पञ्च पु० (-पद) उच्छ्वास पद-प्रज्ञा-
पना सूत्रना सातमा पदनु नाम उच्छ्वास
पद, प्रज्ञापना सूत्र के सातवें पद का नाम
name of the 7th Pada of
Prajñāpanā Sūtra भग० १, १,
—विस पु० (-विष) जेना श्वासमा
जेर छे ओरी जतिने ओष्ठ सर्प जिसके
श्वास मे जहर है ऐसी जाति का एक सर्प a
serpent with venomous breath
पञ्च० १

उस्सासग पु० (उच्छ्वासक उच्छ्वासन्ता-
त्युच्छ्वासका) श्वासोच्छ्वास लेनार श्वासो-
च्छ्वास लेने वाला One who breath-
es नाया० १, ठा० २, २,

उस्सासय पु० (उच्छ्वासक) जुओ 'उस्सा
सग' शब्द देखो "उस्सासग" शब्द
Vide "उस्सासग" भग० ११, १,

उस्सिअ त्रि० (उच्छिन्न) उयु इरेल, उये
उपाडेऊ ऊचा उठाया हुआ Raised up,
lifted up विवा० २ राय० ७०, ओव० ३१,

ज० प० २, २१, —(ओ)उदअ-य त्रि०
(-उदक) वधेयु पाणी, उयु यडेऊ पाणी
बढा हुआ पानी, चढा हुआ पानी water
risen high or increased in vo-
lume "लवणेण समुहे उस्सिओदण्"
भग० ६, ८, —धया स्त्री० (-ध्वजा)
उयी इरी छे ध्वज जेणे ते (स्त्री) जिसने
ध्वजा ऊची की वहे (स्त्री) (a woman)
who has raised up a flag or
banner विवा० २,

उस्सिचणा. स्त्री० (उत्सेचन = ऊर्द्धसेचनमुत्से-
चनम्) तणावादिनु पाणी उलेयी उदार
डादु ते तलाव वगैरह का पानी उलीच कर
बाहिर निकालना Taking out or
drawing out water from a
tank etc उत्त० ३०, ६, भग० ३, ३,

उस्सिचितार त्रि० (उत्सेक्त) पाणी
उलेयनार पाणी उलीचने वाला (One)
that draws out or takes out
water दसा० ६, ४

उस्सित त्रि० (उत्मृत्) उयु इरेल उचा
करा हुआ Raised up, lifted up
जावा० ३, ४,

उस्सित्त न० (उत्सिक्त) उयु इधियु उचा
क्रिया हुआ Lifted up, raised up,
exalted (२) गर्विष्ठ, उद्धत गर्विष्ठ,
धमडो, उद्धत proud, vain भग० ३, ३,

उस्सिय त्रि० (उत्मृत्) फैलायेस पसरयेस
फैलाया हुआ, पमारा हुआ Spread ex-
tended (२) उयु इरेल. उचा क्रिया
हुआ lifted up, raised up सम०
प० २१२, राय० ६६

उस्मीस न० (उच्छीर्ष) ओशीर्ष तर्किया
A small pillow for the head
ओष० नि० २३२ —मूल न० (-मूल)
ओमीशानु मुग, ओमीशानी नीये तर्कियेके

नाचे का भाग the under-portion of a pillow for the head. निती० ५ ७६; नाया० १,

उस्सुय न० (औत्सुक्य) उच्छायापणु उत्सुकता, चंचलता Excessive eagerness or curiosity. busy inquisitiveness ओव० १६;

उस्सुक. त्रि० (उच्छुल्क) डर रहित, जगात रहित, नि शुल्क कर रहित, विना फीस का; जगात रहित Free from customs duties, free from taxes. “ उस्सुकं वियरइ ” कण्प० ५, १०१; नाया० १, ८, १५, १७, विवा० ३,

उस्सुग त्रि० (उत्सुक) उत्कण्ठित, उत्साहयुक्त उत्कण्ठित, तीव्र चाह वाला, उत्साह सहित Eager, zealous, enthusiastic ओव० २६,

उस्सुगत्त. न० (उत्सुकत्व) उत्सुकता, आकुलता उत्सुकता, उत्कठा, तीव्र इच्छा, आकुलता Eagerness; confusion of mind caused by excessive eagerness महा० प० ५,

उस्सुगत्तण न० (उत्सुकत्व) उत्सुकता, आकुलता उत्सुकता उत्कठा, तीव्र चाह, आकुलता. Eagerness, perturbation of mind परह० २, ३,

उस्सुत्त न० (उत्सूत्र) मन, वचन, अने कियारे डरी सूत्रथी विश्व आयरण डरु ते मन, वचन, और कया से सूत्र से विरुद्ध आचरण करना Violating the precepts of the Sūtras (scriptures) in thought, word and deed आव० १, ४, भग० ७, १; १०, १;

प्रव० १२१; पचा० १४, १८,

उस्सुय. त्रि० (उत्सुक) उत्कण्ठित, उत्साहवादी उत्कण्ठित, तीव्र इच्छावाला, उत्साह वाला Eager; zealous, enthusiastic (२) पु० उत्सुक नामना ओड दुभार उत्सुक नामक एक कुमार. name of a Kumāra (a boy) नाया० १६,

उस्सुय न० (औत्सुक्य) उत्सुकता, उत्सुकपना Eagerness; curiosity. नाया० १, — कर त्रि० (-कर) उत्कठा उपनयनार उत्कठा पैदा करने वाला. Exciting eagerness or curiosity नाया० १,

उस्सुयभूय. त्रि० (उत्सुकीभूत) उत्कण्ठवादी, आतुर अनेक उत्कठा वाला, आतुर, उत्सुक Made eager or anxious; eager, made curious “ उस्सुयभू-एण अण्णाणेण ” आया० २, १, ३, १५,

✓ उस्सु-याय. ना० वा० I (उत्सुक करो-तीति-उत्सुकायते) विषय तरङ्ग उत्सुकता डरवी-आतुरता डरवी विषयों की ओर उत्सुकता करना, विषयों में उत्सुक होना. To be full of eagerness for sensual enjoyment.

उस्सुयायति. भग० ५, ४,

उस्सुयाएज भग० ५, ४,

उस्सुयमाण भग० ५, ४,

उस्सूलत्र. पुं० (-) दुश्मनता लक्ष्मण पाउवा माटे टाकेली छुपी आड, ओड जतनी आर्ध खाई; शत्रु की सेना को गिराने के लिये टाकी हुई खाई A ditch. a trench, a hidden trench to destroy a hostile army उत्त० ६, १८,

उत्सेदम. न० (उत्सेदिम) दोटनु धोवणु,
अगर वगेरेतो दोट ओसाववामां आवे ते
दोट वाणु पाणी आटे का धोवन Water
in which rice-flour etc. have
been soaked ठ० ३, ३, आया० २, १, ७, ४१,

उत्सेयण न० (उत्सेदन) ओसाभणुनु
पाणी माड, चामल वगैरह सिमाने के बाद
निकला हुआ पानी Water taken
out after rice etc have been
bould in it निसी० १७, ३०,

उत्सेह पुं० (उत्सेध) उयाध, अवगाहना,
ऊचाई, अवगाहना Height, measure
of height ओष० नि० भा० २६३,
राय० ३६, ज० प० २, १६, ५, १२२,
ओव० १०, ३८, उत्त० ३६, ६३, उवा० १,
७६, (२) शिखर, चोटी summit,
peak जीवा० ३, ४, —अंगुल पु०
(-अगुल) उत्सेधागुल, आहंत्व मध्य-
प्रमाण ओड ७२५; आ अगुलथी नारकी ति-
यथ वगेरे सर्व श्रवना शरीरनी अवगाह-

ना-उंयाधनुं प्रमाण गणवामां आव्युं छे
उत्सेधागुल, नारकी, तिर्यच वगैरह जीवों के
शरीर की ऊचाई का प्रमाण जिससे किया
जाय वह अगुल a measure equal
in breadth to eight barley
seeds and used to calculate
the height of hell-beings etc
प्रव० ५८, १८०६, अणुजो० १३४, —प्र-
माण न० (-प्रमाण) शरीरादिनी उया-
धनुं प्रमाण शरीरादि की ऊचाई का प्रमाण
height of the body etc राय० १५४,

उत्सेह पु० (उच्छ्राय) भाद-भेदीना शिखर
ऊपर की मजिल की चोटी The top
of the upper floor राय० १०७

उहासणभिक्षा स्त्री० (अवभासण भिक्षा)
पेतानी ओदधणु आपीने बिक्षा लेवी ते
पहचान देकर ली हुई भिक्षा Begging
alms after introducing oneself
1 e disclosing one's name etc
आव० ४, ५,

ऊ.

ऊण त्रि० (ऊन) ओणु, ओणु, न्यून न्यून,
कम, ओझा, उणा Wanting, lack-
ing, falling short अणुजो० ६७,
ओव० १६, सूय० २, ६, १५, उत्त० ३०,
२१, नाया० ८, पन्न० २, सू० प० १, क०
ग० ३, २२, पंचा० ३, २०, ज० प० ७,
१३४, क० प० १, १३ —ऊण त्रि०
(-ऊन) ओणु ओणु, ओणु ओणु कम
कम less and less क० ग० ५, १६,

ऊणग. त्रि० (ऊनक) ओणु न्यून, कम
Less, falling short भग० ७, १,

ऊणत्त न० (ऊनत्व) ओण पणु कमी
ओझापन State of being less;

paucity, defect पचा० १४, २४
ऊणय त्रि० (ऊनक) ओणु “ऊणग”
शब्द देखो “ऊणग” शब्द Vide
‘ऊणग’ पि० नि० ६५०,

ऊणाइरित्तमिच्छादंसण न० (ऊनातिरिक्त-
मिथ्यादर्शन) शरीरना प्रमाणथी श्रवने
नानो अथवा भ्रष्टो मानवो ते, मिथ्या-
त्वतो ओड प्रक्षर शरीर के आकार परसे
जीवको छोटा या बड़ा मानना, मिथ्यात्वका
एक भेद Measuring the size of the
soul by the size of the body; a
mode of false belief. “ऊणाइरित्त-
मिच्छादंसण वात्तिया चेव ” ठ० २, १

ऊणिय त्रि० (* ऊन) न्यून. न्यून, कम
Less; falling short; lacking
“ वायालीसं वासाइं ऊणियाए ” जं० प०
२, १६, २, ३५, २, ४०; भग० ६, ७, २५,
७, कप्प० १, २,

ऊणोयरिया स्त्री० (ऊनोदरिका = ऊनमुदर-
मुनोदरं तस्य करणं भावे-बुज-ऊनोदरिका)
हमेशना भोराइ इरता इईइ ओछुं भावुं ते;
ऊनोदरी तप. रोज के प्रमाण से कुछ कम
भोजन करना, भूख से कुछ कम खाना
Eating less than one's fill, this
is called Unodari austeritry.
ओव० १६, उत्त० ३०, ८, भग० २५, ७,
प्रव० २७१, पंचा० १६, २;

ऊरणी. स्त्री० (*) गाडर. भेड; गडर.
A female sheep; a ewe, a
sheep. अणुजो० १३१,

ऊरणीअ पु० (औरिणिक) गाडर पावनार; रथारी
गडरिया. A shepherd. अणुजो० १३१,

ऊरु. पु० (ऊरु) साथण जाघ. A thigh
“ कङ्गामया ऊरु ” राय० १६४,
“ घाहामे ऊरु मे ” सूय० २, १, ४२, भग०
५; ४, १६, ८; दश० ४; ८; ४६, जं० प०
ओव० १०, उत्त० १, १८, आया० १, १,
२, १६, जीवा० ३१, ३, निसी० ७, १४,
उवा० २, ६४, —घंट्या स्त्री० (-घण्टा)
साथण ऊपर लटकती घंटड़ी जाघ के ऊ-
पर लटकने वाली घंटी. a small bell
hanging upon a thigh नाया० १८,
—घंटिया स्त्री० (घण्टिका) साथण ऊपर
लटकती घंटड़ी जघाके ऊपर लटकने वाली
घंटी a small bell hanging upon
a thigh. नाया० १८,

ऊस पुं० (ऊप) आरो, लवणुमिश्र रेती;
आरी माटी. नॉन मिली हुई रेती, सार;
खारी मिट्टी. Salt earth; sand mixed
with salt पन्न० १; निसी० ४, ४०,
दस० ५, १, ३३; पि० नि० भा० १३,
उत्त० २६, ७३; आया० २, १, ६, ३३;

ऊसड. त्रि० (* उत्सृत) उँयु इरेल. ऊंचा.
किया हुआ Elevated; made high
जीवा० ३, ४, राय० १३५,

ऊसढ त्रि० (उत्सृष्ट) तलेलु; नाभी देवानु
छोडा हुआ, फेंक देने योग्य. Abandoned,
thrown away; to be thrown
away निसी० ८, १६, —पिंड न०
(-पिण्ड) नाभी देवानु पिण्ड-भोजन.
फेंक देने योग्य भोजन: food, to be
thrown away or cast away.
निसी० ८, १६,

ऊसढ. त्रि० (उत्सृत) ऋद्धि संपदा वेगेरेथी
उँयु. ऋद्धि, संपत्ति आदि मे बड़ा
Exalted, high by reason of
wealth, prosperity. “ ऊसढं नाभि
धारण ” दम० ५, १, २५; सम० ३३,
(२) साइ रसदार सुगन्धि भोजन अच्छे
रसवाला सुगन्धित भोजन rich and
sweet-smelling food “ रसिय
रसियं ऊसढ ऊसढ मण्णुयणं मण्णुयण ”
सम० आया० २, १, ५, २६; २, ४, २, १३७,
दसा० ३, १६; (३) उँयराने भोटा थल
आवेन (छोडावा वेगेरे) फलफूल कर जो
बड़ा हो गया वह, (वृक्ष वगैरह).
grown up (plants, crops etc)
“ थिरा ऊसढाविय ” दस० ७, ३५,

ऊसपिऊण स० कृ० अ० (उत्सर्प्य) प्राप्त

डरीने. पा करके, प्राप्त करके Having
got or obtained. सु० च० ५, ६७,
ऊसर न० (ऊपर) भारी जमीन नमकीन
जमीन Salt land or soil सु० च०
२, २५ भक्त० ७३,

ऊसरण न० (उत्सरण) ઉપર ચડવું ऊपर
चढ़ना. Rising up, mounting up
“थाससरणंतश्चो समुष्पगण” विशेष० १२०८,

ऊसव पु० (उत्सव) ઉત્સવ, મહોત્સવ
उत्सव, महोत्सव A festival, a fes-
tive occasion पि० नि० २२५,

ऊसविय त्रि० (उत्सृत्) ઉચ્ચ કરેલ ऊंचा
किया हुआ Elevated, made high
नाया० १, ८, भग० ६, ३३, ११, ११,
जीवा० ३, ३,

ऊसविय अ० (उत्सृत्) એકત્ર કરીને, ઊંચા
डरीने एकत्र कर के, ऊचा कर के Hav-
ing collected or gathered or
joined together, having raised
up भग० १, ८,

ऊसस पु० (उच्छ्वास) ઉચ્ચે શ્વાસ ऊँ
श्वास, उच्छ्वास Inhalation of
breath भग० १, १,

ऊससिअ -य न० (उच्छ्वसित) ઉચ્ચે
श्वास लेवे ऊचा श्वास लेना Inhaling
of breath विशेष० ५०१, सु० च० १३, ४०,
—रोमकूव त्रि० (—रोमकूप) જેના રોમકૂવ
एपथी उया था छे ते उच्छ्वसित रोमकूप
(जिम के रोम इर्ष से ऊचे होते हैं) रोमाञ्चित
होने वाला (one) manipulated
with joy कप्प० २, १४,

ऊसारिय. पु० (उत्सारित) પસારેલ, વિસ્ता-
रेल प्रसरित, फैलाया हुआ पसारा हुआ
Spread, extended नाया० १८,
भग० ६, ३२,

ऊसास पु० (उच्छ्वास = उत्तर्द्धश्वास उच्छ्व-
वास) શ્વાસ ઉચ્ચે લેવો ते ऊचा श्वास लेना,
Inhaling of breath जीवा० ३,
१, जं० प० २, १८, नाया० १, ८, १३, १, ६, ओव०
३६, भग० २, १, ६, ७, सु० च० २, ४१६,
(२) गायनतु ओड गरलु भोक्षता जेटलो वणत
लागे तेडला वणत प्रमाणुनो डाण विवाग
गायन का एक चरण बोलने में जितना समय
लगे ऊतने समयका काल a period of
time taken up in singing one
part of a musical composition
अणुजो० १२८, —णीसास पु० (निःश्वास
= उच्छ्वासेन सह निश्वास) શ્વામેઃશ્વાસ
श्वामेच्छ्वास, उपर नीचे श्वास लेना
respiration भग० ७, ६, ज० प० २,
१८, —द्धा स्त्री० (—अध्वन्) ઉચ્ચેશ્વાસ
प्रमाणु डास उच्छ्वास प्रमाण काल
a period of time taken up in
singing one part of a musical
composition भग० ६, ७,

ऊसासग पु० (उच्छ्वासक = उच्छ्वासाभिती-
त्युच्छ्वासक) શ્વાસ લેનાર શ્વાસ લેનેવાલા
One who breathes भग० ३५, १,

ऊसासनाम न० (उश्वासनाम) નામ
અર્મની એક પ્રકૃતિ કે જેના ઉપયોગી છા
श्वामे.श्वास क्षध शडे नाम कर्म की एक
प्रकृति कि जिस के उदयमे जीव श्वामेच्छ्वास
ले सकता है A variety of Nāma-
karma by the use of which a
soul gets the power of respi-
ration क ग० १, ४४ प्रब० १२७७

ऊसिय त्रि० (उच्छ्रित) ઊંચું કરેલ ऊंचा
किया हुआ Raised high, lifted
up ओव० २१, पत्र० १५, ज० प० ३,
१६, ५३, ५७, ७, १६६, भग० ३, ४,
११, ११; नाया० १ ८, ६ मृय० २, १, ३,

जीवा० ३, ३, कप्प० ३, ३३; प्रव० १४६०,
ऊसिय त्रि० (उत्सृत) उँथु इरेव, उँथु
मुकेल. ऊंचा किया हुआ Raised up:
placed high राय० २२५, जीवा० ३,
४, नाया० ८, ओव० ४०, (२) उन्नत
उन्नत, ऊंचा उठा हुआ lofty, high
ओव० ४०, जं० प० ७, १६२, ७, १६६,
—उभया स्त्री० (ध्वजा) उँथी इरेवी
५५७७ ऊंची उठाई हुई ध्वजा raised up
banner or flag विवा० १, २, नाया० ३,
—फलिह पु० (स्फटिक-उच्छ्रितमुन्नतं
स्फटिकमिव स्फटिकं चित्तं येषां ते उच्छ्रित-
स्फटिका मौननिद्रप्रवचनावाप्त्यापरितुष्टमान-
सा इत्यर्थः) यद्वा उच्छ्रितोर्गलास्थानादपनी-
योर्द्धाकृतोतिरश्चीना कपाटपश्चाद्भागादपनीतः
परिघोर्गलायेषां ते उच्छ्रित परिघाः । अथवा
उच्छ्रितोर्गुहद्वारापगत परिघोयेषां ते उच्छ्रि-
तपरिघा औदार्यातिशयादतिशयदानदा-
यित्वेन भिज्जुकाणां गुहप्रवेशार्थमनर्गलित
गुहद्वारा इत्यर्थः) स्फटिक रत्न जेवु निर्मल
चित्तवाला स्फटिक समान निर्मल चित्तवाला.
a person with a mind as pure
and transparent as crystal
(२) जेजे भोगल उँथे यदावी द्वार उवाड
मुक्या छे ते जिसने अपने द्वार सदा खुले
रखे हैं वह one who has raised
up a door-bolt and opened the
doors “ ऊसियफल्लिहे अवगुयदुवारे
चियत्तेउर परघरप्पवेसे ” भग० २, ५,
नाया० ५, —लंगूल न० (लांगुल) उँथी
पुछडीवाणु ऊंची पछवाला one with
the tail lifted up नाया० १.

ऊसिया. स० कृ० अ० (उत्सृत्य) उत्तरोत्तर
यद्दीने, आगण वधीने. उत्तरोत्तर चढकर,
अगड़ी चढकर. Progressing, ris-
ing step by step उत्त० १०, ३५,
ऊसियारी स्त्री० (*) भीवाडी बिल्ली A
cat. आया० १, ६, ४, ११,

ऊसीस. न० (उच्छीर्ष) ओसिद्ध. तकिया
A small pillow for the head
or for resting the cheeks on
नाया० ७, —मूल न० (-मूल) ओसीडानी
पासे-नीथि. तकिया के पास, तकिया के
नीचे. near a pillow, under a
pillow. “उसीमामूले ठावेइ” नाया० ७,

ऊसीसग न० (उच्छीर्षक) ओसीद्ध, तडीये
तकिया, उसासा A small pillow
भग० ६, ३३, —मूल न० (-मूल)
ओसीडा-तडीयाणु मूल तकिये की नीचे
की ओर the bottom or under-
part of a pillow भग० ६, ३३.

ऊह पुं० (ओघ) ओध-सामान्य सज्ञा, आ-
हार, लय मैथुन अने परिश्रम विषयक संज्ञा-
भञ्ज. सामान्य सज्ञा-ओघ, आहार, भय
आदि सज्ञाए Proposition of the
subject; inclination towards
food, fear, sex and worldly
possessions विशेष ५२१, —सण्णा-
स्त्री० (-संज्ञा) लुओ ‘ऊह’ शब्द देखो
‘ऊह’ शब्द Vide “ऊह” विशेष ५२३;

ऊह न० (ऊघस्) गाय, भैंस वगेरेतो अड.
गाय भैंस वगेरे का अड An udder of
a cow etc विवा० २,

१ लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vice
foot-note (*) p 15th.

ए.

ए अ० (ए) संबोधन संबोधन A vocative interjection. ज० प०

ए अ० (एव) आग्रभाषे इस प्रकार, इस तरह Thus, in this way भग० ५, ४, पञ्च० ३६,

एइय त्रि० (एजित) क्षाब्धे इ पेक्षु. ध्वंक्षु कुछ कपा हुआ कुछ ध्वज गया हुआ A little trembled, quaked. जीवा० ३, ४, राय० १२८,

एक त्रि० (एक) ओ३, ओ३लु, ओ३ल एक, अकेला, एकही One, alone, single, only. नाया० १, सम० १, —(का)अइ स्त्री० (-अशीति) ८१, ओ३याशी इक्यासी 81, eighty one वव० ६, ३६, —(का)अह न० (-अहस्) ओ३ द्विस एक दिन one day भग० ६, ५, —चत्तालीसा स्त्री० (-चत्वारिंशत्) ओ३तालीस इकतालीस. 41, forty-one सम० ४१, —द्वअ त्रि० (-अर्थक) ओ३ अर्थवाहुं, पर्यायवाचक, एक अर्थवाला synonymous अणुजो० २८, —तीसा स्त्री० (-त्रिंशत्) ओ३त्रिस ३१ इकतीस 31, thirty-one पञ्च० ४, —पासिय त्रि० (-पार्श्विक) ओ३ पउणे सुनार एक करवट में सोनेवाला (one) who lies or sleeps on one side only वेय० ४, २, ३. —राइ स्त्री० (-रात्रि) ओ३ रात एक रात्रि one night वव० ६, १०, —राय न० (-रात्र) लुओ ' एकराइ ' शब्द देखो " एकराइ " शब्द vide " एकराइ " दमा० ७, १. —वीसा स्त्री० (-विंशति) ओ३वीस, २१ एकवीस 21, twenty-one नाया० ३, १६, क० प० २, १३,

एकंचरुं अ० (एकश्चन) ओ३, ओ३ ओ३ एक, कोई एक One, some one नाया० ६, एकजडि पुं० (एकजटिन्) ओ३ जटा-वालो-पुं३डीवालो अ३, ८८ अहुमानो ओ३ एक जटावाला-प्रछवाला ग्रह, ८८ ग्रहों में से एक One of the 88 planets, a planet with a tail ठा० २, ३

एक राइया स्त्री० (एक रात्रिका) ओ३ रात्रि-नी पारभी लिङ्गु पडिमा एक रात्रि की बारहवां भिक्षु की पडिमा The twelveth austerity of a Jama-layman which takes one whole night वव० १, २४,

एकल-ल-विहार पु० (एकाकिविहार) साधुये ओ३ला वियरवु ते साधु का अकेला विचरना Lonely peregrination on the part of an ascetic वव० १, २६, दसा० ४, ११, —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा) ओ३ला-ओ३ला वियरवानी प्रतिजा करी ते एकाकी-अकेले विचरने की प्रतिजा लेना a vow (by an ascetic) of lonely peregrination वव० १, २६, —सामायारी स्त्री० (-समाचारी) ओ३ला वियरवानी समाचारी-आचार मर्यादा अकेले घूमने की मर्यादा विचरने की समाचारी (आचार मर्यादा) a Sādhu's Samāchārī (a point of prescribed conduct) consisting in lonely peregrination दमा० ४, ११,

एकणउड स्त्री० (एकनवति) ओ३णु इक्यानवे 91 ninety-one. मम० ६१

एकालिय. त्रि० (एकाकिन) ओ३लु अलाय वगर-नुं अकेला, सहाय रहित Alone helpless unaccompanied. वेय० १, ४६.

एकारस त्रि० (एकादश) अंगीयार, ११.
 ग्यारह. 11, Eleven क० प० २, १२,
 नाया० १२, —अंग. न० (-अङ्ग)
 आचारंगादि ११ अंगमूत्र आचारांगादि
 ग्यारह अंग सूत्र the 11 Āṅga
 Sūtras, e g Āchārāṅga etc
 नाया० १२,—अलंकार पु० (-अलंकार)
 संगीतना ११ अवंदार संगीत के ग्यारह
 अलंकार. the 11 melodies or
 tropes of music राय० १३१,
 —मास पु० (-मास) अंगीयार महिना
 ग्यारह मास. 11 months. दसा० ६, २,
 —वार पु० (-वार) अंगीयारभी वार
 ११ बीवार eleventh time नाया० ६,
एकारसम त्रि० (एकादशम) अंगीयारभो
 ग्यारहवा 11th, eleventh दसा० ६,
 २, नाया० ११,
एकारसी स्त्री० (एकादशी) अंगीयारस.
 ग्यारस. The 11th day of every
 fortnight जं० प०
एकावली स्त्री० (एकावली) डनडावलीना
 जेयुं ओइ प्रधारनुं तप, अनुक्रमे यदता उत-
 रता तपनी आवली-समुद्र कनकावली के
 समान एक प्रकार का तप; अनुक्रम चढते
 ओर उतरते हुए तप का समूह Name
 of an austerity resembling
 that known as Kanakāvali. It
 consists of a number of fasts
 in ascending and descending
 order. ओव० १६, (२) ओइ सरो हार,
 ओइ नतनुं धरेणु एक प्रकार का गहना
 a kind of ornament, a single
 string of pearls, beads etc निसी०
 ७, ८, सम० प० २३७, जीवा० ३, ३,
एकासरणः न० (एकाशन) आभा द्विसभा
 ओइल वभत आवानुं वत देवु ते एक व्रत

कां नाम जिम व्रत में दिन मे एकहो वार
 खाया जाता है A vow of taking
 only one meal in a day. प्रव०
 २०३, पचा० ६, ७,
एकासशिअ. पुं० (एकाशनिक) एभेशां ओइ
 वभत जमनार सदा एक वार भोजन करने
 वाला One who takes his food
 only once a day. परह० २, १,
एकूणवीसा स्त्री० (एकोनविंशति) ओग-
 ण्णिस; १८ उर्वास, उगनीम, १६ 19,
 nineteen सम० १६, सू० प० १,
एक त्रि० (एक) ओइ, अद्वितीय एक. अद्वि-
 तीय One; without a second पि०
 नि० १८५, नाया० १, सम० प० २३२,
 ओव० ३, ३, भग० २, ५, १०, ३, २, ५,
 ६, ८, ६, ७, ८, १, १८, ७, २०, १०,
 २५, ४, ३१, २; वेय० १, ४२, उवा० ७,
 १८२, क० प० १, ३४, ज० प० ५, ११२;
 —अभिलाव. पुं० (-अभिलाव) ओइ
 समान सूत्र पाठ एका सूत्र पाठ one
 reading of Sūtras भग० २, १०;
 —(क्का)अचराह पु०न० (-अचराध) ओइ
 अपराध, ओइ शु-हे। एक अपराव one
 fault or crime नाया० ६, —(क्का)
 असी. स्त्री० (-अशीति) ओइशी
 ८१ इक्यासी. ८१ eighty-one 81
 सम० ८१; —असीति स्त्री० (-अशीति)
 ओगो “ एकासी ” शब्द देखो “एकासी”
 शब्द vide “ एकासी ” भग० ४०, १;
 —(क्का)आसरण. न० (-आसन) ओइ-
 सण्ण; ओइ आसने ऐसी द्विसभा ओइल
 वभत भोजन इरवानु वत एकासना एक
 आसन मे बैठकर दिन में एक वार भोजन
 करने का व्रत the vow of tak-
 ing only one meal on one
 seat during a day (१०

24 hours), this is also called Ekāsanā ओष० नि० भा० २७५, — तीसा स्त्री० (-त्रिंशत्) ३१, ओकत्रीश ३१, इकतीस, 31; thirty-one भग० ८, ९, २०, ५; २४, २१, ४०, १७, ओव० १६, ४१; सम० ३१, कण० २, २४, जं० प० ७, १४८. — देस पुं० (-देश) आ२२ दृष्टि वगेरेथी ज्येष्ठ शक्य ऐवी वन स्पति शय वगेरेनी हिंसा स्थूल दृष्टि आदि से देखने में आसकनेवाली वनस्पति वगैरह की हिंसा. killing of vegetable life etc which can be perceived with the eyes etc विशेष १२३४, — बीसा. स्त्री० (-विंशति) ओकवीस, २१, इक्कीस, २१, इक्वीस 21, twenty-one. भग० २, ८, ६, ५, ७, ७, ६, १६, ६, सम० ११, २१; अणुजं० १४१, क० प० २, १६, — सत्तरि स्त्री० (-सप्तति) ७१, ओकतेर ७१; इकहत्तर 71, seventy-one सम० ७१, — समय पु० (-समय) ओक समय एक समय. one Samaya 1 e a unit of time, an instant भग० १, १०, — सरय. न० (*) ओवल सर-पकितवागु. उद्देशादि पेटा विभाग बिनातु एक ही पक्तिवाला, उद्देशादि उप-विभागोसे रहित (a text composition etc) not divided into sections, chapters etc “ सम्मत्त च पञ्जरसमं सयं एकसरयं” भग० १५, १ — साडिअ न० (-शाटिक) वस्त्रे साधे न डेय तेतु वस्त्र; साध, दुपट्टे। ऐसा वस्त्र जिसके बीच में कोई जोड़ न हो, साल, दुपट्टा a shawl, a scarf, a uniform web of cloth

1 e having no joint. ओव० १२, — सिद्ध. पु० (-सिद्ध) ओकडी पणु सिद्ध धयेव. ककाकी अवस्था से जो सिद्ध हुए हों वह. one, who has attained to salvation by himself 1 e not in the company of others. ठा० १, १, — सीई स्त्री० (-अशीति) ओकशी डक्यासी, ८१ eighty-one, 81, क० प० २, २३,

एकअ त्रि० (एकक) इकत ओकलो, ओकल विहारी साधु, अकेला, एकाकी, अकेला विहार करने वाला साधु Alone, solitary, an ascetic wandering alone from place to place दस० ५, १ ६५,

एककगदत्ति स्त्री० (एकदत्ति) जे तपमा ओकल दात, अन्न पाण्डिनी देवाय ते एक तपका नाम जिस में अन्नजलकी एक ही दात ग्रहण की जा सकती है. An austerity in which one cannot take more than one Dāta of food and water प्रव० १२२७,

एककगसिथ न० (एकमिक्थ) जे तपमा आओ दिवस अन्ननी ओक सिथ उपरात भवाय नही ते तप एक तपका नाम जिसमें दिन भर में अन्नकी एक मिथ के मिवाव नही खाया जा सकता An austerity in which one cannot take food exceeding a Sitha (a lump of boiled rice etc) प्रव० १५२७,

एकसि अ० (एकदा) ओकदा, डेअ वयते एक समय में, एक बार. Once; in one Samaya (a unit of time = one instant) ओष० नि० १५१;

एककसेस 'पु० (एकशेष) ओकशेष नामने

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

समास, समासतो अेड प्रक्षर एकशेष नामक समास; समासका एक भेद. A variety of compound expression known in grammar as Ekaśeṣa compound अणुजो० १३१, एककाईनाम. न० (इकाइनामन्) अेड्भाउ नामना राडोड इकाई नाम वाला, एकाइ नामका राडोड (ठाकूर). A person named Ekkāi of Rajpūta caste विवा १,

एककारस त्रि० (एकादशन्) अगीयार; ११ ११, ग्यारह 11, eleven भग० २, १, ३, २, ७, १०, ८, ८, १४, ६, १५, १, २०, ५, २६, १, ३१, १, ३५, ३; उवा० १, ८६, २, १२४, पञ्ज० ४; ओव० १४, तु० च० १, ३२७, २, ३५३, विशेष० १०६२; —अंग न० (-अंग) आचारागादि ११ अंगशास्त्र आचारागादि ग्यारह अंगशास्त्र the 11 Angaśāstras e g Āchārāṅga etc भग० २, १, ६, ३३, नाया० १, ५; ८, ६; १६, —अंगि. पु० (-अग्निन्) आचाराग आदि ११ अंगना ज्ञानुनार आचारागादि ग्यारह अंगो को जानने वाला one proficient in, familiar with the 11 Angas viz. Āchārāṅga etc चउ० ३३, नाया० १६; —(सु) उत्तर. त्रि० (-उत्तर) जेना उत्तरपदमा ११ छे ते जिस के उत्तर पदमें ग्यारह हैं वह (a compound expression) having “ eleven ” as its latter part भग० १, ५, —भाअ पु० (-भाग) अगीयार भाग ग्यारह भाग-हिस्से 11 parts निर० १, १, एककारसम. त्रि० (एकादश) अगीयारभे ग्यारहवा. 11th; eleventh उवा० १, ७१, ठा० ६, १, भग० २, १,

एकारसय त्रि० (एकादशक) अगीयार. ११. ग्यारह 11; eleven भग० २०, १०, एककारसी स्त्री० (एकादशी) अेड्भाउतिथि, अगीयारस. ग्यारस, एकादशी (तिथि) The 11th day of every fortnight नाया० ८, जं० प० ७, १५३, एकवाण्या स्त्री० (एकपञ्चाशत्) अेड्भाउ, ५१ इक्यावन 51; fifty one भग० ६, ३, सम० ५१,

एकावादि पुं० (एकवादिन्) अेड्भा आत्मा छे अेम माननार अेड वादी एकही आत्मा है, इसप्रकार, मानने वाला एक वादी One who holds that there is only one soul without a second ठा० ८, १,

एकिक त्रि० (एकैक) अेड् अेड्, प्रत्येक प्रत्येक. Each taken singly, every one भग० १, १, क० प० १, ६६;

—पडिगहग त्रि० (-पतद्रहक) अेड् अेड् पात्र राअनार एक एक पात्र रखने वाला. (One) keeping a single vessel at a time प्रव० ६३२, एकिया स्त्री० (एकाकिनी) अेड्डी (श्री). अकेली (स्त्री). A lonely, solitary, (woman) नाया० ६,

एकेकिय त्रि० (एकैक) प्रत्येक प्रत्येक Every one, each taken singly. राय० ६१,

एकेक त्रि० (एकैक) अेड्अेड्, दरेक, प्रत्येक, हरएक Every one each taken singly भग० १, ६, ६, ५, ८, १, पिं० नि० भा० ८, उत्त० १०, १४, उवा० ४, १४७, १, २२५,

एकोणविसतिम त्रि० (एकोनविंशतिम) ओगणीसभुं उनीसवा nineteenth, 19th नाया० ८;

एक त्रि० (एक) ओ३ एक One. भग०
 १, ५, ८, २, १, ५, ३, १, ६, ३३, १५, १,
 १६, ६, १८, १०, २४, १, २५, २, ६,
 नाया० १, २, ५, ६; ८, १०, १३, १४,
 १६, १८, उत्त० १, २६, पि० नि० भा०
 ४१, पि० नि० ७५, वेय० १, ६, १०, दम०
 ६, ६०, ६, १, ३, दमा० ७, १ १०, ३,
 पञ्च० १, ४, ज० प० १, १७, ५, १०, २०,
 सु० च० १, १०३, ठा० ७ अणुजो० १०,
 वव० १, ३५ ३६, ८, २, १५, ६, ३७, ४०,
 ४५, १०, १, २, ४, विशेष० ३१, ८४, उवा०
 २, ६३, ११८, क० ग० २, २९ कप्य०
 ४, ७७, क० प० १, २१, (२) द्रो३ ओ३,
 द्रो३ ओ३ ओ३ कोई एक, कुछ एक some
 one some स्य० १, १, १, ६, १, १,
 २, १, आया० १, १, १, १, २, १, ६, २,
 १८३, सू० प० २०, —अगिय त्रि०
 (-अङ्गिक) सदेग, आभु, अभु३ सारा,
 अखड, पूरा whole, entire, un-
 divided ओ३ नि० ७०७, —अतर
 त्रि० (-अन्तर) ओ३ ओ३ द्विसते आतरे
 आवता आयमिष उपवास गेरे, ओ३ तरे
 तप एक२ दिनके अतरसे आनेवाले आयविल
 उपवास आदि, एकान्तर तप विशेष prac-
 tice of austerity known as
 Ekāntara (e g fasting
 etc on alternate days). उत्त०
 ३६, २५१ (२) अनन्तर समय (अन्तर-
 रहित) ओ३ समय अन्तररहित एक समय
 continued one Samaya or unit
 of time विशेष० ३५५, —अन्तरा अ०
 (-अन्तरा) ओ३ आतरे-अतगत एक
 अन्तराल one interval (at) an
 interval of one क० प० १, ४८
 —अणुपेहा स्त्री० (-अनुपेहा) ६
 ओ३लो छु, भा३ द्रो३ नथी, ६ द्रो३लो नथी

ओ३ प्रशरती लावता एकत्व भावना, मे
 अकेला हू मेरा कोई नहीं है और मैं किमा
 का हू इस प्रकार की भावना meditation
 on one's loneliness in this
 world taking this form " I am
 alone and nobody is really
 mine " ठा० ४, १ —असी स्त्री०
 (-अशीति) लुओ " एकमीई " शब्द
 देखो " एकमीई " शब्द vide " एक-
 मीई " प्रव० ३६७, —अह पु० न०
 (-अह) ओ३ जिस एक दिन one
 day, a single day भग० १२, ७,
 दसा० ६, २, वव० ८, ४, —अहिअ-य
 त्रि० (-आन्धिक) ओ३ द्विसनु एक दिन
 का pertaining to, relating
 to one day, diurnal भग० ६,
 ७ ज० प० ७, १३३, (२) न०
 ओ३ अन्तरे तप इकतरा दुखार fever
 on alternate days जीवा० ३, ३,
 भग० ३, ७, —आगार पु० (-आकार)
 ओ३ अकार ध्येयो, सरभा आकारवायो एका-
 कार, समान आकार वाला uniform
 homogeneous भग० ८, २, ६,
 —आभरण न० (-आभरण) ओ३ सभा
 आभरण एक से आभरण a uniform
 ornament राय० ८०, दसा० १०, ३,
 —आमोसा स्त्री० (आमर्श) पडिसेटवाना
 वस्त्रनो मध्यभाग पडि ओ३ तरेना ओ३ ओ३
 ओ३ साथे वसवाथी लागतो दोप पडिसेटवाना
 दोपनो ओ३ प्रशर प्रतिनिधना करने वस्त्रको
 मध्यभाग से पकड़कर दोनों ओर के पतों को
 एक साथ धिक्कनेमे जो दोष लगे वह, पडि-
 लेहनादोष का एक भेद a variety of
 fault incurred in connection
 with the inspection of clothes
 viz holding a cloth (garment)

in the middle and rubbing together its two ends उत्त० २६, २७; —आसण न० (—आसन) ओष्ठ स्थानमा गेहीते द्विसमा ओष्ठवपनमनु ते एक स्थान मे बैठ कर एकही वार भोजन करना. confining oneself to a seat in one place and taking meals only once आव० ६, ४, —आहिय. त्रि० (—आन्हिक) ओष्ठ द्विसतुं एक दिन का. lasting for one day प्रव० १०३४, —(गि) इत्थी स्त्री० (—स्त्री) ओष्ठी स्त्री. अकेली स्त्री a lonely, solitary woman उत्त० १, २६; —उत्तर. त्रि० (—उत्तर) ओष्ठ ओष्ठ वधतुं एक एक बढ़ता हुआ progressing by one प्रव० १३४८; —उत्पात्र. पुं० (—उत्पात) ओष्ठ वार उये यउतु एक वार उंचे चढना rising up once. प्रव० ६०६. —खुर. त्रि० (—खुर—एकःखुरो येषां ते तथा) ओष्ठभरीवाक्ता निर्यय पचेन्द्रिय घोडा, अयेडा विगेरे; थक्षयर निर्यय पचेन्द्रिय ओष्ठ भेद. एक खुर वाला. पचेन्द्रिय निर्यय घोडा, गधा, आदि स्थलचर पचेन्द्रिय पशुओं का एक भेद single hoofed five sensed (animals e. g. a horse, a donkey etc) उत्त० ३६, १७६; ठा० ४, ४; भग० १५, १; जीवा० १, —चक्रु त्रि० (—चक्षु) श्रुतज्ञान अने अवाधिज्ञान रहित मात्र ओष्ठ यक्षुध्रिय रूप द्रव्ययक्षु धरनार. श्रुतज्ञान और अवाधिज्ञान रहित केवल मात्र चक्षु, इन्द्रियरूप द्रव्य. चक्षु धारण करनेवाला (one) devoid of Śrutajñāna and Avadhi-jñāna and possessed of merely physical sight ठा० ३, ४. —चरिआ-या स्त्री० (—चर्या) ओष्ठ

विहारी थतुं-ओष्ठवा विचरतुं ते गे प्रक्षरे-द्रव्यथी अने लावथी; ओष्ठडीपणे सयम भावता विचरतुं ते द्रव्य ओष्ठ यर्या; राग-द्वेपरहित ओष्ठान स्वपरिणुतिमां परिणुत थतुं ते-भावथी ओष्ठ यर्या. एकाकी विहार करनेवाला होना: एकाकी विहार द्रव्यचर्या व भावचर्या रूप दो प्रकार का होता है सयम पालत हुए एकाकी रूप से विचरना द्रव्यचर्या है और राग द्वेप रहित एकान्त स्वपरिणति मे परिणत होना भावचर्या है. lonely wandering or peregrination. It is two-fold viz. physical and mental The latter means freedom from passion and hate accompanied with contemplation upon the soul ज० प० ३, ५२, आया० १, ५, १, १८५, १, ६, २, १८४, —चारि त्रि० (—चारिन्) ओष्ठवा विहारी ओष्ठडी विचरनार एकाकी-अकेला विहार करनेवाला (one) who wanders or goes from place to place, alone मू० १, १३ १८, —च पुं० (—अच) ओष्ठवा तारी पुष्प; ओते ओष्ठ वार धरी मनुष्यमा अ-वनार लक्ष्मीमेले जवानुं छे ते. एकावतारी पुष्प, जिमे एकवार फिर मनुष्य योनिमें जन्म लेकर मोक्ष जाना है वह a man who is to get final beatitude after one human birth ओव० ३४, —छुत्त त्रि० (—छत्र) ओष्ठवा छतु एकछत्र वाला having one paramount or suzerain king उत्त० १८, ४२; —जडि. पुं० (—जटि) लुओ “एकजटि” शब्द. देखो “एकजटि” शब्द vide “एकजटि” म० प० २०, —जाय त्रि० (—जात) ओष्ठतुं, भीज नयरे वगरनु अकेला एकही प्रकारका single without a second ओव०

१७, —जाया स्त्री० (-जाया) ओ३ स्त्री
 एक स्त्री एक पत्नी one wife दसा० १०,
 ३, —जीव पुं० (-जीव) ओ३ ७५
 एक जीव. one soul, one life भग०
 ११, १, —जीविय त्रि० (-जीविक—
 एको जीवो यत्र तत्तथा) जेभा ओ३ ७५
 ७५ छे ते, ओ३ ७५वाणु एक जीव वाला.
 having only one life i e sen-
 tient being “ एगजीविया पत्ता ”
 पञ० १, —दृ त्रि० (-अर्थ) ओ३ अर्थ-
 वाणु ५६ एक अर्थ वाला पद a word of
 expression having one mean-
 ing भग० १, १, १४, ८ प्रब० १२१
 पचा० ५, २, —द्विय त्रि० (-आर्थिक)
 समानार्थ, ओ३ अर्थवाणु समानार्थी एक
 अर्थवाला synonymous पि० नि० ७३.
 —द्विय पु० (-अस्थिक) ओ३ गोहंसीवाणु
 ६३ डेरी बिगेरे एक गुठलावालाफल केरी
 बगरह a fruit (e g. a mango
 etc) having only one stone in
 it भग० ८, ३, जीवा० १, पञ० १,
 —द्वया स्त्री० (-अस्थिका) नानी नाभ,

होडी, तरी छोटी नाव. डोंगी a small
 boat विवा० ८, नाया० १६, १७,
 —तालीसा स्त्री० (चत्वारिंशत्) ओ३-
 तालीस, ४१ एकतालीस 41; forty-one
 सू० प० १०, —त्थी स्त्री० (स्त्री) ओ३ स्त्री
 स्त्री अकेली स्त्री a lonely, solitary
 woman निर्मा० ८, १, —दिसा स्त्री०
 (-दिश) ओ३ दिशा एक दिशा one
 cardinal point (e g east, west
 etc) विशेष० ३६५, —दिसाभिमुख न०
 (दिगभिमुख) ओ३ दिशा तऱ्हे मुख एक
 दिशा की तरफ मुख face turned to-
 wards one direction भग० २, ५,
 —दिसि स्त्री० (-दिग्) ओ३ दिशा एक
 दिशा one direction or cardi-
 nal point (e g east etc)
 नाया० १ —दुवार न० (द्वार) ओ३
 पाण्डु एक दरवाजा one door बव०
 ६, १४, ६, १३, —देस पु० (-देश)
 ओ३ देश ओ३ विभाग एक देश, एक विभाग
 one part, one division भग० १५,
 १, नाया० ३, ७, ८, उत्त० ३६, ११ क०

* जेभ जैन शास्त्रमा वनस्पति प्रकरणमा गोहंसी भाटे “ अस्थि ” शब्दको प्रयोग क्यो छे
 ओमज लौकिक वैद्यक शास्त्रमा पण्डितनी अन्दर रहेसी गोहंसी भाटे अस्थि शब्दको प्रयोग क्यो छे
 ओ प्राचीन पुस्तोनी प्रथा छे जेभ सुश्रुतमहिताना शरीरस्थानना तीन अध्यायना ६४२ पृष्ठनी
 २७ भी पक्तिमा लख्यु छे “ चूतफलेऽपरिपक्वे केशर मासास्थिमज्जा न पृथग् दृश्यते ” इत्या
 आशाना इक्षमा-गुदा अस्थि भास भज्जु गुदा गुदा देखाता नथी जिस प्रकार जैन शास्त्र में
 वनस्पति प्रकरण में गुठला के लिये “ अस्थि ” शब्द का प्रयोग किया गया है उसी प्रकार लौकिक
 वैद्यक शास्त्र में भी फल के भीतरका गुठला के लिये अस्थि शब्दका प्रयोग किया है यह प्राचीन पुस्तों
 की प्रथा है यथा—सुश्रुतमहिता, अध्याय तीसरा, पृष्ठ ६४२ पक्ति २७ वां में लिखा है कि “चूतफलेऽ
 परिपक्वे केशरमासास्थिमज्जा न पृथग् दृश्यते” अर्थात् आम के कच्चे फल में गुदा, अस्थि, मास,
 मज्जा आदि पृथक् पृथक् नहीं दिखते The word “ अस्थि ” which literally means
 “a bone” is used even in old medical writers like Sushruta to denote
 “a stone of a fruit” This is noteworthy Vide Sushruta Samhita
 (Saina Sthana chapter III page 642 line 27)

प० ४, ६३; —नाणि पुं० (ज्ञानिन्)
 केवलज्ञानवाला केवलज्ञानवाला. an omni-
 scient person भग० ८, २ —निक्ख-
 मण न० (—निष्क्रमण) गु३नी भयार्थाभाथी
 वदना वप्यते ओ३वार अवग्रहथी अडार
 निःस्यु ते गु३ की मर्यादा में से वदना के
 समय एकवार अवग्रह से बाहिर निकलना
 going or stepping out once
 with Avagaha (disregard)
 at the time of salutation
 or worship, giving up pro-
 priety of conduct towards a
 Guru or preceptor सम० १०,
 —निक्खमणप्पवेस त्रि० (—निष्क्रमण
 प्रवेश) जेमा पेसवा नो३सवानो ओ३ण
 मार्ग छे ते. जिसमें प्रवेश होने और निकलने
 का एकही मार्ग हो वह having only
 one door or way for exit and
 entrance वव० ६, १४- ६ १३,
 —पणस पु० (—प्रदेश) ओ३ प्रदेस-
 जीणुमा जीणु अश-विभाग 'एक प्रदेश
 सूक्ष्म से सूक्ष्म विभाग-अश. one unit
 of space, the smallest indivi-
 sible atom of matter भग० १, ५,
 —पणसाहिअ त्रि० (—प्रदेशाधिक) ओ३
 प्रदेशे अवि३-वधारे. एक प्रदेश से अधिक
 exceeding by one indivisible
 atom of matter भग० १, ५;
 —पणसिया स्त्री० (—प्रदेशिका) ओ३
 प्रदेशनी (श्रेणि). एक प्रदेश की (श्रेणि)
 (a line) of indivisible atoms
 of matter भग० ६, ५, —पणसोगाढ
 पु० (—प्रदेशावगाढ) ओ३ आ३श प्रदेश
 उपर अवगाही रहेस पु३स आकाश के
 एक प्रदेशपर फैला हुआ पु३ल an indi-
 visible atom of matter occu-

pying one unit of space. भग०
 ५, ८, —पक्ख त्रि० (—पक्ष) नि३प्रति-
 पक्ष, प्रतिपक्ष वग३नु जिस का कोई विरोधी
 पक्ष न हो वह, प्रतिपक्ष रहित without
 a rival, univalled मूय० १, १२,
 ४, —पक्खिय त्रि० (पाक्षिक) ओ३ गु३-
 ना ये३, ओ३ पक्षना एक गुरु के चेला,
 एक पक्ष का. a disciple of the same
 preceptor, one belonging to
 the same camp वव० २, २३, २४;
 —पज्जवस्सिय पुं० (—पर्यवसित) जे
 स३याने यारे लागता ओ३ आ३ी रहे ते
 जिस सख्या का चार से भागने पर एक बचे
 वह सख्या any sum which when
 divided by four leaves one as
 remainder भग० ३१, १. —पत्तय
 त्रि० (—पत्रक-एक पत्र यत्र तत्तथा) ओ३
 पत्र-पा३३ वा३ु, जेमा ओ३ पा३ु होथ ते.
 एक पत्तेवाला, जिसमें एक पत्ता हो वह
 one-leaved "उप्पलेणंभत्तेणुपत्तणकि
 पुगजीवे" भग० ११, १, —पदेसिय
 त्रि० (—प्रदेशिक) ओ३ प्रदेशवालो एक
 प्रदेशवाला having one unit of
 space occupied by an indivi-
 sible atom of matter भग० ६, ५,
 —पाइया त्रि० (—पादिका) ओ३ पग जेणे
 उ३यु ग३यु छे ते जिनने एक पैर ऊपर
 रखा है वह (one) who has lifted
 up one leg वय० ५, २० —पाण
 त्रि० (—पान) ओ३ पाणीनी (दात) एक
 पानी की दात One Dāta of water
 वव० १०, १. —पाय पु० (—पात्र)
 ओ३ पात्र एक पात्र एक बरतन one
 vessel or utensil. वव० ६, ६
 —पास पुं० (—पार्श्व) ओ३ प३ये रहे-
 नार एक ओर रहनेवाला एक तर्फ रहने

वाला one who stays (i e lies etc) on one side पगह० २ १
 —**पोगलस्थित** त्रि० (—पुद्गलस्थित)
 ओ३ पुद्गल उपर स्थित एक पुद्गल पर
 स्थित-रहा हुआ supported on, resting
 on one Pudgala (substance) दसा० ७, ११ —**फट्टग** पु०
 (—स्पर्धक) धर्मरुद्ध समूह कर्मकव
 समूह a group or collection of
 Karmic molecules क० प० ५, ४६,
 —**भक्त** न० (—भक्त —एक —क्त भोजन
 यत्रतत्तथा) ओ३सालु, द्विसभा ओ३ वा
 नभवु ते एकासना दिन में एक बार जमिना
 the austerity known as Ekā-
 sanā i e taking only one
 meal in 24 hours “नहण्णभत्तच”
 दसा० ६, २३ पचा० १२, ३५, —**भव**
 पु० (—भव) ओ३अ भव, प्रकृत-आधु ओ३
 भव एकही भव केवल वर्तमान भव only
 one birth, the present birth प्र०
 ८३, —**भवगहणिय** त्रि० (—भवग्राहक)
 ओ३ भवने ग्रहण करनेवाला, एकभवावतारी (one) who
 is to have one birth भग० २५
 ६, —**भविश्र** त्रि० (—भविक्) ओ३
 भवने अन्तरे रूपे उत्पन्न भवानु भव
 ते जेम ओ३ भव पछी गणरूपे उत्पन्न
 भवु भव तो ते ओ३ भविक् गण इहेवाय,
 एक भव के अंतर में जिस रूप में उत्पन्न होना
 हो वह रूप जेम कि एक भव के बाद शब्द
 रूप में उत्पन्न होना हा तो एक भविक् शब्द
 कहलायगा (condition) after the
 interval of one more birth e
 g a soul which is to be born
 as a conch-shell after the in-
 terval of one birth is called

Ekabhavika conch-shell अणुजा०
 १४६, —**मण** त्रि० (—मनम्) ओ३अ
 मनवालो, स्थिर चित्तवालो एकप्र मनवाला,
 स्थिर चित्तवाला steady, concen-
 trated in mind उक्त० ३५ १
 —**रात्र** स्त्री० (—रात्रि) ओ३ रात्रि एक रात्रि
 one night दसा० ७ १, पचा० १८, ३,
 (२) बिष्णुनी १०मी पडिमा-डे जेमा अटम
 तप इरी इडिसण श्मशान भूमिमा इरवाभा
 आवे छे भिक्षुक की १२ वीं प्रतिमा-जिमसे
 अटम तप कर के एक रात्रि का काशोन्मर्ग
 श्मशान भूमि में किया जाता है the 12th
 Padmā (austerity) of an asce-
 tic in which after fasting, one
 night is spent in Kāusugga on
 a funeral ground प्र० २६५,
 —**राइअ-य** त्रि० (—रात्रिक) ओ३ रात्रि
 ओ३ रात्रि, ओ३ रात्रिने निवास इन्तार एक
 रात रहनेवाला (one) who stays
 for a single night वे० ३, ४,
 ओ३व० १७, वव० १, २३ —**राइंदिया**
 स्त्री० (—रात्रिद्विवा) ओ३ रात्री अने ओ३
 द्विसती भिक्षु पडिमा एक रात्रि और एक
 दिनका भिक्षु प्रतिमा an austerity
 practised by a Jaina-layman,
 consisting of a day and night
 “ एकाराइदिय भिक्खु पडिम पडिवराणा ”
 दसा० ७ १, नाया० १, —**राइया** स्त्री०
 (—रात्रिका) जेमा अटम तप इरी ओ३
 रात्रि श्मशानभूमिमा इडिसण इरवाभा
 आवेछे ते १२मी बिष्णु पडिमा बारहवीं
 भिक्षु प्रतिमा जिमसे कि अटम तप करने
 हुए एक रात्रि श्मशानभूमि में काशोन्मर्ग
 किया जाता है the 12th row of an
 ascetic viz contemplation upon
 the soul for one night in a

cemetery after the Atthama austerity (i. e. three fasts) वव० १, २५, दमा० ६, २; ७, ११, भग० २, १; नाया० ८, —राय न० (-रात्र-एकाचासौ रात्रिश्च) ओ३ रात्रि, ओ३ रात एक रात्रि one night “ गामे गामे यएग रायं ” परह० १, ५, ओव० २१, वव० १, २३, वेय० २, ४, उत्त० २, २३, —रूव त्रि० (-रूप—एकं समान रूप यस्य) ओ३ रूप, ओ३ सरपु एक रूप, एक समान uniform, of the same type “पभूएगवण एग रूवं विउवित्तए” भग० ६, ६, ७, ६, —वगडा छी (+) ओ३ वां३, ओ३ वं३ एक बाडा, एक चौक, एक आगन one open compound at the back of a house, one wall enclosing an open space वव० ६, १४, ६, ३, ८; —वरण पु० न० (-वर्ण) ओ३ वर्ण; ओ३ रग एक रंग one colour, same colour भग० ७, ६; प्रव० ६८१, —वयण न० (-वचन) ओ३ वचन, वस्तुन ओ३त्व यतावनार प्रत्यय एक वचन, वस्तुका एकत्व-अकलापन बताने वाला प्रत्यय singular number, a termination of the singular number ठा० ३, ४, आया० २, ४, १, १३२, —वीसा छी० (-विंशति) २१, ओ३वीस २१, इक्कीम, इक्कीम. twenty-one, 21 दमा० २, १ पन्न० ४, विवा० २, भग० २०, ८, आव० ४, ७, —सट्टि-भाग. पुं० (-षष्टिभाग) कोषपणु वस्तुन ओ३सठ्ठो भाग, कोष ओ३ वस्तुना सरणा ६१ भाग डरीओ तेमानो ओ३ भाग किमी एक वस्तु का इकसठवाँ भाग 1/61 of anything सम० १३, —समय पु० (-समय) ओ३ समय एक समय, one

Samaya (i. e. unit of time); one instant भग० १, ६; क० प० १, १३; —सय. न० (-शत) ओ३सो ओ३; १०१ एकसो एक; १०१ one hundred and one, 101 क० ग० २, ३०; —साड त्रि० (-शाटक-एकःशाटको यस्य स तथा) ओ३ साडी पछेडी राभनार. एक दुपट्ट रखने वाला (one) who keeps only one scraf etc. in his possession. आया० १, ७, ८, २१२; —साडिय न० (-शाटिक) ओ३-पनावाले-साधा वगरनुं वस्त्र, साडी, सेलु एक पहने का वस्त्र, पहने में बिना जोड़वाला वस्त्र a web of cloth not bearing any dividing line upon it (caused by stitching another cloth), a Sari etc ‘ एग साडिय उत्तरासग करेइ ’ भग० २, १, राय० २०, विवा० १ ओव० ३२, कप्प० २, १४ ज० प० ३, ४३, ५, ११५, —साला त्रि० (-शाल) ओ३ भागवाणु (धा), ओ३ भोयाणा (भेडी) एक मजिल का घर (a house) with one floor जीवा० ३, ३, —सिद्ध पु० (-मिद्ध) ओ३ समयमा ओ३न ओ३ सिद्ध थाय ते एक समय में एकही जीव का सिद्ध होना a soul liberated by himself (at a time) without the company of other souls पन्न० १ नदी० २१, —हिय त्रि० (-अधिक) ओ३ अधिक एक ज्यादा exceeding by one, one more क० प० ७, ४८, एगअ त्रि० (एकक) ६५ ओ३लो, ओ३डो एकाकि, अकेला Alone, solitary, single उत्त० २, २०, एगइअ-य. त्रि० (एकैक) कोष ओ३, ओ३

ओड, डेटला ओड कोई एक, कुछ एक.
Some one, some, one by one.
ओव० १४, ३५, दस० ५, २, ३७, ज० प०
सम० १, भग० १, १, ७, ७, नाया० २,
दसा० १०, ३,

एगओ अ० (एकतस्) ओड तरक्षी, एक
ओर से On the one hand, from
one side, भग० ३, ४, ३४, १, नाया०
१, २, ५, ८, १६. उत्त० ३१, २, दसा०
१०, १, निसी० ४, ७६, २०, १० ज० प०
५, १२०, कप्प० ४, ६७, —खहा. स्त्री०
(-ख) जेभा ओव डाली तरक्षी
प्रवेश करी डाली आलुये जर्ध उत्पन्न थाय ते
श्रेणि, वामश्रेणि-आकाश-प्रेदेश-पक्ति जिस
में जीव बाइ ओर से प्रवेश करके बाइ ओर
जाकर उत्पन्न होता है वह श्रेणि, आकाशप्रदेश
पक्ति a line of space on the left
side along which the soul enters
the left side and is born भग०
२५, ३, —एतअ. त्रि० (-अनन्तक)
ओड लयाधमा अनंत एक लवाई में अनंत
an endless line of space ठ० ५,
३, —वंका. स्त्री० (-वका) ओड तरक्षी
वाडी श्रेणी, ओड वाडवाडी श्रेणी-आकाश
प्रेदेश पक्ति एक ओरसे टेढी श्रेणी, आकाश
प्रदेश पक्ति a line of space curved
on one side भग० २५, ३ —सहिय
पु० (-सहित) ओडहा थयेल, ओडत्र डरेल
एकत्रित grouped, assembled,
collected नाया० ५,

एगओवत्त पु० (एकतोवृत्त) ओडद्विवाला
ओवनी ओड जल. दो इन्द्रिय वाले जीवकी
एक जाति A kind of two sensed

living being पञ० १;

एगंचरणं अ० (एकचन) ओड ओड कोई एक.

Some one भग० ७, १०, नाया० ८,

एगंतं न० (एकान्त) ओडान्त स्थल, निर्जन
स्थान निर्जन स्थान, एकांत स्थान A
solitary place, solitude “ एगते
पाडेमि ” नाया० ६, “ एगते गुडेड ” भग०
२ १, ३, २; ७, १ ६, ३३, १५, ८,
नाया० १ ७, ६, १२, १६, पिं० नि० २११,
सू० प० २०, राय० २६, २६३, आया० १,
१, ७, ६, २२२, उत्त० ३, २८, वव० २,
२५ ७, १७, सू० च० २, ४१८ दस० ४,
पचा० ६, ६, क० प० १, ६७, (२) नञ्जी,
ओडस निश्चित assuredly, certainly
पिं० नि० भा० १२, (३) ओडान्त,
इक्षत देवल. एकान्त, सिर्फ, केवल simply
उत्त० ३२, २, ओव० ३८, विशेष० ६५, (४)
निरतर, आलु निरतर, चालू continu-
ously, uninterruptedly भग० ३,
१, ७, ६, (५) सर्वथा, पुरेपुर सर्वथा,
पूर्णतया completely, perfectly
भग० ८, ७, —छेअ पु० (-च्छेक) ओडान्त
छेक-विशुद्ध, पूर्ण विशुद्ध altogether,
perfectly पु० पचा० ३, ३५, —दंड
पु० (-दण्ड) ओडान्त-ओडस दंड
तेवे, दिसड ययैव दण्डित होनेवाला,
हिंसक one fully sinful killer
or murderer स्य० २, ४, १,
—दुख न० (-दुख) देवल दुःख,
ओडान्त दुःख एकान्त दुःख. दुःखही दुःख,
सर्वथा दुःख perfect misery, un-
mitigated misery भग० ६, १०,
—धारा स्त्री० (-धारा-एकविभागाश्रया

चाखै धाराचेति) ऐकान्त-तीक्ष्ण धारा.
एकान्त धारा, तीक्ष्ण धारा sharp edge
“सुरोड्व एगध धाराए” भग० ६, ३३,
नाया० २; —पंडिय त्रि० (—पण्डित)
ऐकान्त पंडित, पापश्री निवृत्त, सर्व विरति
साधु एकान्त पंडित, पापरहित पुरुष, सर्व
विरति साधु perfectly free from
sin, (an ascetic) absolutely
free from sin. “एगत्त पडिया आवि
भवामो” भग० ८, ७, भग० १, ८, —बाल
त्रि० (—बाल) सर्वथा आल, अज्ञानी,
मिथ्या दृष्टी अने अविरति सर्वथा अज्ञानी,
मिथ्या दृष्टि और अविरति absolutely,
perfectly ignorant, heretical
and sinful भग० १, ८, ८, ९, १७,
२, सूय० २, ४, १, —मंत पु० (—अन्त)
सर्वथा ऐकान्त सर्वथा एकान्त perfectly
solitary भग० ७, ६, नाया० १३,
—यारि त्रि० (—चारिन्) ऐकान्त-गत
रहित स्थानमा वियरनार, ऐकान्तवासी
निर्जन स्थान में विचरनेवाला, एकान्त में
रहनेवाला (one) who moves in
a solitary place, living in soli-
tude सूय० २, ६, १, —लूसग त्रि० (—लूप-
क) ऐकान्त जन्तुनी लिखा डरनार सर्वथा
जन्तु की हिंसा करनेवाला (one) who is
completely given to the killing
of insects सूय० १, २, ३, ६, —साया
त्री० (—सात्त) ऐकान्त शान्ति-सुख एकांत
सुख, सर्वथा सुख perfect, unalloyed
happiness or peace भग० ६, १०;—
सुत्त न० (—सुप्त) ऐकान्त-निश्चये सुतेव,
लावनिडा, मोहमा उथेव सर्वथा सोया हुआ,
मोह निद्रायुक्त assuredly asleep (me-
taphorically) steeped in infatua-
tion सूय० २, ४, १, —सुहि (—सुखिन्)

ऐकान्त सुधी सर्वथा सुखी. perfectly
happy. नाया० ७, —दिय न० (—हित)
सर्वथा उपकारी एकान्त हितकारी al-
together beneficent पचा० १६,
१६, —अंचिल पु० (—आचाम्ल) ऐकान्त-
तरे आययिल डरवा ते एकान्तरे आययिल
करना alternate performance of
Āyambila austerity प्रव० १५५८,
—उववास पु० (—उपवास) ऐकान्तरे
उपवास डरवा ते एकान्तरे उपवास करना
fasting on alternate days. प्रव०
१५६२,

एगंतरिय त्रि० (एकान्तरित) ऐकान्तरे
अतरे आवेव, ऐकान्तरे, (उपवास आय-
यिल वगेरे) एक एक के अन्तर पर आया
हुआ, एकान्तरे (उपवास आययिल आदि)
alternate, coming at intervals
of one प्रव० ८८२,

एगंतसो अ० (एकान्तशः) ऐकान्तश्री,
सर्वथा सर्वथा, पूर्णतया Perfectly,
in all raspects भग० ८, ६,

एगखित्त न० (एक क्षेत्र) ऐकान्त गाम
एक गाव Only one village प्रव०
७८४, —निवासि त्रि० (—निवासिन्)
ऐकान्त क्षेत्रमा-गाममा निवास डरनार
(मुनि वगेरे) एकही गांव में रहनेवाला
(मुनि आदि) (an ascetic etc)
confining his residence to one
village only प्रव० ७८४,

एगगुण त्रि० (एकगुण) ऐकगुणो, वरु
गध आदिनी सरभाभणी डरता ने अभणो
त्रणुगणो न होय डिन्तु ऐक गणो होय ते
एक गुना; वरुण गध आदि से मिलाने पर जो
दुगुना त्रिगुना नहीं निन्तु एक ही गुना हो
वह Of one (i e same) amount
or measure not double treble

etc in compalison. भग० २५, ४, (२) पु० न० सिद्ध सेणिया अने मल्लुस्स सेणिया परिकर्मने सातमे भेद अने पुट्ट सेणिया आदि पाय परिकर्मने योथे भेद सिद्ध सेणिया और मनुष्य सेणिया परिकर्म का सातवां भेद और पुट्टसेणिया आदि ५ परिकर्म का चोथा भेद the 7th division of the Paikarmas of Siddhasenia and Manusyasenia and the 4th division of the five Paikarmas viz Putthasenia etc नदी० ५६; सम० १२, —गुणककखड पु० (-गुणकर्कश) जेभा ओकगुणी थोडी कर्कशता छे ते जिसमे एक गुनी (योटी) कर्कशता हें वह one having as much (less) harshness or roughness भग० २५, ४, —कालग पु० (-कालक) जेभा ओकगुणी कालाश छे ते जिसमे एक गुनी कलास-कालापन हें वह one having as much blackness (i e not double or treble etc. the amount of blackness) भग० २५, ४,

एगग न० (एकाग्र) चित्तनी ओकाग्रता, ओक मुद्दा उपर मननी स्थिरता चित्त की एकाग्रता, किसी एक बातपर मन का स्थिर होजाना Concentration of mind उत्त० ३२, १, (२) त्रि० चित्तनी ओकाग्रता वाले एकाग्र चित्त वाला. (one) possessed of concentration of mind उत्त० ३०, १, राय० ४०, —चित्त पु० (चित्त) ओकाग्र चित्तवाला एकाग्र चित्तवाला one having a concentrated mind दस० ६, ४, २, ३, ज० प० ५, ११५, —मण न० (-मनस्) लुओ "एगग चित्त" शब्द

देखो "एगग चित्त" शब्द vide. "एगग चित्त" उत्त० २६, २, पचा० १६, २८, —मणसनिवेशणया छी० (-मनः सन्निवेशन) मनने ओकाग्र अनावयु, ओक वस्तु उपर मनने स्थापयु ते मन को एकाग्र करना concentration of mind upon one object उत्त० २६, २, —जंबुय पु० (एकजम्बुक) उल्लुङ्गीर नगरनी पहारने ओ नामने ओक अगीये उल्लुक तीर नगर के बाहिर के एक बगीचे का नाम name of a garden outside the town named Ullukatīa भग० १६, ३,

एगहाण न० (एकस्थान) जेभा द्विसभा ओक वस्तु ओक ठेकाणे ओसीने अवाय ते तय, ओकहाण एक तपका नाम, जिस तपमें दिन मे एक ही बार एक जगह बैठ कर खाया जाता है An austerity consisting in taking one meal in a day confining one's seat to a single place. प्रव० २०३, १५२७,

एगट्टियपय न० (एकाधिकपद) सिद्ध सेणिया अने मल्लुस्ससेणिया परिकर्मने जीने भेद सिद्ध सेणिया और मनुष्य सेणिया परिकर्म का दूसरा भेद the 2nd division of Siddhasenīa and Manusyasenīa Paikarma. नदी० ५६, (२) त्रि० ओक अर्थवाला, समान अर्थवाला एक अर्थवाला, समान अर्थवाला. synonymous सम० १२,

एगतर. त्रि० (एकतर) जे के अनेकमाने ओक दो या अनेक में से एक One of two or more विवा० ७,

एगतिथ. पु० (एकक) केओ ओक. कोई एक.

Some one सू० २, ३, १, पञ० १५,

एगत्त. अ० (एकग्र) ओकन, ओकरथाने.

એકજે દેકાણે એકત્ર; એકહી સ્થાન પર. In one place; in one and the same place. ઓવ૦ ૩૨;

एगत्त. न० (एकत्व) એકપણ, એકલાપણું
अकेलापन. One-ness, solitariness
भग० १, २, २, ६; १२, ६; १७, १, १८,
१, २५, ४; नाया० १; ठा० १०, १. उत्त०
२८, १३, प्रव० ५०२, —अणुप्पेहा. लो०
(-अनुपेक्षा) આ જીવ એકલો આબો છે
અને એકલો જવાનો છે એમ ચિન્તવું તે.
एकत्व भावना; यह जीव अकेला ही आया है
और अकेलाही जायगा, इस प्रकार बार बार
चिन्तन करना contemplation upon
the solitariness and loneliness
of the soul ઓવ૦ ૨૦; भग० २५, ७,
—गत त्रि० (-गत) એકત્વ ભાવનાવાળો,
અંતઃકરણવાળો एकत्व भावना वाला. (one)
contemplating upon the loneli-
ness and solitariness of the
soul आया० १, ६, १, ११, —गय
त्रि० (-गत) એકત્વભાવનાને પ્રાપ્ત થયેલ
एकत्व भावना को प्राप्त (one) con-
templating upon the loneliness
and solitariness of the soul.
आया० १, ६, १, ११, भग० ८, ६,
—वियक्क. न० (-वितर्क) એક દ્રવ્ય
આશ્રી રહેલ પર્યાયોનું અભેદ રૂપે ચિન્તવું
અથવા અનેક પર્યાયોમાના એક પર્યાયને
અવલંબી ચિન્તવન કરવું તે एक द्रव्य के
आश्रय में रही हुई पर्यायों का अभेदरूप से
चिन्तन करना अथवा अनेक पर्यायों में से
एक पर्याय का चिन्तन करना contempla-
tion of unity among the
varieties or modifications of

the same substance; also, tak-
ing up one of many such modi-
fications and thinking upon it
as a separate entity ઓવ૦ ૨૦;
भग० २५, ७,

एगत्तीकरण. न० (एकत्रीकरण) એકાગ્રપણું કર-
વું તે एकाग्रता करना Act of concen-
trating, concentration. भग० २, ५;

एगत्तीभावकरण न० (एकत्रीभावकरण)
મનના ભાવને એકત્ર કરવા मन के भावोंका
एकत्री करण— एक स्थान पर इकठ्ठा करना
Concentrating the thoughts of
the mind भग० ६, ३३, २६, ७,

एगत्तीभावकरणया લો० (एकत्रीभाव-
करण) જીવો “ एगत्तीभावकरण ” शब्द
देखो “ एगत्तीभावकरण ” शब्द Vide
“ एगत्तीभावकरण ” भग० १३, ४

एगत्थ अ० (एकत्र) એક સ્થળે, એક દેકાણે
एक स्थान पर In one place, in one
and the same place पि० नि० २८४,

एगनासा લો० (एकनासा) પશ્ચિમ
दिशाना रुचक पर्वत पर वसनारी आठ दिशा-
कुमारिका मानी पायभी पश्चिम दिशाके रुचक
पर्वत पर रहने वाली आठ दिशाकुमारियों
मे से पाचवी दिशाकुमारी The 5th of
the 8 Disākumārīs residing
on the Ruchaka mountain in
the west जं० प० ६, ११४,

एगमेग. त्रि० (एकैक) એકેક પ્રત્યેક
Each, taken singly “ ता एगुए
दुवे सूरिया तीसाए सुहुत्तेहि एगमेग अद्व-
मडलं ” च० प० भग० १, ५, ३, १, ५,
३, ६, ७, ८, १०, १०, ५, १२, ४, १४, ८,
नाया० १, ८; जं० प० २, १८, उवा० ८, २३४

एगयओ अ० (एकव्रतः) लुओ “एगय” शब्द देखो “ एगय ” शब्द Vide “ एगय ” भग० २, ५, ११, १२, १२, ४, १६, ३, नाया० १६, वव० १, २२, २, १, उवा० ७, १६७, कप्प० ६, ३८, ज० प० ३, ५८, **एगयर** त्रि० (एकतर) भेमानो गमे ते ओ३. दो में से एक, कोईभा एक One of two or more पि० नि० १४०, ४७३, आया० १, २, ६, ६७, १, ६, २, १८३, उत्त० ६, २५, क० ग० २, २३, ३४,

एगया स्त्री० (एकता) ओ३त्व लावना, ओ३ ओ३लो आओ३ छे अने ओ३लो जवानो छे ओ३म यिन्तवयु ते एकत्व लावना—जिसमें चिन्तवन किया जाता है कि जीव अकेला आया है और अकेला जायगा The meditation that the soul has come to this world singly and alone and that it will pass away also alone प्रव० ५७६,

एगया अ० (एकदा) ओ३दा प्रस्तावे, डो३ प्रसंगे, डो३ व३भते किसी एक प्रसंग पर Once upon a time; on one occasion आया० १, ६, २, २, उत्त० २, ६, १३, ३, ३ नाया० १०,

एगलया स्त्री० (एकलता) पहेले दिवसे उपवास, भीगे दिवसे ओ३दासलु त्रीगे दिवसे ओ३ सीध, ओ३थे दिवसे ओ३हालु, पायमे दिवसे ओ३ दात, छे दिवसे नीवी, सातमे दिवसे आयबिल अने आठमे दिवसे आठ कुवल ओ३म आठ दिवस मुधी उप० कुवा प्रमाणे तप करवाभा आवे ते ओ३दता तप. एक तप का नाम जिसमे पहले दिन उपवाम, दूसरे दिन एकाशन, तीसरे दिन एक

सीय, चौथे दिन एकठाण, पाचवे दिन एक दात, छठे दिन नीवी, सातवे दिन आयबिल और आठवे दिन आठ कुवल, इस तरह आठ दिन में होने वाला तप विशेष an austerity lasting for eight days in which on the first day there is a fast, on the second there is Ekāsana, on the third one Sitha, on the fourth Eka-thānu, on the fifth one Dāta on the sixth Nīvī, on the seventh Āyambīla and on the eighth eight morsels (Kavala) प्रव० १५२७,

एगविह त्रि० (एकविध) ओ३ प्रकारनु एक प्रकार का Of a certain sort, of one kind उत्त० ३६, ७७, प्रव० १३१६, आवा० ४, ७

एगसेल पु० (एकशैल) पु० कुलावर्त अने पु० कुलावती विजयनी पर्वतेना वपारा पर्वत पु० कुलावर्त और पु० कुलावती, इन दोनों के बीच का वखारा पर्वत The Vakhālā mountain situated between the two Vijayas named Puskalāvanta and Puskalāvati. “पञ्चत्थिमेण एगसेलस्स वक्खार पव्वतस्स” नाया० १६, ज० प० ठा० ४, २, — कूड पु० (-कूट) ओ३शैल वपारा पर्वतना आर दूटमानु भीलु इट—(शिष्य) एकशैल वखारा पर्वतके चार शिखरोंमें से दूसरा शिखर the 2nd of the four summits of Ekashaila Vakhālā mountain ज० प० —वक्खार पव्वय पु०

(-वक्षस्कार पर्वत) महाविदेह क्षेत्रभां ओऽ
शेध नामनो ओऽ वप्पारा पर्वत. महाविदेह
क्षेत्र का एक शैल नामक एक वखारा पर्वत
name of a Vakhārā mountain
(called Ekaśela) in Mahāvi-
deha region नाया० १६

एगाइ पुं० (एकादि) ओ नामनो ओऽ क्र
राडोऽ एक क्रूर राठोड का नाम Name
of a cruel Rāthoda विवा० १,
—सरीरय न० (-शरीरक) ओऽ ५
राडोऽनु शरीर एकाइ नामक राठोड का
शरीर the body of the Rāthoda
named Ekāi विवा० १;

एगागि त्रि० (एकाकिन्) ओऽले, ओऽ ३
अकेला, एकाकी Alone, solitary, आया०
१, ७, ५, २१६; प्रव० ५३१, गच्छा० १०५,

एगाणिय त्रि० (एकाकिन्) ओऽ ३
अकेला Alone, solitary वव० ४, १, ६, २,
वेय० १, ४८, ५, १५, ओघ० नि० भा० २८,

एगाणी स्त्री० (एकाकिनी) ओऽ ३
अकेली स्त्री A lonely, solitary
woman ओघ० नि० ७८,

एगारस त्रि० (एकादशन्) ओऽ ३
रस " शब्द देखो " एकारस " शब्द
Vide " एकारस " नाया० ५, —वास-
परियाग त्रि० (-वर्षपर्यायक) अगीयार
वरसनी प्रवर्ज्यावालो, नेने दीक्षा लीधे ११
वर्ष तथा होय ते जिसे दीक्षा लिये हुए
ग्यारह वर्ष हो चुके हों वह (one)
since whose entrance into the
religious order 11 years have
passed; of 11 years' standing
in asceticism वव० १०, २६, २७,

एगावली स्त्री० (एकावली) मणिजडित
हार, ओऽसरे हार मणिजडित हार, एक-
लडी हार A single string of

beads, pearls etc भग० ६, ३३,
११, ११, नाया० १, सू० प० १०; दसा०
१०; १, जं० प० ७, १५६, राय० ८१, १८६;
—पविभक्ति. न० (-प्रविभक्ति) ओऽ ३
• वलि हारनी विशेष रचनाथी युक्त-नाट्य
विशेष, ३२ नाट्यभांनु ओऽ एकावलि हार
की विशेष रचना से युक्त नाट्य विशेष; ३२
नाटक में से एक a kind of drama-
tic representation arranged
after the model of a single
string of pearls, beads etc, one
of the 32 kinds of drama राय०
६१, •

एगाहच्च त्रि० (एकाहत्य—एकैवाहत्याऽह-
तन प्रहारो यत्र तत्तथा) ओऽ ३
घाये मारवा योग्य ओऽ ३
घाथी ओ डटडा डरवा योग्य.
एक घाव से मारने योग्य Worthy to
be severed into two pieces
by a single blow. ' एगाहच्च कुडा-
हच्च जीवियाओ ववरो नेइ " भग० ७, ६,
१५, १, राय० २४,

एगिंदिय पु० (एकेन्द्रिय—एक इन्द्रिय करण
स्पर्शनलक्षण यस्य) इक्षत ओऽ २
पशुद्रिय ७५-नेवा के-पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक;
३ तेजोकायिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पति-
कायिक एक-स्पर्श-इन्द्रियवाला जीव यथाः
१ पृथ्वीकायिक, २ अपकायिक, ३ तेजोका-
यिक, ४ वायुकायिक, ५ वनस्पतिकायिक
The class of one-sensed living
beings sub divided into lives
of earth, water, fire, air and
vegetable भग० २, १; १०; ५, २,
८, १, २४, १० ३३, १, पन्न० १, जीवा० १,
विशे० १०१, ४११, क० प० १, ४५, २,
५६, आव० ४, ३, —देस पु० (-देश)
ओऽ ३ इन्द्रियवाला ७५ने देस-भाग एकेंद्रिय

जीव का भाग a portion or part of one-sensed living beings भग० १०, १, —एएएल पु० (-प्रदेश) ऐकेन्द्रिय श्रुवेने। प्रदेश-निर्विभाज्य अश ऐकेन्द्रिय जीवों का अविभाज्य प्रदेश an indivisible, atomic part of one-sensed living beings भग० १०, १, ११, १०; —रूव न० (-रूप) ऐकेन्द्रियवाला रूप एकेन्द्रियवाले जीव का रूप the form, appearance, of one-sensed living beings भग० १२, ६, —सय न० (-शत) ऐकेन्द्रिय शतक, भगवती सूत्रना ३३ भा शतकना भीम उद्देशानु नाम एकेन्द्रिय-शतक, भगवती सूत्र के ३३ वे शतक के दूसरे उद्देश का नाम Ekendriya Śataka, name of the 2nd Uddeśa (part) of the 33rd Śataka of Bhagavatī Sūtra “ भित्ति एगिंदिय सय सम्मत्त ” भग० ३३, २, ४,

एगिंदियत्त न० (एकेन्द्रियत्व) ऐकेन्द्रिय-पण्य एकेन्द्रियता State of being a one-sensed living being, possession of one sense only भग० ८, ६,

एगीभूअ त्रि० (एकीभूत) अनेके भूति ऐके श्रुवेने। अनेक रूप से मिटकर एक रूप का प्राप्त. Reduced to unity from multiplicity राय० ६६,

एगुत्तरिय त्रि० (एकोत्तरिक) ऐके जेने। उत्तर अवयव छे ते, ऐके वधतु-जेम ११, २१ वगेरे जिसका ‘ एक ’ उत्तर अवयव है वह संख्या जैसे ग्यारह, इक्कास आदि Having one as the latter part (in the case of compound numerals) e g 11, 21, etc

exceeding by one. भग० १, २, ४; विशेष ६४२;

एगुरुअ. पुं० (एकोरुक) ऐके३३ नामना उपन अ-तरद्वीपमाने। ऐके एकोरुक नामक ५६ अतरद्वीपमे से एक. One of the 56 Antara Dvīpas named Ekoruka जीवा० ३, ३, (२) त्रि० ते द्वीपमा रहेना, उम देश मे रहेवाला मनुष्य a resident of that country. जीवा० ३, ३,

एगूरण त्रि० (एकोन) ऐके शिष्ट. ऐके आष्टि सम० ८६, पन्न० ४, भग० ८, ५, १५, १, २४, १२, २५, ७, उत्त० ३६, १३८, अणुजो० १२८, जं० प० ५, ११५. विवा० ६,—(रा) असि स्त्री० (अशीति) ७८, ओगलुअशी उन्यासी 79, seventy-nine सम० ७६,—एउइ स्त्री० (नवति) उन्यासी, ८६ नी संख्या निव्यासी की संख्या 89, eighty-nine सम० ८६,—तीसइ स्त्री० (त्रिंशत्) लुओ “एगूरण तीस” शब्द देखो “एगूरणतीस” शब्द vide “एगूरणतीस” सम० २६,—तीसा. स्त्री० (त्रिंशत्) २६ ओगलुतीस २६, गुनतीस 29, twenty-nine भग० २४, १२ २५, ७, पन्न० ४, विवा० २, —परणा स्त्री० (पचाशत्) ओगलु-पयास, ४६ उनचास, ४६ forty-nine, 49 “एगूरणपरणाराइदियाइ” भग० २४, १२, वव० ६, ३७, जं० प० ३, ५४, ५, ११५, २, २५,—पन्ना स्त्री० (पचाशत्) ओगलुपयास ४६ उनचास, ४६ forty-nine, 49 “एगूरणपन्नाराइदियाइ” सम० ४६, जीवा० १; —पन्नास. स्त्री० (पचाशत्) ओगलुपयास ४६ उनचास ४६ forty nine; 49 अणुजो० १२८,—चरणा स्त्री० (पचाशत्) लुओ “एगूरण-पन्ना” शब्द देखो “एगूरणपन्ना” शब्द

vide “एगूणपञ्चा” भग० ८, ५; ३७, १, पञ्च० ४, उत्त० ३६, १३८,—वीसति. स्त्री० (-विंशति) १६ नी सभ्या, ओग-
एलीस उनीसकी संख्या, १६ 19; nine-
teen ज० प० १, ११; वव० १०, ३३;
३६;—वीसा स्त्री० (-विंशति) ओगएलीस;
१६ उनीस, १६ 19, nineteen,
‘ एगूणवीसणायज्जभयणत्ता ’ सम० १६,
नंदी० ५०, भग० १५, १, ३५, १;
अणुजो० १८२; नाया० १, १६, आव०
४, ७;—सट्ठि. स्त्री० (-षष्टि) ओगए-
सा६; ५६ उनसाट, ५६. fifty-nine,
59. “एगूणसाट्ठराइदियाइ” सम० ५६,
—सत्तरि स्त्री० (-सप्तति) ओडे-
सीतेर, आगएतेर, ६६. उनहत्तर 69,
sixty-nine “ एगूणसत्तरि वासा वास-
हर पव्वया पणत्ता ” सम० ६६,
एगूणवीसइम त्रि० (एकोनविंशतितम)
ओगएलीसमे. उनीसवा 19th, nine-
teenth “ एगूणवीसइमं सयं सम्मत्त ”
भग० १६, १०, २०, १, ठा० ६, २, नाया०
१; १६,

एगूरुई स्त्री० (एकोरुका) ओडे३३ द्वीपनी
स्त्री. एकोरुक द्वीपकी स्त्री. A woman
belonging to Ekōruka Dvīpa.
जावा० १,

एगूरुय पु० (एकोरुक) ओ नामने ओडे
अन्तरद्वीप; उपन्न अन्तरद्वीपमाने पड़ेले
एक अंतर्द्वीपका नाम, छापन अन्तरद्वीपो मे से
पहला द्वीप Name of an Antara
Dvīpa, the first of the 56
Antara Dvīpas. भग० ६, ३, १०,
७, ठा० ४, २; (२) पुं० स्त्री० ओ द्वीपमा

रहेनार. उक्त द्वीप में रहने वाला. a resi-
dent of the above named Dvī-
pa. भग० ६, ३, १०, ७ —द्वीव. पुं०
(-द्वीप) ओओ “एगूरुय” शब्द देखो
“एगूरुय” शब्द vide “ एगूरुय ”
भग० ६, ३; १०, ७, ठा० ४, २. —मणुस्स.
पुं० (-मनुष्य) ओडे३३ द्वीपनी रहेनार
मनुष्य एकोरुक द्वीपका रहने वाला मनुष्य.
a person belonging to the
Ekōruka Dvīpa. भग० ६, ३ १०, ७,
एगोरुय पु० (एकोरुक) ओओ “ एगूरुय ”
शब्द देखो “ एगूरुय ” शब्द Vide
“ एगूरुय ” पञ्च० १;

एज पु० (एज) वायु, पवन; वायरो हवा;
वायु, पवन. Wind, air. “ पहू एजस्स
दुगळ्ळणाए ” आया० १, १, ७, ५५,

एज्ज त्रि० (एज्ज) आववा योग्य आने योग्य.

Worthy to come सु० च० ७, १६६;

✓ **एड**. धा० II (ए) परइवु, नाभी
देवु, तव्वु. डाल देना: त्यागना To dis-
charge, to get rid of, to lay
down solid excrements etc

एडइ भग० ११, ६, १५, १ १; नाया० ५;

निसो० ३, ७२; राय० २६३, ओव० ३६;

एडेति. राय० ३४, जं० प० ५, ११२

एडेसि. भग० १५, १,

एडेत्ता स० कृ० भग० २, १: ११, ६, ११,
१, नाया० ५,

एडय पु० (ए) ८४ लाख ओडयाग
परिमित डाल विभाग ८४ लाख एडयाग,
जितना काल विभाग A period of
time measuring 84 lacs of Eḍa-
yāṅgas भग० ६, ७,

एणी. स्त्री० (एणी) हरणी, भृगवी. हरिणी;
मृगी A female deer ज० प० १३,
५७. परह० १, १, जीवा० ३, ३, ओव० १०,
एणेज्ज पु० (एणेय) गोशाले पड़ेले प्राद परि-
हार इर्थे ते गोशालाने पहला जो प्राद परिहार
किया था वह. The first Praudha
Panhāa (a kind of austerity)
practised by Gōśālā भग० १५,
१, (२) त्रि० हरणु सन्धि, भृगु
हरण सबवी, मृगका pertaining to,
belonging to a deer विवा० ८,
—रस पु० (-रस) हरिणु सन्धि
भासतो रस हरिण के मांस का रस taste
of the flesh of a deer “ मच्छरसेय
एणेज्जरसेय ” विवा० ८,

एत त्रि० (एतत्) आ; ओ. पड़ेलु यह
This “ एतेव जाणह ” भग० ६, ३२,
सु० प० १०,

एतावंत त्रि० (एतावत्) ओटलु इतना
This much, that much ज० प०
विवा० १, वेय० १, ८६,

एतोवम. त्रि० (एतदुपम) ओती थरोपर,
ओतावेवे. इसके समान Similar to
that or this स्य० १, ६, १४,

एत्तिअ-य त्रि० (इयत्) आटलु, आ
प्रमाणु इतना This much, of this
measure नाया १७, विशेष० १४०, पि०
नि० २२३ —काल पु० (-काल)
ओटलो वषत् इतना समय so much
time that much time प्रव० ४३०.

एत्तो अ० (इतः) आदिथी हवे पछी यहां
से, इसके बाद Hence, hencefor-
ward, from this place ओव० १६
अणुजो० ५६ १३०, पि० नि० १५५, भग०
६, ८, वेय० १, ८६, नाया० २ ८, १२,
राय० २६० प्रव० ३६५, क० प० १ ६,

एत्तोवरं अ० (अत परं) ओतापछी, ओ उप-
रान इसके बाद, इसके उपरांत Further
than this or that, in addition
to this or that अणुजो० १३८,

एत्थ अ० (अत्र) छेला, ओ स्थले यहां, इस
स्थानपर Here, in this place भग०
१, ३; ६, २, १, ७, ३; ८, ७, ६, ३३, १५,
१, १६, ६, २०, ५, २१, ८, ४२, १;
नाया० १, ३, ५, ७, ८, १३, १७, १८,
१६, पञ्च० १, ज० प० ५, ११६, २, १४२,
७, १४२, दसा० ५, ५, सू० प० १, ओव०
विशे० ८८, उवा० ७, २०१.

एत्थतरे अ० (अत्रान्तरे) ओटला वषत्तमा
इतने समय में Meanwhile, in the
meanwhile, during that time.
सु० च० १, ७५, २४८,

एम अ० (एवम्) ओ प्रशरे इस तरह में,
इस प्रकार से Thus, in this way
“ एमेण समणा वुत्ता ” दस० १, ३.

एमाइ अ० (एवमादि) छत्यादि, ओ विगेरे.
इत्यादि, वगैरह This, that etc पि०
नि० भा० १५,

एमेव अ० (एवमेव) ओवीज रीते, ओमज
इसी प्रकार Exactly in this way,
precisely in that way पि० नि०
७६; पञ्च० १, प्रव० १६१, क० प० १, ७०,

✓ **एय** वा० I (एज्) छपु, छुल्लु कपना
To tremble, to shiver.

एयइ-नि राय० २६६, भग० ३, ३, ५, ६,
१७, २, १८, ३,

एयति भन० ५, ७, १७, ३

एयस्संति भवि० भग० १७, ३

एयसु भू० का० भग० १७, ३.

एय त्रि० (एतत्) आ, साभे रहेली नी-
वीगेरे यह, मन्मुख की वस्तु वगैरह का
उल्लेख करने योग्य सर्वनाम शब्द This,

that सू० प० १०,

एयकम्भ त्रि० (एतत्कर्मन्) ओ छे इमै
जेनुं ओवे। डो। यह है कर्म जिसका ऐसा
कोई (one) who has thus acted
विवा० १, ५;

एयगुण त्रि० (एतद्गुण) ओटलाओ गुणु।
इतने से गुणा हुआ। Multiplied so
much or to this extent. प्रव०
१३६६;

एयजोग पु० (एतजोग) ओने सन्ध। इसका
सम्बन्ध Connection of this or
that पचा० २, ३५,

एयधर त्रि० (एतद्धर) ओने धारणु डरनार.
इसको धारण करनेवाला। (One) that
bears or puts on this or that
पचा० १४, २४,

एयप्रहाण त्रि० (एतत्प्रधान) ओ छे प्रधान
जेभा ते। जिसमें यह प्रधान है वह (Any-
thing) having this as a pro-
minent factor विवा० १, —**एय्यार**.
त्रि० (—प्रकार) ओ प्रक्षरनु इस प्रकार
का. of this nature, of this sort.
नाया० १४,

एयमद्व न० (एतदर्थ) ओ भाटे; ओ अर्थे.
इसलिये For this purpose, for
the sake of this भग० ७, ७, १२,
१; १८, ७, नाया० १; ५, ६; १४; दस०
६, ५२;

एयविउस्त त्रि० (एतद्वियुक्तम्) ओथी
रहित इस के बिना Devoid of or
free from this or that पंचा० ६, ६,

एयविज्ज पुं० त्रि० (एतद्विद्य) ओ छे विद्या
जेनी ते जिसकी यह विद्या है वह (One)
possessed of this or that know-
ledge or learning विवा० १;

एयसमायार त्रि० (एतसमाचार) ओ छे

आयार जेनी ते जिसका यह अचार है वह
(One) possessed of this
ascetic conduct विवा० १,

एयण न० (एजन) डम्पयु, ड्रुणुं कपना
Trembling; quaking भग० ५, १;
पञ्च० ३६,

एयणा स्त्री० (एजना) ड्रुणरी, ड्रुण, कप
कपी Tremour, shivering
भग० १७, ३

एयणुद्देशय पुं० (एजनोद्देशक) लगयती
सूत्रना पायभा शतकना आहमा उद्देशानु
नाम भगवती सूत्र के पाचवें शतक के आठवें
उद्देश का नाम Name of the 8th
Uddeśa of the 5th Śataka of
Bhagavatī Sūtra भग० ५, ८;

एयलई स्त्री० (एलकी) ओड जलतनी वनस्पति.
एक जात की वनस्पति A kind of
vegetation. भग० २३, १,

एयाणुरूव त्रि० (एतदणुरूप) ओने अनुसर्तुं.
इसके अनुरूप Like, resembling or
worthy of this or that कप्प०
४, ६०;

एयारिस त्रि० (एतादृश) ओटु, ओनाजेवु
इस प्रकार का, इसके मरीखा. Of this
sort; of this or that nature;
similar to this. पचा० २, ३४, उत्त०
३२, १७, सम० ३०; दमा० ६, १७, दस०
५, १, ६६,

एयारूव त्रि० (एतद्रूप) ओ प्रक्षरनु इस
प्रकार का Of this sort; of that
sort. अंत० ६, ३, राय० २४, ७७, विवा०
५, दसा० ६, २; १०, ३, नाया० ३; ५; ६;
भग० २, १, ५, ४, १४, १; १८, १०;
उवा० १, ८०; २, ६४, कप्प० १, ४, ज०
प० २, २२,

एयावन्ति अ० (एतावत्) ओटला इतना,

इतने. These many, so many
आया० १, १, १, ७, भग० ६, ७,

एरंड पु० (एरंड — ईरयति वायुमल वा) ओरंडो
ओरंडानु वृक्ष अरंड, अरंड का वृक्ष The
castor-oil plant भग० २, १, २१,
६, ठा० ४, ४, पत्र० १, — कट्टसगडिया
छी० (— काष्टशकटिका) ओरंडना लाड्डानी
गाडी अरंडकी लकड़ी की गाडी a
cart made of the wood of
the castor-oil plant नाया० १,
— मिजिया छी० (मिजिका) ओरंडानी
भीज. अरंडो की मांजी a seed of the
castor-oil plant भग० ७, १,

एरणवत्. न० (एरणवत्) ओरणवय-
नामनु अकर्म भूमिनु ओकक्षेत्र एरणवय
नामक अकर्मभूमि का एक क्षेत्र Name
of a region of the Akarma-
bhūmi सम० १,

एरणवय-अ पु० (एरणवत्) ओण-
वय नामनु रमकवास अने धरित क्षेत्रनी
वन्धे आवेलु जुगलियातु ओक क्षेत्र रमक
वास और ईरवत क्षेत्र के बीचमें स्थित एरण-
वय नामक जुगलियों का एक क्षेत्र Name
of a region inhabited by the
Jugalias, situated between Ra-
makavāsa and Iravata Ksetra
ज० प० भग० ६, ७, २०, ८, ठा० २, ३,
पत्र० १६, जीवा० १, (२) त्रि० ते क्षेत्र-
मा वसना२. उक्त क्षेत्र में रहने वाला
(one) who resides in the
above mentioned region अणुजो०
१३१,

एरवअ-य पु० (एरवत्) मेरुथी उत्तरमा
आवेसु अर्भूभिनु भरत जेवसु छेसु क्षेत्र
मेरु की उत्तर दिशामें स्थित कर्मभूमि
का भरतक्षेत्र बरावरी का अतिग क्षेत्र The

last region of Kaima Bhūmi
to the north of Meru, equal in
size to Bharata region सम० ७,
जीवा० १, सू० प० १०, अणुजो० १३४,
पत्र० १, नदी० ४२, भग० २०, ८, विशेष
२४६, प्रव० ३, ज० प० ६, १२५, ठा० २,
३, (२) त्रि० धरित क्षेत्रमा वसना२
ऐरावत क्षेत्र में उत्तम, ऐरावत क्षेत्र में रहने-
वाला born in Iravata Ksetra,
residing in Iravata Ksetra
अणुजो० १३१, — कूड पु० (कूट)
शिखरी पर्वतना ११ कूटमानु दशमु कूट-
शिखर. शिखरी पर्वत के ११ कूटों में से १०
वा कूट the 10th of the 11 peaks
of the Śikhari mountain ज०
प० ६, १२५,

ऐरावअ पु० (ऐरावत्) जम्बूद्वीपने उत्तर
छेडे आवेलु भरत जेवसु छेसु क्षेत्र
जम्बूद्वीप की उत्तर दिशामें स्थित भरत क्षेत्र
जितना अतिम क्षेत्र The last region
to the North of Jambu Dvīpa,
equal in size to Bharata re-
gion. ज० प०

ऐरावई छी० (ऐरावती ईरा सन्त्यस्या)
कुणाला नगरी पासो वहेती ओरावती नामनी
नदी कुणाला नगरा के समीप वहने वाली
नदीका नाम Name of a river flow-
ing in the vicinity of the city
of Kuṇālā वेय० ४, २८, कप्प० ६ १२,

एरवण पु० (ऐरावण-त) प्रथम देवलोकना
धरने लाथी, जे देवता लाथीनु रूप लभ
धरने पैता उपर ओसाडे ते प्रथम स्वर्ग के
इंद्र के हाथी का नाम, जो देव हाथी का रूप
धारण कर इंद्र को अपने ऊपर बैठाता है
वह देव The elephant of the
India of the first Devaloka

a god in the form of an elephant for India to ride upon. “हत्थीसु ऐरावण माभुण्णए” मूय० १, ६, २१, जं० प० ५, ११५; पञ्च० २; पण० २, ४, (२) शक्रेन्द्रा हाथीना लम्भरतो अधिपति शक्रेन्द्र के हाथी की सेना का अधिपति the head of the army of elephants belonging to Sakrendra “ऐरावणे हत्थिराया कुंजरारणियाहिवई” ठा० ५, १, (३) ओ नामे ओइ गुच्छन्तनी वनस्पति एक गुच्छ जाति की वनस्पति का नाम. a kind of plant पञ्च० १० (४) उत्तरद्वन्द्वभेदमाने ओइ द्रुह डे नेनी येयासे वीश ड वन ड पर्वत छे उत्तर कुक्षेत्र के एक द्रुह का नाम जिसके कि दोनो ओर वीस कचनक पर्वत हैं name of a lake in the Uttara Kuru Ksetra, on both sides of which there are 20 Kanchanaka mountains. जं० प० जावा० ३, ४, —वाहन पु० (वाहन) ऐरावत-हाथी नेनु वाहन छे ते ऐरावत-हाथी के वाहन वाला one whose vehicle is the Airāvata elephant कण० २, १३;

ऐरावत पु० (ऐरावत) ऐरावत क्षेत्रना प्रथम चक्रवर्ती ऐरावत क्षेत्र का प्रथम चक्रवर्ती. The first Chakravartī of Airāvata-Ksetra, (२) ऐरावत क्षेत्रनी अधिष्ठाता देवता ऐरावत क्षेत्रका अधिष्ठाता देव. the presiding deity of Airāvata-Ksetra. जं० प०

ऐरावती स्त्री० (ऐरावती) ओओ “ऐरावई” शब्द देखो “ऐरावई” शब्द Vide “ऐरावई” ठा० ५, २:

ऐरिसि. त्रि० (ईदृश = अयमिव पश्यति) ओना नेनु इसके समान Of that sort;

of this sort, such. भग० २, ५; उत्त० १२, ११; स्य० १, ३, ३, १५; सु० च० २, ३३८; नाया० ८, दस० ६, ५; प्रव० ५६२;

ऐरिसिग त्रि० (ईदृशक) ओना नेनु; ओ सरभु इसके समान, इसके समान. Of that sort. such: similar to this or that भग० १, १; ८, ५,

ऐरिसिय त्रि० (ईदृशक) ओनु; ओ नेनु ऐसा; इसके समान. Such; similar to that, of this sort पि० नि० ५८५; नाया० ८; १६;

एल पु० (एल) धेठो; भेठो. भेड. A sheep; a iam जीवा० ३, ३; विवा० ४; स्य० २, २, २१, दस० ५, २, ४८: —मूयत्त. न० (-मूकत्व = एडइव अव्यक्त मूकतया शब्दमात्र करोत) गाउरनी पेटे (ओओ) न समझ शक्य तेनु ओडवु ते, ओओडपलुं. भेडके बोलने के समान समझ में न आसकने योग्य बोलना. babbling, indistinct speech like the bleating of a sheep. स्य० २, २, २१, दस० ५, २, ४८; दसा० १०, ४५,

एलइज्ज. न० (एलकीय) उत्तराध्यायन सूत्रना सातवा अध्यायन नाम. उत्तराध्यायन के सातवें अध्याय का नाम. Name of the 7th chapter of Uttaraādhyāyana. अणुजो० १३१;

एलग पु० (एडक) धेठो; भेठो. भेड A male sheep; a iam जं० प० २, २४, दस० ५, १, २२; पञ्च० १:

एलगा. स्त्री० (एडका) गाउर. भेड A female sheep; a ewe जं० प० २, २४;

एलय पु० (एलक) गडरो; भेठो. बकरा, भेडा A be-goat; a iam “कोई पोसेज एलय” उत्त० ७, २१९,

एला स्त्री० (एला) ओओयी इलायची

Cardamom plant, the seed of the plant जीवा० ३, ४, ज० प० पञ्च० १, राय० २६, —पुड पु० (-पुड) ओदयीनी पुडा इलायची का पुडा A packet of cardamoms नाया० १७,

एलावच्च पु० (एलापत्य) महुड गोत्रनी शाखा रूप ओड गोत्रनु नाम महुक गोत्रकी शाखा रूप एक गोत्रका नाम Name of a branch or off-shoot of the Manduka family-origin नदी० स्थ० २६, ठा० ७, १, (२) त्रि० ते गोत्रमा उत्पन्न थयेव पु३५. उक्त गोत्र में उत्पन्न पुरुष a man born in the above mentioned branch of family ठा० ७, १,

एलावच्चसगुत्त न० (एलापत्यसगोत्र) आर्थ महागिरिनु गोत्र आर्थ महागिरी का गोत्र Name of the family line of Ārya Mahāgiri कण० ८,

एलावच्चा स्त्री० (एलापत्या) पञ्चासीथानी १५ रात्रिथोमान्नी त्रीश रातनु नाम पक्षकी तीमरी रात The third day of a fortnight सू० प० १०, ज० प० ७, १५२,

एलिकख त्रि० (ईदृक्) ओयु, येना येतुं इसके समान, ऐसा Such, of this sort of that sort “कहनु जिच्चनेलिकखं जिच्च माणो न सविद्रे ” उक्त० ७, २२,

एलिकखअ त्रि० (ईदृक्) लुओ “एलिकख” शब्द देखो “एलिकख” शब्द Vide “एलिकख” आया० १, ६, ३, ५

एलुय. पु० (एलुक) दरनी उयरी (उय२) घर की देली The threshold of a door जीवा० ३, ४, राय० १०६, दसा० ७, १, वव० १०, २,

एव अ० (एव) व्यवधारणु निश्चय, नष्टी

निश्चय Positively, assuredly आया० १, १, १, ११, उत्त० १, १६, अणुजो० १४ वव० १, ३७, निमी० २०, १०, दसा० ६, १, उवा० ७, २१६, विशेष० १७८, पि० नि० १७८

एवइकाल पु० (इयत्काल) ओटलो वधन इतना समय That much time, so much time क० प० १, ४५,

एवइखुत्तो अ० (एतावत्कृत्वम्) ओटला बार इतनी बार So often, so many times कण० ६, ४८,

एवइय त्रि० (इयत्) आटयु इतना So much, this much भग० ३, १ ४, ६, ८, १२, ४, १३, ४ १४, ७, ८, १६, ४, २०, ६, २४, १, २४. ओघ० नि० १५४, विशेष० ४४४, वव० १, ३७, प्रव० ८४६,

एव अ० (एवम्) ओ प्रदारे, पूर्वोक्त रीते (पडेला डलु तेम) इस प्रकार से पूर्वोक्त रीतिसे In that way, as said above, thus भग० १, १ २, १ ३. ५ ४, ८, ६, ४ ७, १ १६, ५, १८, १०, ३४, १, नाया० १, २, ५, ७, ८, ६, ११, १४, १६, दसा० ३, २६, ४, ४५, ६, ४. दस० ५, २, ३०, ७, ७, ४४, ८, ३. आया० १, १, १, १ १, १, १, २, मूय० १, १, १ २, १, १, १, ६, २, ७, ६, वैय० २, २, ज० प० ५, ११३, ४, ११२, ५, ११२, निर० १, १, विशेष० ७२, निमी० २०, १०, उत्त० १, ४, ओव० ११, अणुजो० १४, ठा० १, १ सू० प० २० उवा० १, १०, १० १४, नाया० ध० ३, क० प० १, ३१, क० ग० ३, १० १६, “एवमेवाणि जपता” मूय० १, १, २, ४ ‘एव आउली करिति’ भग० १, ६,

एवंगुल अ० (एवंगुल) अरेअर, निश्चे, ओमअ निश्चयमे इमी प्रकार वास्तव में

Indeed, exactly so. भग० ७, ६;

नाया० ६, ८; १०, १६; नाया० ८०

एवंचेव अ० (एवंचेव) लुओ " एवं "

शब्द देखो " एवं " शब्द. Vide " एवं "

नाया० १२; भग० १५, १; २५, २; ४१, ८;

एवग्रहं. अ० (एवम्) लुओ " एवं " शब्द.

देखो " एव " शब्द. Vide " एवं "

वेय० १, १४; ४, २८;

एवतिय. त्रि० (इयत्) लुओ " एवइय "

शब्द देखो " एवइय " शब्द. Vide

" एवइय " भग० १, ७, ११, १;

एवंपि अ० (एवमपि) ओमपणु. इस प्रकार

भी Even thus; even so. भग० १, ६;

एवंभूत वादि त्रि० (एवंभूत वादिन्) लाय-

सहित पदार्थनेत्र पदार्थ माननार ओड नय.

सात नयमानो सातमो नय भाव सहित

पदार्थ को ही पदार्थ मानने वाला एक नय

(One) who holds the logical

standpoint that a substance

should be styled by its name

only so long as it actually per-

forms the operation denoted by

it; the seventh of the 7 logical

beliefs सू० २, ४, १०,

एवंभूय पु० (एवंभूत) ने शब्दतो ने अर्थ

थतो होय ते अर्थ पुरे पुगी रीते, ते

वस्तुमा लुओ त्यारेण तेने ते वस्तु डहे,

नेम घट शब्द येष्टावाची घट् धातुमाथी

अनेको छे तो न्यारे ते घडे पाणीथी अरेको

स्त्रीता भस्तड उपर होय त्यारेण तेने घडे

डहे अन्यथा नदि ओम माननार ओड नय

सात नयमानो ७मो नय जिस शब्द का जो

अर्थ होता हो उस अर्थ का पूर्ण भाव उस

शब्द वाचि वस्तुमें दिखलाई पड़े तब ही उस

वस्तु को वस्तु कहे जैसे कि घट शब्द

चेष्टावाची घट् धातु मे बना है जब पानी मे

भरा हुआ छी के मस्तक पर घड़ा रखा हो

तभी उसे घट कहना अन्यथा नहीं;

सातनयो मे से एक नय. The seventh

of the seven logical stand-

points, viz that a substance

should be styled by its name

only so long as it performs act-

ually the operation denoted by

it: e g a pot should be styl-

ed a pot only when it is

actually filled with water

and "carried" by any woman

upon the head. विशेष० २२५१, ठा० ७,

१, भग० ५, ४; पञ्च० १६, प्रव० ८२४;

पचा० ६, १२; (२) विच्छेद गयेव आत्मा

दृष्टिवाद अंगना श्रील विभाग सूत्रतो १६

मो भेद जिसका विच्छेद हो चुका है

ऐसे बारहवें दृष्टिवाद अंगके दूसरे विभाग के

सत्रका १६वां भेद name of the 16th

division of the 2nd section

of the 12th non-extant Anga

viz. Dustivāda नदी० ५, ६,

एवंविह त्रि० (एवंविध) ओवा प्रक्षरनु-तो-

नी इस प्रकार का-की Of that or

this sort such सु० च० ४, ८२; पचा

१३, ३६;

एवमेव. अ० (एवमेव) ओमण इसी प्रकार.

Exactly so, quite so नाया० १,

भग० १ १;

एवामेव. अ० (एवमेव) ओवीण रीते

इसी प्रकारसे Exactly so; quite in

this manner ज० प० नाया० २, ३;

४, ५; ८, ६, १०, १२, १६, भग० १, १;

६, ३, ३, ५, ३; ६. १२, १, २०, ८; उवा०

७, २१६.

✓एस धा० I.II (एप्) शोधुं. तथास

इरवी, पु० ५२७ इरवी. खोजना; ढुंढना,
पुछ पाछ करना To search, to in-
quire after

एमे वि० आया० १, ६, ४, १०,

एसिज्जा वि० उत्त० १, ७, २ ३०, दस०
५ २, २६,

एसेज्जा वि० सूय० १, १, ४, ४,

एमत व० कृ० उत्त० ३०, २१,

एसमाण व० कृ० वव० १०, २,

✓ एस धा० I० (इप्) भञ्ज्यु, भञ्ज
इरवी. इच्छा करना To wish, to
desire

एमइ पि० नि० ७५,

एस. त्रि० (एप्यन्) आवतो, भविष्यन्
भविष्य का, आगामी Future, the
future विशेष० ४२२, —काल पु०
(-काल) आवतो काल आगामी काल com-
ing time, future time दस० ७, ७,

एसण न० (एसण) ओपण्णीय वस्तु, निर्दोष
आहारदि दोषरहित आहारादि A thing
worthy to be used as food,
unobjectionable food etc उवा०
१, ८६, नाया० १६, भग० २, ५,

एसणा. स्त्री० (एसणा) आहारदिनी गवेप-
णाभा साधु अने गृहस्थी अन्नेथी लागता
शक्तितादि १२ दोष आहारादि की गवेपणा मे
स बु और गृहस्थो से जो दश दोष लगते हैं
वे Any of the 10 faults (viz
Sāṃkita etc) incurred by a
layman as well as an ascetic
in connection with begging
food etc प्रव० २२, ५७१, ठा० ३, ४,
पि० नि० १, (२) उपयोग पूर्वक आहार
दिनी गवेपणा इरवी ओपण्णानामनी श्रीशु
समिति उपयोग पूर्वक आहारादि की गवेपणा
करना, तीसरी समिति का नाम name of

the third Samiti, circumspec-
tion in begging food etc उत्त० १,
३१, २, ४, ८, ११; २४, २, ३०; २५,
भग० २, १, सूय० १, १, ४, ४, परह०
२, १, वव० १०, २, ओव० १७, सम०
प० १६८, —असमिअ त्रि० (-असमित)
आहारदिनी गवेपणारूप समिति विनातो,
ओपणा समिति रहित आहारादि की गवेपणा
रूप समिति से रहित, एपणा समिति से रहित,
(one) devoid of circumspec-
tion in begging food etc दसा०
१, २, २१, २२, —असमित. त्रि०
(-असमित) असूक्तो सातपाणी लर्ध
भीम साधुनी साथे कलह इरवी, असमा-
धिनु वीसभु-छेदु स्थानक सेवनार असूक्तता
(दोषयुक्त) आहार पानी लेकर दूसरे साधु
के साथ कलह करनेवाला-अममाधि का
२० वा-अन्तिम स्थानक का सेवन करनेवाला
(one) who resorts to the last
viz 20th source or cause of
Asamādhī i e non concentra-
tion, (one) who quarrels with
another Sādhū, after receiv-
ing food involving sin सम०
२०, —रय (-रत) निर्दोष आहार
लेनाभा सावधान निर्दोष आहार लेने मे
सावधान one who cautiously and
carefully receives only unobjec-
tionable food दसा० १, ३, —वि
सोहि स्त्री० (-विशोधि) ओपण्णानी शुद्धि
एपणा समिति की शुद्धि purity or fault-
lessness of circumspection in
begging food etc ठा० २, ०
—समिइ स्त्री० (-समिति) ४२ प्रजाग्ना
इपण्ण टादी शुद्ध आहार पाणीनी गवेपणा
इरवी ते, पाथ समितिभानी श्रीशु समिति

४२ प्रकार के दूषणों से रहित शुद्ध आहार पानी की गवेपणा करना, पाच समितियों में से तीसरी समिति the third of the 5 Samitis viz begging of alms untainted by the 42 kinds of faults सम० ५, ठा० ८, १, —समिय पु० (समिति-एषणाया उत्पादनग्रहणग्रास विषयायां सम्यगितः स्थितः) निर्दोष आहार लेना निर्दोष आहार ग्रहण करनेवाला one who receives faultless or absolutely untainted food ' एषणा समिण्णिच्चं वज्जयते अणोसण ' सूय० १, ११, १३, दसा० ५, ६, भग० २०, २, नाया० ५, एससिज्ज त्रि० (एषणीय) मुनिने ओपण्णा इत्था योग्ग, लेवु इत्थे तेवुं, दोष रहित मुनि के एषणा करने योग्य, निर्दोष, लेने योग्य Faultless, unobjectionable, worthy of being received as food by a Sādhu भग० १, ६. २, ५; ५, ६, ७, १, ८, ६, १८, १०, उत्त० १२, १७, ३२, ४, नाया० ५, १६; १६, ठा० ४, २, उवा० १, ५८, पि० नि० १६३, राय० २०५, एसणिय त्रि० (एषणीय-एष्यते गवेप्यते उक्क-मादिदोषविकलतया माधुभिर्यत्तदेपणीयम्) निर्दोष-दोष वगरत्तु. निर्दोष, दोष रहित. Faultless; untainted, unobjectionable (e g food) दस० ६, २४, एसिय त्रि० (एषित) गोचरीती विधिधी प्राप्त थयेत्त (अहारदि) गोचरी की विधि से प्राप्त (आहारादि) (Food etc) got by Gocharī (i e begging) in a particular fashion) आया० २, १, ६, ५०, सूय० २, १, ५६; भग० ७, १, एसिय. पु० (एषिक) असंख्यात ओडेन्द्रिय श्रवणी हि सा थाय ओवा आहार इरतां

ओड्ड हाथीने मारी आयु ते श्रेय ओम मान नार ओड तापस; हाथी तापस. असख्यात एकेंद्रिय जीवोंकी हिसा जिसमें हो ऐसा आहार करने की अपेक्षा एक हाथी को मार कर खाना श्रेष्ठ समझने वाला तापसी, हाथी तापस An ascetic believing that it is better to kill an elephant for food instead of taking food involving killing of countless one-sensed living beings; (such a one is styled a Hāthī Tā-pasa). “ एसिया वोसिया सुद्धा ” सूय० १, ६. २,

एसिय पु० (ः) गोवाणीया गोली, म्वाल A cowherd. आया० २, १, २, ११; एस्स पु० (एष्यत्) भविष्य काल, भावी भविष्य काल. भावी काल. The future; future time विशेष २८३,

एहंत त्रि० (एधमान) वधत्तुं, वृद्धि प्राप्तुं-तो-ती बढ़ता हुआ, बढ़ती हुई, वृद्धिगत Increasing, growing. दस० ६, २, ५;

एहा स्त्री० (एधा) शमी (भीरडी) ना डाष्ट धधण शमीकी लकड़ी, उस्तरा नामक वृक्षकी लकड़ी The wood of the Samī tree, fuel. उत्त० १२, ४४,

एहिय त्रि० (ऐहिक) आलोड सम्बन्धी, अलोडत्तु इस लोक सम्बन्धी, इस लोक का Belonging to, pertaining to this world ओघ० नि० ६२, — एषसिय त्रि० (-प्रदेशिक) विषम संख्या-३, ५, ७ वगैरे ओड्डी संख्याना प्रदेशथी निष्पन्न थयेत्त विषम संख्या के प्रदेश से निष्पन्न resulting from odd numbers such as three, five, seven etc भग० २५, ३;

ओ.

ओअंसि पु० (ओजस्विन्) भननी धीर
वालो, धैर्यवान्, धीर धीरज वाला, वैय
धारण करनेवाला, धीर Coula-reous,
blave ओव० १६,

ओइरण त्रि० (अवतीर्ण) अवतरैल, उतरी
आवेन अवतरित उतरा हुआ Boin,
descended, come down ओव०
२६, ओघ० नि० ३४, पचा० १५, ४२,

ओंकार पु० (ओंकार) ओंकारने उच्चार
करवे ओं कार का उच्चार करना Pio-
nouncing the word " Omkāra"
उत्त० २६, २६,

ओकच्छिया स्त्री० (अवकच्छिका) लुओ
" उकच्छिया " शब्द देखो " उकच्छिया "
शब्द. Vide " उकच्छिया " ओघ० नि०
६७७, प्रव० ५४३,

✓ ओकड् धा० I (अप+कृप्) पाछु पें-
यवु पीछा खींचना To draw back,
to pull back

ओकड् क० प० ३, ७,

ओकड्वि स० कृ० क० प० ४, १,

ओकड्ग स्त्री० (अपकर्षणा) अपवर्तना
अपवर्तना Drawing back, turning
back क० प० ३, १०,

ओगहिअ त्रि० (अवगृहीत) पीरसेव,
भोजनमाथी हाथमा लीधेव ग्रहण किया
हुआ, परोस हुआ Served as food
held in the hand (sup food)
ठा० ३, ३,

ओगाह त्रि० (अवगाह) आकाश प्रदेशने
अवगाही-स्पर्श करीने रहैव आकाश प्रदेश
को व्याप्त करके रहा हुआ Perivading
or touching Ākāśa Dravya i
e space उत्त० १८, २४, पञ्च० २, जीवा०

१, विशेष० ६७५: अणुजो० १०१, १४८,
ठा० १, १, भग० १३, ४, १६, ६, २०, २,
२५, ३, ४, नाया० ८, ६, १७, ज० प० ७,
१३७, (२) जमीनमा उडु जमीन के
भीतर ऊडा. deep in the ground
प्रव० १५८७, —रुइ स्त्री० (-रुचि)
उपदेश के शास्त्रने अवगाहवाथी उत्पन्न थती
धर्मश्चि उपदेश अथवा शास्त्र के अवगाहन
-मनन से उत्पन्न होनेवाली धर्मरुचि love
for religion excited by a ser-
mon or a study of scriptures
भग० २५ ७, ठा० ४, १;

ओगाहसेणिआपरिकम्म न० (अवगाहन-
श्रेणिकापरिकर्मन्) दृष्टिवादन परिश्रमने
छट्ठे भेद दृष्टिवाद के परिकर्म का छठवा
भेद The sixth division of the
Paṭikamma of Dūstivāda नदी०
५६,

ओगाढावत्त न० (अवगाढावर्त्त) ओगाढ-
सेणिआपरिकर्मने १४भे प्रक्षर. ओगाढमे-
णिआ परिकर्म का चौदहवा भेद The
14th division of Ogādhaseṇia
Paṭikamma नदी० २६,

ओगास न० (अवकाश) अवकाश, खुली
जगह, खाली स्थान
Open space " ओगासं फासुयं नच्चा "
दस० ५, १, १६,

✓ ओ गाह धा० I II (अव+गाह)
अवगाहयु, अन्तर पेययु, स्पर्श करवे
अवगाहन करना, भीतर प्रवेश करना स्पर्श
करना To pervade to enter to
touch

ओगाहइ भग० २०, ८, प्रव० ६६८,

ओगाहेइ नाया० २, ५ १६,

ओगाहंति. ओव० ३६;

ओगाहेजा भग० १, ६, १८, १०; अणुजो०
१३४;

ओगाहह. नाया० १७,

ओगाहिता सं० कृ० ओव० ३६, ज० प०
१, १४, ७, १४२; ७, १२७; भग०
२, १, ८, ३, ७, पञ्च० २,

ओगाहेत्ता स० कृ० नाया० २, ६ भग० २०,
८,

ओगाहित्तु हे० कृ० ओव० ३८,

ओगाहत पि० नि० ५७५;

ओगाहिऊण ज० प० ४, १०५, प्रव० १४३५,

ओगाह. पु० (अवगाह) अवगाहना, अव-
काश, आकाशनु अक्षय अवकाश. आकाश
का लक्षण, खाली स्थान Interpene-
tration; lit entrance; giving
space to other substances,
this is the nature of Ākāśa
उत्त० २८, ६,

ओगाहण न० (अवगाहन) ७५ शरीर
आदि वस्तु जेठला क्षेत्रने अवगाहिरहे
जेठल क्षेत्र जीव, शरीर आदि वस्तु जितने
क्षेत्र में व्याप्त होकर रहे उत्तम क्षेत्र.
Space occupied by any object
भग० १, ६; ५, ७, ८, १, पि० नि० ६८६,

ओगाहणग त्रि० (अवगाहनक) अवगाह-
ना२. अवगाहन करने वाला (One)
that occupies a particular
space, occupying space ठा० १, १,

ओगाहणसेणिया. स्त्री० (अवगाहनश्रेणिका)
अवगाहनश्रेणी नामे दृष्टिवादातर्जित परिकर्म-
ना ओ३ भाग अवगाहन श्रेणी नामक
दृष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक भाग
Name of a division of the Prai-
karma forming a part of Dis-
tativāda सम० १२,

ओगाहणा स्त्री० (अवगाहना-अवगाहन्ते-
आसते अवतिष्ठन्ते जीवा यस्यां सा तथा)
शरीरादिनी उग्राह. शरीर आदि की ऊचाई
Height of the body etc भग०
३, १; १६, ३, २४, २०, २५, ४, २५, ६,
३६, १; ओव० ४४, अणुजो० १३४, उत्त०
३६, ६०, ३६, ६१, जीवा० १, नदी० १२,
नाया० ध० प्रव० ४८१. —ठाण न०
(-स्थान-अवगाहन्तेजीवा यस्यां साऽव-
गाहना तनुस्तदाधारभूतं क्षेत्रं वा तस्याः
स्थानानि प्रदेशवृत्ताविभागा अवगाहनास्था-
नानि) अवगाहना-शरीरनी उग्राहना स्थान-
विभाग. अवगाहना अर्थात् शरीर की ऊचाई
का स्थान-विभाग A (smaller) divi-
sion of the height of the body
भग० १, ५. —नामनिहत्ताउय. न०
(-नामनिधत्तायुष्क) औदारिकादि शरीर
नामकर्म साथे आयुष्य कर्मना अन्ध धाय
ते, आयुष्यधनो ओ३ प्रकार औदारिक शरीर
नामकर्म के साथ आयुष्य कर्म का बंध होना.
आयु वय का एक प्रकार The linking
together of Āyusya Karma
with the Namakarma that
builds up the physical body
पञ्च० ६, भग० ६, ८: —संठाण. न०
(-सस्थान) प्रज्ञापनाना २१ भा पदतु
नाम ६ जेभा औदारिक वगेरे पांच शरीर-
ना संठाण वगेरेतु वर्णन कर्तुं छे. प्रज्ञापना के
२१ वें पद का नाम कि जिस में औदारिक
आदि पांच शरीरों के संस्थान आदि का
वर्णन है Name of the 21st Pada
of Prajñāpanā, dealing with
the conformation of the five
kinds of bodies viz physical
etc पञ्च० १;

ओगाहिम त्रि० (अवगाहिम) पञ्चावक;

मुष्ठी, भावपटुवा वगेरे मालपुवा आदि पकवान् Rich food, sweetmeats पि० नि० ५४८, पचा० ५, ११,

ओगाहिमग पु० न० (अवग्रहाहिमक) पकवान, मिठाई वगेरे पकवान, मिठाई वगैरह Sweet-meats प्रव० २०३, २१८, √ओगिण्ह आ० I, II (अव+गृह्) हाथमा लेवु, ग्रहण करु हाथमें लेना, ग्रहण करना To hold in hand, to take ओगिण्हङ् नाया० १, टा० ३, ३, भग० ६, ३३,

ओगिण्हत्ता स० कृ० नाया० १, भग० ६, ३३, ओगिण्हत्ता स० कृ० भग० २, ५, उवा० ७, १६३, २२० कण्ठ० ८, ६,

ओगिण्हिय सं० कृ० आया० २, ७, १, १५६, ओगिण्हण न० (अवग्रह) अर्थाविग्रह अथवा नाम अर्थाविग्रह का एक नाम A synonym for Aithāvagraha i.e. vague idea or apprehension of an object नदी० ३०,

ओगह न० (अवग्रह) आज्ञा, संमति, रज्ज आज्ञा, हुक्म, मम्मति Oidei, permission, consent भग० ९, ३३, दम० ५, १, १८, ८, ५ नाया० ५, पचा० ६, ०३,

ओगहण स्त्री० (अवग्रहण) धृष्टिगोना विषय-रूप पुद्गलोनु ग्रहण करु ते इन्द्रियोंके विषयरूप पुद्गलो का ग्रहण करना Drawing or taking to oneself the molecules of the various objects of senses पञ्च० १५,

ओघ. पु० (ओघ) प्रवाह, ससारते प्रवाहनु रूपः आपवासा आवे छे भाटे ससाररूप प्रवाह प्रवाह, ससार को प्रवाहका रूपक देने में आता है वास्ते समाररूप प्रवाह A current a flow, metaphonically worldly

existence “ एते ओघ तरिस्मत्ति ” सूय० १, ३, ४, १८, २, ६, ५५, क० प० १, ८१, पचा० ३, ३, (२) समूह, गणि, अर्थो समूह, समुदाय, टांग a group, a heap, a collection ज० प० ५, ११५; नाया० १५ सम० ७, राय० ३७, (३) सामान्य, शमुच्य नामान्य, समुच्चय, सावारण accumulation, general, broad nature भग० २५, ३, ४, पञ्च० ८, —आग्नेस पु० (-आदेश) सामान्य प्रकार, सामान्य अपेक्षा सामान्य प्रकार, सामान्य अपेक्षा matter of course, matter of common expectation “ ओघादेसेण सियकड जुम्मा ” भग० २५, ३ ४, —आययण न० (-आयत्तन) ओध-प्रवाह-परंपरायी मनायवा तीर्थभ्यान पर परा से माने जाने वाले तीर्थस्थान a place traditionally regarded as sacred आया० २, १०, १६६, —सरणा स्त्री० (-सज्ञा) भतिजाना अणुधर्मना क्षयोप-समथी सामान्य ओध थाय ते-जेम जीमनी हेभाहेभीथी आवड नीसरणी पर यटे पय ते समजतो नथी डे लु डेना पर यटयो मतिजानावरण कर्मके क्षयोपशममे जो सामान्य बोव होता है वह-जेम दूसरेको देखादेखी में वच्चा निमरनी पर चटता है किन्तु उमे यह नहीं समझता कि वह किसपर चढा है ordinary knowledge arising on account of the subsidence and destruction of the Karma which obstructs Matipāṇa पञ्च० ८, —ओघस्सरा स्त्री० (-ओघ-स्वरा) यमरय या राजधानीना देवताते संदेशो पोवाडनारी घटा चमर चचा नामक राजधानी के देवों को मदेश जिसमें पहुंचाया जाता है वह घटा a bell by which

messages were communicated to the deities of the Chamara Chanchā capital. जं० प० ५, ११६.
ओचार पु० (अवचार) धान्यतो लाभो धान्य-
 धान्य का लवा कोठा. A granary or
 store-house of grain, somewhat
 elongated in shape अणुजो० १३२;
ओचूलश्च न० (अवचूलक) लगाम, योद्धे
 लगाम A bridle, reins "ओचूलमुह
 चडाधर चामर धामक परिमडिय कडिण"
 विवा० २ ज० प० ३, ६१;
ओच्छाहिश्च त्रि० (उत्साहित) उत्साह-
 वत् इरेषु वप्ताय इरी उत्साह यद्यपेव
 उत्साहित कियाहुआ; उपदेश देकर उत्साहित
 किया हुआ Encouraged; enliven-
 ed with applause पि० नि० ४६५;
ओजः न० (ओजम्) शक्ति, ताकत बल;
 शक्ति Strength, power, vigour
 पण० २, २
ओठ्ठ पु० (ओष्ठ) ओष्ठ A lip
 अणुजो० १३; १२८ १३१; नाया० ८
 ज० प० पञ्च० २, राय० १६४; विवा० २
ओणमंत व० कृ० त्रि० (अवनमन)
 नीचे नमत्तुं नीचे नमाहुआ Bending or
 inclining low ओष० नि० भा० २१२;
ओणथ त्रि० (अवनत) वांङ्मु वणेषु, नीचे
 नमेषु. नीचे नमा हुआ. Bent low,
 inclined low: curved सु० च० १,
 ३८२, नाया० १; ओष० नि० २२३;
ओ-तर धा० I, II (अव+तृ) आध-
 ण्य नाभ्युं उभेयुं आवन रखना;
 डालना To add to, to put or
 throw into boiling water (२)
 उतरवु उतरना to descend
 ओयरई पि० नि० ३८८,
 ओयरंत पि० नि० ५१८;

ओयारिया प्रे० सं० कृ० दम० ५, १, ६३;
 ओयारमाण प्रे० व० कृ० आया० २, १, ६, ३५;
ओतार पु० (अवतार) प्रवेश इरेषो, अंर
 उतरवु प्रवेश करना To enter, to
 descend into विशेष १०४०;
ओतिरणा त्रि० (अवतिर्ण) पार उतररेषो
 पार पामेरेषो पार उतराहुआ पार पाया
 हुआ (One) who has crossed
 or reached the opposite side.
 उत्त० ५, १४; १०, ३२;
ओदण पु० (ओदन) भात, राधित-ओणा
 भात, पके हुए चामल. Cooked rice
 जीवा० ३, २; भग० ५, २. उवा० १, ३५;
 पचा० १०. ३७
ओधारणी त्वा० (अवधारणी) निश्चय-
 धारिणी (भाषा) निश्चय कारक भाषा
 Decisive speech. दम० ७, ५४,
 ✓ **ओ-पड** धा० I. (अव+पन) नीचे पडवु
 नीचे गिरना To fall down, to come
 down
 आवयइ. भग० ३, २;
 आवयति विशेष १४६.
 ओवयंत आया० २, १५, १७६; नाया०
 ६, काप० ३, ३७, ५, ६६.
 ओवयमाण व० कृ० नाया० १, ६; भग०
 ११, ११, राय० ७२-ज० प० ५, ११५.
ओप्पाइय त्रि० (ओत्पानिक) उत्पात
 संधी उत्पात सम्बन्धी Relating to
 the fall of a meteor or a con-
 flagration etc सू० १, १२, ६
ओवद्धश्च त्रि० (अवबद्धक) अभु-
 समय सुधी डोर्छनी पात्रणीमा आवेव.
 परवय अमुक समयतक किमी के बन्धन में
 आया हुआ, परार्धन. Bound down
 for a time-dependent प्र० १६८

ओभट्ट त्रि० (*) मागेक्षु, यायेक्षु मागा
हुआ Asked, begged, solicited
ओघ० नि० १४७,

ओ-भम घा० I (अव + भम्) इरु लभुं
फिरना, भटकना, भमना To wander,
to roam

ओभामेइ प्रे० राय० २३६,

ओभावणा त्री० (अवभावना) उपहास,
हेलना भक्षुक्षी उपहास, अवहेलना, हसी
Ridicule, insulting, disrespect-
ful joke ओघ० नि० भा० ८१, प्रव० १६३,

✓ ओ-भास घा० I, II (अव-भाप्) यायवु,
नातार पासे मागवु दाता के पास से मागना,
याचना करना To beg to solicit a
favour

ओभासिज्ज आया० २, १, ५, ३०,

✓ ओ-भास. वा० I, II (अव + भास्)
प्रकाश यवु, यलकाट इरेवा प्रकाशित होना,
चिलकाहट करना To shine, to glitter
ओभासति राय० २७०,

ओभासइ सू० प० १, राय० १२०, ठा० २, २,

ओभासइ भग० १, ६,

ओभासति सू० प० १८, भग० ७, १०, ८,

८, १४, ६ ज० प० ७, १३७,

राय० २७०,

ओभास पु० (अवभास) ६५भा भाडाग्रहनु
नाम ६५वे माहग्रह का नाम Name of
the 65th planet, सू० प० २० ठा०
२, ३, (२) प्रभा आड प्रभा, गाई
light, lustre, brillance आव०

ओभासिय त्रि० (अवभावित) यायना इरेव;
मागीदीधेव मागकर लिया हुआ, याचित
Begged, solicited, got by
solicitation ओघ० नि० ३१३

ओम त्रि० (अवम) उल्लु, ओल्लु न्यून,
अधुइ कम, अधूरा, न्यून Less falling
short पचा० १६, १६ उत्त० २६, १५,
३०, १५, ३२, १२, पि० नि० ६४३, पि०
नि० भा० ४५, (२) दुकाव, दुर्भिक्ष
अकाल, दुष्काळ, दुर्मित्त famine, scar-
city, dearth of food “ जोवासु
कहवि ओमे ” पि० नि० २२०, (३)
असा, तुइ अमार, तुच्छ, सार रहित,
हीन worthless, unsubstantial.
उत्त० १२, ६, आया० २, २, ५, १४६.
ठा० ४, ४, — (मो) उयरण न०
(-उदरण = उदर) उलोदरी तप, नित्य
भोराइथी ओल्लु आनुं ते उनोदरी तप,
नित्यके भाजन के परिमाण से कम भोजन
करना the penance consisting
in eating less than one's fill
“ ओमोयरण पचहा ” उत्त० ३०, १४,

— (मो) उयरिअ न० (-उदरिक)
दुकाव, दुर्भिक्ष अकाल, दुष्काळ famine
scarcity of food ओघ० नि० ७,

— उयरिया वी० (-उदरिका - अवम न्यून-
मुदरं यस्या सा तथा) उलोदरी तप, ७
आल्लु तपमानुं थील्लु उनोदरा तप ब्रह्म
प्रकारके बाह्य तपों मे से दूसरा तप eating
less than one's fill, the 2nd of
the six external penances
“ अणसण ओमोयरिया भिक्खायरिया ”

ठा० ६, १, मग० ७, १, आया० १, १, ४,
१५६, १, ६, २, १८३, —कोठया श्री०
(-कोठता) भादी पेट. माली पेट.
emptiness of stomach. “आहरस-
पुगणा समुप्पज्झ तंजहा ओमकोठयाए ”
ठा० ४, ४, —चेल त्रि० (-चेल) प्रभा-
ण्थी ओमन्था वस्त्र राभना प्रमाण से कम
वस्त्र रखनेवाला (one) having less
than the permitted number
or quantity of clothes आया० १,
७४, २१२, —चेलग पु० (-चेलक—
अवमान अमारणि चेलानि यस्य सः)
दुष्टा अने जुना वस्त्र पहनेवाले कम आर
जुने वस्त्र पहनने वाला मेले वस्त्रों वाला
one shabbily dressed; one put-
ting on short and old gar-
ments उत्त० १२, ६; —चेलिअ त्रि०
(-चेलिक) लुण्ठो “ओमचेल” शब्द
देखो “ओमचेल” शब्द vide “ओम-
चेल” “अदुवा मतदुत्तरे अदुवा ओमचे-
लए अदुवा एगामडे” आया० २, ५, २,
१४६, —रत्त पु० (-) क्षय तिथि;
धृष्टे तिथि क्षय तिथि, घटी हुई तिथि
a lunar day beginning and
ending without one sunrise or
between two sunrises ओष० नि०
२८५, —राइणिअ पु० (-रात्निक)
दीक्षायै न्दाने (साधु) दीक्षा की अपेक्षा
छोटा (साधु). : Sādhu junior in
point of Diksā or entrance in-
to the religious order. ठा० ४, ३;

ओमंथिय त्रि० (अवमस्तक) नीयुं भस्तक

इरीते ओडेव मस्तक नीचा करके बैठे हुआ
Sitting with the head bent on
low “नो कप्पड निग्गथीए ओमंथियाए ”
वेय० ५, २६; विवा० २, निर० १, १,
ओमच्चय त्रि० (अवमत्यय) आहारने ओडे
दोष आहार का दोष A fault con-
nected with food पचा० १३, ८,
ओमत्त न० (अवमत्व) ओमन्थापणु हीनत्व
ओड्यापन Scantiness, paucity
राय० २६०, पचा० १५,

✓ओ-मा धा० I (अव+मा) हाथ वगेरे-
थी लग्गु, लग्गु इत्थी हाथ वगेरह से
नापना-मापना To measure with
the hand etc, to take measure-
ment

ओमिणिज्झ क० वा० अल्लुओ० १३३;
ओमाण न० (अवगान) क्षेत्रादिक्षेत्री लग्गु
क्षेत्रादिकी माप Measurement of
area etc ठा० २, ४

ओमाण पु० (अपमान) अपमान, मान-
लगा, अनानदर. अपमान, मानभंग, अनादर
Insult, disrespect, affront “भि-
क्खालसिएएगे एगे ओमाणभीरुए ” उत्त०
२७, १०

ओमिणण न० (अवमान) पोअणु पौखना
A particular ceremony by
which a bridegroom and a
bride are greeted at the en-
trance of a house पचा० ८, २५.

✓ओ-मुंच धा० I, II (अव+मुञ्च्)
मुड्डुं, छोड्डुं छोडना To release, to
abandon

ओमुयड कप्प० ५, ११४,

ओमुद्गता काप० ५, ११४,

ओमुद्ग त्रि० (अवमूधक) उधु मस्तक
इरेल ओधा मस्तक किया हुआ (One)
with the head touching the
ground and legs thrown up,
on wards the heels over head
“ ओमुद्गता धरणितलं पडति ” सूय० १,
५, २, १६

ओमुय न० (उत्सुक) अगारे अलते
डोअमे अंगरा जलता हुआ कोयला A
burning charcoal आघ० नि० २७४,
✓ ओय धा० I (अव + लोक्) नीलावतु,
नेवु देखना To observe, to see,
to mark

ओयड विशेष० ७६८,

ओय न० (ओजस्) विपम सख्या, नेवी डे-
ओड, त्रय, पाच वगेरे विपम सख्या जेम
कि एक, तीन, पाच, सात वगेरह Any
odd number e g one, three
five etc पि० नि० ६२६, भग० २५, ३,
(२) त्रि० निष्ठित्यन, निष्पगिद्धी परिग्रह
रहित having nothing, keeping
no possession of property सूय० १,
१४, २१, (३) गण द्वेपथी गलित, उर्म
भक्ष गलित-शुद्ध राग द्वेपमे रहित, कर्म मल
रहित devoid of attachment or
malice, devoid of the mud of
Karma आया० १, ५, ६, १७०, १, ७,
१, २२२, सूय० १, ४, २, १, (४) पु०
अय उत्पन्न यतावेत प्रथम आहार ग्रहण
करे ने. मातातु रेतस् अने पितात वीर्य
जीव उत्पन्न होतेही प्रथम जो आहार ग्रहण
करता है वह, माता का रक्त और पिता का
वीर्य the first food of the soul

or sentient being immediately
after becoming quick viz
the semen of the parents सूय०
२, ३, २१, तदु० १६, पत्र० २८, प्रव०
१३७५, (५) तेज, प्रकाश तेज, प्रकाश
lustre, light सू० प० १ — आहार
त्रि० (-आहार) ओज आहार वाला
ओज आहार वाला (one) whose
food consists of invigorating
substances प्रव० ११६५,

ओयसि त्रि० (ओजस्विन्) मनोअववाधु
मनोवल वाला Powerful, possessed
of great will-power भग० २, ४
नाया० १,

ओयण पु० (ओदन) अथेला ओण्णा, भात
भात, सिमाये हुए चामल Cooked rice
प्रव० २०८, आया० १, ८, ४ ४, पि० नि०
भा० ३, पचा० ५, २७, उवा० १०, २७७, ओघ०
नि० भा० ३०७, विशेष० ३०२७, उत्त० ७ १

ओयरण न० (अवचरण) पाछु इरतु, पाछु
हटतु पीछे फिरना, पीछे हटना Retreat-
ing retracing one's steps विशेष०
१२१०,

ओयरण न० (अवतरण) उपस्थी इतरतु,
डेडे जय ऊपर मे उतरना, नीचे जाना
Descending, getting down पि०
नि० ६८, ३६३,

ओयव वा० II (साधु) साधु, सर
इरतु साधना, जीतना To accomplish,
to subdue

ओयवेह ज० प०

ओयवेहि आ० ज० प०

ओयवेत्ता म० ऊ० ज० प०

ओयास्सि. त्रि० (ओजस्विन्) जुओ “ ओ-
यसि ” शब्द देखो “ ओयंसि ” शब्द
Vide “ ओयंसि ” आया० २, २, १, ७१,

ओयाय त्रि० (अवयात) प्राप्त करेवा प्राप्त
क्रिया हुआ (One) who has reach-
ed, (one) who has got or
obtained ‘महामिलाकंटयसगाम ओयाए
पुरआ य से सके ’ भग० ७, ६,

ओयार पु० (अवतार) समावेश, अंतर्भाव
अंतर्भाव Inclusion, state of being
included विशेष० ५५१,

ओरस पु० (औरस्य) अग जन्त पुत्र, दत्त
नदि ते ओरस पुत्र A son born of
one's loins; a legitimate son
सूय० १, ६, ५ उक्त० ६, ३,

ओरस्स त्रि० (औरस्य) छाती सम्बन्धी
(हिम्मत) छाती सम्बन्धी (हिम्मत, धैर्य
आदि) (Anything) connected
with the breast i. e. courage,
bravery etc पि० नि० ४६२,

ओराल त्रि० (उदार) उदार, प्रधान उदार,
प्रधान, बड़े दिल का Generous, ex-
tensive. prominent. काप० १, ४,
नाया० १, भग० २, १; १६, ६, (२)
स्थल भेड़ो. मोटा, बड़ा. bulky, large
in size उक्त० ३६, १०७, (३) औदा-
रिक् शरीर-पाच शरीरमानु ओड औदारिक
शरीर; पाच प्रकार के शरीरों में से एक प्रकार
का शरीर. the external physical
body, one of the five bodies
क० ग० १, ३३, पि० नि० ६७, —सरीर
न० (-शरीर) औदारिक शरीर; प्रधान
शरीर औदारिक शरीर; प्रधान शरीर the
external physical body. the

prominent body ओघ० नि० २२४,
ओरालिय पु० न० (औदारिक) औदारिक
शरीर, मनुष्य अने निर्ययनु स्थल शरीर
औदारिक शरीर, मनुष्य और निर्ययन का
स्थूल शरीर Audārika body, the
external physical body of
human and sub-human beings.

(२) त्रि० औदारिक शरीरवाले. औदारिक
शरीरवाला possessed of Audārika
body अणुजो० १४५, क० व० २, ७२,
ओव० ४२, भग० १, ७; ८, १, पञ्च० १२;
विशे० ३७५, ३३३३, —पोगलपरियट्ट
पु० (-पुद्गलपरिवर्त्त) औदारिक पुद्गल
परावर्तन-लोडना तमाम पुद्गलोने ओड
अणु अणु वपतमा औदारिक शरीररूपे
अणु अणु पण्डितानी पुरा करे तेओ
वपत औदारिक पुद्गल परावर्तन-दुनिया के
तमाम पुद्गलों को एक जीव जितने समय में
औदारिक शरीररूप से ग्रहण कर के परिणमित
कर के पूरा करे उतना समय time
taken by the soul in embody-
ing within itself all the mole-
cules of matter that consti-
tute the Audārika body भग०
१२, ४, —मसिग पु० (-मिश्रक) वैदिक
आदि साथे मिश्रित थयेव औदारिक शरीर-
योग वैदिक आदि के साथ मिश्रित आदा-
रिक शरीर-योग, connection of the
Audārika body with other
kinds of bodies, such as Vai-
kriya body etc and its activity
in that mixed condition भग०
२५, १. —सरीर. न० (-शरीर) औदा-
रिक् शरीर, हाड मांसवातु शरीर औदारिक
शरीर, हाड मांसवाला शरीर the ex-

ternal physical body of flesh and blood नाया० २, —सरीरकाय-जोय पु० (-शरीरकाययोग) औदारिक शरीररूप कायानो जोग-प्रवृत्ति औदारिक शरीररूप कायाकी प्रवृत्ति activity of the external physical body भग० २५, १, —सरीरत्ता छी० (-शरीरता) औदारिक शरीरपण्य औदारिक शरीरपना state of being or having the external physical body भग० २५, २,

✓ओर्ध्वभिया अ० (अवर्धय) अटका दीने, जोधीने रोक् कर Having confined or pent up, having obstructed “ जायतेय समारभे वह ओर्ध्व भिया जणा ” दसा० ६, ४, सम० ३०,

ओरुध्ववाण व० कृ० त्रि० (अवर्धमान) रोक्यामां आवतो, अटकाव्यामा आवतो रोक्या हुआ Being obstructed or checked उत्त० १४ २०

ओरुहण न० (अवरोहण) नीचे उतरवु नीचे उतरना Coming down act of descending विशे० १२०८,

ओरोह पु० (अवरोध) अतपुत्र, जनान-आनु अतःपुर, जनानखाना A harem a woman's inner apartment नाया० ८, १६, उत्त० ६, ४ २०, ५८, विवा० २, १, १५० नि० १२७, (२) दरवा-जनी अदरतो अवातर डोहो दरवाजे के भातर का कोठा an inner apart-ment of a house आव०

ओरोहिया छी० (अवरोधिका) अतपुत्रा रहनेवा (स्त्री) अत पुर मे रहनेवाली (स्त्री) A woman who stays in a harem, a woman विवा० ६

ओलवणदाव पु० (अवलवणदाव) आलव-

थी आवेयो दीवो लटकेतो दीवो लटकता हुआ दीपक, माकल मे बवा हुआ दीपक A hanging lamp भग० ११, ११,

ओलविय त्रि० (अवलवित) धेरी आधी लटकावेन रस्सी बाव कर उम स लटकाया हुआ. Kept suspended on or with a rope “ इम ओलविय करेह ” स्य० २, २, ६३, आव० ३८,

✓ओ-लग. वा० I (अव + लग्) स्थापित करवु, जोडवव रचना करना, स्थापित करना To compose, to arrange ओलयति नाया० ८.

ओलित्त त्रि० (अवलित्त) छाण पगेरेथी लिपी मुअ अथ डरेल गोबर आदिमे छाव कर मुह बंद किया हुआ With the mouth (e g of a pot etc) stopped with cow-dung. भग० २, १, ६, ५, वेय० २, ३, ठा० ३, १, (२) लेपायेन अरुथयेन खरडाया हुआ Smeared, bespattered आया० २, १, ७, ३८,

ओलुग त्रि० (अवलुग) भादो, आनि पायेन बीमार, ग्लान Diseased, sickly, fatigued निर० १, १, विवा० २, भग० ६, ३३ नाया० १, —सरीर. पु० (-शरीर-अवलुग ग्लान दुर्बल शरीर यस्य सः) दुयता शरीरवायो भादो दुबले शरीर वाला, बीमार A man with a lean and sickly body विवा० २, नाया० १, निर० १, १,

ओलोडअ त्रि० (अवलोकित) जेथेलु देखा हुआ Seen, observed म्य० २, ६ ३४

✓ओ-लोय वा० I, II (अव + लोक्) जेवु, तपासवु देखना, खोज करना, जाच करना To see, to observe, to introspect ओलोडमाण भग० १०, १ नाया० १. ओलोयन नाया० १६

ओलोय. पु० (अवलोक) प्रकाश उज्ज-
याला, प्रकाश Light. परह० २, १,
ओवग्गाहिअ. त्रि० (औपग्रहिक) गच्छ
साधारण, ओडवानु नहि जो किसी अकेल
का न हो वह, गच्छ साधारण. Belong-
ing to a whole order or class
of persons jointly ओघ० नि० २३२,
(२) ६५-वाड्डी, आदि पाढीयारा साधुना
उपडग्गु. दट-लकडी आदि माधुके उप-
करण, जो थोड़े समय के लिये किसी गृहस्थी
से माग लिये जाते हैं (articles of
use) for an ascetic brought
from a householder for tempo-
rary use e g a stick etc उत्त०
२४, १३,

ओवच्चिय. पु० (१) त्रयु मन्डियवाधा
ज्वनी ओड ज्वत तीन इन्द्रियो वाला जीव
A three-sensed living being
भग० १५, १;

ओवट्ठणा स्त्री० (अपवर्तना) अपवर्तना
अपवर्तना Turning back; drawing
back क० प० ३, १०,

ओवट्ठिय. त्रि० (अपवर्तित) अपवर्तन
धरेल. अपवर्तन किया हुआ, लौटाया हुआ
Turned back, drawn back क०
प० २, २८

ओवट्ठि स्त्री० (अपवृद्धि) हानि हानि,
नुकसान 'Loss, decrease सू० प० १,

ओवण्हिय त्रि० (औपनिधिक) गृहस्थे
सभीपे आणुअ अन्नान्नि गवेपणा डरनार.
गृहस्थ द्वारा समीपमें लाये हुए अन्नादि की
गवेपणा करने वाला (One) who
searches for food brought to

him by a householder ओव० १६,
ओवतणी. स्त्री० (अवपातिनी) उपरथी
नीचे पाडवानी विधा ऊपर से नीचे गिराने
की विधा The art of making a
thing fall down from a high
place सू० २, २, २७,

ओवत्तिया सं० क० अ० (अपवर्त्य) अग्नि
उपर रहेला पात्रमाथी क्षर्त भीज पात्रमा
नाभीने अग्नि पर चटे हुए पात्र में से
लेकर दूसरे पात्र में डालकरेंक Having
taken out from a vessel which
is actually on the fire and
placed it in another vessel
(i e. food etc) दस० ५, १, ६४,

ओवमिअ न० (औपमिक) उपमावडे दश
वाय तेवु उपमा के द्वारा दिखलाया जा सके
ऐसा Capable of being shown
or indicated by a simile or
metaphor अणुजो० १३६, ज० प० २, १८,

ओवम्म न० (औपम्य) उपमान प्रमाण,
ओड वस्तुनी सरभाभणीथी थतु भीज सदश
वस्तुनु ज्ञान उपमान प्रमाण, एक वस्तुका
उपमा से होने वाला दूसरी वस्तुका ज्ञान
Argument from analogy, know-
ledge derived from analogy ओव०
४५, पञ्ज० २, ११, भग० ५, ४ अणुजो० १४७,

ओवम्मसच्च पु० (औपम्यसत्य) उपमा
सत्य जेम भेडोटु तवाव जेम डहे डे समुद्र
जेवु तवाव छे ते उपमा सत्य उपमा सत्य,
जैसे किसी बड़े तालाव को देख कर कहना
कि समुद्र के जैसा विशाल ताल है Truth
of the nature of that found in
similes, verisimilitude, e g

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) View
foot-note (*) p 15th.

comparing a big lake with a
१६.१ प्रव० ८६८,

श्रीवयण न० (अवपतन) पौ०पु०, ओवा-
रणा देवा ओवाग्ना लेना According
welcome or reception with a
particular kind of ceremony,
auspicious in its nature नाया०
१, (२) नीचे उतरनु, नीचे आवनु नीचे
उतरना, नीचे आना coming down,
falling down, descending भग०
३, २,

श्रीवरत्र पु० (अपवरक) ओरडा कोठडी,
कोठा A room, an apartment in
a house ओघ० नि० ४२१,

श्रीवसमिय न० (औपशमिक) उपशम सम-
झित, उदयमां आवेल मिथ्यात्व मोहनीय
कर्मनो नाश, अनं शेष रहेल मोहकर्मनो
उदय थाय ते-उपशम-ते वडे करायेलु ते-
औपशमिक उपशम सम्यक्त्व, उदय में
आये हुए मिथ्यात्व मोहनीयकर्म का नाश
और शेष रहे हुए मोहकर्म का उदय होना
उपशम कहलाता है इस उपशम द्वारा होने
वाला सम्यक्त्व औपशमिक सम्यक्त्व होता है
(Right belief) arising from
the destruction of actually
matured right-belief-deluding
Karma and the subsidence of
that which is still dormant
विश० ५२८,

श्रीवहित्र त्रि० (ओपधिक) पोताना दोपने
ढाकनार अपने दोष को ढाकने वाला
(One) who hides one's own
faults उक्त० ३४, २५. (२) कषायनि-
मित्तक कर्म कषाय नैमित्तिक कर्म an
action resulting from Kasāya
or moral filth ओव० ४१,

श्रीवाडित त्रि० (अवपाटित) विवाडेसु,
शीरेसु-दी-देा चीरा हुआ, चीरी हुई
Rent, torn ओव० ३८,

श्रीवात पु० (अवपात) पडवानु स्थान, डेस
वाडे तेदी भाडा वाली जमीन गिरने का
स्थान, खड़े वाली जमीन A place un-
safe on account of pitfalls ज०प०

श्रीवाय न० (अपपात) अभाडाअभाडी भाडा
वादी जमीन ऊची नीची-खड़े वाली जमीन
Rough, uneven ground दस० ५,
१, ४,

श्रीवाय (औपाय) उपाय-साधन सम्बन्धी
उपाय सम्बन्धी Relating to ways
and means उक्त० १, २८,—पव्वज्जा
(-प्रवज्या) गुरुसेवारूप साधनथी दीधेदी.
दीक्षा गुरु की सेवा रूप साधन से ली हुई
दीक्षा Dikṣā received on account
of service rendered to a Guru
ठा० ४, ४,

श्रीवायवंत त्रि० (अवपातवत्) नम्र, विनय
वान् नम्र, विनीत Mod-st, humble
दस० ६, ३, ३,

श्रीवित्र-य त्रि० (* परिकर्मित) सरणी
रीते गोहवेध, समारेध, जडेल समान रीत
से जमा कर रखा हुआ-रखा हुई, जडा हुआ
Duly arranged, properly set
right, mixed with ओव० ३१, नाया० १६,

श्रीवीलग त्रि० (अपवीडक) श्लीलने नि-
र्लज्ज करनार दूसरे को निर्लज्ज करने वाला
(One) making or causing an-
other person to be shameless
परह० १, ३,

श्रीस. पु० (अवश्याय) त्रेड, भारी जमीन-
माथी नीकणी तालुा डपर जमेस पाणीना
गिन्दु खारी जमीन से निकल कर घाम पर
जम हुए पानीके बिन्दु Drops of water

rising from salt ground and settling on glass आया० १, ७, ६, २२२; (२) अक्ष, क्षर. ओस. dew, fog उत्त० १०, २, दस० ४,

ओसकित्ता. सं० कृ० अ० (अवप्पक्कय) तड भेलववाने पाछा लुटीने मौका पाने के लिये पीछे हट कर Having retraced one's steps with a view to secure an advantage टा० ६, १,

ओसकरण न० (अवप्पक्कण) अमुद्ध कियातो जे समय नियमित होय ते पहेला तेनी शुरुआत करी, जेभ डे गोयगीने मध्यान्ह समय होय छना राखवाने वपते गोयगी जेव किसी क्रिया का जो नियमित समय हो उसके पहिले उसका आरम्भ करना, जैसे गांचरी (भिच्चा जाने) का मध्यान्ह समय होने पर भी भोजन बनने के समय गांचरी के लिये जाना Doing a thing before the time fixed for it; e g begging in the morning instead of at noon. पि० नि० २८५, ओघ० नि० भा० २१६;

ओसकिय सं० कृ० अ० (अवप्पक्कय) नीचे खसेडीने नीचे हटा कर Having drawn below आया० २, १, ७, ३८, दस० ४,

ओसकिया. सं० कृ० अ० (अपप्पक्का) लुओ ' ओसकिय ' शब्द देखो " ओसकिय " शब्द Vide " ओसकिय " दस० ५, १, ६३,

ओसरण त्रि० (.) अयस्य करवा लायक धर्म किया करवामा आणिस करनार, समयमां जेद धरनार. अवश्य करने लायक

धर्मक्रिया करनेमें आलस्य करने वाला; संयम करने में खेद करने वाला Lax, faint-hearted in the performance of religious ascetic duties भग० १०, ४, नाया० ५, १६, १६, ओघ० नि० भा० ४८, नाया० ध० (२) भुयी गयेद- इसाध गयेद गड़ गया हुआ, फसा हुआ entrap-ped; entangled plunged deep (e g in mud) परह० १, ४, ओव० ३८,

विहारि त्रि० (विहारिन्) शिथिल आचार वाला शिथिल आचार वाला (One) lax in ascetic conduct (२) रगध्याय आदि न करने नार स्वाध्याय आदि न करने वाला (one) neglecting scriptural study भग० १०, ४, नाया० ५, १६ नाया० ध० ओसरण अ० (-प्रायशस्) प्रायेदरी धण्ड करीने प्राय करके, अधिकतर Most probably mostly; to a great extent विशेष० २०७५; ओव० ३८ कप्प० ६, ६१, ज० प० २, ३६,

ओसन्न पु० (अवसन्न) लुओ " ओमरण " शब्द देखो " ओसरण ", शब्द Vide " ओसरण " क० गं० १, १३, प्रव० १०३,

ओसपिणी स्त्री० (अवसपिणी) दिवमेदिवमे उतरतो-वर्णुग धाट्टिमां लुनि पामतो डाल, दश डोडोडी सागरोपमप्रमाणे उतरतो जेड डालविभाग, उतरता छ आरा-पुराथाय-तेटले डाल दिन पर दिन कम होता हुआ -वर्ण गध आदिमें न्यून होता हुआ काल. दश कोडाकोडी मागरोपम प्रमाण उतरता-कम होता हुआ एक काल, उतरते छ आरे-पूरे हों उतना काल. The cycle of decrease, the era of decrease or

degeneration, equal to 10 x crore
x crore Sāgaropamas भग० २०,
८, अणुजो० ११५, १४५, नदी० १२ पञ्च० १२,
उत्त० ३४, ३३, ठा० २, ४, सू० प० ८,
कप्प० १, २, पचा० १६, ६, ज० प० २, १८,
—काल पु० (—काल) उत्तरतो क्षत्र
दश क्षेडा क्षेडी सागरोपम प्रमाणु क्षत्र
विभाग अवसर्पिणी काल, जिसमें दिनपरदिन
हीनता हो वह काल विभाग, दश कोटा कोटी
सागरोपम प्रमाण कालविभाग the era
of decrease or degeneration
equal to 10 x crore x crore Sāga-
ropamas of time ज० प० २, १८

✓ श्री-सम वा० I, II (उप + शम)
शांत, शान्तु शांत करना To calm to
appease

श्रीमामेहति प्रे० पि० नि० ३२६

✓ श्री-सर वा० I (उप + सृ) पाछा
हटवु, पीछा हटना To retreat, to
retrace one's steps

श्रीसरङ्ग प्रव० ५, ८८.

श्रीसारेङ्ग प्रे० निर्मा० २, ५०

श्रीसारत व० कृ० निर्मा० २, ५०.

✓ श्री-सर वा० I. (अव + सृ) विस्तार-
हटवो, प्रसारवु, लावु इतवु विस्तार करना,
प्रसार करना, फैलाना, लवा करना To ex-
tend, to spread to stretch
श्रीसारेङ्गा प्रे० अणुजो० १३८

श्रीसरण न० (अवसरण) आधुओनो समु-
दाय साधुओ का समुदाय A group of
assemblage of Sadhus पि० नि०
२२८ पचा० ६, ३१, प्रव० ५४५,

श्रीसाविय त्रि० (उपशमित) शांत ध्येय,
शांत वृत्तिवावु शान्त, शान्त वृत्तिवाला
Peaceful, calm minded
पि० नि० ३०२.

श्रीसह न० (औषध) औसड, मुह, दवीग,
भरी विगेरे दवा औषध, मोंठ, लोग, मिर्च
आदि दवा. A medicine, a drug
पचा० ६, २२, भग० २, ५ ७, १८, नाया०
५ ८, १३, १४, १६, ठा० ४, ४, ओव०
८१, उत्त० १६, ८०, ३०, १०, उवा० १, ५८,
पि० नि० भा० ८६, सु० च० ४, १००, विवा० १.
श्रीसहा स्त्री० (औषधा) पुष्कला विजय की मुख्य
रुजवानी का नाम The principal
metropolis of Puskalāvijaya
ज० प० ठा० २, ३,

श्रीमहि स्त्री० (औषधि) इत पाके त्यामुधी
गहनार वनस्पति, जुवाग, आन्नेर वगेरे
फल आनतक रहनेवाला वनस्पति ज्वार,
वाजरा आदि A class of plants
which live till the harvest
ripens e g crops of grain
उत्त० ११, २६, २०, ६ आया० २, १, १,
२ नदी० १८, सु० च० १, २३४, दम० ७,
३४ ज० प० २, ३३, पचा० ८, २६, चव०
६, ३३, भग० ७, ६, पि० नि० ८७ पञ्च०
१ नाया० १, मूय० २, २, ५६, प्रव० १५१
निमी० ४, २५ उवा० १, ५१, —गंध०
पु० (—गन्ध) औषधी गंध औषधी की
वास smell of a medicine नाया०
१७, —वीय न० (—वाज) औषधिता
शील औषधी के बीज seeds of me-
dicinal herbs निमी० १४, ८८,

श्रीसा स्त्री० (अवश्याय) ओस बेल आइव
आम, दुहिरा Dew, fog, hoar-frost
पञ्च० १, ओव० ४, ३

श्रीमाणा न० (अवमान) समीप, नज्द
समीप नजदीक In the vicinity of
near (२) अन्त, अवमान अत, अव
मान, मृत्यु death end मूय० ११८ ८,

ओसारिया त्रि० (अवसारित) अवसंश्रित,
उपरशी लटकता. अवलवित, लटकता
Remaining suspended from
above, hanging ओव० ३०;

ओसास पु० (उच्छ्वास) उये श्वास मुधवे
ते उर्द्ध श्वास लेना, ऊपर की श्वास लेना A
sigh, a heavy sigh अणुजो० १२८,

ओसिचित्तां त्रि० (अवसेक्तृ) छटनार.
छाटनेवाला, सींचनेवाला (One) who
sprinkles water etc. मृ० २, २, १८.

ओसित्त. त्रि० (अवमिक्त) सिंचेन, पक्षालेन;
भिजवेन भाजा हुआ, गीला; सींचा हुआ
Wet; damp. आया० २, १, १, १,

ओसेइम न० (उत्स्वेदिम) धोए आदि धो-
वानुं पाणु; धोवणु आटा वगैरह के धोने का
पानी Water with which flour,
rice etc are washed कप्प० ६, २५,

ओसोवणी स्त्री० (अवस्वापिनी) अवस्था-
पिनी निद्रा, अतिगह निद्रा बड़े भारी गह
निद्रा Very deep sleep, pro-
found sleep कप्प० २, २७,

ओह. पु० (ओघ) ससार समुद्र संसारहपी
समुद्र Ocean of worldly exis-
tence आया० १, २, ६, ६६, दस० ६,
२, २४, दसा० ५, २७; २८, मृ० १, ११,
१, (२) असयम असयम, संयम हीनता
absence of self-restraint. वव० २,
२३, (३) सक्षेप संक्षेप, थोडासा general
statement; brief outlines. ओघ०
नि० २, २१३, (४) समूह जत्थो. समूह
समुदाय a group, an assemblage.
उत्त० १०, ३०, २४, १३; ३२, ३३, ओव०
३४, नंदी० स्थ० ७; मु० च० १०, १६०,

ज० प० २, २१, १५) प्रवाह. प्रवाह
a current, a stream, a flow
उत्त० ५, १, विशेष० ११११, सम० प० २३५,
(६) समुच्चय. सामान्य समान्य समुच्चय
general or broad nature अणुजो०
१५४, पि० नि० २१६, पि० नि० ना० ३१,
ओव० नि० २, विशेष० ६५८; क० ग०
६, १३, —अणुवेहि त्रि० (अनुप्रेक्षिन्)
असयम सेवानी छ्वावादे। असयम स
रहने की इच्छावाला. (one) desir-
ous of leading a life of indul-
gence. वव० २, २३; —(हा) आदेश
पुं० (-आदेश) सामान्य प्रक्षर, द्रव्य
सामान्य सामान्य भेद, द्रव्य समान्य
general, broad nature, general
outline विशेष० ४०३; —नाण न०
(-ज्ञान) ओधिज्ञान ओधिकं ज्ञान
general knowledge know-
ledge of broad outlines विशेष०
४७१५; —सण्णा स्त्री० (-संज्ञा-संज्ञा-
यत्ते वस्त्वनयेति) सामान्य ओधि सामान्य
बोध general knowledge of an
object, knowledge or broad
outlines by perception etc
भग ७, ८; —सुय न० (-श्रुत) उत्सर्ग
श्रुत-शास्त्र उत्सर्ग शास्त्र. a scripture
named Utsargashāstra नदी० ३६

ओहंजलिया स्त्री० (-) चार छद्रिवाला,
छान्नी ओध जल एक चार इद्रियो वाला
जीव विशेष A kind of four-sensed
living being पञ्च० १,

ओहंतर. त्रि० (ओघन्तर-ओघं ससारसमुद्रं
तरितुं शील यस्य स) ओघ-ससार प्रवाहने

तरनार, ससार पारगामी ससार रूपी प्रवाह से पार जाने वाला (one) wishing to and possessing capacity to cross the ocean of worldly existence, emancipating from worldly existence सू० १, १, १, २०,

ओहट्टत. व० कृ० त्रि० (अपसर्पत्) छेदु, अलग रहेतु अलग रहनेवाला Getting aside, remaining apart सु० च० ११, ५५,

ओहय त्रि० (अवहत) छेदु, विनाश करेला मारा हुआ, विनिष्ट Killed, destroyed उवा० ८, २५६ नाया० ३, ओव० राय० २६३, ज० प० ३, ६६, कप्प० ४. ६२, विवा० ३, —मण (—मनस्) उत्साह वगरतु मन उत्साह रहित मन depressed, gloomy mind नाया० १, १४, १६; —मणसकप्प त्रि० (—मनःसंकल्प-अवहतो मनस संकल्पोयस्य स तथा) नष्ट तथा छे मनना (विद्वेषादि) सङ्कल्पो जेना ओये। संकल्प विकल्प रहित मनवाला, जिसके मन के संकल्प नष्ट हो चुके हैं वह free from doubts and misgivings of the mind नाया० १, ६, निर० १, १, निसी० ८, ११,

✓ओहर वा० I (उप+ह) स्थापन करतु स्थापन करना प्रतिष्ठित करना To establish to settle. ओहरइ नाया० १४,

ओहारेय स० कृ० अ० (उद्धृत्य) छेदरीने, अहार छेदने बाहिर निकाल करके. Having taken or drawn out (२)

वाकेशधने टेढा होकर, having bent low “अगणित सकिया गिसकिया ओहरिय आहट्टु दलपुजा” आया० २, १, ७, ३७, ओहरिय त्रि० (अवधृत) उतारेला, छेदु मुडेनुं, नीचे रखा हुआ, उतारा हुआ Taken down, placed down ओघ० नि० ६०६,

✓ओहा वा० I (अव+हा) द्रव्यलिग छोडी मैथुनादि असयम आदरतु, द्रव्यलिग छोडकर मैथुनादि असंयमो का ग्रहण करना To indulge in sexual pleasures etc in talk, imagination etc without actual deed

ओहायइ वव० ३, १८

ओहायमाण वव० ५, १४,

ओहायत ओघ० नि० १२४,

ओहाइय त्रि० (अवहीन) चरित सयमथी भ्रष्ट थयेला सयमभ्रष्ट, चरित्रभ्रष्ट (One) who has fallen off or lapsed from ascetic right conduct वव० ५, १४,

ओहाडणी स्त्री० (अवघाटनी) डभास अथ करवानी टाडी द्वार बंद करने की टाकी A contrivance to close a door ज० प० (२) पातला छोछनी गुथेदी ड्यासाडी विशेष पतली मलाइयो से गुथी हुई चटाई वगैरह a mat made of thin strips of wood knit together राय० १०८, जीवा० ३, ४,

ओहाडिय नि० (अवघाटित) आधेनु-ली-ले बाधा हुआ-हुई Fastened वय० १, १४,

ओहामिश्र त्रि० () तिरस्कार करेला तिरस्कृत, तिरस्कार कियाहुआ Slighted,

disdained ओघ० नि० भा० ६०.
 ओहार पु० (-) अयमो कछुवा. A
 tortoise पि० नि० ३३२,
 ओहारइत्तार त्रि० (अवधारयितृ) निश्चयकारि
 भाषा ओधन २ अयमाधितृ ११ मु स्थानः
 येनाः निश्चय कारक भाषा बोलने वाला,
 अयमावि के ११ वे स्थानक का मेवन
 करने वाला (One) speaking with
 decisiveness or self confidence,
 (one) resorting to the 11th
 source of Avamādhya सम० २०,
 ओहारिणी स्त्री० (अवधारिणी) निश्चयकारिणी
 भाषा, 'तु आमज इगीश' ऐवी ओझम-
 रूप वाला निश्चयकारिणी भाषा मैं ऐसा हा
 कर्मा ऐसे दृढ वक्ता decisive or
 positive speech e g "I will
 positively act thus." भग० २, ६,
 उत्त० १, २४ दस० ६, ३, ६, पञ्च० ११
 ओहारेमाण त्रि० (अवहरत्) हलाने.
 हिनाता हुआ Moving shaking
 नाया० १
 ओहावण न० (अवहापन) अपकीर्ति, अवह-
 लता अपकीर्ति, तदा Disrepute, dis-
 respect, dishonour पि० नि० ४८६
 ओघ० नि० भा० १००,
 ओहासिअ त्रि० (अवभासित) छिछेनु,
 प्रार्थनापूर्वक मागेनु इच्छित; प्रार्थनापूर्वक
 मागा हुआ Desired solicited
 आघ० नि० ५५६
 ओहि पु० (अवधि) छिद्योनी सदाय विना
 आत्मप्रकाशशी रूपि पदार्थोनु ल्हावु जान
 अवधिज्ञान, निश्चयप्रत्यक्षज्ञानतो ओड प्रकाश
 इन्द्रियोंकी विना महायता अत्म प्रकाश से

रूपि पदार्थों का होनेवाला परिमित ज्ञान,
 अवविज्ञान, विकलप्रत्यक्षज्ञान का एक प्रकार
 Direct, limited knowledge of
 matter without the help of
 the senses, merely by the light
 of the soul, a variety of limit-
 ed direct knowledge by occult
 powers क० प० ४, ४६, काप० २, १४
 उत्त० २८, ४, ३३, ४ भग० ३, १ १६,
 १, १६, १०, नाया० ८ ६, १३ नाया० ४०
 दसा० ५, २० ३० उवा० १, ३४, ८३, ८,
 २५५ २५६ क० ग० १, ४ १०, ४, १५,
 जं० प० ५, ११५, ५, ११२, २ ३३,
 (२) पञ्चवणाना तेनाशभा पदनु नाम डे
 जेमा अवधिज्ञाननु वर्णन छे पञ्चवणा क
 तेनामवे पद का नाम जिसमें कि अवधिज्ञान
 का वर्णन है name of the 3rd
 Pada of Pannavanā dealing
 with Avadhijñāna पञ्च० १, (३)
 अवधि, लक्ष मर्यादा अवधि, दृढ. सीमा
 limit, border मु० च० २, ५८,
 —विखत्त न० (-चित्र) अवधिज्ञानतो
 विषय अवविज्ञान का विषय an object
 of or subject-matter of Avadhi-
 jñāna विशेष० ५६१; —जुअ पु० (-युग)
 अधिज्ञान अने अवधिदर्शन ओ ओ प्रकृति
 अवविज्ञान और अवधिदर्शन ये दो प्रकृति
 the group of the two Prak-
 tis viz Avadhijñāna and
 Avadhidarśana क० प० ४, ८६
 —णारण न० (-ज्ञान) अवधिज्ञान-छिद्य
 अने मतना व्यापार विना मात्र आत्मरूपो
 निथी अमुक लक्ष्मा प्रत्यक्षरीते २० पीपदार्थोनु

आधुन ज्ञानना पीय प्रधारमानो त्रीने लेन
अवधिज्ञान-इन्द्रिय और मन के व्यापार के
बिना केवल आत्मज्योति से किसी हद तक
प्रत्यक्ष रीति से रूपि पदार्थों का जानना, ज्ञान
के पाच प्रकारों में से तीसरा प्रकार direct
knowledge of matter, within
a limit, without the help of
the senses and the mind,
merely through the light of
the soul, the third of the 5
kinds of knowledge, it is a
kind of knowledge by occult
powers “ एते केवलज्ञाणे दुविहे पन्नने
तज्ज्ञा ओहिनाणेचव ” ठा० २, अणुजो०
१०७, भग० ८, २, ६, ३१, ओव० १६,
४०, विशेष० ७२, —णाणपज्जव पु०
(-ज्ञानपर्यव) अवधिज्ञानने पर्याय
अवधिज्ञान के पर्याय a modification
of Avadhiññāna भग० २५, ४,
—णाणि पु० (-ज्ञानिन्) अवधिज्ञानवाले
एव अवधिज्ञानवाला जीव a soul pos-
sessed of Avadhiññāna भग० २६,
१, नाया० ८ ज० प० २, ३१, —दुग
न० (-द्विक) अवधिज्ञान अने अवधिदर्शन
अवधिज्ञान और अवधिदर्शन the pair of
two viz Avadhiññāna and Ava-
dhidaśana क० ग० ३, १८ ४ १७,
—मरण न० (-मरण) अवधि मरण,
ऐक्य आर ऐक्य गतिना आयुष्यता दलिया
भोगवी भरी दूरी तेवा दलिया भोगवीने भरे
ते अवधि मरण, एक बार एक गति के
आयुष्यके दलिया-समूह भोगकर मरनेपर फिर
वेसेही दलिया-समूह भोगकर मरना death
after a repetition of the ex-
periences of a former birth
‘ ओहीमरणेणभन्ते ’ भग० १३, ७, सम०

१७, प्रव० १०२३ —लंभ. पुं० (-लम्भ)
अवधिज्ञानने लाभ-प्राप्ति अवधिज्ञान की
प्राप्ति attainment of Avadhi-
ññāna क० प० ४, ८२, —लद्धि स्त्री०
(-लब्धि) लुओ “ ओहिलभ ” शब्द
देखो “ ओहिलभ ” शब्द vide “ ओहि-
लभ ” क० प० ६, ११,

ओहिजलिया स्त्री० (अवधिजलिका) योद्ध्रिय
एव विशेष चार इन्द्रियों वाला जीव विशेष
A kind of four-sensed living
being उक्त० ३६, १४७,

ओहिदंसण न० (अवधिदर्शन) द्रव्य क्षेत्र,
क्षेत्र, लावनी मर्यादायी रूपि पदार्थोंने लेवुं
ने अवधिज्ञाननी पहुँचा थाय छे ते
द्रव्य क्षेत्र, काल, भावकी मर्यादासे रूपि
पदार्थों को देखना, जो अवधिज्ञान के पूर्व
होता है वह Direct perception of
matter limited as to subject
matter, place, time etc with
the help of the senses (This
state precedes Avadhiññāna)
जीवा० १. भग० २, १०, ८, २, सम० १७,
दसा० ५, २२, —आवरण पुं० (-आव-
रण) दर्शनावरणीय कर्मने ऐक्य प्रकार ने
अवधिदर्शनने रोके छे दर्शनावरणीय कर्मका
एक प्रकार जो कि अवधिदर्शन को रोकता है
obstruction of Avadhiññāna
caused by the use of Daśanā-
vartanīya Karma उक्त० ३३, ६, पन्न०
२३, ठा० ६, १, सम० १७, —पज्जव. पु
(-पर्यव) अवधिदर्शनना पर्याय अवधि-
दर्शन के पर्याय a modification of
Avadhiññāna भग० २५, ४,

ओहिदंसणि त्रि० (अवधिदर्शनिन्) अधि
दर्शनवाले एव अवधि दर्शन वाला जीव
A soul possessed of Avadhi-

dhāna भग० ६, ३, १३, १, ठा० ४, ४,
 ओहिनाण न० (अवधिज्ञान) अवधिज्ञान
 अवधिज्ञान Avadhiññāna भग० २,
 १०; ६, ४, ८, २, अणुजो० १, नदी० १,
 ठा० २, १, दसा० ७, १२, विशेष० ७९,
 —(ण) आवरण न० (-आवरण)
 अवधिज्ञानावरण, ज्ञानावरणीय दुर्भनी
 ओड प्रभृति अवधिज्ञानावरण, ज्ञानावरणीय
 कर्मकी एक प्रभृति Karma obscuring
 or obstructing Avadhiññāna, a variety of knowledge
 obstructing Karma सम० १७,
 —आवरणिज्ज पु० (-आवरणीय)
 अवधिज्ञानने आवरणार — ढाडनार ओड
 प्रभृति अवधिज्ञान को ढाकने वाली शक्ति
 a variety of Karma obscuring
 or hindering the attainment of
 Avadhiññāna भग० ८, ३१, ६, ३१
 —लद्धि छी० (-लब्धि) अवधिज्ञाननी
 लब्धि-शक्ति अवधिज्ञानकी शक्ति attain-
 ment of or faculty of having
 Avadhiññāna भग० ३, ६ —ल-
 द्धिया छी० (-लब्धिका) अवधिज्ञाननी
 लब्धि अवधिज्ञानकी शक्ति attain-
 ment of or faculty of having
 Avadhiññāna भग० ८, २;
 ओहिनाणि त्रि० (अवधिज्ञानिन्) अवधि
 ज्ञानवाले. अवधिज्ञान वाला Possessed
 of Avadhiññāna भग० ६, ३, ८, २;
 ओहिपद न० (अवधिपद) पञ्चवणसूत्रना
 तेरीशभा पदं नाम पञ्चवण सूत्र के ३३वें
 पद का नाम. Name of the 33rd

Padā of Pannavanā Sūtra
 भग० १६, १०,
 ओहिय. न० (अवधिक) अवधिज्ञान. अवधि
 ज्ञान Avadhiññāna. नाया० १,
 —णण न० (-ज्ञान) अवधिज्ञान
 अवधिज्ञान Avadhiññāna भग० २३, १;
 ओहिय-अ पु० (ओधिक) सामान्य;
 अविशेष समुच्चय सामान्य. समुच्चय
 General; common पत्र० २, जावा०
 २, भग० १, १, २, ८, ६, ४ २४, १
 १२: २३, ३१, ६, ४१, ५६, अणुजो०
 १४८, पत्र० १११३ —अणण (-अज्ञा-
 न) आधिष्ठ-समुच्चय अज्ञान विशेष
 अज्ञान, अविशेष अज्ञान absence of
 general knowledge; absence
 of broad comprehensive know-
 ledge. भग० ६, ४, —गमय. पु०
 (-गमक) जुओ उपलो शब्द देखो
 ऊपर का शब्द vide above भग० २४-
 १, —गम पु० (-गम) सामान्य पाठ,
 समुच्चय गमो-आवापो सामान्य पाठ;
 समुच्चय वर्णन ordinary reading
 of (scriptures etc). भग० ३१, १,
 —णण न० (-ज्ञान) समुच्चय ज्ञान
 समुच्चय ज्ञान. विशेष ज्ञान general, com-
 prehensive knowledge know-
 ledge of broad outlines भग० ६, ४,
 ओहरिमाण व० क० त्रि० (अपभ्रियमाण)
 थोड़ी थोड़ी निद्रा लेतो थोड़ी थोड़ी निद्रा
 लेता हुआ Dozing, taking a nap;
 slumbering भग० ११, ११, नाया०
 १ कप्प० १, ४.

क.

क त्रि० (किम्) प्रश्न अर्थभा वपराय छे,
डेणु, शु प्रश्नवाचक सर्वनाम, कौन, क्या
An interrogative pronoun
दस० ५, १, ६६, ८, २१; भग० २, १,
१०, ४, नाया० १, विशेष १२०,

कइ. त्रि० (कति) डेटला कितने How
many भग० १, १, २, १०, ३, ३, ६,
५, ४, ७, ६, १३, १, १६, ३, २०, ५,
नाया० २, विशेष ३७८ सु० च० ३, २१३,
अणुजो० ८७, सू० प्र० १, ठा० ४, २, क०
ग० ६, २, ज० प० ७, १५१, १५२, —
—किरिय त्रि० (—क्रिय) डेटली क्रियावाले
कितनी क्रिया वाला Of how many
acts भग० १६, १, —भाअ पु० (—
भाग) डेटलामे भाग कौनसा हिस्सा what
numerical portion विशेष ३७८,
—भाग पु० (—भाग) डेटलामे भाग
कौनसा भाग what numerical por-
tion भग० १, १, —संचिय त्रि०
(—सञ्चित) संख्याथी गणाय तेडला ओइ
सभये उत्पन्न थना नारकी वगेरे संख्या
द्वारा गिने जा सकैं, उत्तन एक समय में
उत्पन्न होने वाले नारकी वगैरह numeri-
cally calculable number of
Nārkis etc (hell beings etc)
born at a time ठा० ३, भग० २०, १०,

कइ पु० (कवि = कवते नव नव भणतीति
कवि) अर्थ गनावनार. इवि कविता
वनाने वाला, कवि, शायर A poet
सू० च० १, १३, अणुजो० १२८,

कइअ-य पु० (कयिक) आइक, भाइ
लेनार, भरीनार ग्राहक, माल लेने वाला,
खरीदार A buyer, a customer

उत्त० ३५, १४, वव० ७, १८. १६, भग० ५, ६,
कइत्थ त्रि० (कतिथ) डेटलामु, इध सञ्ख्या
वाणु. कितवा ?, कितनी संख्या वाला Of
what number or numerical
order ? विशेष ६१७,

कइयव न० (कैतव) छण, इपट, दल,
लुच्चाई छल, कपट, दभ, लुच्चाई
Fraud, hypocrisy विशेष २६८४,
सू० च० ८, ८५, प्रव० १६७, —परणात्ति
स्त्री० (—प्रज्ञप्ति = कैतवानि कपटानि नेपथ्य
भाषामार्गगृहपरावर्तादीनि प्रज्ञाप्यन्त याभि
स्ताः) वेप लापा वगेरे अइलापीने इपट
गणुवनार स्त्री भेष भाषादि बदल कर
कपट करने वाला स्त्री (a woman)
who deceives by change in
dress, speech etc तहु०

कइया अ० (कदाचित्) डेअ वअत. किसी
समय Sometimes. सू० च० १, १०६,
कइयावि. अ० (कदाचिदपि) डेअपणु वअते
किसी भी समय At any time
प्रव० ५३५,

कइर पु० (कदर) वृक्ष विशेष, वांसनी ओइ
अत वृक्ष विशेष, वामकी एक जाति A
kind of bamboo पन्न० १७, —सार.
पु० (—सार) आस अतना वृक्षनो मध्य भाग
वास जाति के वृक्ष का मध्य भाग the in-
terior of a tree of the bamboo
kind न० पन्न० १७,

कइलास पु० (कैलास = के जले लामो लगन
दीसियेस्य स कैलासः) गणुद्वीपना मेइ
परतने नैर्ऋत भुणु दालु समुद्रमा आवेइ
डैलास नामे अनुवेत धर नागराज देवताते
आवास परत जवुहीपके मेइ परतके नैर्ऋत

कोन में लवण समुद्रके बीच में कैलास नाम का एक पर्वत, जहा अनुवेलंधर नागराज देवता रहते हैं Name of the mountain abode of the Anuvelandhar Nāgarāja deities in the Lavaṇa Samudra in the South-western quarter of Meru mountain in Jambu Dvīpa जीवा० ३, ४, (२) देवास नामे अनुवेलंधर देवता. कैलास नामका अनुवेलंधर देव. an Anuvelandhara, god of the name of Kailāsa. (३) देवास नामे नन्दीश्वरद्वीपना अधिपति देवता कैलास नामका नन्दीश्वर द्वीपके पूर्वार्द्धका अधिपति देव the presiding deity of the eastern half of Nandīśvara Dvīpa by name Kailāsa (४) स्त्री० देवास नामे नागराज देवतानि गणधनि कैलास नामकी नागराज देवता की राजधानी the capital of the Nāga Rāja god, by name Kailāsa जीवा० ३, ४:

कडवय. त्रि० (कतिपय) कितने ? Some; several; a certain number नाया० ८, १२, सु० च० ३, १८१; १५, ६०, पि० नि० २२०; उवा० ७, १४, कडविया स्त्री० (कैतविका) डोखिथी भलि-यंध सुधीने हाथने भाग कुहनी से कलाई तक हाथका हिस्सा. The part of the arm from the elbow to the wrist. नाया० १;

कडविह त्रि० (कतिविध) कितनी तरहका ? Of how many kinds? भग० ८, १; २०, २०; २५, ५, अणुजो० १४४; जं० ५० ७, १२१,

कडह पुं० (कडु) अणुन्ती आंध वलै की

कूवड. A hump (on the shoulder of an Indian bull). नाया० १, ओघ नि० भा० ७७, प्रव० ८८७,

कडहि. पु० (ककुब्धत्) आंधवाणु अणु, अणुथो कूवड वाला बैल, साड A humped bull, a humped ox, humped अणुजो० १३१;

कओ अ० (कुतस्) साथी, क्याथी कहामे ? कैसे ? Whence ? by what means ? “ कओआयादिणु ” नाया० १२; “ कओड-वलद्धे ” नाया० १२; भग० १, ६, १७, १; १६, ३, २१, ८; २४, १, ३१, ४, ३५, १, ३६, १, नाया० ६; १२; ओघ० नि० ४७, उत्त० ६, ११, पञ० ११६;

कओ. अ० (क) क्या ? कहा ? Where ? “ कओ वयामो ” नाया० १४, जीवा० ३, २; कओहिंतो अ० (कुत) क्याथी कहा से ? Whence ? भग० २४, १३; जं० ५० ७, १३५;

कंक. पु० (कङ्क) पाण्डूने आशी रहेनार भासादारी ओड जतनु पक्षी पानी के आश्रय से रहने वाला एक जात का सामाहारी पक्षी An aquatic carnivorous bird, a heron भग० ७, ६; १२, ८, जीवा० १, ३, ३, सूय० १, १, ३, ३; १, ११, २७. अणुत्त० ३, १, ओव० १०, पञ० १: —उवम त्रि० (-उपम) इंडपक्षी समान इंडपक्षीने जेम गमे तेवो दुर्जर आला पया जल तेम जेते पक्षी जल ते कंक पक्षी जैसा, जिमे इम पक्षी के समान दुष्पार आहार पच जाता है वह like Kanka bird; (one) who can digest heaviest food like Kanka bird ठा० ४, ४, —गहणी स्त्री० पु० (-ग्रहणी-कङ्क. पाचविशेषस्तस्येव ग्रहणी गुदाशयो यस्य स तथा) तीव्रतर तथा

जुगलिया डे जेनी गुदा विष्टाथी. अरुण
नहि ते तीर्थकर या जुगलियां जिनकी कि
गुदा विष्टा से खराब नहीं होती any of
the Tirthāṅkara and Jugaliyās
whose anus is not bespattered
with excrements जं० प० २, २१,
ओव० परह० १, ४,

कंकड पुं० (कङ्कट) डवय, अमृतर कवच,
जिरह वस्त्र. An amour, mail
भग० ६, ३३, राय० १३०, ज० प० ओव० ३१;
कंकडइयं त्रि० (कङ्कटित) डवययुक्त, डवय
जडेस. जिरह वस्त्र से युक्त Equipped
with an amour. परह० १, ३

कंकडग न० (कङ्कटक) डवय, अमृतर कवच.
वस्त्र An amour, mail ज० प० १६७,
कंकण न० (कङ्कण) स्त्रीओने हाथमा
पड़ेरवानु ओड लूषणु, डंडशु स्त्रियों के हाथ
में पहिने का एक आभरण. कगन A
bracelet भग० ११, १२, ११.

ककावस पुं० (कङ्कावस) गांडवाली वनस्पति-
नी ओड जल गाठवाली वनस्पति की एक
जात A kind of bulbous vegeta-
tion पत्र० २,

कंकिलि पुं० (कङ्किलि) अशोक वृक्ष, आशो-
पाववनु ओड अशोक वृक्ष, आशापल्लव का
झाड़. Aśoka tree (२) तीर्थंकर जया
भीगने त्या अशोकवृक्ष थर्ह आवे ते; आड
प्रातिहासमानु ओड तीर्थकर जहा विराजते
है वहा अशोक वृक्ष उत्पन्न होजाता है; आठ
प्रतिहार्यों में से एक springing up of
an Aśoka tree where Tirthāṅ-
kara stays one of the 8 Pra-
tibhāṅyas प्रव० ४४६,

कंकलि पुं० न० (कङ्कलि) अशोक वृक्ष,
आशोपाववन अशोक वृक्ष, आशापल्लव The
Aśoka tree प्रव० १४६२.

कंकोल पुं० (कङ्कोल) ओड प्रक्षरनी वन-
स्पति एक प्रकार की वनस्पति A kind
of vegetation जीवा० ३, ४,

✓कंख. था० I, II (काच्) धृच्छु,
वाछु. चाहना; इच्छा करना To wish,
to desire.

कखइ. नाया० १६.

कखति ओव० ११;

कखेंति दसा० १०, १;

कंखपउस. न० (काक्षाप्रदोष) भगवतीसूत्रना
पड़ेला शतकना त्रीज उद्देशानु नाम डे जेमा
डाक्षामोहनीयना प्रश्नोत्तर डरेस छे भगवती
सूत्र के पहिले शतक के तीसरे उद्देशे का
नाम कि जिसमें आकाक्षामोहनीय के प्रश्नो-
त्तर किये गये हैं Name of the 31d
Uddeśa of the first Śataka of
Bhagavatī Sūtra dealing with
the questions and answers re-
garding the deluding Karma
of desire भग० १, १,

कखा छीं० (काङ्खा) अलिखाया, ध्यनी
धृच्छा, लोलतुं भीजु नाम. अभिलाषा,
द्रव्येच्छा, लोभ का अपर नाम Desire;
desire of wealth; a synonym
for greed सु० च० ६, ८०, सम० ५२,
भग० १२, ५, दसा० ४, ८४, सूय० १,
१५, १८, भग० १, १, उवा० १, ४४, प्रव०
२७४, ६४७,

कंखापदोस पुं० (काक्षाप्रदोष) ओटा मतनी
धृच्छा डरनी ते मिथ्यात्व मोहनीयने ओड
प्रक्षर मिथ्या मत की चाह करना, मिथ्यात्व
मोहनीय का एक भेद The desire for
false tenets, a variety of
Mithyātva Mohaniya भग० १, ६;
कंखि त्रि० (काच्छिन्) धृच्छना चाहनेवाला.
(One) who desires पि० नि० १६.

कंखिय त्रि० (काचित) ४४छेहुं, आशक्षित.
इच्छित, अभिलापित; चाहा हुआ De-
sired, longed for. नाया० ३; ८;
भग० १, ३, २, १; १०, ४, ठा० ३, ४;
दसा० ४, ८४, उवा० १, ८६;

कंगु स्त्री० पु० (कगु) ओ३ जतनुं धान्य;
अग. एक प्रकार का धान्य; कांग A
kind of corn (Panic seed)
भग० ६, ७, २१, ३, मूय० २, २, ११; ठा०
७, १, पत्र० १; पिं० नि० ६२४, प्रव०
१०१३;

कंगुलया स्त्री० (कंगुलता) ओ नामनी ओ३
जतनी पेक्ष इस नामकी एक जाति की
लता A kind of creeper of this
name पत्र० १;

कंगुलिया स्त्री० (~) लघुनीत अथवा
पडीनीत डरनी ते लघुनीत-लघुशंका या
बडी नीत-दीर्घशंका करना Passing of
urine, stool etc. प्रव० ४३६;

कंचण न० (काञ्चन) सोनुं. सोना, सुवर्ण
Gold विशेष० १८१६ ओव० १७, नाया० १,
भग० ६, ३३; उवा० २, १०१, प्रव० ४२३;
जं० प० ५, १२२, (२) डंयन नामनी
ओ३ पर्वत कंचन नाम का एक पर्वत. the
Kañchana mountain (३) डंयन
पर्वतना अविपति देवतानुं नाम. कचन
पर्वत के अविपति देवता का नाम name
of the presiding deity of the
Kañchana mountain जीवा० ३, ४;
—कोसी स्त्री० (-कोशी) सोनानी मूर्ति.
सोने की मूर्ति, सुवर्णकी प्रतिमा an idol
of gold. उवा० २, १०१. ज० प० ७
१९६; —खचिय. त्रि० (-खचित)

सोनाथी ७३६ सोनेसे जडा हुआ laid in
with gold. नाया० ३; —भिगार न०
(-भिङ्गार) सोनानी जरी सुवर्णकी काली
a golden kettle. नाया० १; —मणि-
रयणधूमियाग. त्रि० (-मणिरत्नस्तूपि-
काक—काञ्चनच मणयश्च रत्नानिच तेषां
तन्मयो वा स्तूपिका शिखरं यस्य) सोनु
मणि रत्न वगेरे युक्त जेनु शिखर छे ते
जिमका शिखर सुवर्ण, मणि, रत्न आदि से
युक्त है. with the crest or summit
full of gold, jewels etc राय०

कंचणउर. न० (काञ्चनपुर) डलिग देशनु
ओ३ प्रख्यात नगर कलिङ्ग देश का एक
प्रख्यात नगर Name of a famous
town of the country of Kalinga
पत्र० १;

कंचणकूड पुं० (काञ्चनकूट) डंयनकूट
नामनु त्रीज्ज योथा देवलोकनुं ओ३ विमान
कंचनकूट नाम का तीमरे चौथे देवलोक का
एक विमान. Name of a heavenly
abode of the 3rd and the 4th
Devaloka, ठा० ७; सम० ७, (२)
सोमनस वज्जारा पर्वतना सात कूटमातु
छट्टु कूट-शिखर सोमनस वज्जारा पर्वत के
सात कूटों में से छठा कूट-शिखर the 6th
of the 7 summits of the Soma-
nasa Vakhārā mountain. ज०
प० ४, ६५;

कंचणग पु० (काञ्चनक) नीलवत आदि
दश प्रलते पूर्व अने पश्चिम अने पासे दश
दश जेज्जने आतरे ओ नामना वीश
वीश पर्वत छ, ओउंदर २०० डंयन
पर्वत छे. नीलवत आदि दश हटों (ग्रगध

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vido
foot-note (*) p 15th.

जलाशयो-श्रीलों) के पूर्व और पश्चिम-दोनों ओर दस २ योजन की दूरी पर इस नाम के बीस २ पर्वत हैं एकंदर दोसौ पर्वत हैं One of the 200 Kanchana mountains (situated on the eastern and western sides of the 10 lakes viz Nilavanta etc) at intervals of ten Yojanas each, (each lake has got 20) जीवा० ३, ज० प० २८४, —पंचय पु० (-पर्वत) उत्तर ३३ क्षेत्रमां निजवंतादि ६६५ नी पूर्व पश्चिम आनुये २६६ पर्वत उत्तर कुरु क्षेत्रमे नीलवतादि हृदोके पूर्व पश्चिम की ओर का पर्वत one of the mountains on the eastern and western sides of the Nilavanta and other lakes in Uttara Kuru region ज०प० भग० १४, ८, जीवा० ३, सम० ५०,

कंचणा स्त्री० (काञ्चना) ओ३ स्त्री ३ जेना माटे युद्ध थयु हुतु एक स्त्री का नाम, कि जिसके लिये युद्ध हुआ था Name of a woman for whom a war was waged परह० १, ४,

कंचणिया स्त्री० (काचनिका) ३३६५ नी भाला रुद्राक्षकी माला A rosary of Rudraksa beads ओव० ३६, भग० २, १, (०) इयन पर्वतना अधिपति देवतानी राजधानिनु नाम कचन पर्वत के अधिपति देवताकी राजधानी name of the capital city of the Kanchana god जीवा० ३, ३,

कचीमेहला स्त्री० (काञ्चिमेखला) इन्द्रो३. कदोरा An ornamental waist-belt, जीवा० ३, ३,

कंचुअ पु० (कंचुक) येदी, डायदी श्रींगया, चोली A bodice (worn by women); an armour चड० प्रव० ५३७, (२) सर्पनी डायदी सर्प की काचली a slough or skin of a snake विशेष० २५१७, चड०

कंचुइ. पु० (कचुकिन्) ना०२; अंतपुर २६६. अत पुर का रक्षक दर्बान. An attendant on the women's apartments (२) सर्प सर्प. a serpent विशेष० २५१७,

कंचुइज्ज पु० (कंचुकीय) ना०२, द्वारपाल, अत पुरनी २६६. द्वारपाल, प्रतीहारी, अत पुर-कारक्षक A chamberlain, a door-keeper भग० ६, ३३, ११, ११, नाया० १; ओव० ३३, निमी० ६, २५, राय० २८६, —पुरिस पु० (-पुरुष) लुओ 'कंचुइज्ज' शब्द देखो " कंचुइज्ज " शब्द vide " कंचुइज्ज " भग० ६, ३३,

कंचुग न० (कचुक) येदी, साध्वीनेयन उपर धारण करवानु यस्त्र, डायदी चोली, साध्वी के वदन पर धारण करने का एक वस्त्र-काचली A bodice (worn by women), a piece of cloth worn like a bodice by nuns ओव० नि० २०१ ६७६

कंचुय पु० न० (कचुक) लुओ "कंचुअ" शब्द देखो " कंचुअ " शब्द Vide "कंचुअ उत्त० ६, २२, अत० ३, ८, भग० ६, ३३, नाया० १ (२) या६, रोमराज केश, रोमराजी, बाल हान. भत्त० ३०;

कंटक स्त्री० न० (कण्टक) येदी आवण वगेरेनी डोटी बेर ववूल आदि का काटा A hard thorn eg that of Babool etc ज०प० १, १०, दम० ६, ३, ६, —वांटिया

छी० (*) डांटांनी आड कांटों की वाड.
thorny fencing सूय० २, २, ५१;
कंटग. पुं० (कंटक) डांटे. कांटो A
thorn. राय० २६४; सूय० १, ४, १, ११;
जं० प० सु० च० ३, २१८; उत्त० १६, ५२;
जं० प० १, १०; दस० ६, ३, ६; —पह
पु० (-पथ) डांटावाणो रस्तो कंटक मय
मार्ग, कांटोंवाला रस्ता. a thorny path.
श्रोध० नि० ७८५;

कंटय-अ. पुं० (कंटक) डांटे; प्रतिस्पर्धी
काटा; प्रतिस्पर्धी, डाही. A thorn, a
a rival श्रोव० उत्त० २, २६, आया०
२, १, ५, २७; पि० नि० २००; ३३२,
जीवा० ३, १; ३, (२) विछिनो आंठडो.
विच्छू की डक. a scorpion's sting.
नाया० १; दस० ५, १, ७३; दसा० ७, १,
सम० ३४, आया० २, १३, १७२, उत्त० १०;
३२, भग० १, ६, प्रव० ४५२;

कंठ. पुं० (कण्ठ) गलु; डोड, डण्ड; ग्रीवा,
गर्दन गला; कठ; ग्रीवा, गर्दन. Throat;
neck भग० ६, ३३; नाया० १; दसा०
१०, १, राय० ८१; अणुजो० १३; १२८,
सम० प० २३७; उत्त० १२, १८, श्रोव० २७;
विशे० ३३५; गच्छा० १२२, जं० प०
५, १२१, —मणिसुत्त, न० (-मणिसूत्र)
डंढां पहरेवानो हीरानो हार गले में
पहिनने की हीरे की माला a diamond
neckless. कण्ठ० ३, ३६; —मुरवि.
पुं० (-मुरवि) सोनानी शुथेदी डंढी
सोने की गुंथी हुई माला-कंठी a gold
string used as an ornament
for the neck राय० १८३, —मुही
छी० (-मुखी) डंढी नल्ल रहेनारु

डोडडाना आकारतुं आबरण (मादलियुं)
कंठ के पास पहिना जानेवाला एक आबरण
(मादलिया) a neck-ornament
resembling a knob tied to a
string भग० ६, ३३. —विसुद्ध न०
(-विशुद्ध) थोड्या डंढी गानकरतुं सुंदर
कठ से गाना. singing in a clear
voice राय० —सुत्त न० (-सूत्र)
डोडमां पहरेवानो सोनानो दोरो गले में
पहिनने का सोने की लड़-झोर a gold
necklace, a gold string used
as an ornament for the neck
श्रोव० —सुत्तग पु० (-सूत्रक) लुओ
“कंठसुत्त” शब्द देखो “कंठसुत्त” शब्द
vide “कंठसुत्त” जीवा० ३, ३,

कंठगय त्रि० (कण्ठगत) डण्डे आवेन, गला
सुधी आवेन कंठतक आया हुआ, गलेतक
आया हुआ Come to the throat.
गच्छा० ५५; —पाण पुं० (-प्राण) डण्डे
आवेन श्वास, मरणतक डण्डे कंठतक आया
हुआ श्वास, मरणतक कण्ठ life breath
come to the throat गच्छा० ५५,
कंठाकंठि. अ० (कण्ठाकण्ठि—कण्ठे कण्ठे
गृहीत्वेतिश्रोगविभागात्) डंठे डंठे मलीने.
कंठ से कंठ मिलाकर. With necks
touching each other, neck of
one touching that of another
नाया० २;

कंठिया छी० (कण्ठिका कण्ठोभूषयतयाऽस्त्य-
स्यासा) डण्डी. कठी A necklace
जीवा० ३, ४, (२) डण्डे प्रदेश कठ का
हिस्सा a part of a neck गच्छा० १२४,
(३) अस्तकतुं पुं० पुस्तक का पुट्टा. a

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (-) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (-) Vide
foot-note (*) p. 15th.

cover of a book राय० १६६,
 कंठगय त्रि० (कण्ठोग्रक-कण्ठश्वासावग्रक
 श्रोत्कठःकण्ठोग्रकः) तीक्ष्ण स्वरवालो तेज
 कठवाला One of shrill voice ठा० ७,
 कण्ठेगुण पु० (कण्ठेगुण-कण्ठेगुण इव कण्ठे-
 गुण) ३९३ पहेरवानुं दोरा सरभुं आभरण
 गले में पहिनने का दोरे जैसा गहना a
 gold string used as an orna-
 ment for the neck पञ्च० ३, विवा० २,
 कंठेमालकत्रि० (कण्ठे मालकृत) ३९३ माला
 पहिरी छे जेले जिसने गले मे माला पहिनी
 है (One) who has put on a gar-
 land on the neck दसा० १०, १,
 कंड पु० (काण्ड) धनुष्य आण धनुष्य बाण
 an arrow प्रव० ८२६, क० प० १, ३२,
 भग० ७, १, जीवा० ३, ४, राय० २०४
 नाया० २, ८, (२) भाग, हिस्सा भाग हिस्सा
 a section, a part. (३) ओइ जतनी
 वनस्पति एक जाति की वनस्पति a kind
 of vegetation भग० २१, ४, (४)
 पृथ्वी के पर्वततो ओइ विभाग, जमीन के
 पहाडना थर पृथ्वी या पर्वत का एक हिस्सा,
 जमीन या पहाड का थर a section of
 land or mountain a layer of
 rock on land or on mountain
 अणुजो० १३४, ज० प० पञ्च० २, (५)
 अग्नीआरमा देवलोडनुं ओइ विमान ओनी
 स्थिति ओइवीस सागरोपमनी छे, ओ देवता
 ओइवीसमे पञ्चवाडीये श्वासोश्वास ले छे
 ओने ओइवीस हुनर वर्षे क्षुधा उपजे छे
 ग्यारहवे देवलोक का एक विमान इसके
 देवताओ की स्थिति इकवीस सागरोपम
 की होती है ये देवता इकवीस पञ्च
 मे श्वासोश्वास लेते हैं और इकवीस हजार
 वर्ष मे उन्हें भूक लगती है name of a
 heavenly abode of the 11th

Devaloka Its deities enjoy a
 life of 21 Sāgaropamas, breathe
 once in 21 fortnights and be-
 come hungry once in 21 thou-
 sand years. सम० २१; (६) उर्भना
 स्थिति स्थानडोना समूह कर्म के स्थिति-
 स्थानक का समूह. a collection of
 items of the different varieties
 of enduring Karma क० प० १, ८५,

कंडंत. त्रि० (कण्डयत्) आउनुं, उउतु
 कूटता हुआ, चूर करता हुआ. Pound-
 ing, e g. with a pestle पि० नि०
 ५७४, ओव०

कंडक न० (कण्डक) जुओ "कंडे" शब्द
 देखो "कड" शब्द Vide. "कड" क०
 प० १, ८६,

कंडग न० (काण्डक) डाड, पाथडो पड पर्व,
 थर, अस्तर A layer सूय० १, ६, १०;
 (२) आण बाण arrow राय० २५७, (३)
 सञ्जातीत सयमना स्थानडोना समुदाय अ-
 संख्य सयमके स्थानकका समूह collection
 of countless items of ascetic
 conduct पि० नि० भा० ६६, क० प० १,
 ४२, ४६, —हेइ त्रि० (अधस्तन) थार
 समयना स्थितिस्थानड समूह रूप उडडनी
 नीयेतु चार समय की स्थिति स्थानक समूह
 रूप पर्व नीचे का situated below
 Kandaka and equal to the
 duration of 4 units in a cer-
 tain stage क० प० १, ५०,

कंडय न० (काण्डक) डाडोना ओइ मद्धम
 भाग समयका एक सूक्ष्म भाग A very
 small division of time भग० ३, २
 (२) गक्षसनी सला आगडनुं यैत्यवृक्ष इ०
 नु आ० राजस की मभा के मामने का चैत्य

वृक्ष कंडक का फाड़ name of a Chaitya (garden) tree near the council-hall of demons. टा० ८, १;
 कंडरीय पुं० (कण्डरीक) भूलदेवनी
 सहायथी वनमां जता डोछ पुरुषनी अग्नि
 लक्ष्मनार ओड लुच्यो माणुस डे जेनी इथा
 उत्पातशी बुद्धि उपर द्वाविष छे मूलदेव
 की मदद मे वन के किसी प्रवासी पुरुष की
 स्त्री को लेजाने वाला एक लुच्चा मनुष्य, कि
 जिसकी कथा उत्पात की बुद्धि पर घाटत की
 है Name of a scoundrel who
 abducted the wife of a person
 travelling in a forest with the
 help of Mūladeva This story
 is narrated in connection with
 or to illustrate the variety of
 Buddhi or intellect known as
 Utpātikī पि० नि० ६६, नंदी० (२)
 पुष्कलावती विजयनी पुंडरीकिणी नगरीना
 महापद्मराजनी पद्मावती राजीना पुत्र,
 पुंडरीकनो न्दानो लाछ डे जे दीदा लछ,
 पाणलथी पतित थछ, संसारमां आव्यो अने
 तरतज भरखु पाभी नरडे गयो भोटो लाछ
 पुंडरीक डंडरीकनो उतारेल साधुवेप धेरी,
 साधुथछ, तणु दिवसमां भरखु पाभी, सर्वाथ
 सिद्ध विमाने पहोन्थो पुष्कलावती विजय की
 पुंडरीकिणी नगरी के महापद्म राजा की पद्मा
 वतीरानी का अगजात पुंडरिक का लछु आता
 जो कि दीजा ले फिर पतीत होगया और
 मसारी वन गया किन्तु शीघ्र ही मृत्यु पा
 नरक मे गया बडा भाई पुंडरीक, कंडरीक
 के उतारे हुऐ साधु भेष को पहन साधु
 हो तीन दिन में ही मृत्यु पाकर सर्वाथ सिद्ध
 विमान मे जा पहुंचा name of the son
 of Padmāvatī, queen of Mahā
 padma king of the city of

Pundarikinī belonging to the
 country Puskalāvati Vijaya.
 He was younger brother to
 Pundarika. He had taken
 Diksā but had again sinfully
 taken to worldly life. He imme-
 diately died and went to hell
 while Pundarika putting on
 the ascetic dress cast off by
 him became a Sādhu He too
 died within three days and
 reached the heavenly abode
 named Sāvātha Siddha
 नाया० १६,

कंडवा स्त्री० (कण्डवा) ओड जतनु वानिज
 एक प्रकार का बाजा A kind of musi-
 cal instrument गय० —कंडा स्त्री०
 (—कण्डा) ओ नामनु ओड पर्वग जतनु जाड
 इस नाम का एक पर्वग जाति का फाड़ A
 kind of vegetation of Paivaga
 sort. पत्र० १,

कंडिय त्रि० (कण्डित) आडेलु, छडेलु. कूटा
 हुआ पीसा हुआ Pounded with a
 pestle पि० नि० १०१,

कंडियायण पुं० (कण्डिकायन) वैशाली नगरी-
 थी अहमनु ओड उद्यान वैशाली नगरी के
 बाहर का एक बगीचा Name of a
 garden outside the city of
 Vaiśālī भग० १२, १.

कंडिल्ल पुं० (कण्डिल्य) डांडिल्य गोत्र प्रवर्तक
 ओड ऋषि कण्डिल्य गोत्र चलाने वाले एक
 ऋषि The name of the proge-
 nitor sage of Kāṇḍilya Gotra
 (lineage) टा० ७,

कंडिल्लायण पुं० (कण्डिल्यायन) ओ नामना
 ओड ऋषि इस नामके एक ऋषि. The

name of a sage. ठा० ७;

कंडु. पु० (कण्डू) लोढानुं वासश्च, तपो लोढे
का वरतन, तवा. An iron pan. ओव०
३८; (३) असनो रोग. खाज की विमारी
itches. नाथा० १३; भग० ७ ८,

कंडुइय. न० (कण्डूमत्) असवाणो
खुजलीवाला, खाज वाला. One having
itches. सूय० १, ३, ३, १३, भग० ७, ६,

कंडुग. पु० (कण्डक) अंगुलना असंख्या-
तमा भाग प्रमाण आकाश प्रदेश परिमित
धर्मना स्थिति स्थानकोनो समूह अंगुल के
असंख्यातवे भाग क बराबर आकाश परिमित
कर्म के स्थिति स्थान का समूह A collec-
tion of different varieties of
enduring Karmas equal to the
infinite part of an Angula
(measure of space) क०प० ३, ६,

✓कंडुय धा० II. (कण्डू) आल दरी,
अलेशयु खाज खुजाना, कुचरना To
scratch; to tickle, to remove
irritation of skin by scratching
कंडुयए आया० १, ६, १, २०,

कंडुइस्सामि नाया० २,

कंडुइत्ता स० कृ० नाया० १,

कंडुयमाण व० कृ० सु० च० ३, १३६,

कड्यावेइ क० वा० विवा० ६,

कंडुयण. न० (कण्डूयन) अलुयु, अरु-
यर उरवी खोदना, खट्टा करना Digging
पंचा० ४, २०,

कंडू स्त्री० पु० (कण्डू) यर, अलवाणी खाज
खुजाना, खजबाल Itching sensation.
नाया० ५, सूय० १, ३, १, १०,

कंडूइय न० (कंडूयित) अरु, यर खाज,
खुजली Itching sensation ज० प०
सूय० १, ३, ३, १३,

कंडूयग त्रि० (कंडूयक) अलवाणीनार

खुजाने वाला One who scratches to
remove an itching sensation
ठा० ५, १;

✓कंत धा० I. (कृत) छेदयुं छेदना To
cut (२) डालयुं कातना to spin
कताति. सूय० १, ८, १०,

कंतामि. पि० नि० भा० ३५, ज०प० ५, ११५,

कंत त्रि० (कान्त) मनोहर, शान्तिवानः
शोभायमान. मनोहर, कातिवाला, शोभित.
Charming, beautiful, lustrous.

“कंतपियदंसणा” नाया० १, ६, १४; भग०

२, १, ११, ११, १२, ६, ओव० ३२, ३६,

जीवा० १, दस० २, ३, सू० प० २०, सम०

प० २३५, ठा० २, ३, दसा० १०, १, सु०

च० १, ३५३, पञ्च० १७, १६; -उवा० ४,

१५४, ज० प० ५, ११५, कप्य० १, ८,

३, ३४, (३) धृतसमुद्रना देवातानुं नाम

धृत समुद्र के देवता का नाम. name of

the deity of Ghruta Samudra

जीवा० ३, ४; —रूच त्रि० (-रूप) सुंदर

रूपवाण सुंदर रूपवान beautiful, of

charming appearance. विवा० १,

२; —स्वर त्रि० (-स्वर-कान्त स्वरोय-

स्य स कान्तस्वरः) सुंदर स्वरवाणुं. सुंदर

कठवाला. of melodious voice

पञ्च० ३,

कंन त्रि० (कान्त-आक्रान्त) आक्रमण दरेक्ष
आक्रमण किया हुआ. Surmounted
सु० च० १, ३५३,

कंततर त्रि० (कान्ततर) अति सुंदर बहुत
सुंदर Very beautiful “एतोक्ततराण
चेवमणुणतराण चेव” राय० ५१, जीवा० ३,

कंता स्त्री० (कान्ता) सौंदर्यवाणी श्री रूप-
वान स्त्री. (A woman) possessed
of beauty भग० १५, १, नाया० १६,

कंतार पु० (कान्तार) अरुण अरुणी, गहन

वन. वन, जंगल; गहन वन A deep dense forest; the world. उवा० १, ५८; पंचा० ११, ११; नाया० २; १६; भग० २, १; ५, ६, उत्त० १६, ४६; २७, २; नंदो० ५७; सु० च० १, २; सम० १३; ओव० १०, ठा० २, २; महा० प० ३५; ओव० नि० ६८३, —भक्त न० (भक्त = कान्तारसरण्य तत्र भिन्नकाणां निर्वाहार्थं यद्विहितं तन् कान्तारभक्तम्) अष्टवीमा मुसाक्षरी इरता गरीभेते आपयते ओराड. जंगल में मुसाक्षरी करते गरीबों को दी जाने वाली खुराक food to be given in charity to the poor while travelling in a forest भग० ५, ६; ६, ३३, नाया० १ निर्मा० ६, ६; ओव० —चित्ति त्वा० (-वृत्ति) जंगलनी वृत्ति—निर्वाह व्यवस्था तो, जंगलमें प्राणधान्ड आपनि आनी पडे तयारे प्राण निर्वाह इरवे तो; छ आगारमाते ओड. जंगल में प्रवास कर वृत्ति—निर्वाह करना जंगल में प्राणोंत कष्ट आ पडे तब प्राण बचाना छः आगार में स एक. maintenance in a jungle while travelling. saving one's life when met with life-ending difficulty in the jungle. one of the 6 options (on the part of an ascetic) प्रव० ९५३.

कंति स्त्री० (कान्ति) तेज; इति प्रभा तेज, काति. शोभा; लावण्य. Lustre; beauty पण्ड० २, १; ओव० ३२; ३४, (२) शोभा प्रभा, सुंदरता. beauty, charm सु० च० २, ३४५;

कंतिस्त. त्रि० (कान्तिमत्) इन्तिवालो; इतिभात् लावण्यवाला प्रभावान् Lustrous; beautiful सु० च० ८; २४६;

कंतेस्त. पुं० (कान्तेस्त) मंडव गोत्रनी शाखा

मंडव गोत्र की शाखा A branch of the Mandava family. ठा० ७, १, (२) मंडव गोत्रनी शाखाभाते पुरुष मंडव गोत्र की शाखावाला पुरुष a person belonging to the above branch ठा० ७, १;

कंथग्र. पु० (कन्थक) जलपान धोडो डे ले तोपोना अवागधी पशु लडके नही कुलवान बोटा जो तोपोकी आवाजने भी न मडके. A horse of noble breed not terrified even by the explosions of guns उत्त० ११, १६;

कंथग. पु० (कन्थक) लुओ “कंथग्र” शब्द. देखो “कंथग्र” शब्द Vide “कंथग्र” उत्त० २३, ५८,

कंथीकय. त्रि० (कन्थीकृत) इन्था—गोदडीनी भाङ्ग धुआ थिगडा वासु कया—गोदडी के सदृश बहुतसे जोड़ (चिबे) लगेहुए (Anything) prepared with a good deal of patch-work विशेषे १४३६,

✓ कंद. धा० I (कन्द) आकन्दन इरवु २५३. इडगवु; थूभो भारवा वूम मारना, रोना आकन्द करना; शोर मचाना To cry, to weep. to shout

कंदइ आया० १, २, ५, ६४;

कंदिसु. आया० १, ६, १, ५,

कंदमाण. व० क० नाया० १ २; ६, १६;

भग० ६, ३३;

कंद पु० (कन्द) इन्डमूल, दुगदी, असलु, गाजर, गतागु वगैरे इन्डवादी साधारण वनस्पति कन्द नून, लहसन, गाजर, रतालु आदि कन्दवाली साधारण वनस्पति. Bulbous roots. bulbous vegetation i. e. garlic, carrot etc

जं० प० २, १६, ३. ६७ आया० २, ३, ३,

१२६; पञ्च० १, विवा० १, भग० ३, ४. १७;

१, २२, १, नाया० १३, १४, उत्त० ३६, ६८, निसी० ४, ५२, दस० ५, १, ७०, चड० २८, (२) आडनी मूल अने थडनी वर्येतेला भाग झाड के मूल और घड के मध्य का भाग. the part of a tree between the roots and the trunk जीवा० १, राय० १५५, भग० ७, ३, नाया० १५, पन्न० १, ओव० (३) डमलादिडनी मूल उपरनेला गोल भाग. the upper round portion of the lotus roots जं० प० —अहिगार पुं० (—अधिकार) डंढनेला अधिकार-वर्णन कद का अधिकार-वर्णन subject-matter dealing with bulbous roots भग० ६, ३३, २१, १, —आहार. पुं० (—आहार) डंढनेला आहार डंढनेला तपसनेला ओड वर्ग कद का भक्षण करने वाली तपस्वी की एक जाति one who eats bulbous roots भग० ११, ६, निर० ३, ३ —जीवफुड पुं० (—जीवस्पृष्ट) डंढनेला जीवथी स्पृष्ट थयेला कंद के जीवों से छुया हुआ one touched by the sentient beings living in bulbous roots भग० ७, ३, —भोयण न० (—भोजन) डंढनेला भोजन कद का भोजन food consisting of bulbous roots ठा० ७, सम० २१, नाया १, भग० ६, ३३, दया० २, १६, —मूल न० (—मूल) डंढनेला मूल कद मूल roots and bulbous roots भग० ८, ५,

कंदण्या स्त्री० (कन्दन) आकृष्टनडरतु, रोतुं डंढनेला आकृष्टन करना, रोना शोर मचाना Crying, weeping, lamenting ठा० ४, १, भग० २५, ७, ओव० २० कंदता स्त्री० (कदता) डंढनेला पायु कदमूल पना State of being bulbous

roots and roots भग० २१, १; सूय० २, ३, ५,

कंदण्य पुं० (कन्दर्प) राग अने मोह उपजनयनार डारय, गर्भित येष्टा, वडलापणु, राग और मोह पैदा करने वाली हास्यमय क्रीडा, वक्र भाषण Amorous sport, dalliance, humorous, witty love talk गच्छा० ८२, उत्त० ३६, २५४, जीवा० ३, पन्न० २, ओव० नि० १०२, (२) डामदेव कामदेव. Cupid. सु० च० ६, २१, पराह० २, २, भग० १४, ८; उवा० १, ५२, प्रव० २८३, ६४८, पंचा० १, २४, (३) कुतूहली देव (३) कुतूहल करने वाले देव the god Kutūhālī भग० ३, ७, (४) डामदेवनी लावना कामदेव की भावना meditation for sexual pleasure गच्छा० ८२, —कर पुं० (—कार) डाम उपजे तेवी येष्टाना डंढनेला कामदेव उत्पन्न हो ऐसी चेष्टा करनेवाला one who speaks and acts amorously ओव० ३१; —देव पुं० (—देव-कन्दर्पो—) ड्टाट्टहसन कन्दर्पकरणशीला कन्दर्पाः कन्दर्पाश्चते देवाश्च कन्दर्पदेवा) अडणडट्ट डंढनेला देवा. हडहड हसने वाला देव. a loud-laughing god तंडु० —भावणा स्त्री० (—भावना-कन्दर्पः कामस्तत्प्रधाना निरन्तर नर्मादिनिरततया वितप्राया देव विशेषा कन्दर्पास्तेषामिन्द्रं कान्दर्पा ना चामौभावना च) ओड प्रडारनी डामोटीपड मोहजनड लावना एक जाति की कामोत्पन्न करने वाली मोहमय भावना a kind of love-exciting meditation प्रव० ६४८, —रड स्त्री० (रति) डामभोगमा रति आसक्ति कामभोग में रति आनक्ति delight in amorous pleasures नाया० १

कंदपिप्पल-य. त्रि० (कन्दर्पिक-कन्दर्पस्त-
द्वुद्धिः प्रयोजनमस्येति) कामयेष्टा, हास्य,
मशकरी इत्यादि कामचेष्टा हास्य विनोद करने
वाला. (One) doing amorous
gestures ओव० ३८, भग० १, २, पञ्च० २०;
कंदर न० (कन्दर) पर्वतनी गुहा। पर्वत की
गुहा. A cave. नाया० १; २, ८ नंदी०
१४, जीवा० ३, ३, भग० ३, ७, ६, ३३;
विवा० १, ३,

कंदरा. स्त्री० (कन्दरा) गुहा। गुहा A cave.
अत० ३, १; महा० प० ८२, ज० प० नाया० १;

कंदल. न० (कन्दल) ऐश्वर्यवान् अश्व.
ऐश्वर्यवान् अश्व एक जाति का झाड़; केले का
झाड़. A kind of tree नाया० १, ६, ६;

कंदलग पुं० (कन्दलक) ऐश्वर्यवान् पशु-
नी ऐश्वर्यवान् एक खुरवाले पशु की एक जाति
A one-hoofed animal पञ्च० १;

कंदली स्त्री० (कन्दली) ऐश्वर्यवान् इन्द्र.
एक प्रकार का कंद A kind of bul-
bous root. उत्त० ३६, ६७; (२) ऐश्वर्यवान्
अश्व. केले का झाड़. a plaintain tree
पञ्च० १; भग० २२, १; (३) शीशी वनस्पति
हरी वनस्पति green vegetation
आया० नि० १, १, ५, १२६;

कंदिय. पुं० न० (कन्दित) वियोगिनी स्त्रीनु
इन्द्र वियोगिनी स्त्री का रोना Lamen-
tation of a woman separated
from her husband. उत्त० १६, ५;
ओव० २१, नाया० १, पंचा० ७, १६;
(२) वाणव्यन्तर देवतानी ऐश्वर्यवान्
वाणव्यन्तर देवता की एक जाति a kind
of Vānavyantara (infernal)
gods पञ्च० २; पराह० ३, ४, ओव० २४,
प्रव० ११४५;

कंदु. त्रि० (कन्दु) लोहानुं वासु; यथा
भभरा वगेरे लुङ्गवानी इत्यादि लोहे का एक

वरतन ; चने आदि भूजने की कटार्ड An
iron vessel, an iron pan to
bake grams etc. पराह० १, १; विवा०
३; — सोल्लिय. त्रि० (-पक्व) यथा भभ
रानी पेड़े तावडाभा पक्वेले चने, फूली की
तरह घाममें पका हुआ. Cooked, baked
in the heat of the sun “ कंदु
सोल्लियं पिव कट्सोल्लियं पिव अप्पाणं जाव
करेमाणा विहरंति ” भग० ११, ६;

कंदुकत्ता. त्रि० (कन्दुकता) इन्द्र नामनी
वनस्पतिने भाव-स्वरूप. कंदुक नामकी
वनस्पति का भाव-स्वरूप. State of,
nature of a vegetation named
Kanduka. सूय० २, ३, १६,

कंदुकुम्भी स्त्री० (कन्दुकुम्भी) लोहानी इन्द्रा-
तावडी लोहे की कटार्ड, लोहे का वरतन
An iron pan used to bake
bread etc. उत्त० १६, ४८;

कंदुरुक्क न० (कन्दुरुक्क) ऐश्वर्यवान् धूपने
मुग्धी पदार्थ. एक जाति का धूप का सुगंधी
पदार्थ A kind of fragrant
incense. नाया० १६;

कंदू. स्त्री० (कन्दू) नारकीने उपलवानी इन्द्रा-
नारकीयों के पैदा होनेकी कुम्भी A pot-
like place where the hell be-
ings get their birth सूय० १, ५, २, ७;

कंध. पु० (स्कन्ध) आध कन्धा, स्कन्ध.
A shoulder. आया० १, ६, १, २२

✓ कंप वा० II (कम्प) ध्रुजुं, इम्पुं.
ध्रुजना, कापना, थरथराना. To tremble;
to quiver.

कपन्त. व० कृ० सु० च० १, ११०;

कंपमाण व० कृ० भग० ३, २;

कंप पु० (कम्प) इम्पारी, ध्रुजरी, थरथराहट.
Tremor, trembling. सम० ११,

कंपण न० (कम्पन) इम्पुं, ध्रुजुं, ध्रुजुं.

कापना; धूजना, हिलना. Tiemoui, trembling. पं० नि० ५८०; अणुजो० १३०, —वाइअ पु० (-वातिक) ३२५-वातुं ६६, जेथी भरतक ३२५। ३रे अवे। रोग धूजने का बीमारी, वह बीमारी जिससे सिर धूजा करे name of a disease causing trembling sensation in the head अणुत्त० ३, १,

कंपिल पु० न० (कम्पिल) ३म्पिलपुर नामनुं इरुआयाद उल्लानुं ओड लुनुं नगर डे जे दक्षिण पायालदेशनी राजधानी हुती अने त्या द्रौपदीने स्वयंवर थयो हुतो कम्पिलपुर नामक फरुखाबाद जिले का एक पुराना नगर जो दक्षिण पांचाल देश की राजधानी थी और जहा द्रौपदी का स्वयंवर रचा गया था Name of an ancient town of Farukhābād district It was the capital of southern Pāñchāla country and also the place of Draupadi's choice-mariage. पञ्च० १, निसी० ६, २०, उत्त० १३, ३, (२) अन्तगड सूत्रना १ ला वर्गना सातमा अध्यायननु नाम अतगड सूत्रके पहिले वर्गके सातवें अध्यायका नाम name of the 7th chapter of the first section of Antagada Sūtra. (३)अन्धकवृष्णिना पुत्र सातमा दशाहं डे जे नेमनाथ प्रभु पासे आर वरसनी प्रवज्या पाणी शत्रुजय उपर ओड भासने। स थारे। डरी मोक्ष गया अघकवृष्णि के पुत्र सातवें दशार्ह, कि जो नेमिनाथ प्रभु के पास बारह वर्ष की प्रवज्या पाल शत्रुजय पर जाकर एक मास का सवारा कर सुक्ति पवारे the 7th Daśāraha, son of Andhaka Vṛṣṇi He practised ascotism for twelve years

under Lord Neminātha, gave up food and water for one month on Śatruñjaya and got salvation अत० १, ७,

कंपिलपुर न० (काम्पिलपुर) ३ पिलपुर नामे नगर कंपिलपुर नामका नगर Name of a city. “ पचालेसु जणवएसु कपिल-पुरं णयर तत्थ दुम्मुहोराया ” नाया० १६, नाया० ४०६, भग० १४, ८, नाया० १, ८, १६; उवा० ५, १६३, ओव० ३६,

कंबल पु० (कम्बल) ३ अल, धायलो, डामलो कबल, कामल, शाल A blanket ओघ० नि० ७०६, निसी० ७, ११, भग० २, ५, ७, १, ८, ६, १३, ६, विवा० २, पञ्च० १५, ५३, राय० २२६, नाया० १७, दस० ४, ६, २०; आया० १, २, ५, ८६; १, ७, १, १६७, वेय० १, ३७; जीवा० ३, ३, उवा० १, ५८, कप्प० ६, ५२, प्रव० ८७६; —कड पु० (-कट) डायलो कम्बल. a blanket ठा० ४, ४, —किडु न० (-कट) धायलो कम्बल a blanket भग० १३, ६, —पावार न० (-प्रावार) डामलारूप ओदवानु वस्त्र कम्बल सरीखा ओढने का वस्त्र a blanket निसी० ७, ११,

कंबलग न० (कम्बलक) डामल, डायल कामल, कम्बल A blanket, a rug आया० २, ५, १, १४५,

कंबलय न० (कम्बलक) धायलो, उननु वस्त्र कम्बल, ऊन का वस्त्र A woolen blanket प्रव० ६६२,

कंवु पु० (कम्बु) शंख शख A conch-shell ज० प० जीवा० ३, ३, पणह० १, ४, ओव० १०, (२) डधु नामे पायमा देवलोऽनु ओड विमान डे जेमा वसता देवोनु आर सागरनु आयुष्य छे. कंवु नामक पाचवें

देवलोक का एक विमान, जहा उत्तम होनेवाले देवताओं की आयुष्य वारह सागर की होती है name of a heavenly abode where the gods have a life of 12 Sāgaras, (it is in the fifth Devaloka) सम० १२;

कंबुग्गीव पुं० (कम्बुग्रीव) ऽधुग्रीव नामे पायमा देवलोकतु ओड विमान डे जेमा वसता देवानु पार सागरतु आयुष्य छे. कवुग्राव नामका पाचवे देवलोक का एक विमान, जहा के देवताओं की वारह सागर की स्थिति होती है. Name of a heavenly abode in the 5th Devaloka where the gods have a life of 12 Sāgaras सम० १२,

कंबू स्त्री० (कम्बू) ओ नामनी ओड साधा-
रण वनस्पति, ऽन्धमूलनी ओड जात इस नामकी एक साधारण वनस्पति, कद मूल की एक जात Name of a kind of vegetation with bulbous roots पत्र० १,
कंबोज पुं० (कम्बोज) ऽभोज देश; ऽधुव देश. कम्बोज देश; काबुल देश The country called Kamboja राय० २३६;

कंबोज-अ त्रि० (कम्बोज) ऽभोज देशना
जन्मेध कंबोज देश का मनुष्य A native of Kamboja country राय० २३६,
“ जहा से कंबोजाण आइजे कंधण सिया ”
उत्त० ११, १६,

कंस पुं० न० (कंस) ऽस नामतो ८८ अह-
मातो २२ भो अह न्हो में से कंस नाम का २२ वा गृह The 22nd planet of the 88 ठा० २, ३, सु० प० २०, (२)
मथुरातो राजा. मथुरा का राजा name of a king of Mathurā ठा० २, ३,
पण्ड० १, ४, —कंस पुं० (—कांस्य) ऽंसांनी ओड धातु कांसी, एक धातु bronze

उवा० ८, २३५, सूय० २, १, ३६, उत्त० ६, ४६, जं० प० २, २४; पि० नि० ३३४,
नाया० १, ७, भग० ८, ५; ६, ३३; पत्र० ११; दसा० ६, ५३; जीवा० ३, ३, गच्छा० ८८, —पाई स्त्री० (—पात्री) ऽसांनी थाडी कांसे की थाली a bronze utensil.
“ कस पाईव व मुक्कनोण ” ठा० ६, ओव० १७; उवा० ८, २३५, —पाय पुं० (—पात्र) ऽसांतुं ऽम, कांसे का वरतन a bronze pot “कंमेसु कस पाएसु, कुड मोएसु वा-
पुणो भुंजतो असण पाणाइं आयरो परि-
भस्सइ” दस० ६, ५३, कप्प० ५, ११६,
कंसणाभ पुं० (कंसनाभ) त्रेवीशमा अहुं नाम. २३वें ग्रह का नाम Name of the 23rd planet सू० प० २०,

कंसताल न० (कांस्यताल) ऽंसांतुं ओड जाततु वाजिंत्र, ऽसीया कामे का एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument made of bronze आया० २, ११, १६८; राय० ८७, जीवा० ३, ३, —सह पुं० (—शब्द) ऽसियातो आनाज. कांसे के बाजे की आवाज the sound of cymbals तिसी० १७ ३५;

कंसवरणाभ पुं० (कंसवर्णाभ) अट्ठावीसमा अहुं नाम. अट्ठावीसवें ग्रह का नाम Name of the 24th planet “ दो कस व-
रणाभा ” ठा० २, ३, सू० प० २०,

कंसवभ पुं० (कंसवर्ण) ऽसवर्णु नामतो अह कंसवर्ण नाम का ग्रह A planet so named “ दो कस वरणा ” ठा० २, ३; सू० प० २०,

कंसिय पुं० (कांस्यिक) ऽंसांतुं वाजिंत्र कांसे का बाजा A musical instrument of bronze सु० च० १३, ४१,

कसीय न० (कसीय) ऽसांतु पात्र कामे का वरतन. A vessel of bronze

पत्र० ११;

ककारपविभक्ति पु० (ककारप्रविभक्ति)

इकारनी रचना वाला नाटक ककार की रचना वाला नाटक A drama containing a special arrangement of the letter 'क' राय० ६३,

ककुद त्रि० (ककुद) प्रधान प्रवान Any one that is prominent, principal नाया० १७,

ककुह. स्त्री० (ककुद) राजचिन्ह, जेथी गजनी ओणभाणु पडे तेवी निशानी राजचिन्ह, जिससे राजा पहिचाना जायके वह चिन्ह. Royal insignia "राय ककुहा" टा० ५, १, नाया० १७, ओव० १२, ज० प० ७, १६६, (२) अश्वनी भुध बैल का कवा a hump of a bullock (३) पर्वतनी टोय पर्वत का श्रृंग. a summit of a mountain ज० प० ७, १६६; कप्प० ३, ३, ४,

कक्क. पु० (कल्क) डपट, भाया, पाप कपट, माया. पाप Deceit, sin सम० ५०, भग० १२, ५, परह० १, २, (२) भुग धी पदार्थ ओइ डपायला द्योते उडाणे डे जेते पीरीभा उपयोग थाय छे ते लोधादिइ द्योते शरीरनु उगटायु डरपु ते सुगवी पदार्थ, एक कपेला पदार्थ को उकालकर (पीठी) मर्दन करने के लिये बनाये हुए लेप मे डाला जाता है वह, सुगवी पदार्थ का शरीर का उवटन a flagrant substance, a kind of tenacious paste for the body prepared from Lodhia etc "कक्क उव्वलणय" सूय० १, ६, १५, भग० १२, ५ आया० २, २, १, ६७, निगी० १, ६, दम० ६, ६४ -

कक्क पु० (कर्क) अलवन्त यक्षवर्तिना ओइ भलेधनु नाम ब्रम्हदत्त चक्रवर्ती के एक

महल का नाम Name of a palace of Brahmadatta Chakravarti.

"उचोदण् महुककेय वभे" उत्त० १३, १३, कक्कुरया स्त्री० (कल्कुरया) ६ लथी पी-जने छेतरुं ते दंभ से दूसरो को ठगना Deceiving others by means of false tricks प्रव० १११

कक्कड त्रि० (कर्कश) अरुअरु कर्कश, कठोर. Rough, harsh क० प० ४, ४५,

कक्कडग. पु० (कर्कटक) डाडडी, शाडनी ओइ जत कक्कडी A cucumber, a kind of vegetable पचा० ५, २८, —जल न० (—जल) डाडडी तथा अश्रुया वगेरेमाथी नीडणतु पाली काकडी तथा खरवूजा वगेरह में से निकलता हुआ पानी the water that comes out of cucumber etc प्रव० २०६,

कक्कडय न० (कर्कटक) दोडता धोडता पेटमा उछलते वायु. दोडते घोडे के पेट में उछलता वायु The gases that play in the stomach of a running horse भग० १०, ३,

कक्कडिगा स्त्री० (कर्कटिका) डाडडी कक्कडी A cucumber पचा० ५, २६, १०, २४,

कक्कडी स्त्री० (कर्कटी) डाडडी काकडी A kind of vegetable, a sort of cucumber पि० नि० १६६, प्रव० २००,

कक्कव पु० (कर्कव) उडाणेड गेरडीतो रस औटाया गर्म किया हुआ साठे का रस Boiled juice of sugarcane पि० नि० २८३,

कक्कर. पु० (कर्कर) जेने यावता डरर याय तेवी वस्तु जिसे चबाने से करकर हो ऐसा पदार्थ A substance which produces a cracking sound when chewed उत्त० ७. ६. (२) डाडगे ककर a small stone दगा० ७, १

राय० २६; आ० ४, ४, —स० न०
(-शत) सैकड़ों शंकरों सैकड़ों कंकर.
(with) hundreds of pebbles.
वि० २;

ककरण्या. स्त्री० (कर्करण) शय्या उपवि
वगेरेभां दोष ढूँढती षड्युपाय करतुं ते.
शय्या, उपवि आदि में दोष निकालकर बड
करना. Loquaciously finding
fault with environments such
as a bed etc. ठा० ३, ३;

ककरय. पुं० (कर्करक) सुबिक्षादिना हेतु
शीघ्रव्या. सुभिक्षादि के हेतु सिखाना Giv-
ing instructions into the reasons
for proper alms-begging etc.
निसी० १३, ८;

ककरी. स्त्री० (कर्करी) गगरी गगर A
round metal pot जी० ३, ३;

ककस त्रि० (कर्कश) कठिण; आ० ३. कठीन,
कडा Hard, severe “विपुला ककसा
पगाढाचडा दुहाहिवा दुहाहियासत्ति”
वि० १, १, सु० च० २, ३८०;
भग० ७, ६, ३३ दस० ८, २६; उवा० २,
१०७, ठा० ६; आ० २, ४, १, ६३३,
(२) अरुअरु, कठिण. कर्कश; खुरदरा.
rough, harsh. गच्छा० ५४, राय० २८२,

कक्कावंस पुं० (कर्कवंश) ओष्ठ जलनी वन-
स्पति; वासनी ओष्ठ जल एक जाति की
वनस्पति, वास की एक जाति. A kind
of vegetation so named, a kind
of bamboo. भग० २१, ४,

कक्केयण. पुं० (कर्कतन) ओष्ठ जलतुं रत्न,
भक्ष्य एक जाति का रत्न, मणि. A kind
of gem; a jewel. “आगासकेसकज
कक्केयण इंदणील अयसि कुसुमप्पगासे”
राय० जं० प० कप्प० ३, ४५;

कक्कोडई. स्त्री० (कर्कोटकी) कटोरी वेद.

ककुम्बर की लत्ता; ककोठे की वेद. Name
of a creeper; a species of cu-
cumber. पञ्च० १;

कक्कोडय पुं० (कर्कोटक) वेदंधर जलतना
देवतानु नाम. वेदंधर जाति के देवता का
नाम Name of a god belonging
to the Velandhara kind of
gods. भग० ३, ६; ७, (२) कटोटक देवते
रहेवाना पर्वततुं. नाम. उस पर्वत का नाम
जहा कर्कोटक देव रहता है. name of
the mountain abode of the
Karkotaka. जी० ३, ४; (३) अनुवेद-
ंधर देवताना रानतुं नाम. अनुवेदंधर देवता
के राजा का नाम name of the king
of the Anuveldhara kind of
gods. जी० ३, ४; (४) लवण समुद्र
भां पूर्व दिशाये जेतावीश हुनर जेता
उपर आवेद अणुवेदंधर देवते आवाम
पर्वत लवण समुद्र में पूर्व दिशा की ओर
४२००० योजन ऊपर स्थित अनुवेदंधर देव-
ताओ का निवास पर्वत. name of the
mountain-abode of the Anuve-
landhara gods situated at a
distance of 42000 Yojanas in
Lavana Samudra in the east
ठा० ४, २,

कक्कोल पुं० (कर्कोल) ओष्ठ जलतुं फल
एक जाति का फल A kind of fruit.
परह० २, ५;

कक्ख पुं० (कर्क) डाँठ, अगल बगल, काख.
An arm-pit. ना० २, १६, भग० ३,
२, ५, ४, निसी० ५, ४१, जी० ३, ३;
प्रव० ६७७, कप्प० ६, २६; —अत्तर न०
(-अन्तर = कक्काया अन्तरं मध्यं कक्कान्त-
रम्) डाँठने मध्य भाग बगल का मध्य
भाग the middle part of the

arm-pit निर० ४, १, —देसभाग पु०
 (-देशभाग) स्तनपासे डाँधनो मूल भाग the
 part of the arm-pit near the
 breast नाया० २, —मेत्त त्रि० (-मात्र)
 डाँध, अगल सुधी प्रमाणवाला, अगल सुधी
 बगल तक मापवाला, बगल तक reach-
 ing to the arm-pit प्रव० ६७७,
 —रोम न० (-रोम) डाँधना रोम
 बगल के बाल the hair of the arm-
 pit “परुद्धण हकेस कक्खरोमा ओत्ति”
 ओव० ३८, आया० २, १३, १७२, निसी० ३, ४६,
 कक्खड त्रि० (कर्कश) डोहर, अरअथडु,
 डईश कठोर, कर्कश, खरदरा Haid,
 harsh, rough “एगेकक्खडे” ठा०
 १, १, ओघ० नि० ६२. अणुजो० १४१,
 पज० १, जीवा० १, उत्त० ३६, १६, आया०
 १, ५, ६, १७०, पि० नि० ४२६, नाया० ६,
 भग० १, १, १४, ७, १५, १, १८, ६, २०,
 ५, ठा० १, १, काप० ६, ५६, क० प० ४,
 ६३, —फास० पुं० (-स्पर्श) डहिनस्पर्श,
 अरअथडोस्पर्श कठिन स्पर्श, खरखरा स्पर्श
 hard touch, rough touch सम०
 २२, भग० ६, ६, ८, १, (२) त्रि० डडीलु
 स्पर्शवाला कठिन स्पर्श वाला feeling
 hard. दसा० ६, १, क० ग० ५, ३२,
 कक्खडत्त न० (कर्कशत्व) डोहरपणु,
 डईशपणु कठोरता, कर्कशता Hardness,
 harshness भग० १७, २,
 कक्खडा स्त्री० (कर्कशा) डोहर वेदना,
 दुसल पीडा कठोर वेदना, दुमह पीडा
 Haid acute pain नाया० १,
 कक्खा० स्त्री० (कक्षा) डाँध, अगल-बगल,

काख An arm-pit. “उप्पीलिकक्खा”
 विवा० १, ३, सूय० १, ४, १, ३; नाया०
 १, १६, ज० प० गच्छा० १२२,
 कच्च त्रि० (कृत्य) कर्तव्य, करने योग्य A deed, an
 action, a duty. राय० ३१.

कचायण पु० (कात्यायन) डाँधना पुत्र
 श्री प्रभवज्जा गोतनुनाम कात्य के पुत्र
 श्री प्रभवजी के गोत्रका नाम Name of
 the family of Śrī Prabhavajī,
 the son of Kātya नदी० २३, (२)
 डैशिक गोत्रनी शाखा कौशिक गोत्र की
 शाखा name of a branch of the
 Kausika family ठा० ७, १; (३)
 डैशिक गोत्रना शाखामाने पुरुष कोशि-
 क गोत्र की शाखा का पुरुष a person
 belonging to the branch of
 the Kausika family ठा० ७, १,
 (४) मूलनक्षत्रगु गोत्र मूल नक्षत्र का
 गोत्र the family of the Mūla
 constellation “जे कोसिया ते सत्त
 विहापरणत्ता तजहा ते कोसिया ते कचा-
 यणा” सु० प० ११, ठा० ७, —सगोत्त
 त्रि० (-सगोत्र) डाँधनायन गोत्रवाणु
 कात्यायन गोत्र वाला Of Kātyāyana
 family “मूलनक्खत्ते कचायण सगोत्ते
 परणत्ते” सू० प० १०, भग० २, १,
 कच्चोलय पु० () प्याले, ड्योणो
 प्याला, कटोरा A cup सु० च० ८, ६५,
 कच्छ पुं० (कच्छ) डाँडी, डब्छोटे.
 काछ, कछोटा The end or hem of
 a lower garment which after
 being carried round the body

• लुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (१). देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट () Vide
 foot-note (*) p 15th.

is gathered up behind and tucked into the waist-band. सम० ११, भग० १, ६, १, ८, (२) डांडे. किनारा a border; a margin, a bank भग० १, ८, ज० प० १, ४, ६५, ३, ५२; (३) सीता नदीनी उत्तरे निलवंतपर्वतनी दक्षिणे चित्रकूट वपारा पर्वतनी पश्चिमे अने मालवंतवपारापर्वतनी पूर्वे महाविदेहक्षेत्रमाने। अत्र विजय सीता नदी के उत्तर नीलवत पर्वत के दक्षिण चित्रकूट वखारा पर्वतके पश्चिम और मालवंत वखारा पर्वत के पूर्व में महाविदेह क्षेत्र का एक विजय. name of a Vijaya in the Mahāvideha region, to the east of Mālavanta Vakhārā mountain, to the west of Chitrakūta Vakhārā mountain, to the south of Nilavanta mountain and to the north of the river Sītā ज० प० (४) यारेंडार नलथी ढडायेन प्रदेश वह प्रदेश जिसके चारों वाजू जलसे ढके हों a place covered with water on all sides (५) अत्र विजयना वैताड्य पर्वतना नव दूटमाना भीन अने सातमा दूटनु नाम कच्छ विजय के वैताड्य पर्वत के नौ कूटों में से दूसरे और सातवें कूट का नाम name of the 2nd and also of the 7th of the eight summits of Vairādhyā mountain of Kachchhaviyaya ज० प० (६) थोडा नलनु स्थान थोडे जलका स्थान a place containing scanty water नाया० ६; —कूड पुं० (—कूट) चित्रकूट वपारा पर्वतना यार दूटमानु तीसुं दूट-शिखर चित्रकूट वखारा पर्वतके चारों कूटों में से तीसरा कूट-शिखर the third

of the four summits of the Chitrakūta Vakhārā mountain. ज० प० (२) मालवत पर्वतना नव दूटमाना थोथा दूट-शिखरनु नाम. मालवन्त पर्वत के नौ कूटों में से चौथे कूट शिखरका नाम. name of the 4th of the nine summits of Mālavanta mountain ज० प० —वक्तव्यया. स्त्री० (—वक्तव्यता) अत्र विजयनी वक्तव्यता-अधिकार कच्छविजय का वर्णन a description of Kachchhaviyaya. कच्छ. पु० (कच्छ) डाण्ड, पगड, बगल, काख An arm-pit भग० ३, ७; —कोह पुं० (—कोथ = कक्षाणां शरीरावयवाविशेषाणां कोथो दौर्गन्ध्यम्) डाण्डमानी दुर्गन्ध बगलकी दुर्गन्धी. stench proceeding from the arm-pit. भग० ३, ७, कच्छगावई स्त्री० (कच्छकावती) लुथो “कच्छगावती” शब्द देखो “कच्छगावती” शब्द Vide “कच्छगावती” “दोकच्छ गावइ” ज० प० ठा० २, ३, कच्छगावती स्त्री० (कच्छकावती) अलदूट वपारा पर्वतनी पश्चिमे अने द्रवती नदीनी पूर्वे अनेनी वज्ये महाविदेहान्तर्गत क्षेत्र विशेष ब्रह्मकूट वखारा पर्वत के पश्चिम और द्रवती नदी के पूर्व इन दोनों के मध्यमें महाविदेहान्तर्गत क्षेत्र-विजय Name of a region in Mahāvideha situated between Brahmakūta Vakhārā mountain (westward) and Dravati river (eastward) ज० प० —कूड पुं० (—कूट) अलदूट वपारा पर्वतना यार दूटमानु थोथुं दूट-शिखर, ब्रह्मकूट वखारा पर्वत के चार कूटों में से चौथा कूट-शिखर name of the last of the four summits of

Brahmakūta Vakhārā mount,
जं० प०

कच्छुभ पु० (कच्छप) क्षाभो कच्छुआ A
tortoise पञ्च० १; ज० प० पगह० १,
१, विवा० १, उत्त० ३६, १७१, जीवा० १;
नाया० ४, पि० नि ५६१, भग० ३, २, ७,
६, १२, ६, १५, १, (२) राहुनु नाम
राहुका नाम another name of Rāhu
सू० प० २०,

कच्छुभरिगिय. न० (कच्छपरिज्ञित) क्षय-
आती पेठे आगल के पाछल भरणप्रमाणे
आतीने वदना करे ते, वदनाने ओके दोप
कछुवे की तरह आगे या पीछे इच्छानुसार
चलकर वदना करना, वदन का एक दोष
A fault connected with Vanda-
nā (bowing), one who bows by
moving backward and forward
like a tortoise प्रव० १५०,

कच्छुभाणी स्त्री० (*) ओके जलनी
पाणीमां डगती वनस्पति, केशरतु आऽ
एक जाति की पानी में उत्पन्न होने वाली
वनस्पति, केशर का झाड़ A kind of
aquatic plant, a saffron tree
पञ्च० १,

कच्छुभी स्त्री० (कच्छपी) ओके जलतु
वाञ्छ, पीणा एक जाति का वाजिंत्र, वीणा
A kind of musical instrument,
a kind of lute “अट्टसय कच्छभीण”
राय० ८८, ज० प० पगह० २, ५, नाया०
१७, ठा० ४, २, निसो० १७, ३५,

कच्छुवी स्त्री० (कच्छपी) छोटे पातलु अने
वज्ये पड़ोसु ओवु पुस्तक, पुस्तकना पाथ
प्रधारमांतु ओके किनारो पर पतनी और मध्य

में मोटी पुस्तक, पुस्तक के पाच भेदों में से
एक A book tapering at the end
and bulky in the middle, one
of the five varieties of books
प्रव० ६७१,

कच्छु स्त्री० (कक्षा) छातीने छातीमां आध-
वानी रासडी. हाथीकी छातीमें बाधने की
रस्सी A rope with which an
elephant is tied in the middle
part of its breast ओव० ३०, भग०
३, ६, (२) महाविदेहनी अत्रीश विजय-
मांती ओके महा विदेहकी वत्तीस विजय में
की एक विजय one of the 32 Vija-
yas of Mahāvideha ठा० २, ३,
कच्छुय पु० (कच्छुक) भरणवे, असने
रोग खाजका रोग, खाज A kind of
disease which causes itching
sensation निसो० ६, २२,

कच्छुरी स्त्री० (कच्छुरा) धमाभे, धमासने
गुच्छे एक जातकी वनस्पति, धमासे का
गुच्छा Name of a plant, a cluster
of the same plant. पञ्च० १,

कच्छुल. पु० (कच्छूर) गुल्म जलतु ओके
आऽ गुल्म जाति का एक झाड़ A kind
of bushy plant पञ्च० १,

कच्छुलनारय पु० (कच्छुलनारद) क्षुब्ध
नामने नारद कच्छुल नाम का नारद
Nārada bearing the name
Kachchhula नाया० १६,

कच्छू स्त्री० (कच्छू) भरण-आज, क्षुब्ध-
रोग खाज, खुजली, खाज का रोग
Itch, itching sensation जीवा०
३, ३, ज० प० भग० ७, ६,

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (१). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (१) Vido
foot-note (*) p 15th

कच्छूक पुं० (कच्छूक) भाग्य; अस खाज,
खुजली Itching sensation भग० ७, ६,
कच्छूक त्रि० (कच्छूक) भुजलीने दर्दी.
जिसे खाजका बीमारी है वह (One)
suffering from itch, scab etc.
विवा० ७, परह० ३, ५,

कज्ज न० (कार्य) धर्म, प्रयोजन, धर्म.
कर्तव्य, क्रिया काम, मतलब, कार्य, कर्तव्य,
क्रिया. A deed; an action; an
aim, a purpose, a duty. "किकज्ज
भरणत्ति जतुकीरती तेण" १० नि० भा०
४७, विशेष० ७१, ४२३, २११२, उत्त०
२५, ३८, ओव० २०, राय० २१०; सू०
प० ११, मु० च० १, ५७ जीवा० ३, ४,
भग० ११, ६, १२, ६, १८, २, ७, नाया०
१, २, ३, ५, ७, ८, आया० १, २, २, ७६,
दस० ७, ३६, उवा० १, ५, गच्छा० २२; ५६;
पचा० ४, १७, ५, ३५, क० प० १, ४,
—अंतर न० (-अतर) प्रथम दुहेला
धर्म बिना भीनु धर्म प्रथम कहे हुए कार्य के
बिना दूसरा कार्य, कार्यान्तर work other
than the one said before
पंचा० १२, ३०, —अभाव पु० (-अभाव)
धर्मो अभाव कार्यका अभाव absence
of action or purpose विशेष० ७१,
—आवन्न त्रि० (-आपन्न) धर्मपण्यने-उत्पत्ति
लावने प्राप्त थयेन कार्य रूप को-उत्पत्ति
भाव को प्राप्त (that) which has
reached the stage of effect or
result, (that) which has been
born विशेष० ६०, —सिद्धि. स्त्री० (-
सिद्धि) धर्मनी सद्गता कार्य की सफलता
accomplishment of a purpose,

a deed विशेष० ३, —हेउ पुं० (-हेतु)
धर्मो हेतु-निमित्त कार्य का हेतु-निमित्त.
(with) a purpose or motive.
ठा० ४, ४, भग० २५, ७,

कज्जकारि. त्रि० (कार्यकारिन्) सार्थक,
सप्रयोजन अर्थ युक्त, मतलब सहित Having
meaning, full of meaning
गच्छा० ५५,

कज्जता स्त्री० (कार्यता) धर्मपण्य कर्तव्य
पन State of being a deed, a
result etc विशेष० ११०,

कज्जल न० (कज्जल) भाग्य, भाग्य. अन्न,
कज्जल Soot used as collyrium
for the eyes ज० पराय० ६०, पन्न०
१७, ओव० १०, जीवा० ३, ३, नाया० १,
भग० २, १,

कज्जलंगी स्त्री० (कज्जलांगी) भाग्यनी उष्णी
डे शीसा काजल की शीशी या डिब्बी A
small box or vial in which eye
collyrium is kept ओव०

कज्जलपमा स्त्री० (कज्जलप्रभा) लघु वृक्ष
नैऋत्य भुजुना पनपडनी ओड वावडी
नाम जम्बू वृक्ष के नैऋत्य कोन के वनखंड
की एक वावडी का नाम Name of a
forest-well to the south-west
of Jambūvriksa जीवा० ३, ४, ज० प०
कज्जसेण पु० (कार्यसेन) धर्मसेन नामे गम्भ-
अवसर्पणीना पायभा दुवदर गत अवमर्षिनी
के कार्यसेन नामक पाचवें कुलकर. The
5th Kulakara (a great leader
of men) of the past Avasaṃpī,
named Kāyasena सम० प० २२६,
+ कज्जलावेमाण त्रि० () भाग्यी

बराधने दुधतु पानी से भरा कर डूबता हुआ Sinking down after being filled with water निसी० १८, १८, आया० २, ३, १, ११६, —कज्जोवअ पु० (—कार्योपग) ८८ भांता छेतेरभा अहुतु नाम ८८ गृहों में से ७६वे ग्रह का नाम name of the 76th planet सू० प० २०, ज० प० ७, १७०, —कज्जोवग पु० (—कार्योपग) शुभो “कज्जोवअ” शब्द देखो “कज्जोवअ” शब्द vide “कज्जोवअ” ठा० २, ३,

कटुअ-य पु० (कटुक) ३३वे २२ कटु रस Bitter taste सम० २२, भग० २, १, कटु पु० (कट्वर) छाश, अटणी अथवा गरम भसाये छाछ, चटनी या गरम मसाला Whey, a kind of sauce, spices used to season food पि० नि० ६२१, कटु त्रि० (कटु) ६६थी भेडेल हल से खुदा हुआ Ploughed पि० नि० भा० १०, उवा० १, ३३

कटु पु० (कटु) ३४, दु० अ, मु० डेली कटु, दु० अ, कठिनाई (Anything) bad, terrible or calamitous विवा० ७ ८ नाया० ६, भक्त० १६४,

कटु त० (काष्ठ) ६६३, ६६ लकड़ी Wood, stick, विवा० ७, पि० नि० भा० ७, निसी० ३, १, सु० च० १३, १६ भग० ७, ६, ६ १८, ७, आया० १, १ ४, ३७ १, ४, ३, १३५, २, १, ५, २६, नाया० १, ८, ६, १७ राग० २६ २६२ अणुजो० १०, १४६, दस० ४, ५, १, २, ३ पञ्च० १, पचा० ७, ६; १८, १० क० ग० १, १६ प्रव० २२१, ज० प० ५, ११०, ११४, —अन्तर पु० (—अन्तर) ६६३ ६६३ भा अन्तः-विशेषता लकड़ी लकड़ी में भेद-विशेषता the peculiarity of differ-

ent kinds of wood ठा० ४, १, —आहार पु० (—आहार) ६६३ने आधुना ओ३ नतने डी३, तणु ध्रियवाले ७४ लकड़ी को खानेवाला एक जाति का कीड़ा, तीन इन्द्रियवाला जीव a three-sensed living being, a worm found in wood and eating wood उत्त० ३६, १३६, पञ्च० १, नाया० १३, —कम्म त० (—कर्मन्) ६६३ डेतरेवानु कार्य लकड़ी कोरने का काम engraving of wood नाया० १३, १७, निसी० १२, २०, आया० २, १२, १७१, —कार. पु० (—कार) सुतार सुतार, बढई a carpenter अणुजो० १३१, —खाअ-य. त्रि० (—खाद —काष्ठ खादतीति काष्ठखादः) ६६३ आ३ ६६३भा २६नार ओ३ नतने डी३ लकड़ी खाकर उसमें ही रहने वाला एक जाति का कीड़ा a kind of worm found in timber ठा० ४, १. —पाउया. स्त्री० (—पादुका) ६६३नी पा३ली, आ३ली लकड़ीकी पादुका a sandal of wood “कटुया उपात्तिवाजरग उवाहणत्तिवा” अणुत्त० ३, १ —पाउयार पु० (—पादुकाकार) पा३ला अनायना पादुका बनाने वाला one who makes sandals of wood पञ्च० १, —पास पु० (—पाश) ६६३ने पाशले लकड़ी का पाश a wooden die निसी० १०, १ —भार पु० (—भार) ६६३ने भारे लकड़ी का भार a load of wood भग० ८, ६ —मालिया स्त्री० (—मालिका) ६६३नी भा३ लकड़ी की पाला a rosary of wood निसी० ७, १, —मुडा स्त्री० (—मुडा) ६६३नी पा३ली लकड़ी की पटली a kind of wooden plank “कटुमुडाण मुहवघइ वधत्ता” निर० ३३,

—रासि. पु० (-राशि) लाइडानो ढगडो.
लकडी का ढेर a heap of wood. भग०
८, ६, १५, १, —संथारोवगय. पु० (-संस्तार-
कोषगत) लाइडाना आसन डिपर भेडेल.
लकडी के आसन पर बैठा हुआ one
seated upon a wooden seat
१५, १; —सगडिया. स्त्री० (-शकटिका)
लाइडानी गाडी. लकडीकी गाडी. a wood-
en cart. नाया० १, भग० १, २; २, १,
विवा० १, —सिला. स्त्री० (-शिला—
काष्ठं शिलेवायतिविस्ताराभ्यामिति काष्ठ-
शिला) शिलानीपेडे लाथु, पडोडुं अने
चपटु लाइडानु पाटीयु शिला का तरह लम्बा
मोटा और चपटा लकडी का पटिया. a slab
of wood. ठा० ३; आया० २, ७, २, १६१,
—सिव. पु० (-शिव) लाइडानी धडेली
शिवनी मूर्ति लकडी की घडी हुई शिव की
मूर्ति a wooden idol of god
Siva प्रव० १६६; —सेजा स्त्री०
(-शय्या) लाइडानी शय्या-शेज. लकडी
की शय्या a wooden bed. ठा० ३, ४,
भग० १, ६, निर० ५, १; —हारत्र त्रि०
(-हारक) लाइडा उपाडनार; डडीयारे
लकडी उठानेवाला; कठियारा one who
cuts wood and carries the pie-
ces in bundles on his back
अणुजो० १३१,

कटभूत्र. त्रि० (काष्ठभूत) डडनी पेडे ढड.
येतन वगरनो. जड़; काष्ठ की नाई, अचेतन
Life less, inanimate. उत्त० १२, ३०,
कटवर. त्रि० (कष्टर) अतिशय डष्ट बहुत
कटवाला Very hard; very cala-
mitous. विशेष० ३२४;
कट्टा. स्त्री० (काष्ठा) दशा, अवस्था दशा;
हालत. Stage, condition. जं० प०
५, ११४; (२) प्रमाण प्रमाण unit

“ कट्टा पोरिसीद्याया ” सू० प० १,
कठिण त्रि० (कठिन) डडेलु; आडड, डडड
कठिन, कडा; कर्कश. Hard, difficult;
rough. ओव० २१;

कड पु० (कट) सादडी. चटाई. A mat.
अणुजो० १३१; १३३, ओघ० नि० भा०
२८८; (२) हाथीनुं गंडस्थल. हाथी
का गडस्थल. an elephant's temple.
नाया० १, (३) मायो, पडंग वगेरे पलंग,
खाट; इत्यादि a cot, a bed etc
भग० ५, ४, ८, ६; (४) पर्वतनो ओड लाग
पर्वत का एक भाग a part of a
mountain नाया० १, (५) घास
(डरा प-गन्धी) घास. grass. भग०
२३, १; ठा० ४;

कड त्रि० (कृत) डरेडुं; आयरेडुं, अनुष्ठान
डरेडुं कृत, किया हुआ; अनुष्ठान किया हुआ.
आचरित Done, performed; prac-
tised प्रव० ६, ६०, कप्य० ५, १२६.
६, २, राय० २६३, वव० ३, ६, ओव० ३४,
सूय० १, ८, २१, उत्त० १, ११; वेय० ४, १४,
नदी० ४५, पि० नि० १४५; नाया० १; भग०
१, ४, ७, १०; ३, १, ५, ३, ४ १७, ४;
१८, ३, (२) आर, आरनी संख्यातो
सडेत. चार २ की संख्या का सकेत qua-
ternion, a set of four सूय० १,
२, २, २३; (३) सयिते अरडेडुं सवित
से लिप्त-लगा हुआ bespattered by,
carved by a living being. निसी०
१२, १८,

कडअ पु० (कटक) लीत दीवाल A
wall. जं० प०

कडंगर न० (कडङ्गर) डडशय्य ओड नतनुं
घास फल रहित एक जाति का घास A
kind of grass. सु० च० ५, १५,

कडव. न० (४) ओड अतनुं वाणिन्त्र एक प्रकार का बाजा. A kind of musical instrument राय० ८८,

कडक्ख पु० (कटाक्ष) डटाक्ष कटाक्ष, भ्रमं-गादि हाव भाव A glance, a side-long look “ सकडक्ख दिट्ठियो ” नाया० ६, सु० च० २, ६८३, तंदु० जीवा० ३, ३, ज० प० ७, १६६, —दिट्ठि स्त्री० (—दृष्टि) डटाक्षभरी नजर कटाक्षभरी दृष्टि a look, sight full of glances नाया० ६, राय० ११२,

कडक्खिय त्रि० (कटाक्षित) डटाक्ष लरेख कटाक्ष से भरा हुआ Full of glances. प्रव० १३००,

कडग पु० (कटक) हाथमा पड़ेरवानु भूषण, डडणु, डडु हाथमे पहिनने का आभूषण, करण, कडा A bracelet “ वरकडग तुडिय थभियभूण ” ओव० २२, ज० प० निसी० ७, ८, राय० २७, दसा० १०, १, सू० च० १३, ४६, सम० ३४, महा० प० ८२, जीवा० ३, ३, ४, भग० ६, ३३, ११, ११, नाया० १, नाया० ८० ओव० १२, २२, पञ्च० २, कप्प० २, १४, ४, ६२, (२) समूह समूह, कुड a group, a collection. ज० प० (३) सैन्य, लष्कर फौज, सेना an army परह० १, १. (४) लीतनु भूषण, पाथो. दीवाल का मूल पाया the base of a wall ज० प० प्रव० ८७९, (५) पर्वततो तट, तणेटी पर्वत का पैदा, तला the bottom of a mountain नाया० १, (६) पर्वततो डपलेो भाग पर्वतका ऊपरी हिस्सा the brow of a mountain नाया० ५, (७) पर्वतना

भेभ्रानो मध्यभाग पर्वत का मध्यभाग the middle part of a mountain ज० प० —छेज्ज न० (—छेद्य) सोनाना आभूषण तथा पर्वतना मध्य भागने छेदवानी डडा सुवर्ण का गहना तथा पर्वत के मध्यभाग को छेदनेकी कला the art of piercing, cutting the middle part of a mountain or a golden ornament ज० प० ३, ४५, ५, ११५, नाया० १, —तट न० (—तट) पर्वतनु तणीयुं पर्वतकी तली the bottom of a mountain नाया० १. —पल्लल न० (—पल्लल) पर्वतनी पासेनु तलाव पर्वत के पासका तालाव a lake situated near a mountain, a mountain-lake नाया० १, —बंध पु० (—बध) डेड आधवी ते कमर का बाधना, कमर बन्ध guiding up the waist “ कडगबवेहिं खलिण बवेहिं ” नाया० १७, —मदण न० (—मर्दन) सैन्य अथवा पत्थरथी मर्दन डरनु ते सैन्य द्वारा अथवा पत्थरों से मर्दन-नाश करना मारना pounding, destroying by means of stones, destroying by means of an army परह० १, १,

कडग्गिदाह पु० (कटाग्गिदाह) ओ डडावाला वाशने अग्नि वडे आणु ते दो फाको वाले वास को अग्नि द्वारा जलाना Burning, kindling by means of the fire of a bamboo split lengthwise into two (२) आगव पाठवथी डट नाम तुं वाय वीटाडीने सवगावी मुडु ते कट नामक घास को चारो और लपेट कर जला

देना. setting to fire by wrapping into a kind of straw सम० ११, कडजुम्म पु० न० (कृतयुग्म-कृतसिद्धं पूर्ण-तत् परस्य राशिसंज्ञान्तरस्याभावेन, न त्र्योज प्रभृतिवदपूर्णं यत् युग्म समराशि-विशेषः तत्कृतयुग्मम्) ने संख्याने यारे लागता शून्य शेष रहे ते संख्या, नेम के १६. जिस संख्या में चार का भाग देने से शून्य रहता है वह संख्या; जैसे १६. Any multiple of four; any number which when divided by four does not leave any remainder behind, e. g 16 —कडजुम्म पु० न० (-कृतयुग्म) लाब्ध संख्या अने लब्ध संख्या ये अन्तेने यारे लागता शून्य शेष रहे ते संख्या, नेम के १६ नी संख्या वह संख्या जिस को ४ से भागने पर शून्य शेष रहता है वैसे ही उसके लब्ध को भागने पर भा शेष शून्य रहता है, जैसे १६ की संख्या any figure in which the sum divided, as also the sum obtained by division, leaves nothing behind when divided by four, e. g 16 भग० ३५, १; —कलिश्रे ग-य. पु० (-कल्योज) ने संख्याने यारे लागता शेष शेष रहे अने लब्ध संख्याने यारे लागता शेष न रहे तेवी संख्या, नेमके सत्तरनी संख्या जिस संख्या को चार का भाग देने पर एक शेष रहे और लब्ध संख्या को चार का भाग देने से कुछ शेष न बचे ऐसी संख्या, जैसे १७. any number which being divided by four leaves one behind, and the sum thus got by divi-

sion when divided by four leaves no remainder; e g 17 भग० ३५, १, —तेओग पु० (-त्र्योज) ने संख्याने यारे लागता शेष रहे अने लब्ध संख्याने यारे लागता शेष न रहे तेवी संख्या; नेमके ओगणीशनी संख्या जिस संख्या को चार से भागने पर तीन बचे और लब्ध संख्या में चार का भाग देने पर कुछ शेष न रहे ऐसी संख्या जेमे १८. any number which being divided by four leaves three behind and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder, e g. 19. भग० ३५, १; —दावरजुम्म पु० (-द्वापर युग्म=यो राशि. प्रतिपमय चतुष्कापहोरेणा पहियमाणो द्विपर्यवसानो भवति तत्सम-याश्चतु पर्य वसिताएवेति । असौ अवहिय माणापेक्षया द्वापरयुग्म) ने संख्याने यारे लागता शेष ये रहे अने लब्ध संख्या ने यारे लागता शेष न रहे तेवी संख्या; नेम अद्वारनी संख्या जिस संख्या में चार का भाग देने पर शेष दो रहे और लब्ध संख्या में चार का भाग देने से शेष कुछ न रहे ऐसी संख्या, जैसे १८. any number which being divided, by four leaves 2 behind, and the sum thus got by division when divided by four leaves no remainder, e g 18. भग० ३५, १,

कडपूयणा स्त्री० (कटपूतना) कटपूतना नाम-नी देवी कडपूतना नाम की देवी. Name of a goddess विशेष० भा० २५, ४६, * कडण्ण पु० (-) समूह समूह, कुंड

A group सु० च० २, ५३१,
 * कडभू पु० (कडभू) ओ नामने ओइ इह
 इस नाम का एक कंद A kind of bul-
 bous root पत्र० १;

कडय न० (कडक) शेरी, गेर, वगेरेना
 साध, इउव जुहार वगेरह के सांठा A
 stalk of sugar-cane, millet etc
 आया० २, १०, १६६,

* कडयडिय त्रि० (.) पाछु इरेव
 पीछे फिरा हुआ. Retreated, stepped
 back सु० च० ८, १६,

कडसकरा स्त्री० (कडगर्करा) वासरी पीडी-
 शणी वास की सलाई कील A peg
 made of bamboo विवा० ६,

कडाय पु० (. कृतायास) संथारे इरनार
 साधुनी सेवा लक्षित इरनार साधु सथारा
 करने वाले साधु की सेवा भक्ति करने वाला
 साधु An ascetic who renders
 services to an ascetic who is
 performing or practising San-
 thārā (giving up food and
 water) भग० २, १,

कडाली स्त्री० (कडालिका) धोड़ाना आरने
 पग टेकवाने पट्टालुनी ओ आळुओ लटकते
 पागडे घुटसवार के पाव टिकाने के लिये
 जीन के दोनो और लटकते हुए रकाव A
 stirup अणुत्त ३, १,

कडासण न० (कडामन) आसन, परथालु
 आसन, बिछोना A seat consisting of
 a mattress, carpet etc “उगहण
 च कडामण एगुगुजाणिजा ” आया० १,
 २, ५, ८६,

कडाह पु० (कडाह) दोड़ानु हाम, इडाह

लोहे का बरतन, कडाई An iron vessel,
 a cauldron “ दृप्पंसुलिण कडाहे ” पि०
 नि० ५५२, उवा० ३, १२६ १३२, १४७,
 अणुत्त० ३, १, जीवा० ३, १; भग० ८, ९,
 (२) डाठ्यानी पीई कछुए की पीठ the
 back of a tortoise अणुत्त० ३, १,
 (३) पासदिना लुडडा पसलीकी हडिया.
 the ribs प्रव० १३८३,

कडाहय पुं० (कडाहक) लुओ उपलो
 शब्द देखो उपरका शब्द Vide above
 उवा० ३, १२६,

कडि स्त्री० (कडि) डेड, इभर कमर The
 waist “ घणकडित्तडच्छाय ” ओघ० नि०
 भा० २५६, ३१५, पि० नि० ४०६, आया०
 १, १, २, १६ जीवा० ३, भग० १, ६,
 ओघ० १०, ज० प० नाया० २, १८,
 निर० ३, ८, —बंध पु० (-बंध) डेडे
 आधवानी दोरी, इदोरो कमर पर बाधने
 की दोरी, कंदोरा an ornamental
 belt for the waist. ओघ० नि०
 भा० ३१६ —बंधण न० (-बंधन) डेडे
 आधवानु पस्त्र, यरोरो कमर पर बाधने का
 वस्त्र. कमरबध a cloth for the
 waist “ सेकण्ड कडिबंधण वारित्तण ”
 आया० १, ७, ७, २२३. —भाग पु०
 (-भाग) डेडो लाग, इटी प्रदेश कमर
 का हिस्सा, कडिप्रदेश the portion of
 the waist, the waist प्रव० ५४१.
 —सुत्त. न० (-सूत्र) इभरपटी इदोरो.
 डेडनु धरेलु कमरपट्टा, कंदोरा. कमर का
 गहना, an ornamental belt for
 the waist “ कडिमुत्त मुकयसाहे ”
 ज० प० सम० प० २३८, ओघ० २७, काप०

१. लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट () देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट () Vide
 foot-note (*) p 15th

४, ६२, —सुत्तग. न० (—सूत्रक) डेडनी
दोरी, ३ दोरो कमरका दोरी कंदोरा a thick
thread worn round the waist.
राय० १८६; —सुत्तय न० (—सूत्रक)
लुओ “ कडिसुत्तग ” शब्द. देखो “ कडि-
सुत्तग ” शब्द vide “ कडिसुत्तग ”
नाया० १;

कडि पुं० (कटिन्) सादडीवालो चटाई वाला.
One having a mattress अणुजो०
१३१;

कडिअ. त्रि० (कटित) सादडीयी ढाकेतुं.
चटाईमे ढंका हुआ Covered with a
mat कप्प० ६, २,

कडिअकडि त्रि० (कटितकटिन्) सादडीना
पटानी भाइके ओके पीना साथे भगेले,
अत्यन्त निच्छिद्र चटाई के पट्टे की तरह
परस्पर एक दूसरेसे मिला हुआ; अत्यन्त
निच्छिद्र Interlinked like the
strips of a mat; having no hole.
“ घणकडिअकडिच्छाण ” ओव० ३;

कडिण. पुं० (*) वांशभा छत्पत्त थतुं
ओके लततुं घास के लेथी इल गुथाय छे
वास में उत्पन्न होने वाली एक जाति की
घास, जिससे फूल गुये जाते हैं A kind
of grass growing in bamboos,
used to string together flowers
सूय० २, २, ७;

कडिय. पुं० (कटिक) डेड, डम्भर कटि,
कमर The waist. प्रव० ५४२; —दोर
पुं० (—दोरक) डेडनो दोरो ड-दोरो. कमर
का दोरा; कंदोरा. a lace worn round
the waist. प्रव० ५४२,

कडियल त्रि० (कटितल) डम्भर कमर

The waist. सु० च० २, ३७४;
कडिल्ल. पुं० न० (कटिल्ल) डडल, भोली
डडल. कडाई; बड़ी कडाई. A large
cauldron अणुजो० १३४, ओष० नि०
५२; उवा० २, ६४;

कडु. त्रि० (कडु) डडतुं, डडवारसवाणुं कडु,
कडुआ Bitter (२) पु० डडवे २९.
कडुआ रम. bitter juice ओष०
नि० मा० १४२; विशेष० ८६५; क० गं०
१, ४१, उत्त० ३६, १८, जं० प० ७, १५१;
—विवाग त्रि० (—विपाक) दारुण
इलवाणु; डडतु इल. कठोर फलदायी;
कडुआ फल (one) having bitter
fruit or result. पचा० १२, १७,

गडुइया छी० (कटुका) डडनी तुणडीनी वेड
कडवा तुम्बी की लता. A creeper of
gourd bitter in taste पन्न० १;
कडुग त्रि० (कडुक) डडतु कडु, कडवा
Bitter पचा० ६, २२;

कडुच्छुग पु० (*) धूपनो डडछे। धूप
का चिमचा, धूपदानी A large ladle
made of iron etc used to burn
incense; an incense pot. जं० प०
५, १२०,

कडुच्छुय पु० न० (*) डडछे, डडली
चिमचा, कड्डी A large ladle made
of iron etc. used in cooking
जं० प० ५, १०, ३, ४३; जीवा० ३, ४,
राय० १७५, भग० ५, ७; ८, ६, निर० ३, ३,
कडु-य. त्रि० (कडुक) डडतु कडुआ.
Pungent; bitter. जं० प० ओव० २०;
ठा० १, १, अणुजो० १३१; दस० ५, १,
६७; सू० प० ११, आया० १, ५, ६, १७०

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ का फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p 15th.

पञ्च० १, नाया० १, १६, १७, वित्रा० १,
 राय० २८३; उत्त० ३४, १०, जीवा० ३, १,
 भग० ६, ३३; १८, ६, २०, ५, क० ग०
 १, ४२; कप्प० ४, ६५, ६, ५६; (२)
 पुं० कडुवे रस कडुग्रा. bitter juice
 (३) अशुभ अशुभ inauspicious
 दस० ४, १, —तुम्बी छा० (-तुम्बी)
 कडुपी तुम्बी कटुतुम्बी a bitter gourd
 नाया० १६, —भासिणी स्त्री० (-भाषि-
 णी) कडु भोलवावाली, (स्त्री) कडु
 वचन बोलने वाली (स्त्री) a woman
 speaking bitter words ठा० ४, ४,
 —रस पु० (-रस) कडुवे रस. कडु
 रस bitter juice भग० ८, १,
 —रुक्ख पु० (-वृक्ष) कडुवारस वाडु
 आड. कटु रस वाला फाड़. a tree, bitter
 in taste. भग० १५, १, —वयण न०
 (-वचन) कडु वचन कठोर वचन
 bitter words नाया० ११; —वल्ली
 स्त्री० (-वल्ली) कडुपी वेड कडवी लता
 a creeper, bitter in taste भग०
 १५, १;

कडुव न० (+) ओक जत तु वाद्य
 एक जाति का वाजा A kind of
 musical instrument राय० ८८,
 कडुसगत्रघण न० () ओक लाग सूत्र
 ओक लाग दिन अने ओक लाग शथी ओ
 त्रयुना मिश्रयुथी अनावेड दोरे एक भाग
 सूत एक भाग ऊन और एक भाग नारियल
 की जटा इन तीनों के मिश्रण से बनाई हुई
 रस्सी A string of thread made
 of cotton, wool and cow mixed
 together proportionately निसी०

५, ७४,

✓कडु घा० I (कथ्) डोलेनुं कहना To
 tell, to say

कडुति पि० नि० ३१३,

✓कडु घा० I (कृप्) भैयनुं. खींचना
 To draw (२) भैयु खेडना. to till
 कडुड. पि० नि० २८७, निसी० १८, १५,
 कडुड सं० कृ० सु० च० ६, १७,

कडुडु सं० कृ० आया० २, १३, १७३,

कडुत. पि० मि० ११४, सु० च० ७, १२६,

कडुज्जमाण क० वा० व० कृ० राय० ७१,

कडुवेति प्रे० अत० ३, ८,

कडुवित्तु सं० कृ० आया० २, १३, १७३;

कडुण न० (कर्षण) भैयनु खींचना.

Drawing (२) भैयु खेडना, हलना

tilling “कडुइकरिसइ” पि० नि० ३८०,

सु० च० १५, ११६, पचा० ५, ३७,

कडुइत त्रि० (कृष्ट) भैयनु खींचाहुआ

Drawn, pulled पचा० ७, ४०;

कडुइय. त्रि० (कृष्ट) भैयनु खींचाहुआ

Drawn, dragged परह० १, १, क०

प० ४, १,

कडुइकडु स्त्री० (कृष्टापकृष्ट-कर्षणापकर्षण)

भैया भैय, ताणुताणु खींचाखींच, खींचातानी

Tugging to and fro उत्त० १६, ५२,

कडुण पु० (काथन) डोलेनु, उडालनु उवा-

लना, औटाना Boiling. परह० १, १,

कडुअ-य त्रि० (कथित) डोलेनु उडालेनु

औटाय हुआ, उवाला हुआ Boiled

ओष० नि० १४७, जीवा० ३, ३, मत्त०

४१, पि० नि० ६२४,

कठिण त्रि० (कठिन) डोले, मज्जुत. इट

मज्जुत Heid, strong भग० ११,

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (+). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (+) Viao
 foot-note (*) p 15th

६, ओव० ३८, सु० च० १, १४१; (२) वाशनी सादडी, यटाध. वांसकी चटाई. a mat; a bamboo mattress.
“ इकड वा कडिणं वा जतुयं वा ” आया० २, २, ३, १००;

कण पुं० (कण) डलुडी; योआना अडित दाया. खांडित चावल, कणी Broken grains of rice, broken gram. उत्त० १, ५, आया० २, १, ८, ४८; ज० प० ५, ११५, (२) सातमां अडनुं नाम. सातवें ग्रह का नाम. name of the 7th planet सु० प० २०, ठा० २, ३, —कुंडग. पुं० (-कुण्डक) दायावाला दुसडा दानेवाला भूसा, अन्न मिश्रित भूसा. chaff containing grain आया० २, १, ८, ४८, —पूर्वालिया स्त्री० (-पूर्व-लिका) डलुमिश्रित रोटी कणमिश्रित रोटी bread mixed with broken grains आया० २, १, ८, ४८, —वित्ति त्रि० (-वृत्ति) दाया विणीते तेना उपर गुजरान यलावनार दाणे चुनकर उसपर निर्वाह करने वाला one who supports oneself by picking up scattered grains सु० च० १२, ५;

कणंद. पुं० (कनन्द) इतन्द नामना साधु कनन्द नामका साधु Name of a monk. भग० १५, १,

कणक पुं० (कनक) आणु बाण An arrow. सम०

कणकणअ. पुं० (कनकनक) नवमा अडनु नाम नौवें ग्रह का नाम. Name of the 9th planet सू० प० २०;

कणकणग पुं० (कणकणक) लुओ “ कण-कणअ ” शब्द. देखो “ कणकणअ ” शब्द Vide “ कणकणअ ” “ दो कणकणगा ” ठा० २, ३;

कणकपाणि पुं० (कनकपाणि) डलुडी-आणु अथवा शारंग-धनुष्य जेना हाथमा छे ते वासुदेव. कणक—बाण या शारंग—धनुष्य जिसके हाथ मे है वह वासुदेव Vāsudeva, lit. one with a bow or arrow in his hand सम० प० २३७;

कणाग न० (कनक) सुवर्ण, सोनु. सुवर्ण, सोना Gold चं० प० १; राय० २२२; आया० २, ५, १, १४५, जं० प० ७, १७०, सु० च० २ ५६३; पि० नि० ८०; ४०६, नाया० १, ६, १८; भग० ३, १, ८, ५, ६, ३३; ११, ११; २१, ४, उवा० १, ७६; कप्प० ३, ३६, ४४; (२) धृतद्वीपना देव-तानुं नाम. धृतद्वीप के देवता का नाम name of the deity of the Gita Island जीवा० ३, ४, सू० प० १६; (३) रेखा-क्षीटि वगरतो तेजतो गोला. रेखा रहित प्रकाश वाला गोला. a ball of light without any lines upon it ओव० नि० भा० ३१०; (४) बार धद्विवालो ओक छव चार इन्द्रिय वाला एक जीव a kind of four-sensed living creature पञ्च० १, (५) ओक जतनु आणु एक जाति का बाण a kind of arrow परह० १, १, ३, (६) ओक जतनु वाछत्र पक जाति का बाजा a kind of musical instrument ज० प० —कंत न० (-कान्त = कनकस्यैव कान्तं कान्तिर्येषा तानि कनककान्तानि) सोनानी भाङ्क यमडतुं. सोनेकी तरह चमकता glittering like gold निसी० ७, ११, आया० २, ५, १, १४५; —खचित त्रि० (-खाचित) सोनानातारथी जडेस सोनेके तार से जडा हुआ fastened with, inlaid with golden wires. निसी० ७, ११; भग० ६, ३३; —चित्त न० (-चित्र)

सोनेरी चित्रामणु सुनहरी चित्र-चित्राम pictures, drawings of gold निसी० ७, ११, —जालग पु० (-जालक) सोनानी जाली, ओक जाति का गहना a kind of gold ornament; a kind of net of gold, जीवा० ३, ३, —खिगर मालिया. स्त्री० (-निकरमालिका) ओक जाति का गहना a kind of ornament जीवा० ३, ३, —तिंदुसय. न० (-तिंदुसक) सोनानी तारथी भीयेल हंडा सोने के तार से बना हुआ गेद a ball woven with gold wires जीवा० ६, —तिलग पु० (-तिलक) सोनानु तिखड सोने का तिलक a mark made on the forehead with gold, an ornament of gold worn on the forehead. जीवा० ३, ३ —विचित्त त्रि० (-विचित्र) सोनेरी चित्रामणुवाणु सुनहरी चित्राम वाला bearing pictures or drawings of gold निर० ७, ११;

कणककूड पु० (कनककूट) विद्युत्प्रभ वज्रारा पर्वतना नव इटमानु पायमु इट-शिखर विद्युत्प्रभ वज्रारा पर्वत के नौ कूटो में से पाचवा कूट-शिखर The 5th of the 9 summits of the Vidyut-prabha Vakhārā mountain ज० प० कणककेतु पु० (कनककेतु) अहिच्छत्री नगरीना कनककेतुनामे राजा अहिच्छत्री नगरीका कनककेतु नामक राजा Kanakakētu, the name of a king of the city of Ahichchatri. “ अहिच्छत्राण णयरीण कणककेतु नाम राजा होत्था ’ नाया० १४, १५, १७ (२) हस्तिनापुर नगरना कनककेतु नामे राजा हस्तिनापुर नगर का कनक

केतु नामक राजा name of a king of the city of Hastināpura नाया० १७, कणकजम्भय पु० (कनकध्वज) तेतील नगरना कनकजम्भयनामे पुत्र तेतीलपुर नगर के कनकरथ राजाका कनकध्वज नामक पुत्र Name of the son of Kanakaratha king of Tetilpura नाया० १४, —कुमार पु० (-कुमार) ओओ “ कणकजम्भय ” शब्द देखो “ कणकजम्भय ” शब्द. vide “ कणकजम्भय ” नाया० १४,

कणकपुर न० (कनकपुर) कनकपुरनामे नगर कनकपुर नामक नगर Name of a town. जीवा० २, ६,

कणकगम्भया स्त्री० पु० (कनकप्रभा) वृत्तदीपना अधिपति देवतानु नाम घृतदीप के अधिपति देवता का नाम Name of a presiding deity of the Ghrīta-dvīpa सू० प० १६, जीवा० ३, ४, नाया० ४० ५,

कणकमय त्रि० (कनकमय) सोनानु मोनेका, सुवर्ण का Golden, made of gold नाया० ८, १४, सु० च० १, २६७, —तेंदुसय पु० (-तिंदुसक) सोनानी तारथी भीयेल हंडा सोने के तार से बनाया हुआ गेद a kind of ball made of gold नाया० १६, —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा) सोनानी प्रतिमा-पुतणु, मोने की प्रतिमा-मुर्ति a golden idol नाया० ८

कणगरह पु० (कनकरथ) तेतीलपुर नगरना कनकरथ नामना राजा, के ओ आवती येवीसीमा पहुँचा महापद्म तीर्थकर पाये दीक्षा देश तेतीलपुर नगर का कनक रथ राजा जो आगामीकाल की चौबीसी में पहिले महापद्म तीर्थकर के पास दाँचा लेगा Name of a king of Tetilapura who will take Dikṣā from the first

आ ङाष्टकमा यार परिपाटी (६६५) छे. तेमा पहुँकी परिपाटीमा ओक उपवासथी शुरू करी छह अने अहम (त्रिषु उपवास) सुधी चहुडी आह अहम करी वली ओक उपवासथी सोल उपवास सुधी यडावना गीछ परिपाटीमा योत्रिश अहम करवा त्रीछ परिपाटी पहुँकी परिपाटीथी छवटी रीते करवी ओटवे सोणथी घटाडी ओक सुधी आवी आह अहम करी अहम, छट अने ओक उपवास करवा. योथी वच्चेनी परिपाटीमा योत्रिश अहम करवा अडेक परिपाटीमा ओक वरस पाय भास अने आर द्विस लागे यारेमा पाय वरस नव भास अने अहार द्विस लागे एक प्रकार का तप समुदाय जो कनकावलिहार की तरह किया जाता है जैसे:— इस कोष्टक में चार परिपाटी (लडे है) उनमें की पहिली परिपाटी में एक उपवास से प्रारभ कर छट और अट्टम (तीन उपवास) तक बढ़कर आठ अट्टम किये जाते है, फिर एक उपवास से सोलह उपवास तक बढ़ना पड़ता है दूसरी में पहिली परिपाटिके विरुद्ध सोलह उपवास में घटकर एक उपवास तक करके आठ अट्टम करते हैं और अट्टम छट तथा एक उपवास करते हैं चौथी मध्य की परिपाटिमें ३४ अट्टम करते हैं एक एक परिपाटि में एक वर्ष पाच मास और बारह दिन लगते हैं चारों परिपाटिया करने में पाच वर्ष नौ मास और अठारह दिन लगते हैं. A kind of austerity which, when graphically represented by the units of fasts of which it consists, assumes the shape of a gold necklace ओव १६, प्रव० १५६२,

कणगावलिपविभक्ति पुं० (कनकावलिप्रविभक्ति) ओक जगतनु नाट्य एक जाति का नाट्य -नाटक A band of drama राय० ६१

कणगावली स्त्री० (कनकावली) पाय वरस नवभास अने अहारा द्विसमां थतु ओक तप के नेनी आड्डामा स्थापना करता इनका वलिनो आकार थाय छे के ने डलुकावलि शब्दमादर्शावेस छे पाच वर्ष नौ मास और अठारह दिनमें पूर्ण होने वाला एक तप विशेष जिसकी श्रकों में स्थापना करने से कनकावलि हार के आकार के सदृश होता है जो कनकावलि शब्द में दिखाया है. Name of an austerity lasting for 5 years 9 month and 18 days It consists in a number of fasts in ascending and descending order which, when graphically represented assumes a fanciful resemblance to a gold necklace अंत० ८, २; निर० ७, ८, (२) ङाड्डामा पहुँरवानो मोनानो हार. गले में पहिने का सुवर्ण का हार a gold necklace नाया० १, भग० ११, ११,

कणयत्र पु० (कनक) सोनु, सुवर्ण, सोन¹ Gold. भग० १, १, २, ५, नदी० १३ सु० च० १, ३१, नाया० १, (२) आड्डामा अड्डा नाम आठवें ग्रह का नाम name of the eighth planet. सू० प० २०; —कमल न० (-कमल) मोनाना कमल सोने का कमल. a golden lotus प्रव० ४५३, —खचिय पु० (-खचित) सोनाना ताथी लरेस मोने के तार से जड़ा हुआ anything inlaid with, full of wires of gold नाया० १, —दंडिया. स्त्री० (-दण्डिका) मोनानी छडी नानी दाडडी साने की छडी-छोटी नकडी a small stick of gold ज० प० ३, ४८ —वन्न त्रि० (-वर्ण) मोना नेया रंग पाछ जिसका रंग सुवर्ण जैसा हो of the

colour of gold सु० च० २, ६५,
—सेल० पु० (-शैल) भेःपर्वत, सोनाने
पर्वत मेरु पर्वत, सुवर्ण का पर्वत the
Meru mountain, the mountain
of gold सु० च० २, ४६६,

कणयमय त्रि० (कनकमय) सुवर्णभय
सुवर्णमय. Golden; full of gold जं०
प० १, १४, प्रव० १२४३;

कणयर पुं० (करवीर) क्षुर नामनु गुल्म
जतिनु ऋ३ कनेर नाम का गुल्म जाति का
भाड Name of a tree. पञ्च० १,
कणया स्त्री० (कनका) यमरेन्दना लोडपाल
सोमनी इतडा नामनी मुख्य देवी. चमरेंद्र के
लोकपाल सोम की कनका नाम की मुख्य देवी
The principal queen of Soma,
the Lokapāla of Chamaendia
भग० २०, ६,

कणयार पुं० (कखेर) क्षुरनु ऋ३. कनेर
का भाड Name of a tree आया०
२, १६, १७६;

कणव पुं० (कणव) क्षुर नामनु ऐ३ जति-
नु धास कणव नाम की एक जाति की घास
A kind of grass. भग० २२, ५;

कणविस्तार पु० (कणवितानक) दशभा
अनु नाम दशवें ग्रह का नाम. Name
of the 10th planet. सू० प० २०,

कणवीर. पुं० (कणवीर) क्षुरनु ऋ३ कनेर
का भाड. Name of a tree called
Kanera राय० ५७, जीवा० ३, ४;
पण्ड० १, ३; जं० प० ५, १२२, (०)
क्षुरनु ऋ३ कनेर का फूल a flower of
the Kanera tree पण्ड० १, ३,

कणिक पुं० (*) ऐ३ जतिनो भ०७

एक जाति का मच्छ A kind of fish.
पञ्च० १;

कणिट्र. त्रि० (कनिष्ठ) न्दानो; दधु छोटा;
लघु. Small; young, youngest
पि० नि० ५११; गच्छा० ६०;

कणिट्रश्च. त्रि० (कनिष्ठक) न्दानु, दधु
हलका, छोटा Small; younger. क०
गं० ५, ३८,

कणिया-आ. स्त्री० (कणिका) ऐ३ जतिनी
पीला. एक जाति की बीणा. A kind of
lute जीवा० ३, ३. (२) योयानी क्षुरी
चावल की कनी broken grains of
rice पि० नि० २४६, तं००

कणियार पु० (कर्णिकार) थलितकुमार देव
तानु क्षुर नामे चैत्य वृक्ष स्तनितकुमार
देवता का कनेर नाम का चैत्य वृक्ष A
garden tree of the god Thani-
takumāra, named Kanera ठ०
१०, १, नाया० ६, (२) क्षुरिंदार नामना
साधु कर्णिकार नाम के साधु name of
a saint भग० १५, १,

कणिर त्रि० (*) जागवाना स्वभाववाण
दुखन वाला स्वभाव वाला Having the
nature of being hurt or cut
सु० च० २, ४६, ३२१,

कणियस् त्रि० (कनीयस्) न्दानो, इनिष्ठ.
छोटा; कनिष्ठ. Young; small; young-
er. अंत० ३, ८, उवा० ३, १३४, कण०८,

कणुग न० (कणुक) आपमा पडेले क्षुर
आ मे गिरा हुआ कण. A particle
of dust etc. entering the eye
पंचा० १८, १०.

कणुय न० (कणुक) क्षुरो, २७३, २७८.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p 15th.

कण, रजकण, रज Particles of dust.
 “ सुकण्य ” आया० २, १, ८, ४३,
 कण पु० (कर्ण) शान. कान. An ear
 विवा० २, नाया० १, ८, १४ १६, भग०
 ३ ७, १५, १, आया० १, १, २, १६,
 राय० ४०, अणुत्त० ३, १, ज० प० ५,
 ११४, १२५, उवा० २, ६५, —अंतर.
 न० (-अन्तर) भे शान् वर्येनु अन्तर
 दोनो कानो के बीच का अंतर the dis-
 tance between the two ears
 विवा० १, —आयय त्रि० (-आयत्त)
 शानसुधी लम्बावेस कान तक लम्बा खीचा
 हुआ anything long enough to
 reach the ears ज० प० ३, ४५,
 भग० ५, ६, ७, ६, —गय पु० (-गत)
 शाने संभणायेल कान से सुना हुआ
 (anything) heard “ कणगया
 दुम्माणिश्रं जणति ” दस० ६ ३, ८,
 —च्छिन्न त्रि० (-च्छिन्न—छिन्नकर्ण)
 शानकट्टो. जेना शान छेनाया छे ते कानकटा,
 जिमका कान कटा हुआ हे वह, छिन्न कर्ण
 (one) with ears cut आया० २,
 ४, २, १३६, —च्छेयण न० (-च्छेदन)
 शाननु छेदन कान का छेदना cutting
 off or piercing of ears नाया० २.
 —धार पु० (-धार) नावीक मल्लाह,
 नाविक a sailor, a boat-man नाया०
 ८ ६, १७, —पीठय न० (-पीठक)
 शाननु धरेणु कानका गहना an ear-
 ornament “ कुडल मट्टगंडयल कण
 पीठधारी ” पल० २, भग० १५, १, ठा०
 ६ ओव० २२, —पूर पु० (-पूर) शानभा
 पड़ेरवानुं आभरण कान में पहिनने का आभू-
 ण an ear-ornament नाया० १,
 ८, ओव० ३८, (२) कणपूर नामे हाथी
 ना शाननुं आभूण कर्णपूर नामक हाथीके

कान का आभूषण. an ear-ornament
 for an elephant ओव० ३०, —बंध
 पु० (-बध) शान आधवा ते कानों का
 बाधना closing up, tying up of
 ears नाया० १७, —मल न० (-मल)
 शानतो भेस कान का मेल wax of the
 ears निसी० १, ३५, ३, ६६, —मूल
 न० (-मूल) शानती नलुकेतो प्रदेश, शाननु
 मूल कान के समीप का भाग, कान का मूल
 the neighbouring part of an
 ear नाया० ३, ज० प० ५, ११४, —पाली
 छी० (-पाली) शानभा पड़ेरवानी चारी-
 ओक आभूषण कान में पहिनने का बाला-
 एक आभूषण an ear-ring जीवा० ३,
 ३, —वेयण छी० (-वेदना) शानती
 वेदना कान का दुःख. pain in the ear
 नाया० १३ —वेहण न० (-वेधन)
 लुओ “ कणवेहणग ” शब्द देखो
 “ कणवेहणग ” शब्द vide “ कण-
 वेहणग ” भग० ११, ११, —वेहणग.
 न० (-वेधनक) शान विधवानो सरकार
 कान बाधने का गस्कार the ceremony
 of piercing or perforating the
 ears राय० २८८, —सक्कुलिया. छी०
 (-शक्कुलिका) शाननु विन्ध कान का छेद
 a hole in the ear, a perforation
 made in the ear नाया० ८, १४,
 —सुह न० (-सुख) शानने सुभरूप
 शब्द कान को सुखकारी शब्द. words
 sounding sweet to the ears.
 नाया० ९, —सोहणश्र न० (-शोधनक)
 शानने भोतग्यानी सणी, शान भोतग्यु.
 आटुडी कान माफ करने की सलाई a small
 thin straw etc, used to cleanse
 the ear of its wax निर्मा० १, १६,
 आया० २, ७ १, ११७, नाया० ६,

करणकला. स्त्री० (कर्णकला) सूर्य अेक मांड-
लेथी भीले मांडले ले गतिअे नय छे ते
गतिनुं नाम डर्णुडला छे. डर्णु अेटले अेक
मांडवाने बुद्धिकल्पित छेडे, त्यां आतीने
सूर्यडला अेटले अेकेक अंशे अडार निडणतो
डे अेदर आवतो भीन मांडवाने छेडे पहेअे
ते डर्णुडला गति. सूर्य एक मंडल से दूसरे
मण्डल मै जिस गति से जाता है उस गति
का नाम “ कर्णकला ” है, कर्ण अर्थात् एक
मण्डलका बुद्धिकल्पित सिरा, वहां आकर सूर्य
कला अर्थात् एक २ अशमें बाहर निकल कर
वा अंदर आकर दूसरे मंडल के सिरे-अत
तक पहुंच जाता है उसे “ कर्णकला गति ”
कहते हैं A name given to the
apparent motion of the sun
from one point to another
सू० प० १;

करणतेउर. पुं० (कन्यात पुर) डन्यानु अन्तः-
पुर, राजडन्याअेने रहेवानुं स्थान. कन्या
का अन्त पुर, राज कन्या के रहने का स्थान.
An apartment for royal girls
नाया० १६;

करणगा. स्त्री० (कन्यका) कुमारिका; डन्या.
कुमारी; कन्या A girl unmarried, a
girl नाया० ८,

करणतिय. पु० (-कर्णत्रिक) अेक अतने
पाअवाले डडतो योअद्रिय अण एक जाति
का पखो वाला उडता चार इंद्रिय जीव. A
kind of four-sensed insect with
wings. पन्न० १;

करणपाउरण. पुं० (कर्णप्रावरण) लवण
समुद्रमां सातसौ जेजन डपर आवेल डर्णु
प्रावरण नामने अेक अतर द्वीप. लवण
समुद्रमें सातसौ योजन ऊपर स्थित कर्ण प्राव-
रण नाकक एक अंतर द्वीप. Name of
an island in Lavana Samudra

at a distance of 700 Yojanas
from the shore. ठा० ४, २; (२)
ते अंतर द्वीपमां रहेनारा मनुअे उस अतर
द्वीप मे रहने वाला मनुअ. an inhabi-
tant of any of the islands called
Antara Dvīpas. पन्न० १;

करणलोयण पु० (कर्णलोचन) सतभिषक
नक्षत्रना गोत्रनु नाम. सतभिषक नक्षत्र के
गोत्र का नाम Name of the family
of the constellation Satabhi-
śaka सू० प० १०;

करणा स्त्री० (कन्या) डन्या, पुत्री कन्या,
लडकी A girl; a daughter उत्त०
२२, २८; नाया० १६; पचा० १, ११,

करिणआ-या. स्त्री० (कर्णिका) अुणो
कोना A corner. जं० प० (२)
डमअने भीजडेश, डमअने मध्यभाग
कमल का मध्य भाग, कमल का बीज कोष
pericarp of a lotus, the middle
part of a lotus भग० ११, २, पन्न०
१; २, जं० प० ओव० ४२, जीवा० ३, १;
कप्प० ६, ४४, (३) अेक अतनी वनअपति
एक जाति की वनस्पति. a kind of
vegetation भग० ११, ७, (४) डाननी
वारी कान की वाली an ear-ring
ओव० ४२, (५) अतने अंदरने आग.
छत्र का भीतरी भाग. the inner part
of an umbrella राय० १२२,

करिणयार. पुं० (कर्णिकार) अुणेरनुं अड,
कनेर का झाड. Name of a tree (?)
न० डर्णुडारनुं डुल. कर्णिकार का पुष्प a
flower of this tree. पन्न० १७, भग०
१४, १०, नाया० ६;

कर्णीरह. पुं० (कर्णीरथ) अेक प्रकारने
विशिष्ट रथ डे ले आस अडिअंत माणसेने
त्याज डेअ ते एक प्रकार का प्रधान रथ, जो

प्राय ऋद्धिशाली मनुष्यो के यहा ही होता है A particular kind of chariot possessed only by wealthy people नाया० ३, —प्ययाय त्रि० (—प्रयात) श्रीमत्तन्नायिन्ड वादा रथमा भेसो आव जव डग्नार श्रीमताई के चिन्ह वाले रथ मे बैठ गमना गमन करने वाला one who drives in a chariot which is a mark of prosperity ' करणी रहपयायावि होत्था ' नाया० ३, करह पु० (कृष्ण) कृष्ण वासुदेव कृष्ण वासुदेव Kṛṣṇa Vāsudeva पञ्च० १, उत्त० ३६, ६८, सम० १०, नाया० ५, प्रव० ८६२, (२) कृष्ण नामना ओक परि-प्रज्जक सन्यासी कृष्ण नामक एक परिव्राजक सन्यासी name of a mendicant sannyāsī श्रीव० १८ (३) अत्यत शला रगता ड ई पुद्गलने ये गे थता अत्यत भस्मिन् परि-शुभ अत्यत काले रगके कम पुद्गलने के योग से होता हुआ महा मलिन परिणाम very dark consequence resulting from very dark Karma सम० ६, (४) पायमा अनदेव-वासुदेवना पूर्वभव धर्माचार्य पाचवें बलदेव-वासुदेव के पूर्व भव के वर्माचार्य name of the religious preceptor of the previous birth of the 5th Baladeva -Vasudeva सम० प० २३६, (५) शालो रग काला रग black colour जीवा ३, (६) कृष्ण नामनी वेल कृष्ण नाम की वेल-लता name of a creeper पञ्च० १, (७) शाली पुक्षसी काली तुलसी the black holy basil पञ्च० १, (८) ओक प्रकारनो कृष्ण नामनो २६ एक जातिका कृष्ण नामका कट name of a kind of bulbous root पञ्च १, (९) ली० छ लेस्या-

भानी कृष्ण नामनी पहेली लेस्या छः लेस्या ओ में से कृष्ण नाम की प्रथम लेस्या the first (viz black) of the six kinds of Leśyā पञ्च० १७, (१०) निर्यावलि-काना योथा अध्ययननुं नाम. निर्यावलिका के चौथे अध्याय का नाम name of the fourth chapter of Niryāvālikā निर० १, १, —कंद पु० (—कन्द) ओक जतनी कृष्णकट नाम साधारण वनस्पति एक जाति की कृष्णकट नाम की एक साधारण वनस्पति a kind of bulbous root called also Kṛṣṇakanda उत्त० ३६, ६८, जीवा० १, पञ्च० १, —जीय पु० (—जीव) कृष्ण वासुदेवनो ७५ कृष्ण वासुदेव का जाव the life of Kṛṣṇa Vāsudeva प्रव० ४७३, —पाक्षिग्र-य पु० (—पाक्षिक = कृष्णपक्षाऽस्यास्तीति कृष्णपाक्षिक.) जेने अर्द्ध पुद्गल परावर्तन करता वधाये सप्ता-मा पक्षिमण्डल डरवानु डेय ते ७५ जिमे अर्द्ध पुद्गल परावर्तन काल से भा अधिक सप्तार में रुलना-भ्रमण करना है वह जीव a soul that has to wander in worldly existence longer than the time required for Aṣṭa-udgala Parāvartana दमा० ६, १ भग० १३, १, २६, १, ३१, २८, डा० १, १ —लेसा ली० (—लेस्या) कृष्ण लेस्या नामनी पहेली लेस्या कृष्ण लेस्या नाम की प्रथम लेस्या the first of the Leśyās called the black Leśyā जीवा० १, ४, ७, —लेस्स त्रि० (—लेस्य) कृष्ण लेस्यावालो कृष्ण लेस्या वाला with black Leśyā (i. e. thought-colour or matter colour) भग० २६, १ : १, २ डा० २, १ —लेस्सत

स्त्री० (-लेश्या) कृष्णलेश्या. कृष्ण लेश्या. the black Leśyā (i. e. thought-tint or matter-tint) भग० २५, ६, --वासुदेव पुं० (-वासुदेव) कृष्ण वासुदेव, यालु अवसर्पिणीना नवमां वासुदेव कृष्ण वासुदेव, वर्तमान अवसर्पिणो काल के नौवें वासुदेव Kṛiṣṇa Vasudeva, the 9th Vāsudeva of the current Avasarpinī. नाया० ४, १६; —सर्प पुं० (-सर्प) डालो सर्प काला सर्प. a black serpent. नाया० ८; (२) राहु देवतुं नाम राहु देव का नाम name of the god Rāhu. भग० १२, ६, सू० प० १६; —सीहासन. न० (-सिहासन) कृष्णतुं सिंहासन कृष्ण का सिंहासन the throne of Kṛiṣṇa नाया० घ० १०;

करहदराल पु० (कृष्णदराल) ओं ओतनी वनस्पति. एक जाति की वनस्पति. A kind of vegetation भग० २१, ८,

करहदीवायण पु० (कृष्णद्वैपायन) ओ नाम ना ओं ओम्भु सन्यासी इस नाम का एक ब्राह्मण संन्यासी. Name of a Brāhmaṇa ascetic ओव० ३८,

करहपरिव्वायण. पु० (कृष्णपरिव्राजक) नारायणुनी लक्षित डरनार परिव्राजक नारायण की भक्ति करनेवाला परिव्राजक. An ascetic worshipping Nārāyaṇa ओव० ३८;

करहराई स्त्री० (कृष्णराजि) पायभा देवलोड उपर लमीनंती द्वाट लेरी लोडतिड देवना-ना विमानने इरती डाणी रेप्पाओ छे ते, कृष्णराओ पाचवें देवलोक के ऊपर देवताओं के विमान के आसपास पृथ्वी की दरज जैसी काली रेखाए, कृष्णराजी. The black lines (resembling

the cracks in the ground) surrounding the abodes of Lokāntika gods in the 5th Deva-loka आया० २, १५, १७६, भग० ६, ५, ८, ठा० ८, १; प्रव० ६३, १४५५, (१) शानेन्द्रनी पीछ पट्टराणीतुं नाम ईशान इद्र की द्वितीय पट्टरानी का नाम. the other name of the principal queen of Īsānendṛa भग० १०, ५,

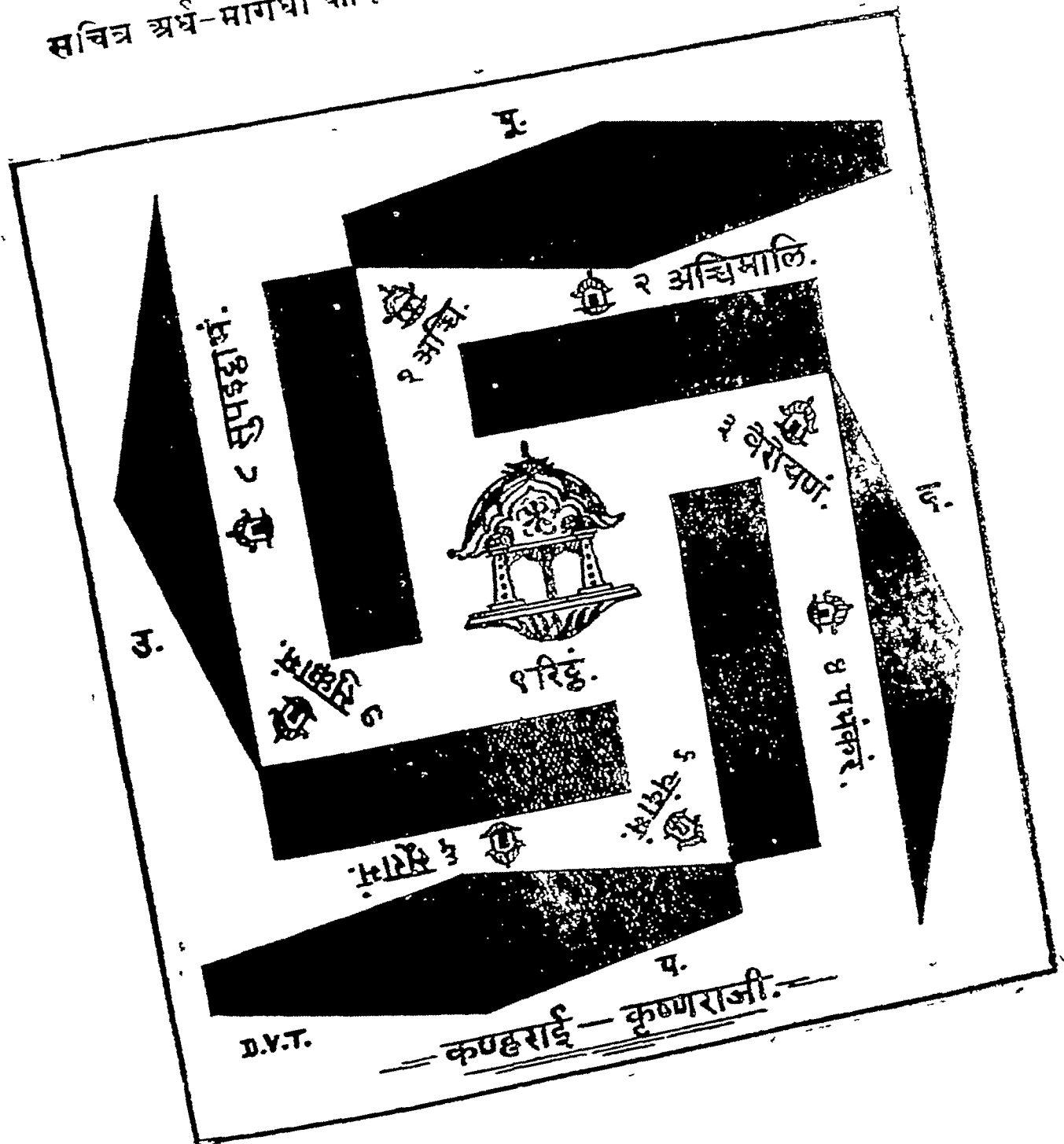
करहराई स्त्री० (कृष्णरात्रि) कृष्णरात्री देवी कृष्णरात्री देवी The goddess Kṛiṣṇa Rātri नाया० घ० १०,

करहवडिसय विमान न० (कृष्णावतसक विमान) कृष्णावतंस नामती विमान. कृष्णावतस नामक विमान Name of a heavenly abode. नाया० घ० १०;

करहसिरी. स्त्री० (कृष्णश्री) कृष्णश्री नामनी ओं श्री कृष्णश्री नामकी एक स्त्री Name of a woman. विवा० ६,

करहा स्त्री० (कृष्णा) शानेन्द्रनी कृष्णनामनी राणी इशान इद्र की कृष्णा नाम की रानी. Name of a queen of Īsānendṛa. ठा० ४, २, भग० १०, ५, (२) कृष्णा नामनी देवी कृष्णा नाम की देवी. name of a goddess. नाया घ० ६, (३) कृष्णा नामनी नदी कृष्णा नाम की नदी name of a river. पि० नि० ५०३, (४) श्रेष्ठिड राजनी ओं राणी डे ले मडावीर स्वामी प से दीक्षा लछ, मडासिहनिह्नीडित नामतु तप आथरी, अगी-आर वरसनी प्रवज्या पाणी ओं भासनी संथारे डरा सिध्द थछ श्रेष्ठिक राजा की रानी, जिमने महावीर स्वामी के पास दीक्षा लेकर महासिहनिह्नीडित नाम का तप किया और ग्यारह वर्ष की प्रवर्ज्या पाल एक मास का सयारा कर मोक्ष को प्राप्ता हुई.

सचित्र अर्ध-मागधी कोष



name of a queen of King Śienika, who took Dikṣā from Mahāvīra Swāmī and having practised the austerity known as Mahāsinha-Nikāḍita, and having practised asceticism for 11 years, became Siddha after one month's Santhānā अंत० ८, ४, (५) अंतगडसूत्रना आहमा वर्गेना योथा अभ्ययननु नाम अत-गडसूत्र के आठवें वर्ग के चौथे अभ्ययन का नाम name of the 4th chapter of the 8th section of Antagada अंत० ८, ४, (६) छ लेस्यामानी प्रथम कृष्णलेस्या छ लेस्याओं में से प्रथम की कृष्ण लेस्या name of the black Leśyā. (७) विजयपुर नगना वासव-दत्त राजनी राजीनु नाम विजयपुर नगर के वासवदत्त राजा की रानी का नाम name of the queen of king Vāsava-datta of Vijayapura city विवा० २, ४,

करहादेवी स्त्री० (कृष्णदेवी) कृष्णदेवी
कृष्णदेवी Name of Kṛṣṇādevī
नामा० व० १०,

करहुइ अ० (कचित्) कथाय पणु, डोछ पणु
स्थाने कहा भी, किता भा स्थानपर Some-
where in any place whatever
उत्त० १, ७, २, ४६, दसा० १०, ७,
—रहस्सिय त्रि० (-राहस्यिक) डोछ
ऐह डायर्मा रहस्य राखनार किसी भी
कार्य में रहस्य रखने वाला one who
keeps secrecy in some work
or other सू० २, २, २१,

कतर. त्रि० (कतर) जे डे धलुभातो ड्यो ?
दामेगे अथवा बहुनामे से कोनगा ? Which

of two or more than two.
अणुजो० ८८, दस० ६, ४, १,

कता अ० (कदा) क्यारे कव ? When
सू० प० १२,

कति. त्रि० (कृतिन्) सुकृती, सदाचारी
सुकृत्य करने वाला; सदाचारी, पुण्यात्मा
(One) whose actions are good
सू० य० २, १, ६०,

कति त्रि० (कति) डेटला प्रधारनु कितनी
तरह का ? Of how many sorts
जं० प० ६, १२२, ७, १५८, ७, १४६.
पञ्च० १४, नाया० १, भग० १, ४, २, २,
—भाग पुं० (-भाग) डेटलामे भाग कौनसा
हिस्सा ? what division or part
भग० १, १, —संचिय त्रि० (-संचित)
सभ्याथी गणुी शङ्गा ते सख्या द्वारा गिना
जा सके वह numerically calculable
ठा० ३, १ भग० २०, १०,

✓कत्त धा० I (कृन्त्) डोतरनु काटना
To cut (२) पीडु पीडा देना to
afflict.

कत्ताहि परह० १, १,

किचइ. क० वा० सू० १, २, १, ७, १, ६,
४, उत्त० ४, ३,

किचति सू० १, ३, ४, १८,

✓कत्त वा० I (कन्त्) डोतनु कानना
To spin cotton

कत्तंत. व० कृ० पिं० निं० ५७४,

कत्तण त्रि० (कर्त्तन) डोपनार छेदना
काटनेवाला, छेदनेवाला One that cuts
ओव० ३४,

कत्तर न० (कर्त्तर) डोतग्वानुं साधन डोत
कतरने का साधन, कैंची A pair of
SCISSORS उवा० २, ६४,

कत्तवीरिय पु० (कर्त्तवीर्य) गजना यनु
यो गीनी ॥ आहमा अकृत्य निना पिननु नाम

भारत के वर्तमान चौबीसी के आठवे चक्रवर्ति
 के पिता का नाम Name of the
 father of the 8th Chakravarti
 of the present cycle सम० प० २३४;
 कत्तार त्रि० (कर्त्ता-कर्तृ) इ० २५२, इ०
 कर्त्ता, करने वाला (One) who does
 or makes मग० २०, २, विशेष० १७५;
 २११२ अणुजो० १२८, पि० नि० १७३,
 पचा० ८, ७, —अभाव पु० (-अभाव)
 इति० अभाव कर्त्ताका अभाव absence
 of a doer or maker विशेष० २१६;
 कत्ति स्त्री० (कृत्ति) यर्म यामुं चमडा,
 चर्म Leather ओव० नि० ३६,
 कत्तिग्र-य पु० (कार्तिक-कृत्तिका नक्षत्रेण
 युक्ता पूर्णमासी कार्तिकी साऽऽस्त्यस्मिन्निति
 कार्तिक) इति० भा० कार्तिक मास
 The month of Kārtika. ज० प०
 ७, १५१, ओव० नि० २८५ मग० २६;
 उत्त० २६, १६; का० ५, १२३, ६. १७०,
 नाया० ५ मग० १८, १०, (२) हरिना-
 पुर नगरना गेवासी इति० शैः ३ जेजे
 मुनिमुत्रत प्रभुनी पासे पोताना ओ३ हुनर
 मुनिमनी साथे रीता लीधी दीक्षा पादी
 पडेवा देवलोडना छुपले उत्पन्न यथा
 हस्तिनापुर नगर का निवासी कार्तिक सेठ
 त्रिमने मुनिमुत्रत स्वामी के पास अपने एक
 हजार मुनीमा के साथ दीक्षा ला और दीक्षा
 पाल कर प्रथम देवलोक का इन्द्र बना
 name of a merchant of the city
 of Hastināpura who took Dikṣā
 from Lord Munisuvrata ac
 companied with his one thou-
 sand agents. He practised
 asceticism and was born as the
 India of the first Devaloka
 मग० १८, २, निर० ३, १: (३) अ० २५

दीपना भरतभण्डभा थनार छद्म तीर्थइरता
 पूर्वभवतु नाम जम्बुद्वीप के भरतसदमे
 होनेवाले छद्मे तीर्थकर के पूर्वभव का नाम
 name of the previous birth of
 the future would-be 6th Ti-
 thankara of the Bharata-
 khanda of Jambu Dvīpa सम०
 प० २४१, (४) इति० नामने भण्डु
 कार्तिक नाम का मनुष्य name of a
 man अणुजो० १३१, —अणुगार पु०
 (-अनगार) इति० नामना साधु कार्तिक
 नाम का साधु an ascetic so named
 मग० १८, २, —चातुर्मासिय त्रि०
 (-चातुर्मासिक) इति० योभासा स० १५
 कार्तिक चातुर्मास नवम्बी the monsoon
 season of the month of Kā-
 tika मग० १५, १, नाया० ५, —पाडि-
 चत्र. पु० (-प्रतिपत्) इति० मु० १५
 पञ्चीने पाडवे ते, इति० ५६ १ कार्तिक
 शुक्ला १५ के पश्चात् की पडवा, मगसर वव
 १ the first day of the dark
 half of the month of Māga-
 śāsa निमी० १६, १२

कत्तिया स्त्री० (कृत्तिका-कर्त्तरी) इ०
 कैची A pair of seasons म० च०
 १० ७७;

कत्तिआ-या स्त्री० (कृत्तिका) इति० नक्षत्र
 कृत्तिका नक्षत्र The constellation
 Kṛttikā ज० प० ७, १५२ म० प०
 ६, ११, सम० ६, डा० २, ३;

कत्तिआरक्खिअ पु० (कृत्तिकारक्षित)
 इति० अक्षित नामने पुरय कृत्तिकारक्षित
 नाम का मनुष्य. A man so named.
 अणुजो० १३१,

कत्तिगी स्त्री० (कार्तिकी) इति० भासती
 पुनेम कार्तिक मास का पूर्णमा The

full-moon day of the month of
Kārtika जं० प० ७, १६१;

कत्तो अ० (कुतस्) क्यांथी कहा से ?

Whence सं० ४८, सू० १, १, १,
१४, प० ६, वि० ६, विशेष० १४०;

कत्तोच्च० त्रि० (कुतस्त्य) क्यांथी, क्या स्थानतो,
क्या गामतो कहा का ? किस स्थान का ?
किस ग्राम का ? Of what place or
country पि० नि० १६८,

कत्तोच्चय अ० (कौतस्त्यक) क्यांथी कहासे ?

Whence विशेष० १०१६,

✓कत्थ धा० I (कथ्) कहेवु कहना
To say, to tell,

कत्थइ नदी० ४७,

कत्थ अ० (कुत्र) क्या ? कछ थाजुओ कहा ?

किस ओर ? Where, on what side
सु० च० १, १८, ज० प० विशेष० १३३ सू०
प० २०,

कत्थ त्रि० (कथ्य) क्या योग (शास्त्र)

नाया २१२ कथा, इतिहासादि हों वह, ज्ञाता
आदि शास्त्र (Nāvā and other
scriptures) including stories
and historical matter ठा० ४, ४,
जा० ३, ४, ज० प० रा० १३१,
—गेय न० (—गेय) क्याने योग्य गेय
कथा के योग्य गायन a narrative
song रा० १३१,

कत्थइ अ० (कुत्रचित्) क्यायपणु, कछपणु

कछणु कहीं भी, किसी भी स्थान पर In
any place whatever. विशेष० २६८,
३८८, ७५१, ओ० १७, भग० ३, २,
१५, १, ४०, १, नाया० २, ६, १६, प्र०
६७६; वि० ४,

कत्थवि अ० (कुत्रापि) क्यायपणु कहा भी ?

In any place whatever
भग० १५, १

✓कद्-अत्थ धा० I, II. (कर्दथ्)

कदर्थना करपी, दु० ५ देवु दुख देना, कष्ट
पहुचाना. To give pain to

कयत्थेइ सु० च० १२, ५४;

कदंब. न० (कदम्ब) कदम्बनु आ० कदम्ब
का झाड़. A kind of a tree. नाया० १;

—पुष्पग न० (—पुष्पक) कदम्बना आ०
कुल इल कदम्ब के झाड़ का फल और
फूल a flower of the Kadamba
tree नाया० १,

कदलि पु० (कदली) केलनु आ० केले का
झाड़ The plantain tree. भग० २२, १,

कदाइ. अ० (कदाचित्) कदाचित्; क्यारेक.
कदाचित्, किसी समय At some time;
perhaps भग० २, १, ६, ३३,

कदापि अ० (कदापि) क्यारेपणु, कछ-
पणु वपते. कभी भी किसीभी समय At
some time, at any time भग०
१५, १,

कदम. पु० (कर्दम) कीयड, कदम काचड.

Mud “ अवइइनुसु भिरणफालिय पग-
लिय रुहिर कयभूमि कदमयचिक्खिपहे ”
परह० १, ३, १, ४; ओ० ३८, पि० नि०
२५३, ठा० ४, २, जा० ३, ४, नाया० १;
भग० ६, १, ७, ६, प्र० ८५७, क० ग०
१, २०, —उदअ. न० (—उदक) कदम-
वाणु पाणु कांचडमय पानी mud with
water in it ठा० ४, ३,

कदमअ पुं० (कर्दमक) अनुवेअ धर देवता-
ना श्रीअ राजनुनाम अनुवेअ धर देवता
के दूसरे राजा का नाम Name of the
2nd king of the Anuvellan-
dhara gods जा० ३, ४, भग० ३, ७,

कनककंत. त्रि० (कनककान्त) मोनेरी वरप,
मोनानेवा देवायने पदार्थ. सुनहरी वरक;
मुवर्ण मरीता वनावटो पदार्थ (Anything)

of the lustre of gold आया० २,
५, १, १४५;

कञ्ज. पुं० (कर्ण) लुओ " कर्ण " शब्द.
देखो " कर्ण " शब्द. Vide " कर्ण "
सम० ११; आया० २, ३, २, १२१,
पिं० नि० ५५३; ५६१, दस० ८, २०;
—धार पुं० (-धार) लुओ " कर्ण-
धार " शब्द. देखो " कर्णधार " शब्द.
vide " कर्णधार " सु० च० ३, १६४;
—पावरण. पुं० (-पावरण) गजरे, डानतुं
लूपण. गजरा; कान का गहना an orna-
ment for the ear, an ear-rings
प्रव० १४४०; —मल पुं० (-मल) लुओ
" कर्णमल " शब्द देखो " कर्णमल "
शब्द. vide " कर्णमल " तदु०—सर पुं०
(-शर) डानते आशुतेवु दागे ते कानों
को तार के समान लगने वाला anything
striking the ears as an arrow
strikes the body (e. g. harsh
words) दस० ६, ३, ६; —सोक्ख
न० (-सौख्य) डानते सुभरूप कानों को
सुखदाई anything delightful to
the ears दस० ८, २६;

कञ्जगा. स्त्री० (कन्यका) दुभारिडा. कुमारी.
लडकी A girl; a daughter. सु०
च० १४, ८; ठा० ७, १; निर० ५, १;

कञ्जा. स्त्री० (कन्या) लुओ " कर्णा "
शब्द देखो " कर्णा " शब्द Vide
" कर्णा " सु० च० २, ४६५; दस० ६,
३, १३;

कञ्जालीय पुं० न० (न्यालांक) डन्या
आशी लुहुं ओलतुं ते, नव वरसनी होय
अते १५ वरसनी छे ओम डहेतुं ते. कन्या
के कारण भूँठ बोलना, नौ वर्षकी हो और
१५ वर्षकी बताना A he spoken for
a girl; aving that a girl is of

15 years when she is only
nine years old. परह० १, २,

कञ्जिया स्त्री० (कर्णिका) लुओ " कर्णिया "
शब्द देखो " कर्णिया " शब्द Vide
" कर्णिया ". नंदी० ७;

कन्ह पुं० (कण्ठ) लुओ " कण्ठ " शब्द
देखो " कण्ठ " शब्द Vide " कण्ठ "
अत० १, १, प्रव० ६६०;

कपिजल पुं० (कपिजल) डपिजल पक्षी.
कपिजल पक्षी A kind of bird दस०
६, ४, आया० ६, १०, १६६,

कपित्थ न० (कपित्थ) डेडु, डेडु. कबीट,
फल विशेष The wood-apple tree
अणुजो० १३१,

कपिल पुं० (कपिल) धातडी अ डमाना भरत
अ डनीय पा नगरीना डपिल नामना वासुदेव.
धातकी खडान्तर्गत भरतखड की चम्पा नगरी
के कपिल नाम के वामुदेव. Name of
the Vāsudeva of the city of
Champā on the Dhātakī-
khanda. नाया० १६

कपिहसिय न० (कपिहसित) वादना फली
वाती पेडे वादणा वगर आकाशमा विजणी
थाय ते आकाश मे बिनाही मेघों के बदर के
दांतों (कपिहसित) की तरह बिद्युत का होना
Lightning in the sky resem-
bling the teeth of a monkey
without there being any sign
of clouds भग० ३, ७,

कपोत पुं० (कपोत) डधुन, पारेतु कबूतर
A dove, a pigeon दस० ६, ४

✓ कप्प धा० II (कृत) डापतुं, छेडतुं;
अपतुं; समर्थ थतुं; उत्पन्न डरतुं काटना;
छेदना; खपना, समर्थ होना उत्पन्न करना.
To cut

कप्पइ नाया० १;

कल्पेइ सूय० २, २, ४५; भग० ६, ३३;

कपेति सूय० नि० १, ५, १, ७५,

कप्पति. सूय० ५, ११४,

कप्पेज्ज निसी० ३, ४२,

कप्पेहि नाया० १,

कप्पेह भग० ६, ३३,

कप्पेत्ता स० कृ० ५, ११४,

कप्पेमाण. व० कृ० २, ३६,

कप्पवेइ प्रे० क० वा० सु० च० १३, ६८,

कल्प पु० (कल्प) ३६५, योग्य, उचित,

योग्य, उचित Anything that is

worthy or proper उत्त० ३२, १०४,

वव० १, २२, २, २७, ४, १५, विवा० १,

उवा० १, ७०; (२) आचार. आचार a

sacred precept or rule ज० प०

५, ११५, वेय० ४, १४, वव० ५, ११; ६,

२, १६, भग० ३, ८, २५, ५, ओव० १७,

आया० १, ३, ३, ११७, १, ६, ३, १८५,

कप्प० ५, ११८, पचा० ६, २१, ११, २७,

१५, ४०; (३) ३६५शास्त्र, वेदधर्मनी

विधि अताननार ओके धर्मशास्त्र कल्पशास्त्र,

वेदधर्म की विधि बतानेवाला एक धर्म शास्त्र

Kalpa Śāstra भग० २, १, ५, ४,

विशे० ६, कप्प० १, ६, (४) ओढवानी

पछेडी, साधुनु येके उपकरण पछेवडी, चादर,

साधुका एक उपकरण a kind of scarf

पि० नि० भा० ४६, प्रव० २५६, ५१४, (५)

३६५नामने द्वीप अने समुद्र. कल्प नाम का

समुद्र और द्वीप an ocean and an

island named Kalpa जीवा० ३, ४,

(६) ओ नामनु आचारनी मर्यादा अताननार

शक्ति सूत्र. इस नामका आचारकी मर्यादा दि-

खानेवाला कालिक सूत्र a Kālīka Sūtra

so named explaining the scrip-

tural rules of conduct, know-

ledge etc नंदी० ४३. (७) छि-दुवर्भनु

ओके शास्त्र; आचार विचार प्रतिपादक शास्त्र.

ब्राह्मण समाचारी का शास्त्र, आचार विचार

प्रतिपादक शास्त्र. name of a Brah-

mana scripture dealing with

ritual. पि० नि० १७२, ओव० ३८, (८)

सौधर्म आदि लोकेना नामवाला द्वीप अने

समुद्र सौधर्म आदि देवलोकों के नाम वाले

द्वीप और समुद्र any of the islands

and oceans bearing the names

of Devalokas e g Sandhaima

etc पञ्च० १५, (६) आर देवलोक, ३६५-

राजनीति वगेरे व्यवहार के देवशास्त्रा छे ते

देवलोक बारह देवलोक, कल्प-राज नीति

इत्यादि व्यवहार जिन देवलोकों में हैं वे देव-

लोक the 12 Devalokas, a De-

valoka in which there is to be

found political organisation

etc जीवा० १, ३, ४, पञ्च० २, उत्त० ३,

१५, ठा० २, ४, भग० १, २, ५, २, ७,

८, १, राय० १८, प्रव० ८८७, सम० १,

कप्प० ५, १६, (१०) सरभा, अराग.

समान, बराबर equal to, similar to

पञ्च० ३६, परह० १, ३, उवा० १, ७४,

(११) ३६५वृक्ष कल्पवृक्ष a devale

fulfilling tree, a sacred tree

सु० च० २, ६७,—अंतर न० (-अन्तर)

देवलोकतर देवलोकतर, अन्य देवलोक

another Devaloka विवा० १०, (२)

जिनकल्प अने स्थविरकल्प अन्तः

जिनकल्प और स्थविरकल्प का भेद the dif-

ference between the Jina kalpa

and Sthavirakalpa भग० १, ३.

—अतरिय त्रि० (-अन्तरित) ३६१-५७६

—आढनी अदर गेहे कल्प-पछेवडी

—चादर के अदर रहा हुआ remaining

under the upper garment प्रव०

६८०, —उवग. पु० (-उपग) ३६५-निय-
म-२०७५ डायदानी ६६मां रहेनार देवता;
पडेला देवलोडथी पारभा देवलोड सुधीना
वैमानिड देवता. कल्प-नियम-राजनीति की
सीमा में रहनेवाले देवता; प्रथम देवलोक से
बाहरवें देवलोक तक के वैमानिक देवता
a god who has not transcended
the need of administrative or-
ganisation, any of the gods of
the heavenly worlds from the
first to the twelfth. नाया० १; उत्त०
३६, २०७, भग० २४, २०, पन्न० १५;
—उवय पुं० (-उपग) लुओ "कप्पावेग"
शब्द देखो "कप्पावेग" शब्द vide "कप्पा-
वेग" भग० ८, १०, —उवरिम न०
(-उपरित्तन) पायभा देवलोडना उपरना
देवलोड पाचवे देवलोक के ऊपर का देवलोक
the Devaloka situated above
the 5th Devaloka भग० ६, ८;
—उववत्तिय पुं० स्त्री० (-उपपत्तिक) ३६५-
"पार देवलोडभा उत्पन्न थयेव वैमा-
निड देवता. कल्प-१२ देवलोक में उत्पन्न हुए
वैमानिक देवता a deity of the hea-
venly worlds 12 in number
भग० १, ८, —उववन्नग पु०
(-उपपन्नक) लुओ "कप्पोवग" शब्द
देखो "कप्पोवग" शब्द vide "कप्पो-
वग" जं० प० ७, १४०; ठा० २, २,
—काल पु० (-काल) थलुः वप्पत्त, थिर
डाल. बहुत समय; चिरकाल long time.
सूय० १, १, ३, १६; —गग्रहण न०
(-ग्रहण) यादर वगेरे वस्त्रोतु ग्रहणु डरतु
ते चादर आदि वस्त्रों को ग्रहण करना
accepting of clothes प्रव०
५२५; —जुअ (-युक्त) पछेडी वगेरे
डपथी युक्त चादर डम्पादि वस्त्रों के सहित.

possessed of upper garment
etc प्रव० ५०२; —तिग न० (-त्रिक)
त्रलु पछेडी त्रलु यादर. तीन चादर; तीन
पछेवडी. three upper garments
(used by ascetics) प्रव० ५०२;
५२६, —डुग. न० (-द्विक) भे पछेडी,
भे यादर. दो चादर, दो पछेवडी. two
upper garments (of an ascetic)
प्रव० ५०२, क० गं० ३, ११, —महद्दुम पुं०
(-महाद्रुम) ३६५ भुनु भोट वृक्ष
कल्पद्रुम का महान् वृक्ष the big holy
tree known as Kalpadruma.
प्रव० १०३६, —समात्ति स्त्री० (-समाप्ति)
३६५ नी-परिहार तपनी समात्ति कल्पकी-
परिहार तपकी समाप्ति conclusion, end
of the austerity known as
Parihāra प्रव० ६१७;

कप्पट्ट पु० (कल्पस्थ) आलड. बालक A
child पि० नि० २८७, पचा० १५, ३१;
प्रव० ४८८;

कप्पट्ठिइ स्त्री० (कल्पस्थिति) साधु समा-
चारीनी स्थिति-भर्यादा साधु समाचारीकी
स्थिति मर्यादा Practice of ascetic
scriptural rules by a Sādhu
वेय० ६, २०;

कप्पट्ठिय पुं० (कल्पस्थित) ३६५ स्थित समा-
चारीनी भर्यादाभा रहेव मुनि कल्पस्थित
समाचारी की मर्यादा में रहा हुआ मुनि An
ascetic observing scriptural
rules विशेष० १२७५; प्रव० ६१३,
—तव न० (-तपस्) ३६५ स्थित-वाचन-
आर्थ ७ भास पर्यन्त परिहारिड नामनु तप
डरे ते (तप). कल्पस्थित वाचनाचार्य छ
माह तक परिहारक नामका तप करते हैं वह
(तप) a kind of austerity
named Parihānka: practised

for six months by Vāchanāchāya, a kind of austerity प्रव० ६१५,
कण्ड पु० (कर्पट) लुगडाने वण दधने
अनावेल गोटे वस्त्र को बट देकर बनाया
हुवा गेद A cloth twisted into
the shape of a ball. परह० १, ३;
प्रव० ४४०,

कण्डिय पु० (कार्पटिक) डापडी, डावड लध
लिक्षा भागनार कावड लेकर भिक्षा मांगने
वाला A mendicant begging
alms with a balancing lath on
his shoulder पि० नि० १२७, विवा०
७, नाया० ८,

कण्ण न० (कल्पन) छेदयुं काटना,
छेदना Act of cutting सु० च० १३,
१, सूय० नि० १, ५, १, ७५,

कण्णाली स्त्री० (कल्पना) कल्पना, सभावना
खयाल, कल्पना, सभावना Imagination,
act of imagining a thing
as probable विशे० १६, ११७,
१७३२, भग० ७, ६,

कण्णीज्ज त्रि० (कल्पनीय) उद्गमादि दोष रहित,
लेने योग्य Free from any fault (objection),
acceptable पंचा० १, ३१,

कण्णी स्त्री० (कल्पनी-कल्प्यते द्विद्यते यथा
सा कल्पनी) डातर, छुरी कैचा, छुरा
A pair of scissors, a knife.
“खुरेहि तिक्खधारोहे दुरियाहि कण्णीहि
या कण्णिओ कालिओद्धिओ, उक्कतोयअणे-
गयो ” उक्त० १६, ६३, ज० प० परह०
१, १, विवा० ४, — कण्णिय न० (-क-
ल्पित) डातरे डापेक्षु. कैची मे कटा हुआ
cut with scissors, विवा० ८,

कण्णतरु पु० (कल्पतरु) कल्प
वृक्ष A desire-yielding tree गु०

च० २, ३६६, प्रव० १५६३,

कण्णदुम पु० (कल्पद्रुम) कल्प
वृक्ष A desire-fulfilling tree, a
sacred tree, भक्त० २, प्रव० ४०,

कण्णपायव पु० (कल्पपादप) कल्पवृक्ष
A desire-yielding tree
सु० च० २, ६७,

कण्णरुक्ख पु० (कल्पवृक्ष) कल्पवृक्ष, जुग-
लिया अने देवताने वञ्चित इस आपनार आड
कल्पवृक्ष, युगलिया और देवताओं को वाञ्छित
फल देने वाला झाड A desire-yield-
ing tree, a tree furnishing
desired objects to Jugaliyās and
gods कण्ण० ४, ६२, भक्त० १६७, ज०
प० ३, ४३,

कण्णरुक्खग पु० (कल्पवृक्ष) कल्पवृक्ष
A desire yielding tree
ज० प० ५, १२२, भग० ६, ३३,

कण्णरुक्खय पु० (कल्पवृक्षक) जुगो
“कण्णरुक्खग” शब्द देखो “कण्णरुक्खग”
शब्द Vide “कण्णरुक्खग” नाया० १,

कण्णवइ पु० (कल्पनि) कल्पवासी देवता-
ना अधिपति—इन्द्र कल्पवासि देवताका
अधिपति—इन्द्र The lord Indra of
Kālpavāsī gods ज० प० ५, ११५,
कण्णवड्डिसिआ स्त्री० (कल्पवत्तिका) ओ
नामजुं ओड डाविक सुत्र इस नाम का एक
कालिक सूत्र Name of a Kālika
Sūtra ज० प० गय० नदी० ४३,

कण्णविमाणवास पु० (कल्पविमानावास)
देवलोकना ओड देशरूप विमानगा निवास
देवलोक के एक देशरूप विमान में निवास
Residence in a heavenly abode
named Deśarūpa ठा० २, ८,

कण्णविमाणोववत्तिया स्त्री० (कल्पविमाणो-
ववत्तिका) ओथी देवलोका उत्पन्न थाप

तेरी आयरणा. जिससे देवलोक में उत्पन्न हो सके ऐसा व्यवहार—आचार Conduct leading to birth in Devaloka
अ० १२, ४;

कप्पाइय पुं० (कल्पातीत) राज्यव्यवस्था-
ना नियमने उत्पन्न थी गये देवता; नवग्रीवेक्ष
अने पाय अनुत्तर विमानना देवता राज्य-
व्यवस्था के नियम को उल्लाघ चुके हुए देव,
नवग्रीवेयक और पाच अनुत्तर विमानके देवता
Gods who have transcended
the necessity of having admin-
istrative organisation; viz.
the nine Graiveyaka and the
five Anuttara gods उत्त० ३६,
२०७, पञ्च० १५,

कप्पाकप्पिय न० (कल्पाकल्पिक—कल्प आ-
चार अकल्पोऽविधिः अथवा कल्पो जिन-
कल्पादिरकल्पश्चरकादिदीक्षा, यद्वा कल्प्यं
ग्राह्यमकल्प्यद्वान्यत् तत्प्रतिपादकं शास्त्रं क-
ल्पाकल्पिकम्) उत्पन्न अकल्प दर्शावनार ओष्ठ
लाडिध धर्मशास्त्र कल्प और अकल्प दिखाने
वाला एक लौकिक धर्म शास्त्र A religi-
ous scripture showing what is
Kalpa and what is not Kalpa.
अणुजो० ४१,

कप्पाग पुं० (कल्पक) ओष्ठ जन्माना धरा
भाविडोपैष्टी ओष्ठने भुज्ज भाविड उत्पन्न
ते, सेज्जन्तरीओ। एक स्थान के कई मालिकों
में से एक को मालिक समझ लेना, शय्यान्त-
रीय Designating one among
many owners of a place as the
principal owner वेय० २, १२;

कप्पाग पुं० (कल्पाक) साधु साधु An
ascetic वव० ४, १५; —भिक्खु पुं०
(—भिक्खु) छेदोपस्थापनीय चारित्र्य स्थापना-
योग साधु छेदोपस्थापनाय चारित्र्य में स्थापने

योग्य साधु an ascetic deserving
to re-establish another person
(monk or layman) who has
temporarily lapsed from right
conduct. वव० ४, १३; १४;

कप्पातीत पुं० (कल्पातीत—कल्पमतीता
अतिक्रान्ता कल्पातीताः) उत्पन्न देव-
लोकां उत्पन्न थये, नवग्रीवेक्षी भांड़ी
पाय अनुत्तरविमानभांता देवता के जेने उत्प-
—ओष्ठे राजनीति—व्यवहारना धावदानु
अंधन नहीं कल्पातीत देवलोक में उत्पन्न
हुए देव; नवग्रीवेयक से लगाकर पाच अनुत्तर
विमान के देवता, जिन्हें कल्प अर्थात् राजनीति
के व्यवहार—कायदों का बंधन नहीं होता
One born in the heavenly worlds
which have transcended the
necessity of having adminis-
trative organisation भग० ८, १;
१०, २४, २०; (२) स्थितिउत्पन्न आदि साधुना
आचारनी भयावहने उत्पन्न थी गये—तीर्थकर
देवली गेरे स्थितिकल्प आदि साधुके आचार
की सीमा उल्लाघे हुए—तीर्थकर, केवली आदि.
a Tirthankara, a Kevali etc.
who have transcended the
necessity of observing scriptur-
al rules prescribed for asce-
tics. भग० २, ५, ६, ७;

कप्पातीतगवेमाणिय पुं० (कल्पातीतकवै-
मानिक) आर देवलोकथी उपरना देवलोकभां
उत्पन्न थये वैमानिक देवता बारह देवलोकों
के ऊपर के देवलोकों में उत्पन्न हुए वैमानिक
देवता. A kind of gods born in
a heaven beyond the Kalpa
heavens भग० २४, १२,

कप्पाय न० (कल्पक) उत्पन्न कल्प Kalpa.
(१. ४.) विवा० ३.

कपास पु० (कार्पास) ऐक प्राचीन दौडिक मत एक प्राचीन लौकिक मत. Name of an ancient creed ओघ० नि० भा० १२, (२) कपासथी उत्पन्न यत्तुं सूत्र कपास से उत्पन्न होनेवाला सूत cotton thread अणुजो० ३७, —**रोम न०** (-रोमन्) कपासनी इयादी कपास के तार-नर्म रेशा a fibre of cotton भग० १५, १, —**लोम न०** (-रोमन्) कपास-रुनी पुन-इयादी कपाम-रुई का तार a cotton fibre भग० ८, ६, —**वण न०** (-वन) कपासनु वन कपास का वन a forest of cotton निमो० ३, १६,
कपासस्थि पु० (कार्पासास्थि) त्रयु ध्रिय वाणो ऐक कपासनी श्रव. तीन इद्रिय वाला एक कपासका जीव A kind of three-sensed living being found in cotton पञ्च० १, जीवा० १,

कपासिअ पु० (कार्पासिक) कपासनी वेपारी कपास का व्यापारी A cotton-merchant पञ्च० १, अणुजो० १३१, (२) ओ नामनु कपासनु ग्यान आपनार ऐक शास्त्र इस नाम का कपास का वर्णन करने वाला एक शास्त्र name of a science describing the properties of cotton अणुजा० ४१,

कपासी स्त्री० (-कार्पासी) कपासनी रहनेवाला श्रव० कपासमें रहने वाला एक कीड़ा An insect living in cotton उत्त० ३६, १३५,
कप्पिअ-य त्रि० (कल्पित) साधुने लेना योग्य, साधुने कल्पे तेषु साधु के लेने योग्य, साधु को कल्पनाय Fit for an ascetic, acceptable to a Sādhu दस० ६, ४८, (२) गोडवेसु, रयेसु,

स्थापेसु. जमाया हुआ, रचा हुआ, स्थापित किया हुआ arranged, established ओव० २७, दसा० १०, १, ज० प० नाया० १, सूय० १, २, ३, १८, कप्प० ४, ६२,
कप्पिअ-य त्रि० (कर्तित) अपेसु, छेदेसु काटा हुआ, छेदाहुआ Cut off, broken जीवा० ३, ४, विवा० ४, उत्त० १६, ६३,
कप्पिअकप्पिअ पु० (कल्पाकप्प) ओगणु-त्रिश उत्कालिक सुत्रमानुं गीलुं २६ उत्कालिक सुत्रों में से २९ सूत्र The 2nd of the 29 Utkālīka Sūtras नदी० ४३,
कप्पिअा स्त्री० (कल्पिका) ऐ नामनु कालिक सूत्र, निरयावलिडा अतर्गत उपाग सूत्र इस नामका कालिक सूत्र, निरयावलिडा के अंतर्गत उपाग सूत्र Name of a Kālīka Sūtra, the Upānga Sūtras contained in Nuayāvalikā नदी० ४३,

कप्पू पु० (कर्पूर) कप्पूर Camphor राय० ५६, नाया० १; १७, जीवा० ३, ४ कप्प० ३, ४३, —**पुड पु०** (-पुट) कप्पूरनी पडे-पडिडे कप्पूर का पुडा-पुडिया a packet of camphor, नाया० १७,

कप्पोववणग पु० (कप्पोपपन्तक) लुओ " कप्पोवग " शब्द देखो " कप्पोवग " शब्द Vide " कप्पोवग " भग० २४, २० —**वेमाणिय पु०** (-वेमानिक) लुओ " कप्पोवग " शब्द देखो " कप्पोवग " शब्द vide " कप्पोवग " भग० २४, १७,

कवध पु० (कवन्ध) माथाविनातु श्रवतु धड विना मिर वाला जाता बड A headless trunk with life in it पण्ह० १, ३, तदु०
कृन्वडिगा स्त्री० () पुत्री, दीदरी लटकी, कुमारी. A daughter पि० नि० ५७६,

❖ कवटी स्त्री (बालिका) नानी छोटी छोटी लडकी. A young girl. पि० नि० २८५.

कवड. न० (कर्वट) नाना गढी बिटायें शहरे छोटी दीवार से परिवेष्टित शहर A city encircled by a low rampart आया० २, ७, ६, २२२; कण० ४, ८८, (२) दुखडी वसतीनुं रहेछालु. छोटी वस्ती का स्थान an abode of mean population अणुजो० १३१, वेय० १, ६; उत्त० ३० १६, ठा० २, ४,

कवडग पु० (कर्वटक) कर्वट नामने ग्रह. कर्वटक नाम का ग्रह Name of a planet ठा० २, ३,

* कभल्ल न० (*) कर्पूर, हीयडी खोपडी, खप्पर The skull, a piece of a broken jar of the shape of a skull “कभल्ल सट्टाण सट्टिण्” उवा० २, ६४, अत० ३, ८, अणुत्त० ३, १;

कम. पु० (क्रम) क्रम, अनुक्रम; पद्धति, नियम सर कम, अनुक्रम, नियमसर, तरताव वार Order, method, serial order. सम० ७, क० प० १, १२, ६६; क० ग० २, ११; २, ७६, सु० च० १, १, पि० नि० ६०; नाया० १, ७, १; १६, भग० ५, १, ६, ३, २०, ५, २४, १, ३२, २, प्रव० ३७६, विशेष २; ११०; जं० प० ७, १५७, (२) अरणु, पग पाव, पग; चरण feet गच्छा० ३६, — आरब्ध. त्रि० (—आरब्ध) क्रमे डरीने आर-भेनुं. क्रमसे प्रारंभ किया हुआ begun in serial order क० प० ५, ६५, —उक्रम. पु० (—उत्क्रम) क्रम अने उत्क्रम क्रम और अनुक्रम. order and serial order.

प्रव० १०५८, —जुअल न० (—युगल) क्रम युगल मे पग कम युगल, दो पाव two feet गच्छा० ३६; —जोग. पु० (—योग) अनुक्रम-अनुपूर्व जोग-व्यापार प्रवृत्ति क्रमानुसार जोग-व्यापार-प्रवृत्ति. serial order; graded order दश० ५, १, १;

कमंडलु. न० (कमण्डलु) क्रमंडलु कमडल. A waterpot (earthen or wooden) used by ascetics. नाया० ७१६; भग० ११, ६; १४, ८,

कमकरिया स्त्री० (कमकरिका) ओष्ठ गतनुं वाद्य एक जातका बाजा A kind of musical instrument निसी० १७, ३५, —सद् न० (—शब्द क्रमक्रिया शब्द-क्रम कृत शब्द) वाद्यतंत्री शब्द बाजे का आवाज sound of a musical instrument. निसी० १७, ३५;

कमठग न० (कमठक) आसानी इथरोटने आडारे साध्वीने अहार करवानु तुण्डानु पात्र; क्रमंडल. कासे के पात्र के सदृश साध्वी के आहार करने का तुम्बेका पात्र-कमडल A dining vessel of an ascetic made of gourd and having the shape of a bronze pan, an earthen or wooden waterpot of an ascetic. ओष० ने० ३६, ६७५, वव० २, २७,

कमठय. न० (कमठक) लुगो उपलो शब्द देखो उपर का शब्द Vide above. प्रव० ५३६; —जुय त्रि० (—युत) रोगन वगेरेथी लेपित डरेल तुण्डाना पात्रथी युक्त. रोगन आदि से लेप किये हुए तुम्बी के पात्र सहित. (one) possessed of a painted vessel made of a dry gourd

प्रव० ५३६,

कमल न० (क्रमण) आक्रमण करने का Attacking ओव० ३, १,

कमल पु० (कमल) कमल A

lotus सत्या० १५, राय० २७, नाया० १,

८, ६, भग० २, १, ६, ३३, विशेष० ११०६,

(२) ओड जतने डरल एक जाति का

मृग. a kind of deer. ज० प० ५, ११५,

१२१, अणुजो० १६, ओव० ६३, (३)

छटा तीर्थदरनु लाउन छठे तीर्थकर का चिन्ह

-लाइन. the mark (insignia) of

the 6th Tirthankara प्रव० ३८१,

—आगर पु० (-आकर) कमलवाणु

तलाव कमलवाला तालाव a lake with

lotuses growing in it ओव० १३,

भग० २, १, अणुजो० १६, —आयर पु०

(-आकर) कमलना उत्पत्ति-स्थान, तलाव

सरोवर वगेरे कमल के उत्पन्न होनेका स्थान

तालाव, सरोवर आदि a lake etc

where lotuses grow. कप्प० ४,

६०, —उवम. त्रि० (-उपम) कमलना

सरभु, कमल जेवु कसल के सदृश, कमल

जैसा lotus-like, resembling a

lotus विवा० ७, —द्विज त्रि० (-स्थित)

कमल जेपर रहेलु कमल पर रहा हुआ

situated on a lotus कप्प० ३, ४१,

—(ला)णयण न० (-नयन) कमलना

जेपी आप कमल जैसी आख an eye

like a lotus. नाया० १, —दल न०

(-दल) कमलनु पत्र कमल का पत्ता

a leaf of a lotus भक्त० ७८,

—दलकल. त्रि० (-दलात्त) कमलनी

पाण्डी जेपी आपोनाणु कमलकी पसड़ी के

समान आसोंवाला having eyes like

lotus-buds भक्त० ७८, —रण न०

(-वन) कमलनु वन कमलों का वन

the place where lotuses grow

abundantly कप्प० ३, ३६; —वणा-

लंकरण न० (-वनालकरण) कमलवनना

आलूषण. कमल वन का आभूषण the

lotus as an ornament of the

forest कप्प० ३, ३६, —(ला)सीहा-

सन न० (-सिंहासन) पिशाचना धर

झांगनी पट्टराणी-कमलादेवीनु कमलसिंहासन

नामनु आसन पिशाचों के इद्र काल की

पट्टरानी कमलादेवी का कमल सिंहासन नाम

का आसन name of the throne of

Kamalādevī the crowned queen

of Kāla, the India of the

Pisāchas नाया० व० ५,

कमलगाहावइ पु० (कमलगाथापति) कमल

नामना गृहपति, गृहस्थ कमल नाम का एक

साहुकार A merchant-prince so

named नाया० व० ४,

कमलपमा स्त्री० (कमलप्रमा) पिशाचना

भट्टारान्न झांगनी भीष्म पट्टरानी पिशाचों

के इन्द्र काल की दूसरी पट्टरानी Name

of the second principal queen

of the sovereign king of the

Pisāchas ठा० ४, १, भग० १० ५,

नाया० व० ४,

कमलवडिसयभवण न० (कमलावतसक-

भवन) कमलावनसक नामे भवन. कमला-

वतसक नाम का भवन A celestial

abode named Kamalāvata-

saka नाया० व० ५,

कमलसिरी. स्त्री० (कमलश्री) कमलश्री नाम-

नी गण्डी कमलश्री नाम की रानी Name

of a queen नाया० २, ८, —भारिया

स्त्री० (-भार्या) कमलश्री नामनी स्त्री

कमलश्री नाम की स्त्री name of a

woman नाया० व० ४

कमला स्त्री० (कमला) पिशाचना इंद्र राज्ञी
पट्टराक्षी, उभवादेवी पिशाच का इंद्र काल
की पट्टरानी, कमलादेवी. Kamalādevī,
the crowned queen of Kāla,
the India of the Pisāchas. जं०
प० ३, ५७; नाया० ध० २; ठा० ४, १,
भग० १०, ५; —दारिद्र्या. स्त्री० (—दा-
रिका) उभवा नाम्नी पुत्री कमला नाम
की लडकी a daughter of this
name. नाया० ध० ५, —रायहाणी.
स्त्री० (—राजधानी) उभवादेवीनी उभवा
नामे राजधानी कमलादेवी की कमला नाम
की राजधानी the capital-city
named Kamalā of Kamalādevī
नाया० ध० ५;

कमलावई. स्त्री० (कमलावती) ध्रुव
राजनी राक्षी इषुकार राजा की राणी
Name of the queen of king
Isukāra. उत्त० १४, ३;

कमसो. अ० (क्रमशस्) अनुक्रमयी; क्रमेदरी
क्रम से, अनुक्रम से. In order; in
serial order. विशेष० ११०; पि० नि०
७७, अणुजो० १२८, प्रव० १८; १३४३;
क० गं० १, १४; ३०, २, ३०; ५, ८३; क०
प० १, १६, ४०, उत्त० १८, ११;

कमा स्त्री० (कमा) उभादेवी; धरणेन्द्रनी
अग्रभट्टिपीनुं नाम कमादेवी; धरणेन्द्रकी अग्र-
महिषी का नाम Kamādevī; the
principal queen of Dharanendra.
नाया० ध०

कमाड न० (कपाट) उभाड. किवाड A
door आव० ४, ५,

कमियच्च. त्रि० (क्रमितच्च) आक्रमण करने;
आक्रमण करना; हमला करना Attacking;
overpowering. नाया० १; भग० ६, ३३,

कम्म पुं० (कर्मण) धर्मणु शरीर; पाप

शरीर मानुं ऐड. कर्माण शरीर; पांच शरीरों
में से एक Karmic body; one of
the five sorts of bodies. भग० १,
१; ६; २, १; ८, १; क० गं० ५, ७६;
(२) धर्मणु योग; १५ योगमानो ऐड.
कर्मण योग; १५ योगोंमेंसे एक Kārmana
Yoga; one of the 15 Yogas.
क० गं० ४, ७; २८, (३) धर्मणु शरीर योग्य
पुद्गल रंध्रधनी वर्णणु-समुदाय (३) कर्मण
शरीर के योग्य पुद्गल स्क्ंधों का समूह-
समुदाय. a collection of molecules
fit for the Kārmana body क०
प० १, १६, —उरलदुग. न० (—औदारि-
कद्विक) धर्मणु तथा औदारिक द्विक
कर्मण तथा औदारिक द्विक-युग्म a pair
of Kārmana or physical bodies.
क० गं० ४, ३०; —पोग्गलपरियट्ट न०
(—पुद्गलपरिवर्त) ऐड ७५ ७८६५ वषतभां
लोडना तमाम पुद्गलोने धर्मणु शरीर पणु
लधने परिणुभापीने छोडे तेडलो वषत-
भावने ऐड विलाग एक जीव जितने
समय में लोक के तमाम पुद्गलों को कर्मण
शरीर द्वारा लेकर और परीणमाकर छोडता
है उत्तना समय; काल का एक विभाग. a
certain division of time. भग० १२, ४;

कम्म. पुं० (कर्मन्) उत्तुल्लेखणु, अवल्लेखणु, आ-
दुत्थन, प्रसारणु, गमन, ऐ पाप धर्मोभांतुं
गमेते ऐड धर्म उत्त्थेपण, अवल्लेपण, आकु-
ञ्चन, प्रसारण और गमन इन पांच कर्मों में से
कोई भी एक कर्म any of the five
actions consisting of raising,
lowering, contracting, expan-
ding and moving. भग० १, २, १२, ५;
पञ्च० २३; दसा० ६, १, उवा० १, ४३; (२)
आरीगरी, आरीगरीथी अनावेतुं रूप-आकार
कारीगरी, करीगरी से बनाया हुआ आकार

artificial shape अणुजो० १०, (३) धर्म, कार्य, क्रिया, काम धंधा व्यापार, कर्म, काम क्रिया, घटा action, operation, trade अणुजो० १३१, ठा० १, १, सू० प० १६, नाया० १, १७, सु० च० १, १, पि० नि० ६३, १०१, ४३७, पि० नि० भा० ४०, ज० प० ७, १५१, (४) आरंभ, प्रवृत्ति आरंभ, प्रवृत्ति beginning of activity, activity सृ० १, १२, १५, ज० प० (५) आत्मान्ती शक्तिने दयावनार ज्ञानावरणादि आदि धर्म, ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय, आयुष्य, नाम, गोत्र, अने अन्तराय, ये आहमातु गमे ते येऽ आत्मशक्ति को दवाने वाले आठ कर्म, ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेदनीय, मोहनीय, आयुष्य नाम, गोत्र, और अन्तराय इन आठ में से कोई भी एक any one of the eight Karmas viz Jñānāvaranīya, Darśanāvaranīya, Vedanīya, Mohanīya, Āyusya, Nāma, Gōtra and Antarāya भग० २, १, ५, ३, १, ५, ४, ७, ८, ३५, १, ३४, १, पञ्च० १, १४, १६, दसा० ६, १, विशेष० २४६, ३६३, सू० २, १, ६०, दस० ४, २४, ६, ३३, ६६, नाया० १, ८, कण्ठ० ५, ११८, आव० १, ५, क० ग० १, १, ३७, २, १, —अन्त पु० (—अन्त-कर्मणां अन्त पर्यन्तभागो मूल कारण यस्य) धर्मना कारण कर्म का निमित्त-कारण a cause of Karma. दसा० ६, ३१, —अंस पु० (—अंश) ज्ञानावरणादि धर्मना अंश ज्ञानावरणादि कर्मोंका अंश. a portion of Karma, e. g. of knowledge obscuring Karma etc. ओव० ४२, उत्त० ३, १०, भग० १५, १, १८, ७, (२) धर्म प्रवृत्ति कर्म प्रवृत्ति

a variety of Karma. क० ग० ६, १७; —अवसेस पु० (—अवशेष) धर्म-मात्र, अवशेष-आदिना धर्म कर्ममात्र, अवशेष-बाकीका कर्म the whole mass of Karma, the remaining Karmas भग० १४, ७, —आजीवि त्रि० (—आजीवक) गेती वगेरे धर्म करी व्यवसाय गेती प्रवृत्ति कर्म करके जीविका चलाने वाला one who earns livelihood by agriculture and other occupations ठा० ५, १ —आदाण न० (—आदान) प६२ प्रक्षरना धर्मदान; श्रावकने न करवा योग्य धर्म-धंधा. प६२ प्रकारके कर्मदान, श्रावक के न करने योग्य कर्म-व्यापार the fifteen sorts of actions by which Karma is incurred, a business not fit to be done by a layman or a Jain. भग० ६, ३३, (२) धर्मेनि आववातो मार्ग कर्मों के आने का मार्ग. a door for the coming in of Karma भग० ५, ५, —आयाण न० (—आदान) धर्मनु उपादान कारण कर्मों का उपादान कारण an efficient cause of Karma. अत० ६, १५, —आसीविष त्रि० (—आशीविष = कर्मणा-क्रियया शापादिनोपघातकरणेनाशी विषाः कर्माशीविषा) गेते क्रिया अनुष्ठानना अक्षयी भीमना नाश करवानी आप आपी अनिष्ट करवानी शक्ति उत्पन्न थछ होय तेवा तिर्य्य मनुष्य वगेरे जिसे क्रिया-अनुष्ठान के बलसे दूसरों का नाश करने-शाप देकर अनिष्ट करने की शक्ति उत्पन्न होगई है वह तिर्य्य मनुष्य वगेरह one that has developed the power of effecting evil to others by the force of some practices and by

pronouncing curses भग० ८, १;
 २, —उदय. पु० (-उदय) उभेति उदय.
 कर्मों का प्रादुर्भाव. rise of Karma;
 maturity of Karma. भग० ६, ३२,
 —उदीरण. न० (-उदीरण) उभेति पराणे
 जेयीने उदयभा लावुं ते कर्मों को उदय
 भाव में लाना forcing up Karma
 into maturity भग० २५, ६;
 —उपग. पु० (-उपग) ज्ञानावरणादि
 उभेति अधन ज्ञानावरणादि कर्मों का बधन.
 bondage of Karma, e g that of
 knowledge-obscuring Karma
 etc. भग० १४, ६, —उवचय पुं०
 (-उपचय) उभेति उपयय-वृद्धि कर्मों
 की वृद्धि. increment of Karmas
 भग० ६, ३, —उवसम. पुं० (-उपशम)
 उभेति उपसभाववा ते. कर्मों को उपशमाना
 subsidence of Karma, assuag-
 ing of Karma भग० ६, ३२; —उवहि
 पुं० (-उपधि) उभेरूप उपाधि; आठ
 उभेरूप परिग्रह. कर्म रूप उपाधि; आठ
 कर्म रूप परिग्रह. obstacles, fetters
 in the form of the eight kinds
 of Karma ठा० ३, १; भग० १८, ७;
 —कर. पुं० (-कर) धरुं कामकार
 उन्तार; कामगरी, नोकर घर का कामकाज
 करने वाला, नोकर चाकर a domestic
 servant; a servant जं० प० श्रौव०
 ३१, दसा० ६, ४, आया० २, १, २, १२;
 —करअ पुं० (-कर+क) लुओ “ कम्म-
 कर ” शब्द देखो “ कम्मकर ” शब्द
 vide “ कम्मकर ” सूय० २, २, ६३;
 —करण न० (-करण—कर्मविपरं
 करणं जीववीर्य बन्धनसंक्रमादिनिमित्तभूत
 कर्म कर्मकरण) उभेति उरुणु, साधन;
 एव वीर्य पगेरे कर्मों का करण-साधन:

जीव वीर्य इत्यादि. instrumental
 cause of Karma भग० ६, १; —करी.
 स्त्री० (-करी) काम उरनारी; कामगरी;
 दासी काम करने वाली; दासी, नौकरानी.
 a female servant, a maid-ser-
 vant. आया० २, १, २, १२, —कार.
 पुं० (-कर) काम उरनार; दास. काम करने
 वाला दास. a servant. नाया० ६;
 —कारअ पुं० (-कारक) काम उरनार;
 दास. काम करने वाला; दास a servant.
 दसा० ६, ४. —क्खय पुं० (-क्षय)
 उभेति क्षय-नाश. कर्मों का क्षय-नाश.
 destruction of Karma. नाया०
 ५, प्रव० ४४८; ६५८, भत्त० १३६;
 —खंघ पुं० (-स्कन्ध) उभेति रंध-
 आणुसमूह कर्म के स्कन्ध-अणुसमूह.
 collection of Karmas. क० ग० ५,
 ७८; —गर. पुं० (-कर) कारीगर-लुहार
 पगेरे दस्तकार (कारीगर) —लुहार इत्यादि
 an artisan, e. g. a blacksmith
 etc जीवा० ३, ३; ज० प० ५, ११२;
 —गुरु. त्रि० (-गुरु) उभेति गुरु-
 भारे, भारे उभेति कर्मों से भारी, गुरु कर्मों
 (one) possessed of heavy
 Karmas. नाया० ६, —गुरुयना स्त्री०
 (-गुरुकता) उभेति गुरुपाणु कर्मों
 द्वारा भारी पना heaviness of Karmas.
 भग० ६, ३२; —गुरुयसंभारियत्ता.
 स्त्री० (-गुरुकसंभारिकता) उभेति भारेपाणु,
 भारे उभेतिपाणु. कर्मों का भारी पन; जिसके
 कर्म बड़े जबरदस्त हैं heaviness of
 Karmas, state of being one
 with heavy Karmas भग० ६, ३२,
 —घण पुं० (-घन) उभेति वादल
 कर्म रूपी वादल a cloud in the form
 of Karma. “ विरायई कम्म-घणमि

अवगए ” दस० ८, ६४, —चउक्क न० (—चतुष्क) दर्शनावरण, वदेनीय, नाम, अने गोत्र, जेयार डभ^१ दर्शनावणीय, वेदेनीय, नाम और गोत्र ये चार कर्म. the four varieties of Karma, viz Darśanāvaiṇīya, Vedanīya, Nāma and Gotra क० प० २, ८०, —जाइभेअ. पु० (—जातिभेद) डभ^१ अने जति ने भेद कर्म और जाति का भेद the distinctions of occupation and castes प्रव० १५, १५, —जुत्त. त्रि० (—युक्त) डभ^१ युक्त, डभ^१सहित कर्मयुक्त-सहित, यम युक्त possessed of Karmas, with Karmas प्रव० १२८८, —डुग न० (—अष्टक) आठ डभ^१ आठ कर्म. the eight Karmas क० प० १, १, प्रव० १२८६, —डुगोदय पु० (—अष्टकोदय) अष्ट डभ^१ ने उदय आठों कर्मों का उदय the rise or maturity of eight Karmas क० प० ७, ५६, —डिइ छी० (—स्थिति) डभ^१नी स्थिति कर्मों की स्थिति duration of existence of Karma भग० ६, ३, १४, ६, प्रव० १०४४, क० प० २, ७४, ३, २, —णरवइ पु० (—नरपति) डभ^१शी राजा कर्म रूपी राजा a sovereign, a king in the form of Karma. नाया० १७, —णिदाण न० (—निदान=कर्म निदान नारकत्वनिमित्त कर्मबन्धानिमित्त वा जेपा ते कर्मनिदाना) डभ^१ बंधनना कारण कर्म बधन का कारण a cause of Karmic bondage भग० ४, ६, १४, ६, —णिसेग पु० (—निपेक) जुओ “कम्म निसेअ” शब्द देखो “कम्मनिसेअ” शब्द vide “कम्मनिसेअ” जीवा०, भग० ६, ३,

—दव्ववग्गणा पु० (द्वयवर्गणा) डभ^१ २५ द्वय वर्गणा-डभ^१ने समूह कर्म रूप समुदाय —कर्मों का समूह; कर्म वर्गणा a group, collection of Karmas भग० १, १, —निज्जरा छी० (—निर्जरा) डभ^१नी निर्जरा, डभ^१ने क्षय. कर्मों की निर्जरा, कर्मों का क्षय destruction, wasting away of Karma. भग० ७, ३, —निव्वत्ति छी० (—निर्वृति) डभ^१नी उत्पत्ति-निष्पत्ति कर्मों की उत्पत्ति-उद्गम. birth of Karmas. भग० १६, ८, —निसेअ पु० (—निपेक-कर्मणो निपेको बाधोनाकर्मस्थितिः कर्मदल्लिक-स्थानुभवनाथो रचनाविशेषो वा कर्म निपेक) अयाधा डाल शिवायनी डभ^१ स्थिति, अयाधाडाल पछी डभ^१ने अनुभव थाय तेरी रीते डरेली डभ^१नी ओड रचना व्यवस्था अवाधा काल रहित कर्म स्थिति, अवाधा काल के पश्चात् कर्मों का अनुभव हो ऐसी की हुई कर्म रचना-व्यवस्था a variety of Karma which is experienced after the period of its end “अवाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेगोत्ति” भग० ६, ३, —पएस पु० (—प्रदेश) डभ^१नी प्रदेश कर्मों का प्रदेश the atomic part of Karma क० प० १, २६, ७, ५०, क० ग० ५, ६६, —पगइ छी० (—प्रकृति) डभ^१नी प्रकृति कर्मों की प्रकृति variety of Karma क० ग० ६, ६६, —पगडि छी० (—प्रकृति) डभ^१नी प्रकृति अतएव भेद. कर्मों की प्रकृति-अवान्तर भेद Karmic nature Karmic variety भग० ६, ३, ६, ८, १०, १६, ३, २५, ६ २६, ३ ३३, १, —पभार पु० (—प्रभार) डभ^१ने भार डभ^१ने ओने कर्म का भार, कर्मों का बोझ heavy load of Karma निर० १, १, —परिग्गह पु०

(-परिग्रह) आहं इभिरूप परिग्रह. आठ कर्म रूप परिग्रह possession in the form of the eight kinds of Karmas ठा० ३, १; भग० १८, ७, —परिणति स्त्री० (परिणति) इभेनुं इक्ष कर्मों का फल the result of Karma पचा० ७, ४८, —पुरिस्स पुं० (-पुरुष) इभे-भ-हृरत्तादि तत्प्रधान पुरुष-वासुदेव कर्म-महारंभादि में प्रधान पुरुष-वासुदेव Vāsudeva whose activities mainly consist of sinful operations. ठा० ३, १; —प्पचाय न० पु० (-प्रवाद) इभे-संय धी विवेचन जेभां छे ते, इभे प्रवाद नामने आहमे पूर्वा जिसमें कर्म सम्बन्धी विवेचन है वह. कर्म प्रवाद नामका आठवां पूर्व. name of the 8th Pūrva in which there is a discourse on Karma. नदी० ५६, सम० १४; —वंध. पु० (-बध) इभेने अथ कर्मों का बंध Karmic bondage. नाया० १७; प्रव० ११६१, —बहुत्त न० (-बहुत्व) इभेनु अहुत्तापणुं. कर्मों का बहुल्य multiplicity of Karma भग० १२, ७, —बीज न० (-बीज) इभेनु भीज राग द्वेषादि. कर्मों का बीज-राग द्वेषादि. seed of Karma दसा० ५, ३६, —भारियता स्त्री० (-भारिकता=भारोऽस्ति येषां तानि भारिकाणि तद्धवो भारिकता कर्मणो भारिकता कर्मभारिकता) इभेनु भारेपणुं heaviness of Karmas भग० ६, ३२; —मइल त्रि० (-मलिन) इभे वडे भलीन कर्मों द्वारा मलीन bespattered with Karma क० प० ७, ५७, —मल. पु० (-मल) इभेरूपी भेल कर्म रूपी मैल. dirt in the form of Karma क० प० १, १, —मलावेक्खा स्त्री०

(-मलावेक्खा) इभेरूपी भेलनी अपेक्षा. कर्म-रूपी मैल की अपेक्षा reference to the dirt in the form of Karma. प्रव० ७३५; —मूल. न० (-मूल) इभेनु भूत कारण; मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद, कपाय अने योग. कर्मोंका मूल कारण, मिथ्यात्व, अविरति, प्रमाद, कपाय और योग any of the five causes of Karma, viz Mithyātva, Avirati, Kasāya and Yoga. “ कम्ममूलच-जंद्वणं ” आया० १, ३, १, ११७; —रय न० (-रजस्) इभेरूप २०. कर्म रूपी रज, कार्मिक रज. Karmic dust नाया० ८, १४, दस० ४, २०, भग० ६, ३१; २०, ८, —लेस्सा स्त्री० (-लेश्या-कर्मण सकाशाद्या लेश्या जीवपरिणति सा कर्मलेश्या) नामइभेनी प्रकृतिरूप छ लेश्या. नाम कर्म की प्रकृति रूप छ लेश्या. any of the six Leśyās resulting from the Nāma Karma of a soul. भग० १४, १, ६, —वस त्रि० (-वश) इभेने वश-आधीन. कर्माधीन; कर्मों के वश. one subject to Karma नाया० १८, —वसगय त्रि० (-वशगत) इभेने वश थयेल कर्मों के वशीभूत one under the power of Karma नाया० ६, —विउसगग पु० (-व्युत्सर्ग) इभेने त्याग इरेवे ते कर्मों का त्याग करना abandonment of Karma भग० २५, ७, —विगम पु० (-विगम) इभेने क्षय कर्म क्षय destruction of Karma, subsidence of Karma पंचा० १, २; —विमुक्क त्रि० (विमुक्त) इभेथी मुक्त थयेल कर्मोंमें मुक्त one, free from Karma नाया० ६; —वियइ स्त्री० (-विगति) इभेनी

विचित्र गति कर्मों की विचित्र गति the strange course of Karma भग० ६, ३२, — विष. न० (—विष) धर्मरूप अत्र कर्मरूपी विष-जहर a poison in the form of Karma. पचा० ४, २८, —विशुद्धि स्त्री० (—विशुद्धि) धर्मनी शुद्धि कर्मों की निर्मलता-शुद्धता purification of Karma. भग० ६, ३२; —विसोहि स्त्री० (—विशुद्धि) धर्मनी शुद्धि कर्मों की शुद्धि purification of Karma भग० ६, ३२, —वेद्यणा स्त्री० (—वेदना) धर्मनी वेदना कर्मों की वेदना-पीड़ा feeling of pain due to Karma भग० ७, ३, —समारम्भ पु० (—समारम्भ, पापना हेतुरूप क्रियाना कारण पाप का हेतु रूप क्रिया का कारण a cause of Karma which leads to sin, an action leading to sinful Karma आया० १, १, १, ७, —सह त्रि० (—सह) धर्मविपादने सहन करने वाला (one) who endures the results of Karma “कम्मसहा कालेण जतवो” सूय० १, २, १, ६, —हेउअ त्रि० (—हेतुक) धर्म छे हेतु हेतु ओयु जिसके कर्म ही निमित्त हैं वह that of which Karma is the cause “पयत्तलहि त्तिव कम्म हेउअ” दस० ७, ४२,

कम्मत्र. पु० (कर्मण) व्या० धर्म ॥ ४४॥ ३५ धर्मेषु शरीर; ते० स अने धर्मेषु शरीर ससारी हेतु अने हेतु छे ते लया तदभा पलु अयनी साथे अय छे आठ कर्मों का समूह रूप कर्मण शरीर प्रत्येक मासारी जीव को तेजस और कर्मण शरीर होता है और भवातर मे भी जीव क माा जाता है Kāmana Sāma i e a

body made up of the combination of the eight varieties of Karma. Every earthly soul has the Kāmana as well as the Tejasa Sāma and these two accompany it even in the next birth. सम० प० २१६, जीवा० १, अणुजो० १४५,

कम्मइया स्त्री० (कर्मचिता) धाम इरता इरता उत्पन्न थयेसी बुद्धि, चार बुद्धिमान्ती ओइ काम करते २ उत्पन्न हुई बुद्धि, चार बुद्धियों में से एक Thought excited in the mind during the course of an action नाया० १,

कम्मआ अ० (कर्मतः) धर्मथी कर्म मे Through, on account of Karma. भग० १२, ५, २०, ४,

कम्मग न० (कर्मक=कर्मण) धर्मेषु शरीर, धर्म समुदाय इत्य कामण शरीर, कर्म समूह द्रव्य Kāmana Sāma i e. a body made up of the combination of the eight kinds of Karma विशेष० ६५८, भग० ८, ६, १२, ५, —सरीर. न० (—शरीर) धर्मेषु शरीर कर्मण शरीर, Kāmana Sāma भग० २५, १, —सरीरि पु० (—शरीरिन्) धर्मेषु शरीर-वाले अथ कर्मण शरीरवाला जीव a soul possessed of Kāmana Sāma जीवा० १०, टा० ६, ४, भग० १८, १,

कम्मजाय पु० (कर्मणयोग) वशीकरणदि व्यापार The act of making one submissive by means of some enchantment etc नाया० १४,

कम्मण न० (कर्मण) भननी शक्तिथी ओइने वश इत्यु, गांअ यनावयुं वजे मानसिक

शक्ति से किसीको बश करना, पागल बनाना इत्यादि. Mesmerism. पि० नि० ४६७, प्रव० १३३०; क० ग० ३, २४, ४, २७; (२) धर्मेषु शरीर कर्मण शरीर the Kārmāṇa body. भग० १ ५; क० ग० १, ३३; —जोय. पुं० (—योग) वशीकरणदि व्यापार वशीकरणादि व्यापार. practising of enchantment etc. नाया० १४; —सरीरनाम न० (—शरीरनामन्) धर्मेषु शरीर नाम कर्मण शरीर नाम the name or appellation Kārmāṇa Sārira सम० २८, कम्मतर. न० (कम्मतर) अतिशय धर्म वेहद कर्म; अधिक कर्म Excessive Karma भग० ५, ६,

कम्मतरय पु० (कम्मतरक) अतिशय धर्म, अतिशय धर्म बहुत कर्म, अतिशय कर्म Excessive Karma. भग० ५, ६; ७, ३,

कम्मत्थय पु० (कर्मस्तव) धर्मस्तवनामे धर्मग्रन्थे त्रीन्ने धर्मग्रन्थ कर्मस्तव नाम का धर्मग्रन्थ का तीसरा कर्मग्रन्थ The third division of Karmagrantha; the third Karmagrantha named Karmastava क० ग० ३, २५;

कम्मधारय पु० (कर्मधारय) धर्मधारय समास, समासतो ओ३ प्रश्न कर्मधारय समास; नमस का एक भेद An appositional compound; a variety of compound अणुजो० १३१;

कम्मभूमि त्रि० (कर्मभूमि) धर्मभूमिना क्षेत्रमां रहेनार, अस्मि मसी अने इसी (तलवार इवम अने भेती) ओ त्रेषु धर्म उपर निर्वाह यत्नावनार कर्मभूमि में रहने वाले, अस्मि मसी और कृषी (तलवार, कलम और खेतों) ये तीन कर्म करके निर्वाह चलाने वाला. (One) living in the land

of Karma; (one) who earns livelihood by any of the three professions, viz literary, military and agricultural. उत्त० २६, १६४,

कम्मभूमि. स्त्री० (कर्मभूमि=कृषिवाणिज्य-तप संयमानुष्ठानादिकर्मप्रधानाभूमयः कर्म-भूमयः) धर्मभूमि मनुष्यने रहेवाना पंदर क्षेत्र, पाच भरत, पांचभरवत्, अने पाच महाविदेह ओ पंदर क्षेत्र कर्मभूमि-मनुष्य के रहने के पंद्रह क्षेत्र, पाच भरत, पाच इरवत् और पाच महाविदेह. The 15 regions of the abode of men of Karma-Bhūmi, viz 5 Bharat, 5 Ilavata and 5 Mahāvideha विशेष० ५६६; भग० २०, ६, ८; २५, ७; नंदी० १७, पञ्च० १; आच० ४ ८;

कम्मभूमिग त्रि० (कर्मभूमिक) धर्मभूमिमा पैदा थयेस मनुष्यः अस्मि, मसी, अने कृषि ओ त्रेषु धर्म इसी निर्वाह यत्नावनार मनुष्य कर्मभूमि में पैदा हुआ अथवा रहनेवाला मनुष्य; अस्मि, मसी, कृषि ये ३ कर्म कर निर्वाह करने-वाला मनुष्य A person born in Karma-Bhūmi; a person earning his livelihood by any of the three occupations, viz military, literary, and agricultural आच० नि० ५२६, पञ्च० १; —भूमिय त्रि० (—कर्म भूमिज) णुओ 'कम्मभूमिग' शब्द देखो "कम्मभूमिग" शब्द vide "कम्म-भूमिग" ठा० ३, १;

कम्मय. न० (कम्मज—कर्मणो जातं कर्म-जम्) धर्मेषु शरीर, आठ धर्मना समुदायशी उत्पन्न थनुं उद्धारिणादि चार शरीरना धारण रूप शरीर. कर्मण शरीर; आठ कर्मों के समुदाय से उत्पन्न औदारकादि चार शरीरों

का कारणरूप शरीर. Kārmāṇa Śāīra, a body formed by the combination of the particles of the eight kinds of Karma, and a cause of the four kinds of bodies, viz Audārika etc. ज० प० २, २४, पञ्च० १२, —द्रव्य. न० (-द्रव्य) कर्मणु शरीरते योग्य द्रव्य वर्गणु कर्मण शरीर के योग्य द्रव्य समूह molecules of which Kārmāṇa Śāīra is made. विशेष० ६७४,

कम्ममासत्र-य. न० (कर्ममापक) पांथ गुंज (रति) यार डागणी अथवा त्रणु निष्पाप प्रमाणुनु वजन-माप पाचरत्ता चार कागणी या तीन निष्पाप के बराबर का वजन —माप A measure of weight equal to 5 Guñjas or 4 Kāga-nīs or 3 Nispāpas i e equal to about 10 grains. अणुजो० १३३, कम्मया त्रि० (कर्मजा) काम करती करती उपजे ते बुद्धि, यार प्रकारमानी त्रीज प्रकारनी बुद्धि ' कम्मया ' काम करते करते जो बुद्धि उत्पन्न होती है वह बुद्धि, चार प्रकार की बुद्धियों में से तीसरी ' कम्मया ' बुद्धि. Thought or impulse excited in the mind during the course of an action, the third of the 4 varieties of thought or mental operation. नदी० २६, ३२, ३६, दमा० ६, ४, निर० १, १,

कम्मविवाग पु० (कर्मविपाक) ओ नामनु कर्मग्रन्थनु प्रथम प्रकारणु, प्रथम कर्मग्रन्थनु नाम इस नामका कर्मग्रन्थ का प्रथम प्रकरण प्रथम कर्मग्रन्थका नाम The first Karmagrantha क० गं० १, १, ६१, (२) कर्मनु परिणाम-६३ कर्मोंका

फल the matured result of Karma. उत्त० २, ४१, —उभयण पु० (-अध्ययन) कर्मविपाक-पुण्यपापात्मक कर्मों का फल प्रतिपादन करने वाले शास्त्र का अध्ययन-अध्याय. a scripture or a chapter of it explaining the results of good and evil Karmas सम० ४३,

कम्मवेयय पु० (कर्मवेदक) प्रजापताना पत्नीशमां पदनु नाम, जेमा ७५ कर्मते देवी रीते गाधे छे तथा देवी रीते वेदे छे तेनु वर्णन छे प्रजापता के २५वें पद का नाम, जिसमें जीव, कर्म किम तरह बाधता है तथा किस तरह भोगता है इसका वर्णन है Name of the 25th Pada of Prajñāpanā dealing with the way in which a soul incurs and experiences the Karmas पञ्च० १,

कम्मर पु० (कर्मर) लुहार. लुहार. A blacksmith विशेष० १२६८, जीवा० ३, १, कम्मर पुं० (कर्मकार) काम करनेवाला, नौकर. A servant, ज० प० जीवा० २, ३, (२) कारीगर मिस्त्री a carpenter, राय० ३२,

कम्मावादि. पु० (कर्मवादिन्) कर्मवादी कर्मते माननार. कर्मवादी, कर्मों को मानने वाला One who believes in the doctrine of Karma आया० १, १, १, ५,

कम्मसासरीर. न० (कर्मणशरीर) कर्मणु शरीर कर्मण शरीर Kārmāṇa Śāīra, Kārmic body भग० ८, १, —कायजोग पु० (-काययोग)

शरीर शरीर सम्बन्धी कार्या का व्यापार physical operation connected with Kārmana Śarīra. भग० २५, १,

कर्मिया स्त्री० (कर्मिका) अभ्यास इतना उत्पन्न थपेन बुद्धि अभ्यास करते करते उत्पन्न हुई बुद्धि Thought or impulse excited in the mind during the course of study भग० १, १; १२, ५, नाया० १; ठा० ४, ४; (२) अवशेष रहने इर्भ; इर्भनोअंश बाकी का कर्म, कर्मोका अश the remnant of Karma भग० २, ५,

कय. पु० (कच) आध, देश बाल; केश Hair तंडु० जीवा० ३, ४; राय० ३५; —आभरण न० (—आभरण) माथाना आध उपर पहरेवानुं आभूषण मिर के बालोपर पहिनेने का आभूषण an ornament that is worn on the hair of the head कप० ४, ६२; —ग्रह पु० (—ग्रह) पाय आगदी वडे देश ग्रहण इरवा ते. पांचों अंगुलीयो द्वारा केश पकटना-कचग्रह. catching of hair by means of five fingers “कयमागहहिय करय-लपचमट्ट विमक्केणं ” रण० जं० प०

कय पु० (कय) ખરીદવું, લેવું. मोल लेना, लेना. Purchasing, buying. जीवा. ३, ३, भग० ३, ७, दसा० ६, ४, गच्छा० १०३, दम० ७, ४६; —विवाय पु० (—विक्रय) ખરીદવું, વેચવું; आपले इरवी खरीदना, बेचना; बदला बदला करना. buying and selling; exchange आया० १, २, ५; दस० ३६, १३; दस० १०, १, १६,

कय-अ त्रि० (कृत) इरेल, आयेरेल किया

हुआ; आचरित. Done; performed; practised. “कयकोउयमंगलपच्छिता ” विवा० १, २, सु० च० १, ४३; भग० २, ५, १५, १, २५, ७; नाया० १; २; ३, ५, १६; १६; अणुजो० १२८; १२६; १४७; पि० नि० १५७, ओव० ११, पञ्च० २; विशेष० १, उवा० २, ६५, कप्प० ३, ३६, ४०; पंचा० ४, ४०; पि० नि० भा० २; दसा० ६, १५; —अंतर. न० (—अन्तर) अन्तर इरेल इरेल कार्यतर, अन्तर करण. Another action, change in action क० प० ५, ४३; —कज्ज त्रि० (—कार्य) इरेलुं छे कार्य जेले ते. जिसने कार्य किया है वह an action performed नाया० ८, ६; १८; भग० १२, ६; —करण त्रि० (—करण) इर्भदय इरवामा उर्धत; दर्शन मोहनीय आदि अयाववाने यथाप्रवृत्त्यादि इरवामा तत्पर कर्मचय करने में तत्पर; दर्शनमोहनीय आदि को उपशमाकर, यथा प्रवृत्त्यादि करण करने में उद्यत, ready to destroy Karma. क० प० २, ४१, ५, ३२; —काउसग्ग पु० (—कायोत्सर्ग) इयेत्सर्ग इरेल कायोत्सर्ग किया हुआ one who has performed Kāyotsaiga or meditation upon the soul नाया० ५, —कारण पु० (—कारण) जेले इरेलुं इरुं छे, येज्जुं छे ते जिसने कारण किया है, योजना की है. one who has meditated. नाया० ६, —किच्च त्रि० (—कृत्य) इतार्थ; सद्ध भनेरथवाले कृतार्थ; सफल मनोरथ-वाला (one) whose desires have been accomplished or fulfilled सु० च १, ३६३, २, ४३५; पचा० ६, २४; प्रव० १५६; —कोउयमंगलपायच्छित्त त्रि० (—कौतुकमंगलप्रायश्चित्त = कृतानि कौतुक-

मागल्यान्येव प्रायश्चित्तानि दुःस्वप्नादिविधा-
तार्थमवश्यकरणीयत्वाद्यैस्ते तथा) ६४
स्वप्न आदिना दुःस्वप्ने निवारणमाटे प्रायश्चित्त
तरीके जेणे दुःस्वप्न-दुःस्वप्ने तिथि तथा भांग
विधि कृत्य कर्या छे ते दुष्ट स्वप्नादि के फलको
अफलीभूत करनेके लिये जिसने प्रायश्चित्तरूपमे
कोनुक-कपाल मे तिलक तथा मागलिक कृत्य
किया है वह (one) who has made
an auspicious mark on the fore-
head in order to avert the
evil attendant upon a bad
dream etc भग० २, ५, दसा० १०,
१; नाया० व० —नास पु० (—नाश)
दरेल-धर्म-अधर्मनो नाश कृत-किये हुए
धर्म अधर्म का नाश destruction of
good or evil Karma performed
विशे० ३२३१, —नासि त्रि० (—नाशिन्)
कृतधन, दरेल गुणनो नाश करने वाला, un-
grateful, lit one who destroys
what is done ओघ० नि० १६६,
—पडिकइ त्रि० स्त्री० (—प्रतिकृतिक)
गुणनो अद्वेष्टे वादवे ते, दुं दान आपीश
तो गुर् भने शास्त्रज्ञान आपशे ओम प्रत्युप-
कारनो उद्देश मनमा राप्पी गुर्वादिदनी सेवा
करवी ते, लोडोपचार विनयनो ओम प्रदर
गुणोका बदला चुकाना, मैं दान दूगा तो
गुरु मुके शास्त्रज्ञान सिखावेगे, ऐसी, प्रत्युपकार
की मन में आशा रख गुरु आदि की सेवा
करना, लाकोपचार विनय का एक भेद
rendering service (e g to a
Guru) with the expectation of
getting something in return
(e g knowledge) नाया० २,
—पडिकइया स्त्री० (—प्रतिकृतिका)
जुओ “कयपडिकइ” शब्द देखो “कय-

पडिकइ” शब्द. vide “कयपडिकइ”
भग० २५, ७, —पडिकगय त्रि० (—प्रति-
कृतक = कृते उपकृते प्रतिकृत प्रत्युपकारः
तद्यस्यास्तीति कृतप्रतिकृतिक) दरेल
गुणनो अद्वेष्टे वागनार किये हुए गुणों का
बदला चुकाने वाला one who returns
good for good ठा० ४, ४, —पुरण
त्रि० (—पुरण) पुरेपुरा पुण्यवाणा, पुण्य-
वान् पूर्ण पुण्यवान्; पुण्यात्मा one pos-
sessed of high religious merit
नाया० १, १३, १६, भग० ६, ३३, १५,
१, पचा० ७, २६, —वलिकम्म त्रि०
(—वलिकर्म) कर्तुं छे अलिकर्म = दुःस्वप्ने गृह-
देवताने अलिमानकर्म अथवा अण वधे तेनु कर्म
कसरत वगेरे जेणे ते जियने वलि कर्म-
अथवा बल वर्द्धक-शक्ति प्रद-कसरत आदि
किया है वह one who has given
oblations to a deity or has per-
formed strength-giving activity,
physical exercise etc भग० ७, ६,
६, ३३, दसा० १०, १, नाया० ध० नाया०
१, १२, १६, ज० प० ३, ५०, —लक्खण
त्रि० (—लक्षण) संपूर्ण लक्षणों युक्त one possessed
of all the signs or marks. नाया०
१, १६, भग० ६, ३३: १५, १. —विहव.
त्रि० (—विभव) संपूर्ण वैभववाण
संपूर्ण वैभव वाला (one) possessed
of full glory or prosperity
नाया० १, —व्वयकम्म त्रि० न० (व्रत-
कर्मन्) श्रावकनी भीष्म पडिमा धरनार
श्रावक के जे ओ भास सुधी ज्ञान अने धम्म
पूर्वक अणुव्रत आदरे अने पाणे. श्रावककी
दूसरी प्रतिमा धारण करने वाला श्रावक कि
जो दो मास तक ज्ञान और इच्छा मे अणुव्रत
धारण कर उन्हें पालता है, (a Jaina

layman) observing the 2nd vow of a Jaina layman i. e. practising the minor vows for two months intelligently and resolutely. सम० ११;

कयंगला. स्त्री० (कृताङ्गला) आवस्ती नगरीनी पासमे आवेदी नगरीनुं नाम. आवस्ती नगरी के पास की नगरी का नाम. Name of a city situated near the city of Śiāvastī “ तीसेण कयंगलाए नगरीए अदूरसामंते सावत्थी एणम नयरी होत्था” भग० २, १,

कयंत पुं० (कृतान्त) दैव; भाग्य, दैव, तकदीर. Fate; fortune परह० १, ३, (२) यमराज. यमराज the god of death सु० च० १, २३३;

कयंद पुं० (कदम्ब) उदंयनुं आउ; उदम, देवताउना आउ कदम्ब का वृक्ष Name of a tree जीवा० ३, ४, राय० पन्न० १ अणुजो० १३१, कप्प० १, ५; ३. ३३; ज० प० ५, ११५; —पुप्फ न० (—पुप्प) उदंयनुं दूध कदंब का फूल a flower of a Kadamba tree. कप्प० १, ५;

कयवग न० (कदम्बक) उदंयना आउना दूध कदंब के फाड़ का फूल A flower of the Kadamba tree. नाया० १, १३; कयग पु० (कृतक) कृत्रिम; इरेख कृत्रिम बनावटी Artificial विशेष० १८३७,—कयग त्रि० (—क्रमक) अरीदेलु खरीदा हुआ bought. निसी० ६, ६; —भत्त. न० (—भक्त) अरीदेलु अकृत-बोझन. मोल लिया हुआ भोजन-भात. purchased food निसी० ६, ६,

कयग्घ. पु० (कृतार्ह) भरतक्षेत्रना गर्भ योपीशीना १५ भा तीर्थर भरतक्षेत्र की गत कान की चौबीसी के १६ वे नारिकर The

19th Tūthāṅkara of Bhaṛata Ksetia of the past cycle.

प्रव० २६१;

कयट्ठ त्रि० (कृतार्थ) कृतार्थ; भाग्यशाली. कृतार्थ; भाग्यशाली Prosperous; fulfilled भत्त० ५२;

कयणाय. त्रि० (कृतज्ञक) इरेखा उपकारने ज्ञानुना कियेहुए उपकार को मानने वाला (One) who is conscious of the obligations done by others. पचा० ११, ३५;

कयत्थ. पु० (कृतार्थ) जेणे पोतानु कार्य सिद्ध करुं छे ते, कृतार्थ जिसने अपना कार्य सिद्ध कर लिया है वह; कृतार्थ One who has accomplished his object. भग० १, ८, ६, ३३, २५, १, नाया० १, १३; १९; उत्त० ३२, ११०; विवा० ७, विशेष० १००८, सु० च० १, ७१, उवा० २, ११३; ज० प० ५, ११२, ११७,

कयन्न. त्रि० (कृतज्ञ) इरेखा उपकारने ज्ञानुना किये हुए उपकार को समजनेवाला, कृतज्ञ (One) who is conscious of the obligations done by others प्रव० १३७२;

कयमास पु० (कृतमाल) अेद जेतनु वृक्ष. एक जाति का फाड़ A kind of tree ज० प० (२) तिमिस गुफातो अधिष्ठायक देवता. the presiding deity of the Timisa Guphā (cave). ज० प० १, १२, ३, ५१; ३, ६५, ६, १२५;

कयमालअ-य पु० (कृतमालक) वैताड्यनी तिमिस गुफातो स्वामि-देवता वैताड्य की तिमिस गुफा का स्वामी-देवता. The presiding deity of the cave named Timisa of Vaitāḍhya ज०

प०(२)वैताढ्यनी शुक्रानुं नाम वैताढ्यकी गुफा का नाम name of a cave of the Vaitādhyā of Iravata Ksetia. ठा० २, ३, (३) मेरुपर्वतनी पूर्वे सीतानदीनी उत्तरे आह दीर्घवैताढ्यनी आह तिमिस्र शुक्राना अधिपति देवता मेरु पर्वत के पूर्व ओर सीता नदी के उत्तर में आठ दीर्घ वैताढ्य की आठ तिमिस्र गुफाओं के अधिपति देवता the presiding deity of the eight Timisra caves of the eight Dīgha Vaitādhyas to the north of the river Sitā which is to the east of the Meru mount ठा० ८;

कयर त्रि० (कतर) जे डे धनुमानो डोशु-
ड्यो ओड दोया बहुतो मे से कौन एक
Which, who "कयेर धम्मे अक्खण्ण मा-
हण्णेण महमया' सय० १, ६, १, ११, १, दम०
४, १, ६, २, ८, १४ पि० नि० ३१०, सू० प० १०,
जीवा० १; अणुजो० ८६, उत्त० १२, ६, ओव० ४३,
ओष० नि० १३७६, विशेष० १६०, पन्न० ३,
दमा० १, ३, ६, १, २, नाया० १६, १७, भग० १, १,
३, १, २, ५, ४, ७, १२, ४, १६, ११, १८, ५,
२५, १, ६, ज० प० ७, १५६,

कयली स्त्री० (कदली) डेणु आड केले का
झाड A plantain tree ओष० नि०
६६७, ज० प० सु० च० २, १६५, जीवा०
३, २; प्रव० ५११ —गच्छ० पु० (-गर्भ)
डेण-डेलीना वृक्षना गर्भ केले-कदलीके वृक्ष
का गर्भ the inner part of a plan-
tain tree प्रव० ५११, —घर न०
(-गृह) डेणनाधर, डेणीधर केले का गृह,
केली घर. a house of plantain
trees नाया० ३, जीवा० ३, ४, —घरग
पु० (-गृ. क) जुओ "कयालि घर" शब्द
देखो "कयालि घर" शब्द vide "कयालि

घर" राय० १३६, —लया स्त्री० (-लता)
डेणनी लता- डाय वेल केले की लता-बेल
a creeper of plantain trees.
नाया० १३, —हर. न० (-गृह) डेणना
धर. केले का घर a house of plan-
tain trees ज० प० ५, ११४,

कयवत् त्रि० (कृतवत्) डरनार करनेवाला
(One) who has done विशेष० १५५५.
कयवम्म. पु० (कृतवर्मन्) तेरभा तीर्थडरना
पिता तेरहवें तीर्थकर के पिता The
father of the 13th Tirthan-
kara सम० प० २२६, प्रव० ३२४,

कयचर पु (कचर) ड्यरो, पुओ, कटा,
कचरा Dnt refuse आया० १,
१, ४, ३७, जीवा ३, ३; भत्त० ८६; नाया०
१, २, ६, ज० प० ५, ११२, —उज्झिया
स्त्री० (उज्झिका) ड्यराने शोधो साड डगी
पहार डेडनार, वासीडु वाणनारी कूडे कर-
कट को निकाल साफ कर बहार फैकने वाली,
झाड पूछ का कार्य करनेवाली a woman
who collects refuse and throws
it away नाया० ७.

कया स० कृ० अ० (कृत्वा) डरीने करके
Having done पि० नि० ८८;

कया-अ न० (कदा) ड्यारे कब When.
ठा० ३, ४, उत्त १, २१, सु० च० १, २७
दम० ७, ५१, भग० ५, २, ज० प० ७, १५३;

कयाइ अ० (कदाचित्) डेधवअते, डेधयित्
किसी समय, कदाचित् At some
time or other, perhaps भग०
२, १, ३, १, ५, ४, १५, १, नाया० १.
विवा० १, उत्त० १, १७, २, ७, राय० १४६;
ज० प० पि० नि० २०६, दमा० १०, १;
सम० १३, ओव० ४० मूय० १, १, ३,
६, १, ६, २०, उवा० १, ८८,

कयाई अ० (कदाचित्) लुओ "कयाई"
शब्द. देखो "कयाई" शब्द. Vide
"कयाई" विशेष० ३०६; उत्त० ३२, २१,
पि० नि० ३००;

कयाणग न० (क्रयाणक) डरीयाणुं किराना
Grocery सु० च० १, १४७,

कयार. न० (कचर) डयरे. कचरा Refuse;
dirt विशेष० ११७०,

✓कर. धा० I, II. (कृ) डरु, यनावयु.
करना, बनाना. To do, to prepare,
to make

करंइ-ति. ज० प० ५, ११५, दसा० १०, १;
निर० २, ३, नाया० १, २, ५; ८;
६, वेय० १, ३६, भग० १, २, २,
१, ३, १, ८, ७, १, ६, ५,

करन्ति. भग० १, ३, ३, १; ५, ४; ८, १,
दसा० ६, ६८, ६, २, नाया० २, ८,
करिन्ति. नाया० १, ७, ८, १४, १६, भग०
२७, १,

करेन्ति ओव० २७, पि० नि० २०६, नाया०
१; २, ६, १४, भग० १, ६; १५,
१, २०, ८, ज० प० ५, ११४,
११२; ११३;

करेसि नाया० १६,

करेसि नाया० १, ज० प० ५, ११५,

करेमां. ज० प० ५, ११२.

किरिजा पि० नि० ४८६, सु० च० ६, १२०;
भग० १, ७, १२, ७, ८, २१, १,
२४, १; ७, नाया० १५

करेजा भग० ८, ६,

करेजासि वि० भ० ए० पि० नि० ४३२,

करेजामि वि० उ० ए० नाया० २,

करेहि आ० नाया० २, ८, दस० ७, ४७,
भग० ३, १,

करेह आ० ओव० २८, भग० १, ६; ६,
३३, ११, ११, १५, १ नाया० १,

५; ८, ६; १६;

करिस्मइ. भ० भग० ८, २; १५, १, दस०
७, ६, नाया० ५,

करिस्मान्ति. भ० सम० १, भग० १, ३, २६,
१; नाया० ५; दस० ७, ६,

करिहन्ति भ० नाया० १८, भग० २, १;

करेहन्ति भ० नाया० ६, भग० १५, १,

करिस्सामि. भ० भग० १८, १०, ज० प० २,
१२६, ५, १२७,

करेस्सामि. भ० भग० १८, १०, ज० प० २,
१२६, ५, ११७;

करेस्सं भ० भग० १८, १०, ज० प० २,
१२६, ५, ११७,

करिस्सामो भ० ओव० २७, ज० प० ५,
११३,

अकरिस्सं भू० आया० १, १, १, ५,

अकरिस्सु भू० ठा० ३, १; नाया० १ भग०
१, २; ८, २, १५, १,

करित्ता म० कृ० ओव० २७, पञ्च० ११२;
ओव० नि० ३६, नाया० १६, भग०
११, ११; दसा० १०, १

करेत्ता. म० कृ० ओव० २६ भग० ३, १

करिय सं० कृ० संत्था० १०४,

करेत्तए. हे० कृ० भग० ३, १, ८, ५, ४ १५,
१, ज० प० ५, ११२, ११५,

करिन्ति. व० कृ० विशेष० ३४२०,

करेन्त व० कृ० विशेष० ३४२०,

करेमाण व० कृ० दस० २, ३, १०; ११, १६,
२०; वेय० ४, १, १०, ३६ ओव०
२७; नाया० १, २, ५, १४,

करेइ प्रे० पि० नि० ४२५; निमी० १, १०;
भग० ३, १,

कारावेइ प्रे० नाया० १२, १६;

करावेइ प्रे० नाया० २, १३,

कारवेइ प्रे० सु० च० २, ४३ भग० ८, ५.

कारवेमि प्रे० दस० ४,

करावे प्रे० वि० उत्त० २, ३३,
 कारेह प्रे० आ० आया० १, ७, २, २०४,
 कारवेह प्रे० आ० ओव० २६, भग० ११,
 ११, राय० २८,
 कारावेह प्रे० आ० नाया० १,
 कारवेत्ता प्रे० स० कृ० ओव० २६, जं० प०
 ३, ४३,
 कारवेत्ता प्रे० स० कृ०
 कारवित्ता प्रे० स० कृ० भग० ११, ११.
 कारावेत्ता प्रे० स० कृ०
 कारेत्ता प्रे० स० कृ० भग० ३, १,
 कारावित्ता प्रे० स० कृ० राय० २८,
 काराविऊण प्रे० स० कृ०
 काराविऊण प्रे० स० कृ० सु० च० ३, १५,
 कारवेत्तण प्रे० हे० कृ० भग० ८, ५,
 कारावित्तण प्रे० हे० कृ० वव० ५, २०,
 कारावेत्तण प्रे० ह० कृ० सूय० २, ४, ६,
 कारन्त प्रे० व० कृ० निसी० १, १२
 कारेन्त प्रे० व० कृ० भग० ११, ११,
 कारेमाण प्रे० व० कृ० सम० ७८, भग०
 १८, २, १३, ६, पञ्च० २, कप्प०
 २, १३, जं० प० ५, ११५,
 काजिस्सइ प्रे० व० कृ० भग० २८, ६,
 कीरन् प्रे० व० कृ० आया० १, ६, ४, ८,
 नाया० ११, सु० च० २, ३३०,
 पचा० १६, ५,
 कीरमाण प्रे० व० कृ० भग० १५, १, दस०
 ७, ४०, सु० च० ७, १४६, वव०
 २, ६, पचा० ४, २, १६, २२,
 किजमाण प्रे० व० कृ० ठा० ३, २,
 कजमाण प्रे० व० कृ० सूय० १, ८, भग०
 १, ८, १, १०, ६, ३० १२, ४,
 पचा० १७,
 कारिज्जइ प्रे० व० कृ० सु० च० २, ४७,
 किज्जइ क० वा० सु० च० १, ६६, सम० ३४,
 कज्जइ क० वा० अणुजो० ७५, ८ भग०

१, ६, १, ६, २, ५, ३, ३, ६, ६,
 १२, ५, १७, ९, १८, ७, जं० प०
 ७, १३८,

कीरण क० वा० पि० नि० ५८,

कीरइ क० वा० सूय० १, २, ६, नाया० १६,
 भग० १, ९, ६, ३३, विशेष० २६,
 ६६, गच्छा० ७५, प्रव० ३०, क०
 ग० १, १,

कज्जन्ति क० वा० पञ्च० १७ भग० १, २,
 ४, ६ ७, १०,

कीरन्ति क० वा० सु० च० २, ३२६

किज्जन्ति क० वा० भग० १, १०, दसा० ६, ४,

किज्जउ क० वा० सु० च० १, ३५५,

कर पु० (कर) हाथ हाथ A hand, an
 arm नाया० १, ६, १६, १७, दसा० ६,
 ४, विवा० १, भग० ८, १०, ४२, १, राय०
 २८, गच्छा० ८३, (२) हाथीनी सुट
 हाथी की सूट the trunk of an
 elephant नाया० १, पणह० १, ३,
 (३) त्रि० इरनार. करनेवाला one who
 does, a doer उत्त० १, २६, भग० १,
 १, आव०, नाया० १, (४) पु० ८२ भा
 थलु नाम ८२ वे ग्रह का नाम. name
 of the 82nd planet सू० प० २०,
 (५) इ२. वेरो कर, महमूल a tax,
 a duty जं० प० पि० नि० ८७ (६)
 डि२श् किरण a tax जीवा० ३, ३, (७)
 राभना इ२नी पेडे अरिहन्तना इ२ तरीडे
 भानी वदना इ२ ते, वदना ३० दोषभानो
 पत्तीशभो दोष वदना के ३२ दोषों में से २५
 वा दोष the 25th of the 32 faults
 connected with Vandana i e
 bowing a Tithankara, sup-
 posing it to be a tax similar to
 the tax which is paid to a king
 (८) धामना योवीश प्रधारभानो ओ२

भोग भाटे कामना आसन वगेरे वालवा ते.
काम के २४ भेदों में से एक भेद, रति
सभोगार्थ काम के आसनादि लगाना any
of the 24 varieties of sexual
intercourse; the different
postures adopted at the time
of sexual intercourse प्रव० १०७६,
—कमल न० (-कमल) हाथरूप कमल
हाथ रूप कमल. a hand as a lotus
(metaphorically). भक्त० १७;
—जुयलमज्झ पु० (-युगलमध्य) भे
हाथनी वन्धे द्वितीयपराभी वन्दना करवा ते,
वन्दनानो भेद दोष दोनों हाथों के बीच
में घुटना रखकर वन्दना करना, वन्दना
का एक दोष a fault connected
with Vandana (bowing) by
keeping the knees between
the two hands. प्रव० १५६, —नवग
न० (-नवक) नव हाथ नौ हाथ nine
cubits (a measure of length)
प्रव० ७७;

करञ्ज पु० (करक) कर, जमेहुं पाणी बर्फ,
ओला Ice; hail कप्प० ६, ४५;

करंज पु० (करंज) करंज नामनुं जाड. एक
जाति का करज नामक झड़ Name of
a tree पञ्च० १, भग० २२, २,

करंड पु० (करण्ड) करंडियो डिब्बा, कांडिया
A small box or basket (made
of bamboo). नाया० १, परह १५,

करंडग पु० (करण्डक) करंडियो; जाणलो डिब्बा.
कांडिया A small box or basket
(made of bamboo) ठा० ४, ४,
भग० २, १, अणुत्त० ३, १, जीवा० ३, ४, ओघ०
नि० ६६०, आव० १६, ३६, जं० प० ५, १२०,

करंडय पु० (करण्डक) करंडनु हाड्ड
रीट की हड्डी. The spinal cord तदु०

करंडु पु० (करण्ड) पुंड्रु हाड्ड पीठ की
हड्डी. The back-bone: जीवा० ३, ३,
करंज पु० (करम्ब) दही योभाना मिश्रण
अनतो भेद आद्य पदार्थ, करंजो दही, चावल
के मिश्रण से बना हुआ एक खाद्य पदार्थ.
A food prepared of boiled rice
and curds mixed together.
प्रव० २३०;

करंजिय त्रि० (करम्बित) धावरयितरा रंगवालो
नाना रंगवाला, रंग बेरंगा. Of variega-
ted colours सु० च० २, ५०;

करक पु० (करक) कर. ओला A hail-
stone. परह० १, ३, (२) करवज्जु भेद
पात्र, जरी करवे जैसा एक बर्तन (जो साधु
के काम में आता है) a water-pot
(used by ascetics) अणुजो० १३२;
करकंड पु० (करकण्ड) भे नामनो भेद
आत्मिण संन्यासी इस नामका एक ब्राह्मण
संन्यासी Name of a Brāhmaṇa
ascetic ओव० ३८;

करकंडु पु० (करकण्डु) करकंडु नामना भेद
प्रत्येक्षुद्ध के जेने अण्णनी पलटाती अवस्था.
जेध वैराग्य उत्पन्न थयो छतो. करकण्डु नाम
के एक प्रत्येकबुद्ध जिसे कि वैलकी पलटती हुई
अवस्था देखकर वैराग्य उत्पन्न हुआ था.
Name of person who felt dis-
gusted with the world upon
seeing the changes in the con-
dition of an ox “करकंडु कर्बिगेसु”
उत्त० १८, ४६

करकचिय त्रि० (करकचित) करवत वगेरेथी
झाडेल झाट-पाटीया. आरे आदि में चीरा
हुआ काष्ठ-पाटीया A board of wood
cut off with a saw etc अणुजो० १३३,
करकय पु० न० (करकच) हाड्डा वेडेरवातु
ओज्जर, करवत लकड़ी चीरनेका औजार, आरा,

करवत. A saw उत्त० १६, ५१, पगह० १, १,
करकर पु० (कर्कर) वडाणु पाणुमा दुयती
वणते ६३३२ आवाज धरे छे ते जहाजका पानी
मे डूबते समय करकर आवाज करना. A
craeking sound produced by a
sinking vessel. नाया० ६, उवा० २, ८४,
करकरसुंठ पु० (करकरशुण्ठ) ऐक जतनु
वनस्पति एक जाति की वनस्पति A kind
of vegetation “ एरडे कुरुविंदे कर-
करसुंठे तहविभगगुय ” पन्न० १, भग० २१, ६,
करकरिग पु० (करकरिक) ३२३३३ नामते
ग्रह करकरिक नाम का ग्रह Name of a
planet “ दोकरकरिगा ” ठा० २, ३,
सू० प० २०,

करकुडि पु० (क) क्षसीनी सज्ज पाभेद
डेदीनु ऐक वस्त्र, फासी का हुकम पाये हुए
कैदी का एक वस्त्र A garment worn
by a person sentenced to
capital punishment पगह० १, ३,
करग पु० (करक) ३२५३; ३३ओ. ऐक जतनु
वासणु करवा, लोटा A metal-pot
अणुत्त० २ १, सूय० १, ४, २, १३, जीवा० ३, ३,
उवा० ७, १६७, (२) त्रि० ३२ना
करनेवाला a doer, one who does
नदी० २८, (३) पु० वरसाफेनो कायोगर्भ,
३२। वरसात का कच्चागर्भ, ओला a hail-
stone दस० ४, पन्न० १, पि० नि० भा०
१७, जीवा० १, (४) शाक्ष ३ पक्षिनी ऐक
जत शालक पक्षी की एक जाति a kind
of bird पगह० १, १,

करगय पु० (करकच) ३२५ती, ३२५त आरा;
करवत A saw उत्त० ३४, १८,

करगग न० (करगग) छाथने आग्रभाग

आंगणी. हाथ की अंगुलिया Fingers.
सू० च० १, ६५,

करड. पु० (करट) ऐक जतनु वाजिन
एक जाति का वाजा A kind of musi-
cal instrument राय० ८८,

करडि पु० (करटि) ऐक जतनु वाजिन
एक जाति का वाजा A kind of musi-
cal instrument जीवा० ३, ३,

करडुयभत्त न० () भरी गयेखानी पाठन
जभणु थाय ते, मृतक भोजन मनुष्यके भरने
क पश्चात् जो भोजन होता है वह, मृतक
भोजन, आसर Dinner for which
the occasion is the death of a
person पि० नि० ४६४,

करण. न० (करण) साध्य क्रियाने सिध्द ३२-
वाभा अत्यंत सहायक, साधन साध्य क्रिया
को सिद्ध करने में अत्यंत सहायक; साधन
Anything useful in accom-
plishing an object, an instrument
or means of an action ठा० ३, १, ८,
१ अणुजो० २७, १०६, नाया० १, ज० प० ७.
१५३, ५, ११२, उवा० १, ५८, विशेष० २००८;
३३०१, राय० २१५, भग० १, १०, ६, १, १६,
९, पचा० ३, २६, १४, २, (२) छिद्रिय इन्द्रिय.
an organ of sense क० ग० १, ५,
४६, जीवा० ३, ३, ओव० १०, पगह १, २,
(३) प्रयोग ३२ी यथावतु प्रयोग करके
दिखाना actual experiment or
performance ओव० ४०, (४) ल्योति:
शास्त्रमा दर्शावेद अथ आलय वगेरे अगीयार
३२णु ज्योति शास्त्र में दिखाये हुए ‘वव’
‘वालव’ इत्यादि ग्यारह करण (in
Astrology) any of the 11

divisions of a day. भग० ११, १; ११, ६; १५, १, नाया० १; ५; ८, १४; १५; १६, ओव० ४०; ओघ० नि० ८०, क० प० ४, १, आव० १, ५; जं० प० (५) इरुण् अलिग्रु आदि. करण, अभिग्रह आदि a certain vow नाया० १, (६) इरुण्. करना. doing, performing. उत्त० २६, ६; ओव० ३१, भग० ३, १, १४, ४, नाया० १; ६, पि० नि० १६६; ४१०; परह० १, १, (७) आरित्र धर्म. चारित्र धर्म. religion pertaining to right-conduct. नंदी० ३०; (८) पिंडविशुद्धि आदि जैनशास्त्र प्रसिद्ध ७० ओलतो समूह पिंडविशुद्धादि जैन-शास्त्र प्रसिद्ध ७० वोलों का समुदाय the collection of 70 terms of the Sāstras such as Pinda Visuddhi (purity of food) etc ओव० १६, सम० २; ओघ०, नि० १; नंदी० ४५, नाया० १, मा० २, १; प्रव० १६, (६) पूर्वे डाष्ठ वपते नथी उत्पन्न तथा तेवा अध्यवसाय विशेष, अपूर्व इरुण्. ऐसे अध्यवसाय जो पहिले कभी भी उत्पन्न न हुए हो, अपूर्व भाव peculiar thought activity; Apūva Karaṇa. उत्त० २६, ६, (१०) ने अध्यवसायथी धर्मा अन्धन सङ्गमणु, उद्गर्तना, अपवर्तना, उद्दी-रणा, उपशमना, निधत्ति अने निडायना थाय ते; अन्धन आदि डायभेदथी इरुण् रूप इरुण्ना पणु उपर इला प्रमाणे आठ प्रकार छे जिन अध्यवसायों से कर्मों के वधन, सक्रमण, उद्गर्तना, उदीरणा, उपशमन, नि-वात्ति और निकचन होते हैं वह; वधन आदि कार्य के भेदों से कारण रूप करण के भी ऊपर कहे अनुसार आठ भेद हैं the thought activity by which Karmic Ban-

Apavertana Udirana etc is affects प्रव० ११,—उवाय पु० (—उपाय-करणक्रियाविशेष. स एवा उपायः स्थाना-न्तरप्राप्तौ हेतुः करणोपायः) इरुण्—क्रियाइप हेतु, एवने ओइ स्थानेथी भीने स्थाने उप-जवाभा डेजवाभा इरुण्—धर्म रूप हेतु छे ते करण—क्रियारूप कारण, जीव के एक स्थान से अन्य स्थानमें उत्पन्न होने या जानेमें करण कर्म रूप कारण an action or a Karma which constitutes a cause e g. Karma which is the cause of transmigration to the soul “सेजहाणामए पवए पवयमाणे अउक्खवसाण-णिवात्तिएणं करणोवाएणं सेय काले तठाण विप्पज्जहिता ” भग० २५, ८, —कय. त्रि० (—कृत, यथा प्रवृत्त्यादि इरुण्—क्रियाथी इरुण्. यथा पवृत्त्यादि करण—क्रिया से किया हुआ. performed properly. क० प० ५, १; —जोग पु० (—योग) इरुण् रूप योग—मन, वचन और काया का व्यापार करणरूप योग—मन, वचन और काया का व्यापार activity of mind, speech and body दस० ६, २७,—जोय. पु० (—योग) लुओ “करणजोग” रा० ६ देखो ‘करणजोग’ शब्द vide “करणजोग” दस० ८, ४,—नअ पु० (—नय) इरुण्—क्रियानय, ओटले क्रियाने मान-नार, सर्व वस्तु क्रियाने आधीन छे ओम मान-नार. करण—क्रियानय अर्थात् क्रियाकोही मानने वाला, सब चीजें क्रिया के आधीन हैं ऐसा मानने वाला. the doctrine that everything is the result of action or depends upon it. विशेष ३५६१, —वीरिय. न० (—वीर्य) उत्थान आदि क्रियाइपे परिणामपामेखु वीर्य उत्थान आदि क्रियाओं के रूप से परिणाम पाता हुआ वीर्य the vital fluid which is the

cause of physical movements such as standing etc भग० १, ८, — सच्च न० (-सत्य) क्रियाभा हेभातु सत्य. पडिलेहलुफि क्रिया यथोक्त रीते करवी ते क्रिया में दिखाइ देता सत्य, प्रतिलेखनादि क्रिया यथोचित रीतिसे करना correctness appearing in an action, e g proper examination of clothes etc भग० १७, ३, उत्त० २६, २ सम० २७,

करणश्रो. अ० (करणतः) प्रयोगशी प्रयोग से Through actual practice or performance नाया० १, प्रव० १५७, करणया स्त्री० (करणता) करतु ते करना Doing, act of performing नाया० १, ५, ८, १६, निमी० १, ४०, भग० ३, २, ६, ३२, उवा० २, ११३,

करणिज्ज त्रि० (करणीय) कर्तव्य, करने योग्य (Anything) worthy to be done भग० ३, १, ६, ३३, नाया० १, ३, अणुजो० २८, वव० २, १, पचा० १, ४३, राय० १७१,

करपत्त न० (करपत्र) करत, लाडला वेरवानु साधन आरा, लकडो चारने का साधन A saw ठा० ४, ४, नाया० १६, विवा० ६, करभ. पु० (करभ) छोटतु अर्युं उट का वच्चा A young one of a camel परह१, १, करमद् पु० (करमर्द) करमदानु अड करौदे का झाड Name of a tree producing berries पञ्च० १

करयल्ल न० (करतल्ल) हथेली, हाथनी सपाटी हथेली, पजे का समचौरस भाग The palm of a hand दशा० १०, १, राय० २६३, ओष० नि० भा० २७३, नाया० व० निर० ३, ४, ओव० ११, ३०, नाया० १, २, ५, ७, ८, १२, १८, १६, भग० २, १, ३, १, २, ७, ६, ६, ३३ १५ १, कप०

१, ५, ज० प० ५, ११२, ११४, — (ला) —आहय त्रि० (-आहत) हथेलीथी हथेली -धेलेले हथेली से दवायाहुवा-ढकेलाहुआ pushed forward or struck with the palm of a hand नाया० ६, —परिगहिय त्रि० (-परिगृहीत) भे हाथ नेडेले दोनों हाथ जोडे हुए folding both hands together वव० १, ३७, कप० १, ५, —पलहत्थमुह त्रि० (-पर्यस्तमुख) गालपर हाथ राख्यो छे नेले ते जिसने गाल पर हाथ रखा हो वह (one) who has rested his cheek on the palm of his hand निमी० ८, ११, —पुड पु० (-पुट) करतल सपुट; भोभो बोवा the hollow cavity formed by joining the two palms ज० प० ५, ११४, —मलिय त्रि० (-मर्दित) हथेलीमा मसणेतु हथेली में मसला हुआ pressed in the palm of a hand विवा० २, —मेय त्रि० (-मेय) मुडीमा पट्टी शशाय भेवु. सुट्टी में पकडा जायके ऐसा anything that can be caught in a fist कप० ३, ३६, —सपुड पु० (-सपुट) हथेलीने सपुट, भोभो हथेली का सपुट the cavity formed by joining the two palms together कप० २, २१, करव पु० (करव) नागवानाणु पाणी पीवानु पात्र नलीदार पानी पीने का बर्तन. A water-pot resembling a kettle सु० च० १०, ४२, करवत्त पु० (करपत्र) करत, लाडला वेरवानु हथीपार करवत, लकडी चारने का औजार A saw उत्त० १६, ५१, जीवा० ३, १, परह० १, १, करह पु० (करभ) हाथी अथवा छोटतु अर्यु.

हाथी अथवा ऊट का बच्चा. A young one of an elephant or a camel
सु० च० ४, ११८,
करही स्त्री० (करभी) उटड़ी, सांढणी. ऊंटनी,
साठणा. A she-camel. पि० नि० १६४;
कराड़. त्रि० (करादि) हाथ वगेरे हाथ आदि
A hand etc. विशेष० २७२, —चिह्ना
स्त्री० (-चेष्टा) हाथ वगेरेनी चेष्टा-प्रवृत्ति
हाथ आदि की चेष्टा-बनाव movement
of the hand etc. विशेष० १७०,
कराल त्रि० (कराल) उन्नत, अलार नीक-
णीतु. उन्नत, वृद्धि पाता हुआ. Project-
ing, lofty, prominently coming
out अणुत्त० ३, १, उत्त० ३०,
करि त्रि० (करिन्) हाथवालो. हाथ वाला
One having a hand or hands
भग० ८, १०; (२) पु० हाथी. हाथी an
elephant परह० १, ३;
करिअ पु० (करिक) ८३ भा ग्रहों का नाम
Name of the
83rd planet. सू० प० २०,
करिसुगसय न० (*) भगवती सूत्रना
२७ भा शतकतु नाम. भगवती सूत्र के २७
वें शतक का नाम Name of the 27th
Śataka of Bhagavatī Sūtra.
भग० २७, ११,
करिल्ल. न० (करील) वाशना अ डुर, डु पत्र,
पादजाने अग्रभाग वास के अंकुर, पत्ता का
अग्रभाग, कोंपल. The shoot of a
bamboo; a shoot or sprout in
general अणुत्त० ३, १; विशेष० २६३,
करिस् पु० (करीष) डरीपनु आऽ करीष का
काट A kind of a tree. उवा० ७, १६७,

करिसावण. पुं० (कार्पाण) ओड लतने
सिछे। चादी का एक सिक्का. A silver
coin “ जहाणुगोकरिसावणो तहावहवेक-
रिसावण ” अणुजो० १४७; तदु० विशेष० ५०६;
करिसित. त्रि० (कृशित) सुक्ष्म, पतलु;
दुर्बल सूक्ष्म; पतला, दुर्बल. Fine, thin;
feeble सू० १, ३, ३, १५,
करीर पु० (करीर) डेरडानु आऽ एक झाड़
का नाम. Name of a tree पत्र० १;
आया० २, १८, ४३; —अंकुर. पु० न०
(-अङ्कुर) डेरडाने अ डुरे वास का अंकुर
a sprout of a tree. प्रव० २४३,
करीरअ पुं० (करीरक) डेरडाने नामे पाडेले
डोडपुरुपनु नाम. केरडा नामवाला कोई पुरुष.
Name of a person अणुजो० १३१,
करीस न० (करीष) अडायु, आलु कडा;
गोबर का छाना A dry cow dung
cake. पि० नि० २७६,
करुण त्रि० (करुण) दयाजनक, डरुणापात्र.
दयाजनक; करुणापात्र. Pitiful. भक्त० १६०;
करुणा स्त्री० (करुणा) डरुणाजनक शब्द
करुणा जनक शब्द Piteous cry नाया०
६; (२) दया. दया mercy. क०
गं० १, ५५, —यर. त्रि० (-कर)
दया डरवावाले दया करने वाला, दयालु.
kind, merciful सु० च० २, ६४,
करेणु स्त्री० (करेणु) हाथणी हथिनी. A
she-elephant उत्त० ३२, ८६, नाया० १;
करेणुया स्त्री० (करेणुका) हाथणी हथिनी
A she-elephant सु० च० २, ५०१;
करोडि-अ-य पुं० (करोटिक) तापस;
डापादिड तापस, कापालिक An ascetic;
an ascetic carrying a garland

of human skulls विवा० ७, जं० प० नाया० ८, १३, भग० ११, ११, (२) ताम्बुलपट्टीनी अटवो वगेरे उपाडनार राज-
नी माथुस ताम्बूल आदि की कोयली उठाने
वाला राजाका मनुष्य a servant of a
king carrying a bag etc of
betel-leaves etc ओव० ३२, (३)
भाटीनी भोटा मोढानी डुडी, क्षमं मिट्टी
की बडे मुंह की कुंडी-बरतन an earth-
en basin, a cup or basin भग०
२, १, ओव० ३६ अणुजो० १३२, जीवा०
३३, ज० प० ३, ६७, (४) डडश कलश.
a pitcher भग० ११, ११,

कल त्रि० (कल) ओड अतनु धान्य एक
जाति का धान्य A kind of corn पि०
नि० ६२३, भग० १५, १, २१, २ पञ्च०
१७, दसा० ६, ४, (२) हृदय अने धनने
भंधुर बागे तेवो अव्यक्त (ध्वनि) हृदय
और कानको सुहावनी अव्यक्त आवाज (ध्वनी)
sweet and indistinct sound.
“ कलडिभियमहुरततीतलताल ” नाया०
१७, पणह० २, ५, (३) डडय, डीयड कीचड
mud भक्त० ५२, १३०, — रिभिय न०
(-रिभित) भंधुर गीत गायेल मधुर गीत
गाया हुआ a sweet and charming
song नाया० १७,

कलंक पु० न० (कलङ्क) डथो लाउन दाग,
कलक, लाइन Spot; stain पचा० ६,
२०, विवा० ३, ओव० १०,

कलंकलीभाव पु० (कलङ्कलीभाव) डग-
डगाट, दुअनो गलराट दु खको घवराहट
Piteous lamentation or com-
plaint पञ्च० २, ओव० ४३, सूय० २, ८१,
(२) स सारभा गलांशय आदिने विषे पर्यटन
डरवु ते संसार मे गर्भाशयादि मे पर्यटन
करना, जन्ममरण बारण करना wander-

ing in the cycle of birth and
death e. g. remaining in the
womb etc आया० २, १६, १२,

कलंद पु० (कलन्द) डुपुड विशेष. कुण्ड
विशेष A basin of water. उवा० २, ६४,

कलंव पु० (कदम्ब) डडम्बनु आड कदम्ब
का झाड Name of a tree भग० ६,
३३; २२, ३ नाया० १,

कलंवचीरपत्त न० (कदम्बचीरपत्र) शस्त्र
विशेष. शस्त्र विशेष A kind of weapon
विवा० ६,

कलंवचीरिगापत्त. न० (कदम्बचीरिकापत्र)
तीक्ष्ण धारवाणु शस्त्र तीक्ष्ण वार वाला
शस्त्र A kind of weapon with a
sharp edge नाया० १६,

कलंवचीरियापत्त न० (कदम्बचीरिका-
पत्र) ओड अतनु शस्त्र एक जाति का शस्त्र-
A kind of weapon ठा० ४, ४

कलंववालुया स्त्री० (कदम्बवालुका)
जेनी रेती वज्र जेवी छे जेवी वज्र वेडुडा
अथवा डडम्बवेडुडा नामनी नदी जिमकी
रेत वज्र के समान है ऐसी वज्र वालुका अथवा
कदम्ब वालुका नाम की नदी Name of a
river also called Vajra Velukā
on account of its sand being as
hard as adamant. उक्त० १६, ५०,
(२) डडम्बना पुलना जेवी वेड कदम्ब के
• फूल सदृश लता a creeper resembl-
ing the flower of a Kadamba
tree पणह० ५, १,

कलंवुअ पु० (कलम्बुक) ओ नामनु आड इस
नाम का झाड A kind of tree मू० प० ४;

कलंवुग न० (कलम्बुक) ओड अतनी पाणी-
नी वनस्पति एक जाति की पानी की वनस्पति
A kind of aquatic plant मू० २,
३, १८,

कलम्बुआ-या स्त्री० (कलम्बुका) ये नामनी
पाण्डिमा डिगती ओड वनस्पति. इस नाम की
पानी में उत्पन्न होने वाली एक वनस्पति A
kind of vegetation growing in
water पत्र० १; १५ ज० प० ७, १३५,

कलकल पु० (कलकल) डलडलाट, थलुआभाण-
सेना आवाज. बहुत से मनुष्यों की आवाज,
कोलाहल Humming or bustling
noise ओव० २७, ज० प० ३, ४५; राय०
२१७; भग० २, १; (२) यूर्णादिभिश्च जल
चूर्णादे मिश्रित जल water mixed
with powder विवा० ६; —रव पु०
(—रव) डलडलाट शब्द गडबडाट, कोलाहल
humming or bustling sound
भग० ३, २, ज० प० ७, १४०,

कलकलंत त्रि० (कलकलायमान) डलडलाट
डरतु; डलडल ओपे आवाज डरतु कलकल
पेसी आवाज करता हुआ, गुनगुनाट करता
हुआ, Humming, producing a
bustling sound उत्त० १६, ६६, आव०
२१, परह० २, ५,

कलकलित. त्रि० (कलकलित) डलडलाट
शब्द सहित कलकलाट शब्द युक्त With
a bustling or humming noise.
परह० १, १,

कलत्त. न० (कलत्र) श्री स्त्री A wife.
मु० च० १, २४५,

कलभ. पु० (कलभ) हाथीनुं अन्धुं. हाथी का
बच्चा A young one of an ele-
phant पत्र० १७, राय० ६०; नाया १,

कलभिया स्त्री० (कलभिका) हाथेली हथिनी
A she-elephant नाया० १,

कलम पु० (कलम) डंगर, डभो चवल,
उच्च जातिके नावल. Rice which is
sown in May-June and ripens
in December-January सूय० २.

२, ६३; जीवा० ३, ३, ज० प० भग० ६, १०;
ओ० नि० भा० ३०७, उवा० १, ३५;

कलमल. पु० (कलमल) जडरभा रहेला द्रव्य-
ने। समूह. पेट में रहा हुआ द्रव्य समूह.
The contents of the stomach.
ठ० ३, ३, —अहियास पु० (—अधिवाम)
जडरभा डलमल द्रव्यभा वसतुं ते पेटके कल-
मल-द्रव्यमें रहना remaining in
the contents of the stomach
भग० ६, ३३,

कलमाय त्रि० (कलमात्र) यलुआभात्र, यलु
जेवडु चना मात्र, चने जितना Of the
measure of a gram निमी० १२, ८;

कलयल पु० (कलकल) डलडलाट शब्द. गुन-
गुनाहट Bustling noise जीवा० ३, ४;
—रव. पु० (—रव) डलडलाट शब्द गुन-
गुनाहट Bustling noise मु० च० ३, ६२;

कलल पु० (कलल) गर्भनी प्रथम सात दिवस
की अवस्था गर्भ की प्रारंभिक सात दिन की
अवस्था The condition of the
embryo during the seven days
succeeding conception “सत्ताह
कललंहोइ, सत्ताह हीइ बुब्बुय” तदु० १६,

कलस पु० (कलश) धडो, डगशो घडा;
कलश. A pot: a pitcher. पत्र० २;
ओव० सत्था० १५, ज० प० नाया० १, ५-
८, १४; भग० ६, ३३, राय० ३४, जीवा०
३, ३, कप्प० ३, ३६, (२) आठ भागविक
भानु षडु. आठ भागलिक में से ६ ठा the
6th of the 8 Māngalikas (aus-
picious signs) राय० ४७, ज० प० ५, १००;
नाया० १, (३) अग्नि कुमार देवातातु
यिन्ह-तेना भुगटभा रहेल धडाने आडारे
निशान अग्नि कुमार देवता का चिन्ह-इसके
मुकुट में चित्रित घडे के आकार का निशान
an emblem of the Agnikumāra

kind of derties, viz. a pot-like figure in their diadem ओव० २३.
(४) ओगणीशभा तीर्थंकरनु लाउन १६
वें तीर्थकर का लछन the mark of
the 19th Tirthankara प्रव० ३६२;
कलमय पु० (कलशक) लुओ 'कलस' शब्द
देखो 'कलस' शब्द Vide 'कलस'
उवा० ७, १८४,
कलसिआ छी० (कलशिका) नानो इणशिये
छोटा कलश A small pitcher
अणुजो० १३२,
कलह पुं० न० (कलह) इलेश, झेध, डिशाद,
लडाध, अगडे कलेश, क्रोध, लडाई, झगडा
Quarrel, anger, strife. निसा० १२,
३३, दसा० ६, ४, पन्न० २, २२, सम० ११३,
अणुजो १२८, जीवा० ३, ३, आया० २, ११,
१७०, दस० ५, १, १२, ओव० २४, उत्त०
११, १३, महा० नि० १, नाया० १, १६;
मग० १, ६, ६, ३, ६; ७, ७, ६, १२, ४, कप्प०
५, ११७, गच्छा० १३४, —कर पु० (-कर)
इओयो इरनार कलेश करनेवाला one who
is given to quarrel "कलह करो
असमाहि करे" दसा० १, १७, १८, १६,
(२) असमाधितु १६भु स्थानक सेवनार
असमाधिका १६वा स्थानक सेवनेवाला one
who resorts to the 16th source
of Asamadhi i.e. lack of medi-
tation or concentration of mind
सम० २०, —वडिया छी० () इले
निमित्त. कलेश के कारण on account
of quarrel. निसी० ६, =
कलहंस पुं० (कलहंस) गण्डस राजहम
A swan ओव० पन्न० १, ज० प० नाया०

१, कप्प० ३, ४२;
कलहमाण. व० कृ० त्रि० (कलहायमाण)
इओया इरनार. लडाई, फिसाद करनेवाला
Quarrelsome, (one) who quar-
rels. सु० च० १, १४३,
कलहोय न० (कलधौत) आदी चादी
Silver. परह० १, ४,
कला. स्त्री० (कला) भाग, अंश भाग, अंश
A part, a division. उत्त० ६, ४८,
नाया० ८, १६; ज० प० ७, १६०, (२) शोभा
शोभा beauty. नाया० ८, १६, (३)
हुन्नर. डारीगरी, विद्या, इला कला, कारी-
गरी, विद्या, हुन्नर any practical art
नाया० १, राय० २८६, विवा० २, मग० ६,
३३, ११, ११, अणुजो० ४१, १२८, सम०
७२, ओव० ४०; कप्प० ७, २१०, प्रव०
४३६; (४) यदनी इणा चद्र की कला a
digit of the moon, (these are
sixteen) नाया० ८; सू० प० १०;
कलाद पु० (कलाद) मोती सुनार Gold-
smith नाया० १४,
कलाय पु० (कलाद) सुवर्णकार, मोती.
सुवर्णकार, सुनार Goldsmith परह० १,
२, नाया० ८, उवा० १, ३६, (२) ओड
गतनु धान्य. एक जाति का धान्य A
kind of corn प्रव० १०१०; १०१६.
कलायरित्र-य पु० (कलाचार्य) ७२
इणा गीभवल्लार, इणाचार्यनी पदवी भेगवेद
अध्यापक ७२ कला सिखानेवाले, कलाचार्य
का पद प्राप्त अध्यापक A preceptor
teaching the 72 arts and enti-
tled Kalāchārya राय० २७७ ओव०
८०, नाया० १, ५,

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

कलाच पुं० (कलाप) मोर, देव मयूर, मोर
A peacock, a pea-hen नाया० ३;
(२) समूह. समूह. a collection.
नाया० ५; सूय० २, २, ५५, ओव० विशेष०
१५१४, पन्न० २, १५, सु० च० १, ६०;
जीवा० १, कप्प० ३, ४१; ५, ६६,
राय० ५६, ११०; “आस तोसत्तविडलव
द्व गधारिय दाम कलाचा” पन्न० २, उवा०
७, २०६, (३) डोडभा पहेरवानुं आभूषण
गले में पहिने का आभूषण an orna-
ment for the neck. भग० ६, ३३;
जीवा० ३, ३;

कलासिंवलिया. स्त्री० (कलाशिविका) ओड
वतनुं शींग वाणुं धान्य; वटाणा, योरा, वगेरे
एक जाति का फली वाला धान्य; चंवरा;
वटला आदि A kind of corn grow-
ing in pods; e. g. peas etc भग०
१, १,

कलाच. पुं० (कलाय) ओ नामनुं ओड अनाज.
इम नाम का अनाज A kind of corn.
पन्न० १, भग० ६, ७;

कलाचग पुं० (कलापक) डोडभा पहेरवानुं
आभूषण. गले में पहिने का आभरण
An ornament for the neck.
पणह० २, ५,

कलाचि. पुं० (कलापिन्) मयूर मयूर; मोर
A peacock. सु० च० २, २४२;

कलि. पुं० (कलि) ओड; ओडनी सभ्या. एक;
एक की संख्या. The number one.
सूय० १, २, २, २३, उत्त० ६, १६, (२)
डुथो डुथेश लडाई, झगडा quarrel.
पणह० १, २; प्रव० ४३६. —कलुस न०
(-कालुष्य) डुलि-डुथेशनुं डोणापणुं
कलि-हेथ की मलीनता-मैलापन filthi-
ness, malignity like that of
quarrel. विवा० १,

कलिऊण. सं० कृ० अ० (कलयित्वा) विद्या-
रीते. विचारकर. Having thought,
thinking सु० च० २, १५२. ३, २०७;
भक्त० १७;

कलिश्रोत्र-य. न० (कल्योज) ओ सभ्याने
आरे लागता ओड शेष रहे तेवी सभ्या
जिस संख्या में चार का भाग देने से एक शेष
रहता है वह संख्या. A sum which
when divided by four leaves
one as remainder. ठा० ४, ३, भग०
१८, ४, २५, ३, ३१, १,

कलिश्रोत्र पुं० (कल्योज) ओओ ‘ कलि-
श्रोत्र ” शब्द देखो कलिश्रोत्र ” शब्द
Vide “कलिश्रोत्र ” भग० १८, ४, ३५, १;

—कडजुम्म पुं० (—कृतयुग्म) ओ सभ्याने
आरे लागता आर शेष रहे अने लब्धाङ्के
आरे लागता ओड शेष रहे ते सभ्या; महा-
युग्म सभ्याने तेरभो प्रकार. जिस संख्यामें ४
का भाग देने से चार शेष बचे और लब्धि
को ४ से भागने पर एक शेष बचे ऐसी संख्या;
महायुग्म संख्या का तेरहवां भेद a sum
which when divided by four
leaves four as remainder and
has a quotient which divi-
ded by four leaves one as re-
mainder, the 13th variety of
Mahāyugma number. भग० ३५, १;

—कलिश्रोत्र. पुं० (—कल्योज) ओ राशीने
आरे लागता ओड शेष रहे अने लब्धाङ्के
पणु आरे लागता ओड शेष रहे ते सभ्या;
महायुग्म सभ्याने सोलभो प्रकार जिस
संख्या को ४ से भागने पर एक शेष रहता है
और लब्धि संख्या को भी चार से भागने पर
एक शेष बचता है वह संख्या, महायुग्म
संख्या का सोलहवां भेद. the 16th
variety of Mahāyugma number;

a sum which when divided by four leaves one as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder भग० ३५, १, —तेश्रोग पु० (—प्रयोज) ने सञ्चाने आरे लागता त्रयु शेष रहे अने लब्धाङ्के आरे लागता ओङ्क शेष रहे ते सञ्चाने, महायुग्म संञ्चाने। यौद्धमे प्रशर जिस सख्या मे चार का भाग देने मे तीन वचते हैं और लब्धाङ्क को चार से भागने पर एक शेष रहता है वह सख्या महायुग्म संख्याका चौदहवा प्रकार. the 14th variety of Mahāyugma number, a sum which when divided by four leaves three as remainder and has a quotient which divided by four leaves one as remainder भग० ३५, १, —दावरजुम्म पु० (—दापरयुग्म) ने सञ्चाने आरे लागता ओ शेष रहे अने लब्धाङ्के आरे लागता ओङ्क शेष रहे ते सञ्चाने, महायुग्म संञ्चाने। पन्द्रमे प्रशर जिस सख्या को चार से भागने पर दो शेष वचते हैं और लब्धिव सख्या में चार का भाग देने से एक शेष वचता है वह सख्या, महायुग्म संख्या का पंद्रहवा भेद the 15th variety of Mahāyugma number, a numerical figure which when divided by four leaves two as remainder and has a quotient which leaves one as remainder when divided by four भग० ३५, १;

कलिश्रोगत्ता स्त्री० (कल्योजता) ने सञ्चाने आरे लागता ओङ्क शेष रहे ते जिस सख्या मे चार का भाग देने पर एक बाकी वचे वह सख्या A numerical figure which

when divided by four leaves one as remainder भग० ३५, ३,

कलिङ्ग पु० (कलिङ्ग) आर्य देशमाने इतिङ्ग नामे योथो देश आर्यदेश का कलिङ्ग नाम का चौथा देश Name of an Āryan country. ओघ० नि० भा० ३; पञ्च० १, उत्त० १८, ४५; (२) तरयुय, इतिङ्ग पु० तरवूज a kind of fruit जं० प०

कलिङ्ग न० (कलिङ्ग) इतिङ्ग देशमा अनेत्र वस्त्र कलिङ्ग देश का वस्त्र. A cloth made in Kālīṅga country जीवा० ३, ३, —रच पु० (—रच) इतिङ्ग शब्द गडवडाट, कोलाहल a humming or bustling-sound भग० ३, २, जं० प० ७, १४०, कलिज पु० (कलिज) सुडने। गोल हलकी टोकरा A round shallow basket. राय० ११६,

कलिङ्ग पु० (कलिङ्ग) ओङ्क आर्य जन. एक आर्य जाति Name of an Āryan race or tribe पञ्च० १,

कलिङ्ग पु० (कलिङ्ग) इतिङ्ग नामनु ओङ्क जननु लाङ्कु कलिङ्ग नामकी एक जाति का लकड़ी A kind of wood so named भग० ८, ३,

कलित्त न० (कटि) डेडे आधवानु धुधरीवाणु भूपणु, इन्दोरो कमर पर बावनेका घुघरुओं वाला आभूषण, कदोरा An ornamental waist band ओव० नाया० १,

कलिय-अ त्रि० (कलिन) युक्त. सहित Planned, formed together, possessed of “ सुदरथणजघण वयण कर चरण गयण सावण विलास कलिया ” पञ्च० २; दसा० १०, १, विवा० १, २, राय० ३६, ४३, जं० प० ५, ११५, ४, ६२, सम० प० २१२, ओव० जीवा० ३, ३, कण० ५, १०१ सू० प० २०, भग० १, १, ७,

६, १६, ६, नाया० १, ३, ८, १६, १८,
गच्छा० ८७, ओघ० नि० भा० २७६, प्रव०
१२५४, कप्प० ३, ३२, (२) २२९ वनाया
हुआ formed, made. ज० प० ५,
११५, ४, ६२, ३, ४३; सू० च० १, ४४,
कलिसिया स्त्री० (कलाशिका) ध्वसीआना
आधारनु ओष्ठ वाद्य त कलश के आकार का
एक वाजा A musical instrument
of the shape of a pitcher राय० ८६,
कलुण त्रि० (करुण) उरुणा उत्पादक;
दयापात्र, गरीय करुणोत्पादक, दयापात्र,
गरीव Exciting pity or com-
passion ओव० २१, नाया० ६, विवा०
७, पि० नि० ३७१, सूय० १, ५, १, ७,
आया० १, १, ६, १७२, (२) उरुणारस;
नव रसमानो ओष्ठ रस करुणा रस, नौ रसों
में से एक one of the nine senti-
ments, viz that of compassion
ठा० ४, ४, अणुजो० १३०, —भाव. न०
(-भाव) उरुणाजनक भाव दयाजनक
भाव sentiment exciting pity
or compassion नाया० ६,
कलुणा. स्त्री० (करुणा) उरुणा, दया, दया,
करुणा Compassion: mercy. परह०
१, १; नाया० १, दस० ६. २, ८,
कलुस त्रि० (कलुप) डोणु, भेधु, अस्वच्छ,
जलवाणु अस्वच्छ, कीचड वाला, मैला;
गदा Maddy: turbid भग० १, ३;
७, ७, ६; अणुजो० १३०, सूय० २, ३,
२१, ओव० २१, विशेष० १४६६, ओघ० नि०
५५५; तहु० १६; नाया० १;
कलुस पु० न० (कालुष्य) पाप धर्म; यितनी
अमाडोण स्थिति पाप कर्म, बिगडी हुई

मनोवृत्ति. Sinful action, troubled
condition of mind. सूय० १, ५, १,
२७, सम० ३०, दसा० ४, १, २१, ८, २१;
भत्त० ५२; नाया० १, ६, उवा० ६, १७०;
—आउलचेय त्रि० (-आकुलचेतस्)
दोष पापादि के डरी जेतु पित्त भलीम छे ते.
दोष पापादि में जिसका मन मलिन है वह.
(one) whose mind is filthy on
account of sin etc. दसा० ६, १५;
२४; २५, —किव्विस त्रि० (-किल्बिष)
अत्यन्त भलिन अत्यन्त मलिन. very
filthy in mind. भग० १, ७, —समा-
चरण त्रि० (-समापन्न) अमाडोण
स्थिति में पापेन डावाडोल स्थिति को प्राप्त
one who is troubled in mind.
भग० २, १; ६, ३३; ११, ६, नाया० ३, ८;
—हियय पु० न० (-हृदय) दुष्ट-भलिन
हृदय. दुष्ट-मलिन हृदय. wicked heart.
नाया० १६;
कलेवर न० (कलेवर) शरीर, देह शरीर;
देह Body, physical body जीवा०
३, ४, सू० प० २०; ठा० ५, १, पन्न० १;
ज० प० नाया० १२;
कलेसुय. न० (कलेसुक) ओष्ठ जलनु घास.
एक जाति की घास A kind of grass
सूय० २, २, ११;
कललोवाइ. स्त्री० () वांसनो डरंडीयो.
वास का कंडिया A small box of
bamboo. आया० २, १, २, १०,
कल्ल न० (कल्य) आपत्ती घास, भीले
दिवस आगामी काल; दूसरा दिन Next
day निर० ३, २, विवा० ७, दसा० ७, १;
नाया० ८, १४, १६, सु० च० ७, ११२;

भग० २, १ ३, १, ११, ६, ओघ० नि० १७३ विशेष० १८७३ (२) प्रातःकाल, प्रभाततो समय प्रातःकाल, प्रभातका समय dawn. नाया० १, २, ५, ८ १३, १६ भग० १२, १, अणुजो० १६, उन्न० २०, ३४, ओव० १३, राय० २३८, उवा० १, ६३, (३) आरोग्य नरोग, आरोग्य health विशेष० ३४४०,

कल्लाकल्लि अ० (कल्पाकल्पम्) दिनदिन प्रत्ये, हररोज, हरएक रोज, प्रति दिन Day by day, daily नाया० ८, ६, १० १४, १६, विवा० ३ ५ अत० ३, ८, ९, ३, उवा० ७, १८४,

कल्लाण न० (कल्याण = कल्योऽत्यन्तनरु-
क्तया मोक्षस्तमानयति प्रापयतीति कल्याण
सुखद, इत्याणुशरी, श्रेयस्कर सुखकारी,
कल्याणप्रद, श्रेयस्कर Causing ease,
giving comfort सु० च० २, ५८,
वव० १०, १ जात्रा० ३, २, विणे० ३४४१
सूय० २, ४, १२, दम० ४, ११, राय० २५,
उत्त० १ ३८, ठा० ३, १, आया० १, ७, १,
१६६, ओव० नाया० १, ७ ६ १४ १६,
१६, भग० २, १, ३, १, ७, १०, ६, ३३,
परह० २, १ सू० प० १८, उवा० ७, १८७,
काप० १, ४, (२) ओ नामनु पर्वण जतनु
जड, इस नाम का पर्वण जाति का माह a
tree of that name पञ्च० १ (३) ओ
प्रशरना प्रायश्चित्तु नाम एक प्रकार के
प्रायश्चित्त का नाम name of a kind of
expiation पि० नि० भा० ३४, (४) तीर्थ-
इरना ७ इत्याणुइभातु गमे ते ओ तीर्थ-
कर के छ कल्याणों मे मे कोई भी एक
one of the six precepts of
Tirthankars पञ्च० ६ २० — कर
त्रि० (-कर) इत्याणु इरना कल्याण

करनेवाला one who accomplishes
welfare नाया० १५, — कारय त्रि०
(-कारक) इत्याणु इरना कल्याणकारी
one who confers welfare नाया०
१, — दियह पु० (-दिवस) जिनेश्वरना
पाथ इत्याणुइरना दिवस जिनेश्वर के पाच
कल्याण का दिन. the day of the 5
Kalyāṇakas of a Tirthankara
पञ्च० ६, २६, — परंपरा छी० (-परंपरा)
इत्याणुनी परंपरा कल्याण का परंपरा
continuation or remote stand-
ing of Kalyāṇika भक्त० ६८,
— फलविवाग पु० (-फलविपाक)
विपाक सूत्रतो सुखविपाक ३५ ओइ
भाग विपाक सूत्र का सुखविपाक रूप
एक भाग, a part of a Vipāk Sūtra
called Sukha Vipāka ज० प० १,
६ सम० ५५, — भागि त्रि० (-भागिन्)
भोअने अरना मोक्ष का सेवन करने वाला
one who enjoys final bliss दस०
६, १, १३, — सपया छी० (-सपत्)
इत्याणुनी सपति कल्याण का सपत्ति पञ्च०
२, ४१,

कल्लाणग पु० (कल्याणक) पडिसेइरुतो
वपत वीत्या पछी पडिसेइरु थाय तेनु प्राय-
श्चित ओइ इत्याणुइ तप विशेष प्रतिलेखना
का समय बीतने के पश्चात् प्रतिलेखना
काजाय उमका प्रायश्चित्त-एक कल्याणक तप
विशेष A kind of expiatory pen-
ance for examining clothes etc.
after the time for it has elaps-
ed ओघ० नि० भा० १७४ (२) त्रि०
इत्याणुशरी कल्याण करी advanta-
geous पञ्च० २ नाया० १,

कल्लाणि पु० (कल्याणिन्) ओइ

वनस्पति एक जाति की वनस्पति A kind of vegetation भग० २१, ४, (२) त्रि० इत्याद्युद्गरी सुखकारी advantageous पचा० २, ४२;

कल्लाल पु० (कल्यपाल) दारु-ताड़ी बेचनार;

पीक्षवाले दारु-मद्य बेचनेवाला, कलाल A liquor merchant अणुजो० १३१,

॥ कल्लुय पु० (कल्लुक) दो ध्रियवाले श्रव दो इन्द्रियो वाला जाँव A kind of two-sensed living being. पन्न० १,

कल्लोल पु० (कल्लोल) तरंग, लहर तरंग, लहर A wave प्रव० १४६५, परह० १, ३, ओव० २१,

कल्लहार न० (कल्लहार) ओंके जलतनु सफेद कमल एक जाति का सफेद कमल A kind of lotus white in colour. पन्न० १. कवचिया स्त्री० (कवचिका) ओंके जलतनुं काम एक जाति का पात्र A kind of vessel or utensil भग० ११, ११,

कवड न० (कपट) छपट छल भाषा अने बेपनी पक्षयो इरी पोताने अन्यथा स्वरूपे जतावतु ते कपट, छल, भाषा और भेष को बदल कर अन्य स्वरूप का दिखाना Fraud, deceit; disguise नाया० २, ६, ज०प० भग० ७ ६; स्य० २, २, ६२; प्रव० १६७, भक्त० १२३, राय० २०७,

कवड्डिया स्त्री० (कपडिका) छोटी कोंडी, एक प्रकार का सिक्का. A small, shell i. e. cowrie (used as a coin) सु० च० १, १७४,

कवच पु० (कवच) अश्वत्थ इवय. वस्त्र, कवच An armour राय० ५६, ओव० ३०, पन्न० २, भग० ७, ६, नाया० २,

(२) जल, समूह समूह; समुदाय A collection a net work “ मरीचि कवय विणिमुञ्चते ” ज० प० नाया० १;

कवल पु० (कवल) छोणीयो कौर ग्राम

A morsel ओव० १६, वव० ८, १५; नाया० १, भग० ७, १; ६, ३३; २५, ७.

प्रव० १६७; पचा० १३, ४६, १६, १८.

—वत्तीस. त्रि० (-द्वात्रिंशत्) पत्नीश

छोलीया वत्तीस कौर-कवल-ग्रास ३२

morsels प्रव० ७४२, —बुद्धि. स्त्री०

(-वृद्धि) आन्दायण प्रतमा शुद्ध पक्षमा

पञ्चाथी हमेश ओंके छोलीयो धारे जमे

छे जमे के पञ्चाना रोज ओंके पक्षी अनुक्रमे

पूणिमाना रोज १५ ते इवल वृद्धि. कवल-

वृद्धि—चादायण व्रत में शुद्ध पक्ष की एकम

मे हमेशा एक २ कवल अधिक बढ़ाते जाना-

जैसे कि एकम को एक फिर अनुक्रम से पूणिमा

को १५ कवल लेना increasing of one

morsel daily, i. e. taking of one

morsel on the first day of

bright half of a month and then

increasing of one morsel daily

Thus on the 15th day 15 mor-

sels are to be taken This is

observed in an austerity styled

Chāndiāyana प्रव० १५७०,

कवलिलजंत त्रि० (कवल्यमान) खातु

खायाहुया Eaten, taken as food

सु० च० २, ५३२.

॥ कवल पु० (-) छोटातु काम, छोटा

लंहे की कटाई An iron vessel, a

cauldron भग० ३, ३.

कवली स्त्री० (-) जोल उदाशवानु काम

गुड उवाले का वरतन A vessel in which treacle is boiled विवा० ३, कवाड न० (कपाल) ओपरी खोपड़ी The skull. नाया० ४;

कवाड. पु० न० (कपाट) डपाट, आरण्य, दरवाजे कगट, द्वार A gate, a door उवा० २, ६४, प्रव० १३२७, पि० नि० ३४७, जीवा० ३, ४, ओव० सम० ८, अणुजो० १४६, नाया० ज० प० सु० च० १, ४५, अत० ६, ३, राय १७६, नाया० १८, सम० प० २१०, ज० प० ३, ५३, (२) केवल समुद्रात क्रिया भा केवली आत्माना प्रदेशने अलाइ डाढी प्रसारी डपाटने आशारे अनावे ते केवल समुद्रात क्रिया में केवली की आत्मा के प्रदेश बाहर निकालकर और फैलाकर दरवाजे के आकार की भांति बना देना Universal projection of the soul by a Kevali by expanding it in the shape of a door पत्र० ३६, —भयत्र पुं० (—भूतक) जे हाथ अथवा त्रण हाथ जमीन ओढ़े तो अमुक पैसा आपीश, अवी सरत करी राभेले आकर दो हाथ या तीन हाथ जमीन खोदनेपर इतने पैसे दंगा, इस शर्त पर रक्खा हुआ नौकर a labourer engaged with the contract of payment of a fixed amount of wages in return for the work of a digging ground to a fixed depth e g two or three arms ठा० ४, १,

कवाल पु० न० (कपाल) धडाने अर्थात् भाग. घडे का आधा भाग, घडे का अर्द्ध भाग The half of an earthen pot विशेष० १६८७, दसा० ६, ४, आया० १, ६, ३, १०, (२) भरतक, ओपरी मस्तक, खोपड़ी a brain सु० च० ५, ५३, सूय० २, १, ४८,

कवि पु० (कवि) इयिता इरनार कविता बनानेवाला, कवि A poet ठा० ७, अणुजो० १३१,

कवि. पु० (कपि) वादरे वदर, वानर A monkey सूय० २, २, १०, विशेष० ८६१ ओघ० नि० ६५३, सु० च० १, २६,

कविजल पु० (कपिजल) ओइ जलतु पक्षी एक जात का पक्ष A kind of bird; the Chātaka bird सूय० २, २, १०, पत्र० १, उवा० ७, २१७,

कविजलग पु० (कपिजलक) लुओ “कविजल” शब्द. देखो “कविजल” शब्द Vide “कविजल” परह० १, १,

कविकच्छु पु० (कपिकच्छु) ओइ जलनी वेल के जेने अस्ता शरीरमा अन्तर उत्पन्न थाय छे एक जात की वेल जिसको स्पर्श होतेही शरीर पर खुजली उत्पन्न होती है A kind of creeper producing an itching sensation in the body by touch जीवा० ३, १, परह० २, ५,

कविट्ट पुं० (कपिस्थ—कपिस्तितृष्ट्यत्रेति कपिस्थः) वादराने गमतु अलु भीवाडु डल डोहनु डल बहुत बीजों वाला फल जो वदर को प्रिय—रुचिकर होता है, कवाट The fruit of the wood-apple tree full of seeds and much liked by monkeys ज० प० आया० २, १, ८, ४३, उक्त० ३४, १२, सू० १, १८, पत्र० १, २, प्रव० २४६, भग० १८, ६, २२, ३, दम० ५, १, २३ जीवा० १ ३, ४, निर० ३.२,

कविया छ्वा० (कविका) लगाम लगाम (जा घोड वगेरह के मुह मे अटकाई जाती है) A bridle सु० च० १०, ३२

कविल पु० (कपिल) इपिअ नामना मुनि इपिअ केवली के ते नाल पामे शु भागवत नेतो विचार इरता, पण्डितमनी वच्य ओणी

उपर यस्ता, संतोष वश्यो अने त्या देव
जान उत्पन्न थ्यु के तत्तज्ज्ञ शयन देवे
आपेव साधुनो वेप पडेनी, दीक्षा लध याक्षी
नीक्ष्या कपिल नामक मुनि, कपिल नामक
केवली जो राजा से क्या मागना ? इसका
विचार कर रहे थे कि विचार करते करते
परिणामोंकी ऊपर की श्रेणी पर चढ़ गये और
उस अवस्था में उन्हें संतोष प्राप्त हुआ तथा
केवलज्ञान उत्पन्न हो गया, तब आपने तुरतही
शामनदेव द्वारा दिया हुआ साधु का वेप
गहिन कर दीक्षा ली और वहा से चल निकले
Name of a sage, who while
pondering upon the boon that
he should ask of a king, rose
to a high stage of thought-
activity, experienced content-
ment, attained perfect know-
ledge, became an ascetic, took
Dikṣā and set out. उत्त० ८, २०;
सु० च० १२, ५६, (२) लुशे रंग भूरा
रंग tawny colour ज० प० भग०
७, ६, (३) ओ३ जतनु इपिल नामनु
पक्षी एक जाति का कपिल नामक पक्षी
a kind of bird पण्ड० १, १, ज० प०
ओव० (४) इपिल मुनि-सांख्यशास्त्र प्रणेता
अने तेना अनुयायिओ कपिल मुनि और
उस मत के अनुयायि-माननेवाले name of
the founder of the Sāṅkhya
system of philosophy also a
follower of Kapila. ओव० ३८;

कविलत्र पु० (कपिलक) राहुना पुद्गलना
पहर प्रक्षारमानो ओ३. राहु के पुद्गल के
पंद्रह प्रकार मे से एक One of the 15

varieties of the molecules of
which the body of Rāhu is
made सू० प० २०,

कविसायण पु० (कपिशायन) ओ३ जतनी
भदिरा एक जाति की दाह A kind of
intoxicating drink पन्न० १७,

कविससिञ्ज पु० (कपिशिर्षक) लुओ
' कविसीसग ' शब्द देखो " कविसीसग "
शब्द. Vide ' कविसीसग ' राय० ००४,
जीवा० ३, ४,

कविसीसग पु० (कपिशिर्षक) डाशीशा
गढभाथी गढार जेवाने तेमां भुड्डा वाढ-
राना भाथाने आक्षरे आंझा डांगरा. गढ से
बाहिर देखने के लिये उसमे रखे हुए बदर के
सिर के आकार के छेद. An indenta-
tion or hole in the wall of a
fortification resembling a head
of a monkey ओव० ज० प० नाया०
५; अत० १, १;

कविहसिय न० (कपिहसित) आक्षशभा
अक्षरभात् अक्षती लय कर ज्वाला देभाथ ने
आकाश मे अकस्मात् दिखाई देनेवाली भय-
कर ज्वाला Unexpected, sudden
flames in the sky अणुजो० १२७
जीवा० ३, ३.

कवेल्लक पु० () पात्र विशेष. भोली
डाण. पात्र विशेष, बड़ी कड़ाई A uten-
sil, a big cauldron भग० ३ १

कवेल्लुय पु० () नखिया कवलू A
tile जीवा० ३, १; (२) भोली
डाण, डाणओ. बड़ी कड़ाई a large-
cauldron ज० प० २, ३८,

कचोड. पु० (कपोत) पारेय कवूतर. A

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th

dove पि० नि० २१७,
कवोतालि स्त्री० (*कपोतालि — कपोत पालिका) पि० ६, पक्षिने पालनानी जगह A place set apart for taming birds जीवा० ३, ३,
कवोय पु० (कपोत) इयूनर, पारेवे कवूतर A dove, a pigeon जीवा० ३, पञ्च० १, ओव० आया० २, १०, १६६, उवा० ७, २१७, जं० प० २, २१, — **सरीर** न० (-शरीर) पारेवाना शरीरना रगवाणु ६६, ६७ कवूतर के शरीर के समान रगवाला फल, भूरा कोला name of a fruit of the colour of a dove, a kind of pumpkin gourd भग० १५, १,

कवोयग पु० (कपोतक) पारेवु कवूतर A dove, a pigeon सूय० २, २, १०,
कवोल पु० (कपोल) गाल, लभणु गाल A cheek; the temples जीवा० ३, ३, ओव० १०, ज० प० — **मूल** न० (-मूल) गालनु भूय, लभणु कनपटी the temples कप्प० ३, ३३,

कव्व न० (काव्य) डाव्य; इविनी पनावेन इति काव्य, कवि को वनाई हुई कविता A poem, the work of a poet अणुजो० १३०, ठा० ४, ४, ज० प० प्रव० १२४१, सु० च० १, १,

कव्वड पु० (कर्वट) दुत्सित नगर, अशो-
 लित शहर शोभा रहित शहर A city devoid of beauty. नाया० ८, १६, ओव० ३२, सूय० २, २, १३; परह० १, ३, जीवा० ३, ३, भग० १, १ ३, ७, ७, ६, ज० प० ३, ६६

कव्वर पु० (कर्वटक) ७६मा ग्रहनु नाम. ७६ वे ग्रह का नाम Name of the 76th planet सू० प० २०,

✓ **कस** वा० II (कश) शोषवु, सुष्पी नाभ्यु शोषण करना, शोखना, सुखा टालना To dry up, to cause to evaporate

कसेहि आया० १, ४, ३, १३५,

कस पु० (कश = कस्ते शासनयात्रासजनयति ताडयति वेति तथा) आणभो, डोरडो. चावुक A whip परह० १, १, ३, २, ५, ज० प० उत्त० १, १२, १२, १६, विवा० ६, दसा० ६, ४, विशेष० २०४२ (२) इर्भे अथवा लव (ससार) कर्म या ससार. Karma, worldly existence विशेष० १२२८, २६७८; — **प्पहार** पु०

(-प्रहार) आणभाना प्रहार चावुक का प्रहार, चावुक की मार. a stroke or lash of a whip विवा० ३, नाया० २, १७,
कस पुं० (कष) धसीने इसोटी इपी ते कसोटीपर लगाना Testing on a touch stone. पंचा० १४, ३६,

कसट्ट न० (*) इसतर, इयरो कचरा Refuse, dross ओव० नि० ५५७,

कसट्टिय पु० (कशपट्ट) इसोटीने पथरो. कसोटी का पत्थर. A touch stone भग० ५, २,

कसर पु० (*) अल्लुलवाथी उत्पन्न थयेलो रोग, अस खुजाने से उत्पन्न रोग, खाज. A skin disease caused by scratching, itches “ कच्छूकसराभि भूया ” भग० ७, ६, जं० प० — **अभिभूय** त्रि० (-अभिभूत) आलना रोगधी पीडा-

थेलो. खाज के रोग से पीडित (one)
suffering from itches भग० ७, ६,
कसाय पुं० (कषाय) लगवा पत्र भगवां
वस्त्र A red cloth or garment
दसा० ६, ४, (२) इसापेलो रस कसाया हुआ
रस, उत्तरा हुआ रस, चलित रस aslin-
gent taste जीवा० ३, १, आया० १,
५, ६, १७०, उत्त० ३६, १८, पत्र० १;
नाया० १, १७, जं० प० निसी० २, ४४,
भग० २, १, १७, ३, १८, ६; २०, ५, २१,
७, २४, १, दम० ५, १, ६७, सम० २२, ठा०
१, १; (३) पञ्चपुष्पा सूत्रना त्रीण
पदनु सातमा द्वात्रनु नाम परणवणा (प्रजा-
पना) के तीसरे पद का सातवा द्वार. name
of the 7th Dvāra of the third
Pada of Pannavanā Sūtra
पत्र० ३, (४) प्रजापनाना यद्विभां पदनु
नाम जेभा क्रोधादि चार इपायनु वलुन
आपेलु छे प्रजापना क चौदहवें पद का
नाम जिसमे क्रोधादि चार कषायों का वर्णन
है name of the 14th Pada of
Prajñāpanā dealing with the
four Kaśāyās पत्र० १, (५) सात
समुद्घातोमानी श्रीश्रु समुद्घात-जेभा
इपाय मोहनीय डर्मनी निर्जरा आय छे सात
समुद्घातों में से दूसरी समुद्घात जिसमें कषाय
मोहनीय कर्म का निर्जरा होता है the
2nd of the seven Samudghātas
in which there is Nujarā of
Kaśāya Mōhaniya Karma पत्र०
३६, (६) श्रवना शुद्ध स्वभावने डर्मरूप
भेद लगादी मलीन डरे अने स सारनी वृद्धि
डरे ते क्रोध, मान, माया अने लोल जीवके
शुद्ध स्वभाव का कर्म रूपी मेल लगाकर
मालिन करने वाले तथा समार भ्रमण की
वृद्धि करने वाले क्रोध, मान, माया और लोभ

रूप कषाय the four moral im-
purities viz anger, pride,
deceit and greed which obscure
the spotless nature of the soul
and cause it to wander in the
cycle of worldly existence दस०
८, ४०, १०, १, ६; भग० १७, ३, २४, १,
क० ग० १, ४१; ५, ६३, पत्र० १४, भक्त०
४८, गच्छा० ६७, पचा० १७, ५२; काप०
४, ६५, जीवा० १, नाया० ५ आया० १,
८, ७, २; उत्त० ३१, ६, अणुजो० १२७,
ओव० १६. —अईय त्रि० (-अतीत)
इपायरहित श्रव, इपाय (इप + आय)
स सारनी प्राप्ति डरावनार, क्रोधादि रहित
कषाय रहित जीव; कषाय (कष + आय) -
ससार की प्राप्ति-कराने वाले क्रोधादि भावोंसे
रहित. (a soul) free from Kaśāya
i e. anger etc which are the
causes of worldly existence
विशे० ७७७; —उदय पु० (-उदय)
इपाय-क्रोध, लोल वगेरेने आविर्भाव.
कषाय-क्रोध लोभ आदिका आविर्भाव (वृद्धि)
rise, manifestation of Kaśāya
i e. anger greed etc क० प० १,
२२, ६, ७४, —कलि पुं० (-कलि) इपाय
रूपी इलेश कषाय रूप क्लेश mental
agony, trouble in the form of
Kaśāya, such as anger etc भक्त०
१५१. —चउक्क न० (-चतुष्क) इपायनी
योडडी. क्रोध, मान, माया अने लोल कषाय
की चोकडी, क्रोध, मान, माया, और लोभ
the group of the four passions
viz anger, conceit, deceit and
greed क० ग० ६, ७७, —जय. पु० (-जय)
क्रोध, मान, माया अने लोल ये चार ने छतव
ते, इपाय जय क्रोध, मान, माया और लोभ

इन चारों को जीतना conquest over the four passions viz anger, conceit deceit and greed प्रव० ५६२; —दृग न० (—अष्टक) क्षायनी आठ प्रकृति, अष्टाध्यानी अने प्रत्याख्यानी ओझडी कषाय की आठ प्रकृति-भेद, अष्टाध्यानी और प्रत्याख्यानी चोकड़ों the eight-fold nature of Kasāya viz four Apatyākhyānī and four Pratyākhyānī क० ग० ६, २, —एवञ्चि स्त्री० (—निर्वृत्ति) क्रोधादि क्षायनी उत्पत्ति क्रोधादि कषायों का उत्पत्ति the rise of Kasāya viz anger, etc भग० १६, ८, —पञ्चकखण न० (—प्रत्याख्यान) क्रोध आदि क्षायने त्याग क्रोधादि कषाय का त्याग, giving up, abandoning Kasāya i. e. anger etc उक्त० २६, २, —पडिसंलीणता स्त्री० (—प्रतिसंलीनता) क्षायने लय डरवे ते कषाय का लय करना-नाश करना destruction assuaging of Kasāya भग० २५, ७, —पिसाञ्च पु० (—पिशाच) क्षायरूपी पिशाच कषाय रूप पिशाच a ghost, an evil spirit in the form of Kasāy भक्त० ५७, —पमाञ्च पु० (—प्रमाद) क्षायरूप प्रमाद कषायरूप प्रमाद negligence, blunder in form of Kasāya ठा० ६, १, —मोहणिल्ल न० (—मोहनीय) क्षायरूप मोहनीय धर्मनी प्रकृति मोहनीय कर्म की कषायरूप प्रकृति a variety of Mohaniya Karma in the form of Kasāya उक्त० ३३, १०, —रस त्रि० (—रस) क्षायने रस कसाय-कड़वा रस astringent in taste भग० ८, १, —वयण न० (—वचन) क्षाययुक्त वचन

गुरुसाता शब्द क्रोधयुक्त वचन, गुस्सा भरे शब्द angry words मय० १, ३, १, १५, —विउस्सग पु० (—व्युत्सर्ग) क्षायने परित्याग, कषाय का परित्याग giving up, abandonment of Kasāya i. e. anger etc भग० २५, ७, —विजय पु० (—विजय) क्षोधादि क्षायने विजय डरवे ते क्रोधादि कषाय पर विजय प्राप्त करना conquest over Kasāya i. e. anger etc प्रव० १५२६, —समुग्घाय पु० (—समुद्धात-कषायै क्रोधादिभिर्हतुभूतै समुद्धातः कषाय समुद्धात) क्षोधादि क्षायने उत्थे छुटना प्रदेश शरीर अंदर अने अंदर विस्तरवाथी नेत्र विकार डे मुष्पविकारनु थवु अने क्षाय मोहनीयते भोगवटे डरी क्षायना पुद्गलोने निर्वरेवा ते क्रोधादि कषाय के उदय से जीव प्रदेशों का शरीर के भातर और बाहिर विस्तृत हो जानेसे नेत्र विकार या मुखविकार होना और कषाय मोहनीय कर्म का भोगने पर क्षय होजाने से कषाय पुद्गलों का निर्जरा होना deformation in eyes and face caused by the expansion of the molecules of soul in the body due to the rise of Kasāya (passions) and destruction of the molecules of Kasāya after enduring them सम० ६ जीवा० १ ठा० ४, ४ भग० ११, १, २४, १ ३४, १ पञ्च० ३६

कसायकुशील पु० (कषायकुशील = कषाय सञ्चलन क्रोधाद्युदयलक्षणे कुशील कषाय-कुशील) क्षाययुक्त, साधु, ७ प्रज्ञाना निर्ग्रथमाने ओऽ कषायवान्ना साधु क्रोधादि भावयुक्त साधु, छ प्रकारके साधुओं में से एक An ascetic full of Kasāya, one

of the six kinds of Nigianthas
 1 e ascetics. भग० २५, ६, परह० ६३,
 कसाय कुसीलत्त न० (कपाय कुशीलत्व)
 इपायदुशीलपणु कपाय भावसे कुशीलपना
 Evil conduct arising from Ka-
 sāya भग० २५, ६,
 कसायपद न० (कपायपद) पन्नवणु सूत्रना
 योथा पदतु नाम प्रज्ञापना सूत्र के चौथे पद
 का नाम Name of the fourth
 Pada of Pannavanā Sūtra भग०
 १८, ४,
 कसायात्त पुं० (कपायात्मन्) इपायवालो
 आत्मा कपायवाला आत्मा A soul full
 of Kasāya भग० १२, १०,
 कसाहि पुं० (कशाहि) ओंछ जंतुनो मुकुलित
 सर्प एक प्रकार का मुकुलित सर्प A kind
 of snake पन्न० १,
 कसि पुं० (कृषि) भेती, कृषिभूँ खेती,
 कृषि Agriculture जीवा० ३, ३, क०
 प० २, ६५,
 कसिण. त्रि० (कृत्स्न) पुरेपु३, संपूर्ण परि-
 पूर्ण, संपूर्ण Whole, full, all, entire
 दमा० १०, ११ निगी० ८, १२, ओव० ४०,
 अणुजो० ५०, भग० २, १०, ६, ३१, दस०
 ८, ४०, नाया० १४, ज० प० ७, १६६;
 (२) अण्ड, उडायेल नदी, अण्डित नथयेल.
 ममग्र, अखड, दुकडे वगैरह जिसके न हुए
 हों वह unbroken, entire कप० १,
 १, ५, १६, क० प० ७, ३० ४५, आया० २,
 १, १, २, वेय० ३, ५, निगी० ४, १६,
 (३) पु० परिपूर्ण रूद्ध भलरूद्ध, जेना-
 थी भोटे भीजे रूद्ध नथी ते परिपूर्ण
 स्कंध, महास्कंध, मवसे बडा स्कंध a per-
 fect, complete Skandha or
 molecule विशेष ८६७, —अवमपुड.
 पु० (-अवपुट) सम्पूर्ण अवमपुट

(आदध) नो ५३ सम्पूर्ण वादल का पटल;
 सम्पूर्ण अवमपुट The entire vault of
 the sky “कसिणवम पुडावगेमव चदिमा”
 दस० ८, ६४, —अणय पु० (-अणक)
 आणय गणु अखड चना chick-pea,
 gram प्रव० १०१०, —संयम पु०
 (-संयम) सर्वरीते सावधनो त्याग, सर्व
 विरति. मावय का त्याग, पापानुष्ठान का
 सर्वथा त्याग, सर्व विरति complete re-
 nunciation of sinful things
 पचा० ६, ४०.
 कसिण त्रि० (कृष्ण) डाणु, डाणाशवाणु.
 काला. Black “आणामिय चारुइरत्त
 णु कसिण सिद्धभूया ” जीवा० ३, २, सु०
 च० २, २३६, पन्न० २, ओव० १०, ठा०
 १०, कप० ३, ३६, क० ग० १, ४२,
 कसिणा स्त्री० (कृत्स्ना) जे प्रायश्चित्तमा
 अधिक समाप्त श्रे नही ते प्रायश्चित्तनो ओंछ
 प्रक्षर जिस प्रायश्चित्त मे अविक शामिल न
 हो सके वह प्रायश्चित्त, प्रायश्चित्त का एक भेद.
 A variety of expiation, an ex-
 piation which has reached the
 highest limit and which can-
 not admit any more ठा० ५, २.
 सम० २८,
 कसेरु. पुं० (कशेरु) पाण्डीमां उत्पन्न थो
 इशेरु नामनो प्रसिद्ध इह पानी मे पैदा
 होनेवाला कशेरु नामक प्रसिद्ध कद A
 bulbous root growing in water
 and named Kaseru पन्न० १
 कसेरुग पु० (कसेरुक) इसेरु नामनी पाण्डी
 मा उगती वनस्पति पानी मे उत्पन्न होने-
 वाली कसेरु नामक वनस्पति Name of
 aquatic plant सूय० २, ३, १८.
 आया० २, १, ८, ४७,
 कस्सई अ० (कम्पचित्) डोण ओंछनु

किसी एक का Of some one, belonging to some one. दस० ८, १०,
 कह धा० II (कथ्) डहेवुं, भोलयु कहना,
 बोलना To tell; to speak, to say
 कहेइ निसी० ८, २, नाया० ध० उवा० १, ६०,
 कहति ओव० २१,
 कहिति नाया० १६,
 कहिजा वि० दस० १०, १, १०,
 कहिज वि० पिं० नि० ३१४,
 कहाहि. आ० सूय० १, ११, ३,
 कहसु आजा० सु० च० १, २६,
 कहेसु. सु० च० ५, ६,
 कहय उत्त० २५, १६,
 कहेमाण. दसा० ३, २६, सम० ३३,
 कहमाण गच्छा० ३२,
 कहिउ. सु० च० ३, ८२,
 कहिजण क० वा० विशे० ५८५,
 कहिजउ क० वा० सु० च० ४, २४०,
 कहिजाहि क० वा० आजा० पिं० नि० ४३२,
 कहिजत क० वा० व० कृ० सु० च० ७, १४६,
 कह अ० (कथम्) डेम, शाभाटे, डेवी रीते
 क्यों, किसलिये, किस तरह. Why, how
 नाया० २, ६, ७, भग० ७, ६,
 कह अ० (कथम्) डेम? शाभाटे? डेवीरीते?
 किस प्रकार? How? why? नाया० १,
 २, ६, ७, ६, १०, १८, भग० १, ३, २, ५,
 ३, १, ५, ५, ६, १५, १, १६, ६, २०, ६,
 २५, ८, दस० २, १, ८, ७, ६, २, ८, २५, दसा० ४,
 १०५, विशे० ३०, १२७, सु० प० १, सूय० १,
 १, ३, १०, १, २, ३, ज० प० ७, १४१,
 कहचि अ० (कथचित्) डोथ प्रडारे, किसी
 प्रकार से In some way or other,
 some how or other पचा० ५, ३५,
 ✓ कहकह ना० धा० II (कहकह) डहडह
 ओवे। आवाज डरेवे। कहकह ऐसा आवाज
 करना. To make a sound resem-

bling the sound of the word
 Kahakaha

कहकहति जीवा० ३, ३,

कहकहत. परह० १, ३, ज० प० ५, १२१;

कहकह. पुं० (कहकह) धणुा न्णुने। भुशा-
 लीने। अवाज कोलाहल, शोर Bust-
 ling noise राय० ८६,

कहकहअ पु० (कहकहक) आन दने। डध-
 डल शब्द आनद का कलकल शब्द A
 joyous bustling sound. ठा० ३, १,

कहकहक पु० (कथकथक) डहडह ओवे।
 भुशालीने। पेडार. 'कहकह' रूप हर्षोद्गार,
 . खुशाली की पुकार A joyous sound
 resembling the pronunciation
 of the word Kahakaha आया०
 २, १५, १७६,

कहकहग पु० (कहकहक) डोलाडल कोला-
 हल Bustling sound कप्प० ५, ६६,

कहग पु० (कथक) डथा डरनार, डथा डपर
 आछविडा यलावनार कथा करनेवाला, कथा
 करके आजीविका करनेवाला A profe-
 ssional story-teller राय० अणुजो०
 ६२, ओव० ज० प० निसी० ६, २२, जीवा०
 ३, ३, कप्प० ५, ६६, प्रव० ६३६,

कहण न० (कथन) डथन, वर्णन, डही यता-
 वणु कहना, कथन, वर्णन Telling,
 describing, narrating विशे० ८६४,
 पिं० निं० ८०, १६०, १६२, सु० च० २,
 ३५०, नाया० ८, नदी० ४१,

कहणा छी० (कथन) डथन कथन Nar-
 ration विशे० ८४६, पंचा० ६, १३, १२, १५,

कहचि. अ० (कथमपि) डोथ पणु रीते
 कोई भी रीति से In some way or
 other, anyhow गच्छा० ६६,

कहा छी० (कथा) डथा, वार्ता, सभायार,
 डथा-वाद, न्णप, वितडा, प्रडीणु अने

निश्चय ये पांच प्रकारनीं उथा. कथा, समा-
चार, वार्ता-वाद, जल्प, वितडा, प्रकीर्ण
और निश्चय, ये पांच प्रकारकी कथा A
story; a news; a description
“ ति विहा कहा पणत्ता तजहा
अथ कहा धम्मकहा कामकहा ” ठा० ३,
३, गच्छा० ११५, कप्प० ३, ५६,
भग० २, ५; ७, ६, ६, ३३; ११, ११, दस०
८, ४२; नाया० १, ३, ५; ८, १३, १६,
सम० ९, १२, उत्त० १६, ६; २६, २६;
ओव० ११; ३८, दसा० ३, २६; ३१;
निसी० ८, १, उवा० २, ११७,—अधिकरण
न० (—अधिकरण) इथाना अधिधारवाणुं
कथा का वर्णन करने वाला शास्त्र A
scripture containing stories or
teaching through stories दसा०
६, २५, —समुल्लाव पु० (—समुल्लाप)
परस्पर वार्तालाप परस्पर वार्तालाप, आपस
में बातचीत mutual conversation.
नाया० ८, ६;

कहाराग न० (कथानक) इथा, पान, कथा,
कथानक, वर्णन A story, a narra-
tion नदी० ५०,

कहि त्रि० (कथिन्) इहेनार कहने वाला.
(One) who tells, a teller.
“ महाधम्म कही ” उवा० ७, २१८; ज०
प० १, १,

कहि अ० (क) इथा; इये डेडाणे कहा, किम
जगह Where? at what place?
ज० प० जीवा० ३, नाया० १३, पन्न० २,
भग० २, १; ७, ३, २, ६, १, ६, १, १०,
१ १३, ४,

कहिअ-य. त्रि० (कथित) इहेलु कहा हुआ
Told; narrated नाया० १, २; ५, ६,
१६, भग० १, १; २, १, पचा० १७, ३०;

कहि अ० (क) इथा? कहाँ? Where?

जीवा० १; राय० नाया० ८, १३, १४, १६;
सु० च० ३, ६२; भग० २, १, ३, १; ५; ५,
३, ६, ५. ७, ६; ६. ३३, १४, १; १५, १,
३२, १, अणुत्त० १, १; पि० नि० ३७६,
सू० प० १,

कहि अ० (कदा) इथारे कव, किस समय
When? भग० २०, ८,

कहिचि अ० (कचित्) इथायपण, डेडास्थले
कहीं भी, किसीभी स्थान पर In some
place, in some place or other
विशे० १६२७, नाया० १, आया० १, ७, २, २०२;

कहित त्रि० (कथित) इहेल. कहा हुआ.
Told; said, narrated. सू० प० १,

कहितार त्रि० (कथयितृ) इहेनार, ओल-
नार कहनेवाला, बोलने वाला (One)
who tells, a teller, a speaker
दसा० ३, ३१, उत्त० १६, ६, सम० २,

कहेत्तार त्रि० (कथयितृ) इहेनार. कथन
करने वाला, कहनेवाला A speaker, a
teller; (one) who tells “ इत्थि-
कह भत्तकह रायकह कहेत्ता भवइ ” ठा०
४, २, सम० २२,

कह्लार. न० (वह्लार) संध्या विकशी सडेद
उभय संध्या का फूलने वाला सफेद कमल
A white lotus blooming in the
evening सूय० २, ३, १८,

✓का धा० I. (कृ) इरुवु करना To do
कासिया विध० सूय० १, २, १, १७.

काहिइ-ति. भवि० भग० ३, २; ६, ३३,
११, १२, १४, ८ १५, १, १८,
१०, नाया० १५, १६, विशे० ६६८,

काही नाया० ध० ६; दस० ४, १०,

काहिति भग० ३, १, १६, १, नाया० १,
नाया० ध० १०, ओव० ४०; उत्त०
८, १६, पि० नि० २३६,

काअसी भूत० सूय० १, १, ३, ८, आया०

१, १, ४, ३५, उत्त० १, १०;
 काऊणं ज० प० नाया० १८, १६, विशेष०
 १५२, पि० नि० ३ भग० १४, २,
 काउं स० कृ० भग० १, ८, ३, ५, ६, ३३
 १५, १, सु० च० १, २०७, दसा०
 १०, १, नाया० ध०, नाया० १६,
 ओव० ४०, पि० नि० भा० ३०,
 काउं हे० कृ० भग० ४, २, नाया० १८;
 कट्टु स० कृ० दस० ८, ३१, वेय० १, ३७,
 ७, १७, सू० प० १, पञ्च० ३६,
 ओव० ११, ज० प० ५, ११५, ११०,
 १२२, २, ३३, ३, ४५, अणुजो०
 १३, ७१; निसी० ७, ३१, १४, १२,
 १८, १७, आया० १, ५ १, १४४,
 २, १, ३, १५, उत्त० ३, २, ११,
 नाया० १, ५, ८, १४, भग० १, १,
 २, १, ५; ३, १, ५, ४, ६, ५, ७,
 ६, ६, ३१, १६, ५ वेय० १, १३, ५, ५,
 ✓ का धा० I स० कृ० अ० (कृत्वा) करीने
 करके Having done
 किच्चा नाया० १, ६, १४, १६, आया० १,
 ७, ६, २२१, सूय० १, १, १०,
 ओव० ३८, भग० १, १, ८, २, १,
 ३, १, ७, ६, ८, ५, १५, १, दस०
 ५, २, ४७, ८, ४६, निर० ३, १,
 दसा० ६, १, ६, ११,
 काइ अ० (काचित्) क्वा, स्त्री ज्यति विशेष
 पदार्थ काई स्त्री जाति विशेष वस्तु
 Somebody, someone, (said of
 of an object in the feminine
 gender) वय० ५, ११, विशेष० १२०
 काइय त्रि० (कायिक-कायेन शरीरेण नि-
 वर्तत कायिक) शरीरसम्बन्धी शारीरिक
 शारीरिक, शरीरसम्बन्धी Physical, re-
 lating to the body आव० १, ४
 ओव० ३२ विशेष० २३३ ३५८ उत्त० ३२, १६

काइया स्त्री० (कायिकी) शरीरना व्यापारथी
 थती क्रिया, पाय क्रियामानी ओइ शरीर के
 व्यापार से होनेवाली क्रिया; पाच में से एक
 क्रिया One of the five activities
 viz physical activity पञ्च० २२,
 सम० ५, ठा० २, १, ओघ० नि० २४१,
 भग० १, ८, ३, १, २, ६, ५, ६, ८, ३,
 काई. न० (काकी) डागडी कौवा (कौवा का
 स्त्री लिङ्ग) A female crow विवा०
 ३, —अंडअ न० (-अण्डक) डागडीना
 धडा कौवा का अंडा an egg of a
 female crow विवा० ३,

काउ स्त्री० (कापोती) डापोत लेश्या, पारे-
 वाना रंग जेवा डर्म रङ्ग धेा डे जेना योगे
 छवने तदन डागा नहि पणु सङ्केदनी जाध-
 वाणा परिणाम थाय ते डापोत लेश्या
 कापोत लेश्या, कवूतर के रंग के समान कर्म
 स्कंध, जिनक सयोग से जीव के बिल्कुल काले
 परिणाम न होकर सफेदी की भाईवाले परि-
 णाम हा ऐसे परिणामो को कापोत लेश्या
 कहते हैं Dove coloured tint,
 grey colour of Karmic mole-
 cules resembling that of a
 dove. पञ्च० १७, उत्त० ३४, ३, ५६. क०
 ग० ४, १६, ज० प० ५, ११५, —लेसा
 स्त्री० (-लेश्या) छ लेश्यामानी त्रीछ
 डापोत लेश्या छ लेश्याओ म स तीसरी
 कापोत लेश्या. the third of the six
 matter or thought tints viz
 dove coloured tint आव० ४, ७,
 प्रव० ११७३, —लेस्सा स्त्री० (-लेश्या)
 डापोत लेश्या, पारेवाना रंग जेवा डे अल-
 सीना डुल जेवा डर्म रङ्ग धेा डे जेना योगे
 तदन डागा नहि पणु डर्ध सङ्केदनी अ धि-
 वाणा आत्माना लुभग परिणाम थाय ते
 कापोत लेश्या अर्थात् कवूतर के रंग के समान

कर्मस्क्वों के सयोग से होनेवाले जीव के ऐसे परिणाम चो बिलकुल काले नहीं किन्तु सफेदी की भाई लिये हुए हों dove coloured Karmic molecules which impart a grey colour to the modifications of the soul, dove coloured tint भग० १, १, ७, ३, १८, ३, २५ ६, २६, १, ३१, ४, ३३, ४, ३५, ४, सम० ६, पत्र० २७; उत्त० ३४ ६, जीवा० १, ठा० १, १,

काउअग्निवर्णाभ त्रि० (कपोताग्निवर्णाभ)

कपोत अथवा धमेक्ष अग्निना वर्णु जेरी क्षति जेनी छे ते कवूतर अथवा धमो हुई अग्नि के वर्ण समान One whose colour is grey like that of a dove or like that of a fire blown with a blower दसा० ६, १;

काउंवरि. पु० (काकोदुम्बरि) ओ३ नतनुं

अ३. एक वृक्ष का नाम. A Kadamba tree; a kind of tree. जीवा० १; पत्र० १,

काउंवरिय पुं० (काकोदुम्बरिक) वृक्ष विशेष.

एक तरह का फाड़. A kind of tree भग० २२, ३,

काउकाम त्रि० (कर्तुकाम) इरवानी प्रयत्न

वांछु करने की इच्छा वाला Desirous of doing or performing ओघ० नि० ५३७,

काउज्जुयया स्त्री० (कायर्जुक्ता) शरीर योगनी

सरलता, सीधापणुं शरीर योगका सीधापन; शरीर योग की सरलता Straightforwardness of physical activities.

ठा० ४, १, भग० ८, ६;

काउदर. पु० (काकोदर) ओ३ नतने इणुवाणे

सर्प. एक प्रकारका फन वाला सर्प A kind of hooded serpent पत्र० १;

काउरिस. पु० (कापुरुष) क्षयर; भीक्षु.

कायर; डरपोक Timid, cowardly गच्छा० २७, सु० च० ७, १६४, आउ० ६४;

काउलि. स्त्री० (काकोली) ओ३ नतनी

वनस्पति एक तरह की वनस्पति A kind of vegetation. भग० २३, ५;

काउसग पुं० (कायोत्सर्ग) क्षायाना व्यापा-

रने त्याग क्षाउसग करवे ते. शारीरिक क्रिया का त्याग, कायोत्सर्ग करना. Act

of stopping the activities of the body and meditating upon

the soul आव० १, १, कप्प० ६, ५२,

नदी० ४३, उत्त० २६, ३८, २६, २; वंय०

१, १६, नाया० १; ५; भग० २, १,

(२) आवश्यक सूत्रना पांचमा अध्ययन-

तुं नाम आवश्यक सूत्रके पांचवे अध्याय का

नाम name of the fifth chapter

of Āvaśyaka Sūtra अणुजो० ५६,

काओदर. पुं० (काकोदर) ओ३ नतने

सर्प एक प्रकार का सर्प. A kind of

serpant पणह० १, १,

काओय पु० (कापोत) णुओ “काउ” शब्द

देखो “काउ” शब्द Vide “काउ” पत्र० २,

काओली स्त्री० (काकोली) ओ नामनी ओ३

वनस्पति एक वनस्पति विशेष का नाम

Name of a kind of vegetation

पत्र० १;

कांची स्त्री० (काञ्ची) क्षायी नामनी ओ३ नगरी.

कांची नाम की नगरी Name of a

town प्रव० ८०६;

काक पु० (काक) क्षाउ३ कौआ A crow

भग० १,

काकंतिअ पुं० (काकन्तिक) क्षाउ३ लोमड़ी.

A fox जं० ५०

कांकंदिया स्त्री० (काकंदिका) क्षाउ३ नामनी

नगरी काकंदी नामक नगरी. A town

named Kākandī. नाया० ६,
काकंदी. स्त्री० (काकंदी) जितशत्रु राज्ञी
काकंदी नाम्नी नगरी के जेभां धना अशुगार-
ने जन्म थयो. हतो जितशत्रु नामक राजा
को एक नगरी जिसमें कि धना अशुगार का
जन्म हुआ था. A town named
Kākandī belonging to king Ji-
tasatru where the ascetic Dha-
nnā was born अणुत्त० ३, १; ठा० ५, १,
काकणी, स्त्री० (काकणी) यक्षवर्तीना १४
रत्नमानु अक्ष रत्न चक्रवर्ती के चौदह रत्नों
में से एक रत्न One of the fourteen
jewels of a Chakravartī ओव० ४०;
काकलि पु० स्त्री० (काकली) अक्ष जलनी
वनस्पति. एक प्रकार की काकली नामक
वनस्पति. A kind of vegetation so
named भग० २२, ६,

काग पुं० (काक) कागडो कौआ. A crow
अणुजो० १३१; परह० १, १, पञ्च० १, पिं०
नि० ४५४, भग० ३, २; औघ० नि० ५६३,
(२) काक नाम्नी ग्रह. काक नामक ग्रह, a
planet so named ठा० २, ३;

कागिणी न० (राज्य) राज्य. A
kingdom. (२) अक्ष नाम्नी अक्ष
वेल एक प्रकार की लता का नाम a
creeper of that name. पञ्च० १,
यक्षवर्तीना चौदह रत्नमानु अक्ष के जेथी यक्ष-
वर्ती तिमिस गुफाभां प्रकाश करवाने भाडला
आयेये छे चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से
एक कि जिससे चक्रवर्ती तिमिस गुफा में प्रवेश
करते समय प्रकाश के हेतु मंडल खींचते हैं.
one of the fourteen jewels of
a Chakravartī by which he
draws circles to produce
light in dark caves. ठा० ७, १;
पञ्च० २०; —रयण. न० (—रत्न) यक्षवर्ती-

पु० काकिणी नाम्नु रत्न. चक्रवर्ती का काकणी
नामक रत्न. a jewel named Kākīnī
belonging to a Chakravartī. ठा०
७, १; पञ्च० २०; —लकखण न० (—लक्षण)
काकिणी रत्नने जेवानी छणा काकणि रत्न को
देखने की कला the art of viewing
the Kākīnī jewel. नाया० १, ओव० ४०;
कागणी. स्त्री० (काकिणी) डोडी, सोनुं २५
भापवानु अक्ष वजन; सवा यथोडीलारनु
भाप; भासानो येथो भाग. सोना चादी
तोलने का एक प्रकार का वजन, माशे का
चौथा भाग, सवा रत्ती (गुजा) भर वजन
A cowrie; a small measure or
weight equal to about two
grains used in weighing gold
and silver अणुजो० १३३, परह० १,
३, ओव० ३८;

कागस्सर पुं० (काकस्वर) कागजान पेडे
डोडर स्वरथी गावु ते, गायनो अक्ष दोष
कौआ के समान कठोर स्वर से गाना, गायन
का एक दोष Singing with a harsh
sound like that of a crow; a
fault in singing ज० प० ३, अणुजो०
१२८,

कागिणी स्त्री (काकिणी) यक्षवर्तीना १४
रत्नमानु अक्ष रत्न के जेने छ तला, आठ
भुजा अने बार हासो होय छे चक्रवर्ती के
चौदह रत्नों में का एक रत्न जिस के कि छ
तह आठ कोने और बारह बाजु होती हैं
One of the fourteen jewels of
a Chakravartī, having six face-
ts, eight angles and twelve
sides सूय० २, २, २६; सम० १४; जं०
प० प्रव० १२२८; (२) डोडी; भासानो येथो
हिस्सा. मासे का चौथा हिस्सा, दो रत्ती भर
वजन. a cowrie, a measure of

weight of about two grains. उत्त० ७, ११, —मंस. न० (-मंस) डोडी ने आधारे डोडी जेवडा भासना डडडा शरीर भाथी डाटवा ते. शरीरमें से कौडी जैसे मांसके टुकड़े निकालना taking off pieces of flesh of the size of a cowrie विवा० २, —खाइम न० (-खादिम) डोडी प्रमाणे डडडा डरी पोतानु भास पोताने अव-डावे ते कौडी बराबर टुकड़े करके अपना मांस अपने को ही खिलाना. feeding one-self with one's own flesh in pieces as a cowrie दमा० ६, ४, —खाचियंग. त्रि० (-खादिताङ्ग) डोडीने आधारे भासना डडडा डरवा ते; ओड प्रशरती शारीरिक शिक्षा कौडी के आकर बरोबर मांस के टुकड़े करना; एक प्रकार का शारीरिक दंड a kind of physical punishment viz slicing one's flesh into pieces as small as a cowrie सूय० २, २, ६३.

कागी स्त्री० (काकी) डागडी कौवा A female crow (२) डाडडासगंधी विद्या कौआ सम्बन्धी विद्या. a science in connection with crows विशेष० २४५३;

काण त्रि० (काण) ओड आभवायो, डाणो एक आखवाला, काना One-eyed अणुजो० १२८ परह० १, १; नाया० १४, दम० ७, १२, पि० न० ४७४, प्रव० ८०२; काणक न० (काणक) थालु वारा; वान तौर An allow ज० प०

काणग न० (काणक) डाणु-शेरडीने ओड रोग डे जेथी तेभा छिड छिड पडि जय. माटे का एक रोग जिमसे कि उसमें छेद पड जावे A sugarcane with a disease in it which makes

it full of small holes (२) तेवा छिद्रवाणी शेरडी ऐसे छेदा वाला गन्ना a sugarcane with small pin-holes आया० २, १, ८ ४८;

काणग त्रि० (काणक-मुपित) योरेखु चुराया हुया Stolen. प्रव० ८०३, —महिस पु० (-महिष) योरेखो पाडो; योराव पाडो चुराया हुवा भैंसा. a stolen buffalo. प्रव० ८०३;

काणण न० (कानन) शहरेती पासेतु वन, प्रश्रीर्ण अडोवाणु वन शहर के पास वाला वन; प्रकीर्ण झाडों वाला वन. A forest in the outskirts of a town, a forest with trees lying scattered here and there. परह० १, ४, नाया० १; भग० ४, ७, राय० २०१, अणुजो० १३४, सु० च० ७, ५, भक्त० २.

काणत्त न० (काणत्व) ओड आंभपाणु. डाणुपाणु काना पन State of being one-eyed आया० १, २, ३, ७८, काणिय न० (काण्य) डाणुपाणु; रोगथी डे गर्भभाथी- ओड आंभती आभी रडी गड होय ते १३०१ भाते ओड रोग कानापन. रोग से अगवा गभ मेम ही एक आख की न्यूनता होना मोलह रोगो में का एक रोग State of being one-eyed, one of the sixteen diseases आया० १, ६, १, १७२.

कात्तिय पु० (कात्तिक) डातिड भडितो कात्तिक मास The month Kārtika प्रव० १४७२;

कादय पु० (कादम्ब) ओड जतते। हंस एक प्रकार का हंस. A kind of goose. परह० १, १;

कादूसणिया स्त्री० (कदूपणिका = कं आत्मान दूषयति तमस्काय पारिणामेन परिणमनात्

कद्वपणा सैव कदूपाणिका-दर्धिनाच्च प्राकृ-
तत्वात्) तमस्कयायना प्रभावथी भ ६ थयेदी
थद्रती डान्ति तमस्काय के प्रभाव से मद
हुई चन्द्र कान्ति The luster of the
moon dimmed on account of
the power of dark bodies.
भग० ६, ५,

कापालिञ्च पु० (कापालिक) क्षापादि३ योगी
कापालिक योगी, खोपदियें रखने वाला योगी
A Kāpālīka ascetic अगुजो० १३१,
कापिषायण न० कापिषायन) अे३ अतनी
भदिरा एक तरह की मदिरा A kind
of intoxicating drink जीवा० ३, ४,
कापुरिस पु० (कापुरुष) क्षापर पुरुष कायर
पुरुष, डरपोक आदमी A timid, worth-
less person नाया० १, पराह० २, १,

काम पु० (काम काम्यन्तेऽभिलष्यन्ते एव
नतु विशिष्ट शरीर सस्पर्श द्वारेणोपयुज्यन्ते
ये ते तथा) मनोज शब्द अने मनोज
रूप मनोज शब्द और मनोज रूप
Attractive sound and form,
उवा० १, ४८, आव० ३२; (२) शब्दादि
पात्र विषय (२) शब्दादि पात्र विषय
the five objects of senses such
as sound etc उत्त० ३, १८, ८, १४
दस० २, १, आया० १, ५, १, १४१,
सूय० १, १, १, ६, नाया० १, (३) धृष्ट
शमना वासना अभिलाषा इच्छा,
कामना, वासना अभिलाषा desire,
lust आव० ३८, दस० ६, ४, १६, सू०
प० २०, सम० ५, भग० ७, ७, नाया० ५,
पन्न० २, पचा० १, १६, प्रव० ४०, क० प०
२, १५ ज० प० ५, ११५, (४) काम-कर्म,
मैथुन सेवा काम-कर्म, मैथुन सेवा the
god of love, sexual intercourse
पचा० १ १६, भक्त० १०७, पन्न० २, पराह०

१, ३, —आसंसा. स्त्री० (-आगसा)
 काम-मनोहर शब्दादिकनी अलिलापा काम-
 मनोहर शब्दादिक की अभिलाषा desire
 for the enjoyment of the
 objects of senses प्रव० ८२३, —आ-
 ससपञ्चोग पु० (-आसंसाप्रयोग) विषय-
 वासना उपने अवे प्रयोग विषयोत्पत्ति का
 प्रयोग an activity which excites
 sensual desires टा० ४, ४, —आ-
 सत्त त्रि० (-आसक्त) काममा आसक्ति-
 वाला काममे आसक्ति वाला attached to
 sensual pleasures भक्त० ११३.
 —आसा स्त्री० (-आशा) कामनी आशा
 दोलनु पर्यायनाम काम की आशा, लोभ का
 पर्याय वाची नाम desire of sensual
 enjoyment, a synonym for
 greed सम० ५२, भग० १२, ५,
 —कंखिय त्रि० (-काचित्त) कामनी
 भ्रष्टा इरावाणो काम की इच्छा करने
 वाला desirous of sensual enjoy-
 ments भग० १, ७; —कम त्रि०
 (-क्रम) भ्रष्टा प्रमाणे गति इरनार,
 स्वयं हे आलनार स्वच्छद चलने वाला,
 मन मानी गती करने वाला (one)
 moving wantonly at his own
 will उक्त० १४, ४४ (२) लातव नामे
 छडा देवलोडना भन्नुतु भुसाक्षरी विमान
 लातव इद्र का मुशाफिरी करने का विमान
 the travelling balloon of the
 India of the sixth Deva lōka
 Lānta टा० ८, १, १०, —कलि पु०
 (-कलि) कामने इलेश. काम का क्लेश
 the trouble or worry caused
 by sexual desire भक्त० ११४,
 —कहा स्त्री० (-कथा) काम शास्त्र सगंधी
 इथा कामशास्त्र अर्थान् कोकशास्त्र सबयी

कथा. talk about love matters. ठ० ३, ३, —कामञ्च त्रि० (—कामुक) कामनी भूञ्छा इच्छा करने वाला. (one) desirous of sexual intercourse भग० १, १; —कामि त्रि० (—कामिन्) काम वासनासे अभिलाषी, कामनी भूञ्छावाला काम वासना का अभिलाषी काम की इच्छा वाला (one) desirous of sexual intercourse. आया० १, २, ५, ६२; —किञ्च त्रि० (—कृत्य) भूञ्छा प्रमाणे वगर विचार्यै काम करनेवाला इच्छा नुसार विचार किये काम करनेवाला (one) acting wilfully and thoughtlessly सूय० २, ६, १७; —गम त्रि० (—गम) भूञ्छा प्रमाणे गतिकरनेवाला इच्छा नुसार गति करनेवाला. (one) who moves according to his desire. जं० प० ७, १६६; ५, ११८; —गामि त्रि० (—गामिन्) भूञ्छा प्रमाणे गतिकरनेवाला; भूञ्छा मुञ्च्यन्त्याक्षरान् इच्छानुसार गतिकरने वाला; मन मुञ्चाफिक चलने वाला. (one) moving or acting according to his own wish. ओव० २४; —गिद्ध त्रि० (—गृह) विषयासक्त; कामभोगमा गृह्थयेत् विषयासक्त, काम भोग में तल्लीन (one) greedy of sensual enjoyments, attached to sensual pleasures. उक्त० ६, ४; —गुण. पुं० (—गुण) कामने-विषयते शुभ्र इरनेर-उत्तेजन आपनार शुभ्र, शब्दादि पात्र विषय विषय भोग को उत्तेजन देने वाले गुण any of the five objects of senses e. g. sound etc which excite desire or lust उक्त० १०, २०; मन० ५, नाया० १५; —ग्रथ त्रि० (—ग्रस्त)

काम-विषयमां ग्रस्त-आसक्त थयेत् कामादि विषयोंमें ग्रस्त-आसक्त attached to or plunged in sensual enjoyments. भक्त० ११४, —तिव्वहिल्लास पु० (—ती व्रामिलाप) काम-विषयनी अत्यन्त भूञ्छा. काम-विषय की अत्यन्त इच्छा excessive desire of sensual pleasures प्रव० २७८, —त्थिय त्रि० (—अर्थिक) काम भोगने अर्थी-भूञ्छनार कामभोग का अर्थी-इच्छाकरनेवाला. (one) who longs for sexual enjoyments जं० प० ३, ६७; —पिचासिय त्रि० (—पिपासित) कामनी पिपासावाला काम की-विषयभोग की-अभिलाषावाला. (one) thirsting after sensual pleasure भग० १, ७; —भोग. पुं० (—भोग—कामा. कमनीया भोगाशब्दादय) काम अने भोग, शब्दादि पात्र विषय विषय भोग. Desire and enjoyment (of objects of senses); the five objects of senses viz. sound etc. ठ० ४, १, भग० ७, ७, ६, ३३; १२, ६; २५, ७; नाया० १, २, ८, ६; १६; दशा० १०, ५, ६, उवा० १, ५७; —भोगि त्रि० (—भोगिन्) कामी अने भोगी, शब्दादि पात्रे विषयमा भूञ्छन् विषया. (one) deeply plunged in sensual desires and enjoyments of the five objects of senses viz. sound etc भग० ७, ७; —भोग्य पु० (—भोग) लुओ "कामभोग" शब्द देखो "कामभोग" शब्द. vide "कामभोग" नाया० १, ५, १६; —रइसुद्ध. न० (—रतिसुख) काम रति-तुं शुभ्र, विषय शुभ्र. काम रति का सुख. pleasure derived from sexual enjoyment प्रव० १०७५, —रय न० (—रज्जु-कामः शब्दादि विषय मण्डरज काम-

रजः) काम रूपरजः—भेद कामरूप मेल dirt or impurity in the form of sensual desire भग० ६, ३३, —रागविच-
 द्दुष्य त्रि० (—रागविचर्द्धन) काम रागने
 पधारनार काम राग की वृद्धि करने वाला
 (one) that increases the pas-
 sion of attachment to sensual
 objects दस० ८, ५८, —रूवि. त्रि०
 (—रूपिन्) धृञ्छानुसार रूप धनानार इच्छा-
 नुसार रूप बनाने वाला (one) that can
 assume various forms accord-
 ing to one's own desire उत्त० ६, २७,
 —समणुज त्रि० (—समनुज) काम भोग-
 विषय वासनाने मनोज्ञ माननार; कामी,
 विषयी. विषय वासना को मनोज्ञ मानने वाला,
 कामी, विषयी (one) who takes
 delight in sensual pleasures,
 sensual आया० १, २, ३, ८१,
 कामं अ० (कामम्) अत्यन्त, अतिशय अत्यत,
 अतीव excessively पि० नि० १११,
 कामगम पु० (कामगम) छट्ठा देवलोकना धंदुं
 विमान. छठवें देवलोक के इन्द्र का विमान
 Name of the heavenly abode
 of the Indra of the sixth
 Devaloka, ओव० २६, जीवा० ३, (२)
 छट्ठा देवलोकना धंदुना यान विमाननो व्यवस्था-
 पक देवता छठवें देव लोकके इन्द्रके विमान का
 व्यवस्थापक देव the deity in charge
 of the heavenly abode of the
 Indra of the sixth Devaloka
 ज० प० ५, ओव०
 कामजल न० (कामजल) स्नान कराने की चौकी A wooden
 seat for taking bath आया० २, ५,
 १, १८८, निरी० १३, ५,
 कामज्जया. स्त्री० (कामध्वजा) कामध्वज
 Vol II/57.

नामनी ओक वेश्या कामध्वजा नामकी एक
 वेश्या A prostitute named Kā-
 madhvajā विवा० १, २,
 कामदुहा. स्त्री० (कामदुहा) ओक ओक तेरु
 दूध पूरुं करनार कामदुहा गाय इच्छानुसार
 दूध देने वाली गाय, काम धेनु A cow
 yielding as much milk as one
 desires उत्त० २० ३६,
 कामदेव पु० (कामदेव) ओ नामनुं ओक
 श्रावक, महावीर श्वाभिना दश श्रावकमाना
 ओक. इस नाम का एक श्रावक महावीर स्वामी
 के दस श्रावकोंमें से एक Name of one
 of the ten laymen-followers of
 Mahāvīra. उवा० २, १००,
 कामफाल पु० (कामस्पर्श) ४७वा ग्रहनु नाम
 ४७ वें ग्रह का नाम. Name of the
 47th planet सू० प० २०,
 काममहावण न० (काममहावन) काशी-वण-
 रसी ७८वां ओक ऐत्य-विधान काशी-वनारसी
 नामक नगरीके बाहिरका एक उद्यान Name
 of a garden situated outside
 the city of Benares “तत्थण जेमे
 चउत्थे पउट्ट परिहारे सेण वाणारसीए शय-
 रीए बहिया काममहावणसि चेइयसि मंडि-
 यस्स सर्रीर विप्पजहामि” भग० १५, १,
 अंत० ६, १६, नाया० ध० ३,
 कामय पु० (कामुक) कामनी धृञ्छावाणे,
 कामी कामकी इच्छा करने वाला, विषयेच्छु
 One desirous of sensual enjoy-
 ments भग० ३, १, दस० ५, २, ३५
 उवा० २, ९५,
 कामि पु० (कामिन्) कामनी धृञ्छावाणे,
 कामी कामी, विषयेच्छु, विषय भोग का
 लोलुपी One desirous of sensual
 enjoyments भग० ७, ७,
 कामिज पु० (कामियुग) ओक तरदना उवा-

नी पाभवालो पक्षी. एक तरह का हँसदार
पंखोंवाला पक्षी. A kind of bird with
downy feathers पञ्च० १,

कामिद्धि. पु० (कामार्थ) आर्यसुहस्तीना
शिष्य. आर्य सुहस्ती का शिष्य. Name of
the disciple of Ārya Suhastī.
कण्प० ८,

कामिद्धियगण पुं० (कामर्द्धिकगण) क्षम-
र्द्धि नामनेो महावीर स्वामीना नव गणु
मानेो ओ३ गणु. कामार्द्धिक नामक महावीर
के ९ गणों में का एक गण One of the
9 Ganas (orders of saints) of
Mahāvīra, named Kāmārd-
dhika ठा० ६,

काभिय त्रि० (कामित) धृच्छेक्षुं इच्छित,
चाहा हुआ Desired, longed for,
wished पि० नि० २७२; भक्त० १११,

कामुय. त्रि० (कामुक) क्षमनी धृच्छावालो
कामेच्छु; विषयेच्छु Sensual; desirous
of sexual pleasures. दस० ५, २, ३, ४,
कामेमाण. त्रि० (कामयमान) धृच्छतो,
अभिप्राया धरतो इच्छा करता हुआ, अभि-
लाषा करता हुआ Desiring, wishing,
longing for ओष० नि० ३०४,

क्षकाय. पुं० () पाणी लाववानी काय.
पानी लाने की कावड़ A piece of
bamboo on two ends of which
water-pots are hung, a contri-
vance to carry water from place
to place with ease. पि० नि० ६६;

काअ-य पुं० (काक) कागडो. कौआ. A
crow नाया० २; १६; विशेष २०६४;

काअ-य न० (काच) काय. काच. A

pane of glass, glass ओष० नि०
७७२, सू० च० ६, ५१;

काय पुं० (काय = चिन् इति धातोश्चयनं
कायः चीयतेऽनेनेति वा काय) क्षया, शरीर;
देह शरीर; काया; देह. Body; physi-
cal body दस० ४, ८, ७; ४५, १०, १, ५;
पि० नि० ६३. १२८, ५८३, जीवा० ३, ४;
सू० प० १६, दसा० ४, १८, ६, ४; पञ्च०
३४, नाया० १, ४, ८, भग० ३, १; ७, ४;
१८, ८, १६, ३, निसी० ३, ३४; ५४; १२,
३८; उत्त० २, ३७, ५, २३, ३२, ६३; ७४,
चव० ६, ३१; १०, १; आव० १, ३, भक्त०
३२, पि० नि० भा० २६, (२) ओ नामनेो
ओ३ अनार्य देश एक अनार्य देशका नाम
name of a country of the
Non-Āryans प्रव० १५६७, (३)
पृथिवी आदि छ काय; पृथ्वी, जल, अग्नि,
वायु. वनस्पति, अने वस ओ छ काय पृथ्वी
आदि छ. काय; पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु,
वनस्पति और सूक्ष्म जंतु यह छः काय the
six kinds of bodies, viz those
consisting of earth, water, fire,
wind, plant and minute insects
सूय० १, १२, १३; उत्त० ३१, ८, अणुजो०
२०१, (४) काय देशमा रहेवावाणा
मनुष्य काय देश में रहने वाले मनुष्य
people residing in the Kāya
region पञ्च० १; (५) ओ नामनी वन-
स्पति इस नामकी एक वनस्पति a vege-
tation of that name पञ्च० १, (६)
प्रकार, भेद भेद, प्रकार mode; variety
सूय० २, ३, १; (७) काय देशमा धरतीज
मण्डलीना रगतो क्षपाश थाय छे ते क्षपासना

सुतरनु यनेषु वस्त्र किसी देश में इन्द्रनील
मणिके रंगका कपास होता है उस कपास के
सूतसे बना हुआ वस्त्र cloth made of
the yarn of a variety of cotton
produced in certain countries
Its colour is of the colour of
Indra's gem (८) ३६ भा अङ्गु
नाम ३६ वें ग्रह का नाम name of the
thirty-sixth planet स० प० २०,
(६) पञ्चवक्त्रा सूत्रना त्रीज पदना येथा द्वारनु
नाम पञ्चवक्त्राके ३ रे पदके चौथे द्वारका नाम
name of the 4th chapter of the
third section of Pannavannā
पञ्च० ३, (१०) सम्प्रुद्ध सम्प्रुद्ध collection
अणुजो० ६७, —अगुत्ति स्त्री० (—अगुत्ति)
पापमा प्रवर्त्तती शयाने न रोक्षती ते पाप
मे प्रवृत्त होते हुए शरीर को न रोक्षना not
checking the body from doing
sinful deeds ठा० ३, १, भग० २०, २,
—अणुजुयया स्त्री० (—अनृजुयया)
शयाना वेपारती वृद्धता-संयतातो अभाव
काया-शरीर-के व्यापार की वृद्धता ab-
sence of straight forwardness
in the actions of the body ठा०
४, १, भग० ८, ६, —उड्डावण न०
(—उड्डापन) शरीरनु आकर्षणु करुनु ते
शरीर का आकर्षण करना act of attract-
ing a body towards oneself
नाया० १४, —करण पु० (—करण)
शरीरनु साधन शरीर का साधन instru-
mental to the body ठा० ३, १
भग० ६ १, —क्लेश पु० (—क्लेश =
कायस्य शरीरस्यक्लेश खेदः पीडा काय-
क्लेशः) शरीरने दुःख आये ते, आसन
वाणवा, आनापना देवी, धर्मना परिश्रम
उहायवे ते शरीरको क्लेश पहुचाना, आसन

लगाना, घाम (धूप) सहन करना act
of subjecting the body to
austere penances e g practis-
ing unnatural postures, expos-
ing it to sun etc भग० २५, ७,
आव० १६, ठा० ६, १, उत्त० ३०, ८, सम०
६, प्रव० २७१; —गिरा स्त्री० (—गिरा)
शयाने वाणी शरीर और वाणी body
and speech दस० ६, १, १२, —गुत्त.
त्रि० (—गुत्त=कायगुत्त्या गुत्त कायगुत्त)
शयाने पापशी गोपायना, काय गुत्ति,
शरीरको पाप प्रवृत्त न होने देने वाला (one)
checking the body from doing
sinful deeds ' कायगुत्तो जिह्मिष्ठो '
उत्त० १२, ३, भग० २, १, —गुत्तया
स्त्री० (—गुत्तया) शयाने पापशी गोपायनी
ते काया को पापमे बचाना checking
the body from doing sinful
deeds उत्त० २६, २, —गुत्ति स्त्री०
(—गुत्ति) शयाने गुत्ति, सवद्य प्रवृत्तिशी
शयाने गोपायनी ते, पापमा शयानी प्रवृत्ति
न करती ते काय गुत्ति, पाप प्रवृत्ति से शरीर
को बचाना, शरीरको पाप प्रवृत्त न करना
controlling the body and pre-
venting it from doing sinful
deeds आव० ४, ७ भग० २०,
२, ठा० ३, १, सम० ३, —चिह्वा
स्त्री० (—चिह्वा) शयानी चेष्टा चलन
चलन वगैरे शरीर की चेष्टा, चलन चलन
आदि movements or motions
of the body उत्त० ३०, १२, —छक्क
न० (—छक्क) पृथ्वी आदि ७ शयाने, पृथ्वी
शयाने, अपशयाने, तेजशयाने, वायुशयाने, वनस्पति
शयाने अने वनस्पति ये ७ शयाने पृथ्वी, अप,
अग्नि, वायु, वनस्पति और वन ये ६ काय.
the six kinds of bodies ११७

those consisting of earth, water, fire, air, vegetable and insects सम० ३८; दस० ६, ८, —जोग पु० (-योग) शरीरने व्यापार, शरीर्येष्टा शारीरिक चेष्टा. movement or activity of the body. ठा० ३, १; भग० १, ६; १२, ५, १७, १, २५, १; भक्त० ८६, —जोगत्ता स्त्री० (-योगता) शाययोगपण्यु काय योगता. that condition in which there is activity of the body भग० २५, २; —जोगि त्रि० (-योगिन्) शाययोगी श्रव, शायानी प्रवृत्तिमा ज्ञेयशेष. काय योगी जीव; शरीर प्रवृत्ति में लगा हुआ. engaged in the activity of the body. ठा० ४, ४, भग० १, ५; ६; ३; ४ ८ २; ६, २१; ११, १, २४, १, २५, ६, २६, १; —टिड. पु० (-स्थिति) पृथ्वी वगैरे शायमा अविच्छिन्न छे रहेहुं ते. पृथ्वी आदि कायो में आविच्छिन्न-अस्खलित रूपसे रहना. remaining uninterruptedly in earth-bodies etc (०) प्रजापना सूत्रना अक्षरमा पदनुं नाम ते जेमा नरक्षदि श्रवोनु शायस्थितिनु वर्णन आवेत्त छे. प्रजापना सूत्र के अक्षरहवें पद का नाम जियसे कि नरक आदि जीवों की कायस्थिति का वर्णन है name of the eighteenth Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the last-ing period of bodies of hell-be-ings etc. पञ्च० १, प्रव० ४३, १०४४, —तिगिच्छा स्त्री० (-चिकित्सा) शरीर-ना रोग मटाडवान् विदित्सा दर्शयनार शास्त्र, आयुर्वेदने ओष्ठ भाग शरीर के रोग मिटाने वाला चिकित्सा शास्त्र, आयुर्वेद का एक भाग a division of medical science

treating of the cure of the dis-eases of the body ठा० ८, १, —तिज्ज. त्रि० (-तीर्य्य—तरणीय) शायथी तरया योग्य शरीर से तिरने योग्य such as can be crossed by the body. दस० ७, ३८; —दंड पु० (-दण्ड = काय एव दण्डः काय-दण्डः) शाय ६३, शायानी दुष्ट प्रवृत्ति करी आत्माने कर्म बंधनथी ६३वे ते. काया दंड, शरीर से दुष्ट प्रवृत्ति करके आत्मा को कर्मबन्धन से बद्धित करना fettering the soul with Karma by engaging the body in sinful deeds. ओव० ४, ७, सम० ३, ठा० ३, १, —दुक्कड न० (-दुष्कृत) शरीरथी करेखु पाप शरीर से किया हुआ पाप a sinful deed done by the body ओव ३, १; —दुष्पणिहाण न० (दु प्रणिधान) शायानी दुष्टता, शायाने अशुभ योग काया की-शरीर-की दुष्टता. sinful activity of the body. भग० १८, ७, ठा० ३, १, —पओग पु० (प्रयोग) शायाने-प्रयत्न शरीर का प्रयोग. acti-vity of the body ठा० ३, १; भग० ६, ३, ८, १; —पओगपरिणय न० (प्रयोग परिणत) शायाना व्यापार रूपे परिणाम भा-भेद पुद्गल. काया के व्यापार रूप से परिणमित पुद्गल Material molecules shap-ing themselves or turning themselves into the activity of the body भग० ८, १, —पडिसंलणिया स्त्री० (-प्रतिमंली नता) शायाने वश करी ते शरीर को वशीभूत करना Keeping the body under control. भग० २५, ७, —परिहाण न० (-प्रणिधान) शायानुं ओष्ठप्रपण्यु. शरीर की एकाग्रता. con-centration of the body ठा० ३, १;

४, १, भग० १८, ७; —परियारग. पु०
(-परिचारक) शरीरधी स्त्रीसंभोग करने वाला. one
who enjoys sexual intercourse
by means of the body. — दासु
कप्पेसुदेवा कायपरियारगापणत्ता) ठा० २, ४,
—परियारणा. स्त्री० (परिचारणा) शरीरधी
परियारणा = मैथुन सेवन से शरीर से मैथुन
सेवन करना enjoying sexual inter-
course by means of the body. ठा०
५, १, —पाचार न० (-प्राचार) क्षात्रदेशमां
अनेक वस्त्र काय नामक देश में बने हुए
वस्त्र cloth made in the country
named Kāya निसी० ७, ११, —पीडा
स्त्री० (-पीडा) शरीर वेदना, शारीरिक दुःख
शारीरिक कष्ट, bodily pain, phys-
ical pain पचा० १८, ३६; —पुण्य
न० (-पुण्य) क्षात्रात्मे सेवा करने वाली
थतु पुण्य. शरीर से सेवा करने पर जो
पुण्य हो वह religious merit aris-
ing from rendering services
with the body ठा० ६, १, —बलिष्ठ
त्रि० (-बलिक) मज्जुत शरीर वाला,
क्षायाना अक्षवाणो. मज्जुत शरीर वाला
a man possessed of great phys-
ical strength आव० १६, —भवस्थ
पु० (-भवस्थ=काये जनन्युदरमध्यव्यव-
स्थितनिजदेह एव यो भवो जन्म स काय-
भव तत्र तिष्ठति यः स कायभवस्थ)
माताना गर्भमा रहेतु ते माता के गर्भ में
रहना remaining in the womb
of the mother in the form of
the foetus. भग० २, ५, —वायाम
पु० (व्यायाम = काय शरीर, तस्य व्यायामो
व्यापार कायव्यायामः) क्षात्रयोग, क्षायानो
व्यापार-प्रवृत्ति-उद्धारिकादि शरीर युक्त आ-

त्मान्नीवीर्ष परिहृति विशेष शरीर की प्रवृत्ति,
औदारिक आदि शरीर युक्त आत्मा की वीर्य
परिणति विशेष the modification
of the soul united with the
body into vitality or the vital
fluid. ठा० १, १, —वह. पु० (-वह)
पृथ्वी वगैरे अवनिकायनी हिंसा पृथ्वी
वगैरह जीविकायों की हिंसा killing
sentient beings such as earth-
bodies etc पंचा० ४, ४१, —विणय.
पु० (-विनय) क्षायाने वश करवाते शरीर
को वश करना bringing the body
under control. भग० २५, ७, ठा० ७,
—विसय. न० (-विषय) क्षायानो विषय
शरीर का विषय an object fit to be
seen, enjoyed etc by the
body नाया० १७, —संफास न०
(-सस्पर्श) क्षायानो स्पर्श करने से शरीर
का स्पर्श act of touching a
body. वेय० ४, २१; आव० ३, १,
—संवेह पु० (-सवेध) शरीर की स्थिति
शरीर की स्थिति state or existence
of the body. भग० २४, १, २०;
—समाधारणया स्त्री० (-समाधारणा)
संयममांज क्षायानु प्रवर्तन करने से संयममें
ही शरीर की प्रवृत्ति करना engaging
the body exclusively in ascetic
practices उत्त० २६, २, —समाहारण-
त्ता स्त्री० (-समाधारणा) क्षायाने वश कर-
वाते शरीर को वश करना act of con-
trolling the body भग० १७, ३,
—समिद्ध स्त्री० (-समिति) क्षायाने जत-
नाये प्रवर्तवाती ते, क्षायसमिति यत्नाचार
पूर्वक शरीर को प्रवृत्त करना, काय समिति.
controlling carefully the acti-
vities of the body. ठा० ८, १,

—समिय त्रि० (-समित) यत्नापूर्वक
 शयाने प्रवर्तयिता यत्नाचार पूर्वक काय योग
 (one) who carefully controls
 the activities of the body. भग०
 २, १. —सुप्रणिधान न० (-सुप्रणिधा
 न) शयानु सुप्रणिधान, शयाने शुभ कृत्यमा
 ओद्यताथी शोधुं ते शरीर की सुप्रधानता,
 शरीर का एकाग्रता से पुण्यकार्य में प्रवृत्त
 करना engaging the body in sa-
 lutary activities with a concen-
 trated mind भग० १८, ७, ठा० ३, १,
 कायंदग त्रि० (काकन्दक) शङ्खी नगरीमा
 यन्तार काकंदी नामक नगरी में रहने वाला
 (One) who resides in the
 town called Kākandī भग० १०, ४,
 कायंदी स्त्री० (काकंदी) प्राचीन समय की
 शङ्खी नामकी नगरी. प्राचीन समय की
 काकंदी नामक नगरी Name of an
 ancient town संख्या० ५५, भग० १०, ४;
 कायंद न० (कदम्ब) इन्द्रायुं वृक्ष कदम्ब
 का फाट. The Kadamba tree.
 ठा० ८, १;
 कायंदग पु० (कादम्बक) शङ्खी कलहम
 A species of swans कप्प० ३, ४२,
 कायमंत त्रि० (कायवत्) उंचा शरीरवाला
 ऊंचे शरीरवाला. Tall in body सू०
 २, १, १३,
 कायमणि पु० (काचमणि) शयभण्डि, शय-
 नी शङ्खी काचमणि, काच का टुकड़ा A
 piece of glass. भक्त० १३८;
 कायभाई स्त्री० (काकमाची) मीठुं शल आ-
 पनारी ओद्य यन्त्रपति मीठा फल देनेवाली
 वनस्पति. Vegetation yielding
 sweet fruit पञ्च० १,
 कायय त्रि० (कायक) शय देशनुं यनेषु
 काय नामक देश का बना हुआ Made

or produced in the country
 called Kāya निसी० ७, ११;
 कायर. त्रि० (कातर) शय, निर्माद्य, नाहि-
 भमत कायर, डरपोक; कम हिम्मत Cow-
 ardly, timid सु० च० १५, ११, पणह०
 १, ३, जीवा० ३, ४, उत्त० २०, ३८; आया०
 १, ६, ४, २५३, नाया० १, ८, भग० ६,
 ३३, (२) ओ नामने ओद्य देश इस नामका
 एक देश. name of a country.
 निसी० ७, ११,—पाचार न० (-प्राचार)
 शय देशमा यनेषु ओटवातुं वस्त्र काय देश
 में बना हुआ ओढने का वस्त्र. a kind of
 cloth used for wrapping round
 the body made in the country
 called Kāya निसी० ७, ११;
 कायरिय पुं० (कातरिक) गोशाजाना मुख्य
 श्रावस्तु नाम गोशाला के मुख्य अनुयायी का
 नाम Name of the principal lay-
 man follower of Gosālā भग० ८, ५,
 कायरिय पुं० (कातर्य) देवता विशेष
 कातर्य नामक देव Name of a deity
 भग० ३, ७,
 कायरिया स्त्री० (कातरिका) भाया, शय
 छल कपट, मायाचार Deceit; fraud
 सू० १, २, १, १२
 कायवज्ज पुं० (काकवज्ज) ओ नामनेथल ग्रह
 विशेष A planet so named ठा० २, ३,
 कायव्व त्रि० (कर्तव्य) इत्या योय्य करते
 योग्य Worthy of being done
 पि० नि० ३, राय० ८४, सु० च० १, ७६,
 दम० ६, ६, ८, १ उत्त० २६, ९, पञ्च० १५,
 ४, विशेष ५०८, नाया० १४, १६, भग० १,
 ५, ३, २; ८, ६; २०, ५, २०, ७; २४, १,
 ३१, ७; ४१, २१ प्रव० ५०८, पंचा० ३, ४६,
 ६, ७. १५, ४१.
 कायाइक त्रि० (काटाचिक) शय यन्त्रनुं

किसी समय का. Of some time or other विशेष ७११;

कायोवग त्रि० (कायोपग) ओ३ कायाभाथी
थी७ कायाभा जन्तार एक शरीर से दूसरे
शरीर में जाने वाला (One) passing
from one body into another
सूय० २, ६; १०,

कार पु० (कार) कारागृह, कैदभानुं. जेल,
कारागृह A prison परह० १, ३, ठ०
१०, उवा० १, ८१ —वाहिय त्रि०
(—बाधित) कारागृहमा पीडित पीडा पाभेद,
कैदी जेलमें कष्ट पाया हुआ, कैदी a prison-
er, one troubled by imprison-
ment. ओव० ३२, भग० ६, ३३; नाया० १,
कारंड. पु० (कारण्ड) पतक पक्षी बदक
पक्षी A duck ओव० ज० प० परह० १, १,
कारण्डग पु० (कारण्डक) जुओ 'कारण्ड'
शब्द देखो "कारण्ड" शब्द Vide
"कारण्ड" नाया० १,

कारग. त्रि० (कारक) करने वाला
(One) who does, a doer विशेष
१००३, ओघ० नि० १८, ओव० ४१, नाया०
१, अणुजो० १२८, प्रव० ६५६, (२) न०
शरद समकित, समकितना दश प्रकारमाने
ओ३ कारक समकित, समकित के दश प्रकार
में से एक one of the ten varieties
of right belief called Kāraka
Samakit प्रव० ३५, —आइ त्रि०
(—आदि) शरद आदि समकित कारक
आदि समकित right belief such as
Kāraka etc प्रव० ३५,

कारण न० (कारण) शरथु, निमित्त प्रयो-
जन, हेतु कारण, निमित्त, हेतु Cause
motive, reason प्रव० ६५, पचा० १,
१८, ५, ७, गच्छा० ८३, ज० प० विशेष
२०६८, पञ्च० ८, राय० ४२, २१०, दम०

६, २, १३, वव० १, १३; २, २२. ३, २३,
नाया० १, ५, ८, ६, १२; भग० १, ३, ५,
४, ८, ७, १५, १, १८, २, सम० ६, (२)
आहार लेवाना अतावेला शरथु सिवाय
आहार लेवाथडी यतिने लागतो ओ३ दोष
आहार लेने के बतलाये हुए कारणों के सिवाय
आहार लेने से यति को लगने वाला एक दोष
a fault incurred by an ascetic
by taking food without a justi-
fying reason पि० नि० १, —जात्र
त्रि० (—जात) शरथुथी उत्पन्न थयेद
कारण द्वारा उत्पन्न caused, born of a
cause प्रव० ६६१, १०३०, —वात्तिय
न० (—वृत्तिक) शरथुनु वर्तु, निमित्तनी
उपस्थिति. कारण का उत्पन्न होना. exis-
tence, presence of a cause or
reason. वव० १, २३,

कारणओ अ० (कारणतस्) शरथुथी कारण
से Through or owing to a
cause or reason विशेष ३,

कारणह. न० (कारणार्थ) शरथुने भाटे का-
रण के लिये For some reason or
cause नाया० १,

कारणया स्त्री० (कारणता) शरथुपथु कारण-
पन State of being a cause or
reason विशेष ५६०,

कारणिअ त्रि० (कारणिक) शरथुपथु शरथुथी
निष्पन्न थयेद किसी भी कारण से निष्पन्न
Born of some cause or other
ओघ० नि० ७६,

कारभारिअ. पु० (कार्यभारिक) शरथारी,
दिवान कारभारी; दिवाण An adminis-
trator, a minister, a Dewān.
ज० प०

कारय-अ. न० (कारक) शरद नामनु सम-
कित सन्धुधान प्रत्ये श्रद्धापूर्वक साग

अनुष्ठान (धर्म) पोते करे छे अने भीजने
पलु करवे छे ते कारक नाम का सम्यक्त्व;
सद्ग्रन्थान के प्रति श्रद्धा रखता हुआ स्वयं
श्रेष्ठ कार्य करने वाला और दूसरों से कराने
वाला Right belief named Kā-
raka, by which one performs
good deeds with faith and
causes others also to do the
same विशेष २६७५, भग० ११, ११;
उत्त० १, २, ६, ३०, नाया० ७;

कारवण. न० (- कारणा) करावतु ते. कराना.
Causing (another) to do पंचा०
१, २२;

कारवाहिआ स्त्री० (कार्यवाहिका) धर्मवाहन
करनारी कार्यवाहन करने वाली One
(woman) who discharges a
work ज० प० ३, ६७,

कारावण न० (कारणा) करावतु, करवाने
प्रेरित कराना, कराने के लिये प्रेरित करना
Causing or exhorting (another)
to do सू० २, २, ६२; पण्ड० १, ३; पिं०
नि० ४१०; पंचा० ६, ४५, प्रव० ५७७,

काराविय त्रि० (कारित) करावेन कराया
हुआ. Caused to be done विशेष
१०१६,

कारि स्त्री० (कारिन्) करनार करने वाली
One who does, a doer विशेष ७४;

कारिअ-य. न० (कार्य) धर्म; प्रयोजन
कार्य, प्रयोजन, काम. An action, a
reason, a purpose. सू० १, २, ३,
१०, दम० ६, ६५,

कारित्तण न० (कारित्व) करवापलु कर्तृत्व
शक्ति State of being a doer
नाया० ७,

कारिय त्रि० (कारित) करावेन कराया हुआ
Caused to be done. आड० ११,

कारिय. त्रि० (कारिक-कारक) करनार करने
वाला (One) who does, a doer.
नाया० १; उवा० ३, १३४;

कारियल्लइ. स्त्री० (कारवल्ली) करेधानी वेग.
करेले की वेल. A creeping plant in
which the vegetable known
as Karelā grows. पञ्च० १,

कारिल्लअ न० (कारिल्लक) करेधा. करेला
A kind of vegetable सू० प० ११,

कारीसंग न० (कारीपाङ्ग) ज्वेली अग्नि
प्रवर्धित कराय ते अग्नि पुडवानो धम्मो
अग्नि प्रज्वलित करने की. धम्मन या फूकनी
Bellows उत्त० १२, ४३,

कारुइज्ज पुं० (कारुक) करीगर. करीगर
A craftsman, an artist. पञ्च० १, २,

कारुणिय त्रि० (कारुणिक) दयालु, करुणा-
वान् दया करने वाला Kind, com-
passionate. सु० च० २, ५५२,

कारुणण. न० (कारुण्य) करुणा, दया दया
करुणा Kindness; compassion
भक्त० १६ उत्त० ३२, १०३; नाया० १,
चड० ३८;

कारुन्न न० (कारुण्य) करुणा, दया. करुणा,
दया Kindness, compassion भक्त०
१६;

करेल्लय न० (करेल्लक) करेधु करेला
A kind of vegetable अणुत्त० ३,
१, अत० ३, १;

काल. पु० (काल-कल् संख्याने कलन कलः
कल्यते वा परिच्छिद्यते वस्त्वनेनेति काल
कलानां वा समयादिरूपाणां समूहः कालः)
समय, वषट, अयसर. समय, वख्त. Time.
ओव० उत्त० १, १०; २४, ४, वव० ७,
१२; १३; विशेष १३४. १५३६ दसा० ६,
१; सू० प० १; १६, दम० १, १; २, ७,
८, ८, ३५, ६, २, २१, नंदी० २४; जं०

प० राय० २, ७७, पि० नि० ५, १२८,
अणुजो० २१, १३२, आया० १२, १, ६२,
नाया० १, ८, ६, १४, १६, १८, भग० १,
१, ५, ४, ८, ६, ११, ११, १२, ६, १५,
१. प्रव० १२३२, १५८८, पि० नि० भ०
२०, कण्ठ० १, १, भक्त० ५८, ज० प० १,
१, (२) स्थिति स्थिति condition,
state विशेष० ४०६, ज० प० ५, ११३, ७,
१७५, (३) प्रातःकाल प्रातः काल, सुबह
morning time नय्या० १, (४) पदमा
अणु नाम ५६वे ग्रह का नाम name of
the 56th planet सू० प० २० ठा०
२, ३, (५) लयान्त, क्षात्ररूप भया
नक, काल के समान, प्राण लेने वाला
terrible like the god of death
उत्त० १२, ६, (६) विश्वम् तथा प्रल-
यन छन्दना लोडपालनु नाम विलव तथा
प्रभजन इद्र के लोकपाल का नाम name
of the two Lokapālas (guardians of the people) of India
named Vilamba and Prabhañ-
jana ठा० ४, ५, (७) वायुकुमार जाति के
देवताओं के इन्द्र का नाम name of the
India of the Vāyukumāra spe-
cies of gods भग० ३, ८, (८) जे नार-
क्षीने डायामा राधे अने पोते २ जे डायो ते,
डाय नामे परमाधामी नी ओड जल जा
नारका को कडाइ में राधे ओर खुद
कोले रग का हा वह, काल नामक
परमाधामी को एक जाति a kind
of hell-gods (Paramādhāmī,)
black in colour, who cooks hell-
beings in an iron cauldron सम०
१५, (९) डाय नामे आइमा देवयोडनु ओड
विमान ऐनीस्थिति अठार सागरोपमनी छे

ओ देवता नव महिने श्वासोच्छ्वास ले छे
अने अठार हजार वर्षे सुधा लागे छे आठवें
देव लोक का विमान जहा के निवासी देवों की
आयु अठारह सागरोपम की होती है वह
नौवें महिने में श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा
उन्हे अठारह हजार वर्षों बाद भूख लगता है
a heavenly abode of the 8th
Devaloka, the gods in which
live for 18 Sāgaropamas,
breathe once in 9 months and
eat once in 18000 years.
सम० १८, (१०) पूर्ण दिशामे डाय
नामने सातमे नरकमे नरकामे
सातवें नर्क में पूर्व दिशामे स्थित काल
नामक नरकावास an abode of the
seventh hell in the east. सम०
प० २०६, ठा० ५, ३, सम० ३३, पञ्च० २,
जीवा० ३, १, (११) जुनी ने नयी अने नयीने
जुनी अनायना, पर्यायने पदयायना
ओड द्रव्य, ७ द्रव्यमानु ओड द्रव्य. पुरानो को
नई और नई को पुरानी बनाने वाला-पर्याय
परिवर्तन करने वाला एक द्रव्य a sub-
stance that transforms the old
into the new and the new
into the old उत्त० २८, ७,
(१२) यक्षवर्तिना नर निधानमनु ओड
डे जेमा सर्व डारीगरी-शिष्टपुर्भतो समावेश
थाय छे चक्रवर्ती का नौ निविशो मे की १
निवि जिसमे कि सपूर्ण जिल्व कर्मका समावेश
होता है one of the nine treasures
of a Chakravartī including a
knowledge of all fine and
mechanical arts ठा० ६, १, ज० प०
(१३) त्रि० डायानु कोले रगका
black भग० १, १, ३, ७, ६, ५, ७, ६,
जीवा० ३, १ विशेष० २०६७; पञ्च० १, ओड०

२२. ३०; नाया० २; (१४) पु० कृष्णपक्ष
 कृष्णपक्ष the dark half of a
 month जीवा० ३, ४, (१५) पिशाच
 व्यन्ता देवतानो मन्द्र पिशाच जाति के
 व्यतर देवों का इन्द्र Indra of the
 Vyantara deities of the kind
 known as Pisācha. भग० ३, ८; १०,
 ५, पञ्च० २; अ० २, ३, जीवा ३, ४;
 (१६) मरण, मृत्यु मरण, मृत्यु death
 नाया० १, ८, पञ्च० १६; विशेष २०६६;
 दसा० ६, १, भग० १, १, ३, ४, वि० नि०
 ५२; आया० १, २, ३, ८०, १, ४, २, १३१,
 उत्त० ४, ६; (१७) निर्यावलिङ्गना पडेवा
 अभ्ययननु नाम निर्यावलिङ्गना के पहले
 अध्याय का नाम name of the first
 chapter of Nirvāvalikā निर० १, १;
 भग० ७, ६, —अइकंत पुं० (—अतिक्रान्त)
 भुजने समये नहीं पणु तेने उल्लंघन मनेलो
 भोराड जुधा के समय पर न मिलकर उस
 समय के बाद मिला हुआ भोजन food
 obtained not at the time of
 hunger but after it नाया० ५० १६;
 भग० ७, १. ६, ३३, (२) डालनी ने
 मर्यादा आधेय होय तेने उल्लंघनी गयेय
 कालका जो मर्यादा बाधा हो उस का उल्लंघन
 किया हुआ transgressing the
 limit of time fixed प्रव० ७८४;
 ८००, —चारि त्रि० (—चारिन्) समय-
 अनुमति डालनु उल्लंघन करी आसनार
 समय-चतुर्मासिक काल का उल्लंघन कर के
 चलने वाला (one) who trans-
 gresses the rules laid down to
 be observed in the rainy season
 etc प्रव० ७८४. —अइक्रम पु०
 (—अतिक्रम) डालने उल्लंघन, समयने
 त्यज्यो कालको उल्लंघन, समय को त्यागना

transgression of time fixed
 पंचा० १, ३२, —अइयर पु० (—अनिचर)
 डाल-आयुष्यना प्रमाणनु अतिथार उल्लंघन
 करतु ते, आयुष्य तोड़ी नाभयुं ते आयुष्य
 के प्रमाण का उल्लंघन करना, आयुष्य का
 तोड़ना cutting short one's alio-
 ted period of life सूय० १, १३, २०,
 —अंतर पुं० (—अन्तर) डालान्तर,
 अन्यथा कालान्तर; दूसरी बार another
 time नाया० २, पंचा० १२, ३१;
 —अगुरु पुं० (—अगुरु) डालु अगर,
 भुगधि धूपनु द्रव्य, कृष्णागर. काला अगर,
 सुगन्धित द्रव्य. a kind of black sub-
 stance used as an incense ओव०
 सम० प० २१०, राय० २७, सू० प० २०,
 नाया० १, १६; भग० ६, ३३, ११, ११;
 दसा० १०, १; जं० प० ५, ११३; कण०
 ३, ३२, —अद्वरत्त न० (—अद्वरात्र)
 अन्धारीया पक्षनी-अभासनी अर्ध्नी रात्रि
 अँवरे पक्ष की अमावस्या का आधी रात
 midnight of the १५th day of
 the dark half of a month भग०
 ३, २; —अणुड्डाइ त्रि० (—अनुष्ठायिन्)
 वधतयर अनुष्ठान करनार, नडामो वधत
 नहीं गासनार. समय पर काम करने वाला
 निरर्थक समय नष्ट न करने वाला (one)
 who is punctual in the perfor-
 mance of his duties आया० १, २,
 ५, ८८, —अणुपुञ्ची स्त्री० (—अनुपूर्वी)
 डाल विषय अनुपूर्वी, अनुक्रम. काल
 संभववी अनुपूर्वी. proper order of
 time अणुजो० ७१, —अभिग्रह पु०
 (—अभिग्रह) पड़ेये पड़ेरे के छेले पड़ेरे
 अभुट वधने भणे तोल लेवु येम डाल
 संयंघी नियम धावेते. पहले पहरमे का
 अन्तिम पहरमे अमुक समय पर मिले तोही

लेना, ऐसा समय सम्बन्धी नियमका वाचना.
 vowing to take a thing either
 in the first or the last of the
 8 divisions of time of a day.
 ओव० —अवभास पु० (—अवभास) डाणी ४७, डाणी प्रभा काली काई
 black tint नाया० २, —अवहि पु० (—अवहि) सम्भन्धी मर्यादा, वधतनी
 ६६ समय की मर्यादा time-limit पचा०
 ५, १८, —आदेस पु० (—आदेश) डावनी अपेक्षा. काल की अपेक्षा rela-
 tivity of time भग० ६, ८, ९, ४,
 ११ १, १४, ४, २४, १, —आयस न०
 (—आयस) डाणु लोह, पोलाद, गजवेल्
 पोलाद, गजवेल् steel, black iron
 राय० १२६, ओव० ३१, ज० ५० —एयणा
 स्त्री० (—एजना) डाव आश्री ऐजना-
 डावत काल की अपेक्षा से कपना trem-
 bling with fear, having
 regard to time भग० १७, ३,
 —ओगाहणा स्त्री० (—अवगाहना) डावनी अवगाहना-क्षेत्र विस्तार-अटिदी।
 प्रमाण काल की अपेक्षा से अटार्ई द्वीप
 प्रमाण अवगाहना. localisation of
 time to the extent of two con-
 tinents and a half ठा० ४, १,
 —ओभास पु० (—अवभास) डावी प्रभा.
 काली प्रभा black tint भग० ६, ६, ७,
 १०, —कस्त्रि त्रि० (—कास्त्रिन्) डाव-प-
 डिनभरुने आहनाः पडित मरण की इच्छा
 करने वाला (one) who desires
 (natural and peaceful) death
 आया० १, ३, ३, १११, —गअ-य त्रि०
 (—गत) मृत्यु पामेक्ष मृत, मृत्यु प्राप्त
 dead नाया० १६, १६, १८, भग० २, १, ४,
 ३, १ ७, ६ ६, ३३, १५, १, सम० १०००

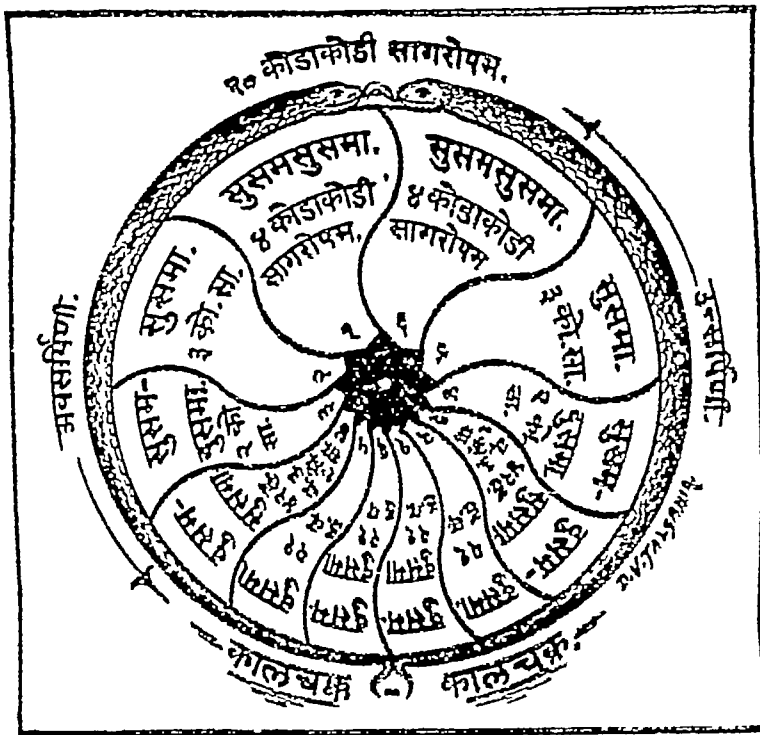
प्रव० १४७५, कप० ६, १८५, ओघ० नि०
 १११; विवा० १, —चारि त्रि० (—चारिन्)
 पोताना इरावेक्ष समये आदे ते अपने ठहराये
 हुए समयानुसार चले वह (one) who
 punctually follows his own pro-
 gramme ओघ० नि० १०७, —ट्टिइ
 स्त्री० (—स्थिति) डावपरिमित स्थिति,
 आयुष्य काल स्थिति, आयुष्य fixed or
 determined period of life-time,
 life भग० २८, १, —ट्टिति स्त्री०
 (—स्थिति) डावस्थिति, आयुष्य काल
 स्थिति fixed or determined
 period of life-time भग० १५, १,
 —णाण न० (—ज्ञान) डाव सम्बन्धी
 ज्ञान काल सम्बन्धी ज्ञान, शुभाशुभ ज्ञान,
 knowledge of (what is going
 to happen in) time “काले काल
 णाण” ठा० १०, ज० ५० —णाणि
 त्रि० (—ज्ञानिन्) डावज्ञानी, अभुक्त माणु-
 सनुं क्यारे भोत थसे ते ज्ञानाः कालज्ञानी.
 मृत्युका समय जानने वाला (one) who
 knows what is going to happen
 in time, i.e. the time of death
 of a particular person “काल
 कालणाणी जाणइवज्जय वेज्जो” अणुजो०
 १८६, —तिग न० (—त्रिङ्) भूत,
 भावी, अने वर्तमान ये त्रयु डाव भूत,
 भविष्य, और वर्तमान ये तीन काल the
 triad of times, viz past, future
 and present प्रव० १३५०, —निय
 न० (—त्रिक) भूत, भविष्य, अने वर्तमान
 ये त्रयु डाव भूत, भविष्य, और वर्तमान
 ये तीन काल the triad of times,
 viz past, future and present
 प्रव० ६०३, —तुल्लय त्रि० (—तुल्यक)
 डावनी अपेक्षाये अरायन्, समान डाव

वाणी काल की अपेक्षा से समान-तुल्य, समकालीन. equal in point of time; same as regards time, contemporaneous भग० १४, ७, — धर्म पुं० (-धर्म-कालो मरण स एव धर्मो जविपर्यायः कालधर्म) डाक्ष धर्म, मरण मरण, जीवकी पर्याय का मरण रूप स्वभाव death, passing from one state of existence into another in due course of time विवा० २; ५; नाया० १. टा० ३. ३, ४, ३, — ज्ञान न० (-ज्ञान) डाक्ष अन्वि ज्ञान, ज्योतिष आदिने आचारो भूत लादीनु ज्ञान थाय ते काल सम्बन्धी ज्ञान, ज्योतिष आदिके आचार से भूत भविष्य का ज्ञान का होना. knowledge of events in the past or future through astrology etc प्रव० १२३८, — पडिलेहण्या स्त्री० (-प्रतिलेखना) डाक्ष वप्यतनु निरिक्षण. जे वप्यतनु जे काम शास्त्रमा अताव्यु होय तेना प्रत्ये जगृत रहेवु ते समय का निरीक्षण जिस समय जो काम करने की शास्त्रने आज्ञा दी हो वही काम करने में जागृत रहना proper circumspection about doing things at the time prescribed in scriptures उक्त० २६, २ — परट्ट पु० (-परावर्त) डाक्ष आश्री पगवर्तन-पुट्ट पगवर्तन काल आश्री पगवर्तन-पुट्ट पगवर्तन modifications in matter in due course of time प्रव० १०३१, — परमाणु पुं० (-परमाणु) सूक्ष्ममा सूक्ष्म डाणी, समय सूक्ष्मने सूक्ष्म काल, समय the smallest division of time, called a Samiya. भग० २०, ४, — परियात्र (-पर्याय) भोतने वपने इरवानो स लेखना

विधि, लक्ष्म परिज्ञादि पडित मरण अपने समय पर करने की सल्लेखना विधि, मरु परीजादि पडित मरण the ceremony known as Samlekhanā to be performed at the time of death आया० १, ७, ४, २१५; — माण पु० (-मान) डाक्षनु प्रमाण समय का प्रमाण. measure of time, limit of time पचा० १, १६; — मास पुं० (-मास-कालो मरण तस्य मासः प्रक्रमाद्वसर काल-मास) मरण समय. time of death भग० १, १, ३, १ ८८, १०, नाया० १, ५, ६, १४, १६, ओव० ३८, दसा० ६, १, “काल मासे कालं किञ्चा” भग० ७, ६, उवा० १, ८६, — मासिणी स्त्री० (-मासिनी) प्रसव समय-ने प्राप्त थयेव स्त्री प्रसव-प्रसूति-समय को प्राप्त हो a woman about to give birth to a child दस० ४, १, ४०, — मृग पु० (-मृग) डाक्ष मृगना यर्मनु वस्त्र काले हरिण के चमड़े का वस्त्र a garment made of the skin of a black deer जीवा० ३, ३, निसी० ७, ११, — मियचर्म न० (-मृगचर्म) डाक्ष मृगनु यामनु काले मृग का चमड़ा skin of a black deer नाया० १६, — लोय पु० (-लोक) डाक्षनी अपेक्षाये लोय काल की अपेक्षा से लोक a world in its relation to time भग० ११, १०, — वरण पुं० (-वर्ण) डाक्ष २३ काला रंग black colour भग० ८, १; २५, ६, सम० २२, — वरणपञ्च पु (-वर्णपर्यव) डाक्ष २३ नी पर्याय (दशा) काले रंग की पर्याय (अवस्था) a particular state or condition of black colour भग० २५, ३ — वरणपरिणय त्रि० (-वर्णपरिणत) डाक्ष वपुंरु पे पणिणाम पामेव काल वर्ण-रूप

સચિત્ર અર્થ-માગધી કોષ

કાલચક્ર. નં (કાલચક્ર) છ આરા મલી ઉત્સર્પિણી એટલે ચડતો કાલ થાય છે,



તેમજ છ આરા પરિમિત અવ-
સર્પિણી એટલે ઉતરતો કાલ
થાય છે. ઉત્સર્પિણી અને અવ-
સર્પિણી એ બન્ને કાલ મલી એક
કાલચક્ર થાય છે તેનું પરિમાણ
૨૦ કોડાકોડી સાગરોપમનું છે
તે છ છ આરાનું સ્વરૂપ બતાવે
છે. સુસમસુસમાથી દુસમદુસમા
સુધી ૧૦ કોડાકોડી સાગરોપમ
પરિમિત અવસર્પિણી કાલ અને
દુસમદુસમાથી સુસમસુસમાપર્યંત
૧૨મણી બાબુના છ વિભાગ
૧૦ કોડાકોડી સાગરોપમ પરિમિત
ઉત્સર્પિણી કાલને બતાવે છે.
છ આરે (કાલ વિભાગ) મિલા-
કર ઉત્સર્પિણી અર્થાત્ ચઢતા કાલ

હોતા હૈ. इसी प्रकार छ आरे परिमित अवसर्पिणी अर्थात् उतरता काल होता है. उत्सर्पिणी और अवसर्पिणी के दोनों कालों का एक कालचक्र बताते हैं जिसका परिमाण २० कोडाकोडी सागरोपम का होता है कालचक्र के चित्र के बीच में १२ विभाग हैं वे छः छः आरों का स्वरूप बतलाते हैं. सुसमसुसमा से दुसमदुसमा तक १० कोडाकोडी सागरोपम परिमित अवसर्पिणी काल और दुसमदुसमा से सुसमसुसमा तक दाहना ओर के छः विभाग १० कोडाकोडी सागरोपम परिमित उत्सर्पिणी काल को बतलाते हैं. Utsarpini time i. e. an æon of increase is equal to 6 Ārās (a measure of time); and Avasarpini time i. e an æon of decrease is also equal to 6 Ārās. The Kālachakra measuring 20 Kodākodī (1 crore × 1 crore) Sāgaropamas is made up of these two measures of time taken together. In the middle of the picture there are twelve divisions showing the extent of every 6 Ārās. The six divisions beginning from Dusamadusamā to Susama susamā on the right indicate Utsarpinī Kāla which measure 10 Kodakodī, while the six divisions from Susamsusamā to Dusama dusamā to the left indicate Avasarpinī Kāla which, is also equal to 10 Kodakodi Sāgaropamas of time जं० ५०

में परिणत, modified into or developed into black colour भग० ८, १, —वर्णपरिणाम पु० (—वर्णपरिणाम) शब्दावर्णरूपे परिणाम प्राप्त होने के काले वर्णरूप में परिणत होना modification or development into black colour भग० ८, १०.—विभाग पु० (—विभाग) शब्दों के, शब्दविभाग काल का भेद, काल का विभाग a division of time “इत्थे काल विभागतु, तेसि वांच्छं चउव्विह” उक्त० ३६, ११, —वासि पु० (—वर्षिन्) समये परसनार, योमासाभा परसनार (मेव) समय पर बरसने वाला rain falling in due season, seasonable rain ठा० ४, ४, भग० १४, २, —विसेस पु० (—विशेष) शब्दों का विशेष विभाग (भेद) समय का विशेष विभाग a particular division of time प्रव० ६२३, —विहीण त्रि० (—विहीन) शब्दों को शिवाय काल द्रव्य रहित excluding, excepting the category named time प्रव० ६६०. —संज्ञोग पु० (—संयोग) शब्दों के सन्नेह काल का संयोग juncture of time ठा० ३, २, अणुजो० १३१, —ससार पु० (—ससार) रात द्विस भ स वर्ष पर्योपम सागरोपम पर्यंत लटके हुए ते-शब्द ससार गत, दिन, महीना, वर्ष, पत्योपम, सागरोपम, ससार में भटकना वह कालसंसार कहलाता है wandering in worldly existence for indefinite periods of time ठा० ४, १, —सम त्रि० (—सम) उदय-शब्दों के साथ उदय काल के बराबर simultaneously with the rise of क० प० ५, ४२, —समय पु० (—समय) शब्दों की समय कालरूपी समय

a point of time viewed as time.

विश० ३, सू० प० ८,

कालश्रोत्रं (कालतः) शब्दशरी, शब्दानी

अपेक्षायै, शब्दश्रोत्र काल की अपेक्षा से

In point of time, as regards

time श्रोत्र० १७, भग० २, १, ५, १०,

५, ७, ८, २, ८, ६, राय० ६६, उक्त० २४,

६, प्रव० ७७८, १२०५, ज० प० ७, १७५,

कालक न० (कालक) शब्दों का पुद्गल काल

पुद्गल Matter or substance black

in colour भग० ६, ६,

कालकूट न० (कालकूट) विष, जेर जहर,

विष Poison उक्त० २०, ४८,

कालक त्रि० (कालक) शब्दों का काल

रंग का Black उक्त० २२, ५, नाया०

८, भग० १५, १, २५, ४, उवा० २, १०७,

(२) पु० शब्दशायार्थ कालकाचार्य A pre-

ceptor named Kālakāchārya

विश० १७६६, —चक्षुर्वि. स्त्री० (—चक्षुर्वि)

शब्दों का शक्ति, शब्दशक्ति रंग काली कान्ति,

चमडी का रंग black colour of the

skin उक्त० २२, ५,

कालगाहावइ पु० (कालगृहपति) शब्द

नाम का गृहपति-शब्द काल नामक गृहपति-

सेठ A merchant named Kālā

नाया० ८०

कालगुण्या स्त्री० (कालज्ञता = काल प्रस्ताव-

मुपलक्षणत्वाद् देश च जानातीति कालज्ञ-

स्तद्भाव. कालज्ञता) अवसर ज्ञानों के देश

शब्दों की ओर भाषा समय को पहिचानना,

देश काल को जानने वाला Due recog-

nition, sense of time, place etc

श्रोत्र

कालत्त न० (कालत्व) शब्दों का काल

Blackness भग० १७ २,

कालज्ञ त्रि० (कालज्ञ) शब्दों का ज्ञान

वअत्ततो णलुनार; उयित अतुयित समयने
णलुनार. कर्तव्य परायण; समय को जानने
वाना, उचित अनुचित समय को जानने, वाला.
(One) knowing or realising
opportuneness or otherwise of
time in doing duties. आश० १,
२, ५, ८८, १, ७, ३, २०६;

कालपाल पु० (कालपाल) ओ नामना धरणेन्द्र
अने भूतानन्ता दोउपाव. धरणेन्द्र और
भूतानन्द के लोकपाल का नाम The guar-
dian of people (so named) of
Dharanendia and Bhūtānanda
ठा० ४, १,

कालपिसायकुमारिन्द्र पु० (कालपिशाच-
कुमारेन्द्र) डाव नामे पिशाचोना छः
पिशाचोंका काल नामक इन्द्र. India of the
Pisāchas named Kāla नाया० व०
कालमुह पु० (कालमुख) उत्तर भरतमानो
ओइ देश उत्तर भरतका एक देश Name
of a country in Uttara Bharata
जं० प०

कालय पु० (कालक) डाणे वण् काला
वण Black colour. नाया० ६- भग०
५, ७, १०, ६; १८, ६, २० ५,

कालवडिसयमवण न० (कालावतंसकभवन)
डावीदेवीनु डावावनंशडनाभनुं लवन काली
देवी का कालावतंसक नामक भवन The
abode of Kālidesī named
Kālāvataṁsaka नाया० व० —वासि
पु० स्त्री० (-वामिन्) डावावन संभवनभा
वसनाश. कालवतंसक भवनमें रहने वाला
(a person) residing in Kālāva-
tamsaka abode. नाया० व०

कालवाल पु० (कालपाल) धरणेन्द्रना दोउ-
पावनु नाम धरणेन्द्र के लोकपाल का नाम
Name of a guardian of people

of Dharanendia भग० ३, ८, १०, ५;
कालसिरी. स्त्री० (कालश्री) डावगृहपतिनी
डावश्री नामनी धर्मपत्नी काल गृह पति की
कालश्री नामक स्त्री Name of the
wife of Kāla a householder
नाया० व०

कालसीहासण न० (कालसिंहासन) डाव
नामवाणुं सिंहासन. काल नामक सिंहासन
A throne named Kāla. नाया० व०
काला. स्त्री० (काला) डावेन्द्रनी डावा नामनी
राजधानी कालेन्द्र की राजधानी का नाम
Name of the capital city of
Kālendia भग० १०, ५,

कालालोण. न० (काललवण) डाव पर्यतभा
उत्पन्न थणुं डाणु भीडु किसी पर्वत में उत्पन्न
होनेवाला काला निमक Black salt pro-
duced in a mountain दम० ३, ८,
कालासवेसियपुन पु० (कालाण वैश्यपुत्र)
श्री पार्श्वनाथप्रभुना शासनना ओइ साधु,
पार्श्वनाथना सनानिया डे जेणे थिवर साधु-
ओने प्रश्नो पुछ्या हुता श्री पार्श्वनाथ भग
वान् के शासन के साधुका नाम जिसने थिवर
साधुओंको प्रश्न पूछे थे Name of an
ascetic belonging to the cult of
Pārśvanātha who had asked
some questions to Sthavira
monks भग० १, ६,

कालिअ-य त्रि० (कालिक) रात अने दिन-
सना पहेले तथा छेइसे पहेरे लणाय पण
भीजे त्रीजे पहेरे न लणाय नेवुं मूत्र,
आयाराग आदि डादिइ मूत्र वह मूत्र जो
रात्रि और दिन के पहिले तथा अंतिम प्रहर
में पढा जाय, आचाराग आदि कालिक मूत्र
Kālīka Sūtras such as Āchā-
rāṅga etc which could be read
at the first and last of the

four divisions of day or of night विशेष ६२०, ठा० २, १, अणुजो० ४, १४६, नंदो० ४३, (२) डाडातरे मण वाणु, अनिश्चित कालान्तर मे मिलने वाला, अनिश्चित uncertain in point of time उक्त० ५, ६, (३) ओ नामने ओ३ द्वीप-ओ३ इस नामका एक द्वीप-बेट name of an island नाया० १७, —अणुओग पुं० (-अनुओग) डाडि३ श्रुतनुं व्याख्यान कालिक श्रुत का व्याख्यान a discourse on, an explanation of a Kālīka scripture पचा० ११, ३४, —दीव पुं० (-द्वीप) डाडीय नामने द्वीप कालीय नामक द्वीप an island named Kālīya नाया० १७, —वाय पुं० (-वात) प्रय३ वायु, प्रतिदू३ण वायु प्रचड वायु, प्रातेकूल हवा violent wind, adverse wind नाया० ६, १७, —सुय न० (-श्रुत) डाडि३ सूत्र, अ गारागादि-डावे व्याय ते सूत्र कालिक सूत्र a Kālīka Sūtra e g Āchāraṅga etc which could be read at particular times only भग० २०, ८, निसी० १६, १०, विशेष ५४६, कालिंगी स्त्री० (कालिङ्गी) तरबूज तरबूज, मतीरा. A kind of water-melon पत्र० १, भग० २२, ६, कालिंजर पुं० (कालिंजर) ओ नामने ओ३ पर्वत एक पर्वत का नाम Name of a mountain “ दसा दसमे आसी मिया कालिजरे नगे ” उक्त० १३, ६, कालिज्ज न० (कालिज) डाणुं, शरीरनी अदरने ओ३ अवयव कलेजा, शरीर के भीतर का एक अवयव An organ of the body viz liver तदु० प्रव० १३=४, कालियपुत्त. पुं० (कालिकपुत्र) डाडि३पुत्र

नामे श्री पार्श्वनाथ प्रभुना शासनना ओ३ विद्वान् धिवर साधु श्रीपार्श्वनाथ प्रभु के शासन के कालिकपुत्र नामक एक विद्वान् साधु Name of a learned monk of the cult of Śrī Pārśvanātha भग० २, ४, कालिया स्त्री० (कालिका) डाडडा देवी कालिका नामक देवी The goddess Kālīkā सु०च० ८, १८६, काली स्त्री० (काली) अंतगड सूत्रना आडमा वर्गना पडेला अध्ययननु नाम अत-गड सूत्र के आठवें वर्ग के पहिले अध्याय का नाम name of the first chapter of the eighth section of Anta-gada Sūtra अत० ८, १, (२) ओलिङ रामनी राणी अने ओलिङनी ओरमान माता डे नेले महावीरस्वामी समीपे दीक्षा लध रयलुवडी = रत्नावलि नामनु तप आचरी आड वरसनी प्रन्यापाणी ओ३ भासनो सथारे डरी परम पद प्राप्त क्यु राजा ओणिक की रानी और कोणिक की सोतेली मता जिसने की महावीर स्वामी के समीप दीक्षा लेकर रत्नावलि नामक तप किया और आठ वर्षों तक दीक्षा पालन कर अत मे एक मास का सयारा किया और परमपद प्राप्त किया the queen of Śienika and step-mother of Konika, who took Dikṣā from Mahavīra Svāmī, practised Ratnāvalī penance, observed asceticism for eight years and after one month's abstinence from food and water attained final bliss अत० ८, १, (३) डागडनी अध कौए की जाघ the thigh of a crow उक्त० २, ३; (४) डाडा रगनी स्त्री काले रग की स्त्री a woman of black colour अणुजो०

१२८; (५) चमरेन्द्री मुख्य देवी चमरेन्द्र की मुख्य देवी the principal goddess of Chamarendria भग० १०, ५; (६) अभिनन्दन स्वामिनी शायन देवीनुं नाम. अभिनन्दन स्वामी की शायन देवी का नाम. name of the attendant spirit of Abhinandana Svāmī प्रव० ३७७, पंचा० १६, २४. —अज्ञा स्त्री० (-आर्या) शत्री आर्या कालीआर्या a nun named Kālī नाया० ध० —दरिआ स्त्री० (-दारिका) शत्री दुमारी काली कुमारी. a girl named Kālī नाया० ध०

कालीदेवित्त न० (काली देवीत्व) शत्री देवी-पदं काली देवीपना State of being the goddess Kālī नाया० ध०

कालीवडिसयभवण. न० (काल्यवतंसक-भवन) शक्षीदेवीनुं शवावतंसक नामे भवन. कालीदेवी का कालावतंसक नामक भवन. An abode of Kālī Devī, named Kālāvataṁsaka नाया० ध०

कालुणिय त्रि० (कारुणिक) शरुणुजनक करुणाजनक, करुणा पैदा करने वाला Piteous सूय० १, २, १, १७,

कालोअ-य पु० (कालोद) शलोदधिनामने समुद्र देवे धातडीअने इरतो पिटायेअ छे कालोदधि नामक समुद्र जो कि वातकीखंडद्वीप को घेरे हुए है An ocean named Kālodadhi, encircling Dhātakikhanda ठा० ७, जीवा० ३, ४, अणुजो० १०३, सम० ४२, ६१, पत्र० १५;

कालोद पु० (कालोद) लुओ ' कालोअ-य ' शब्द देखो " कालोअ-य " शब्द.

Vide "कालोअ-य" ठा० २, ३, भग० ६, २;

कालोदहि. पु० (कालोदधि) धातडीअने आरे आनुओ आइ धाभ जेजन प्रमाणुने शलोदधि समुद्र उम समुद्र का नाम जो

वातकीखंडकी चारो ओर है और जिसका प्रमाण आठ लाख योजन का है. An ocean so named, surrounding Dhātakikhanda and eight lacs of Yojanas in circumference. भग० ५, १;

कालोदायि. पु० (कालोदायिन्) शलोदधि नामना ओइ अन्य दर्शनी गृहस्थ एक जैनतर गृहस्थ का नाम Name of a householder belonging to a non-Jaina creed भग० ७, ६; १०, १८, ७,

काव. पु० (काव्य) शव्य यनावीने संलग्गानार काव्य बनाकर सुनाने वाला A bard, a minstrel जीवा० ३, ३; नाया० १, ८, कावलिय पु० (कावलिक) शव्य आहार. कौर, कवल. A mouthful भग० १, ७, प्रव० ११६४,

कावि अ० (कापि) शोपण कोई भी Somebody; some one or other, anybody नाया० ८,

काविट्ट पु० (काविष्ट) शक्षी देवलोकनुं शविष्ट नामनुं ओइ विमान, ओनी स्थिति शोद सागरोपमनी छे, ओ देवता सात मासे श्वा-सोश्वास ले छे छठवे देवलोक के विमान का नाम, जिसके निवासियों की आयु चौदह सागरोपम की है और जो चौदह पक्षों में एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं Name of a heavenly abode of the sixth Devaloka, where the gods live for 14 Sāgaropamas and breathe once in seven months नम० १४,

काविल. न० (कापिल) शपिदशास्त्र; शास्त्र दर्शननुं शास्त्र कपिल शास्त्र, साख्य दर्शन शास्त्र The tenets of the founder (Kapila) of the Sāṅkhya

system of philosophy अणुजो० ४१,
काविलिख न० (काविलिख) उपिबभतते
अथ कपिल मत का एक ग्रन्थ A book
containing an exposition of
the tenets of Kapila. नदी० ४१,
कावोय पु० (.) ३१५ ईश्वरी बिदा
भागनार ओष्ठ वर्ग. कावड लेकर बिदा
भागने वाला एक वर्ग A class of men-
dicants begging their food in
bags attached to the ends of
a bamboo which rests on the
shoulders अणुजो० ६२,

कावोया छी० (कापोतिका) पारेवी वृत्ति,
उत्तरनी भाक्ष्य धृष्टी सभाषणी आदारादि
लेवु ते एक प्रकार की वृत्ति-कवृत्त के
समान बड़े यत्नाचारपूर्वक आहारादि ग्रहण
करने की वृत्ति Taking food with
great care, like pigeons उत्त०
१६, ३३;

✓कास वा० I (कास्) उधरस आरी
खोसना. To cough
कासित्ता स० कृ० जीवा० ३, ३ ज० प०
२, २५,

कासत व० कृ० परह० १, ३.

कास पु० (कास) उधरस, आसी खासी
Cough ज० प० भग० ३, ७, जावा० ३, ३

कास पु० (काश) दश नामने अल. काश
नामक ग्रह A planet named Kāśa
“ दोकासा ” ठा० २, ३, (२) दश नामनी
वनस्पतिने गुच्छे कास नामक वनस्पति
का गुच्छा. a cluster of the vege-
tation named Kāśa पञ्च० १ उवा०
३, १४८,

कासकस त्रि० (कासकप-कसन्तेऽस्मिनि-
कासः ससारस्त कपतीति तदभिमुखोयातीति
कासकप) अभादी, अर० १२थ, आदुग० ११-
दुग अस्वस्थ, बीमार, आकुल व्याकुल
Uneasy, restless आया० १, २, ५, ६४,

कासग पु० (कर्पक) जेडत, जेती इतना.
किसान, खेती करने वाला A farmer,
a peasant उत्त० १२, १२,

कासग. पु० (काशक) ओष्ठ जतनी वनस्पति
एक प्रकार की वनस्पति A kind of
vegetation जीवा० ३, ४,

कासण न० (कासन) उधरस आरी खासी
आना Act of coughing ओष्ठ० नि०
२३५,

कासव पु० (काश्यप) दशपु गोत्रीय-
महावीर स्वामी-योवीयमा तीर्थकर. काश्यप
गोत्र के महावीर स्वामी चौबीसवें तीर्थकर
Lord Mahāvīra the 24th Ti-
thankara belonging to the
family origin named Kāśyapa
भग० १६, १, दस० ४, सु० च० ३, १०५,
नदी० २३, उत्त० २, १, मूय० १, २, २, ७,
१, ६, १, २, ज० प० ७, १५६, (२) दशपु
गोत्रमा उत्पन्न थयेल-मुनिमुत्रत अने नेमी
सिवायना आवीश तीर्थकर, चक्रवर्ति वगेरे
क्षत्रिय, सातमा गणधर वगेरे ब्राह्मण, ४ शु-
स्वामी वगेरे गाथापति काश्यप गोत्र में
उत्पन्न मुनि मुत्रत और नेमिनाथ के सिवाय
बाईस तीर्थकर तथा चक्रवर्ति वगेरह क्षत्रिय,
सातवे गणधर वगेरह ब्राह्मण और जवस्वामी
वगेरह गाथापति the Tirthankaras
(24) excepting Muni Suvāta

जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट () देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट () Vide

foot-note () p 15th

Vol II/59

and Nemī, the Ksatriyas viz the 7th Ganadhara etc. and the Gāthāpatis viz Jambū Svāmī etc all born in the Kāśyapa family छ० ७, १, उत्त० २८, १६, (३) पुं० ऐ३ प्रसिद्ध गोत्रनु नाम, काश्यप नामे गोत्र एक प्रसिद्ध गोत्र का नाम काश्यप नाम का गोत्र name of a famous family-origin काप० ५, १०३, (४) श्री पार्श्वनाथ प्रभुना शासनना ऐ३ विद्वान् माधु श्री पार्श्वनाथ प्रभु के शासन के एक विद्वान् माधु a learned monk belonging to the cult of Lord Pārsvanātha मग० २, ५; (५) अतगड सूत्रना छद्म वर्गना योथा अध्ययनुं नाम अतगड सूत्र के छद्म वर्ग के चौथे अध्याय का नाम name of the 4th chapter of the sixth section of Antagada Sūtra अत० ६, ४. (६) राजनगर निवासी ऐ३ गाथापति के जेहे भट्टापीर स्वामी पासो दीक्षा लई सोण वस्त्रनी प्रवर्ज्या पाणी विपुल पर्वत उपर सथासे डरी सिद्धि, भेषणी गजगृह निवाना एक गाथापति जियने कि महावीर स्वामी ने दीक्षा ली और १६ वर्षोतक तप कर विपुल पर्वत पर सथारा कर मिद्वपद प्राप्त किया name of a merchant residing in Rājagṛha, who took Diksā from Mahāvīra Svāmī, practised asceticism for 16 years and attained salvation on Vipula mount giving up food and water अंत० ६, ४, (७) हब्बर नाई a barber मग० २, ३३; (८) उत्तरा इक्षुनी नक्षत्रनुं गोत्र उत्तरा फल्गुना का गोत्र the family

origin of the constellation named Uttarā-Falgunī. सु० प० १०, —गुत्त, पुं० (-गोत्र) सिद्धार्थ राजा वगेरेनु गोत्र सिद्धार्थ राजा वगेरह का गोत्र the family-origin of king Siddhārtha etc क० प० १, २, ३, २०, आया० २, १५, १७६, —गोत्त पु० (-गोत्र) अभ्यु स्वामी वगेरेनु गोत्र जम्बू स्वामी का गोत्र the family-origin of Jambū Svāmī etc नाय० १, कासवग पु० (काश्यपक) नाई, हब्बर नाई A barber सूय० १, ४, २, ६, कासवनालिया छी० (काश्यपनालिका) श्रीपार्श्वीनु इक्षु श्रीपर्णी का फल The fruit of Śīpāinī. दस० ५, २, २१, आया० २, १, न ४८, कासवय पु० (काश्यपक) जुओ “ कासवग ” शब्द देखो “ कासवग ” शब्द Vide “ कासवग ” नाया० १, कासवी. छी० (काश्यपी) पायमा तीर्थ-उन्नी मुख्य साध्वी पांचवे तीर्थकर की मुख्य मात्री ' the principal nun of the 5th Tīthānkara मग० प० २३४, कासाइ न० (कापाय) जुओ “ कासाइअ-य ” शब्द देखो “ कासाइअ-य ” शब्द Vide “ कासाइअ-य ” उवा० १, २०, कासाइअ-य न० (कापायिक) इषा-अथवा गंधी रंगेनु वस्त्र पहने शरीर धुलवानु वस्त्र मगवा रंग ने रंगा हुआ वस्त्र स्नान करके शरीर पोछने का वस्त्र A saffron-coloured cloth generally worn by Hindū ascetics, a piece of cloth to dry the body after bath: a towel जीवा० ३, ४, ज० प० आवा० ३१

कासिल्ल त्रि० (कासमत्) आसीनाणो खासी
वाला One suffering from cough
विवा० ७,

कासिह पु० (कासिह) जलचारी मत्स्याहारी
ऐकं जलतनु पक्षी मच्छली खानेवाला जल-
चारी पक्षी. A sort of crane, a
bird eating fish living in water
सूय० १, ११, २७

कासी. स्त्री० (काशी) काशीपुरी, बनारसी नगरी
काशी नामक पुरा The town of
Benares भग० ७, ८, सुच० २, ४,
उत्त० १३, ६, कप्प० ५, १२७, (२)
काशी देश आर्य देशमानो ऐकं काशी देश,
आर्यदेश में से एक a country named
Kāsī पञ्च० १, भग० १५, १, नाया० ८,
—राय पु० (—राज) काशीदेशनो राजा काशी
देश का राजा a king of the country
named Kāsī उत्त० १८, ४८, नाया० ८,
काहल त्रि० (काहल) अस्पष्ट, अव्यक्त
अव्यक्त, अप्रगट अस्पष्ट Indistinct,
inarticulate, not manifest परह
२, २, छ० ७

काहलिया स्त्री० (काहलिका) काहलिका
नामो ऐकं सोनानु आभरण इस नामका
सोनेका आभरण A sort of gold
ornament प्रव० १५३६,

काहार पु० (कहार—कं जल हरतीति)
कावड कावड A contrivance to
fetch water consisting of a
piece of bamboo with ropes
attached to its ends Pots of
water are fastened to the ends
of this rope, while the bamboo
rests on the shoulders

काहावण पु० (कार्पावण) मुद्रा, सिङ्के
मुद्रा, सिङ्का, छाप मुद्रा A stamp

परह० १, २

काहिअ-य पुं० (काथिक = कथया चरति-
काथिक.) गृहस्थने घेर गनावी गनावी इथा
इडेना आधु गृहस्थ के घर पर बना बना
कर कथा करने वाला साधु An ascetic
telling long drawn scriptural
stories at the houses of house-
holders सूय० १ २, २, २८, निग्गो
१३, ५०, गच्छा० ११६,

काहे अ० (कदा) कब When
अत० ६, १५, भग० २, १,

किङ्कम्म न० (कृतिकर्मन = कृतिरेव कृतेर्वा
कर्म क्रिया कृतिकर्म) गुणदिक्खिने विधिपूर्वक
वदना करवी ते, ऐवी रीते के बात वगेरे
रोगथी पीडित न होय तो छे ऐस करी
अस्पष्टित पाठोअर करी वदना करवी,
छेवाने अशक्त होय तो अस्पष्टित पाठो
छेअर करी वदना करवी ते गुरु आदि की
विधि पूर्वक वदना करना, यदि बात रोगमे
पीडित न हो तो उठ बैठ करके वाराप्रवाह
पाठोच्चर करते हुए वदना करना और उठने
मे अशक्त हो तो वारा प्रवाह पाठ का
उच्चारण कर वदना करना Rendering
obedience to a preceptor etc
with observance of due forms
and ceremonies प्रव० १८, ६८, पचा०
१७, ६ ओव० २०, भग० १४, ३, सम० १२,

किं. अ० (किम्) कोण, गु कोन, क्या,
कौनमा Who, what, which भग०
१, १ ७, २, १, ३ ५, ६, ३, १, ४, ५,
७ ४, ६, ३३, १५, १, १६, ८, १८, ७,
८, २४, २३, २५, ६ २६, १, ४१, १
नाया० १, ३, ५, ८, १६, १७, अणुजो० ३
११ वेय० १, ३३ वव० २, २, ओव० १६,
३८, पञ्च० १५, दमा० ३ २२ ३३ २४ ४,
१०, आया० १, १ १, ३, १, ४, ४ १०,

सूय० १, १, १, १, दस० ४, १०, ५, २,
४७, ६, ६५, ६, १, ५, ६, २, १६, ज० प० ७, १४०;
किंअंगपुरा. अ० (किमङ्गपुनर्) लुओ।
“ किंपुरा ” शब्द दे जो “ किंपुरा ” शब्द
Vide “किंपुरा ” नाया० १; १४,
किंअंगरां अ० (किमन्यत्) भीलुं शु ? दूसरा
क्या ? What else ? नाया० ५,
किंक्रम न० (किंक्रमन्) अंतगड सूत्रना छट्।
वर्गना भीलु अध्ययननु नाम अंतगड सूत्र
के छठवें वर्ग के दूसरे अध्याय का नाम
Name of the 2nd chapter of
the 6th section of Antagada
Sūtra (२) राजगृह निवासी ओड गाथा-
पति डे ने महाविर स्वामी पास दीक्षा लध
अगीआर अंग लणी गुणरयणुतप डरी सोल
वरसनी प्रवज्या पाणी विपुल पर्वत उपर
परम पद पाया राजगृह निवासी एक गाथा-
पति जिसने कि महावीर स्वामी से दीक्षा ली,
ग्यारह अंग पडे, गुणरयण नामक तप किया
और सोलह वर्ष तक प्रवज्या का पालन कर
विपुल पर्वत पर मोक्ष पद प्राप्त किया name
of a householder residing in
Rājagriha, who took Diksā
from Mahāvīra Svāmī, studied
11 Aṅgas, practised Guṇa-
yana penance, observed asce-
ticism for 16 years and attained
salvation on the Vipula mount
अत० ६, २;

किंकर. पु० (किंकर) अनुयर, सेवक, लृत्य;
दस याडर नोकर, सेवक A servant,
an attendant नाया० १, जीवा० ३, ४,
पञ्च० २; ओव० ३१ राय० ६६; भग० ११, ११,
किंगिरिड पु० (किङ्किरीट) त्रलुध्रियवाला
जवनी ओड जल. तेडन्द्रिय जीव, तीन
इन्द्रियों वाला जीव A kind of senti-

ent being with three senses
किंच. अ० (किञ्च) अने, वली. और And,
moreover. भग० १८, ८,

किंचण अ० (किंचन) डंछपण, डंछड कुछ;
कुछभी. Anything, something. सूय०
१, १, २, १४, (२) न० द्रव्य, परिशुद्र द्रव्य
का ग्रहण करना wealth; worldly
possessions विशेष० १४५१, उत्त० ३२,
८, सूय० २, १, १४;

किंचि अ० (किञ्चित्) डियितमात्र, डंछड कुछ;
किंचित् मात्र A little, something;
something at least. “ किंचि बहुयं
चथोवंच ” परह० १, ३, जं० प० ७, १३०;
जं० प० दसा० ६, ३५, ७, २६, भग० २, १;
८, ८, ३; २०, ६, २५, ७, ३०, १, नाया० ५, ८,
ओव० १६, ३८; उत्त० १, १४; पिं० नि०
१००, उवा० ६, १७० गच्छा० १; प्रव० १४७,
—काल न० (—काल) थोडाकाल, थोडा
वपत थोडा समय. a little time,
some little time भग० १, ७, नाया०
१६,—विसेसाहिय त्रि० (—विशेषाधिक)
जरा वधारे; थोडुं अधिक कुछ ज्यादा a
little more, somewhat more
भग० २, ८, —साहम्म न० (—साधर्म्य)
सहेज समान पाणु, डंछड साधर्म्य कुछ
समानता, कुछ साधर्म्य भाव a little
affinity, possession of common
qualities to a little extent.
अणुजा० १४७;

किंचिमेत्त त्रि० (—किञ्चित्मात्र) डियित
मात्र कुछ, किंचित्मात्र. a little, very
little, only a little विशेष० ३११,
किंतु अ० (किन्तु) पणु, विशेषता अतायव ने
आ अन्यय वपराय छे भी, किन्तु, परन्तु.
But, (an adversative conjunc-
tion). विशेष० १५३.

किंथुग्व. पु० न० (किंस्तुम्भ) दरेड मासना शुक्ल पक्षना पञ्चमिने दिवसे आवतु, यार थिरडरुणुमानुं योथुं डरुणु, ११ डरुणुमानुं ११ भु डरुणु प्रत्येक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन होने वाले चार स्थिरकरणों में का चौथा करण, ग्यारह करण में का ११वा करण. The last of the eleven Karanas, the last of the four Thira Karanas falling on the first day of the bright half of each month जं० प० ७, १५३,

किन्नर पुं० (किन्नर) किन्नर ज्ञातना व्यन्तर देवता किन्नर जाति के व्यन्तर देव A kind of Vyantara gods known as Kinnaras नाया० १, १६, भग० ३, ८, सम० ३४, ओव० २४, ठा० २, ३, राय० ४३, जीवा० ३, ४, अणुजो० ४७, उत्त० ३६, २०५, (२) यमरेन्द्रना रथनी सेनातो उपरी चमरेन्द्र की रथसेना का मुख्याधिकारी the commander of the army of chariots belonging to Chamarendra ठा० ५, १, —संठिय त्रि० (—संस्थित) किन्नर देवता आशरवाणो किन्नर देव का आकार वाला. (one) possessed of the form of a Kinnara god भग० ८, २,

किन्नरकंठ पु० (किन्नरकण्ठ) ओड ज्ञातनु रत्न. एक प्रकार का रत्न A kind of jewel or gem राय० १२१,

किन्नरी स्त्री० (किन्नरी) ओड स्त्री के जेने क्षीधि युद्ध थयु डतु. एक स्त्री जिसके लिये कि युद्ध हुआ था Name of a woman who was the cause of a battle. परह० १, ४,

किंपाग न० (किंपाक) डि पाड वृक्ष, ओड अरी इलवाडु वृक्ष किंपाक वृक्ष, एक जहरी फल वाला

वृक्ष A kind of tree with poisonous fruits; the Kimpāka tree उत्त० ३२, २०; तदु० ओव० १४, —फल न० (—फल) डि पाड वृक्षनु इल, स्वादे मधुर पणु परिणामे अरी ओड इड. किंपाक वृक्ष का फल, स्वाद में मीठा परन्तु परिणाम में जहरी फल a fruit of a Kimpāka tree sweet in taste but poisonous तदु० किंपि. अ० (किंपि) डरुड, डाडपणु कुछ भी Something, something at least; a little पि० नि० भा० ३६, सु० च० १, २३४, नाया० १,

किंपुण अ० (किंपुनर) तेमा तो इडेयुज थुं ओवी महत्तावालो निश्चय दर्शावामा ओते उपयोग थाय छे. इसमें तो कहना ही क्या, इस प्रकार महत्तावाला निश्चय प्रगट करने में इस शब्द का उपयोग होता है A phrase meaning, " it goes without saying " गच्छा० ६५, नाया० १४,

किंपुणो. अ० (किंपुनर) जुओ " किंपुण " शब्द देखो " किंपुण " शब्द Vide " किंपुण " दस० ७, ५,

किंपुरिस पु० (किंपुरिष) डि पुरुष देवता, व्यन्तरदेवतानी ओड ज्ञात व्यन्तर देवों का ' किंपुरिष ' नामक एक भेद. A species of Vyantara gods भग० २, ५, ३, ८, १०, ५, नाया० १६, परह० १, ४, जीवा० ३, ४, अणुजो० ४७, सम० ३४, ओव० २४, उत्त० ३६, २०५, ठा० २, २, ३, पन्न० १ २, प्रव० ११४४, (२) वैरोचन धरना रथनी सेनातो अधिपति वैरोचन इन्द्र के रथ की सेना का अधिपति name of the commander of the army of chariots of Varochana India ठा० ५, १, —संठिय त्रि० (—संस्थित) डि पुरुष देवने आशरे ओड किंपुरिष देव

के आकार का having a shape of
a Kimpurusa kind of gods भग०
८, २,

किंपुरिसकठ पु० (किम्पुरुषकठ) ओ३ णत-
नु रत्न एक जाति का रत्न. A kind of
gem राय० १२१,

किंवहुणा अ० (किम्बहुना) वधारे शुं ?
ज्यादह क्या ? What more ? What
is the use of adding more ?
नाया० १, भग० ६, ३३,

किसय त्रि० (किम्मय) स्व३प डे प्राधान्य
विषयक प्रश्नार्थमा वपरानुं आनु शुं स्व३प
छे डे आमा प्रधानपणु शुं छे ओवा प्रश्ना-
थमा आ ३प वपराय छे प्रश्नवाचक वाक्य
मे उपयोग म आनेवाला शब्द. A form
of interrogation meaning
“ What is the essential or
prominent feature of this ? ”
भग० १६, ७,

किमूलय त्रि० (किमूलक) ड्या भूतवाणु ?
इनका मूल क्या ? Originating in
what ? नाया० ८;

किवा. अ० (किवा) अथवा अथवा, या
Or, an alternative conjunction
विशे० १२०, नाया० १. ५. भग० ३, १,

किंसुअ-य पु० (किशुक) डेशुडानु अ३.
आभरान वृक्ष केश का वृक्ष, टेन् का झाड़
A kind of tree bearing red
flowers जं० प० श्रोत्र० १३, अणुजो०
१२ भग० २. १, ३, २. नाया० १; ८ ६,
जावा० ३, १; राय० ५३, कप्प० ४ ६०

किंसुग्घ पु० न० (किंसुघ्न) लुओ “ कि-
त्थुग्घ ” शब्द देखो “ कित्थुग्घ ” शब्द

Vide “ कित्थुग्घ ” विशे० ३३५०;

किच्च न० (कृत्य) कृत्य० कार्य, प्रयोजन
कृत्य, काय, काम Act, action. pur-
pose दम० ७, ३६. ६, २, १६, भग० १,
१०; ३, १ १३, ८, सूय० २, ४, ८; उत्त०
१, ४४, नाया० ३, १४, सु० च० ३, ६६,
विशे० ३४६४, व० प० २, ७५, प्रव० २००,
(२) कृति-वन्दनाने लायक-गुरु, आचार्य
वगैरे कृति अर्थान् वदना के योग्य गुरु
आचार्य आदि worthy of salutation
e g. a preceptor etc उत्त० १, १८,
(३) पयन पायनादि क्रिया पचन पाचनादि
कृत्य process such as that of
digestion etc सूय० १ १, ४, १
— गय पु० (-गत) कार्यमा तत्पर
कार्य मे तत्पर busily engaged in
work भग० ३, ५

किच्चण न० () धोवु धाना Wash-
ing ओघ० नि० १६८.

किच्चाकिच्च न० (कृत्वाकृत्य) कृत्याकृत्य.
कार्य अने अकार्य कर्म और अकर्म Act
to be done and act not to be
done. दसा० ६, ३१,

किच्छ. न० (कृच्छ) डष्ट, मुडेशी कठिनाई,
कष्ट Difficulty, trouble जं० प०
सु० च० ६, ७५, भग० ७, ६, नाया० ८,
विशे० २२८६ — ण्य पु० (-आत्मन्)
डष्टयुक्त आत्मा कष्ट महित आत्मा a
troubled soul नाया० ८ जं० प० ३, ५६,

किज्ज त्रि० (क्रय) भरीदवाने योग्य खरीदने
के योग्य Fit for purchase, worthy
of being purchased दसा० ७, ४५

किट्ट वा० I, II. (कृत्) डीर्घान् ड्यु;

१७॥७७७ कीर्तन करना, कथन करना To
praise, to glorify; to sing the
praise of
किट्टेइ भग० २, १, नाया० ०,
किट्टेइ आया० १, ५, ४, १५८,
किट्टेमि. सूय० २, १ ११,
किट्टे विवि० आया० १, ६, ६, १६४, सूय०
२, १, ५७,
किट्टित्ता म० कृ० नाया० १,
किट्टित्ता म० कृ० उत्त० २६, १, नाया० १,
किट्टिया सं० कृ० वव० ६, ३७,
किट्टित्तणु हे० कृ० वेय० ३, २०;
किट्ट पु० (किट्ट) दोढानो डट लोहे का जग
Iron-just आया० २, १, १, १,
—रासि पु० (-राशि) दोढानो डटनो
दगदो लोहे के जङ्ग का ढेर. a heap of
iron-just "अट्टरासिसि वा किट्टरासिसि
वा" आया० २, १, १, १,
किट्टकरणद्धा छी० (किट्टिकरणद्धा) सज्ज-
वन दोढनी प्रथम स्थितिना त्रयु लाग
डरीअे तेमाना भीज्ज त्रिभागनी सज्ज डिट्टि
डरणाद्धा छे सज्जवन लोभ का प्रथम
स्थिति के तीन भाग में से दूसरे विभाग
की सज्ज किट्टिकरणद्धा कहलाती है
Name of the 2nd of the three
divisions of the first stage of
the kind of greed known as
Sañjvaṇṇa Lobha क० प० ५, ४६;
किट्टि छी० () सूक्ष्म सूक्ष्म Fine
as opposed to gross प्रव० ७१२,
क० प० ३, १०,
किट्टिअ-य. त्रि० (कीर्त्तित) वणु वेजु, भण-
वेजु. कहा हुआ, चर्चित, वर्णन किया हुआ

Described ' एव मे अट्टकिट्टियमेव
धम्म " आया० १, ८, ५, २१७, मय० २,
१, ११, ठा० ७, १०,
किट्टिक पु० (किट्टिक) अेड जतनी वन
रूपति एक प्रकार की वनस्पति A kind
of vegetation भग० २३, १,
किट्टिकर त्रि० (कीर्त्तिकर) धीनिनु गान
डरना२. कीर्त्तिका गान करने वाला (One)
that sings glory ओव० ३१;
किट्टिया छी० (कीट्टिका) अेड जतनी
साधारण वनस्पति एक प्रकार की साधारण
वनस्पति A kind of ordinary
vegetation पञ्च० १ भग० १, २;
जीवा० १,
किट्टिस न० () अेवणु जतना वागना मिश्र-
णुथी अनेजु सूत्र दो तीन जातिके बालों के
मिश्रण से बनाहुआ सूत्र बागा. A rope
or thread formed by twisting
together horse hair or hairs
of different kinds अणुजो० ३७,
किट्टी छी० (किट्टी) अेड जतनी वनस्पति
एक प्रकार की वनस्पति A kind of
vegetation पञ्च० १
किट्टि पु० न० (कृष्टि) इष्टिनामनु त्रीज्ज
योथा देवलोकनु अेड विमान कृष्टि नामक
तीसरे चाथे देवलोकका एक विमान Name
of a heavenly abode of the
third and fourth Devaloka म० ४
किट्टिकूड पु० न० (कृष्टिकूड) इष्टिकूड
नामनु त्रीज्ज योथा देवलोकनु अेड विमान
कृष्टिकूड नामक तीसरे चाथे देवलोकका विमान
A name of a heavenly abode of
the third and fourth Deva-

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी छुटनोट (*). देखो पुष्ट नम्बर १५ नी छुटनोट (*) Vid.
foot-note (*) p 15th

lokas. सम० ४;

किट्टिघोस. पु० (कृष्टिघोष) कृष्टिघोष नामनु
त्रीन् योथा देवलोडनु ओड विमान. कृष्टि
घोष नामक तीसरे चौथे देवलोक का विमान
Name of a heavenly abode of
the thud and fourth Deva-
lokas सम० ६.

किट्टिजुत्त पु० (कृष्टियुक्त) ओ नामनु त्रीन्
अने योथा देवलोडनु ओड विमान तीसरे
आर चौथे देवलोक क विमान का नाम
Name of a heavenly abode
of the thud and fourth Deva-
lokas सम० ४,

किट्टिज्झय पु० (कृष्टिध्वज) कृष्टिध्वज
नामनु त्रीन् योथा देवलोडनु ओड विमान
तीसरे आर चौथे देवलोक के एक विमान का
नाम Name of a heavenly abode
of the thud and fourth Deva-
lokas सम० ४,

किट्टिप्पम पु० (कृष्टिप्रभ) कृष्टिप्रभ नामनु
त्रीन् योथा देवलोडनु ओड विमान तीसरे
चौथे देवलोक के एक विमान का नाम.
Name of a heavenly abode of
the thud and fourth Deva-
lokas सम० ४,

किट्टियापत्त पु० (कृष्टिकापत्र) कृष्टिकापत्र
नामनु त्रीन् योथा देवलोडनु ओड विमान
तीसरे चौथे देवलोक के एक विमान का नाम
Name of a heavenly abode of
the thud and fourth Deva-
lokas. सम० ४

किट्टिलेस्स. पु० (कृष्टिलेश्य) कृष्टिलेश्य नामनु
त्रीन् योथा देवलोडनु ओड विमान तीसरे
चौथे देवलोक के एक विमान का नाम
Name of a heavenly abode of
the thud and fourth Deva-lo-

kas सम० ४,

किट्टिसिंग पु० (कृष्टिशृंग) कृष्टिशृंग नामनु
त्रीन् योथा देवलोडनु ओड विमान तीसरे
चौथे देवलोक के एक विमान का नाम
Name of a heavenly abode of
the thud and fourth Deva-
lokas सम० ४;

किट्टिसिद्ध पु० (कृष्टिसिद्ध) कृष्टिसिद्ध नामनु
त्रीन् योथा देवलोडनु ओड विमान तीसरे
चौथे देवलोक के एक विमान का नाम
Name of a heavenly abode of
the thud and fourth Deva-
lokas सम० ४,

किट्टुत्तरवाडिसग पु० (कृष्ट्युत्तरावतसक)
कृष्टिवातसक नामनु त्रीन् योथा देवलोडनु
ओड विमान तीसरे चौथे देवलोक के एक
विमानका नाम Name of a heavenly
abode of the thud and fourth
Devalokas. सम० ४.

किडिकिडिया स्त्री० (किटिकिटिका) दुर्बल
शरीर वाला माणसना मास विनाना दाड-
डाने उठता गेसना अवाज थाय ते दुर्बल
शरीर वाले मनुष्य के मास रहित हड्डियों का
उठने बैठने पर जो आवाज हो वह The
clacking sound made by the
bones of a fleshless weak
person, as he rises up or sits
down नाया० १, भग० २, १,

किडिकिडियाभूय त्रि० (किटिकिटिकाभूत =
किटिकिटिकाभूत प्राप्ता यः स किटिकिटिका-
भूत) ६३ ६३ अवाज ६२तु जिसकी हड्डियों
की उठने बैठने आवाज हो वह Making
a clacking sound विवा० २, भग० २, १.

किडिभ. पु० (किडिभ) श्रीश्रीआर. २१
चिऊटायां का घर An ant-hill, a
swarm of ants, ज० प० भग० ७. ६,

(२) ओङ्क नतनेो रोग एक प्रकार का रोग
a kind of disease भग० ७, ६,
किङ्का स्त्री० (क्रीडा) क्रीडा, रमत गमत, रति,
आनन्द क्रीडा, खेल, आनन्द, रति, विनादे
Sport, play, amusement. आया०
१, २, १, ६४, सूय० १, १, ३, ११, भग०
१३, ६, १४, २; पि० नि० ८८, ४२५,

किङ्काविया स्त्री० (क्रीडाकारिका) क्रीडा कराने-
नारी दासी क्रीडा कराने वाली दासी Amaid-
servant who makes one sport,
play or supplies with some
kind of amusement नाया० १६,

किङ्का पु० () ओङ्क नतनु वाशनु
दास, तापसनु ओङ्क उपकरण, डायाडनी ओ
याडुना डायाड एक प्रकार का वास का
वर्तन, तापस का एक उपकरण, कावड के
दोनों तरफ के छवडे. A sort of
vessel made of bamboo, a
vessel used by an ascetic,
the two flat baskets hanging
by a rope attached to the two
ends of a bamboo placed on the
shoulder भग० ७, ६, —पडिरूवग
त्रि० (—प्रतिरूपक=किठिन वशमयस्तापस-
सम्बन्धी भाजनविशेषः तत्प्राप्तिरूपके
किठिनाकारे वस्तुनि) डायाडनी आशरनी
परतु कावड के आकार की वस्तु An
object having the shape
of a wooden pole resting
on the shoulders with two
baskets hanging at each end
भग० १, ६; —संकाईय न० (—साङ्का-
यिक = किठिन वशमयस्तापसभाजन

विशेष ततश्च तयो साङ्कायिकं भारोद्धहन
यन्त्र किठिनसाङ्कायिकम्) डायाड कावड.
A contrivance consisting of
a long piece of bamboo with
two vessels suspended one at
each end, by means of ropes.
The middle part of the bamboo
rests on any or both of the
shoulders भग० ११, ६,

किङ्का न० (क्रयण) खरीदने ते खरीदना.

Act of purchasing. सु०च० २, ४४५:

किङ्का न० (किङ्का) ओङ्क नतनु वाशनु
एक प्रकार का वाजा A kind of
musical instrument ज० प०

किङ्का स्त्री० (किङ्का) ओङ्क नतनु
वाशनु एक प्रकार का वाजा a kind of
musical instrument राय० ८८,

किङ्का अ० (किम्) ड्यु शु. कौनसा क्या
What, a particle showing in-
terrogation नाया० १, २, ३, ७, ८,
६, १६, भग० ३, २, १३, ५, उवा० ३, १३६,

किङ्का त्रि० (कीर्ण) आशीर्ण, व्याप्त
फेलाया हुआ, व्याप्त Scattered over
with, full of नाया० ५, उवा० २, ६४,

किङ्कामुड पु० (कीर्णमुड) ओङ्क नतनु
वाशनु एक प्रकार का वाजा A kind of
musical instrument जीवा० ३, १,

किङ्कार पु० (किङ्कार) व्यन्तर नतना देव-
ताओनी ओङ्क नतन व्यन्तर जाति के देवों की
एक जाति A species of gods
known as Vyantara gods पञ्च० १,
१, ओव० परह० १, ४, नाया० ८, भग०
२, ५, १०, ५, कप्प० ३, ४४, ज०प० ५, ११५;

किरणाइ. अ० (किञ्चित्) इथित कुछ,
किञ्चिन्मात्र Very little: only a
little पि० नि० ६४३,

किरहा पु० (कृष्ण) क्षणो ग काला रंग
Black colour (२) क्षण रंगनु; श्याम
काले रंग का. श्याम black. भग० १२,
६; १५, १; नाया० १, ६; १०; १३, १५; १७;
राय० ४७, अणुजो० १३१; आया० १, ५,
६, १७०, ठा० १, १; उत्त० ३६ १६; सू० प०
२०, आ० प० १, प्र० १२२६, क० गं०
१, ४०, क० ५, ४५; जं० प० ४, ७६.
२, १६, नि० ३, २ (३) पुं० कृष्ण नामना ६ मा
वासुदेव कृष्ण नाम के ६ वें वासुदेव the
१th Vāsudeva named Kṛṣṇa
नि० ५, १० (४) कृष्णपक्ष, अंधारीयुं
कृष्णपक्ष the dark half of a
month पचा० १६, २०, —आभास
त्रि० (—आभास) कृष्ण रंग जेनुं देखातुं;
क्षणी प्रभा काले रंग के समान दौखता हुआ;
काली प्रभा. appearing blackish,
black lustre. नाया० ७, ६; नि० ३, २;
—आभास. पु० (—अवभास) क्षणी प्रभा.
काली प्रभा black lustre नाया० १;
भग० १३, ६, १५, १. —केसर. पुं०
(—केशर) क्षणी देशर कालो केशर black
saffron पचा० १७, राय० —पडिवकन पु०
(—प्रनिषन) अंधारीयुं पञ्चमासीयुं कृष्णपक्ष
the dark half of a month पचा०
१६, २०; मिग पुं० (—मृग) क्षणीयार भृग,
क्षणीयार कृष्ण मृग, काला हिरन a black
deer आया० २, ५, १, १४५; —लेसा.
स्त्री० (लेश्या) कृष्ण लेश्या कृष्ण लेश्या
black thought tint or matter-
tint प्र० ११७३; —लेस्सा स्त्री० (—लेश्या)
कृष्ण लेश्या black tint,
black thought-tint or matter-

tint भग० १, १; उत्त० ३४, ४, प०
१७, —सर्प पुं० (—सर्प) क्षणी सर्प.
काला साप. a black serpent. भग०
८३; —सुत्तग न० (—सूत्रक) क्षणी रंगनुं
सूत्र काला सूत; thread of a black
colour भग० १६, ६;

किरहापडल. न० (कृष्णपटल) ओ नामनी
साधारण वनस्पति इम नाम की एक साधा-
रण वनस्पति Name of an ordinary
kind of vegetation पचा० १;
किरहापत्त पुं० (कृष्णपत्र) आर इन्द्रियवाणे
ओ ४१ चार इन्द्रियों वाला एक जीव. A
four-sensed living being पचा० १,
किरहासिरी स्त्री० (कृष्णश्री) ४६ यक्षवर्तनी
कृष्णश्री नामनी श्री छठवें चक्रवर्ती की
कृष्णश्री नामक स्त्री. Name of the
wife of the sixth Chakravartī.
सम० प० २३४;

किरहा स्त्री० (कृष्णा) मेरुना उत्तरमा आ-
वेनी रक्ता नदीमा जलने मगती ओ ६ नदी.
मेरु की उत्तर दिशामें स्थित रक्ता नामक
नदीमें जाकर मिलने वाली एक नदी Name
of a river flowing into the
river Raktā in the north of
Meru ठा० ५, ३, १०; (२) कृष्ण लेश्या
क्षणीमा क्षणी इमेरुधु के लेना योगी
जलने दिवष्टमा दिवष्ट परिणाम थाय छे.
७ लेश्यामाती प्रथम लेश्या. कृष्ण लेश्या,
अत्यंत काजे वर्ण के स्कंध कि जिनके योग से
जीव को अत्यंत दोन और कठोर परिणाम हो
blackest Karmic molecules
causing the direst results to
the soul, black thought-tint or
matter-tint क० ग० ४, १६; उत्त० ३४, २;
पि० नि० भा० ३०, (३) ओ ६ जलनी वनस्पति
एक प्रकार की वनस्पति a kind of

vegetation भग० २३, २, (४) दाणी प्रभा
काली प्रभा black lustie नाया० ७
✓ किञ्च धा० I (कृत्) गुणु कीर्तन करतु,
वभाणुवु स्तुति करपी गुण कीर्तन करना,
प्रशसा करना, स्तुति करना To sing the
merits of, to praise.

किञ्चइस्सामि अणुजो० ५९,

किञ्चयन्त व० कृ० उत्त० २४, ६,

किञ्चण. न० (कीर्तन) वभाणु; प्रशसा,
स्तुति प्रशसा, स्तुति Praise, eulogy
विशे० ६४०, चउ० ३, नाया० १६, उवा०
७, २१६, पचा० १६, ३७,

किञ्चवीरिअ पु० (कीर्तिवीर्य) भरतनी गादीये
तेजवीर्य पछी आवेत्त तेनो पुत्र भरत की
गादी पर तेजवीर्य के पोछे बैठने वाला उस का
पुत्र The son of Tejavīrya who
succeeded the latter to the
throne ठा० ८, १,

किञ्चि स्त्री० (कीर्त्ति) दानादिभ्या उदारता
अनापवथी थयेत्त कीर्त्ति, प्रसिद्धि, यश,
आपद् दानादि में उदारता प्रगट करने से जो
कीर्त्ति प्रसिद्धि, यश अथवा प्रतिष्ठा हुई हो
वह Fame, reputation, glory
arising from charity etc
“ किञ्चि वन्न सह सिलोगट्ठयाण् ” दस० ६,
४, २, ३, ६, २, २, उवा० २, ६५, सूय०
१, ६, २२, ओव० ३१, उज्ज० १, ४५,
भग० १४, ५, १५, १, १६, ६, पि० नि०
५०६, ६८७, नदी० २७, ओघ० नि० भा०
१४१, निर० ४, १, पन्न० २३,
प्रव० ४६६, (२) कीर्तिदेवीनी प्रतिभा
कीर्तिदेवी की प्रतिभा an image of
the goddess of fame भग० ११, ११
(६) कीर्तिदेवी, नीलवत पर्वतना देशरी
प्रहरी अधिष्ठात्री देवी कीर्तिदेवी, नीलवत
पर्वत के केशरी ब्रह्मकी अधिष्ठात्री देवी the

goddess of fame, the presiding
goddess of the lake named
Kేశari in the north of Nīla-
vanta mount, ठा० २, ३, ज० प० ४,
—कूड पु० (—कूट) नीलवत वपारा पर्वतना
नवकूटमातु पायमु कूट—शिखर नीलवत
वपारा पर्वत के नौ कूट में का पाचवा कूट
the 5th of the 9 summits of
the Nilavant Vaknāā mount
ज० प०—कर त्रि० (—कर) कीर्ति प्रगट
करनार, यश करनार कीर्ति प्रकट करने वाला,
यश करने वाला making famous,
giving fame कण्ठ० ३, १०,

किञ्चि स्त्री० (कृत्ति) चामडानो चोखडा इच्छे
डे ले भेसवाने पाथरवाना डामभा आवे ते
चमडे का चोखुटा टुकडा जो कि बैठने के काम
में आता है A rectangular piece
of leather used for sitting on
प्रव० ६८३

किञ्चिअ-य त्रि० (कीर्त्तित) वभाणुत्त प्रशसित,
कीर्त्तिप्राप्त Praised, famous ओव०
प्रव० २१३, ४७६, आव० २, ६, नाया० १६,

किञ्चिअ स्त्री० (कृत्तिका) कृत्तिडा नक्षत्र
कृत्तिका नामक नक्षत्र The constella-
tion named Kṛttikā अणुजो० १३१,

किञ्चिअदास पु० (कृत्तिकादास) कृत्तिडा
दास नामे डास भेड भाणुस कृत्तिका दास.
Name of a person अणुजो० १३१,

किञ्चिअदिण पु० (कृत्तिकादत्त) कृत्तिडा-
दत्त नामे भाणुस कृत्तिकादत्त नामक मनुष्य
Name of a person अणुजो० १३१,
किञ्चिअदेव पु० (कृत्तिकादेव) कृत्तिडा देव
नामने भाणुस कृत्तिका देव Name of
a person अणुजो० १३१,

किञ्चिअधम्म पु० (कृत्तिकाधम्म) कृत्तिडाधम्म
नामने भाणुस कृत्तिका धम्म नामक मनुष्य

A person so named अणुजो० १३१;
कित्तिआसम्म पुं० (कृत्तिकाशर्मन्) कृत्तिका
शर्मा, नक्षत्र योगथी भाणुसनुं नाम कृत्तिका
शर्मा A person so named after
the constellation called Krittikā
अणुजो० १३१,

कित्तिआसेण पुं० (कृत्तिकासेन) कृत्तिकासेन,
कृत्तिका नक्षत्र योगथी भाणुसनुं पडेवु नाम.
कृत्तिका मेन A person so named
after the constellation called
Krittikā अणुजो० १३१,

कित्तिकम्म न० (कृत्तिकर्मन्) वन्दन वदन
(नमस्कारादि कर्म) Salutation, obei-
sance to a preceptor etc वेय०
३, १८,

कित्तिम त्रि० (कृत्रिम) अनायडी, डोभये
डरेवु बनावटी, किसी का बनाया हुआ
Artificial, made by somebody
सूय० २, १, २२, गणि० ७५, ज० प० १, १२;

कित्तिय त्रि० (कियत्) डेटवु कितना
How much “ कित्तिया मिद्धा ” वव०
२, तदु० विशेष० १३४८,

कित्तियमित्त त्रि० (कियन्मात्र) डेटवु
कितना How many, how much
सु० च० ४, २४१.

किन्नर पु० (किन्नर) किन्नर जन्तना देवता,
व्यंतर देवतानी ओड जन्त किन्नर जाति के
देवता, व्यंतर देवता की एक जाति A kind
of Vyantara gods प्रव० ११४४,
(२) धर्मनाथजना यक्षनुं नाम धर्मनाथजी
के यज्ञ का नाम name of the Yaksa
of Dharmanāthaji प्रव० ३७६.

किन्ह पु० (कृष्ण) कृष्ण वासुदेव कृष्ण वासुदेव
Kṛṣṇa Vāsudeva प्रव० १२८, (२)
त्रि० डोणु, डोणा ग्गनु काला. काले रंग
का. black भक्त० ६१; —सण्ण पुं०

(-सर्प) डोणो नाग, डोणो सर्प. काला नाग,
काला सर्प A black serpent भक्त० ६१,
किच्चिस त्रि० (किल्विप) णीभत्स, णीडामणु
वीभत्स, भयानक. Flightful, ob-
scene; sinful. सूय० २, ३, २१; भग०
१, ७, १२, ५, उत्त० ७, ५, (२) डिडिअप,
भाणानु पर्यायि नाम, पाप पाप, मायाका
पर्यायवाची नाम sin, deceit सम० ५२,
परह० १, २, भग० १२, ५,

किच्चिसत्त न० (किल्विपत्त) असुरभाव,
असुरपणु असुरभाव Devilishness,
fiendishness परह० २, २,

किच्चिसिअ-य पुं० (किल्विपिक) हलडी
जन्तना देवतानी ओड जन्त यण्डाल जेवा
देवतानी ओड जन्त नीची जाति के अधम
देवों की एक जाति, चाडाल के समान देवों की
एक जाति A kind of lower gods
performing the meanest action
भग० ६, ३३, दसा० १०, १, ओव० ४१,
सूय० १, १, ३, १६, २, २, २१, ठा० ३
४, प्रव० ६५०, (२) णीजने हसाडनार,
विदूषक दूसरे को हसानेवाला, विदूषक a
buffoon, a fool ज० प० ३, ६७, ओव०
३२, (३) अतुविध संघ तथा जानादिनु
अवर्णवाद भोडनार (साधु). चतुर्विध सघ
तथा जानादिका अवर्णवाद बोलनेवाला (साधु)
(an ascetic) defaming the four-
fold Sangha, and knowledge
etc. भग० १, २, पन्न० २०, —भावणा स्त्री०
(-भावना) शुशनिन्हा, शुश्रेहा वगेरे दुर्गुणो
डे जेथी डिडिअपि जन्तना देवताभा उत्पन्न
थन पडे ते गुरुनिन्दा, गुरुद्रोह आदि भाव-
नाए जिसके कारण किल्विपिक जाति के देवों
से उत्पन्न होना पडे offences such as
censure, treason etc towards a
preceptor which cause a person

to take birth among the Kilbisa kind of gods उत्त० ३६, २५४,
किंविषयिता स्त्री० (किंविषयिकना) द्विदिश्य
देवपुत्र किंविष देवपुत्र State of be-
ing one of the Kilbisa kind of
gods भग० ६, ३३,

किमग अ० (किमङ्ग) ' द्विभंग पुण्य ' ओ
विशेषार्थ अतापनार वाङ्मया सहयोगी तरीके
वपरातु अव्यय ' किमगपुण्य ' यह विशेषार्थ
वतलाने वाले वाक्य में सहयोगी तरीके
काम में आने वाला अव्यय A kind
of conjunctive phrase meaning
" What else should be told ?"
नाया० २, १६, भग० ८, ५, —पुण्य अ०
(-पुनः) शु डहेवु ? तेमा तो डहेवु शु ?
अथवा सामान्य आभ छे विशेष बात तो
शु डरवी ? क्या कहना ? उसमें तो कहनाही
क्या ? अथवा सामान्य बात तो यह है और
विशेष बात तो क्या करना ? it goes
without saying, or, what more?
ओव० २७, नाया० १, भग० २, ५, ६, ३३
१३, ६, १५, १,

किमहुं अ० (किमर्थम्) शा भाटे किस लिये
Why ? wherefor ? भग० १, ९,

किमि पु० (कृमि) ओड नतने डोडे
डरभीयो जीव, जन्तु कीड़ा, कृमि A
kind of worm or insect विवा० १,
नाया० १, सूय० १, ५, १, २०, राय० २५५,
उत्त० ३६, १२७, (०) लाय लाख lac
used in dyeing etc. पन्न० १७,
(३) ओड नतनु डे एक प्रकार का कद.
a kind of bulbous root जीवा० १,
—कवल न० (-कवल) डरभीयातो डवल-
डोणीओ. कृमि का कौर-कवल a mouth-
ful of a worm or of worms विवा०
८, —जालाडल त्रि० (-जालाकुल)

डरभीयाना समूहथी व्याकुल कृमि-कीडों के
समूह से व्याकुल full of swarms of
worms नाया० १२,

किमिच्छिय न० (किमिच्छक) "आ थीछे ?
आ छे ?" ओम छच्छा प्रमाणे भागी लेवु ते,
साधुना ५२ अनाथीणु भातु ओड "यह चीज
है ? यह है ?" इस प्रकार माग लेना, साधू के
५२ अनाचर्ण में से एक Accepting as
alms various things after asking
such questions as " have you
got this ? have you got that ?"
etc., one of the 52 Anachāranas
of a Sādhū दम० ३, ३, नाया० ८,

किमिण त्रि० (कृमिवत) कृमि एव युक्त.
कृमि सहित, कीड़े वाला Containing
worms & sentient beings
परह० ७, ३, नाया० १२,

किमियकवल पु० (कृमिक कवल) डरभीयातो
डवल-डोणीओ कृमि कवल, काडों का कौर
A mouthful of worms, or of a
worm विवा० ७,

किमिया स्त्रा० (कृमिका) जहरमा उत्पन्न
थाल जन्तु, पेटमें उत्पन्न होनेवाले कीड़े-कृमि
Worms produced in the stomach
जीवा० १

किमिराग न० (कृमिराग) द्विभंग २ गवाधु
सूत्र, लोही पाध छेरेड डीडनी लाणमाथी
लोहीना २ गवाधु अनेधुं सूत्र किमजी रग
का सूत, लोही पिला कर पाले हुए कांडों की
लार से लोही के रग का बना हुआ सूत A
Crimson-coloured thread pro-
duced from the saliva of a kind
of insect अणुजा० २, ७, (२) द्विभंगी
रग, ओड नतने पाडे २ ग किमची रग
एक जात का पक्का रग crimson colour,
a kind of fast colour राय० ५३

क० ग० १, २०; —कंबल पु० (—कम्बल)
 डीरभञ्ज २ गथी २ गेज डामण किरमजी रंग
 से रंगा हुआ कंबल a blanket of
 crimson colour नाया० १७, पन्न० १७;
 —रक्त. त्रि० (—रक्त) डिरमयना २ गथी
 २ गेज किरमची के रंग से रंगा हुआ
 crimson-coloured डा० ४, २,
 किमिराय. न० (कृमिराग) लुओ ' किमि-
 राग " शब्द देखा " किमिराग " शब्द.
 Vide " किमिराग " परह० २, ४.
 किमिरासि पु० (कृमिराशि) ओ नामनी
 ओड वनस्पति एक वनस्पति का नाम
 Name of a kind of vegetation.
 पन्न० १, भग० २३, ५,
 किमु अ० (किमु) गुं, प्रश्नार्थे क्या? A
 particle showing interroga-
 tion; what पि० नि० १२०,
 कियकम्म न० (कृतकर्मन्) कृतकर्म वंदना
 कृतकर्म वदन The Vandana (salu-
 tation and prayer to a Guru)
 styled Kūtakaṃma प्रव० ६२५,
 कियापर त्रि० (क्रियापर) डाय डरवामां
 तत्पर काम करने में तय्यार Devoted
 to business, (one) busily doing
 his work "मग्गणुसारि सङ्घो पयणवणिज्जो
 कियापरो चेव " पचा० ३, ६,
 किरि अ० (किरि) निश्चय, अरेअर. निश्चय,
 वास्तवमें Indeed, assuredly पि०
 नि० ६४२, विशेष० २६३, भग० ६, ७, सत्या०
 ० ज प० सु० च० २, ११: भत्त० १०८, क०
 ग० ४, ७८;
 किरण पु० (किरण) डिग्गु; तेज, प्रभा.
 किरण तेज, ज्योति. A ray of light
 light भग० ११, ११, ओव० १०: जीव० ३, ३,
 किराय पु० (किरात) डिगित नामनो ओड
 अनार्य देश. किरात नाम का एक अनार्य देश.

Name of an uncivilised country
 प्रव० १५६६,
 किरिकिरिया त्री० (किरिकिरिका) वाशनी
 अपाटथी वगाडवानु लाडलोडेनु ओड वागि
 वास की चिपाखी से बजाने का भाड लोगो का
 एक प्रकारका बाजा A musical instru-
 ment used by bards etc. played
 upon by passing a slip of bam-
 boo across its strings आया० २,
 ११, १६८,
 किरिमेर पु० (—किरिमेर) ओड लतनुं सुगंधी
 ओड एक प्रकारकी सुगंधित वस्तु A kind
 of fragrant substance जीवा० ३, ४,
 किरियतर पुं० (क्रियातर) मोटी क्रिया बड़ी
 क्रिया A great action भग० ५, ६,
 १३, ४,
 किरियाविसाल न० (क्रियाविशाल यत्र क्रिया
 कायिक्यादिका विशाला. समेदत्वेनाभिधी
 यन्ते तत्) ओ नामनो याद पूर्वमानो तेरमे
 पूर्व इस नाम का चौदह पूर्व में से तेरहवा पूर्व
 The 13th of the 14 Pūvas so
 named सम० १४;
 किरिया त्री० (क्रिया) डर्म अंधन हेतु.
 डायित्री आदि पांच क्रिया; डर्म अंधनती येश
 कर्म बंधन की कारण रूप कायिकादि पांच
 क्रिया, कर्म बंधन की चेष्टा Any of the
 five kinds of actions which lead
 to bondage e g bodily action
 etc ज० प० ७, १२८, ओव० २०, उत्त०
 १८, २३, भग० १, २, ६ १०. २, ५, ३,
 ३; ५, ६: १७, १० नाया० १ सूय० २, १,
 १७ २, ५, १०; आया० १, ६, १, १६; डा० सम०
 १ ५, विशेष० ३, ४६. ६४, निर्मा० ५, ६५,
 राय० २२४, पन्न० १, १७ २२, परह० २,
 २ सु० च० ६, ३. (२) प्रजापता सूयना
 वीरमा पन्नु नाम डे जेमा डायित्री आदि

पांच क्रियानुं वर्णन आपेक्ष छे प्रज्ञापना के बीसवे पद का नाम जिसमें कि कायाकी आदि पांच क्रियाओं का वर्णन है name of the 20th Pada of Prajñāpanā Sūtra describing the five kinds of actions viz. bodily etc. पञ्च० १, (३) आत्मा तथा परलोक छे ऐम माननुं ते आत्मा और परलोक का मानना belief in the existence of soul and unseen world प्रव० ५५७ भग० २५ ७, —द्वारा न० (-स्थान) क्रियानु स्थानक, क्रियाना तेर स्थानकमानु गमे ते ओइ क्रिया का स्थानक, क्रिया के १३ स्थानको मे से कोई भा एक. any of the 13 varieties of Kriyā i. e. action or source of Karma प्रव० ८३७, —द्वार. न० (-द्वार) क्रियानु द्वार-प्रकरण क्रिया का द्वार-प्रकरण the chapter on Kriyā प्रव० ३१६, —रुइ स्त्री० (-रुचि) क्रिया-अनुष्ठानमा इयि-धरुआ, समझितने ओइ प्रकार अनुष्ठान मे रुचि-प्रेम, सम्यक्त्व का एक भेद liking for, desire for Kriyā i. e. religious performance, one of the varieties of right belief उत्त० २८, १६, प्रव० ६७२, —वाइ पु० (-वादिन्-क्रियां जीवाजीवा-दिरथोऽस्तीत्येवरूपा क्रिया वदन्ति इति क्रिया वादिन०) क्रियानेअ मोक्षसाधक मानना२, क्रिया को मोक्ष दायक मानने वाला, क्रिया का अस्तित्व स्वीकार करने वाला one who accepts the existence of the soul etc as a cause of action टा० ४, ४, सूय० १, १, २, २४, —वादि पु० (वादिन्) लुओ "किरियावाइ" शब्द देखो "किरियावाइ" शब्द vide 'किरियावाइ' आया० १, १, १, ५, भग० ३०, १.

—विवाजिय पु० (-विवाजित) क्रियाथी रहित क्रिया से रहित devoid of action भग० ३०, १, —समय पु० (-समय) क्रिया करवाने समय क्रिया करने का समय the time for doing an action भग० १, १०,

किरियाठारा न० (क्रियास्थान-करणं क्रिया तस्या. स्थानानि भेदा तत् क्रियास्थानम्) सूयगडागसूत्रना भीम श्रुतमधुना भीम अध्ययननु नाम डे नेमा क्रियाना तेर स्थान-कानु विस्तारथी वर्णन छे मूत्र कृताग के दूसरे श्रुतस्कव के दूसरे अध्याय का नाम जिसमें तेरह स्थानकों का विस्तार पूर्वक वर्णन है Name of the 2nd chapter of the 2nd Śrūta Skandha of Sūyagadānga Sūtra, describing the 13 varieties of actions सम० २३, सूय० २, २, ८५, ८६,

किरियापद न० (क्रियापद) पन्नवणा मन्नु क्रियापदनुं नाम पन्नवना सूत्र के क्रियापद का नाम Name of the Kriyāpada of Pannavapā Sūtra भग० ८, ३,

किरियाविसालपुत्र पु० (क्रियाविशालपूर्व) क्रियाविशाल नामे तेरमे पूर्व क्रियाविशाल नामक तेरहवा पूर्व. The 13th Pūva named Kriyāviśāla नदी० ५६, प्रव० ७२४,

किरीड न० (किरीट) मुगट मुकुट A crown, a diadem सुच० १, १,

किल अ० (किल) निश्चय निश्चय Indeed, assuredly नाया० १६,

किलंजय पु० (किलिजक) वासनी सुडली डे नेमा गायने आणु आपवामा आवेछे ते वाम को दोपली जिममें कि गाय को भोजन दिया जाता है A basket of bamboo used for giving food to cows

राय० २७१, गवा० २, ६४.

किलंत त्रि० (क्लान्त) दुःअथी पीडित
दु खसे पीडित. Troubled, pained.
भग० १६, ४, १६, ३, सु० च० १०, ६५;
जीवा० ३, १, परह० १, ३; वेय० ३,
१६, नाया० १, कप्प० ६, ६१,

✓ किलाम. धा० II. (क्लम्) दुःअद्ध्यु,
दु ॥ आ० पवु दु.ख देना. To afflict, to
give pain; to trouble
किलामेइ. भग० १, ६,
किलावत्ति. पन्न० ३६;
किलामेमि दम० ५, २, ५;
किलामह भग० ८, ७;
किलाविज्जमाण क० वा० व० कृ० स्य०
२, १, ४८,

किलाम. पु० (क्लम) पीडा. पीडा; दु ख.
Affliction, pain; trouble. भग० १,
१; विशेष० २४०४, काय० ४; ७६, (२)
थाड थकावट. exhaustion, getting
tired राय० २३६;

किलामणा. स्त्री० (क्लमना) पीडा, दु.अ
पीडा, दु ख Misery; pain; afflic-
tion. भग० ३, ३;

किलामिअ त्रि० (क्लान्त) अशानि पामेधु;
मुशार्थ गयेधु मुरमायाहुआ सखाहुआ.
Tired; faded; dried अणुजो० १३०,
भग० ८, ७;

किलिंच न० (-) वासनी अयाट
वासकी चिंगलो A slip of bamboo.
निमी० १, २; दस० ४;

किलिट्ट त्रि० (क्लिट्ट) स डिवष्ट परिणामी;
राग द्वेपना परिणामयणो. संक्लिट्ट परि-
णाम वाला, रागयुक्त परिणामी. Troub-

led, agonised on account of
attachment, hatred etc. उत्त० ३२,
२७; क० प० ४, १६; (२) इदेशयुक्त;
दु ॥. क्लेशयुक्त, दु खी unhappy,
miserable सु० च० ३, १५६, (३)
अशुभ; दुष्ट. अशुभ, दुष्ट evil, wick-
ed. भत्त० ७८, पचा० ३ ४१, —कम्म
न० (-कर्मन्) डिवष्ट डर्म. क्लिट्ट कर्म
an action causing pain, sorrow
etc arising from anger, hatred
etc. भत्त० ७८, —भाव पुं० (-भाव)
डिवष्टभाव - परिणाम. क्लिट्ट परिणाम
state of being full of pain,
sorrow caused by attachment,
hatred etc नाया० १६, —सत्त पुं०
न० (-सत्त्व) इदेशी एव क्लेशा जीव
a sentient being full of trouble
or pain पचा० ३, ४१;

किलिट्टया. स्त्री० (क्लिट्टता) दुष्टपणुं दुष्ट-
पना State of being evil or
wicked पचा० १६, २५,

किलिण्ण. त्रि० (क्लिन्न) आर्द्र, लीतु
भीजा हुआ; गीला Wet, damp नाया०
१; उत्त० २; ३;

किलिन्न त्रि० (क्लिन्न) लुथो "किलिण्ण"
शब्द देखो "किलिण्ण" शब्द Vide
"किलिण्ण" उत्त० २, ३६,

✓ किलिस्स वा० I (क्लिश्) इदेशपामवु.
दु ॥ थवु क्लेश पाना, दु खी होना To
be miserable. to undergo
trouble or pain.

किलिस्सइ उत्त० २७, ३,

विस्सन्ति स्य० १, ३; २, १२;

किलिस्संत. व० कृ० पि० नि० १८८,
किलिस्स पु० (क्लेश) दु० अ, क्लेश. दु० ख,
क्लेश Misery, pain, trouble
नदी० १३,

किली स्त्री० (किली) शलाका, सड़ी; भीड़ी.
सलाई, खील A small rod, a small
nail, a thin blade of grass etc
भक्त० १०२,

✓किलेस् धा० I (किल्श) क्लेश उपपन्नवो,
परिताप-दु० अ उत्पन्न करुं क्लेश-दु० ख
उत्पन्न करना To cause trouble, to
give pain.

किलेसंति प्रे० आया० १, ६, २, १८४

किलेस पु० (क्लेश) क्लेश, दु० अ क्लेश,
दु० ख Trouble, pain मू० प० २०
पि० नि० १८८, नाया० १६, पचा० ४, २१,
—कर त्रि० (—कर) क्लेश करुना
क्लेश करनेवाला causing trouble,
troublesome भक्त० १२३,

किवण त्रि० (कृपण) दरिद्र, गरीब, बिभारी
कृपण, कजूस, दरिद्र, निर्धन Poor,
indigent, miserly, beggarly
ठा० ५, ३, अणुत्त० ३, १, भग० १, ६,
दस० ५, २, १०, ज० प० पि० नि० ४४६,
नाया० १४; आया० २, १, १, ७, काय०
२, १६, —कुल न० (—कुल) गरीब कुल,
गरीबनु कुल दारिद्र्य कुल, गरीब का कुल
poor family, indigent family ठा०
८, दमा० १०, १०, —पिड.पु० (—पिड) राक्षस
आपवातो भोजन रक के लिये रखा हुआ
भोजन Food to be given to the
indigent निसी० ८, १६,

किवणम त्रि० (कृपणक) कृपण कृपण
कजूस Miserly, stingy स्य० २,
२, ५४,

किवाण पु० (कृपण-कृपांनुदतीति) अणु,

तलवार तरवार. A sword ओव०
किविण त्रि० (कृपण) कृपण, गरीब, राक्ष.
निर्धन, दरिद्र Poor stingy, miserly

पणह० १, १, नाया० १३, मु० च० १, १५४,

✓किस ना० वा० I (कृश) पातल-दु० अणु
करुं पतला-दुबला करना To render
weak, slender or emaciated

किमण सूय० १, २, १, १४,

किस त्रि० (कृश) पातल, दु० अणु, निर्धन
पतला, दुबला, कमजोर Weak feeble,
slender उवा० १, ७२, ठा० ४, २, स्य०
१, १, १, २, १, २, १, ६, उत्त० २, ३,
आया० १, ६ ३, १८६, पि० नि० २६२,
भग० २, १, नाया० १, ५, —उयर त्रि०
(—उयर) दु० अणु-पातल पेटवाला दुबले
पेटवाला (one) with a slender
belly सु० च० २, ८६,

किसलय पु० (किमलय) पत्राक्षर, शीला,
दु० अणु. कौपल A tendril, a sprout-
ing leaf ज० प० ओव० राय० ११४,
जीवा० ३, ४, “सर्वो वि किसलयो खलु,
उगममाणो अणुत्तरो भणुत्तो” पत्र० १.
—पत्र न० (—पत्र) उगममाणो पत्र-
नीक्षणु क्षमण पादु -श्रीमी किसलयरूप
पत्र निकलता हुआ कोमल पत्र-टहनी a
sprouting, tender leaf प्रव० २४०,

किसि स्त्री० (कृषि) भेतीवाड़ी, भेतीधर्म
रेती Agriculture ठा० ४, १, पि०
नि० ४३८, ज० प० मु० च० १२, ५६,
विशे० १६१५, पचा० ८, ४५ —कर्म
न० (—कर्म) भेतीनु क्षम काष्ठकारी
agriculture पचा० ४, ४,

किसोर त्रि० (किशोर) किशोर अवस्थावाला
किशोर अवस्था, बाल्यावस्था Young
adolescent ओव० नि० ६६

किह अ० (क) भ्या ? उपदेशाणे Where ?

at what place ? भग० २, १, ३, २,
किहं अ० (कथम्) डेम ? डेवी रीते ? क्यो ?
क्या ? How, why. विशेष० १३५, १४५,
पि० नि० भा० ३६, नाया० ७; भग० २, १;
“मे काहेवा किहंवा केवाचिरेण वा किहं वत्ति”
भग० ३, २;

कीअ त्रि० (क्रीत) वेयातुं दीधेयु. मोल
लिया हुआ खरीदा हुआ. Bought,
purchased. पंचा० १३, ५;

कीड. पु० (कीट) अंतु, डीडो जनु, कीड़ा.
An insect; a worm उत्त० ३, ४,
३६, १४६, दम० ४, ओष० नि० ७३५,
मृय० २, ६, ४८, परह० १, ३.

कीडय न० (कीटज) डीडानी लागथी उत्पन्न
थनु सूत्र कीडा की तारसे उत्पन्न सूत्र A
thread produced from the
saliva of an insect “ कीडय पच-
विहपरणत्तं तं जहा पट्टेमलण् अंसुण् चीणंसुण्
किमिरागे ” अणुजो० ३७,

कीडा छी० (क्रीडा) रमत गम्मत खेल,
विनोद Sport play भग० ११, ६;
उत्त० १, ६, नाया० १, उवा० १, ४८;
(२) भाणुसनी दश दशाओ पैडी थीउ
दशा मनुष्य की दस दशाओ में से दूसरी
दशा. the 2nd of the ten condi-
tions of men तदु० —कारी. छी०
(-कारिणी) डीडा डरावतारी दासी कीडा
कराने वाली दासी a maid-servant
who causes to play or sport
भग० ११, ११.

कीणास पुं० (कीनाश = कुत्सितं नाश-
यतीति) यमराज. यमराज. The god
Yama the god of death सु० च०
५, १७१;

कीव न० (क्लीव) डाय० नपुंसक, नामर्द.
कायर, नपुंसक; नामर्द A cowardly

fellow; an impotent person
उत्त० १६; ४१; सूय० १, ३, १, १७,
जीवा० ३, ३; ठा० ३, ४, क० गं० ४, ४२; सु०
च० ६, ११८, वेय० ४, ४, नाया० १, भग० ६,
३३, प्रव० ७६७, (२) ओड अतनु पक्षी
एक जातका पक्षी a kind of bud
परह० १, १, (३) डडीवडुमार क्लीव-
कुमार Klīvākumāra. नाया० १६,

कीय त्रि० (क्रीत = क्रियते स्मार्थदानेन
गृह्यते स्मेति क्रीतम्) भरीदियुं, वेयातु दीधेयुं
खरीदा हुआ. Bought; purchased
आया० १, ८, २, २०२, २, ५, १,
१४४, दम० ६, ४६; सम० २१, दसा० २,
७, निसा० १४, १, १८ २; १६, १,
(२) साधुने भाटे आहारादि वेयातु लभने
आपवाधी लागतो ओड दोष, १६ उद-
गमनमानो आहमो दोष. साधुको आहारादि
खरीद कर देने में जो दोष लगता है वह; १६
उद्गमनों में का ८ वां दोष the 8th of
the 16 Udgamana faults
viz giving food etc. to a
Sādhū after purchasing it
प्रव० ५७२, पि० नि० ६२, ३०६, भग०
६, ३३, —कड त्रि० (-कृत = क्रीतेन
क्रयेण कृत निष्पादितं क्रीतकृतम्) साधुने
वास्ते अगाडिथी वेयातुं लभ राभेव माडु
के लिये पहले से खरीद कर रखा हुआ. pur-
chased beforehand for a Sādhū
परह० २, ५, —गड त्रि० (-कृत)
लुओ “कीयकड ” शब्द देखो “कीयकड ”
शब्द vide “ कीयकड ” भग० ५, ६,
नाया० १; ओव० ४०; उत्त० २०, ४७,
दस० ३, २० ५, १, ५५,

कीय पुं० (कीचक) डीयड, आंय कीचक,
वाम A bamboo दम० ६, १, १;
कीयग पु० (कांचक) डीयड नामनो गज

कीचक नामक राजा Name of a king.
 नाया० १६,
 कीया स्त्री० (- कीका-कानिनिका) आंभनी
 झीझी आखकी पुतली The pupil of
 the eye ओव०
 ✓ कील धा० I, II (क्रीड्) भेद्यु, झीझ
 इरथी खेलना To sport, to play
 कीलेइ सु० च० २, ३८५-
 कीलत व० कृ० जं० प० ३, ६७, भग०
 १३, ६, पचा० ७, ३६,
 कीलमाण नाया० १४, १६; विवा० ६,
 कील पु० (कील) भीटि, भीलो खील,
 कील A nail, a peg सूय० १, ५, १.
 ६ दस० ८, १ ६७, उवा० ७, २७७ पचा०
 ७, १०,
 कीलग पु० (कीलक) भीलो खीला. A
 nail जीवा० ३, ४, ज० प० ५, १६६,
 राय० ४६,
 कीलण न० (क्रीडन) झीझ, रम्भन क्रीडा,
 खेल Play, sport. ओव० २४, पञ्च० २,
 कीला स्त्री० (क्रीडा) रम्भन खेल, क्रीडा
 Play, sport तटु० निर० १, १, सु०
 च० १, २४४, —पसंग पु० (-प्रसंग)
 झीझ इरथानो प्रसंग क्रीडा करने का प्रसंग
 an occasion of sport or play
 प्रव० ४६८,
 कीलावण न० (' क्रीडन) रमाड्यु खिलाता
 Causing to sport or play नाया०
 २, १८, पि० नि० ४१०, —धाई स्त्री०
 (-धात्री) झीझ इरथानारी स्त्री-धावमाता
 क्रीडा कराने वाली स्त्री a wet-nurse
 who causes a child to sport or
 play नाया० १, १६,
 कीलावणग त्रि० (क्रीडाकारक) झीझ-रथ-
 नार क्रीडा कराने वाला (One) who
 causes to sport नाया० ३

कीलिय न० (क्रीडित) झीझ इरथ क्रीडा
 करा हुआ, खेला हुआ Spotted, (one
 who has) spotted उत्त० १६, २,
 सु० च० २, ४१४, नाया० ६, ठा० ६
 कीलिय त्रि० (कीलित) मन्त्रादिथी भीली
 मुडेश मन्त्रादिक से कीला हुआ Chaim-
 ed, subjugated with incanta-
 tions etc, hypnotised सु० च०
 २, ४१४,
 कीलिया स्त्री० (कीलिका) जेभा हाडडाना
 साधा भीलीथी जेडेश होय ते सधयण, ७
 सधयणमानु पायभु सधयण जिममें हड्डियो
 के जोड़ कील से जोड़े हो वय सधयण, ६
 सधयण में से पाचवा सधयण A variety
 of physical structure in which
 the bones are fastened together
 by (two) little nails, the fifth
 of the six Sanghayanas पञ्च०
 २३, क० ग० १, ३६, —सधयण न०
 (-सहनन = मन्त्रास्थीनि कीलिकामात्र
 बद्धान्येव भवन्ति तत्कीलिकासहननम्)
 ७ सधयणमानु पायभु झीझिडा सधयण ६
 सधयण में से पाचवा कीलिका सहनन the
 fifth of the six varieties of
 physical constitutions where
 the bones are joined together
 merely by two little nails जीवा०
 १, ठा० ७, १,
 कीलियासंघयणि त्रि० (कीलिकासहननिन्)
 झीझिडा सधयणवाणे कीलिका सहनन वाला
 (One) possessed of a nailed
 bony frame भग० २८, १,
 कीस पु० (कदिस) डेयु कैसा Of
 what sort or nature भग० १, १,
 कीसत्ता स्त्री० (कदिसत्ता) डेवो प्रश्न ? १
 ५२५ किम प्रश्नका, कैसा (Of)

what nature or sort भग० १, १,
पत्र० २८,
कीसत्ता स्त्री० (किंस्वत्ता) शुं २४२५ ? किस
प्रकार का (Of) what sort or
nature “कीसत्ताए” भग० १, १;
कु. न० (कु) दुःखित, नडांरुं खराब Bad,
evil अणुजो० १२८, पत्र० १, (२)
दुभार कुमार; बालक a boy विवा० १, ६,
कुइयरण पु० (कुविकर्ण) धृष्टी गायेतो
धृष्टी; गोभंडवतो अधिपति बहुतसी गायों
का स्वामी, गौमडलका अधिपति An
owner of many cows विशेष० ६३२,
कुउकूयमाण पु० (कुकूयमान) दुडुवाटा
धरेतो कुकु कुकु करताहुआ Bustling,
noisy विवा० ८,
कुउव न० (कुतुप) दुडुं, दुडुली मिट्टी का
छोटा बर्तन A small earthen pot
पि० नि० ५५७,
कुओ अ० (कुतः) इथाथी क. से.
Whence सूय० २, ५, ३१,
कुंकण पु० (कोङ्कण) डेडणु देश कोंकण
देश The country known as
Konkana (०) थार छट्टिय वालो अेड
थार चार इद्रियों वाला एक जीव a kind
of four-sensed living being
उत्त० २६, १४६,
कुंकणअ त्रि० (कोङ्कणक) डेडणु देशमा
जन्मेड, डेडणु देशमा वसनार कोंकन में
जन्मा हुआ, कोंकन देशनिवासी (One)
born in the country of Kon-
kana, a resident of Konkana
अणुजो० १३१;
कुंकुम पुं (कुकुम) देश० केशर Saffron
राय० ५६ ओव० ३८, अणुजो० १३३,
जं० प० उवा० १, २६, (२) उंडु कंकू
a kind of red powder नाया० १.

जीवा० ३, ४, कप्प० ४, ६०, —पुड पु०
(-पुड) दुंडुभनो पडा केशर का पुडा. a
packet of saffron नाया० १७;
कुंच पुं० स्त्री० (क्रौञ्च) द्वैय पक्षी चकवा
पक्षी. A kind of bird “अह कुसुम
संभवे काले, कोइला पंचम सरं। ठट्टं च
सारसा कुंचा, ऐसायं सत्तमं गओ” अणुजो०
१३८, सम० प० २३८, परह० १, १, (२)
द्वैय पक्षी, पायमा तीर्थडरनु लाछन कौंच
पक्षी, पांचवें तीर्थकर का लाछन a kind
of bud which was the symbol
of the 5th Tirthankara प्रव० ३८१,
कुंच पुं० (कुञ्च) दुय नामनो अेड अनार्थ
देश. कुंच नामक एक अनार्थ देश Name
of an uncivilised country प्रव०
१५६८,
कुंचिअ पुं० (कुञ्चिअ) दुयिड नामनो शेड जेणे
मुनिपति नामना साधुने पोताने त्या राज्या
हता कुचिक नाम का सेठ कि जिसने मुनि-
पति नामक साधू को अपने यहां रखा था
Name of a merchant who had
maintained at his house an
ascetic named Munipati भत्त०
१३३,
कुंचिय त्रि० (कुञ्चित) गोण वणेड, दुडुवा-
डारे थयेड, वाडुं. गोल बना हुआ, कुंडल के
आकार का बना हुआ, टेढ़ा Curved,
bent उत्त० २२, २४, परह० १, ४;
ओव० १०, सु० च० २, ३६८, भग० १, १,
जीवा० ३, ३, जं० प० २, —केसय पु०
(-केसक) वाडा वणेड देश. घुंवराले वाल
curved locks of hair भग० १५, १,
कुंचिया स्त्री० (कुञ्चिका-कुञ्चयाच्छादयति
इति कुञ्चिका) दुंगी कुंची A key
पि० नि० ३५६,
कुंजर पुं० (कुंजर को जीर्यतीति कुंजरः

यदिवा कुञ्जे वनगहने रमते रतिम वचना-
तीति कुंजर) गज, हाथी हाथी, गज,
हस्ती An elephant ठा० ६, भग०
११, ११, नाया० १ ८, १७, जीवा० ३, १,
राय० ४३; ओव० उत्त० ११, १८, कप्प०
३, ३३, ऋ० प० ५, ११५, —अणीअ-य
पु० (-अनीक) हाथीनी सेना गज सेना,
हाथी की सेना an army of
elephants ठा० ५, १; ७, १,

कुंठ त्रि० (कुण्ट) विकृत हाथवाला, कुंठा दूटा,
विकृत हाथ वाला (One) with a
defect in an arm परह० १, १, प्रव०
८०२,

कुटत्त न० (कुण्टत्व) जेने हाथ के पगे ओड-
भापणु होय ते जिसके हाथ पैर विकृत हों
वह A defect in an arm or a
leg आया० १, २, ३, ७८,

कुंड न० (कुण्ड) कुंडा, पानी का पात्र
A large vessel or receptacle
of water ज० प० पञ्च ११, नदी० ४७,
जीवा० १,

कुंडकोलिय पु० (कुण्डकोलिक) ओ नामना
महावीर स्वामीना ओके श्रावक, दश श्रावक
माना ओके इस नाम का महावीर स्वामी का
एक श्रावक, दस श्रावक में से एक Name
of layman-follower of Mahā-
vīraswāmī, one of the ten Śā-
vakas उवा० १, २,

कुंडग. पु० (कुण्डक) डण्डसु कानखजूरा,
कान में घुसने वाला एक जन्तु A kind
of insect उत्त० १, ५,

कुंडधार पु (कुण्डधार) ओके मतना दे
एक प्रकार के देव A species of gods
राय० १६६,

कुंडमोय पु० (कुण्डमोद) हाथीना पगना
अक्षरतु कुंडा जेवु भरीतु काम हाथीके पैरो

जैसा मिट्टीका कूडा An earthen vessel
of the shape of an elephant's
leg “कसेसु कसपाएसु कुंडमोएसु वापुणो”
दस० ६, ५०,

कुंडय. पु० (कुंडक) ओके गननु वासणु, कुंडा
एक प्रकार का वर्तन A kind of vessel
नाया. ७,

कुंडरीय पु० (कुण्डरिक) कुंडरीक नामना
ओके राजकुमार के जे वैराग्य लावे दीक्षा
लध, ओके कुण्डर वर्ष सुधी अरअर पाणी,
आअर पतित थछ संसारमा आओ, थोडो
वअत विषय सेवन करी मरण पाओ मरीने
सातमा नरके पोहोओ कुंडरिक नाम का एक
राजकुमार कि जिसने वैराग्य भाव से दीक्षा
ले, एक हजार वर्ष तक बराबर पालन करके
आखर पतित होकर संसार में आया, थोडा
समय विषय सेवन करके मृत्यु को प्राप्त होकर
सातवें नरकमें पहुचा Name of a prince
who became a monk and
closely practised asceticism for
1000 years but became degrad-
ed at last and again entered
the world, he enjoyed sensual
pleasures for some time and
after death went to the 7th
hell नाया० १६ —जुवराय पु०
(-युवराज) कुंडरीक नामना युवराज, युंडरीक
राजना लाछ कुण्डरीक युवराज a prince
named Kundarika नाया० १६

कुंडल पु० (कुण्डल) डानमा पडेरवातु
कुंडल नामतु ओके आभूषण कान में पहरने
का कुंडल नामक गहना An ear-ring
ज० प० ५, १२३, ११५, ३, ४५, अणुजो०
१०३, नाया० १ २, भग० ३, १ २, ११,
११, १५, १, राय० २६, जीवा० ३ ३,
आया० १ २, ३, ७६ नम० प० ३३१

२३७, उत्त० ६, ५, पञ्च० २; १५, ओव० १२ २२, निसी० ७, ८ कप्प० २, १४, दसा० १०१, (२) दुडलनामे दशमा द्वीप अने दशमा समुद्र दसवें द्वीप और समुद्र का नाम name of the 10th island and also of the 10th ocean सूय० १६, जीवा० ३, ४, अणुजो० १०३, —जुअल न० (—युगल) डानमा पहरेवाना अने दुडल कानों में पहरेने के दो कुडल. a pair of ear-rings कप्प० ३, ३६; —जुगल न० (—युगल) दुडलनी ओड कुडल की जोड़ a pair of ear-rings नाया० ८; —धर. त्रि० (—धर) दुडलने धारण करने वाला (one) who has put on ear-rings नाया० ८;

कुंडलमह. पु० (कुण्डलमह) दुडलद्वीपना अधिपति देवतानुं नाम कुडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kundala island जीवा० ३, ४,

कुंडलमहाभद्र. पु० (कुण्डलमहाभद्र) दुडलद्वीपना अधिपति देवतानुं नाम कुडल द्वीप के अधिपति देव का नाम. Name of the presiding deity of the Kundala island जीवा० ३, ४;

कुंडलवर पु० (कुण्डलवर) दुडलवर नामने द्वीप तथा समुद्र कुंडलवर नामक द्वीप और समुद्र Name of an ocean, also that of an island जीवा० ३, ४, (२) दुडलद्वीपने चारों तरफ़ इरतो दुडलवर नामने पर्वत कुडलद्वीप के चारों ओर स्थित कुंडलवर नामक पर्वत. name of a mountain surrounding the Kundala island on all sides रा० ३, ४, (३) दुडलवर समुद्रना अधिपति देवता कुंडलवर

समुद्रके अधिपति देवता का नाम name of the presiding deity of the ocean named Kundalavara जीवा० ३, ४;

कुंडलवरमह. पु० (कुण्डलवरमह) दुडलवर द्वीपना अधिपति देवतानुं नाम कुडलवर द्वीप के अधिपति देवता का नाम Name of the presiding deity of the island of Kundalavara. जीवा० ३, ४,

कुंडलवरमहाभद्र पुं (कुंडलवरमहाभद्र) दुडलवर द्वीपना अधिपति देवतानुं नाम कुडलवर द्वीपके मुख्य देवका नाम. Name of the presiding deity of the island of Kundalavara जीवा० ३, ४;

कुंडलवरोभास पु० (कुण्डलवरावभास) दुडलवरोभास नामने ओड द्वीप तथा समुद्रनुं नाम कुंडलवरोभास नामक द्वीप अथवा समुद्र का नाम Name of an ocean, also that of an island सू० प० १६; जीव० ३, ४,

कुंडलवरोभासमह पु० (कुंडलवरावभास-मह) दुडलवरावभास द्वीपना अधिपति देवतानुं नाम कुंडलवरावभास द्वीप के मुख्य देव का नाम Name of a deity presiding over the ocean named Kundalavarābhāsa जीवा० ३, ४,

कुंडलवरोभासमहाभद्र. पुं० (कुण्डलवरावभासमहाभद्र) दुडलवरावभासद्वीपना अधिपति देवतानुं नाम कुंडलवरावभास द्वीप के मुख्य देवका नाम. Name of a deity presiding over the island named Kundalavarābhāsa जीवा० ३, ४,

कुंडलवरोभासमहावर पुं० (कुण्डलवरावभासमहावर) दुडलवरावभास समुद्रना देवतानुं नाम कुंडलवरावभास समुद्र के

देव का नाम Name of a deity presiding in the Kundalavarāvabhāsa ocean जीवा० ३, ४,

कुंडलवरोभासवर पु० (कुण्डलवरावभास-
वर) कुंडलवरावभास न मे समुद्रना देवतानु
नाम कुंडलवरावभास समुद्र के देव का नाम
Name of a deity residing in
the ocean named Kundala-
varāvabhāsa, जीवा० ३, ४,

कुंडला स्त्री० (कुण्डला) सुवच्छ विजय की मुख्य
राजधानी The chief capital of
Suvachchhavijaya 'दो कुंडलाओं'
ठा० २, २, ३, ज० प०

कुंडलोद पु० (कुण्डलोद) कुंडलोद नामने
येक समुद्र एक समुद्र का नाम Name
of an ocean सू० प० १६, जीवा० ३, ४,

कुंडिआ-या स्त्री० (कुण्डिका) भाजन
विशेष, कुंडी, पात्रविशेष A sort
of vessel राय० अणुजो० १३२, भग०
१५, १, नाया० १५, परह० २, ५,
अणुत्त० ३, १, (२) कुंडल कमडल a
kind of pitcher made from
goulds etc to hold water in
भग० २, १, ओव० ३८,

कुंडिय पु० (कुण्डिक) कुंडल कमडल
A sort of pitcher made from
goulds etc to hold water in
नाया० ५,

कुंडियायणीय पु० (कुण्डिकायनीय) कुंडिका-
यन गोत्रवाला कुंडिकायन गोत्र वाला One
belonging to the family-line
named Kundikāyana भग० १५, १,

कुंत पु० (कुन्त) लावेला भाला A spear
जीवा० ३, १, भग० ६, ३३, ओव० ३१, ज०
प० ३ ६७ — गग न० (—अग्र) लावानी

अणु भाले की नोक the point of a
spear नाया० १५, — गगह त्रि० (—अग्र)
लावेला राभनार भाला रखने वाला a
spearman भग० ६, ३३, निसी० ८, ६, २४,
कुंतोदेवी स्त्री० (कुन्तीदेवी) पाण्डु राजनी
राणी पांडु राजा की रानी Name of
the queen of the king Pāndu
नाया० १६,

कुन्थ पु० (कुन्थ) कुन्थनाथ नामना थालु
थोपीसीना १७ भा तीर्थंकर अने ६ ६ चक्र-
वर्ती कुन्थनाथ नाम के वर्तमान चौवीसी के
१७ वें तीर्थंकर और ६ ठे चक्रवर्ती.
Name of the 17th Tirthankara
and the 6th Chakravartī of
the present Chovisī भग० २०, ८,
अणुजो० ११६, सम० २४, आव० टी० सम०
प्र० १३४, प्रव० २६४, कण० ६, १८६,
उत्त० १८, ३६, (२) त्रिषु ध्रियवाणो ओड
अथ, अथवे। तीन इन्द्रियों वाला एक जीव.
a kind of sentient being hav-
ing three sense-organs " पाण
सुहुमे " ठा० ८, दस० ४, भग० ७, ८,
उत्त० ३, ४, ३६, १३६ राय० २७० ओघ०
नि० ३२३, पत्र० १, कण० ५, १३१,
—जिर्णिद पु० (—जिनेन्द्र) कुन्थ नामना
१७ भा तीर्थंकर कुन्थ नामक १७ वें तीर्थ-
कर the 17th Tirthankara
named Kunthu प्रव० ८१६,

कुंद पु० (कुन्द) मयकुन्द फूल, मोगरे का फूल A kind
of flower नाया० १, ६, १६, भग० ६,
३३, २२, ५, ओव० १०, पत्र० १, उत्त०
३४, ६, राय० ५८, जीवा० ३, ३ कण०
३, ३७, ४०, ज० प० ५, १००, (२) कुन्द
नामनी वनस्पति, वेद कुंद नामक वनस्पति,
बेल a creeper bearing Kunda

flowers. नाया० १; पत्र० १; —माला
स्त्री० (-माला) भोगराना पुष्पनी भावा.
भोगरा के पुष्पों की माला. a garland
of Kunda flowers. कप्प० ३, ३६,
—लया स्त्री० (-लता) भयदुन्दना इव-
नी वेश मचकुद के फूलकी बेल a creep-
er bearing flowers known as
Machakunda. आंव०

कुंदुरुका पु० (कुंदुरुक) ओड वनतनी साधारण
वनस्पति एक प्रकार की साधारण वनस्पति
A kind of ordinary vegetation.
ज०प० ५, १२२, मग० २३, ३, (२) श्री-ओड
वनतनु सुगंधी धुपद्रव्य, सीक्षारस. एक प्रकार
की धूप, सिलारस a kind of fragrant
substance used as incense सम०
प० २१०, राय० २७, जीवा० ३, ४, सू० प० २०,
श्रोव० नाया० १; मग० ११, ११, कप्प० ३, ३२,
कुंभ. पु० (कुम्भ) धडा; डलश घडा, कलश
A pot. “ चत्तारि कुम्भापणत्ता । त जहा-
पुत्र नाममेगे नो पुत्रे ” नाया० १७, राय०
३४; जीवा० ३, १ वेय० २, ४, अणुजो०
१६, १३२, सूय० १, ४, १, २६ मग०
११, ११. कप्प० १, ४ जं० प० ७, १६६:
(२) १६ भा तीर्थंकरना पिता १६ वे तीर्थंकर
के पिता. the father of the 19th
Tirthankara सूय० प० २३०, प्रव० ३२५;
(३) १८ भा अरनाथ तीर्थंकरना प्रथम-
गणधरनु नाम १८ वे तीर्थंकर अरहनाथ
के प्रथम गणधर का नाम name of
the first Ganadhara of Ari-
nātha, the 18th Tirthankara
मग० प० २३३, प्रव० ३०६, (४) हुंभीमा
नारदने पञ्चवतार परमाधामी. कुंभी मे
नारदको पञ्चवतार परमाधामी. a Pañ-
mādhāmī who cooks hell-beings
in a pot मग० १५, मग० ३, ७, (२)

हुंभस्वप्न, यौहस्वप्न तीर्थंकर, यक्षवर्तीनी
भाता जुवे छे तेमानु ओड. कुमस्वप्न;
तीर्थंकर, चक्रवर्ती कौ माता जो स्वप्न
देखती है वह, चौदह स्वप्नो में से एक
one of the 14 dreams which
the mother of a Tirthankara
Chakravarti sees. नाया० ८, (६)
साड आडक, अथवा २४० प्रस्थ प्रमाण,
मान विशेष. हुंभ ओ प्रक्षरना छे न्यून्य
अने उत्कृष्ट, न्यून्यनु मान उपर भताव्युं,
ते उत्कृष्ट हुंभ से आडक प्रमाण गणाय छे
माठ आडक अथवा २४० प्रस्थ प्रमाण वाट-
तोलने के वजन को कुंभ कहते हैं यह जघन्य
और उत्कृष्ट रूप से दो प्रकार का होता है
जघन्य का प्रमाण ऊपर दिया गया है
और उत्कृष्ट का प्रमाण सो आडक है तंदु०
a measure of weight equal to
60 Adhakas or 240 prasthas,
which is of two kinds viz supe-
rior and inferior, the former
being equal to 100 Adhakas.
—जुअल (-जुगल) ओ धडा. दो घडा
two pots जं० प० ७, १६६; —सहस्स.
न० (सहस्र) हजार धडा हजार घडा.
one thousand pots जं० प० ३, ५, ६,
कुंभकार पु० (कुम्भकार) दुम्भार कुम्भार
A potter. उवा० ७, २२०, मग० १५, १,
—आवण पु० (-आपण) दुम्भारनी दुम्भार
कुम्भार की दुकान a potter's shop
मग० १५, १;

कुंभकरकडग न० (कुम्भकारकटक) ओड
प्राचीन नगरनु नाम न्या पालके अंधता
पाचसौ शिष्योने धाव्हीमा पील्या हुता एक
प्राचीन नगर का नाम जहां पालक ने स्वर्ग
के पाचसौ शिष्यों को घाती में पेटा या
Name of an ancient city in
which the ruler had pressed

five hundred-disciples of Khan-
dhaka in an oil mill सत्था० ५८,
कुम्भकारी. स्त्री० (कुम्भकारी) दुलारनी स्त्री,
कुम्भारी कुम्हारनी A potter's wife;
a female potter भग० १५, १,
कुम्भग पु० (कुम्भक) मिथिला नगरीना राजानु
नाम मिथिला नगरी के राजा का नाम
Name of a king of the town
of Mithilā. नाया० ८,
कुम्भगसो अ० (कुम्भकशस्) धडा प्रमाणे
घड़े के समान After the size of a
pot भग० १५, १,
कुम्भय पु० (कुम्भक) दुलारान्, मल्लिनाथना
पिता कुम्भराजा, मल्लिनाथ के पिता
Kumbharāja, the father of
Mallinātha नाया० ८,
कुम्भराय पु० (कुम्भराज) दुलारान् कुम्भराजा
Kumbharājā, the father of
Mallinātha नाया० ८,
कुम्भार. पु (कुम्भकार) दुलार कुम्हार A
potter उवा० ७, १८४, पचा० १, ३४,
कुम्भि पु० (कुम्भिन्) उड्डट मोहना उदयथी
नेनु पुरुष यिन्ह तथा वृषण, दुल नेवडा
भेडाटा थता डोय ते, दीक्षाने अयोग्य पुरुषमा-
ना ओड उक्तट मोह के उदय से जिसका
पुरुष चिन्ह और वृषण, कुम्भ के बराबर मोटा
होता हो वह, दीक्षा के अयोग्य पुरुष में से
एक A person whose genera-
tive organ and testicles swell
to the size of a pot through
excessive lust or infatuation,
one of the classes of persons
unfit for Diksā. प्रव० ८००,
कुम्भिय न० (कुम्भिक) भगव देश प्रसिद्ध
ओड प्रमाणे भगव देश प्रसिद्ध एक प्रमाण
The standard measure of

Magadha country. राय० ६३, (२)
त्रि० दुल प्रमाणे, धडा नेवडु घड़े के
बराबर. of the size of a pot. राय०
६३, ठा० ४, २, (३) ओड जलतनी वन-
स्पती एक प्रकार की कुम्भिक वनस्पति a
kind of vegetation भग० ११, ४,
कुम्भी स्त्री (कुम्भी) हाथीना दुलस्थान हाथी
का कुम्भस्थल The frontal globe on
the fore-head of an elephant
ज० प० प्रव० ११००, (२) दुडी कुडी.
a small water pot परह० १, १,
(३) नारडीनु उत्पत्ति स्थान नारकी जीव
का उत्पत्ति स्थान the birth place of
hell-beings परह० १, १; — पाग. पु०
(-पाक) दुली नामना पात्रमा पडावतु कुम्भी
नामक पात्र में पकाना cooking in a
vessel called Kumbhī सम० ११,
कुम्भीमुह. न० (कुम्भीमुख) साड्डा मोटावाणी
हाडली सकड़े मुह की हडी A small
earthen pot with a narrow
mouth आया० २, १, २, १०,
कुम्भ पु० (कुम्भ) डाण्णे कछुआ. A
tortoise. आया० १, ६, १, १७२,
कुम्भिमि त्रि० (कुम्भिन्) दुलित डाम-
धधे डरनार दुलार, दुलार वगेरे कुत्सित-
खराब धदा करने वाला, लुहार, कुम्भार वगेरह
(One) engaged in a bad profes-
sion e g an nonsmith, a potter
etc सूय० १, ७, १८,
कुम्भम् पु० न० (कुम्भम्) डाम खराब काम
A bad or wicked
action ओष० नि० भा० ६०, निसी० ४, ५५
कुकुइअ न० (कौकुच्य) शरीरान्नि यप-
लाष्ट-दुयेष्टा शरीरादि की चपलता-कुचेष्टा
Unsteadiness of the motions
of the body etc regarded as
a defect वेय० ६, १६,

कुक्कुड त्रि० (कौकुचिक = कुत्सितमप्रत्यु-
पेक्षितत्वादिना कुचितमवस्यन्दित यस्य स
कुक्कुचितः कुक्कुचा अवस्यन्दनं प्रयोजनमस्येति
कौकुचिक.) दुयदुय ओवे। अवाज् इरनार
कुचकुच आवाज करनेवाला (One)
making a sound resembling
the pronunciation of the words
Kucha Kucha ओव० ३८, उत्त०
१७, १२, भग० ६, ३१;

कुक्कुल पु० (+) छाया कडा A cake
made of cow-dung etc used as
fuel परह० १, १,

कुक्कुड त्रि० (कौकुच्य) मुभनेत्रना विकार
वाली क्रिया-येष्टा। मुख और नेत्रोंकी विकार-
वाली क्रिया-चेष्टा An action accom-
panied with gestures of the
face and the eyes पचा० १, २४,

कुक्कुड. पुं० (कुक्कुट) दुडडी। मुर्गा A
cock निसी० ६, २३, पञ्च० १, नदी० ४६,
परह० १, १, ओव० अणुजो० १२८; आया०
२, १, ६, ३१, उत्त० ३६, १४६, भग०
१, १, ठा० ७, १, उवा० ७, २१९;
—पंजर न० (-पजर) दुडडीनु पाज्
मुर्गेका पिजरा a cage in which
cocks are confined प्रव० १४१५,

—पोय पु० (-पोत) दुडडीनु अय्युं मुर्गे
का बच्चा a chicken भग० १८, ८,
दस० ८, ५४, —मंसय न० (-मांसक)
दुडडीनु मांस मुर्गे का मांस the flesh
of a cock (२) डोलापाड कोले का
पाक a preparation made of
sugar, spices and a kind of
pumpkin gourd भग० १५, १,

—लक्खण. न० (* -लक्षण) दुडडीना
लक्षण जेवानी डणा मुर्गे के लक्षण देखने
की कला. the art of testing the
merits or demerits of a cock
नाया० १, ज० प० २, ओव० ४०; सम०

—वसभ. पुं० (-वृषभ) मोटे दुडडी।
बडा मुर्गा. a big cock. भग० १२, ८;
कुक्कुडग पुं० (कुक्कुटक) दुडडी। मुर्गा. A
cock. भग० ६, ५;

कुक्कुडिया. स्त्री० (कुक्कुटिका) मुर्गी; दुडडी
मुर्गी A hen नाया० ३;

कुक्कुडी स्त्री० (कुक्कुटी) दुडडी मुर्गी A
hen प्रव० ७४२, पचा० १६, २१; नाया०
३, विशेष० १८१८, भग० १, ६; ७, १, २५,
७, ओव० १६, निर० १, १, (२) भाया;
३५२ माया, छल, कपट deceit; fraud
पि० नि० २६७, —अंडग. न० (-अण्डक)
दुडडीना छंडा मुर्गी का अंडा a hen's
egg वव० ८, १५, —अंडमेत्त त्रि०
(-अण्डमात्र) दुडडीना छंडा जेटेलु. मुर्गी
के अंडे के आकार का. of the size of
a hen's egg. प्रव० ७४२, —पिच्छुअ
न० (-पिच्छक) दुडडीना पिछा. मुर्गी के
पंख the feathers of a hen
निर० १, १,

कुक्कुयय न० (.) भुअणो, धुधरे।
खुनखुना A toy for children giv-
ing out a jingling sound when
shaken सूय० १, ४, २, ७,

कुक्कर. पुं० (कुक्कुर) दुतरे। कुत्ता A
dog. आया० १, ६, ३, ३,

कुक्कुस पुं० (कुक्कुस) ओड जतनु धान्य;
दुसडा एक प्रकार का कुसका धान्य. A

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नवर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

kind of grain आया० २, १, ६, ३३,
निसी० ४, ५५, दस० ५, १, ३४;
कुकुह पु० (कुक्कुह) आर ध्रिय वाणे
७५ चार इन्द्रियों वाला जीव A four-
sensed living being पञ्च० १,
कुखगइ स्त्री० (कुखगति) अशुभ विहायस
गति—आलवाती गति अशुभ विहायस गति—
चलने की गति Bad gait क० गं०
२, ५, ३, ४, ५, ३२,
कुगग्रह पु० (कुग्रह) भोटो आग्रह, इहाग्रह
दुराग्रह. Obstinacy in a wrong,
false cause पचा० ३, ५० १०४, भत्त०
५३, —संका. स्त्री० (—शङ्का) इहाग्रह तथा
शङ्का दुराग्रह तथा शङ्का obstinacy
and doubt प्रव० ११६, —हविरह
पु० (हविरह) मिथ्या अभिनिवेशनो नाश
मिथ्या अभिनिवेश का नाश. destruc-
tion, banishment of false
attachment पंचा० २, ४४,
कुगग्रहीय त्रि० (कुग्रहीत) नक्षत्री रीते ग्रहण
करेण वुरी तरह से ग्रहण किया हुआ
Taken by, got by foul means
उत्त० २०, ४४,
कुचर त्रि० (कुचर—कुत्सितं चरन्तीति कुचरा)
नक्षर आचरण करनेवाले, परस्त्री गमन कर-
नेवाले खराब चालचलनवाला (One)
of bad character, e. g. a thief,
an adulterer etc आया० १, ६, २, ८,
कुचेल. त्रि० (कुचेल) भराय वस्त्रधारी,
कुत्सित कपडा पहननेवाले खराब कपडे पहनने
वाला (One) who puts on bad
clothes or garments “ दुहजीविणो
कुचेल, कुवित्तय चोरा चडाल मुट्टिया ”
अणुजो० १२८,
कुच्च. पु० (कूर्च) दातीयो, वाणि ओणवानु
साधन कगवा, कगा A comb उत्त०

२२, ३०; (२) ओष्ठ जलनु धास एक
तरह की घास a kind of grass.
परह० २, ३, (३) डाढी दाढी beaid
ओष्ठ० नि० भा० ८३,
कुच्चधर पु० (कूर्चधर) डाढीवाणो दाढी
वाला Bearded ओष्ठ० नि० भा० ८३,
कुच्चगन्न न० (कूर्चक) शर नामना रोपानु
पाथरलुं जेना कुयडा जने छे ते शर नामक
पौवे का बना हुआ विछौना A mat
made of a plant named Sasa
आया० २, ३, ३, १००,
✓ कुच्छ धा० I (कुथ्) डोवाडुं, पना-
णु सढाना, भिजाना To soak in
water
कुच्छेजा विधि० अणुजो० १३४ भग० ६, ७,
कुच्छिहिइ पि० नि० २३८,
✓ कुच्छ. वा० I (कुत्स) निंदा करनी
निंदा करना To censure, to cast
blame on
कुच्छामि. विशेष० ३२७६,
कुच्छग पु० (कुत्सक) ओष्ठ जलनु धास,
वनस्पति एक प्रकार की घास A kind
of grass or vegetation सूय०
२, २, ७,
कुच्छाणिज त्रि० (कुत्स्य) निंदा करनेवाले
योग्य, निंदापात्र निंदा करने के योग्य
निंदा पात्र Worthy of censure or
reproach परह० १, ३,
कुच्छा स्त्री० (कुत्सा) निंदा निंदा Cen-
sure, blame, reproachful words
पि० नि० १४५, क० ग० १, २१, ५, २, ६२;
कुच्छि स्त्री० (कुत्ति) कुय कांख, कुत्ति
The interior of anything विवा०
१, ७, नाया० ९, ८, भग० ६, ७, ७, ६,
१५, १, सु० च० २, ६६३, अत० ३, ८,
पि० नि० ६४२, ज० प० जीवा० ३, ३;

प्रव० १३६१, उवा० २, १०१, (२) पेट;
गर्भस्थान पेट; गर्भस्थान the belly,
the womb. जं० प० २, १६, २, २०;
कप्प० १, २; ३, ४७; नाया० १३, १६;
ओव० १०; पि० नि० ३५२, (३) भे छथ
प्रमाण भाप, गज. दो हाथ प्रमाण नाप;
गज a measure of length equal
to two cubits, a yard जीवा०
३, ८, नदी० १४, अणुजो० १३४; —किमि.
पुं० (-कृमि) दुंभमा उत्पन्न थतो कृमि-
डीडो कौख में उत्पन्न होने वाली लट-कृमि.
a worm generated in the belly
पन्न० १; —किमिय न० (-कृमिक)
दुंभतो डरभीयो. कुर्चा के कृमि a worm
in the belly. निसी० ३, ४२, —सूल
न० (-शूल) दुंभमा श्याडा आवे-शूल
थाय ते. कौख में शूल का होना shooting
pain in the belly; colic तदु० नाया०
१३, भग० ३, ७,

कुच्छिधार. पुं० (कुच्छिधार) नावानो निर्या-
मड, सुधानी नाव का निर्यामक, सुकानि
One who is at the helm of a
ship, a helmsman जं० प० ५, ११२,
नाया० ८; १७,

कुच्छिद्य. त्रि० (कुत्सित) अराय्य स्वराव;
बुरा Bad, evil deserving censure
विशे० २५६६; पचा० ७, १२, —सील
त्रि० (-जील) अराय्य आचारवाणो बुरे
चाल चलन वाला (one) of bad con-
duct or character विशे० ५२०,

कुच्छिद्यत्त न० (कुत्सितत्व) अरायो;
निघना बुरापन State of being
worthy of censure, badness
विशे० ५२१

कुच्छुभरिय पुं० (कौस्तुभरिक) ओड
नतनु वृक्ष एक प्रकार का वृक्ष. A kind

of tree. भग० २२, ३;

कुजअ त्रि० (कुजय) जेतो जय दुत्सित-
निन्दित छे ते, जहारि जिसकी जीत निन्दित
है वह; जुआरि (One) whose
victory or success deserves to
be censured i. e. a gambler.
सूय० १, २, २, २३;

कुज त्रि० (कुज) दुपडो कुवडा. Hump-
backed, crooked सु० च० १, १७,
कुजय पुं० (कुजक) गुदाय, सेवतीनुं
आड गुलाब, सेवती का वृक्ष A rose-
tree पन्न० १, नाया० १, ८; जं० प० ५, १२२,

✓कुज्झ धा० I. (कृध्+य) डोप डोवो.
कोप करना. To be angry.

कुज्झे विवि० सूय० १, १४, ६,

कुटिल त्रि० (कुटिल) वाडुं युडुं, वड. टेडा
तिरछा, वक्र. Crooked, tortuous. तदु०

कुटुंब पुं० (कुटुम्ब) परिवार कुटुम्ब, परिवार.
A family; a family circle. भग० ३,
१; १८, २, —जागारिया छी० (-जागरिका)
कुटुम्बसय धी विचार डरवो ते कुटुम्ब
सम्बन्धी विचार करना thinking about
one's family. भग० ३, १, १५, १,

✓कुट्ट धा० I (कुट्) डुटु; आडु.
कूटना To pound; to grind
कुट्टति आया० २, १, ६, ३४,
कार्दिसु भू० आया० २, १ ६, ३४;
कुट्टिजमाण क० वा० व० क० राय० ५६.
कुट्टिय स० क० भग० १४, ८;

कुट्टण न० (कुट्टन) डुटु भारु, कूटना,
मारना Beating, Pounding. " कुट्टी
जतीणं कच्छभीण चित्तविणारणं " राय०
ओव० ४१, सूय० २, २, ६२, दमा० ६, ४,
कुट्टिनिया छी० (कुट्टिका) अनाजने आड-
नारी अनाज को कटने वाली. A woman

who pounds grain. नाया० ७,
 कुट्टिम. पु० (कुट्टिम) भूमितल भोतणीयुं भूमि-
 तल. Ground-floor. भग० ८, ६; ओव०
 ३१, कप्प० ४, ६२, —तल न० (-तल)
 भोतणीयुं तलघर ground floor
 नाया० १, ओव० ३१, राय० १०५, जीवा० ३,
 कुट्टिय त्रि० (कुट्टित) कूटेले कूटा हुआ
 Pounded प्रव० ८५७,
 कुट्टिलअ पु० (कुट्टिलक) ओ नामना ओक
 साधु इस नामका एक साधु Name of
 an ascetic विवा० ६,
 कुट्ट पु (कुष्ट) डोढ, ओक जतनो सुगधी
 द्रव्य एक प्रकार की सुगंधित वस्तु. A
 kind of fragrant substance सूय०
 १, ४, २, ८, विशेष० २६३, (२) कुष्टरोग, डोढ.
 कुष्ट रोग, कोढ leprosy जीवा० ३, ३,
 कुट्टग न० (कोष्टक) डोष्टक, डोढो कोष्टक,
 कोठा A column दस० ५, १, २१, ८२,
 कुट्टाण न० (कुस्थान) दुष्ट स्थान खराब
 स्थान An impure place, a bad
 place भग० ७, ६,
 कुट्टि त्रि० (कुष्टिन्) डोढी कोढी. (One)
 affected by leprosy. सु०च० १३, ५४,
 कुट्टिआ स्त्री० (कोष्टिका) धान्य राखवाने
 जनावेस भाटीनी डोढी कोठी, धान्य रखने
 की मिट्टी की कोठी A large earthen
 cylindrical vessel to store
 grain in आया० २, १, ७, ३७,
 कुड. पु० (कुष्ट) डोढनो रोग कोढ की
 बोमार Leprosy जीवा० ३, ३,
 कुड पु० (कूट) पर्वत पर्वत A moun-
 tain जीवा० ३, ३, दसा० ६, ४, राय०
 ४०, १००, (२) दृष्टान्त, दाखलो दृष्टान्त,
 उदाहरण an illustration, an ex-
 ample विशेष० २०४०, (३) असत्य

असत्य, झूठ falsehood राय० २०७,
 भग० ७, ६, (४) ओक प्रकारनो पाश
 एक प्रकार का पाश a kind of snare
 विवा० २, —अंतर न० (-अन्तर) ओ
 डुट-शिखर वचयेनुं अन्तर. दो कूट-शिखर
 के बीच का अन्तर the interval, dis-
 tance, between two summits
 भग० १५, १, —ग्गाह त्रि० (-ग्राह) डुट-
 पाश विशेषने अडेलु डरनार पाश रखने वाला.
 (one) who holds a snare or a
 trap in the hands विवा० २, —ग्गा-
 हिणी स्त्री० (ग्राहिणी) डुट- पाशने अडेलु
 डरनार-स्त्री कूट ग्राहिणी a woman,
 who holds in her hands a snare
 or a trap विवा० २, —तुल न० (-तुल)
 ओटा तोला खोटा तोल false weights
 दसा० ६, ४, —माण त्रि० (-मान) ओटा
 माप खोटा माप false measure
 दसा० ६, ४,

कुडअ-य पु० (कुडज) डुढर जवनु ओड
 इन्द्रजव का भाड A kind of tree
 प्रव० ५१८, ज० प० जीवा० ३, ४, अणुजो०
 १३१, ओव० नाया० १, ६, पन्न० १

कुडंग. पु० (कुडङ्ग) डुढनु दाडेलु छापरो
 छपर A roof of a house विवा० ३,
 (२) ओ नामनो ओक द्वीप इस नामका एक
 द्वीप name of an island ओघ० नि०
 भा० २३६, वाशनु वन वाम का वन a
 forest of bamboos नाया० १८

कुडग पु० (कूटक) डोढो घटा A pot
 विशेष० १४५४, नदी० ४४, (२) ओक जतनी
 सफेद फूल वाली वनस्पति एक प्रकार की
 सफेद फूल वाली वनस्पति a kind of
 plant bearing white flowers
 भग० २२, ३, पन्न० १७,

❧ कुडभि स्त्री० (*) - छोटो ध्वज छोटी
ध्वजा A small flag, a small
banner. “ कुडभी सहस्स परिमरिड
आभिरामो इंदुज्जयो ” सम० ३४, राय० ७०;
जीवा० ३, ४; ज० प० ५, ११७;

कुडह. त्रि० (*) दुर्गुरूपो, भेडोण रूप-
देषाव खराब रूप, वेडौल रूप Ugly
appearance: repulsive in ap-
pearance ओघ० नि० भा० ३२०;

कुडागार पुं० (कुडागार) पर्वतना शिखरभा
डातरेल घर; शिखरना आधारनु भडान.
शिखर के आकार का घर. A house
carved out from the summit
of a mountain; a house of the
shape of the summit of a moun-
tain निखो० ८, ५; राय० १००; वि०
३, ३; —साला स्त्री० (-शाला) शिखर-
अध शाला-भडान. शिखर के आकार का घर
a house with a spire at the
top दशा० १०, ३, राय० २५५, भग०
३, १, २, १३, ४, १६, ५;

❧ कुडाल पुं० (*) छानो उपलो भाग
हल के उपर का हिस्सा The upper
part of a plough उवा० २, ६४.

कुडिल त्रि० (कुडिल) वाडुयुडुं टेढा तिरछा
Crooked, tortuous नाया० ८, ६,
ओव० २१, भग० १५, १ सु० च० २, २०,
उवा० २, १०७,

कुडिलत्त न० (कुडिलत्व) दुष्टता, दुष्टिलता
दुष्टता Wickedness, crookedness
सु० च० १२, ४७,

कुडिन्वय पु० (कुडिन्नत) धग्भा रली कोधा-
दि डपाय डे अटुंशरनो त्याग डरे तेवो परि-

प्राण्ड घरमें रहकर क्रोधादि कषाय और
अहंकार का त्याग करने वाला परिव्राजक An
ascetic getting rid of anger
etc. or pride without leaving
the house in which he stays.
ओव० ३८;

कुडी स्त्री० (कुटी) ओरडी, गुंभीरी कोठड़ी.
A room, a hut, a cell ओघ० नि०
१०५, भत्त० १२३;

कुडीर. न० (कुडीर) गुंभुडुं; निर्धननु घर.
कोपडा, निर्धन का घर. A hut, a cot-
tage; a hovel तंदु०

कुडुंव पुं० (कुडुम्ब) कुटुम्भ परिवार कुडुम्ब;
परिवार A family. नाया० १, २; ५;
७, १२, १५, पि० नि० ६६, उवा० ८, २३८,
—जागरिया स्त्री० (जागरिका) कुटुम्भ
संयंत्रो विचार डरेवो ते. कुडुम्ब सम्बन्धी
विचार करना thinking about one's
family नाया० २, १४, विवा० ७;

कुडुंविय त्रि० (कौटुम्बिक) कुटुम्भी, भास
कुटुम्भनो भाणुस कुटुम्बी, कुडुम्ब का
समुष्ण (A member) of a family,
(one) belonging to a family
(२) छजुरी. नौकरी an attendant
e.g. on a king ओव० कप्प० ३, ३६;
कुडुय पु० (*) पर्वतनी टोय; शिखर.
पर्वत का शिखर Summit of a moun-
tain भग० १५, १;

कुडु न० (कुड्य) दीवाल; भीत भीत;
दीवाल. A wall भग० ८, ६, विशेष
१४२६० उत्त० २५, ४०, पगह० १, १ पि०
नि० २६८; —अंतर न० (-अन्तर)
भीत अथवा बाडीनु अतर. भीत अथवा टटो

का अन्तर interposition, intervention of a wall उत्त० १६; २, प्रव० २६५;—अन्तरिय. त्रि० (—अन्तरित) भीतने आतरे रहेथ. दीवाल की आड रहा हुआ hidden by a wall. नाया० १६, कुट्टा स्त्री० (कुट्ट्या) पातालना क्षशानी छिंदरी पाताल के घड़े की ठीकरी A broken piece of a pot in Pātāla (nether world) जीवा० ३, ४, प्रव० १५६०,

कुण धा० I (कृ) करवु, रयवु, अनाववु करना, रचना; बनाना To do, to make कुणइ उत्त० ६, २६; अणुजो० १३०, विशेष २७२, पि० नि० ६८, प्रव० ६८, कवा० १, ४८, ५३,

कुज्जा उत्त० २, ३३,

कुणउ सु० च० १, १,

कुण आजा० विशेष ६४३, सु० च० २, ४६,

कुणसु भूत० अणुजो० १२६, पि० नि० ४६६,

कुणत उत्त० २६, २६,

कुणअ विशेष १६५;

कुणमाण विशेष ४६, सु० च० १, ३१५,

२, ११५, उन्न० १४, २४, पचा०

१८, २६,

कुणक पु० (कुणक) दुण्ड नामनी ओक वनस्पति एक वनस्पति का नाम (कुणक) Name of a kind of vegetation पञ्च० १,

कुणाल पु० (कुणाल) दुण्ड नामनी ओक देश एक देश का नाम (कुणाल) Name of a country नाया० ८, पञ्च० १, राय० २१०, (२) दुण्डाल राजा, जेतु भीजु नाम सप्रति राजा, जेतु, मौर्यवशी चन्द्रशुतेने प्रपौत्र, पिण्डसारने पौत्र अने अशोकने पुत्र दुण्डाल मौर्यवशी चन्द्रगुप्त का प्रपौत्र, विन्दुमार का पौत्र, अशोक का पुत्र,

कुणाल राजा, जिमका नाम सप्रति राजा पड गया था. King Kuṇāla also called Samprati, the son of Asoka and grandson of Bindusāra विशेष ८६१, —अहिबइ पु० (—अधिपति) दुण्डाल देशने अधिपति कुणाल देश का अधिपति The king of the country named Kuṇāla ठा० ७, १, नाया० ८;

कुणाला स्त्री० (कुणाला) दुण्डाला नामे उत्तर तरुनी ओक नगरी, उज्जैनी नगरीनु भीजु नाम दुण्डाला हुतु ओम पणु अयाक लभेथ छे कुणाला नामक उत्तर प्रदेश की एक नगरी, उज्जयिनी का दूसरा नाम कुणाला भी दिया गया है Name of a city in the north, (in some works it is also stated that Ujjain was so called) वेय० १, ४६, ४, २८, संख्यागा० ८, कप्प० ६, ११,

कुणि त्रि० (कुणिन्) दाथ अथवा पग न्दाने भोटे भोय ओवा गर्भना दोपवाले दाथ अथवा पैर छोटे हो ऐमे गर्भ दोपवाला (One) developed from a defective embryo with one of the arms or legs smaller than the other परह० २, ५,

कुणिम न० (कुणप) मास मास Flesh ओव० ३४, ठा० ४, ४, सूय० १, ४, १, ८, भग० ६, ३३, जीवा० ३, १, पि० नि० २६०, (२) शव, मुड्डु शव, मुर्दा a corpse, a dead body ज० प० भग० ७, ६, अणुजो० १३०, परह० १, ३, —आहार पु० (—आहार—कुणप जवस्तद्रसोऽपिक्वमादि कुणस्तद्राहा) मासने आहार मास का आहार flesh-food (२) त्रि० भासाहागी मामाहारी a flesh-eater ज० प० २, ३६, भग० ७, ६, ८, ६

कुणिय. पुं० (कुणिक) दूषित राजा, श्रेणिकने
पुत्र. कूणिक राजा; श्रेणिक का पुत्र King
Kūnika, the son of Śrenika.
भग० ७, ६,

कुणिया स्त्री० (कुणिता) जेथी ओंछ हाथ
अथवा पग न्हानो भोटो थप गयो होय ते,
सोण रोगमानो ओंछ रोग सोलह रोगोंमें से
एक रोग, जिससे एक हाथ अथवा एक पैर
छोटा बड़ा हो जाता है. One of the
sixteen diseases, in which
one of the arms or legs be-
comes shorter than the other.
आया० १, ६, १, १७२;

कुरहरि स्त्री० (कुन्हरी) कुन्हरी नामनु
३६ एक प्रकार के कंद का नाम. Name
of a kind of bulbous root (२)
ओ नामनी ओंछ वनस्पति एक वनस्पति का
नाम name of a kind of vege-
tation पत्र० १;

कुत्तिथि त्रि० (कुत्तिथिन्) लुओ “कुत्तिथि
य” शब्द देखो “कुत्तिथिय” शब्द.
Vide “कुत्तिथिय” उक्त० १०, १८,
प्रव० ६५१;

कुत्तिथिय त्रि० (कुत्तिथिः) पाप्यडी,
दुत्तिसत-असत्य तीर्थ लज्जनार, मिथ्यात्वी
पाखंडी, खराब धर्म का माननेवाला,
मिथ्यात्वी A person following a
false, heretical creed नाया० ७,

कुतुंबक पुं० (कुस्तुम्बक) ओंछ जतनु
वाजिन एक प्रकार का वाजा. A kind
of musical instrument जीवा० ३, १.

कुतुप-पुं० (कुतुप) धी तेल राखवानुं वासण,
हुडो. घी तेल रखनेका बर्तन An earth-
en pot to keep oil, ghee etc
ज० प०

कुत्तार. त्रि० (कुत्तार) अराय ताड, पोते धुओ

अने भीमने दुआडे तेवो. कच्चा तैराक,
खुद डूबे ओर दूसरे को डुबावे ऐसा (One)
who swims badly; (one) who
drowns himself and others
connected with him. गच्छा० ३१;

कुत्तिअ-य न० (कुत्रिक=कुरिति पृथिव्याः
संज्ञा तस्यास्त्रिकं कुत्रिकम्) स्वर्ग, मर्त्य
अने पाताल ओ त्रय लोके स्वर्ग, मर्त्य और
पाताल, ये तीन लोक. The three
worlds, viz heaven, earth and
hell or nether world. ओव० १६;

कुत्तिआवण पुं० (कुत्रिकावण-कुत्रिकं स्वर्ग-
मर्त्यपाताललक्षण भूत्रयं तत्संभवि वस्त्व
पि कुत्रिक कुत्रिकमापणायति व्यवहरति
असौ कुत्रिकावणः) त्रय लोकेमा निपजती
दरेके चीज जयाथी वेयाती मली शके तेवी
भोटो दुकान ऐसी दूकान जहा तीनों लोक
में उतरा होने वाली प्रत्येक वस्तु मिल सके
A big shop from which any
of the articles produced in the
three worlds can be got by
purchase. भग० ६, ३३, नाया० १, ओव०
कुत्थ अ० (कुत्र) कथा कहा Where.
नाया० ३;

✓कुत्थ वा० I (कुत्थ) डोडाध जनु, जगडी
जनु. सडजाना, बिगडजाना To spoil
कुत्थेजा वि० ज० प० २, १६;

कुत्थिअ त्रि० (कुत्तिसत) निन्दित; अराय
निन्दित Bad, evil, deserving
censure ओव० नि० १६४,

कुत्थुंभरि. स्त्री० (कुस्तुम्बरी) धाणुतो शुभ्र;
दोथभरी. धनिये का पौधा A collection
of coriander plants पत्र० १;

कुदंड पुं० (कुदण्ड) ओंछ जतनु अन्धन
एक प्रकार का बन्धन. A kind of
bondage पण्ड० १, १; नाया० १,

कुदडग पुं० (कुदडक) प्रहार भारवाते
डारडे। प्रहार करने का चाबुक A whip
used for flogging पगह० १, ३,

कुदडिम न० (कुदड) दुस्तिन दड, गुन्हा
डरता ओछो दड थोडा दड. Inade-
quate punishment नाया० १,
भग० १, ११,

कुदसण न० (कुदर्शन) विपरीत अक्षान,
मिथ्यात्व दर्शन विपरीत अक्षान, मिथ्यात्व
दर्शन False, heretical faith or
creed पन्न० १, उक्त० २८, २८, " इस
पिवित्ति कुदसण अमवभाव वादिणो
परणवेति " पन्न० २,

कुदिट्ठि स्त्री० (कुदष्टि) मिथ्यात्व दष्टि
विपरीत दष्टि मिथ्या दष्टि, विपरीत दष्टि
False faith, heretical faith
उक्त० २८, २६ प्रव० ६७३,

कुदाल पु० (कुदाल) लभीन ओदवानु
दधिया डोदाली जमीन खोदने का हथियार,
कुदाली A spade पगह० १, १, ज० प०
२, १६,

कुद्ध त्रि० (कुद्ध) डोधी, गुम्मे थयेस कोधी
Angry, enraged पचा० १५, ३७,
प्रव० १५८६, उक्त० २७, ४, भग० ७, १०,
१४, ८,

कुपक्ख त्रि० (कुपज) नीचपन्नतो नीच पन्न
का Belonging to, espousing a
cause that is low or mean
आया० २, ४, १, १३४,

✓ कुप वा० I (कुर्) डोप डोवे, गुम्मे
थवु. कोप करना गुस्सा होना. To be
angry, to get enraged

कुपई दम० ६, २, ४;

कुपिजा उक्त० १, ६ दम० ८, ४८ १०, १, १८,

कुपे आया० १, २, ३, ७७, दस० १, २,
३० १० १, १०

कुपत सु० च० ७, ३०३,

कुप्पमाण भग० ७, ६,

कोवे प्रे० उक्त० १, ४०,

कोवइजा. प्रे० वि० दस० ६, १, ६'

कुप्प न० (कुप्प) आसन शय्या वगेरे शय-
य्यीसु, धरवभरी. आसन शय्या वगैरह.
Household furniture, such as
beds, chairs etc पचा० १, १८,
—संखा स्त्री० (—सरया) गयरय्यीसु डे
धरवभरीनु परिमाणु आधनु ते setting
a limit to one's possession in
the matter of household
furniture प्रव० २८०,

कुप्पर पु० (कर्पर) गाडा डे रथनी पिंजली
गाडा या रथ की पिंजली A part of a
carriage. " से रहवरस्म कुप्परासहा "
ज० प० ३, ४८, (२) डोप्ली कहुना the
- elbow पि० नि० ४१८, प्रव० ७४,

कुप्पावयणिय न० (कुप्पावचनिक) पाप डी-
ओना प्रवचनते आधारे तेओने डरवानु
आवश्यत- दिन कृत्य पाखटियो क शास्त्र
के आचार के अनुसार उन लोगों के करने का
आवश्यक दैनिक कृत्य A daily reli-
gious rite prescribed by false,
heretical scriptures अणुजो० १८,

कुवेरदत्त पु० (कुवेरदत्त) ओ नामने ओड
शेड इस नामका एक नेठ Name of a
rich merchant भक्त० ११३,

कुब्जर पु० (कुब्जर) दोसरी गाडनी धुरी गाडे
की जुडी The yoke of a carriage
(२) मल्लिनाथने यक्ष मल्लिनाथ का वचन
name of the Yaksha of Malli-
nātha प्रव० ३७३,

कुमोड त्रि० (कुमोजिन्) दृष्ट भोजन
डरतार खराव भोजन करने वाला (One)

who takes bad, unwholesome food भग० ७, ६;

कुमद. पुं० (कुमद) सातमा देवलोकनु कुमद नामे ओके विमान, ओना देवतानी स्थिति सत्तर सागरोपमनी छे, ओ देवता साग आऽ भलिने श्वासोच्छ्वास ले छे अने सत्तर हजार वर्षे क्षुधा लागे छे सातवें देव लोक के विमान का नाम, इसके निवासी देवों को गियान सत्रह सागरोपम का है और साढ़े आठ मा. बाद वे एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा उन्हें सत्रह हजार वर्षके बाद भूक लगती है Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live 17 Sāgaropamas, breathe once in eight and half months and take their food once in 17000 years. सम० १७, कुमर पुं० (कुमार) आलस बालक. A boy, a lad सु० च० २, ३८६,

कुमरत्त न० (कुमारत्व) कुमारअवस्था. कुमार अवस्था; बाल्यावस्था Boyhood सु० च० १३, ५१,

कुमार पुं० (कुमार) आऽ वरसथी उपरतो आलस, कुमार; दुंवर, अविवाहित बालक, कुमार, कुवर, अविवाहित, कुवारा A boy, an unmarried lad उत्त० १०, १६, १८, ३, सूय० १, ७, १०, नाया० २, ५, ८, १४, १६; १८, भग० ५, ४, २४, १२, ज० प० अंत० ३, ८, दसा० ६, ४, निर० ३, ४, उवा० ८, २५६, (२) अगम मरण खराब मरण bad, unfortunate kind of death नाया० १४, (३) अमुर कुमार आदिदेवता अमुर कुमार आदि देवता. gods known Asura-Kumāra etc. ज० प० भग० ३, ७, जीवा० ३, ३, —रगद पु० (-ग्रह) अमुर कुमारान्तो

वर्णाऽ. असुर कुमारदि का सम्बन्ध. state of being possessed by, under the influence of the gods known as Asurakumāra etc ज० प० २; भग० ३, ७, जीवा० ३, ३; —वास. पु० (-वास) कुमार अवस्थाभा रहेवु ते, अल-अर्थाश्रम. कुमार अवस्था, ब्रह्मचर्य आश्रम. remaining in the state of a bachelor, that stage of life in which one remains a bachelor. “कुमारवासमज्जवसित्ता सुडे जाव पव्वइया” ठा० ५, ३; कप्प० ७, २१०, ज० प० २ ३०, —समण पुं० (-श्रमण) कुमार-अवस्थाभाथीन दीक्षा लीधेन आल अल्लयारी कुमार अवस्था मे ही दीक्षा लिया हुआ; बाल ब्रह्मचारी (one) who has taken Dīksā (initiation) from early boyhood अत० ३, ८, राय० २१५, उत्त० २३, २,

कुमारत्ता स्त्री० (कुमारता) कुवारापण कुवारापन, अविवाहितपना State of being a maid or a bachelor नाया० ८,

कुमारपुत्तिय पु० (कुमारपुत्रक) ओ नामनी ओके निग्रथ साधु इस नाम के निग्रन्थ साधु. Name of a Nigrantha ascetic सूय० २, ७, ६,

कुमारभिच्च पु० (कुमारभृत्या—कुमाराण बालानां भृत्यौ पांपणे साधुः कुमारभृत्या) आयुर्वेद शास्त्रतो ओके लाग के नेमा न्दाना छेकराओना रोगनी चिकित्सा अनायी छे आयुर्वेद शास्त्र का एक भाग, जिसमे कि छोटे-बच्चों की चिकित्सा बतल है A division of Āyurveda medical science treating of the diseases of children ठा० ८, १,

कुमारिच पु० (कुमारक = कुत्तिपनो मारणीय

सत्त्वस्यातीववेदनोत्पादकत्वाश्लिष्यो यो मारो
मारण स विद्यते येषां ते कुमारका)
अराय शीक्षारी दुष्ट शिकारी, बुरा शिकारी
A bad, cruel hunter ओघ० नि०
भा० ६०,

कुमारिया स्त्री० (कुमारिका) कन्या, दुमा-
रिका कन्या, कुमारी A girl राय० ८१;
नाया० २, दस० ५, १, ४२,

कुमारी स्त्री० (कुमारी) दुमारिका, अविवा-
हित स्त्री, कन्या कुमारी, लडकी, अविवा-
हित कन्या A virgin, a girl सूय०
१, ४, १, १३; नाया० १८, राय० ८१, कप्प०
३, ३८,

कुमारलेच्छह न (कुमार लिप्सु) दुमा-
लच्छीनामनु विपाक सूत्रनु दशमु अध्ययन
विपाक सूत्र का कुमारलच्छी नामक दशवा
अध्याय The tenth chapter of Vi-
pāka Sūtra named Kumāra-
lachchhi ठा० १०, १,

कुमुद-य न० (कुमुद) चन्द्र विदाशी डमल
चंद्र देखकर फूलनेवाला कमल A moon-
lotus राय० ४८, ज० प० दस० ५ १,
१४, १६, उत्त० १०, २८, सूय० २, ३, १८,
नाया० ४ जीवा० ३, १, कप्प० ५, ११६,
(२) सफेद फूल सफेद फूल a white
flower विशेष ११०५, —वण न०
(-वन) चन्द्रविदाशी डमलनु वन, येयली-
नु वन चन्द्रविकाशी कमल का वन a
forest of moon lotuses कप्प० ३,
३८,

कुमुद न० (कुमुद) सफेद डमल चन्द्रविदाशी
डमल सफेद कमल चन्द्रविकाशी कमल A
white lotus पञ्च० १ राय० ४८,
नाया० १, ६, १०, मग० ६, ३३. (२)
पश्चिम महा विदेहना दक्षिण आडवानी मेरु
तरङ्गशी छट्टी विजय पश्चिम महाविदेह के

दक्षिण खंडकी मेरुकी तरफसे छट्टी विजय
the 6th Vijaya from Meru situ-
ated in the south of the west-
ern Mahā-Videha ठा० ८, ज० प०
३, ५६, (३) पश्चिम महा विदेहना दक्षिण
आडवानी मेरु तरङ्गशी छट्टी विजयना राजा
पश्चिम महा विदेह के दक्षिण खंड के मेरु
की तरफ से छट्टी विजय का राजा
the king of the sixth Vijaya
from Meru situated in the
south of the western Mahā-
Videha ज० प० (४) आडमा देवलोकनु
कुमुद नामे ओक विमान, ऐनी देवतानी
स्थिति अद्वार सागरोपमनी छे ओ देवता नव
महिने आसोआस लेछे, अने १८ हजार वर्षे
क्षुधा लागे छे आठवें देवलोक के विमान का
नाम जहां के निवासी देवों की आयु अठारह
सागरोपम की है और वे ६ वें मास में एकवार
आसोआस लेते हैं तथा अठारह हजार वर्ष में
उन्हें भूक लगा करती है name of a
heavenly abode of the eighth
Devaloka सम० १८,

कुमुदकूट. पु० (कुमुदकूट) लहराल वनना
आड दिग्दृष्टिमानु पायमु इट-शिखर
भद्रमाल वन के आठ दिग्दृष्टि कूटों में का
पाचवा कूट-शिखर the 5th of the
eight Dighasti summits of the
forest named Bhadrasthila
ज० प०

कुमुदग न० (कुमुदक) ओक जलनु घास.
एक प्रकार का घास A kind of grass
सूय० २, २, ०१,

कुमुदगुम्भ न० (कुमुदगुम्भ) आडमा देव-
लोकनु कुमुदगुम्भ नामे ओक विमान; ऐनी
स्थिति अद्वार सागरोपमनी छे, ओ देवता
नव महिने आसोआस ले छे, अने आठ

८००२ वर्षे क्षुधा लागे छे. आठवे देवलोक का कुमुदगुल्म नामक विमान जहा के देवों की आयु अठारह सागरोपम की है और जो नौ माह में एक बार श्वासोच्छ्वास लेते हैं तथा जिन्हें अठारह हजार वर्षों में भूख लगा करती है Kumudagulma, name of the heavenly abode of the 8th Devaloka, the gods in which live 18 Sāgaropamas, breathe once in nine months and take their food once in 18000 years सम० १८,

कुमुदगुल्मा स्त्री० (कुमुदप्रभा) अश्वत्थना प्रशान्तपुष्पाना वनप्रसभा ५० जेज्ज उपर आवेश ओड वावडी जंबूवृक्ष के ईशान कोन के वनखड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक वावडी Name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambū tree ज० प० ४,

कुमुदा स्त्री० (कुमुदा) दुमुदा नामनी महा विदेहनी ओड विजय कुमुदा नामक महाविदेह की एक विजय Name of Vijaya in Mahāvideha ठा० २, ३; (२) अश्वत्थना प्रशान्तपुष्पाना वनप्रसभा ५० जेज्ज उपर आवेश ओड वावडीतुं नाम जंबूवृक्ष के ईशान कोन के वनखड में ५० योजन दूरी पर स्थित एक वावडी का नाम. name of a well situated at a distance of 50 Yojanas to the north-east of Jambu tree ज० प०

कुमुया स्त्री० (कुमुदा) दक्षिण दिशाना अश्वत्थ पर्वतनी दुमुदा नामनी ओड वाव दक्षिण दिशा के अजनक पर्वत की कुमुदा नामक वावडी Name of a well on the Añjanaka mount in the south

प्रव० १५०१, ठा० ४, २, जीवा० ३, ४, कुम्मा पु० (कूर्म) डायभो कछुआ. A tortoise जं० प० ५, ११६; सूय० १, ७, ३५, १, ८, १५; दसा० ६, ४; विशेष० ११४८; ओव० १०; १७, दस० ८, ४१; नाया० ४; जीवा० ३, ३, भग० ८, ३, २५, ७, ४२, १; उवा० २, १०१, कप्प० ३, ३६; ५, ११६, (२) डायभाना दृष्टातवातुं ज्ञातासूत्रतुं योथुं अभ्ययन ज्ञातामूत्र का कछुआके दृष्टान्तवाला चौथा अध्याय name of the fourth chapter of Jñātā Sūtra, giving an illustration of a tortoise नाया० १, सम० १६, ओव० (३) कूर्म नामतु ओड ग्राम एक नगर का नाम. (कूर्म). a village of that name भग० १५, १, (४) पीशभा तीर्थंकरतु लाछन २० वें तीर्थंकर का लाछनचिन्ह the symbol of the 20th Tirthankara प्रव० ३८२, —आवलिया स्त्री० (—आवलिका) डायभानी पक्ति कछुआओं की पंक्ति a row, a series of tortoises भग० ८, ३; —गइ स्त्री० (—गति) डायभानी गति, डायभानी याद. कछुआ की गति; कछुआ की चाल the motion, the gait of a tortoise नाया० ५, —चलण न० (—चरण) डायभानी पग कछुआ का पैर a foot of a tortoise. नाया० १,

कुम्माअ-य पु० (कुर्मक) डायभो कछुआ A tortoise नाया० ४

कुम्माग पु० (कुर्मक) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above नाया० ८,

कुम्मास्थल न० (कुर्मस्थल) गण्डस्थल, गण्ड गण्डस्थल Cheeks, temples सु० च० २, २७,

कुम्मास पुं० (कुम्माप) ओड ज्ञातनु धान्य;

अ३६. उर्द, एक तरहका अनाज A kind of grain, black beans आया० १, ६, ४, ४; परह० २५, दस० ५, १, ६८; भग० ५, २, उत्त० ८, १२, (२) दुग्धी कुलथी, एक तरहका धान्य a kind of pulse called Kulittha पि० नि० ६२३; सूय० २, ३, २१, (३) आक्षेपा अ३६, आक्षेपा पकाया हुआ उडद नामक दान्य cooked black beans पि० नि० भा० ३७, पि० नि० २०२, —पिंडिया स्त्री० (-पिंडिका) अ३६नी मुडी उडद की मुट्टी a handful of black beans भग० १५, १,

कुम्भुराण्या स्त्री० (कुमोन्नता-कुर्म कच्छपस्त-द्वदुन्नता कुमोन्नता) क्षत्र्याना जेरी उत्तत योनि-उत्पत्ति स्थान के जेमाथी अरिहत, चक्रवर्ती, वलदेव अने वासुदेवने जन्म थाय छे कछुएके समान उन्नत योनि-उत्पत्ति स्थान जिसमेंसे अरिहत, चक्रवर्ती, वलदेव और वासुदेवका जन्म होता है The womb like a tortoise from which Ananta, Chakravarti Baladeva and Vāsudeva are born “कुम्भुराण्याण जोशीए तिविहा उत्तम पुरिसा गम्भ वक्रमति । तजहा-अरहता, चक्रवर्ती, वलदेव-वासुदेवा” ठा० ३, १, नाया० ८ पन्न० ६,

कुचवा स्त्री० (कुचवा) ओ नामनी ओके वेश इस नाम की एक वेल A kind of creeper so named पन्न० १,

कुरश्च पु० (कुरजस्) ओ नामनी ओके दहन वनस्पति इस नाम की एक कूहन वनस्पती Name of a species of vegetation पन्न० १,

कुरंग. पु० (कुरङ्ग) हरण, भृग हिरन, मृग A deer ज० प० पि० नि० ७६, ८१; परह० १, १, पन्न० १,

कुरज्ज न० (कुराज्य) अराय राज्य खराब राज्य A bad kingdom ज० प० ३.६६, —कुरत्था स्त्री० (-कुरथ्या) न्दानी शेरी-गल्ली छोटी गली. कुचा a narrow miserable lane प्रव० १४७८,

कुरर पु० (कुरर) पाणीने किनारे रहेनार ओके जलतनु पक्षी जल के समीप रहने वाला एक प्रकार का पक्षी A kind of bird residing near water, an osprey परह० १, १,

कुररी. स्त्री० (कुररी) ओके जलतनु पक्षी, टीटेडी एक प्रकार का पक्षी, किगुर. A kind of bud, a female osprey उत्त० २०, ५०

कुरल पु० (कुरल) ओके जलतनु आनी पाओवाण पक्षी एक प्रकार का स्त्र दार पखोंवाला पक्षी A kind of bud, an osprey जीवा० १, पन्न० १,

कुरली स्त्री० (कुरली) दरयली. मल. A fold, a wrinkle सु० च० १, १,

कुरविंद पु० (कुरविन्द) ओ नामनु पर्वग जलतनु आड इस नाम का पर्वग जाति का वृक्ष A kind of tree पन्न० १,

कुराय पु० (कुराजन्) अराय गज, सीमाडने गज दुष्ट राजा, सीमान्त राजा A bad king a neighbouring king निसी० ९, २१,

कुरिण. न० () मोटु जंगल बड़ा जंगल An extensive forest ओघ० नि० ४४७

कुरु पु० (कुरु) दुरु नामने देश. कुरु नामक

देश A country named Kuru नाया० १८, पञ्च० १, (२) दुरू नामनो द्वीप तथा समुद्र कुरु नामक द्वीप तथा समुद्र name of an island, also that of an ocean. जीवा० ३, ४, पञ्च० १५; (३) महाविदेह क्षेत्रमां आवेत्त जुगालियाना क्षेत्रो, देव दुरू अने उत्तर दुरू नामक क्षेत्र महाविदेह क्षेत्र संबंधी जुगालिया के क्षेत्र. देव कुरु और उत्तर कुरु नामक क्षेत्र. the regions of abode of Jugaliyās in Mahāvideha, viz Deva Kuru and Uttara Kuru अणुजो० १०३, —जणवय न० (—जनपद) दुरू नामनो देश कुरु देश a country named Kuru नाया० ८, १६, —राय पु० (—राज) अदीनशत्रु नामे दुरू देशेनो राजा अदीनशत्रु नामक कुरु देश का राजा a king of Kurudeśa, Adinaśatru by name नाया० ८

कुरुअ पु० (कुरुक) माया उपायनु पर्याय वायड नाम माया कषाय का पर्याय वाची नाम. A synonym for Māyā Kasāya i. e. deceit सम० ५२,

कुरुकुन्द न० (कुरुकुन्द) ओंके मतनु घास एक तरह का घास A kind of grass भग० २१, ६,

कुरुकुया स्त्री० (कुरुकुचा) स्थितिसे गया पड़ी आगमन देव, पग धोना वगेरे शौच क्रिया इत्यादि ने शौच जाने के बाद आचमन लेना, पैर धोने आदि शौच क्रिया का करना Cleansing the mouth after answering the call of nature, washing the feet etc ओष० नि० ३१८,

कुरुदत्तपुत्र पु० (कुरुदत्त पुत्र) कुरुदत्तपुत्र नामना श्रीमहावीर भगवानना ओंके शिष्य

श्रीमहावीर स्वामी का कुरुदत्तपुत्र नामक शिष्य Name of a disciple of Lord Mahāvīra. भग० ३, १;

कुरुमई स्त्री० (कुरुमति) कुरुमती नामनी १२मा चक्रवर्तिनी स्त्री चारहवे चक्रवर्ती की स्त्री का नाम Name of the wife of the 12th Chakravartī सम० प० २३४,

कुरुया स्त्री० (कुरुका) पग धोना वगेरे शौच क्रिया पैर धोना आदि क्रिया Process of cleansing e. g. washing the feet etc ओष० नि० १६६;

कुरुविद पु० (कुरुविन्द) ओंके मतनु घास; नागर मोथा एक प्रकार का घास, नागर मोथा. A kind of grass ओष० १०; (२) डेव स्तम्भ के ल स्तम्भ, केले का तना the trunk of a plantain tree जीवा० ३, ३,

कुरुविंदावत्त न० (कुरुविंदावर्त) ओंके मतनु ओंके मतनु धरेलु इस नाम का एक प्रकार का आभूषण Name of a kind of ornament कप० ३, ३६;

कुरुव पु० (कुरुप—कुत्सित रूपं कुरुपम्) भराय रूप, उदरूप बुरा रूप. कुरुप Ugly appearance “कुत्सित यथमवत्येव रूपयति मोहयतीति कुरुपम्” ज० प० १, ३६, भग० ७, ६, १२, ५. (२) मोहनीय कर्म मोहनी रूप कर्म Mohaniya Karma सम० ५२;

कुल पु० (कुल) पूर्वज आपदानाती प० परा, वंश, ओलाद. कुल कुल. पूर्वज, पुरखे, वाप दादा, वंशपरंपरा Family, ancestors genealogy, family descent ज० प० ४ ११२० ७, १२५, ७, १६१; ओष० पञ्च० १, राय० १७ मन्था० ६; वव० ३, ६;

नाया० १; १६, दस० ५, १, १४, २४, भग० २, ५, ८, ६, २५ ७, आया० १, ६, २, १८४, उत्त० २५, १; सूय० १, ४, १, ११, उवा० १, ६६, (२) पितापु पक्ष, आपना पक्षीलोनी परपरा पिता का पक्ष, पिता के पूर्वजोंकी परपरा, paternal side, continuity of paternal ancestors ओव० १६, तदु० राय० ठा० ४, २, (३) आद्रादिष्ठ कुल, गणुनो ओष्ठ भाग चाद्रादिक कुल, गण का एक भाग family like Chāndia etc, a portion or division of a Gana ठा० ३, ४, ५, १, भग० ८, ६, १२, २, (१) कुल, गोत्र कुल, गोत्र family genealogy or line of descent अणुजो० १३१, गच्छा० ८७, कण्ठ० २, १७, प्रव० ५५७, भक्त० ७५, (५) घर गृह, घर a house कण्ठ० ६, निसी० २, ४८, वेय० १, ३१, (६) समुदाय, ज्योथी, समुह समूह, समुदाय a collection, a multitude राय० २५५, ओव० पि० १० ८३, पण्ड २, ३, नाया० ५, ८, (७) महीनाना नामसंख्या नामवाला नक्षत्रो, ज्योथी के कृत्तिका, मृगशिर, पुष्य वज्रेश्वर आर नक्षत्रो महिनों के नामके समान नाम वाले नक्षत्र जैसे कि कृत्तिका, मृगशिर पुष्य, वज्रेश्वर वारह नक्षत्र the twelve constellations corresponding in name to the 12 months, e g Kṛtikā, Mṛgaśīra etc ज० प० ३, ४५, —अणुरूप त्रि० (—अनुरूप) कुलने अनुसार कुल के अनुसार such as is worthy of one's family नाया० १६, भग० ११, ११, —अमद पु० (—अमद) कुलने मदन करनेवाले कुल के नद से रहित absence of pride about one's family भग० ८, ६, —आजीव पु०

(—आजीविक) कुल जल्हावी अहार लेवे ते अहारने ओष्ठ होय कुल बतलाकर अहार लेने वाला. a fault connected with begging food, accepting food after declaring one's family ठा० २, १, —आधार पु० (—आधार) कुलने आधार कुलका आधार the prop-or support of a family नाया० १, भग० ११, ११, कण्ठ ३, ५२, —इगाल. पु० (—अङ्गार) कुलनी क्षितिने अगालना, नक्षत्रो, कुलमा अगार ज्योथी, यथा इन्द्रिष्ठ कुल की क्षितिपर ध्वजा लगाने वाला, कुल में अग्नि के समान जैसे कि कडरिष्ठ one who is a disgrace to the family, e g Kandariṣṭha ठा० ४, १, —उपकुल त्रि० (—उत्पन्न) कुलमा उत्पन्न भयेन born in a family कण्ठ० १, २, —उपकुल न० (उपकुल) चित्रा आदि कुल नक्षत्रनी पामे रहेन उपकुल नक्षत्र चित्रा आदि नक्षत्र की पाम का उपकुल नक्षत्र the constellation Upakula near Chitrā etc ज० प० ७, १६१ —कन्या स्त्री० (—कन्यका) कुलीन स्त्री कुलीन कन्या a girl belonging to a family भग० १८, १०, —कहा स्त्री० (—कथा) अमुक कुल साँझ अमुक कुल अराय छत्यादि कथा करवी ते कुल सम्बन्धी कथा करना अर्थात् अमुक कुल अच्छा है और अमुक बुरा है आदि talk about the merits or demerits of a family. ठा० ४, २, —क्षितिकर त्रि० (—क्षिति कर) कुलनी ज्योति करना कुल की प्रशंसा करने वाला one who is a source of fame to the family नाया० १, भग० ११ ११ —केउ पु० (—केतु-कुलस्य केतु ध्वज-कुलकेतुः) कुलनी ध्वज २५ कुल की

ध्वजा-पताका रूप one who is like a flag or banner in a family i. e. prominent in a family नाया० १; भग० ११, ११;—कखय पु० (-कय) दुलने नाश कुल का नाश. the destruction of a family भग० ३, ७, जीवा० ३, —घर न० (-गृह) पितृ गृह, पितृ गृह; मैका, पिता का घर the home of parents the house of the family नाया० ७; भग० १५, १; —घरवर्ग. पु० (-गृहवर्ग) भाता पिता आदि आदि सभूह माता, पिता, भाई वधु आदि का समूह a group of the members of a family, such as mother, father, brothers etc नाया० ७, —जसकर त्रि० (-यशस्कर) दुलनु यश वधारेनार कुल का यश बढ़ानेवाला (one) who increases the reputation of the family भग० ११, ११, नाया० १, —खंडिकर त्रि० (-नन्दिकर) दुलनी वृद्धि करने कुल की वृद्धिकरने वाला (one) who is a source of increase and prosperity to the family नाया० १, भग० ११, ११ —तिलक. न० (-तिलक) दुलनु निवड; दुलभा निवड समान कुल का तिलक one who is like an auspicious mark on the forehead in the family i. e. brings fame to the family. नाया० १. भग० ११, ११; —दीप पु० (-दीप=कुले दीप इव कुल दीप) दुलने दीप कुल का दीपक one who is like a lamp (a source of reputation) in a family नाया० १, भग० ११; ११, —धम्म. पु० (-धर्म) दुलान्यार. कुलाचार, कुल सम्बन्धी आचार. rules of con-

duct which are observed in a family ठ० १०. —धूया. स्त्री० (-दुहितृ) दुलनी पुत्रि. कुल की पुत्री a daughter in a family. “तत्थण जेते इत्थि कुलत्था तेतिविहा प० त० कुलमाउयाइय कुलधूयाइय” नाया० ५; —धूया. स्त्री० (-वधू) दुलनी वधु कुल वधू a daughter-in-law in a family “तत्थण जे ते ति विहा प० त० कुलकरिणया इवा कुलमाउया इवा कुलधूया इवा” भग० १८, १०, —नंदिकर त्रि० (-नन्दिकर) लुओ “कुलणदिकर” शब्द देखो “कुलणदिकर” शब्द. vide “कुलणदिकर” भग० ११, ११, —पडिणीय. त्रि० (-प्रत्यनीक) दुलने दुश्मन कुल का शत्रु an opponent of a family भग० ६, ३३, —पर्वत पु० (-पर्वत—कुले पर्वत इव कुलपर्वत.) दुलभा पर्वत समान कुलम पर्वत के समान. (one) who is like a mountain (i. e. protector) in his family नाया० १, भग० ११, ११, ज० प० ५, १२० (२) क्षेत्रनी मर्यादा करने पर्वत श्रृंखला हिमवत वगैरे क्षेत्र की मर्यादा करनेवाला पर्वत, चूल हिमवत आदि. mountains like Chūla Himavanta etc that bound a region of plains सम० ३८, —पायव पु० (-पादव—छायाकरत्वात् आश्रयत्वाच्च कुलस्य पादप इव वृक्ष इव कुलपादपः) दुलने छायवृक्ष तुल्य कुल में कल्पवृक्ष के समान (one) who is like a shady tree to his family नाया० १. भग० ११, ११;—पुणिणमा स्त्री० (-पुणिमा) दुल नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. कुल नक्षत्रयुक्त पूर्णिमा. the 15th bright day with all the constellations ज० प० ७ १६२,

—मअ-य पुं० (—मद) कुलनो मद, पिताना पक्षनो मद करवो ते कुल सम्बन्धी मद, पिता के पक्षका मद. pride of high descent, pride of family “दुसहिं ठाणेहिं अहंसी तिथ भेजा। तमहा-जाइ मण्ण वा कुल मण्ण वा” ठा० १०, भग० ८, ६, ठा० ८, १, —मसी. स्त्री० (—मपी) कुलने मेसरूप कलक लगावे वाली (a woman) who blackens the fame of a family. परह० १, ३, —माउया स्त्री० (—मावृका) कुलनी माता, कुल की माता mother of a family नाया० २, भग० १८, १० —रोग पुं० (—रोग) कुलनो रोग, आआ कुलने लागु पडे तेवो व्याधि कुलसम्बन्धी रोग a disease affecting the whole family a disease from which all the members of a family suffer भग० ३, ७, —चइ पुं० (—पति) तापस भइजानो ठा० १, तापस गुरु, ऋषियोमा श्रेष्ठ तापसी लोगो का अधिपति, तापसी गुरु, ऋषियो मे श्रेष्ठ the head of a group of ascetics, the preceptor of ascetics, the highest among saints पि० नि० ५०३, सू० च० ७, १८१, —वंस पुं० (—वश) कुलवश कुलवश noble genealogy भग० ६, ३३, ११, १०, नाया० १ १६, —वंसंतु. पुं० (—वंशतु) कुलवशना सन्तान कुलवश की सन्तान off-spring of a noble descent नाया० १, —वडिंसय पुं० (—वतसक) कुलना भुगत रूप कुल के सुकट रूप (one) who is like the crown of a family भग० ११, ११, नाया० १ —वहुया स्त्री० (—वधूका)

कुलनी वहु कुलवधू a daughter-in-law belonging to a noble family नाया० ५, —वहु स्त्री० (—वधू) सारा कुलनी वहु अच्छ कुल की वहु a daughter-in law belonging to a noble family प्रव० २५४, पचा० ११, १८, —वित्तिकर त्रि० (—वृत्तिकर) कुलनी आशुविधा यथावतार कुल की आजी विका चलाने वाला (one) who supports a family नाया० १, —विव-वृणकर त्रि० (—विवर्नकर) कुलनी वृद्धि-करनार कुलकी वृद्धि करनेवाला (one) who is a source of increase and prosperity to the family भग० ११, ११, नाया० १, —वेयावच्च न० (—वैयावृत्य) कुलनी सेवा करनी rendering services to the members of a family वव० १०, २७, भग० २१, ७, आ० व० —संतान पुं० (—सतान) कुलनी सन्तान-सन्तति कुलकी सन्तान. progeny of a (noble) family भग० ११, ११, —संपण त्रि० (—सपन्न—कुल पैतृकः पन्न तत्सपन्न) जेना आप दादा श्रेष्ठ होय ते कुल सपन्न जिसके बापदादा श्रेष्ठ हो वह कुलसम्पन्न कहलाता है born in a noble or high family “जाई कुलसम्पन्नो पायमाकिचन सेवईकिचि। आमे विड च पच्छा तगुणओ सम्ममालोण” ठा० ८, ३, १, विवा० १ नाया० ४० भग० २, ५, ६, ७, —सपन्न त्रि० (—सम्पन्न) जुओ “कुलसंपण” शब्द देगो “कुल-सपण” शब्द विदे “कुलसंपण” नाया० १ भग० २५, ७, ठा० ४, २, ८, —समुपण त्रि० (—समुपन्न) कुलभा उत्पन्न थयेन कुल मे उत्पन्न हुआ. born

in a noble family कण्ठ० १, २,
—सरिस. त्रि० (—सदृश) दुल सभान-
सरभु. कुलकी अपेक्षा से-समान worthy
of the family in which one is
born; bearing family resem-
blance. भग० ११, ११, नया० १६,

कुलत्र-य. न० (कुलक) श्लो० ३ गाथातो
समुदाय; ओ३ संयधवाली आ३ ३ तेशी
वधारे गाथाओतो समुह श्लोक या गाथा का
समुदाय, एक सम्बन्ध वाली आठ या उससे
आवेक गाथाओंका समूह A collection
of verses eight or more in
number and grammatically
connected प्रव० १२६३,

कुलकोडी. पु० (कुलकोटि) दुलकोडि, लुवनी
उत्पत्ति स्थानना प्रकार जांव के उत्पत्ति
स्थान के प्रकार. Varieties of the
sources of birth or origin of
living beings प्रव० ३६, ६७७,

कुलकख. पु० (कुलाक्ष) दुलक्ष देशतो मनुष्य
कुलाक्ष देश का मनुष्य A man belong-
ing to the country named Ku-
lākṣa परह० १, १, पञ्च० १;

कुलकखण. न० (कुलक्षण) अपलक्षण अराय
चिन्ह वुरे चिन्ह, अपलक्षण, कुलक्षण A
bad sign or mark or charac-
teristic परह० १, १,

कुलगर पु० (कुलकर) जुगदीयानो राज,
जुगदीयानी व्यवस्था करणार जुगलियों का
राजा. The king or governor
of the Jugaliyās ज० प० २, २६;
मम० ६००, भग० ५, ५, कण्ठ० ७, २०६

कुलन्थ पु० (कुलन्थ) दुलन्थी, ओ३ लतनु

धान्य कुलथी A kind of pulse.
वेय० २, १, दमा० ६, ४, जं० प० भग०
६, ७: १८, १०, २१, २, पञ्च० १; ठा० ५,
३. नाया० ५ निर० ३, २; प्रव० १०१६;

कुलन्थ पु० (कुलार्थ) दुलार्थ नामे ओ३
अनार्थ देश कुलार्थ नामक एक अनार्थ देश
Name of an Anārya i e bar-
barous country प्रव० ११६८,

कुलन्था स्त्री० (कुलस्था) दुलीन स्त्री. कुलीन
स्त्री A nobly born woman नाया०
५, भग० १८, १०,

कुलय पु० (कुलक) बार सेनिका अथवा आ३
पसदि प्रमाण मान विशेष चार सेनिका
अथवा आठ पसली प्रमाण तौल विशेष A
measure of capacity equal to
eight Pavalis (a Paval = as
much as is contained in two
hands joined together) तदु०
अणुजो० १३२, पि० नि० ४; प्रव० १३६६;

कुलल पु० (कुलल) गीध पक्षी गीध पक्षाः
गीधड A vulture उत्त० १४ ४६,
सूय० १, ११, २७, (२) समडी. चाल.
a kind of bird उत्त० १४, ४६;
परह० १, १ (३) गीधडो विलाव A
cat दस० ८, ५४;

कुललय पु० () पाणीनो डोगलो डरयो
ते पानीका कुला A gangle. प्रव० ४३६.

कुलविदि पु० (कुलविधि) जुगो 'कुल-
कोडी, शब्द देखो "कुलकोडी" शब्द.
Vide "कुलकोडी" भग० ७, ५,

कुलाल पु० (कुलाट) मानर: गिडाडो.
विलाव, मार्जार A cat सूय० २, ६, ८४,

कुलाल पु० (कुलाल) दुलार कुमार A

* जुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ का फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th

potter क० ग० १ ५२,

कुलालय पु० (कुलाटक—कुलानि-गृहाण्या
मिषान्वेषणार्थिनो नित्य येऽटान्ति ते कुलाटा
-मार्जारा कुलाटा इव कुलाटका ब्राह्म ः)
मित्रादीनी पेठे गृह्णथ धरोधर इरनार
भिक्षु विह्वी के समान लोलुप होकर घरघर
फिरने वाला भिकारी A greedy men
dicant wandering from house
to house like a cat. सू०

कुलालय पु० (कुलालय—कुलानि-क्षत्रियादि
गृहाणी तानि नित्य पिण्डपातान्वेषिणा
परतकुकाणामालयो येषां ते कुलालयाः)
जुयो उपलो शब्द देखो उपरका शब्द.
Vide the above word सू० २, ६,
४४, “जं भोग्यं शिष्यं कुलालयाणं”
सू० २, ६, ४४,

कुलाचकुल पु० (कुलाचकुल) अक्षिप, शत-
भिपक्ष, आर्द्रा, अने अनुराधा ये चार नक्षत्र
अभिजित शतभिषक आर्द्रा, और अनुराधा ये
चार नक्षत्र The four lunar constel-
lations, viz Abhicha, Satabhi-
saka, Ārdhā and Anurādha
ज० प०

कुलिङ्ग पु० (कुलिङ्ग—कुल्मित लिङ्ग कुलिङ्ग)
कुलिङ्ग-शाक्य पगेरेनो वेप कुलिङ्ग-शाक्यादि
बगेरह का वेश Garments worn by
heretics, such as Śākya etc
सम० प० २३१, (२) डीजनी ओड जत,
भाड्ड कांडेकी जाति, खटमल a kind of
insect, a bug विशेष० १७५४, ओघ०
नि० भा० २५५,

कुलिङ्गच्छाय पु० (कुलिङ्गच्छाय) जतु विशेष
जतु विशेष A kind of insect भग०
१८, ८,

कुलिङ्गि त्रि० (कुलिङ्गिन्—कुल्मितलिङ्ग कुलि-
ङ्ग शिवसुरावाधक तद्विद्यते येषां ते कुलिङ्गिनि)

कुलीर्थी पांभडी कुलीर्थी, पायगडी, बुरे बर्म
का अनुयायी, मिथ्यात्वी A follower
of a false religion, a heretic
ओव० परह० १, २,

कुलिय-अ त्रि० (कुलिक) डोलीयुं कौर A
mouthful नाया० २, ६, २, १३८,
परह० १, १, अणुजो० ६७ (२) ८६
हल a plough विशेष० ६२५, परह० १,
१, (३) चाटी टट्टी a fencing निमी०
१३, ६, १६, २७,

कुलिय न० (कुड्य) लीत दावाल A
wall सू० १, २, १ १४ आया० २, १,
५, १४८,

कुलियकड. त्रि० (कुलिकीकृत) कुलजने आकारे
ढगयो डिधेय मिनी के लोट के आकार ढेर
किया हुआ Heaped up in the
shape of an earthen pot वेय०
२, २.

कुलीकोस पु० (कुलीकोश) श्वेतज्य ओड
जतनु पक्षि मफेद हस एक प्रकार का पक्षी
A kind of bird a white swan.
परह० १, १.

कुचञ्च पु० (कुचञ्च) अन्तर्गत भुवन त्रीण
वर्गना अगीआरभा अध्ययननु नाम
अत गड सूत्र के तामरे वर्गक ११ वे अभ्यासका
नाम Name of the 11th chapter
of the 3d section of Anta-
gāda Sūtra अत० ३, ११, (२)
दाउकाना अक्षदेव गजनी धारणी
गजनी पुत्र के ने नेमनाथ प्रभुपामे दीक्षा
लध वीस परसनी प्रवर्ज्या पाणी आद प्रव-
नो अभ्यास डी शत्रुज्य उपर ओड भास
नो सथारे डरी, प० म प० प म्या द्वारिका
के बलदेव राजा की भारणी नामक रानी का
पुत्र जिन्होंने कि नेमनाथ स्वामी में दीक्षा ली,
चौदह पर्व का अभ्यास किया वीस वर्षों तक

प्रव्रज्या का पालन किया और अंत में शत्रुजय पर्वतपर एक मास का मथारा कर के मोक्ष प्राप्त किया. the son of Dhāraṇī the queen of Baladeva the king of Dvārakā city. He (the son) took Dikṣā from lord Nemināth and after practising it for 20 years and having acquired knowledge of the 14 Pūrvas, accepted Santhārā for a month on the mount Śatruñjaya and there attained the final bliss अत० ३, ११;

कुवर न० (कूवर) नावानो आगवो लाग; नावानो भोरयानो लाग नौक का अगला हिस्सा The front part of a ship or boat “संचुरिणय कट्ट कुवरा” नाया ६;

कुवलय न० (कुवलय) डभल. कमल. A lotus कप्प० ३, ४२, ओव० ज० प० नंदी० ३१. (२) नीलोत्पल डभल नीलोत्पल कमल, नीले पत्तों का कमल a lotus with blue leaves नाया० ६,

कुविअ-य त्रि० (कुपित) डोपेक्ष, गुस्से थपेक्ष. कुपित नागज, क्रोधित Angry; eniaged “आयरिय कुवियंनच्चा, पत्तिण्ण पमायण्” नाया० १; ६. १६, दस० ६, १, ७; भग० ३, १ २; विवा० १, ८. परह० २, ५; उत्त० १, ४१ उवा० २, ६५, जं० प० ३, ५६;

कुविअ-य. न० (कुप्प) वासणु यजेरे धर-वभरी गृह नामग्री Household articles and furniture such as vessels etc परह० १, ४; प्रव० ७०६; —गिह. पुं० (—गृह) धरवभरी राभ-यानुं धर गृह नामग्री रग्वने का घर

house in which household articles, furniture etc are kept. निसी० ८, ८. —साला स्त्री० (—शाला) व्या धर वभरी रहे तेवुं धर जहा घर सामग्री रहती है वह घर A house in which household furniture, vessels etc are kept. परह० २, ३; निसी० ८, ८,

कुविद. पुं० (कुविन्द) यथुद्धर बुनेवाला; जुलाहा. A weaver. सु० च० ८, २३४; कुविदवल्ली स्त्री० (कुविन्दवल्ली) ओ नामनी ओड वेक्ष. इस नामकी एक वेल Name of a creeper. पञ्च० १;

कुविहायगइ स्त्री० (कुविहायोगति) अशुल विहायो गति, उट्टीया नी माइड अराय गति. उंट के समान खराब चाल Bad repulsive gait like that of a camel प्रव० १३०३;

कुवुट्टि. स्त्री० (कुवुट्टि-कुत्सिता वृष्टि कुवुट्टि) रोगोत्पादक वरसाद ऋतुविनातो वरसाद, भायटु. रोगोत्पादक वर्षा, बिना ऋतु की वर्षा; मावडा. Rain out of season: unwholesome rain जं० प० १, १०,

कुवेज्ज पुं० (कुवैद्य) अराय वेद्य, उट्ट वैद्य खराब वैद्य A bad doctor, a quack पंचा० १५, ५,

कुवेणी स्त्री० (कुवेणी) ओड लततुं हथिया एक प्रकार का शस्त्र A kind of weapon. परह० १, ३,

✓ कुव्व धा० I. (कु) डरतु करना To do

कुव्वड उत्त० १, ४४, दस० ५ २, ४६,

कुव्वन्ति. भग० ६, ४, नाया० १,

कुव्विजा वि० उत्त० १, १४;

कुव्वसाण आया० १, १, ३, १८, नाया० १, पञ्च० २.

कुव्वन् सू० १, १, १, १२, २, ४, ११,
 कुव्वकारिया स्त्री० (कुर्वकारिका) ओ नामनी
 वनस्पति इस नाम की वनस्पति A kind
 of vegetation so named. पञ्च० १,
 कुवणा. स्त्री० (* करण) धरुं करना Do-
 ing, act of doing भग० ६, ४,
 कुस पु० (कुण) ओष्ठ जलतु घास, दल, दल,
 दल, एक तरह का घास, दाम, काम A
 kind of grass, Daibha grass
 नाथा० १, २, ६, अत० ३, ८, ओव० १४,
 पञ्च० १, उत्त० ७, २३, ६, ४४, १०, २,
 २६, २६, आया० २, २, ३, १००, भग०
 ६, ७, ७, १, ८, ६, २१, ६, जीवा० ३, ३,
 ज० प० —अंत पु० (-अन्त) दल, ओष्ठ
 अथलाग दाम का अग्रभाग the point
 of the Daibha grass राय० ६२,
 —ग न० (-अग्र) दल, ओष्ठ अथलाग,
 दल, ओष्ठ दाम की अना the point
 of the Daibha grass आया० १, ६,
 १, १४२, भग० ६, ३३, —पत्त न० (-पत्र)
 दल, ओष्ठ दाम के पत्र-पत्ते, a blade
 of the Daibha grass. निमी० १८, १८,
 कुसंघयण न० (कुसहनन) दुर्लभ संवयण
 -शरीर, ओष्ठ कमजोर सहनन-शरीर का
 बाधा Bad, mean constitution of
 the body भग० ७, ६, ज० प०
 कुसंठिय. त्रि० (कुसस्थित) अशुभ आकारे
 ओष्ठ कुसस्थान, बुरे आकार का Re-
 maining in, being in a bad, ugly
 conformation भग० ७, ६,
 कुसण न० () दल, ओष्ठ दही, गोरस
 Cuds पि० नि० ६०७
 कुसणिय न० () दल, ओष्ठ दही, गोरस

भसादा नाभीने अनावेद धरुं ओष्ठ दही मे
 तक्रादि-मसाले डालकर बनाया हुआ पदार्थ.
 A food prepared of curds, but-
 ter milk, spices etc mixed to-
 gether. पि० नि० २८२,
 कुसत्त पु० (कुशक्त) पथारी उपर पिछाव-
 वाना पत्रनी ओष्ठ जल विछोने पर विछोने
 के वस्त्र की एक जाति A kind of cloth
 used as a covering of a bed.
 “ अच्छरय मलयनयतकुसत्तलियसीह केसर-
 पच्छुत्थम् ” नाथा० १,
 कुसत्त पु० (कुशावर्त) कुशावर्त नामने देश.
 कुशावर्त नामक एक देश A country
 named Kusāvarta पञ्च० १,
 कुसमय पु० (कुसमय) कुशावर्त, पापमय, अशुभ
 शास्त्र बुरे शास्त्र, पाखंड मन के शास्त्र
 False, heretical scriptures सम०
 २ नदी० २२,
 कुसल त्रि० (कुशल) निपुण, कुशल, अतुर,
 होशीया, चतुर, पटु, कुशल, दक्ष Pro-
 ficient, expert, clever नाथा० १,
 २, ५, ६, १३, १८, भग० २, ५, ६, ३३,
 ११ ११, राय० ३३, १२६, २६५, जीवा०
 ३, १ सू० प० २०, उत्त० २५, १६; ओव०
 १६, ३१ पचा० ४, २५, ५, ३७, ८, ५,
 १२, २०, १५, १५, प्रव० २३७; भत्त०
 ५६, ज० प० ३, ४७, विवा० २ (२)
 शुभ, सा३ शुभ, उत्तम wholesome,
 good पचा० १०, १४ प्रव० ६०३,
 —उदन्त पु० (-उदन्त) दल, कुशल-समा-
 चार राजीखुशी के समाचार. happy
 news, good news, e g about
 one's health and happiness

नाया० ८, १६; —जोग पु० (—योग) मन, वचन, श्रुति शूल व्यापार मन, वचन और काया के शुभ व्यापार wholesome, good activity of thought speech and action. पंचा० १३, ४०; —धम्म पुं० (—धर्म) प्राणतिपात विरमणादि शुभ आचार प्राणतिपात विरमणादि शुभ आचार right, good conduct consisting in cessation from killing etc पंचा० १०, १४, —पवित्ति. स्त्री० (—प्रवृत्ति) दुशल-शुल मन, वचन, अने शरीरकी प्रवृत्ति कुशल-शुभ मन, वचन और शरीरकी प्रवृत्ति wholesome, good activity of mind, speech and body. प्रव० ६०३, —पुत्त पु० (—पुत्र) वैद्यशास्त्रमा दुशल अथवा पुत्र. वैद्यशास्त्रमें कुशल पुत्र a son proficient in medical science, नाया० १३, —बंध पुं० (—बन्ध) पुण्यपुण्यनिव-पुण्य-धर्मो गन्ध. पुण्य से बंधे हुए पुण्य कर्म के बंधन bondage caused by good and meritorious actions पंचा० ६, २३ —मणउद्दीरण न० (—मनउद्दीरण) दुशल-शुल मनकी उद्दीरण करनी कुशल मन की उद्दीरण करना directing the mind towards good and auspicious things दम० ६, १, भग० २५, ७, —मति स्त्री० (—मति) अतुर बुद्धि, चतुर बुद्धि expert proficient intellect पंचा० १३, ४२; —वड्-उद्दीरण न० (—वागुद्दीरण) दुशल-शुल वचनकी उद्दीरण करनी uttering kind and skilful words भग० २५, ७

कुसलया स्त्री० (कुलना) दुशलपण्य, दुशी गरी कुशलता होशियारी Skilfulness,

cleverness; proficiency प्रव० ६४६; कुसिस्स पु० (कुशिय) अराय शिष्य; अ-विनीत येले खराब शिष्य A bad disciple; a rude disciple भग० ६, २३, १५, १;

कुसील त्रि० (कुत्तितं शीलमाचारो यस्येति) दुत्तित आचारी; असद्वर्तन वाला, अणु-आगी, दुष्टस्वभाव वाला दुष्ट आचार वाला, कुत्तित व्यवहार वाला, अनाचार करने वाला, दुष्ट स्वभाव वाला Wicked in nature or conduct, of bad character. पि० नि० भा० ४८; उत्त० १, १३, भग० २५, ६, दस० १०, १, १८, ठा० ३, २; नाया० ५ वव० १, ३४; ओघ० नि० ३०३, ७६३ निसी० ४, ३० गच्छा० ४८, प्रव० १०३, ७३२, (२) न० अणुआर, दुष्ट-आचार. अनाचार, दुष्ट आचार. bad character, wicked conduct सूय० १, ७, ५, भग० १०, ४, —पडिसेवणा स्त्री० (—प्रातिसेवन) दुशील सेवण ते, अलचारीये स्त्रीयादिने आलिगन देण ते कुशील सेवन करना, ब्रह्मचारी का स्त्रीयादि को आलिगन करना act of taking to a dishonourable course of conduct, sexual intercourse by a person professing to be a bachelor ठा० ४, ४; —लिंग न० (—लिङ्ग) आरणादि दुशील चेष्टा आरणादि कुशील चेष्टा. a wicked action, such as injuring, killing etc. दस० १०, १, २०, —वड्ढण्डाण न० (—वर्द्धनस्थान) जेथी दुशील-दुगयार बंधे ते जिसमें कुशील-दुराचार बडे वह a source or cause of enhancement in wicked practices दम० ६, ५६, —विहारि त्रि० (—विहग्नि) दुत्तितशील वाला कुम्भित

शील वाला (one) of bad or doubtful character भग० १०, ४, नाया० ५, —विहारिणी स्त्री० (-विहारिणी) अर्थात् आयागवाणी (स्त्री), दुराचारिणी सराव चालचलन वाली स्त्री, दुराचारिणी a woman of bad character नाया० ४० नाया० १५ —संसर्गि त्रि० (-संसर्गिन्) नश्वरानो सग ३० नर निठले का साथी (one) who associates with the wicked नाया० १०,

कुसीलपरिभासिय न० (कुशील परिभाषित) सुयगदांग भुत्रना सातमा अध्ययननु नाम के जेभा कुशील-असमायागी दुस्तिगीनु वर्णन छे सूत्रकृतांग के ७ वे अध्ययन का नाम जिसमे कुशील-अनाचारा कुलगा का वर्णन हे Name of the 7th chapter of Sūyagadāṅga Sūtra dealing with or describing persons of bad character मय० १, ७, ३० मम० १६ २३,

कुसीला स्त्री० (कुशीला) जेना अगम आयाग छे ते कुसित आचार वाला (A woman) of bad character नाया० १५, नाया० ४०

कुसुंभ पु० (कुसुम्भ) कुसुंभवृक्ष कुसुंभानु अउ कुसुम्भ का झाड़, कुसुंभे का वृक्ष A kind of tree called Kusumbha प्रव० २२० ओष० नि० ४४६, पत्र० १, (२) ओ३ जतनु धान्य एक जाति का धान्य a kind of corn, a kind of cereals भग० २२, ३ — वन न० (-वन) कुसुंभाना वृक्षानु वन कुसुंभ के वृक्षों का वन a forest of Kusumbha trees निखी० ३, ७६, भग० १, १,

कुसुंभग पु० (कुसुम्भक) कुसुंभो, कुसुंभी २ ग कुसुंभ कुसुंभीरग मुख रंग A kind

of red dye जं० प० पगह० १, ३, (२) ओ३ जतनु धान्य एक जाति का धान्य a kind of cereals भग० ६, ७, **कुसुंभय** पु० (कुसुम्भक) कुसुंभाना गता दूधमाथी नीकगता दाद २ ग कुसुंभे के लाल फूलों मे से निकलता हुआ लाल रंग A red dye obtained from the flowers of the Kusumbha tree. अणुजो० १३१

कुसुम न० (कुसुम) कुसुंभ, पु० ५, दूध पुष्प फूल. कुसुम A flower जं० प० ५, ११२, ११५, नाया० १ ८ ११, १४, भग० १, १ ७, ६, ११, ११ दसा० १०, १, पत्र० १७, ओष० २२, राय० २७, ३६, मृ० प० २०; उत्त० ३४, ८, अणुजो० ११८, नदी० ११, उवा० १, ३० काप० ३, ३० ३७, प्रव० ४५५, १११६. (२) पु० पद्मप्रभ प्रभुना यक्षनु नाम पद्मप्रभ प्रभु के यक्ष का नाम name of the Yakṣa (a kind of demi-god) of Padmaprabha the sixth Tīthāṅkara प्रव० ३७५ —आसव पु० (-आसव) दूधनो २५ फूल का रस juice of flowers नाया० १ —कुंडल न० (-कुण्डल) दूधना आ-शानु डाननु आसगु, डान दूध फूल का आकृति वाला कान का आभूषण करनफल an ear-ornament of the shape of a flower अत० ३, ८. —घर न० (-गृह) दूधनु धर फूलों का घर a flower-house. नाया० ३ ६, —घरय न० (-गृहक) जेभा दूध पाथर्या गे तेधु धर जिम घरमें फूल बिखरे हुए हो वह a house carpeted with flowers राय० २३६ नाया० ३, जं० प० —णिअर पु० (-निकर) दूधनो २५ फूलों का समूह a collection of

flowers ज० प० ५, १२२, — शिगर
पुं० (-निकर) ७७ओ “ कुसुमणिअर ”
शब्द देखो “ कुसुमणिअर ” शब्द vide
‘ कुसुमणिअर ’ जं० प० ३, ४३,
— दाम. न० (-दामन्) दूधनी भावा
फूलों की माला a garland of flowers
नाया० १६; — पन्थर पु० (-प्रस्तर)
पुलतुं भीजतु, दुग्धमश्या फूलों की शय्या;
कुसुम का बिछौना a bed of flowers
नाया० १३; — रासि पु० (-राशि)
पुलनो ७७ओ कुसुम का समूह, फूलों का ढेर
a heap of flowers कप० ४ ६०,
— वृष्टि स्त्री० (-वृष्टि) पुलनो वरसात
कुसुम वृष्टि फूलों का बरसना a shower
of flowers नाया० ६, प्रव० ४४६,
पं० २, १४, — सर पु० (-शर) काम-
देव कामदेव Cupid; the god of
love सु० च० १, ४०;

कुसुमनगर न० (कुसुमनगर) पाटलीपुत्र
अपर नाम पाटलीपुत्र का दूसरा नाम
Another name for the town of
Pataliputra प्रव० ८०३.

कुसुमपुर. न० (कुसुमपुर) ओ नामनुं शहरः
पाटलीपुत्र (पटना) इन नाम का शहर,
पाटलीपुत्र (पटना) Name of a town
(also called Pataliputra) पि०
नि० भा० ४४

कुसुमसंभव पु० (कुसुमसंभव) वैशाख
मासनुं वैशाख नाम वैशाख माह का लोक-
तर नाम The month of Vaisākha,
so called in spiritual language
as opposed to popular language
जं० प० ७ १२०.

कुसुमिअर-य त्रि० (कुसुमित—कुसुमानि
पुष्पाणि मञ्जातानि पृथामिति कुसुमिता)
पुष्पयानुं फूल वाना. Flowery.

मग० १, १, ओव० जीवा० ३, ३; नाया०
६; राय० जं० प० ७, १७७.

कुसुमित त्रि० (कुसुमित) ७७ओ “ कुसु-
मिअर-य ” शब्द देखो “ कुसुमिअर-य ”
शब्द. Vide ‘ कुसुमिअर-य ’ मग० १६, ६;

कुसेजा स्त्री० (कुशय्या) दुष्ट शय्या-स्थान.
दुष्ट शय्या-स्थान A vitiated dormi-
tory मग० ७, ६; जं० प० २

✓ कुह वा० I (-कुह्) सधु; डालव
मडना. To rot, to decay.

कुहेजा त्रि० अणुजो० १३६,

कुहअर पुं० (कुहक) धुंमल, दुतुल्य इजाल
कौतुहल An exchantment, a
charm, curiosity दस० १०, १, २०:

कुहंड पु० (कुप्मारण्ड) व्यन्त देवता की
ऐक्य अत व्यन्तर देव की एक जात A
species of a Vyantara gods
परह० १, ३; ओव० २४. पत्र० २,

कुहंडय पुं० (कुप्मारण्डक) हेणु शास्त्री
ऐक्य अत एक जाति का फल कि जिसकी
भाजी (साग) बनती है, कुप्मारण्ड A
kind of vegetable a gourd
पत्र० १७,

कुहंडो स्त्री० (कुप्मारण्डो) दूधी, नर लौकिक;
तुम्ही A kind of vegetable, a
kind of large fleshy fruit of
white colour राय० ५४, जीवा० ३, ६,

कुहकुह पुं० (कुहकुह) डुडुडुडे ऐवो अवाज
कुह कुह ऐसा शब्द An onomato-
poetic word meaning the sound
resembling “ Kuha Kuha ”
नाया० ८,

कुहरण न० (कुहन) ऐक्य अतनी वनस्पति,
भूमिदेश इन नाम की एक जाति का वन-
स्पति A kind of vegetation. पत्र०
१ जीवा० १; (०) त्रि० दुष्ट शय्या

रहेवासि कुहन देश का रहने वाला a native of the country called Kuhuna परह० १, १,
कुहणा स्त्री० (कुहना) छत्रीना आकारनी वनस्पति, भूमिक्षेडा छाते के आकार की वनस्पति, भूमि फोडा A kind of vegetation of the shape of an umbrellia पत्र० १,
कुहम्म पु० (कुधर्म) भोटो-पापण्डु धर्म मिथ्या-पाखंड धर्म False religion, heretical creed भक्त० ६०,
कुहर न० (कुहर) पर्वतनी गुफा गिरि कदरा, पर्वत की गुफा A cave of a mountain नदी० १५, नाया० १, ५, परह० १, ८, राय० ८६,
कुहाड पु० (कुठार) कुडाडो, लाडडा क्षपवातु हथियार. कुल्हाडी, लकडी काटनेका औजार An axe उत्त० १६, ६७, सूय० १, ५, १, १४,
कुहिंचिय अ० (कुत्रचित्) कयाड, डोढ स्थले कहीं भी, किसी स्थान पर Somewhere, in some place or other नाया० ८,
कुहिय त्रि० (कुथित) डोडाध गयेधु, सड़ी गयेधु गला हुआ, सड़ा हुआ Rotten, decayed, decomposed तंद० परह० १, १, नाया० १, ५, १२, जीवा० ३, १,
कुहुण पु० (कुहुण) उद्भिज्ज जातनी ओड वनस्पति, भूमि क्षेडा उद्भिज्ज जाति की एक वनस्पति, भूमि फोडा A kind of vegetation growing by germination भग० १५, १, २३, ३,
कुहुव्वय पु० (कुहुवत्) ओड जातनी कद एक जाति वा कद A kind of bulbous

fruit उत्त० ३६, ६७,
कुहेडग पु० न० () अन्धमे अजवायन Thyme प्रव० २११, पचा० ५, ३०,
कूअणया स्त्री० (कूजन) पीडित स्वरधी २३धु ते दु खी स्वर से रोना A piteous cry ठा० ३, ३,
कूइअ न० (कूजित) पक्षिना जेवे अव्यक्त शब्द पक्षि जैसा अव्यक्त शब्द. Indistinct sound like that of a bird उत्त० १६ ६,
कूचिया स्त्री० (कर्चिका) परपोटा बुदबुदा. A bubble विशेष० १४६७,
कूजिय न० (कूजित) अव्यक्त ध्वनि अव्यक्त ध्वनि Indistinct note or sound परह० २, ५,
कूड पु० (कूट) द्वीप नामका द्वीप तथा समुद्र कूट नामका द्वीप और समुद्र A continent of that name, an ocean of that name जीवा० ३, ४, पत्र० १५,
 (२) शिखर, पर्वतनी टुक, टोय शिखर, पर्वत की टोंक, पर्वत का चोटी top of a mountain भग० ५, ७, नाया० १, नदी० १३, ४७, सू० प० १६, अणुजो० १०३, १३४, ओव० १०, ३१, पत्र० २; ठा० २, ४, ज० प० ५, ११४, (३) दूध दूट-पाश, लाय दूट-स्नेह, राग अधन द्रव्यकूट-पाश अर्थात् फासी होता है और भाव कूट स्नेह अर्थात् राग भाव हैं जिसे कर्म बध होता है a snare, a trap, excessive attachment (which is a snare) नाया० १७, पि० नि० १०६, सूय० १, १३, ६, (४) दुड दूधट, मायादूपायतु पर्याय नाम कपट माया कपाय का पर्यायवाची नाम

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट () देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट () Vide foot-note (*) p 15th

deceit सम० ५२, परह० १, २; (५) तोलमा-मापमा न्यूनाधिकता राखी ते नापतोल में ज्यादा कमती देना using false weights and measures. सूय० २, २, ६२, (६) पाशलो; माणुसने गलामाथी निधवानुं यंत्र. पाश; मनुष्य को गले में डाल कर मारने का यंत्र, फांसी. gallows सूय० १, ५, २. ६८, (७) नरक. hell. उक्त० ५, ५, (८) दुःखनुं उत्पत्ति स्थान. दुःख उत्पन्न होने का स्थान. source of pain or misery. सूय० १, ५, २, १८, (९) दरवाजाने उपरने भाग; भाट द्वार के ऊपर का भाग. the upper part of a gate राय० १०७, (१०) त्रि० भोटुं असत्य; दगावाजुं. झूठ; असत्य; दगावाज falsehood; deceit. पंचा० ३, ३६; नाया० २; —उचमा. त्री० (-उपमा) जेभ डोछ शिकारीजे पाशलो रच्यो होय तेमा जेभ भृगनुज अधन थाय छे शिकारीनुं नहि तेम गृहस्थ साधुने भाटे रसोछ निपजवे तेमा साधुनेज अधनहोय लागे गृहस्थने डंछ नहि ओही रीते उपमा आपयी ते इस प्रकार की उपमा देना कि जिस प्रकार कोई शिकारीके फैलाये हुए जालमें मृगकाही बंवन होता है शिकारी का नहीं, जैसे कि साधु के अर्थ रमोई बनाने वाले गृहस्थ को कोई दोष नहीं लगता, साधु को ही दोष लगता है a false analogy; e g just as in a net spread by a hunter the deer is caught and not the hunter; in the same way when food is specially prepared for a Sādhu, the Sādhu incurs sin and not the householder who has prepared it पि० नि० १०६; —जाल. न० (-जाल) पाशयुक्त जाल

फांस सहित जाल a net that entraps; a snare उक्त० १६, ६४; —तुला. त्री० (-तुला) भोटु तोल. झूटा तौल a false weight. सूय० २, २, ६२; भग० ८, ६; पचा० १, १४; —पास पुं० (-पाश) भृगवाने दसाववा डपट डरीने पाश रच्यो ते मृग को फंसाने के लिये कपट से बंध डालना. laying a snare to entrap a deer विवा० ८, भग० १, ८, —माण न० (-मान) भोटो माप राखवा ते, आवडना त्रीज प्रतनो ओछ अतिथार. खोटे माप रखना; श्रावक के तीसरे व्रत का एक अतिचार act of using false weights; a partial violation of the third vow of a Jain layman सूय० २, २, ६२, परह० १, २; भग० ८, ६; पचा० १, १४, —माणतुलकरण. न० (-मान-तुलकरण) भोटुं माप अने भोटो तोला वापरवा ते, त्रीज प्रतनो ओछ अतिथार खोटा माप और खोटा तौल रखना, श्रावक के तीसरे व्रत का एक अतिचार act of using false weights and measures; partial violation of the third vow. प्रव० २७७, —लेखकरण न० (-लेखकरण) भोटो लेख दखवेते, भीज प्रतनो पायमे अतिथार झूठा लेख लिखना; दूसरे व्रत का पाचवां अतिचार fabrication of a false document; the 5th kind of partial violation of the 2nd vow पंचा० १, १२; प्रव० २७६; —सखिखज्ज. न० (-साक्ष्य) भोटो साक्षी लगी मिथ्या-झूठी साक्षी देना act of giving false evidence; false evidence पचा० १, ११; —सखिणभ त्रि० (-सन्निभ)

इट समान, इड नेषु शृंग के समान, चोटी के सदृश resembling the top or summit नाया० १३,

कूडग त्रि० (कूटक) भोटु गलत, अशुद्ध False, untruthful पचा० ३, ३४,

कूडया स्त्री० (कूडता) तोलनु ओलावतापणु. तौल की न्यूनाधिकता-कमी वेशी State of a weight being either above or below the standard परह० १, ३,

कूडसामलि पु० (कूटशाल्मलिन्) इटशाल्मली नामनु वृक्ष के जेमा जणु वृक्षनी भाङ्क आठ जेजतनी उयाछ छे अने जे गरुड अतना वेणुदेवनामे देवताते आवास रूप छे कूट शाल्मली नामका वृक्ष जिसकी जम्बु वृक्ष की तरह आठ योजन की उचाई है तथा जिसपर गरुड जाति के वेणु देव नाम के देवता का निवास स्थान है Name of the tree which like the Jambu tree has a height of 8 Yojanas and which is the residence of the Venu-deva deities belonging to the Garuda family "दोकूड सामलिचेव" टा० २, ३, सम० ८. —पेढ पु० (—पीठ) देवकुड क्षेत्र नापश्चिमाध्वने मध्यभागे आवेल इटशाल्मली वृक्षनु पीठ-ओटलो देवकुड क्षेत्र के पश्चिमार्द्ध के मध्य भाग मे कूट शाल्मली वृक्ष की पीठिका ओटला the base of the tree called Kūta Śālmali situated in the centre of the western half of the country called Devakuru Ksetra ज० प० ४, १००,

कूडागार पु० (कूडागार) शिपर अध धर, शिपर उपरतु देवालय शिखर वर घर; शिखर ऊपर का देवालय A house or a temple situated on the summit

of a mountain आया० २, ३, ३, १२७. नाया० १३, निर० ३, १, टा० २. ४, ४, १, (२) पर्वतमा डैतरेल धर पर्वत में खोदाहुआ गृह a house carved out of a rock ज० प० २, २३. ६, १२५, —दिहंत पु० न० (—दृष्टान्त) शिपरवाला धरनु दृष्टांत शिखर वाले घर का दृष्टांत an illustration of a house built on a mountain summit नाया० १३, —साला स्त्री० (—शाला) शिपरने आधारे शाला-सभा-पेड शिखर के सदृश शाला-सभा-बैठक a seat in the shape of a mountain summit भग० ३, १, विवा० ६, सूय० २, २, ५५,

कूडाहच्च न० (कूडाहत्य कूटे इव तथाविध पापाणसम्पुटादौ कालाविलम्बाभावसाधर्म्यादाहत्या हनन यत्र तत्कूडाहत्यम्) ओऽ धा भारवाथी पर्वतस्थी शिपर पडे तेम धड उपरथी माथु उतरी नीचे पडे तेने योग्य, ओऽ धाये शिपरनी भाङ्क नीचे पाडया योग्य जैसे एक चोटसे पर्वत पर से शिखर नीचे गिरपडताहै वैसेही धडसे सिर का नीचे गिरपडना, एक चोटसे शिखर की तरह नीचे गिराने योग्य One whose head deserves to be severed from the body and set rolling down like a rock severed from the peak of a mountain "तोण तवेण तेण्ण एगाहच्च कूडाहच्च भामरामिं करेमि " भग० १५, १, राय० २४७, भग० १७, ६, १५, १;

कृषिग्र-य पु० (कोणिक) अश्लिष्ट ० अनी येजल्ला शालीथी उत्पन्न थयेतो भोटो पुन अश्लिष्ट. य पा नगरीना राजा श्रेणिक राजा की चेलना रानी से उत्पन्न बड़ा पुत्र कोणिक राजा चम्पानगरी का नरपति

Name of a king of the town called Champā, son of king Śrenika and queen Chelanā ओव० ६, निर० १, १; नाया० ६, उवा० १, ६;

कूर पु० (कूर) भलिनाथजी के यक्ष का नाम Name of the Yakṣa of Mallinath. प्रव० ३७६,

कूर्मग पु० (कूर्मक) डाँडो कछुआ A tortoise. नाया० ४,

कूर पु० (कूर) भात चावल. Rice उत्त० १२, ३४, (२) साथवे, भावानी ऐक वस्तु. सन्तू, खाने की एक वस्तु a kind of food prepared by baking corn and grinding it सू० प० ११, पि० नि० १६४, म० ३, ३, सम० १; (३) ऐक वनस्पति वनस्पति एक जात की वनस्पति a kind of vegetation सू० २, ३, १६,

कूर त्रि० (कूर) क्रूर; अय० ३२, निर्दय, घातकी Cruel; terrible नाया० ८, आया० १, ४, २, १३२, उत्त० ५, ४, दसा० ६, ४, —ग्रह पु०, (—ग्रह) सूर्य, मंगल, शनि, अने राहु ओ चार ग्रह ज्योतिष शास्त्र प्रमाणे क्रूर ग्रह कह्यो जाय छे सूर्य, मंगल, शनि और राहु ये चारों ग्रह ज्योतिष शास्त्रानुसार कूर ग्रह कह जाते हैं any of the four planets viz the Sun, Mars, Saturn and Rāhu regarded in scriptures as cruel गणि० १६,

कूरत्ता न० (कूरत्ता) तोड़तोड़ी नामे वनस्पतिनु २५३५ लालकनेर नामक वृक्ष का

स्वरूप The shape of a certain kind of vegetation called Tor-Kodi सू० २, ३, १६,

कूरि त्रि० (कूरिन्) क्रूर, निर्दय क्रूर निर्दय Cruel; ruthless परह० १, ३,

कूल न० (कूल) डाँडो, किनारे तट किनारा. A bank; a shore ओव० ३८, पि० नि० ५०५, म० प० जीवा० ३, ४; नाया० १;

कूलधम पु० (कूलधम) नदीने डाँडो किनारे रक्षी शम्भु धर्म राम शब्द पोडारी जमे तेवा तापस, तापसनी ऐक वन नदी के किनारे खड़े रह कर शंख बजा राम शब्द कह कर भोजन करे ऐसा तपस्वी, तपस्वी का एक जाति A class of ascetics who take their food after blowing loudly a conch-shell, standing on the bank of a river निर० ३, ३;

कूलधमग. पु० (कूलधमक्) जुओ 'कूलधम' शब्द देखो 'कूलधम' शब्द. Vide 'कूलधम' निर० ३, ३, भग० ११, ६;

✓ कूव. घा I (कूज्) जुम फाड़वी राना; चिल्लाना To shout; to bawl aloud.

कूवत व० क० उत्त० १६, ५४,

कूवमाण व० क० विवा० ७, नाया० १८,

कूव न० (=) चोरगठ गयेदी वस्तुने पाणी वाणवा वारे अड्डु ते चुराई गई वस्तु को फिर प्राप्त करने के लिये उतारु होना Act of helping a man in rescuing his stolen property 'जरण अह अमर कंका रायहाणी दोवतीण कूव गच्छामि' नाया० १६;

कूव. पु० (कूप) डुबो. कुआ A well नाया० २; ८, जीवा० ३, ३, पचा० ६, ४२;

—राश्र. न० (-ज्ञात) कुवानु उदाहरण-
दृष्टात कूए का दृष्टात-उदाहरण an
illustration of a well, e g in
a story पचा० ४, १०. —ददुर पु०
(-दुर्दुर) कुवानो देडे कुए का मेंढक a
frog in the well नाया० ८, —मह.
पु० (-मह) कुवानो महेत्सव कूए का
महेत्सव a festival connected
with a well भग० ६, ३३.

कूवय पु० (कूपक) कुवा थल, बढाए डे
मन्थवानी वन्थेनो थाभलो जहाज या नाव
के मन्थ का खभा The main-mast
of a ship ओव० २१

कूविय पु० (-) थोराम गयेली वस्तुनी
वारे यउनार चुराई हुई वस्तु को लाने के
लिये उद्यत होने वाला One who helps
another in rescuing stolen
property तदु० पि० नि० ११६,
—वल न० (-वल) वारे थडेल वस्तु
युद्ध पर गया हुआ सैन्य an auxiliary
army coming as a re-inforce-
ment “ सुवहुस्स विकुविय वलस्स आग-
यस्सदुपससया विहोत्था ” नाया० १८.

कूहणत्ता स्त्री० (कूहणत्व) कुहण वनस्पति-
पण कुहन वनस्पतिपना State of be-
ing the vegetation called
Kuhana सूय० २, ३, १६.

केअण न० (केतन) वाडी वस्तु, धनुष्यनी
उभान वगेरे टेढा वस्तु, धनुष्य की कमान
वगैरह Anything curved in
shape i e a bow etc ठा० ४, २,
केइ अ० (कश्चित्) थोडा थोडा कोई एक
Some one “ केइ राया रायपुत्तो ”

विवा० २ दसा० ६, ४, ७, १, भग० २, १,
२, ५, ३, ३, ६, १, ८, १, १३, ७, १८,
१, नाया० १; २, ८, १२, १४, १७, दस० ५,
१, ६५, क० ग० ३, १३, सम० ३०,
पन्न० १, पि० नि० १७२, नाया० १६,
दसा० ३, १२, १३, सु० च० १५, ६७,
सूय० १, १, ४, ८, वव० १०, १, वेय० १,
३७, पन्न० ३५, भग० ८, १, दस० ३, १४,
केउ पु० (केतु) केतु नामनो ग्रह केतु
नाम का ग्रह A planet so named.
ओव० २५, सू० प० २०, राय० २०८, (२)
ध्वज ध्वजा a flag (३) चिन्ह,
निशान चिन्ह, निशान a sign, a
signal काप० ३, ५२, गय० १०३,
जीवा० ३, ४, ओव० नाया० १,

केउअ-य पु० (केतुक) लवण समुद्रनी
मध्यमा दक्षिण दिशाभा रहेल केतुक नामनो
महापाताल कुणशो लवण समुद्र के मध्य में
दक्षिण दिशा की ओर केतुक नाम का महा-
पाताल कलशा The Mahāpātāla
pot named Ketuka situated in
the middle of Lavana ocean
in the south ठा० ४, २, जीवा० ३, ४,
केउ म० क० अ० (कृत्वा) येयाती लधने
खरीद कर, मोल लेकर Having bought
विश० १४३५,

केउग पु० (केतुक) केतुक नामनो लवण
समुद्रमानो दक्षिण तरफनो पातालकुणशो
लवण समुद्र के दक्षिणकी ओर का केतुक
नामका पाताल कलशा The Pātāla
pot Ketuka situated in the
south of Lavana ocean मम० ५२

केउभूअ-य न० (केतुभूत) सिद्ध भेलिया

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

अने मल्लुरस सेलुआ परिर्भनो पायमे
 बेद अने पुट्ट सेलुआदि पांच परिर्भनो
 सातमे बेद. सिद्धश्रेणी और मनुष्य परिकर्म
 का पाचवा भेद और पुष्ट श्रेणि आदि पांच
 परिकर्मों का सातवा भेद The fifth
 division of Siddha Senia and
 Manusya Senia and the 7th
 division of the five Paikarmas
 viz Puttha Senia etc नंदी० ५६;
 सम० १२,

केउमई स्त्री० (केतुमती) द्विज देवताना ध्रु
 द्विजरात्री श्रील पट्टाणी द्विज देवताओं के
 इन्द्र किन्नर की द्वितीय पट्टरानी The
 second crowned queen of Kin-
 nara, the India of Kinnara
 gods भग० १०, ५, ठा० ४, १, नाया० घ० ५,
 केऊर पुं० (केयूर) आलु अंध. ओष्ठ आल-
 रण वाज्रवध, एक आभूषण. An orna-
 ment worn on the arm भग० ६,
 ३३, नाया० १, राय० २७, १८६, निसी०
 ७, ८, कप्प० २, १४, ज० प० ५, ११५,
 केकई स्त्री० (कैकयी केकयानां राजा कैकयः
 तरयेयं) डैकयी-आहमा वासुदेवती माता
 कैकयी-आठवे वासुदेव की माता Name
 of the mother of the 8th
 Vāsudeva सम० प० २३५, (२) पश्चिम
 महाविदेही सलिलावती विजयती वीतसेका
 नगरीतुं श्रीलुं नाम पश्चिम महाविदेह
 मलिलावती विजयकी वातशेका नगरी का
 दूसरा नाम the other name of the
 city Vitasokā of Salilavati
 Vijaya in the western Mahā
 videha सम०

केकय पु० (केकय) डैकय नामने ओष्ठ देश
 केकय नाम का एक देश A country of
 this name (२) त्रि ने देवना रहवासी

उस देश का निवासी. a resident of
 that country पत्र० १; पण० १, १,
 राय० २०५;

केकयज्ज पु० (केकयार्ज) डैकय देशने अर्द्ध-
 भाग परदेशी राजने देश केकय देश का
 अर्द्धभाग; परदेशी राजा का देश. The
 half of the Kekaya country,
 the dominion of the king
 named Pardeśi राय० २०५,

केकाइय न० (केकायित) मोरने शब्द
 मयूर का शब्द The cry of a pea-
 cock नाया० ३,

केकारव पु० (केकारव) मोरने शब्द मयूर
 का शब्द The cry of a peacock
 नाया० १,

केकय पु० (केकय) डैकय नामने अनार्य
 देश कैकय नाम का अनार्य देश Name of
 an uncivilised country प्रव० १५६८,
 केकारव पु० (केकारव) लुओ “ केकारव ”
 शब्द देखो “ केकारव ” शब्द Vide
 “ केकारव ” नाया० ३,

केणइ अ० (केनचित्) डैक ओ पणु किमी ने
 भी By any body; by some body
 or other दम० ५, १, ४३, जं० प० नाया०
 २, ८, १६, भग० १५, १,

केतई स्त्री० (केतकी) डैकडी केतकी A
 flowering plant so named. भग०
 १५, ६, -- पुड पु० (-पुड) डैकडीने पडेल
 केतकी का पुडा. a packet of Ketaki.
 भग० १५, ६;

केतु पु० (केतु) ८८भा श्रुतुं नाम ८८वें
 ग्रह का नाम Name of 88th con-
 stellation सू० प० २०,

केतुमई स्त्री० (केतुमती) द्विजरात्री श्रील राणीतु
 नाम किन्नर की दूसरी रानी का नाम
 Name of the second queen of

Kinnara. भग० १०, ५,
 केदार. न० (केदार) ड्यारे। क्यारी. A basin
 of water etc purposely made
 in a field or a garden नाया० ७,
 केनहालअ त्रि० (कियन्महत्) डेटलुं भेले
 कितना मोटा. How much big. ज
 प० ७, १३४,
 केय न० (केतन कित निवासे-कित्यते उप्य-
 तेऽस्मिन्निति) गृह, घर. गृह, घर. A
 house “केयं गिहति सहतेण” प्रव० १६६,
 केयइअड्ड न० (केकयार्द्ध) डेटय देशेनो अधे
 लाग केकय देश का अर्द्धभाग-आधा हिस्सा
 The half of the country
 Kekaya. “ सयविषाय नयरी, केयइअड्ड
 चआरिय भाणिय ” पञ्च० १,
 केयई छी० (केतकी) डेटकीनुं आऽ केतकी
 का झाड The Ketaki plant राय०
 पञ्च० १, जीवा० ३, ४, भग० ८, २, —पुड पु०
 (-पुड) डेटकीने पडे। केतकीका गट्टा-बडल
 a packet of Ketaki नाया० १७,
 केयकंदली छी० (केतकदली) अेड नतने
 डे एक जाति का कंद A kind of bul-
 bous root उत्त० ३६, ६७
 केयण न० (केतन) धनुष्यनी डमान धनुष्य
 का कमान The wooden bow उत्त०
 ६, २१, (२) मत्स्य यधन. नल मत्स्य
 वधन, जाल-फास a net, a snare
 सूय० १, ३, १, १३, (३) अे प्रक्षरनु डेतनः-
 १-द्रव्य डेतन-आलिनी अथवा समुद्र,
 २-लाव डेतन-लोभेच्छा. दो प्रकार का केतन
 १-द्रव्य केतन-चालिनी अथवा समुद्र, २-भाव
 केतन-लोभेच्छा a Ketana of two
 sorts viz one like that of a

sieve or a ocean and the other
 like that of a greed आया० १, ३,
 २, ११३,
 केयति. पु० (केतकी) डेटलुं वृक्ष. केवडे का
 झाड. A Kevadā tree भग० २, १,
 केयव्व त्रि० (केतव्य) लेवु, भरीवु लेना,
 खरीदना Purchasing, buying
 उत्त० ३५, १५,
 केयाघडिया छी० (*) डेरीने छेडे
 आधेन धडी रस्सी से बांधी हुई घड़ी. A
 clock fastened to the end of a
 string भग० १३, ८,
 केयार पु० (केदार) अनाजना ड्यारे अनाज
 का क्यारा. Plots of corn नाया० ७,
 केयावती अ० (केचन) डेटला अेड. कितने
 एक A certain number आया० १,
 ४, २, १३३.
 केयूर पु० (केयूर) आनुअध बाजूबध An
 ornament worn on the arm
 ओव० १२, जीवा० ३, ३, प्रव० १५, ८६,
 केरिस. त्रि० (कीदश) डेवु, डेवा प्रक्षरनु,
 डेतानेवु कैसा, किस तरह का, किस सरीखा
 Of what sort or nature उत्त० २३,
 ११, पञ्च० १७ विशेष० ३२६. भग० १, १, २, ५,
 ३, १, सत्या० ३१, जीवा० ३, ३, “ अणुभावे
 केडिसे वुत्ते ” सू० प० १, जं० प० १, २१,
 केरिसअ-य त्रि० (कीदशक) डेवु ? डेवा
 प्रक्षरनु ? कैसा ? किस तरह का ? Of what
 sort or nature नाया० ८, ज० प०
 निर० १, १, भग० ६, ५, ७, ७, ६, १०,
 ६, १३, ४, १५, १, १६, ३.
 केलास पु० (केलास) अतगड भूतना छेडा
 वर्गना सातमा अभ्ययनतु नाम अतगड

सूत्र के छठे वर्ग के सातवें अध्ययन का नाम
Name of the 7th chapter
of the 6th section of Antagada
Sūtra अंत० ६, ७, (२) साकेतन नगर
निवासी ओ३ गाथापति के लोले मलावीर स्वामी
सभीपे दीक्षा लभ्यार वरसन्ती प्रदन्त्या पाणी
विपुल पर्वत उपर सथारे डरी सिद्धि भेगवी
साकेतन नगर के निवामि एक गाथापति, कि
जिसने महावीर स्वामी के पास दीक्षा लेकर
चारह वर्ष तक समय पाल विपुल पर्वत पर
संनारा कर मोक्ष प्राप्त किया a merchant
of Sāketana city who took
Dikṣā from Mahāvīra Swāmī,
observed it for 12 years and
performing Santhārā on the
Vipula mount, attained salva-
tion अंत० ६, ७, (३) राहुना नवमा
प्रकारना पुद्गलु नाम राहु के नवे प्रकार के
पुद्गल का नाम name of the 9th
variety of the molecule of
Rāhu. सू० प० २०;

केलास पु० (कैलास) डैलास नामने पर्वत,
मेरु पर्वत. कैलास नामका पर्वत, मेरु पर्वत
Name of a mountain, the
mount Meru (२) दुभेरना तात्माने
पर्वत कुबेर के अवीन पर्वत the moun-
tain belonging to Kuberā जं प०
(३) लवलु समुद्रमा पश्चिम दिशाये ४२०००
लोहन उपर आवेन आलुवेदध देवोने
निवास पर्वत लवण समुद्र में पश्चिम दिशा
की ओर ४२००० योजन दूर अनुवेलधर
देवता का निवास स्थान पर्वत the moun-
tain abode of Anuvēlandhara
gods situated at a distance of
42000 Yojanas in the west, in
Lavana ocean ठा० ४, २,

केलि स्त्री० (केलि) डीड, भेद, रमन क्रीडा;
चेष्टा, रमत, खेल Play, recreation.

ओव० २४; पञ्च० २, प्रव० ४३६;

केली स्त्री० (कदली) डैलानु वृक्ष, डैल केले
का वृक्ष, कैला A plantain tree
भक्त० १४४;

केवइअ य त्रि० (कियत्) डेटलुं; डेटला
प्रमाणु कितना ? कितने प्रमाण का ?
How much ओव० ३८, पञ्च० ६, ओष०
नि० १५३, सू० प० १, ठा० ३, १, अणुजो० १४०;
नाया० १३, भग० १, १, २, ५, ३, १, ५;
५, २, ८, ६, ५, ८, ८, १; २, ८, १०, ११,
१, १२, ४, १४, ७, ८, १६, १, १६, ३;
६, ७, २४, १, १२, २५, ६, ४१, १, नाय०
व० जं प० २, २५, ७, १३६, ७, १४६,
६, १२५, ७, १३२ १, १६, ७, १३१,

केवचिरं अ० (कियच्चिरं) डेटलो लायो वषत,
उया सुधी ? कितना लम्बा समय, कवतक ?
How long; how far जीव० १, राय०
१४६ भग० २, ५, ३, ३ ८, २, ६, २५,
६; ज० प० ७, १७५,

केवच्चिरं अ० (कियच्चिरं) डेटलो वषत.
कितना समय How much time
अणुजो० ८५, भग० २५, ४; पञ्च० १८,
केवच्चेरिण अ० (कियच्चेरिण) डेटले वषते
कितने समय में In how much time.
अंत० ६, १५, भग० २, १;

केवत्तिय त्रि० (कियत्) लुयो “ कवइअ ”
शब्द देखो “ केवइअ ” शब्द Vide
“ केवइअ ” सू० प० १, १६, जीवा० १,
भग० १, १०, ११, १,

केवल न० (केवल) स पूरुं, परिपूरुं.
संपूर्ण, परिपूर्ण Full, complete दसा०
६, २, भग० १, ४; १ ८, ५, ५, ७, ८;
६, ३१; १०, ५; १५, १; १८, ३; पि०
नि० २११, नाया० ५, १६, उत्त० ३३, ५;

(२) ओङ्क्षु ज्ञान, डेवण ज्ञान. अकेला ज्ञान; केवलज्ञान. perfect knowledge नाया० ८; पञ्च० १, २०, ३६, विशेष० ८४, ४१८, पि० नि० १०; भग० १६, ६, क० ग० १, ४, ८, १०, ४, १४, जं० प० ७, १६०, (३) डेवले दर्शन. केवल दर्शन. Kevala Darśana; perfect understanding क० ग० ४, ४५, —आलोअ पु० (—आलोक) डेवले ज्ञान, परिपूर्ण ज्ञान. केवल ज्ञान, परिपूर्ण ज्ञान, ब्रह्मज्ञान. perfect knowledge. पि० नि० ४७६, —जुअल न० (—युगल) डेवले युगल, डेवले ज्ञान तथा डेवले दर्शन केवल द्वय; केवल ज्ञान और केवल दर्शन a pair of Kevala Jñāna and Kevala Darśana क० ग० ४, ६८, —दुग न० (—द्विक) डेवले ज्ञान तथा डेवले दर्शन केवल ज्ञान तथा केवल दर्शन. perfect knowledge and perfect vision क० ग० ३, १६, ४, ८, २०, —दुगूण त्रि० (—द्विकोन) डेवले द्वि० रक्षित केवल द्विक-केवल ज्ञान और केवल दर्शनसे रहित devoid of a pair of Kevala क० ग० ४, ३४, —परियाय-ग न० (—पर्याय) डेवले ज्ञानना पर्याय केवल ज्ञान की पर्याय. molecules of Kevala Jñāna दसा० १०, ११; भग० १५, १, —मरण न० (—मरण) डेवले ज्ञान सहित मृत्यु. केवल ज्ञान सहित मृत्यु death accompanied with Kevala Jñāna (२) डेवले-अद्वितीय मरण, पंडित मरण. अनोखी मृत्यु, पंडित मरण. good death, death in a proper way दसा० ५, २६, २७, —वरणाणदंसण न० (—वरज्ञान दर्शन-केवलमभिधानतो वर ज्ञानान्तरापेक्षया

प्रधानं ज्ञानं च दर्शनं च ज्ञानदर्शनं) प्रधान डेवले ज्ञान अने डेवले दर्शन प्रधान केवल-ज्ञान और केवलदर्शन the chief Kevala Jñāna and Kevala Darśana नाया० ५, ८, १४, भग० ६, ३१, २५, १; —सिरी छी० (—श्री) डेवले ज्ञानरूप लक्ष्मी केवल ज्ञान रूप सम्पत्ति. wealth in the form of Kevala Jñāna चउ० १४,

केवलकल्प त्रि० (केवलकल्प-केवल संपूर्णः कल्पत इति कल्पः स्वकार्यकरणसमर्थो वस्तुरूप इति यावत् केवलश्चासौ कल्पश्चेति केवलकल्पः अथवा केवलज्ञानसदृश परिपूर्णतासाधर्म्यात् सम्पूर्ण पर्यायो वा केवल कल्प शब्द) संपूर्ण; डेवले ज्ञानकी भाङ्ग परिपूर्ण संपूर्ण केवल ज्ञान की तरह परिपूर्ण Complete, perfect as Kevala Jñāna दसा० २, २४, २२, नाया० ध० ठा० ३, ४, भग० ३, १, ६, ५; नाया० १३, ज० प० ओव० ४२; कल्प० २, १४,

केवलज्ञान न० (केवलज्ञान) डेवले ज्ञान, संपूर्ण-परिपूर्ण ज्ञान, बोधना सर्वाभावने प्रत्यक्ष ज्ञानावधार ज्ञान, ज्ञानकी पाचवो प्रकार. केवलज्ञान, सम्पूर्ण- ब्रह्म ज्ञान, लोक के समस्त भावों को प्रत्यक्ष जानने वाला ज्ञान, ज्ञान का पाचवा भेद Perfect knowledge, omniscience, knowledge which reveals every thing, the fifth variety of knowledge ओव० दसा० २, २४, २५, भग० ६, ४, ८, २, नाया० १, —आवरण न० (—आवरण) डेवले ज्ञाननु आवरण-आच्छादन, ज्ञानावरणीय कर्मकी ओट प्रकृति केवलज्ञान का आच्छादन-आवरण, ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति obstruction to

Kevala-Jñāna; a variety of Jñānāvāraṇīya Karma. सम० १७; —आवरणिज्ज. न० (-आवरणीय) डेवल-ज्ञानने दयावणुअर डर्भ. केवल ज्ञान को दवाने वाला कर्म, ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति a Karma which obscures Kevala-Jñāna. भग० ६, ३१; —पज्जव पु० (-पर्यव) डेवल ज्ञानना पर्याय. केवल ज्ञान की पर्याय. divisions of Kevala Jñāna भग० २५, ४; —विणाय. पु० (-विनय) डेवल ज्ञानने विनय केवल ज्ञान का विनय. modesty in relation to Kevala-Jñāna. भग० २५, ७,

केवलणाणि पु० (केवलज्ञानिन्) डेवलज्ञानी, डेवली तीर्थङ्कर अने सिद्ध भगवान्. केवल-ज्ञानी, केवली तीर्थकर और सिद्ध भगवान् An omniscient being, Kevali Tirthankara and Siddha. भग० ८, २, १८, १; २६, १, नाया० ८;

केवलदंसण न० (केवलदर्शन—केवलेन संपूर्ण-वस्तुतत्त्वग्राहकबोधविशेषरूपेण यहर्शनं सामान्यांशग्रहण तत्केवलदर्शनम्) डेवल दर्शन; संपूर्ण दर्शन. केवल दर्शन; सम्पूर्ण दर्शन Kevala Darsana; perfect vision दसा० ५, २४; २५; भग० २, १०, ८, २; जीवा० १, कप्प० १, १; —आवरण न० (-आवरण—केवलमुक्तस्वरूपं तच्चदर्शनं च, तस्यावरणं केवलदर्शनावरणम्) दर्शनावरणीय डर्भनी ओड प्रकृति डे जेना उदयथी एव डेवलदर्शन न पावे दर्शनावरणीय कर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से जीव को केवलदर्शन उत्पन्न नहीं होता. a variety of Darsanāvāraṇīya Karma by the rise of which a soul does not acquire Kevala Darsana ठा० ६, १, सम०

१७; पप्प० २३, उत्त० २३, ६;

केवलदंसणि. पु० (केवलदर्शनिन्) डेवल दर्शनी एव. केवल दर्शन वाली आत्मा A soul possessed of Kevala Darsana. भग० ६, ३; ठा० ४, ४;

केवलणाण. न० (केवलज्ञान) जुओ. “केवल-णाण” शब्द. देखो “केवलणाण” शब्द Vide “केवलणाण” भग० २, १०, ८, २, नदी० १; अणुजो० १; विशेष० ७६; दसा० ७, १२; कप्प० १, १; प्रव० ७०५, —आवरणिज्ज. पु० (-आवरणीय) जुओ. “केवलणाण आवरणिज” शब्द. देखो “केवलणाण आवरणिज” शब्द. vide “केवलणाण आवरणिज” भग० ६, ३१, —पज्जव पु० (-पर्यव) डेवल ज्ञानना अनंत पर्यव केवल ज्ञान के अनंत पर्यव, infinite atoms of Kevala Jñāna. भग० ८, २; —लद्धि छा० (-लब्धि) डेवलज्ञाननी प्राप्ति केवलज्ञान का प्राप्त होना. acquirement of Kevala Jñāna भग० ८, २; —लद्धिया छा० (-लब्धिका) डेवल-ज्ञाननी प्राप्ति केवल ज्ञान की प्राप्ति attainment of Kevala Jñāna. भग० ८, २;

केवलणाणि पु० (केवलज्ञानिन्) जुओ. “केवलणाणी” शब्द. देखो “केवलणाणी” शब्द Vide “केवलणाणी” भग० ६, ३, ८, २, ८, ६, कप्प० ६, १८१, (२) अतीत उत्सर्पिणी श्रवमा थयेल पडेला तीर्थङ्कर. अतीत उत्सर्पिणी काल मे उत्पन्न हुए प्रथम तीर्थकर. the first Tirthankara of the past Utsarpini time. प्रव० २६०;

केवलि पु० (केवलिन्) डेवलज्ञान धरनार, डेवलज्ञानी; डेवली तीर्थङ्कर अने सिद्ध भगवान् केवलज्ञान रखनेवाले. केवल ज्ञानी,

केवली; तार्थिक और सिद्ध भगवान् One possessed of perfect knowledge; an omniscient being, Kevālī, Tirthankara and the Siddha भग० १, ८, २, १, ५, ४, ७, ७, ६, ३१, १४, १०, १८, ७, २४, १, २५, ६, ७, दस० ८, २२, परह० २, १, पि० नि० १५८, नाया० ८, १४, अणुजो० १२७, पन्न० २०, ३, आव० १०, उवा० ७, १८७, क० गं० १, ४७, ४, ४४; ६, ४, भक्त० १५६, आव० २, १, क०प० २, ५५, प्रव० ६, ६६५, (२) देवसमुद्घात-सात समुद्घातभानी सातभी जेभा जे प्रक्षरना वेदनीय डर्मनी जे प्रक्षरना नामडर्मनी अने जे प्रक्षरना गोत्र डर्मनी निर्जरा थाय छे केवल समुद्घात-सात समुद्घातो मे से सातवां, जिसमे दो प्रकार के वेदनीय, दो प्रकार के नाम और दो प्रकार के गात्र कर्मों की निर्जरा होती है one of the 7 Samudghāts, Kevala Samudghata which involves the process of the destruction of 2 sorts of Vedanīya, 2 sorts of Nāma Karma and 2 sorts of Gotra Karmas in a very short time. पन्न० ३६, —आराहणा खा० (—आराधना) अवधिजानी, मनभर्यवजानी अने देवजानीनी आराधना अवधिजानी, मनपर्यवजानी और केवलजाना की आराधना devotion or services to the soul possessed of Avadhī Jñāna Manupnyava Jñāna and Kevala Jñāna ज० २, ४ —उवासग पु० (—उपासक—केवलिनमुपास्ते य अवणानाकाजीतदुपासनमात्रपर सत्तमो केवल्युपासक.) देवकीनी उपासना इरनारी व्रतधारी श्रावक केवली का उपासना करनेवाला

व्रतधारी श्रावक, a householder who has taken the vows of a layman and who renders devotion to a Kevālī भग० ५, ४, ६, ३१, —उवासिया खा० (—उपासिका) देवकीनी उपासना इरनारी श्राविका केवली की उपासना करने वाली श्राविका a female Jain householder who worships a Kevālī भग० ६, ३१, —परणत्त त्रि० (—प्रज्ञप्त) देवशी लगवाननु पत्रपेक्षु केवली भगवान द्वारा कथित prescribed, extolled by the omniscient राय० २३५, दसा० ७ १२, भग० ६, ३१, आव० ४, १; —परियाग पु० (—पर्यायक) देवजानीनी देवकी तरीकेना अवरथा. केवलजाना की केवलीपनेकी हालत the Kevālihood of one possessed of Kevala Jñāna. नाया० ८ १४ अत० ५, १, —मरण न० (—मरण) देवशीपले मरण थाय ते केवल जान होत हुए मृत्यु होना death in the stage of Kevala Jñāna भग० ५, ७ सम० १७, —समुग्धाअ-य पु० (—समुद्घात—केवलिन्यन्तमुद्घातभावपरमपदेभव समुद्घात केवलिसमुद्घात) देवकी लगवानने देवसमुद्घात, देवसमुद्घात-आह समभभा थती ओर प्रक्षरना आत्म प्रदेशने विन्तारी डर्मने अभिरवानी देवकीनी क्रिया केवली भगवान द्वारा की हुई समुद्घात, केवल समुद्घात-आठ समय में होने वाला एक प्रकार की आत्मप्रदेश को फैला कर कर्म नष्ट करने वाली केवली की क्रिया the Samudghāta performed by a Kevālī, Kevala Samudghāta, i.e. the activity performed by a Kevālī

in eight Samayas (instants)
by expanding the molecules
of the soul to destroy the
Karmas भग० २, २; ८, ६, २५, ६,
सम० ७. —सावग. पुं० (-आवक)
देवसिद्धिगवानने। आवक-वचन सुनने वाला
an adherent of an omniscient
being भग० ६, ३१; —सावित्रा स्त्री०
(-आविका) देवसिद्धिगवाननी आविका.
केवली भगवान की आविका. a female
adherent of an omniscient
being भग० ६, ३१:

केवलित्त. न० (केवलित्व) देवज्ञानीपण्य
केवलज्ञानीपणा The state of being
an omniscient being. प्रव० १५२१,
केवलिय न० (केवल्य-केवलस्य भाव केव-
ल्यम्) देवज्ञ स्वप्न, धातिर्भवे। विशेष
केवल स्वल्प. धाति कर्म का नाश The
perfected stage absence of
Ghāti Karmas. विज्ञे० ११००; २६८१;
केवलिय त्रि० (केवलिक) देवज्ञानी सयधी
केवल ज्ञानी सम्बन्धा Relating to an
omniscient being “ तं सोयकारी
पुढो पवेसे । संखा इमं केवलीयं समाहिं ”
मूय० १ १४, १६ ठा० ४, २० नाया० १;
केस पुं० (केस) दुःशेष, दुःख. केश; दुःख
Misery, affliction, pain, trouble
विज्ञे० १६०१; उत्त० ५, ७;

केस पुं० (केस) केश; केश वाल केश
Hair. ओव० १०, जीवा० ३, ३ नाया०
१, ८; भग० १, ७. ६०३ २, ४, ७ ६;
६, ३३; पञ्च० २, उत्त० १०, २१; आया०
२, ८, १६३, सम० ३४, राय० मूय० २, १,
४२; उवा० १, ५१, कप्य० ६, ५७; प्रव०
८११; ४३६ —अलंकार पुं० (-अल-

ङ्कार—केशाण्वालङ्कार केशालङ्कारः)
वाण ओणवा पटीया पाडवा अने तेव पुलेव
धावपु ते वाल ओच्छना; भाग पाडना और
तेल फुलेल लगाना combing of
hair. ठा० ४, ४. भग० ६, ३३, —ग
न० (-अग्र) देशतो अग्रभाग. वाल का
अग्रभाग. the tip, point of a hair
भग० ३, २, —भूमि स्त्री० (-भूमि)
देशनी भूमि; माथानी गाम्भी वाल की
चमड़ी, सिर का चर्म the skin of the
head ओव० १०. राय० १६४; —मंसु
पु० (-श्मश्रु) माथापरना देश अने दाडी
मुच्छ. सिर के वाल और दाडी मूच्छ the
hair of the head, moustache
and beard प्रव० १३६४ —रोमनह
न० (-रोमनस्त्र) माथाना देश शरीर
रुवा अने नभ सिर के वाल, शरीर के
रोम और नाखून the hair of the
head furs and nails. प्रव० ४५४,
—लोच पु० (-लोच) देशतो दोय इरवे,
भरतत तथा उदीना वाण हाथेथी जेथी-
भुटी उदाउवा ते केश का लुचन करना,
मम्नक तथा दाडी के वाल हाथ से खींचकर
उखाडना. rooting out of hair,
pulling out of hair of the head,
beard etc with the hand
भग० १ ६, उत्त० १६, ३३, “ संतत्ता
केस लोणुण वंभचेरपराइया ” मूय० १,
३ १३, निर० ५ १, —वहार पु०
(-अपहार) देश-वालाअनु अपहृष्टु
अहार उदवुं ते केश-वाल आदिका परि-
त्याग-वाहर निकाल देना. rooting out
of very small hair क० ग० ५, ८५;
—वाणिज न० (-वाणिज्य) देशवाला
उवेतो व्यापार-पदर कर्मादानमाने ओड-
केश वाले जीवों का व्यापार; पन्द्रह कर्मा-

दानों में से एक dealing in the animals having fur, one of the fifteen Karmādānas भग० ८, ५, —हृत्थ. पु० (—हस्त) देशना हाथ-वेणी, अम्भोडे वाल का हाथ-वेणी, वाल का गुंथना a braid of hair नाया० १, कप्प० ३, ३९,

केसंत पु० (केशान्त) देशने पर्यंत लाग, माथानी आभड़ी केश के नीचे का भाग, सिर की चमड़ी The root of the hair, the skin from which the hair comes out राय० १६४, जीवा० ३, तदु०

केसर पु० न० (केशर) झूलने देशर, पद्म वगेरे फूलमा थतु देशना आकारे ततु फूल का पराग-केशर, पद्मादि फूलों में उत्पन्न होने वाले केश सरीखे ततु The pollen or farina of a flower पञ्च० १, नाया० ४, नदी ७, जीवा० ३, १, राय० १३३, (२) क्षिपद्वपुरनी अहारना ओड उद्यान-अगीयानु नाम कपिलपुर क बहार के एक वर्गाच का नाम name of a garden outside the city of Kampilapura “अह केसरम्मि उज्जाये अणगारे तवोधणे” ज० प० ३, ६१, ७, १६६ उत्त० १, ३, (३) वक्षनी ओडभत्त, अकुल-नु अड वृक्ष की एक जाति, वकुल का झाड़ a kind of tree राय० ५१, (४) मिहना डेशर सिंह क केश the mane of a lion भग० ११, ११, कप्प० ३, ३५ —आडोव पु० (—आटोप) सिहना देश-गने विस्तार. सिंह के केशों का फैलाव the expanse of the mane of a lion भग० ११, ११, कप्प० ३, ३५ —उववेय पु० (—उपपेत) नभस देशरथी-युक्त कमल केशर सहित full of pollen or farina of a lotus नाया० १३,

केसरि. पु० (केसरिन्) डेशरी सिंह A lion of high breed अणुजो० १३१, परह० १, ८, (२) डेशरी रंगनु डपडु केशरी रंग का कपडा a cloth of saffron colour नाया० ५; (३) डेशरि नामने ड्रह, नीलवत पर्वत उपरने ओड ड्रह केसरी नाम का ड्रह, नीलवत पर्वत ऊपरका एक ड्रह a lake of this name, a lake situated on the Nilavanta mount जीवा० ३, ४, ठा० २, ३, (४) डेशरी-आवती ओवीसीना ओथा प्रतिवासुदेव केसरी-आगामीकाल की चौवासी के चौथे प्रतिवासुदेव Kesari, the fourth Prati Vāsudeva of the coming cycle सम० प० २४२, —डह पु० (—डह) जेमाथी भीतानदी नीकणे छे ते नीलवत पर्वत उपरने ओड ड्रह नीलवत पर्वत के ऊपर का एक ड्रह जिस में से सीता नदी निकलती है. the lake on the mount Nilavanta from which the river Sitā rises ठा० ३, ४, सम० ४००० ज० प० ४, ११०,

केसरिया स्त्री० (केशरिका) जमीन हाथ पग साड डगवाने अन्यामीने गणवाने लुग-गाने डडडे, डाडडीओ आधेस उभास भूमि या हाथ पाव साफ करने के लिये सन्यासा के पास रखन का एक वस्त्र का टुकडा, लकडा पर बाबा हुआ रमाल A piece of cloth possessed by an ascetic to brush or cleanse the ground, hands and feet भग० ३, २ ओव० ३६, (२) पत्रा पुज्यानु सावन पञ्चमी पात्रादि पूजेन का सावन, पूजणा a small brush of threads used by an ascetic to cleanse the wooden

utensils भग० २, १. परह० २, ५;
ओघ० नि० ६६६;

केसव. पु० (केशव) कृष्णवासुदेवनं नाम
कृष्णवासुदेव का नाम. The name of
the Krisna Vāsudeva. उत्त० २२,
२; नाया० १६; जीवा० ३, २; परह० १, ४;
केसवृष्टि लो० (केशवृष्टि) केश-वालनी वृष्टि
उरी गतावधानी विद्या केश-वालों की वृष्टि
दिखलाने वाली विद्या. The lore of
making a shower of hair fall.
सूय० २, २, २७; (२) केश-वालनी वृष्टि
केश-वालों की वृष्टि. a shower of
hair प्रव० १४६७.

केसि पु० (केशिन्) परदेशी राजने सम्म-
पनार पार्श्व प्रभुना सतानीया, ये नामना
येड कुमार सम्म-कुमारवस्थामा प्रप्रन्या
वीधेय महत्मा परदेशी राजा को सम्मानने
वाले पार्श्वप्रभु के सतानिया; इस नाम के एक
कुमार श्रमण-कुमारावस्था में दीक्षित हुए
महात्मा A disciple of Pārśva-
nāth who had given advice to
Paideśī king उत्त० २३, २, राय० २१५,
भग० ११, ११; उवा० ८ २४६; निर० ५,
१, (२) देशीकुमार, उदायन राजनेज.
आनेज. केशीकुमार; उदायन राजा का भानेज.
the prince named Keśī: the
nephew of king Udāyana. भग०
१३, ६; उवा० ८, २४६. (३) केशी-
वासुदेव Keśī Vāsudeva प्रव० ४२३,
—सामि. पु० (—स्वामिन्) देशी कुमार-श्री
पार्श्वनाथ स्वामिना शिष्यानुशिष्य केशी
कुमार-या पार्श्वनाथ स्वामि के शिष्यानुशिष्य
Keśī Kumāra the grand-disci-

ple of Pārśvanātha भग० २, ५;
केसि. पु० (क्लेशिन्) क्लेश वाणो, दुःख वाणो.
क्लेश वाला; दुःखी. Troubled; afflict-
ed. विशे० ३१५४;

केसिआ. स्त्री० (केशिका = केशा विद्यन्ते यस्याः
मा केशिका) माथा उपर लाया केश धराव-
नारी स्त्री. सिर पर लम्बे केश रखने वाली
स्त्री A woman having long hair
on the head सूय० १, ४, २, ३,

केसी स्त्री० (कीदृशी) कैसी, कैसा प्रकारनी.
कैसा; किस तरह की; (स्त्री) Of what
sort. अणुजो० १२८.

कोआसिअ. त्रि० () पद्मनी पेडे
विशेष पद्म-कमल की तरह विकसित
Blown as a lotus ओव० १०; ज०
प० २;

कोई अ० (काश्चत्) कोअ ओड कोई भी
Certain, some one नाया० ७, सु०
च० ४, १८८; दस० ५, १, ६६, मत्त० ३८,
कोइल पु० लो० (कोकिल) कोयल, वसत
ऋतुमा पंचम स्वरे मधुर आवाज डरुं
ओड पक्षी कोयल; वसत ऋतु में पंचम स्वर
से मधुर आवाज करने वाला एक पक्षी A
cuckoo सु० च० २, १३६. जीवा०
३, ३, नाया० ५ ८, ज० प० निर० ५ १;
उत्त० ३४, ६; अणुजो० १२८ ओव० ग०
७, १,

कोइलच्छय पु० (कोकिलच्छद) तैल डटके
नामनी ओड वनस्पति तैल कटक नाम की
एक वनस्पति A kind of vegetation.
पत्र० १७

कोउअ-य न० (कौतुक) कुतुहल
Curiosity भग० ७, ६; सू० प० २०,

सु० च० १३, ४३, प्रव० १११, ६५१, कप्प० ४, ६७, (२) गर्भाधानादि संस्कार, महोत्सव विशेष. गर्भाधान आदि संस्कार, महोत्सव विशेष ceremony relating to pregnancy भग० ११, ११, राय० २८, (३) उतार ढाढवे। वगेरे कौतुक कर्म भूत उतारने आदि का कौतुक कर्म an observance to get rid of the obsession by a ghost सूय० २, २, ५५; (४) रक्षा, रक्षायु रक्षा, रक्षण protection जं० प० ३, ४३; (५) भगण क्रिया, कपाले तिलक डरपु ते. मागलिक क्रिया, कपाल पर ककु आदिका तिलक लगाना an auspicious action, an auspicious mark on the fore-head. ज० प० भग० २, ५, ६, ३३; उत्त० २२, ६, ओव० ११, २७, —कम्म न० (-कर्मन्) भगल-सौभाग्य भाटे डपादे तिलक डरपु ते भगल-सौभाग्य के लिये कपाल पर कंकू आदि का तिलक लगाना the act of making an auspicious mark on the fore head. नाया० १४, निसी० १३, १२, —कारक त्रि० (-कारक) कौतुक डरनार. कौतुक-तमाशा करने वाला an enchanter, a joker ओव० ४ १,

कोउग न० (कौतुक) लुओ। “कोउअ-य” शब्द देखो “कोउअ-य” शब्द Vide “कोउअ-य” सु० च० ६, ८४, पचा० १३, २४, कोउय पु० (कौतुक) लुओ। “काउअ” शब्द देखो “कोउअ” शब्द Vide “कोउअ” नाया० १,

कोउहल न० (कौतूहल) कौतुक, कुतूहल, उत्सुकता Eagerness; curiosity ओव० ३८, भग० ६, ३३, निसी० ३, ५, जीवा०

३, ३, राय० ४०; —वडिया स्त्री० (-प्रतिज्ञा) कुतूहल निमित्त कुतूहल के लिये for the sake of curiosity. राय० निसी० १७, १;

कोऊहल. पु० (कुतूहल) कौतुक, कुतूहल कौतुक भाव कौतूहल Curiosity भग० १, १; (२) अभुक्त भोगनी धुंछा अने भुक्त भोगनी स्मृति. अभुक्त भोग की आकाक्षा और भुक्त भोग की स्मृति desire for a thing that is never tasted and remembering of things that are tasted ज० प० ५, ११५; उत्त० १५, ६,

कोऊहलिल. त्रि० (कौतूहलिक) कुतूहली, भशकरी मस्करा, हसी करनेवाला. A joker, a huffoon ओष० नि० भा० ११३, कौकण पु० (कोकण-कोकण एव कौकणः) ओ नामनो ओक देश. इस नाम का एक देश. A country of this name. ओष० नि० भा० २३३,

कौकणग त्रि० (कौकणक) कोकण देशनो रहेवासि कोकन देश का निवासी A resident of Kokana. पञ्च० १, परह० १, १,

कौच. पु० (कौच) कौच पक्षी कौच पक्षी A heron निर० ५, १, पञ्च० १, ठा० ७, १, जं० प० नाया० २, ८, राय० ५४, जीवा० ३, ३, उत्त० १४, ३६, ओव० ३४, “छट्टेच सारसा कौचा, गेसाय सत्तमं गच्छा” ठा० ७, (२) कौच देशनो रहेवासी कौच देश का रहनेवाला a resident of Kioncha country परह० १, १, पञ्च० १, —आरव पु० (-आरव) कौच पक्षीना जेवो आवाज कौच पक्षी जैसा आवाज a sound resembling that of a heron जं० प० ३ ५३, —आमग न०

(—आसन) એક જાતનું આસન એક પ્રकारका
आसन. a kind of bodily posture.
जीवा० ३; भग० ११, ११, —स्वर. त्रि०
(—स्वर—कौञ्चस्येवाप्रयासेन विनिर्गतोऽपि
दीर्घदेशव्यापी स्वरो येषां ते कौञ्चस्वरा)
કૌંચ પક્ષીના સરખા મધુર સ્વરવાળો.
कौञ्च पक्षी के सदृश मधुर स्वर वाला. (one)
having a melodious voice as
the cry of a heron जीवा० ३, (२)
વિજય કુમાર દેવતાની ઘડા વિજય કુમાર
देव की घटा a bell of Vijju Ku-
māra. जं० प० ५, ११९; २, २१,

कौटिल्य. त्रि० (कौटलक—कौटलं ज्योतिष
निमित्त वा प्रयुङ्क्त इति कौटलकः) કૌટલ-
જ્યોતિષ અથવા નિમિત્ત શાસ્ત્રનો જાણનાર.
કોટિલ્ય—જ્યોતિષ યા નિમિત્ત શાસ્ત્ર का ज्ञाता.
One knowing astrology and
science of omens. “ पाणि बहोति
सुगहणे पञ्चणे कौटल यस्स नितियतु ”
ઓષ० નિ० મા० ૨૨૧,

कौटलक. पु० (कौटलक) એક જાતનું
પ્રાણી એક જાત का प्राणी. A kind of
animal. ओव०

कोत पु० (कुन्त) બાલો માલા. A spear.
जं० प० —गग न० (—अग्र) ભાલાની
અણી. માલા की नोक the point of
a spear नाया० १६,

कोतिय. पु० (कौन्तिक) એક જાતનું ઘાસ
એક જાતિ का घास. A kind of grass.
भग० २१, ६,

कोकांतिय. पु० (कोकान्तिक कोको इत्येव आर-
टतीति) કોહલું કોલા A gourd.
(૨) લોકડી લોમડી. a jackal પરહ०

१, १, आया. २, १, ५, २७; जीवा० ३, ३;
नाया० १, पञ्च० १,

कोकणय. न० (कोकनद—कोकान् चक्रवाकान्
नदति नादयदि घेति) લાલ કમલ. लाल
कमल) A red lotus. पञ्च० १, सूय०
२, ३, १८,

कोकासिञ्च-य त्रि० (*) કોકાસ—લાલ
કમલની પેઠે વિકસિત; પ્રફુલ્લિત કોકાસ-
લાલ કમલ की तरह प्रफुल्लित—विकसित.
Blown as a red-lotus जीवा० ३,
३, ज० प०

कोकिल. पु० स्त्री० (कोकिल) કોયલ પક્ષી.
कोयल पक्षी A cuckoo bird पञ्च० १,
कोकुइअ पु० (कौत्कुचिक) હાસ્યજનક ચેષ્ટા
કરનાર, ભાડ માડ, હાસ્યમય ચેષ્ટા करने
वाला. A joker जं० प०

कोकुइअ. त्रि० (कौत्कुचिक) ભાડની પેઠે
ચેષ્ટા કરનાર માડ की तरह चेष्टा करनेवाला.
One who acts like a joker
उत्त० ३६, २६१; ओव० ३१; ज० प०

कोच्छ पु० (कौत्स) એ નામનો એક દેશ.
इस नाम का एक देश. A country of
this name. भग० १५, १,

कोच्छुंभरि पु० (कुस्तुम्बरि) એક જાતનું
ધાન્ય એક જાતિ का धान्य A kind of
corn जं० प०

कोज्ज. पु० (कुज्ज) કુજ્જક—એક જાતનું ઝાડ.
एक जाति का झाड़. A kind of tree
कप्प० ३, ३७; नाया० ८;

कोटि पु० (कोटि) અગ્રભાગ, અણી. अग्र-
भाग, नोक. The point. जं० प० (२)
કરોડ; સંખ્યા વિશેષ કરોડ, વૃહદ્ સંખ્યા
a crore (numerical figure)

* જુઓ પૃષ્ઠ નંબર ૧૫ ની ફુટનોટ (•) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p. 15th.

विशे० ८२३,

कोटिल्ल पु० न० (कोटिल्ल) नानो मुद्गर
छोटा मुद्गल A small club विवा० ६,
कोट्ट धा० ॥ (कुट्ट) अन्ने पगवडे जमीन

पर कुट्टु दोनों पाव से जमीन पर कूटना
Jumping on the ground by
lifting both the feet upwards.
(२) कुट्टु कूटना बुकनी करना to
pound

कोट्टिय म० कृ० जीवा० ३, १;

कोट्टेमाण व० कृ० भग० १५, १,

कोट्टिजमाण क० वा० व० कृ० जीवा० ३, ४

कोट्ट पु० (.) द्वितीया गढ, किला A
fortress, (२) पछाडु, कुट्टु पछा-
डना, कूटना to dash, to pound
पण्ड० १, १,

कोट्टिकिरिया स्त्री० (कोट्टिकिया) अन्दिडा,
दुर्गा वगेरे स्वरूपरूप देवी चडिका, दुर्गा
आदि स्वरूप वाली देविया The goddess
Uhandikā etc भग० ३, १, नाया०
८, अणुजो० २०,

कोट्टणी स्त्री० () द्वितीया उपरनी भूमि का
किले की भूमि The courtyard in a
fortress ज० प० ३, ४७,

कोट्टाग पु० () सुतार सुतार, बढई A
carpenter " कोट्टाग कुलाणि वा गाम-
रक्ख कुलाणिवा " आया० २, १, २, ११,

कोट्टिम पु० (कुट्टिम) भोयतणीयु जमीन के
नीचे का तलघर नीचे की भूमि. The un-
derground floor, a cellar नाया०
६ —कार त्रि० (-कार) भोयतणीयानो
अनायतार भूमि में तलघर का बनानेवाला
the architect who constructs a

cellar अणुजो० १३१, —तल न०
(-तल) भोयतणीयु नीचे की जमीन,
तलघर. a cellar. नाया० १, भग० ६,
३३, ज० प० १,

कोट्ट पु० (कोण्ड) कोट्टो: धान्य भरवाने
कोट्टर; कोट्टी कोटा, धान्य भरने का कोठार,
कोठी A granary ठा० ३, ४, भग०
१५, १ ११, ६, नाया० १, जीवा० ३, १,
पि० नि० २११, ओव० २६, ३८, प्रव०
१००६, (२) कोट्टो; अती काठा, छानी
a store room the breast ज० प० ३,
४७ ओव० २१, नाया० १६, (३) ओट्ट
अतनो सुगंधी द्रव्य, कोट्ट एक जाति का
सुगंधी द्रव्य a kind of fragrant
substance. भग० १८, ६, राय० ५५

धारणानु ओट्ट नाम. धारणा का एक नाम
name of a Dhāraṇā नर्दा० ३३, (५)
शरीरनी अन्तर पे धारण वाली अवयव, ओटा
कोट्ट पुत्रपते पाच अने स्त्रीने छ होय छे,
ओट्ट गलने अघि छे भाटे शरीरके भीतरका
पोला अवयव, ऐसे पाले कोट्ट पुरुष के पाच
तथा स्त्री के छ होते हैं, एक गर्भ का अविक
होता है a hollow organ in the
body, there are five such or-
gans in the body of a man and
6 in the body of a woman तदु०
—आउत्त त्रि० (-आगुत्त) कोट्टीमा नापेय
कोट्टीमा रक्षित भंडार में डाला हुआ, कोट्ट
में रक्षित. properly stored भग० ६,
५, ६, ६, ठा० ३ २, निगी० १७, २०
वेय० २, ३. —उवगय पु० (-उपगत)
कोट्टीमा प्रवेश कुट्टे कोट्टे में घुसा हुआ
(one) who has entered

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th

into a room भग० ८, ७, — पुड
 पु० (-पुड-कोष्टे य पच्यते वाससमुदायः
 स कोष्ट एव, तस्यपुडा पुटिका काष्ट-
 पुडा) डोहने-सुगंधी द्रव्यतो पडे। सुगंधी
 द्रव्य का पुडा. a packet of a fragi-
 ant substance नाया० १७, भग० १६,
 ६, ज०प० ४, ८६, — बुद्धि स्त्री० (-बुद्धि-
 कोष्टकप्रक्षिप्तधान्यमिव यस्य सूत्रायौ सुचि-
 रमपि तिष्ठत स कोष्टबुद्धिः) डोहनेना जेरी
 बुद्धि; डोहामा पडेव धान्य जेम सडे डे अगडे
 नहि तेम मेववेनुं जान जवन पर्यंत नष्ट
 थाय नहि जेवा प्रक्षरती बुद्धि-शक्ति कोठे
 जैसी बुद्धि, कोठे में पडा हुआ धान्य सड़ता
 या बिगड़ता नहीं जैसे ही प्राप्त हुआ जान
 जीवन पर्यंत नष्ट नहीं होता ऐसी बुद्धि-शक्ति
 (one) of great intellect, a kind
 of intellect which never spoils
 like corn which is stored in a
 granary ओव०विशे०७६६; —समुग्ग
 पु० (-समुद्ग) डोहनेो डालेो कविट का
 डब्बा a box made of wood-apple
 ज० प० ३, ४३.

कोट्टग्र-य पु० (कोष्टक) सावर्थी नगरीना
 ध्यानभुल्लाना पुरातन उद्याननु नाम.
 नावर्थी नगरी के ईशान कोने के पुरातन
 उद्यानका नाम Name of an old gar-
 den situated to the north east
 of Sāvathi city नाया० १, भग०
 ६, ३३, १२, १, १५, १, राय०२११, निर०
 ३, १, उवा०६, १२६, (२) धान्यतो डोहार
 वान्य का कोठा a store-room for
 grain. a granary प्रव० १५१६,
 —चेइय न० (-चैत्य) सावर्थी नगरीनी
 अहारनु उद्यान. सावर्थी नगरी के बाहर का
 बगीचा a garden situated out-
 side Sāvathi city नाया० ध० २

—बुद्धि स्त्री० (-बुद्धि) धान्यना डोहारती
 बुद्धि वान्य के कोठों की बुद्धि. increment
 in grain stores प्रव० १५०८,
 कोट्टग पु० (कोष्टक) डोहा, अरुण कोठा,
 बुर्ज. A tower, a room (२) ओरडे
 बड़ा कमरा a large room सम० प०
 २१०, जीवा०३, ३, अणुजो० १४८, पन्न०२;
 (३) आवस्ती नगरी०डोहनेो ओड आग
 आवस्ती नगरी के बाहर का एक उद्यान a
 garden outside the city of
 Sāvastī उत्त० २३, ८,

कोट्टागार. पु० (कोष्टागार) धान्य गृह, डोहार
 धान्य घर कोठार A room for stor-
 ing grain, a granary निर० १, १.
 राय० २०६; २२२, २८२; निसी०८, २, ६,
 विशेष० १८२७, नाया० १, ७, १४, भग०
 ११, ६, उत्त० १०, २६, ओव० कण्य० ४,
 ६४, ज०प०२, ३०, —माला पु० (-शाला)
 डोहारनु भक्षन. कोठे का मकान a house
 having a granary निसी० ६, ७

कोट्टिय त्रि० (कोष्टिक) डोह वणो, जेरी
 पासे डोहनामे सुगंधी द्रव्य छे ते सुगंधि
 द्रव्य जिसके पास है वह, कोठ वाला
 (One) having a fragrant sub-
 stance known as Kotha विवा०७.
 उवा० २ ६४.

कोडंड पु० (कंडण्ड) धनुष वनुष A
 bow अत० ५, १,

कोडंय पु० (कोलम्ब) वृक्षनी नभेडी शाखा-
 नेो अग्रभाग झुके हुऐ वृज की शाखा का
 अग्रभाग The foremost portion
 of a bent branch of a tree
 ' विसम गिरिकडग कोडवमन्निविट्टा "
 नाया० १८,

कोडंवाणी स्त्री० (कौटुम्बिनी) जे नामनी
 ओड शाखा. इस नाम की एक शाखा A

sect of this name. कप्प० ८;
 कोडण. न० (कोटन) कुट्टु ते कूटना
 Poundin. परह० १, २,
 कोडाकोडि स्त्री० (कोटिकोटि) ओड कोडा कोड,
 इरेडि गुण्या इरेडि एक कोडा कोड, करोड
 को करोड से गुण करना 10000000x
 10000000, a crore multiplied
 by a crore. ठा० २, ३, भग० ६, ३,
 १६, ६, ज० प० पञ्च० २३,
 कोडाल न० (कोडाल) कोडाल नामे ओड
 गोत्र, ऋषभदत्त ब्राह्मण गोत्र कोडाल
 नामक गोत्र, ऋषभदत्त ब्राह्मण का गोत्र A
 lineage known as Kodāla the
 lineage of the Brahmin Risa-
 bhadatta कप्प० १, २, —सगोत त्रि०
 (—सगोत्र—कोडालैःसम गोत्र यस्य सः) कोडाल
 गोत्रमा जन्मेत्, कोडाल गोत्र वालो कोडाल
 गोत्र मे उत्पन्न, कोडाल गोत्र वाला (one)
 born in Kodāla lineage आया०
 २, १५, १७६,
 कोडि स्त्री० (कोटि) इरेडि, सो लाख
 (१०००००००) एक करोड, सो लाख
 (१०००००००) One hundred lacs,
 one crore, 10000000 भग० २, १,
 ८, ३, २, ७, १, १३, ६ सु० च० १, २१८,
 म० प० १८ जीवा० १, नाया० १, ८,
 अणुजो० ११७, उत्त० ८, १७ ठा० २, ४,
 ओव० ७, १८२, (२) अणु कोना a
 corner, an angle पचा० १३,
 २६, राय० १५६, पि० नि० २४७, ठा० ८,
 (३) छोडो, अत्य प्रदेश किनागः अन्तिम
 प्रदेश end the region of the
 boundary ज० प० (४) हथियार की धार the edge of a
 weapon जीवा० ३, राय० २०४, (५)
 अणु, अग्रभाग नोक अग्रभाग point,

tip (६) धनुष्यनी पणुध धनुष्य की
 डोरी the sting of a bow जीवा०
 ३, ६, (७) पच्यणालुना लागा, इरेणु,
 अने जेगना संयोगथी उत्पन्न थता विट्पन्ता
 प्रकार प्रत्याख्यान के भागे, करण और योग
 के संयोग से उत्पन्न विकल्प के भेद divi-
 sions of Pachchakhanas, प्रव०
 १६१, —पहुत्त न० (—पृथक्त्व) जेथी
 भाडी नव इरेडि सुधी दो से लगाकर नौ
 करोड तक. from two to nine
 crores प्रव० ६३५, —सयपुहुत्त न०
 (—शतपृथक्त्व) जेसे इरेडिथी भाडी
 नवसे इरेडि सुधी दोसौ करोड से लगा
 कर नौसौ करोड तक from two
 hundred crores to nine hundred
 crores ज० प० ६, १२५, भग० २५ ६,
 —सहस्सपुहुत्त न० (—सहस्रपृथक्त्व)
 जे हजार इरेडिथी भाडीने नव हजार इरेडि
 सुधी दो हजार करोड से लगा कर नौ हजार
 करोड तक from two thousand
 crores to nine thousand crores
 भग० २६, ६; —सहिय न० (—पहित—
 कोटाभ्यामेकस्य चतुर्थादिरन्तर्विभागोऽपरस्य
 चतुर्थादिरैवारम्भविभाग इत्येव लक्षणभ्या
 सहित मिलित कोटिसहितम्) ओड पच्य-
 णालुनो छोडो भीज्ज पच्यणालुन शड-
 आतने मणतो डोय तेवु तप, पाण्डा तरीडे
 ओड माणुमे आणे आयजिल इरुं भीजे
 द्विमे सवारमा आणतु तप पुडयता भीज्ज
 आयजिल पच्यजे तो पाडेला पच्यणालुनो
 छोडो भीज्ज पच्यणालुनी शडआत साथे
 मण्यो माटे ते तप कोटि सहित तप इरेवाय
 एक प्रत्याख्यान का अत दूसरे प्रत्याख्यान के
 प्रारंभ मे मिलता हो ऐमा तप, उदाहरणार्थ
 एक मनुष्य ने आज आयजिल किया दूसरे
 दिन सुबह आज की तपस्या पूर्ण होने हो

दूसरा आयेविल कर ले तो पहिले प्रत्याख्यान का अत दूसरे प्रत्याख्यान के प्रारम्भ से मिल जाय इस लिये इस तप को कोटि सहित तप कहते हैं a kind of austerity the end of which becomes the beginning of another austerity. मग० ७, २. ठा० १०, उत्त० ३६, २५३. प्रश्न० १६१,

कोडिकोडि स्त्री० (कोटिकोटि) लुओ। “ कोडाकोडि ” शब्द देखो “ कोडाकोडि ” शब्द Vide “ कोडाकोडि ” क० प० १, ८२; २, २६; —अतो अ० (-अन्तर) डेडडेडीनी अन्तर कोडा काडी के अदर. less than a crore multiplied by a crore क० ग० ५, ३३,

कोडिगार पुं० (कोटिकार) ओड प्रशरने शरीर, छुरीयारनी धार सभी डरनार एक प्रार वा मिस्त्री; हथियार की धार दुस्त करने वाला An architect who sharpens or grinds the edge of a weapon पत्र० १,

कोडिण न० (कोटिन) डेटिन नामनु ओड नगर कोटिन नाम का एक नगर Name of a city. नाया० १६,

कोडिण न० (कौडिन्य) ओ नामनु गोत्र इस नाम का एक गोत्र A lineage of this name. कप० ५, १०३;

कोडिन्न पुं० (कौडिन्य) डेटिन्यनामे महागिरी आचार्यना शिष्य कौडिन्य नाम का महागिरी आचार्य का शिष्य Koundinya, the disciple of the preceptor Mahāgauri कप० ८, विशेष २३६० (२) कुत्स गोत्रनी शाखा कुत्स गोत्र की शाखा a branch of Kutsa lineage ठा० ७, १, (३) कुत्स गोत्रनी शाखा-मानो पुत्र कुत्स गोत्र की शाखा में उत्पन्न

पुरुष a person belonging to Kutsa lineage ठा० ७, १, (४) वसिष्ठ गोत्रनी शाखा. वसिष्ठ गोत्र की शाखा. a branch of Vasistha lineage ठा० ७, १, (५) वसिष्ठ गोत्रनी शाखामांनो पुत्र वसिष्ठ गोत्र की शाखावाना पुरुष a person of Vasistha lineage ठा० ७, १;

कोडिमा स्त्री० (कोटिमा) २. धार आमनी सातवीं मूर्छना गंधार ग्राम की सातवीं मूर्छना The 7th note of a musical scale known as Gandhāra अणुजो० १२८

कोडियगण पुं० (कोटिकगण) डेटिक नामना महावीर स्वामीने ओड गण कौटिक नाम का महावीर स्वामी का एक गण An order of ascetics styled as Kotika and established by Mahāvīr Svāmī ठा० ३

कोडिल्लय न० (कौटिल्लय) डेटिल्लयनु अर्थ-शास्त्र कौटिल्य का अर्थ शास्त्र. Political economy founded by Kautilya अणुजो० ४१,

कोडी. स्त्री० (कोटी) डरोडनी सख्या. सो लाख एककरोड़ की सख्या, सौ लाख, (१०००००००) 10000000, one crore, 100 lacs पत्र० २, अणुजो० १३३, नाया० १ —ईसर पुं० (-ईश्वर) धनाढ्य, डेटिपति-शाहुदर. धनाढ्य कोडाधिपति-साहुकार a wealthy person a millionaire मु० च० १, ३३,

कोडीदुगमिलन न० (कोटिद्विकमिलन) प्रतना ओ छेडनु मिश्रान डवु ते, ओड प्रत पुरु थयुं डे ते पाट्या विना भीनने आरम्भ डरवो ते-जेम उपवास पुगे अये डे ओडशुभा पन्नाभाणु डरवा ते, पन्ना-

आशुतो ओ३ प्रकार व्रत के दोनों किनारों का मिलान करना, एक व्रत पूरा हुआ कि उसके त्याग न त्यागते दूसरे का प्रारम्भ करना, जैसे उपवास पूर्ण होतेही एकलठारों के प्रत्याख्यान कर लेना प्रत्याख्यान का एक भेद A variety of Pachchakhāṇa, joining together of two Pachchakhāṇas (vows) i.e. to undertake another vow at the end of the first प्र० १६१

कोडीवरिस न० (कोटिवर्ष) लाटदेशनु ओ नामनु ओ३ नगर लाटदेश का इस नाम का एक नगर A city of this name of the country Lāta पञ्च० १,

कोडीवरिसिया स्त्री० (कोटिवर्षिका) ओ नामनी ओ३ शाखा इस नाम का एक शाखा A branch of a certain lineage क० प० ८,

कोडुवि त्रि० (कुटुम्बिन) ओ३णा कुटुम्ब वाला बड़े कुटुम्ब वाला. (One) of a big family ठा० ३, १, अणुजो० १३१ जीवा० ३, १,

कोडुविणी स्त्री० (कुटुम्बिनी) कुटुम्ब की स्त्री० A female member of a family (२) फासी दासा a maid servant भग० ११, ११

कोडुविय पु० (कुटुम्बिक-कुटुम्बस्याधिपतिः कुटुम्बिक) कुटुम्बो नायक कुटुम्ब का अधिपति नायक The head of a family अणुजो० १६, राय० २५३, पञ्च० १६ भग० २, १ ७, ६, उवा० १, १२, नाया० १६, ज० प० (२) सेवक हजुरी. (२) गवक, हजुरा a servant, an attendant दया० १०, १ क० प० ८, ५७ — पुरिस पु० (- पुरुष) कुटुम्बो

भायुस, हजुरी सेवक कुटुम्बिक मनुष्य, हजुरी, सेवक. an attendant of a family नाया० १; ८ १४, अग० ६, ३३, विवा० ६, निर० १, १ दया० १०, १, क० प० ४, ५७;

कोडूसग पु० (कोदूपक) ओ३ नतनु धान्य, डाटरा एक प्रकार का धान्य A kind of corn भग० ६, ७ प्रव० १०१३,

कोड पु० (कुष्ट) ओ३ प्रकारो रोग, डाट. एक प्रकार का रोग, कोड A kind of disease; leprosy नाया० १३

कोडि त्रि० (कुष्टिन्—कुष्टमष्टाद्यभेदमस्यास्तीति कुष्टी) डाट रोग वाला, डाटिथे, कोड रोग वाला, कोडिया (One) having leprosy पण० २, ५, आया० १, ६, १, १७२,

कोण पु० (कोण) पीछा लगावतों की धो वाना बजानेका दस्त The key note of a musical instrument राय० १३०, (२) भुछो कोना a corner, an angle प्रव० ६८२, जीवा० ३, १; म० प० १ ओष० नि० भा० १६२

कोणाल पु० (कोणाल) ओ३ विशेष जीव विशेष A kind of living creature ज० प०

कोणालग पु० (कोणालक) ओ३ नतनु पक्षी एक जानि का पक्षी A kind of bird पण० १, १

कोणिय. पु० (कोणिक) अपा नगरीनो राजा अण्डि गज्जिनो पुत्र अपा नगर का राजा अण्डिक राजा का पुत्र The king of the city of Champā the son of the king Śrenika नाया० १ ६ १६ भग० ७, ६,

कोतव न (कोतव) डाटना यागनु जनावेसु अत्र चहे के बाल मा बनाया हुआ मूत A

thread made of the hair of a
rat अणुजो० ३७

कोत्तिय पु० (कात्रिक) भूमि पर शयन करने
वाला, तपस्वी की एक जाति One who
sleeps on the floor' निर० ३, ३;
मग० ११, ६, औव० ३८,

कोत्थ. त्रि० (कौत्स) कुत्स गोत्रभा उत्पन्न
थयेन पुरा-शिवभूति वगेरे कुत्स गोत्र मे
उत्पन्न पुरुष शिवभूति आदि Śivabhūti
etc born in Kutsa lineage.
श० ७, १;

कोत्थ पु० (कोष्ठ) श्रोत्र, उदर प्रदेश
प्रदेश The stomach, the belly.
नाया० १, - हृत्थ त्रि० (-हस्त=कोष्ठे उदर
प्रदेशे हस्तो यस्य स तथा) उदर पर हाथ छे
रनेवा ओयो जिसका छाती पर हाथ है वह
(one) with his hand resting
on the breast "गणिया बार करेण
कोत्थ हृत्थी" नाया० १;

कोत्थर पु० () आउनी अभ्यास काष्ठ
की कोचर A cleft in a tree सु०
च० १८, १६,

कोत्थल पु० () थैला शोधनो गुण,
बैला A big bag उत्त० १६, ८०,
कोत्थलगारिआ स्त्री० (कोस्थलकारिका)
शोधनो धर करनेारी लभरी मिट्टी का
घर बनाने वाली भमरी A fly which
builds a house of the shape
of a bag. औष० नि० २६२,

कोत्थलवाहगा स्त्री० (कोस्थलवाहिका)
त्रय छिद्रियवागा जन्ती ओष्ठ जन्त त्रय
इन्द्रिय वाला जीव की एक जाति A kind

of three-sensed creature पञ्च० १,
कोत्थुम पु० (कौस्तुभ) श्रेष्ठ आभरण
गले का आभरण. An ornament for
the neck a necklace (२)
श्रेष्ठ वासुदेवतो श्रेष्ठुम नामनो भगुी कृष्ण
वासुदेव की कौस्तुभ नाम की मणि a
gem so named of Krishna
Vāsudeva पञ्च० १, ४,

कोत्थुह पु० (कौस्तुभ) अगीयारभा तीर्थ-
करना १६वा गणधरनुनाम ग्यारहवें तार्क्यकर
के १ ले गणधर का नाम Name of the
1st Ganadhara of the 11th
Tirthankara प्रव० ३०६,

कोत्थुमवच्च पु० (कौस्तुभवच्चस) शोधनरी
कोथमोर A kind of vegetable.
निसी० ३, ८,

कोदंड न० (कोदण्ड) धनुष्य धनुष्य A
bow "कोदंड विष्णु मुखेण उमुणा वाम
पादे विद्धे समाणो" अत० ५, मग० ७, १,

कोदाड्य पु० (कुदण्डक) कुत्सित दण्ड, अयोग्य दण्ड. Inade-
quate punishment मग० ११, १३:

कोदसग पु० (कोरदूषक) ओष्ठ जन्तु वान्य
शेकरा एक जाति का धान्य, कोदरा A
kind of corn मग० २१, ३, पञ्च० १

कोद्व पु० (कोद्व) श्रेष्ठ जन्तु वान्य
श्रेष्ठ धान्य एक जाति का हलका धान्य,
कोदरा A kind of corn of inferior
quality पञ्च० १, विज्ञे० १००४, औष०
नि० भा० ३०७, पि० नि० १६२, मग० ६,
७, २१, ३, ज० प० सूय० २, २, ११, श०
७ १ प्रव० ६८२, १०१३,

कोदाल पु० (कोद्राल) ओष्ठ जन्तु वृक्ष

एक जाति का वृक्ष A kind of tree
ज० प०

कोदालग पु० (कोदालक) अ० अतनुं अ०
एक जाति का फल A kind of tree
भग० ६, ७, जीवा० ३, ३,

कोदालिया छा० (कुदालिका) इ० अ०
कुदाली. An axe विवा० १ ३,

कोष्पर पु० (कूर्पर) अ० अ०. कुहनी, काना
The elbow पचा० ३ १६ अ० अ० नि०
मा० २६६, विवा० ६, (२) नदीनी अ० अ०
नदी का गुफा-दर the cleft of
hollow in the river अ० अ० नि० ३०,

कोमल त्रि० (कोमल) सु० अ० अ०, मृदु सुको-
मल, मृदु Soft delicate नदी० ४२,
भग० २, १, ११, ११, नाया० १, २,
अणुजो० १६, अ० अ० विवा० ७ राय०
(२) अ० अ० अतनुं अ० अ० एक जाति का

हिरन a kind of deer राय० २३=

—अंगी छा० (अंगी) अ० अ० अ० अ०
कोमल अंगवाली a woman having a
delicate body नाया० = —अवि-

लिया छा० (अम्लिका) अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०

हुई हो ऐसा इमली a kind of raw
fruit having sour taste प्रव० २४१,

—तल. न० (-तल) अ० अ० अ० अ० अ०
कामल पाव की तली the sole of a
delicate feet भग० १ १

कोमलिया छा० (कोमलिका) सु० अ० अ०
सुकोमल छा० A delicate woman
नाया० १६,

कोमारभित्त न० (कोमारभित्त) इ० अ०
कोमारभित्त इ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०

science dealing with the ways
of nourishing the children
with milk etc विवा० ७,

कोमारी छा० (कोमारी) इ० अ० अ० अ०
दीक्षा दीक्षित साध्वी आलक्ष्म्यादिनी
बाल्यावस्था में दीक्षित हुई आर्जिका, बाल
ब्रम्हचारिणी A woman initiated
from the very childhood भग०
१५, १

कोमुई. छा० (कोमुदी) अ० अ० अ० अ०
कार्तिक की पूर्णिमा The full-moon-
day of the month of Kārtika
ज० प० नाया० २ (२) अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०

कोमुईयभेरी छा० (कोमुदिकभेरी) अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०

कोमुदिया छा० (कोमुदिका) अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०
अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ० अ०

some ceremony for giving notice to the people विशे० १८७६, कोमुदी. स्त्री० (कोमुदी) आन्दनी चादनी Moon-light जीव० ३, ३;

कोयव न० (कोयव) डायव देशना वञ्चनी ओ३ जत कोयव देश के वञ्च की एक जाति A kind of cloth of the Koyava country नाया० १७, आया० २, १, १४५. (२) डायव नामने ओ३ देश कोयव नाम का एक देश a country of this name. प्रव० १५६८:

कोयवि पु० (कोयवि) रु-शपुसथी अरेश रज्ज, धुरती कपास से सरीहुई रज्ज A quilt प्रव० ६८२,

✓ कोर वा० II (कर) डायवुं, डायवरु. खोदना, कुतरना To carve.

कोरेई निसी० १४, ४६;

कोरिय. स० कृ० निमी० १८. ४६;

कोरावेइ पुं० निसी० १४, ३०,

कोरंट पुं० (कोरंट) डायट जतनुं ओ३ जड, धुलना गुच्छावाणु ओ३ वृक्ष कोरंट जाति का एक झाड़, फूल के गुच्छेवाला एक वृक्ष A kind of plant bearing flowers in clusters पत्र० १, भग० ७, ६, ओव० ३१, नाया० १, राय० ५४; ६६, उवा० १, १०. ज० प० ५, १२२, —पत्त न० (—पत्र) डायट वृक्षना पादों कोरंट वृक्ष के पत्ते. the leaves of a Koranta tree नाया० ८ —वैट. पु० (वृन्त) डायट वृक्षनु दीटु-मिटु कोरंटवृक्ष का वाट. the stem of a Koranta tree भग० ४०, १,

कोरंटग पुं० (कोरंटक) जुओ "कोरट" शब्द देखो "कोरट" शब्द Vide "कोरंट" भग० २०, ५

कोरण न० (कोरण) डायट ते नकासना.

कोरना Carving. निसी० १८, १४, कोरव पु० (कोरक) डाय, भंजरी. मजरी. Pollen (२) डाय कली. a bud. ठा० ४, १;

कोरव. पु० (कोरव) डायवंश कुरुवंश The Kuru family (२) ते वशभा जन्मेड उस वश में उत्पन्न a person born in this family भग० ६, ३३; पत्र० १: राय० २१८;

कोरविआ स्त्री० (कोरविका) पड्ज आभनी भी३ भू३ना शड्ज ग्राम की दूसरी मूर्छना. The second note of the musical scale अणुजो० १३८;

कोरव्व पुं० (कोरव्य) डाय वंशभा उत्पन्न थयेड कुरुवंश में उत्पन्न. One born in a Kuru family ओव० १४, भग० २०, ८, जीवा० ३, १, अणुजो० १३१, प्रव० १२२३,

कोरव्विया स्त्री० (कोरविका) पड्ज आभनी भी३ भू३ना. पड्ज ग्राम की दूसरी मूर्छना Known as Sadaja. ठा० ७, १.

कोरिंग पुं० (कोरङ्क) ओ३ जतनु पक्षी. एक जाति का पक्षी A kind of bud. पत्र० १ १;

कोरिट. पु० (कोरिट) ओ३ जतनु जड एक जाति का झाड़ A kind of tree. कप० ३, ३७; ४, ६२ जीवा० ३, ४, ज० प०

कोरिटग पु० (कोरिटक) ओ३ जतनु प्राणी एक जाति का प्राणी A kind of creature ज० प०

कोरिटय. पु० (कोरिटक) ओ३ जतनु जड गेदा: हजार A kind of plant पत्र० १, कोरिल्लभ त्रि० (कोरितक) धुल्ला ओवेओ डायरी आधेनु, तुटी धुटी ओ३ थयेड धुन जीवो ने कोर वर खाया हुआ टूटा फटा

जीर्ण. destroyed by insectes which feed themselves by carving a substance राय० २५७,

कोल. पु० (कोल) धुलो, उदई, डीडी वगेरे घुन, उदई; चिउटी इत्यादि Insects e g white ants etc आया० १, ८, ७, १७, (२) भेर. बेर. berry दस० ५, २, २१, आया० २, १, ८, ६३ वि० नि० ५६१, (३) डुड्ड, भुड सुअर a pig परह० १, १, उत्त० १६, ५४, नाया० १ —अट्टिग न० (-अस्थिक) भेरनो डीथो बेर का गुठली a stone of a berry सग० ६, १०, —आवास पु० (-आवास) धुलानु रडेहाणु, उधामनुस्थान घुन के रहने का स्थान, उदई का स्थान residing place of insects e g white ants etc निमी० ७, २१, १३, ४ —चुरण न० (-चूर्ण) भेरनु अणु भेर डुड्ड बेर का चूर्ण, बेर कुडा. a powder of berry fruits दस० ५ १, ७६,

कोलंव पु० (कोलम्ब-नतद्रुमाग्रभाग) नभेडा आउनी शाभानो अग्रभाग मुके हुए फाड़ की डाली का अग्रभाग The front part of a branch of a tree which is bent विवा० ३,

कोलघरिय वि० (कोलगृहिक) कुलधर सम्बन्धी कुलघर सम्बन्धी Relating to father's house "कोलघरिय पुरिसे महावेड" उवा० ८, २४२

कोलव न० (कोलव) डेअव नामनु वीशु डन्ण, डेअ मासना शुद्ध पक्षमा ७६ अने तेरसने दिवसे तथा वीश अने नोमनी गने, तथा कृष्ण पक्षमा पाचम अने आसने दिवसे तथा ओडम अने आडमनी गने आवनु सात अरु डन्णुमानु वीशु डन्णु

कोलव नाम का तीसरा करण, प्रत्येक माह के शुक्ल पक्ष की छठ और तेरस के दिन तथा वीज और नवमी की रात, तथा कृष्ण पक्ष की पाचम और वारस का दिन या एकम और आठम की रात पर आनेवाला, मान चर करणों में से तीसरा करण The third Kavana (division of the day) called Kaulava, the third of the seven moving (changing) divisions of the day, occurring on the 6th and the 13th day and on the night of the 2nd and the 9th day of the bright fortnight of every month, as also on the 5th and the 12th day and on the night of the 1st and the 8th day of the dark fortnight ज० प० ७, १२३; विशेष ३३४८,

कोलवाल पु० (कोलपाल) धरणेन्द्रना भीष्म लोकपालनु अने भूतानंद छन्दना लोकपालनु नाम वरेण्ड के दूसरे लोकपाल का और भूतानंद इद्र के लोकपाल का नाम The name of a Lokapāla, the second of Dharmendra and of Bhūtananda ठा० ४, १, सग० ३, ८ ज० प० कोलसुणअ-य पु० (कोलशुनक) भोटु भुवण्ड वडा सुअर A big pig आया० २ १, ५, २७

कोलसुणग पु० (कोलशुनक) भोटु डुड्ड वडा सुअर (भसडा) A big pig पक्ष० १ जीवा० ३, ३ ज० प० परह० १ १

कोलालिय पु० (कोलालिक-कोलालानि मृद-भाण्डानिपण्यमभ्येति कोलालिक) भाटीना वासणु पेयना, एला मिट्टी के बरतनों का व्यापार कुमसार A potter अणुजा०

१३१, पञ्च० १; उवा० ७, १६५;

कोलाह. पुं० (कोलाम) એક બાતનો ફેણવાળો
सर्प एक जाति का फनवाला सर्प A kind
of hooded serpent. पञ्च० १;

कोलाहल पुं० (कोलाहल) शे.२ अ.२, १,
ग.अ.२ कोलाहल, हल्लागुल्ला An uproar,
bustle नाया० १६; उत्त० ६, ५,
ओव० २४, ज प० पञ्च० २; “एक
कोलाहल करे” मूय० १, ६, ३१; भग०
७, ६, उवा० ६, १३६, —पिय त्रि०
(-प्रिय) એવાહલ છે પ્રિય જેને તે જિમે
कोलाहल प्रिय है वह (one) appre-
ciating bustle. नाया० १६,

कोलाहलगभूय. त्रि० (कोलाहलक भूत-
कोलाहल एव कोलाहलकः स भूतो जातोऽ-
स्मिन्नतत् कोलाहलक भूतम्) એવાહલ મય
कोलाहल सहित Full of bustle
ज० प० २, ३६, भग० ७, ५,

कोलुण न० (कारुण) દયા, કરુણા दया,
करुणा. Mercy, pity निसी० १२, १,
—पडिया स्त्री० (-प्रतिज्ञा) અનુકંપા
निमित्त, કરુણ માટે दया के लिये, करुणार्थ
for the sake of mercy निसी०
१२, १.

कोलेजा स्त्री० (अवावृत्त खाता करकोटिका
विशेष) નીચે ખાટની અને ઉપર ખાઇના
આશરની ડોહી નીચે ચોતલ ઓર ऊपर
खन्दक के आकर वाला कोठी A conical
shaped pot आया० २, १७, ३७.

कोल पु० (कोल) એક વૃક્ષ કોલવૃક્ષ A
Kola tree. कप० ३, ३७,

कोल्लाय पुं० (कोल्लाक) એવાહ નામનો
સનિવેશ-ગામ. કૌલાક નામ का सनिवेश-
ग्राम A neighbouring village
named Kollāka भग० १५, १,
उवा० १, ८०.

कोव. पुं० (कोप) એવા, એવા કોવ, કોપ.

Angel; enragement પિં. નિ. ૨૧૨;
સમ० ૫૨, ભગ० ૧૨, ૬, —ઘર નં
(-ગૃહ) એવા કરવાનું ઘર, રીસાઇને એમે
તે સ્થાન કોપ સ્થાન, કોવિત્ત હોંકર જહા
જા વૈઠે વહ જગહ. resorting place
of one who is enraged વિવા० ૬;
—સીલયા સ્ત્રી० (-શીલતા) એવી સ્વભાવ
એવી સ્વભાવ high temperament
ઠાં ૪, ૪,

कोवित्र-य त्रि० (काविद) પંડિત પંડિત.

Learned આયા० ૧, ૬, ૧,

कोस पु० (कौश) ગાઉ, એ હજાર ધનુષ્ય
પ્રમાણ લેવ, કોસ ગાઉ દો હજાર ધનુષ્ય
પ્રમાણ લેવ, કોસ A distance of two
miles: a distance equal to 2000
Dhanusyas (a measure of
length) ઉત્ત० ૩૬, ૬૧, ઓવ० ૪૨, જ०
પ० ભગ० ૨, ૮, પૃષ્ઠ ૩૬, જીવા० ૩, ૧,
પ્રવ० ૪૬૨, (૨) આખનો કોસે આંખની
પુતલી. the pupil of the eye
અણુત્ત ૩, ૧, (૩) લઘુનીત-પેશાવ કરવાનું
કામ લઘુનીત-પેશાવ કરવાનું કા વર્તન a
pot for passing urine in મૂય० ૧,
૪, ૨, ૧૨, (૪) અધોમુખ કમલને આધારે
ગર્ભાશય, ગર્ભ સ્થાન a womb તંદુ० ૮
(૫) બગર, ખાખનો મંડાર; સ્વજાના. a
store, a treasury જં. પ० ૭. ૧૬૫,
રાય० ૧૬૨, ૨૦૬; ૨૨૨, ૨૮૨ નાયા० ૧,
૧૪; નિર० ૧, ૧, ભગ० ૧૧, ૬, ઉત્ત० ૬,
૪૬, ઓવ० કપ્પ० ૪, ૫૬, (૬) કમલનો
ડોડા કમલની ફળી a lotus
pod પચા० ૩, ૧૬, —કુમ નં (-ક્રિક)
એ ગાઉ દો કોસ two miles પ્રવ०
૮૧૬. —અગાર પુ० (-અગાર) બંડર.
ખાખનો મંડાર. સ્વજાના treasure;

store. जं० प० —आकार पुं० (—आकार)
उभय देशनी आकृति. कमल की फली. सी
आकृति the shape of a lotus pod
पंचा० ३, १६.

कोसंय पु० (कौशम्ब) क्षत्रधृती पांडु मथुरा
जता वरये आवतु ये नामनुं ऐक वन के
जेभा जराकुमार के दृष्टु महराजने हरणनी
आतिथी गालु भार्यु. द्वारका से पांडु मथुरा
जाते समय मार्ग में आने वाला एक वन जहाँ
जराकुमार ने कृष्ण महाराज को हिरन समझ
कर वन मारा था A forest of this
name situated between Dwāraka
and Pandu Mathurā, where
Jarākumāra had struck Kṛṣṇa
Mahārāja taking him to be a
deer through mistake. अत० ५,
१, (२) ऐ नामनुं ऐक अड इम नाम का
एक झाड़, a kind of tree पञ० १
(३) देशम्भ अडनु डल. कोशाम्ब नामके
झाड़ का फल a fruit of Kośāmba
tree भग० २२, २, —गंडिया. स्त्री०
(—गण्डिका) देशम्भ वृक्षनी गाठवाली
लाकड़ी कोशम्ब वृक्ष की गाठवाली लकड़ी a
stick of Kosamba tree having
knods भग० १६, ४.

कोसंविया स्त्री० (कोशाम्बिका) ऐ नामनी
ऐक शाखा इस नाम की एक शाखा An
offshoot of this name कण० ८,

कोसंयी. पुं० (कौशाम्बी) ऐ नामनी ऐक
नगरी, अनार्थी मुनिनु भूण पतन इम नाम
की एक नगरी अनार्थी मुनि का मूल निवास
स्थान Name of a city, the resid-
ing city of the ascetic Anāthī
निसी० ६, २०; भग० १२, २ वेय० १, ०६,
उत्त० २०, १८; नाया० घ० १०, पञ० १,
कोसग. पु० (कोशक) ऐक अननु डम-

वासणु एक जाति का वर्तन. A kind of
pot “ सरावं सिवा दिडिमसिवा कोसगं
सिवा ” आया० २, १, ११, ६२, प्रव० ६८३.

कोसल पुं० (कोशल) देशल देश, श्रीवृशल-
देव लगवानना योवीशभां पुत्रना लागभा
आवेद देश कौशल देश, श्री ऋषभदेव
भगवान के चौबीसवे पुत्र के हिस्से में आया
हुआ देश Kośala country, name
of the country which came as
a part of property to the 24th
son of Śrī Rṣabhadeva पञ०
१, नाया० ८, कण० ५, १२७, —जाणवय.
पु० (—जानपद) देशल देश कोशल देश.
the Kośala country. भग० १५, १.

कोसलग. त्रि० (कोशलक-कोशला अयोध्या
तज्जनपदोऽपि कोशला, तत्सम्बन्धिन. को-
शलका) देशल देशवासी कौशल देश
निवासी A resident of Kośala
पि० नि० ६१६, भग० ७, ६, १४, १
ठा० ५, २

कोसलिअ-य त्रि० (कोशलिक-कुशला-
विनीता अयोध्या, तस्या अधिपतिस्तत्र
भवोवा कौशलिक) देशल देशभा जन्मेद
कौशल देश में उत्पन्न. (One) born in
the country of Kośala (२)
अयोध्या नगरीने अधिपति-राज अयोध्या
नगरी का अधिपति-राजा the king of
Kyodhyā. ज० प० २, ३०, ३१:

कोसिअ-य पुं० (कौशिक) देशिक नामनुं
गोत्र कौशिक नाम का गोत्र A lineage
of this name नदी० २५, सू० प० ११;
ठा० ७, १, (२) त्रि० देशिक गोत्रभा
उत्पन्न थयेद कौशिक गोत्र में उत्पन्न
(one) born in a Kousika line-
age ठा० ७, १, ज० प० ७, १५६;

कोमिकार पु० (कोशिकार) ऐक अनने

रेशमनो कीडा. एक जातका रेशम का कीडा
A kind of silk-worm परह०
१, ३;

कोसिज न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र रेशमी
कपडा. Silken cloth. जं० प०,
कोसी स्त्री० (कौशी) काशी नामनी नदी के
ने गंगा में मिलती है Name of a
river which joins the Ganges.
ठा० ५, ३, उवा० २, १०१;

कोसी स्त्री० (कोशी) तलवारनी म्यान
तलवार का कोश; म्यान A sheath.
सूय० २, १, १५;

कोसेज न० (कौशेय) रेशमी वस्त्र रेशमी
वस्त्र. A cloth made of silk सम०
प० २३८; परह० १, ४, ओव० जीवा० ३;

कोह पु० (क्रोध-क्रोधनं कुध्यति वा येनसः
क्रोध) क्रोध, रोष; गुस्सा, गुस्सा,
रोष. Anger, rage. नाया० १, ५,
सु० च० ३, १६१; भग० १, ६, ७, १, १०;
१२, ५; दस० ४, ६, १२, ७, ५४, पि०
नि० ६३, ४०६, आया० १, ५, ६, १६५,
ठा० १, १, २, १, उत्त० १, १४, ४, १२;
६, ३६; दसा० ४, ८२, ६, ४, निसी० १३, ६६,
ओव० १६, ३४; विशेष० १०३४, पञ्च० १४, सूय०
२, ५, १२, मत्त० ६८, १५१, प्रव० ४५७, ओव०
३, १; क० प० २, ८७, क० ग० १, १६,
पचा० १, १०, —उदयणिरोह. पुं० (—उद-
यनिरोध) क्रोधना उदयने रोडवे। क्रोध का
उदय न होने देना. checking of anger
भग० २५, ७, —उवउत्त. त्रि० (—उपयुक्त)
क्रोधना उपयोगवाला, क्रोधी क्रोधी उपयोग
वाला, क्रोधी enraged, angry भग०
१, ५, —कसाअ-य पु० (—कपाय)
क्रोध-गुस्सा ते रूप कपाय क्रोध-गुस्सा वह
रूप वाला कपाय a passion in the

form of anger ठा० ४, १; सम० ४;
भग० २४, १; क० गं० ४, १४; ओव० ४,
७; —कसाई पु० (—कपायिन्) क्रोध
कपायवाला, क्रोधी क्रोध कपायवाला, क्रोधी
a person possessed of anger
भग० ६, ४, ११, १, १८, १; २६, १, ३५,
१, —जुअल न० (—युगल) क्रोधतुं
जोड़-युगल; अप्रत्याख्यानावरणीय क्रोध
अने पप्रत्याख्यानावरणीय क्रोध क्रोध की
जोड़ी-युगल, अप्रत्याख्यानावरणीय क्रोध
और प्रत्याख्यानावरणीय क्रोध. a pair of
Pratyākhyānāvaranīya and A-
pratyākhyānāvaranīya anger.
प्रव० ७१०; —निग्रह पु० (—निग्रह)
क्रोधने निग्रह करने। ते. क्रोध का निग्रह
करना checking of anger प्रव० ५५६,
—निव्वत्तिअ. त्रि० (—निर्वर्तित) क्रोध
थी निष्पन्न थये। क्रोध से निष्पन्न. pro-
duced, born of anger ठा० ४, ४;
—पिंड पुं० (—पिण्ड—क्रोधः कोपस्त-
द्धेतुक. पिण्ड क्रोधपिण्ड) क्रोधपणु साधु
विद्या के तपने। प्रभाव दर्शापी राजवत्सल-
पण्डिते पोतानु अल जलानी आहार लये ते;
आहारने ओंके क्रोध कोईभी साधु विद्या या
तप का प्रभाव दिखाकर या राजवत्सलता और
अपना बल दिखा आहार ले वह आहार.
आहार का एक दोष accepting of
food by exposing some miracle
or superhuman power or the
royal patronage; a fault con-
nected with receiving food
पि० नि० ४६२, —मुंड त्रि० (—मुण्ड)
क्रोधने निग्रह करने। क्रोध का निग्रह करने
वाला. (one) who checks anger
ठा० ५, ३, —वसट् त्रि० (—वशतः)
क्रोधथी पीडित, क्रोधने वश आने-हुं भी

थयेल. क्रोध से दुःखित, क्रोध के कारण आर्त-
दुःखी afflicted with anger, given
to anger भग० १२, १, —विउस्सग्ग
पु० (—व्युत्सर्ग) क्रोधने त्याग क्रोध का
त्याग abandoning of anger
भग० २५, ७, —विजअ-य पु०
(—विजय—क्रोधस्य विजयो दुरन्तादि परि-
भावेनोदय निरोधे क्रोधविजय) क्रोधने
जितवे ते, क्रोधने अटकाववे ते क्रोध को
जीतना, क्रोध को रोकना. conquering
of anger, victory over anger
उत्त० २९, २, —विवेग पु० (—विवेक)
क्रोधने त्याग. क्रोध का त्याग. abandon-
ing of anger. “ एगे कोह विवेगे ”
ठा० १, १, भग० १७, ३, सम० २५,
—सण्णा स्त्री० (—सज्ञा—क्रोधोदयात्तदा
वेशगर्भा प्ररूढ मुखनयनदन्तच्छदस्फुरणादि
चेष्टैव सज्ञायते अनयति क्रोधसज्ञा) क्रोध
मोहनीयता उभयथी क्रोधि मनुष्यता मुअ नेत्र
फान्त वगेरे अगे धुजे छे ते. क्रोध मजा
क्रोध मोहनीय के उदय से क्रोधी मनुष्य के
मुह, नेत्र, दंत आदि अंगों का ध्रुजना. क्रोध
मंजा trembling of face eyes
teeth etc, of a man who is en-
raged भग० ७, ८, ठा० १०, पञ्च० ५,
कोहंगक पु० (क्रोधाङ्गक) ओइ जतनु पढी
एक जाति का पक्षी A kind of bird
ओव०
कोहंड पु० (कूमाण्ड) इहोणु, इधी
लोकी, तुम्वी A white gould

अणुजो० १४३, प्रव० ११४५,
कोहण. त्रि० (क्रोधन) क्षणो क्षणो तपी जना२,
क्रोधी, असमाधितुं नयमु स्थानड मेयना२.
क्षण २ पर क्रोध करने वाला, क्रोधी, अन-
मावि का नया स्थानक मेवने वाला (One)
getting angry every moment,
(one) undergoing the 9th stage
of uneasiness due to anger
सूय० २, २, १८; उत्त० २७, ६, सम० २०,
कोहि त्रि० (क्रोधिन्) क्रोधवाले, क्रोधी
क्रोधी, क्रोध वाला Angry, enraged
अणुजो० १३१, क० गं० ४, ४३,
कोहिल्ल त्रि० (क्रोधवत्) क्रोधिले, आरीले,
अरी क्रोधी, जहरी, डाही Angry, en-
raged ओघ० नि० भा० १३३.
✓ क्खिण वा० I, II (क्की) वेयातु लेवु.
अरीदु विकता हुआ लेना, खरीदना. To
purchase, to buy
क्खिण्ड निसी० १४, १; १६, १,
क्खिण्ड पि० नि० ३५२,
क्खिणे. वि० आया० १, २, ५, ८८,
क्खिणं व० कृ० सूय० २, १, २४,
क्खिणत्त उत्त० ३५, १४, मु० च० १५, १७६
क्खिणावेइ प्रे० निमी० १८, १, १६, १,
क्खिणावणु. प्रे० आया० १, २, ५, ८८,
क्खिणावेमाण प्रे० सूय० २, १, २४,
क्खिजन्तु प्रे० परह० १, २,
✓ कखोड धा० I () निपेध इवे
त्यागना To abandon. to reject
खोडिजति भग० १३, २

ख.

ख न० (ख) आकाश. आकाश; आस्मान.

The sky "खे सोहह विमले अम्भ-
मुके" दस० ६, १, १५; (२) छंदिय.

इंद्रिय an organ; a limb. विशेष० ३४४५;

खञ्ज-य न० (क्षत) घा; ७५भ. घाव;

जखम. A wound. सु० च० ७, २६४;

खइ त्रि० (क्षयिन्) क्षयरोगवाले. क्षय रोगी

Consumptive. सु० च० १३, ५४,

खइअ-य. त्रि० (क्षयिक) उर्ध्व प्रकृतिने

क्षय, समुल्लगो नाश इत्यादी उत्पन्न थतो

भाव-देवद जानादि क्षयिक भाव. कर्म प्रकृति

का क्षय; समूल नाश करनेसे उत्पन्न होने वाला

भाव-केवल जानादि क्षयिक भाव. Com-

plete destruction of Karmic

natures पि० नि० १५८; अणुजो० ८८,

भग० १४, ७, २५, ६, विशेष० ५२८; प्रव०

६५७, १३०४, क० गं० १, १५; ३, २०;

४, १६;

खइय त्रि० (क्षपित) ञ्पावेक्षुं, क्षय इरेक्षुं

नाश कियाहुआ, क्षयकियाहुआ Destroy-

ed राय० २८३;

खइय त्रि० (खचित) ञ्डेक्षु जडा हुआ,

पच्चीकियाहुआ. Inlaid: studded.

आया० २, ५, १. १४५; उवा० ७, २०६;

खइय. त्रि० (खादित) ञ्वायेक्ष; आयेक्ष

खायाहुआ. Tasted, eaten. पि० नि०

१६२; पं० चा० १६, १३, ओष० नि० भा०

५८८. राय० २५८; पि० नि० ७३५;

खइर. पुं० (खदिर) भेरु जड खेरका म्हाड.

A kind of tree known as

Kheir. सु० च० ७, ६५,

खउर. न० (खपुर) सोपारीना लाडलामांथी

पनावेक्ष तापसनु पात्र मुपारीकी लकड़ी

से बनाया हुआ तापस का एक पात्र A pot

for an ascetic made of the

wood of a bettle-nut विशेष० १४६५,

खउरिय त्रि० (*) भेक्षुं, डेक्षुं मैला,

गन्दला. Turbid, dirty पि० नि० २६२;

खओवसम. पुं० (क्षयोपशम) क्षयोपशम

भाव-उर्ध्वतो दाष्टि क्षय अने दाष्टि उपशम

इरेवो ते, अर्थात् उदयभा आवेक्ष उर्ध्वतो

क्षय अने उदयभा न आवेक्ष उर्ध्वतो उपशम

इरेवो ते क्षयोपशमभाव-कर्मका कुछेक क्षय

और कुछेक उपशम करना अर्थात् क्षय करना

और उदय में न आये हुए कर्मका उपशम

करना. Destroying of Karmas

and forcing the unmatured

Karmas to mature विशेष० १०४,

ओव० ४, नाया० १, १४; भग० ६, ३१;

पंचा० १, ३; उवा० १, ७४,

खओवसमिअ. न० (क्षयोमशमिक) क्षयोप-

शमभावे प्राप्त थता भतिज्ञान आदि क्षयो-

पशम भावसे प्राप्त होनेवाले भतिज्ञान आदि

Intellectual knowledge etc got

by the action of destroying

the matured Karmas and forc-

ing the unmatured Karmas to

mature. अणुजो० ८८; ठा० २, १. न००

६; भग० १४, ७, २५, ६, विशेष० ५१७.

क० गं० ६, ५० प्रव० ६३३;

✓ खंच. धा० I (कृष्) भेययु. खंचना

To stretch

* जुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide

foot-note (*) p. 15th

खच्च आ० सु० च० २, १८,

खंजण पु० (खज्जन) गाडानी उधयु-गाडाना पैडा-
नो भेस-पैडा इरमाथी धरी उपर जमतो यी-
छलो इणो भेस गाडेकी उघन गाडे के पहियों
का मैल—पहिये फिरने से धुरे पर जमनेवाला
चिकना काला मैल The dirty black
grease of wheels श्रौघ० नि० ४०१,
क० ग० १, २, भग० ६, १, १२, ६, उत्त०
३६, ४, ओव० सू० प० १६०, (२) ओड
वननु पत्तो एक जात का पत्ती a kind
of bud जीवा० ३, ४, (३) दीपनी
भेस, डावग दीपक की मेस, काजल the
soot of a lamp ठा० ४, २. पन्न० १७,
प्रव० ८५७,

✓ खंड धा० II (खण्ड) आउनु खाडना
To pound

खंडइ. सु० च० २, ३६४,

खडित्तण हे० कृ० नाया० ५, ८,

खडिज्जत क वा० व० कृ० सु० च० २, ८२,

खंड. न० (खण्ड) भाग इट्ठा भाग, टुकड़ा
A division, a part ज० प० ६,
१२४ विवा० ७, विशेष० १८६२, नदा० ५०,
पि० नि० ५१७, भग० २, ५, १०, ६, ३१,
१२, २, नाया० १६, १७, उवा० १, ३४,
भत्त० ८७, (२) पनअणु वनखंड a
part of a jungle नाया० ९, (३)
आउ शकर. sugra उत्त० ३४, १६, जीवा०
३, २, अणुजो० ६५, १३३, भग० १८, ६,
पि० नि० २८३, ज० प० पन्न० १७, —घ-
डग पु० (-घटक) छुटी गयेलो चडा फूटा
हुआ घडा a broken pot नाया० १६,
—पट्ट त्रि० (-पट्ट) अपूर्ण लुगडावालो
गनीय अपूर्ण वस्त्रो वाला, गरीब (one)
possessing poor clothes (२)
लग लुगारी ठग, जुआरी a specula-
tor विवा० ३, ६, —पडह त्रि० (-पट्ट)

भोभरा टोलवाणो फूटे ढोल वाला (one)
possessed of a broken drum
विवा० २, —पाण न० (-पान) आउनु
पाणी शकर का पानी sugra water
नाया० १७, —मल्लय न० (-मल्लक)
भागी गयेल प्यालो-सरावलो फूटा हुआ
प्याला, सरावला a broken cup नाया०
१६, —महुग त्रि० (-मधुर) आउना
जेतु भीड़ शकर जैसा मीठा sweet
as sugar ठा० ४, ३,

खंडग. पु० (खण्डक) इन्द्रविजयना वैताड्य
उपगना नव इटमानु त्रीनु इट-शिखर
कच्छविजय के वैताड्य पर के नव कूटों में का
तीमरा कूट-शिखर The third of the
nine summits of the Vantādhyā
mount in Kachehha Vijaya
ज० प० ६, १२४ (२) इर्मस्थितिना अउ-
इट्ठा कर्मस्थिति के खंड टुकड़े parts,
divisions of Karma क० प० ७,
४८, —मल्लग पु० (-मल्लक) भागी गयेल
सरावलो, भागेल सकेड फूटा हुआ प्याला
अथवा गिकोरा a broken earthen
cup नाया० १६, —विच्छेद. पु० (-वि-
च्छेद) इर्मना स्थितिअउने विच्छेद-
अभाव absence of a division of
the duration of Karma क० प०
७, ४८,

खंडगणपवाय पु० (खण्डकप्रपात) लुओ
‘खंडगणपवायगुहा’ शब्द देखो ‘खण्डग-
वायगुहा’ शब्द Vide “खंडगणपवायगुहा”
ठा० २, ३.

खंडगणपवायगुहा स्त्री० (खण्डकप्रपातगुहा)
ओवा नामती भक्तना वैताड्यनी गीछ गुहा
उत्त० भक्तमाथी यक्षतीना यक्षने पछे
दक्षिण भक्तमाथी यक्षने वैताड्य पर्वतनी

१२५ गुक्षरूप भार्ग खडकप्रपात गुहा इस नाम का भरत के वैताढ्य का दूसरी गुफा-उत्तर भरतमे से चक्रवर्ती के लष्कर को पाछा दक्षिण भरत मे आने को वैताढ्य पर्वत में का गुफाहय मर्ग Name of the second cave of Vaitādhya in Bharata the cave which is a returning way for the army of a Chakravartī from the northern Bharata to the southern Bharata “खडप्पवाय गुहाय अह जोय-णाइ ” ठा० ८, सम० ५०,

खंडप्पवायगुहा स्त्री० (खण्डप्रपातगुहा) वैताढ्य पर्वत १२५ पूर्वी आशुनी ओके गुफा जेमाथी यक्षवती उत्तर भरतदेशो साधी भाग्य दक्षिण भरतमा पदे छे वैताढ्य पर्वत में का पूर्व बाजू की एक गुफा, जिसमें से चक्रवर्ती उत्तर भरत देश जीतकर पीछे दक्षिण भरत मे लौटते हैं. Name of a eastern cave in the midst of the mount Vaitādhya through which Chakravartī returns to southern Bharata after conquering the countries of northern Bharata जं० प० ३, ६५ ६, १२५; १, १३,

खंडप्पवायगुहाकुड पु० (खण्डप्रपातगुफा-कूट) वैताढ्यपर्वत उपरना नवकूटमानु त्रीलुं दूट-शिखर वैताढ्य पर्वत के नवकूट मे का तासरा कूट-शिखर The third of the 9 summits of the Vaitādhya mount ज० प०

खंडरक्ख पु० (खण्डरक्ष) दाएली, दाए

लेनार. दाणी, दाण लेनेवाला A custom inspector. (२) डेटवाड कोतवाल. the head of the police परह० १, १, ३; ओव० नाया० १८,

खंडरूवत्तण न० (खंडरूपत्व) अंडितपण्ड खडितपना The state of being broken पचा० १४, १२

खंडसिरी स्त्री० (खण्डकी) विजयनामे चोर सेनापतिनी स्त्रीनु नाम विजय नाम के चोर सेनापति की स्त्री का नाम. Name of the wife of Vijaya the Lead of thieves विवा० ३,

खंडाखंडि. अ० (खण्डाखण्डि) अडेअडे, डडेडेडेडा खड खड, टुकडे टुकडे Pieces into pieces “असिणा खंडाखंडि करोमि” उवा० २, ६५, नाया० ६

खंडाभद पु० (खण्डभेद) डटके डटके लायतु ते अडे; डडेडा थाय तेपी रीते भेदतुं ते टुकड टुकडे करना. खड-टुकडे होजाय इस तरहमे छेदन करना Breaking or piecing into pieces पचा० ११,

खंडिय पु० (खण्डिक) शिष्य, विद्यार्थी शिष्य, छात्र, विद्यार्थी A pupile, a disciple उत्त० १२, ३० ओव० ३२ भम० १८, १०,

खंडिय त्रि० (खण्डित) अण्डित, आडेअडे खण्डित, खंडाहुआ Broken प्रव० ५८८, तदु० आव० १, ४, ५, १. (२) ओके देश-थी लगायेअ अण्डित थयेअ एक ओर स टूटा हुआ-खंडित broken on one side नाया० ६

खंडी स्त्री० () गढमा पाडेकी आगी, लीडी गढ मे पाडी हुई वारी; छेद An

opening made in a fortress.
नाया० २, १८, (२) आत्मा, दृढिथरा. खाजा,
खाद्य विशेष a kind of eatable sub-
stance प्रव० १४२७,

खंडुयग न० (खण्डक) आत्मा, अंश; विभाग
खंड, विभाग Division, part प्रव०
६१७,

खंडेय. पु० (पण्डेय) अतः, पक्षी विशेष
वतक, पक्षी विशेष. A kind of swan
श्रोत्र०

खंत त्रि० (क्षान्त-क्षाम्यतिक्षमां करोतीति)
क्षमा वाणो क्षमा वाला (One) pos-
sessed of a tranquil mind,
patient “ खंतो आयरिण्हि, सभण्णो
विनरुसति ” नाया० १४, गच्छा० २२,
सूय० २, १२, ६, ५, ठा० ८, (२) पु०
पिता. आप पिता, बाप. father “ जामा
इषुत्त पद्दमारण्ण खेतण्मेसिट्ठ ” पि० नि०
४३०

खंताइ त्रि० (क्षान्त्यादि) क्षाति-सहन-
शीलता क्षमा वगेरे क्षाति-सहन शीलता-
क्षमा वगेरे Patience, forbear-
ance प्रव० ८४६,

खंति स्त्री० (क्षान्ति) सहन शीलता कोधने
निग्रह करने ते, क्षमा सहन शीलता,
क्रोध का-निग्रह करना, क्षमा Patience,
forbearance परह० २, १, श्रोत्र० १६,
२०, ज० ५० दस० ४, २७, नाया० १, भग०
२, १, २५, ७, सु० च० ३, ४७, सम० १०;
उत्त० १, ६, २६, २, ठा० ४, १, राय०
२१५, क० ग० १, ५५, कप्प० ५, ११६,
प्रव० ५६१; पचा० ११ १६ १३६८,
—खमा स्त्री० (—क्षमा) कोधने रोकने सहन
शीलता रखनी ते क्रोध को रोककर सहन
शीलता रखना the state of being
patient by checking anger

Vol II/69

भग० १२, १, ठा० ३, ३; —सूर. पु० (—शूर)
क्षमा राखवामा शूर धीरज धारी, जेना के
अरिहंत, महावीर क्षमा रखने में शूर, धैर्य
धारि, जैसे कि अरिहत, महावीर (one)
possessing the power of check-
ing anger, like Arahanta
Mahāvīra etc ठा० ४, ३;

खंतिया. स्त्री० (क्षान्तिका) जननी, माता
जननी, माता. A mother “ कहिजाहि
खंतियाए तुम ” पि० नि० ४३२, ५७६;
श्रोत्र० नि० भा० २४१,

खंद पु० (स्कन्द) क्षातिक्ष स्वामी क्षातिक्षेय
नामे शंकरने भेटो पुत्र. कार्तिक स्वामी,
कार्तिकेय नामक शंकर का बड़ा पुत्र Name
of a person. Kārtikaswāmī, the
eldest son of Śankara Kārti-
keya by name भग० ३, १, ज० ५०
जीवा० ३, ६, अणुजो० २०, नाया० ३,
—गह पु० (—ग्रह) क्षातिक्ष स्वामीने वल-
गाड कार्तिक स्वामी का लगना under
the influence of Kārtikaswāmī
subject to the influence of Kā-
rtikaswāmī जीवा० ३३, ज० ५० भग०
३, ७, —मह न० (—महस्) क्षातिक्ष स्वामी-
ने उत्सव कार्तिक स्वामी का उत्सव. the
festival in honour of Kārtika
swāmī आया० २, १, २, १२, नाया० १,
निगी० १६, १२, भग० ६, ३३, राय० २१७

खंदश्र-य पु० (स्कन्दक) अधः सन्यासी गढ़
लाखिता शिष्य के जे श्री गौतम स्वामिना
भितरता, जेने पिगल निग्रन्थे प्रश्ना पूछ्या
हता, ते प्रश्नाता जमाय न आपो गढ़ायाधी
महावीरस्वामी पास जता प्रश्नाना सुत्राना
भेगवी श्रीमहावीर स्वामी पास दीक्षा दीधी
खधक सन्यासी गढ़भालि के शिष्य थे, जिन
में पिगल निग्रयने प्रश्न पूछे थे जब उन प्रश्नो

का उत्तर न दिया गया तो वे महावीर स्वामी के समीप गये और उन से उत्तर पाकर दीक्षा ली। Name of a mendicant who was a disciple of Gaddabhāli and a friend of Gotamaswāmī. He accepted initiation from Mahāvīra for having received answers to the questions which he could not give to the ascetic Piṅgala on being asked भग० २, १: (२) इति स्वामी. कालिक स्वामी Kāitikaswāmī. नाया० २: खंडिल. (स्कन्दिल) सिंहसूरिना शिष्य, स्कन्दिलाचार्य. सिंहसूरि के शिष्य; स्कन्दिलाचार्य. The disciple of Sinha-Sūri; Skandilāchārya. नंदी० खंघ. पुं० (स्कन्ध) ऐश्वर्य भवमा रूप, वेदन, विज्ञान, संज्ञा अने संस्कार ये पांचवें स्कन्ध इहेवाभा आवेछे, तेमा पृथ्वी आदि तेमेल रूपदिने रूप स्कन्ध, भुभदुःख अने अदुःख भुभने वेदना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञानने विज्ञान स्कन्ध, पदार्थना नामादिने संज्ञा स्कन्ध अने पुण्या पुण्यादि धर्म समुदायने संस्कार स्कन्ध इहे छे बौद्ध मत में रूप, वेदन, विज्ञान, संज्ञा और संस्कार इन पांचों को स्कन्ध कहने में आता है उनमें से पृथ्वी आदि उसी तरह रूपादि को रूप स्कन्ध, सुख दुःख और अदुःख सुख को वेदना स्कन्ध, रूप रसादि विज्ञान को विज्ञान स्कन्ध, पदार्थ के नामादि को संज्ञा स्कन्ध और पुण्या पुण्यादि धर्म समुदाय को संस्कार स्कन्ध कहते हैं A Skandha (group) of five terms viz. Rūpa, Vedana, Vi-dyana, Sanjñā and Sanskāra according to Buddhism and these terms are styled accord-

ing to their name. जं० प० ३, ५८: सूय० १, १, १, १७; पणह० १, २; भग० २०, ६, (२) इति; अलो कंधा a shoulder उत्त० ११, १६; राय० ३२; पि० नि० ६६, ३३१; नाया० ८; १४; आया० १, १, २, १६, जीवा० ३, १; सु० च० २, ३६, कण्ठ० ३, ३५: प्रव० ८८७. १३१५, (३) द्विप्रदेशादि धर्मा परमाणुओ भवति अने अथ अथे. द्वि प्रदेशादिक बहुत से परमाणु मिलकर बनाहुआ एक स्कन्ध a collection of various particles. भग० १, ६; १०, २, १०; ५, ७, ११, ११, १४, १०; १८, ६, ८: २५, ३, ४; नाया० १: १६: विशेष० ३२४, ८९५; अणुजो० ४४ १४४, उत्त० ३ १८; ३६, १०; ठा० १, १, ओव० क० ग० ७५; (४) अणु थं मूड का घंड the trunk of a tree. ओव० राय० १२५; भग० ३, ४ २१, ३; मूय० २, ३, २, ५, पञ्च० १ (५) समग्र वस्तु. संपूर्ण पदार्थ. समग्र वस्तु; संपूर्ण पदार्थ. a complete thing. पञ्च० १, भग० ८, ६, (६) माला विशेष. माला विशेष a kind of garland निसो० १६, २८: (७) ढगलो ढेर. a heap. नदी० १८; निनी० १३, ७, आया० २, ५, १, १४८, (८) अे इन्द्रिय वाली अथे अथे दो इन्द्रिय वाला एक जीव a two-sensed living being पञ्च० १; (९) कर्मना स्कन्ध. कर्म का स्कन्ध a heap of Karma क० प० ७, ४७ — उत्तरओ अ० (-उत्तरतम्) पूर्व पूर्वना कर्म स्कन्ध थी उत्तरोत्तर पूर्व पूर्व के कर्म स्कन्ध से उत्तरोत्तर. the future collection of Karma as opposed to the past क० प० ५, ४७, — देस पुं० (-देस) स्कन्धेना अथे आप्नी वस्तुना भाग स्कन्ध का -मारी वस्तु का एक भाग a part.

division of a group भग० २, १०, ६, १, उत्त० ३६, १; —**पपस** पु० (—प्रदेश) वस्तुनो ओइ आरीक-मा आरीक अश. वस्तु का एक वारीक में वारीक अश. the infinitesimal part of a thing अणुजो० १४४; भग० १०, १, —**पभव** पु० (—प्रभव) रन्धनी-थडी उत्पत्ति स्कन्ध की पौधे की उत्पत्ति origin of a tree “मूलोओ खधपभवो दुमस्स” दस० ६, २, १ —**वीज**. त्रि० (—बीज) अध-थरूप पीर लेने छे ते, यध वाववाधी ले थाय ते: भोगरो यम्पेडी-धुपेडा विगेरे. पौधे रूपी बीज जिम्सा है, वह पौधा लगाने से जो होते है, भोगरा-चमेली वगैरा the different flowering plants which grow not from seeds but by sowing their branches etc आया० २, १, ८, ८८ ठा० ४, १, दस० ४.

खंघकरणी स्त्री० (स्कन्धकरणी) साध्वीने अपने नाभवातु वस्त्र, स थारीओ. साध्वी के कंधे पर डालने का वस्त्र. a garment of a female ascetic worn on the shoulder. ओव० नि० ६७७,

खंघग. पु० (स्कन्धक) लुओ ‘खध’ शब्द देखो ‘खध’ शब्द Vide “खध” सू० प० १०;

खंघगरणी स्त्री० (स्कन्धकरणी) लुओ ‘खधकरणी’ शब्द देखो ‘खधकरणी’ शब्द Vide “खधकरणी” प्रव० ५३८ ५४६,

खंघत्ता स्त्री० (स्कन्धता) आउना थउते भाव-स्वरूप प. आउ के पौधे का भाव-स्वरूप

The state of being a trunk of a tree सू० २, ३, ४,

खंधार पु० न० (स्कन्धावार) भेनातो पडाय. लश्करनु निवासस्थान-‘शवली’ मैन्स का पडाव लश्कर का निवासस्थान, छावनी Encampment, the halting place of an army उत्त० ३०, १७, प्रव० १२३३, —**माण** पु० (—मान) सैन्यने गोठवानी कला मैन्स रचना का कला. the art of arraying an army. नाया० १, ओव० ४०,

खंधावार पु० (स्कन्धावार) लुओ “खंधार” शब्द देखो “खंधार” शब्द Vide “खंधार” नाया० ८, १६ विशेष० ७४२, ज० प०

खंपणय न० (.) आपणु, मडल उपर नाभ-वानु वस्त्र कफन; शव पर डालने का वस्त्र A winding sheet सु० प० १, १२२,

खंभ पु० (स्तम्भ) थाभलो थल यभा, स्तम्भ A post; a pillar उवा० २, १४०; ज० प० ५, ११५, १, ५५, ३, ६८ ४, ६० ६६, भग० २, ७, ८, ६, ९, ३३; १०, ५, १२, ६, नाया० १; ८, १३; १६ अणुजो० १५३, जीवा० ३, ३, प्रव० २४६, राय० १०४ सू० प० २० सू० २, ७, ४; गच्छा० ८, —**उगय**. त्रि० (—उद्गत) थाभला उपर गले स्तम्भके ऊपर रहा हुआ resting on a post or pillar ज० प० ५, ११५ नाया० १, —**सय** न० (—गत) भो थभ नो स्तम्भ one hundred pillars ज० प० ५, ११२

खकारपविभक्ति न० (खकारप्रविभक्ति) अ अजन्ता आकारनी व्यनावातु नाट

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी छुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

३२ प्रकरना नाटकमानुं ऐक. ख अक्षर के आकार की रचना वाला नाटक; ३२ प्रकार के नाटक में का एक A kind of drama based on the shape of the letter 'ख' (kha); one of the 32 kinds of dramas राय० ६३;

खग. पुं० (खग) आकाशमा उडनार प्राणी, पक्षी आकाश में उडनेवाला प्राणी, पक्षी A bird उत्त० ६, १०, जं० प० ७४, १०२;

खगइ छी० (खगति) आल, गति चाल; गति Gait; motion क० गं० २, ३२, ४३, क० प० १, ७१; —चेष्टा छी० (-चेष्टा) आलवानी-गति करवानी येषा. चलने का-गति करने की चेष्टा the act of moving. क० प० १, ७१; —दुग. न० (-द्विक) शुभ अने अशुभ विहायोगति-आल. शुभ और अशुभ विहायोगति-चाल auspicious and unauspicious movements क० गं० २, २१ ५, ७३;

खगग पु० (खङ्ग) तलवार तलवार, खङ्ग A sword ठा० २, १, सु० च० ४, २८; ज० प० क० गं० १, १२, प्रव० १२०८, आ० १२, जीवा० ३, ४, (२) गे० ३। गेंडा. a rhinoceros परह० १, १, २, ४, —धारा. छी० (-धारा) तलवारनी धार तलवार की धार. the edge of a sword. क० गं० १, १२;

खगगपुरा छी० (खङ्गपुरी) सुवल्लुविजयनी मुख्य राजधानी सुवल्लुविजय की मुख्य राजधानी The chief capital city of Suvalgu Vijaya ज० प० ठा० २, ३; खगगा छी० (खङ्गा) आवतीविजयनी मुख्य राजधानी आगामी विजयकी मुख्य राजधानी.

The chief capital city of the coming Vijaya जं० प०

खगि. पुं० (खङ्गिन्) गे० ३; ऐक सिंगडायो ७ गली पशु. गेंडा, एक सींगवाला जंगली पशु A rhinoceros. पञ्च० १; कण० ५, ११६; ओव० १७;

खगगी छी० (खङ्गी) जुओ ' खगगा ' शब्द देखो " खगगा " शब्द Vide ' खगगा " ठा० २, ३.

खगगुड. त्रि० (-) अराय स्वभाववाण, लुब्धु, धर्महीन खराब स्वभाववाला; बदमाश, धर्महीन. A roguish, of wicked nature. पि० नि० ३२२; ओघ० नि० ३५

खचिय. त्रि० (खचित) ७३६, भीमेयु जडा हुआ, खिचा हुआ. Studded, inlaid नाया० १, कण० ३, ६०, राय० ५८, जं० प० जीवा० ३, ४; (२) केशर विगेरेथी २ गे० ३. केशर वगैरह से रंगा हुआ dyed with saffron etc नाया० १;

खज्ज. न० (खाद्य) आल वगेरे आया योय पदार्थ खाजे वगैरह खाने योग्य पदार्थ Crisp bread etc. नाया० १७, परह० १, २; प्रव० १४२७,

खज्जग. न० (खाद्यक) जुओ " खज्ज " शब्द देखो " खज्ज " शब्द Vide " खज्ज " विशेष १०६५; भग० १५, १; उवा० १, ३४, पचा० ५, २७, —विधि पु० (-विधि) आल, धेवर, लापशी वगेरे अनावधानो विधि. खाजे, धेवर, लापसी वगेरह बनाने की विधि the process of preparing crisp bread and other sweet eatables etc प्रव० २०८,

खज्जू. पु० छी० (खज्जू) जुओ, अरओ

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

खाज, खुजली Itch. ठा० १,
 खजूर न० (खर्जूर) अ० २, ओ३ जतने
 भेवो. खजूर, एक प्रकार का मेवा, A kind
 of dried date उत्त० ३४, १५, आया०
 २, १, ८, ४३, प्रव० २१०, १०१६, पचा०
 ५, २६, —मत्थय पुं० (-मस्तक)
 अ० २, ओ३ पीसी खजूर का गर्भ-मगज
 the interior of dried dates
 “ गालिएरमत्थयण वा खजूरमत्थयण वा ”
 आया० २, २, ८, ६८, —सार पुं० (-सार)
 अ० २, ओ३ आसव-६३ खजूर का आसव-
 शराव the essence, wine pre-
 pared from dried dates जीवा० १,
 पञ्च० १७,
 खज्जुरी स्त्री० (खर्जुरी) अ० २, ओ३
 खजूर का झाड़ A kind of palm
 tree bearing dates ज० प० २, १६,
 भग० २२, १, जीवा० ३, ३, पञ्च० १,
 गच्छा० ७६, —पत्त न० (-पत्र)
 अ० २, ओ३ पा६३ खजूर का पत्ता, the leaf
 of a palm tree गच्छा० ७६,
 खज्जोत. पु० (खद्योत—खद्योतते इति)
 पतंगीओ, अ० २, ओ३ पतङ्ग, जुगन्. A
 glow-worm. अणुजो० १४७,
 खज्जोय पु० (खद्योत) अ० २, ओ३ शब्द
 देखो ऊपर का शब्द Vide above मु०
 च० १, २२६; क० ग० १, ६६,
 खज्जोयग पु० (खद्योतक) अ० २, ओ३ ‘खज्जोत’
 शब्द. देखो ‘खज्जोत’ शब्द Vide
 ‘खज्जोत’ नाया० ८,
 खट्ट त्रि० (-) आ० २, खट्ट Sour
 पञ्च० १, —उदग न० (-उदक) आ० २,
 पा६३ खट्ट पानी the sour water

पञ्च० १, —मेह पु० (-मेघ) आ० २, पा६३
 वालो वरसाद खट्ट पानी वाली वरसाद. &
 sour rain. भग० ७, ६.

खट्टंग पु० (खट्वाङ्ग) आ० २, पा६३
 वगेरे खाट के अंग-पाये वगेरे The
 legs etc of a cot ओ३ व०

खट्टा स्त्री० (-) आ० २, पा६३ खट्टा,
 खाइ A ditch. पचा० ७, ३६. —तट
 पु० (-तट) आ० २, पा६३ खाइ
 का किनारा the verge of a ditch
 पचा० ७, ३६,

खट्टिआ स्त्री० (खट्टिका, गवा० आ० २,
 ओ३ मूर्छना गधार ग्राम की दूसरी
 मूर्छना The second note of the
 musical scale Gandhāra अणुजो०
 १३८,

खट्टुग न० (-) अ० २, पा६३ पट्टेयानी
 वींटी, डेरा वगेरे धरेला अणुली मे पहनने
 का छल्ला, मूदकी वगेरे गहना A ring
 worn on the finger. भग० ६, ३३;

खट्टुय पु० (-) अ० २, ओ३ “खट्टुग”
 शब्द देखो “खट्टुग” शब्द Vide
 “खट्टुग” दस० १०, १, नाया० १

खट्टुया. स्त्री० (खट्टुका) अ० २, पा६३
 आ० २, पा६३ मारु ने अणुली की टट्टार
 अणुली मे मारना Tapping with
 fingers उत्त० १, ३८

✓ खण धा० I (खन्) आ० २, पा६३
 खोदना To dig

खण्ड नाया० १७,

खण्ति मु० च० २ १६३, नाया० १०
 ज० प० २, ११४,

खण्णे. दस० १०, १, २,

खणाहिं-आ. सूय० १, ४, २, १३.

खणह. उत्त० १२, २६;

खणित्तु. सं० कृ० आया० २, १३, १७३,

खणमाण. व० कृ० पि० नि० ५६०, विवा०
१, नाया० १२;

खणित्ता. सं० जं० प० ५ ११४,

खणावह. प्रे० दस० १०, १, २;

खणावण. दस० १०, १, २,

खणावेत्तुं सं० कृ० नाया० १३,

खणावित्तण. हे० कृ० नाया० १३;

खाणित्तु. पि० नि० १६८.

✓ खण धा० I (क्षण) भारवुं, हिंसा
करवी. मारना, हिंसा करना. To kill
खणह आ० आया० १, ७, २, २०४,
खणत आ० सूय० २, १, १७,

खण. पु० (क्षण) अवसर, वधत अवसर,
समय An instant; a moment.
सूय० २, ४, ४, भत्त० ८४, क० प० २, ८२; ४,
२१, गच्छा० ६०, आया० १, २, १, ७०; कप्प०
५, ११७ (२) न्दानाभा न्दानो काण
विभाग, समय छोटे में छोटा काल विभाग,
समय the shortest division of
time, an instant सूय० १, ५८; भग० ००,
३३, नाया० १; १६, दस० २, १, ६३ पि० नि०
७६७, तदु० भत्त० ५०; पंचा० १, ४८;
(३) स० यात प्राणरूप काल विभाग;
मुहुर्त्त संख्यात प्राणरूप, काल विभाग,
मुहुर्त्त. a measure of time com-
prising countable breaths;
a time equal to 48 minutes.
जं० प० ७, १५१, ठा० २, ४, —जोह.
त्रि० (—योगिन्—पर निकृष्टकाल क्षणं
म विद्यते यस्य इति) प्रतिक्षणं नाश
शामना२, क्षणिक प्रतिक्षण नाश पाने वाला,
क्षणिक. क्षण भंगुर decaying every
moment, momentary. सूय० १, १, १,

१७; —(अ) क्ष. न० (—अर्ध) अर्ध क्षण.

आधा क्षण half a moment. गच्छे०

६०; —क्ष. त्रि० (—त्र) अवसर क्षण-

ना२ समय को पहिचानने वाला (one)
knowing the proper time. आया०

१, ७, ३, २०६, —बंध. पु० (—बन्ध)

समय रूपे बन्ध; स्थिति बन्ध. limitation in

relation to time. क० प० ७, ४२

—लव पु० (—लव) क्षणमात्र के लवमात्र

वैराग्यभावधी ध्यान करवुं ते, तीर्थकर नाम-

गोत्र बांधवाना वीश प्रकारमाने ओ३ क्षण-

मात्र के लवमात्र वैराग्य भावसे ध्यान करना,

तीर्थकर नामगोत्र बांधने के बीस प्रकार में

का एक dispassionate medita-

tion for a moment only,

one of the 20 ways of distin-

guishing oneself as a Tir-

thankara नाया० ८, प्रव० ३१२,

—संजोइय त्रि० (—संयोगिक) क्षण-

अतमुहुर्त्त पर्यंत जेना संयोग होय ते. अत

मुहुर्त्त तक जिसको संयोग हो वह. remain-

ing or lasting for less than

48 minutes. क० प० ७, ३६; —सस.

त्रि० (—शेष) क्षण-जेमा भाडी छे तेवुं,

क्षण जिस में बाकी है ऐसा. less by a

moment. क० प० २, ८२;

खणयन्ने. त्रि० (क्षणकैज्ञ—क्षणं परं निकृष्ट

कालं जानेति) वधत-अवसरने क्षण-

ना२. समय-अवसर को जानने वाला (One)

knowing the proper time आया०

१, २, ५, ८८;

खणि. खी० (खनि) भाण खदान, खान

A mine. पि० नि० २२६; नाया० ७,

खेत न० (क्षत) धा; यादो, ज० भ०. धाव,

जखम A wound. अणुजो० १४७

स्वतन्त्र. पुं० (स्वतन्त्र) राहुना पुद्गलनी ५६२
जलमानी ओष्ठ जल राहु के पुद्गल की
पंद्रह जात में की एक जात. One of
the 15 sorts of the molecules
of Rāhu सू० प० १६.

स्वतन्त्र पु० (स्वतन्त्र) क्षत्रिय, आर्य वर्णमाने
भीने वर्ण क्षत्रिय, चार वर्णों में से दूसरा
वर्ण Ksatriya, the second of the
four castes (२) दासीपुत्र; वर्णसंकर
दासीपुत्र; वर्ण संकर one belonging
to a mixed caste उत्त० १२, १८.

स्वतन्त्र त्रि० () छात्रनेवा गसवाधु. गोबर जैमा
रस वाला Resembling liquid cow-
dung ज० प० (२) आतर पाडेख खात
लगाया हुआ (a wall etc) bored
through by a thief पि० नि० भा०
१३. (३) आतर पाडेख, भीतमा पाडेख करवु ते
खात लगाना, भीत में छेद करना boring
through the wall. विवा० ३. नाया०
१८. — स्वतन्त्र न० (—स्वतन्त्र—स्वतन्त्र स्वतन्त्रति)
आतर पाडेख, चोरी करवाने अथवा दाखल
थवा भीतमा पाडेख पाडेख ते खात
लगाना, चोरी करने को अथवा जानेके लिये
भीत में छेद करते हैं वह breaking
into a house for the sake
of committing theft विवा०
३. नाया० १८. — मेह पु० (—मेह—
स्वतन्त्र करीषेण साक सकरीषो वा
मेघो यत्रेति) छात्रनेवा गसवाधु वरसा
ज्वाण के रस सरीखा बरसात 1010
resembling liquid cowdung
ज० प० २, ३६, भग० ७, ६.

स्वतन्त्र पु० (स्वतन्त्र) क्षत्रिय, गडुदेन नाम

राहु देव का नाम. Name of god
Rāhu. भग० १२, ६,

स्वतन्त्र-अ पु० (स्वतन्त्र) क्षत्रिय जति, आर्य
वर्णमाने भीने वर्ण क्षत्रिय जाति, चार
वर्णों में का दूसरा वर्ण The second of
the four castes ज० प० ५, ११०:
उत्त० ३, ४, ६, १८, १९, ६, राय० २१८.
२६६; विवा० १, निरी० ८, १५, ६, २१,
दस० ५, २, २, ६, २; भग० १, ६. ११,
६, सु० च० २, ३५५, अणुजो० १३१ ओव०
१४, २७, ३८, कप० २, १७, प्रव० ३८६,
—कुमार पु० (—कुमार) क्षत्रियकुमार.
राजपुत्र क्षत्रियकुमार, राजपुत्र a prince;
the son of a Ksatriya भग० ६, ३३.
—कुल न० (—कुल) सामान्य क्षत्रिय तरीके
स्थापित कुल सामान्य क्षत्रियके तौर पर
स्थापित कुल a family ranked as an
ordinary Ksatriya family आया०
२, १, २, ११: —जायन्त्र त्रि० (—जायन्त्र)
क्षत्रिय जतिमा उत्पन्न थयेक्ष क्षत्रिय जाति
में उत्पन्न (one) born in the
Ksatriya caste सू० १ १३, १०;
—दारग पु० (—दारक) क्षत्रियनेवा लड़क
क्षत्रिय का बालक a child of a
Ksatriya विवा० ५, —पुत्र पु०
(—पुत्र) क्षत्रिय पुत्र, क्षत्रिय अथवा
क्षत्रिय पुत्र, क्षत्रिय का बच्चा a son
of a Ksatriya भग० ६, ३३
—विज्ञा स्त्री० (—विद्या) क्षत्रियनी धन-
विद्या विद्या, ४० विद्यामानी ओष्ठ क्षत्रिय
की धनविद्या विद्या, ४० विद्यामे का एक
the science of archery possessed
by a Ksatriya, one of the 40

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th

lores सू० २, २, २७,

खचियकुंडगाम पुं० (खचियकुण्डग्राम)
खचियकुण्डनामे ग्राम जया जमालि रहेता
हता खचियकुंड नाम का गाव जहा जमालि
रहेते थे Name of a city the
residence of Jamāli भग० ६, ३३,
कप्प० २, २०,

खचियकुंडपुर न० (खचियकुण्डपुर) भो-
वीरस्वामीनी जन्मभूमिनुं ग्राम, सिद्धार्थ
राजनी राजधानी. महावीर स्वामी की जन्म-
भूमि का ग्राम, निद्धार्थ राजा की राजधानी
The city which is the birth
place of Mahāvīra Swāmī; the
capital city of king Siddhārtha
आया० २, १५, १७६.

खत्तियाणी स्त्री० (खत्तियाणी) खचियनी स्त्री
खचिय की स्त्री. A wife of a Ksa-
triya कप्प० ३, ४८;

खदिरसार. पु० (खदिरसार) भेरसार. खेर
का मार A powder prepared of
Kher. पन्न० १७;

खद्द-द्ध त्रि० (खद्द) मनोज, स्वादिष्ट, रसभर
मनोज, स्वादिष्ट, रसभर Delicious,
tasteful सम० ३३; प्रव० ५२६;

खद्ध. त्रि० (~) प्रभूत, अधिष्ठ;
प्रमाण्थी पदारे प्रभूत; अधिक, प्रमाण से
विशेष. Abundant- much more
than enough आया० २, १, १;
५६, पि० नि० १८८; ४८१, ५२६;
ओघ० नि० ८६, ५२२; गरह० २, ४, प्रव०
१३०; दसा० ३, १६; १७; १८; १६;
—पजण्ण न० (-प्रजनन) भोटु
पुरुषयिन्ह (धन्वि) बडा पुरुषयिन्ह

(इंद्रिय). a big organ of genera-
tion. प्रव० ५२६; —सद् पु० (—शब्द)
भोटु शब्द. बडा शब्द a loud sound
प्रव० १३८;

खद्धं अ० (शीघ्रम्) जल्दी; जितारे जल्दी,
शीघ्र. Quickly. आया० २, १, ५, २५,
खद्धादाणिअ. त्रि० (*) समृद्धि पाणु
समृद्धिवान Prosperous. ओघ० नि०
८६,

खपुप्फ न० (खपुप्फ) आकाशना फूलनी
पेठे शून्य आकाश के फूल की समान शून्य.
Anything impossible or non-
existent like the flower in the
sky विशेष० ३२,

✓ खम घा० I (क्षम्) क्षमा करनी क्षमा
करना To forgive, to pardon
खमइ-ति. आया० २, १५, १७६. अंत०
६, ३;

खमतु भग० ३, २, नाया० १६; ३, ६;
खमे. वि० वव० १०, १;

खम. आ० नाया० ५;

खमह. आ० सु० च० ४, १२३;

खमाहि नाया० ६,

खमेह. दस० ६, २, १८;

खमिउं हे० कु० सु० च० ४; १२४;

खमंत. व० कु० दसा० ५, ३;

खममाणा व० कु० भग० १५, १; २०, ६;
विवा० १,

खामेइ-ति प्रे० भग० २. १; ३, १; ५.
८, १५, १; नाया० १: ५. ८; १४;
सु० च० ७, २०८;

खामेति. भग० ३, १; ११, १२; १८, ३;

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p 15th.

खामेति भग० ३, १, ११, १२; १८, ३;
 खामेति भग० ३, २, नाया० ८: १६,
 महा० प० ६,
 खामेति भग० ३, १,
 खामेति आ० नाया० ८;
 खामिय स० कृ० निसी० ४, ३२,
 खामेति स० कृ० भग० २, १, ५, ८, १५,
 १; नाया० १,
 खामेति नाया० ५,

खम. त्रि० (क्षम—क्षमते इति क्षम) शक्ति-
 भाग, समर्थ ताकतदार; समर्थ Powerful,
 able ओघ० नि० ७६३, भग० १,
 १, ३, १, नाया० १, १०, सु० च० १, २६;
 ३१६, आया० १, ७, ४, २१५, दसा० ७,
 १; पि० नि० ७१, (२) शुभ, हितकर
 शुभ, हितकारक auspicious, bene-
 ficial उत्त० ३२, १३,

खमग पु० (क्षमक) भास अभय आदि तप
 करनेवाला, तपस्वी साधु One practising
 fasts for a month etc, an ascetic
 given to austerity पि० नि० ४७६,
 खमण पु० (क्षमण) सहनशीलता रखनेवाला साधु An
 ascetic of forgiving nature
 अणुजो० १३१, प्रव० १५२७, उवा० १,
 ७७, (२) तप; उपवास. तप, उपवास
 a fast, an austerity प्रव० १५३१;
 —सय पु० (-शत) सौ उपवास सौ
 उपवास one hundred fasts प्रव०
 १५३१,

खमरिह त्रि० (क्षमार्ह) क्षमा करने योग्य
 क्षमा करने के योग्य Deserving par-
 don भग० ३, २,

खमा स्त्री० (क्षमा) क्षमा करने वाला, सहनशी-
 लता, क्षमा क्रोध का अभाव. सहनशी-

लता, क्षमा Absence of anger,
 forgiveness भग० ६, ३३, १७, ३,
 नाया० १०, १३, ओघ० नि० ५८१, सम०
 २७; नंदी० ३५, ज० प० राय० १७१,
 उवा० २, ११३, आव० ३, १, कप्प० ८.

खमावणया स्त्री० (क्षमापना) अपराधनी
 भारी भागवी अभायु, मिच्छामि दुष्ट
 लेने के अपराध की माफी मागना, क्षमा-
 याचना, मिच्छामि दुष्ट लेना. Begging
 of pardon for a fault committed;
 a particular way of confessing
 a sin भग० १७, ३, उत्त० २६, २,

खमासमण पु० (क्षमाश्रमण) क्षमाधारी
 साधु. क्षमाधारी साधु An ascetic of a
 calm and quiet nature. कप्प० ८,
 खय पु० (क्षय) भूयथी उच्छेद, समूलगो-
 नाश मूल से उखाड़ डालना, समूल नाश.
 Utter destruction भग० ३,
 ६, ७, ६, ६, ३१, ११, ११, उत्त० ३, १७,
 क० ग० २, २६, भक्त० ५०, —गत्र त्रि०
 (-गत) क्षय पाये क्षय पाया हुआ, हुई
 destroyed, decayed दसा० ५, ३२,
 ३३, —नाणि पु० (-जानिन्) सर्वथा
 आवगुणा क्षयथी उत्पन्न यथेष्ट देवज्ञान-
 वान् देवणी सर्वथा आवरण के क्षय के जये
 (द्वारा) जानवान् केवली one possess-
 ed of perfect knowledge due
 to the destruction of cover in
 the form of Karmas विश० ५१८,
 —निष्फरण त्रि० (-निष्पन्न) क्षमना क्षय-
 थी प्राप्त यथेष्ट लाभ, क्षयक्षलावे प्राप्त यथा
 देवज्ञानादि कर्म के क्षय से प्राप्त हुआ
 भाव; क्षयक भावसे प्राप्त हुए केवलज्ञानादि.
 Kevala Jñāna etc got by des-
 troying the Karmas अणुजो०
 १२७ —समज न० (-गमज—क्षय-

शमाभ्यां जायते तत्) छिदीरित मिथ्यात्वने। क्षय अने अनुदीरितने। उपशम करवाथी उत्पन्न थतुं क्षयोपशम समकित. उदीरित मिथ्यात्व का क्षय और अनुदीरित का उपशम करनेसे उत्पन्न होने वाला क्षयोपशम समकित. destruction of false belief which is forced to mature and forcing of immature false belief to mature विशेष ५२८,

खयर पु० (खदिर) भेरनु आऽ खेर का झाड़।
A kind of tree known as Kher.
अतः ३, ७, तंदु०—इंगाल पु० (अगर)
भेरना लाड्डाना अगारा खेर की लकड़ी
के अंगारे burning charcoals of a
Kher wood राय० ६६;

खयिअ त्रि० (चायिक) जुआ "खइअ"
शब्द. देखो "खइअ" शब्द Vide
"खइअ" अणुजो० १२, ७

✓ खर. धा० I (खर्) नाश पाभनुं. नाश
पाना. To be ruined
खरइ विशेष ४५४,

खर नि० (खर) छड़िण, भरभरे; छर्छश;
तीक्ष्ण. कठिण, खरदरा, कर्कश. तीक्ष्ण
Haish, rough क० गं० १, ४१, ४२;
गच्छा० ५४, भग० ७, ६, १५, १; नाया०
१, ८, ६, तदु० दसा० ३, २२; २३; २४,
उत्त० ३६, ७१; पिं० नि० ३२७, जीवा०
१, पञ० १; जं० प० अणुजो० १२८,
(२) तथनु तेन तिल्लिका तैल sesame
oil ओष० नि० ४, ६, (३) गधेडे गवा
an ass. ओव० ३८; जीवा० ३, ३, गच्छा०
१२५, (४) राहुने अपर नाम राहुका
पर्यायवाची नाम a synonym for
Rāhu. मू० प० १६,—आवट्ट पु० (आ-
वर्त्त) छिनियछनी पेडे पाण्डुना
थाय ने, वमझ कठिन् चक्र मरीखा पानी का

गोल कुंडल होता है वह, वमल a whirl-
pool ठा० ४, ४;—कंट पु० (—कण्ट)
तीक्ष्ण डाटासरभो, शीभामण्डेनार साधुने
दुर्वचनरूप डाटाथी वीधनार श्रावक तीक्ष्ण
काटे सरीखा; उपदेश देनेवाले साधुको दुर्वचन
रूपी काटोसे छेदने वाला श्रावक. one
sharp as a thorn, a layman
who gives advice to an ascetic
in severe words ठा० ४, ३,
—कंड पु० (—काण्ड) छिन भाग कठिन
हिस्सा. the hard portion (२)
पहेली नरकने पहेलो डाड पहले नर्क का
पहला काण्ड the first division of
the first hell जीवा० ३, १;—कक्कम
त्रि० (—कर्कश) छर्छशभां छर्छश; अतिछर्छश
कर्कश में कर्कश, अतिकर्कश very harsh.
प्रव० १४२, —कम्म न० (कर्म) छोर
छर्म, कृत्य कठोर कर्म, कृत्य wicked
actions. पचा० १, २१;—पवणसंग
पुं० (—पवनसंग) प्रयण्ड पवनने संग
प्रचण्ड वायु का संग uniting with
fierce wind प्रव० २५१;—पुढवी
स्त्री० (—पृथ्वी) छिन पृथ्वी कठिन पृथ्वी
hard ground or earth प्रव० १११२,
क० प० ४, ६७,—फरुस. त्रि० (—परुष)
धणु छोर बहुत कठोर. very haish
"खरफरुस धून्नीमइला" नाया० २, भग०
७, ६;—वायरपुढविकाइय. पु० (—वादर-
पृथ्वी कायिक) छणु आदर पृथ्वीकायना
अथ कठिन वादर पृथ्वीकाया के जीव
hard and visible earth-beings
जीवा० १, —विसाण न० (—विषाण)
गधेडानु शीगडु गवेका संग the horn of
an ass. विश० ३५,

खरअ पु० (खर) डाभगरे; नोडर, दास
काम करने वाला, नौकर, दाम. A ser-

vant. ओघ० नि० ४३८,
 ✽ खरंटणा. स्त्री० (+) नि० ६; निरन्तर,
 अपमान निन्दा; तिरस्कार, अपमान Dis-
 grace, censure, dishonour पञ्च०
 १२, ६, ओघ० नि० ४०, पि० नि० २२५,
 खरमुह पु० (खरमुख) अरभुष नामे ओ३
 अनार्य देश खरमुख नामक एक अनार्य देश
 A non-Aryan country प्रव०
 १५६६,
 खरमुहिया स्त्री० (खरमुखिका) वाद्य विशेष,
 डाहुवा. वाद्य विशेष, खरमुही A kind of
 musical instrument भग० ५, ४,
 खरमुही स्त्री० (खरमुखी) डाहुवा, ओ३
 गतनु वाद्य खरमुही, एक प्रकार का वाजा
 A kind of musical instrument
 आया० २, ११, १६८, राय० ८२, ८८,
 जीवा० ३, ३, ओव० ३१ ज० प० कप्प०
 ५, १०१,
 खरमुहीसद पु० (खरमुखीशब्द) डाहुवाने
 शब्द खरमुहीकाशब्द The sound of a
 musical instrument निसी० १७, ३६,
 खरय पु० (खरक) राहुदेवनु ओ३ नाम
 राहुदेवका एक नाम A synonym of
 the deity Rahu भग० १२, ६, (२)
 त्रि० कश्चि कठिन hard नाया० ६;
 खरसाहिया. स्त्री० (खरसाधिका-अक्षर-
 साधिका) अक्षर लिपिभानी ओ३. अक्षरह
 लिपियों में की एक One of the 18
 scripts सम० १८,
 खरस्सर पु० (खरस्वर) वज्र जेना डाटा
 वाणा शाल्मली वृक्ष उपर नारकीने अक्षरीने
 गंधेजाना जेवा अवाज डाटता नारकीने आभ
 तेम जे जे ते परमाधामी वज्र सरीखे काटे

वाले शाल्मली वृक्ष पर नारकी को चढ़ाकर
 गंधे सरीखा आवाज निकालते हुए नारका को
 डबर उधर खेचते हैं वे परमाधामी The
 infernal gods known as Permā-
 dhāmīs who mount the hell-
 beings on a Śālmālī tree hav-
 ing thorns as hard as adamant
 and drag them hither and
 thither while uttering a cry
 like the braying of a ass सम०

१५, भग० ३, ७, प्रव० ११०१,

खरिआ स्त्री० () दासी दासी A
 maid-servant. ओघ० नि० ४३८,

खरिसुय पु० (खरिसुक) कुन्नि विशेष कन्द
 विशेष A kind of bulbous root
 प्रव० २४०,

खरियत्ता स्त्री० (खरिका) नगर आहरे
 के नगरभा रहेनारी वेश्याने भाव-स्वरूप.
 शहर के बाहर या बजार में रहने वाली
 वेश्या का भाव-स्वरूप The state of
 being a prostitute living out-
 side the city or in a bazar.
 भग० १५, १,

खरोट्टिया स्त्री० (खरोट्टिका) अक्षर लिपि-
 भांती ओ३ अक्षरह लिपि में की एक
 One of the 18 scripts सम० १८,

खरोट्टी स्त्री० (खरोट्टी) जुओ "खरोट्टिया"
 शब्द-देखो "खरोट्टिया" शब्द Vide
 "खरोट्टिया" पञ्च० १,

✓ खल धा० I (खल) पसपु; ह्नुपु
 गिसकना, दूर जाना, To slip away,
 to go away (२) पसपु; अभलना
 पामपु पड़जाना, पतन होना to fall

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
 foot-note (*) p 15th.

खलइ सु० च० २, ३६;

खलहि. आ० उत्त० १२, ७;

खलेज्ज वि० उत्त० १२, १८;

खलत व० कृ० भग० ७, ६, जं० प०

खल पु० (खल) भक्षणाड. खला A threshing floor place in a field where the corn is husked ओव० १७; परह. २, ३, जं० प० कप्प० ५, ११७; (२) त्रि० धुञ्जो; दुर्जन वदमाश, दुर्जन. a rogue, a wicked person सूय० २, २, ४४, खलणा. स्त्री० (खलना.) भूष, त्रुटि भूल, त्रुटि. A Mistake. तदु०

खल्य पु० (खलक) लुओ "खल" शब्द देखो "खल" शब्द- Vide "खल" नाया० ७;

खलवाड पु० (खलवाट) भणवाड. खलवाट A barn yard, a place where any sort of grain is heap- ed for separating the husk from the corn राय० २७६,

खलिअ. न० (खलित) रभक्षना; भूष; अतिचार. पतन; अतिचार Degradation, mistake (२) त्रि० शीक्षथी रभक्षना पामेक्ष शीलसे पतन पाया हुआ. (one) degraded; fallen नाया० १, चड० १, अणुजो० ६८; ओघ० नि० ५४१, विशेष० ६०२, ८५४; पचा० १२, ६; सु० च० ६, ६;

खलिण न० (खलिन) धोडानी लगाम; थोड्डुं घोडे की लगाम, चौकडा A bridle of a horse. प्रव० २४६, (२) नदीनी भेषड नदीकी मिट्टी. the silt of a river. विवा० १; —चंध. पुं० (-चन्ध)

थोड्डानी अन्ध लगाम का चन्द the reins नाया० १७, —मट्टिया स्त्री० (-मृत्तिका) भेषडानी माटी नदी की मिट्टी. the silt of a river. विवा० १;

खलीण. न० (खलीन) लगाम, थोड्डु.

लगाम, चौकडा. The reins. सु० च० २, ६३;

खलु. अ० (खलु) निश्चय अवधारण अर्थमां अने वाक्यना अलंकार साथे अत्रु शब्द आवे छे निश्चय अवधारण में और वाक्य के अलंकार के साथ खलु शब्द आता है. Verily, indeed, (used also to add grace to a sentence). जं०

प० ७, १३१, ५, ११२; ११५, भग० १, ३;

२, १, ७, १, ८, ५; २५, ३; ३१, १,

नाया० १, ४; १४, १६, दसा० १, ३, दस०

४, ७, १, ६, ४, १, आया० १, १, १, ८;

१, १, १, १८; १, १, २, १५; पन्न० १, २३,

सूय० १, २, १, १, उत्त० १, १५, ओव०

३८, निर० १, २, उवा० १, २, क० ग० १, ६;

खलुअ पुं० (खलुक) पगनी ओडी पैर की एंडी. The heel विवा० ६,

खलुंक पुं० (खलुंक) अतिनीत, क्षुद्र अने वाडा स्वभाववालो शिष्य विनयहीन, ओछे और टेढे स्वभाव वाला शिष्य Immodest; a disciple of crooked nature. उत्त० २७, २, (२) गणीयो अगाड के धोडो. मस्त बैल अथवा घोडा an unruly bull or a horse. ठा० ४, ३, उत्त० २७, २, (३) अस, मच्छर विगेरे शुद्ध अन्तु डाम, मच्छर वगैरह छोटे जीव small insects, such as mosquitoes, bugs, etc उत्त० २७, २,

खल्लग. पुं० (*) आपराना पाड्डानी पडीयो.

* लुओ ५४ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide foot-note (*) p 15th

पलास के पत्तों का दोना A cup made of leaves of a Khākaiā tree
पिं० नि० २०६, (२) नेडा, मोजडी,
पगरभा जोडा, मोजडी, जूती a pair of shoes प्रव० ६८३,

खल्लूड पुं० (खल्लूड) ओक अतनी कन्द
एक जात का कन्द A kind of bulbous root पञ्च० १, जीवा० ३, ४,

✓ खच. धा० I, II (क्षि+णि) क्षय करने, अपावयुं. क्षय करना, अत करना To destroy, to make an end, to waste.

खवेइ भग० ६, ३१, नाया० १, ओव० ४३,
उत्त० २६, १; सूय० १, २, १, १५,
प्रव० ७०१,

खविति भग० १६, ४, सूय० १, १२, १५,

खवति दस० ६, ५८; सु० च० १, १८,

खवयन्ति भग० १६, ४; १८, ७,

खववेत्ता सं० कृ० भग० ६, ३१, १५, १,
नाया० १. ६,

खविवेत्ता सं० कृ० नाया० ५, ओव० ४१;

उत्त० २८, ३६, दस० ३, १५,

खवित्तु सं० कृ० दस० ६, २, २४,

खवमाण-व० कृ० नाया० २;

खवेमाण-व० कृ० नाया० १८,

खवेत्त क० प० २, ६६; ४, ४१, ७, ३६

खविड सं० कृ० क० ग० २, ३५,

✓ खअ पु० (क्षपक) कुम्भोने क्षय करने, क्षपक श्रेणिगत साधु कर्मों का क्षय करने वाला, क्षपक श्रेणिगत साधु One who destroys Karmas, an ascetic who has reached Ksapaka Śīni (a stage of evolution) भग० २५, ७, भक्त० १५७,

खचग पु० (क्षपक) क्षपक श्रेणिप्राप्त साधु क्षपक श्रेणिप्राप्त साधु An ascetic who has reached a certain spiritual stage पिं० नि० २०६, भग० २५, ६, भक्त० ४३, प्रव० ७०६, क० प० २, १७, (२) मोहनीयने अपावना रूप-क्षपक श्रेणि मोहनीय को दवाने वाला-क्षपक श्रेणि a certain stage in which Mohaniya Karma is wasted away क० ग० २, २८, ५ ८२, —प्राउ. पु० (-अयुप्) आयुष्यने अपा-

वनार-सूक्ष्म सपराय अने अपूर्व इराज गुणस्थान वाले छय आयुष्य का क्षय करने वाला सूक्ष्म सपराय और अपूर्व करण गुणस्थान वाला जीव. a living being possessed of Sūksamasaniparāya and Apūrvakarana which waste away the period of life क० ग० ५, ६७, —क्रम पु० (-क्रम) क्षपक श्रेणिने क्रम. क्षपक श्रेणि का क्रम the order of Ksapaka Śīni कप्प० २, ४३, —सेटि छी० (-श्रेणि) क्षपक श्रेणि क्षपक श्रेणि. Ksapaka Śīni; the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karmas in succession प्रव० २०, —सेणि छी० (-श्रेणि) क्षपक श्रेणि क्षपक श्रेणि the spiritual evolution of a soul made by destroying the different Karmas in succession (२) घातीकर्मनी प्रकृतियोंने अपाववाना क्रमने क्षपकश्रेणि कहेवामा आवे छे तेमा अनतानुबन्धी क्रोध, मान, माया अने लोभने अपाववानी शङ्कात करी चित्रमा अतावेस क्रम प्रमाणे मोहनीयनी अधी प्रकृतियोंने अपावना दग्धनावरणीय, ज्ञानावरणीय, अने अतगयनी प्रकृतियोंने अपावनी १२ भा गुणगुणने छेइसे सभये केवलज्ञान अने केवलदर्शन प्राप्त थाय छे घातकर्म की प्रकृतियों के क्षय करने के अनुक्रम का क्षपकश्रेणि कहते हैं. उसमें अनतानुबन्ध क्रोध, मान, माया, और लोभ इनका क्षय करने का आरम्भ करके चित्रम वतलाये हुए क्रमके अनुसार मोहनीय की संपूर्ण प्रकृतियों का क्षय करने पर दर्शनावरणीय, ज्ञानावरणीय और अतराय की प्रकृतियों का क्षय करने के पश्चात् १२ वे गुणस्थान के अन्तिम समय केवलज्ञान और केवलदर्शन की प्राप्ति होती है the serial order of destroying the Ghāti Karmas is called Ksapaka Śīni The course of destroying the said Karmas begins from the destruction of anger, pride

—स्ववग-सेणि.—



ज्ञानावरणादि १४

निद्रा-प्रचलार

सं. लोभ

सं. माया

सं. मान

संज्वलन क्रोध

पुरुष वेद

डास्यादिक षट्

रन्त्री वेद

नपुंसक वेद

एकेन्द्रियादिक १६ प्रकृति

अप्र.क्रो.मा.मा.लो, प्र.क्रो.मा.मा.लो

नरक आदि ३ आयु

सम्यक्त्व मो.

मिश्र मोहनीय

मिथ्यात्व मो.

अनंतानुबंधी क्रो.मा.मा.लो

D.V. TALSAANIA.

—क्षपकश्रेणि.—

deceit and greed which are of eternal standing and after the destruction of Daśanāvaiṇīya, Jñānāvaiṇīya and Antarāya Karmas, Kevalajñāna and Kevala Daśana are obtained at the end of the 12th spiritual evolution प्रव० ७७६;

खवग पुं० (क्षपक) लुओ। “ खवग ” शब्द
देखा “ खवग ” शब्द Vide “ खवग ”
प्रव० ७००;

खवग न० (क्षपण) कर्मनो क्षय करेवा ते,
अमुक अशे कर्मनी निर्जरा करपी ते कर्म
का क्षय करना, अमुक अशतक कर्मों की
निर्जरा करना Destroying of
Karmas, destroying the
Karmas to a certain limit.
विशे० २५१४, उक्त० ३३, २५, पचा० १८,
४१, पि० नि० भा० १. सु० च० १, ३८४;
(२) प्रकरण; अध्ययन. अध्याय, अध्ययन
chapter, division विशे० ६६२;
(३) साधु, मुनि साधु, मुनि a
Sādhū, an ascetic पचा० १६, ३५

खवगा स्त्री० (क्षमणा) अध्ययननु अप०
नाम अध्ययन का अपर नाम. A syno-
nym for a chapter अखुजो० १५४,
खववत्त पु० (*) ओड जतनु माछलु एक
जातिका मत्स्य A kind of fish पत्र० १,
खचित त्रि० (क्षपित) अपावेल, क्षय करेले क्षय
किया हुआ. destroyed, wasted सम०
२१,—सप्तय त्रि० (—सप्तक) अनंतानु-
बन्धी आर कपाय, मिथ्यात्व मोहनीय, सम-
कृत मोहनीय, अने मिश्र मोहनीय ओ सात
प्रकृति जेणे क्षीण करी छे ते अनंतानुबन्धी
चार कपाय मिथ्यात्व मोहनीय, समकृत
मोहनीय और मिश्र मोहनीय, इन सात प्रकृ-
तियों का जिसने क्षय किया है वह. (One)
who has destroyed the seven
natural impurities; fourfold
passions known as Anantānu-
bandhī सम० २१,

* लुओ। पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*)
देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (-) p 15th

खविय-अ. त्रि० (क्षपित) अपावेसुं क्षय किया हुआ Destroyed; wasted क० ग० २, १, क० प० ७, ३६, ४४, —कम्म पु० (-कर्मन्) अपाव्या छे कर्म जेहे ते. कर्मनो क्षय करनार (साधु) कर्मोका क्षय करने वाला (साधु), जिसेने कर्मो का क्षय किया है वह. one who has destroyed, wasted the Karmas क० प० २, ६६, ६, २०,

खस पु० (खस) अस नामनो ऐक अनार्य देश खस नाम का एक अनार्य देश. Name of a non-Aryan country. (२) त्रि० ते देशनो रहेवासी उस देश का निवासी. a resident of this country परह० १, १, प्रव० १५६७,

खसखासिय पु० (खसखासिक) अस-आसिक नामनो ऐक देश खसखासिक नाम का एक देश Name of a country पन्न० १, (२) त्रि० ते देशमा रहेवावाला भाव्युसो उस देश के निवासी मनुष्य a resident of this country. पन्न० १,

खसर पु० (*) असनो रोग, अस खस का रोग, खस Itch, a kind of skin disease जीवा० ३, ३, ज० प०

खह न० (ख) आकाश आकाश The sky भग० २०, २,

खहचर पु० (खेचर-खे आकाशे चरतीति) आकाशमा उडनार पक्षी, तिर्य्य पचेन्द्रियनी ऐक जंत आकाश में उडने वाले पक्षी आदि, पचेन्द्रिय की एक जाति A bud, a kind of five sensed animal भग० २४, १, उत्त० ३६, १७, —विहाण न० (-विधान) पक्षीयोना भेद-प्रकार.

पक्षियों के भेद-प्रकार. varieties of buds भग० १५, १; नाया० १६,

खहचरी स्त्री० (खेचरी) आकाशमा उडनार यक्षी, डायल वगेरे पक्षिणी. आकाश में उडने वाली चिडिया, कोयल आदि पक्षी (स्त्री) Buds that fly in the sky, the cuckoo etc ठा० ३, १,

खहयर पु० (खेचर) पक्षी पक्षी A bud (२) विद्याधर. विद्याधर. a god possessed of wonderful powers अणुजो० १३४, जं० प० भग० ७, ५, ८, १, उत्त० ३६, १८६, श्रोव० ४१, जीवा० १, पन्न० १, —मंस न० (-मास) तेतर, कुड्डा वगेरे पक्षीनु मास तीतर, मुर्गे आदि पक्षियोंका मास. the flesh of a cuckoo partridge etc प्रव० २२२,

खहयरी स्त्री० (खेचरी) पक्षिणी स्त्रीलिंग पक्षी A female bud जीवा० १;

✓खा I (खाद्) आवु खाना To eat खायह अणुजो० १२८, दस० ६, १, ६ पि० नि० २७४,

खाद्. सु० च० १२, ५५, राय० २४०,

खायह आ० उत्त० १२. २६,

खायमाण जीवा० ३, विवा० १,

खावियंत प्रे० व० कृ० विवा० २,

खजह क० वा० राय० २७६, उत्त० १२, १०,

खजत क० वा० व० कृ० भक्त० १६०,

खजमाण क० वा० व० कृ० संथा० ६६,

खाअ-य त्रि० (ख्यात) प्रख्यात, प्रसिद्ध. प्रख्यात, प्रसिद्ध Famous, renowned पचा० ११, ४, उत्त० १४, २, नदी० २७,

खाअ-य त्रि० (खात) जोदेसु खुदा हुआ Dug कप्प० ६, २, श्रोव० (२) पाडे, डुवे

खाडी, कुआ. a ditch; a well. अणुजो० १३३, (३) आध खाई. a ditch. जं० प० ३, ४७; सम० प० २०६;
 खाइ. स्त्री० (ख्याति) प्रख्याति, प्रसिद्धि. प्रख्याति, प्रसिद्धि. Fame भग० १२, २; १७, २; ओव० ४१;
 खाइआ-या. स्त्री० (खातिका) नीचे अने उपर सरभी जोड़ेकी आध नीचे और ऊपर बराबर खुदी हुई खाई; गड्ढा. A ditch uniformly dug from its mouth to the bottom. परह० १, १, अणुजो० १३४, भग० ५, ७, ८, ६,
 खाइम. त्रि० (*खादिम=खाद्य) सुभडी, भेवा, वगेरे आवालायक पदार्थ भेवा, मिठाई आदि खाने योग्य पदार्थ. Sweetmeats, dried fruits etc. उवा० १, ५८, आया० १, ७, १, १९७; २, ११, १७०; भग० २, १; ५; ५, ६; ७, १; नाया० १; ६, १६; पि० नि० १६६; राय० २२६; दस० ५, १, ४६; १०, १, ८, वेय० १, १६; सम० २१; ३३; ओव० ३६, पचा० ५, २६; कप्प० ५, १०२, प्रव० १६८; आव० ६, १, —साइम त्रि० (-स्वादिम=स्वाद्य) सुभडी भेवा अने स्वादिम-मुभवास-सोपारी लवंग वगेरे भेवा मिठाई आदि स्वादिम-सुपारी लौंग आदि मुखवास. sweetmeats, dried fruits, cardamom, cloves etc दस० ५, १, ६१,
 खाइय. त्रि० (खादित) भवरावेधुं, लक्षणुं धरावेधुं. खिलाया हुआ, भक्षण कराया हुआ (Any thing) caused to be tasted or eaten ओव० ३८,
 खाइय. त्रि० (ख्यात) प्रगट करेध; डहेध.

प्रगट किया हुआ, कहा हुआ. Revealed, exposed, told भग० २, १०,
 खाइय. न० (क्षायक) क्षायिकलावे क्षायिक समझित डेवज्ञान वगेरे. क्षायिक भाव क्षायक सम्यक्त्व केवल ज्ञान आदि The state of destroying Karmas etc. विशेष० ४६;
 खाडखड पुं० (खाडखड) ये नामने येथी नरकने ओक नरकावासो इस नाम का चौथी नरक का एक नरकावास A division of the 4th hell so named म०६, १,
 * खाडहिल पुं० (*) जेना शरीरपर धोला तथा डाला पट्टा होय छे तेनु ओक प्राणी जिसकी देह पर सफेद तथा काले पट्टे हों ऐसा एक प्राणी An animal having black and white stripes on the body e.g. the zebra. परह० १, १,
 खाणि स्त्री० (खानि) आकर, आणु खान, खदान. A mine नदी० ४१, उत्त० १२, १३, सु० च० १५, ६१;
 खाणिआ स्त्री० (खानिका) लुओ "खाणि" शब्द देखो "खाणि" शब्द Vide "खाणि" आया २, १०, १६६,
 खाणु पुं० (स्थाणु) आउनुं हुंहु डाली पत्ते रहित सूखेहुए फाड का टूठा A dried trunk of a tree without branches आया० २, १, ५, २७, दसा० ७, १, नाया० १, जीवा० ३, ३; जं० प० १, १०; उत्त० १४, २६; (२) भीलो; भुंटे. कीली, खूटा. a big nail, a peg. वेय० ६, १३, जं० प० ४, १११, —समाण त्रि० (-समान) मुकेल आउना हुंहु जेवा, पोतानी जोटी डंडे छोडे नहि; जोटी अग्रह करनार सूखे हुए

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी छुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट, (*) Vide foot-note (*) p 15th.

झाड़ के टूटे जैसा अपनी मिथ्या हट न त्याग
न वाला, झूठा आग्रह करने वाला (one)
like a dried trunk of a tree;
(one) who never gives up one's
false idea, obstinate ठा० ४, ३,
खाण्ड्य पु० (स्थाण्ड्य) लुओ "खाण्ड्य"
शब्द देखा "खाण्ड्य" शब्द Vide
"खाण्ड्य" आया० २, १० १६६ २, १३,
१७२; नाया० २,
खात न० (खात) भोद्रेषु. खुदाहुआ Dug
पत्र० २ (२) आध खाई a ditch.
भग० १५, १, पत्र० २, —उदग पु०
(-उदक) आधनु पाणी खाई का पानी
water of a ditch भग० १५, १,
खातिया छा० (खातिका) लुओ "खाइआ"
शब्द देखा "खाइआ" शब्द Vide
"खाइआ" परह १, १;
खात्त न० (खात्त) आतर भीत में खात
लगाना Opening in a wall (made
by a thief) नाया० १६, —खण्ड्य त्रि०
(-खनक) आतर पाडनार, योर खात
लगाने वाला, चोर (one) who bores
through a wall, a thief नाया० १६,
खामण्ड्य न० (खामण्ड्य) अभावयु क्षमाना
Begging of pardon दसा० ४, १०५,
भक्त० ५०, नाया० ५,
खामण्ड्य स्त्री० (खामण्ड्य-क्षमापना) अपराधनी
माफी मागनी अभावयु ते अपराध की माफी
मागना, क्षमा मागना Begging of
pardon प्रव० ६६, १८२, भक्त० १६,
खामिअ-य त्रि० (खामित-क्षमापित) क्षमा
इरेख माफी आपेक्ष क्षमा किया हुआ, माफी
दिया हुआ Pardoned सु० च० १,
३८३, भग० ३, १ १५, १, दसा० १, १४,
सम० २०,
खार त्रि० (खार) आ३. खार Salt. (२)

पु ७५ आर वगेरे आर पदार्थ मित्र जब-
खार इत्यादि खार पदार्थ things having
salt taste "खारस्मलोणस्म अणामहण"
नाया० १६, सूय० १, ४, १, २१, २, ३
२५, आया० २, १०, १६६, राय २०८,
निमी० १२, ३३, ज० प० विवा० १, (३)
सामसामो आर, वेर दूसरों से डाह, वैर
enmity towards others जीवा० ३,
भग० ३, ३, ७, (४) पु० आरे २५ खार रस
salt juice पत्र० १७, सु० च० ७, २६८,
(५) स्त्री० आरवाली भूमि खार वाला भूमि
saline soil वि० नि० गा० १३, (६) लुओ
पर सर्पनीये लत मुत्तार सर्प की एक जाति
a kind of serpent पत्र० १, —उदग
न० (-उदक) थोडु आ३ पाणी थोडा खारा
पानी. water having some what
saltish taste पत्र० १, भग० १५, १,
—गालण न० (-गालनक) साष्टआर
विगेरेने गालनानु पात्र सज्जीखार आदि
गलाने का पात्र a pot for liquifying
carbonate of soda etc सूय० १, ४,
२, १०. —नेल्ल न० (-नेल) आ३ तेल
खारा तेल saltish oil विवा० ६
—दाह पु० (-दाह) साष्टआरनि पक्षी-
वाली जग्या सज्जी, खार आदि पकान का
स्थान a place where carbonate
of soda etc are boiled निमी० ३,
७५, —मेह पु० (-मेव) आ३ तेलना
रसनेरा जल वाले मेव-परसाह मालवृत्त क
रम समान जनवाला मेघ-वरसाद rain
resembling the juice of a Sal
tree भग० ७, ६, ज० प० २ ३६, —वर्चसू
पु० (-वर्चसू) आरवालो इत्यरे खार मय
कूडा. saltish dirt निमी० ३, ८०
—वर्त्तिय नि० (-वर्त्तित) आरभा अरवेय,
आरभा नाभेय नमक म भरहुआ. नमक

मे भिंगोया हुआ. salt-soaked सूय०
२, २, ६३, ओव० ३८, दसा० ६, ४.—तंत
पु० (-चारतंत्र) लिंग वृद्ध्यादि पाण्डु ३२७
शास्त्र आयुर्वेदो मे ३ भाग लिंग वृद्धि
आदि वार्जा करण शास्त्र, आयुर्वेद का एक
भाग. a section of Āyur Veda
(medial science) dealing with
the excitement of amorous
desire by means of aphrodi-
siacs. ठा० ८, १०;

खारायण पु० (चारायन) भंडप गोत्रनी
शाखा. मंडप गोत्र का एक शाखा A
branch of Mandapa lineage
(२) ते शाखाने पुरुष उस शाखा का
पुरुष. a man of that branch
ठा० ७, १;

खरिअ पु० (चारिक) पारीओ, भूषा वगेरे-
ना पादोभा भीठु लरावी अथाणु जेवुं
अनायवाभां आवे छे ते नमकोन, मूले आदि
के पत्तो मे नमक डालकर अचार जैसा बनाया
जाता है वह. Pickles ओघ० नि०
भा० १३६;

खारी स्त्री० (* खारी) ओ३ जननुं प्राणी
एक जाति का प्राणी A kind of crea-
ture जीवा० १,

खारुगणिय पु० (चारुगणिक) ओ नामने
ओ३ अनार्य देश. इस नाम का एक अनार्य
देश Name of a non-Āryan
country (२) त्रि० ते देशना रहेवासी.
उस देश का निवासी a resident of
this country भग० ६, ३३,

खालिय त्रि० (चालित) धोओधु धुलाहुआ
Washed सु० च० २, २४३ ७, ६१,

खावण. न० (ख्यापना) प्रसिद्धि; ज्योति,
प्रसिद्धि, ख्याति Fame, reputation
रंचा० १०, ७,

खास. पुं० (कास) आंसीने रोग, उधरस.
खासी का रोग, दसा. Cough. नाया०
१३ भग० ३, ७,

खासिअ न० (कासित) जुओ " खास "
शब्द. देखो " खास " शब्द. Vide
" खास " विशेष० ५०१, नंदी० ३८,

खासिय. पुं० (खासिक) ओ नामने ओ३
देश इस नाम का एक देश Name of
a country (२) ते देशने रहेवासी
उस देशका निवासी. a resident of this
country परह० १, १. प्रव० १६६७
ओव० १, २,

खिइ स्त्री० (क्षिति) पृथ्वी. पृथ्वी The
earth; the world क० प० १, ६२;
४, ३२,

खिखणी स्त्री० (किङ्किणी) धुधरी, न्हाती
धटडी घुगरिया, छोटा घुगरा. A small
bell नाया० ९, ठा० १०, १;

खिखणीय न० (किङ्किणीक) जुओ
" खिखणी " शब्द देखो " खिखणी "
शब्द Vide " खिखणी " नाया० १
उवा० २, ११३,

खिखिणी. स्त्री० (किङ्किणी) धुधरी, धटडी
छोटा घुगरा A small bell ज० प०
राय० १०६, जीवा० ३, ३; उवा० ६, १६६;

✓ खिस. धा० I (खिसू) निन्हा ३२वी
निन्दुं निन्दा करना To blame, to
censure (२) कोध ३०वे; तर छोडु
कोव करना, तिरस्कार करना to get
angry, to despise

खिमइ-ति सूय० १, १३, १४, २, २;
१७, नाया० ध० पि० नि० ३५८,
उत्त० १७, ४, सम० ३०, दसा० ६,
२०; २१;

खिसति. भग० ३, १, अत० ६, ३. नाया० ८
खिमए त्रि० दम० ८, २६, आया० १,

२, ४, ८५,
 खिसइज्जा दस० ६, ३, २१,
 खिसह भग० ५, ४, १२, १,
 खिसिस्सति नाया० १६;
 खिसे(सि)त्ता. स० कृ० भग० ५, ६, ठा०
 ३, १,
 खिसिज्जमाण नाया० १६, भग० ३, १,
 खिसण न० (खिसन) निन्दा, तिरस्कार,
 अपमान निन्दा, तिरस्कार, अपमान Cen-
 sure, contempt, dishonour परह०
 १, १, श्रव० २१,
 खिसणा स्त्री० (खिसना) लोड सभक्ष भर्भ
 उधाडा पाडी अवज्ञा करदी लोगों के सामने
 गुप्त रहस्य प्रकट कर अवज्ञा करना Dis-
 regarding anyone by exposing
 his weakness in the public
 श्रव० ४०, राय० २६४,
 खिसणिज्ज त्रि० (खिसनीय) तिरस्कार
 करवा योग्य तिरस्कार करने योग्य Cen-
 surable, disgraceful नाया० ३,
 खिसा. स्त्री० (खिसा) निन्दा निदा Cen-
 sure पचा० १७, २५,
 खिसिय त्रि० (खिसित) भर्भ भेदी वचनशी
 तिरस्कार करेय मर्म भेदी वचन से तिरस्कृत
 Disgraced with piercing words
 ठा० ६, १, प्रव० १३३५, —वयण न०
 (-वचन) भीमनी लर्भना (तिरस्कार)
 करवानु वचन दूसरो की घृणा-तिरस्कार
 करने योग्य वचन the words of
 rebuke ठा० ६, १, वेय० ६, १,
 खिक्खियंत त्रि० (खिक्खिर्वत्) भिभि
 शब्द करतुं, ती, तो खिक्खि शब्द करता
 हुआ-हुई (One) making a sound
 like 'Khi Khi' परह० १, ३,
 खिज्जणा स्त्री० (-खिज्जना-खेदक्रिया)
 भेद खेद. Pain, trouble नाया० १८,

खिज्जीणय त्रि० (खेदनीय) भेद करवाने
 योग्य, रंज करने योग्य Regrettable
 नाया० १६,
 खिज्जमाण त्रि० (खिद्यमान) भीमतो-
 थीडीया स्वभाव वाला खीजताहुआ चिरडी
 स्वभाव वाला (One) of an irritable
 nature जीवा० ३, ४, नाया० १८,
 राय० ११२,
 खिज्जिय त्रि० (खिज्ज) भेद पाभेक्षु खेद
 प्राप्त Troubled, afflicted नाया० ६,
 खिडुकर त्रि० (कड) गिदगिदिया करनार
 गुदगुदी चलाने वाला (One) who
 tickles सु० च० २, ६४३,
 खिति स्त्री० (खिति) पृथ्वी पृथ्वी The
 earth, the world विशे० १२०८,
 खित्त न० (क्षेत्र) आकाश प्रदेश आकाश
 प्रदेश. The firmament, the space
 of the sky उत्त० ३३, १६, क० ग०
 ५, ८६, (२) आर्य अनार्य देश आर्य
 अनार्य देश a country of Āryas
 and Anāryas गच्छा० १४, उत्त० ३,
 १८, (३) द्विपने ओड भाग, पड-विजय,
 जेम भरत क्षेत्र द्वीप का एक भाग, खड
 विजय, जैसे भरत क्षेत्र a part of a
 continent ठा० २, ३, (४) खुली
 जमीन, धान्यवाववानी जमीन खुली
 जमीन, धान्य बोने की जमीन a field, an
 open plot of ground आया० १, २,
 ३, ७६, अणुजो० ८०, दस० ८, ३५, प्रव०
 १८, ६०४, भग० २, १, २५, ५, पञ्च० १४,
 उत्त० ३०, १८, श्रव० नि० भा० ८०
 सु० च० १, २३, कप० ५, ११७, —नि-
 चासि त्रि० (-निवासिन्) ओड क्षेत्रभा
 निवास करनार एक क्षेत्र में निवास करने
 वाला residing in one country
 प्रव० ७८६ —फुसणा स्त्री० (-स्पर्शना)

क्षेत्रनी स्पर्शना आकाश प्रदेशनी अवगाहना
क्षेत्र का स्पर्श, आकाश प्रदेश की अवगाहना.
occupying the atmosphere or
space विशेष ४०६, —बाहिद्विय त्रि०
(-बाहि स्थित) क्षेत्रथी-वसतिथी अहार
रहेल क्षेत्र से बाहर रहा हुआ situated
outside the inhabited region
प्रव० ६२७, —बुद्धि स्त्री० (-वृद्धि) क्षेत्रनी
वृद्धि क्षेत्र की वृद्धि increment in
space. प्रव० २८१, —संतिइ. स्त्री०
(-संस्थिति) क्षेत्रनी आकार. क्षेत्र का
आकार the shape of the space
or region ज० प० ३७, १३५,
—सहाव पुं० (-स्वभाव) क्षेत्रनी
स्वभाव क्षेत्र का स्वभाव the nature
of the space प्रव० १०८८,

खित्त त्रि० (क्षित) डेंडेलु फैका हुआ.
Thrown क० ग० ४, ८६, नाया० १७,
—चित्त त्रि० (-चित्त) पुत्रशोक वगेरे
थी विक्षिप्त थयुं छे चित्त नेतु ओवे। पुत्र-
शोक आदि से जिसका चित्त लुब्ध है वह
(one) maddened on account
of the death of a son etc ठा०
५, १, वव० २, १०, १०, १८;

खित्तअ त्रि० (क्षेत्रज) स्त्रीथी उपजेला छे-
डरा स्त्री से उत्पन्न लडके. Children
born of a woman ठा० १०,

खित्तओ. अ० (क्षेत्रतस्) क्षेत्रथडी, क्षेत्रनी
अपेक्षाये, क्षेत्रआथी क्षेत्र में, क्षेत्र की
अपेक्षा, क्षेत्र के सम्बन्ध में In relation
to space उत्त० २४, ६, ओव० १७,

खित्तवाल. पु० (क्षेत्रपाल) देव विशेष, भेत-
रपाल देव विशेष, क्षेत्रपाल. A kind of

deity. सु० च० ७, ७०,

खिन्न त्रि० (खिन्न) भेद पाभेलुं दुःखी, खेद
पाया हुआ Troubled, afflicted.
ओष० नि० १२४;

खिण्ण त्रि० (क्षिप्र) जलदी, उतावणुं जल्दी,
फुर्ताला Speedy आग० १, ६, ७, ६,
२, ३, २, १२१, उत्त० १, ४४; ओष०
नि० ७७५, भग० १, ६, २, १, ३, १, ३,
दस० ४, २८, ८, ३१, नाया० १, १६;
विशे० २८० सूय० १, ८, १५: कण्प० २,
२५, ४, ५८, उवा० १, ५६, राय० २८,
३४; ३५; ओव० २६, क० प० २, ८८, ६,
१६, सम० ३४, दसा० ४, ३८,

खिण्णगइ पु० (क्षिप्रगति) दिशाकुमार
लोडपालनु नाम दिशाकुमार के लोकपाल का
नाम Name of a Lokapāla of
Dīśākumara भग० ३, ८, (२)
अमितगति तथा अमितवाहन धरना लोक-
पालनु नाम अमितगति तथा अमितवाहन
इन्द्र के लोकपाल का नाम name of a
Lokapāla of the Indras named
Amitagati and Amitvāhana.
ठा० ४, १;

खिलीकय त्रि० (किलीकृत) भीली भारीने
डर्मने निवड डरेल, निडायितअन्धने आधेय
काल ठोककर कर्म को दड किया हुआ, निका-
चित बन्ध से बडे हुए (The Karmas)
nailed or bound very tightly
भग० ६, १,

खिल्लुड पु० () इन्द्र विशेष कन्द
विशेष A kind of bulbous root.
प्रव० २४०,

खिल्लूह पु० () इन्द्र विशेष, वनस्पति.

वनस्पति, कंद विशेष A kind of bulbous root, a kind of vegetation जीवा० १,

*खिलेउं. स० कृ० अ० (क्रीडयित्वा) खेलीने, रभीने खेलकर, क्रीडा करके Having played सु० च० ७, ११३,

खिवित्ता स० कृ० (क्षिप्त्वा) फेंकीने फेंककर Having thrown भग० ३ २,

खिविय. त्रि० (क्षिप्त) फेंकेलु फेंका हुआ Thrown सु० च० १, १७,

खीण पु० (क्षीण) ऋषी गयेले, नाश पाभेले नष्ट, क्षीण Wasted, destroyed नाया० ५, ८, अणुजो० १२७, १३६, ज० प० पञ्च० १, भग० १, ६. ५, ४, ६, ७, १५, १, २५, १, ७, सम० ७, ठा० २, १; क० प० ८, १८, ५, १८, प्रव० १३१३, कप्प० २, १८, ५, १४६, क० ग० २, २, २०, ४, ७६, (१२) आरम्भ क्षीणभोलेगुण स्थानके दुहु नाम वारहवे क्षीण मोहनीय गुण स्थानक का सक्षिप्त नाम a short name of the 12th variety of spiritual evolution known as Ksīnamoha क० ग० ६, ४५, —उदग त्रि० (-उदक) पाणीविना, निर्जल पानी रहित, निर्जल devoid of water, waterless भग० १५, १, —उवसंत न० (-उपशान्त) क्षीणभोले तथा उपशात-भोले नामे गुणस्थानके, आरम्भ अने अग्नी-आरम्भ गुणस्थानके क्षीण मोह तथा उपशात मोह नाम का गुणस्थानक, वारहवे और ग्यारहवे गुणस्थानक the eleventh and the twelfth spiritual stages known as Ksīnamoha and Upasāntamoha क० ग० ४, ६१, —कसाइ त्रि० (-कपायिन्) लुथो " खीणकसायि " शब्द देखो " खीण-

कसायि " शब्द. vide " खीणकसायि "

भग० ६, ३१, —कसाय त्रि० (-कपाय) क्षय पाभ्या छे काम क्रोधादि क्षय भेना ते. जिसके काम क्रोधादि कपाय क्षय होगए हें.

(one) whose passions i e anger, hatred etc are destroyed or decayed क० प० ७, ४८,

—कसायि त्रि० (-कपायिन्) क्षयने नाश-क्षय क्षयो छे नेले ते, क्षययुक्त जिसने कपाय का नाश—क्षय किया है वह,

कपाय रहित (one) who has destroyed the passions भग० २५, ६,

—दुह त्रि० (-दुःख) क्षीण थयु छे दुःख नेनु, दुःख विना जिसका दुःख क्षीण होगया है वह, दुःख रहित freed from

pain or misery सम० प० २४०,

—भोग त्रि० (-भोग) नेना भोग विना क्षीण थया छे नेवे जिसके भोग विलास क्षीण होगये हैं वह freed from worldly

enjoyments नाया० ६, —भोगि त्रि०

(-भोगिन्—भागो जीवस्य यत्रास्ति तद् भोगि, शरीरम् तत्क्षीण तपोरोगादिभिर्यस्य स क्षीणभोगी) दुःखी शरीर वाला पतल शरीर वाला, दुर्बल. (one) of weak

constitution भग० ७, ७, —मोह त्रि० (-मोह) मोहनीय नेनु क्षीण

थयेले छे ते जिसका मोहनीय कर्म क्षय होगया है वह (one) freed from

Karma known as Mohaniya क० ग० ४, ६३, क० प० ६, ६, ठा० ३, ८,

—रय त्रि० (-रजम्) नेले कर्मरूप नेने नाश क्षयो छे ते कर्म रज का नाश किया है वह (one) freed from

dust in the form of Karma सम० प० २४०, —राग त्रि० (-राग)

नेले राग रूश क्षय क्षयो छे ते जिसने राग

देश क्षय किये हैं वह. (one) freed from passions. क० प० ४, १८, ४२; गच्छा० ३३, —वेदय. त्रि० (—वेदक) श्री वेद, पुरुष वेद, नपुंसक वेद, आदि जेना काम विकार नष्ट थयेन छे ते जिके स्त्री वेद, पुरुष वेद, आदि काम विकार नष्ट हो गए वह. (one) freed from sexual passion. भग० ६. ३१; २५; ६;

खीणकसाय न० (क्षीणकषाय) आरभुं गुणस्थानक छे ज्या उपायनो सर्वथा क्षय इरवामा आवे छे. बारहवा गुणस्थानक कि जहा कषाय का सर्वथा क्षय होता है. The 12th spiritual stage where the passions are completely overcome. क० गं० ६, ८४, —वीतराग पु० (—वीतराग) उपाय रहित वीतराग आरमा गुणस्थानवर्ती कषाय रहित वीतराग बारहवें गुणस्थानकचारी a soul that has reached the 12th spiritual stage भग० २५ ६,

खीर न० (क्षीर) दुध. दूध Milk सू० प० ११, १६, पञ्च० २, आया० २, १, ४, २४, विशेष० ७६६, निसी० ६, २२; निर० ३, ४, जीवा० ३, ३, पि० नि० १३०, भग० ३, ७, ११, ११, ठा० ४, १, ओव० १०, ३८; पि० नि० भा० ५०, उवा० १, २४, पंचा० ५, २७, १३, १०; कप्प० ३, ३८, ६, १७, (२) क्षीर नामनो पायमे समुद्र अने पायमे द्वीप क्षीर नामका पाचवा समुद्र और पाचवा द्वीप Name of a continent and an ocean अणुजा० १०३, पञ्च० १; जीवा० ३, ४, —कुंभ पुं० न० (—कुंभ) दुधनो धडो दूध का घडा. a pot of milk. भग० १६, ३; —दुम पुं० (—दुम) दुध वाणा आड, थोड, आड्डा वगेरे दूधवाले माड, थुअर,

आकड़े आदि trees that give milk e. g. the *Āśvattha* tree. पंचा० १५, २०; पि० नि० भा० १२, —धाई स्त्री० (—धात्री) आलकने धवरावनारी; धायमाता बालक को दूध पिलाने वाली, धायमाता a wet nurse. आया० २, १५, १७३; भग० ११, ११, नाया० १; १६, विवा० २, —भोयण न० (—भोजन) भीरनु जमणु. क्षीर का भोजन a meal consisting of rice boiled in milk. निर० ३, ४, —महुर. त्रि० (—मधुर) दुधना जेवुं भीडु दूध जैसा मिष्ट sweet as milk ठा० ४, ३, —मेह पु० (—मेघ) भरत क्षेत्रमा उत्सर्पिणीनो भीजे आरो भेसता सात दिवस पुष्कर सवर्त नामनो मेघ वरस्था पड़ी भीजे मेघ सात दिवस सुधी वरसे तेनुं नाम. भरत क्षेत्र में उत्सर्पिणी का दूसरा आरा बैठता है तब सात दिन तक पुष्कर सर्वत नामका मेघ वरसता है पश्चात् दूसरा मेघ सात दिन तक वरसता है उसका नाम name of the rain which falls for 7 days at the commencement of the 2nd moon in Bharata after a 7 days' rain fall known as Puskara Samvarta ज० प० —वृष्टि स्त्री० (—वृष्टि) दुधनी वृष्टि, दुधनो वरसाद दूध की वृष्टि, दूध की वरसात a shower of milk, a rain of milk भग० ३, ७, —समुद्र. पुं० (—समुद्र) क्षीर सागर क्षीर सागर. the ocean of milk सु० च० २, २५१; —सर. न० (—सरस्) दुध जेवा पाणीवाणु तलाव दूध जैसे पानीवाला तलाव a tank having milky water. सु० च० १५, ३२, —सागर पुं०

(-मागर) क्षीर समुद्र क्षीर समुद्र name of an ocean कण्ठ० ३, ३३, —साला स्त्री० (-शाला) दुधनी शाला-दुधान दूध का शाला-दुकान a shop of milk निम्नी० ६, ७,

खीरकाश्रोली स्त्री० (क्षीरकाकोली) ये नामनी साधारण वनस्पति इस नाम की साधारण वनस्पति A kind of vegetation पञ्च० १,

खीरकाकोलि स्त्री० (क्षीरकाकोली) लुओ "खीरकाश्रोली" शब्द देखो "खीरकाश्रोली" शब्द Vide " खीरकाश्रोली " भग० खीरणी स्त्री० (क्षीरणी) वृक्ष विशेष, फिरनी वृक्ष विशेष, खिरनी A kind of tree bearing sweet fruit भग० २२, २, पञ्च० १,

खीरभुस पु० (क्षीरभुष) ये नामन पर्वग वनतनु येक्ष आउ इस नाम का पर्वग जाति का एक फाड़ A kind of tree of Paivagya sort पञ्च० १,

खीराइय त्रि० (क्षीरकित) जेभा क्षीर-रस उत्पन्न थयो छे जेनु चिममें क्षीर रस उत्पन्न हुआ है वह (A substance) in which juice has been produced " तण्णतेसालीश्रणुपुव्वेण आययगघा खीराइया वद्धकला " नाया० ७,

खीरासव. त्रि० (क्षीराश्रव) जेनु वयन दुधना जेनु आत्मनानारने भधुग धागे तेरा गति-वक्षिवाणो भाषुस जिसके वचन सुननवालो का दूध जेसे मिष्ट मालूम हा ऐसी शक्ति-लब्धिवाला मनुष्य (One) possessed of sweet speech like milk श्राव० १६, परह० २, १,

खीरिणिया स्त्री० (क्षीरिणिका) दूधवाणी दुधणी दूधवाली, दुधार A milch cow etc आया० २, १, ४, २३,

खीरिणी स्त्री० (क्षीरिणी) यीरवाणी आउनी वेक्ष चीड़वाले भाड़ की वेक्ष A kind of creeper पञ्च० १,

खीरोदश्र पु० (क्षीरोदक) क्षीर समुद्र क्षीर समुद्र Name of an ocean ठा० ४, ४,

खीरोदग पु० (क्षीरोदक) क्षीरसमुद्र क्षीर-सागर क्षीर समुद्र, क्षीर मागर Name of an ocean. भग० ८, ६, ज० प० पञ्च० १, —समुद्र. पु० (-समुद्र) क्षीरोदक्ष समुद्र-जेनु पाणी दुध जेनु छे जेवे समुद्र क्षीरोदक समुद्र-जिमका पानी दूध सरीखा है ऐसा समुद्र An ocean the water of which is like milk नाया० ८

खीरोदा स्त्री० (क्षीरोदा) पश्चिम महाविदेहना दक्षिण भागवानी भीछ विजयनी पश्चिम सगुद उपरनी महानदी पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खड की दूसरी विजय की सीमा पर वहती हुई महानदी Name of the great river flowing on the western boundary of the 2nd Vijaya of the southern part of the western Mahāvideha ज० प० ४, १०२,

खीरोय न० (क्षीरोद) क्षीर सागर क्षीर सागर Name of an ocean ज० प० ५, १००, कण्ठ० ३, ४३ —सायग पु० (-मागर) क्षीर समुद्र क्षीर समुद्र. Name of an ocean कण्ठ० ३, ४३

खीरोया पु० () लुओ " खीरोदा "

शब्द देखो “खीरोदा” शब्द Vide
 “खीरोदा” ठा० २, ३,
 खील. पुं० न० (कील) भीलो. कील. A
 nail. ओघ० नि० ६८८,
 खीलग. पुं० (कीलक) लुओ “खील”
 शब्द देखो “खील” शब्द. Vide
 “खील” सू० प० ८; ओघ० नि० भग० २७१;
 खु. अ० (खु-खलु) वाङ्मालङ्कार; वाङ्मते
 शोभावनार अन्वय वाक्यालङ्कार, वाक्य
 को सुंदर बनानेवाला अव्यय. A particle
 used to add grace to a sen-
 tence आया० १, ६, ३, १८५,
 दस० २, ५; ८, ५४ (२) निश्चये निश्चय
 certainly; verily. गच्छा० १३;
 खुड. स्त्री० (क्षुति-क्षवण क्षुतिः) छींछ छीक.
 A sneeze. नाया० २, १६; भग०
 १५, १.
 खुक्खु. पुं० (खुक्खु) होडना होडाने “भुङ्भु”,
 शब्द थाय छे ते. दौडते हुए घोड़े का खुक्खु
 शब्द. A sound which is produc-
 ed when a horse is running.
 भग० १० ३,
 खुज्ज. पुं० (कुज्ज) जेना हाथ पग भरतइ
 अने ग्रीवा-डोड लक्षणयुक्त प्रमाणोपेत होय
 अने पेट छानी पीड वगेरे लक्षण हीन होय
 ते सस्यानतु नाम, छ संहाणुमानु योथुं
 सहाणु. जिसके हाथ, पांव, सिर और ग्रीवा-
 गर्दन लक्षणयुक्त प्रमाणानुसार हो और पेट,
 छाती पीठ आदि लक्षणहीन हो ऐसे सस्यानका
 नाम, छ संहाणोमे से चौथा संहाण Name
 of a bodily structure in which
 hands, feet, the head and the
 neck are in proportion while,
 stomach, the back, the breast
 etc are disproportionate, the
 4th of the 6 bodily structures

अणुजो० ११८; ठा० ६, १; पञ्च० १, सम०
 प० २२७; (२) त्रि० दुपडो. कुज्ज, कुवडा.
 (one) hump-backed मु० च० २, ३६८;
 पणह० १. १; ओघ० नि० भा० ८२, पि०
 नि० ४७५; पंचा० १८, १७, प्रव० ५६३;
 ८०२; (३) न० जे प्रकृतिना उदयथी दुपडा-
 पाणु प्राप्त थाय ते नामकर्मनी ओइ प्रकृति.
 जिस प्रकृति के उदय में कुवडापना प्राप्त हो
 उस नाम कर्म की एक प्रकृति & variety
 of Nāma Karma by the rise of
 which one becomes hump-
 backed. क० गं० १ ४०;
 खुज्जकरणी स्त्री० (कुज्जकरणी) रूपवती
 साध्वी उपरडोई मोह न पावे ते सारु ऊँ ३५
 जनाववाने जया उपर राखवाना मथारी
 या वस्त्रने जला नीचे पीड उपर ओइ पडाथी
 याथी राखवु ते. रूपवती साध्वी पर कोई मोहि-
 त हो इसलिये सुंदरता को कुरूपता में परिणत
 करने के वास्ते कवे के वस्त्र को पीठ से नीचे
 पेट पर एक पट्टे से बांध रखना Wrapping
 of a shoulder garment
 round the breast and the back
 on the part of a female ascetic
 in order that nobody should be
 tempted by her beauty ओघ०
 नि० भा० ३२०; प्रव० ५४८,
 खुज्जत्त न० (कुज्जत्त) दुपडा पाणु कुवडा
 पन The state of being hump-
 backed आया० १, २, ३, ७८,
 खुज्जा स्त्री० (कज्जा) दुपडी दासी कुवडी.
 दासी A hump-backed female &
 maid. ओघ० ३३; दसा० १ १; नाया०
 १, ८, अत० ३, ८; ज० प० भग० ६, ३३,
 विवा० ६; (२) दुपडोदेश की दासी कुज्ज
 देश की दासी a maid of the
 country named Kubjā. निमी० ६.

२५, विवा० ६, निर० १७१, (३)
 युक्वानुं पात्र (युक्कदानी) धारणु इरनारी
 दासी धुक्ने का पात्र (पीकदानी) उठाने
 वाली दासी a female attendant
 who holds a spittle-pot विशेष०
 १४, १, १, विवा० ६,
खुजिया. स्त्री० (कुब्जिता) सोल रोगमानो
 ओड रोग, भुधापणु सोलह रोगों में का
 एक रोग; कुवडापन One of the 16
 diseases clookedness. आया० १,
 ६, १, १०२,
खुडअय त्रि० (चुल्लक) न्दानुं, लघु, हलक
 छोटा, लघु, हलका Tuffling, small
 ज० प० वव० १०, १८,
खुडाग त्रि० (चुल्लक) न्दाना-नी-नो
 छोटा-टी Small निसी० ४, ७१. अत०
 ८, ३, ओव० १६, भग० १३, ४, ३१, १,
 नाया० ७,
खुडिय त्रि० (चुल्लक) लुओ "खुडअ"
 शब्द देखो 'खुडअ' शब्द Vide 'खुडअ'
 वव० ६, ४१; १०, १८,
✓खुड् धा० I (बुद्) तोड् तोडना To
 break
 खुड्ति भग० १४, १
 खुड्तिता स० क० १५, १
खुड् त्रि० (चुद्र) न्दानो छोटा. Small
 गच्छा० १०६, —भव पु० (-भव)
 लुद्रलव, न्दानोलव निगोदिया लवनो २५६
 आवलिङानो ओड लव चुद्र भव चुच्छ भव,
 निगोदिया जीव का २५६ आवलिका का एक
 भव a small period of life, a
 period of life of hell-beings
 lasting for 256 Āvalikās (a
 measure of time) व० ग० ५, ३८
खुड् पु० (जोड) भदिरा दारु Wine ज०
 प० २, ३६, —आहार त्रि० (-आहार)

भदिरापान इरनार दारु पीने वाला. a
 drunkard ज० प० २, ३६,

खुड्खुड्ग त्रि० (चुद्रचुद्रक) न्दानाभा
 न्दानो, लघु न्दानो छोटे से छोटा, बहुत
 छोटा Smallest. राय० १३५,

खुड्ग त्रि० (चुल्लक) न्दानो, लघु छोटा,
 लघु Small, short निसी० १४, ६,
 भग० १३, ४, —भव पु० (-भव)
 न्दानाभा न्दानो २५६ आवलिङानो ओड
 लव चुद्र से चुद्र २५६ आवलिका का एक
 भव. the shortest period of life
 lasting for 256 Āvalikās भग०
 ८, ६, जीवा० ८,

खुड्तर त्रि० (चुद्रतर) अनिशय लघु अति-
 शय लघु-थोडा Shorter, smaller
 ज० प० ४, ७५,

खुड् त्रि० (चुद्रक) लघु थोडा हलका,
 चुद्र, थोडा Short, tuffling त्रि० नि०
 भा० ४४ विशेष० ६१६, ज० प० प्रव० १२८
 काप० ६, २०,

खुड्दलय पु० (चुद्रालय) थोडा लघुप्राण
 गाम, न्दानु गाम थोडा वस्ता वाला गाम
 छोटा ग्राम A small village ओव०
 नि० ६१.

खुड्दलिअ त्रि० (चुल्लक) नाजुड, न्दानु
 नाजुक, छोटा Delicate, small ओष०
 नि० २१७

खुड्दअ त्रि० (चुल्लक) लुओ "खुडअ"
 शब्द देखो "खुडअ" शब्द Vide
 "खुडअ" आया० २, १, ८, २८ ओव०
 ८०, नाया० ७

खुड्दखुड्दिय त्रि० (चुद्रचुद्रक) न्दानाभा-न्दानो
 छोटे से छोटा Smallest shortest
 ज० प० ८, ८८,

खुड्ग त्रि० (चुल्लक) न्दानो-नी-नु छोटा-
 टी-टे Small, short पन० १८, नाया०

७, भग० ३१, १; श्रौत० १६, —**जुम्म**.
न० (-जुम्म) आर आठ आर विगेरे
नहानी राशिना जेउता चार, आठ, बारह
आदि छोटी राशि के जोड़े. a pair of
small figures भग० ३१, १;
—**भव**. पु० (-भव) क्षुब्ध अव, २५६
आवलिका प्रमाण निगोदने ओइ अव जुद्ध
अव, २५६ आवलिका जितना निगोद का एक
भव a short period of life
equal to 256 Āvalikās. क० प०
१, ७८, —**भवग्रहण**. न० (-भवग्रहण)
२५६ आवलिकाने निगोदने ओइ अव इरवे
ते. २५६ आवलिका का निगोद का एक भव
करना a period of hell life equal
to 256 Āvalikās भग० ८, ६;

खुडिआ. स्त्री० (जुलिका) नहानी साध्वी
आर्या. छोटी आर्या-साध्वी A child-
female ascetic. गच्छा० १०७,

खुडिय त्रि० (*जुल्लक) लुओ. “ खुडिय ”
देखो “ खुडिय ” शब्द Vide
“ खुडिय ” भग० ७, ८, सूय० १. ३, २,
३, सम० ३७, जीवा० ३, १, ४, आया० २,
१, २, १३, २, ११, १७०, ठा० २, ३, ४,
१, भग० १३, ४, निर्या० १४, ६,

खुडियामोयपडिमा स्त्री० (जुद्रिकामोक-
प्रतिमा) मात्राना अभिग्रह रूप आर पडिमा
भानी पहेली आहार की मात्राकी अभिग्रह रूप
चार प्रतिमाओं में से पहिली प्रतिमा The
first of the four particular vows
in relation to take a limited
portion of food ठा० ४, १,

खुडियाविमाणपविभक्ति स्त्री० (जुद्रिका-
विमानप्रविभक्ति) ओ नामनु ओइ शक्ति

भुत्र इस नाम का एक कालिक सूत्र. Name
of a Kālīka scripture नदी० ४३;
वव० १०, २६;

खुणिय त्रि० (जुणित—जुणय) भूमि उपर
भुं देलु भूमि पर कूटा हुआ Trampled;
pounded. भग० ६, ३३,

खुत्त त्रि० (*) भुंयी गयेल, डुणी गयेल
लित, डूबा हुआ, निमग्न Plunged सु०
च० ३, १६१, श्रौत० नि० २३,

✓**खुद** घा० I. (जुद्ध) अध्यवसायानि
उपक्रम इरखोथी विनाश इरवे, आयुष्य
टुटु इरवु. अध्यवसायादि उपक्रम कारणों से
विनाश करना; आयुष्य कम करना To
shorten the life period
खुदए हे० क० उत्त० ३२, २०;

खुद त्रि० (जुद्ध) दुष्ट; नीय. दुष्ट, नीय
Wicked (२) डलकुं, तुच्छ हलका, थोडा
trifling, mean. (३) लघु; नहानु
छोटा, लघु small, short उत्त० ३४,
२१; ठा० ६, परह० १, १, कण्ठ० ५, १२८,
प्रव० ६४६, पचा० ३, ४८, ७, ४, दसा०
५, ४; राय० २०७, नाया० ६, —**कहा**
स्त्री० (-कथा) दुष्ट-दुष्टकथा, काम कथा
जुद्ध-दुष्ट कथा; काम कथा a bad story,
a talk about sinful actions
प्रव० ६४६, —**प्राण** पुं० (-प्राण) क्षुद्र
प्राणी-विश्लेन्द्रिय अने समुच्छिन्नमतिर्यच
जुद्ध प्राणी-विकलेन्द्रिय और समुच्छिन्नमतिर्यच.
very very small insects ठा० ४, ४
—**मिग** पुं० (-मृग) दुष्टमनरूपी भृग
दुष्ट मनुष्य रूपी मृग a wicked deer
पचा० ३, ४८, —**सत्त** पुं० (-सत्त्व)
क्षुद्र प्राणी जुद्ध प्राणी an insig-

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (२) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th

ciant creature पचा० १४, २६,
खुद्ग. त्रि० (जुद्रक) लुओ " खुद् " शब्द.
देखो " खुद् " शब्द. Vide " खुद् "
सू० २, ५, ६,

खुद्गात्र त्रि० (जुद्रक) लुओ " खुद् "
शब्द देखो " खुद् " शब्द Vide " खुद् "
जीवा० ३, १,

खुद्दिमा स्त्री० (जुद्रिमा) जुद्रिमा नामनी गाधार
आमनी भीष्म भूईना जुद्रिमा नाम की
गाधार ग्राम की दूसरी मूर्छना The
second note named Ksudrimā
of the musical scale named
Gāndhāra. ठा० ७, १,

खुधिय त्रि० (जुधित) लुओ भूखा
Hungry सू० १, ३, १, ७,

✓ खुप्प धा० I (मस्ज) भुयी जवु,
हुयी जवु मम रहना, लिप्त रहना To
be immersed, to be drowned
खुप्पते० शोध० नि० २३,

खुप्पिवासा स्त्री० (जुप्पिपासा) लुअ अने
तरस. भूख और प्यास Hunger and
thirst नाया० १३, —परिगय त्रि०
(-परिगत) लुअ अने तरसथी धैरायेस
भूख और प्यास से ग्रसित. overpow-
ered by hunger and thirst
दस० ६, २, ८,

✓ खुब्भ धा० I (जुम्) अक्षमणवु, गस
रावु, क्षोभ पाभवे। गवराना, जोभित होना,
हक्कादक होजाना To be agitated
खुब्भइ भग० ३, ३,

खुब्भाएजा वि० भग० ६, ५,

खुब्भमाण क० वा० कप्प० ३, ४३,

✓ खुब्भ धा० II (जुम्) गलरावु, क्षोभ
पाभवे। घवराना, जुब्ध होना To be
agitated or disturbed
खोभेइ प्रे० नाया० ३,

खोभेति प्रे० नाया० ४,

खोभइउ प्रे० हे० क० उत्त० ३२, १६,

खोभित्तए प्रे० हे० क० नाया० ६, ६;

खोभंत प्रे० व० क० भग० ३, २;

खुमिय त्रि० (जुब्ध) क्षोभ पाभेस, क्षोभ-
यमान थयेस जोभित, जुब्ध, डिगा हुआ.
Agitated भग० ६, ८, —जल न०
(-जल) क्षोभ पाभेस पाणी जुब्ध पानी.
agitated water भग० ६, ८,

खुम्मिय त्रि० (*कूर्मित) नभेसुं, झंझानी
पेड़े ढली गयेसु कच्छप की तरह मुका हुआ,
नमा हुआ Bent like a tortoise,
sloping " खुम्मिय सच्चुन्निय धवलवलय "
नाया० १,

खुर. पु० (खुर-खुरासन) उत्तर भरतमाने
भुरासान देश उत्तर भरत का खुरामान देश
Name of Khurasāna country
in Uttara Bharata ज० प०

खुर पु० (खुर) पगनी भरी, गाय बैस, धोडा,
गधेडा वगेरे वागेलनारा पशुने पगना
आगलाने पगनी ढेडावे ने नभ जेवुं होय
छे ते खुर, गाय, बैस, घोडे, गधे आदि
वागेलने वाले पशु के पाव की अगुलियों के
स्थान पर जो नाखून जैसा होता है वह.
A hoof भग० ५, २, १२, ७, सू० २,
३, १६, ज० प० पि० नि० ३३१, पञ्च० १,
नाया० ३,

खुर पु० (खुर) अस्तरे, सड़ाये। उस्तरा
A razor भग० ६, ३३, सू० १, ५, १,
८, १, १५, १४, अणुजो० १३४, नाया० १
२, उत्त० १६, ६३, परह० १, १, २, ५,
—धार त्रि० (-धार-खुरस्य इव धारा य-
स्य) सड़ायाना जेवी धारवाडु उस्तरे जैसी
धार वाला having an edge like
the edge of a razor भग० ५, ८,
नाया० ८, ६, उवा० २, ६५, (०) स्त्री०

अस्तरानी धार. उस्तरे की धार the edge of a razor. भग० १८, १; —मुंड. त्रि० (-मुण्ड) क्षुर-अस्त्राधी भुङ्क्ते उस्तरे से मुंडा हुआ. shaved with a razor. पंचा० १०, ३५; ६, ५७, प्रव० १००७,

खुरदुग त्रि० (-खुरदिक) गाय भैंस वगैरानी आमडीया उत्पन्न होता छीट वगैरे गाय भैंस आदि की चमडी में उत्पन्न होने वाले कीड़े आदि. Insects etc that are generated in the skin of domestic animals सूय० २, ३, २६,

खुरपत्त. न० (-क्षुरपत्र) छुरी छुरा, उस्तरा. A dagger, a razor ठा० ४, ४, (२) छरपलो. छुरा. a dagger. विवा० ६, (३) छरी जेवा पाँटज वाधु. छुरी के समान पत्ते वाला a tree having leaves like a dagger. जवा० ३, १, (४) अस्तरानी धार उस्तरे की धार the edge of a razor नाया० १६,

खुरप्प पुं० (क्षुरप्प) अस्तरा, छरपलो. उस्तरा, छुरा. A razor, a large knife (२) दातरु दाधरा a sickle. सूय० २, ३, ६६; ज० प० प्रव० १११६, पञ्च० २, —संठाण-संठिय त्रि० (-सस्थानसंस्थित) सक्षया आकारे (रड्डे) उस्तरे के आकार का (रहा हुआ) razor-shaped. दसा० ६, १,

खुरमुंड पुं० (क्षुरमुण्डक क्षुरेणमुण्डयतीति) हुजमत करनार; नाथी हजामत बनाने वाला, नाई. A barber दसा० ६, २:

खुरि त्रि० (क्षुरिन्—क्षुरिन् क्षुरोऽस्यातीति) गरी वाधु जनवर खुरवाले प्राणी A hooped animal. अणुजो० १३१, ओव० ३

खुल्ल पुं० न० (-क्षुद्र) भे धन्वियावादा छव; नाना शंभवा. दो इंद्रिय वाले जीव. छोटे शख आदि. Living beings having two organs i. e. conch, shells etc. पञ्च० १, जीवा० १,

खुल्लय. पुं० न० (*) डोडी. कोडी. A shell नाया० १८,

खुव पुं० (खुवप) नानो छेउवे छोटा फाड़. A small plant. “ लया वा वल्ली वा खाखुं वा खुवेवा ” नाया० १;

❖ **खुवग** पुं० (*) ओओ पस, घोवा. The cavity formed by joining the palms together. वव० २, २७,

खुह पुं० (*) अंक्षुशाक्षर अंकुश के आकार का Goad shaped राय० ६१, (२) अंक्षुशाक्षर आकाश प्रदेशनी श्रेणी आकाश की अंकुशाकार श्रेणी. a goad-shaped horizontal line of the sky. भग० ३४, १,

खुहा स्त्री० (क्षुधा) क्षुधा, लुभ क्षुधा, भूख. Hunger प्रव० ६६२, जोवा० ३, १; जीवा० ३, १, नाया० १, २; ओव० ३६: दस० ८, २७, भग० २, १, ७, ८, —सह त्रि० (-सह क्षुधा सहतेतन्) लुभते सड़न करनार. भूख को सहने वाला (one) or during hunger भग० १५, १,

खुहिय त्रि० (क्षुभित) क्षोभयामेव, हाथ डोलाव थपेव क्षुब्ध; हाल बेहाल Agitated, distracted महा० प० ७६; ओष० नि० ७

खुहिय त्रि० (क्षुधित) लुभेव, लुभक्षित भूखा, बुभुक्षित Hungry; starving परह० २, १.

खेध-य पुं० (खेद) भेद. श्रम खेद, श्रम Exhaustion. श्रव० ३१, सु० च० ३, १८३, (२) कर्मभेदे भेद करावना के समय कर्म को खेद करने वाला संयम. self restraint which exhausts the Karmas उत्त० १६, १६;

खेज्जल्लग. न० (खाद्यक) भाज्जला, भाज्ज खाजे A crisp thin cake निर० ३, ४, खेड पु० (खेड) ग्राम भरता भेडोटी अने शहर भरता भेडोटी वसतिनु ग्राम भेने भरतो धुडो गढ होय ते भेडो ग्राम का अपेक्षा बड़ी और शहर की अपेक्षा छोटा बस्ती, जिसके चारों ओर धूल का गढ हो वह खेडा A town surrounded by a wall उत्त० ३०, १६, ठा० २, ४, भग० १, १, ३, ७, ७, ५, अणुजो० १३५, परह० १, ३, आया० १, ७, ६, २२२, नाया० ८, १६, वेय० १, ६, श्रव० ३२, जीवा० ३, ३, विवा० १, सूय० २, २, १३, विशेष० २४, २५,

खेडग पु० (खेटक) तलवारनो धा छत्रवानो ओड छथीयार, ढाल तलवार का घाव रोकने का हथियार, ढाल A shield, a defensive armour to protect oneself from the stroke of a sword परह० १, १, ६,

खेडण न० () भेडु, हलना Tilling सु० च० १२, ४२,

खेडय पु० (खेटक) लकड़ी की छोटी पट्टी A small strip of wood ज० प०

खेडू न० (* क्रीडा) भेड; ६४ कलाभानी ओड गल, ६४ कला में की एक Play, one of the 64 loks श्रव० ४०, ज० प०

३, ६७,

खेडू लो० (खेला) क्रीडा, योधाट गल्लपा वगेरे रमत क्रीडा, रमत, चोपट गर्जाफा आदी Play viz. playing of cards etc गच्छा० ८२.

खेणवाण पु० (खन्नाण) आकाशवाण, शस्त्र विशेष व्योम वाण, शस्त्र विशेष. A kind of weapon जीवा० ३, ३.

खेत्त न० (क्षेत्र) आकाश, जेमा छवादि पदार्थ निवास करीशे ते आकाश जिसमें जीवादि पदार्थ निवास कर सके हैं वह The space of the universe where living beings live विशेष० ४०४, १४०६, २०८८ ३३४३, दसा० ४, १८, नाया० १६, सू० प० १, अणुजो० ६०, १३२; भग० १, ६, ८, ८, उवा० १, १६, ज० प० ७, १३३, ७, १४८, (२) देश देश a country वेय० १, ४९, (३) जग्या, स्थान जगह, स्थान a place पञ्च० १, भग० १, १, (४) उवाडी-भुदडी ग्रामीन धान्यनाभेत्तर, गगस खुली जमीन, धान्य का खेत an open plot of ground प्रव० २५३, ७२८, प० चा० १, १७, ११, २०, सूय० २, १, ३५, श्रव० ज० प० (५) गडुनु नाम राहु का नाम name of Rāhu. सू० प० १६, (६) पन्नवणा नाम पन्नवणा के तीसरे पद के २४वें द्वार का नाम name of the 24th chapter of the 3rd section of Pannavapā Sūtra पञ्च० ३, —अइकत त्रि० (-अतिक्रान्त) क्षेत्रनी भयाना उद्वेग धीने त्रि० आवेस क्षेत्र की सीमा लाघवर ले आया हुआ (some-

thing) that is brought having transgressed the limit of space
 “ खत्ताइ कृते पाण भोयणे ” भग० ७, १,
 —अईय. त्रि० (-अतीत) क्षेत्रनी भयाई
 भिद्यधी गयेव क्षेत्रकी सीमा लाघा हुआ
 (one) who has transgressed the limit of space. प्रव० ३७,
 —अणुपुन्वी स्त्री० (-अनुपूर्वी) क्षेत्र
 विषयक अनुपूर्वी serial order of
 regions. अणुजो० ७१, —अभिग्रह
 पुं० (-अभिग्रह) गाभमा के आदर अमुक
 जग्या मले तोज लेवु ओवी रीते क्षेत्र आशी
 नियम धारवो ते ग्राम में या बाहर अमुक
 स्थान पर मिले तभी लेना ऐसा क्षेत्र सम्बन्ध
 का नियम वारण करना. a kind of vow
 to accept food etc only when
 it is got at a certain place in a
 city or outside it ओव० —अभि-
 ग्रहचरिया स्त्री० (-अभिग्रहचर्या)
 क्षेत्र आशी अभिग्रह धारणु इरीने गोचरी
 इरीते क्षेत्र का अभिग्रह धारण कर गोचरी
 करना begging of food only
 when it is got at a desired
 place भग० २५, ७; —आदेस पुं०
 (-आदेश) क्षेत्रनी अपेक्षा क्षेत्र की अपेक्षा
 relating to a place. भग० ५, ८, १४,
 ४; —एजणा स्त्री० (-एजना) क्षेत्रनी
 अपेक्षाओ इन्पुंते क्षेत्रकी अपेक्षासे कांपना
 trembling in relation to a cer-
 tain place भग० १७, ३; —ओगाढ.
 त्रि० (-अवगाढ) क्षेत्रने अवगाढी
 रहेव क्षेत्र का अवगाह कर रहा हुआ
 occupying space भग० ६, १०,
 —ओगाहणा. स्त्री० (-अवगाहना) क्षेत्र-
 आशी अवगाहना क्षेत्र सवन्धा अवगाहना

length and breadth in relation
 to a place or space ठा० ४, १,
 —तुल्य त्रि० (-तुल्यक) क्षेत्र आशी
 तुल्य; क्षेत्र जेवु क्षेत्र तुल्य; क्षेत्र जैसा.
 resembling a place or space
 भग० १४, ७, —पणस. पुं० (-प्रदेश)
 क्षेत्र-आकाश प्रदेश. क्षेत्र-आकाश प्रदेश.
 the firmament प्रव० १०४०, —पर-
 माणु पुं० (-परमाणु) क्षेत्र आशी पर-
 माणु, आकाश प्रदेशने अवगाढी रहेव
 पुद्गल परमाणु क्षेत्रकी अपेक्षा परमाणु,
 आकाश प्रदेश की अवगाहना करनेवाले पुद्गल
 परमाणु the molecules of matter
 occupying space भग० २, ५;
 —पलिय न० (-पल्य) क्षेत्रपल्य, क्षेत्र-
 आशी पल्योपम, पल्योपमने ओक प्रकार
 क्षेत्रपल्य; क्षेत्रकी अपेक्षा पल्योपम; पल्यो-
 पम का एक भेद. a measure of time
 in relation to a place प्रव० १०३२,
 —लोय पु० (-लोक—क्षेत्रमेवलोकः)
 क्षेत्ररूप लोक, लोकाकाश क्षेत्र रूप लोक,
 लोकाकाश. the space in the form of
 the world भग० ११, १०; —वत्थु न०
 (-वास्तु) क्षेत्र भुदडी जमीन अने वास्तु-
 धर-दाडी जमीन. क्षेत्र-खुली हुई जमीन
 और वास्तु-धर-ढकी हुई जमीन the open
 plot and the covered plot
 (with a house etc) प्रव० २७६;
 —वासि त्रि० (-वर्षिन्) भेतरमा वरस-
 नार. खेत में वरसने वाला (rain)
 falling in a field ठा० ४, ४,
 —विवागा. स्त्री० (-विपाकी) क्षेत्रविपाक,
 धर्मप्रकृति. क्षेत्र विपाकी कर्म प्रकृति a
 variety of Karmic nature
 which matures at a certain
 place. क० ग० ५, १६; —बुद्धि स्त्री०

(-वृद्धि) क्षेत्रनी वृद्धि-क्षेत्र परिणाममा
उभेऽनु ते क्षेत्रकीवृद्धि; वढता extension
of space. पचा० १, २०, —संजोग
पु० (-संयोग) क्षेत्रनो संयोग क्षेत्र का संयोग.
Joining of two regions अणुजो०
१३१, —संसार पु० (-ससार) थैदराज
परिमित सूत्र, क्षेत्ररूप ससार-लोड चंद्रह
राज, परिमित क्षेत्र; क्षेत्र रूप ससार-लोक.
the world consisting of 14 Rājā-
loka, the world having many
divisions. ठा० ४, १,

खेत्तओ अ० (क्षेत्रतस्) क्षेत्रथी क्षेत्र से
From a Ksetra प्रव० ७७६, भग०
२, १, २०, ५, ८, ८, २,

खेत्ति. त्रि० (क्षेत्रिन्) क्षेत्रवाले क्षेत्र वाला
(One) possessed of Ksetra
विशे० १४६२,

खेद. पु० (खेद) पीडा; भेद पीडा, खेद
Affliction, trouble भग० १४, १,

खेम पु० (क्षेम) कल्याण; उपद्रवना अभाव
कल्याण, उपद्रव का अभाव Welfare,
absence of trouble भग० २, १,
उत्त० ६, २८ १०, ३५, २१, ६, ओव०
दस० ७, ५१, ६ ४, २३ जीवा० ३, ४,
दसा० ४, ८ नाया० २, ५, पत्र २, भक्त०
३६, —रूप त्रि० (-रूप) कल्याणकारक,
उपद्रवरहित कल्याणकारी उपद्रव रहित
beneficial, happy, free from
trouble ठा० ४, २,

खेमश्च पु० (क्षेमक) अन्तर्गसूत्रना छद्वा
वर्गना पायमा अध्ययननु नाम अतगट
सूत्र के छद्मे वर्ग के पाचवे अध्याय का नाम
Name of the 5th chapter of
the 6th section of Antagada
Sūtra अन्त० ६ ५ (२) छद्दी
नगरीना गृह्यागी ओड गाथापनि ३ जेजे

महावीर पासे दीक्षा दध भोग वर्पनी
प्रवज्या पाणी विपुलपर्वत उपर अथारे
डरी सिद्धि भोगी. काकदी नगरी क रहने
वाले एक गाथापति, जिनने महावीर स्वामी
के पास दीक्षा ले सोलह वर्षका प्रवज्या पाल
विपुल पर्वत पर सथारा कर मिद्ध गति प्राप्त
की a merchant of the Kākandī
city who was initiated by Ma-
hāvīra He practised asceti-
cism for sixteen years gave up
food and drink for ever and ob-
tained final bliss on the Vipula
mountain अंत० ६, ५

खेमंकर त्रि० (क्षेमङ्कर-क्षेम करोतीति) दाम
कुशल (रक्षा) डरनार क्षेम कुशल (रक्षा)
करने वाला A protector सय०
२, ६, ४, ओव० (२) पु० ओ नामनो अडसठ-
मा महुअड. डम नाम का अडसठवा महाग्रह
name of the 68th great con-
stellation सू० प० २० ठा० २ ३
(३) पायमा कुलगरनु नाम पाचवे कुल-
कर का नाम name of the 5th
Kulagata ज० प० (४) अद्रिपमा
ओरावत क्षेत्रमा थनाओ योथा कुलगर. जवू-
द्वीप मे ओरावत क्षेत्र मे होने वाले चौथे कुल-
कर the fourth would-be Kula-
gata of Anāvata country in
Jambudvīpa सम० प० २४०

खेमंधर पु० (क्षेमधर-क्षेम धारयति अन्यकृतम्
य.) अद्रिपमा ओरावत मत्रमा थनाओ
पायमा कुलगर जवूद्वीप के ओरावत क्षेत्र मे
होने वाल पाचवे कुलकर Name of the
5th would be Kulagata of Anā-
vata country in Jambudvīpa
सम० प० २४०, ज० प० (२) अद्रिप
कुलगर नाम छद्मे कुलगर का नाम name

of the 6th Kulakara. (३) ७५-
५५ ६२ ६२१२ उपद्रव नष्ट करने वाले.
one who removes troubles. ओव०
खेमकर. त्रि० (खेमकर) सुखकारी
Beneficial; giving happiness
परह० २, १;

खेमपुरा. स्त्री० (खेमपुरी) सुखविजयनी
मुख्य नगरी; राजधानी सुकच्छ विजय की
मुख्य नगरी, राजधानी. Name of the
chief capital of Sukachchha
Vijaya. ज० प० ठा० २, ३;

खेमा. स्त्री० (खेमा) सुखविजयनी
राजधानी मुख्य राजधानी कच्छ विजय के
कच्छ राजा की मुख्य राजधानी. The
chief capital of the king Kach-
chha of Kachchha Vijaya. ठा०
२, ३; ज० प०

खेयराण. त्रि० (खेदक्ष-खेद. श्रमः ससार
पर्यटनजनितः तं जानातीति) ससारना
भेदने हु भने ज्ञानार. समार के खेद दुःख
का ज्ञाता. (One) having know-
ledge of the miseries of the
world आया० १, १, ८, ३२;

खेयस्र त्रि० (खेदज्ञ) ज्ञेय ' खेयराण '
शब्द. देखो ' खेयराण ' शब्द Vide
' खेयराण ' सूत्र० १, ६, ३; ओघ० नि० ६४७,
आया० १, २, ५, ८८, १, ७, ३, २०७;

खेयर. त्रि० (खेचर) आकाश गामी, पक्षी
आकाश विहारी, पक्षी. A bird. (२) पु०
विधाधर विद्याधर. a kind of deity
सु० च० १, २६१;

✓ खेल वा० I (क्रीड्) रमते इत्थी क्रीडा
करना To play
खेलेज्ज विधि० ओघ० नि० भा० ६८, उत्त०
८, १८,

* खेल त्रि० (खेलक-नट) नट शब्दे भेद इ-

नार; नट विशेष. वांस पर खेलने वाला; नट.
An actor; one who performs
acrobatic feats on a rope or
a bamboo निर० ६, २२;

खेल पु० (श्लेष्मन्) नाक तथा मुखभाथी
शीघ्रक्षुब्ध ३३ नीक्षणे ते. नाक और मुह से
चिकना कफ निकलता है वह; कफ. The
phlegm that comes out of the
the mouth and the nose कप्प० ५,
११६; ६, ५६; प्रव० ४३६, गच्छा० ६६; ओव०
१, ५; ४, ७; भग० १, ७, २, १, ६, ३३,
१२, ७, २०, २, नाया० १; ५, दस० ८,
१८; तंदु० वेय० १, १६, आया० २, १,
१६, २६, पञ्च० १, उत्त० १४, १६; सम० ४;

ओव० —आसव पु० (-आश्रव) ३३
पक्षार नीक्षयु. कफ का बाहर निकलना
coming out of phlegm. भग० ३,
३, नाया० १; ८, दसा० १०, ६, —ओ-
सहि त्रि० (-आपत्रि) ओक्ष प्रक्षरनी
लब्धि-शक्ति; शुद्धी दर्शितु ६६ मरी जय
ओषी ज्ञातनी शक्ति. एक प्रकार की लब्धि-
शक्ति, श्रुं से रोग मिटजाय ऐसी शक्ति. a
kind of attainment or spiritual
power, a certain kind of power
which cures diseases by the
application of saliva only विशेष०
७७६, ओव० १६, परह० २, १, प्रव०
१५०६, —पडिअ त्रि० (-पतित) अश-
भाभा पडेव सर्दा से त्रस्त troubled
with cold. गच्छा० ६६, —संचाल
पु० (-मञ्चाल) अशभाभा संयत्यु थयु
कफ का संचार होना affected with
cough अ० १, ५,

खेलाचरणधार्ड. स्त्री० (क्रीडाधारी) आश्रिते
रमाइवानुं काम इत्थार धाय माना बालक
को रमाने का काम करने वाली धाय माना

A nurse who makes children play. आया० २, १५, १७१,
 खेलन न० (क्रीडा) क्रीडा, रमत क्रीडा,
 रमत Play. उत्त० ८, १८,
 खेलनगा स्त्री० (क्रीडा+क) रमत गमत रमत
 गमत, खेलकूद Play, recreation
 निर० ३, ४,
 खेलकुड पु० (*) कंदली ओक जलत कंद की
 एक जाति A kind of bulbous root
 भग० ७, २,
 खेल पु० (खेल) डेंकु ते फेंकना Throw
 ing क० ग० २, १५
 खेलिय त्रि० (खेलित) डेंकवेन फेंका हुआ
 Thrown उत्त० १६, ४२,
 खोउदअ पु० (खोउदक) दोह-शेरडीना
 रस जेवु जेवु पाणी छे ते, शेरडीना रस जेवा
 पाणीवाणे ओक समुद्र खोद-साठे के रस
 जेसा जिनका पानी है वह, साठ के रस जेमे
 पानी वाला समुद्र An ocean the
 water of which is like the
 juice of sugar cane मृ० १, ६, २०,
 खोखुभमाण त्रि० (खोखुभमान) अतिशय
 दोहा पामतु, आकुल व्याकुल धनु अतिशय
 लुब्ध, आकुल व्याकुल होता हुआ Ex-
 ceedingly agitated ओव० २१,
 खोड पु० () खोडु लाडु बडा लकड़
 A big log of wood पग० १, ३,
 (२) प्रदेश, विभाग अथवा प्रदेश, विभाग,
 स्थल a division, a part, a place
 ओघ० नि० मा० ७६,
 खोड पु० (खोडग) वस्त्रदिनु पडिगेद्यु
 करता ओक भाग जेया पछी तेना उपरनी
 रज तरलु डे डोछ जन्तुने अणेग्याने ते

भागनुं प्रमाणन उरुं ते, आ क्रिया अभोडा
 तरीके ओगणाय छे, ओके वस्त्रना त्रायु लाग
 करीने पडिगेद्यु करता नव अभोडा थवा
 जेठो ओम विधान करेन छे वस्त्रादिक का
 प्रतिलेखना करते समय एक भाग देवे पश्चात
 उस पर की रज, तृण या कोई जन्तु का हटाने
 के वास्ते उस भाग का प्रमाणन करना इस
 क्रिया को अखोडा कहत है, एक एक वस्त्र के
 तीन २ भाग कर के प्रतिलेखना करते हुए नौ
 अखोडे हाने चाहिये ऐसा शास्त्र का विधान है
 The cleansing of a part of a
 garment for the sake of get-
 ting rid of particles of dust,
 straw or any insect after
 having examined that part at
 the time of Pratilekhanā, this
 process is known as Akhodā,
 which, according to scriptural
 injunction, has to be repeated
 nine times, each garment be-
 ing divided into three parts
 for Pratilekhanā ठा० ६, १ उत्त०
 २६, २४, ओघ० नि० २६५,
 खोडेयव त्रि० () नज्वा योग्य,
 निषेध करवा योग्य छोडन योग्य, त्यागने
 योग्य Worth rejecting worth
 abandoning भग० १२ ६ १६ ८
 २८, २८
 खोणी स्त्री० (खोणी) पृथ्वी, पृथ्वी The
 world, the earth सु० च० १२, १८,
 खोतवर पु० (खोदवर) खोदव नामने
 द्वीप खोदवर नाम का द्वीप N. me of a
 continent मृ० प० १८

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
 foot-note (*) p 15th
 Vol II/73

खोतोद. पुं० (खोदोद) क्षोदोद नामनो समुद्र
खोदोद नाम का समुद्र Name of an
ocean सू० प० १६;

खोदोदग न० (खोदोदक) शेर्डीना रस जेवुं
पाणी. सांठे के रस जैसा पानी. Water
resembling the juice of sugar-
cane पञ्च० १;

खोह न० (खौह) भय महु, शहद Honey.
भग० ७, ६, —आहार. त्रि० (—आहार)
भयना भोराइवालो. शहद का आहार वाला
(one) who eats Honey भग०
७, ६,

खोभ पु० (खोभ) भय, क्षोभ भय; डर
Fear, agitation विशेष० १४७६,

खोभण न० (खोभन) विवृद्धता, आकुलता
आकुलता; घबराहट Agitation, dis-
traction. पि० नि० ५८५;

खोभिय त्रि० (खोभित) स्थानथी यथावेन,
क्षोभ यभाडेव स्थान से चलित, खोभित
Agitated, distracted. राय० १२८;

खोम. न० (खौम) सुतराडि डापडु सूत का
कपडा, सूता कपडा A cotton cloth
जीवा० ३, ३, सू० प० २०, राय० १६२,
निसी० ७, ११, उवा० १, २८, ५, १२३;
—जुगल न० (-जुगल) सुतराडि वस्त्रनी
जेस सूती वस्त्र की जोडा A pair of
pieces of cotton cloth. भग० ११,
११,—दुग्गल न० (दुग्गल) सुतराडि, तथा
अतसी (रेशमी) तु वस्त्र सूती तथा रेशमी
वस्त्र half silken cloth नाया० १,
खोमिय न० (खौमिक) शत्रु तथा सुतराडि

वस्त्र सन या सूत का कपडा A cloth
made of cotton or jute प्रव०
८६७, ओष० नि० ७२४; आया० २, ५,
१, १४१; १४५; भग० ११, ११; ठा० ३,
३; (२) रेशमी वस्त्र रेशमी वस्त्र. silken
cloth पि० नि० भा० ४६;

खोय पुं० (खौय) शेर्डी ईख, सांठा A
sugar-cane पञ्च० १५, राय० १३३;
(२) सातवा द्वीप अने सातवा समुद्र
नाम सातवें द्वीप और सातवें समुद्र का नाम.
name of the 7th continent and
the 7th ocean अणुजो० १०३;
—रस पु० (-रस) शेर्डीना रस इख
रस the juice of sugar cane.
सम० प० २३२, जीवा० ३, ३; सूय० २,
१, १६,

खोरय न० (*) ओड जतनु गोण वासण
एक जाति का गोल बरतन. A kind of
round shaped pot जीवा० ३,

खोल पुं० (खोल) भोण, तल वगेरेना दुग्गो
खल, तिल्ली वगैरह का फोक Oil-cakes
etc आया० २, १, ८, ४६, (२) गुप्त-
चर, जसुस गुप्तचर, जामूस a spy.
पि० नि० १२७,

खोसिय त्रि० (*) जुनुं डरी नापेहुं
जीर्ण, पुराना कर के डाला हुआ Old;
discarded as being old पि० नि०
३२१,

खोह. पु० (खोभ) भय; क्षोभ भय, डर;
खोभ Fear, agitation of the
mind सु० च० १५, १८६;

ग.

गङ्गा. स्त्री० (गति) गति, यात्रा, गमन, धर्मा-
 स्तिशायनु भास लक्षणे गति, चाल, गमन,
 धर्मास्तिकाय का खास लक्षण Gait,
 motion, the result, the fulcrum
 of motion क० ग० २, २३, ५, ६१,
 कण० १, ५, भग० ३, २, ४, १०, ७, १०,
 १६, ८ नाया० १, १७, मम० १, उत्त०
 २८, ८, दस० ६, २, १७, सू० प० १, विशेष०
 ५४७, सु० च० ५, ६, (२) ओष्ठ लवम-
 थी भीम लवमा जवु ते, गत्यंतरमा जवु
 ते एक भव से दूसरे भव में जाना, अन्य
 गति में जाना passing from one
 birth to another birth आशा०
 २ ३, ३, ११६, ज० प० पन० १६, (३)
 निस्तार उन्तार आश्रय स्थान, शरण योग्य
 निस्तारा करने वाला, आश्रय दाता, शरण के
 योग्य a benefactor, a patron
 ओव० कण० २, १५, (४) भरीने जया
 जवु ते गति आर अथवा पाय नरक,
 तिर्यच मनुष्य अने देवता (पायगी मोक्ष-
 गति) मरकर जहा जाना होता है वे चार
 या पांच गति, नरक, तिर्यच, मनुष्य और
 देवगति (पाचवी मोक्षगति) the four
 or five states of passing from
 one birth to another birth viz
 that of hell, beasts, human be-
 ings and gods the 5th is that
 of Mokṣa (salvation) पञ्च० १३
 २३ उत्त० ३४, २ अणुजो० १२० दम०
 ४ १४, ६, ३ १५, १० १, २१, भग०
 १ ८ ६ ३ प्रव० ४ १२७६ कण० ५,
 ११६ क० प० २, १३, ४, ६ (५) हिता-
 हित भोक्तृ जान हिताहित बोधक जान वह
 जान जियने हित और अहित में बोध हो

the power of discrimination
 उत्त० २०, १, (६) नामधर्मनी ओष्ठ प्रप्रति
 डे जेना उदयथी छव नरक आदि गतिमा
 जय छे नामकर्मकी एक प्रकृति कि जिसके
 द्वारा जीव नरक आदि गतियों में जाता है
 a variety of Nāmakarma the
 maturity of which leads a soul
 to hell क० ग० १, २४, ३३ ४३
 (७) पन्नवणा भूतना त्रीम पदना भी-
 णानु नाम डे जेमा नरक आदि गतिआशी
 छवेतु अस्पायडुत्व ड्यु छे पन्नवणा-प्रजा-
 पना सूत्रके तीमरे पद के दसरे द्वार का नाम
 कि जिस में नरकादिक गतियों के सम्बन्ध में
 जीवों का अल्पावहुत्व-न्यूनाधिक्य कहा है
 name of the second section of
 the third Padī (chapter)
 of Pannavanī dealing with the
 duration of life in hell पञ्च० ३
 —कल्लाण त्रि० (-कल्याण) इत्यादि २५
 उच्यगति पामनार मगलस्य-कल्याणमय ऊर्द्ध
 गति को प्राप्त करने वाला leading to
 welfare in the form of attaining
 to the condition of a god or
 heavenly being 'अणुत्तरोववाड्याण
 गडकल्लाणण ठिडकल्लाणण' कण० ६ ज०
 प० ३१, मम० ८०० —तम पु० (-त्रय)
 गति आशी त्रय तेडि दाय तथा वायु दाय
 गति का आश्रय करक त्रय तजस्काय आर
 वायु मय the living beings of
 fire and wind in relation to
 the state of their existence क०
 ग० ३, १४, ४ २२ —तुल्ल त्रि० (-तुल्य)
 पेनपेन नो गति अमान असनी० गान क
 नृज-ममान according to one's

own state of existence. क० प० ६, ३०; —नाम. न० (-नामन्) जेना उदयथी नरकादि गति प्राप्त थाय ते नाम धर्मनी ओके प्रकृति. नाम कर्म की एक प्रकृति, जिसके उदय से नरक आदि गतियों की प्राप्ति होती है a variety of Nāmakarma the maturity of which leads to the condition of a hellish being. सम० ४२, —पडिहा स्त्री० (-प्रतिघात) शुभगतिनो प्रतिघात अटकायत शुभ गति का प्रतिघात-प्रतिबन्ध. the destruction of a blessed condition of existence by the force of Karmas ठा० ५, १, —परिणाम. पु० (-पीर-णाम) गतिनुं परिणाम-स्वभाव गति का परिणाम-स्वभाव. the nature of duration of life भग० ७, १, —प्पवाय. पु० (-प्रवाद) जेमा गतिनुं विवरणु छे जेवा ओके अध्ययननु नाम. name of a chapter dealing with various conditions of existence. भग० ८, ७; —विज्ञाण. न० (-विज्ञान) गतिनुं ज्ञानुपणुं गति का ज्ञान knowledge of the condition of existence. पंचा० २, २५; —विचमम पु० (-विभ्रम) गति-न्यायनी शोभा गति-चाल की शोभा. the beauty of the gait, motion or existence गच्छा० १२१; —विसय पु० (-विषय) गतिनो विषय; गति शक्ति गति का विषय-शक्ति the subject of a condition of existence. “ असुरकुमाराण देवाण अहे गङ्गा विसये सिग्गे ” भग० ३, २, भग० २०, ६, —समावन्नग. त्रि० (-समापन्नक) वाटे वहेता छव; ओके अवप्रवेशरी गीज अवमा गतिमा जेतो छव जन्म मृत्युरूप प्रवाह में

वहाजाता हुआ जीव, एक भव पूरा करके दूसरे भव गति में जाता हुआ जीव a soul on its way to another birth after finishing one birth जं० प० ७, १४०; ठा० २, २;

गङ्गमंत. त्रि० (गतिमत्) गतिमान्, गतिवालो गातेवाला, गमनशील; चलने वाला Mov- i g; going. विशेष० ३१५७,

गंत पु० (गङ्ग) मध्याह्ने नदी उत्तरतां पगे ढंडी अने माथे गरमीनो अनुभव थाय छे माटे ओके समये जे उपयोग होय शके ओम स्थापना करनार गंग नामनो पांथमो निन्हव गङ्ग नामक पाचवा निन्हव-मतप्रवर्तक, जिसे एक ही समय में दो क्रियाओं का ज्ञानमान हुआ था अर्थात् गंगा नदी पार करते समय ऊपर से सूर्य का ताप और नीचे से जल की शीतलता का एक कालावच्छेद से ही अनुभव हुआ था, तथा ‘ एक काल में अनेक अनुभव हो सकते हैं ’ इस सिद्धान्त का मत भी चलाया था The fifth of the propound- ers, named Ganga, who pro- pounded the false theory of the knowledge of two actions simul- taneously, as one experiences cold at the feet and heat on the head, while crossing a river at noon time विशेष० २३०१; ठा० ७, १, गङ्गादत्त पु० (गङ्गादत्त) जे नामनो ओके भाणुस के जेतुं रागनेदीधे पतन थयु इस नाम का एक मनुष्य, कि जिसका राग के कारण पतन हुआ A man of that name who got a spiritual fall on account of passion भक्त० १३७; (२) गङ्गादत्त-नवमा वामुदेवना त्रीज पूर्व अवतु नाम नौवें वामुदेव के तीसरे पूर्व भव का नाम the name of the third

past birth of the ninth Vāsudeva सम० प० २३६; (३) छट्टे वलदेव-वासुदेवना पूर्वजन्म धर्माचार्य छट्टे वलदेव-वासुदेव के पूर्व जन्म के धर्माचार्य. the religious preceptor of the sixth Baladeva-Vāsudeva, in the previous birth. सम० प० २३६, हस्तिनापुरने रहनेवासी ओक गाथापति हस्तिनापुर का रहने वाला एक गाथापति a merchant-prince of Hastināpur भग० १६, ५, —देव पुं० (—देव) ओ नामने सातामा देवलोकने ओक महासामानिक देवता का नाम name of a Mahāsāmānīca. deity of the 7th Devaloka (heavenly abode) भग० १६, ५,

गंगदत्ता स्त्री० (गङ्गादत्ता) गङ्गा नामे ओक स्त्री इस नाम की एक स्त्री Name of a woman. विवा० ७,

गङ्गाप्रपात पु० (गङ्गाप्रपात) हिमवत पर्वत उपरथी नीकगती गंगा नदीने दरेडे ज्वा पडे छे ते दुः वह कुण्ड जिसमें हिमवत पर्वत से निकली हुई गंगा नदी का प्रवाह गिरता है The lake where the torrent of the Ganges starting from the Himavanta mountain falls अ० २, ३,

गङ्गा स्त्री० (गङ्गा) गङ्गानदी-यूद्धिमवत पर्वत उपरथी नीकणी पैताछ्यमा थछ लवलु समुद्रमा पूर्व तर्क भगती भरत क्षेत्रनी ओक भेटी नदी गङ्गा-हिमालय पर्वत से निकल पैताछ्य पर्वत के बीचों बाच होकर लवलु समुद्र में पूर्व की ओर मिलती हुई भारतवर्ष की एक बड़ी नदी A large river of Bharata Ksetra flow-

ing to the east into Lavana ocean, starting from Chūla-Himavanta and crossing Vaitādhya. सम० १४, नाया० १, ४, ८, १६, भग० ५, ७, ७, ६, ६, २३, १५, १, ओव० १०, ज० प० ५, १२०, ३, ४१; ३८, उत्त० ३२, १८; जीवा० ३, ४, सू० प० २०; अणुजो० १३४, कण्प० ३, ३२, —आवत्तणकूड पु० (—आवर्तनकूट) यूद्ध हिमवत पर्वतना पद्मरुथी ५०० जेज्जत पूर्व तर्क गङ्गावर्त नामे ओक शिखर छे ते ज्वा गंगा नदीनु आवर्तन थाय छे हिमालय पर्वत के पद्म नामक द्रह से पूर्व की ओर ५०० योजन की दूरी पर गङ्गावर्त नामक एक शिखर है, कि जहा गंगा नदी का आवर्तन होता है name of a summit of Chūla Himavanta mountain, situated in the east of its lake named Padma, at a distance of 500 Yojanas, here the river Ganges takes a turn ज० प०—कुण्ड पु० (—कुण्ड) कुण्ड विजयनी गङ्गानदीने दुः, चित्रकूट ज्वा पर्वतनी पश्चिमे ऋषभकूट पर्वतनी पूर्व नीकवत पर्वतने दक्षिण छे ते उत्तरार्ध कुण्ड विजयमाने गंगा नदीने दुः कच्छविजय की गंगा नदी का कुण्ड, चित्रकूट बखारा पर्वत के पश्चिम, ऋषभकूट पर्वत के पूर्व और नीलवत पर्वत के दक्षिण के किनारे पर उत्तरार्ध कच्छ विजय में स्थित गंगा नदी का एक कुण्ड name of a lake of the river Ganges in the northern half of Kachchha Vijaya, on the southern border of Nīlavanta mountain, in the east of Rishabhakūta mountain, and in the west of Chitrakūta Vakhā-

rā mountain जं० प० —कूड पुं०
 (-कूट) युद्ध हिमवन्त पर्वत उपरना ११ कूटमां-
 तुं पाथभु कूट-शिखर चुल्ल हिमवान् पर्वत के
 ११ कूटों में से पाचवां कूट शिखर the 5th
 of the eleven summits of Chula
 Himavanta mount जं० प० —कूल
 न० (-कूल) गंगा नदीने किनारे-डांडो
 गंगानदी का तीर. a bank of the river
 Ganges भग० ११, ६, —द्वीप पुं० (-द्वीप)
 गंगा प्रपात दुंडनी पथ्ये रहेल द्वीप गंगा
 प्रपात कुड के बाच में आया हुआ एक द्वीप
 an island in the lake Gangā-
 prapāta जं० प० —प्रमाण पुं० (-प्रमाण)
 गंगानदीनु प्रमाण गंगानदीका प्रमाण the
 extent of the Ganges. भग० १५, १,
 —पुलिणवालुया त्ता० (-पुलिनवालुका)
 गंगानदीना डाहानी वेनु-रेती गंगाके तार की
 बालु-रेती the sand of the banks
 of the river Ganges भग० ११, ११;
 —पपचाय पुं० (-प्रपात) युद्ध हिमवन्त
 पर्वत उपरथी पडतो गंगानदीने दरेडो चुल्ल
 हिमवन्त पर्वत के ऊपर से गिरने वाला गंगा-
 नदी का प्रपात-झरना the fall of the
 Gangā river from the Chūla
 Himvanta mountain जं० प० ठा०
 २, ३, —पपचायदह पुं० (-प्रपातहृद)
 जेभा गंगानदीने दरेडो पर्वत उपरथी पडेछे ते
 दह गंगा प्रपातहृद जिसमें पर्वत पर से गंगा
 नदी की बारा गिरती है. the lake into
 which the Gangā river falls
 from the mountain ठा० २, ३,
 —महानई स्त्री० (-महानदी) गंगा नामनी
 मोटी नदी गंगा नाम की महानदी the
 large river named Ganges.
 नागा० १६, —महानई स्त्री० (-महानदी)
 दुओ "गंगामहाणई" शब्द देखो 'गंगा

महाणई" शब्द. vide "गंगामहाणई"
 निर० ३, ३, —वालुया-या स्त्री० (-वालुका)
 गंगानदीनी रेती. गंगा नदी की रेती the
 sands of the river Ganges भग०
 १५, १; अणुजो० १४३;

गंगासयसहरस न० (-गङ्गाशतसहस्र) गोशा-
 लाना मतानुसार गंगा-येक डास प्रमाण,
 तेनी येक लाख सख्या. गोशाला के मतानु-
 सार गंगा नामक एक कालविभाग तथा उसकी
 एक लाख सख्या According to Go-
 śālā, a division of time called
 Ganga also a lac of such
 divisions भग० १५, १, —सलिल
 न० (-सलिल) गंगानदीनु पाणी गंगा
 नदी का जल, गंगाजल water of the
 Ganges. नाया० ८,

गंगाउल पुं० (गङ्गाकुल) गंगानदीने डांडे
 रहेनार तापसनी येक गत गंगानदी के तीर
 पर रहने वाले तपस्वी की एक जाति A
 class of ascetics residing on
 the bank of the river Ganges
 निर० ३, ३,

गंगादेवी स्त्री० (गङ्गादेवी) गंगानदीनी
 अधिष्ठात्री देवी गंगानदी की अधिष्ठात्री देवी
 The presiding goddess of the
 river Ganges जं० प० ३, ६४, —भवन
 न० (-भवन) गंगादेवीनुं लवन गंगादेवी
 का भवन the place of the god-
 dess Gangā जं० प० ३, ६४,

गंगावत्त पुं० (गङ्गावर्त) ओ नामने ओ
 दह. इस नाम का एक हृद Name of a
 lake कप्प० ३, ६३,

गंगेय पुं० (गङ्गेय) पार्श्वनाथना संतानीया
 ओ नामना ओक मुनि जे जेले भडायीर
 स्वाग्निने नगड आदिना लगाना प्रभो
 प्रभ्या छे ते गंगीयाना बागा नगडि

ओलभाय छे इस नामका पार्श्वनाथ का वंशज एक मुनि जिसने महावीरस्वामी से नरक आदि के विभागों के सम्बन्ध में प्रश्न पूछे थे और जो गङ्गेयभागा नामसे प्रसिद्ध हैं An ascetic of this name the descendant of Pāśvanātha, who had put certain question concerning the region of hell etc to Mahāvīra Svāmī these questions are known as Gāngeya-bhāṅgā. भग० ६, ३२, (२) गगानो पुत्र-भीष्म पितामह गंगा का पुत्र-भीष्म पितामह Bhismapitāmaha, the son of Gāṅgā नाया० १६,

गंज पु० (गंज) गान्धे, गुच्छ वनस्पतिनी ओड अत गुच्छ वनस्पति की एक जाति, गाजा A kind of intoxicating vegetation known as hemp-flower परह० २, ५; भग० २२, ४ पञ्च० १, —साला स्त्री० (-शाळा) गान्धनी दुधान गाजे की दुकान a shop of hemp-flower निसी० ६, ७,

✓गंठ धा० I (ग्रथ) गुथयु, रथयु. गुथना, रचना. To knit, to bind, to tie, to compose

गठइ निसी० १ ५३

गठत निसी० १, ५३,

गथिजइ क० वा० विशेष० १३८३,

गंठि पु० (-ग्रन्थि) गाँठ ग्रथि, गाँठ A tie, a knot or that of love and hatred caused by Karma राय० १६६ जीवा० ३, ४, सु० च० ११, २२, ओष नि० ६९३, विशेष० ११६४ नाया० ६, भग० १, ६, प्रथ० २०० ५०८, पचा० ३, ३०, (२) दुर्म जनित गग व्हेय वगेरेनी गाँठ कर्म जनित गगदेश आदि की गाँठ a

knot in the form of passions born of Karma विशेष० ११८४, —छेदग्र. त्रि० (-छेदक) गाँठ छोड़ी योरी इरनार गाँठ खोल कर चोरी करनेवाला one who cuts or looses a knot and steals सय० २, २, २८, —छेय. पु० (-छेद) लुगो “ गंठिछेदग्र ” शब्द देखो “ गंठिछेदग्र ” शब्द vide “ गंठिछेदग्र ” नाया० १८. —मेअ-य त्रि० (-मेद) इयनी द्रवणी बेदनार, इयनी थेली तोड़ी योरी इरनार रुपयो की थेली काट कर चोरी करने वाला a cut pulse उत्त० ६, २८, ओव० परह० १, २, वि० ३, भग० १, १,

गंठिआ स्त्री० (ग्रन्थिका) मोहकर्मनी गग द्वेय रूप गाँठ मोह कर्मों की राग द्वेय रूप गाँठ The knot of infatuation or fascination with worldly things, the knot of delusion भग० ५, १

गंठिग त्रि० (ग्रन्थिक) उर्मग्रथि-इर्मनी गाँठ सदित कर्मों की गाँठ युक्त (One) having a knot of Karma, (one) in Karmic bondage सय० २, ४, ५,

गंठिम त्रि० (ग्रन्थिमत) गाँठ धने गुथेय गाँठ लगाकर गूया हुआ Knitted after tying a knot ठा० ५, भग० ६, ३३ पञ्च० १ नाया० १, (२) गुथेय पुष्पनी माला गुथे हुए फूलों की माला a garland knit with flowers नाया० १७

गंठिमग न० (ग्रन्थिमक) ओ नामनु द्रव गुथम जननु वृक्ष इम नाम का गुथम जात का कोई एक वृक्ष A kind of flowering plant पञ्च० १

गंठिय त्रि० (ग्रथित) गुथेय गाँठ गुया हुआ, गाँठ हुआ Knit interwoven निगी० १, ५१, —सन्त पु० (सन्त)

भोहूनी निवड गाठ गालो अलव्य श्रव मोह
की मजबूत गाठ वाला अभव्य जव a soul
incapable of untying Karmic
knots and so of being liberated
उत्त० ३३, १७; क० प० ५, ४;

गंडिल त्रि० (ग्रन्थिल) गांठवाणुं गाठ वाला
Knotty, knotted ओव० नि० ७३७,
गंडिल त्रि० (ग्रन्थिमत्) डभं संगधी गाठ
वाणु कर्म मन्वन्धी गांठ वाला. Having
(Karmic) knots भग० १६, ४,

गंड. पुं० (गरड) डपोल, गाल गाल A
cheek आया० १, १, २, १६, पञ्च० २,
मू० प० २०, ओव० प्रव० ४३६, जं० प०
५, ११५ (२) गड, गुमडु, डण्डेमाद
रसेली विगेरे फोडा, कण्ठमाल वगैरह
a boil, an ulcer etc “ ज च अण
सुयादंग त गड ” निसा० ३, ३४; ६, १३,
उत्त० ८, १८, १०, २७, सूय० १, ३, ४,
१०; २, १, १७, (३) गड, खेलने
का एक साधन-कडुक. a ball ज० प०
(४) गेंडु, ११ मा तीर्थंकरनु लांछन ११ वे
तीर्थंकर का लाङ्घन-चिन्ह a distinction
sign of the 11th Tirthankara
पञ्च० १; प्रव० ३८१, (५) स्तन धाध,
थानोथो स्तन a breast. पि० नि० ४१६,
—आदिअ पुं० (-आदिक) गाल, गयोडा
विगेरे गाल, कपोल आदिक a cheek etc
निसा० ६, १२, —उवहाणय न०
(-उपधानक) गाल भसुरियु गल तकिया.
a small round pillow for the
cheeks. राय० १६१;

गंडउवहाणिय पु० (गरडोपधानिक) गाल
भसुरियु सिराने लेनेका तकिया A
pillow; a small round pillow
for the cheeks. जावा० ३, ४. —नल

न० (-तल) गालनी सपाटी; गेहेरानो
मध्यभाग. गाल, मुह का मांसल प्रदेश
a cheek, the middle fleshy
part of the face ओव० २२;
—देस पुं० (-देश) डपोल (गाल)
नो भाग. गाल प्रदेश, कपोलो का भाग.
that part which forms a cheek.
नाया० ८, —यल त्रि० (-तल) लुओ
“ गडतल ” शब्द देखो “ गड-तल ”
शब्द Vide “ गंडतल ” सु० च० १, ८०,
—लेहा स्त्री० (-रेखा) गाल उपर करे
डभुरी वगेरेनी रेखा, डपोल पाडी कपोलों-
गालों पर कस्तूरी वगैरह सुगन्धित पदार्थों की
बनाई हुई रेखा, एक प्रकार का शृंगार-कपोल
पाली a kind of decorative
streak or mark of musk or
some other fragrant substance
made on the cheek ज० प०

गंडअ पु० (गरडक) टेकीओ. मुखिया. A
watchman (२) ढंढेरे पिटना ज्योडी
पीटने वाला one who announces
or makes a proclamation ओव०
नि० ६४५,

गंडमणिया. स्त्री० (गरडमणिका) देश
विशेष प्रसिद्ध माप. किसी देश का प्रसिद्ध
माप Current, well known, mea-
sures of weight etc of any
country; राय० २७१;

गंडाग पु० (गरडक) डभम, वाणद, नापी
नाई, नापित, बाल बनाने वाला A
barber आया० २, १, २, ११,

गंडि त्रि० (गरिडन्) डभम, गेहेटा सेण
रोगमानो ओड रोग गरडमाल. Boils.
ulcers etc on the throat, (this
is one of the sixteen great
diseases) (२) ने रोगवालो डम रोग

वाला. (one) suffering from
boils, ulcers etc. on the throat
आया० १, ६, १, १७२, पण० २, ५,

गंडिका-या स्त्री० (गण्डिका) सामान्य
अर्थना अधिकार वाली ग्रन्थ पद्धति साधा-
रण अर्थ के अधिकार वाली ग्रन्थ पद्धति.
Style of composition fitted for
or entitled to convey ordinary
thought or matter नंदी० ५६, (२)
सोनीनी ऐरण सुनार की ऐरण the
anvil of a goldsmith दस० ७, २८,
(३) शेरडीनी गंडेरी गंडेरी, साठे के छोटें २
दुकड़े. small bits of sugar-cane
आया० २, ७, २, १६,

गंडियाणुश्रोग पु० (गण्डिकानुयोग) दृष्टि
वाह सुत्रान्तर्गत अनुयोगनो अथ विभाग
के जेमा अथ सरभा अर्थना नाक्यनी ग्रन्था
रूप गण्डिकानी व्याख्या करवाभा आनी छे
अने तेमा तीर्थकर गणधर चक्रवर्ती दशार्ह
अत्रदेव हरिवंश वगेरेनो अधिकार छे
दृष्टिवाद सूत्र के अन्तर्गत अनुयोग का एक
विभाग, जिसमें एक जैसे अर्थ वाले वाक्या
की रचनारूप गण्डिका की व्याख्या की गई
है और उसमें तीर्थकर, गणधर, चक्रवर्ती,
दशार्ह, बलदेव, हरिवंश आदि का अधिकार
है Name of a division of a sec-
tion of Dristivāda Sūtra
here an explanation of the
composition of a sentence uni-
form in sense, is given, it treats
of Tirthāṅkaras, Gaṇadhara
etc सम० १२, नदी० ५६,

गंडी. स्त्री० (गण्डी) मोनीनी ऐरण मूक
वानु वाक्यानु दीमसु जेना ऐरण गोहवभा
आवे छे ते वाक्य सुनार की ऐरण रखनेका
एक लकड़ी का ढाचा, जिस में ऐरण मजबूत

हो कर टिक जाती है वह ढाचा. A
block of wood in which a gold-
smith's anvil is fixed. आया० २, ४,
२, १३८, (२) कमलनी कण्डिका कमल की
कली a bud of a lotus उत्त० ३६,
१७६, (३) गंडी पुस्तक, जे पड़ोवाधमा अने
जडाधमा सरभु होय ते गण्डि पुस्तक
गण्डी पुस्तक जो चौड़ाई और लंबाई में बराबर
हो. a book which is equal in
length and breadth प्रव० ६७१.

—पद त्रि० (-पद) गण्डी-मोनीनी
ऐरण अथवा कमलनी कण्डिका जेवा
पगवाणा जनावर, हाथी, गेडा, वगेरे
हाथी, गेडा, वगैरह पशु, ऐरण अथवा कमल
का कली के समान पाववाना पशु.
(an animal) having feet like
a goldsmith's anvil; e g an
elephant, a rhinoceros भग० १६,
१, ठा० ४, ४, सूय० २, ३, २३, —पय. पु०
(-पद) जुओ 'गंडी-पद' शब्द देखो
'गंडी-पद' शब्द Vide 'गंडी पद' उत्त०
३६, १७६, पण० १, जीवा० १; —पोत्थय.
न० (-पुस्तक) जुओ 'गंडी' शब्द देखो
'गंडी' शब्द vide 'गंडी' प्रव० ६७२,

गंडूयलगा पु० (गण्डुपद-गण्डव ग्रन्थय-
स्ताभिरन्वितानि पदानि यस्य) जे छन्दिय
वाणो छय-जेने शुन्तनीमा गिगोला छे छे
दो इन्द्रियो वाना एक जीव केजुआ, गंडोआ
आदिक A sentient being with
two sense organs पण० १.

गंतव्व त्रि० (गन्तव्य) जना वायः जाने योग्य
Worth going to, worth approach-
ing भग० २, १, १८, २, नाया० १. (२)
जानुनु, समजनु समझना, जानना to
know, to understand पण० २

गंतार त्रि० (गन्त) जना, आगना

चलने चाला; गमन करने वाला. a goer, (one) who goes सम० ३३, दसा० २, २, गंतुपच्चागया. स्त्री० (गत्वा प्रत्यागता—गत्वा प्रत्यागतं यस्याम्) ओक तरङ्ग गोचरी करता छे छे न्ध भीछ श्रंखि तरङ्ग गोचरी करवी ते. एक ओर गोचरी करतेर अन्त में जाकर दूसरी श्रेणी की ओर गोचरी करना. Beginning to beg in the opposite line of houses after reaching the end of one line ठा० ६, १, दसा० ७, १; गंतुमण पु० (गन्तुमनस्) न्यानी धन्धा वाणे, अर्थात् अमुक सूत्र समर्पणु करे तो पछी लक्ष्मीने छे साक्षीने न्धि ओम ओलनार अविनीत शिष्य जाने की इच्छा वाला, अर्थात् अमुक सूत्र अर्पण करो तो बाद पढकर या सुनकर जावू इस प्रकार बोलने वाला अविनीत शिष्य A disciple desirous of going, saying to the preceptor impolitely that he would go after hearing a particular Sūtra. ओष० नि० भा० २०६, विशेष० १४४६, गंतूण मं० कृ० अ० (गत्वा) न्धने जाकर. Having gone पञ्च० २; सु० च० १, १३५, गच्छा० ११५, गंध. पु० (ग्रन्थ—ग्रन्थतेऽनेन अस्मादस्मिन् वा अर्थ) सुगन्धगता १८ भा अध्ययनर्तु नाम छे जेमा ग्रन्थपरिग्रहो त्याग करनार साधु ओ छे री रीते देशना आपवी छेम ओलवुं तेनु व्याख्यान छे सूत्रकृताङ्ग के १४ वें अध्याय का नाम, जिसमें ग्रन्थपरिग्रह त्याग किये हुए साधुने किस प्रकार देशना देना, बोलना आदि का व्याख्यान है Name of the 14th chapter of Sūyagadāṅga explaining the mode of speech to be adopted by a monk who has given up the possession of

books ज० प० ५, १२२; सूय० १, १४, १; २७; सम० १६; २३, (२) धर्मो अध धर्मोनी गाँठ कर्मों का बन्ध, कर्मों की गाँठ knot of Karma. आया० १, १, २, १६; (३) ग्रंथ, पुस्तक. ग्रन्थ, पुस्तक. a book अणुजो० ४२, राय० १९०; विशेष० १३७८, (४) आल्य अने अभ्यन्तर परिग्रह, आल्य धन धान्यादि, अभ्यन्तर कषायादि बाह्य और अभ्यन्तर परिग्रह; बाह्य धन्य-धान्यादि तथा अभ्यन्तर कषायादि external and internal possessions, such as wealth coin etc and attachments to worldly things. आया० १, ३, २, ११५, १, ७, २, २०४; सूय० १, ६, ५; १, १४, १, उत्त० ८, ३; विशेष० २५६१, प्रव० ७२७, (५) सूत्रार्थ, शास्त्रोक्त मतलब. सूत्रों का अर्थ, शास्त्रों का मतलब the meaning of Sūtras; the purport of scriptures सूय० १, १, १, ६; गंधिम. त्रि० (ग्रन्थिम) दोराथी गाँठिने पनावेन पुतनी भाणा विगेरे. दोरे से गाँठ कर-गूथ कर बनाई हुई फूलमाला बँगरह. A garland of flowers etc knit up with a thread. ओव० ३८, ठा० ४, ४, अणुजो० १०; आया० २, १२, १७१; जीवा० ३, ३, नाया० १३, निसी० १२, २०; भग० ६; ३२; गंध. पु० (गन्ध) नासिका (घ्राणेंद्रिय) तो विषय; सुगंध छे दुर्गंध घ्राणेंद्रिय का विषय—सुगंध और दुर्गन्ध Fragrance, smell, e g of flower etc. which is the subject of nose ओव० १०, २२, अणुजो० १६; १०३, १३०, सम० १, ५, राय० २७, निसी० १, ११; न्दी० १३, ज० प० ५, ११४, ११५, ११६,

नाया० १, ८, १२, १६, १७, ठा० १, १, उत्त० २८, १२, ३२, ४८, ३४, २, भग० १, १ २, ३, ७, ६, १०, ७, ७, ८, १, २०, ६, २५, ४, विशेष० २०६, दसा० ६, ४, दम० २, २, सूय० १, ९, १३, सू० प० १७ पत्र० १ प्रव० ६४७, आव० ४, ७ क० प० १, २७, कप० ३, ३७, भक्त० १२१, ऋ० ग० १, २४, (२) गंध नामनी द्वीप तथा समुद्र इस नामका द्वीप और समुद्र an island of that name, a'so an ocean of that name जीवा० ३४, पत्र० १, (३) आधा कर्म आदि दोष, उद्गमनके छ दोष a fault like that of Adhākarma etc any of the six faults of Udgamana. आया० १, २, ५, ८७, —अंग पु० (-अङ्ग) गंध प्रधान पञ्चतुला सात प्रकार छे मूल, त्वचा, काष्ठ, निर्याम, पत्र, पुष्प इल, मूल-वाले वगेरे, त्वचा-सुवर्णलक्षिप्रमुष्प, काष्ठ-अदनादि, निर्यास-कपूर आदि पत्र-तमाल आदि, पुष्प-जवत्री वगेरे इल-लवंग वगेरे गन्ध के अङ्ग, गन्ध प्रदान वस्तु के सात भेद होत ह, यथा-मूल, त्वचा, काष्ठ, निर्याम-कपूर, पत्र, पुष्प, और फल the seven varieties of fragrant things viz roots bark, wood, exudation etc leaves, flowers and fruits जावा० ३, २, —आदेस पु० (-आदेस) गंधनी अपेक्षा गन्ध की अपेक्षा relating to fragrance पत्र० १ —आरुहण न० (-आरोहण) सुगन्धन पदार्थों में सुगंध को बढ़ाना increasing the fragrance of a substance नाया० २ —उदग्र-य न० (-उदक) सुगन्धिपाणी सुगन्धि

द्रव्य मिश्रपाणी सुगन्धित जल, सुगन्ध वाला पदार्थों में मिश्रित जल scented water आव० प्रव० ४५५, कप० ४, ५८, भग० ६, ३३, १६, १, नाया० १, ज० प० ५, ११४, —उदग न० (-उदक) वृष्टि " गन्धोदग्र " शब्द देखा " गन्धादग्र " शब्द vide ' गन्धादग्र ' भग० ७, ६ नाया० १, १६, पत्रा० २, १३, —उदग दाण न० (-उदक दान) सुगन्धी पाणीनी वर्षा सुगन्धित जल की वर्षा a rain of scented water पत्रा० २, ८३ —उदयवृष्टि स्त्री० (-उदक वृष्टि) सुगन्धिपाणीनी वृष्टि सुगन्धित जल का वृष्टि a shower of scented rain प्रव० ४५५, —उद्धुताभिराम. पु० (-उद्धुताभिराम) सुगन्धि निकलनेवाली भरी सुगन्ध निकलने से अभिराम मने हर charming on account of the radiation of fragrance भग० ११, ११, नाया० १, ज० प० ७ ११० —उद्वहण न० (उद्वर्तन) सुगन्धी पदार्थों में उद्वर्तन पीडी इन्हीं में सुगन्ध वाला पदार्थों में उद्वर्तन करना, सुगन्धित पदार्थों का मिला कर, कूट छान कर चूर्ण-उबटना बनाना mixing, pounding etc. of fragrant substances. नाया० १६, —उस्साम पु० (-उच्छ्रवाम) सुगन्ध १ दुर्गन्धवाला उच्छ्रवाम सुगन्ध या दुर्गन्धवाला उच्छ्रवाम fragrant or stinking breath भग० ६, ३३ —रुग्ण न० (करण) सुगन्ध देनेवाला पुष्पादि सुगन्ध करने वाला, पुष्प वगैरे (any thing) which imparts fragrance e. g. a flower etc भग० १६ ६ —रुसाडय त्रि० (कपायिक) सुगन्ध दानेवाला सुगन्धि देनेवाला

भंग पूँछने का सुगन्धित वस्त्र. a fragrant or scented cloth for drying the body by wiping. भग० ६, ३३; आया० २, १५, १७६; नाया० १; २; १६, कण्य० ४, ६२, राय० १८५; जं० प० ५, १२२; —कासाई. स्त्री० (—काषायी.) लुओ "गंधकासाइअ" शब्द देखो "गंधकासाइअ" शब्द vide "गंधकासाइअ" "गंधकासाईए गायार्ह लूहंह" भग० १५, २, —जुत्ति. स्त्री० (—युक्ति) सुगंधि तेष अत्तर विगेरे अनाववानी युक्तिनुं विज्ञान सुगन्धित तैल, इत्र आदि बनाने की युक्ति-तरकीब knowledge of the art of preparing fragrant oils, scents etc ओव० —दृय न० (—दृक) सुगंधि थूथु. सुगंधि चूर्ण. scented powder. "गन्धदृपयं उव्वट्ठित्ता" ठा० ३, १, —इ त्रि० (—आव्य) सुगंध लरेअ सुगन्ध युक्त scented; fragrant. पंचा० २, १४, ८, २४; —एण्वस्ति स्त्री० (—निर्वृत्ति) गंधनी निष्पत्ति. गन्ध की निष्पत्ति-प्रादुर्भाव rise of fragrance भग० १६, ८, —एण्वस्ति पु० (—निश्वास) इमवनी गंध जेवे सुअने निश्वास. कमल की सुगन्धि के समान सुखका श्वास. fragrant breath. नाया० ८; —दुग न० (—द्विक) सुगंध अने दुर्गंध सुगन्ध और दुर्गन्ध fragrance and stink क० ग० २, ३२, —द्व्रणि. स्त्री० (—व्राणि) गन्धने जेथो, गन्ध समूह सुगन्धका समुदाय —समूह. a collection of perfumes. ओव० नाया० १, ८; १६; जं० प० ४, ६५०; —नाम. न० (—नामन् गन्धते इति गन्धः तदेतत्त्वाद्-नामकर्म) गंध नामे नाम कर्मेनी ओइ प्रकृति के जेना उदयथी छव गंधवायु शरीर पामे छे. गन्ध नाम की नामकर्म

की एक प्रकृति, कि जिसके उदय से जीव को गन्ध प्रधान शरीर मिलता है. the Nāma-karma known as Gandhanama. सम० २८; —परिणत. त्रि० (—परिणत) दुर्गंधि रूपे के सुगंध रूपे परिणाम पामेअ सुगन्ध अथवा दुर्गन्ध रूप में परिणत होना-परिणाम पाना change of a substance into fragrance or stench भग० ८, १, —परिणाम. पुं० (—परिणाम) सुगन्धनु दुर्गन्ध रूप थवु तथा दुर्गन्धनु सुगन्धी थवु ते सुगन्ध का दुर्गन्ध रूप होना और दुर्गन्ध का सुगन्ध रूप हो जाना. change of fragrance into stench and vice versa. "गंधपरिणामेणंभते" पञ्च० १३; ठा० ४, १; भग० ८, १०; —मदवारि न० (—मदवारि) सुगंधी मदरूपे अरतु पाणी सुगन्धित मदरूप में भरता हुआ जल water trickling like scented wine नाया० १, —वट्ठि. स्त्री० (—वर्ति) सुगंधनी पाट, अगमती, सुगन्धमय गुटिका धूअवनी; अगमवती या सुगन्धमय गुटिका a stick of perfume; a fragrant pill ओव० २६; राय० २८; भग० ११, ११, जं० प० ५, १२१. (२) इस्तूरीना गोटा कस्तूरीका गोटा-गोला a ball of musk. नाया० १, —हत्थि पु० (—हस्तिन्) भेद-भक्त हाथी-जेना गण्डस्थवभाथी सुगन्धित भः अरे छे अने जेनी गन्धथी गान्ध हाथीओ नाशी जय ते गन्ध हस्ती गन्ध हस्ती जिसके गण्डस्थल में से सुगन्धित मद भरता है और जिसकी सुगन्धि से दूसरे हाथी भाग जाते हैं-मदोन्मत्त हाथी an intoxicated elephant with rut on its temples which by its scent flightens away other elephants

ओव० राय० २३, नाया० १, कण्ठ० २, १५;
आव० ६, ११, (२) कृष्ण वासुदेवो
विजय नामनो हाथी कृष्ण वासुदेव का
विजय नामक हाथी an elephant of
Krisna Vāsudeva named
Vijaya. नाया० ५;

गंधओ. अ० (गन्धतस्) गन्ध आशी. गन्ध
से, गन्ध का आश्रयकर Through from
fragrance उत्त० ३६, १५, भग० ८,
१, १८, १०,

गंधण. पु० (गंधन) गंधन गतनो सर्प, के
जे भुकेल ओर मत्र प्रयोगथी पाछु खुसी ले
छे गंधन जाति का एक साप, कि जो मत्र
बल से अपने विष को वापिस ले लेता है A
kind of serpents named Gan-
dhana which sucks the poison
back again by the power of
spells दम० २, ८, उत्त० २२, ४४,

गंधमंत त्रि० (गन्धवत्) गन्धवाण गंध
वाला Smelling, fragrant भग०
२, ६, १०, २०, ५,

गंधमादन. पु० (गन्धमादन) लुओ " गंध-
मायण " शु० ६ देखो " गंधमायण "

शब्द. Vide " गंधमायण " सम० ५००,

गंधमायण पु० (गन्धमादन) नीलवत पर्व-
तनी दक्षिण मेरुनी उत्तरे गंधिजावती
विजयनी पूर्वे अने उत्तर कुक्षेत्रनी पश्चिमे
धोडाना अधने आधरे ओड वजारा पर्वत
छे तेनु नाम नीलवत पर्वत के दक्षिण, मेरु
पर्वत के उत्तर की ओर गन्धिलावती विजयके
पूर्व और उत्तर कुक्षेत्र की पश्चिम दिशा में
घोडे के कंधे जैसा बजारा पर्वत Name
of a Vakharā mountain in the
shape of a horse's shoulder,
it is situated to the south of
Nilavanta mount to the north

of Meru, to the east of Gan-
dhilāvati Vijaya and to the
west of Uttara Kuru Ksetra
ठा० २ ३, पराद० २, २. ज० प० —कूड
पुं० (-कूट) गंधमादन पर्वतना सात
कूटमानु भीलु कूट-शिखर गन्धमादन
पर्वत के सात कूटों में से दूसरा कूट-शिखर
the second of the seven sum-
mits of Gaudhamādana mount
ज० प० ४, ६६,

गंधय पु० (गन्धक) गंध, सुगंध सुगंधि
Smell, fragrance सु० च० १, २६५,
गंधवहिभूय-अ त्रि० (गन्धवर्तिभूत)
जेभा उत्तम सुगंधि होय तेवी गुटिका
जिस में उत्तम सुगंधि हो ऐसा गुटिका (A
pill) having high fragrance in
it. सम० प० २१०, नाया० १, १२, कण्ठ०
२, ३२; ज० प० ३, ४३.

गंधर्व पु० (गन्धर्व) गायनप्रिय व्यन्तर
देवनी ओड गान गात प्रिय व्यन्तर देवों
की एक जाति, गन्धर्व A species of
Vyantara gods fond of music
सम० ३४, ओव० २४, भग० २, ५ २६,
१२, ठा० २, २ उत्त० १, ४८, ३६, २०१,
अणुजो० ४२, विवा० २, पञ्च० १, प्रव०
१ ४४, जीवा० ३ ४ कण्ठ० ३, ४४, ज०
प० ७, १५२, ३, ५६, (२) ओड गाननी
लिपि एक प्रकार की लिपि गन्धर्व लिपि
a particular kind of script
पञ्च० १ (३) कुथुनाथना यक्षना नाम
कुथुनाथ स्वामी के यक्ष का नाम name of
the Yaksha of Kunthunāth
Swāmī प्रव० ३०६, (४) गंधर्व, गान
उरनार गंधर्व, गायक, गाने वाला a
singer विवा० ६; भग० ७, ६, नाया०
१६, (५) ओड अप्रयोगिनी त्रीश भुवन

मानु २२ भु मुहूर्त. एक अहोरात्रि के ३० मुहूर्तों में से २२वा मुहूर्त the 22nd of the 30 Muhūrtas of a day and a night जं० प० सम० ३०, सू० प० १०, (६) गंधर्व विद्या, नाटक गंधर्व विद्या, नाटक. a kind of lore, drama जीवा० ३, ३, नाया० १, १४, —अणिय-अ पुं० (-अनीक) गन्धर्वों की सेना-नाटकना ऐक्टरों, (गायन करनेवाले) गंधर्वों की सेना, नाटक के पात्र (गायन करने वाले) a party of Gandharvās or singers and actors भग० १४, ६; ठा० ७, १, —कण्ठा-स्त्री० (-कन्या) गंधर्व की पुत्री गन्धर्व कन्या a daughter of a Gandharva. नाया० ८, —घरग पुं० (-गृहक) जेमा गीत नृत्य थाय तेनुं घर, नाटक शाला नाटक-शाला, जिस में गीत नृत्य हो वह घर a theatre, a house for singing and dancing राय० १३७, —देव पुं० (-देव) गंधर्व देव गंधर्व देवता Gandharva celestial being. भग० ८, १, —नगर पुं० (-नगर) आकाशमा गंधर्व नगरने आकारे थतो वाङ्मानो देभाव गन्धर्व नगर के आकार में आकाश में बनता हुआ वादलों का बनाव-दृश्य an appearance of a Gandharva city in the sky formed by clouds अणुजो० १२७, भग० ३, ७, —लिपि स्त्री० (-लिपि) गंधर्व लिपि, अठार लिपिमान्नी ऐक अठारह लिपियों में से एक लिपि, गन्धर्व लिपि one of the 18 scripts, the Gandharva script सम० १८, —सठिय त्रि० (-संस्थित) गंधर्वने आकारे रहेल गंधर्व के सदृश-आकार में स्थित beauti-

ful in appearance like a Gandharva भग० ८, २;

गंधर्वकण्ठ पुं० (गन्धर्वकण्ठ) ऐक जतनु रल एक प्रकार का रत्न A kind of gem. राय० १२१,

गंधर्वमंडलपविभक्ति. पुं० न० (गंधर्व-मण्डलप्रविभक्ति) गंधर्वमण्डलकी विशेष रचनावाण नाटक विशेष गंधर्वमण्डल का विशेष रचना युक्त नाटक विशेष (A drama) with a particular arrangement of the party of actors राय० ६२,

गंधहारक त्रि० (गन्धहारक—गान्धारक) कंदहार देशमा रहेनार कंदहार-गान्धार देश में बसने वाला A resident of Kandahāra परह० १, १,

गंधहारग पुं० (गन्धहारक) गन्धहार देशमें निवासी. गान्धार देश निवासी A resident of the country of Gandhāra. पञ्ज० १,

गंधार. पुं० (गान्धार) नाभिथी उडेल वायु कण्ठस्थान प भी जे पास स्वरूप धरे छे ते. सात स्वर माने त्रीने स्वर नामी से उठा हुआ वायु कण्ठ प्रदेश को प्राप्त करके जो खाम-असाधारण स्वरूप को धारण करता है वह-गंधार, सात स्वरों में से तीसरा स्वर The third of the seven ascending tunes of music e g सा, री, ग etc अणुजो० १२८, ठा० ७, १, (७) गंधार नामने देश, लासमा जेने क्षत्रिय उंधार इहे छे गंधार नामक देश, ज्ञान म जिस काबुल कंधार कहते हैं the country of Gandhāra or Kandahāra. उत्त० १८, ४६,

गंधारगाम पुं० (गन्धारगाम) नदी आदि सात भू-जनानो व्याघ्रयभूत श्रुति सम

नन्दी आदि सात मूर्च्छनाओं का आधारभूत श्रुति समूह. A multitude of quarter tones which form the basis of the seven melodies, viz. Nandī etc. अणुजो० १२८,

गंधारी. क्री० (गान्धारी) अतगड सूत्रना पाचमा वर्गना त्रीण अध्ययननुं नाम अंत कृत सूत्र के पाचवें वर्ग के तीसरे अध्याय का नाम. Name of the third chapter of the 5th section of Antagada Sūtra. अंत० ५, ३, (२) कृष्ण वासुदेवनी ओ३ पट्टराणी के ने नेमनाथ प्रभुनी देशना सालगी यक्षिणी आर्यानी पासो दीक्षा लघ ११ अ ग लक्ष्मी बीस वर्षनी प्रव्रज्या पागी ओ३ भासनी संधारे डरी परमपद पास्या कृष्ण वासुदेव की एक पट्टरानी, जो नेमनाथ प्रभु के पास से देशना सुनकर-उपदेश लेकर यक्षिणी आर्याजी के पास से दीक्षा लेकर ११ अङ्गों का अभ्यास कर २० वर्ष की प्रव्रज्या पाल एक मास का संयारा-अनशन कर परमपद का प्राप्त हुई. name of a queen of Kṛṣṇa Vāsudeva who heard the preaching of lord Neminātha and took Dikṣā from a nun of the Yakṣa class She studied eleven Angas, practised asceticism for twenty years, performed Sūthārā (abstained from food and water) for one month and attained final bliss अंत० ५, ३, ठा० ८, १, (३) नमिनाथछनी देरीनु नाम नेमिनाथ स्वामी की देवी. the goddess of Neminātha प्रव० ३७८, (४) ओ नामनी ओ३ विद्या. इस नाम की एक विद्या-गंधारी विद्या a science, a branch of knowledge so named

सय० २, २, २७.

गंधावह पु० (गन्धापातिन्) ओ नामनी हरिवर्ष क्षेत्रमानो वाटलो वैताड्य पर्वत इस नाम का एक वैताड्य पर्वत Name of a mountain in Harivarsa Ksetra "गंधावहवासी अरुणादेवी" ठा० २, ३, पञ्च० १६, ठा० २, ३, भग० ६, ३१, जीवा० ३, ८,

गंधावाति पु० (गन्धापातिन्) अभ्युदवास क्षेत्रना मध्यभागमां आवेन ओ३ वाटलो वैताड्य पर्वत रम्यकवाम क्षेत्र के बीच में का एक वैताड्य पर्वत Name of a mountain in the middle of Ramyakavāma Ksetra ज० प० जीवा० ३, ८

गंधि पु० (गन्धिन्) गंधवायु गन्ध वाला Smelling; fragrant नाया० १,

गंधिय त्रि० (गन्धित) सुवासित गंधवायु सुवासित, गन्धयुक्त. Smelling, fragrant ओव० भग० ११, ११, नाया० १, १६, ज० प० ५, १२३, (२) इरीयायु गंधीयायु किराणा groceries वव० ६, २१, २४ —शाला क्री० (-शाला) गंधीयायु वेयवानी नग्या गन्धप्रधान पदार्थों के बेचने की शाला, इत्र आदि बेचने की दुकान a place for selling grocery वव० ६ २१ २४ २५ २६, ३०, (२) इवावनी दुधन कलाल की दुकान a liquor-shop वव० ६, २१,

गंधिल पु० (गन्धिल) पश्चिम महाविदेहा उत्तर भाण्डवानी सीतोदामुख वन नग्यी ७ भी विजय पश्चिम महाविदेहके सीतोदामुख वन की ओर में ७ वीं विजय The 7th Vipaya in the direction of the Sītodāmukha forest, in the north of western Mahāvideha

(२) એ વિજયનો રાજા ઉક્ત વિજય का राजा. name of a king of the above Vijaya. “गंधिलेविजये अवज्झा रायहाणीदेवे वक्खारपव्वए ” ज० प० ६;
गंधिला. स्त्री० (गन्धिला) गंधिलाविजय
गंधिलावती विजय Gandhilā Vijaya.
“ दो गंधिला ” ठा० २, ३;

गंधिलावई स्त्री० (गन्धिलावती) पश्चिम
महाविदेहा उत्तर भाष्यवानी सीतोदाभुष
वनथी आहमो विजय पश्चिम महावेदेह के
उत्तर खण्ड म के सीतोदामुख वन से आठवीं
विजय The eighth Vijaya
from the Sitodāmukha forest
in the north of western Mahā-
videha “ गंधिलावई विजए अउज्झा
रायहाणी ” ज० प० ठा० २, ३, (२) पुं०
गधमादन पर्वतना सात कूटमानुं त्रिभु कूट-
शिखर. गन्धमादन पर्वत के सात कूटों में से
तीसरा कूट शिखर the third of the
seven summits of Gandha-
mādana mount ज० प०

गंभीर. त्रि० (गम्भीर) तोड़ो नही ते;
सागर पेटी, गंभीर. सागर के समान; गंभीर.
Grave; deep sounding, serious.
उत्त० २७, १७, ओव० १७; नंदी० स्थ०
२८; नाया० १; १६; (२) उडुं; अगाध;
थाग विनातुं. गहरा; अघाह. unfathom-
able ज० प० ५, १, १५; ४, ७४, ठा० ४,
४; ओव० २१; नाया० ४, राय० २५४, (३)
गहन, गीयमाडीवाणुं गहन, सघन, बहुत
झिझियों वाला of dense thicket
नाया० १; ५; भग० ३, १; २; ६, ५; ११,
११, विशेष० ३४०४; पन्न० २; कप्प० ३,
३२, (४) प्रकाशरहित; अंधारावाणुं
प्रकाश रहित; अंधकारमय. without
light नाया० १, दस० ४, १, ६६

—उदहि. पुं० (-उदधि) ઉડા પાણીવાલો
દરિયો गहरे पानीवाला दर्या-समुद्र. deep
sea; sea with deep water. ठा० ४,
४; —आंभसि त्रि० (-अवभासिन्) गं-
भीर दृष्याय એવું ગંભીર પ્રતીત હોનેવાલા of
settled or of grave appearance.
ठा० ४, ४; —पयत्थ. पुं० (-पदार्थ)
ગહન પદના અર્થ, ન જાણી શકાય એવા
પદાર્થ. गहन-कठिन पदों का अर्थ-मतलब, न
जाना जासके ऐसा पदार्थ. the meaning
or purport of difficult words;
an incomprehensible thing.
पंचा० ४; २४, —पोयपट्टण न० (-पोत-
पत्तन) વહાણુના ઠાહવાની જગ્યા. जहाज के
ठहरने की जगह; पत्तन, बन्दरगाह. a
place where ships are anchor-
ed “ जेणेव गंभीर पोयपट्टणे तेणेव उवा
गच्छति ” नाया० ८, १७;

गंभीरमालिणी. स्त्री० (गम्भीरमालिनी)
સુવલ્ગુવિજયની પૂર્વ સરહદ ઉપરની એક
અન્તરનદી સુવલ્ગુવિજય की पूर्वीय सीमा
ऊपर की एक अन्तरनदी. A small
river on the eastern border of
Suvalguvijaya “ दो गंभीरमा-
लिणीउ ” ठा० २, ३, ज० प०

गंभीरविजय पुं० (गम्भीरविजय—गम्भीरम
प्रकाशं विजय आश्रयः) અગાધ આશ્રય-
અધારાવાણું સ્થાન ગંभीર—અંધકારમય વિ-
જય—આશ્રય—સ્થાન A dark place.
દસ० ૬, ૫૬;

गंभीरा स्त्री० (गम्भीरा) ચાર ઇન્દ્રિયાવાળા
જીવની એક જાત ચાર ઇન્દ્રિયો વાળા એક
જીવ A living being with four
senses પન્ન० ૧;

गकारपविभक्ति. पुं० (गकारपविभक्ति) ના-
ટકનો એક પ્રકાર, ૩૨ પ્રકારના નાટકમાનુ

ऐक नाटक का एक भेद, ३२ प्रकारके नाटकों में से एक. A kind of drama; one of 32 kinds of drama. राय० ६३, गगण. न० (गगन) आकाश; गगन आकाश The sky: “ गगणमिवनिरालवो ” ठा० ६, पि० नि० १७५, ओव० १७, ३१, नाया० १, भग० २०, २, जीवा० ३, ४, राय० ६, कप्प० ३, ३८, — गण. पु० (-गण) गगनरूपी गण; समूह आकाशरूपी समूह a multitude in the form of the sky, sky appearing like a heap. “ ससिच्च द्वाणं गगणगण संत ” निसी० २०, २, — तल न० (-तल) आकाश तल the surface, vault of the sky. “ गगणतलविमल-विपुल गमण गट्ठ च वलचलियमणप्पवण जइण सिगवेग्गा ” भग० ६, ३३, ज० प० ४, ११७, सम० प० २१३, नाया० ५, ६, ६, १६, निर० ५, १, — मंडल न० (-मंडल) आकाशमण्डल आकाशमंडल. the circle or sphere of the sky. कप्प० ३, ३८, ४५,

गगणवल्लभ न० (गगनवल्लभ) वैताड्यपर्व-तनी दक्षिण तट्टनी विद्याधर श्रेणीनुं मुख्य नगर वैताड्यपर्वत के दक्षिण ओर का विद्या-धर श्रेणी का मुख्य नगर The principal town of the Vidyādhara Śreni to the South of Vaitādhya mountain ज० प० १, १२:

गगणवल्लह न० (गगनवल्लभ) लुओ “ गग-णवल्लभ ” शब्द देखो “ गगणवल्लभ ” शब्द Vide ‘ गगणवल्लभ ’ ज० प० १, १३,

गग्ग पु० (गार्ग्य) गार्ग्यगोत्रमा उत्पन्न थयेन गर्गनामना आचार्य के जे पोताना अविनीत शिष्योथी इटाणी जे छे छेते तेमनो त्याग करी ओइइसी समाधिभवमां ग्या अने आत्म-

श्रेय इर्थु गार्ग्य गोत्र में उत्पन्न गर्गनाम का आचार्य, जो अपने आवेनीत शिष्यों से तग आकर अन्त में उनका त्याग कर अकेला ही समाधिभाव में स्थित हुआ और आत्मकल्याण को प्राप्त हुआ. An ascetic of the name of Garga, born in the Gārgya family He was disgust- ed with his impudent disciples and so he abandoned them and secured spiritual bliss by prac- tising meditation in solitude उत्त० २७, १, (२) गौतमगोत्रनी ओइ शाखा अने तेमा उपजेन पुअ गौतम गोत्र की एक शाखा और उसमें उत्पन्न मनुष्य an offshoot of the Gautama line of descent, a person born in that offshoot. ठा० ७, १

गग्गय. त्रि० (गद्गद) गद्गद स्वर-आवाज A low and inarticulate sound expressing joy or grief. सु० च० ३, ६८,

गग्गर न० (गद्गद) श्वास उधाता ओइवु ते, गद्गद स्वर होते हुए गले से बोलना; गद्गद स्वर Speaking with obstruc- ted breath भग० ३, २ ज० प० ७, १६६;

गङ्गागद्ग खं० (गत्यागति-गतिश्चागति श्रुति) गति अने आगति, अनुकूल गमन करतु ते-गति-प्रतिकूल आवतु ते आगति गति और आगति, गमनागमन, गति-अनु-कूल गमन, आगति-प्रतिकूल आगमन Coming and going, passing and repassing विगे० २१५६

गङ्गागमि त्रि० (गत्यागमिन) गनियरे आव-ना० आसीने आवना० गति द्वारा आन वाला. चलकर आने वाला One com-

ing on account of his being in a particular condition of existence. विशेष ३१५४;

✓ गच्छ धा० I. (गम्-गच्छ) ७५; व्याख्युं. जाना, चलना. To go; to walk; to move.

गच्छइ भग० ७, १; निसी० १६; २४; जं० प० ५, ११५; ७, १३३; वव० १, २३; २, २३; सू० प० १; सूय० १, १, २, १६, दस० ५, २, ३२; ८, ४४; राय० ३८;

गच्छंति नाया० ५; ८; १६, दस० ४, २८, जं० प० ७, १३७;

गच्छं ठा० ३, ३; राय० २५२;

गच्छामि. नाया० ५, ८, १५; १६; भग० २, १, ५, ४; १८, १०, जं० प० ५, ११५;

गच्छेज्जामि. क० वा० विवा० नाया० १६;

गच्छामो भग० २, १, ५, ३, २, नाया० ५; ८, १३, १८; जं० प० ५, ११२; १८, दस० ७, ६, सूय० २, ७, १५, श्रोव० २७,

गच्छेज्ज वि० पञ्च० ३६;

गच्छेज्जा वि० भग० ३, ५, ६, ५, १३; ६; नाया० ६, वव० १, २३, २, २३,

गच्छेज्जाहि आ० नाया० ६;

गच्छिज्जा. विवि० दस० ४;

गच्छतु नाया० १६,

गच्छ. नाया० १, २; ६,

गच्छह नाया० १; ३, ५, ८, १२; १३, १४; १५, १६,

गच्छेह. नाया० ८;

गच्छाहि भग० ५, ४, नाया० १; ८, जं० प०

गच्छिहिति, भग० २, १, ७, ६, १४, ८, १५, १, १७, १, श्रोव० ४८,

गच्छिहिति भग० ३, १, ७, ६, नाया० १,

नाया० ध०

गच्छिता, स० कृ० नाया० २; ३;

गच्छंत व० कृ० श्रोव० २०, सूय० १, १,

१ २७, आया० २, १, ३, उत्त० ५,

१३, पंचा० १२, १८; भग० १४, ३;

गच्छमाण भग० ३, ३, ७, १; ७; १२,

६; २५, ६; ७, निसी० ८, ११,

गच्छ पु० (गच्छ) समुदाय; समूह समुदाय, समूह. A group; a multitude e. g. of the followers of an Āchārya अणुजो० ६७, (२)

गण; संध; साधु समुदाय गण, सघ,

साधु समुदाय a collection, an

assembly of Sādhus “ गच्छंमि

सत्त्वसित्ताण” गच्छा० २, ७५, प्रव० ६२३,

पंचा० १८, ७,—वर त्रि० (-वर) समग्र गच्छ

-समुदायभां श्रेष्ठ सव सघ गच्छ में श्रेष्ठ.

the best among all groups गच्छा०

११७,—वास्त पु० (- वास्त) साधु समुदायभां

रहेवुं ते साधु समुदाय में रहना resid

ing amongst Sādhus प्रव० ५३१,

गच्छागच्छि अ० (गच्छागच्छि—गच्छेन

गच्छेन भूत्वा) ओ३ आचार्यनी परिवार ते

गच्छ अने गच्छ गच्छना साधुओ बेगाथध

टोणाभां गोह्वाय ते गच्छागच्छि डेव्याय

एक आचार्य का परिवार-शिष्य प्रशिष्य गच्छ

होता है, और कइ एक गच्छों के मातु मिल

कर मण्डली रूप में हो तो गच्छाधिगच्छ

होता है. A multitude of the

followers of one Āchārya or

head of an order of saints as-

sembling together with other

similar multitudes. श्रोव० २१,

गजसुमाल पु० (गजसुकुमार) देवकीशतो

नदानो पुत्र, कृष्ण महागजना नदाना साथ

डे जेले दुभागवस्थाभा नेमनाथप्रभु भाभे

दीक्षा लई आरभी लिङ्गपडिमा आदरी
अग्निने असह्य परिपह उती देवदत्तान
मेण्यु, दीक्षा लई अेकज दिवसमां भोक्षे
पहोन्था देवकीजी का छोटा पुत्र, कृष्ण
महाराज का छोटा भाई, जो कि कुमारवस्था
में ही नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर, भिक्षु
की वारहवीं प्रतिमा का पालन कर अग्नि का
अमह्य परिपह जीतकर केवलज्ञान को प्राप्त
हुआ, दीक्षित होकर एक ही दिन में मोक्ष
को प्राप्त हुआ Name of the younger
son of Devakī, and younger
brother of Lord Krishna He
took Diksā from Lord Nema-
nātha in young age, practised
the 12th ascetic vow, bore the
intense pain caused by fire
and attaining perfect know-
ledge became Siddha, (all
this took place in one day)
ठा० ४, १;
✓ गज्ज धा० I (गर्ज्) गाज्जु, गर्ज्ना
करवी गर्जना, गर्जना करना To roar, to
thunder.
गज्जइ-ति नाया० १, भग० ३, २,
गज्जति राय० १८३, जीवा० ३, ४, ज० प०
५, १२१,
गज्जित्ता सं० कृ० भग० ३, २,
गज्ज न० (गद्य) गद्यअध, इविता डे छे
विनानु लभाणु गद्यवन्द, छन्द विना की
रचना Piosse writing ठा० ४, ४,
जीवा० ३, ४, राय० १३१
गज्जफल न० (गज्जफल) गाज्जलादीनयेपु
अरभवत्स. फलालेन, एक प्रकार का रूईदार

गरम वस्त्र. Warm cloth known by
the name of gauze flannel आया०
२, ५, १, १४५,
गज्जर. न० (गृज्जन) गाज्जर गाजर A
turnip प्रव० २३६;
गज्जित्तर. वि० (गर्जित्) गाज्जित्तर, गर्ज्ना
करना गर्जना करने वाला Roaring,
thundering ठा० ४, ४,
गज्जियत्र न० (गर्जित) गर्ज्ना. गाज्जुं ते
गर्जना Thundering, roaring जीवा०
३, ३, सु० च० २, २४२, भग० ३, ७,
नाया० १, ८, ६, ठा० १०, १ अणुजो०
१२७, ओष० नि० ६४३, ज० प० कप्प० ३,
३३, ४४, गच्छा० ६५, प्रव० १४६६,
गज्जम् त्रि० (ग्राह्य) अणु करवा योग्य
ग्रहण करने के योग्य Worthy of
being taken, acceptable- विजे०
८४८,
गड्ढ पु० (गर्त) आडो सड्ढा A pit, a
ditch भग० ३, २, ७, ६, (२) गाडर
भेट a she-goat, a ewe सु० च०
४, १५७,
गड्ढय पु० (गर्तक) आडो, आड खड्ढा. A
pit, a ditch भग० ६, ३१,
सगड्ढय न० () गाड्ढ. गाडी A
cart सु० च० १२, ५८,
गड्ढा खी० (गर्ता) मोटी आड वडी गाडी
A large ditch ज० प० दसा० ७, १
जीवा० ३, निर० ३, ३,
सगड्ढी खी० () गाडी गाडी A
cart सु० च० १४, ६६,
गद्दिद्वय त्रि० (गृह) आनक्ति पानेय
मूर्च्छित, आसक्त Infatuated, deeply

१. लुओ ५४ नम्बर १५ ती फुटनोट (•) देखो पृष्ठ नम्बर १४ की फुटनोट (•) Vido
foot-note (*) p 15th

attached; greedy. दसा० ६, १;
 आया० १, १, २, १६;
 छगढ. पुं० (*) द्विलो; गढ किला;
 गढ. A castle; a fort सु० च० १,
 ३२६; ४, ४०,
 गढिय त्रि० (गृह) गृह; आसक्त. आसक्त.
 Very greedy; wistful भग० ७,
 १, पि० नि० २२६, नाया० २; ५, (२)
 अत्यंत बहुत ज्यादा. too much
 परह० १, २;
 गढिय त्रि० (अधित) गुथेन; आधेन बन्वा
 हुआ; बद्ध. Tied, knitted. सूय० १,
 १, ३, १५, आया० १, ५, ६, १६५;
 ✓ गण. धा० I. (गण) गणना કરવી
 गिनती करना To count
 गणितं. हे० कृ० सु० च० ४, १६२;
 गणेशाण व० कृ० भग० १५, १,
 गणित. क० वा० अणुजो० १३३;
 गण. पु० (गण) समुदाय; समूह; टोली.
 समूह, समुदाय A crowd, a mul-
 titude भग० १, १; ५, ६, ६, ५,
 ७, ९, ८, ८, १२, २, १६, ५, १८, ७;
 उवा० १, ५८, जं० प० सम० ६; नाया०
 १; ५, परह० २, ३; नदी० ८; ओव० राय०
 २५३, उत्त० १५, ६, अणुजो० ५७, प्रव०
 ५५७, क० गं० १, ३६; कप्प० ४, ६२;
 (२) गणुतुं, गणना કરવી. गिनना; गिन्ती
 करना. reckoning, calculation
 अणुजो० १३३, (३) मल्ल आदिनी
 समुदाय. मल्ल-पहलवान आदि का समुदाय
 a party of athletes etc पि० नि०
 ४४१; (४) गच्छ, समान क्रियावाणा साधुनी
 समुदाय. गच्छ, समान क्रिया-आचार विचार

वाला साधु समुदाय an order of
 ascetics observing the same
 rules of conduct. सम० ८; दसा०
 २, ६; वव० १, २६, २, २४; ६, २७, १०,
 ११; निसी० १६, १०; नाया० ८; ओष०
 नि० ६८८, पि० नि० १६३; भग० २५, ७,
 (५) चान्द्रादि धुलनी समूह; डाटिकादि
 गण; संधनी ओष लाग. चाद्रादि कुल
 का समूह; कोटिकादि गण; संध का एक
 भाग. a collection of families
 like Chāndra etc.; a por-
 tion or sub-division of a religi-
 ous sect ओव० २०, परह० २, ३,
 ठा० ३, ४; —अभिओग. पुं० (-अभि-
 योग) गण-समुदायनी आता गण-समु-
 दाय की आज्ञा; गच्छ का आदेश com-
 mand of a Gana or an order
 of saints under one head भग०
 ७, ६, प्रव० ६५३; —टकर पु० (-अर्थ-
 कर) गण-समुदायतु काम કરનાર गण-
 समुदाय का कार्य करने वाला. (one)
 who transacts the business of
 the brothers of the same order
 of saints. ठा० ४, ३; —णायग पु०
 (-नायक) गणुनी-जनसमूहनी आगे
 यान भाष्य समुदाय-मनुष्य समूह का
 अणुआ. the leader of a multi-
 tude. नाया० १; —तथकर पु० (-अर्थ-
 कर) लुओ " गणटकर " शब्द देखो
 " गणटकर " शब्द Vide "गणटकर"
 वव० १०, ४, ५; ६, ६; —धम्म पु०
 (-धर्म) महावीर स्वामिओ स्थापित साधुनि
 समुदाय रूप गणुनी धर्म-धुन आगिय रूप

गणुतीथनी धर्म-अणुवत महाव्रतादि रूप.
 गण-गच्छ का धर्म-आचार, महावीर स्वामी
 द्वारा स्थापित साध्वादि समुदाय रूप गणका
 धर्म-श्रुत चारित्र रूप, गण-तीर्थ का धर्म-
 अणुवत महाव्रतादि रूप. the religious
 principles of an order of saints
 e. g. that established by Ma-
 hāvīrasvāmī, religious princi-
 ples of a sect, e. g. minor
 vows, great vows etc अ०
 १०, ज० प० २, ३५, —नायग. पु०
 (-नायक) अ० " गणनायग " शब्द
 देखो " गणनायग " शब्द vide " ग-
 नायग " अणुजो० १२८, ओव० नाया०
 १, राय० २५३, —पडिणीय त्रि०
 (-प्रत्यनीक) गणुतो शत्रु. गण का शत्रु
 an enemy of an order of saints
 भग० ६, ३२, —माण न० (-मान) गणुतु
 मान प्रमाण. गण का मान, गच्छ का प्रमाण
 the limit of an order of ascetics
 प्रव० ६३३, —राय पु० (-राज-समुत्पत्ते
 प्रयोजने ये गणं कुर्वन्ति ते) समूहनी राजा, कार्य
 वधते सोने ओझा डरी शङ्के ते सामन्त समूह
 का कार्य पढ़ने पर सबको इकट्ठा कर सके ऐसा,
 सामन्त वगैरह a sovereign king
 having feudatory princes under
 him भग० ७, ८, —विउत्सग पु०
 (व्युत्सर्ग) गणु गच्छने परित्याग गच्छ
 का परित्याग desertion, abandon-
 ment of an order of saints भग०
 २५, ७, —वेयावृत्त पु० (-वैयावृत्य)
 गणुनी सेवा, वैय वृत्यतो नवभो भेद गण की
 सेवा वैयावृत्य का नौवा भेद ninth
 variety of serviceableness, viz
 service to an order of monks
 वव० १० ८ १०, भग० २५ ७

—संग्रहकर पु० (-सग्रहकर) समुदाय-
 नी आधार अने ज्ञान वगैरधी सग्रह करनेवाला.
 आहार और ज्ञान आदि का संग्रह-संचय
 करने वाला. one who preserves or
 extends the circle of his sect
 by food, knowledge etc वव०
 १०, ४; ५, ६, ७, —संग्रहण पु०
 (-सग्रहण) साधु समुदाय ओझा डरेवा
 ते साधु समुदाय को एकत्रित करना
 assembling a multitude of
 Sādhus or saints गणि० २७,
 —संपया स्त्री० (-सम्पत्) गणु-गच्छ-
 समुदायनी संपदा गच्छ-समुदाय की
 सम्पत्ति the power or authority
 of an order of ascetics
 regarded as wealth प्रव० ५५३,
 —सामायारी स्त्री० (-समाचारी) साधुनी
 समुदायनी समाचारी. साधुओं के समुदाय
 की समाचारी education of an order
 of monks in austerities etc दसा०
 ४, ७०, —सोभाकर त्रि० (-शोभाकर)
 समुदायने शोभायनार समुदाय को सुशोभित
 करने वाला, गच्छ की शोभा बटाने वाला
 one who is an ornament or a
 jewel of an order of saints वव०
 १०, ८, ६, —सोहिकर त्रि० (-शोवि-
 कर) गणुनी शुद्धि करनेवाला, गच्छनी सभा
 लेनार गण की शुद्धि करने वाला, गच्छ की
 देखरेख करने वाला. one who bestows
 care on an order of saints one
 who refines an order of saints
 वव० १०, ४, ५, ६, ७
 गणग पु० (गणक) गणु न्यायनी नान्य
 गणुना, न्यायनी गणक न्यायनी, गणिन
 निया को जाननेवाला An astrologer
 ओव० नाया० १ रूप० ४, ६२

गणण न० (गणन) गणुनुं, गणुनी करनी
गिनती करना; गिनना. Calculation;
reckoning विशेष० ६४०;

गणणा. स्त्री० (गणना) गणुनरी, गे३ दस,
सौ ४८।दि इमथीगणुया गणना-गिनती,
एक, दस, सौ आदि क्रमसे गिनना. Cal-
culation; counting. अणुजो० १४६;

—अइरित्त त्रि० (-अतिरिक्त) गणुना-
संख्याथी लु३ संख्या से अतिरिक्त; गिनती
से बाहिर. beyond calculation; dif-
ferent from calculated amount.
निसी० १६, २५ —अणंतअ पु० (-अनन्तक)
गणुवानी अपेक्षासे अनन्त; संख्या अ.श्री
अनन्त गणना की अपेक्षासे अनन्त; संख्या के
लिहाज से अनन्त. incalculable; count-
less; beyond calculation. ठा० ५,
३; —अणुपुञ्जी स्त्री० (-अनुपूर्वी)
संख्या विषयक अनुपूर्वी; अनुक्रम. संख्या
विषयक अनुपूर्वी-अनुक्रम serial order;
order of numerical calculation
अणुजो० ७१;

गणहर पु० (गणधर) गणुधर; तीर्थहरना
मुખ्य शिष्य गणधर, तीर्थकर का मुख्य
शिष्य The principal disciple of
Tirthankara; the Ganadhara
जं० प० २, ३३; नाया० ८, वेय० ४, १५,
भग० ४२, १, विशेष० ५५०; भक्त० १०४;
(०) आचार्यनी आज्ञानुसार साधु
समुदायने लघु महीम उलमा विचरनार समर्थ
साधु आचार्य की आज्ञानुसार साधु समुदाय
को लेकर महीमण्डल पर विचरने वाला
समर्थ साधु the able ascetic who
wanders over the world along
with other ascetics by the
order of the head preceptor
आया० २, १, १०, ५६, पत्र० १६; सम०

८, गत० २७; १; नंदी० स्थ० २१;

—प्रमाण न० (-प्रमाण) गणुधर-
तीर्थहरना मुખ्य शिष्योनुं प्रमाण गणधर-
तीर्थकरों के मुख्य शिष्यों का प्रमाण the
authority of the chief disciples
of Tirthankara, known as Ga-
nadhara. प्रव० ३३२;

गणावच्छेदय. पु० (गणावच्छेदक) भीम
साधुओने साथे राभी ने महीम उलमा
विचरे ते दूसरे साधुओं को साथ लेकर
पृथ्वी मण्डल में विहार करने वाला One
who wanders over the world
along with other ascetics
कप्प० ६, ४६;

गणावच्छेदयिणी स्त्री० (-गणावच्छेदिनी)
गणुनी साध्वीओनी सारसंलाय करनार
साध्वी गण की साध्वीओं की देखरेख करने
वाली साध्वी. A female ascetic
who provides necessary things
to the nuns of the same order
वव० ५, ३;

गणावच्छेदय. पु० (गणावच्छेदक) गणुना
साधुओनी सारसंलाय करनार गण के
साधुओं की देखरेख करने वाला One
who provides necessary things
to the monks belonging to the
same order आया० २, १, १०, ५६;
वव० १, २६, २७, २८; २६, २, ७, ३,
१५ वेय० ४, १५;

गणावच्छेदयत्ता न० (गणावच्छेदकत्व)
गणावच्छेदयत्ता गणावच्छेदकता, गण
संचालकत्व State of being a pro-
vider of necessary things to an
order of saints वव० ३, १५, वेय०
४, १६;

गणावच्छेदयत्ता स्त्री० (गणावच्छेदकता)

लुओ “ गणावच्छेदयत्त ” शब्द देखो
“ गणावच्छेदयत्त ” शब्द. Vide “ गणा-
वच्छेदयत्त ” वव० ३, ७,

गणावच्छेद पु० (गणावच्छेदक) साधु
समुदायनी वस्त्र पात्रादि आहार्यी सार
संभाल करनार साधु साधु समुदाय की
वस्त्र, पात्र आदि द्वारा सार संभाल देखरेख
करने वाला साधु A Sādhu who pro-
vides the monks of an order of
saints with food, clothes,
vessels etc पञ्च० १६

गणि पु० (गणिन्-गण साधुसमुदायोऽस्ति-
यस्य) आचार्य, सूरि, गच्छना उपरी
आचार्य, सूरि; गच्छाधिपति. The head
of an order of saints, an
Āchārya अणुजो० ४२, ठा० ४, ३,
आया० २, १, १०, ५६, सम० १; दस०
६, १, ६, १५, पि० नि० ३१५, निसी०
१४, ५, पञ्च० १६, उवा० २, ११६, भक्त०
२३ कण्ठ० ८, पचा० १२, ४७, प्रव०
१६८, ५५७, गच्छा० २०, ११२, —आ-
गमसंपन्न. न० (—आगमसंपन्न) गणि-
आचार्यना शास्त्रोभा कुशल. गणि आचार्य
के शास्त्रों में कुशल proficient in the
Sūtras dealing with numerical
calculations दस० ६, १, —पिडग
न० (—पिटक-गणो गच्छोऽस्ति यस्य स गणि
तस्य पिटकम्) जिन प्रवचन, जैन तत्त्वो
भग्नो, आचार्यनी पेटी छे जेनी अन्तर
शास्त्रीय तत्त्वो भरवाभा आचार्य होय ते-
आचार्याणां सूत्र जिन प्रवचन, जैन तत्त्वो
का रजाना, आचार्यों की पेटी तिजोरी,
जिसमें शास्त्रीय तत्व भरे हुए हों, आचाराज्ञादि
अगसूत्र the treasury of Jaina
canonical scriptures, literally,
the box of an Āchārya filled

with scriptures. भग० १६, ६,
२०, ८, ४२, १; सम० ५७, मत्था० ८१,
ओघ० नि० ७६०, —पिडय न० (—पि-
टक) लुओ “ गणि-पिडग ” शब्द
देखो “ गणि-पिडग ” शब्द vide
गणि-पिडग ” भग० २५, ३, —पिडग
न० (—पिटक) लुओ ‘ गणि-पिडग ’
शब्द देखो ‘ गणि पिडग ’ शब्द vide
‘ गणि पिडग ’ ओव० १६, —भाव पु०
(—भाव) आचार्यपणु, गणि-आचार्यनी
भाव आचार्यत्व, आचार्यपणा status of
an Āchārya, Āchāryahood
उत्त० २७, १, —वसभ. पु० (—वसभ)
गणि-आचार्योभा श्रेष्ठ आचार्यों मूरियों में
श्रेष्ठ the chief among the
Āchāryas. भक्त० १२, —संपया
स्त्री० (—सपद्) आचार्यनी ६४ संपदा
आचार्य की ६४ सम्पदा the 64 ac-
quisitions of an Āchārya भक्त०
२३, दसा० ४, १०६,

गणित्र. त्रि० (गणक) गणितवेत्ता, ज्योतिषी
गणितवेत्ता, ज्योतिषी A mathemati-
cian अणुजो० १४६ जं० प० २, १६
गणिणी स्त्री० (गणिनी) गणमा भेदित
साध्वी, प्रवर्तक साध्वी. गण में बड़ी साध्वी-
प्रवर्तिका साध्वी The principal
female ascetic of the order
गच्छा० ११६,

गणित न० (गणित-गण्यते इति) गणितज्ञता
गणितकला A numerical script
नाया० १, (२) अक्षिपि अक्षिपि
a particular kind of script पञ्च०
१, —व्यहारा त्रि० (—प्रधान) गणित छे
प्रधान जेभा ते गणित प्रधान an art in
which mathematics occupies a
prominent part नाया. १,

गणिता. स्त्री० (गणिता) गणितपथ, गणित-
आर्यनी पद्धती गणितपद, गणितार्य की पदवां.
Headship of an order of saints
ठा० ३, ३, वव० ३, ७;

गणिम त्रि० (गणय) गणित, ओक भे त्रि
वगेरे सभ्याथी गणाय ते एक, दो, तीन
आदि संख्या से जो गिना जासके Capable
of numerical calculation, cap-
able of countable अणुजो० १३२,
नाया० ८; ६, १५; विवा० २;

गणिय न० (गणित) गणित कला, हिसाब की कला
Art of mathematics, numeri-
cal calculation ओव० ४०; अणुजो०
१४६; तंदु० भग० ६, ७; नाया० १; ८,
परह० १, ५, ज० प० ओघ० नि० भा० ५;
(२) गणेशु; संख्या करेशु गिना हुआ.
counted वेय० ४, २८; निसी० ६, २०,
प्रव० १२३३ — पहाण त्रि० (—पधान)
नेमा गणितकला मुभ्य छे ते गणितप्रवान,
जिसमें गणित कला मुख्य है वह, ज्योतिः-
शास्त्र का एक अंग that in which
mathematics is the prominent
factor, a division of astrology.
काप० ७, २१, —लिपि स्त्री० (—लिपि)
गणितलिपि; १८ लिपिभानी ओक गणित
लिपि, १८ लिपियों में से एक लिपि one
of the 18 scripts, the script of
numbers सम० १८;

गणिया-आ. स्त्री० (गणिका) गणिका,
वेश्या. वेश्या; बाजार की औरत A
harlot; a public woman. भग०
११, ११, नाया० १; ३; ५; १६, विशेष०

६२८, अंत० १, १, निर० ५, १; कप० ५,
१०१; विवा० २, अणुजो० ६६; —सहस्र.
न० (—सहस्र) ७०१२ वेश्याओ. हजार
वेश्याएं. a thousand harlots.
विवा० २;

गणिविज्ञा स्त्री० (गणि विद्या) २६ उत्कालि-
क सूत्रमानुं वीसमु सूत्र २६ उत्कालिक
सूत्रों में से बीसवां सूत्र. The 20th of
the 29 Utkālīkā Sūtras,
नदी० ४३,

गणेतिया. स्त्री० (.) हाथने भेरपो,
संन्यासीनां हाथनु आभरण संन्यासी के
हाथ का एक आभरण A rosary for
the hand, an ornament in the
case of an ascetic. ओव० ३६, भग०
२, १, नाया० १६;

गत त्रि० (गत) गये. गया हुआ; पहुँचा
हुआ Gone. (२) प्राप्त थये. प्राप्त.
obtained, acquired. नाया० १,

गति स्त्री० (गति) नरक आदि गतिमा ज्युं
ते नरक आदि गतियों में जाना Passing
from one state of existence in-
to the state of hell etc ठा० १,
१, (२) नरक आदि चार गति नरक
आदि चार गतिया the four states of
existence viz hell etc उत्त० ५, १२,
(३) गमन, यात्रा, ज्युं ते गमन,
चाल the act of going भग० ३, १,
२५, ३, ६, ८, पञ्च० १३, सू० प० १०;
—नामनिहत्ताउ-य त्रि० पु० (—नाम-
निहत्तायुप्) गतिने अनुसार नामधर्मना
पुद्गलनी साथे आयुधर्मना यध गति के
अनुसार नाम कर्म के पुद्गल के साथ आयुध

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th

कर्म का बन्ध. Karmic bondage for the period of the life of Nāma-karma atoms, according to the condition of existence in which a soul is. भग० ६, ६; पञ्च० ६; —रागति. स्त्री० (-आगति) गति अने आगति, ओ३ गतिभांथी थी३ गतिभां ओ३ अने थी३ गतिभांथी आ गतिभां आयुं ते. गति और आगति-गमनागमन, एक गतिमें से दूसरी गतिमें जाना और दूसरी गतिमें से इस गतिमें आना. coming and going back from one state of life into another भग० ११, १, २१, १, २४, १, —लक्षणा न० (-लक्षण) गतिरूप धर्मास्त्रिकायनु लक्षण. गति रूप धर्मास्त्रिकाय का लक्षण. the nature of Dharmāstrikāya in the form of motion भग० १३, ४; —विसय पुं० (-विषय) गतिने। विषय-ग्वानी शक्ति. गति का विषय, चलने की शक्ति the object of motion, the power of movement भग० २०, ६, गत्त न० (गात्र) शरीर. शरीर; शरीर के अंग Body. a bodily limb. ओ३० २२, भग० ३, २, ६, ३३; १६, १, १६, ३; नाया० १, २; ६; सु० च० २. ७७, १३, २४, पञ्च० २, कप्प० ४, ६२, गत्त पुं० (गर्त) खाँडा खड्डा A pit, a ditch भग० १५, १; जीवा० ३, ३; नाया० १, गत्तग. न० (गात्रक) पदंगादिनी धसुं अने उपशं. पलगादि के ईस व अन्य आधार रूप साधन. The logs of wood making up a bed stand etc. राय० १६१, गत्ता. स्त्री० (गर्ता) भेटी भाँच बडी-गहरी खाई. A large ditch जे० प०

गहतोय. पुं० (गर्दतोय) पायभां देवलोकनी नीचे कृष्णराज विमानभां रहेता। लोकान्तिक देवतानी नय अति पैथी ओ३ अत. पांचवें देवलोक के नीचे कृष्णराज विमान में रहने वाले लोकान्तिक देवों की नौ जातियों में से एक जाति. One of the nine classes of Lokāntika gods residing in the Kṛṣṇarāji heavenly abode under the fifth Deva-loka. “ गहतोय तुसियाणं देवाण सत्त देवा सत्त देवसहस्सापणत्ता ” ठा० ७, प्रव० १४६२, सम० ७७; ठा० ६; भग० ६, १, नाया० ८,

गहभ पुं० (गर्दभ) गधेडा. गर्दभ, गधा. An ass, a donkey. पञ्च० १, सूय० १, ३, ४, ५, २, २, ४५; दसा० ६, १२, गहभालि. पुं० (गर्दभालि) गहभांलि नामना साधु, सज्जनि राजने समझानार. सज्जनिना गु३ इस नाम का एक साधु, संयति राजा को समझाने वाला संयति राजा का गुरु An ascetic named Gardabhālī who enlightened king Sañjati उत्त० १८, १६, (२) अंध३ सन्यासिना गु३ स्वधक संन्यासी का गुरु the preceptor of Khandhak a Sanyāsī भग० २, १,

गहह पुं० (गर्दभ) जुओ “ गहभ ” शब्द देखो “ गहभ ” शब्द. Vide “ गहभ ” सम० ३०; पि० नि० ४४६,

गज्ञा. स्त्री० (गण्या) सण्या, गणुना मक्या. गणना; गिनती Calculation; reckon- ing. सु० च० १४, १०३;

गन्ध पुं० (गर्भ) गर्भाशय, गर्भने रहेवानु स्थान. गर्भ; गर्भाशय, गर्भ के रहने का स्थान. जहा शुक्र शोणित मिलकर रहते हैं वह स्थान The womb ओ३० ४०; ४३,

निर० १, १; दसा० ६, १; नंदी० ३७,
 नाया० १; २; १३; १४, भग० १, ७; ५, ४; २;
 ११, ११; १२, ५; २०, २; पि० नि० ३६२;
 पञ्च० १७, सूय० १, १, १, २२; १५४; आया०
 १, ५, ३; प्रव० २८०; क० प० ४ १६; कप्प० १, १;
 (२) रेशमना कीजये पोतानी लाखमांथी
 उत्पन्न करेन रेशमनो डोडोटे रेशम के कीट
 ने अपनी लार में से उत्पन्न किया हुआ रेशम
 का कोया. silk thread produced
 by a silkworm अणुजो० ३७;
 (३) मध्य, पयलो भाग मध्य, बीच
 का हिस्सा. middle part; interior.
 राय० ५७, ओष० नि० ६६७, —अजोगा.
 स्त्री० (—अयोग्या) गर्भधारण करने के अयोग्य
 स्त्री, वंध्य. गर्भ धारण करने के अयोग्य
 स्त्री, वाम्. a barren woman प्रव० ५७,
 —आधान न० (—आधान) गर्भाधान
 संस्कार, गर्भाधान संस्कार. the cere-
 mony relating to pregnancy
 भग० ११, ११, —आहाण न० (—आधान)
 गर्भाधान, गर्भनु रહેतुं ते गर्भ का रहना,
 गर्भावान pregnancy विशेष० २३०,
 —उद्भव त्रि० (—उद्भव) गर्भस्थि
 उत्पन्न थयेन, गर्भस्थ-तिर्य्य अने मनुष्य
 गर्भ से उत्पन्न, तिर्यच और मनुष्य fetus-
 born; i e men and animals.
 विशेष० ४२३; —करा स्त्री० (—करी) जेना
 प्रलावे गर्भ उत्पन्न थाय तेवी विद्या, ४०
 विद्याभानी ओड जिसके प्रभाव से गर्भ रहे
 वह विद्या; ४० विद्याओं में मे एक विद्या a
 science dealing with the
 cure of sterility; one of the 40
 sciences सूय० २, २, २७, —गत त्रि०
 (—गत) गर्भगत-गर्भमा रહેतुं गर्भगत,
 गर्भ में स्थित. embryonic, in em-
 bryo विद्या० १, भग० १, ७, —घर

न० (—गृह) सौथी पय्येनो ओरडो, अन्दर-
 नो छोड गर्भगृह; सब के बीच का कमरा,
 अन्दर का कोठा. inner room, central
 hall. अणुजो० १४८; (२) लायरा विगेरे
 तहखाना; जमीन के अन्दर बनाया हुआ घर.
 a cave; an interior cavity जीवा०
 ३, ३; नाया० ८; —घरग न० (—गृहक)
 अन्दरनो ओरडो भीतरका घर. a toilette
 chamber. राय० १३६, नाया० ८,
 —घरय. न० (—गृहक) लुओ उपलो
 शब्द. देखो ऊपर का शब्द. vide above.
 नाया० ८, —द्वम त्रि० (—अष्टम-गर्भाद-
 षमोवर्ष-गर्भाष्टमम्) गर्भस्थी आठमो वर्ष.
 गर्भ से आठवा वर्ष. the 8th year
 from conception नाया० १, —द्विद्व.
 स्त्री० (—स्थिति) गर्भनी स्थिति गर्भ की
 स्थिति. condition of embryo प्रव०
 ५५, १३७३, —द्विय. त्रि० (—स्थित)
 गर्भमा रहेन. गर्भगत; गर्भ में रहा हुआ
 remaining in the womb. प्रव० ५५,
 —तथ त्रि० (—स्थ) गर्भमा रहेतुं लो-ली.
 गर्भ में रहा हुआ embryonic, in the
 interior; in embryo राय० २८७,
 नाया० १, कप्प० ४, ६४, —वसहि स्त्री०
 (—वसति) गर्भरूपे निवास, गर्भाशयमा
 रहेतु ते गर्भ में रहना remaining in
 the womb ठा० ३, ३, गच्छा० ६८.
 —वास पुं० (—वास) गर्भाशयमा निवास,
 माताना गर्भमा रहेतु ते गर्भ में निवास
 करना, माता के उदर में रहना staying,
 residence in the womb of one's
 mother. सूय० २, २, ८१; पञ्च० २, नाया०
 १, प्रव० १३७५, —वुक्कनि स्त्री० (—व्यु-
 त्क्रान्ति) गर्भमा उत्पत्ति. गर्भाशयमा
 आवयु ते गर्भ में आना both in
 the womb ठा० २, ३; दसा० ८, १.

—बुक्तिय. त्रि० (—व्युत्क्रान्तिक) गर्भ-
गर्भाशयमाधी जन्म पाभनार, भा आपना
शुक्र शोणितधी उत्पन्न थनु गर्भाशय द्वारा
उत्पन्न होने वाला, माता पिता के शुक्र शोणित
से उत्पन्न होने वाला born from a
womb, fetus-born. अणुजो० १३४,
उत्त० ६, १६, जीवा० १, भग० ५, ८, ८,
१, ६, सम० १, —संभूइ स्त्री० (—सम्भृति)
गर्भनी उत्पत्ति गर्भ की उत्पत्ति produc-
tion of the embryo प्रव० ५६
१३७७, —साडन न० (—शातन) गर्भनु
साडनु—गर्भ पाडवा दिगेरे. गर्भ का नाश
करना, गर्भ का छांटना causing abo-
lition etc विवा० १, —हरण न०
(—हरण) गर्भनु डरयु ते; ओइ डेडाणेधी
भीडे डेडाणे गर्भने लछ जयु ते गर्भ का
हरण करना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर
लेजाना stealing or transferring
embryo from one womb to an-
other प्रव० ८६२, —गन्धत्ता स्त्री०
(—गर्भत्ता) गर्भपण्य गर्भत्व, गर्भपन
embryonic condition विवा १,
नाया० ८, काय० १, २,

गन्धमुद्देश पु० (गर्भोद्देशक) प्रजापना मृत्त-
ना ओइ उद्देशानु नाम प्रजापना सूत्र के एक
उद्देश का नाम Name of a chapter
of Prajāpanā Sūtra भग० १६, २.

गन्धिआ-या स्त्री० (गर्भिता) गर्भवती स्त्री
गर्भवती स्त्री, सगर्भा नारी A pregnant
woman दस० ७, ३५, नाया० ७,

गन्धिणी स्त्री० (गर्भिणी) गर्भवती स्त्री
गर्भिणी गर्भवती स्त्री A pregnant
woman नि० नि० ५१०,

गन्धिय त्रि० (गर्भित) गर्भित, गर्भित गोल
आदित गर्भ वाला भीतर गोल वाला
Hollow प्रव० ७६ (२) अ० गर्भ-

वालु भीतर गर्भ वाला hollow in the
middle पंचा० ३, २१,

गभीर पु० (गभीर) अतगड मृत्तना पड़ेला
वर्गना ४ था अध्ययननु नाम अतगड मृत्त
के पहिले वर्ग के चौथे अध्ययन का नाम
Name of the fourth chapter
of the first section of Anta-
gada Sūtra (२) अन्धकवृष्णि
राजना पुत्र योथा दशारडे ने नेमनाथ प्रभु
पासे दीक्षा लई पार वरस प्रव्रज्या पाणी
शत्रुजय उपर ओइ भासने सथारे इरी
मेक्षे गया अन्धकवृष्णि राजा का चौथा
पुत्र-दशार्ह, कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा
लकर बारह वर्ष तक प्रव्रज्या पाल शत्रुजय
पर्वत पर एक मास का अनशन कर मोक्ष को
प्राप्त हुआ the son of king Andhaka
Vaisnī, the fourth Dāsī, who took
Dīkṣā from Lord
Nemanātha, practised asceti-
cism for twelve years, per-
formed Santhārā (gave up
food and drink) for one month
on Śatruñjaya and became
Siddha अत० १, ८, (३) उ३ गहरा
deep राय० ३७, (४) भेड़ा बड़ा
big large प्रव० ४५६ —घोम त्रि०
(—घोष) मोटा अवाजवाला बड़ी अवाज
वाला. deep sounding प्रव० ४५६,

✓गम धा० I (गम्ल) जयु गति इन्पी
जाना, गति करना To go to move

गमइ आया० २, १ १, ४,

गमिइह पि० नि० ३१०

गमिस्मति भ० भग० ३, १

गमिस्सामि भ० नाया० १

गमिस्सामां. भ० आवा० ३८,

गमेऊण ग० क० म० न० २, ३५;

गमित्तण हे० कृ० दसा० ७, १, उत्त० १०,
३४, ओव० ३८; सम० ३, ४, ७,
७, १६, ५; नाया० ८, ६, १५; १६,
गममाण व० कृ० भग० ८, ७,

गम. पुं० (गम) आलापक-सूत्रो आलापो;
ओड विषयनु प्रतिपादन करनेवाला वाक्य समूह,
नदानुं प्रकरणे आलाप-छोटा प्रकरण, एक
ही विषय को प्रतिपादन करने वाले वाक्यों
का समूह, सूत्र पाठ A supplement-
ary chapter नदी० ४४५, विशेष० ४४८,
ज० प० नाया० १, पिं० निं० ४२१, भग०
३, १०; ६, ६; १६, ३, २४, १, (२)
उत्तर; वर्णन, कथन, वर्णन narration
पत्र० १५, (३) गम; आलाप जाना;
चलना, moving, going पत्र० २, (४)
प्रकार; भेद. प्रकार, भेद varieties
ओघ० निं० २५, विशेष० १४६२; (५)
अर्थ परिच्छेद; अर्थनी लुदी लुदी लगी,
अर्थ का परिच्छेद, अर्थ के अलग २ भाग
the distinctions of meaning
सम० प० १६६;

गम-य. पुं० (गमक-गमयतीति) आलापो,
'सरभा पाठो वाक्य समूह एकार्थ वाचक
वाक्यों का समूह, सूत्र पाठ Text in a
uniform style of composition.
राय० २३६; नाया० १३; भग० १२, ४,
१३, १, २४, १२, १७, ३२, १, नाया० ध०
३, (२) वर्णन; अधिकार वर्णन, अधिकार
description. निसी० १, ४१, ६, १२;
पत्र० ५, नाया० ध० ६, (४) गमनशील
गमन शील having the nature of
going. भग० २५, ३, ४, २६, १,

गमग पुं० (गमक) लुओ " गमअ "
शब्द देखो " गमअ " शब्द Vide
" गमअ " भग० २४, १;

गमगत. न० (गमकत्व) लुआववापणं

सूचना करने का भाव, जाहिर करने का भाव.
State of being a proper sub-
ject for information. विशेष० ३१५,
गमण न० (गमन) आलाप, गम, गति
करणी गमन, जाना, गति करना Motion,
going; movement. भग० २, १; ५,
४, ६, ३३, १२, १, १३, ४, २५, ७,
ओव० २१, उत्त० २६, ६; आया० १, ७,
५, २१५, सम० प० १६८, नाया० १; १५,
१६, १७, पिं० निं० ८३; १६०, २०६;
सु० च० ३, २३३, विशेष० २४६२, वेय० १,
३६, ४५, राय० ४४; पंचा० १, १६, ४३;
भत्त० ८०; प्रव० १५६६, कप्प० ३, ४३;
उवा० २, ८६, —आगमण न० (—आ-
गमन) गम आलाप जाना आना. pass-
ing and repassing; coming and
going प्रव० १३४, आव० ४, ३, भग०
२, ५, नाया० १६; निसी० ११, २०, दस०
५ १, ८६, —गुण. पुं० (—गुण-गमन
गति: तद्गुण) गतिरूप गुण धर्मास्ति-
लक्षण गतिरूप गुण, धर्मास्तिकाय का लक्षण.
the characteristic mark of Dha-
rmāstikāyā, viz motion भग० २,
१०, —मण. त्रि० (—मनस्) लुआवाणं.
जाने की इच्छा वाला desir-
ous of going. सु० च० २, १८२;

गमण्या स्त्री० (गमन) गति, गमन गति,
गमन State of being in motion,
state of being going. " गमणे
लोगंत गमण्याण " ठा० ४, नाया० १,

गमणिज्ज. त्रि० (गमनीय) गमण, गमण
अच्छा लगता हुआ, मन को रुचता हुआ
Pleasant, charming. ओव० ३२;
ज० प० ३, ६७, (०) उल्लंघन-पाठ
पमववा भोग्य उल्लंघने योग्य, पार पाने लायक
worth transgressing निसी० १६,

१७, (३) ज्ञायः योग्य, प्रकाशवा योग्य जानने योग्य, प्रकाश करने लायक worth knowing, capable of throwing light upon भग० १, ३,

गमणी स्त्री० (गमनी) ओ३ ज्ञतनी (उड्यानी) विद्या, विद्याधरोनी विद्या एक प्रकार की आकाश में गमन करने की विद्या, विद्याधरा की विद्या A science of flight, (this is possessed by Vidyādhara) नाया० १६,

गमिञ्च-य. न० (गमिक) जेभा ओ३ सरभा धला पाठ होय ते पारमु दृष्टिवाद नामे अगसूत्र जिसमें एक समान बहुत से पाठ हों वह बारहवा दृष्टिवाद नामक अगसूत्र. Name of the 12th Anga Sūtra named Dṛṣṭivāda having many chapters, of the same nature. नदी० ४३, विशेष० ५४६; क० ग० १, ६,

गम्य त्रि० (गम्य) भेगवी शक्य तेयु, पहुँची शक्य तेयु प्राप्त हो सके ऐमा, That which can be acquired, that which can be reached. परह० २, २, पंचा० ४, १७, (२) गमन करवा योग्य गमन करने योग्य worth going to भक्त० ११३,

गय-अ. त्रि० (गत) गयेल, अदृश्य थयेल गया हुआ, अदृश्य जो है वह Gone; passed out of sight भग० २, १, ३, १, ५, ४, ७, ६, ६, ३३, ११, १०, १५, १, नाया० १, ६, ७, १३, १६, नाया० ध० दस० ६, २, २४ उवा० १, ११, भक्त० ३८, क० प० ६, २५, काप० २, २७, (२) प्राप्त थयेन प्राप्त किया हुआ got, obtained भग० ३, १, १८, ७, पञ्च० ३६, नाया० १, ३, ८, १६, अणुजो०

१६, राय० २३; विवा० ३, उत्त० १, २१, (३) गति, यात्रा गति, चाल gait, motion ओव० ज० प० ५, ११४, ७, ११३, ३, ५६, (४) रहेल रहा हुआ. remaining, stayed ओव० १०; विशेष० ३६; —तण्ड त्रि० (-तृण्) तृण्णा विना तृण्णारहित free from greed प्रव० ४७३; —तेय त्रि० (-तेजस्) तेजहीन, तेज-विना तृण्ण. तेजहीन, तेजरहित lack-lustre having no lustre, dull. भग० १५, १, —दसण त्रि० (दशन) जेना दात पडी गया होय ते, दात दगरने जिनके दात गिर पड़े हों वह, दातरहित (one) without teeth गच्छा० ६२,

गय पु० (गज) हाथी An elephant अणुजो० २१, १३१, ठ० ४, ३ दसा० १०, १, दस० ५, १, १२, ६, २, ५, सु० च० २, ६४१, काप० १, ४, पचा० १२, २४, पि० नि० ७६, ८३, राय० ५०, जावा० ३, ३, पञ्च० १, नाया० १, ५, ८, १६, भग० १६, ६; ७, ६, ६, ३३, (२) गुच्छे गुच्छा a cluster पञ्च० १, (३) अत गडसूत्रना त्रीम वर्गना अहमा अध्यायननु नाम अतगडसूत्र के तीसरे वर्ग के आठवे अध्याय का नाम. name of the 8th chapter of the third section of Antagada Sūtra (४) वसुदेव राजनी देवकी राणीना भौथी न्दाना पुत्र-तृण्ण भला राजनी न्दाना भाष के ते नेमनाथ प्रभुपामे दीक्षा लई तुरतज्ज भिष्मपुनी यागभी पडिमा आन्दी श्मशान भूमिमा द्रुविमग्ग इगी डिमा रखा त्या सोमल आम्हणे अग्निना पडिपद आप्थे ते समभावे सदन करता तन्तज्ज देवकीरान पागी मोक्षमा गया वसुदेव राजा वी देवकी रानी के घर में जेठे पुत्र तृण्ण

महाराज के लघु भ्राता कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर तुरन्तही सिख्ख की बारहवीं पडिमा का अंगिकार कर श्मशान भूमि में काउ-मग्न कर, खड़े रहे वहां सोमल ब्राह्मणने अग्नि का परिषह दिया उसे समभाव से सहन करते हुए तुरन्तही केवल ज्ञान को प्राप्त कर मोक्षगति को पहुच गये the youngest son of Devakī, the queen of king Vāsudeva and the younger brother of Lord Kṛṣṇa. He took Dīksā from Lord Nemanātha and immediately becoming a monk practised the 12th vow of a monk in a standing posture with meditation on the soul in a cemetery. A Brahmana. named Somala burnt his body but he bore the pain calmly. Immediately he got perfect knowledge and salvation अतः ३, ८; परह० १, ४, नाया० १६, (४) सातमा देवलोकेना धृनुं चिन्ह-निशानी मातवे देवलोक के इन्द्र का चिन्ह-निशान the badge of the Indra of the 7th Devaloka ओव० २६; (५) दिशाकुमार जनना देवानां चिन्ह; तेना भुगटमा हाथीने आकारे निशानी होय छे दिशाकुमार जाति के देवता का चिह्न, उस के मुकुट में हाथी के आकार का निशान होता है the badge, emblem of the gods of the Dīśākumāra kind ओव० २३, (६) पीठ तीर्थंकरनुं दाशन द्वितीय तीर्थंकर का चिन्ह the symbol of the second Tīrthankara. प्रव० ३८१, —अणीय. न० (-अनीक)

हाथीनु सैन्य. हाथियों का सैन्य. an army of elephants नाया० १, उत्त० १८, २; —कलभ पुं० (-कलभ) हाथीनुं अन्त्यु; नातो हाथी. हाथी का बच्चा, छोटा हाथी a young elephant. नाया० १; —गय. त्रि० (-गत) हाथी उपर भेरेहु हाथी के ऊपर बैठा हुआ mounted on an elephant भग० १५, १; ओव० —चम्म, न० (-चर्मन्) हाथीनुं यम-याभुं हाथी का चर्म-चमड़ा. skin of an elephant. नाया० ८; —चरण न० (-चरण) हाथीना पग. हाथी का पैर the foot or leg of an elephant. सम० ११; —जोहि त्रि० (-योधिन्) हाथीसाथे युद्ध करनेवाला. हाथी के साथ युद्ध करने वाला. (one) who wrestles with an elephant राय० २९२, नाया० १, —तालुयसमाण. त्रि० (-तालुक समान) हाथीना तालुका समान. हाथी के तालु के समान similar to, resembling the temple of an elephant नाया० १६, —दंत. पुं० (-दन्त) हाथी दांत. हाथी दांत tusks of an elephant सू० प० १०; ज० प० ७, १२६, —पंक्ति स्त्री० (-पक्ति) हाथीओनी पंक्ति-हार हाथियों की पक्ति a series, line of elephants. भग० १६, ६, —भक्त न० (-भक्त) हाथीनुं भाणु, भलीदि हाथी की खुराक; मलीदा food cooked for elephants निमी० ६, ६, —लक्षण न० (-लक्षण) हाथीना शुभाशुभ लक्षणों ज्ञेयानी इत्या. हाथी के शुभाशुभ लक्षण जानने की कला art of examining the good or bad qualities of an elephant नाया० १, —लोम न० (-लोमन्) हाथीन

इत्यादि. हाथी के बाल. the hair of an elephant. भग० ८, ६, —वर. पु० (-वर) श्रेष्ठ हाथी. श्रेष्ठ हाथी. an excellent elephant, a noble elephant नाया० ६, १६, —विक्रम पु० (-विक्रम) हाथीनी या हाथी की चल the gait of an elephant. सू० प० १०; ज० प० ७, १५६, —विलंबिय पु० (-विलम्बित) हाथीनी विशेष गतिवाला नाटक; नाटक तो ओ३ प्रशार हाथी की विशेष गति वाला नाटक, नाटक का एक प्रकार. (a drama) having a particular gait of an elephant राय० ६३, —सठिय त्रि० (-संस्थित) हाथीने आकारे रहेन. हाथी के आकार का of the shape of an elephant, a kind of drama भग० ८, २, —ससण न० (-संसन) हाथीनु शुः हाथी की सूड the trunk of an elephant ओ३ १०, —साला स्त्री० (-शाला) हाथीभानु हाथी शाला the place where elephants are kept निमी० ८, १७,

गयंद पु० (गजेन्द्र) हाथीमा भन्दसमान. अश्वत् हाथी हाथीयोंमें इन्द्र, ऐरावत हाथी An India among elephants, the Anāvata elephant मत्या० १६, —भाव पु० (-भाव) गजेन्द्रने आव-स्वरूप गजेन्द्र का भाव-स्वरूप State of being an India among elephants नाया० १,

गयकर्ण पु० (गजकर्ण) गजकर्ण नामना छद्म अन्तर द्वीपमा रहेनार मनुष्य गजकर्ण नामक छद्मे अन्तर द्वीप में रहने वाला मनुष्य Name of a person living in the sixth Antara Dvīpa जीवा० ३, ३

पञ्च० १ (२) छपन अन्तर द्वीपभानु ओ३ छपन अन्तर द्वीप में का एक one of the fiftysix Antara Dvīpas जीवा० ३, ३; पञ्च० १, ठा० ४, २, —दीव. पु० (-द्वीप) लवण समुद्रमा आरसे योजनपर अक्षुब्ध-वतनी आदिपर आवेसो गजकर्ण नामने अन्तरद्वीप. लवण समुद्र में चारमा योजन पर चूलाहिमवन्त के उपर आया हुआ गजकर्ण नामक अन्तरद्वीप. name of an Antara Dvīpa (an island) on the Chūlahimavanti in the Lavanā Samudra at a distance of 100 Yojanas ठा० ४, २.

गयकन्न पु० (गजकर्ण) ओ नामने ओ३ अनार्य देश इस नामक एक अनार्य देश. Name of an uncivilised country प्रव० १५६९, (२) गजकर्ण नामने ओ३ अन्तर द्वीप गजकर्ण नामक एक अन्तर द्वीप name of an Antara Dvīpa प्रव० १५३७,

गयण न० (गगन) आकाश आकाश The sky उत्त० २६, १६, भग० ६, ३३ सु० च० १, २२, ज० प० —द्विय त्रि० (-द्वित) गगनमा रहेन गगन में रहा हुआ remaining in the sky प्रव० ४५२,

गयपुर न० (गजपुर) दुरदेशभानु ओ३ प्रसिद्ध नगर, हस्तिनापुर कुरु देशमें का एक प्रसिद्ध (हस्तिनापुर) नगर. A famous city in Kurudeśa, viz Hastināpura पञ्च० १,

गयमुह पु० (गजमुख) गजमुख नामने अनार्य देश गजमुख नामक अनार्य देश Name of an uncivilised country प्रव० १५६६,

गयत्रीहि स्त्री० (गजत्रीधि) गेदिली अदि गाय नक्षत्रमा शुभ गति द्यो ते गजत्रीधि

रोहिणी आदि तीन नक्षत्रों में शुक्र की गति हो वह गजवीथि The movement of Venus in the three constellations viz Rohini etc ठ० ६, १; **गयसुकुमाल** पु० (गजसुकुमाल) डार्थ ऐक शाहुकारनो पुत्र के जेले वैराग्य भावे दीक्षा दीधी ते ऐकदा प्रतिमाधारी थछ डाडि-सग्गा-करी डिभा हुता-ऐक जेले मार्ग पूछये जवाय न भवतां तेले कोपायमान थछ जमीन उपर पछाडी दरेक अंगे भीक्षा भारी जमीन साथे जडी दीये तो पशु ते मुनिअे समभाव राभी भरलु आराध्युं कोई एक साहुकार का पुत्र कि जिसने वैराग्य भावसे दीक्षा ली और जब प्रतिमाधारी बन, काउसग कर खड़े थे-एक व्यक्ति ने रास्ता पूछा-उत्तर न मिलने पर उसने कोपायमान हो, पृथ्वी पर पटक कर प्रत्येक अंग में खींचे ठोक कर जमीन के साथ उसे मिला दिया, तदपि उस मुनिने सम भाव रख कर मृत्युकी आराधना की Name of a merchant's son who had entered the religious order being disgusted with the world He once stood contemplating upon the soul and practising a vow when some passer by asked him about the road Not receiving a reply he knocked the ascetic down and fixed him to the ground with nails hammered over his whole body. The ascetic endured all this quietly and died संथा० ६६, (२) कृष्ण महाराजने न्होने लार्थ के जे नानी उभग्मा नेमनाथप्रभु भासे दीक्षा ब्रह्म तेज रात्रे सोमल आभुशु

तरङ्गी अपायेल अग्निने परिषद समभावे सहन करी तत्काल मोक्ष गया कृष्ण महाराज के लघु बन्धु कि जो छोटी उम्रमें नेमनाथ प्रभुसे दीक्षा लेकर सोमल ब्राह्मणने दिये हुए अग्नि के परिषद को समभाव से सहन कर तत्काल मोक्षको प्राप्त हुए the younger brother of Lord Krishna He took Diksā from Lord Nemanātha in young age and after quietly enduring the pain of fire at the hands of Somala Brāhmaṇa became Siddha immediately on the same night अत० ३, ८,

गया. स्त्री० (गदा) डैमोदकी नामे गदा, विष्णुनु ऐक आयुध कौमोदकी नामक गदा. विष्णु का एक आयुध A mace of Visṇu, named Kaumodakī जीवा० ३, २, उत्त० ११, २१, १६, ६२. सम० प० २३७, ओव०

गर. पुं० (गर-गरत्याहार स्तम्भयति कर्मण चा) अरे, विष विष. Poison ओघ० नि० ४८७, परह० १, १,

✓ **गरह.** धा० I (गर्ह्) निन्दा करवी. निन्दवु. निन्दा करना To censure.

गरहइ सूय० २, २, १७, २०, भग० १, ३,

गरहए पि० नि० ४१६,

गरहामो सूय० २, ६, १२,

गरहति. अत० ६, ३,

गरहेजा वि० वेय० ४, २५,

गरहह. आ० भग० १, ६, ५, ४, १२, १,

गरहंत सूय० १, १, २, ३२,

गरहण्या. स्त्री० (गर्हणा) गुस्ती साक्षिअे पोताना अनित्यार-दोषोनी निन्दा करवी. पश्चात्ताप करवे ते गुरु के सन्मुख अपने आंतचार-दोषों की निन्दा करना-पश्चात्ताप

करना. Censure of one's own fault in the presence of a preceptor, repentance for one's own faults भग० १७, ३, उक्त० २६, २,
 गरहणा स्त्री० (गर्हणा) निन्दा निन्दा Censure राय० २६४, श्रौत० ४०.
 गरहणिल्ल पुं० (गर्हणीय) निन्दनीय, निन्द्या लायक निन्दनीय, निन्दापात्र Censurable, blameworthy भग० ६, ३३, परह० १, २,
 गरह्वा स्त्री० (गर्हा) निन्दा निन्दा Censure. भग० १, ६, उक्त० १, ४२,
 गरहिश्च त्रि० (गर्ह्य) निन्दाने पात्र, निन्दनीय निन्दापात्र, निन्दनीय Censurable आया० २, १, २, ११,
 गरहिजमाण त्रि० (गर्ह्यमान) लोकसमक्ष निन्दाने योग्य लोगों के समक्ष निन्दा पात्र Deserving public censure नाया० १६,
 गरहित त्रि० (गर्हित) निन्दित. Censured. पंचा० ६, ७;
 गरहिय अ त्रि० (गर्हित) निन्दित, गह्रा इरेक्ष निन्दित Censured दस० ६, १३, पिं० निं० ५३२, सूय० १, १३, ३६, पंचा० २, ४३,
 गरार्ह न० (गरार्दि) इरेक्ष भासना शुद्ध पक्षमा सातम अने श्रोतसने दिवसे तथा त्रीज अने दसमनी राते तेमज कृष्ण पक्षमा छह अने तेरसने दिवसे तथा णीज अने नौमनी राते आवतु सात चरकरण-भातु पाचमु इरेक्ष, ११ इरेक्षभातु पाचमु इरेक्ष प्रत्येक मास के शुक्ल पक्ष में सप्तमी व चतुर्दशी के दिन व तृतीया व दसमी की रात्रि को इसी तरह कृष्ण पक्ष में पष्ठी व त्रयोदशी के दिन व द्वितीया व नवमी के रात्रि को अग्नेवाला सात चरकरण

में का पाचवा करण; ११ करणमें से पांचवा करण The 5th of the seven movable Karanas (divisions of a day) occurring on the 7th and the 14th day, as also on the 3rd and the 10th night of the bright half of every month, also the one occurring on the 6th and 13th day as also on the 2nd and the 7th night of the dark half of every month The 5th of the 11 Karanas ज० प० ७ ११३

गरिष्ठ पि० (गरिष्ठ) माथी मोटु सब ग वडा Eldest मु० च० १, १२६,

✓ गरिष्ठ वा० I (गर्ह्य) निन्द्यु निन्दा करना To censure

गरिहति. दस० १, २, १० नाया० ८ नाया० ध०

गरिहामि भग० ८, ६, दस० ४,

गरिहित्ता स० कृ० ठा० ३, १. भग० ४, ६, आया० २, ११, १०८,

गरिहित्तप् हे० कृ० ठा० २, १

गरिहणा स्त्री० (गर्हणा) निन्दा निन्दा Censure भक्त० ४०,

गरिहणिल्ल त्रि० (गर्हणीय) गुरु सम्मुख निन्द्या योग्य गुरु के सम्मुख निन्दा करने योग्य Censurable in the very presence of a preceptor नाया० ३

गरिहा स्त्री० (गर्हा) गुरुनी-आक्षीमे निन्दा अर्थात् पे ते इरेक्ष पाचनी गुरुनी आक्षीमे निन्दा इरेक्षी ने गुरु के सम्मुख निन्दा अर्थात् स्वतः ने किये हुए पाचनों की गुरु के सम्मुख निन्दा करना. Censure of one's own faults in the presence of a preceptor विम० ३४७५

ठा० २, १, दस० ४; प्रव० १४७७,
गुरुत्रय त्रि० (गुरुक) भारे, वजनदार
भारी, वजनदार, वजना. Heavy. दसा०
६, ५, आया० १, ५, ६, १७०, भग० २,
६; ५, ६, —दड पु० (—दण्ड) भारे
भारी दड. a heavy stick
दसा० ६, ४;

गरुई स्त्री० (गुर्वी) भारी; भारे. बड़ी,
भारी Big, heavy. भग० ६, ३३,
पंचा० ६, २६,

गरुड पुं० (गरुड) शान्तिनाथजी का यक्षनुं नाम.
शान्तिनाथजी के यक्ष का नाम Name of
a Yaksha of Śāntinātha प्रव० ३७६,
गरुडासण न० (गरुडासन) गरुडना आकार
जैसे आसन गरुडाकार आसन. A bodily
posture resembling an eagle
in shape. भग० ११, ११,

गरुयत्त न० (गुरुत्व) भारेपणुं भारीपन
गुरुत्व. Heaviness, weightiness.
सु० च० २, ६४२,

गरुडोवचास्र पु० (गरुडोपपात) ७२ सूत्रमांतु
औः ७२ सूत्रोंमें से एक One of the
72 Sūtras. वव० १; २८, नदी० ४३,
गरुड. पुं० (गरुड) गरुड पक्षी गरुड पक्षी
An eagle जीवा० ३, ३, ओव० १०; सूय०
१, ६, २१, नाया० ८, (२) वायुव्यन्तर
देवतांनी औः ७१ वाणव्यन्तर देवता की
एक जाति. a species of Vān-
avyantara deities सम० ८, ३४,
नाया० ८; भग० २, ५, (३) सुवर्णकुमार
देवतानु यिन्द; तेना भुगटमा रहुँत गरुडाकार
निशानी. सुवर्णकुमार देवता का चिन्ह, उसके
मुकुट में का गरुडाकार निशान the em-
blem, badge viz an eagle in the
crown of Suvainakumāra god
ओव० २३, परा० १, ४, —ओसण न०

(—आसन) ओओ “ गरुडासण ” शब्द
देखो “ गरुडासन ” शब्द vide “ गरुडा-
सण ” जीवा० ३, राय० १३६, —केड
पु० (—केतु) गरुडना यिन्दवाली जेनी
ध्वज छे ते, वासुदेव गरुड के चिन्ह
युक्त जिसकी ध्वजा है वह, वासुदेव Vāsu-
deva whose banner bears the
badge of an eagle सम० २३६,
—वूह पु० (—व्यूह) गरुडने आकारे व्यूह
—अश्वरत्नी रचना श्रवानी कला गरुड के
आकार में व्यूह (लश्कर) की रचना करन
की कला a battle order in the
shape of an eagle ओव० ४०, निर०
१, १, नाया० १,

✓ गल धा० I (गल्) जमनुं, आपु,
जिमना. भोजन करना To eat; to take
meals (२) गलवु; आणुनुं. छानना.
to filter.

गलंत सूय० १, ५, १, २३;

गलत. व० कृ० पि० नि० ५८०; ५८३,

६४५, नाया० ८,

गालेइ प्रे० निमी० ६, ८,

गालावेइ. प्रे० नाया० १२,

गालंति प्रे० पि० नि० ३६८;

गालवेत्ता स० कृ० नाया० १२,

गालिय. प्रे० स कृ० क० प० २, ६६,

गलावेमाण प्रे० व० कृ० नाया० १२,

गल पुं० (गल) गणु, उण्ड, गरदन करण,
गला, गर्दन. Throat; neck ओव० ३०,
३१, आया० १, १, २, २६, सूय० १ ५,
१, १०, ज० प० पि० नि० ३१४, ६२३;
(२) भाषाया गलु यिन्दार अक्षनी अन्दर-
नी डाटे मच्छी के गले में छेद करने वाला
जाल के अन्दर का कांटा a hook in
a net which pierces the throat
of a fish. उत्त० १६, ६५, नाया० १७

—गह. त्रि० (-ग्रह) गधुं पडडी डाढी
भूकनार, गर्दन पकडकर निकाल देने वाला.
(one) who takes out
seizing by the neck कप्प० ३, ३६,
—छल्लल. पु० (-) गधुं पडडी पाछु
ढोपधुं. गर्दन पकड कर पीछे हटाना.
giving a push seizing by the
neck. परह० १, ३;

गलकंचल पु० (गलकचल) गणाने
धायलो, गायने गले पंथा जेनुं लटकतु
छेय छे ते गले का कम्बल, गायों के गले में
पखा सा लटकता है वह Lit a throat
blanket, a dewlap सु०च० १३, १०,

गलग पु० (गलक) गधुं, ३५६ कगठ, गला
Throat, neck. परह० १, ३,

गलय पु० (गलक) लुओ " गलग " देखो
"गलग" शब्द Vide: "गलग" नाया० १८,

गलि. त्रि० (गलि) गणीयो, नियत ओटो.
आलसी, अडियल; कुटित A lazy,
vicious (ox, horse etc.) उत्त० १,
१२, ३७, सु० च० १२, ५८, —गहह. पु०
(-गर्दभ) गणीयो गधेडा; नियत ओटो
गधेडा अडियल गधा a lazy, vicious
donkey (२) अविनीत शिष्य. अविनीत
शिष्य. a bad disciple उत्त० १६, २७,

गलिच्च. त्रि० (गलसत्क) गला सम्बन्धि;
गलातु गले-कठके सम्बन्ध में. Pertain-
ing to the throat पि० नि० ४२४;

गलिय. त्रि० (गलित) गणी गयेव, पिगडी
गयेव गलित; निगला हुआ Diss-
solved; worn out नाया० ६, कप्प०
४, ६२, (२) वरसतु वरसता हुआ
raining, showering, falling as

rain कप्प० ३, ३३, —लंवगा.
त्रि० (-लम्बन) गणी गयेव छे आलम्बन
(आधार) जेतु ओपुं, निराधार जिम का
आलम्बन (आधार) गलित हो गया है
ऐसा, निराधार (that) of which
the support has been worn
out, supportless. नाया० ६,

गलोई. स्त्री० (गहूची) गुडवेव नामनी वन-
स्पति. गुडवेव नामक वनस्पति. A kind
of vegetation प्रव० २३६;

गवचल पु० (गवाच) गोप, अ३भे.
खिडकी A window विशेष० ६२, जं० ५०
१, ४, सु० च० ३, २२८, जीवा० ३, ३,
४, पंचा० १३, ११,

गवच्छिय त्रि० () आच्छादित,
ढाँके आच्छादित; ढका हुआ Covered
" कि एह सुत्त सिक्क गवच्छिया " जीवा०
३, ४, राय० १२०,

गवत्त. न० (गवात्त) गायने भाराट, घास
घास, गौश्रो का खुराक Grass पि० नि०
२२६.

गवय पु० (गवय) रो४, गायजेवे ओट
योपगो पशु रोम्भ, गाय जैमा पशु A
species of ox. परह० १, १: जं० ५०
अणुजो० १४७; पञ्च० १,

गवल न० (गवल) भेस डे पाडानु सिंगधु.
भेस या पाडे का सिंग. A horn of a
buffalo. उत्त० ३४, ८, ओव० २२; पञ्च०
२; १७, जं० ५० ३, ४५, राय० ५०, सु०
च० २, १३६, जीवा० ३, ४, अत० ३, ८,
नाया० ६, उवा० २, ६५, —गुलिया
स्त्री० (-गुलिका) भेस डे पाडाना सिंग-
डानी छेणु गाँ भेस या पाडे के सिंग की

कठिन गांठ. a hard knot of a buffalo's horn नाया० १, ५; ८; ६; (२) नील गुदिका विशेष नील. indigo. नाया० ५; राय०

गवा. स्त्री० (गो) गाय. गौ, गाय. A cow. उत्त० ६, ५, ६ ४०; दसा० ६, १२; दस० ७, २५; सूय० १, २, ३, ५; उवा० १०, २७७, (२) भृग आदि पशु मृग आदि पशु a deer and such other animals. सूय० १, २, ३, ५; — अलीय न० (-अलीक) गाय आश्री जुहु ओत्रपु ते गौ के विषय में अतथ्य बोलना. telling a lie about a cow परह० १, २,

गवाणी. स्त्री० (गवादनी) गायेने आवाती तथा रूढेवाती व्याख्या; गभाणु गौश्रों को नाने की व रहने की जगह A cow-pen. आया० २, १०, १६६,

गविष्ट त्रि० (गवेपित) अपेक्षा गवेपणा होय रक्षित शे धेनु. ओत्रेणु एषणा-गवेपणा दोष रहित हंडा-खोजा हुआ Searched after without committing the fault of Esanā-gavesanā; searched after पि० नि० ५१३, सु० च० ४, ३२;

गविष्ट त्रि० (गर्विष्ट) अभिमानी अभिमानी Proad, vain भक्त० १४४;

गवेलग पु० (गो+पलक) गाउरः भेडा भेडा A sheep, a lamb. ठा० ७, १; भग० १, १; २, ५; ७, ६, राय० २८६; अणुजो० १२८; ओव० परह० १, ४;

गवेलय पुं० (गो+पलक) गडरे; भेडा. चकरा. A he-goat परह० १, २; दसा० ६, ४; जं० प०

गवेष. धा० II. (गवेप) शोधितुं, गवेपणा करनी हटना, गवेपणा करना To search.

गवेषइ निसी० १०, ४२;

गवेषेजा. वि० परह० २, २;

गवेषण दस० ५, १, १, वव० ८, २;

गवेषमाण व० कृ० पि० नि० २०७, नाया० २; ४;

गवेषत्र पुं० (गवेपक) अन्वेषणा-शोध कर-
ना२. अन्वेषणा-खोज करने वाला. One who searches after उत्त० १, ४०, २६, ९; ओव०

गवेषण न० (गवेपण-गवेप्यतेऽनेन) व्यतिरेक धर्मनुं आलोचन, जेम पाणीनी शोध करनी होय तयारे पाणीना असहचारी धर्मोनुं आलोचन करनुं के भाडी नथी सुझी हुआ छे नदी के तनाव नथी भाटे आही पाणी न होवुं जेठये व्यतिरेक धर्म का आलोचन, जिस प्रकार जल का पता लगाना हो, तब जल के असहचारी वर्मों की आलोचना करना कि भाडी नहीं हैं, सूखी हवा है, नदी या नालाव नहीं हैं इस लिये यहापर जल न होना चाहिये. Search, observing qualities or things which cannot co exist with the object of search, e. g. deciding the absence of water from the absence of trees etc. ओव० ३९; भग० ६, ३१, जं० प० ३, ७०; (२) शोध; तपास. खोज, जाच. inquiry, search नाया० १, भग० १५, १,

गवेषणता. स्त्री० (गवेपणता) ओगवापणुं गवेपणता. State of being in search after. भग० १२, ६;

गवेषणया स्त्री० (गवेपण) शोध, तपास. तलाश, खोज जाच Wandering in search, searching after ओव० २०; नदी० ३१;

गवेषणा स्त्री० (गवेपणा) जुओ "गवेषण"

शब्द देखा " गवेंसियग " शब्द. Vide
" गवेंसियग " विशेष ३६६; ज० प० पि०
नि० ७३ श्रोत्र० नि० ६३, उत्त० २४,
११, नाया० १; २, पंचा० १३, २५.

गवेंसियग. त्रि० (गवेंसितक) गोधी-तपासी
आखेष्ट खोज किया हुआ Searched
out; searched after निसी०
२, २७, ३१,

गर्व पु० (गर्व) गर्व-मान, अहंकार अह-
कार, गर्व. Pride; conceit, a kind
of moral impurity सम० ५०,
भग० १२, ५,

गर्विय त्रि० (गर्वित) अभिमानी गर्वित,
अभिमान युक्त Proud, conceited
नाया० १७, कप्प० ३, ४२, जं० प० ७
१६६,

✓ गस. धा० I. (गस्) आवु, गणा अणु
क्षयना प्राण देवाभां आ धातुने
प्रयोग थाय छे. गलित होना किंसा के
प्राण लेना इस मतलब के क्रियापद में इस
धातु का उपयोग किया जाता है To eat,
to swallow, (used often in the
sense of taking another's life)
गसइ. सु० च० १, ३५५,

गसिजण क० वा० सु० च० २, ५४३,

गसिय. त्रि० (गसित) गसाअ गयेष्टु
गसित, निगला हुआ Swallowed
नाया० ४

गह न० (गृह) घर, निवास स्थान घर
निवास स्थान A house कप्प० ४, ६६,

गह पु० (ग्रह) ८८ ग्रह-ज्योतिषी देवता की
तीर्थ जाति. ८८ ग्रह ज्योतिषी देवता की
तृतीय जाति 88 constellations, the
3rd kind of deities known as
Jvotisi deities श्रोत्र० २६, ३१, उत्त०
२६, १७, ३६, २०४, नाया० १, ५; भग०

६, ५ १८, ७, पञ्च० १०, म० प० १०,
नदी० १०; दसा० ६, १, जीवा० १, मु० च०
८, ५८, विशेष १८७८, प्रव० ११४७
(२) गायनना आरंभना आरंभ गाने के
आरंभ का आरंभ. the commencing
note of singing ज० प० ७, १६१
७, १७० जीवा० ३, ४, (३) लेवु, पकड़वु
लेना, पकड़ना taking; catching
क० ग० १, ३१ प्रव० ६१३. —अवसव्व
न० (-अवसव्व) ग्रहोनी वादी गति ग्रहों
की वक्रगति oblique, crooked
motion of planets. भग० ३, ७, ११,
१, —गज्जिय न० (-गजित) ग्रहों
अवस्थामान थाथी गर्जना थाय ते. ग्रह
चलायमान होने से जो गर्जना होती है वह,
thundering of clouds due to
the motions of planets भग० ३ ७
—गण. पु० (-गण) ग्रह समूह ग्रह
समूह a group of constellations
ज० प० ७, १७०, भग० ३, ७ कप्प० ३
३६, —जुद्ध न० (-युद्ध) ग्रहोनी अ-
नक्षत्रमा दक्षिण उत्तरे समश्रेणिमा रहेवु
दो ग्रहों का एक नक्षत्र में दक्षिण उत्तर म
समश्रेणि में रहना co-existence of
2 planets in one constellation
भग० ३, ७. —दंड पु० (-दण्ड दण्डा-
इव दण्डास्तिर्यगायता श्रणय ग्रहाणां मंग-
लादीना दण्ड) ग्रहोनी दंडा पेंद्री तीर्थी
श्रेणी ग्रहों की दंड के समान (रेखा) वक्र
श्रेणी planets ranged in oblique
lines. भग० ३, ७, —भिन्न न० (-भिन्न) ग्रह
नक्षत्रनी वन्धे ग्रह ग्रह प्रसा थाय ते नक्षत्र
अन्धेमा दीक्षा आदि कार्य ग्रहाथी दानि थाय
भाटे वन्धेवा रहेवुछे जो नक्षत्र के मध्य में से
होकर ग्रह पतार हो वह नक्षत्र-किं जिनमें
दीक्षा आदि कार्य करने में जानि हो हम लिये

त्याग करने को कहा हुआ है. a constellation crossed midway by a planet, under such a constellation Diksā is forbidden. गणि १६; —**मुसल** न० (—मुशल) भुशवने आकारे अष्टोनी डंथी अश्ली ग्रहों की उच्च श्रेणी planets forming themselves into the shape of a pestle. भग० ३, ७, —**वेद** पुं० (—वेध) सूर्य यद्रादि साथे अष्टो वेध सूर्य चन्द्रादि के साथ का ग्रह का वेध a particular division of time during which a planet is in conjunction with the sun, the moon etc प्रव० १४२२; —**सिंघाडग** न० (—शृंगाटक ग्रहा. शृंगाटका इव शृंगाटकफलाकारत्वेन संस्थिता इत्यर्थः) शींगोडाना इवानी पेडे अष्टोनुं रडेनुं ते. सिंघाडे के फल के समान ग्रहों का रहना a formation of planets of the shape a three-horned fruit, called Śringhātaka भग० ३, ७;

गहण न० (गहन) आडी वातुं जगत्. झाडी वाला जंगल A dense forest सूय० १, ३, ३, १, १, १२, १४, २, २, ८, नाया० १८, दस० ८, ११; भग० १, ८; (२) जेतो पार पामी न शक्य तेनुं जिसकी थाह न मिल सके ऐसा. profound; immeasurable. नंदा० ४; भक्त० २, (३) निर्जल प्रदेश निर्जल प्रदेश. a waterless tract of country आया० २, ३, ३, १२७, (४) अन्यते छेतरवा भाटे करेव वयन प्रपंच, भाया कपट. अन्य को ठगने के लिये किया हुआ वचन प्रपञ्च, भाया कपट manipulation of words with the aim of deceiving others. भग० १२, ५, पराह० १, २, सम० ५२:

गहण न० (ग्रहण) अहणु करवु; स्वीकारवु; लेवुं ग्रहण करना; स्वीकार करना; लेना. Taking, acceptance भग० २, १; ५; १०, १३, ४, नाया० ३; दस० ५, १, ६०, पञ्च० ११; उत्त० २४, ११, पि० नि० भा० १४, पि० नि० ६४, सु० च० १, ३१६, सम० १, अणुजो० १४७; क० प० १, ४, भक्त० ८०; पंचा० १, ३४; ५, ४, १०, ४०, प्रव० ४७, (२) आकर्षण करनार, भेयनार. आकर्षण करने वाला, खींचने वाला. (one) who attracts; an attraction उत्त० ३२, २२; (३) आद्य; अहणु करवा योग्य ग्रहण; ग्रहण करने योग्य. worthy of acceptance; acceptable. क० प० १, २१, —**आगरिस** पु० (—आकर्ष— एकस्मिन्नेव भवे ऐयोरधिककर्मपुद्गलानां ग्रहणरूपो य आकर्षः सः) अर्था पथिक निमित्तथी कर्मोना पुद्गलोनुं अहणु करेवु ते ऐयां पथिक निमित्तसे कर्मों के पुद्गलों का ग्रहण करना. attracting towards oneself and imbibing of Karmic atoms of Auyāpathika (faults connected with walking) भग० ८, ८, —**खंध** पुं० (—स्कन्ध) अणुने अहणु करवा योग्य पुद्गल स्कन्ध. जीव को ग्रहण करने योग्य पुद्गल स्कन्ध. a group of molecules of matter worthy of acceptance for a soul क० प० १, २१; —**द्रव्य** न० (—द्रव्य) अणुने शरीरादि रूपे अहणु करवा योग्य द्रव्य. जीव को शरीरादि रूप से ग्रहण करने योग्य द्रव्य matter worth accepting for a soul in the form of physical body. क० प० १, २१, —**धारणजोग** न० (—धारणयोग्य) अहणु करवाने तथा धारण करवाने योग्य ग्रहण करनेको या धारण करनेके योग्य.

worth accepting क० प० ४, ४६,
—विदुग्ग न० (-विदुग्ग) पर्वतनी ओड
तरङ्ग पु वन पर्वत का एक तरफ का वन
a forest on one side of a moun-
tain भग० २, ८, सूय० २, २, ८,
—समय पु० (-समय) अल्लु इरवातो
समय ग्रहण करने का समय time of
acceptance or taking भग० १,
१, क० प० १, २६,

गहणय न० (ग्रहणक) आभूषण, धरेल्लु
आभूषण, गहना An ornament सु०
च० ७, १०६,

गहणया स्त्री० (ग्रहण) अल्लु इरवु,
धारवु. ग्रहण करना Putting on, ac-
ceptance ओव० २७, भग० २, ५,
६, ३३,

गहणी. स्त्री० (ग्रहणी) आडानो रोग, अति-
सार रोग, सअल्लु अतिमार रोग,
सग्रहणी. Dysentery ओष० नि० भा०
३२३, (२) गुदाशय, गुदस्थान गुदाशय,
गुदस्थान. rectum ओव० १०, जीवा० ३, ३,
परह० १, ४, जं० प०

गहहर पु० (गृध्र) गीध पक्षी गीध पक्षी
A vulture पञ्च० १

गहवइ पु० (गृहपति) गृहपति, गृहस्थ
गृहपति, गृहस्थ A house holder, a
merchant भग० १६, १. —उगाह
पु० (अवग्रह) गृहपतिनी आज्ञा गृहपति
की आज्ञा the command of a
Grihapati भग० १६, १.

गहवइणी स्त्री० (गृहपत्नी) गृहस्वामिनी,
(गृहस्वामिनी) गृहस्वामिनी The
housewife सु० च० १०, ७,

गहिश्र-य त्रि० (गृहीत) लीयेधु, अल्लु
इरवु लिया हुआ, ग्रहण किया हुआ
Taken, accepted. आव० २१ ३६

विश० ६१५, पि० नि० १८२. १८६
आया० १, ४, २, १३१, उत्त० ४, ३. ३२
७६, भग० १, १, २, १०, ७, ६, ६, ३३.
११, ११; ११, ४, १२, १, नाया० १, २
८, १६, १८, दम० ५, १, ६, सु० च० २,
२५१, भक्त० ७६, कप० ४, ७२, पचा० ७
२०, १५, १०. ३१, प्रव० ७६० ८, १८,
उवा० ७, १८१, —ग्राउह त्रि० (-आयुध)
अल्लु इरवु छे आयुध लेले ओवे। ग्रहण
किये हैं आयुध जिमने ऐसा (one) who
has taken up arms aimed विवा०
२, —आगमणपचित्ति त्रि० (आगमन
प्रवृत्तिक) अल्लु इरी छे अगमन पधारवा
नी पातो लेले ओवे। जिमने भगवान के
पधारने की वार्ता ग्रहण का हो ऐसा (one)
who has heard or know
the intelligence about the com-
ing of the lord नाया० १. —आयार
भंडठानेवत्थ त्रि० (आचारभंडकनपत्थ)
अल्लु इरवु छे आचारभंडकन पत्थ-वेप लेले
ओवे। जिसने आचार भंडक आर पत्थ-वेप
का स्वीकार किया है ऐसा (one) who
has assumed the garb of Āchā-
rabhandaka दसा० ६, २, —ट्ट त्रि०
(-अर्थ-गृहातो मोक्षरूपोऽथा मार्गो येन सः)
लेले भेदमार्ग स्वीकार्यो छे ओवे। जिमने मोक्ष मार्ग का स्वीकार किया हो ऐसा
(one) who has accepted the
path of salvation गय० २, ७, ३,
(२) लेले गान्धर्वो अर्थ-प्राप्त्यो छे ते
जिमने गान्धर्व के अर्थ हो जान लिया है वह
one who has understood the
meaning of a scripture भग० २, ४,
गहिर त्रि० (गभीर) गहिर, अगह गहिर
अगह Deep unfathomable सु०
च० ३ १५,

✓ गा. धा० I. (गै) गावुं गाना To sing
गायंति ज० प ५, १२१.

गायुज वि० निर्मा० १७, ३२;

गायंत व० कृ० ओव० ३१; आया० २, ११,

१००; सु० च० २, १४४; जं० प०

३, ६७; ६४३, निसी० १२, ३४;

गायमाण व० कृ० भग० १५, १;

✓ गा धा I. (गे) गावुं गाना. To sing.

गिज्ज क० वा० राय० २७६,

गिजंत क० वा० सु० च० १, २७८; २,
३३१;

गाइर. पु० (- गायक-गायतीनि) गानार,
गवैया. गानेवाला, गवैया. A singer.

सु० च० २, ३२१;

गाड. पुं० (गव्यूति) भे म. धव; गाडि. दो
माँल, एक कोस Two miles विशेष
३४३,

गाड. पुं० (गो) गय; अथवा गौ, बैल. An
ox; a cow. आया० २, ४, १ २३, पञ०
११, अणुजो० १०६. — जूहियठारा. न०
(-यूधिकस्थान) गायेना टो गाने रहेवती
जग्या गौओं के झुंड को रहने का स्थान.
a cow-pen, a cow-fold. निर्मा०
१२, ३१,

गाडय. न० (गव्यूत) भे हजार धनुष्य परि
मित क्षेत्र-जमीन, गाडे. दो सहस्र धनुष्य
परिमित क्षेत्र-जमीन; कोस Two miles;
land measuring two thousand
bows. ज० प० नंदी० १२, ठा० २, ३;
अणुजो० १३४. भग० ६, ७; २४, १; १२,
२३ २३; ३८, १. सु० च० १४, १८, विशेष
६०६, ओघ० नि० भा० ६३; पञ० २; ३३;
ओघ० नि० १२; प्रव० १११८, जं० प० ७,
१८६; २, २५. — पुःत्त न० (-पृथक्त्व)
भे गाडिथी भाडी न गाडिथी दो कोस मे
लेकर नव कोस पर्यंत ranging from

4 miles to 18 miles. भग० ११, ३;

गागर. पुं० (गागर) भेक जतनु भाङ्गु.

एक तरह की मच्छी. A kind of fish
पञ० १;

गागरी स्त्री० (गर्गरी) पाणी भरवानी गागर
जल भरने की गागरी A water-pot
अणुजो० १३२;

गाढ. त्रि०, गाढ) गाढ, दृढ, मजबूत गाढ,

मजबूत Firm, strong उत्त० १०, ४, पि०

नि० २०५, ओघ० नि० ३२४; नंदी० १२;

(२) न० सर्पादिभेरी तीव्र वेदना, मजबूत

दृष्ट सर्पादि विष की तीव्र वेदना मरणात्

कष्ट excessive; e g pain of

serpe t-bite वेय० ५, ३८, नाया० १६,

(३) अत्यंत, धनुं. अत्यंत; बहुत. much,

more; excessive पंचा० ८, १०,

— गिलाण त्रि० (- ग्लान) गहु दुःखी,

अत्यंत थोड़ेसे बहुत दुःखी, अत्यंत. थका

हुआ greatly afflicted; very,

very tired. पंचा० ८, १०; — प्यहारी

कय. त्रि० (- प्रहारीकृत) अत्यंत प्रहार

करेन, धनुं भारेन अत्यन्त प्रहार किया

हुआ; बहुत मारा हुआ severely

punished or flogged. भग० ७, ६;

— रोगाइअ त्रि० (- रोगार्तिक) अत्यंत

रोगशी आर्त-दुःखी थयेन. अत्यन्त रोग से

आर्त-दुःखी greatly afflicted, very

sickly. प्रव० १६६;

✓ गाढप्यहारीकर. धा० II. (गाढ-

प्रहार+कृ) अत्यंत मार मारना, अत्यन्त

मार मारना To beat severely

गाढप्यहारीकरेइ भग० ७, ६,

गाढीकय. त्रि० (- गढीकृत-अगाढ गढं भव-

तीति) मजबूत दृष्टि. दृढ किया हुआ

Strengthened भग० ६, १; १६, ४,

गाणगणेश त्रि० (गाणगणेश) ७ भासना

अ २२ ओ३ गणु छोडी गीन्म ग२७भा दामल
थना२ छ साम के अदर एक गण छोडकर
दूसरे गच्छ मे प्रवेश करने वाला (One)
who changes his religious
order and joins another within
six months उत्त० १७, १७

गात्त न० (गात्र) शरीरना अवयवो शरीर
के अवयव गात्र A limb of the
body राय ३२, नाया० ५,

गाथा स्त्री० (गाथा) आर्या वगेरे ७६ श्लो३
श्लोक, आर्या आदि छद A verse etc
सम० २३, भग० १६, ८;

गाम पु० (ग्राम-गम्यो गमनीयोऽष्टादशाना शास्त्रे
प्रसिद्धाना करणाम्) गाम-गेमा साधारण
वसति रहेती होय अने व्यापारनु साधन न
होय ते वह गाव कि जिसमें साधारण वस्ती
रहती हो व व्यापार का साधन न हो A
village ठा० २, ४, अणुजो० १०७, सूय०
२, २, १३, दसा० ६, १३, १४, दम० ४, १,
२, वेय० १, ६, पञ्च० १६, उत्त० ३०, १५,
ओव० १७, २१, ३२, नाया० १, १४, १६,
विशे० ३६५: पि० नि० १६२; आया० १, ४,
६, १६४, प्रव० ५६२, ७६३, (२) समूह
समूह a group, a collection भग०
१, ६, राय० २६४, उत्त० ५, ८, ३१, १२,
नम० ३०, विशे० २८६६, ओव० (३)
संगीत शास्त्र प्रसिद्ध भूषणाना आश्रय रूप
पञ्चमि त्रिणु ग्राम संगीत शास्त्र प्रसिद्ध
मूर्धना के आश्रय रूप वड्जादि तीन ग्राम a
gramut, a scale of music with
all the notes अणुजो० १२८, १३१,
—अंतर न० (-अन्तर) ओ गाम वन्धेनु
अंतर-आत३ दो गावों का मध्यस्थ अंतर
the distance between two vil-
lages or towns निसी० १४, ४७, (२)
गीणु गाम अन्य गांव another vil-

lage or town दसा० १०, ५, —अन्तिय.
त्रि० (-अन्तिक) गामनी पास रहेनार गावके
पास रहने वाला (one) who resides
near a village सूय० २, २, २१, दसा०
१०, ७, —अणुगाम. अ०, (-अनुग्राम) ओ३
गाम पछी गीणु गीणपछी गीणु ओम
अनुक्रमे नदानी भोटा फरेड गम एक गाव
के बाद दूसरा, दूसरे पीछे तीसरा, इस प्रकार
क्रमश छोटा बडा प्रत्येक गाव every
village in order. ओव० २१; राय०
२३०, ना १० १, ५, १३, १६, कप० ६,
८७, (२) ओ३ गामथी गीणु गाम एक
गाव मे दूसरे गाव from one village
to another निसी० ८, ११, भग० १, १,
१६, ५, १८, १०; वय० ४, २५, उत्त० २,
१४, आया० २, १, १, ४, —कंटय पु०
(-कण्टक) गाम-छद्रिय समदने डाटा२ ५,
छद्रियोने दु ५ दायड गाव-इद्रिय समूह को
कटक समान, छद्रियों को दु, स दायक one
like a thorn to the senses, one
intriguing, causing pain to
the senses दम० १०, १, ११, नाया०
१, —कुमारिय त्रि० (-कौमारिक)
गामगना छोडराओ नान्वि गावडे के
लडकों के विषय मे (anything e g
play) concerning village child
ren सूय० १, ६, २६, —घाय पु० (-घात)
गाम लागनु ते गाव का दटना-नष्ट होना.
destruction of a village विवा० ३,
(२) गाम लागना-लुटना गाव का
लूटने वाला one who plunders a
village नाया० १८, —दाह पु० (-दाह)
गामने दाह; (अलीनवु ते) गाव का दाह
जल उठना the conflagration (be-
ing on fire) of a village भग० ३, ७
निर्मा० १२, २७, —दुवार न० (-द्वार)

गामनो आपो; गाममा निकलवा पेसवानो दर-
वाजे. गांवका दरवाजा, गावमें प्रवेश करनेका व
बाहर निकलने का द्वार a village gate.
ओष० नि० १५, —धम्म पु० (—धर्म)
आम-ध्रिय समूहना धर्म-शब्द-रूप रस गन्ध-रूप रस
गन्ध-अने स्पर्श ये पाय विषय ग्राम-इन्द्रिय
समूहका धर्म-शब्द-रूप रस गन्ध व स्पर्श ये
पाच विषय a longing, desire, for
the five objects of senses viz
sound, form, taste, smell and
touch, सूय० १, २, २, २५, ठा० १०, १, परह०
१, ४. आया० २, १, ३, १५. (२) गामडानो
आचार विचार गावडे का आचार विचार
the practices and customs of
villages. ठा० १०. १, —नगर
न० (—नगर) गामडु अने शहेर
ग्राम व नगर, गाव व शहर a village
and a city प्रव० ५६३; —पह पु०
(—पथ) गामनो रस्ते. ग्राम का मार्ग. a
village road. निसी० १२, २६, —पहं-
त्तर न० (—पथान्तर) ग्रामना जे मार्ग-
नु आत३ ग्राम के दो मार्गों का अन्तर
the distance between the two
roads of a town निसी० १४, ४७,
मारी. स्त्री० (—मारी) गामनो क्षय डरनार
भरडी गाव का क्षय करने वाला plague;
a kind of disease. भग० ३, ७;
—रक्ख पु० (—रक्ष—रक्षक) ग्रामनु
रक्षण डरनार, डैतवाल ग्राम का रक्षण
करने वाला; नगर रक्षक कर्मचारी one
who guards a town. आया० २,
१, २, ११, —रक्खिय पु० (—रक्षिक)
डैतवाल-गामेति कोटवाल-नगर रक्षक कर्म-
चारी a village constable निसी०
४, ६२ —रूप न० (—रूप) गामना
जेवा आडार गाव के समान आकार the

proper form, outlines of a
village. भग० ३, ६, —रोग. पु०
(—रोग) आभा गाममा डाटी तीडजेले
रोग. सारे गावमें फट निकला हुआ उपद्रव-
रोग. a disease spreading over
the whole village. भग० ३, ७, ज०
प० —वह पु० (—वध) गामने भारवु ते
गावको नष्ट करना. destruction of a
villag निसी० १२, २५, —वाह पु०
(—वाह) ग्रामनु वडेवु-तथुपुं गामका वहजाना
wiping off of a town or a vil-
lage भग० ३, ७, —संठिय. न० (—संस्थित)
गामने आडारे रडेल गावके आकारसे रहा
हुआ the shape, arrangement of
a village भग० ८, २; —सय. न०
(—शत) सो गाम. शत गाम; सौ ग्राम a
hundred villages विवा० १,
—सामि पु० (—स्वामिन्) गामनो धण्णी.
गामनो नायक गाम का धनी, गाम का
नायक the owner of a village, a
village headman ओष० नि० भा० ४४,
गामि त्रि० (गामिन्) जनार, पहुँचनार
जाने वाला, पहुँचने वाला (One) who
goes or reaches ओष० १७, पचा० ६, ७,
गामिल्ल त्रि० (ग्राम्य) गामवासी, गामडीयो.
ग्रामवासी, गंवार, Resident in a
village rustic नंदी० ४७,
गामेल्लय. त्रि० (ग्राम्य) गामडानो रडीश
गाव का रहने वाला A village भग०
१५, १, विशेष० १४११, विवा० १,
गाय पु० (गो) अलद गौ, बैल A
bullock पञ्च० ११; —दाह पु०
(—दाह) ज्या भिमार अलदोने अभ
(दाह) देवाता होय ते स्थान जहा विमार
पशुओ को दाह दिये जाते हों वह स्थान a
veterinary hospital “सार दाह”

सिवा गाय दाह सिवा तुस दाह सिवा ”
निसी० ३, ७५,

गाय न० (गात्र) शरीरना अवयवो शरीर
के अवयव A limb of the body
ओव० आया० १, ६, १, २०, दस० ३, ५,
६, ६४, उत्त० २, ९, जीवा० ३, ३, पञ्च०
१७, भग० १, १, १५, १, २५, ७, नाया०
१, ५, १६, वेय० ५, ४०, दसा० ७, १२,
उवा० ३, १२६ कण्प० ४, ६१; —अब्धंग
पु० (-अभ्यग) तेस वगेरे सुग धि पदायो
शरीरे योपडा ते तेल इत्यादि सुगंधित पदा-
योका शरीर पर मर्दन करना. smearing
the body with fragrant oil etc
दस० ३, ६, —अब्धंगविभूषण न०
(-अभ्यगविभूषण) अभ्यगन-मर्दन करी
शरीर शयुगारतु ते, साधुना पर अनाचीर्ण-
भानु ओड अभ्यगन-मर्दन कर, शरीर को
सुशोभित करना, साधु क पर अनाचीर्ण में
का एक anointing the body with
ointments etc, one of the 52
minor faults of an ascetic दस०
३, ६. —भेय पु० (-भेद) शरीरने
नाश करी छुटनार योर शरीर का नाश कर
क लूटने वाला चोर a thief who des-
troys the body and commits
robbery भग० १, १, —लट्टि स्त्री०
(-यष्टि) शरीर रूपी लाट्टी शरीर रूप
लकड़ी the body appearing like
a stick. सम० ३४, भग० ६, ३३, नाया०
१, राय० १६४, जीवा० ३, ४,

गारस्थ पु० (अगारस्थ) गृहस्थाश्रमी, धर
पारी गृहस्थाश्रमी, घरदारवाला A
house-holder उत्त० ५, २०, सुय०
२, १, ४३, २, ७, १४,

गारस्थिणी स्त्री० (अगारस्था) गृहस्थनी स्त्री
गृहस्थ की स्त्री. The wife of a house

holder निमा० ३, ४,

गारस्थि-अ. पु० (अगारस्थित) गृहस्थ
गृहस्थ A house-holder आया० २,
१, १, १४, निसी० १, १७, ३, ६, —व-
यण न० (-वचन) गृहस्थनु वचन, गृह-
स्थी ओले तेवी रीते ओलतु ते गृहस्थ का
वचन, गृहस्थी बोल ऐसा बोलना the
manner of speech of a house-
holder ठा० ६, १, वेय० ६, १,

गारव न० (गौरव) अलिमानपडे आत्माने
अशुभलावे लारे डरेवे ते गुण्यु, मोटाछ
अभिमान से आत्माको अशुभ भाव में मारी
करना, बड़प्पन, गुरुत्व Pride, pride
of greatness, heaviness नाया०
१६, सम० ३, उत्त० १६, ६२, ठा० ३, ६,
ओघ० नि० ४००, ८०५, आड० १६, प्रव०
११६, (२) गृद्धि, आसक्ति आसक्ति
greed, excessive attachment
उत्त० २७, ६, (३) गर्व-अलिमान तेना
त्रय प्रकार—ऋद्धिने गर्व, असने गर्व, अने
पोताने भोगेस सुखशातिने गर्व गर्व-अभि-
मान उसके तीन प्रकार—ऋद्धि का गर्व, रस
का गर्व, व स्वतः को जो सुख व शांति प्राप्त
हुई है उसका गर्व pride of three sorts
e.g. of prosperity, of pleasures,
and of calmness acquired
by one उत्त० ३१, ४, आव० ४
७, —कारण न० (-कारण) गर्वने
कारण गर्व का कारण the cause of
pride प्रव० १५१ —पंकनिबुडु त्रि०
(-पङ्कनिमग्न) गर्वपी शय्यमा दुग्ध
गर्वरूपी कीचड़ में डूबा हुआ (one)
immersed in mud in the form
of pride प्रव० १०२५,

गारविश्र-य त्रि० (गर्विष्ठ) गर्विष्ठ, गर्व-
वाण गर्विष्ठ, गर्वयुक्त Proud; con-

ceited ओघ० नि० ४१३; पण्ह० १, २;
गारहन्धिया. त्री० (गारहन्धिका) गृहस्थकी
भाषा; भेटा, आप, मामा वगैरे. गृहस्थकी
भाषा; बेटा, बाप, मामा इत्यादि. The
language used by a house-hold-
er. प्रव० १३३५;

गारुडिअ. पु० (गारुडिक) गारुडीविद्या—
(सर्प उतारवानी पडवानी विद्या) जालु-
नार. गारुडाविद्या को जाननेवाला A
snake-chainer मु० च० ६, १३,

गालण न० (गालन) गाणतुं; छाणतुं
छानना. Filtration. पण्ह० १, १; विवा०
१;

गालित. त्रि० (गालित) गाणेतुं. छाना हुआ
Filtered जीवा० ३, ४;

गाली. त्री० (गाली) गाण देवी ने गाली—
कटु वचन—अपशब्द कहना. Abusing.
प्रव० ४३६;

गाव पु० (गो) गवक्ष वैल An ox. a
bullock. अणुजो० १२८,

गावी. त्री० (गो) गाय गाय. A cow
आया० २, १, ८, २३; जं० प० —अजिण.
न० (-अजिन) गायतुं रूमि. गौका चर्म
the hide of a cow प्रव० ६८३;

गास पु० (ग्राम-ग्रस्यते इति) श्रेणीशे,
श्वश. निवाला, ग्राम. A mouthful
of food उक्त० २, ३० पि० नि० ७७,
विशे० २८०५. —एसणा. त्री० (-एषणा)
आहारकी ओसणा आहार की एषणा.
seeking of food or alms. प्रव० २२,

गाह पु० (ग्राह) भगरभन्ध जलचर प्राणि
विशेष भगरभन्ध. जलचर प्राणी विशेष. An
aquatic animal; an alligator
उक्त० ३२, ७६; ३६. १७१. मय० २, २,
६३; तंटु० विवा० १. उक्ता० ६, ४, जीवा०
१; नाया० ४, पि० नि० ३३२; पत्त० १, (२)

पडतुं पकड़ना. holding; catching
राय० ३५. (३) ग्रहण करी आवनार. ग्रहण
करके चलने वाला. one who walks
after having accepted ओव० ३३;
✓गाह. घा० II (गाह्) स्थापतु स्थापन
करना. To establish; to install.

गाहेइ. दसा० १०, १;

✓गाह. घा० I. (गह्) प्रवेश करवो; प्रवेश
करना. To enter.

ग्राहइ. सूय० १, २, १, ४;

गाहग, त्रि० (ग्राहक) स्वीकारना, लेना
स्वीकार करने वाला लेने वाला (One)
who takes or accepts. पि० नि०
भा० २७, ३०; विशे० १४५६; (२) गुरु;
विद्या आपनार गुरु, विद्या देने वाला
(one) who instructs like a
Guru विशे० १४५६,

गाहग न० (गाथाग्र) गाथानु परिमाण.
गाथाका परिमाण The limit of
verses क० गं० ६ ६३,

गाहा त्री० (गाथा) प्राकृत भाषानु पद्य;
श्लोक; आर्या आदि गाथा प्राकृत भाषा का
पद्य, श्लोक आर्या आदि गाथा A verse, a
Māgadhi etc. verse: the metre
known as Āryā etc. उक्त० १३,
१२. भर्ग० १, १, २; २, १०; १०; ६, ४, २२
३; ३१, १, नाया० १, ६, ८; अणुजो०
१३१, १४६, वेय० ३, २०; आव० ४, ७,
मत्त० १७२; प्रव० ६२६, जं० प० ७, १५६
(२) सामान्य प्राकृत गाथा अनावधानी तथा
जालुवानी इत्यादि. सामान्य प्राकृत भाषा बनने
व जानने का कला the art of compos-
ing or knowing ordinary Prak-
rits verses. ओव० ८०; (३) भृगुगण
भृगुना प्रथम श्रुतइत्यन्ता १६भा अध्यायत-
नुं नाम हे नेमां गाथाये अभयु मादणु

लिख्यु अने निग्रन्थ शब्दोना लक्षणो दर्शय्वा
छे मृगगङ्गा सूत्र के प्रथम श्रुतस्कन्ध
के १६ वे अध्यायन का नाम की जिसमें
गाद्या रूपसे भ्रमण, माहण, भिक्षु व
निग्रन्थ शब्दों के लक्षणों का विवेचन किया
है name of the 16th chapter of
the first Śrūta Skandha of
Sūyagadāṅga Sūtra Here
meanings of the words Śāma-
na Māhana, Bhikkhu and Ni-
grantha are given in verses
सूय० १, १६ ६, सम० १६, उत्त० ३१,
१३, पगह० २, ५;

गाद्यावड पु० (गाद्यापति-गृहपति) कुटुम्बने
निवायनार नायक, कुटुम्बपति कुटुम्ब को नि-
भानेवाला, कुलपति The head of
the family काप० ४, ११६, ६, २०
आया० २, ७, २, १६२, निर० ३, १,
(२) डेहारना डपरी, चक्रवर्तीना १४
रत्नमानु ओड कोठार का ऊपरी भाग
चक्रवर्ती के १४ रत्नमें से एक the part
above the store, one of the 14
jewels of a Chakravartī सम०
१४, ठा० ७, १, (३) ओ नामना ओड
अन्य तीर्थी विद्वान इम नामका एक परिव्रा-
जक सन्यासी a wandering ascetic
of this name भग० ७, १०

गाद्यावड पु० (गृहपति) घरधर्मी, अलम्ब
गृहस्वामी, गृहस्थ. A householder
आया० १, ७, २, २०२, २, १, ३, १५
सूय० २, २, ४५, २, ७, २, भग० २, १,
३, १, ५, ६, ७, १० ८, ३, १०, ४,
नाया० १, अत० ३, १ वेय० १, ३१, राय०
२६६ विवा० १, सु० च० ११, ७, प्रव०
१०२८ — करंडश्च (-करगडक) अल-
म्बने कुटुम्बीओ डे रेभा रत्न डे मयल्ल

लेय गृहस्थ की टोकरी कि जिसमें रत्न या
सुवर्ण हो a basket, a receptacle
belonging to a householder
(containing gold, jewels etc)
ठा० ४, ४, —कुल न० (-कुल-गृहपति
गृहस्थस्तस्य कुलम्) गाद्यापतिनु कुल
गाद्यापति का कुल the family of a
patriarch वव० ८, ५, निर्मा० ३, १,
६, ७ दमा० ६, २, —रयण न० (-रत्न)
चक्रवर्तीना १४ रत्नमानु ओड चक्रवर्ती के
१४ रत्नों में से एक one of the 14
gems of a Chakravartī, named
Gāthapati पन्न० २०

गाद्यावडणी स्त्री० (गृहपत्नी) घर धर्माणी
गृह स्वामिनी A housewife अत०
३, ८ आया० २, १, ३, १५, भग० १४
१, नाया० ४,

गाद्यावड-ती. स्त्री० (गाद्यावती) नीलवन्त
पर्वतस्थ नीलगी नक्षत्र नक्षत्र आसनी २८
हजार नक्षत्रोंना पञ्चांगे शीला नदीमा
भगनी सुन्दर अने मदाड विद्यमाने लुनी
पासनी ओड मदानदी नीलवत पर्वत से
निकलकर दक्षिण दिशा प्रति बहती हुई २८
सहस्र नदियों के परिवार सहित शीता नदी में
मिलती हुई मुकच्छ व महाकच्छ विजय का
विभक्त करता हुई एक महानदी Name
of a large river separating
Sukachchha and Mahāka-
chchha Vijaya and flowing in
to the river Shita, with 28
thousand tributary rivers It
starts from Nilavanta moun-
tain and flows towards the
south ठा० २, ३ ज० प० ३, ६०,
—कुड पु० (-कुण्ड) सुन्दर विद्यमान
पर्व मदाड विद्यमाने नक्षत्रे नीलवत

पर्वतने दक्षिणु डाई गाहवती नदीने दरेडा
लेभा पडे छे ते दुएड सुकच्छ विजय की
पूर्व में व महाकच्छ विजय की पश्चिम में
नीलवंत पर्वत के दक्षिण किनारे पर ग्राहवती
नदी की धारा जिसमें गिरती है वह कुण्ड.
name of a lake receiving the
torrent of the waters of Grā-
havatī river. It is to the south
of Nīlavanta mountain, to the
west of Mahākachchha Vijaya
and to the east of Sukachchha
Vijaya. जं० प० —दीव. पु० (—द्वीप)
गाहवती दुएड वर्येने द्वीप ग्राहवती
कुण्ड का मध्यस्थ द्वीप an island in
the lake into which the river
Grāhavatī pours down her
torrent. जं० प०

गाहिय-अ त्रि० (ग्राहित) शीखावेस;
अदुलु डरावेस सीखाया हुआ, ग्रहण कराया
हुआ Taught; caused to accept
or take दना० ६, २०; सूय० १, २,
१, २०; सम० ३०; नदी० २७.

✓ गिज्झ. वा० I (गृह्) गद्ध थयु,
मुआठ वयु लालची होना: आसक्त होना
To be greedy; to be confound-
ed.

गिज्झह. नाया० १७, सु० च० ४, २८०;
निर्मा० १२, ३५,

गिज्झेज्जा. वि० आया० २, १५, १७६;

गिज्झा. वि० आया० १, २, ३, ७७,

गिज्झह आ० नाया० ८;

गिज्झहिति. भ० ओव० ४०:

गिज्झ सं० ह० उत्त० २६, ३५;

गिज्झ त्रि० (ग्राह्य) अदुलु डरवा थोअ
ग्रहण करने योग्य Worthy of accept-
ance; worthy of being taken

विशे० २४०; २७०; उत्त० १३, १६,
—वअ त्रि० (—वचस्) लेनु वयन अदुलु
डरवा थोअ छे ते जिसके वचन ग्रहण करने
योग्य हो वह (one) whose words
are worth accepting. क० न० १,
५१,

गिज्झयव्व त्रि० (गृह्य) लावयु थवा
लायड. लोभी होनेके लायक. Worthy
of being greedy for परह० २, ५
—गिड्डियाइरमण. न० (—गिड्डिकादिरमण)
गेडीया वगेरेनी रमत गेंद व दण्डके का
खेल. (अंग्रेजी रमत हॉकी के समान) a
game like hockey प्रव० ४४१,

✓ गिरह. वा० I, II (गृह्) अदुलु डरुं,
लेनु, स्वीकारुं ग्रहण करना; लेना, स्वीकार
करना. To accept.

गिरहेइ. नाया० ५, ८; १३;

गिरहेइ उत्त० २५, २४, निर्मा० २, ४,
नाया० १; १४, १६; पन्न० ११, भग०
२, १, ५, राय० २६६; जं० प० ५,
११७;

गेरहइ. नाया० ८, भग० १२, ५, २५, २,

गेरहेइ सु० च० १, २६५,

गिरहंति विशे० २०५, नाया० १; २, १४
भग० २, १; राय० ८६; दम० १,
१५ जं० प० ५, ११४,

गेरहति भग० १८, ३, २५, २;

गिरहामि. नाया० ७, ८;

गिरहामो. नाया० ८, ओव० ३६;

गेरहामो भग० ८, ७,

गिरहज्जा वि० आया० २, १५, १७६

गिरहे वि० पि० नि० २०५,

गेरहेज्ज वि० विशे० २१२;

गेरहेज्जा वि० भग० ३, १; २; ५, ६,

गिरह आ० सु० च० ४, १५०; दम० ७,
४५ भग० १, १ २, १

गिरहाहि आ० नाया० ७, १२; १४, दस०
 ६, ३, ११, आया० २, ३, २, १२०,
 गिरहसु आ० सु० च० १, ३५६,
 गिरहह आ० नाया० १२,
 गिरहेह आ० नाया० ७,
 ✓ गिरह वा० १ (ग्रह) अल्लु करतु ग्रहण
 करना To take
 घेच्छिह भवि० विशेष० १०२३,
 घेच्छामि भवि० पि० नि० ४८१
 घेच्छ भवि० विशेष० ११२७,
 घेच्छो भवि० पि० नि० २८१,
 घित्त म० कृ० सु० च० २, १७०,
 घेतूण स० कृ० नाया० ६, उत्त० ७, १४,
 घेतु. म० कृ० पि० नि० १६३, प्रव० १५८,
 गिरहेत्ता म० कृ० नाया० ८, १३, १५,
 गेरिहत्ता स० कृ० भग० २, १,
 गिरिहज्जण म० कृ० नाया० २, विवा० ७,
 गिरिहय. सं० कृ० नाया० ६,
 गिरिहत्ता स० कृ० नाया० १, ८, २, ५, ७,
 ६, १२, १६, भग० २, ५, ज० प०
 ५, ११४,
 गेरिहत्तए हे० कृ० भग० ३, २,
 गिरहत्त व० कृ० उत्त० २४, १३, पि० नि०
 १८४,
 गेरहमाण. व० कृ० भग० ३, २, ३, ७, १०;
 ७, ८, ७ नाया० १,
 गिरहमाण व० कृ० विवा० १, वंय० ६, ७
 दया० २, १५, १६ ठा० ५, २
 सम० २१,
 गिरहावह शि० सु० च० १३, ६६,
 गिरहावेह शि० विवा० ५, नाया० ५, १२,
 गिरहाविज्जा वि० आया० २, १५, १७६,
 गिरहावेसु शि० भू० नाया० १,
 गिरहावित्ता शि० स० कृ० नाया० ८,
 ✓ गिरह धा० I (गृह क० वा०) अल्लु
 करतु ग्रहण किया हुआ To take.

घिप्पइ क० वा० सु० च० ४, १६८,
 घेप्पइ क० वा० पि० नि० ३५६,
 घेप्पेज्ज. क० वा० वि० विशेष० २८७,
 घिप्पमाण क० वा० व० क० भग० १, १,
 गिरहण न० (ग्रहण) पडुतु पकडना
 Catching, holding पि० नि० ३८१,
 नाया० ६,
 गिरिहअव्व त्रि० (गृहातव्य) अल्लु करतु
 योग्य, ग्रहीकरना योग्य. ग्रहण करने योग्य,
 स्वीकृत करन योग्य Worth being
 accepted or taken अणुजो० ११६,
 गिरिह त्रि० (गृह) दातव्य, आसक्त लालची
 आसक्त Greedy, excessively at-
 tached दया० ६, १, पणह० १, १, भग०
 ७, १, नाया० २, ५, ८, १७, दम० ८, २३,
 १०, १, १७, उत्त० ५, ५, ८ ११, प्रव०
 ८४०, भत्त० ११२,
 गिरिह पु० (गृध्र) गीघ, मायाहारी पक्षी
 विशेष गोघ, मायाहारी पक्षी विशेष A
 vulture “हक गिरिहर्णित सो” उत्त०
 १६, ५६, आया० २, १०, १६६, आच०
 ३८, प्रव० १०३० नाया० २,
 गिरिहपिट्ट न० (गृध्रपट्ट) गृध्रपट्ट नामनु
 भरतु, डोष्ठ जनायगना डोष्ठारमा पक्षी गिरिह-
 दिक्का युथी आवाथी भरतु ते, आ० अक्षय
 भरतुमानु ओ० गृध्रपट्ट नामक मृत्यु
 किसी जानवर क मृतक शरीरपर गिरकर
 गिरिहदिकका डमको चोंच मार मार कर गाना
 वह, बारह प्रकारके मृत्युमेग एक Devour-
 ing (by vultures etc) of carcass
 of an animal by pecking, one
 of the 12 kinds of death ठा०
 २, ४, भग० २, १, निया० ११, ८१, प्रव०
 १००१, नाया० १६, —मरण न० (मरण)
 गिरिह पजे० पक्षीना डोष्ठी आवाथी भरतु ते.
 गिरिह आदि पक्षी के चोंच मार मार कर गाना

वह. death caused by the piercing of the beaks of vultures etc सम० २७;

गिद्धि स्त्री० (गृद्धि) आकांक्षा, आसक्ति; आतुरता आकांक्षा, आसक्ति, उत्सुकता. Greed, longing, attachment.

आया० १, ६, २, १८३; प्रव० १०३०;

गिम्ह पुं० (ग्रीष्म) ग्रीष्म ऋतु; गरमीनी

मौसम ङि-हायो ग्रीष्म ऋतु; गरमी की

मौसम Summer ओव० १७, ३६;

भग० ५, १, ७, ३; १४, ८, नाया० १;

८, ९; सूय० १, ३, १, ५; ज० प० ७,

१६२, आया० १, ७, ४, २१२, ठा० ६, १;

विशे० १२७२, निर० ५, १; सु० च० ३,

२४०; दस० ३, १२; पि० नि० ८३, वेय०

१, ७, सू० प० ८, कप्प० १, २, ४, ९६;

गच्छा० ७७, प्रव० ५११; ६११; —उड

पुं० (—ऋतु) ग्रीष्म ऋतु; ङिनाणो. ग्रीष्म

ऋतु summer season. नाया० ६,

—काल पुं० (—काल) ङिनाणो, वैशाख

जेष्ठ मासयो समय ग्रीष्म, वैशाख जेष्ठ

मासका समय. summer नाया० १;

—कालसमय पुं० (—कालसमय)

ङिनाणो वषत ग्रीष्म का समय. time

of summer. नाया० १३,

गिम्हअ. त्रि० (ग्रीष्मक) ग्रीष्म ऋतुमां

थयेलु. ग्रीष्म ऋतुमें बना हुआ. belong-

ing to the hot season. अणुजो०

१३३,

गिरा स्त्री० (गिर्) वाणी, शब्द-

Speech; words भग० ३, २, ६, ३३,

नाया० १, उत्त० १२, १५, निसी० १६, १५;

दस० ७, ३; ५४, चड० १८;

गिरि पु० (गिरि-गृणन्ति शब्दायन्ते जननि-

वामभूतत्वेन) पर्वतः दुंगर, पहाड पर्वत,

पहाड, गिरि A mountain. भग० २;

१, ३, ७; ७, ६, नाया० १; २; १८; ओव०

३१, ३८, उत्त० ११, २६, १२, २६;

आया० २, १, २, १२, ओव० नि० ७८४,

ज० प० ३, ४७, महा० प० ८२,

दस० ६, १, ६, भत्त० १६१, —ईसर पु०

(—ईश्वर) पर्वतोतो ईश्वर, मोटो पर्वत

पर्वतो का ईश्वर, महान् पर्वत the

highest mountain. प्रव० १५०५,

कंदर. पुं० (कन्दर) पर्वतनी गुहा. पर्वत

की गुहा. a mountain cave. विवा० २;

नाया० २, १६, प्रव० ८८४, —कडग. पु०

(—कटक) पर्वत पासेनी जमीन पर्वत के

पास की जमीन the side of ridge

of a mountain नाया० १८, —गुहा

स्त्री० (—गुहा) पर्वतनी गुहा पर्वत की

गुहा. a mountain cave. आया० १,

७, २, २०२; —जत्ता स्त्री० (—यात्रा)

पर्वतनी यात्रा (यात्रा) पर्वत की यात्रा

a pilgrimage to a mountain

नाया० १, निसी० ६, १६; —णयर न०

(—नगर) पर्वत पासेनुं नगर, शहर पर्वत

के पडौस (निकट) का शहर-नगर a town

near a mountain अणुजो० १३१,

—पडण. न० (—पतन) पर्वतथी पडीने

भरणु निपलवपु अेक प्रक्षरनुं आलभणु

पर्वत से गिर कर मरण होना death by

fall from a mountain ठा० २, ४,

भग० २, १, निसी० ११, ४१; नाया० १६.

—पायमूल न० (—पादमूल) पर्वतनी

तलेटी पर्वत की तली the bottom of

a mountain भग० १४, ८, —मह

पुं० (—मह) पर्वततो उत्सव पर्वत का

उत्सव. a mountain festivity राय०

२१७, —राय. पुं० (—राज) पर्वततो राजा,

मेरु पर्वत पर्वतो का राजा, मेरु पर्वत the

king of mountains i. e. the

Meru mountain. सम० १६, ज० प०
 —रेहा. स्त्री० (-रेखा) पर्वतमा पडेकी
 क्षट. पहाड म पडा हुआ चीराया the
 crack in a mountain. क० ग० ५, ६३,
 —सिहर न० (-शिखर) पर्वतनु शिखर
 टाय पर्वत का शिखर the summit of
 a mountain. नाया० ५, ६,
 गिरिकर्णिया. स्त्री० (गिरिकर्णिका) गिरि
 क्षण्डिका नामनी ओइ वेद गिरिकर्णिका नाम
 की एक बेल A kind of creeper so
 named पत्र० १,
 गिरिकन्त्री स्त्री० (गिरिकर्णी) गिरि क्षण्डिका
 नामनी ओइ गिरि कर्णिका नामकी एक बेल
 A kind of creeper प्रव० २४०,
 गिरिकुमार पु० (गिरिकुमार) युद्धहिमवत
 पर्वत सप्तमी ओइ शिखरना अधिष्ठाता
 देवता चूल हिमवन्त पर्वत सम्बन्धी एक
 शिखर का अधिष्ठाता देवता The pre-
 siding deity of the summit of
 Chūlahimavanta mountain. ज०
 प० ४, ७५,
 गिरिवर पु० (गिरिवर) श्रेष्ठ पर्वत, भेद
 पर्वत श्रेष्ठ पर्वत, मेरु पर्वत Meru
 mountain, the loftiest and the
 greatest of all भक्त० ११६, —गुरु
 त्रि० (-गुरु) भेद-पर्वत समान भेदोटा
 श्रेष्ठ मेरु पर्वत के समान महान्-श्रेष्ठ
 great as Meru भक्त० ११६,
 गिरिसिया स्त्री० (गिरिसिका) ओइ जतनु
 वाद्य एक प्रकार का वाजित्र A kind
 of musical instrument राय० ८६,
 गिलमाण त्रि० (गिलत्) गणतो, प. ध्रु
 पेटमा उतागी जतो गलित होता हुआ, पुनः
 पेट में उतारता हुआ Swallowing,
 swallowing back again into the
 belly. वेय० ५, १०;

✓ गिला धा० I. (ग्लै) ग्लानि पावनी,
 सुक्षुब्ध ७ पु. ग्लानि पाना; खेदयुक्त होना To
 wither, to suffer mental pain
 गिलाइ. आया० १, २, ६, १००, भग० २,
 १, नाया० १,
 गिलायति भग० ५, ८,
 गिलामि. आया० १, ७, ६, २२१, भग० २, १,
 गिलायमाण व० कृ० दसा० ४, १०८; वव०
 २, ५, ४, १३, ५, १३, वेय० ६, १०,
 गिलाण त्रि० (ग्लान) ग्लानिपाभेद, अशक्त,
 रोगी, दुर्बल ग्लानि युक्त, अशक्त, रोगी,
 दुर्बल. Withered, enfeebled, sick-
 ly, afflicted in mind उत्त० ५, ११,
 सम० ३०, ठा० ३, ४, सूय० १, ३, ३, १२;
 पण्ड० २, ३, पि० नि० भा० २७, विवा० ७,
 विशेष ४, दसा० ६, २३, २४, निसी० १०,
 ४२, १६, ६, भग० ८, ८ १२, २, नाया०
 १३, कप्प० ६, १८, गच्छा० ११६, प्रव०
 १४५; १६२, ५२५, ८७२, —प्रयोग पु०
 (-प्रयोग) अशक्तने अनुदूत पडे ओवे
 प्रयोग-उपचार अशक्त को अनुकूल हो ऐसा
 प्रयोग. treatment, remedy agree-
 able to an enfeebled person
 निसी० १०, ४४, —भक्त. न० (-भक्त)
 रोगी-अशक्तने भाटे तैयार क्षेपु भोजन
 रोगी-अशक्त के लिये तैयार किया हुआ
 भोजन food for an invalid ओव०
 ४०, भग० ५, ६, ६, ३३; नाया० १, निसी०
 ६, ६, —वेयावच्च न० (-वेयावच्च-ग्लान-
 नस्य भक्षणानादिभिरुपष्टम्भ) रोगीनी वेया-
 वच्च-मेया रोगी की " वेयावच्च " सेवा
 tending the sick, service
 rendered to a sick person ठा०
 ५, १ वव० १, २, ७, भग० २५, ७,
 गिलासणि पु० (ग्लानि) लम्ब रोग,
 लम्ब व्याधि भस्मरोग भस्मक व्याधि

A kind of disease आया० १, ६,
१, १७२;

गिलिअ त्रि० (गिलित) गाणी गयेद, गणा
नीये उतारेद गलित; गले के नीचे उतारा
हुआ. Eaten; consumed पि०
नि० १८२;

ॐ गिलित स्त्री० (-) हाथीना अयाडी
हाथी का ओहदा. A covered wooden
frame placed on the back of an
elephant and used as a seat; a
palanquin जं० प० भग० ३, ४, ५, ७, ८,
६. ११, ११; (२) भे भाणुसोभे उपाडेद
ओणी-ओला दो मनुष्यों ने उठाई हुई मोली
-डोली a sort of small palanquin
lifted up by two persons. दसा०
६, ४, सूय० २, २, ६२, (३) उटनुं पड्नाणु.
उट की काठी the saddle which is
tied on the back of a camel.
नूय० २, २, ६२, जीवा० ३, ३;

गिह न० (गृह) धर; भक्षन; रहैलाण घर,
मकान. A house; a residence
आया० १, ५, ६, १६४, २, ४, २, १३६;
ओव० ११, भग० ३, ७; १२, १; १५, १;
नाया० १, २; ३; ५, ८; १३; १४, १६, १८;
वव० ८, १; निसी० १, ५६; ६, १२; वेय०
१, १२; ४, २६, सु० च० २, ५००, दस०
७, २७, उवा० १, ५८; —अंगण न०
(-अङ्गण) धरनु आगणु-ङ्गीयुं. घर का
आगन. a court-yard in front of
a house. निसी० ३, ६३; —अंतर. न०
(-अन्तर) गृहान्तर-भे धर वस्येने लाग,
धरनुं अन्तराल. गृहांतर-दो घर का मध्यस्थ
भाग. an interval of space be-

tween two houses; the inside
of a house. आया० १, ६, ५, १६४;
—अंतरणिसिज्जा. स्त्री० (-अन्तरनिपद्या)
भे धरनी वस्ये भेङ्ग करी ते. दो घर के
बीचमे बैठक बनाना a drawing room
between two houses or in the
inside of a house. दसा० ३, ४,
—एलुग. न० (-एलुक) उभरे-आरणाते
नीयेने लाग. देहली-द्वार के नीचे का भाग
the threshold आया० २, ५, १, १४८,
—एलुय. न० (-एलुक-अलिन्द) धरने
उभरे घर की देहली. the threshold
निसी० ३, ६३; १३, ४; —दुवार न०
(-द्वार) धरनु आरणुं घर का दरवाजा.
a house-door. निसी० ३, ६३, —धम्म
पु० (-धर्म) गृहस्थने धर्म (अतिथी
सत्कार वगेरे) गृहस्थ का धर्म (अतिथि
सत्कार इत्यादि) hospitality to a
guest. नाया० ८; १५; —मुह. न०
(-मुख) धरने आगणे लाग घर का
आगे का भाग. the front of a house.
निसी० ३, ६३, —लिंग. पुं०. (-लिङ्ग)
गृहस्थने वेप. गृहस्थ का वेप the gable
of a householder. भग० २५, ६, ७,
—वइ पुं० (-पति) धरने धली घर का
मालिक the owner of a house;
the lord of a house दस० ५, १,
१५, १६, प्रव० ६८८, —वच्च. न०
(-वर्चस्) धरने क्यरे. घर का कूड़ा.
the dirt or refuse of a house.
निसी० ३, ७३, —वास पुं०
(-वास) धरने वास, गृहस्थाश्रमभां रहैयुं
ते गृहवास, गृहस्थाश्रम मे रहना. state

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पुटनेट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vice
foot-note (*) p 15th

of being a householder उत्त० ५,
२४, ३५, २; —संधि पु० (-मन्धि)
जो घरतु जोडाए, जो घरनी वन्धेनो प्रदेश
दो घर का सधान, दो घरों के बीच का प्रदेश
the interval of space between
two houses उत्त० १, २६,

गिहकोकिलिया स्त्री० (गृहकोकिला) गृह-
गोधिडा-देहगरेडी छिपकली A lizard
विशे० २४५६,

गिहस्थ पु० (गृहस्थ-गृहमगार तत्रतिष्ठति सः)

गृहस्थाश्रमी-गृहस्थ गृहस्थाश्रमी-गृहस्थ
A householder उत्त० २, १६, ५,
२२, भग० ३, १, नाया० ११, १५, दस० ५,
२, ४५; सु० च० १५, ७०, निसी० १२,
१६, गच्छा० ११०, आव० ६, ६, पंचा०
१३, ३५, भक्त० १४; १७०, —धम्म
पु० (-धर्म) गृहस्थनो धर्म, आवक धर्म
गृहस्थ का धर्म, आवक धर्म. the duties
or the rules of a layman गच्छा०
३२ —पञ्चकख न० (-प्रत्यक्ष) गृहस्थ-
नी सम-क्षप्रत्यक्ष, गृहस्थना देभता गृहस्थ
के समक्ष-समीप-प्रत्यक्ष गृहस्थ को दृष्टिके
सामने. in the presence of a
householder गच्छा० ११०, —भाव
पु० (-भाव) गृहस्थपण्य गृहस्थपण the
status of a householder पचा० १०,
३६, —भासा स्त्री० (-भाषा) गृहस्थनी
भाषा. भाभा, आभा, भाभा वगैरे भाषण ते
गृहस्थ की भाषा, मामा, माता, भाई इत्यादि
बोलना the householder's mode
of addressing relations गच्छा०
११७, —संसृष्ट त्रि० (-समृष्ट)
गृहस्थना धी वगैरे पदार्थधी अरजयेव
(साथ वगैरे) गृहस्थ के धी इत्यादि पदार्थ
मे भरे हुए (हाथ इत्यादि) the hands
of a householder smeared

with ghee etc. आव० ६, ६,

गिहि. पु० (गृहिन्-गृहमस्यास्तीति) गृहस्था-
श्रमवर्ती, गृहस्थ गृहस्थाश्रमवर्ती; गृहस्थ
A householder दस० ३, ६; ६, १६,
८, ५१; ६, ३, १२, पि० नि० भा० ३२,
पि० नि० १४३, १४५, विशे० ३३७२;
उवा० १, १२; पचा० १, ३१; ४, ७,
गच्छा० १२४, प्रव० २, —जोग. पु०
(-योग) गृहस्थनो योग-समागम
गृहस्थ का परिचय, समागम contact
with a householder दस० ८, २१,
१०, १, ६, —णिसिज्जा स्त्री० (-निषिद्या)
गृहस्थनी जेहं पल्लव आदि गृहस्थ की
शय्या पल्लव आदि the seat e.g. a cot
etc used by a householder
निसी० १२, १६, —तिगिज्जा स्त्री०
(-चिकित्सा) गृहस्थनु वैद्यु क्खु ते
गृहस्थ का वैदिक उपाय करना medical
treatment of a householder.
निसी० १२, १७; —धम्म पु० (-धर्म-
गृह यस्यास्तीति तद्धर्म) गृहस्थधर्मनेज्
श्रेयस्कर माननार वर्ग, त्याग धर्मनु उत्था-
पन क्खनार गृहस्थ धर्मको ही श्रेयस्कर
मानने वाला वर्ग, त्याग धर्म का उत्थापन
करने वाला one who regards the
duties of a householder as the
highest duties. one opposed to
asceticism अणुजो० २०: (२) आव-
कना आर प्रतरूप गृहस्थ धर्म आवक के
द्वादश व्रत रूप गृहस्थ धर्म. the pre-
cepts of the 12 vows of a Jain
layman विवा० १, राय० २२३ नाया०
१४ —निसिज्जा स्त्री० (-निषिद्या) गृह-
स्थनी जेहं गृहस्थ की बैठक- the
seat of a householder गच्छा०
१०६, —पडिक्कमण न० (-प्रतिप्रमण)

गृहस्थनुं-आवडनुं प्रतिक्रमणु गृहस्थ का-
 आवक का प्रतिक्रमण. Pratikramana
 (prayer and confession of
 faults) to be practised by a
 layman. प्रव० २, —भायण. न०
 (—भाजन) गृहस्थना वासणु-थाणी विगेरे
 गृहस्थ के पात्र-थाली इत्यादि house-
 hold utensils सम० १८; दस० ६,
 ८, ५२; —मत्त न० (—अमत्र) गृहस्थना
 भाजन-थाली इत्यादि विगेरे. गृहस्थ के वरतन
 —पात्र-थाली कलश आदि. cups, dishes
 etc. used by a householder दस०
 ३, ३; निसी० १२, १४, —वत्थ पु० (—वत्त)
 गृहस्थना वस्त्र गृहस्थ के वस्त्र clothes
 worn by a householder, dress
 of a householder. निसी० १२, १५,
 —व्वय. न० (—व्रत) गृहस्थना व्रत,
 आवडना व्रत गृहस्थ के व्रत, आवक के
 व्रत. the vows or precepts of
 a layman प्रव० ५८, —संथव न०
 (—संस्तव) गृहस्थना विशेष परिचय गृह-
 स्थका विशेष परिचय. close contact
 with a householder. दस० ८, ५३;

गिहिभूय. वि० (गृहीभूत) गृहस्थ सम्भो
 गृहस्थ के समान Resembling a
 householder वव० २, २१ —लिङ्ग.
 न० (—लिङ्ग) गृहस्थनु यिन्द-वेप
 गृहस्थ का चिन्ह-वेप a mark of a
 householder, dress; garb उत्त०
 ३६, ४६; सम० प० २३१, पन्न० १; प्रव०
 ११, १७६, —लिङ्गसिद्ध पु० (—लिङ्ग-
 सिद्ध) गृहस्थना वेप धारणु इरी सिद्ध
 थयेव, (लेभ भइयेवी) गृहस्थ का वेप
 धारण कर सिद्ध जो हुआ है वह (यथा मरु
 देवी) one who has become a
 Siddha in the condition of a

householder, e g Marudevi
 पन्न० १;

गीअत्थ. त्रि० (गीतार्थ) अहुसूत्री.
 बहुसूत्री Learned. well-versed
 गच्छा० ४१;

गीइ. स्त्री० (गीति) गीत, छन्द विशेष गीत;
 छन्द विशेष Art of music,
 name of a metre. नाया० १

गीइय. पु० (गीतिक) गीत-उपिता अनाप
 वानी विधि. गीत-कविता बनाने की विधि.
 A poet, a composer of songs
 नाया० १,

गीति न० (गीति) गायन-गीत गाना-गीत A
 song अणुजो० १२, ८, ओव० २४, पंचा० ६,
 ५, (२) सूत्र तथा अर्थने जनणार, विद्वान्
 सूत्र व अर्थ को जानने वाला, विद्वान. a
 learned person; one knowing
 the original text and its mean-
 ing पचा० १०, ४६,

गीय-अ न० (गीत) गीत-गायन इला
 गीत-गायन कला. Art of song,
 music भग० ७, ६, ११, ११, नाया०
 १: ८, १४ मु० च० २, ३२६, जीवा०
 ३, ४, ओव० ३२, ३८, उत्त० १३, १४
 १६, ५; सू० प० १८, राय० १६, कप०
 २, १३, आया० २, ११. १७०, (०)
 गीतार्थ, आगमना जलु गीतार्थ, आगम
 का जान one knowing the
 Āgamas (scriptures) ज० प०
 ७, १४०, प्रव० ८६६; पचा० ११, ६
 —वाइय न० (—वादिन) गीत अने
 वाजिन राग और साज Singing and
 music ज० प० ५, ११२.

गीयजस पु० (गीतयजस) गन्धर्व जन्तु
 व्यन्तर देवताना गीने छे गन्धर्व
 जानिके व्यन्तर देवता का द्वितीय उठ The

second India of Gandharva class of Vyantara gods ठा० २, ३; भग० ३, ८, १०, ५, जीवा० ३, ४, पञ्च० २, गीयन्थ पु० (गीतार्थ) शास्त्रिणा अर्थने व्याख्यानर अलुश्रुत शास्त्र क अर्थ को जाननेवाला, बहुश्रुत One well-versed inscriptions प्रव० ७७७, गच्छा० १०० —मीसिश्च त्रि० (—मिश्रित) गीतार्थ अने अगीतार्थ अनेतु मिश्रण गीतार्थ व अगीतार्थ इन दोनों का मिश्रण consisting of a mixture of both Gītātha and Agītātha i e the well-versed in scriptures and the ignorant प्रव० ७७७.

गीयरड पु० (गीतरति) दक्षिण तरङ्गना गन्धर्व देवतातो धन्द्र दक्षिण तरफ के गन्धर्व देवता का इन्द्र India of the southern Gandharva gods भग० ३, ८; १०, ५, पञ्च० २, विवा० २, ठा० २, ३, गीवा स्त्री० (ग्रीवा) डोङ्क, गरदन गधु कण्ठ, गरदन, गर्ल Neck throat आया० १ १, २ १६, अणुजो० १५३ ओव० १० उत्त० ३४, ६, नाया० २, ४, १४, जीवा० ३, ३ पञ्च० १७, राय० ५२ ज०प० उवा० २, १०८.

गुंजत त्रि० (गुञ्जत) गुञ्जत डग्नो- ती-गु गुनगुन करता हुआ Humming giving out a low sound ओव० नाया० १

गुंजद्ध न० (गुञ्जार्ध) अर्धही अणुही, अर्धही गति अर्धरति Half a Guñja (१ ५) in weight a little less than one grain भग० २, १, नाया० १ —राग पु० (—राग) अर्ध अणुहीने गण अर्ध-रतिराग tune of a half grain —प० ४, ६०,

जा. स्त्री० (गुञ्जा) अणुही, रति एक जानि

का लाल परन्तु ऊपरके भागमें काला ऐसा चने के दाने के प्रमाणका फल कि जो सोना, चादी इत्यादिको तोलने में काम आता है रत्ती A red black berry of a shrub of the same name equal to two grains in weight ओव० १३ अणुजो० १६, १३३, पञ्च० १७ राय ५३. ८६, —वल्ली स्त्री० (—वल्ली) यणुहीनी वेल एक जाति के लाल परन्तु ऊपरमें काले रंगसे मिश्रित चने के दानेके समान फल की वेल कि जो सोना चादी इत्यादि को तोलने में काम आता है, रत्ती A line of the red black berries of a shrub of the same name पञ्च १,

गुजालिश्चा-या स्त्री० (—गुज्जालिका) बाटी वाय, नीङ्क, -६० वगेरे टेडी बावटी, नहर इत्यादि A canal or a channel of water which is not straight ओव० ३८, अणुजो १३४, निसी० १२, २१, जीवा० ३, ४, राय० १३२, भग० ५, ७ ८, ६, नाया० १ २, पण्ह० २, ५,

गुजावाय पु० (—गुज्जावात) गुञ्ज डग्नो गुसवाटा भागो पवन गच्छ करता हुआ गुसाटा मारता हुआ पवन Hissing wind उत्त० ३६, ११८, पञ्च० १

गुजिय त्रि० (गुजित) गुञ्जत डग्नो गुजारव किया हुआ Sounding lowly, humming पण्ह० १, ३ प्रव० १७७१,

गुंडरा न० (गुण्डन) गूँधी अणुधु ने रज में भरजाना-विगडना Spoiling smearing with dust etc नाया० १

गुडिश्च-य त्रि० (गुडित) गूँधी अणुधु-येन रजने मरा हुआ Smeared with dust पि० नि० ४८० नाया० १ (२) वीरायेधु, वेगयेधु घेगहुया, निपटा हुआ rolled wrapped. ओव० नि०

भा० १६३; परह० १, ३, सूय० १, २, १, १५;
गुंदरुक्ख पुं० (गुन्दवृत्त) ओक जातिनुं ओड
 (गुदा) एक जाति का झाड़-वृत्त. A
 kind of tree having fruits
 equal in size to hog-plums, a
 tree full of gum. भग २२, १;

गुन्दल न० (गुन्दल) झीडा; भेद क्रीडा खेल.
 Play; sport. सु० च० ६, २८;

गुच्छ पुं० (गुच्छ) रीगणी प्रमुभना गुच्छा.
 वृक्षादिका गुच्छा A cluster of trees
 etc ज० प० १, १०, नाया० १, ५, भग०
 ७, ६; १५, १; जीवा० १; पन्न १, (२)
 गुच्छो० शरीर वगेरे उपरथी रज के जंतुने
 पुच्छने हर डरवानुं ओक साधन-धर्मनु
 उपकरण (२) गुच्छा; शरार इत्यादि के
 ऊपरसे रज व जंतु दूर करने का एक साधन
 -धर्म का उपकरण a kind of brush
 made of woollen threads to
 remove dust or insects from
 body etc. आब० ४, ८,

गुच्छग पु० (गुच्छक) गुच्छो गुच्छा A
 cluster प्रव० ५०६,

गुच्छय-अ पुं० (गुच्छक) शरीर अने वस्त्र
 पात्र पुज्याने उनतो गुच्छो-गोच्छो.
 शरीर व वस्त्र पात्र को स्वच्छ रखने का
 उनका गुच्छा A wollen brush to
 cleanse the body, vessels
 clothes etc उत्त० २६, २३, ओष०
 नि० ६६८;

गुज्झ त्रि० (गुह्य) गुप्त बात, गहरी
 भाषुसो आगग प्रकाशवा योग्य नहि ने
 गुप्त वर्णन, बाहर के मनुष्यों के समीप प्रका-
 शित करने योग्य नहीं वह. (Anything)
 secret; private प्रव० ४४२; ४३६
 गय० २१०; नाया० २, ७; (२) गुह्य
 भाग, गुप्तेन्द्रिय गुह्य भाग; गुप्तेन्द्रिय a

secret part of the body. ओष०
 नि० भा० ३१३, परह० १, ४; ओव० १०;
 अणुजो० १३०; नाया० १, २; (३)
 भवनपति देवतानो ओक अवान्तर भेद.
 भवनपति देवता का एक अवान्तर भेद
 a sub-division of gods known
 as Bhavanapati. दस० ७, ५३,
 —अंतर न० (-अन्तर) गुह्यस्थानतो
 वयलो भाग गुह्य स्थान का मध्यस्थ भाग
 the middle portion of a private,
 secret part (e. g. of the body)
 नाया० १६; नाया० ध० —अंतराय पु०
 (-अन्तराल) गुह्यस्थानतो अंतराल-मध्य
 भाग गुह्य स्थान का अंतराल-मध्य भाग. a
 middle portion of secret parts
 (e. g. of the body). “गुज्झन्तराय
 धोवेति ” निर० ४, १, —अणुचरिय
 न० (-अनुचरित) गुह्य जतना भवनपति
 देवोओ सेवेसु (स्थान). गुह्य जाति के
 भवनपति देवोंने सेवित किया हुआ (स्थान)
 (a place) resorted to by gods
 styled Guhyas. दस० ७, ५३,

गुज्झग पुं० (गुह्यक) भवनपति देवनी
 ओक जन भवनपति देव की एक जाति.
 A particular kind of deities, a
 Bhavanapati (lords of the
 lower parts of the earth)
 god दसा० ६, २६, पि० नि० ४५२, दस०
 ६, २, १०, (२) गुप्त, अदृश्य गुप्त,
 अदृश्य secret सम० १०, ओष० नि०
 भा० २३८,

गुज्झदेस पुं० (गुह्यदेग) गुह्य स्थान. गुह्य
 स्थान Rectum प्रव० २५३, —रक्खट्ट
 न० (-रक्षार्थ) गुह्यस्थानती रक्षाभाटे.
 गुह्य स्थान की रक्षा के लिये for the
 safety of rectum. प्रव० ५३६;

गुञ्जसाला स्त्री० (गुञ्जशाला) गुप्त घर
गुप्त घर. A secret house, a private
room निसी० ८, १७, —गय. त्रि०
(-गत) गुप्त घरभा रहेल गुप्त घर में रहा
हुआ. (one) gone in a private
room. निसी० ८, १७,

गुह पुं० (गोष्ठ) गाथीने रहेवानो व डो.
गौश्रों को रहने का बाड़ा A cow-pen
भक्त० १६२;

गुड. पुं० (गुड) गोण, शेरीना रसथी अने
आध पदार्थ गुड; गन्ने के रस से बना
हुआ खाद्य पदार्थ. Molasses. पि० नि०
भा० ३, अणुजो० ६५, जीवा० ३, ३, प्रव०
२०६, कप्प० ६, १७,

गुढायारि त्रि० (गुढाचारिन्) पीतानो दुष्टा-
चार धुपावनार. अपना दुष्टाचार छिपाने
वाला (one) hiding one's own
misconduct दसा० ६, ८,

✓गुण धा० I, II (गुण्) गुण्यु, आव-
र्तन करवु गुनना, आवर्तन करना To
multiply

गुणइ सु० च० १४, ६१,

गुणति श्रोघ० नि० ६६३,

गुणेत्या स० कृ० ज० प० ७, १३५,

गुण पु० (गुण) गुण मूलगुण अने
उत्तर गुण. मूलगुण-महाव्रत, उत्तरगुण-
समिति आदि गुण-मूलगुण व उत्तरगुण,
मूलगुण-महाव्रत, उत्तरगुण-समिति आदि
A quality, it is classified into
Mūlaguṇa i e a full vow and
Uttaraguṇa i e Samiti etc
विशे० १, अणुजो० २१, दस० ८, ६१,
(२) आवकना त्रय गुण व्रत, ६ ६ ७ भु
अने ८ भु व्रत आवक के तीन गुण व्रत
छठा सातवा व आठवा व्रत. the three
vows viz the 6th, the 7th and

the 8th of a Jaine layman
भग० २, ५, ७, ६. नाया० ८, पन्न० २०,
(३) द्रव्यभा रहेल धर्म, वस्तुस्वभाव
द्रव्य में रहा हुआ धर्म, वस्तुस्वभाव the
nature of a thing श्रोव० पन्न० १५,
पि० नि० भा० १; (४) शब्द, रूप, रस आदि
कामना गुण, ध्रिय विषय शब्द, रूप, रस
आदि काम के गुण, इन्द्रिय विषय the
object of senses viz sound,
sight, taste etc. पि० नि० १२८, आया०
१, १, ४, ३४, १, २, १, ६२, (५) क्षमा,
विनय, ज्ञान, साधुता, सत्त्वता आदि सद्-
गुण क्षमा, विनय, ज्ञान, साधुता, मरलता
इत्यादि सद्गुण the virtues e g for-
giveness, modesty, knowledge,
straightforwardness etc भग०
२, १, ७, २, ८, ४, २५, ४, ४२, १,
नाया० १, ३, ८, १०, १६, दस० ५, २,
४४, ६, ६, ७, ५६, ६, १, १७, ६, ३,
११, राय० ८०, २१५, नदी० स्थ० ४,
अणुजो० १२८, पि० नि० ३१२, उवा० १,
६६; क० प० १, २६, क० ग० २, २, (६)
सूत्रना तातण्ण, दोरा सूत के तनु, डोर
cotton threads जांवा० ३; राय०
१०६; कप्प० ३, ३४, (७) गण्यु, गुणाकार
करवो, गिनना, गुना करना counting
ज० प० ५, १२१, पन्न० २, २८, कप्प० ३, ३६,
—अणुरात्र पु० (-अनुराग) गुणतो
अनुराग-प्रेम गुण का अनुराग-प्रेम love
for merit भक्त० ५४, —अहिय त्रि०
(-अधिक) गुणैकनी अधिक गुणों में करके
अधिक surpassing by reason of,
in point of qualities उक्त० २२, ५
—आसाअ पु० (-आस्वाद) विषयना
शब्दादि गुणोभा आस्वाद आभक्ति विषय
के जन्दादि गुणों में आस्वाद-आभक्ति

attachment to objects of senses such as sound etc. आया० १, १, ५ ४३, —उक्तिरण. न० (—उत्कीर्तन) गुणने गावां, गुणने वभाणुवा गुणोंका गान करना; गुणों की प्रशंसा करना extolling, praising of merits पंचा० ४, २४; —उत्तर. त्रि० (—उत्तर) गुण प्रदान, गुणेश्वरी श्रेष्ठ. गुणप्रधान, गुणों से श्रेष्ठ superior by reason of or in point of qualities. उत्त० १२, १, —उत्पायण त्रि० (—उत्पादन) गुण-रसादिने उत्पन्न करने के गुण इत्यादि को उत्पन्न करना. producing, exciting such qualities as taste etc. भग० ७, १, —उचवेय त्रि० (—उपेत) गुणथी युक्त गुणों से युक्त having qualities, possessed of qualities नावा० ८, विवा० २, कप्य० १, ८, —कर. त्रि० (—कर) दायदे करनेवाले लाभ देने वाला a benefactor पंचा० ५, १२; —करण न० (—करण) भूत गुण अने उत्तर गुण रूप करने मूलगुण व उत्तर गुण रूप करण thought-activity in the form of Mahavrata and Samitis etc. विशेष० ३३५६, —कार. पुं० (—कार) गुणाकार—येक रक्षमने भीष्ट रक्षमथी गुणवु ते गुणाकार; एक संख्या को दूसरी संख्या से गुनना. multiplication. सम० ८४, प्रव० १३५१, —कखाण. न० (—आख्यान) गुण कीर्तन. गुण कीर्तन. praise पंचा० २, २४, —गण पु० (—गण) गुणने समूह. गुणों का समूह a collection of qualities or virtues नाया० १०, —गाहि त्रि० (—आहिन्) गुणने प्रदण करनेवाले गुण ग्राही, गुण को ग्रहण करने वाला (one) who appreciates

virtues उत्त० ३६, २६०, —जुअ त्रि० (—युत) गुणवाले, गुणवत्. गुणवाला; गुणवंत, गुणयुक्त. meritorious, possessed of good qualities. पंचा० २, ३४, —द्वारा न० (—स्थान) मिथ्यात्व आदि १४ गुणस्थान मिथ्यात्व आदि १४ गुणस्थान the 14 stages including false belief etc. क० गं० २, १, ४, १; पंचा० ८, २१, १०, ११, १५, ४६; —द्वाराअ. न० (—स्थानक) मिथ्यात्व आदि १४ गुणस्थानक मिथ्यात्व आदि गुणस्थानक. the 14 stages including false belief etc क० गं० ६, ४८, —द्वि. त्रि० (—अर्थिन्) शब्द आदि विषयगुणने अर्थी-अभिलाषी शब्द आदि विषय गुणका अर्थी-अभिलाषी (one) desirous of objects of senses like sound etc आया० १, २, १, ६२, —द्विअ त्रि० (—अर्थिक) शब्दो “गुणद्वि” शब्द देखो “गुणद्वि” शब्द vide “गुणद्वि” आया० १, १, ४, ३४, —निष्पराण त्रि० (—निष्पन्न) गुण प्रमाणे उत्पन्न थयेले. गुण से उत्पन्न हुआ हो वह. born of qualities नाया० १, १६, —निधि. पुं० (—निधि) गुणने लभार गुणों का भंडार. a store of merits पंचा० ८, ४३; —(रा)णिअ त्रि० (—अन्वित) गुण सहित; गुणवाले गुण सहित, गुणयुक्त. having qualities. विशेष० ८६, —स्थि. त्रि० (—अर्थिन्) शब्दो “गुणद्वि” शब्द देखो “गुणद्वि” शब्द. vide “गुणद्वि” विशेष० २६४२, —धारणा. स्त्री० (—धारणा) सद्गुण धारण करनेवाले सद्गुण धारण करना adopting of virtues अणुजो० ५८, (२) आवश्यक सूचना प्रत्याख्यान नामे अध्ययन अपर-

न.म. आकश्यक सूत्र के प्रत्याख्यान नामक
अध्ययनका अपर नाम the other name
of the chapter Pratyākhyāna
of Āvaśyaka Sūtra विशेष ६०२,
—द्वि स्त्री० (-द्वि) गुण २५ समृद्धि, गुण
लक्ष्मी. गुण रूप समृद्धि, गुणलक्ष्मी.
wealth in the form of merits
पचा० ७, ६, —निष्पन्न त्रि० (-निष्पन्न)
लुओ " गुणनिष्पन्न " शब्द देखो
" गुणनिष्पन्न " शब्द vide " गुणनिष्पन्न "
भग० ११, ११, १४, १, नाया० २, कप्प० ४,
६०, —निष्पन्न त्रि० (-निष्पन्न) लुओ
" गुणनिष्पन्न " शब्द देखो " गुणनिष्पन्न "
शब्द vide " गुणनिष्पन्न " क० प० १, २०
—निवद्ध त्रि० (-निवद्ध) गुण-दोरी
अथवा सदगुणों की बांधायेन गुण-डोरा
अथवा सदगुण से बंधाया हुआ bound,
tied with merits, qualities
भक्त० ११६, —निहि पु० (-निहि)
गुणों की भंडार a store
of merits, qualities पचा० १४, ४०,
—परिणाम पु० (-परिणाम) धृषा गुण
बहुत गुण many merits, quali-
ties पचा० ८, ४, —परिणाम स्त्री०
(-परिणाम) गुणों की ज्ञान knowledge of qualities
पचा० ७, २५, —परिहासि स्त्री०
(-परिहासि) गुणों की हानि गुणों की
हानि loss of qualities or attri-
butes नाया० १३, —पसत्थ त्रि०
(-पसत्थ) सदगुणों की प्रशंसा
सदगुणों में प्रशंसित praised क० प०
५, २ —पेहि त्रि० (-पेहि) गुणदर्शी,
गुणवादी गुणदर्शी, गुणवादी grate-
ful क० ग० १, ६०, —प्रमाण न०
(-प्रमाण) गुण-आत्मगुण-ज्ञानादि

प्रमाण-प्रमेय वस्तुओं परितो ३२५२. गुण
—आत्मगुण-ज्ञानादि रूप प्रमाण-प्रमेय वस्तु
का परिच्छेद करनेवाला. the measure
of merits विशेष ६०३, —प्रमाण
पु० (-प्रमाण) सयमादि गुणों की प्रधान-
श्रेष्ठ सयमादि गुणों में प्रधान. prominent
by reason of, in point of the
qualities of asceticism etc नाया०
१, —भवपञ्चय त्रि० (-भवपञ्चय)
गुण अने लव ओ ओ नेमा डगुणों द्वारा ते
गुण व भव ये दो जिन में कारण हो वह
that in which both and
merits are the cause क० प० २, ६८,
—मुक्तजोगि पु० (-मुक्तजोगि) विप-
यानि गुणरहित योगी-साधु विपयानि गुण
रहित, योगी-साधु an ascetic, one
free from passions नाया० १९,
—रागि त्रि० (-रागि) गुणों की
गंगा, गुणों की पक्षपाती गुण का गंगा
गुण का पक्षपाती (one) given to
virtues प्रव० १३७१ पचा० ३ ६,
७, ७, —रासि पु० (-रासि) गुणों की
लगाव गुणों का भंडार. a store of
virtues गच्छा० ६४, —विसिद्ध त्रि०
(-विसिद्ध) उपशम, अवेश निर्वेद, अनु-
दया, आस्तित्व ओ पाथ गुणों की युक्त
उपशम, अवेश, निर्वेद, अनुदया, आस्तित्व
इन ५ गुणों में युक्त (one) possessed
of five virtues viz Upśama,
Samveda etc प्रव० ६६६, —संकर
पु० (-संकर) गुणों की समष्टि गुणों
का समुह a collection of at-
tributes नाया० ६, —संपन्न त्रि०
(-संपन्न) गुणसंपन्न, गुणों की
गुण सम्पन्न, गुण में भरा हुआ. full of
attributes गच्छा० ६७७, —माय

पु० (-सागर) गुणुनो समुद्र. गुणसागर; गुण का समुद्र. an ocean of qualities or virtues. दस० ६, ३, १४; गच्छा० १०३; —सुद्विअप्प. त्रि० (-सुस्थितात्मन्) जेनो आत्मा गुणुभा सारी रीते स्थित छे ते जिसकी आत्मा गुणमे अच्छी तरहमे स्थित है वह. (one) whose soul is strictly given to virtues. दस० ६, ७, ३; —हाणि खी० (-हानि) गुणु अने हानि: पधारे अने धराडे। गुण व हानि, आवेकता , न्यूनता loss and gain. क० प० १, १०; ३, ८, —हीण त्रि० (-हीन) गुणविनाशु. गुण रहित devoid of attributes गच्छा० १०६, क० प० १, ७८;

गुणश्रो अ० (गुणतस्) गुणुश्री, गुणुआश्री गुणसे; गुणग्रश्री By reason of qualities, in point of qualities उत्त० ३२, ५; भग० २, १०;

गुणण. न० (गुणन) आवृत्ति, ग्रथविचार. आवृत्ति, ग्रथविचार. Multiplication, revision, reflecting upon the contents of a book. पि० नि० ६६४; विशे० १११३;

गुणरयण न० (गुणरत्न) सोण भदीनानुं ओइ तप के जेभा पहिले भदिने ओइके उपवास, पीजे अभे, यावत् सोणमे भदीने सोण उपवास करवा पडे छे, द्विसे उकुट्ट आसने सूर्यानी सन्मुख अने रात्रे वीर आसने पञ्च रहित भेसवानु होय छे, सोण भासे आतप पूर्यु थाय छे. सोलह मास का एक तप कि जिसमें प्रथम मास में एक एक उपवास, दूसरे में दो दो, यावत् सोलहवें मास में सोलह उपवास करने पड़ने हैं, जिसमें दिनको उकुट्ट आसन पर सूर्य के सन्मुख व रात्रि को वीर आसन में पञ्च रहित बैठने का होता

है, सोलह मास में यह तप संपूर्ण होता है. A kind of penance lasting for sixteen months in which one fasts for a day in the first month, for two days in the second and so on for sixteen days in the 16th month. During day one has to sit in a certain bodily posture facing the sun and at night in another posture without clothes on the body. The day posture is Oukhadu Āsana while the night posture is Virāsana अंत० १, १; कप्प० ७, ६, —वत्थर न० (-वत्सर) गुणरत्न संवत्सर नामनुं. गुणरत्न संवत्सर नामका name of a kind of austerity. प्रव० १५८०; —सवच्छर. न० (-संवत्सर) गुणरत्न संवत्सर ओ नामनुं ओइ तप छे गुणरत्न संवत्सर इस नामका एक तप है. name of a kind of austerity. भग २, १, नाया० १;

गुणवत् त्रि० (गुणवत्-गुणा मूलोत्तर विशु-ध्यादयो विद्यन्ते येषां ते) गुणुी; गुणयुक्ता गुणवान, गुणयुक्त. Possessed of qualities or virtues गुणवश्रो व० ए० अणुजो० ५८,

गुणवेरमण न० (गुणविरमण) आवडतुं ओ सातभुं अने आठभुं ओ तणु प्रत आवकके छेठ, सातवे और आठवें यह ३ व्रत The three vows viz the 6th, 7th and 8th of a Jaina layman राय० २२६; नाया० ८,

गुणव्यय. न० (गुणव्रत) लुओ. “ गुण-वेरमण ” शब्द. देखो “ गुणवेरमण ” शब्द Vide “ गुणवेरमण ” आठ०

४, ठा० ४, ३, दत्त० ६, २, पचा० १; १६,
गुणसंकम न० (गुणसंकम) अअध्यमान
अशुल प्रकृतिना दक्षिआने अध्यमान प्रकृ
तिमा प्रतिसमय असंख्यातगुणे वृद्धिअ
उभेखा ते अवदमान अशुभ प्रकृति के
समूह को अध्यमान प्रकृतिमे प्रतिसमय असंख्य
गुण वृद्धि से जोड़ना Adding infi-
nitely of sinful molecules
every instant in the acquired
ones. क० प० २, १००,

गुणसंकमण. पु० (गुणसंकमण) लुओ
“ गुणसंकम ” शब्द देखो “ गुणसंकम ”
शब्द Vide “ गुणसंकम ” क० प० २, ७०;

गुणसिल न० (गुणशील) ओ नामनु राज-
गृह नगरी पासो ओक उद्यान इम नामका
राजगृह नगरी के समाप का एक उद्यान--
वगीचा Name of a garden in
the vicinity of Rājagruhi
city कप्प० ९, ६३,

गुणसिलअ-य पुं० (-गुणशीलक) राजगृहनी
बाहर आवेसु ओ नामनु ओक चैत्य-उद्यान
राजगृह के बाहर आया हुआ इस नाम का
एक चैत्य उद्यान Name of a garden
outside Rājagruha भग० १, १, २,
१; ७, १०, अणुत्त० १, १ नाया० १८, (२)
ओ नामनु यक्षपु भन्दर इस नाम का यक्ष
मन्दिर. name of a temple of Yak-
sha निर० ३, १, —चेइय न० (-चैत्य)
लुओ “ गुणसिलअ-य ” शब्द देखो “ गुण-
सिलअ-य ” शब्द vide “ गुण सिलअ-य ”
नाया० १२,

गुणसेढि. स्त्री० (गुणश्रेणि) गुणधारे प्रदेशनी
रचना, ज्या गुणनी वृद्धिअ असंख्यात गुणी
निर्जरा ओके सभये अधिक थाय ते गुण
श्रेणि गुणश्रेणि, गुणाकार प्रदेश की रचना;
जहा गुण की वृद्धि से असंख्यात गुणी के

निर्जरा हर समय पर अधिक हो वह गुण
श्रेणि. The spiritual stages of
evolution in succession. क० गं०
५, ८२,

गुणसेढी स्त्री० (गुणश्रेणा) सर्वथी उपरनी
स्थितिना कर्म दक्षिआने लक्ष उद्यना पड़ेना
समयथी प्रति सभये असंख्यात गुण वृद्धि ये
नाभता अन्तर्मुहुर्तु सुधी तेनी अधिक श्रेणी
आवे तेने गुणगुण धरेवाभा आवे छे, लाणी
स्थितिना दक्षीया भोगयानी ओक रीति सर्व
से उच्च स्थिति के कर्म समूह को लेकर उद्य
के पूर्व समय से प्रति समय पर असंख्यात
गुणों की वृद्धि करते हुए अन्तर्मुहुर्त पर्यन्त
ऐसी अधिक श्रेणी चालू रहे उसे गुण श्रेणा
कहते हैं, लम्बी स्थिति क समूह को
भुगत मान करने की रीति The process
of enduring the Karma of a
long duration उत्त० २६, ६, आ० व० ७,
गुणि त्रि० (गुणिन्) गुण वाला-ली-लो गुण
युक्त Having a quality, meritori-
ous नाया० १२, क० प० ४, २५,

गुणिल्लमाण त्रि० (गुणयमान) गुणधारे
धरे गुना किया जाता Multiplied
प्रव० ६३७,

गुणिय-अ त्रि० (गुणित) गुणधारे, गुणधारे
धरे गुना हुआ, गुना किया हुआ Multipli-
ed उत्त० ७, १२, विशेष० ७६० भग० २१,
क० प० २, ७८,

गुणण त्रि० (गुण्य) गुणधारे लाय, गुणधारे योग्य
Worthy of attributes कप्प० ६, ६०,

गुत्त न० (गोत्र) गोत्र. अट्ट गोत्र, कुल-
नाम Surname, family name
नदा० २६, उत्त० १८, २१, भग० २५, ६
कप्प० ११२ (२) सातभु गोत्र कर्म
रातवा गोत्रकर्म the 7th Gotia
Karma भग० २५, ६

गुत्त. त्रि० (गुत्त) शुभिवन्त, मन वचन अने
 डायाने पापभा न जवा देतां गोपवी
 राभनार. गुत्तिवन्त, मन वचन व काया को
 पाप से जाने से बचा रखने वाला
 (One) who protects himself
 against sins of mind, body and
 sheech ओघ० नि० भा० ४६, ओघ० १७,
 उत्त० १२, १७, आया० १, ३, ३, ११७,
 भग० २, १, ३, १; २; १३, ४, नाया० ४,
 सूय० २, १, ६०; गच्छा० ५३, (२) स्तब्ध;
 दिगमूढ अने स्तब्ध, दिगमूढ, बना हुआ
 confounded; bewildered ओघ०
 नि० भा० १७६, (३) छुपावेन, ढाकेन;
 गोपवेन छुपाया हुआ; ढाका हुआ, गुप्त रखा
 हुआ. concealed, protected, a
 hidden cave etc जीवा० ३, ४, नाया०
 १४, राय० २५४, निसी० २०, १; कप्प० ६, २;
 (४) रक्षणु इरेन, अयावेन रक्षण किया
 हुआ, बचाया हुआ protected पन्न० २;
 (५) शुभधर-भोयइ वगेरे. गुप्तधर-तल-
 धर इत्यादि a celler. ठा० ४, १;—इंदिय.
 त्रि० (-इन्द्रिय) पाय धट्टियो नेले वश इरी
 पापथी गोपवी छे ते. पांच इन्द्रियों को जिसने
 वशकर, पाप से बचाई है वह (one) who
 has controlled his senses नाया०
 ४, भग० २, १, २५, ७, दसा० ५, १८, कप्प०
 ५, ११६, —दुवार न० (-द्वार) छानु
 आनु आरछुं, शुभद्वार गुप्तद्वार a hidden
 door ठा० ५, २, भग० ३, १, —वंभ-
 यारि. त्रि० (-ब्रह्मचारिन्) अल्यर्थनु
 रक्षणु. इरेनार. ब्रह्मचर्य का रक्षण करने
 वाला (one) who observes celi-
 bacy or chastity दसा० ५, २१,
 भग० १२, १; १८, २; नाया० १४; १६,
 नाया० ध० निर० २, १,
गुत्तास. पुं० (गोत्रास) विपाकसूत्रनुं अे नामनुं

भीष्म अथ्यगन. विपाक सूत्र के द्वितीय
 अध्ययन का नाम Name of the 2nd
 chapter of Vipāka Sūtra ठा० १०;
गुत्ति. त्रि० (गुत्ति-गोपयन गुत्तिः) मन वचन
 अने डायाने अशुभ प्रवृत्तिथी रोडी गोपवी
 राभवां ते. मन वचन व काया को अशुभ
 प्रवृत्ति से रोककर बचा रखना Control
 of mind, speech and body. 1 e.
 guarding them against sins
 सम० ३, सम० प० १६८, उत्त० १२, १७,
 २४, १; नाया० १, १०, निसी० २०, १,
 पन्न० १; भत्त० १४०; प्रव० २७०, पचा० १५, ३१,
 विशेष० ११३०; —विभेय. पु० (-विभेद)
 शुभिवचन शुभिनो विभेद-भग. गुत्ति-वचन
 गुत्ति का विभेद-भग. the breach in
 control of speech गच्छा० १३१;
गुत्तिय पुं० (गुत्तिक) डोटवाल. नगर रक्क
 अधिकारी; कोतवाल A village cons-
 table. परह० १, २, कप्प० ४, ६८,
गुत्तिसेण. पुं० (गुत्तिसेन) न भुद्धीपना अं-
 वत क्षेत्रमा यालु अवास पिण्डीमा थयेन सोलमा
 तीर्थइर जंबूद्वीप के ऐरवत क्षेत्र में वर्तमान
 अवसर्पिणी में उत्पन्न सोलहवें तीर्थकर
 The 16th Tirthankara of the
 present Avasaipinī in the
 Anavata region of Jambū
 dvīpa सम० प० २४०,
गुद न० (गुद) गुदा; शुद्धस्थान. गुदा, गुद-
 स्थान Anus; rectum तंदु० प्रव०
 १३८६;
गुप्पमाण. व० कृ० त्रि० (गुप्पत्) व्याकुल
 थनु. व्याकुल Getting troubled or
 distracted ओव० २१,
गुफ (गुल्फ) पु० पगनी ओडी, धुटी घुटी,
 एडी A heel ओव० १०, आया० १, १,
 २, १६, जीवा० ३, ३;

गुमगुमत त्रि० (गुमगुमत) गुमगुमाट करतो; गुमगुम ओवे। अवाज करतो गुमगुमाट करता हुआ, गुम गुम ऐसी आवाज करता हुआ. Buzzing, humming ओव०

गुमगुमायंत व० कृ० त्रि० (गुमगुमायमान) धमधमाट करतु, गलुगलुट करतु, मधुर शब्द करतु धमधमाट करता हुआ, गिनगिनाट करता हुआ, मधुर शब्द का उच्चार करता हुआ Tinkling, buzzing. कप्प० ३, ३७,

गुम्म पु० (गुल्म) वृक्ष जल नवमालिका आदि, वृक्षनी ओकमत वृक्षजाल नवमालिका आदि वृक्ष की एक जाति. A cluster of bamboo trees etc नाया० १, ५, भग० ७, ६, जं० प० जीवा० १, पन्न० १, (२) समूह, परिवार समूह, परिवार a group, a collection. विशेष० ३३, जं० प० १, १०, सूय० २, २, ५५,

गुम्मइअ त्रि० (गुल्मित) मुआओलु, भूदयनेल मूढचना हुआ Puzzled, bewildered ओघ० नि० १३६,

गुम्मागुम्मि अ० (गुल्मागुल्मि) गुम्मानो ओक भाग ते गुल्म, ओक उपाध्याय अधिष्ठित साधुओ नेगा थाय ते गुच्छ का एक भाग-गुल्म, एक उपाध्याय अधिष्ठित साधु लोग एक्त्र हों वह A portion of an order of saints, saints under one preceptor assembled together आत्र० २१,

गुम्मि पु० (गुल्मिक) दान भुजुगे खानखजुरा A centiped उत्त० ३६, १३७

गुम्मिय-अ पु० (गुल्मिक) दीक्षातु रक्षक करनार, योदीक्षार गट का रक्षण करने वाला A guard of a fort, a watchman ओघ० नि० १६३, ७८६, जुध विगेरे पुत्र आउ जुई आदि के फुल के वृक्ष, a kind of

flowering plant जीवा० ३, २,
गुरु पु० (गुरु-त शास्त्रार्थमिति गृणात्ति यथा-वस्थि) शास्त्रने सदुपदेश आपनार, गुरु. शास्त्र का सदुपदेश करने वाला, गुरु A teacher, a preceptor. भग० ७, ६, ८, ७, ११, ११, १७, ३, नाया० १, ७, ८; पि० नि० भा० २७, अणुजो० १३, ६६, उवा० ३, १३५, पचा० १, ९, ५, १२, भक्त० १७, ६६, आव० ६, २, (२) त्रि० भारे, वजनदार भारी, वजनदार. heavy विशेष० ६६०, जीवा० ३, १, पि० नि० ३२७, उत्त० ३६, १६, क० ग० १, ४७, आया० १, ६, १, १४१, (३) अव्योगति लक्ष जनाउ मडादोप. अव्योगति को लेजानेवाला महादोष a great sin leading to lower condition of existence पि० नि० १०२, ११२, जं० प० २, २६, (४) वडील, आचार्य बडाल, आचार्य an elder, a head of an order of saints दम० ६, १, ८८, पचा० ७, ५, उत्त० १, २, २६, ७, अणुजा १२०, (५) जेना उदयथी छव दोदा जेवु भारे शरीर पाभे ते नामकर्भनी ओक प्रकृति जिसके उदय से जीव लोहे के समान भारी शरीर प्राप्त करे उस नाम कर्म की एक प्रकृति a variety of Nama Karma by the use of which a soul gets body as has as non क० ग० १, ४१, ४२, —असाअ पु० न० (—असात) भारे असाता-दुःख भारी दुःख great pain क० प० ८ ८४, —उवणस पु० (—उपदेश) गृहने उपदेश गुरु का उपदेश words of advice of a Guru विशेष० १, प्रव० १, ७७६, —उवणसाणुसार पु० (—उपदेशानुसार) गृहना उपदेश प्रमाणे गुरु के उपदेश के अनुसार according to

the advice of a preceptor. पचा० ४, १; —जण. पु० (—जन) भोटा भाणुस; वडील. वडा मनुष्य; वडील an elderly person, an elder. नाया० ६; १८, कप्प० ३, ५६; पंचा० ४, ३४, प्रव० १००, —जप्पअ त्रि० (—जल्पाक) गुर्नी स्हामे भोवनार; दुर्विनीत; विनय-विनाने। गुरु से अनुचित बोलने वाला दुर्विनीत, विनय रहित. impolite, irreverent परह० १, २; —जोग पुं० (—योग) गुर्ने सभागम गुरु का समागम. contact with a preceptor. पचा० २, ४, —णियोग पुं० (—नियोग) गुर्नी आज्ञा. गुरु की आज्ञा command of a preceptor. पचा० १२, १८; —दत्त-सेसभोयण न० (—दत्तशेषभोजन) गुरुओ पोते पातां आडी रहेवुं आपेस भोजन गुरुने भोजन कर लेने पर दिया हुआ शेष भोजन. the remnant of food given by a preceptor. प्रव० २१५; —देवया. स्त्री० (—देवता) गुरुदेवता, देवता समान गुरु देवता; देवता के समान, गुरु (one) who regards a preceptor as his god नाया० ८, १८, पचा० १, ४५; —दोस पुं० (—दोष) भोटो दोष वडा दोष. a major fault; a grave fault प्रव० २१७, —निगह पुं० (—निग्रह) गुर्ने दाय, गुर्नी आज्ञाभा रहेवुं ते. गुरु की आधीनता; गुरु की आज्ञा में रहना. the control of a preceptor. प्रव० ६४३; —नियोग पु० (—नियोग) गुर्-वडीलने हुडम. गुरु, वडील की आज्ञा. the order of a preceptor or elderly person. क० प० ५, २४, —पमुह त्रि० (—प्रमुख) गुर्भट्टाराज वगेरे, आ-न्यादिः गुरु महाराज इत्यादि—आचार्यादिक.

preceptor etc प्रव० ३०, —पसाय. पु० (—प्रसाद) गुर्नी कृपा. गुरु की कृपा. favour of a preceptor नाया० १२; दस० ६, १; १०; —पसापभिमुह. पु० (—प्रसादाभिमुख) गुर्नी प्रसन्नता राखवाने उधमशील. गुरु की प्रसन्नता रखने को उधमशील. one active in keeping one's preceptor pleased दस० ६, १, १०, —पुच्छा. स्त्री० (—पृच्छा) गुर्ने पुछी दरेक काम करवु ते गुरु से पूछ कर प्रत्येक काम करना. performing of an action after consulting a preceptor. पंचा० १२, ४१, —पूया स्त्री० (—पूजा) शिष्ये गुर्ने यथोचित आ-हारदि लावी सेवा लडित करवी ते शिष्यने गुरु को यथोचित आहारादि लाकर सेवा भक्ति करना. service of a disciple to his preceptor by bringing food etc for him. उत्त० २६, ७; —फास. पु० (—स्पर्श) गुर् स्पर्श, लारे-पाणु, आठ स्पर्शमाने ओक गुरु स्पर्श, भारीपन; आठ स्पर्श मे से एक heaviness सम० २२; क० ग० ५, ३२; —भणिय त्रि० (—भणित) गुर्ओ डहेल गुरुने कहा हुआ. explained by a preceptor. प्रव० १३४, —भक्ति स्त्री० (—भक्ति) गुर्नी लडित-सेवा गुरु की भक्ति, सेवा devotion towards a preceptor. क० ग० १, ५५, पचा० २, ३७, —भूतेवघाइणी स्त्री० (—भूता-पघातिनी) महाभूतोने नाश करनारी (भाषा). महाभूतों को नाश करने वाली (भाषा) a language which destroys ghosts दस० ७, ११, —मुह. न० (—मुख) आचार्यनु भुअ आचार्य का मुख. the mouth of a

preceptor पचा० ६, ५०; —लक्षण. न० (-लक्षण) गुरुना लक्षण गुरु के लक्षण the attributes or qualifications of a preceptor. गच्छा० ४०; —लघुग त्रि० (-लघुक) लघुओ “गुरुअ-लघुअ” शब्द देखो “गुरुअ-लघुअ” शब्द vide “गुरुअलघुअ” क० प० ४, ४६, —लाघव. न० (लाघव) भारे अने हलका भारी व हलका heavy and light प्रव० २१७, —वचण न० (-वचन) गुरुतु पयन गुरु का वचन the words of a preceptor. प्रव० ६३, —संभारियत्ता स्त्री० (-संभारिकता) परस्पर प्रथियों के प्रयोग से भारी. heavy on account of being interlinked. भग० ५, ३; —सगास. पुं० (-सकाश) गुरुपासे, गुरुसमीप गुरु के के पास, गुरु के समीप near a preceptor पंचा० १, ४३, —सम्मय त्रि० (-सम्मत) गुरुने मान्य, गुरु नेते पण्डु मान आपता होय ते गुरु को मान्य, गुरु जिस को बहुत मान देते हों वह admissible to a preceptor पचा० १२, २६, —सुसूखणया स्त्री० (-शुश्रूषण) गुरुनी शुश्रूषा, गुरु सेवा, गुरु भक्ति गुरु की शुश्रूषा, गुरु सेवा, गुरु भक्ति. service to a preceptor. उत्त० २६, २, —सेज्जासथारग पु० (-शय्यासस्तारक) गुरुना शय्या अने सथारे-पथारी गुरु की शय्या व सथारा-पथारी the bed of a preceptor प्रव० १४६, —हीलणा स्त्री० (-हेलना) गुरुनी हेलना-निन्दा गुरु की हेलना-निन्दा. censure of a preceptor “नया विमुक्को गुरुहीलणाण” दम० ६, १, ७,

गुरुअ-य त्रि० (गुरुक) भगवती सूत्रना पहिला शतकना ६ भा उद्देशानु नाम. भगवती सूत्र के पहिले शतक के ६ वे उद्देशानु नाम Name of the 9th chapter (Uddesā) of the first Śāṭaka of Bhagavatī Sūtra भग० १, १, (२) वजनदार वजनदार; भारी heavy भग० १, ६, ६, २३, १८, ६, २०, ५, दम० ५, २, ३२; नाया० १; ६, पणह० १, २, पञ्च० १, पंचा० १०, २६. —भारियत्ता स्त्री० (-भारिकता) गुरुता रूप-भारेपणु गुरुता रूप भारिपन the state of being heavy, heaviness उवा० २, १०२, नाया० ६, —लघुअ पु० (-लघुक) ओके अपेक्षाये भारे अने पीछे अपेक्षाये हलका ओवा वायु कायादि पदार्थ एक अपेक्षासे भारी व अन्य अपेक्षा से हलका ऐसा वायु कायादि पदार्थ. a substance like air bodied beings etc भग० १, ६, —संभारियत्ता स्त्री० (-संभारिकता) विशेष भारीपणु अधिक गुरुता, विशेष भारी पन extra heaviness भग० ७, १,

गुरुई स्त्री० (गुरवी) भोली; भारे (स्त्री) बडा, वजनदार (स्त्री) Heavy, great, (a woman) विशेष १२००, नाया० १, ६; गुरुक त्रि० (गुरुक) भारे. भोली भारी. वजनदार Big, heavy क० प० ४, ४५, गुरुकुल न० (गुरुकुल) अभ्यास श्रव्याभारे गुरु समीपे रहेवु ते, गुरु निवास स्थान अभ्यास करने के लिये गुरु के समीप रहना गुरु का निवास स्थान A group of ascetics under one preceptor, residence with a preceptor for study, residence of a preceptor उत्त० ११, १४, पि० नि० ६३६. —वास

पुं० (-वास) धर्मगुरुनी पास निवास
करवे। ते. धर्मगुरु के पास निवास करना.
residing near a religious pre-
ceptor. पचा० ११, ६,

गुरुग. त्रि० (गुरुक) भारे, भोडु, वजनदार
भारी, बडा, वजनदार Heavy; big.
पंचा० १५, १७,

गुरुतरग. त्रि० (गुरुतरक) अतिभारे, अहु
भोडो अतिवजनी, बहुतबडा Very
heavy. पचा० ८, २८,

गुरुयत्त न० (गुरुक्त्व) भारीपण भारीपना
Heaviness भग० १, ८, १२, २;
नाया० ६, राय० २६०, पञ्च० १५

गुरुयत्ता स्त्री० (गुरुक्ता) लुओ "गुरुयत्त"
शब्द. देखो "गुरुयत्त" शब्द Vide.
"गुरुयत्त" भग० ५, ६, ७, १, १७, नाया० ६;

गुरुलहु. त्रि० (गुरुलघु) ओझांत भारे नही
अने ओझात हलका नही किन्तु ओझ अपेक्षाओ
भारे अने भील अपेक्षाओ हलका एकात
वजनी नहीं व एकान्त हलका नहीं किन्तु एक
अपेक्षा मे वजनी व अन्य अपेक्षा मे हलका.
Heavy and light from dif-
ferent points of views, rela-
tively heavy and light सम० २२,
—परिणाम पु० (-परिणाम) अपेक्षित
हलका भारेपुद्गलनु परिणाम, गुरुलघु पर्याय.
एक की अपेक्षा से वजनी व अन्यकी अपेक्षा
मे हलका, गुरु लघु पर्याय relatively
light or heavy सम० २२;

गुल पुं० (गुड) गुड, गोण गुड Molas-
ses, treacle. 'खंडगुलम च्छडीमाईण'
ओव० ३८, अणुजो० १०७, ठा० ७, १;
नाया० ८, १७, पिं० नि० ५४ २१०, पञ्च०
१७, जं० ५० पंचा० ५, ११, ८, २३, प्रव०
२३४; अणुजो० ३८, —पाण न० (-पान)
गोणनु पाणीपीनु ते गुड का पानीपीना

drinking of water mixed with
treacle. नाया० १७,

गुलइय. त्रि० (गुलिमत) गुड-अणुजो
भणोवां नहाना ओडो गुच्छे के रूपम मिले
हुए छोटे वृक्ष A cluster of small
trees ओव० भग० १, १,

गुलगुल न० (गुलगुल) हाथीने गुलगुलाट
शब्द; गुलगुल ओवो ध्वनि हाथी का गुल
गुलाट शब्द, गुलगुल ऐसी ध्वनि The
gurgling sound of an elephant

गुलगुलंत व० कृ० त्रि० (गुलगुलत्) गुल
गुलाट करतो, गुलगुल ओवो आवाज करतो
गुलगुलाट करता हुआ, गुलगुल जैसी आवाज
Making a grunting sound like
that of an elephant ओव० ३०,

गुलगुलाइय. न० (गुलगुलायित) हाथीने
गुल गुल आवाज. हाथी की गुलगुल आवाज
Grunting of an elephant राय०
१८३, जीवा० ३, ४; भग० ३, २

गुलगुलिय स्त्री० (गुलगुलित) डेलाहल करेन
हाथी की हल्ला गुल्ला किया हुआ. Making
a bustle or noise सु० च० ६, २७.
—लावणिया स्त्री० (-लावणिका) गोड
पापडी गुड की पपडी a cake of
malacess प्रव० १४२५,

गुलहाणी स्त्री० (गुलधाना) गोड मिश्रीत
धाना गुड मिश्रित धानी Paached
grains mixed with malacess
प्रव० २३५; १४२८,

गुलिआ-या स्त्री० (गुलिका) गुटिका, प्वानी
गोणी गुटिका; दवाई की गोली. Indigo;
a medicinal pill ओव० २२, ठा० ४,
२; सूय० १, ४, २, ७, राय० ५०, अंत० ३,
८, विवा० १, जीवा० ३, ४, नाया० १३,
१४; पञ्च० २, १७ उवा० २ ६५; अणुजो०
३, १

गुल. पुं० (गुल) गुल्लो " गुल " शब्द.
देखो " गुल " शब्द Vide " गुल "

आया० २, १, ४, २४;

✓ गुव. घा० I (गुप्) व्याकुल थपु व्याकुल
होना. To become distracted.

गुवति भग० १५, १,

गुविल त्रि० (गुपिल-कुटिल) कुटिल कुटिल
Deep; crucked, intricate सु०
च० ७, २५०; (२) व्याप्त व्याप्त. per-
vaded परह० १, ३,

गुविणी स्त्री० (गुर्विणी) सगर्भा स्त्री, गर्भ-
वती स्त्री. सगर्भा स्त्री, गर्भवती स्त्री. A
pregnant woman भग० १५, १,
पिं० नि० ३६२. दसा० ७, १, वव० १०,
१; दस० ५, १, ३६, प्रव० ७६६,

गुहा स्त्री० (गुहा) गुफा. गुफा A cave.
सूय० १, ५, १, १२, भग० ५, ७, जं० प०
नदी० १४, ४७,

गुहिर त्रि० (गहर) गभीर; गहरे गभीर,
गहरा Thick, deep, profound
पल० २, कप्प० ३; ३८,

गूढ त्रि० (गूढ) गूढ, गुप्त, छानु गूढ,
गुप्त. Hidden, mysterious ओव०
१०; पिं० नि० २०६, नाया० ८, —आचार.
त्रि० (-आचार) धूर्तारो, छगारो, गडी
छोडो धूर्त, ठग. (one) who cheats.
सूय० २, २, १६, —आवत्त पु० (-आ-
वर्त) गूढ-गुप्त-आवर्त शब्द वगेरेने वण.
गूढ-गुप्त-आवर्त-शब्द इत्यादि की मोड
a curve; e. g. of a conch etc
ठा० ४, ४, —सामर्थ्य न० (-सामर्थ्य)
छानु पराक्रम गुप्त पराक्रम a secret
bravery. प्रव० ८३८, —हिअय त्रि०
(-हृदय) भाषात्री-कपटी हृदयवालो
मायावी-कपटी हृदयवाला deceitful,
fradulant गच्छा० ६१, क० ग० १, ५८,

गूढदंत. पुं० (गूढदन्त) अत्युत्तरोत्तम सूत्र-
ना भीष्म वर्गना योथा अध्ययननु नाम.
अणुत्तरोत्तम के अणु द्वितीय वर्ग के
चतुर्थ अध्ययन का नाम Name of the
fourth chapter of the second
section of Anuyogadvara. (२)
श्रेष्ठिक राजनी धारणी राणीनो पुत्र के ने
दीक्षा लघ ११ अंग लक्ष्मी गुणरयण तप
करी १६ वर्षनी प्रव्रज्या पाणी विपुलपर्वत
उपर ओक भासनो संथारो करी वैजयंत
अनुत्तरविमानमा उत्पन्न थया, त्याथी ओक
अवतार करी मोक्षे जशे श्रेष्ठिक राजा की
धारणी राणी का पुत्र कि जो दीक्षा लेकर ११
अंगों का पठन कर गुणरयण तप कर, १६
वर्षकी प्रव्रज्या का पालन कर, विपुलपर्वत ऊपर
एक मास का संथारा कर, वैजयंत अनुत्तर
विमान में उत्पन्न हुआ वहा एक अवतार को
संपूर्ण करके मोक्ष गति को प्राप्त करेगा.
name of the son of queen
Dhārini of king Śreṇika He
took Diksā, studied 11 Angas,
practised the Gunarayana
penance, observed asceticism
for 16 years and was born in
the Vajayanta abode above
the heavens after practising
one month's Santhārā (giving
up food and drink) on Vipula
mountain After one more
birth he will attain salvation
अणुत्त० २, ४, (३) जम्भूद्वीपना अन्तमा
आवती उत्सर्पिणीमा थनार त्रीम अक्ष-
वर्ती जम्भूद्वीप के भरत में आगामी उत्सर्पिणी
में होने वाले तीसरे चक्रवर्ती the third
future Chakravartī of the com-
ing Utsarpinī in the Bharata

of Jambū Dvīpa सम० प० २४२; (४) लवणसमुद्रमा नवसौ ज्येष्ठन पर आवेक्ष गूढदन्त नामनो ऐक्य अन्तरद्वीप. लवण समुद्र में नौ सौ योजन पर आया हुआ गूढ-दन्त नामक एक अन्तरद्वीप. name of an island in Lavana Samudra at the distance of 900 Yojanas ठा० ४, २; ६, १; प्रव० १४४१, (५) २७ भा अन्तरद्वीपमा रहेनार माणुस २७ वें अन्तरद्वीप में रहनेवाला मनुष्य a resident of the 27th Antara Dvīpa. पञ्च० १;

गूढपय न० (गूढपद) गुप्त पद; सांकेतिक शब्द गुप्तपद; सांकेतिक शब्द. A code word. प्रव० ८६४, —आलोचयणा स्त्री० (—आलोचना) गुप्तपद—ये आचार्योंना सांकेतिक शब्दधी अतिचारनी आलोचयना करनी ते गुप्तपद—दो आचार्यों की सांकेतिक शब्द से अतिचार की आलोचना करना. expiation of faults to be performed by two preceptors by means of code words प्रव० ८६४,

गूढसिराग. न० (गूढसिराक) जेना पाँदडामा सिरा-रेस गुप्त होय अर्थात् प्रगट न देखाय तेरी ऐक्य साधारण वनस्पति. जिसके पत्तों में रेशा गुप्त हा अर्थात् प्रगट न दिखाई देवे ऐसी एक साधारण वनस्पति. A vegetation with hidden fibres in its leaves. पञ्च० १,

गूढणया. स्त्री० (गूहन) पेटाना रूपने छुपायी देवु ते, छुपानुं अपर नाम. अपने रूप को छिपा देना, कपट का अपर नाम. Hiding of one's own form; a kind of deceit. भग० ६२, ५, सम० ५२,

गेज्ज न० (गेय) गाया लायक; गीत गाने योग्य, गीत A song. परह० २, ४,

गेय-अ. न० (गेय) उल्लिखित-पादान्त मन्दक-अने रोचितावसान-अ. चार गीतमानो गमे ते ऐक्य जननु गीत. उत्तुल्लिखित-पादान्त मन्दक व रोचितावसान इन चार जाति के गीत में से चाहे सो एक जाति का गीत Any of the four kinds of song viz. Ut-kseipta, Pādānta Mandaka and Rochitāvasāna राय० ८८; ६६; अणुजो० १२८, ठा० ४, ४, ज० प० ५, १२९; —उभयलि. पुं० (—ध्वनि) गीतने ध्वनी-शब्द. गीत का ध्वनि-शब्द. the sound of a song. सु० च० ५, ६२;

गेरिअ. पु० (गैरिक-गिरौ भव) गैरिक धातु; गे३. गैरिक धातु. गेरु. Red chalk; a mountain-born substance or metal. दस० ५, १, ३४;

गेरय. पुं० (गैरूक) लगयां पस्त्र पहरेनार; परित्राजक, संन्यासी गेरु वस्त्र पहिनने वाला, परित्राजक, संन्यासी An ascetic with clothes dyed with red chalk आया० २, १, ६; ३३; पिं० नि० ३५८, ४४५; निसी० ४, ४५; उत्त० ३६, ७६, प्रव० ७३८; (२) ऐक्य जनतने भण्डी एक जाति का मणि a kind of gem. पञ्च० १;

गेलण न० (ग्लान्य) अलानि थनी; मुंआतुं; अणुगमे. ग्लानि से व्याकुल होना, बेचैनी, अरुचि. Mental discomfort पिं० नि० भा० २५;

गेलअ. न० (ग्लान्य) लुअो “गेलण” शब्द देखो “गेलण” शब्द vide “गेलण” पिं० नि० ४८०; विश० ५७७, ओव० नि० ७२; प्रव० ८६०;

गेव त्रि० (गैव) छे संअंधी कंठ, गला, गरदन Neck; throat “गेवेच्छिगणका” आं० ३८;

गेवज्ज न० (ग्रैवेय) नव ग्रैवेयक नव ग्रैवेयक
The nine heavenly abodes पचा०
१४, ४७,

गेविज्ज न० (ग्रैवेय-ग्रीवायां बद्धमलंकर
यम्) कंठनु धरेणु, डोडनुं आभरणु कंठ
का आभूषण, गले का गहना A neck-
lace ओव० ३१; विशे० ६६७, जीवा० १,
३, ३; भग० ७, ६, राय० ८१, ज० प०
७, १६६, कप्प० ४, ६२, (२) ग्रैवेयक
नामनु विमान ग्रैवेयक नामक विमान.
a heavenly abode styled as
Graiveyaka प्रव० ११३०; ११७०,
—**विमाण** न० (-विमान) ग्रैवेयक देव-
ताना निवास स्थान ग्रैवेयक देवता का नि-
वास स्थान name of any heavenly
abode between the 12th and
the 29th Devaloka भग० १३,
२, १४, १०,

गेवेज्जग न० (ग्रैवेयक) ग्रैवेयक विमान.
ग्रैवेयक विमान A heavenly abode
named Graiveyaka नाया० १,
सु० च० २, ३७, (२) नव ग्रैवेयकवासी
देव नौग्रैवेयक वासी देव the gods
residing in the nine heavenly
abodes known as Graiveyaka
पञ० १, उक्त० ३६, २१०, ठा० २, ३,

गेवेज्ज न० (ग्रैवेय) लुओ " गेविज्ज "
शब्द देखो " गविज्ज " शब्द vide
" गेविज्ज " नाया० १, भग० २, १०, ५,
८, ६, ३३; ओव० ४१, राय० २५३;
—**कप्पातीय** पु० (-कल्पातीत) आर
देवलोक उपर ग्रैवेयकवासी देवों के ऊपर कल्पा-
तीत व्यवहार मर्यादा थी अतीत छे द्वादशवे
देवलोक के ऊपर ग्रैवेयक वासी देव कि जो
कल्पातीत व्यवहार मर्यादा में अतीत है
name of the gods above the

12th Devaloka. भग० ८, १.

—**विमाण** न० (-विमान) लुओ
" गेविज्जविमाण " शब्द देखो " गेविज्ज-
विमाण " शब्द vide " गेविज्जविमाण "
अणुजो० १०४,

गेवेज्जग न० (ग्रैवेयक) लुओ " गेविज्जग "
शब्द देखो " गेविज्जग " vide " गेविज्जग "
भग० १६, ८, २०, ६, —**कप्पातीय** पु०
(-कल्पातीत) लुओ " गेवेज्जकप्पातीय "
शब्द देखो " गेवेज्जकप्पातीय " शब्द
vide " गेवेज्जकप्पातीय " भग० ८, १,

गेवेज्जय. पु० (ग्रैवेयक) ग्रीवानुं, ग्रीवासंयवा
(अधन), ग्रीवा संबंधी (बन्धन). Re-
lating to neck. नाया० २,

गेवेय न० (ग्रैवेय) कंठनु लुओ कंठ क
भूषण An ornament for the
neck ओव० ३०,

गेह. न० (गेह) घर; भूकान. गृह, मकान
A house, a building पि०नि० १६३,
भग० २, ५, ६, ५, १३, ६, १८, २
नाया० २, ८, १६, भक्त० ११२, गच्छा०
११६, —**आगार** पु० (-आकार)
धरती पेड़ टाढ तड्डे अने घरसाथी वया-
वनार धरने आकारे परिणत थयेन कल्पवृक्ष
घर के समान ठंडी, ताप व वर्षा में
बचानेवाला; गृह की आकृति में परिणत
कल्पवृक्ष a desire-yielding tree
protecting against heat and
cold like a house सम० १०, जीवा०
३, ३, —**आवण** पु० (-आपण) धरयुक्त
थान. गृहयुक्त बाजार a market hav-
ing a line of houses भग० ६, ५,
—**वास** पु० (-वास) धरवास; गृहस्थाश्रम
गृहस्थाना, गृह सत्तार, घरवास status of
a householder सूय० २, १, ६०,
गेहंगेह न० (गृहगृह) गृह, घर

घरघर, प्रत्येक घर पर From house to house नाय० १६.

गेहसम न० (गेहसम) वीणा विगेरे वा० त्रि० ओ० स्वर उपायो होय ते० स्वरमा गावु ते जिस स्वर को वीणा इत्यादि वाजिंत्र में उठाया हो उसी स्वर में गाना. Singing in the same pitch in which a song is begun on a musical instrument अणुजो० १२८;

गेहि स्त्री० (गृहि) आसक्ति, ईर्ष्या आमक्ति, इच्छा Greed, desire सू० १, १, ४, ११, १, ६, २५; उत० ६, ४, ३४, २३, सम० ३०; ५२, ओघ० नि० ८७, भग० १२, ५, पण० १, ३,

गेहिणी स्त्री० (गेहिनी) श्री, पत्नी गृहिणी, स्त्री, पत्नी; A wife सू० च० ५, ६,

गो पुं० (गो-गच्छतीति) गाय, अथवा गौ, बैल A bull; ox भग० १, १, २, ५, ओव० अणुजो० १३१, सम० ४०, जीवा० ३, १, नदी० स्थ० ४६, नि० नि० १३२, राय० २८६, दमा० ६, ४, दम० ७, २४, सू० प० १०, उवा० १, ४, पचा० १, १०, ज० प० ५, ११८, —**कलिज** न० (—कलिज) गायेते आशु अपवने वासने सु० दे० गौओं को बाटा देने के काम में आने वाली टोकरी a basket from which cows are fed जीवा० ३, ४, —**खीर** न० (—खीर) गायनु दुध. गाय का दूध cow's milk नाया० १, १६, कण० ३, ३८; ज० प० ५, १२२, ७, १६६, —**गहण** न० (—ग्रहण) गायेते पकड़नी-ल० लेनी ते गौओं को पकड़ना-ले जाना taking away of cows नाया० १८, विवा० ३; —**घायग्रय** पुं० (—घातक) गायेते मारना, गोधन करना, कसाव. गौओं को मारने वाला, गोधन करने वाला,

कसाई. a butcher, one who kills cows. सू० २, २, २८, —**चर** न० (—चर) गायेते चरवानु जगल गौओं को चरने का जगल a pasture-ground, भग० १२, ७, —**जिह्वा** स्त्री० (—जिह्वा) गायनी ज०. गौ की जिह्वा a cow's tongue, उत० ३४, १८, —**दोहि** त्रि० (—दोहिन्) गायने दोनार. गौको दुहनेवाला. (one) who milches a cow प्रव० ५६३, पचा० १८, १७, —**दोहिया** स्त्री० (—दोहिका) गाय देवाने जे आसने भेसाय ते आसने भेसी ध्यान धरवुं के आता-पना लेनी ते गौका दूध दुहने को जिम आसन पर बैठा जाता है उस आसन पर बैठ कर ध्यान करना या आतापना लेना. practice of meditation or austerity on a seat used at the time of milking a cow आया० २, १५, १७६. ठा० ५, १, कण० ५, ११६, दमा० ७, १०, —**पुच्छ** न० (—पुच्छ) गायनु पुच्छु-गाय की पूंछ. a cow's tail. ज० प० १, ४, ४, १०३, राय० १०४, —**पुड्य** न० (—पुष्टक) गायते वासे-अरडे गौकी पीठ a cow's back भग० १५, १, —**भत्त** न० (—भक्त) गायनु आशु गौओं का बाटा the fodder for cows प्रव० ११६, —**भत्तलिद्व** न० (—भक्तालिन्दक) गायने आशु आपवाने आलीये गौओं को बाटा देनेका बर्तन a fodder pot. प्रव० ११६, —**मंडव** न० (—मण्डपक) गायते मंडव-मांडवे गौओं का मंडप a house for cows विवा० २, —**मंस** न० (—मांस) गाय अथवा अणुनु मांस गौ या बैल का मांस. beef पि० नि० १६४, —**मड** न० (—मृग) गाय के अणुनु मडुं-इलेयर गौ या बैल की लोय a collection of cows

or an ox उत्त० ३४, १६, नाया० ८, १२,
 —महिसी स्त्री० (—महिषी) गाय अने
 बेस गौ व महिषा, गाय व भैंस a cow
 and a she-buffalo प्रव० २१६,
 —मुत्त न० (—मूत्र) गायनु मूत्र गौमूत्र.
 urine of a cow पि० नि० भा० ५०,
 ओष० नि० भा० ६४, —रूत्र त्रि० (—रूप)
 गोरूप, गाय जेवु गौवत्, गौरूप, गौ के
 समान like a cow विवा० २, —लेह-
 णिया स्त्री० (—लेखनिका) गाथेने यरवानी
 जग्या (गीड) गौश्रों का चरने की भूमि, चरा-
 गाह a meadow for the grazing
 of cows. निसी० ३, ७७, —वड
 पु० (—पति) भोटो अण्ड वडा बैल a
 big ox नाया० ६, —वग्ग पु०
 (—वर्ग) दश हजार गाथेनु टोणु दस
 सहस्र गौश्रों का युथ a herd of cows
 10 thousand in number “एग च
 ण मह सेय गोवग्गं पासित्ताण पडिबुद्धे”
 ठा० १०, भग० १६, ६, —वाल पु०
 (—पाल) गोवालिओ, गाथे आरनार
 गोवाल, गौश्रों को चरानेवाला a cow-
 herd उत्त० २२, ४६, —वालअ पु०
 (—पालक) गाथेने पालनार गोवाण.
 गौश्रों का पालन करनेवाला, गोवाल, गवली
 a cowherd सूय० २, २, २८, पि० नि०
 ३६७, —व्वइअ त्रि० (—व्रतिक) गायनुं
 व्रत राप्पनार, गाय ज्हार निडले त्तारे ज्हार
 ज्वुं; गायना आया पछी आवु, पाएली पीधा
 पछी पाएली पीयु अने गायना सुवा पछी
 मुयु ओ व्रत धरनार गौका व्रत रन्वने वाला,
 गो बाहर निकले तब बाहर जाना, गौके
 खाने के पश्चात् खाना, पाना पीने के पश्चात्
 जल पीना, व गौके सोने के पश्चात् सोना ऐसे
 व्रत को धारण करने वाला (one) who
 has taken a vow to go out eat

drink and sleep when the cow
 has done all these things
 अणुजो० २०, ओव० ३८,

गोअम पु० (गौतम) महावीरस्वामिना
 प्रथम गणधर-गौतमस्वामी Mahāvira Swāmī,
 the first Ganadhara
 of Mahāvira Swāmī ओव० ३८,
 कप्प० १, २, गच्छा० ७६, (२) छद्भूति
 गणधरने गोत्र इद्रभूति गणवर का गोत्र.
 the lineage of the Ganadhara
 Indrabhūti. ज० प० ६, १२४, कप्प०
 ५, १२५, (३) विचित्र अण्डने शणुगारी
 तेनी भाईत शिक्षा उधाडनार ओड बिन्नुडवर्ग
 बैल को विचित्र रीति से सजाकर उसके द्वारा
 भिक्षा एकत्र करने वाला, एक भिक्षुकवर्ग.
 a class of beggars who deco-
 rate an ox and beg in its name
 अणुजो० २०

गोअर. पु० (गोचर) आहार लेवानी विधि
 गौचरी, मधुक्षरी आहार लेने की विधि.
 गोचरी, मधुक्षरी Process of begging
 food नदी० ४५, —भूमि स्त्री० (—भूमि)
 गौचरीनी आठ भूमिडा गोचरीकी आठ
 भूमिका the eight places of beg-
 ging alms. गच्छा० ७३,

गोउर न० (गोपुर-गोभिः पूर्यते इति)
 नगरने दरवाजे नगर का दरवाजा A
 city-gate सम० प० २१०,

गोकर्ण पु० (गोकर्ण) जे भुरीवाणो गायना
 जेवा जनवाणो पशु विशेष दो खुर वाला
 गौ क समान कान वाला पशु विशेष A
 kind of animal with ears re-
 sembling those of cows and
 having two hoofs जं० प० पगह०
 १, १ पन्न० १ (०) सातभा अतद्विपभा

रहेनार भाणुस सातवें अंतरद्वीप में रहने वाला मनुष्य a resident of the 7th Devaloka जीवा० ३, ३; पञ्च० १; —दीच पुं० (-द्वीप) लवण समुद्रमां आरसे। जेहन पर थूलहिमवन्तनी डाढा उपरे आवेक्ष गोक्षुर् नामनो अन्तर द्वीप. लवण समुद्रमें चारसौ योजन पर चूलहिमवन्त पर्वत के ऊपर आया हुआ गोकर्ण नामक अंतर द्वीप name of an island on the Chūlahimavanta mount in Lavana Samudra at the distance of 400 Yojanas ठा० ४, २,

गोचर पु० (गोचर) गायने चरवानी रीति गोश्रों की चरने की रीति. The way of grazing of cows आव० ४, ५;

गोचरी. स्त्री० (गोचरी) शिक्षा, गोचरी भिक्षा, गोचरा Begging, alms. आव० ४, ५;

गोच्छुग पुं० (गुच्छक) गुच्छो; पुष्पानुं ओड उपद्रव गुच्छा, पूजने का एक उपकरण A kind of brush made of woollen threads used in removing dust, insects etc भग० ८, ६;

गोच्छुय-अ. पुं० (गोच्छक) वस्त्र-पात्र-लुञ्जवानो (उनतो) गोच्छो, वस्त्र-पात्र साफ करने की कूचा A woollen brush to cleanse clothes, vessels etc. पण्ड० २, ५, दस० ४, वेय० ३, १३; प्रव० ४६८;

गोच्छ्रिय त्रि० (गोच्छ्रित) पुष्पता गुच्छा वाला. फूलों के गुच्छे वाला Having clusters of flowers आव० भग० १, १,

गोजलोया स्त्री० (गोजलौका) गोखलोडा नामनो जेष्ठद्वय एव गोजलौका नामक दो-इन्द्रिय वाला जीव. A two-sensed being styled Gōjalōka पञ्च० १;

गोष्ठामाहिल पुं० (गोष्ठामाहिल) गोष्ठामाहिल नामना सातमा निन्हव ड जेणे अवने डभनो स्पर्श थाय पणु अन्ध न थाय ओभ स्थापन ड्यु गोष्ठामाहिल नामक सातवें निन्हव कि जिन्होंने जीव व कर्म का स्पर्श होता है परन्तु बंधन नहीं होता ऐसे सिद्धांत को स्थापन किया. Name of the 7th Nihava who established that a soul is touched by Karmas but not bound by them ठा० ७, १;

गोष्ठिअ पु० (गोष्ठिक) ओड गोष्ठी-मण्डलीमा रहेनार; मित्र, दोस्त. एक गोष्ठी-मण्डलीमें रहने वाला, मित्र, दोस्त. A friend; one belonging to the same circle of friends अणुजो० १४८;

गोष्ठिग पुं० (गोष्ठिक) मित्र, गोष्ठीओ मित्र समुदाय, साथी A friend पंचा० १३, १५;

गोष्ठिल्ल त्रि० (गोष्ठिमत्) विट् पुरुषोनी गोष्ठी मण्डलीमा लाग देनार, गोष्ठीओ. विट् पुरुषों की गोष्ठी-मंडली में भाग लेने वाला सभासद. A member of an assembly of evil persons अत० ६, ३, विवा० २;

गोष्ठिल्लग पु० (गोष्ठिमत्क) लुओ "गोष्ठिल्ल" शब्द. देखो "गोष्ठिल्ल" शब्द Vide "गोष्ठिल्ल" विवा० २; —पुरुष पुं० (-पुरुष) व्यभिचारी मण्डलीमा रहेनार भाणुस व्यभिचारी मण्डली में रहने वाला मनुष्य. an intriguing person नाया० १६;

गोष्ठी स्त्री० (गोष्ठी) व्यभिचारी पुरुषोनी मण्डली व्यभिचारी पुरुषों की मण्डली A circle of unchaste persons. अत० ६, ३; (२) मित्र मण्डली मित्र

मंडली. a circle of friends पिं०
नि० २४५, सु० च० २, ३८६, नाया० १६,
गौड पुं० (गौड) गौड देशने रहनेवाला गौड
देश का रहने वाला A resident of
Gauda country. परह० १, १,
पञ्च० १,

गोडु. त्रि० (गौड) शुड सखधी गुड
Treacle, (anything) sweet
(२) मधुर, भीडु मधुर, मीठा. sweet;
delicious. भग० १८, ६,

गोण त्रि० (गौण-गुणैर्निवृत्तम्) शुण्ठी
धनेलु-यथार्थ शुण् निष्पन्न गुण निष्पन्न,
गुणसे बना हुआ Possessed of
proper qualities अणुजो० १४०,
ओव० ४०, नाया० १, १६, भग० ११,
११, १५, १,

गोण पु० (गोण) अल६, वृषभ, आभले
बैल, वृषभ, साढ An ox, a bull
आया० २, १, ५, २७, २, ३, ३, १३०,
सूय० २, २, ४५, ज० प० पु० च० १२,
५७, जीवा० ३, ३, पञ्च० १, परह० १, १;
२, भग० ८, ३, ६, ३३; ११, ११, १५,
१, नाया० ३, ओव० उवा० ८, २४२, (२)
ये नामने ओड अनार्थ देश. इस नामका
एक अनार्थ देश name of an un-
civilised country. प्रव० १५६७;
—आवलिया स्त्री० (आवलिका) अण
दोनी पड़ित. बैलों की पक्ति a herd of
oxen. भग० ८, ३, —गिह न० (—गृह)
अल६ने रहेवानु धर-स्थान बैलों को रहनेका
स्थान-घर. a fold for bullocks
निसी० ८, ६, १५, २७, —लक्खण न०
(—लक्षण) अल६ना लक्षणे नेवानी डला
बैल के लक्षणों को परखने की कला. an
art of testing the merits of an
ox नाया० १; —साला स्त्री० (—शाला)

अल६ शाला बैलों का घर, बैल शाला a
stable for bullocks निसी० ८, ६,
गोणत्ता स्त्री० (गोणता) अल६पणु, भूर्धता
सूखता, बैलपन. State of being an
ox, foolishness. विवा० १,

गोणस पु० (गोनस) श्रेणु विनाने सर्प.
फन रहित सर्प. A serpent without
a hood (२) सर्प, विछि वगेरे सर्प,
विच्छु इत्यादि. snake, scorpion etc
पञ्च० १, जीवा० १, नाया० ८, परह० १, १,
गोणी स्त्री० (गो) गा५. गौ, गाय. A cow
ओघ० नि० भा० २३, पि० नि० ११६,
विशे० १४११;

गोण. त्रि० (गौण) शुण्निष्पन्न नाम.
प्रकृति प्रत्ययना अर्थने अनुसरतु नाम
गुण निष्पन्न नाम, प्रकृति प्रत्यय के अर्थ के
अनुसार नाम A name according to
attributes नाया० २, परह० १, १;
अणुजो० १३१, (२) गौण, मुख्य नहीं वह. minor पि०
नि० भा० ५;

गौतम. पु० (गौतम) अतगडसूत्रना पड़ेला
वर्गना पड़ेला अध्ययनतु नाम अतगडसूत्र
के प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम
Name of the first chapter of
the first section of Antagada
Sūtra. (२) अधकृष्णि गन्ने प्रथम
पुत्र के नेले नेमनाथप्रभु पासे दीला लक्ष
पार वरस प्रत्यय पाणी शत्रुज्य उप०
ओड भासने सथारे इरी मोक्षे गया. अधक-
वृष्णि राजा, का प्रथम पुत्र, कि जिसने
नेमनाथ प्रभु से दीला लेकर बारह वर्ष
पर्यंत प्रव्रज्या का पालन कर शत्रुज्यके ऊपर
एक मास का सवारा कर मोक्ष प्राप्त किया
the first son of king Andhaka-
vranti who took Dikṣā from

Nemanātha, practised asceticism for twelve years, performed Santhārā for 1 month on Śatruñjaya mount and attained final bliss अत० १, १, (२) गौतम गणधर; महावीरस्वामिना मुખ्य शिष्य. गौतमगणधर, महावीरस्वामी के मुख्य शिष्य. the Gaṇadhara named Gautama भग० ४२, १; नाया० १६; (३) रोहिणी नक्षत्रनुं गोत्र. रोहिणी नक्षत्र का गोत्र. the family name of Rohiṇī. सू० प० १०; (४) गौतम गोत्रमा उत्पन्न थये. गौतम गोत्रमें जो उत्पन्न हुआ है वह (one) born in the Gautama family. सू० प० १;

गोतिरथ न० (गोतीर्थ-गोतीर्थमिव) तलाव-भा उतरवानो आरौ तालाव में उतरने का आरा. A path to descend into a pond. जीवा० ३, ४,

गोत्त न० (गोत्र-गूयते संशब्धते उच्चावचै-शब्दैर्यत् तत्) वंशतो मूल पुत्र-के नामथी-अट्ठथी-वश ओणप्पातो होय ते वंश का मूल पुत्र-जिस नाम से-गोत्र से जो वंश पहिचाना जाता हो वह. The progenitor of a line of descent, from whom the surname of a family is derived सू० १, २, ७, ५; ओव० ११; पि० नि० ५०६; राय० २६; सू० प० १; भग० ३, १, नाया० १६; उवा० १, ७६; जं० प० ७, १५५; (२) त्रि० (गां वाचं त्रायत इति गोत्रं सर्वागमाधार रूतम्) सर्व आगमनो आधार सर्व आगम का आधार. the source of all the scriptures. सू० १, १३, ६; (३) गोत्र कर्म; आठमांसात्तु सातमु कर्म गोत्र कर्म, आठमें से सातवां कर्म Gotra Karma;

the 7th of the eight Karmas. भग० ८, १०; —अगार. पुं० (—अगार) गोत्रनी भावेकीनुं धर. गोत्र के स्वामित्व का गृह. a house of the same lineage. “पहीण गोत्तागाराइ वा” उच्छिन्न गोत्तागाराइ वा ” भग० ३, ७; —कम्म न० (—कर्मन्) जेथी ७५ उय नीय गोत्रमा-—दुलमां उत्पन्न थाय ते कर्म जिससे जीव उच्च नीच कुल में, उत्पन्न हो वह कर्म a kind of Karma causing birth in a high or low family ठा० २, ४; —दुग न० (—द्विक) नाम अने गोत्र. नाम व गोत्र. name and lineage. प्रव० १२६२; —भेइ पुं० (—भेदिन्) धन्त्र. इन्द्र. the god Indra सु० च० २, १५;

गोत्त. न० (गोत्व) गायपशुं; गोत्वरूप सामान्य जति गोत्व; गोत्वरूप सामान्य जाति Genus of a cow. विशेष० २१६१,

गोथूमा पुं० (गोस्तूप-म) लवण समुद्रमा आरे दिशाये जंजुद्वीपनी जगतीथी भेतालीस दुब्बर जेज्जन उपरे आवेस वेलंधर देवाने रहैवानो पर्वत. लवण समुद्रमें चारों दिशाओं में जंबुद्वीप की सीमा से बयालीस सहस्र योजन के ऊपर आया हुआ वेलंधर देवों को रहने का पर्वत A mountain-residence of Velandhara gods at a distance of 42 Yojanas in the east, in the Lavana Samudara. ठा० ४, २, सम० ४२; जीवा० ३, ४; भग० १, ८; (२) ११ भा श्रेयासनाथना प्रथम गणधरनु नाम ११वें श्रेयासनाथ के प्रथम गणधर का नाम. name of the first Gaṇadhara of the 11th Śreyāsanātha. सम० प० २३३,

गोथूमा स्त्री० (गोस्तूमा) पश्चिम दिशाना

अञ्जनकपर्वतनी-पश्चिम तरङ्गनी पावन
नाम. पश्चिम दिशा के अञ्जनक पर्वत की
पश्चिम तरफ की बावडी का नाम. Name
of a well on the Añjanaka
mountain in the west ठा० ४, २,
जीवा० ३, ४; प्रव० १५०२,

गोदास पु० (गोदास) ओ नामना मुनि इस
नाम के मुनि. Name of an ascetic
कप्प० ८,—**गोगण पु०**(-गण) महावीरस्वा-
मिना नवगणुमानो ओक गणु-साधु समुदाय
महावीर स्वामी के नवगण में से एक गण-साधु
समुदाय One of the nine Ganas
or groups of saints founded
by Mahāvīra Swāmī ठा० ६,
गोधूम पु० (गोधूम) गोधूम, धुँ गोधूम,
गेहू Wheat भग० १४, ७, ०१; १, ठा०
३, १, जीवा० ३, ३, ज० प०

गोपुर न० (गोपुर गोभि पूर्यते इति) शङ्करेता
दरवाजे शहर का दरवाजा. A city-
gate. नाया० ५, १६, भग० ५, ७, ८, ६,
उत्त० ६, १८, ओव० अणुजो० १३४, राय०
२०१, निसी० ८, ३; जीवा० ३, ३; ज० प०
सू० प० ३,

गोप्यय न० (गोप्यद) गायना पगला ढेटलु
-ढेमा पग थुडे तेटलु आभोथीयु गौ के
पैर जितने प्रमाण का खड्डा जिसमें गाय
का पैर मात्र डूब सके A puddle hav-
ing the depth of the measure
of a cow's foot " जहा समुहो तहा
गोप्यय " अणुजो० १४७, ठा० ४, ४, विशेष
१४६६;

गोप्ययमित्त त्रि० (गोप्यदमात्र) गायनी
भरी ढेटलु, नानु आभोथीयु गौ के खुर
जितना, छोटा खड्डा Of the measure
of a cow's hoof e g a pit सु०
च० ३, १५,

गोप्यहेलिया स्त्री० (गोप्यहेलिया) गायने
थरवामाटे थोडा घास वाली भूमि. गौओं को
चरने के लिये थोड़े घास वाली भूमि A
pasture-ground for cows hav-
ing thinly growing grass
आया० २, १०, १६६;

गोफ पुं० (गुल्फ) धुटी-पगनी ओडी घुटी-
एडी A heel परह० १, ४,

गोवहुल पु० (गोबहुल) शरवणु नामना गामभा
रहेनार ओक ब्राह्मणुनु नाम शरवण नामक
ग्राम में रहने वाले एक ब्राह्मण का नाम
Name of a Brāhmana living in
a village named Śivana
भग० १५, १,

गोव्वर पु० (गोव्वर) मगध देशभातु ओक
गाम मगध देश का एक ग्राम Name
of village in the Magadha
country पि० नि० १६६,

गोभक्तिय त्रि० (गोभक्तिक) गायनी पेडे
आहार करने गौ के समान आहार करने
वाला A person taking his food
in imitation of a cow नाया० १५:
गोमंत त्रि० (गोमन्) गायवाणो गौओं का
रक्षक, गवली A cowherd, (one)
having cows विशेष १४६८.

गोमय न० (गोमय) ठालु गोबर Cow
dung निसी० १२, ३८, भग० ५, २, आया० १,
१, ४, ३७, २, १, १, १, भक्त० १६२, दस०
५, १, ७; —**कीड पु०** (-कीट) ठालुनो
डीडी-यतुरि द्विय ज्य गोबरका कीडा-चतुरि-
द्विय जीव an insect in cowdung,
a four-sensed being भग० १५, १,
जीवा० १, पञ्च० १, —**रासि पु०** (-राशि)
ठालुनो ढगले गोबर का ढेर a heap
of cow-dung भग० ८, ९, १५, १,
गोमाउ पु० (गोमायु) शृगाव शियाव.

शृगाल; सियार; A jackal. नाया० ४;
गोमायुपुत्त पु० (गोमायुपुत्र) गोमायुपुत्र
नामना, ऐक साधु गोमायुपुत्र नाम के एक
साधु. An ascetic so named
भग० १५, १;

गोमाणसिञ्चा-या स्त्री० (गोमानसिका)
शय्या; पथारी शय्या; बिछौना A bed.
(२) लाणो ओटलो. लंबा ओटला a
long verandah. जं० प०राय० १०६,
गोमाणसी स्त्री० (गोमानसी) शय्या, शय्या.
A bed. जीवा० ३, ४;

गोमिअ. त्रि० (गोमिक गावस्सन्ति अस्येति)
जुओ ' गोमत " शब्द देखो " गोमत "
शब्द. Vide " गोमत " अणुजो० १३१;
परह० १, २; दस० ७, १६, १६;

गोमिज्जअ पुं० (गोमेदक) ऐक जततो
भणि; सच्चित्त कठिन पृथ्वीतो ऐक भाग
गोमेद-एक जाति का मणि, सच्चित्त कठिन
पृथ्वी का भाग. A kind of gem उत्त०
३६, ७६,

गोमिणी. स्त्री० (गोमिनी) गायवाली स्त्री
गायवाली स्त्री. A woman. posses-
sing a cow. दस० ७, १६,

गोमुत्तिया. स्त्री० (गोमुत्रिका) आलती गाय
मुतरे तेने आधारे वाडी गोयरी डरवी ते,
धरनी ओ पडितमा ऐक वार ऐक पडितमा
ऐक धरे ओहोरी पछी रहामी पडितनु ऐक
धर ओहोरे वणीपाछो पहेली पडितमा ऐक
धर मुट्टी गोयरी डरे ओम गोमुत्रिकाने
आधारे धर ओहोरे ते लिक्षानुं नाम गोमुत्रिका,
लिक्षाना अलिखुतो ऐक प्रकार जिस
प्रकार चलती हुई गौ मूत्र करती है उसी
आकार में वक्र गोचरी करना अर्थात् घरों की
दो पक्कियों में से एक वार एक पक्की के एक
घर में से भिन्ना लेकर समीप की पक्की के
एक घर से भिन्ना लेना, पुनः पहिली पक्की

में एक घर छोड़ गोचरी करना इस प्रकार
गोमुत्रिका के आकार से घर घर भिन्नलेना
उसका नाम गोमुत्रिका; भिन्ना के अभिग्रह का
एक प्रकार. A vow to beg food; a
particular mode or fashion viz.
in imitation of the zigzag
course described when a cow
moves on shedding a stream
of urine as she walks, e g.
while begging food from two
rows of houses the ascetic
would begin with the first
house of one row and then go
to the first house of the oppo-
site row then to the second
house of the first row and so
on. उत्त० ३०, १६; ठा० ४, २, ६, १;
दसा० ७, १, प्रव० ७५२;

गोमुत्ती स्त्री० (गोमूत्रिका) गाय के अलद
मुतरे तेने ओ आधार थाय ते गौ वा बैल
मूत्र करे उसका जो आकार हो वह The
zigzag shape which is formed
while a cow or a bullock passes
urine while it moves क०
गं० १, २०;

गोमुह पु० (गोमुख) लवण समुद्रमा पायसो
जेवन उपर दशान पुण्ड्रामा आवेव गोमुअ
नामनो ऐक अन्तर द्वीप लवण समुद्र में
पाचसौ योजन पर दशान कोन में आया हुआ
गोमुख नामक एक अन्तर द्वीप. Name of
an Antara Dvīpa (an island)
in the north-east in Lavana
Samudra at a distance of 500
Yojanas. ठा० ४, २, प्रव० १४३६, (२)
१२मा द्वीपमा रहेनार भाणुस १२वे द्वीप में
रहने वाला मनुष्य an inhabitant

of the 12th Dvīpa. पञ्च० १, (३)
श्रीऋषभदेव स्वामीना यक्षनु नाम श्रीऋषभ-
देव स्वामी के यक्ष का नाम. name of
the Yakṣa of Śrī Rṣabhadeva
Swāmī प्रव० ३७५,

गोमुद्दी स्त्री० (गोमुखी) अनामनु अक्ष
वाद्यत्र, गायना मुष्णेषु-डाडल मछनीया
विगेरे. इस नामका एक वाजिंत्र, गौके मुख के
आकरका वाजिंत्र विशेष A kind of
wind instrument, e g a
bugle etc अणुजो० १२८, ठा० ७, १,
नाय० १८, राय० ८८;

गोमेज्ज पु० (गोमेद) अक्ष जतने। मणि
एक जातिका मणि A kind of gem
पञ्च० १,

गोमेह पु० (गोमेध) नेमिनाथज्जना यक्षनु
नाम नेमिनाथजी के यक्ष का नाम Name
of the Yakṣa of Neminātha
प्रव० ३७६,

गोह्मि पु० (गोष्मिन्) त्रक्षु धन्द्रिय वालो
ज्ज, ज्ञान अजुरे। तीन इन्द्रिय वाला जीव,
कान खजूरा A three-sensed being,
a centiped पञ्च० १,

गोय पु० न० (गोत्र) सातधु गोत्रधर्म
जेना द्वितीय जीव उच्च अथवा नीच गोत्र
पाये छे सातवा गोत्रकर्म जिसके उदयसे
जीव उच्च किंवा नीच गोत्र पाता है The
7th variety of Karma known
as Gotra Karma by the rise
of which a soul gets high or
low lineage पञ्च० २०, २२, ओव०
२०, नाया० ८, भग० २६, १, विशेष
११८७, क० प० १, २६; २, ६, क० ग०
१, ३, ५२, ५, ७९, उत्त० ३३, ३, प्रव०
१२६४, (२) गोत्र, वंश, अष्टक गोत्र.
वंश. कुलनाम lineage, family

name ओव० २७, भग० २, ५, (३)
(गा वार्षी त्रायत इति गोत्रम) मौन धारण
करेव ते, वाक्संयम. मौन धारण करना,
वाक्संयम keeping of silence.
सूय० १, १४, २०, —कर्म न०
(-कर्मन्) जुओ गोय शब्दने। जीने
अर्थ. देखो "गोय". शब्द का द्वितीय अर्थ
vide the second meaning of the
word "गोय" उत्त० ३३, १४; —दुग.
न० (-द्विक) गोत्र द्विक, उच्च गोत्र अने
नीच गोत्र अने गोत्रधर्मनी अने प्रकृति गोत्र
द्विक, उच्च गोत्र व नीच गोत्र कर्म की दो
प्रकृति the two varieties of
Gotra Karma viz high and
low lineage क० ग० १, १६, —मय
पु० (-मद) उच्च गोत्र भगे तेने। म
करेव ते उच्च गोत्र प्राप्त हुआहो तो उसका
मद करना pride of high family
सूय० १, १३, १५

गोयम पु० (गौतम—गोभि. तमो ध्वस्त यस्य)
जुओ "गौतम" शब्द देखो "गौतम"
शब्द Vide "गौतम" "गायमोय गो-
त्तेण" ज० प० उवा० १, ७६, अणुजो० ८६,
१३४, ओव० ३, ८, उत्त० १०, १, १८,
२२, २३, ६, नदी० स्थ० २४, भग० ७, १,
१८, १०, नाया० १, ६, ७, १०, ११, १३, १५,
राय० ७८. (२) मुग्धि (लवण समुद्र
स्वामि) देवतेना गौतम नामे द्वीप सुस्थिक
देवता का गौतम नामक द्वीप name of
an island of the god Susthika
the lord of Lavana Samudra
जीवा० ३, ४, (३) गौतम गोत्रमा उत्पन्न
थयेत्त—मुनि सुमन अने नेमि तीर्थङ्ग नारायण
अने पद्मशिवायना वामुदेव, अक्षदेव, धन्वभूति
आदि त्रक्षु गणेश वगेरे गौतम गोत्र में
उत्पन्न मुनि सुमन व नेमि तीर्थङ्कर.

नारायण व पद्मके मित्राय वासुदेव, बलदेव, इन्द्रभूते आदि तीन गणवर इत्यादि. born in Gautama family viz Muni Suvrata and Nemi Tirthaṅkara Vāsudeva-Baladevas, excepting Nārāyaṇa and Padma, the three Gaṇadharas e g Indra bhūti etc ठा० ७, १; (४) पुं० गो-शाशानो ऋषेः पउट्टपरिहार-इद्विपत्त अन्तरनु नाम गोशाला का छत्र पउट्ट परिहार कल्पित अवतार का नाम the imaginary sixth incarnation of Gośālā भग० १५, १. —गोत्त न० (-गोत्र) इन्द्रभूति गणधरनु गौतम गोत्र इन्द्रभूति गणधर का गौतम गोत्र the family named Gautama to which the Gaṇadhara Indrabhūti belonged भग० १, १, ३, १, —सामि पु० (-स्वामिन्) गौतमस्वामी गौतम स्वामी Gautama Swāmī नाया० १६,

गोयमकुमार. पु० (गौतमकुमार) अधः वृष्टिरानने कुमार, दश दशरमानो ओष्ठ अवेकवृष्णि राजा का कुमार. दश दशर में से एक 'A son of king Andhaka Vrisnī; one of the ten Dāsāras अत० १, १;

गोयमद्वीप पुं० (गौतमद्वीप) लवण समुद्रभा गौतमद्वीप नामने टापु छे त्या सुस्थित नामने लवणसमुद्रना अधिपति रहे छे लवण समुद्र में गौतमद्वीप नाम का द्वीप है वहा सुस्थित नामक लवण समुद्र का अधिपति रहता है Name of an island in Lavana Samudra where the lord of that ocean resides, सम०

६७

गोयमपुत्त पु० (गौतमपुत्र) गौतमने पुत्र

अर्जुन. गौतम का पुत्र अर्जुन Aijuna, son of Gautama Swāmī भग० १५, १;

गोयर पु० (गोचर-गौरिव चराति यस्मिन् सः) गोयरी, साधुओ गोवृत्तिथी, शिक्षा देवा ऋतु ते गोचरी; साधु का गोवृत्ति से भिक्षा लेने के वास्ते जाना Begging of alms by an ascetic moving from place to place like a cow पि० नि० १६४; राय० २३५, सम० प० १६८, उत्त० १६, ५१, ओष० नि० भा० ६६, नाया० १; भग० २, १, वेय० ६, १६, दसा० ७, १, (२) स्थान स्यात् a place. विशेष० १६६, भग० ७, ६, (३) स-मुष्प, प्रत्यक्ष सन्मुख, प्रत्यक्ष in front of, in presence दमा० ५, २, (४) विषय, समधी विषयमें, संबंधमें relating to. जं० प० ३, ३६, पचा० ५, ३, —काल पु० (-काल) गोयरीने समय गोचरीका समय time of begging food दमा० ७, १ —चरिया स्त्री० (-चर्या-गोश्चरखं गोचरइव चर्या) गोयरीनी चर्या. गोचरी की चर्या mode of proceeding to beg alms दसा० ७, १,

गोयरग न० (गोचराग्र) अग्र-प्रधान-श्रेष्ठ-गोयर-लिक्षा, आधा डर्मादि दोष रहित शिक्षा गोयरी अग्र-प्रधान-श्रेष्ठ-गोचर-भिक्षा, आवाकर्मदि दोष रहित भिक्षा-गोचरी Begging alms of the highest kind i e free from the fault of Ādhākarma etc उत्त० २, २६, ३०, २५, दम० ५, १, २: १६, ६, ५७, —गग्र त्रि० (-गत) लिक्षा-भाटे गयेल भिक्षाके लिये गया हुआ gone to beg alms दस० ५, १, २, —पवट्टि त्रि० (-प्रविष्ट) लुओ " गोयरगगग्र "

शब्द देखो “ गोयरग्गगग्र ” शब्द
vide “गोयरग्गगग्र ” दस० ५, १, १६,
६, ५७,

गोयावाय पु० (गोत्रवाद) गोत्रना नामथी
केछने भोलाववु-नेम के-हे गौतम. गोत्र के
नाम से किसी को पुकारना, यथा-हे गौतम
Addressing a person by his
family-name सू० १, ६, २७,

गोर त्रि० (गोर) सङ्केद, उज्ज्वल, धोतु श्वेत,
उज्ज्वल; सफेद. White. ओव० २६, पञ्च०
२, उवा० १, ७६, —खर पु० (-खर)
धोतु गद्गल-गधेडो श्वेत गर्दभ, सफेद
गधा a white ass पञ्च० १, —मिग
पु० (-मृग) सङ्केद उरलु श्वेत मृग, सफेद
हिरन a white deer आया० २, ५,
१, १८५, —मिय न० (-मृग) सङ्केद
उरलु श्वेत मृग a white deer निमी०
७, ११,

गौरव न० (गौरव) गौरव, महिमा,
भोटाछ गौरव, महिमा, बड़ाई Great-
ness, glory विशेष० ३४७३, ज० प०
सू० प० २०,

गोरस पु० (गोरस-गवां रस व्युत्पत्ति-
स्त्वेवम-प्रवृत्तिस्तु महीष्यादीना दुग्धादि
रूपे रसे) दधि-दूध-छाश वगेरे दही-दूध-
छाछ इत्यादि Milk, curds, whey
etc. पि० नि० ५५ नाया० ८, १७, प्रव०
१४२५.

गोरहग पु० (गोरथक) त्रलु वर्षनी-नानो
वाछडो तीन वर्ष का-छोटो बछडा A
young ox three years old
आया० २, ४, २, १३८, सू० १, ४, २,
१३, दस० ७, २४.

गोरी स्त्री० (गौरी) अतगउसुतना पाथभा
वर्गना पीन अध्वयननु नाम अतगड
सूत्र के पाचवे वर्ग के द्वितीय अध्ययन का

नाम Name of the second chap-
ter of the fifth section of
Antagada Sūtra (२) कृष्ण वासु-
देवनी ओक पटरानी के ने नेमनाथ प्रभुनी
देशना सालणी विरक्त यद्य यक्षिणी आर्याछ
पासे दीक्षा अगीकार करी ११ अग लक्ष्मी
वीम वर्पनी प्रव्रज्या पाणी ओक भासने
सथारो करी निर्वाणपद पाथ्या कृष्ण वासु-
देव का एक पटरानी कि जो नेमनाथ प्रभु की
देशना का श्रवण कर विरक्त हुई व यक्षिणी
आर्या से दीक्षा अगीकार की व ११
अर्गों का अभ्यास कर बीस वर्ष की प्रव्रज्या
का पालन कर एक मास का सयारा कर
निर्वाण पद को प्राप्त हुई name of a
principal queen of Kṛishṇa
Vāsudeva. She gave up world-
ly attachment as a result of
the preaching of Nēmanātha
and took Dīksā from a nun
named Yaksinī After study-
ing 11 Angas and practising
asceticism for twenty years
she attained to salvation after
one month's Santhārā (giving
up food and water) अत० ५, २,
ठा० ८, १, (२) पार्वती पार्वती the
goddess Pārvatī सू० २०, २७.
सु० च० २, ३३, (३) गौरवर्णवाणी स्त्री.
गौर वर्ण वाली स्त्री a woman with
fair skin अणुजो० १२८, ठा० ७ १.
गोरोयण न० (गोरोचन) गोउ अद्वन लाल
चदन The bezel stone पचा०
४, १५,

गोल त्रि० (गोल) गोत्र, दभोटो, गोला
वगेरे गोल, गोटी, गोली इत्यादि A
small ball etc for play अणुत्त०

३, १; भग० १०, ५; १६, ३, पञ्च० १; ज० प० ७, १७, सू० प० १८; (२) काश्यप गोत्रनी ओ३ शाखा अने तेभा उत्पन्न थयेल पु३५. काश्यप गोत्र की एक शाखा व उसमें उत्पन्न पुरुष. a branch of the Kāśyapa family; a person born in it ठा० ७, १; (३) ओ३ ओ३ देशभा वपरायेल अपमान सूचक संबोधन. an exclamation showing contempt (used in some dialect) नाया० ६; आया० २, ४, १, १३४; दस० ७, १४,

गोलगुल. पुं० (गोलंगूल) वानर. बदर.

A monkey. भग० १२, ८, —वसभ पुं० (-वृषभ) भो३टो वानर बडा बदर. a big monkey. भग० १२, ८;

गोलय. पु० (गोलक) गो३ो; गो३ पि३डो; द३ो गोला, गेद, A ball. उत्त० २६, ४०;

गोलवट्ट. त्रि० (गोलवृत्त) गो३ा३ारे, वतु३ल. गो३ाकार; वर्तुलाकृतिमें. Round, circular. सम० ३५ जं० प० ७. १७०; २ ३३;

गोलव्वायण. न० (गालवायन) अनुराधा नक्षत्रनुं गोत्र अनुराधा नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Anurādhā सू० प० १०,

गोलिकायण. पुं० (गोलिकायन) कै३ाशि३ गोत्रनी शाखा कौशिक गोत्र की शाखा A branch of the lineage named Kausika (२) ते शाखाभा३ो पुरुष उस शाखामेका पुरुष a person belonging to the above lineage. ठा० ७, १;

गोलियसाला त्री० (गोलिकगाला) गो३ वे३वा३ी दु३ान गुड वे३ने की दु३ान A

shop for selling treacle. (२) गा३ेने द३ाव३ानु स्थान गौओका दूध निका३ने का स्थान a place for milking cows वव० ६, १, ७;

गोलुकि सह. पु० (गोलुकि शब्द) गो३ु३ी नाम३ा वा३त्र३ो शब्द एक प्रकारके वा३ित्र का शब्द Sound of a musical instrument निसी० १७, ३३;

गोलोम. पु० (गोलोम) ओ३ ध३ियवा३ो ३व; (३ा३ुभा था३ छे ते) दो इ३्रिय वाला जीव-गोवर में होता है वह A two sensed being; (found in cowdung) पञ्च० १; निसी० १०, ५०, (२) गा३नु३वा३ुं गौ का रू३ा. the fur of a cow कप्प० ६, ५७;

✓ **गोव धा० I, II (गुप्)** अ३ाव३ु; छुपाव३ु ब३ाना, छि३ाना. To hide, to protect.

गोवेह नाया० १६;

गोवसि सु० च० १५, ६;

गोवित्ता सं० कृ० नाया० १६;

गोवित्तण हे० कृ० नाया० १६;

गोव पु० (गोप-गा भूमि वा पाति रक्षति)

गो३ा३ा. गवली, ग्वाला A cowheid विशेष० २६५९; पि० नि० ६६७, भत्त० ८१;

गोवज्जायण न० (गोवज्जायन) पू३ा द३ा३ुनी नक्षत्रनुं गोत्र पू३ा फाल्गुनी नक्षत्र का गोत्र. The family-name of Pūrvaḥfālgunī constellation. सू० प० १०, जं० प० ७, १५६,

गोवालिआ. स्त्री० (गोपालिका) गो३ा३ि३ा नाम३ी आ३्या गो३ालिका नामक आ३्या Name of a nun. नाया० १६;

गोवाली स्त्री० (गोवाली) ओ३ नाम३ी ओ३ वे३ इन नाम की लता. Name of a creeper. पञ्च० १;

गोवीहि. स्त्री० (गोवीथि) शुक्रनी गति विशेष
शुक्र की गति विशेष A particular
kind of motion, the motion of
Venus ठा० ६, १;

गोस. पुं० (*) प्रातःकाल, सवार.
प्रातःकाल, सवेरा Morning, dawn
सु० च० २, ११, ४, २०२, प्रव० १६१,
पचा० १, ५०, —**करणीय** त्रि० (--कर-
णीय) सवारमा करवा लायक (धर्म-
ध्यानादि) प्रातःकाल में करने योग्य (धर्म-
ध्यानादि) (anything) to be done
in the morning, i. e. religious
meditation etc सु० च० २, ७५,

गोसाल पुं० (गोशाल) गोशालो-मन्त्रि
पुत्र, जेनु विवरणु भगवती सूत्रना १५ भा
शतकभां छे गोशाला मखलि पुत्र, जेम
का विवरण भगवती सूत्र के पंद्रहवें शतक
में है Gosālā—the son of Man-
khali, described in the 15th
Śataka of Bhagavatī Sūtra
भग० १५, १, नाया० १६, उवा० ७, १८८,

गोसालग. पु० (गोशालक) जुओ उपलो
शब्द देखो ऊपर का शब्द. Vide above
प्रव० ७४०, —**मय** न० (-मत) गोशाला-
नो मत गोशाला का मत the tenet
of Gosālā प्रव० ७४०,

गोसीस न० (गोशीर्ष) गायना भस्तकभाथी
निक्षलतु गोरोचन गौ के मस्तक में से निक-
लने वाला गौरोचन A yellow pig-
ment found in the head of a
cow. ज० प० ५, ११४, पञ्च० २, सम० प०
२१०, नाया० १, भग० ९, ३३ १५, १,
ओव० (२) गायतु भस्तक. गौ का मस्तक

the head of a cow. सू० प० १०;
—**आवलि** स्त्री० (-आवलि) गायना
भस्तकानी पङ्क्ति गौ के मस्तकों की पङ्क्ति.
a line of the heads of cows
सू० प० १०,

गोह पुं० (गोध) जुओ “ गोहा ” शब्द
देखो “ गोहा ” शब्द Vide “ गोहा ”
परा० १, १, उत्त० ३६, १८०, जीवा० १;
दसा० ६, ४,

गोहा स्त्री० (गोधा) धो, सरडा जेनु ओड
थपट्टु प्राणी जेने लींगडा अने चार पग
ढोय छे, रात्रे शिकार सारु गह्वार नीकले छे
जेनी जे जल छे—यन्त्रनथो अने पाटला धो
घो जैसा एक चपटा प्राणी—उसके शरीर पर
छिलके व चार पैर होते हैं, रात्रि को शिकार
के वास्ते निकलती है उसकी दो जाति हैं—
चदनघो व पाटलाघो A lizard-like
animal having scales and four
feet It moves out in search
of prey at night It is of
two kinds (1) Chandanagho
and (2) Pātlagho. नाया० ८ सूय०
२, २, ६३, २, ३, २५, भग० ८, ३, १५, १,
—**आवलिया** स्त्री० (-आवलिका) धोनी
पङ्क्ति घो की पङ्क्ति a row of lizard-
like animals भग० ८, ३,

गोहिआ-या स्त्री० (गोधिका) लाउ लोडनु
जेड जलतनु वाद्य भाड लोगों का एक
तरह का वाजिन्ना A kind of musical
instrument used by tumblers
etc अणुजो० १२८, आया० २, ११, १६८,
ठा० ७, १, विवा० ७, (२) सामान्य धो.
सामान्य घो A kind of lizard जीवा०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फूटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फूटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th

१; —सद् पु० (-शब्द) लांडना वाजि-
त्रेण शब्द भाडों के वाजित्र का शब्द.
the sound of a musical instru-
ment of a bard. निसी० १०, ३५;
गोही. स्त्री० (गोही) गोलुशी गोहणी. A
female lizard-like animal.
जीवा० १,
गोहूम पु० (गोधूम) धुई; धान्यनी ओक
जत गोहू; धान्य की एक जाति Wheat;
a kind of corn. पत्र० १, वेय० २, १;
प्रव० १००६;
✓ गगह. धा० II (ग्रह्) ग्रहणु कर्तु.
ग्रहण करना. To accept.
गहेइ निसी० १, ५४;
गहेही. भ० सु० च० ८, १६७,
गहिउं. सं० कृ० सु० च० १२, १७३;
गहेऊण. सं० कृ० नाया० १६;
गहाय उत्त० ४, २, अणुजो० १४८, भग०

२, १; ३, १, ५, ६, १०; ६. ३३,
११, ६, १३, ६; १५, १; १६, १,
नाया० १, २; ३. ५; ७, ८, १६;
१८; दसा० ७, १; १०, ३, विवा०
२; ६, ७, निसी० ३, ८२. ७, २६;
६, ४, चव० ७, १७, ८, ११, राय०
३३; वेय० १, ३७; निर० ३, ३,
गाहेइ. प्रे० नाया० ५, ओव० ३०,
गाहावड. प्रे० वि० सु० च० १०, १०६;
गाहेहिनि. प्रे० भ० भग० ७, ६, जं० प०
२, ३६;
गाहस्सं. प्रे० भ० विशेष० १४५६;
गाहिता. प्रे० सं० क० भग० ७, ६, ओव०
३०;
गाहेत्ता. प्रे० सं० कृ० नाया० ५;
✓ गघ्रा. (घ्रा) सुंधवे। सुंधना To smell.
जिग्घइ निसी० १, ८, ६, ५;
जिघ्वंत निसी० १, ६,

घ.

* घंघ्र त्रि० (*) गरीय अनाथ. गरीव, अनाथ.
Poor, destitute. पि० नि० ३४५;
—साला. स्त्री० (-शाला) अनाथालय;
धर्मशाला. अनाथालय, धर्मशाला A
house of charity for the help-
less. ओव० नि० ६३६;
घंट. पु० (घण्ट) धटडी, टोडरी. घटी. A
bell. भग. ९, ३३; सु० च० २, ३०३;
प्रव० ११४७; ज० प० ५, ११५; —रव
पु० (-रव) धटनी अवाज घटेकी आवाज.
घंटा का नाद Sound of a bell
नाया० ८;

घंटा स्त्री० (घंटा) धटडी टोडरी घंटी. A
bell ओव० नि० भा० ८६, ओव० ३०;
नाया० १, ३; राय० ३७, ज० पं० ५, ११५;
उवा० ७, २०६; —आवलि स्त्री० (-आ-
वलि) धटनी पङ्क्ति घंटों की पङ्क्ति a
series of bells. नाया० १, राय० ओव०
घंटिअ-य. पु० (घण्टिक-घण्टया चरन्ति तां
वाद्यन्तीति घण्टिकाः) धटा वगाडी लिखा
भागनार; राउलिङ घंटा बजाकर भिक्षा
मागने वाला, राउलिक One who
begs alms by ringing a bell; a
Raulika नाया० ६; कप्प० ५, १०७;

घंटिआ-या स्त्री० (घण्टिका) ध्वज्जली,
धुधरी. घटी, घुधरी A bell, a small
bell राय० ४४, जीवा ३, ३, नाया० ३,
प्रव० ११३. (२) ओङ्क जलतु आभरण
एक जातिका आभरण a kind of
ornament ज० प० ५, ११५, उवा०
७, २०६, नाया० ६, —जाल न० (-जाल)
घट्टिओतो, धुधरीओतो समूह घट्टियों का
समूह, घुधरियों का समूह a collection,
bunch of small bells भग० ६, ३३,
घंतु त्रि० (घातुक) भारदार, घात करनेदार
मारनेवाला, घात करनेवाला A killer,
a destroyer “रसगिद्धेण घतुणा”
उत्त० १८, ७

घंसण न० (घर्षण) घसनु घिसना, घर्षण
Rubbing, friction विशेष० २०४३,
नाया० १,

घसिअ-य त्रि० (घर्षितक) घट्टनी पेड़े
धमेनु, लठेलु. चन्दन की तरह घिसाहुआ
Rubbed against a hard subst-
ance, e g Sandal wood ओव०
३८,

घकारणविभक्ति पु० (घकारप्रविभक्ति)
“व” ना आकार जे ३२ नाटकमानु ओङ्क
“घ” की आकृति जैसा, ३२ नाटक मे से
एक Anything of the shape of
the letter “घ” one of the 32
dhamas राय० ६३,

✓ घट्ट ना० I, II (घट्ट) स्पृश करवे,
लगावतु स्पर्शकरना, हिलाना To touch,
to give motion

घट्टइ भग० ३, ३, राय० २६६,

घट्टइ नाया० ३,

घट्टति. नाया० ४,

घट्टिजा वि० दस० ४,

घट्टेजा वि० दस० ४,

घट्टाविजा शि० वि० दस० ४,

घट्टावेजा शि० वि० दस० ४

घट्टिय स० कृ० पि० नि० २५४

घट्टेउ ओव० नि० ३००

घट्टत व० कृ० दस० ४

घट्टग न० (घट्टक) घसवाने वाला घिसने
का पत्थर A hard stone used for
rubbing things against ओव०
नि० ४०१,

घट्टण न० (घट्टन) सघट्टाथवे, अथडानु.
सघट्टन होना, अथडाना Clash, collision.
दस० ४, ठा० ८, ४, पचा० १५, ३१,

घट्टणया स्त्री० (घट्टना) सघट्टे करवे
लार दधने घसनु संघट्टन करना, जोरसे दवा
कर घिसना Rubbing with great
pressure पञ्च० १६, ओव० ३८,

घट्टिय त्रि० (घट्टित) भाडेमादि स्पर्श
थाव तेरी रीते लडावेअ, घट्टना-कट्टसना
पामेअ परस्पर स्पर्श हो डम तरह हिलाया
हुआ caused to collide, moved
in a way to cause friction.

“घट्टियाणु फदियाणु खेमियाणु” ज० प०

१, राय० १२८ पि० नि० ५५३ (२)

अपृष्ट स्पृष्ट touched परह० १, ३,

(३) प्रेरणा करेअ प्रेरणा किया हुआ.

प्रेरित directed, instructed परह०

१, ३

घट्ट नि० (घट्ट) घसेलु, पाद्रीश करेलु;

पत्थरनी पेड़े साइ करेलु घिसाहुआ. पत्थर

के समान साफ किया हुआ Rubbed,

polished ओव० ४३, आया० २, २,

१, ६४ २, ५, १, १४४, अणुजो० २१.

सू० प० जीवा० ३, ४ भग० २, ८ ज०

प० ओव० नि० ६८, पञ्च० २ वेय०

१४४, सम० प० २११, राय० कृष्ण० ३, ३०,

६ २.

✓ घड घा० I, II (घट्) ध३पुं० दी३पुं०.
घडना; बनाना. To hammer, to fa-
shion. (२) धटना डरनी घटना करना
to mould

घडइ. सु० च० २, १८६;

घडेमो. नाया० ८;

घडित्तए. हे० कृ० नाया० ८;

घडंत भक्त० ४७;

घडेंति भग० ११, ६, जं० प० ५, ११४;

घडित्ता सं० कृ० ज० प० ५, ११४,

घड पु० (घट-घटतेऽसौ घटनाद् वा घट.)

धडे, धणश घडा; कलश A pot. a

pitcher विशेष० ६१ भग० ५, ४ ८,

१०; पन्न० २, पि० नि० ८८; १३० ओव०

अणुजो० १३१; सम० २५; पंजा० ६, ११.

प्रव० ६४५ —कार. पु० (-कार)

धडानो गनापना, दुआ घट बनाने वाला

कुम्हार कुम्हार a potter. विशेष० १८१५,

—दास पु० (-दाम) पाणी भरण्या

नोडर पानी भरने वाला नौकर a servant

employed to fetch water.

आया० २, ४, १, १३४ —दासी स्त्री०

(-दामी) पाणी भरण्यारी दासी पानी

भरने वाली दामी a servant-maid

employed to fetch water सूय०

१, १४, ८; —मुह. पु० (-मुख)

धडनु मोहुं घटका मुख, घडे का मुंह

the mouth of a pot. सम० १७४,

घडक पु० (घटक) धडे घडा; घट A

pot अणुजो० १३०

घडग पुं० (घटक) धडे घडा घट A

pot नाया० १६; जं० प०

घडण न० (घटन) उद्यम, प्रयत्न उद्यम,

प्रयत्न Effort, industry. पगह० २, १

घडणा स्त्री० (घटना) धटना डरनी, योजना

घटना करना; योजना करना Formation

विशे० १२०७, पंचा० १२, ४६;

घडत्त न० (घडत्व) धडाने भाव; धटपणुं
घडे का भाव; घडत्व State of being
a pot भग० ३, ३;

घडत्ता स्त्री० (घटता-घटा समुदायरचना
तद्भाव तत्ता) समुदाय रचनाने भाव
समुदाय रचना का भाव. Formation
of group जीवा० ३, २; भग० ५, ३;
११, १०; १८, १०.

घडय पु० (घटक) लुगो “ घडग ” शब्द
देखो “ घडग ” शब्द Vide “ घडग ”
नाया० ७, उवा० ७, १६४;

घडि त्रि० (घटिन्) धडावाणे घडा वाला
(One) having a pot अणुजो० १३१;

घडिगा स्त्री० (घटिका) माटीनी दुधडी
मिट्टी की कुलडी A small earthen
vessel मय० १, ४, २, १४.

घडिमत्तय न० (घटिमात्रक) धडीने आधारे
माटिनु ढाम छोटा मिट्टीका बरतन A
small earthen pot वेय० १, १६,

घडिय त्रि० (घटित) धटना डरेल, भेजवेज
घट । किया हुआ. Formed, joined
जीवा० ३, ३,

घडियव्व त्रि० (घटितव्य) धटना डरनी;
साध भेजवनी संयुक्त करना, साधा जुडाना
Uniting together. bringing
together. नाया० १ ५, भग० ६, ३३;

घण पुं० (घन) धडीने अभेज थडेका दही का
जमा हुआ चक्का thick curds “ दहि
घणे ” पन्न० १७ जं० प० ५, ११२, ७, १४०

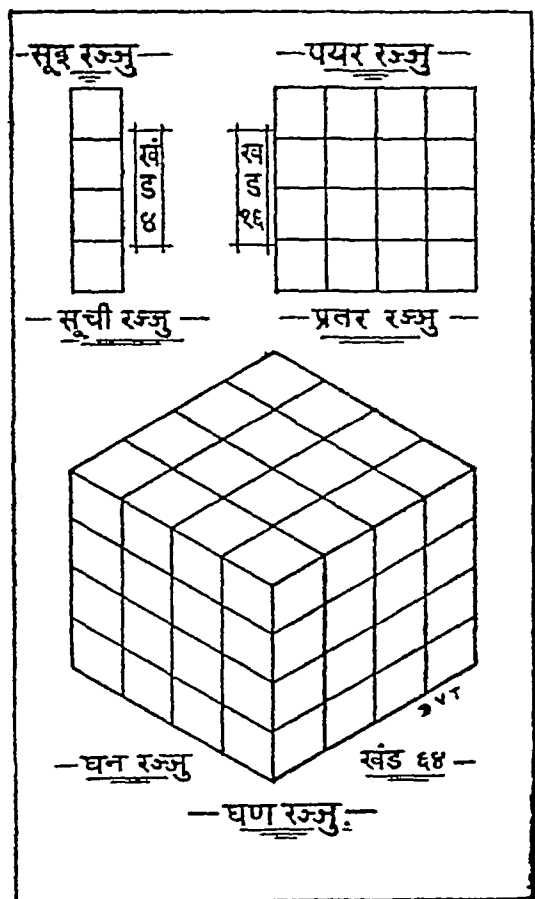
५, १२१, (२) नड्ड वाद्य वादिका.
आज वगेरे ठोस वाजित्र, भाऊ डम्यादि
a bronze musical instrument.

ज० प० १, १२, जीवा० ३ ४, राय० ६६,
भग० ४ ४; टा० २, ३, ४ ४ (३)

दृढ, कठिण, मज्जुत, छिद्रवगरु दृढ, कठिन, छिद्र रहित hard, firm, free from holes राय० ३२, १०६, २५४, विशेष० ११६५, पि० नि० भा० १७, पञ्च० १, २, ३६, सू० प० १६, ओव० ४३, भग० ५, २, (४) धाटु, गाढ, जडु घट्ट, गाढा, मोटा thick, dense. पि० नि० भा० ३८, ओघ० नि० भा० ३१३, कप्प० ३, ४४, प्रव० ५१२, ५३९, क० ग० १, २०, (५) विस्तार विस्तार extent, area विशेष० ५६०१, (६) मेघ मंघ a cloud भग० २, १, पञ्च० २, परह० १, ३, नाया० ६; पि० नि० १७५, कप्प० ३, ३३, गच्छा० ६५, (७) आत्माना असंख्यात प्रदेशानु धनरूप पिण्ड आत्मा के असंख्यात प्रदेश का घन रूप पिण्ड body consisting of countless atoms of the soul भग० ५, ६. (८) समान जतिना आकडा तल्ल वप्पत गुणवाथी जे आकडा आवे ते, जेम डे जेमो धन आइ, तल्लो सत्ताविम, यारो योसइ वगेरे समान जाति के अक तीन वार गुनने से जो अक आता है वह, यवा दो का घन आठ, तीन का सत्ताविम, चार का चौमठ इत्यादि number got by cubing a numerical quantity पञ्च० १०, (९) लयाध पडोलाध अने जडाध जे तल्लेनु मान जेमा आवे ते, धनरूपे आलोडनु परिभाणु सातगज छे लंबाई चौडाई व मोटाई इन तीनों का मान जिममें आता है वह, घनरूप मे इंस लोक का परिमाण सात राज है a cubic measure is that of this world “ सत्तरज्जुमाणघणो ” क० ग० ५, ६७, (१०) धल्ल, थल्ल बहुत, अतिशय much, more प्रव० १४८६, (११) नागरमेय नागरमोय a fruit of a medicinal

plant सु०च० २, ७७, (१२) डसिया वगेरे वाञ्छत्रनु शब्द काक इत्यादि वाजित्र का शब्द a sound of a musical instrument made of bronze. भग० ५, १, —आयत न० (-आयत) जडाध अने पडोलाध युक्त आयत सडाण, नछर वस्तुनी लयाध आयत सडाण, ठोस वस्तु की लंबाई, चौडाई व मोटाई having length and breadth भग० २५, ३ —करण न० (-करण) धर्मो अध मज्जुत इरवो, निव्वड धर्म अध इरवो ते कर्मों को बाधना, दृढ करना, निव्वट कर्म-बध करना. tightening the bond of Karma पि० नि० १०१ —चउरंम न० (-चतुरस्र) नछर वस्तुनी चोरस सडाण ठोस वस्तु का चौरस सडाण a quadrangular solid भग० २५, ३, —तंम. न० (-त्र्यस्र) नछर रूप त्रिकोण सडाण ठोम त्रिकोण सडाण (anything) triangular भग० २५, ३, —तव न० (-तपम्) प्रतर्ने श्रेणि गुणा करता धन थाय, अथवा लयाध पडोलाध अने जडाध सम्भी होय ते धन. दाम्पला तरीडे आउ कोष्टकी श्रेणी होय तो सोण कोष्टना प्रतर्ने आरे गुणता योसइ कोष्ट थाय प्रतर्ना सोण कोष्टने योवडा यनावता, धन कोष्ट थाय, तेम तभी राधाय नही, जेथी प्रतर् तप प्रमाणेन यारवा तप इरवाथी, धन तप थाय छे, ते समथ लेनु प्रतर् व श्रेणि का गुना करने मे घन होता है, अथवा लंबाई, चौडाई व मोटाई समान हो वह घन, उदाहरण-चार कोष्ट की श्रेणी हो तो मोलह कोष्ट के प्रतर् को चार से गुनने मे चौमठ कोष्टक हो, प्रतर् के मोलह कोष्ट को चार गुना करने मे घन

कोष्टक हो, इस तरह लिखा नहीं जा सका इस लिये प्रतर तप के ही समान चार बार तप करने से घन तप समझ लेना the cubic measure of an austerity; supposing an austerity to represent x , Ghana Tapas would represent x^3 उत्त० ३०, १०, —परिमंडल न० (—परिमण्डल) नक्षत्र रूपे चतुर्ध आकार; घन परिमंडल सहाण ठांस वर्तुलाकार; घन परिमंडल सहाण (anything) circular in shape भग० २५, ३, —माला स्त्री० (—माला) भेध-भावा मेघ माला. a line of clouds. भक्त० १२५, —मणि त्रि० (—मणि) धण्य मणि बहुत मणि many gems प्रव० १४८६, —मुद्रग पु० (—मृदंग) भोहो नगरू मृदंग, ढोल, बड़ा नक्कारा a big drum ज० प० ५, ११५, कप्प० २, १३, —रज्जु स्त्री० (—रज्जु) जेनी लयाध पडोवाध अने नडाध सरणी थाय ओधी रीते राजनुं परिभाणु डरवु ते जिसकी लंबाई, चौड़ाई व मोटाई समान हो इस रीति से राज का परिमाण करना a unit of measure in which length, breadth and thickness are equal (२) रज्जु ओटले राज के जे लोकना क्षेत्रनु परिभाणु अतावे छे आपो लोक उक्तराजनी मापता १४ राज परिमित थय छे आ माप तणु प्रदारे अतावेत छे सूचि, प्रतर अने घन जेमा लयाध अताववामा आवे पडोवाध नहि, ते सूचि जेमा लयाध अने पडोवाध अने दर्शववामा आवे ते प्रतर जेमा लयाध पडोवाध अने उयाध ओ तणु अताववामा आवे ते घन तणु प्रदारे आ चित्रमा अताववामा आव्या छे रज्जु अर्थात् राज कि जो लोक के क्षेत्र का



परिमाण बतलाना है मारा लोक उक्त राज से मापने पर १४ राज परिमित होता है यह माप तीन प्रकार से बतलाया गया है सूचि, प्रतर और घन जिसमें केवल लम्बाई बतलाई जाती है वह सूचि जिसमें लंबाई और चौड़ाई दोनों बतलाई जाती हैं वह प्रतर. जिसमें लंबाई, चौड़ाई और उचाई ये तीनों बतलाई जाती हैं वह घन तीनों प्रकार इस चित्र में बतलाये गये हैं Rajju means Rāja (a measure of length breadth and thickness) which is used in measuring Loka (region) the whole world when measured with the above unit, measures 14 Rāja this measure is displayed in three ways, viz Sūchi, Prata and Ghana. The measure by which

length and breadth are calculated is called Prataara and Ghana is that by which length breadth and thickness are measured All these three ways are exhibited in the picture. प्रव० ६२१, —वट्ट न० (-वृत्त) नक्षत्र गोलार्ध, दाडुनी भाक्ष ठोस गोलाकार (anything) solid and globular or round like a ball भग० २५, ३. —वात. पु० (-वात) लुओ " घणवाय " शब्द देखो " घणवाय " शब्द vide " घणवाय " भग० २०, ६, —वाय पु० (-वात) धनोदधि अथवा विमान आदिना आधारभूत अभेदा परस्पर जेवो अथवा धीजेवो धी जेवो ओइ प्रकारेनो इति वायु घनोदधि अथवा विमान आदि क आवार भूत जमा हुआ बरफ जैसा अथवा जमे हुए घृत जैसा एक प्रकार का गाढ़ा वायु, a kind of hard and thick wind resembling ice or condensed ghee (clarified butter) उत्त० ३६, ११८, भग० १, ६, २, १०, १२, ५, १७, ११, पञ्च० १, जीवा० ३, १, —वायवलय पु० (-वातवलय) वलयाकारे रहैल चनवायु वर्तुलाकार से रहा हुआ घनवायु, वलयाकार से रहा हुआ घनवायु thick, condensed air remaining in a circular form भग० १७, ११, —संताणश्च पु० (-सतानक) इरोणीयानु पञ्च मकड़ी का जाला a cobweb ओघ० नि० २६२, —समद् पु० (-संमर्द) जे योगमा अद्र अने सूर्य अद्र तथा नक्षत्रनी पञ्च्यमा थछ आले ते योग जिस योग में चंद्र व सूर्य, ग्रह व नक्षत्र के मध्यस्थ होकर गति करते हैं वह योग

the time or circumstance of the sun and the moon passing through the midst of a planet and a constellation सू० प० १३, —सद् न० (-शब्द) नक्षत्र वाद्यना शब्द नक्षत्र वाजित्र के शब्द the sound of a certain musical instrument निती० १७, ३५,

घणसार पु० (घनसार-घनस्य मुस्तकस्य सार) चूर्ण कर्पूर Camphor सु० च० २, ७७,

घणघणाय न० (घनघनायित) यन्त्रो वज्र धनु ओवो अवाज थाय ते रयका घण घण ऐसा आवाज होना Tinkling, jingling sound of a chhatra राय० १८३, परह० १, ३, भग० ३, २, जीवा० ३, ८.

घणघाट न० (घनघातिन्) चनवाती इर्म, ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय अने अतराय ओ या० इर्म घनघाती कर्म, ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अतराय ये चार कर्म The four Karmas viz Jñānāvānīya, Mohanīya, Darśanāvānīya and Antarāya, these four Karmas are known as Ghanaghāti Karmas क० ग० ५, २७,

घणदंत पु० (घनदन्त) घनदन्त नामना अन्तरद्वीपमा रहैतार मनु० ५. घनदन्त नामक अंतर द्वीपमे रहने वाला मनुष्य A resident of an island named Ghanadanta पञ्च० १, जीवा० ३, ३, (२) लवण समुद्रमा नवमा जेवनपर घनदंत नामनो अन्त० द्वीप. लवण समुद्र में नवसौ योजन पर घनदन्त नामक अंतर द्वीप name of an island in Lavana Samudra at a distance of 900

Yojanas inside प्रव० १४४१, ठा० ४, २, ६, १;

घणविज्जुया. स्त्री० (घनविद्युत) धरणेन्द्रनी
छठी अग्रमहिषीनु नाम धरणेन्द्र की छठी
अग्रमहिषी का नाम Name of the 6th
queen of Dharanendra भग० १०,
५; (२) छपन्न दिसाकुमारीमांसी ओ३.
५६ दिशाकुमारियों में से एक one of the
56 Disākumārīs ठा० ६;

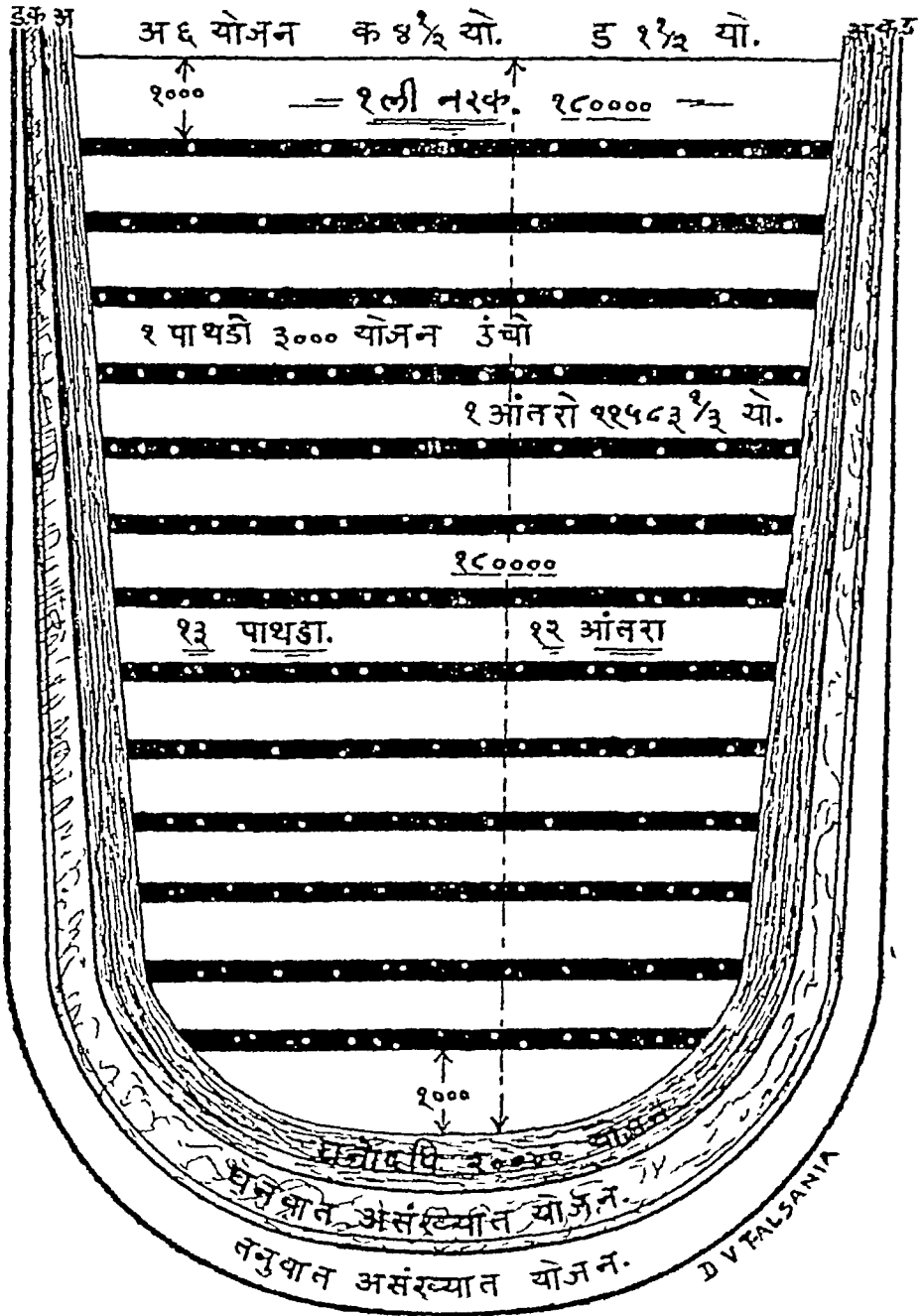
घणा स्त्री० (घणा) घणा देवी घणा देवी
Ghanādevī. नाया० घ० ३,

घणोदधि पु० (घनोदधि-घनः स्त्यानो हिम
शिलावत् उदधिर्जलनिचयः सचासौ चेति
घनोदधिः) प्रत्येक नरकनी पृथ्वी नीचे
अरुनी पेठे जमेला घनरूप पाणी ३ जे
वीश हजार जेजन प्रमाणे छे. प्रत्येक नरक
क नीचे वरफ के समान जमाहुआ घनरूप
पानी कि जो बीस हजार योजन तक है. An
ocean with frozen water 20
thousand Yojanas in depth,
under every hell-world ठा० ३, ४,
“ सत्तसुघणवापसु सत्तघणोदहीणइद्वया ”
जीवा० ३, १, भग० १२, १, २०, ६,
सम० ८६, ठा० ७,

घणोदहि पु० (घनोदधि) जुओ उपलो
शब्द. देखो उपरोक्त शब्द. Vide above
(२) रत्नप्रभा पृथ्वीने इरता त्रलु वलय छे
पहेलो घणोदधिनो, भीजे घनवायुनो अने
त्राजे तनुवातनो घनोदधि थीजेला घी
जेवु पाणी घनवात पिचल्या घी जेवो
वायु छे तनुवात ओ सूक्ष्म पवनरूप छे
ओ त्रलु वलयनी डेटली डेटली नगार्थ छे
अने पृथ्वीने इरता डेवी रीने रहैल छे ते
चित्रमा अतावेल छे, चित्रनी वर्येनी नडी
आडी लाधनो रत्नप्रभा पृथ्वीना पाथडा अने
आतश अतावे छे रत्नप्रभा पृथ्वी के आस-

पास तीन वलय है. पहिला घनोदधि का,
दूसरा घनवायु का और तीसरा तनुवात का
घनोदधि धीजे हुए घी के समान होता है.
घनवात पिचले घी जैसा वायु है और तनुवात
यह सूक्ष्म पवनरूप है इन तीनों वलय की
कितनी कितनी मोटाई है और पृथ्वी के आस-
पास किस प्रकार स्थित हैं यह चित्रमें बत-
लाया है. चित्र के अन्दर बीचकी जो मोटी
लकीरें हैं वे रत्नप्रभा पृथ्वी के पाथडा (प्रस्तर)
और आन्तरा (अन्तर) बतलाती हैं The
three curves round Ratna-
prabhā world, viz Ghanodadhi,
Ghanavāyu and Tanvāyu.
Ghanodadhi is like a condensed
clarified butter Ghanavāta is
like a fluid clarified butter and
Tanvāta is like thin atmo-
sphere. The breadth and the
positions of these three curves
are shown in the picture The
deep black lines in the picture
show the different layers and
intervals of the Ratnaprabhā
world भग० १, ६, २, १०, १२, ५; सम० २०;
पञ्च० २, —वलय पु० (—वलय घनोदधि-
रेव वलयमिव वलयकटक घनोदधिवलगम्)
साते नरकानी नीचे वीश हजार जेजन
प्रमाणे घनोदधि-जलोयाने आकारे जमेला
पाणी सात नरकों के नीचे बीस महल
योजन प्रमाण घनोदधि-वर्तुला कार से
जमा हुआ पानी an ocean with fro-
zen water circular in form, and
twenty thousand Yojanas in
depth under each of the seven
hell-worlds. ठा० ३ ४; भग० १७,
६, २०, ६; पञ्च० २,

सचित्र अर्ध-मागधी कोष



घणोदहि -(नरक)

घत न० (घृत) धी घी घृत Ghee,
clarified butter सू० प० १६,

✓ घत्त वा० I (-) तपास करनी
तपास करना to search (२) यत्न करवे।
प्रयत्न करना to try

घत्तिहामि. भ० उ० ए० विवा० १ ६

घत्त त्रि० (गान्ध) धातु कृत्वा योग्य घात
करने योग्य Worthy to be killed,
to be killed मय० २, ७, ६,

घत्थ त्रि० (ग्रस्त) पकडायेलु, घेराले
पकडा हुआ, घिगा हुआ Caught sur-
rounded, overpowered पि० नि०
११६, परह० १, ३, भग० १२, ६ सु० च०
२, ५३१, (२) धसाध गयेत, अवाध गयेत
घिस गया हुआ कीट खाया हुआ worn
out rusted गच्छा० १८.

घन त्रि० (घन) गाढ, गहरी गभीर
Deep, sound thick कप्प० ३, ३८,
(२) मेघ, वर्षाद मेघ, वर्षा rain
प्रव० १४८७. —पडलकलिय त्रि०
(—पडलकलित) वरसादना बादलाथी युक्त
वर्षा के बादलों से युक्त full of clouds
bearing rain प्रव० १४८७.

घम्म पु० (घर्म) धाम, गरमी धप गरमी
ताप Heat heat of the sun ठा० ४,
४, पि० नि० ३०३, —ठाण न० (—स्थान) उष्ण
—तापनु स्थान, ताप क्षेत्र उष्ण-गरमी का
स्थान, ताप क्षेत्र a region of heat
सूय० १, ५, १, १२ —पक्क त्रि० (—पक्व)
गरमी-तडाकाथी पकेत गरमी-धप से पका
हुआ ripened by the heat of the
sun विवा० ८

घम्मा त्रि० (घर्मा) पहेली नरकनु नाम

प्रथम नरक भूमि का नाम Name of
the first hell जावा० ३, १ भग० १२,
३, प्रव० ६११ १०८४,

घय-अ पु० न० (घृत) धी घी Ghee,
clarified butter. निमी० १, २, दस०
५, १ ६७, नाया० ८, जीवा० ३, ३, उवा०
१, ३४, भग० ११, ६, १५, १, पि० नि०
२१०, सु० च० २, ४७७, उत्त० ३, १२,
ठा० ४, १, अणुजो० १६, आया० २, १, ८,
२८, प्रव० २०६ १४३० गच्छा० ६६
कप्प० ३, ४, ५, ११ ८, २३, (२)

घृत नामना द्वीप तथा समुद्रनु नाम घृत
नामक द्वीप व समुद्र name of an
island, also that of an ocean
जीवा० ३, ८, पन्न० १५ अणुजा० १०२,

—उदग न० (उदक) घीना जेनु घृत
समुद्रनु पानी घा के समान घृत समुद्र का
जल water of the Ghrita ocean
resembling clarified butter

पन्न० १ स० प० २०. जावा० ३, —किट्टि
त्रि० (—किट्टि) घातो मेघ-कीट घी का
कीट मेल the dirt of ghee प्रव० २३१

—कुंभ पु० (—कुम्भ) घीतो बड़ा घा का
पात्र बड़ा a pot of ghee or clar-
ified butter भग० १६, ६, —मेह. पु०
(—मेघ) वातक्षेत्रमा उत्सर्पितो गीर्णे
आरो ज्येष्ठता १८ दिवस भूधी मेघ वरसा
पड़ी आत दिन भूधी गीर्णे मेघ वरसे तेन
नाम भरत देश में उत्सर्पिणा का हूनग
आरालगतदा १४ दिन दा मेघ क वरसन व
पश्चात् सात दिन पर्यंत तागरा मघ वरसता त
वह the name of the last of the
3 downpours of rain each last-

ing for 7 days) at the beginning of the 2nd cycle (Ara) of Utsarpinī in Bhaṭata-ksetra जं० प०

घयपुराण न० (घृतपूर्ण) धै०२२ घेवर An article of food prepared with a great quantity of ghee. पि० नि० ४६१;

घयपूर पु० (घृतपूर) धै०२२. घेवर An article of food requiring a great quantity of ghee to be prepared पि० नि० ४६१:

घर पु० न० (गृह) भक्षण, रहनेवाला स्थान; धर गृह, रहनेका स्थान, मकान A house, a residence ओव० १७, अणुजो० १२७, १३१; १३४, उत्त० ६, २६; ३०, १८, राय० ५७, पि० नि० १६५, भग० १, ६, २, ५, ५, ७, ८, ६; नाया० १, ८, १६, सु० च० १, ३३, ज० प० ठा० ५, १; उवा० १, ७७; पंचा० १४, ४२; प्रव० १६७, कप्प० ५, ११७, —अंतर पु० न० (-अन्तर) धे धर वस्येनु आतर् दो गृह का मध्यस्थ अंतर the distance between the two houses कप्प० ६, २७, —जामा-उय पु० (-जामातृक) धर जमार्ध गृह जामात, घर जवाई. a son-in-law who remains under the roof of his father-in-law. नाया० १६, —समुदाण न० (-समुदान-गृहेषु समुदानं भिक्षादन गृहसमुदानम्) साधु सामान्य प्रकारे अथे धरथी गोचरी करे ते साधु सामान्य रीति मे सर्व घरों से गोचरी करे वह the way of begging alms i e begging of alms by a Sādhu from all houses without distinction, indiscriminate begging of alms

from all houses भग० २, ५; ३, १; —समुदाणिय पु० (-समुदानिक-गृह-समुदाय प्रतिगृहं भिक्षा येषां ग्राह्याऽस्ति ते गृहसमुदानिकाः) प्रतिघर-करे धरे बिदा लेनार गोशादाना मतनो अनुयायी प्रतिघर मे भिक्षा लेनेवाला गोशाला के मत का अनुयायी one who begs alms at each house; a follower of the tenet of Gōśālā ओव० ४१,

घरक न०(गृहक) धर गृह A house ओव० घरकोइला स्त्री० (गृहकोकिला) गरोणी; लीनगरोणी छिपकली A lizard चउ० ३७, पि० नि० ३५५,

घरकोइलिया स्त्री० (गृहकोकिला) लुओ डिपदे शब्द देखो उपरोक्त शब्द. Vide above सूय० २, ३, २५;

घरणी स्त्री० (गृहिणी) धर धलियाणी, स्त्री, भार्या गृह-स्वामिनी, स्त्री, भार्या. A housewife; a wife चउ० ३७, उत्त० २१४,

घरय. न० (गृहक) धर-भवन गृह-भवन. A house जीवा० ३, नाया० १, प्रव० ४०८, घरिणी स्त्री० (गृहिणी) स्त्री, धरधलियाणी. स्त्री. गृहस्वामिनी A housewife, a wife. सु० च० १, ४०,

घरोइला स्त्री० (गृहकोकिला) नानी गरोणी छोटी छिपकली A small lizard पत्र० १,

घस न० (घस) जमीननी भोटी क्षिप्त; दाही जमीननो खीरीयो. जमीन की बड़ी दरार, काली जमीन की दरार A large crack in land आया० २, १०, १६६

घसा. स्त्री० (घसा) क्षारालाणी भूमि क्षार-वाली भूमि Saline soil दस० ६, ६२:

घसिय. त्रि० (घर्षित) धसेधु घिसा हुआ (Any thing) rubbed दमा० ६, ४, सूय० २, ६३.

घसिर. त्रि० (वस्मर) अधराथो, ण्डु
आना२. अधिक आहार करने वाला. Vora-
cious; gluttonous ओघ० नि० भा०
१३३,

घसी. स्त्री० (घसी) ञभीननो ढोलाव जमीन
का उतार Sloping ground (२)
लोयरू तलघर a cellar जीवा० ३, ३,

घाइ त्रि० (घातिन्) घात करने वाला (One) who kills. ओघ० नि०
भा० २१, क०प० १, ५७, २, ४४, —कम्म
न० (-कर्म) ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय,
मोहनीय अने अतराय ओ यार कर्म, आ
त्मिक गुणोनी घात करने वाला कर्म ज्ञानावर-
णीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय व अतराय ये
चार कर्म, आत्मिक गुणों की घात करने वाला
कर्म Karmas destructive of the
qualities of the soul i e those
which obscure knowledge,
faith, and those which delude
and obstruct अणुजो० १२७,

घाइअ य त्रि० (घातित) भारी नष्पावेनु,
घात कराने मार डाला हुआ, घात कराया
हुआ Caused to be killed नाया०
८, भग० ७, ६, पि० नि० १२७, २७४,

घाउकाम त्रि० (हन्तुकाम) लूटवाना की इच्छा
वाला. लूटने की इच्छावाला (One) de-
sireous to rob, spoil नाया० १८,

छायाण. न० (-) धाली घानी
Parched grains पि० नि० भा० ४०,

घाण न० (घ्राण) घ्राणेन्द्रिय, नासिका, नाक
घ्राणेन्द्रिय, नासिका, नाक. A nose; the
sense of smell “ दोघाणा ” पञ्च०
१५, ठा० विशे० २०६, उत्त० ३२, ४८,

ठा० ५, १, सूय० २, १, ४२; राय० ५७,
ओघ० नि० २८७, पञ्च० २३, प्रव० ५६७;
७६४, भक्त० १४५, —पुद्गल. पु० (-पु-
द्गल) सुगन्धी द्रव्य, सुधवानो पुद्गल
सुगन्धित द्रव्य, सूघने का पुद्गल. a
fragrant substance पञ्च० ३६,
—पोग्गल पु० न० (-पुद्गल) नासिकाधी
लेवा योग्य पुद्गल नासिकासे ग्रहण करने योग्य
पुद्गल atoms for or of the sense
of smell भग० ६, १०, ओघ० ४२.
—वल न० (-वल) घ्राणेन्द्रियनु सामर्थ्य
घ्राणेन्द्रिय का सामर्थ्य power of the
sense of smell उत्त० १०, २३,
—मणनिव्वुइकर त्रि० (-मनोनिवृत्ति-
कर) नासिका अने मनने शान्त करने वाला (any-
thing) quieting the mind and
the nose ना १० ६, —विसय पु०
(-विषय) नासिकानो विषय-संघनु ते
नासिका का विषय-सुघना-वास लेना
smell, smelling नाया० १७, —स-
हगय पु० (-सहगत) नासिकाना सह-
कारी पुद्गल नासिका के सहकारा पुद्गल
atoms which are associated
with the sense of smell भग०
१६, ६, १८, ७,

घ्राणिन्द्रिय न० (घ्राणेन्द्रिय) नासिका,
सुधवाना शक्ति धरावनार छिद्रिय, नाक
नासिका, घ्राणेन्द्रिय, नाक A nose
organ of smell पञ्च० १५, नैर्दो ४,
भग० ८, १ ३३, १, नाया० ५, १७,
ओघ० १६, सम० ६, —निग्गह पु०
(-निग्रह) घ्राणेन्द्रिय-नासिकाने धातुभा

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट () देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट () Vide
foot-note () p 15th.

शश्वती ते घ्राणेंद्रिय-नासिका को वशमें रखना. one who controls the sense of smell. उत्त० २६, २
 ✓ घात धा० I, II (हन्) ङ्युषु मारना; घात-वध-करना To kill.
 वाण्ड विवा० ३;
 घाण्टि विशेष० १२४८;
 घाण्टा सं० कृ० नाया० १८;
 घाडत्तए. हे० कृ० नाया० १;
 घाडजमाण क० वा० व० कृ० नाया० १८,
 ✓ घात. धा० I (हन्+णि) ङ्युषु, घात शश्वती घात करना To cause to be killed.
 घायए प्रे० दस० ६, १०; सूय० १, १, १, ३;
 घायावह प्रे० आ० सु० च० ८, १८०,
 घायमाण प्रे० व० कृ० आया० १, ६, ४, १६२, सूय० २, १, २४,
 घात पुं० (घात) मारतु. घात करना, वध करना Killing, murder. भग० १२, १, (२) नरक. hell सूय० १, ५, १, ५,
 घातश्च त्रि० (तघक) घात करनेवाले मारनेवाले घातक. Destructive, (anything) that kills जं० प०
 घाति. त्रि० (घातिन्) ङ्युना२, वध करनेवाले घात-वध करने वाला. (One) who kills. श्रौव० ३८;
 घातिश्च-य. त्रि० (घातित) ङ्युषु घातित, घात किया हुआ. Killed, murdered भग० १६, ६, नाया० ८;
 घाय पुं० (घात) वध करनेवाले, घात करनेवाले वध करना, घात करना. Killing; destruction पिं० नि० ४८८; नाया० १, उवा० ८, २४१, पंचा० ६, १२; क० प० २, ४८, —उवमड पुं० (-उवमड) घात करनेवाले विकलाव. घात करने के समय विकलाव रूप धारण किया हुआ (one)

assuming a cruel and terrible appearance at the time of killing. नाया० ८, —कर. त्रि० (-कर) नाश करनेवाले. विनाशक. destructive. क० गं० १, १८;
 घायश्च. त्रि० (घातक) ङ्युषु “घातश्च” शब्द. देखो “घातश्च” शब्द. Vide. “घातश्च” विशेष० १७६३;
 घायक त्रि० (घातक) घात करनेवाले घात करनेवाला (One) who kills जीवा० ३, ३, नाया० २;
 घायग त्रि० (घातक) श्व हिंसा करनेवाले जीव हिंसा करनेवाला (One) who kills living beings. पंचा० ६, २२;
 घायगत्ता स्त्री० (घातकता) घातकता; क्रूरपणुं घातकता, क्रूरपण Cruelty; destructiveness, murderousness भग० १२, ७,
 घायण न० (घातन) मारतु, घात करने मारना, घात करना. Killing; murder. सु० च० ८, १३६,
 घायणा स्त्री० (घातन) घात करनेवाले घात करना Murder; killing. परह० १, १;
 घायावण. न० (घातना) घात करनेवाले घात करना Causing (another) to wound or kill विवा० ३;
 घास. पु० (घास) शरीर को चूँ, निवाला; घास A morsel of food (२) भोजन भोजन. food सूय० १, १, ४, ४, श्रौव० १६, उत्त० ८, ११, ३, २१, पिं० नि० ६२६, भग० ७, १, वव० ८, १२, आया० १, ६, ४, ६,
 घासक. पु० (घासक) अरिभो; दर्पण. अरिभो, दर्पण. A mirror विवा० २, —परिमंडिश्च त्रि० (-परिमण्डित) अरिभो शोभित अरिभो-दर्पण से सुशो-

भित adorned with mirrors
“चामर घासक परिमंडिअ कडिअ” विवा० २;
घिअ. न० (घृत) घी. घी, घृत Ghee;
clarified butter तदु०

घिओदअ पु० (घृतोदक) घृतोदधि समुद्र,
घीना जेवा पाणीवाणो समुद्र घृतोदधि
समुद्र, घी के समान जलयुक्त समुद्र Name
of an ocean having water
like clarified butter ठा० ४, ४,

घिसु पु० (ग्रीष्म) गरमीन मौसम, उनाणो
ग्रीष्म ऋतु Summer सूय० १, ४, २,
१०, उत्त० २, ८,

घिरिल्ल. त्रि० (घृणावत्) दयालु, दयावान
दयालु, दयावान Kind, compassion-
ate पि० नि० १०६,

घुघुयत त्रि० (:) धु धु जेवा शब्द
करता हुआ
Sounding “ghu ghu” नाया० ८,

✓ घुट्ट. धा० I- (घुट्) पाणी पीवु जल
पीना To drink water (२) घुटवु
घूट लेना to sip

घुट्टति नदी० स्थ० ४५,

घुट्टग पु० (*) लिम्पेल पात्रने शुद्ध
करवानो पथरो काँचड लगे हुए पात्रको
शुद्ध करने का पत्थर A stone used
to cleanse a bespattered vessel
पि० नि० भा० १२,

घुट्ट. त्रि० (घुट्) उँये स्वर जेवा जेवा, उँ
धोपणा करेस उच्च स्वर से बोला हुआ, उँटो-
पणा किया हुआ Spoken aloud,
proclaimed aloud भग० १५, १,
उत्त० १२, ३६, उवा० ८, २४१

घुण पु० (घुण) धुणो, जन्तु विशेष-के जे

वाड्डाने डेरी नाभे छे. लकड खोद काट-
जन्तु विशेष A kind of worm eat-
ing into wood ठा० ४, १,

घुणा. स्त्री० (घुण) वाड्डानो डीडे; धुणो
लकड का कीडा An insect found
in wood or timber. गय० २५६,

घुम्मंत व० क० त्रि० (घूर्णत्) लभतु,
करतु भ्रमण करना हुआ, फिरता हुआ
Wandering, roaming, moving
आव० २१,

घुम्ममाण व० क० त्रि० (घूर्णत्) भ्रमतु,
भ्रमण करतु. भ्रमण करता हुआ
Wandering, roaming नाया० ६,

झुल्ला स्त्री० (:) जे छटियवाणो छुट,
शभदा वगेरे दो इन्द्रिय वाला जीव,
सख आदि A two sensed being.
पत्र० १,

घुसिण न० (घुसण) डेस केसर Sul-
phon सु० च० १०, २८८, प्रव० १४६८

* घुसुलित व० क० त्रि० (मन्थत्) दही
वगेरेनु मन्थन करतु, आस वलोवतु
दही इत्यादि का मथन करता हुआ
Churning curds etc into whey
etc पि० नि० २७३,

घूघूअडअ न० (घूकायडक) घुघूना छुट.
घुघु का अडा An egg of a she-
owl विवा० ३.

घूर्णत व० क० त्रि० (घूर्णमान) लयथी
विन्डल थतो भय से विहल होता हुआ
Being distracted by fear of
danger पगह० १, ३,

घूय पु० (घूक) धुय, धुय घुघू, उल्ल
An owl नाया० ८, पगह० १, ३,

घूरा स्त्री० (घूरा) लम्बे वगेरे शरीरना
अवयव जवा इत्यादि शरीर के अवयव,
A limb of the body such as
thigh etc सू० २, २, ४५;

घेत्तव्व त्रि० (ग्रहीतव्य) ग्रहणु करवा योग्य
ग्रहण करने योग्य Worthy to be
accepted विशे० १२,

घेयव्व त्रि० (ग्रहीतव्य) लुओ " घेत्तव्व "
शब्द देखो " घेत्तव्व " शब्द Vide
" घेत्तव्व " भग० ८, ६;

घेरोलिया स्त्री० (गृहकोकिला) गेरोली
छिपकली A lizard, a small house-
lizard जीवा० १,

घोड पु० (घोट-अश्व) धोडा. अश्व-घोडा
A horse गच्छा० १२५,

घोडग पु० (घोटक) ओड मतने धोडा
एक जाति का अश्व A kind of horse.
प्रव० २४६, पत्र० १, सू० २, २, ४५;

घोडय. पुं० (घोटक) धोडा अश्व, घोडा A
horse उवा० २, ८४; --मुह न०
(-मुख) धोडाना लक्षणो ज्ञेयानु शास्त्र
अश्व के चिन्हों की परिक्षा करने का शास्त्र.
a science treating of the
marks by which a horse can be
tested अणुजो० ४१,

घोर त्रि० (घोर) धीर. लय कर, दारुण घोर,
भयङ्कर, दारुण Dreadful "घोरनिउरव
कंदरचलंत बीभत्तभावाणं" भग० १६, ६,
परह० १, १, नाया० १, ६, १७, भग० १, १३, २,
दस० ६, ११, ६, २, १४, उवा० १, ७६, ओव०
२१, ३८, उत्त० ४, ६, ६, ४२, २५, ३८,
प्रव० ५६१, पंचा० ७, १२, १८, १६; भत्त०
१११, गच्छा० ५, (२) जेभा श्रवणो
पणु सशय रहे तेहुं दुष्कर कृत्य जियमें
जीवित रहने का भी भय हां ऐसा दुष्कर
कृत्य a perilous, hazardous

undertaking आया० १, ४, ४, १३६,
—अंसुपाय पुं० (-अश्रुपात) आंसुनी
भेडा धार अश्रुओं की वारा; अश्रुपात
stream of tears. नाया० ६; —आगार.
पुं० (-आकार) लय कर आकार, आकृति.
भयंकर आकृति terrible appear-
ance भग० ३, २, —गुण. पु० (-गुण
घोरोऽन्वैर्दुरुचरा गुणा मूलगुणा यस्य सः)
सर्वोत्तम शुलुवान् सर्वोत्तम गुणवान्
(one) extraordinarily virtuous,
(one) possessed of insuper-
able qualities भग० १, १, —तव.
न० (-तपस्) संसागना सुप्पनी धरुण
रहित तपश्चर्या ससार के सुख की इच्छा
रहित तपश्चर्या austerity without
desire of worldly happiness
ठ० ४ २, —तवस्सि पु० (-तपस्विन्)
दुश्चर (भेडा) तपवाणे भयानक, महान्
तप वाला one practising austere
penance नाया० १, भग० १, १,
—वमचेरवासि त्रि० (-ब्रह्मचर्य
वासिन्) महाश्रमार्थ पावनार, अल्प-
सत्त वादाने दुष्कर ओवा श्रमार्थनु पालन
करनार महा ब्रह्मचर्य पालने वाला (one)
practising strict or austere
continence. नाया० १, भग० १, १;
—रुव न० (-रूप) धीररूप, पिडा-
भय रूप डरौना रूप-आकृति- dreadful
appearance उत्त० १२, २५, भग०
१६, ६, —विस न० (विष) लय कर
जेर, जेनी गंधी दुग्गरे ओवा मरे तेहुं.
भयंकर विष, जिसकी गंध से अमंख्य जीवों
का नाश हो deadly poison भग०
१५, १, —वेयणा, स्त्री० (-वेदना) भडा
दुष्क, लय कर पीडा महा दुख; भयंकर
पीडा severe pain, affliction भत्त०

१६०, —व्यय. नि० (-व्रत) दुधर
महाव्रतोने पाणनार दुष्कर महाव्रतों को
पालने वाला (one) who observes
full vows difficult to practise
नाया० १,

घोल पु० (घोल) दहिने कपडाभा आधी
गाणी नाभयु --पाणी कडी नाभयु ते दही
को कपडे में बाधकर छान डालना--पानी
निकाल देना The process of ex-
tracting water out of curds
by tying it in a cloth प्र० २३०,

घोलंत त्रि० (घोलयत्) दोषायमान थतु,
अतु हिलताहुआ, ढीला चलायमान होता
हुआ Swinging, shaky. ओव० १२,
कप० २, १४,

घोलण न० (घोलन) धोणु, अगूडा अने आ-
गणीवती डेरीनी पेडे धोणुं-मसणु घोलना,
अगूठा व उगली से केरी के समान घोलना,
मसलकना Pressing round by
means of the thumb and the
fingers, e g a mango विशेष
२०४३,

घोलमाण व० कृ० त्रि० (घोलयत्) धोदना
करतु घोलता हुआ. Rubbing क० प०
२, १०३,

घोलवड न० (घोलवटक) दहि धोदने
तेभा वडा नाभे ते, दहिवडा दही को घोलकर
उममें बडे डालना, दहीवडे A kind of
food prepared of tiny cakes
dipped in curds mixed with
salt etc This is known as
Dahibadā प्र० २३०,

घोलिअ-य त्रि० (घोलित) वले वेधु म-थे
धु, डेरीनी पेडे धोलेधु. मथन किया हुआ,
आम के समान घुला हुआ Churned,
pressed round (e g a mango)

to take out juice सू० २, २,
६३, ओव० ३८,

घोलित त्रि० (घोलित) लुओ उपलो शम्भ.
देखो ऊपर का शब्द. Vide above
दसा० ६, ४,

घोलिर. न० (घोलनशील) वडपणे धरतु ते
वर्तुलाकार घूमना Circular, tortuous
motion. सु० च० १, ४,

✓ घोस धा० I, II. (घुप्) उये स्वरे
भोदयु उच्च स्वर से बोलना To speak
loudly.

घोसति नाया० ५;

घोसेह नाया० ५, १३, १४, १६, सु० च० २,
१८१, ज० प० ५, १२३,

घोमिता स० कृ० नाया० १२

घोसत्त ओघ० नि० ६४८,

घोसावेह नाया० १६,

घोस पु० (घोष) गोदुध, गायेने गडेवानु
स्थान. गौकुल, गौश्रों का स्थान A house
for keeping cows in. उत्त० ३०, १७,
ठा० २, ४, सम० ३२, वेय० १, ६, (२) घोस
नामनु त्रीज अने योथा देवलोकनु विमान
घोस नामक तीसरे व चौथे देवलोक का
विमान name of a heavenly
abode of the third and the
fourth Devaloka सम० ६, (३)
स्वर, आवाज स्वर, आवाज sound
नदी० स्थ० ६, नाया० ६, भग० १५, १; सु० च०
२, ५८७, ज० प० (४) उर्यु नीयु डे
समस्वर विशेष उर्या-उदात्तादि २५०
भोदयु ते ऊचा नीचा व समस्वर विशेष
उच्चार-उदात्तादि स्वर का उच्चार करना
speaking in high, low or
middle accent विशेष ८५१ पि० नि०
४४०, अणुजो० १३, (५) अनित दुभार
अतना अवनपनिना धन्व स्तनिन कुमार

जाति के भवनपति का इन्द्र. Indra of the Bhavanapati gods of the Stanitakumāra kind. नाया० घ० ३, (६) घोस नामनु पांचमा देवलोडनु विमान डे ज्ञाना देवतानु दश सागरनु आयुष्य छे घोस नामक पांचवें देवलोक का एक विमान कि जहा के देवताओं को दश सागरों का आयुष्य प्राप्त होता है name of a heavenly abode of the fifth Devaloka, the gods here live ten Sāgaras of time सम० १०; —विशुद्धिकारत्रि० (-विशुद्धिकारक) उदात्त-अनुदात्त-स्वरित आदि शुद्ध उच्चार डरनार. उदात्त-अनुदात्त-स्वरित आदि शुद्ध उच्चार करने वाला (one) using high, low and circumflex accents in speech दसा० ४, १६; —हीण त्रि० (-हीन) सूत्र पाठने उच्चार डरनामा दीर्घ होय त्या नुस्व, ओ मात्रा होय त्या ओड मात्रा ओडवी ते, श्रुतना १४ अनिवारमाने ओड सूत्र पाठ का उच्चार करने में दीर्घ हों वहा नुस्व, दो मात्रा हों वहा एक मात्रा बोलना, जान के १४ अनिवार मे से एक. wrong pronunciation of scriptural text; one of the 14 faults connected

with acquiring knowledge आव० ४, ७,

घोसण न० (घोषण) धटाने शब्द घंटा का नाद Sound of a bell राय० ४०. घोसणा स्त्री० (घोषणा) गूँहरे भय; ठंडेरे प्रसिद्ध-पत्रिका, ढंडेरा Proclamation ज० प० ५, १२३, ११५ अंत० ५, १, नाया० १३, १५;

*घोसय पु० (-) आरसी, नाने अरिसे दर्पण, आईना, छोटा दर्पण A small mirror. भग० ११, ११,

घोसाड पु० न० (घोसातक) धीसेडा; शाड वनस्पतिनी ओड मत. तुराई, शाक वनस्पति की एक जाति A kind of vegetable प्रव० २४३,

घोसाडई स्त्री० (घोषातकी) धीसेडा-तुरीयानी वेड तुराई की बेल. A creeper yielding fruit which is used as vegetation पत्र० १, १७,

घोसाडिया. स्त्री० (घोषातकी) वनस्पति विशेष, धीसे डी वनस्पति विशेष, टांडोरे की बेल A kind of vegetation जीवा० ३, ४; राय० ५४;

घोसिअ त्रि० (घोषित) गूँहरे डरेडु साड पडवेडो. प्रसिद्ध किया हुआ, दूडी पिटाईहुई. Publicly proclaimed ओष० नि० ६४५;

ड.

डकारपविभक्ति पु० (डकारप्रविभक्ति) डना आधार जेवुं नाटक विशेष ड कार की आकृति के समान, नाटक विशेष (Any-

thing) of the shape of the letter "ड", a kind of a drama. राय०

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide footnote (*) p 15th

च

च. अ० (च) अने, वही. और, फिर. And, moreover. (२) पादपूर्ति पादपूर्ति an expletive. क० गं० १, ३; २३, २६; ३७; ४२, दस० ४, १५, ५, १, ६७, ५, २, ८, ६, ६, १८, भग० ३, १, नाया० १, ८, १२; १६, आया० १, १, १, ११, नदी० स्थ० २०, २१, उवा० १, १४,

चअ-य. पु० (चय) ज्यो. समूह A collection (२) छट वगेरेनु चयुतर ईट, पत्थर आदिका चुनाव piling of bricks etc पि० नि० २, १०१, उत्त० २८, ३३, पण्ह० १, ५, सूय० १, १०, ३, (३) शरीर शरीर body ओव० ४०, (४) शरीरनु तज्यु शरीर का त्याग करना giving up or abandoning one's body ओव० ४०,

चइय त्रि० (त्यक्त) छोडेहु, तज्येहु छोडा हुआ; त्याग किया हुआ Abandoned, given up भग० ७, १, पण्ह० २, १, ओघ नि० ११५,

चइयव्व त्रि० (त्यक्तव्य) त्यागना योग्य त्याग ने योग्य, छोडने योग्य Worthy of being abandoned सू० च० ४, १८६;

चउ. त्रि० (चतुर्) चार, चारती सङ्ग चार, ४ की सख्या Four, the number 4 उत्त० ३, १, ३६, ६३, ओव० ३१, अणुजो० ८, भग० १, १, ५, २, १, ५, ८, ६, ६, ७, ६, १६, ५, १७, १, २४, ६, नाया० १, राय० १८, दस० ७, १, उवा० १, १८, क० ग० १, ३०, ३३, ४६, २, ४, पंचा० १७, ६, दसा० ७, १, पञ्च० १, ४, विवा० ५, सु० च० १, २, निसी० १६, ६ १२, पि० नि० ४, वेय० ३,

१४, वव० ६, ३६, जं० प० ५, ११२; —कन्न त्रि० (-कर्ण) चार काने गयेद (चार्ता) चार कानों में गई हुई (वात). (a story) known to two persons ओघ० नि० ७६०, —कुडअ पु० (-कुडव) चार दुडव-धा-वने भाप विशेष एक प्रकार का वान नापने का माप. a measure of capacity equal to four Kudavas प्रव० ५१८, —कसाय पुं० (-कपाय) क्रोध, मान, माया अने दोष ओ चार कपाय चार कपाय-क्रोध, मान, माया और लोभ. the four evil passions viz anger, pride, deceit and greed आव० १, ४, दस० ७, ५७, ६, ३, १४, —कोण त्रि० (-कोण-चत्वार कोणा यम्य) चार भुजावाहुं, चारस चार कानो वाला, चतुष्-कोण quadrangular “ सउत्ताराओ मणिमुवद्धाओ चउकोणाओ ” राय० भग० १३, ६, —गाहा छी० (-गाथा) चार गाथा चार गाथा four verses वेय० ३, २०, —गुण नि० (-गुण) चारगुण चार गुना, चौगुना fourfold जं० प० ५, ११६, भग० २४, १, क० ग० ३, १०, —गुणिय. त्रि० (-गुणित) योग्य चौगुना. fourfold भग० २४, १, —घाटि न० (-घातिन्) ज्ञानावरोधियादि च० घाति इभं ज्ञानावरणीय आदि चार घाति कर्म. the four kinds of Karma which obstructs right knowledge etc. क० ग० ४, ७२, —ठाण न० (-स्थान) इभं चार गलीओ रम कर्मो का चतु स्थानिक रम the fourfold state of Karma as regards its

acuteness etc क० ग० ५, ६४,
—एउइ स्त्री० (-नवन्ति) योराष्ट्र,
६४ चोरानवे, ६४; ninety-four; 94.
सम० ६४; —एणोवगय त्रि० (-ज्ञानो-
पगत) मति, श्रुत, अवधि अने मनपर्यव
अे यार ज्ञानथी युक्त मति, श्रुत, अवधि
और मन पर्यव इन चार प्रकार के ज्ञानों से
युक्त Possessed of four kinds
of knowledge viz Mati, Śruta,
Avadhi and Manahparyaya
नाया० ; नाया० व० - तणु पुं० (-तनु)
शरीर यतुष्ट, शरीर नामकर्म, अंगोपाग
नामकर्म सधयणु नामकर्म अने सहाणु
नामकर्म अे यार प्रकृतिने समूह शरीर
चतुष्क; शरीर नामकर्म, अंगोपाग नामकर्म,
सहनन नामकर्म और संस्थान नामकर्म इन
चार प्रकृतियों का समुदाय the fourfold
Karmic matter viz Śarīra
Nāma Karma, Aṅgopāṅga
Nāma Karma, Singhayana
Nāma Karma and Saṅghāṇa
Nāma Karma. क० ग० ५, २१,
—त्तीस त्रि० (-त्रिंशत्) योत्रीश; ३४
चौत्तीस, ३४, Thirty-four, 34.
“चउत्तीसबुद्धवयणातिसेसेपत्त” आ० १०;
नाया० ८; —त्तीसम न० (-त्रिंशत्तम)
सोण उपवास भेगा इरवा ते, तेत्रीश लक-
ट इने त्याग इरी योत्रीशमे टंडे पारणु
इरवु ते सोलह उपवास इकठे करना, ३३
भक्त-भोजन का त्याग कर ३४ वें समय
पारणा करना. sixteen fasts, tak-
ing food after a fast of thirty-
three mea's नाया० १; —दंसण
न० (-दर्शन) दर्शनावरणीय कर्मनी
अनुदर्शनावरणीय आदि यार प्रकृति
दर्शनावरणीय कर्म का चतुर्दर्शनावरणीय

वगेरह चार प्रकृतियाँ the fourfold
Karmic variety of the Karma
called Daśanāvaranīyā क०
ग० २, १२; —दंत. पुं० (-दन्त) यार
दन्त पायो हस्ती रत्न हस्तिरत्न, चार दाता
वाला हाथी an elephant with
four tusks. भग० १५, १, नाया०
१, ठा० ६, कण० ३, ३३, —दसम. त्रि०
(-दशतम) यौद्धु चौदहवाँ four-
teenth. वव० ६, ४१; भग० १६, १८;
२५, ७ नाया० १, १४, —दिसि अ०
(-दिश) पूर्व, पश्चिम, उत्तर अने दक्षिण
अे यार दिशाओं चार दिशाएं, पूर्व, पश्चिम,
उत्तर और दक्षिण. the four quarters
east, west etc नाया० ६, १३,
—नवइ स्त्री० (-नवन्ति) योराष्ट्र. ६४नी
संख्या ६४ की संख्या ninetyfour;
the number 94. क० ग० ३, १३; १५;
—नाण न० (-ज्ञान) मति, श्रुत, अवधि
अने मन पर्यव अे यार ज्ञान. चार ज्ञान;
मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान और मनः
यैव ज्ञान the four kinds of know-
ledge viz Mati, Śruta, Ma-
nahparyaya and Avadhi. प्र०
१३०६. —नाणि त्रि० (-ज्ञानिन्)
यारज्ञान पाणु. चार ज्ञान वाला possess-
ed of the four kinds of know-
ledge सु० च० ३, १; १६, ४७; भग०
८, २, —एणोवगय पुं० स्त्री० (-ज्ञानो-
पगत) देवज्ञानने छोडी अन्य यार
ज्ञानथी युक्त केवल ज्ञान को छाडकर शेष
चारो ज्ञानों से युक्त. possessed of all
(the remaining four) kinds of
knowledge except Kevāla Jñā-
na भग० १, १; —पंचग न० (-पञ्चक)
यार पाच. चार पाच, four or five. दमा०

६, १; —पञ्जवासिय त्रि० (—पर्यवसित) आरआरना थोड करता जेभा आर शेष रहे ते चार २ का थोक करने पर जिसमें चार शेष रहें वह—सख्या any sum in which the remainder is four, after it has been divided into parts each containing four भग० १८, ४, ३१, १, —पञ्जाय पु० (—पर्याय) नाम—स्थापना—द्रव्य—भाव ये आ० पर्याय चार पर्याय, नाम, स्थापना, द्रव्य और भाव the four Palyāyas viz Nāma, Sthāpanā, Dravya and Bhāva विशेष० ७३, —पराण स्त्री० (—पञ्चाशत्) योपननी संख्या. चौपन की सख्या fifty-four ज०प० २, ३१, —पल्लाहिय. त्रि० (—पल्याधिक) आर पद्योपमे अधिक चार पल्योपम अधिक exceeding by four Palyopamas (a measure of time). क०प० २, १०७, —पौरसिय त्रि० (पौरुषिक) आर पहोरनु चार पहर वाला of or extending to four Prahāras (one Prahara = 3 hours) भग० ११, ११, —प्पएसिअय त्रि० (—प्रदेशिक) जेभा आरपरभाळु ओ भजेलाछे तेवे (२६-ध) चतुप्रदेशिक चउप्रदेशी (ख०) जिसमें चार परमाणु मिले रहते हैं वह स्कन्ध a molecule consisting of four atoms अणुजो० ७४, भग० ५, ७, —प्पडोयार त्रि० (—प्रत्यवतार) आर विभागभा विभक्त चार भागों में विभक्त-वटा हुआ divided into four parts भग० २५, ७, —प्पराण त्रि० (—पञ्चाशत्) योपन, ५४ चौपन, ५४ fifty-four, 54 नाया० ध० ३, ४, भग० २५, ६, ७, —प्पदी स्त्री० (—पदी) तिर्यग स्त्री, योपणी तिर्यग जाति की स्त्री, चतुष्पद स्त्री-

लिंगा पशू, a female quadruped जीवा० १, —प्पदेसिअ त्रि० (—पदेशिक) ओओ “चउप्पएसिअ” शब्द देखो “चउप्पएसिअ” शब्द vide “चउप्पएसिअ” भग० १०, ४, —प्पय-अ त्रि० (—पद-चत्वारिपदानि पादायस्य) योपगो, आरपगवाणु. गाय-धोडा—डाथी विगेरे. चौपगा चार पैरो वाला, गाय, घोडा हाथी वगैरह a quadruped, e. g a cow, horse etc नाया० ८, भग० ७, ४, ८, १, जीवा० १, ३, ४, पि० नि० ७६, ज० प० ७, १५३, पञ्ज० १, सम० ३४, उत्त० १३, २४; आया० १, २, ३, ८०, डा० ४, ४, अणुजो० ६१, १३१, (२) दरेड भासनी अभावास्थाने दिवसे आवतु आर स्थिरकरणुभानुं श्रीलु करणु, ११ करणुभानुं नवमु करणु प्रयेक मास की अभावस के दिन आने वाले चार स्थिरकरणों में से दूसरा करण, ११ करणों में से नौवा करण the second of the four Sthira-Karānas, falling on the fifteenth day of the dark half of every month, the ninth of the eleven Karānas उवा० १, १८, ज० प० विशेष० ३३५०, —प्पयार. पु० (—प्रकार) आर प्रकार—भेद चार प्रकार—भेद four varieties. क० ग० ६, ६६, —प्पाय. पु० (—पाद) ओओ “चउप्पय” शब्द देखो “चउप्पय” शब्द. vide “चउप्पय” शब्द भग० १५, १; —प्पुडय त्रि० (—पुट-क) आर पड वाला चार पुडवाला Having four folds “ सयमेवच उप्पुडय दाहमय ” भग० ३, ० नाया० १, —फास पु० (—स्पर्श) आ० २५श चार स्पर्श four kinds of touch भग० २०, ५ क० ग० ५, ७८, —अभाग पु० (—भाग) यतुर्था.श, योथो

भाग चौथा, हिस्सा, चतुर्थांश. one-fourth. उत्त० २६, ८; ३०, २१; अणुजो० १३२, —भंग. पुं० (-भंग) आर वि३६५-भेद यो। लगी चार विकल्प-भेद. four varieties “ सुद्धेणामं एगे सुद्धे सुद्धेणामं एगे असुद्धे असुद्धेणाम एगे सुद्धे असुद्धेणामं एगे असुद्धे चउभगा ” ठा० ४, १; पंचा० ५, ६; १२, ४४, भग० ६, ६: —भंगी स्त्री० (-भङ्गी—चत्वारो भंगाः समाहृता) यो। लगी. चार भेदकी रचना four varieties पञ्च० १०, प्रव० १७१, —मास पुं० (-मास) आर मास-महीना चार मास four months. क० गं० १, १८; —म्मुह. त्रि० (-मुख—चत्वारि मुखा न्यस्य) आ० भु मवाणु; जेना आरे दिशा-भा दूरवाज्ज-द्वार-होय तेवो प्रासाद-हवेथी. चार मुह वाला अर्थात् जिसके चारों दिशाओं में चार द्वार हों वैसा प्रासाद-महल four-faced; a palace having gates facing all the four directions कप्प० ४, ८८, भग० २, ५; ३, १; ७, २, ७, ओव० २७, राय० २०१, नाया० १, १६, —राइ स्त्री० (-रात्रि) आर रात्री चार रात्रि four nights क० प० ४, २३, —राय. न० (-रात्र) आर रात्री. चार रात four nights निमी० ६, ७; —रूव त्रि० (-रूप) आर भूर्निर्वाणुं चार मूर्तियों वाला four-shaped, having four shapes सु० च० ३, ६१ —वइरित्त त्रि० (-व्यतिरिक्त) आरथी भिन्न. चारों ने भिन्न different from four. विशेष० ३०३; —वन्न त्रि० (-पञ्चा-गन्) यो। पन, ५४. चौपन; ५४. fifty-four; ५४. सम० ५४, —वन्न पु० (-वर्ण) वर्षायत्तुं, वणुं, ग५, २२२ अने स्पर्श ओ नामधर्मनी आर प्र३३३ वर्णचतुक्र; वर्ण,

रस, गंध, और स्पर्श ये नामकर्म की चार प्रकृतिया. the four varieties of Nāmakarma viz. colour, smell, taste and touch. क० ग० ५, ६, —वासपरियाग. त्रि० (-वर्षपर्यायक) आर वर्षनी दीक्षावाणो. चार वर्ष की दीक्षा वाला, चार वर्षका दीक्षित. (one) with a Dīksā (asceticism) of four years, standing वव० १०, २१, २२; २३, २४, —त्विगप्प पुं० (-विकल्प) आर वि३६५-प्रकार. चार विकल्प-प्रकार four varieties. क० प० २, ७, —सद्धण स्त्री० (-श्रद्धान) आर सद्धण्णा, ज्वा-ज्वादि तत्त्वतो अभ्यास करवो, परमार्थ-दर्शी आचार्यादिनी सेवा करवी, निन्हवोतो संग न करवो अने पाप्मण्डीतो परिचय न करवो ओ आर समझितनी सद्धण्णा. चार श्रद्धाएं, जीव अजीव आदि तत्त्वोंका अभ्यास करना, परमार्थदर्शी आचार्यों की सेवा करना, निन्हवों-कुमत प्रवर्तकों का संग न करना, और पाप्मण्डियों से परिचय तक न करना. the four varieties of right faith viz spiritual study, attendance upon a spiritually enlightened preceptor, avoidance of Nibbavas and of heretics. प्रव० ६४०; —समइय त्रि० (-सामयिक) आर समयनु. चार समय-काल का of four Samayas (or units of time) भग० २५, ८, —समयसिद्ध पु० (-समयसिद्ध) जेने सिद्ध थया आर समय थया छे ते जिसे सिद्ध हुए चार समय हुए हैं वह. one after whose Siddhahood 4 Samayas have elapsed. पञ्च० १, —सय. न० (-शत) ओओ ने आर एकसौ और चार. one hundred

and four. क० ग० २, १५, —सयरि.
 श्री० (—सप्तति) यमोत्तर, ७४नी सभ्या
 चौहत्तर, ७४ की संख्या. seventy-four,
 74 क० ग० २, ५, —सरण. न०
 (—शरण) अरिहन्त, सिद्ध, साधु अने धर्म
 ओ यागु शरणु (आश्रय) लेवु ते आरि-
 हन्त, सिद्ध, साधु और धर्म इन चारों की
 शरण लेना—आश्रय लेना resigning
 oneself to these four viz. Ari-
 hanta, Siddha, Sādhu and
 Dharma. (२) दशपध्ना पैष्टी ओष्ठ
 पध्ना (पुस्तक) नु नाम दस पइजाओं
 में से एक पइजा—पुस्तक name of
 one of the ten books known as
 Pāṇnās चउ० ११, —सरणगमण.
 न० (—शरणगमन) यार शरणु लेवा चार
 शरण—आश्रय लेना resigning one-
 self to the four, e g Arihanta
 etc पचा० २, २७, —साल त्रि०
 (—शाल) यतु-शाल, यार भाणवालुं (घर)
 चार अटारी वाला मकान, चार मजला घर.
 four-storeyed जीवा० ३, ३, —शिर.
 न० (—शिरस्—चत्वारि शिरासि यस्मिन्)
 वन्दनामा यार वषट् गुरुने भस्तक नमाउवु
 ते वन्दना करते समय चार चार गुरु के
 आगे भस्तक नमाना-टेकना act of bow-
 ing one's head four times while
 saluting a preceptor सम० १२,
 —हेउ पु० (—हेतु) मिथ्यात्व आदि धर्म
 बन्धना या हेतु मिथ्यात्व आदि कर्मबन्ध
 के चार हेतु the four causes of
 Karmic bondage viz heresy
 etc क० ग० ४, ५३,

चउक पु० (चतुष्क) यार रस्ता भेगा थना
 होय ते अथ—योड, योवाटे चौक, वह
 जगह जहा चार मार्ग आकर मिलते हैं

A square where four roads
 meet ओव० २७, उत्त० १६, ४,
 अणुजो० १३४; भग० २, ५, ३, ७, ५,
 ७, कप्प० ४, ८८; नाया० १, २, वेय०
 १, १२, (२) यारने सभ्द-वर्त्थे
 चारका समूह. a group of four. भग०
 ८, १, ११, १, १२, ४, १८, ४, २०, ५,
 २४, १२, २३, ३, पिं० नि० ३, जीवा० ३,
 ३; पन्न० २३, राय० २०१, अणुजो० ८;
 प्रव० ६३७, क० ग० १, ४, —णय पु०
 (—नय) यार नयने माननार ओष्ठ आछ-
 विड भत चार नयों को मानने वाला एक
 आजीविकमत-संप्रदाय a tenet named
 Ajīvika believing in four
 standpoints सम० १२, —णइय
 त्रि० (—नयिक) यार नयथी वस्तुने विचार
 करणार, जे नैगमना सामान्य अशने सत्र-
 ढमा अने विशेष अशने व्यवहारमा सभावी
 त्रणु शब्दनयने ओष्ठ रूपे भानी सग्रह,
 व्यवहार, ऋजुसूत्र अने शब्द-ओ या
 नय मानता हुता ते. चार नयों मे वस्तु का
 विचार करने वाला जो नैगम के सामान्य
 अश का सग्रह मे और विशेष अश का व्यव-
 हार मे समावेश कर तीनों शब्द नयों को एक
 रूप में स्वीकार कर सग्रह, व्यवहार, ऋजुसूत्र
 और शब्द ये चार नय मानने वाला (one)
 who looks at a thing from four
 standpoints (one) who believes
 in the four standpoints viz Sa-
 ngriaha, Vyavahāra, Rujusūtra
 and Śabda, including Sangriaha
 Viśeṣa in Vyavahāra and
 taking the three Śabda Nayas
 to be one सम० २२, —संजोअ पु०
 (—सयोग) या जोवनो जेणालु-सयोग,
 चार बोलों का संयोग conjunction of

four words अणुजो० १२७;

चउकग पुं० न० (चतुष्क) लुओ "चउक" शब्द देखो "चउक" शब्द Vide "चउक" भग० २०, ५;

चउकय पुं० न० (चतुष्क) लुओ "चउक" शब्द देखो "चउक" Vide "चउक" भग० ३१, १;

चउकखुत्तो अ० (चतुःकृत्वस्) आर वार चार वार Four times क० प० ७, ३६;

चउगइ स्त्री० (चतुर्गति) नरक तिर्य्य मनुष्य अने देवता ये आर गति नरक, तिर्य्य, मनुष्य और देव ये चार गतियां The four states of existence viz hellish, beasts, human and divine. चउ० ११; क० ग० ५, ६८; —मिच्छा स्त्री० (-मिथ्या) आर गतिना मिथ्यादृष्टि ओवे। चार गति के मिथ्यादृष्टि जीव heretical souls in the four states of existence. क० ग० ५, ६८,

चउगइअ त्रि० (चतुर्गतिक) आर गतिभा इरनार. चार गतियों में घूमने वाला Incarnating in the four states of existence. प्रवे० २६;

चउज्जामधम्म पुं० (चतुर्याम धर्म) आर महाव्रत रूप धर्म, अहिंसा, सत्य, अचौर्य अने अपरिग्रह ये आर महाव्रतरूप वर्येना आवीस तीर्थद्वारे ये अतावेध धर्म चार महाव्रत रूप धर्म, अहिंसा, सत्य, अचौर्य और अपरिग्रह इन चार महाव्रतों वाला बीच के २२ तीर्थकरों द्वारा कहा हुआ वर्म The creed in the form of the four vows viz non-killing, truth, non-stealing and non possession of worldly effects—this was

taught by the 22 intermediate Tithankarās नाया० १२;

चउतीसइम. न० (चतुस्त्रिंशत्तम) सोल ण्पास. सोलह उपवास Sixteen fasts भग० २, १,

चउत्थ. त्रि० (चतुर्थ) योथु, योथा नभ्यरनु चौथा, चौथी सख्या वाला Fourth. ज० प० ७, १२१; १६२; आया० २, ४, १, १३२, सम० ८; ठा० ६, २, उत्त० २६, १६; भग० १, ६; २, १; ४; ४, १०, ५, ६; ७, ८; १०; १५, १; १६, ४, २४, १, १६, २६, १, ३५, १०, उवा० १, ७१, नाया० ४, ७, ८, १६; नाया० ध० ४; पि० नि० भा० १४, २६४; पि० नि० २२३, दस० ४, ६, ४, १, दसा० ७, ८; पञ्च० ४, कण्ठ० १, २; ८, (२) योथ लक्ष्मि; ओइ उपवासनी संज्ञा एक उपवास. a term denoting one fast नाया० १; ५, १६, पंचा० १६, ७, —अहिअ. पुं० (-आहिक) योथे २ दिवसे आवतो ताव. चौधारा, चौथिया उवर; तीन २ दिन के बाद आने वाला बुखार fever making its appearance every fourth day ज० प० —पय न० (-पद) योथु ५६, गाथानुं छेदुं ५६ चौथा पद, गाथा का अन्तिम चरण. the last or fourth line of a verse. दस० ६, ४, २, ३, —भक्त. न० (-भक्त) योथ लक्ष्मि तप-ओइ उपवास-अर्थात् उपवास करने आगले दिवसे ओइ वषत नभ्यु अने उपवास पजीना दीवसे पणु ओइ वषत नभ्यु ओइले उपवासना ये लक्ष्मि अने आगण पाछण दिवसने ओइले लक्ष्मि भणी आर लक्ष्मि-(भोजन) ने त्याग ते उपवास अथवा योथलक्ष्मि इहेवाय चतुर्थ भक्त नामक तप, एक उपवास अर्थात् जिस दिन

उपवास करना हो उसके पहिले दिन एक समय खाना और उपवास के दूसरे दिन भी एक वक्त भोजन करेगा, इस प्रकार उपवास के दो भक्त और आगे पीछे के दोनों दिनों के दो भक्त मिलाकर चार भक्त-भोजन का त्याग उपवास अथवा चतुर्थभक्त कहलाता है a fast with one meal only on the previous day and one meal only on the succeeding day, there being four meals in three days विशेष १२७२, ओव० १६, भग० १, १, २५, ७, परह० २, १, जीवा० ३, ३; नाया० ८, पन्न० २८, —भक्तिय त्रि० (—भक्तिक) योथ लडन-येडेड उपवास करनेवाले एकेक उपवास करने वाला (one) who does one fast as described above भग० १६, ४, कप्प० ६, २१, —मास पु० (—मास) योथो भडिने चौथा मास fourth month नाया० ८;

चउत्थग पु० (चतुर्थक) योथीयो ताव, त्रुण्ण दिवसने आन्तरे आवेते चौथिया बुखार, तीन २ दिन के बाद आने वाला ज्वर Fever that makes its appearance every fourth day जीवा० ३, ३, (२) योथो चौथा fourth वव० ३, १३

चउत्थय पु० (चतुर्थक) लुओ "चउत्थग" शब्द देखो "चउत्थग" शब्द Vide "चउत्थग" विशेष ५६५,

चउत्थी. स्त्री० (चतुर्थी) पक्षिनी योथी तिथि, योथ पक्ष की चौथी तिथि, चौथ-चतुर्थी The fourth day of a fortnight जं० प० ७, १५३, (२) योथ नगरनी चौथी सख्यावाली fourth (feminine) उत्त० २४, २० अणुजो० १२८, १२९,

विशे० ६६५, दमा० ६, २, पन्न० ३, जीवा० २, नाया० ७, ८, भग० १, ५, ६, ८, १५, १; चउद्दस त्रि० (चतुर्दशन्-चतुरधिकादश) योथ, ६१ अने ५२ चौदह; दम और चार Fourteen जं० प० ५, ११६ सम० १४, ओव० ३८, अणुजो० १४२; भग० १, १; ५, ८, ११, ११, १५, १, २६, ६, ३१, १, क० ग० १, २५, २, ३०, नाया० १, ८, १३, सु० च० २ ३७, वव० १०, २, पन्न० ४ —जिअट्टाण न० (—जीवस्थान) योथ उपस्थान-गुणुडालु चौदह जीवस्थान-गुणस्थान the fourteen Gunasthānas of spiritual stages क० ग० ४, २, —पुव्व. न० (—पूर्व) योथ पूर्व-आगम विशेष डेने लाल विछिन्न थण गयेल छे. चौदह पूर्व-आगम विशेष, जो वर्तमान में विच्छेद हो गये हैं the fourteen Pūrvas—a portion of scriptures not now extant भग० २५, ७, नाया० ५, १४, १६, —पुव्वि. पु० (—पूर्विन्) योथ पूर्वना गणुनार (साधु) चौदह पूर्वों को जानने वाला (साधु) a Sādhu learned in the fourteen Pūrvas ओव० नि० १, नाया० ८, भग० १, १, प्रव० ६, १६३ कप्प० ५, १३६. —पुव्वी न० (—पूर्वी) योथ पूर्वना समूह चौदह पूर्वों का समूह the collection of the fourteen Pūrvas जं० प० २, ३१, प्रव० ३६५, —भक्त. न० (—भक्त) छ उपवास बेगा करनेवाले छ उपवास इकट्ठे करना six consecutive fasts ओव० १६, भग० २५, ७, —मग्गणट्टाण न० (—मार्गस्थान) योथ भूय मार्गस्थान स्थान चौदह मूल मार्गस्थानों का स्थान the fourteen original characteristics by which mun-

dane souls are investigated
क० ग० ४, ३; —रज्जु स्त्री० (—रज्जु)
चौदह रज्जु-रज्जु-क्षेत्र विभाग विशेष;
आलोड चौदह रज्जुप्रमाणे उये छे. चौदह
रज्जु-राज्जु परिमित क्षेत्र विशेष; यह लोक
चौदह राज्जु प्रमाण ऊंचा है. name of a
region, so called because its
height is fourteen Rajjus क० ग०
५, ९७, —रयण न० (—रत्न) चक्रवर्तिना चौदह
रत्न के जेना सहायथी चक्रवर्ति भरतखण्ड साथे
छे ओ रत्नोना नाम अने आकृति चित्रमः
दशविंश छे चक्रवर्ति के चौदह रत्न जिसके
बल चक्रवर्ति भरतखण्ड जीतता है. इन
रत्नों के नाम व आकार चित्रमे बतलाये हैं.
the fourteen gems of a Chakra-
vartī, by the help of which he
conquers the whole of Bharata-
khanda the names and shapes
of the gems are shown in the
picture. ज० प० —वासपरियाग. त्रि०
(—वर्षपर्यायक) चौदह वर्षों की दीक्षा वाला;
चौदह वर्षों से दीक्षित. (one) after whose
initiation into the ascetic order
fourteen years have elapsed
व० १०, ३०, ३१, ३२;

चउद्दसहा. अ० (चतुर्दशधा) चौदह प्रकार का
In fourteen modes
or varieties क० ग० १, ५;

चउद्दसा स्त्री० (चतुर्दशी) चौदश चतुर्दशी;
पक्ष की चौदहवीं तिथि The four-
teenth day of a fortnight ज०
प० ७, १५३, विवा० ५; दसा० ६, २;
पंचा० १०, १७,

चउद्दा अ० (चतुर्धा) चार प्रकारे चार प्रकार
से; चार प्रकार In four modes or

varieties. क० प० २, ७३; ४, ३,

चउप्पाइया स्त्री० (चतुष्पादिका) चार पाग-
वाणा भुजपरि सर्पनी ओड न०. चार पैर
वाले भुजपरि सर्पकी एक जाति A spe-
cies of serpents with four feet.
पञ्च० १; सूय० २, ३, २५; जीवा० १,

चउप्पुडिया. स्त्री० (चतुष्पुटिका) चपटी
पगाडी ते. चिमटी बजाना Act of
snapping a finger with the
thumb. नाया० ३;

चउभाइआ स्त्री० (चतुर्भागिका) भाणीति
येथे भाग; रस मापवानु माप. माणी के
चौथे हिस्से जितना रस नापने का एक नाप
A measure of capacity equal
to the fourth of a Māni. अणुजो०
१३२;

चउभाग. पु० (चतुर्थभाग) येथे भाग;
चतुर्थांश चौथा भाग, चतुर्थांश. Fourth
part क० ग० ५, ६५; —कटिअ. त्रि०
(—कथित) येथे भाग शेष रहे तेरु
उद्देश्ये उतना आँटाया हुआ जिससे चतु-
र्थांश बाकी रहा हो. boiled so long
as to be reduced to a fourth
part क० ग० ५, ६५;

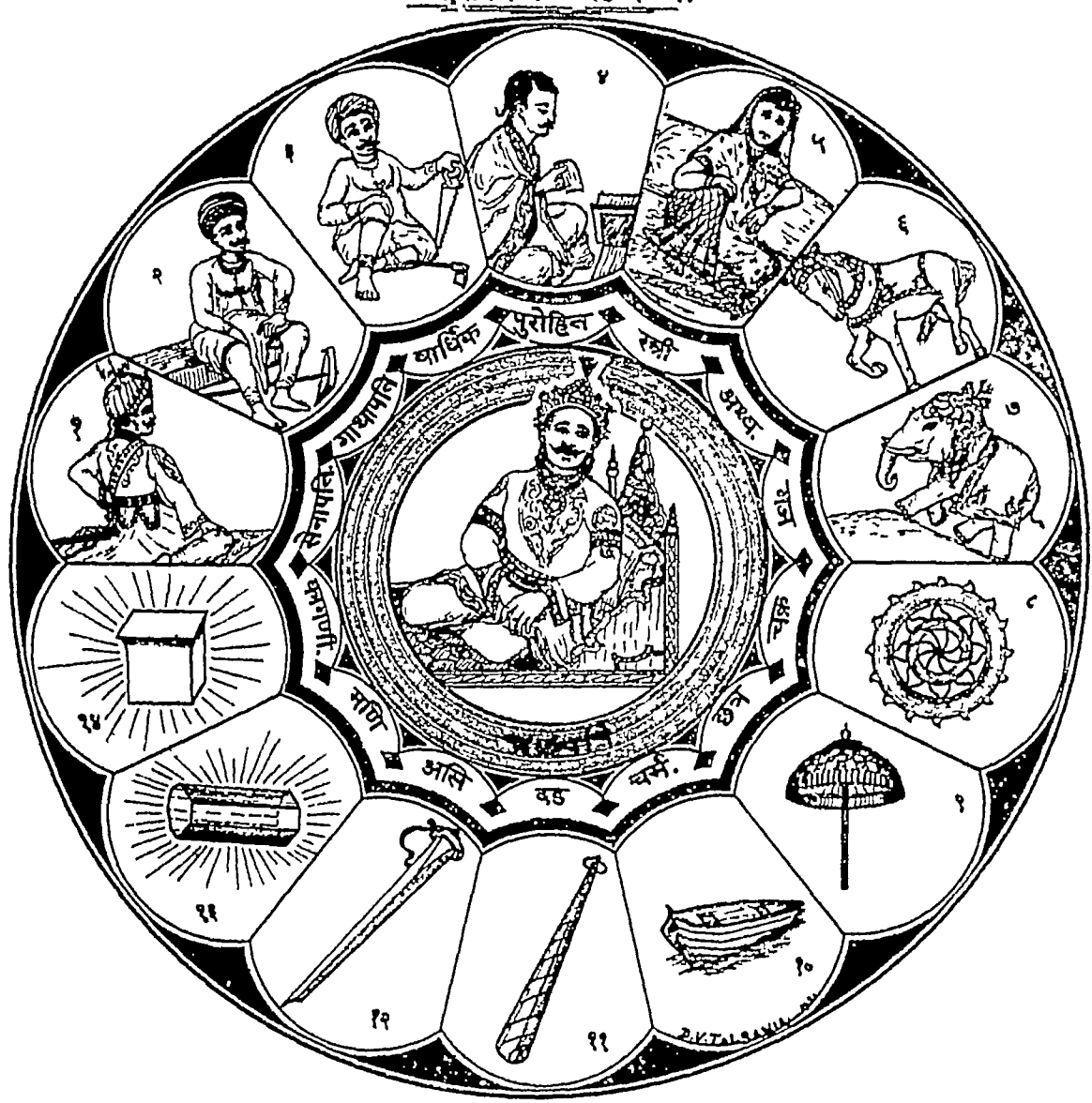
चउमासा. स्त्री० (चतुर्मासी-चतुर्णा मासाना
समाहारः) चार मासना समूह, योमासु.
चार मासका समुदाय; चौमासा. A group
of four months; the monsoon
season सु० च० ८, १२३;

चउमासिय. न० (चातुर्मासिक) योमासी
तप, चार मासना उपवास करना ते चातु-
र्मासिक तप, चार मास तक उपवास करना.
Austerity in the form of fast-
ing for four months ओव० १६,

चउमासिया-आ स्त्री० (चातुर्मासिका)
बिष्णुनी येथी पटिमा के जेमा ओड मास

सचित्र अर्ध-मागधीकोष

चउदसखण — १४ रत्न. —



सुधी यार दात अन्ननी अने यार दात पाणी-
नी इहे भिक्षुकी चौथी प्रतिमा, जिसमें एक
मास तक अन्न और जल की चार चार दात
कवल विशेष लिये जाय The fourth
vow of an ascetic in which he
takes four Dātas of food and
four of water for one month
भग० २, १, सम० १२, २८, दसा० ७, १,
वव० १, १७,

चउमास्स. न० (चतुर्मास्य) आपाढी १५ थी
डातडी १५ सुधीने समय चौमासा, आपाढ
की पूर्णिमा से कार्तिक की पूर्णिमासी तक का
समय Period of time from the
15th day of Āsādhā to the 15th
day of Kārtika ओघ० नि० भा०
६५, (२) यार महिनाना उपवास; येमासी
तप विशेष चार मास का उपवास, चातुर्मा-
सिक तप विशेष fasting for four
months, the monsoon-fasting
austerity of four months सत्या०
६२,

चउग्राह न० (चतुर्ग्राह) यार दिवस चार
दिन Period of four days. वव० ८, ४,

चउर त्रि० (चतुर्) यार, ४ नी सख्या
चार, चारकी सख्या, ४ Four, 4 आया०
२, ५, १, १४१, सूय० १, १, १, १८;
सम० ४, पि० नि० १२८, वेय० १, ६, दम०
६, ४, २, ३, पन्न० १६, क० ग० १, २६,
—अंग त्रि० (—अङ्ग—चत्वारि चतुर्गु-
णितानि अंगानि मनुष्यादिभावागानि यस्य
तत्तथा) जेना यार अंग-अवयव छे तेनी
वस्तु-धर्मना यार अंग-दान, शील, तप
अने भाव,—शरणना यार अंग-अङ्गित्त,
सिद्ध, साधु अने धर्म जिसके चार अंग हों
ऐसी वस्तु, जैसे-धर्म के चार अंग—दान,
शील, तप और भाव, वैसे ही शरण के चार

अंग—अरेहंत, सिद्ध, साधु और धर्म any-
thing composed of four parts,
e g the four parts of Dharma
are—charity, chastity, auster-
ity and faith, those of Śāraṇa
(surrender) are—Añhanta,
Siddha, Sādhū and Dharma
चउ० ६२, (२) हाथी, गध, घोडा अने
पैदल सेना यार जेना अंग छे जेनी सेना—
सैन्य हाथी, रथ, घोड़े और गध इत चार
अंगों वाली सेना, चतुर्गुण सैन्य an army
composed of horses, chariots,
elephants and infantry परह० १,
३, सु० च० १५, २८, —अगिणी स्त्री०
(—अग्निनी) चतुर्गुण सेना चतुर्गुण
सैन्य, चार प्रकार की सेना an army
composed of four parts viz
horses, elephants, chariots and
infantry नाया० १६, निर० १, १,
—अंगुल न० (—अङ्गुल) यार आगद
चार अंगुल four fingers ज० प० ५,
११२, ७, १६२, ३, ५७, उत्त० २६, १४;
नाया० १, भग० ३, २, ६, ३३, —अंगुल-
दीर्घ त्रि० (—अङ्गुलदीर्घ) यार आगद
लाथु चार अंगुल लम्बा of the length
of four fingers प्रव० ६७३ —अन्त
त्रि० (—अन्त) यार प्रज्ञानी गति छे जेना
जेना ससा चतुर्विध गति युक्त ममार
Earthly existence consisting
of four Gatis or states of exis-
tence सूय० २, ६, २३ —अस त्रि०
(—अस) आस, यार गुणावागु चारग
चार कोनावाला Square four-
angled “आक्याडगमम चउरम सदाग
सदियागो” दा० ८, उवा० १ ७६, सूय०
२, २ ६६ आया० १, १, ६, १७० दा०

१, १, ३, ३; ७, १, सम० प० ३०६, उत्त० ३६, २१, भग० ६, ५; ८, १; १४, ७; २५, २, नाया० ८, जीवा० ३, १; ३, पन्न० १; ओष० नि० २८६; दसा० ६, १, विशेष० ६०१, प्रव० ६७३; ज० प० १, १२, —असी व्री० (-अशीति) यैराशी; ८४ चौरासी, ८४. eighty-four, 84 जं० प० ५, ११५; “सूयगडेणं असीइ सयंकि-रियावईण चउरासीअ किरियावाईयं” राय० भग० १, ५, ३, १; २; ६, ७, १२, ६, २०, ५, नाया० ८, नंदी० ४३, पन्न० ४; —असीइति त्रि० (-अशीति चतुराधिका अशीति) यैराशी; ८४; चौरासी; ८४. eighty-four, 84 उवा० १, ७४; ज० प० भग० १५, १, २५, ७, सम० ८४, आव० ३८; ज० प० २, १८; —इंदिय पुं० (-इन्द्रिय) स्पर्श-घ्राण-रसना-नेत्र-ओ यार इन्द्रिय वाणे। एत चतुरिन्द्रिय जीव; स्पर्श घ्राण, रसना और नेत्र इन चार इन्द्रियों वाला जीव a living being with four senses viz touch, smell, taste and sight. ठा० १, १, उत्त० १, १; उत्त० ३६, १२५, भग० १, १, ५; २, १; १०, ५, ६; ८, १; २४, १; १२; १९, २६, १; दस० ४, पिं० नि० भा० ६; जीवा० १; पन्न० १; —इंदियकाय. पुं० (-इन्द्रियकाय) यार इन्द्रिय वाला एतु शरीर चार इन्द्रिय वाले जीव का शरीर body of a four-sensed living being उत्त० १०, १२;

चउर त्रि० (चतुर) कुशल, होशीआर चतुर; कुशल, वृद्ध, Clever; skilful अणुजो० १२८;

चउरग पुं० (चकोरक) थोडा ५६१. चकोर. the bird Chakora परह० १, १,

चउरमड. पुं० (चतुरमति) श्री शेखर राजना

इत (नोकर) तु नाम. श्री शेखर नरपति का एक दूत-नौकर. Name of a servant of king Śrī Śekhara.

सु० च० ३, ११२;

चउवीस. त्रि० (चतुर्विंश) यैवीश, वीश अने यार. चौवीस, बीस और चार, २४. Twenty-four, 24. अणुजो० ५६, ठा० १, १; भग० २, ५, ८; ३, १; ५, ८; १५, १; २; ८; २४, १; १२; पन्न० ४, उवा० १०, २७७, प्रव० २, सम० २४; वव० ८, १५; आव० १६; —तथअ. नं० (-स्तव) भीष्म आवश्यक सूत्र जेभा तीर्थंकरनी स्तुति छे. दूसरा आव-श्यक सूत्र, जिस में तीर्थंकरों की स्तुति की गई है. the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of Tirthaṅkaras नदी० ४३, उत्त० २६१२; —तथव. पुं० (-स्तव) भीष्म आवश्यक सूत्र, लोगरसनो पाठ जेभा २४ तीर्थंकरनी स्तुति छे देखो ऊपरका शब्द the second Āvaśyaka Sūtra containing the glorification of twenty-four Tirthankaras in the text “Logassa” etc नदी० ४३. उत्त० २९, २; —दंडअ न० (-दण्डक) यैवीस ६९५३. चौवीस दण्डक. twenty-four Daṇḍakas ठा० १, १, —दंडग. पुं० (-दण्डक) यैवीश ६९५३ देखो ऊपर का शब्द twenty-four Danda-kas भग० २०, ७, ठा० २, २;

चउवीसइम पुं० (-चतुर्विंशतितम) ११ ७५१११ ११ उपवास Eleven fasts. भग० २, १; नाया० १, (२) यैवीशमे। चौवीसवा. twenty-fourth भग० २४, १, ठा० ६, १,

चउविह त्रि० (चतुर्विध) यार प्रशस्तु.

चार प्रकार का Four-fold, of four kinds क० प० २, ३६, ४, ३०, ८०, क० ग० १, १६, ६, २४, भग० १, १, २, २, १, ५, ३, २५, १, नाया० १, ५, १४, सु० च० ६, १३१; दसा० ४, ११, २३, ६३, अणुजा० १३२, ओव० १७, सम० ४, विशेष० २४, ७८; दस० ६, ४, १, उवा० १: ४३, मत्त० ४२, १५८ गच्छा० १००, कण्प० ४, ६१, —भंडग न० (-भण्डक) या२ प्रक्षरना इरीयाणा चार प्रकार का कर याना-वेचने का सामान four kinds of gloceles विवा० २,

चउसट्टि स्त्री० (-चतुष्पष्टि) यास६, ६४. चांसठ, ६४ Sixty-four, 64 सम० ६४ ओव० ३८, भग० ३, १, २, २, ५, १०, ५, १६, ७, २०, ५, नाया० ३, वव० ६, ३८, विवा० २, ५, ज० प० ६६, १२५, २, २६, —कला स्त्री० (-कला) यास६ ६४। चोमठ कला sixty-four hats नाया० ३,

चउसट्टिया-आ स्त्री० (चतुःपष्टिका) २६ तोलवानु माणीना यास६भा लागतु माप रस मापने-तौलने का माणी का चांसठवा भाग-हिस्सा A measure of weight to weigh liquids equal to the sixty-fourth part of a Māni अणुजा० १३२, राय० २७२,

चउसिया स्त्री० (चौकुशिका) याकुप नामना देशनी स्त्री चौकुश नाम के देश की स्त्री A female of the country named Choukusa भग० ६, ३३

चउहा अ० (चतुर्था) या२ प्रक्षरे चार प्रकार से In four ways or parts four-fold क० ग० १, २, ४, ४३,

भग० १२, ४, राय० २६१,

चओर पु० (चकोर) यक्षो पक्षी चओर पक्षी The bud called Chakora सु० च० २, १६,

चओवचइअ नि० (चयोपचयिक) न्यून। वि३ थनार, यथोपयय-दानिवृद्धि पामना न्यूनविक होने वाला, घटता बढ़ता होने वाला, वृद्धि क्षय पाने वाला Subject to decrease and increase आया० १, १, २, ८६,

चंकमंत व० कृ० त्रि० (चक्रमत्) यावतु, पगला भरतु चलता हुआ Moving, stepping चक्रमशो व० ए० क० ग० १, ११, ओव० ३०,

चंकमण न० (चक्रमण) आभ तेम इरतु ते डवर डर फिरना. Moving here and there सम० प० १६८,

चंकमिअ त्रि० (चक्रमित) अतिशय यावेध अतिशय चला हुआ (One) that has moved too much ज० प० ७, १६६,

चंकमिया स० कृ० अ० (चक्रम्य) व्यतीत इरीने, पसार इरीने व्यतीत करके, गुजार कर Having passed or spent आया० १, ८, २, ६

चंकम्ममाण व० कृ० त्रि० (चक्रम्यमान) इरतु, यावतु, इपतु चलता हुआ कम्पित होता हुआ Moving, walking quaking कण्प० ३, ३८,

चंकार पु० (चकार) यक्षो, य अक्षर 'च' अक्षर, चकार. The letter Cha ठा० १०, १,

चंगवेर पु० () इथगेट यजेरी

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (-) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (+) Vide foot-note (*) p 15th

कठौती. A large metal pan. “पीठपु चगेवेरय नगले मइय सिया” दस० ७, २८, आया० २, ४, २, १३८,

चंगिम. त्रि० (चङ्गिमन्) सुंदर, रूपवान् सुन्दर, चगा, सुहृपवान् Beautiful, handsome. सु० च० २, ३८२;

चगेरिआ. स्त्री० (चगेरि) पुष्प राखनेकी छायडी. फूल रखनेकी टोकरी A flat basket to keep flowers in राय० ३५;

चगेरी स्त्री० (चगेरी) पुष्प राखनेकी छायडी. फूल रखनेकी छायडी-चगेर A flat basket to keep the flowers in, a flat basket विशेष० ७१०, ज० प० जीवा० ३, ४, राय० १२१,

चंचल त्रि० (चंचल) अस्थिर, अस्थिर, चंचल चंचल, अस्थिर, चंचल Unsteady, moving; quick ज० प० ५, ११५, आ० १४, २१; भग० ३ १, २, ६, ३३, १५, १, पञ्च० २, नाया० १, ८ ६ उवा० २, १०७; —कुंडल न० (-कुण्डल) अस्थिरमान दुष्ट चंचलमान कुण्डल. an unsteady ear-ring कप्प० २, १३,

चंचलायमाण त्रि० (चंचलायमान) अस्थिरमान; अस्थिर. चंचल Unsteady, moving ज० प० ३, ४५,

चंचु स्त्री० (चंचु) पक्षी की चोंच Bird's beak ज० प० ७, १६३,

चंचुच्चिय न० (चंचुच्चित) पोपटनी आंखनी भाङ्क पग वांछा अने उया राप्पी उला रहेवु डे आसवु ते, धोखानी ओड प्रहारनी गति शुक्र-सुआ-तोते की चोंच की तरह पैरो का

टेढा और ऊंचा रखकर खड़े रहना या चलना, एक प्रकार की घोंडे की गति. Act of standing or walking with feet bent like the beak of a parrot, a kind of gait peculiar to a horse. आ० ३१, ज० प० ७, १६६,

चंचुमालइय त्रि० (चंचुमालइय) विजयश पाभेन-रोमाय थयेन हर्ष से विकसित-फूल हुआ. खुशी के मारे रोमांचित Bustling with joy “धाराहगनीव सुरहिकुसुम चंचुमालइयतणु” ज० प० ५, ११५, भग० ११, ११,

चंड. त्रि० (चण्ड) प्रयत्न, तीक्ष्ण, क्रोधना आवेशवाणु. प्रचण्ड, तीक्ष्ण, क्रोध के आवेश वाला Fierce, keen, hot with anger उत्त० १, १३, १७, ८, आ० २१, सूय० २, २, १७; ६२, भग० ३, १, ७, ६, ६, ३३, ११, ११, १५, १; नाया० १; ४, ६, दसा० ६, ४, पण्ड० १, १, जीवा० ३, १, दस० ६, २, ३; ज० प० राय० २०७, २८३; उवा० २, १०७, कप्प० २, २७, २८, —कम्म त्रि० (-कर्मन्) क्रूर उर्मि धरनार क्रूर कर्म करनेवाला (one) who does fierce or cruel deeds प्रव० १६००, —विष न० (-विष) शरीरमा नष्टनी व्यापी जल तेवु अरे; तीव्र अरे. शरीर में जल्दी प्रविष्ट होने वाला विष, तीव्र विष deadly poison. नाया० ६, भग० १५, १,

चंडपिंगल. पु० (चण्डपिंगल) ओ नामतो ओड भाणुस डे जेतो मोहने लीये नाश थये हुतो इम नाम का एक मनुष्य, जिसका नाश मोहवश हुआ या. Name of a person

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th.

who was lost on account of infatuation भक्त० १३७,

चंडरुद्र पु० (चण्डरुद्र) ओ नामना ओइ
क्रोधी आचार्य इस नाम का एक क्रोधी
आचार्य. Name of a preceptor
given to anger पंचा० ११, ३५,
चंडा स्त्री० (चण्डा) यमरेन्द्र वगेरेनी
मध्यम पर्षदा-सभा चमरेंद्र आदि की
मध्यम सभा The middle council
of Chmatendra etc ठा० ३, २,
भग० ३, १०, जीवा० ३, ४, (२) जेम
क्रोधी भाषसने श्रम न लागे तेम जेभा
श्रम न लक्षण ओवी देवतानी ओइ गति
जिस प्रकार क्रोधी मनुष्य का श्रम नहीं होता
उसी प्रकार जिस में श्रम न हो ऐसी देवता
की एक गति a sort of gait of gods
involving no strain to a man
given to anger or to them-
selves “ विपुला कक्का पगाढा चंडा
दुहा तिच्चा दुरहियत्ति ” विवा० १, राय०
२६, नाया० ६

चंडाल पु० (चण्डाल) आश्लथी-शुद्धी
आम्हणीमा उत्पन्न थयेन जत-नीय जत
चण्डाल-शूद्रादि नीच से ब्राह्मणी में उत्पन्न
जाति, नीच जाति. A low-caste person
having a Brāhmana mother
and a Sūdra father उत्त० ३, ४,
(२) लगी, दे० भगा A sweeper,
persons of low caste भक्त० १००,
सु० च० १०, ५५, नाया० २, अणुजो० १२८,

चंडालग न० (चन्दाळक) देवपूज निमित्त
पुत्र राखवानु तावानु वासणु के जेने भयु-
रामा यशलग इहे छे, देवपूजा के निमित्त
फूल रखनेका तावेका एक पात्र, जिसे मधुरामे
‘चंडालग’ कहते हैं A copper vessel,
so called, in Mathurā, used for

holding flowers for the worship
of gods सूय० १, ४, २, १३.

चंडालिय न० (चण्डालिय) यशलगना जेपु
इभ चण्डाल जैसा कर्म A deed
worthy of a low-caste person
उत्त० १, १०,

चंडिक पु० न० (चण्डिक्य) आशिष्य-
क्रोध क्रोध, गुस्ता Angel, fuly सम०
५२, परह० २, २, भग० १२, ५,

चंडिकिअ-य त्रि० (चण्डिकियत-चण्डिक्य
रौद्ररूप सजात यस्येति) क्रोध प्रगटवाथी
रौद्र रूप धरेल कोथ प्रकट होने से रौद्र
रूप-भयकर रूप वाला Fierce of
grim in appearance on account
of anger ज० प० ३, ५६, ५७, उवा०
२, ६५, नाया० १, १६, भग० ३, १, २,

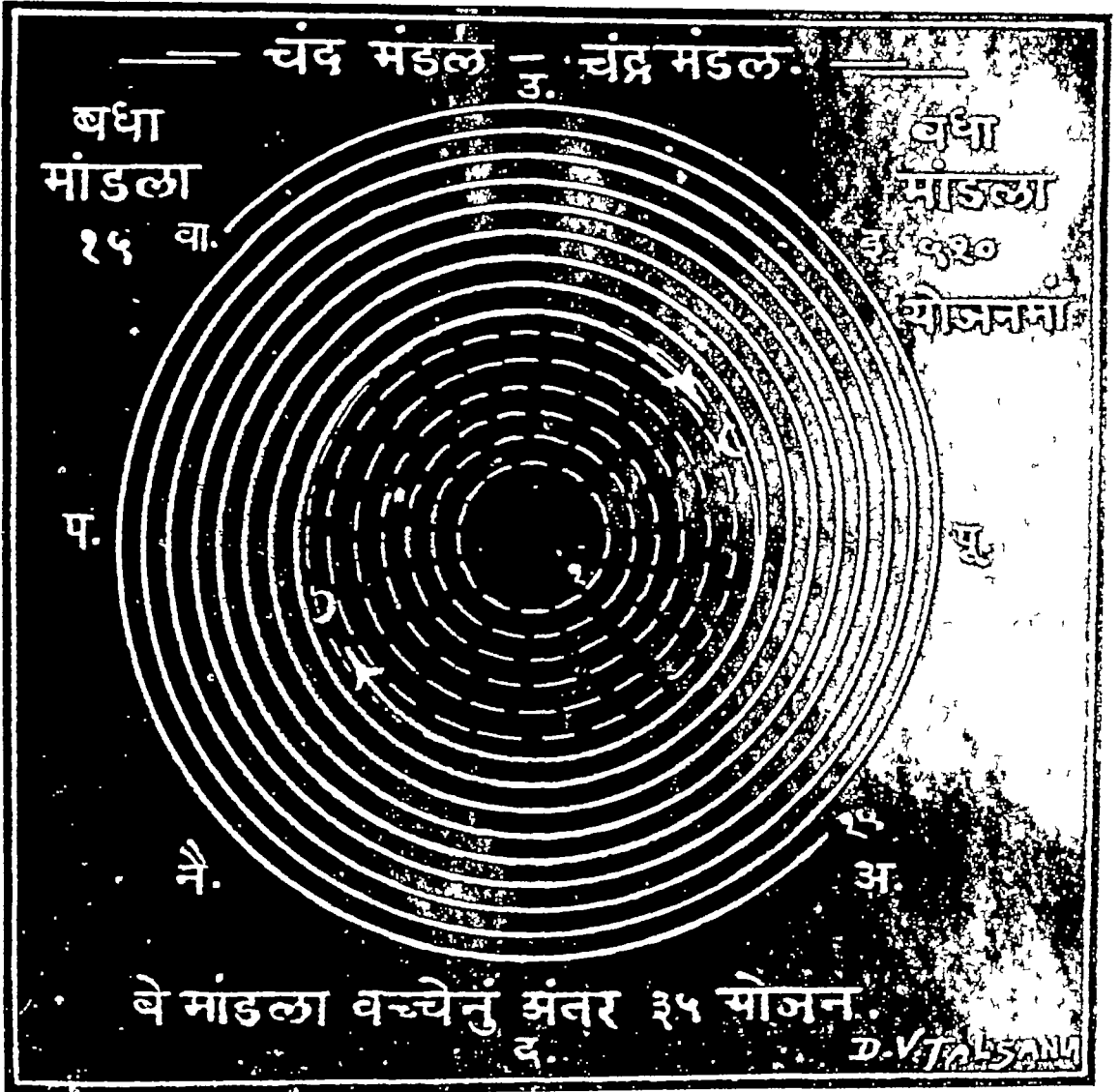
चंडी स्त्री० (चण्डी) ओ नामनी साधारण
वनस्पति इस नाम की एक साधारण वन-
स्पति Name of a common vege-
tation. पञ्च० १, भग० २३, ३ (२)
यशुडी देवी, चण्डी, चण्डिका देवी the
goddess Chandī परह० १, २,

चंद्र पु० (चन्द्र) यद्र, यद्रमा चद्र चद्रमा
The moon ज० प० ७, १४७, ओव०
१०, भग० ३, ७, ८, १ ६, २, दसा० ६,
१, नाया० १, १०, अणुजो० १०३,
सम० ६, ३२, उत्त० ११, २५, २५, १६,
कप्प० ३ ३६, ४३, पचा० ८, ३४, आव० २, ७,
विशे० २३६, पञ्च० १, नदी० ६, (२) यद्र
नामनु त्रीम देवलोकेनु ओइ विमान तासेर
देवलोक का चद्र नामक एक विमान. an
abode of the name of Chandī in
the third Devaloka सम० ३,
(३) वप्रविजयनी पूर्व सीमा उपनेता
वप्राना पर्वत वप्रविजय की पर्व सीमा
ऊपर का वप्राना पर्वत the Vakhānā

mountain on the eastern boundary of Vapiavijaya. जं० प० (४) ज्योतिष देवतानो छद्र ज्योतिषी देवों का इन्द्र the Indra of the Jyotisa-gods. जीवा० १, उत्त० ३६, २०६; ठा० २, ३, ओव० २६, (५) उत्तर दुरुक्षेत्रमानो એક દ્રહ કે જેને એ પાસે કે ચનકે પર્વત છે. उत्तर कुरु क्षेत्र में का एक द्रह, जिसके कि दोनो किनारों पर कचनक पर्वत हैं a lake in Uttara Kuruksetra on two sides of which there is situated the Kañchanaka mountain जीवा० ३, ४, (६) ચદ્ર નામનો દ્વીપ અને સમુદ્ર ચંદ્ર નામક દ્વીપ और समुद्र a continent of the name of Chandia, also ocean of that name जीवा० ३, ४, पञ्च० १, (७) જે વર્ષમાં અધિક માસ ન હોય તે સ વત્સર जिस वर्ष में अधिक मास न हो वह संवत्सर an ordinary year, an year not intercalary जं० प० सू० प० १०; प्रव० ६०८, (८) ચન્દ્રપુષ્પિકાનું પહેલું અધ્યયન ચન્દ્રપુષ્પિકા का पहला अध्ययन the first chapter of Chandrapuspikā. निर० ३, १, (९) આઠમા તીર્થંકરનું લાઝન આઠવેં તીર્થંકર का चिन्ह the emblem or symbol of the eighth Tirthankara. प्रव० ३८१ —अद्ध न० (—अर्धचन्द्र) અડધો ચંદ્ર, અષ્ટમીનો ચંદ્ર. आधा चन्द्र, अष्टमी का चाद half-moon; the moon on the eighth day of every fortnight राय० ११३, —आभा स्त्री० (—आभा) ચંદ્રની આભા જ્યોતિ ચંદ્ર की ज्योति, चन्द्र की आभा moon-light. भग० ६, ५, ७; —उव-

राग पु० (—उपराग) ચંદ્ર ગ્રહણ ચંદ્ર ग्रहण. lunar eclipse अणुजो० १२७; भग० ३, ७, जीवा० ३, ३, —जोग पु० (—योग) નક્ષત્રની સાથે ચંદ્રનો યોગ. नक्षत्र के साथ चंद्र का योग the moon in conjunction with a lunar asterisk जं० प० ७, १६०, —दिण. न० (—दिन) ચંદ્રનો દિવસ, સોમવાર चंद्र का दिन, सोमवार monday सम० २८, —पडिमा स्त्री० (—प्रतिमा) ચન્દ્ર નામની પ્રતિમા—અભિગ્રહ કે જેમાં ચન્દ્ર કંઠાની પેઠે શુકલ પક્ષમાં દરરોજ એકેક કોળીઓ વધારતા અને કૃષ્ણપક્ષમાં એકેક કોળીઓ ઘટાડતાં અમાવસ્યાએ એકજ કોળીઓ લેવામાં આવે તે, એક પ્રકારનું ઉનોદરી તપ ચન્દ્ર નામ की प्रतिमा—अभि-ग्रह, जिसमें चन्द्रमा की कलाओं के समान शुक्लपक्ष में प्रतिदिन एक एक कवल-ग्रास बढ़ाते और कृष्णपक्ष में एक एक ग्रास घटाते अमावस के दिन एक ही ग्रास लिया जाता है, उनोदरी तप विशेष A sort of austerity in which one morsel of food on the new-moon day is increased by one according to the digits of the moon in the bright half till full moon and then decreased accordingly in the dark half प्रव० १५७२, ओव० १६, ठा० २, ३, वव० १०, १, —परिवेस पु० (—परिवेप) ચન્દ્રનો કુડાલો, ચન્દ્રને ફરતું મણડાકારે દેખાવ. चन्द्रमा के चारों ओर गोलाकार का घेराव—वृत्त the halo of light round the moon अणुजो० १२७, भग० ३, ७, —पर्वय-अ पु० (—पर्वत) धातकी ખડના મહાવિદ્યુતમાનો એક પર્વત

सचित्र अर्ध-मागधी कोष



वातकी खण्ड के महाविदेह का एक पर्वत
name of a mountain of the Ma-
hāvīdeha of Dhātākī continent
ठा० २. ३, (२) ओ नामने। सितोदा
नदीने। वक्षस्कार पर्वत इस नाम का सितोदा
नदी का बखारा पर्वत name of
a Vakāīā mountain on the
river Sitodā ठा० ८, १, —मंडल
न० (—मंडल) यन्द्रनु मंडल चन्द्र मंडल
the discus of the moon सम० ६१;
(३) यन्द्रमाने आकाशमा आलवाने। नियत
मार्ग चन्द्रमा के चलने के लिये आकाश का
नियत मार्ग the orbit of the moon
(४) आकाशमा यन्द्र जे प्रदेश उपर आले
छे ते प्रदेशानी लाभने। यन्द्रमण्डल कहेवामा
आवे छे। तेवा यन्द्रना माउला १५ छे ओटले
यन्द्र पहेले माउलेथी १५ दिवसे १५ मे माउले
गय छे, अने पछी अदर आयता १५ मे
माउलेथी १५ दिवसे पहेले माउले आवे छे
ओम पदर पदर दिवसे यन्द्रनी आवृत्ति थाय
छे। आकाश मे चद्र जिस प्रदेश पर फिरता है
उस प्रदेश के मार्ग को चन्द्रमण्डल कहते हैं
ऐसे चद्रके मंडल १५ हैं अर्थात् चद्र प्रथम
मण्डल से १५ वें दिन १५ वें मण्डल में
जाता है और फिर वापस १५ दिन में १५ वें
मण्डल से १ ले मण्डल में आता है इस
प्रकार पधरे २ दिन में चंद्र की आवृत्ति हाती
है the path of the moon in the
sky is called the circle of the
moon There are such 15 circles
The moon begins her course
from the first circle and reaches
the 15th circle on the 15th
day and when she retreats her
motion back from the 15th
circle takes again 15 days to

come to the first circle Thus
the whole course is completed
in every fortnight ज प० ७, १४२;
चंद्रमण्डलपविभक्ति पु० (चन्द्रमण्डलपवि-
भक्ति) यन्द्र मंडलनी विशेष ग्रन्थावाणु
नाटक चन्द्रमण्डल की विशेष रचना वाला
नाटक A drama in which the
scenery of the moon is exhibit-
ed राय० ६२,—राविजोग पु० (—रावि-
योग) यन्द्र अने सूर्यनी योग चद्र और
सूर्य का योग the moon in conjunc-
tion with the sun ज० प० ७, १५५,
—विमाणजोइसिय पु० (—विमान-
ज्योतिष्क) यन्द्रना विमानमा रहेनार
ज्योतिष्क देव चन्द्रमाके विमानमे रहने वाला
ज्योतिष्क देव a deity living in the
heavenly abode of the moon
ज० प० ७, १६४, भग० २४, १२,—सूर
पु० (—सूर) यन्द्र अने सूर्य चद्र और
सूर्य moon and sun प्रव० ८६२,
—होरा स्त्री० (—होरा) यन्द्रनी होरा,
यन्द्र लक्ष्य चन्द्रलघ्न, चन्द्रमा की होरा-समय
विशेष a particular duration of
time in the position of the
moon in its orbit गणि० ६५,
चंद्रक पु० (चन्द्रक) मोर पीछे उपरने।
आले। मोर की पिच्छ ऊपर का एक प्रकार
का चन्द्राकार चमकीला आकार विशेष A
star-like spot on the feather
of a peacock नाया० ३,
चंद्रकंत पु० (चन्द्रकान्त) यन्द्रना
नामनु त्रैलोक्य देवलोकनु ओइ विमान चन्द्र-
कान्त नाम का तीसरे देवलोक का विमान
Name of a heavenly abode
in the third Devaloka नन० ३;
चंद्रकंता स्त्री० (चन्द्रकान्ता) आधु अयसर्पि-

खीना भीम दुण्डरनी श्री वर्तमान अव-
सर्पिणी के दूसरे कुलकर की स्त्री Name
of the wife of the second Kula-
kara of the present or current
descending cycle (Avasarpinī)
सम० प० २२६;

चंद्रकूट पुं० (चन्द्रकूट) चन्द्रकूट (कूट)
नामनु त्रीम देवलोकनु ओक विमान इस
नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान.
Name of a heavenly abode of
the third Devaloka सम० ३,
चंद्रगवेष्म न० (चन्द्रकवेध) राधावेध-
युद्धरती राधा पुतलीनी तयावयेथी आथ
विधयी ते राधा वेध, चक्रकी तरह घूमती
हुई पुतली की आख वेधना A feat in
archery—piercing the eye of
a rotating doll ओष० नि० ८०७,
सत्या० १२१; आउ० ५४;

चंद्रगुप्त पु० (चन्द्रगुप्त) मौर्यवंशी चन्द्रगुप्त
राजा मौर्यवंशी चन्द्रगुप्त राजा. King
Chandragupta of the Maurya
dynasty विशे० ८६२, पि० नि० भा० ४५,
चंद्रचरिया स्त्री० (चन्द्रचर्या) चंद्रनी गति
गण्यवानी विद्या चन्द्र की गति जानने की
विद्या The science of the motions
of the moon सूय० २, २. २७,

चंद्रच्छात्र-य पुं० (चंद्रच्छाय) चंद्रच्छाय नामे
अंग देशने राजा चन्द्रच्छाय नाम का अंग
देश का राजा, Name of a king of
the country called Aṅga अ०
७, १, नाया० ८,

चंद्रजसा स्त्री० (चंद्रयशस्) विमल वाहन
दुण्डरनी श्री विमल वाहन कुलकर की स्त्री.
Name of the wife of the Kula-
kara Vimala-Vāhana सम० प०
२२६.

चंद्रज्मय पु० (चन्द्रध्वज) चंद्रध्वज नामनु
त्रीम देवलोकनु विमान. चन्द्रध्वज नाम का
तीसरे देवलोक का विमान Name of a
heavenly abode of the third
Devaloka सम० ३;

चंद्रण न० (चन्दन) भलयागर-चन्दन मल-
यागर-चन्दन. Sandal-wood. (२) सुभ-
जनु अ०. चन्दन का वृक्ष. sandal tree.
ओष० भग० ६, ३३, २२, ३, नाया० १;
५; ८; सु० च० २, ५८४, राय० ५६, जीवा०
३, ४, पञ्च० १, कप्प० ५, ११८, प्रव० ३१०,
उवा० १, २६, जं० प० ५, ११४, (३)
अक्ष-कोशानो अ०; अक्षिद्रिय अ०ने ओक
प्रकार अक्ष-कौंडे (घोघा) का जीव, दो
इन्द्रिय जीव का एक प्रकार. a variety
of two-sensed living beings.
उत्त० ३६, १२८; पञ्च० १; (४) चंदनमणि;
सचित्त इहिन पृथ्वीने ओक प्रकार. चन्दन-
मणि, सचित्त कठिन पृथ्वी का एक प्रकार.
a kind of sentient hard earth
called Chandanamani. उत्त० ३६,
७६, पञ्च० १, —उच्छिखत्तगाय त्रि०
(—उच्छिखगात्र) चंदनथी लेपायथु छे
शरीर अ०नु ओवे। चंदन से लेपन किया हुआ
जिसका शरीर है वह (one) whose
body is smeared with sandal-
paste भग० ६, ३३, —कलस. पु०
(—कलश) चन्दन लिप्त इलश. भगल
इलश चन्दन लिप्त कलश मंगल कलश
a pot smeared with sandal-
paste, an auspicious pot राय०
५८, जं० प० ५, १२०, —पायव. पु०
(—पादप) चंदननु वृक्ष चंदन का वृक्ष a
sandal tree विवा० १, —पेसिया
स्त्री० (—पेपिका) चन्दन धसनारी दासी.
चन्दन विमने वाली दासी a maid-

servant who prepares sandal-paste by rubbing sandal-wood against a stone भग० ११, ११, —विलेवण न० (-विलेपन) यन्त्रनेले देप करवे ते चदन का लेप करना smearing the body with sandal-paste पचा० ८, २४.

चंद्रणजा स्त्री० (चन्द्रनार्या) योवीशभा तीर्थ-इरनी मुण्य साध्वी, यन्त्रयाला नामनी आरम्भ चौबोसवे तीर्थङ्कर की मुख्य साध्वी चदनवाला नामकी आरजा A nun named Chandanabālā, the chief nun of the 24th Tithankara. सम० प० २३४,

चंद्रणा स्त्री० (चन्द्रना) यन्त्रयाला साध्वी चन्दनवाला साध्वी The nun named Chandanabālā काप० ५, १३८,

चंद्रणी स्त्री० (चन्द्रनी) आचमन आचमन Holy water आया० २, १, ६, ३२; —उयय न० (-उदक) आचमननु पाएली ज्या ठेठुं होय ते स्थल आचमन का जल जहापर वहता हो वह स्थल a place where holy water is flowing आया० २, १, ६, ३२,

चंद्रतथमणपविमत्ति स्त्री० (चन्द्रास्तमन-प्रविमत्ति) यन्त्रास्त-यन्त्राथमवानी विशेष रचनापावु नाटक चन्द्रास्त की विशेष रचना-युक्त नाटक. A drama in which there is a scene of the setting moon राय० ६२,

चंद्रदीव पु० (चन्द्रद्वीप) यन्त्र नामने द्वीप चंद्र नाम का द्वीप A continent or island named Chandia जीवा० ३, ४

चंद्रन न० (चन्द्रन) यन्त्र चदन Sandal paste, sandal wood तह०

चंद्रनागरी स्त्री० (चन्द्रनागरी) ओ नामनी ओइ शाखा इस नाम की एक शाखा An offshoot of that name काप० ८, चंद्रपणत्ति स्त्री० (चन्द्रप्रज्ञप्ति) जेभा यन्त्रसम्बन्धी वणुन इयुं छे ते यन्त्रप्रज्ञप्ति नामनु ओइ इतिहास सूत्र जिममे चन्द्रमवन्का वर्णन किया गया है वह चन्द्रप्रज्ञप्ति नाम का एक कालिक सूत्र Name of a Kalika Sūtra in which a description of the moon is given ठा० ३, १, ८, १, नदी० ४३;

चंद्रणभ पु० (चन्द्रप्रभ-चन्द्रस्य इव प्रभा-ज्योत्स्ना यस्य) यन्त्रास्तमणि चक्रान्तमणि A precious stone called Chandrakānta नाया० १, पत्र० १ उत्त० ३६, ७६. (२) छत्रीने दांडे छत्रीका दंडा the handle of an umbrella नाया० १, (३) यन्त्रप्रभ नामनु श्रील देवलोकनु ओइ विमान चन्द्रप्रभ नाम का नासर देवलाक का एक विमान name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३, (४) आइमा यन्त्रप्रभ तीर्थङ्क छे जेनी जति यन्त्र जेनी हती ८ वे चन्द्रप्रभ तार्थकर कि जिनकी कान्ति चन्द्र के समान थी the 8th Tithankara with moon-like lustre ठा० २, ४, —गाहावड पु० (-गाथापति) यन्त्रप्रभ नामना ओइ गृहपति-ओइ चन्द्रप्रभ नाम के एक गृहपति मेठ name of a melanchant नाया० ४० ८

चंद्रणभा स्त्री० (चन्द्रप्रभा-चन्द्रस्येव प्रभा आकारो यस्याः) यन्त्रास नामनी भन्निहाइ चन्द्रहाम नाम की मदिरा दाफ A sort of wine called Chandrahāsa जीवा० ३, ३ पत्र० ११, (२) यन्त्राभा नीलेटी पट्टाणी चन्द्रमाकी प्रभाव

पट्टराणी the senior queen of the moon-god ठा० ४, १, भग० १०, २, सू० प० १८, जीवा० ४, जं० प० ७, १७०, ' ३) यद्रप्रभा देवी चंद्रप्रभा देवी Chandraprabhā Devī. नाया० ध० ८ (४) दशमा अने येविशमां तीर्थंकरनी प्रव्रज्या पालकीनुं नाम दशवे और चौवीसवे तीर्थंकरकी प्रव्रज्या पालकीका नाम name of the Palanquin of the 10th and 24th Tirthankara at the time when he took holy orders. कप्प० २, १०७, सम० प० २३१, —दारिया स्त्री० (-दारिका) यद्रप्रभा नामनी ओइ कन्या चंद्रप्रभा नाम की एक कन्या a girl named Chandraprabhā नाया० ध० ८;

चंद्रपह. पु० (चंद्रप्रभ) वर्तमान येवीसीना आठमा तीर्थंकरनु नाम. वर्तमान चौवीसी के आठवें तीर्थंकर का नाम Name of the 8th Tirthankara of the current Chovīsī अणुजो० ११६, सम० २४, कप्प० ३, ४६, ५, १६८, आव० २, २, प्रव० २६३,

चंद्रपहा स्त्री० (चंद्रप्रभा) लुओ। “ चद्रप्पभा ” शब्द देखो “ चद्रप्पभा ” शब्द Vide “ चद्रप्पभा ” आया० २, १५, १७६,

चंद्रपहाविमान न० (चंद्रप्रभाविमान) ओ नामनु ओइ विमान इस नाम का एक विमान. Name of a heavenly abode. नाया० ध० ८,

चंद्रभागा. स्त्री० (चंद्रभागा) यंद्रभागा नामनी ओइ नदी के जे सिंधुमा लहते भये छे चंद्रभागा नाम की नदी कि जो सिंधु में जाकर मिलती है वह The river named Chandrabhāgā ठा० ५, ३,

चंद्रम पु० (चंद्रमस्) यंद्रमा चंद्रमा The moon “ शाक्यत्ताणच चंद्रमा ” नाया०

१, सू० प० १,

चंद्रमस. पु० (चंद्रमस्) यादो; यद्रमा.

चंद्रमा, चन्द्र; शशि The moon. सू० प० १,

चंद्रमहत्तर पु० (चंद्रमहत्तर) ओ नामना ओइ आचार्य के जेले सप्ततिका नामे ग्रथ रच्यो छे इस नाम के एक आचार्य कि जिन्होंने सप्ततिका नाम का ग्रथ बनाया है Name of a preceptor who was the author of a book named Saptatikā क० ग० ६, ६३,

चंद्रय पु० (चंद्रक) मोर पींगने आन्दो मोर पख का चाद A star in the feather of a peacock. नाया० ३,

चंद्रयगुप्त पु० (चंद्रगुप्त) पाटली पुत्रने प्राचीन राजा; यन्द्रगुप्त नामे मौर्यवंशने ओइ राजा पाटलीपुत्र का प्राचीन राजा, चन्द्रगुप्त नाम का मौर्यवंशी एक राजा. Chandragupta of the Maurya dynasty मत्था० ७०,

चंद्रलेस्स पु० (चन्द्रलेश्य) यन्द्रलेश नामनु त्रीज देवलोकनुं ओइ विमान चन्द्रलेश नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान A heavenly abode named Chandialeśa in the third Devaloka सम० ३,

चंद्रलेस्सा स्त्री० (चन्द्रलेश्या) यंद्रना विमाननी जती चन्द्र के विमान की कान्ति The splendour of the heavenly abode of the moon भग० १२, ६,

चंद्रवर्डिसअ पु० (चंद्रावर्तंसक) यंद्रमानु विमान चंद्रमाका विमान The heavenly abode of the moon. ज० प० निर० ३, १, नाया० ध० ८,

चंद्रवज्र न० (चंद्रवर्ण) येथा देवलोकनु यन्द्रवर्ण नामनु ओइ विमान. चौथे देवलोक का चंद्रवर्ण नाम का एक विमान. Name

of a heavenly abode of the fourth Devaloka. सम० ३,

चंद्रसालिया स्त्री० (चन्द्रशालिका) भेडी, भाण, भण्डो मजला, मजिल Upper floor, top-floor परह० १, १, नाया० १, जीवा० ३, ३,

चंद्रसिंग न० (चन्द्रशृंग) त्रीम-योथा देव-लोडनु ओंठ विमान तीसरे, चौथे देवलोक का एक निमान Name of a heavenly abode of the third or fourth Devaloka सम० ३,

चंद्रसिद्ध न० (चन्द्रसिद्ध) यन्द्रसिद्ध नामनु त्रीम देवलोडनु ओंठ विमान चन्द्रसिद्ध नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३;

चंद्रसिरी स्त्री० (चंद्रश्री) यन्द्रश्री नामनी स्त्री, चक्षुष्मत् नामना त्रीम कुलकरनी माता चन्द्रश्री नाम की स्त्री, चक्षुष्मत् नाम के दूसरे कुलकर की माता. Name of a woman -the mother of the second Kulakara named Chaksusmat नाया० ध० ८,

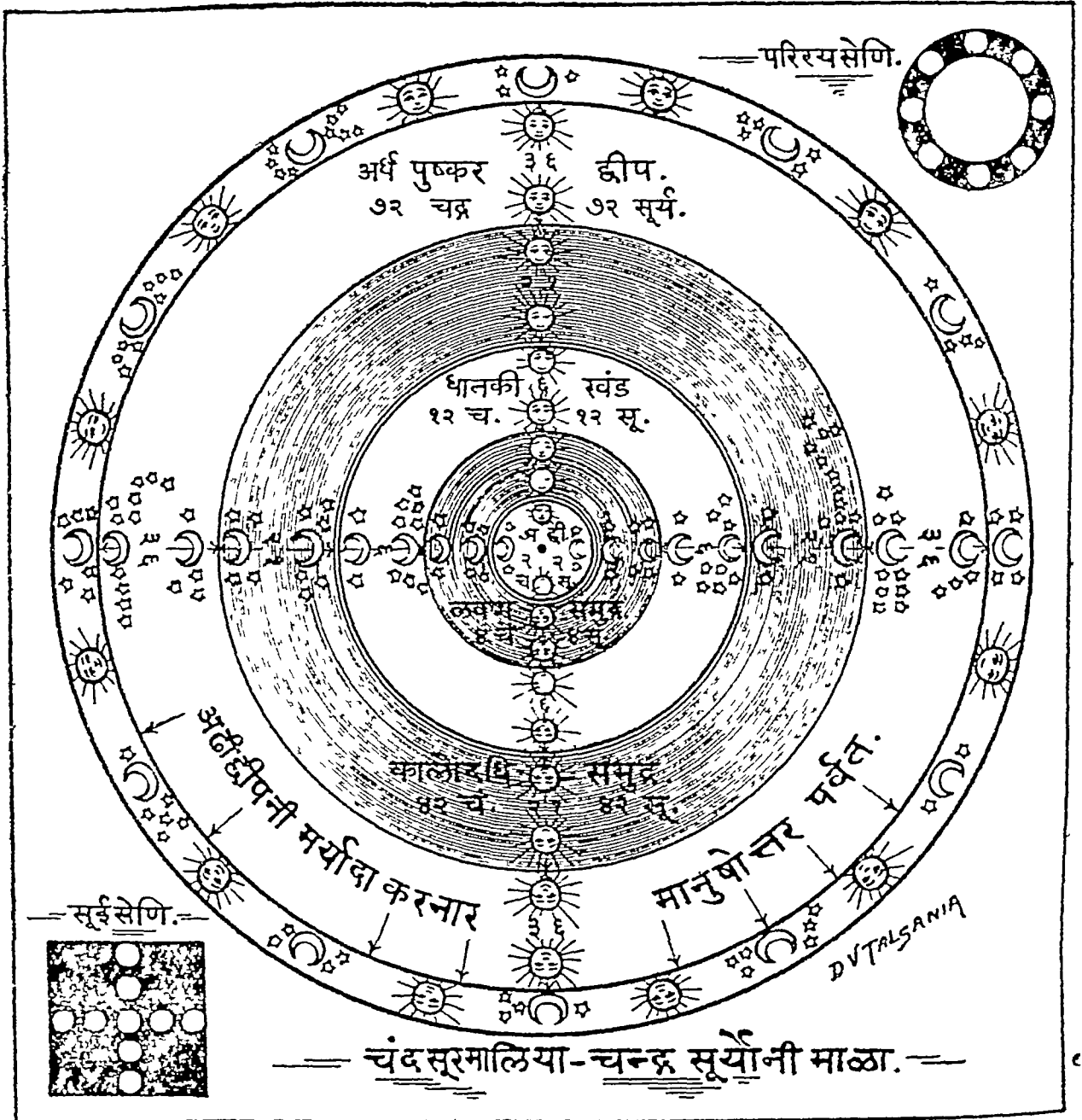
चंद्रसूरदसावणिया स्त्री० (चन्द्रसूर्य-दर्शनि का) आलडने जन्मथी त्रीने द्विसेडगव-वामा आवतु सूर्य यन्द्रनु दर्शन जन्म पाये हुए बालक को तीसरे दिन कराया जाता सूर्य चन्द्र का दर्शन The practice of showing the sun and the moon to a child on the third day after birth भग० ११, ११,

चंद्रसूरमालिया स्त्री० (चन्द्रसूर्यमालिका) ओंठ जतनु धरेलु, दागीने एक प्रकार का आभूषण-अलंकार. A kind of ornament (२) जलद्वीपमा ओ यद्र अने ओ सूर्य, लवण समुद्रमा

यार यद्र अने यार सूर्य, धातडी जलद्वीपमा १२ यद्र अने १२ सूर्य, डालोदधि समुद्रमा ४२ यद्र अने ४२ सूर्य अने अर्धपुष्कर द्वीपमा ७२ यद्र अने ७२ सूर्य ओम अदीद्वीपमा १३२ यद्र अने १३२ सूर्य छे ओ यर ओटले गतिमान छे अने पोत-पोताना मांडले डेर छे अदीद्वीप जलार असज्यात यद्र अने असज्यात सूर्य छे ते स्थिर छे अदीद्वीपमा १३२ यद्र सूर्य डेवी स्थितिमा छे ते आ चित्रमा जतावेल छे जंबूद्वीप में २ चंद्र और २ सूर्य, लवण समुद्र में ४ चंद्र और ४ सूर्य, धातवी समुद्र में १२ चंद्र और १२ सूर्य, कालोदधि समुद्र में ४२ चंद्र और ४२ सूर्य और अर्धपुष्कर द्वीप में ७२ चंद्र और ७२ सूर्य इस प्रकार १३२ चंद्र और १३२ सूर्य डार्द्वीप में हैं ये सब चर अर्थात् गतिमान हैं और अपने २ मण्डल में फिरते हैं डार्द्वीप के बाहर जो असख्यात चंद्र और सूर्य हैं वे स्थिर हैं डार्द्वीप के अन्दर १३२ चंद्र सूर्य किस प्रकार फिरते हैं यह इस चित्र में बतलाया है. there are 2 moons and 2 suns in Jambu Dvīpa, 4 moons and 4 suns in the Lavanī ocean, 12 moons and 12 suns in Dhātakī Khandā, 42 moons and 42 suns in Kālodadhi ocean and 72 moons and 72 suns in Adha Puskarā Dvīpa Thus there are 132 moons and 132 suns in Adhī Dvīpa and these moons and suns are not stationary e g they move in their own circles There are also innumerable moons and suns outside Adhī Dvīpa

and they are steady The
respective positions of the
moons and the suns of Adhī
Dvīpa are shewn in the
diagram जीवा० ३, ३;

भक्ति) नाट्य विशेष यन्त्रागमननि रचना
पाणु नाट्य विशेष; चन्द्रागमन की रचना
युक्त A kind of drama in which
the moon figures राय० ६२,
चंदाणण पु० (चन्द्रानन) ज० श्रीपता



चंदा स्त्री० (चन्द्रा) यद्रमानी गजवानी
चन्द्रमा का पाटनगर-प्रधान शहर The
capital city of the moon-god
जीवा० ३, ४, ज० प० ७, १२६,
चंदागमणपविभात्ति न० (चन्द्रागमनप्रवि-

योगवत क्षेत्रमा याधु अयसर्पिणीना पडेवा
तीर्थ०२ जम्बूद्वीप के ऐरावत क्षेत्र में वर्तमान
श्रवणपिणी के प्रथम तीर्थकर The first
Tirthaṅkara of the current
cycle सम० प० २४०, प्रव० ४६७,

चंदाणणा. स्त्री० (चन्द्रानना) शाश्वती जिन प्रतिमाओं पैड़ी त्रीं प्रतिमानु नाम शाश्वती जिन प्रतिमाओं में से तीसरी प्रतिमा का नाम Name of the third Jain everlasting vow (Pratimā) जीवा० ३, ४, ठा० ४, २, राय० १५४,

चंद्राभ पु० (चन्द्राभ) अश्विनाभनु पायभा देवलोकनु ओक विमान चंद्राभ नाम का पांचवें देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the fifth Devaloka सम० ८, भग० ६, ५, प्रव० १४६०, (२) अगीयारभा कुलगरनु नाम ग्यारहवें कुलगर का नाम name of the eleventh Kulagara ज० प०

चंदायण न० (चान्द्रायण) जुओ “ चद्र-पडिमा ” शब्द देखो “ चद्र-पडिमा ” शब्द Vide “चद्र-पडिमा” पचा० १६, १८, **चंद्रावत्त** पु० (चंद्रावर्त) चन्द्रावर्त नाम त्रीं देवलोकनु ओक विमान चंद्रावर्त नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३,

चंद्रावरणप्रविभक्ति न० (चन्द्रावरणप्रविभक्ति) चन्द्रमाने ढाड़वानी विशेष ग्यना बाणु नाट्य विशेष चन्द्रमा को आच्छादित करने की विशेष रचना युक्त नाट्य विशेष A drama depicting a particular scene of hiding the moon from view राय० ६०

चंद्रावलिप्रविभक्ति न० (चन्द्रावलिप्रविभक्ति) चन्द्रमानी पडितनी विशेष ग्यना बाणु ओक नाटक चन्द्रमा की विशेष रचना युक्त एक नाटक A drama exhibiting a particular position of the moon राय० ६१,

चंद्राविष्मय न० (चन्द्राविष्मय) २६ उत्तरी-

विष्मयमानु १५ मु २६ उत्कालिक सूत्रों में से १५ वा The fifteenth of the 29 Utkālīka Sūtras नदी० ४३, **चंदिम** पु० (चन्द्रमस्) चंद्रमा. चन्द्रमा. The moon भग० ३, ७, ६, ५, १२, ६, ११, ५, नाथा० १, पञ्च० २, राय० १००, (२) चंद्रमानादष्टांत बाहु ज्ञाता सूत्रनु १० मु अध्ययन चन्द्रमा के दृष्टतयुक्त ज्ञातासूत्र का १० वा अध्ययन. The tenth chapter of Jñātā Sūtra giving an illustration of the moon सम० १६, — **सूरचराग** पु० (— सूर्योपराग) चंद्रग्रहण तथा सूर्यग्रहण चन्द्रग्रहण व सूर्यग्रहण lunar and Solar eclipses प्रव० १८७१, **चंदिमसूरिय** पु० (सूर्यचन्द्रमसौ) चंद्र अने सूर्य चंद्र और सूर्य Sun and Moon भग० १८, ७.

चंदिमा पु० स्त्री० (चन्द्रिका) आलुत्तरेवराध सूत्रना त्रीं वर्गना छंद अध्ययननु नाम अणुत्तरोववाइ सूत्र के तीसरे वर्ग के छंद अध्ययन का नाम. Name of the sixth chapter of the third Varga of Anuttaravāgī Sūtra (७) डाडदी नगरी निवासी ब्रह्मसार्थवादीना पुत्र के जे दीक्षा लई छुट्टी प्रतिज्ञा कर ११ अग बल्लू वला वरसनी प्रवन्धा पाणी ओक भायने सथारो डी सर्वायसि विमाने पहोन्धा त्याथी ओक अवतार डी भोला जशे काकदी नगरी निवासी ब्रह्मसार्थवादी के पुत्र कि जिन्होंने दांछा लेकर छंद की प्रतिज्ञा लेकर ११ अग पट पर रहन वर्षकी प्रवन्धा का पालन कर एक मास सा सथारा कर सर्वायसि विमान में प्राप्त हुये वहासे एक अवतार लेकर भोज जो प्राप्त करेंगे name of the son of Bh-

drā Sārthavāhī of the city of Kākandī, who vowed to observe periodical fasts, studied eleven Aṅgas, practised asceticism for many years and after complete abstention from food and water for a month attained to the heavenly abode known as Salvātha Siddha, whence after one incarnation he will attain to final emancipation अणुत्त० ३, ६, भग० ५, १, ६, दस० ६, ६६, ८, ६४; (२) अग्नि० ३, ज्योत्स्ना चंद्रिका, ज्योत्स्ना moon-light नाया० १,

चंद्रोत्तरवडिसग पु० (चंद्रोत्तरवत्सक) यत्रोत्तरावत्सक नामनु त्रीणि देवलोकानि ओ३ विमान इम नाम का तीसरे देवलोक का एक विमान Name of a heavenly abode of the third Devaloka सम० ३.

चंद्रोत्तरायण न० (चन्द्रोत्तरायण) कौशाम्बी नगरनी आगनेो यत्रोत्तरायण नामनेो ओ३ आग इम नाम का कौशाम्बी नगर के बाहर का एक वाग Name of a garden situated outside the city of Kauśāmbī भग० १२, २, विवा० ५, निर० ३, ५,

चंद्रोत्तरायण. न० (चन्द्रोत्तरायण) ओ नामनु ओ३ चैत्य, के जे उदण्डपुर नगरनी आग उदण्डपुर नगर के बाहर का एक चैत्य Name of a garden outside the city of Uddandapura भग० १५, १,

चंपग्र पु० (चम्पक) द्विपुत्रदेवनी सला आगणनु चैत्यवृक्ष-चम्पानु आ३ कि पुरुष

देव की सभा के समीप का चैत्य वृक्ष-चंपा का वृक्ष The Champā tree growing near the council-hall of the deities known as Kimpurusas ज० ८, १, (२) सूर्याभिला चम्पक वननेो रक्षक देवता सूर्याभ के चम्पक वन का रक्षक देवता. the guardian deity of the Champaka forest of Sūryābha राय० १४०, (३) यपातु वन तथा त्या रहेनार देव चंपा का वन व वहा रहने वाला देव. the Champā forest and the deities residing there जीवा० ३, ४; (४) यपो, यपातु फूल चंपा, चंपा का फूल the Champā tree; a flower of that tree नाया० १६, पत्र० १७, (५) यपातु वृक्ष के जेनी छेड़ें वीसभा तीर्थ-धरने केवलज्ञान थयुं चंपा का वृक्ष कि जिस के नीचे २० वें तीर्थंकर को केवलज्ञान हुआ the Champā tree under which the 20th Tirthankara attained to Kevala Jñāna सम० प० २३३,

चंपक पु० (चम्पक) यपातु आ३ चंपा का फूल A Champā tree तदु० —पायव पु० (-पादप) यपातु आ३ चंपा का वृक्ष A Champā tree विवा० ६,

चंपग पु० (चम्पक) जुओ “ चपग्र ” शब्द. देखो “ चपग्र ” शब्द Vide “ चपग्र ” नाया० १, ८; राय० ६३, पत्र० १, नदी० ३७, कण्ठ० ३, ३७, ज० प० ५, १२२, —पायव पु० (-पादप) यपातु आ३ चंपा का वृक्ष A Champā tree. नाया० २, १८, —पुड. पु० (-पुट) यपातु फूलनेो छेड़ो चंपा के फूल का गेठ a bunch made of Champā flowers. नाया० १७; —माला स्त्री०

(-माला) थापाना फूलनी माला चंपा के फूल की माला a garland made of Champā flowers नाया० १, —लया. स्त्री० (-लता) चंपानी वेल. चंपा की वेल, लता. a Champā creeper श्रौव० भग० ६, ३३, नाया० १, १६, विवा० २, निर० १, १, —वण न० (-वन) थापाना वृक्षोनु वन चंपा के वृक्षों का वन a forest of Champā trees भग० १, १, अणुजो १३१, निसी० ३, ८१, पञ्च० १७, (२) सूर्याभविमानना पश्चिम दरवान्तेथी पायसे जेज्जन उपरे यपड वृक्षोनु ओड वन साडा आरहुत्तर जेज्जन बायु अने पायसे जेज्जन पडोडु छे सूर्याभ विमान के पश्चिम द्वार से पाचमो योजन पर चपक वृक्ष का वन साडे बारह हजार योजन लंबा व पाचमो योजन चौड़ा है the great Champaka forest at a distance of 500 Yojanas (Yojana=8 miles) from the western gate of the Sūryābha heavenly abode The forest is 12500 Yojanas in length and 500 Yojanas in width राय० १०६, —वडिसअ पु० (-चंपकावतसक) जुओ “चंपय-वडिसअ” शब्द देखो “चंपयवडिसअ” शब्द Vide “चंपयवडिसअ” राय० १०३, चंपयवडंसय न० (चम्पकावतसक) यम्पकाव-तसक नामनु त्रीजु विमान इस नामका तीसरा विमान. The third heavenly abode of this name भग० ३, ७ चंपा स्त्री० (चम्पा) यपा नामनी नगरी, डेलिड राजधानी, अगदेशने पायतप्त चंपा नाम की नगरी, कोणिक राजा का पाट नगर, अगदेश का पाटनगर Name of a city, the capital of king

Konika, the capital-city of the country called Anga उत्त० २१, १, श्रौव० नाया० १, २, ८, ६, १२, १५, १६, भग० ५, १, ६, ६, ३३, उवा० १, १, कप्प० ५, १२१, भत्त० ८१, पञ्च० १, जीवा० ३, ४, निसी० ६, २०, नाया० ४, ८, —णयरी स्त्री० (-नगरी) य । नगरी चंपा नगरी. the city named Champā नाया० ८, ६, १६, विवा० ६, —पविभक्ति. न० (-चम्पाप्रविभक्ति) यपा नगरीनी-अम्बरनी शोभायुक्त नाटक चंपा नगरी के हाट की शोभा युक्त नाटक a drama in which is exhibited the beautiful bazar of Champā राय० ६३.

चकारखगपविभक्ति पुं० (चकार वर्ग प्रविभक्ति) य-अक्षरना आक्षरना यथाना वायु नाटक, ३२ नाटकना प्रकारभाने ओड च-अक्षर की आकृति की रचनायुक्त नाटक, ३२ नाटक के प्रकार में से एक A drama exhibiting a scene of the shape of the letter च राय० ६४, चक्र न० (चक्र) रथनु-गाडानु पैडु रथका-गाडेका पैया A wheel of chariot, chatete स्य० १, १५, १४, श्रौव० भग० ३, १५, नदी० स्थ० ५, प्रव० २८५, उवा० ७, १६७, (२) वासुदेवनु सुदर्शन यक्ष वासुदेव-नागयण का सुदर्शन नामक चक्र the wheel of Vāsudeva styled Sudarśana सम० प० २३७, श्रौव० १०, उत्त० ११, २१, विशेष० २४ ज० प० यक्षरत्न १४ रत्नमानु ओड one of the fourteen gems known as the Chakra gem चक्र रत्न, चक्रवर्तिको प्राप्त होनेवाले चौदह रत्नों में से एक रत्न सम० १४ प्रव० १२०८, (४) धर्मयक्ष (देवतानु अनायेक्ष) तीर्थेष्टनी

आगण रहे छे ते तीर्थकर भगवान् के विहार के समय आगे आगे चलनेवाला देवों द्वारा रचित धर्मचक्र. the wheel known as Dharmachakra accompanying a Tirthankara. (It is made by gods) सम० ३४, ओव० नि० ११६, (५) दुलारने आडे कुंभार का चक्र a potter's wheel भग० १, १; २, १०, ५, ६, नदी० स्थ० ५; पचा० १, ३४, (६) यक्षाक्षरे छायनी रेखा चक्रके आकारकी हस्त रेखा the lines of the palm in the form of a wheel उत्त० ६, ६०; (७) समूह भद्र समुदाय, मंडल, गोलाकार a circle, a party, an assemblage. उत्त० २२, ११, (८) मुशक; साग्रे मूल; सञ्चल. a pestle भग० ११, ११, (९) आकाशमा यक्षाक्षरे गोण्डुजगल जेनु थाय छे ते आकाशमें चक्रके आकार का जो गोल कुंडल जैसा बनजाता है वह a ring like appearance that forms itself in the sky भग० १६, २. (१०) यक्षवे पक्षी चक्रार पक्षी a kind of bird कप्प० ३, ४२, —रक्ख पु० (-रक्ख) यक्षु रक्षलु इतार देव चक्र का रक्षण करने वाला देव a deity who guards the Chakra भग० ३, ७, —रयण न० (-रत्न) यक्षवर्तीना यैदरत्नमांतु ओड यक्षरत्न चक्रवर्ती के चौदह रत्नों में से एक चक्ररत्न one of the 14 jewels of a Chakravarti. भग० १०, ६, ठा० ७, १, विशेष० ५१३; पन्न० २०; ज० प० ३, ४३, —व्यूह. पु० (चक्रव्यूह-चक्रमिव व्यूहोरचना विशेष) यक्षाक्षरे व्यूह रचना इरवानी इला चक्राकार में व्यूह रचना करने की कला the

art of marshalling an army in the form of a wheel ओव० ४०, नाया० १,

चक्रग पु० (चक्रांग) यक्षवाड नामे ओड पक्षी चक्रवाक नामक एक पक्षी A kind of bird named Chakravāka सु० च० २, ४४;

चक्रग पु० (चक्रक) यक्ष; आभरण विशेष चक्र, आभरण विशेष A wheel, a kind of ornament. जीवा० ३, ३;

चक्रपुरा स्त्री० (चक्रपुरी) वल्लु विजयनी भुज्य राजधानी-नगरी वल्लु विजय का मुख्य पाटनगर. The capital-city of Valguvijaya. ठा० २, ३, ज० प०

चक्रल पु० (चक्रल) सिंहासनने पडाये। सिंहासन के नीचे रखने की ईंट. A stand or base for a throne. राय० ६१,

चक्रवाट्टि पु० (चक्रवर्तिन्-चक्रेण आयुध-विशेषेण वर्तितु शीलं यस्य) यक्षवर्ती राजा, सम्राट्, भरत क्षेत्रना छ भएउने अविपति चक्रवर्ती राजा, सम्राट्, भरत क्षेत्र के छ-खंडे का अविपति A suzerain, a sovereign of the six continents of Khatvāta Kṣetra ओव० ३४, राय० २३ ज० प० २, ३० ५, ११२, अणुजो० १३१, सु० च० २, ८२, नाया० १; ८, १६, भग० ५, ५, ११, ११ १६, ६ पन्न० १ इमा० ६, ४, प्रव० ४१६, ११०२, भक्त० १३४, —माउ स्त्री० (-मातृ) यक्षवर्तीनी माता चक्रवर्ती की माता. the mother of a Chakravarti नाया० १, —वंस पु० (-वंश) यक्षवर्तीने वंश-कुल चक्रवर्ती का वंश कुल the family-line of Chakravarti. ठा० ३, १, चक्रवाक पु० (चक्रवाक) यक्षवे पक्षी चक्रवा पक्षी A kind of bird ज० प०

चक्रवाग पु० (चक्रवाक) रथांग पक्षी,
यक्षवे। रथांग पक्षी, चक्रवाक पक्षी A
kind of bud परह० १, १,

चक्रवाय पु० (चक्रवाक) यक्षवे। पक्षी चक्र-
वाक पक्षी A kind of bud ओव०
नाया० १, ५, ८, ६,

चक्रवाल पु० (चक्रवाल) यक्षवे।, समूह,
मंडल परिधि, समूह, मंडल A group,
a cluster, a circle ओव० ३३,
सूय० १, १, १, २६, ठा० २, ३, सम० प०
१६५, नाया० १, १६, भग० ५, ३, ६, ३३,
३४, १, ओघ० नि० ६६, मृ० प० १६, ६१,
राय० २८६ उवा० ७, २०८, प्रव० १४०२,
(२) गाडानु पैडु गाडे का पहिया a
wheel of a cart भग० ३, ४, पन्न०
३६, जीवा० ३, १, ज प० ४, १०४,
(३) सिंहासननी नीचेनी पाये। सिंहासन
के नीचे का पाया a stand or base
for a throne to rest upon जीवा०
३, ४,

चक्रवाला स्त्री० (चक्रवाला) मंडलाकारे श्रेणी
मंडलाकार में श्रेणी A circular lad-
der “ एगओ खहा दुहओखहा चक्र-
वाला ” भग० २५, ३

चक्रहर पु० (चक्रधर) सुदर्शन यक्षने धारण
करना वसुदेव सुदर्शन चक्रको धारण करने
वाला वासुदेव-चक्रवात Vāsudeva,
holding Sudarśana wheel वि०
३५१३, (२) छ भउना स्वामी, यक्षवर्ति छ
खडका स्वामी, चक्रवर्ति a Chakra-
varti lord of six continents
वि० ८०४,

चक्राउह. पु० (चक्रायुव) सोलहवां शातिन थ
तीर्थकरना प्रथम गणधरनु नाम सोलहवें
तीर्थकरके प्रथम गणधरका नाम Name of
the first Gṇadhara (apostle)

of Śāntinātha the 16th Ti-
thankara प्रव० ३०६, सम० प० २३३;

चक्राग पु० (चक्रवाक) यक्षवे। पक्षी
चक्रवाक पक्षी The bud named
Chakravāka निर० ५, १, पन्न० १,
(२) यक्षकार मण्डल चक्राकार मंडल
a circular shape पन्न० १, —भज्ज-
माण त्रि० (-भज्यमान) ने डल-पादु
डे जणी तोडना यक्षकारे गोण चिन्ह थाय
छे ते वृक्ष के फल-पत्ती वा शाखा तोडने से
भिन्न हुए स्थान पर गोलाकार चिन्ह होता है
वह (a fruit or leaf or branch
of a tree) which when pluck-
ed, leaves behind a circular
mark पन्न० १.

चक्रि पु० (चक्रिन्) यक्षवर्ती राजा चक्रवर्ता
राजा A sovereign king पन्न० १,
चक्रिय-अ पु० (चक्रिक) यक्षनामनु आयुध
लक्ष आसनार चक्र नाम के आयुध को लेकर
चलने वाला One who carries with
him a weapon called Chakra
कप० ५, १०७, ओव० ३२, ज० प०

चक्रिय त्रि० (चक्रिक) तेली तेली An
oilman (३) दुआर कुम्हार a
potter वव० ६, १७, —साला स्त्री०
(-शाला) तेल वगेरे वेश्याना दुकान
तेल बंगरद बेचने की दुकान a shop
where oil etc are sold वव० ६, १७,

चक्रीसर पु० (चक्राधर) यक्षवर्ती, सम्राट
चक्रवर्ती सम्राट A sovereign king,
a paramount king. प्रव० ४३०,
—ब्रह्मदत्त पु० (-ब्रह्मदत्त) ब्रह्मदत्त
नाम आठवें यक्षवर्ती ब्रह्मदत्त नामक १२वां
चक्रवर्ती the 12th Chakravarti
named Brahmadatta प्रव० ४३०,
चक्रेश्वरी स्त्री० (चक्रेश्वरी) ऋषभदेव प्रभुनी

देवीनु नाम. ऋषभदेव प्रभुकी देवी का नाम
Name of the goddess of Lord
Rishabhadeva प्रव० ३७७,

चकल न० (चक्षुः) यक्षु, आभ चक्षु, आख
An eye पन० १५,

चक्षुदिय न० (चक्षुरिन्द्रिय) यक्षु छद्रिय,
नेवानी शक्तिवाणी छद्रिय-आभ चक्षु-
इन्द्रिय, देखने की शक्तियुक्त इन्द्रिय, आख
The sense of sight. ओव० १६,
भग० १, १, ७, ७, ८, २, १२, २, २४, १,
२५, ७, ३३, १, नाया० १७, नदी० ४,
—निगह. पु० (-निग्रह) यक्षुरिन्द्रिय-
आभने क्षुभा राभरी ते चक्षुरिन्द्रिय-
आख को वश में रखना control over
the sense of sight उत्त० २६, २,

चकलु न० (चक्षुः-चक्षतेऽनेन) आभ
आख An eye उत्त० १, ३३, ५, ५,
भग० २, ५, ३, २, नाया० १, ५, ज० प०
५, ११२, ओव० पि० नि० ४६३, ओव०
नि० १६७, दसा० ५, २, पन्न० २३; सू०
प० २, राय० २३, ४३, सूय० २, १, ४२,
प्रव० ५९७, १११६, उवा० १, ५, क० ग०
१, ६, १०, ३, १८, ४, ८, क० प० ४, ४६,
(२) शास्त्रीय ज्ञान शास्त्रीय ज्ञान scrip-
tural knowledge. सम० १, —गो-
यर त्रि० (-गोचर) नेत्रने सन्मुख रहेषु
नेत्र के समीप रहा हुआ within the
range of sight दस० ५, २, ११,
—दीहरोम न० (-दीर्घरोम) आभनी
लांभा रोम, (वाण) आखों के लम्बे बाल
eye-lashes. निखी० ३, ४५, ४६, ४७,
४८, —पम्ह न० (-पद्मन्) आभनी
पापलु आखकी वरौनी-पलक. an eye-
lid सूय० २, २, २३, भग० ३, ३,
—ष्कास. पु० (-स्पर्श) आभनी विषय,
दृष्टिगोचर. आख का विषय, दृष्टिगोचर

an object of sight कप्प० ५, १३१;
भग० १, ६, २, ५, ६, ३३; ज० प० ७,
१३६, —वल न० (-वल) नेवानी
शक्ति, यक्षुछद्रियनु सामर्थ्य देखने की
शक्ति, चक्षुइन्द्रिय का सामर्थ्य power of
sight उत्त० १० २२, —राय. पु०
(-राग) दृष्टिराग, आभनी प्रेम दृष्टिराग,
आखोंका प्रेम attachment through
or in the eye नाया० ८, भक्त० १४५,
—लेस त्रि० (-श्लेष) नेवामी ज्ञान
आभनी श्लेष थाय-आभ योटी ज्ञान ते
देखने में आखों का श्लेष होना-आखोंका चिपक
जाना attachment, the cause of
which is sight ज० प० ४, ७४, ५,
११५; —लालत्र त्रि० (-लोलक) आं-
भनी यपलतावाली दृष्टि की चपलता वाला
(one) with quick or unsteady
eyes “चकलु लोलए हरिया वहियाए
पालिमंथु” वेय० ६, १६, —ल्लोअण न०
(-लोकन) आभनी नेवु ते. आख से
देखना. act of seeing ज० प० ४, ७४,
५, ११५, —सम. त्रि० (-सम) यक्षु
दर्शनावरण समान चक्षुदर्शनावरण समान
like vision obstructing कप्प०
६ ३२, —हर न० (-हर-चक्षुर्हरति)
आभने आनंद आपनाई. चक्षु को आनंद
देनेवाला. (anything) that charms
or delights the eyes भग० ६, ३३;
नाया० १;

चकलुरइदिय न० (चक्षुरिन्द्रिय) नेत्र, आभ
नेत्र, आख. An eye भग० ८, १, सम०
६, नाया० ५,

चकलुकत पु० (चक्षुःकत) कुडल समुद्रनी
देवतानु नाम कुडल समुद्र के देवता का नाम
Name of the deity of the
ocean named Kunda. जवा० ३, ४,

चक्रबुद्धि स्त्री० (चक्रबुद्धि) याज्ञ
अवसर्पिणीना पायमा दुर्गाद्वरनी स्त्री
वर्तमान अवसर्पिणी के पाचवे कुलकर की स्त्री
Name of the wife of the 5th
kulakara of the current Ava-
sarpini सम० प० २२९,

चक्रबुद्धि न० (चक्रबुद्धि) आपत्ती ज्ञेय
वस्तुना प्रथम सामान्य बोध थाय ते आखो
मे देखी हुई वस्तुका प्रथम सामान्य बोध हो
वह General knowledge of a
thing that one has when
one sees it अणुजो० १२७ भग० २,
१०, ८, २, २४, ४, जीवा० १,
—आवरण न० (-आवरण) दर्शना
वस्तुना उर्ध्वनी ओष्ठ प्रकृति के ज्ञेय उद्भव
अक्षुब्धदर्शन (आपत्ती सामान्य बोध
थाय ते) न पाये दर्शनावरणीय कर्म की
एक प्रकृति कि जिसके उद्भवसे जीव चक्रबुद्धि
(दृष्टि से सामान्य बोध हो वह) न प्राप्त
कर सके maturity of a particular
variety of sight-obscuring
Karma which prevents one
from having visual perception
उत्त० ३३, ६, सम० १७, —पि०या.
स्त्री० (-प्रतिज्ञा) अक्षुब्धदर्शन-ज्ञेयाने
निमित्ते चक्रबुद्धि-देखने के निमित्त with
a view to visual perception
निर्मा० ६, ८,

चक्रबुद्धि त्रि० (चक्रबुद्धिनिन्) अक्षु-
दर्शनवाला अथ चक्रबुद्धि-प्राप्त जीव (A
living being) possessed of the
sense of visual perception ठा०
४, ४, भग० ६, ३, १३, १,

चक्रबुद्धि पु० (चक्रबुद्धि) ज्ञानरूपी आप
आपना ज्ञान रूप आख-चक्र को देने
वाला One who gives an eye

in the form of knowledge ज०
प० ५. ११५, नाया० १, कप० २, १५,
आव० ६, ११;

चक्रबुद्धि न० (चक्रबुद्धि) लुओ
“ चक्रबुद्धि ” शब्द देखा “ चक्रबुद्धि ”
शब्द Vide “ चक्रबुद्धि ” ठा० ६, १
—आवरण न० (-आवरण) लुओ
“ चक्रबुद्धिआवरण ” शब्द देखो “ चक्रबुद्धि-
आवरण ” शब्द vide “ चक्रबुद्धि-
आवरण ” ठा० ९, १,

चक्रबुद्धि त्रि० (चक्रबुद्धि) आपत्ती पेदे
आधार रूप आख के समान आख रूप
(Anything) as helpful as an
eye भग० १८, २, नाया० ६, २, ७
गच्छा० २६,

चक्रबुद्धि पु० (चक्रबुद्धि) अक्षुब्ध नामे
याज्ञ अवसर्पिणीना पीय दुर्गाद्वर चक्रबुद्धि
नामक वर्तमान अवसर्पिणी के द्वितीय कुलकर
Name of the 2nd Kulakara of
the current Avasarpini सम०
प० २२६, (२) आइमा दुर्गाद्वर नाम
अष्टम-आठवें कुलकर का नाम name of
8th Kulakara ज० प० (३) त्रि०
आपत्ती चक्रबुद्धि, आखो वाला pos-
sessed of an eye वि० ५१०;
११५६,

चक्रबुद्धि त्रि० (चक्रबुद्धि) नेत्रग्राह्य पदार्थ
नेत्रग्राह्य पदार्थ (Anything) that
is an object of sight दसा० ६,
२८, परह० १, ९,

चक्रबुद्धि न० (चक्रबुद्धि) अक्षु, आप चक्र,
आख An eye प्र० ७७८,

चक्रबुद्धि पु० (चक्रबुद्धि) दुर्गाद्वर नाम
देवतानु नाम दुर्गाद्वर के देवता का नाम.
Name of the deity of the
ocean named Kundla जीवा० ३, ४

✓चच्च. वा० I (चर्च) यदन वगेरे यर्चुं, पूज्यु. चदन इत्यादि का लेप करना; पूजा करना. To smear with sandal-paste etc; to worship.

चच्चइ पु० च० १५, १६६,

चच्चग. पु० (चर्चाक) छाल्छाल छिंटकाव. Sprinkling राय० १०६;

चच्चर. न० (चत्वर) यायर, यारथी यधारे रस्ता भेगा थता होय ते स्थल, यडलो चौवडा; चार से अधिक रास्ते एकत्र होते हो वह स्थल, चौक A place where more than four roads meet वेय० १, १२; अणुजो० १३४, उत्त० १६, ४ ओव० २७, भग० ३, ७, नाया० २, १६. जावा० ३, ३; कप्प० ४, ८८, विवा० ३, ६. राय० २०१,

चच्चचा स्त्री० (चर्चा) यन्दन विगेरेथी लेपन करेयु ते. चन्दन इत्यादि से लेपन करना Act of smearing with sandal-paste etc. जीवा० ३, ४, जं० प० ५, १२१,

चच्चिचय अ त्रि० (चर्चित) यदन वगेरेनु विलेपन करेयु; यथेय चदन इत्यादि से विलेपन किया हुआ Smeared with sandal paste etc नाया० १; सु० च० २, ६०३; दसा० १०, १,

चच्चजा. स्त्री० (चर्चा) परिभाषा; सडेन परिभाषा, साकेतिक भाषा Technical language, conventional terminology विशेष० २०४४;

चच्चग. पु० (चटक) यडलो. एक जातिका पक्षी A sparrow. मय० २, २, १०; (२) नोकर नौकर a servant. भग० ७, ६; ६, ३३;

चच्चगर. पु० () समुदाय; समूह समुदाय, समूह. A group, an assemblage ज० प० नाया० १४ १६; राय० २१३;

(२) नोकर; सेवक a servant; an attendant नाया० १; (३) मुख्य लडवैयो. प्रधान सैनिक a principal warrior, a chief fighter नाया० १; राय० ७०, (४) यटडा देनार-अंश वगेरे. डंक देने वाला; दश देने वाला anything which bites e g a mosquito etc विवा० १,—पहकर पु० (—प्रकर) शूर वीरियो समूह वीरों का समूह An assemblage of heroic men. नाया० १६;

चडचड पु० (चडचड) यडयड ओयो शब्द तड तड शब्द A sound resembling that of the word. चड चड विवा० ६;

चडवेला. स्त्री० (चपेटा) अपेटाभारवा-पोरस करेयो. चपेटा मारना; पोरस करना. Slapping. परह १, ३,

चडिअ त्रि० (चटित) यडेयु चडा हुआ, आरुड. Mounted; raised, risen. सु० च० ६, २६;

चडिउं. सं० कृ० अ० (× चटित्वा-आरुह्य) यडीने, रमार थडने चढकर, आरुड होकर. Having mounted, having risen. सु० च० ४, १६०,

चडुकारि त्रि० (चाटुकारिन्) साइ लागे तेम डरनार अचछा मालुम हो बैसा करने वाला (One) who does what is agreeable to others, trying to please other पि० नि० ३०८, ४१४,

चडुयारि त्रि० (चाटुकारिन्) भीडा ओयो; भाभलुदास मधुर भाषण करनेवाला One who flatters पि० नि० ४८६,

चडुल त्रि० (चटुल) अस्थिर यपन यित वायु अस्थिर-चपल चित्त वाला Unsteady in mind परह० १, १,

चडुली स्त्री० (चटुली) धासना पुगाना

अग्रभागतो अग्नि घास के पत्ते के अग्र-
भाग की अग्नि Fire or burning
portion of the top most portion
a bundle of hay. नंदी० १०.

चरण पु० (चणक) अणु, कठोण धान्यनी ओष्ठ
जल चना, एक प्रकार का धान्य A kind
of corn, gram. अणुजो० १४३, पचा०
१०, २३,

चतु त्रि० (चतुर्) चार Four प्रव०
१३११, — जोगजुअ त्रि० (योगयुक्त)
चार योगधी युक्त यउष्ठ सयोगी चतुर्योग
से युक्त, चरक संयोगी. Possessed of
four fold Yoga प्रव० १३११,

चतुत्था स्त्री० (चतुर्थी) लिप्थुनी चार
पडिमाभानी योगी प्रतिमा भिक्षुक की चारह
पडिमामे स चौथी प्रतिमा The 4th of
the 12 vows of an ascetic
नाया० १,

चत्त न० (—) तराङ्क, सूतर डातवानी लोहानी
तराङ्क तकुआ, सूत कातनेका लोहे
का तकुआ. An non instrument
for spinning cotton पचा० ८, २२,

चत्त त्रि० (त्यक्त) त्याग करेड; छोड़ी
दीधेड त्याग किया हुआ, छोड दिया हुआ
Abandoned, given up प्रव० ५८५,
उत्त० ६, १५, अणुजो० २, १६ भग० ७,
१, नाया० ७,

चत्ताल त्रि० (चत्वारिंशत्) आलीस ४०
चालीस, ४०. Forty, 40 क०ग० ६, ६०,

चत्तालीस स्त्री० (चत्वारिंशत्) आलीस,
४० चालीस, ४० Forty, 40 भा० १,
५, २, ८, १०, ५, १६, ६, २०, ५ २४, १,
२१, नाया० ५, ८, सम० ८०, सु० च० २,

२५७, ज० प० ५, ११८, २, ३१;

चपल त्रि० (चपल) अपण चपल, चालाक.

Quick, unsteady नाया० २,

चप्पुडिया स्त्री० (चप्पुटिका) अप्पुटिका,
अपटी चापुटिका, चुटकी A pinch
नाया० ३,

चमडरा न० () अपट्ट डवु ते कट्ट
पहुचाना Act of injuring or hurt
ing ओघ० नि० ७६,

चमडरा स्त्री० () आपवु, दणी देवु,
दवा देना Pressing ओघ० नि० १८७,
(२) लुसी ना मवु मिटा देना act of
effacing. (३) लात, पाटु भारती ते लान
मारना act of kicking ओघ० नि०
१८३, (४) पणवु मताना act of
troubling or vexing or teasing
ओघ० नि० २३७,

चमर पु० (चमर) दक्षिण दिशाना अमर-
कुमारतो राजा, अमरेड दक्षिण दिशा के
असुर कुमार का राजा, चमरेड Chama-
rendra the king of the Asura
kumāras in the south नाया० ८
नाया० ध० ओघ० ३२, ठा० २, ३, सम०
१६, ३२, ३३, भग० २, ८, ३, १ २, ७,
६, जावा० ३, ४, पञ्च० २ प्रव० ११५०
(२) पाडा जेवे ओष्ठ मृग डे जेना पण्डाना
वाडनी अमरी जने छे, अमरी गाय
पाडे के समान एक मृग कि जिसके पंज के
वालों मे चमर बनती है चमरी गाय a
kind of deer resembling a
buffalo the hair of whose tail
is used for making chowries
नाया० १, ८ ओघ० पण्ड० १ १, ६

* लुओ पृष्ठ नम्य १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नवर १५ नी फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p 15th

जीवा० ३, ३, पञ्च० १, कप्प० ३, ४४,
 राय० ४३; ५८; जं० प० ५, ११५; ११६,
 (३) पायमा तीर्थकरना १ ला गणधरनु
 नाम. पाचवे तीर्थकर के पहिले गणधर का
 नाम. name of the first Ganad-
 dhara of the fifth Tirthankara
 प्रव० ३०५, —उष्पात्र पुं० (-उत्पात)
 यमरेद्र शङ्केद्र साथे लडवाने उपर पहुँचे
 देवलोक गये ते, दश अश्चर्यभानुं
 ओड चमरेद्र शङ्केद्र के साथ लडने का
 प्रथम देवलोक में गया सो; दस आश्चर्यजनक
 घटनाओं में से एक one of the
 ten wonderful events viz the
 going up of Chamarendia to
 fight with Śakrendia in the
 1st Devaloka वच० ८६३, —सिंहा-
 सण. न० (-सिंहासन) यमरेद्रनु सिंहा-
 सन चमरेद्र का सिंहासन the throne
 of Chamarendia भग० १०, ४,
 चमरचंचा स्त्री० (चमरचञ्चा) यमरयथा
 नामे यमरेद्रनी राजधानी चमरचंचा नामक
 चमरेद्र का पाटनगर Name of the
 capital of Chamarendia भग०
 २, १, ८, ३, १, १०, ५, १३, ६, सम०
 ३३, नाया० व० ज० प० ५, ११६,
 चमस पुं० (चमस) आटवेला, डड्डी. लकड़ीका
 चमचा, कड्डा An iron or wooden
 spoon; a ladle ओव० ३८, (२) यमस
 नामने ओड देश चमस नामक एक देश
 name of a country सू० प० १०,
 चमू. स्त्री० (चमू) सेना, लश्करैन्य,
 लश्कर An army भग० ६, ३२; नाया०
 १, महा० प० ३५,
 चम्प. न० (चर्मन्) यामडु, यामडी त्वचा,
 चमड़ा, चमडी Skin leather. भग०
 २, १, १०; ५, २, ६, १०, ७, नाया० १,

१८, सम० १४, ठा० ४, २, पि० नि० भा० ५०;
 वेय० ३, ३, कप्प० ४, ६१, प्रव० १६, २२२, १२२८;
 (२) यामडानी अगुडी चमडे की अगुठी.
 a leather cover for the finger
 just like a thimble. राय० २०४,
 —कड. पु० (-कट) यामडानी साडी
 चमडे की चटाई a mattress made
 of leather ठा० ४, ४, —किड. न०
 (-किट) यामडानी भटेल-गादी-तडीया
 बिगेरे चमडे से आच्छादित-गद्दी-तकिया
 इत्यादि a bed, pillow etc with a
 cover of leather भग० १३, ६;
 —कोसत्र. पु० (-कोशक) यामडानी
 डायरी चमडे की थैली. a leatheren
 bag आया० २, २, ३, ८८, ओघ० नि०
 ७२८, —कासिया. स्त्री० (-कोशिका)
 यामडानी डायरी चमडे की थैली a
 leatheren bag सूय० २, २, ४८,
 —खंडिय-अ त्रि० (-खण्डिक)
 यामडानी सर्व उपकरणने राजनार ओड
 भिक्षुके वर्ग चमडेकेही; सर्व उपकरण का
 रखनवाला एक भिक्षुक वर्ग. a class of
 ascetics who make use of mate-
 rials (e. g. alms-bowl etc)
 made of leather only अणुजो०
 २०, नाया० १५, —छेदण न० (-छे-
 दन) यामडु डायवानु शस्त्र चमडा काटने
 का शस्त्र an instrument for cutting
 leather (२) बाधर बिगेरेने डडडी-पट्टी
 चमडे के पट्टे इत्यादि का टुकड़ा-पट्टी. a
 band of leather etc ओघ० नि०
 ७०८, —छेयणअ पुं० (-छेदनक)
 यामडु डायवानु दधिया चमडा काटने का
 शस्त्र an instrument for cutting
 leather आया० २, २, ३, ८८, —ज्झाम
 न० (-ज्झ्यात) यामडानी अग्निथी धमायेज

चमडे की धम्मनसे वसा हुआ. heated or blown with a bellows made of leather भग० ५, २, — पलिङ्गेयण न० (—परिच्छेदन) आभञ्जने ६६३। चमडे का टुकड़ा a piece of leather वच० ८, ५, — पाय (—पात्र) आभञ्जनुं पात्र चमडे का पात्र a vessel or receptacle made of leather भग० ३, ५, — पास पु० (—पाश) आभञ्जने पासले चमडे का पाश a net or trap made of leather नि० १२, १, — रयण न० (—रत्न) यद्धवर्त्तिना यौं रत्नमातु ओ३ ६ ७ नदी-समुद्र आदि स्थले नावानी(होडी) गरज सारे चक्रवर्त्ती के चौदह (चतुर्दश) रत्नोंमेंसे एक कि जो नदी-समुद्र आदि स्थलों में नाव का काम देवे one of the 14 gems of a Chakravarti which serves the purpose of a a boat to cross a river, sea etc टा० ७, १, पञ्च० २०, ज० ५०

चम्मभ्र पु० (चर्मक) आभञ्जनी तणी, पागे तणे साधवानी पट्टी चमडे का तला, पैर के नीचे बाधने की पट्टी A sole made of leather ओष० नि० ७२८,

चम्मग न० (चर्मक) पादुका, सन्यासीनु ओ३ ७५३२९ पादुका, सन्यासी का एक उपकरण A kind of shoe put on by an ascetic सूय० २, २, ४८,

चम्मट्टिल पु० (चर्मस्थल) पक्षि विशेष. आभायेडी पक्षि विशेष, चिमगावर, चमगीट्ट A kind of bird पण० १, १,

चम्मपाक्षि पु० (चर्मपक्षिन्) आभञ्जनी पाख वागा पक्षी, आगा वायुन वगेरे, भेथर तिर्यथ पचेद्रियोतो ओ३ ७८८ चमडे की पाख वाले पक्षी, तिर्यच पचेद्रिय का एक भेद A variety of birds with

leather wings, a variety of sub-human beings with five senses उत्त० ३६, १८६, टा० ४, ४, सूय० २, ३, २६. भग० १५, १, जावा० १, पञ्च० १,

चम्मरुक्ख पु० (चर्मवृक्ष) अमर्षक्ष-वन-स्पति विशेष चर्मवृक्ष-वनस्पति विशेष A kind of tree भग० २२, १,

चम्मर पु० (चर्मकार) अमार-पशुआ पनावनार मोची-जूते बनानेवाला A shoe-maker विशेष २६८८,

चम्मिट्ट पु० (चर्मेट) मुद्गर, दसरानु ओ३ साधन मुगदल, व्यायाम का साधन A club for taking exercise with राय ३२,

चम्मेट पु० (चर्मेट) प्रदण्ड विशेष शस्त्र का एक भेद A kind of weapon पण० १, ३,

चम्मेटग न० (चर्मेटक) लुदागने लोढु दीपवाने ओ३ ओम्बर लोहार का लोहा घडने का एक औजार A kind of tool used by a blacksmith for forging iron भग० १६, ३,

✓चय धा० I, II (शक्) शक्तिमान् श्यु शक्तिमान् होना, समर्थ होना To be able

चण्ड पि० नि० १०२,

चयति सूय १, ३, २, १,

चक्रिया वि० भग० ६, १० ७ १० १३, ४, १७, २, १८ ३ वेय० ४, २८ वच० ८, २,

चाणति विशेष ७६५

चाणमि सु० च० १३, ८,

✓चग धा० I (च्यु) अर्थही पतन पागधु, अथवा स्वर्ग में पतन होना To fall spiritually, to be degraded

from heaven

चयंति. भग० २, ५, ७, ३, १०, ४; १३, २;
१५, १; १६, ७, २०, १०, सू०
प० १६;

चइऊण. उत्त० ६, १;

चइत्ता. भग० २, १, ६, ३३, १२, ८, १५,
१, नाया० ८, १५, १६, दस० ५, २,
४८; दसा० ८, १;

चयत्त. भग० ६, ३३, विशेष० १२७७.

चयमाण कप्प० १, ३; २, ३;

✓चय वा० I (चिन्) ओइडु डरु एकत्र
करना. To gather, to collect
चयइ आया० १, २, ६, ६८; सत्त० ४६,
चयंति पन्न० ६,

चय न० (चयवन) देवलोकभायी यवु ते
देवलोक में से पतन होना. Fall from,
degradation from Devaloka
ओव० ४०, नाया० १, ८, १६; भग०
१५, १, उता० १, ६०;

चय त्रि० (त्याग) तगु; ओउतु त्याग.
Abandoning; leaving; giving
up. नाया० ८; १५, भग० ११, ११; १२, ८,

चय पु० (चय) शरीर A body. नाया०
८, १५; भग० ११, ११; १२, ८,

चयण न० (चयवन) व्यवन-वैमानिक अते
ज्योतिषीनु भरण् चयवन-वैमानिक व
ज्योतिषी की मृत्यु Death of a Vaimā-
nika or of a Jyotisi god. ज० १, १;
सू० प० १, पन्न० ३७;

चयावचइअ त्रि० (चयावचयिक) वधु
वधु; न्यूनाधिः थनार न्यूनाविक होने
वाला Increasing and decreasing,
waxing and waning आया० १,
७, ७, १४७,

चयावेयव त्रि० (चयावयितव्य) व्यवनते
योग्य. व्यवन के योग्य. Worthy of

deserving Chyavana (spiri-
tual fall, abandonment, death
etc.) भग० १३, १;

✓चर वा० I. (चर्) संयम मार्गमा व्यवु,
संयम मार्ग में चलना, To follow the
path of asceticism. (२) गति डरवी
गति करना to walk; to move
चरइ दस० ६, ३, ४; सम० ६, भग० ८,
५० ज० प० ७, १३१: १३३,

चरंति ओव० २६, पि० नि० २६७, ज० प०
७, १२६;

चरे वि० उत्त० २, ३; ४, ७, ६, ४६, १०,
३६; आया० १, ७, ३, ८०, १, ६,
७ १८३, मूय० १, २, १, ६, दम०
४, ८; ५, १, २, १३; ६, २४.
२५-६, ३, १४;

चरेज वि० दसा० ७, ६, ३१,

चरेजासि मूय० १, २, १, २२,

चरिस्संति भ० ज० प० ७, १०६,

चरिसु. भ० जीवा० ३, ४, ज० प० ७, १२६;

चरिय स० कृ० वेय० १, ४,

चरिऊण स० कृ० पि० नि० ५१८,

चरित्ता सं० कृ० उत्त० २६, १,

चरत्त. व० कृ० दस० ५, १, १५, उत्त० २,
६, ४, ११, परह० १, ३,

चमाण व० कृ० भग० १, १, २, ५, ३,
७, ६, ३३, १३, ६, १६, ५; १८,
१० नाया० १, ३, ५, १६; दम०
४, १, ८, १, ओव० २०, दसा० १०, १,

चर पु० (चर) हाथता यावता वसथु.
चलना फिरता वसजीव A sentient
being having the power of
movement उत्त० ३२, २७,

चरश्च त्रि० (चरक) यावतार, डरना
चलने वाला, फिरने वाला Walking;
(one) that moves, moving.

श्रोव० १६, ज० प० (२) सेवनार, आचरनार
सेवन करने वाला, आचरण करने वाला
one who resorts to, one who
practises उत्त० ३०, २४, (३) धा३
पाडी-हुट्टो डरी शिक्षा मागनार वर्ग हल्ला-
शोर करके भिक्षा मागने वाला वर्ग a class
of beggars who get food by
violent means नाया० १५,

चरण पु० (चरक) धा३ पाडी-हुट्टो डरी
शिक्षा लेनार वर्ग हल्ला-शोर करके भिक्षा
लेने वाला वर्ग A class of beggars
who get their food by violent
means अणुजो० १६: नाया० १५, पत्र०
२०, (२) दाश, मच्छर धत्यादि, डास,
मच्छर इत्यादि a flea, a mosquito
etc सूय० १, २, २, १४, —परिवायग
पु० (—परिवाजक) तापस विशेष, त्रिदंडी
तापस विशेष, त्रिदंडी one of a parti-
cular class of ascetics called
Tridandī भग० १, २, ज० प०

चरण न० (चरण) सयम आरित्र सयम,
चारित्र Ascetic conduct, asceti-
cism सम० २, उत्त० २४, ६, ठा० २,
१, विशेष १, श्रोघ० नि० १ भग० २, १,
नाया० १, ६, पि० नि० ६०, १०५, सूय०
२, १, ६०, मत्त० ६३, गच्छा० २०, प्रव०
१६, क० ग० १, १३, (२) अल्लाट
आरेणु ब्रह्मभाट-चारण a hard, a
minstrel विशेष १४७३, (३) यरेणु-पग
चरणपैर a foot, a leg नाया० १, ८
६, १७, —आय पु० (—आत्मन्) आरित्र
रूपी आत्मा आरित्ररूप चारित्ररूपी
आत्मा, चारित्रस्वरूप soul as consist-
ing of ascetic conduct, ascetic
conduct regarded as soul पि०
नि० १०४, —आचार पु० (—आचार)

आरित्रनो आचार चारित्र का आचार.
practice of asceticism प्रव० २७०;
—कुसील त्रि० (—कुशील) आरित्रनी
विराधना डरना चारित्र की विगवना करने
वाला (one) who shows hatred
towards ascetic conduct प्रव०
११०, —चुअ त्रि० (—च्युत) आरित्र्यथी अष्ट
थयेस चारित्र्य से अष्ट जो हे वह degrad-
ed from ascetic conduct:
spiritually degraded नाया० ६
—जुअ त्रि० (—युत) आरित्रयुक्त चारित्र
युक्त Possessed of ascetic con-
duct, ascetic in conduct प्रव०
२५०, —टिअ त्रि० (—स्थित) आरित्र्यभा
रहेयु-स्थिर थयेस. चारित्र्य में रहा हुवा
steady in ascetic conduct नाया०
६, —मेय पु० (—भेद) आरित्रनो भेद
चारित्र का भेद difference, distinc-
tion in right-conduct प्रव० ५५६
—मोह पु० (—मोह) आरित्र अशने
अटकावनार मोहनीय विभाग, आरित्र मोह-
नीय चारित्र अश को रोकने वाला मोहनीय
विभाग, चारित्र मोहनाय anything that
checks or hinders right con-
duct क० ग० १, ५७, —मोहणिय
न० (—मोहनीय) मोहनीय डमनी अष्ट
प्रकृति डे जेना उदयथी एव यरेणु आरित्र
न पाये. मोहनीय कर्म की एक प्रकृति कि
जिसके उदय से जीव चारित्र चरण प्राप्त न कर
सके a variety of Mohaniya
Karma the maturing of which
hinders right conduct उन्न० ३३, ८,
चरणवत त्रि० (चरणवन्) आरित्र यय
चारित्र युक्त Possessed of right
conduct पचा० १४, २१,
चरणविधि पु० (चरणविधि) २५ उत्तरादि

सूत्रभांनु २७भु सूत्र. २६ उत्कालिक सूत्रों में से २७वा सूत्र The 27th of the 29 Utkālīka Sūtras नदी० ४३, चरम त्रि० (चरम) छेले, छेवतनु अन्तिम Final; last नाया० १; १३, १६, भग० १, ६, १४, १, नदी० १६, पि० नि० ५३, कप्य० २, १५; ५, १२३, विशेष० २००; दसा० ७, १, सू० प० ७, पचा० १, २६; क० ग० २, १०, (२) पयमा सुमतिनाथ तीर्थंकरना प्रथम गणधरनु नाम पाचवे सुमतिनाथ तीर्थंकर के प्रथम गणधर का नाम name of the first Ganadhara of Sumatinātha the fifth Tirthankara सम० प० २३३, (३) जेने क्षीथी ते लवमा आवयुं नथी ते, छेले लवमाते जिसको पुन उस भव में नहि आना है वह; अन्तिम भव वाला. one who is for the last time in a particular state of existence राय० ७६, —अंत न० (-अन्त) अरमान्त प्रदेश. चरमान्त प्रदेश. the ending region भग० १६, ८, —खंड पु० (-खण्ड) छेले अ५-६६३. अन्तिम खण्ड-टुकड़ा the last piece or portion of anything. प्रव० ७१४; —खंडग पु० (-खण्डक) जुओ “चरम खण्ड” शब्द देखो “चरम खण्ड” शब्द vide “चरम खण्ड” क० प० २, ४१; —ट्टिई ली० (-स्थिति) छेले स्थिति अन्तिम स्थिति last or final state of existence क० प० १, ६६; —तित्थयर पु० (-तीर्थंकर) छेले तीर्थंकर, महावीर स्वामी. अन्तिम तीर्थंकर, महावीर स्वामी lord Mahāvīra the last Tirthankara कप्य० १, २, —निद्राहकाल पु० (-निद्रा-

घकाल) उनालानो आभर वषत. गरमी की मौसम का अन्तिम समय, ग्रीष्म ऋतु का अन्तिम समय the fag end of summer. वव० ६, ४१, —भवस्थ त्रि० (-भवस्थ) छेले लवमां रहेले; अरम शरीरी. अन्तिम भव में रहा हुआ चरम शरीरी (a body) that is for the last time in a particular state of existence भग० ३, २; —वरिसारत्त न० (-वर्षारत्त) येमासानो आभर सभय वर्षा ऋतु का अन्तिम समय. the latter or ending part of the rainy season नाया० १, —समय. पु० (-समय) छेले वषत अन्तिम समय last time क० ग० ६, ८४, भग० १२, ६,

चरित्र. न० (चरित) येष्टा, याव यवगत चेष्टा, चालचलन. Conduct, behaviour ओव० २१, नाया० ६, (२) जन्म चरित्र-वृत्तान्त biography, life राय० ६५, २०१;

चरित्रा-या ली० (चरिका) गढ अने शहरे पर्येने ८ हाथ प्रमाणे ररेतो. किल्ला व शहर के मध्य का आठ हाथ प्रमाण का मार्ग. A road eight arms in breadth between a town and the ramparts that surround it भग० ५, ७, ८, ६, नाया० १६, ओव० अणुजो० १३४, सम० प० २१०, निसी० ८, ३, जीवा० ३, ३, परह० १. १, (२) परित्राजिज्ञ. परित्राजिका. a nun आध० नि० ५६८

चरित्त न० (चारित्र) यात्रि मोहनीयना क्षय ६ लयोपशमथी उत्पन्न थनो आत्मानो विरति परिशुभ, संयम अनुष्ठान; सद्गत्या चारित्र मोहनाय क क्षय वा लयोपशम से उत्पन्न होता हुआ विरति परिणाम, नयम

अनुष्ठान; सदाचार. Right conduct, ascetic conduct inspired by the subsidence of obstructive Karma ठ० १, १; ओव० १६, २०, अणुजो० १३१, १४७, भग० २, १; २५, ५, नाया० १, २, ५. १०, ओघ० नि० ६८८, विशेष० ५०, १२३४, वेय० १, ४९, राय० २१५, पञ० १, पि० नि० ६५, गच्छा० १२३, पचा० ६, २७, — (च्त) अंतर न० (-अन्तर—अन्यचारित्र चारित्रान्तर) आगित्र आरित्र वच्चे अतर-भेद जेध उपजती आश ड। चारित्र चारित्र के अदर भेदान्तर देख उत्पन्न होता हुई आशका. doubt arising from the observation of differences between one sort of ascetic conduct and another भग० १, ३, —आत्मा पु० (-आत्मन्) आरित्ररूप आत्मा चारित्र रूप आत्मा soul as consisting of right (i e ascetic) conduct भग० १२, १०, —आचार पु० (-आचार) पाय समिति अने तणु गुप्ति जे आठ आरित्रना आचार पाच समिति व तीन गुप्ति जे आठ चारित्र के आचार right-conduct consisting of the observance of the 5 Samitis and 3 Guptis ठ० २, ३, ५, २, सम० ५० १६८, —आराहणा स्त्री० (-आराधना) आरित्रनी आराधना-सम्बद्ध सेवन चारित्र की आराधना-सम्यक सेवन proper observance of right-conduct भग० ८, १०, —इंद्र पु० (-इन्द्र) यथाभ्यात आगित्रवान यथाख्यात चारित्रवान् one strictly observing rules of right-conduct ठ० ३, १, —कुशील त्रि० (-कुशील) आगित्रने

दूषित यनायनार चारित्र को दूषित बनाने वाला (one) that sullies or violates the rules of right conduct ठ० २, ३, —धम्म पु० (-धर्म) आरित्ररूप धर्म चारित्ररूप धर्म religion as consisting of right-conduct. ठ० १०, —नास पु० (-नाश) आरित्रने लग चारित्र का भग violation of the rules of right-conduct गच्छा० १३२, —पज्जव. पु० (-पर्यव) आरित्र पर्यव, आरित्र सयन्धि विशुद्धिना अश विलाग चारित्र पर्यव चारित्र के सबव मे विशुद्धि का अश विभाग subdivisions of expiation for faults in right-conduct पि० नि० भा० २८, भग० २५, ६, —प्राण पु० (-प्राण) आरित्ररूपी प्राण चारित्रात्मक प्राण life or vitality as consisting of right-conduct भक्त० १२६, —पाय-च्छित्त न० (-प्रायश्चित्त) आगित्रनी शुद्धि अर्थे अतिआरादिनुं प्रायश्चित लेवु ते चारित्र की शुद्धि के लिये अतिचारादि का प्रायश्चित्त लेना act of expiating for faults in right-conduct ठ० ४, १, —पुरिस पु० (-पुरुष) आगित्र पाणे पुरुष चारित्रवान पुरुष a man possessed of right-conduct ठ० ३, १, —पुलाअ-य पु० (-पुलाक) आगित्रने निःसार यनायनार पुलाक लब्धिवत साधु चारित्र को नि सार बनाने वाला पुलाक लब्धिवत साधु. an ascetic with some back-sliding in the observance of rules of right-conduct ठ० ५, ३ भग० २५, ६, —बुद्ध पु० (-बुद्ध) आगित्ररूपे जेध पावेस चारित्र रूपमे बोध-प्राप्त one awake to (i e follow-

ing) the rules of right-conduct after knowing them अ० ३, २; —बोहि. स्त्री० (-बोधि) आरित्ररूपे धर्मनी प्राप्ति थवी ते चारित्र रूप से धर्म की प्राप्ति होना. attainment of religion in the form of right-conduct अ० ३, २; —मोह पुं० (-मोह) लुओ। “चरण-मोह” शब्द देखो “चरण-मोह” भग० ८, ८, क० प० २, ३७, ५, २७, प्रव० ६६४; —मोहण न० (-मोहन) आरित्रने अटकावनार-रोकनार मोहनीय धर्मनी प्रकृति, सोल कषाय अने नव नोक्षाय ओ पथीस प्रकृति. चारित्र को रोकने वाली मोहनीय कर्म की पचीस प्रकृति, १६ कषाय और ९ नोकषाय ये २५ प्रकृति the 16 Kasāyas and 9 Nokasāyas which hinder the attainment of right-conduct उत्त० ३३, १०, —मोहाणिज्ज न० (-मोहनीय) लुओ। “चरित्त-मोहण” शब्द देखो “चरित्त-मोहण” शब्द. vide “चरित्त-मोहण” अ० २, ४, अणुजो० १०७, भग० ५, ४, ८, ८, २०, ७, —मोहणिय न० (-मोहनीय) लुओ। “चरित्त-मोहण” शब्द देखो “चरित्त-मोहण” शब्द. vide “चरित्त-मोहण” क० गं० १, १७, —लद्धिया. स्त्री० (-लद्धिका) आरित्रनी प्राप्ति चारित्र की प्राप्ति attainment of right-conduct भग० ८, २, —लोक. पुं० (-लोक) सामायिकादि पाच आरित्र रूप लोक the world or region of the five items of right-conduct viz Sāmāyika etc अ० ३, २, —विणय. पुं० (-विनय) आरित्रनुं स-

भ्यक्त प्रकारे पालन करवुं ते. चारित्र का सम्यक् प्रकार से पालन करना. due observance of the rules of right-conduct भग० २५, ७; —विराहणा. स्त्री० (-विराधना) आरित्रनुं अपडन करवुं ते, व्रतमां लग पाडवो ते. चारित्र का खडन करना, व्रत का भग करना violation of the rules of right-conduct सम० ३, आव० ४, ७; —संपण्ण त्रि० (-सपन्न) आरित्र-गुणुथी भरपूर. चारित्र-गुण से भरपूर well-accomplished in right-conduct भग० २, ५, २५, ७, —संपन्नया स्त्री० (-संपन्नता) सामायिक आदि आरित्र विशिष्टता सामायिक आदि चारित्र विशिष्टता. state of being well-accomplished in right conduct viz Sāmāyika etc उत्त० २६, २, भग० १७, ३,

चरित्ताचरित्त. न० (चारित्राचारित्र) ओइ देशे आरित्र अने ओइ देशे अआरित्र-अविरति; विरता विरति, आवडपणु एक देश से चारित्र व एक देश से अचारित्र-अविरति; विरताविरति, आवकपना Partial observance (e g by a Jain layman) of the rules of right-conduct भग० ८, २, —लद्धि स्त्री० (-लद्धि) देशविरति-आवडपणुनी प्राप्ति देशविरति-आवकत्व की प्राप्ति Sāvaka-hood, partial observance of the rules of right-conduct. भग० ८, २,

चरित्तावरणिज्ज न० (चारित्रावरणीय) आरित्रने ढाडनार आरित्र मोहनीय धर्म चारित्र को ढांकने वाला चारित्र मोहनीय कर्म Karma that hinders right conduct भग० ६, ३१, —कम्म न०

(-कर्म) चरित्रते ढाकनार कर्म, जेनाथी
 चरित्रनी प्राप्ति थती नथी ते कर्म
 चरित्र को ढाकने वाला कर्म; जिससे चरित्र
 की प्राप्ति नहीं होती वह कर्म Karma
 that hinders the attainment
 of right-conduct भग० ६, ३१,
चरित्ति त्रि० (चरित्रिन्) चरित्रवानो, आ
 रित्री, साधु चरित्रवान, चरित्री, साधु An
 ascetic, (one) possessed of
 right-conduct अणुजो० १३१. पचा०
 ११, ७, गच्छा० २१,
चरिम त्रि० (चरम) अन्तिम, छेदु अन्तिम.
 Last, final ओव० ३८, ठा० १, १,
 भग० १, ७, ३, १, ४, ५, ४, ८, ३, १३,
 १, १४, ४, १८, १, १६, ५, २५, ६ १०,
 २६, १, ३३, १०, विशेष० ४२४, पि० नि०
 १३४, सु० च० १, १ क० ग० २, २०;
 भक्त० ३४, प्रव० १४६, ४६०, ६१२; पचा०
 ६, २६, (२) अरम शरीरी अव्यञ्ज्य.
 चरम शरीरी भव्य जीव a soul that
 has its body for the last time
 i e one going to attain to
 salvation without being re-
 born पञ्च० ३, १८, जीवा० १० (३)
 पञ्चवणामूत्रना त्रीज पदना आवीसमा द्वा-
 तु नाम पञ्चवणा सूत्र के तृतीय पद के
 बावीसवें द्वार का नाम name of the
 22nd Dwāra of the third Pada
 of Pannavanā Sūtra पञ्च० ३,
 --अञ्जलिकर्म न० (-अञ्जलिकर्म)
 छेदना प्रणाम अन्तिम प्रणाम fare-
 well, final salutation भग० १५, १.
 --अन्त त्रि० (-अन्त) पर्यन्त भाग,
 छेदने भाग, पर्यवसान पर्यन्त भाग, अन्त
 का भाग, पर्यवसान end final part
 उत्त० ३६, ५६ भग० ६, ३ ३४, १

विशे० ३७६; जीवा० ३, १, पञ्च० २,
 --गेय न० (-गेय) छेदु गीत, गायन
 अन्तिम गीत, गाना last or final
 song भग० १५, १, --चउ पुं०
 (-चतु) छेदना चार last
 four क० गं० ४, २३, --दिवस. पु०
 (-दिवस) छेदने दिवस अन्तिम दिन
 final day ज० प० ७, १६२, --नट्ट.
 न० (-नाट्य) छेदनु नाट्य. अन्तिम नाटक.
 last or final dramatic per-
 formance भग० १५, १, --पाण न०
 (-पान) छेदनु (मदिरा) पान अन्तिम
 (मदिरा) पान final or last drinking
 of intoxicating wine. भग० १५,
 १, --पुढची स्त्री० (-पृथ्वी) छेदनी पृथ्वी;
 सातमी नरक अन्तिम पृथ्वी, सातवा नरक
 last earthly abode, the seventh
 hell. विशेष० ६६२, --भवत्थ त्रि० (-भ-
 वस्थ) लवना अवसान लागमा गेद;
 मृत्युनी पासे पहुँचैव भव के अवसान भाग
 में रहा हुआ, मृत्यु के पास-निकट पहुँचा
 हुआ (one) nearing death, one
 at death's door भग० ३, २, --सम-
 यभवत्थ पु० (-समयभवस्थ) लवने
 छेदने समये रहैव भव के अन्तिम समय पर
 रहा हुआ. one in the last moment
 of life, one very near to death
 भग० ७, १

चरिमाड न० (चरमादि) प्रज्ञापना सूत्रना
 दशमा पदनु नाम छे जेभा रत्नप्रभा
 वज्रेना यग्म अथरभनु वर्णन छे. प्रज्ञापना
 सूत्र के दशवें पद का नाम कि जिसमें रत्नप्रभा
 इत्यादि का चरम अचरम का वर्णन है
 Name of the 10th Pada of
 Prajñāpānā Sūtra. पञ्च० १.

चरिमुद्देशश्च पुं० (चरमोद्देशक) चरमो-

देश-भगवती सूत्रना ओडे उद्देशानुं नाम छे
चरमोद्देशक नामक भगवती सूत्रका एक
उद्देशा Name of an Uddesā of
Bhagavatī Sūtra भग० ३५, ६;

चरिय न० (चरित) आचरण, वर्तन.
आचरण; वर्तन. Conduct, beha-
viour पंचा० २, ३१, प्रव० ६१४,

चरिय. पुं० (चरिक) वनस्पती विशेष
वनस्पति विशेष A kind of Vegeta-
tion भग० २३, १;

चरिय. न० (चरित) चरित्र-आचार
चरित्र-आचार. Conduct, behaviour
प्रव० ६१४,

चरिय निबद्ध. न० (चरितनिबद्ध) ३२
नाटकमानुं ३२ भु नाटक के जेमा तीर्थकरना
छे कल्याणिकना चरित्रानुं ध्यान आपवामा
आवे छे ३२ नाटकमें से ३२ वा नाटक कि
जिसमें तीर्थकर के छे कल्याणिक के चरित्रों
का वर्णन किया जाता है The last of
the 32 kinds of dramatic per-
formances in which is given
an account of the conduct of
the six Kalyānikas of a Tir-
thankara. राय० ६५;

चरियव्व. त्रि० (चरितव्य) आचरवा
लायक आचरण करने योग्य. Worthy
of being practised. भग० ६, ३३,

चरिया. स्त्री० (चर्या) आचरु, विहार करवे
ते चलना, विहार करना. Moving out,
peregrination. सूय १, १, ४, ११,
१, ९, ३०; प्रव० ६८२, (२) धर्या समिति
ईर्या समिति carefulness in walk-
ing. भग० ७, १०, (३) यत्नवाने
परिषद चलने का परिषह endurance
of the trouble caused in walk-
ing भग० ८, ८, प्रव० ६६८, (४)

लिक्षा; गोचरी भिक्षा; गोचरी.
alms-begging. आव० ४१; —नियट्ट.
त्रि० (—निर्वृत्त) आलवाथी निर्वृत्त
थयेन चलने से जो निवृत्त हुआ है वह.
(one) who has ceased walking.
वव० ४, २२; —परिसह. पुं० (—परिषह)
आलवाने-विहार करवाने परिषह चलने
का-विहार करने का परिषह trouble or
affliction caused by walking
or peregrination. सम० २२;
—पविट्ट त्रि० (—प्रविष्ट) यत्नवामां
प्रवृत्त थयेन. चलने से जो प्रवृत्त है वह
(one) who has commenced
walking or peregrination वव०
४, २०,

चरु पुं० (चरु) छाली, पात्र, यज्ञमा
देवाने मदीदान अ.पवानु पात्र मटकी,
पात्र, यज्ञमे देवोंको बलिदान देनेका पात्र
An earthen pot or a vessel
in which an oblation is offered
to gods in a sacrifice ओव०
३८, भग० ११, ६,

चरेल्लग न० (चरक) रोमराल (रवाडा)
नी पाये वागु पक्षी हर्षदार पखवाला पक्षी
A bird with downy feathers.
पञ्च० १;

✓ चल वा० I, II (चल) आचरु चलना.
To walk; to move

चलइ नाया० १, भग० ३. ३, राय० २६६;
ज० प० ५, ११५,

चलति भग० १७, ३, नाया० ८, ज० प०
५, ११३,

चलेति नाया० ८,

चलिस्संति भग० १७, २,

चालेसु भग० १७, ३,

चलित्ता, दस० ५, १, ३१,

चलंत ओव० २१, नाया० ६,
 चल (ले) माण० भग० १, १, १०, ६, ३३,
 आया० २, ७, १, १६८,
 चालेइ प्रे० नाया० ३, राय० २६६,
 चालेति प्रे० नाया० ८,
 चालेति प्रे० सु० च० २, ५८७,
 चालित्तए प्रे० हे० कृ० नाया० ८, ६,
 चालिय प्रे० म० कृ० आया० २, १, ६, ३२,
 चालिजइ प्रे० क० वा० सु० च० ४, २८,
चल त्रि० (चल) आक्षु; अस्थिर चलता
 हुआ, अस्थिर. Moving, unsteady
 भग० ५, ४, १३, ४, १५, १, नाया० ८,
 विशेष ५५०, ओघ० नि० ६, ५१६ सम०
 प० २३१, —अचल त्रि० (-अचल)
 अक्षय्य, अस्थिर चलाचल, अस्थिर
 unsteady, moving, changing
 दस० ५, १, ६५, निसी० १३, ७, —उप-
 गरण न० (-उपकरण) अस्थिर उप-
 करण अस्थिर उपकरण an unsteady
 implement (e g an alms-bowl
 etc used by an ascetic) भग०
 ५, ४, —चपल त्रि० (-चपल) अक्ष
 अने अपगतावाण चल व चपलता युक्त
 quick and changing. नाया० ८,
 —चित्त त्रि० (-चित्त) अपल चित्तवाण
 चपल चित्त वाला. fickle-minded, un-
 stable in mind प्रव० २६०, —जीव
 त्रि० (-जीव) जेनी छाया-पण्ड अक्ष-
 अस्थिर छे ओवु (धनुष्य) जिसकी जीवा-
 दोरी चल-अस्थिर है ऐसा (धनुष्य) (a
 bow) with an unsteady or
 quickly moving string ज० प०
 ३, ४५, —सत्त त्रि० (-सत्त्व) अस्थिर
 सत्त्ववाण अस्थिर सत्त्व वाला unsteady
 in mind, unsteady in spirit
 ठा० ४, ३, ५, ३

चलण पु० (चरण) अक्ष, पग चरण, पैर
 A foot. भग० ४२, १, अणुजो०
 १२८; नाया० १, ९, सु० च० १, ५८०,
 ओव० १०, पि० नि० १८१, जीवा० ३, ३,
 ज० प० कण्प० ३, ३६, ४, ६०, भक्त०
 १०६, (२) लगवतीना प्रथम शतका
 दशमा विदेशानु नाम भगवती के प्रथम शतक
 के दशवें उद्देशा का नाम the name of
 the 10th chapter of the first
 section of Bhagawati Sūtra
 भग० १, १, —तल न० (-तल) पगनु
 तलीयु पैर का तला the sole of a
 foot नाया० ७, —मालिया स्त्री० (-मा-
 लिका) पगनु धरेणु; (तोडा भेडी वगैरे)
 पैर का आभूषण an ornament for
 foot जीवा० ३, ३,

चलण न० (चलन) आक्षु चलना. Act
 of walking or moving तदु० भग०
 १७, ३, उवा० २, १०१, —धम्म पु०
 (-धर्म) आक्षु ओज छे धर्म जेने ते
 चलना यही जिमका धर्म है वह one
 whose duty or nature is to
 walk or move दसा० १०, ८, ६,
चलणिया स्त्री० (चलनिका) साध्वीनु छडी
 वस्त्र, जणीये साध्वीका कटी वस्त्र, जाधिया
 A waist-cloth used by a nun
 ओघ० नि० ६७, “ जाणुपमाणा चलणी
 असीविया लखिया पुणे ” (२) आक्षु
 चननी. a sieve प्रव० ५३७.

***चलणी** स्त्री० (चलनी-चलन चरणं तत्प्रमाण
 कर्मचलनी) पगनुमे तेडले छेद पैर
 गड जाय उतना कौचड Mud just
 reaching the ankles, knee-deep
 mud प्रव० ५४१, जीवा० ३, ३. भग०
 ७, ६, ज० प० २, ३६,

चलिय-अ त्रि० (चलित) अक्षयमान

थयेल. जो चलयमान है वह. Moving, moved, stirring, quick कप्प० ३, ४३, सम० ६; भग० १, १०, ६, ३३; नाया० १, ८; १३; जं० प० ५, ११५, २, ३३, ५, ११२; ३, ५८, —करण त्रि० (-कर्ण) आलता (डलता) छे डान जेना अये। जिसके कान चलते (हिलते) हैं वह (one) whose ears are moving or shaking नाया० ८, —कम्म त्रि० (-कर्मन्) यथायमान थयेल डर्भ जो कर्म चलायमान है वह Karma which has become quick or which has commenced its motion भग० १, १, —रस त्रि० (-रस) जेना रस थलित थये। डोय गगडी गये। डोय ते जिसका रस चलित हुआ हो बिगडा हुआ हो वह. (anything, e g a fruit etc.) of which the juice has undergone decomposition प्रव० २४८,

चवचव न० (*) अनुकरण शब्द अनुकरण शब्द An onomatopoeic word, a sound like that of the word (Chavachava). ओघ० नि० भा० २८६,

चवण न० (चयवन) देवलोक विगेरेथी यवु भरणु पामवु ; देवता के नारकीनु भरणु देवलोक आदिसे पतन होना--मृत्यु को प्राप्त होना, देवता वा नारकी की मृत्यु Death of a heavenly or hellish deity. सु० च० १, १२०, २, १५५, भग० ७, ५; आया० १, ३, २, ११४, १, ७, ३, २०७, राय० ६५; २६३; जीवा० १; कप्प० ५, १२०, —काल. पु० (-काल) देवतायोना

यवन (भरणु) डाल देवताओं का चयवन--मृत्युकाल the hour of death of the gods नाया० ६,

चवल. त्रि० (चपल) थंयल; थपल, उतावणुं. चंचल, चपल; स्फूर्तिवाला. Wavering; fickle, swift; impatient. ज० प० ३, ४३, ५, ११५; ७, १६६, उत्त० ६, ६०, ओव० १२, २१, सम० प० २३१, भग० ३, १, ११, ११, १५, १; नाया० १, ६, पि० नि० २६२, जीवा० ३, १, पन्न० २, कप्प० ३, ४३,

चवला स्त्री० (चपला) देवतानी अेड प्रकारनी गति देवता की एक प्रकार की गति A kind of gait of the gods राय० २६, आया० २, १५, १७६,

चवलिय- त्रि० (चपलित) लाजन विशेष भाजन विशेष. A kind of pot or vessel. जीवा० ३, ३;

चविया स्त्री० (चावका) तीष्ण गन्धवाली अेड वनस्पति तीक्ष्ण रस वाली वनस्पति. A kind of herb having sharp, pungent juice पन्न० १७,

चवेडा स्त्री० (चपेटा) आगणीवती थपटी गगडी ते उगली में चुटकी वजाना. Snapping the fingers उत्त० १, ३८; १६, ६८; भग० ३, २; सु० च० १४, ४०, राय० १८३, जीवा० ३, ४, जं० प० ५, १४१,

चाअ पु० (त्याग) तजवु, छोडवुं त्याग करना, छोड देना Abandonment, giving up. पचा० २, ४,

चाइ त्रि० (त्यागिन्) त्याग करने वाला, त्यागी. (One) who

gives up or abandons भग०
२, १, दसा० २, २,

चाइत्त न० (त्यागित्व) त्यागी पणुं. त्यागी
पना Renunciation सु० च० २, १४,

चाइय त्रि० (शक्त) शक्तिवन्त, समर्थ.
शक्तिवत्त समथ Powerful, capable
उत्त० ३२, १६,

चाउकाल पु० (चतुष्काल) थे सध्या अने
थे मध्यान्ह ओम रात द्विपसमा यार वपत.
दो सध्या व दो मध्यान्ह इस प्रकार रात
दिन के चार समय. The four points
of day and night viz. two
twilights, mid-day and mid-
night निसी० १६, १६,

चाउकोण त्रि० (चतुष्कोण) यार पुणु
वायु चार कौने वाला Four-cornered
नाया० १३, राय० १३३,

चाउग्रंट पु० (चतुर्घण्ट-चतस्रोघण्टायस्य स)
जेनी यारे आनुये-यारे दिशामा विजय
सूयक घटडी आंधिनी होय तेवो रथ जिसकी
चारों दिशाआ मे विजय सूचक घटा बधी हुई
हो ऐसारथ A chariot with trium-
phal bells tied on its four
sides भग० ७, ६, ९, ३३, नाया० १,
८, १६, १६, ज० प० राय० २१३,
—आसरह पु० (-अश्वरथ) यार टोडरी
वाणी घोडा गाडी चार घटी वाला अश्वरथ
a chariot drawn by horses
having four bells निर० १, १,
नाया० ८,

चाउजातक न० (चतुर्जातक) तज-ओलथी
केशर-भरी-ओ यार वस्तुनु मिश्रण दाल-
भिनी, केशर, इलायची, कार्लामिर्च-इन चार
वस्तुओं का मिश्रण A mixture of
four ingredients viz. cinna-
mon, aromaticum, saffron,

cardamom and pepper जीवा०
३, ४,

चाउज्जाम पु० (चातुर्जाम) या० महाव्रत-
सर्व प्राणातिपात विरमणु, सर्व मृपावा
विरमणु, सर्व अदत्तादान विरमणु सर्व
परिग्रह विरमणु ओ यार महाव्रतमा श्रमणु-
पणु जेमा दर्शायु छे ते धर्म, वज्येना
आवीश तीर्थङ्करेनो धर्म, तेमा ओथु
मेहुणु विरमणुव्रत पायमामा समानी
देवाथी महाव्रतनी सध्या पायने अफले
यारनी छे चार महाव्रत-सर्व प्राणातिपात
विरमण, सर्व मृपावाच वीरमण, सर्व अदत्ता-
दान विरमण, सर्व परिग्रह विरमण इन चार
महाव्रत में श्रमणपना जिसमें दर्शाया है वह
धर्म, मध्य के वार्डम (२२) तीर्थंकरों का धर्म,
उसमें चतुर्थ मेहुण विरमण व्रत पाचवे में
ममाविष्ट कर देने मे महाव्रत की मख्या
पाच के स्थान चार है that religi-
ous teaching which demon-
strates the asceticism in the
four great vows viz. absten-
tion from all killing, abstention
from all false-hood, abstention
from acceptance of things not
given and abstention from
stealing, the distinctive
character of the middle
22 Tithankaras, the fourth
of the vows being included in
the fifth, the number of the
great vows is four instead of
five मय० २, ७, ४०; उत्त० २३, १०.
भग० १, ६, २, ५, ५, ६, ६, ३०, २०,
८, २५, ७, राय० २०१, नाया० १६;
—धम्म पु० (-धर्म) यार महाव्रतमा
धर्म चार महाव्रतरूप धर्म religious

observance in the form of the four great vows. नाया० १६;

चाउहसिय. त्रि० (चातुर्दशिक) यैहसने दिवसे जनमेव चतुर्दशी के दिन जन्म पाया हुआ. Born on the 14th day (of the bright or dark half of a month) उवा० २, ६५;

चाउहसी. स्त्री० (चतुर्दशी) यैहस चतुर्दशी. 14th day (of the bright or dark half of a month) “ चाउ हसी पञ्चरसि वज्जेजा अट्ठमाँच नवमीँच ” विशेष जीवा० ३, ४; राय० २२५; भग० २, ५; ३, २; ३, ७; नाया० २, ६, विवा० १, —चंद्र पु० (—चन्द्र) चतुर्दशीने चंद्रमा. चतुर्दशी का चंद्र. the moon of the 14th night (of the bright or dark half of a month) नाया० १०,

चाउप्पाय. त्रि० (चतुरपाद) चिकित्साना चार पाया—वसन, विरेचन मर्दन अने स्वेदन चिकित्साकें चार पाये—वसन, विरेचन मर्दन व स्वेदन the four basic operations of medical treatment; vomitting, purging, rubbing and perspiring. (२) वैद्य, औषधी, फरदी अने सारवार करणार भायुस वैद्य, औषधी, दरदी व सेवा शुश्रूषा करने वाला मनुष्य the physician, medicine, the patient and who nurses. (३) अञ्जन-अन्धन-लेपन अने मर्दन. अञ्जन-वन्धन, लेपन व मर्दन. application of an ointment, bandaging, smearing and rubbing. उत्त० २०, २३;

चाउभाइया. स्त्री० (चतुर्भागिका) चौथो भाग. चतुर्थ भाग, चौथा भाग The fourth part राय० २७२

चाउम्मास न० (चातुर्मास्य) चौभास,

यातुर्मास. वर्षा ऋतु, चातुर्मास. The rainy season; the four months (of the rainy season) प्रव० १८३; पंचा० १, १६,

चाउम्मासेय. त्रि० (चातुर्मासिक) यातुर्मासिक, चार महिनातु. (प्रतिक्रमण वगेरे) चातुर्मासिक, चारमास का (प्रतिक्रमण इत्यादि). Pertaining to the four months (of the rainy season) नाया० ५; निसी० २०, १३; १६. ४१, वव० १, २, वेय० १, ३६, २, १५; —मज्झणय न० (—मज्जनक) यातुर्मासमा थतो भज्जन भोत्सव चातुर्मास में होनेवाला मज्जन महोत्सव. the great festival of ablu-tion occuring in the four months (of the rainy season) नाया० ८;

चाउर. त्रि० (चतुर) चार; चार की संख्या Four, the number four ओव० —अंग. न० (—अंग) चार अंग. चार अंग the four limbs or divisions विवा० ३;

चाउरगिज्ज न० (चतुराङ्गिक) उत्तराध्ययन तीज अध्ययनतु नाम उत्तराध्ययन के तृतीय अध्ययन का नाम Name of the third Adhyayana of Uttara-dhyayana अणुजा० १३१;

चाउरंगिणी स्त्री० (चतुरंगिणी) लुओ “चउरंगिणी” शब्द देखो “चउरंगिणी” शब्द Vide “चउरंगिणी” ओव० २६; भग० १, ७, ७, ६, नाया० १; ५, ८, १४. १६, दसा० १०, १; ज० ५०

चाउरअंत. त्रि० (चतुरन्त) नाट्य-निर्यय-मनुष्य अने देवता ओ चार गति छे अन्त-अवयव गेनी ते, चार गतिरूप या अवयव वाणो अन्तर. नारकी-निर्यय-मनुष्य व देवता ये चार गति है अन्त-अवयव जिसकी वट,

चार गतिरूप चार अवयव युक्त ससार
Worldly existence consisting
of divisions which has got for
its end the four conditions
viz hell beings, lower animals,
man, and celestial beings
उवा० ७, २१८, उत्त० १६, ४६, सूय० २,
२, ८२, भग० १, १, २, १, नाया० १, २,
(२) चार दिशाना चार विभाग युक्त con-
sisting of four divisions of
the four quarters ठा० २, १, (३)
त्रयु तर्क समुद्र अने येथे हिमायव ये
चार जेना अन्त-पर्यन्त भाग छे अथे
पृथ्वी प्रदेश तीनो तरफ समुद्र व चौथा
हिमालय ये चार जिमके अन्त-पर्यन्त भाग
हैं ऐसा पृथ्वी प्रदेश the region of
the earth bounded on three
sides by the sea and on the
4th by the Himalayas सम०
१ उत्त० ११, २२, —चक्रवर्हि पु०
(चक्रवर्तिन्) भरतनी चारे दिशा
पर्यन्त विजय करनार अक्षवर्ती भरत
की चारो दिशा पर्यन्त विजय करने वाला,
चक्रवर्ती one who is victorious
in the four quarters of Bharata,
a sovereign whose dominion
extends as far as the ocean
भग० १६, ३, कप्प० २, १५.

चाउरक पु० (चातुरक्य) आस गोत्र
दुध विगेरेथी जनावेस आध विशेष
शकर, गुड, मिश्री, दूध इत्यादि से बनाया
हुआ साद्य विशेष A kind of dainty

prepared from sugar, jaggery,
sugar-candy and milk जीवा० ३, २,
चाउथय पु० (चातुर्थक) येथियो चार-
ताय प्रत्येक चौथे दिन आने वाला ज्वर,
चौथिया ज्वर Fever recurring on
every fourth day भग० ३, ७,

चाउल पु० () येभा आवल, भात
चावल, भात Cooked or boiled
rice आया० २, १, १, ३, पि० नि०
भा० १८, दस० ५, १, ७५, पचा० १०,
२३ दसा० ५, २, ६, २, वच० ६, ४,
—उदग न० (—उदक) येभाता धोवणु
पाणी चावल का धोया हुआ पानी. the
water in which rice is washed
“चाउल उदग बहु पसन्न” दस० ६, १, ७५, पि०
नि० १६५, निसी० १७, ३०, कप्प० ६, २५,
—उदप न० (—उदक) जुओ उदो
शब्द देखा ऊपरका शब्द vide above
आया० २, १, ७, ४१, —धोवण न०
(—धावन) येभातु धोणु, जेना येभा
धोया होय ते पाणी चावल का धोया हुआ
पानी the water in which rice is
washed ठा० ३, ३, —पिट्ट पु०
(—पिष्ट) येभातो दोट-आटा. चावल का
आटा. the flour of rice दस० ५, ३,
२२,

चाउवरण न० (चातुर्वर्ण्य) ब्राह्मण, क्षत्रिय,
वैश्य अने शूद्र-ये चार वर्ण ब्राह्मण,
क्षत्रिय, वैश्य व शूद्र-ये चार वर्ण The 4
castes, viz Brahman, Kshatriya,
Vaishya and Śūdra भग० १५, १ (२)
साधु, साध्वी आर्य अने आर्यिक ये अतुर्वर्ण्य
स व साधु, साध्वी, आर्य व आर्यिक ये चार

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (•) देखो पृष्ठ नम्बर १६ की फुटनोट (•) Vide
foot-note (•) p 151h

प्रकार के संघ. the four classes, viz male and female ascetics and male and female disciples. ज० १०; भग० १६, ६; २०. ८; —आइरण त्रि० (—आकीर्ण—चत्वारोवर्णास्तेनाकुलः कीर्णः) आर वरुण—साधु, साध्वी, श्रावक અને શ્રાવિકાથી વ્યાપ્ત (સંઘ) ચાર વર્ણ—સાધુ, સાધ્વી, શ્રાવક ઔર શ્રાવિકા સે વ્યાપ્ત (સંઘ) (an assembly) consisting of four classes viz male and female ascetics and male and female disciples “ समणस्स भगवओ महावीरस्स चाउवज्जा इहे संघे ” ज० १०; भग० १६, ६, २०, ८.

चाउस्सालग. न० (चतु शालक) आर भाव-
वायु भवन चार मंजिल वाला मकान. A
four-storyed mansion ज० प० ५, ११४,

चाउस्सालय न० (चतुःशालक) ओओ
उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide
above ज० प० ५, ११४;

चाग. पु० (त्याग) त्यज् देवुं ते, त्याग त्याग
Abandoning, renunciation पंचा०
१०, १४, —रुच न० (—रुच) त्यागरूप
त्याग रूप marked by renuncia-
tion पंचा० ५, १३,

चाहुकर त्रि० (चाहुकार) प्रिय वचन ओओ
नार प्रिय वचन बोलनेवाला Speaking
sweet words ओव० ३१,

चाहुकारग त्रि० (चाहुकारक) ओओ उपलो
शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above.
ज० प० ३, ६७,

चाहुचार त्रि० (चाहुचार) भीडु—भधुरु ओओ
नार मिष्ट-मधुर बोलने वाला (One)
who speaks sweet words पण्ह०
१, २;

चाणक पु० (चाणक्य) पाटलीपुत्रना ચન્દ્ર-
ગુપ્તરાજનો મંત્રી કે જેના ઉપર ચંદ્રગુપ્તના
પુત્ર બિન્દુસારનો અભાવો થવાથી તેણે
મંત્રીપદ છોડ્યું, માઆપની અનુજ્ઞા લઈ સર્વ
આરંભથી નિવૃત્ત થઈ સંધારો કર્યો પાટલી-
પુત્ર કે ચન્દ્રગુપ્ત રાજા કા મંત્રી કિ જિસકે
સાથ ચન્દ્રગુપ્ત કે પુત્ર બિન્દુસાર કા વૈરભાવ
ઉત્પન્ન होनेसे उसने मन्त्रीपद का त्याग किया
माआप की अनुज्ञा लेकर सर्व आरंभ में
निवृत्त होकर संधारा किया. The minister
of Chandragupta, king of Pā-
taliputra, who being on hostile
terms with Chandragupta's
son Bindusāra resigned his
post and desisting from all
worldly activities with the per-
mission of his parents, practis-
ed Santhāhā “ पाडलिपुत्तम्मि पुरे
चाणको नाम विस्सुओ आसी सन्वारमनि-
यत्तो इगिणीमरण अह निवज्जो ” संथा० ७३.
पि० नि० ५००, मत्त० १६२;

चाणूर. पु० (चाणूर) ओ नामतो ओओ मत्त
जेने इरुनी सलामा वासुदेवे भार्यो इम
नामका एक मल्ल जिसको कम की मभा में
वासुदेव ने मारा Name of a wrestler
who was killed by Vāsudeva
in the court of Kansa पण्ह० १, ४,
चामर न० (चामर) जेनाथी पवन नआय छे
ते रामर-रामरी गायना वागनु अनावेसु
छेय छे ते जिमसे हवा की जाती है वह
चमर-चमरी गाय के पुच्छ के वालों की बनाई
जाती है वह चवर. A chawan usual-
ly made of the bushy tail of
a cow and used as a fan ज० प०
४, ७४, ५, ११४; ओव० १०; ३१, उत०
२२, ११, भग० १, १, १७, ६, ६, ३३

नाया० १, ३, ५, १६, राय० ४७, प्रव० ४४१, कप० ८, ६२ ओघ० नि० भा० ८५, सू० प० १०, पत्र० ११, विवा० २, —उक्खेव पु० (—उत्क्षेप) आभर दाणीतु ते चवर उडाना waving of Chawii ज० प० ५ १२२, नाया० १६, —ग्गाह त्रि० (—ग्राह) आभर अल्लु उडाना चवर ग्रहण करने वाला (a person) who carries a chumara (chawii) ज० प० ३, ६७, निमो० ६, २४, —धार त्रि० (—धार) आभर धरना, हाथमा अमरी रा मनार चवर धारण करने वाला, हाथ में चवरी रखने वाला (one) who holds or carries a chumara in his hand राय० १६६, —वाल्वीय-लोया ली० (—वाल्वीयजनिका) आभर अने वीजल्लु-पणे चवर व पखा a chawii and a fan भग० ६, ३३

चामरा ली० (चामर—त्रीत्वञ्च पाकृत्वत्वात्) अमरी, आभर चवरी-चवर A chawii ज० प०

चामीकर न० (चामीकर) सुवर्ण, सोना Gold कप० ३ ३६ अत० १, १,

चामीयर न० (चामीकर) सुवर्ण, सोना Gold नदी० स्व० १२, नाया० ५, सु० च० २, ६३८, ज० प० ३, ४१,

चाय पु० (त्याग) त्याग, अभाव त्याग, अभाव Foraking absence वि० १८८ ४८०, सु० च० १, ३६१; प्रव० ४४१

चार पु० (चार) अभुस छुपी पीडीम गुप्त दूत, जामूस. A spy. a secret emissary वि० नि० ३७१, सू० १, ३, १, १५, उवा० ५, १० (२) यन्त्रादिनी गति-आश चक्रादिक की चाल motion

of the moon etc ज० प० ७ १३३, १२६, ओव० २५, नाया० ७, १६, भग० २, ५, १६, ५ जीवा० ३, ८, (३) यन्त्रादिनी मान-माप इरानी दवा मैन्स का मान-अनुमान करने की कला the art of estimating the strength of an army आव० १०० नाया० १ (८) अभुस इरु, इरु अभुस करना फिरना wandering, roaming सम० ६, —उववण्ण त्रि० (—उपपन्नक) गति-युक्त गतियुक्त possessed of motion ज० प० ७ १४०, —पुरिस पु० (—पुस्प) अनी अमर भेदयना, अभुस गुप्त वान मिचाने वाला जामूस a spy, a secret emissary विवा० ३,

चारत्र न० (चारक) डेढ्यानु; डेढ्यानु जेठ कारागृह, कैदगाना A prison ठा० ७, १,

चारण हे० कृ० अ० (चरितुम्) विचरवाने जवाने विचरने क जाने को For the purpose of wandering or going वच० ४ १, १६

चारग न० (चारक) आठ्या गुन्हेगारने पुन्वानी अवाग डेढ्यानु डेढ्यानु जेठ अपराधी को जिला के निय अवेग कोठडा कारागृह A dungeon for confining a criminal, a prison भग० ११, ५१ नाया० १ २ नय० २ ० ६, ओव० ३८, पद० १ १, जावा० ३, ० कप० ५, ६६, —पालत्र पु० (—पालक) जेठ कारागृह का प्रधान अनिसारी a jailor the keeper of a prison विवा० ६ —चंधण न० (—चन्दन) जेठ्यानु अन्धन जेठ्यानु पदु ते कारागृह का दन्दन imprisonment दवा० ६ ८ —मड पु० (—माउ)

जेवना (जेडीयो विगेरे) साधन कारागृह के (वेडी इत्यादि) साधन. instruments such as fetters etc of a prison विवा० ६, --वसहि स्त्री० (-वसति) जेवनां निवास करवे ते कारागृहमें निवास करना confinement in a prison परह० १, ३,

चारगसराण न० (चारकश्लक्ष्ण) ओड जतनु इलवाले वृक्ष एक जाति का फलवाला वृक्ष A kind of fruit tree भग० २२, २, --साला स्त्री० (-शाला) डेहपानु, जेलनुं भडान कारागृह a prison. नाया० २, १४, --सोहरा न० (-शोधन) जेवनांथी डेहियोने छुटा करवा ते कारागृह से अपराधियों को मुक्त करना. releasing criminals from imprisonment नाया० १,

चारण पु० (चारण --चरण गमन विद्यते येषाम्) चारण लब्धि वाणा साधु ते जे प्रचारना छे नंदाचारण अने विद्याचारण, अडम अडमना तपथी उपजेलपहेला प्रचारनी लब्धिवाणा साधु ओडज दुहे तेरमे इयडवर द्वीपे पडोथी शके. वगता मेरने शीअरे विसाभे लध गीजे उतपाते मूल जग्याये पडोये, छुट छुटना तपथी उपजेल गीज प्रचारनी लब्धिवाणा जे उतपाते मेरशिअर अने आडमे नन्दीश्वरद्वीपे पडोये अने वगतां ओडज उतपाते मूल जग्याये पडोये चारण लब्धिवाला साधु वे दो प्रकार के होते हैं--जघाचारण व विद्याचारण, अठम अठम के तपमे उत्पन्न पहिले प्रकार की लब्धि एक ही ऋतुमे तेरवे रुचकवर द्वीप तक पहुच सके, लौटते समय मेरु के शिखर पर विश्राम लेकर द्वितीय उत्पात मे मूल स्थान पर पहुच छट छट के तपमे उत्पन्न द्वितीय प्रकारकी लब्धिवाला दो उत्पात मे मेरु शिखर व अष्टम

नन्दीश्वर द्वीप को पहुंचे व लौटते समय एकही उत्पात से मूल स्थान पर पहुंचता है. An ascetic possessed of the power known as Chārana Labdhi, which is of two sorts namely Jāṅghā-chārana and Vidyāchārana The power of the first kind is born of austerities of 3 days consecutive fasts, performed on enables one to reach in a single jump, the 13th Ruchakavara Dvīpa and come back to the starting point in the next spring after resting on the summit of Meru while returning One who is possessed of the other power produced from austerities of 2 days consecutive fasts, performed every 6th day of a fortnight, can reach the summit of Meru and the 8th Nandīśwara Dvīpa in two bounds and can come back to the starting point in a single spring while returning प्रव० ६०५, श्रौव० १६, सम० १७; भग० २०, ८, नाया० १, ५, विश० ७८०, जीवा० ३, ४, पन्न० १, --भावना न० (-भावना) चारण भावना-चारणलब्धि उत्पन्न थाय तेरी भावना चारणभावना, चारण लाटव उत्पन्न हो ऐसी भावना abstract meditation on the rise of Chārana Labdhi वव० १०, ३०, ३१; ३२;

चारणगण पु० (चारणगण) जे नामने भट्टावीर स्वाभीने ओड गण इस नाम का महावीर स्वामी का एक गण Name

of a body of followers of
Mahāvīra Svāmī ठ० ८,

चारभट्ट पु० (चारभट) भुल्ल सुभट
A clever warrior (२) और
तस्कर, चोर a thief परह० १, १,
चारि त्रि० (चारिन्) आलनारु, आलवाना
स्वभाव वाला चलने वाला, चलने के
स्वभाव वाला Moving, capable
of movement ओव० २६, ४०; नाया०
४, पि० नि० १७५;

चारि पु० (चारि—पशुभक्ष्यविशेष) आरौ;
घास पशु भक्ष्य विशेष, चारा, घास
Food of beasts, grass पि० नि०
२२५; २३८,

चारिय पु० (चारिक) अभुस जासूस,
गुप्त दूत A spy, a secret emissary
आया० २, ४, १, १३४, (२) लडवैयो,
योद्धा, सुभट a warrior, a
fighter विशेष० २३८५, (३) डेरु, और
चोर तस्कर. a thief परह० १, २

चारिआ स्त्री० (चारिका) पवित्राजिका
साध्वी परिव्राजिका, साध्वी A female
ascetic who has renounced the
world ओघ० नि० ५६८

चारित्त न० (चारित्र) धर्मनो नाश करने
और श्रव परिणाम, निश्चय दृष्टि से आत्म
व्यवहार करने व्यवहार दृष्टि से अगमानु
ष्ठान कर्म का नाश करने वाला एक जीव
परिणाम, निश्चय दृष्टि से आत्म स्वभाव व
व्यवहार दृष्टि से मयमानुष्ठान The nature
of Jīva (soul) which destroys
Karma the nature of self from
the stand-point of will and the
practice of self-control from
the practical, worldly stand-
point उक्त० २८, ३३, नंदी० म्य० ४

प्रव० १८; भक्त० ७, आव० १, १, पचा०
११, २. —गुण पु० (-गुण) आरित्र-
सम्भना गुण चारित्र-संयम के गुण
the characteristics of self-
control गच्छा० १०२. —जुक्त त्रि०
(-युक्त) आग्नित्थी युक्त चारित्र से युक्त
possessed of self-control
प्रव० ८४६; —परिणाम. पु० (-परिणाम)
आरित्रना परिणाम-अध्यवसाय चारित्र
के परिणाम-अध्यवसाय the thought-
activity in relation to right-
conduct or self-restraint
पचा० १, ५०, —रक्षणा न० (-रक्षण)
आग्नित्थी रक्षणा इत्यु ते चारित्र का रक्षण
करना the guarding of self-
restraint गच्छा० २१

चारित्ति त्रि० (चारित्रिन्) आग्नित्थी
चारित्र युक्त Possessed of self-
control पचा० ३, ६, प्रव० ७६५,

चारी स्त्री० (चारी) आगे, आग-आग चाग;
घास Grass ओघ० नि० २३८

चारु त्रि० (चारु) सुन्दर, मनोहर सुन्दर,
मनोहर Beautiful; charming
ओव० १०, भग० ३, १, २, नाया० १, २,
३, ८ दम० ८ १८, जीवा० ३, ३, कण्ठ०
३, ३५. म० प० २०, (२) लथीयाग शस्त्र
a weapon ज० प० ५, १११, जीवा०
३, ४ राय० २०८, (३) लथीयाग शस्त्र
आवासीना त्रि० तीर्थकरना प्रथम गणेश्वर
नाम भरत क्षेत्र के वर्तमान चारुवर्मा के
तृतीय तीर्थकर के प्रथम गणेश्वर का नाम
name of the first Ganadharma
of the third Tirthankara of
the present cycle of Bharata
Des. प्रव० २०५. —गणेश्वर स्त्री०
(-गणिका) लथीयाग सुन्दर देव्या

दासा विशेष, सुन्दर वेश्या (नायिका गणिका) a beautiful harlot or courtesan. ज० प० —घोस पु० (-घोष) सुन्दर शब्द श्रेष्ठ गर्जना सुंदर शब्द श्रेष्ठ गर्जना sweet voice, a loud roar कप्प० ३, ३३, —भासि त्रि० (-भाषिन्) मीठु मीठु भोदनार मीठा मीठा बोलने वाला speaking sweetly ज० प० ३, ५२, —चित्त न० (-चित्र) सुंदर चित्र सुंदर चित्र a beautiful picture कप्प० २, १३, —रूप न० (-रूप) सुंदर रूप, श्रेष्ठ आकृति सुंदर रूप श्रेष्ठ आकृति. beautiful form ज० प० ३, ६०, कप्प० ३, ३८, —वेसा स्त्री० (-वेपा) मनोहर छे वेप ओनो ओपी (स्त्री) ऐवी (स्त्री) जिसका पहिनाव मनोहर है a woman with beautiful dress. अग० १, १०. ६, ३३, ११, १८, विवा० २ —हार पुं० (-हार) सुंदर हार सुंदर हार a beautiful garland 'सहकार चारुहारो' नाया० ६,

चारुपञ्चय. पु० (चारुपर्वत) ओ नामनो ओड पहाड इस नाम का एक पहाड Name of a mountain नाया० ८,

चारु पु० (चारु) त्रीण सलवनार्थ तीर्थकरना प्रथम गणधरनु नाम नृत्ताय सभवनार्थ तीर्थकर के प्रथम गणधर का नाम. The name of the first Gnanadhara of the third Tirthankara Sambhavanārtha सम० प० २३३,

चारुवस पुं० (चारुवज) आरुवश नामे वनस्पति विशेष चारुवश नामक वनस्पति विशेष. A kind of vegetation भग० २१. ४

चारुयव्य त्रि० (चारुयव्य) इत्यन्ता

सम्पद्प्रकारे सचारु कराने ते कथनद्वारा सम्पद् प्रकारसे सचारु कराना Proper propounding by means of narration भग० ६, ३२;

चारोववन्नग. त्रि० (चारोपपन्नक) चार गति युक्त ज्योतीश्चक्ष क्षेत्र-तेमा उत्पन्न थयेव ज्योतीषी देवता चार-गति युक्त ज्योतिश्चक्ष क्षेत्र-उसमे उत्पन्न होनेवाले ज्योतिषी देव A region of gods known as Jyotischakra where the Jyotisi gods live in four states ठा० २, २,

चालण न० (चालन) समाधान करवाने शक्य करवी ते, तर्कवितर्क समाधान करने को शक्य करना, तर्कवितर्क Questions and doubts

चालत्र पु० (चालक) आधुणी. चलनी A sieve वव० ६, ४४, विशेष० १००७, (२) स्थानातरे धष्ट ज्युं ते स्थानातर को लेजाना removal परह० २, ३,

चालणी स्त्री० (चालनी) धान्य आणवानी आणणी धान्य को साफ करनेकी चलनी A sieve विश० १४५४, नदी० स्य० ४४, मत्या० ८५,

चालिय त्रि० (चालित) चलायमान करेले आलेख चलायमान किया हुआ, चला हुआ. Moved राय० १२८,

चाली स्त्री० (चाली) ओड नतनु वाद्य वाद्य एक जाति का वाद्य-वाजित्र-वाजा. A kind of musical instrument राय० ८६,

चाली स्त्री० (चत्वारिंशत) आधीस ४० चालीस Forty, 40 उवा० १०, २७७, चालीस. स्त्री० (चत्वारिंशत) आधीस चालीस Forty. सू० प० १,

चाव पु० (चाप) धनुष वनुष A bow ग्रंथ० १०, जीवा० ३, ३, राय० १३०

उवा० २, १०१, ज० प० ३, ६७,
चावित त्रि० (चवित) प्राणुथी अष्ट ३२-
 वामा आवेत्त, मारी नाभेत्त प्राण से अष्ट
 किया गया हुआ, मार डाला हुआ. Des-
 troyed, killed अणुजो० १६,
चावेयव्व त्रि० (चर्वयितव्य) चर्वणु ३२वा
 योग्य-आववा लायक. चर्वण करने योग्य,
 चावने के लायक Worthy of being
 chewed. उक्त० १६, ३८, नाया० १,
 भग० ६, ३३,
चावोरणत्त पु० (चापोन्नत) आपोन्नत नामे
 अगीथारमा देवयोडनु ओड विमान, ओना
 देवतानी स्थिति ओडवीस सागरोपमनी छे,
 ओ देवता ओडवीशमे पणवाडीये आसो-
 छ्वास ले छे, अने ओडवीस हजार वर्षे क्षुधा लागे
 छे चापोन्नत नामक ग्यारहवें देवलाक का एक
 विमान, इसके देवताकी स्थिति इक्कीस सागरो-
 पम की है, यह देवता इक्कीसवें पक्ष में आसो-
 छ्वास लेता है और उसे इक्कीस हजार वर्ष में
 क्षुधा लगती है An abode of god in
 the 11th region of gods The
 god of this abode lives for 21
 Sāgamopamas, breathes once in
 21 fortnights and feels hungry
 after every 21 thousand years
 सम० २१,
चास पु० (चाप) आप, अपैये। चाप पत्ती
 A kind of bird उक्त० ३४, ५, ओष०
 नि० भा० ८४, परह० १, १ जीवा० ३, ४,
 पञ्च० १, राय० ५१,
चिअ त्रि० (चित) छट पाणु विजेरेथी
 यणुधु ईट, पत्थर इत्यादि से बनाया हुआ
 Piled with bricks etc अणुजो०

१३३,
चिअगा स्त्री० (चिता) यिता; ये चिता A
 funeral pyre ज० प०
चिअत्त न० (-) मनने। प्रेम मन
 का प्रेम Inner love ज० प० २, ३१,
 दम० ५, १, १७,
चिअाअ पु० (त्याग) परिग्रहने। त्याग
 परिग्रह का त्याग Giving up of
 worldly possessions (२) मुपावमा
 आहारार्थि आपवा ते, दान. मुपात्र में
 आहारार्थि का दान देना वह right
 charity, charity or alms to the
 deserving persons सम० १०,
चिइ स्त्री० (चिति) जटनी यिता, ये
 काट की चिता A funeral pyre (२)
 चैत्य, यिता उपर डरेत्त स्मारक यिन-
 चैत्य, चिता के ऊपर किया हुआ स्मारक
 चिन्ह A sign or mark erected
 on the spot where a person is
 burnt after death पचा० १, ४२
चिइगा स्त्री० (चितिका) जुओ "चिइ"
 शब्द देखो "चिइ" शब्द Vide "चिइ"
 ज० प० २, ३३,
चिउ पु० (चिकुर) जेमाथी पीयो उग
 थाय तेयु ओड द्रव्य-पदार्थ जिस में स
 पीला रंग निकले ऐसा एक द्रव्य-पदार्थ A
 kind of substance from which
 yellow colour is extracted
 नाया० १ जीवा० ३, ४, पञ्च० १७, राय० ५३
चिचइअ त्रि० () भेटेयु, शणु-
 गारेयु Adorned पु० च० ४, १०८
चिचिआ स्त्री० (चिञ्चा) आगदी आगदीनु
 वृक्ष डमली, डमला का वृक्ष A tam-

rind tree. आया० २, १, ४३, (२)
 आसने अनादी पुष्प, ओडे घांस का
 कृत्रिम पुरुष. an artificial man
 made of hay सु० च० ४, २८४,
 —छिवा स्त्री० (-छिवा) आसनीनी
 डमरु एक प्रकार की इमली की (बगड़ी)
 चूड़ी a bangle made of tamarind
 wood. विवा० ६,

चिंचिणिआ स्त्री० (.) आसनीनी वृक्ष
 इमली का वृक्ष. A tamarind tree
 ओघ० नि० २६,

✓ चिंत. वा० I, II (चिन्त्) चिन्तयतु,
 आलोचयतु, विचारयतु. चिन्तयन् करना
 विचार करना To meditate, to
 think over

चित्तइ नाया० ३;

चित्तेइ दसा० ६, १५;

चित्तंमि पन्न० ११;

चित्तिज्ज वि० उत्त० २६, ३६;

चित्तिज्जण स० कृ० विशेष० १६१, सु० च०
 १, ५७,

चित्तिउ हे० कृ० सु० च० २, ३४५,

चित्तत व० कृ० ओघ० नि० ६४४, सु० च०
 १, २६४,

चित्तिज्जइ क० वा० सु० च० २, ४५०,

चित्तिज्जमाण. क० वा० व० कृ० नाया० ६;

चित्तिज्जंत क० वा० व० कृ० पचा० १८,

चिंतग त्रि० (चिन्त) चिन्तयन्तार चितवन
 करनेवाला (One) who meditates
 or thinks over. गच्छा० १२४,

चिंतण न० (चिन्तन) चिन्तयतु, चिन्तयन्
 करनेवाला, चिन्तयन् करना Con-
 templation पंचा० १ ४५,

चिंतण. न० (चिन्तन) चिन्तयन् करनेवाला,
 चिन्तयन् करना Contemplation
 अणुत्त० १, १.

चिंतन न० (चिन्तन) मनमा विचार
 करनेवाला ते मनमे विचार करना Contem-
 plation आव० १, १.

चिंतय पुं० (चिन्तक) विचार करनेवाला.
 विचार करनेवाला One who contem-
 plates. नाया० ५, ८,

चिता स्त्री० (चिन्ता) चिन्ता, चिन्ता, चिन्ता,
 व्यग्रता चिन्ता; मनकी व्यग्रता Dis-
 traction of mind, anxiety ओव०
 २१, सूय० १, १, २, २४, अणुजो० १३०,
 मग० ३, २, नाया० १; १२; १६, नदी०
 ३१, पंचा० ७, २८, उवा० १०, २७५, राय०
 २५३; —आउर त्रि० (-आतुर) चिन्तामा
 ग्नरुथयेदो चिताग्रस्त. anxious, dis-
 tracted सु० च० ४, २००;

चिन्तावर त्रि० (चिन्तापर-चिन्तन चिन्ता
 सैव परमा प्रधाना यस्य असौ चिन्तापरः)
 चिन्तावर तत्पर, चिन्तावाणे चिन्ता युक्त
 Anxious उत्त० १४, २२ —सुमिण
 न० (-स्वप्न) चिन्तायी स्थानु ज्ञेयु ते.
 चिन्ता से स्वप्न दर्शन करना dream
 through anxiety मग० १६, ४
 —सोमसागर पु० (-शोकसागर)
 चिन्ता रूप शोकने समुद्र चिन्ता रूप शोक
 का समुद्र the ocean in the form
 of anxieties निरु० ८, ११;

चिन्तामणि. पु० (चिन्तामणि) सर्व पूर्ण
 पूर्ण करनेवाला मणि, चिन्तामणि रत्न सर्व
 इच्छाओं को पूर्ण करने वाला मणि, चिन्ता-
 मणि रत्न A wish-fulfilling gem

पचा० ३, ४६, भक्त० १६७,

चिंतिय-अ. त्रि० (चिन्तित) यिन्तवेष्टु
चिन्तन किया हुआ Contemplated.
ज० प० ३, ५३, ओव० ३३, भग० २, १,
३, २, ६, ३३, नाया० १, १२, १३, १४;
१६, अत० ३, ८, कप्प० २, १६, ४, ८६,
उवा० १, ६६, राय० २४,

चिन्ध न० (चिन्ह) यिन्ध, लक्षण, निशानी.
चिन्ह, लक्षण, निशान Symbol, in-
signia, mark ओव० २२, नाया० ८,
१६, भग० ७, ६, सु० च० १, ३३, २,
६१२, विश० २०६०, पचा० १५, ४६,
प्रव० १६६, पञ्च० २, ज० प० —**झ्या**
छी० (--ध्वजा) यिन्धवाणी ध्वज चिन्ह
युक्त ध्वजा a flag bearing a
symbol नाया० १६, —**पट्ट** पु०
(-पट्ट) आ६, आस ओणभवानी निशानी
वाणो पट्टे। चाद, बिह्ता, खास पहिचान
करने के चिन्ह वाला पट्टा medal, sign,
mark नाया० १, राय० २०४, परह०
१, ३, —**पुरिस** पुं० (-पुरुष) दाढी-
भूछवालो पुरुष; पुरुषना यिन्धवाणो पुरुष
दाढी-भूछ वाला पुरुष, पुरुष के चिन्ह वाला
पुरुष a person having the marks
of a man viz beard, mustaches
etc ठा० ३, १,

चिक्रण त्रि० (चिक्रण) यिन्धशवाणु चिक-
नाई वाला Sticky भग० ६, १, १६,
४, दस० ६, ६६, तंडु० परह० १, १,
पि० नि० ६६,

चिक्खल न० (चिक्खल-कर्म) धीयड, डाढव
कीचड Mud. अणुजा० १३१, सूय० २,
२, ६६, ओघ० नि० ७३६, परह० १, १,

३, पञ्च० २, दसा० ६, १

***चिक्खल** पु० () पग थुडे तेडवा
डाढववाणो मार्ग पैर गड जाय उतने कीचड
वाला मार्ग The path having some
mud भग० ८, ६, ओव० २१, सम० ११;
ओघ० नि० भा० ३३, परह० १, ३,

✓ **चिगिच्छ** धा० I. (कित) यिद्धित्सा
डरवी, रोगनी परीक्षा डरवी चिकित्सा करना,
रोग की परीक्षा करना To diagnose
चिगिच्छइ उक्त० १६, ७६,

चिच्चिका स्त्री० (चिच्चिका) वाद्य विशेष.
वाद्य विशेष A kind of musical
instrument नाया० ८८,

✓ **चिह्नी** धा० I, II (स्था-तिष्ठ) डेसा
रहेवु, स्थिति डरवी खडा होना, स्थित होना
To stand, to stay

चिह्नी भग० १, १.२, १, १०, नाया० १ ६,
१४, १६, उक्त० १०, २, सूय० १,
१, ४, ८, ओव० १६, ४२, पु०
च० २, ४२५, ज० प० १, २३,

चिह्नीति नाया० १, ४, ११, १५, १७,
भग० ३, ७, ५, ३, १८, ३, पञ्च० २,
सू० प० १८ ज० प० ५, ११३, ११२,

चिह्नीसि नाया० १,

चिह्नीमि भग० २, १,

चिह्नीमो नाया० ८, १६, सूय० २, ७, १५;

चिह्नी वि० उक्त० १ १६, दस० ४, ८,

ओघ० नि० ६,

चिह्नीजा वि० भग० ११, १०, दस० ८, ११,

चिह्नीज्ज वि० पञ्च० ३६,

चिह्नीज्जा वि० भग० ३, ५, १५, १, दस० ४,

चिह्नी आ० दस० ७, ४७ ८, १३,

चिह्नीह आ० विवा० १, नाया० ३, ८, ८

• लुओ। पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (•) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (•) Vide
foot-note (•) p 15th.

१५; १६; राय० २५१:

चिह्नेह. आ० नाया० ८;

चिह्निस्सामि वव० ४, १८, नाया० १६,

चिह्निस्सावो नाया० ६, भग० १०, ३;

चिह्नु. नाया० १६;

चिह्नुत्तए हे० कृ० भग० ५, ४, ७, १०;

१३, ४, १७, २, वेय० १, १६; ३, १,

चिह्नुत्तए. हे० कृ० नाया० १;

चिह्नुत व० कृ० भग० १, १; २, १;

चिह्नुत्तमाण व० कृ० भग० १, ३; ३, ३;

उत्त० २, २१; दम० ४, २, ५, १,

२७; पचा० १, ५०,

चिह्नुत्ताह क० वा० आ० नाया० ६,

चिह्नु अ० (भृशम्) अत्यंत. बहुत;
अत्यंत. Very, much आया० १, ४, २,
१३२.

चिह्नुण. न० (स्थान) ठेका रहेनुं ते.
उपास्थित होना The act of standing.
प्रव० १४६;

चिह्नु स्त्री० (चेष्टा) हाथ वगैरेनी येष्टा
करनी ते हाथ इत्यादिक से चेष्टा करना
Gestures by means of hands
etc. भग० ७, ६; पि० नि० २२२, विशेष० १७५

चिह्नुअ-य. न० (चेष्टित) येष्टा; सविशर
अग प्रत्यग मरोडना इत्यादि. Gestures
of the body भग० ६, ३३, जीवा० ३, ३;
नाया० १, जं० ५०

चिह्नुत्त. न० (चेष्टित) लुओ " चिह्नुअ "
शब्द. देखो " चिह्नुअ " शब्द. Vide
" चिह्नुअ " सू० प० २०,

चिह्नुत्तव्व न० (स्थातव्य) ठेका रहेनुं
लेष्टे खडे रहना चाहिये. Ought to
stand भग० १८, २; नाया० १:

चिह्नुय. त्रि० (स्थित) स्थिर रहेनुं स्थिर
रहा हुवा Steady firm विशेष० २०६८

चिह्नुत्तार त्रि० (स्थातृ) ठेका रहेनार.
खड़ा रहने वाला (One) who stands
सम० ३३; दसा० २, ३, ४, ५, ६, ७, ८,
९; ३, ३२; ३३,

चिह्नुक पुं० (चटक) अक्षी. एक जाति का
पक्षी A kind of bird पण० १, १,
चिह्नुगा स्त्री० (चटका) अक्षी, यीड़ी.

चिह्नुया. A sparrow पत्र० १,
✓चिण धा० I. (चिन्) ओड्डुं डरेनु,
संग्रह करेना एकत्र करना; संग्रह करना
To collect

चिणति-इ पि० नि० ६६:

चिणइ उत्त० ३२, ३३, भग० १, ७,

चिणति भग० २, ५, पत्र० १४, ठा० २,
४: ४, १,

चिणिस्संति. ठा० ४, १,

चिणसु, सु० च० ८, २२८;

चिणिसु पत्र० १४ ठा० ४, १,

चिज्जन्ति. भग० ६, ३, १६, ३, २५, २;

चिरण. त्रि० (चीर्ण) अड्डुं डरेनु, ओड्डुं
डरेनु ग्रहण किया हुआ, एकात्रित किया हुआ
Accepted, collected भग० १६,
३, पचा० १६, ४६;

चिरण. त्रि० (चैन्य) चीनदेशभा उत्पन्न
थयेल चीन देश में उत्पन्न जो हुआ है वह
Born or produced in China
country निसी० ७, ११;

चिरह न० (चिन्ह) निशान, चिन्ह निशान,
चिन्ह Mark, sign; symptom.
नाया० १, —पट्ट. त्रि० (-पट्ट) आदि,
आस निशानी युक्त पट्टा वाला चाद-
विशेष निशानी युक्त; पट्टे वाला a badge
bearing a special mark. नाया० १,

चिति. स्त्री० (चिति) यिता, येड यिता.
Funeral pile पण० १, १;

चिति. स्त्री० (चैन्य) यिता उपरनुं भारः

चिता के ऊपर का स्मारक. A memorial on the funeral pyre पचा० २, १६; ८, ३२,

चितिय. न० (चैत्य) णुओ "चित्ति" शब्द देखो "चित्ति" शब्द Vide "चित्ति" राय० २१६; —मह पु० (-मह) चैत्य-महोत्सव चैत्य महोत्सव a ceremony concerning the memorial on a funeral pyre राय० २१६,

✓चित्त धा० I (चित्र्) चित्र करना, चित्र-रूप चित्र खींचना To picture, to portray

चित्तेह नाया० ८,

चित्तेह आ० नाया० ८,

चित्तेत्ता स० कृ० नाया० ८,

चित्त न० (चित्) चित्त, अतःकरण, मन चित्त, मन, अन्तःकरण Mind, heart अणुजो० ३७, सूय० १, १, २, २९, सम० १०, उत्त० ८, १८, ओव० ११, भग० २, १, ३, १, नदी० स्य० १३, राय० २१, पन्न० २, दसा० ६, २६, २७, नाया० १, नाया० ध० विशेष० १८३, पचा० १, १७, भत्त० १५४, (२) पुं० चित्त नामना मुनि के जेजे अलक्षित यक्षवतीनी साथे भाई रूपे केटला ओक साथे लर कर्या हुता पूर्वलवनी प्रीतिथी चित्तमुनि थया पछी अलक्षितने समजवया वशी कशीश करी पछु रिषयलुब्ध अलक्षितने ओध न लाग्यो चित्त नामक मुनि जिन्होंने कि ब्रह्मदत्त चक्रवर्ति के साथ साथ आताके रूप में कितने ही भव वारण किये ये चित्तने मुनि हानेके पश्चात् पूर्वभवोंकी प्रीति के कारण ब्रह्मदत्त को समझानेकी बहुत कोशिश की परंतु विषयलुब्ध ब्रह्मदत्त बोव को प्राप्त न हुआ a saint of the name of Chitta who incarnated several times with the paramount

sovereign Brahmadatta in the capacity of a brother Chitta Muni's attempts at enlightening the pleasure-loving Brahmadatta proved fruitless उत्त० १३, २, ६, (२) पदेशी राजने सारथी के जे गमना भेड़ा लाछ थता हुता अने जेजे पदेशी राजने केशीस्वामी द्वारा धर्म पमाओ तेनु नाम. प्रदेशा राजा के सारथा जो कि रिश्ते में राजा क बड़े भाई थे और जिसने प्रदेशी राजा को केशी स्वामी द्वारा धर्म दिलाया-धारण कराया the charioteer of king Pradesi and also his elder brother He initiated king Pradesi into religion through Keshiswami भग० १८, २, १०, राय० २०९, निर० १, १, (४) ज्ञान, चेतन जीव, चेतन life, soul, vitality पन्न० २८, (५) ज्ञान ज्ञान knowledge दसा० ५, ४१, —अणुय. त्रि० (-अनुग) भीमना-आचार्यना चित्तने अनुसरी बननार, स्वच्छन्दचारी नहि ते आचार्य के चित्त को अनुसरता हुवा जो आचरण करता है वह. स्वच्छदाचारी नहीं है वह (one) who acts according to the mind or tendency of a preceptor उत्त० १, १३, —चमक. न० (-चमकृति) चित्तने अम लक्षण, मनमा आचार्य के जे ते चित्त का चमत्कार, चित्त में आश्चर्य उत्पन्न होना extra-ordinary things of mind गच्छा० ७४, —णाम्म पु० (-न्याम) मनने न्यास, ध्यान आपनु, विचारनु ते चित्त का न्यास, ध्यान देना, विचार करना meditation, contemplation पचा० १, ६६, —थेज्ज न० (-धैर्य) मननी

स्थिरता चित्त की स्थिरता calmness or peace of mind पंचा० २, ७, —वद्धण त्रि० (-वर्धन) चित्त-ज्ञानने वर्धनार्थ. चित्त-ज्ञान में वृद्धि करनेवाला. (one) who adds to the knowledge दसा० ६, ३९; —विग्यास पुं० (-विन्यास) मनने विन्यास-स्थिर चित्ते चित्तवृत्तुं ते चित्त का विन्यास-स्थिर चित्त से चिन्तन करना. meditation with calmness of mind पचा० १, ४७; —विब्रम. पुं० (-विभ्रम) चित्तविभ्रम, धैर्यहीन. चित्तविभ्रम, पागलपन derangement of mind, insanity, madness ओष० नि० ६८८, —संभूय पु० (-संभूत) चित्त अने संभूत-नामना ये मुनि चित्त व संभूत-नाम के दो मुनि two sages named Chitta and Sambhūta उत्त० १३, ३; —समाहित्र त्रि० (-समाहित) चित्त (ज्ञान) भा सावधान चित्त (ज्ञान) में सावधान attentive or awake to knowledge दस० १०, १, १; —समाहित्याण न० (-समाविस्थान,) चित्त की समाधि में स्थान चित्त की समाधि का स्थान a place for abstract contemplation or devout meditation. दसा० ५, १, २, ३, १६;

चित्त. न० (चित्र) चित्ररामण, छद्मी, द्वैत, चित्र चित्रकाम, चित्र, तस्वीर Picture, portrait. नाया० १; भग० १४. ६, अणुजो० १०, पञ्च० २; राय० ४३, ओष० सू० प० २०; विशेष० ४६०, विवा० ६, निशी० ५, ३१, तंदु० (०) त्रि० विचित्र. नाना प्रकारनु विचित्र, विविध प्रकार का. varied; wonderful, several; distinct कप्य० ३, ४२; नन्द्या० ११२; पचा०

५, २, भग० १६, ६, उत्त० ६, ११, ३०, १०; राय० ८१, विशेष० ३८७, (३) पुं० चित्तरे, ओ३ जंगली मांसाहारी पशु चीता, एक जंगली मांसाहारी पशु. leopard, a carnivorous or flesh-eating beast आग० २, १, २, २७, नाया० ८, (४) आश्चर्यकारी, नवाभ जेवु आश्चर्यकारक wonderful uncommon पञ्च० २, कप्य० ३, ३७, पचा० ५, २; (५) चित्र नामने ओ३ पर्वत चित्र नामक एक पर्वत a mountain called Chitra. भग० १४, ८, (६) वेणुदेव अने वेणुदादि छद्मना लोकपालनु नाम वेणुदेव व वेणुदालि इन्द्र के लोकपाल का नाम name of the god of Venudeva and Venudālī India ठा० ४, १; (७) भूतानेन्द्रना प्रथम लोकपालनु नाम. भूतानेन्द्र के प्रथम लोकपाल का नाम. name of the first Lokapāla of Bhūtānendia भग० २, ८, १०, ५, —कम्म न० (-कर्मन्) चित्रनु (चित्रवानु) काम. चित्र-काम a pictorial work आया० २, १२, १७१; भग० ११, ११, नाया० १, १३, पि० नि० भा० ७, पि० नि० ४४६, निशी० १२, २०; कप्य० ३, ३२, —कार पु० (-कार) चित्र करनेवाला, चित्तारे. चित्रकार painter, draftsman अणुजो० १३१; —घरग न० (-गृह-क) चित्ररेनु घर, रंगीत घर. चित्रकाम से सुसज्जित गृह, रंगीत गृह. a house beautified or adorned with painting or pictures उत्त० ३५, ४, राय० १३६; —ताण पु० (-तान) चित्र विचित्र ताणो-वस्त्रने लामो तंतु चित्र विचित्र धागा-वस्त्र का लंबा तंतु a variegated or parti-coloured thread, a long

thread of a cloth. भग० ११, ११,
—दंड पुं० (—दण्ड) रंगेदी लाडली.
रंगी हुई लकड़ी a painted stick
भग० ६, ३३, —पत्तत्र पु० (—पत्रक)
चित्रपत्र, चित्रविचित्र पापवाणो योऽष्टि
७५ विशेष चित्रपत्रक, विचित्र पाखवाला
चतुरिन्द्रिय जीव विशेष. a kind of four-
sensed living-being with parti-
coloured wings उत्त० ३६, १४७,
—पयजुय त्रि० (—पदयुक्त) विचित्र
पदवाधु पदयुक्त, विचित्र पदवाला (one)
possessed of wonderful feet.
पचा० १६, ३६, —प्रहार पु० (—प्रहार)
आपआ वगेरेनो विचित्र प्रहार-मार चाबुक
इत्यादि का विचित्र प्रहार-मार a won-
derful stroke or blow of a lash
etc नाया० १७, —फलक. न० (—फलक)
चित्रनुं पाटीयु चित्र का तखता a paint-
ing-board or sheet “ चित्तफलक
हत्थागए ” भग० १५, १, नाया० ८,
—भित्ति स्त्री० (—भित्ति) चित्ररेख भित्ति
चित्र से सज्जित भित्ति a pictured wall
दस० ८, ५५, —माणदिय त्रि० (—आन-
न्दित) जेनु चिन आनन्दवाणु छे ते,
प्रसन्न मनवाधु जिसका चित्त आनन्दयुक्त हो
ऐसा, प्रसन्न चित्त. (one) possessed
of jolly or gay mind नाया० १,
ज० प० ३, ४३, —माला स्त्री० (—माला)
विचित्र भावा विचित्र माला a variegat-
ed garland. “ सोहत विकसतचित्त-
माला ” दसा० १०, १, —रयण न०
(—रत्न) चित्ररत्न-विविध जाति के रत्न various
kinds of jewels भग० ६, ३३,
—रयहरण न० (—रजोहरण) चित्र
विचित्र रजोहरण चित्र विचित्र रजोहरण

a wonderful bloom-stick गच्छा०
१२१, —रूत्र न० (—रूत्र) विचित्र रूप
विचित्र रूप a wonderful appear-
ance or form गच्छा० ११२, —वि-
चित्तपक्खग पु० (—विचित्रपत्रक) चित्र
विचित्र पापवाणो, डायलो चित्र विचित्र
पखवाला (one) possessed of parti-
coloured wings भग० १६, ६,
—वीणा स्त्री० (—वीणा) विचित्र
वीणा-सना विचित्र वीणा (वीणा)
सितार a wonderful guitar with
six strings राय० ८८ —सभा स्त्री०
(—सभा) चित्रवादी-आश्चर्यकारी सभा
चित्रयुक्त-आश्चर्यकारक सभा an extra-
ordinary meeting पि० नि० ८०,
नाया० ८, १३, —शाला स्त्री० (—शाला)
चित्रामलु शिष्यानी शाला, चित्रशाला
चित्रकाम सीखने की शाला, चित्रशाला
a school of arts or painting
जीवा० ३, ३,

चित्त पु० न० (चैत्र) चैत्र महिने चैत्र
मास. Name of a Hindoo month
called Chaitra उत्त० २६, १३, नाया०
५, भग० ११, ११, ओष० नि० २८३, ज०
प० २, ३३, ५ ११५, ५, १२०, कण० ४,
६६, ७, २०८,

चित्तउत्त. पु० (चित्रगुप्त) चित्रगुप्त जम्बू
द्वीपना भरतखंडमा थना १६मा तीर्थकर
चित्रगुप्त-जम्बूद्वीप के भरत खंड में होने
वाले १६वें तीर्थकर The 16th
would-be Tinthankara in
Bharata Khanda of Jambu
Dvipa सम० प० २४१,

चित्तंग पु० (चित्रांग) २१ जेगंगी पुत्र
आपना २-६६५ पुत्र विविध रंग के फूल
देनेवाला-कल्पवृक्ष (One) yielding

flowers of various colours, a desire-yielding tree सम० १०; ठा० ७, १, जीवा० ३, ३, प्रव० १०=१; (२) यितरानी ओड भत, हिंसक पशुनी ओड भत. एक जाति का चीता, हिंसक पशु की एक जाति a kind of leopard, a kind of flesh-eating beast. पञ्च० १,

चित्तकट्टर न० (*) सुंडलानु नीयडु तणीयु (यित्त-सुंडलो-३३२-३३३) टोकरी के नीचे का तला, चित्त-टोकरी-कट्टर-टुकडा Lower part of a basket. अणुत्त० ३, १,

चित्तकणगा स्त्री० (चित्रकनका) विन्दिशाना रुचक पर्वत उपर रहेनारी आर दिशाकुमारी-क्षमानी श्रीष्ठ विदिशा के उपर रहने वाली चार दिशाकुमारी में से दूसरी The second of the four Diśākumārīs living on the mountain called Ruchaka of Vidiśā ज० प० ५, ११४; (२) लगवन्तना जन्म समये दीवी लघने उली रहेती ओड विद्युत्कुमारी भगवन्त के जन्म समय पर दीपिका लेकर खड़ी रहने वाली एक विद्युत्कुमारी. a Vidyutkumārī standing or waiting with a torch at the time of Tīthan-kara's birth. ठा० ४, १;

चित्तकूट पु० (चित्रकूट) दक्षिण विजयनी पूर्व सरहद उपरनेो वषारा पर्वत कच्छ विजय की पूर्व सरहद के ऊपर का वषारा पर्वत A Vakhāiā mountain on the eastern boundary of

Kachha Vijaya. ज० प० ६, १२५, (२) देवकुरु क्षेत्रमा निषध पर्वतथी ८३४ जेजने सातीया आर भाग उत्तरे सीता नदी ने पूर्व डांडे आवेध ओड पर्वत. देवकुरु क्षेत्र में निषध पर्वत से ८३४ योजन व सातीया चार भाग उत्तर में सीता नदी के पूर्व किनारे पर आया हुआ एक पर्वत a mountain on the eastern bank of the Sitā river and in the north at a distance of 834 Yojanas from the Nisādha mountain in Devakuru Ksetra ज० प० (३) जम्बू द्वीपना मेथी पूर्व दिशाभा पहेली सीता महानदीना उत्तर डांडा उपरनेो ओड वषारा पर्वत जम्बू द्वीप के मेरु से पूर्व दिशा में पहिली सीता महानदी के उत्तर किनार ऊपर का एक वषारा पर्वत. a Vakhāiā mountain on the northern bank of the first great river Sitā in the east of Meru mountain of Jambu Dvīpa ठा० ४, २,

चित्तग पु० (चित्रक) यित्तरो, पशु विशेष चीता, पशु विशेष A leopard, a kind of brute. ज० प०

चित्तगर पु० (चित्रकर) यित्तारो यित्रक्षर-नार चित्रकार A painter नाया० ८, —दारय पु० (—दारक) यित्तारानो पुत्र चित्रकार का पुत्र a painter's son नाया० ८, —लद्धि स्त्री० (—लद्धि) यित्र आलेखनानी शक्ति चित्र का आलेखन करने की शक्ति power or capacity

of drawing picture. नाया० ८,
—संलि स्त्री० (-श्रेणी) यिताराओनी
पङ्क्ति चित्रकारों की पङ्क्ति. a line of
painters नाया० ८, —चित्तगुप्त पु०
(-चित्रगुप्त) यित्रगुप्त नामे भरत क्षेत्रमा
आवती योत्रीसीमा थनार १६मा तीर्थंकर
चित्रगुप्त नामक भरत क्षेत्र में आगामी
चौवासी में होने वाले १६ वे तार्थंकर.
Chitrāgupta, the 16th of the
24 would-be Tīthānkara of
Bharat Ksetra प्रव० २६६ ४७१,

चित्तगुप्ता स्त्री० (चित्रगुप्ता) यभरेन्द्रना
लोडपावनी त्रीश अग्रमहिषी देवी चमरेंद्र
के लोक पालकी तृतीय अग्रमहिषी देवी
The principal queen of the 3rd
Lokapāla of Chamāendia
ठा० ४, १, भग० १०, ५, (२) दक्षिण
दिशाना रुचक पर्वत पर वसनारी आठ
दिशाकुमारीकामानी सातवी दक्षिण दिशा
के रुचक पर्वत पर रहने वाली आठ दिशा
कुमारी में से सातवी the seventh of
the eight Disā Kumārīs resi-
ding on the Ruchaka mountain
of the southern direction
ज० प० ११४,

चित्तगणु पु० (चित्तज्ञ) मन्ने ज्ञानुनार
मन को जाननेवाला (One) who
reads the heart विशेष ६३७,

चित्तपक्ख पु० (चित्रपक्ष) वेणुदेव अने
वेणुदासी छन्दना लोडपावतु नाम वेणुदेव व
वेणुदाला इन्द्र के लोक पाल का नाम
Name of the Lokapala of
Venudeva and Venudālī
India ठा० ४, १, भग० ३, ८ (२)
चार धन्द्रियवाले ओडे छत्र चार इन्द्रिय-
वाला एक जीव a four-sensed living

being पञ्च० १,

चित्तमंत त्रि० (चित्तवत् चित्तं जविलक्षण
तदस्यास्ति) सचित्त, मध्य ५२नु सचित्त
मजीव वस्तु A living being or
thing उक्त० २५ २८, सूय० १, १, १,
२, आया० १, ५, २, १४८, सम० २१
दया० २, १८, दम० ४. ६, १४, निमी०
७, २२,

चत्तरस पु० (चित्ररस-चित्रा विचित्रा रसा
मधुरा. मपद्यते यस्मात्) विचित्र २२ना
भोजन-आद्य पदार्थ आपला ३६पट्टन
विचित्र रसयुक्त भोजन-खाद्य पदार्थ देनेवाला
कल्पवृक्ष A tree yielding eatables
and diet of various tastes प्रव०
१०८१ सम० १०, ठा० ७, १, जीवा०
३, ३,

चित्तल पु० (चित्रक) जगली पशु, चित्ते,
जगली पशु, चीता A wild beast, a
leopard जीवा० ३, ३, (३) त्रि० विचित्र
२२नु क्षात्रयित्रु विचित्र रगका, कवरा
variegated parti coloured
गच्छा० १२०, —अंग त्रि० (-अङ्ग)
क्षारयित्रा अशवाणु कवरे अगवाला
(one) having various colours
ज० प० २, ३६, भग० ७, ६,

चित्तलय त्रि० (चित्रक) २२ गेरगी,
अनेक २२नु विविध रगका अनेक रगका
Of various colours ओघ० नि० ७३४

चित्तल पु० (चित्रलिन्) मुकुति अर्था
३७ -यितण - नामथी ओगणय छे
मुकुलिन सर्प कि जो-चितल- नाम से पहि-
चाना जाता है A kind of serpent
पञ्च० १,

चित्ता स्त्री० (चित्रा) यित्रा नामनु नक्षत्र
चित्रा नामक नक्षत्र A constellation
of this name “ चो चित्ताओ ” ठा०

२, ३; अणुजो० १३१; सम० १; ठा० १,
१; नाया० १; सू० प० १०; कप्प० ६, १६६,
(२) पड़ेला देवलोडना धुं-शङ्कना लोडपाल
मेमनी त्रीण पट्टराणी. पहिले देवलोक के
इन्द्र-शक्र के लोकपाल सोम की तृतीय पट्ट-
रानी the third principal queen
of Soma, the Lokapāla of Śakra,
the India of the first heavenly
region. ठा० ४, १, भग० १०, ५, (३)
लगवतना जन्म वपते दीवे लभने उली
रहेनार ओड विद्युत्कुमारी देवी. भगवंत के
जन्म समय दीपक लेकर उपस्थित रहनेवाली
एक विद्युत्कुमारी a heavenly dam-
sel who stands with a lighted
lamp held in a hand at the
birth time of a Tinthankara ठा०
४, १, (४) विदिशाना इयड पर्वत उपर
रहेनारी चार दिशा कुमारीमानी पड़ेली.
विदिशा के रुचक पर्वत ऊपर रहने वाली
चार दिशा कुमारी में से पहिली. the first
of the four Disākumārīs resi-
ding on the Ruchaka mount
in an oblique direction ज० प०
७, १५५; ५, ११४;

चित्तामूलय पु० (चित्रमूलक) तीष्ठा रस-
वाणी ओड लतनी वनस्पति तीक्ष्ण रस-
वाली एक जाति की वनस्पति A kind
of vegetation having pun-
gent taste पन्न० १७,

चित्रार पु० (चित्रकार) चित्तारे चित्रकार,
चितेरा An artist, a painter
पन्न० १,

चित्ति. त्रि० (चित्रिन्) चित्रकार, चित्तारे

चित्रकार. An artist; a painter.
क० ग० १, २३;

चित्तिअ-य त्रि० (चित्रित) चितरेलु
चित्र काम कियाहुआ. Pictured, paint-
ed कप्प० ३, ३२; भत्त० १०६;—तल.
न० (-तल) चितरेलुं तलीयु. चित्र काम
किया हुआ तला a painted floor
कप्प० ३, ३२;

चित्र वि० (चीर्ण) आचरेल; पाणेल
आचरण किया हुआ; पाला हुआ. Adopt-
ed सूय० १, ३, २, १८, पि० नि० २६७;
(२) जेमा ओड वपत जवायु होय तेवे
प्रदेश जिसमे एक बार जाना हुआ हो
वह प्रदेश the part of a country
which is once visited सू० प० १;

चिपिड त्रि० (चिपिट) चपटुं. चपटा,
बैठाहुआ Flat नाया० ८,

चिमिड त्रि० (*चिपिट) चपटा नाडवाणुं
बैठेहुए नाक वाला, चपटा (One) hav-
ing flat nose “चीर्णचिमिडणासाओ”
नाया० १, ८, पि० नि० ४१८;

चिय त्रि० (चित) उपचय-वृद्धि पाभेल
उपचय-वृद्धिप्राप्त Increased; risen.
रत्त० १, ६; पि० नि० ४०५;

चियगा व्री० (चिता) चिता, ये. चिता,
A funeral pyre राय० अत० ३, ८;

चियत्त. त्रि० (*) प्रेम उपगवता,
लोडप्रिय प्रेम उत्तम करनेवाला, लोकप्रिय
Liked by the public, popular
आव० ४०; भग० २, ५; राय० २२५.
दस० ५, १, १७,

चियत्त त्रि० (त्यक्त) तलेलु, छोड़ेलु त्याग
कियाहुआ; छोडाहुआ Abandoned.

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

श्रोव० १९, कप्प० ५, ११५, —देहं त्रि०
(—देह—देहत्यक्तोवधवन्धाद्यावरणाद्देहोयेन)
तन्नेल छे देह (शरीर) नु भमत्व (शुश्रू-
पादि नेले ऐवु त्याग किया है देह (शरीर)
के समत्वको (शुश्रूपादि) जिमने ऐसा.
(one) who has ceased from
taking care of one's own body
भग० १०, २, दसा० ७, १, वव० १०, १,
चिया छि० (चिता) यिता, येह चिता, चेह
A funeral pyre उत्त० १६, २७,
सु० च० १३ २४, सग० १, १,

चियाग पु० (त्याग) त्याग त्याग
Abandonment, ठा० ५ १,

चिया पु० (त्याग) त्याग करेवे ते उपाधि
का त्याग करना Abandoning ठा०
५, १, नाया० १०,

चिर न० (चिर) लाभो वपत, धल्लो डाक
लवा समय, दीर्घ काल Long time
श्रोव० ३४, भग० १, ६ ३, ७, नाया० १,
२, ४, ८, —अणुगदा त्रि० (अनुगत)
यि० डाकथी अनुगत, सहचारी चिरकाल से
अनुगत—सहचारी of a long stand-
ing भग० १४, ७, —अणुवत्ति छि०
(—अनुवृत्ति) धल्लो वपतथी अनुकूल वृत्ति
बहुत समय से अनुकूल वृत्ति favourable
disposition from a long time
भग० १४, ७, —उव्वलण न० (—उद्वलन)
लाया वपतथी उद्वलन—कर्मना वग उभे-
लवे ते दीर्घ काल की उद्वलन—कर्म का
उलभाव सुलभाना forcing the
Karma into maturity क० प०
७, ४२, —गय त्रि० (—गत) धल्लो
वपतथी गयेले बहुत समय से गया हुआ.
gone from a long time नाया०
१६, —जुप्पिअ त्रि० (—जुपित) यि०-
डाकथी परिसेवित चिरकाल से परिसेवित

practised from a long time भग०
१४, ७, —ठिइ छि० (—स्थिति) धल्लो
वपतथी स्थिति, लायु आयुष बहुत
समय तक स्थिति, दीर्घायुष long dura-
tion of life भग० २, ५, क० प० ४,
३८, —त्थमिअ त्रि० (—अस्तमित)
धल्लो वपतथी अदृश्य धयेले बहुत समय म
जो अदृश्य हुआ है वह invisible from
a long time नाया० ४, —त्थिअ त्रि०
(—स्थित) धल्लो डाक रहेले बहुत समय
तक रहा हुआ long lived दसा० १०,
३, —परिचित त्रि० (—परिचित)
लाया वपतथी परिचित वाणु बहुत समयसे
परिचित वाला familiar from a long
time भग० १४, ७, —राय न० (—रात्र)
धल्लो वमत, लाभो डाक, अवश्य मुधी
बहुत समय, दीर्घ काल for a long
time, up to death. आया० १, ६,
३, १८५, सय० १, २, ३, ६, —संथुत
त्रि० (—सस्तुत) लाभो वपत वृत्ति डाक-
थे बहुत समय से स्तुति किया हुआ
praised from a long time भग०
१४, ७, —संसिद्ध त्रि० (—समृद्ध) धल्लो
वपतथी भलेले—सयधमां आवेले बहुत
समय से मिला हुआ—सबव म आया हुआ
in contact from a long time
भग० १४, ७,

चिराइअ त्रि० (चिरादिक) धल्लो लाया
वपतथी नेनी शउआत होय ते बहुत दीर्घ
काल से जिमका प्रारभ हो वह (Some-
thing) begun from a long
time. श्रोव०

चिराईय त्रि० (चिरातीत) धल्लो पुगलनी,
थल्लु प्राचीन बहुत पुरातन अति प्राचीन
Very old भग० १५, १, विवा० १,

चिराधोय त्रि० (चिरधौत) धल्लो वपतथी

धोयेहु बहुत समय पहिले धोया हुआ
Washed a long time before. दस०
५, १, ७६;

चिलार्पुत्त. पुं० (चिलार्तीपुत्र) राज-
गृह निवासी धनाशा शेठनी चिलार्ती नामे
दासीने पुत्र-ज्ञाता सूत्रमां प्रसिद्ध छे. राज-
गृह निवासी धनाशा शेठ की चिलार्ती नामक
दासी का पुत्र-ज्ञाता सूत्र में प्रसिद्ध है The
name of the son of Chilātī,
the maid of Dhanāsā, a resi-
dent of Rājagriha भक्त० ८८,
नाया० १८, सत्या० ८५;

चिलार्तिया स्त्री० (किरातिका) किरात देशमा
उत्पन्न थयेव दासी चिलार्त-किरात देश मे
उत्पन्न दासी. A maid born in
the country named Kiāta
भग० ६, ३३; नाया० १, दमा० १०, १,

चिलार्ती स्त्री० (किराती) किरात नामना
अनार्य देशमा उत्पन्न थयेव दासी किरात
नामक अनार्य देश में उत्पन्न दासी. A
maid born in the Anārya
country named Kiāta ज० प०

चिलार्प. पु० (किरात) धना सार्थवाहने
ऐक दास के ने उद्धत थय और अन्यो छेय
चार हत्या करी, वैराग्य पायेव अने दीक्षा
लीदी अने आत्म श्रेय साध्यु धना सार्थवाह
का एक दास कि जो उद्धत होकर चोर
बना, अत मे चार हत्या कर, वैराग्य
को प्राप्त कर दीक्षा धारण की व आत्मश्रेय
का साधन किया An attendant of
Dhannā Sāthawāha He
became a thief, committed four
murders but then realised his

self and got initiated विशेष० २७६६
नाया० १८, (२) श्रेय० लीक्षनी ऐक ज्ञात
स्लेच्छ, भौल्लकी एक जाति a class of
aborigines ज० प० पण्ड० १, १;
(३) किरात देशमा रहेनार किरात देशमे
रहेनेवाला one living in Kiāta
country नाया० १८, पञ्च० १;
—तक्कर पु० (-तस्कर) लिख अतिने
येर भिल्ल जातिका चोर a thief of
Bhilla caste नाया० १८.—दास पु
(-दास) ऐ नामने ऐक धनासार्थवाहने
दास-नोकर चिचार्त नामक एक धनासार्थवाह
का दास-नोकर an attendant of
Dhannā Sāthawāha नाया० १८,
चिलिण त्रि० (२) अशुचि, अपवित्र अशुचि,
अपवित्र Impure, unholy ओघ०
नि० १६५, जीवा० ३, १,

चिलिमिणी स्त्री० (५) पडदे, ढाङ्गवानु वस्त्र
परदा, ढाङ्गने का वस्त्र A curtain, a
cloth used as a curtain ओघ० नि०
१६७,

चिलिमिलिगा स्त्री० (*) लुओ
चिलिमिलिणी” शब्द देखो “चिलिमिलिणी”
शब्द Vide ‘चिलिमिलिणी’ सूय० २, २, ४८,
चिलिमिलिया स्त्री० () दोरी, दोरडी
रस्मी, डोरी A string वेय० १, १४;
चिलिमिली स्त्री० () पडदे, यड
परदा, चक्र A curtain आया० २, २.
३, ८८, ओघ० नि० ७८,

चिल्लग त्रि० (*) देदीप्यमान, प्रकाश-
मान देदीप्यमान, प्रकाशमान Lusti-
ous, shining नाया० १८, पञ्च० २,
चिल्लडय पु० () दोरडी, ऐक

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (२) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*). Vide
foot-note (*) p 15th

जगली नगरी लोन्डी, एक जगली पशु
 A jackal आया० २, १, २, २७,
 चिल्लणा स्त्री० (चिल्लना) श्रेष्ठि राजनी
 पट्टगण्णीनु नाम श्रेष्ठि राजा की पट्टरानी
 का नाम The name of the
 principal queen of the king
 Sienika, भग० १, १,
 चिल्लय त्रि० (*) यण्डतु, देदीप्यमान
 चमकताहुआ, देदीप्यमान Shining
 परह० १, ४,
 चिल्लल पु० न० (चिल्लल) जल मिश्र
 क्षाद्यवाणु स्थान जल मिश्र कीचड वाला
 स्थान A spot with mud
 and water mixed together
 भग० ५, ७, पत्र० २, नाया० १,
 पु० चिल्लल देशने रहीस चिल्लल देश का
 रहनेवाला a resident of the
 country Chilvala परह० १, १,
 पत्र० १, (३) जे भरीवाणे जगली
 जनावर यित्तरे दो खुर वाला जगली
 जानवर a wild animal having
 two hoofs परह० १, १, नाया० १,
 चिल्ललग पु० (चिल्ललक) जे भरीवाणे
 जगली पशु सायर रोज वगेरे बारहसांगा,
 दो खुर वाला जगली पशु A two-hoofed
 wild animal viz elk etc भग० ६,
 ३४, जीवा० ३, ३, पत्र० १, ११, ज० प० २, ३६,
 चिल्लित त्रि० (*) सुशोभित प्रदीप्त
 सुशोभित, प्रदीप्त Adorned, bright
 सू० प० २०,
 चिल्लिय त्रि० (*) दीप्त, दीपतु
 दीप्त, प्रकाशित Shining bright
 श्रोव० २४, भग० ६, ३३, जीवा० ३, २,

—तल न० (-तल) देदीप्यमान भूमिनु
 तली यु देदीप्यमान भूमि का तल the sur-
 face of a bright earth नाया० १,
 भग० ११, ११
 चिल्ली स्त्री० (चिल्ली) जे नामनी लीली वन-
 स्पति डम नामकी हरी वनस्पति A kind
 of green vegetation पत्र० १,
 चिहुर पु० (चिहुर) देश, वाण केश, बाल
 Hair सु० च० १, १,
 चीण पु० (चीन) चीन-देश चीन देश
 China (२) त्रि० चीन देशने रहीस
 चीन देश का रहने वाला a resident
 of China. प्रव० १५६८, जीव० ३, ३;
 परह० १, १, पत्र० १, (३) त्रि० न्छातु,
 लधु छोटा small नाया० ८, —अंसुअ-
 य न० (-अंसुअ) चीन देशनी जनावरतु
 रेशमी वस्त्र चीन देश की बनावट का
 रेशमी वस्त्र China-silk आया० २, ५,
 १४५, भग० ६, ३३, दमा० १०, १; (८)
 चीन देशना डीडाओनी बाणथी उत्पन्न
 थतु सूत्र, रेशम चीन देश के काँटों का
 राल से उत्पन्न तार, रेशम a sort of
 silk-thread got from the saliva
 of a certain insect in China
 अणुजो० ३७,
 चीणपिट्ट पु० (चीनपिट्ट) सिन्दूर
 Red lead राय० ५३ (२) हिंगलो
 हिंगलु vermilion पत्र० १७,
 चीणविट्ट पु० (चीनपिट्ट) हींगलो
 Vermilion जीवा० ३, ३;
 चीर न० (चीर) वस्त्र, लुगट वस्त्र, कपडा
 Clothes उत्त० २६, २६, १४०
 नि० मा० २३, (२) जालनी जालतु वस्त्र

वृक्ष की छाल का वस्त्र. a cloth made of barks. उत्त० ५, २१;

चीरल्ल. पु० (चीरल्ल) चीरल, पक्षी विशेष.

चीरल, पक्षी विशेष A kind of bird.

परह. १, १, —पोसय पु० (-पोषक ,

चीरल बनाकरने पोषना-पालन चीरल

जनावर का पोषण-पालन करने वाला.

one who keeps or tames a

bird named Chūṛaṇa निसी० ६, २३,

चीरिग. पु० (चीरिग) शैलीमा के रस्त भा

पडेय चीथरानो भुरभो बनायी धारण

करना ओइ वर्ग गली में किवा रास्ते में-

मार्गमें पडे हुए चीथडे का परदा बनाकर

धारण करने वाला एक वर्ग. A class

of people who put on a face

cover of a rag thrown on a

road or street. अणुजो० २०,

चीरिय पु० (चीरिग) ओओ " चीरिग "

शब्द देखो " चीरिग " शब्द Vide

" चीरिग " नाया० १५;

चीवर. न० (चीवर) वस्त्र, धुंध कपडा

A cloth, clothes ठा० ५, २, भग०

२, १, आया० २, ३, २, १२१, निसी० १०,

५३; ज० प०

चुअ त्रि० (च्युत) भ्रष्ट थपेस, थपेस,

म०णु पामेस भ्रष्ट, मृत्यु प्राप्त

Deceased, fallen, degraded

आया० १, १, १, ३, १, ५, ३ १५४, उत्त०

३, १७, ७, ८, १४, १, १६, ८ ओव०

३८; सम० ७. ज० प० ७, १४१० ओघ०

नि० ६०, कप्प० १, १, ३. ४, ६२, दसा०

८, १, नाया० ७, ८, ६, भग० ७, १, सु०

च० १५, ६८, परह० २, ५, विशेष १६७६

—धम्म. त्रि० (-धर्म) धर्मथी लष्ट,
धर्मथी पतित धर्म से भ्रष्ट, धर्म से पतित.
fallen from the path of religion
दमा० ४, १६.

चुआचुअसेणिया छा० (च्युताच्युतश्रेणिका)
च्युता च्युत श्रेणी गणना; द्रष्टिवादान्तर्गत
परिकर्मनो ओइ भेद च्युताच्युत श्रेणी
गणना, द्रष्टिवादान्तर्गत परिकर्म का एक
भेद A division of Paṭikarma in
Dhustivāda सम० १२;

चुआचुअसेणियापरिकम्म. न० (च्युताच्युत-
श्रेणिक परिकर्मन) द्रष्टिवादान्तर्गत परि-
कर्मनो सातवो भेद द्रष्टिवादान्तर्गत परिकर्म
का सातवां भेद The 7th division of
Paṭikarma in Dhustivāda नदी०
५६;

चुआचुआवत्त न० (च्युताच्युतावर्त) युआ-
युआ सेणिया पडिभनो ओइभो भेद
चुआचुअ सेणिया परिकर्म का चौदहवा भेद.
The 14th division of Paṭikar-
ma in Dhustivāda नदी० ५६,

चुंचुअ पु० (चुंचुक) ओ नामे ओइ अनार्य
देश इस नामका एक अनार्य देश An
uncivilised country of this
name प्रव० १५६८

चुंचुण न० (चुंचुन) ओइ आर्य जाति-
जति एक आर्य जाति An Āryan
race पत्र० १

चुंचुय पु० (चुंचुक) भेदज जतिनो ओइ
भेद म्लेच्छ जाति का एक भेद A
sub division of non-Āryan race
जीवा० ३, ३,

चुंजी छा० () नानी दुध छोटो कुड्या

A small well नाया० १,
 चुंगण न० (चुम्बन) यु म्बन, युभी चुम्बन
 Kissing a kiss प्रब० १०७६,
 ✓ चुक धा० I (अश्) युकी नवु, भुवी
 नवु भूल जाना To forget, to err
 चुकति गच्छा ३२,
 चुक त्रि० (*) सेकेतु, भुजेतु भुना
 हुआ Baked, roasted सु० च० ६, १५,
 चुनख त्रि० (चोच) ये.भ.भु, पवित्र शुद्ध,
 पवित्र Pest, pure, ज० प०
 चुचुय पु० (चुचुक) युयुङ् नामने देश
 चुचुक नामक देश Name of a
 country (२) त्रि० ते देशमा यसनार
 उस देश में रहने वाला a resident
 of the above country भग० ३,
 २, परह० १, १,
 चुचुया स्त्री० (चुचुका) स्तनने अग्रभाग
 दीदी स्तन का अग्रभाग-घुरडी The
 nipple or teat of a breast
 जीवा० ३, ३,
 चुचुय पु० (चुचुक) स्तननी दीदी स्तन
 का घुरडी The nipple of a breast
 राय० १६४,
 चुडण न० (*) जुनुं ययु, क्षीरी नवु
 पुराना-जीर्ण होना, फट जाना. Weaving
 out पिं० दि० भा० २५,
 चुडालिय पु० (चुडालिक) उपाडीयानीपेडे
 रणे छ-ए देवता वदना क्षयाथी लागने
 दोष, वदनाने अत्राशमे दोष रजोहरण
 घुमाकर वदना करने से जो दोष लगता है
 वह, वदना का बत्तीसवा दोष A fault
 incurred by moving a Rajo-
 haran: (a kind of brush) here

and there while paying res-
 pects to an elderly ascetic
 प्रब० १५३;
 चुडिली स्त्री० (*) उपाडीयु अग्नि का
 प्रकाशना व निस्तेज होना Gleaming of
 fire प्रन० १७६,
 चुड्डुलि स्त्री० () सणगते भुने
 पूणे जलताहुआ घास का पूला A burn-
 ing bunch of hay. भग० ६, ३३.
 ✓ चुरण वा० I (चूर्ण) दणयु, पीसयु चूर्ण
 इरयु पीसना, चूर्णकरना To pound, to
 grind
 चुरिणऊण स० कृ० सु० च० २, ४०७,
 चुरिणय स० कृ० भग० १६, ८, जीवा० ३.
 चुरण पु० न० (चूर्ण) भुङ्के, रेत चूर्ण
 Powder पचा० १३, १५, काप० ३, ३०,
 पत्र० १, १७; सू० प० २०, निमी० १३,
 ५८, (२) ओ नामने शुभो-शुभ,
 वनस्पति. इस नाम का गुच्छा-गुच्छ,
 वनस्पति a kind of vegetation in
 the form of cluster पत्र० १, (३)
 देशर इस्तूरी वगेरे सुगंधि द्रव्यनु चूर्ण
 केशर कस्तूरी इत्यादि सुगंधिमय द्रव्यों का
 चूर्ण a powder prepared of
 saffron and other scented
 substances परह० २, ४, जीवा० ३, ३,
 भग० ३, ७, ११, ११ (४) अमरुदारी
 चूर्ण भुङ्गी चमत्कारी चूर्ण, मंत्रित चूर्ण
 a manaced powder निमी० १३,
 ५८, ६१, (५) युने चूना lime निमी०
 २ —आरुहण न० (-आरोहण) अभी-
 -देशर वगेरे यदायदा ने अवार-वेसर
 इत्यादिका चटाना offering of scented

ingredients viz. saffron etc नाया० २, —गुडियगात्त. त्रि० (—गुडित-गात्र) युनाथी अरुणायका शरीर वाणु चुने से बिगड हुए शरीर वाला, चूना लगे हुए शरीर वाला (one) with a body smeared with lime विवा० २, —जुत्ति स्त्री० (—युक्ति) अथीर-गुदाय वगेरे यूर्ण अनावधानी युक्ति-विज्ञान, ६४ इलाभानी ओड अवार-गुनाल इत्यादि चूर्ण बानने का युक्ति-विज्ञान ६४ कलाओ मे की एक कला. a method of preparing a red powder known as Gulāla. ओव० ४०, नाया० १० —जोय पुं० (योग) स्तब्धनादि डर्म, यूर्णयोग स्तम्भनादि योग medicine etc which lengthen the period of sexual intercourse नाया० १४. —वात्स पुं० (—वर्षा) यूर्ण-डेर विगेरे सुगंधि द्रव्यनी वृष्टि चूर्ण-इत्यादि सुगंधत द्रव्य की वृष्टि shower of scented things as saffron etc नाया० ६, ज० प० ५ १२१,

चुरणय पु० (चूर्णक) युतो चूना Lime विवा० २, —पंसिया स्त्री० (—पणिका) यूर्ण पीसणारी दासी चूर्ण पीसन वाली दासी a maid who works as a pounder. भग० ११, ११,

चुरिणअ-य त्रि० (चूर्णित) युरे युरे डरेड यूर्ण थयेड चूर्ण किया हुआ, चूर्ण चूरत Poundered; reduced to atoms उक्त० १६, ६८, नाया० १,

चुरिणगाभाग. पुं० (चूर्णिकाभाग) भागने पशु भाग, अंशने अंश भागका भी भाग A division of a division ज० प०

७, १२४, १३३;

चुरिणयामेद. पुं० (चूर्णिकामेद) लुओ। उपलो १०६ देखो ऊपर का शब्द Vide above. पत्र० ११;

चुत. त्रि० (च्युत) दश प्रकारना प्राणुथी श्रष्ट थयेड, प्राणुरहित अनेडु दश प्रकार के प्राणो से भ्रष्ट, प्राणरहित वनः हुआ Lifeless अणुजो० १६, भग० १, १;

चुन्न पु० (चूर्ण) अदुध यूर्ण के ले भाणुस उपर नाणवथी हर्प-शोक के वश हो जाडूई चूर्ण कि जिसको मनुष्य पर डालने से हर्प-शोक के वश हो A maculas powder which subjugates a man when thrown upon him पिं० नि० ४०६, (२) आटो. लोट आटा. flour सु० च० ३, २०७, प्रव० ५७५, (३) यूर्ण, लुडको चूर्ण powder. प्रव० २४५,

चुन्नग पु० (चूर्णक) सोयड-सुरमादि यूर्ण सुरया, सुरमा द चूर्ण Colium etc in a powdered form निर० ३, ४, चुन्नी स्त्री० (चूर्णी) यूर्ण, लुडको, लोट चूर्ण, आटा. Powder पिं० नि० २४०, चुग्यालय पु० (२) विजय नामना देव अ युवा-लय २ ओ २ अवाणु धर विजय नामके देवका आयुवालय-शस्त्र रखने का गृह A place for keeping weapons belonging to the god Vijaya जीवा० ३ ४,

चुलणी स्त्री० (चुलनी) इ पित्रपुरना राजनी राणी, अम्हदत नामना आरमा अइतीनी माता कम्पिलपुरके राजा की रानी, ब्रह्मदत्त नामक वाग्देव चक्रवर्ती की माता The name of the queen of the king of Kampilapura उवा० १, २,

उत्त० १३, १, सम० प० २३४, जीवा० ३
चुलसी स्त्री० (चतुरशीति) योराशी, ८४
 चौर्याशी, ८४ Eighty four प्रव० ८.
चुलसीइ स्त्री० (चतुरशीति) योराशी, ८४.
 चोरामी की सख्या, ८४ Eighty-
 four क० ग० ६, ५३, भग० २०, १०,
 ४२, १, नाया० ८; सू० प० १, —सम-
 जित्य. पुं० (-समजित) योराशीनी
 संख्याथी भगृहीत-भाज्य थाय ते चोरासी
 की सख्या से सगृहीत-भाज्य होवे वह a
 sum which can be divided
 by eighty-four भग० २०, १०,

❖ **चुल्ल** त्रि० (-) लघु छोटा,
 लघु Small, tiny पञ्च० १६, ज० प०
 उवा० १, २, —कल्पसुत्र. न० (-कल्प-
 सूत्र) २६ उत्कलिङ्गमानु त्रींशु २६
 उत्कालिक मेस तीसरा the third of
 the 29 Utkālīka (Sūtras)
 नदी० ४३, —पितृत्र पु० (-पितृक)
 पिताने नाने भाउ, छोटे पिता का छोटा
 भाई, काका uncle, the younger
 brother of a father “ अजए पजए
 वावि वप्पो चुल्लपित्तिय ” दम० ७, १८,
 —माउ स्त्री० (-मातृ) लुओ “ चुल्ल-
 माउया ” १५८ देखा “ चुल्लमाउया ”
 शब्द vide “ चुल्लमाउया ” नाया० १,
 —माउया स्त्री० (-मातृका) ओरमान
 माता सौतेली माता step-mother
 “ कूणियस्सरणो चुल्लमाउया ” अत० ८,
 १, निर० १, १, विवा० ३,
चुल्लग पु० (-) लात, ओगट मात,
 खुराक. Food पि० नि० ८४,
चुल्लणीदेवी स्त्री० (चुल्लणीदेवी) दुपट गमनी

युद्धणी नामनी देवी (राणी) दुपट राजा
 की चुल्लणी नामकी देवी (रानी) Name
 of the queen of the king
 Diupada नाया० १६,

चुल्लसपग न० (चुल्लशतक) युद्धशतक
 नामने भद्रापीर स्वाभिने ओड श्रावड,
 दश श्रावडमाने ओड चुल्लशतक नाम का
 महावीर स्वामी एक का श्रावक, दस श्रावकमेसे
 एक. One of the 10 layman fol-
 lowers of Mahāvīra उवा० १, २

चुल्ल हिमवत पु० (चुल्ल (लघु) हिमवत)
 भरत क्षेत्रना मर्यादा आधार पर्यंत, भरत
 अने हेमवतने जुहु पाउना (जेनी वच्ये
 आवेन) पर्यंत भरत क्षेत्र की मर्यादा
 बाधने वाला पर्वत A mountain
 bounding the limit of Bharata
 Ksetra जीवा० ३, ३, सम० ७, भग० ६,
 ३, ज० प० ५, १२०, ११४, १, १० पञ्च०
 १६, उवा० १, ७४, —कूड (-कूट) युद्ध
 हिमवत पर्यंत उपरना अगीथार दूटमानु
 श्रींशु दूट, शिभर चुल्ल हिमवत
 पर्वत के ग्यारह कूटमे से द्वितीय कूट शिखर
 the second out of 11 summits
 of the mountain Chullahima-
 vanta हा० २, ३,

चुल्ल हिमवन्ता स्त्री० (चुल्ल हिमवती)
 युद्ध हिमवत गिरि कुमार देवतानी गज-
 धानानु नाम चुल्ल हिमवन्त गिरि कुमार
 देवगामी राजवानी का नाम Name of
 the capital city of the god
 Chulla Himavantagnikumār
 ज० प०

चुल्ली स्त्री० (चुल्ली) युद्धी युद्धी, लाने

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
 foot-note (*) p 15th

यूयो। चूल्हा, छोटा चूल्हा. A small stove. पि० नि० २४६, जीवा० ३ १, उवा० २, ६४,

चूअ-य पुं० (चूत) आत्मानु वृक्ष आम का वृक्ष A mango tree विशे० ३३, १७२४, सु० च० ६, ६४ तंडु० ६, (२) भूर्याभना आभ्रवनतो रक्षक देवता सूर्याभ के आम्रवन का रक्षक देवता the guardian deity of the mango forest of Sūryābha जं० प० ५, १०२, राय० १४०, जीवा० ३, ४; (३) ओ नामनी लता इस नाम की लता a name of a creeper पञ्च० १, —लया स्त्री० (-लता) आत्मानि लता-क्षय आम्रलता, (आम की लता) a mango creeper श्रव० —वण न० (-वन) भूर्याभ विमानना उत्तर दरवाजेथी ५०० ग्जेजनडिपर आवेक्ष आत्मानु ओक वन के गे साड्यार ६०२ ग्जेजन लायु अने पायसे ग्जेजन पडोशु छे सूर्याभ विमान के उत्तर दरवाजे से ५०० योजन पर आया हुआ आम का एक वन कि जो सोडे दारह योजन लम्बा व पाच सौ योजन विस्तृत है. a mango forest 12500 Yojanas in length and 500 Yojnas in breadth, situated at a distance of 500 Yojanas from the northern gate of the heavenly abode named Sūryābha. ठा० ४, २, निसी० ३, ८१, राय० १०६, भग० १, १; अणुजो० १३१,

चूडामणि पुं० (चूडामणि) भूषाभूषि, भुगट. चूडामणि, मुकुट Crown, diadem. उत्त० २०, १० नाया० १, पञ्च० २, जीवा० ३, ३०

चूराणकोस पुं० (चूर्णकोश) आवाते पदार्थ खाद्य पदार्थ Eatable पण्ट० २, ५,

चूयगवडिस न० (चूतकावतंसक) ओ नामनु ओक छंदनु विमान इस नामका एक इन्द्रका विमान A Name of an abode of India. राय० १०३. भग० ३, ७,

चूयवडिसा स्त्री० (चूतावतसा) सौधर्मेन्द्रनी अग्रमहिषी देवानी राजधानी. सौधर्मेन्द्र की अग्रमहिषी देवा की राजधानी The capital city of the principal queen of Saudharmendra ठा० ४, २.

चूया स्त्री० (चूता) सौधर्मेन्द्रनी अग्रमहिषी-नी राजधानी सौधर्मेन्द्र की अग्रमहिषी का पाटनगर Vide above ठा० २, ४, ✓चूर. धा० I (चूर) यूरोकरवो; लागवु चूगकरना, तोड़ना. To pound, to reduce to atoms. चूरेड नाया० १६. चूरत्ता स० क० नाया० १६,

चूलणी स्त्री० (चूलनी) ब्रह्मदत्त चक्रवर्ती की माता. The mother of Brahmadatta Chakravarti जीवा ३, १.

चूला स्त्री० (चूडा) येटी, शिभा, येटली. शिखा, चुटिया Summit, peak नदी० १७,—उवणयण न० (उपनयन) येटली उतरव नो—मुन्दनकरवानो सस्कार शिखा उतारने का—मुन्दन कराने का सस्कार the ceremony concerning shaving राय० २८८

चूलामणि पुं० (चूडामणि) भुगट मुकुट Crown; diadem श्रव० २२. राय० १८६,

चूलिश्रंग न० (चूलिकाङ्ग) योगशीलाय प्रयुक्त परिमित काल विभाग चोगामी लक्ष प्रयुक्त परिमित काल विभाग A measure of time equal to 84 lacs of Pin-yuta भग० ५, १ २५, ५, अणुजो०

११५, ठा० २, ४, ज० प०

चूलिका स्त्री० (चूलिका) दृष्टिवाद् अगना
पायविभागभाते पायभो-छेदो विभाग
दृष्टि वाद अंग के पाच विभाग में से पाचवा-
-अंतिम विभाग The fifth of the
last division of Distivāda
Anga नदी० ५६, (२) मूलसूत्रमा न
अनावेदु लुङ्गित सग्रह डरी अतमा
अनावदी ते मूलसूत्र में अप्रकाशित वर्णन
का संग्रह कर अत में प्रकट करना a com-
mentary which exposes that
description which is not
given in the original text
नदी० ५६, (३) योराशी लाय युद्धि
अंग प्रमाणो डाण विभाग चौरासी लक्ष
चूलि अंग प्रमाण का काल विभाग. a
measure of time equal to 84
lacs of Chūliāṅga भग० ५, १, ६,
७, ११, १०; २५, ५, जीवा० ३, ४, अणु-
जो० ११५, ठा० २, ४, ज० प० (४)
युद्धि-योदली, शिखर चूलिका-चाटी,
शिखर summit, peak सम० १२,
नदी० स्थ० १७, ज० प०

चूलिय पु० (चूलिक) युद्धि देश चूलिक
देश Name of a country (२)
त्रि० ते देशमा वसनाउ उस देश में रहने
वाला a resident of the above
country परह० १, १,

चूलिया स्त्री० (चूलिका) यक्षो, सगडी
चूल्हा, सिगडी A stove, a fire place
प्रव० १७२,

चेअयणा स्त्री० (चेतना) जानादि चेतना,
चैतन्य ज्ञानादि चेतना चैतन्य Con-
sciousness विशेष० ४३

चेडय-य नि० (चेतित) डरेलु, अनावेदु,
यक्षवेदु. किया हुआ, बनाया हुआ Pei-

formed, prepared “ अगारिहि
अगाराड चेडयाड भवति ” आया० २, २,
२, ८१ २, २, २, ८३ वेय० २, १६;
चेडत्तए हे० क० (चेतितु) रहेवानो रहने
को For the sake of living or
residing वव० १, २२,

चेडय न० (चैत्य-चित्तेरिद भाव कर्म वा
चैत्यम्) यक्ष वगेरे व्यतर देवतानु आयतन-
स्थान, देवस्थान के लिये आगमा अथवा तेना
पूर्वशरीरना अग्निहाड-यिताने स्थाने, योतग
रूपे डे देरीरूपे, यक्षवावामा आयता, अने
लोडा सडामवृत्तिथी आ भवनी सावसाथी
तेनी पयुपासना डरता तेनी उपमा आयु
वगेरेनी पयुपासनामाटे आपराभा आयी
छे. यक्ष वगेरह व्यतरदेवताके आयतन-स्थान,
चिता के ऊपर मंदिर या अन्य रूप में बनाया
हुआ स्मारक चिन्ह ससारी लोग इनकी इम
लोक के सुखों की इच्छामें उपामना करते हैं.
The abode of ghosts or infer-
nal gods, the memorial or
temple which was erected in
olden times on the funeral
pyre or in a garden and people
used to worship these with a
view to get their worldly de-
sires fulfilled आया० २, १५, १७६,
सम० ६, नाया० १, भग० १. १, म० प०
१, ओव० निर० १, २, कण्ठ० ६, ६३. क०
ग० १, ५६, ओघ० नि० ६५, “ कल्लाण
मंगल देवय चेडय पज्जुवामति ” सय० २,
७, ८१, “ कल्लाण मंगल देवय चेडय पज्जु-
वास्सामो ” दमा० १०, १, “ कल्लाण
मंगल देवय चेडय पज्जुवामेजा ” वव० १०,
१, “ कल्लाण मंगल देवय चेडय पज्जुवामेत्ता ”
(देवत चैत्यमिव-टी) ठा० ३, १, भग० २,
१ “ कल्लाण मंगल देवय चेडय पज्जुवा-

सामि ” ठा० ३, ३, “ कल्लाणं मंगल देवयं
 चेइयं पज्जुवासणिज्जे ” नाया० १६, उवा०
 ७, १८७, “ कल्लाण मंगल देवय चेइय
 पज्जुवासणिज्जाओ भवंति ” भग० १०, ५
 “ कल्लाणं मंगल देवयं चेइय पज्जुवासइ ”
 भग० १५, १, “ थूममहेसुवा चेइयमहेसुवा
 रुक्खमहेसुवा ” आया० २, १, २, १२,
 “ रुक्खमहेइवा चेइयमहेइवा थूममहेइवा ”
 भग० ६, ३३, “ भवण घरसरण ले २ आ
 वण चेति य देवकुल ” परह० १, ५, “ तव-
 स्सिकुलगणसव चेइयट्ठे ” परह० २, ३,
 (२) व्यन्तरता आयतनताणे अथवा तेना
 विनातो आग, उद्यान; आरामयोगीये व्यतर
 के आयतन वाला किवा उसके रहित वाग,
 उद्यान, आराम-वाग a garden having
 or not having a temple of an
 infernal god, a pleasure garden
 दसा० ५, ६, नदी० ५०; जं० प० राय० ४,
 २११, अत० १, १, नाया० ६, “ पुण्णभदे चेइए ”
 नाया० १, १५, १६, नाया० ध० १, अत० १, १,
 विवा० १, १, परह० १, १; उवा० १, १;
 २, ६२, ११६, भग० ५, १; ९, ३३, १३,
 ६, “ कोट्टए चेइए ” नाया० ध० १, ३
 उवा० ३, १२६, ४, १४५, ६, २६७, १०,
 २७२, भग० ६, ३३, १२, १, १५, १,
 “ णायण णगराइ उज्जाणाइ चेइआइ ”
 सम० प० १७६, “ उवासयाण णगराइ
 उज्जाणाइ चेइआइ ” सम० प० १८४,
 “ अंतगडाणं णगराइ उज्जाणाइ चेइआइ ”
 सम० प० १८६, “ अणुत्तरोववाइयाण णग-
 राइ उज्जाणाइ चेइआइ ” सम० प० १८७,
 “ सुहविवागाण णगराइ उज्जाणाइ चेइ-
 आइ ” सम० प० १६२, “ दुहाविवागाण
 णगराइ उज्जाणाइ चेइआइ ” सम० प०
 १६२; (चैत्यं व्यंतरायतनम् टी०) “ चडो-
 चरणमि चेइए ” भग० १५, १, “ मण्डि-

कुच्छिंणि चेइए ” भग० १५, १, “ कण्डि-
 यायणंसि चेइए ” भग० १५, १; “ एगज्जुए
 चेइए ” भग० १६, ५, “ सालकोट्टयए चेइए ”
 भग० १५, १, “ छत्तपलासए चेइए ” भग०
 २, १, “ पुप्फवईए चेइए ” भग० २, ५,
 ६, ६, ३३, “ माणिभदे चेइए ” भग० ६,
 १, “ संखवणे चेइए ” भग० ११, १२,
 “ नदणे चेइए ” भग० ३, १, “ बहुसालए
 चेइए ” भग० ६, ३३, “ चंदोतरायणे
 चेइए ” भग० १०, २, “ दूएपलासए
 चेइए ” उवा० १, ३, १०, ५८ ७८, ८६,
 भग० ८, ३२, १०, ४, ११, ११, १८, १०,
 “ अंबसालवणे चेइए ” नाया० ध० १,
 “ काममहावणे चेइए ” नाया० व० ३, अत०
 ६, १६, “ गुणसिलए चेइए ” नाया० १,
 २, १८, नाया० व० १; ३, अत० ६, १;
 ३, ७, १, अणुत्त० १, १, २, १, ३, १, विवा०
 २, १; उवा० ८, २३१, भग० २, १, ५, ६;
 ७, १०, ८, ७, १६, ३, १८, ३, ७, ८,
 (३) तीर्थंकरनु ज्ञान-केवल ज्ञान तीर्थंकर
 का ज्ञान-केवल ज्ञान the knowledge
 of a Tirthankara “ ए एसिण
 चउवीसाए तित्थगराण चउवीस चेइय-
 रुक्ख होत्था ” सम० प० २३३, ‘ तहि चेइ-
 याइ वन्दइ ’ (वन्दते स्तौति) भग० २०,
 ६, नाया० १६, (४) भए, साधु श्रमण,
 माथु an ascetic ‘ देवय चेइय पज्जुवा-
 सेत्ता ’ (दैवत चैत्यमिव चैत्य श्रमण पर्यु-
 पास्य टी०) ठा० ३, १; “ अन्नउत्थिय
 देवपाणि वा अन्नउत्थिय परिग्गहियाणि वा
 (चेइयाइं) वंदित्तए नमंसित्तए वा ” उवा०
 १, १८, भग० ३, २, (५) व्यतर आदि
 देवता व्यतर आदि देवता infernal
 god etc “ रुक्ख वा चेइयकड थूम वा
 चेइयकड ’ (वृक्षस्याधो व्यन्तरादित्यलक
 मृग वा वरन्तरादिकृत टी०) आया० २, ३,

३, १२७, (६) त्रि० चित्तने आनद देनेवाला delightful, pleasant “ तैसिण चेतितथूभाण पुरतो चत्तारिमणि पेडिआआ ” (चित्तात्हादकत्वाद्वा चैत्याः स्तूपाः प्रमिद्धाश्चैत्यस्तूपा) ठा० ४, २, सम० ३५, दसा० १०, १, वव० १०, १, (७) डोछ महापुरुषनी येछ उपरना स्मारक अवसेमो-राय अस्थि दादा वजेरे किसी महापुरुष की चिता ऊपर के स्मारक अवशेष-राख, अस्थि इत्यादि the memorial on the funeral pyre of a man of importance “ अरहते वा अरहत चेइयाणि वा अणगारे वा भावियप्पाणो णीसाण उड्डु उप्पयइ ” भग० ३, २, (८) जल्दी, उतावणु तुरत, शीघ्र, उतावला. speedy “ सिग्घं चण्ड चवल तुरिय चेइय ” नाया० ६, —खभ पुं० (-स्तम्भ) सुधर्मा सभानी वये भण्णिपीठिका उपर जे साठ जेज्ज उये भाणुवड नामने स्तम्भ छे ते, चित्तने आह्लाद उपजानार थल सुधर्मा सभा की मध्य में मणिपीठिका के ऊपर जो साठ योजन ऊचा माणवक नामक स्तम्भ है वह, चित्त को आह्लादित करनेवाला स्तम्भ a pillar named Mānavaka 60 Yojanas in height situated on Manipīthikā in the Council-hall of Sudharmā “ सुहम्माणु सभाणु माणवणु चंइयखम्भे ” सम० ३५, राय० १५६, —धूम पु० (-स्तूप) चैत्य वृक्ष अने प्रेक्षा धरनी वये भण्णिपीठिका उपरनु चित्तने आह्लाद जनक स्तूप चैत्य वृक्ष व प्रेक्षागृह के मध्य में मणिपीठिका के ऊपर का चित्त को आनद दायी स्तूप a beautiful pillar situated on Manipīthikā and in the middle of

a memorial tree and a particular house ‘चत्तारि चत्तारिचंइयधूमा’ ज० प० २, ३३, ठा० ४, २, जीवा० ३, ४, —मह पु० (-मह) चैत्यने महोत्सव. चैत्य का महोत्सव a ceremony concerning a memorial on a funeral pyre आया० २, १, २, १२, भग० ६, ३३, नाया० १, —रुक्ख पु० (-वृक्ष) वाणुव्यतरनी सुधर्मादिसभानी आगण भण्णिपीठिका उपर रत्नमय वृक्ष जे जेनी आह जेज्जनी उयाछ छे वाणुव्यतर की सुधर्मादि सभा के मन्मुख मणिपीठिका के ऊपर रत्नमय वृक्ष कि जिसकी आठ गेजन की ऊचाई है a tree 8 Yojanas in height, made of gem and situated on the Mani Pithikā in front of the council-hall of Sudharmā सम० ८, ठा० ३, १, (२) जेनी नीये तीर्थंकरने देवज्ञान थयु होय ते वृक्ष जिसके नीचे तीर्थंकर का केवल ज्ञान प्राप्त हुवा हो वह वृक्ष a tree under which Tīrthanaka obtained supreme or perfect knowledge सम० प० २३३, (३) देवताओंनी सभाना दरेक दरवाज आगव महाधम्म अने चैत्य धुमनी वयेनु वृक्ष देवताओं की सभा के प्रत्येक दरवाजे के सामने महाध्वजा के व चैत्य स्तम्भ के मध्यस्थ का वृक्ष a tree situated in the middle of a flag and a memorial tree which is in front of the doors of the council-hall of gods ठा० ३, १, जीवा० ३, ४, राय० १५६ —चण्णअ न० (-वरणक) चैत्य वर्णन चैत्य का वर्णन the descrip-

tion of a memorial on a funeral pyre. दसा० ५, ६;
 चेद्वा स्त्री० (चेष्टा) क्रिया क्रिया Gestures, movements पचा० ४, २,
 चेष्टिय त्रि० (चेष्टित) येषां इरेल चेष्टित Gestured पचा० १, ४८, नाया० १. राय० २६१;
 चेड. पु० (चेड) पगपासे रहनेवाला नौकर A close attendant कण्ठ० ४, ६२; पि० नि० ३६८, ओव० राय० १५३, नाया० १, (२) आलस्य बालक baby. पि० नि० भा० १२६,
 चेडग. पु० (चेटक) विशाखा नगरीना येडः नामने राजा के ले महावीर प्रभुने परम; लक्ष्मण उतो विशाला नगरी का चेटक नाम का राजा कि जो महावीर प्रभु का परम भक्त था Chetaka, the king of Viśā'a and a great devotee of Mahāvira. भग० १२, २, निर० १, १,
 चेडय पु० (चेटक) कुमार; छोडरे कुमार, लडका. An unmarried boy, a boy नाया० २, (२) दास नोडर दास, नौकर a servant, an attendant नाया० २, सु० च० १५, १३५,
 चेडिया-आ स्त्री० (चेडिका) दासी, आनडी दासी A maid भग० ६, ३३, ११, ११, ओव० ३३; नाया० १; ८, १६, राय० २८६, उवा० ७, २०८, —चक्रवाल न० (-चक्र-वाल) दासीने समूह दासी का समूह a group of maids निर० ३, ४; नाया० १४; नाया० ४०
 चेडिय न० (चेत्य) लुओ " चेडम " शब्द देखो " चेड्य " शब्द Vide " चेड्य " पगह० १, १,
 चेत्त पु० (चैत्र) चैत्रमास. चैत्रमान The month of Chaitra नम० ३६; भग०

१८, १०; —सुद्ध. पु० (-शुद्ध-शुक्ल) चैत्रमास शुक्ल पक्ष चत्र मास का शुक्ल पक्ष. the bright-half of the month of Chaitra नाया० ८,
 चेत्ती. स्त्री० (चैत्री) चैत्रमासनी पुनेम चैत्र मास की पूर्णिमा The fifteenth bright day of the Chaitra month ज० प० ७, १६१,
 चेदि पु० (चेदि) येदि नामने देश चेदि नामक देश A country of this name पञ्च० १;
 ✓चेय. वा० II (दा) आपनु, दान डरेनु देना, दान करना. To give, to give as charity.
 चेण्ड. आया० २, १, १, ६;
 चेण्मि. आया० १, ७, २, २०२;
 ✓चेय वा० II. (चेत्) सङ्कल्प डरेनु सकल्पकरना. To resolve (२) निप-णयनु, उत्पन्न करना to produce (३) यणुनु. बनाना to pile, to construct.
 चेण्ड. सम० ३०, निसी० ५, २, १३ १; नाया० १६,
 चेणुसि नाया० १६,
 चेइस्सामो आया० २, १, ६, ४६,
 चैयंत. निसी० ५, २,
 चैतमाण सम० २१,
 चेइजमाण क० वा० दसा० २, १६, १७;
 चेय-अ न० (चेतस्) चित्त चित्त, The mind चैयसा तृ० ए० भग० ७, १०, दस० ५, १, २, नाया० १; भग० ६, ३३, दसा० ६ ५, दस० ६, ६७, (२) विज्ञान विज्ञान science विशेष० १९६२; (३) श्रुत, आत्मा जीव, आत्मा soul भग० २०, २, —कड त्रि० (-कृत) मनथी इरेल मनने क्रिया हुआ heartily per-

formed. भग० १६, २,

चेय अ० (एव) ' ओमञ्ज, ओ३स. ऐमाही,
निश्चित Verily, certainly विशेष०
१४९,

चेयण न० (चैतन्य) श्रुत, श्रुतपणु
जीवत्व, जीवितता. Life, vitality
विशे० ४७५, १६५१, ३१३८, सु० च०
१, २६०, —जुत्त त्रि० (-युक्त) येनना
वाहु चेतना वाला vital, living.
प्रव० १२४६, —भाव पु० (-भाव)
श्रुते ज्ञान परिणाम जीव का ज्ञान परि-
णाम intellectionality विशेष० ४५५,
चेया स्त्री० (चेतना) येनना, ज्ञानशक्ति
चेतना, ज्ञानशक्ति. Intellect विशेष०
१६५७,

चेल न० (चैल) वस्त्र, लुगडु वस्त्र, कडा
Cloth निसी० १८, १४, आया० २, ६,
१, १५२, जीवा० ३, ४, वव० ८, ५, दस०
४, प्रव० ६६२, —ठु न० (-अर्थ)
लुगडानु प्रयोगन वस्त्र का प्रयोजन the
cause for keeping a cloth वेय०
३, १२, —उक्खेव पु० (-उत्क्षेप)
वस्त्रनु फेंकनु, वस्त्रनी-वृष्टि वस्त्रों का फेरना,
वस्त्रकी वृष्टि the shower of clothes.
विवा० १, ठा० ३, १, भग० १५, १,
—ऊण-न्न. न० (-ऊर्ण) लुगडानी
झीनारी वस्त्र की किनार the border
of a cloth निमी० १८, १८, दस० ४,
—गोल पु० (-गोल) लुगडाने गोल
फेडा वस्त्र का गोलाकार गोला a ball of
cloth सुय० १, ४, २, १४, —चिलि
मिलिया स्त्री० (-) वस्त्रनी दोरी
वस्त्र की रस्मी a string of cloth

वेय० १, १८ —पेडा-ला स्त्री० (-पेडा)
लुगडानी पेटी, पोटाकी वस्त्र की पेटी, गठरी
a box for clothes, a bundle of
clothes भग० १५, १, दस० १०, ३,

चेलअ न० (चेलक) लुओ " चेल " शब्द
देखो " चेल " शब्द Vide " चेल "
ज० प०

चेलग न० (चेलक) सन्यासीओनु ओ३
उपकरण सन्यासिया का एक उपकरण
An implement of an ascetic
सूय० २, २, ४८.

चेललणा स्त्री० (चेल्लणा) श्रेष्ठ राजनी
राणी, येडा राजनी पुत्री श्रेष्ठ राजा की
रानी, चेडा राजा की पुत्री The queen
of the king Sienika, the dau-
ghter of the king Chedā अत०
६, ३, नाया० ध०

*चेल. स्त्री० () चिदात (डिगत
भे३३) देशमा उत्पन्न थयेव दासी
चिलात (किरातम्लेच्छ) देश में उत्पन्न
दासी A maid born in Knāta
country ओव० ३३,

चेव अ० (च+एव=चैव) निश्चय निश्चय
Certainly, verily ज० प० ५, ११४,
भग० १, १; २, ८, ५, ४, ६, ५, नाया०
१, १४, १६; दस० ६, १, १, उवा० १,
८१, विशेष० ७०, वेय० १, ३३, नाया०
ध० ३, १०,

चोअअ पु० (चोयक) ओ३ नानु ३५.
एक प्रकार का फल A kind of fruit
अणुजा० १३३,

चोअण न० (चोदन) प्रेरणा प्रेरणा
Instigation गच्छा० ५१,

चोअरणा. स्त्री० (चोदना) प्रेरणा इत्थी ते.
प्रेरणा करना Instigation गच्छा० ३८,
१२७,

चोअरालाया स्त्री० (चतुश्चत्वारिंशत्) युष्मादीस
चुम्मालीस Forty-four ज० प० ७,
१४८, विशेष० २३०४,

चोइअ त्रि० (चोदित) प्रेरयेत्तु, प्रेरणा
इत्थे; पुछेत्तु. प्रेरित; प्रेरित किताहुआ; पूछा
हुआ Instigated उत्त० ६, ८, ६१,
सूय० १, ३, २, २०; दस० ६, २, ४, १६.
पि० नि० ११४ २२२, ज० प० ३, ६४,

चोक्ख त्रि० (चोक्ख) स्वच्छ, पवित्र, साधु
स्वच्छ, पवित्र, साफ Clean, clear,
pure; spotless “आयंतेचोक्खेपरम-
इभूए” ज० प० ७, १४६, ओव० १२;
३८; भग० ३, १, ६, ३३, ११, ६, नाया०
१; ७; १६; परह० २, १; जीवा० ३, ४,
विवा० ३;

चोक्खलि त्रि० (चोक्खली) योअयो; शरीर
वस्त्रादिद्वारे साधुसुख राखनार शरीर वस्त्रा-
दिक को स्वच्छ रखनेवाला. (One) who
keeps the body and the clothes
clean. पि० नि० ६०२,

चोक्खा स्त्री० (चोक्खा) योक्खा नामनी
परित्राजिज्ञा-स न्यासण चोक्खा नामक परित्रा-
जिका; संन्यासिनी A nun of this
name. नाया० ८,

चोज्ज न० (चोज्ज) आश्चर्य; विस्मय
आश्चर्य; विस्मय Wonder, surprise.
सु० च० १, १२२,

चोज्ज न० (चोर्ज) चोरी; तस्स० पणु. चोरी,
तस्करत Theft, stealing उत्त०
३५, ३,

चोरि. त्रि० (चोरि) गंदु; सुगमभुं
गदला घृणा पैदा हो ऐसा Dirty;
turbid पि० नि० ५८७,

चोत्तीस स्त्री० (चतुस्त्रिंशत्) योत्तीस चोत्तीस.
Thirty-four भग० ३, १, १, १,
सम० ३४,

चोदहस. त्रि० (चतुर्दश) यौ६. चौदह
Fourteen. भग० ५, १, ६, ५, ८, ८,
नदी० ३७; उवा० १, ६६, ज० प० ३, ४१,

—पुव्व न० (-पूर्व) यौ६ पूर्व-शास्त्र
चौदह पूर्व-शास्त्र. the scriptures
known as fourteen Pūrvas
नाया० ४; १४, १६,—पुव्वधर पु०
(-पूर्वधर) यौ६ पूर्वना धरनार चौदह
पूर्वधारी one having knowledge
of fourteen Pūrvas विशेष० १४२;

—पुव्वि. पु० (-पूर्विन्) उत्पादपूर्व
विगेरे यौ६ पूर्वना अभ्यासी. उत्पादपूर्व
इत्यादि चौदह पूर्व के अभ्यासी one hav-
ing the knowledge of fourteen
Pūrvas e g Utpāda Pūva
etc विशेष० ५३६, भग० ५, ४, नाया०
१, ५; नाया० ८,—भाग पु० (-भाग)
यौ६ भाग, यौ६ राज (राज) चौदह भाग,
चौदह राज-भाग the fourteen divi-
sions, the fourteen Rājas (a
measure of length) विशेष० ४३०,

चोदहसम त्रि० (चतुर्दशतम) यौ६भु चौदहवा
Fourteenth. भग० २, १ ज० प० २, ३३,
(२) ७ उपवास छ उपवास six fasts
भग० २, १; नाया० ८,

चोप्पड. पु० (चोप्पड) तेल विगेरे योपणु
ते तेल इत्यादि का मर्दन Smearing

of oil etc ओष० नि० ४०१,
चोष्पाल. पु० (चोष्पाल) सूर्यास देवना
आयुधागार, हथियार शालानुं नाम
सूर्यास देव का आयुधागार, शस्त्र शाला का
नाम Name of the house for
weapons of the deity Sūryābha
राय० १६२,

चोष्पालग न० (*) भत्तवारणु-हाथी
हाथी An elephant ज० प० ४, ८८,
चोभंग पुं० (चतुर्भङ्ग) जेभा आर वि३६५
पडे ते, येस गी जिसमें चार विकल्प पडते
हैं वह, चतुर्भङ्ग That which can be
classified in four different
ways प्रव० १५५,

✓चोय धा० I, II (चड) प्रेरणा डरवी
प्रेरणा करना To instigate
चोण्ड गच्छा० २०, चोयति नाया० १,
चोइज्जमाण क० वा० व० कृ० नाया०
१६,

चोय पुं० (*) त्वया, छाल छाल
Bark, skin जीवा० ३, ४, राय० ५६,
पन्न० १७,

चोयअ. पु० (चोयक) ओड अतनु डड
एक जाति का फल. A kind of fruit
ज० प०

चोयग त्रि०(चोदक) शङ्का डगुआर, प्रश्न पूछ-
नार शिष्य शका करने वाला, प्रश्न पूछने
वाला-शिष्य One who questions
and doubts सूय० २, ४, २, पि० नि०
२५७, राय० १२३, (२) छां० ५५१
छाय फूलकी छवडी a flower-basket
आया० २, ७, २, १६०;

चोयणा छा० (चोदना) प्रेरणा येनवणी

प्रेरणा, चेतावनी. Instruction caution.
प्रव० १४४, पि० नि० ४८३,

चोयाल पु० () गडडिपर भेसवानु
स्थान किले के ऊपर बैठने का स्थान A
seat on a fort जीवा० ३, ३, क० ग०
६, ५०,

चोयाल स्त्री० (चतुश्चत्वारिणत्) युभादीस
चुम्मालीम Forty four पन्न० २,
चो (आ) यालीस स्त्री० (चतुश्चत्वारिणत्)
युभादीस चुम्मालीम Forty-four ज०
प० ७, १४६, १४६, भग० ३, १, २८,
१२, सम० ४८,

चोर पु० (चार) येर, डेरू, तरेड चोर
तस्कर A thief भग० २, १, ओव०
३८, अणुजो० १२८, नाया० १, १८, दस०
७, १२, भत० १०५, पणह० १, १, राय०
२६०, —अभिसंकी पु० (-अभिगङ्किन्)
येरथी शङ्क राखनार, येरनी शङ्क वासे
चोरसे शक रखनेवाला, चोर की शङ्कावाला
suspicious of a thief नाया० १८,
—आणीय त्रि० (-आनीत) येरोये
लावेतु चोरों का लाया हुआ brought
by thieves प्रव० २७७, —नायग
पु० (-नायक) येरोने नायड चोरोंका
नायक the head of thieves नाया०
१८, —णिगडि स्त्री० (-निकृति) येरोनी
माया-डपट चोरों का माया-कपट
the deceit or tricks of thieves
नाया० १८, —पल्ली स्त्री० (-पल्ली)
येरोने गड्ड्यानी गड्ड्या चोरों के रहने का
स्थान the residing place of
thieves जीवा० ३ —प्रसंगि पि०
(-प्रसंगिन्) येरनी सोयत डगुआर चार

का संग करने वाला. (one) who keeps company with a thief. नाया० १८, —मत्त पु० (—मत्त) चोरनी विचार. the thoughts of a thief. नाया० १८; —महिला स्त्री० (—महिला) चोरनी स्त्री. चोर की स्त्री a wife of a thief विवा० ३ —माया स्त्री० (—माया) चोरनी माया. चोर की माया the deceits or tricks of a thief. नाया० १८, —विडजा स्त्री० (—विद्या) चोर (भातर पाड्यानी) विद्या चोरी करने की विद्या the art of breaking the house by thieves नाया० १८; —सय न० (—शत) से चोर शत चोर, सौ चोर one hundred thieves. विवा० ३, —साहिय. पु० (—साधिक) चोरनी साधारण भाग. a common division of thieves भग० ६, ३२; —सेणावड पु० (—सेनापति) चोरनी सेनापति, चोरनी अग्रेसर चोरी का नेता; चोरी का सेनापति, the head of thieves विवा० ३; नाया० ८;

चोरठा पु० (चोरक) ओ नामनी ओष्ठ सुगन्धि वनस्पति जेने ते गलभा लडेडि इहे छे. इस नामकी एक सुगन्धमय वनस्पति जिसको नेपाल में ' भटेडर ' कहते हैं A kind of fragrant vegetation known as Bhateura in Nepāl.

पञ्ज० १; भग० २१, ८;

चोरिक. न० (चौरिक) चोरी चोरी Theft. मत्त० १०६; १३२, शोध० नि० ७८७, महा० नि० १; पण्ड० १, ३, —करण न० (—करण) चोरी इन्गी ने. चोरी करना

the act of stealing मम० ११:

चोरिय त्रि० (चोरित) चोरने; चोरी कीये; चुराया हुआ; चोरी से लिया हुआ.

Stolen विशेषे ८५७, नि० ५७६,

चोरिय. पु० (चौरिक) भाणुसेने भारी चोरी करने वाला मनुष्यों को मारकर चोरी करने वाला A looter; a burglar, one who murders and steals. पण्ड० १, २, विवा० ६,

चोरी. स्त्री० (चौर्य) चोरी, चोरने ते चोरी, करना. Theft. प्रव० ४५७;

चोलक न० (चोलक) चूड़ोपनयन, आशुकेतुं-प्रथम शिरोमुंडन इरावतु ते चूड़ोपनयन, बालको का प्रथम शिरोमुंडन (चोलकर्म) कराना वह. The ceremony held in connection of shaving a child for the first time पण्ड० १, २; २, ४, चोलपट्ट पु० (चोलपट्ट) मुनिने नीचे पहिने का वस्त्र. यथेष्ट. मुनि को नीचे पहिने का वस्त्र, चोलपट्ट. The waist cloth of an asceti. प्रव० २५६,

चोलपट्ट पु० (चोलपट्ट) साधुओंनु इष्ट वस्त्र; यथेष्ट. मनुष्या का कटिवस्त्र चोलपट्ट. The waist cloth of ascetics शोध० नि० ३४, ६७०, पण्ड० २, १, प्रव० २५५ ५०६, चोलपट्टग पु० (चोलपट्टक) लुआ ठोले शब्द देखो ऊपर का शब्द. Vide above भग० ८, ६;

चोलापणय. न० (चूलोपनय) लुआ " चोलक " शब्द देखो " चोलक " शब्द. Vide " चोलक " नाया० १, भग० ११, ११; जीवा० ३, ३,

चोलंग. न० (*) भोजन; भाणु भोजन,

खाना. Food, diet पि० नि०
 चोक्षिय त्रि० () देदी'यमान देदी
 यमान Bright, lustrous dazzl-
 ing सय० १२२,
 चोवत्तरि स्त्री० (चतुससति) युम्भे'तर
 चुम्भोत्तर. Seventy-four सम० ७४,
 चोव्वीस स्त्री० (चतुर्विंशति) येव्वीस
 वेव्वीस Twenty-four उवा० १०, २७७,
 चोसठि स्त्री० (चतुषष्टि) येसठि चोसठ
 Sixty-four भग० १, ५,
 ✓ च्वय धा० I, II. (त्यज्) तज्जुं, छेड्जु
 छोडना, त्याग करना To leave, to
 abandon
 चण्ड दस० ६, ४, २, २,
 चयड उत्त० ३१, ४, सु० च० ४, १३६,
 सत्था० ६६, भग० ७, १, दम०
 ४, १७,
 चयति. सूय० १, २, १, २,
 चल वि० दस० २, ५, ६, ३, १२, १०,
 १, १७,
 चइस्तति सूय० १, ८, १२,
 चइउ हे० कृ० सु० च० ४, २५१, उत्त०
 १३, ३२,
 चइऊण. स० कृ० उत्त० ६, ६१,
 चइत्ता स० कृ० ओव० १४, ४०, उत्त०
 १, २१, ४८, भग० ११, ११, नाया०
 १, ५, ८, दसा० १०, ३
 चिच्चा स० कृ० उत्त० १०, २८ आया० १,
 ६, २, १८४, १, ७, ६, २२०,
 दसा० ५, ४०,
 चयत व० कृ० पञ्च० २,
 चन्नमाण व० कृ० भग० १, ७.
 चइज्जइ क० वा० सु० १०, २७,

✓ च्व धा० I (च्यु) भरपु, शरीर छोड्जु.
 मरना, शरीर का त्याग करना To die.
 चवति जीवा० ३, १,
 चविऊण सं० कृ० सु० च० १, ११४,
 चविथ सु० च० २, ३७,
 ✓ च्वुय धा० I (च्युत) यवपु, पतन
 पामपु पतन होना To die, to fall,
 to degrade
 चुण्ड सय० १, १, २, १०,
 ✓ च्छण धा० I (क्षण) छेड्जु, मारपु,
 छिसा डरवी छेदना, मारना, हिंसा करना
 To cut, to kill, to injure
 छनति. क० वा० "जाइछनति भूयाइ" दस०
 ६, ५२,
 ✓ च्छाय धा० I, II (छद्+णि) छड्जु,
 छुपावपु, धरनी छत डरजु ढाकना, मकान
 की छत बनाना To cover, to
 conceal, to have a cloth ceiling
 below the roof
 छाण्ड सूय० २, २, २०,
 छायाण वि० दसा० ९, ८, सूय० १, १४
 १६, आघ० नि० भा० ३१५,
 छाण्जा वि० सूय० १, १०, १४,
 छाइत्तण हे० कृ० दसा० ७, १
 छायात प्रव० ५४, ओघ० नि० भा० ३१४,
 ✓ च्छिद धा० I, II (छिद्) छेड्जु, डापपु,
 भेड्जु छेदना, काटना To cut, to
 break, to pierce
 छिदइ भग० ३, २, १६, ६, नाया० १४,
 १८, उत्त० २७, ७,
 छेडेई भग० ६, ३३; १६, ५, नागा० न०
 छिदण १६, ८७,
 छिदन्ति ज० प० ५, १२१,

छेदिन्ति श्रोत्र० ३६;
 छिदे. उत्त० २, २,
 छिदेजा. वि० भग० १६, ३, दस० ८, १०,
 छिदेज वि० आया० १, ३, २, ११५,
 छिदे. उत्त० ६, ४, राय० २०८, दसा० ६, ४;
 छिदाहि आ० दस० २, ५.
 छिदह. आ० आया० १, ७, २, २०४,
 छिदिस्सामि भ० निसी० १, ३३,
 छिन्दिअण सं० कृ० सु० च० २, ६६६,
 छिन्दिस्तु सं० कृ० दस० १०, १, २१,
 छिन्दिता. सं० कृ० ठा० ३, २, भग० ८, ६;
 १४, ८, नाया० १८,
 छिन्दिद्य. क० वा० आया० २, १, २, १३,
 भग० १४, ८, २२, ६;
 छित्ता क० वा० नाया० १४, दसा ५, ४१,
 छिन्दमाण भग० १६, ६; नाया० १,
 छिन्दित्त व० कृ० निसी० १, ३३, पि० नि०
 ५८०; भग० १, ६,
 छिन्दावेइ. पि० नाया० ८;
 छिदावए उत्त० २, २,
 छेदिता. भग० २, १, ३, १, नाया० १, १४,
 दसा० ४, ८४,
 छेदेत्ता भग० ६, ३३, १०, ४, १८, २,
 छेदिता सं० कृ० सम० ७,
 छेएत्ता सं० कृ० नाया० १५,
 छेत्ता सं० कृ० भग० ८, ५; आया० १, २,
 ५, ८६, भग० ६, ५, ज० प० ७,
 १३३; ७, १४८, सूय० २, २, ६,
 सू० प० १०,
 छेत्तूण सं० कृ० भग० २५, ७, उत्त० ७, ३;
 छेतु. हे० कृ० भग० ६, ७, ज० प०
 छिजइ. क० वा० भग० १६, ३; राय०
 २०६, अणुजो० १३८; आया० १,
 ३, ३, ११६.
 छिजति क० वा० भग० ६, ३, सु० च० २, ३३३,

छिजेज वि० भग० ५, ७; १८, १०,
 अणुजो० १३४,
 छिजिही भवि० सु० च० ८, १६८;
 छिजत व० कृ० जीवा० ३, १;
 छिजमाण भग० १, १, ८, ६, ११, ११;
 विवा० २;

छिजत प्रव० १६१,

✓ छिजव-धा० I (छुप्) स्पर्श करवे
 अउत्तु स्पर्श करना, छूना To touch,
 to come in contact with

छिवति परह० २, २,

छिप्पे वि० गच्छा० ६०,

✓ छुम वा० I. (छिप्) डेक्कुं फेंकना
 To throw

छुमेज. पि० नि० ५८२,

छोदु. सं० कृ० पि० नि० ३६८;

छोदूण सं० कृ० विशेष० ३०१;

✓ छुम वा० II (छुम्) अणभणवु,
 गलरावु डगमगाना, घबडाना To totter,
 to be agitated or frightened.
 छोभावेइ विवा० ६,

✓ छुह वा० I. (छिप्) डेक्कुं, नाभीदेवु.
 फेंक देना To throw, to cast away.

छुहइ. पि० नि० २२१,

छुहिऊण सं० कृ० सु० च० १३, ३४,

छहिता सं० कृ० उत्त० १८, ३,

✓ छुह वा० I (छुप्) स्पर्श करवे, अउत्तु
 स्पर्श करना, छूना To touch, to be
 in contact with

छुहइ पि० नि० २५५, क० गं० ६, ८२, ८३;

✓ च्छोल धा० I. (छर्) छेत्तवु छाल-
 डेतरी उतारवा छीलना, छिलका निकलना.
 To chop off outer bark, husk
 etc of anything.

छोलेइ नाया० ७,

छ

छ. त्रि० (षट्) ७; १ नी सभ्या छ, ६ की सख्या Six, 6. ठा० १, १, उत्त० २६, १६, आया० १, २, ६, ६७, सम० २१, अणुजो० १४८, भग० १, १, २, १, १०, ५, ४, ८, १३, ६, १७, १, २०, १०, २५, १, २, ४, ४, ३२, २, ४१, १, नाया० ८, १६, दस० ४, ७, ५६, पञ्च० १, ४, विशेष ३८४, विवा० ५, नदी० ७, सू० प० १, नाया० व० ३, छुरहं ष० ब० भग० १, ५, ८, ३, १, १५, १, नाया० ८, दया० २, ८, ६, क० ग० १, ३०, २, १६, —अगुल न० (—अगुल) ७ आगल छ अगुल six fingers भग० ६, ७, —अहिअवत्त त्रि० (अधिकचत्वारिंशत्) छेतादीश. ४६. छियालीस, ४६ forty-six, 46 क० ग० ४, ५७, —कट्टय न० (—काष्ठक) दशनामना प्ठारना भागमा ७ काष्ठतो समूह दरवाजे के बाहर के हिस्से में छ काष्ठों का समूह. a collection of six logs in the outside part of a gate or door नाया० १, —कर्म न० (—कर्मन्) यजन-याजन-पठन-पाठन वगैरे अ. भूषणना ७ धर्म ब्राह्मणों के छः कर्म-कर्तव्य, यजन, याजन, पठन, पाठन, दान, और आदान the six duties of a Brahmana such as worship, sacrifice, study, teaching, etc पि० नि० ४४८, —खंड पु० (—खण्ड) ७ अ३, भरत आदि क्षेत्रना गंगा सिंधु अने वैताड्य पर्वतथी पडेला ७ विभाग छः खण्ड, भरत आदि क्षेत्रों के गंगा, सिन्धु और वैताड्य पर्वत द्वारा पडे हुए छ भाग six parts or divisions, the six divisions of such regions as Bharataksotia

etc demarkated by the Gangā, Sindhu and the Vaitādhya mountain प्रव० ६८६, —गमन पु० (—गमक) ७ गमा-पाह-अज्ञाया छः पाठ six (scriptural) studies भग० १३, २, —जिअ पु० (—जीव) ७ क्षय श्रव छः काय-पट्काय जीव living beings in six different forms क० ग० ४, ५४, —जीवणिकाय पु० (—जीवनिकाय) ७ क्षय श्रवतो समूह पृथ्वी-अप-तेजस्-वायु-वनस्पति अने त्रसकाय छ जीवों का समूह, पृथ्वी, अग्नि, वायु, वनस्पति, और त्रसकाय a collection of six sentient beings viz those with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and those that are termed Tlasakāyas (moving animals) नाया० ३, —काय पु० (—पट्काय-परणा कायाना समाहार) पृथ्वीकाय - अपकाय - तेजिकाय - वाडिकाय - वनस्पतिकाय अने त्रसकाय-अने ७ प्रकारना श्रवतो समुदाय the group of the six kinds of sentient beings viz with bodies of earth, water, fire, air, vegetable and minute insects अणुजो० २१, सूय० १, ११, ८, क० ग० ४, १३, पवा० १४, ४२, —ट्ठाण न० (—स्थान) लुओ "छट्ठाणग" शब्द देखो "छट्ठाणग" शब्द. vide "छट्ठाणग" क० ग० ४ ३, —एणउइ स्त्री० (—नयति) ७ नु, ८ ६६ की नम्या ninety-six, 96 भग० सम० ६६, १, ४, ६, ७, ९, ६, २०, ५, २४, १२.

८, ४१, १६, पञ्च० ४, १२; जं० प० ६, २, १८, ७,
 १३३, —एणुइसअ न० (—नवतिशत)
 એકસો છન્નુ एकसौ छयानेव, १६६ one
 hundreded ninety-six, 196 वव० ६,
 ३७, —तल त्रि० (—तल पटतलानि यत्र
 तत्) जेना छ तलिया छे अये (छ तनवावु)
 छ तलों वाला six bottomed ठा० ८,
 १, ज० प० —तीस छी० (—त्रिंशत्)
 छत्रीश, ३६. छत्तीस, ३६. thirty-six;
 36 उत्त० ३६, ७२, नदा० ४६, भग० १,
 १, १०, ५, २०, ५, नाया० १६; विशे० ३०७,
 सम० ३६, —दंत पुं० (—दन्त-षड्दन्ता-
 यस्य) छ दातवालो हाथी छ दात वाला
 हाथी. having six teeth, an ele-
 phant with six tusks नाया० १,
 —दिसि. अ० (—दिग्) छ दिशा-पूर्व,
 पश्चिम, उत्तर, दक्षिण, उर्ध्व अने अधः अये
 छ दिशा. छ दिशाएं, पूर्व, पश्चिम, उत्तर,
 दक्षिण, उर्ध्व, और अधः. six quarters
 or cardinal points viz east,
 west, north, south, upward and
 downward विशे० ३५२, भग० १, ६,
 १६, ३; २५, ०; ज० प० ७, १३७,
 —आअ. पु० (—भाग) छट्ठो भाग
 छट्ठा हिस्सा. sixth part ज० प० १,
 १०; उत्त० ३६, ६१, —(मा) म्मास
 पु० (—मास) छ महिना, छ मास छ
 माम six months जं० प० ७, १३४,
 सु० च० ७, १६४, सम० ८८, भग० ८, ८,
 वव० १, ५, दसा० ६, २, निसी० २०, २१,
 भग० २, ५, ३, १, ५, ८, ५, २४, १२,
 २५, १, ६, ३८, १, —मासतव न०
 (—मासतपस्) छमासीतप पगमासिक
 तप austerity or penance lasting
 six months प्रव० ६१४; —म्मानिअ
 त्रि० (—मामिक) छमासी तप, छ महि-

नाना उपवास करवा ते. परमासिक तप,
 छः मास तक उपवास करना penance
 lasting for six months. ओव० १६,
 निसी० २०, ११, वव० १, ३, प्रव० १७६,
 —म्मासियभत्त न० (—मासिकभक्त)
 छ मासना उपवासनु मत छ मास का
 उपवास रूप व्रत a vow to fast for
 six months भग० २५, ७, —म्मा-
 सिया छी० (—मासिकी) लिपुपुनी
 छट्ठी पडिमा छे जेमां ओड मास पर्यन्त छ
 दात अन्न अने छ दात पाणी उपरान्त
 छेपे नहि भित्तु की छठी प्रतिमा, जिस
 में एक मास तक छः दात अन्न और
 इतना ही पानी लिया जाता है the
 sixth vow (Padimā) of a
 Sādhu requiring him to take
 not more than six Dātas of
 food and six of water for one
 month सम० १२; नाया० १, वव० १,
 १७, दसा० ७, १, —लेसा छी० (—लेश्या)
 कृष्ण, नील, शफेत, तेजु पद्म अने शुक्ल
 अये छ लेश्या छ लेश्याएं, कृष्ण, नील,
 कायेत, तेजु, पद्म और शुक्ल 6 Leśyās
 viz thought or matter tints of
 black, blue, grey, red, pink and
 white colour क० ग० ८, १०, —वीसा
 छी० (—विंशति) छवीस, २६ छवीस
 २६ twenty-six, 26 क० ग० २, १०,
 —व्वीसा खा० (—विंशति) छवीस, २६
 छवीस, २६. twenty-six, 26 सम०
 २६, अणुजे० १०१, भग० २, १, ८,
 ८; १७, १, २०, ५ पञ्च० २, ४, सु० च०
 ८, २४, ज० प० विद्या० १, क० ग० ६,
 ३३ —व्वीही छी० (—वीही) छ शेरी-
 वत्ता. छ गलियाँ, छ रास्ते six streets
 or squares “ छवीहीइय गांवे

कुञ्जति ' प्रव० ६२५, —सष्टि स्त्री०
(-षष्टि) छसठनी सभ्या छसठ, ६६ की
सख्या sixty six, 66 क० ग० २, १८, ५,
८४, —सयार स्त्री० (-सप्तति) छेतेर,
७६ नी सभ्या छियोत्तर, ७६ की सख्या
seventy-six, 76 क० ग० २, १७,
छद्. पु० (छवि) द्दधायुना आपनु नाम.
दधायु के पिता का नाम Name of the
father of Dadhāyu जीवा० ३, १,
छद्म्य त्रि० (च्छादित) ढाँधेनु ढका हुआ
Covered नाया० १,
छुउम न० (छद्मन्-छादयति ज्ञानादिकं गुण-
मात्मन इति) छद्मस्थ अवस्था, सराग दशा
सराग दशा, छद्मस्थ अवस्था Condition
in which one is not free from
attachment (२) आत्मानु आच्छादन्
दरुणार ज्ञानावरणीय आदि आठ कर्म
आत्मा को आच्छादन करने वाले ज्ञानावर-
णियादि आठ कर्म the eight varie-
ties of Karma such as Jñāna-
varanīya etc which obscure
the qualities of the soul उत्त०
२, ४३, सम० १, ओव० भग० ५, १,
ज० प० ५, ११५, क० प० २, ४०,
छुउमत्थ त्रि० (छद्मस्थ-छद्मनि तिष्ठतीति)
अपूर्ण ज्ञानवान भाषुस, देवज्ञानी नहि;
रागद्वेष सहित अधूरे ज्ञानवाला मनुष्य,
रागद्वेष सहित One, possessed of
imperfect knowledge, one not
omniscient “ छुउमत्थे चैव काल
करिस्सति ” भग० १५, १, आया० १, ६, ४,
१५, ओव० ४२, उत्त० २८, १६, ठा० २, १,
३, ४, अणुजो० १२७, पञ्च० १, भग० १,
४, ३, २, ५, ४, १४, १०, १५, १, २५
७, विशे० ८७, १६६, ज० प० जीवा० १,
पि० नि० २२२, रूप० ५, १-१, पचा०

८, ११, क० प० ४, ४, प्रव० ७०, ६६६,
—अवक्रमण. न० (-अपक्रमण) छद्मस्थ-
पक्षे नीक्षण्यु छद्मस्थपन से निकलना,
छद्मस्थदशामें बाहर आना the act
of coming out in the con-
dition of a Chhadmastha भग० ६,
३३, —कालिया स्त्रा० (-कालिका)
छद्मस्थ दशानी छेदनी रात्री छद्मस्थ काल की
अन्तिम रात the last night of the
period during which one is
Chhadmastha भग० १६, ६,
—परियाय. पु० (-पर्याय) छद्मस्थपक्षे
दीक्षा छद्मस्थ अवस्था में दीक्षा. entering
religious order in the condi-
tion of a Chhadmastha सम० ५४,
—मरण न० (-मरण) छद्मस्थपक्षे मृत्यु,
मरुते छद्मस्थ अवस्था में मरण, मृत्यु
death in the condition of a
Chhadmastha भग० ५, ७, सम० १७,
छुउमत्थिय त्रि० (छद्मस्थिक) छद्मस्थ अ-
स्थाभा रहेनार छद्मस्थ दशामें रहने वाला
One living in the condition of
a Chhadmastha भग० २, १,
✓छद्म धा० I (छन्द) ओलावपु, निभ,
तल देनु बुलाना To call, to invite
छदिअ स० कृ० दस० १०, १, ६,
✓छद्म धा० II. (छर्द्-त्यज्) छड्यु,
मुड्यु, तज्यु छोड़ना, त्यागना. To
abandon, to leave off
छडेहि राय० २७४,
छडेत्ता राय० २७४,
छुद पु० न० (छन्दम्) छदे, भरु, अभि-
प्राय अभिप्राय, मरजी Will; opinion,
pleasure प्रव० १०१ मूय० १, २, २,
२२, २, २, ८०, आया० १, २, ४, ८८,
उत्त० ८, ८, १६, ३०; नाया० २, भग०

१२, १, १५, १; परह० १, २, दस० ५,
१, ३७, ६, ३, १; राय० २३७, विशेष०
१४५१; पि० नि० ३१०; ६४१, (२)
विषयाभिप्राय विषयों की अभिलाषा
desire of sensual pleasure.
सूय० १, १०, १०, (३) ७६ वृत्तानु
संरूप अतापनार शास्त्र पिगत्रशास्त्र,
छन्द वृत्तोंका स्वरूप बतलाने वाला शास्त्र,
पिङ्गलशास्त्र science of prosody;
metrical science कप्प० १, ६,
ओव० ३८, भग० २, १, (४) गुरुनो अभिप्राय
भरथ गुरु का अभिप्राय. the will or
pleasure of a preceptor विशेष०
१४५१; —अणुवृत्तग त्रि० (—अनुवर्तक)
अभिप्रायने अनुसरनार, पोतानी भरथ
प्रमाणे न यावता गुरुनी भरथ प्रमाणे
वर्तनार गुरु की इच्छानुसार चलने
वाला (one) who acts accord-
ing to the will of a preceptor.
सूय० १, २, २, ३२, नाया० ३, —अणु-
वृत्ति. स्त्री० (—अनुवृत्ति) धाधना छंदाने-
अभिप्रायने अनुसरी वर्तयु ते किसीके मर्जी
अनुसार चलना acting according
to the will of another गच्छा० ५२,
—उचयार पु० (—उपचार) आचार्य
विगेरेनी धम्मानुसार वर्तनार तथा तेमनी
लक्षित करनेनार आचार्य आदि की इच्छानुसार
चलने वाला तथा उन की सेवा करने वाला
one who obeys and serves a
preceptor etc दस० ६, २, २१,
छंदण. न० (छन्दन) अडीयानु ढाङलुं
दवात-मसीपात्र का ढकना Lid or
cover of an inkstand राय० १७०,
छंदण स्त्री० (छन्दना) साधुने धर्मपथ
वस्तु गृहस्थने त्यागी वृद्धीस व्या पडी
शुर्वादिकने ते वस्तुनं आमंत्रण करने

ते, सभाचारीनो पांथभो प्रक्षर. कोई
भी वस्तु गृहस्थ के यहां से लाने के बाद उस
वस्तु के लिये गुर्वादिक का साधुने आमंत्रण
करना, सभाचारीका पाचवा भेद. The 5th
variety of Samāchārī, inviting
a preceptor etc to partake of
a thing received as alms by a
Sādhu. प्रव० ७६७, भग० २५, ७, उत्त०
२६, ३, पचा० १२, २,
छक न० (पट्क) ७६ नो समुदाय. छः का
समुदाय A group of six पि० नि०
३. भग० २०, १०, उत्त० ३१, ८, क० गं०
१, २६; १, ३०, २, ३३, (२) हास्यादि
६ हास्य रति अरति-शोक-लय जुगुप्सा
हास्यदि छ - हास्य, रति, अरति, शोक, भय
और जुगुप्सा the group of six viz
laughter, attachment, discon-
tent, grief, fear and disgust
विशे० १२८४, —समाजिय त्रि० (—समर्जित)
७ ७न. शोधधी नेतु अलु थर् शक्येपु.
छ.छ क थोक से जिसका ग्रहण हो सके वह
capable of being taken into
groups of six भग० २०, १०;
छकाय ८० (पट्काय) पृथ्वी, अप, तेडि, वाडि,
वनरानि अने त्रस ये ७ धायना छव पृथ्वी
काय, अपकाय, तेजस्काय, वायुकाय, वनस्प-
तिकाय और त्रसकाय इन ६ प्रकारके जीवोंका
समूह-पट्काय A group of living
beings in the form of earth,
water, fire, wind, vegetable
and moving animals अणुजो० १२;
सूय० १, ११, ८, —रक्षण न० (—रक्षण)
पृथिवी आदि ७ धाय छवेनं रक्षय क्त्तु
ने पृथ्वी आदि पट्काय जीवों का रक्षण
करना protection of the six
kinds of sentient beings प्रव०

५२४; —रक्खा स्त्री० (—रक्षा) छ छाय
छवेनु रक्षायु पटकाय जीवों की रक्षा
protection of the six kinds of
sentient beings प्रव० १३६८,

छग. न० (५) विश. विष्ठा, मल. Dung;
feces परह० १, ३,

छगण न० (८) छायु गोवर Dung
पचा० १३, १३, —पीठय पु० (—पीठक)
छायुनो आन्ते गोवरका ओठला, बैठने का
आसन विशेष a square seat made
of dung निसी० १२, ६,

छगणिया स्त्री० (+) छायो उपल, गोवर
के छाणे A dung-cake अणुत्त० ३, १,

छगल पु० (छगल) ओकडे बकरा A
young of a goat परह० १, १,
जीवा० ३, ४, (२) योथा देवलोकना छन्दु
चिन्ह चौथे देवलोक के इन्द्र का चिन्ह
the mark of the India of the
fourth Devaloka ओव० २६. (३)
सत्तरमा तीर्थकरनु लाछन १७वें तीर्थकर का
चिन्ह the mark of the 17th
Tirthankara प्रव० ३८२,

छगलग पुं० (छगलग) लुओ “ छगल ”
शब्द देखो “ छगल ” शब्द. Vide
“ छगल ” पिं० नि० ३१४,

छगलपुर. न० (छगलपुर) ओ नामनु शहर
इस नाम का एक नगर Name of a
town विवा० ४

छच्च त्रि० (पट्) छ, ६, छ, ६, Six, 6
भग० १, ५, १५, १, पञ० २, क० ग० २,
७, ज० प० ५, ११८, —अगुल न०
(—अंगुल) लुओ “ छअगुल ” शब्द
देखो “ छअगुल ” शब्द vide “ छअगुल ”

भग० २४, २०, —चत्ताल स्त्री० (—चत्वा-
रिणत्) छेताविसनी सभ्या छयालीस की
सख्या forty-six ज० प० ७,
१४७, —मास. पुं० (—मास) छ महीना
छ. मास six months. उत्त० ३६, १५.,
—सट्ट स्त्री० (—पष्टि) छसठनी सभ्या
छासठ की सख्या sixty-six ज० प०
७, १४७,

✓छज्ज धा० I (राजेरगघछज्जसहरीहरेहा
इति सूत्रेण राजते छजादेश.) शोभनु
शोभना To appear beautiful, to
shine

छज्जति ज० प० ३, ४५,

छज्जिआ स्त्री० (८) छायी, फूल गेरे
राखानी छाय छावडी, फूल वगैरह रखने
का टाकरी A shallow basket for
flowers etc राय० ३५,

छज्जीवणिया स्त्री० (*पट्जीवानिका-जीव-
निकाय) जेमा छाय छायनी रक्षानो अधि-
कार छे ओया दशवैकालिक सूत्रना योथा
अध्ययननु नाम दशवैकालिक सूत्र के चौथे
अध्याय का नाम, जिसमें पटकाय जीवोंकी
रक्षा का अधिकार है Name of the
fourth chapter of Daśava-
kāhika Sūtra dealing with the
subject of protection of the
six kinds of sentient beings
दस० ४, —नामज्झयण न० (—नामा-
ध्ययन) छछयनिकाय नामे दशवैकालिकसूत्र-
ना योथा अध्ययननु नाम पटजीवनिकाय
नाम का दशवैकालिक सूत्र का चौथा अध्याय
the fourth chapter of Daśa-
vaikāhika Sūtra named Chha-

jīvanikāya दस० ४,

छट्ठण. न० (*) सी अयु; छट्ठपु.
सीचना, छट्ठना To sprinkle सु० च०
६, ११,

छट्ठ. त्रि० (षष्ठ) छट्ठु, छत्ती पूरण सज्ज्या
छठा Sixth. कण० ८, पद्मा० १६, १२.
कण० ४, ११४, (२) मे उपवास भेगा
इत्या ते दो उपवास एक साथ करना two
consecutive fasts भग० २, १, ५,
३, १; ४, ७; ७, ७, २४, २०, नाया० १,
६, ७, ८, १६, १६, दन० ४; सूय० १, १,
१, १५, सम० ८, सु० च० २, ३४८. पन्न०
४, दम० ४, वव० ६, ४०; विशेष० ६४१,
पि० नि० ५६०, नाया० व० ६, दसा० ६,
२, ७, ११; — अट्ठम पु० (—अष्टम) मे
अथवा त्रिणु उपवास इत्याते—छट्ठम—अट्ठम
दो अथवा तीन उपवास करना, षष्ठ—अष्टम
तप. the (Chhattha) or (attha-
ma) consecutive fasts नाया० १६,
—खमण न० (—क्षमण) छट्ठ तप, मे
उपवास सुत्थे इत्या ते. षष्ठ तप दो उपवास
एक साथ करना two consecutive
fasts नाया० १६; अत० ३, ८, भग० २
५, —भत्त न० (—भक्त) पांय टट्ट
उत्स धी छट्टे टट्टे भोजन इत्या, मे उपवास
भेगा इत्या ते पांच भोजन वेलाओं का त्याग
कर के छठे वक्त भोजन करना, दो उपवास
एक साथ करना. taking food after
two consecutive fasts. ओव० भग०
१, १; पन्न० २८; —भत्तिय. त्रि०
(—भक्तिक) मे मे उपवास इत्या वासो. दो
दो उपवास करन वाला (one) ob-
serving two consecutive fasts

भग० ७, ६, १४, ७, १६, ४,

छट्टे छट्टे अ० (षष्ठ षष्ठेन) छट्टे छट्टे पारणे
छट्टे त' इत्या ते छ २ के पारने से षष्ठ
तप करना Practising an austerity
in which fast is to be broken
every third day. “ छट्टे छट्टेण तवो
कम्मेण ” अणुत्त० ३, १; नाया० १३, १६,
भग० ९, ३१,

छट्टग न० (षष्ठक) छट्टु छठा. Sixth.
भग० ६, १.

छट्ठाण न० (षट्स्थान) अनन्त भाग
हीनावि०, असंख्यात भाग हीनाधिक,
संख्यात भाग हीनाधिक, संख्यात गुण
हीनाधि०, असंख्यात गुण हीनाधिक, अने
अनन्त गुण हीनाधिक, मे हानि वृद्धिना छ
स्थानती संख्या. अनन्त भाग हीनाधिक,
असंख्यात भाग हीनाधिक, संख्यात गुण
हीनाधिक, असंख्यात गुण हीनाधिक, व
अनन्त गुण हीनाधिक, इन हानि वृद्धि क छ
स्थानक की सजा Name of the six
stages of rice and foll namely
more or less or than infinite
parts or divisions, more or less
than immeasurable parts or
divisions, more or less measur-
able or limited virtues or qua-
lities, more or less than illimit-
able virtues and more or less
than infinite virtues पि० नि० भा०
२६; —गय त्रि० (—गत) छ स्थानक भा प्राप्त
थयेत, १ अनन्त भाग, २ असंख्या भाग,
३ संख्या भाग, ४ अनन्त गुण, ५ असंख्या
गुण, ६ संख्या गुण मे छ स्थानक साधे

हीनाधिक रूपे प्राप्त थयेल छ स्थानकों मे पहुचा हुआ, १ अनंत भाग, २ असंख्य भाग, ३ संख्य भाग, ४ अनंत गुण, ५ असंख्य गुण, ६ संख्य गुण, इन छ स्थानकों के साथ न्यूनाधिक प्रमाण से सर्वत्र रखने वाला One who has reached or obtained the 6 stages (1) Infinite divisions, (2) immeasurable parts, (3) measurable or limited parts (4) infinite virtues (5) virtues by and measure (6) virtues that can be counted or reckoned One who keeps concern with the above six forms of stages in a more or less measure विशेष १४२,—पडिय त्रि० (-पतित) छ स्थानकभा पतित छ स्थानकोंमें पतित one resorting to six stages भग० २५, ६,

छट्टिया स्त्री० (षष्ठिका) छट्टी उत्पत्ति, छट्टी जन्म छट्टा जन्म Sixth birth “इमा-यो छट्टिया जाई” उक्त० १३, ७

छट्टी स्त्री० (षष्ठी) छट्टे, पक्ष्मी छट्टी तिथि षष्ठी, पक्ष की छठी तिथि The sixth day of a fortnight जं० प० ७, १५३, (२) छट्टी विलक्षित छट्टी विभक्ति. the genitive case. जं० प० पञ्च० २, ३, अणुजो० १२९, विशेष० ६६७, (३) छट्टी नरक, मया नामे छट्टी पृथ्वी छट्टा नरक, मया नामक छट्टी नरक भूमि the sixth hell, the sixth world named Maghā नाया० १६,—पुढवी स्त्री० (-पृथ्वी) मया नामे छट्टी नरक मया

नामक छट्टी नरक भूमि the sixth hell named Maghā जीवा० २; नाया० १६, छडिय त्रि० (*) छडिय छडिय (शास-क्षेपे वजेरे) मूलने में पीट कर दाना को भसासे अलग करना Thrashed with a flail, pounded “ तिछटिय माली ” राय० ११८, तटु० जीवा० ३, ४,

✓ छट्ट धा० I, II (छट्टे) छेडिय तटु छेड़ना, त्याग करना To abandon, to leave, to release

छट्ट भग० १, ६,

छट्टमि उवा० २, ६५,

छट्टेज वि० विशेष० १४१३;

छट्टेज्जा नाया० २,

छट्टए वि० दस० ५, १, ८५.

छट्टहस्सामि राय०

छट्टेउ मं० क० विशेष० १४७१,

छट्टवेइ गि० सु० च० १५, १५७

✓ छट्ट धा० I, II (छट्टे) छट्टी छट्टी: पमत छट्टु वमन करना To vomit छट्टिजा आया० २, १, ३, १४

छट्टछट्ट पु० (छट्टछट्ट) छुपडे मोती पपने धान्यने ले अवाज थाय ने, छट्ट छट्ट ओवे अनुकूल शब्द-अवाज छट्ट छट्ट ऐसी आवाज An onomatopoeic word expressive of its sound नाया० ७,

छट्टण न० (छट्टेन) परदेय, तटु त्याग देना Getting rid of (e g feces); abandoning वि० नि० ५०७, ५५६ आया० २, १, ६, ३२,

छट्टावण न० (छट्टेन) छेडिय, तटु छेड़ना, त्याग कराना Causing to abandon ओष० नि० भा० ३१८,

छट्टिय त्रि० (छट्टित) उल्टी डरेल; वमन
डरेल वमन, वमन किया हुआ Vomitted
(२) वमन डरनारने हाथे ओहरवाथी
साधुने लागतो ओड ओपणानो दोष. वमन
किये हुऐ के हाथ से भिछा लेने मे साधु को
लगाता हुआ एक एषणा का दोष. a
fault connected with alms-
begging viz. 'accepting food
at the hands of one who has
vomited. पचा० १३, २६, प्रव० १७६;
वि० नि० ५२०,

✓ छट्टण धा० I. (छण) हिंसा डरवी;
वध डरवी. हिंसा करना, वध करना To
kill

छण. त्रि० आया० १, ३, २, ११४; १, ८,
७, ६;

छणह. आ० मूय० २, १, १७,

छण पुं० (छण) वध, अवसर समय;
अवसर Time; moment. (२) हिंसा.
हिंसा, killing (३) उत्सव. उत्सव. a
festivity ओष० नि० ८८: —ऊस-
त्रिअ. त्रि० (-ओत्मविक) ओषा भडो-
छवे पडेरवा ओडवानुं उत्सव महोत्सव के
प्रसंग पर ओढने व पहिने का holiday
apparel निमी० १५, ३५: —पअ न०
(-पद) हिंसास्थल, हिंसा स्थान. हिंसा
का स्थान an abode of the sin of
killing आया० १, २, ६, १०२;

छणिय. त्रि० (छणिक) छशुगशुर जग
मंगुर Transitory, transient. (२)
भडोत्सव महोत्सव a great festivity
नाया० ५;

छण त्रि० (छन) छिंछुं, छिंछुं अनु
टका हुआ छिंछा हुआ, गुप्त Covered-
concealed, hidden निमी० १०, ६,
ओष० नि० १६८, (२) छन समुदाये

भवी लोहन डरु ते भोजन सम्मेलन.
feasting, a feast, a dinner-
party. नाया० २; (३) छन्द्रादिना भडो-
त्सव. इन्द्रादि का महोत्सव. a festivity
of Indra etc भग० ६, ३३, नाया० १.
छणालअ न० (-पणालक) त्रिकाष्टिक,
सन्धासीनु ओड उपडरु त्रिकाष्टिक,
सन्धासी का एक उपकरण. A wooden
implement used by a Sannā-
yāsī (an ascetic). भग० २, १,
नाया० ५, ओष० ३६;

छणिय पुं० (छणिक) ओ नामतो ओड
डसाछ इस नाम का एक कसाई. Name
of a butcher. विवा० ४;

छत्त न० (छत्र-आतप छादयति तत्) छत्र;
छत्र छत्र, छाता An umbrella
कप० ४, ६१, प्रव० ४८१, १२२८, ओष०
१०, २७, अणुतो० १३१; मूय० १, ४, २,
६, टा० ५, १, सम० १४, ३४, नाया० १,
३, ५, ८, १२, भग० १, १, २, १०; ५,
४, ७, ६; ८, १०, दसा० १, १, ३, वव०
८, ५, पत्र० २; निमी० ६, २२, ओष० नि०
भा० ८५; जीवा० ३, ३; राय० ६८, सु०
च० १५, २६, ज० प० ५, ११७; विवा० २,
नाया० व० दम० ३, ४, उवा० १, १०;
(२) यद्र वगेरेतो छत्राक्षरे धनो नक्षत्र
साधेतो योग, छत्रयोग चद्रादि का नक्षत्र
के साथ छत्रकी आकृतिके अनुसार होता हुआ
योग, छत्रयोग. the conjunction of
the moon etc. with a constel-
lation presenting the appear-
ance of an umbrella मू० प० १२.
—अत्तिछत्त. न० (-अत्तिछत्र) अगवानो
ओड अनिशय, अगवानना माथे छत्रउपर
छत्र धारण थाय ते छत्रर छत्र धारण करना,
भगवान का पद अनिशय holding one

छत्तग न० (छत्रक) ७२, ७२२ छत्र छाता
An umbrella आया० २, ३, २ १२०,
(२) सन्यासीनु ओड डियडल सन्यासी
का एक उपकरण an implement
used by an ascetic मृ० २, २, ४८,

छत्ति त्रि० (छत्रिन-छत्रमभ्यास्तानि) ५५।
 ५५। ७५। ७५। छत्रवाला, अनेवाना
 Having an umbrella possessed

of an umbrella भत्त० ८, १०;
अणुजो० १३१,

छत्तोअ न० (छत्रौक) छात्राक्षर वर्णा पञ्ची
नरत उगती ओ३ वनस्पति ३ नेने लो३-
भी ह३नी 'पणी ३हे छे ते छत्र की आकृति
के अनुसार वर्षा के बाद तुरन्त ही उगनेवाली
एक प्रकार की वनस्पति कि जिसको लोग
कहते हैं A kind of umbrella-
shaped vegetation sprouting
up immediately after the set-
ting in of monsoon; mush-
rooms, fungi पन्न० १,

छत्तोव० पु० (छत्रोपग) ओ३ न३तनु वृक्ष.
एक प्रकार का झाड़ A kind of tree,
ओव० जीवा० ३, ४,

छत्तोह पु० (छत्रौघ) ओ नामनु आ३; वृक्ष
विशेष इस नाम का वृक्ष, वृक्ष विशेष
Name of a particular kind of
tree. पन्न० १; भग० २२, ३, —वण
न०(-वन) छात्रोह न३तना वृक्षनु वन. छत्रोह
जात के वृक्षों का वन a forest of the
trees of the Chhatroha kind
भग० १, १,

छद न० (छद) पा३, पि३छु पख, पर.
A wing, a feather उत्त० ३४, ६,
छधा अ० (पोढा-पङ्क्ति-प्रकारैः) छ प्रक्षरे.
छ प्रकारमे In six ways or modes
विशे० ६००, क० ग० १, ३८,

छन्न त्रि० (छन्न) शुभ रा३पे३, छप३थी आ३
यने गोपनी अन्पथा ओ३पे३ गुप्त भेदयुक्त
Hidden. secret, dissimulated
सू३० १, ६, २६; भग० २५, ७, (२) स्त्री० श्री३
न न३पे३ तेरी रीते शुभ सन्देशो प३३या३नार

ओ३ ह३ती. औरो को ज्ञात न हो इस प्रकार
सदेशा पहुचानेवाली दासी-दूती a female
servant who conveys a mes-
sage without letting others
know it कप्प० ६, २६; पि० नि० ४२८,
—अक पु० (—अक) वा३णाथी ६ ३पे३
सूर्य. बादल से ढका हुआ सूर्य the sun
hidden behind clouds. विशे० ६६८,
—पअ-य न० (—पद) छप३; भा३.
कपट, मा३. deceit; fraud, foul
play. सू३० १, ४, १, २, —पद न०
(—पद) भा३स्थान, छप३ मा३स्थान,
कपट deceit, fraud, foul play.
सू३० २, ६, ३५,

छन्ना स्त्री० (छन्ना) नुओ "छन्नपअ" श३
देखो "छन्नपअ," शब्द Vide "छन्न-
पअ" सू३० १, २, २, २६;

छव्वअ. पु० () वासनी धीधरणी,
आ३णी वामकी चत्तनी. A sieve of
bamboo आ३० २, १, ८, ४३. ओघ०
नि० ५५८, पि० नि० ५६१;

छव्वग स्त्री० () रो३दी वणुवाती
पा३दी, आ३णी रो३ वनानेका पाटा.
A wooden board on which
bread is made पि० नि० २७९,

छव्वंग पु० (पङ्क्ति) छ ल३. छ भग
Six classifications भग० ६, ४;

छव्वामरी स्त्री० (पङ्क्ति) वीणा, स३
सितार, वीन A harp, a flute ना३०
१७,

छम्मुह. पु० (पङ्क्ति) विमलनाथछना यक्षनु
नाम विमलनाथजी के यक्ष का नाम.
Name of a Yaksha of Vimala-

* नुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती पृष्ठनोट (*). देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p. 15th.

nāthaji प्रव० ३७६;

छरु पु० (तसरु) तलवारनी मुंड. तलवार की मूठ The handle of a sword ओव० १०, जीवा० ३, ३, पण० १, ४,—अपवाय पु० (—प्रवाद) तलवारनी मुंड पंडी डेरवानी डश। पटेवाजी the art of fencing ओव० ४०; नाया० १,

छल त्रि० (पट्) छ छ Six विशेष० ६०१, —अंस पुं० (—अश) छअश छ अश six parts भग० ६, ५, पण० १४५७, ज० प० ३.५४, (२) छटे भाग छठा हिस्सा sixth part “अगुरुलहु चउ चलंसि तीमते” क० ग० २, १०, —असा स्त्री० (—अश) छ प्रकृतिनी सत्ता छ प्रकृतियों की सत्ता. the existence of six Prakritis. क० ग० ६, ६,—छै त्रि० (—अर्ध—सार्ध पचरम्) आधपाय साडे पाच five and a half विशेष० १४०१,—सीड स्त्री० (—अशीति) आसी, ८६ छियासी eighty-six, ६६ क० ग० ६, ३१, मम० ८६, भग० २, ८,

छल न० (छल) छल, छपट—भीमना वयनते भीमानी भष्टकल्पनाउडे असत्य करी अनावयु छल, कपट,—औरो के वचन को अपनी इष्ट कल्पना में अमत्य कर दिखाना Fraud, deceit, proving the words of others to be false by interpreting them in the light of tenets acceptable to oneself विशेष० १६०७, —आयतण. न० (—आयतन) छल-वाद-ने ओक दोष नेनु आन. छल-वाद का एक दोष उमका स्यान an abode of fallacious dispute or controversy “आहसु छलायतण च कम्म” मूय० १, १२, ५;

छलण. स्त्री० (छलना) छेदयु, छलने

ठगना, छलमेद Deceit; fraud ओष० नि० ७८५, पि० नि० १६०,

छलिअ त्रि० (छलित) छपट [वगेरेथी दगा-थेन कपट इत्यादिसे ठगया हुआ Deceived, cheated, imposed upon नाया० ६, विश० १६०७, पि० नि० ६३४;

छलुअ पु० (पडलूक) जुओ “छलुग” शब्द देखो “छलुग” शब्द Vide “छलुग” टा० ७, १,

छलग पु० (पडलूक) वैशेषिक मतना आ-पनाउ इण्ड मुनि वैशेषिक मत के स्थापक कणद मुनि Kanāda, the founder of the Vaiśeṣika tenet. विश० २३०२,

छलूय पु० (छलूय) आर्य महागिरिना शिष्यनु नाम आर्य महागिरि के शिष्य का नाम Name of a disciple of Ārya Mahagiri कप० ८,

छल्ली स्त्री० (छल्ली) त्वचा, छाल Skin, bark विवा० १ नाया० १३, १४, अणुजा० १, पत्र० १ राय० ५३, —खाअ त्रि० (—खाद) छलने आनाउ ओक जतने शीडा छाल को खाने वाला एक प्रकार का कीड़ा. an insect or worm eating the bark of trees टा० ४, १,

छवि स्त्री० (छवि—छयति आमार छिनसि वा तमः) आभडी, छय त्वचा, चमड़ा, छाल Skin, bark टा० २, ३, ज० प० प्रव० ४३६, (२) शरीर. शरीर. a body भग० ५, ४, ७, ६, (३) छानि: तेज मॉन्दर्य lustre beauty कप० ३, ३४, जीवा० ३, १ (४) पक्ष मोटा वगेरे धान्य चाते वगेरे धान्य a variety of pulse दम० ७, ३४, —ग्राय पु० (—वाद) मुख प्रमुग्धनी आभडी आनाउ

सुगर वगैरह की चमड़ा को खाने वाला
one who eats the skin of pigs
etc निवी० ६, १०, —चाण न० (-चाण)
आमडीनुं रक्षण करने वाला वस्त्र शंखशी विगेरे
त्वचा का रक्षण करने वाला वस्त्र कम्बल
वगैरह any kind of cloth (e g
a blanket etc) protecting the
skin. उत्त० २, ७, —छेद पुं० (-च्छेद)
अथवा छविच्छेय) शब्द देखो “छविच्छेय”
शब्द vide “ छविच्छेय ” ठा० ७, १;
भग० ८, ३, ११, १०; १४, ८, १५, १;
—छेद्य. पु० (छेद) हाथ, पग, नाक, शन
वगैरे शय्या ते अक्षयतनी दण्ड नीति
हाथ, पैर, कान, नाक, इत्यादि को काटना,
इस नामकी दण्ड नीति punishment
by mutilation of limbs. जीवा०
३, ३, राय० २६०; ज० प० नाया० ४० पचा० १,
१०; —पद्व न० (-पर्वन्) जेमा हाडना आधा
अने आमडी वगेरेछे तेनु शरीर उलगड़ि शरीर
जेमा शरीर जिसमें हड्डियो की जोड़ व त्वचा
वगैरह है the physical body con-
sisting of bones, skin etc उत्त०
२, २४ .

छवि स्त्री० (क्षयि) नाश, क्षय नाश, जय
Destruction ruin भग० २५, ७,
—कर त्रि० (-कर) छेदने क्षय
करने जीवों का जय करने वाला (one)
who destroys or kills living
beings भग० २५, ७,

छविसि स्त्री० (पड्विंशति) बीस छव्वीन
Twenty-six. विवा० १,

छविह त्रि० (पड्विध) छ प्रशस्नु छ
प्रकार का Of six kinds or modes

सम० ६, भग० १२, ४, दमा० ४, ३८;
४५, ४६, ७, १,

छवीइय त्रि० (छविमत्) शान्तिवाणु.
तेजस्वी, कान्तिवान. Beautiful; lus-
trous. ओव० १० आया० २, ४, २, १३८,
छविह त्रि० (पड्विध) छ प्रशस्नु छः
प्रकार का Of six kinds or modes
वेय० ६, २०; पि० नि० ५, भग० ६, ७, १६, ८,
२५ ६; ७, विशेष० ३००, —वन्धय त्रि०
(-बन्धक) मोह अने आयुष्यकर्मने छोडी
आडीना छ कर्मनु बन्धन करने मोह
और आयुष्यकर्म को छोड़कर शेष छ कर्मों
का बन्धन करने वाला. one who incurs
Karma of six kinds i e all
save those called Moha and
Āyus. भग० ६, ६,

छहा अ० (पोढा) छ प्रकारे छ प्रकार से.
In six ways or modes. क० नं०
१, ५, ८,

छह्राय त्रि० (-) भूय भूखा, जिसको जुवा
लगी हो वह Hungry पि० नि० ६६३;
छाया स्त्री० (छाया) छाया: पड्वीये छाव
Shade, shadow ओव० दमा० ७, १,
छाइय त्रि० (छादित) ढाँके ढकाहुआ
Covered नाया० १,

छाउमस्थ त्रि० (छाउमस्थ) छदमस्थ संबंधी.
छदमस्थ सम्बन्धी Pertaining to a
Chhadmastha (i e one not
free from attachment राय० २४३;
छाउमस्थिय पुं० (छाउमस्थिय) छदमस्थ
अस्थिभा रनेतार छदमस्थ अवस्था में रहने
वाला One in the stage of being
Chhadmastha (i e. one not

* अथवा पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट () देना पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट(*) Vide

free from attachment भग० १३,
१०,

छागलित्र पु० (छागलित्र) भोक्ष्य भारनार
क्षार्थ कमाई. A butcher विवा० ८,
छागण पु० न० (छादन) दाह्यदिष्टो ५३,
७१ दर्भादिक का छत A cover of
grass etc "छागेक्षियाइ" भग० ८, ६,
छागण न० () दाह्य गोवर
Dang प्रव० ४४०, —उज्झिया स्त्री०
(-उज्झिका) दाह्य वासीदु वागनारी,
दाह्य उपासनारी गोवर इत्यादि साफ करने
वाली स्त्री गोवर उठाने वाली a female
servant who cleans off dung,
refuse etc नाया० ७,

छादण न० (छादन) दाह्य आच्छादित
करना Act of covering भग० ११,
११, जीवा० ३, ४, पचा० १०, १२, पणह०
२, ३,

छाय त्रि० (छात) क्षात्रातथी प्रथमुक्त
कक्षाघात मे प्रथमुक्त Not wounded
by blow etc दम० ६, २, ७,

छायंसि त्रि० (छायावत्) दाया-शरीरनी
शोभावाद्यु शारीरिक सौन्दर्य वान्ता, दर्शनाय
Beautiful, possessed of physical
beauty सम० प० २३५,

छायण न० (छादन) दर्भ निगेरेथी दाह्य,
आच्छादन दर्भ वगैरह मे ढाक देना-आच्छा-
दन कर देना Act of covering with
anything e g Dubha grass
etc आया० २, २, ३, ८७, पचा० १०,
१२, प्रव० ८७५. (२) धर उपायु वास
अपाट निगेरेनु भाग्यु-वाग्यु घर का
छत a roof of a house, पि० नि०

३०३, (३) वस्त्र, कपडा वस्त्र, कपडा
cloth, a garment नाया० १, तद०

छाया स्त्री० (छाया) दाह्य; दाया छाया
छाव Shade; shadow उत्त० २८,
१२, दा० २, ४, पि० नि० भा० ३१, पि
नि० १७२, अणुजो० १२७, दमा० ७, १,
मय० २, १, ४२, पत्र० १६ भग० १ ६
१६, ६ १५, १, नाया० १५, कप० ५,
१०७, प्रव० ७६५, (३) क्षति, दीप्ति
काति, दीप्ति lustre, brightness
ग्रोव० १०, २२, राय० ४६, पत्र० २, ज०
प० नाया० १०, भग० १, ६; २, ८, (३)
भोजन करने के लिये बैठा हुई पक्ति a
row of persons sitting at
dinner ज० प० ७, १६२,

छायाल स्त्री० (पञ्चवारिणत) लुगो
'छायालीस' शब्द देखें. "छायालीस"
शब्द Vide 'छायालीस' पत्र० २, क०
ग० ६, २७,

छायालीस. स्त्री० (पञ्चवारिणत) लुगो
४६ छायालीस, ४६ Forty six, 46
सम० ४६, पि० नि० ६५६,

छायोवत्र पु० (छायोपग) दाह्य दाह्य
दाह्य गहरी छाया वाला वृक्ष A densely
shady tree दा० ४, २, निमी० ३, ८३.

छार न० (चार) राय, अश्म वाली राय
अश्म Ashes पि० नि० ३११, वि०
१०५६, (२) दाह्य काच glass वि०
३००५, (३) दाह्य मचोर any kind
of salt ज० प० नाया० २, —उज्झिया
स्त्री० (-उज्झिका) दाह्य वागनारी दा
राव माडने वाली स्त्री a female

who sweeps off ashes. जं० प०
छारिअ-य न० (चारिक) अस्म. राख,
भस्म. Ashes भग० २, २ — राशि
पु० (-राशि) अस्मिनो दग्धो राख का
डेर a heap of ashes दस० २, १, ७,
छारियभूय त्रि० (चारामून-अकारं अमस्म
चार भस्म भवतीति) राख जेवुं थयेवु.
राख जैसा बना हुआ Reduced to
ashes भग० ५, ६; ७, ६

छारिया. स्त्री० (चारिका) राख राख
Ashes भग० ५, २, १८, ६;

छारीभूय त्रि० (चारीभूय) जुओ " छारि-
यभूय " शब्द देखो " छारियभूय " शब्द.
Vide. " छारियभूय " भग० ३, १;

छावदिठ स्त्री० (पट्पटि) छयासई; ६६.
छावठ; ६६ Sixty-six; 66. जं० प०
७, १३४, विशेष० ४३५, ७१८, सम० ६६;
भग० २४, २०; पञ्च० ४;

छाव. पु० (शाव) अन्धु, आलस. बालक;
बच्चा A young one, a baby. नदी०
म्य० ४६, म्य० १, १४, ३,

छावत्तरि स्त्री० (पट्ससति) छोने; ७६
छियात्तर, ७६ Seventy-six, 76.
सम० ७२. भग० २४, १२, जं० प० ७, १२६,

छासट्टि. स्त्री० (पट्पटि) छयासई; ६६ छावठ,
६६ Sixty-six; 66. भग० ८, २, २४, १;
छासीइ स्त्री० (पडणीति) छयासी; ८६.
छियानी, ८६ Eighty-six; 86 भग०
२०, ५,

छिडी. स्त्री० () छी छी-नातो मार्ग,
आरी बार्ग; छोटा बिदका. A small
back-door; a small window or
gate. नाया० २,

छिक्क त्रि० (छीक्कत) छी-छी डरेखु तिरस्कृत.
Dispised; condemned. विशेष० ३३७;
१७५४, पि० नि० १८६; १९५; पि० नि०
भा० ३७;

छिक्कंत त्रि० () छी छु छीकता हुआ
Sneezing सु० च० ४, २०६,

छिच्छिकार पु० (छिच्छिकार) कुतरा वगेरेने
हाडवाने छि छि-हत हत वगेरे शब्द डहेवो
ने कुत्ता वगेरह को निकालने के लिये छि छि
हत-हत वगेरह शब्दों का कहना, Utter-
ing the sound Chhi-Chhi or
any similar sound to drive
away dogs etc पि० नि० ४५१; पि०
नि० भा० १२४;

छिड्ड न० (छिद्र) छि; आधुं, आडेरुं. छिद्र.
A hole, an opening. विशेष० १४६२;
(२) दोष. दोष, अमराव a blemish:
a fault राय० २८३, (३) आकाश.
आकाश the sky भग० २०, २;

छिड्डिया स्त्री० (छिद्रिका-छिद्राणि विद्यन्ते-
स्यामिति) आलपुली चल्नी. A sieve
नाया० ८;

छिरण त्रि० (छिन्न) छेदेखु, कापेखु. काटा
हुआ. Broken; cut off. उत्त० १४,
२६, १५, ७, ओव० ३८; सम० १२; आया०
१, १, ५, ४६ भग० ८, ३; ६, ६, ३३,
१३, ४, १६, ६; नाया० १, १६; १८, पञ्च०
१५; —आचाय त्रि० (-आयात-छिन्न
अपगत आयातेन्यान्वयत आगमनम् यस्मिन्)
जेभा जेवु आचपु न अने जेवुं स्थान-पर्यंत
जंगल वगेरे जिनमें आना जाना न हो सके
ऐसा स्थान-पर्यंत जंगल वगेरह (any-
thing) inaccessible e g. a

mountain, a forest etc नाया० १५, भग० १५, १, वेय० ४, २६, —जाला. स्त्री० (—जाला) छेदायेत अग्निनी शिखा, जेनी जल-जवाला छेदाय गय छे ते छिदी हुई अग्निकी शिखा, जिसकी ज्वाला छिद गई हो a broken flame of fire (fire) with broken flame नाया० १, —भिरण त्रि० (—भिन्न) छिन्न भिन्न थगयेत छिन्न भिन्न बना हुआ scattered, at sixes and sevens, in a condition of disorder “ छिरण भिरण बाहिरियाहिय ” विवा० ३, —रुहा स्त्री० (—रुहा—सत्यपिछिन्ना पुनरारोहतीति) डापी नाभी डोय तोज उगे जेयी जेड जलनी वन-पति (गजुयी) काट डाली जावे तब ही उगे ऐसा एक प्रकार की वन-स्पति a species of vegetation which grows only if it is pruned (Galuchī) पन्न० १, विवा० ३, भग० २३, १, —सेलग त्रि० (—शैलक) जेमा पर्वत छेदायेते पडी गयेत छे जेवो मार्ग वगेरे ऐसा मार्ग जिस में पर्वत छिद कर गिर गया हो a road etc obstructed by a mountain which has broken and collapsed नाया० १८, —सोय त्रि० (सोतस्) जेनो ससार प्रवाह छेदाय गये छे ते जिस का ससार प्रवाह छेदा गया है वह one whose worldly relations are cut off ज० प० २, ३१,

* छित्त त्रि० (*) स्पर्श करेयु, अडेयु स्पर्श किया हुआ, छुआ हुआ Touched, in contact with, पि० नि० ५३९,

छित्तरा स्त्री० () छापड, छत छत A roof, a ceiling “ छित्तरा जिम्माह ” भग० ८, ६,

छित्तर त्रि० (छेत्त) छेद करेना, नाश करे-नार नाश करने वाला One who cuts off or destroys आया० १, ७, ३, २०६, प्रव० १३१,

छिद्र न० (छिद्र) लुओ “ छिद्र ” शब्द देखो “ छिद्र ” शब्द Vide “ छिद्र ” भग० ३, ३, नाया० २, ८, राय० २५४, पन्न० २, —पेहि त्रि० (—पेक्षिन्) छिद्र जेनार छिद्र को देखने वाला (One) who looks to the weak points of others ठा० ५, १, —अंत पु० (—अंत) छिद्रो अंत-छेडा छिद्र का अन्त-किनारा end of a hole “ छिद्रते इसते ” भग० १, ६,

छिन्न त्रि० (छिन्न) लुओ “ छिरण ” शब्द देखो “ छिरण ” शब्द Vide ‘ छिरण ’ उक्त० २, ५, पि० नि० ५८६, दम० ४, भक्त० ३२, (२) नियमित रीते लुट पाउलु, विभाग करेन नियमित रीति से विभक्त divided, separated. पि० नि० २३१, ३८४, —कहकह त्रि० (—कथकथ-छिन्ना-द्वेष्टीकृता कथकथा रागद्वेषादिर्यन अमौ) दूर करी छे रागविषासादिक कथा जेले जिम ने राग विलासादिक कथा दूर करदी है वह (one) who has banished talk involving passion, hatred etc आया० १, ७, ६, २००, —गंथ त्रि० (—ग्रन्थ) ग्रन्थ-पठि-ग्रहणी गाई-आसक्ति जेले छेदी नाभी छे ते ग्रन्थ-परिग्रह की आसक्ति जिमने हटा

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide foot-note (*) p 15th

दी हो वह (one) who has cut off the knot of attachment to worldly possessions. कप्प० ५, ११६, —पक्ख त्रि० (-पक्ख) उपायेन छे पांणो लेनी ते कटे पक्ख वाला having the wings cut off मत्त० १४१,

छिन्नछेयणादय त्रि० (छिन्नछेदनयिक) ले सूत्र के गाथा स्वतंत्र अर्थ दशांशे श्रीष्ट सूत्र के गाथानी अपेक्षा न राखे ते छिन्न छेदनयवापु उडेवाय लेम-धम्मोमगत्त मुञ्जिद्धम. जो सूत्र या गाथा स्वतंत्र अर्थ बता सके, दूसरे सूत्र या गाथा की अपेक्षा न रखता हो (An aphorism or a verse) which is complete in sense without dependence on any other aphorism or verse, e g "religion is the highest good" सम० २२,

छिन्नाल पु० (-) दुबडी नतनी अल दै धोडे हान जाति का बैल या घोडा An ox or a horse of a low breed. उत्त० २७, ७,

छिप्प त्रि० (स्पृश्य) स्पर्श करवा लायक स्पर्श करने के योग्य. Worthy of being touched. सू० च० ८, २७,

छिप्प न० (-) पूंछ, पुंछ, दुम A tail विवा० २,

छिप्प न० (चिप्र) जल्दी उतावले जल्दी, शीघ्रता से Soon, quickly विवा० १, नाया० १८, —तूर न० (-तूर्य) उतावपु वागनार वालुं जोर से बजने वाला बाजा a musical instrument which gives out tunes in rapid suc-

cession "छिप्पतूर्यं वज्जमाणेण" विवा० १; नाया० १८,

छिप्पतर त्रि० (छिप्रतर) उतावपु उतावला. Hasty, very quick. विवा० ३,

छिरा स्त्री० (शिरा) नाडी, नस नाडी An artery. जाया० १, सूय० २, २, १८; भग० १, ५, ६, ३३,

छिरिया स्त्री० (क्षीरिका) ओंठ वनस्पति, कन्द विशेष एक वनस्पति; कन्द विशेष A kind of vegetable with bulbous root जीवा० १,

छिलिय. न० (-) सीटारो करवा ते सी ० की आवाज करना Act of uttering a sibilant sound परह० १, ३, छिवट्ट. त्रि० (सेवार्त्त) छेवट्टु सधयण, छ सधयणुमानु छु सधयण छ सधयणंमे से छटा सधयण The last of the six kinds of Sanghayanis (i e. physical structures of bones etc) क० ग० २, ४, ५, ४४,

* छिवा स्त्री० (-) आमडानो ताण्डो, आणणो चमडे का चाबुक A leatheren whip. परह० १, ३, —प्पहार पु० (-प्रहार) आणणो भार चाबुक की मार a lash of a whip नाया० २, १७,

* छिवाडिया स्त्री० (-) लोपशी ग, भगदडी मुमफनी A ground-nut पत्र० १७, (२) आडनी आड माड का छाल bark of a tree दमा० ६, ८,

छिवाडी स्त्री० (-) सी ग, इणी. कला. A pod आया० २, १, १, २, दम० ५, २, २०, जीवा० ३, ४, राय० ५१; प्रव० ६७१. —पोत्थ न० (-पुत्तक) पुनडनी पथ

प्रकारमाने ओइ, के पुस्तकी पड़ोवाध
वधारे अने लज्ज ओछी होय ते पुस्तक
पुस्तक के ५ प्रकारों में से एक, जिस पुस्तक
की चौड़ाई अधिक व मोटाई कम हो ऐसा
पुस्तक one of the five varieties
of the shapes of books, viz a
book which is very thin but
whose breadth is very great
प्रव० ६७५, —मिन्न त्रि० (—मात्र)
सि ग—इली प्रमाण फली के परिमाण का
of the size of a pod प्रव० ६७४,
छीअ. न० (चुत) छीं छीं A sneeze
आव० १, ५, ४, ४,
छीइत्ता. सं० क० अ० (*) छीं छीं,
छींछीं छींकर Having sneezed
ज० प० २, २५, जीवा० ३, ३,
छीय न० (चुत) छींछु ते, छीं छींकर,
छीं. Sneezing, a sneeze विशेष
५०१, नदी० ३८,
छीया छी० (चुता) छीं छीं छीं
आना, छीं. Act of sneezing, a
sneeze ओष०नि० ६४२,
छीर छी० (छीर) छीं, इधवाली ओइ
साधारण वनस्पति दूध जैम रस वाली एक
साधारण वनस्पति. A vegetation
containing milky juice and
having infinite lives. भग० २२,
१ पत्र० १,
छीरल. पु० (छीरल) लुण्पर सर्प विशेष
भुजपर सर्प विशेष A particular
kind of serpent परह० १, १,
छीरविराजिया छी० (छीरविदारिका) छीं
विशेष कन्द विशेष A particular

kind of bulbous root भग० ७, ३,
पत्र० १, जीवा० १

छुछुकार पु० (छुछुकार) छुछुछु
ओ प्रमाणे शब्द छेवो ते छुछुछु
ऐसे शब्द करना. Calling a dog by
the sound "chhu-chhu" आना०
१, ६, ३, ४,

छुडियवर न० (*) आलस्य विशेष.
आभरण विशेष A particular kind
of ornament जीवा० ३, ३,

छुन्न त्रि० (* छुण्ण) नपुंसक नपुमक, नामर्द
Impotent पि०नि० ८२५,

छुयायार त्रि० (चुताचार) आगी लरेख
आचारवाले दोष युक्त आचार वाला
Faulty or defective in right
conduct वव० ६, २०,

छुर पु० (छुर) अत्रो, सदाशिवो उमतरा
A razor पंचा० १०, ३२, —घर
न० (—गृह) वालकी अत्रो वगैरे
राखवाली डायली नाई की उमतरा वगैरह
रखने की थैली a barber's bag for
keeping in razors etc सू० प०
१० ज० प० ७, १५६, —मुंड त्रि०
(—मुण्ड) अत्रोथी भायु मुण्डवार
उसतरे से सिर मुडाने वाला (one)
who gets his head shaved by
means of a razor पंचा० १०, ३२,

छुरय पु० (छुरक) निवडनु जड के जेना
दूध सुगंधी अने तलना दूध जेना थाय छे
तया दूध मीठा अने पिपलाना जेना थाय छे
तिलक का वृक्ष, जिसके फल सुगन्धयुक्त व
तिलके फल जेमे होते हे व फल मोठ व
पापल के फल जेमे होते हे A variety

of tree with small fragrant flowers and sweet berry-like fruits; the Tilaka tree. पत्र० १, छुरिया त्री० (छुरिका) छरी छुरी A small knife उत्त० १६, ६३

छुहा. स्त्री० (जुधा) युनो; क्षीयुनो चूना Lime, chunam ओव० नि० ३२४;

छुहा. स्त्री० ((जुधा) लुप् भूख, जुधा.

Hunger "छुहासमावेयणात्स्थि" गच्छा०

२, पि० यि० ६६३, नाया० १, १३, १८, पत्र० २, राय० २५८, सु० च० ३, १८३;

—कर्मन्त न० (-कर्मन्त) क्षुधापरिभर्त;

आत्मशुने रसेर्ध निपन्नववानु स्थान जुवा परिकर्म; ब्राह्मणको रसेई बनाने का स्थान

a place for a Brāhman to

cook food, a kitchen दसा० १०, १,

—परिसह. पु० (-परिपह) लूभने

परिपह, लूभसहन करनी ते जुवा सहन

करना bearing the affliction

caused by hunger भग० ८, ८,

—वेयणिज्ज न० (-वेदनीय) क्षुधा वेदनीय

कर्म, जेना उदयथी लूभ लागे छे ते कर्म

जुवा वेदनीय कर्म, जिसके उदयसे

जुवा लगती है वह कर्म the Karma

by the use of which one feels

hunger. ठा० ४, ४,

छुहिय त्रि० (जुधित) लूभथु, लूभेत्

जुधित, जुवातुर. Hungry. नाया० १४,

छुहूह त्रि० (*) नाभेत्, डेडेत् फेकाहुआ,

डानाहुआ Thrown, flung पि० नि०

६८, २५८; ५५२, उत्त० २५, ४०,

छेय-य त्रि० (छेक) अवसन्तो ज्ञानुनार

दृशत्, होशियार मनय को पहिचानने वाला,

कुशल, समय सूचक Clever, (one)

who knows what to do at a

particular time सूय० १, १४, १,

ओव० ३०, ३१; जीवा० ३, १; आया० १,

५, १, १४४, भग० ३, १, ७ ६, नाया० १;

१६, पणह १, ३; विशेष ११४५, कप्प०

४, ६२, दस० ४, ११, राय० १२६, २६५,

(२) विच्छेद; अटकायत विच्छेद, अटकाव

interruption, hindrance वेय०

२, ४, ५, ५, ओव० २०, उत्त० ३०,

३, (३) विनाश, नुद्धसानी विनाश, नुक-

सानी, हरजा destruction, loss उत्त०

७, १६, (४) अ३, ३३३. खड, टुकडा

a piece; a fragment राय० ५३,

—आयरिय पु० (-आचार्य) निपुण जेवा

शिक्षना आचार्य शिक्षके निपुण आचार्य a

proficient teacher of arts 'छयाय-

रियउवएसमइकापणाविगप्पेहि' भग० ७, ६;

—कर त्रि० (-कर) नाश करनार; छेदी-

नाशनार नाश करने वाला (one) who

destroys, destructive पचा० ३, १५,

—पलिभाग पु० (-प्रतिभाग) भागने

भाग, विभाग हिस्से का हिस्सा a sub-

division. क० ग० ४, ८५,

छेओवहावण न० (छेओवस्थापन) जे नामनु

णीनु चरित, पूर्व पर्याप्तो उदी मज्झानेनु

आरो १०५ करु ते इस नामका दूसरा चरित्र,

पूर्वपर्यायका छेदन करके महाव्रतोंका आरोपण

करना. Name of the right-con-

duct in which an ascetic is de-

graded from his position due to

faults and again initiated with

the five great vows विजे० १२६

- जुजो पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ नी पृष्ठ नोट (*).

Vide foot note (~) p 15th

છેત્રોવદ્વાવણિય ત્રિ० (છેદોપસ્થાપનિક)
 છેદોપસ્થાપનીય નામે યીજી ચારિત્ર છેદો-
 પસ્થાપનીય નામ કા દૂસરા ચારિત્ર Name
 of the right-conduct in which
 an ascetic is degraded from
 his position due to faults and
 again initiated with the five
 great vows ઓવ૦ ૨૦, મગ૦ ૨૫,
 ૬, ૭, વેય૦ ૬, ૨૦, પન્ન૦ ૧, —સંજમ
 પુ૦ (-સયમ) જુઓ ઉપલો ૧૪૬ દેહો
 ઉપર કા શબ્દ vide above મગ૦ ૨૫,
 ૬, —સંજય ત્રિ૦ (-સંયત) છેદોપ
 સ્થાપનીય ચારિત્રવાલુ છેદોપસ્થાપનીય
 ચારિત્રવાલા an ascetic possessed
 of the right conduct as stated
 above વેય૦ ૬, ૨૦,

છેજ ત્રિ૦ (છેજ) છેદવા લાયક, (ચારિત્રનો
 છેદ) છેદનેક યોગ્ય, ચારિત્રકા છેદ Worthy
 of being cut off, degraded from
 right-conduct વિશે૦ ૧૨૪૬

છેત્ત ન૦ (છેત્ર) સ્થાન, સ્થાન સ્થાન, સ્થાન
 A place, a region ઓવ૦

છેત્તાર ત્રિ૦ (છેત્ર) છેદનાર, કાપનાર છેદને-
 કાટને વાલા. (One) who cuts off
 આયા૦ ૧, ૨, ૧, ૬૬, સૂય૦ ૧, ૮, ૫,
 છેદ પુ૦ (છેદ) ખડ, કડકોાં સ્વડ, વિભાગ
 A division, a portion ઓવ૦ ૨૦,
 મગ૦ ૫, ૪, વવ૦ ૨, ૨,

છેત્રોવદ્વાવણ ન૦ (છેત્રોપસ્થાપન) જુઓ
 ' છેત્રોવદ્વાવણ ' શબ્દ દેહો ' છેત્રોવદ્વા-
 વણ ' શબ્દ Vide. ' છેત્રોવદ્વાવણ '
 ઉત્ત૦ ૨૮, ૩૦ ઠા૦ ૩, ૪, ૫, ૨,

છેત્રોવદ્વાવણિય ન૦ (છેત્રોપસ્થાપનિક) જુઓ
 ' છેત્રોવદ્વાવણિય ' શબ્દ દેહો ' છેત્રોવ
 દ્વાવણિય ' શબ્દ Vide ' છેત્રોવદ્વાવણિય '
 મગ૦ ૮, ૨,

છેત્ર પુ૦ (છેદ) નિશીથ આદિ છેદસૂત્ર
 નિશીથ આદિ છેદમૂત્ર Nisītha and
 other Chheda Sūtras. પ્રવ૦ ૭૬૬,
 —ગંથ પુ૦ (-ગ્રન્થ) વ્યવહાર નિશીથ વગેરે
 છેદમૂત્ર- વ્યવહાર નિશીથ વગેરે છેદ મૂત્ર
 Chheda Sūtras such as Vyava-
 hāra, Nisītha etc પ્રવ૦ ૭૬૬, —સુચ
 ન૦ (-શ્રુત) છેદ-પ્રાયશ્ચિત વિધિ ખતાવના
 સૂત્રો-નિશીથ, દશાશ્રુત સ્કંધ, વેદકલ્પ અને
 વ્યવહાર સૂત્ર. છેદ-પ્રાયશ્ચિત વિધિ વતાને
 વાલે સૂત્ર નિશીથ, દશાશ્રુત સ્કન્ધ, વેદકલ્પ
 ઓર વ્યવહાર સૂત્ર Sūtras which deal
 with modes of expiation viz
 Nisītha, Daśāśruta Skandha, Ve-
 dakalpa and Vyavahāra વવ૦ ૧,

છેત્રગભાવ પુ૦ (છેદકભાવ) છેદવાપણુ છિન્તવ
 The state of being cut વિશે૦ ૨૧૩,

છેત્રણ ન૦ (છેદન) ખડગ વિગેરેથી કાપયુ તે
 સ્વડગ વગેરેહસે કાટના Act of cutting
 with a sword etc ઉત્ત૦ ૨૬, ૩, મમ૦
 ૧૧, ઠા૦ ૫, ૩, (૨) કર્મની અસ્થિતિ ધાત
 કરવે તે કર્મ કી સ્થિતિકા ઘાત કરના cut-
 ting off the existence of Karma
 ઠા૦ ૧, ૧, (૩) જેનાથી વસ્તુના અસ-છેદ-
 પાડી રાકાય તે, શસ્ત્ર શસ્ત્ર an instru-
 ment for cutting ક૦ પ૦ ૧, ૬-

છેત્રણગ ન૦ (છેદનક) જે કાટકા કાટવા તે ઢાં
 ટકડે કરના. Cutting into two પન્ન૦
 ૧૨, (૨) ચામડાને છેદવાનું શસ્ત્ર ચમડે કો
 છેદનેકા શસ્ત્ર A tool or instrument
 to cut leather મૂય૦ ૨, ૨, ૪૮,

છેત્રણય ન૦ (છેદનક) જુઓ " છેત્રણગ "
 શબ્દ દેહો, છેત્રણગ ' શબ્દ Vide
 ' છેત્રણગ ' મૂય૦ ૨, ૨, ૪૮

છેત્રપરિહાર. પુ૦ (છેદપરિહાર) ચારિત્રનો છેદ
 અને પરિહાર તપ ચારિત્ર ના છેદ પ્રાર

परिहार तप. Lapse in right conduct, austerity or penance. वव० १, २६, २७, २८, २९;

छेरविरालिया स्त्री० (छेरविरालिका) वनस्पति विशेष. वनस्पति विशेष. A kind of vegetation. जीवा० १,

छेलिया न० (*) नाक छी डबु नाक छिकना Act of clearing away the mucus of the nose by expelling it from the nostrils. नदी० ३८, (२) सीरी वगाडी ते सीरो वजाना act of whistling विशेष० ५०१;

छेलिया स्त्री० (*) छडी, नानी बडरी छोटी बकरी A young she-goat. पसह० १, १,

छेवट्ट पुं० (सेवर्त्त) छ सधयलुमानु छडु सधयलु जेभां छडडयोने परपर स्पर्श मात्र संयत्र रहे छे, भीली विना छे जेजाने रहे छे, तेन वगेरेथी भाविस आदि सेवानी अपेक्षा राखे छे ते. जिसमे हड्डियों का परस्पर स्पर्श मात्र का सबब रहता है, बिना मेख प्रत्येक छेद जुडाहुया हो, तैनादि मालिश की अपेक्षा रखता हो ऐसा गरीर का बाबा. The last of the six kinds

of bony structures (Saṅghayanas) in which the bones are kept together without being fastened by a bandage and nails. पन्न० २३; जीवा० १, भग० २४, १, क० ग० १, ३६, ३, ३, ५, ६६; —संघयण न० (-संहनन) छेवट्ट सधयलु छेवट्ट सघयण the Saṅghayana known as Chhevatttha ठा० ६, ४, —संघयणि. त्रि० (-संहननिन्) छेवट्ट संघयलु वालो छेवट्ट सघयण वाला. (one) possessed of Chhevatttha Saṅghayana भग० २४, १,

छोत्र पुं० (छोद) छेतरी छिलके. Outer harder and useless parts, particularly of vegetable substances chopped off with a knife etc सूय० २, ४, १६;

छोडिय त्रि० (*) झेडेडु फोडा हुआ. Exploded, discharged, broken. ओव० १०,

छोभग न० (*) आव; डड ड दाग; वच्चा, कलक A stain, a blemish नि० नि० ४२०,

ज.

ज. त्रि० (यन्) जे जो A relative pronoun meaning who or which भग० १, १, १२, ४; १०, नाया० १; १६, विशेष० १०, १६५;

जअ. त्रि० (यन्) यनावत सावयेत अप्रमादि यन्न करेने वाचा, सावचेत, अप्रमादि Self-

controlled; self-possessed, circumspect उत्त० १, २१; आया० १, ३, २, १११,

जइ. पुं० (यति) यतनावत साधु मुनि, यति. यतनावत साधु, यति, मुनि An ascetic, a Sādhu ओव० ३४, उन्न० २४, १३,

पि० नि० १२४, विशेष० ८८, ४८३, पंचा० १, ३१, भक्त० १२; क० ग० १, ४६, सु० च० १, २३६, प्रव० ६०, १२१६. —कण्ठ. त्रि० (—कल्प्य) मुनिने इत्येतेषु मुनि को ग्रहण करने योग्य such as would be proper for an ascetic प्रव० २६, —किञ्च न० (—कृत्य) यति-साधुनु कर्तव्य यति-साधु का कर्तव्य duty of an ascetic पचा० १२, ४०. —जण पु० (—जन) साधु पु३५ साधु पुरुष, an ascetic, a monk, a saint “वज्जेयव्वो य सया सुयप्पमाओ जहज्जेण” सूय० नि० १, २, १, ४१, —जोग पु० (—योग) स्वाध्याय आदि साधुना व्यापार स्वाध्याय आदि साधु का व्यापार. activity or function of an ascetic e g study of scriptures etc पचा० ६, १६, —धम्म पु० (—धर्म) दस प्रकार की यति-साधुना धर्म दस प्रकार के यति साधु के धर्म duties of an ascetic classified into ten kinds “खत्तिञ्चज्वमहवमुत्ती तवमजमेय बोधव्वो रुद्ध सोय आ-किच्चणं च बभ च जह धम्मो नाया० १७, प्रव० २६१, —परिसा स्त्री० (—परित) साधु लोकानी सभा साधु लोगों की सभा an assembly of ecclesiastics ओव० ३४, राय० —पुच्छा स्त्री० (—पृच्छा) साधुने शरीर सयम सयधी वार्ता पृच्छा शरीर सयम सवव में साधु से बातचीत करना act of consulting a Sādhu in the matter of control of body or self पचा० १, ४३ —विस्सामण न० (—विश्रामण) यति-साधुना शरीर आदिनी वेयावच्च इत्थे ते यति-साधु के शरीर आदि की सेवा करना वेयावच्च करना rendering acts of service to an ascetic e g

removing his fatigue, nursing etc पंचा० १, ४५,

जड़ त्रि० (जयिन्) जय मेधवना जय प्राप्त करने वाला Victorious, conquering प्रव० ६६६,

जड़ अ० (यति) जेठु जितना An indeclinable meaning “as much in the proportion in which”

भग० ७, ३, ८, १, १०, पञ्च० १५,

जड़ अ० (यदि) जे इदि जेडे, जे, यदि. जोकभी, जोकि, यदि If ever, though, if नाया० १, ५, ८, ६; १६, १६; भग० १, ४, ६, २, ५, ३, १, २५, ६, ४१, १, दम० ५, १, ६४, ६, १२, अणुजो० ३, विशेष० ८,

जड़अ त्रि० (जयिक) विजय इत्तार विजय करने वाला, जय प्राप्त करने वाला Victorious, conquering कप० ४, ६६,

जड़अयच्च न० (यत्तित्व) प्रयत्न इत्ते प्रयत्न करना, कोशील करना Act of making an effort or attempt “जड़अयच्चजाया” भग० ६, ३३; नाया० १५, भक्त० ६, पचा० १४, ५०,

जड़च्छा स्त्री० (यदच्छा) आशु धारु भागवते, शगडाने भेसवु अने ताडने पडवुते यद छयोग बिना डच्छा क प्राप्ति होना वह, काग का बैठना व डाली का गिरना Accidental occurrence unexpected happening, e g falling down of a palm tree coinciding with the perching of a crow upon it पण० १, २ —चाइ पु० (—चाइन्) दरेड पदार्थनी शगडुबिना चगडारी उभति यय छे जेभ यद ॥२ प्रत्येक पदार्थ का बिना कारण

अनवारी उत्पत्ति होती है ऐसा वाद करनेवाला.
a person holding that the
things of the world (i e the
world) are produced fortuit-
ously by mere accident नदी०

जङ्गल त्रि (जैन) जिन तीर्थक्षरे दर्शावेत्त,
जिन सत्त्वधी जिन तीर्थकरने बताया हुआ.
जिन सबकी Pertaining to, reveal-
ed by Jina i e Tirthankara.
पञ्चा० ३, ४०, विशे० ३८३, १०३८ १०४१,
जङ्गल त्रि० (जयिन्) जयवान्; छत भेदव-
नार, जितवाना स्वभाववाणु जीत प्राप्त
करनेवाला, जीतने के स्वभाव वाला Vic-
torious; conquering ओव० ३०;
राय० ३३, ज० प० ५, ११५, उवा० २, १००,
(२) धृष्टी उतावणी गति बहुत शीघ्र
गति great velocity; great speed
“ लंघणपवणजङ्गलपमहणसमत्थे ” राय०
जीवा० ३, १,

जङ्गल त्रि० (जविन्) वेगवान्, वेगवाणु वेग-
वान्, वेगवाला, तेज Fast, speedy.
“ लघणवगणधावणधारेणतिवर्द्ध जङ्गलमि-
क्खिअ गइण ” ओव० भग० ३, २; जीवा०
३, १, —वायाम पु० (-व्यायाम) उता-
वली डसरत तेज कमरत fast or quick
physical exercise “ लंघणपवणजङ्ग-
लवायामसमत्थे ” उक्त० टी० ६; —वेग
पु० (-वेग) सौधी वधारे वेग, गतिमान सर्व
पदार्थों उपर जित भेदवनार वेग सब में
अधिक गति, गतिमान, सर्व पदार्थों को जीतने
वाला वेग. highest speed all-con-
quering speed. भग० ३, २;

जङ्गल स्त्री० (यत्ता) ओष्ठ जलनी गति
एक प्रकार की गति A kind of Gati
or movement नाया० ४.

जङ्गली. स्त्री० (जविनी) वेगवाली (श्री) गति

वाली (स्त्री) (A woman) with
speedy gait or movement ओव०
जङ्गल स्त्री० (यत्ता) साधु पण्डु, साधुत्व,
मावुपन Monkhood, state of
being an ascetic. भक्त० ८७,

जङ्गलार पु० (जंतु) शत्रुना सैन्यने छतनार.
शत्रु के सैन्य को जीतने वाला. One
that conquers hostile army.
ठा० ४, २,

जङ्गल. म० कृ० अ० (याजयित्वा) यजन
करावीने, यज्ञ करावीने यज्ञ कराकर Hav-
ing caused a sacrifice to be per-
formed “ जङ्गल विउले जन्ने ” उक्त०
६, ३८;

जङ्गल त्रि० (जयिक) जय डरनार, जित-
नार जय करने वाला, जीतने वाला.
Conquering, victorious. नाया०
१, ८; (२) जय जय शब्द. जय जय शब्द.
the voice of victory नाया० ८,

जङ्गल पु० (यज्जु) याजक, यज्ञ डरनार
यज्ञ कर्ता, यज्ञ करनेवाला. A sacrifice;
one who performs a sacrifice.
उक्त० २५, ३६,

जङ्गल. अ० (यदिवा) अथवा या Or,
or else. उक्त० १, १७, २५, २६,

जङ्गल अ० (यद्यपि) ओष्ठ ओष्ठ पण्डु जोकि.
जोभी Although; even though.
मु० च० १, १२४; सुय० १, २, १, ६,
नाया० ८, विशे० ५०१, गच्छा० ६६,

जउ न० (जतुद्) लाल; जलशुली लाल,
जोगनी. A resinous substance
called lac used in dyeing
etc पि० नि० ३७०, क० गं० १,
३५, —गोल पु० (-गोल) लाल
गोले लाल का गोला a ball of lac
ठा० ४, ४,

जउणा स्त्री० (यमुना) यमुना, जमुना नदी
यमुना, जमुना नदी The river
Yamunā विवा० ८, ठा० १, २, २, २,
जउणाचक्र न० (यमुनावक्र) जमुना नदीने
डाँडे ओ नामनु ओड नगर यमुना नदी के
तट का इस नामका एक नगर Name of
a city on the banks of the
river Yamunā मत्था०

जउव्वेय पु० (यजुर्वेद) चार वेदमाने ओड
वेद चार वेदों में से एक One of the
four Vedasso named यम० ६,
३३, विवा० १, २, का० १, ६,

जओ अ० (यत्) जेथी, जेथी डरी,
जेभाथी जिमसे, जिमसे मे From
which, since, because उत्त० १,
७, आया० १, ५, १, १४१, भग० २, १,
१५, १, विश० ३, विवा० १; नाया० २,
१३, दस० ७, ११, क० ग० ३, १३,

जओ अ० (यत्र) जथा जहा Where,
in which सम० ३४,

जं. अ० (यत्) जेथी डरीने, जे डारणु माटे
जिस कारण से, जिस वास्ते. So that,
reason for which, that for
which नाया० ५, १२, १४, १७, भग०
३, १, १८, ६, क० ग० १, ८; १, ३५, ७,
८, ज० प० ५, ११२;

जंकिचि अ० (यत्किंचित्) जे डाँध जो
कुछ Any extent to which, any-
thing which नाया० ६,

जगम. त्रि० (जङ्गम) दावतु यावतु जगम
भिडत चलती फिरती जगम मालिन्त.
Moveable, moveable property
परह० १, १, उत० ६, ६, (२) पु० दावता
यावता छय, तसछय चलते फिरते जीव
तस जीव ज० प० — चिस पु० (-विष)
सर्प आदिनु ओर सर्प वगैरह का विष

venom of a serpent etc ठा० ६,
जंगल पु० (जङ्गल) ओ नामने ओड आर्य
देश इस नामका एक आर्य देश Name of
an Aryan country. पत्र० १

जंगिअ-य न० (जाङ्गमिक) देशेद्रा वगेरे
तस छयना अययथी उत्पन्न थयेत यन्त्र,
उन रेशमी दिगेरे कोशेद्रा इत्यादि त्रय जीव
के अवयव मे उत्पन्न ऊन रेशम Silk,
wool etc produced from the
limbs of moving sentient
beings such as silkworms etc
“जगमजायजगि तंपुण्यिगलिन्द्रियचपचेदि”
ठा० ३, ३, २, ३, वंय० २, २२, आया०
२, ५, १ १४१,

जंगोल न० (जाङ्गुल) ओर उतारयाना
उपाय यतायनारु शास्त्र, आयुर्वेदने ओड
भाग विष उतारने का इलाज बिताने वाला
शास्त्र, आयुर्वेद का एक भाग That part
of medical science which deals
with the cure of evil effects
caused by the poison of
serpents etc विवा० १, ७,

जंगोली स्त्री० (जाङ्गुली) ओर उतारयाना
उपाय दशर्वना शास्त्र गारुडी विद्या विष
उतारने का इलाज दिखानेवाला शास्त्र, मंत्र
विद्या. Science dealing with anti-
dotes to snake bites etc ठा० ८, १

जंघा स्त्री० (जङ्घा) जाघ, साथघ जाघ,
जङ्घा A thigh ज० प० जीवा० ३ ३
ओघ० नि० भा० ५, ३१६, अणुत्त० ३, १,
आया० १ १, २, १६, पि० नि० ३३०,
ओव० १०; उवा० १, ६४, प्रव० १६, ६०४,
— द्विया स्त्री० (-अन्धिका)
साथघना उपरना भागनु दाड्डु जाघ के
ऊपर के हिस्से की हड्डी the bone of
the part above the thigh नहु०

—चर त्रि० (-चर) लघुथी-पगथी,
आधनार, पादो जाघा से-पैरसे चलनेवाला;
प्यादा pedestrian अणुजो० १२८.

जंघाचारण पुं० (जङ्घाचारण) तप विशेषथी
प्राप्त थयेदी शक्तिवाला आरणुमुनि के जेना
लावथी लघुने थ.पडी आडाशमा अधर
लघु शिष्टे तप विशेष की एक लब्धि-शक्ति-
वाला चारण मुनि कि जो अपनी विद्या
के प्रभावसे जघा को थपथपाकर चाहे ऊपर
आकाश में अवर जा सकता है A class
of ascetics who through the
force of their spiritual power
can move in the sky simply by
patting the thighs भग० २०,
६ प्रव० ६०७, —चारणलब्धि. स्त्री०
(-चारणलब्धि) लघुआरणु विद्यानी
प्राप्ति जघा-चारण विद्या की प्राप्ति ac-
quirement of the knowledge
which enables one to move in
the sky simply by patting the
thighs भग० २०, ६;

जंघाचारणा स्त्री० (जंघाचारणा) ओ नामनी
विद्या के जेना प्रभावथी आडाशमा जिये
डिडी शक्य छे इस नामकी विद्या कि जिसक
प्रभाव से आकाश में उडा जा सकता है
A science of that name enab-
ling a person to soar in the
sky भग० २०, ६; —परिजित
पुं० (-जङ्घापरिजित) ओ नामतो
साधु के जेजे वशीकरणुतो प्रयोग डरी भूत
देव लगाडये हतो इस नाम का साधु
कि जिमने वशीकरण का प्रयोग कर के मूल
दोष लगाय था name of an ascetic
who had incurred a blemish by
making use of fascination पि०
नि० ५०५, --वल न० (-वल) लघुनु

लघु जाघ का बल hardness,
strength of the thighs जांवा० १,
—रोम पुं० (-रोमे) लघुनी श्वाथी,
जाघ पर के नरम नरम बाल soft hair
growing on the thighs निर्गो० ३,
४४; —सतारिम. त्रि० (सतार्य) लघुथी
तरी शक्य तेडुं (पाली). जघा से तरा
जासके इतना पानी (water) reach-
ing the thighs “ अतरा से जघा
सतारिमे उदगे सिया ” आया० २, ३, २, १२४,
जंघेव अ० (यत्रैव) लघु जहां Where;
at which place अंत० ३, ८;

जंत न० (यन्त्र) वशीकरणुदि प्रयोगमा वप-
रातो यत्र वशीकरणादि प्रयोग में आनेवाला
यत्र A diagram of some mystical
nature used in winning over
a certain person पण्ड० १, २; (२)
नियमन नियत्रण नियमन, नियत्रण. con-
trol राय० (३) ओड प्रशान्तु रथनु उपकरण
एक प्रकारका रथका उपकरण one of
the parts of a chariot नाया० १;
जं० प० ५, ११५, (४) धाली, धियोडा,
गोशु वगेरे घाणा, पीलने के साधन विशेष.
oil mill, juice extractors etc
पण्ड० १, २, --पत्थर पुं० (-प्रस्तर) धाली
देडवान यत्र, गोशु आदि पत्थर फेंकने का
यंत्र, गिलान आदि a weapon (e g
a sling) to discharge or shoot
stones पण्ड० १, २; —पीलणकर्म
न० (-पीडनकर्म) धाली धियोडा वगेरे
देवरातो धयो डवो ने, आवडना यत्र
डर्मानमानु आनुं डर्मान, मतमा मततो
ओड अनियार नेन निकालने का यंत्र
चलाने का उद्योग करना वह, जिनियों के १५
कर्मादानो में ने १२ वा कर्मादान, मातवे वन
का एक अतिचार occupation of

turning an oil-mill etc, the 12th of the 15 Karmādānas (sources of incurring Karma) of a Jaina layman, a partial violation of the 7th vow भग० ८, ५,—लदिठ खी० (—यष्टि) यत्रना उपयोगमा आवतु वाड्डु, यीयोडानु वाड्डु यत्र के उपयोगमें आता हुआ लकड़ wood used in constructing a mill e g that for pressing out juice from sugar-cane दम० ७, २८, —वाडय पु० (—पाटक) शेरडी पीडयानु स्थल, शेरडीने पास गन्ने का रस निकालने का स्थल a place where juice is pressed out of sugar-cane जीवा० ३, १, —वाडयचुल्ली खी० (—पाटक-चुल्ली) शेरडीने रस पडावयानी थूत गन्ने का रस पकाने का भट्ठी. an oven where the juice of sugar cane is heated. जावा० ३, १, —वाहण. न० (—वाहन) यत्र यथावपु ते यत्र चलाना working a mill e g an oil-mill etc प्रव० २६८,

जंतिय त्रि० (यन्त्रित) नियन्त्रित, नियमित, ड्यजे डरेल नियन्त्रित, नियमित, वश किया हुआ Kept under restraint. उक्त० ३२, १२,

जंतु पु० (जन्तु) प्राणी, श्रव प्राणी, जीव A living being उक्त० ३, १; भग० ६, ७, २०, २, (२) श्रवास्तिश्रव नामनु जानादि शुल्लवाड्डु द्रव्य, द्रव्यतो ओड प्रकार. जीवास्तिकाय नामक जानादि गुण-वाला द्रव्य, द्रव्य का एक प्रकार a variety of substance possessed of the attributes of knowledge etc and named Jīvāstikāya

उक्त० २८, ७

जंतुग पु० (जन्तुक) ओड जतनु वास डे जेथी डूत गुथाय डे. एक प्रकार का घास कि जिम से फूल गुंया जाता है A kind of grass used in knitting together flowers मय० २, २, ७, पगह० २, ३,

जंतुय न० (जन्तुक) जंतुड नामना धामनु पाथरथु जन्तुक नाम के घास का बिछौना Bed made of the grass called Jāntuka आया० २, २, ३, १००,

✓जंप. धा० I (जल्) ओडयु डेडु. बोलना. कहना To speak, to say जपइ सु० च० १, १०३,

जपण सु० च० १, ३७६,

जपति विशेष० ५६४,

जप्पान्त मय० १, १, १, १०,

जपिरुपामि सु० च० १, २२७

जपित्ता म० कृ० दमा० ६, १०

जपंत व० कृ० सूय० १, १, २, ४, ओव० नि० ८०१, आड० ३२, पगह० २, ३ सु० च० १, ३१३; २, ५७६, पचा० १५, ४७,

जपमाण व० कृ० नाया० ६, पगह० १, १ विशेष० २४२०, ज० प० ३, ५२,

जंपग त्रि० (जल्पक) ओडना० बोलने वाला (One) who speaks पगह० १, ३,

जंपाण न० (जम्पान) ओड प्रजागनु वाड्डन, पाडणी विशेष एक प्रकार का वाहन, पालकी विशेष A kind of vehicle a particular kind of palanquin सु० च० १०, ११३ टा० ४, ३,

जंपिय त्रि० (जल्पित) ओडिय, डेडिय बोना हुआ, कहा हुआ Uttered, spoken उक्त० ३२, १४, भग० ११, ११

जंपिर नि० (जल्पिन्) ओडना० बोलने

वाला. (One) who speaks सूच०
२, २००,

जंवाल पु० (जम्वाल) ३६१, ३१५३.

कीचड Mud, mire. ठा० ३, ३,

जंबु. न० (जम्बु) लं० पु०. जामुन A fruit
of a tree called Jambu भग० ८,

३३, २२, २, नाया० ६, (२) लं० पु०. अ३

जामुन का फल a kind of tree

जीवा० १ पञ्च० १. (३) लं० पु० २५५५ जम्बू

स्वामी Jambu Svāmī प्रव० ७००,

(४) लं० पु० ५५५५. जम्बूद्वीप the conti-

nent known as Jambū Dvīpa

कण० ८,

जंबुअ पु० (जम्बुक) शिआल मियार A

Jackal ओष० नि० भा० ८८, (२)

लं० पु० ५५५५ जामुन का फल a fruit of

the Jāmbu tree सू० च० ११, १०,

जंबुद्वीप न० (जम्बूद्वीप) लु० ओ० "जंबूद्वीप"

शब्द देखो " जंबूद्वीप " शब्द Vide

" जंबूद्वीप " जं० प० ५, ११२, १, ३, ६, १२४,

५, ११५ सू० प० १, राय० २० सु० च०

२, ८, नाया० १; १३ भग० ५, १, ५, ६,

५, १८, २, २०, ८, जं० प० ५, ११२, १,

३, उवा० २, ११३. कण० १, २, २, १४,

प्रव० १४१२; —पञ्चत्ति स्त्री० (—पञ्चत्ति)

ओ नामनु पायमु उपाग सूत्र इस नाम का

पाचवा उपाग सूत्र the fifth Upānga

Sūtra so named भग० ८, १,

नदी० ४३. जं० प० ७, १५०, —प्रमाणय

त्रि० (—प्रमाणक) लं० पु० ५५५५ प्रमाण

यातुं जम्बूद्वीप के प्रमाण वाला of the

measure of Jambūdvīpa क० ग०

४ ७५;

जंबुफलकालिया स्त्री० (जम्बूफलकालिका)

ओ० नामनु नाम. एक प्रकार का मदिरा

A kind of liquor पञ्च० १७

जंबुवती स्त्री० (जम्बूवती) अतगड सूत्रना

पायमा वर्गना छद्म अध्ययननु नाम

अंतगड सूत्र के पांचवे वर्ग के छटे अध्ययन

का नाम Name of the 6th chap-

ter of the 5th Varga (section)

of Antagada Sūtra अत० ५, ६

जंबुसुदंशणा स्त्री० (जम्बुसुदर्शना) ओ नाम-

नु अ३ के जेना उपरथी आ द्वीपनु नाम

लं० पु० ५५५५ इस नाम का एक वृक्ष कि

जिस पर से इस द्वीप का नाम जम्बूद्वीप

रखने में आया है Name of a tree

after which Jambūdvīpa is

named जीवा० ३, ४,

जंबू पु० (जम्बू) सुधर्मा स्वामीना शिष्य,

लं० पु० ५५५५ जंबू स्वामी, सुधर्मा स्वामी

के शिष्य The disciple of Sndhar-

mā Svāmī, Jambu Svāmī

नाया० १, —अणमार पु० (—अनमार)

लं० पु० ५५५५ जम्बू स्वामी. Jambū

Swāmī विवा० १, —फल न० (—फल)

लं० पु० ५५५५ जामुन का फल a fruit

of the Jāmbu tree राय० ओष०

पञ्च० १७ जीवा० ३, —रुक्ख पु०

(—वृक्ष) लं० पु० ५५५५ जामुन का फल

Jāmbu tree जं० प० ७, १७७;

—वण. न० (—वन) लं० पु० ५५५५ जामुन

का वन. a forest of Jāmbu trees

जं० प० ७, १७७, —वणखण्ड पु० (—वन-

खण्ड) लं० पु० ५५५५ जामुन का छोटा

वन a small forest of Jāmbu

trees जं० प० ७, १७७,

जंबूणद न० (जम्बूणद) भोनु, अथवा मुद्रा.

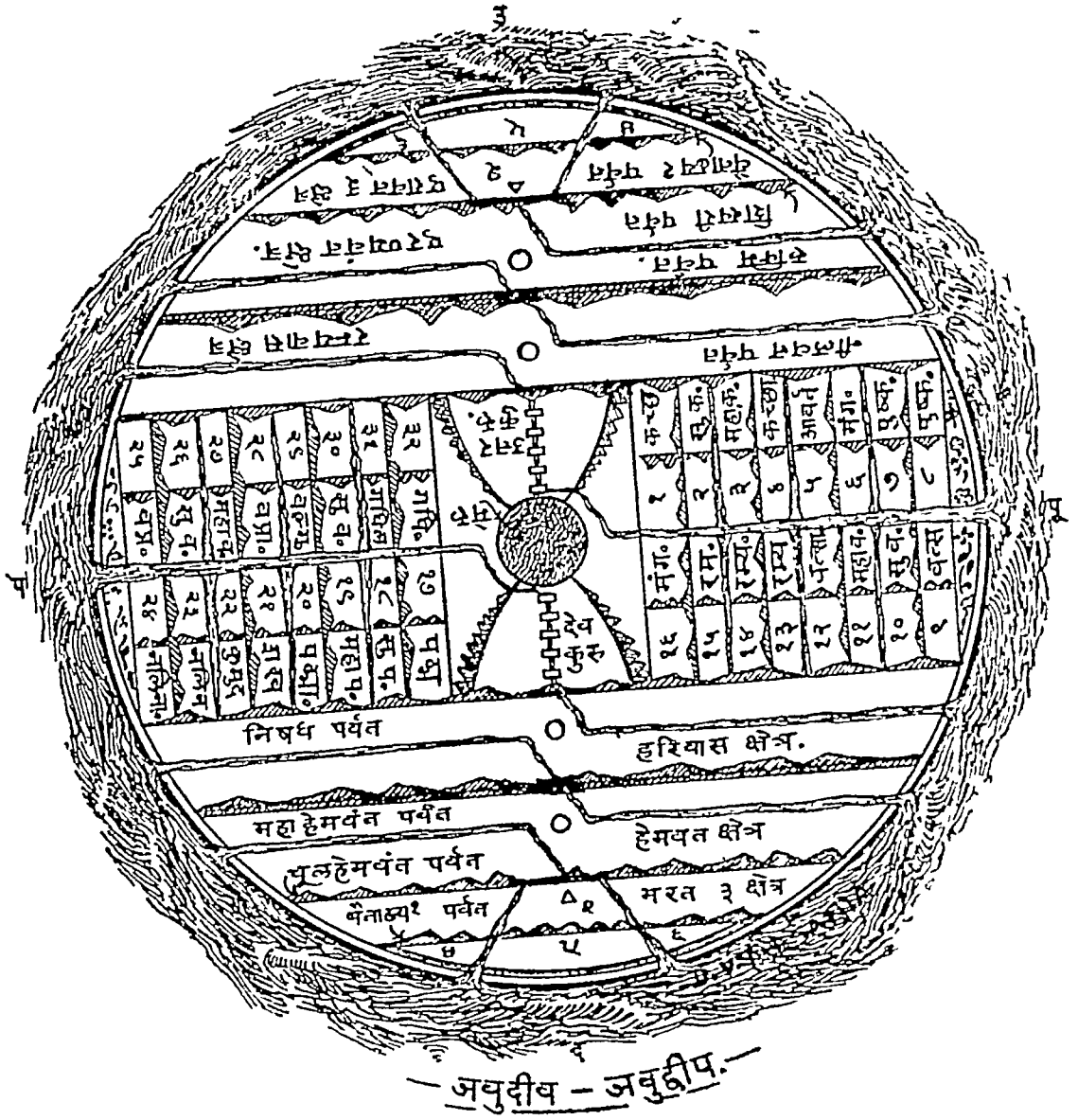
सुवर्ण, काचन Gold जं० प०

जंबूणय पु० (जम्बूणय) लु० ओ० उपरथी शब्द

देखो ऊपर का शब्द Vide above राय०

६१ जीवा० ३, ४, जं० प० उवा० ७, २०६;

सचित्र अर्थ मागर्था काष



जम्बूद्वीप - जम्बूद्वीप.



जंबूज्यामय त्रि० (जाम्बूनदमय) सु० १०
मय सुवर्ण मय Full of gold, gold-
on भग० ६, ३३,

जंबूद्वीप पु० (जम्बूद्वीप) ओ नामने अस-
ख्यात द्वीप समुद्रमाने प्रथम द्वीप. इस
नाम का असख्यात द्वीप का प्रथम द्वीप
Name of the first Dvīpa of
innumerable Dvīpas in ocean
“ कहीणभते जंबूद्वीवे द्वीवे महालण्ण भते ”
सम० १, नाया० १, ८, १६, १६, नदी०
१२; पत्र० १५, ओव० ४३, अणुजो० १०३,
१४५, भग० २, ८, १०, ३, १, ७, ठा०
१, १, निर० ३, १, —अहिचइ.
पु० (—अधिपति) जंभु द्वीपने अधि-
पति अनादित नामने देवता जम्बूद्वीप का
अधिपति अनादित नाम का देवता a god
named Anādrita, the lord of
Jambūdvīpa ज० प० —परणत्ति
स्त्री० (—प्रज्ञप्ति) नेमा जंभुद्वीपनुं प्रज्ञप्तिं कुरु
छे ते, जंभुद्वीप पत्रति नामे ओट्ट क्षत्रिष्ठ भूत
कालिक सूत्र कि जिस में जम्बूद्वीप का वर्णन
किया है name of a Kālīka Sūtra
describing Jambūdvīpa नाया०
८, ठा० ४, १, —उपमाण त्रि० (—प्रमाण)
जंभुद्वीप प्रमाणे, जंभुद्वीप नेवडु जम्बूद्वीप
के पारेमाण का of the size of
Jambūdvīpa. भग० ३, ७,

जंबूद्वीपग त्रि० (जम्बूद्वीपक) जंभुद्वीपमा
उत्पन्न थनाः मनुष्य जम्बूद्वीप म उत्पन्न
होने वाला मनुष्य A person born in
Jambūdvīpa ठा० ४, २,

जंबूपल्लवविभक्ति न० (जम्बूपल्लवप्रविभक्ति)
जम्बीस प्रकारना नटकमानु २० भु नेमा
जंभुना पादडाने विभाग दर्शावामा आवे
छे ते ३२ प्रकार की नाटक की विधि मे
से २० वीं विधि कि जिस मे जामुन की

पत्तियों का विभाग प्रदर्शित किया जाता है
The 20th of the ३२ varieties
of dramatic representations
characterised by a scene of
the leaves of Jambu tree
राय० ६५,

जंबूफलकालिया स्त्री० (जम्बूफलकालिका)
जंभुडाना नेरी डाला रंगनी मदिरा. जामुन
की सा काले रंग की मदिरा Liquor as
black as Jambu fruit जीवा० ३

जंबूय पु० (जम्बूक) शृगाध, शियाल
मियार A jackal परह० १, ३,

जंबुलय पु० (जंबूलक) जंभु, यायवाडु
पाणीनु डाम सुराई, मकटे मुह का पानी
का पात्र A pot of water with a
narrow neck उवा० ७, १८४,

जंबूवई स्त्री० (जम्बूवती) कृष्ण वासुदेवनी
छडी पटराणी के ने नेमनाथ प्रभु पासे दीना
लक्ष्मी मोक्ष पदार्थ कृष्ण वासुदेव का छडी
पटरानी कि जिन्होंने नेमनाथ प्रभु मे दीक्षा
ले कर मोक्ष प्राप्त किया The sixth
crowned queen of Krishna
Vāsudeva who got religious
initiation (Dīksā) from Lord
Neminātha and attained to
final bliss ठा० ८, १, अत० ४ ७.

जंबुसुदंसणा स्त्री० (जम्बुसुदर्शना) सुदर्शन
नामे जंभु, आड नेमा उपस्थी जंभुद्वीप
नाम प्रसिद्ध थयेछ छे सुदर्शन नाम का एक
जामुनका वृक्ष जिस परसे जम्बू द्वीप का नाम
प्रसिद्ध हुआ है The Jambu tree
named Sudānsana from which
the name Jambūdvīpa is deri-
ved ज० प०

✓जंम वा० I (जृम्भ) जगामु भवतु
वधानी खाना To yawn, to gape

जंभाइत्ता सं० कृ० जं० प० २, २५;

जभायन्त व० कृ० भग० ११, ११;

जंभग पुं० (जृम्भक) त्रिच्छादोक्षवासी देव-
तानी ऐक्ष मत् त्रिच्छा लोक वासी देवता
की एक जाति A class of deities
residing in the region known
as Trichchhā. “अत्थिणं भते जभया
देवा” भग० १४, ८, नाया० ८, सु० च०
२, ३०८, परह० २, २,

जंभणी स्त्री० (जृम्भणी) ऐ नामनी ऐक्ष
विद्या. इस नाम की एक विद्या. A science
of that name सूय० २, २, २७,

जंभय. पुं० (जृम्भक) लुओ “जंभग”
शब्द देखो “जंभग” शब्द Vide
“जंभग” नाया० ८, भग० १४, ८,
—देव पुं० (-देव) लुओ “जंभग”
शब्द देखो “जंभग” शब्द. vide
“जंभग” नाया० १, ८,

जंभाइय न० (जृम्भित) अगायु आतु
वधामी खाना. A yawning, a gap-
ing आव० १, ५, ४, ४;

जंभायमाण त्रि० (जृम्भमाण) लुओ उपलो
शब्द देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
नाया० १,

जंभिय पुं० (जृम्भिके) ऐ नामनु गाम
इस नाम का एक गाव Name of a
village कप्प० ५, ११६,

जंभिय गाम. पुं० (जृम्भिकग्राम) अगात्राभां
आवेल ऐक्ष गाम के जेनी पास महावीर
स्वामीने डेवज्ञान प्राप्त थयु बंगाल का एक
गाव जहा पर महावीर स्वामी को केवलज्ञान
प्राप्त हुआ था Name of a village
in Bengal in the vicinity
of which Mahāvīra Svāmī
attained to omniscience नाया०
३, आया० २, १५, १७८, कप्प० ५, ११६,

जंभइअ. न० (यदतीत) सूयगडांग सूत्रना १५भा
अध्यनुं नाम. सूयगडांग सूत्र के १५ वें
अध्ययन का नाम. Name of the 15th
chapter of Sūyagadāṅga Sūtra.
सय० १, १५; २५, अणुजो० १३१,

जक्ख पुं० (यक्ष) व्यक्ष; व्यन्तर देवनी ऐक्ष
जक्ष, यक्ष; व्यन्तर देव की एक जाति.
A kind of demi gods known
as Yaksas; a class of Vyantara
gods. सम० ३०; उत्त० ३, १४, १२, ८,
३६, २०७, अणुजो० २०, १०३, ओव०
२४, आया० २, १, २, १२; नाया० १, २;
८, ६; ठा० ५, १, ओघ० नि० ४६७, सु०
च० १, ३४७, ५, ३९, विवा० १, २; ५,
दसा० ६, २४, जीवा० ३, २, पन्न० १,
प्रव० ७, २६१, भत्त० ७८, भग० २, ५,
४२, १, दस० ६, २, १०, (२) ऐ
नामनी ऐक्ष द्वीप अने ऐक्ष समुद्र इस
नाम का एक द्वीप व एक समुद्र name of
an island and also that of an
ocean सू० प० २०; पन्न० १५, जीवा०
३, ४; —आइह त्रि० (-आविष्ट) यक्षना
आवेशवालो. यक्ष का आवेश जिसमें है वह.
possessed by a Yakṣa वव० २,
१०, १०, १८; ठा० ५, १, —आस
पुं० (-आवेश) यक्षना आवेश यक्ष का
आवेश state of being possessed
or influenced by Yakṣa भग० १४,
२, १८, ७, —आदित्तय-अ न० (-आ-
दीप्तक) ऐक्ष दिशामा थोडे थोडे आतरे
पीछडीना जेवा लउक्ष देमाय ते; भूत पिशाच
पगेरेना आता एकही दिशा में थोडे थोडे
अंतर से विजली की सो चमक का दिखाई
देना, भूत पिशाच इत्यादि का चमत्कार
flashes of light seen at inter-
val in the dark regarded as

the gambols of ghosts etc, Jack with a lantern. अणुजो० १२७ —आवेश पु० (-आवेश) यक्षने आवेश-प्रवेश यक्ष का आवेश-प्रवेश state of being possessed or haunted by a Yaksa, भग० १८, ७, —आयतन न० (-आयान) णुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above निर० ५, १, —आययण न० (-आयतन) यक्षनु आयतन-स्थान-भेद यक्ष मंदिर, यक्ष स्थान a temple consecrated to a Yaksa अत० १, १, ६, ३, नाया० ५ ६, —आलित्त न० (-आदीप्त) ओइ दिशामा थोडे थोडे आतरे मिज्जती जेवो प्रकाश देणाय ते एकही दिशा में कुछ २ अंतर से विद्युत जैसे प्रकाश का दिखाई देना a flash of light seen at intervals in the dark, jack with a lantern प्रव० १४८, ६, —आलित्तप्र-य न० (-आदीप्तक) णुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above ठा० १०, १, जीवा० ३, भग० ३, ७, —इद पु० (-इन्द्र) यक्षने यक्षों का इन्द्र the India of the Yaksas, भग० १०, ५, (२) अरनाथ-ज्जना यक्षनु नाम अरनाथजी के यक्ष का नाम. name of the Yaksa of Aranāthajī प्रव० ३७६ —आवेस पु० (-आवेश) यक्षने आवेश यक्षगाड यक्ष का आवेश-शरीर प्रवेग state of being possessed by or under the influence of a Yaksa ठा० २, १, भग० १८, २; —(कखु)उत्तम पु० (-उत्तम) यक्षना १३ प्रक्षरमाने छेले प्रक्षर यक्ष के १३ प्रकारों में से अन्तिम प्रकार the last of the thirteen

varieties of Yaksas पञ्च० २, —ग्गह पु० (-ग्रह) यक्षने आवेग, यक्षने यक्षगाड यक्ष का आवेश, यक्ष का शरीर प्रवेश state of being possessed by a Yaksa भग० ३, ७, ज०प० ३, ४४, जीवा० ३, ३, —देउल न० (-देवल) यक्षनु मंदिर यक्ष का मंदिर a temple consecrated to a Yaksa नाया० २, —पडिमा स्त्री० (-प्रतिमा) यक्ष देवता की प्रतिमा यक्ष देवता की प्रतिमा an idol of a Yaksa (a kind of demi-god) राय० १६६, —पाय पु० (-पाद) यक्षना पग यक्षके चरण a foot of a Yaksa नाया० ९, —मंडलप्रविभक्ति स्त्री० (-महलप्रविभक्ति) ३२ नाट्यमातु १० मु नाट्य ३२ नाट्यक्रमे १० वा नाट्य the 10th of the 32 varieties of dramatic representation. राय० ६२, —मह पु० (-मह) यक्षने महोत्सव यक्ष का महोत्सव a festival in honour of a Yaksa भग० ६, ३३, राय० २२७ निमी० १६ १२, जक्खकहम पु० (यक्षकर्म) ओ नामना ओ वाणीया इस नाम के दो वेग्य Two Banyās named Yaksa and Kaudam. (२) ओ नामने ओइ द्वीप अने ओइ समुद्र इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name of an island and also that of an ocean च० प० २०.

जक्खदिन्ना स्त्री० (यक्षदिन्ना) आदीसभा तीर्थरत्नी मुज्ज साध्वीनु नाम प्रार्थनार्थ तीर्थकर की प्रधान साध्वी का नाम Name of the principal nun of the 22nd Tithankara प्रव० ३०२;

जक्खमह पु० (यक्षमह) यक्ष द्वीपने अधिपति देता यक्षद्वीप का अधिपति

देवता The presiding deity of
Yakṣa Dvīpa (i e island of
the Yaksas) सू० प० २०;

जक्खमहाभद् पु० (यक्षमहाभद्र) यक्ष
द्वीपने अधिपति देवता यक्षद्वीप का अधि-
पति देवता The presiding deity
of Yakṣa Dvīpa (i e island
of the Yaksas) सू० प० २०

जक्खवर पु० (यक्षवर) यक्ष समुद्रने
अधिपति देवता यक्ष समुद्र का अधिपति
देवता The presiding deity of
Yakṣa Samudra (i e. the
ocean of the Yaksas) सू० प० १६,

जक्खसिरी स्त्री० (यक्षत्री) यक्षश्री
नामनी श्रेष्ठ ब्राह्मणी यक्षश्री नामकी एक
ब्राह्मणी स्त्री Name of a Brāhmanī
woman. नाया० १६,

जक्खला स्त्री० (यक्षला) स्थूलभद्रनी पत्नी
स्थूलभद्र की भागिनी The sister of
Sthūlabhadra so named कप्प० ८,

जक्खिणी स्त्री० (यक्षिणी) २२ भा तीर्थंकरनी
मुख्य साध्वी वार्वाहिक तीर्थंकर की मुख्य
साध्वी The principal nun of the
22nd Tirthankara कप्प० ६, १७७,
सम० प० २३४,

जक्खोद् पुं० (यक्षोद्) यक्षोद् नामने समुद्र
यक्षोद् नामका समुद्र Name of an
ocean सू० प० १९;

जग पु० () प्राणी प्राणी A living
being. सू० १, ११, ३३,

जग पु० (जगत्) जगत्, दुनिया, लोक,
ससार जगत्, दुनिया, लोक, ससार The
world, worldly existence सू०

१, १, ३, ८; १, १०, ७; उत्त० १४, ४३;
परह० २, १; दस० ८, १२; ज० प० ५,
११२; —आणन्द. पुं० (—आनन्द—जगतां
मज्झिमेचीन्द्रियाणां नि श्रेयसाभ्युदयसाधक-
धर्मोपदेशद्वारेण चानन्दहेतुत्वात् ऐहिका
मुष्मिकप्रमोदकारणत्वात् जगदानन्द)
ससारना लोकेने धर्म बोध आपी उच्य
गतीमा लावी आ लय तथा पर लय ने
आनन्द आपनार, श्री जिनेश्वर. ससारके
जीवों को धर्म बोध दकर उच्च गतिमें लाकर
इस भव व उस भव का आनन्द देने वाला;
श्री जिनेश्वर Śrī Jineśvara so
called because he gives
delight to worldly beings in
this world and the next by
religious instruction which
elevates them in the scale of
spiritual evolution. नदी० १,
उत्तम त्रि० (—उत्तम) जगत्मा उत्तम
श्रेष्ठ जगत् में उत्तम, श्रेष्ठ best in
the world प्रव० ८०१, —गुरु.
पुं० (—गुरु) जगत्मा गुरु-तीर्थंकर.
जगद्गुरु — तीर्थंकर a world-
teacher; a Tirthankara प्रव०
४५२, नदी० १, —जीवजोणीवियाणय
पुं० (—जीवजोणविजायक) जगत्लोकेना
असं स्वरूपने जगत्कारकेवज्ञानी जगत्के
जीवों के सच्चे स्वरूप को जानने वाला, केवल-
ज्ञाता an omniscient knowing
the real nature or essence of
the beings on the earth नदी०
—जीवण पुं० (—जीवन = जगन्ति जङ्ग-
मानि आर्हिसकत्वेन जीवयतीति जगज्जीवन.)

* लुओ। पृष्ठ नम्बर १५ नी पुटनेट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनेट (-) Vide
foot-note (*) p 15th

उक्त ७५५५ रक्षक, जिनेश्वर भगवान् छ
काय जीवों का रक्षक, जिनेश्वर भगवान् a
protector of the 6 kinds of liv-
ing beings, lord Jinesvara मम०
३०, —दृभासि पु० (—अर्थभाषिन्—
जगत्पथी जगदर्थी ये यथा व्यवस्थिताः
पदार्थाः, तानाभाषितुं शीलमस्मेति जगदर्थ-
भाषी) लोक प्रसिद्ध अर्थ-वात इहेनार
जेभके श्रद्धे आसिर, देहने आश्रय, आधना-
ने आधयो, पयुने पागयो वगेरे इहेनार,
निष्ठुर वचन ओलनार, सत्य पाशु अप्रिय
ओलनार लोक-प्रसिद्ध अर्थ-वात कहने वाला,
जैसे कि लूट को लूट, भगी को चाडाल,
अवे को अवा, लूने का लूला इत्यादि कहने
वाला, निष्ठुर वचन बोलने वाला, सत्य परतु
अप्रिय बोलने वाला one who speaks
harsh and unpleasant truths
plainly and without using
euphemisms, e g calls a blind
man a blind man, an untouch-
able a Chāṇḍāla etc “ जे कोहण
होइ जगदृभासी ” सूय० १, १३, ५,
—णाह पु० (—नाथ) जगतना नाथ,
जिनेश्वर भगवान् जगत का स्वामी, जिन-
ेश्वर भगवान् lord of the world,
lord Jinesvara नदी० १, —णिसिसय
त्रि० (—निश्चित) लोकमा रहेल, जगतने
आश्री रहेल ससार में रहा हुआ, जगत के
आश्रित रहा हुआ residing in the
world, having an abode in the
world “ जगणिसिसयहिं भूएहि ” उक्त०
८, १०, दस० ८, २४, —पागड त्रि०
(—प्रकट) जग ज्ञाहे जग जाहि
public, known to the world
परह० १, १, —पियामह पु० (—पिता-
मह) जगतना-दादा, दुर्गति जता छयने

पयावनार; जगतना पितारूप जिनेश्वर
भगवान् जगत के पितामह, दुर्गति जाते
जांवा को बचाने वाला, जगत के पितारूप
जिनेश्वर भगवान् the grand-father
of the world, lord Jinesvara so
called because he is a saviour
of the world नदी० १, —वन्धु पु०
(—वन्धु—जगतः सकलप्राणिसमुदायरूप-
स्याव्यापादनोपदेशप्रणयनेन सुखस्थापक-
त्वाद् वन्धुरिव-वन्धु) जगतना पधु-साध
समान, जगतना पधा छवेने साध समान
माननार, श्रीजनेश्वर भगवान् जगत के
बधु समान, जगतके सब जीवोंको भ्राता तुल्य
माननेवाला, श्री जिनेश्वर भगवान् Lord
Jinesvara, the brother of the
world because he bears fra-
ternal affection to the beings
of the world नदी० १, —सव्व-
दसि पु० (—सर्वदर्शिन्) जगतने सप्रज्ञ
स्वरूपे जेनार श्री जिनभगवान् श्री ज्ञानपुत्र
महावीर जगत के सपूर्ण स्वरूप का देखने
वाला श्री जिन भगवान्, श्री ज्ञानपुत्र महावीर
Lord Mahāvīra who sees and
knows fully the real nature
of the world “ नाण्ण जगमव्वद-
सिणा ” सूय० १, २, २, ३१, —सिहर
न० (—शिखर) जगतना शिखररूप मोक्ष
जगत का शिखर रूप मोक्ष, the summit,
or climax of the world i.e. final
bliss क० ग० ६, ६०, —हित त्रि०
(—हित) जगतनु हित-अधु इरनार
जगत का हित करनेवाला (one) who
is a benefactor of the world
मम० ३२, —हिय त्रि० (—हित) अनुगो
उपयो शब्द देखो ऊपर का शब्द vido
above मम० ३२,

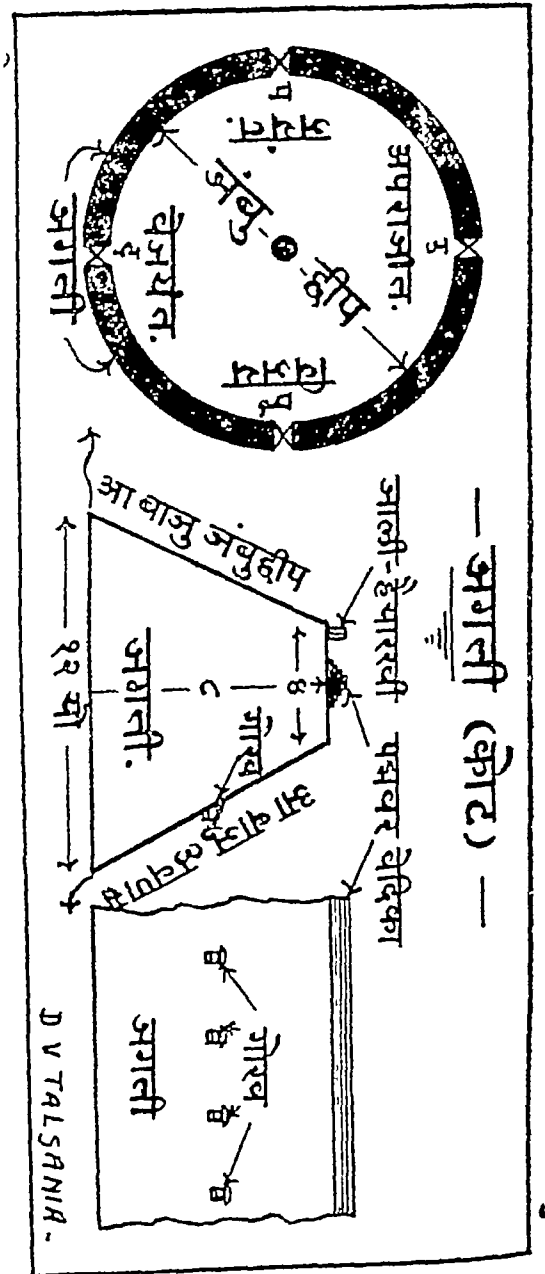
जगत्त्र न० (जगत्त्र) जगत्त्र जगत्त्र The world, the universe विशे० १६६८;
जगत्त्र स्त्री० (जगती) पृथ्वी. पृथ्वी The earth. “भूयाण जगद् जहा” उत्त० १, ४२.
प्रव० १४१२; ज० प० १, ५, (२) ज० भूद्वीपने
इरते डोट. जवूद्वीप के चारो ओर का
कोट. a fortification encircling
Jambūdīpa सेण एगाए वइरामईए
जगद्देण सव्वथो ” ज० प० सम० ८;
—पव्वयग पुं० (—पर्वतक) पर्वत विशेष,
सूर्याभ वनप्रभातो ओड पर्वत पर्वत
विशेष, सूर्याभ वनखड मे का एक पर्वत a
particular mountain in Sūryā-
bha forest राय० १३५,

जगडिज्जत त्रि० (कलहायमान) डलड
इरते कलेश करता हुआ Quarrelling,
entering into strife जगडिज्जता
विपरकसाएहि ” गच्छा० ६७,

जगत्त्र न० (जगत्त्र) ओ नामनी ओड
गतनी लीली वनस्पति इस नामकी एक
प्रकार की हरी वनस्पति A kind of
green vegetation पत्र० १,

जगती स्त्री० (जगती) पृथ्वी पृथ्वी The
earth. मय० १, ११, ३६, (२) ज० भू-
द्वीप आदि क्षेत्रनो डोट, डिल्लो. आ डोट ८
योजननो उयो छे, ओनी उपरनी पडोलाई
४ योजननी अने नीचेनी १२ योजननी
छे ओना उपर पद्मवर वेदिका छे अने
वयमा डेटलाड अरोभा छे, ओना वर्णन
विस्तारथी उवालिगम सूत्रमां आपेव छे,
आ चित्रमा डेटनो आधार, उयाई,
पडोलाई, इत्यादि यतावेव छे जवूद्वीप
आदि चेत्रका कोट, किल्ला. यह कोट
८ योजन का ऊचा है इस के ऊपर
के भाग का चौड़ाई ४ योजन की और नीचे
(पाये) की चौड़ाई १२ योजन की है

इस के ऊपर पद्मावर वेदिका और बीचमे कई
झरोखे हैं इस का विस्तार से वर्णन जीवा-
भिगम सूत्रमें दिया गया है the forti-
fication surrounding Jambūdī-
pa and other regions This wall



is 8 Yojanas in height The
breadth at the bottom is 12
Yojanas and at the top 4
Yojanas There are many
lattice windows in the wall.
full particulars can be had

from Jivābhigami Sūtra जीवा०
३, ४, *

जगती(ति)पञ्चय पुं० (जगति पर्वत)
लुओ। “ जगइ पञ्चयग ” शब्द देखो
“ जगइ पञ्चयग ” शब्द. Vide “ जगइ
पञ्चयग ” जीवा० ३, ४,

जगप्पइ पुं० (जगत्पति) जगत्पति The
lord of the universe ज० प० ५,
११२,

जगय न० (चकृत्) कलेजु कलेजा, हृदय
The liver (२) ते भागने रोग ब्लेज
की बिमारी, हृदय का रोग a disease
of liver भग० १०, ३;

जगारी स्त्री० (*) राजगरी, ओष्ठ जलनु
धान्य. राजगरी, एक प्रकार का दान्य A
kind of corn ‘ अस्मिन् ओयण सतुग
मुग जगारीइ ” पचा० ५, २७,

✓जग वा० I (जागृ) जगनु, उजगरे
करवे जागना, जाग्रण करना To remain
awake, to wake

जगइ. ओघ० नि० ८६,

जगन्त विशेष० १६६.

जगावेइ आया० १, ६, २, ६,

जगण न० (जागरण) जागरण, निद्रा न
लेनी ते, उजगरे करवे ते जागरण,
निद्रा न लेना वह, जगृत रहना Remain-
ing awake, a vigil परह० १, १,
ओघ० नि० १०६,

जग्गुण त्रि० (यद्गुण) जेठका गल्ल जितना
गुना Multiplied as many times,
taken as many times प्रव० ३२

जघण न० (जघन) डेडनी नीचेनी भाग,
साथ कंठ से नीचे का भाग The

fleshy part below the waist
कप्प० ३, ३६,

जघरण त्रि० (जघन्य) थोडाभा थोडा;
ओडाभा ओछु कम से कम Mini-
mum, least मू० प० १८,

जघरिण्य त्रि० (जघन्य) लुओ। उपले
शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above
मू० प० १,

जच्च त्रि० (जात्य) आभाविद स्वाभाविक
Natural, innate परह० १, ४, (२)
जतवान्, जतिषु. प्रधान, श्रेष्ठ, उत्तम
जातवान्, प्रधान, श्रेष्ठ, उत्तम promi-
nent, excellent of its kind कप्प०
२, ३५, ज० प० २, ३१, नंदी० ३१, ओव० १०
१७, ३१, विशेष० १४७०, सु० च० २, ६;
६३८, भग० ११, ११, १५, १, नाया० १२.

—अंजन न० (-अचन) शुद्ध अजन्त
शुद्ध अजन pure collyrium (for
the eye) ‘ जच्चन भिगभेय रिद्विग
भमरावज्जिवल गुलिय कज्जल समप्पभेसु ”
नाया० १, कप्प० ३, ३६; —कंचण न०
(-काचन) जतीषु भोनु, शुद्ध सुवर्ण
शुद्ध सुवर्ण pure gold कप्प० ३, ३६.

—रिण्य त्रि० (-अन्वित) उच्च, अनि-
यत्, दुर्धीन कुलीन, उच्च जातिवा
noble born; born in a high
family मू० १, ०३ ७ —त्रिअ.
त्रि० (अन्वित) लुओ। उपले शब्द
देखो ऊपरका शब्द vide above मू०
१. १३, ७,

जजुर्वेद पु० (यजुर्वेद) या० वेदभाते
भीजे वेद, आत्मि धर्मतु भज पुनः
चागे वेद में का द्वितीय वेद द्वापरा वर्ग

को मूल पुस्तक The second of the four Vedas held sacred by the Brāhmanas भग० २, १; नाया० ५; १६; ठा० ३, ३, आव० ३८; विवा० ५, जजर त्रि० (जजर) श्रुत्वा जुहुं-पुराण, जाण, पुराना Old, tottering, भग० ६, ३३ — घर न० (-गृह) श्रुत्वा घर tottering house. भग० ६, ३३;

जजरिअ-य त्रि० (जजरित) लज्जो, भोभरो, श्रुत्वा थयेव, लथडी गयेव जजरित; जाण, लथडा हुआ, भारी, बैठा हुआ Worn out, tottering ठा० ४, ४, पणह० १, १ राय० २५८, नाया० १; भग० १६, ३, —सद् पु० (-शब्द) भोभरो अवाज भारी या बेठी हुई आवाज, सूखा स्वर hoarse and feeble sound ठा० १०;

जजोव. न० (यावज्जीव) श्रुत्वा मुधी. जीवन पर्यंत As long as life lasts. पि० नि० ५०६,

जहा म० कृ० अ० (इष्ट्वा) यज्ञ करीने, होम करीने यज्ञ कर के, होम कर के Having performed a sacrifice. उत्त० ६, ३८,

जड त्रि० (जड) जडता वाला, विवेक रहित, भ्रष्ट जड, विवेकहीन, मूर्ख Devoid of common sense, foolish राय० २४०,

जडा स्त्री० (जडा) माथाना देशने समूह; जडा शिर के केशों का समूह, जडा The hair on the head twisted together नाया० १६, —मउड न० (-मुकुट) जडा रूपी मुकुट जडा रूपी

मुकुट a crown in the form of hair twisted together. नाया० १६, जडि पु० (जटिन्) जटाधारी, योगी जटाधारा, योगी A person with matted hair on the head, an ascetic, a Yogi भग० ६, १३, आव० ३१, ज० प० ३६७, भक्त० १००,

जडिण न० (जटित्वा) जटाधारीने भाव, जटा जटाधारी पन; जटा State of being an ascetic with matted hair on the head, matted hair on the head ज० प० ३, ६७, उत्त० ५, २१,

जडियाइलगा पु० (जटितलक) ८८ ग्रह-भाते ५३ भो ग्रह ८८ ग्रहों में से ५३ वा ग्रह The 53rd of the 88 planets “ दो जडियाइलगा ” ठा० २, ३;

जडियाल पु० (जटाल ८८ ग्रहभाते ५३ भो ग्रह ८८ ग्रहों में से ५३ वा ग्रह The 53rd of the 88 planets सू० प० २०,

जडिल त्रि० (जटिल) जटाधारी, जटावाला जटाधारी, जटावाला. Having matted hair on the head ‘ एगं महं कोस गंडिय सुक जडिल गठिल्लं ’ प्रव० ७३६, (२) पु० २१७ राहु Rāhu (a planet that causes lunar and solar eclipse सू० प० २०,

जडिलय पु० (जटिलक) राहुनु भीष्म नाम राहु का दूसरा नाम A synonym of Rāhu (a planet which causes lunar or solar eclipse) सू० प० २०, भग० १२, ६,

जडल पु० (जटिल) देशरी सिद्धनी भाके जटाधारी ओके जटने भाप केजरी सिद्ध

जैसा जटाधारी, एक प्रकार का सर्प A kind of serpent having a mane like that of a lion. "उकड़ फुडकु-डिलजडलकक्खड विकडफडाडोवकरणदच्छ" भग० १५, १, नाया० ६,

जड़. पु० () ७थी हत्ती. An elephant ओव० नि० २३८, पि० नि० ३८६,

जड़. त्रि० (जड) ओलवामा देणवामा अने डार्थर्भा ७३-भूर्भ-डे ने दीक्षा देवा योग्य नथी बोलने में, दिखने में व कार्य करने में जड-मुख कि जो दीक्षा देन योग्य न हो (One) who is stupid in speech, appearance and actions and so unfit to enter the religious order "वाले बुद्धे नपुसेय कीवे जडुय बाहिण" प्रव० ७६३,

जड त्रि० (हीन) तथ दीधेय, ओडेय, भूडेय त्याग किया हुआ, त्यक्त Abandoned, left. दस० ६, ६१, मत्था० ओव० नि० १८७, ५२१,

✓जण वा० I, II (जन्) ७णुयु, उत्पन्न करु जन्म दना, पैदा करना To give birth to, to produce

जणेइ सु० च० २, २७६,

जणति दम० ६, ३८,

जणयन्ति आया० १, २, १, ६३

जणइरुणइ आया० २, ३, ८,

जणित्ता म० क० ओव० ३२,

जणित हे० क० सु० च० २, २२६.

जणमाण व० क० पि० नि० १८६,

जण पु० (जन-जायते इति जन०) लोड, भाणुस भनुय मनुय, आदमी A man,

a person, people नाया० १ ०; ७ १८, १७, १८, भग० १, १; २, ५, ७, ६, पि० नि० १२४, १८८, मू० प० १, गय० अणुजो० १३०; उत्त० १०, १९, ओव० सु० च० ४, १५२, वव० १, २३ नदी० ८० पचा० ७, १६, काप० ३, ४०, क० ग० १, ५०; (२) जन-अणायला जन-सम्बन्धी relatives आया० १, ६, ८, १६३,

—आणंद पु० (—आनन्द) जन अमाने आनन्द आपनार जन समाज को आनंद दान one that pleases or delights mankind or human society प्रव० ३६६, —उम्मि पु० (—जर्मि) तरगभाथी तरग डे तेरी रीने भाणुमेना देवेदेवा नीडवे ते जिस प्रकार तरग में से तरग निकलती है उमा प्रकार मनुष्यों के समूह के समूह निकलना surging crowds of men गय० ओव० २७, —(णा) उवयार पु० (—उपचार) ले डपून अणतादिथी थनी पूज उपचार, स्वजनों में होना हुड पूजा worship or honour paid by relatives or other people पचा० २, ३६, ८, ४७ —कलकल पु० (—कलकल) भाणुमेना 'कल कल' ऐसी अवाज मनुष्यों का कलकल ऐसा आवाज bustling sound made by a concourse of men गय० —कखय पु० (—कय) भाणुमेना क्षय, मरण मनुष्य का क्षय, मरण death of a man भग० ३, ७ ७ ६, —कखयकर त्रि० (—कय-कर) लोडने क्षय करनेवाले लोगों का क्षय करने वाला (one) that destroys

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी पुटने (५) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (५) Vide foot-note (*) p 15th

men. “ बहु जणक्खय करा संगामा ”
 परह० १, ४, —जंपणाय न० (—जल्पनक)
 दोडोभा अपवाद लोगों में अपवाद con-
 sure among people गच्छा० ६४;
 —प्पमह न० (—प्रमर्द) दोडोनुं थूणुं
 नाश. लोगों का नाश. destruction or
 annihilation of people भग० ७,
 ६, —पूयणिज्ज. त्रि० (—पूजनीय) दोड-
 भा पूजनीय, दोडभान्य लोगों में पूजनीय,
 लोकमान्य deserving of honour
 or worship among people. पंचा०
 २, ८, —बूह पुं० (—व्यूह) भाणुसेतो समूह.
 मनुष्यों का समूह a concourse or
 crowd of men भग० २, १, ११, ११,
 —वोल पुं० (—शब्द) भाणुसेतो अव्यक्त
 आवाज. मनुष्यों का अव्यक्त आवाज in-
 distinct noise made by men
 विवा० १, १, —मणोहर त्रि० (—मनोहर)
 दोडोना चित्तने आकर्षणा लोगों के चित्त
 का आकर्षण करने वाला. (one) that
 attracts the minds of men,
 charming. पचा० ६, १८, —बह पुं०
 (—वध) भाणुसेतो धात मनुष्यों का वध
 killing or slaughter of men
 भग० ७, ६; —बहा स्त्री० (—व्यथा)
 जन पीडा, दोड पीडा जन पीडा, लोक पीडा
 affliction of people, giving pain
 to men भग० ७, ६, —वाय पुं०
 (—वाद) भाणुसे साथे परस्पर वार्तालाप
 करने के, वातयित करने की ते मनुष्यों के साथ
 परस्पर वार्तालाप करना mutual
 conversation among men ओव०
 (२) दोडो साथे वार्तालाप—सवाद करने
 वाली शक्ति; वातयितथी भाणुसेतो पसद
 करने वाली शक्ति लोगों के साथ वार्तालाप—
 सवाद करनेकी कला, वाक्चातुर्य the art of

pleasing men by conversation,
 adroitness in conversation ज०
 प० ओव० ४०, नाया० १, —संवट्टकप्प.
 त्रि० (—संवर्तकल्प) भाणुसेतो सहार जेवु
 मनुष्यों के सहार समान. like the anni-
 hilation of men or people. भग०
 ७, ६, —सद पुं० (—शब्द) भाणुसेतो
 —आवाज; दोडोवाड. मनुष्यों का आवाज,
 कोलाहल bustling sound of a
 concourse of men नाया० १, ११, ११,
 भग० ११, ११, —सम्मह पुं० (—समर्द)
 दोडोने परस्पर आवाज, दोडोवाड लोगों
 का परस्पर आवाज, कोलाहल bustling
 sound made by a concourse of
 men. ठा० ४, १, भग० २, १, —सया-
 उल्ल त्रि० (—शताकुल) सेडो भाणुसेतो
 व्याप्त सैकड़ों मनुष्यों से व्याप्त full of,
 containing hundreds of men
 भग० ११, १०,

जणइत्तार पुं० (जनयितृ) उत्पादक, उत्पन्न
 करनेवाला उत्पादक, उत्पन्नकर्ता, A gene-
 rator; a producer ठा० ४, ४,

जणग पुं० स्त्री० (जनक) जनक,
 मातापिता वगैरे जनक, माता पिता वगैरह
 One who begets, e.g. a father,
 a mother etc. आया० १, ६, १,
 १८०; पचा० ६, ६,

जणण पुं० न० (जनन) उत्पत्ति उत्पत्ति
 Production, creation “गभीर
 रोम हरिस जणण” भग० ६, ५, नाया०
 १, उवा० ८, २४६, पंचा० ३, ४४. ६, १२;

जणणी स्त्री० (जननी) माता माता A
 mother पिं० निं० ४८७, उवा० ३, १३५;
 ज० प० ५, ११२; पचा० ७, ३६
 —कुच्छिमज्झ न० (—कुक्षिमध्य) माता-
 नी कुक्षिमा माता की कुक्षिमे in the

womb of a mother तंदुं —गब्ध
पुं (-गर्भ) मातातो गर्भाशय माता का
गर्भाशय. the womb of a mother
प्रव० १३८१,

जणपय. पु० (जनपद) देश देश A
country उत्त० ६, ४,

जणय पु० (जनक) पिता. पिता A
father प्रव० ४, —नाम पु० (-नामन्)
पितातु नाम पिता का नाम name of
one's father प्र० ४,

जणवअ-य पु० (जनपद) देश, राष्ट्र देश,
राष्ट्र A country उत्त० २६, २६,
आया० १, ३, २, ११३, १, ६, ५, १६४,
नाया० १, ५, ८, १२, १५, १६, १८, परह०
१, ३, राय० २८२, निर० १, १, पन्न० ११,
ज० प० २, ३६, सु० च० २, ४, भग० २,
१, ५, ७, ६, १०, ६, ३३, १३, ६, १५ १
प्रव० ८६८, कप० ४, ८६, —कल्लाणिआ
खी० (-कल्याणिका) चक्रवर्ती की राज्ञीयो
चक्रवर्ती की राजिया any of the
queens of a Chakravarti ज० प०
—पाल पु० (-पाल-जनपद पालयति
इति जनपदपाल) देशेनो पाक्षुत्तर, २६३,
राज्य देश का पालने वाला, रक्षक, राजा
the protector of a country, a
king श्रव० —पिया पु० (-पितृ) देशेनो
पिता, पाक्षुत्तर देश का पिता, पालने वाला
the father & the protector
of a country ठा० ६, —पुरोहित
पु० (-पुरोहित जनपदस्य शान्तिकारितया-
पुरोहित इव जनपदपुरोहितः) देशमा शान्ति
करना, पुरोहित देश में शान्ति करनेवाला,
पुरोहित one who gives peace of
mind to people a religious pre-
ceptor श्रव० —पहाण त्रि० (-प्रधान)
देशमा प्रधानयेष्ट देशमें प्रधान, श्रेष्ठ pro-

minent, renowned in a country
“भजिहय जणवयप्पहाणाहिं लालियता”
परह० १, ४, —वग्ग पु० (-वर्ग) देशेनो
समुह देशों का समूह a collection
or group of countries भग० ३,
६, —सच्च न० (-सत्य-जनपदेषु देशेषु
यद् अर्थवाचकतया रूढ देशान्तरेऽपि तत्
तदर्थवाचकतया प्रयुज्यमान सत्यमवितथ-
मिति जनपदसत्यम्) दश प्रकारना सत्यने
पेहेले प्रचार दश प्रकार के सत्य का पहिला
प्रकार the first of the ten kinds
of truth ठा० १०, —सच्चा त्ता०
(-सत्या—जनपदमधिकृत्येष्टार्थप्राप्तेपत्ति-
जनकतया व्यवहार हेतुत्वात् सत्या जनपद
सत्या) सत्य भाषाना दश प्रकारमाने
पेहेले प्रचार. सत्य भाषा के दश प्रकारों में
से पहिला प्रकार the first of the 10
kinds truthful speech पन्न० १०,
जणिअ-य त्रि० (जनित) उत्पन्न थयेन
उत्पन्न Born, produced श्रव०
२६, नाया० १, भग० ६, ३३, सु० च०
१, १६, —पमाअ पु० (-प्रमाद)
प्रमाद उत्पन्न थयेन जिसको प्रमाद उत्पन्न
हुआ हो वह one who has com-
mitted an act of negligence
नाया० १०, —मोह त्रि० (-मोह) उत्पन्न
थये छे मोह जेणे ते जिसने मोह उत्पन्न
किया वह (one) that has caused
or produced infatuation भत्त०
१२०, —संवेग त्रि० (-नवेग) मोक्षा-
लिखाया उत्पन्न थयेन जिसको मोक्षाभिलाषा
उत्पन्न हुई हो (one) in whom a
desire for salvation has been
generated नाया० १०, —हास पु०
(-हाम) हास उत्पन्न थयेन जिसको हस्य
उत्पन्न हुआ हो (one) in whom 107

has been produced. नाया० ८;
जरण पुं० (यज्ञ) यज्ञ-नागादिनी पूजा-होम
यज्ञ-नागादिकी पूजा-होम हवन A sacri-
fice, worship of serpents etc.
भग० ६, ३३, उत्त० ६, ३८, नाया० १, २,
(२) २१ २२ षष्ठ्येवनी पूजा अपने अपने
इष्ट देव की पूजा worship of one's
own special or family-deity
ज०प० जीवा० ३, —जाइ पु० (—वाजिन्)
यज्ञ करने वाला one who
performs a sacrifice or wor-
ship ओव० —ट्ट पु० (—अर्थ) यज्ञना
प्रयोजनवाला यज्ञके प्रयोजनवाला (one)
having sacrifice or worship
as a motive or end “जनट्टा य जं
दिया” उत्त० २५, ७, —ट्टि पु० (—अ-
र्थिन्) लाव यज्ञने अर्थी, षष्ठ्येवनी
भाव यज्ञ करने के उत्सुक (one)
desirous of a sacrifice in a
spiritual sense. “जन्नटी वेयसा मुह”
उत्त० २५, १६,

जरणदत्त पु० (यज्ञदत्त) ओ नामना साधु
इस नाम का साधु Name of an asce-
tic कप्प० ८, —वाड पु० (—वाट)
यज्ञ वाडा; ज०या यज्ञथाय छे ते क्षत्ता-ज०या
यज्ञ का वाडा, जहा पर यज्ञ होता हो वह
स्थान a place where a sacrifice
is performed उत्त० १२, ३, —सेट्ट
पुं० (—श्रेष्ठ-यज्ञेषु श्रेष्ठो यज्ञ श्रेष्ठः) उत्तम
यज्ञ उत्तम यज्ञ the highest kind
of sacrifice “वोसट्ट काया सुइच्चत्तदेहा
महाजयं जयइ जरणसेट्ट” उत्त० १२, ४२,
जरणइ पु० (यजिन्) यज्ञ करने वाला तापसनी
ओइ ज०या यज्ञ करने वाले तापसकी एक
जाति One who performs a
sacrifice, a kind of an ascetic

ओव० ३८; भग० ११, ६;
जरणइज्ज न० (यज्ञीय) ओ नामनु उत्तरा-
ध्ययन सूत्रनु पचासमं अध्ययन इस नाम
का उत्तराध्ययन सूत्र का पचासवा अध्ययन
Name of the 25th chapter of
Uttarādhyaṇa Sūtra सम० ३३.
अणुजो० १३१,
जरणं अ० (यच्च) जे कुछ जो कुछ Any
thing, whatever ओव० ३८, ४०,
नाया० १, भग० ३, १, ५, ५, (२) जेथी,
जेथी करीने, जे भाटे जिसके कारण, जिस
वास्ते. by which, so that भग० ३,
१, ५, ४, वव० १, २३, नाया० १४,
जरणवईय न० (यज्ञोपवीत) जेनोप
यज्ञोपवित् A sacred thread worn
on the body भग० १३, ६, नाया० १६,
जरणं अ० (यस्मात्) जेथी; जे भाटे जिस
से, जिस लिये. For which; from
which नाया० ८,
जरणहवी. स्त्री० (जान्हवी) गंगा नदी गङ्गा
नदी. The river Ganges प्रव० १२४२,
जतमाण त्रि० (यत्तमान्) यत्नवान्. यत्न-
वान. Carefully trying or at-
tempting, making efforts to
accomplish an object आया० १,
६, २, ४, १, ४, १, १२६,
जति अ० (यदि) जुओ “जइ” शब्द
देखो “जइ” शब्द, Vide “जइ”
भग० १५, १,
जति पु० (यति) साधु, मुनि साधु, मुनि
An ascetic, a saint पचा० ५, ३३,
१०, ३४, १२, १,
जतियव्व त्रि० (यत्तियव्व) यत्न करने के योग्य
यत्न करने के योग्य Worthy of being
accomplished by efforts, worth
attempting. पचा० १५, ५०,

जतु न० (जतुप्) लाय, जेगणी लाख, चरडी. Lac, a dark-red transparent resin भग० १६, २, सूय० १, ४, १, २६, —कुंभ पु० (—कुम्भ) लाय नो वडो. लाख का घडा a pot of lac सूय० १, ४, १, २६, —गोल पु० (—गोल) लाय-जेगणीनो गोले लाख-चपडा का गोला a globe of lac, a ball of lac भग० १५, ३, —गोलासमाण त्रि० (—गोलसमान) लाय ॥ गोलाजेतु लाख के गोले जैसा resembling a ball of lac भग० १५, ३,

जत्त. त्रि० (यत्त) जे ते जा, वह, जो, सो That-which anybody उत्त० १, २१,

जत्त. त्रि० (यावत्) जेटुं जितना As much, to the extent to which गच्छा० ११८.

जत्त पु० (यत्त) यत्त, प्रयास, मेहनत यत्त, प्रयास, मिहनत Effort, attempt, labour. दस० ६, ३, १३, भग० ६, ३३, पचा० १, २६, (२) त्रि० यत्तयत्त यत्त-वन्त full of effort, carefully attempting आया० १, १, ४, ३३,

जत्ता स्त्री० (यात्रा) प्रयाण, जतु प्रयाण, निकलना, रवाना होना. Going, setting out ओव० २६, नाया० ८, ६, (२) समय निर्वाह, समय पालन, तप नियम समय, स्वाध्याय आदिमा चित्तने लगावतु ते समय निर्वाह, समय पालन, तप नियम समय, स्वाध्याय आदि मे चित्त को लगाना observance of ascetic rules and practices, applying the mind to the study of scriptures etc “किते भक्ते जत्ता? सो मिला?” भग० १८ १०, नाया० ५ उत्त० २३, ३०,

पचा० ६, ३, प्रव० ६६, —अभिमुख त्रि० (—अभिमुख) जत्रा-गमन द्वयाने तैयार थयेजो-सन्मुख थयेज यात्रा-गमन करने को तैयार, सन्मुख आया हुआ prepared, ready to set out or start ओव० २६, —पाडेणियत्त. त्रि० (—प्रतिनिवृत्त) यात्रा धरी पाछा वदेन यात्रा करक वापस लौटा हुआ returned from travel, pilgrimage etc निर्मा० ६, २४, —मयत्र पु० (—भृतक—भ्रियत इति भृतक सहायो यात्राया भृतका यात्राभृतक) देशान्तरमा मुसाधरी धरती वप्पने साथेनो नोडर देशान्तर में यात्रा करते समय सग रहने वाला नौकर. a servant engaged to serve during a foreign travel ठा० ४, १, —भयग. पु० (—भृतक) जुओ उपेओ शब्द देखो ऊपरका शब्द vide above ठा० ६, १, —संप-स्थिय त्रि० (—सप्रस्थित) जत्राये जत्राने तैयार थयेज यात्रा करने को (के लिये) जाने को तत्पर bound for, prepared for starting on a travel or a pilgrimage निर्मा० ६, १३, —सिद्ध पु० (—सिद्ध) जे थार वप्पत समुद्री यात्रा धरी क्षेम कुशल-सहीमलामत चरे आवे ते यात्रा सिद्ध छुटाय चारह चार समुद्रयात्रा जेम-कुशल-सहीमलामत करके घर पर आने उमे यात्रा सिद्ध कहा जाता है one returning safely after twelve sea voyages राय०

जत्तिय त्रि० (यावत्) जेटवा, जेटवा प्रमा-णुनो जितना, जितने प्रमाण का As much, of as much extent or proportion उत्त० ३०; २०. तदु० ३, भग० ३, ६, ८, १, १३, २, १९, ७, १५० नि० —काल पु० (—काल) जेटेओ वप्पत जितना

समय as much time; as much extent of time क० ग० ५, ८७, जत्तो. अ० (यत्स्) जेथी, जे पासेथी जिससे; जिसमे से, From which; whence; पि० नि० ८७,

जत्थ अ० (यत्र) जथा; जेभां, जे स्थले जे जथा ओ. जिसमे, जहा, जिस स्थान पर Where, in which, at which place अणुजो० ८, उत्त० ६, २६, नाया० घ० निर० ४, १, पि० नि० ७६, वव० १, ३७, दस० ५, १, २१; ७, ६, नाया० १३, १६, भग० ३, १, ८, १, १२, ४, १६, ७, वेय० १, ४६, ४, १८, गच्छा० ७८, प्रव० ७५, ५८७,

जत्थेव अ० (यत्रव-यत्र) जथा जहा, जिस स्थान पर Where, at which place भग० ८, ६, १५, १;

जदा अ० (यदा) जथारे, जे वખते जब, जिस समय. When; at the time when. भग० १२, ६,

जदि अ० (यदि) जुओ " जइ " शब्द देखो " जइ " शब्द Vide " जइ " भग० १५, १, २०, ५, २४, २०,

जदिच्छिअ त्रि० (यादच्छिअ) यथेच्छिअ, अकस्मात् अनेहुं दैवयोग से बना हुआ Accidental, fortuitous. विशेष० ११५,

जदुणंदण पु० (यदुनन्दन) श्रीकृष्ण श्रीकृष्ण The god Krishna ठा० ८,

जन पु० (जन) मनुष्य मनुष्य A man. भग० ६, ३३, विशेष० ५६;

जनय पु० (जनय) जुओ " जणय " शब्द. देखो " जणय " शब्द. Vide " जणय " सु० च० १, ८८;

जवअ पु० (जनपद) देश, राज्देश, राष्ट्र A country निसी० १५, १७;

जज पु० (यज) जुओ " जणय " शब्द

देखो " जणय " Vide " जणय " विशेष० उत्त० २५, ४, १८८२, जीवा० ३, ३; सु० च० ४ १०१, —ट्ट त्रि० (-अर्थ) यज छे प्रयोजन जेनु ओवा, यजमां जेज-थेज जिसका प्रयोजन यज है वह, यज में सम्मिलित having a sacrifice for an end; engaged in a sacrifice उत्त० २५, ७, —वाइ पु० (-वादिन्) यज वादि, अन्नमेधादि द्रव्य यजनी स्थापना करनेवाले यज्ञवादि, अजामेधादि द्रव्य यज की स्थापना करने वाला one who believes in the efficacy of sacrificing goats, horses etc for religious purpose उत्त० २४, १८,

जप न० (जर) मन्त्रादिना जप. मन्त्रादि का जप Repeating or telling on beads of a rosary a religious formula of prayer etc अणुजो० २६, जप्प स्त्री० (जपा) चीनाई गुलाबने छोडवे चिनाई गुलाब का पौधा A plant of China rose राय० ५३,

जप्प पु० (जलप) जलपुते, ओषधु ते. बडबडाहट करना, बोलना Piattle, act of speaking at random ठा० ६, जप्पभिइ. अ० (यत्प्रभृति) जे डावथी, जे वखथी, जथारथी. जिस काल से, जिस समय से, जब से. From the time when, since the time when " जप्पभिइ चण अहण एस दारण " कण० ४, ६०, भग० १०, ४, नाया० घ० जं० प० २, ३१,

✓जम धा० II (यम्) विषमता टाकी समु करु विषमता मिटा कर योग्य स्थिति में रखना To make even, to place in order by removing inequalities (२) नियुक्त थनु नियुक्त होना.

to retire, to cease from

जमावेइ प्रे० निसी० १, ४०;

जम. पु० (यम) प्राण्यतिपातविरति आदि पाच महाव्रत The five major vows such as abstaining from killing etc. “ जायइ जमजन्मि ” उक्त० २५, १, ठा० २, ३, (२) शङ्क तथा धशान धदना दक्षिण दिशाना लोडपावनु नाम शङ्क व इशान इह के दक्षिण दिशा के लोकपाल का नाम a name of the guardian deity of the southern quarter of Śākya and Īśānendia ठा० ४, १, विशेष० १८८३, सू० प० १०, भग० ३, ७, ज० प० परह १, १, (३) लक्ष्मी नक्षत्रने अविश्रिता देवता भरणी नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता the presiding deity of the constellation B a lupī अणुजा० १३१, सू० प० १०, ज० प० ७, १२७, ठा० २, १, —काइय पु० (—कायिक) दक्षिण तरङ्गना यम जनना देव दक्षिण दिशाके यम जातिके देव a deity of the south belonging to the kind known as Yama परह० १, १, भग० ३ ७, —जन्म पु० (—यज्ञ) अहि सा, सत्य, अस्तेय, अमृत्यय अने अपरेय्य ओ ५ यम-सयम रूप यज्ञ, लान यज्ञ आहिमा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, व अतरिग्रह इन पाच यम-सयम रूप यज्ञ भाव यज्ञ a sacrifice taken in a spiritual sense consisting of the observance of five rules or vows viz abstaining from killing, truthfulness, abstaining from theft, abstaining from sexual intercourse and non possession of worldly

effects उक्त० २५, १, —देवकाइय पु० (—देवकायिक) यम देवताओंनी ओड जन यम देवताओं की एक जाति

a group of the gods known as Yama Devatās भग० ३, ७, —पुरिससकूल त्रि० (—पुरुषसकूल

यमस्य दक्षिणदिक्पालस्य पुरुषा अम्बादयो सुरविशेषास्तैः सकुला ये ते तथा) परमा-

धार्मीकथी व्याप्त, जमपुष्ट, परमा-

धार्मीकथी व्याप्त परम अधर्मियों से व्याप्त, यम पुरुष परम अधर्म मनुष्य से

व्याकुल full of demons known as Paramādhāmīs परह० १, १,

—पुरिससानभ त्रि० (—पुरुषमन्त्रिभ)

परमाधार्मीना जेवु परमावासी के समान क्रूर (cruel) like a demon

known as Paramādhāmī परह० १, ३, —लोइय पु० (—लौकिक) परमा-

धार्मी वगेरे यमसे इवाणी देवता परमाधार्मी

आदि यम लोक वासी देवता. a god living in Yamaloka, or a

Paramādhāmī etc सूय० १, १२, १३

जमइअ न० (यदतीत) ओ नामनु अयगअग भुत्रनु १५ भु अध्ययन डम नाम का मूत्र-

गडाग सूत्र का १५ वां अध्ययन Namo of the 15th chapter of Sūva-

gadanga सम० १६, २३,

जमइत्ता स० क० अ० (नियम्य) जमावीने, जमावट इरीने अतिपरिचित इरीने, वा-

व २ आहूती इरी भाहीनगा अधुने जमा कर, अति परिचित करके बारबार आहूति कर के, महीनगा होकर Having fixed or settled, having become thoroughly familiar with आद० १६,

जमग पु० (यमक) देवदु उक्त० २५, १

माना ये नामना पर्वत “काहिणं भते उत्तर
कुराण कुराण जमगा नाम दुवे पठयया
परणता?” जीवा० ३, ४, जं० प० भग०
१४, ८; (२) जमग पर्वतवासी देवतानुं
नाम जमग पर्वतवासी देवता का नाम,
Name of the god residing on
the Jamaga mountain जं० प० २,
११५; ओव० ३१, जीवा० ३, ४, —पठय-
पुं० (-पर्वत) जुओ उपवा शब्दना पीज
नपरने अर्थ देखो ऊपर के शब्द
का दूसरे तंत्र का अर्थ vide above.

जं० प० ४, ८८, ६, १२५; सम० १०००,
जमगसमगं. अ० (यमकसमकं) ओडीसाथे,
युगपत्, ओडी वपने एक साथ, युगपत्,
एकही समय पर At one and the
same time, simultaneously जं०
प० ४, ८८, ४, ५७, जीवा० ३, ४, ओव०
३१, विवा० १, ७, नाया० ४; ८, भग० ११,
१०, उवा० ४, १४८, १४३, काप० ५, १०१;

जमगा स्त्री० (यमका) जमक देवतानी २ ज-
मकी जमक देवताकी राजधानी, जनक देवता
का पाटनगर The capital of the
gods known as Jamaka. जीवा०
३, ४; जं० प० ४, ८८,

जमणिया स्त्री० (यमनिका) जमणी क्षणमा
रामवानुं साधुनुं ओड उपकरण दाहिनी
वगलमे रखनेका साधुका एक उपकरण An
article used by a Sīdhu and
kept in the right arm-pit ठा० ६,

जमदग्नि पुं० (जमदग्नि) ओ नामना ओड
नपय, परशुरामने पिता इस नाम का एक
तामस, परशुराम का पिता Name of a
sunt who was the father of
Paraśurāma जीवा० ३, १, —पुत्र
पुं० (-पुत्र) जमदग्नि पुत्र, परशुराम
परशुराम; जमदग्नि पुत्र the son of

Jamadagni, Paraśurāma. जीवा०
३, १;

जमग्गम. पु० (यमप्रभ) यमदेवता छः यम-
देवता ओ नामने उत्पत्त पर्वत. यमदेव के
इन्द्र चमरेन्द्र का इस नाम का उत्पत्त पर्वत
Name of a mountain which
was the abode of Chamarendra,
the Indra of the Yama
gods. ठा० १०;

जमल त्रि० (यमल) समश्रेणिये रहेधु;
सरभे सरभु, ओडल रहेधु समश्रेणी में
रहा हुआ, एक सरीखा, लगेलग रहा हुआ.
Remaining in a straight line;
in juxtaposition उवा० २, ६४,
ओव० ३०, राय० ३३, नाया० १, ८; ६,
जीवा० ३, १, ४, जं० प० भग० १५, १,
१६, ३. (२) न० ओ नामनुं वृक्ष के ओड
रूप वृक्षामुदेवता वैरी विद्याधरे धारण
धरुं ओडुं इस नाम का वृक्ष कि जिसका रूप
कृष्ण वासुदेव के शत्रु विद्याधरने धारण किया
था name of a tree into which
a Vidyādhara who was an
enemy of Kṛṣṇa Vāsudeva
had metamorphosed himself
पहल० १, ४, —जुयल न० (-युगल)
सरभे सरभी ओड; समश्रेणिये रहेधु ओडुं
युगल, समश्रेणी से रहा हुआ a pair, a
couple with its two members
in juxtaposition राय० ११०;
—पय न० (-पद) आड आड आडलने
ओडके ओड्यो; ओडके उरपडलउडप;
२४६५३५५०, आमा पडुवा आड आडलने
ओड जमप पड अने पीज आड आडलने
पीज जमप पड. आठ आठ अंक का एक
मनूह, जता कि, २२१४८३३५ २३३५३५१०
इसमें पहिले आठ अंक का एक जमल पद,

व दूसरे आठ अंशों का दूसरा जमल पद.
a numerical sum containing 8
figures, e g 32548635 अणुजो०
१४५, पत्र० १२, —पाणि पु० (—पाणि)
भुट्टि. मुट्टि. the fist of a hand भग०
१६, २,

जमलत्ता. स्त्री (यमलता) जेडवापायु युग
लता State of being a pan
विवा० ४,

जमलिय त्रि० (यमलित-यमल नाम सजातो
ययोर्युग्म तन् सजातमेपाते यमलित्ता) दिशा-
भा समश्रेणीये रहेन एकही दिशा में सम-
श्रेणी में स्थित Remaining in jux-
taposition, remaining in a
straight line श्रव० भग० १, १,

जमा स्त्री० (याम्या-यमो देवता यस्याः सा
याम्या) दक्षिण दिशा दक्षिण दिशा The
southern direction भग० १०, १,
(२) यमजोडपावनी राज्यानी यददेव का
पाटनगर the capital of god
Yama भग० १०, ५,

जमालि पु० (जमालि) ओ नाभना क्षत्रिय
राजकुमार, महावीरस्वामिना जमालि के
जेजे प्रभुपासे दीक्षा लीधी अने पाठवती
येड पय यथाये। इस नाम का क्षत्रिय
राजकुमार, महावीर स्वामी का जवाई कि
जिन्होंने प्रभु के समीप दीक्षा ली और फिर
एक पय की स्थापना की A Ksatryan
prince, the son in law of Mahā-
vīra Svāmī who received Diksā
from him and afterwards
founded a sect “तन्वण स्वत्तियकुड-
गामे णयरे जमालिणामं सत्तिय कुमार परि-
वमइ” भग० ६, ३३, नाया० ८, निर० ८,
१, ठा० ७, १० —प्रउभयण न० (—अ
ध्ययन) अनगदवान् एदु अध्ययन के

हान उपलब्ध नहीं अन्तगटदशा का छठा
अव्ययन कि जो किनहाल उपलब्ध नहीं है
name of the 6th chapter of
Antagadadaśā (it is no longer
extant) ठा० १०,

जमिगा स्त्री० (यमिका) जमक पर्वत पर
देवतानी राज्यानी जमक पर्वत के देवता
का पाटनगर The capital of the
gods esiding on the Jamaka
ज० प० ४, ८८,

जमिय त्रि० (यमित) नियन्त्रित इरेन.
दिशा दिखाया हुआ. Guided, govern-
ed सु० च० १, २६,

जमुणा स्त्री० (यमुना) जमना नदी यमुना
नदी The Jamunā river सु० च०
५ ६,

जम्म पु० न० (जन्मन्) जन्म, उत्पत्ति
उत्पत्ति, जन्म Production, birth
नाया० १, २, १३, १६, १६, नाया० ४०
भग० ६, ३३, ११, १, सु० च० १, १८७
३०६, ३, १८३, विशेष० ७२५, दमा० ६, १,
निर० १, १, श्रव० ८३, सूय० १, १, १,
२३, पि० नि० ७५ उवा० २, ११३, का०
२, १८, प्रव० ५, भक्त० १६४, —जरा-
मरण न० (—जरामरण) जन्म-जरा अल
भरण जन्म जरामरण birth, old age
and death पगह० १, ३, —जीवियफल
न० (—जीवितफल) जन्म-प उपितनु
क्ष जीवित फल the fruit of life
भग० १५, १, नाया० १३, —णगर न०
(—नगर) जन्म जन्म थोपा देय ने नगर
जिम जगद जन्म हुआ हो वह नगर the
town where one is born ज० प०
४, १०० ५, ११७, —णगर न० (—नगर
यस्मिन् नगरे यस्य जन्म भवति नन्व्य
जमनगरम्) जन्म नगर उत्पत्ति स्थान,

जे गामभा जन्म थये होय ते गाम जन्म
नगर; उत्पत्ति स्थान the town where
one is born, birth-place जं० प०
५, १२३, —दसि. त्रि० (-दर्शिन्) जन्मना
अशस्वरूपने जेतार जन्म के वास्तविक
स्वरूप को देखने वाला (one) who
understands the real nature of
birth (life). “ जे गढभदसि से जम्म-
दंसि जे जम्मदसि से मारदसि ” आया० १, ३,
४, १२५; —दोस पुं० (-दोष) जन्म सङ्ग
भावी दोष-जन्मनी जोड. जन्म दोष the
defect from the very birth ठा० १०;
—नक्खत्त न० (-नक्षत्र) जन्मनुं नक्षत्र
जन्म नक्षत्र the natal star कप्प०
५, १२८, —पक्क त्रि० (-पक्व) जन्मथीज
पोतानी भेजे पड़ेज जन्म से ही-स्वयं
परिपक्व बना हुआ fully developed
or mature from the very
birth विवा० १, ८, —फल. न० (-फल)
ज्यननु दक्ष प्रयेज्ज जीवन का फल-प्रयो-
जन the aim or object of life
पचा० ८, ३, —भूमि. स्त्री० (-भूमि)
जन्म भूमि, मातृ भूमि जन्म भूमि, मातृ
भूमि birth-place, mother-land
“ अवसेसा तिथ्यरा निक्खता जन्म
भूमिसु ” सम० प० २३१, —समय पुं०
(-समय) जन्मनेो वण्त जन्म समय
the hour of birth प्रव० ५;

जन्मन्तर. न० (जन्मान्तर-अन्यजन्म जन्मा-
न्तरम्) अन्य जन्म, पूर्व जन्म पूर्व
जन्म Previous birth गच्छा० ६;
भत्त० १६६, —कअ त्रि० (-कृत)
जन्मातरमा करेत्त. पूर्व जन्म में किया हुआ
done in the previous life गच्छा०
६,

जन्मण न० (जन्मन्) जन्म, उत्पत्ति उत्पत्ति

पु, अवतार जन्म, उत्पत्ति; अवतार.

Birth, production, incarnation

“ जम्मण जरामरण करण गभीर दुक्ख
पक्खुभिअ ” परह० १, ३, नाया० १, ५, ८;
भग० ११, ११; १२, ७, १८, २, २५, ६;
जीवा० १, ओव० २१, ओव० ३१, ओघ०
नि० ११६; जं० प० ५, ११२, अणुजो० १७,
१५४; निर० २, १, —चरिय न० (-चरित्र)
जन्म चरित्र; ज्यन चरित्र जन्म चरित्र,
जीवन चरित्र account of one's life;
biography राय० ६५, —चरिय-
णिवद्ध न० (-चरित्रनिबद्ध) तीर्थक्षेत्र
जन्माभिषेकना देखाववाडु ३२ नाटकमातु
येड तीर्थक्षेत्र के जन्माभिषेक के दृश्य वाला
नाटक, ३२ नाटकों में से एक a drama-
tic performance showing the
birth of a Tirthankara, one
of the ३२ dramas राय० —भवण न०
(-भवन) प्रसूति घर प्रसूति घर. a
lying-in chamber जं० प० ५,
११२, —मह. पुं० (-मह) जन्म
महोत्सव जन्म महोत्सव. festivity in
connection with birth भग० ३,
—महिमा-पुं० (-महिम्न) जन्मोत्सव
जन्मोत्सव festivity in connection
with birth भग० १४, २, जं० प० ५,
११२, ११३,

जन्मा. स्त्री० (यन्मा) दक्षिण दिशा दक्षिण
दिशा. The South प्रव० ७६४,

✓जय धा० I (जी) जय, जय भेदवयो,
इतेड पाभवी जय प्राप्त करना, सफलता
पाना To conquer, to succeed
जयइ-ति सु० च० १, १, उत्त० ७, ३१, नदी० १,
जयंति. जं० प० ७, १५२,

जइत्था भग० ७, ६,

जयित्ता ठा० ३, २,

जयत उत्त० ४, ११, ज० प० पि० नि० १६०,
 जइत्तए हे० कृ० भग० ७, ६,
 ✓ जय धा० I (यत्) महेनत डरवी, यत्न
 डरेवे, जयल्ला डरवी मिहनत करना, यत्न
 करना To exert oneself, to en-
 deavour
 जयइ उत्त० ३१, ७,
 जये वि० सूय० १, २, ३, १५,
 जयसु पि० नि० ४५,
 जयत व० कृ० उत्त० २४, १२, पि० नि० १६०,
 जयतन्त सूय० १, २, १, ११,
 जयमाण. १, ४, १, १२६, १, ६, २, १८३,
 १, ६, १, २१,
 जय-अ पु० (जय) शत्रुओने छतवा ते, विजय
 विजय, शत्रुओको जीतना Victory ओव०
 ११, दस० ७, ५०, नदी० ५, कप्प० १, ५;
 ४, ६७, नाया० १, ३, १६, भग ३, १, २,
 ७, ६, ६, ३३, राय० ३७, पन्न० २, (२)
 ओ नामना वर्तमान अवस पिण्णीना ११ मा
 यक्षवर्ती इस नाम का वर्तमान अवसर्पिणी
 का ११ वा चक्रवर्ती name of the
 11th Chakravarti (sovereign)
 of the present cycle ज०
 प० ३, ४४, उत्त० १८, ४३, सम०
 प० २३४, (३) ओ नामनी त्रीज
 आइभ अने तेरस ओ त्रलु तिथियो इस
 नाम की तृतीया अष्टमी व तृयोदशी ये तीन
 तिथिया name of the 3rd, 8th and
 13th day of a fortnight. ज० प०
 १, (४) ओ नामनो ओड देवता इस नाम
 का एक देवता name of a god भग०
 ३, ७, (५) १३ मा तीर्थ डरने प्रथम
 भिक्षा आपनार गृहस्थ १३ वें तीर्थकर का
 प्रथम भिक्षा देनेवाले गृहस्थ a house-
 holder who was the first to give
 alms to the 13th Tithankara

सम० प० २४२,—णाम पुं० (-नामन्)
 जय नामे ११ मा यक्षवर्ती जय नाम का ११
 वा चक्रवर्ती name of the 11th Cha-
 kravarti ठा० १०, उत्त० १८, ४३,
 —सह पु० (-शब्द) जय थाओ ओवे
 शब्द. जय हो ऐसा शब्द the excla-
 mation 'victory! victory!' "जय-
 सहधोसएण" भग० ६, ३३, ओव० ३१,
 कप्प० ४, ६२,—जय पु० (-जगन्)
 ससार, लोड, दुनिया मसार, लोक world-
 ly existence, the world भग० २०,
 २, ३,—गुरु पुं० (-गुरु) जगतना गुरु
 श्रीजनेश्वर. जगत् के गुरु, श्री जिवेश्वर. the
 world teacher, Jñāneshvara सु० च०
 २, ३६१, पचा० ४, ३३,—पसिद्ध त्रि०
 (-प्रसिद्ध) जग जहिर जग जाहिर, लोक
 प्रसिद्ध, प्रख्यात famous, well-known
 सु० च० १, २८.—पहु पु० (-प्रभु)
 जगतना प्रभु परमेश्वर the lord
 of the world, the supreme
 being सु० च० १, ३८०,—पुंगव
 त्रि० (-पुङ्गव) जगतमा श्रेष्ठ जगन में
 श्रेष्ठ the greatest or the best
 in the world. सु० २, ६७७,
 जयत पु० (जयन्त) जलु दीपना थार द्वार-
 भानु पश्चिम तरङ्गनु द्वार जम्बूद्वीप के चार
 द्वारों में से पश्चिम दिशा के तरफ का द्वार
 The western gate of the four
 gates of Jambū Dvīpa. "कहिण
 भते जवू दीवस्स जयत णाम दारे पण्णते"
 जीवा० ३, ४, ज० प० (२) जयत नामे
 पाय आलुत्तर विमानभानु त्रीजु विमान
 ओनी स्थिति उर सागरापमनी छे ओ देवता
 १६ भटिने श्वामेत्थास वे छे ओने उ०
 ६-१० वीं नुवा लागे छे जयत नाम के
 पाच अणुत्तर विमान में से तीसरा विमान

इस देवता की स्थिति ३२ सागरोपम की होती है १६ महिने में ये देवता श्वासोच्छ्वास लेते हैं और इन्हें ३२ हजार वर्ष में जुवा लगती है the third of the five principal celestial abodes known as Jayanta The life-period of the gods of this abode is 32 Sāgaras They breathe once in 16 months and feel hungry once after every 32 thousand years “विजये विजयते जयंते अपराजय सवद्वसिद्धे” ठा० ५, ३, ४, सम० ३२; भग० ५, ८; २८, २४, नाया० ८, प्रव० ११५१; (३) ते विमानवासी देवता उस विमान में रहने वाले देवता gods residing in celestial palaces or abodes सम० उत्त० ३६, २१३, पञ्च० १, (४) मेरु पर्वत की उत्तर दिशा में आवेशा रुचकवर पर्वतना आठ कूटमानुं ७ भु कूट मेरु पर्वत की उत्तर दिशा के तरफ आये हुए रुचकवर पर्वत के आठ कूट में से सातवा कूट the 7th of the eight summits of Ruchakavara mountain situated to the north of Meru ठा० ४, (५) आयनी योवीसीमा थनार प्रथम अक्षदेव. आगामी चौबीसी में होने वाले प्रथम बलदेव the first Baladeva of the coming cycle सम० प्र० २४२, (६) वज्रसेन सूरीना चार शिष्यमाना त्रीज्ज शिष्यनु नाम अने तेनाथी नीडसेव शाभानु नाम वज्रनेनमूरी के चार शिष्यों में से तीसरे शिष्य का नाम व उनसे निकली हुई शाखा का नाम name of the third of the four disciples of Vajrasena Sūrī as also the

school that sprang from him. वा० ८. —पवर पु० (—प्रवर) त्रीज्ज अनुत्तर विमान तीसरा अनुत्तर विमान. the third chief celestial abode known as Anutara. नाया० ८, जयंती. स्त्री० (जयन्ती) देशात्री नगरी निवासी जयंती नामे महावीरे स्वामीनी भोटी श्रविष्ठा कौशाम्बी नगरी निवासी जयन्ती नाम की महावीर स्वामी का बड़ा—श्रविष्ठा. Name of the great female disciple of Mahāvīra Svāmī living at Kāśāmbī भग० १२, २, (२) सातमा अक्षदेवानी मातानु नाम जे बलदेव की माता का नाम name of the mother of the seventh Baladeva सम० प० २३५, (३) सातमी दिशाकुमारी सातवीं दिशा-कुमारी the seventh Disākumārī. (४) सर्वग्रहणी चार अग्रमहिषीमानी त्रीज्ज अग्रमहिषीनु नाम सर्व ग्रहों की चार अग्रमहिषी में से तीसरी अग्रमहिषी का नाम name of the third of the four principal queens of the planets ज० प० ५, ११४; जीवा० ४, ठा० ४, १; भग० १०, ५, (५) महावप्रविजयनी मुख्य राजधानी महावप्र विजय का मुख्य पाटनगर the chief capital of Mahāvīra Vijaya ज० प० ठा० २, ३, (६) उत्तर दिशाना अंजन पर्वतनी ओड पश्चिमनी वायुनु नाम. उत्तर दिशा के अंजन पर्वत की पश्चिम तरफ की एक बावड़ी का नाम name of a well situated to the west of the northern mountain, Añjana. जीवा० ३, ४, प्रव० १६०३, (७) पञ्चवाडीयानी पञ्च रात्रिमानी ६ भी रात्रिनु नाम पञ्च की १५

रात्रियों में से ६ वीं रात्रि का नाम name of the ninth of the fifteen nights of a fortnight जं० प० सू० प० १०; (८) सातमा तीर्थंकरनी प्रव्रज्या-पावणीनु नाम सातवें तीर्थंकर की प्रव्रज्या पालकी का नाम, name of the palanquin used by the seventh Tirthankara while accepting asceticism सम० प० २३१, (६) ओ नामनी ओड शाखा इस नाम की एक शाखा, a school of this name क० प० ८, जयघोस पु० (जयघोष) ओ नामनी ओड मुनि के जे काशीमा ब्राह्मण दुवमा जन्मेन हुता प्रथम वेद धर्मनो सारी रीते अभ्यास कर्यो हुतो पाछरथी गंगा नदीने कटे ओडेड प्राणी भीम प्रतिपत्ती प्राणीओथी, गदाता ओड वैराग्य पाभी जैन दीक्षा अगी कर डरी, मदा ज्ञानी अने तपस्वी बन्या मास अमलने पारणे पोताना बाध विजय घोषने आरंभ यजमा शिक्षा लेवा आवता अल्लोओ तिरस्कार कर्यो, तथापि तेनी स्तुति न करता आम्हुण धर्म अने आम्हुण शब्दनु अरु रहस्य प्रकाशी जेणे विजय घोषने पण दीक्षा आपी इस नामके एग मुनि जो कि काशीमें ब्राह्मण कुलमें जन्मे ये प्रथम वेद धर्मका अच्छा अभ्यास किया था, पीछे मे गंगा नदीके तटपर एक २ प्राणी अन्य प्रतिपत्ती प्राणी द्वारा निगला जाता हुआ देस वैराग्य प्राप्त हो गया. जैना दीक्षा आगिकार करके बडे जाना और तपस्वी बने मास खमण (एक मासका उपवास) के पारणे के दिन अपने बन्धु विजयघोषने प्रारभ किये हुए यज्ञमें भिक्षा लेनेको गये किन्तु ब्राह्मणोंने तिरस्कार किया, परंतु उस की परवाह न करते ब्राह्मण धर्म व ब्राह्मण शब्द का गवार्थ रहस्य का प्रकाशन कर विजयघोष से भी

दीक्षा दी Name of an ascetic of Benares and born in a Brahman family First he had studied Vedism well, but afterwards when he saw on the bank of the Ganges every aquatic creature being devoured by the other rival creature, got disgusted of the worldly life, became a Jaina ascetic and acquired a vast knowledge and practised an austerity Once on the day of breaking a fast of one month he went to beg alms to the place of sacrifice which his brother Vijaya Ghosi had begun but without any regard for being rebuked by the Brahmans explained vividly the meaning of the Vedic religion and of the word Brahmana won his brother and initiated him in his order उत्त० २१, १,

जयजय पु० (जयजय) जय थाओ जय थाओ ओवे ध्वनि जय हो जय हो ऐसी ध्वनि The exclamation 'Jaya' 'Jaya' (victory) भग० ६, ३३ —रव पु० (-रव) जय थाओ ओवे अशी-र्वद वायड शब्द जय हो ऐसा आशीर्वदवा चक्र शब्द the benedictory exclamation Jaya, Jaya (victory) भग० ६, ३३, —सद पु० (-सद) जय जय ओवे आशीर्वद शब्द जयजय ऐसा आशीर्वद शब्द The benedictory exclamation Jaya Jaya (victory)

ओव० ज प० ५ १२२,

जयरा न० (जजन) अलय देव ते अभय दान देना Giving assurance of safety परह० २, १,

जयरा न० (यत्न) प्राणीनु रक्षण करु प्राणी का रक्षण करना Protection of living beings परह० २, १, (२) यत्न करवे ते, उद्यम करवे ते यत्न करना. effort, exertion. नाया० १, परह० २, १,—(रा)आवरणिज्ज न०(—आवरणीय) जेथी प्रयत्न—उद्यममा अतराय पडे तेवी डर्मनी ओड प्रकृती जिस से प्रयत्न—उद्यम में विघ्न हो ऐसी कर्म की एक प्रकृति. a kind of Karma which hinders efforts भग० ६, ३१,

जगणा स्त्री० (यत्ना) जतना, सलाह लयु वतन, कार्यमा उपयोग राखवे ते सावधानता-युक्त आचरण, हरेक कार्य में उपयोग रखना Cautious behaviour, making every action useful; proper circumspection. उत्त० २४, ओव० २१, पि० नि० भा० २६, नाया० ५: भग० १८, १०, पचा० ४, १०, ७, २६, गच्छा० ८०;

जयरा स्त्री० (जयना) जधी गति उपर उत्-भेदवे ओवी देवतानी गति सर्व गतियों के ऊपर सफलता प्राप्त करे ऐसी देवता की गति The gait or the speed of gods which is the highest of all “जयराणु गडए” कप्प० २, २७. नाया० १, भग० ३, १, राय० २६,

जयरा स्त्री० (यत्ना) समझितमा छ प्रक्षरती यत्ना—निवेड. सम्यक्त्व में छ प्रकार का विवेक The six forms of discrimination in Samyaktva प्रव० ६४१, जयदह पु० (जयदंथ) ओ नामना ओड राज-

कुमार इस नाम का एक राजकुमार. Name of a prince “गगेयविदूरदोण जयदहं” नाया० १६,

जयमाण त्रि० (यत्मान) यत्न करतु यत्न करता हुआ Endeavouring; striving पचा० १५, ११;

जया अ० (यदा) ज्यारे, जे वपते जब, जिस समय When. नाया० १; ७, ११, १६, नाया० ध० भग० ५, १, दसा० ५, ३२; १०, १, दस० ४, ४, ओव० १२, उत्त० २५, १६, विशेष० ६२, क० ग० २, ७,

जया स्त्री० (जया) पारमा तीर्थकर वासु-पूज्यनी मातानु नाम बारहवे तीर्थकर वासु-पूज्य की माता का नाम Name of the mother of the twelfth Tirthankara, Vāsupūjya सम० प० २३०, प्रव० ११, (२) त्रीज, आठम अने तेरसनी रात्रिना नाम तृतीया, अष्टमी और त्रयोदशी को रात्रियों के नाम name of the 3rd, 5th and 13th night of a fortnight सू० प० १०, (३) योथा यक्षवतीनी ओ (२८) चौथे चक्रवर्ती की स्त्री the wife of the fourth Chakravarti सम० प० २३४, (४) ओड जतनी मिठाई एक प्रकार की मिठाई a kind of sweet-meat ज० प० ५, ११२,

जयागमयार पु० (जकारमकार) जकारमकार.

रूप अपशब्द जकार मकार रूप अपशब्द A corrupted word having the sound ‘ja’ and ‘ma’ गच्छा० ११०,

✓जर धा० I, II (जृ) जृणु डरु. जीर्ण करना To grow old, to decay. जरेहि आया० १, ४, ३, १३५,

जर पु० (जर) ताप, ओ जतनी रोग दुखार, ताप, एक प्रकार का विमारी. A

kind of disease, fever जीवा० ३, ३, विशेष० १२०४, नाया० १, ५; १३, भग० ७, ८; (२) न० सताप सताप on lagement. जीवा० ३, १, —समण न० (-शमन) तावने शांत करवे, दुखार को शान्त करना cessation of fever पचा० ४, २६,

जरगा त्रि० (जरक्त) अर्थात् जीर्ण, पुराना Old, worn out “ जरगा ओवाहणे त्तिवा ” अणुत्त० ३, १,

जरगा पुं० (जरद्व) धरती पलट वृद्ध बैल An old ox (२) जरद्व-अ नामनु जनावर जरक-ख नाम का जानवर a kind of animal अणुत्त० ३, १,

जरगाव पु० (जरद्व) धरती पलट वृद्ध बैल An old ox. “ जरगावपाणु ” अणुत्त० ३, १, सूय० १, ३, २, २१,

जरद्व त्रि० (जरठ) धरती पलट वृद्ध, पुरातन, जीर्ण Old, aged, decayed ओघ० नि० ७३७, ओघ०

जरय पु० (जरक) पहिली तरफतो मेरुथी दक्षिण तरफतो ओड तरफासो पहिली नरक का मेरु से दक्षिण तरफ का एक नरकावास An internal abode to the south of Meru of the first hell ठा० ६, १,

जरयमम्भ पु० (जरकमध्य) पहिली तरफतो उत्तर दिशा तरफतो ओड तरफासो पहिली नरक का उत्तर तरफ का एक नरकावास The northern internal abode of the first hell ठा० ६, १,

जरयावत्त पु० (जरकावर्त) पहिली तरफतो पश्चिम दिशा तरफतो ओड तरफासो पहिली नरक का पश्चिम दिशा का एक नरकावास The western hell-abode of the first hell region. ठा० ६, १

जरयावसिद्ध पु० (जरकावशिष्ट) पहिली तरफतो दक्षिण दिशा तरफतो ओड भोयो तरफासो. पहिली नरक की दक्षिण दिशा का ओर का डम नामका बड़ा नरकावास A big hell abode of the first hell region situated in the south ठा० ६, १,

जरस पु० (जरक्त) ओड जगनु जगली पशु. एक जातिका पशु A kind of brute जीवा० ३, ३,

जरा स्त्री० (जरा) धरती पलट वृद्धावस्था Old age, decline of age “ जीवाण भते किं जरा सोगे ? ” भग० १६, २, भग० २, १, ३, ७, ७, ६, ६, ३३, नाया० १, ५, १७, विशेष० ३१७६, पञ्च० २, दम० ६, ६०, ८, २६, सत्या० ३० ओव० २१, भक्त० १५, १६८, आव० २, ५, उत्त० ८, १, १३, २६, आया० १, ३, १, १०८, सूय० १, १, १, २६, ज० प० ७, १५३, सू० प० २०, सु० च० १, २३, —जजरिय त्रि० (-जर्जरित) जराथी अर्थात् थपेरा जरासे जाण old, infirm, decayed भग० १६, ४, —मरण न० (-मरण) जरा अने मरण जरा व मरण old age and death आव० २, ५,

जराउअ त्रि० (जरायुज) जरायु-ओड सधे जन्म पाभणु, गर्भाशयथी जन्म पाभता भणु अने पशु जरायु- माय में जन्म लेने वाला, गर्भाशय में जन्म पाते हुए मनुष्य व पशु Born from the womb viviparous सूय० १, ७, १, प्रव० १२५०, आया० १, १, ६, ८८, दम० ८, जीवा० ३, २,

जराउज त्रि० (जरायुज) जरायु “ जरा-उज ” शब्द देतो ‘ जराउज ’ शब्द. Vide “ जराउज ” ठा० ७ •

जराउय. त्रि० (जरायुज) लुओ “ जरा-
उय ” शब्द देखो “ जराउय ” शब्द.
Vide ‘ जराउय ’ अया० १, १, ६,
४८, दम० ४, जीवा० ३,

जराकुमार पुं० (जराकुमार) यादव वंशना
ओड कुमार के होने लगे कृष्ण महाराज
मेत थसे ओम नेमनाथ लगवाने प्रकाशवाणी
ते पातकभीती गयवाने के कोसंबी वनमां
रहेता हुता हुता देव योगे कृष्ण महाराज
त्या आनीयउया अने जराकुमारने लथेज
मेत थथु यादव वंश का एक कुमार कि
जिमके हाथ से कृष्ण महाराज की मृत्यु होने
वाली थी नेमनाथ भगवानने यह भविष्य प्रगट
क्रिया था और पातक से बचने को जिस
कोसंबी वन में वे रहने लगे थे वहा भी
कृष्ण महाराज जा चडे और जराकुमार के
हाथ से मृत्यु हुई A Yādava prince
at whose hands Krishna was to
meet his death Owing to the
manifestation of Nemanātha, he
used to reside in the forest of
Kosambī for saving himself
from sin, where too Krishna
happened to come and was
killed at the hands of Jarā
Kumāra. अत० ५, १,

जरासंध. पुं० (जरासंध) राजगृह नगरने
राज, नवमा प्रति वासुदेव. राजगृह नगर का
राजा; नव मे प्रति वासुदेव. The king
of Rajagriha, the ninth Prati-
Vāsudeva. पण्ड० १, ४,

जरासिंधु पुं० (जरासिंधु) ओ नामने
राज जरा सिंधु नामका राजा A king
so named, the ninth Prati
Vāsudeva नाया० १६ प्रव० १२२७,
जरि त्रि० (ज्वरिन्) ताप वला ज्वर वाला.

Attacked with fever. सु० च०
१३, ५४;

जरि त्रि० (ज्वरित) ज्वर-ताप वगेरे
रोगवाला ज्वर, ताप आदि रोगवाला.
Attacked with fever पि० नि०
५७०, ५८२; सूय० १, ७, ११, प्रव० ११२;

जजरुला स्त्री० (जरुला) चार इंद्रिय वाली
ओड छव चार इंद्रिय वाला एक जीव A
four-sensed creature पञ्च० १,

जल न० (जल) पाणी, जल जल, पानी.
Water नाया० १, २, ४, ८, १८, भग०
२, १; ५, ७, ४२, १, नंदी० ७, विशेष०
२०६; ओक्० २१, उत्त० ३६, ५०, क० ग०
१, १६; भक्त० १२६, प्रव० ४७७, (२)
जलकान्त तथा जलप्रल धटना प्रथम लोक-
पावनं नाम जलकान्त व जलप्रम इद्रके
प्रथम लोकपाल का नाम name of the
first Lokapāla of Jalakānta and
Jalapiabha India ज० प० ४, ७४,
ठ० ४, १, भग० ३, ८, (३) पाणीना छव
जल के जीव an aquatic animal
क० ग० ४, १३, (४) प्रस्वेद; पसीना.
पसीना, पस्वेद sweat, perspiration.
नाया० १, (५) जलस्थान, तत्राप वगेरे
जलस्थान वगैरह a store of water,
a pond etc दसा० ७, १; —अंत.
पुं० (-अन्त) पाणीना अंत-छेडा जल
का अंत-भाग depth of water. भग०
६, ५ —अभिसेय न० (-अभिषेक)
पाणीथी नहावु ते जल मे स्नान करना
bathing with water भग०
११, ६; नाया० ५, निर० ३, ३, —अभि-
सेयकटिणगाय पु० (-अभिषेककठिन-
गात्र) वानप्रस्थ तापसनी ओड नत जेनुं
शरीर पाणीना बार बार सि यनथी इति था
अपेक्ष होय ते वानप्रस्थ तापस की एक

जाति कि जिसका शरीर जल के बारबार सिंचन से कठिन हो गया हो an order of hermits, one whose body has been hardened by the frequent sprinkling of water भग० ११, ११, —उत्तार पुं० (—उत्तार) पानीमा उतरवु ते जलमे उतरना descending or getting into water प्रब० ६७८, —उपरिद्धाड त्रि० (—उपरिस्थायिन्) जल उपर रहेतर जलके ऊपर रहने वाला (one) living above water नाया० ६, —काय न० (—काय) अप्काय, पानी अप्काय, जल water क० ग० ४, १३, —किह न० (—किह) पानीमे भेज, सेना, क्षीण जल का मेन, कच्ची dirt in the water, moss राय १७३, —क्रीडा स्त्री० (—क्रीडा) पानीमे अहर तरवु, दुगडी भारती वगेरे गम्भत जल के भीतर तैरना, कूदना इत्यादि खेल sporting or gambolling in water राय० १७३, भग० ११, ६, विवा० ७, —क्रीडा स्त्री० (—क्रीडा) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above भग० ११, ६, —कुंभ पु० (—कुंभ) पानीमे बडे जल का घडा-पात्र a pot of water पंचा० १५, ११, —गत त्रि० (—गत) पानीमा रहेवु जल में रहा हुआ living in water. निरी० १८, २०, (२) पु० पानीमे अहर रहेवा शुव जल के भीतर रहा हुआ जीव a creature living in water an aquatic animal परह० १, १, —गरिय त्रि० (—गृहिक) पानीमे व्यवस्था करना, पानी पाना जल पिलाने वाला (one) looking after water arrangements नाया० १२, —चक्रवाल न० (—चक्रवाल)

पानीमा गोड दुगडा जन का गोल चक्र a ring, a circle of water. पगह, १, ३, —चार न० (—चार) नातिनु पानीमा आबवु ते, बहावुनु जल. नाव वगेरह का जल में चलना, जहाज का जाना. moving of a boat or vessel in the water. आया० नि० १, ५, १, २४६, —चारिया स्त्री० (—चारिका) आर छटियालो ओड बनतो शुव चार इद्रिय वाला एक जाति का जीव a kind of four-sensed creature पन्न० १, —च्छाणन न० (—गालन) पानी गलवु ते. जल का टिपकना nozing or trucking of water पंचा० ४, १२, —ट्टाण न० (—स्थान) जलाशय, पानीमा स्थान जलाशय, जल का स्थान a pond, a reservoir of water पन्न० २, —त्यल्य त्रि० (—स्यलज) जल अने स्थलमा उत्पन्न थयेव, समस्त गुणाव वगेरे जल व स्थल मे उत्पन्न, कमल, गुलाब इत्यादि produced in water and on earth, the lotus, the rose etc. सम० ३४, —द्रोण पु० (—द्रोण) द्राव्य प्रमाण पानी द्रोण के प्रमाण मे जल a cupful of water प्रब० १४२४, —धारा स्त्री० (—धारा) पानीमा धार जन-गारा, पानी की बार a stream or current or flow of water भग० ६, ३०, —पक्खंद न० (—प्रस्कन्द) पानीमा दुग्री मरोजवु ते, आस मरोशुतो ओड प्रना जलमे डूब मरजाना, बाल-मृत्युका एक प्रकार drowning in water, premature death निरी० ११, ४१, —पक्खंदण न० (—प्रस्कन्दन) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above निरी० ११, ४१ —पवेम न० (—प्रवेम) जुओ "जन-

पक्खंद " शब्द. देखो "जलपक्खंद" शब्द.
 vide "जलपक्खंद" निंसी० ११, ४१,
 —पवेसिक. त्रि० (-प्रवेशिक) जलमां
 प्रवेश करने वाला जल में प्रवेश करने वाला
 (one) who enters into the
 water श्रव० ३८, —प्पवेस न०
 श्रुओ "जलपक्खंद" शब्द देखो "जल-
 पक्खंद" शब्द vide "जलपक्खंद" ठा०
 २, ४, भग० २, १, नाया० १६; —विदु.
 पुं० (-विन्दु) पालीनु टीपु जल का बूद
 a drop of water नाया० १, कप्प०
 ३, ४२; —वासि पु० (-वासिन्) जल
 में रहने वाले तापस की एक जाति
 an order of ascetics living in
 water "जलवासिणो त्ति " भग०
 ११, ६, निर० ३, ३, —बुब्बुअ न०
 (-बुब्बुद) पालीना परपोटा. जल का
 बुलबुला. A bubble of water
 "विसय सुह जलबुब्बुअसमाणं" श्रव०
 —बुब्बुद पु० (-बुब्बुद) श्रुओ ७५६
 देखो ऊपर का शब्द vide above
 भग० ६, ३३, —भय न० (-भय) पाली
 नु लय जल का भय fear of water
 प्रव० ६८०; —भूमिआ स्त्री० (भूमिका)
 पाली वाली जमीन जल वाली धरती. land
 having water पञ्च० २, —मज्जण
 न० (मज्जन) जल स्नान जल स्नान
 bathing or ablution in water
 नाया० २; ८, ९, भग० ११, ६, विवा० ७,
 —मज्झ न० (-मध्य) पालीनी मध्य,
 जलमा जल के बीच में, जल में the
 midst part of water प्रव० १५६,
 —माला स्त्री० (-माला) पाली बहुत
 जल plenty of water सूय० नि० २, १,
 १६१, —रक्खस पुं० (-रक्खस) राक्षस

ने पांचवें प्रकार राक्षस का पांचवा प्रकार.
 the fifth variety of demons.
 पञ्च० १, —रमण. न० (-रमण) जलक्रीडा
 जलक्रीडा sporting in water नाया०
 १३, —रुह पुं० (-रुह) जलमा पैदा
 थाना वनस्पति, कमल, शैवाल वगैरे जलमें
 पैदा होनेवाली वनस्पति, कमल, इत्यादि.
 vegetation growing in water,
 the lotus etc 'सेकितं जलरुहा !, जल
 रुहा अणोगाविहा पण्णता' पञ्च० १, जवा० १,
 —रेहा स्त्री० (-रेखा) पालीमा धाड़डी
 वगैरेथी डरेली धाड़डी जलमें लकड़ी वगैरहसे
 की हुई रेखा a line made by means
 of a stick etc in the water क०
 ग० १, ६३, —विच्छुय पुं० (-वृश्चिक) जल-
 में पड़ी जल का विच्छु a prawn पञ्च०
 १, —विसुद्ध त्रि० (-विशुद्ध) जल
 शुद्ध थाने जल से शुद्ध purified
 by means of water प्रव० ७३५,
 —सित्त. त्रि० (-सिक्त) पालीथी सिंथन
 डरेथ जल से सिंथन किया हुआ spun
 kled or moistened with water
 दम० ६ २, १०, —सिद्धि. स्त्री०
 (-सिद्धि) जलमा न्छाना न्छाना सिद्धि
 पाने ते जल में स्नान करते करते सिद्धि
 पावे वह perfection attained
 while bathing in water
 "मुस वयंते जलसिद्धिमाह" सूय० १, ७,
 १७, —सोयवाइ पु० (-शौचवादेन्)
 पालीथी शुद्धि मानने वाले तापस की एक
 जाति an order of ascetics who
 believe in purity by means of
 water सूय० नि० १, ७, ९०,
 जलश्र-य पु० (जलश्र) भेष, परसाद.
 वर्षा, मेघ A cloud त्रि० ४६८

१७१७, कण्ठ० ३, ३५;

जलकंत पुं० (जलकान्त) यद्रक्षन्त भण्डि, सचित्त कठिन पृथ्वीनो ओड प्रक्षर चद्रकात-माणि, सचित्त कठिन पृथ्वी का एक प्रकार The moon gem; a variety of hard annate earth उत्त० ३६, ७६, पञ्च० १, सम० ३२, (२) दक्षिण तर-ङ्गनो उदधिकुमारना धद्रनु नाम दक्षिण तरफ के उदधिकुमार के इद्र का नाम name of India of Uddhi Kumāra (son of the ocean) of the south ठा० २, २, पञ्च० २, (३) जलकात धद्रना त्रीन् लोडपादनु नाम जलकात इन्द्र के तीमर लोकपाल का नाम name of the third Lokapāla of Jalakānta India ठा० ४, १, भग० ३, ८,

जलकारि पुं० (जलकारिन्) योऽद्रिध ७५१ विशेष जलकारि नामक चोद्द्रिय जीव विशय A kind of four-sensed creature of this name उत्त० ३६, १४७,

जलचर पुं० (जलचर) पाण्डुमा उत्पन्न थछ पाण्डुमा रहेनार पयेन्द्रिय निर्यय जल में उष्टन हो जलही में रहने वाली पचेन्द्रिय तिर्यच A five-sensed aquatic animal श्रोव० ४१, भग० ८, १, १५, १ २४, १, प्रव० ६७६,—विहाण न० (-विधान) जलचर निर्यय पयेन्द्रियना प्रक्षर जलचर तिर्यच पचेन्द्रिय का प्रकार a kind of five-sensed aquatic animal भग० १५, १,

जलचरी स्त्री० (जलचरी) पाण्डुमा रहेनार भाछत्री, भधरी वगेरे, जलचर तिर्ययनी श्री जल में रहने वाला मछली मगरी, जलचर तिर्यच को मादा A fish living in water the female of an

aquatic animal ठा० ३, १.

जलज न० (जलज) पाण्डुमा उष्टन थयेद्र, डभयानि जल में उत्पन्न कमलादि The lotus etc produced in water राय० २७,

जलजलित त्रि० (जाजूल्यमान) जल दक्षता, दीपता, प्रज्वलित, ज्वलत Blazing, burning कण्ठ० ३, ३६,

जलण त्रि० (ज्वलन) देदिप्यमान अग्नि, आग, देवता देदिप्यमान, अग्नि, आग Blazing fire, fire प्रव० १०७१, क० ग० १, ४५, गच्छा० ७६, पंथा० २, २६, ४, ४४, विशेष० २७, २१४, अणुजा० १३१, १५४, नाया० १, १७, दव० ६, १, ११, सु० च० ४, २१०, ओव० ३८, भग० २, १, (२) पु० (आत्मान चारित्र वा ज्वालयति दहतीति ज्वलन) डोध, गुरमो क्रोध, गुस्मा anger, rage सूय० १, १ ४, १२, (३) सङगायनु, आगनु जलाना burning, kindling परह० १, १, (४) ज्ञानादि गुण का प्रकाशन enlighten-ment in the form of knowledge etc प्रव० १४८, (५) अग्निदुया देवता अग्निकुमार देवता the Agni-kumāra deity परह० १, ४, —काय न० (-काय) तेजस्काय, अग्नि तेजस्काय, अग्नि one having a lu- tuous form, fire क० ग० ४, १३, —पक्खंदण न० (प्रस्कन्दन) अग्निमा पडी मरी जनु ते, आग मरनुतो ओड प्रक्षर अग्नि में गिरकर जल मरना, बालमृत्युका एक प्रकार burning to death by falling into the fire, a form of premature death निगी० ११, १६, —पवेस न० (-प्रवेस) अग्निनी पवेस

पडी गयी भरपु ते; आध भरपुने। ओ३
प्रकार अग्नि के भीतर गिर कर जल सरना;
बालमृत्यु का एक प्रकार. burning
to death by falling into the
fire, a form of premature
death निसी० ११, ४१; भग० २, १,
नाया० १६, ठा० २, ४,

जलन पुं० (ज्वलन) जुओ "जलण"
शब्द देखो "जलण" शब्द Vide
"जलण" पिं० निं० मा० १;

जलनिहि. पुं० (जलनिधि) समुद्र. समुद्र
The sea प्रव० १२६२,

जलप्रभ पु० (जलप्रभ) दक्षिण तरङ्गना
उत्तर आशुना उदधिद्रुमार नतिना लवनपनि
देवतानो धन्व दक्षिण दिशाके उत्तर तरफ का
उदधिकुमार जाति के भवनपति देवता का
इंद्र India of the Bhavanapati
deities of the northern Udadhi
Kumāra class of the south ठा०
२, ३, पत्र० २; (२) जलप्रभ तथा जल-
प्रभ धन्वना योथा लोकपालतुं नाम जल
कान्त व जलप्रभ इंद्र के चौथे लोकपाल का
नाम name of the fourth Loka-
pāla (regent of a quarter of
the world) of Jalkānta and
Jalapiabha Indra. ठा० ४, १, भग०
३, ८,

जलप्रह. पु० (जलप्रभ) जुओ "जलप्रभ"
शब्द देखो "जलप्रभ" शब्द. Vide.
"जलप्रभ" सम० ३२,

जलमय. त्रि० (जलमय) पाणीमय, पणी-
रूप जनमय, मलीखरूप Abounding
in water पण्ड० १, १,

जलय न० (जलज) धमध कमल A
lotus पत्र० १, राय० ४७, नाया० ८,
जीवा० ३, ४, —अमलगन्धिक. पु०

(—अमलगन्धिक—जलजानामिव जलज-
कुसुमानामिवामलो न तु कुद्रव्यसमिश्रो यो
गन्ध स विद्यते येषां तं जलजामलग-
न्विका.) धमधना जेवी गन्धवाला कमल
की सी गन्धवाला fragrant like a
lotus जीवा० ३, ४; राय० ४७, जं० प०
४, ७४;

जलयर त्रि० (जलचर-जले चरति पर्यटतीति
जलचरः) पाणीमा उत्पन्न थ पाणीमा रहे-
नार पचेन्द्रिय तिर्य्य जल में उत्पन्न होकर
जल में रहनेवाला पंचेन्द्रिय तिर्य्यच A
five-sensed creature born
and living in water "से किं त
जलचरपचिन्द्रियातिरिक्त्र जोणिया' पत्र०
१, जीवा० १; सम० १३, सू० प० १०,
उत्त० ३६, १००, मत० १३०, —निकर
पु० (—निकर) जलयर प्राणीना समूह
जलचर प्राणियों का समूह a collection
of aquatic animals प्रव० २२२,
—नंस न०(—मांस) म जल पगेरे जलयर
प्राणीनुं मां० मस्य आदि जलचर प्राणियों का
मांस the flesh of aquatic crea-
tures such as fish etc प्रव० २२२;
जलयरी स्त्री० (जलचरी) जलयर तिर्य्य-
पचे द्विती स्त्री जलचर तिर्य्य पचेन्द्रिय की
स्त्री The female of a five-sensed
aquatic animal "से किं त जलच-
रीओ" जीवा० १,

जलरथ पु० (जलरत) जलप्रभ तथा जल-
प्रभ धन्वना लोकपालतु नाम जलकान्त व
जलप्रभ इंद्र के लोकपाल का नाम Name
of the Lokapala (regent of a
quarter of the world) of Jala-
kānta and Jalapiabha India.
ठा० ४, १,

जलरूप-व. पु० (जलरूप) उदधिद्रुमारना

धन्द्र जलकान्ता श्रीम लोकपालनु नाम
उदधिकुमार के इन्द्र जलकात के दूसरे लोक-
पाल का नाम Name of the second
Lokapāla (regent of a quarter
of the world) of India Jala-
kānta of Udadhikumāra भग०
३, ८,

जलवीरिय पु० (जलवीर्य) आर धन्द्रियवाले
शुच विशेष. चार इन्द्रिय वाला जीव विशेष
A kind of four-sensed creature
जीवा० १, (२) ऋशभदेव स्वामीथी तेभना
वशमा थयेदो सातभो गज ऋषभदेव
स्वामी से उन के वश का मातवा राजा
name of a king born in the
race of Rishabhadeva Swāmī
and seventh from him ठा० ८,

जलसूय पु० (जलसू =) जलकात धन्द्रना
श्रीम लोकपालनु नाम जलकान्त इन्द्रके
दूसरे लोकपाल का नाम Name of the
second Lokapāla (regent of
a quarter of the world) of
Jalakānta India ठा० ४, १

जलहर पु० (जलधर) मेघ, वर्षा, मेघ,
वर्षा, बारिश A cloud, rains. कप्प०
३, ३३, ४४,

जलहि पु० (जलवि) समुद्र जल-पानी-धि
-भहार-समुद्र The sea सु०च० १, १,
नाया० ११,

जलाय पु० (जलपाक) रागनना शुलु भोव-
ना० राजा के गुण बोलने वाला One
who extols the merits of a
king निसी० ६, २२,

जलावण न० (ज्वालन) सलगानु. अग्नि
प्रगट होवे जलाना, अग्नि प्रकट करना
Burning kindling of fire "जलग
जलावण विदंसणेहि" पण्ह० १ १

जलासय पु० (जलाशय) जलाशय, जलना
इकाला-तलाव वगेरे जलाशय जल के
स्थल-तालाव इत्यादि A pond, a
reservoir पन्न० २. —ज त्रि० (-ज)
जलाशय-तलाव-समुद्र वगेरेमा उत्पन्न
थयेद जलाशय-तालाव समुद्र इत्यादि म
उत्पन्न हुआ produced in a pond,
sea etc प्रब० १११४, —सोसण न०
(-सोपण) जलाशय-तलाव वगेरे सोम-
यवा ने श्रावकना सातभा व्रतना अनियाग-
रूप १५ कर्मादानमानु आदिमु कर्मादान
जलाशय-तालाव इत्यादि को मुकाना, श्रावक
के सातवें व्रत के अनिचार रूप १५ कर्मादान
में से चौदहवा कर्मादान the suction or
absorption of a pond etc the
fourteenth of the fifteen
Karmādāns (sinful operations)
forming part of the partial
violation of the seventh vow
of a lay man प्रब० २६८,

जलिय त्रि० (ज्वलित) अलेख जला हुआ
Burnt "पक्खदे जलिय जोह" दग्ग०
२, ६, ६, ३३ ६, १, ६, नाया० १, भग०
५, ६, नाया १, भग० ५, ६, मय० १, ६
१, ७, श्रोव० १०, पण्ह० २, ५, —चुडिली
स्त्री० (-चुडिली) अउनी सलगाना पृथ्वी
घास का जलता हुआ पल्ला a burning
bunch of grass 'जलिय चुडिलीविच
अमुच्चम उदहणमिल' श्रो ' नदु०

जलिर त्रि० (ज्वलिर-ज्वलनशील) जल
नार, अलवाना व्यवसाय वाले जलनक
स्वभाव वाला Of a burning nature
मु० च० २, ५१,

जलुगा स्त्री० (जलकाम-जलमंको वमान-
रस्यति) वगैरेखु बोली पीना, जले में
छटियेखु विशेष बिगडे हुए रक्त को पीने

वाला, द्विद्रियजीव विशेष One that sucks impure blood, a kind of two sensed creature. उत्त० ३६, १२८; नंदी० ५४,

जलोया स्त्री० (जलौकस्) लुओ। “जलूगा” शब्द देखो “जलूगा” शब्द Vido “जलूगा” पन्न० १, अणुत्त० ३, १; भग० १३, ६, (२) यमं पक्षिनी ओ३ जल. चर्म पत्ती की एक जात a kind of bird पन्न० १,

जल्ल. पु० (यल्ल याति च लगति चेति यल्लः) शरीर उपर जलमेव कड़ा मेव, परसेना आदिने धृष्ट मेव शरीर के ऊपर का जमा हुआ कठिन मल, पसीना आदि का घट्ट मल Hard dirt or impure matter of the body, thick dirt of perspiration etc सम० ५, ओव० ३८, जीवा० ३, ३; नाया० १३, भग० १, १, ८, ८, २०, २, उत्त० २, ३७, निसी० ३, ७०, पि० नि० २६२; कप्प० ५, ११६, (२) दोरडी बाधर उपर यडी भेद धरना, नट अनशुआ (२)रस्मे पर चढ कर खेल करने वाला, नट. an acrobat; a rope-dancer ज० प० नाया० १, अणुजो० ६२, ओव० पण्ह० २, ४, कप्प० ५, ६६; (३) त्रि० थोडा प्रयत्नही दूर आय तेनु थंडे प्रयत्न से दूर हो पैसा (that) which can be got rid of with little effort (४) भेदनी ओ३ जल; जल देशवासी. म्लेच्छको एक जाति, जल्लदेशवासी a class of outcasts residing in Jalla country. पण्ह० १, १ (५) धाव लठ जनार. कावड ले जाने वाला (one) who carries bamboo lath provided with slings at each end जीवा० ३, ३; —ओलहि स्त्री० (—आपधि)

ओ३ प्रकारनी लब्धि, भेदनां स्पर्शार्थी द्रव्य भेद ओवा प्रकारनी शक्ति. एक प्रकार की लब्धि, मल के स्पर्श से रोग का नाश हो इस प्रकार की शक्ति. a kind of acquisition; the power by which a disease is destroyed by means of contact with dirt ओव० १५, पण्ह० २, १, विशेष १७८, —ओलहि-पत्त त्रि० (—ओषधिप्राप्त-यल्लो मलं स एवौषधिर्यल्लौषधिस्ता प्राप्तो यल्लोषधिप्राप्तः) भेद मात्रना स्पर्शार्थी रोग भटी जल ओवी लब्धिने प्राप्त थयेन मल मात्र के स्पर्श से रोग नष्ट हो ऐसी लब्धि जिसको प्राप्त हुई है वह (one) possessed of the power of getting rid of a disease by mere contact with dirt “जल्लोसहिपत्तो” पण्ह० २, १, —परिषह पु० (—परिषह—यल्ल-इतिमल स एव परिषहो यल्लपरिषहः) शरीरना भेदने परिषह, २२ माने १८ भेद परिषह शरीरके मल का परिषह, २२ मे से १८ वा परिषह affliction or trouble due to dirt of the body due to perspiration, the 18th of the 22 afflictions that a Jain ascetic has to bear calmly सम० २० भग० ८, ८, —पेहा स्त्री० (—प्रेक्षा-वराखेलकारा स्तोत्रपाठका इत्यपरे तेषां प्रेक्षा जल्लप्रेक्षा) दोरडी पर यडी भेदनारना भेद ओवा ते रस्मेपर चढकर तमाशे करनेवाले नट का तमाशा देखना witnessing the exhibition of skill of performers in the streets जीवा० ३, ३

—मल पु० (—मल—याति च लगति चेति मल्ल सचासौ मलः यल्लमल) शरीरना भेद शरीर का मल dirt or im-

purity of the body. “ जल्ल मल-
कलंक सेयरय दो सवजिय सरीर निरुव लेवा ’
तदु० ओव० नाया० १३, —सिंघाण न०
(-शिंघाण) शरीरने भेद अने नाइने
भेद शरीर व नाक का मेल bodily dirt
and snot. आव० ४, ७;

जलत्ता. न० (जल्लता—मल) कडीन भेद
कठिन मेल Hard dirt. दसा० ७, १,
जल्लरी छी० (झल्लरी) आधर कालर A
full ज० प०

जल्लिय न० (जल्लक) शरीरने भेद शरीर
का मेल Dirt or impurity of the
body “ उच्चार पासवण खेल सिंघाण
जल्लिय ” उक्त० २४, १५, भग० ६, ३,

जव पु० (यव) जव, ओइ जतनुं धान्य
जो. एक प्रकार का दान्य Barley; a
kind of corn भग० १, १, ६, ५, ६,
३३, १४, ७, २१, १, नाया० १, ओव०
उक्त० ६, ४६, टा० ३, १, पन्न० १, जीवा०
३, ३, वेय० २, १, नदी० १४, पचा० ५,
२८, (२) ओइ प्रकारनी औषधी एक प्रकार
की औषधी a kind of medicine
पन्न० १, (३) आठ जु प्रमाण, जवने
दाणो, अशुद्धने आठमे भाग आठ जू
प्रमाण जवका दाना, अगुलका आठवा हिस्सा
the eighth part of a finger
which is equal to a barley-
corn अणुजो० १३४, टा० ८, (४) ओइ
जतनी कन्याने पहरेवाणी ओडी एक
प्रकार की कन्या को पहिनन का चाली
a sort of breast coat for a girl
विशे० ७०६, (५) ओ नामने ओइ भाइस
इस नाम का एक मनुष्य name of a
person भक्त० ८७, —उदअ न०
(-उदक) जवनु पाणी जो का जल-पानी
water mixed with barley-corn

टा० ३, ३, —उदग पु० (-उदक) जुओ
डिपले श० ६ देखो ऊपरका शब्द vide
above. “ सीय च मोचिर च जवोदग च ”
उक्त० १५, १३, निती० १७, ३०, प्रव०
२०६, पचा० ५, २८, कप्प० ६, २५,
—ओदण. न० (-ओदन) जवनो रोटीले
वगेरे जो की रोटी वगैरह a barley-
cake “ आयामग चव जवोदण च ”
उक्त० १५, १३, —रण न० (-अन्न)
ओइ जतनु जवनु पनावेद अन्न. एक
प्रकार का जो से बनाया हुआ अन्न. an
article of food consisting of
barley सू० प० २०, —वारय पु०
(-वारक) जवना अड्ड, जवना
जवारा a sprout of barley-corn
“ जववार वरणयसत्थि गादि महारम्म ”
पचा० ८, २३,

जव पु० (जव) गति, वेग, वेस गति, वेग,
जोश Speed, swiftness उक्त० ११, १६,

जवजव पु० (यवयव) ओ नामनु ओइ
धान्य इस नाम का एक दान्य A kind of
corn of this name भग० ६, ५, १४,
७, वेय० २, १, ज० प० टा० ३, १ दसा०
६, ४, पन्न० १ —जवजवग पु० (-यव
यवक) जुओ ‘ जव जव ’ श० ६ देखो
“ जव जव ” शब्द vide ‘ जव जव ’
भग० २१, १, —जवण पु० (-जवन)
वेग, शीघ्रगति वेग शीघ्रगति swiftness,
velocity भग० १४, १, —जवण पु०
(-यवन) ओइ देश, यवन देशवारी मनेच्छ
जवादेश वामी an out cast one
residing in a foreign country
पगड० १, १ पन्न० २, सू० प० २०, (२)
ओ नामने ओइ अनाई देश उस नाम का एक
अनार्य देश a non-Aryan
country of this name पव०

१५६७, —द्वि पुं० (-द्वीप) यवननी
वसति वायो देश यवनों से वसाहुआ देश.
a country inhabited by non-
Aryans जं० प० —जवणा
स्त्री० (-यापना) शरीर निर्वाह; श्रवण
निर्वाह शरीरनिर्वाह, जीवन-निर्वाह live
lihood, maintenance उत्त० ८, १२,
(२) सयमनो निभाव सयम का निभाव
maintenance of asceticism
उत्त० ८, १२, ३५, १७, प्रव० ६६,
—(रा) द्वि पुं० (-अर्थ) संयमरूप भार
उपाडवानो अर्थ. संयमरूप बोझ उठाने का
अर्थ. utility of bearing the bur-
den in the shape of restraint
“ जवणट्ठाए निसेवए मथु ” उत्त० ८, १२;
दस० ६, ३, ४,

जवणालिया स्त्री० (यवनानिका) ओष्ठ
जतनी लिपि एक प्रकार की लिपि A
kind of script or character
पत्र० १.

जवणालिया स्त्री० (यवनानिका) कन्याते
पहेरवानी ओष्ठ जतनी येदी कन्या को
पहिनने की एक प्रकार की चोली. A
kind of breast-cout for a girl
नंदी० (२) यवन देशनी लिपि, १८ लिपि-
भानी ओष्ठ यवन देशकी लिपि, १८ लिपियों
मे से एक one of the 18 scripts.
सम० १८,

जवणिज्ज त्रि० (यापनीय) यथत शुभरवा
योग्य. समय व्यतीत करने योग्य Fit for
being a pastime (२) धृष्टियो
अने मनने श्रवण ते इन्द्रिय मन को
जीतना conquering the
senses and the mind “ जवणिज्ज
अव्वावाह फासुय विहार ” भग० १, १०,
१८, १०; नाया० ५, आव० ३, १;

जवणिया स्त्री० (यवनिका) कनात कनात
A curtain नाया० १; भग० ११, ११;
प्रव० ६७६; — (यं) अंतरिय. न०
(-अन्तरित) कनातने आतरे रहेइ;
कनातनी अंदर कनात के अन्दर रहा हुआ
screened or protected by a
curtain ‘ पभावार्ति देविं जवणियतरिय
ठावेइ ” नाया० १, ८,

जवणालिया स्त्री० (यवनालिका) लुओ
“ जवणालिया ” शब्द देखो “ जवणा-
लिया ” शब्द. Vide “ जवणालिया ”
पत्र० ३३,

जवमज्झ पुं० (यवमध्य) जवना मध्य भाग
परिमित ओष्ठ भाग जौ के मध्य भाग के
प्रमाण का एक नाप A measure of
length equal to the middle
part of a barley-corn. ज० प० २,
१६ भग० २५, २, ३, प्रव० १५७२, (२)
जवना मध्य भाग जौ का मध्य भाग.
the interior of a barley-corn
भग० ६, ७, क० प० १, ४०; (३)
त्रि० जवना मध्य भागना आइः २नु. जौ के
मध्य भाग के आकार का having the
form of the middle part of a
barly-corn भग० ६, ७; २५, ३,

जवमज्झचंदपडिमा स्त्री० (यवमध्यचन्द्र-
प्रतिमा) जवना मध्य भाग जेही पडिमा ओष्ठो
के ओष्ठो पातवी अने वर्यो पुष्ट, जेम कोष्ठ
साधु शुद्ध पक्षने पडवेथी ओष्ठ कोलियो
अहार लक्ष पडिमा शरू करे, पुनमे पदर
कोलीआ मुधी पडोयी, पक्षी दरगेज ओष्ठ
कोलीओ धराउता वद०) ओष्ठ कोलीओ
आहार लक्ष पडिमा पुरी करे ते जवमध्य
चंद्रपडिमा साधु की एक प्रतिमा (तप
विशेष) जिमे जव के मध्य भाग की उपम
दी जाती है जैसे जव दोनों तरफ से पतला

एक प्रकार की वनस्पति. A kind of
vegetation पत्र० १, मग० २१, १,
जवांसय पु० (यवामक) वनस्पति विशेष,
जवासा. वनस्पति विशेष, जवामा. A
kind of vegetation. पत्र० १,
जवासा बी० (यवामा) गन्ना दूधवाला
शे० अतनु आ० लान पुष्प वाला एक
प्रकारका वृक्ष. A kind of tree bear-
ing red flowers 'यवामाकुसुमेइ'
पत्र० १७,
जवि त्रि० (जविन्) वेग वायो वेगवान्, गति
वाला Swift, fleet (२) पुं० धोडा
अथ, घोडा. a horse सू० १, १, २, ६,
जव्वस त्रि० (यद्वश) जेने यश यथेन
जिमके आधीन बना हुआ. Subdued by
which, submissive to which
क० ग० १, २२,
जस न० (यशस्) यश, श्रुति, आगुरु यश,
कीर्ति Fame; renown मग० ३, ८,
१४, ५, १५, १, ४१, १, नाया० ८, १८,
ओव० ३८, सू० १, ६, २२, सू० प० १६,
नंदी० ३३, पत्र० २३, उत० ३, १३, क०
ग० ५, ६१, (२) सयम, सांगि सयम
चारित्र asceticism 'जवमचिणु सतिणु'
उत० ३ १३, दम० ५, २, ३६, (३)
श्री पार्श्वनाथना आदमा गशुधरनु नाम
श्री पार्श्वनाथ के ८ वें गण ११ का नाम name
of the 8th Ganadhara of Śrī
Pāśvānātha सम० प० २३३, (४)
श्री आदमा तीर्थंकर श्री अनंतनाथजीना प्रथम
गशुधरनु नाम चौदहवें तार्थंकर श्री अनंत
नाथजी के प्रथम गणवर का नाम name
of the 1st Ganadhara of the
14th Tirthankar Śrī Ananta-
nāthajī सम० प० २३३, प्र० ३०२
—कर त्रि० (—कर—यश सर्व दिग्गामि

प्रसिद्धिविशेषः तत्करो यशस्कर) सर्व दि-
शाभा यश भेदवन्तार स^र दिशाओं से यश
प्राप्त करने वाला (one) attaining
fame or glory everywhere.
नाया० १, तंदु० (२) ऋषभदेव स्वामी
ऐ नामने ४१मो दीक्षरे ऋषभदेव स्वामी
का इस नाम का ४१ वा पुत्र name of
the 41st son of Rishabhadeva
Svāmī कण्ठ० ३, ५२: —वंस. पु०
(—वंश—यशसां वश इव पर्वप्रवाह इव
यशोवंशः) यशवान वश यशवान वश. a
glorious family 'जसवंसो नागहृत्प्रीण'
नंदी० —वाय पु० (—वाद) धन्यवाद
वन्यवाद. thanks-giving, thanks
'जसवंसुण वड्डित्ता' कण्ठ० ४, ६०.

जसंस पु० (यशस्विन्) महावीरस्वामिना
पितातु ऐ नाम. महावीर स्वामी के पिता
का एक नाम One of the names of
the father of Mahāvīra
Svāmī कण्ठ० ५, १०३;

जसंसि. त्रि० (यशस्विन्) प्रख्यातः यशस्वी,
जेनी शुभ कीर्ति येतरश् प्रसरेदी होय ते
प्रख्यात, यशस्वी, जिनकी सुकीर्ति चहुँ ओर
फैली हुई हो वह Famous, glorious;
(one) whose fame has spread
everywhere 'अणुत्तरे णाणवो ज-
संसि' उक्त० ५, २६, सम० प० २३५,
ओव० १६, नाया० १: दम० ६, ६६, राय०
२१५ भग० २, ५, (२) महावीर स्वामी-
ना आप्तुं अपर नाम महावीर स्वामी के पिता
का अरार नाम another name of the
father of Mahāvīra Svāmī
अ.श्रा० २, १५, १७७ कण्ठ० ५ १०३.

जसकीर्ति त्रि० (यश-कीर्ति) यश, कीर्ति:
आयत्त, प्रख्याति यश कीर्ति, विख्याति
Fame, reputation; glory आ०

३, ३, क० ग० १, २१; क० प० १, ७६;
प्रव० १२८०; —णाम न० (—नामन्)
नामकर्मनी ऐक प्रकृति के जेना उद्ययी
छव जया जय त्या शुभ कीर्ति भेदवे.
नामकर्मको एक प्रकृति कि जिसके उदय से
जीव जहा जावे वहा शुभ कीर्तिको प्राप्त करे
a variety of Nāmakarma by
the rise of which a Jīva (a
soul) attains fair fame where-
ever he goes. प्रव० १२८०;

जसवोस पु० (यशोवोष) ऐरावत क्षेत्रभा
लवि त्रीज तीर्थक्षर ऐरावत क्षत्र के भावो
तासरे तीर्थकर. The third wouldbe
Tirthaṅkara of Airāvata
Ksetra. प्रव० ३०१,

जसवद पु० (यशश्चन्द्र) ऐ नामना ऐक
गथी इस नामका एक गणो An ascetic
of this name भग० ४२, १:

जसद. पु० (जसद) जसज जसज Zinc
ओव० ३८, —वाय न० (—पात्र)
जसतनु वासशु जसन का बरतन (पात्र)
a zink pot. 'जसदगायादि वा'
ओव० ३८,

जसवण पु० (यशोवन) ऐ नाममो ऐक
राज इस नाम का एक राजा. A king
of this name. तदु०

जसवर पु० (यशोधर) पञ्चमादीआना
पायमा त्रिसनु नाम पञ्च के पाचवे दिन का
नाम Name of the fifth day of
a fortnight ज० प० ७, १५२,

जसमद्. पु० (यशोभद्र) शय्यभद्र
भूरीना ऐक शिष्य जयम्भव मूरी के एक
शिष्य का नाम Name of a disciple
of Śaṅgambhava Sūri नदी० २०८:
(०) ऐ नामना ऐक आचार्य के जे
माइरस गोवता आर्य समूतविद्यना

शिष्य हुता इस नामके एक आचार्य कि जो माठरम गोत्र के आर्य समूतविजय के शिष्य थे name of a teacher who was a disciple of Ārya Sambhūta-vijaya of Mātharasa race कप्प० ८; (३) पणवाडीआना प६२ दिवसमाना योयदिवसनु नाम पक्ष के पंद्रह दिवस में से चौथे दिन का नाम name of the fourth day of a fortnight. सू० प० १०, ज० प० ७, १५२, (४) न० यशोभद्रथी नीन्देन ओ नामनु दुस यशोभद्र से उत्पन्न इस नाम का कुल. a family of this name sprang from Yaśo bhadra कप्प० ८, (५) पु० ओ नामना श्रीपार्श्वनाथना ओ३ गणुधर इस नाम का श्रीपार्श्वनाथ का एक गणवर a Gaṇ-dhara of this name of Śrī Pārsvanātha सम० ८;

जसमंत पु० (यशोमत्) ओ नामना ओ३ दुसगर इस नामका एक कुलगर (कुलकर) A Kulagara so named सम० प० २२६, ठा० ६,

जसवई स्त्री० (यशोमति) श्रीम सगर यद्वतीनी मना द्वितीय सगर चक्रवर्ती की माता The mother of the 2nd Sagara Chakravartī सम० प० २३४, (२) श्रवणु लगवान् श्रीमद्वापारनी पुत्रीना पुत्रीनु नाम श्रमण भगवान् श्री महावीर की पुत्री का पुत्री का नाम name of the daughter of the daughter of the great ascetic Mahāvīra कप्प० ५, १०३, (३) श्रीम आहम अने तेरस ओ वणु गन्निनी तिरिय तृतीया अष्टमी व त्रयोदशी. इन तीन रात्रियों की तिथि the three

nights viz of the 3rd, 8th, and 13th day of a fortnight.

सू० प० १०, ज० प० ७, १५२,

जसवती स्त्री० (यशोमती) लुओ उपदेो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above सम० प० २३४; ज० प० ७, १५२

जसस्सि त्रि० (यशस्विन्) यशवान्, आ० १३ वाओ, श्रीनिधन यशवान्, कार्तिकत. Famous glorious आया० २, २ १, ७१.

जसहर पु० (यशोधर) न० यद्वीपना लगतभ्रमा थना० १६मा तीर्थक्ष जंबुद्वीप के भरतखट में होने वाले १६वे तीर्थकर The 19th would-be Tirthankara who is to appear in Bharata Khanda of Jambūdvīpa सम० प० २११, (२) पणवाडीआना प६२ दिवसमाने पाचमे दिवस पक्ष का पाचवा दिन the fifth day of a fortnight ज० प० (३) त्रैवेयक विमानना पाथेओ त्रैवेयक विमान का प्रस्तर (थर) a layer of the dividing matter of Graiveyaka abode ठा० ६, (४) स्त्री० दक्षिण रुचक पर्वत उपरनी आ० दिशाकुभागमानी योथी दिशाकुभासी दक्षिण रुचक पर्वत पर की आठ दिशा-कुमारी में की चौथी दिशा-कुमारी the fourth of the eight Dīśākumārīs living on the southern Ruchaka mountain ठा० ८ ज० प० (५) पलनी प६२ रात्रिमाना योथी रात्रिनु नाम पक्ष की पंद्रह रात्रि में से चौथा रात्रि का नाम name of the fourth night of a fortnight ज० प० (६) न० लु मुद्गना नामे वृक्ष जव मुद्गन नाम का वृक्ष a tree named Jambū

Sudaisana जीवा० ३; ज० प०

जसा स्त्री० (यशा) दशमिना रक्षीश दश-
पती स्त्री अने अपिपती माना कौशावी का
रहीस काश्यप की स्त्री व कपिल की माता
The mother of Kapila and
wife of Kāśyapa, the resident
of Kausāmbī उत्त० ८, (२) लघु
पुरोहितनी स्त्री. भगु पुरोहित की स्त्री
उत्त० ३, १४, ३,

जसो पुं० (यशस) यश; आश्रय, इति.
यश, कीर्ति Fame, reputation
सु० च० २, १३८; —कामि पु० (-का-
मिन्) यशनी प्रयत्न करने वाला यश की इच्छा
करने वाला one aspiring to fame
or reputation “ धिरथु ते जसो
कामी ” दस० २, ७, ५, २, ३५, —कित्ति
स्त्री० (-कीर्ति) लुओ “ जसकित्ति ”
शब्द. देखो “ जसकित्ति ” शब्द vide
“ जसकित्ति ” पत्र० २३, —कित्तिनाम
न० (-कीर्तिनामन्) लुओ “ जसकि-
त्तिणाम ” शब्द देखो “ जसकित्तिणाम ”
शब्द. vide “ जसकित्तिणाम ” सम० १७,
—नाम न० (-नामन्) नाम इमनी
ओऽप्रकृति के जेना उदयथी श्रवण श्रवण
पामे छे नामकर्म की एक प्रकृति कि जिसके
उदय मे जीव यश प्राप्त करता है a
variety of Nāma Karma by
the use of which a soul attains
glory सम० २८,

जसोचंद. पु० (यशचन्द्र) लुओ ‘जसचंद’
शब्द देखो “ जमचंद ” शब्द Vide
“ जमचंद ” भग० ४२, १;

जसोद. पुं० (जमद) लुओ “ जमद ” शब्द
देखो “ जमद ” शब्द Vide “ जसद ”
ओव० ३८, —पाय. न० (-पात्र) लुओ
“ जसदपाय ” शब्द देखो “ जमदपाय ”

शब्द vide. “ जसदपाय ” ओव० ३८,
जसोधर. पु० (यशोधन) ओ नामना ओऽ
राम इस नाम का एक राजा A king
of this name तदु०

जसोधर पु० (यशोधर) लुओ “ जसहर ”
शब्द देखो “ जमहर ” शब्द Vide
“ जसहर ” ठा० ५, १; सु० प० १०;

जसोधरा स्त्री० (यशोधरा) प६२७ रात्रि-
मानी योथी रात्रि नाम पंद्रह रात्रिमे से
चौथी रात्रि का नाम Name of the
fourth of the fifteen nights
सु० प० १०, ज० प०

जसोमंत पु० (यशोमत्) लुओ ‘जमम’
शब्द. देखो ‘जसमत्’ शब्द Vide
‘जसमत्’ ठा० ७,

जसोया स्त्री० (यशोदा) महावीर स्वामीनी
स्त्री. महावीर स्वामी की स्त्री The wife
of Mahāvīra Swāmī (२) कृष्ण
वासुदेव नी माता. कृष्ण वासुदेव की माता
the mother of Kṛiṣṇa
Vāsudeva ‘सम्मणस्परणं भगवन्नो महा-
वीरस्स भज्जा जसोया गोत्तेण कौंडिलेण’ आया०
२, १५, १७७, कण्व० ५, १०३; सु० च०
१२, ४.

जसोवई स्त्री० (यशोमती) लुओ “ जस-
वई ” शब्द देखो “ जसवई ” शब्द.
Vide “ जमवई ” सम०

जसोहर पु० (यशोधर) अतसेवना गठ
योपीसीना १८ मा तीर्थंकर भरतचेत्रके
गत चौबीसी के १८ वें तीर्थंकर The
18th Tirthankara of the past
cycle of Bharata Ksetra प्रव०
२६१. (२) आवती योपीसीना अत
क्षेत्रना १८ मा तीर्थंकर नाम आगामी
चौबीसी के भरतक्षेत्र के १८ वें तीर्थंकर का
नाम name of the 19th Tirthan-

kaia of the coming cycle of
Bhārat Ksetra ज० प० २, ११४,
प्रव० २६७, ४७३,

जसोहरा. स्त्री० (यशोधरा) दक्षिण दिशाना
इयं पर्वतपरनी आठ दिशा-कुमारीमानी
यैथी दिशा-कुमारी दक्षिण दिशा के रुचक
पर्वत पर की आठ दिशा-कुमारी मे से चौथी
दिशा-कुमारी The fourth of the
eight Disa Kumāris living
on the southern Ruchaka
mountain ज० प० ७, १५२, (२)
जुषु सुदर्शननु अपर नाम जुषु सुदर्शन
का अपरनाम. another name of
Jambu Sudarśana जीवा० ३, ४,
जह अ० (यथा) जेम, जेथी रीते यथा,
जिस तरह In which manner, just
अ० नाया० १, ६, ७, ८, ९, १३, १५, १६,
१८, विशेष० २२, २७, ५० नि० ७१, उवा०
२, ६४, गच्छा० ३०,

जहक्रम न० (यथाक्रम) क्रम अनुसार, क्रम-
स०-अनुक्रमे क्रमानुसार, पद्धति पूर्वक In
due succession, regularly उत्त०
३४, १, चउ० ६ दस० ५, १, ८६, प्रव० ८३,

जहकरवाय न० (यथाख्यात) ध्याय रहित,
यथाख्यात नामनु पायमु आरित्र कपाय
रहित, यथाख्यात नाम का पाचवा चारित्र
Free from passion, attachment,
the fifth observance known as
Yathākhyata विशेष० १२७६,

जहचिंतिय त्रि० (यथाचिन्तित) चिंतय
प्रमाणे जेम चिंतयु होय तेम चिन्तवन
के अनुसार, जैसा मोचा हो वैसा As con-
templated or meditated सु० च०
१, १६३,

जहद्विय न० (यथास्थित) यथास्थित, जेम
होय तेम यथास्थित, जैसा हो वैसा Ac

cording to circumstances सु०
च० १, ३४३, गच्छा० २६,

जहण न० (जघन) गंद, जाघ, जटघा The
thigh जीवा० ३, ३, (२) स्त्रीनी कमर
नियेनी भाग स्त्री का कमर का नीचे का
भाग the lower part of the loins
of a female ज० प० नाया० ६, १७,
जीवा० ३, ३,

जहणवर न० (वरजघन) थ्रेष्ट साथथ थ्रेष्ट
जाघ Big heavy thigh जीवा० ३, ३,
जहणिल्ल त्रि० (हेय) त्यागवा योग्य त्याग
करने योग्य Fit to be abandoned
नाया० १,

जहण त्रि० (जघन्य) ओछामा ओछु,
न्डानामा न्डानु, थोडामा थोडु छोटमे छोट
थोडा, थोडेमे थोडा Smallest, little,
least ज० प० ७, १३४, २, २५, भग०
१, १, १, १०, ५ १, ८, ८, २, १०,
वव० ३, ४, अणुजो० ८६, उत्त० ३०, १५.

३६, ५०, ठा० १, १, ४, २, भक्त० १६६
पचा० ३, २, —उक्कांसग त्रि० (—उत्कर्षक—
जघन्यो नि कृष्ट काञ्चिद्व्यक्तिमाश्रय्य म
एव च व्यक्त्यान्तरापेक्षयोत्कर्ष उत्कृष्टं जघ-
न्योत्कर्षक) अभुष्ट वस्तुनी अपेक्षामे जघन्य
वस्तुने भीजनी अपेक्षामे उत्कर्ष असुक वस्तु
की अपेक्षामे जघन्य व दुमरे की अपेक्षा
मे उत्कर्ष inferior to one thing
and superior to something else

भग० २४, १, २५, १, —उगाहण
त्रि० (—अवगाहनक—अवगाहन्ते आमत-
यस्या मावगाहना क्षेत्रप्रदेशरूपा माजघन्या
येपाते) जघन्य क्षेत्र प्रदेशने-अवगाहिने
गुह्य, जघन्य अवगाहना वाले जघन्य क्षेत्र
को अवगाहन करके रहाहुआ (one) re-
siding or occupying the smallest
region ठा० १, १, —काल पु० —काल)

थोडां थोडा वषत थोडेमें थोडा समय. shortest space of time भग० २४, १, २१; —गुणकालग पुं० (—गुणकाल-क—जघन्येन जघन्यसंख्याविशेषेणैकेनेत्यथा-गुणो गुणन ताडनयस्य स तथाविधःकालो वर्यो येषाते जघन्यगुणकालका) ओ७ा-भां ओ७ागणो डावो, ओ७ागणो डावो कमसे कम काला, एक गुना काला. of least black colour ठ० १, १; —टिइ वी० (—स्थिति) जघन्य-ओ७ाभां ओ७ा स्थिति जघन्य-कमसे कम स्थिति shortest period. क० प० ४, ८६, —टिइय त्रि० (—स्थितिक जघन्या जघन्य संख्यासमयापेक्षया स्थितिर्येषां ते जघन्य स्थितिका) जघन्य-थोडां थोडा स्थिति वावो. जघन्य-थोडेमें थोडा स्थितिवाला of the shortest period ठ० १, १; —प-एसिय. पुं० (—प्रदेशिक—जघन्या सर्वाल्पा प्रदेशाः परमाणवः सन्ति येषां ते जघन्य-प्रदेशिकाः) ओ७ाभा ओ७ा प्रदेश वावो कमसे कम प्रदेशवाला consisting of a small number of atoms ठ० १, १; —पद न० (—पद—पद्यते गम्यते इति पद पदसंख्यास्थान तच्चानेक-वेति जघन्य सर्वहीन पद जघन्यपदम्) न्हानाभा न्हानी सभ्या, न्हानाभा न्हातु ५६ छोटेंमें छोटो संख्या-पद lowest number भग० १८, ४, —पय न० (—पद) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द. vide above ठ० ४, २, भग० ११, १०; जं० प० ७, १७३, —पुरि-स. पुं० (—पुरुष) जघन्य पुरुष, डल्लो भाणुस जघन्य पुरुष, नीच मनुष्य. a low, vile person. ठ० ३, १, —सामि पुं० (—स्वामिन्) अनुभाग-डर्भना रसनी जघन्य उनीरणा डरनार अनुभाग-कर्म के

रस की जघन्य उदीरणा करने वाला one who forces into maturity a small number of Karmas into maturity. क० प० ४, ८२; जहणण त्रि० (जघन्यक) ओ७ाभां ओ७ु; न्हानाभां न्हातु कम से कम; थोडे से थोडा Least; slightest. भग० २४, २१; २५, ६, जहणणय त्रि० (जघन्यक) जुओ “जहणण” शब्द. देखो “जहणण” शब्द Vide “जहणण” भग० ८, ६, २४, १, जहणणय. त्रि० (जघन्य) जुओ “जहणण” शब्द. देखो “जहणण” शब्द Vide “जहणण” भग० ५, १, ८, ६, १०, ११, ११, १६, ३, २५, १. जं० प० ७, १३४, जहतह अ० (यथा तथा) जेम तेम, आहुं अवहु. यथा तथा, जैसा वैसा, बाका टेडा Somehow, somehow or other. क० ग० ५, ८८, जहत्य त्रि० (यथार्थ) यथार्थ, अरेअर, अराअर; सायेसाय यथार्थ, सचमुच, ठीक ठीक Infact, actual, real “बोच्छा-मि पचमंगह-जेयमहत्य जहत्यंवा” पिं० नि० भा० १, पिं० नि० ४६३, नाया० ७, विशेष ८४८, परह० २, २; सु० च० १, २८, जहत्याम न० (यथास्थाम) यथाशक्ति यथाशक्ति As far as possible; to the utmost of one's power. “जुंजइ य जहत्याम” पचा० १५, २७, जहन्न त्रि० (जघन्य) जुओ “जहणण” शब्द देखो “जहणण” शब्द Vide “जहणण” भग० २, ५, विशेष ३३४, नंदी० १२, दमा० ६, २, क० प० २, ३२, १, ६, १३, पचा० १६, ४३; —आढत्त. त्रि० (—आरब्ध) सर्व जघन्य प्रदेश यध स्थानथी आर लेतु. सर्व जघन्य प्रदेशयव

स्थान से आरम्भ किया हुआ. commenced from the lowest place
 क० प० ७, ४७, —इयर त्रि० (—इतर) जुओ। “ जहन्नग-इयर ” शब्द। देखो
 “ जहन्नग-इयर ” शब्द vide “ जहन्नग-
 इयर ” क० प० १, १२, —काल पु०
 (—काल) जघन्य-ओछाभां ओछो क्षण
 जघन्य-कर्म के कम समय shortest
 space of time प्र० १७१; —गइ
 स्त्री० (—गति) जघन्य गति जघन्य गति
 shortest condition or position
 क० प० ४, ७२, —ट्टाण न० (—स्थान)
 जघन्य-स्थान जघन्य-स्थान lowest
 place क० प० १, ४६, —ट्टिइ स्त्री०
 (—स्थिति) जुओ। “ जहणट्टिइ ” शब्द।
 देखो “ जहणट्टिइ ” शब्द vide “ जह-
 णट्टिइ ” क० प० १, ९१, ६, २०,
 —ट्टिइबंध पुं० (—स्थितिबन्ध) जघन्य
 स्थिति रूपे थनो इमं यध जघन्य स्थिति
 रूप होता हुआ कर्मवत् Karminic
 bondage lasting for a very
 short period क० प० १, ५७,
 —ट्टिइसकम. पु० (—स्थितिसकम)
 इमं नी जघन्य स्थितिनु स इमण् कर्म का
 जघन्य स्थिति का संक्रमण transition of
 the shortest period of Karma
 क० प० २, ५७, —देवट्टिइ स्त्री०
 (—देवस्थिति) देव गतिनी जघन्य स्थिति
 देव गति की जघन्य स्थिति the shortest
 period of the state of being a
 god क० प० २, ८६, ६, २०,
 —निकखेव पु० (—निक्षेप) जघन्य निक्षेप
 थोडा इमं द्रविया नाथना ते जघन्य —
 थोड़े कर्मों के समुह को डालना dis-
 carding or destroying the sins
 in the form of a few Karmas

क० प० ३, ८, —बंध पुं० (—बन्ध) जघन्य
 इमं यध जघन्य कर्म बन्ध incurring
 the karma of the lowest kind क०
 प० २, ३२, —जहन्नअ-य त्रि० (—जघ-
 न्यक) जुओ। “ जहणणग ” शब्द देयो
 “ जहणणग ” शब्द vide “ जहणणग ”
 विशेष ५८७, अणुजो १३०,

जहन्नओ. अ० (जघन्यतन्) जघन्यथी
 जघन्य से. From the shortest
 state प्र० ६६८,

जहन्नग त्रि० (जघन्यक) जुओ। “ जहणणग ”
 शब्द देखो “ जहणणग ” शब्द।
 Vide “ जहणणग ” क० प० १, १५,
 —इयर त्रि० (—इतर) जघन्यथी इतर-
 सिन, उत्कृष्ट जघन्य से इतर-भिन्न, उत्कृष्ट
 other than the shortest, loṅg
 क० प० १, १५,

जहण्णय त्रि० (जघन्यक) जुओ। “ जहणण ”
 शब्द देखो “ जहणण ” शब्द vide
 “ जहणण ” उक्त ३३, १६, नम० १० वव०
 १०, १७,

जहण्ण न० (यथात्म्य) यथातत्त्व यथातत्त्व
 Reality, truth, real nature ठा०
 ५, १,

जहरिह न० (यथार्ह) यथार्थ, यथार्थ,
 अरेपर यथार्थ, सचमुच As deserv-
 ing, appropriate, actual सु० च०
 ८, २६७,

जहवहि न० (यथावधि) जघन्यथी जघ-
 तक, जहा तक As long as, o loṅg
 अ० सू० च० १, १६३,

जहवाय न० (यथावात) इत्था प्रमाणे कथ-
 नानुसार कहने के माफिक According
 to narration, as related नि०
 नि० १८६;

जहसंभव न० (यथा सम्भव) यथा जेअ,

योग्य रीते. यथा योग्य. योग्य रीति से
Proper, right, properly पि० नि०
११२,

जहसत्ति. स्त्री० न० (यथाशक्ति) यथाशक्ति;
शक्ति प्रमाणे यथा शक्ति, शक्ति के अनुसार.
As far as possible, to the ut-
most of one's power पि० नि०
३६५,

✓जहा. घा० I. (हा) तज्जुं, छेउजुं.
त्याग करना छोड़ देना. To abandon;
to give up.

जहइ-ति. वव० १०, ८, ९; भग० २५,
६; ७,

जहाइ आया० १, २, ६, ६८,

जहासि. उत्त० ६, ५१,

जहाय स० कृ० उत्त० १४, २,

जहित्ता. स० कृ० उत्त० १, ५, पि० नि०
४१७; आया० १, ४, ४, १३७,

जहमाण. भग० २५, ६, ७,

जहा. अ० (यथा) जेवी रीते, जेम, जेप्रमाणे,
अनुसार जिस रीति से, यथा, जिस प्रकार
In which manner, just as भग०
१, १, ३, २, १, ३, १, २, ५, ४, ५, ६,
३; १२, १०; १४, २, १०, १५, १, १८,
५, ४१, ४, नाया० १, २, ५, ८, ६, १०,
१५, १६; वव० २, २१, २४, दम० १, २,
८, १, दसा० ६, १. पि० नि० १५६, १६१,
ज०, प० अणुजो० १, उत्त० १, ४५;
आया० १, ६, ३, १८२, मूय० १, १, १,
६, उवा० १, २, ६, १२, ६६, २, ६२, ८,
२५६; क० ग० १, १६, ५३, ज० प० ५,
११८, ५, ११२,

जहाकाल. न० (यथाकाल) यथावसर, अव-
सर मले त्वारे यथावसर. मौका मिले तब
When proper time comes. भक्त०
४६;

जहागदिय न० (यथागृहीत) जेवी रीते
ग्रहण करेले छे ते प्रमाणे जिस प्रकार ग्रहण
किया हुआ है उस प्रकार As accepted
or taken. दस० ५, १, ६०; नाया० १६;

जहाच्छुंद. पु० (यथाच्छुंद) स्वच्छुंद. स्व-
च्छुंद self-willed, unrestricted.
ठा० ६, ३,

जहाजाय त्रि० (यथाजात) जन्मती वष
तनी स्थिति जेवु, नम. जन्म के समय की
स्थिति के जैसा, नम. As born, naked
उत्त० २२, ३४; आंघ० नि० भा० ५८; सम०
१२,

जहाजोग. न० (यथायोग्य) यथायोग्य, जेम
धटे तेम. यथा योग्य, जिस प्रकार उचित हो
उस प्रकार. Proper, appropriate.
विशे० २३; ८०;

जहाहाण. न० (यथास्थान) पोत पोताना
अनुष्ठानते अनुरूप-उचित स्थान, -छादि
५६. अपने अपने अनुष्ठान के अनुरूप उचित
स्थान, इद्रादि पद Appropriate po-
sition suited to one's occupa-
tions, the position of India
etc उत्त० ३, १७,

जहाणमय त्रि० (यथानामक) जेतो नाम
निर्देश कर्यो नथी ते, कौछि ऐक जिसका
नाम निर्देश न किया हो, कोई एक Cer-
tain, some, any भग० २५, ११,
पन्न० १६,

जहाणिसंत न० (यथानिशान्त) अवधार्या
प्रमाणे, जेम धार्यु होय तेम अनुमान के
अनुसार, जैसा सोचा हो वैसा As
guessed, as anticipated सूय० १,
६, २;

जहाणुपुञ्चि. न० (यथानुपूर्वी) क्रमसर अ-
नुक्रम प्रमाणे क्रमशः, अनुक्रम के अनुसार.
Successively. in regular order

भग० ३, १०, ८, १,

जहातश्च न० (याथातथ्य) वास्तविक, सत्य, अरेअर. वास्तविक, सत्य, सचमुच True, real, actual. सू० १, ६, १,

जहातह न० (याथातथ्य) सूयगडाग सूत्रनु तेरमु अध्ययन के जेभा धर्म समाधि वेगेरे अरअर रीते कहेला छे. सूयगडाग सूत्र का तेरवां अध्ययन कि जिम में धर्म समाधि इत्यादि का ठीक ठीक वर्णन किया है. The 13th chapter of Sūyagadānga Sūtra dealing fully with religion, meditation (Samādhi) etc along with similes “जाणा-सिणं भिक्खु जहा तहेणं ” सू० १, ६, २, १, ५, २, १,

जहातहज्झयण न० (याथातथ्याध्ययन) सूयगडागसूत्रनु १३मु अध्ययन सूयगडाग सूत्र का १३ वा अध्ययन The 13th chapter of Sūyagadānga Sūtra सू० १, १३,

जहात्थिय न० (यथास्थित) जेम होय तेम. जिस प्रकार हो उस प्रकार Somehow or other भग० १२, ६,

जहानाम त्रि० (यथानाम) यथानाम, सभा वना, कष्ट ओष्ठ यथा नाम, संभावना Possibility, certain, some भग० २, ६, नाया० १०,

जहानामय त्रि० (यथानामक) जेम कष्ट दष्टात उपन्यास. जैसा कोई, दष्टात उपन्यास As for example (२) वाक्कयअल-कार वाक्कयअलकार a word used to add grace to a sentence नाया० १, ६, ६, ८,

जहानाय न० (यथान्याय) यथायोग्य, रीत-सरनु, व्याख्या नीत्या की रीत में, यथा योग्य According to justice

lightly, properly उत्त० २३, ३८, **जहाफुड** न० (यथास्फुट) स्पष्ट, अरेअर स्पष्ट, सचमुच Clear, distinct, true उत्त० १६, ८५,

जहाभाग न० (यथाभाग) भाग प्रमाणे अरअर. समान विभाग में, भागानुसार According to share, proportionately. दस० ५, १, १३,

जहाभूत त्रि० (यथाभूत) जेवी रीते अनेहु होय तेवी रीते; सत्यवात. जिस रीति में वनाव बना हो उस रीति से, सत्य वाता. According to what has happened; fact. “ जहाभूयमवितहमस्सदिदं ” नाया० १,

जहाभूय न० (यथाभूत) जेमो ‘जहाभूत’ शब्द. देखो “ जहाभूत ” शब्द. Vide “ जहाभूत ” नाया० ६,

जहामालिय न० (यथामालित) जेम धारण क्युं छे तेम जिस प्रकार धारण किया हो उस प्रकार. As assumed “ जहामालिय ओमोघ दल्लइ ’ भग० ११, ११,

जहायरिय-अ (यथाचरित) जे प्रमाणे आय्युं होय ते प्रमाणे जिम प्रकार आचरण किया हो उस प्रकार As practised भक्त० २२,

जहारिह न० (यथार्ह) यथायोग्य, जेम धटे तेम. यथायोग्य, जिम प्रकार उचित हा Proper, suitable ज० प० २, ३३, दस० ७, १७, नाया० १, ८, १६ उवा० ८, २४६,

जहालद्ध त्रि० (यथालब्ध) यथा प्रमाणे प्राप्ति के समान. मिलने के बराबर According to gain or acquisition equal to attainment भग० ७, १

जहावाइ पु० (यथावादिन्) अर ओडना योग्य कहेला, सत्य ओडना सत्यवक्ता. योग्य कथन करने वाला सत्य भाषण करने

वाला. One who is truthful in speech; (one) who is plain-spoken. "जो जहावाइ तहाकारीयाऽवि भवइ" ठा० ७;

जहाविभव न० (यथाविभव) वैभव प्रमाणे; शक्ति प्रमाणे वैभव के अनुसार, शक्ति के प्रमाण से. In proportion to wealth; according to means भग० ६, ३३,

जहासंख. न० (यथासंख्य) संख्या प्रमाणे; क्रमवार कमश, संख्या के अनुसार Successively; respectively. सु० च० ५, ५१,

जहासंभव न० (यथासंभव) जेभ संभवे तेभ. यथासंभव, जैसा संभव हो उसी प्रकार. Possible; possibly. क० गं० ६, ३२;

जहासत्ति स्त्री० न० (यथाशक्ति) शक्ति प्रमाणे, यथा शक्ति शक्ति के अनुसार, यथा शक्ति. As far as possible, to the utmost of one's power पंचा० २, ३६,

जहासमाहि न० (यथासमाधि) समधि प्रमाणे. समाधि के अनुमार. According to agreement or promise पंचा० १, ४;

जहासुय न० (यथाश्रुत) जेभ साधल्यु होय तेभ, साधल्यु प्रमाणे जिन प्रकार श्रवण किया हो उस प्रकार; श्रवणानुमार As heard of or listened to उत्त० १, २३, आया० १, ६, १, १,

जहासुह न० (यथासुख) जेभ सुख पडे तेभ जिन प्रकार सुख हो उस प्रकार At ease; according to happiness. त्रिव० १,

जहिं अ० (यत्र) जथा, जे स्थाने; जथापर

जहां, जिस स्थान पर, जहांपर. Where, at which place भग० १, ५; ७, ८, ८, ११, १२; १५, १, १८, ५; दस० ५, १, ७७, नाया० १७, गच्छा० १७,

जहिच्छ न० (यथेच्छ) छच्छ प्रमाणे. यथेष्ट, इच्छा के अनुसार Agreeably to desire. नाया० ७; सु० च० १, १७१;

जहिच्छियकामकामि पुं० (यथेप्सितकाम-कामिन्-यथेप्सितान् मनोवाञ्छितान् कामान् शब्दादीन्-कामयन्त इत्येवशीला यथेप्सित कामकामिनः) मनोवाञ्छित सुख भोगयनार मनोवाञ्छित सुख को भोगने वाला One who enjoys pleasure according to the desire of one's heart "जहिच्छिय काम कामियो" जं० प० जीवा० ३,

जहुत्त न० (यथोक्त) इत्या प्रमाणे कथनानुसार; कहने के अनुसार As said or told previously पंचा० १०, १२;

जहेट्ट न० (यथेष्ट) मन गमजुं, छच्छानुष्टु०. चित्त रोचक, दिलपसद; यथेष्ट As desired, as wished for, pleasing to the heart पि० नि० ४०६,

जहेव अ० (यथैव) जेभ, जेरी रीते जिस प्रकार, जिस रीति से As; in which manner नाया० १, भग० ३, ५; ७, २, १६, १, १८, ७, २८, १८; २५, १, ३३, २,

जहोइय न० (यथोचित) यथोचित, यथा योग्य यथायोग्य, यथोचित Proper, suitable विवा० २, पंचा० ३, ३८,

जहोचित्त न० (यथोचित) जेभ धटे तेभ उचित रीति से. Suitably; properly पंचा० ७, ३७,

जहोचिय न० (यथोचित) जेभ धटे तेभ; यथा योग्य उचित रीति से, यथायोग्य. Properly, suitably निर० १, १;

नाया० १;

जहोवहट्ट. न० (यथोपदिष्ट) जेवी रीते डहे-
वामा उपदेशवामा आन्वु होय ते प्रमाणे
जिस रीति सं कहने मे-उपदेश में आया हो
उस रीति से. According to advice
or orders. “जहोवहट्ट अभिकंखमाण ”
दस० ६, ३, २, उत्त० १, ४४;

जहूवी स्त्री० (जन्हवी) गंगा नदी गंगा
नदी. The river Ganges ज० प०
✓जा धा० I (जन्) पैदा थयु, उत्पन्न
थयु पैदा होना, उत्पन्न होना. To be
born or produced.

जायइ नाया० ७, १०, विशेष० ४१८, उत्त०
१६, ७६,

जायउ विशेष० ४१८,

✓जा धा० I (या) जयु, गति करवा
जाना; गति करना To go, to walk.

जाइ उत्त० ३, १२, विशेष० ६४४, १६०८,
नाया० ६, ६,

जति. आया० १, ३, ४, १२३, सु० च० १, ६३३,
जायमाण. व० कृ० भग० ३, ३,

✓जा. धा० I (या+णि) निर्गमन करवु,
निर्वाह करवे। निर्गमन करना, निर्वाह करना
To go out, to support oneself.

(२) आत्मानि सयममा प्रवृत्ति करवनी.
आत्माको सयममे प्रवृत्त करना to urge
the soul in self-restraint
जवेति प्रे० पि० नि० ६१६,

जवित्तणु हे० कृ० सूय० १, ३, २, १,

जवित. व० कृ० ज० प०

✓जा धा० I (या+णि) पीनायु, गायुं
व्यतीत करना To cause to go, to
pass.

जावित्ति प्रे० पि० नि० ६१६;

जावणु वि० सूय० १, १, ४, २,

जावेत व० कृ० ज० प० ३, ६७,

जा अ० (यावत्) जयायुधी जवलन, जवतक,
जहातक So long, as long as, as
far as प्रव० ८२, क० गं० २, २६, उवा०
१, ८१,

जाइ. स्त्री० (जाति-जनन जाति.) जन्म;
उत्पत्ति जन्म, उत्पात्ति Birth, produc-
tion. आया० १, १, १, ११, उत्त० ६, १,
३२, ७, क० प० ६, ३; प्रव० १२७६,
१०७०; क० गं० १, ३३; ५, ६१, (०)
अेकेन्द्रिय अेधेन्द्रिय आदि पाय जति एकेंद्रिय,
द्विन्द्रिय आदि पाच जाति. five kinds
(of creatures) viz one sensed
two-sensed etc क० प० ४, ६; भग०
६, ८, ७, ५, ६, ३३, उत्त० ३, २, ६, २,
अणुजो० १२७, ठा० ६, ४६, सम० १, क०
ग० १, (३) जति, ज्ञाती, वर्ण, क्षत्रिय
आदि जति जाति, ज्ञाति, वर्ण, क्षत्रिय
आदि जाति. kind, caste, Ksatriya
etc उत्त० ३, २, १२, ५, १३, १, विशेष०
१६१ पन्न० १, सु० च० ३, १९४, दग०
७, २१, ८, ३०, पि० नि० ३१२, जीवा०
३, ३, नाया० ८, विवा० १, राय० २१५,
(४) माता पक्ष. माता पक्ष maternal
side ओव० सूय० १, ६, १३, (५)
जहनु पुष्प जइल फूल. the jasmine
flower राय० ५६, ज० प० —अंध
पु० (-अन्ध) जन्म अध, जन्मथीज
आधलो. जन्म से ही अंध, जन्माध blind
from the very birth, born blind
“ केइ पुरिसे जाइअथे जाइअमारुने ”
विवा० १, सूय० १, १, २, ३१; —आजीव
त्रि० (-आजीवरु) जति जहापी आया
लेनार जाति बतलारु आहार लेने वाला.
(one) who accepts food hav-
ing exposed one's caste ठा० ५, १
—आजीवअ-य पु० (-आजीवरु)

जुओ “जाइआजीव” शब्द देखो “जाइ-
आजीव” शब्द vide “जाइआजीव”
ठ० ५, १, —आरिय. पुं० (—आर्य)
जतिओ इरी आर्य; इभ्य जतिनी स्त्रीथी
उत्पन्न थयेज जति, अम्बष्ट, इति ६, विदेह,
विदेहडा, हरिता अने युयुशा ओ ७ आर्य
जति जाति से कर के आर्य, इभ्य जाति की
स्त्री से उत्पन्न हुई जाति, अम्बष्ट, कलिंद,
विदेह, विदेहठा, हरिना व चुचुणा ये छः आर्य
जातिया Arya by birth, the caste
sprung from a woman of Ibhya
caste, the six Aryan castes
viz Ambasta, Kalinda, Videha,
Videhathā, Haritā and Chū-
chunā ठ० ६, १, —आसीविस पुं०
(—आशीविष—आश्यो दष्टाः तासु विपं
येषां ते आशीविषा.) जन्मथीज डेरी, सर्प
विष आदि जन्म ही से विषैला, सर्प,
विच्छु वंगरह venomous from the
very birth, a snake, a scorpion
etc भग० ८, १, —कम्म न० (—कर्म)
जन्म स स्कार जन्म-संस्कार ceremony
connected with birth भग० ११,
११: —कहा स्त्री० (—कथा) अमुक जति
सारी अमुक भगवत् ध्यादि इथा इरी ते
अमुक जाति अच्छी या बुरी इत्यादि कथन
करना सो speaking of the supe-
riority of a certain caste and
inferiority of some other caste
ठ० ८, २, —कुल. न० (—कुल) जति
अने पुत्र जाति व कुल caste and
lineage. “तेसिण भते जीवाण कह
जाइ कुलकोडि जोणिएमुह मयसहस्सा
परणत्ता” जोदा० ३, —गोय न० (—गोत्र)
जति अने गोत्र जाति व गोत्र caste
and family. भग० ६, ८, —गोयनि-

उत्त. त्रि० (गोत्रनियुक्त) निश्चित जति
गोत्रवालो निश्चित जाति गोत्र वाला. one
of a settled caste and family
भग० ६, ८, —गोयनिहत्त त्रि० (—गोत्र-
निवृत्त) जति गोत्रने योग्य इभ्य पुद्गल
स्थापन करेज जाति गोत्र के योग्य कर्म पुद्गल
स्थापन किया हुआ one having
Karma-atoms established ac-
cording to caste and lineage
भग० ६, ८, —गोयनिउत्ताउय न०
(—गोत्रनियुक्तायुक्त) जति गोत्रनी साथे
निश्चित आधेज आयुष्य जाति गोत्र के साथ
निश्चित बाबा हुआ आयुष्य life-period
appointed or fixed along with
caste and lineage भग० ६, ८,
—जरामरण न० (—जरामरण) जन्म
मरण अने मरण जन्म जरा व मरण old-
age and death जं० प० ३, ७०;
—णाम न० (—नामन्) नामधर्मनी
ओड प्रकृति के जेथी ७१ जुदी जुदी जति-
मा उत्पन्न थाय नामकर्म की एक प्रकृति कि
जिमने जीव भिन्न भिन्न जाति मे उत्पन्न हो
a variety of Nāmakarma caus-
ing the birth of a soul in dif-
ferent castes or classes “जाति
नामेण भते कम्मे पुच्छा” पञ्च० २३,
—णामगोयनिउत्त. त्रि० (—नामगोत्र
नियुक्त) निश्चित जति नाम गोत्र वाले
नारडी आदि. निश्चित जाति नाम गोत्र
वाला, नारकी आदि (one) having an
appointed class or caste, name
and family, a heli-being etc भग०
६, ८, —णामगोयनिउत्ताउय त्रि०
(—नामगोत्रनियुक्तायुक्त) जति नाम गोत्र
सहित निश्चित आयुष्य वाले जाति नाम
गोत्र सहित निश्चित आयुष्यवाला (one)

having the duration of life fixed along with caste name and family भग० ६, ८, —**णामगोयनिहत्त** त्रि० (-नामगोत्र निधत्त -जाति नाम गोत्र च निधत्त ग्रैस्ते तथा) अति नाम अने गोत्रनी प्रकृति दृष्ट-पक्षे आधी छे जेसे ते जिसने जत नाम व गोत्र की प्रकृति दृढता के साथ बांधी है वह (one) who has firmly united the characteristics of caste, name, and lineage भग० ६, ८, —**नामगोयनिहत्ताउय** त्रि० (-नाम-गोत्रनिधत्तायुक्त—जाति नाम्ना गोत्रेण च सह निधत्तमायुर्ग्रैस्ते तथा) अति नाम गोत्र साथे स्थापन करेस आयुष वालो जाति नाम गोत्र सहित स्थापन किया हुआ आयुष्यवाला (one) who has the duration of life fixed along with caste, name and family भग० ६, ८, —**णामनिउत्त** त्रि० (-नामनियुक्त—जातिनामनियुक्त नितरां युक्त सबद्ध निकाचितं वेदने वा नियुक्त ग्रैस्ते तथा) निश्चित अति नाम-धर्मवाला ७।. निकाचित जाति नाम-कर्म वाला जीव a being or soul with a fixed caste, name and Karma भग० ६, ८, —**णामनिउत्ताउय** त्रि० (-नामनियुक्तायुक्त—जातिनाम्ना सह नियुक्त निकाचित वेदयितु-मारब्ध वाऽऽयुर्ग्रैस्ते तथा) अतिनामसहित निश्चित आयुष्यवालो जातिनाम सहित निकाचित आयुष्य वाला (one) having the duration of life fixed along with caste and name भग० ६, ८, —**णामनिहत्ताउय** न० (-नामनिधत्तायुक्त—जातिरेकेन्द्रिजजात्यादि पञ्चधा सैव नाम इति नामकर्मण उत्तमप्रकृति-

विशेषो जीवपरिणामो वा तेन सह निधत्त निषिक्त यदायुस्तज्जातिनाम निधत्तायु) अनिरूप नामधर्मसाथे स्थापन करेस आयुष्य जाति रूप नाम कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य life impregnated with kind or class, form, name and Karma भग० ६, ८, (२) अनिरूप नाम धर्म साथे स्थापन करेस आयुष्य वालो ७।. जाति, रूप, नाम, कर्म के सहित स्थापन किया हुआ आयुष्य वाला जीव a being with his life impregnated with kind or class, form, name and Karma भग० ६, ८, —**णिवद्ध** न० (-निबद्ध) मंत्र ग्रन्थानां ओष्ठ प्रश्न, गद्यपद्यादि ७।. ग्रन्थः मंत्र रचना का एक प्रकार, गद्यपद्यादि मंत्र रचना a method of the composition of Sūtras (any work containing aphoristic rules), the composition of Sūtras in prose or metrie मय० नि० १, १, १, २, —**निग** न० (-त्रिक) पात्र अति, आर गति अने जे विद्यायोगति, जे त्रिपुटीनी अग्यार प्रकृतीनी अभुताय पात्र जाति, चार गति व दो विद्यायोगति, इस त्रिपुटी की अग्यार प्रकृति का समुदाय a collection of eleven varieties of Tripuṭi consisting of five kinds, four conditions and two Vidyāyogatis न० ग० ५, २०, —**थेर पु०** (-स्थविर) नाथ अथवा पंथारे पञ्चमी उभयना साधु नाथ या अधिक वर्ष की उम्र का साधु a Sādhu of sixty or more than sixty years of age “ सट्ठिवामजाणं सममेण णिगधे जाड धरे ” टा० ३, २ पर० १० १६ —**टोम पु०** (-टोम) अति

दोष; जन्मनो दोष जाति दोष, जन्म का दोष deficiency or evil connected with birth. तंदु० —धम्मय. त्रि० (-धर्मक) उत्पत्ति स्वभाववादी. उत्पत्ति स्वभाव वाला possessed of natural or inherent characteristics. “ इमं पि जाइधम्मय ” आया० १, १, ५, ४६, —नाम न० (-नामन्) लुओ “ जाइणाम ” शब्द० देखो “ जाइणाम ” शब्द० vide “ जाइणाम ” भग० ५, ८, —नामगोयनिउत्त त्रि० (-नामगोत्रनियुक्त) लुओ “ जाइणामगोयनिउत्त ” शब्द० देखो “ जाइणामगोयनिउत्त ” शब्द० vide “ जाइणामगोयनिउत्त ” भग० ६, ८, —नामगोयनिउत्ताउय त्रि० (-नामगोत्रनियुक्तायुष्क) लुओ “ जाइणामगोयनिउत्ताउय ” शब्द० देखो “ जाइणामगोयनिउत्ताउय ” शब्द० vide “ जाइणामगोयनिउत्ताउय ” भग० ६, ८, —नामगोयनिहत्त त्रि० (-नामगोत्रनिधत्त) लुओ “ जाइणामगोयनिहत्त ” शब्द० देखो “ जाइणामगोयनिहत्त ” शब्द० vide “ जाइणामगोयनिहत्त ” भग० ६, ८, —नामगोयनिहत्ताउय त्रि० (-नामगोत्रनिधत्तायुष्क) लुओ “ जाइणामगोयनिहत्ताउय ” शब्द० देखो “ जाइणामगोयनिहत्ताउय ” शब्द० vide “ जाइणामगोयनिहत्ताउय ” भग० ६, ८, —नामनिउत्त त्रि० (-नामनियुक्त) लुओ “ जातिणामनिउत्त ” शब्द० देखो “ जातिणामनिउत्त ” शब्द० vide “ जातिणामनिउत्त ” भग० ६, ८, —नामनिउत्ताउय त्रि० (-नामानियुक्तायुष्क) लुओ “ जाइणामनिउत्ताउय ” शब्द० देखो “ जाइणामनिउत्ताउय ” शब्द० vide “ जाइणामनिउत्ताउय ” भग० ६, ८, —नामनिहत्त त्रि० (-नामनिधत्त) लुओ “ जाइणाम

निहत्त ” शब्द० देखो “ जाइणाम निहत्त ” शब्द० vide “ जाइणाम निहत्त ” भग० ६, ८, —नामानिहत्ताउय त्रि० (-नामानिधत्तायुष्क) लुओ “ जाइणामनिहत्ताउय ” शब्द० देखो “ जाइणामनिहत्ताउय ” शब्द० vide “ जाइणामनिहत्ताउय ” भग० ६, ८, —पंगुल त्रि० (-पगुल) जन्मही से लंगडा, लूला lame from the very birth; crippled. विवा० १, —पह पु० (-पथ —जातीनामे-केन्द्रियादीना पथाजाति पथ) जन्म मरणनो मार्ग, ससार. जन्ममरणका मार्ग, ससार मार्ग the way of birth and death, the way of worldly existence “ जाईपहं अणुारिवट्टमाणे ” सूय० १, ७, ३, दस० ६, १, ४, १०, १, १४, —पुड न० (-पुट —जाति पुष्पजाति विशेष पुट पत्रादिमय तद्भाजनं जातिपुट) लुओ पत्रादिमय ल'जन्म, ल'जन्मनो पुडो जूई का पत्रादिमय भाजन; जूई का दोना a cup made of jasmine leaves. “ जाइ-पुडाणवा ” नाया० १, १७, —प्पसरणा स्त्री० (-प्रसन्ना —जाति पुष्पवासिता तथा प्रसन्ना जातिप्रसन्ना) ओ३ जन्तनो द्र३. एक जात का दारु a kind of wine. “ जाइप्पसरणाइ वा ” जीवा० ३, —व हिर त्रि० (-वविर) जन्महीसे बहिरा deaf from the very birth विवा० १, —मंडव पु० (-मण्डप) लुओ मण्डप-भाउवे जूई का मण्डप. a bower of jasmine plant राय० १३७, —मंडवग पु० (-मण्डपक —जाति-मालती तन्मयो मण्डपको जातिमण्डपकः) लुओ भाउवे जूई का मण्डप a bower of jasmine plant ज०प० १, —मत्त त्रि० (-मत्त) लुओ मत्त युक्ता, लुओ

भट्ट ३२५२ जाति का अभिमान करने वाला (one) who is proud of his birth or caste दस० १०, १, १६, —मद पु० (—मद) अतिन अहिमान. जाति का अभिमान pride of caste ठा० ८, १, —मय पु० (—मद—जात्या मदे जातिमद) अथवा “ जाइमद ” शब्द देखो “ जाइमद ” शब्द vide “जाइमद” “ जाइमपुणवा ” ठा० १०, सम० ७, —मयपडित्थद्ध पु० (—मदप्रतिस्तब्ध) अतिना अहंकारी उद्धत जातिमदसे उद्धत, जातिके अहंकार से उच्छ्रखल haughty or rude in consequence of the pride of caste ‘ जाइमयपडित्थ हिंसगा अजिइदिया’ उत्त० १२, ४, —मरण पु० (—मरण) जन्म मरण, पैदा होना और मरना. birth and death दस० ६, ४, २, ३, १०, १, १४, २१, दसा० ६, ३२, —मुअ त्रि० (—मूक) जन्मेना मु गे जन्मसे ही मूक—गूंगा dumb from the very birth विवा० १, —मूयत्त न० (—मूकत्व) जन्मेनी मु गापाय जन्मसे ही गूगापन dumbness from the very birth सूय० २, २, २१, —लिंग न० (—लिङ्ग) अति सूयत्त लिङ्ग-शरीर अवयव जाति सूचक लिङ्ग-शरीर अवयव a caste mark, a limb of the body सम० ३, —वन्धा. छा० (—वन्धा—जातेजन्मत आरभ्य वन्धा निर्बिजा जातिवन्धा) जन्मेनी वन्धा, वाजली. जन्म से ही वन्धा barren or sterile from birth ठा० ५, २; —वर पु० (—वर) उत्तम अति उत्तम जाति, श्रेष्ठ जाति. highest caste “ जाइवरसारखिय ” पद० २, ४, —संपरण पु० (—संपन्न) संपूर्ण गुण-

वाली जेनी माता होय ते, मातानो पक्ष जेनो सारे होय ते जिसकी माता गुणवती हो वह; मातृपक्ष जिसका श्रेष्ठ हो वह one having a mother endowed with talents, one having excellent maternal side भग० २, ५, ८, ७, १०, ५, नाया० १, ठा० ४, २, ३, विवा० १, नाया० ध० —सर त्रि० (—स्मर) पूर्व जन्मनु स्मरण ३२५२ पूर्व जन्मका स्मरण करने वाला (one) who remembers his past life. आव० ४१, —सरण न० (—स्मरण) गत जन्मेना जनावेनु स्मरण, मति ज्ञाननो ओइ भेद, जेनाथी वधारेमा वधारे संजीना ६०० जवनी बात जल्ली शशाय—सलागी शशाय तेनु ज्ञान गत जन्मों की हकीकत का स्मरण, मति ज्ञान का एक भेद, जिसके द्वारा अधिक से अधिक ९०० भवों-जन्मों की बात जानी जा सकती है, एक प्रकार का ज्ञान memory of past lives, a kind of power of remembrance or knowledge which enables a person to recall the memory of events of past lives numbering up to the maximum of nine hundred lives or births. “ जाइ सरण समुप्परण ’ उत्त० १६, ७, ओव० ४१, प्रव० ५२८, नाया० १, ८, १३, दसा० ५, १६, —सरण वराण्डज न० (—स्मरणावरणीय) ज्ञानावरणीय कर्मनी ओइ प्रकृति, अति स्मरणने आवना कर्म प्रकृति ज्ञानावरणीय कर्म की एक प्रकृति, जाति स्मरण-पूर्व जन्मों की स्मृति को प्राप्त करने वाली कर्म प्रकृति a variety of knowledge obstructing Karma, a variety of knowledge obs-

tructing Karma; a variety of Karma screening the memory of past lives or births नाया० १; —स्सर. पुं० (—स्मर) लुओ “जाइसर” शब्द देखो “जाइसर” शब्द. vide “जाइसर” विशेष० १६७१; —हिंगुलुय पुं० (—हिंगुलुक) सारे ही गले अच्छा—उत्तम हिंगुलुक. superior vermillion. नाया० १, पन्न० १;

जाइच्छिन्न-य त्रि० (याइच्छिक) धृ० प्रमाणे ३२१२. इच्छानुसार वर्तन करने वाला. (One) acting to one's wish विशेष० २५,

जाइजंत त्रि० (यात्यमान) प० १३१३। आयने पीछे डाला जाता हुआ. (One) made to retreat प० १, १;

जाइमंत. त्रि० (जातिमत्) अतः, सारी अतः. उत्तम जातिका. Belonging to a high caste. नाया० ३;

जाइमेत्त न० (जातिमात्र) अति, अक्षी अतः जाति मात्र, केवल जाति ही. Mere caste. “जे आसन्ना ए जाइमेत्तेण” पंचा० ३, ४७;

जाइय. त्रि० (याचित) अयेधुं, मागेधु. मागा हुआ, याचित Begged, asked for. नाया० ५; १८, उत्त० २, २८;

जाइरुवडंसय पु० (जातिरुगवतंसक) ओ नामतु ध्यान धनुं योयुं विमान. ईशानेंद्र का चौथ विमान. The 4th celestial abode of Īśānendia भग० ४, १,

जाई. स्त्री० (जाती) लुओ “जाइ” शब्द देखो “जाइ” शब्द Vide “जाइ” पन्न० १, ज० प० ५, ११२; कप० ३, ३७,

—मंडवग. पुं० (—मण्डपक) लुओ “जाइमंडवग” देखो “जाइमंडवग” शब्द. vide “जाइमंडवग” ज० प०

—सरण. न० (—स्मरण) लुओ “जाइ-सरण” शब्द देखो “जाइसरण” शब्द. vide “जाइसरण” नाया० १; १४, भग० ११, ११, —सरणावरणिज. न० (—स्मरणावरणीय) लुओ “जाइसरणावरणिज” शब्द देखो “जाइसरणावरणिज” शब्द” vide “जाइसरणावरणिज” नाया० १,—हिंगुलुय पुं० (—हिंगुलुक) लुओ “जाइहिंगुलुय” शब्द देखो “जाइ-हिंगुलुय” शब्द vide “जाइहिंगुलुय” नाया० १;

जाउ पु० (जायु) दवा, ओसद दवा, औषध A medicine पि० नि० ६२५;

जाउया. स्त्री० (यातृ) देवाणी देवराणी; देवर-पति के छोटे भाई की स्त्री. Brother-in law's wife, wife of husband's brother “मम जाउयाओ” नाया० १६,

जाडल. पुं० (जाडल) अक्ष प्रक्षरणी गुच्छ वनस्पति एक तरह की गुच्छ वनस्पति A kind of vegetation growing in clusters पन्न० १;

जाउकरण न० (जातूकरण) ओ नामतु अक्ष गोत्र एक गोत्र. Name of a family. ज० प० ७, १५९,

जाऊकरणीय न० (जातूकरणीय) ओ नामतु गोत्र वातु इस गोत्र का One belonging to this family. सू० प० १०,

जांवूणय. न० (जाम्वृणद) अक्ष प्रक्षरणी सोतु एक तरह का सुवर्ण. A kind of gold ज० प०

जाग पुं० (याग) यज्ञ; अश्वमेधादि यज्ञ यज्ञ, अश्वमेध प्रमुख यज्ञ A sacrifice such as Aśvamedha (horse-sacrifice) etc ओव० पि० नि० ४४०, ज० प० ५, ११५,

✓ जागर. वा० I. (जागृ) अगधु. जगना, जागृत होना To be awake; to be

sleepless.

जागरं सम० ३३,

जागरित्त हे० कृ० वेय० १, १६,

जागरमाण व० कृ० भग० १, ७, २, १, ३,

१, नाया० १, ५, १४, १६; दया०

३, १६, सम० ३३; ठा० ३, ४,

उवा० १, ६६, ७३, ८, २५२,

दस० ४,

जागर व० कृ० प्रव० १३४, कप्प० १, ६;

जागर पुं० (जागर) असयमभू निद्रावशतो,

जगते, निद्राना अभाव वाले असयमरूप

निद्रा से रहित, जगता हुआ, निद्रा के अभाव

वाला, प्रबुद्ध One who is free from

sleep of want of self-restraint,

one who is wakeful or wide

awake " सुत्ता अमुणो उसया मुणी

उसुत्ता विजागरा होंति " आया० १, ३,

१, १०८, ठा० ५, २, पञ्च० ३, २३, भग०

११, ११, १६, १६,

जागरइत्तार त्रि० (जागरयितृ) जगना२.

जगने वाला Wakeful भग० १२, २,

जागरण न० (जागरण) जगणु, निद्रानो

क्षय जगना, निद्रा का अभाव Wakeful-

ness, sleeplessness नाया० १ २,

जागरित्तार त्रि० (जागरितृ) जगना२,

जगने वाला, उनिद्र Wakeful sleep-

less ठा० ४, २,

जागरिय. त्रि० (जागृत) जगते जगा

हुआ (One) who has kept a-

wake भग० १२, १, उवा० १, ७३,

८, २५२,

जागरियत्त न० (जागरित्व) जाग्रतपणु,

जगणु जागरण; निद्रा का अभाव

Wakefulness, sleeplessness

भग० १२, २,

जागरिया स्त्री० (जागरिका) जाग्रतना जग

पथी छठी रात्रे धरना माणुसो रात्रे जगणु

इरे ते बालक के जन्म के बाद छठी रात्रि में

परिवार का जागरण करना A vigil

kept by the relatives on the

sixth night after the birth of

a child " कह विहाण भते जागरिया

परणत्ता ?" भग० ११, ११, ओव० ४०;

नाया० १, राय० २८६, कप्प० ३, ५६,

जागरिया स्त्री० (जागर्या) चिंतवन; चिन्ता-

रणा चिन्तन, विचारणा Contempla-

tion, thought उवा० १, ७३, ८, २५२,

जाजीवं अ० (यावजीवम्) जगती पर्यंत.

जीवन पर्यन्त, जिद्गी तरु. Throughout

life क० ग० १, १८,

✓जाण वा० I (जा) जणु जानना.

To know

जाणइ भग० १, १, २, १, ३, ६; ५, ४,

६, ४, ८, २, १८, ८, नाया० १,

८, १६, पञ्च० ३०, आया० १, १,

७, ५६, १, ७, १, १६६, ठा० २,

२, वव० २, ३३, विवा० ६, दम०

४, २३,

जाणति भग० ५, ४, ६, ४, १४, ८, १८,

३, विजे० ६१, नाया० १६,

जाणामि नाया० १८, १६, भग० २, १;

१५, १, उत० २५, ११,

जाणामि नाया० १, ७, ८, भग० ३, ६,

५, ४. १७, २,

जाणामो भग० १ ६; २, १, ३, २, ५, ८

१५, १, १८, ७,

जाणे उत० १८, २९,

जाणि-ये-जा. दम० ७ ८, भग० २४, १;

१२, वेय० २, २, ५, ६, पञ्च० १७,

अणुजो० ८, १३१, आया० १, १,

१, ४, १, ६, ४, १६१, दम० ५,

१, ४६, दमा० ६.३१, निती० ६, १२;

याणइ. ओघ०नि० १७, विशेष० ४२, नाया० १७,
 याणति. सु० च० ४, ६८, भग० १, ६,
 याणामि. सु० च० ७, १११,
 जाणउ. विवा० १, भग० ३, २,
 जाणतु दस० ५, २, ३६,
 जाणसु पि०नि० भा० २५; पि० नि० १०७,
 नदी० ४५,
 जाणाहि आया० १, २, १, ७०; गच्छा० ७६,
 जाणह. सु० च० ८, ५२, नाया० ६; १६,
 राय० ७७, भग० १, ६,
 जाणिस्संति नाया० १६,
 जाणिअ सं० कृ० दस० १०, १, १८;
 जाणिऊण. सं० कृ० सु० च० १, १०१,
 नाया० ६;
 जाणित्ता सं० कृ० नाया० ४, ५, ७, ८, ६,
 १२; १४, १६, १८; भग० २, १,
 ७, ६, ६, ३२, १५, १, ओव०
 ४०, उत्त० १४३,
 जाणिया. सं० कृ० नाया० १६; दस० ७, ५६,
 जाणित्तु हे० कृ० आया० १, २, १, ६८,
 दस० ८, १३,
 जाणित्तए हे० कृ० दसा० ५, १८, २३,
 सम० १०, नाया० ५, भग० ५, ८;
 जाणित्ता सं० कृ० भग० २, १, ३, १;
 जाणमाण व० कृ० उत्त० १३, २६, सम०
 ३०; निसी० १, ४०, ज०प० २, ३१;
 विशेष० २३६, विवा० १, दसा० ६,
 १०, सु० च० १, १३८, कप्प० ६,
 १५८,
 जाणत व० कृ० सूय० १, १, १, १, दसा०
 ६, २, दस० ६, १०, ८, ३१, पि०
 नि० भा० ३१, नाया० १४; विशेष०
 ४२, पन्न० ११; पि० नि० १११,
 जाण न० (यान) गाडी, गाडा, रथ, सयान
 वगैरे, स्वारी यान-गाडी, रथ अदि सवारी
 योग्य साधन. A vehicle, carriage

chariot etc. उत्त० ५, १४, २५, ११,
 २७, ८; आया० २, ४, २, १३८; सूय० २,
 २, ६२, सु० च० २, २०८, ओव० भग०
 २, ५; ३, ३, ५, ७, ८, ६, ११, ११;
 नाया० ३, ७; उवा० १, ६१, ७, २०६;
 दस० ७, २६, जीवा० ३, ३, जं० प०
 दसा० ६, ४; १०, १; प्रव० ७२६, पण्ह० २, ५,
 ठा० ४, ३, सम० १, (२) विमान. विमान
 aeroplane नाया० ध० (३) यानपात्र;
 वडाणु नौका; जहाज वगैरह a boat, a
 vessel etc. भत्त० १६५, गच्छा० ८;
 --गय त्रि० (-गत) गाडीमां गथेल. यान-
 गत, गाडी में गया हुआ driven in a
 carriage ओव० --गिह. न० (-गृह) रथ
 भुङ्वातु धर रथशाला, गाडी आदि के रखने
 का घर a coach-house, a carriage-
 shed " जाणगिहाणिव " आया० २, २,
 २, ८०; निसी० ८, ७, १५, २१; --पवर
 न० (-प्रवर) प्रधान रथ, उत्तम वाहन
 उत्तम रथ; प्रधान गाडी. an excellent
 chariot, an excellent vehicle.
 दसा० १०, १, भग० ६, ३३; --रह पुं०
 (-रथ) ओड प्रक्षरतो रथ एक प्रकार का
 रथ a kind of chariot जीवा० ३, ३,
 --रूव त्रि० (-रूय) पालणी आदि का
 रूप-आकार यान-पालका वगैरह का
 आकार the shape of a palan-
 quin etc " समोहयजाणरूवेण "
 भग० ३, ४, --विमाण त्रि० (-विमान-
 यानाय गमनाय विमान यानविमानम्) दे-
 ताने गमन करवा-मुसाफरी करवातु विमान.
 देवताओं का मुसाफरी विमान, देवताओं के यात्रा
 करने का विमान a celestial car of the
 gods " दसण्हं इंदाण दस परियाणिया
 जाणविमाणपणत्ता " टा० १०, ४, ३,
 राय० ६७, ज० प० ५, ११२; ११५; ११६;

भग० १६, २; —साला. स्त्री० (-शाला) गाडी रथ वहेल वगेरेने राख्यानी जग्या रथ शाला, गाडी खाना a coach-house, a carriage shed “जाणसालाओवा” आया० २, २, २, ८०, ओव० ३०, नाया० ५, १६, दसा० १०, १, पणह० २, ३, निषा० ८, ७ —सालिअ पु० (-शालिक) गाडी रथ वगेरे राख्यानी यानशाखाने उपरी भाग रथशाला के ऊपर की अटारी the upper floor of a coach-house or carriage shed. ओव० ३०, दसा० १०, १, —जाणअय त्रि० (-ज्ञायक) ज्ञानुनार, समज्जनार, ज्ञाता जानने वाला, समझने वाला समझदार, ज्ञाता (one) who knows, comprehends or understands अणुजो० १४, ४२, ओव० उवा० ७, १८७, विशेष० ४४, ४६, (२) पुं० पोते ज्ञाने नहि छना पोताने ज्ञानुधार माननार भौद्धादि स्वयं कुछ भी न जानते हुए अपने को जानकार मानने वाला बौद्ध वगैरह a follower of Buddha etc who pretends to know without knowing anything himself सूय० १, १, १, १८, अणुजो० १४६, ज० प० ३, ४७, —सरीर न० (-शरीर) आवश्यक आदि शास्त्र ज्ञानुनारनु पड्यु रहेलु येतन्य शून्य शरीर आवश्यक सूत्र आदि शास्त्रों के जानकार का पड़ा हुआ मृत-चैतन्य शून्य शरीर the lifeless body of one who knows scriptures such as Āvaśyaka etc अणुजो० १५,

जाणग पु० (जानक) रथ रथ A chariot दसा० १०, १,

जाणग त्रि० (ज्ञानक) ज्ञानुनार, समज्जनार

समझने वाला (One) who knows or understands पि० नि० भा० ३१, ओव० नि० ११८, पचा० ५, ६,

जाणण. न० (ज्ञान) ज्ञान, ज्ञानुनुं ते. जानना, जान, समझ Knowing, knowledge, comprehension. प्रव० १, —निमित्त न० (-निमित्त) जानना क्षरु ३५ ज्ञान का कारण-हेतु cause or motive of knowledge प्रव० १,

जाणणा स्त्री० (ज्ञान) ज्ञेयार्थी वस्तुने निर्णय थाय ते जियमे वस्तुका सच्चा स्वप्न प्रतीत-जाना जा सके वह, ज्ञान That by which the real nature of a thing can be known, knowledge अणुजो० १४६,

जाणया स्त्री० (ज्ञान) ज्ञान ज्ञान Knowledge भग० १, ६,

जाणवत्त न० (जानपात्र) वहालु नाँका, नाव A boat पचा० ६, १८

जाणवय त्रि० (जानरद) देशभा वसता अथवा आवेक्षा लेके देश में मर्दा ने बसते हुए या आये हुए लोग People habitually residing in a country or emigrants “वहेवे जाणवया लूमिसु” विवा० २, भग० १, १, ११, ११, सू० प० १, ओव०

जाणिअ. त्रि० (ज्ञात) ज्ञानुज्ञ जाना हुआ Known नदी० ४५,

जाणिअन्न त्रि० (ज्ञातव्य) ज्ञानुया योग्य जानने योग्य Worth being known भग० १, ५, ५, १, १२, ६, १६, १, १६, ७, २०, ७, ११, १४, १२, २०, २६, १, पण० ६, ४५

जाणु न० (जानु) जोड़लु, धुटन, दीवयु घुटने The knee नाया० १, २, ओव० १०, २१, भग० ८, ७, ज० प० ५, ११, जीवा० ३ ३ आया० २, २, २, १६, १८

नि० ४६८, राय० २२; १६४, उवा० २, ६४, विवा० ६, प्रव० ७३, पचा० ३, १८; कप्प० २, १४, —उस्सेहप्पमाणमित्त त्रि० (—उस्सेहप्रमाणमात्र) दीयणु सुधी, टियणुनी उयाध प्रमाणे घुटनो तक, जानु प्रमाण reaching as far as the knees, equal to the knees in height सम० ३४, —कोप्पर न० (—कूर्पर) दीयणु अने झुली जानु-घुटने और कुहनी-भुजाओं के बीच की ग्रंथी-गाठ the knee and the elbow नाया० २, —कोप्परमाया स्त्री० (कूर्पर-मातृ) वध्या स्त्री, वाधणी बन्ध्या, वाम स्त्री a barren or sterile woman नाया० २, —प्रमाण त्रि० (—प्रमाण) घुटणु सुधीना प्रमाणे वाधु. घुटने तक का, जानु तक प्रमाण वाला reaching the knees प्रव० २४१, —पायपडिय. त्रि० (—पादपतित) दीयणुपि पडेव घुटनों पर पडा हुआ, परोपर गिरा हुआ knelt down विवा० ७; —मित्त त्रि० (—मात्र) दीयन प्रमाणे घुटनों का प्रमाण reach ing the knees, knee-deep प्रव० २५५, —हिट्ट अ० (—अध) दीयणुनी नीचे घुटने के नीचे below the knees प्रव० १६०,

*जाणु स्त्री० (जायक) समष्टि जाणुने इरेली पापनी निवृत्ति समस्त ब्रह्मकर की हुई पाप की निवृत्ति Deliberate abstinence from sin ठा० ३, ४,

जाणुअ. पुं० (जानुक) जुओ 'जाणु' शब्द देखो 'जाणु' शब्द Vide 'जाणु' उवा० २, ६५.

जाणुय त्रि० (जायक) शास्त्रनो जाणुनार शास्त्र का जानकार. Conversant with the scriptures 'जाणुयाय जाणुयपुत्ताय'

नाया० १३, —पुत्त पुं० (—पुत्र) शास्त्रनो जाणुनारनो पुत्र. शास्त्रज्ञ का पुत्र. the son of one who is conversant with the Scriptures त्या० १३; जाणहई स्त्री० (जान्हवी) गगानदी गंगा नदी The Ganges. ठा० ६,

जात त्रि० (जात) जन्मेव, उत्पन्न थयेव जन्मा हुआ, पैदा हुआ. Born, pro duced. नाया० १; ६, भग० १५, १; (२) न० प्रकार प्रकार, भेद variety; species परह० २, ३, —कम्म न० (—कर्मन्) जन्म संस्कार जन्म संस्कार ceremony in connection with birth नाया० १, —सद्ध त्रि० (—श्रद्ध) जेने श्रद्धा-धर्म उत्पन्न थय छे जेवा. जिमे श्रद्धाअभिलाषा उत्पन्न हुई हो वह one in whom faith has been ins pired निर० १, १;

जातग. त्रि० (जातक) जन्मेव. उत्पन्न, जन्म हुआ Produced; born नाया० १,

जातणा स्त्री० (यातना) पीडा पीडा: वेदना; दर्द Pain, agony परह० १, १,

जातरूच त्रि० (जातरूप) सुद्ध, यत्तु सुन्दर, चमकताहुआ Shining; glitter ing (२) न० सोनुं. सुवर्ण. gold ओव० १७, (३) पुं० जतरूप-सोनातो डाण्ड, भरडाण्डनो १३ मे विभाग जातरूप-सुवर्ण का काण्ड, खरकाण्ड का १३ वा हिस्सा a lump of gold, the 13th portion of Khara-kāṇḍa. जावा० ३, १,

जाति स्त्री० (जाति) जुओ "जाइ" शब्द देखो "जाइ" शब्द Vide "जाइ" ओव० १६, पत्र० २, १७, ३६, जीवा० ३, ४, ज० प० (२) ओइ जन्तुनो दारु. एक

जाति की दारू-मद्य a kind of intoxicating drink or wine विवा० २, —अमद त्रि० (-अमद) जति-मद रहित जाति के मद से रहित free from the pride of caste भग० ८, ६, —कम्म न० (-कर्मन्) जुओ " जाइकम्म " शब्द देखो " जाइकम्म " शब्द. vide " जाइकम्म " नाया० २; —नामानिहत्ताउय त्रि० (-नामनिधत्ता-युप्) जुओ " जाइणामनिहत्ताउय " शब्द देखो " जाइणामनिहत्ताउय " शब्द. vide " जाइणामनिहत्ताउय " पत्र० ६, —प-सन्न पु० (-प्रसन्न) ओ३ जतिने दा३ एक प्रकार का मद्य a kind of intoxicating drink जीवा० ३, ३, —पुड न० (-पुट) जुओ " जाइपुड " शब्द देखो " जाइपुड " शब्द vide " जाइपुड " नाया० १७, —प्पसन्ना छी० (-प्रसन्ना) ओ३ जतिने दा३ एक प्रकार की मदिरा a kind of wine. जीवा० ३, —मअ पु० (-मद) जतिने अ६ दा३ जाति का अहंकार pride or egotism due to one's lineage or caste सम० ८, —मद. पु० (-मद) जुओ उपदे० शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above भग० ८, ६, —संपन्न त्रि० (-संपन्न) जुओ " जाइसम्पण " शब्द देखो " जाइसंपण " शब्द vide " जाइसंपण " भग० २५, ७, नाया० २, —सरण न० (-स्मरण) जुओ " जाइसरण " शब्द देखो " जाइ-सरण " शब्द vide " जाइसरण " नाया० ८, जातिमंत त्रि० (जातिमन्) जतिमान जातिवान् Of a high rank or caste दस० ७, ३१, जानिय त्रि० (याचित) भागे३, याये३ मांगा हुआ, याचित Begged;

entreated भग० १८, १०, जाम पु० (याम) महाव्रत, सर्वथा आया-निपातवेगमल आदि मंदोटा व्रत महाव्रत, प्राणातिपातविरमण अदि बड़े व्रत Any of the great vows, e g complete abstention from killing etc आया० १, ७, १, २००, (२) पट्टे३, दिवस के रात्रिने येथे लाग प्रहर, दिन या रात्रि का चौथा हिस्सा any of the eight periods into which a day (24 hours) is divided " तथो जामा पन्नता । त जहा-पढमे जामे मडिक्के-जामे पच्छिमे जामे " ठ० ३, २ ओघ० नि० ६६०, गच्छा० ३, जामाउय-अ पु० (जामातृक) जमा३, दामाद, जामात. A son-in law विवा० ३, अणुजो० १३१, जामिल्लय पु० (यामिक) पट्टे३दा३, सिपा३ रक्षक, पहरेवाला, सिपाही A guard, a watchman सु० च० ७, ३७, जामुणकुसुम न० (जपाकुसुम) राता दु३ वा३ ज३पा ना३मे जा३नुं दु३ ज३पा नामक व्रज का फूल A flower of the China rose " जामुण कुसुमेई वा ' राय० ✓ जाय वा० I, II (याच) याच३, भाग३, भाग३ली दु३री याचना र३ना. मागना To beg जायइ निसी० १, २०, १४, ४७, जाणइ नाया० ७, जाडजा वि० नाया० ७, जायाहि आ० उत० २५, ६, जायसु, आ० पि० नि० १७७, जाइस्सामि आया० १, ६, ३, १८५, जाइत्ता. न० ह० आया० १, ७, ६, २०० निगी० १, २८, ३, ८२, ४, १४, दस० ८ ५

जाइत्तए. हे० कृ० नाया० ७, १४,
 जायंत व० कृ० निसी० १, २०, परह० १, ३,
 जाय. पु० (याग) यज्ञ, पूजा यज्ञ, पूजा A
 sacrifice; worship नाया० १; २;
 भग० ११, ११, कप्प० ५, १०१,
 जाय-अ त्रि० (जात) उत्पन्न थयेत्त, उप-
 जेत्त, जन्मेत्त जन्म पाया हुआ, जन्म प्राप्त.
 Born, produced नाया० १, २, ३; ४,
 ६, ७, ८, १२, १३, १४, १६, १८; भग०
 २, १; ३, २, ६, ३३, १२, ६, १५, १,
 २४, १, २, पिं० नि० १६६, १८०, दस० २,
 ६, ४, दसा० ५, २७, ६, १, ८, १, वव० ६,
 ४१, सु० च० १, १८, ओव० ३८; उत्त०
 ७, २, विवा० ५, भत्त० ८१, काप० १, १,
 (२) पुत्र, दीडरो. पुत्र, लडका a son.
 नाया० १, ५, ६, भग० ६, ३३, ११, ११,
 सूय० १, ४, २, १३, सु० च० ४, ३१२,
 पंचा० ८, ३, (३) त्रि० प्राप्त थयेत्त, भेत्त
 वेत्त प्राप्त किया हुआ obtained; got
 “ सुद्धे सिया जाणु न दूमएजा ” सूय० १,
 १०, २३, (४) प्रशर, भेद प्रकार, भेद a
 variety, a division. ठा० ४, १,
 १०, (५) त्रि० शुद्ध, जतिसे विकार
 रहित, शुद्ध pure, of a high caste
 “ जायहिं गुलेति ” राय० ५३, (६)
 अङ्कुर अङ्कुर, sprout दस० ४, (७)
 शास्त्रविधि ज्ञानुत्तर, गीतार्थ. शास्त्रविधि
 को जानने वाला one knowing the
 precepts of scriptures, a learn-
 ed प्रव० ७८७, —अंगरूपग पु० (—अण-
 रूपक-जात उत्पन्न अन्वकं नयनयो रादित
 एव अनिष्पत्ते कुत्तिसत् अङ्गरूप यस्यावौ)
 आधसे अने दुन्सित अगगासे, भेडाल
 शरीर वाले अथ व कुत्तिसत् अग वाला;
 कुरुर शरीर वाला, one who is blind
 and deformed in body विवा० १;

—कप्प. पुं० (—कल्प) गीतार्थतो ३६५
 गीतार्थका कल्प a resolution of Gi-
 tārtha प्रव० २४, —कम्म. न० (—कर्म)
 जन्म संस्कार; नाडि छेदन विगरे. जन्म
 संस्कार, नाडि छेदन इत्यादि ceremonies
 like cutting of the umbilical
 cord (navel cord) etc. after
 the birth of a child. “ शिव्वत्ते
 असुइं जाय कम्म करणे ” ठा० ९,
 ओव० ४०, नाया० ८, —कोऊहल.
 त्रि० (—कुतूहल-जात कुतूहलं यस्य स जात-
 कुतूहलः) जेने कुतूहल उत्पन्न थयेत्त होय
 ते वह जिसको कुतूहल उत्पन्न हुआ हो
 (one) in whom curiosity
 is roused or excited नाया० १,
 —त्थाम त्रि० (—स्थामन्) जल-उत्पन्न
 थयेत्त, जलवान् थयेत्त. बल-प्राप्त grown
 strong. “ वसभो इव जायत्थामे ” ठा० ६,
 —निद्रुया स्त्री० (—निद्रुता—जातान्यपत्या-
 नि निद्रुता नि मृतानि यस्याः सा) जेना
 जन्मेत्त जालः तत्काल मरलु पावे छे
 अथवा भुवेत्त अवतरे छे ते माता.
 जिसके जन्म पाये हुऐ बालक मुरन्त मर
 जाते हैं अथवा मृतक पैदा होते हैं वह माता
 a woman whose children die
 immediately after birth or
 are born dead “ सुभहा नामं भारिया
 जायनिद्रुया यावि होत्था ” विवा० २ ७,
 —पइहु न० (—प्रतिष्ठ) अङ्कुर उपर
 रहेत्तु. अङ्कुर पर रहा हुआ. anything
 resting upon or supported by
 a sprout दस० ४, —पक्ख त्रि०
 (—पक्ष) जेने पाख उत्पन्न थयेत्त छे ते
 जिसको पख आ गये हैं वह (a bud)
 having wings “ जायपक्ख जहा
 हंसा ” उत्त० २७, १४, —मूक पु०

(-मूक) जन्मभीन भूगो जन्म ही से मूक dumb from birth विवा० १, —विस्मय त्रि० (-विस्मय) विस्मय पाभेन विस्मित, चकित astonished, surprised नाया० १२, —संवेग त्रि० (-संवेग) जेते संवेग-मुमुक्षुता उत्पन्न थल छे ते जिसमें संवेग-मुमुक्षुता उत्पन्न हुई हो वह one seeking emancipation भक्त० १३; —संशय त्रि० (-संशय—जात संशयो यस्य सजात संशयः) संशय उत्पन्न थयेन संशय प्रमित thrown into doubt, (one) in whom doubt or suspicion is engendered भग० १, १, १०, ५, नाया० १, —सद्ग त्रि० (-श्राद्ध-श्रद्धया यत्क्रियते तत् श्राद्ध जात उत्पन्न श्राद्धं इच्छा-विशेषो यस्यासौ जातश्राद्ध) श्रद्धा उत्पन्न थयेन श्रद्धावान् (one) in whom faith is born, having faith नाया० १, ६, भग० १, १, १०, ५, १४, ६, जायग त्रि० (याजक) याजक, यज्ञ करनेवाला. (One) performing a sacrifice, a sacrificer 'सो तत्थ एव पडिसिद्धो, जायगेण महा-मुणी' उक्त० २५, ५, जायण. न० (याचन) मागवु ते, यायवु ते मागना, याचना Begging, soliciting उक्त० १२, १०, पंचा० १८, १, —जीवण त्रि० (-जीवन-याचनेन जीवनं प्राणधारणमस्येति याचनजीवन) जेता जियने आधार मागवा उपर छे ते, भिक्षुक भिक्षुक, जिसकी आजीविका भिक्षा वृत्तिपर निर्भर है वह (one) who lives by begging, a beggar "जाणाहि मे जायण जीणोत्ति" उक्त० १२, १०,

जायण. न० (यातन) पीडा करणी ते दुर्ग करना, मत्ताना Giving pain or trouble परह० १, २, जायणा स्त्री० (याचना) याचना, मागणी, लिख मागणी ते भील मागना, याचना करना Begging, solicitation. सूय० १, ३, १, ६, भग० ८, ८, प्रव० ६६२, —परिसह पुं० (-परिपह-याचन-याच्चा प्रार्थना सेव परिपहो याच्चापरिपह) शिक्षातो परिपह; परिशुद्धतो येऽप्रक्षार. भिक्षा का परिपह, परिपह का एक प्रकार bearing the affliction or trouble caused by having to beg सम० २२, —वत्थ. न० (-वस्त्र) जयवानु पस्त्र ओली भिक्षा का वस्त्र, ओली. a piece of cloth (like a swinging bag) to keep alms in निसी० १५, ३४, जायणा स्त्री० (यातना) पीडा. दुख, पीडा, कष्ट Pain, trouble, affliction "जायाणाकरणसयाणि" परह० १, १, १, ३, जायणी. स्त्री० (याचनी) आहारादिङ्गती मागणी करवानी लापा आहारादिक के लिये याचना करनेकी भाषा. Words used in soliciting or begging food etc ठा० ४, १, पञ्च० ११, भग० १०, ३, दसा० १, १, प्रव० ६०१, जायतेअ-य पु० (जाततेजस्) अग्नि अग्नि. Fire "जायतेय समारब्ध वहस्रो रुभिआ जणा" सम० ३०, दस० ६, ३३, भग० ३, ३, ६, १, सूय० २, ६, २८, दसा० ६, १, जं० प० २, ३५, जायमित्त न० (जातमात्र) जन्म यत्तज्जन्म होते ही, जन्म ही से Immediately upon being born, from the very birth विवा० २, जायमेत्त त्रि० (जातमात्र) उत्पन्न यत्त वेन

उत्पन्न होते ही. From the very birth, immediately after birth.
विशे० २६८, विवा० ४;

जायरूव. न० (जातरूप) ओ३ अननुं सेनुं
सुवर्ण का एक प्रकार A kind of gold.
“ जायरूवमईओ ओहारणीओ ” जीवा०
३, ४, उत्त० २५, २९; राय० २६; २८६;
नाया० १; भग० २, ५; ठा० ६; ओव० कप्प०
२, २६, ज० प० २, ३२, (२) त्रि० रूप
वातु सुन्दर; स्वरूवान् beautiful
कप्प० ५ ११६, —कंड पुं० (-काण्ड)
रत्नप्रसा पृथ्वीना १६ डाण्डमानो १३ भो
डाण्ड रत्नप्रसा पृथ्वी के १६ काण्ड में
से १३ वा काण्ड. the 13th of the
16 Kāṇḍas of the Ratna-
pradhā world ठा० १०,

जायव पुं० (यादव) यदुवयज, जदव.
“यदुवंशज; यादव One born in the
Yadu family, a Yādava नाया०
१६, पणह० १, ४,

जायवेय पु० (जातवेदम्) अग्नि अग्नि
Fire “ जायवेय पादेहि हणह जे भिक्वुं
अवमन्नह ” उत्त० १२, २६,

जाया स्त्री० (यात्रा) यात्रा, शरीर निर्वाह
यात्रा; शरीर निर्वाह Livelihood सूय०
१, ७, २६, वि० नि० ६४३; (२) संयम
यात्रा, संयम निर्वाह संयम यात्रा, संयम
निर्वाह, पंचमहाव्रतादि संयम यात्रा.
maintenance of self-restraint,
observance of the five great
vows etc आया० १, ३, ३, ११६,
नाया० १, भग० २, १, ७, १, नदी० ४८,
(३) विहार, प्रवृत्ति विहार, प्रवृत्ति pere-
grination, sport, activity
पणह० २, १, —माया स्त्री० (-मात्रा—
यात्रा संयमयात्रान्त्यां मात्रा यात्रामात्रा)

संयम निर्वाहनी मर्यादा संयम निर्वाह की
मर्यादा a limit fixed in the mat-
ter of observance of ascetic
practices “ आयगुत्ते णयाधीरे
जायामायाए ” आया० १, ३, ३, ११६;
—मायावित्ति स्त्री० (-मात्रावृत्ति)
संयम निर्वाहनी मर्यादावातु श्रवण संयम
निर्वाह की मर्यादामय जीवन. life of
self-control guided by fixed
principles of asceticism “ जाया-
मायावित्ति होत्या ” सूय० २, २, ३८,
भग० २५, ३, नंदी०

जाया स्त्री० (जाया) स्त्री, लार्था, स्त्री,
भार्या A wife “ बाहिं जाया ”
जीवा० ३, भग० ८, ५, ठा० ३, २,

जाया. स्त्री० (ज.ता) ग.ल.यमरेन्द्र वगेरेनी
गडारनी सभा के गेना सभासदोपगारओत्र ये
आवे. चमरेन्द्र इत्यादि की बाहरकी सभा
कि त्रिपके सदस्यगण, बिना निमन्त्रण आते
हैं The outer council of Chi-
marandia etc the members of
which attend without invita-
tion ठा० ३, २, जीवा० ३, ४, ४, २;
भग० ३, १०,

जायाइ पु० (यायाजिन्-यायजतीत्येवर्शालो
यायाजी) अवश्य यत्त इरनार अवश्य
यज्ञ करने वाला One who performs
a sacrifice positively or without
fail “जायाई जमजन्नम्मि” उत्त० २५, १,

जार. पु० (जार) भक्षितु ओ३ वक्षण
माणे का एक लक्षण A characteris-
tic mark of a gem राय० ४६, ज० प०
जारा स्त्री० (जारा) जलचर प्राणीनी ओ३
जल जलचर प्राणी की एक जाति A
class of aquatic animals जीवा०
३, ४; राय० ६३,

जारापविभक्ति पुं० (जाराप्रविभक्ति) ओ३
प्रक्षरनी नाटक विधि; जरा-ओ३ जलनु
जलचर प्राणी तेनी ओ३ प्रक्षरनी रचना
वाधु नाटक एक प्रकार की नाटक विधि,
जारा-एक जाति का जलचर प्राणी उसकी
एक प्रकार की रचना युक्त नाटक A
kind of dramatic representation, having an arrangement
resembling a Jāṭā 1 e a kind
of aquatic animal राय० ६३,

जारामार पुं० (जारामार) जलचर प्राणीनी
ओ३ जल. जलचर प्राणी की एक जाति
A kind of aquatic animal
जीवा० ३, ४,

जारामारापविभक्ति. स्त्री० (जारामारप्रवि-
भक्ति) जारामार-जलचर प्राणीनी ओ३
जल-तेनी रचना वाधुं ३२ नाटकमानु ओ३
नाटक जारामार-जलचर प्राणी की एक
जाति उसकी रचना युक्त ३२ नाटक में से
एक नाटक One of the 32 kinds
of dramas, with a scenic repre-
sentation of Jāṭāmāra 1 e a
kind of aquatic animal राय० ६३,

जारिस त्रि० (यादृश) जेयु, जेयप्रक्षरनु.
जैसा, जिस प्रकार का As, of the
nature of which " जारिसओ ज
नामा जहयकओ जारिस फलदंति " परह०
१, १, पि० नि० ५०८, भग० ३, १, उत्त०
२७, ८, सूय० १, ५, २, २३,

जारिसय त्रि० (यादृशक) जेयु, जेय
प्रक्षरनु जैसा, जिस प्रकार का As, of
the nature or quality of which
नाया० ८, १६, भग० ३, २, १५, १,

जारु पुं० (जारु) ओ नामनी ओ३ साधारण
पतम्पति, धनो ओ३ जति इस नाम की
साधारण वनस्पति, कंद की एक जाति A

kind of plant, a kind of bul-
bous root पञ्च० १,

जारुकरह पुं० (जारुकृष्ण) वशिष्ठ गोत्रनी
ओ३ शाभा वशिष्ठ गोत्र की एक शाखा
An offshoot of the Vasiṣṭha
family-origin (२) ते गोत्रनी पु३५
उस गोत्र का पुत्र a person belong-
ing to the above family-origin
ठा० ७, १,

जाल. पुं० (जाल) माछा पकड़ानी जाल.
मच्छी पकड़ने की जाल A net to
catch fish पञ्च० ११, नाया० १, ३,
पि० नि० ६२०, विवा० ८, उत्त० १४, ३५,
(२) मृग आदि पशुने पकड़ानी पाश
मृग आदि पशु को पकड़ने का फन्दा. a
snare to catch deer etc ज० प०
(३) मुक्ताक्षनी गुच्छे मुक्ताफन का
गुच्छा a cluster of pearls कप्प०
३, ३६, (४) न० ओ३ जलनु पशु
धरेलु एक प्रकार का पैरोंमें पहिने का
जेवर a kind of ornament for
the feet ओव० (४) जाली, नदानी
नदानी डालवाली गारी. जाली, छोटे छोटे
छेद वाली खिडकी a barred window,
a window made up of small
apertures पञ्च० २, नाया १, जीवा०
३, ४, ओव० ३१, सम० प० २१३, (५)
समूह समूह. a group, a collection
राय० ४४, १०६, जीवा० ३, २, ज० प०
ओव० १०, उवा० ७, २०६. —अन्तर
न० (-अन्तर) जाली-गारी धरेलु
अन्तर जाली खिडकी के मय का
अन्तर an interval between the
apertures or open spaces of a
barred etc window नाया० १: ८,
—अन्तररयण त्रि० (-अन्तररय) जेना

मध्य भागमां रत्न छे ओवी नदी (-पारी)
जाली (खिडकी) कि जिसके मध्य भाग में
रत्न है. a barred etc window
bearing a gem in the middle
सम० राय० —उज्जल त्रि० (-उज्जल)
मुक्ताक्षना गुच्छार्थी उल्लवध. मुक्ताफल के
गुच्छ से उज्जल. shining on ac-
count of a cluster of pearls
कण० ३, ३६;—कडग्र पु० (-कटक)
नदीना समूह जाल का समूह a collec-
tion of nets etc जीवा० ३, ४, —कडग
पु० (-कटक) जेभा रमणिक आकृति
झातरी होय ओवी नदीमाले प्रदेश
जिसमें रमणिक आकृतिका नकशाका काम हो
ऐसा जालदार प्रदेश a wall etc in
which windows are beautiful-
ly carved or engraved जीवा० ३,
४, ज० प० राय० ११३, —गंठिया स्त्री०
(-ग्रन्थिका—जाल मत्स्य बधनं, तस्यैव
ग्रन्थयो यस्या सा जालग्रन्थिका) नदीनी
गाँठ जालकी गाँठ a knot of a
net “ जाल गठियाइवा —आणुपुन्वि
गठियावा ” सम० ५, ३, —घर न०
(-गृह) नदीवाधु धर जाली दार घर
a house having barred win-
dows नाया० ३, —घरग न० (-गृहक)
नदी-पारीवाधु धर जालदार घर, मकान
a house with barred windows
or windows नाया० २, ३, राय० १३५,
ओव० —घरय न० (-गृहक) जुओ
उपेले शब्द देखो ऊपर का शब्द
vide above. नाया० ८, —विंद न०
(-वृन्द) गोभने समूह, पारी-नदीने
समूह जाली का समूह a group of
windows or barred windows
जीवा० ३; —हरग्र न० (-गृहक) नदी

वाधु धर जालीदार घर, मकान a house
with windows or barred win-
dows. ओव०

जाल. पुं० (ज्वाल) ज्वाला; अग्नि शिखा
ज्वाला, झाल Fire, a flame of
fire. जीवा० १, —उज्जल. त्रि०
(-उज्जल) धातु न ननयत्यमान अत्यंत
प्रकाशमान्. very bright; flashing.
ओव०

जालंधर पुं० (जालंधर) देवानंदाश्रमहणीनु
गोत्र देवानंदाजी ब्राम्हणी का गोत्र the
family-origin of DevānandāBrā-
hmanī (wife of a Brāhmana)
'देवणदाएमाहणीए जालंधरसगुताए' आया०
२, १४, १७६, —सगुत्त त्रि० (-सगोत्र)
नदीधर गोत्रभा उत्पन्न थयेज जो जालंधर
गोत्र में उत्पन्न हुआ हो one born in
the family of Jālandhara. कण०
१, २,

जालग पु० (जालक) नदी, पारी जाली,
खिडकी. A window, a barred win-
dow. नाया० १, ओव० (२) पगनु ओइ
नतनु आलरशु पैरों के लिये एक प्रकार
का आभूषण a kind of ornament
for the feet. “ सखिखिणी जाल परि-
खित्ताण ” ओव० (३) ओ छटिय ओ
विशेष दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष a
kind of two-sensed living being
उत्त० ३३, १२८;

जालद्ध न० (जालद्ध) अर्धचंद्राकार निय-
रणी अर्धचंद्राकार सीढ़ी A semicir-
cular ladder. नाया० १,

जालपंजर पु० (जालपंजर) गोभ गोत्र
A cage-like window, a window
jutting out from the main

building जीवा० ३, ४, राय० १०७;

जालय पु० (जालक) लुओ 'जालग' शब्द.

देखो 'जालग' शब्द Vide 'ज ल ग' जीवा० ३, ३;

जाला स्त्री० (ज्वाला) ज्वाला-आश, अग्निनी

शिखा अग्नि की ज्वाला A flame of fire "जालातुरं घन छिन्ना" नाया०

१, १६, भग० ३, २, १४, ७, पन्न० १,

सु० च० १, ३०, दस० ४, ठा० ५, ३,

उत्त० ३६, १०६, पचा० ३, २२, (२)

६ मा अक्षवर्तीनी माता ६ वे चक्रवर्ती की

माता. the mother of the 9th

Chakravartī सम० प० २३४, (३)

चन्द्रप्रभ रवाभीनी शासनदेवी चन्द्रप्रभ

स्वामी की शासन देवी the tutelary

goddess of Chandraprabha

Svāmī. प्रव० ३७७, —उज्जल त्रि०

(-उज्जल) ज्वालाथी उज्ज्वल ज्वाला से

उज्ज्वल brightened with flame

कप्प० ३, ४६, —पयर पु० (-प्रकर)

ज्वालाओं का समूह a

collection of flames कप्प० ३, ४६.

—माला स्त्री० (-माला) ज्वालांनी

माला, पङ्क्ति ज्वाला की माला, पङ्क्ति a

row of flames भग० ३, २,

जालाउ पु० (जालायुष्) ओक प्रकारने ओ

धद्रिय श्रव एक प्रकार का दो इन्द्रिय वाला

जीव A kind of two-sensed liv

ing being पन्न० १,

जालाउय पु० (जालायुष्क) लुओ उपलो शब्द

देखो ऊपरका शब्द Vide above पन्न० १,

जालि पु० (जालि) अतगडमूत्रना योथा

वर्गना प्रथम अध्ययननु नाम अतगड

सूत्र के चौथे वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम

Name of the first chapter of

the 4th section of Antagada

Sūtra. अत० ४, १, (२) वासुदेव

राजनी धारणी राणीना पुत्र, दे दे नेमनाथ

प्रभु पासे दीक्षा लध पार अ गने अभ्यास

करी सोल वरसनी प्रवज्या पादी शत्रुजय

पर्वत उपर ओक भासने स थारे करी सिद्ध

थया वासुदेव राजा की धारणी राणी के पुत्र

कि जो नेमनाथ प्रभु से दीक्षा लेकर द्वादश

अर्गों का अभ्यास कर सोलह वर्ष की

प्रवज्या का पालन कर, शत्रुजय पर्वत के

ऊपर एक माम का सवारा कर सिद्ध हुए

name of the son of queen

Dhānī, wife of the king

Vāsudeva He took Dikṣa

from Nemanātha Prabhu

(lord), studied the 12 Angas,

practised asceticism for 16

years and after a month's

Santhārā (giving up food

and water) on Śatruñjaya,

became a Siddha अत० ४, १, (२)

अनुत्तरोत्तराष्टसूत्रना प्रथम वर्गना प्रथम

अध्ययननु नाम अणुत्तरोववाह मूत्र के

प्रथम वर्ग के प्रथम अध्ययन का नाम.

name of the 1st chapter of

the 1st section of Anutta-

rovavāi Sūtra अणुत्त० १, १, (१)

त्रैलोक्य राजनी धारणी राणीना पुत्र दे दे

महावीर सभीपे दीक्षा लध शुश्रूषण तप

तपी सोल वरसनी प्रवज्या पादी विपुत्र

पर्वत उपर ओक भासने स थारे करी द्वा-

धर्म पापी विजय नामना अनुत्त विमान-

मा उत्पन्न थया धेरिक राजा की धारणा

राणी के पुत्र कि जो महावीर स्वामी समीप

दीक्षा ले शुश्रूषण तप कर के सोलह वर्ष

की प्रवज्या पालन कर विपुत्र पर्वत के ऊपर

एक माम का सवारा कर सल धर्मने प्राप्त कर

अनुत्तर विमानमे उत्तन्न हुए. name of the son of queen Dhārānī, wife of king Śreṇika He took Diksā from Mabāvira Svāmī, practised Gunarāyana austerity, led an ascetic life for 16 years, performed a month's Santhārā (giving up of food and water) on Vipula mountain and after death was born in the heavenly abode Vijaya अणुत्त० १, १,
जालिया स्त्री० (जालिका) लक्ष्मी लोहानी प्यारी जाली, लोहे की खिडकी A latticed window. परह० १, ३;
जाव अ० (यावत्) जथा सुधी, जथां लगी, जेतु जहा तक, जवतक; जितना As long as, as far as; as much as ज० प० ५, ११३; ११४, ११२, २, ३३, नाया० १, ८, १०, १४; १६; भग० १, १, ५, २, १, २५, १२, ओव० अणुजो० ३, सूय० १, ३, १, १, आया० १, २, १, ७१, उत्त० ४, १३, वेय० १, ४६, पि० नि० ५३, पन्न० १, निमी० २०, १०; नदी० १२; विवा० ५, दमा० ६, १, दम० ७, २१, ८, ३६; निर० १, १, उवा० १, ७४, ८, २५३, कप्प० १, १०, प्रव० १२;
जाव पुं० (जाप) जप, मन्त्रादिङ्गुं उच्चारण Tell- ing beads upon a rosary, repetition of Mantras i e sacred charms, etc परह० २, २;
जाव अ० पुं० (यापक) क्षल व्यतीत कराने वाला हेतु The cause to pass time ठा० ४, ३,
जावइय त्रि० (यावत्) जेतु. जितना (Lasting) as long as, (going)

as far as. “ अहवा जो जस्स जावइओ ” पंचा० ४, ५, भग० १, ६, ७, ३, २, ४, ६, १; ७, ८, ८, १०; १४, ७; १५, १, १६, ४, वव० ६, ४३; जं० प० २, १६,
जावई स्त्री० (यावती) शुष्क वनस्पतिनो ऐक प्रकार गुच्छ वनस्पति का एक प्रकार A kind of vegetation growing in clusters पन्न० १; (२) ऐक लतनो इंद एक जाति का कद. a kind of bulbous root उत्त० ३६, ६७,
जावं अ० (यावत्) जथा सुधी यावत्, जहा तक, जवलग. As long as, till, up to भग० ३, १,
जावंचरणं अ० (यावच्च) जेतवामा समय कि जिस दरम्यान Time etc during which सूय० २, १, ६;
जावंत त्रि० (यावत्) जेतवा. जितने, जितना As many; as much “ जा- वति विज्जा पुरिसा ” उत्त० ६, १, पि० नि० १४२, भग० ३, १, दस० ६, १०, (२) भगवती भूतना प्रथम शतकना छद्म उद्देशानु नाम भगवती सूत्र के प्रथम शतक के छद्मे उद्देश का नाम name of the 6th Uddeśa of the 1st Śā- taka of Bhagavatī Sūtra. भग० १, १,
जावंतिम अ० (यावन्तिम) छेदने सुधी अन्त पर्यंत Up to the last वि० २८४;
जावंताव अ० (यावत्तावत्) ऐक प्रकार गणित; सख्याने ऐक प्रकार. एक प्रकार का गणित, सख्या का एक प्रकार A kind of arithmetical calculation; a mode of numerical calculation ठा० १०,
जावग पुं० (यापक) क्षलक्षेप कराने हेतु;

जाहे. अ० (यदा) ज्यारे. जव. When (relative adv). “जाहेणं सके देविदे देवराया ” भग० १६, १; २; ६, ३३; १४, ६; १५, १; २४, १६, २४, नाया० १; ८, ६, १८; ओष० नि० ४६०; विवा० ५; ज० प० ७, १४१, विशेष० २३२४,

जिअ. पुं० (जीव) ज्य, प्राणी जीव; प्राणी A soul; a life, a living being. विशेष० १४००; १६८४, चड० १६, सूय० १, १, २, १, क० ग० १, १; १६; ४६; ४, १; ५, ७६, २१, ५४; नाया० १५, —अंग न० (-अङ्ग) ज्यनु अंग-शरीर. जीव का अंग-शरीर. the physical body in which life exists. क० ग० १, ४६, —ह्वाण न० (-स्थान) ज्यना स्थान-भेद; भूक्षम ओडे टियादि ज्यना १४ भेद-प्रकार जीव के स्थान-भेद, सूक्ष्म एकैट्रियादि जीव के १४ भेद-प्रकार the different varieties of lives, the 14 divisions of one-sensed minute lives etc. क० ग० ४, ५, —लक्खण न० (-लक्षण) ज्यनु अमाधारणु अर्थ जीव का अमाधारण स्वरूप the distinguishing quality of a living being क० ग० ४, ३३; —लक्खणुव-ओग पुं० (-लक्षणोपयोग) ज्यु अजान, पांथ जान अने आर दर्शन ओ-आर ज्यना लक्षणा रूप उपयोग तीन अजान, पांच जान व चार दर्शन ये जांव के द्वादश लक्षण रूप उपयोग the 12 characteristics of life viz three Ajāṇas, five Jñānas and four Daśānas क० ग० ४, ३३, —विवागा स्त्री० (-विपाका) ज्य आशी विपाक पासनागी इभ नृति जांवके नववैभ विपाक पाने वाली कमे प्रहति a variety of Kamma show-

ing maturity to soul. क० ग० ५, २०; जिअसत्तु. पुं० (जितशत्रु) महावीर स्वामीना वभनमा मिथिला नगरीना राजा. महावीर स्वामी के समय मे मिथिला नगरी का राजा. The king of Mithilā city in the time of Mahāvīra Swāmī. ज० प० ५, ११५;

जाहग. पुं० (जाहक) सेदाध, डांटावाडु ओडे प्राणी सेही Porcupine. भग० १६, १, परह० १, १; नंदी० ४४; विशेष० १४७२, जिइदिअ-य. त्रि० (जितेन्द्रिय जितानि स्व-विषय प्रवृत्तिनिषेधेन इन्द्रियाणि येन स जितेन्द्रियः) धृष्टियोने वश करनार, जितेन्द्रिय इन्द्रिया को वश करने वाला One who has subdued or conquered his senses. दस० ३, १३, ८, ३०, ६४, ६, ३, ८, नाया० १, १४ भग० २, १, पचा० ११, ४०, गच्छा० ४२,

जिअणा स्त्री० (प्राण) ज्यनु ने सूंधना Act of smelling. ओष० नि० ३७६, जिट्ट त्रि० (ज्येष्ठ) भेटोटे. ज्येष्ठ, बडिल Elder. गच्छा० ६०, काप० ५, १२६, ८; प्रव० १६८, (२) उट्टुट्ट, ज्येष्ठ उट्टुट्टः ज्येष्ठ best विशेष० ३३२६, क० ग० ६, ७७, ४, ८६, —ट्टिइ स्त्री० (-स्थिति) उट्टुट्ट स्थिति उट्टुट्ट स्थिति best condition. क० प० २, १०४, —पुत्त पुं० (-पुत्र) भेटोटी हीडरो. ज्येष्ठ पुत्र the eldest son निर० ३, १, —वयण न० (-वचन) भेटोटानु वयन बडिलफ वचन. words of an elderly person गच्छा० ६०,

जिह्वा स्त्री० (ज्येष्ठा) भेटोटी भेटेन ज्येष्ठ भगिनी, बडी बडिन Eldest or elder sister (२) ज्येष्ठा ज्येष्ठा wife of the husband's elder

brother ज० प० ७, १५६.

जिहामूल पु० (ज्येष्ठामूल) जेनी पुनमे
ज्येष्ठा मूलनक्षत्रनी साथे चंद्रमा ज्येष्ठ ज्येष्ठे
ते भडिनो, ज्येष्ठ म स. जिसकी पूर्णिमा के
दिन ज्येष्ठामूलनक्षत्र के साथ चंद्रमा योग
साधन करता है वह मास, ज्येष्ठ मास
Name of a lunar month in
which the full moon stands in
the constellation Jyesthā (cor-
responding to May-June)
उत्त० २६, १६,

जिहुह न० (.) ओष्ठ मतनी रभत एक
प्रकार का खेल A kind of game
प्रव० ४४१,

✓ जिग धा० I (जि) जितनु जीतना, परा-
जित करना To win, to conquer
जिच्च क० वा० वि० उत्त० ७, २२,
जिणे वि० उत्त० ६, ३४, दस० ८, ३६,
जय आ० ओव० ३२,

जिच्चमाण क० वा० व० क० उत्त० ७, २२,
जिग पु० (जिन-जयति निराकरोति रागद्वे-
षादिरूपानरातीनितिजिनः) रागद्वेषने सर्वांश्च
जितनार, तीर्थंकर, देवली आदि, जिनभगवान्
रागद्वेष का सर्वथा जीतनेवाला, तीर्थंकर,
केवली आदि, जिनभगवान् One who
has completely subdued pas-
sion and hate, a Tirthankara,
a Kevali etc “अणुत्तर धम्ममिण
जिणाय” सूय० १, ६, ७, “जिणाय
जावयाण” जीवा० ३, कप्प० नाया० १
३, १५, भग० १, १, ३, २, १, ७, १,
१५, १ २५, ६, ७, दस० ४, २२, ४, १,
६० पञ्च० १, सू० प० १८, दसा० ६, १८,

नदी० ३, पि० नि० १८४. अणुजो० १६,
१२७, मम० १, ३०, ओव० उत्त० २, ४५,
१०, ३१, आगा० १, ५, ५, १६२. उवा०
१, ७३, ७, १७८. कप्प० २, १६, क० ग०
१, १, १, ४६, ६०, ६१, ४, ४६, आवा०
२, ५, प्रव० ३, ज० प० ५, ११२, ११५,
—अन्तर न० (-अन्तर) तीर्थंकरों
अंतरों का, जे तीर्थंकर पश्येनु का
परवे अंतर तीर्थंकर के अंतर का काल,
दो तीर्थंकरों के काल का मध्यम्य अन्तर
the interval of time between
two Tirthankaras भग० २०, ८,
प्रव० ४३४, —अणुमय त्रि० (-अनुमत)
जिन भगवानने अनुमत समत जिन
भगवान से अनुमत समत. acceptable
to permitted by a Tirthan-
kara etc जीवा० १, —अभिहित
त्रि० (-अभिहित) तीर्थंकरे इहेषु तीर्थंकरन
कहा हुआ said by Tirthankara
प्रव० ६७४, —आहिय त्रि० (-आहित)
जिने प्रतिपादन करेस जिन भगवानने प्रति-
पादन किया हुआ established by,
propounded by a Tirthankara
“चरे भिक्षु जिणहिय” सूय० १, ६, ६.
—इक्कार न० (-एकादशक) जिननाम-
कर्म, देवत्रिक, पश्चिमद्विक, आहारकद्विक अने
नरकत्रिक जे ११ प्रकृतियोंनो समूह जिन-
नामकर्म, देवत्रिक, पश्चिमद्विक, आहारकद्विक
व नरकत्रिक इन ११ प्रकृतियों का समूह
a group of the eleven Prak-
tis viz Jinanāmakaṁma Deva-
trika, Vaukavakadvika, Āhāra-
kadvika and Narakatrika

क० गं० ३, १४; —इक्कारस. न० (—एका-
दशक) जुओ। डिपले। शब्द देखो ऊपर का
शब्द. vide above. क० गं० ३, १०;
—ईसर पुं० (—ईश्वर) तीर्थंकर तीर्थकर.
Tirthankara प्रव० ४०६; —उत्तम.
पुं० (—उत्तम) तीर्थंकर. तीर्थकर. Tir-
thankara 'मग विराहित्तु जिणुत्तमाण'
उत्त० २०, ५०; —उद्दिट्ठ. त्रि० (—उद्दिष्ट)
आप्त पुरषे दर्शावेत्त. आप्त पुरुषने दर्शाया
हुआ. shown by relatives गच्छा०
२६, —उवएस पुं० (—उपदेश) तीर्थ-
ंकरने। उपदेश. तीर्थकर का उपदेश teach-
ings of Tirthankara “एवि तच्चाओ
जिणोवएसम्मि ’ सम० ३, भत्त० ८५,
—कप्प पुं० (—कल्प—जिनाः गच्छन्नि-
र्गताः साधुविशेषाः तेषां कल्प ममाचार)
उत्कृष्ट आचार पावनार साधुने।—जिनकल्पी-
ने। कल्प व्यवहारविधि. उत्कृष्ट आचार का
पालन करनेवाले साधु का—जिनकल्पीका कल्प-
व्यवहार विधि the ascetic-conduct
or mode of life of a Jaina monk
पचा० १७, ४०; भग० २५, ६, प्रव० ५०५,
६२२; —कप्पट्ठिइ स्त्री० (—कल्पस्थिति)
गच्छथी पट्टार नीकली जिनकल्पीपणुं स्वी-
कारनार साधुना आचारनु स्वरूप गच्छ
से बाहर निकलकर जिनकल्पीपना स्वीकार
करने वाले साधु के आचार का स्वरूप the
mode of ascetic life of a Jaina
monk who leaves his order
but follows the conduct pre-
scribed for Jaina monks वेय० ६,
२०, —कप्पि. पुं० (—कल्पिन्) जिन
कल्पी साधु जिन कल्पी साधु a Jaina
ascetic चउ० ३३, प्रव० ५८५, —क-
प्पिय पुं० (—कल्पिक—जिनानां कल्प
आचारो जिनकल्प स विद्यते येषां ते) जिन

कल्पी साधु; उत्कृष्ट आचारी साधु. जिन
कल्पी साधु, उत्कृष्ट आचारी साधु a Jaina
monk, a Sādhū following the
conduct prescribed for monks
in Jaina Sāstias. वव० ५, २१,
प्रव० १५; ४६६, ५४७, ६३०, —कालग
त्रि० (—कालक) जिन-तीर्थंकरना कालमा-
तेनी हयातिमां जेनी हयाती होय ते. जिन-
तीर्थकरके कालमें—उनके अस्तित्वमें जो जीवित
हो वह. contemporary to a Jaina
Tirthankara “ जिण कालगो म-
णुस्सो ” क० प० ५, ३२, —गुण. पुं०
(—गुण) तीर्थंकरना गुण तीर्थकर के गुण
the attributes of a Tirthankara
भत्त० १६८, —घर. न० (—गृह) जिन-
गृह, देवमंदिर. जिनगृह, देवमंदिर a
Jaina temple. नाया० १६, पचा० ७,
१, —चंद्र पुं० (—चन्द्र) चंद्र जेना
शीतल जिन लगान्. चंद्र जैसे शीतल
जिन भावान a Tirthankara, cool
and cooling like the moon
परह० २, १. क० गं० ३, १, —चिरण त्रि०
(—चीर्ण) जिनने आचरेत्तुं जिन द्वारा आच-
रित-आचरण किया हुआ. practised
by a Tirthankara “ अक्खो भा
होइ जिणचिरणो ” पचा० ४, २८, —जइ.
पुं० (—याति) जैन मुनि जैन मुनि a
Jaina ascetic प्रव० ६६२, —जक्ख.
पुं० (—यक्ष) तीर्थंकरनी भक्ति करवाभा
कुशल येवा गोमुण आदि यक्ष तीर्थकर की
भक्ति करने में कुशल ऐसे गोमुख आदि यक्ष
a Yakṣa (e g Gaumukha
etc) devoted to the worship
of a Tirthankara प्रव० ७, —जएणी.
स्त्री० (—जननी) तीर्थंकरनी माता तीर्थकर
की माता the mother of Tirthan-

kala प्रव० ८, —दिक्खा स्त्री० (—दीक्षा) जैनधर्म की रीत प्रमाणे दीक्षा-प्रवर्त्या वेदी ते. जैन धर्म की रीति के अनुसार दीक्षा-प्रवर्ज्या लेना entering into an order according to the prescribed rules. पचा० २, १, —देसिय. त्रि० (—देशित) जिन भगवाने कहेहुआ जिन भगवाने कहा हुआ said by, propounded by a Tirthankara “धम्मोय जिणदेसिओ” तहु० जीवा० १, —धम्म. पु० (—धर्म) जैन धर्म. जैन धर्म Jainism. ठा० ५, २, क० गं० १, १६, —नाह पु० (—नाथ) जिन-सामान्य देवकीना नाथ-स्वाभी, तीर्थंकर. जिन-सामान्य केवलीके नाथ-स्वामी तीर्थंकर the lord of the omniscients of the ordinary type, a Tirthankara प्रव० १४, —पडिमा स्त्री० (—प्रतिमा) वृषभ, वर्धमान, चंद्रानन अने वासिमेणु ये नामथी ओझपाती शाश्वती प्रतिमा वृषभ, वर्धमान, चंद्रानन व वारिमेन इन नामों से संबोधित शाश्वती प्रतिमाएं the eternal idols called by the names Vṛṣabha, Vardhamān, Chandrāvana like the statute of Jina राय० १५८, नाया० १६, विंश० ५७ —पण न० (—पञ्चक) लुओ: “जिणपण” शब्द देखो “जिणपण” शब्द vide “जिणपण” क० गं० ३, १६, —पण न० (—पञ्चक) जिन नामधर्म, देवद्विक्क अने त्रैकियद्विक्क ये पाय प्रकृति-ओना समूह जिन नामधर्म, देवद्विक्क व त्रैकियद्विक्क इन पांच प्रकृतियों का समूह a group of the five varieties—Jinanāmakarma, Devadvika and Vaikṛyadvika क० गं० ३, १४,

—परणत्त त्रि० (—प्रज्ञप्त) वीतरागे प्ररूपेय-कहेहुआ वीतरागने कहा हुआ propounded by a Tirthankara etc सम० १७०, नाया० १२, —परियाय पु० (—पर्याय) देवकीना पर्याय, देवकी प्रवर्ज्या केवली का पर्याय, केवली प्रवर्ज्या a Kevali ascetic भग० २०, ८, —पसत्थ त्रि० (—प्रशस्त) तीर्थंकरे वभाणुअ तीर्थंकर द्वारा प्रशस्त praised by a Tirthankara “वहुमु ठाणेमु जिणपमत्थेमु” परह० २, ५, जीवा० १, —पायमूल न० (—पादमूल) तीर्थ-करना थरणु डमरुनी आगत तीर्थंकर के चरण कमल के समीप near the lotus-feet of a Tirthankara प्रव० १५६६ —पुत्त पु० (—पुत्र) जिनना तीर्थंकरना शिष्य जिनका तीर्थंकर का शिष्य a disciple of a Tirthankara सम० १, —पूयट्टि पु० (—पूजाधिन) —जिनस्येय पूजामर्थयतेय सजिन पूजार्थी गोशालादिनी पेडे जिनतरीडे पूजनी भूज शिष्यना गोशालादिके समान जिन भगवानसी पूजा की दृष्टि रखने वाला one who deserves to be worshipped like a Jina, e.g. Gosālā etc सम० ३०, उमा० ६, ३०, —पाणीय त्रि० (—प्रणीत) जिन भगवाने कहेहुआ जिन भगवान ने कहा हुआ propounded by, uttered by a Tirthankara “जिणमय जिणपणीय जीवा० १ —परुविय त्रि० (—प्रवृत्ति) जिन भगवाने प्रवृत्ति जिन भगवान ने कहा हुआ propounded by taught by a Tirthankara etc जीवा० १, —प्लवि पु० (—प्लविपिन) ये नाने जिन तरीडे उहेना, ओनाडादि स्वन को जिन जेमा रहने वाला गोशालादि

one who poses himself as a Jina or Tirthankara; e. g. Gosālā etc. “एवं सो आजिणो जिणाय-
लावी विहरइ” मग० १५, १, —भात्ति
छी० (-भक्ति) जिन-तीर्थ-इरती भक्ति
जिन तीर्थकरकी भक्ति. devotion paid
to a Tirthankara ज० प० ५, ११५;
भत्त० ७१; —भात्तिराग पुं० (-भक्ति-
राग) जिन तीर्थ-इरती भक्ति पूर्व-
अनुराग. pious or devotional love
for a Tirthankara. “जिण भात्ति
रागेण” राय० —भात्तिअ त्रि० (-भा-
पित) जिन-तीर्थ-इरे भाषेयु. जिन-तीर्थ-
कर द्वारा कहा हुआ described by
a Jina Tirthankara. “सु-ह जिण
भात्तियं” गच्छा० ३३, —मय न०
(-मत) श्रीतीर्थ-इरती मार्ग, जैन दर्शन श्री
तीर्थकरका मार्ग, जैन-दर्शन the path,
creed shown by Śrī Tirthan-
kara विशेष० ७२, गच्छा० २७; प्रव० १०३,
पचा० ३, ३२, —मयद्विय. त्रि० (-मत-
स्थित) जैन दर्शनमा स्थिर श्रयेन सर्वज्ञके
आगम में स्थिर steadied in, having
deep faith in the scriptures of
the Tirthankaras or omnisci-
ents “विसेमओ जिणमय द्वियाण” जीवा० ८,
—मयनिऊण त्रि० (-मतनिपुण) जैन-
मतमां प्रतीत्यु श्रयेन जैन आगम में प्रवीण
वना हुआ. well-versed or profici-
ent in the Jaina scriptures or
religion दम० ६, ३, १५; —मुदा
छी० (-मुद्रा) जे पग वच्चे यार आगतनु
अतर राणी सरभा उभा रहीने नडिसण
इरेवे ते दो पैरो के मध्यमे चार अंगुल
या अंतर रखकर काटमर्गे करना a

standing bodily posture, at the
time of meditaton, in which
the two feet are kept at an
angle of 45 degrees “पायाणं-
उस्सग्गो एसा पुण होइ जिणमुदा” प्रव०
७१; ७६; —वस. पु० (-वंश) जिनने
परिवार जिन का परिवार. a family of
a Jina “वंसाणं जिणवंसो” संथा०
—वयण न० (-वदन) जिन-तीर्थ-इरतु
मुष्. जिन- तीर्थकर का मुख the
face of a Tirthankara. ओव०
—वयण. न० (-वचन) तीर्थ-इरती
वचन तीर्थकर के वचन. words of a
Tirthankara पंचा० १, २, नाया० १२,
भत्त० ३, ५१, —वयणरत्त त्रि०
(-वचनरक्त) जिनवचनमा अनुरक्त-रागी.
जिनवचन में अनुरक्त-रागी (one)
who is a lover of the words
of a Jina or Tirthankara
दम० ६, ४, ३, ३, —वयणसुइ छी०
(-वचनश्रुति) जिनवचननु श्रवण
जिनवचन का श्रवण hearing or
listening to the words of a
Jina i e scriptures. ‘जिणवयण
सुइ जण दुल्लह’ ज० ६, —वर पु०
(-वर) तीर्थ-इरदेव तीर्थकर देव. a
Tirthankara नाया० २; मग० ६,
३३, आव० २, ५, प्रव० ४७६, पचा० १०,
२; —वसह. पुं० (-वृषभ) जिन
सामान्य देवदीओमा वृषभ-श्रेष्ठ जिन-
नामान्य केवलियोमें वृषभ-श्रेष्ठ. the
best of Kevalis i e omni-
scients. ‘अस्पंजलं जिणवसह’ सम० प०
२००. —वाणी छी० (-वाणी) तीर्थ-
इरती वाणी तीर्थकर की वाणी speech
of a Tirthankara ज० प० १

—वीर पुं० (-वीर) महावीर भगवान् the lord Mahāvīra
 भक्त० १७१, —संकास पुं० (-मङ्गाश)
 सर्वज्ञ ज्ञेया; जित्तुल्य सर्वज्ञैसा, जित्तु-
 ल्य one who is like or similar
 to an omniscient i.e. a Tīrthan-
 kara etc. 'अजिणायं जिणसकामायं'
 ठा० ४, ४, ३, २, कण्ठ० ६, १६४
 —संथव पुं० (-सस्तव) जित्तु स्तुति
 जित्तुस्तुति. praise in honour of
 a Tīrthankara दम० ५, १,
 ६३, —सकहा. स्त्री० (-सकिय) जित्तु
 भगवान्ती दाढ जित्तुभगवान् की दाढ
 the molar of a Tīrthankara
 भग० १०, ५; ज० प० ४, ८८,
 —सह पुं० (-गच्छ) जित्तु यथा
 जित्तु वचन words of a Jina
 भग० १५, १, —सासण न० (-शासन)
 जैन दर्शन, जैन धर्म जैन दर्शन जैन धर्म
 Jainism 'सिद्धंता जिणायणे' उत०
 १८, १६ दम० ८, २५, मय० १, ३,
 ४, ६, भक्त० २, ६६, प्रव० ६८६
 —सासणपरमुह त्रि० (-शासन
 परामुह) जैन शासनशी विमुख जैन
 शासन से विमुख opposed to or
 averse to the tenets of Jainism
 "जण सासण परमुहा" मय० १, ३, ८, ६
 —सीस पुं० (-शिष्य) जित्तु शिष्य
 गणधरादि जित्तु शिष्य, गणधरादि a
 disciple of a Jina, a Gāṇadhara
 etc. 'जिणमीमाण चव' नम० —हर
 न० (-गृह) देव मन्दिर देव मन्दिर a
 temple विशेष० ३४०६,

जिणन त्रि० (जघत्) परिश्रमे अनार
 परिश्रम को जीतने वाला (One) who
 beats afflictions (Patisahas)

without feeling mentally
 troubled दम० ८, २५;

जिणदत्त पुं० (जिनदत्त) चम्पा नगरी निवासी
 ओष्ठ सार्थवाह नाम चम्पा नगरी निवासी
 एक सार्थवाह का नाम Name of a
 merchant, a resident of the
 city Champā नाया० १६. —पुत्त
 पुं० (—पुत्र) चम्पा नगरीना जिनदत्त
 सार्थवाह पुत्र चम्पा नगरी क जिनदत्त
 सार्थवाह का पुत्र the son of the
 merchant Jinadatta of the city
 of Champā नाया० १, ३,

जिणरालय पुं० (जिनपालक) ओ नामनी
 ओष्ठ सार्थवाह पुत्र इस नामका एक सार्थवाह
 पुत्र Name of a merchant's son.
 नाया० ९

जिणरक्खिय पुं० (जिनरजिन) जित्तुजिन
 नामे सार्थवाह, यथा चम्पा नगरी क मन्दरी येने
 पुत्र के जेने समुद्री यात्री का मुयाद्री
 दुता नोधान नयेने जे जल यात्री अने
 जल देसना प्राप्त मा दुआरा जित्तु रजिन
 सार्थवाह, चम्पा नगरी क मारुति जट
 का पुत्र कि जित्तुमे वारुची चम्पा मुयाकम
 करते समय तकान ने देरान दिया मा यो
 राणा देवी के फन्दे मे फता Name of
 a Jaina hymn who was
 trading merchant His father
 was Makandi by name He
 (Jinaraksa) in his twelfth
 sea-voyage was troubled by
 a storm His vessels were
 wrecked and was caught in
 the trap of the goddess Ravana
 नाया० ६

जिणपालिय पुं० (जिनपालिन) चम्पा
 नगरीना ओष्ठ सार्थवाह नाम

पुत्र जेनी इथा ज्ञाता सूत्रना नवमा अध्य-
यनमा छे चम्पा नगरी निवासी माकन्दी सार्थ-
वाह का पुत्र उस की कथा ज्ञातासूत्र के
नववें अध्ययन में है. Name of the
son of the merchant Mākandī
residing in the city of Champā
His story is narrated in the 9th
chapter of Jñātā Sūtra. नाया० ६;
जिणिद. पु० (जिनेन्द्र) जिनेन्द्र भगवान्, तीर्थ-
३२. जिनेन्द्र भगवान्, तीर्थकर Lord Jina,
a Tirthankara उत्त० १४, २, राय०
६७, विशेष० ११०३, नाया० ८; भक्त० ६,
प्रव० ४; ४०६, पचा० ७, २५, —नाम
न० (—नामन्) जिनेन्द्र-तीर्थ ३२तु नाम.
जिनेन्द्र तीर्थकर का नाम the name
of a Tirthankara. विशेष० ५७,
—प्रणुत्त त्रि० (—प्रज्ञप्त) तीर्थ ३२
इलेख तीर्थकर ने कहा हुआ propound-
ed by, laid down by a Tirthan-
kara ज० प० ५, ११७ नाया० ६,
—वयण न० (—वचन) जिनेन्द्र तीर्थ ३२तु
वचन जिनेन्द्र-तीर्थकर के वचन. the
words of a Tirthankara. “जिणि-
दवयण अमेससत्तहिय” पचा० १६, ३६,
जिण्ण त्रि० (जीर्ण) जुनु, जुणुं थयेन
जार्ण, पुरान Old, worn out, rotten.
नाया० १; २, भग० ८, ६, —उज्जाण.
न० (—उद्यान) राजगृह नगरी पश्चिममा
आवेसु ओइ उद्यान राजगृह नगर की
पश्चिम में आया हुआ एक उद्यान. name
of a garden in the west of
Rājgriha. नाया० १, २, —कुमारी स्त्री०
(—कुमारी) वृद्धा स्त्री, वृद्धावस्था युधी कुमारी
रुद्धा स्त्री वृद्धा स्त्री, वृद्धावस्था पर्यन्त
कुमारी रही हुई स्त्री an old woman,
a woman who has remained a

virgin till old age नाया० १;
—गुल त्रि० (—गुड) जुतो गोण पुराना
गुड old moleses भग० ८, ९, —तंदुल.
पु० (—तण्डुल) जुना योणा पुराने
चावल. old rice. भग० ८, ६; —सुरा
स्त्री० (—सुरा) जुतो दाइ पुराना दार (मद्य)
old wine. भग० ८, ६;

जिण्णसा स्त्री० (जिज्ञासा) ज्ञानुवानी
धृष्ट जानने की इच्छा Desire for
knowing पचा० ३, २६;

जित. त्रि० (जित) जल्दी उपस्थित थाय
तेवु, याद आवे तेवु जल्द उपस्थित हो
ऐसा, स्मृतिगत तुरन्त हो ऐसा quickly
remembered or re-collected
अणुजो० १३; (२) जितयेसुं जीता हुआ.
conquered, defeated भग० ९, ३३;
१५, १,

जिनिंदिय त्रि० (जितेन्द्रिय) जुओ “जि-
इदिय” शब्द देखो “जिइदिय” शब्द.
Vide “जिइदिय” सूय० २, ६, ५,

जितसत्तु पु० (जितशत्रु) ओ नामतो
ओइ गण्ड इय नामका एक राजा. Name
of a king सू० प० १,

जिन्न त्रि० (जीर्ण) जुणुं, जुनु जीर्ण,
पुरान Old, worn out. उत्त० १४, ३३,
विशे० २०४३,

जिम्भा स्त्री० (जिह्वा) जुम. जिह्वा The
tongue सम० ११, आया० १, १, २,
१६; उत्त० ३२, ६१, सूय० २, १, ४२,
ओव० ३८; पञ्च० १५, दमा० ६, ४, नाया०
१, उवा० २, ६४,

जिम्भागार पु० (जिह्वाकार) जुओतो
आधार यनायतार ओइ प्रक्षारतो क्षरीगर
जिह्वा का आकार बनाने वाला एक प्रकारका
कारागीर A craftsman who makes
an artificial tongue पञ्च० १,

जिह्वामय. त्रि० (जिह्वामय) शुभ स य धी
जिह्वा के संबध में Relating to the
tongue. टा० ४ ४; —दुःख न०
(-दुःख) शुभने प्रतिकूल सयोगधी थतु
दुःख जिह्वा को प्रतिकूल सयोग से होता
हुआ दुःख painful sensation
to the tongue by contact with
a uncongenial object. टा० ४, ४,
—सोःख न० (-सौख्य) शुभने उत्तम
रस आपनानी थतु सुख जिह्वा को उत्तम
रस देने से होता हुआ सुख. pleasant
sensation caused to the tongue
by tasting of agreeable i e
delicious substance “ जिह्वम-
याश्चो सोःखाश्चो ववरोवित्ता भवइ ” टा०
४, ४,

जिह्विभया स्त्री० (जह्विका) विक्षेप
मुभने आधारे पाणी नीक्षरानी परनात्र
विकसित मुख के आकार के समान पानी
निकलने की परनाल A spout or an
out-let of water in the form
of an open mouth, a gargoyle
“वह्वरामयाए जिह्विभयाए” सम० ज० प० ४, ३४,
जिह्विभदिय न० (जिह्वेन्द्रिय) रसेन्द्रिय
रसना शुभ रसेन्द्रिय, रसना, जिह्वा The
sense of taste, the tongue.
नदी० ४, विशेष० ३४३, सम० ६, अणुजो०
१४७, ओव० १६, भग० १, १, ८, १,
२४, १२, ३३, १, नाया० ५ १७, —नि-
गह पु० (-निग्रह) जिह्वा ध्रियने
शुभना राधनी ते जिह्वा इन्द्रिय को वश
मे रखना controlling the sense
of taste i. e tongue “ जिह्विभ-
दिय निगहेण भते ” उक्त० २६, ६५,
—पडिल्लणीया. स्त्री० (-प्रतिमलीनता)
जिह्वा ध्रियने अशुभ योगधी अट्टारी

शुभनां लीन करनी ते जिह्वा इन्द्रिय को
अशुभ योग मे रोक कर शुभ मे लान
करना controlling the sense of
taste (i e tongue) so as to
guard it against improper ob-
ject and to direct it towards
salutary object टा० ४, २, —बल
पु० (-बल) यशने ओष प्रक्षार, रसे-
न्द्रियनी शक्ति बल का एक प्रकार, रसेन्द्रिय
की शक्ति the power of the sense
of taste (i e tongue) टा० १०,
—सुंड. पु० (-सुण्ड) जिह्वा ध्रियने
शुभना. जिह्वा इन्द्रिय को जीतने वाला
one who has subdued the
sense of taste टा० १०, —ल-
द्धिया. स्त्री० (-लाद्धिका) रसेन्द्रियनी
प्राप्ति रसेन्द्रिय की प्राप्ति the at-
tainment of the sense of taste
भग० ८२, —संवर न० (-सवर) रसे-
न्द्रियने सवर, शुभने आश्रयनी रक्षणी ते.
रसेन्द्रिय का सवर. stoppage of the
influx of Karma due to (lack
of control over) the sense of
taste i e the tongue पण० २, ५,
जिह्विभदियत्ता स्त्री० (जिह्वेन्द्रियता) रसना
ध्रिय पाणु रसना इन्द्रियपना state of
the sense of taste भग० २५, २;
जिमिय त्रि० (जिमित-कृतभोजने) भोजन
करी लीधिय. जिमने भोजन कर लिया है वह
(One) who has dined or
taken his meal नाया० १. १२, १६,
१८, विवा० ३, ६, उवा० १, ६६, कण०
५, १०३,
जिम्म त्रि० (जिह्म) धुपरी, भाया पाये
कटोरी, मायावान Cloaked; deceit-
ful “ अजिम्म कतणयणा ” ज० प०

(२) डपट, भाया कपट, माया. fraud, deceit सम० ५२;

जिम्मअ पुं० (जिह्वक) जिम्ह नामतो मेघ, ओ वरसे त्पारे प्राये ओड वरस त्रेहु यादे. जिम्ह नामक मेघ. Name of a particular description of rain ठा० ४, ४, जिम्ह त्रि० (जिह्व) जुओ। “ जिम्म ” शब्द देखो “ जिम्म ” शब्द Vide “ जिम्म ” जं० प०

जिम्हय. पुं० (जिह्वक) जुओ। “ जिम्मय ” शब्द देखो “ जिम्मय ” शब्द Vide “ जिम्मय ” ठा० ४, ४,

जिय-अ न० (जित) जित, जय. जीत, जय Victory, conquest सूय० १, १, ४, १; (२) त्रि० श्रुतेय, वश डरेय, रागद्वेषी श्रुतायेय. जीता हुआ; जिसने राग द्वेष वश किये हैं वह. conquered, subdued (passion and hatred) सूय० १, १, ४, १, उत्त० ५, १६, ६, ३६, नाया० १, ३, भग० ६, ३३, ४२, १, पिं० नि० ८०, पचा० १७, ५२, ओव० १६, ठा० ५, २, दस० ८, ४६, ज० प० ३, ६७, (३) त्रि० जल्दी ओली शक्य तेयु; जल्दी आवडे तेयु तुरन्त बोला जासके ऐसा, तुरन्त सीखा जाय ऐसा. capable of being easily learnt or mastered reproduced विशेष० ८५१; (४) पुं० श्रुत आचार - व्यवहार. conduct, usage नाया० ८, —इंद्रिय त्रि० (-इन्द्रिय) जितेन्द्रिय; धन्द्रियोने वश डरनार जितेन्द्रिय, इन्द्रियों को वश में करने वाला. (one) who has conquered or subdued his senses, self-restrained भग० २, ५, —कसाय त्रि० (-कषाय) क्रोधादि डपायने श्रुतनार क्रोधादि कषाय को जीतने वाला (one)

who has subdued evil passions such as anger etc “ तिलोग पुजे जिणे जियकसाए ” पचा० १०, १६; प्रव० १००१, —क्रोध त्रि० (-क्रोध) क्रोधने श्रुतनार. क्रोध को जीतने वाला. (one) who has subdued anger. भग० २, ५, नाया० १, —निद्र त्रि० (-निद्र — जिता निद्रा येन स जितानिद्र) निद्राने श्रुतनार; अप्रमादी. निद्रा -आलस्य को जीतने वाला, अप्रमादी. (one) who has acquired mastery over sleep & idleness, (one) who is not lazy or idle नाया० १, भग० २, ५, —परिसम्म त्रि० (-परिभ्रम) परिभ्रमने जितनार परिभ्रम-थकावट रहित. (one) who has conquered fatigue i e does not feel fatigued नाया० १, कप्प० ४, ६१, —परिषह त्रि० (-परिषह) परिषह-डष्ट-दुःखने श्रुतनार परिषह-कष्ट-दुःख को जीतने वाला (one) who has acquired victory over affliction i e does not feel troubled by them, नाया० १, भग० २, ५, गच्छा० ५२, —भय त्रि० (-भय) लयने श्रुतनार भय को जीतने वाला. (one) who has triumphed over fear, fearless “ जिय भयाण ” आव० ६, ११; कप्प० २, १५, —माण त्रि० (-मान) मान-अहंकारने श्रुतयोछे जेछे ओवे। मान, जिसने अहंकार को जीता है वह. (one) who has triumphed over pride or self-conceit i e never feels proud नाया० १, भग० २, ५, —माय त्रि० (-माय) भायाने श्रुतनार माया को जीतने वाला (one) who has tri-

umphed over deceit i e never practises it. नाया० १, भग० २, ५,
 —राग त्रि० (-राग) रागने शतनार
 राग को जीतने वाला (one) who has triumphed over passion or attachment i e does not feel it. सम० प० २४०, प्रव० ६८२,
 —रागदोस. त्रि० (-रागदोष) रागदोषने शतनार. रागदोषको जीतने वाला. (one who has subdued love or passion and hatred 'जियोहिं जिय रागदोसोहिं' पचा० ६, ३६, प्रव० ११८,
 —लोभ त्रि० (-लोभ) लोभने शतनार लोभ को जीतनेवाला (one) who has subdued greed or avarice भग० २, ५, —लोय त्रि० (-लोक) स सारने शतनार ससार का जीतनेवाला (one) who has triumphed over the world i e worldly existence, (one) not fettered by the bonds of worldly existence सु० च० १, २३५, —लोह त्रि० (-लोभ) लोभने शतनार लोभ को जीतनेवाला (one) who has conquered greed or avarice i e subdued it नाया० १, —विघ्न त्रि० (-विघ्न) विघ्न-अंतरायने शतनार विघ्नों को जीतनेवाला (one) who has triumphed over or who triumphs over obstacles नाया० १,
 जियंतग पु० (जीवान्तक) ओ नामनी ओइ प्रक्षरनी वनस्पति इस नामकी एक प्रकार की वनस्पति Name of a kind of vegetation. भग० २, ७,
 जियंतय न० (जीवान्तक) क्षीक्षी वनस्पतिनी ओइ जल. हरी वनस्पति की एक जाति

A kind of green vegetation पञ्च० १,
 जियंती स्त्री० (जीवन्ती) ओइ जलनी वेश एक जाति की लता. A kind of creep-er. पञ्च० १,
 जियवंत. त्रि० (जितवत्) जय भेदवेष. विजय-प्राप्त, जियने जय पाया है वह (One) who has acquired victory. परह० १, १,
 जियसत्तु पु० (जितशत्रु) शत्रुने शतनार शत्रु को जीतनेवाला A conqueror of enemies परह० २, ४, (२) अजितनाथ स्वाभिना पितापु नाम आजित-नाथ स्वामी के पिता का नाम name of the father of Ajitanātha Swāmī सम० प० २७६, प्रव० ३०३.
 (३) वाण्डिज्य गामने गज वाण्डिज्य गाव का राजा name of a king of Vāṇḍijy city 'तत्थण वायण्णिग्गामं जियमत्तुराया' उवा० १, ३, (४) य पा-नगरीने गज चपानगरी का राजा name of a king of the city of Chhampā 'चपानास नयरी होत्था, पुणभं चेइण्ण जियमत्तुराया' उवा० २, ६२, आव० टी० नाया० १०, १५, (५) उज्जयिनी नगरी ने गज उज्जयिनी नगरी का राजा. name of a king of the city of Ujjain उत्त० टी० २, (६) सर्वतोल्ह नगरना गजनु नाम सर्वतोभद्र नगर के राजा का नाम name of a king of the city of Salvato-bhadrā 'सर्वतो भद्र खयरे जियमत्तु शामरायाहोत्था' विवा० ५, (७) मिथिला नगरीने गज मिथिला नगरी का राजा. name of a king of the city of Mithilā नू० प० १, ज० प० १, १, (८)

पायाल देशेनो राज्ञ डे नेले मल्लीनाथनी साथे दीक्षा लीधी હતી. पांचालदेश का राजा कि जिसने मल्लीनाथ के साथ दीक्षा ली थी name of a king of the country of Pāñchāla He had taken Diksā along with Mallinātha. नाया० ८, ठा० ७, १; उवा० ६, १६३, (६) आमलकलपा नगरीनो राज्ञ आमलकलपा नगरी का राजा name of a king of the city of Āmalakalpā. नाया० घ० (१०) सावथी नगरीनो राज्ञ. सावथी नगरी का राजा name of a king of the Sāvartthī city उवा० ६, २६७, २७२, नाया० घ० (११) वाणारसी नगरीनो राज्ञ वाणारसी नगरी का राजा name of a king of Vānārasī city. उवा० ३, १३६; ४, १४५, (१२) अल्लिभिया नगरीनो राज्ञ अल्लिभिया नगरी का राजा name of a king of the city of Ālabhiyā उवा० ५, १५५, (१३) पोलासपुर नगरनो राज्ञ पोलासपुर नगर का राजा name of a king of the city of Polāsapura. उवा० ७, १८०, —रायरिसि. पु० (-राजर्षि) जितशत्रु राजर्षि जितशत्रु राजर्षि. the Rājaisi (a royal saint) named Jitaśatru नाया० १२; —राय पु० (-राज) जितशत्रु राज्ञ जितशत्रु राजा. king Jitaśatru नाया० १२,

जियसेण पु० (जितसेण) भरत क्षेत्रना त्रीन दुलक्षरनु नाम भरत क्षेत्र के तीसरे कुलकर का नाम. Name of the third Kulaka of Bharat Ksetra. सम० प० २२६;

जियारि. पु० (जितारि) त्रीन तीर्थक्षर संभव

नाथना पिता तीसरे तीर्थकर संभवनाथ के पिता The father of the 3rd Tirthaṅkara Sambhavanātha. “सेनाए जियारि तणयस्स” सम० प० २२६, प्रव० २२३;

जीमूअ-य. पु० (जीमूत) शुभूत नामनो मेघ डे ने ओइवार वरसे तो दस वरस सुधि पृथ्वीमा तेनो त्रेहु रहे जीमूत नामक मेघ कि जो एक वार वरस जाय तो दसवर्ष तक पृथ्वी में उसका गीलापन रहे. Name of a particular cloud which keeps the soil wet for ten years as a result of one downpour only ठा० ४,४,

जमूत पु० (जीमूत) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपरका शब्द Vide above उक्त० ३४, ४, जीवा० ३, ४, राय० ५०, पन्न० १७, जीय पु० (जीव) शुव. जीव Soul, a living being भक्त० १०३, जीवा० १, (२) शुवन, शु-दगी. जीवन. life. सु० च० ३, २४३, परह० १, १.—अहु त्रि० (-अर्थ) जितितने अर्थे जीवन के लिये, जीवित के अर्थ for the sake of life सु० च० ४, २८७,

जीय-अ. न० (जीत) पर पराधी आओ आवतो व्यवहार वंशपरंपरा से प्रचलित व्यवहार. Traditional usage or convention आया० २, १५, १७६, वव० १०, ३, ज० प० ३, ४५, भग० ८, ८, प्रव० ८६१; (२) दुज्ज, दुर्तव्य धर्म, कर्तव्य duty, that which ought to be done ज० प० ५, ११५, (३) शुन शुत a scripture नंदी० (४) मर्यादा मर्यादा. limit नंदी० २६,

जीयकण्व. पु० (जीतकण्व) पूर्वार्थापेक्षी पर पराधी आओ आवतो आचार पूर्वार्चागो

की परंपरा से प्रचलित आचार Practice or usage handed down from one generation to another. पचा० ६, ३७,

जीयकपिअ त्रि० (जीतकल्पिक) अतः-
द्विपक्ष-परंपरानुसारी आचारवाले जीत
कल्पिक-परंपरानुसारी आचार वाला One
following the usage according
to one's predecessors अ० १०,
कप्प० ५, १०४;

जीवधर पुं० (जीतधर) ओ नामना आर्थ
गोत्रभा थयेअ आचार्य, शाण्डिल्यना शिष्य
इस नाम के आर्य गोत्रोत्पन्न आचार्य,
शाण्डिल्य के शिष्य name of a pre-
ceptor born in an Ārya family
and a disciple of Śāṇḍilya
“ संडिल्ल अज्जजीवधर ” नदी०

जीरय न० (जीरक) अ० जीरा cumin-
seed. प्रव० १४२८. (२) ओ३ अतनी वन-
स्पति एक प्रकार की वनस्पति a kind of
vegetation भग० २१, ८. —वच्च न०
(-वच्चसू) अ० वनस्पति विशेषतो इत्यरे-
पाद३ वगेरेतो दग्धो जीरा-वनस्पति विशेष
का कूडा-पत्ति इत्यादि का ढेर refuse of
the Jīrakā vegetation (cumin-
seed) निसी० ३, ८०,

जीरय. पु० (जीरक) ओ३ अतनी वनस्पति
एक प्रकार की वनस्पति A kind of
vegetation भग० २३, १,

✓ जीव धा० I (जीव्) अ० वृ, प्राण
धा० अ० इत्या जीव, प्राण धारण करना
To live, to breathe, to have
life

जीव ति भग० २, १, ६, १०, उत्त० ७, ३.

जीवामो उत्त० ६, १४,

जीविस्सामो आया० १, ६, ४, १८८,

जीविउ हे० कृ० दम ६, ११;

जीवत राय० २५३, विवा० ५;

जीव पु० (जीव) आत्मा चैतन्य, अ० अतः
नवतत्त्वोभातु प्रथम तत्त्व; अ० अतः
अ० आत्मा, चैतन्य, जीवतत्त्व, नवतत्त्वों में
से प्रथम तत्त्व, अ० अतः
Soul, consciousness, the first
of the nine categories, one
of the six substances उत्त० २, २७,
२८, १४, ३६, १, ६५, ओव० १७, ३४,
४०, नाया० १; ५, ६, ८, ९, १०, ११,
१६, १७, भग० १, १, २, १, २, ४, ३, ३;
५, ६, ६, ४, १०, ७, १०, ८, २, १०,
१७, २, २०, २, २६, १, पञ्च० १, ३, ३६,
दस० ८, २, पि० नि० ६३४, राय० २०४,
अणुजो० ६, दसा० १०, ७, मू० प० १६,
विशे० ५४२, २१५६, ३५०८, जीवा० ३,
१, उवा० १, ४४, (२) अ० अतः जीवत
life सम० १, आव० ज० प० २, ३१, क०
गं० १, ४७, ५३, भत्त० ६१, प्रव० २३,
पचा० २, ६, क० प० १, २६, गच्छा० ७६,
—अणुकंपा स्त्री० (-अनुकम्पा) अ० अतः
दया, अ० अतः दया अ० अतः दया दया
जीव-दया, जीवों की रक्षा करने की रक्ति
kindness to living beings, com-
passion for living beings नाया०
१, भग० ७, ६, —अणुसासन न०
(-अनुशासन) अ० अतः-शिक्षा -अभ्यस
जीव के सब व म शिक्षा (नमक) ex-
planation, exposition of the
nature of the soul (२) ओ नामने
ओ३ अ-थ इम नाम का एक ग्रन्थ
name of a book जीवा० १ —(वा)
अभिगम पु० (-अभिगम) अ० अतः
समज, अ० अतः अ० अतः जीव की समज
knowledge of the soul अ० ३,

२, (२) २६ उत्कालिक सूत्रभातुं अवालि
गम नामतुं भूत. २६ उत्कालिक सूत्रोंमेंसे
जीवाभिगम नाम का सूत्र name of one
of the 29 Utkālīka Sūtras ज०
प० ५, ११८, “ सेक्तिते जीवाभिगमे जीवा-
भिगमे दुविहे पण्यते ” जीवा० १; भग०
२, ३; ७; ६; ३, ३, ६; ५, ६; १०, ७,
१६, ६; २५, ५; नंदी० ४३; —आरं-
भित्रा स्त्री० (-आरम्भिकी) अवन
आरम्भार्थी इमं अधाय ते, क्रियानो अेक
प्रकार. जीव के आरम्भ से कर्मों का बधन
होता है वह; क्रियाका एक प्रकार Karma
incurred by killing or injuring
a living being. “तजहा जीवआरंभिया
चेव अजीव आरंभिया चेव” ठा० २, १,
—उद्धरण न० (-उद्धरण) भूत शास्त्रो
अेक प्रकार मन्त्र शास्त्र का एक प्रकार a
variety of Mantra Śāstra ठा० ६,
—काय पु० —काय —जीवनं जीवो ज्ञाना
ऽऽद्युपयोगस्तन्प्रधान कायो जीवकायः)
अवलोक, अवराशि जीव लोक, जीव राशि
the aggregate of lives or liv-
ing beings, the world of living
beings सूय० २, १, २३, भग० ७, १०,
आव० ४, ७, —क्रिया. स्त्री० (-क्रि-
या) अवनो व्यापार जीव का व्यापार an
operation or activity of a liv-
ing being “जावक्रियादुविहा पन्नता”
ठा० २, १, —ग्राह त्रि० (-ग्राह) अवनो
अदृष्टु इरनार जीवित को ग्रहण करनेवाला.
(one) who takes or catches
alive. “ जीवग्राह गिरणति ” नाया०
१, २, विवा० ३, —घण पु० (-घन)
अवन-असंख्यात प्रदेशना पिंडरूप
जावघन-असंख्यात प्रदेश के पिंडरूप an
aggregate of innumerable soul-

particles. “ अरुविणो जीवघणा ”
उत्त० ३६, ६५; भग० ५, ६; —छुक्र.
न० (-पट्टक) पृथ्वीकाय आदि ७ प्रकारना
अवनो अर्थे। पृथ्वीकाय आदि छ. प्रकार
के जीवों का समूह a group of six
living beings viz. earth, bodies
etc, प्रव० ६८६; —जोग. पुं० (-योग)
अवनो व्यापार, (केवली समुद्धात) जीवों
का व्यापार, (केवली समुद्धात). opera-
tion or activity of the soul;
(Kevalī Samudghāta) विशेष० ३६३;
—हाण न० (-स्थान) अवस्थान गुण-
स्थान. जीवस्थान-गुणस्थान. life stage,
spiritual stage क० गं० ६, ४,
—णास पुं० (-नाश) अत्यु, अवनो
नाश मृत्यु, जीवन का नाश death, dis-
truction of life. “ किं जीवनासाउ पर
न कुजा ” दस० ६, १, ५, —णिकाय. पु०
(-निकाय —जीवाना निकायो राशिजीवनि-
काय) अवराशि जीवराशि an agg-
regate of living beings छ
जिवनी काया पन्नता ” ठा० ६, २, ५,
—णिजाणमग पु० (-निर्याणमार्ग—
जीवस्य निर्याण मरणकाले शरीरिण शरी-
रान्निर्गम. शरीरनिर्गमः तस्य मार्गो जीव-
निर्याणमार्गः) अव निक्षेपवानो मार्ग
जीव का निकलने का मार्ग. the path or
way by which the soul goes
out of the body ठा० ५, ३, —णि-
व्वत्ति स्त्री० (-निर्वृत्ति—निर्वर्तनं निर्वृत्ति
निष्पत्ति जीवस्यैकेन्द्रियाऽऽदितया निर्वृत्ति-
जीवनिर्वृत्तिः) अवनो अेकेंद्रिय आदि रूपे
निर्वृत्ति-निष्पत्ति जीवकी एकेंद्रिय आदि रूपमें
निर्वृत्ति-निष्पत्ति. functioning of the
soul as one-sensed etc. “ कद्विहा-
ण भंते जावणिव्वत्ती ” भग० १६, ८, —णि-

स्विस्य त्रि० (-निश्चित) श्रवने आश्रित. जीव के आश्रित. depending upon, associated with the soul. ठा० ७, —**गिस्विस्य** त्रि० (-निःसृत—जीवभ्यो निःसृतो निर्गतो जीवनिःसृत) श्रवणी नीकलेख जीवसे निकला हुआ, जविसे उत्पन्न issued out of a soul or a living being. ठा० ७, —**तत्त न०** (-तत्त्व) श्रवतत्त्व, चेतन पदार्थ जीवतत्त्व, चेतन पदार्थ the soul regarded as an element प्रव० १२११, —**त्थिकाय** पुं० (-अस्ति-काय) चेतन-उपयोग लक्षणवाला, ७५०५-मानु ओ३ ५०५. चैतन्य-उपयोग लक्षणवाला, छ द्रव्य में से एक द्रव्य one of the six substances having consciousness for its connotation “ जीवतिकाएण भते । जीवाण कि पवत्तइ ” भग० १३, ४, २, १०, ७, १०, २०, २, सम० ४, अणुजो० ६७, १३१, —**दय** पु० (-दद) सयमरूपी श्रवना दाता सयम रूपी जीवके दाता the giver of a life in the form of self-restraint. कप्प० २, १५, आव० ६, ११, —**दय** त्रि० (-दय - जीवेपु. दया यस्य जीवदय) श्रवदया पालनार, दयालु जीवदया पालनेवाला, दयालु one who is kind to living beings सम० १, ज० प० ५, ११५, —**दया** स्त्री० (-दया) श्रवनी दया जीव-दया compassion towards living beings भक्त० ६३, १०४, —**द्व** न० (-द्रव्य) श्रवद्रव्य, ७५०५मानु ओ३ जीवद्रव्य, छ द्रव्य में से एक soul, the element known as soul भग० ११, १०, १८, ४, ०५, २, —**दिट्ठिया** स्त्री० (-दृष्टिका) श्रवने ज्ञेयता रागद्वेषादि करवायी लागती क्रिया जीव को देखने में राग द्वेषादि करने में जो

क्रिया लगती है वह Kamma incurred by love or hatred arising in the mind in the act of seeing a living being ठा० २, १, —**देस** पु० (-देश) श्रवने देश-ओ३ विभाग जीव का देश—एक विभाग a portion of the soul भग० १०, १, १६ ६, २०, २, क० प० १, २१, —**नास** पु० (-नाश) श्रवने नाश जीवन का नाश. death, destruction of life दम० ६, १, ५, —**निव्वत्ति** स्त्री० (-निर्वृत्ति) श्रवनी निर्वृत्ति-निष्पत्ति; ओ३न्द्रियादि३पे उत्पत्ति. जीवनकी निर्वृत्ति-निष्पत्ति, एकेन्द्रियारूपसे उत्पत्ति birth of the soul in the form of one-sensed etc living beings भग० १६, ८, —**पइ** द्विय त्रि० (-प्रतिष्ठन) श्रवनी अइ रहैल जीव के भीतर रहा हुआ residing in a living being “ अजीवा जावइइट्ठिया ” भग० १, ६, निसी० ७, २१, —**पएस** पु० (-प्रदेश) श्रवना प्रदेश. अविभाज्य अश जीव का प्रदेश—अविभाज्य अश an indivisible particle of the soul भग० २, १०, ८, ३, —**पएसिय** पु० (-प्रदेशिक—जीव प्रदेशाएव जीव प्रादेशिका) श्रवना असंख्य प्रदेशमा छेला प्रदेशमाज श्रव मानना तिथ्यगुप्त आचार्य ने अनुयायी जीवके असंख्यात प्रदेशमें से अन्तिम प्रदेशमें ही जीव माननेवाले तिथ्यगुप्त आचार्य का अनुयायी a follower of the preceptor Tisyagupta who believed that of the innumerable particles of the soul only the last had life or consciousness in it ठा० ७, आव० ६१, —**प्रयोग** चध पु० (-प्रयोगवन्ध) श्रवना प्रयोग-व्या-

पार्थी यतो बन्ध. जीवके प्रयोग-व्यापार से होता हुआ बंध. bondage caused by the activities of the soul भग० २०, ७, —पच्चक्खाणकिरिया स्त्री० (—प्रत्याख्यानक्रिया) श्रुत परत्वे पच्य-आलु न इत्थं यती क्रिया जीवके संबंध में प्रत्याख्यान न करने से जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred by neglecting Pachchkhāṇa relating to living beings. ठ० २, १; —पज्जव पुं० (—पर्यव) श्रुत पर्याय जीवके पर्याय. any of the modifications of the soul भग० २५, ५; —परणवणा. स्त्री० (—प्रज्ञापना—जीवाना प्रज्ञापना जीवप्रज्ञापना) श्रुती प्ररूपणा. जीवकी प्ररूपणा. exposition of the nature of living beings or souls. “से किं तं जीवपरणवणा” पञ्च० १; —पद. न० (—पद) श्रुत पद-स्थान जीवका पद-स्थान condition or, stage of a living being भग० १८, १; २४, १; २६, १, —पदेस पुं० (—प्रदेश) श्रुत प्रदेश जीव-प्रदेश an indivisible particle of a soul. भग० २५, ४; —परिणाम पुं० (—परिणाम) श्रुत परिणाम. जीवके परिणाम modification, development of the soul भग० ६, ५; १४, ४, जं० प० ७, १७६, —पाउ-ओ-सिया स्त्री० (—प्राद्वेषिकी) श्रुत श्रुत उपर ओप इत्थं यती क्रिया. कोई भी जीव से द्वेष करने से जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred by showing hatred towards a living being. भग० ३, ३; ठ० २, १; —पाडुच्चिया स्त्री० (—प्रातीतिका—जीवं प्रतीत्य यः कर्मवन्ध सा तथा) श्रुत आश्री लागती क्रिया.

जीव के संबंधमें जो क्रिया लगती है वह. Karma incurred in connection with a living being or a soul ठ० २, १; —पपएस पुं० (—प्रदेश) श्रुत प्रदेश-अंश जीव-प्रदेश जीव का अंश a portion, a particle of the soul-substance भग० ८, ६; १०, १, —पदेश. पुं० (—प्रदेश) श्रुत प्रदेश-अंश. जीव का प्रदेश-अंश a portion, a particle of the soul-substance भग० १६, ६; —पपावहुत्त न० (—अल्प-बहुत्व) श्रुत अपावहुत्त जीवों का अल्पावहुत्व. scantiness or the profusion of life क० प० १, ५१, —फुड. त्रि० (—स्पृष्ट) श्रुत स्पर्श इत्थं जीवने स्पर्श किया हुआ touched by, in contact with a soul or living being ठ० ४, ३; —भाव पुं० (—भाव) श्रुत. जीवत्व; जीवपना a state of being a living being “परकमे आय-भावेण जीवभाव उवदसेह” भग० २, १०; १८, १. —भावकरण न० (—भावकरण) श्रुत पर्यायनु इत्थं ते जीव पर्यायका करना modification of the soul विशेष ३३५४; —मज्झपएस पुं० (—मध्यप्रदेश) श्रुत मध्यप्रदेश जीव का मध्यप्रदेश the middle portion of the particles of the soul. भग० ८, ६, —मिस्मिया स्त्री० (—मिश्रिता) सत्याभूता लापानो ओइ प्रकार; जयां थोडा मरीगया होय अने थोडा श्रुत होय त्या तथा मरीगया छे ओम इहेतु ते मया मृया भाषा का एक प्रकार, जहा थोडे मर गये हों व थोडे जीवित हो वहा सब मर गये हैं ऐसा कहना a variety of speech

partly true and partly false declaring that all are dead when some are yet alive पञ्च० १, —राशि पु० (-राशि) श्रवणे समूह-
ज्यो जीवों का समूह a group of a collection of living beings
सम० २, आव० ७, १, —लोय पु० (-लोक) श्रवणे लोक, ससार जीव-लोक, ससार. the world of living beings.
नाया० १, कप्प० ४, ६०, क० प० ३, ४४, ज० प० ३, ६१, —वह पु० (-वध) श्रवणे वध धातु. जीवों का वध-धातु slaughter of animals भक्त० ६३,
—चावार पु० (-व्यापार) श्रवणे व्यापार-क्रिया जीवों का व्यापार क्रिया any of the functions or pro-
cesses of the soul or principle of life विशेष० ३६३, —विजय पु० (-विजय) श्रवणे स्वप्न अनु चिंतन करने जीव के स्वरूप का चिंतन करना medi-
tation upon the nature of the soul सम० ३, —विष्पजड त्रि० (-वि-
प्रहीन) प्रासुक, श्रवणे रहित जीव रहित, प्रासुक deprived of life, faultless
“ देवदियणस्स दारगस्स सरीर णिप्पाण णिच्छिट्ठ जीवविष्पजड कूवए पवखवेति ”
नाया० २, १६, १८, निर० १, १, —वि-
भक्ति स्त्री० (-विभक्ति) श्रवणे विभक्ति-
विभाग, श्रवणे पृथक्करण-विवेचन जीव की विभक्ति-विभाग, जीव का पृथक्करण-
विवेचन discussion upon, exposi-
tion of the nature of the soul.
उत्त० ३६, ४७, —विवागा स्त्री० (-वि-
पाका—जीव एव विपाक स्वर्णकिर्तिदर्शन-
लक्षणो विद्यते यासा ता जीवविपाका) श्रवणे विपाक दर्शनार्थं कर्मप्रवृत्ति जीव को

विपाक दिखलाने वाली कर्म प्रकृति Karma nature which displays its maturity to the soul क० ग०—संख्या स्त्री० (—संख्या) अवेनी स भ्या जीवों की संख्या a number of living beings प्रव० ४८, —संखेव. पु० (—संखेप—जीवाना संखेपा जीवसंखेपाः) अथर्थात् ओष्ठेन्द्रिय आदि अवेनी स्थान में अवेने संखेप-संखेयमा रहेतु पडे छे अपर्याप्त ऐकेन्द्रिय आदि जीव के स्थान कि जहापर जीव को संखेप-संखेचित स्थितिमें रहना पडता है any of the places in which an undeveloped living being (one) sensed etc has to remain in a contracted condition क० ग० ६, ३६, —संगृहीत त्रि० (—संगृहीत—जीव संगृहीत स्वीकृत जीवसंगृहीत) अथर्था स्वीकारायेद, जीव ने स्वीकृत किया हुआ accepted by, possessed by a soul or a living being. “अजीवा जीव संगृहीत” टा० २, १, —साहृति स्त्री० (—साहृति—यत्स्वहस्तेन गृहीतेन जीव मारयति सा जीवसाहृति) ओष्ठ प्रशरनी किया, पोताना लायथी अवेने मारयथी लागती किया एक प्रकार की किया, अपने हाथ से जीव को मारने में जो किया लगती है वह Karma incurred by taking life i.e. killing with one's own hand टा० २, १; —हिंसा स्त्री० (—हिंसा) अथर्था हिंसा जीव-हिंसा destruction of life or living beings भक्त० ६३, —हिय न० (—हित) अथर्था हित जीव का हित welfare of the life भक्त० ६८, जिवितं त्रि० (जिवितं) अथर्था जावित

living, existing विशेष २२५६,
जीवजीव पु० (जीवजीव) श्रवणो आधार
 जीवन का आधार. support of
 life, subsistence अणुत्त० ३, १,
 नाया० १, (२) श्रवणी शक्ति. जीवकी
 शक्ति. the vital power of the
 soul भग० २, १, (३) ओ३ नानु
 पक्षी एक जाति का पक्षी a kind of
 bird ज० प० पञ्च० १,
जीवजीवक पु० (जीवजीवक) ओ३ नानु
 पक्षी, ओ३र एक जाति का पक्षी, चकोर A
 kind of bird, the Chakora bird
 परह० १, १, ओ३व०
जीवजीवग पु० (जीवजीवक) ओ३र पक्षी
 चकोर पक्षी The Chakora bird.
 भग० १३, ६; (२) ओ३ नानु वनस्पति
 एक प्रकार की वनस्पति a kind of
 vegetation भग० २३, ५,
जीवण न० (जीवन) श्रवण, प्राण धार-
 ण जीवन; प्राण वारण Life, living
 उत्त० १२, १०,
जीवणिज्ज त्रि० (जीवनीय) श्रवण यो३
 जीने के योग्य . Worthy to live, fit
 to live सूय० २, २, ५६,
जीवत्त न० (जीवत्व) श्रवण. जीवत्व,
 जीव पना. State of being a soul
 or living being भग० २, १, विशेष० ५४५,
जीवमुत्ति स्त्री० (जीवन्मुक्ति) श्रवण श्रवण
 मोक्षो अनुभव लेने ते जीतेजी मोक्ष का
 अनुभव लेना Experiencing of sal-
 vation in this life पचा० २, ४३,
जीववत् त्रि० (जीवितवत्) प्राणी प्राणी
 Living, possessed of life परह०
 १, १,
जीवा स्त्री० (जीवा-जीवन जीवा) धनु यनी
 धनुयः दोरी धनुष की डोर A bow

string (२) धनुष्याङ्ग क्षेत्रो पण्य
 स्थानीय प्रदेश, भरत आदि क्षेत्रो लाया
 छेडनी पण्यो धनुष्याकार क्षेत्र के व्यास के
 समीपका प्रदेश, भरत आदि क्षेत्र के लेवे सिरे
 की चौड़ाई space between the
 two ends of a region which is
 bow shaped, lengthwise space
 between the two ends of Bha-
 rataksetra etc सूय० २, ५, १२,
 राय० २५७, सू० प० १, (३) ओ३ आनुधी
 णी३ आनु सुधीनी सीधी लीटी. एक
 वगल से दूसरी वगल तक की सीधी रेखा-
 लकीर. a straight line from one
 end to another. सम० ६०००,
जीवाजीव पु० (जीवाजीव) श्रव अने अश्रव
 पदार्थ जीवाजीव, जीव और अजीव पदार्थ
 The categories viz living and
 non-living beings नाया० १२, १४,
 दस० ४, १२, (२) न० श्रव अश्रवनी समग्र
 वाधु उत्तराध्ययननु ३६ मु अध्ययन
 जीव अजीव का समझ देने वाला उत्तराध्य-
 यन का ३६ वा अध्यायन the 36th
 chapter of Uttarādhyaṇa
 explaining (the nature of) liv-
 ing and non-living beings उत्त०
 ३६, —अहिमस पु० (-अभिगम) श्रव
 अश्रवो परिच्छेद -समग्र जीव अजीव
 का परिच्छेद समझ. exposition or
 explanation of (the nature of)
 living and non-living beings.
 “ से कित जीवाजीवादिगमे ” जीवा०
 १, द० ४, —समाउत्त त्रि०
 (-समायुक्त) श्रव अश्रव वाधु जीव
 अजीव वाला possessed of soul or
 non-soul “ जीवाजीव समाउत्त सुह
 दुक्ख समाणिणु ” सूय १, १ ३ ६.

जीवि त्रि० (जीविन्) श्रवण वायो, श्रवण
वायो जीवन वाला, जीनेवाला living,
possessed of life अणुजो० १२८,
(२) पुं० प्राणुधारक; श्रव. प्राण धारक,
जीव a soul, a living being सू०
१, ३, १, ६,

जीवित्र-य न० (जीवित) श्रवण असयम
जीवितव्य, जीवन, असयम जीवितव्य Life,
livelihood, absence of asceti-
cism “ जीवित्वाभिक्रिज्जा ” आया०
१, ८, ८, ४, १, १, १, ११, १, ६, ४,
१६१, नाया० १, २, ४, १४, १५, १६,
१८, दस० ८, ३४, १०, १, १७, भग० ७,
१, १५, १, पञ्च० १, २२, राय० २१५;
ओव० १४, सू० १, १, १, ५; १, २, १,
१, उत्त० ४, १, ८, १४, १०, १ ३२, २०,
विशे० १३८, विवा० ६, निर० १, १
उवा० १, ५७, २, १०२, ४, १४७, भक्त०
१३, १०३, का० ६ ११८, अ० ४. ३.
—अंत पु० (-अन्त) श्रवणने अंत
मृत्यु मरण जीव का अंत, मृत्यु, मरण.
termination of life, death ज०
प० २, ३१, उत्त० २२, १५ —अनकरण
पुं० (-अन्तकरण) श्रवणने अंत करने
ते जीवन का अंत करना putting an
end to life नाया० ५, पण० १, १,
ज० प० ३, ४५, —अट्टि त्रि० (-अर्थिन्)
श्रवणनी धृष्टवले जीने की इच्छा
वाला, जीवित रहने को उत्पुक्त desirous
of living or continuing to live
“ जोवा विमं खावह जीवियट्टि ” दस० ६,
१, ६, —अरिह त्रि० (-अरिह) श्रवणने
उत्थितयोग्य, अ श्रवण वायो तेष्टु. जीने के
योग्य, जीवन निर्वाह के योग्य sufficient
to maintain life “ विडल जीवि
यारिह पण्डाण दत्तह ” नाया० १; भग०

११, ११, राय० २३३, दस० १०, १, ज०
प० ३, ४३, —आश्र पु० (-आश्रमन्)
श्रवणस्वरूप जीवन स्वभाव. nature of
life नाया० १५, —आउ न० (-आयुप्)
श्रवणनी रूप आयुष जीवन रूप आयुष्य.
the duration of life नाया० ८,
—आउश्र पुं० (-आयुष्क) श्रवणप्रद
आयुष्य. जीवनप्रद आयुष्य duration
of life नाया० ८, —आसंसा स्त्री०
(-आशसा) श्रवणनी आशा. जीने की आशा
hope of life उवा० १, ५७, प्रव० २६६;
—आसा स्त्री० (-आशा) श्रवणनी
धृष्ट-आशा जीवितव्य की इच्छा-आशा,
लोक का पर्याय नाम desire to live
long, hope of long life, a syno-
nym of greed सप्त० ५२, भग०
२, ५ ८ ७, १२, ५ नाया० १, आ० २६,
निर० ३, ५, —उत्सविय त्रि० (-उत्स-
विक जीविनस्पोत्सव इव जीविनोत्सव स एव
जीविनोत्सविक.) श्रवणनी उत्साह वले
जीने के उत्साह वाला. (one) eager to
live “ जीविनोत्सविक ” भग० ६, ३३,
—उत्सविय त्रि० (-उत्सविक)
श्रवणने धृष्टवला, श्रवणनी वृद्धि धृष्ट
जीवन वृद्धि करने वाला जीवन को दीर्घ
वताने वाला (anything) which
prolongs life नाया० १; —उत्सविय
त्रि० (उत्सविक जीविनमुच्छ्रवामयति वर्ष-
यतीति जीविनोच्छ्रवाम स एव जीवितो
च्छ्रवसिहः) श्रवणने धृष्टवला जीवन को
दीर्घ वताने वाला life, prolonging
giving longevity भग० ६, ३३,
—कारण पु० (-कारण) श्रवणने हेतु
जीवन का हेतु motive of remain-
ing alive or maintaining life
दस० २, ७ —फल न० (-फल) श्रव-

नतुं ६५ जीवन का फल accomplished aim or object of life. नाया० ८; १३; १९; निर० ३, ४, —भावणा. स्त्री० (-भावना) जीवनतुं समाधान करे वाली भावना. meditation which reconciles one to (his or her) life सूय० १, १५, ४, —वसाण न० (-अवसान) जीवन-आयुष्यतो छोड़ो जीवन-आयुष्य का अन्त the end of life क० प० २, ७७,

जीवित्रा-या. स्त्री० (जीविका) आश्रय, पृति आजीविका, वृत्ति Livelihcod, maintenance of life सूय० २, ६ २, नाग० ७, अणुजो० १३१, कप्प० ४, ८२; जीविउ हे० क० अ० (जीवितुं) जीवना माटे जीवन के लिये In order to live or maintain life आया० १, २, ७, १७,

जीविउकाम त्रि० (जीवितुकाम) जीवना की उत्थापने जीवित रहने को उत्तुक Desirous of continuing to live “ जीविउकामे लालपमाण ” आया० १, २, ३, १६,

जीवितग्र त्रि० (जीवितक) अनुभूति जीवना, व्यापार जिह्मी अनुभूति जीवन दयापात्र जीवन Pitiable life, life deserving compassion उत्त० १० ३, जीविग्रसम पु० (जीविकरसम) साधारण आहार वनस्पतिशयतो ओष्ठ प्रभार साधारण वादर वनस्पति काय का एक प्रकार. A variety of ordinary gross vegetable life पत्र० १,

जीहा स्त्री० (जिह्वा) जल, रसेन्द्रिय जिह्वा, रसेन्द्रिय The tongue, the sense of taste नाया० १, ८, ६, मग० ११,

११, १५, १, जं० प० पत्र० २; १५, सु० च० ४, २८४, ओव० १, अणुजो० १२८; उत्त० ३२, ६२, ठा० ४, ४, राय० १६४; जीवा० ३, ३, उवा० २, ६५; १०७, भत्त० १०६, १४६, कप्प० ३, ३६, गच्छा० १६, —गार. पुं० (-कार) जुओ “ जिह्मागार ” शब्द देखो “ जिह्मागार ” शब्द. vide “ जिह्मागार ” पत्र० १,

जीहामयदुक्ख न० (जिह्मामयदुःख) जुओ “ जिह्मामयदुक्ख ” शब्द देखो “ जिह्मामयदुक्ख ” शब्द Vide ‘जिह्मामयदुक्ख’ ठा० ५, २,

जीहामयसोक्ख न० (जिह्मामयसौख्य) जुओ “ जिह्मामयसोक्ख ” शब्द देखो “ जिह्मामयसोक्ख ” शब्द Vide “ जिह्मामयसोक्ख ” ठा० ५, २,

जीहिंदिय न० (जिहेंद्रिय) जल, रसेन्द्रिय जिह्वा, रसना, रसेन्द्रिय The tongue, the sense of taste. परह० १, १, —निग्गह पु० (-निग्रह) जुओ “ जिह्मिन्द्रियनिग्गह ” शब्द देखो “ जिह्मिन्द्रियनिग्गह ” शब्द vide ‘जिह्मिन्द्रियनिग्गह’ उत्त० २६, ६५, —संवर पु० (-संवर) जुओ “ जिह्मिन्द्रियसवर ” शब्द देखो “ जिह्मिन्द्रियसवर ” शब्द vide. “ जिह्मिन्द्रियसवर ” परह० २, ५,

जुअ त्रि० (युत) युक्त, सहित युक्त, सहित Accompanied with क० गं० ३, ६, प्रव० १००६ १४२७, भत्त० १०६ ज० प० ७, १५१;

जुअणद्ध पुं० (युगनद्ध) ओष्ठ प्रभारतो यद् नक्षत्रतो योग, यद् अने नक्षत्रता योगी स्थिति मगद उपरता योगगतो आशरे थाय ते दुरु प्रकार का चन्द्र नक्षत्र का योग; नक्षत्र व नक्षत्र के योग की स्थिति जो कि वैलपर की जुटी की आकृति में होती है A pair-

ticular mode of the conjunction of the moon with the constellation presenting the appearance of the yoke सू० प० १३,

जुअल न० (युगल) जेडुं; जेनी जेडी युगल, दोका जोडा. A couple, a pair ज० प० ५, १२३; ओव ३०, प्रव० १०६६, क० गं० ५, ६१, कप्प० ३, ३६, पचा० ३, २, —**दुग**. न० (-द्विक) जे युगल दो युगल two pairs क० ग० ५, ४, —**धम्म** पु० (-धर्म) जुगदीयानो धर्म-जुगदपणे उत्पन्न थवु वगेरे युगलियोंका धर्म, युगल अवस्था मे उत्पन्न होना इत्यादि taking of birth in the form of a pair १०. Jugalyās प्रव० १०६६,

जुइ स्त्री० (छति) क्षाती, तेज, दीप्ति काति, तेज, दीप्ति Lustre, light, splendour नाया० १, ८, १०, सम० ३०, भग० १५, १, विशेष० ३४४७, ओव० ३८, उत्त० १, ४७, ४, २६. ठा० ४, ३, (२) जे नामनु निर्यावलिक्का सूत्रना पायभा वर्गनु ६ठु अध्ययन इस नाम का निर्यावलिक्का सूत्र के पाचवे वर्ग का ६ठा अध्ययन name of the 6th chapter of the 5th section of Nūyāvalikā Sūtra क० प० ५, १०१,

जुइ स्त्री० (युति) युक्ति, जेडाणु, सयोग युक्ति, सयोग Joining together, union, contact ठा० ३, ३ नाया० १, प्रव० ६, उवा० ६, १६७,

जुइमंत त्रि० (छतिमत्, छतिदीप्तिरतिशायिनी विद्यते यस्य स) क्षान्तिवान्, तेजस्वी कान्तिवान्, तेजस्वी Lustrous, bright, powerful उत्त० ५, १८, (२) सयम सयम asceticism, monkhood

आया० १, ७, ३, २०७, (३) मोक्ष मोक्ष. final emancipation आया० १, ७, ३, २०७,

जुंगिअ त्रि० (जुङ्गित) जति, धर्म अने शरीरथी दूषित होय ते जाति, कर्म व शरीर से दूषित हो वह (One) of a low nature in caste, action and body. प्रव० ७६८, —**अंग** त्रि० (-अंग) अपग; जेना हाथपग वगेरे अवयव क्षपाय गया होय तेवा अपग, जिसके हाथ पैर इत्यादि अवयव कट गये हो ऐसा mutilated or disabled in any of the limbs of the body e g a hand, a leg etc पि० नि० ४४६, ठा० ५, ३,

✓ **जुंज** धा० I (युज्) जेडवु जोडना. To join together (२) सयटग करवे सगठन करना to unite (३) उचित करवु उचित करना, योग्य करना to fit, to harmonise, to make fit for.

जुजइ पञ० ३६,

जुजति सूय० १, ३, १, १०,

जुजेवि उत्त० १, १८, दम० ८, ४३,

जुजत पचा० १२, ४६,

जुजइ क० वा० पि० नि० ५६ १६३, सु० च० ४, ६५,

जुजणु विशेष० १०० १६८, पि० नि० ७६, सु० च० २, ५४७,

जुंजण न० (योजन) योजवु, जेडवु, व्यापार करवे ते योजना, जोडना, व्यापार करना. Joining together, uniting conducting a business or an operation “इदियाण य जुजण” उत्त० २४, २४, विशेष० ३३५८,

जुंजण्या स्त्री० (योजन) जुओ डिये

शब्द देखो ऊपर का शब्द. Vide above
ओव० २०;

जुंम न० (युग्म) राशि विशेष; भेदी संख्या;
सम संख्या. राशि विशेष, सम संख्या A
particular sign of the zodiac
(Gemini) even number छ०
४, ३,

जुग न० (युग) चार हाथ परिमित ओं
छरप चार हाथ परिमित एक माप A
measure of length equal to
four arms सम० ६६, भग० ६, ७,
अणुजो० १३३, ज० प० (२) धोसरू,
धोसरी. जुडी a yoke of a carriage
उत्त० २७, ७, जीवा० ३, ३, पि० नि०
२६२, सूय० १, ५, २, ४, ज० प० ७, १५१,
पगह० २, १, ओव० नि० ३२५, दमा० ६,
४, उवा० ७, २०६, (३) अ० धोसरूना
आधारनु पुरुषता हाथ पगनुं लक्षण पुरुष के
हाथ पैर में घूमरी की आकृति वाला लक्षण
a mark of the shape of a yoke
of a carriage in the hand or
foot of a male human being
(८) सत्य, द्वापर, त्रेता अने कलि, ये चार युग-
युग मत्स्य, द्वापर, त्रेता, कलि ये चार युग-
काल any of the four ages
viz Satya, Dwāpara, Tretā,
and Kali विशेष० २२८८, (५)
पाचवर्ष प्रमाणुतो द्वात्रिंश विभाग पाच वर्ष
प्रमाण का काल विभाग a period of
time equal to five years भग०
६, ७; २५, ५, अणुजो० ११५, नाया० १६,
मृ० प० ८, पगह० १, ३, छ० २, ४, सम०
६१; ज० प० जीवा० ३, ४, राय० ३२, (६)
ओं जलतो भद्र एक जाति का मत्स्य a
kind of fish. पन्न० १; (७) गोत्र देश
प्रसिद्ध ओं जलनु ये हाथ प्रमाणुनु वाहन

—पादभी. गोल देश प्रसिद्ध एक जाति का
दो हाथ प्रमाण का वाहन—पालकी a kind
of palanquin of the size of two
arms length made in the
country named Gola जीवा ३, ३;
—अंतर. न० (-अंतर) धोसरा प्रमाणे
आंतरू. जुडी के प्रमाणमें अंतर an
interval (in point of space)
of the measure of a yoke of
a carriage भग० २, ५; —आदिजिण
पुं० (-आदिजिन) युगना पहेला तीर्थंकर
श्री ऋषभदेव स्वामी युग के प्रथम तीर्थंकर
श्री ऋषभदेव स्वामी Rishabhadeva
the first Tirthankara of the
age. प्रव० १, —गिह न० (-गृह)
पादभी राखतानु धर. पालकी-गृह a
house or hall in which palan-
quins are kept निपी० ८, ७; —छिद्र-
हु न० (-छिद्र) धोसरीमांनु छिद्र
जुडी में क छिद्र a hole in the yoke
of a carriage उत्त० टी० ३;
—पहाण पु० (-प्रधान) युग प्रधान
पुरुष, युगमा थयेत प्रधान मदान पुरुष,
(छद्र आहु स्वामी यगेरे) युग प्रवन युग
का प्रधान महापुरुष-भद्रवाहु स्वामी इत्यादि
a prominent person of an age
(Yuga), e g Bhadrabāhu
Swāmī etc विशेष० १४२३; —पहाण
न० (-प्रधान) जुओ उपतो शब्द देखा
ऊपरका शब्द vide above प्रव० ६२;
२६४, —सूरि पु० (-सूरि) युग प्रधान
सूरि आचार्य युग प्रधान सूरि-आचार्य a
preceptor etc renowned in a
certain age, प्रव० ६२; —माण
न० (-मान) पाच वर्ष अथवा आसह मास
प्रमाण युगनु मान पाच वर्ष किंवा द्वांनठ

मास प्रमाण युग का मान a measure of time equal to five years or 62 months प्रव० ६०८,

—संनिभ त्रि० (-सन्निभ) आर हाथ प्रमाणुना जेवु चार हाथ प्रमाण के जैसा similar to, analogous to a measure of the length of four arms “ जुगसणिणभ पीणइय पीवर पऊठसठिय ” जीवा० ३, —सवच्छुर पु० (—सवत्सर) पाथ सवत्सर प्रमाण समय, १८३० दिवस प्रमाण युग सवत्सर पाच संवत्सर प्रमाण समय, १८३० दिवस प्रमाण युग सवत्सर, a Yuga Samvatsara equal to 1830 days सू० प० १०, जं० प० ७ १५१, ठा० ५, ३, —साला स्त्री० (-शाला) पादभी राखवानी शाला पालका रखने की शाला a room, a hall in which palanquins are kept निसी० ८, ७,

जुगंतकडभूमि स्त्री० (युगान्तकृतभूमि—युगानि-कालमानविशेषा तानि च क्रमवर्तीनि तस्माधर्म्याद्ये क्रमवर्तिनो गुरु-शिष्य प्रशिष्याऽऽदिस्था पुरुषा तस्यपि युगानि तैः प्रमितान्तकरभूमिर्युगान्तकृतभूमि) शु३-शिष्य पर पराये अविच्छिन्नपक्षे स सारने अत इरनाउ छवेनो प० प० गुरु शिष्य परम्परा स अविच्छिन्नता से ससार का अन्त करने वाले जीवों की परंपरा The successive generations of men such as preceptors and disciples forming as it were a chain of an era, who attain salvation ठा० ३, ४, नाया० ८, ज० प० २, ३१,

जुगतकरभूमि स्त्री० (युगान्तकृतभूमि) जुगो उपलो शब्द देतो ऊपरका शब्द

Vide above नाया० ८,

जुगतगडभूमी स्त्री० (युगान्तकृतभूमि) युगने अत इरनारी भूमि युग का अंत करने वाली भूमि A land or region finishing a Yuga (a period of time) कप्प० ५, १४४,

जुगधर पु० (युगन्धर) रथ यनाववाना उप-योगमा आवतु ओड जतनु लाडु रथ बनाने के उपयोग में आता हुआ एक प्रकार का लकड़ A kind of timber used in making chariots ज० प० १, जुगवाहु पु० (युगवाहु) ९ भा तीर्थइरनु तीर्थ पूर्व भवन नाम ६ वें तीर्थकर के तृतीय पूर्व भव का नाम Name of the third previous birth of the 9th Tirthankara सम० प० २३०, विवा० २, (२) लाया हाथ, लाडु लंबे हाथ, बाहु a long arm. ठा० ६,

जुगणद्ध पु० (युगनद्ध) जुगो “ जुगणद्ध ” शब्द देखो “ जुगणद्ध ” शब्द Vide “ जुगणद्ध ” सू० प० १२,

जुगमच्छ पु० (युगमत्स्य) ओड जतने भच्छ एक प्रकार का मत्स्य A kind of fish विवा० ८, पञ्च० १, जीवा०

जुगमाय त्रि० (युगमात्र) थो सरी प्रमाणु जुडी के प्रमाण का Measuring a yoke आया० २, ३, ७, ११४, दगा० ६, २, दग० ५, १, ३,

जुगमित्त त्रि० (युगमात्र) जुगो “ जुगमाय ” शब्द देखा “ जुगमाय ” शब्द Vide “ जुगमाय ” उक्त० २४, ७,

जुगमेत्त न० (युगमात्र) युग-या सरी प्रमाणु आ० हाथ प्रमाण युग-जुडी के अनुसार चार हाथ प्रमाण A particular measure equal to four arms प्रा० ७७८,

जुगल. न० (युगल) जेडी, जेडुं. जोडा,
युगल. A couple; a pair (२) पु०
स्त्री० जुगलीया जुगलिया. Jugaliā.
भग० ६, ५; १५, १, --धम्म. पुं०
(-धर्म) जुगलीयानो धर्म, युगल धर्म
स्त्री पुरुष दोनों का धर्म; युगल धर्म a
combination of the characteris-
tic functions or qualities of
both a male and female तदु०
—धम्मिय पु० (-धार्मिक) स्त्री पुरुष
३५ युगलना धर्मवालो छा पुरुषरूप युगल
के धर्म वाला one who combines
within him the characteristic
functions or qualities of both
viz a male and female तदु०

जुगलग. न० (युगलक) जेडु, जेनी जेड
जोडला, दो की जोड A pair, a
couple जं० ५०

जुगलय न० (युगलक) जुगल; जेडु
युगल, जोडा A couple, a pair सम०
७६,

जुगलिय त्रि० (युगलित) जेडी युक्त.
युगल युक्त; सजोड Coupled to-
gether, consisting of a pair.
“ निच्च जुगलिया ” नाया० १

जुगयं. त्रि० (युगवत्) ज्ञाना उपर्युक्ती
रहित, त्रीन् तथा योथा आराना जन्मेव
काल के उपद्रव से रहित तृतीय व चतुर्थ
आरेमें जन्म प्राप्त. Free from moles-
tation caused by time, born
in the third and the fourth
Ārās (a part of a cycle of
time). जीवा० ३, १, भग० १४, १,
१६, ३, राय० ३, २, उदा० ७, २१६,

जुगवं. अ० (युगवत्) ओझी वधते, ओझ
झावे, ओझ साथे. एकही समय पर; एकही

कालमें, एक साथ Simultaneously.
उत्त० २८, २६; ३६, ५४, सु० च० ५, ६;
२, ३६१; ठा० ३, ४, विशेष० १६६; प्रव०
६६८, ओव० ४३;

जुग त्रि० (योग्य) लायक. योग्य Proper.
भक्त० १२, प्रव० १३७०;

जुग न० (युग्य) गोद्व द्वेशमां प्रसिद्ध ओझ
जतनी पावप्पी के जेने इरती योभुष्णी जे
हाथ प्रमाणे वेदिका-कडोडा होय छे. गोल्ह
देश मे प्रसिद्ध एक प्रकार की पालकी कि
जिसके चारों ओर फिरती चौरम दो हाथ
प्रमाण की वेदिका (कठहरा) होती है A
kind of palanquin with a square
railing of the height of two
arm's length It is made in
the country named Golla.
भग० ३, ४, ४, ७, ८, ६, विशेष० २६६२,
ज० प० ५, १५७, ओव० अणुजो० १३४,
(२) धोंसरी जुडा a yoke; that
part of the pole of a carriage
which is fastened to the shoul-
der of an ox, a horse etc ठा०
४, ३, भग० ६, ३३, (३) युग-धोंसरी
पड़ेनार थोडा अक्षर वगेरे युग-जुडी
को डगनेवाला-घोडा, बेल इत्यादि an
ox, a horse etc harnessed to
a carriage 'चत्तारि जुग्गा परणत्ता'
ठा० ४, ३. (४) पुशुपथी उडाय ओधु
निमान. पुष्प से उडा जा सके ऐसा आकाश
विमान a kind of balloon मूय० २,
२, ६२; —आयरिया. स्त्री० (-आयर्वा-
युगस्याऽऽवहन गमन युग्याचर्या) युग-
वाहनमा जडु ते. युग-वाहन मे जाना
going in, moving in a carriage
or conveyance ठा० ४, ३,
जुगआरिया स्त्री० (युग्याचर्या) जुगो

उपरो शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above ठा० ४, ३; —गय त्रि० (-गत) वाहन उपर बैठे वाहन के ऊपर आरुढ seated in a vehicle or carriage. ओव०

जुगय त्रि० (युगयक) लुओ 'जुग' शब्द. देखो 'जुग' शब्द Vide 'जुग' ठा० ४, ३,

जुज्ज त्रि० (योज्य) योजना घटना करना योग्य योजना-घटना करने योग्य Worthy of being united or joined together उत्त० २७, ८,

✓जुज्झ धा० I (युष्) युद्धकरु, लड़ाई करनी युद्ध करना, लड़ाईकरना To fight, to battle, to wage war

जुज्झामि नाया० १६,

जुज्झामो. नाया० १६,

जुज्झाहि आया० १, ५, ३, १५३, उत्त० ६, ३५;

जुज्झहे. नाया० १६,

जुज्झत स्य० १, ३, १, १; सु० च० ७, ७८,

जुज्झिता ठा० ३, २,

जुज्झ न० (युद्ध) युद्ध. लड़ाई Battle, war उत्त० ६, ३५, आया० १, ५, ३, १५३, नाया० ८, —किंतिपु-रिस पु० (-कीर्तिपुरुष-युद्धजनिता या कीर्ति तत्प्रधानः पुरुषो युद्धकीर्तिपुरुष) युद्धशी कीर्तिवत थयेव पु३५ युद्ध मे कीर्तिप्राप्त मनुष्य. one who has acquired renown in a battle. सम० —ज्झाण न० (-ध्यान) लड़ाईनु ध्यात, ध्यातने ओ३ प्र३२ लड़ाई का ध्यान, ध्यान का एक प्रकार concentration or meditation upon battle, a variety of meditation आ३०

Vol II/108

—सज्ज पु० (-सज्ज) युद्धमा तैयार, युद्धमा तत्पर युद्धमे तत्पर one who is prepared for battle, one who is ready to fight नाया० ८, १६, निर० १, १,—सज्ज त्रि० (-श्रद्धासमा-स्तत्र संजाताश्रद्धा यस्य स) युद्धमा श्रद्धा-वान्, युद्धमे आह्ना युद्ध में श्रद्धावान्; युद्ध को चाहनेवाला militarist, war-like परह० १, ३,—सूर. पु० (-शूर) युद्धमा शूर युद्ध में शूर (one) who is brave in battle; a warrior. "जुज्झ सूरं वासुदेवे" ठा० ४, ३,

जुज्झाज्जुज्झ न० (युद्धातिरुद्ध) ६-६ युद्ध ७२ इलाहानी ओ३ इलाह द्व युद्ध; ७२ कलाओ में से एक कला A single combat; a duel, one of the 72 arts जं० ५० ओव० सम०

जुगण. त्रि० (जीर्ण) लुओ, लुनु, वृद्ध जीर्ण. पुरातन, वृद्ध Old, worn out, antiquated नाया० १, ११, भग० १६, ४, १६, ३, अणुजो० १२७, अणुत्त० ३, १, ओघ० नि० १३६, राय० २५८, —उ-ज्जाण न० (-उद्यान) लुओ "जिण्णु-ज्जाण" शब्द. देखो "जिण्णुज्जाण" शब्द. vide "जिण्णुज्जाण" नाया० १, —कुमारी स्त्री० (-कुमारी) लुओ "जिण्णुकुमारी" शब्द. देखो "जिण्णुकुमारी" vide "जिण्णुकुमारी" नाया० १, नाया० ४० —गुल पु० (-गुड) लुओ गो३ पुराना गुड old treacle भग० ८, ६,—तंडुल न० (-तण्डुल) लुओ गो३. पुराने चावल old rice भग० ८, ६; —सुरा स्त्री० (-सुरा) लुओ दा३. पुराना दारु-मदिरा-मद्य old wine भग० ८, ६; जुगिय त्रि० (जीर्णित) लुओ जीर्ण Old worn out नाया० १,

जुति. स्त्री० (युति) क्षान्ति कान्ति Light, lustre नाया० १, भग० ३, ६; ओव० २०, सू० प० १६, सम० १०;

जुत्त त्रि० (युक्त) युक्त, सहित सहित, युक्त, संयुक्त Accompanied with (२) जेडेस जुडा हुआ. joined; united. जं० प० ७, १६१, ३, ६४, २, २०; नाया० १; ३; ५, ८, ६; १४, १६, भग० ७, ८; ६, ३३; दस० ३, १०, ८, ४३, ६४, ६, २, १४; ६, ४, २, ३, पिं० नि० १६४, नंदी० ६, उत्त० १, ८; ६, २२; राय० २२९; दसा० ४, १२, १०, १, पंचा० ६, ४२, ३, ३५, क० ग० १, ३७; ४४, क० गं० ४, प्रव० ८१२, गच्छा० १२८, कप्प० ३, ३६, ओव० १०, २६, अणुजो० १३२; ठा० ४, ३, उवा० २, १०१, ७, २०६, (३) योग्य योग्य proper, fit, worthy. विशेष०, १३३; सु० च० १, १५४, २, ४५१, निर० १, १, नाया० ८, (३) असंख्यत अने अनंततो एक प्रकार असंख्यात व अनंत का एक प्रकार a variety of the innumerable and infinite अणुजो० १४६, —असंखेज्ज अ पु० (—असंख्येयक) असंख्याततो एक प्रकार असंख्यात का एक प्रकार. a kind of innumerable अणुजो० १४६, क० गं० ४, ८१, —अहिगरण म० (—अधिकरण) अधिकरण-हिसा के उपकरण अधिक अधिक योजना, आठवें व्रत का पाचवा अतिचार using more and more the means of injury; the fifth Atichāra of the eighth vow. प्रव० २८३, —जोग त्रि० (—योग) शरीर विगरेनेनी योग्य येषा वासा. शरीर इत्यादि की योग्य चेष्टा वाला

(one) possessing proper activity of the body etc पंचा० १२, २१; —परिणय त्रि० (—परिणत) सारी सामग्री थी युक्त-पालाभी आदि शुभ सामग्री से युक्त-पालकी आदि. possessed of, furnished with good materials (e g a palanquin etc) ठा० ४, ३, —पालिय त्रि० (—पालिक —युक्ता परस्परसंबद्धा न तु बृहदन्तराला-पालिः सेतुर्यस्य स युक्तपालिकः) पासे पासे-सडक-पूववाले पासपास-लगोलग-सडक-पूल वाला. having bridges situated near one another राय० —फुसिय न० (—स्पर्श) उचित बिन्दु-पाणीना छोटानु पडनु उचित बिन्दु-जल के बूंद का गिरना. a shower of proper (desirable) drops of water “ जुतफुसिय निहयरयेणुय ” सम० ३४, —रुव त्रि० (—रुव) प्रशस्त स्वभाव वाला. possessed of praiseworthy temperament ठा० ४, ३, —सोह त्रि० (—शोभ—युक्तं शोभते युक्तस्य वा शोभा यस्य तद्वक्तशोभम्) योग्य शोभावाले योग्य शोभायुक्त possessed of just or proper beauty. ठा० ४, ३;

जुत्त. न० (योक) जेतरे जेत का रस्मा. a rope with which an animal is tied to the pole of a carriage. उत्त० १६, ५६;

जुति स्त्री० (युक्ति) युक्ति, कला, रीति युक्ति, कला, रीति Skill, art, mode; process विशेष० १५४, ओघ० नि० ५८६; नाया० १०; अणुजो० १२८, (२) मेलनमी मिश्रण joining together, mixture, union जीवा० ३, ३; पंचा० १, १;

(३) એ નામના એક કુમાર इस नामका एक कुमार. name of a Kumāra (a boy) निर० ५, १, (४) એ નામનું વનહિદશાસૂત્રનું એક અધ્યયન इस नामका वन्हिदशा सूत्र का एक अध्ययन name of a chapter of Vanhidaśā Sūtra निर० ५, १, —खलम त्रि० (-क्षम) युक्ति सहेन, युक्तिवाला, युक्ति सहित, युक्ति वाला. logical, possessing reason. पंचा० १२, १६, —रण (-युक्ति जानातीति) युक्तिने ज्ञानार, क्षमायां युक्ति का जानने वाला, कलावाज (one) well-versed or skilful in any art “ गंधारे गीयजुत्तिरण ” ठा० ७, —वाहिय त्रि० (-बाधित) युक्तिनी बाधित-भूत थयेस युक्ति से बाधित-सहित refuted by logical argument “ जम्हाण जुत्तिवाहिय-विसओ विसदागमो होइ ” पचा० १८, ४४, —सुवर्ण पु० (-सुवर्ण) कृत्रिम सोन, कृत्रिम सुवर्ण, बनावटी सुना artificial gold. पचा० १४, ३६,

जुत्तिसेण. पु० (युक्तिसेन) अभुद्रीयमना ऐरवतक्षेत्रमाया अवसर्पिणीमा थयेस आठमा तीर्थंकर जंबूद्वीप में ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान अवसर्पिणी में उत्पन्न आठवे तीर्थंकर. The eighth Tithankara of the current Avasarpini in the Anavata region of the Jambū Dvīpa सम० प० २४०, (२) ऐरवत क्षेत्रमा वर्तमान ११ मा तीर्थंकर ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान ११ वें तीर्थंकर the

present 11th Tithankara of the Anavata Ksetra प्रव० २६६; जुद्ध पु० (युद्ध) युद्ध, लड़ाई, लड़वानी क्षत्र युद्ध, विग्रह; लड़ने की कला Battle, engagement, art of fighting a battle ओव० ३०, ४०, नाया० १, २; १६, जीवा० ३, ३, ओष० नि० २२५, दम० ५, १, १२, —अइजुद्ध न० (-यतियुद्ध) दंष्ट्र युद्ध, युद्धमा युद्ध दारुण युद्ध, युद्ध में युद्ध terrible battle, thick of the fight नाया० १; ओव० ४७, —अरिह न० (-अर्ह) धर्मनी साथे युद्ध करवामा उपयोगी, लाभ युद्धमा लाभ लागे तेनु. कर्मों के साथ युद्ध करने में उपयोगी, भाव युद्ध में उपयोगी हो ऐसा. useful in fighting against Karma, useful in moral war e g against passions आया० १, ५, ३, १५४, —किन्ति-पुरिस पु० (-कीर्तिरुप) जुओ “ जुम्क-किन्तिपुरिस ” शब्द देखो “ जुम्ककिन्ति-पुरिस ” शब्द. vide “ जुम्ककिन्तिपुरिस ” सम० —नीति स्त्री० (-नीति) लड़वानी नीति-व्यवस्था युद्धनीति-व्यवस्था military tactics or strategy ज० प० —नीई स्त्री० (-नीति) युद्ध करवानी नीति युद्ध करने की नीति the tactics of fighting प्रव० १२४०, —सज्ज त्रि० (-सज्ज) जुओ “ जुम्कसज्ज ” शब्द देखो “ जुम्कसज्ज ” शब्द vide “ जुम्कसज्ज ” सम० —सइह त्रि० (-अह) जुओ “ जुम्कसइह ” सम० देखो “ जुम्कसइह ” शब्द. vide “ जुम्कसइह ” पगद० १, ३, —सूर पु० (-शूर) लड़वया, युद्ध मैनिक, लड़वैया, सुभट a warrior, a combatant ठा० ४, ३; जुन्न त्रि० (जीर्ण) जुओ “ जुण्ण ” शब्द.

जुति. स्त्री० (युति) शान्ति कान्ति. Light, lustre नाया० १, भग० ३, ६; ओव० २०; सू० प० १६, सम० १०,

जुत्त त्रि० (युक्त) युक्त, सहित सहित, युक्त, संयुक्त Accompanied with (२) जेडेथ जुडा हुआ joined, united. जं० प० ७, १६१, ३, ६४, २, २०; नाया० १; ३; ५; ८, ६; १४; १६; भग० ७, ८; ६, ३३; दस० ३, १०, ८, ४३, ६४, ६, २, १४; ६, ४, २, ३, पि० नि० १६४, नंदी० ६; उत्त० १, ८, ६, २२, राय० २२९; दसा० ४, १२, १०, १, पंचा० ६, ४२; ३, ३५, क० ग० १, ३७; ४४, क० गं० ४, प्रव० ८१२; गच्छा० १२८, कप्प० ३, ३६; ओव० १०; २६, अणुजो० १३२, ठा० ४, ३, उवा० २, १०१, ७, २०६, (३) योग्य योग्य proper, fit, worthy. विशेष० ९; १३३; सु० च० १, १५४, २, ४५१; निर० १, १, नाया० ८, (३) असंख्यात अने अनंततो ओक प्रकार असख्यात व अनंत का एक प्रकार a variety of the innumerable and infinite अणुजो० १४६; —असंखेज्ज अ पु० (—असंख्येयक) असंख्याततो ओक प्रकार असख्यात का एक प्रकार. a kind of innumerable अणुजो० १४६, क० गं० ४, ८१; —अहिगरण म० (—अधिकरण) अधिकरण-हिसा के उपकरण अधिक अधिक योजना, आठवें व्रत का पाचवा अतिचार using more and more the means of injury; the fifth Atichāra of the eighth vow. प्रव० २८३, —जोग त्रि० (—योग) शरीर विगरेनी योग्य येषा वाधा शरीर इत्यादि की योग्य चेष्टा वाला

(one) possessing proper activity of the body etc. पंचा० १२, २१; —परिणय त्रि० (—परिणत) सारी सामग्रीथी युक्त-पादभी आदि शुभ सामग्री से युक्त-पालकी आदि possessed of, furnished with good materials (e g a palanquin etc) ठा० ४, ३, —पालिय त्रि० (—पालिक —युक्ता परस्परसंबद्धा न तु वृद्धन्तराला-पालिः सेतुर्यस्य स युक्तपालिकः) पासे पासे-सडक-पूखवाडु पासपास-लगोलग-सडक-पूल वाला. having bridges situated near one another राय० —फुसिय न० (—स्पर्श) उचित गि-दु-पाणीना छोटानु पड्यु उचित बिन्दु-जल के बूंद का गिरना a shower of proper (desirable) drops of water “ जुतफुसिय निहयरयरेणुय ” सम० ३४, —रूव त्रि० (—रूय) प्रशस्त स्वभाव वाला. possessed of praiseworthy temperament ठा० ४, ३; —सोह त्रि० (—शोभ—युक्त शोभते युक्तस्य वा शोभा यस्य तद्वक्तशोभम्) योग्य शोभावाडु योग्य शोभायुक्त. possessed of just or proper beauty ठा० ४, ३;

जुत्त न० (योक) जेतरे जोत का रस्ता. a rope with which an animal is tied to the pole of a carriage. उत्त० १६, ५६;

जुत्ति स्त्री० (युक्ति) युक्ति; कला, रीति युक्ति, कला, रीति Skill, art, mode, process विशेष० १५४, ओव० नि० ५८६; नाया० १०, अणुजो० १२८; (२) भेदवाली मिश्रण joining together, mixture, union जीवा० ३, ३; पचा० ५, १,

(३) એ નામના એક કુમાર इस नामका एक कुमार name of a Kumāra (a boy) निर० ५, १, (४) એ નામનું વનિહિદશાસૂત્રનું એક અધ્યયન इस नामका वनिहदशा सूत्र का एक अध्ययन name of a chapter of Vanhidaśā Sūtra निर० ५, १, —कलम त्रि० (-क्षम) युक्ति सङ्गित, युक्तिवाला, युक्ति सहित, युक्ति वाला. logical, possessing logical reason पंचा० १२, १६, —रण (-ज्ञ-युक्ति जानातीति) युक्तिने ज्ञानान्तर, इत्याचार्य युक्ति का जानने वाला, कलावाज (one) well-versed or skilful in any art “ गधारे गीयजुतिरण ” ठा० ७, —वाहिय त्रि० (-बाधित) युक्तिनी बाधित-अडित थयेस युक्ति से बाधित-खण्डित refuted by logical argument “ जम्हाण जुत्तिवाहिय-विसस्रो विसदागमो होइ ” पचा० १८, ४४, —सुवर्ण पु० (-सुवर्ण) अनारटी सोनु कृत्रिम सुवर्ण, बनावटी मुज्जा artificial gold. पचा० १४, ३६,

जुत्तिसेण पु० (युक्तिसेन) अम्भुद्वीपमना औरवतक्षेत्रमा यासु अवसर्पिणीमा थयेस आठमा तीर्थक्षर जवूद्धीप में ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान अवसर्पिणी में उत्पन्न आठवे तीर्थकर The eighth Tithankara of the current Avasarpini in the Anavata region of the Jambū Dvīpa सम० प० २४०, (२) औरवत क्षेत्रमा वर्तमान ११ मा तीर्थक्षर ऐरवत क्षेत्र के वर्तमान ११ वें तीर्थकर the

present 11th Tithankara of the Anavata Ksetra प्रव० २६६; युद्ध पु० (युद्ध) युद्ध, लड़ाई, लड़वानी इत्या युद्ध; विग्रह, लटने की कला. Battle; engagement, art of fighting a battle ओव० ३०, ४०, नाया० १; २; १६, जीवा० ३, ३, ओघ० नि० २०५, दम० ५, १, १२, —अइजुद्ध न० (-अतियुद्ध) दंशु युद्ध, युद्धमा युद्ध दारुण युद्ध, युद्धम युद्ध terrible battle, thick of the fight नाया० १, ओव० ४७, —अरिह न० (-अर्ह) इर्मनी साथे युद्ध इरवामा उपयोगी, भाव युद्धमां दाम लागे तेनु. कर्मों के साथ युद्ध करने में उपयोगी, भाव युद्ध में उपयोगी हो ऐसा. useful in fighting against Karma, useful in moral war e g against passions आया० १, ५, ३, १५४, —जिक्त्तिपुरिस पु० (-कीर्त्तिपुरुष) जुओ “ जुम्क-किक्त्तिपुरिस ” शब्द देखो “ जुम्ककिक्त्ति-पुरिस ” शब्द vide “ जुम्ककिक्त्तिपुरिस ” सम० —णीति स्त्री० (-नीति) लड़वानी नीति-व्यवस्था युद्धनीति-व्यवस्था military tactics or strategy ज० प० —नीई स्त्री० (-नीति) युद्ध इरवानी नीति युद्ध करने की नीति the tactics of fighting प्रव० १२४०, —सज्ज त्रि० (-सज्ज) जुओ “ जुम्कपज्ज ” शब्द देखो “ जुम्कपज्ज ” शब्द vide “ जुम्कसज्ज ” राय० —सइह त्रि० (-अह) जुओ “ जुम्कमइह ” शब्द देखो “ जुम्कमइह ” शब्द vide “ जुम्कमइह ” पगह० १, ३, —सूर पु० (-सूर) लड़वैया, मुभट् मैनिक, लड़वैया, मुभट् a warrior, a combatant ठा० ४, ३, जुन त्रि० (जीर्ण) जुओ “ जुण ” शब्द.

देखो “जुण्ण” शब्द. Vide “जुण्ण”
श्रोघ० नि० ३७७, सु० च० ७, २७६,
आया० १, ४, ३, १३५;

जुन्हा स्त्री० (ज्योत्स्ना) आँदनी रात चादनी
रात Moonlight सु० च० ७, १४४,

जुम्म. न० (युग्म) जुगल, जेडी; जेतुं जेडु.
युगल जोडा. A pair, a couple.

“कइ ए भते जुम्मा पण्णता ? गोयमा ।

चत्तारि जुम्मा पण्णत्ता” ठा० ४, ३, भग०

१८, ४, २५, ४, ३१, ७, ४१, ३; पिं० नि०

२, —पण्णसिय त्रि० (—प्रादेशिक) सभ

सज्जा जेडी प्रदेशी उत्पन्न थयेल सम

सख्या से उत्पन्न produced from,

resulting from an even number.

भग० २५, ३;

जुय पुं० (युग) युग; पाय संवत्सर प्रमाणे

काल विभाग युग, पाच संवत्सर के प्रमाण

काल विभाग A Yuga, a period

of time measuring five Samvat-

saras. भग० ५, १, (२) जे (सज्जा

वायड) दो, (सख्यावाचक) an ex-

pression for the number 2. सु०

च० १, २७२;

जुय. पुं० (यूप) यज्ञस्थल यज्ञस्तम्भ A

sacrificial post पिं० नि० ६६,

जुयग पुं० (युत्तक) लवण समुद्रमाँना चार

भोटा पातालकलशमाने जेड. लवण समुद्र

में के चार बड़े पातालकलशमें का एक One

of the four nether world pots

of the Lavana ocean. प्रव० १५८६,

जुयल न० (युगल) जेडी, जेडुं जोडा,

युगल. A pair, a couple. नाया० १,

८; ९; जीवा० ३, १, ३; सु० च० १२, ८,

राय० १२२, उवा० २, १०७, —धम्मिय

पुं० (—धार्मिक) जुओ “जुगलधम्मिय”

शब्द देखो “जुगलधम्मिय” शब्द vide

“जुगलधम्मिय” तंदु०

जुव पुं० (युवन्) युवान, जुवान युवक;

जवान. A young man, a youth.

दस० ७, २५, विशेष० १६१४; आया० २,

४, २; १३८, भग० १६, ३;

जुवइ स्त्री० (युवति) युवती, युवान स्त्री

युवति, युवा (स्त्री) A youthful wo-

man भग० १, १; ३, ५; ५, ६; नाया०

८, विशेष० २३०; २५७२; श्रोव० सु० च० ४,

१६८; —जण पुं० (—जन) युवती, स्त्रीजन.

युवती, स्त्री-जन. a youthful woman,

a woman. पन्न० १;

जुवग. पुं० (युवक) शुद्ध पक्षनी पीज अने

त्रीजनो यन्द्रमा शुक्ल पक्ष की द्वितीया व

तृतीया का चंद्र The moon of the

2nd and 3rd days of the bright

half of a month जीवा० ३, ३,

जुवति स्त्री० (युवति) युवति, जुवान स्त्री.

युवती; युवा स्त्री. A youthful lady.

सूय० १, ४, १, १५, भग० ३, १;

जुवरज्ज न० (यौवराज्य) युवराज तरीके

अभिषिक्त थयेवानु राज्य युवराज के

समान अभिषिक्त जो है उसका राज्य

Kingdom of one who is crown-

ed while he is still an heir-ap-

parent आया० २, ३, १, ११६,

जुवराय पुं० (युवराज) वर्तमान राजपथी

राजने उद्धार वारसदार, लविष्यने राज,

पाटवी कुमार वर्तमान राजा के पश्चात् राज्य

का हकदार-वारस, भविष्य का राजा,

पाटवी कुमार A crown-prince; an

heir-apparent उत्त० १६, २, पन्न०

१६, विवा० ६, ज० प० नाया० १०, पिं०

नि० ५११;

जुवरायत्ता स्त्री० (युवराजता) युवराज-

पथुं युवराजपना. युवराज पद Status

of a crown-prince, state of being an heir-apparent. भग० १२, ७, जुयल. न० (युगल) जेडी युगल; जोड़ा A couple, a pair. भग० १, ५, ११, ११;

जुवलग पु० (युगलक) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above निर० ३, ४,

जुवल्य. न० (युगलक) जुओ ' जुवल ' शब्द देखो " जुवल " शब्द Vide " जुवल " सु० च० १, ४७, पन्न० २;

जुवलिय त्रि० (युगलित) जेडी रूपे रहेल. युगल रूप से रहा हुआ. Forming a pair, joined together into a couple ओव० भग० १, १,

जुवाण. पु० (युवन्) जुवान-युवावस्थाने प्राप्त थयेल युवक; युवावस्था को प्राप्त Youthful, attaining puberty नाया० १, ३, भग० ३, १, ५, ६, ओष० नि० ७२१, अणुजो० १३०, ठा० ५, २, प्रव० ५२०,

जुवाणग त्रि० (युवक) जुवान युवक युवक Young, youthful सूय० १, ७, १०,

जुवाणय त्रि० (युवक) जुओ उपलो शब्द देखो ऊपर का शब्द Vide above भग० ६, ३३ उवा० ७, २०६,

जुव्वण न० (यौवन) युवावस्था युवावस्था Youth. puberty नाया० ६, सु० च० १, ३१८, ज० प० ५, १२३, —अणुपत्त त्रि० (—अनुप्राप्त) युवावस्थाने प्राप्त थयेल युवावस्था को प्राप्त attaining puberty; youthful दसा० १०, ३, —स्थी स्त्री० (—स्त्री) युवान स्त्री युवती a youthful lady. " सकडक्खं सविचार तरलच्छिं जुव्वणस्थीए " नटु०

जुव्वणग न० (यौवनक) युवावस्थापण.

जुवानपण. युवावस्था Youth, young-age कप्प० ३, ५३;

जुव्वणत्त. न० (यौवनत्व) युवावस्थापण युवावस्था की स्थिति Condition of youth or puberty. सु० च० १३, ५१, जुसिय त्रि० (जुष्ट) प्रसन्न, प्रीत मंतुष्ट, खुश. Pleased, propitiated " पाएण देइ लोगो उपगारिसु परिचिए व जुमिए वा " ठा० ४, ४,

जुहिट्टिल पु० (युधिष्ठिर) हस्तिनापुर नगरना पांडुराजना भेटा पुत्र-धर्मराज हस्तिनापुर के पाण्डुराजाके ज्येष्ठ पुत्र-धर्मराज Dharmarāja i.e. the eldest son of the king Pāṇḍu of Hastināpura " जुहिट्टिल पामोक्खा. पञ्चरह पढवाण " अत० ५, १, नाया० १६,

जूआ-या स्त्री० (यूका) जु; माथामा थने ओइ नटु जू, मिर में पैदा होनेवाला एक जन्तु A louse ज० प० २, १६, नदी० १४, आया० २, १३, १७२, पन्न० १, भग० ६, ५, १५, १, प्रव० ४४२, १४४७ (०) योसई वाला अथवा आई दिण प्रमाण ओइ लण ६४ वाला अथवा ८ लिख प्रमाण का एक नाप a measure of length equal to 64 han-points or 8 mts अणुजो० १३४, —सेजायर पु० (—शय्यात्तर) गृने स्थान आपना जू को स्थान देनेवाला one who gives a place of resort to a louse or lice भग० १५, १,

जूय पु० (यूष) यज्ञ स्तंभ यज्ञ स्तंभ. A sacrificial post निर० ३, ५, (०) ओ नामनु पुरपना हाथ अथवा पगनु लक्ष्मण इस नाम का पुरुष के हाथ वा पैर का चिन्ह. a characteristic mark of a leg or hand of a male human

being जं० प० (३) ओ नामने पश्चिम दिशातो पाताल कलशे। इस नाम का पश्चिम दिशा का पाताल कलश a pot of this name of the nether world of the western direction प्रव० १५८६; (४) धौंसरी जुडी. that part of the yoke which rests on the shoulder, a yoke परह० १, १; —चिइ छी० (-चित्ति) यज्ञनी अन्दर सामग्री ओकडी इरवी ते यज्ञ में सामग्री एकत्रित करना collecting together materials required in a sacrifice ओव०

जूय. न० (घृत) जुगटु जुआ. Gambling, playing at dice. प्रव० ४३८; (२) ७२ इनामानी ओक इना ७२ कलाओं में से एक कला one of the 72 arts नाया० १, ओव० ४०, काय० ५, ६६, —कर पु० (-कर) जुगारी जुआरी. a gambler. परह० १, १, ३, —कार पु० (-कार) जुगार रमनार जुआ खेलने वाला a gambler नाया० १८, —खल न० (-खलक) जुगार भेदवानु धर जुआ खेलने का गृह, जुआखाना a gambling house नाया० २, १८, —चिइ. छी० (-चित्ति) जुगार भेदवे। ते जुआ खेलना. gambling, playing at dice ओव० —पमाय पु० (-प्रमाद) जुगटा रूप प्रमाद जुआरूपी प्रमाद negligence, error in the form of gambling ठा० ६, १, —पसंगि त्रि० (-प्रसंगिन्) जुगारमा आसक्त. जुआ में आसक्त addicted to gambling or playing at dice नाया० २, —प्पसंगि त्रि० (-प्रसङ्गिन्) जुओ उपलो शब्द. देखो ऊपर का शब्द vide

above नाया० १८,

जूयअ. न० (यूपक) शुक्ल पक्षना प्रथम त्रयु दिवसनी संध्या; यद्र अने संध्यानी प्रभा मिश्रित थाय ते शुक्ल पक्षके प्रथम ३ दिन की सन्ध्या, चन्द्र व सन्ध्या की प्रभा का मिश्रित होना Blending of the twilight with the lustre of the rising moon during the first three days of the bright half of a month ठा० १०, १,

जूयग. पु० (यूपक) शुक्ल पक्षना प्रथम त्रयु दिवसनी चन्द्रनी कला अने सन्ध्यानी प्रकाश मिश्रित थाय ते शुक्ल पक्ष के प्रथम ३ दिन की चन्द्रकी कला व संध्या के प्रकाश का मिश्रित होना Blending of the light of the setting sun with that of the rising moon on the first three days of the bright half of a month. भग० ७, ३, ओव० (२) पश्चिम दिशातो ओ नामने पाताल कलशे। पश्चिम दिशा का इस नाम का पाताल कलश a pot of this name of the nether world of the western direction. सम० ५२, जूयामाय न० (यूनमात्र) जु मात्र, जु नेवडु जूं मात्र, जू के प्रमाण का Merely a louse, of the size of a louse “जूयामायमवि लिक्खामायमवि अभिनिवट्टेत्ता” भग० ६, १०,

✓जूर. धा० I (जूर) डुरेण इरवी, परतावे इरवे। पश्चात्ताप करना To pine away, to repent, to waste away;

जूर-र-इ सूय० २, १, ३१; आया० १, २,

५, ९२;

जूरंति सूय० २, २, ५५;

जूरामि. सूय० २, १, ३१;

जूरह. सूय० १, ३, ४, ७,

जूरणत्ता. स्त्री० (जूरणत्ता) लूण्णा इरणी,
उरु मूरना Pining away; wast-
ing away. सूय० २, ४, ९,

जूगवण न० (जूरण) शरीरनी लूण्णा थाय
ते शरीर का जीर्ण होना. Weaning
or wasting away of the body.

भग० ३, ३,

जूरिअ त्रि० (जीर्ण) लूण्णा थयेल जीर्ण
Worn out; decayed, grown old
अणुजो० १४६;

जूव पु० (यूप) यन स्तल यज्ञ स्तंभ A
sacrificial post to which the
victim is fastened निर० ३, ३,
उत्त० १२, ३६, भग० ३, ७, ११, ११;
ज० प० (२) पश्चिम दिशाने पातल
इलशे। पश्चिम दिशा का पाताल कलश a
pot of the nether world in the
western direction जीवा० ३, ४,
प्रव० १४६६, —विइ स्त्री० (-चित्ति)
लुओ “जूयचिइ” शब्द देखो “जूयचिइ”
शब्द vide “जूयचिइ” श्रोव०

जूवग पुं० (यूपक) लुओ “जूयग” शब्द.
देखो “जूयग” शब्द Vide “जूयग”
ठा० १०,

जूवय. पु० (यूपक) शुद्ध पक्ष्मना प्रथम त्रय
दिवसमा संध्यानी प्रभा अने चन्द्रनी प्रभा
ओइ थय लय ते शुक्लपक्ष के प्रथम ३ दिन
में सन्ध्या की प्रभा व चन्द्र की प्रभा का एकत्र
होना Blending together of the
light of the setting sun and
the rising moon on the
first three days of the bright
half of a month. अणुजो० १२७,
ठा० ४, २,

जूस. पु० (यूप) इदी, ओसामण. कटी.
Soup, broth ओघ० नि० १४७, प्रव०
१४२५,

जूसणा स्त्री० (ध्वसना) विनाश विनाश.
Destruction. कण्ठ० ६, ५१;

जूसणा स्त्री० (जोसणा) सेवा; भेदन सेवन.
Service, worship ठा० ४, ३, ओव०
३४;

जूसिय त्रि० (जुष्ट) सेवन करेव. सेवन किया
हुआ Served; worshipped, re-
sorted to नाया० १, ठा० ४, ३,

जूह पुं० (यूथ) लूथ, टेल, समूह, लूथे
समूह, झुड A crowd; a band, a
herd नाया० १, ४, पि० नि० ५१६;
उत्त० ११, १६, पणह० १, १; सु० च० ६,
२२, विवा० ४, —अहिचइ पु० (-अधि-
पाते) टेलाने सभाभी झुड समूहका स्वामी
the head of a group or a band
उत्त० ११, १६, —चइ पु० (-पत्ति)
टेलाने मालिक-धणी समूह का स्वामी a
owner of, a lord of crowds, the
leader of a group नाया० १, सु०
च० ६, २६, पि० नि० ६१७,

जुहिअ-य न० (यूथिक) लुधना डुव
जुई का फूल A jasmine flower.
ज० प०

जूहिया स्त्री० (यूथिका) लूध जूई A
kind of jasmine राय० ५६, पण०
१, जीवा० ३, ४, —पुड न० (-पुट)
लुधने पडा. जूई का पुडा a packet
of jasmine flowers नाया० १७,
—मंडप पु० (-मण्डप) लुधने भाडेवा
जूई का मण्डप a bowl of jas-
mine राय० १३७, —मंडवग पुं०
(-मण्डपक) लुधने भाडेवा जूई का

मण्डप. a bower of jasmine. जीवा०
३, जं० प०

जूही स्त्री० (युधिका) लुधने वेले जूई की
वेले A jasmine creeper (२)
लुधनु पु० जूई का फूल a jasmine
flower. कप्प० ३, ३७,

जे. अ० (जे) पादपूरण तथा वाक्यालंकार में
वपरातु अव्यय पादपूरण व वाक्यालंकार में
उपयोगी अव्यय. An indeclinable
used expletively नाया० ६,

जेठु त्रि० (ज्येष्ठ) ज्येष्ठ, भेटोटु, प्रथम
उत्पन्न थयेल. ज्येष्ठ-वडील, प्रथम जो उत्पन्न
हुआ हो वह Senior, eldest; first-
born. भग० १, १, २, १; ५, ३, १, ५,
१, ७, १०, १६, ५; १८, २; नाया० १, ५,
६; सु० च० २, ६६६; जं० प० सू० प० १;
राय० २०६; ओव० ३८; विशेष० ६४३;
उवा० १, ६६; ६, १७८, ७, २३०, १०,
२७४; क० प० १, ३७; ५, ६०; प्रव०
२०६, क० प० ५, १०३, पन्ना० १७, ६,
—पुत्त पुं० (—पुत्र) भेटोटो पुत्र जेष्ठ पुत्र
the eldest son नाया० ५, ८; १२,
१५; १८; —भातु पुं० (—भ्रातृ) भेटोटो
बाध जेष्ठ भ्राता, वडील बधु the eldest
or senior brother. नाया० १८,
—लब्धि. त्रि० (—लब्धि) उत्कृष्ट लब्धि-
वाले उत्कृष्ट लब्धि युक्त (one) pos-
sessing good powers क० प० ७,
२३. —सुरहा. स्त्री० (—सुरहा) भेटोटी
बधु ज्येष्ठ बधु wife of the eldest
son; senior daughter-in-law.
नाया० ७;

जेठग त्रि० (ज्येष्ठक) भेटोटु. ज्येष्ठ-वडील.
Elder or eldest पंचा० ५, ७,

जेठ्ठा स्त्री० (ज्येष्ठा) भेटोटी बधेन ज्येष्ठ भगिनी.
Elder or eldest sister नाया० ८;

(२) जेठाली जेठानी. wife of hus-
band's elder brother सम० १,

(३) ज्येष्ठा नामनुं नक्षत्र ज्येष्ठा नाम का
नक्षत्र name of a constellation
अणुजो० १३१; सम० ३, ठा० २, ३;

जेठामूल. पुं० (ज्येष्ठामूल) जेठभास; जेठ
महिने ज्येष्ठ मास. The month of
Jyestha “ गिम्हकाल समयम्मि जेठ-
मूलम्मि मासम्मि ” ओव० ३६; ओघ० नि०
२८६, भग० १८, १०; नाया० १; —मास
पुं० (—मास) जेठभास. ज्येष्ठ मास the
month of Jyestha नाया० १३,

जेठामूली स्त्री० (ज्येष्ठामूली) जेठ महानादी
पुनम ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा. The full-
-moon day of the month of
Jyestha. ज० प० ७, १६१,

जेणामेव अ० (ज्येनैव—यत्र) ज्येष्ठाने
जिम स्थान पर Place where. उवा०
१, १०, नाया० १, १४, भग० ५, ७, जं०
प० ३, ४३;

जेणैव अ० (यत्रैव) ज्येष्ठाने, जे लागमां. जहा
—जिम स्थान में Where, place
where ओव० ११, अंत० १, १, नाया०
१, ४, ५, ८, ६, १२, १४, १६, भग० १,
१; ६; २, १, ५, ३, १, ५, ४; ७, ६, उवा०
१, १०, ५८; २, ६५, ज० प० ५, ११२;
११४,

✓ जेम धा० II. (जिम्) जमबु, भोजन
करवुं. भोजन करना, जीमना To dine,
to take food

जेमेइ. उत्त० १७, १६,

जेमिय. भग० ३, १,

जेमण. न० (जेमन) मिष्ट भोजन मिष्ट
भोजन Sweet food, dinner con-
sisting of sweet or delicious
food ओघ० नि० ८८; उवा० १, ४०; १०,

२७७, प्रव० ४४२,

जेमणग न० (जिमन) आलक्ष आतांशीणे ते प्रसंगे संस्कार करवांमां आवे ते बालक का अन्न ग्रहण संस्कार. Rites or ceremony performed at the time when a child first learns to take food. राय० २८८;

जेमावण न० (जेमन) भोजन दरावतु ते भोजन कराना Giving food, dinner. भग० ११, ११,

जेमिणि पु० (जैमिनि) भीमासा दर्शनना स्थापन मुनि मीमांसा दर्शन के स्थापक मुनि Name of a saint who was the founder of the Mīmāṃsā school of philosophy नदी०

जेयार त्रि० (जेतृ) जितार, जय करार जीतने वाला-विजयी (One) who conquers, a victor " जेय-तिवा " भग० २०, २, नाया० १, सूय० १, ३, १, १,

जेहिल पु० (जेहिल) जे नामना वसिष्ठ गोत्रमा उत्पन्न श्वेल-आर्यनागना शिष्य शिवर मुनि. इस नाम के वशिष्ठ गोत्रोत्पन्न आर्यनाग के शिष्य शिवर मुनि Name of a Sthavira ascetic born in the Vāsīṣṭha family-origin and disciple of Āryanāga कप्प० ८,

जोत्र पु० (योग) संयम व्यापार, किया संयम व्यापार, किया ascetic practice viz contemplation upon the soul, activity of the mind, speech or body उत्त० २७, २, विशेष० ३५६, प्रव० ८४७, दसा० ९, २६, (२) यद्रमाने योग चंद्र का योग conjunction of the moon with a constellation etc ओव० ३१, सू० प० १२, (३) योग-मन वयन दायने व्यापार योग-मन

वचन काया का व्यापार. the activity of the mind, speech and body.

नाया० ५, भग० १८, ८, प्रव० ७८८, **जोत्रण न०** (योजन) जेज्जन, यार गाडि अथवा यार जुनर गाडि प्रमाण ओड क्षेत्रनु माप योजन; चार कोश प्रमाण अथवा ४००० कोस प्रमाण क्षेत्र का माप विशेष A Yojana (equal to 8 miles or (the larger one) equal to 800 miles). नंदी० १०, ज० प० ५, ११२, ६, १२५,

जोड पु० (ज्योतिष्) अग्नि, प्रकाश, तेज, ज्योति Fire, light; lustre दस० २, ६, ८, ६२, भग० ३, १; सूय० १, १६, ८; ओष० नि० ६४२, राय० २५, ६, नंदी० १०, दसा० १०, ३; ठा० ४, ३, भग० ८, ६, (२) ज्ञान अक्षुवाले ज्ञानचक्षुयुक्त possessed of the vision of knowledge. ठा० ४, ३, (३) अक्ष, नक्षत्र, ताग आदि ग्रह, नक्षत्र, तारे आदि a heavenly body such as a planet, star etc सम० ३, क० ग० ३, ११, (४) ज्योतिष लक्षण का विमान विशेष name of a particular lustrious heavenly abode (५) ज्योतिष सत्य वी ज्ञानवातु शास्त्र ज्योतिष विषयका ज्ञान देनेवाला शास्त्र the science of the astronomy or astrology निसी० ३, ३, (६) नंदीवानी ज्योति दीपक की ज्योति. lamp light प्रव० २००, (७) त्रि० सत्कार्य करवाथी विनयन अक्षुवाले सत्कार्य करने से उज्ज्वल स्वभाव वाला possessed of cheerfulness of spirit or nature imparted by performance of good deeds ठा०

४, ३; (८) जेभांथी अग्नि उत्पन्न थाय तेवी जलनां इत्यवृक्ष. उम जाति के कल्पवृक्ष जिनमें से अग्नि उत्पन्न हो. a variety of Kalpavriksha (desire-yielding tree) emitting or supplying with fire. प्रव० १०८१; सम० १०, —अंग पु० (-अंग) जेभां ज्योति-प्र-क्षार जलुय तेवा-इत्य वृक्षनी ओइ जल. जिस में ज्योति-प्रकाश द्रष्टिगोचर हो ऐसे कल्पवृक्ष की एक जाति. a variety of Kalpavriksha (desire-yielding tree) emitting light ठा० १०, तंदु० —ट्टाण. न० (-स्थान) अग्निनु स्थान; अग्निनु ठेडाणुं अग्नि का स्थान place or abode of fire “ केते जोई के य ते जोइट्टाणुं ” उक्त० १२, ४३, —वल त्रि० (-वल—ज्योतिर्ज्ञानं वलं यस्य स तथा) सदाचार वालो; ज्ञान वालो सदा-चारी, ज्ञानी possessed of the power of knowledge or right-conduct. ठा० ४, ३; —भंड, न० (—भाण्ड) अग्निनु क्षम. अग्नि का पात्र. a vessel containing fire; a receptacle of fire. “ जोइभंडोव रागो विव सुहराग विरागाओ ” तदु०

जोड़. पु० (योगिन्) योग मननो अनुयायी; योग दर्शननेवा माननार. योग मत का अनु-यायी-योग दर्शन को ही मानने वाला. a follower of the tenets of the Yoga school of philosophy. ओव० ३८;

जोड़इकख. पु० (ज्योतिष्क) दीयानी ज्योति दीपक की ज्योति. The light of a lamp प्रव० २००;

जोड़भूय. त्रि० (ज्योतिर्भूत) ज्योतिर्मय थयेवा ज्योतिर्मय जो है वह (That

which has) become full of light and illumination. “ तत्त समजोइभूयं ” विवा० १, ४; सुय० १, १, २, १६,

जोड़य त्रि० (यौगिक) यौगिक शब्द; जेना प्रकृति प्रत्ययनो अर्थ शब्दमा धटे ते, यां; गिक शब्द जिस के प्रकृति प्रत्यय का अर्थ शब्द में योग्य सूचित हो वह. A word bearing out its etymological sense. परह० २, २; (२) योगवाला योग वाला. possessed of Yoga. भग० ६, ३३;

जोड़य त्रि० (योजित) योजित; जेडेव योजना किया हुआ, जुडा हुआ. Joined; united; planned भक्त० २७, ८, उवा० ७, २०६,

जोड़रस न० (ज्योतिरस) ओइ जलनु रत्न एक जाति का रत्न. A kind of gem नाया० १; राय० २६; जीवा० ३, ४, कप्प० २, २६;

जोड़स न० (ज्योतिष) ज्योतिष ग्रंथ ज्योतिष चक्र The system or group of heavenly bodies ज० प० ८, ११७; पन्न० ३; ओव० २५. (२) पु० ज्योतिष ग्रंथनी अदर रहेवा देवा; सूर्य ग्रह वगैरे ज्योतिष चक्र में रहे हुए देव-सूर्य चन्द्र वगैरह any of the deities forming a part of the group of heavenly bodies, e. g. the sun, the moon etc कप्प० ३, ३४, उक्त० ३४, ५१; ३६, २०२, विशेष० ७०१, १८७०, पि० नि० ८७, भग० २, ७; पन्न० २; (३) ज्योतिष शास्त्र ज्योतिष शास्त्र the science of Astronomy भग० २, १, सु० च० ४, ६, —अंग-विड त्रि० (-अंगविद्—ज्योतिषं ज्योतिष्क

ज्योतिः शास्त्रमङ्गानि च विदन्ति ये ते ज्यो-
तिषङ्गविद) ज्योतिः शास्त्र वगेरे वेदना
अ गने ज्ञानुनार ज्योतिष शास्त्र वगेरह वेद
के अंगो को जानने वाला. (one) pro-
ficient in the Angas (subsi-
dialy or auxiliary branches)
of Veda such as astronomy
etc उत्त० २५, ७, —अंत पु० (—अत)
ज्योतिष यक्ष्ने अत छेडे ज्योतिष चक्र का
अन्त the boundary-line of the
system of heavenly orbs सम०
११, —आलय पु० (—आलय—ज्यो-
तिरालयो गृह येषां ते ज्योतिरालया)
ज्योतिषना देव ज्योतिष के देव a hea-
venly body regarded as a deity,
e g the sun, the moon etc.
“ पंचहा जोडसालया ” उत्त० ३६, २०६;
ज्योतिष गण-तारे नक्षत्र इत्यादि का समूह
उम का राजा चन्द्र वा सूर्य king of the
heavenly bodies such as stars,
constellations etc the sun or
the moon. ज० प० १, —चक्र न०
(—चक्र) ज्योतिष यक्ष्, सूर्य यक्ष् तारा
नक्षत्र वगेरेना समूह ज्योतिष चक्र, सूर्य
चन्द्र तारे नक्षत्र वगेरह का समूह the
system of the group of the
heavenly bodies such as the
sun, moon and stars etc
—इंद्र पु० (—इंद्र) ज्योतिषीना ध्रुव,
सूर्य यक्ष् ज्योतिष के इंद्र सूर्य, चन्द्र
the India of the heavenly
bodies, the sun or the moon
“ चदिमसुरियाय पृथ्वी दुवे जोडसिंदा जोड
भियरायाणो परिवसति ” च० प० १, भग०
३, १, १०, ५, १२, ६, १८, ७, निर० ३,
१, पचा० २, १५ प्रव० ४८७ —गण-

राय पु० (—गणराज) ज्योतिषगण-नारा
नक्षत्र वगेरेना समूह, तेना राजा यक्ष् यक्ष्.
king of the planetary sys-
tem viz the sun or moon.
सम० ११, क० गं० १, ४६, —पह पु०
(—पथ) सूर्य यक्ष् आदि ज्योतिष यक्ष्ने
मार्ग. सूर्य चन्द्र आदि ज्योतिष चक्र का मार्ग.
the path of the heavenly bodies
such as the sun, the moon etc.
सम०—पह त्रि० (—प्रभ) ज्योतिष देवना
जेरी क्षतिवाले ज्योतिष देवके समान
कान्तिवान् possessed of a lustre
like that of a heavenly body
सम० (२) अग्निना जेरी क्षान्तिवाले
अग्नि के समान कान्तिवान् possessed
of a lustre like that of fire.
सम०—पहा छि० (—प्रभा) ज्योतिष
देव समान क्षान्ति प्रभा ज्योतिष देव समान
कान्ति, प्रभा lustre or brightness
like that of a heavenly body.
दसा० ६, १, —राय पु० (—राज) यक्ष्, सूर्य
चन्द्र, सूर्य the sun and moon
“जोडस्मरायम्प पञ्जति” चं० प० १; भग० ३,
१, १८, ७, —विमाण न० (—विमान)
ज्योतिषी देवना विमान ज्योतिषी देवों के
विमान a heavenly abode of the
heavenly bodies such as the
sun, moon etc भग० १, ५, —विह्वल
(—विहीन) ज्योतिष रहित ज्योतिष
रहित devoid of heavenly bodi-
es भग० २, ६, —संचाल पु०
(—संचाल) ज्योतिष यक्ष्ने ज्योतिष
चक्र का फिरना motions of the
heavenly bodies सम० ३,

जोडसमंडिउद्देसन पु० (ज्योतिर्मण्डितोद्दे-
शक) ज्योतिर्मण्डितोद्देशक) ज्योतिर्मण्डितोद्देशक

उद्देशो. जीवाभिगम सूत्र का इस नाम का एक उद्देश। Name of an Uddesh (a section) of Jivābhigama Sūtra. भग० १६, ६,

जोइसामयण. न० (ज्योतिःशास्त्र) ज्योतिष शास्त्र ज्योतिष शास्त्र Astrology, astronomy. कप्प० १, ६,

जोइसिणा स्त्री० (ज्योत्स्ना) ज्योत्स्ना; डैमुदी; यादनी ज्योत्स्ना; कौमुदी, चांदनी. Moonlight “जोइ सिणाइ” ठा० २, ४; —पक्ख पु० (-पक्ष) शुद्ध पक्ष शुक्ल पक्ष, the bright half of a month च० प० १५, सू० प०

जोइसिणाभा स्त्री० (ज्योत्स्नाभा) यदनी षील अथ भलिपीनु नाम चन्द्र की दूसरी अग्र महिषी का नाम Name of the 2nd principal queen of the moon. भग० १०, ५;

जोइसिय पु० (ज्योतिष्क) सूर्य, यद, ग्रह, नक्षत्र अनेतारा ओ पाय अतना देवता. सूर्य चन्द्र, ग्रह, नक्षत्र व तारे इन पांच जाति के देवता. The five kinds of deities viz the sun, moon, planets, constellations and stars. भग० २, १, ३, १, २; ४, ८, ७, ६; ८, १, ६, ३२; १५, १; १६, ६. १८, ७; जीवा० १, नाया० ८; सु० च० ४, १८, पञ्च० १; ओव० २५; ३८, अणुजो० १४२, मम० १, प्रव० ११२६, ४५; ठा० १, १; —देव पु० (-देव) ज्योतिषी देव; यद, सूर्य वगैरे, ज्योतिष के देव, चन्द्र सूर्य वगैरेह a heavenly body regarded as a deity; e. g the sun, moon etc. भग० २४, १२, —देवस्थी. स्त्री० (-देवस्त्री) ज्योतिषना देवतानी स्त्री ज्योतिष के देवता की स्त्री a wife of a

heavenly body (regarded as a deity) “ से कित जोइसियदेवाथि-आओ ” जीवा० १, —मंडल न० (-मंडल) यद, सूर्य, ग्रह, नक्षत्र, तारा आदिनु भण्डल चन्द्र, सूर्य, ग्रह, नक्षत्र, तारे आदि का मण्डल. the circle or system of the heavenly bodies such as the sun, moon, planets etc ज० प० २, ३३; —राय पु० (-राय) यद सूर्य. चन्द्र, सूर्य. the sun or moon. “ जोइसिय रायाओ परिवमति ” पञ्च० २, भग० १०, ५; निर० ३, १; —विमाण न० (-विमान) यद सूर्य तारा आदिना विमान चन्द्र, सूर्य, तारे आदि के विमान a heavenly abode of the sun, moon, stars etc पञ्च० ३;

जोई पु० (ज्योतिष) जुओ “ जोई ” शब्द. देखो ‘ जोइ ’ शब्द. Vide ‘ जोइ ’ वेय० २, ६, णि० नि० २६६,

जोईरस न० (ज्योतीरस) ओइ अतनु रत्न. एक प्रकार का रत्न A kind of gem राय० जीवा० ३;

जोईरसमय त्रि० (ज्योतीरसमय) ज्योति-रस-रत्न भय ज्योतिरस रत्नमय Full of gems “ जोईरसमया उत्तरगा ” राय०

जोईसर पु० (योगीश्वर) योगीश्वर, योगीयोना ईश्वर योगीश्वर, योगियोंके ईश्वर The lord of Yogis (who concentrate) भत्त० १७१;

जोउकुरिणअ पु० (योगकुरिण) पूर्व-भाद्रपदा नक्षत्रनु गोत्र पूर्वा भाद्रपदा नक्षत्र का गोत्र. The family-origin of the constellation Pūrva Bhādiapadā सू० प० १०;

जोषयव्य त्रि० (योजितव्य) नेइया योअ. जोडने के योग्य; योजनीय. Worthy of

being united or joined with.
पञ्च० १०, नाया० ८,

जोग पुं० (योग) सञ्ज, मिलाप, लेशाणु.
सम्बन्ध; मिलाप. Union, contact,
combination. विंशे० २; नाया० ११.
पिं० नि० ५८ सम० ६. सू० प० ६, पञ्च०
११, कण्ठ० १, २, (२) यद्रभा ने नक्षत्रेन
सञ्ज चन्द्र व नक्षत्र का सम्बन्ध con-
junction of the moon with a
constellation नाया० ८, (३)
अप्राप्त वस्तु की प्राप्ति. अप्राप्त वस्तु की
प्राप्ति acquisition of an unac-
quired object ज० प० ७, १२६.
१५१, १५२, नाया० ५, (४) युक्ति,
उपाय युक्ति, उपाय. plan, means
to accomplish an object पिं०
नि० ५००, (५) पञ्चवक्त्रा मन्त्रना त्रीन्
पञ्चा पायमा द्वारानु नाम पञ्चवक्त्रा-
सूत्र के तीसरे पद के पाचवें द्वार का नाम
name of the 5th Dvāra of the
third Pada of Pannavanā
Sūtra पञ्च० ३, (६) वशीकरण आदि-
योग वशीकरण आदि योग the art of
fascination etc पर० २, २, निमो०
१३, १२, दस० ८, ५१, पिं० नि० ४०६,
(७) चित्त की वृत्ति को निरोध चित्तवृत्ति का
निरोध control of the vibratory
activity of the mind. उत्त० ८
१४, (८) पडिलेहण योगेरे शुभव्यापार-
प्रवृत्ति पडिलेहण आदि शुभव्यापार-प्रवृत्ति
voluntary physical activity
such as Padilehāṇa (inspec-
tion of clothes) etc उत्त० ८,
१४, (९) मन वचन अने कथाओं का
व्यापार मन वचन व कथा का व्यापार.
vibratory activity of the mind

speech and body. भग० ३, ३, ७,
५, ८, ७, १७, ३, २५, १, २६, १, मय०
१, १, ४, ६. अणुजो २१, क० प० १, ५:
१४; पंचा० १, ४५; २५, प्रव० २६०
दस० ४, २६, ७, ४०, ८, ४३, नाया० १.
उत्त० ३१, २०, सू० प० १, श्रव० निमी०
६३, १८, २१, नदी० ११, विंशे० ३५६,
मंथा० ३२, (१०) सयम सयम
self-restraint क० ग० १, ५७,
—कृत्स्न. न० (-क्षेम) योगक्षेम, अप्रा-
प्त की प्राप्ति अने प्राप्त वस्तु योगक्षेम,
अप्राप्त वस्तु की प्राप्ति व प्राप्त का रक्षण
acquisition of a desired object
and safe protection of what
is already acquired नाया० ५,
—आचार. पु० (-आचार) योगाचार
योगाचार the conduct of Yoga.
सम० १, —चलणा स्त्री० (-चलन) मन
वचन आदि योगों का चलविचलपना unsta-
bility of the mind, speech and
body भग० १७, ३, —जघन्य न०
(-जघन्य) अधन्य योग. जघन्य योग
the lowest, shortest Yoga क०
प० २, ७५, —जघमज्झ न० (-य-
मध्य) आठ समयवाला योगम्यानका आठ
समय वाले योगस्थानक the Yoga
stages lasting for eight Sama-
yas क० प० २, ७७, —जुंजण न०
(-योजन) स्वाध्याय आदिमा पाठ्यते
योग्यु ने स्वाध्याय आदि में अन्य को
योजना setting (i e helping)
another to study the scriptures
etc सम० प० १६८, —जुंजणया स्त्री०
(-योजन) लुब्धो उपेक्षो शम्भु देवो
ऊपरका जघ्द vide above भग० २५, ५

—जुक्त त्रि० (—युक्त) योग-मन वचन अने ध्याना व्यापारथी युक्त-सहित योग-मन वचन व कायाके व्यापार से युक्त-सहित possessed of the activity of the mind, speech and body. प्रव० २७०, —ट्टाण न० (—स्थान—योगो वीर्यं तस्य स्थान-योगस्थानम्) योग वीर्यनु स्थान योग-वीर्य का स्थान the sack or repository of the seminal fluid or heroic power क० प० ७, ४५, क० ग० ५, ६५, —शि-ओग पुं० (—नियोग) वशीकरणादि योगनु जेउवु ते वशीकरण आदि योग का जोउना. directing the activity of mind etc towards fascination etc तदु० —शिववृत्ति स्त्री० (—निर्वृत्ति) योगनी निष्पत्ति योग की निष्पत्ति. accomplishment of Yoga भग० १६, ८, —(गा)णुयोग पुं० (—अनुयोग) वशीकरणादि उपाय यत्तावनाइ हरमेखलादि शास्त्र वशीकरण आदि उपाय बताने वाला हरमेखलादि शास्त्र A science such as Haramekhalā etc dealing with the ways and means of fascination etc सम० २६, —नि-मित्त त्रि० (—निमित्त) मन वचन ध्याना योगने निमिते थयेवु. मन वचन काया के योग के निमित्त जो हुआ हो वह caused by the activities of the mind, speech and body भग० १, ३, —पञ्चक्खाण न० (—प्रत्याख्यान) योग-मन वचन अने ध्याना व्यापार तेने परिहार-त्याग योग-मन वचन व काया का व्यापार-उम का परिहार-त्याग abandonment of, giving up of the activities of the mind, speech

and body. उक्त० २६, २, —पडिक्कमण. न० (—प्रतिक्रमण) योग मन वचन अने ध्याना-योगनुं प्रतिक्रमणु करवु ते योग-मन वचन व काया के योग का प्रतिक्रमण करना self-analysis and repentance for the faults connected with the activity of the mind, speech and body ठा० ५, ३, —पडिस-लीणता. स्त्री० (—प्रतिसंलीनता) मन, वचन अने ध्याने वश राखवा ते मन वचन व काया को वशीभूत करना control over mind, speech and body भग० २५, ७, —परिणाम. न० (—परिणाम) जिवना परिणामने ओइ प्रकार. जिव के परिणाम का एक प्रकार a kind of thought-activity of a soul or living being ठा० ८; —परिव्वाइया स्त्री० (—परिव्राजिका) समाधिवादी परिव्राजिका-सन्ध्यासिनी समाविस्थ परिव्राजिका, सन्ध्यासिनी a nun practising Samādhi or contemplation नाया० ६, —भवि-यमइ त्रि० (—भवितमति) धर्म व्यापारथी विशेष भावित बुद्धिवाला वर्य व्यापार से विशेष भावित बुद्धिवाला one whose knowledge is especially im-pressed by religious activities पचा० ३, २५, —मग्ग. पु० (—मार्ग) अध्यात्म शास्त्रने मार्ग अर्थात् शास्त्रका मार्ग the path of philosophy पचा० १६, ४२, —वस त्रि० (—वश) योगने वश योग के आवीन (one) dependent on Yoga क० प० ५, ६, —विसुद्ध त्रि० (—विशुद्ध) निरवद्य व्यापार-विशुद्ध व्यापारवान् निरवद्य व्यापार-विशुद्ध व्यापार वान् (one) of pure, sinless

activity. "उभयो जोगविसुद्धा" पंचा० १८. ४८, —वाहि त्रि० (—वाहिन्) साबलेलाने याद राखनार-मनन करनार. श्रवण किये हुवे को स्मरण में रखने वाला, मनन करने वाला (one) who reflects upon what he has heard ठा० १०, —संग्रह. पु० (—सग्रह) मन वचन-कायाना व्यापाररूप प्रशस्त योगने संग्रह मन वचन काया के व्यापाररूप प्रशस्त योग का संग्रह. bringing together, accepting the salutary activity of the mind, speech and body सम० ३२, आच० ४, ७, —सुद्धि स्त्री० (—शुद्धि) योगनी शुद्धि विशुद्धि योग का शुद्धि-विशुद्धि purity of the activities of the mind, speech and body. प्रव० १५२४, —सपया. स्त्री० (—सप्पत्) योगनी स पदा-वि शृङ्खलि योगकी सम्पदा-विशिष्ट ऋद्धि the special power of the activity of the mind, speech and body प्रव० ५२३, —सच्च न० (—सत्त्व, मन वचन अने कायाना व्यापारने सत्य प्रवर्ताने ते मन वचन व काया के व्यापारको सत्य में प्रवृत्त करना directing the processes of the mind, speech and body towards the right path उत्त० २६, २, सम० २७, भग० १७, ३, —सत्थ न० (—शास्त्र) योगना शास्त्र, अध्यात्म अथ योग के शास्त्र, आध्यात्म ग्रन्थ the scriptures dealing with metaphysics पचा० ३, २७, —हीण न० (—हीन) योग-सयम व्यापार हीन योग-सयम व्यापार हीन devoid of self-control or asceticism ओव० ६, ७,

जोगमुद्रा स्त्री० (योगमुद्रा) दाथनी आंग-

क्षिप्वा परस्पर अन्तरित करी-स पुट बनावी डालिने लाग उदरपासे राखी पन्नाने पाड उन्धारता पायअग (जे टीयाशु, जे हाथ अने मस्तक) नभावा ते हाथ की उगलियो को परस्पर अन्तरित करके सपुट बनाकर कुहुनी का हिस्सा उदर के निकट रख कर वदना के पाठ का उच्चार करते हुए पाच अंग (दो घुटने, दो हाथ व मस्तक) झुकाना Bending the five parts of the body (viz two knees, two hands and head) while paying respects of salutation, having kept the elbow near the abdomen and folding hands leaving some interval amongst the fingers पचा० ३, १७, प्रव० ७१;

जोगंतिया. स्त्री० (योग्यन्तिका—योगिनि सयोगिकेवल्लिनि सक्रममाश्रयान्तः पर्यन्तो यासा ता तथा) जे प्रकृतियोने तेरमे गुण-हाजे अत आवे छे तेवी कर्म प्रकृतियो जिन प्रकृति-नों का तेरहवे गुणस्थान पर अन्त आता है ऐसी कर्म प्रकृतिया Such varieties of Karmic matter which end at the 13th spiritual stage का० १, २, ३५,

जोगवंत त्रि० (जोगवत्) सयम योग युक्त सयम योग युक्त Possessed or practising self-control or asceticism मूय० १, २, १, ११; उत्त० ११, १४, जोगि त्रि० (योगिन्) योग सद्धि, सयोगी योग सहित, सयोगी. With concentration, an ascetic सम० २, क० म० ३, १६, क० प० ४, ४, —जाण न० (—ज्ञान) ज्ञानो " जोग्याण " शब्द देखो " जोग्याण " शब्द vide "जोग्याण" सम०; जोगिय त्रि० (योगिक) ज्ञानो " जोगिय "

शब्द देखो “ जोइय ” शब्द. Vide

“ जोइय ” परह० २, २,

जोग्ग त्रि० (योग्य) योग्य, धटित, उचित,
अशोभर; लायक योग्य; उचित, लायक.
Proper, fit, worthy. विशेष० ४, ३३१;
३६०३, ओव० ३१; पि० नि० ८८; राय०
२८, निर० ३, १, क० प० ४, ३६; प्रव०
५५२; जं० प० ५, ११३;

जोग्गया स्त्री० (योग्यता) योग्यता, लायकता.
योग्यता. Worthiness; fitness,
propriety. सु० च० १, ३८०; पंचा०
३, ७, पंचा० १८, ४७; ६, १०;

जोग्गा. स्त्री० (योग्या) गुणुकार करवे ते
गुणाकरना Multiplication भग० ११,
११, ओव० (२) अभ्यास अभ्यास
study. (३) गर्भ धारण करने के योग्य योनि a
womb fit for conception तंदु०

जोजित त्रि० (योजित) जेडेहुं, लगाडेहु.
जुडाहुआ, लगाहुआ Joined, united,
attached पचा० १६, ७,

जोडिउं. स० कृ० अ० (योजित्वा) जेडीने
जोडकर Having joined or unit-
ed सु० च० १०, १४४,

जोडिय त्रि० (योजित) जेडेह. जोडा हुआ.
Joined, united सु० च० ७, ३४,

जोण पुं० (योन) अनार्य देशमानो ओड
अनार्य देश में का एक One of the
Anārya countries नाया० १,

जोणअ पुं० (यौनक) उत्तर भरतमानो ओड
देश उत्तर भरत का एक देश Name of
a country in Uttara Bharata.

ज० प०

जोषि स्त्री० (योनि) योनि, उत्पत्ति स्थान;
स्त्रीनो गुह्य भाग. योनि, उत्पत्ति स्थान,
स्त्रीका गुह्य भाग. The womb, the

origin, the female generative
organ. भग० २, ५; ५, ३; ४, ६, ५, १०, १,
२०, २, नाया० ७, तंदु० १०; पञ्च० ६; पि० नि०
भा० १३, पि० नि० ५०७, जीवा० ३, ३,
आया० १, १, १, ६; उक्त० ३, ५; कण्ठ०
२, १८, अणुजो० १७, प्रव० १३७६, (२)
पन्नवणु सूत्रना नवमा पदतु नाम पन्नवणा
सूत्र के नववें पद का नाम name of the
9th Pada of the Pannavanā
Sūtra पञ्च० १, (३) गीतनी ओड जत
गीत की एक जाति a variety of
song अणुजो० १२८, (४) आधार
आधार a support; a prop. “ इहे-
गतिया सत्ता पुठवी जोषिया ” सूय० २, ३,
१, (५) ओ नामनो लग अपर नामधारी
देव इस नाम का भग अपर नामधारी देव
name of a god, also styled
Bhaga ठा० २, ३, (६) जेतो देवता
लग छे ओनु पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र जिस का
स्वामी भग है ऐसा पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र the
constellation Pūrvāfālgunī hav-
ing | Bhaga as its lord ठा० २,
३, (७) डारण कारण. cause, rea-
son पचा० ३, २१, —पमुह त्रि०
(-प्रमुख) योनि आदि-वगेरे योनि आदि
a womb etc. विवा० १, —पमुह
त्रि० (-प्रमुख) योनिनु द्वार योनिद्वार
a mouth or entrance of the
womb विवा० १, सम० ८४, जीवा० ३;
—मुहणिफडिय त्रि० (-मुखनिष्पत्ति)
योनिना मुखमाथी नीकलेव. योनि के मुख
में से निकला हुआ come out of,
issued from the mouth of a
womb तंदु० --लक्खचुलसी. स्त्री०
(-लक्खचतुरशीति) योराशी लक्ष योनि.
८४ लक्ष योनि 84 lacs of lves प्रव०

३६, —विहाण. न० (-विधान) योनिना प्रक्षर योनि के प्रकार any of the varieties of a birth विवा० १,
—संग्रह पु (-सग्रह—योनिरूपति हेतु, जीवस्य तथा सग्रहोऽनेकेषामेकशब्दाभिलाष्यत्व योनिग्रह) योनि-उत्पत्तिस्थानोने सग्रह योनि-उत्पत्ति-स्थानों का संग्रह the word "birth" taken in the abstract or collective sense. भग० ७, ५, ठा० ७, १, ८, जीवा० ३,
—समुच्छेय पु० (-समुच्छेद) योनिने नाश योनि का नाश destruction of birth " एष जोषी जगाण दिट्ठा न कप्पइ जोषिममुच्छेयो " परह० २, ५,
—सूल पु० (-शूल) योनिने रोग योनि रोग a disease of the womb विवा० २, भग० ३, ७,

जोषिभूय त्रि० (योनीभूत) योनि अवस्थाने प्राप्त थयेत्, (योनि आदि) योनि अवस्थाको प्राप्त (बीज आदि) Developed into a womb or origin पञ्च० १, भग० २, ५,
जोषिय त्रि० (यौनिक) योनिमा उत्पन्न थयेत् योनि में उत्पन्न. Born in a womb उवा० २, ११६, भग० २४, १, (२) योनि देशमा उत्पन्न थयेत्. योनि देश में उत्पन्न produced or born in the country named Yona न्या० १,

जोषिया स्त्री० (योनि का) योनि-उत्पत्ति स्थान या नि-उत्पत्ति स्थान A womb, origin भग० १८, ६,

जोषिया स्त्री० (यौनिक) योनि नामना अनार्थ देशमा जन्मेसी दासी योनि नाम के अनार्थ देशमें जन्म प्राप्त दासी A maid servant born in the Anārya country named Yona श्रव० ३३ ज० प० नाया० १, भग० ६ ३३

जोषीपद न० (योनिपद) योनिना अधिकार वाला पञ्चवर्णा सूत्रनुं ओ३ प० योनि के अधिकार वाला पञ्चवर्णा सूत्र का एक पद Name of a Pada of Pannavanā Sūtra dealing with the subject of births भग० १०, २,

जोषहा स्त्री० (जाहना) चादनी, चाँदनी. चादनी Moonlight नदी० ६, जीवा० ३, ३, सु० च० २, ३०,

जोति न० (ज्योतिष्) जुओ "जोड़" शब्द देखो " जोड़ " शब्द Vide " जोड़ " सूय० १ १२, ८,

जोतिय त्रि० (योजित) जुओतिय. जुता हुआ Yoked to a cart, plough etc. नाया० ३,

जोतिरस पु० (ज्योतीरस) जुओतिरस काण्ड, अरकाडनी नामो भाग ज्योतिरस काण्ड, खर काण्ड का द्वा भाग Jyotiṛasa Kānda is the 9th division of Khara Kānda जीवा० ३, १,

जोतिस न० (ज्योतिष) जुओतिष शास्त्र ज्योतिष शास्त्र Astronomy and astrology, the science of the course of the heavenly bodies श्रव० ३८,

जोतिसिय पु० (ज्योतिषिक) जुओ "जोड़-पिय" शब्द देखो " जोड़मिय " शब्द Vide " जोड़मिय " राय० ३७,

जोतिसिंह पु० (ज्योतिष्मिन्) जुओतिसिंह ओ३ जल के ज्योती युगलियाने सूर्य ज्योति प्रकाश भये छे कल्पवृक्ष की एक जाति कि जिस में से युगलियों को सूर्य समान प्रकाश मिलता है A species of Kalpa Vriksha (desue-yielding tree) from which the Jugaliyas get light like that of the sun

जीवा० ३, ३,

जोत्त न० (योक्त्र) जेत०. जोत्त. A rope by which animal is tied to the pole of a carriage: halter.

“सुकिरण तवणिज्ज जोत्तकलिय” परह० २, ५; उवा० ७, २०६, सूय० २, २, १८; दसा० ६, ४, वव० १०, १, ज० प० ७, १६६;

✓ जोय धा० I, II (युज्) जेतुं, योजुं जेतवु जोडना, योजना, जोतना. To join; to unite, to yoke.

जोएति जं० प० ७, १५१;

जोएइ. ओव० ३०, उत्त० २७, ३; सम० ६, नाया० १७,

जोयति. सू० प० १०, नाया० ८ जं० प०

जोएति. ७, १५६,

जोएजा वि० विशेष० ६, १२, पि० नि० ७६,

जोअति जं० प० ७, १५१,

जोएत्ता. नाया० १५, १७,

जोएमाण जं० प० ७, १६१,

जोयावेइ नाया० १५;

जोयावेत्ता नाया० १७,

✓ जांय धा० I, II (द्योत्) प्रकाश करवे। प्रकाश करना To shine, to emit light

जोयति जीवा० ३, ४,

✓ जोय धा० I (द्युत्) ज्योति मुक्ती, प्रकाशयु प्रकाशित होना, चमकना To shine, to emit light

जोइति सम० ४२;

जोइसु भू० ज० प० ७, १२६;

✓ जोय. धा० I (दृश्) जेतु; देखना. To see, to perceive

जायइ सु० च० १५, १००,

जाइजंत सु० च० २, ३६५,

जोय. न० (योक्त्र) जेत०, जेत०. जोत The rope by which an animal

is tied to the pole of a carriage.

जोयग न० (द्योतक) द्योतक पद; प्र, पर, इत्यादि उपसर्ग. A suggestive word; a preposition such as Pra, Para, etc modifying in some way the sense of the verb or noun before which it is placed विशेष० १००३;

जोयण न० (योजन) आर गाँ, आर गाँ प्रमाण क्षेत्र चार कोस, चार कोस के प्रमाण का क्षेत्र A Yojana (8 miles), area covering eight miles. ज० प० ५, ११२; ११५; १, १२. सम० १, उत्त० ३६, ५७, ओव० ३४, अणुजो० १३४, नाया० ५; सू० प० १८, पंचा० १, १८, १५, ४०, प्रव० ८६६, काप० २, १६; भग० २, १; ६, ७, १५, १, १६, ८, ३६, १० नाया० १, ८; १६; विशेष० ३८१, ३४६८, राय० २६, सु० च० ३, ७०, ओव० ४२, उवा० १, ८३, ८, २५३, (२) जेतु ते जोडना joining, uniting. परह० १, १;—निहारि त्रि० (-निहारिन्) आर गाँमा विस्तार पामनार चार कोस में विस्तृत extending, stretching over 8 miles “जोयण निहारिणा सरेण” सम० ३४,—परिमंडल वि० (—परिमण्डल-योजन योजनप्रमाण परिमण्डल गुणप्रधानोऽत्र निर्देश परिमण्डल्य यस्य स योजनपरिमण्डलः) ओ३ योजन प्रमाणे म३३-वर्तुल. ए३ योजन के प्रमाण का मण्डल-वर्तुल. of the circumference of a Yojana (8 miles) ‘जोयणपरिमंडल’ सुस्तर घट” राय० —प्रमाण न० (—प्रमाण) योजन-

यार गाउप्रमाणु' योजन-चार कोस प्रमाण
measure of a Yojana (8 miles).
भग० ६, ७, ज० प० २, १६०, —मि०
त्रि० (—मात्र) यार गाउमात्र, ने०
प्रमाणु केवल चारकोस, जाजन प्रमाण
measuring 8 miles only प्र० ४४८,
—विच्छिन्न त्रि० (—विस्तीर्ण) ने०
विस्तारवाधु जोजन के विस्तार वाला
extending 8 miles प्र० १०३२,
—वेला. स्त्री० (—वेला) ओ३ योजन आलता
ने० वधुन लागे ते० ए० एक योजन चलने
में जितना समय लगता है उतना the
time required in walking one
Yojana (8 miles) नि० १०८, १२,
—सयविच्छिन्न त्रि० (—शतविस्तीर्ण) ओ३
ने० विस्तार पाये० एक सौ योजन
में विस्तृत extended as far as
one hundred Yojanas प्र० १५६०,
—सयसहस्र. न० (—शतसहस्र) ओ३
ला० ने० एक लक्ष याजन hundred
thousand Yojanas (8 miles).
भग० ३, ७, —सहस्र न० (—सहस्र)
ओ३ ७०२ ने० एक हजार योजन, एक
सहस्र योजन 1000 Yojanas ज० प०
६, क० गं० ४, ७६,

जोवण न० (यौवन) युवावस्था, युवा
युवावस्था Youth, puberty जी०
३, ३, ना० १६, रा० ८०;

जोवणग न० (यौवनक) युवा प०
युवकत्व, युवावस्था Youth, puberty
वि० १ ना० १,

जोवण न० (यौवन) यौवन, युवावस्था
यौवन, युवावस्था Youth, puberty
प० ३४, नि० ३, ४, ओ० २२, सू०
१, ३, ४, १४, आ० १, २, १, ६५,
ना० १ ३ ८, १४, १६ सू० प० २०,

भग० ११, ११, म० १२६, —गुण
पुं० (—गुण) युवावस्थाना गुण युवावस्थाके
गुण any of the characteristic
qualities of puberty. ना० १,
—ह्राण. न० (—स्थान) युवावस्था
स्थान युवावस्था का स्थान condition,
stage, of puberty. भग० १२, ६,
—तथ त्रि० (—स्थ) युवावस्था वा०
युवावस्था वाला, युवक. in the prime
of life, attaining puberty भग०
६, ३३,

जोवणग न० (यौवनक) युवावस्था युवा-
वस्था Youth, puberty ना० १,
१३, १४, भग० १५, १, क० १, ६,

जोवणिया स्त्री० (यौवनिका) युवावस्था
युवावस्था. Youth रा०

✓जोस धा० 1 (जुप्) शोषण क्षुब्ध,
क्षुब्ध, क्षयनाश करणे शोषण करना,
सुखाना, क्षय-नाश करना. To dry up,
to destroy

जोसह आ० १, ३, २, ११२,

जोसयंत त्रि० (जुप्) सेवा करते मे०
करता हुआ Serving, rendering
service आ० १, ६, ४, १८८,

जोसणा स्त्री० (जापणा) प्रीति प्रीति At-
fection, love (२) सेवा मे०
service, devotion to ओ० नम०
जोसिया-या स्त्री० (योपित्) स्त्री स्त्री
A woman तहु०

जोसिय त्रि० (जुप्) मेवेन मे०
हुआ Accepted resorted to,
served सू० १, २, ३, २,

जोह पुं० (योध) योद्धा, लड़नेवाला यु०
योद्धा, यु०, सैनिक A warrior, a
combatant ओ० १३, द० १०, १,
न० १, ६, २०, जी० ३, ४, ना० ८,

जं० प० भग० ७, ६; प्रव० १२४०, —ट्टाण
न० (-स्थान) लडाईनु स्थान. युद्ध स्थान.
a battle-field ठा० १; —वल न०
(-वल) थोड़ा नु अथ सैनिक का वल.
strength, might of a comba-
tant. विवा० ३,
जोहार पु० (योद्ध) थोड़ा, युद्ध करनेवाला.
योद्धा, युद्ध करने वाला A warrior, a
combatant. नाया० १, भग० ३, २, सूय०
२, ३, २५;
जोहार पुं० (::) सत्कार करनेवाले हाथ
देवा डे सामसामे भेटनु ते सत्कार करने के
लिये कर अर्पण करना व परस्पर मिलना.
shaking of hands or embracing
each other as a sign of hos-
pitality. प्रव० ४४१;
जोहि त्रि० (योधिन्) युद्ध करनेवाला. A warrior, a comba-
tant. ओव० ४०,
जोहिया. स्त्री० (योधिका) यदन धो, ओड
लाननु प्राणी घोररा; एक प्रकार का विषैला-
प्राणी A kind of poisonous
reptile. जीवा० १, २,
जोहुत्त. न० (योद्धत्व) थोड़ापणुं शरवीर-
पणुं शूरवीरता, वीरत्व. Walike qua-
lity, valour नाया० १६;
✓जल धा० I (ज्वल्) जलनुं, प्रकाशनुं.
जलना, प्रकाशित होना To burn, to
shine
जलइ अणुजो० १३१;

जलंति जीवा० ३, ४; जं० प० ५, १२१,
नाया० १७, उवा० १, ६६;
जले वि० दस० १०, १, २;
जलत नाया० १, २; ५; भग० २, १; ६,
२, १६, ६, कण्प० ३, ४२, ४६;
ओव० १३, १७, नाया० ध० ४, ६०,
२, ११६, उत्त० ११, २४, १६, २६,
अणुजो० १६, नंदी० १३, विवा०
१, ७; दसा० ७, १;
जलमाण पिं० नि० ६५६;
जलावण क० वा० वि० दस० १०, १, २,
✓उष्मा. वा० I (ध्यै) ध्यान धरनु, स्मरण
करनु ध्यान धरना, स्मरण करना To
meditate upon; to recollect
स्माश्च आया० १, ६, ४, १५, उत्त० १८, ५,
स्मायंति. ओव० नि० ६६३;
स्माज्ज वि० उत्त० १, १०,
स्माएज्ज वि० सु० च० ४, २६२,
स्मायमाण व० क० नाया० ६,
स्मायंत व० क० पिं० नि० ६३१; सु० च०
६, २२,
✓उष्माम. धा० I (ध्मा) धमनुं फूंकना,
धौकना To blow, e g. a bellows
(२) आगनुं जलाना to burn.
स्मामेइ नाया० १, भग० १५, १, सूय० २, २, ४४;
स्मामेन्ति जं० प० २, ३३;
स्मामेज्जा वि० दसा० ७, १,
स्मामवेइ प्रे० सूय० २, २, ४४,
स्मामत. व० क० सूय० २, २, ४४,
स्मामिज्ज क० वा० राय० २६६,

॥ लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p. 15th

भ.

भंख पु० (०) बार बार ओझपु, ७४ भना

३२वीं बार बार बोलना, भारी लालमा करना
To speak frequently, to long
ardently पि० नि० २८६,

भक्क. पु० (भक्क) धध, डलड, ट टो कलह,
फिसाद, भगडा Quarrel, contest,
turmoil ओव० १६, (२) भेद. भेद
difference, division, alterca-
tion परह० २, ३,

भंभा स्त्री० (भम्भा) व्याकुलता, विवृलता
व्याकुलता, विह्वलता. Distraction,
agitation आया० १, ३, ३, १२०,
(२) डलड; डलडो, तोफान. कलह,
भगडा, तोफान quarrel, strife,
disturbance सूय० २, १, ४१,
—कर पु० (-कर-) जेथी संप्रदायभा
भेद पडे तेवी अटपट ३२ना२, असमाधिनु
१८मु स्थानड सेवनार जिसमे संप्रदाय मे
भेद पडे ऐसी खटपट करने वाला, असमाधि
के १८वें स्थान को सेवन करने वाला a
person who resorts to the 18th
cause or source of Asinādhī
(lack of mind-control) ; he
causes divisions in a sect by
intrigues सम० २०, —वाय पु०
(-वात) वर्षा सहित निभुर वायु वर्षा
सहित तेज वायु violent wind
accompanied with rain पत्र० १,
भंपित्ता म० कृ० अ० (जल्पित्वा) अनिष्ट
वचन ओझीने अनिष्ट वचन बोलकर
Having spoken harsh words

सम० ३०:

भग्नि अ० (भगिति) शीघ्र, ७४दी, शीघ्र,
सत्वर Quickly at once. भग० ३, २,
भक्ति अ० (भटिति) जुओ “ भग्नि ”
शब्द देखो “ भग्नि ” शब्द Vide
“ भग्नि ” भग० ३, २, सु० च० ३, ७४,
—वेग (-वेग) शीघ्र वेग शीघ्र वेग
Rapid, quick movement, rapid
progress नाया० १६,

भज (य) पु० (ध्वज) ध्वज, पताका
ध्वजा, पताका A flag, a banner
भग० ७, ६, ११, ११, राय० ४७; १२३,
विवा० २, ओव० १०; ज० प० ४, ७४,
—गग न० (-अग्र) ध्वजने अग्रभाग
ध्वजा का अग्रभाग the fore part of
a flag or banner नाया० ८, —दड
त्रि० (-दड) ध्वजने दड ध्वजा का दड
flag-staff नाया० ६;

भया स्त्री० (ध्वजा) ध्वज ध्वजा A flag,
a banner ज० प० ४, ७४ जीवा० ३,
२, नाया० १, ६, (२) यीं भयनामातु
आइमु स्वप्न ध्वजनु हे जे तीर्थ ३२ यक्ष-
वर्तिनी माताने गर्भाधान समये जेनामा
आवे छे चोदह स्वप्न मे मे आठग ध्वजा
का स्वप्न कि जो तीर्थकर चक्रवर्ति की माता
को गर्भाधानके समय देखनेसे आता है the
8th of the 14 dreams which
a Tirthankara or Chakravarti's
mother witnesses during
her pregnancy (in this dream
she sees a flag) नाया० =

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ ती फुटनोट (-) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

✓ भर धा० I. (चर) अरु, उपरथी
सरङ्कुं-पडु भरना, ऊपरसे गिरना To
drop down, to fall in drops
भरइ सु० च० २, ४८७,
भरंति पि० नि० ८४,

भरग. पु० (.) स्मरण करने-
वाला (One) who remembers
नंदा० स्थ० २८,

✓ भलहल धा० I. (ज्वल्) सलगु
जलना To burn, to be kindled
भलहलइ. सु० च० ८, २१२;

भल्लरी स्त्री० (भल्लरी) आधर झालर A
flinge. जीवा० ३, १; निसी० १७,
३३, ठा० ७, १, ओव० ३१, राय०
८८; कपर० ५, १०१, (२) भल्लरी, ओड
गतनु वाजिन्त्र एक प्रकार का वाजिन्त्र,
खंजरी a kind of musical instru-
ment played with the hand
अणुजो० १२८, भग० ५, ४, पन्न० ३३;
प्रव० १५००, (३) ढड्डा, उड्डु; ओवा
आधरे ज्योतिषनु अवधिज्ञान छे वाद्यविशेष
कि जिसके आकारका ज्योतिषीका अवधि ज्ञान
होता है. a sort of musical instru-
ment narrow in the middle part
and flat and round at the two
ends with leather fastened on
to them, (the Avadhijñāna of
astrologers bears this shape)
विशे० ७०६; (४) भमभमीया, आधर
झालर a sort of musical appa-
ratus consisting of two met-
talic dishes which when
struck together make a jingling

sound आया० २, ११, १६८; —संढा-
णाट्टिय. त्रि० (—सस्थानस्थित) आधरने
आधरे रहैल झालर के आकार के
समान रहा हुआ of the shape of a
flinge प्रव० १५००, —संठिय. त्रि०
(—सस्थित —अल्पोच्छायत्वान्महा विस्तार
त्वाच्च तिर्यग्लोकक्षेत्र लोको भल्लरीसस्थितः)
आधरने सस्थाने-आधरे रहैल झालर की
आकृति में रहा हुआ of the shape of
a flinge. भग० ११, १०;

भविय त्रि० (क्षपित) निर्मूल धरेल,
अपावी नाभेल निर्मूल कियाहुआ, जड
से हटा दियाहुआ. Destroyed, eradi-
cated उत्त० १८, ५,

भल पु० (भल) भाछु मच्छी A
fish विशे० ५६६, १८५४; जीवा० १,
ज० प० नाया० ६, ओव० १०, उत्त० २२,
६, प्रव० १५६, (२) नानी भाछडी
छोटी मच्छी small fish परह० १, १,

भाइ त्रि० (ध्यायिन्) ध्यानकरनेहार. ध्यान
वालो, स्तुतिवालो ध्यान करनेवाला, ध्यान
वाला, स्तुतिवाला (One) who
meditates upon, (one) who
praises or extols. ओव० नि० ६,
आया० १, ६, ४, ३;

भाण न० (ध्यान-ध्यायते चिन्त्यतेऽनेन)
धर्मध्यान वगैरे, अभ्यन्तर तपती ओड
प्रकार. धर्मध्यान वगैरह, अभ्यन्तर तप का
एक प्रकार A kind of inner aust-
erity such as religious medit-
ation etc नाया० १, १६, भग० ८,
७; १८, १०, २५, ७, उवा० २, ६६,
प्रव० २७२, भत्त० १६०, (०)

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*). देखो पृष्ठ नंबर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th.

चित्तनु ओझाथपणु चित्त की एकाग्रता.
concentration of the mind सम०
४, ६, ३२, ओव० २०, ३८, उत्त० २६, १२,
पि० नि० ५६०; सूय० १, ६, १६, विशेष०
३०७, कण्ठ० ५, ११६, (३) भनन,
स्मृति मनन, स्मृति meditation,
recollection सु० च० १, १, भग०
२, ५, ३, २; दसा० ५, २७, —अंत-
रिया स्त्री० ((-अन्तरिका-अन्तरस्य विच्छे-
दस्य करणमन्तरिका ध्यानस्यान्तरिका
ध्यानान्तरिका) आरभेक्ष ध्यातनी समाप्ति
अने अपूर्वध्यानतो अनारभ, ये ध्यातनी
मध्यमवस्था. आरम्भ कियेहुए ध्यान का
समाप्ति और अपूर्वध्यान का अनारभ, ध्यान
की मध्यावस्था the state between
the end of one meditation
and the beginning of another,
a temporary break in medi-
tation भग० ५, ४, १५, १, (२)
शुद्धध्यान विशेष शुद्धध्यान विशेष a
particular kind of purifying
meditation e g upon the
soul etc ज० प० २, ३१. —कोट्ट
पु० (-कोष्ट) ध्यातरूप लडाइ ध्यान रूप
भंडार a treasure in the form
of meditation वि० १, —कोट्टो-
वगन्न पु० (-कोष्टोपगत) जे ध्यात-
रूपी कोष्टमा निभन्न होय ते जो ध्यान
रूपी कोष्ट में निभन्न हो वह. (one) who
is immersed in the treasure of
meditation ज० प० २, ३१, भग०
१, १, —सेवण न० (-सेवन) ध्याननु
मेवन करवु ते, ध्यान धरवु ते ध्यान का

सेवन करना, ध्यान धरना act of prac-
tising meditation. प्रव० ३१८,
भाणविभक्ति स्त्री० (ध्यानविभक्ति-ध्यानाना
विभजनं यस्यामा) २६ उत्तालिद्धमुत्रमानु
२१ भु २६ उक्तालिक सूत्र मे मे २१ वा
सूत्र The 21st of the 29 Ut-
kālika Sūtras नदी० ४३,

भाम त्रि० (धमात-दग्ध) अणेषु, दाजेसु
जला हुआ Burnt, scalded आया०
२, १, १, १, जीवा० ३, १, पण्ड० १, २,
—वरण. न० (-वरण) उन्मूलताथी
गदितवर्ण, अक्षीगयेवनो रंग-शामता. उज्ज-
लता से हीन वर्ण. जले हुए का रंग-कालापन.
black colour like that of an
object burnt भग० ७, ६;

भामिय न० (धमापित) ओषवायेसु, पुआ-
येसु बुझाया हुआ Extinguished
भग० ५, २; सूय० २, १, १५,

भारी स्त्री० (-) शीट विशेष कीट.
विशेष A kind of insect सु० च०
१२, ५६,

भिभिरा स्त्री० (भिभिरा) तेजस्य अयनी
ओड जल. जिसको ३ इन्द्रिया हो ऐसा एक
जीव A kind of three-sensed
living being पञ्च० १,

* भिभिय त्रि० (*) भुञ्ज्या भक्षा.
Hungry वेय० ४, २६,

✓ भिभ वा० I (क्षि) क्षयपामवु, क्षीण-
थवु क्षय को प्राप्त होना, क्षीण होना To
be destroyed, to waste away,
to decay

भिभइ विशेष० १२०६,

भिभिरा स्त्री० (भामिरा) ओड जननी

वेल्डी. एक जाति की छोटी वेल. A kind of small creeper. आया० २, १, ८, ४५,
 भिमिया. स्त्री० () जडता; शरीरना अवयवों जडार्थ जलते, सोलरोगमाने अर्ध रोग. जडता, शरीर के अवयवों का अकड जाना, १६ रोग में से १ रोग One of the 16 diseases viz paralysis of the limbs of the body आया० १, ६, १, १७२,
 ✓ क्रिया वा I. (ध्यै) ध्यान धरवुं; चित्त न धरवु ध्यान वरना; चित्तन करना. To contemplate, to meditate upon क्रियाड सूय० १, ६, १६, भग० ३, २, नाया० १. १६, उवा० १, ७७,
 क्रियायड नाया० १; ३, ६, १४,
 क्रियायति जं० प० ३, ५६;
 क्रियायति सूय० १, ११, १६, नाया० १६
 क्रियायसि नाया० १,
 क्रियामि, नाया० १, ८, १६,
 क्रियाए वि० भग० २, ५;
 क्रियाहि. नाया० १६;
 क्रियायह. नाया० १; ८;
 क्रियाइत्ता. म० कृ० भग० ३, २;
 ✓ क्रिया वा० I (ध्मा) अश्व, दीप्त यव. जलना, दीप्त होना. To burn to be ignited. (२) बुझावु बुझाना to extinguish
 क्रियाएज भग० ५, ७,
 क्रियाएजा. भग० १४, ५; वेय० २, ६,
 क्रियायमाण नाया० १; १४, १६, भग० २, १, ३, २, ८, ६, दमा० १०, ३, ५, २४;

भिमिया. स्त्री० (भिमिका) त्रयु धन्ध्य वाला श्वनी अर्ध जल तीन इन्द्रिय वाला एक जीव A kind of three-sensed living being. पत्र० १,
 भिमिी स्त्री० (भिमिका) अ नामनी धार्ध वनस्पति इस नाम का कोई वनस्पति Name of a kind of vegetation पत्र० १,
 भीण त्रि० (चीण) क्षय पाभेन, नष्ट धयेतु क्षयको प्राप्त; नष्ट Destroyed, wasted away; consumed ओव० ३६;
 भुंक्षित. पु० (बुभुक्षित) क्षुधापी पीडित, भुंक्षो क्षुधा से पीडित, भूखा Hungry; troubled by hunger. भग० १६, ४,
 भुंक्षिय त्रि० (बुभुक्षित) क्षुधातुर, भुंक्षो, दुर्बल क्षुधातुर, भूखा, दुर्बल Hungry, weak on account of hunger नाया० १;
 भुणि स्त्री० (भूणि) अवाज आवाज Sound. क० ग० १, ५१;
 ✓ भुर वा० I. (भुर) अश्वश्रुती रुदन अश्व भुरना; रुदन करना. To cry, to weep, to pine away भुरंति. दमा० ६, १, ४;
 भुरण पु० (भुरण) अश्व, पश्तावतु पश्तावतु करना, भुरना To pine away; to repent दमा० ६, १;
 भुसदाह पु० (भुसदाह) भुसाने आगवातु स्थान भूसा को जलानेका स्थान The place for burning chaff or husk निसी० ३, ६५,
 भुसिर त्रि० (भुपिर) छिद्रवातु, पोतुं छिद्र वाला, पोला. Having leaks or

holes, hollow. (२) न० छिद्र, पोत. छेद, पोलाई hole hollowess. पण्ह० १, २; सू० प० १, ६, निसी० १७, ३६, इय० ५, १, ६६, ज० प० उवा० २, ६४, नाया० ८, गच्छा० ८८, (३) वासली आदि सज्जि वाजि त वासुरी आदि सज्जि वाजि त. a musical instrument with holes e. g. a flute etc. जीवा० ३, ४; राय० ६५, (३) आकाश आकाश sky भग० २०, २, (४) वासली आदि सज्जि वाजि तने रा० ६ वासुरी आदि सज्जि वाजि तकी आवाज. sound of a flute etc भग ५, ४, (५) खुली जमीन खुली जमीन open space नाया० १, —गोलसंठिय त्रि० (—गोलसंस्थित) आली गोलाने आकारे रहेन खाली गोले के आकार मे स्थित of the shape of a hollow globe भग० ११, १०,

✓ भूस धा० II (जुप्) सेवतु, अराधतु सेवन करना. To resort to, to worship (२) क्षय करवे, दृश करतु क्षय करना. कृश करना to destroy, to reduce

भूसेइ नाया० ध०

भूसति भग० १०, ४,

भूसित्ता भग० ३, १, नाया० १, उवा० १, ८६,

भूसत्ता नाया० ध०

भूसणा स्त्री० (जोषणा) इमोनो क्षय करवे कर्मों का क्षय करना Act of destroying Karmas. भग० २, १, नाया० १, (२) सेवा करती, ग्रहण करतु सेवा करना, ग्रहण करना act of worshipping, act of accepting नाया० १, ठा० २, २,

भूसिअ-य त्रि० (जुष्ट) दीपु करेन, शोपवेन. क्षीय कियाहुआ, शोषण कियाहुआ. Died up, enfeebled, sucked up उवा० ८, २५२, जीवा० ३, १, भग० २, १, (२) सेवा करेन, आराधेन. सेवन किया हुआ, आराधन किया हुआ. worshipped, served नाया० १, ठा० २, २,

भूसित पु० (जुष्ट) सेवेतु सेवित Worshipped, served. (२) इमोनो क्षय करेन कर्मका क्षय कियाहुआ. (one) who has destroyed the Karmas भग० २, १,

भोड पु० (*) आडमाथी पत्रादिनु अणेनु वृक्ष में से पत्रादिक नीचे गिराना Felling of leaves etc from a tree (२) पत्र रहित वृक्ष पत्रों से रहित वृक्ष a bare tree नाया० ११,

भोडण न० (*) वृक्षादिने अणेनु, इत्यादिने पासु वृक्षादिक को खखेरना, फलादिकों को गिराना. Causing the fruits, leaves etc to drop down from a tree by shaking it or thrashing it पण्ह० १, १,

✓ भोस धा० II (जि जुप्) क्षय करवे क्षय होना, करना To waste away, to be destroyed, (२) सेवतु सेवन करना. to resort to, to serve

भोसेइ भग० १८, २,

भोसित्ता. स० कृ० भग० १८, २, नाया० १८, १६,

भोसमाण व० कृ० सु० च० १, ३८४, आया० १, ६, २, १८४,

भोसणा स्त्री० (जोषणा) सेवन सेवन Act

of resorting to; serving सम० ७,
भोसिय त्रि० (जुष्ट) अपावेक्ष; क्षय क्षेक्ष.

क्षय किया हुआ Destroyed, caused
to waste away. आया० १, ५, ३, १५१,

ट.

टंक. पुं० (टङ्क) जेना झर्रा तुटीगया होय तेवुं
तलाव जिसका किनारा टूट गया हो वैसा
तलाव A pond or a lake with
its embankments broken नंदी०
४७; (२) पर्वतनी टोय-टुङ पर्वत का
सिरा-शिखर. the summit of a
mountain अणुजो० १३४, (३) ओङ
तरङ्गी तुटेक्ष पर्वत एक तरफ से टूटा हुआ
पर्वत a mountain broken on one
side. नाया० १, भग० ५, ७, पञ्च० २;
(४) न० छापेवुं नाछु, सिक्के, छाप सिक्का
ठप्पा दिया हुआ मिका a coin; a
stamped coin पचा० ३, ३५,

टंकण पुं० (टङ्कण) पर्वतवासी भेदभेदनी ओङ
जत. म्लेच्छ की एक जाति, पर्वत का
आश्रय करने वाली एक म्लेच्छ जाति
A race of barbarians living in
hilly districts सूय० १, ३, ३, १८,
विशे० १४४४; (२) टङ्कण नामनो देश
टंकण नाम का देश a country of
that name. भग० ३, २,

टकारवर्गपविभक्ति पुं० न० (टकारवर्ग-
प्रविभक्ति) टकार वर्गना आकार विशेषयथी
युक्त; ३२ प्रकारना नाटकमानो ओङ प्रकार
टकार वर्ग के आकार विशेष से युक्त, ३२
प्रकार के नाटक म से एक. Bearing
the shape of any of the letters
of the lingual class, one of the

32 varieties of dramas राय० ६४;
टाल न० (टाल) जेभा गोदली डे हडिया
थपाया न होय तेवुं क्षय जिस फल में गुठली
न बनी हो वह फल A fruit with
its stone unformed आया० २, ४,
२, १३८, दस० ७, ३२,

✓ टिट्टियाव वा० II. (-) अपभ्रंशिते
शब्द करवो. खडखडाकर शब्द करना To
make a sound by shaking an
object close to an ear.

टिट्टियावेइ नाया० ३,

टिट्टिआविन्ति ज० प० ५, ११४;

टिट्टियाविजमाण नाया० ३;

टिट्टिमी. स्त्री० (टिट्टिमी) टिटोडी; धीमेमाथे
लटकनार ओङ पक्षीनी जत टिटोडी, नीचे
की ओर सिरकरके लटक ने वाला एक पक्षी
A kind of birds hanging head
downwards, from trees विवा० ३,
— अंडअ न० (-अण्डक) टिटोडीना छडा.
टिटोडी-पक्षीविशेष का अण्डा an egg of
a kind of bird विवा० ३,

टोपिआ पुं० (*) पाथडी, टोपी
पगडी; टोपी A turban, a cap सु०
च० १५, १३५,

टोल पुं० (*शलभ) पतंगीओ Moth
भग० ७, ६, (२) तीड. टिड्डी, तीड.
Locust. प्रव० १५०; — गति स्त्री०
(-गति) पतंगीयाना जेवी गति. पत-

गिया की सी गति Gait like that
of a moth भग० ७, ६;

ढोलगड. स्त्री० (ढोलगति) ढोल-तीली
पेटे कुदने कुदने वदना करे ते, वदना
पत्रीश दोपमाने पायमे दोप. अखफुडं
जैसे कुदते हुए वदना करने वाला, वन्दना
के ३२ दोषों में से ५ वा दोष One of
the 32 faults of salutation to
a Guru viz hopping in the
act like a grasshopper प्रव० १५०,

✓ दठव धा० I, II (स्था + णि) स्थापयु,
स्थापना करनी स्थापना करना
To fix, to place, to set

ठवइ जं० प० ५, ११७,

ठवेइ ज० प० ५, ११७; वेय० १, ३७,
ओव० ३२, निसी० ४ ३०, राय०
७३, नाया० १, २, ७, १६, नाया०
ध० भग० ७, ६; २५, ७, उवा०
१, ६८, ६, १६४,

ठवति ओव० ३३,

ठविति ज० प० ५, ११२,

ठवेति ज० प० ५, ११४, २, ३३,

ठवयति सूय० २, ७, १०,

ठवेमि नाया० १२,

ठविज वि० उत्त० १, ६,

ठवेहि आ० पञ्च० १,

ठवसु आ० सु० च० ४, १३६,

ठवित्तु स० कृ० उत्त० ६, २,

ठवित्ता स० कृ० ज० प० ५, ११२, ११४,
नाया० ५, वव० ८, ५, वेय० २,
१२, उवा० १, ६६, वव० २, १,

ठवेत्ता नाया० १, २, १६, नाया० ध०
भग० ७, ६,

ठविजइ क० वा० नदी० ४६, अणुजो० १०,
पि० नि० ५०६,

ठविजंति सु० च० २, ३१९,

ठवेउ. गच्छा० २०,

✓ द्वा धा० I. (स्था) ठिहा रहेयु, स्थिर
थयु खडा रहना, स्थिर होना To
stand नदी० ४६,

ठाइ भग० ५, ६; ७, ६, विशे० ४७०, ६०४,

ठाइऊण स० कृ० ज० प० ३, ६५;

ठाइत्तु. हे० कृ० वेय० १, १६; आया० १,
६, २, १५,

ठाइत्ता भग० १८, ३,

ठिच्चा स० कृ० भग० ३, १, ५, ६; ७, ६,

६, ३१, ३३; १०, १, ११, १०,

१५, १, १६, ८, १८, १०. राय०

२४१, नाया० ३, १४, निमी० ५, १,

पञ्च० १७, वेय० ५, २२, उत्त० ३, १७;

✓ द्वा धा० I, II. (स्था) ठिहा रहेयु,
स्थिर थयु खडे रहना, स्थिर रहना To
stand, to be steady

ठावेइ प्रे० भग० ६, ६, ११, ११, नाया०

५, ७, १६, दम० ६, ४, २;

ठावयड प्रे० " ठिओ परं ठावयड परपि "

दस० १०, १, २०,

ठावइति प्रे० ओव० २७,

ठावेति प्रे० विवा० ४, भग० १८, २,

ठावेमि प्रे० नाया० ५, ८, भग० १३, ६,

१६, ५, १८, २,

ठावेमो प्रे० नाया० १६,

ठावेहि आ० नाया० १२,

ठावेह आ० नाया० ८, भग० १८, २,

ठावइस्मामि प्रे० दम० ६, ४, २,

ठावित्ता स० कृ० ठा० ३, १, भग० ३, १,
नाया० १६,

ठावेत्ता स० कृ० नाया० ५, ७, ८, ६, १५;

भग० ११, ६, १३, ६, ६, उत्त०

६, ३२, भग० ९, ३३, ११, ११, १८, २,

ठावेत्त व० कृ० सु० च० ३, ८३,

ठाविजति क० वा० सम० ३;

ठ.

ठइत्त त्रि० (स्थापित) साधु आवशे त्तारे आपशु ओम धारी स्थापी राभेजुं, साधुओ टाणवा योग्य ठवणा नामना दोष वाणुं साधु आवेंगे तव देंगे ऐसा सोच कर रक्खा हुआ, साधु को टालने योग्य ठवणा नामक दोष वाला Kept, reserved with a view to be given to an ascetic when he might come; (this sort of food etc. is to be avoided by a Sādhu) ओव० ४;

ठइय त्रि० (स्थगित) ढाकेजुं. ढाका हुआ, Covered. “ पिहियंतु फलादणा ठइय ” पंचा० १३, २७;

ठंडिल न० (स्थंडिल) थडिल-दिशाओ जवानी भूमि थडिल-तट्टी जाने की भूमि A ground for answering a call of nature on. नाया० १६,

ठडगिय. त्रि० () छेतरायेदा, ठगायेदा ठगाया हुआ; धौका खाया हुआ Deceived, cheated सु० च० ४, २८८,

ठप्प त्रि० (स्थाप्य) स्थापवा योग्य, ओक आगु मुकीदेवा योग्य. स्थापने योग्य, एक तरफ रखने योग्य. Worthy of being fixed or kept in some place पि० नि० २१८, अणुजो० ७२, १३४, भग० १५, १, (२) व्यवहार करवा योग्य नही; असव्यवहार्य, लोकेना व्यवहारमा अनुपयोगी व्यवहार करने में अयोग्य, असंव्यवहार्य, लोगों के व्यवहार में अनुपयोगी unworthy of practical purposes. अणुजो० ३;

ठवकें. पुं० (स्थापक) स्थापन करनेवाले स्थापन करने वाला (One) who fixes, sets or places नाया० १८,

ठवण. न० (स्थापन) स्थापन करवुं, मुक्यु स्थापन करना; रखना. Setting; placing; fixing पि० नि० भा० २४, —कुल. न० (-कुल) लीक्षायरने भाटे आहारादिक थापी मुके तेवु कुल. भिक्षाचर के लिये आहारादिक रख छोड़े वह. reserving food etc for Sādhus

begging alms निसी० ४, २८, —जिण पु० (-जिन) केध वस्तुमा जिननी कल्पना करवी ते. किसी वस्तुमें जिन की कल्पना करना imagining Jina in any particular object. प्रव० ८७, —पु.

रिस पुं० (-पुरुष) पुरुषी स्थापना. पुरुष की स्थापना setting or establishment by or of a person ठा० २, १, —लोग पुं० (-लोक) चौदह राजलोकनी स्थापना. चौदह राजलोक की स्थापना. establishment of the 14 Rājālokas ठा० ३, २,

ठवणा स्त्री० (स्थापना) जववाली के निश्चय वस्तुमा तेना जेवा आकारवाली भीज वस्तुनी कल्पना करवी ते, स्थापना निश्चेपो जीववाली या निर्जीव वस्तु में उसके जैसी भिन्न आकार वाली अन्य वस्तुकी कल्पनाका करना, स्थापना निश्चय. Imagining of one thing in another, animate or inanimate which is similar in form imagining one thing to

* लुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (*) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (+) Vide foot-note (*) p 15th

be another thing, Sthāpanā Niksepa. पत्र० ११, विशेष० २३, ५४, पि० नि० ५, अणुजो० ८, पचा० २, १७, (२) साधुने भाटे अभुक्त काष्ठपर्यन्त स्थापनी राभेक्ष आहारार्थि आपवाथी लागतो अेक दोष, १५ उद्गमनमानो ५ भो दोष साधु के उद्देश से किसी समय तक रख छोड़ा हुआ आहार आदि देनेसे लगनेवाला दोष, १६ उद्गमनों में से ५ वा दोष the 5th of the 16 Udgamana faults connected with food viz. giving to a Sādhu after specially reserving it for him for some time प्रव० ५७०, पचा० १३, ५, पि० नि० ६४, (३) धारणानु अेक नाम धारणा का एक नाम. another name for Dhāraṇā नंदी० ३३, —अणुतय त्रि० (—अनन्तक) स्थापनाथी अनन्त छोड़े नहि आवे ते स्थापना से अनन्त-अत नहीं आता वह. endless in the matter of Sthāpanā ठा० ५, ३, —अणुपूर्वी स्त्री० (—अनुपूर्वी) स्थापेक्षी-कल्पेक्षी अनुपूर्वी-अनुक्रम स्थापित-कल्पित अनुपूर्वी-अनुक्रम imagined serial order, imagined graded order अणुजो० ७१, —(णि) इन्द्र पु० (—इन्द्र) कर्षण पणु वस्तुमा धर्षनी कल्पना करती ते किसी भी वस्तु में इन्द्र की कल्पना करना imagining a particular object to be India ठा० ३, १, विशेष० ५३, —कर्म न० (—कर्मन्) परमतनुं उत्थापन करी स्वमतनुं स्थापन करवु ते अन्य मत का उत्थापन कर स्वमत का स्थापन करना establishing one's own creed or tenet by refuting another's tenet or creed. ठा०

४, ३, —करण न० (—करण) दातरडा तक्षवार वगेरे करणुनो लाकडा के पत्थर वगेरेमा करेले आकार. दराता, तलवार आदि हथियार का लकड़ या पत्थर में किया हुआ आकार. a shape or figure of a sword or a scythe carved in a piece of wood or stone विशेष० ३३०२,

उवणिज्ज त्रि० (स्थापनीय) स्थापना योग्य, अेक आलु भूक्षी देना योग्य. स्थापित कर रखने के योग्य, एक ओर रख छोड़ने के योग्य Worthy of being kept or fixed, worthy of being set aside. अणुजो० २, वव० २, १,

उवित्त-य त्रि० (स्थापित) साधु साध्वीने भाटे स्थापनी राभेक्ष (आहार वगेरे) माधुसाध्वी के लिये स्थापित कर रक्खा हुआ Kept, reserved for a monk or nun; e.g. food etc पण० २, ५, दम० ५, १, ६५; वव० १, १६, नाया० १, २; भग० ५, ६,

उवियग त्रि० (स्थापितक) लुओ "उवित्त" शब्द देखो "उवित्त" शब्द. Vide "उवित्त" प्रव० १०६, —भोइ त्रि० (—भोगिन्) सधुने भाटे स्थापनी राभ्यु होय तेने भोगयनार स्थापना दोष भेयनार (साधु). साधु के वास्ते स्थापित कर रक्खा हो उमे भोगनेवाला, स्थापना दोष का सेवन करनेवाला (माधु) (one) who enjoys food etc specially reserved for a Sādhu and thus incurring the fault known as Sthāpanā प्रव० १०६,

उविया स्त्री० (स्थापिता) भक्षेक्ष प्रायश्चित्त स्थापनी भूक्षे ते, अ स्थापितिकनी वेवायव्यमा व्यापन पडे तेथी इत्यानुं प्र यश्चित्त वर्त-

मानमा न इरतां आगल उपर इरवानु
राभे ते मिता हुआ प्रायश्चित्त स्थापन कर
रखना, आचार्यादिक की वेयावच्च में व्याघात
पडे इसलिये करनेका प्रायश्चित्त वर्तमान में
न करते हुए भविष्य के वास्ते रख छोडना
Act of reserving an expiatory
austerity for a future date in
order to avoid disturbance in
the service of a Guru etc ठा०
५, २;

ठाइ त्रि० (स्थायिन्) स्थायी, स्थिर रहनेवाला
स्थायी; बहुत समय स्थिर रहनेवाला
Standing, stationary क० प० ४, २३,
ठाइयच्च. त्रि० (स्थापितव्य) स्थापना योग्य,
स्थापयु स्थापन करना, स्थापने योग्य.
Act of fixing or establishing,
worthy of being fixed or esta-
blished वव० ६, ४१;

ठाण न० (स्थान) स्थान; ठेकाणुं. जग्या,
भक्षान स्थान, ठिकाना, स्थल; मकान A
place, a house, an abode भग०
१, १, २, ७, ३, ४, ५, ६; ११, ६, १३,
४, १४, १०, १६, ५, २४, १२, २५, ८,
नाया० १; ८, १६; दस० ५, १, १६; ६, ७;
६, २, १७, निसी० ५, २, १३, १; ओव०
१०, सम० १, १०, राय० २३, वव० ७, ३;
पि० नि० भा० ४७, नदी० ११, उत्त० ५, २,
आया० २, २, १६३, सु० च० ४, ६१,
प्रव० ५८७, कप्प० २, १५, गच्छा० १०५,
क० प० १, ३१, (२) डाडिसग्ग; डायाने
जरीपणु दुखावती नडी ते काडसग्ग, काया
को जरा भी न हिलाना giving up
attachment to the body and
practising self-contemplation
जं० प० ५, ११५, ओव० १६; सूय० १, २,
२, १२, नाया० १६, नाया० ध० सम० ५०

१६८; वेय० १, १६; (३) लेस्या डे अध्व-
वसायोनु स्थान लेस्या या अध्ववसायों का
स्थान an abode or source of
matter or thought-tint or of
thought activity. उत्त० ३४, २,
भग० ४, १०, (४) डाय^१. कार्य. an act,
a deed. भग० ८, ६, (५) स्थिति
इरवी ते, अधर्मास्तिकायनुं लक्षणु स्थिति
करना, अवर्मास्तिकाय का लक्षण act
of remaining stationary, the
characteristic (fulcrum of rest)
of Adharmāstikāya उत्त० २८,
६, (६) आड्डानु स्थान. अंक का
स्थान the place of figure अणुजो०
१४५, (७) उत्पत्तिस्थान, उपजानांनुं
ठेकाणुं उत्पत्तिस्थान, उत्पन्न होनेका ठिकाना
source of birth, origin अणुजो०
१२८; (८) अवकाश-भूमिप्रदेश अवकाश-
भूमिप्रदेश space of land, ground
नाया० २, (९) शरीरने अमुक स्थितिमा
राखनु ते, आसन. शरीर को अमुक स्थिति
में रखना, आसन. a particular pos-
ture of the body कप्प० ६, ५२,
उत्त० ३०, २६, (१०) पन्नवणाना भीज
पदनु नाम पन्नवणा के द्वितीय पद का नाम
name of the second Pada of
Pannavanā पन्न० १, (११) त्रीणु
अंगसूत्र डे जेमा जेइथी दश प्रकारनी
वस्तुओनु वर्णन छे तीसरा अंगसूत्र कि
जिसमें एक से दश प्रकार की वस्तुओं का
वर्णन है the third Anga Sūtra
containing an account of sub-
stances ranging from 1 to 10
kinds नदी० ४४, अणुजो० ४२, सम० १,
(१२) स्थिति परिणाम स्थिति परिणाम
state of being motionless पि०

नि० ४४०, विशेष० ५४७, (१३) स्थान-स्थितिर्गुणं गुणं स्थान-स्थितिरूपं गुणं the quality of being stationary. ठा० २, १, (१४) योग-मन, वचन, काया व्यापारना स्थानक योग-मन, वचन, काया के व्यापार का स्थानक an abode or source of the activity of the mind, speech or body क०प० १, ५, (१५) उभा रडेवु ते खडा रहना act of standing प्रव० ५२२; —अंतर. न० (-अंतर) स्थाना-न्तर; योगना ओ३ स्थानथी पीलुं स्थान स्थाना-न्तर, योग के एक स्थान से दूसरा स्थान another place, change of stage or from one sort of activity to another क०प० १, ४८, —उक्कडियासणिया छी० (-उत्कटिकासनिका) उकुडु आसने भेयनार स्त्री. उकुडु आसन से बैठनवाली स्त्री a female sitting in a knee-chest posture वेय० ५, २४, —उक्कुडुअ पु० स्त्री० (-उत्कुडुक) कार्योत्सर्ग करीने उकुडु आसने उलपडीये भेयना० कार्योत्सर्ग करके उकुडु आसनसे-उभखडिये बैठनेवाला one who sits on his legs after performing Kāyotsarga (meditation upon the soul) नाया० १, वेय० ५, २४, पण्ह० २, १, भग० २, १, —क्रम पु० (-क्रम) स्थान योगादि स्थानकनो अनुक्रम स्थान-योगादि स्थानकका अनुक्रम a graded order or order of the sources of the activity of the mind, speech and body etc क०प० ४, २६, —गुण पु० (-गुण-स्थान स्थितिर्गुणं कार्य यस्य स) अधर्माग्निदाय, मिनिभा सदाय करवानो तेनो गुण छे ते

अवर्मास्तिकाय, स्थिति मे सहाय करने का जिस का गुण है वह one that has the property of helping stationary condition, Adharmās-tikāya, fulcrum of rest भग० २, १०, —ट्टाडत्ता छी० (-स्थायित्ता) ओ३ स्थाने उभा रडेवु ते. एक स्थान पर खडे रहना. act of remaining stationary. प्रव० ५६१, —नवग न० (-नवक) न१ गुणुदाणा नौगुणस्थान nineGūṇasthānas (stages of spiritual development) “ नियमा ठाणनवगम्मि भय-णिज्ज ” क० प० ७, ५, —टिअ-य त्रि० (-स्थित) सयमना स्थानकने विशेषे स्थिति पाभेन. सयम के स्थानक के विषयमे स्थिति-प्राप्त (one) who has reached the stage of asceticism सूय० १, २, १, १६, ज० प० ७, १८१, —पडिमा. छा० (-प्रतिमा) स्थानती प्रतिमा, आसन के डाडिसगसगधी अभिग्रह विशेष स्थान की प्रतिमा, आसन या काउसग के संबंध मे अभिग्रह विशेष a particular vow in connection with bodily posture or Kāyotsarga (contemplation upon the soul) ठा० ४, ३, —भट्ट. पु० (-भट्ट) स्थानथी-सयमस्थानथी भट्ट-पडेये स्थान ने सयम स्थानक ने भट्ट गिरा हुआ. degraded, fallen down from asceticism नाया० ६ —म-गगणा छी० (-मार्गणा-मृगते इति मार्गणा स्थानस्य मार्गणा) स्थानती मार्गणा, अयतरसु स्थान की मार्गणा, अयतरण the search for a way, descending of incarnation जीवा० १; —लसगण त्रि० (-लसण) स्थिति बदलाय युक्त (अधर्माग्नि दाय)-

स्थिति लक्षण युक्त (अधर्मास्तिकाय) with the characteristic of Adhar-māstikāya (fulcrum of rest) भग० १३, ४, —विणिश्रोण पु० (-विनियोग-स्थाने विनियोग) णि३ ढेडाणे नेडु, येणुं योग्य स्थान में जोड़ना, योजना करना apt or proper application, proper use. विशेष० ३३२, —समवायधर पु० (-समवायधर) णाणं अने समवायांग सत्तो धरणा-अणुनार टाणांग और सम-वायाग सूत्र को धारण करने वाला-जानने-वाला one who knows the two Sūtras viz Thānānga and Sa-mvāyānga वव० १०, १६;

टाणओ अ० (स्यान्त) ओ३ ढेडाणेथी एक ठिकाने से From one place. मूय० १, १, २, १;

टाणपद. न० (स्थानपद-स्थानस्य पदम्) प्रज्ञापना सूत्रना द्वितीय पदं नाम प्रज्ञापना सूत्र के द्वितीय पद का नाम Name of the 2nd Pada of Prajñāpanā Sūtra भग० २, ७, १७, ४, ३४, १;

टाणाइय. त्रि० (स्थानायत) कार्येत्सर्ग, डाड-सगने आसने भेडेव कार्येत्सर्ग-काउसगके आमन से बैठा हुआ (One) seated in the Kāusagga (meditative) posture वेय० ५, २३, ठा० ५, १; भग० २५, ७,

ठायव्व त्रि० (स्थातव्य) स्थिर रेडेवुं स्थिर रहना Remaining stationary, state of being at rest प्रव० १५८१,

ठावअ पु० (स्थापक) पक्षने स्थापन करने वाला हेतु A logical reason which establishes one's own tenet

ठा० ४, ३;

ठावइत्तार त्रि० (स्थापयितृ) स्थापनार स्थापन करने वाला (One) who places or establishes दसा० ४, ७६, ठावण न० (स्थापन) स्थापन करने में स्थापन करना Act of placing or establishing पंचा० ६, ३,

ठाविय त्रि० (स्थापित) स्थापन करेव स्थापन किया हुआ. Placed, established सम० ३४;

ठावेयव्व. त्रि० (स्थापयितव्य) स्थापन करने योग्य स्थापन करने योग्य. Worthy of being established; fit to be placed or established भग० ८, १०, १२, ७,

टिअ-य त्रि० (स्थित) स्थिर रहेव, व्या-स्थित करेव, उलु राभेव. स्थिर रहा हुआ, व्यवस्थित किया हुआ, खड़ा किया हुआ Steady, kept in order, kept standing भग० ६, ३३, १४, ३; १७, २, २५, २, नाया० १६; ओव० २०, २६, उत्त० ३२, १७, दम० ६, ४, २; १०, १, २०, विशेष० ४; ८५१, दसा० ४, १८, वव० ३, १३, पि० नि० भा० ३२, सु० च० १, ३८, क० ग० १, ११, प्रव० २६३, कण० ५, १३१, प्रव० ४६१, —कण पु० (-कण) भरत अने भरत क्षेत्रेमा पडेव अने छेडव तीर्थ करना शासनना साधुओने भाटे नियन करेव आचार व्यवस्था मर्यादा the course of conduct prescribed for Sādhus of the cult of the first and last Tī-thankaras of Bharata and

Jlavata Ksetras भग० २५, ६, ७, विशेष० १२६६, पचा० १७, २, प्रव० १८, ५२६, —पुपा पु० (—आत्मन्) जेतु मन धर्मभा स्थिर होय ते जिम का मन धर्म में स्थिर हो वह. one whose mind is steady in the matter of religion दस० ६, ५०, १०, १, १७, (२) मोक्षमार्गभा रह्ये अत्मा मोक्ष मार्ग में रही हुई आत्मा a soul steady in the path of salvation आया० १, ६, ५, १६५

टिड स्त्री० (स्थिति) आयुष्यमान, जीवन काल Period of life life time नदी० ११५, भग० १, १, ५, २, १, ३, २, ६, ५, १५, १, २४, १२, ३६, २, नाया० २; ८, ६, १६, १६, नाया० ध० २, जीवा० १, ज० प० ओव० ३८, पत्र० ४, अणुजो० १४०, क०प० ५ १४०, उवा० २, १०५, (२) पत्रश्रुता योथा पदनु नाम पत्रवणा के चौथे पदका नाम name of the 4th Pada of Pannavāṇa पत्र० १, (३) जानावरणीयादि धर्मनी स्थिति-अवस्थान काल the duration of Karma such as Jñānāvatanīya etc क० ग० १, २, ५, ९६, सम० ४, भग० २, १, नाया० १, पि० नि० ६६, उत्त० ३४, २, (४) भेसपु, स्थिर थपु बैठना, स्थिर होना remaining steady, act of sitting पत्र० २३, नाया० १, पि० नि० ५५ सु० च० २, ३६३, —कंडग (—काण्डक) धर्मनी स्थिति अतो समूह कर्म के स्थिति सङ्ग का समूह a collection of the various durations of Karmas रूप० ५, १३,

३६, —कम्म न० (—कर्मन्) स्थिति रूपे अथाथेन धर्म, धर्मनी स्थिति स्थिति रूप से बंधा हुआ कर्म, कर्म की स्थिति duration of Karmas. शा० १, ४, (२) स्थिति धर्म, जन्म सरदा स्थिति कर्म, जन्म संस्कार Karmas causing birth in a particular condition. नाया० १४, —कल्याण त्रि० (—कल्याण-स्थितिः त्रयस्त्रिगत्यागरोपम-लक्षण कल्याण येषांते) इत्यापु ५ उत्कृष्ट भा उत्कृष्ट स्थिति वाता. स्थिति कल्याण; उत्कृष्ट में उत्कृष्ट स्थिति वाला possessed of the highest duration सम० ८००, ज० प० २, ३१, —काल पु० (—काल) स्थिति-धर्म स्थितिनी उद्दीरणाने काल-व्यपत स्थिति-कर्म स्थिति की उद्दीरण का काल-समय time of forcing up or hastening the maturity of Karmas क० प० ४, ४०, —कल्प पु० (—क्षय) स्थितिने क्षय, आयुष्यनी समाप्ति स्थिति का क्षय, आयुष्य की समाप्ति end of life-period, end of fixed duration. नाया० १, ८, १४, १६, भग० २, १, ६, ३३, २७, ८, क०प० १, २, क०प० ६, ४, —खंड पु० (—ग्रहण) धर्मनी स्थितिना अलग-अलग कर्म की स्थिति के खंड-टुकड़े a division or detachment of the duration of Karma क०प० २, ३२, —हाण न० (—स्थान) धर्मस्थितिना स्थानः कर्म स्थिति के स्थानक different conditions of Karmas क०प० ५, ५४, —नामनिह-त्ताड न० (—नामनिवत्तायुः) गति गति आदि नाम धर्मनी प्रकृतिनी स्थितिने अनु-याय आयुधर्मनी अथ यथ ते गति जानि आदि नाम कर्म की प्रकृति के अनुसार

आयुर्कर्म का बंध होना the formation of Āyukarma determined by the nature of the duration of Nāmakarma such as Gati, Jāti etc. भग० ६, ७, —निसेग पुं० (—निषेक) धर्मनी स्थितिमा धर्मना दलिया नाभवा ते कर्म की स्थिति में कर्मों के समूह को डालना including, adding more Karmas during the continuance of the same kind of Karma. क० प० २, ७५, ६, १५, —पडिहाअ पुं० (—प्रतिघात) उच्य स्थितिना नाश थाय ते उच्च स्थिति का नाश होना destruction of maximum duration (of Karma) as such. अ० ५, १, —भेअ पुं० (—भेद) स्थितिना भेद-प्रकार स्थिति के भेद-प्रकार a variety or mode of duration of Karma क० ग० ५, ६५; —रस पु० (—रस) धर्मनी स्थिति अने रस कर्म की स्थिति और रस the duration and intensity of Karma क० प० ३, १०, —रसघाय पु० (—रसघात) धर्मनी स्थिति अने रसनी घात करनी ते कर्म की स्थिति और रस की घात करना destruction of the duration and intensity of Karma क० प० ५, १२, —विसेस पु० (—विशेष) धर्मनी स्थिति विशेष, विशेष प्रकार की स्थिति कर्म की स्थिति विशेष, विशेष प्रकार की स्थिति a particular duration of Karma क० प० ३, ४, क० ग० ग० ५, ८०; —संकम पु० (—सक्रम) धर्मनी अने स्थिति भोगवानी होय तेमा श्रीष्ठ स्थिति नाभवा ते कर्म की एक स्थिति भोगते हुए उसमें दूसरी स्थिति डालना. mixing up the

duration of one Karma which is bearing fruit with the duration of another Karma of the same class क० प० २, २८, ४, ३२, —संतडाण न० (—सत्स्थान) धर्म संयंधी स्थितिना स्थानक कर्म सबधी स्थिति के स्थानक the sources which determine the duration of Karmas क० प० ७, २०,

ठिडपद. न० (स्थितिपद) प्रजापना सूत्रना यत्तुर्थ पदं नाम. प्रजापना सूत्र के चतुर्थ पद का नाम Name of the 4th Pada of Prajñāpanā Sūtra भग० ११, ११,

ठिडबंध पु० (स्थितिबन्ध—अध्यवसाय-विशेषगृहीतस्य कर्मजलिकस्य स्थितिःकाल-नियमनम्) धर्मनी स्थितिना बन्ध, धर्मनु धावमान. कर्म की स्थिति का बन्ध, कर्म का कालमान Duration of the attachment of Karmic matter to the soul क० ग० ४, ८५, ५, २१; ६५, क० प० ५, १२; अ० ४, २, —अध्यवसाय पुं० (—अध्यवसाय) स्थिति अधना हेतु-भूत अध्यवसाये स्थिति बंध के हेतुभूत अध्यवसाय thought-activity causing Karmic matter to remain attached to the soul for a certain fixed duration क० ग० ४, ८५; ५, ६५, —ट्टाण न० (—स्थान) स्थिति अधना स्थानक स्थिति वच के स्थानक a source of or cause of the duration of Karma क० प० १, ५०, ठिडवाडिया स्त्री० (स्थितिपतिता—स्थितौ कुलस्य मर्यादाया पतिता पुत्रजनमादिक्रिया) कुल वा लोकनी स्थिति, मर्यादा, कुलनी पर-मर्यादी यादी आवती जन्म महोत्सवादि

क्रिया कुल वा लोककी स्थिति, मर्यादा, कुल परंपरामे चली आती जन्म महोत्सवादि क्रिया
A practice handed down from one generation to another e.g. celebrating the birth of a son ओव० ४०, नाय० १, १४, भग० ११, ११, राय० २८६, काय० ८, १०१,
टिड्य त्रि० (स्थितिक) उभु रहेलु, स्थि० थयेलु खडा रहा हुआ स्थिर Be- come steady, standing उवा० १, ७४, ओव० ३३, (२) स्थितिवाले स्थितिवाला steady, standing भग० ६, ३३, १२, २;

टिड्या स्त्री० (स्थितिका) स्थिति स्थिति Condition, state, state of last- ing उवा० ७, २०८, भग० १४, ६,

ठित त्रि० (स्थित) स्थितमा स्थिर रहेलु चित्त मे स्थिर रहा हुआ Steadily re- maining in the mind अणुजो० १३,

तिनि पु० (स्थिति) गतिनो अभाव गति का अभाव Absence of motion जीवा० ३, ४, (२) स्थिति, आयुष्यकाल आयुष्यकाल existence, duration of life भग० २०, १, २४, २०, ज० प० जीवा० १, राय० २९३; सू० प० १८, (३) मर्यादा मर्यादा. limit पचा० २, २८, —नामनिहत्ताउय पु० (—नामनिघत्ता-

युक्त) ओके प्रकारनो आयुधर्मनो यन्त्र नगडादि आर गति ओकेन्द्रियादि पाय गति अने अवगाहनादि३५ ने नामधर्मनी प्रकृति तेनी साथे आयुधर्मनु निधत्त थयु नरकादि ४ गति एकेन्द्रियादि पाच जानि और अवगाहनादि रूज जो नामकर्म की प्रकृति उसके साथ आयु- कर्म का निधत्त होना. determination of Ayukarma in relation to

the various kinds of Nāma- karma such as the four Gatis e.g. hell etc, the five Jātis e.g. possession of one-sense etc, a sort of Karmic bond- age in relation to the dura- tion of life पच० ६, —भेद्य पु० (—भेद) धर्मनी ने स्थिति आधेय होय तेमां अध्यवसायादि अथवी न्यूनाधिकता करी ते कर्म की जो स्थिति बनवा हुई हा उसमें अव्यवसायादि बन मे न्यूनाधिकता करना act of changing the fixed duration of Karma by the strength of thought-activity etc अत० ३, ८, —चडिया स्त्री० (—पतिता) दुष्टकमागत, दुष्टमा आवेदी स्थिति प्रमाणे, जन्मोत्सवादि क्रिया कुल कमागत, कुल मे आई हुई स्थितिके अनुसार जन्मोत्सवादि क्रिया traditionally handed down from one gene- ration to another in a family निर० १, १, —साहण न० (—साधन) स्थिति-आचार मर्यादा साथी अतावती-नशावरी ने स्थिति-आचार मर्यादा की याचना कर दिखाना act of point- ing out rules of conduct by practising them पचा० २, २८,

ठितिय पु (स्थितिक) उभो रहेनार खडा रहने वाला One who stands भग० २८, २०, (२) त्रि० स्थितिवाले स्थिति वाला standing, steady, lasting ठा० १, १,

ठिय त्रि० (स्थित) रहेलु रहा हुआ Re- maining, posted, standing प्रच० ७८२.

ड.

डंड. पुं० (दण्ड) ६३. दंड; दंडा. A thick short stick पत्र० २;

डडि पु० (दण्डिन्) ६५३धारी दण्डधारी, दण्डका धारण करनेवाला. (One) with a stick in his hand. ओव० ६१;

डंडिखंड पुं० (दण्डिखण्ड) ६५३। ६५३। सीथीने जेडेन वस्त्र टुकड़े टुकड़े सँकर जोड़ा हुआ वस्त्र. A garment made up of fragments stitched together. पण० १, ३;

डमण न० (दंमन) ६७३धारी श्रीजने डगु ते दंम करके औरों को ठगना Act of deceiving another by hypocritical show प्र० ११५;

✓ डंस घा० I. (दण्) डसपुं, डरडपुं. काटना, डक मारना. To bite; to sting डसइ उक्त० २७, ४; सु० च० १, ३५५, डसावेइ. सु० च० १३, ५५;

डंसण न० (दंशन) डसपुं, डरडपुं. डंक मारना, काटना Act of biting पि० नि० ३५८,

डक. न० (दष्ट) ७०गम सर्पादिपुं जेर जगम सर्पादिका विष Poisonous effect due to serpent bite etc ठा० ६, १, (२) त्रि० डं३ दिधेन डक दिया हुआ. bitten, stung पण० १, १; २, ५,

डक्का. स्त्री० (दक्का) शिवपुं वाजु, डमई. शिव का वाजिंत्र, डमरु A sort of small hand drum of the god Śiva सु० च० १३, ४६;

डगलगा पु० (:) नाना नाना पथन, डाडरा छोटे छोटे पत्थर, कंकर. Small

stones; a pebble पि० नि० भा० १५;

डड्ड. त्रि० (दग्ध) अली गयेपुं; अरभ थयेपुं जला हुआ, भस्मित. Burnt to ashes; burnt सु० च० ४, २२२,

डमर. पु० (डभर) जे राजयोना डे राजकुमारोना परम्पर विरोधथी थनो उपद्रव. दो राज्यों अथवा राजकुमारों के परस्पर विरोध से होता हुआ उपद्रव. Trouble caused by quarrel among princes of the same royal family जीवा० ३, ३,

भग० ३, ७; निमी० १२, ३३, पण० १, २, ज० प० १, १, ओव० ३१, सूय० २, १, १३, (२) डुद्धड; तोड़ान, गलवो. हुल्लड; बखेडा. rebellion, commotion, riot.

आया २, ११, १७०, उक्त० ११, १३, प्र० ४५०; —कर त्रि० (-कर) अलवो डरनार, तोड़ान डरनार बलवा करने वाला, तुफान करने वाला. a rebel; (one) who incites others to a rebellion. ओव० ३१,

डमरुय न० (डमरुक) डमरु नामनो वाजिंत्र डमरु नाम का वाजिंत्र A kind of drum निमी० १७, ३३,

✓ डह. घा० I, II. (दह्) अलपु, धलपु. जलना, दग्ध होना To burn; to get burnt

डहइ. विवा० ७,

डहेइ नाया० २,

डहिहेजा त्रि० दस० ९ १, ७, उक्त० १२, २८, ज० प० अणुजो० १३६,

डहह आ० सूय० २, १, १७; सु० च० १०, ११६,

डहिस्सति सु० च० १०, ११३,
डज्झ-ति क० वा० उत्त० ६, १४, आया०
१, २, ४, ८३, १, ३, ३, ११६,
पि० नि० ११४, २००;

डम्भंति सु० च० ४, २११,
डज्झेज्ज क० वा० वि० विशेष० २१०,
डज्झिही क० वा० भ० प्र० ए० सु० च० ६, ४७,
डज्झत्त क० वा० व० कृ० नाया० १, सम०
प० २१०, सु० च० २, ५६६, कप्प०
३, ३२,

डज्झमाण क० वा० व० कृ० सूय० १, ५, १,
७, उत्त० ६, १४, सु० च० ३, ३६,

उहण त्रि० (दहन) आगपु जलाना. Act
of burning, setting fire to. पि०
नि० ४७९

छडहर त्रि० (:) लघु; पु०, नापु.
हलका, तुच्छ, छोटा Mean, trivial,
insignificant. ओघ० नि० १७८, ७१५,
ओघ० नि० भा० २६०, निसी० १२, ३४,
क० प० १, ८०, (२) आलक्ष्य बालक a
child सूय० १, २, १, २, २, ३, २३,
आया० २, ११, १००, अंत० ६, ३, दम०
६, ३, १२, (३) तर्षु युवक तरुण,
युवक young, youthful दसा० ५,
२, २६,

डाइणी स्त्री० (डाकिनी) डाकण. डाकिन
डाकनी. A female ghost, a
wench परह० १, ३,

डाग पु० (डाक) वृक्षकी डाल, नानी डाल
वृक्षकी डाली, छोटी शाखा A tender
twig of a tree आया० २, १०, १६६,
(२) डालो राध वगेरेनी लाल भाजीके
भिन्न २ प्रकार varieties of vege-

tables used as salads प्रव० १४२५;
डामरिअ त्रि० (डामरिक) विग्रह करनेवाला (One) who
wages a war परह० १, २,

डाय पु० (:) डालो वल्युत्र गध वगेरेनी
लाल भाजी के भिन्न २ प्रकार A
variety of vegetables used as
salads. दसा० ३, १६, पि० नि० २५०;
प्रव० १४२६, आया० २, १, ५, २६, (२)
त्रि० सारु अच्छा good मम० ३३,

डायटिई स्त्री० (डायस्यति) जे स्थितिथी
भाडीने ते प्रकृतिनी विलुप्त स्थितिनी अथ
थाय त्या सुधीनी अथ स्थितिनी डाय-
स्थिति ऐरी सज्ञा छे जिन स्थिति से
लगाकर प्रकृति की उत्कृष्ट स्थिति का वध-
न हो उस तक की सर्व स्थितियों
को डायस्थिति ऐसी सज्ञा है A term
denoting all the intermediate
stages from a particular stage
of duration to the highest
stage of duration of a parti-
cular kind of Karma. क० प० १,
६६, ३, ६,

* डाल न० () शाखा, डाली अथ
शाखा, झाड़ की डाली A branch of
a tree, a bough of a tree महा०
प० १००, पचा० १८३६,

छडालग पु० () शाखातो ओक भाग,
डाली शाखा का एक भाग, छोटी डाली
A small branch of a tree, an
offshoot of a tree आया० १, १, १०,
५८, (२) डालना पतिडा, नुदानी डाली फल
का छोटासा टुकड़ा-चौर a small slice

* लुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट () देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (+) Vide
foot-note (') p 15th

e g. of fruit आया० २, ७, २, १६०,
 छडाला स्त्री० (*) शाखा; शख शाखा.
 डाली A branch of a tree, an
 offshoot of a tree. सु० च० ६, ३०,
 डाह पुं० (दाह) अक्षयु, दाहयु. जलना,
 दग्ध होना Act of burning, act
 of catching fire पि० नि० ५००,
 डिडिम न० (-डिडिम) वाद्य विशेष, नानो
 ढोल वाद्य विशेष. A kind of drum
 राय० ८८, जीवा० ३, १,

डिडिमय पु० (डिडिमक) छोड़ने रमवाने
 नानो ढोल बालकों को खेलने का छोटा
 ढोल. A small drum used as a
 toy by children सूय० १, ४, २, १४,
 डिंय पु० (डिम्ब) उपद्रव, अक्षय. उग्रव,
 बलवा. Trouble, rebellion (२)
 दुर्गत, विघ्न. विघ्न, तुफान obstruc-
 tion, mot. जीवा० ३, ३, ओव० सूय०
 २, १, १३, आया० २, ११, १७०, भग०
 ३, ७, निसी० १२, ३३, ज० प० १, १०;
 डिंभ पु० (डिंभ) आक्षेप बालक A
 child ओव० नि० भा० २०७, पि० नि०
 २१०;

डिंभय पु० (डिंभक) आक्षेप बालक
 A child अत० ६, १५, निर० ३, ५,
 नाया० २, ५, १८,

डिंभिया स्त्री० (डिंभिका) आक्षेप, क्ष-
 बालिका, कन्या A young girl नाया०
 १८,

डुंगर पु० (*) डुंगर, पर्वत पर्वत,
 पहाडी A mountain; a hill ज० प०

* डुंय पु० (*) भावत भावत An
 elephant-driver पि० नि० ३८७,

(२) थांडल (भेतर) चाडाल (भेतर).
 a person belonging to the
 untouchable class सु० च० ८, ८२,
 दुष्ट त्रि० (दुष्ट) दुष्ट. दुर्जन दुष्ट; दुर्जन
 Wicked, bad, evil दसा० ४, ८४,
 दूतिपलासअ. पुं० (दूतिपलासक) दूतिपलास
 नामे उद्यान दूतिपलास नाम का उद्यान. A
 garden named Dūtīpalāśa दसा०
 ५, ६;

डुवण न० (*) उल्लंघन, ओल्लंघन.
 उल्लंघन, उल्लंघना Act of transgress-
 ing or going beyond, crossing
 ओव० नि० ३९; गच्छा० ८२,

डेवेमाण त्रि० (*) अतिक्रमण करने
 अतिक्रमण करता हुआ (One) who
 transgresses, crosses or goes
 beyond भग० १३, ६,

* डोअ पु० (*) दाडानो आटवे,
 लकड़ी का चाद, दाल खीचडी हिलाने के काम
 में आने वाली वस्तु का नाम A sort of
 ladle used for stirring broth
 etc. पि० नि० २५०;

डोंगर पुं० (डुगाःशिलावृन्दा श्रोत्रवृन्दाश्च
 सन्ति यत्र) पर्वत, ओरने रहेवानु स्थान.
 पर्वत, चारों के रहने का स्थान A mount-
 ain, a place or abode of
 thieves “ पञ्चगिरिडोंगर डच्छलभट्टि-
 मादीए ” भग० ७, ६, —डोंव. पु० (डोंव)
 डोंव देश डोंव देश. Domba country
 (२) त्रि० डोंवदेश निवासी डोंव देश
 निवासी an inhabitant of the
 country called Domba. पण० १,
 १, पञ० १,

डोंविलग त्रि० (डोम्बिलक) अग्निधदेश
निवासी डोविल देश निवासी An in-
habitant of the country called
Dombila. पृष्ठ० १, १, पञ्च० १,

डोडिणी स्त्री० () आत्मज्ञी, आम्बुशु
नतिनी स्त्री. ब्राम्हण जाति की स्त्री A
female Brāhmana, a female
of the Brāhmana caste अणुज्ञ०
६, ६६,

डोल पुं० () महुआना वृक्ष महुआ का
फल A fruit of a Mahuā tree
“ विगर्ह्यो सेसाण डोलाईण न विगर्ह्यो ”
प्रव० २२०,

डोहल न० (दोहल) त्रीन मदिना दरम्यान
गर्भवती स्त्रीने गर्भना श्रवना
लावि अनुसार जुनी जुनी धरुण
थाय ते, दोहलो. तीसरे महिने के दरम्यान
गर्भवती स्त्री को गर्भ के जीव के भावी के
अनुसार भिन्न भिन्न इच्छाएं हो वह A
variety of desires experienced
by a woman in the third
month of her pregnancy
these desires foreshadowing
the future of the child in
the womb नाया० १, ८, विवा० ७, तटु०
१६, सु० च० १, ३०६,

ढ.

ढंक पु० (ढक) ६३ पक्षी, पाणीना श्रवो-
पर निर्वाह करने वाला एक पक्षी,
पानीके जीवोंपर निर्वाह करने वाला एक पक्षी
A kind of bird feeding upon
insects living in the water पञ्च०
१, जीवा० १, उत्त० १६, ५६, सूय० १, १, ३,
३, १, ११, २७, भग० ७, ६, १२, ८, ज० प०

ढकण पु० (ढ) चार इन्द्रियवाला श्रवणी
श्रेष्ठ ज्ञा. माडस चार इन्द्रिय वाला जीव,
चटमल A four-sensed being, a
bug पञ्च० १,

ढङ्कुण पुं० (ङ) माडस चटमल A
bug ज० प० (२) ओड ज्ञानु वाजिन्त्र
एक जाति का वाजिन्त्र a kind of musi-
cal instrument आया० २, ११, १६८.
—सदृ न० (-शब्द) दृष्ट श्रवणा
वाजिन्त्रो शब्द टाकण नाम के वाजिन्त्र
का शब्द sound of a musical ins-

trument named Dhāṅkana
निसी० १७, ३४,

ढकचत्थुल पु० (ढकवास्तुल) शाक वनस्प-
तिनी ओड ज्ञान के जे उगता अनन्तर्थाय
होय छे अने छेदा पछी प्रत्येक थाय छे.
शाक वनस्पति की एक जाति कि जो उगनेपर
अनंत कायिक होती है और काट डालने के
बाद प्रत्येक होती है. A sort of vege-
table which contains infinite
lives during growth but which
becomes Pratyeka (having one
life) after it is cut off प्रद० १०,

ढङ्ढर पु० (ढङ्ढर) अनुकरण शब्द, जे
स्वर-आवाजभा द्वाकर थाय ते, आवाज
अनाद अनुकरण शब्द जिस स्वर का
आवाज दर दर होना है वह A sound
resembling that produced by
the pronunciation of Dhara

dhara, an onomatopoeic word
पि० नि० ४२५०; ओघ० नि० भा० ५१६,
(२) राहुदेव नम. राहुदेव का नाम
name of the god Rāhu सू० प०
२०; प्रव० १५४, —सर पु० (-स्वर)
बहोटे स्वर-आवाज वडा स्वर-आवाज.
a loud sound प्रव० १७३,
ढिंकरण पु० (ण) भा३३, अटमल
खटमल A bug उत्त० ३६, १४५,

ढेणियालग पु० (ढेणियकालक) पक्षि विशेष,
ढेण विशेष पक्षा विशेष, मोरनी; मयुरी.
A particular kind of bird re-
sembling a pea-hen. पण० १, १,
ढेणियालिया. त्री० (ढेणिकालिका) पक्षि,
ढेण विशेष मोरनी; मयुरी A kind of
bird, a bird resembling a pea-
hen अणुत्त० ३, १;
ढोल पु० (ः) डोल ऊट. A camel ज० प०

ण.

ण अ० (न) नकार, ना, नहि, निषेध नकार,
ना, नहीं, निषेध. A negative, not,
no नाया० १, २, ५, ८, १४, १५, १६,
१८, भग० १, ६, २, १; ३, ७, २६, १,
उत्त० १, १४, सूय० १, १, १, २०,

णई. स्त्री० (नदी) नदी. नदी A river
नाया० १; ओव० ३८; ज० प० १, १०,
—कच्छ न० (-कच्छ) नदीनी पासैनी
गीय अडी नदी के नजदीक की घनी झाडी
a dense thicket of trees in
the vicinity of a river नाया० १,

णउअ-य त्रि० (नवत) ९०, नेपु ९० नव्वे
90, ninety “ सत्तणउण् जोयणसण्
अब्राहाण् अंतरे पणणते ” भग० १४, ८,
ज० प० ६, १२५,

णउअ-य. न० (नियुत) ८४ लाख नियुताग
प्रमाणु क्षाल विशेष ८४लक्ष नियुताग प्रमाण
काल विशेष A period of time
measuring 84 lacs of Niyu-
tāngas ठा० २, ४; भग० २५, ५,

णउअ(य)ग न० (नियुताङ्ग) ८४ लाख

अयुत प्रमाणु क्षाल विशेष ८४ लक्ष अयुत
प्रमाण काल विशेष. A period of
time measuring 84 lacs of
Ayuctas ठा० २, ४, भग० २५, ५;

णउइ स्त्री० (नवति) नेपु, ९०. नव्वे, ९०
Ninety, 90 ज० प० भग० २०, ५,

णउल पुं० (नकुल) नेलीड नेवला, नकुल.
A weasel नाया० ८, १६, पत्र० १,
उवा० २, ६५, भग० १५, १, (२) न०
वाद्य विशेष वाद्य विशेष a particular
kind of musical instrument
राय० ८८, (३) पु० पाण्डुगन्धर्वो दीक्षरो,
पाय पाण्डवमानो सौथी नानो लाध. पाण्डु
राजा का पुत्र, पाच पाण्डवों में से सब से
छोटा भाई. one of the five sons of
the king Pāndu, so named.
नाया० १६,

णउली स्त्री० (नकुली) सर्पने वश करवानी
विद्या सर्प को वश करने की विद्या The
art of charming serpents. जीवा०
१, कण्प०

* जुगो पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (-) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th

शं अ० (*) वाक्यान्तर, वाक्यना अल-
कार ३५ ओ३ शब्द वाक्यालकार, वाक्य
के अलकार रूप, एक शब्द A particle
used as an expletive. " ते ए
कालेण तेण समये ए " नाया० १, अणुजो०
६, भग० १, १, ५, २, ६, ५, दस० ५, १,
६३, ६, ११, वव० १, २२, ज० प० वेय०
१, ३७, पञ्च० २,

शंगर पु० () ल वर, वडाणुने रोडी
राजधानी दोडी के सादल लगर, जहाज
को रोक्ने का माकल आदि Anchor
निवा० ६,

शंगल न० (लाङ्गल) लुल हल A
plough परद० १, १,

शंगलई स्त्री० (नङ्गलकी) ओ नामती ओ३
साधारण्य वनस्पति. इस नाम की एक
मावारण वनस्पति A sort of vege-
table containing infinite lives
पञ्च० १, भग० २३, ५,

शंगलिअ-य पुं० (लाङ्गलिक) मोनाने
लुल हाथमा लुल श्वारीमा आगल यलनार
सुलक्ष. सुवर्ण का हल हाथमे लेकर सवारी मे
आगे चलनेवाला सुभट्ट A warrior who
moves in the van of a proces-
sion with a golden plough in
the hand ज० प० ३, ६७ काप० ओव०
३२, ३, ६७,

शंगोलिय पु० (लाङ्गोलिक) आगुलिः
नामने अतरद्वीप ५६ अतरद्वीपमाने
ओ३ लागुलिक नाम का अतरद्वीप, ५६
अतरद्वीप मे मे एक Name of one
of the 56 Antara Dvipas
(islands) डा० ४, २ (२) पु०

स्त्री० ते अतरद्वीपमा वसनार मनुष्य उम
अंतरद्वीपमे रहनेवाला मनुष्य a person
residing in the above island
पञ्च० १,

शंद पु० (नन्द) समृद्ध समृद्ध Pros-
perous ' जय जय शंदा ' कप्य०
५, १०८, नाया० १, (२) गजगृह नगरीने
नक्षत्रमण्डलीया नामने शैः राजगृही नगरी
का नदनमनीयार नामका मठ name of
a merchant of the town of
Rājagṛhī, also styled Nanda
namanīyāra नाया० १३, (३) ११मा
तीर्थङ्गने प्रथम लिखा आपनार १२वे
तीर्थकर को प्रथम भिक्षा देने वाला name
of the person who first gave
alms to the 11th Tirthankara.
सम० प० २३२, (४) आपनी उत्सर्पि-
णीमा थना प्रथम वासुदेव आगामी
उत्सर्पिणी मे होन वाला प्रथम व.सुदेव the
first would-be Vāsudeva in
the coming Utsarpinī सम० (५)
ओ३ अनतु लोडानु आसन एक जाति का
लोहे का आसन a sort of iron seat
नाया० १, (६) आतमा देवलोक ओ३ विमान
ओनी स्थिति १५ सागरे, पमनी छे, ओ देवता
पन्दर पणवाडीओ आओछवाम ले छे, ओने
पद उगत वरे लुल उपगरे छे मातवे देव-
लोक का एक विमान-उमकी स्थिति १५
मागरोपम की होती है, ये देवता १५ पञ्च मे
आमोद्वाम लते है, और उन्हे १५०० वर्षो
मे लुधा लगनी है a heavenly abode
of the 7th Devaloka the gods
in which live for 15 Sigaro

pamas, breathe once in fifteen fortnights and feel hungry once in 15000 years सम० १५, (७) आ० जतना वा० त्रने० साथे शब्द श्रवणे ते वारह जातिके वाजिन्त्रों का एक साथ शब्द करना a sound produced by playing upon twelve kinds of musical instruments at once यचा० ७, १६, (८) ओ नामने ओ३ राजकुमार इम नाम का एक राजकुमार name of a royal prince नाया० ८, (६) प३वे, ७६ अने अगीयारस ओ त्रशु नियिनु नाम ७७ओ "खंडा" शब्द प्रतिपदा षष्ठि और ग्यारस इन तीन तिथियों का नाम देखो "खंडा" शब्द a term denoting the first, sixth & eleventh days of a fortnight vide. 'खंडा' ज० प०

खंडकत पु० (नन्दकन्त) सातमा देवलोकनु ओ३ विमान के ओनी स्थिति १५ सागरोपमनी छे, ओना देवता १५ प५५१३ओ श्वाभोष्वास ले छे ओने १५००० वर्षे क्षुधा लागे छे सातवे देवलोक का एक विमान कि जियकी स्थिति १५ सागरोपमकी होती है उनके देवता १५ प५५१३ओ श्वाभोष्वास लेते हैं और उन्हें १५००० वर्ष मे क्षुधा लगती है Name of a heavenly abode of the 7th Devaloka the gods in which live for fifteen Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years सम० १५,

खंडकूड पु० (नन्दकूट) सातमा देवलोकनु ओ३ विमान ओनी स्थिति वगेरे खण्डकन्त विमान प्रमाणे छे सातवे देवलोक का एक विमान, उसकी स्थिति इत्यादि खंडकंत विमान

के समान ही है Name of a heavenly abode in the 7th Devaloka similar to "खंडकत" in point of duration of the life of its gods etc सम० १५,

खंडग पु० (नन्दक) ओ नामनी कृष्णवासुदेवनी तलवार इम नामकी कृष्ण वासुदेव की तलवार. Name of the sword of Kṛisna Vāsudeva परह० १, ४; खंडज्झय पु० (नन्दध्वज) सातमा देवलोकनु ओ३ विमान, ओनी स्थिति वगेरे 'खंडकत' विमान प्रमाणे छे सातवे देवलोक का एक विमान, उसकी स्थिति इत्यादि 'खंडकत' विमान के समान है A heavenly abode of the seventh Devaloka similar to "खंडकत" in the duration of the life of its gods etc सम० १५,

खण्डण पु० (नन्दन) समृद्धि समृद्धि Prosperity, wealth नंदी० (२) पु० पुत्र; लडका a son परह० १, १, (३) भरतक्षेत्रना सातमा प३देव भरत क्षेत्र के सातवे बलदेव का नाम the 7th Baladeva of Bhūataketia प्रव० १२२५, सम० "दिमिभाणु खण्डणनाम चेइए होत्था" भग० ३, १, (४) भेइपरत उपरनु देवताओने क्षीय श्रवानु वन मेरु पर्वत पर का देवताओके क्रीडा करनेका वन the forest of sport for gods on the Meru mountain "वणेसु वा खण्डण माहु मेहुं" मृय० १ ६, १८, अ० ३, ३, (५) भदेव ॥थ स्वाभिने पूर्व भव महि नाथ स्वामी का पूर्व भव the previous birth of Mallinātha Svāmī. सम० (६) भोद्रया नगरीनी अडानु उद्यान मोकाया नगरी के बाहिर का ग्राम

the garden outside the city of Mokāyā " तीमेण मोयाण नयरीण वहिया उत्तर पुरच्छिमे " — कर त्रि० (-कर) आनंद करेवाला, समृद्धि करेवाला (one) that delights, (one) that makes prosperous परह० १, ४, शुंदणकूड पु० (नन्दनकूड) नन्दन वनवाला नन्दनमानु ओ३ नन्दनवन के नौ शिखरों में से एक One of the nine summits of Nandanavana सम० ५००, शुंदणभद्र पु० (नन्दनभद्र) भाद्रस गोत्रवाला आर्य समृद्धिविजयना पंडेला शिष्य माठरस गोत्र के आर्य संभृति विजय के पहिले शिष्य The first disciple of Ārya Sambhūti Vijaya of Mātharasi family-origin काप० ८, शुंदणवण न० (नन्दनवन) जमीनवाली सपाटीवाली पायसी योजन उये मेरु पर्वत उपर आवेला ओ३ वन जमीन के तल से पाचमो योजन पर मेरु पर्वत के ऊपर का एक वन. A forest on Meru mount 500 Yojanas above the level of the plain " दा शुंदण वण " ठा० २, ३, नाया० ३ ज० प० भग० ११, ६, २०, ६, अत० १, १५ १, (२) तिजयपुर गरनी पासो उद्यान विजय नगर के निकट का उद्यान a garden in the vicinity of the town of Vijayapura. विवा० २, ४, —कूड त्रि० (-कूट) नन्दनवनवाला नन्दनमानु पंडेला कूट गिण्डा नन्दनवन के नौ कूट में से पहिला कूट शिखर the 1st of the nine summits of Nandanavana ज० प० —पगसा त्रि० (-प्रकाश) नन्दनवन समान नन्दनवन

समान similar to, equal to Nandanavana. नाया० ५, शुंदणवन न० (नन्दनवन) ओ३ओ " शुंदणवण " शब्द देखो " शुंदणवण " शब्द Vide " शुंदणवण " ज० प० ५, १२०, नाया० ५, शुंदणभ पु० (नन्दनभ) आतमा देवलोकां ओ३ विमान, ओ३ देवता १५ पणवाडीओ श्वाभोछ्वाय ले छे, अने १५००० वर्ष भूष लागे छे सातवें देवलोक का एक विमान, उमके देवता १५ पक्ष में श्वाभोछ्वाय लेत हैं और उन्हें १५००० वर्ष में लुधा लगती हैं. A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years सम० १५, शुंदमणियार पु० (नन्दमणिकार) ओ नामने ओ३ शैल-साहूकार इस नाम का एक मेठ-साहूकार Name of a merchant नाया० १३, शुंदमाण त्रि० (नन्दन) शुभ भागवतो सुख भोगता हुआ Rejoicing तद० शुंदलेस्स पु० (नन्दलेस्स) आतमा देवलोकां ओ३ विमान-वधारे भाटे ओ३ओ " शुंदकत " शब्द सातवें देवलोक का एक विमान-विशेष खुलामे के लिये देखो " शुंदकत " शब्द A heavenly abode of the 7th Devaloka For further information vide " शुंदकत " सम० १५, शुंदवण पु० (नन्दवण) आतमा देवलोकां ओ३ विमान सातवें देवलोक का विमान A heavenly abode of the 7th Devaloka सम० १५, शुंदवद्विणी स्त्री० (नन्दवद्विणी) पर्वतशिखर २५३ पर्वत उपर पणवाडी आश्रमानी आश्रम

दिशा दुमारी पूर्व दिशा के रुचक पर्वत के ऊपर बसने वाली आठमें से चौथी दिशा-कुमारी. The fourth of the eight Disākumārīs residing on the Ruchaka mountain in the east. ज० प०

खंडसिग. पु० (नन्दसिग) सातमा देवलोकनु ओइ विमान; लुओ। “खण्डकत” शब्द. सातवें देवलोक का एक विमान, देखो “खण्डकत” शब्द. A heavenly abode of the 7th Devaloka, vide “खण्डकत” सम० १५,

खंडसिद्ध पु० (नन्दसिद्ध) सातमा देवलोकनु ओइ विमान; लुओ। “खण्डकत” शब्द. सातवें देवलोक का एक विमान देखो “खण्डकत” शब्द. A heavenly abode of the seventh Devaloka. vide “खण्डकत” सम० १५,

खण्डा स्त्री० (नन्दा) पडवो, छट्ठे अने अग्लि-चारस ओ त्राणु तिथीनु नाम प्रतिपदा, पूर्णिमा और ग्यारस इन तीन तिथियों का नाम. A term denoting the 1st 6th and 11th dates of a fortnight (२, शीतल नाथनी मातानु नाम. शीतल नाथ की माता का नाम name of the mother of Śitalanātha प्रव० ३२२ सम० (३) पूर्व अथवा पर्वतपर बसने वाली आठमांकी भीछ दिशा दुमारी पूर्व रुचक पर्वत के ऊपर बसने वाली आठमें से दूसरी दिशा कुमारी the 2nd of the 8 Disākumārīs residing on the Ruchaka mount in the east ज० प० (४) रतिकर पर्वत ऊपर स्थित छिन्नी अग्रमहिषिनी राजधानी रतिकर पर्वत के ऊपर स्थित इन्द्र की अग्रमहिषी का पाटनगर. the capital city of the

principal queen of Isāna India on the mount Ratikara ठ० ४, २; (५) अञ्जन पर्वत ऊपरनी ओइ बावतु नाम के ओइ बावतु जेज्जनी बाणी पहोली अने १० जेज्जनी उड़ी छे अञ्जन पर्वत के ऊपर की एक बावड़ी का नाम कि जो एक लक्ष योजन लंबी चौड़ी और दस योजन गहरी है. name of a well on the mount Añjana having length and breadth of one lac Yojanas and 10 Yojanas in depth जीवा० ३४, ठा० ४, २, नाया० १, निसी० १, १, अत० ७, १, (६) श्रेणिक राजनी ओइ राणी श्रेणिक राजा की एक रानी a queen of the king Sienika ज० प० ५, ११४; १२३, नाया० १,

खण्डापुक्खरिणी स्त्री० (नन्दापुक्खरिणी) भेइथी बायव्य लुओ प० योजन ऊपर लक्ष-साज वनमांकी चार बावड़ीओ मेरु से बायव्य कोने में ५० योजन पर भद्रसाल वन की चार बावड़ी The 4 wells in Bhadrāsāla forest at a distance of 50 Yojanas in the north-west of Meru ज० प० ४, १०३, नाया० १२, (२) महेन्द्रध्वज आगवनी ओइ बाव के ओइ १०० जेज्जनी बाणी ५० जेज्जनी पहोली अने दस जेज्जनी उड़ी छे सूर्याभके वनखंड में के महेन्द्रध्वज के आगे की एक बावड़ी कि जो १०० योजन लंबी ५० योजन चौड़ी और दस योजन गहरी है a well 100 Yojanas in length, 50 Yojanas in breadth and 10 Yojanas in depth in the vicinity of Mahendradhvaja in a forest of Sūryābha. राय० १५७, (३) सूर्या नगरीनी अहारनी ओइ बावतीनु

नाम चपा नगरी के बाहर की एक बावड़ी का नाम name of a well outside the town named Champā नाया० २,

खण्डापोक्खरिणी खी० (नन्दापुक्खरिणी)
 ७७ओ " खण्डापोक्खरिणी " शब्द देखो
 " खण्डापोक्खरिणी " शब्द Vide " खण्डा
 पुक्खरिणी " नाया० १३.

खण्डावत्त पु० (नन्दावत्त) पायभा देवलोकना
 धन्वना विमानतो व्यवस्थापक देवता पाचवे
 देवलाकके इद्रके विमानका व्यवस्थापक देवता
 The deity in charge of the
 heavenly abode of the India of
 the 5th Devaloka ज० प० ४, (२)
 सातभा देवलोकनु ओड विमान, ओनी स्थिति
 १५ सागरोपमनी छे, ओ ५६२ पञ्चवाडीओ
 श्वासोश्वास ले छे, ओने १५००० वर्षे भूष
 लागेछे सातवे देवलोकका एक विमान उम
 की स्थिति १५ सागरोपम की है यहा के
 देवता १५ पक्ष से श्वासोच्छ्वास लेते है व
 १५००० वर्ष में उन्हे भूष लगता है
 name of a heavenly abode of
 the 7th Devaloka similar to
 Nandakānta in the matter of
 life of its gods etc सम० १५,
 (३) नवभुषा वाली साथीओ नौ कोने
 वाला सादिया a kind of auspicious
 mark with nine angles ज० प० ५,
 १२२, राय० पञ० (४) आ२ धन्दिथ वाली
 ७५ विशेष चार उच्चि वाला जीव विषय
 a kind of four-sensed sentient
 being जीवा० ६,

खण्दि पु० (नन्दि-नन्दन नन्दि, नन्दन्ति
 प्राणिनोऽनेनास्मिन् वेति नन्दि) आन०
 प्रमोद अनन्द, पमोद Joy, rejoicing
 ज० ५, २, आता० १, ३, २, ३ नाया० १,

(३) गौण मोहनीय कर्म गौण मोहनाय
 कर्म secondary or subordinate
 Mohaniya karmas सम० ५१, (१)
 आ२ प्रक्षान्ता बाछ त्रेतो सभुदाय बाघ
 प्रकारके बाजित्रोका समुदाय a collection
 or set of twelve kinds of musi-
 cal instruments राय० ११४, उत्त० ११,
 १७, (५) ओड वनतनु आ३ एक जाति का
 वृक्ष a kind of tree नाया० १, (६)
 ओ नामतो ओड द्वीप अने ओड समुद्र दम
 नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name
 of an island, also of an ocean
 पञ० १५, —गर त्रि० (-कर) वृद्धि
 करनेवाला (one) that
 causes prosperity नाया० १, —घोम
 पु० (-घोम) आ२ प्रक्षान्ता बाछ वाली
 अवाज बारह प्रकार के बाजित्रो की
 आवाज a sound produced by
 playing upon twelve kinds of
 musical instruments at once
 ज० प० ५, ११६, राय० ११४ (२) नन्दिना
 नदी अवाज नदीके समान आवाज
 करने वाला (one) who produces
 the above kind of sound. आन०
 ३०, तदु० —चुगगन पु० (-चूर्णक)
 अमुक द्रव्य में मिलाये हुए अर्ध
 अमुक द्रव्यके मेल से बनाया हुआ चूर्ण.
 powder prepared by mixing
 together particular ingredien-
 ts सम० १, २, २, ६, —राय पु०
 (-राय) अमृदित उत्पन्न होने
 ममृदित से उत्पन्न होने joy arising
 from prosperity सम० २, १
 —स्वर पु० (-स्वर) आ२ प्रक्षान्ता
 बाछ त्रेतो अवाज बारह प्रकार के आवाज
 का आवाज choirs of sound

produced by 12 kinds of musical instruments जीवा० ३, तदु० राय० ११४,

शुद्धिआवत्त पु० (नन्द्यावर्त) नवभुजावाले साथीओ नौ कोने वाला साथिया An auspicious mark with nine angles. ओव० जं० ५० ५, ११८, (२) पायभा देवलोकना धरनु विमान पांचवे देवलोक के इंद्र का विमान the heavenly car of the India of the 5th Devaloka ओव० २५,

शुद्धिघोसा स्त्री० (नन्दिघोषा) थणित कुमार देवतानी धटा. थणित कुमार देवता का घटा The bell of the deity named Thanita Kumāra ज० ५०

शुद्धिज्ज न० (नदेय) स्थविर आर्यशेडुथी नीडलेव उदेहगयुं पायभु दुव स्वाविर आर्य रोहण से निकलाहुआ उदेहगण का पाचवाकुल The 5th family offshoot of Uddehagana originating from Sthavira Āyaro-hana कण० ८,

शुद्धिज्जमाण त्रि० (नन्दमान) समृद्धि वधा ग्ते समृद्धि बढ़ताहुआ Causing growth or advance in prosperity ओव०

शुद्धिणीपिय पु० (नन्दिनीपितृ) सवर्था नगरीने रहवाशी ओ नामने गाथापति सावर्था नगरी का रहनेवाला इस नामका गाथापति Name of a Gāthāpati (merchant) residing in the town of Sāvāthī 'तत्थण सावथीण शुद्धिणी पिया णाम गाहावई' उवा० ६, २६८,

शुद्धिपुर न० (नन्दिपुर) शण्डिल देशनी राजधानी शण्डिल देश का पाटनगर. The capital of the country called

Sāndila प्रव० १६०३,

शुद्धिफल न० (नन्दिफल) ओ नामनु वृक्ष इस नाम का वृक्ष Name of a tree. नाय० १३, (२) ओनु प्रतिपादन करनेवाला जाता सूत्रनु त्रीजु अध्ययन इसका प्रतिपादन करनेवाला जाता सूत्र का तीसरा अध्ययन the 3rd chapter of Jñā-tāsūtra describing the above नाया० १,

शुद्धिमित्त पु० (नन्दिमित्र) मल्लिनाथ साथे दीक्षा लेनेवाला नन्दिमित्र कुमार Nandimitra prince or a young boy who took Dīksā (entered the order of monks) along with Mallinātha नाया० ८,

शुद्धिमुङ्ग न० (नन्दिमुङ्ग) ओक प्रकार का वाजिन्त एक प्रकार का वाजिन्त A sort of musical instrument राय०

शुद्धिमुह पु० (नन्दिमुख) ओ आगदी प्रमाण शरीरधारी पक्षी विशेष दो उगलियों के प्रमाण का शरीरधारी पक्षी विशेष A kind of bird with a body of the size of two fingers परह० १, १, ओव० ज० ५०

शुद्धिया स्त्री० (नन्दिता) नदिता नामनी गाधार ग्रामनी पहेली मूर्छना नदिता नाम की गाधार ग्राम की प्रथम मूर्छना The primary tune of the Gāndhāra pitch in music ठा० ७, १,

शुद्धियावत्त पु० (नन्द्यावर्त) नवभुजावाले साथीओ नव कोने वाला साथिया An auspicious mark with nine angles जीवा० ३, ३, राय० (२) अल-देवलोकना धरनु मुसादरी विमान ब्रह्म देवलोक के इंद्र का विमान the heavenly

can of the India of Brahma Devaloka टा० ८, १, (२) ओ ध्रुव-वालो अवविशेष दो इन्द्रिय वा ना जीव विशेष a kind of two sensed sentient being पत्र० १, (४) धोप अने मछ-धोप छटना दोधपावनु नाम घोष और महा घोष इन्द्र के लोकपाल का नाम name of the protector of the quarters owing allegiance to the Indras named Ghosa and Mahāghosa टा० ४, १,

एण्डिस्सख पु० (नन्दिवृक्ष—वृत्वाक्षा भूमि तिष्ठतीति) पीपलो, ओक बननु आड. पीपल, एक प्रकार का वृक्ष A kind of tree, the Pīpala tree, ficus religiosa ओव० जीवा० भग० २२, ३, पत्र० १, सम० प० २३३,

एण्डिस्सख पु० (नन्दिवर्द्धन) ओ नामने ओक राजकुमार इस नाम का एक राजकुमार A prince of this name विवा० ६,

एण्डिस्सख स्त्री० (नन्दिवर्द्धना) अञ्जन पर्वत उपरनी ओक बावड़ी ओ ओक बाग ओञ्जननी बाणी पड़ोसी अने इस ओञ्जननी ढी छे अञ्जन पर्वत के ऊपर की एक बावड़ी का नाम, जो एक लक्ष योजन लंबी चौड़ी है और दश योजन गहरी है Name of a well on the mount Añjana, one lac of Yojanas in length and breadth and ten Yojanas in depth जीवा० ३, ४, टा० ४, २ (२) इयत् पर्वत उपरनी ओक दिशा कुमारी रुचक पर्वत के ऊपर का एक दिशा कुमारी a Disākumārī on the mountain Ruchaka टा० ८, ज० प० ४, ११४

एण्डिस्सख स्त्री० (नन्दिपेणा) पवित्र अञ्जन पर्वत उपरनी ओक बावड़ी पश्चिम अञ्जन

पर्वत के ऊपर की एक बावड़ी A well on the western Añjana mount. जीवा० ३, ४,

एण्डिस्सख पु० (नन्दिपेण) मथुरा नगरीना नाम राजा दुवन्तु नाम मथुरा नगरी के दाम राजा के कुवर का नाम Name of the son of the king Dānu of the town of Mathurā टा० १ (२) गौतमने पुत्र, नन्दिवर्द्धनना शिष्य गौतम का पुत्र, नन्दिवर्द्धनका शिष्य a son of Gautama and disciple of Nandivardhana तट्ट

एण्डिस्सख स्त्री० (नन्दिपेणा) पूर्व अञ्जन पर्वत उपरनी ओक बावड़ी नाम पूर्व अञ्जन पर्वत के ऊपर की एक बावड़ी का नाम Name of a well on the eastern Añjana mount जीवा० ३, ४, (२) पूर्व इयत् पर्वत उपर रहने वाली दिशा कुमारी the Disākumārī residing on the eastern Ruchaka mountain टा० ८,

एण्डिस्सख स्त्री० (नन्दिपेणिका) अश्विना नामनी राणी के नेने अश्विना अतप-दश अश्वना सतमा वर्गना आया अध्ययन मा छे ऐणिक राजा की रानी कि जियरा अधिकार अतगडदशा मन के नातेव वर्ग के चौथे अध्ययन मे है The queen of the king Śīpika mentioned in the 4th chapter of the 7th section of Antargadadā Sūtra अन्- ७, ४

एण्डिस्सर पु० (नन्दिश्वर) आइमे नदी अत्र नामने द्वीप आइवा नदीश्वर नाम का द्वीप Name of the 8th island on continent named Nandīśvara टा०

४, २;—दीव. पुं० (—द्वीप) नन्दीश्वर नामने
अ. ६०। द्वीप नन्दीश्वर नाम का आठवा
द्वीप. the 8th island or continent
named Nandīśvara म. २०, ६;
शुद्धिस्तरा स्त्री० (नन्दिस्तरा) वायुकुमार
देवता की घंटा वायुकुमार देवता का घंटा
The bell of the deity named
Vāyukumāra जं० प०

शुद्धि स्त्री० (नदी) लुओ “ शुद्धि ” शब्द.
देखो “ शुद्धि ” शब्द Vide “ शुद्धि ”
जीवा० ३, ४, —चुरणग न० (—चूर्ण-
क) लुओ “ शुद्धिचुरणग ” शब्द देखो
शुद्धिचुरणग ” शब्द vide “ शुद्धिचुरण-
ग ” सूय० १, ४, २, ६,

शुद्धिस्तर पुं० (नन्दीश्वर) लुओ “ शुद्धिस्तर ”
शब्द देखो “ शुद्धिस्तर ” शब्द Vide
“ शुद्धिस्तर ” नाया० ८, जं० प० ५, ११७,

शुद्धिमुह. पु० (नन्दिमुख) पक्ष विशेष
पक्षी विशेष A kind of bird परह०
१, १, —दीव पु० (—द्वीप) लुओ उपलो
शब्द देखो ऊपर का शब्द vide above
नाया० ८,

शुद्धिस्तरवर. पु० (नन्दीश्वरवर) ओ नामने
ओ द्वीप इस नाम का एक द्वीप Name
of an island ठा० ४, २, ७, जीवा० ३,
शुद्धिस्तरवरोद पु० (नन्दीश्वरवरोद) ओ नामने
ओ समुद्र इस नाम का एक समुद्र Name
of an ocean जीवा० ३,

शुद्धिस्तर पुं० (नन्दोत्तर) अवन पतिना धद्रना
स्थित अधिपति भवन पति के इंद्र केरथ का
आविपति The person in charge
of the chariot of the Indra of
Bhavanapati gods ठा० ५, १




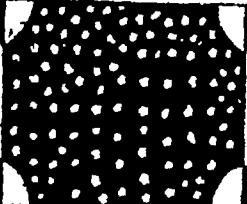












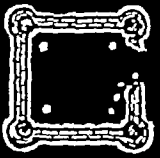
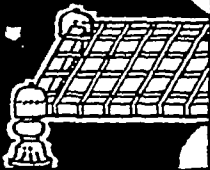








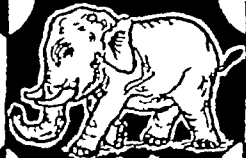

शुद्धिस्तरा स्त्री० (नन्दोत्तरा) रतिकर पर्वत
उपरन दिशानेन्द्री अग्रमहीपीनी राजधानी
रतिकर पर्वत के ऊपर की इशान ईंद्र की

अग्रमहिपी का पाटनगर The capital of
the principal queen of Isāna
Indra, on the mount Ratikara
जीवा० ३, (२) पूर्व अञ्जनपर्वत उपर-
नी ओ द्वीपानी नाम पूर्व अञ्जन पर्वत के
ऊपर की बावडी का नाम name of a
well on the eastern Añjana
mount. ठा० ४, २, जीवा० ३; (३)
मन्दर पर्वतना गिष्टकूट उपर वसन्तरी दिशा
इमारीमानी ओ द्वीप. मन्दर पर्वत के ऊपर रिष्ट
शिखर पर रहनेवाली दिशाकुमारियों से एक
one of the Disākumārīs resid-
ing on the summit Rista of the
Mandara mount जं० प० ५, ११४ (४)
पूर्व दिशाना इयद्र पर्वत उपरनी ओ द्वीप
इमारी पूर्व दिशा के रुचक पर्वत ऊपर की
एक दिशाकुमारी a Disākumārī re-
siding on the eastern Rucha
ka mount जं० प० (५) ओ नामनी
श्रेष्ठिक महाराजनी राज्ञी के ओने अधिकार
अतगडसूत्रना सातमा वर्गना तीन अध-
यनमा छे इस नाम की श्रेष्ठिक महाराजा
की रानी कि जिनका वर्णन अतगड सूत्र
के सातवें वर्ग के तीसरे अध्ययन में है a
queen of the king Śtenika, so
named, who is mentioned in
the 3rd chapter of the 7th sec-
tion of Antagada Sūtra अंत०
७, १,

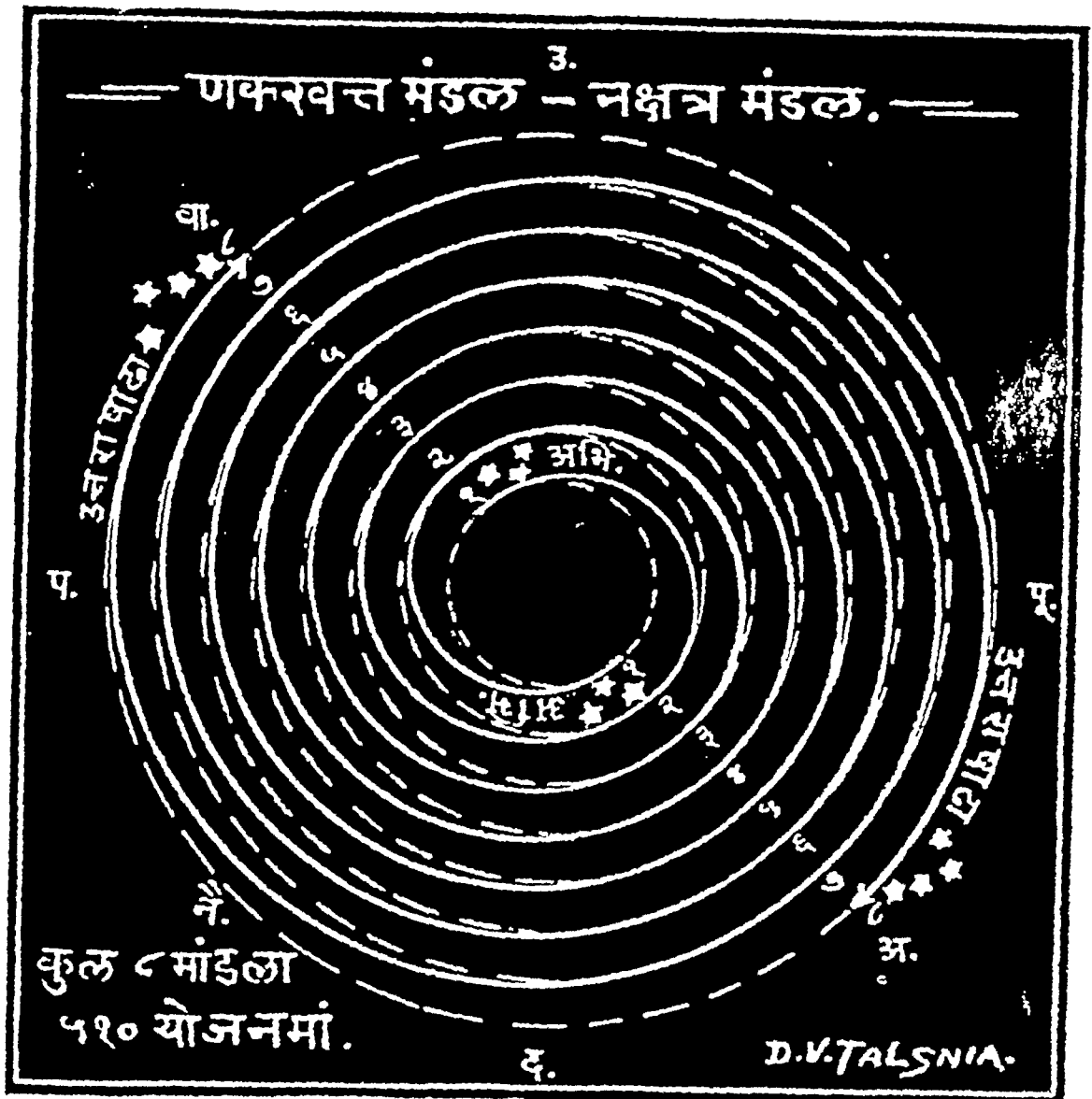
शुद्धिस्तरावर्द्धिसग पु० (नन्दोत्तरावतपक)
सातमा देवलोकनु ओ द्वीपान, ओनी स्थिति
पद्म सागरोपमनी छे ओ देवता पद्म पद्म
वाडीओ आसो आसले छे, ओने १५००० वर्षे
क्षुधा लागे छे सातवें देवलोकका एक विमान,
उसकी स्थिति पद्म सागरोपम की है, ये
देवता पद्म पद्म आसो आसले लेते हैं, उन्हें

सचित्र अर्ध-मागधी कोष

— णकरवत्त-नक्षत्र. —

अभिजित् नारा ३	श्रवण ३	धनिष्ठा ५	ज्ञानमिषक् १००
			
गायना-मस्तकाकारे पूर्वाभाद्रपद २	कावड. उत्तराभाद्रपद २	पक्षिनु फिजर. रेवती ३९	विखरायला फुल. अश्विनी ३
			
अर्ध वाय भरणी ३	अर्ध वाय कृत्तिका ६	नावा-वहाण रोहिणी ५	घोडानुं स्कंध मृगशिर ३
			
भग-योनी. आर्द्रा १	नाविनी कोथळी पुनर्वसु ५	गाडानी उध. पुष्य ३	हरिणनु मस्तक अश्लेषा ६
			
रुधिरनु बिन्दु मघा ७	राजपु. पूर्वी फाल्गुनी २	वर्धमान-सरायलु उत्तरा फाल्गुनी २	पत्ताका-धजा हस्त ५
			
भांगेल गढ चित्रा १	अर्ध पल्ल्यक स्वाति १	अर्ध पल्ल्यक विशारवा ५	हाथनी पंजा अनुराधा ४
			
विकस्यु फुल. ज्येष्ठा ३	खीलो. मूल १९	दामणी. पूर्वाषाढा ४	एकावली हार उत्तराषाढा ४
			
हस्ति दंत	विच्छी	हस्तिनी चाल	बठेल सिंह

साचित्र अर्ध-मागधी कोष —————



१५००० वर्ष में लुधा लगती है A heavenly abode of the 7th Devaloka, the gods in which live for 15 Sāgaropamas, breathe once in 15 fortnights and feel hungry once in 15000 years सम० १५,

खंडोत्तरा. स्त्री० (नक्षत्रोत्तरा) लुओ 'खंडुत्तरा' शब्द देखो 'खंडुत्तरा' शब्द Vide "खंडुत्तरा" जीवा० ३, ४, ज० प०

एक पु० (-) नाड, नासिक नाक, नासिका The nose. जीवा० ३, ३, ओव० ३८, विवा० १, १,

एक पु० (नक्षत्र) ओड जलतो भस्म एक जातिका मगर A kind of alligator पन्न० १ जीवा० १,

एक पु० (नख) नाख नख, नाखन A nail on a finger or a toe ओव० १०, जीवा० ३, ३, सू० प० १०,

राक्षसवत्त न० (नक्षत्र) अभिजित योरे २८ नक्षत्र, आकाशमा यद्र तथा सूर्यनी साथे गतिकरनार ज्योतिषी देवतानी ओड जल (आ यथा नक्षत्रोना आकाश अने नाम यित्रमा दर्शावेछ छे) अभिजित इत्यादि २८ नक्षत्र, आकाशमें चंद्र और सूर्य के साथ गतिकरनेवाल ज्योतिषी देवता की एक जाति (इन २८ नक्षत्रों के आकार और उनके नाम चित्र में बतलाये गये हैं) Any of the 28 constellations such as Abhijita etc a class of planetary deities associated in motion with the sun and moon (the shapes and names of these constellations

are given in the picture) नक्षत्रा० १, ५, ८, मग० १५, १, १८, ७, जीवा० ३, ४, पन्न० १५; ओव० २५, ४०, अणुजो० १३१; १४३, सम० २७, म० प० १० १८, ज० प० ७, १४०, १४६. —मंडल पु० (-मण्डल) नक्षत्रोना आकाशमा आकाशमा रस्तो, नक्षत्रना भाडला, अश्विनी आदि २८ नक्षत्रो आकाशमा जे जालन छिप० धरे छे ते जालनने नक्षत्र भाडला डहेवाभा आवे छे तेवा नक्षत्रना भाडला छे जेहवा भागमा सूर्यना १८३ भाडला छे अन्दना १५ भाडला छे जेहवा भागमा नक्षत्रना ८ भाडला छे नक्षत्रो का फिरने का मार्ग, नक्षत्र का मण्डल, अश्विनी आदि २८ नक्षत्र आकाश में जिस प्रदेश पर फिरने हैं उस प्रदेश को नक्षत्र मण्डल कहते हैं ऐसे नक्षत्र मण्डल ८ हैं जितने प्रदेश में सूर्य क १८३ मण्डल हैं और चन्द्र के १५ मण्डल हैं उतने ही प्रदेश में नक्षत्र क ८ मण्डल हैं the paths on which the constellations move, the region of the sky consisting of the paths of Abhijita and other constellations 28 in number There are such 8 orbits of the constellations and occupy as much region as is occupied by 183 circles described by the sun and 15 by the moon ज० प० ७, १४६.

—मास पु० (-मास) नक्षत्र मास २८ नक्षत्र यद्रमा साथे ज्योतिषी देवतानी यत्र नक्षत्र मास २८ नक्षत्र चंद्रमा साथे यो ग करले उनना समय the lunation

* लुओ पुष्ट नक्षत्र १५ नी छुटनोट (-) देखो दृष्ट नम्बर १५ की फुटनोट (-) Vide foot-note (-) P 15th

month, the time during which 28 constellations complete their conjunction with the moon सम० २७; —विचय पुं० (—विचय-विचयनं विचय नक्षत्राणां विचयः स्वरूपनिर्णयः) नक्षत्रना स्वरूपनो निर्णयः। नक्षत्र के स्वरूपका निर्णय determinator of the form or nature of a constellation सू० प० १, —विमाण. न० (—विमान) नक्षत्रनु विमान नक्षत्र का विमान. a celestial abode of a constellation ज० प० ७, १७०, —संवच्छुर. पु० (—सवत्सर) जे० ३१ पञ्चतमा सर्व नक्षत्रे सूर्यनी साथे जे० ३१ रडे ते० ३१ पञ्चत, ३२७ अहोरात्र अने जे० ३१ अहोरात्रना ६७ भाग इरीजे ते० ५१ भाग प्रमाण नक्षत्र सवत्सर जितने समय में सर्व नक्षत्र सूर्य के साथ योग जोडकर रहत हैं उतना समय; ३२७ अहोरात्र और एक अहोरात्र के ६७ भाग करें ऐसा ५१ भाग प्रमाण नक्षत्र सवत्सर the time taken by the sun to finish its round of conjunction with all the constellations viz. 327 days and nights and 51/67 of a day and night ठा० ५, ३, ज० प० ७, १५१; सू० प० १०,

खख पु० (नख) न० नख. A nail on a finger ज० प० —छेयखग न० (—छेदनक) न० छेयखग ते० ३१ नख हरणी; नेयखी. barber's instrument used in paring finger-nails निसी० १, १८;

खख पुं० (नग—गच्छतीति ग० न गः नगः) पर्वत. पर्वत A mountain. “जहासे खखगण पवरे नुमह मंदरो गिरी” उक्त० ११,

२६, सूय० १, ६, ६, नाया० १; —इंद्र. पुं० (—इन्द्र) मे० मेरु the mount Meru सूय० १, ६, १३, —राय. पुं० (—राज) पर्वतनो राजा, मे० पर्वत पर्वत का राजा, बडा पर्वत मेरु king of mountains i. e. Meru ठा० ६;

खखर न० (नगर—नास्मिन् करोस्तीति नगरम्) १८ प्रकारना ३२ रहित शहर १८ प्रकार के कर रहित शहर. A town not subject to any of the 18 varieties of taxes पञ्च० १, ठा० २, ४ पण० १, ३, अणुजो० १२७, १३१, आया० १, ६, ५, १६४, वेय० १, ६, ज० प० ३ ५०, नाया० १; २, १६, —आवास पु० (—आवास) नगरना लोकना आवास-महेल नगर के लोगों का आवास-महेल an urban mansion सम० —गावी स्त्री० (—गौ) शहरनी गायो. शहर की गायें an urban cow “स-ख हा य अणुहा य खखर गाविओ ” विवा० २, —गुप्तिय पुं० (—गुप्तिक) नगरनु रक्षक इरनार डोतवाल नगर का रक्षण करने वाला कोटवाल. a protector or guard of a town, a Kotwāla ‘ततेण ते खखर गुप्तिया सुभद सत्थवाह कालगय जाणिता ” विवा० २; नाया० १८ पण० १, २, —गोरुव पु० (—गोरुप) नगरना चौपाया-गाय अलद वगेरे नगर के चौपाये-गाय बैल इत्यादि urban cattle e. g. a cow, ox etc विवा० २, —घाय पुं० (—घात) नगरने छुटनार नगर को लूटने वाला one who pillages a town नाया० १८, —ट्टाण न० (—स्थान) नगरना अडेर. नगर के खडहर, टटे फूटे मकान ruined or devastated building in a

city कप्प० ४, ८८. —**खिवसे** पु० (-निवेश) नगरमा निवास इत्येते नगरमे निवास करना residence in a town सम० ७२, —**दाह** पु० (-दाह) शहरेमा आग लागी ते शहर में आग लगना outbreak of fire in a city or town जीवा० २, —**धम्म** पु० (-धर्म) शहरेतो आचार शहर का आचार custom or usage of a city ठा० १०, —**निद्धमण** न० (-निर्धमन) नगर शहरेतुं पाणी नीक्षयानो भार्ग आन नगर-शहर का पानी निकलन का मार्ग, गटर, मोरी an outlet for the water accumulating in a city, a main gutter भग० ३, ७, नाया० २ —**पड्डिया** स्त्री० (+) नगरनी पाडी नगर की पाडी (महीशी) an urban young buffalo विवा० २, —**माण** न० (-मान) नगर वसावधानी विधि, ७२ इक्षामाती ४५ भी इक्षामा नगर वसाने की विधि, ७२ कलाआ मे से ४५ वा कला the 45th of the 72 arts viz the art of populating a town नाया० १, ज० प० सम० —**मारी** स्त्री० (-मारी) नगरना लेकिने भरतीथी थतो क्षय, नगरनी अफर भरती आवे ते नगर के लोगों का महामारी स होता हुआ क्षय, नगर के भीतर महामारी का प्रवेश होना havoc caused by plague in a town, outbreak of plague in a town जीवा० ३, —**रक्खिय** पु० (-रक्षक --नगर रक्षति य न नगर रक्षकः) नगरनु रक्षक इत्येत शब्दवाच

नगर का रक्षण करने वाला, काटवान a protector or guard of a town, a Kotwāla निमी० ४, ६, —**वसम** पु० (-वृषभ) नगरना अल्ल नगर के बैल an urban ox विवा० २, —**वह** पु० (-वध) नगरना अथा मायुसेने भारी नाथना ते नगर के सर्व मनुष्यों को मार डालना the massacre of the whole people of a town “मे सुर्छई नगर वहे व सइ” मय० १, ५, १, १८

एगरी स्त्री० (नगरी) नगरी, पु०। नगरा; पुरा बडा शहर A city, a town ओव० नाया० १६,

एगिण त्रि० (नग्न) निष्पत्रिणी निर्वध निष्परिग्रहा, निर्धन Possessionless (monk) nude in the sense of not possessed of worldly effects आया० १, ६, २, १८४,

एगग त्रि० (नग्न) नग्न, अन्ध गतिन दिगवर, नग्न Naked, unclad नदी० —**भाव** न० (-भाव) नग्नपणु साधु पणु नग्नता, साधुवन state of being an ascetic, nakedness “यमणाण निग्गथाण नग्गभावे सुडभाव” ठा० ६, नाया० १६,

एगगइ पु० (नग्नजिन) गंधार (कन्दहार) देशतो राजा गंधार (कन्दहार) देश का राजा. Name of a king of Kandahāra नमिसाया चिदहम गंधारपु य एगगई उक्त० १८, ४६ (२) ये नामना ओइ लत्रिय गन्धि एग नाम के एक चन्द्रिय राजपि-मन्तामी name of a royal

saint belonging to the Ksat-
tliya caste. ओव० ३८,

रागगोह पु० (न्यग्रोध) वडुं आऽ वडका वृक्ष
A banyan tree जं० प० ७, १६२; पत्र० १,
भग० २२, ३, (२) वडना आऽ करतुं सऽ णु वड
के आकार का सऽ ण a type of phy-
sical constitution resembling
the shape of a banyan tree
भग० २४, १; —परिमडल त्रि० (—परि
मण्डल न्यग्रोधवत्परिमडल यस्य स तथा)
वडना आऽ जेवो आऽ कर लेय जेवो ते
न्यग्रोध परिमडल सऽ णु वालो. जिसका
आकार वड के वृक्ष जैसा हो वह; न्यग्रोध
परिमडल सऽ ण वाला (one) posses-
sed of a type of physical
constitution resembling a
banyan tree in shape जं० प०
७, १६२, तंडु० जीवा० १; —वरपायव
पु० (—वरपादप-पादैर्भूम्यन्तरवर्तिमूलविशेष
पिवतीति) वड, भोटे वड वड, वडा वड.
a banyan tree, a large banyan
tree अत० १, ५, १,

राच. अ० (नच) नहि नहीं No, not
नाया० १७,

राच्च न० (नृत्य) नायतु ते, नाय नाचना;
नाच Dancing, a dance ठा० ६,
पत्र० २,

राच्चंतिय त्रि० (नात्यन्तिक) अत्यंत-अति-
शय नहि ते अत्यंत-अतिशय नहीं वह
Not excessive, short of exces-
sive. सूय० २, १, २४,

राच्चण न० (नर्तन) नाय, नायतु ते. नाच;
नाचना. A dance, act of dancing
ओव० २४, —सीलय पु० (—शीलक)
नायवान स्वभाव वालो, मोर नाचने के
स्वभाव वाला, मोर one given to

dancing, a peacock. नाया० ३,
राच्चा स० कृ० अ० (ज्ञात्वा) ज्ञात्वा, सम-
ज्जने जानकर; समझकर Having
known or understood “ सव्व
राच्चा अहिट्ठए ” सूय० १, २, ३, १५; १,
१, १, २०, आया० १, ३, १, १०६, १, ३, २,
११४, उत्त० १, ४५, २, १३,

राच्चाविश्रय न० (नर्तित) नयायतु;
दलायतुं ते नचाना; हिलाना. Act of
causing to dance or move ठा०
६, ओव० नि० २६५,

राच्चासरण त्रि० (नात्यासन्न) अहुपासे नहि
ते बहुत निकट नहीं वह Not close
to, not very near नाया० १, १४,
भग० १, १, राय० ७४, जं० प० ५, १२२,
राच्यय त्रि० (नर्तित) नायेय नाचाहुआ
Danced (one) that has danc-
ed नाया० १,

राह न० (नाट्य) नाट्य, नाटक, आगिक,
वाचिक, आहार्य अने सात्विक ये चार
प्रकारना अभिनय साथे रस अने लावनी
अभिव्यक्ति कराने नर्तन नाट्य, नाटक,
नाच, आगिक, वाचिक, आहार्य और सात्विक
ये चार प्रकार के अभिनय सहित रस व
भाव की अभिव्यक्ति कराने वाला नाच. A
drama, a play; a dance accom-
panied with the four kinds of
representations viz of move-
ment, speech etc which display
various kinds of sentiments
नाया० १, ८, ओव० ३२, जं० प० ७, १४०,
मू० प० १८, निसी० १२, ३२, ठा० ४, ४,
(२) नाट्यशास्त्र, नाटक संश्लेषी विज्ञान
नाट्य कला, नाटक के संवय का विज्ञान
dramaturgy ओव० सम० ३३, —अ-
णीय पु० (—अनीक) नाटक करनेवाले

भालुसेनो सभृद नाट्यकारो का समूह
a group of actors or drama
tists ज० प० ५, ११७, भग०
१४, ६ —विहि पु० (—विधि) नाट्यकला,
नाट्य करने की विधि—रीति नाट्यकला,
नाटक करने की विधि—रीति the
art of dramatic representation
भग० ११, ६, जीवा० ३, ज० प० ५, १२१,
राष्ट्रग त्रि० (नर्तक) नृत्य करने
वाला A dancer आंव०

राष्ट्रमाल पु० (नक्तमाल) वृक्ष विशेष
विशेष A particular kind of tree
जीवा० ३, ३, ज० प० १, १४,

राष्ट्रमाला-य. पु० (नृत्यमाला) वैताड्य
पर्वतनी अप्सप्रपात शुद्धो स्वामी-देवता
वैताड्य पर्वत की खण्डप्रपात गुहा का स्वामी
देवता The presiding deity of
the cave Khanda Prapāta of
the Vaitādhyā mount ठा० २, ३,
राष्ट्रवत्सु न० (नाट्यवत्सु-) नाट्य, नाट्यकला
प्रतिपादन करनेवाला शास्त्र, २६ पापश्रुतमानु
ओं नाच, नाटक आदि का प्रतिपादन करने
वाला शास्त्र, २६ पापश्रुत से से एक One
of the 29 Pāpa Śūtras (secular
sciences) viz the science of
dramatic representation पण्ड०
२, ५,

राष्ट्र त्रि० (नष्ट) नाश पाभेद, नष्ट अर्थ
नाश पाया हुआ, नष्ट Destroyed
“ राष्ट्रसम्पह मन्त्रावे ” मृग० १, ३, ३, १०,
नाया० १०, १३, जीवा० ३, ४ राय० २७,
भग० १५, १, (२) रातद्विसप्त १० मु
मुहूर्त रात्रि दिन का १७ वा मुहूर्त the
17th Muhūrta of a day and
night ज० प० ५, १२१, भग० ३०,
—नेय त्रि० (—नेजम्) नेज-प्रदेश १२

पाभेद छे नेनुं ते जियका तेज-प्रकाश नष्ट
होगया है वह, (one) whose lustre
or brightness is destroyed
block-lustre भग० १५, १, —मह्य.
त्रि० (—मतिक) नाश पाभेद छे बुद्धि
नेनी नष्ट बुद्धि बला, (one)
whose intellect is destroyed,
a block head नाया० १६, १७,
—रज त्रि० (रजम्—नष्ट सर्वदाष्टय-
भूत रजो यत्र स तथा) २७ यत्र नु रज
रहित, स्वच्छ clean, free from dust
or passion, जीवा० ३, —रज त्रि० (—रजम्)
ऊँचा उपरो शब्द, देखो ऊपर का शब्द
vide above ज० प० १, १३, —सग
त्रि० (—सज) भननी भ्रातिवाला, नेनी
भजा नाश पाभेद छे ते मन की भ्रातिवाला,
नष्ट मजा वाला deluded in
mind, (one) whose intelli
gence has faded away, नाया० १६,
१७, —सुइय पु० (—सुतिक) शुद्ध नेनी
नश पाभी छे ओषो, शास्त्र अशान्वितो वि-
चार करने अशक्त जिसकी बुद्धि नष्ट होगई
है ऐसा, शास्त्र अशान्वित का विचार करने में
अशक्त (one) incapable of distin
guishing between true and
false scriptures नाया० १, १७

राष्ट्रवंत पु० (नष्टवन्) अष्टम २६ मु
मुहूर्त अष्टम २६ वा मुहूर्त The
26th Muhūrta of a day and
night भग० ३०

राष्ट्र पु० स्त्री० (नष्ट) नाट्य करनेवाली नष्ट
नष्ट नाटक करनेवाला नष्ट An
actor in a drama आंव० ज० प० २
२४, ठा० ६ —खाना स्त्री० (—खाना
—नखानेव मंगलिकलधर्मस्थाकरण-
पारितोषिकनाशनां नाटिन भद्रगं यस्या ना

नटखादिता) ओइ जतनी प्रवर्ज्या; नाट-
कनी भाइइ धर्मशून्य इथा डरीने आछविडा
यथावपी ते. एक प्रकार की प्रवर्ज्या, नाटक
के समान धर्मशून्य कथा कर के आजीविका
चलाना. a sort of asceticism,
earning one's bread by empty
talk like that of an actor
in a drama, devoid of true re-
ligion. ठ० ४, ४, —पेच्छा. छी०
(-प्रेक्षा) नटने जेयुं नट को देखना
seeing a Nāṭa—a dancer ज० प०
२, २४;

एडिअ-य. त्रि० (.) पीडित पीडित
Afflicted, distressed नाया० ६
एणंदा. स्त्री० (ननान्द) नखु ६, पतिनी भूहेन
नणद. पति की बहिन A husband's
sister. भग० १२, २,

एरणत्त अ० (नाऽन्यत्र) जुओ ' एरणत्थ'
शब्द देखो " एरणत्थ " शब्द. Vide
" एरणत्थ " नाया० ६;

एरणत्थ. अ० (नान्यत्र) ओटलु विशेष,
आ नहि डे ते नहि पलु ओटलु इतना विशेष,
ये नहीं कि वह नहीं परन्तु इतना So
much in particular, not this
or that but this much ओव० ३८;
नाया० १; २; १८; भग० ३, २. ६, ५; १६,
३; दसा० ७, १;

एरणहा अ० (नान्यथा) जीउरीते नहि
अन्यरीतिमें नहीं Not otherwise
पन्न० १,

एरणहावाइ पु० (नान्यथावादिन्)
अन्यथा वादि नहि अन्यथा वादी नहीं
(One) who deos not speak or

believe otherwise नाया० २;
एत त्रि० (नत्त) नभेद. झुका हुआ. Bent;
bowed down सू० प० २०; (२) पुं०
नत्त नामे ओइ विमान; ओनी स्थिति १८
सागरोपमनी छे, ओ देवता साडा नव महिने
श्वासोश्वास ले छे ओने १६००० वर्षे क्षुधा
लागे छे नत्त नाम का विमान, उसकी स्थिति
१६ सागरोपम की है, ये देवता ६॥ मास में
श्वासोच्छ्वास लेते हैं और उन्हे १६००० वर्षमें
जुवा लगती है name of a heaven-
ly abode, the gods in which
live for 19 Sāgaropamas,
breathe once in nine and half
months and feel hungry once
in 19000 years सम० १६,

एत्त न० (नक्त) रात्रि रात्रि A night.
च० प० १०,

एत्तिआ. स्त्री० (नप्तृका) दीडरानी दीडरी
अने दीडरीनी दीडरी पुत्र की पुत्री और
पुत्री की पुत्री. A grand-daughter
विवा० ३,

एत्तुआ स्त्री० (नप्तृका) जुओ ' एत्तिआ'
शब्द देखो " एत्तिआ " शब्द Vide
" एत्तिआ " विवा० ३,—वह. पुं० (-वर)
पौत्रीनी वर; दीडरीनी दीडरीनी धुली
पौत्रीका पति, पुत्री की पुत्री का बाना a
grand daughter's husband विवा०
३,

एत्तुइणी स्त्री० (नप्तृकिनी) दीडराना दीडरा
डे दीडरीना दीडरानी वहु. पुत्र के पुत्र की
अथवा पुत्री के पुत्र की स्त्री Wife of a
grandson. विवा० ३;

एत्तई स्त्री० (नप्तृका) दीडरा डे दीडरीनी

* जुओ पृष्ठ नम्बर १५ नी फुटनोट (-) देखो पृष्ठ नम्बर १५ की फुटनोट (*) Vide
foot-note (*) p 15th

दीडरी पुत्र वा पुत्री की पुत्री. A grand daughter वि० ३,

शतुणिअ पु० (नप्तृक) पुत्रनो पुत्र, पौत्र पुत्र का पुत्र. पौत्र. A son's son, a grandson. दस० ७, १८,

शतुणिआ-या. स्त्री० (नप्तृका) दीडरी की दीडरी पुत्री की पुत्री A daughter's daughter दस० ७, १५,

शतुथि त्रि० (न्यस्त) साधुने वास्ते स्थापी राभेव. साधु के वास्ते रख छोड़ा हुआ Reserved for an ascetic सूय० १, ४, १, १५ (२) (नाश्र्यन्ते वशीक्रियन्ते वृषभादय दुःखीक्रियन्ते वासनेनेति) नथ, अश्वदनी नाथ नयनी, बैल की नाथ a nose string by which an ox is led नाया० ३, भग० ६ ३३,

शतुथि अ० (नास्ति) नथी है नहीं Is not अणुजो० १३६, नाया० २, ३, ८, १६, भग० ३५, १२, निती० ५, ६५

शतुथिअ पु० (नास्तिक नास्ति जीव परलोको वा इत्येव मतिर्यस्य) नास्तिक, अक्रियावादी नास्तिक, अक्रियावादी An atheist ठा० ४, ४,

शतुथिन्त न० (नास्तित्व) नास्तित्व, अस्तित्वनो अभाव नास्तित्व, अस्तित्व का अभाव Absence of existence, nihilism भग० १, ३,

शदी स्त्री० (नदी) नदी, नदी A river ज० प० ठा० २, ४, (०) ओ नामनो ओइ द्वीप अने ओइ समुद्र इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र. name of an island, also that of an ocean जीवा० ३, ४, —मह. पु० (-मह) नदीनो महोत्सव नदी का महोत्सव festivity in honour of a river राय० २१७

शद्विथ न० (पृथित) अश्वद वगेनेन अवाज

बैल इत्यादि का आवाज Bellowing as that of an ox etc नाया० १

शद्ध त्रि० (नद्ध) आध्या बन्धा हुआ Bound tied तटु०

शपुंसग. न० (नपुमक) नपुसक, नामर्द, पुंश्व नदि तेम स्त्री पशु नदि नपुमक, नामर्द, पुंश्व भी नहो और स्त्री भी नहो An impotent; hermaphrodite ' ति-विहा शपुंसगा पगणत्ता ' ठा० ३, १, भग० ८ ८, —परणवणी स्त्री० (-प्रज्ञापनी) नपुसकनो लक्षण अतावनारी लाया नपुमक के लक्षण बताने वाली भाषा language bearing the marks of impotence पत्र० ११, —लिङ्गसिद्ध पु० (-लिङ्गमिद्ध) नपुसक पशु सिद्ध थाय ते नपुसक पन मे सिद्ध हो वह getting of salvation in the state of impotency नदी० —वयण न० (-वचन) नान्यतर अनित्य शब्द नान्यतर जानि क शब्द a word in the neuter gender जीवा० १, —वेद पु० (-वेद —वेद्यत इति वेदः नपुमकस्य वेद नपुमक वेद) नपुसक वेद, त्रय वेदमानो ओइ नपुमक वेद, तीन वेद में से एक one of the three kinds of sex-feelings viz that of an impotent भग० २०, ७, सम० २१, —वेदग पु० (-वेदक) नपुसकवेदमानो अथ नपुमक वेद वाला जीव a soul with the sex-feeling of impotence भग० ११, १, १८, १, २४, १, ३७, १, —वेदय पु० (-वेदक) जुओ उपेक्षो यत्त देवो ऊपरका शब्द vide above भग० २६, १, —वेय पु० (-वेद) जुओ ' शपुंसग वेद ' नाइ देवो ' शपुंसगवेद ' जट्ट vide ' शपुंसगवेद ' पत्र० २१ २३

ठा० ६, सम० —वेयग पुं०(—वेदक)
 णुओ “ एणुसगवेदग ” शब्द देखो
 ‘ एणुसगवेदग ’ शब्द. vide “ नपुंसग-
 वेदग ” ठा० ४, ४;

एणुंसय न० (नपुंसक) णुओ “ एणुंसग ”
 , शब्द. देखो “ एणुंसग ” शब्द Vide
 “ एणुसग ” सम० २०; —वेयणिज्ज.
 न० (—वेदनीय) जेथी नपुंसकपणु वेद-
 नामा आवे तेथी ओइ मोहनीय कर्मनी
 प्रकृति जिस से नपुंसकत्व-नामर्दाई का अनु-
 भव हो ऐसी एक मोहनीय कर्म की प्रकृति.
 a variety of Mohaniya Karma
 by which a soul experiences
 the sex-feeling of an impotent.
 सम० २०,

एभ. न०(नमस्) आकाश. आकाश. Sky
 सूय० १, ६, ११, ओव० —सूर. पु०
 (—सूर) राहु, यद या सूर्यने ग्रहण करने
 ओइ नतने क्षणे पुद्गल. राहु, चंद्र वा
 सूर्य को ग्रहण करने वाला एक जाति का
 काला पुद्गल the demon Rāhu,
 causing an eclipse of the sun
 or moon सू० प० २०,

एभसण न० (नमस्सन) नमस्कार करने ते
 नमस्कार करना Act of bowing to,
 act of saluting भग० ६, ३३,

एभंसणया स्त्री० (नमस्सन) नमस्कार
 करने ते. नमस्कार करना Act of bow-
 ing to, act of saluting. ओव० २७,

एभंसणिज्ज त्रि० (नमस्यनीय) नमस्कार
 करने योग्य. नमस्कार करने योग्य
 Worthy of being bowed to;
 worthy of being saluted भग०
 १०, ५,

एभंसिय त्रि० (*नमस्यित) नमस्कार
 करने, नमस्कार किया हुआ, झुका

हुआ. (One) who has bowed
 to; (one) who has saluted
 भग० ४२, १,

एभण न० (नमन) नमन, प्रणाम नमन,
 प्रणाम A bow; a salutation.
 सूय० २, २, ७;

एभणी स्त्री० (नमनी) त्रीण गौण आजा
 तीसरी गौण आज्ञा The third of the
 secondary commands नदी०

एमि पुं० (नमि) नमि नामना ओइ राजर्षि
 के जे अनेक डङ्गल भङ्गते छे अने ओइने
 भङ्गते थतो नथी ओइना उपरथी वैराग्य
 पामी दीक्षा लभ भिक्षे पहुँचा, यार प्रत्येक-
 बुद्धमाना ओइ प्रत्येकबुद्ध नमि नाम का
 राजा कि जो अनेक वक्कण का खडखडाहट
 होता है परन्तु एक की अवाज नहीं होनेसे
 वैराग्य प्राप्त कर दीक्षा ले, मोक्ष को पहुँचे;
 चार प्रत्येक बुद्ध में से एक प्रत्येक बुद्ध.
 King Nami who marked that
 more bangles than one collide
 against each other (when the
 hand that wears them is in
 motion) and make a sound He
 also marked that one bangle
 does not produce that sort of
 sound. So he became an
 ascetic and got salvation, he
 is one of the four Pratyeka
 Buddhas उत्त० १८, ४५, (२)
 ओइवीशमा तीर्थकरु नाम एकवीसवें
 तीर्थकर का नाम. name of the 21
 st Tirthankara अणुजो० ११६,
 सम० १५, (३) वैताड्यनी उत्तर त्रेल्लिमाना
 विद्याधरने राजा वैताड्य की उत्तर त्रेल्लिमे
 के विद्याधरों का राजा name of a king
 of the Vidyādhara residing

in the northern part of Vairādhya. जं० प० (४) अतगदशा मूत्रना पदेना अध्ययना अनेना अधिष्ठाने ऐवा ऐध साधु अतगद दशा मूत्र के पहिले अध्ययन मे जिसका आविहार है ऐमा एक साधु name of an ascetic described or mentioned in the first chapter of Antagadadasā Sūtra अ० १०,

रामिपव्वज्जा स्त्री० (नामिपव्वज्जा) ऐ नामनु उत्तगध्ययननु न मु अध्ययन डा नामका उत्तराध्ययन का न वा अध्ययन Name of the 8th chapter of Ut arādhyayana सम०

रामिय त्रि० (नत) नत्र नत्र Bent, low, humble, bowed down 'कुमुम फलभार रामियजाला' जीवा० ३, ज० प०

रामुक्कार पु० (नमस्कार) नमस्कार नमस्कार A bow, a salutation सम० १, १ ६३,

रमुदय पु० (नमुदय) ऐ नामने गोशासनो ऐध श्रावक डम नामका गोशाला का एक उपासक श्रावक A layman follower of Gosālā सम० ७, १०,

रामो० अ० (नमस्) नमस्कार डरेवे ते नमस्कार करना Act of bowing or saluting, salutation नाया० १, ६, १३, १६, नाया० व० सम० १५, १, ०३, १ २५, १३, २६, १, जीवा० ३ ४, ओव० १० अणुजो० १२६, ज० पु० ५, ११६, ११२, ११७, ११४,

रामो० अ० पु० (नमस्कार) नमस्कार नमस्कार A bow or salutation आ० १. ६

रामो० अ० पु० (नमस्कार) नमस्कार

नमस्कार A bow, a salutation नाया० १,

राम्य अ० (नत्र) नदि नत्रा No, not सम० प० २३१,

राम्य त्रि० (नत) नत्र श्रयेध, नभेध नत्र, कुमा हुआ Bent low, modest, humble, (one) who has bowed ज० प० ३, १७, मय० १, २, ३, ७७,

राम्य पु० (नय - नयन्यनेकाजात्मक वस्त्वकांजा बलस्त्रनेन प्रतानि पथमारोपयति नयिते डनेनास्मिन् वेति ना) अनेध धर्मवादी वस्तुना ऐध धर्मना ओध द्वायना अभिप्राय, नैगम आदि सात नयमानो गमेने ऐध अनेक वर्मावलवी वस्तु के एक वर्म का बोध कराने वाला अभिप्राय, नैगम आदि मान नय में से कोई भी एक Any of the seven stand-points viz Nāgama etc, a stand-point showing one of many aspects of a thing. पत्र० १, १६, नाया० १, सम० ७, ३, १८, ६, (७) मत, दृष्टी, अपेक्षा मत, दृष्टि, अमत्ता view, point of view म० प० २०, —अतर त्रि० (-अन्तर) ऐ नयनी वस्येने तदायन दृष्टि-मत भेद नय के म-वस्य का अतर, दृष्टि-मत भेद difference between two points of view or stand-points. सम० १, ३, —गड स्त्री० (-गति) नैगम आदि नयेअ पोत पोताना मतनु पोपशु-आपन डनु ते, पञ्चपञ्च शोभेत्तर नयेथी प्रमाणने आध न आवे तेरी गीने वस्तुनु व्यवस्थापन डनु ते नैगम आदि नां मे अरने अरने मत का पापण स्थापन करना, परस्पर नांज नय नये मे प्रमाण का वा न आवे उन गीने ने वस्तु का व्यवस्थापन करना establishing or proving a thing by

various stand points without involving contradiction with any पञ्च० ११. —निडण त्रि० (—नि पुण) नैगम आदि नयमा निपुण —कुशल नैगम आदि नयमें निपुण कुशल proficient, well versed in the stand points viz Naigama etc सम० १, —प्यहाण त्रि० (—प्रधान) नयनी अदर प्रधान नय के अदर प्रधान the chief or principal among the stand-points सय० —विहि पु० (—विधि) नयना प्रकार नय के प्रकार varieties of stand-points, various modes of stand-points नाया० १; —विहिरगु त्रि० (—विधिज्ञ) नयना प्रकारने ज्ञानुनार नय के प्रकार को जानने वाला (one) who knows well the various modes of stand points नाया० १,

एयण न० (नयन) आभ, नेत्र, यक्षु आख, नेत्र, चक्षु An eye नाया० १, ८, ६, १७, भग० ३, २, ६, ३३, ११, ११, जीवा० ३, ३, राय० २७, ओव० —अण्ड पुं० (—आनन्द) आभने आनन्द आन का आनन्द delight of the eyes. नाया० १, —विल न० (—विष) आभने अर-राय-गुस्से. आख का विष-राय-क्रोध resentment or anger expressed in the eyes नाया० ६, —वर्ण पु० (—वर्ण) आभने रंग आख का रंग colour of the eyes. नाया० ८, —माला स्त्री० (—माता) हारयव उमेदा भाषुमेनी आभनेनी पक्ति ओणे मे खंडे हुए मनुष्यों की आखों की पक्ति a line of series of the eyes of persons

standing in rows भग० ६, ३३; —कीया स्त्री० (—कीका-कर्नानिका) नेत्र-आभनी डोरी. नेत्र-आख की पुतली the pupil of an eye राय० २७, ओव०

एयण न० (नगर) नगर, व्या हुदडी वस्तु उपर डर न होय तेयु शहेर नगर, जहा हलकी वस्तु क ऊपर कर न हो ऐसा शहर A town, a city, a town in which taxes are not levied on trivial articles नाया० १, ८, १३, १८, १६, भग० ३, १, ५, ६, १६, ७, ओव० १७ ३२, —गुतिअ-य पु० (—गोष्ठक) नगर रक्षक, काटवाल a protector or guard of a city, a Kotawala ओव० ३०; नाया० २, —णिगम पु० (—निगम) नगरना निगम-वाणीया-व्यापारी नगर के निगम-महाजन-व्यापारी a trader residing in a city. नाया० २, —बली वद पु० (—बलीवद) नगरने भुटीओ धयु भुट नगर का साह a bull looking a city. विवा० २, —म हिला स्त्री० (—महिला) नगरनी स्त्री-नारी नगर की छा-नारी a woman residing in a city नाया० २;

एयरी स्त्री० (नगरी) नगरी राजधानी शहेर. नगरी, पाटनगर A city, a capital-city नाया० १, २; ४, ५, ६, भग० ३, १, ज० प० ७, १७८, १, १, राय० ४,

एर पु० (नर) नर, मनुष्य पुरुष नर, मनुष्य, पुरुष A man, a person, a human being नाया० १, ७, ८, राय० ४३, ज० प० ५, ११५. —अदिव पु० (—अधिर) राज राजा a king.

“ कुंथूनामणरहिवो ” उत्त० १८, ३६;
—(री) ईसर. पु० (-ईश्वर) राजा a king. “ इक्खा गुराय वमहो कुंथूनाम नरीसरो ” उत्त० १८, ३६, —देव पु० (-देव-नरेषु देवा नरदेवा) चक्रवर्ती a Chakravartī, a lord of men. ठा० ५, १, (२) ओ नाभने ऋषभदेव स्वामिने ओक पुत्र. इस नाम का ऋषभदेव स्वामी का एक पुत्र name of a son of Rāsbhadeva Swāmī. कप० ७, —एारीसंपरिवुड त्रि० (-नारीसंपरिवुड) नरनारीथी घेस-येस. नरनारी से घिरा हुआ surrounded by men and women पण्ह० १, ३, —दुग न० (द्विक) मनुष्य गति अने मनुष्यानुपूर्वी ओ ओ प्रकृति मनुष्य गति और मनुष्यानुपूर्वी ये दो प्रकृति two Kūmic varieties named Manusya Gati and Manusyā nupūrvī क० ग० ३, ८, —रुधिर न० (-रुधिर) मानुष्य लेडी मनुष्य का रुधिर human blood राय० —वरीसर पु० (-वरेश्वर) श्रेष्ठराज the best among kings, an excellent king “ सगरत चड-त्ताण भरह नरवरीमरो ” उत्त० १८, ४०, —वसह पु० (-वृषभ) नरनी अर प्रधान शुश्रुवालो, उत्तम पुत्र नरो मे प्रधान गुण वाला उत्तम पुरुष the highest or best among men, an excellent person पण्ह० १, ४, —विग्रहगइ स्त्री० (-विग्रहगति) मनुष्यनी विग्रह गति, डोमपणु गतिमाथी यवी ७१ पाठ आर मनुष्यनी गतिमा आवे ने मनुष्य की विग्रह गति, कोई भी गति मे मे चक्कर-चलायमान होकर जीव अनियमित गति ग

मनुष्य गतिमे आता है वह. passing of a soul into the state of a human being from any of the other states by an irregular process ठा० १०, —संघाडग न० (-सवाटक) नर मनुष्यतो समूह नर-मनुष्य का समूह a multitude of men. जं० प० —सिरमाला स्त्री० (-गिरमाला) पुशेना भाथानी भावा पुरुषों की गोपडियों की माला a garland of human skulls नाया० ८, —सीह पु० (-सिंह) पुशमा सिंह समान पुरुषों में सिंह के समान as a lion among men नाया० १६,

एरअय पु० (नरक) नरक Hell. आया० १, १, २, १६, दमा० ६, १, ४, नाया० २, १६, सग० १५, १,

एरकतपवाय न० (नरकान्ताप्रपात) नृशुद्धीना मन्द परतनी उत्तरमा नर-कान्ता नदीतो द्योडा जम्बूद्वीप क मन्दर परत के उत्तर का नरकान्ता नदी का भाग The fall of the river Nara-kānta in the north of the mount Mandara of Jambū Dvīpa ठा० २, ३

एरकता स्त्री० (नरकान्ता) उडिम परतना महापुडरीक द्योमाथी दक्षिण तरफ नीन्देयी भटानदी रुक्मि पर्वत के महान्हड मे मे दक्षिण तरफ निकली हुई महानदी A great river rising from lake Mahāpundarika on mount Rukmi and flowing in the south ठा० २ ३, ज० प० ४, १११, —कूड न० (-कूट) उडिम परत उपा-रता आर इटमानु आयु इट तिणर रुक्मि पर्वत के उत्तर के आठ हट मे मे चलायमान

शिखर. the fourth of the eight summits of mount Rukmi. जं० प०
 एरणग. पु० (नरक—नरान् कायन्ति शब्दयन्ति योग्यताया अनियत क्रमेणाऽऽकारयन्ति जन्तून् स्वस्वस्थाने इति नरका) नरका-
 वासा, नारकीनां लुवेने रहवाना स्थान नरकावासा, नारकी जीवो को रहने का स्थान A hellabode for sinners ठा० ४, १, पञ्च० २, —आवास पु० (—आवास) नरकावासा, नारकीनां स्थान नरकावासा, नारकी का स्थान a hell-abode ठा० ८, —इंद्र पु० (—इन्द्र) भोटाभा भोटे नरकावासे. बडे मे बडा नरकावासा the largest hell-abode. ठा० ६, —तल न० (—तल) नरकनु तलु नरक का तल the bottom of hell दस० ६, १, —चाल पु० (—पाल) नरकना रक्षक पहर जलना परमा धार्मिक नरक के रक्षक; पन्द्रह जाति के परमाधार्मिक any of the 15 kinds of the torturers or guards of hell called paramā-dhārmikas सूय० नि० १, ५, १, ७४, —विभक्ति स्त्री० (—विभक्ति-विभाजिन विभक्ति नरकाणा विभक्ति नरक विभक्तिः) नरकना विभाग. नरक के विभाग subdivisions of hell (२) तेनु प्रतिपादन करतार सूयगडाग सूत्रनु पायमु अध्ययन उसका प्रतिपादन करने वाला सूयगडाग सूत्र का ५वा अध्ययन the 5th chapter of Sūyagadānga dealing with the above सूय० १, ५, १, सम०

एरणगत्त न० (नरकत्व) नारकी पणु नार की पन. State of a hell-being भग० १२, ७,

एरणवइ. पु० (नरपति) भाणुसने स्वामि-
 नायक, राजा. मनुष्य का स्वामी-नायक; राजा. A lord of men; a king. नाया० १; ६; १६; ओव० ३१, परह० २, ४; जं० प० ३, ४३; —दत्तपयार पु० (—दत्तप्रचार) राजाये आपेन सत्ता राजा की दी हुई सत्ता-अधिकार. power conferred by a king. नाया० १६; —दि-
 एणपयार. पु० (—दत्तप्रचार) लुवेने उपले शब्द देखा ऊपर का शब्द vide above. नाया० १६,

एरिंद पु० (नरेन्द्र नरेण्विन्द्रो नरेन्द्र) राजा, चक्रवर्ती आदि राजा; चक्रवर्ती आदि. A king, a Chakravartī etc परह० १, ४; ओव० नाया० १, ८, —वसह पु० (—वृषभ) भोटे राजा. बडा राजा. a great king, a sovereign prince “ एवं नरिंदवसहा निक्खता जिणसासणे ” उत० १८, ४७,

एरीसरत्तण न० (—नरेश्वरत्व) नरेश्वरपणु राजपणु राजान; चक्र Kingship, loyalty “ मामरणे मणुपत्ते धम्माम्मो एरीसरत्तणेष ” पंचा० ६, १७,

एल पु० (नल) ओक जलना वनस्पति. नल. एक जाति की वनस्पति A kind of vegetation जीवा० ३, १, ठा० ५, २.

एलदाम न० (नलदामन) ओ नामने ओक वणुकर. इस नाम का एक कपडा बुनने वाला, जुलाहा Name of a weaver. ठा० ४ ३,

एल्लिण न० (नल्लिन) थोडु रातु कमल कमल, जोड़ा लाल कमल A lotus, a reddish lotus जीवा० ३, १ राय० ४८; नाया० ६, पञ्च० १, (२) ८४ लाण नलि-
 नाग प्रमाणने डाल विभाग ८४ लल्ल नलि-
 नाग प्रमाण का काल विभाग A period

of time measuring 84 lacs of Nalināgñas अणुजो० ११५, जीवा० ३, ४, ठा० २, ४, भग० ५, १, २५, ५; (३) नलिन विमान, सातवा देवलोकनु ओड विमान ऐनी स्थिति सत्तर सागरोपमनी छे, ओ देवता साडायाड भासे श्वासोश्वास ले छे ओने सत्तर हुन्तर वर्षे क्षुधा लागे छे. नलिन विमान, सातवे देवलोक का एक विमान, उमकी स्थिति सत्तरह सागरोपम की है, ये देवता साडे आठ मास में श्वासोश्वास लेत हैं और उन्हे सत्तरह सहस्र वर्षों में क्षुधा लगता है a heavenly abode of the 7th Devaloka where the gods live for 17 Sagaropamas breathe every eight and half months and feel hungry once in 17000 years सम० १७ (४) पश्चिम महा विदेहना दक्षिण आंडवानी मेरु तरङ्गथी सात भी विजय पश्चिम महाविदेह के दक्षिण खड की मेरु के तरफमे सातवीं विजय the 7th Vijaya of the southern part of western Mahāvideha, from the side of Meru ज० प० (५) सातवीं विजयने राजा सातवीं विजय का राजा the king of the 7th Vijaya ज० प० (६) जम्बू सुदर्शन की पूर्वा आवेनी ओड वायु जम्बू सुदर्शन के पूर्व में आई हुई एक बावड़ी a well in the east of Jambū Sudarsana ज० प०

शुल्लिगुंग. न० (नलिनाङ्ग) ८४ क्षण पञ्च प्रमाणुनो क्षण विभाग ८४ लक्ष पञ्च प्रमाण का काल विभाग A period of time measuring 84 lacs of Padmas अणुजो० ११५ ठा० २, ४, भग० ५, १ २५, ५,

शुल्लिगुङ्ग पु० (नलिनकूट) भीता मदानदीने

उत्तर किनारे अने आत विजयनी पूर्व सरहुड उपरनो वपारा पर्यंत. सीता महानदी के उत्तर किनारे पर ओर आवत विजय का पूर्व सरहुद के ऊपर आया हुआ वपारा पर्यंत A Vakhān mount on the eastern border of Āvarta Vijaya and on the northern bank of the great river Sitā ज० प० ८, ६५ ठा० २, ३, ३, ३, ४, २; शुल्लिगुङ्ग पु० (नलिनगुल्म) श्रेष्ठ राजनी श्री नलिनगुल्मानो पुत्र. श्रेष्ठ राजा की श्री नलिनगुल्मा का पुत्र A son of Nalinagulmī the wife of king Śeṇika (२) महापद्म स्वामी वपतनो राजा महापद्म स्वामी क समय का राजा a king contemporaneous with Mahāpadma Svāmī ठा० ८, (३) आडमा देवलोकनु ओ नामुनु ओड विमान आठवे देवलोक का इस नाम का एक विमान name of a heavenly abode in the 8th Devaloka सम० १८,

शुल्लिगुङ्ग न० (नलिनवन) पुष्कलावती विजयमा पुष्कलावती नगरीनी उत्तर-पश्चिम दिशाभा आवेनु ओड उद्यान पुष्कलावती विजय म पुष्कलावती नगर का उत्तर-पश्चिम दिशामे आया हुआ एक उद्यान A garden in the north-west of the town named Puskalāvati Vijaya नाया० १८, १६.

शुल्लिगा स्त० (नलिना) ओड वायु नाम एक बावड़ी का नाम Name of a well जीवा० ३, ४,

शुल्लिगुङ्ग न० (नलिनवन) पञ्चनानु वन पञ्चनाना वन A forest of lotus creepers नाया० १,

खलिणी स्त्री० (नलिनी) कमलिनी, पद्म-
लता कमलिनी, पद्मलता A lotus-
creepers ओव० नाया० १३,

खलिणीवण न० (नल्लिवन) ओ नाभनुं
ओ३ उद्यन इय नाम का एक उद्यान-
वगीचा. Name of a garden. नाया०
१६,

खच प्रि० (नवन्) नव, ९ नौ, ९ Nine,
१ “खचहमासाण” नाया० १४, भग० १२, ६,
१४, ६, २०, ४, २४, १, २५, ६, २५, ७; ३१,
१, नाया० १; १४, १६, १६; निसी० १४,
१२, म०प० १, ज०प० ७, १४६,—आयय
पुं० (-आयत) नव हाथ लम्बा नौ हाथ
की लम्बाई length measuring
nine arms (an arm from the
tip of the middle finger to
the elbow). नाया० १, —कोडि
परिसुद्ध त्रि० (-कोटिपरिशुद्ध) नव
प्रकारथी शुद्ध-निर्दोष नौ प्रकार से शुद्ध-
निर्दोष faultless or pure in nine
modes or ways “ नवकोडि परिसुद्धे
भिक्षु पश्यन्ते ” ठा० ६, —च्छिद्र त्रि०
(-च्छिद्र) नव, ९ छिद्र वा लु नौ छिद्र
वाला. having nine holes. तंदु०
—जोयण पु० (-योजन) नव योजन
नौ योजन nine Yojanas (1 Yo-
jana = 8 miles) नाया० ८, —जोयण-
विच्छिण त्रि० (-योजनविस्तीर्ण) नव
योजन विस्तृत नौ योजन विस्तृत having
an extent of 9 Yojanas नाया० ८,
—जोयणिय त्रि० (-योजनिक) नव
योजनकी लम्बाई वाला. of the length of nine
Yojanas (1 Yojana = 8 miles)
“ जंबूदीवेणं दीवे नवजोयणिया मच्छा ”
ठा० ६; —खउइ. स्त्री० (-नवति) ८८,

नवाणुं निन्यानवे. ninety-nine. सम०
६६, जं० प० ७, १३२, १४७, —खच-
मिया. स्त्री० (-नवमिका-नव नवमानि
दिनानि यस्यां सा नवनवमिका) नव नवक-
८१ दिवसनु ओ३ अलिग्रह-तप, जेमां
ओ३३ दिवसे अथवा नवनव दिवसे ओ३३
दात अन्न पाणीनी पधारतां नव दात सुधि
पधारी शक्य छे, नव दात उपरात डोषपणु
दिवसे अन्न पाणी ले वाय नहि ओवी रीते
८१ दिवस सुधि करवानुं तप नव नवक ८१
दिन का अभिग्रह-तप, जिसमें एक एक दिन
को अथवा नौ नौ दिन को एक एक दात
अन्न जल पी डहाते बढाते नौ दात पर्यन्त
बढाई जा सकी है नव दात के सिवाय अन्य
कोई भी दिन को अन्न पानी लिया न जाय
इस प्रकार ८१ दिन तक करने का तप. an
austerity, so named, lasting
for 81 days, in this austerity
food and water are limited
to the maximum amount of 9
Data (a measure) Starting
with the minimum of one
Data The performer of
this austerity may increase
one Data every day or every
nine days ठा० ९, ओव० ५, मम०
—पय पुं० (-पद) यथमात्रे, यत्रिओ
छत्यादि नव पद चलमाणे, चानिए इत्यादि
नौ पद nine verbal forms such
as Chalamāne, Chalie etc भग०
१, १. —पुव्व न० (-पूर्व) नव पूर्व
-शास्त्र नौ पूर्व-शास्त्र nine Pūvas
or scriptures भग० २५, ६,
—वंभवेर न० (-ब्रह्मचर्य) नव प्रमाण
अत्यर्थतु प्रतिपादन करने आयागंग
सूत्रनो प्रथम श्रुत २३५ आयागंगना पढेवां

नव अध्ययन नौ प्रकार के ब्रह्मचर्य का प्रति-
पादन करनेवाला आचाराङ्ग सूत्र का प्रथम श्रु-
त्स्वरूप, आचाराङ्ग के प्रथम नौ अध्ययन The
first nine chapters of Āchā-
rāṅga explaining the nine
modes of continence निशो० १६,
१८, —विगड स्त्री० (-विकृति) दूध दही
धो तेल वगैरे नव प्रकृति विधृति-विगय
दूध, दही, घी, तेल इत्यादि नौ प्रकारकी विकृति
विगय nine kinds of trans-
formations e. g. milk, curds,
ghee, oil etc “ एव विगडश्चो पण
त्ताश्चो ” ठा० ६, —हस्त्युस्तह पु०
(-हस्तात्मेव) नव हाथनी उचाई नौ
हाथ की ऊचाई height measuring
nine arms-length नाया० ८०

एव त्रि० (नव) नवीन, नया, ताजा, नवीन,
नया, ताजा New fresh, novel
नाया० ९, १२, सम० २०, ओव० सु० च०
१, ३१८, —गिम्हकालसमय पु०
(-ग्रीष्मकालसमय) नूतन ग्रीष्म ऋतु.
नया ग्रीष्म काल opening summer
नाया० १, —ग्रह पु० (-ग्रह) नया
ग्रहण करने नया ग्रहण करना new
or fresh acceptance सूय० १, ३,
२, ११, —घडय पु० (-घटय) नया
घड़ा नया घड़ा a new pot, a
new-made pot नाया० १०, —पडज-
यण न० (-पायन) लोहाने तापमा
नाभी तीक्ष्ण करी पाण्य पाणीमा नाययु
ते, नया पाणी ययययु ते लोह का ताप में
डाल ताक्ष्ण कर के पुन पानी में डालना,
नया पानी चटाना act of dipping
heated and sharpened iron
again into water with a view
to make it stronger “ एवपज

एवण्ण अस्मिण्ण पाटमाहरिया ” मग०
१४, ७; नाया० ७, —ताडुल्ल न० (-ता-
डुल्ल) तुम्हनु उधेनु धातु ताजा उगा
हुआ घास fresh-grown grass
नाया० १, —सुत्त त्रि० (-सुत्त) नया
भतर धातु नये सूत वाला, having or
consisting of new-spun thread.
“ आमडिय च नवसुत्त पाडल्लार्ह मकम-
ट्ठाण्ण ” सूय० १, ४, २, १५, —सुरभि
पु० (-सुरभि) नूतन सुगन्ध नया
सुगन्ध fresh, new perfume
नाया० १,

एवइ स्त्री० (नवति) नेवुनी मग्ग्या, ६०
नवति की मग्ग्या, ६० Ninety, 90 ज०
प० २, ३३,

एवग न० (नवग) ये धान, ये आण, ये
नासिका (नासा) छम, स्पर्श अने मन
ये नव अंग जगृत्त यत्ता जगृत्तानी प्रगटे
छे दो कान, दो आँख, दो नासिका, जिह्वा,
स्पर्श और मन ये नौ अंग जागृत्त होने पर
युवावस्था प्रकट होती है, The nine
organs or senses viz two ears,
two eyes, two nostrils, tongue,
touch and mind (which in
their bloom cause puberty)
गय० २६१, नाया० ३ —सुत्तपडिमां-
हिया स्त्री० १, —सुत्तप्रतिप्रधिता-नवगानि
कर्णादि लक्षणानि सन्नि प्रतियोधितानि
यौवनेन यस्या सा तथा) नव यौवना स्त्री
नव यौवना स्त्री a woman in her
prime विवा० २, १, पव० १०

एवण्णिया म्वा० (नवनीतिका) ओट प्रजाती
वनस्पति एक प्रकार का वनस्पति A
kind of vegetation “ एवण्णिया
गुम्मा ” ज० प० पव० १

गवर्गीअ-य न० (नवनान) नवनान मरुतन

Butter भग० ११, ११, १८, ६, नाया०
१; पत्र० ११, निसी० १, ५, ओव० ३८,
ठा० ४, १;

एवनीत न० (नवनीत) भा० अ० मन्त्रन.

Butter मू० प० १०, जीवा० ३, ४,
ओव०

एवनी त्रि० (नवम) नवमे-भी-भु नौवां-
वां. Ninth नाया० ६, १६; भग० २४,
१२; २०, नाया० ध० ६,

एवनीलिया स्त्री० (नवमालिका) ओ नामनी
ओ३ वे३ इय नामकी एक वेल A kind
of creeper. कप० ३, ३७;

एवनीया स्त्री० (नवमिका) डि पुरुषना
ध० सुपु३पनी गी० प३राणी किपुरुष के
इन्द्र सुपुरुष की दूसरी प्रवान रानी The
2nd crowned queen of Su-
puruṣa the India of the
Kimpuruṣa kind of gods ठा० ४,
१, (२) देवेन्द्र की छडी प३राणी, देवेन्द्र
की छडी प्रवान रानी the 6th among
the crowned queens of Deve-
ndra (३) मन्दर पर्वतनी पश्चिमे
अवेना रूचक पर्वतना रूचकोत्तम नामनी
दू३-शिखर-उप० वसतारी ओ३ दिशा-
कुमारी मन्दर पर्वत के पश्चिम ओर आये
हुए रुचक पर्वत के रुचकोत्तम नाम के
कूट-शिखर के ऊपर वसने वाली एक दिशा-
कुमारी a Disākumārī residing on
the summit of Ruchaka mount
named Ruchakottama in the
west of the mount Mandara.
ठा० ८, ज० प० ५, १२२, (४) नवमिका
देवी. नवमिका देवी the goddess
Nivamikā. नाया० व० ५ ६ ज० प०
५, १६४;

एवनी स्त्री० (नवमी) नौम नौमि. The

9th day of a fortnight ज० प०

२, ३०, —पक्ख पु० (-पक्ख—नवम्या
स्तिथे पक्षो ग्रहो यस्य तिथिमेवपातादिषु
तथा दर्शनास्तिथि पाते तत्कृत्यस्नाष्टमे क्रि
माणत्वात्सप्तमोपक्ख) जेमां नेमने
समावेस थतो होय तेनी आइम जिम मे
नोमि का समावेस होता हो ऐसी अष्टमी.
the 8th day of a fortnight
which includes also the 9th
“चित्त बहुलस्स नवमी वक्खे .” ज० प० ३,

एवनी पु० (नवत) ओ३ जतनु उतनु ३५३.
एक जाति का ऊनी कपडा A kind of
woolen cloth नाया० १,

एवनी अ० (नवम्) प३ आ३ अ३ विशेष
परन्तु इतना आवेक But this much
in addition, but this much be-
sides ओव० नाया० १, ८, १२, १६,
भग० १, १, ३, १, ३, २, ६, ४, ७, ३.
१५, १, २४, १०, ज० प० ७ १३५, ५, ११६,
एवनी अ० (नवर) अ३ अ३, पूर्वना अ३
देश इ३ता ३३३ विशेषना द्योत३ अ३तर, पूर्व
के अतिदेश की अपेक्षा कुछ विशेषता द्योतक
Moreover, besides ज० प०

एवनी पु० (नवलक) ज३ जाल A
net नदी०

एवनीरीस. पु० (नवशिरीष) ओ३ ज३
वृक्ष एक जाति का वृक्ष A kind of
tree नाया० १,

एवनी अ० (नवर्था) नव प्रकारे नौ प्रकार
से In nine modes or ways. भग०
१२, ४,

एवनी त्रि० (नव्य) न३. नया. New;
novel नाया० १८,

एवनी न० (न्यसन) मु३, आरोपण मु३
ते रखना, आरोपण करना Act of leav-
ing, act of attributing जीवा० १,

शास्त्रमाणा त्रि० (नश्यत्) सन्भार्गथी
अधायमान थतो-विभुष थतो मन्मार्ग से
चलायमान होता हुआ Sliding back,
falling off from the right path.
उवा० ७, २१८,

शाह न० (नभस्) आकाश आकाश Sky
firmament दस० ७, ५२,

शाह पु० (नख) नख नख, नाखुन A
finger-nail. नाया० १, ४, ८, भग० २,
१, आया० १, १, २, १६, १, १, ६, ५३,
जीवा० ३, ३, राय० २२. सूय० २, २, ६,
(२) ६२७, देष्टु कर्जा, ऋण a debt
तदु० सम० —च्छेदण्य न० (—च्छेद
नक) नख उतारवानु हथीआर, नरेण्णी
नाखुन उतारने का औजार, नेरनी an
instrument for paring
finger-nails आया० २, १, ७, १,
—च्छेयण न० (—च्छेदन) नख छेदन
कृत्यु ते नख छेदन करना act of par-
ing the finger-nails विवा० ६
—सिर न० (—शिरस्) नखनेो अथ
भाग नख का अग्रभाग the fore part
or tip of a finger-nail भग० ५,
४, —सिहा स्त्री० (—शिखा) नखनेो
अथभाग नख का अग्रभाग the fore
part of a finger-nail निमी० ३, ४१,

शाहयल न० (नभस्तल) आकाश
आकाश Sky, firmament नाया० १,

शाह अ० (नहि) नदि नहीं No, not
नाया० ६,

शाह त्रि० (ज्ञान) ज्ञानेष्टु ज्ञान हुआ
Known ओर० (०) न० दृष्टान दृष्टान
illustration वेय० ३, २०,

शाह अ० (नञ्) नदि नहीं No not नाया०
५, ७, —पुञ्ज त्रि० (—पूज्य) अपूर्वनीय
पूज्यनीति अपूर्वनीय, प्रजा के अपौरुष not

deserving worship or rever-
ence नाया० ७,

शाह स्त्री० (जाति) जाति, वृत्ति, जात
जाति, जाति A community, a
caste, kin (२) सन्ततीय, मातापिता-
दि सन्तथी सजातीय, मातापितादि सन्तथी
of the same class relatives
नाया० १, २, ४, ५, ७, ६, १४, १५
१८; भग० १६, ५, १८, २, ओव० ४०,
उत्त० १३, २२, सूय० १, २, १, २२, २,
१, ३५, नाया० ४० —संग. पु०
(—सग) माता पिता, पुत्र, स्त्री
आदिनो सग-साथ माता, पिता, पुत्र,
स्त्री आदि का सग a family consist-
ing of mother, father, wife,
son etc सूय०, १, ३, २, ९,

शाह त्रि० (ज्ञानिन्) ज्ञाने सर्व पदार्थो
ज्ञानजालेष्टु ज्ञे ते, सर्वज्ञ विमो नर
पदार्थ ज्ञात विदित हे वह, सर्वज्ञ Omni-
scient, (one) to whom all
things are known सूय० २, ६,
२४. डा० ५, ३,

शाह अ० (नाति) थोडा, अल्प थोडा
अल्प Not much, a little भग०
८, १०, —कटुय त्रि० (—कटुक)
थोडा कटुय थोडा कटुवा not very
bitter नाया० १ —विमटु त्रि०
(—विकट) अत्यन्त दीर्घनीति अत्यन्त
दीर्घ न हो वह not very long or far
off, not excessively long विवा०
३

शाह अ०-अ त्रि० (नादिन) नादिन उद्य
पद्य ते डिदिन नादिन, नादिन गुन रती
हुई, गुनहुआ Sounded; reverbe-
rated ringing with a loud
sound नाया० १, न० प० ५ ११

श्रौव० ३१;

शाङ्ख्य. पु० (नागिल) आर्य वज्रसेनना
अतेवासी, केनेना उपरथी आर्य नागिला
शाखा निकली आर्य वज्रसेन का शिष्य कि
जिसके ऊपरसे आर्यनागिला शाखा निकली
Name of the disciple of
Ārya Vajrasena from whom
the offshoot named Ārya
Nāgilā originated कण० ८,

शाङ्ख्यं त्रि० (जातिमत्) स्वजातीय,
नातिशे। स्वजातीय, अपनी जातिवाला
Of one's own caste or com-
munity. 'मित्तत्र शाङ्खं होइ' उक्त० ३,
१८,

शाङ्ख्य पु० (ज्ञात्वा) ज्ञात्वा, समझते
जान कर, समझ कर Having known
or understood श्रौव० १४, पचा० ६, १०,

शाङ्ख्य पु० (नाग-गच्छतीति गः, न ग
अग. गतिहीन न अग नाग., चलन धर्म-
सयुक्त.) भवनपति देवोनी नागकुमार नामे
ओक जल, जेना मुष्टमा सर्पनी देखुनु
यिन्ह छे तेनी ओक देवतानी जल, नागकुमार
भवनपति देवों की नागकुमार नाम की एक
जाति, जिसके मुकुटमें सर्प के फण का
एक चिन्ह है ऐसी एक देवता की जाति,
नागकुमार A class of Bhavana-
pati gods called Nāgakumāra
gods, a class of gods whose
diadem bears a sign of the
hood of a serpent नाया० २, ८,
श्रौव० २३, जीवा० ३, ३, (२) नाग
वशमा उत्पन्न थयेन नाग वशमे उत्पन्न
born in the family of
Nāgakumāra gods ज० प० ३, ४५,
(३) हाथी हाथी an elephant श्रौव०
३१, भग० ६, ३३: १२, ८, जीवा० ३, ३,

(४) नागकुमार देवतानी महोत्सव नाग-
कुमार देवता का महोत्सव. a festivity
of the Nāgakumāra gods नाया०
१, (५) सर्प सर्प. a snake, a serpent.
श्रौव० (६) आर्यरक्षितना शिष्य, ओ नामना
आचार्य. आर्य रक्षित के शिष्य, इस नाम के
आचार्य. a preceptor so named,
a disciple of Āryaraksita कण०
८, (७) नाग डेसर, ओक जलतु आ
नागकेसर, एक जाति का वृक्ष a kind of
tree (८) ८ भा तीर्थ डरनु चैत्य वृक्ष. नवे
तीर्थकर का चैत्य वृक्ष. a sacred tree in
memory of the 8th Tirthankara
सम० प० २३३, (९) अभावभ्यानी राते
आमानु यार (ध्रुव) स्थिरकरणमानु त्रीजु
डरणु अमावास्या का रात्रि को आने वाला
चार (ध्रुव) स्थिर करण मे से तीसरा करण.
the third of the four Dhruva
Karanas falling on the night
of the dark-half of a month
ज० प० ५, ११६, (१०) ओ नामना ओक
द्वीप अने ओक समुद्र इस नाम का एक द्वीप
और एक समुद्र name of an island,
also name of an ocean पञ्च० १४;
सु० प० १६, जीवा० ३, ४, (११) वल्गु
विजयनी पूर्व सगुह परतो वज्जारा पर्वत
वल्गुविजय की पूर्व सीमा पर आया हुआ
वज्जारा पर्वत. a Vakhārā mount on
the eastern boundary of
Valguvijaya ज० प० — इन्द्र पु०
(-इन्द्र) नागकुमारना धर्म नाग-
कुमार का इन्द्र the India of
the Nāgakumāra gods 'असुनिद
सुरिदणगिदा' सम० कण० ८. नाया० ८,
— गगह पु० (-ग्रह) नागदेवतानी
आवेशथी थयेन रोग, ज्वर वगेरे. नाग

देवता के आवेश से उत्पन्न रोग, ज्वर इत्यादि. a disease resulting from one's being possessed by a Nāgakumāra god e.g. fever etc जीवा० ३, ३, —घर न० (—गृह) नागदेवतानुंध नागदेवता का घर a house belonging to a Nāgakumāra god. नाया० ८, —जरण पु० (—यज्ञ) नाग देवतानी पूजा, (महोत्सव) नाग देवता की पूजा, (महोत्सव). a festivity held in honour of Nāgakumāra gods नाया० ८; —जत्ता स्त्री० (—यात्रा) नागदेवतानी यात्रा नागदेवता को यात्रा a pilgrimage to propitiate Nāgakumāra gods नाया० ८, —घर पु० (—घर) ढाथीने पकड़नेवाला हाथी को पकड़नेवाला मनुष्य a person who catches an elephant ओव० —पडिमा स्त्री० (—प्रतिमा) नागदेवतानी प्रतिमा नाग देवता की प्रतिमा an image of a Nāgakumāra god. 'तेमिण जिण पडिमाण पुरथो दो दो शागगडिओ पण्ण ताओ' जीवा० ३, ३, —परियावणिया स्त्री० (—परिज्ञा—नागा नागकुमारस्तेषा परिज्ञा यस्यां ग्रंथगद्धतौ सा नागपरिज्ञा) ओ नामनु ओड्ड शशिड्ड श्रुत इम नाम का एक कालिक श्रुत name of a Kāhika scripture नदी० —पुष्प न० (—पुष्प) नाग डेसरनु द्वय नाग केसर का फूल a flower of the tree named Nāgakessua ज० प० —फडा स्त्री० (—फणा) सर्पिणः देश् सर्प का फण the hood of a serpent (२) नागकुमार देवतानु भुयुडमा रडेडु विन्हु नाग कुमार देवता का सुगुड

मे रहा हुआ चिन्ह. the sign of serpent's hood in the diadem of Nāgakumāra gods. ओव० २३; —मह पु० (—मह) नागदेवतानी भेटोत्सव नाग देवता का महोत्सव a festivity held in honour of Nāgakumāra gods. आया० २, १, २, १२, राय० २१७, भग० ६, ३३, —वर पु० (—वर) प्रधान ढाथी, उत्तम हस्ति. प्रधान हाथी, उत्तम हस्ति an excellent elephant ओव० ज० प० तट्ट० भग० ६, ३३, (२) नागसमुद्रनो अधिपति देवता नागसमुद्र का अधिपति देवता the presiding deity of Nāgasamudra (ocean) सू० प० १६; —वीही स्त्री० (—वीथी) शुक्रनी नव वीथीमानी ओड्ड शुक्र के नौ मार्ग में से एक one of the 9 orbits of the planet Venus ठा० ६, —साहस्सी स्त्री० (—साहस्री) ओड्डुअर नागकुमार देवता एक सहस्र नागकुमार देवता. a thousand deities of the Nāgakumāra class सम० ७२

शागकुमार पु० (नागकुमार) नागकुमार देवता, भवनपतिनी ओड्ड अत नाग कुमार देवता, भवनपति की एक जाति A class of Bhavanapati gods, a deity of the Nāgakumāra class of gods भग० १, १, २४, २०, ठा० २, २, —(रिं)इंद पु० (—इन्द्र) नागकुमार देवता इन्द्र, धरणेन्द्र नागकुमार का इन्द्र धरणेन्द्र Dharapendia, the king of Nāgakumāras भग० १०, ४ —राय पु० (—राज) नाग कुमान्ता राजा धरणेन्द्र नागकुमार का राजा धरणेन्द्र Dharapendia the king of Nā-

gakumāras भग० १०, ४,
 शागज्जुण. पु० (नागार्जुन) हिमवत आचार्य
 र्यना शिष्य. हिमवत आचार्य का शिष्य.
 Name of a disciple of the
 preceptor named Himvanta.
 नदी० ३५, ४०;
 शागणिय. न० (नागन्य) नग्न भाव; निर्ग्रन्थ
 भाव, सयम अनुष्ठान. नग्न भाव, निर्ग्रन्थ भाव,
 सयम अनुष्ठान. Nudity; possession-
 lessness asceticism सू० १, ७, २१,
 शागदंत पु० (नागदंत) अटुट; पीटी.
 खटा, खटी. A peg attached to a
 wall जीवा० ३४, राय०
 शागदत्त. पु० (नागदत्त) ओ नामना ओ
 राजपुत्र इस नाम का एक राजपुत्र
 Name of a royal prince ठा० ३,
 ४, (२) जलराजनी स्त्री सुभद्रा ना पुत्र
 महाजलराज कुमारतो पूर्व लव के जेभां
 ते मणिपुर नगरभां ओ नाम धरातो हुतो.
 बलराज की स्त्री सुभद्रा का पुत्र महाबलराज
 कुमार का पूर्व भव कि जिसमें वह मणिपुर
 नगर में इस नाम को धारण करता था the
 previous birth of prince Mahā
 bala son of Subhadrā queen of
 Balarāja In that birth he bore
 the name given and lived in
 the town of Manipura. विवा० ७,
 शागदत्ता स्त्री० (नागदत्ता) १६ मा तीर्थंकर
 प्रव्रज्या पालकी नाम १६ वें तीर्थंकर
 की प्रव्रज्या पालकी का नाम Name of
 a palanquin of the 16th Tir-
 thankara at the time of his
 initiation into the ascetic
 order यम० प० २३१,
 शागदार न० (नागदार) सिद्धायतन की पश्चिम
 दिशाभा नागकुमारना आवासनुं ६१२.

सिद्धायतन की पश्चिम दिशा में नागकुमार के
 आवास का द्वार. The gate of the
 abode of Nāgakumāra in the
 west of Siddhāyatana. ठा० ४, २;
 शागपञ्चय. पु० (नागपर्वत) जंबूद्वीपना
 मंदर पर्वत की पश्चिमे शीतोदा नदी की उत्तरे
 आवेदी ओके पर्वत. जंबूद्वीप के मंदर पर्वत
 के पश्चिम में शीतोदा नदी की उत्तर में आया
 हुआ एक पर्वत. Name of a mount-
 ain in the north of the river
 Śitodā in the west of the mount
 Mandara of Jambūdvīpa. ठा० २, ३,
 शागपुर. न० (नागपुर) उस्तिनापुर; कुश्देश
 मुख्य नगर हस्तिनापुर, कुरुदेश का मुख्य
 नगर The capital city of the
 country called Kuru. ठा० १०;
 नाया० ध० ५;
 शागवाग पु० (नागवाण) ओके जलतो
 दिव्य (दैवी) घोड़ा एक जाति का दिव्य
 (दैवी) घोड़ा A kind of celestial
 horse. जीवा० ३,
 शागभद्र पु० (नागभद्र) नागद्वीपतो अधि-
 पति देवता नाग द्वीप का अधिपति देवता.
 The presiding deity of Nāga-
 dvīpa सू० प० १६,
 शागभूय न० (नागभूत) आर्यरोहण
 स्थविरी नीकेले उद्देहगणु प्रथम कुल
 आर्यरोहण स्थावर से निकला हुआ उद्देह-
 गणका प्रथम कुल The first brother-
 hood of saints of Uddēha Ga-
 na originating from Ārya-ro-
 hana कप्प० ८;
 शागमहाभद्र पु० (नागमहाभद्र) नागद्वीपतो
 अधिपति देवता. नाग द्वीप का अधिपति
 देवता. The presiding deity of
 Nāgadvīpa सू० प० १६,

रिक. A citizen, a person residing in a city. का० ३, सू० २, २, १३, —जण पु० (-जन) नगरवा लोक नगर के लोक A citizen, citizens.

शागमहावर पु० (नागमहावर) नागसमुद्रने अधिपति देवता नागसमुद्र का अधिपति देवता The presiding deity of Nāgasamudra सू० प० १६,

शागमित्त पु० (नागमित्त) अर्यमहागिरी का एक शिष्य आर्य महागिरी का एक शिष्य Name of a disciple of Ārya Mahāgiri ठा० ३, ४,

शागर पु० (नागर) नगरभा रहेनार मनुष्य, नागरिक नगर में रहने वाला मनुष्य, नाग नाया० १,

शागराज पु० (नागराज) नागकुमार देवताने राजा नागकुमार देवता का राजा A king of the Nāgakumāra deities “बेलघर नागराईण” सम० १७,

शागरुक्ख पु० (नागवृक्ष) नाग वृक्ष नागवृक्ष A kind of tree “ शाग रुक्खे भूयमाणं ” ठा० ८, भग० २०, २,

शागलया. स्त्री० (नागलया) नागवेल, नगर वेध नागलता, नागर बेल, पान की बेल A creeper of betel-leaves ओव० राय० १३७. —मंडल न० (-मण्डल) नागर वेधने भावे. नागर वेध का मण्डप a bower of a creeping plant named Nāgalavēḥ राय० १३७, जीवा० ३, ३,

शागसिरी स्त्री० (नागश्री) प्रतिष्ठानपुर नगरना नागरयु शैली स्त्री अने नागवत्तली माता प्रतिष्ठानपुर नगर के नागवत्तल की स्त्री और नागवत्त की माता The wife of Nāgavatta a merchant of the town of Pratiṣṭhānapura, and

mother of Nāgadatta. नाया० १६, (२) अया नगरीना सोम ब्राह्मणी स्त्री के जेपुण्डि धर्मरुचि नामना तपस्वी मुनीने कट्टी तुप्पीतु शाक ओहारोयुं हतु. चंपानगरी के सोम ब्राह्मण की स्त्री कि जिसने धर्मरुचि नामक तपस्वी मुने को कट्टी तुप्पी का शाक बहराया था. the wife of Soma, a Brāhmana of Champānagari who served an ascetic named Dharmaruchi with cooked vegetables prepared from a bitter gourd नाया० १६,

शागसुद्धम न० (नागसूद्धम) ओ नामतु ओऽलौकिक शास्त्र इय नाम का एक लौकिक शास्त्र Name of a secular science. अणुजो० ४१,

शागहस्तिन पु० (नागहस्तिन) आर्यनन्दि लक्ष्मणना शिष्य आर्यनन्दि लक्ष्मण के शिष्य Name of a disciple of Ārya-Nandi Lakṣmaṇa कप्प० ८,

शागोद पु० (नागोद) ओ नामने समुद्र. इय नाम का समुद्र Name of an ocean सू० प० १६,

शाडग्रय न० (नाटक) नाटक नाटक A drama, a play ज० प० ५, ११५, विगा० ३,

शाडइज्ज त्रि० (नाटकीय) नाटकीय पात्र, ओऽए नाटक के पात्र, एक्टर (One) acting in a drama, an actor in a drama नाया० १, ज० प० (२) नटी नटा an actress ठा० ४, ज० प०

शाडय पु० (नाटक) नाटक करने वाला, नाचने वाला. A player in a drama, a dancer नाया० १, ६,

शाग न० (ज्ञान) ज्ञान, समझ, बोधि

ज्ञान, समझ, बोध Knowledge; understanding. भग० २, १; ५, ४; २४, १२; २५, ६, २६, १, नाया० १; २; ५; वेय० १, ४६; अणुज्ञे० १४७; पञ्च० १, सू० प० २०; आव० १, १; प्रव० ५५७, (२) आभिनिभोधिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्याय ज्ञान, ये पाच प्रकारमानुगमे ते ओक आभिनिबोधिक ज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनःपर्याय ज्ञान आर केवलज्ञान इन पांच प्रकार में से चाहे सो एक any of the five varieties of knowledge viz Ābhinibodhikā, Śrūta, Avadhī, Māhāparyāya, and Kevala राय० (३) पञ्चवशु सूत्रना त्रीज पञ्चा दशमा द्वारतुं नाम पञ्चवशा सूत्र के तृतीय पद के दमव द्वार का नाम name of the 10th Dvāra of the 3rd Pada of Pannavashu Sūtra. पञ्च० ३, —अंतराय. पु० (—अन्तराय) ज्ञानमा अंतराय-विघ्न पाडवु ते ज्ञान में अन्तराय-विघ्न डालना obstruction in the acquirement of knowledge. भग० ८, ६; —अभिगम पु० (—अभिगम) ज्ञानकी प्राप्ति ज्ञान की प्राप्ति acquirement of knowledge ठा० ३, २; —आचार पुं० (—आचार) काले-अवयवे लक्ष्यु, पितृ सङ्गित लक्ष्यु, लक्ष्मान पूरङ्ग लक्ष्यु; उपधान तर सङ्गित लक्ष्यु, अनिन्दवपले लक्ष्यु, शब्द, अर्थ अने 'तदुभय' (शब्द अने अर्थ मने) ने गोपण्या शिवाय लक्ष्यु ओ आङ ज्ञानोत्तेजक अनुष्ठान ने ज्ञानाचार नियम से सीखना, विनय के माथ सीखना, बहुमान पूर्वक सीखना, उपवान तर साष्टेन सीखना, अनिन्दवतासे सीखना, शब्द अर्थ आरै

'तदुभय' (शब्द व अर्थ) को बिना गुप्त रखे सीखना ये आठ ज्ञानोत्तेजक अनुष्ठान अर्थात् ज्ञानाचार due observance of the eight points regarded as requisite in acquiring sound knowledge, viz (1) regularity; (2) modesty (3) reverence (4) attentive repetition (5) non-concealment (6) non-suppression of senses (7) non suppression of words and (8) non suppression of both words and senses ठा० २, ३; ५, २; सम० २३; —आराहण न० (—आराधन) ज्ञानकी आराधना करी ते ज्ञान की आराधना करना devotion to, worship of knowledge ठा० ३, ४, —आराहणा स्त्री० (—आराधना) ज्ञानकी आराधना devotion to, worship of knowledge भग० ८, १०, —आरिय पुं० (—आर्य) ज्ञानेकरी आर्य ज्ञान के कारण आर्य civilised (Ārya) by reason of the possession of knowledge पञ्च० १, —इन्द्र. पु० (—इन्द्र) ज्ञान अथवा ज्ञानीमां मन्त्र-श्रेष्ठ, देवज्ञानी ज्ञान अथवा ज्ञानी में इन्द्र-श्रेष्ठ, केवलज्ञानी highest among those who are possessed of knowledge, one possessed of perfect knowledge ठा० २, ४, ३, १, —उत्पादमहिमा. स्त्री० (—उत्पादमहिमा-महिमा) तीर्थ-करने के केसीने देवज्ञान उपजे त्वारे करवा-मा अने ज्ञानो महिमा-महोत्सव तावकर या केवलीको जब केवलज्ञान प्राप्त होना है तब की जानेवाली ज्ञानकी महिमा-महोत्सव. a festivity celebrated at the

time when a Tirthankara or a Kevali attains perfect knowledge. भग० ३, १, १४, २; टा० ३, १, —उपयोग पु० (-उपयोग) ज्ञानको व्यापार, ज्ञानमा लक्ष्य जेऽपु ते ज्ञान का व्यापार, ज्ञान में लक्ष्य जोड़ना application use of knowledge, application to study प्रव० ३१०, —उपघाय पु० (-उपघात) आलस्यी ज्ञानको नाश आलस्य से ज्ञान का नाश destruction, decay of knowledge caused by idleness टा० १०, —कसायकुशील पु० (-कपाय-कुशील) ज्ञान आश्रित कपाय कुशील ज्ञान अश्रित नैतिक बिगाड moral impurity tainting knowledge भग० २५, ६, —कुशील त्रि० (-कुशील) ज्ञानको दूषित बनावना ज्ञान का दूषित बनाने वाला, (any thing) that taints knowledge टा० ५, ३, —(५) च्चासायणा स्त्री० (-आत्याशातना) ज्ञानकी अशातना हीनता ज्ञान के प्रति दिक्खलाई जाती घृणा-तिरस्कार वृत्ति contempt or hatred shown towards knowledge भग० ८, ६, —दृया स्त्री० (-अर्थज्ञानमेवार्थोपस्था सोजानार्थस्वज्ञावस्तत्तया) ज्ञानार्थप्रेषु, ज्ञानकी अभ्यर्थना करवी ते. ज्ञानार्थपन, ज्ञान का अभ्यर्थना करना solicitation for knowledge request for knowledge भग० १८, १० टा० ५, २, —शिवद्वया स्त्री० (-निवृत्ति) शास्त्रको तथा शास्त्र लक्षणानाको उपकार आश्रयते ते शास्त्र का और शास्त्र को पढ़ाने वाला का उपकार न मानना non-acknowledgment of the debt

of gratitude due to scriptures and to one who teaches them भग० ८, ६, —शिवद्वय स्त्री० (-निवृत्ति) पांच प्रकारका ज्ञानकी निष्पत्ति-सिद्धि पांच प्रकार के ज्ञान की निष्पत्ति-सिद्धि acquisition or attainment of the five kinds of knowledge भग० १९, ८, २०, ५, —(५५) त्त पु० (-आत्मन्) ज्ञानी आत्मा, सम्यग्दृष्टि आत्मा ज्ञानी आत्मा, सम्यग दृष्टि आत्मा a soul possessed of right knowledge and faith. भग० १२, १०, —दंसण पु० न० (-दर्शन) ज्ञान अने दर्शन ज्ञान और दर्शन right knowledge and right faith टा० ७, नाया० ६, —दंसणद्वय स्त्री० (-दर्शनार्थता) ज्ञान अने दर्शनकी अपेक्षा ज्ञान और दर्शन की अपेक्षा desire for or expectation of right knowledge and faith नाया० ५ —दंसणधर पु० (-दर्शनधर) ज्ञान अने दर्शनको धरना देवज्ञान ज्ञान और दर्शन को धारण करने वाला. केवलज्ञानी (one) possessed of right knowledge and faith, an omniscient नाया० १, —दंसणलक्षण त्रि० (-दर्शनलक्षण ज्ञानच दर्शनच लक्षण स्वरूप यस्मत्तत्तया) सम्यग्ज्ञान अने सम्यग्दर्शन के लक्षण स्वरूप होय ते सम्यग्ज्ञान और सम्यग्दर्शन जिनका लक्षण स्वरूप वह (one) having as an essential quality right knowledge and right faith ' नउत्तम-सज्जने नामदमस्य लक्षण ' उक्त० २८, १, —दंसणसम्मग त्रि० (-दर्शनसम्मग) ज्ञानदर्शनकी पूर्ण ज्ञानधर ते दया

perfect in the possession of right knowledge and right faith. "तत्तो शास्त्रद्वयस्य सम्मगमे" उत्त० ८, २, —दंसि पुं० (-दर्शिन) ज्ञान दर्शन वाला (जीव) a soul possessed of right knowledge and right faith. भग० ४२, १, —पञ्जच पुं० (-पर्याय) ज्ञानना पर्याय ज्ञान के पर्याय modifications of knowledge भग० २, १, —पडिणीयया स्त्री० (-प्रत्यनीकता) ज्ञानभा प्रतिद्वन्द्वता-वैरभाव ज्ञानमें प्रतिकूलता-वैरभाव opposition to, hostility towards knowledge भग० ८, ८, —पडिसेवणाकुशील पुं० (-प्रतिसेवनाकुशील) ज्ञानकी प्रतिसेवा में दूषण करनेवाला one who taints the acquirement of right knowledge भग० २५, ६, —परिणाम पुं० (-परिणाम) ज्ञानवर्धन-लक्षण परिणाम ज्ञान लक्षण जीव के परिणाम a stage of development of the soul marked by possession of knowledge पञ्च० १५, —परीसह पुं० (-परीषद —परीषदण परीषद ज्ञानस्य मत्यादे परीषदः) ज्ञानने परिषद, ज्ञान न आवस्यार्थी यत्तु दृष्ट ज्ञान का परिषद, ज्ञान न आनेसे होता हुआ कष्ट affliction of the mind caused by the consciousness that one is ignorant. भग० ८, ८, —पायाच्छिन्न न० (-प्रायश्चित्त) ज्ञानना अनित्यता-आलोचना, ज्ञानकी शुद्धि अर्थे प्रायश्चित्त करनेसे ज्ञान के अनिवार की आलोचना, ज्ञान की शुद्धिके

लिये प्रायश्चित्त करना. expiation undergone for the purification of one's knowledge. ठा० ३, ४; ४, १, —पुरिस पुं० (-पुरुष) ज्ञानवान पुरुष, ज्ञानप्रधान पुरुष. ज्ञानवान पुरुष, ज्ञानप्रधान पुरुष a person possessed of knowledge, an educated person ठा० ३, १, भग० २, ५; —पुलाञ्च पुं० (-पुलाक) ज्ञानने नि सार यत्नावनार पुलाञ्चविधवालो साधु ज्ञान को नि सार बनानेवाला पुलाकलब्धिवाला साधु an ascetic who renders his right knowledge useless by lapse in the observance of primary vows. ठा० ५, ३, भग० २५, ६, —प्यश्रोस पुं० (-प्रदोष) श्रुत आदिज्ञानभा अथवा ज्ञानीभा अप्रीति द्वेष करनेवाले, ज्ञानावरणीय दुर्मन्त्र आध्यात्मिक ऐक्य हेतु श्रुत आदि ज्ञानमें अथवा ज्ञानीमें अप्रीति-द्वेष करना, ज्ञानावरणीय कर्म वाचनेका हेतु showing disrespect or hatred towards the five kinds of knowledge or the persons possessed of them, a fault which leads to knowledge obscuring Karma भग० ८, ६, —प्यथाञ्च न० (प्रवाद) सतिज्ञान आदि पाच ज्ञान संग्रही पश्यता करी ते सति ज्ञान आदि पाच ज्ञान के सत्त्व में प्रवृत्ति करना act of explaining the five kinds of knowledge such as Matijñāna etc सम० —फल न० (-फल) ज्ञाननु दल ज्ञान का फल fruit of (right) knowledge भग० २, ५, —बल पुं० (-बल) ज्ञान-रूपी अक्ष ज्ञान रूपी बल power,

strength in the form of knowledge. ठा० १०, —बुद्ध त्रि० (—बुद्ध) ज्ञानावरणीयता क्षयोपशम आदिथी यथेव ज्ञानवर्धन भोधि पामेव. ज्ञानावरणीय के क्षयोपशम आदि से उत्पन्न हुए ज्ञान से बंध पाया हुआ. (one) who has become enlightened by the knowledge attained through the destruction, subsidence etc of knowledge-obscuring Karma ठा० २, ४, —बोधि स्त्री० (—बोधि) ज्ञानावरणीयता क्षयोपशमथी धर्मनी प्राप्ति यती ते ज्ञानावरणीय के क्षयोपशम से धर्म की प्राप्ति होना attainment of true religion by the destruction, subsidence etc of knowledge-obscuring Karma ठा० ३, २, —भट्ट त्रि० (—भट्ट) ज्ञानथी भट्ट यथेव ज्ञान से भट्ट degraded from right knowledge आया० १, ६, ४, १६०, —भावणा स्त्री० (—भावना) ज्ञाननी भावना ज्ञान भावना meditation upon right knowledge आया० २, ३, १, १, —मूढ त्रि० (—मूढ) ज्ञानावरणीय धर्मनी उदयथी ज्ञानभा मूढ मूर्ख ज्ञानावरणीय कर्मके उदयसे ज्ञानमें मूढ मूर्ख foolish, ignorant on account of the maturity of knowledge obscuring Karma ठा० २, ४, —मोह पु० (—मोह) ज्ञान सत्यधी मोह ज्ञान के सबब में मोह infatuation, delusion in point of right knowledge ठा० २, ४, —राशि पु० (—राशि) ज्ञाननी समूह ज्ञान का समूह mass of knowledge पचा० १५, ४५, —लोक पु० (—लोक)

देवद ज्ञानादि लोक केवल ज्ञानादि लोक the world of omniscience etc ठा० ३, २, —विणय पु० (—विनय) पाय प्रक्षरता ज्ञाननी विनय क्षवे ते पांच प्रकार के ज्ञान का विनय करना showing reverence towards the five kinds of knowledge. भग० २५, ७, —विणयपरिहीण त्रि० (—विनयपरिहीन) ज्ञान आचारथी रहित ज्ञान आचार से रहित devoid of the observance of the eight points (rules) requisite for the attainment of right knowledge च० १० २०, —विराहणा स्त्री० (—विराधना) ज्ञाननी विराधना क्षरी ते, ज्ञाननु भक्षण क्षरु ते. ज्ञान की विराधना करना, ज्ञान का खंडन करना act of offending against right knowledge i. e. refuting it सम० १, —विसंवायणाजग पु० (—विसंवादना योग) ज्ञानी साथे भोटा क्षयडा मिथ्या विवाद क्षरवे ते, ज्ञानावरणीय धर्म आध्यात्मो ओड हेतु ज्ञाना क माय झूठे झगडे-मिथ्या विवाद, ज्ञानावरणीय कर्म बाधने का एक हेतु act of entering into false and vexatious discussions and disputes with persons possessed of right knowledge, this is a source of Jñānāvaranīya Karma भग० ८, ६, —विसोहि स्त्री० (—विशोधि) ज्ञाननी आचारनु पावन क्षरु ते, ज्ञाननी शुद्धि क्षरी ते ज्ञान के आचार का पावन, शुद्धि करना putting into practice the rules prescribed by right knowledge, purification of knowledge by practice. ठा० १०,

—संका स्त्री० (—शक्ती) ज्ञानना विषयमां
शङ्का करणी ते. ज्ञान के विषय में शङ्का
करना. doubt or misgiving
in the matter of know-
ledge सूय० १, १३, ३; —संपरणा.
त्रि० (—सम्पन्न) ज्ञान संपन्न; ज्ञानमां
पूर्ण. ज्ञान संपन्न; ज्ञान में पूर्ण. possess-
ed of knowledge, perfect
in knowledge भग० २, ५, २५, ७;
—संपरणाया. स्त्री० (—सम्पन्नता) ज्ञानतु
संपादन. ज्ञान का संपादन. acquie-
ment of knowledge. “ शाण्ड
संपरणाया ए भते ' जीवे किं जगयइ ”
उत्त० २६, ५६; भग० १७, ३;

शाण्डिल्य. पुं० न० (नानात्व) नाना प्रकार;
नानाभाव, नानापक्ष विविध प्रकार, विविध
भाव; विविधता Variety, difference;
state of being different or
having difference. भग० १, १; ५;
३, १, १२, ७, १८, ३; १६, ३, २०, १,
२४, १, २६, २, नाया० ५, पञ्च० १५, जं०
५० ५, ११८; २, २६, ७, ७, १३५,

शाण्डिल्यकार. त्रि० (नानाप्रकार) नाना
प्रकारतु, विचित्र विविध प्रकारका; विचित्र.
Of various modes, of different
kinds; strange सूय० १, १३, १,

शाण्डिल्य. अ० (नाना) नाना प्रकार, अनेक,
विविध विविध प्रकार, अनेक विविध से.
Various, of various modes or
forms. नाया० १, ७, ६, भग० ३, ३,
८, २; २५, ६; राय० ४५, ओव० २५; ३३,
उत्त० ३, २, अणुजो० २८, ज० ५० ५,
११४,

शाण्डिल्यार त्रि० (नानाकार) विविध
आकारतु विविध आकार का Of various
shapes, bearing various shapes

or forms प्रव० ११२०,

शाण्डिल्योस पुं० (नानाघोस) नाना प्रकारना
आवाज—स्वर विविध प्रकार की आवाज—
स्वर. Various kinds of sounds
or tunes भग० १, १,

शाण्डिल्यच्छंद. त्रि० (नानाच्छंद—नाना भिन्न.
च्छन्दोऽभिप्रायो येषां ते तथा) नाना प्रकारना
भिन्न भिन्न २७६—अभिप्रायवाला, शुद्ध
शुद्ध अभिप्रायवाला विविध प्रकार के
भिन्न २ च्छंद—अभिप्राय वाला, भिन्न भिन्न
अभिप्राय वाला of various, differ-
ing opinions or likes and
dislikes सूय० २, २, ३०,

शाण्डिल्य त्रि० (नानार्थ) नाना प्रकारना
अर्थ छे लेना ते, अनेक अर्थवाला नाना
प्रकार के अर्थ वाला, अनेक अर्थ वाला.
Possessed of, bearing various
meanings, homonymous भग० १, १,
शाण्डिल्यदृष्टि त्रि० (नानादृष्टि—नानारूपा दृष्टि-
दर्शनं येषां ते तथा) भिन्न भिन्न दृष्टि-
दर्शन वाला भिन्न भिन्न दृष्टिदर्शन वाला
Possessed of, various creeds,
possessed of various points of
view. सूय० २, २, ३०,

शाण्डिल्यदेश त्रि० (नानादेश) नाना प्रकार-
शुद्ध शुद्ध देशना वतनी नानाप्रकार-भिन्न
भिन्न देश के वतनी (Persons) re-
siding in various countries भग०
१, ३३,

शाण्डिल्यपञ्च त्रि० (नानाप्रज्ञ—नानाप्रकारा
विचित्रज्ञयोपशमात् प्रज्ञायतेऽग्रनयेति
प्रज्ञा सा विचित्रा येषां ते तथा) नाना
प्रकारनी भति वाला विविध प्रकार की
मति वाला Possessed of various
moods of intellect सूय० २, २, ३०,
शाण्डिल्यपिंडरय त्रि० (नानापिंडरय) अनेक

प्रधानता आदारादि पिण्डमा आसक्त
अनेक प्रकार के आहारादि पिण्ड से आसक्त
Attached to, passionately fond
of various kinds of food etc
“ नानापिण्डरया दत्ता तेण बुच्चति साहुणा ”
दस० १, ५,

शाणामणि पु० (नानामणि) नाना प्रधानता
भण्णी. नाना प्रकार के रत्न Various
kinds of gems “ शाणामणि कणम-
रयण विमल ” राय०

शाणामणिरयण न० (नानामणिरत्न) नाना
प्रधानता भण्णित विविध प्रकार के मणिरत्न
Various kinds of excellent
gems विवा० २,

शाणामल्ल न० (नानामाल्य) नाना प्रधानता
पुष्प नाना प्रकार के फूल Various
kinds of flowers “ शाणामल्लपिण्डा ”
राय० जीवा० ३,

शाणारंभ त्रि० (नानारम्भ) नाना प्रधानता
धर्मानुष्ठान वादा नाना प्रकार के वर्मानुष्ठान
वाला Performing various kinds
of religious practices स्य० २,
२, ३०,

शाणारुड त्रि० (नानारुचि) नाना प्रधानता
ईश्वर-अभिप्राय वादा विविध प्रकार की रुचि
अभिप्राय वाला Possessed of,
having various kinds of opi-
nions or likes and dislikes स्य०
२, २, ३०,

शाणावज्जन न० (नानाव्यञ्जन) नाना प्रधान-
ता दृष्टादि व्यञ्जन अक्षर नाना प्रकार
के ककारादि व्यञ्जन अक्षर Various
consonants such as Ka etc
सग० १ ६

शाणावरण पु० (ज्ञानावरण) ज्ञानावरण
ज्ञान प्राप्ति द्वायाभा आडे आगत आडेधर्म-

भानु पदुधु धर्म ज्ञानावरण, ज्ञान प्राप्त
करने से विनकर्ता आठ कर्मों में से पहिला
कर्म The first of the eight divi-
sions of Karmas called know-
ledge obscuring Karma दया०
५, ३२, ३३, नाया० ३,

शाणावरणिज्ज न० (ज्ञानावरणीय) ज्ञान
शक्तिने द्वायावनार आडे धर्मभानु पदुधु
धर्म. ज्ञान शक्ति को दवाने वाला आठ कर्मों
में से पहिला कर्म The first of the
eight kinds of Karmas viz
that which obscures or checks
the power of acquiring know-
ledge आव० २०, टा० ४, १, सग० ६,
३, ८, ८, २०, ७ २५, १, १७ पन० २२,

शाणाविह. त्रि० (नानाविह) नाना प्रधान-
ता, अनेक प्रधानता नाना प्रकार का, अनेक
प्रकार का Of various kinds, of
different kinds, नाया० १, ५, ८
६, १६, ज० प० ५, ११६, ओव० पन० १
जावा० ३,

शाणान्द्विय त्रि० (नानामास्थित) नाना
प्रधानता सस्थितवादा, वृद्धा वृद्धा आश-
रनु नाना प्रकार के मस्थान वाला, भिन्न
भिन्न आकार का Bearing various
shapes or conformations सग०
२४, १२,

शाणाम्नील त्रि० (नानाशील - नानाप्रकार
शीलमनुष्ठान येषां ते तथा) नाना प्रधानता
अनुष्ठानवादा नानाप्रकार के अनुष्ठानवादा
Given to various kinds of (re-
ligious) practices or per-
formances सग० २, २ ३०,

शाणि पु० (ज्ञानिन्) ज्ञानि यश्चर्यवत्क-
र्मात्पत्तो ज्ञानुना ज्ञाना, ज्ञाना न ज्ञ-
मग्न नो ज्ञानेताला A person

possessed of right knowledge;
a true philosopher भग० २, १;
८, २, ११, १, १५, १; १८, १, २४, १,
२६, १, प्रव० ५५७;

ज्ञात. पुं० (ज्ञात) वंशविशेषमां उत्पन्न
थयेत् वंशविशेषमें उत्पन्न Born
in a particular family. नाया०
८, (२) ओ नामनु ओ३ आर्य दुल डे
जेमां महावीर स्वामी उत्पन्न थया हुता.
इस नामका एक आर्य कुल कि जिसमें
महावीर स्वामी उत्पन्न हुए थे name of
an Ārya (civilised) family
in which Mahāvīra Svāmī
was born. पत्र० १, (३) त्रि०
ज्ञात दुलमां उत्पन्न थयेत्. ज्ञात कुलमें
उत्पन्न born in the Jñāta
family अणुजो० १३१,

ज्ञातकुमार पुं० (ज्ञातकुमार) ज्ञातवशना
ओ३ राजकु०२ ज्ञात वशका एक राजकुमार.
A prince born in the Jñāta
family नाया० ८,

ज्ञातखड. न० (ज्ञातखण्ड) ओ नामनु
ओ३ वन डे जया महावीर स्वामीओ दीक्षा
लीधी हुती इस नाम का एक वन कि
जहा महावीर स्वामीने दीक्षा ली थी.
Name of a forest where
Mahāvīra Svāmī was initiated
into religious order. ठा० १०;

ज्ञाति स्त्री० (ज्ञाति) स्वजन, सपथी
स्वजन; रिश्तेदार. A caste fellow,
a relative सूय० २, ६, १०;

ज्ञाद् पुं० (नाद) घोष; अवाज घोष;
आवाज. Sound, loud sound जीवा०
३, ४, सू० प० १६,

ज्ञादित. त्रि० (नादित) नाद डरेल, अवाज
डरेल नाद कियाहुआ, आवाज कियाहुआ

Sounded. भग० १६, ५;

ज्ञादिय. त्रि० (नादित) जुओ३ उपदे३
शब्द. देखो ऊपरका शब्द. Vide above.
जीवा० ३,

ज्ञाभि स्त्री० (नाभि) गाडने३ ओ३ लाग. गाडे-
छकडे का एक भाग. A particular
part of a cart. 'जंतलडूव नाभी वा'
दस० ७, २८; (२) नाभि; डुटी नाभी;
दुंढी. the navel जं० प० ५, ११४;
आया० १, १, २, ३६, ओव० १०, जीवा०
३, ३, (३) पुं० ऋषभदेवप्रभुना
पितातु नाम; प६२मां दुलडर ऋषभ-
देवप्रभु के पिता का नाम, प६हवें कुलकर
name of the father of Lord Ri-
ṣabhadeva, the 15th Kulakara.
सम० प०२२६, --प६भव. त्रि० (-प्रभव)
नाभिमाथी उत्पन्न थयेत् नाभि में से उत्पन्न.
born from the navel तदु० --रस-
हरणी स्त्री० (-रसहरणी) नाभिनी नाल.
नाभिकी नाल. the navel duct or
canal. तदु०

ज्ञाम पुं० न० (नाम-नमन नाम.) परिणाम,
भाव, सज्ञा विशेष परिणाम, भाव, मज्ञा
विशेष Sense-perceptions and
their objects, substance, a par-
ticular name. " कइ विहेण भंते ज्ञाम
परणते " भग० २५, ५, ६; ३, १, १७, १;

ज्ञाम अ० (नामन्) वाक्यालंकार, पाद-
पूरण वाक्यालंकार, पादपूरण An
expletive used as an ornament
of speech or completing metre.
ठा० ४, १, परह० १, १, (२) न०
अभिधान, नाम अभिधान, नाम a
name जं० प० ५, ११२, ११५
राय० २६, ३२, विवा० १, नाया० १, २;
४, ५, ८, ६, १२, १४, १६, १६, ओव० ११,

पञ्च० २, (३) जेना थोजे शरीर, रूप, भाषा, आकृति, जाति वगैरे शारीरिक संपत्ति शुभ के अशुभ प्राप्त थाय छे ते नामधर्म जिसके योग से शरीर, रूप, वनावट, आकृति, जाति इत्यादि शारीरिक सम्पत्ति शुभ वा अशुभ प्राप्त होती हे वह नामकर्म Karmas by the use of which good or bad physical constitution, grace, form, caste etc of a soul are determined पञ्च० २० भग० २५, ६, २६, १, ओव० २०, (०) सत्त्वाना समावना an indeclinable expressing conjecture, possibility etc भग० ३, ३, —अंकिय त्रि० (-अङ्कित) नामान्ति, नामवायु नाम-वाला having a name, marked by a name नाया० १६, —इंद्र पु० (-इन्द्र) नामनो छद्र, जेभा छद्रना शुलु नथी पलु देवव नाम जेनु छद्र छे ते नाम का इद्र, जियमें इद्र के गुण नहीं है परन्तु केवल नाम जिसका इद्र है वह one who is Indra in name only ठा० ३, १, —कर्म न० (-कर्मन्) नामधर्म, आकर्मभानु छद्रु धर्म नाम कर्म, आठ कम में से छद्रा कर्म the sixth of the eight kinds of Karmas “एतस्मिन् दुविहे परण्ते” ठा० २, ४, सम० ४२, —करण न० (-करण) नामधर्म सञ्चार, आरम्भ दिग्मे आलङ्कनु नाम स्थापयु ते नामकरण गस्कार, वारहवे दिनको बालक का नाम स्थापन करने का क्रिया the ceremony of giving a name to a child on the 12th day after its birth नाया० १, ८, —गुप्त न० (-गोत्र) नाम अने गोत्रधर्मनी प्रवृत्ति छे जेना

उत्पत्ती आत्मा साग या नरसा नाम गोत्र पाभी शब्द नाम और गोत्र कर्म की प्रकृति कि जिसके उदय से आत्मा शुभ वा अशुभ नामगोत्र प्राप्त कर नके. the varieties of Nāma and Gotra Karmas by the maturity of which a soul is born in a good or bad family etc मू० प० १६; राय० —गोय न० (-गोत्र) जुओ उपरो शब्द देखो ऊपरका शब्द vide above नाया० १४, नाया० ४० दसा० १०, १, —एतन्नय न० (-अनन्तक) नामधर्म अनन्त नाम से अनन्त one endless in names, one named endless ठा० ५, ३, १०, —पुरिस पु० (-पुरुष) नामनो पुरुष अथवा जेनु नाम पुरुष छे ते नाम का पुरुष अथवा जिसका नाम पुरुष है वह a man in name only, (one) bearing the name “Man” ठा० ३, १, —लोग पु० (-लोक) नामनो लोक, जेनु नाम लोक गणनामा आन्यु होय ते नाम का लोक, जिसका नाम लोक रखनेमें आया है वह Lokta or world in name only, (one) bearing the name a Lokta or world ठा० ३, २, —वर्ग पु० (-वर्ग) नाम प्रवृत्तिनो समुदाय नाम प्रकृति का समुदाय. a collection or group of Nāma Prakrities जीवा० २, —वीर पु० (-वीर—यस्य जीवस्या जीवस्य वा स्वर्धरहित वीर इति नाम क्रियते स नाम वीर नामावीर) वीर जेनु नाम धराना छय या अछय पदार्थ वीर ऐसा नाम धारण करनेवाला जीव वा अजीव पदार्थ anything or anybody bearing

the name "Valiant सू० प० २,
—सच्च न० (-सत्य-नाम अभिधानं
तत्सत्यं नाममत्यम्) सत्य ज्ञेनुं नाम छे ते
नामनु सत्य सत्य जिसका नाम है वह, नाम
का सत्य truth in name only, that
which is named truth ठा०
१०, —सच्च न० (-सर्व—नाम च तत्सर्व
च नामसर्वम्) नामे इरोसर्व नाम से ही
सर्व everything by reason of
the name or so far as the name
goes ठा० ४, २,

शामधिज्ज. न० (नामधेय) नाम, अलिधान
नाम, अभिधान A name, denomi-
nation. ओव० २६, नाया० १,

शामधेज्ज. न० (नामधेय) नाम, अलिधान
नाम, अभिधान A name, denomi-
nation नाया० १, १६, पन्न० २, भग० १५,
१, विवा० ५, ज० प० ७, १७८, ठा० ४,
२, ओव० ४०, अणुजो० २८,

शामधेज्जवई छी० (नामधेयवती) प्रशस्त
नामवाली प्रशस्त नाम वाली Bearing
a famous name नाया० १,

शामधेय न० (नामधेय) जुओ " शाम-
धेज्ज " शब्द देखो " शामधेज्ज " शब्द
Vide " शामधेज्ज " ज० प० ५, ११५,
ओव०

शामय पु० (नामक) नाम, संभावना
नाम, संभावना A name, possibility
भग० १६, ३, नाया० १,

शाय त्रि० (जात) ज्ञेनुं, समझेनुं जात,
समझा हुआ. Known, understood
भग० १, ४, ७, ६, ६, ३१, १७, २,
नाया० ७, राय० ३१, आया० १, १, १, २;
(२) न० धक्ष्वाकु व शनु ओड अवातर दुल,
महावीर स्वाभिनुं दुल डच्चाकु वश का एक
कुल, महावीर स्वामी का कुल the fa-

mily of the Lord Mahāvīra, a
branch of the Ikṣvāku family
ओव० १४, परह० १, १; भग० ६, ३३;
(३) त्रि० ते व शमां जन्म पाभेद. उस वश
मे जन्म प्राप्त born in the above fa-
mily. भग० २०, ८, ओव० १४, (४) न०
६४।त. दृष्टांत an illustration सम०
६, (५) ज्ञाता सूत्रतो अर्थ मतद्वय ज्ञाता-
सूत्र का अर्थ the purport or sense
of Jñātā Sūtra नाया० ध० —विहि.
पु० (-विधि) स्वजनतो ओड प्रधार.
स्वजन का एक प्रकार. a particular
kind of relationship वव० ६, १,
दसा० ६, २, —संग पु० (-सङ्ग) परि-
चित ज्ञेनुं स ग. परिचित जनोंका संग
company of acquainted per-
sons सूय० १, ३, २, १२,

शाय. पु० (नाद) नाद, आवाज, शुभ नाद,
आवाज, शोरगुल Sound, loud
sound नाया० १,

शायअ पु० (जातक) जातीधो, जातिजन
स्वजातीय, जातिजन A caste-fellow
ज० प० सूय० १, ८, १२, २, १, ३५,
वव० ६, ६, नाया० १,

शायअय पु० (नायक) नायक, नेता
नायक, नेता A leader, a head
सूय० १, १५, १, नाया० १, २,

शायक पु० (नायक) नायक, नेता नायक,
नेता A leader, a head परह० १, ४,

शायकुमार पु० (ज्ञातकुमार) जुओ " शात-
कुमार " शब्द देखो " शातकुमार "
शब्द Vide " शातकुमार " नाया० ६,

शायखडं न० (ज्ञातखड) जुओ " शात-
खड " शब्द देखो " शातखड " शब्द.
Vide " शातखड " ठा० १०,

शायग पु० (जानक) जुओ " शात

शब्द देखो “ शायग ” शब्द Vide
“ शायग ” निर्या० ८, १२,

शायग पु० (नायक) नायक, नेता, राजा,
अधिपति नायक, नेता, राजा, अधिपति
A leader, a king, a lord सम०
१, ३०, दमा० ६, १६; परह० २, ५, (२)
प्रश्नपत्रा ३२१२ प्रह्वणा करने वाला
one who explains a religious text सू० १, १२, १,

शायज्झयण न० (ज्ञाताध्ययन) ज्ञाता
सूत्रनु अध्ययन ज्ञाता सूत्र का अध्ययन
A chapter of Jñātā Sūtra
नाया० २, ४, ५, ८, १२, १४, १६,

शायपुत्त पु० (ज्ञातपुत्र) ज्ञात वंश
उत्पन्न धर्मज्ञ, ज्ञात-प्रख्यात-सिद्धार्थ
राजाना पुत्र महावीर स्वामी ज्ञात वंश में
उत्पन्न, ज्ञात-प्रख्यात-सिद्धार्थ राजा के
पुत्र महावीर स्वामी The Lord Mahāvīra,
the son of the famous king Siddhārtha, born in the
family named Jñāta उत्त० ६,
१८, भग० १८, ७, सू० १, ६, २४,
—वयण न० (-वचन) महावीर
स्वामिना वचन महावीर स्वामी के वचन
words of Mahāvīra Svāmī
दम० १०, ६,

शायय त्रि० (ज्ञातक) ज्ञातुना जानने
वाला (One) who knows नाया० २

शायव्व त्रि० (ज्ञातव्य) ज्ञातुया योग्य
अवगोचर करने योग्य जानने योग्य, अवगोचर
करना Worthy of being known,
act of knowing अणुजो० १०८,
१३० निमी० २०, १०, भग० १६, ८,
नाया० ४० ६,

शायसंड न० (ज्ञातसंड) क्षत्रिय क्षत्रिय
पुरानी अज्ञाननु उद्यान, ज्ञाता महावीर स्वामी-

जे दीक्षा दीधी क्षत्रिय कुण्डपुर के बाहर
का उद्यान जहां महावीर स्वामी ने दीक्षा ली थी.
The garden outside Ksatriya
Kundapura where Mahāvīra
Svāmī was initiated into the
order of monks आया० २, ३, १२,
—वण न० (-वन) ज्ञातपुत्र नामनु
उद्यान ज्ञातसंड नाम का उद्यान a gar-
den named Jñātakhandā का०
५, ११३,

शाया स्त्री० (ज्ञात) ज्ञेया दृष्टान्त सदिष्ट
अधिकार छे ओनु ज्ञाता नामनु छु अथ
सूत्र जिसमें दृष्टान्त सहित अधिकार है ऐसा
ज्ञाता नाम का छठा अंग सूत्र. The 6th
Anga Sūtra so named abound-
ing in illustrations of the
subject matter नाया० १, —(५)
शायाज्झयण न० (--ज्ञाताध्ययन)
ज्ञाता सूत्रनु अध्ययन ज्ञाता सूत्र का अध्य-
यन a chapter of Jñātā Sūtra
नाया० १, ६,

शायाधम्मकहा स्त्री० (ज्ञाताधर्मकथा-ज्ञाता-
नि उदाहरणानि तत्प्रधाना धर्मकथा
ज्ञाताधर्म या) ज्ञेया दृष्टान्त सदिष्ट
अधिकार छे ओनु ज्ञे नामनु छु अथ
जिसमें दृष्टान्त सहित अधिकार है ऐसा छठ
नाम का छठा अंगसूत्र The sixth
Anga Sūtra so named abound-
ing in illustrations of the sub-
ject-matter नाया० १, नाया० ४०

शास्त्र-य पु० (नारद) नारद ऋषि ऋषि.
नारद The saint Nārada श्रव० ३८,
(२) नारदपुत्र नामना राजा समुद्र
विजय का पुत्र name of the son of
Samudhavarjara the king of

Souryapura ओव० (३) गन्धर्वना
लक्ष्मणेन अधिपति गन्धर्व गन्धर्व के लश्करका
अधिपति गन्धर्व the Gandharva
commander-in-chief of the
army of Gandharvas. ठा० ७;

शारयपुत्त पुं० (नारदपुत्र) भगवान् महावीर
स्वामीना ये नामना येऽ शिष्य भगवान्
महावीर स्वामी का इस नाम का एक शिष्य
Name of a disciple of lord
Mahāvīra. भग० ५, ८,

शाराय. न० (नाराच) साम सामे ये वस्तुने
मर्कट अथ, छ स धयलुमानुं नीलु स धयलु.
आमने सामने दो वस्तुओं का मर्कट बंध,
छ संघयण में से तृतीय संघयण The
third of the six kinds of phy-
sical constitutions in which
the bones are loosely tied to-
gether by the sinews जं० प० जीवा० १

शारायण पुं० (नारायण) दशरथ राजा
पुत्र रामना भाई लक्ष्मणुं अपर नाम,
भरत क्षेत्रना आ अवसर्पिणीना आदिमा
वासुदेव दशरथ राजा के पुत्र राम के भाई
लक्ष्मण का अन्य नाम, भरत क्षेत्र की इस
अवसर्पिणी का आठवा वासुदेव Another
name of Laxamaṇa, son of
Daśaratha and brother of Rāma
the 8th Vāsudeva of Bharata-
ksetra in the current Avasir-
pini. प्रव० १०२६, सम०

शारिकंता. स्त्री० (नारीकान्ता) नीलवत
पर्वतथी नीलवती उत्तर तरङ्ग रम्भकवास
क्षेत्रमां डेती येऽ भडानदी नीलवंत पर्वत
से निकलकर उत्तर तरफ रम्भकवास क्षेत्र में
बहती हुई एक महानदी Name of a
great river issuing from the
Nilavanta mountain and flow-

ing in the north into Ramma-
kavāsa Ksetra. जं० प० ६, १२५, राय०
सम० ठा० २, ३,

शारिकंताकूट न० (नारीकान्ताकूट) नील
वत पर्वतनु छडु डूट नीलवंत पर्वत का
छटा कूट The sixth summit of
th Nilavanta mount ठा० ६,

शारी स्त्री० (नारी) नारी, स्त्री जाति नारी;
स्त्री जाति A woman; womankind
सूय० १, ३, ४, १६,

शारीकंता स्त्री० (नारीकान्ता) लुओ
“ शारिकंता ” शब्द देखो “ शारिकता ”
शब्द Vide “ शारिकता ” जं० प०

शाल न० (नाल) डभल आदिना दाडा; ड
उपरने भाग. कमल आदि का दडा, कद
के ऊपर का भाग A stalk of a lotus
plant etc आया० २, १, १, ८, (२)
नाल, डुटे नाल, डूँठी the navel जं०
प० ४, ११४;

शालिन्दिज. न० (नालिन्दीय) सूयगडांग
सूत्रना भीज श्रुतस्कंधना छडा अध्ययननुं
नाम सूयगडांग सूत्र के द्वितीय श्रुतस्कंध के
छठे अध्यायन का नाम Name of the
6th chapter of the 2nd Śrūta-
skandha of Sūyagadāṅga
Sūtra सूय० २, ६;

शालिन्दा स्त्री० (नालिन्दा) ये नामने राज-
गृह नगरने येऽ लते राजगृह नगर
का एक मार्ग, इस नाम का एक मोहला
Name of a street of the
city of Rajagṛha सूय० २, ७, १,
शालिन्दिज न० (नालिन्दीय) नालिन्दीय नामे
सूयगडांग सूत्रनु २३ भु अध्ययन नालिन्दीय
नाम का सूयगडांग सूत्र का २३ वा अध्यायन
The 23rd chapter of the Sūya-
gadāṅga Sūtra so named. सम० २३;

शालिपर पुं० (नारिकेल) नाडीओरी,
नाडीओरनु आऽ नारियल का वृक्ष A co-
coanut tree पत्र० १, आया० २, १,
१, ८, जं० प० नाया० ६, (२) न० तेना
६६, (नाडीओर). उस के फल, (नारियल)
a cocoanut नदी० नाया० ६,
—निल्ल न० (-तैल) नाडिओरनु
तेन, टापेरानु तेन नारियल का तैल
cocoanut oil. नाया० ६, —मस्थय
न० (-मस्तक) नाडिओरना आऽने उपले
भाग नारियल के वृक्ष का ऊपरका हिस्सा.
the top of a cocoanut tree.
आया० २, १ १, ८,

नालिवद्ध न० (नालवद्ध) नाड १५-नाडी
वाला फूल, लघु लुघु भोगरादि डाठ-डडी
वाले फूल, जाइ जूइ भोगरादि A flower
growing on a stalk पत्र० १,

शालिया स्त्री० (नालिका) कमल आदि की डडी
A stalk of a lotus etc तदु० ८,
विवा० १, (२) धूत क्रीडा. धूत क्रीडा
gambling भग० ६, ७, सूय०
१, ६, १८, (३) कलम्बुका नामनु आऽ
कलम्बुका नाम का वृक्ष a tree named
Kalambukā सू० प० ४, (४) ओ
नामनी वेन इस नाम की वेल name of
a creeper. पत्र० १, —वद्ध न० (-वद्ध)
नाडिडा-डाडी वाला फूल डडीवाले फूल a
flower growing on a stalk पत्र० १,

शालियाखेड-इ न० (नालिकाखेट) धूत
क्रीडा विशेष, ओइ प्रशरने लुगा० छन
क्रीडा विशेष, एक प्रकार का जुआ A
kind of gambling ज० प०
नाया० (२) ग्रहोनी गति समझाने भाटे
घडी जेही नदी अनावसामा आवे ते ग्रहों
की गति जाननेकी घडी जैसी नली a con-

tinuance by which in ancient
times the motions and posi-
tions of planets were known
ओव० ४०, (४) कमल आदि की डडी काटनेकी
कला the art of cutting stalks
of lotuses etc. नाया० १,

शाली स्त्री० (नाली) वषट मापवानी घडी
समय मापनेकी घडी A chronometric
जीवा० ३, (२) ओइ लतनी वेन एक
प्रकार की वेल a sort of creeper
पत्र० १,

शाचा स्त्री० (नौ) नाव, बहाणु, जहाज.
नाव, जहाज A ship, a boat
नाया० ८, ६, १६, भग० ३, ३, ५, ४, पत्र०
१६, सू० प० १०, सूय० १, १, २ ३१, निमी०
१८, १; १७, २०, वेय० ६, ६, ज० प०
७, १५६, ३, ६५, ५२, —उस्सिचअ.
न० (-उस्सिचक) नावानी अदर पाप्पी
बराधमय ते उलेयाना काम डाल वगेरे
जहाज में पानी एकत्र हुआ हो उसे बाहर
निकाल कर फेंकनेका वस्तुन बालटी इत्यादि
a bucket etc used for pumping
out the water that accumulates
in a ship निमी० १८, १७, —गय
त्रि० (-गत) नौकाभा ओइल नौका में बैठा
हुआ seated in a boat on board
a ship निमी० १८, २०, —यणियग.
पु० (-वाणिज्यक) नौका द्वारा व्यापार कर-
ना नौका द्वारा व्यापार करने वाला a
naval merchant नाया० ८, १७,
—संतारिम न० (-संतार्य) जहाज बहाणु
आदी सके तेरु पाप्पी जहाज जहाज
चल सके उतना पानी a navigable
river, stream etc आया० १, १, ३, १;

शाविय पु० (नाविक -नावा जीवति

नाविक) नाविक, नौका यथावनार, वडाणु यथावनार. नाविक, नौका चलानेवाला, जहाजी, मल्लाह. A sailor; a boatsman नाया० ६; भग० ५, ४;

शाविया. छी० (नौका) नौका, वडाणु नौका, जहाज. A boat; a ship. भग० ५, ४;

शास पुं० (नासा) नाक नाक The nose. सम० ११,

शास. पुं० (न्यास) स्थापन, थापणु स्थापन, धरोत. Putting down, laying down; a deposit सम०

शासा छी० (नासा) नासा, नाक; नासिका The nose ओव० १०; नाया० १, १, २, १६, जं० ५० जीवा० ३, ३, निसी० ५, ४०; —च्छेयण न० (—च्छेदन) नाकनु छेदन करतु ते नाक का छेदन. act of piercing, cutting off the nose. नाया० २;—शिसासघोडभू त्रि० (—निश्वासवाह्य) नाकना धीमा श्वासथी पणु उडी नय तेनु उडइ. नाक के धीमे श्वास से भी उडजाय ऐसा हलका (anything) so light that even a gentle breath from the nose would cause it to move. भग० ६, ३३; जीवा० ३, ३; —निस्सास न० (—निश्वास) नासिकानो वायु नामिका की वायु breath exhaled from the nose. नाया० १; —पुड पुं० (—पुट) नासा पुट, नाकना श्वासा-नसिकार नाकके पुट. the nostril नाया० १४, —बंध पुं० (—बंध) नाकनु आधवु ते नाक को दावना act of closing up the nose. नाया० १७, —भेय पुं० (—भेद) नासिकामा छिद्रकरतु ते नासिका में छिद्र करना. act of perforating the nose परह० १, १,

शासिकपुर. न० (नासिकपुर) गोदावरी नदीनी दक्षिणे आवेखु ओ नामनु नगर. गोदावरी नदी के दक्षिण में आया हुआ इस नाम का नगर. Name of a town in the south of the river Godāva. 11. नदी०

शासियपुड. न० (नासिकापुट) नुओ “शासापुड” शब्द देखो “शासापुड” शब्द. Vide “शासापुड” नाया० ८;

शासियासिघाणग न० (नासिकासिद्धान्तक) नाकनो भेद, लीट, गुंगा वगेरे. नाक का मल Dirt of the nose. तदु०

शाह पु० (नाथ) नाथ, धर्मी, रक्षणु करनार, आश्रय आपनार, योगक्षेम करनार. नाथ, स्वामी, रक्षक; आश्रय दाता, योगक्षेम करने वाला A lord; a master, a husband, a protector; a supporter नाया० ६; उक्त० २०, ११, सम० १, शिञ्जि अ० (नि) वधाराना अर्थभां, निश्चय विशेष के अर्थ में; निश्चय. An indeclinable used to express the sense of “ In addition to ” ‘Indeed’ विवा० ६,

शिञ्जि त्रि० (निज) स्वकीय, पोतानु निज का, अपना One’s own, belonging to oneself सू० ५० २०;

शिञ्जिग त्रि० (निजक) पोतानु, स्वकीय अपना, स्वकीय One’s own, belonging to oneself ओव० ३३, ज० ५० ५, ११५, २, ३३;

शिञ्जिवादर त्रि० (निवृत्तिवादर) आठमा गुणस्थानकमा वर्तनार आठवें गुणस्थानक में रहने वाला. One who has attained the 8th Gunāsthānaka, or stage of spiritual evolution सम० २७,

शिअडिल्लया स्त्री० (निकृति) ढगाध, भाया.
ठगाई, नीचता, माया. Deceit, mean-
ness. ओव० ३४,

शिअल न० (निगड) पगनी जेडी, दोहानी
साकल पैर की वेडिया, लोहे की साकल.
Iron chains, fetters ओव० ३८,
शिइय. त्रि० (नित्य) नित्य, स्थिर स्वभाव
वाला, अविनाशी. नित्य, स्थिर स्वभाव
वाला, अविनाशी. Permanent,
steady, everlasting सूय० १, १,
४, ६, ज० प० ७, १७५,

शिउण त्रि० (निगुण) नियत-निश्चित
गुणवाला नियत-निश्चित गुणवाला Pos-
sessed of effective merits or
virtues पचा० ११, २०,

शिउण त्रि० (निपुण) निपुण, होशियार,
कुशल, चतुर, चालाक Clever, effici-
ent, skilful “ खंतिशिउण पागार
तिगुत्त दुप्प धंसय ” उक्त० ६, २०,
नाया० १, ३, ६, ओव० २४, ३०, राय०
४४, ८०, सू० प० १, २०, —उच्चिय
त्रि० (-उचित) निपुण शिल्पीनी बना-
वेले निपुण शिल्पी से बनाया हुआ. Made
by a skilful artist नाया० १,
—कुसल. त्रि० (-कुशल) धलो अतुर-
निपुण. अति चतुर-निपुण very clever,
very skilful राय० ८०, —णयजुय
त्रि० (-नययुत) सूक्ष्म नीतिनी धियार
करनार सूक्ष्म नीति का विचार करने वाला
(one) devoting attention to
fine or minute points of ethics
पचा० २, १, —बुद्धि स्त्री० (-बुद्धि)
सूक्ष्म बुद्धि सूक्ष्म बुद्धि sharp intel-
lect पंचा० ११, २०, —सिणपोवगय
(-शिल्पोपगत) शिल्पकला आदिमा कुशल

थयेल शिल्पकला आदि में कुशल.
(one) trained or skilful in
a handicraft etc नाया० १;

शिउणिय त्रि० (नैपुणिक—निपुण सूक्ष्म
ज्ञान तेन चरन्तांति नैपुणिका) सूक्ष्म
ज्ञान वाला सूक्ष्म ज्ञानवाला (One)
possessed of expert knowledge
“नव शिउणिया वत्थु परणता” ठा० ६,

शिउत्त त्रि० (नियुक्त) प्रवृत्त करेले,
येले प्रवृत्त कियाहुआ, योजित. Set
about, started, planned नाया० ६,
शिउदजीव पु० (निगोदजीव) निगोदना
ज्या निगोद के जीव A sentient
being residing in the Nigoda
class of vegetation जीवा० ६,

शिउर पु० (निकुर) ओक जलतु आउ एक
प्रकारका वृक्ष A kind of tree नाया० ८,

शिउरंव न० (निकुरम्ब) समूह समूह
A group, a collection “रम्मे-
महामह निउरव भूए” नाया० १, १३,
(२) पु० वृक्ष विशेष वृक्ष विशेष a
particular kind of tree नाया० ६,

शिओअ पु० (नियोग) व्यापार, क्रिया
व्यापार, क्रिया Process; action.
ज० प०

शिओग पु० (नियोग) आज्ञा, हुक्म
आज्ञा, हुक्म Order, command.
ज० प० ५, ११७, पचा० ६, २८,

शिओद पु० (निगोद) ओक शरीरमा
अनन्त जेव होय ओरी वनस्पति साधारण
वनस्पति एक शरीर में अनन्त जीव हो
ऐसी वनस्पति A vegetation with
infinite lives in its body भग०
२५, ५,

शिओय-अ पु० (निगोद) ज्यो ओउओ
शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above.

पत्र० १, ३; जीवा० ६, (२) कुटुंब
कुटुंब a family. जं० प०
शिंदरा न० (निन्दन) निन्दा करती, छेड़छाड़
करती निन्दा Act of censur-
ing. नाया० ८; भग० १७, ३, (२)
पश्चात्ताप. पश्चात्ताप. act of repent-
ing, penitence नाया० १६,
शिंदराया स्त्री० (निन्दन) पीतना कर्म
के दोषनी निन्दा करती ते. अपने दोष या
कर्म की निन्दा करना Act of cen-
suring or adversely criticising
one's own Karmas or faults
भग० १७, ३,
शिंदरा. स्त्री० (निन्दना) निन्दा, निन्दुं,
छेड़ना करती. निन्दा, निन्दा करना, अवगणना
करना, Censure, act of censur-
ing; speaking ill of ओव० ४०;
शिंदराज. त्रि० (निन्दनीय) निन्द्या
योग्य, निन्दा करवा योग्य. निन्दा करने
योग्य Deserving censure,
censurable नाया० ३, १५,
शिंदिया. स्त्री० (निन्दिता) जेभा ओक वार
घास वगेरे निन्द्याभा आवे ते कृषि
जिसमें एक वार घास इत्यादि नोदनेमें
आता है वह कृषि Cultivation of
land requiring weeding out
of grass etc once ठा० ४, ४,
शिंदु स्त्री० (निन्दु) भूतना आ स्त्री; भुवा
आवकनो जन्म आपनार माता मृत सतति
जन्म दात्री, मृत बालक को जन्म देने वाली
माता. A woman who gives
birth to dead children अंत० ३, ८,
शिव पु० (निम्ब) लीयडा निम्ब का वृक्ष.
A Nimba tree पत्र० १; भग० १८,
६, २२, २; (२) न० लीयडा, लीयडना
क्ष. निम्बोली, निम्ब के फल a seed of

a Nimba tree पत्र०
शिवोलिया स्त्री० (निम्बगुलिका) लीयडा,
लीयडना क्ष निम्बोली, निम्ब के फल
A seed of the Nimba tree
नाया० १६,
शिकर पु० (निकर) समूह. समूह A
collection, a group नाया० ६;
शिकरिय त्रि० (निकृत) जतरजना सार-
माथी जेयेथु जत्री के छेद में से खींचा
हुआ. Drawn out like a wire
from a die ओव० १०,
शिकाइय त्रि० (निकचित-निर्युक्तिसंग्रह-
णीहेतूदाहरण ऽऽदिभि अनेकधा व्यवस्था-
पितम्) हेतु उदाहरण आदिथी सिद्ध करेथु.
हेतु उदाहरण आदि से सिद्ध किया हुआ
Established or proved with
the help of logical reason, illus-
tration etc सम० प० १६६, (२)
निकचित, टुटे नहीं तेथु निकचित, न
टूटे ऐसा. firmly fastened, such as
would not break ' चउब्विहे शिका-
इय पण्यते ' ठा० ४, २,
शिकाय पु० (निकाय-निर्गत काय औदारिका-
ऽऽदिर्यस्नाद् यास्मिन् वा सति स निकायः)
भोक्ष मोक्ष Salvation. आया०
१, १, ३, १८, (२) पृथ्वीकाय, अपकाय
तेजकाय, वायुकाय, वनस्पतिकाय, अने त्रस
काय ओ ७ प्रकारना जवनो समूह. पृथ्वी
काय, अपकाय, तेजकाय, वायुकाय, वनस्पति
काय, और त्रसकाय इन छ प्रकार के जीवों
का समूह a collection of the six
kinds of sentient beings viz
those with bodies of earth,
water, fire, wind, vegetable,
and mobile sentient beings
(Trasakāya) ओव० २४; मूय० २,

४, ३, पञ्च० २२; दस० ४, —पडिवरण
त्रि० (-प्रतिपन्न -निर्गत काय औदारिका
ऽऽदिर्यस्माद् यस्मिन् वा सति स निकायो
मोक्षः त प्रतिपन्नो निकायप्रतिपन्न) मोक्षने
प्राप्त थयेत्त मोक्ष को प्राप्त. (one)
who has attained salvation
आया० १, १, ३, १८,

शिकाय. पुं० (निकाच -निकाचन निकाच)
निमन्त्रणु करुणु, आमन्त्रणु करुणु.
निमन्त्रण करना, आमन्त्रण करना Act
of calling or inviting. सम० १२,
शिकाय सं० कृ० अ० (निगच्छ) स्थापी
ने स्थापन करके Having establish-
ed, having placed ' शिकाय समय
पत्तेय पत्तेय पुच्छिस्सामो ' आया० १, ४,
२, १३३,

शिकुज्जिय सं० कृ० अ० (निकुब्ज) शरीर
नीचु करीने शरीर को झुकाकर Hav-
ing bent or lowered the body.
निसी० १७, २३,

शिकुरव न० (निकुम्ब) समूह. समूह.
A group, a collection. ओव० मग०
१, १, नाया० ७, (२) काली मेघघटा
काली मेघघटा a series of black
clouds जीवा० ३, ३,

शिकेअ-य पु० (निकेत) अवास, घर आवास.
घर A house, an abode नाया० १६,

शिक त्रि० (*) शुद्ध; भेदवगरनु
शुद्ध, निर्मल. Pure, free from duṣṭ
नाया० १,

शिकंकड त्रि० (निष्कटक) निरावश्य,
आवश्य रहित निरावरण आवरण रहित
Uninterrupted, free from any

obstacle. सम० जीवा० ३, ४, —च्छाय
त्रि० (-च्छाय) निरावश्य-आवश्य
रहित प्रकाशवायु निरावरण-आवरण रहित
प्रकाश युक्त. having uninterrupted
light. राय० ज० प० १, १२,

शिकंखिय त्रि० (निष्काङ्क्षित) अन्य
दर्शननी आकाक्षा रहित अन्य दर्शनकी
आकाक्षा रहित (One) free from a
desire of knowing or practising
another creed सूय० २, ७, ६६,

शिकट्ट त्रि० (निष्कट्ट) दुग्धला शरीरवाला
दुर्बल शरीरवाला Lean, reduced
ठा० ४, ४, (२) ञ्छार भेयेत्त बाहर खाचा
हुआ drawn out नाया० १८,

शिकंतार त्रि० (निष्कान्तार-कान्तारमरण
निर्गत कान्ताराद् निष्कान्तारम्) वन्यथी
ञ्छार काटेत्त जंगल मे बाहर निकाला हुआ
Taken out from a forest,
led out of a forest. "कताराओ
शिकतार करेत्ता" ठा० ३, १,

शिकम्म पु० (निष्कर्मन्-निष्कान्त कर्मणो
निष्कर्मा) मोक्ष मोक्ष. Salvation. (२)
सवर सवर cessation of the
influx of Kamma "शिकम्मदमी इह
मच्छिण्हि" आया० १, ४, ६, १३८,
—दंमि त्रि० (-दर्शिन् —निष्कर्मा मोक्ष
सवरो वा त द्रष्टु शीलमस्येति निष्कर्मा-
दर्शिन्) मोक्ष मार्गने ज्ञानुत्तर, उर्ध्व
वर्धनथी मुक्त मोक्ष मार्ग को जानने वाला,
कर्मबन्धन मे मुक्त (one) who knows
the path of salvation, freed
from Karmic bondage. आया० १,
३, ४, १३६,

शिक्षकल. त्रि० (निष्कल) कलंक रहित
निष्कलंक, कलंकरहित. Spotless.
stainless. भग० १५, १,

शिक्षलुण. त्रि० (निष्करुण) दया रहित.
दया रहित; निर्दय Unkind; merci-
less परह० १, १,

शिक्षवच. त्रि० (निष्कवच) आवरण रहित;
कवच विनाशे आवरण. रहित, कवच रहित
Devoid of a covering, devoid
of an armour ठ० ५, २,

शिक्षासिय त्रि० (निष्कासित) नीकलेन,
झाड़ी भुकेन निकला हुआ, निकाल दिया
हुआ Turned out, got out,
driven out ओव०

शिक्षिचण. त्रि० (निष्किञ्चन) निष्परिग्रही
निष्परिग्रही Not possessed of
anything; possession-less. सूय०
१, १३, १२,

शिक्षिय त्रि० (निष्क्रिय) क्रियारहित
क्रियारहित. Devoid of action,
inert परह० १, २, नाया० ६,

शिक्षिव त्रि० (निष्कृप) कृपारहित कृपा
रहित. Devoid of compassion,
unkind. नाया० ६,

शिक्षोडण न० (निष्कोटन) बन्धन विशेष
बन्धन विशेष A particular kind
of bondage. परह० १, ३,

शिक्षुत त्रि० (निष्क्रान्त) नीकलेन
निकलाहुआ Come out, got out;
gone out नाया० १, नाया० ध० २;
(२) संसारमाथी नीकलेने दीक्षा लीवेन
संसार में से निकलाहुआ, दीक्षा लियाहुआ
(one) who has freed himself
from the world and has
become a monk सूय० १, ८, २४,
उत्त० १८, १६;

शिक्षखम न० (निष्क्रम) उपाधि छोड़ी
नीकलेन दीक्षादेवी ते, सुभने ओक प्रकार.
उपाधि को त्याग कर निकलना, दीक्षा लेना;
सुख का एक प्रकार Act of step-
ping out of worldly troubles
and cares, entrance into the
ascetic order ठ० १०,

शिक्षखमण न० (निष्क्रमण) सूर्य चंद्र
माउलमाथी अहार नीकलेन ते. सूर्य चंद्र
का उसके मंडल में से बाहर निकलना The
coming out of the sun and
moon out of their orbits or
circles सू० १३, (२) दीक्षा देवी दीक्षा
लेना entrance into the ascetic
orders नाया० १, ५, ८, (३) धरमाथी अहार
नीकलेन ते. घर में से बाहर निकलना act
of coming out of the house,
coming out of the house.
आया० नि० १, १, ६, १५८, वेय० १, १०;
—अभिमुह त्रि० (-अभिमुख)
दीक्षानी सन्मुख, दीक्षा लेना तत्पर दीक्षाके
सन्मुख, दीक्षा लेने को तत्पर ready
for or bent on initiation into
the ascetic order. नाया० ५,
—अभिसेय-अ पु० (-अभिषेक) दीक्षानी
अभिषेक, दीक्षानी क्रिया दीक्षा का अभि-
षेक; दीक्षा की क्रिया the ceremony
of initiation into the ascetic
order भग० ३, ३३, नाया० ५, १६,
—चरियणिवद्ध न० (-चरितनिबद्ध)
महावीर स्वामी आदि तीर्थंकरनी दीक्षा
महोत्सव वगेरे दृश्य अतावनार नट्य विधि,
उर नाटकमानु ओक महावीर स्वामी आदि
तीर्थंकरके दीक्षा महोत्सव इत्यादि दृश्य दिखाने
वाली नाट्य विधि, ३० नाटकों में से एक.
one of the ३२ kinds of a drama;

a dramatic representation exhibiting scenes of festivity celebrating the Diksā of the lord Mahāvīra etc राय०—महिमा पुं० स्त्री० (-महिमन्) दीक्षा महोत्सव. दीक्षा महोत्सव festivity of Diksā
1 e. initiation into the ascetic order नाया० ८, —सत्कार. पुं० (-सत्कार) दीक्षाने सत्कार दीक्षा का सत्कार honour paid to Diksā or initiation into an ascetic order. नाया० ५,
शिक्षित त्रि० (निक्षित) छोड़ दिया हुआ, रखा हुआ Kept, placed, put down, left नाया० १, भग० १२, १, परह० १, ३, (२) व्यवस्थापन करने, रखने. व्यवस्थापन किया हुआ, रखा हुआ arranged, put into order आया० २, १, १, ७, —चरक त्रि० (-चरक) रसोष्ण वासुधाधी आहार उदात्त न होय तेना आहारनी गवेषणा करने न हो उस आहार की गवेषणा करने वाला (one) who seeks only that food which is not taken out of a cooking-vessel ठ० ५, १, ओव०—दंड. त्रि० (-दण्ड -निक्षिप्त निश्चयेन क्षिप्तास्त्यक्ताकायरूपा प्राणयुपमर्द-कारिणो दण्डा येस्ते तथा) मन चयन अने क्षयना देने त्यजना. मन, वचन, और कायाके दण्डको त्यागने वाला (one) who avoids sins connected with the mind, body and speech आया० १, ४, ३, १३४, —पुट्ट. त्रि० (-पूर्व) पहले पीताने भाटे अनावेद पहिले निज-स्वत के लिये बनाया हुआ prepared in the first instance

for oneself आया० २, २, ३, ८७, —सत्त्वमुसल. त्रि० (-गस्त्रमुसल) छोड़े अस्त्र आदि शस्त्र त्यज दीक्षा होय ते जिसने खड्ग आदि शस्त्रों को त्याग दिया हो. (one) who has left off or abandoned weapons such as a sword etc भग० ७, १,
शिक्षितपमाण त्रि० (निक्षिप्तमाण) पीताने स्थाने मुक्तो योग्य स्थान में रखता हुआ Putting (anything) in its proper place, keeping in the proper place, “अग्निपिंड उक्षिप्तमाण पेहाण अग्निपिंडं शिक्षितपमाण ” आया० २, १, ४, २५,
✓ शिक्षित धा० I, II (निक्षिप्त) डे डु, नाथु फेंकना, डालना To throw, to cast out
शिक्षितवड नाया० १४,
शिक्षितवित्ता नाया० १४, भग० १६, १, वव० १, १५,
शिक्षितवमाण भग० १६, १,
शिक्षितविश्रव. त्रि० (निक्षिप्तव्य) मुक्तो योग्य रखने योग्य Worth being put or kept परह० २, १,
शिक्षितपुड पु० (निष्कुट) पर्वत विशेष पर्वत विशेष A certain mountain. (२) निष्कम्प, स्थिर निष्कम्प, स्थिर. steady, firm ज० प० ३, ५२,
शिक्षितव. पु० (निक्षेप) गण्यु ते रखना Act of putting or keeping नाया० ८, (२) नाम स्थापनादि रूपे निक्षेप करने ते नामस्थापनादि रूप में निक्षेप करना attribution of a name without reference to its connotation आया० नि० १, २, १, १६४,
शिक्षितव्य पु० (निक्षेप) आया०

आलापक. A depositor, a speaker
 नाया० ध० २, (२) राभ्यु ते रखना. act of
 keeping or putting. भग० २०, ६,
 शिवखोभ त्रि० (निक्षोभ) क्षोभ रहित
 क्षोभ रहित Free from agitation;
 free from disturbance. सम० २,
 ✓ शिगच्छ धा० I. (निरगम्) नीक्ष्युं
 निकलना. To come out; to get out.
 शिगच्छि नाया० १, ५, १४; विवा० ७,
 शिगच्छति नाया० १;
 शिगच्छामि नाया० १४, १६, भग० १५, १,
 शिगच्छाहि. आ० नाया० १६;
 शिगच्छित्ता सं० कृ० नाया० २, ५; ८, १३;
 १४; भग० ११, ११, विवा० ७,
 शिगच्छमत्वा व० कृ० नाया० १, भग० ९, ३३;
 शिगम पु० (निगम) व्यापारीओनु निवास
 स्थान, जहाँ धन्या वाणिज्याओ वसता होय
 ते स्थान व्यापारियों का निवास स्थान, जहाँ
 पर बहुत से वैश्य रहते हों वह स्थान
 A place of abode for merchants
 or traders, a place where many
 traders reside ठा० २, ४, उत्त० २,
 १८, नाया० १; दसा० ६, १६, परह० १,
 ३, भग० १, १; (२) वाणिज्याओ समूह.
 वैश्य समूह a group of traders or
 merchants. ठा० ३, ३, (३) अभिग्रह
 विशेष. अभिग्रह विशेष a particular
 kind of vow. राय० (४) व्यापार
 व्यापार, वैपार trade, commerce.
 सम० ३०; (५) निश्चित अर्थों के मोक्ष
 निश्चित अर्थ का बोध knowledge of
 settled principles. भग० ७, ९;
 —राखिय त्रि० (रक्षित) जेहे व्यापा-
 रीओनी रक्षा करी होय ते व्यापारीओभा
 प्रधान-आगेवान. जिसने व्यापारियों की
 रक्षा की हो वह, व्यापारियों में प्रधान-

मुखिया (one) who has protect-
 ed merchants, a leading, pro-
 minent merchant. निसी० ४, ६,
 शिगर. पु० (निकर) समूह, जेहे, जेहे.
 समूह, ढेर. A collection, a pile, a
 heap नाया० ८, ६, भग० १५, १, जीवा०
 ३, ३; विवा० ६;
 शिगरित त्रि० (निगरित) शोधन करे.
 शोधन किया हुआ. Refined, purified.
 जीवा० ३, ३,
 शिगलिय. त्रि० (निगरित) गाधीने शुद्ध
 करे छानकर शुद्ध किया हुआ Purified
 by filtration. जं० प० तदु०
 शिगस. पु० (निकष) रेखा. रेखा A
 line. परह० १, ४,
 शिगाम. कि० वि० (निकाम) अतिशय, अहु
 अति, बहुत. Too much; excessive
 ठा० ५, २, —पडिसेविणी स्त्री० (—प्रति
 सेविनी—निकामयत्यर्थ वीजपात यावत् पु-
 रुष प्रतिसेवते इत्येवशीला निकामप्रतिसे-
 विनी) धृ० पुरतो पतिनो सग करनार
 स्त्री इच्छाके प्रमाणसे पति का सग करनेवाली
 स्त्री a woman who cohabits with
 her husband not longer than
 the time of natural gratifica-
 tion ठा० ५, २, —साइ पु० (—शा-
 यिन्) ६६ उपरात सुनार हदसे अधिक
 सोनेवाना; प्रमाणसे अधिक निद्रा लेनेवाला
 (one) who sleeps too much.
 दस० ४,
 शिगास. पु० (निकर्ष) परस्पर भेदाप करे
 ते आपस में मिलाना Mutual union
 or intercourse भग० २५, ७,
 शिगिर त्रि० (नग्न) वस्त्र रहित. वस्त्र
 रहित, नगा, नग्न Naked, without
 clothes सूय० १, २, १, ६;

शिंगिशिण न० (नाग्न्य) नग्नता, नग्नपण्ड.
नग्नता, नगापन Nakedness, nudity
उत्त० ५, २१;

✓ शिंगि-गिरहृ. धा० I, II (नि+गृहृ) पकड़-
उठु, निग्रह करने पकड़ना, निग्रह करना To
catch hold of; to control, to sub-
due.

शिंगिरहृद्. भग० ६, ३३,

शिंगिरहृत्तार त्रि० (निगृहीतृ) निग्रह
करने वाला. (One) who
controls, checks or prevents
दसा० ४, ८४,

शिंगुंजमाण त्रि० (निर्गुञ्जत) जोआरतो,
जोआरा करते (घोड़ा) हिनाहिनाता, हिन-
हिनाता हुआ घोड़ा Neighing (e g
a horse) नाया० ६,

शिंगूठ त्रि० (निगूठ) गुप्त गुप्त Hidden,
secret (२) मौन रहेल. मौन रहा हुआ,
शान्त silent सूय० २, ७, ८१,

शिंगोय पु० (निगोद) ओक शरीरमा अनन्त
छव छेय ते, अनन्त काय एक शरीर में
अनन्त जीव हों वह, अनन्तकाय A phy-
sical body with infinite lives or
souls ज० प० ३, ३६,

शिंगगश्च. त्रि० (निर्गत) नीलेन निकला
हुआ Come out, gone out, got
out नाया० १, ५, ६,

शिंगगंथ न० (निर्ग्रन्थ) निर्ग्रन्थना सिद्धात-
प्रवचन निर्ग्रन्थ के सिद्धान्त-प्रवचन The
religious creed of the Nigra-
thas (ascetics) सूय० २, ६. ४२,

शिंगगंथ पु० (निर्ग्रन्थ-निर्गतो बाह्याभ्यन्तरो
ग्रन्थो यस्मात् स निर्ग्रन्थ) आह-धन
आदि परिग्रह अम्यन्तर-अदरना कपायादि
ग्रन्थी रहित, आह्याभ्यन्तर परिग्रह रहित-
निभूती जैन साधु (साध्वी) बाह्य-धन

आदि परिग्रह, अभ्यन्तर-अदर के कपायादि
ग्रन्थ से रहित, बाह्याभ्यन्तर परिग्रह रहित
निष्ठही जैन साधु (साध्वी) A Jaina
monk (or a nun) free from
the tie or fetter of internal
impurity due to passions
and also from that of
worldly possessions. नाया० १, २,
५, ६, १०, १५, भग० १, ३, ६, १, १६,
४, निसी० १७, २०, श्रव० १६; ३४, ज०
प० श्रव० ४, ८, —धम्म. पुं० (-धर्म)
निग्रन्थ धर्म; जैन धर्म. सर्वज्ञ का धर्म,
जैन धर्म the creed of the
omniscients, Jainism मय०
२, ६, ४२, —पाचयण न० (-प्रव-
चन) जैन सिद्धात, जैन आगम जैन सिद्धान्त-
शास्त्र, जैन आगम The Jaina
scriptures नाया० १, १२, १३, १४,
नाया० ध०

शिंगगंथी स्त्री० (निर्ग्रन्थी) साध्वी. साध्वी A
nun. “ चत्तारि शिंगगंथीओ पणत्ताओ ”
ठा० ४, ३, ४ २, ५, २, नाया० २, ५, ६,
१०, १६, १५, १६, नाया० ध०

शिंगगच्छमाण व० कृ० त्रि० (निर्गच्छत)
नीडलतु, फुडारतु निकलता हुआ, बाहर
जाता हुआ Coming out, going
out श्रव० ३२,

शिंगगम पु० (निर्गम) निडलतु ते निकलना
Act of coming out, coming out
नाया० ८, १८,

शिंगगमण न० (निर्गमन) निडलतु ते मार्ग.
निकलने का मार्ग A way out, an
exit नाया० २,

शिंगगय य० त्रि० (निर्गत) निडलतु
निकलाहुआ Come out, got out
नाया० १, ७ १. १२, १३; १५, १६, १८,

१६; भग० १, १, १४, १, जं० प० १, १;
(२) रहित; अविद्यमान. रहित अविद्यमान
devoid of, not possessed of ठा०
१; —अग्गदंत. त्रि० (-अग्रदन्त) आ-
गता दांत पहार नीकले छे जेना जेवो.
जिसके आगे के दांत बाहर निकले हुए हैं
ऐसा (one) whose fore-teeth
are come out नाया० ८,

शिगगह. पुं० (निग्रह) निग्रह, कथ्यमाना
राज्य, निरोध करने, अनाचारनी प्रवृत्तिनुं
अटकावतुं. निग्रह; वश में रखना, निरोध
करना; अनाचार की प्रवृत्ति को रोकना. Act
of keeping under control, act
of preventing or checking, act
of checking sinful activity
नाया० १, ५; राय० २१५, दस० ३, ११,
आव० १५, निसी० १, १; भग० ७, ६,
—ट्ठाण. न० (-स्थान) वादमां
प्रतिवादी जेनाथी पडाय ते निग्रह स्थान
वाद में प्रतिवादी जिससे पकड़ में आता है
वह निग्रह स्थान. the weak point by
which an adversary is de-
feated in argument ठा० १;
—दोस पुं० (-दोष) पराजय स्थान ३५
दोष. पराजय स्थान रूप दोष faultiness
e. g of an argument, which
leads to a defeat ठा० १०, —अग्रहाण
त्रि० (-अग्रान) अनाचार प्रवृत्तिनो निषेध
करनामा प्रधान अनाचार प्रवृत्तिका निषेध
करनेमें प्रधान. (one) who is fore-
most in preventing sinful acti-
vities निसी० १, १, आव०

शिगगाहि. त्रि० (निग्राहिन्) निग्रह करनेवाला (One) who con-
trols or subdues उक्त० २५, २,

शिगगुंडि स्त्री० (निर्गुण्डि) ओंके प्रक्षारनी

गुच्छ वनस्पति. एक प्रकारकी गुच्छ वनस्पति.

A kind of vegetation. पन्न० १;

शिगगुण त्रि० (निर्गुण) गुणरहित गुणरहित.
(One) not possessed of merits.
ठा० ३, १, राय० २०८; जं० प० (२)
गुणव्रतधी रहित गुणव्रतोंसे रहित (one)
devoid of the three Gunavra-
tas. नाया० ८; भग० १२, ८;

शिगगोह. पुं० (न्यग्रोध) वडनु आड. वडका
वृक्ष A banyan tree. सम० प० २३३;
जीवा० १, (२) पहिला तीर्थकरनु जै-य
वृक्ष पहिले तीर्थकरका चैत्य वृक्ष the
Chaitya tree of the first Ti-
thankara सम० प० २३३, (२) नाभि
उपरना अवयवो सुंदर होय अने तेनी नी-
येना साधारण होय तेनु शरीरनु अने सहाय
नाभिके ऊपरके अवयव सुंदर हों और उसके
नीचेके साधारण हों ऐसा शरीरका एक संठाण-
वाधा a type of physical consti-
tution in which the parts above
the navel are graceful while
those below it are plain. सम०
प० २२७, —परिमंडल न० (-परिमंडल)
वडना वृक्षनी पेड़े नाभि उपरना अवयवो
सुंदर अने नीयेना भेडाय होय तेनी नतनु
शरीरनु ओंके सहाय वड के वृक्ष के समान
नाभि के ऊपर के अवयव सुंदर और नीचे के
कुरूप हों ऐसा शरीरका एक संठाण-वाधा A
type of physical constitution
in which the parts above
the navel are graceful while
those below are ugly as in the
case of a banyan tree ठा० ६, १;
पन्न० १५,

शिगघट्ट. पुं० (निघट्ट) वैदिक डोप, निघट्ट
शास्त्र वैदिक कोंप, निघट्ट शास्त्र The

lexicon of Vedic words ओव० ३८,
शिग्घाद्य. त्रि० (निर्घातित) ५६।२ नीक्षेक्ष
बाहर निकला हुआ Come out, got
out. नाया० १२,

शिग्घाय पु० (निर्घात) वैदिक्य क्षरेक्ष ५७।५
५३५ वैदिक्य से किया हुआ वज्रका गिरना.
Falling of a thunderbolt cre-
ated by Vaikūya process
जीवा० १, पत्र० १, (२) विजलीनु ५३५
विजलीका गिरना a lightning
stroke जीवा० १, पत्र० १, (३) गज-
नाना ३३३। गजनाका घोर शब्द. a pearl
of thunder. ठा० १०, अणुजो० १२७,
(४) उरानु ५६५ ते. करनेका बहना
flowing of a stream. “ शिग्घायाय
पवत्तग ” स्य० १, १५, २२,

शिग्घायण न० (निर्घातन) डुलुपु, भारपु,
नाश ३०५। हनना, मारना, नाशकरना Act
of killing or destroying. ओ व०
१७, जं० ५०

शिग्घिण त्रि० (निर्घृण-न विद्यते घृणा पाप-
लुगुप्सालक्षणा यत्र स निर्घृणः) धृष्टा,
दया अनुक्षपा रहित, निर्दय घृणा दया
अनुकंपा रहित, निर्दय Unkind, cruel,
without compassion पणह० १, १,
नाया० ९, —मइ त्रि० (-मति) पारुक्ष-
द्रय देवानी जेना मति छे ते जिसकी पराया
धन लेनेकी मति है वह (one) who
is greedy, covetous of an-
other's wealth पणह० १, ३,

शिग्घोस पु० (निर्घोष) अवाञ्, २१२,
शब्द, महाध्वनि. अवाञ्, स्वर, शब्द, महा-
ध्वनि Sound, a loud sound,
voice ओव० ३१, ३४, नाया० १, ८, ज०
प० ४, ११६, ११७, भग० ६, ३३, पणह०
१, १, राग०

शिघंष्टु पु० (निघट्ट) ओ नामनो वैदिक्य ३५५,
इम नामका वैदिक कोष A Vedic dic-
tionary of this name. “ निघट्ट द्य-
डाण संगोर्वगाणं चउरहं वेयाण ” भग० २, १,
शिचिय. पु० (निचय) समूह, जथो समूह,
जत्या. A collection, a group
ओव० १३, (२) धर्म सयय, धर्म
५५. कर्मसचय, कर्मबंध a collection,
of Karmas, Karmic bondage.
स्य० १, १०, ६;

शिचिय त्रि० (निचित) निचड, घट्ट, गाढु
निचड, घट्ट, गाढा. Dense, thick. राग०
३२, जीवा० ३, १, भग० १६, ३,

शिचि त्रि० (नित्य) नित्य, हमेशानु, सदानु,
शाश्वत, नाशरहित नित्य, हमेशाका, सदाका,
शाश्वत, नाशरहित Permanent, ever-
lasting “ जे भिक्खु रुमइ शिचि से न
अत्थइ मडले ” उक्त० ३१, ६, नाया० १,
२, ४, ९, भग० ६, ३३, १८, ७, ४०, १,
मम० १३, ओव० —अशिचि त्रि० (अ-
नित्य) नित्यानित्य नित्यानित्य per-
manent and impermanent ठा० १,
—उडआ स्त्री० (-ऋतुका) नित्य २७२४
लावाली स्त्री के जे गर्भाधारण क्षरी शक्ती
नथी नित्य रजस्वलावाली स्त्री कि जो गर्भ
वारण न कर सकती हो a woman hav-
ing daily menstrual discharge
and so incapable of conceiving
a child ठा० ५, २, —उऊग. त्रि०
(-ऋतुक) जेनी उपर पारेभास ३३३
आयता होय ते जिकरे ऊपर बारह माग
फलफूल लगते हों वह. (a tree) that
puts forth flowers and
fruits in all the seasons.
मम० प० २३३. —उडविग त्रि० (उड-
विग्न) सदा उडविग्न, हमेशा विग्न नड

उदासीन; हमेशा खिन्न. (one) who is ever gloomy or moody. दस० ५, २, ३६, —च्छाणिय त्रि० (—च्छाणिक—नित्यं सर्वदा क्षणा उत्पन्ना यत्राऽऽनानित्यच्छाणिक) सर्वदा भोज उदासीन—माननार सर्वदा चैनवाजी उडानेवाला, आनन्द मनानेवाला (one) who is always enjoying pleasure नाया० ४, —तलिच्छ त्रि० (—तल्लिप्स) सदैव तत्पर सदैव तत्पर (one) who is always ready पचा० १७, ५१, —दुक्खिय त्रि० (—दु.खित्त) दुःखानो दुःखी थोख निरंतर दुःखी (one) who is permanently miserable तदु०—दोस पु० (—दोष) नाश न पामे तेवो दोष नष्ट न हो ऐसा दोष a permanent or constant fault ठा० १०, —भाव पु० (—भाव) नित्य भाव नित्य भाव constant, permanent existence भग० १२, ७, —सति स्त्री० (—स्मृति) नित्य स्मरण करुते ते नित्य स्मरण करना constant remembrance पचा० १, ३६,

शिचंधकारतमस त्रि० (नित्यान्धकारतमस—नित्यमेव अंधकारतमसं येषु ते तथा) दुःखेण ज्ञेया अधकार छे ते, नरक विगेरे जहा हमेशा अंधकार है वह, नरक इत्यादि (A place) permanently dark or hell etc दसा० ६, १,

शिचभक्त न० (नित्यभक्त) हर रोज भोजन लेते. प्रतिदिनका भोजन. Daily meal सम० प० २३२,

शिचय पु० (निश्चय) निश्चय, योद्धस करेव क्षय निश्चय, निर्णय, यथार्थता Determination, decision, certainty. राय० २१०;

शिचल. त्रि० (निश्चल) स्थिर, अथवा स्थिर; अचल. Steady; permanent; motionless नाया० २, ८, १७, —पय. पु० (—पद) निश्चयपद, मोक्ष. निश्चल पद मोक्ष. absolution, salvation राय०

शिचालोग. पु० (नित्यालोक) ६२ भो महाग्रह सूर्य प्रज्ञप्तिनी गणनी प्रमाणे अने हाणग सूत्रनी गणनी प्रमाणे ६४ भो ६२ वा महाग्रह (सूर्य प्रज्ञप्तिनी गिनतीके अनुसार) और ठाणग सूत्र की गिनतीके हिमावसे ६४ वा The 62nd great planet according to the calculation of Sūrya Prajñapti and 64th according to that of Thānānga Sūtra “ दो शिचालोग ” ठा० २, ३,

शिचालोय पु० (नित्यालोक) जुओ “ शिचालोग ” शब्द. देखो “ शिचालोग ” शब्द Vide “ शिचालोग ” सू० प० २०;

शिचुजोतय. (नित्योद्द्योत) ६३ भो महाग्रह सूर्य प्रज्ञप्तिनी गणनी प्रमाणे अने हाणग सूत्रनी गणनी प्रमाणे ६५ भो ६३ वा महाग्रह सूर्य प्रज्ञप्ति की गिनती के अनुसार और ठाणग सूत्र की गिनतीके अनुसार ६५ वा The 63rd great planet according to the calculation of Sūrya Prajñapti and 65th according to that of Thānānga Sūtra “ दोशिचुजोतय ” ठा० २, ३,

शिचेष्ट त्रि० (निश्चेष्ट) येषा रहित चेष्टा रहित Motionless, actionless.

नाया० २, १६,

शिचेथण्य न० (निश्चेतनक) अतन्य वगरु शरीर, मृतदेह चेतन्य रहित शरीर, मृतदेह A corpse, a dead body तदु०

*शिच्छुक. त्रि० (१) अज्ञाने
अज्ञान योग्य प्रसंग वा समय से अज्ञात
(One) not knowing the proper
or opportune time नाया० ६,

शिच्छुय पु० (निश्चय) निश्चय, निश्चय
निर्णय, निश्चय Rosolve, deter-
mination, decision नाया० १, राय०
२१५, भग० २, ६, १८, २, (२) अन्ध-
क्षियारी नियम व्यभिचार रहित नियम a
vow free from any sin, discre-
pancy सम० ३, (३) नि. निर्गत-निक्षी
गयेन छे अथ धर्म समूह नेमाथी धर्मनो
समूह नीक्षनी गयेन छे ओवे भेक्ष जिसमेसे
नि निर्गति-निकल गया है चय-कर्मसमूह,
कर्मका समूह निकलगया हो वह मोक्ष that
from which the collection of
Karmas has passed away i e
salvation or final bliss परह० १,
१, (४) वास्तविक पदार्थने भाननार
द्रव्यार्थिक नय वास्तविक पदार्थको हा मानने
वाला द्रव्यापक नय a real or essen-
tial point of view e g calling
a thinn in its reality सम० ३,
—णय पु० (-नय) द्रव्यार्थिक नय,
निश्चय नय द्रव्यार्थिक नय, निश्चय नय a
real or essential point of view,
e g calling a pitcher of clay a
pitcher of clay पचा० ७, ४६, सम० ३.

शिच्छुयन्न त्रि० (निश्चयज्ञ) निश्चयार्थ
ज्ञाननार निश्चयार्थ जाननेवाला (One)
whose knowledge is certain
or positive सूय० २, ६, १३,

शिच्छाय त्रि० (निश्छाय) शोभा वगरेतो,

उद्गुण शोभा रहित, कुरूप Ugly,
deformed नाया० १, २, परह० १, २,

शिच्छारिय त्रि० (निस्तारित) पार पड़ेया-
डेन. बाहर निकाल दिया हुआ Driven
out, pushed out. नाया० १,

शिच्छुगणा त्रि० (निस्तीर्ण) पार गयेन
किनारे को पहुचा हुआ (One) who
has gone to the opposite
shore, crossed. पत्र० ३६,

शिच्छुद त्रि० (निश्छिद्र) छिद्ररहित
छिद्ररहित Free from holes नाया० ६,

शिच्छुय त्रि० (निश्चित) निश्चित, नष्टो
क्षेत्र निश्चित, नष्टी किया हुआ Cer-
tain, assured, u doubted नाया०
१, ७, भग० ६, ३३, सम० ११.

शिच्छुद त्रि० (निश्चित) अक्षर नी लेन
बाहर निकला हुआ. Come out,
taken out नाया० ८, १६,

शिच्छुभणा स्त्री० (निश्चोभणा) भर्त्सना, तिरस्कार
२. भर्त्सना, तिरस्कार Act of rebuking,
scolding or insulting नाया० १६,

शिच्छुभावित्र त्रि० (निश्चोभित) अक्षर
क्षी भुक्षेन बाहर निकाल दिया हुआ
Driven out, pushed out नाया० ८,

शिच्छूड न० (निष्प्यूत) थु ड्ठु ते थूना
Act of spitting “मा परिच्चायगा
हीलिजंतो शिच्छूडो” आव० १, २,

शिच्छूड त्रि० (निश्चित) अक्षर क्षी
भुक्षेन. बाहर निकाल दिया हुआ. Pushed
out, driven out नाया० १६, १८,

शिच्छोडणा स्त्री० (निश्छोडना) भर्त्सना,
तिरस्कार भर्त्सना, तिरस्कार Act of
rebuking, scolding or insulting

भग० १५, १; नाया० १६;

✓ शिजम धा० I, II. (निगम् (यच्छ)= यम्) निश्चयथी प्राप्त करु, आधु, अधन करु. निश्चयसे प्राप्त करना, बाधना, बंधनकरना. To acquire, to tie; to fasten. शिजच्छति पञ्च० २३, सूय० २, ६, ३६; शिजच्छति. सूय० १, ८, ८,

शिजुत्त. त्रि० (नियुक्त) निभेक्षुं, जेधये त्यां जेधवेक्षुं नियत किया हुआ, योग्य स्थान पर जमाया हुआ Appointed, arranged in proper place ओव० २४,

शिजुद्ध. न० (नियुद्ध) कोर्ध पणु जतनी सलाह सधि स्वीकारवाभां न अ वे तेवु युद्ध कोई भी प्रकार की सुजह-संधि स्वीकृत न की जाय ऐसा युद्ध A battle in which the opposing hosts are not prepared to accept any terms of peace ओव० नाया० १;

शिजप्प त्रि० (निर्याप्य) सत्व रहित (भोजन) सत्व रहित (भोजन) (Food) devoid of substance परह० २, ५, —पाणभोयण न० (-पानभोजन) सत्व रहित भोजन पाणु सत्व रहित भोजन पानी food and drink devoid of substance or nutriment परह० २, ५,

शिज्जरण न० (निर्जरण) निर्जरा; धर्भनुं भरुं, निरस थयेव-भोगवायेव धर्भनुं अरीने दूर थवु निर्जरा, कर्म का गिर पड़ना, निरस भोगे जा चुके हैं ऐसे कर्म का गिर के दूर होना. Falling off, flittering away of Karmas from the soul after bearing fruit ओव० २१,

शिज्जरा स्त्री० (निर्जरा) धर्भनुं ओड देशथी अरुं-भरुं ते, आत्माथी धर्भनुं छुटा थवु, नव तत्वमानु ओड एक देश से कर्म का

भरना-गिरना; आत्मा से कर्म का पृथक् होना Falling off of Karmas from the soul, e g. after bearing their fruit ठा० १, १; २, १, २, ४, ४, ४, भग० ६, १, १८, ३; पञ्च० १५; सम० १, ओव० ३४, ४२, पंचा० ६, १४.

—पेहि त्रि० (-प्रेक्षिन्-निर्जरां प्रेक्षितुं शील-मस्येति निर्जरा प्रेक्षी) निर्जरातत्व ज्ञानुनार निर्जरातत्व जाननेवाला. (one) who has knowledge of the category called Nirjarā. “ मज्झिमसुत्तपाए ” आया० १, ८, ८, ५, उत्त० २, ३६, —पोग्गल पु० (-पुद्गल) आत्माथी छुटा थयेव धर्भना पुद्गल आत्मा से भिन्न हुए कर्म के पुद्गल Karmic matter separated from the soul by Nirjarā भग० १८, ३, —हेउ पु० (-हेतु) निर्जरातुं कारण, धर्भक्षयते हेतु निर्जरा का कारण, कम क्षय का हेतु. cause of Nirjarā or destruction of Karma पञ्च० १२, २६,

शिज्जरिज्जमाण त्रि० (निर्जिर्यमाण) धर्भना पुद्गलतते क्षय करतो कर्म के पुद्गलों का क्षय करता हुआ (One) who is destroying Karmic matter भग० १, १, २, ६, ३३,

शिज्जरिय त्रि० (निर्जरित) क्षय करेव, निर्जरा करेव निर्जरित, क्षय किया हुआ (One) who has destroyed or caused to be wasted away. “ शिज्जरिय जरामरण वंदित्ताजिणवरं महावीर ” तटु०

शिज्जवश्र त्रि० (निर्यापक) भेडाया प्रायश्चित्तने निर्वाह करनार. बडे प्रायश्चित्त का निर्वाह करने वाला (One) who goes through a great expiation.

ठा० ८, १,

शिञ्जवग. पुं० (निर्यापक-निर्यापयति तथा करोति गुर्वपि प्रायश्चित्तं शिष्यो निर्वाहयतीति निर्यापक) भोटा प्रायश्चित्तने निर्वाह कराने वाला (गुरु) (A preceptor) who causes his disciple to go through a hard expiatory penance. ठा० ८, १; १०, भग० २५, ७,

शिञ्जवणा स्त्री० (निर्यापना) प्राणिभ्योना प्राणने प्रयाण करवानु कृत्य, हि सानु ओष्ठ नाम. प्राणियों के प्राण को प्रयाण कराने का कृत्य, हिंसाका एक नाम Act of causing life to depart from sentient beings, a sort of Himsā परह० १, १,

शिञ्जाण न० (निर्याण) ज्यांथी पाधु आवधु न होय तेवु गमन, मोक्ष गमन जहा से वापिस आना न हो ऐसा गमन, मोक्ष गमन Going with retreat, salvation ओव० ३४, ज० प० ५, ११८, (२) स्वतत्र गमन स्वतत्र गमन uncontrolled or independent movement ओव० (३) भरलुकादे शरीरभाथी आत्मानु थहार नीक्षवुं ते मृत्यु के समय शरीर में से आत्मा का बाहर निकलना. the soul's getting out from the body at death ठा० ३, ४, (४) नगरथी थहार नीक्षवुं ते नगर में बाहर निकलना act of going out of a town ठा० ३, ४, (४) नगरभाथी नीक्षवाने रस्ते नगर में से निकलनेका रास्ता a road leading out of a town “ वाइदियाण शिगामट्ठाण शिञ्जाणिया एगरगमे वा जंपिय त शिञ्जाण ”

निसी० चू० ८, सू० प० ४, च० प० (५) निस्तार; छेडे. निस्तार, अन्त. end, decision सूय० २, २, ५७, —कहा स्त्री० (-कथा) राजनी स्वारी नीक्षे तेनी वात करी ते, राजस्थानो ओष्ठ प्रधार राजा की सवारी निकलने का वात करना, राजकथा का एक प्रकार. a story describing the procession of a king ठा० ४, २, —भूमि स्त्री० (-भूमि) ओठेडाणे निर्वाणपद भव्यु होय ते भूमि जिस स्थान पर निर्वाणपद मिला हो वह भूमि a place where one has attained salvation ज० प० ५, ११८, —मगग पु० न० (-मार्ग-निर्याणस्य मोक्षपदस्य मार्गो निर्याणमार्गः) मोक्षमार्ग मोक्षमार्ग the path of salvation भग० ६, ३३, (२) छुवने नीक्षवाने मार्ग जीवको निकलने का मार्ग a way for the soul to get out (of the body) ‘ पंचविहे जीवस्स शिञ्जाणमग्गे पण्णते ’ ठा० ५, ३, भग० १६, १, २६, २, दसा० १, ३, (३) नीक्षवाने रस्ते, थहार ज्याने मार्ग निकलने का रास्ता, बाहर जाने का मार्ग. a road or path leading out, an exit ज० प०

शिञ्जाणियलेण न० (निर्याणिकलयन) नगरभाथी निक्षवाना मार्गपणु भकान नगर में से निकलने के मार्गपरका मकान A house on a road leading out of a town भग० १३, ६,

शिञ्जामअ-य. पु० (निर्यामक) अवाणी, मुद्रानी. नौका वाहक A sailor, a helmsman ओव० २१, नाया० १७,

शिञ्जामग पु० (निर्यामक) अवाणी नाविक मन्नाह A sailor; a mariner, ओव० विगे० गय०

शिञ्जाय. त्रि० (निर्यात) नीडलेख. निकला हुआ. Come out, got out. नाया० १; ६; —रुवरयय. त्रि० (-रूपरजत) तन्मयं छे सोनुं ३५ नेछे ते जिसने सोना चांदी त्याग किया है वह. (one) who has abandoned or given up gold and silver. “ शिञ्जायरुवरयय गिहिजोगंपरिवज्जं जे से भिक्खु ” दस० १०, ६,

शिञ्जास पुं० (निर्यास) आउने रस; शुद्ध वगेरे थोड़ा पदार्थ. वृक्ष का रस; गोंद इत्यादि चिकना पदार्थ. Exudation of trees, gum etc ओव० नि० मा० १४२; शिञ्जिरण त्रि० (निर्जीर्ण) क्षीण, क्षय धरेल क्षीण, क्षय किया हुआ Destroyed, wasted away भग० १, १, ६, ३३; १२, ४, १४, ४; पन्न० ३६;

शिञ्जिय. त्रि० (निर्जित) शत्रु. जीता हुआ. Conquered जं० प० —सत्तु त्रि० (-शत्रु) शत्रुने जित्या छे नेछे ते जिसने शत्रु को पराजित किया है वह (one) who has conquered enemies. राय०

शिञ्जीव न० (निर्जीव) सोनुं आदि धातु मारवां ते, ७१ भी डडा सोना आदि धातु को मारना, ७१ वा कला The 71st art viz. rendering metals like gold etc fit to be used as medicines by chemical processes. ज० प० ओव० सम०

शिञ्जुत्त त्रि० (निर्युक्त) अथीन निश्चित, अवश्य Certain; assured. नाया १; ओव०

शिञ्जुत्ति. स्त्री० (निर्युक्ति —निश्चयेनार्थ-प्रतिपादिका युक्तिनिर्युक्ति) युक्ति सहित सूत्रना अर्थ अतापनार अथ युक्ति सहित

सूत्र के अर्थ बताने वाला ग्रन्थ. A work fully and logically explaining the meaning of Sūtras. —भार. पुं० (-कार) निर्युक्ति रचनार लक्षणादु स्वाभि वगेरे निर्युक्ति के रचयिता भद्रबाहु स्वामी इत्यादि an author of Nir-yuktis, e g. Bhadrabāhu etc. आया० नि० १, १, १;

शिञ्जुड त्रि० (निर्युड) अहार डाढी मुंडेले बाहर निकाल दिया हुआ Driven out; pushed out. नाया० १,

शिञ्जुह. न० (निर्युह) आरसाप पास अहार डाढेले लाड्डु; धोडले किवाड के नजदीक बाहर निकाला हुआ लकड़, चौखटा. A bent piece of wood projecting out from the upper part of a door-frame नाया० १; (२) गोप.सरोखा a balcony, a gallery. (३) गोप वातु धर सरोखावाला मकान. a house having a balcony or a gallery. जीवा० ३, ३,

शिञ्जुहग पुं० (निर्युहक) धोडले; धोडले चौखटा A quadrangular piece of wood at the upper corner of the frame in which a door of a house or window is set, (this is often used as a sort of shelf) पण० १, १;

शिञ्जुहित्त हे० क० अ० (-निर्युहित्तम्) अहार डाढवाने बाहर निकालने को In order to push out or drive away वव० २, ७,

शिञ्जुहिता सं० क० अ० (-निर्युहित्वा) पाछवालीने, डाढीमुडीने पीछे हटा कर, निकाल कर Having driven back, pushing out दसा० ७, १;

शिज्जोग पुं० (निर्योग) सेवक. सेवक, चकर
A servant, an attendant नाया० १,
शिजोय पुं० (निर्योग) सेवक. चाकर,
सेवक. An attendant, a servant
नाया० १, (२) वस्त्र, पात्रादि उपकरण
वस्त्र, पात्रादि उपकरण articles of use
for an ascetic such as clothes,
vessels etc राय० ८०,

शिज्झर पुं० (निज्झर) पहाडभाथी अरु
पाणी, अरे पहाड में से सरता हुआ पानी,
झरना A stream of water, a
brook issuing from a moun-
tain. पत्र० २, जीवा० ३, ३, नाया० १,
शिज्झाइत्ता स० कृ० ङ० (निर्धार्य) आरी
धीधी अवलोकन करीने, आरीधीधी चितवन
करीने सूक्ष्म रीति से अवलोकन करके, लक्ष
पूर्वक चितवन करके Having closely
or minutely observed or
thought upon आया० १, १, ६, ५०,
शिज्झाइत्तार त्रि० (निर्यात) अति चिंता
करने अति चिंता करने वाला (One)
given to excessive worry and
anxiety ठा० ६,

शिज्झोसइत्तार त्रि० (निज्झोपयित्) पूर्वना
करेवा कर्मने अभावना पूर्व के किये हुए
कर्मों का क्षय करने वाला (One) who
causes a destruction of the
Karmas done by him in his
past lives. आया० १, ३, ३, ११६,

√शि-ट्ठव धा० I, II. (नि+स्था+णि)
समाप्त करवु, पुर करवु समाप्त करना
To complete, to bring to a
close

शिष्टविषु. भू० भग० २६, १, २,

शिष्टवण न० (निष्ठापन) निष्ठापन पैदा
करना, उत्पन्न करना To produce, to

cause to be produced परह० १, १,
शिष्टा स्त्री० (निष्ठा) क्षय सिद्धि, क्षय
समाप्ति कार्य सिद्धि, कार्य की समाप्ति
Successful termination of work;
completion of work सूय० १, १७,
२१, भग० १६, ४,

शिष्टाण न० (निष्ठान) साग शुशुवायु-
संस्कारेण भोजन अच्छे गुण वाला भोजन
Wholesome food “शिष्टाणरम
निज्झूड” दम० ८, २२, —कहा स्त्री०
(कथा) भोजनना रस अने अर्थ सयधी
अत्यंत करीने ते भोजन के स्वाद और
खर्च सबधों वार्तालाप. a talk about
taste and cost of food ठा० ४, २,
शिष्टिक त्रि० (निष्ठिक) धर्मभा श्रद्धापूर्वक
भय रहने र वर्म में श्रद्धापूर्वक तल्लीन
रहने वाला, धर्म निष्ठ (One) who
devotes himself faithfully to
religion परह० २, ३;

शिष्टिय त्रि० (निष्ठित्) स्वकार्य सिद्ध करेव,
पुर करेव अपना कार्य सफल किया हुआ,
पूर्ण किया हुआ (One) who has
fulfilled his duties पत्र० ३६, दम०
७, ४०, नाया० १, (२) पु० मोक्ष, परि-
समाप्ति मोक्ष, सिद्धि final liberation,
completion आया० १, ५, ६, १६८,
(३) त्रि० सत्तावायु, निष्ठावायु मत्तावान,
श्रद्धावान् potent, steadfast. भग०
६, १, (४) आत्री, श्रद्धा. भरोमा, श्रद्धा,
विश्वास conviction, assurance,
faith “शिष्टियभवड” भग० १२, १;
—ट्ट त्रि० (अर्थ) कृतकृत्य, जेनेो अर्थ
मतलब सिद्ध यथोष्ठे अवे। कृतकृत्य,
जिसकी कार्य-सिद्धि होगई हो वह. (one)
whose object is fulfilled सूय०
१, १५, १६, आया० १, ५, ६, १६८;

(२) विषय सुषुप्ती पिपासा-वातसाथी रहित; मुमुक्षु. विषय सुख की इच्छा से रहित (one) free from attachment to the pleasures of the senses. “ पंडिपु नेहावी शिद्रियहे वीरे ” आया० १, ६, ४, १६३; — टि० (-अर्थिन्) मुमुक्षु-मोक्षनी धृष्ट २। ५-नार. मुमुक्षु-मोक्ष प्राप्ति की इच्छा रखने वाला. (one) longing for deliverance आया० १, ५, ६, १६८,
 शिद्रुभय त्रि० (निष्ठीवन) थुंङ्गना थूकने वाला. A spitter; one who spits पग० २, १;
 शिद्रुह. त्रि० (निष्ठुर) निष्ठुर, डंकोर, डंकिन दुष्ट, कठोर; कड़ेदिलवाला. Cruel, unfeeling, harsh ओव० २०, नाया० ८; ९, भग० ५, ४; जीवा० ३, १; — गिरा. स्त्री० (-गिर) निष्ठुर भाषा. क्रूर भाषा. harsh speech. गच्छा० ५४,
 शिद्रुवण न० (निष्ठीवन) थुंङ्ग; थलपे थूक, कफ, बलगम. Saliva, cough etc. from the mouth (२) त्रि० थुंङ्गना; थल या आदि डंङ्गना थूकनेवाला, मुँहसे कफ फेकने वाला. (one) who spits or ejects cough etc. from the mouth ठा० ५, १,
 शिद्राल. न० (ललाट) ललाट; डंभाल. ललाट; कपाल. Forehead. आया० २, १, २, १६; ओव० १०; नाया० ८, जीवा० ३, ३; तदु० जं० ५० ३, ४५;
 शिराअ-य पु० (निनाड) अनाज, ध्वनि. आवाज; ध्वनि. Loud sound; noise. नाया० १; ८, १४; जीवा० ३, ४, जं० ५०

शिरण त्रि० (निम्न) नीचुं नीचा. Low. (२) न० नीचे, डेंडे नीचे below; downward दसा० ७, १, भग० १५, १; जं० ५० ७, १५१;
 शिरणक्खु. त्रि० (::) डाढ़ी मुथुं ते निकाल देना Casting out, ejection, driving out “ बहिहा वा शिरणक्खु ” आया० २, २, १, ६५,
 शिरणगा त्री० (निम्नगा) नदी. नदी A river पन्न० १,
 शिरणायर त्रि० (निम्नतर) पधारे नीचु. अधिक नीचा Lower, at a lower level भग० ३, १,
 शिरणार. त्रि० (निर्नगर) नगर पधारे डटेक शहर बाहर निकाला हुआ, निर्वासित Driven out from a town “ अण्वे-गइण्ण शिरणारे करेहिंति ” भग० १५, १,
 शिरिणमेस त्रि० (निर्निमेष) आभना पत्रडाग रहित. जिसकी आंख के पलक नहीं लगते हैं वह, निमेष हीन. (One) with a fixed, stony gaze. ठा० ५, २;
 शिरहइया. स्त्री० (नैहविकी) ओड प्रकारनी लिपि एक प्रकार की लिपि. A kind of script पन्न० १;
 शिरहग पु० (निहव) सिद्धांतना सत्य अर्थने गोपनार, सत्य सिद्धांतना उत्थापड जमावो आदि सिद्धान्त के सत्य अर्थ को छिपाने वाला, सत्य सिद्धान्त के विरोधी जमाली आदि. (One) who conceals the true meaning of scriptures; (one) who refutes the true scriptures, e g Jamālī etc ओव० ४१, ठा० ७,

शिरहव. पु० (निहव) लुओ " निरहग " शब्द देखो " शिरहग " शब्द Vide " निरहग " ठा० ७,

शिरहवण पु० (निहवन) छुपावणुं ते छिपाना Act of concealing विवा० २,

शितंव पु० (नितम्ब) पर्वतनी डेड, पर्वतनी भात भाग पर्वत के मध्य या आसपास का भाग The lower or middle part of a mountain. (२) स्त्रीनी डेडने पाण्डेला भाग स्त्री का कमर का पिछला भाग a hip of a woman behind her waist " शीलवंतस्स वासहरपरवयस्स दाहिणिल्ले शितवे " ज० प० १, १७,

शितिउमाण न० (नित्यावमान-नित्यमवमान प्रवेश स्वपक्षपरपक्षयोर्येषु तानि तथा) ज० साधु नित्य वहेरना ज०य ते दुल जहा माधु नित्य गोचरी को जावे वह कुल A family where Jaina monks go for food every day आया० २, १, १, ६,

शितिय त्रि० (नैतिक) नियन नियमित कायम, नियमित Regular, fixed भग० ६, ३३, (२) नित्य पिड लेनार प्रतिदिन पिंड-दान लेने वाला a Jaina monk who receives his food at one and the same house every day निसी० ४, ३२,

शितिय. त्रि० (नित्य) हमेशा का, नित्य का, सतत. Daily, every day, always निसी० २, ३०. —(या) वाइ त्रि० (वादिन्) पदार्थनु ओझातपणु नित्यपणु स्थापनार एकान्ततया पदार्थ की स्थिरता स्थापन करने वाला (one) who affirms the existence of a thing in absolute and unqualified terms दमा० ६.

३. —(या) वास पु० (-वास) हमेशा ओझातपणु निवास करवो, स्थिरवास हमेशा एक जगह रहना, स्थिरवाम permanent stay, living in one place only. निसी० २, ३७,

शितिया स्त्री० (नित्या) जम्बुसुदर्शननु अपरनाम जम्बुसुदर्शन (वृक्ष) का दूसरा नाम-पर्याय A kind of tree also named the Jambū tree जीवा० ३, ४,

शित्त न० (नेत्र) नेत्र, आभ आस, नेत्र चक्षु An eye ठा० ६, १,

शित्तल त्रि० (निस्तल) शराणुथी न उतारेड, अनिष्पन्न अवृत्ता, अगमात Unfinished, incomplete " तेण शित्तल मणिरयण अस्मादेति " भग० १५, १,

शित्तस त्रि० (निस्तुष) डेतरी रहित, विशुद्ध छिलके रहित, विशुद्ध-विना छिलकेका Free from husk, clean. पणह० २, ४,

शित्तेय त्रि० (निस्तेजस्) तेज रहित. निस्तेज, प्रभाविहीन, तेजरहित Without lustre, having no lustre नाया० १, (२) पीय रहित वीर्य रहित weak, impotent भग० ६, ३३,

शित्थरण न० (निस्तरण) पा२ पाभनु पार होजाना, उसपार पहुचजाना Act of crossing or reaching the other end, a successful performance जं० प० नावा० १५, १८,

शित्थरियव्व त्रि० (निस्तरितव्य) पा२ पाभवा योग्य, जेने अत आवी शि ते पारपाने योग्य, अन्त आने जेना Worthy or capable of being successfully performed, fit to be crossed नाया० ३, ८,

शित्थाराण त्रि० (निःस्थान) स्थान भ्रष्ट.

स्थानभ्रष्ट, (अपने) स्थान से गिराहुआ,
स्खलित Fallen from one's place,
degraded. नाया० १८, विवा० ३;

शित्थार. पु० (निस्तार) पार, छोड़ो.
अन्त, पार; छोर. End, completion
e. g. of a journey. नाया० ६;

शित्थारणा स्त्री० (निस्तारणा) पार पाभयुं
ते. पारपाना; निस्तारहोना. Act of
successfully going to the other
end, act of finishing. ज० प०

शिदंसरा. न० (निदर्शन) उदाहरण, उदाहरण,
नमूना. Examp'le (२) निरंतर नेत्रु ते
वार २ देखना, सतत अवलोकन. seeing
repeatedly ठा० १, १;

शिदा स्त्री० (निदा—निदानं निदा) वेदना,
पीडा. वेदना, पीडा, त्रास. Pain;
oppression, affliction भग० १६, ५,

शिदाघ पुं० (निदाघ) ज्येष्ठमासका लोकोत्तर
नाम ज्येष्ठ मासका लोकोत्तर नम
The summer month of Jye-
stha so named ज० प०

शिदाय पुं० (निदाक) आन पूर्वक वेदना
जान-अनुभवपूर्ण वेदना Conscious
pain. भग० १६, ५;

शिदाह पुं० (निदाघ) ज्येष्ठ मासका लोकोत्तर
नाम ज्येष्ठ मासका विशेषनाम The
month of Jyestha so named
सू० प० १,

शिद्वु. पुं० (निर्दग्ध) सीमन्तकप्रभामे
नरकेद्रयी पूर्वनी आवलीकामे २१
मे नरकावासो. सीमन्तकप्रभ नामक
नरकेन्द्रसे पूर्व की आवलीका का २१ वा
नरकावास The 21st abode of the
hell of the eastern line of the
region of hell called Simant-

akaprbha Narakendra. ठा० ५, २;

शिद्वुमज्झ पुं० (निर्दग्धमध्य) सीमन्तक-
प्रभ नरकेन्द्रनी उत्तर आवलीकामे २१
मे नरकावासो. सीमन्तकप्रभ नरकेन्द्रका
उत्तर आवलीका का २१ वा नरकावास. The
21st abode of the hell of the
northern line of the region of
hell called Simantaka Prabha
Narakendra. ठा० ६,

शिद्वुवत्त पुं० (निर्दग्धवर्त) सीमन्तक-
नरकेन्द्रनी पश्चिम आवलीकामे २१ मे
नरकावासो. सीमन्तक नरकेन्द्रकी पश्चिम
आवलीका का २१ वा नरकावास The
21st abode of the hell of the
northern line of the region of
hell called Simantaka Nara-
kendra ठा० ६,

शिद्वुसिद्ध पुं० (निर्दग्धवशिष्ट) सीमन्तक-
नरकेन्द्रनी दक्षिण आवलीकामे २१ मे नर-
कावासो सीमन्तक नरकेन्द्रकी दक्षिण आवली-
का का २१ वा नरकावास. The 21st
abode of hell of the northern
line of Simantaka Narakendra
region of hell. ठा० ६,

शिद्वय. त्रि० (निर्दय) निर्दय. दृश्यारहित. नि-
र्दय, कठोर, पाषाणहृदय Cruel, piti-
less परह० १, १,

✓ शिदा. धा० II (नि+दा) उधु, सुधु .
ऊघना, निद्रालेना; सोना. To sleep.
शिदाएज्ज जीवा० ३,

शिदा स्त्री० (निद्रा) निद्रा, उध, निद्रा; नींद,
ऊघ sleep ओव० १६, आया० १, ६, २,
५, नाया० १३, पञ्च० २३, दसा० ६, १,
राय० २१५, —कखय. पु० (--क्षय) नि-
द्रातो क्षय निद्राका क्षय, निद्राका न आना;
एक रोग loss of sleep, insomnia

ठा० ५, २, —शिद्दा स्त्री० (-निद्रा)
गाढ निद्रा गहरी नोंद profound sleep
पञ्च० २३, ठा० ६, सम० —पमात्र पु०
(-प्रमाद) निद्राथी प्रमाद निद्राके कारण
उत्पन्न प्रमाद, असावधानी, निद्राप्रमाद inad-
vertence or negligence through
sleep ठा० ६, १,

शिद्धारिय त्रि० (निर्दारित) क्षुब्ध फाडा-
हुआ, विदारित Torn, rent परह० १, ३,
शिद्दिद्ध त्रि० (निर्दिष्ट) क्षुब्ध, दर्शावेन
कहाहुआ, बतलायाहुआ Sind pointed
out, mentioned पचा ३, १२,

शिदुद्धिया स्त्री० (निर्दुग्धिका) दुग्ध रहित
(गाय (गेरे) दूध विहीन (गाय आदि) (A
cow etc) not giving milk तदु०

शिद्देस पुं० (निर्देश) आज्ञा आज्ञा हुक्म,
अनुमति Command, order नाया०
६, १६, —वर्ति त्रि० (वर्तिन्) आज्ञा
प्रमाणे वर्तनार आज्ञाधारक, हुक्मके सुता
विक काम करनेवाला obedient to a
command “शिद्देस वर्ती पुण जे गुरुण”
दस० ९, २, २३,

शिद्देस त्रि० (निर्दोष) निर्दोष, दोषरहित
निर्दोष, दोषरहित, निर्मल Blameless,
innocent, free from fault or
defect ठा० ७, पचा० ७, ३५,

शिद्ध त्रि० (स्निग्ध) शीघ्रसाधु, शिगु.
चिकना, स्निग्ध Oily, greasy नाया०
१, ५, ८, भग० १, १, ६, ६, १०, ६,
२०, ५ ओव० पञ्च० १, (२) स्नेहवाधु
स्नेहवाला, स्नेही affectionate, lov-
ing सम० नाया० ८, (३) सुसाधु
सुवाला smooth, soft ज० प० ७,
१६६, २, २०, ३, ४५, (४) शान्त,
तेजस्वी, कान्त, तेजस्वी, दिव्य lovely,
lustrous परह० १, ४, ओव० जीवा० ३;

—ओभास त्रि० (-अवभास) शीघ्र
ज्येष्ठ भासतु देखातु. चिकना दिखाई
देता हुआ. only in appearance
नाया० १, राय० —पोगल न० (-पु-
डल) शीघ्र पुडल. चिकने पुडल पदार्थ.
oily, sticky substance भग० ७, ६;
—फास पुं० (-स्पर्श) स्निग्ध स्पर्श,
शीघ्र चिकनाई, स्निग्ध स्पर्श, छूनेमें चि-
कना. oily, greasy in touch सम०
२२,

शिद्धंत त्रि० (निर्धन्त) अग्निभा नाभी
धमेन, तपवेन, विशुद्ध धरेन अग्निपत्त,
अग्निमें तपाकर शुद्ध किया हुआ Passed
through the fire and purified,
heated in a furnace पञ्च० २,
जीवा० ३, ओव० १०, तदु०

शिद्धण त्रि० (निर्धन) निर्धन, गरीब निर्धन,
आर्कचन, दीन, गरीब Without wealth,
indigent; poor नाया० १८, विवा० ३,
शिद्धारण्य त्रि० (निर्धन्यक) धान्य अनाज
रहित अन्नरहित, धान्यविहीन With-
out food-grain, barren of corn
or food stuffs तदु०

शिद्धमण न० (निर्धमन) पात्र, मोटी मोटी
नाली, गटर A duct or outlet of
water ठा० ५, १, तदु०

शिद्धम्म त्रि० (निर्धर्म-निर्गतो धर्मात्) न-
चारित्र्यलक्षणादिति) धर्म रहित विना
वर्मका, अवर्म पूर्ण Impious, un-
righteous परह० १, १,

शिद्धधूय त्रि० (निर्धूत) धूत धरेन दूरकिया
हुआ, निष्कामित Thrown away,
shaken off, removed राय०

शिध्दण न० (निधन) नाश, पर्यवसान, छेडा
नाश, पर्यवसान, अन्तकाल, अन्त Death;
termination, end परह० ६, १,

शिधत्त न० (निधत्त) ओ३ प्रक्षरनेो क्षर्त्तनेो
५५. कर्मका एक बन्धन A particu-
lar kind of Karmic bondage.
“चउविहे शिधत्ते परणत्ते तंजहा पगइ शिधत्ते
ठिइशिधत्ते ” ठा० ४, २, भग० १, १,

शिधि पुं० (निधि) लंडार, भण्णनेो कोष,
निधि, भंडार, आगार. Treasure, store
सम० ३;

शिन्हइया स्त्री० (निन्हविका) अठार लिपि-
भानी ओ३ अठारह लिपियों में से एक
One of the eighteen kinds of
scripts सम० १८;

√ शि-पड वा० I (नि+पत्) नीचे पडु
नीचे गिरना, अधःपात To fall down
शिपडइ नाया० ९,

शिपयन्ति जीवा० ३, ४,

शिपतंत. त्रि० (निपत्त) नीचे पडतो नीचे
की ओर गिरता हुआ. Falling down.
परह० १, १,

शिपुण त्रि० (निपुण) निपुण, होशियार,
चतुर. चतुर, कुशल, निपुण, निष्णात
Skilful; clever; ingenious भग०
१६, ४;

शिपुंक्क त्रि० (निपुंक्क) गारा पगरु,
डीयड रहित कीचड या कीच रहित,
पंक्कविहीन Without mud, free
from mud जं० प० १, १२,

शिपुंक्क त्रि० (निपुंक्क) अति निश्चल
नितान्त; निश्चल, जडवत्, निश्चल-अटल-
स्थिर Quite motionless, steady.
सम० २,

शिपुंक्क त्रि० (निपुंक्क) अति निश्चल
प्रत्याख्यान रहित. प्रत्याख्यान (सकल)
रहित. (One) who does not
practise the vow called Pach-
chakkhāṇa i. e. abstaining

from doing particular things
for a fixed period भग० १२, ८,
—पोसहोववास त्रि० (-पौषधोपवास)
जे पोरसी आदि पय्यभाणु तथा पर्वने
दिवसे पणु पोषो उपवास वगेरे न करे ते.
पच्चखाण तथा पर्वके अवसर पर भी उपवास
पौषध आदि न करने वाला (one) who
does not observe any vow or
fast even on sacred days.
भग० ७, ६;

शिपुंक्क त्रि० (निपुंक्क) पाछो
पिछला. Backward, latter. भग० ५, ७,

शिपुंक्क त्रि० (निपुंक्क) जेभा पुछुं न पडे
तेवु, स्पष्ट, असंदिग्ध, स्पष्ट, जिस में
पूछने का काम न पडे, शक्यरहित, अमादिग
Evident, manifest, doubtless.
नाया० ५, भग० १८, १०, —पसिण-
वागरण त्रि० (-प्रश्नवाकरण) जेभा
पछी पुछुं न पडे जेवो जयाय, छेले
जयाय अन्तिम उत्तर, एक बात, जिसके
पूछने की पुन जरूरत न हो (an
answer) which leaves no
scope for further questions;
final answer “ शिपुंक्कपसिण वागरण
करेह ” भग० १२, १,

शिपुंक्क त्रि० (निपुंक्क) चिकित्सा
रहित अमाध्य, निरुपाय, चिकित्सा-रहित
Inremediable, devoid of reme-
dy. परह० २, ४,

शिपुंक्क त्रि० (निपुंक्क) सिद्ध, निष्पन्न
थयेस सिद्ध, निष्पन्न. Fully accomp-
lished, final नाया० ८,

शिपुंक्क त्रि० (निपुंक्क) सिद्धि. सिद्धि,
सफलता Liberation, deliverance,
fulfilment ठा० ६,

शिपुंक्क त्रि० (निपुंक्क) प्रत्याख्यान. प्रत्याख्यान

रहित, निराश Gloomy, dark “ देवे
चहस्सामीति जणइ विभाणा भरणाइं
शिप्पभाइं पासिता ” ठा० ३, ३,

शिप्परिगह्रूद पुं० (निप्परिग्रहसुचि-
निर्गता परिग्रहसुचिर्यस्य स) परिग्रहणी
धन्य वगैरन्ता जिसको परिग्रह की
इच्छा न हो Free from the
desire of worldly belongings
परह० २, ५;

शिप्पारा त्रि० (निप्पारा) प्राणु रहित
निष्प्राण, गतप्राण, प्राण विहीन Lifeless,
dead नाया० २, १६, १८

शिप्पाव पुं० (निप्पाव) वाद्य, ओष्ठ नतनु
धान्य एक धान्य विशेष A kind of
corn “ शिप्पा ई धरणा गघे वाइगपल-
हुलसुणा ss ई ” ठा० ५, ३, ज० प०

शिप्पिवास त्रि० (निप्पिपास) पिपासा-
लाजसा-रहित, लालसा-इच्छा रहित, निरि-
च्छ, उदासीन Free from greed
नाया० १, १६, परह० १, २, (२) स्नेह
रहित स्नेह रहित devoid of love
परह० १, १,

शिप्पुलाय पुं० (निप्पुलाक) आवती उत्स-
र्पिणीमा भरतक्षेत्रमाथनार १४ मा तीर्थंकर
आगामी उत्सर्पिणी में भरत क्षेत्र में होने वाले
१४ वें तीर्थंकर Name of the 14th
would be Tūthankara in the
coming Utsarpiṇī cycle सम०

शिप्फन्द त्रि० (निप्पन्द) यथन आदि क्रिया
रहित; स्थिर गति हीन, स्थिर Motion-
less, steady नाया० २, ८, १७,

शिप्फरण त्रि० (निप्पन्न) पूर्ण, भरपूर,
बरेषु पूर्ण, भरपूर, भरा हुआ Com-
pleted, full, perfect (२) पैदा
थयेषु; उपजेषु उपजा हुआ emerged,
created, produced ओव० ४०, पना०

८, १६,

शिप्फाड्डण सं० कृ० अ० (निप्पाद्य) उत्पन्न
उत्पन्न पैदा करके, उत्पन्न करके Having
produced पचा० ७, ४३,

शिप्फाव पुं० (निप्पाव) वाद्य; ओष्ठ नतनु
धान्य एक धान्य विशेष A kind of
corn पचा० १, ज० प०

शिप्फेडिय त्रि० (निप्फेटित) हरेषु हरेषु;
लप लीधेल. हरण किया हुआ, छीना हुआ,
लिया हुआ Taken away, seized.
ठा० ३, ४,

✓ शिवंध वा० I० (नि + बंध्) आधु
बांधना, फांसना To bind, to faster
शिवंध सम० २८,

शिवंधणं न० (निवन्धन) हेतु हेतु, उद्देश्य,
लक्ष्य Cause, motive नाया० १५,

शिवद्ध त्रि० (निवद्ध) शुद्ध, आधेय प्रवित,
गूथा हुआ, बाधा हुआ. Knitted,
bound together नाया० १, सम० १,
भग० १५, १, —आउय न० (—आयुष्क)
आधेय आयुष्य निश्चित आयुष्य life-
period pre-determined by
Karma नाया० १३,

शिव्वल त्रि० (निर्वल) अथ हीन अशक्त,
कमजोर, निर्वल Weak, feeble,
lacking in strength आया० १, ५,

४, १५९, —आसय पुं० (—आशक)
निर्गन्ध-सत्त्व रहित योग्य क्षेत्राने अभिग्रह
धनार साधु जिम साधुने सत्त्व-हीन अयोग्य
अन्न ग्रहण करने का नकल्प किया हो वह
a Sādhū who has made up
his mind to take only such
food as is lacking strength giv-
ing or invigorating ingredients
आया० १, ५, ४, १५६,

शिम्भच्छ्रय न० (निर्भत्यन) आश्रय

कटुपयन कहेवा, कपडा देवा ते. आवेशमें
आकर ऊंचेसे कटुवचन कहना, उलाहना देना.
Act of reproaching or rebuk-
ing in loud and threatening
words भग० १५, १, परह० १, ३;

शिबमचक्रणा स्त्री० (निर्भर्त्सना) कपडादेवा
उलाहना देना. Reproach, harsh
words भग० १५, १, नाया० १६;

शिबमचक्रिय त्रि० (निर्भर्त्सित) कपडा आपेन.
उपालम्भित, उलाहना दिया हुआ, भर्त्सना
किया हुआ Reproached, rebuked
नाया० १८,

शिबमय. त्रि० (निर्भय-निर्गतो भयात्) लय
रहित निर्भय, भयरहित, निडर Fear-
less नाया० १, ४; ८, १७, परह० २, ३;

शिबिमज्जमाण त्रि० (निर्भिद्यमान)
अतिशय भेदातु खूब भेदा हुआ. Exces-
sively pierced; excessively
torn. "जाव केतइ पुडाणं वा अणुवार्यसि
उत्तिमज्जमाणाय शिबिमज्जमा णाणं वा"
भग० १८, २, जं० प० जीवा० ३,

शिब त्रि० (निभ) सदृश; सरभु; तुल्य.
समान, सरीखा, तुल्य Lake, similar,
resembling, equal ओव० ३१,
अणुजो० १३०, ज० प० ३;

शिभंग पुं० (निभङ्ग) लागवुं, टूटवु ते
फूटना; टूटना Act of breaking
or being broken. परह० १, १,

✓शि-भत्थ धा० II (नि + भत्स्)
निरस्कार करवे। तिरस्कार करना. To
reproach; to insult

शिभत्थन्ति नाया० १६,

शिभत्थेहिन्ति भग० १५, १,

शिभिदिय सं० कृ० अ० (निर्भिद्य) अति
भेदीने अतिभेदन करके, बहुत खूब छेदकर
Having broken or pierced

too much निसी० १७, २३,

✓शि-मंत धा० II. (नि + मन्त्र) ओझंत
[न्या२ करवे। ते. एकांत विचार करना, गुप्त
मंत्रणा करना. To think or consult
in a private, retired place.

शिमंतयति. सूय० १, ३, २, १६,

शिमंतैति सूय० १, ३, २, १६,

शिमंतेमाण आया० २, २, ३, ३०,

शिमंतणा. स्त्री० (निमंत्रणा) आमंत्रण
करवुं. आमंत्रणकरना Act of inviting.

(२) प्रार्थना करवी प्रार्थना करना act
of requesting भग० २५, ७, सूय०

१, ३, २, २२, पचा० १२,

शिमग्ग त्रि० (निमग्न) डुबेला, डुबेला;
तल्लीन डूबाहुआ, मग्न, तल्लीन, तन्मय.

Drowned, sunk in mud, plung-
ed or absorbed in. ओव० १०,
जीवा० ३, ३, परह० १, ३;

शिमग्गजला स्त्री० (निमग्नजला) तिमिर
गुफाती अंदर बहेती नदी तिमिर गुफा
के भीतर बहनेवाली नदी A river
flowing in a cave named
Timisra ज० प० ३, ५५,

✓शि-मज्ज. वा० I (नि + मज्ज) स्नान
करवुं. नहाना, स्नान करना To bathe,
to take bath

शिमज्जावेइ प्रे० ज० प० ३, ५५;

शिमज्जग पु० (निमज्जक) डुअरी मारी स्नान
करना तापसनी ओझंत डूबकी लगाकर
स्नान करनेवाले तपस्वियों की एक जाति
विशेष A class of ascetics whose
characteristic is to remain
submerged in water for some
time while bathing. निर० ४, १,
भग० ११, ६,

शिमज्जण न० (निमज्जन) अथवा प्रवेश
करवे, डुपडी भारपी जलमे घुसना, पानीमें
डुबकी लगाना Act of plunging
oneself into water, act of
diving into water परह० १, १,

शिमि. पु० (निमि) परिधि, वर्तुल चक्र;
गोलाकार; परिधि, वर्तुल A circle, a
circumference जीवा० ३, ४,

शिमित्त पु० (निमित्त) कारण, हेतु, उद्देश्य, मशा Cause, immediate
cause नाया १, १४, पंचा० ७, २६, (२)
ऐक प्रकारनु ज्ञान, निमित्त शास्त्रथी भूत,
अविष्य ज्ञानु ते एक प्रकारका ज्ञान,
निमित्त शास्त्र से भूत, अविष्य ज्ञानना a
branch of knowledge, knowing
past and future events by the
help of omens etc प्रव० १३,—पिंड
पु० (-पिरड) साधुने निमित्त जनावेदेश
पिंड-आहार साधु के लिए तयार किया हुआ
भोजन food prepared for a
Sādhu आया० ठा० २, १, ६, ५०,

शिमिस्स पु० (निमिष) आभनो पलक्षरे
आख का इशारा, पलक मारना A twin-
kling of an eye. अत० ६, ३,

शिमिसिअ पु० (निमेषिक) आभनो पलक्षरे
जेटलो पभन पलक मारने इतना समय,
निमिष Time required for the
twinkling of an eye जीवा० ३,

शिमिस्स पु० (निमेष) आभनो पलक्षरे,
आभ उधाड थीय करवी ते आख खोलना व
मोचना, पलक मारना A twinkling of
an eye. act of winking भग०
१४, १,

शिमिस्स त्रि० (निर्मास) भास रहित मांस
हीन, बिना मांस का Without flesh
fleshless नाया० १,

शिममद्दग पु० (निर्मदक) आगवाने भारीने
थेरी करना, लुटारो हत्या करके चोरी
करने वाला, लुटारा One who com-
mits theft with murder, a
robber परह० १, ३,

शिममहिय त्रि० (निर्मदित्त) भर्दन करेव,
दलेव. मर्दित, पीसा हुआ, दलन किया हुआ,
चूरचूर किया हुआ Pressed ground.
परह० १, ३,

शिममल. त्रि० (निर्मल) निर्मल, २२७
मलरहित, साफ, स्वच्छ Pure, pellu-
cid, stainless नाया० १, भग० २, ६,
१५, १, सम० प० २३१, जावा० ३ तट्टु०
पत्र० २, (२) पुं० कर्मरूपी भेसथी सिद्ध
थयेव, सिद्ध भगवान कर्मरूपी मूल मे
शुद्ध, निद्ध भगवान free from the
impurities of Karmas, a per-
fected soul आर० (३) अमलक्षणा
७ विमानमानु येयु विमान ब्रह्म लोक क
छ विमानों-निवास स्थानोंमेंमे ४ या विमान
the 4th of the 6 heavenly
abodes of Brahmaloaka ठा० ६.

शिममवडत्तार त्रि० (निर्मापयित) सक्षयता
पर्यंत कार्य करना, कार्य सिद्ध भेसवाना
सफलता प्राप्ति तक कार्य करने वाला, इट
निश्चयी, कार्यमें सफलता पानेवाला (One)
who works on till success is at-
tained, (one) who accomplishes
the work undertaken (by him)
ठा० ४, ४,

शिममहियरागरोस. त्रि० (निर्मथितरागरोस)
जेट्ते रंग द्वेष मथी नाभ्या जेटे जिगने
राग द्वेष पर विजय पाया है वह राग न्य
रहित (One) who has subdued
or crushed out attachment
and hatred जीवा० १

शिम्मात्र. त्रि० (निर्मात) निर्माणु इरेल.
बनाया हुआ, निर्मित. Produced or
created ओव० ३१,

शिम्माय पुं० (निर्मात) निर्माणु इरेल.
बनाया हुआ Made or created.
नाया० ५, ज० प० ३, ४१,

शिम्मावित. त्रि० (निर्मापित) अनावेल,
रथेल. बनाया हुआ, रचित. Made, cons-
tructed, caused to be made "पच-
महद्भूया अणिम्मिया अणिम्मावित्ताअक-
डाणोकित्तिमा " सूय० २, १, १०,

शिम्मिय. त्रि० (निर्मित) निर्माणु इरेल
बनाया हुआ, रचित, निर्मित Created,
produced सूय० २, १, २२, नाया० १,
ठा० ८, ओव० —चाइ त्रि० (-वादिन्)
जगत ईश्वरे अनावेल छे ओम ओलनार
ससार परमात्मा का बनाया हुआ है यों कहने
वाला (one) who affirms that
the universe is created by
God ठा० ८,

शिम्मिसिय त्रि० (निर्मिपित) आभ वी थेल,
आभनो पलक्षरे भारेल आख वन्द किया
हुआ, पलक मारा हुआ, निर्मिपित नेत्र
(One) with eyes closed, (one)
who has winked (his) eyes
भग० १४, १,

शिम्मूल त्रि० (निर्मूल) भूख वगरनु मूल
रहित. Having no root, baseless.
"निम्मूलुल्लुण करणोठु नासिका च्छिन्न हत्थ
पाया " पराह० १, १; ३;

शिम्मेर त्रि० (निर्मर्याद) भर्याद रहित.
निस्सीम, अपार, मर्यादा रहित, बेहद Dis-
respectful, immodest, unlimit-
ed. राय० २०८, ठा० ३, १, भग० १२, ८,
ज० प० २,

शिम्मोयणी स्त्री० (निर्मोचनी) सपनी

झंयली सांप की कैचुली. The slough
of a serpent " जहाय भोई तखुयं
भुयंगो शिम्मोयणी हिच्च पलेइ सुतो "
उत्त० १४, ३४;

शिंय. त्रि० (निज) पोतानु, अगत निज,
अपना; निजका One's own, pertain-
ing to one's self, personal
" शां लब्धतिशिंयं परिगाह " ओव० १,
२, २, ६, ओव० ४०, —कुक्खि स्त्री०
(-कुक्खि) पोतानी दुअ निजकी कोख,
कुक्खी one's own womb नाया० २,
—जोगपवित्ति स्त्री० (-योगप्रवृत्ति)
पोताना योगनी प्रवृत्ति अपनी निजकी कार्य-
योग प्रवृत्ति one's own physical,
mental or moral activity पचा० २,
३६, —लिंगि त्रि० (-लिङ्गिन्) पोताना
भतवाले निजकी सप्रदाय-मतवाला (one)
devoted to or holding one's
own creed जीवा० ३, —समय पु०
(-समय) पोतानो समय; अवसर.
निजका-अपना-खुद का अवसर. one's
own time or opportunity पंचा०
६, २६,

शिंयइ स्त्री० (नियति-नियमन नियतिः)
दैव, भाग्य दैव भाग्य Fate; destiny,
providence सूय० टी० १, १, २, ३,
ठा० ४, (२) भावी भाव होनहार, नियति
destined or fated event —कड
त्रि० (-कृत) दैवे इरेल, भावि भावथी
अनेल दैव सम्पादित, होनहार द्वारा घटित-
किया हुआ fated, decreed by
fate, destined सूय० १, १, २ ३,
—चाइ पु० (-वादिन्) भावी भावने
माननार होनहार-भावी पर श्रद्धा रखने
वाला a fatalist, (one) who be-
lieves in the power of destiny

or fate. नदी०

गियइ स्त्री० (निकृति) भाया; ३५२ माया, कपट, छल Dishonesty, cheating, deceit परह० १, २, सम० —कम्म न० (-कर्मन्) भाया ३२वीं ते, २६ भी गैणु येरी कपट कार्य, प्रपच, २६वीं गैणु चोरी deceit, a deceitful act, 29th species of minor or secondary thefts परह० १, ३, —परणाण त्रि० (-प्रज्ञान-निकृतिभाया तद्विषये प्रज्ञान यस्य स तथा) ३५२ गैणुनार कपटी, मायावी, छली deceitful, (one) conscious of deceit सम० ३०,

गियइपव्वय पु० (निश्रुतिपर्वत) ओ नामने ओइ पर्वत के ज्या वाणुव्यतर देवे कीडार्थ वैक्किय शरीरना भिन्न भिन्न रूपो धारणु डरे छे एक पर्वत विशेष कि जहा वाणव्यतर देवता कीडा के लिए वैक्किय शरीर के भिन्न भिन्न रूप धारण करते हैं Name of a mountain where the gods of the Vānavyantara class change their bodies into various shapes by the Vākiya process for sport जीवा० ३, राय०

गियइय न० (नैयतिक) निश्चय, अवश्यपणु निश्चितता, स्थिरता, अनिवार्यता, नियति से सम्बद्ध Certainty, state of being absolutely certain पञ० १७, गियंठिय त्रि० (निश्चित) प्रत्याख्यानने ओइ प्रश्नर, गमे तेरी मुसीअन होय छता पय्यभाणु न छोडवा ते एक प्रकार का प्रत्याख्यान, चाहे जैसी कठिनाई में भी प्रत्याख्यान-पचखान का न तोडना A mode of the vow of abstinence viz maintaining it under any

circumstance ठा० १०,

गियंठ पुं० (निर्ग्रन्थ) गाल्थ अने अव्यन्तर ग्रन्थ-परिग्रह रहित, साधु अन्तर्वाह्य ग्रन्थ-परिग्रह रहित, मायु One not possessed of worldly wealth nor internally attached to it, an ascetic. भग० ५, १, २५, ६, ठा० ३, २, ५, ३,

गियंठत्त न० (निर्ग्रन्थत्व) निर्ग्रन्थपणु, भभत्तरहित साधुपणु निर्ग्रन्थता, ममत्व-विहीन-मायुता Asceticism, monkhood bereft of all attachments भग० २५, ६,

गियंठिय त्रि० (नैर्ग्रन्थिक) निर्ग्रन्थ स पधी निर्ग्रन्थ विषयक Pertaining to an ascetic, pertaining to a Tītha nkara सूय० १, ६, २६,

✓गि-यंस धा० II (नि + वस्) पहेंडु, धारणु डरु पहिनना, धारण करना To wear, to put on

गियवेइ जीवा० ३, ४, राय० १८६, नाया० १, गिअमइ ज० प०

गियसिता जीवा० ३, ४, राय० १८६,

गियंसण न० (निवसन) वस्त्र, पोशाक वस्त्र, पोशाक Dress, garment, attire ओव० २४, परह० १, ३, नाया० ८, पन० २, निमी० १५, ३५,

गियग त्रि० (निजक) पोतानु. २३वीं अपना, निजका, स्वीय One's own नाया० १, २, ४, ७, ८, ६, भग० ६, ३३, १२, ६, १५, १, १६, ५, ६, विवा० ७, आया० १, २, १, ६४,

—परिवाल पु० (-परिवार) पोतानो परिवाल निज परिवार, अपना वड्ड one's own attendants, family 'पियमपारवालण नाद्ध मरिमुडे' राय० ओव० गियडि स्ता० (निकृति) गड्डति, गमयानी

पेडे धर्मना ६ लयी लोडोने इगवा ते, भाया
इपट इरवुं ते वगुला भाक्ति, वकचेष्टा, वगु-
लेके समान मिथ्या धार्मिक ढोंग फैलाकर-
कपटपूर्वक-लोगोंको ठगना Hypocrisy,
act of deluding others by affec-
tion of holiness. सूय० २, २, ६२,
नाया० २, १८, परह० १, ३, भग० १२,
५; --परगणण त्रि० (-प्रज्ञान) भाया
इपट ज्ञानार. मायावी, कपटी familiar
with fraudulent and deceitful
practices दसा० ६, २४, २५;

शिवडिल्लया छी० (निकृति) भाया, इपट,
माया; कपट, छल. Deceit, fraud भग०
८, ६, ठा० ४, २,

शिवशिव त्रि० (निजनिज) पेतपेतानुं
अपना खुदका, अपना अपना One's own
(the use of this is rather pe-
culiar to Indian vernaculars,
in English it can be conveyed
by the following example—
They went to their houses each
to his own) पचा० २, १२, --तित्थ
न० (-तीर्थ) पेतपेताना सिद्धांत-प्रत्यन
अपने २ सिद्धान्त प्रवचन each one's
religious creed पचा० ६, ३६,

शिवत त्रि० (नियत) शाश्वत शाश्वत, निर-
तर; सतत Everlasting, eternal
ठा० ५, ३;

शिवति छी० (नियति) ज्ञोओ " शिवइ "
शब्द. देखो 'शिवइ' शब्द. Vide 'शिवइ'
सूय० २, १, २६, --वाइअ त्रि० (-वा-
दिक) लाविभाव होय तेअ अने पुअर्थ
अडिचितर छे ओम ओलनार दैववादी,
भावी श्रद्धा रखने वाला, जो होनहार हो,
वही होता है, आदमी कुछ नहीं कर सकता,
आदि बात कहनेवाला a fatalist, (one)

who does not believe in the
power of human effort. सूय० २,
१, २६;

शिवतिपव्वय पुं० (नियतिपर्वतक) ओ
नामने ओइ पर्वत इस नाम का एक पर्वत.

Name of a mountain जीवा० ३, ४,
शिवत त्रि० (निवृत्त) निवृत्त, निवृत्ति
पामेअ निवृत्त, छूगहुआ Retired,
free, (one) who has abstained
from "परिग्रहारंभ नियत दोसा" उक्त०
१४, ४१,

शिवत्त त्रि० (निकृत्त) छेदन इरेल, कापेअ
छेदाहुआ, काटाहुआ. Cut, mowed
नाया० १, २, १८,

शिवत्तिणिय न० (निवर्तनिक) क्षेत्रगुं भाप
विशेष, क्षेत्रका एक विशिष्ट माप A kind
of measure of space. भग० ३, १,
--मंडल पुं० (-मण्डल) शरीर प्रमाणे
भूमि शरीरके प्रमाणानुसार भूमि space
measured by the length of the
body भग० ३०, १,

शिवत्थ त्रि० (निवासित) पहरेल; धारण
इरेल पहिनाहुआ धारण कियाहुआ.
Worn, put on. नाया० १, १६;

शिवम पुं० (नियम) नियम, अलिग्रह.
नियम, अभिग्रह, संकल्प. A vow, a
species of vow called Abhi-
graha भग० ६, ३४, १८, १०, २०, ८,
४२, १, नाया० १, १६, राय० २१५;
सत्था० (२) पिउ विशुद्धी आदि उत्तर
गुण पिउ विशुद्धि आदि उत्तर गुण.
minor qualities such as purity
relating to food etc सम० १०
१६८, परह० २, ४, भग० २०, ८, (३) निश्चय,
नडरी, ओइइस निश्चय, ठाकरीक cer-
tainty; surety पत्र० १, १७, भग०

१२, १०, १६, ८; अणुजो० ८१; (४) अवश्य भावना unavoidable necessity सम० ६, सूय० नि० १, १३, १२३, —अंतर पु० (—अन्तर) नियम वचने अंतर-शब्द-भेद नियम विषयक अन्तर-भेद-शब्द difference between one rule and another “ अयंतरेहि शियमंतरेहि ” भग० १, ३, —शिष्पकंप्प. त्रि० (—निष्पकम्प) अपवाद विना नियम पावनार, नियम पावनामा युस्त-कडक कडक नियम पालक; दृढ सिद्धान्त वाला unflinching in the observance of vows परह० १, १, —प्पहाण त्रि० (—प्रधान) उत्तम नियम-प्रत अभिग्रह पावो शुद्ध सकल, उत्तम नियम वाला (one) practicing hard and austere vows राय०

शियमओ अ० (नियमत्तस्) नियमत्री नियम से, नियमानुसार From a vow, through a vow, as a rule of vow पचा० १०, ४०,

शियमण न० (नियमन) सयम सयम, आत्म वृत्ति निरोध Act of controlling, e. g. the sense, self-regulating. “ उहेस्सम्मि चउत्थे समास वयणेणशियमणं भणियं ” आया० नि० १, ४, १, २१६,

शियय त्रि० (नियत) शाश्वत, नित्य रहनेवाला, शाश्वत-स्थिर-स्थायी Eternal, everlasting सूय० १, ८, १२, जीवा० ३, १, —चारि त्रि० (—चारिन्) प्रतिबद्ध वगैरे बिहारे करनेवाला स्वतंत्रचारी, यथेच्छाचारी (one) roaming or moving unobstructed from one place to another

“ आखिले आगिद्धे आणियुचारी ” सूय० १, ७, २८, —पिंड. पु० (—पिण्ड) भ्रमेशा ओ३ धन्धी लेतामा आवतो पिंड आहार सदैव एक ही घर से लिया जाने वाला भोजन food daily received as alms from one and the same house ग्र० १०,

शियय त्रि० (निजक) पोतानु निजी, अपना, खुद का One's own नाया० १, २, १८; भग० १२, ६, —वयणिज्ज त्रि० (—वचनीय) पोतानी दृष्टिसे विवेचन करनेवाला—निर्णय करनेवाला. अपनी दृष्टिसे विवेचन करने योग्य, आत्म दृष्टि से निरूपण करने योग्य fit to be explained from a particular accepted standpoint “ शिययवयणिज्जसच्चा सव्वनया वियालणे मोहा ’ सम० १, —कउज न० (—कार्य) पोतानु लक्ष्मी करेले कर्तव्य अपना-निजी-निश्चित कर्तव्य one's own prescribed or settled duty नाया० १६, —घर न० (—गृह) पोतानु घर निज गृह, घर का घर one's own house नाया० ६, —परिणाम न० (—परिणाम) २५ विप्राय, पोतानो मत. स्वाभिप्राय, अपनी राय, निज की सम्मति one's own view or opinion “ शिययपरिणामा ” जीवा० १, —बल पु० (—बल) पोतानु शक्त, आत्म-शक्त आत्मबल, स्वशक्ति, आत्मशक्ति one's own strength of the mind or body नाया० १६,

शियर पु० (निरु) समूह, ७५थो समूह, झुंड A multitude, a collection नाया० १, ६, १७,

शियल त्रि० (निगड) आधन, ओड़ी वंजी, वजन, कैदी का जर्जर Letter-बोध० नि० ८६७,

शियल. पुं० (निगड) ८८ महाग्रहमांते ५३
 भो महाग्रह ८८ महाग्रहोंमें से ५३ वां महा-
 ग्रह The 53rd of the 88 great
 planets. “ दो शियल ” ठा० २, ३,
 शियाग पुं० (नियाग) भोक्ष मोक्ष, मुक्ति,
 निर्वाण Final beatitude, salva-
 tion सूय० १, १६, ४, —पडिवन्न
 त्रि० (-प्रतिपन्न) भोक्ष भागने प्राप्त थयेव.
 मोक्ष मार्ग को प्राप्त, मोक्ष मार्गी (one)
 who has secured the path
 leading to salvation धम्मविज्ज-
 शियागपडिवन्ने ” सूय० १, १६, ४,

शियाण. न० (निदान) नियाणुं इरुं, तपस्या
 वगेरे इरुणीना इरुनी वाछा इरुनी, इरुणीनु
 अमुक इव भवे ऐवी आशा गणित ते
 निदान लगाना, तपस्या आदि कर्मों की फला
 कांक्षा करना, अमुक कार्य से अनुक फल
 मिलने की आशा रखना Desire for
 future sense-pleasures as a
 reward for austerities, hope
 of fruit for actions done नाया०
 १२; १६, ओव० १६, ३८, ठा० १०;
 सूय० २, ३, १, —करण. न०
 (-करण) नियाणु आधुते, इरुणीना
 इव तरीके यक्षवर्ति-धृष्ट वगेरे थवानी प्रार्थना
 इरुनी ते निदान लगाना, कर्म फलानुसार
 इन्द्रादि पद की प्राप्ति के लिये प्रार्थना करना.
 act of praying that as a result
 of one's actions one might be
 an Indra, a Chakravartī etc ठा०
 २, ४, —दोस. पु० (-दोष) नियाणु
 आधवार्थी लागतो दोष (कर्म फल) करने के
 कारण लगने वाला दोष sin incurred
 by desire for reward of actions
 (religious etc) नाया० १६, —मयग
 पुं० (-मृतक) नियाणु आधीने भरनार

(कर्म फल) की इच्छा रखकर-मरने वाला
 (one) undergoing death with a
 heart full of desire for the
 reward of good actions done
 by him ओव० —मरण न० (-मरण)
 नियाणु आधीने भरनु ते, आध भरनुते
 ओड प्रकार कर्म फल की इच्छा सहित
 मरण, बालमृत्यु विशेष. an ignorant,
 non-religious mode of death;
 death in a state in which the
 heart is full of desire for the
 reward of meritorious deeds
 done ठा० ६, —सल्ल न० (-शल्य)
 सपत्ति पामचाने नियाणु इरुनु ते, वल्ल
 शदयमानु ओड वन प्राप्ति के अर्थ नियाणा
 करना, फलाकांक्षा रखना, तीन शल्यों में से
 एक. one of the three thorns in
 the spiritual path, Niyānā for
 getting wealth etc ठा० ३, ३, मम० ३,
 शियाणओ अ० (निदानतस्) इरुणी.
 कारणत, कारण से Owing to, on
 account of आया० १, ६, ०, १७२,
 शियाय. पु० (नियाग—नितरां यजन यागः
 पूजा यस्मिन् सः) भोक्ष मोक्ष, मुक्ति Sal-
 vation सूय० १, १, २, २०; —ट्टि
 त्रि० (-र्थिन्) भोक्षने अर्थ मोक्ष
 प्राप्ति का इच्छुक, मोक्षार्थी, मुमुक्षु (one)
 desiring or aiming at salvation
 “ एवमेव शियायठी धम्ममाराहगावय ”
 सूय० १, १, २, २०, —पडिवरण त्रि०
 (-प्रतिपन्न) भोक्षने प्राप्तथयेव मोक्ष प्राप्त, मुक्त
 (one) who has attained salva-
 tion, liberated “नियायपडिवन्ने अमाय
 कुवमाः वियाहिण्” आया० १, १, ३, १८,
 शियावादि त्रि० (नियतवादिन्) पदार्थों
 ओडान्ते नित्य छे ऐवा भतवालो. मार

पदार्थ एकान्त नित्य हैं ऐसे मत वाला A believer in the doctrine that the things are everlasting
 ठा० ८, १,

शियुक्त त्रि० (नियुक्त) नियुक्त करे, नियुक्त किया हुआ, स्थापित, जुड़ा हुआ; लगाया हुआ Employed, appointed, joined नाया० ६,

शियुद्ध न० (नियुद्ध) मल्लयुद्ध युद्ध पहलवानों की कुश्ती, मल्लयुद्ध Wrestling ज० प०

शियोग पु० (नियोग—नियतो निश्चिनो वा योग सम्बन्ध इति नियोग) अनुयोग, व्यापार अनुयोग, व्यापार Employment, application, activity (२) निश्चय, योद्धस निश्चय, चोक्कस certainty, surety. पचा० ८, १७,

शिरत्र त्रि० (निरत) लीन, आसक्त मग्न, डूबा हुआ, अमग्न, लीन Attached to, absorbed in परह० २, १,

शिरइ स्त्री० (निर्ऋति) राक्षस. राक्षस A kind of demon (२) भूत नक्षत्रों अधिष्ठाता देवता. मूल नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता presiding deity of the constellation Mūla. “ दो शिरइ ” ठा० २, ३, ज० प० ७, १२०,

शिरइयार पु० (निरातिचार) पहेला अने छेला तीर्थकरना वपतमा अतिथार दाया विना ने सामायिक चारित्र छोडी पीणु चारित्र आरोपणमा आवे छे ते, छेलापस्थापनीय चारित्रनो पीले भेद पहिले और अन्तिम तीर्थकर के समय में विना अतिचार लगाये सामायिक चारित्र के निवाय दूसरे चारित्र का आरोपण, छेलापस्थापनीय चारित्र का दूसरा प्रकार The 2nd variety of Chhedopasthāpa

nīya Chāntira, (during the times of the first and the last Tirthankaras) the practice of taking the second step of ascetic discipline passing over the 1st viz. Samāyika chāntira (this did not involve in those days the sin of Atichāra) भग० २५, ७, (२) त्रि० अतिथार रहित अतिचार रहित free from the sin of partial transgression नाया० ७,

शिरंगण त्रि० (निरङ्गण) राग रहित रागरहित, विरागी Free from passion पचा० ११,

शिरंजण त्रि० (निरञ्जन—निर्गतो रञ्जनो यस्मात् स) रागशी रहित, भुक्त राग रहित, मुक्त Devoid of attachment, liberated, free from worldly attachment “ सखे इव शिरजणे ” ठा० १, १;

शिरतर न० (निरन्तर) निरंतर, हमेशा हमेशा, सदैव Constantly, incessantly भग० १३, ६, १६, १, २, ७, ४१, १, राय० ३४, श्रव० ठा० २, ३,

शिरंतरिय त्रि० (निरन्तरिक—निर्गताऽन्तरिका लघ्वन्तररूपा येषां ते निरन्तरिका) अंतरापथ अंतर रहित अंतर—अवेधि रहित, भेद शून्य Without any interval जीवा० ३, राय० ज० प०

शिरण्डकंप त्रि० (निरनुकम्प) अनुकम्पा रहित, निर्दय अनुकम्पा विहीन, कठार. निर्दय Merciless, unsympathetic, cruel परह० १, ३, नाया० २,

शिरणुकोस त्रि० (निरनुकोश) दया रहित दयारहित, निर्दय Callous, ruthless

नाया० २,

शिरणुताव. त्रि० (निरनुताप) पश्चात्ताप
रहित पश्चात्ताप रहित Unrepented,
remorseless नाया० २;

शिरस्थ.ग अ० (निरर्थक) श्लैष्म, निरर्थक.
मुफ्त, निरर्थक; व्यर्थ, वृथा Useless;
in vain परह० १, २,

शिरभिस्संग. त्रि० (निरभिष्वङ्ग) संग
रहित, आध्यात्म्यन्तर द्रव्य परिग्रह रहित,
निस्पृह संग रहित, बाह्याभ्यन्तर द्रव्य
परिग्रह हीन, निरिच्छ, निस्पृह. Free
from attachment to worldly
objects, free from desire
पंचा० २, ३४;

शिरय त्रि० (निरत) आसक्त आसक्त,
मोहमय, मग्न Attached to सम०

शिरय पु० (निरय) नरक. नरक Hell
(२) नरकना ७५, नारकी नरक के जीव
नारकी. hell-beings पञ्च० २, परह०
१, १; दसा० ६, ४, —आवलिया स्त्री०
(—आवलिहा) निरय-नरकनी आल्लिहा-
श्रेणी-पक्ति अन्य नरकावास नरक की
आवलिका-श्रेणी, पाँकेनबद्ध नरकावास a
row of abodes in hell, a series
of abodes of hellish beings
पञ्च० २, (२) ये नामनु ओक सूत्र
सूत्र विशेष name of a Sūtra. ज०
प० १, निर० १, ५, —आवास पु०
(—आवास—आवसन्ति येषु ते आवासा
निरयाश्च ते आवासाश्चेति) नरकावासे
नरक वास, नरकस्थिति. an abode
of hellish beings “इमीसे णं भते
रयणप्पभाण पुढवीण कइ निरयावाससय
सहस्सा पणत्ता” भग० १, ४, मम० २५ ३०,
३५, ४०; ४२; ५१, ५५, ७४, ८४, —गइ
स्त्री० (—गति) नरक गति; आर गतिभानी

ओक. नरकगति; चार गतियों में से एक
existence in hell, one of the 4
conditions of existence. ठा० ५, ३,
१०,—गामि त्रि० (गामिन्) नरकभां
जनार. नरक गामी, नरक में जाने वाला
(one) destined to hellish
life. जं० प० २, २७,—गोयर. पुं०
(—गोचर) नरकभा रहेनार ७५, नारकी
नरक में रहने वाला जीव, नारकी an in
mate of hell, a hellish being.
परह० १, २,—पाडिरूवय त्रि० (—प्रति-
रूयक) नरक समान, नरकनो नमुनो
नरकवत्, नरक समान प्रमाण hellish;
like hell नाया० १, —पत्थड पु०
(—प्रस्तर) नरकनो पाथडो नरक का प्रस्तर
—थर. A stratum of hell पञ्च० ३;
—परिसामंत पु० (—परिसामंत) नरक-
वासनी इस्ती आल्लु नरकवासकी सीमा.
the boundary-line of a hel-
lish abode भग० १३, ४, १३, ६;
—पाल पु० (—पाल) नरकने पालनार,
परमाधामी नरक पालक, परमाधामी
a custodian or sentinel of
hell called Paramādhāmī. ठा०
४, १, —वास पुं० (—वास)
नरकवास वास नरकरूप वास, नरकवास
residence in hell “शिरयवास
गमणनिवो” परह० १, १,—विभक्ति
स्त्री० (विभक्ति) नरकना विभाग. नरक के
विभाग; नरकप्रदेश divisions of hell
(२) ये नामनु सूयगडाग सूत्रनु पाथडु
अध्ययन सूयगडाग सूत्रके पाँचवे अध्या-
यका नाम name of the fifth
chapter of Sūyagadāṅga
Sūtra परह० १, २,—विग्रहगइ स्त्री०
(—विग्रहगति—निरयाणा नरकाणां विग्र

हात् क्षेत्रविभागानऽतिक्रम्य गतिर्गमन निरय-
विग्रहगतिः) नरकभा वृत्तगतिषु ७५ ते
नरकमे देही गतिसे जाना passing of
the soul to hell by an irregu-
lar motion or progress टा० १०,
—वेयण्डज्ज न० (—वेदनीय) नरकभा
वेदना योग्य कर्म नरकमे अनुभव लेनेयोग्य
कर्म Karma bearing fruit in
hell “ शेरदुष्प शिरय वेयण्डज्जसि
कम्मंसि ” टा० ४, १,

शिरवकांखि छा० (निरवकांछिन्) कला-
ध्वंशरहित निरिच्छ, आकाञ्छहीन Hav-
ing no desire, free from desire
नाया० ६,

शिरवज्ज त्रि० (निरवज्ज) निर्दोष निर्दोष,
अनवज्ज Innocent, harmless “ से
सजण समक्खाण शिरवज्जाहारे जे विऊ ”
दस० नि० ५, १,

शिरवयक्ख त्रि० (निरपेक्ष) पर प्राण वधाव-
धामा भेदरक्षार पर प्राणरक्षामें अमावधान
Careless as regards the safety
of the lives of others पण्ह० १,
१, नाया० १, ६,

शिरवल्लव त्रि० (निरवल्लम्ब) अवलम्बन
रहित, आधार-रहित वगरेतो निरावार, निर-
वल्लम्ब, आवारविहीन Without any
support to rest on पण्ह० १, ३,

शिरवत्ताव त्रि० (निरपत्ताव) छान्नी बात
भीजने न छेदी देतार दूसरोको किसीकी बात
न कहनेवाता (One) not communi-
cating to others a secret con-
fided to (him or her) सम० ३२,

शिरवसेस त्रि० (निरवशेष) संपूर्ण, समग्र
सम्पूर्ण, समग्र सारा Full, complete,
whole भग० २, १, १२, ३ १५, १, १६,
८ १६, ८, २४, २०, २५, ३ ३५, ११,

नाया० १,

शिरहिगरण नि० (निरधिकरण) मोटा आ
रक्षक शस्त्र वगरेतो बडे आरम्भ्य शस्त्रोंसे
रहित Not possessed of weapons
used for inflicting injury पचा०
१६, २२,

शिरहिगरणि त्रि० (निरधिकरणिन्) अधि-
करण रहित, शस्त्र रहित अधिकरण शम्भ-
विहीन, निशस्त्र Not possessed of
offensive weapons भग० १६, १,

शिराकिञ्चा म० कृ० अ० (निराकृत्य) दुर-
क्षीने, त्यागीने दूर करके, त्यागकर, छोड़कर
Having repudiated, having
given up “ ततोवाय शिराकिञ्चा ” भय०
१, ३, ३, १७,

शिराणंद त्रि० (निरानन्द) आनन्द रहित
निरानन्द, आनन्द रहित. Devoid of the
feeling of joy जं० प० २, ३३,
नाया० १,

शिरानक त्रि० (निरातंक-निर्गतः यातदा
रोगविशेषो यस्मात्) रोग रहित निरोग,
निरामय, स्वस्थ, Healthy, free
from disease पण्ह० १, ६, श्राव०
तट०

शिराभिमान त्रि० (निराभिराम-नितरां शभि-
रामो निराभिराम) अति सुंदर अति सुंदर
बहुतरम्ब Surpassingly beautiful
पण्ह० १, २,

शिरामगंध त्रि० (निरामगन्ध) आगन्ध
मुनेत्तर गुणगुणता ३५ देय तेथी रहित
आमगन्ध मुनेत्तर गुणगुणता दायें रहित
Free from the guilt of a breach
of fundamental or secondary
virtues “ म मवदमी अभिनय नाणा
शिरामगंध धिडम टिनरा ” मृ० १, ६, १,

गिरायक त्रि० (निरायक) अनुयायी ‘ गिरा-

तंक" शब्द देखो "शिरातंक" शब्द
 Vide 'शिरातंक' जीवा० ३, ३;
 शिरायास त्रि० (निरायास) जेदना क्षरणुथी
 रहित, खेदरहित, कष्टरहित; सरल; सहज
 (One) having no cause for
 sorrow परह० २, ४;
 शिरालवन. त्रि० (निरालम्बन) आधारभूत
 आधार रहित निराधार, आधार-सहाय
 रहित Having no support to
 rest on "गयणमिव शिरालवण" ठा० ६,
 नाया० ६,
 शिरावकाखि त्रि० (निरवकांक्षिन्) आकांक्षा
 रहित, निरपृष्टी आकांक्षा रहित, निरिच्छ,
 निस्पृह Having no desire; unselfish
 "निस्वम गहाउ शिरावकाखी कायं
 विऊ सेज्ज नियाणछिजे" सुय० १, १०, २६,
 शिरावयक्ख त्रि० (शिरपेक्ष) अपेक्षा
 रहित जिसे अपेक्षा न हो वह, निरपेक्ष
 Having no desire, unselfish
 नाया० ६, परह० १, ३;
 शिरावरण. त्रि० (निरावरण) आवरण रहित
 आवरण रहित Free from ob-
 struction, unhindered नाया० १४,
 शिरास त्रि० (निराश) निराश ध्येय
 हतोत्साहित, निराशित Hopeless परह०
 १, ३,—बहुल त्रि० (-बहुल) अति निराशा
 वाले अत्यधिक निराशापूर्ण extremely
 despondent परह० १, ३,
 शिरासव त्रि० (निराश्रव) आश्रय रहित
 आश्रय रहित, पाप रहित Not incur-
 ring sin, free from inflow of
 Karmic matter परह० २, ३,
 शिरिंधणया स्त्री० (निरिन्धनता) ध्वन-
 यक्षतणुते। अशाय ईवन की कमी, जलाऊ
 लकड़ी का अभाव Absence of fuel
 भग० ७, १.

शिरिक्खण. न० (निरीक्षण) आरीक्षीथी
 जेपु, अवलोकन करवुं ते. चारीकी से
 देखना. निरीक्षण करना. Minute ex-
 amination, minute, careful
 observation ओव०
 शिरिक्खिय. त्रि० (निरीक्षित) अवलोकन
 करेव, निरीक्षण करेव निरीक्षित, अवलोकित,
 देखाहुआ. Observed; scrutinized.
 नंदी०
 ✓ शिरुंभ घा० I, II (नि-रुध्) अटका-
 वपु, रोधपु, रुधपु अटकाना, रोकना;
 निरोध करना To obstruct, to de-
 tain, to hinder (२) स-भार्गे व्यवस्था
 करवी. सन्मार्ग की व्यवस्था करना to
 devote to some good purpose
 शिरुंभंति सूय० १, ५, १, ८४,
 शिरुंभेहिति भग० १५, १,
 शिरुंभित्त. ओव० ४३; सूय० १, ४, २, २०,
 शिरुंभण न० (निरोधन-निर्गतं रोधनं निरो-
 धन) अटकायत, रोधाणु, रुधपु अटकाव,
 रोक, निरोध, विघ्न, अन्तराय Deten-
 tion, obstruction, hindrance.
 परह० १, १,
 शिरुभा. स्त्री० (निहंभा) ओ नामनी ओक्ष
 देवी इस नाम की एक देवी. Name of
 a goddess. नाया० ८०
 शिरुच्चार न० (निरुच्चार) शैथ कियाने
 वारुते पणु गाम ज्झार जवानो प्रतिवध
 औचक्रियार्थ भी ग्राम बाहर जाने का प्रतिवध-
 मनाई Prohibition to go out
 of the city even for answer-
 ing calls of nature नाया० ८,
 परह० १, ३
 शिरुच्छाह त्रि० (निरुत्साह) उत्साह रहित
 उत्साह रहित, निरुत्साह Devoid of
 energy, not indutious, inac-

तिष्ठे ज० प० २, ३६:

गिरुज. न० (नीरुक्-रुजामभावो नरिक्)
रोगनो अभाव निरोगता, रोगका अभाव
Absence of disease, health
पंचा० १६, २८,

गिरुत्त न० (निरुक्त) निश्चित, वेदभा
आवेक्षां शब्दोनी निरुक्ति-व्युत्पत्ति र्शा
पनार शास्त्र. निरुक्त, वेदो मे आये हुए
शब्दों की व्युत्पत्ति बतलाने वाला शास्त्र
A Vedic etymological lexicon.
श्रव० ३८,

गिरुवक्रम त्रि० (निरुपक्रम) ३४५७
निमित्तथी जेतु आयुष्य त्रुटे नही ते,
जेटु आयुष्य डेत तेटुज आयुष्य
भोगवे ते किसी भी कारण से जिसकी
आयुष्य क्षय न हो, नियत आयुका भोक्ता
(One) who is not liable to
death by any accidental circum-
stances before the life-period
fixed by Karma, is over नाया०
२०, १०; (२) भनता शे ३ आन्थी रहित
मानसिक शोक आदि से रहित free from
mental trouble or sorrow भग०
२५, ७, —आउय. त्रि० (-आयुष्य)
निश्चित आयुष्य वादी, गमे ते निमित्त थाय
तो पशु जेटु आयुष्य आयेतु डेत
तेटु पुरे पु३ भोगवे ते निश्चित आयु
वाला, चाहे जिस कारण के रहते हुए भी
निश्चित आयु का पूर्ण भोक्ता (one)
who does not die before the
life-period fixed by Karma
in spite of any kind of acci-
dental circumstances whit-
ever their nature भग० २०, १०
—भाव पु० (-भाव) ३४५१ आभा
भोगये, निरुपक्रमयु, ३४५१ उपक्रमो

अभाव कर्मों का अनिवार्य भोग-निरुपक्रमता,
कर्म के उपक्रम का अभाव inevitable
unavoidable bearing of the
fruits of Karma पचा० ३, १५,
गिरुवक्किट्ट त्रि० (निरुपक्लिष्ट) अगत शोक
आदि ३३श रहित अन्त शोक क्लेश आदि
से रहित Free from mental or in-
ternal sorrow, untroubled in
mind. "हट्टस्म एवमल्लस्म गिरुवक्किट्टस्म
जतुणो " अणुजो० भग० २५, ७, ज० प०
२, १६,

गिरुवक्केस त्रि० (निरुपक्लेश) शोक
आदि आधा रहित शाक आदि वायवा मे
रहित Free from worry and
sorrow ठा० ७,

गिरुवचरिय त्रि० (निरुपचरित) उपया० नदि
३३श शिष्टाचार रहित, उचचार रहित
(One) who has not observed
proper forms of respect नाया० ५,

गिरुवद्व त्रि० (निरुपद्व) उपया० नदि
निरुद्व, उचद्व रहित Free from
troubles or obstacles भग० १, १.
श्रव०

गिरुवम त्रि० (निरुपम) उपया० नदि
निरुम, उचमा-तुलना रहित, अनुल, अनु-
पम Matchless, incomparable
जीवा० ३, ३,

गिरुवपरिय त्रि० (निरुपचरित) तुयो
" गिरुवचरिय " शब्द देगा " गिरुवचरि
प " जवद Vide " गिरुवचरिय "
नाया० ५,

गिरुवलेव त्रि० (निरुपलेव) उभा० देय
रहित कर्म बन्धन वे गति Unsmear-
ed by Karma, untouchel by
Karma जीवा० ३ (२) अट्ट ३३३, ३३३
स्वद्व हान free from attachment

परह० २, ४;

शिरुवसगा. पु० (निरुपसर्ग) जन्म भरतु
आदि उपसर्ग रहित, मोक्ष जन्ममरणार्थ
उपसर्गों से रहित, मोक्ष Freedom from
such troubles as birth, death,
etc.. salvation नाया० ८,

शिरुवहन त्रि० (निरुपहत) लुप्त " शिरु-
वहय " शब्द देखो " शिरुवहय " शब्द
Vide " शिरुवहय " नाया० १,

शिरुवहय. त्रि० (निरुपहत) रोगादिभी नहि
हृत्वायेद रोगादि से मुक्त Unharmed
by unaffected with disease etc
भग० ७, १, ६, २३; नाया० १; ३; ५,
६, ७ परह० १, ४; (२) विकार
रहित अविकारी, विकार हीन free from
transformation or modification.
ओव० राय० (३) ज्वरादि उपद्रव रहित
ज्वरादि उद्वह रहित free from such
troubles as fever etc जीवा० ३,

शिरुविग त्रि० (निरुद्विग्न) उद्वेग रहित,
मननी व्याकुलता परितो. विकलता विहीन,
अव्याकुल, अनुद्वेगी Free from
mental distress, unworried
नाया० १, १७,

शिरुस्साह त्रि० (निरुस्साह) उत्साह-उद्यम
रहित उत्साह-जोश हीन Dvoid of
zeal or enthusiasm, lazy " एहु
धम्मशिरुस्साहो " सुय० नि० १. ४, १, ६२;
शिरुविऊण स० क० अ० (निरुप्य) आ-
लोचना करके, मूख्य अव-
लोकन करके. Having made a full
confession; having seen or
perceived पचा० ८, १०.

शिरुविउव त्रि० (निरुपयितव्य) आलोचना
योग्य. आलोचना के योग्य Worthy
of being confessed, worthy

of being seen or perceived.

पंचा० ११, २०;

शिरुह पुं० (निरुह) नाडीमाथी दोड़ी काटवुं
ते नसमे मे रक्त निकालना Act of let-
ting out blood by opening a
vein " अणुवासणेहिय वरिध कम्महेहिय
निरुहेहिय सिरावहेहिय " नाया० १३;

शिरुय त्रि० (निरेज) निष्प्रक्षम, निश्चल अटल Firm;
steady, motionless भग० ५, ७, २५, ४,
शिरुदर त्रि० (निरुदर—निर्गता उदरविका-
रा येभ्यस्ते) नाना पेटवाला; उदरना विहा-
यिना तो सामान्य पेटवाला, पेट सम्बन्धी
बीमारी से रहित (One) with a
small belly, (one) free from
any disease of the belly जीवा०
३० परह० १, ४;

शिरुह पु० (निरोध) निरोध, अटकाव
निरोध, अटकाव Obstruction, check;
prohibition नाया० २; भग० २५, ७,
(२) धृष्ट्यादिना निग्रह करके ते इन्द्रिय
निग्रह. act of subduing the senses
etc उत्त० ४, ८,

✓ शिरु-इक्ख. घा० I (निरु + ईक्ष्) लोचु,
निरीक्षण करके देखना, निरीक्षण करना To
see, to observe carefully.

शिरिक्खइ नाया० ८;

शिरिक्खत्ति नाया० ८,

शिरिक्खमाण नाया० ८;

✓ शिरु-तर घा० I, II (निरु + तृ) प २
प्राप्तवुं; छोड़ो आणुवे पारपाना, समाप्त
करना. To complete, to bring to
an end

शिरुत्थरयामि प्र० नाया० ६,

शिरुत्थरह नाया० ८;

शिरुत्थरेज्जामो वि० नाया० १८;

- शित्थिरिहिह भग० व० नाया० १८,
 शित्थारिजित क० वा० व० कृ० संत्था०
 ✓ शिर्-धाव वा० I. (निर् + धाव)
 दैडु, डडी डाढवी दौडना, तेजीये भागना
 To run, to move swiftly
 शिद्धावहे नाया० ८, १७,
 ✓ शिर्-धुण धा० I (निर् + धू) भ भे-
 रीने डेडीधेयु, डाढी डाढु फटकर
 फेंकना, खंखेर डालना To shake off,
 to remove by shaking
 शिद्धुणे "सशिद्धुणे धुन्नमलं पुरेकड" दस०
 ७, ५७,
 शिद्धणित्ताण उत्त० १९, ८८,
 ✓ शिर्-नम वा० I (निर् + नम् + शिच्)
 निश्चयथी नमाडु; दूर डरयुं निश्चयपूर्वक
 नमाना, दूर करना To subdue en-
 tirely, to remove.
 शिन्नामण प्रे० वि० सूय० १, १३, १५,
 ✓ शिर्-ने वा० II (निर् + नी) ५६१२
 लाययु, डाडायु बाहर लाना, निकालना
 To take out, to bring out
 शीणैइति ओव० ३०, निसी० २, ५३,
 नाया० ४, ८, दसा० १०, १,
 शीणैत्ता स० कृ० ओव० ३०,
 ✓ शिर्-पज्ज धा० I (निर् + पज्)
 निपज्जुं उत्पन्नथुं पैदाहोना, उत्पन्नहो ।
 To be produced, to be born
 शिप्पज्जइ ज० प० २, १६,
 "शिप्पज्जिस्सइ भग० १५, १
 ✓ शिर्-भञ्जु वा० II (निर् + भर्त्स)
 तिरस्सर डरवे। तिरस्कार, अग्रमान या घृणा
 करना To show contempt to-
 wards, to scold
 शिम्भच्छेइ भग० १५, १, नाया० १८,
 ✓ शिर्-मत्थ वा० II (निर् + भर्त्स)
 तिस्सर डरवे, लात्थना डरवी भर्त्सना

- करना, तिरस्कार करना To scold; to
 threaten, to reproach.
 शिम्भच्छेइ डा० ५, १,
 ✓ शिर्-मिस्स धा० I. (निर् + मिष्) आभ
 उधाडथीय डरवी आभ नोलना और
 मीचना, पलक मारना To wink
 शिम्मिमेज्जा वि० भग० १४, १,
 ✓ शिर्-वट्ठ वा० I, II (निर् + वृद्ध)
 डुडु डरयु, संक्षेपयु नकुचित करना, छोटा
 करना To shorten, to contract
 शिबुट्ठित्ता सं० कृ० "दिवग्गवेत्तस्म शिबुट्ठित्ता
 रत्तण्णिवेत्तस्म अभिण्णुट्ठित्ता चार
 चरति" स० प० १,
 शिबुट्ठेमाण व० कृ० सू० प० २, ३
 प० ७, १३२,
 ✓ शिर्-वत्त वा० I, II (निर् + वृत्)
 उत्पन्न डरयु, उत्पादयु उत्पन्नकरना बनाना.
 To make, to produce (२)
 पुड थु, निवृत्ति पामरी पूर्णहोना, निवृत्ति
 पाना to complete, to be free from
 शिब्बत्तड नाया० ८,
 शिब्बत्तप्रति प्रे० भग० २५, २,
 शिब्बत्तेह आ० नाया० ८,
 शिब्बत्तिज्जइ क० वा० भग० १२, ४
 शिब्बत्तेमाण व० कृ० भग० १६, १. १७ १
 शिब्बत्तिज्ज हे० कृ० नाया० ८,
 ✓ शिर्-वट्ठ वा० I, II (निर् + वृद्ध)
 निर्याड डरवे। आउटिडा नानावी
 निर्याड करना, आजीविना बनाना To
 maintain to maintain one's
 livelihood
 शिब्बट्ठेज्जा वि० मू० १ ६ २२
 शिब्बट्ठे मू० १ १४ २०,
 शिब्बट्ठिनर नाया० १८
 ✓ शिर्-चा वा० I (निर् + च + शि)

ओषधवु, भुजावु, ढारी नाथवु बुझाना,
थंडाकरना. To extinguish; to
put out

शिव्वावेति ज० प० २, ३६,

शिव्वावेज्जा वि० दस० ४, ८;

शिव्वाविया दस० ५, १, ६३,

शिव्वाविस्सति. भग० २, ३६,

✓ शिर्-विज्ज धा० I (निर्+विद्) निर्वेद
वैराग्य प्राप्तो, वैराग्य पाना, उदासीन होना
To be disgusted with and to
be indifferent to the world and
its ways; to renounce, (२)
सुपु सोना to lie down.

शिव्विज्जइ उत्त० २७, ४,

शिव्विज्जाति उत्त० ३, ५,

✓ शिर्-विस धा० I (निर्+विश्) डाढी भुङ्गुं,
देशपार करुनु निर्वासित करना, निकाल देना
To drive out, to deport or
transport

शिव्विसेज्जा वि० “ एगत छकप्पा गठव-
इत्ता एग शिदि-सेज्जा ” वव० २, २,

शिव्विसमाण व० कृ० निसी० २० १०,
भग० २५, ७, ठा० ३, ४,

शिव्विसत व० कृ० ठा० ५, १,

✓ शिर्-सर धा० I (निर्+सृ) डेडु फेकदेना
To throw (२) निडुडु निकलना,
त्यागना. To abandon, to leave

शिस्सरइति नाया० १, ६, १६, भग०
१५, १, राय० २८३;

✓ शिर्-हर धा० I, II (नी+ह) शैथ भाटे
जगलमे जाना
To go to a forest for answer-
ing calls of nature

शीहारेति प्रे० अत० ३, ४,

शिलय न० (निलय) घर घर गृह, मदन.
A house, an abode. तदु० नाया० १६,

शिलाड न० (ललाट) कपाल, भस्तक स-
स्तक, कपाल, ललाट The forehead;
the head. परह० १, २, नाया० १६,
—पट्टिया स्त्री० (-पट्टिका) कपाल उपर
करवामां आवती क कुनी पटी, पीड भाल
तिलक, भालकुकुम, भालाबिडी an
auspicious mark on the fore-
head made with a sort of red
powder राय० १६४,

शिलित व० कृ० त्रि० (निलीयमान) भेसपु
वैठाहुआ, बैठता हुआ Sitting श्रोव०
राय०

✓ शिलिज्ज धा० II (नि+ली) जटडु
भटकना. To give a sudden jerky
motion e g to a carpet etc;
to get rid of dust and refuse

शिलिजेज्जा विवि० सूय० १, ४, २, २०,

शिलुक्क. त्रि० (निर्लोक्य) गुप्त. गुप्त, छिपा
हुआ Hidden; secret नाया० ८,

शिल्लछुण न० (निर्लान्छन) नपुसक करुनु
ते, भुटीया आदिने समारथा ते नार्मद-
नपुसक बनाना, खस्सा करना Emascu-
lating castrating. परह० १, २,

शिल्लज्ज त्रि० (निर्लज्ज) लज्ज-शरम
रहित निर्लज्ज, बेशरम Shameless,
devoid of sense of shame परह०
१, २, नाया० ६,

शिल्लायंत व० कृ० त्रि० (निर्लयत्-निरन्तर
लयति गच्छतीति) भागते भागताहुआ,
Running away, escaping नाया०
१,

शिल्लालिय त्रि० (निर्लालिन) पसरैव, नीड
वैव फैलाहुआ, फटाहुआ. Spread, ex-
tended, projected out नाया० १,
८, —अगग पु० (-अग्र) उन्नाड भाडा-
भाथी लपटप थनो, अडार निडुगनो छ-

लने आगले भाग-टेरेवे। खुले मुह मे से लपलपाती जीभका अग्रभाग, जिह्वाग्र. the tip of the tongue issuing repeatedly out of the opened mouth नाया० ८, — अग्रजीहा स्त्री० (-अग्रजिह्वा) मोटाभांथी लपलप थने ष्ठार नीडलतो ललने आगले भाग मुह मे से लपलपातीहुई जीभका अग्र भाग. the tip of tongue repeatedly issuing out of the mouth नाया० ८, शिल्लेव त्रि० (निर्लेप) लेप रहित निर्लेप, लेपहीन Free from smearing, dirt भग० ६, ७, शिल्लेवण न० (निर्लेपन) लेपने अभाव, भेदने अभाव लेपका अभाव, निर्मल. Absence of smearing absence of dirt भग० ७, ४, शिव पु० (नृप) राजा, नरपति नृप, राजा A king, a lord of men पचा० १८, २७, — कर पु० (-कर) राजने हाथ राजा का हाथ as arm of a king पचा० १८, २७, शिवइत्ता त्रि० (निपत्त) उतरना, पडना. गिरने वाला, उतरने वाला (One) coming down, falling down ठा० ४, ४, शिवइय त्रि० (निपतित) पडे गिरा हुआ Fallen नाया० १, (२) न० ओड प्रक्ष-रु ओर, त्वया ओर, दृष्टि ओर आदि एक प्रकारका विष, त्वचाविष, दृष्टिविष आदि a sort of poison e g of sight, of touch etc ठा० ४, ४, शिवउपय पु० (निपातोत्पात) नेमा उये यहु पछु नीचे पडु थाय तेवा प्रक्ष-रु ओड नाटक, उर नाटकभातु ओड एक नाटक विशेष जिम मे पहिले ऊचे चढकर फिर नीचे गिरना हो, ३२ नाटकों मे से एक. One

of the 32 varieties of dramas involving rising up and falling down ज० प० शिवडण न० (निपतन) नीचे पडु नीचे गिरना Act of falling down पण्ड० १, २, शिवडिय त्रि० (निपतित) नीचे पडे निपतित, नीचे गिरा हुआ Fallen down भग० १५, १, ✓ शिवत्त धा० I, II (निवृत्त) निवर्तु, अटु, निवर्त होना, अटकना, दूर होना To return, to desist from, to stop शिवद्वि उक्त० २, ४३, शिवत्तड नाया० ९, शिवद्विमाण आया० १, ३, ४, १६०, शिवत्त त्रि० (निवृत्त) नीचे गये, पसा-थये वीता हुआ, भूत, गत. Past, elapsed, gone विवा० ४, — वारसग. त्रि० (-द्वादशक) आर न्यस विती गये पसार थये जिम के बाद बारह दिन बीत गये हो वह. (that) since the happening of which twelve days have passed विवा० ४, शिवत्ति स्त्री० (निवृत्ति) अथयु, अटु बंद होना, अटकना, रुकना Act of coming to a close, act of stop- ing ठा० ४, १, (२) निपत्ति निपत्ति production, result, coming into existence ठा० ४, ४, ✓ शिवर. धा० II (निवृत्) निराग-रु, रेडु निवारण करना, रोकना To check, to stop, to restrain शिवरेड प्रे० नाया० १६, १८, नाया० १ शिवरोसि नाया० २, शिवरामि नाया० ५,

शिवारिक्तए. हे० कृ० नाया० ५;

शिवारिज्जइ क० वा० भग० ६, ३३;

शिवारिज्जमाण क० वा० व० कृ० भग०
१५, १;

शिवसण न० (निवसन) वस्त्र. वस्त्र, कपडा
A cloth, a garment. नाया० १६,
शिवाइय त्रि० (निपातित) नीचे पाडेव.
नीचे गिराया हुआ, अध पातित Thrown
down, caused to fall down
नाया० १४,

शिवामाण. व० कृ० त्रि० (निपातयत्)
नीचे पाडने नीचे गिराना हुआ (One)
causing to fall down नाया० २,
शिवडेत्ता स० कृ० अ० (निपात्य)
लगाडीने, नीचे पाडीने लगाकर, नीचे गिरा
कर Having caused to fall down,
having attached or applied
“जाणुं धरणितलंसि शिहहु शिवडेत्ता ”
जीवा० ३;

शिवानित त्रि० (निपातित) नीचे पाडेव
नीचे गिराया हुआ Fallen down भग०
१५, १,

शिवानिय त्रि० (निपातित) जुथो उपलो
शब्द देखो ऊपरका शब्द Vide above
विवा० १,

शिवाय पु० (निपात-निपतन-निपात)
नीचे पडवु. नीचे गिरना, अव.पतन, निपात
Act of falling down, downfall
“ आयवस्स शिवायुण ” उक्त० २, ३८, (२)
भेसपुते बैठना act of sitting पणह०
१, २, (३) निपात, व्याकरण शास्त्र प्रसिद्ध
य, वा आदि अव्यय निपात, व्याकरण शास्त्र
प्रसिद्ध च, वा आदि अव्यय an inde-
clinable particle such as च वा
etc पणह० २, २, नाया० (४) यपटी
पगायी ते चुकटी बजाना act of

snapping the thumb with
the middle finger. पन्न० ३६;

शिवाय त्रि० (निवात-निर्गतो वातो यस्मात्स)
वायु सत्थार रहित निवात, वायुमचार हीन.
Free from draughts of wind
“ तंसिप्पेगे अणगारा हिमवाए शिवायमे
संति ” आया० १, ६, २, १३, भग० ३,
१; ७, ८, ११, ११, नाया० १६; —गंभीर
त्रि० (-गम्भीर) वायु आदिना प्रवेश
रहित, गंभीर वायु आदि के प्रवेश से शून्य,
गंभीर free from draughts of
wind, calm. भग० ७, ८,

शिवायण. न० (निपातन) आडमा डेकु
खड़े-गढे में फेंकना, गिराना Act of
throwing into a ditch or pit.
पणह० १, २,

शिवारण न० (निवारण) अटकावपु ते.
निवारण, रोक; अटकाव Act of re-
straining or checking. भग० ६,
३३; (२) टाढ तापने रोकना धर, धुवेनी
पगेरे थड ताप से बचाने वा रोकने वाला
घर, हवेली आदि a house, a man-
sion etc which checks the
rigour of cold and heat उक्त०
२, ७,

शिवारय त्रि० (निवारक) निवारण करनेवाला,
अटकाव करनेवाला निवारण करनेवाला, रोकने
वाला, निवारक (One) who stops,
checks, (one) who restrains
or prohibits नाया० १६,

शिवस पु० (निवास-निरन्तर वसन्ति जना-
येषु ते) निवास, रहनेवाला निवास, रहने की
जगह A place of residence, an
abode निसी० १, १,

शिविष्ट. त्रि० (निविष्ट) भेदवेध, प्राप्त करने
लिया हुआ, प्राप्त किया हुआ Got,

acquied. “ थोव बहु शिविट्ठम्मि ”
टा० ५, २, (२) आसक्त आमक्त at-
tached, passionate सूय० १, ६, ३,
—कण्पटिड्. स्त्री० (—कल्पस्थिति) परिहार
विशुद्ध तप पूर्ण इरेक्षनी इत्यस्थिति साधु
समायागी विशेष परिहार विशुद्ध तप पूर्ण
कियेहुए की कल्पस्थिति, साधु समाचारी विशेष
a particular stage of ascetic-
conduct to which a monk has
risen टा० ५, २, —काइयकण्पटिड्
स्त्री० (—कार्यकल्पस्थिति) परिहार
विशुद्ध तप इरी अहार नीइवेक्ष साधुनी
इत्यस्थिति परिहार विशुद्ध तप के बाद
बाहर निकले हुए साधु की कल्पस्थिति.
state of an ascetic who has
completed the austerity
known as Parihāra Visuddha
वेय० ६, २०,

शिवित्ति स्त्री० (निवृत्ति-विषयेभ्यो निवृत्तेन
निवृत्ति) आरभ्य वगेरे पापथी निवृत्त भव
ते आरभ्य आदि पापों से निवृत्ति ab-
stinence from actions which
involve injury to or killing of
living beings e g from flesh
eating, drinking etc पचा० ७, ३२,
—पहाण त्रि० (—प्रधान) आरभ्य निवृत्त होने
से प्रधान-श्रेष्ठ आरभ्य से निवृत्त होने
से प्रधान-श्रेष्ठ prominent or excel-
lent in abstaining from injury
or act which involves injury
to living being पचा० ७, ३२,
✓ शि-विस वा० II. (नि+विश) प्रवेश इवे
प्रवेश करना, भीतर घुसना To enter
शिविसेज्जा वि० वेय० २, १२,
शिविसित्ता सं० कृ० नाया० ८,
शिविसमाण. न० कृ० वव० १, १६ २४,

शिवेसेइ प्रे० नाया० ८, १६,
शिवेमति नाया० १६,
शिवेसंतु नाया० १६,
शिवेसेहि आ० विवा० ६,
शिवेमेह आ० नाया० ८, १६;
शिवेपित्ता सं० कृ० नाया० १६, राय २२,
शिवेमिय निमी० ३, ४,

शिविसमाणकण्पटिड् स्त्री० (निर्विशमान-
कल्पस्थिति) परिहार विशुद्ध इत्य आयागी-
नी इत्यस्थिति परिहार विशुद्ध कल्पा-
चारी की कल्पस्थिति State of one
who is going through the aus-
terity known as Parihāravisu-
ddha वेय० ६, २०,

शिवेइय त्रि० (निवेदित) निवेदन इरेक्ष निवे-
दित प्रार्थित Made known, de-
clared नाया० २,

✓ शि-वेद वा० I II (नि+विद+णि)
निवेदन इरेक्ष, ज्ञातु, ज्ञाते इरेक्ष निवेदन
करना, प्रकट करना To declare or
make known

शिवेदेइ नाया० ८ १६,
शिवेदति नाया० २
शिवेदेमि श्रोव० ११, नाया० १,
शिवेदेमो भग० ११, ११, दमा० १०, १,
शिवेदेज्जा वि० दमा० १०, १,
शिवेदेह आ० १० १,
शिवेएइ श्रोव० नाया० ६ १६ १८,
शिवेयइ नाया० १६,
शिवेयति नाया० ८ १८,
शिवेएमो ज० प० नाया० ३, ५३,
शिवेएहि आ० नाया० १६

शिवेयण न० (निवेदन) निवेदन, ज्ञाते इरेक्ष
ते निवेदन प्रकाशन Act of declar-
ing, act of making known
नाया० ४,

शिवेस पु० (निवेश) स्थापन करवुं ते, भेसावुं
ते. स्थापित करना, बैठाना; प्रतिष्ठा करना
Act of fixing or establishing,
placing. नाया० ८; १६,

शिववृत्त न० (निर्वृत्त) नगर भाथी ने-
दवाने भाग. नगर बाहर हेने का मार्ग A
way leading out of a town; an
exit from a town ना-१० २,

शिववृत्ता सं० कृ० अ० (निर्वृत्त) श्व
प्रदेशथी शरीरने जुहुं दर्शने जाव प्रदेशस
शरीरको अलग करके Having dis-
sociated the body from the
soul. डा० २, ४;

शिववृत्त त्रि० (निर्वृत्त) डेडा यडा अदि-
अभय रहित घाव रहित, वणरहित, फोडे
फुसी आदिसे रहित Free from boils,
wounds etc श्रौव० १०, जीवा० ३, ३,
नाया० ३, ज० प० ७, १६६,

शिववृत्त त्रि० (निर्वृत्त) प्रत रहित व्रत
रहित, सकल्प हीन Vowless, devoid
of a vow. राय० २०८;

शिववृत्त त्रि० (निर्वृत्त) निवृत्त थयेव निवृत्त
छुटाहुआ, मुक्त Retired from,
turned back from डा० ६; भग०
११, ११, (२) अनिष्टमथु डरेव अति-
क्रमण किया हुआ. transgressed,
crossed नाया० १; ज० प० ३, ४३,
(३) उत्पन्न थयेव उत्पन्न born, pro-
duced नाया० १६, —मह पु० (—मह)
निवृत्त—पूर्व थयेव महोत्सव निवृत्त महोत्सव,
सानन्द समाप्त उत्सव. A festivity
which has been completed
नाया० १,

शिववृत्त न० (निर्वृत्त) उत्पन्न करवुं
उत्पन्न करना, जन्म देना Act of pro-
ducing; creation, production

पञ्च० २०,

शिववृत्तया स्त्री० (निर्वृत्त) निष्पत्ति, सि-
द्धि निष्पत्ति सिद्धि नफलता Act of
finishing, completion, final re-
sult. ' तत्रो शिववृत्तया तत्रो परिचाइ-
यता ' पञ्च० ३५;

शिववृत्तया स्त्री० (निर्वृत्त) छुटवुं निवृत्त-
थयु ते मुक्त होना; छुटना State of be-
ing free from abstinence from
भग० १०, ४, (२) उत्पन्न करवुं ते उत्पन्न
act of making or producing भग०
१३, ३, —अहिगरणिया स्त्री० (—अधिक-
णिकी) तत्रवार वगेरे अविडरथने तदन
नवीन तैयार करवाथी लागती किया नितान्त
नवीन तलवार आदि शस्त्रों को बनाने में
लगने वाली किया the sin incurred
by preparing absolutely new
weapons such as swords etc
डा० २, १ भग० ३, ३.

शिववृत्ति स्त्री० (निर्वृत्ति) वस्तुनी उत्पत्ति,
अनागत वस्तु की उत्पत्ति वनावट, घटना
निबे Making or creation of a
thing (२) निष्पत्ति, निष्पत्ति crea-
tion, coming into existence
" कह विहाण भत जीवणिवृत्ती परणता "
भग० १६, ८, पञ्च० १,

शिववृत्तिय त्रि० (निर्वृत्ति) उत्पन्न डरेव
अनावेव; उत्पन्न डरेव उत्पन्न किया
हुआ, बनाया हुआ उपार्जित Produc-
ed; made, acquired नाया० १, ८,
भग० १६, १ पञ्च० १४, डा० २ ४ (२)
व्यवस्थान डरेव व्यवस्थान किया हुआ
arranged, managed पञ्च० २३,

शिववृत्त त्रि० (निर्वृत्त) प्रत रहित, व्रत
रहित, सकल्प शून्य. Devoid of vow,
vowless. डा० ३, १; २; नाया० ८,

भग० १२, ८, ज० प० ३, ३६

शिवव्ययण न० (निर्वचन) भुलासो, ज्ञाप्य
खुलासा, उत्तर Decision, reply ठा०
१०,

शिववाघात्र-य त्रि० (निर्व्याघात) व्याघात
रहित, बिघ्न विना व्याघात रहित, निर्विघ्न,
विघ्न शून्य Free from obstruc-
tion, unfettered by obstacles
“ शिववाघात्र पञ्जरसकम्भभूमिसु ” पञ्ज०
२, नाया० १, १४ १६, भग० ११, ११:
१७, ४, २५, २, आ० ४०, (२) न०
जेने द्या रोजाण-अटकाव न थाय तेवु-
विघ्नी रहित देवज्ञान जिनको कहीं
रुकाव—अटकाव न हो ऐसा विघ्न रहित
केवलज्ञान omniscience which is
unfettered by any obstruc-
tion आ० ४०,

शिववाघात्रम त्रि० (निर्व्याघातिरु) स्वाभा-
विद्ध, दुस्तरती, डोम परतुना आवरणथी न
अनेक प्राकृतिक, नैसर्गिक, कुदरती, अकृत्रिम
Natural, not artificial स० प० १८,

शिववाण पु० न० (निर्वाण) मोक्ष मुक्ति, मो-
क्ष, निर्वाण, परमपद प्राप्ति Salvation,
freedom from Karma, final be-
atitude due to the destruction
of all Karmas नाया० १, ६ १५
१७, ठा० ३, ३, सूय० १, ६, २६, सूय०
नि० १, ११, ११५, (२) ज्ञाप्यपना
ऐश्वर्य क्षेत्रमा आवती ऐशीसीमा थनार
तीर्थ ३२ जवूदीप के ऐश्वर्य क्षेत्र मे
आगामी चौबीसामे होने वाले तीसरे तीर्थकर
the 3rd would be Tirthankara
of Anavata Ksetra in Jam-
budvipa in the coming Chau-
vīsi सम० प० २४२, —अंग न०
(-अङ्ग) भुक्तिवतु ३ गण मुक्तिका

कारण; मोक्ष हेतु cause or
means of salvation पचा० १६, ४२,
—गम पु० (-गम) निर्वाण-मोक्ष गमन.
निर्वाण गमन, मोक्ष-मुक्तिको जाना—प्राप्त-
होना. attainment of salvation,
final emancipation नाया० ६, —
मगग पु० (-मार्ग) मोक्षमार्ग मो-
क्षका मार्ग, मुक्तिपथ Path of salva-
tion नाया० १ भग० ६, ३३, —वाइ
त्रि० (-वादिन्) मोक्षमार्गको उपदेश
आपनार मोक्षमार्गका उपदेश देनेवाला
(one) who teaches the path
of salvation “ पक्खीसु वा गच्छे वेणु-
देवे शिववाणवाडिणीह णायपुत्तो ” सूय०
१, ६, २१, —साहण. न० (-साधन)
मोक्षतु साधन मोक्षका साधन means
of salvation, cause of final
emancipation नाया० ६, —सुह.
न० (-सुख) मोक्षतु सुख, आनन्द
मोक्षका सुख, मुक्तिका आनन्द bliss of
salvation, final beatitude आया०
नि० १, ३, १, २०८,

शिववाय त्रि० (निर्वात) वायु रहित नि-
र्वात, वायुरहित, बिना हवाका Free
from draughts of wind नाया० १,
शिववाविय त्रि० (निर्वापित) शीतल करेव,
६५ पाउल थडा किगाहुआ, शान्त,—शीतल
कियाहुआ cooled, extinguished.
नाया० १, १३,

शिववासिय त्रि० (निर्वासित) हट्पार करेव
निर्वासित, हट्ट बहार निकालाहुआ, Ba-
nished, driven out by a fiat
नाया० ८

शिवविगड्य न० (निर्विकृतिक) दूध आदि
रसतो परित्याग, विगयना पच्य-आलु दूध
आदि रसोंका परित्याग, विगयने प्रवर्तमान

Abstinence from, giving up of, such substances as milk and its transformations भग० २५, ७, शिवविदु. पुं० (निर्विष्ट) जेणे परिहारविशुद्ध आरित्र सेवेन छे ते साधु जिसने परिहार विशुद्ध चारित्रको पाला है वह साधु An ascetic who has practised the austerity known as Parihāra-viśuddhi ठा० ३, ४ नाया० १६, — कण्ठिष्ठ छी० (-कल्पस्थिति) परिहार विशुद्ध आरित्रने पूर्युं इतना आधुनी इत्य-स्थिति परिहार विशुद्ध चारित्रको पूरा करनेवाले साधुका कल्पस्थिति the stage reached by an ascetic after the performance of the austerity known as Parihāra-viśuddhi ठा० ३, ४, काण्ड्य पु (-कायिक) परिहार विशुद्ध आरित्रने पूर्युं इतने ओ आरित्रथी अहार नीदलनार आधु परिहार विशुद्ध चारित्रको समाप्तकर, इस चारित्रमे बाहर निकालाहुआ, आगे बढ़ाहुआ साधु, an ascetic who has duly performed the austerity known as Parihāra-viśuddhi and has stepped into the next higher stage भग० २५, ७,

शिवविदु त्रि० (निर्विष्ट) थिन, थेदथुक्त छिन, दु खित, खेदपूर्ण. Fatigued or afflicted in mind sorrowful “ जो एतियपिचित्ते इच्छइ सो को न शिवविदु ” आया० १, ३, ३, १५४, नाया० ८; (२) निवृत्त, निवृत्त थयेन. retired from, turned back from abstaining from नाया० ४, ६, १८, १६, — चारि त्रि० (-चारित्र) थिन थम इतना थिन-दुखी होकर फिरनेवाला fatigued

or troubled in mind, afflicted in mind “ सेविण्णिणचरी अरते पयासु ” आया० १, ५, ३, १५४. — वरा छी० (-वरा निर्विष्टा वरा परिणेतारो यासा ता निर्विष्टावरा) विरक्तपतिवादी स्त्री विरक्त पतिवाली स्त्री, वह स्त्री जिसका पति विरक्त हो a woman whose husband is disgusted with the world and its ways and is ascetic in spirit नाया० ध० १

शिवविदु त्रि० (निवृत्त) निवृत्ति पामेन, पुत्र थयेन निवृत्ति प्राप्त पूर्ण, समाप्त. Finished completed ओव० ४०

शिवविदु त्रि० (निर्विष्टिक) जेभा दूध श्री वगेरे विदुतिनो त्याग इतना ओ वे छे ते तप नीवी. वह तप जिसमे दूध और उसके विवेध विदुतिओ का त्याग किया जाता है नीवी A kind of austerity requiring abstinence from milk, ghee and its products, this is also called Nivī ओव० १६,

शिवविदु त्रि० (निविष) विष-अरथी-रहित विष हीन जहर रहित Free from poison “ शिवविदु पदुर मोंसे ” ओव०

शिवविदु त्रि० (निर्विषय) विषय अलि-ल पा रहित विषय वामना-काम वासना रहित, विरक्त, मयमी Free from sensual lust. उक्त० १४, ४६, (०) देश अहार इ देल, देश ते आपेन निर्वासित, देश से निकाला हुआ. exiled banished from a country परह० १, ३, नाया० १६

शिवविदु त्रि० (निर्वासित) देशथी अहार अरेन देश बाहर किया हुआ Banished exiled turned out of

countly नाया० ८, १६, भग० १५, १,
शिवविसेस. त्रि० (निर्विशेष) विशेषतः रहित,
साधारण विशेषता रहित, सामान्य, साधारण
Common, free from peculiarity
or particularity तदु०

शिवबुध त्रि० (निर्वृत) शीतल यथेष्ट शान्त
यदा. निर्वृत Cooled, cool आया० १,
८, १, २००, (२) निर्वाण-मोक्ष गयेष्ट मोक्ष
को प्राप्त, निर्वाण प्राप्त free from the
cycle of birth and death, final-
ly liberated प्रव० ३३, (३) स्वस्थ
आत्मा स्वस्थ-सबल-निर्गो आत्मा.
a calm, peaceful soul नाया० १,

शिवबुध छा० (निर्वृति) मननु स्वस्थपणु.
समाधि मननिक स्वस्थता, समाधि Calm-
ness or tranquillity of mind,
peace of mind परह० १, २ (२)
क्षीण मोहावस्था जीण मोहावस्था happi-
ness freedom from delusion,
नय० नि० १, ११, ११५ (३) ओ नामना
ओष्ठ आचार्य के जेना उपर्युक्ती निर्वृति
शाखा नीडली इस नाम के एक आचार्य कि
जिनके ऊपर से एक शाखा निकली name
of a lineage styled after the
preceptor of this name कप्पे० ८,
—कर त्रि० (-कर) सर्व दुर्भनोक्षय
करनार सर्व कर्मों का क्षय करने वाला.
(one) that destroys all
Karmas पञ्च० १, तदु० ज० प० २,
३-., (२) सुखकर, शांति उपलव्धनार,
सुखकर giving peace and happi-
ness राय० १११, नाया० १७ —पह
पु० (-पथ) मोक्ष मार्ग मार्ग सुक्ति

पन्थ path of salvation नंदी०
—यार त्रि० (-कार) शांति उपलव्धनार
शान्तिदाता, निवृत्तिकार peace giving,
happiness giving नाया० १,

शिवबुधच्छिन्न त्रि० (-) निर्भुज
करेष्ट, ७४३ भूतधी छेष्ट निर्मलित, वे जट
किया हुआ, जडमूल से छेदा हुआ, समल
नष्ट Rooted out, eradicated.
परह० १, ३,

शिवबुध त्रि० (निर्वृत) शीतल-६६ यथेष्ट
शीतल-यदा किया हुआ Cooled, cool
आया० १, ४ ३, १३६, (२) निर्वाण
प्राप्ति मोक्ष प्राप्ति. निर्वाण पाया हुआ,
मोक्ष पाया हुआ free from the cycle
of birth and death, (one) who
has attained final absolution
“जकिचा शिवबुध एगे” सूय० १, १५ २१:

शिवबुध त्रि० (निर्वृति) दुष्पी गयेष्ट
दुष्वाहुआ, निमज्जित. Drowned, sunk
नाया० ६,

शिवबुध छा० (निर्वृति) निर्वाणपुण
निर्वाण सुख मोक्षसुख Happiness of
salvation जीवा० ३, ४,

शिवबुध त्रि० (निर्वृत) सुखी, सन्तोषी
सुखी, सन्तोषी Happy, contented
आव० (२) क्रोध वगेरे द्वर यथाधी शांत
यथेष्ट क्रोधादि दूर होने से शान्त
tranquil on account of the
banishment of anger etc
from the mind “जे शिवबुध पावेहि
कम्मेहि” आया० १, ७, १ २००,

शिवबुध पु० (निर्वृह) क्षान्ति ओष्ठ भाग
थोडो द्वारका एक भाग, घांडला, दरवाजे

की ऊपरी बारसाख की दोनों बाजू ऊपर निकलाहुआ भाग A particular part of a door, a wooden block projecting from each of the upper ends of the door of a house जीवा० ३, ४;

शिखेअणी स्त्री० (निर्वेदिनी) संसारथी-
विरक्त यनापनार पैराग्यनी इथा संसार से
विरक्ति उत्पन्न करने वाली वैराग्य कथा A
story which produces disgust
with the world and its ways,
in the mind of the hearer
“शिखेअणी कहाचउ विहपरणत्ता’ ठा०
४, २; आव० २१,

शिखेअ पु० (निर्वेग-निर्वेद) संसारथी
विरक्ति संसारसे विरक्ति. संसार से
उदासीनता. Disgust with, repul-
sion from the world भग० १७, ३,
शिखेअणी स्त्री० (निर्वेगनी-निर्वेदनी)
जुओ “शिखेअणी” शब्द देखो
“शिखेअणी” शब्द Vide. ‘शिखेअणी’
ठा० ४, २;

शिखेअ पु० (निर्वेद) वैराग्य; संसारथी
विरक्तता वैराग्य, संसार से विरक्ति
Dislike for or disgust with
the world and its ways; renun-
ciation आया० १, ४, १, १२७, उत्त०
१८, १८, २६, २, (२) भोजनी अलि-
लास. मोक्षेच्छा, मुक्तिर्का अभिलाषा de-
sire „for salvation or final libe-
ration प्रव० १४;

शिखेअ पु० (निर्वेश) लाभ लाभ, फायदा
Benefit; gain ठा० ५, २,

शिसंत. न० (निशान्त) विश्राम विश्राम,
आराम. Shelter, rest नाया० १८,
(२) घर घर a house पय० ४, १०;

शिसंत त्रि० (निशान्त-नितरा शान्ते
निशान्तः) अत्यंत शांत प्रवृत्तिवाला अत्यंत
शांत प्रकृतिवाला. अमर्षशून्य, थंडे मिजाजका
Extremely calm, serene. उत्त०
१, ८, (२) साबसे सुनाहुआ heard.
आया २ १, २, ८०, नाया० १, ५ १३,
१४, १६, नाया० ध० भग० ६, ३३, १०.
२, (३) (निशाया अन्तमवसानं निशान्तम्)
प्रधानी पथन, रात्रिनी अ० १ प्रात-
काल, उपकाल, प्रातःकालीन मध्या
dawn, time of day-break दम०
६, १, नाया० ८, (४) अ० १२२९३ इरेअ
स्मृतिपथमे अकित, याद किया हुआ fixed
or retained in the mind “अहासुत
वूहिजश शिसंत’ सूय० १, ६, २.

शिसंस. त्रि० (नृशस नृशस शमति हिन्-
स्तीति) क्रूरधर्म इरेनार क्रूर कर्म करनेवाला.
कठोर कर्मी Wicked, cruel पय० २,
१, नाया० २,

शिसंग पु० (निसर्ग) स्वभाव, प्रकृति स्व-
भाव, प्रकृति, मिजाज Nature आव०
२०, ठा० २ १, —रुइ स्त्री० (—रुचि) उपदेश
साबसे पगर दुन्दुनी रीते थली धर्म पर-
नी श्रद्धा-इथि उपदेश के न सुनते हुए भी
स्वभाविकतया उत्पन्न होने वाली वार्मिक
रुचि Intuitive liking for or faith
in religion, inborn love of
religion ठा० ४, १, १०, भग० २५, ७,
पत्र० १, नाया० व० २,

शिसाज्जअ. त्रि० (नैपथिक) पथिक
आसने भेसनार पथिक-एक आसन विशेषमे
बैठनेवाला (One) sitting in a
squatting posture पय० २, १,

शिसद्व. त्रि० (निमृष्ट) निकले निकलाहुआ.
निमृष्ट, प्रस्फुटित Come out, gush
out (२) आपेय दियाहुआ प्रदत्त

given, presented राय० आया० १,
८, २, २०२, नाया० १; वय० २, १६,
(३) मुक्त, छुटे मुक्त, छूटाहुआ, स्वतंत्र
free, liberated सम० ६, आया० २,
२, १, ६४, (४) डे डेल फेकाहुआ
thrown, flung भग० १५, १,

गिसद पु० (निपथ-नितरां महते-स्कधे समा
रोपित भारमिति निपथ) अत्र बल वृषभ
An or च० प० ४ (०) निपथ नामे
येक यादव कुमार aYādavakumbhāta so named
नाया० १६. (३) महाविदेहनी मर्यादा
“यन्मत्त मेरुधी दक्षिणे तदक्षरे निपथ नामे
परित महाविदेहका परिमिति-करनेवाला
मेरुका दक्षिण ओरका निपथ पर्वत the
mountain named Nisadha in
the south of Meru, forming the
boundary-line of Mithāvideha
“कहिण भते जंबूदीवे दीव गिसहे ग्राम
वासहरपव्वए परण्णते” ज० प० ४, “दे
गिसमहा” ठा० २, ३, जीवा० ३, ४, —
कूड न० (-कूट) गिसद पर्वत नील
कूट-शिखर निपथ पर्वतकी दमरी चोंटा शिखर
the 2nd summit of the mount
Nisadha ठा० २, ३, ज० प० — दह
पु० (-द्रह) मन्दर पर्वतनी दक्षिणे
देवकुमानो मोटे ६६-अरे मन्दर पर्वतकी
दक्षिण दिशाके देवकुरुका बडा-विशाल खात-
करना a large stream of water
in Devakuru in the south of the
Mandara mount कहिण भते देव-
कुरुण गिसददहे ग्राम दहपरणत ज० प०
४, ६६, ठा० ५, २, —वासहर पु०
(-वर्षधर) ओ नामे ओक पर्वत इस
नामका एक पर्वत name of a
mountain नाया० ८,

गिसरण त्रि० (निपण) गेडेहु, बैठाहुआ
Seated. नाया० १, ५, १, १२, भग०
७, ६, नाया० ध० ओघ० नि० ६, ओव०
३१, ठा० ५, २,

गिसम्म स० कृ० अ० (निशम्य) विचा-
रीने, छेद्यथी अवधारीने विचारकर, हृदयंग
निश्चित करके Having thought,
having thought or decided in
the mind नाया० १, ५, ८, ६, १२, १४,
१६, १९, भग० ६ ३३, ११, ११, १५, १,
जीवा० ३, ४, ओव० १२, आया० २, १,
३, १६, २, १, ६, ४९, ठा० ३, ३,
—भाति त्रि० (भपिन्) विचारीने गोल-
ना विचारपर्यन्त चलनवाला (one)
who speaks thoughtfully, con-
siderate in speech आया० २, ४,
२, १४०, सुय० १, १०, १०,

✓गि-सर वा० I (नि+सृ) अहार निक-
ल्यु बाहर निकलना. To get out to
come out

गिसरड पत्र० ११

गिसरति राय० २०

गिसरण न० (निमरण) निकल्यु ते निस्म-
रण, बाहर निकलना कार्य Act of
getting out, moving out नाया०
१६,

गिसल्ल त्रि० (निगल्ल) भाता, निगल्ल
अने भिच्छासल्ल ओ तालु शल्य रहित.
माया, निगल्ल और भिच्छादसल्ल इन तीन
शल्योंमे रहित Devout of, free from
the thorns in the form of
deceit desire for the fruit of
actions and heresy महा० नि० १,
गिसह पु० (निपथ) लुगो “गिमद”
क्षम देतो “गिसद” शब्द Vide “गि-
सद” सुय० २, ६, २२ ज० प० पत्र० १६.

चं० प० ५ —रुड पु० (रुड) भुओ
 ' शिलरुड ' शब्द देखो " ' शिलरुड '
 vide " शिलरुड " ठा० ६, ज० प०
 —रुड पु० (रुड) देवकुशनी यित्र विचित्र
 कूट पर्वतशी ८३४ जेज्जने आनीया आर
 भाग उत्तरे सीता नदीनी वर्ये आवेश
 ओड ६६ देवकुशके चित्रविचित्र कूट पर्वतसे
 ८३४ योजनके (अनुमानतः) चार भाग
 उत्तरकी ओर सीता नदीके बीचमें आनेवाला
 एक झरना a lake, stream in the
 middle of the river Sitā to the
 north of Chitravichitra peak
 of Devakuru at an approxi-
 mate distance of 834 Yoj-
 nas ठा० ५, २, जं० प०

शिला छी० (निशा) रात्रीना जेया अध-
 शरवाली नरकभूमि तामिल नामक नरक,
 रात जैसे अंधेरेवाला नरक Heel which
 is as dark as night सू० २, ६, ४६,
 ✓ शिलान्न ग० I, II (नि+श+ण्णच्)
 सामझु, अशुचु सुनना, जानना To
 hear, to know.

शिलामेइ नाया० १६, भग० १५, १,
 शिलामिज्जा वि० सू० १, १, ४, ५,
 शिलामेहि आ० भग० १५, १,
 शिलामित्ता. सं० क० सू० १, १४, २४,
 आया० १, ८, ३, २००

शिलामित्तए. हे० क० नाया० ५, १२, १४,
 शिलामित्तए हे० क० नाया० १६.

शिलिज्जा छी० (निपद्या) आसन, ओड
 आसन बैठक A seat, posture ठा०
 १, १, सू० १, ६, २१,

शिलिअ-य. त्रि० (निशित) तीक्ष्ण पाशु-
 दार, तीक्ष्ण धारवायु तक्षिण, पार्श्वदार,
 तेज वारवान्ना Sharp, sharp-edged,
 spouted सू० १, ५, १, ८, १, ६, १;

शिलिअ त्रि० (निःसृष्ट) डेडश फेंका हुआ
 Thrown flung भग० १५, १; (२)
 मुक्त, स्वतंत्र released सम० ६

शिलिअ त्रि० (निःसृष्ट) निषेध डरेड, अ-
 टक्षवेड मनाकिया हुआ, निषिद्ध. Check-
 ed, restrained prohibited. पंचा०
 १२, २२, —जोग पुं० (योग) सद्व्यापारने
 अटक्षव निषेध डरेड सद्व्यापार का निषेध
 किया हुआ (On) prohibited from,
 checked in salutary activity
 पंचा० १२, २२,

✓ शिलिरि वा० I- (निःसृज) नाशु.
 डेडु, डेडु डालना, फेंकना, छोड़ना. To
 give, to hand over, to present,
 to throw, to fling, to leave

शिलिरि नाया० १६,

शिलिरिति सू० २, २, ५,

शिलिरामि नाया० १६, भग० १५, १,

शिलिरामे आया० २, २, ६, ८६.

शिलिरित्ता सं० क० भग० १५, १,

शिलिरित्त व० क० सू० २, २, ५,

शिलिरित्तेति सू० २, २, ६

शिलिरण न० (निमर्जन) नीक्षवु ते
 निस्सरण-नाहर आना, वहिरागमन Act
 of getting out, starting out.
 पञ्च० ११,

शिलिरणा छी० (निमर्जन) दान दान
 Act of giving away in charity
 (२) त्याग त्याग. abandoning
 आया० २, १, १०, १२

शिलिरिज्जमाण त्रि० (निःसृज्यमान)
 डेडशने फेंकाजाना हुआ, फेंकना हुआ Th-
 rowing, being flung भग० ८, ५,

शिलिरिय त्रि० (निःसृष्ट) तलेड, मुक्त
 त्याग हुआ छोड़ा हुआ Left, aban-
 doned भग० १२, ४,

शिसीद्वय त्रि० (निषीदितव्य) जेसवा
 लायड (भूमि) बैठने योग्य भूमि-स्थल
 (Place) worthy of, fit for,
 being a seat भग० २, १,
 ✓ शि-सीय धा० I (नि+पद्) जेसवु
 बैठना To sit.
 शिसीयइ नाया० १, ८, १६, १६,
 शिसजइ नाया० १६,
 शिसीदति जीवा० ३,
 शिसीयति नाया० १, ६, १६, ज० प०
 ५, ११७,
 शिसियामो सूय० २, ७, १५,
 शिसीयह नाया० १६,
 शिसीइत्ता स० कृ० नाया० १६, भग० ११,
 ११,
 शिसीइत्तए हे० कृ० भग० १३, ४, वेय०
 १, १६, ३, १,
 शिसीयावेति प्रे० ज० प० ५, ११८,
 शिसीयावित्ता प्रे० स० कृ० ज० प० ५,
 ११४,
 शिसीयण (निषीदन) जेसवु ते बैठने का
 कार्य, बैठना Act of sitting भग० १३,
 ४; २५, ७; ठा० ७,
 शिसीयड्व त्रि० (निषीदितव्य) जेसवा योग्य
 बैठने योग्य Worth sitting upon,
 worthy of being a seat or
 sitting place नाया० १,
 शिसीहिया स्त्री० (नैषेधिकी) स्वाध्याय
 करवानी भूमि स्वाध्याय करने की भूमि-
 स्थल A place for the study
 of scriptures (२) पाप क्रियाते
 त्याग पाप कर्म का त्याग giving up o
 sinful activities नाया० १६, भग०
 १६, ५, जीवा० ३, ४, निसी० ५, २, (३)
 सभायाशीने ओड प्रक्षर सामाचरी का एक
 प्रकार a particular mode of
 Vol. II/124

ascetic-conduct पचा० १२, २,
 शिसीहिया स्त्री० (निशीयिका) स्वाध्याय
 भूमि स्वाध्याय-भूमि A place for
 the study of scriptures or
 for meditation भग० १४, १०; नाया०
 व० राय० १०६, निमी० १३, १,
 शिसुंभा स्त्री० (निशुम्भा) वैरोचन धृष्टनी
 पाचवी अग्रमहिषी वैरोचन इन्द्र की
 पाचवी अग्रमहिषी पट्टरानी The 5th of
 the principal queens of Vanu-
 cbana India ठा० ४, २ नाया० व०
 २, भग० १०, ५,
 शिसुणिऊण स० कृ० अ० (निश्रुत्य) साध-
 लाने सुनकरके Having heard
 जीवा० १;
 शिसेय पु० (निषेक) धर्म पुद्गल
 प्रति समय अनुभाग रचना कर्म पुद्गल
 की प्रति सामयिक अनुभाग रचना The
 intensity (of Karmic results)
 caused by a number of Karmic
 atoms operating in a parti-
 cular instant ठा० ६,
 शिसेवग त्रि० (निषेवक) सेवनार, आराध-
 नार सेवक, आरावक (One) who
 worships or propitiates, (one)
 who resorts to, (one) who
 serves सूय० २, ६, ५,
 शिसेविय त्रि० (निषेवित) आश्रय दुःख
 आश्रय किया हुआ, आश्रित Resorted
 to, depended upon. उक्त० २०, २,
 शिसेहिया स्त्री० (नैषेधिका-निषेधयन्ते
 निराक्रियन्तेऽस्या कर्माणीति नैषेधिकी)
 मोक्षगति मोक्षदशा, मुक्ति State of
 salvation, final bliss जीवा० ३;
 शिस्तेरु न० (निशरु) निशरु, योद्धर
 निशरु, शरर रहित Certain, un-

doubted; free from doubt.

पचा० ६, २,

शिसंचार त्रि० (निसंचार) संचार रहित;
जो नगर भाग्यशेने अथवा जवानु अध-
होय ते सवार आवागमन-रहित, वह नगर
जिसमें आमद रफ्त का बबन हो (A
town etc.) where movement
of men etc is prohibited, free
from movement of men etc,
still नाया० ८,

शिसंत त्रि० (निःशान्त-तिरामतिशयेन
शान्त) अतिशय शांत अथवा अतिशय
शान्त Extremely tranquil on
account of control of anger
etc उत्त० १, ८, राय०

शिसंदिद्ध त्रि० (निःसंदिग्ध) सदेह रहित
सदेह रहित, निस्सन्देह Free from
doubt, clear of doubt भग० १५, १

शिसंदेह त्रि० (निस्सन्देह) सदेह रहित
निस्सन्देह, शका रहित. Free from
doubt; clear of doubt नाया० २,

शिसंधि त्रि० (निस्संधि) अध-छिद्र रहित
छिद्रशून्य, संवि रहित Having no
joint or hole. "शिसमविवाराविराहिया"
परह० १, १,

शिसंस त्रि० (निःशम) प्रशंसा रहित
प्रशंसा रहित Free from praise, de-
void of praise. परह० १, २,

शिसंस त्रि० (नृशंस) धान्डी, क्षर घातकी,
हत्यारा, क्रूर Cruel wicked
परह० १, १, नाया० ९,

शिसरण त्रि० (निःसंज्ञ) सजा रहित
सजा रहित, बेनाम Devoid of name,
consciousness etc सूय० नि० १,
५, १, ७१,

शिसयर त्रि० (निःस्वर) धर्मे अनुप

पाउना कर्म को पृथक् करने वाला (One)
who gets rid of Karmas, (one)
who seperates himself from
Karma आया० २, ४, १, ६,

शिसरण न० (निःसरण) अक्षर नीकतुं
बाहर निकलना, गहिर मन Act of com-
ing out or getting out, exit
ठा० ४, २, -एदि त्रि० (नदिन) अक्षर
नीकतुं आनंद प्राप्त करने बाहर निकलने
में सुख मानने वाला (one) who takes
delight in getting out ठा० ६, १,

शिसल त्रि० (निःशल) भावा निराश
अने भिच्छादसणु में त्रय शब्द रहित
माया, निराण और भिच्छादसण इन तीन
शब्दों से शून्य Free from the three
thorns in the form of deceit,
attachment to the fruit of ac-
tions and heresy सम० ६, आड०

शिससिय न० (निःश्रित) नीचे आस
भुङ्गने सास छोड़ना, दम लना Act of
breathing out, act of exhaling.
नाया० ६

शिसह त्रि० (निःह) अति अशक्त
बहुत कमजोर Extremely weak or
feeble सम० २,

शिसह त्रि० (निःहक) अतिशय
अशक्त बहुत कमजोर पानिषत आचन
Extremely weak or feeble
सम० ६,

शिसा स्त्री० (निःश्रा) आश्रय, आश्रय
आश्रय आलम्बन. Shelter, resort
भग० ३, २; निमी० १४, ४६, पत्र० १;
--द्वारा न० (-स्थान) आश्रय-आ-
श्रयता स्थान आलम्बन या आश्रय का
स्थान a place of resort, an ob-
ject which serves as a sup-

port or resting place ठा० ५, ३

चयण न० (-चयन) डालने प्रति-
आध भगवाने डालि तेथे गुणवाला
दुष्टाति आभुते ते किसी को समझाने के
लिए किसी समान गुणवाले का उदाहरण
देकर समझाना an illustration or an
example given to teach a
moral or spiritual lesson. ठा०

शिल्पसाय सं० कृ० अ० (निश्चित्य) नेत्रा-
आश्रय लभते आश्रय लेकर. Having
resorted to, having rested on,
depending on. सूय० २, २, २,
शिल्पसाय सं० कृ० अ० (निश्चित्य) आश्रिते
आश्रित होकर Resting on, having
resorted to, having connection
with भग० १५, १,

शिल्पसास पु० (निश्वास) निश्वास;
अधोगामी श्वास नीचे की ओर श्वास
छोड़ना. Sigh, downward breath
भग० १६, ११,

शिल्पसाचिया सं० कृ० अ० (निश्चित्य)
अधो वासुमाथी भीम वासुमा नाभीने
एक पात्र से दूसरे पात्र में डालकर Having
poured from one vessel into
another दस० ५, १, ६३,

शिल्पसय त्रि० (निश्चित निश्चयेन श्रित
सबद्धो निश्चित) भेदवेद मिलाया हुआ
Got, obtained, joined, mixed
सूय० १, २, ३, ६, (२) निश्चये आधेन निश्चय
संवाधा हुआ. securely fastened,
firmly bound सूय० १, १, १, १०, २,
६, २३, (३) लिङ्ग; प्रमित लिङ्ग a charac-
teristic. (४) आश्रित आश्रित; आश्रय
लिया हुआ resting on; resorting to,
depending on. ठा० १०; सम० सूय०

१, १, ३, ३०; अणुजो० १२८; (५)
आसक्त यथेद आसक्त. attached to,
passionately fond of. सूय० १, १,
१, १०, ठा० ५, २, (६) पुं० राग, आहार
आदिनी, लोलुपता राग, आहार आदि की
इच्छा, लोलुपता. passion for, greed
of food etc. ठा० ८;

शिल्पसिय त्रि० (निश्चित) निश्चयेन.
निकला हुआ, निश्चित. Come out; got
out; started " तंच सरुवओ जं आणि-
स्सियामि " विशेष० पञ्च० १,

शिल्पसील त्रि० (निश्चित) सारा स्वभावथी
रहित; दुःशील सद्भावशून्य, दुःशील,
दुराचारी. Of an evil nature or dis-
position ठा० ३, १, २, नाया० १८,
राय० २०८, (२) आचार रहित आचार
रहित devoid of ascetic conduct
ज० प० २, ३६, (३) समाधि-शान्ति
रहित समाधि-शान्ति रहित devoid of
concentration or calmness
of mind भग० १२, ८, (४)
शीलहीन, ब्रह्मचर्य शून्य; अब्रह्मचारी in-
continent, unchaste ठा० ३, १,
२, राय० २०८, (५) महाव्रत अने आणु-
व्रत रहित महाव्रत और अणुव्रत रहित
not observing the major and
the minor vows भग० ७, ६,

शिल्पसेणि स्त्री० (निश्चित) निश्चित
A ladder पर० १, १,

शिल्पसेयस न० (निश्चित्य) इत्याणु
कल्याण, भला Welfare, bliss ठा०
३, ४, ६; —कर त्रि० (-कर) इत्याणु
उत्पन्न कल्याण करने वाला. (one)
causing or giving welfare
नाया० ८,

शिस्सेयासिय. त्रि० (नैःश्रेयसिक—नि श्रेयस
मोक्षमिच्छतीति नै श्रेयसिक) मोक्षाभिलाषी,
मुमुक्षु. मोक्ष की इच्छा वाला, मुमुक्षु.
One desirous of or longing for
final liberation भग० १५, १,
शिस्सेस पु० (निःश्रेयस्) मोक्ष. मोक्ष,
मुक्ति Salvation, final libera-
tion “ शिस्सेसाष्ट अणुगामित्ताष्ट ? ”
नाया० १ १३,
शिस्सेस त्रि० (नि शेष) सम्पूर्ण, सम्पूर्ण,
समग्र Complete, full, perfect.
दस० ६, २, २; —कम्ममुक्ता त्रि० (—कर्म-
मुक्त) सक्षय कर्माभी मुक्षयेत्, कर्म अनन्तभी
छुटे सर्व कर्मों से मुक्त, कर्म बन्ध रहित
entirely freed from Karma, rid
of Karmic bondage. पचा० २, ४३,
शिह त्रि० (निह-निहन्येत निह) भायावी
मायावी Deceitful आया० १, २, ३,
८१, (२) डोव आदिथी पीडित क्रोव आदि
से पीडित. troubled or afflicted on
account of anger. मूय० १, २, १, १३,
(३) (निहन्यन्ते प्राणिनःकर्मवशात्
यस्मिन् तन्निहम्) आयातनु डेडाणुं, यातना
स्थान वेदना स्थल, यातना स्थान, वह
स्थान जहा से पीडा होती हो source
of punishment or affliction
मूय० १, ५, २. ११,
शिह त्रि० (स्निह-स्निह्येत श्लिष्यते अष्टप्रका-
रेण कर्मणा इति स्निह) रागी, भक्त्यवालो
रागी, ममता वाला Full of attach-
ment and hatred, full of ego-
tism. आया० १, ४, ३, १३५, सूय० १,
२, २, ३०, (२) न० तेष तैल oil
जीवा० ३, ३
✓शि-हर वा० I (नि + हन्) नाश करेगा.
हल्लु नाश करना. मारना To kill,

to destroy
शिहर्यंति ज० प० ५, ११४,
शिहर्याहि आ० नाया० १;
शिहरित्ता सं० कृ० ज० प० ५, ११४,
शिहरण पु० (निधन) विनाश, छेडा विनाश;
अन्त Destruction, end नाया० ६,
शिहत्त न० (निधत्त) परस्पर भले कर्म
पुद्गलोने दृढपणे धारण करेवा ते, कर्म
अन्धतो अेड प्रहार परस्पर मिश्र कर्म
पुद्गलो को दृढता पूर्वक धारण करने का कार्य,
कर्म बन्धन विेष Firm adherence
or holding together of Karmic
molecules in mutual combina-
tion, a mode of Karmic
bondage ठा० ४, २, भग० १, १
शिहय. त्रि० (निहत्त) हल्ले, भागेल मारा
हुआ, नष्ट Killed, destroyed
“ जक्खा हुवेयावडिय करेति तम्हा उण्ण
शिहयाकुमारा ” उक्त० १२, ३२; दसा० ५,
३६, —कण्टय त्रि० (—कण्टक) जेजे
डाटा जेवा प्रतिपक्षीने भागेल छे ते जिसने
कटक रूप प्रतिपक्षी का नाश किया है
(वह) (one) who has des-
troyed adversaries who were
troublesom like thorns ठा० ६,
—रय त्रि० (—रजम्) जेभा रज-
मेल दूर थिये छे ते जिसमे रज-मैल नहीं
है वह निर्मल, रज रहित, सात्विक freed
from dirt or dust, clean “ अप्पग
निया देवा शिहयरय शद्धुरयं भद्धुरयं ” जीवा०
३, गय० —सत्तु त्रि० (—शत्रु) शत्रुने
भार्या छे जेजे शत्रुहन्ता, रिपुघातक (one)
who has destroyed enemies
“ आहमसत्तु शिहय सत्तु मालिय महु निजिय
मन्तु ” गय०
✓शि-हर वा० I, II. (नि + ह)

डाढवुं खांचनिकालना To ext act, to pull out

शिहरइ निसी० ३, ४२, सूय० २, २, २०,

शिहरेइ निसी० १, ३५,

शिहरिस्सामि निसी० १, ३५.

शिहरित्तए हे० कृ० विवा० ८,

शिहरंत व० कृ० निसी० १, १५;

शिहरावेति प्रे० सूय० २, २, २८,

शिहस पु० (निघर्ष) डसोटी, डसोटी डाढवानो पत्थर कसौटा परीक्षापापाण, निकपग्रावा A touch-stone पञ्च० १७,

शिहा छी० (निहा-निहन्यन्ते प्राणिन यस्या सा निहा) माया माया, छल, कपट Deceit, fraud “उवसते शिहे चरे” सूय १ ८, १८,

शिहाण न० (निधान) यक्षवर्तिना नव निधान, अन्ननो चक्रवर्ति के नौनिधान कोष, नवनिधि A treasure, the nine treasures of a Chakravarti. ठा० ५, १, अणुजो०

शिहाय. स० कृ० अ० (निधाय) स्थापीने स्थापना करके Having placed or established सूय० १, ७ २१, (२) तछने छोडकरके, त्यागकर having left or abandoned सूय० १, १३, २३

शिहार न० (निहार) निहार, शौचक्रिया शौच क्रिया, दिशा, जगल को जाना Act of answering calls of nature, getting rid of excrements ठा० ८,

शिहि पु० (निधि) अडार, अन्ननो भंडार, कोष, खजाना A treasure, a store “पच शिही पणत्ता” ठा० ५, ३, नाया० ३, जीवा० ३, ३, निसी० १३, २६, (२) ओ नामनो ओड द्वीप अने ओड समुद्र इस नाम का एक द्वीप और एक समुद्र name of an island, also that of

an ocean पञ्च० १५, जीवा० ३, ४;

—पइ पु० (-पति) अडारी, धाननो धुली खजाची, कोषाध्यक्ष a treasurer भग० १२, १, —रयण न० (-रत्न) यक्षवर्तीनु निधान-अन्ननो चक्रवर्ती का कोष a treasure belonging to a Chakravarti ज० प०

शिही छी० (निही) अनंत छववाली वनस्पतिनी ओड अत अनन्त जीववाली वनस्पति की एक जाति A species of vegetation with infinite living beings in it पञ्च० १,

शिहु पु० (स्निहु) ओ नामनी ओड वनस्पति ड६ विशेष इस नाम की एक वनस्पति, कट विशेष A kind of vegetation, a particular sort of bulbous root जीवा० १, पञ्च० १,

शिहुय त्रि० (निभृत) निवृत थयेत, प्रवृत्ति रहित निवृत्त, प्रवृत्ति ग्रन्थ. Retired, free from activity सूय० १, ८, १८ (२) अशान्त वृत्ति वाले प्रशान्त वृत्ति वाला calm and quiet in mind. ओव० २१, (३) निश्चय, अथवा निश्चल, अचल, स्थिर firm, steady, motionless उक्त० १९, ४१, पण्ड० १, २,

शिहो अ० (न्यक्) नीचे नीचे, अव Low, below, down “ शिहेणि सगच्छति अतकाले ” सूय० १, ५, १, ५, शीआगोय न० (नीचगोत्र) गोत्र उर्भनी अशुभ प्रवृत्ति गोत्र कर्म की अशुभ प्रवृत्ति An evil variety or class of Gotra-Karma अणुजो० १०७,

शीइ छी० (नीति) नैयम आदि नय नैयम आदि न्याय-नय A logical standpoint such as Naigama etc ठा० २, २. (२) नीते न्याय, गज नीति.

समाजनीति वगेरे नीति-न्याय; राजनीति;
समाज नीति वगैरह. morals; jus-
tice, politics “ तिबिहा शीई परणत्ता
सामे ङ्हे भेण् ” ठा० ३, ३, नाया० १,
शीच त्रि० (नीच) नीचो; दुवडेा नीचा, घटिया;
उतरता हुआ Low; mean. ठा० ४, ३,
शीछूढ. न० (निष्टयूत) थु डेलु. थूका हुआ.
(Saliva) spit out or ejected
from the mouth नंदी०

शीजूहग न० (निर्यूहक) आरखुनेो टोडो;
धोडो दरवाजे का घोडला A block of
wood jutting out from each of
the two upper ends of a
gate or door of a house नाया० १,
शीजूहयंतर न० (निर्यूहकान्तर) ओ
टोडो वन्थेनु अतर २ घोडलों के
बीच का अन्तर. The distance or
space between two blocks of
wood each projecting from
the upper end of a gate or
door of a house नाया० १;

शीखिय. त्रि० (निखित) फूलर डोढेन बहार
निकाला हुआ Brought out नाया० ४,
शीखिया छी० (नीनिका) ओड नतनेो आर
धटियवाडो एव चार इद्रिय वाला जीव
विशेष. A kind of four-sensed
living being जीवा० १; पन्न० १,
शीति. छी० (नीति) नीति-न्याय नीति,
न्याय; कायदा, इन्साफ, Politics,
justice नाया० १;

शीम पु० (नीप) डदंथनु ओड कदम्ब का
वृक्ष. The Kadamba tree पन्न० १,

शीय त्रि० (नीत) लावेन, आखुन लाया
हुआ Brought, carried. नाया० १
१६, १७,

शीय त्रि० (नित्य) नित्य, हमेश रहनेवा

नित्य, सदा रहने वाला Constant,
permanent, eternal ठा० १०,

शीय-अ. त्रि० (नीच) नीचु, नीनु;
हीगलु नीचा; छिगना, छोटा Low,
dwarfish; small भग० ३, १, २,
१५, १, (२) नीय; दुवडेा, नीचा दुवनेो
नीच कुल का mean, low-born ठा०
३, ४, भग० ३, १, अखुजो० १४७.

—जण त्रि० (-जन) नीय नतिनेो
भाखुस. नीच जाति का मनुष्य a person
of a low family or caste “ शीय-
जण शिसेविणो लोगगरहणिजा ” पणह० १, २;

—दुवार त्रि० (-द्वार) नीया आरखुवाडु
नीचे या छोटे दरवाजे वाला having
low gates or doors दम० ५, १, २०,

शीयत्तण न० (नीचत्व) नीय पल्लु लुद्धता;
नीचता Lowness, meanness
“ नियत्तणे वट्टइ सच्चवाई ” दम० ९, ३, ३;

शीययर त्रि० (नीचतर) अति नीचु बहुत
नीचा Very low भग० ३, १;

शीयागोय न० (नीचगोत्र) गोत्रडभनी
अशुल प्रकृति. गोत्र कर्म का अशुभ प्रकृति
Evil Gotra-Karma causing
buth in a low family “ उच्चागोया
वेगे शीयागोयावेगे ” सूय० २, १, १३,
—कम्म न० (-कर्मन्) गोत्रडभनी
अशुल प्रकृति, डे नेना उदयथी एव नीय
गोत्र प्राप्त करे गोत्र कर्म की अशुभ प्रकृति,
कि जिसके उदय से जीव को नीच गोत्र प्राप्त हो.
a variety of Gotra-Karmas
(family-determining Karmas)
evil in its effects because by
its rise or maturity a man is
born in a low family भग० ८, ६,
शीरय त्रि० (नरिजस्) नररहित, डभनी
रपी रज रहित रजहान, कर्महवी मल से

रहित Free from dust or dirt, free from dirt in the form of Karmas ज० प० सय० १, १, ३, १२, १५, १,

शीरिति पु० (नैर्ऋति) भूत नक्षत्रों अधिष्ठाता देवता मूल नक्षत्र का अधिष्ठाता देवता The presiding deity of a constellation bearing the same name सू० प० १,

शीरुद्विगग त्रि० (निरुद्विगग) उद्वेग रहित, चिन्ता रहित निश्चिन्त, उद्वेग विहीन, बेफिकर Careless, free from worry नाया० ८,

शीरोग त्रि० (निरोग) रोग रहित निरोग स्वस्थ Free from disease, healthy ठा० १०, नाया० १ (२) उदात्त रहित अम्लान, निरालस्य, रत्नानि रहित free from mental distress or worry ओव०

शीरोगय त्रि० (निरोगक) रोग रहित, व्याधि वगन्ते रोग रहित, व्याधि विहीन Free from disease, healthy जा० ३,

शील त्रि० (नील) स्याम, नीलु श्याम, नीला, काला Dark, black, blue ठा० १०, (२) पु० नीलो रंग नीला रंग blue colour पत्र० १, राय० ५०, (३) नीलम, ओष्ठ जलनेला मणि. नीलम, एक जाति का मणि a kind of gem, a sort of blue gem जीवा० ३, (४) २५ भा अहनु नाम २५ वे ग्रह का नाम name of the २५th planet "शेणित्ता" ज० २, ३, सू० प० १०, (५) स्त्री० नील देव्या, ७ देव्याम ११ श्री ७ देव्या नाललेश्या,

छलज्याओं में से दूसरी the 2nd of the six kinds of thought or matter-tints, viz blue tint पत्र० १७, (६) आणुसमुह बाणों का समूह, शर-समूह a collection of arrows राय०

—पत्त त्रि० (-पत्र) शीला पाण्डा बाहु हरे पत्तों वाला having green leaves. पत्र० १, —पाणि त्रि० (-पाणि - नीलः काण्डकलाप पाणौ येषां ते नील पाणय) नेला हाथों वाला आणुओं के समूह से शर समूह का वारण करने वाला, शरवारी

(one) holding a number of arrows in the hand. राय० —पद्म त्रि० (-प्रम) शीली प्रभावालु हरी कान्ति वाला possessed of green lustre नाया० १, —वर्ण न० (-वर्ण)

कृष्ण वर्ण, नीलो रंग कालारंग, नीलारंग black colour, blue colour भग० ८, १, २, ४, —वर्णज्ज्व पु० (-वर्ण पर्यव) शीला वर्ण-रंग ॥ पर्याय काने रंग का पर्याय A modification of black colour भग० २५, ३ —सालर्गाणयत्थ त्रि० () नीला रंग की साड़ी पहने हुए (one) who has put on a Sāri or garment of blue colour विवा० १०,

शीलकंड पु० (नीलकंड) शकेन्द्र की महिष सेना अधिपति देवता शकेन्द्र की महिष सेना का नायक देवता The commanding deity of the army of buffaloes belonging to Śakendia ठा० ४, २,

शीलकंडय पु० (नीलकंडक) मोर, मयूर मोर, मयूर A peacock नाया० ३,

શીલકણવીર પું. (નીલકરવાર) નીલા
રગની કણેર; વૃક્ષની એક જાત નીલે રગ
કી કનેર, વૃક્ષ વિશેષ A kind of tree
blue in colour રાય.

શીલકૂડ. પું. (નીલકૂટ) નીલવત વર્ષધર
પર્વતનું એક શિખર નીલવત વર્ષધર પર્વત
કા એક શિખર. A summit of the
mountain named Nilavanta
Vaisadhiara ઠા. ૨, ૩,

શીલિગુલિયા સ્ત્રી. (નીલિગુલિકા) એક જાતનું
રત્ન એક રત્ન વિશેષ, એક પ્રકાર કા રત્ન A
kind of gem. “ શીલિગુલિયાગવલ્લપ્પ.
ગાસા ” જીવા. ૩, ૪, રાય. નાયા. ૧,

શીલિવંધુર્જીવ પું. (નીલવંધુર્જીવ) નીલા
રગના પુષ્પ વાલું એક જાતનું ઝાડ નીલે
રંગ કે ફૂલ વાળા એક વૃક્ષ વિશેષ A kind
of tree putting forth blue
flowers રાય.

શીલય પું. (નીલક) લીલો રંગ હરા રંગ
Green colour મગ. ૧૮, ૬, ૨૦, ૫,

શીલલેસ્સ ત્રિ. (નીલલેશ્ય) નીલ લેશ્યાવાલો
જીવ નીલ લેશ્યા વાળા જીવ (A soul)
having blue thought-tint
(Leśyā). ઠા. ૧, ૧, મગ. ૧૮, ૩,

૨૫, ૧, —મવસિદ્ધિય પું. (—મવસિ-
દ્ધિક) નીલ લેશ્યાવાળા જીવ જીવ નીલ
લેશ્યા વાળો મવ્યજીવ A soul having
blue tint and destined to attain
salvation, eventually મગ. ૩૫, ૭,

શીલલેસ્સા સ્ત્રી. (નીલલેશ્યા) ૬ લેશ્યા-
માની બીજી લેશ્યા ૬ લેશ્યાઓમાં કી દૂસરી
લેશ્યા The 2nd of the six kinds
of thought or matter-tints
(Leśyās) પન્ન. ૧. ૧૭, મગ. ૧, ૨;

શીલિવંત પું. (નીલવત) જમગ પર્વતથી
દક્ષિણ દિશાએ ૮૩૪ યોજન અને ૪ સાતીયા

ભાગ ઉપર સીતા નદીને વચ્ચેગાલે આવેલ
એ નામનો એક દ્રહ કે જોને એ પાસે વીશ
કંચનક પર્વત છે જમગ પર્વત કી દક્ષિણ
દિશા મેં ૮૩૪ યોજન ઔર ચાર સાતીયા ભાગ
ઝર ઔર સીતા નદી કે મધ્ય મેં આને વાળા
એક જલાશય જિસકે દોનો ઔર વીસ કચનક
પર્વત હૈ Name of a great lake in
the south of Jamaga mount in
the middle of the course of
the river Sitā on two of its
sides it is bounded by twenty
Kañchanaka mountains જ. ૫.
(૨) તેના વાસી નાગકુમાર દેવ ડહ (દ્રહ)
કે નિવાસી નાગકુમાર દેવ a Nāgaku-
māra kind of deities residing
in the above lake જ. ૫. (૨)
મન્દર પર્વતનું બીજું શિખર મન્દર પર્વત
કા દૂસરા શિખર. the second peak of
Mandara mount જ. ૫. (૪)
નીલવત પર્વત, મહાવિદેહની ઉત્તર તરફની
સીમા બાધનાર પર્વત નીલવત પર્વત,
મહાવિદેહ કી ઉત્તરી સીમા બનાવ વાળા
પર્વત the mount Nilavanta
forming the northern bound-
ary of Mahāvideha “ કહિં
મંતે જંબુદ્વીપે શીલિવંતે જામ વાસહરપવ્વણ
પરણતે ” જ. ૫. ઠા. ૨, ૩, પન્ન. ૧૬,
જીવા. ૩, ૪, —કૂડ પું. (—કૂટ)
નીલવત વર્ષધર પર્વતનું બીજું શિખર
નીલવત વર્ષધર પર્વત કા દૂસરા શિખર કૂટ
the second peak of the Nila-
vanta Vaisadhara mountain.
“ દો નીલવત કૂટા ” ઠા. ૨, ૩, જ. ૫.
—દ્રહકુમાર પું. (—દ્રહકુમાર) નીલ-
વત દ્રહનો અધિપતિ નાગકુમાર દેવ નાન-
વત દ્રહ કા અધિપતિ નાગકુમાર દેવ ”

Nāgakumāra kind of deity presiding over the lake named Nilavanta जीवा० ३, ४, —पञ्चय पु० (—पर्वत) नीलवत पर्वत नीलवत पर्वत. the mount Nilavanta नाया० १६, शीला स्त्री० (नीला) नील लेश्या नील लेश्या Blue thought-tint or matter-tint सम० (२) जम्बूद्वीपनी मेरुनी उत्तरे रक्ता महानदीने मधती ओ नामनी ओर महानदी जम्बूद्वीप के मेरु की उत्तर तरफ रक्ता महानदी से मिलती हुई इस नाम की एक महानदी name of a great river flowing into another great river named Raktā in the north of the Meru mount of Jambūdvīpa टा० १०,

शीलाभास पु० (नीलाभास) २६वां महाग्रह The 26th of the great planets 'दो शीलाभास' टा० २, ३, च० प० मृ० प०

शीलासोक पु० (नीलाशोक) नीला २ गुनु अशोक वृक्ष नीले रंग का अशोक वृक्ष An Āśoka tree blue in colour राय० (२) ओ नामनु सुदर्शन मेठ का उद्यान इस नाम का सुदर्शन मेठ का उद्यान name of a park owned by the merchant named Sudarśana नाया० ५ —उज्ज्वाण न० (—उद्यान) ओ नामनु ओर उद्यान इस नाम का एक उद्यान —वगीचा name of a park or garden विवा० ५,

शीलासीय न० (नीलाशोक) सागधिष्ठ नगरीनी अरानु ओर उद्यान मौनविका नगरी के बाहर का एक उद्यान Name of a garden or park outside

the city of Saugandhikā नाया० १, ५,

शीली स्त्री० (नीली) नीली-गद्दी नील Indigo. नाया० १६, जीवा० ३, ४, ज० प० ३, ४५, (२) गुच्छ वनस्पतिनो ओर प्रक्षार गुच्छेदार वनस्पति विशेष a sort of vegetation with clusters of leaves पञ्च० १,

शीलुप्पल न० (नीलोत्पल) नीलोत्पल, उभय नीलोत्पल, नील कमल A blue lotus नाया० १, ३, ५, ८, ९४, भग० ६, ३३, —मसि पु० (—असि) नीलोत्पल उभय जेवी तलवार नील कमल जैसी तलवार a sword like a blue lotus नाया० ८, —वण न० (—वन) नीलोत्पल उभयनु वन नीलोत्पल कमल का वन a forest of blue lotuses तट्ट०

शीलोभास त्रि० (नीलावभास) मथुरा गला जेवु प्रक्षार मान मोर के कट के समान प्रकाशमान Shining, bright like the neck of a peacock ओव० राय० (२) २६वां ग्रहनु नाम २६ वे ग्रह का नाम name of the 26th planet मृ० प० २०,

शीव पु० (नीप) कदम्बनु जाड कदम्बका वृक्ष A Kadamba tree ओव० नाया० ६, (२) न० तेना इध उम (कदव) के फल a fruit of a Kadamba tree नाया० १, भग० २२, ३,

शीवार पु० न० (नीवार) जेव्या वगैरी जमीनमा उगेला धान्य विशेष, सामे योया, प्रभृति विना हल की हुई भूमिमें उग्न वान्य विशेष, मावा, चावल आदि Rice etc. growing in uncultivated land सूय० १, ३, २, १८, १ १५, १२,

शीसंक त्रि० (निशङ्क) शङ्क भित्त जग-

रहित; नि.शंक Free from doubt
भग० १, ३;

शीसड. त्रि० (नि.सृष्ट) दे देल, मुकेल.
फेंका हुआ, त्यक्त, छोड़ा हुआ Left,
abandoned, given up, freed,
given out परह० १, १,

शीससिउच्छसियसम. न० (निश्वासितो-
च्छ्वसितसम) उवा नीया स्वरवाधु गान.
ऊच नीचे स्वर वाला गान A musical
tune with rising and falling
accents ठ० ७.

शीससिय न० (निश्वासित) नीचे श्वास मुधे
निश्वासडालना Act of breathing
out or exhaling, a sigh नाया० ६,
शीसा. स्त्री० (:) धटी, घट्टी, चक्की A
mill to grind corn etc “ दम
वाराणुं गीहिय शीसाणु पीठणुवा ” दस०
५, १, ४५,

शीसास पुं० न० (निश्वास) नीचे श्वास
मुधे ते श्वास छोडना. Act of ex-
haling or breathing out ओव०
३६. नाया० १, ८, भग० १, १० १७, १२,

शीसासमाण त्रि० (निश्वासस्) श्वासमु तो
साम लेताहुआ, दम भरता हुआ Breath-
ing out, exhaling. नाया० ६;

शीसेयस न० (निःश्रेयस्) निश्चित उत्थाय
भोक्ष निश्चित कल्याण, मोक्ष Final,
certain bliss, salvation जीवा० ३, ४,

शीहाडिया स्त्री० (निर्हतिहा) पिरसल्ल
परोसा, कार्यवश आनेमें असमये किनी
मित्र आदिके दहा भेजीहुई भोजन की थाली
A dish of food etc sent to a
relative or friend who has not

been able to partake of a gene-
ral feast वेय० २, १७,

शीहिरण न० (निर्हरण) भरण संस्कार
मृत्युसंस्कार, अन्त्येष्टि किया Funeral
rite or ceremony विवा० ५, ८,
नाया० १४; भग० १५, १; (२) निक्षवु
ते निकलना getting out, starting
out नाया० २,

शीहरमाण त्रि० (निर्हरन्) निहार करेता
मुक्त होता हुआ फारिग होता हुआ Ex-
pelling, getting rid of; answer-
ing calls of nature वेय० ६ ३,

शीहर्गित्तर हे० कृ० य० (निर्हर्तुम्) निहार
करवाने मुक्त हानक लिए बाहर निकालने के
लिए In order to expel, in order
to clear or get rid of the
excrements वेय० ६, ३,

शीहार. पु० (निर्हार) दिनाये-शौचक्रिय, ये
वयु दिशा-शौच क्रियाके लिए जाना २०
of easing oneself, answering
calls of nature सम० ३४;

शीहाण न० (निर्हारण) डाडी मुठ्ठु.
निकाल देना; धक्का देकर निकाल देना Act
of driving away, pushing out
ठा० २, ४,

शीहारि त्रि० (निर्हारिन्) व्यापी जनार,
विस्तार पामनार फैल जानेवाला, विस्तार
पानेवाला Extending, pervading;
having the property of exten-
sion. सम० ३४, ओव० ३४, (२) धोप-अवाज
वाधु घोंप-शब्दवाला. full of sound,
possessed of sound ठ० १०,

शीहारिम न० (:) देता शयन निह-

२७-अग्निसंस्कार वगेरे मरण सस्कार थई
शके तेवा स्थणे सथारे करवे ते ऐसे
स्थानपर मयारा करना कि जिससे मृत्युके बाद
शवकी अन्त्येष्टि क्रियादि आसानी से होसके
Act of giving up food and
water in such a place so that
after death the corpse can be
removed for the purpose of
funeral rites such as crema-
tion etc. छ० २, ४, भग० २, २५, ७, १,
१३, ७; (२) वले दूर सुधी पहुँचे तेवु
बहुत दूर तक पहुँचनेवाला (one) reach-
ing a long distant ओव०

शीह छी० (नीहू) डन्ढनी ओड जलत. एक
बन्द विशेष A species of bulbous
roots. भग० ७, ३, २३, २, उत्त० ३६, ६८,

शु अ० (नु) प्रश्न प्रश्न, अव्यय-प्रश्नचिन्ह
An indeclinable marking
question. दस० ७, ५१, (२) चित्त
चिन्तक, आश्चर्य चिन्ह an indeclinable
marking imagination or sup-
position विशेष ३०,

✓ शुक्-कर धा० II (न्यक्+कृ) धिक्कारवु.
वक्कारना, बुराबला कहना To reproach
to show contempt towards
शुक्कोरति राय० १८२,

शुक्कार पु (न्यक्कार) तुकार शब्द करवे ते
वृणान्वयक शब्द A sound expres-
sive of contempt राय०

शुणं अ० (नूनम्) नझी, थोड्डस ठीक-
झक, निश्चित, स्पर्श Indeed, assumed-
ly नाया० १, ५, ६, १६, भग० १, १,
२, १, ५, १, १, १५, १, उत्त० २, ४८,
ओव० ४२, पञ्च० ११, (२) तर्क, प्रश्न,
हेतु ध्यादि अर्थमा उपरातु अव्यय. तर्क,
प्रश्न, हेतु आदि अर्थोपयोगी अव्यय an

indeclinable used to mark sup-
position, question, reason etc
भग० २, ५, ६,

शुम न० (नूम) गाढ अधाः प्रगाढ अंधेरा,
घनघोर अधकार Dense darkness
भग० १, ८, (२) पर्वतनी गुहा वगेरे,
गुप्त स्थान a mountain-cave etc
निसी० १२, १२, सूय० १, ३, ३, १, २,
२, ८, (३) ढाडवु ढाकना covering,
act of covering पण्ह० १, २, (४)
भाया, धपट माया, कपट, छल deceit,
fraud भग० १२, ५, सम० ५२, मय०
१, १, ४, १२, (५) उर्भ कर्म action,
Karma आया० १, ८, ८, २४. — गिह
न० (-गृह) गीय अडीमा आवेसु धर
कुज वाला घर a house surrounded
by trees आया० २, ३, ३, १२७,

शे अ० (शे) पाद पूरु पाद परक ए
An expletive, an indeclinable
used as an expletive जीवा० ३,
शे त्रि० (नः) अमे-अभागे-गे-३ हम,
हमारा-री रे We, our भग० १, ६,
२, ५, १५, १, दस० १, ६

शेआउअ-य त्रि० (नैयायिक) न्याय युक्ति,
युक्ति प्रयुक्ति सहित न्याययुक्त, युक्ति प्रयुक्ति
सहित. Based on sound logical
reasoning ओव० ३४, मय० १, २,
१, २१, (२) नेमा निश्चय मुक्ति भवे
तेवे मार्ग ऐसा मार्ग कि जिसके द्वारा
निश्चित रूप से मोक्ष प्राप्त हो सके a path
surely and invariably leading
to salvation उत्त० १०, ३१, (३)
न्यायशास्त्र ज्ञानुत्त० न्यायाचार्य, न्यायविद
(one) proficient in logic
ओव० ३४,

श्लोडगिअ न० (नैपुणिक) निपुण अनु

निपुण; चतुर; कुशल Expert, wise; skilful. डस० ६, २, १३,

शेडर न० (नूपुर) पगनु आभरण; अजर. पैर का भूषण, तोडा A leg-ornament, an anklet. नाया० १, ६; १६, जीवा० ३, ३; (२) ओ छद्रिय वालो छव विशेष दो इन्द्रिय वाला जीव विशेष a species of living beings with two senses पन्न० १, (३) आर छद्रिय वालो छव चार इन्द्रिय वाला जीव a living being with four senses पन्न० १,

शेगम पुं० (नैगम-निगमा वहिजस्तेषा स्थान नैगमम्) वाणिजा-व्यापारीओनु निवास-स्थान व्यापारिओका निवासस्थान A quarter of a town etc where traders or merchants reside भग० १८ २; (२) शास्त्रना अर्थभा दुशत्र शास्त्रों के अर्थमे कुशल proficient in scriptural texts and their meaning ठा० ३, ३, (३) सात नयमानो पहिलो नय सात नय मे से प्रथम न्याय-नय the first of the seven logical standpoints of Jaina philosophy ठा० १. पन्न० १६, —नय पु० (-नय) जैन दर्शन-अभिमत सात नयमानो प्रथम नय जैन दर्शन के सात नयों में से पहिला नय the first of the seven logical standpoints in the Jaina philosophy विशेष० ३१; —पढमा-सणिय त्रि० (-प्रथमासनिक) व्यापारी-ओभा प्रथम आसन धरावनार. व्यापारिओ मे श्रेष्ठ-पहिले आसन का अधिकारी (one) occupying the highest position among merchants भग० १८, २, शेच्छुइय पु० (नैश्चयिक) निश्चय नय निश्चय नामक नय A standpoint by

which a thing is named after the substance of which it is evidently made भग० १८, ६,

शेददूर. पुं० (नेददूर) ओ नामनु ओड अनार्य देश. एक अनार्य देश Name of a Anārya country (२) तेना वासी मनुष्य उस के निवासी लोग a person residing in the above country परह० १, १;

शेतव्व न० (नेतव्य) समग्र वेवु. समझ लेना, जानजाना. Grasping the meaning of, understanding, comprehending सू० प० २०,

शेतव्व त्रि० (ज्ञातव्य) ज्ञातुवा योग्य जानने योग्य, ज्ञातव्य Worthy to be known भग० १, १, २४, २,

शेतार त्रि० (नेतृ) नायक. अधिपति, नेता; नायक (One) who leads, a leader जं० प०

शेत्त न० (नेत्र) आभ आंख, नयन, चक्षु An eye पन्न० १८, २२, (२) नेतरस्मी a rope or cord to tie the legs of a cow at the time of milking उवा० २, ६४, (३) नेतरनी छडी, सोटी बेत, बेत वृक्ष की छडी a cane, a bush १०८ सूय० २, २, १८, —सूल न० (-शूल) नेत्र शूल, आ मतो डहापो. नेत्र पीडा, आंख का दर्द pain in the eye; sore eye. नाया० १३,

शेम पुं० छी० (नेम) जमीनथी उयो नीडलतो प्रदेश भितनी डिनारी जमीन मे ऊचा उठा हुआ भाग, दिवाल का किनारा Region or portion protruding from ground level जं० प० १०५,

रोमि पु० (नेमि) पैडानो घेरावो, पैडानी धा०.
पहियेका घेराव, चक्रकी परिधि Circum-
ference of a wheel ओव० ३१,
ज० प० ३, ४७, ठा० ३, ३, सूय० १, ४,
१, ६, —पडिरूचग न० (—प्रतिरूपक)
चक्रधारा समान, वृत्तसंस्थान चक्रधारा
समान, गेलाकार (any thing) cir-
cular in shape like a wheel
भग० १४, ६,

रोमिचित्तिय न० (निमित्त) निमित्तशास्त्र,
२६ पाप शास्त्रमातु ओ३ निमित्तशास्त्र,
२६ पापशास्त्रों में से एक The science
of omens, one of the 29 Pāpa
Śāstras (secular sciences) ठा० ६,

रोम्मा छी० () जमीनथी नीडले
प्रदेश जमीन से ऊचा उठा हुआ भाग-प्रदेश
Region higher in level than
the ground राय० ४५;

रोय. त्रि० (ज्ञेय) ज्ञातुया योग्य ज्ञेय,
जानने योग्य Worthy to be
known राय० २१५ पञ्च० २१, नाया०
११, १८,

रोयतिय त्रि० (नैयतिक) नित्य नित्य,
शाश्वत Constant, permanent,
eternal भग० १, २,

रोयव्व त्रि० (ज्ञातव्य) ज्ञातुया योग्य
जानने योग्य, ज्ञातव्य Worthy to be
known, worth being known
ठा० २, ३, भग० २, २, ५, ४, १२, १८,
२५, ४, २८, ११, नाया० १६, निसी० ६,
५, ११, १६, १८, २, दसा० १०, १, ज०
प० ७, १३५, ६, १२४,

रोयव्व त्रि० (नेतव्य) डहेया पार्थिववा

योग्य कहने या वर्णन करने योग्य.
Worthy to be told or describ-
ed, worthy to be conveyed or
communicated. ओव० २०, ज० प०
५, ११६,

रोयाउय त्रि० (नैयायिक-न्यायेण चरति
नैयायिक) न्याय युक्त न्याययुक्त, कायदे
में चलने वाला. Logically sound,
just, in accordance with just-
ice उत्त० ३, ६, दसा० १०, ३, ६, १८,
(२) न्यायदर्शन-ज्ञानभशास्त्रने ज्ञातुनार
न्याय दर्शन गौतम शास्त्र को जानने वाला.
(one) proficient in the sys-
tem of logic propounded by
Gautama सूय० टी० १, १, १, ६,
(३) मोक्षमार्ग अतापनार न्याययुक्त
शास्त्र मोक्षमार्ग को बतलाने वाला न्यायशास्त्र
a scripture based on logic
and guiding one on the path
to salvation नाया० १,

रोयाह त्रि० (नेतृ) नेता, नायक नेता,
नायक, अध्यक्ष. (One) who leads,
a leader सूय० १, १, २, १८, १६, ७,

रोरइय पुं० (नैरयिक) नरकमां रहनेनार
छव; नारकी नरकवासी जीव, नारकी A
hell-being, a soul born in hell
ठा० १, १, २, ४, ३, १, उत्त० १०, १४,
ओव० २०, ३४, अणुजो० १४०, भग०
२, १, ६, ४, ८, ८, १६, १, १६, ४ २०,
१०, २४, १, ३२, १, नाया० २, दसा०
६, १, ४, पञ्च० १, जीवा० १, (२)
नरक गति, नरकनो अत-अपवता
नरकगति, नरक का भव-वन्म-अवतार

Both in the infernal regions, state of existence in hell ओव० ३८; —आउअ-य न० (—आयुष्) नारकीनु आयुष्य नारकीका आयुष्य life-period of a denizen of hell. भग० ८, ६, ३०, १, ठा० ४, २; —आ-वास. पुं० (—आवास) नरकावासो. नरकावास, नरक में निवास स्थान abode in hell भग० १२, ५, १८, ५, ठा० २, ४, —ठिति स्त्री० (—स्थिति) नारकीनी स्थिति नारकी की स्थिति-दशा condition of a hellish being भग० २४, १, —दुग्गइ स्त्री० (—दुर्गति) नरकरूप दुर्गति नरकरूप दुर्गति bad plight in the form of birth in hell ठा० ४, १, —पवेशण न० (—प्रवेशन) नरकमा प्रवेश नरक में प्रवेश entrance into hell भग० ६, ३२; —भव पुं० (—भव) नारकीनो भा नारकी का जन्म both a a denizen of hell ठा० ४, २, —सं-सार. पुं० (—संसार) नरक गतिरूप संसार नरक गतिरूप संसार, नारकी संसार worldly existence akin to an abode in hell ठा० ४, २, भग० २५, ७, शेरइयत्त. न० (नैरयिकत्व) नारकीपणुं. नारकी पन State of being a denizen of hell भग० १२, ४, शेरइयत्ता स्त्री० (नैरयिकता) नारकीपणु नारकी पन State of being a denizen of hell नाया० २, १६, १६, भग० १२, ७; १५, १, १७, १, ठा० ४, ८, दया० १०, ३, शेरई. स्त्री० (नैर्ऋती) नैर्ऋति-राक्षस जेनो देवता छे ओयु नक्षत्र, भूत नक्षत्र नैर्ऋति-राक्षस के अविपर्य वाला मूल-नक्षत्र A

constellation named Mūla hav- ing for its presiding deity a demon. भग० ७, १; शेल न० (नैल) गधीनो विकार नील का विकार A product of indigo भग० १, १, शेलवंत पुं० (नीलवत्) महाविदेहनी उत्तर सरहुद उपरनो पर्वत. महाविदेह की उत्तरी सीमा वाला पर्वत A mountain on the northern boundary of Mahāvideha (२) नीलवत् पर्वत उपर रहेनार तेनो अधिष्ठाता देवता नीलवंत पर्वत पर रहने वाला उसका अधि- ष्ठाता देवता the presiding deity of the Nilavanta mount, resid- ing upon that mount ज० प० शेरवत्थ न० (नेपथ्य) वेप, पोशाक वेप; पोशाक Dress, e g in a drama ओव० २४, पन्न० २, परह० १, ४, ठा० ४, २, नाया० १, १६, (२) पडने परदा a curtain, e g in a drama नाया० १, (३) अलङ्कार, आभूषण अलङ्कार, आभूषण, जेवर, गहने. an ornam- ent, a decoration पचा० ८, २५, ज० प० ७, १५०, शेरवास न० (निर्वा) मुक्ति, मोक्ष मुक्ति. मोक्ष, मुगत Salvation, final bliss. “ एतीए फलं शेर परमं शेरवासमेव शियमेण ” पंचा० ८, ३५, शेरसज्जि पुं० (नेपथिन्) निषिद्धा पञ्चाडी आसने शेरसना आलखी पालखी मारकर आयन से बैठने वाला (One) who sits with his legs crossed पंचा० १८, १५, प्रव० ५६१, शेरसज्जिया स्त्री० (नेपथिकी) निषिद्धा पञ्चाडी आसने शेरसना (स्त्री). पलाठी नारक

बैठने वाली(स्त्री). (A woman) sitting with her legs crossed ठा० ५, १, वेय० २, २६,

शेसत्थिया स्त्री० (नैसृष्टिकी) पत्थर वगेरे ईश्वरार्थी लागती किया पत्थर आदि फेकने से हाने वाला कर्म वव Kaina incurred by throwing a stone etc ठा० २, १;

शेसप्प पु० (नैसर्प) नव निधानमानो ओड, जेभा गाम नगर आदिनु वर्णन छे ते नव निधान में का एक निधान, जिस में ग्राम नगर आदि का वर्णन है One of the nine Nidhānas ज० १० ठा० ९,

शेसाय पु० (निषाद) निषाद नामतो स्वर, सात अडमानो ओड निषाद नामका सगात का एक स्वर, सात प्रकार क स्वर में से एक One of the seven musical notes so named ठा० ७, १,

शेह पु० (स्नेह) स्नेह, अनुगग प्रीति स्नेह, अनुराग, प्रीति, प्रेम Affection, love, attachment नाया० १, आउ० (२) यिक्काश चिकनापन stickiness नाया० १६, —अवगाढ त्रि० (-अवगाढ) स्नेहस्थी व्याप्त स्नेह से परिपूर्ण full of, absorbed in the emotion of love नाया० १६, —उत्तुगियगत्त त्रि० (-उत्तुपितगात्र) स्नेह बाहु शरीर स्नेहपूर्ण शरीर, स्नेहमय गात्र a body full of the feeling of love विवा० २, —क्खय पु० (-क्ख) यिक्काशो नाश चिकनाई का क्षय नाश destruction of stickiness or viscosity नाया० १६, —क्काण न० (-ध्यान) पुत्र आदिना स्नेह ध्यान दुष्प्रतिनो ओड प्रक्षो पुत्र आदि के स्नेह का ध्यान, दुष्प्रतिनिषय a sort of undesirable contem-

plation, viz that upon filial affection, conjugal bliss etc. आउ०

शो त्रि० (न) अमाउ हमारा Oui, ouis. भग० ६, ३३;

शो अ० (नो) नदि, निषेव नही, निषेव No, not भग० १, १, ३, ६, २, १, ५, ५, २, ६, ४, १६, ३ २०, १०, २०, २, २५, २, ६, नाया० १, ५, ७, ८, १४, १५, १६, आया० १, १, १, १, १, १, १, २, अणुजो० २, आंव ३८,

शोअक्खरसंवज्ज त्रि० (नोअक्खरसम्बद्ध—अक्खरसम्बद्धादितरां नोअक्खरसम्बद्धः) अक्षर सम्बन्धी सिद्ध अक्खर सम्बन्ध से भिन्न Bearing a relation different from that due to or caused by letters ठा० २, ३,

शाअमण न० (नोअमणम्) मन मात्र केवल एक मन, मन मात्र Mind alone, nothing except mind ठा० ३, ३,

शोअवयण न० (नोअवचन) वचन मात्र केवल वचन ही, एक वचन मात्र Speech alone, nothing except speech ठा० ३, ३,

शोआउज्ज पु० (नोआतोच्च) ताडन शब्द वगर जे शब्द थाय ते, यास वगेरे यीगता जे शब्द थाय ते ताडन बिना उत्पन्न होने वाला शब्द, वाय आदि को चीरत समय उत्पन्न होने वाला शब्द Sound produced by anything else than beating or striking, e g that produced by tearing or rending. ठा० २, ३, —सद् पु० (-जड्ड) जुगो उपरो शब्द देता ऊपर का शब्द vide above “ शो आउज्जमदे दुविट पण्णते ” ठा० २, ३,

लोआगास पु० (नोआकाश) आकाश
भिन्न, आकाश सदृश धर्मास्तिकायादि.

आकाश भिन्न, आकाश सदृश धर्मास्तिकायादि.

Dharmāstikāya etc as differentiated from Ākāśa etc ठा० २, १,

खोइंदिय न० (नोइन्द्रिय) इन्द्रिय भिन्न

अने इन्द्रियसदृश, मन इन्द्रिय भिन्न एवं

इन्द्रिय सदृश, मन Mind ठा० ६, भग०

१८, १०, —जवणिज्ज पु० (—यापनीय)

मन वश करु ते मन का समय निरोध

control of mind भग० १८, १०,

नाया० ५, —त्य पु० (—अर्थ) मनने

विषय मन का विषय an object of,

perception for the mind. ठा० ६,

खोउस्सासग पु० (नोउच्छ्वासक) उच्छ्वास

पर्याप्ति जेले नथी पूरुं करी ते तज्जने

उच्छ्वास पर्याप्ति पूर्ण न की हो (One)

that has not fully developed

the power of respiration

“एरहया दुविहा परणत्ता तज्जहा उस्सासगा-

चेव खोउस्सासगाचेव ” ठा० २, २,

खोकसाय पु० (नोकपाय) हास्य, रति,

अरति, लय, शोक, जुगुप्सा, स्त्रीवेद,

पुरुषवेद, नपुसकवेद ये नव मोहनीय कर्मनी

प्रकृति, कपाय भिन्न-कपायसदृश उपयुक्त

६ प्रकृतिनो समुदाय हास्य, रति, अरति, मय,

शोक, जुगुप्सा, स्त्रीवेद, पुरुषवेद, नपुसकवेद

ये मोहनीय कर्म की नौ प्रकृति, कपाय भिन्न

—कपाय सदृश उपयुक्त नौ प्रकृति का समु-

दाय. The aggregate of the nine

varieties of Mohaniya Karma

not classed under Kasāya

though akin to it; viz laugh-

ter, pleasure, disgust, fear,

grief, dismay, male sex feeling,

female sex-feeling, and neuter

sex feeling पन्न० १३, —वेयणिज्ज.

न० (—वेदनीय) मोहनीय कर्मनी हास्यादि

नव प्रकृति मोहनीय कर्म की हास्यादि नौ

प्रकृति the nine varieties of Mo-

haniya Karma e g. laughter

etc “ नवविहे नोकसाय वेयणिजे कस्से

परणत्ते ” ठा० ६;

खोकेवलज्ञान न० (नोकेवलज्ञान) ज्ञेय

ज्ञान भिन्न-ज्ञेयज्ञान सदृश, अवधि अने

मनपर्यवज्ञान केवलज्ञान भिन्न-केवलज्ञान

सदृश, अवधि और मनपर्यवज्ञान Avadhi

Jñāna and Manapariyaya

Jñāna as differentiated from

Kevala Jñāna “ खो केवलज्ञाने

दुविहे परणत्ते त जहा ओहिणाने चव मय-

ज्जवणाने ” ठा० २, १,

खोणायार पु० (नोज्ञानाचार) ज्ञानाचार

भिन्न, दर्शनाचार वगेरे ज्ञानाचार भिन्न;

दर्शनाचार आदि Right faith etc.

as differentiated from right

knowledge “ खोणायारे दुविहे

परणत्ते दंणायारे चव खो दंणायारे चव

ठा० २, ३,

खोतसखोयावर पु० (नोत्रयनोस्थावर)

त्रय नहि अने स्थावर नही ते, सिद्ध भग

वान् जो त्रय और स्थावर दोनों नही है

वह, सिद्ध भगवान् A being neither

mobile or immobile, a liberated

soul जीवा० १०,

खोदंसणायार पु० (नोदर्शनाचार) दर्शना

चार भिन्न, ज्ञानाचार वगेरे दर्शनाचार

भिन्न, ज्ञानाचार आदि Right know-

ledge etc as differentiated

from right faith “ दुविहे खोदंस-

णायारे परणत्ते ” ठा० २, ३,

खोदिय त्रि० (नोदित) प्रेरणा करे, अथ

सन्भुज धरेल प्रेरणा किया हुआ, प्रेरित, प्रचोदित, उत्साहित. Inspired, urged onward नाया० ६,

शोपरमाणुपोगल. पु० (नोपरमाणुपुद्गल) अपरमाणु पुद्गल, द्विप्रदेशी आदि स्कंध An aggregation of atoms in any number beyond a single indivisible atom ठा० २, ३,

शोबद्धपास पुद्गल पु० (नोबद्धपार्श्वस्पृष्ट) १६ नदी डितु ओष्ठ पक्ष्मिणी २५४-२५६ रुका हुआ नहीं वरन एक ओरसे स्पृष्ट तथा निकलता हुआ शब्द A sound not altogether restrained but emerging from one side only ठा० २, ३,

शोभासासद् पु० (नोभासाशब्द) अव्यक्त शब्द, भाषा पर्याप्ति वगैरना शब्द अव्यक्त शब्द; निरर्थक शब्द An indistinct or inarticulate sound “ शोभासासद् दुविहे पण्यते ” ठा० २, ३,

शोभिउरधम्म पु० (नोभिउरधर्म-स्वत एव नो भिद्यते इति नोभिउरधर्मः) सुद्ध-धर्म. धर्मप्राण, धर्म मे दृढ One steadfast in religion. ठा० २, ३,

शोभूषणसद् पु० (नोभूषणशब्द) भूषण शब्द, विन भूषण शब्द, सदृश शब्द भूषण शब्द, भिन्न भूषण शब्द, सदृश शब्द. A sound rising from anything but an ornament “ शोभूषणसद् दुविहे पण्यति ” ठा० २, ३,

शोमल्लिया स्त्री० (नवमल्लिका) लुओ “शोमल्लिया” शब्द. देखो “ शोमल्लिया ” शब्द Vide “ शोमल्लिया ” जीवा० ३. शोमल्लिया स्त्री० (नवमल्लिका) नवमालिनी नामनु ओष्ठ पृक्ष नवमालिनी नामक एक

वृक्ष A plant of the jasmine species पक्ष० १; राय० ५६, जीवा० ३, ४, ज० प० ४, ६२,

शोल्लिय त्रि० (मोदित) प्रेरणा धरेल. प्रेरित प्रचोदित Inspired, unpelled पग्द० १, ३,

शोसंजयासंजय पु० (नोसयनासंयत) सयत नहि अने असयत पण नहि, सिद्ध भगवान सयत व असयत दोनोंमे परे, सिद्ध भगवान One who is neither self-controlled nor otherwise, a perfected soul of a Siddha ठा० ४, ४,

शोसरणोवउत्त त्रि० (नोसंज्ञोपयुक्त) आहार-रहित सज्ञा-उपयोगही रहित आहारआदि. सज्ञा के उपयोगमे रहित Devoid of any instinct for taking food etc, a being whose consciousness of hunger etc has not developed भग० २६, १,

रहवण न० (स्नपन) स्नान स्नान, मज्जन. Bath, act of bathing. पग्द० १, २, सु० च० ४, १५०,

रहविअ-य त्रि० (स्नापित) स्नान धरेल, नाड़ेल स्नान किया हुआ, नहाया हुआ Bathed; (one) who has bathed उत्त० २२, ६, सु० च० २, १२,

रहविऊण म०कृ० अ० (स्नापयित्वा) स्नान करावीने स्नान कराकर Having caused to be bathed सु० च० २, ६०२, रहविज्जत त्रि० (स्नप्यमान) स्नान कराते स्नान कराता हुआ Bathing, (one) causing other to be bathed सु० च० २, ४१,

रहाअ-य त्रि० (स्नात) नाड़ेल, स्नान धरेल नहाया हुआ, स्नान किया हुआ

Bathed; (one) who has bathed.
 नाया० १; २; ५, ८; १२, १३; १४; १६;
 भग० २, ५; ६, ३३; १८, ७; दसा० १०,
 १; ओव० ११; उत्त० १२, ४५;
 एहाण न० (स्नान) स्नान; नहायुं ते स्नान,
 नहाना. Bath; bathing. सु० च० १,
 ३१२; भग० ११, ११, १०, विशेष० १०२६;
 दमा० ६, ४, निसी० १, ६; —उदय. न०
 (—उदक) नहायानु पाणी स्नान करनेका
 पानी water for bathing. नाया० १३;
 —पीठ. न० (—पीठ) स्नान पीठ,
 नहायानो आजेड. स्नान पीठ, नहानेका
 वाजोट, पाट आदि. a seat for taking
 bath. नाया० १; जं० प० ३, ४३,
 —मंडव पुं० (—मण्डप) स्नान करवाने
 भाउपो. स्नान मंडप a bower used as
 a bath room. जं० प० ३, ४३,
 —मल्लिया त्रि० (—मल्लिका) स्नानभा उप-
 योगी ओड जतुं सुगंधी वृक्ष, मोटी
 भावती स्नानोपयोगी एक सुगन्धित वृक्ष
 विशेष, मोटी मालती jasmine; a
 plant bearing fragrant flowers

जीवा० ३; जं० प० राय० ५६;
 एहारु. न० (स्नायु) स्नायु, नस स्नायु,
 नस, नाडी. A muscle; a nerve; a
 sinew. भग० १, ५; ५, ६, १, ६;
 जीवा० १; —जाल. पुं० (—जाल)
 स्नायुनी जाल-समूह. तंतुजाल; स्नायु
 समूह. a net-work of muscles
 or sinews भग० ६, ३३,
 एहारुणी. स्त्री० (स्नायु) स्नायु-मास तंतु.
 स्नायु-मास तंतु. A tendon, a muscle;
 a sinew. आया० १, १, ६, ५३, सूय०
 २, २, ६, जं० प०
 एहाविया. स्त्री० (स्नापिका) स्नान कराने
 वाली दासी. स्नापिका, स्नानकराने वाली
 दासी. A maid-servant whose
 duty is to bathe her master or
 mistress. भग० ११, ११,
 एहुसा. स्त्री० (स्नुषा) पुत्रनी वधु; छोकरानी
 स्त्री पुत्र वधु; वधु A son's wife,
 a daughter-in-law सूय० १, ६,
 ५; उत्त० ६, ३; आया० १, २, १, ६२,

इति श्रीलीम्बर्डासम्प्रदायतिलकायमानपूज्यपाद श्री १००८ श्री गुलावचन्द्र-
 जित्स्वामिशिष्य श्रीजिनशासनसुधाकर-शतावधानि-पण्डित
 प्रवरमुनिराज श्री १०८ श्री रत्नचन्द्रजित्स्वामी
 विरचिते बृहद्वर्धमागधीकोपे सप्रमाणम्
 राकारादिशब्दमङ्गलन
 समाप्तम् ।
 इति
 द्वितीयो भागः

